

वीर सेवा मन्दिर
दिल्ली



क्रम संख्या ३३११
काल न० २३०.६ RHT
खण्ड

वीर सेवा मंदिर पुस्तकालय

3311

२१, हरियोग, दिल्ली

AN
Illustrated
ARDHA--MAGADHI DICTIONARY.

Literary, Philosophic & Scientific
WITH
Sanskrit, Gujrati, Hindi & English

EQUIVALENTS REFERENCES TO THE TEXTS & COPIOUS QUOTATIONS

BY

Shatavdhani The Jaina Muni Shri Ratnachandraji
Maharaj.

Disciple of Swami Shri Gulabchandraj (Limbdi).

WITH

AN INTRODUCTION

BY

A. C. Woolner Esqr. M. A. (Oxon)

Principal, Oriental College, Lahore.

Vol. II.

Published

BY

SARDARMAL BHANDARI,

FOR

THE S. S. JAINA CONFERENCE.

—:o:—

All Rights Reserved.

1927.

Printed & Published by the Hon. Secretary, at
Shri Sukhadeo Sahai Jain Printing Press
Krisnapura, Pirgalli, Indore.

London Agents



PROBSTHAIN & CO.

Oriental Booksellers

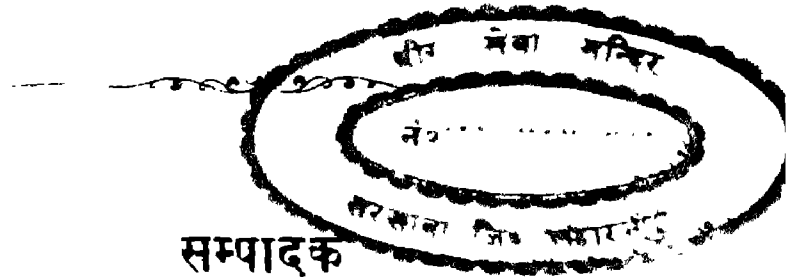
41 Great Russell Street, London, W. O. I.

॥ श्रीः ॥

नमोऽस्तु महावीराय

सचिञ्च

अर्द्ध-मागधी कोष.



सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बड़ी सम्प्रदाय).

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

सरदारमल भंडारी.

राजाबाड़ा चौक, इन्दौर.

सर्व अधिकार स्वार्थान

श्री सुखदेहसहाय जैन प्रिन्टिङ्ग प्रेस, किसनपुरा, पीरगली, इन्दौर
में
श्री० प्रकाशक व सेक्रेटरी द्वारा मुद्रित.



Kesarichand Bhandari,

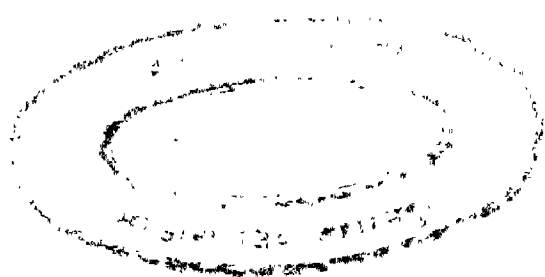
The late Publisher of the Illustrated Ardha-Magadhi Dictionary.

Birth:- Dt. 24-8-1871

जन्म:- अ. भाद्रपद शु. ९ सं. १९२८.

Death:- Dt. 27-8-1926

मृत्यु:- फाल्गुन शु. ५ सं. १९८९.



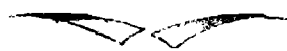
चित्र सूचि.

— १०: —

नाम.	पृष्ठ संख्या.
१ आवलिकाबंध विमान ६६
२ आसन १०४
३ उर्ध्वलोक २०१
४ उपशमश्रेणी २६५
५ कनकावली ३६०
६ कृष्णराजी ३६६
७ कालचक्र ४६१
८ क्षपकश्रेणी ५५८
९ घनरज्जु ६६०
१० घनोदधि ६६२
११ चउदह रत्न ६७८
१२ चंद्रमण्डल ६८५
१३ चंद्रसूर्यमालिका ६९०
१४ जंबुद्वीप ७७३
१५ नक्षत्र ८०५
१६ नक्षत्रमण्डल ८०५



Publisher's Note.



A number of unforeseen circumstances having arisen since the publication of the first volume of the *Ardha-Māgadhi Dictionary* the work of carrying the volume that is now offered to the subscribers, through the press was seriously hampered. Not the least among these unexpected obstacles was the sad death of my father who though disabled from actively working long ago, continued to encourage and advise me in my efforts to render the Dictionary as complete and useful as possible.

Another serious difficulty that arose was in connection with the translation work. Mr. P. N. Kachhi, B. A., who had finished more than half of the words, was unable to carry on the remaining work of translation from Gujarati into English, on account of his sudden deputation from the M. S. High School to the Holkar College as Assistant Professor of English. Another competent hand it was very difficult to find and indeed it took a long time to find out one. I am glad, however to be able to see that Mr. C. P. Brahmo, M. A., L. L. B., on whom the choice at last fell has thoroughly satisfied me both by the quality of his work and the dispatch with which he has done it.

I have now every hope that I shall be able to offer to the public the remaining volumes in the course of not more than two years.

I shall be glad to receive opinions of subscribers and the scholars in connection with the second volume and if there are practical suggestions I shall do my best to utilise them in making the *Ardha-Māgadhi Dictionary* still more useful & practical.

Rajwada Chowk,
Indore,
Dt. 1st April 1927. }

Yours truly,
S. K. Bhandari, ✽
(Hon. Publisher').



ॐ नमोऽस्तु महावीराय. ॐ

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ]

आ.

[आइ]

आ. अ० (आ) मर्यादा; ६६; सीमा. सीमा;
मर्यादा. Limit. "आमरखंत" पगह० २,
०; क० ग० २, २०; क० प० १, १४; पञ्ज० ३६;
(२) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. an
expletive. नाया० २; (३) सन्मुख.
सन्मुख; सामने. in front of. राय० (४)
थोड़ा; छोट; ०२३. थोड़ा; ईषत्; कम. a
little. पञ्ज० २३;

आअ. पु० (आय) लाभ; प्राप्ति. लाभ; प्राप्ति.
Gain; acquisition. (२) जेनाथी
ज्ञान आदिनी प्राप्ति थाय ते; अध्ययन;
प्रकरण. जिससे ज्ञान आदि की प्राप्ति हो वह;
अध्ययन; प्रकरण. means of gain-
ing knowledge etc.; chapter;
section विशेष० ६६१; १२२८; क०
ग० १, २३;]

✓ आ + इ. धा० I. (आ+इरण) आयजु.
आना. To come.

एह-ति विशेष० ४३१; दसा० ७, १; पि० नि०
२०८; प्रव० ६०६;

एति. विशेष० १६८६;

एउ. आ० विशेष० १३६;

एहि. आ० विवा० १; नाया० २; ६; भग० १५,
१; दस० ७, ४७;

एह. सु० च० २, १६४; उवा० १, ८१;

एही. भ० सु० च० १, २८३;

एस्संति. सूय० १, १, १, २७;

एउं. सं० कृ० उत्त० ४, १०;

एतए. हे० कृ० वंय० १, ४६; दसा० ७, १;
वव० ६, १;

एजंत. व० कृ० उत्त० १२, ४; उवा० ७,
२१५;

एजमाण. व० कृ० भग० ५, ४; ५२, १, .

१; नाया० १; २; ३; ४; ५; ८;

१४; १६; अंत० ६, ३; विवा० १;

आइ. पु० (आदि) आदि; प्रथम; शुरुआत.

आदि; प्रथम; प्रारंभ. Beginning

ग० १, १५; २१; २८; ओव० २७; अणुजो०

१२८; नाया० १; ५; ७; १०; १४; भग० २,

१; ४, १; ४०, १; पञ्ज० ११; जं० प० २,

१६; (२) नाबीनी नीयेतो भाग. नाबी के

नीचे का भाग-हिस्सा. the part below

the navel ठा० ६; (३) छत्यादि; वगेरे;

वगैरा. बगैरह; इत्यादि. et cetera. भग०

६, ७; नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७;

(४) संसार. संसार. the world;

worldly existence. सूय० १, ७, २२;

—गर. पु० (कर) (आदी प्रथमतः श्रुत

धर्माचारादि ग्रन्थात्मकं कर्म करोति तदर्थं
प्रणयकत्वेन प्रणयतीत्येवंशीलः) आदि
शरुआपनभां आचारांग आदि श्रुत धर्मना
करनार, तीर्थकर. the first author
of Āchārāṅga etc.; a Tirthan-
kara. “ते सन्ने पायाउया आइगरा धर्मा-
ण” सू० २, २, ४१; क० २, १४; नाया०
ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १;
—तित्थयर. पुं० (-तीर्थकर) ऋषभदेव
स्वामी. Ṛṣabhadeva
Swāmi. “ भगवन्तो उस्मह सामिस्स
आइतित्थयरस्स ” नंदी० — दुग. न०
(-द्विक) अपार्याप्त सूक्ष्म अने पादर
अकेन्द्रिय-रूप अे प्रकृति. अपर्याप्त सूक्ष्म और
बादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two
Karmic natures (Prakritis)
viz Aparyāpta Sūkṣhma and
Bādara Ekendriya. क० प० १, १२;
—मउ. त्रि० (-मृदु) आरंभभा कामल.
प्रारंभ में कोमल. soft in the begin-
ning. अणुज्ञा० १२८;—मुहुत्त. न०
(-मुहूर्त) प्रथम मुहूर्तः सूर्य उठ्या पड़ी अे
धड़ी सुधीतो समय. प्रथम मुहूर्तः सूर्योदय के
बाद का दो घड़ी का समय. the first
Muhūrta; the first period of 48
minutes after sunrise. 1
Muhūrta=48 minutes=2 Gha-
ṭis. “ अर्द्धिभतरां आइ मुहुत्ते जरण उइ
अंगुलच्छाण परणते ” सम०—मोक्ख. पुं०
(-मोक्ष-आदिः संसारस्तस्मान्मोक्षः आदि
मोक्षः) आदि-संसारथी छुटकारे धवे ते.
संसार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipa-
tion from worldly existence.
“ इत्थिओ जेण सेवति आइ मोक्खाहिते-

जणा ” सू० १, १, २२;—राय. पुं०
(-राज) ऋषभदेव प्रभु के अणु सौथी
पंडितां राज्यनी स्थापना करी असि, मसि,
दृषि आदि कर्मभूमिपालुं प्रवर्तानुं. ऋषभ-
देव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यको स्थापना
की और असि, मसि, कृषि आदि वाणिज्य
रूप कर्म-भूमिपन का प्रारंभ किया. Lord
Rṣabhadeva who first started
the institution of a kingdom
(government) and established
the military, the literary and
the agricultural departments.
ठा ६;—लेसतिग. न० (-लेश्यात्रिक)
शरुआतनी त्रणु लेश्या; दृष्टु नील अने
उपिान लेश्या. प्रारम्भ की तीन लेश्याएं; कृष्ण,
नाल और कापेत. the first three
Leśyās, i. e. thought and
matter tints viz black, blue
and grey. क० ग० ३, २२;—संघयण.
न० (-संहनन) प्रथमनु संघयण; वज्र, ऋषभ,
नाराच. the first or primitive
physical constitution called
Vajra Rṣabha Nārācha
Saṅghayana (i. e. adamantine
character of the bones etc.) क०
ग० २, २१;

आइअनियमरण. न० (आत्यन्तिकमरण)
देह अने श्वा अत्यंत जुदा पडे ते; मृत्यु.
जांव और शरीर का संबंधा पृथक होना; मृत्यु.
Death; total separation of soul
from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३;
आइ. अ० (आइं) वक्ष्यादेकर. वाक्यालंकार.
An expletive. भग० १२, १;
आइंखिली. क्ता० (आ चक्षणा) कर्तु पिशा-

विद्या विद्या, 'इ जेने योगे साभा भावुसगी शुभ बात वनली शक्य. कर्म पिशाचिका विद्या, जिसके बल से दूसरे के मन का गुप्त बात जानी जा सकती है. An art known as Karmapiśāchikā Vidyā by which other persons' secrets can be fathomed and known. प्रब० ११३;

✓ **आइकल.** धा० I-II (आ+चल्) कहेयुं; आख्यात करयुं; ज्ञापयली देली. कहना; आख्यान करवा; बधाई देना. To tell; to describe; to inform about some good events.

आइकलह. भग० ३, १; ७, ६; ओव० २७; ३४; स्य० २, ६; १; नाया० १; १; ८; १३; १६; जं० प० ७, १७८; दस० ६, ३; सम० ३४; दसा० १०, ११; निर० १, १;

आइकलनि. भग० १, ६; २, ५; ५, २; नाया० १; २; ६; १६; आया० १, ६, ४, १६०;

आइकलेमि. स्य० २, १, ११;

आइकलामि. भग० १, ६; १०; २, ५; ३, १; ७, ६; १६, ५;

आइकले. दस० ८, ५१; स्य० २, १, ५७; आया० १, ६, ५, १६४;

आइकलज. दस० ८, १४;

आइकलेजा. दसा० १०, ३;

आइकलाहि. भग० २, १;

आइकलह. नाया० १; भग० १५, १;

आइकल. सं० कृ० १०० नि० ३२५;

आइकलितए. वेय० ३, २०; नाया० ८; भग० ९, ३३;

आइकलितं. भग० १८, २;

आइकलमाण. नाया० १२; भग० ३, १; ६,

३३; ११, १२; आया० १, ६, ५, १६५; ओव० ३५;

आइकलग त्रि० (आख्यायक) शुभाशुभा कहेवार. शुभाशुभ कहने वाला. A messenger or teller of good or evil. जं० प० ओव० अणुजो. ५२;

आइकल्यय. त्रि० (आर्चान्त - आख्यात) कहेयुं; कथन करेवा कहा हुआ. Told; related. भग० २, १; नाया० १;

आइकल्यद्व. त्रि० (आख्यातद्व) कहेवा लायक; उपदेश करवा जेना. कहने लायक; उपदेश करने योग्य. Worth being told; worth being advised. स्य० २, ७, १५;

आइकल. पुं० (आदित्य) सूर्य; सूरज. सूर्य. The sun. " सेकेण्ट्रेण भंते एवं बुचइ सूरि आइकल गोयमा सुरा दियाणं समवाइ वा आबलियाइवा " भग० १२, ६; १५, १; उक्त० २६, ८; अणुजो० १४७; दस० ८, २८; विशे० १५६८; आव० २, ५; सू० प० २०; प्रब० (२) कृष्णराज्या आंतराभां रहेल अर्चिमादी नामना विमान ना वारी लोकान्ति देवता. कृष्णराजा प्रदेश क अंतर में रहा हुआ अर्चिमादी नामक विमान वासी लोकान्तिक देव. the Lokāntika gods residing in the Archimālī celestial abode in the interior part of Kṛṣṇarājā. नाया० ८ भग० ६, ५; (३) ग्रैवेयक विमान विशेष अने तेना देव. ग्रैवेयक विमान विशेष और उसका निवासी देव. the celestial abode of Graiveyaka and its resident gods. प्रब० १४६२; (४) सूर्यभास; सप्तरीस दिवस प्रमाण आदित्य भास. सौरमस; साठ तीस दिन प्रमाण भास.

a solar month i. e. 30½ days. सम० ३१ प्र० व० ६०४; — मास पुं० (—मास) सूर्य मास; ३०॥ दिवसने मास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. a solar month; a month of 30½ days. प्रब० ६०४; —संवत्सर. पुं० (संवत्सर) सूर्य पड़नेवाली छेले मांडले ०८४ इरी पड़ले मांडले आवे त्यां सुधीने समय; यजुसो जासह दिवस प्रमाण सौर वर्ष. सूर्य के पहिले मंडल से अन्तिम मण्डल में जाने और वहां से लौट कर फिर पहिले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय; तीनसौ छैंसठ दिन प्रमाण वर्ष. the solar year; an year consisting of 366 days; the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth. जं० प० सू० प० २;

आदिजस. पुं० (आदित्ययशम्) भरत यक्षवर्तनी आदित्ययश नामे पुत्र, ३६ राज्या भोगरी अंतर्दीक्षा लभ सक्ष कर्म क्षय करी भोक्ष गया. भरत चक्रवर्ती का आदित्ययश नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर अंत में दीक्षा ली और कर्म लयकर मोक्ष में गये. Ādityayaśa, the son of the emperor Bharata; he ruled for some time but at last took Dikṣā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. ठा० ६, १;

आइजा. स्त्री० (आदित्या) सूर्यनी बीछ अथ मल्लिनी. सूर्य का दूसरी पट्टरानी. The second principal question of the sun. भग० १०. ५;

इज. त्रि० (आदेश) अहणु करवा योग्य.

प्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया० १२; जं० प० कण्ठ० ३, ३६; कं० गं० १, ९६; ५१; २, २३; ६, ७१; (२) गेनुं वयन आद्य—अहणु करवा योग्य होय ते. वह व्याक्ति, जिस का वचन ग्राह्य हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गच्छा० ६४;

आइट्ट न० (आदिष्ट) प्रेरणा करवी; आदेश करवा ते. प्रेरणा करना; आदेश करना. Instruction; suggestion. सूय० १, ४, १, १६; विशे० ४८६;

आइट्ट. त्रि० (आविष्ट) आवेशवाला. आवेश वाला. Possessed by; inspired by. 'जक्खा एसेणी आइट्टे समाणी' भग० १८, ७; ठा० ५; दसा० ६, १२; ओघ० त्रि० ४६७;

आइट्टि. स्त्री० (आदिष्टि) धारणा, धारणा; विचार. Intention; idea; fixed thought. ठा० ७;

आइडिह. स्त्री० (आत्मर्द्धि) आत्मशक्ति; आत्मशक्ति. आत्मा की शक्ति. Soul-force; soul-growth; soul-power. भग० १, ३; ३, ५; २०, १०;

आइडिहय. त्रि० (आत्मर्द्धि-आत्मन एव ऋद्धिर्मेस्य) आत्मशक्ति वाला; आत्मशक्ति-वर्धित वाला. आत्मशक्ति वाला; आत्मशक्तिवाला Possessed of soul-power or soul-wealth. "आइडिहय भंते ! देवे जाय चतारी पंच देवावासं तराई" भग० १०, १;

आइण. न० (अजिन) चर्म; आभट्ट. चमड़ा. Skin; leather. राय० ६७; निशा० १७, १२; क० गं० १, २६; —प्रावार. न० (—प्रावार) चर्मपत्र; आभट्टाना कपडां.

चमड़े का वस्त्र. a skin or leather garment. निसी० ७, ११;

आइरण. त्रि० (आर्चार्ण) आता करेन. आता पाया हुआ. Advised; commanded. "आइरणं जं पुण असायथायं" आया० नि० १, १, १, ७;

प्राइरण. त्रि० (आर्कीर्ण) व्याप्त; संकीर्ण; भीथी भीथी लरेन खचाखच भरा हुआ. Pervaded by; thickly scattered over with. ओव० ओघ० नि० ८३; नाया० ६; भग० १, १; २, ५; ३, १; ५; (२) त्रि० गति आदिथी शुद्ध गुणवान घोड़ा. जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोड़ा. a horse of good breed. "कसंवददु माइरणे पावगं पडिवज्जु" उत्त० १, १२; पण्ह० १, ४; जीवा० ३, ४; "आइरणं वरतुरयं सुसंपउत्तं" भग० ७, ८; नाया० १७; (३) वित्तवान् पुत्र. वित्तवान् पुत्र. a reverent, respectful person. टा० ४, १; (४) आशीर्णं जात ना धे जता इष्टान्तायं जानासुत्रं १७ भुं अध्ययत. आर्काणं जाति के घोड़े का जिसमें वर्णन है वह जाना सूत्र का १७ वां अध्याय. the 17th chapter of Jānātā Sūtra dealing with a horse of Ākirpa breed. नाया० १; सम० १६; — गाय उभयण. न० (जालाध्ययन) जानासुत्रं १७ भुं अध्ययत. जाना सूत्र का १७ वां अध्याय. the 17th chapter of Jānātā Sūtra. सम० नाया० १७; — दय. पुं० (—दय) अतवान् घोड़े. जातिवान् घोड़ा. a horse of noble breed. जीवा० ३;

आइरणतर. त्रि० (आर्कीर्णतर) पधारे व्याप्त; अति भीथी भीथी. बहुत उपादह

व्याप्त. Densely or thickly pervaded by; dense; thick. भग० १३; ४;

आइतव्व. त्रि० (आवातव्व) ग्रहण करना योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy of acceptance; worth being taken. वेय० ४, २५;

आइत्त. त्रि० (आवीत्त) धातु प्रकाशित. कुछ प्रकाशित. Faintly gleaming. नाया० १;

आइत्तार. त्रि० (आवात) लेता. लेने वाला. Acceptor; one who takes टा० ७;

आइत्त. त्रि० (आदिग्ध) व्याप्त. व्याप्त; भरा हुआ. Pervaded by; filled with. नाया० १;

आइन्न. त्रि० (आर्कीर्ण) लुब्धो "आइरण" शब्द. देखा "आइरण" शब्द. Vide "आइरण" उत्त० १, १२, २१. १; पण्ह० १, ४; जीवा० १; नदी० टा० ४, ३;

आइन्न. त्रि० (आर्कीर्ण) आचरेन. व्यवहार में लाया हुआ. Practised; performed. पि० नि० ३२६; ५७५; प्रब० १०१६;

आइम. त्रि० (आर्विम) प्रथम; पहिले. पहिला का; पहिला. First; foremost. आब० नि० ६६०; क० ग० ३, १६; प्रब० ४; ६५६; — गणधर. पुं० (—गणधर) प्रथम गणधर. प्रथम गणधर. the first Ganadhara प्रब० ६५६;

आइमय. त्रि० (आदिमक) पहिले; प्रथम. पहिला; प्रथम. First; foremost. विशेष० १०४०;

आइय. त्रि० (आदि) आदि आदि. शुरू. Beginning; first of a series. नाया० १; कप० ४, २१ ८६;

आइय. त्रि० (आदत) आदर, प भेद आदर
पाया हुआ. Honoured; respected.
पत्र० १७;

आइय. त्रि० (आगच्छित) व्याप्त. व्याप्त.
Filled with. नाया० ८;

आइयण. न० (आदान) ग्रहण करने में ले
ग्रहण करना. Taking; acceptance.
पत्र० १, ३;

आइयव. त्रि० (आदातव्य) स्वीकारता योग्य.
स्वीकार करने योग्य. Worthy of accep-
tance. वच० ६, ४९;

आइल. त्रि० (आदिम) पहिले; आदिन; प्रथ-
म. पहिले का. First; foremost.
पत्र० ५, १७; राय० २३६; नंदी० ५६;
प्रव० २२२; अणुजो १; —चंद्र. पुं०
(-चन्द्र) उत्तरे उत्तर द्वीपनी अपेक्षा में
पूर्व पूर्व द्वीपनी अन्तर. उत्तरांतर द्वीप की
अपेक्षा पूर्व पूर्व द्वीप का चंद्र. the moon
of the preceding continent in a
series of continents. “ आइलचंद्र
सहिता अणतराणतर खेत्ते ” सू० प० १९;
—सूर. पुं० (-सूर) उत्तरे उत्तर द्वीपनी
अपेक्षा में पूर्व पूर्व द्वीपनी सूर्य उत्तरांतर
द्वीप की अपेक्षा में पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य.
the sun of each preceding
continent in a series of
continents. सू० प० १६;

आईण. न० (आदीन) अत्यन्त गरीब
बहुत गरीब. (one) who is very
poor. सूय० १, १०, ६; — भोह.
त्रि० (-भोजिन्) झंडा दीयेला भोजन
आहार. फेंका हुआ भोजन खाने वाला.
(One) who eats food thrown
away (by others). “ आदीण
भोह वि करेति पावं मंताउ एगंत समा-

हिमाहु ” सूय० १, १०, ६; —वित्ति.
पुं० (-वृत्ति आ समन्तादीना कहयास्पदा
वृत्तिरनुष्ठानं यस्य) अत्यन्त दीन लिखु
भोग्यु योग्य. अत्यन्त दीन भिखारी. (one)
who is indigent; e. g. a beggar.
“ आदाह वित्तिव करेति पावं ” सूय० १,
१०, ६;

आईणग. न० (आजिनक) यर्मभय-आमशनं
पत्र विशेष के के कभारीने अति सुंदर
करेक हेल छे चमड़े का वस्त्र विशेष जो कि
कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो
A garment of cured or tanned
leather. “ आईणग रूप बुरणवखीयतुल
फाले ” सू० प० २०; कण० ३, ३२; आ०
आया० २, ६, १, १६५; नाया० १; जंवा०
३; भग० ११, ११; (२) पुं० अनामना अेक
द्वीप तथा अेक समुद्र. एक द्वीप और एक
समुद्र का नाम. an ocean of that
name; also a continent of the
name. जावा० ३;

आईणभह. पुं० (आजिनभद्र) आग्नि
द्वीपनी अधिपति देवता. आजिन द्वीप का
अधिपति देव. The presiding deity
of the Ājina-Dvīpa. जावा० ३;

आईणमहाभह. पुं० (आजिनमहाभद्र)
आग्नि द्वीपनी अधिपति देवता. आजिन
द्वीप का अधिपति देव. The presid-
ing deity of the Ājina Dvīpa.
जावा० ३;

आईणमहावर. पुं० (आजिनमहावर)
आग्नि समुद्र तथा आग्निवर समुद्रनी
अधिपति देवता. आजिन और आजिनवर समुद्र
का अधिपति देव. The presiding
deity of the Ājina and Ājina-
vara oceans. जावा० ३;

आर्जुनघर. पुं० (आजिनवर) ओ नामने: ओंइ द्वीप तथा ओंइ समुद्र. इस नाम का एक द्वीप तथा समुद्र. An ocean as well as a continent of that name. (२) आजिन समुद्रने तथा आञ्जनवर समुद्रने अधिपति देवता. आजिन और आजिनवर समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the oceans named Ajina and Ajinavara. जीवा० ३;

आर्जुनवरभद्र. पुं० (आजिनवरभद्र) आ-जिनवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavara Dvīpa. जीवा० ३;

आर्जुनवरमहाभद्र. पुं० (आजिनवरमहाभद्र) आजिनवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavara Dvīpa. जीवा० ३;

आर्जुनवरोभास. पुं० (आजिनवरावभास) ओ नामने: ओंइ द्वीप तथा समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of a continent; also, that of an ocean. जीवा० ३;

आर्जुनवरोभासभद्र. पुं० (आजिनवरावभास-भद्र) आजिनवररोभास द्वीपने देवता. आजिनवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ajinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

आर्जुनवरोभास महाभद्र. पु. (आजिनवराव-भास महाभद्र) आजिनवररोभास द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवरोभास द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Ajinavarobhāsa Dvīpa. जीवा. ३;

आर्जुनवरोभासमहावर. पुं० (आजिनवराव-

भासमहावर) आजिनवररो भास समुद्रने अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the Ajinavarobhāsa ocean. जीवा. ३;

आर्जुनवरोभासवर. पुं० (आजिनवरावभास-वर) आजिनवररोभास समुद्रने अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of Ajina-varobhāsa ocean जीवा ३;

आर्जुणिय. त्रि० (आर्जुणिक-आसमन्ताहीन-भादीनं तद्विद्यते यस्मिन्सः) अत्यन्त हीनता वागुं. अत्यन्त दानता वाला. Indigent; penurious. “आर्जुणियं दुःखदियं पुरस्था” सूय० १, ५, १, २;

आर्जुयदुःख. त्रि० (आतीतार्थ-आसमन्तादतीव-इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थार्थेनसः यद्वाऽऽसामस्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स तथा) दूर इयां छे समस्त प्रयोजन न्छेले; शांत व्यवहार वाला. समस्त प्रयोजनों से रहित; शांत व्यवहार वाला. (One) who has risen above all worldly purposes; calm and tranquil. आया० १, ७, ६, २२२;

आर्जुण. त्रि० (आजीरण-आजिः संग्रामस्तमी-रयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति यावत्) लडाइ छतनार. युद्ध जीतने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. संथा०

आर्जुसाण. न० (आर्जुशान) ईशान देवलोक पर्यंत. ईशान देवलोक पर्यंत Up to, as far as Īsāna heavenly world. प्रव० ११६२;

आउ. अ० (अथवा) अथवा अथवा; या. Or. सूय० २, ७, ६;

आउ. न० (आयुष्-प्रतिसमयभोग्यन्वे-
जायान्तियायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमि-
स्यायुः) जेना उदयशी ७५ उदगी
लागवे छे ते; आयुष्य कर्म; अइ कर्म
मानुं पायिमुं कर्म वह कर्म जिस के उदय
से आयु प्राप्त करता है; आयुष्य-कर्म; आठ कर्मों-
मेंसे पांचवा कर्म. The Karma by the
rise of which a soul has to
finish a life period; the fifth
of the eight kinds of Karma.
दत्ता० ६, २; पत्न० ३६; भग० ३, १; ५, १;
७, १; ६; १५, १; नाया० २; जं० प०
उत्त० ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प०
२, ५४, पि० नि० भा० २६; क० गं० १,
३; ५, ६; —अउभ्यवसाण. पुं० (-अध्य-
वसान) अ युष्यकर्म निष्पादक अध्यवसाय
विशेष. आयुष्य कर्म उपादान करने वाला
अध्यवसाय विशेष. a certain sort
of thought-activity giving rise
to Āyusya Karma भग० २४, १;
—उवक्रम. पुं० (-उपक्रम) पैताना
हाथशील आठिमुं पुरूं डरुं तेरुंम
श्रीलुड रामनये छष्ट पि०रमां दीरि युशी
आठिमुं पुरूं डरुं तेम. अपने हाथ से ही
अपना आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा
श्रीलक ने काष्ठके पीजरे ने द्वारा चूसकर अपनी
आयु पूर्ण की. भग० २०, १०; putting
a period to one's own exis-
tence; e. g. in the case of
Śreṇika the king, who suck-
ed a diamond in a wooden
cage and died; suicide. —कम्म.
न० (-कर्मन् एति याति चेत्या युस्तन्नि-
बन्धनं कर्मायुष्कर्म) आइ कर्ममानुं पायि
मुं आयुष्य कर्म. आठ कर्मों मेंसे पांचवां

आयु कर्म. Āyusya Karma, the
fifth of the 8 Karmas. उत्त० ३३,
२; ४; —काल. पुं० (-काल) मृत्युकाल;
मरलुनो अवसर. मृत्यु समय; मरणकाल.
time of death. आया० १, ८, ८, १११;
—खय. पुं० (-क्षय) आयुष्य कर्मनो
क्षय; आयुष्य कर्मनी निर्जरा. आयुर्कर्म का
क्षय; आयुर्कर्म को निर्जरा. “सेणे जह षड्दयं
हरे एवमायुखयाम्म मुद्धता” the des-
truction of Āyusya Karma.
सूय० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६;
नोया० १; ८, १४; १६; भग० २, १; १, ६;
६, ३३; २५, ८; परह १, १; कप्प० १,
२; निरं० ३, १; —खेम. न. (-क्षेम)
आयुष्य-उदगीनुं स्वास्थ्य-आयादी.
आयुष्य-जीवन का स्वास्थ्य. the peace
and safety of life. “ जं किंचि व
कम्मं, जाणे आउखेमस्समप्पणो तस्सेव
अंतरद्धाए खिप्पं सिक्खेज पंडिण ” आया०
१, ८, ८, ६; सय० १, ८, १५; —निवत्ति.
स्त्री० (-निवृत्ति) आयुष्यनी निष्पत्ति.
आयुष्य की निष्पत्ति. acquisition of
life भग ६, ४, —पज्जव. पुं० (-पर्यव)
आयुष्यना पर्याय आयुष्य का पर्याय-मर्यादा.
variation of life. जं० प० २, २६;
—परिणाम. पुं० (-परिणाम) आयुष्य
कर्मनो स्वभाव. आयुष्य परिणाम स्वभाव;
आयुष्य कर्म का स्वभाव. nature of
Āyusya Karma. “ नव विहे आउ
परिणामे परणते तंजहा गइ परिणामे ” गइ
बंधण प० ठिइप० ठिइबंधण प० भग ६,
५, जं० प० ७, १७६; —पहीण. पुं०
(-प्रहीन) क्षीलु थपेल आठिमुं. क्षीण
आयु. worn out life; worn out
life-period भग० ११, १०;

— भेय. पुं० (-भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रमः आयुर्भेदः) आयुष्यन्ती उपधानः; आयुष्यर्द्धं तु भेदायुः-तुल्यं ते. आयुर्कर्म का हटना: आयु में भेद होजाना breaking down of Āyusya; the destruction of Āyusya—Karma. “ सत्तविहं आउभेद प० तंजहा अउकवभाण निमित्ते आहारे वेयणा पराघाण फासे आणा पाण सत्तविहं भिजण आउ ” ठा० ७: **आउ.** स्त्री० (अप्) पाणी. जल. Water. भग० ५, ६; ६, ४; पि० नि० भा० ६; सूय० १, १, १, ७; प्रव० ४८८: (२) स्त्री० अपकाय-पाणीना ७५; अपकाय-अपकाय-जल के जाव. an aquatic sentient being. जं० प० ७; सू० प० १०; उत० २६, ३०; क० सं० १. २६; ५७; २, ६; ४, ३; भग० २, ५: ८. (३) पूर्वाषाढा नक्षत्रेण देवता पूर्वाषाढा नक्षत्र का देव. the deity of the Purvāṣāḍhā constellation. “पुडुसाढा आउ देवयापु” सू० प० १०; अणुजा० १३१; ठा० २, ३; —काअ-य. पुं० (-काय-आपः कायो यस्येति) अपकायः पाणीना ७५. अपकाय के जाव. aquatic lives. सम० ६; उत० १०, ६; दस० ६, ३०; भग० २, ६; ७, १०; १६, ३; आया० १, ६, १, १२; —काइय. पुं० (-कायिक-आपो द्रवास्ताप्य कायः शरीरं यस्येति) अप-पाणी दाय-शरीर छि जेतुं ते: पाणीना ७५. ऐसे जाव जिनका शरीर जल है. aquatic lives. भग० १, ५; १७, ८; १८, ८; ३३, १; जावा० १; पञ्च० १; दस० ४; —काअ-य. पुं० (-काय) अपकायः पाणी. अपकाय; जल. water; water considered as a sentient mass.

उत० १०, ६; पि० नि० भा० १६; आया० नि० १, १, ३, १३३, पञ्च० १; पञ्चा० ५, २६; १०, २४; १४, ७. —काइय. पुं० (-कायिक) ज्ञेयो “ आउकाइय ” शब्द. देखो “ आउकाइय शब्द ” vide “ आउकाइय ” “ सेकिंवे आउकाइया ? आउकाइया दुबिहा पञ्चता ” पञ्च० १; भग० २६, १; —कायाविहंसग. त्रि० (-कायविहंसक) पाणीना ७५न्ती दिव्या इत्यादि जनकाय जाव की हिंसा करने वाला (one) who kills aquatic sentient beings. सच्छा. १७; —जीव. पुं० (जीव) जलजिवः पाणीना ७५. जलजाव, पानी के जाव aquatic lives. “ दुबिहा आउजावायो सुहुमा बायरा तहा ” उत० ३६, ६६; ३६, ८४: ८५; सूय० १, १३, ७; भग० ५, २; —बहुल. त्रि० (-बहुल) जेभा पाणी बाजुं होय ते. जिस में पानी बहुत हो ऐसा that which is full of water. जं० प० २, ३६; —बहुलकंड. न० (बहुलकाण्ड) अणु जलवाला रत्नप्रभा पृथ्वी की नीचे काण्ड. बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तामरा काण्ड-भाग the third section of the Ratnaprabha world abounding in water. “ आउबहुले कंडे असाइ जौयणसहस्याडे वाहल्लेण ” मम० —याय. पुं० (काय) पाणीना ७५; अपकाय. पानी के जाव. aquatic creatures; water considered as a living mass. भग० १६, ३; —सोअ. न० (-शोध) जलपडे शोध-पवित्रता. जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water. भा० ५, १.

आउञ्चण. न० (आकुञ्चन) अवयव संक्षेप्यता
ते. अवयवों को संकुचित करना. Con-
traction of limbs. सम०

✓ आउट धा० I. (* आकुञ्च-आ + कृ)
करावतु. कराना To cause to do. (२)
संक्षेप्यतु. संकुचित करना. to contract.

आउटण. ओष० नि० २२६;

आउटेज्जा. वि० भग० १४, १;

आउटेहि. आ० नाया० ५;

आउटेह. आ० नाया० ५;

आउटावेति. प्रे० भग० १६, ६;

आउटावेमि. नाया० ५;

आउटावेतण. प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३; ५;

आउटावेमाण. प्रे० व० कृ० भग० १६, ८;

आउटण. न० (आकुञ्चन) संक्षेप्यता. संकोचन.
Contraction. पंता० १७, १६;

—पसारण. न० (-प्रसारण) संक्षेप्यतुं अने
विस्तारतुं ते. संक्षेप्यतुं अने पसारतुं ते.
संकोचना और विस्तार करना. contrac-
tion and expansion. भग० १६, ८;

आउटिय. त्रि० (आकुञ्चित) संक्षेप्यतुं
संकुचित किया हुआ. Contracted,
folded. भग० १४, १;

आउग. पुं० (आयुष्क) आयुषु; ज्युत;
आयुष्य. आयुष्यः जीवन. Life. भग० ६,
१; —तिग. न० (-त्रिग) नरकायु,
तिर्यायायु अने मनुष्यायु. ये आयुष्यती-
तय प्रकृति. नरकायु तिर्यायायु और मनु-
ष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतियाँ.
the three Prakritis (Karmic
natures) of Āyusya i. e.
life-period viz of hellish beings,
subhuman beings and human
beings. क० गं० ५, ४३; —वज्ज. न०
(-वर्ज्य) आयुष्य सिवाय. आयुष्यके बिना.

excepting, with the exception
of, Āyusya, (i. e. life). क० प०
१, ५५;

आउच्छणा. स्त्री० (आपृच्छना) लुप्ते।
“ आपृच्छणा ” शब्द. देखो “ आपृच्छणा ”
शब्द. Vide “ आपृच्छणा ” पंचा० १२, २६;

आउज्ज. पुं० (आवर्ज्ज आवर्जनमावर्जः आव-
र्जतेऽभिमुखीक्रियते मोक्षोऽनेनेत्यावर्जः)
मन वचन अने कयाते शुभ व्यापारः शुभ
प्रवृत्ति; मे. क्षते अनुकूल कर्तव्य मन, वचन,
और काया का शुभ प्रवृत्ति; मोक्ष के अनुकूल
कर्तव्य. The good activities of
mind, speech and body (२)
त्रि० मन वचन अने कयाते शुभ व्यापार
करना. मन, वचन और काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body, पञ्च० ३५;

आउज्ज. त्रि० (आयोज्य) ओझ पीन साथे
जोड़ने. एक दूसरे के साथ जोड़ा हुआ.
Interlinked. विशेष० १४;

आउज्ज. पुं० (आनोद्य) वीणा आदि
वाद्य. वीणा आदि वाद्य. A musical
instrument like a lute etc.
“ एवमादयान् एगोपचणं आउज्ज विहाणान्
विउव्वन्ति ” राय० ठा० २, ३; पणह० २, ४;
—सद. पुं० (-शब्द) वीणा आदि
वाद्य. वीणा आदि बाजों की
आवाज. the sound of a musical
instrument such as a lute etc.
“ आउज्जसहे दुविहे पण्णत्ते तंजहा तत्तेचव
वितत्तेचव ” ठा० २;

आउज्जण. न० (आवर्जन) मन, वचन
अने कयाते शुभ व्यापार. मन, वचन
और काया का शुभ व्यापार. Salutary

activity of mind, speech and body. पण० ४३६;

आउज्जिय. पुं० (आयोगिक) उपयोग पूर्वक चर्चनार; जानी उपयोग पूर्वक—सावधान पूर्वक व्यवहार करनेवाला; जाना. One acting attentively; one possessed of knowledge. भग० २, ५;

आउज्जियकरण. न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितस्यकरणमावर्जितकरणम्) देवद-समुद्धातनी पूर्वे कराते शुभ व्यापार योग. केवल-समुद्धात के पहिले किये जानेवाला शुभ व्यापार-योग. Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta. पञ्च० ३६;

आउज्जियाकरण. न० (आयोजिका-करण-आहमर्यादया केवलदृष्टया योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्-भावे वृत्त तस्य करणमिति) देवद-समुद्धातनी पहिले करातामें आवते शुभ मन, चयन, कायाने व्यापार-क्रिया; ओक अंतर्मुहूर्तसुधी कर्म-पुत्रातने उदयावतिका में नाभवाश्च उदीरणा विशेष. केवलसमुद्धात के पहिले का जाने वाला मन वचन और काया की शुभाक्रिया; एक अन्तर्मुहूर्त तक कर्म पुत्रल का उदयावतिका में डालने रूप उदीरणा विशेष. Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta; causing an out-flow of Karmic atoms for one Antara-Muhūrta. पञ्च० ३६;

आउज्जीकरण. न. (आयोजिकाकरण) मन, चयन ने कायाने शुभ व्यापार मन वचन और काया का शुभ व्यापार. Salutary activity of thought, speech and body. पञ्च० ३६;

✓ **आउट्ट.** धा. I-II. (आ+कुट्ट) हिंसा करवी. हिंसा करना. To kill; to injure. (२) करवुं. करना. to do- (३) भुलावुं. भुलाना. to make one forget. (४) लमवुं. लमना; भटकना. to wander. (५) संकल्प करवो; इरादा करवो. संकल्प करना; इरादा करना. to resolve; to intend.

आउट्ट. भग० ७, १;

आउट्ट.

आउट्टामो. आया० १, १, ३, १५;

आउट्टिया. आया० १, २, २, ७२;

आउट्ट. आया० २, १३, १७३;

आउट्टेज्ज.

आउट्टिसण. कप्प० ६, ४६;

आउट्ट. त्रि० (आवृत्त) वरद चणेल. उस ओर झुका हुआ. Turned to that side. पंचा. १६, २१; पि० नि० २६७. (२) व्यवस्थित थयेन व्यवस्थित. arranged; settled. आया० १, ७, ४, २१५;

आउट्ट. पुं० (आकुट्ट-आकुट्टनमाकुट्टः) प्र जीना अवयवेष्टेना ते: हिंसा करवी; मारवुं ते. प्राणी के अवयव छेदना; हिंसा करना. Cutting off limbs of animals; killing; injuring. सूय० १ १; २, २५;

आउट्टण. न० (आवर्तन) पासुं इरववुं ते. करवट पलटना. Turning from one side to the other. आव० ४, ४;

आउट्टणया. स्त्री. (आवर्तनता-आवर्ततेऽभिमुखीभूय वर्तते येन स तथा तद्भवस्तत्ता) भर्तृजानतो भेद ओ 'अवाय' तेनुं अपर नाम. मातृज्ञानके अवाय नामक भेद का दूसरा नाम. Another name for Avāya which is a variety of Matijñāna. नंदी० ३२;

आउटि. स्त्री. (आकुटि) हिंसा. हिमा.
Killing; injuring; beating सम०
—कृत्वा. त्रि० (- कृत) हिंसा पूर्वक क्रियाओं
आदेश. हिंसा पूर्वक किया हुआ. done
after having first performed
an act of killing or injury.
आया० १, २, ४, १२८;

आउटि. स्त्री. (आउत्ति) सम्मुख धरने खड़े
ते. सम्मुख होकर रहना. Standing
with the face turned towards.
नदी० (२) इसी इने आभ्यास इन्ने ते.
बारंबार आभ्यास आवृत्ति इन्ने ते बार
बार अभ्यास करना पाठ करना. repeat
ed study; e. g. of Sastras. (३)
सूर्य तथा चंद्रमं अन्दरना मंडलस्थी अन्तः
न्युं अनं अन्तरना मंडलस्थी अन्तर आवृत्ति
ते; अन्तः युगमां पांच वर्षमां सूर्यनी १०
अने चंद्रनी १३४ आवृत्ति थावने तेमना
गमे ते अन्तः सूर्य तथा चंद्र का अंतर के
मंडल में से बाहिर और बाहिर के मंडल में
से अंतर आने का किया— एक युग (पांच
वर्ष) में सूर्य का १० और चंद्र का १३४
आवृत्तियां होता हैं उन में से कोई भा एक
recurrence of the sun and the
moon to the same point or
place. In five years the sun
has got ten and the moon 134
recurrences. सू० प० १२;

आउटि. त्रि० (आकुटि) जानबूझकर हिंसा
करना; भ्रंश पूर्वक आशुनि छेदन भेदन
करना; जानबूझकर हिंसा करनेवाला संकल्प
पूर्वक प्राणों को छेदनभेदन करनेवाला. (One)
who kills or injures animals
purposely. सू० १, १, २, २४;

आउटिया. स्त्री० (आकुटी) जानबूझकर
भ्रंश पूर्वक करवुं ते. जानबूझकर करना.

Doing anything intentionally
सम० २१; पंचा० १५, १८; —दंड. पुं०
(- दण्ड) जानबूझकर दंडवुं ते. समझ
बूझकर पापमें अपने का दण्डना-पापार्जन
करना. दण्ड देना. incurring sin,
consciously and intentionally.
“ आउटिय दंड खंडियव ओवा ” भक्त० २७;

आउड. धा० II. (आ+जुड) धक पड़े
दुष्टवुं; पीपवुं; भरवुं घन में कुटना, मारना
To hammer; to beat; to pound

आउडह भग० ३, २;

आउडति जे० प० ३, ५३;

आउडता भग० ३, २;

आउडमाण भग० ६, १; १६, ४;

आउडावेह विक्ता० ६;

आउडिअ त्रि० (आउडिअ) अक्षर डोतरी
नाम पाठव. अक्षर खादकर लिखा हुआ नाम.
(Name) carved in letters
अणुजा० १०८;

आउडिजमाण. त्रि० (आउडिजमाण)
सम्बन्धयुक्त अतुः वेदातुं. जुड़ता हुआ.
Being linked or united. “ छउ-
मथेण भते मण्णे आउडिजमाणां महां
सुणइ ” भग० ५, ४;

आउत्त. त्रि० (आयुक्त) विप्रेय पूर्वक; विप-
येय सदितः सावयेन. उपयोग पूर्वक;
सावधानी में. Carefully; attentive-
ly. “ आउत्त गमणं आउत्त ठाणं आउत्त
णिर्वाणं ” भग० ३, ३; ६, ५; ७, ७;
२५, ७; संथा० ६४; सू० २, २, २३;
पञ्च० ११; ओष० नि० ५५५; (२) रंयाई ते
तैयार थयेन. रवाकर तैयार. ready after
being cooked; cooked and
ready for use. कप्प० ६: ३३;

आउत्त. त्रि० (आयुक्त) अभिधी आपवेन;
रक्षक करेन. रक्षण किया हुआ. Protect-

ed carefully. (२) न० संयत-साधुनी
गति-श्रेष्ठ। वगेरे. संयत साधु की गति-चञ्चल
बगेरह. the movements, actions
etc. of a Sādhu. भग० २५, ७:

आउत्तया. स्त्री० (आयुक्त) उपयोगः साव-
धानी. उपयोग, सावधानी. Attentive-
ness, carefulness. “आउत्तया जस्म-
य नाथि काइ” उत्त० २०, ६०:

आउधामार. पुं० (आयुधामार) आयुध-
शाला: इथिआरे शस्त्रधानी ज्यथा. आयुध
शाला: शस्त्रास्त्र रखने का जगह. An
armoury. ओव०

आउय—अ. न० (आयुष्क) आयुष्यः
अ.उ.पुं०; अयनः अयनी आयुष्यजनः
आयुष्यः जीवनः जिदगाः आयुर्कर्म. Life;
Āyusya-Karma. भग० १; नाया०
१; ८; ओव० २०: ३८: ४१: अणुजो० १२७:
क० गं० २, ५; मय० २, ७, ११; आया०
१, २, १, ६२: उत्त० ५, ३७: २६, २०:
भग० १, १: ७: ५, ३: ६: ६, ३: ७, १:
८, ६: ११, १; १८, ५: २४, १; २५,
३: ६: पञ्च० २२; दमा० ५, ४०: क० प०
१, २६;—**कर्म.** न० (कर्मण) अणुआ
“आउकम्म” शब्द. देखो “आउकम्म”
शब्द. vide “आउकम्म” भग० २६, १:
३५, २;—**परिहाणि.** स्त्री० (परिहानि)
आयुष्यतो प्रतिक्षणं यतो क्षयः आउत्तयातो
भटांश. आयु का प्रतिक्षण होता हुआ क्षयः
आयुष्य की हीनता. destruction of
life going on every moment.
पंचा० १, ६८;—**बंध.** पुं० (बन्ध) आयुष्य-
उत्पत्तेरान्ध. आयुर्कर्म का बंध. the bond-
age of Āyusya-Karma. “कइवि-
हेण भंते! आउय बंधेपण्णने? गोयमा!
इविहे आउय बंधेपण्णने” भग० ६, ८;

आउर. त्रि० (आतुर) आतुर; व्याकुल-

व्याकुलः तल्पी रहसः विह्वल. आतुर;
व्याकुलः तडकताहुआ. विह्वल. Eager;
distracted: longing. “तत्थ मय
पुढो पास आतुरा परित्तवति” आया० १,
६, २. १८१: उत्त० २, ५: ३२, २४;
वेय० ४, २६; नाया० १: जीवा० ३, १: भग०
२५, ७: (२) रोगी; पीडितः दुःखी; अर्ध.
रोगी; बीमार. diseased: afflicted;
troubled भग० २५, ७: दस० ३, ६;
नाया० १४: टा० ४, ४: विशेष० ८६१;
विवा० ७;—**स्मरण** न० (स्मरण) क्षुधा
आदिथी आतुर भवने पड़ेला आदिता
आराधनं स्मरण करवु ते: आतुरपणे स्मरण
करवु ते. लुप्राद से आतुर होकर पहिले किये
हुए भोजन का स्मरण करना. wistful re-
collection of food formerly
taken (by one oppressed with
hunger). “तस्मा विव्वुद भोइत्त आउर
मरणाखिय” दस० ३, ६;

आउरपच्चक्खाण न० (आतुरप्रत्याख्यान)
२६ उत्कालिक सूत्रमांतु २८ भुं सूत्र; आउर-
पच्चक्खाण नामे ओइ पद्यो. २६ उत्कालिक
सूत्रों में से २८ वीं सूत्र: आउर-पच्चक्खाण
नामक एक पद्यो. The 28th of the
29 Utkalika Sūtras: & Paimā
of the name of Āura-pachcha-
khaṇa नंदा ४३;

आउरिअ. त्रि० (आतुरित) भंडवाडीओ;
आतुर थयेत. बीमार; आतुरतावाला. Di-
sensed; sick; eager. मय० २५८;

आउल. त्रि० (आकुल) आकुल व्याकुल.
आकुल व्याकुल. Distracted. नाया०
१: ६; भग० १, १०; नंदा० १६; विशेष०
६००; आव० ४, ४; ओव० नि० ५१५: (२)
व्याप्तः लरेत; भराहुआ. full of; filled
with. नंदा० १६; ओव० ३१: (३)

समूह. समूह. a collection; a group.
अणुजां ५७:—घर. पुं० (-गृह) श्रु-
थी भरेय घर. a house full of sen-
tient beings. जाँवो से भराहुआ घर.
नाया० ६;

आउलतर. त्रि० (आकुलतर) अतिशय
आकुल; बहुत ज्यादाह आकुल. Highly
distracted; greatly troubled in
mind. “ एणो आउलतराचिव ” भग०
१३, ४;

आउलत्त. न० (आकुलत्व) आकुलत्व-
व्याप्तपणुं. व्याप्तपना. State of being
filled with or pervaded by.
प्रव० १८३;

आउलिय. त्रि० (आकुलित) व्याकुल शयेव.
व्याकुल. Perturbed; distracted.
सु० च० २, ३२८;

आउलीकरण. न० (आकुलीकरण) प्रत्युरी
हरण—धणुं हरणुं—वधारतु ते; स भरते
वधारवो ते: बहुत कुछ बढ़ाना; संसार
भ्रमण की वृद्धि करना. Extending;
increasing; increasing worldly
existence. भग० १, ६;

आउठवेय. पुं० (आयुर्वेद—आयुर्जोवितं तद्वि-
दन्ति रक्षितुमनुभवन्ति चोपक्रमरक्षणं
विदन्ति वा लभन्ते यथा काल येन यस्माद्य
स्मिन् वेद्यायुर्वेदः) चिकित्सा शास्त्र; वैदिक-
शास्त्र. चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद शास्त्र; वैद्यक
Science of medicine “अटठविहे
आउठवेण परणतं, तं जहा—कुमारभिक्षे
—कायनिगिच्छा सालाहसल्लहन्ता जंगोली
भूयविज्जा खारतंते रसायणे” ठा० ८;

✓ आउस. धा० I-II. (आ+कुग्) आक्रोश
करवे; अपेक्षा आपवे। आक्रोश करना; उला-
हना देना. To cry out; to reproach;
to rebuke.

आउसह. भग० १५, १; नाया० १८;

आउसिंहिति. भ० भग० १५, १; नाया० १८;

आउसितणुं हे० कृ० राय० २६६;

आउसइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

आउस. न० (आयुष्य) आयुष्य; आवरदा.
आयुष्य; आयुष्य-काल. Life; life-
period. सू० प० ८;

आउस. पुं० (आक्रोश) आक्रोश भरेय
वचन; अपेक्षा वचन. उलाहना भरा वचन.
Words of reproach or rebuke.
राय० २६६;

आउस त्रि० (आयुष्यमत) दीर्घायु; चिरं-
श्रुती. दीर्घायु; चिरंजावा; लंबी आयु वाला.
Long-lived. आया० १, १, १, १; सम०
१; नाया० १४; पञ्च० २;

आउसो. स. ए० व० जीवा १; भग० ८, १६;
१५, १; १७, ३; २०, ८; ओव० ३४;

आउसंत. त्रि० (आयुष्यत्) दीर्घायु; चिरं-
श्रुती. दीर्घायु; लंबा उम्र वाला. Long-
lived. “ सुयं मे आउसंतण ” सूय०
२, ३, ४३; २, ७, ५; ठा० १; आया० १,
१, ३, १५; १, ७, २, २०२; २, ३, ३,
१२६; निसो० ६, ४;

आउसणा. धा० (आक्रोशना) आक्रोश करवे।
ते. चिल्लाना; बुरा भला कहना; शोर करना.
Crying out; reproaching. भग०
१५, १;

आउस्स. पुं० (आक्रोश) आक्रोश—उद्देश
वचन. कठोर वचन. Harsh words of
rebuke. सूय० १, ३, ३, १८;

आउह. न० (आयुध) आयुध; शस्त्र; हथी-
यार. शस्त्र; हथियार. A weapon. नाया०
२; १६; १८; भग० २, १०; ७, ६; ६, ३३;
सु० च० १०, ४४; जं० प० ३, ४३;
—घर. न० (-गृह) आयुध घर; आयुध-

शाला; दुथीयार राखवानुं स्थान शस्त्रागार;
हाथियार रखने की जगह. an armoury.
जं० प० ३, ४३; —घरसाला. छा.
(—गृहशाला) जुम्हो उपलो शब्द. देखो
ऊपरका शब्द. vide, “आउहघर” जं०
प० ३, ४३; —घरेश्वर. पुं० (—गृहिक)
अधुपशासनी उपरि—अध्यक्ष. आधुप-
शाला का अध्यक्ष. a superintendent
of an armoury. “तरणं से आउहघ
रिए” जं० प० ३, ४३;

आऊणय. त्रि० (* आऊनक ईषदूनक) ईषक
आधु; उणुं. कुछ कम. Somewhat
less. भग० २५, ७;

आऊसिय. त्रि० (*) प्रवेश करेत् प्रविष्ट
Entered. “आऊसियवयणगंडेसं”
नाया० ८; (२) संकुचित. संकुचन
contracted. “आऊसिय अक्खचम्म
उइह्णगंडेसं” नाया ८;

आणज. त्रि० (आदेय) ग्रहण करना योग्य;
माननीय. ग्रहण करने योग्य; मानने योग्य.
Worth being accepted or
taken. जं० प० क० प० ७, ८;
—वयण. न० (—वचन) माननीय वचन.
मानने योग्य वचन. words worth
accepting. उक्त० ३६, ६;

आणस. त्रि० (* आ+इण्यत्-एण्यत्) आवतुं;
आववानुं. आता हुआ. Coming. “आणसा
विभवंति सुव्वया” सूय० १, २, ३, १६;

आणस. पुं० (आदेश-आदिश्यते आज्ञाप्यते
सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथे
यायनदाशनदानादिव्यापारे स आदेशः)

पाहुणो; परेणो; भिण्मान. अतिथि; पाहुना.
A guest. “आणसाए समोहिण” उक्त०
७, १; ४; ओष० नि० १४८; ६६१;
ओष० नि० भा० १४७; निसा० १०, १२; वव०
६, १; (२) प्रशस्ति; भेद; प्रकार; भेद. mode;
kind. भग० ८, २; नंदी० ३६; परण० १;
प्रव० ५१६; विश० ४०३; (३) विशेष;
व्यक्ति रूप. विशेष; व्यक्तिरूप. parti-
cular; individual. उक्त० ३६, ६;
(४) सूत्र; आगम; शास्त्र. सूत्र; आगम;
शास्त्र. a Sūtra or scripture.
विशे० ४०५; (५) उत्पाद व्यय अने द्रव्य
अने त्रिपदी के गणधरने प्रथम संबन्ध-
वाभां आवेछे. उत्पाद, व्यय और द्रव्य
ये त्रिपदी जो कि गणधर का पहले
कही जाती है. the three condi-
tions that are first taught to
a Gaṇadhara, viz birth, decay
and steady existence. विश० ५५०;
(६) व्यपदेश; व्यापार. व्यपदेश; व्यवहार.
denomination; nomenclature.
सूय० १, ८, ३; (७) हुक्म; आज्ञा.
हुक्म; आज्ञा. command. सु० च० २,
४५६; पि० नि० १८४, पंचा० ५, ४५; जीवा०
१; (८) मत. मत. an opinion.
“वीओवय आणसो” प्रव० ८५५;
—सव्वय. पुं० (—सर्व आदेशनमादेश
उपचारोव्यवहारस्तन सर्वमादेशसर्वम्) उप
चारही सर्ग; प्रयुक्त अथवा प्रधान वस्तुभां
सर्वतो उपचार करेता ते गेभ भोजनभा वी
वधारे होय तो आण तो ओइहुं धीन आधु,

* कोष्ठि जग्यामे मूल शब्दने अगतो संस्कृत पर्याय संस्कृत-शेषभां न होय तेवे स्थले संस्कृतनी
जग्या आली शब्दभां आली छे. जहां मूलशब्द का पर्यायवाच संस्कृत शब्द नहो मिलता वहां संस्कृत
शब्द की जगह खाला रखने में आई है. Blank space left in brackets indicates that
no satisfactory तद्वत् or तत्सम Sanskrit equivalent is available.

आमां भीनी प्रभनाने तीथे धी शिवायनी
चरुमां पलु धीना उपचार क्यो. एक का
अधिकता से उसका सब में उपचार करना;
जैस कि भोजन में धी अधिक होने पर यह
कहना कि आज तो धी हो धी खाया इस में
धी का प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में
भी धी का उपचार किया. denominating
a thing by giving the whole
of it the name of a part which
is prominently found there.

आएसय. न० (आदेशन) जुदार वगेरे की
कैड—शरभानुं लुहार वगेरह का कारखाना.
A workshop of a blacksmith
etc. दसा. १०, १; आया० २, २, २, ८०;
आएसिय न० (आदेशिक) सधुने देवा भाटे
कलपी सणेत्र अदारदि; आदारने अंड देवा
साधु को देने की इच्छा से रखा हुआ आहार
वगेरह; आहार का एक दोष. Food etc.
pre-determined to be given to
a Sādhu; a kind of sin relating
to food. वि० नि० २२६;

आओग. पुं० (आयोग) द्रव्य संपादन कर
वाने उपाय; धंधा-व्यापार वगेरे. द्रव्य उपा-
जन करने का उपाय; धंधा व्यापार आदि.
Business; trade; means of
earning. भग० २, ५; सूय० २, ७, २;
(२) पैसानी आरक; यमणो त्रलुगणो
पटाव. धन की आमदनी; दुगना तिगना
बटाव. income; double or treble
profit of exchange. ओव० जं० प०
३, ५६;—**पओग. पुं० (-प्रयोग-आयोग-
स्वार्थलाभस्य प्रयोगा उपायाः)** द्रव्य
संपादन करवाने उपाय; द्रव्यवृद्धिभाटे

धीरधर करवी ते. द्रव्य संपादन करने का
उपाय; श्रद्धा के लिये देन लेन करना.
earning wealth; business of
lending etc. जं० प० २, ५६;—**पओग-
संपउत्त** वि० (-प्रयोगसंप्रयुक्त) द्रव्य
उपाजन करवाने उपायमां प्रयुक्त थयेव.
द्रव्यपार्जन के उपाय में प्रवृत्त-तत्पर.
(one) engaged in money-
making concerns. जं० प० ३, ५६;

आओजिया. स्त्री० (आयोजिका) तीव्र
परिणामयी करवाभां आवती किया केनेवाया
संसार सधेना संयंघ वधे छ. तीव्र परिणाम
से की जाने वाला किया, जिसमें कि संसार
सम्बन्ध बढ़ता है. An action done
with keen thought-activity
increasing one's worldly attach-
ment. पञ्च० २२;

आओज्ज. न० (आतोष) वाद्य; वाजि०.
वाज; वाद्य. A kind of musical
instrument. ओव० ३०;

आओज्ज. वि० (आयोज्य) मर्यादा पूर्वक
बोध्य योग्य. मर्यादा पूर्वक जोड़ने योग्य.
Worth being united within
limits. विशेष० २३;

आओस. धा० I, II. (आ+कृष्) निर-
स्कार करवे; उपेक्षा देवे. निरस्कार करना;
उलाहना देना. To upbraid; to
reproach.

आओसास. उवा० ७, २००;

आओसेजामि. उवा० ७, २००;

आओसेजा. विधि० उवा० ७, २००;

आओस. पुं० (§) परेदिगी; सयौदय
पडेवाती भे धडी. सवेरा; प्रातःकाल.

Dawn, "आश्रमे संगारो अमुहं वेलाए निगए ठणं" पि० ति० भा० ६१;

आंताह. त्रि० (आन्तादिन्-आन्तेभवमानं मुक्तावशेषं तदान्तमसीयेवंशील आन्तादी) आतां पीतां आदी रहेल आहार लेनार, (साधु). ओरों के खाते बचे हुए अहार को खाने वाला, (साधु). (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others. पंचा० १८, ३६;

आंदोलिर. (* आन्दोलिन्) अन्धशूलि. कंपनशलि; कांपनेवाला. Trembling; of a quaking nature. सु० च० २, ६२४;

✓ आकंक्ष. धा० I (आ+कंश्) अकंक्षु; आकांक्षा राभयी. इच्छाकरना; आकांक्षा रखना. To wish; to desire. आकंक्षी. वि० "निबुडे कालमाकंक्षी" स्य० १, ११ ३८;

आकंक्षिर. त्रि० (* अकंक्षिन्) आकांक्षा करनार; आकांक्षा रखने वाला. One who wishes or desires. सु० च० २, ३२८;

✓ आकंप. धा० I (आ+कम्) आराधना करी. आराधना करना. To adore; to worship. (२) सन्मुख रहैवुं. सन्मुख रहना. to remain face to face; to remain in one's presence. आकांक्षा. सं० कृ० भग० २५, ७;

आकट्ट. त्रि० (आकट्ट) सामे अयेव. सामे की ओर खींचा हुआ. Drawn towards. पण० १, १;

आकट्ट. त्रि० (आकट्ट) सामे अयेवुं ते. सन्मुख खींचना. Drawn towards. भग० ३, १; -विकट्टि. स्त्री० (-विकट्टि) आभतेम अयेवुं ते; अयेवुं अयेवुं करी ते इवर उवर खींचना. pulling in different directions. भग० ३, १; १५, १;

आकणित्ता. सं० कृ० अ० (आकर्ण)

सांभलीने. सुनकर. Having heard. नाया० १६;

✓ आकण. धा० I. (आ+कर्ण) सांभलुं. सुनना. To hear.

आयकट्ट. सु० च० १४, ४६.

आयकट्ट. व० कृ० सु० च० २, ११७;

आयकट्ट. सं० कृ० सु० न० २, ७१;

आयकट्ट. सं० कृ० सु० च० ७, १६७;

आकस्मिय. त्रि० (आकस्मिक—अकस्मात्-जवति तदाकस्मिकम्) आकस्मिक; अकस्मिक; कारण के. Accidental; without any assignable cause. "वज्र निमित्ताभावा जंभवनाकस्मियं" विशेष० ३४५१;

आकार. पु० (आकार) आकृति; अकृति; आकार. आकार; चेहरा; डाल डील. Form; shape; figure; face. सु० प० २०; ओव० निखी० ७, ३८; उवा० २, ६०; ६४;

आकासफलोवमा. स्त्री० (आकाशफलोवमा) आध-आवातो अक पदार्थ. खानेका एक पदार्थ. An eatable substance; a substance used as food जं० पं० १, ११;

आकासिआ. स्त्री० (आकाशिका) आध विशेष; आवातो अक पदार्थ. खानेका एक पदार्थ. A kind of food; a substance used as food. जं० पं० १, ११;

आकिइ. स्त्री० (आकृति) आकार; आकृति देखाव. आकृति; रूपरंग; दृश्य. Form; shape; appearance. सम०

आर्कचय. न० (आर्कचय—आर्कचयस्य व आर्कचयम्) परिग्रह रहित पदार्थ; सुवर्ण आदि परिग्रहना अलक्ष्य. परिग्रह रहित; परिग्रह का अभाव. Absence of worldly possessions

coming and going; passing and re-passing. पंचा० २, २५; —गहवि-
एषु न० (गतिविज्ञान) यथा आये ते
इति ननु तेनानि युव कवे. ते भूत भविष्य के
जन्म का निर्णय करना. knowledge of
the past and the future births-
etc; knowledge of whence
and whither. “ अगहविषयं
हमस्य सह पुनः पाप्य ” पंचा० २, २५;
—गहविज्ञाप. त्रि० (-गतिविज्ञात)
आवरा नयथी, दात्रया यात्रयाथी एवरूपे
नयुयेतत्तस्य माथी ज्ञायामां अने ज्ञायामां-
थी तस्य मां नय आव करवा थी एव
इये नयुयेत त्रयएव— भेद द्वय आदि
एव. आव गमन रूप क्रिया से जावत का बाध
होना; जैय कि किसी के हवन क्लन या आन
जाने स यह जानता कि इस में जाव है.
known to be living by to and
from motion; e. g. a tiny insect
etc. दृ० ४;

आगमनित. न० (अकृतिमात्र) आकार
मत्र आकार मात्र. Only the shape.
विवा० १;

आगमनार. न० (* अगमनार-अगमन-
गृह) भुव- अपडि गेरेने उतरवानु स्थान.
अगमना आदि क उतरने का स्थान; सतय;
धर्मशास्त्र. अतिथि शास्त्र. Caravansary;
a house for travellers. “ आगमनारे
आगमनारे समणे उमातय उकेतिवासं ”
सू० २, ६, १५;

आगमनश्च. न० (आगमनश्च) आवपुं. आना.
Coming. सु० च० १, १५३;

आगतार. त्रि० (आगन्तु) आगन्तार. आने
वाला. (One) who comes; a comer.
“ अगतारो महकमं ” सू० १, २, १, १६;

आगतारो महकमं. सू० १, २, १, १६;

आगतार. पुं० त० (आगमनार) आवपुं-
इस इरे ने उतरवानी धर्मशास्त्र. धर्मशास्त्र;
सतय. A house for travellers
caravansary. आया० २, १, ५, ५४;
निती० ३, १;

आगतु. त्रि० (आगन्तु) अतिथि; भुव-
आनेवाला; मुसाफिर. A traveller;
a guest. सू० १, १, ३, १६ २,
२, ८१; कण० २, ८४; —छेद. पुं०
(-छेद) अविष्यमां प्राप्त यवानु देव
तेन तस्य वगेरेथी छेदन करतुं ते.
भविष्य में प्राप्त होने वाले का तलवार आदि
से छेदन करना. destruction of
that which is to come; e. g.
with a sword etc. सू० २, २, ८१;
—त्य. पुं० (-त्य) अविष्यमां प्राप्त यवानु
देव तेन लाक्षा वगेरेथी छेदन, करतुं ते.
भविष्यमें आगवाने का लाक्षा वगेरेह
से भेदन करना. piercing e. g. with
a lance etc. of that which is
to come or to be encountered
in the future. सू० २, २, ८१;

आगतुग. त्रि० (आगन्तुक) अतिथि; मुसाफिर-
आपडी वगेरे. अतिथि; मुसाफिर: (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc. शोध० नि० २१६; (२) आगमनो
उपसर्ग. भावा उपसर्ग-भय. the future
trouble. “ आगतुगोय पीलाकरो य जो
यो उदसगो ” पंचा० १६, ८; सू० द्वि०
१, ३, १, ४५;

आगतुय. त्रि० (आगन्तुक) अतिथि; मुसाफिर-
आपडी वगेरे. अतिथि; मुसाफिर: (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc. शोध० नि० २१६; (२) आगमनो
उपसर्ग. भावा उपसर्ग-भय. the future
trouble. “ आगतुगोय पीलाकरो य जो
यो उदसगो ” पंचा० १६, ८; सू० द्वि०
१, ३, १, ४५;

आगच्छ. धा० I. (आगच्छ) अ पवुं;
आवी पवुं. आना; आ पवुं. To
come; to arrive.

आगच्छह. नाया० ३; १५; १६; भग० १,
६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३;

आगच्छति नाया० ८; भग० १, ८;
आगच्छजा. वि० अणुजो० १३४; भग० ६,
५; १३, ६; वेय० ५, १०; जं० प०
२, १६; ओष० १२;

आगच्छे. वि० दसा० ७, १; क० गं० २, ८;
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६;
आगच्छिस्सह. भ० उवा० ७, १८८;
आगच्छित्त्वे. हे० सं० कृ० राय० २४८; भग०
१८, ७; ठा० ३, ३;

आगच्छमाय. व० कृ० भग० १२, ६;

आगति. स्त्री० (आकृति) अकृति. आकृति;
आकार; प्रकार. Form; appearance.
विवा० १;

आगति. स्त्री० (आगति) लु० " आगइ "
शब्द. देखो " आगइ " शब्द. Vide
" आगइ ", ठा० १, १;

✓ आगच्छ. धा० II. (आ + गम्) भेदयुः
प्राप्त करणा; पाना. To gain.
(२) अणुं जानना. to know. (३)
आवतुं. आना. to arrive at.

आगमेइ. विवा० ६;

आगन्तुं. सं० कृ० राय० २४५;

आगमम. सं० कृ० आया० १, ६; १, ३;
भग० १, ८; जं० प० ५, १२०;
नाया० १४;

आगमिता. सं० कृ० ओष० २२; उत्त० १,
२२; १४, ३; दसा० ७, १; सूय०
२, ७, ३६; आया० १, ५, १, १४४;

आगन्तुं. हे० कृ० सूय० १, १, २, ३१;

आगमिच्छ. हे० कृ० भग० १६, ५;

आगमिथ. सं० कृ० क० प० ७, १३;

आगमसाय. व० कृ० आया० १, ६, ३,
१८५; १, ७, ४, २१३;

आगम. पुं० (आगम) आगम; सिद्धांत; सूत्र.
शास्त्र; सिद्धन्त; सूत्र; आगम. Scrip-
ture; principle; motto. भग० ५,
४; अणुजो० ४२; परह० २, २; ठा० ४,
३; दस० ६, १; (२) आगम प्रमाण;
आप्त वक्ष्यधी यत्तु ज्ञान. आगम प्रमाण;
आप्तवाक्य से होने वाला ज्ञान. authority
of Sūtra. अणुजो० १४७; विशेष० ४७०;
१५५२; (३) आगम व्यवहार. आगम
व्यवहार. terms of scripture. ठा०
५, २; (४) आकाश. आकाश. the
sky. भग० २४२; (५) आगमन; आवतुं
ते. आना. arrival; coming. दस० ७,
११; (६) (आ-आभिविधिना मर्यादया वा
गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्थाद्येन स आगमः)
केवल मनपर्यव अने अवधि ज्ञान. केवल
मनपर्यव और अवधि ज्ञान. the three
kinds of knowledge viz Kevala
Manaparyava & Avadhiñāna.
भग० ८, ८; वव० १०, ३; पंचा० ६, १;
(७) नवमां पूर्वशी चैव पूर्वा सुधी. नौवे
पूर्वसे चौदहवे पूर्व तक. the Pūrvas
from the 9th to the 14th Pūrv-
va. क० प० ७, १८; —पह. पुं० (-पथ)
लाभ मार्ग. लाभका मार्ग. a benefi-
cial or profitable path. ठा० ५;
—बलिय. पुं० (-बलिक) आगम
ज्ञानभां अलवान; केवलीप्रभृति. आगम ज्ञान
में बलवान; केवली प्रभृति. (one)
strong in the knowledge of
the Śāstras, e. g. Kevali etc.
" आगम बलिया समया शिखंधा " भग०
८, ८; वव० १०, ३; —बहुमाण. पुं०
(-बहुमान) शास्त्रनुं बहुमान करतुं ते.
शास्त्र का अधिक मान. paying high
reverence to scriptures. प्रव०

३२१; —व्यवहार. पुं० (—व्यवहार) नव-
पूर्वधी योऽपूर्वसुधी नानातर तथा देवसी-
ने व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि.
नौ पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा
केवली का व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि.
the Vyavahāra i. e. the work
of a Kevali as also of one who
knows the Pūrvas from the 9th
to the 14th Pūrvā g. admini-
stering expiation etc. प्रव० ८६१;
—व्यवहारि. पुं० (—व्यवहारिन्) प्रत्यक्ष
ज्ञानी; नवपूर्व उपरान्त देवसी सुधी. प्रत्यक्ष
ज्ञानी; नवपूर्व के ज्ञानी से लगाकर केवल
ज्ञानी तक. (one) having direct
visual knowledge; any one from
one knowing nine Pūrvas to a
Kevali. जीवा० ३; —सत्य. न०
(—शास्त्र) आगम शास्त्र; श्रुतज्ञान. आगम
शास्त्र; श्रुतज्ञान scripture; Sūtras.
“सागमसत्यगदृश्यं जं बुद्धिगुणैर्हि अद्वैदि
विदिष्टं” नदी० —सुद्ध. त्रि० (—सुद्ध)
आगम सूत्र अनुसार निर्दोष—शुद्ध. आगम के
अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as
judged by the code of Sūtras.
“यं विदिमागमसुद्धं सपरेसिमणुगह द्वाए”
पंचा० ६, १;

आगमश्री. अ० (आगमतः) आगम शास्त्रने
आश्रिते; सूत्रने अवलम्बिते. शास्त्र का आश्रय
लेकर. Abiding by the principles
of scriptures; with the autho-
rity of scriptures. अणुने० १२;
बिरो० २६;

आगमण. न० (आगमन) आगमन; आवृत्ति
ने. आगमन; आना. Arrival; coming.
भग० ६, ३३; ११, ११; १३, ४; नाया०
३; १६; अश्व० २६; राय० ६; पि० नि०

८१; वेय० १, ३६; उवा० १, ४८; पंचा० १,
१६; —गहिय विणिच्छय. त्रि० (—गृहीत
विनिश्चय) आवधाने निश्चय इरेत. आने
का निश्चय किं हुआ. one determin-
ed to come. भग० ६, ३३; —गिह.
न० (—गृह पथिकादीनामागमनेनोपेतं तदर्थं
वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशाला; मुसादर-
पान्. घमेशाला; सराय. a house for
travellers to lodge “आगमणगिहं-
सिवा” वेय० २, १०; —पह. न० (—पथ)
आवधाने मार्ग. आने का मार्ग; रास्ता.
a way to come in. निसी० ४, ३०;
—पप्रोयण. न० (—प्रयोजन) आवधानुं
प्रयेज्जत. आने का प्रयोजन. cause of
arrival. विवा० १; ६;

आगमणगमणविभक्ति. न. (आगमना-
गमनविभक्ति) जेमां येदं अदिनु आगमन
गमन दर्शावतमां आवेते तु अत्रोश प्रकरना
नाटकमां आतमुं नाटक. चंद्र आदिका आवा-
गमन प्रकट करने वाला चत्तास प्रकार के नाटकों
में से सप्तवाँ नाटक the seventh of the
32 kinds of drama exhibiting
the appearance and disappear-
ance of the moon “आगमणाय ग-
पविभक्तिं गामं दिवं णट्टं विहिं उवदंमेति”
राय० ६२;

आगमिस्स त्रि० (आगमिस्सत्) अविष्यमां
धनार; आवृत्ति. भविष्य में होने वाला.
Future. सूय० १, ८, २१; २, २, २३;
आउ० २८; दसा० ६, १; १०, ३; नाया०
१६; आया० १, ४, १, १२६; जं० प० २,
३६; —णिमित्त. न० (—निमित्त) अविष्य-
नुं निमित्त. भविष्य का निमित्त. a sign
or omen of the future. निसी०
१३, १३; जं० प० २, ३६;

आगमसि. (आगमिस्सत्) अविष्यमां धनानुं;

भविष्य में होनेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१; ओव० ३४; —भद्र. त्रि० (—भद्र) ओ३ अव करी नेने मे.क्ष ७५ नुं छे ते. एक भव कर जिस मात्र जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth. सम० ८००; (२) अविव्यनुं १६५ अ. भविष्य का करवाण. future welfare जं० प० २, ३१; “ समणस्व खं भगवसो महावीरस्स अट्ठ खयाकुत्तरोववाइय खं गइ कल्लाखाणं जाव आगमोसि महाणु उवां सिया ” कप्प० ६.

आगमेस्स. त्रि० (आभिव्यक्त) आवते. ३४; अविव्यनुं. भविष्य काल; भविष्यका. The future (time); future; belonging to the future. अंत० ५, १; भग० २०, ८;

आगत. त्रि० (अगत) आवेत्त; प्राप्त थयेत्त आया हुआ; प्राप्त. Come; obtained उवा० १, ६६; ६६; २, ११३; ११४; ११८; नाया० १; ८; १६; १६; पि० नि० १६८; सम० ११; ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५, ६; १०, ३४; भग० १, ७; २, १; ३, १, २; ५, ४; ६, ३३; १६, ५; १८, २; दमा० ६, १५; इत्त० ५, १, ८८; राय० २३२; आया० १, १, १, २; —गंध. त्रि० (—गंध) नेभा सुगन्ध उत्पन्न थयेत्त छे ते. जिसमें सुगन्ध उत्पन्न हुई है वह. (that) in which fragrance is born. नाया० ७; —पण्य. त्रि० (—प्रज्ञ-आगता उत्तमा प्रज्ञा यस्या सावागत प्रज्ञा) अने प्रज्ञा उत्पन्न थये छे ते; आगत बुद्धि माली. जिसमें प्रज्ञा उत्पन्न हुई है वह; बुद्धवाला. wise; omniscious. “ अग्निम वसितीसु गुत्तिसुव आगत्य पश्ये ” सूय० १, १४, ५; —पण्यया. की० (—अभक्त-आगतः प्रज्ञो वस्याः सा)

नेने पुत्र स्नेह थी पानो यथो छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बढ जाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. “ तण्णं सा देवाणं दा माहणी अ गय पण्हया ” भग० ९, ३३; —समय. त्रि० (—समय) नजिकभां नेने अवतर आवेत्त छे ते जिसका समय पास आया हां वह. (that) for which the time is ripe. नाया० ६; आगर. पुं० (आकर) से नुं रुपुं पगेरेनी आत्थ. सोने, चांदी की खदान. A mine (of gold, silver etc). जं० प० ३, ५२; जं० प० टा० २, ४, भग० १, १; ७, ६; नाया. १; ८; १४; १६; राय० २७३; जीवा० ३, १, ओष० नि० भा० ८; ओव० ३२; उत्त० ३०, १६; सम० ३; वेय० १, ७; नंदी० ४७; आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उवा० १, २०; १०८; (२) भीड़ना अगर. नमक का खदान, a salt-pit; a field from which salt is obtained. आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उत्त० ३०, १६; ओव० ४, ३२;

आगरिअ-य. त्रि० (आकरिक) अत्थने. धणी. खदान का मालिक. A owner of a mine. ओष० नि० भा० ६;

आगरित. पुं० (आकर्ष) अत्थने. आकर्षण; खींचना. Attraction. प्रव० २८; पञ्च० ६; (२) इरीथी अत्थने ३२ नुं ते. फर से ग्रहण करना. re-acceptance. प्रव० ८४३; विसे० १४८४; (३) नेरी री।। (अययान) प्रयत्न थी ३६ नुं अत्थने ३२ नुं ते कर्म-पुद्गला का आकर्षण करना. attracting Karmic atoms. सम० पञ्च० ६; (४) प्राप्ति; आगतनी प्राप्ति प्राप्ति, चापि

की प्राप्ति. gain; gaining of right conduct. " पुत्रागस्तस्य मते एग अव-
गहयिया केवइया आगरिसा परवता " भग० २५-६;

आगाद. त्रि० (आगाद) कर्कश; कठिण; आकृष्ट.
कोठन; कठोर. Harsh; hard. निखी०
१०, १, २, ३; १३, ११; (२) गार्दु
कः२५; भयान कः२५. बलवान कारण.
powerful cause; cogent reason.
गच्छा० ११६; (३) अति अशक्त. अत्यंत
असक्त. very weak. ओष० नि० ७८;

आगाद जांग. पुं० (आगाद जांग) गलिये ग
आचार्य ये ग रहन करतुं ते. गणयान; जिसे
आचार्य वहन करता है. Head precep-
torship. ओष० नि० ५४८;

आगामि. त्रि० (आगामिन्) भविष्यमां भव-
नार; भविष्यमानुं. भविष्य में प्राप्त होने वाला.
Coming; future. ठा० २, ४;
—पह. पुं० (-पह) भविष्यमां भवतानी
वस्तुने मार्ग. भविष्य में मिलनेवाली वस्तु
का मार्ग. the way leading to a
thing which is to be got in the
future. ठा २, ४;

आगामिय. त्रि० (आगामिक) ग्राम-शहर
वगरतुं. ग्राम रहित. Devoid of a city
or a village. अत्येगइया शिरांथा य
शिरांथाओय एगमहं आग.भियं इकुवावायं
दीहमइ मणपरिवहु. " नया० १८;

आगार. पुं० (आकार) आकृति; संहात्य.
आकृति; संस्थान. Configuration;
form. " सिगारागार चारुवेसाय् " राय०
भग० ५, ४; पञ० १७; नाया० १; २; विशेष
२६; गच्छा० १२१; प्रव० १४६९; पञ्चा० ५,
४; उवा० १, १२; (२) आकार; सिद्धि;
देहरे. आकार; रूपरंग. face; appear-
ance; form. पञ० ३०; (३) भेद; प्रकार;

तरेह. भेद; प्रकार. kind; variety. पञ०
१३; २१; (४) २५२५; विशेष लक्षण.
स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape
or form; special quality. " आ-
गारो उ विसेसो " जीवा० (५) (अक्रियते
आकल्प्यतेऽभिप्रेतं अनोविकल्पितं वस्तुमेवे-
त्याकारः) आका येष्ट; आंतरिक अभिप्राय
सूचक आंभ, भुंग, हान वगेरेनी येष्ट.
आंतरिक अभिप्रायसूचक बाह्य चेष्ट. move-
ments of eye etc, indicative of
inward mind. उवा० १, २; विशेष
२१२६; (६) कठिसंगता अपवाद-छुट.
कायात्सर्ग का अपवाद. exceptions to
the rules of Kāyasarga. " एव
माइएहिं आगारेहिं अभम्यो अविराहिं " आ-
वा० १, ५; (७) पञ्चआशुना अपवाद
छुट; पञ्चआशुमां भुकेल आगार. पञ्चवलाण
का अपवाद. exception to the
rules of Pachchabhāṇa. प्रव०
६५; —अभावओ. य० (-अभावतस्)
आकारना अभावथी. आकार के अभाव
से. due to the absence of
shape. विशेष ६५; —दृष्टिण. न०
(-दर्शन) आकारतुं देखातुं ते. आकार
का दृश्य. sight of a form or
shape. विशेष ६६; —भाव पुं०
(-भाव-आकारस्या कृतेर्भावाः पर्यायाआकार
भावाः) आकृतिरूप पर्याय; वस्तुतुं २५२५
विशेष. आकृतीरूप पर्याय; वस्तुका
स्वरूप विशेष. a particular modi-
fication of the shape of a thing.
भग० ७, ६; —भावपडोयार. पुं०
(-भावप्रतापतार आकारस्य आकृतेर्भावाः
पर्यायस्तेषां प्रत्यक्षतारोऽवतरणमात्रिर्भाव
आकारभाव प्रत्यक्षतारः) आकारना
पर्यायने आकृतिरूप २५२५ आकृतिरूप

पर्यायानुं अयत्तल्लु हेतुं ते; वस्तुनं स्वरूप
विशेषः। आकार का पर्यायका आविर्भाव करना;
वस्तु का स्वरूप विशेष. manifesting
or showing the particular
modification of the shape of
a thing. “ किमागार भाव पडोयासणं
भंते दीवासमुदापणयता ” जीम० नाया० ८;
भग० ६, ७; ७, ६; —विगार, पुं० (—वि-
कार) आकृति-वेदरा उपर थयेल विदार-
होधाधिगम्य ईदरार. मुखपर होनेवाला
विकार; क्रोधादिजन्य फेरफार. a change
on the countenance (produced
by anger etc.) “ गइविज्जममाइएहिं
आगार विगारं तइ पयासंति ” गच्छा० १२१:
—आगार. पुं० (—आगार) घर; स्थान.
घर; जगह. a house; an abode.
राय० ११३; सूय० १, १, १, १६; नाया०
१; पञ्च० २०; भग० २, १; ६, ३१; दसा०
८, १; आव० १, ५; जं० प० २, ३०;
—आवास. पुं० (—आवास) गृह-
स्थावास; घरसंसारमां लपटाई रहने
ते गृहस्थ वास, घर आदी में आसक्त होना
absorption in worldly or
household matters. नाया० ८;
—चरित्तवध्म पुं० (—चरित्रधर्म-
अगारं गृहं तथेगं जगारा गृहेणहेशं
चारित्रधर्मेहाया) चारित्र धर्मने. ओक भेद
प्रकार: समुक्ति पूर्वक आचरण गृहस्थने
चरित्र धर्म. चारित्र धर्म का एक भेद;
सम्यक्त्व पूर्वक बारह व्रत का गृहस्थ का
चारित्र. धर्म. a variety of the
rules of right conduct; a house-
holder's duties in connection
with right-conduct consisting
in twelve vows accompanied
with right faith. भा० ४;

—धम्म. पुं० (—धर्म) गृहस्थधर्म.
गृहस्थ धर्म. the duty of a house-
holder. भग० १६, ६; —वास. पुं०
(—वास) गृहवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थाश्रम.
the stage or condition of life
of a householder. “ सेवो आगारवा.
सोत्ति ” उत्त० २, २६; जं० प० ३, ७०;
नाया० ५० —विषय. पुं० (—विनय)
गृहस्थने विनयरूप धर्म; गृहस्थधर्म.
गृहस्थ का विनयरूप धर्म. the duty of
reverence on the part of a
householder. नाया० ५;
आगारमय. त्रि० (आकारमय) आकृतिमय;
आकृतिरूप आकृतिरूप. Having a
form or shape. विशेष० ६४;
आगारि. पुं० (आगारिन्) गृहस्थ. गृहस्थ.
A householder; a layman. पिं०
नि० २७०;
आगाल. पुं० (आगाल) कर्मनी श्रीछ
स्थितिमाथी कर्मन द्रवियाने उद्धारणा प्रयोगे
अज्ञाने उद्वेगमांता अजाते; उद्धारणानुं अपर-
नाम. कर्मकी दूसरी स्थिति मेंसे कर्म के बाजों
को उद्धारणा के द्वारा खींचकर उद्वेग में लाना;
उद्धारणा का नामान्तर. Forcing up into
maturity Karma which is yet
in the 2nd stage; this is also
called Uddharāṇā. क० प० ५, १०;
आगास पुं० न० (आकाश-सर्वभावः आकाश-
नाशकाशम्) आकाश; लोकसेक व्यापी
अतः प्रदेशत्मक छ द्रव्यमानुं ओक अभूर्त
द्रव्य; धर्मस्विकाय अदि पांच द्रव्यना
आगासभूत द्रव्य. आकाश; लोकालोक व्याप्त
अतः प्रदेशात्मक छ द्रव्यों में का एक अचूत
द्रव्य; धर्मस्विकाय आदि पांच द्रव्यों का आधा-
रभूत द्रव्य. The sky; one of the
six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पञ्च० १; अणुजो० १४३; छ० २, १; ओव० १०; सू० प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०; ५, ६; २०, २; सूय० १, १, १, ७; उत्त० ६, ४८; २६, ७; ३६, २; ६; उवा० २, १३८; १४०; १४१; भल० ६१; जं० प० ३, ५६; —अतिवाह. पुं० (—अतिवातिन्-आकाशं श्योमातिपतन्तव-तिक्कामित्ते ते तथा) आकाशमां छिदी आकाश-मांथी सुवर्णं वृष्टिं आदि कृती दिव्य प्रभा-वर्थावनार. आकाश में उड़कर, आकाश से सुवर्ण वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला. (one) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. “अप्येगद्वा...चारवा विज्जाहरा आगासाति वाह्यो” ओव० १६; —गय. त्रि० (—गत) आकाशवर्ति; आकाशमां अधर रहेतुं. आकाशवर्ति; आकाश में अधर रहा हुआ. hanging in the sky. “आगासयं चकं. आगासयं वृत्तं” सम० ३४; (२) अतिउंच; आकाशतल स्पर्शी. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शी. sky-kissing; very lofty. भग० १, ३३; १६, ५; —गामि. त्रि० (—गामिन्) आकाशमां धरनार प्राणी; पक्षी वगैरे. आकाश में उड़ने-वाला प्राणी. a bird etc. “आगास-गामिणो पाणापाणे किलेसंति” आया० १, ६, १, १७७; —तल. न० (—तल) आकाशतल तलीयुं; आकाश का तल. the bottom of the sky. नाया० १४; (२) गगनतल स्पर्शी—ऊँचा भरेल. गगन-स्पर्शी—बहुत उँचा महल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा० ३, ३; नाया० १४; V. II/4.

—तलल. न० (—तलक) अभासी; अश्रमे. करोखा. a terrace. नाया० १६; विवा० ६; —धिग्गल. न. (—धिग्गल) सरदशतुनुं स्वच्छ आकाश; वादलथी छुटुं धतुं आकाशमां के अति स्पष्टताम देखाय छे; धिग्गलरूप आकाश. शरदशतु का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. “आगास धिग्गले वंमंते! किरिया कुवे कइहिंवा काएहिं कुवे” पञ्च० १५; —पइट्टिय. त्रि० (—प्रति-हित) आकाशने अवतंभीने रहेल. आकाश का अवलंबन कर रहने वाला; आकाशावलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; “आगास पइट्टिय बाए” भग० १, १; —पंचम. पुं० (—पञ्चम) आकाश जेमां पांचमुं छे ते-पांच महा भूत पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु अने आकाश. जिसमे आकाश पंचम है वह पंच महाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश). the five elements of which other is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). “पुडवी आउ वाउ तेऊवा, आगासपंचमा” सूय० १, १, १, ७; —पय. न० (—पद) दृष्टिवादांतगत सिद्धभेषि परिक्रमंते योथे भेद. दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्धभेषि परि-कर्म का चौथा भेद. the fourth part of Siddha Śreṇi Pari-karma in Dṛiṣṭivāda. सम० १२; —व्यपस. पुं० (—व्यपेश) आकाशने अविभाज्य अंश. आकाश का अविभाज्य अंश. an indivisible part of the sky. भग० २५, ४; विशेष० ४८६; —फलिबसरिस. त्रि० (—स्फटिक सदृश) अत्यंत स्वच्छ; स्फटिक तुल्य. अत्यंत स्वच्छ स्फटिक तुल्य. clear and trans-

parent like crystal. ओव०
—फलिया मय. त्रि० (- स्फटिकमय) अति-
स्वच्छ; स्फटिकमय. अतिस्वच्छ; स्फटिक मय.
very clear; crystal-like. “ आगास
फलियामयं सपायपादं सीहासणं ” सम० राय०
—फलिह. पुं० (- स्फटिक-आकाशमिव
यदत्यंतमच्छं स्फटिकमकाशस्फटिकम्) अति
स्वच्छ स्फटिक; निर्मल स्फटिक. अत्यंत
स्वच्छ स्फटिक. very clear crystal.
“ आगास फलिहामण्यं सपायपादं सीहा-
सणेण ” जं० प०

आगासग. त्रि० (आकाशक) प्रकाशक.
प्रकाश करनेवाला. (That) which gives
light. सम०

आगासत्थिकाय. पुं० (आकाशास्तिकाय-
अस्तयः प्रदशाः तेषां कायः समूहः अस्ति-
कायः) दशेक वस्तुने अष्टादश आपनाह
द्रव्य; ७ द्रव्यभागुं त्रीनुं द्रव्य. प्रत्येक वस्तु
को अवकाश देनेवाला द्रव्य; छः द्रव्यों मे का
तासरा द्रव्य. A substance in which
all things exist or reside; the
third of the six substances.
“ आगासत्थिकायस्म ये पुच्छा गोयमा अणेगा
अभिवयणा ” उक्त० २, २०; अणुजा० ६६,
१३१; सम० ६; राय० २७०; भग० २,
१०; ७, १०; २०, २;

आगास फलि ओयमा. स्त्री० (आकाश
स्फटिकोपमा) आकाश अने स्फटिकना जैसी
निर्मल अने जलनी भीत रस वाली आभा
वस्तु. आकाश और स्फटिकके समान निर्मल
ऐसी मांठेरस वाला एक प्रकारका खाद्य वस्तु.
A substance as pure and trans-
parent as crystal used as food-
stuff. पञ्च० १७; जं० प० २, २२;

आगासिउं. हे० कृ० अ० (आकृष्टम्) आक-
र्षण करने; अभीष्ट धारण करने; आकर्षण करके;

पास लाकर. Having drawn near;
having attracted. विशेष० २२२;

आगासिय. त्रि० (आकर्षित) आकर्षण करने;
उपादेय. आकर्षित; आकर्षण किया हुआ.
Attracted; drawn; lifted up. ओव०

आगासिय. त्रि० (आकाशित — आकाश-
मन्धर मितः प्रातः) आकाशवर्ति; आकाशभां
रहेल. आकाशवर्ति. Situated in the
sky. “ आगासियाहि सेय चामराहि ” ओव०

आगाहइत्ता. सं० कृ० अ० (आगाह)
अवगाहीने. अवगाहन करके. Having
entered; having resorted to.

“ आगाहइत्ता चलइत्ता ” दस० ५, १, ३१;

आगिइ. पुं० (आकृति) आकृति; आकार;
संज्ञा; आकार; संस्थान. Form; con-
figuration; shape. विशेष० २०६२;
७०७; नाया० १; क० गं० ५, ६१; —तिग
न० (- त्रिक) आकृति संज्ञा ६ सधयल
७ अने गति पांच, अनामनी १७ प्रकृतिने
समुदाय. आकृति-संस्थान ६ संहनन ६ और
पांच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों
का समुदाय. the collection of the
17 Prakritis made up of six
Samsthānas, six Saṅghayānas
and five Jātis. क० गं० ५, ८;

आगिति. स्त्री० (आकृति) अथवा “ आगिइ ”
शब्द. देखो “ आगिइ ” शब्द. Vide
“ आगिइ ” जीवा० ३, ४; राय० १८८;

✓ आगिल. धा० I. (आ + कल् = जि)
जितुं; जयप्राप्तुं. जीतना; जय प्राप्त करना.
To conquer; to get victory.
आगिलंति. भग० ३, २;

✓ आ-ग्या. धा० I. (आ + घ्रा) सुगंध लेनी;
सुंघनुं; वास लेनी. सुगंध लेना; सुंघना;
To smell; to scent.
आग्याइ. डा० २, २;

आघातह. नाया० १;

आघातमात्र. व० क० नाया० ८;

आघं. त्रि० (आख्यातवत्) कहेनार; कथन करनेवाला; आख्यान करने वाला. (One) who tells or lectures or preaches. सू० १, १०; १; —अज्झयण. न० (आख्यातवदध्ययन) सुप्रसंग सुत्रना पड़ेना अनुसंधाना १० भां समाधि अध्ययननुं अपर नाम. सूत्रकृत्यांग के पहिले धृतस्कंध के १० वें समाधि अध्ययन का दुसरा नाम. another name of the 10th Sappādhi chapter of the first Sūtra-skandha of the Sūyaga-dānga Sūtra. सू० नि० १, १०, १०३;

आघंस. त्रि० (आघर्ष) पालूँ साथे घसीने पीया योग्य आपधि वजेरे. पानी के साथ घिसकर पीने योग्य औषधि वगैरह. Medicine which can be taken after it has been rubbed with water on a hard substance. पि० नि० ५०२;

आघंसित्ता. सं० क० अ. (आघृष्य) घसीने. घिसकर. Having rubbed. अघा० २, ५, १, १४६;

आघवहस्तर. त्रि० (* आख्यात) आख्यात करनेनार; कथा करनेनार. आख्यान करने वाला; कथा वाचक. (One) who relates or describes; narrator; भा० ४, ४;

आघवण. न० (आख्यान) आख्यात; सामान्य कथन. व्याख्यान; सामान्य कथन. Telling; lecturing. नाया० १, १८;

आघवणा. स्त्री० (* आख्यान) आख्यात; सामान्य कथन. आख्यान; व्याख्यान. Telling; lecturing; “ बहुहिं आघवणा-दिय ” उवा० २, १११; भग० ६, २२;

आघविय. त्रि० (आख्यात) कहेनार. कहाहुआ. Told; related. “ भगवया महावीरेण आघविय ” उक्त० २६, ७४; पराह० २, १; (२) स्वीकृत. स्वीकृत. accepted. अणुजो० १५;

✓ आघस्त. धा० II. (आ + घृष्) थोड़ धसयुं थोड़ा घमना. To rub slightly. आघमेज. वि० निमा० ३, ५;

आघात्र—य. पुं० (आघात—आहन्यन्ते अपनयन्ति विनाशयन्ते प्राणिनां दश प्रकारा अपि प्राणायस्मिन् स आघातः) भरण; मृत्यु. मरण मृत्यु. Death. निमा० १२, २५; दस० ६, ३५; सू० १, ६, ४; —मंडल. न० (—मण्डल) वधस्थान—भांडी. वधस्थान; हत्यागृह; वूचड़ खाना. a slaughter-house; a place of killing. नाया० ८;

आघात. त्रि० (आख्यात) कहेनार. कहाहुआ. Told; related. सू० १, ४, १, ११; १, १३, २;

आघाय. त्रि० (आख्यात) कहेनार. “ आघात ” शब्द. देखें “ आघात ” शब्द. Vide “ आघात ” सू० १, १, २, १;

आघायण. न० (आघात) वधस्थान; भांडी. वधस्थान; फाँसी देने का जगह. A place of killing; a place where men are hanged. निमा० १२, २५;

आघायाथ. व० क० त्रि० (आघातयत्) विनाश करते; धात करते. विनाश करताहुआ; घात करता हुआ. Killing; destroying. “ आघायाथ समुत्थं ” उक्त० ५, ३३;

✓ आचर. धा० I. (आ + चर्) आचरयुं; अनुमान करने. आचरण करना; अनुष्ठान करना. To practise; to perform. आचरति. दस० ६, १६; आचरिड. दे० क० सु० न० १, २४३२

आवरण. हे० कृ० नाया० १४;

आवरण. व० कृ० उक्त० १, ४२; प्र० १२१;

आवरण. व० कृ० दसा० ६, १; विशेष०
३१६०;

आचरण. न० (आचरण) आचार; अनुष्ठान.
आचार. Practice; performance;
conduct. प्रव० २७७;

आचारमात्रो. अ० (आचरमात्) छेडा
पर्यन्त. ऊपर तक Up to the end;
till the end. क० प० ५, ११;

आचिण. त्रि० (आचीर्ण) आचरेत्;
आचरेत् इत्येव. आचरण किया हुआ.
Practised; observed. राय० ३७;

आचेलक. त्रि० (आचेलक्य-न विद्यते चेलं
वस्त्रं यस्य स आचेलकस्तस्य भाव आचेल-
क्यम्) परिमाण उपरान्त वस्त्र न राखवा ते;
पडेता अने छेडा तीर्थकरना साधुओं की
भाटे अधिकता अधिक मर्यादा. परिमाण से अधिक
वस्त्र न रखना; पडेते और अनिम तीर्थकर के
साधुओं के लिये नियत की हुई एक मर्यादा.
Having no garments beyond
the prescribed limit; a fixed
limit in the matter of garments
of the Sādhus of the 1st and
last Tirthankaras. “ आचेलको
धर्मो पुरिमस्स पच्छिमस्स जिहस्स ”
पंचा० १७, ६;

आचेलुक्क न० (आचेलक्य) पडेता अने
छेडा तीर्थकरना साधुओं की इत्येव. भात-
परिणाम सति संज्ञा देयता अथवा मूल्या-
पात्रा पत्ता धारण करवाते. पहिले और
अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का कल्प; अन्य
मूल्य बात परिमित सुकेद वस्त्रा कांदा धारण
करना. The religious practice (in
the matter of wearing clothes)

of the Sādhus of the first and
last Tirthankaras; viz putting
on white, scanty and cheap
garments. प्रव० ६२८;

आच्छादण न० (आच्छादन) ओ११३.
आच्छादन; चादरा. A bed-cover; a
covering. आया० ९, २, १, ६२. कप०
४, ६५;

✓ आच्छिद. धा० I. (आ+च्छिद) छेदन
करनुं; थोड़ा छेदनुं. छेदन करना; कुछ छेदना.
To cut; to cut a little.

आच्छिदेज्ज. वि० निसी० ३, ३४;

आच्छिदिहिति. भग० १५, १; डा० ५;

आच्छिदिता. निसी० ३, ३६;

आच्छिद्वि. सं० कृ० प्रव० १४६;

आच्छिद्विमाह. व० कृ० भग० ८, ३;

आच्छिदितार. त्रि० (आच्छेत्) अंगार
पाडणार. भंग करनेवाला. (One) who
breaks up or disperses by creat-
ing alarm. सम० ३३;

✓ आ-छंट. धा० I, II. (आ+छंट) छंटनी.
छंटनुं. जल छिटकना. To sprinkle
water.

अच्छोडेह. नाया० १८;

आजम्म. अ० (आजम्मन्) छंदगी पर्यन्त.
आजन्म; जीवन पर्यन्त. Life-long.
“ वसिष्ठ तथ आजम्मगोयमा सज्ज सुखी ”
गच्छा० ७; पंचा० १७, २८;

आजाह. स्त्री० (आयाति) आवयुं ते; पूर्व
जन्मों में आवयुं ते. आना; पूर्वभव से आना.
Coming; arrival; coming from
the previous birth. डा० १०;

आजाह स्त्री० (आजाति-आजायन्ते तस्या-
मित्याजातिः) आवयुं ते; आवयुं; उत्पत्ति.
जन्म; उत्पत्ति. Birth; creation. भग०
५, ३; डा० १०; — टाण. न० (-स्थान)

जन्म-उत्पत्तिनुं स्थान-संसार. जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार. the place of birth. ठा. १०; (२) आण्ड्रिह्युनामे दशाश्रुत-रङ्गनुं दशभुं अध्ययन. दशाश्रुतस्कंध का आजाइट्ठाण नाम का दसवीं अध्ययन. the 10th chapter named Ājāitthāṇa of Daśāśrutaskandha. ठा. १०; —ट्ठाणउज्झयण. न० (—स्थानाध्ययन) दशाश्रुतरङ्गनुं अपर नाम; आचारदशा-सूत्रनुं १० भुं अध्ययन. दशाश्रुतस्कंध का दूसरा नाम; आचारदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन. another name of Daśāśruta-Skandha; 10th chapter of Āchāradaśā Sūtra. ठा. १०;

आजीव. पुं० (आजीव—आजीवनमाजीवः) आञ्जिका; वृत्ति; रेश. आजीविका; वृत्ति; धन्दा. Livelihood. प्रव० ११४; (२) आञ्जिका पुरतो द्रव्य संयय. आजीविका के योग्य द्रव्य का संचय. wealth sufficient for livelihood. सूय० १, १३, १५; (३) उपाययुना १६ दोषभूतो येथे दोष; गति वगेरे गणायीने आहारादि लेवा ते उपायण के १६ दोषों में का चौथा दोष अर्थात् जाति वगेरह बताकर आहारादि लेना. the 4th out of 16 Upāyana faults; accepting food after making one's caste etc. known; the fourth of the 16 faults known as Upāyana. पि० नि० ४०८; (४) गोशालाना भतनुं नाम. गोशाला के मत का नाम. name of the creed of Gośālā. भग० ८, १; (५) गोशालाना भतनो साधु. गोशाला के मत का साधु. an ascetic of the creed of Gośālā. भग० ८, ४; पि० नि० ४४५; प्रव० ७३८;

—भय. पुं० (—भय) आञ्जिकानुं भय. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम० १; प्रव० १३३४; —वित्तिया. स्त्री० (—वृत्तिता-जाति कुल गुण कर्म शिष्या-नामा-जीवनमाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद्भाव आजीव वृत्तिता) गति, कुल, आदि दर्शायीने आहार लेवे ते; उपाययुना ने येथे दोष. जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारादि लेना; उपाययुना का चौथा दोष. acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upāyana. दस० ३; ६;

आजीवग. पुं० (आजीवक) गोशालानो साधु. गोशाला का साधु. An ascetic of Gośālā creed. प्रव० ७३८;

आजीवग. पुं० (आजीवग-आसमन्ताज्जीव-त्वेनत्याजीवोऽर्थमिववस्तंगच्छत्वाभयत्-सावा जीवगः) पैसानो भद. धन का मद्. Pride of wealth. “आजीवगं केव चउत्थमाहु से पंडिप् उत्तम पोमाहे से” सूय० १, १३, १५;

आजीवणा. स्त्री० (आजीवना) आञ्जिका. आजीविका; रजगार. Livelihood. पि० नि० ४३७;

आजीवि. (आजीविन्) गोशालानो शिष्य; गोशालाना भतनो अनुयायी. गोशाला का शिष्य; गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gośālā; a disciple of Gośālā. उवा० ७, ३; (२) जे साधु पोतनी गति, कुल, शिष्य, तप वगेरेनी प्रशंसा करी आहार लेवे ते; पेटभरे साधु, अपनी जाति, कुल, शिष्य तप आदि की प्रशंसा कर आहार मांगनेवाला; पेटभरा साधु. an ascetic who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. प्रव० ११४.

आजीविक. पुं० (आजीविक) लुओ
उपरो शब्द. देखो "आजीवि" शब्द.
Vide above. ओव० ४१;

आजीविय. पुं० (आजीविक-अविवेकिबोक्तो
लब्धिपूजाख्यात्वादिभिःस्तपश्चरणा दीन्या-
जीवतीत्यर्थः) गोशालानो साधुः
गोशालाना भतना अनुयायी. गोशाला का
साधु; गोशालाका अनुयायी. An ascetic
of the creed of Gōśālā. सम० २२;
निसी० १३, ६३; पञ० २०; भग० १, २;
१५, १; उवा० ७, १८१; २१४;—उवासग.
पुं० (-उपासक) गोशालाना भतनो
आवक. गोशाला के मत का आवक.
a Śrāvaka of the faith of
Gōśālā. "तथ खलु इमेदुवालस आ-
जीवियोवासगा भवन्ति" भग. ८, ५;—उवा-
सय. अ० त्रि० (-उपासक) गोशालाना
भतनो आवक. गोशाला के मत का आवक.
a Śrāvaka of the faith of
Gōśālā. उवा० ७, १८१; १८५;
—समय. पुं० (-समय) गोशालानो
सिद्धान्त; गोशालाना भतनुं शास्त्र.
गोशाला का प्ररूपित किया हुआ सिद्धान्त;
गोशाला के मत का शास्त्र, a scripture
of the creed of Gōśālā. "आ-
जीविय समयसणं अयमद्वे पण्यते"
भग० ८२, १५, १;—सुत्त. पुं० (-सूत्र)
गोशालानुं परुपेत्त सूत्र. गोशाला का प्ररूपित
सूत्र. a Sūtra of Gōśālā's creed.
सम०

आडंबर. पुं० (आडम्बर) भोटुं नगाडू. बड़ा
नगाडा. A big kettledrum. अणुजो०
१२८;

✓आडहः धा० I. (आ + दह्) आलपुं.
जलाना. To burn. 'आडहन्ति.' सूय० १,
५, २, ३; "धूलं विवासं मुहे आडहन्ति"
आडा. स्त्री० (आडा) पालीमां तरनार ऐक
गतनुं पक्षी; पक्षी विशेष. पानी में तैरने-
वाला पक्षी; पक्षी विशेष. A kind of
bird that can swim in water.
पञ० १; परह० १, १;

आडोलिया. स्त्री० (*आडोलिया) नाना
आलोकने रमयानुं ऐक रमकडुं. छोटे बालकों
के खेलनेका एक खिलौना. A toy for
young children. "एवं वदए आडोलि-
याओ तैदुसए पंगुलए साडोलए.....अव-
हरति." नाया० १८;

✓आडोव. धा० II. (आ + टोप्) विस्तारीने
अरतुं. विस्तार करके भरना. To fill by
expanding.
आडोवेत्ता भग० १, ६;

आडोव. पुं० (आटोप) विस्तार. विस्तार.
Expansion. नाया० १; उवा० २, १०७;
कृष्ण० ३, ३५;

आडअ—य. पुं० (आडक) बार प्रस्थ
प्रभाणु धान्य भाप विशेष. धान्य नावने का
माप विशेष. A kind of measure
of corn. ओव० ३८; राय० २७२; प्रव०
१३६५;

आडई. स्त्री० (आडकी) तुवरनुं आड. तूर का
माड. A kind of plant bearing
corn called Tavar. पञ० १;

आडग. पुं० (आडक) बार आडक प्रभाणु
धान्य भाप विशेष धान्य का माप विशेष.
A certain kind of measure of
corn तंडु० प० १४; अणुजो० १३२;

आडत्त. त्रि० (*आरब्ध) आरंभेनुं.
आरंभ किया हुआ. Begun; com-

menced. वि० नि० ४६२; क० प० ७,
४७; भग० ६, ८; सु० च० २, ५, ७;

आढसं. सं० कृ० अ० (आरम्भ.) आरंभीने.
आरंभ करके. Having begun.
परण० १७;

✓ आढा. भा० I. (आ+ढ) आदर करवा.
आदर करना. To honour; to respect.
आढाह-ति. भग० ३, १; ४, ३३; विवा०
६; नाया० १; ५; ६; १६; १६;
राय० ७८; २२७; स्य० २७३७;
उवा० ७, २१५; निर० १, १;

आढंति. नाया० २; १६; भग० ३, १;

आढायंति. नाया० १; १४; भग० ३, २;

आढाएजा. वेय० १, ३३;

आढाहि. नाया० १४;

आढाह. नाया० ६; भग० ३, १;

आढाबमास. व० कृ० आया० १, ७, १,
१६७; भग० ३, १;

आण. पुं० (आण) श्वासोच्छ्वास. श्वासो-
च्छ्वास. Respiration. भग० ५, १;
सु० प० ८; (२) संप्र्यात आवलिका
प्रमाण कालने ओक विभाग; तन्दुरस्त
माणसना ओक उच्छ्वास प्रमाणने काल.
संख्यात-संख्यायुक्त आवलिका प्रमाण काल
का एक विभाग; निरोग मनुष्य के एक श्वास-
प्रमाण काल. a division of time
equal to one breath of a healthy
man. अणुजो० ११५; —गहण. न०
(—ग्रहण) प्राणवायु (उच्छ्वास निःश्वास)
ने योग्य पुद्गलनुं ग्रहण करवुं ते प्राणवायु
(श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्गल का ग्रहण
करवा. taking in matter fit for
respiration. “ समयं आणगहणं ”
पञ० १;

आणअ. पुं० (आनत) नयमां देवलोकां

नाम. नौवें देवलोक का नाम. Name of
the 9th Devaloka. अणुजो० १०४;

आणंतर. त्रि० (आनन्तर-अनन्तरे भव
आनन्तरः) अन्तर नहि ते-निरंतर अन्तर
न होना; अनन्तर-इतरेतर. Without
interval; coming after imme-
diately. आया० नि० १, १, १, २१;

आखंद. पुं० (आनन्द) आनन्द; हर्ष. आनन्द;
हर्ष; प्रमोद. Delight; joy. आया० १,
३, २, ११७; नाया० १; २; भग० ११, ११;

॥ उवा० २, ६१; (२) ओक अष्टोत्तशतिना त्रीश
मुहूर्तमांसा १६मां मुहूर्तनुं नाम; समवायंग-
नी गणुनी प्रमाणे ११ मुं मुहूर्त. एक अष्टो-
त्तरात्रिके तीस मुहूर्तोंमें से १६ वें मुहूर्त का
नाम; समवायंग की गिन्ती के अनुसार
११वां मुहूर्त. the name of the
16th out of 30 Muhūrta of
one day and night; the 11th
Muhūrta according to the calcu-
lation of Samavāyāṅga. सु० प०
१०; जं० प० ७, १५२; सम० ३०; (३)
आवती चोवीसीना छट्ठा अष्टदेवनुं नाम.
आगामी चोवीसी के छट्टे बलदेवका नाम. the
name of the 6th Baladeva of
the coming Chovisi. सम० प० २४२;
(४) शीतलनाथ स्वामीना पहिला गणधर.
शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर.
the first Gaṇadhara of Śitala-
nātha Svāmī. सम० प० २३३;
(५) लगवान् महावीर स्वामीना अन्ते-
वासी ओक शिष्य. महावीर स्वामीका समीपवर्ति
एक शिष्य. a disciple of Mahāvira
Svāmī. “समणस्स भगवओ महावीरस्स
अन्तेवासी आखंद नामं धेरे” भग० १५, १,
(६) आखंद नामे गृहपति के बेटे धेर
लगवान् महावीर स्वामीओ जीवन भास-

अभिलुनुं पारलुं क्युं हतुं. आनंद नामक एक गृहस्थ जिसके यहाँ महावीर स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ānanda at whose house Mahāvira had broken his fast of second month. भग० १५, १; (७) गन्धमादन नामना वप्पारापर्यंतने। वसनार देव. गन्धमादन नामक बखारा पर्वत पर रहने वाला देव. a deity residing on the Gandhamādana Vakhārā mountain. जं० १० (८) भरतक्षेत्रना आलु येवीसीना छट्ठा अलदेवनुं नाम भरत क्षेत्रकी वर्तमान चौबीसांके छठे बलदेवका नाम. name of the 6th Baladeva of Bharata Kṣetra in the present Chovisī (i e. cycle). प्रव० १२२५; (६) वालुंज नगरना निवासी आखंद्दु आवक; उपासक सूत्रना दश आवक पैकी प्रथम आवक, के जेहे भदावीर रवामी पासे व्रत आदर्या, आवकनी ११ प्रतिमा अंगीकार करी आवकपलुमांज अवधिज्ञान प्राप्त क्युं, ओक भासने। संथारे क्यो-विस्तार उवा० ना प्रथम अध्ययनमां छे त्यांथी जेध देवे। वार्णज नगर का एक आनंदजी नामक आवक; उपासक सूत्र में वर्णित दस आवकों में का पहिला आवक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, आवक की ११ प्रतिमा अंगीकार करके आवक अवस्थामें ही अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया; इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है. name of a Śrāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvira and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santhāro for a month. उवा० १, १०; संथारा (१०) उपासकदश सूत्रना पहिला अध्ययननुं नाम. उपासकदश सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम. the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sūtra. उवा० १, २; (११) अलुत्तरो-ववाइ सूत्रना ७ मां अध्ययननुं नाम. अलुत्तरोववाइ सूत्र के ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of the Aputtarovavāi Sūtra. अलुत्त० ७; (१२) धरखेन्द्रना रथनी सेनाना अधिपति. धरखेन्द्रकी रथसेना का अधिपति -नायक. commander of Dharanendra's army consisting of chariots. ठा० ५, १; —अडमयण. न. (-अध्ययन) उपासकदश सूत्रना पहिला अध्ययननुं नाम. उपासक दश सूत्रके पहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Upāsagadasā Sūtra. उवा० १; (२) अलुत्तरोववाइ सूत्रना ७ मां अध्ययननुं नाम. अलुत्तरोववाइ सूत्रके ७ वें अध्याय का नाम. the name of the 7th chapter of Aputtarovavāi Sūtra. अलुत्त० ७; (३) निरयावलिंका सूत्रना २० वगना नवमां अध्ययननुं नाम. निरयावलिंका सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवें अध्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २. ६; —कूट. न० (-कूट-आनन्द नाम्ना देवस्य कूटमानन्द कूटम्) गन्धमादन नामे वप्पारा पर्यंतनुं सातभुं शिपर. गन्धमादन नामक

वज्रारा पर्वत का सातवीं शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vajhārā mountain. जं० प० —रूप. त्रि० (—रूप) आनन्दरूप; आनन्दमय. आनन्दरूप; आनन्दमय. full of delight. नाया. १;

आणंदजीव. पुं० (आनन्दजीव) आवती उत्सर्पिणीमां यतार पेदात्र नामना ८ मां तीर्थकनुं पूर्वभवतुं नाम; आनन्दतो आत्मा. आगामी उत्सर्पिणीके नवें तीर्थकर का पूर्वभव का नाम; आनंद की आत्मा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiṇī; the soul of Ananda. प्रब० ४६७;

आणंदरक्षिण्य. पुं० (आनन्दरक्षित) ओ नमना पारश्वनाथना ओक थियर साधु (स्थविर). पारश्वनाथ स्वामीके एक (स्थविर) साधु का नाम. Name of an ascetic of Pārśvanātha. “तत्पदं आणंदरक्षिण्य नामं धरे” भग० २, ५;

आणंदा. स्त्री० (आनन्दा) पूर्वि दिशाना रुचक पर्वत उपर वसनारी आठमांती त्रीण दिशां कुमारिका. पूर्वादिशा के रुचक पर्वतपर बसनेवाली आठ दिशा-कुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Disākumārīkās residing on the Rūchaka mountain of the East. जं० प० ५, ११४; (२) लक्ष्मीपना पूर्वादि अञ्जनक पर्वत उपरती ओक लक्ष्मी गेज्जत प्रमात्य लांगी पहोली अने १० गेज्जत डी ओक वानुं नाम. लवण-द्वीप की पूर्व दिशा के अञ्जनक नामक पर्वत पर की एक वावकी का नाम जो एक लाख अञ्जन लकी बोकी और १० योजन लंबी है.

the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavana-Dīpa. प्रब० १४६३; ठा० ४, २; जीवा ३; ४;

आणंदिअ—य. त्रि० (आनन्दित) आनंद पमिअ; आनन्द युक्त. आनंद पाया हुआ; आनंदयुक्त. Joyous; delighted. “इह मुह चित्तमाणंदिअ” ओप० ११; नाया० ध० भग० २, १; सु० च० ३, १२४; कप्प० १, ५;

आणकजेउं. सं० कृ० अ० (परीक्ष्य) परीक्षा करीने; तपास करीने. परीक्षा करके; जांच करके. Having examined. ओष० नि० ३६;

आणट्टाकिइ. त्रि० (आज्ञार्थकृति—आज्ञाऽऽगमोऽर्थ शब्दस्य हेतु वचनस्यापि दर्शनादर्थो हेतुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थोऽमुनि वेद्यात्मिका यस्य स आज्ञार्थकृतिः) मुनि वेचना देखाव वाला. मुनि वेदाका दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like, an ascetic. “आणट्टाकिइ पण्यए” उत्त० १८, ५०;

आणण. न० (आनन) मुख; मोहं. मुखा. A face; a mouth. “कुंडल उज्जाइयाणणे” जं० प० जीवा० ३, ४; पज० २; नाया० १; कप्प० २, ८४; ३, ३६;

आणयणहु. न० (आनयनार्थ) लावनेभारे. लाने को. In order to bring पंचा० ७, ३६;

आणत. पुं० (आणत) नयमां देखोउनुं नाम. नौव देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. जीवा० २;

आणत्त. त्रि० (आज्ञत्त) आता आपेअ; आदेश करेअ; कृतां अदेश. आज्ञापित;

आदेशित; हुक्म किया हुआ. Ordered;
commanded. पृष्ठ० १, ३; सु० न०

२, ६, १३; विशे० १०-१४; नाया० ८; १६;
भग० ७, ६;

आश्रय. न० (अन्तर) परस्पर भेद-भिन्न-
प्राप्ति. २६६. परस्पर भेद; भिन्नता; जुदाई-
Mutual separation; separation.
राय० २६०; पञ्च० १५; भग० १८, ३;

आश्रयि. श्री० (आज्ञास्ति) आज्ञा; हुक्म;
आदेश. आज्ञा; हुक्म; आदेश. Order;
command. "आश्रयि पञ्चपिण्ड"
ज० प० ३, ४५; नाया० १; —किंकर. पुं०
(—किंकर) आज्ञापालक नौकर. आज्ञापालक
नौकर. an obedient servant.
ज० प० ३, ४५;

आश्रयिभाषा. श्री० (आज्ञाजिह्वा) आज्ञा;
हुक्म; आदेश. आज्ञा; हुक्म. Order;
command. वि० १; भग० ७, ६; १,
१३; नाया० १; ८; १५; १६; नाया० ध०
श्रीव० २६; राय० २८; उवा० २, १०६;
ज० प० ३, ४५;

आश्रयपाण. पुं० (आनपाण) ओ३ अ सो-
मृ०वा३ प्रम० लु० का३. एक आसाच्छवास में
जितना समय लगे उतना समय. Time
required for a single breath.
जीवा० ३, ४; —भासा. श्री० (—भाषा)
आसोमृ०वा३ स अने ला० ये ये प०तिमि. आसो-
च्छवास और भाषा ये दो पर्याप्ति. the de-
velopment of the two faculties
viz that of respiration and
that of speech. क० प० ४, १५;

आश्रय्य. त्रि० (आज्ञाप्य) देने आज्ञा-
हुक्म करी शक्य ते; आज्ञा देकर. जिसे
आज्ञा दी जासके; आज्ञानुसार चलनेवाला.
(One) carrying out an order;
(one) who can be ordered.

"आश्रय्या इति दासावा" सूय० १,
४, २, १५;

✓आश्रय. धा० I. (आ+अन्) आश्रु
धारण करना; श्रवण; जीना; प्रण
करना. To live; to breathe.

आश्रयति. सम० १; भग० १, १; २, १;
६, ३३-३४; पञ्च० ७;

आश्रयमाण. भग० ६, ३३;

✓आश्रय. धा० I. (आ+आ) आश्रु;
आवृत्त. लावा. To bring; to fetch.
आश्रय. क० गं० ३, १२;

आश्रय. पुं० (आनत) नवमे. देवलोक. नौवाँ
देवलोक. The ninth Devaloka. (२)
नवमा देवलोक पुं० विभक्त. नौवें देवलोक का
निवासी. a heavenly abode of the
ninth Devaloka. श्रीव० २६; सम०
१६; पञ्च० १५; ज० २, ३; उवा० ३६, २०६;
नाया० १; भग० ३, १; ८, १; १८, ७;
विशे० ६६६; —देव. पुं० (—देव) नवमा
देवलोकना देवता के लिये १९ सागर पमती
स्थित थे—आगलीस हज़ार वर्ष आहारनी
छान्ना अने १९ पञ्च ताड़िये के आसोच्छवास
होते थे. नौवें देवलोक के देव जिनकी आयु
१९ सागरापम है और उर्जास हजार वर्षवाद
जिन्हें आहार की इच्छा होती है तथा १९
पञ्च (६१ माह) बाद आसोच्छवास लेते हैं.
the deities of the ninth Deva-
loka who live for 19 Sāgaro-
pamas, take food once in 19
thousand years and breathe
once in 19 fortnights. भग०
२४, २१;

आश्रयण. न० (आनयण) आश्रयणी लावतु ते.
बाहर से लाना Bringing from out-
side. प्रव० २८५; पञ्चा० १, २०;

— उपयोग. पुं० (—प्रयोग) आदेशी इहनी
 ७६२११ ३७ वस्तु ममवर्षा ते; आज्ञा
 दशमा प्रतनो प्रथम आतिचार. नियत की
 हुई मयादा के बाहिर से वस्तु मंगाना; आज्ञा
 के दशवें मत का प्रथम आतिचार. the
 first of the partial violations
 of the 10th vow of a Śrāvaka.
 पं० १, २०; प्र० २८५;

आज्ञावण. न० (आज्ञापण) आदेश; प्रति-
 भेदन; प्रवर्तन. आदेश; प्रवर्तन. Order;
 command. उवा० १, ५४;

आज्ञावणिया. स्त्री० (आज्ञापणिका) पापने
 आदेश-दुष्कर्म करनेवाली दुष्कर्मण्य आय ते; २५
 क्रियाभांती ओक. पाप के आदेश से कर्मबंध
 होना; २५ क्रिया में से एक. Incurring
 Karma by ordering some evil
 action. टा० २, १;

आज्ञावणी. स्त्री० (आज्ञापणी) आज्ञा आप-
 वाणी भाषा; व्यवहार भाषाओं में ओक प्रकार
 आज्ञा करने की भाषा; व्यवहार भाषा का
 एक भेद. A sort of language viz
 that of command. पञ्च० ११; अग०
 १०, ३; प्र० १०१;

आज्ञा. स्त्री० (आज्ञा) आज्ञा; आदेश;
 दुष्कर्म; तीर्थकर, गणधर, गुरु, पंडित; वगैरे
 नुं करनेवाले. आज्ञा; दुष्कर्म; आदेश; तीर्थकर,
 गणधर, गुरु, माता-पिता आदि की आज्ञा.
 Order; command. अग० १, ३; २,
 १; ५; ३, १; ७; ७, ६; ८, ८; १८, २;
 नाया० १; ८; ६; १६; १८; आया० १, १,
 ३, २१; १, ६, २, १८४; ओव० २०; ३०;
 ३२; ३४; उत्त० २, २; २६, १; अणुजो०
 ५१; ४२; गय० ३०; दस० १०, १, १; पिं०
 नि० ८०; १८३; पिं० नि० भा० २६; प्र०
 १००; कण्ठ० २, १३; गण्ड० ३६; जं० पं०
 ५, ११५; अण० ४, १८, ६; ३०; १०, ३;

सूय० २, ६, ५५; (२) आज्ञा उपदेश.
 आज्ञा उपदेश. the teaching or
 advice of an authoritative per-
 son. पं० २, ३२; (३) ओ० (५) सत्यवत्.
 सम्यक्त्व right knowledge. पञ्च० १;
 (४) आज्ञा व्यवहार. आज्ञा व्यवहार.
 Ājñāvyavahāra. टा० ५, २; प्र०
 ८६१; —अणुग. त्रि० (—अणुग) आज्ञा
 अनुसरन. आज्ञा के अनुसार करनेवाला.
 (one) who obeys, carries out,
 an order. अणुजो० ४२; (१)
 अगमनुसरी. आगम के अनुसार करनेवाला.
 (one) who acts according to
 the orders (of scriptures).
 पं० १६, २४; —अणुगामि. त्रि० (—अणु-
 गामिन्) आज्ञा ने अनुसरन. आज्ञा के
 अनुसार करनेवाला. (one) obeying,
 carrying out, an order. अणुजो०
 २१; —इरस्वरिय. न० (—इरस्वरिय) आज्ञा
 करनेवाला. ईश्वर-महता. आज्ञा करने में
 ऐश्वर्य महता power of ordering;
 power of command. “आज्ञा इरस्-
 रियं मे” उवा० २०, १४; —ईसर.
 पुं० (—ईश्वर-आज्ञाया इश्वर आज्ञाया)
 दुष्कर्म करनेवाला; आज्ञा करनेवाला. आज्ञा करने
 वाला. one having the power to
 command. सम० १६; जं० पं० ३, ६६;
 —कांक्ष. त्रि० (—कांक्षिन् आज्ञाया-
 कांक्षितुं शास्त्रमस्वेत्याज्ञा कांक्षितुं) सर्वज्ञता
 उपदेश प्रमाणे अनुष्ठान करनेवाला. सर्वज्ञ का उप-
 देश का अनुष्ठान करनेवाला. (one)
 abiding by the teachings of the
 omniscient. “इह आज्ञा वंकी पंडित”
 आया० १, ४, ३, १३५; —कारि. त्रि०
 (कारिन्) सर्वज्ञता आज्ञा प्रमाणे करनेवाला.
 सर्वज्ञ की आज्ञा अनुसार करनेवाला. (one)

acting according to the orders of the omniscient. “ एयस्म कलं भण्णिं इय आणाकाणि सो उसङ्गस्स ” पंचा० १७, ४४; —गारि. त्रि० (—कारिन्) श्रुती-दिक्ती आजा प्रमाणे वर्तमान. आज्ञाकारा: गुरु की आज्ञा को मानने वाला. (one) who acts according to the order of a preceptor etc. पंचा० ८, १३; —णिदेस. पुं० (—निदेश) विधिनिषेध प्रतिपादन करने के विधिनिषेध का प्रतिपादन करना. explanation of things commanded and things prohibited. (२) आज्ञाने. स्वीकार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. “ आणा णिदेस करे ” उल्ल० १, २; —णिदेसयर. पुं० (—निदेश-कर) आज्ञाने आराधक. आज्ञा स्वीकारकर्ता. आज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order. “ आणा णिदेस करे ” उल्ल० १, २; —परमंस्स. त्रि० (—परमंस्स) तीर्थंश्रुती आजा ने आधीन. तीर्थंश्रु की आज्ञा के आधीन. obedient to the order of a Tirthankara. पंचा० १४, १६; —पवित्ति. स्त्री० (—पवित्ति) सर्वज्ञानी आज्ञाने आधीन वह प्रवर्तित करने. आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthankara. “ आणापवित्तोच्चिय सुद्धा पुण्येण अण्णहाणयमा ” पंचा० ८, ३३; —वञ्च. त्रि० (—वञ्च) सर्वज्ञानी आज्ञाने अज्ञाने. आज्ञा रक्षित. सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहर. not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient. “ समिति पयित्ति सञ्जा आणा वञ्चत्ति भवञ्ज्जा चय ” पंचा० ८, १३;

—बलाभियोग. पुं० (—बलाभियोग—आज्ञा-पनमाज्ञा भवतेतं कार्यमव तत्कुर्वतो बला-त्कारणं बलाभियोगस्तत्तत्तथाया सह बलाभि-योगा आज्ञाबलाभियोगः) हुक्म अने अज्ञा-त्करणोपयोग करने के; हुक्म और बलात्कार का उपयोग करना. command accom-panied with physical force. “ आणाबलाभियोगा णिमांथाणं वा कप्पते काउं ” पंचा० १२, ८; —भंग. पुं० (—भङ्ग) सर्वज्ञानी आज्ञाने भंग सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient. पंचा० २, ४५; —रुचि. स्त्री० (—रुचि) सर्वज्ञानी वचन-प्रवर्तनानी वचन-प्रवर्तनानी रुचि; समझने के एक प्रकार. सर्वज्ञ के वचन से उत्पन्न रुचि; समझने का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of right faith based on liking. अल्ल० उल्ल० १८, १४; उल्ल० ४, १; पंचा० ११, १२; प्रव० ६६७; (२) त्रि० त्वरी रुचि (लोक); सम-झने के दश प्रकार में से एक (one) possessed of the above kind of liking. भग० २४, ७; उल्ल० १८, १४; —लोप. पुं० (—लोप) आज्ञाने भंग लोप आज्ञा का भंग. violation of an order. त्रि० त्रि० भा० २५; —व्यवहार. पुं० (—व्यवहार) गीतार्थ से आयदा जुद्धे जुद्धे स्थले रक्षा होय; अवस्थाने लीये एक जीवन्ती पासो लक्ष शब्दों ऐसी स्थितियों नयी त्वरे अगीतार्थ पण्य मति धारणमां दुश्चय अवा-लक्ष शिष्य ने गुप्त अर्थमां अतिआरो लक्ष जीवन्ती पासो मोक्षले; जीवन् आचार्य ते शिष्यनी भारत प्रथम आचार्यनी गुप्त शब्दोंमां प्रवर्तित आज्ञा प्रमाणे आयुश्चित

बगैरे ऐसे ते आजा व्यवहार. शास्त्रवेत्ता दो आचार्य भिन्न स्थानों पर रहते हैं; पर व्यवस्था के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हैं और इसलिये एक आचार्य अर्गातार्थी (शास्त्र को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण में कुशल शिष्य को गुप्त अर्थ में अतिचार बतलाकर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा आचार्य शिष्य द्वारा भेजा हुआ प्रथम आचार्य की गुप्त आज्ञा के अनुसार जो प्रायश्चित्त ले वह आज्ञा व्यवहार. when two Āchāryas well-versed in Śāstras, residing in different places cannot see each other on account of old age and one of them informs the other of his (other's) violations of right conduct in rather abstruse terms, through a disciple, faithful though not well-versed in Śāstras, and the other after receiving the message from the disciple performs the expiations ordered by the first the whole affair is called Ājñā Vyavahāra. प्रव० ८६१: —विजय. पु० (विजय) लगाने की आज्ञा को निर्णय करने के; धर्म ध्याने प्रथम भेद. भगवान की आज्ञा का निर्णय करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद. contemplation of the authority of the teachings of scriptures: the first variety of religious meditation. भग० २५, ७; —विराहत्या. का० (—विराधना) सर्वज्ञ आत्मा की विराधना करती है. सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग करना. offending against the order of the omnipotent. पंच०

१६, २८: —विराहत्यागुग. त्रि० (—विराधनागुग) आत्मा की विराधना करनेवाले. काज्ञा भंग करनेवाला. (one) who violates, offends against, an order. “ आद्याविराहत्यागुगमेव विष्य हांसि दृष्टुं ” पंचा० १६, २८; —विचरय. त्रि० (—विपरीत) २४८ की आत्मा की विपरीत सर्वज्ञ की आज्ञा से विपरीत. against the order of the omnipotent “ आद्याविराहमेव य किंचि ” पंचा० ६, ६; —सार. त्रि० (—सार) आत्मा व्यवहार प्रथम मानना. आज्ञा धर्म को प्रथम माननेवाला. (one) believing the words of an authoritative person to be above all things else. “ आद्यासारं मुण्येयम् ” पंचा० ११, ८;

आद्याश्रो. अ० (आज्ञातः) आज्ञाधी. आज्ञा से. By order; by the command of. पंचा० २, ११;

आद्याह्रिश्च. न० (अनार्थिक) निरयावलिङ्ग सत्रना त्रीन् भाग रूप पुष्पिका सत्रनु नाम. निरयावलिङ्ग सत्र के तीसरे भाग स्वरूप पुष्पिका सत्र का नाम. Name of the Puspikā Sūtra forming the third part of the Nirayāvalikā Sūtra. निर० ३, १;

आद्यापाण. पुं. (आनपाण) अ सोऽप्यास. आसोच्छ्वास. Respiration. (२) आसोच्छ्वास परिमित काल. आसोच्छ्वास परिमित काल. time required for one breath. विशेष० ३६०; —पञ्चति. का० (—पञ्चांति) जेथी अ. सोऽप्यास अथ शक्य जेथी शक्ति. आसोच्छ्वास पञ्चांति. जिसमें आसोच्छ्वास लिया जाके वह शक्ति; आसोच्छ्वास. पञ्चांति. respira-

tory power; power of breathing. भग० ३, १; ६, ४;

आशापायु. पुं० (आनप्राण) लुओ
“ आशापायु ” शब्द. देखो “ आशापायु ”
शब्द. Vide “ आशापायु ” भग० २५,
५; ठा० २, ४; जीवा० १; —पोगल
परियट्ट. पुं० (--पुगल परिवर्त) ले इनी
अदरना अथा पुगल लुओ लुओ अवभां
आसोच्छ्वास पणु जेटला वप्पतभां लध
अने भुके तेडले वप्पत. समस्त लौकिक
पुत्राणो-परमाणुओं का पृथक् २ भव जन्म में
श्वास निश्वास रूप से जितने समय में ग्रहण
कर छोड़ा जाय उतना समय. the time
taken for inhaling and ex-
haling in different births all
the Pudgalas in the world
भग० १२, ४;

आशापायु--त. न० (आनप्राणत्व) आसो-
च्छ्वास पणु. आसोच्छ्वासपन. State.
condition of, respiration. भग०
२५, २;

आशापायुता. स्त्री० (आनप्राणता) लुओ
उपले शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide
above. भग० १२, ४; २५, २;

आशुव. (*आशाम) उच्छ्वास उच्छ्वास.
Breath; breathing in. “ एणसिणं
आशामं पाणामं वा उस्सासंवा निस्सासंवा ”
भग० २, १;

अ.शुतामेय. त्रि० (अनामित) थोडु नभा-
वेडु-वडु करेडु कुछ नमायाहुआ. Some-
what bent or inclined. ओव० १०;
उवा० २, १०१;

आशामेत्त. न० (आज्ञामात्र) आज्ञा मात्र
आज्ञा मात्र. Mere order. “ आशामेत्तमि
सम्बहाउतो. ” पंचा० १४, २६;

आशुय. सं० कृ० अ० (आज्ञाय) नल्लुनि;
समञ्जने. जानकर; समझकर Having
known; having understood उत्त०
२, १७;

आणिअ--य. त्रि० (आनीत) आणेडुं;
ल वेड. लाया हुआ. Brought. भग० ३,
३३; सु० च० ५, ८२; नाया० १;

आणील. त्रि० (आनीत) आणेडुं. लायाहुआ.
Carried; brought. प्रव० २७७, ८२०;

आणीअ. पुं० (आनील आ इषाजील आ-
नीलः) थोडा नीलरंग; कंठ नील-रसा.
कुछ नीला रंग. Blue tinge; faint
blue colour “ आणीलंच वसथं रया-
वेहि ” सूय० १, ४, २, ६;

आणुकंपिय. त्रि० (आनुकम्पिक-अनुकम्पया
चरतास्यानुकम्पिकः) अनुकंपा करनेवाले; दयालु.
दयावान्; दयालु. Compassionate.
भग० ३, १; १५, १;

आशुगामिय. त्रि० (आनुगामिक—गच्छन्तं
पुरुषमासमन्तादनुगच्छत्येवं शीलः अनुगामी-
अनुगाम्येवाऽनुगामिकं) आपनी पीडे
स्वमिनी साथे साथे जनार अवधिगत;
उत्पन्न थडु होय त्यांजन अट्टी रहतां साथे
साथे जट्ठ ओ.प दस्ताना- अवधिजाननो अक
प्रकार. आंख क समान साथ २ रहनेवाला अव-
धिज्ञान; जहां उत्पन्न हुवा हां वहां न रहकर साथ
साथ जाने और ज्ञान करानेवाला अवधिज्ञान का
एक भेद. A sort of Avadhijñāna
i. e. visual knowledge so-call-
ed because it accompanies the
possessor like his eyes. ‘ आशु-
गामियोऽनुगच्छइ गच्छन्तं ’ नंदा० ६; “ से
कितं आशुगामियं आदिनाणं दुविह प० त०
अंतगयं मळगयंच ” नंदा० ६; विशेष० ५७७;
(२) उपार्जित पापपुण्यनुं श्रवणी साथे
आपडुं ले. उपार्जित पापपुण्य का बीज के

साथ आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया० १, ७, ४, २१५; —भाव. पुं० (-भाव) पठवाडे आसनरनेो आव-अनुकूलता. अनुगामी का भाव; अनुयायी का भाव. the attitude of (rever-ence) of a man who is a follow-er. सुय० २, २, २६;

आयुगामीअ—य-ता. स्त्री० (अनुगामिकता) जेवे.जवभां साथे अ वे तेजुं सुख. भवोभव-प्रत्येक भव—में साथ रहने वाला सुख. Happiness which accompanies a man in all his births. भग० ६; ३३; ओव० २०; गय० ७१; दसा० ४, ८०;

आयुगामित्त. स्त्री० (आयुगामित्त) जुओ उपदेो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १; भग० २, १; आयुत्तण. न० (आनत्व) अ सोन्धव. स-पणुं. श्वाशेच्छ्वासपना. Respiration; breathing in and out क० प० १, १०;

आयुपुव्व. न० (आयुपूर्व) अनुक्रम; परि-पाटी. अनुक्रम; परिपाटी; क्रम. Serial order; succession. सुय० १, २, ३, १३; नाया० १; ६; ७; आय० —सुजाय. त्रि० (-सुजात) अनुक्रमे-जारीतीति उभन्ना यथेते. अच्छी तरहस-अनक्रमसे उत्पन्न well-born; born in proper order. 'आयुपुव्वसुजायइ लवइ भाव' परिणया नाया० १; ४; ओव०

आयुपुव्विग त्रि० (आयुपूर्वग-अनुपूर्व क्रमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वगः) क्रमसर. क्रमवार. क्रमशः क्रमानुसार. In proper order. "आयुपुव्विग माएसो पव्वजाहुत्त अत्थ करणं" आया० १, ६; १, १७२; आयुपुव्वी. स्त्री० (आयुपूर्वी पूर्वत्व पञ्चादश

पूर्व तस्य भाव आयुपूर्वी) अनुक्रम. परिपाटी; पैदापये आव. अनुक्रम; क्रमशः Proper order; proper succe-ssion of one thing to another. (२) विविष्ट रचना. a particular kind of arrange-ment. "आयुपुव्विग संखाए" आया० नि० १, १, १, ८; १, ८, ८; भग० १, ६; २, १; ६, ३; ७, १; १५, १; २५, २; दस० ८, १; उत्त० ३, ७; रि० नि० ७८; नंदी० ३६; आयुजो. ७७; राय० जं० प० सुय० १, ४, १, ६; प्रब० ६६६; ८८४; नामकर्मनी अंक प्रकृत. (यधु विवेचन भाटे जुओ "आयुपुव्विगाम" शब्द) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'आयुपुव्विगाम' शब्द) (vide also 'आयुपुव्विगाम') a division of Nāma Karma. क० गं० ६, ६; पञ्च० २३; —गंठिय. त्रि० (-गंथित) अनुक्रमे गुथिल. अनुक्रम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in pro- per order. "आयुपुव्विग गंठिया" भग० ४, २; —णाम. न० (-नामन्) नामकर्मनी अंक प्रकृति, के जे अलदने नाथनी पेटे अथ-ने जे गतिनुं आयुष उदयभां आयुं होय तेज गतिभं समग्रय; अथ गतिभां जवा न आपे तेही न भकर्मनी अंक प्र. ति. नाम-कर्म की एक प्रकृति जो कि बल के नाब के समान जीव का जिसगति का उदय हांव उसी गति में ले जाय. a variety of Nāma- karma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Āyusya has entitled him. सम० प्रब० २८३; —विहारि. पुं० (-विहारिन्) प्रवर्ज्या कलने अनुसरी संभती ते ते हीवा करतार. प्रवर्ज्या-दाहा

काल के अनुसार संयम को कियाँ करने वाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया० नि० १, ७, १, २७३;

आणुलोमि न० (आणुलोमिक) मधुर वचन; अनुकूल वचन. मीठे वचन; मनोहर वचन; अनुकूल वचन. Pleasing and charming speech “ वदन् बुद्धेर्हियमाणुलोमियं ” दस० ७, ५६;

आण्यव्य त्रि० (आनेतव्य) लावने के योग्य. Worthy of being brought. सु० च० ८, ३०७ जं० प० २, ३३;

आणोह पुं० (आशौच-आज्ञाया अतोपदेश-स्वोऽधः सामान्यम्) सम्बन्ध दर्शित रहित आज्ञा मात्र. Words of the omniscient not accompanied with right faith. “आणोहे शाण्ता मुक्ता गेवज्जगसु-उत्तरीय” पंचा० १४, ४८;

आत पुं० (आत्मन्) आत्मा. आत्मा. Soul “कह बिहाण भंते आता प० त० गोयसा अट्टविहा.....दवियाता कसायाता जोगा-याता उवओगाता” भग० १२, १६; १४, १; २०, ३; दस० ४; टा० १;

आतंक पुं० (आतङ्क-आ-सामस्येन तङ्क-यन्ति कृच्छ्रज्जीवितमात्मानं कुर्वन्त्यातङ्काः) अत्यन्त रोग; शत्रु जैरिताप पनेरे प्राण हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३; ओ३० ३५, (२) रे गनेो परीपिड. रोगका परीषद. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७; —दंभि. पुं० (-दर्शिन) शारीरिक या मानसिक दुःख जेनार (जलुनार). शारीरिक या मानसिक दुःख आननेवाला. (one) hav-

ing knowledge of physical or mental pain. आया० १, ३, २, ४; —संयमोग. पुं० (-संयमोग) रोगने संयम. रोग का सम्बन्ध. connection of disease. —संयमोगसंप्रवृत्त. पुं० (-संप्रयोग संप्रवृत्त) रे गने संयमनी जेगनुं ते; आनेध्याननी उनेनेने. रोग के सम्बन्ध से संयुक्त होना; आसंध्यान का तीसरा भेद. meditating upon disease. ओ३०

आतंच धा० I. (आनतव्य) आनतवुं; मसतवुं. चिपडना; मसलना. To rub to apply.

आयचह. उदा० ३, १३२;

आयंचामि. उदा० ३, १२८;

आतंच त्रि० (आताञ्ज) ये रे साध; गर रारुं. वृद्ध ललाम वाला. Reddish. ओ३०

आतंचउभादण न० (आताआधायन) सत्ता धर्मस्थाना ओज्ज श्रुतं १७ भां वर्गना ओज्ज अध्यायननु नाम के जेगां सूरनी अत्र-महापाने विस्तार पूर्वक होयल छे. ज्ञाता धम कथा के दूसरे श्रुतस्वो के ७ वे वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम, जिसमें कि सूर्य की पट्टाणी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Sūta-Skandha of Jñāta—Dharma—Kathā, in which is related the account of the principal queen of the sun. नाया० ध० २; ७; २;

आतत न० (आत) लंबाई. लंबाई. Length. जं० प०

आतप पुं० (आतप) नाम कर्मेनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी जवने स्वरूपथी गरम नहि होना जता उष्णता अने प्रकाश आपनार शरीर भेदे जेम सूर्यमंडलगत पृथिवी-अग्नि उ०व. नाम कर्मको एक प्रकृति जिसके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाय के जीव. A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat; e. g. a soul having earth-body in the sun. पञ्च० २३;

आतपत्त. न० (आतपत्र) छत्र; छत्री. छत्रा. An umbrella जे० प०.

✓ आतप. भा० 11. (आतपत्त) आतपता देवी. आतपता लेता. To practise austerity by enduring cold, heat etc.

आतपयन्ति. दया० ३, १२;

आतपयिष्यति. वि० दस० ४;

आतपयिष्यति. आ० दस० २, ३;

आतपयितुं. हे० कृ० आया० १, ७, ३; २१०; वे० ५, २२;

आतपयितुं. हे० कृ० कप० ८;

आतपयितुं. हे० कृ० आया० १६, कप० ६, ५२;

आतपयिष्यति. व० कृ० नाया० १; १६; भग० २, १३; १, १, ३१; ५, १; १६, ३;

आतपयिष्यति. व० कृ० आया० ४२;

आतप. पुं० (आतप) प्रकाश; तपश्च. प्रकाश; ज्वेला. Light; sunshine. ठा० २, ४; विश० २२४२; (२) ऐ नामनुं ओ३ अडोरा-यिनुं २४ मुं सुहृन्. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्तका नाम. name of the 24th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३०; —णाम. न० (—नामन्) जु०ओ “आतप” शब्द. देखो “आतप” शब्द. vide “आतप” प्रव० १२७५; क० गं० ५, ६६; —शिवाय पुं० (—निपात-आतपस्य-धर्मस्य नितरापातो ३, १५/६)

निपातः) अरभी थयी; अहोरा थवे. गर्मी होना. coming of heat, “आतपस्य निवाणस्य अउला हवइ वेयणा ” उत० २, ३५;

आतपयन्ति. पुं० (आतपयन्) ऐ नामनुं अहोरात्रि २४ मुं सुहृन्. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जे० प०

आतपा. स्त्री० (आतपा) सूर्यनी अग्र महिषी-पुं नाम. सूर्य की अग्र पदरानी का नाम. The name of the principal queen of the sun. सू० प० १६;

आतपाभा. स्त्री० (आतपाभा) जु०ओ “आतपा” शब्द. देखा “आतपा” शब्द. Vide. “आतपा.” जीवा० २;

आतावग. पुं० (आतापक-आतापयत्याताप-नां शीतातपादिसहनरूपां करोतां व्यातापकः) आतपता सदन २२तार; सूर्यनी आतापता देवता. आतापना महन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा० ४;

आतावण. न० (आतापन) आतापना देवीते. शीत, उष्णता आदि से शरीर को कप देना. Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा० ३; दस० ४; —भूमि. स्त्री० (—भूमि) आतापना देवानी जु०ओ. आतापना लेनेका स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर० ३, ३;

आतावण्या. स्त्री० (आतापनता) जु०ओ “आतावण” शब्द. देखा “आतावण” शब्द. Vide “आतावण” ठा० ३;

आतावि. पुं० (आतापिन्-आतपयति आता-
पनां शीतातपादेसहनरूपां करोतीत्यातापी)
ताप, शीतादि सहन करनेवाला. ताप शीत, आदि
को सहन करनेवाला. (One) who
endures heat and cold. ठा० ४;
कप्प० ८;

आसिरण. त्रि० (आस्तीर्य) पाथरेलुं; जिष्ठा-
वेलुं; विद्धाया हुआ. Spread. भग० १, १;

आतीय. त्रि० (आतीत-आसमन्तादतीवइ-
तो ज्ञातः आतीतः) सर्वत्र अत्यंत ज्ञात्येव.
सर्वत्र अत्यंत-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ.
Felt excessive everywhere.
(२) (आसामस्येनातीतोऽतिक्रान्तः
आतीतः) समस्त पक्षे उत्सङ्गी गयेल.
सम्पूर्णतया उल्लाघा हुआ. wholly,
completely, crossed. आया० १, ८,
७, २२६; —ट्ट. त्रि० (-अर्थ) जेले ७५
अश्व आदि सर्व पदार्थ ज्ञाप्या छे ते.
जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला.
(one) who has known fully
sentient as well as insentient
things. (२) तमाम व्यापारथी निवृत्त
थयेल. समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one)
retired from all activities.
आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) व्याकुल; तीमालिलापी.
व्याकुल; तड़फड़ाता हुआ. Afflicted;
intensely longing. आया० १, १,
६, ५१; भग० १६, ४; नाया० ५; (२)
विषय कषाय आदि दोषयुक्त. विषय,
कषाय आदि दोषों सहित. full of
faults such as passions etc.
आया० १, १, २, १६;

आतोडिजमाण. त्रि० (आतोद्यमान) वगा-
वामां आपवतुं. बजाया जानेवाला. Being
played upon. सूय० २, ४, ११;

आतोइ. पुं० (आतोद्य) वा७३. बाजा.
A musical instrument. जीवा०
३, ३;

आत्त. पुं० (आत्मन्) आत्मा; ७५. आत्मा;
जीव. Soul. सूय० १, २, २, ३०;
(२) शरीर; देह. शरीर; देह. body.
जीवा० ३; (३) स्वयं; पोते. खुद; स्वयं.
oneself. सूय० १, १३, ३; —उप-
क्रम. पुं० (-उपक्रम-अप्राप्तकालस्यायुषो
निर्जरणं, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम
आत्मोपक्रमः, आत्मन उपक्रमोवा) पोतानुं
उपक्रम-अप्राप्तकाल आदिपानुं निर्जरण.
आत्माका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का
निर्जरण. Nirjarā of one's own
unfinished life period. भग०
२०, १०; —भाव. पुं० (-भाव)
स्वाभिप्राय; स्वच्छंदपणुं. स्वेच्छाचार; स्व-
च्छंदता. wilfulness; self-will. “जे
आत्ताभावेण वियागरेजा” सूय० १, १३,
३; —रक्षक. पुं० (-रक्षक) पोताना
स्वाभिना शरीरनुं रक्षणुं करनेवाले देवतानी ऐक
जत; आत्म-रक्षक देवता. अपने स्वामी की
रक्षा करने वाले देवों की एक जाति; आत्म-
रक्षक देव. a kind of deities who
protect the body of their lord.
जीवा० ३, ४; —हित. न० (-हित)
आत्मश्रेय; आत्म-कल्याण. आत्मकल्याण.
welfare of the soul. “आत्तहितं सु
बुद्धेण जग्मइ” सूय० १, २, २, ३०;

आतीकय. त्रि० (आत्मीकृत) भीरनीरनी
पेठे आत्मानि साथे ऐकमेक करेले. आत्म-
सातकिया हुआ; दूध और पानी के समान
आत्मा के साथ एकता की हुई. Made
one with the soul like milk
and water विशेष० १;

आदंस. पुं० आ० (आदर्श) ऐक जतनी

लिपी. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) अरिसे. दर्पण; शीशा. a mirror. पञ० १; —घर. न० (—गृह) अरीसानो घर. शीश-महल. a house of mirrors or looking-glasses. जं० प० ३, ७०;

आदर्शग. पुं० (आदर्शक —आसमन्तात् इत्यते आत्मा यस्मिन् स आदर्शः स एव आदर्शकः) अरीसे. दर्पण; A mirror. “आदर्शगं च पश्यच्छाहि” सूय० १, ४, २, ११; आदर्शिश्रा. स्त्री० (आदर्शिका) आद्य विशेष; ओ३ गतनो आवातोपहार्य. खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance; a kind of food. जं० प० पञ० १७;

✓ आदद्. धा० I. (आ+दद्) ग्रहण्युं कर्तुं; लेनुं; आदान कर्तुं. ग्रहण करना; लेना. To take; to accept.

आययद्. उक्त० ३२, २६;

आययंति. आया० १, ७, १, १६६; विशेष. १२२८; उक्त० ३, ७;

आययमाण. पिं० निं० १०७;

आदर. पुं० (आदर) आदर सत्कार. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा० ६;

आदरण. न० (आदरण) स्वीकार. स्वीकार. Acceptance. भग० १२, ५;

आदरिस पुं० (आदर्श) लुओ “आदर्स” शब्द. देखो “आदर्स” शब्द. Vide. “आदर्स”. ओव० १७; जं० प० ३, ३१;

आदस्स लिपि. स्त्री० (आदर्शलिपि) आदर लिपिभांती ओ३. अठारह लिपीओं में से एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

✓ आदह. धा० I. (आ+दा) धारण्युं कर्तुं; पकड़नुं. धारण करना; पकड़ना. To put on; to hold; to catch,

आदहह. ओव० ३०;

आदहिता. ओव० ३०;

✓ आदा. धा. I. (आ+दा) ग्रहण्युं कर्तुं. ग्रहण करना. To accept; to take.

आदियद्. उवा० २, १२१; सूय० २, २, २३;

आदयद्. वेय० ४, २५; निसी० १६, २४; २६;

आदयंति. सूय० २, १, १६;

आदिए. वि० उक्त० २४, १४;

आदियन्त. व० कृ० सूय० २, २, २३;

आदुनु. सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदियावेन्ति. पुं० सूय० २, २, २३;

आदियावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १६;

आदाण. न० (अदहण) आंधण्युं. आधन.

Boiling water. “आदाण भरियंसि कडाहयंसि” उवा० ३, १२६; —भरिय.

वि० (—भृत) आंधरण्युं धी भरेल. गरम जल से भरा हुआ. filled with boiling water. “आदाण भरियंसि कडाहयंसि अहमेमि” उवा० ३, १२६;

आदाण. न० (आदान) लेनुं; ग्रहण्युं कर्तुं. लेना; ग्रहण करना. To take; to accept.

सूय० १, १६, ३; उवा० १, ५१; ओव०

१०; १७; भग० २०, २; उक्त० २४, २;

प्रव० १०७६; (२) कर्मणुं उपादान कर्तुं.

कर्म का उपादान कारण. the efficient

cause of Karma. “भूणादाखाई

लोमंसिचविजं परिजाणिवा” सूय० १,

४, १०; —फलिह पुं० (—परिच आदी-

यते द्वारस्थगनार्थं गृह्यते इत्यादाकः स

चासौ परिचआदानपरिचः) आस्थुं अंध

कर्तवानी भोअल. द्वार बंद करने का आका,

चटकन. a bolt of a door. जीवा०

४; परह० १, ४; —अंडमस्तनिकवे-

वणा समिह. स्त्री० (—माण्डमाहः नद्वे-

पञ्चाममिति) उपभरण्युं आदि धरत-

पूर्वक लेवां मुकुवां ते; साधुनी पांच समिति-
भांनी येथी समिति. यत्नाचार पूर्वक
उपकरण आदि का उठाना रखना; साधु की
पांच समिति में से चौथी समिति. care-
fulness in taking up and
laying down implements or
articles of use; the 4th out of
5 Samitis of ascetics. ठा० ७;
सम० ४; —भंडमत्तनिकखेयणा समिय.
त्रि० (—भाण्डमात्रनिक्षेपणासमित) ळंड
उपकरण वस्त्रादि जतनाथी लेना
मुकुना; पांचभांनी येथी समिति पालना
साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक
उठाने रखनेवाला साधु; पांचमें से चौथी
समिति पालने वाला साधु. (one) who
is careful in handling clothes
vessels etc; a Sādhu who
observes the 4th of the 5
Samitis (carefulness) ठा० ७;
सम० ४; भग० २, १;

आदाण्या. स्त्री० (आदान स्वार्थेताप्रत्ययः)
ग्रहण करने के. ग्रहण करना. Accept-
ance. ठा० २;

आदाणिज्जम्भयण. न० (आदानीयाध्ययन)
सूत्रगण संग्रह प्रथम श्रुत स्कंधना १५
भां अध्यायनांतु नाम. सूत्रगण संग्रह के
पहले स्कंध के १५ वें अध्याय का नाम.
Name of the 15th chapter
of the first Śrutaskandha of
the Sūyagadāṅga Sūtra. सूत्र०
१, १६;

आदाणीय. त्रि० (आदानीय) आदेश्ययन;
लेयन सर्वमान्य थाय ते. आदेश्य वचन;
सर्वमान्य वचन. Speech which is
acceptable to all. सम० १६; कण्ठ०
६, १४;

आदाय. सं० कृ० अ० (आदाय) लभने;
ग्रहण करने. लेकर; ग्रहण करके. Having
taken. दसा० ५, ४९; भग० १५, १;
सूत्र० १, ४, १, १०;

आदाया. पुं० (आदानृ) ग्रहण करनेवाला;
स्वीकारनेवाला. ग्रहण करनेवाला (One)
who accepts. विशेष० १५६८;

आदि. स्त्री० (आदि) लुप्त्यो "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ".
दसा० ७; १; सू० ५० १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) लुप्त्यो "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर" सूत्र० २, २, ४९;

आदिगर. पुं० (आदिगर) लुप्त्यो "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर". नाया० १६; भग० १, १; ७,
६; १८; २; राय० २२;

आदिज. त्रि० (आदेय) लुप्त्यो "आइज"
शब्द. देखो "आइज" शब्द. Vide
"आइज" पगह० १, ४;

आदिट्ट. पुं० (आदिप) लुप्त्यो "आइट्ट" शब्द.
देखो "आइट्ट" शब्द. Vide "आइट्ट"
भग० १२, १०;

आदिय. पुं० (आदिक) लुप्त्यो "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ" भग०
१३, ४; १८, १०; २८, १; उवा० १, २६;

आदिल्ल. त्रि० (आदिम) लुप्त्यो "आइल्ल"
शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide.
"आइल्ल" भग० ७, २; १०, १; १३, ४;
१५, ८; २४, १; १२; २६, ११;

आदिल्लअ. त्रि० (आदिमिक) लुप्त्यो
"आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द.
Vide "आइल्ल" भग० ५, १;

आदिल्लग. त्रि० (आदिमक) लुप्त्यो "आइल्ल"
शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide
"आइल्ल" भग० २४, १;

आदी. स्त्री० (आदी) गंगाभा भलती ऐक नदी. गंगामें मिलती हुई एक नदी. Name of a river which flows into the Ganges. ठा० ५, ३;

आदीण. त्रि० (आदीन) लुओ " आर्हण " शब्द. देखो " आर्हण " शब्द. Vide. " आर्हण ". —वित्ति. त्रि० (-वृत्ति) लुओ " आर्हण वित्ति " शब्द. देखो " आर्हण वित्ति " शब्द. Vide " आर्हण वित्ति " " आदीण पित्ता वकरेति पावं " सूय० १, १०; ६; *

आदेज्ज. पुं० (आदेय) लुओ " आण्जणाम " शब्द. देखो " आण्जणाम " शब्द. Vide. " आण्जणाम " पञ्च० २३; जीवा० ३, ३; जं० प० —वक्क. पुं० (-वाक्य) जेना वयन आत्त छे ते. जिसका वचन ग्राह्य हो वह. one whose words are worth accepting. सूय० १, १४, २७;

आदेयवयण न० (आदेयवचन) अणु करवा योग्य वचन. ग्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of acceptance. दसा० ४, २७;

आदेस. पुं० (आदेश) लुओ " आण्स " शब्द. देखो " आण्स " शब्द. Vide " आण्स " पि० नि० भा० १८; पञ्च० १८; भग० १४, ४;

आधा. स्त्री० (आधा) आस साधुनेभाटे अहारादि बनाववा ते. खास साधु के लिये अहारादि का बनाना. Preparing food etc. specially for Sādhus. ठा० ३; —कम्म. न० (-कर्मन-आधानमाधा साधुनिमित्तं चेतसःप्रणिधानं तस्याः कर्म पाकादिक्रिया आधाकर्म तद्योगाङ्गत्वाद्यप्याधाकर्म) साधुनेभाटे आहार आदि करवां ते;

आस साधुनेभाटे बनावेव आहारादि लेवाथी साधुने लागतो ऐक दोष. साधु के लिये आहारादि बनाना; साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेसे साधु को लगनेवाला एक दोष. a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. ठा. ३;

आधार. पुं० (आधार) आधार-आश्रय; टेका. आश्रय; आधार; टेका. Means of supporting; support. भग० २०, २; पि० नि० ५७; उवा० १, ६६;

आधारणिज्ज. त्रि० (आधारणीय) धारण करवाने योग्य. धारण करने के योग्य. Worthy of being put on or accepted. नाया० १६;

✓ आधाव. धा० I. (आ+धाव्) दोड्डु. दौडना. To run.

आधावन्ति. भग० ३, १;

आधावमाण. नाया० १;

आधि. पुं० (आधि) मानसिक पीडा. मानसिक पीडा. Mental pain; agony of mind. भग० १, १;

आधुणिय. पुं० (आधुनिक) अठ्ठासी २६-मानो पांचमो महाग्रह. ८८ में से पांचवां महाग्रह. The fifth great constellation of the 88 constellations. सू० प० २०;

आधोधििय. पुं० (आधोवधिक) अभुज नभा. अंज रहुं ओयुं अवधिज्ञान; अवधिज्ञानेना ऐक प्रकार. किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला अवधिज्ञान; अवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १४, ७; १०; सम० ३६;

आनन्द. पुं० (आनन्द) आन-द-अनुदीपना

भरतक्षेत्रमांथ ॥२ आठमां तीर्थकरना पूर्व
भवतुं नाम. जंबू द्वीपके भरत क्षेत्र में होने वाले
आठवें तीर्थकर के पूर्व भव का नाम. Name
of the previous birth of the
would-be eighth Tirthankara in
the Bharataksētra of Jambu-
dvīpa. सम० पं० २४१;

✓ **आनम.** धा० I. (आ + नम्) नभतुं;
भर्यादाथी पगे पडतुं; तापे यतुं; नमना;
नम्रीभूत होना; मर्यादापूर्वक पैरों पड़ना;
आधीन होना. To bow before; to
submit to.

आनमंति उत्त० ६, ३२;

✓ **आने.** धा० II. (आ + नी) आणुतुं.
लाना. To bring.

आणेमि. पि० नि० ४६६;

आणेह. आ० भग० ६, ३३;

आणेहि. आ० ओष० नि० भा० ४१; नाया०
१७;

आणगाह. आ० सूय० १, ४, २, ११;

आणिज्जए. क० वा० व० प्र० ए० पि० नि०
५०७, विशेष० २, ३६;

आणिज्जंत. क० वा० व० कु० सु० च० १४,
५; प्रव० ८१६;

✓ **आज्ञव.** धा० I, II. (आ + ज्ञा - णिच्)
प्रवृत्ति कराववी; हुकम करेवा. प्रवृत्ति करना;
आदेश करना. To order; to
command.

आज्ञवह. सु० च० २, ३०६;

आज्ञवेह. विवा० ५, ६; राय० ४७; सु०
च० २, १६०; दसा० १०, १; नाया०
८, १६; जं० प० ५, ११५;

आज्ञवयेति. सूय० १, ४, १, ७;

आज्ञवेह. आ० नाया० ८;

आज्ञवेत्ता. सं० क० नाया० १६;

आणवेमाण. व० क० सूय० २, २, ३२;
५६; दसा० १०, ३;

आणविज्जह. क० वा० राय० २६५;

✓ **आपज्ज.** धा० I. (आ + पद्) पामतुं;
मेणवतुं. पाना; प्राप्तकरना. To get; to
obtain; to acquire.

आपज्जह. उत्त० ३२, १०३;

आपण. पु० (आपण) दुकान; हाट. दुकान;
हाट. A shop. भग० ५, ७; नाया० १;
(२) शेरी. गली. street. जीवा० ३;

✓ **आपा.** धा० II. (आ + पा) पीतुं. पीना.
To drink.

आविअह. वस० १, २;

आविए. आ० उत्त० १०, २६;

✓ **आपील.** धा० I. (आपीह) मसलतुं; पीडतुं;
रगडतुं; मसलना; दुःखदेना; रगडना. To
press; to oppress; to rub.

आपीलेह. भग० १५, १;

आपीलेए. आया० १, ४, १, १३७;

आपीलिज्जा. दस० ४;

आपीलियाण. सं० क० आया० २, १,
८, ४३;

✓ **आपुच्छ.** धा० I. (आ + पृच्छ्) पुठतुं;
प्रश्न करेवा. पूछना; प्रश्न करना. To ask;
to question.

आपुच्छह. नाया० ५; ८; १५; १६; भग०
११, ६; १२, १; उवा० १, ६६;

आपुच्छामि. नाया० १; २; ५; १२; १६;
भग० ६, ३३; १८, २; नाया० ४०

आपुच्छामो. नाया० १६;

आपुच्छर. उवा० १, ६८;

आपुच्छेह. भग० १८, २;

आपुच्छिता. नाया० १; ५; ८; १३; १६;
उवा० १, ६६; दसा० १, २२;

भग० ३, १; विवा० ७;

आपुच्छेत्ता. नाया० ८; भग० १८; २;

आपुच्छेता. नाया० २; ८; भग० १८, २;
आपुच्छेता. भग० ११, ६, १२, १; १५,
१; नाया० ५; १५; १६; १८;
आपुच्छेता. ओष० नि० भा० १३, ८;
सु० च० ४, ३६;
आपुच्छेता. कप्य० ६, ४६;

आपुच्छण. न० (आप्रच्छन) पुछवुं ते; प्रश्न
करवे। ते. पूछना; प्रश्नकरना. Question-
ing. नाया० ६;

आपुच्छणा. स्त्री० (आप्रच्छना) पुछवुं ते;
प्रश्नकरवे। ते. पूछना; प्रश्नकरना. Ques-
tioning. भग० २५, ७; नाया० १२;
अणुत० १, १; पंचा० १२, २; (२)
विनयपूर्वक श्रुत्यासे आरा भागरी ते;
दस सामान्यारीभानो ३ जे प्रकार. विनय-
पूर्वक गुरु से आज्ञा मांगना; दस सामान्यारी
में का ३रा भेद. Respectfully ask-
ing the command of a precep-
tor; the 3rd of the ten Sāmā-
chāris. "आपुच्छणाय तद्व्या चउत्थी पडि
पुच्छणा " प्रब० ७७३; उत्त० २६, २;

आपुच्छणिज्ज. त्रि० (आप्रच्छनीय) पुछवा
योग्य. पूछने योग्य. Worthy of being
asked or questioned. नाया० १,
७; उवा० १, ५;

आपुण्ण. त्रि० (आपूर्ण) पुर्ण भरेल. पूर्ण
भरा हुआ. Full to the brim; filled
completely. पञ्च० ३६.

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्वमाण)
पाछी वगेरही पूर्यो भरातुं. पानी वगेरह से
पूर्ण भरा हुआ. Being completely
filled with water etc. भग० १, ६;
३, ३;

आपूरिय. त्रि० (आपूरित) भर्यादा पूर्वक
पूर्यो भरायेतुं. भर्यादा पूर्वक पूर्ण भरा हुआ.

Filled to the brim. "जाहेल
वज्जमापरिचं होइ " विशेष० २५०;

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूरण) पूर्यो
करतो. पूरा करता हुआ. Filling; com-
pleting. "सदेणं तप्पएसे सम्मओ समता
आपूरमाणे " राय० जीवा० ३; भग० ३, ३;
जं० प० ५, ११६;

आपूविय. त्रि० (आपूविक) पूरी के भात
पैआ बनावनार. पूरी या भातपुआ
बनाने वाला. (One) who prepares
buns. नदी०

आफालितार. त्रि० (आस्कावावित्) वगाड-
नार. बजानेवाला. (One) who plays
upon a musical instrument. सुव०
२, २, ५४;

आवाहा. स्त्री० (आवाधा) पीडा. पीडा.
Affliction; pain; trouble. भग०
५, ४; १५, १; जीवा० ३, ३; कव० ५,
१५; विवा० ६; जं० प० २, २४; नाया०
४; ५;

आभंकर. पुं० (आभङ्कर) ओनाभानो ८८ भेद
भानो ६८ भेद. ८८ ग्रहों में से ६८ वें
ग्रह का नाम. Name of the 68th
constellation out of 88. सू० प० २०;
ठा० २, ३; (२) तीर्ण देवलोका ओके
विमाननुं नाम. तीसरे देव लोक के विमान
का नाम. name of the heavenly
abode of the 3rd Devaloka.
सम० ३;

आभक्खाण. न० (अभ्याख्यान) ओरो
आक्षेप भुक्तवो; कलंक यथावतुं. झूठा आरोप
करना; कलंक लगाना. False accusa-
tion; falsely charging a person
with guilt. उवा० १, ४६;

आभट्ट. त्रि० (आभाषित) ओलायेल.

बुलाया हुआ. Called; spoken to.
विशे० १६०६; सु० च० ६, ५४;

आभरण. न० (आभरण) धरेलु; अलंकार;
आभूषण. गहना; अलंकार; आभूषण. An
ornament; an embellishment.
परह० १, ३; आया० २, ५, १, १४५;
अणुजो० १०३; निसी० ७, ११; सम० १,
२३१; सू० प० १; उक्त० १३, १६; ओव० ११;
जीवा० ३३; नाया० १; २; ५; १८; भग०
३, २; ३, ७; १६, ५; पञ्च० २; उवा०
१, ३३; कप्प० ४, ६२; (२) पुं० ऐ
नामने ऐक द्वीप अने ऐक समुद्र. एक द्वीप
और एक समुद्र का नाम. name of an
island; also that of an ocean.
ज० प० ३, ४५; पञ्च० १५; जीवा० ३, ४;
अणुजो० १०३; —अलंकार. पुं० (—अलं-
कार) धरेलुगढ़ा पहरेवा ते. गहनों का
पहिरना. putting on ornaments.
ठा. ४, ४; भग० ६, ३३; —अलंकिय.
त्रि० (—अलंकृत) आभूषणो पहरेवा;
आभूषणोथी अलंकृत. आभूषणों से अलंकृत,
सुशोभित. adorned; ornamented.
नाया० १२; भग० २, ५; नाया० घ० (२)
आभूषणोथी शय्यगारेव देव. आभूषणों से
सिनगरा हुआ शरीर. body adorned
with ornaments. भग० ६, ३३;
—वित्त. त्रि० (चित्र) लुहा २ लुहना
आभरण; विचित्र प्रकारना आभरण;
भिन्न भिन्न प्रकार के आभूषण. various
kinds of ornaments. जीवा० ३;
—धारि. त्रि० (—धारिन्) आभरण
धारण करणार; धरेलु पहरेवार. आभूषण
पहिरनेवाला. (one) who puts on
ornaments. नाया० ८; —वास. स्त्री०
(—वर्षा) भुद्रिकादि आभूषणोनी वृष्टि.
आभूषणों की वर्षा. a shower of

ornaments. कप्प० ५, ६७; —विचित्त.

त्रि० (—विचित्र) लुहा लुहा प्रकारना
धरेलु. भिन्न २ प्रकार के गहने. vari-
ous kinds of ornaments. “आभ-
रणणिवा आभरणविचित्ताणिवा” आया०
२, ५, १, १४५; निसी० १, ७, ११;
१७, १२; —विधि. पुं० (विधि) धरेलु
अनावधानी तथा पहरेवानी विधि. गहने
बनाने और पहिरने की विधि. art of
making and putting on orna-
ments. “आभरणविधि परिमाणं
करेइ” वा० १, ३१; नाया० १; ओव० ४०;

आभव—अ. (आभवम्) लय पर्यंत;
अनन्तरी पर्यंत. जीवन पर्यंत. Life-long.
पंचा० ४, ३६;

आभा स्त्री० (आभा) कान्ति; तेज; प्रभा.
कान्ति; तेज. Lustre; light. जीवा०
३; ४; राय० ७८; भग० १२, ५; (२)
आकार; छपी. आकार, छवि. form;
picture. पञ्च० २; जीवा० ४;

आभाकर. पुं० (आभाकर) ऐ नामनु त्रीण
देव लोकनु ऐक विमान. त्रिगरे देवसोक के
विमान का नाम Name of a heavenly
abode of the third Devaloka.
सम० ३;

आभाग. पुं० (आभाग) पडिलेहणु अपर
नाम पाडिलेहन का दूसरा नाम. A
synonym of Padilehana i. e.
proper examination of clothes
etc. ओघ० नि० ६३;

आभागि. त्रि० (आभागिन्) भागीदार;
हिस्सेदार. हिस्सेदार. A sharer; a part-
ner. पि० नि० २, १; नाया० १८;

आभासिय. पुं० (आभासिक) ऐ नामने
पड अंतर्द्वीप माने ऐक. इस नाम का ५६
अन्तरद्वीप में से एक. Name of one

of the 56 Antaradvīpas.

(१) त्रि० ते अन्तर द्वीपमां रहेनार मनुष्य. आभाषिक नामक अन्तरद्वीप में रहने-

वाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvīpa called

Ābhāṣika; ठा० ४; जीवा० १; २; ३;

(३) पुं० अे नामना अेक देश. इस नाम

का एक देश. a country of this

name. (४) त्रि० ते देशमां रहेनार

मनुष्य; म्लेच्छनी अेक जन. आभाषिक

देश में रहने वाला मनुष्य; एक म्लेच्छ जाति.

(a person) residing in the

country called Ābhāṣika; a

kind of Mlechehas. पञ० १,

पण० १, १; —दीव. पुं० (—द्वीप)

लवणसमुद्रमां चूलहिमवन्त पर्यन्तनी उद्य

उपरना अे नामना अेक द्वीप. लवण समुद्र

में के चूलहिमवन्त पर्वत के अन्तराधिय पर बसा

हुआ द्वीप. name of an island on the

Chūla Himavanta mountain in

the Lavana ocean. “ कहियं भंते

दाहियिहणं आभासिय मणुयाणं आभासिय

दीवे नामं दीवे ” जीवा० ३; ठा० ४, २;

पञ० १;

आभासी. स्त्री० (आभाषी) आभाषिक द्वीप

नी रहेवासी स्त्री. आभाषिक द्वीप में रहने

वाली स्त्री. A female inhabitant of

the Ābhāṣika island. जीवा० ३;

आभिओग पुं० (आभियोग्य-आसमन्ताद्

युज्यन्ते प्रेष्यकर्माणि व्यापार्यन्ते इत्याभि-

योग्याः) नोकर देवता; आभियोगिक जनता

देवता. नोकर देव; आभियोगिक जाति के देव.

A kind of subordinate gods act-

ing as servants; gods of the

Ābhiyogika kind. पण० १, २;

भग० १६, २; १८, २; जं० प० १,

१२; नाया० ८; (२) (आभियोग आज्ञा

प्रदानलक्षणोऽस्यास्तीत्याभियोगी तस्माद

आभियोग्यम्) नोकरप्राप्तुं; सेवकत्वाव. सेवक-

पना; सेवकत्व. servitude. दस० ६, २, १;

जं० प० ५, ११२; ११४; —पण्यसि. स्त्री०

(—प्रज्ञसि) विद्याधरनी अेक विद्या. विद्याधर

की एक विद्या. an art or a branch

of learning possessed by Vidyā-

dharas. “ संकामाणि अभियोग पण्यसि

गमशियंभयिसुय वज्जुसु विजाहरीसु विजासु

विस्सुयजसे ” नाया० १६; —सेटि. स्त्री०

(—श्रेणि) वैताढ्य पर्वत उपर विद्याधरनी

श्रेणिथी १० जोवन उये अभियोगी देवता-

ने रहेवानी जग्या. वैताढ्य पर्वत के ऊपर

विद्याधर श्रेणी से १० योजन ऊंचा अभियोगी

देवों का रहने का स्थान. an abode of

Abhiyogi deities on the Vaitā-

dhya mount ten Yojanas in

height from the Vidyādhara

Śreni. जं० प० १, १२;

आभिओगा. स्त्री० (आभियोगा) विद्याधरनी

अेक विद्या. विद्याधर की एक विद्या. A

branch of knowledge or an art

possessed by Vidyādharas.

नाया० १६;

आभिओगिअ—व. पुं० (आभियोगिक—

आभियोगःप्रयोजनमस्येति) नोकर देव-

तानी अेक जनता; उतरता देवता.

नोकर देवों की एक जाति; निम्न श्रेणी के देव.

A kind of subordinate deities.

“ आभिओगिअ देवे सदावेह ” जीवा० ३;

ओव० ३१; नाया० ८; १४; राय० २८; ३४;

भग० १४, २; (२) विद्या, मंत्र, पशीकरण,

आदि अभियोगिक करनेवाला साधु. विद्या,

मंत्र, वशीकरण आदि आभियोग कर्म करने-

वाला साधु. a Sādhu who practises

charms, incantations etc. विवा० २; जीवा० ३; भग० १, २; पञ्च० २०; जं० प० ५, ११२; —**कल्य**. पुं० (-कल्य—**अभियोगः** प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतंत्रता कलं तस्य कृत्यो विनाश आभियोगिककृत्यः) अभियोग-परतंत्रता आपनारुद्धते नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मों का नाश. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ५, ११२; ११५; पंचा० १२, ७; —**देव**. पुं० (-देव) अभियोगज्जतिना नीत्या देवता. अभियोग जाति के हलके देव. a subordinate kind of deities styled Abhi-yogika. नाया० घ०

आभिगहिय. त्रि० (अभिग्रहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहतेन निर्वृत्त आभिग्रहिकः) अभिग्रहणी कृत्यात्सर्गादि करतार; अभिग्रहधारणु करीते कडिअग्ग वंगरे करवा ते. अभिग्रह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows. पंचा० ४, ८;

आभिणिबोहिय. न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोधः सण्वाभिनिबोधिकम्) भतिज्ञान; मन अने इन्द्रियधी थुं ज्ञान; ज्ञानना पांच प्रकारमाने पहुँचे प्रकार. मतिज्ञान; मन और इन्द्रियसे होनवाला ज्ञान; ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. “सकितं आभिणिबोहियणां आभि० दुविहं प० तं सुय निस्सयं असुयानिस्सयं च” नंदी० ओव० १६; आणुजो० १२७; उक्त० २८, ४; ३३, ४; टा० २, १; विशेष० ८० पञ्च० १; —**लब्धि**

स्त्री० (-लब्धि) भतिज्ञाननी लब्धि-प्राप्ति. मतिज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna. भग० ८, २;

आभिणिबोहियणा. पुं० (आभिनिबोधिक-ज्ञान) लुथो “आभिणिबोहिय” शब्द. देखो “आभिणिबोहिय” शब्द. Vide “आभिणिबोहिय” टा० २, १; आणुजो० १; भग० १, ५; २, १०; , ६ ४; ८, २; नंदी० १; विशेष० ७६; ओव० सम० २८; —**पज्जव**. पुं० (-पर्वव) भतिज्ञानना पर्याय. मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijñāna. भग० ८, ३; २५, ४; —**लब्धिया**. स्त्री० (-लब्धिका) भतिज्ञाननी लब्धि. मतिज्ञान की प्राप्ति. acquirement of Matijñāna; भग० ८, २; —**आवरण** न० (-आवरण) भतिज्ञानावरणीय; भतिज्ञानने दूआवनारुद्धम. मतिज्ञानावरणीय; मतिज्ञान को ढँकनेवाला कर्म. Karma which obscures Matijñāna. सम० १७; —**आवरणज्ज**. न० (-आवरणीय) भतिज्ञानावरणीय कर्म; भतिज्ञानने अटकावनारुद्धावनारुद्धीय कर्मनी ओड प्रकृति. मतिज्ञानावरणीय कर्म; मतिज्ञान को न होने देनेवाला ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; —**विणय**. पुं० (-विनय) भतिज्ञाननी विनय. मतिज्ञान का विनय. Vinaya or austerity of Matijñāna. भग० २५, ७; —**सागारोपयोग**. पुं० (-साकारोपयोग—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनिबोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च तदेव साकारोपयोगः तथा) भतिज्ञानरूप साकारोपयोग-विशेष उपयोग. मतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पञ्च० २८;

आभिनविशेदियणाणि. पुं० (आभिनविशेदिक ज्ञानिन्) आभिनविशेदिक मतिज्ञानवाला. (One) possessed of Abhinibodhika Matijñāna. भग० ६, ३; ८, २, १८, १; २५, १;

आभिप्रायश्च. त्रि० (आभिप्रायिक) अभिप्रायवाचुः; अभिप्राय युक्त. अभिप्राय वाला. Having a definite aim or purpose. अणुजो० १३१;

आभियोग. पुं० (आभियोग) अणुजो "आभियोग" शब्द. देखो "आभियोग" शब्द. Vide. "आभियोग" टा० ४, ४; भग० ३, ५;

आभियोगता. स्त्री० (आभियोग्यता) नोकरचाकरपणुः; सेवा लायः नोकर देवतापणुः; नोकरचाकर पणः; सेवकत्व; नोकर देवमन. State of being a servant or a servile deity. "चउहि ठःयेहि जीवा अभियोगताणु वूमं पगरेति" टा० ४;

आभिषेक. त्रि० (आभिषेक्य) राज्याभिषेक करवा योग्य; जेना अभिषेक करवाभा आवेछे ते. राज्याभिषेक करमे योग्य; जिसका अभिषेक किया जाता है वह. (One) to be crowned king; (one) to be made king with proper ceremony. "आभिषेकं हस्तिरययं पडि कप्पह" जं० प० ओव० २६; राय० १५=;

अभीरी. स्त्री० (अभीरी) आहिरश्च. अहीरनी; अहीर जाति की स्त्री. An Abhira female. नंदो० ४४;

✓ आभोग. भा० II (*आ+भोग+आ+भुज्)

जोतुं देयतुं. देखना. To see. (२)

जानतुं. जानना. to know.

आभोग्ग. कप्प० ५, १०६;

आभोग्ग. राय० २६४; दसा० १०, ११;

उवा० ८, २५५; नाया० ८, ३;

भग० ५, १; १६, ५; जं० प० ५,

११५;

आभोग्गति. जं० प० २, ११२;

आहोयति. भग० ३, १;

आभोग्गमि. भग० ३, २; नाया० ८;

आभोग्गहिंति. भग० १५, १;

आभोग्गता सं० कृ० नाया० ९;

आभोग्गता. सं० कृ० नाया० ८; भग० ३, २;

१५, १; दम० ५, १, ८६;

आभोग्गमाण. व० कृ० नाया० २; ८; १३;

भग० १६, १; नाया० ८०

आभोग-य. पुं० (आभोग) ज्ञान; समजण. ज्ञान; समज. Knowledge; understanding. दसा० ५, १, ८६; विवा० १;

आभोग. पुं० (आभोग-आभोजनसाभोग) उपयोग विशेष. उपयोग विशेष. A particular kind of attentiveness or carefulness. प्रव० ११५८; (२) ज्ञान;

समज; अणुज. ज्ञान; समज. knowledge; information. भग० ७, ६;

पञ्च० १४; वि० नि० ५७७; टा० ४, १;

१०; (३) ज्ञानी भुज्जिने करेव प्रवृत्ति.

ज्ञानबुझकर की हुई प्रवृत्ति. activity

consciously performed. प्रव०

११६८; (४) विस्तार त्वस्तार extent

नाया० १; —उभाण न० (—पान

आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्)

ज्ञानपूर्वक व्यापारतु ध्यान. ज्ञान पूर्वक

व्यापार का ध्यान. contemplation of

conscious activity. आउ० —विश्व-

त्तिय. त्रि० (विवर्तित) ज्ञानी भुज्जिने

करेनुं. जानबूझकर किया हुआ. performed consciously or purposely. भग० १, १; (२) वैमानिक देवताओं के दोष विशेष; क्रोधनुं परिणाम नालुया छतां पणु करेक्ष दोष. वैमानिक देवों का क्रोध विशेष; क्रोध का परिणाम जानते हुए भी किया हुआ क्रोध. anger of heavenly deities i. e. anger inspite of a knowledge of its results. ठा० ४; —बडस. पुं० (-बडुश) आभोग-नालुयाने दोष जगल्लुयार साधु. जान बूझकर दोष नगाने वाला साधु. an ascetic consciously incurring sin. ठा० ५, ३; भग० २३, ६;

आभोगल. न० (* आभोग) विचारणा. विचारणा; विचार. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आभोगलया. स्त्री० (आभोगन) धला; विचारणा. ईहा; विचारणा. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आम त्रि० (आम) अपक्व; कायुं; अपक; कच्चा. Raw; unripe. वेय० १, १; सु० च० ७, १८३; पि० नि० १७; पगह० १, ३; (२) सद्योप आहार. दोष सहित आहार. food involving sin. आया० १, २, ५, ८७; —**अभिभूय.** त्रि० (-अभिभूत) अपरिपक्व रसथी पराभव प्राप्त. बिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence. विवा० ७; —**गंध.** पुं० (-गन्ध) आधाकर्म आदि दोष. आधाकर्म आदि दोष. a fault such as Adhā Karma etc. “सव्वाम-गंधं परिणाय निरामगंधो परिव्वण्” आया० १, २, ५, ८७; —**डाग.** न० (-डाग) कायुं पांढरुं; अधुं पांढरुं

अधुं कायुं तांल्लग्न पगेरेनुं पांढरुं. कच्चा पत्ता. a raw, unripe leaf. “सेजं पुण जाणेज्जा आमडागं वा” आया० २, १, ८, ४६; —**मल्लग.** पुं० (-मल्लक) अपक्व-कायुं शरावला. कच्चा मिर्छिका प्याला. a raw earthen bowl. नाया० ६; —**मल्लगरुच.** त्रि० (-मल्लकरूप) अपक्व शरावला ज्येयुं; कायुं शरावलांनी पेठे तरत छुटी नलय तेयुं. कच्चे प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen bowl. नाया० ६; तंडु० —**मधुर.** त्रि० (-मधुर) कायुं छतां स्वादमां मधुर. कच्चा होनेपर भी स्वाद में मिष्ट. raw yet sweet (e. g. fruit). “आमे लामं एगे आममधुरं” ठा० ४, १;

आमअ. पुं० (आमय) रोग. रोग, बीमारी. Disease. पि० नि० ४५६;

आमअ. त्रि० (आमक) संचित वस्तु; कायुं-उपकाली वस्तु संचितवस्तु; सर्वाव-वस्तु. Raw; (a thing) having life in it दस० ३, ७;

✓ **आ-मंत.** धा० II (आ+मन्+णि) संभो-धन करी आवावयुं; आमंत्रण करेनुं; नेतरे आपयुं. संबोधनपूर्वक बुलाना; आमंत्रण करना; नोता देना. To call out to; to invite.

आमंतेइ. ओव० २६; विवा० ३; नाया० १; ७; १८; भग० ११, ८; १५, १;

आमंतेसि. नाया० १२;

आमंतित्ता. नाया० ७; भग० ३, १; १४ ७; १५, १; निर० ३, ३; दसा० ५,

६; उवा० २, ११६; दसा० १, १;

ठा० ३, २; उवा० ६, १, ७४;

आमंतेत्ता. नाया० १४; १५; भग० ११, ६, १५, १;

आमंतेऊण. नाया० १५;

आमंतिथ. सं० कृ० सूय० १, ४, १, ६;

आमंतेमाण. व० कृ० आया० २, ६, १,

१३४;

आमंतण. न० (आमन्त्रण) संबोधन.

संबोधन. Vocative address; calling

out to. ठा० ८, १; (२) आमंत्रण,

नोतई. निमंत्रण; नोता. invitation.

सु० च० ३, ११३;

आमंतणी. स्त्री० (आमन्त्रणी) हे देवदेव !

धृत्पादि संबोधनरूप भाषा; व्यवहार भाषातो

ऐक प्रकार. संबोधनरूप भाषा. Language

of address in the vocative

case; a variety of conventional

speech. प्रव० ६०१; भग० १० ३; पञ्च०

११; अणुज्ञो० १२६; (२) संबोधन

अर्थमां वपरानी (प्रथमा) विलक्षित. संबो-

धन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा)

(विभक्ति). the nominative used

in the sense of the vocative.

“ आमंतणे भवे शट्टमीय जह हे जुवाणत्ति ”

ठा० ८;

आमंतिअ-य. त्रि० (आमन्त्रित) पुछेअ;

आमंत्रण करेअ. पृच्छा हुआ; आमंत्रण किया

हुआ Asked; addressed; invited.

“ गच्छामिरायं आमंतिओसि ” उक्त० १३,

३३; “ सेभिकव् वा २ इन्धिआमंतेमाणे

आमंतिण् ” आया० २, ४, १, १३४;

आमग. त्रि० (आमक) आयुं; अपरिपक्व.

कच्चा. Raw. (२) सञ्चित. सचित

सजीव. having life or lives in.

दरा० ५, २, १६; ८, १०; भग० १५,

१; तंडु०

✓ आमज्ज. धा० I, II. (आ+मृज्) पावयुं,

साध करयुं; लुंअयुं. साफ करना; पोंछना.

To cleanse; to wipe; to sweep.

आमज्जिज्ज. विधि० आया० २. १३, १७२;

आमजेज्ज. विधि० निसा० ४, ७१; ३,

१६; २२;

आमज्जमाण. वक्तु० आया० २, १, ६,

३६;

आमयकरणी. स्त्री० (आमयकरणी) विद्या

विशेष; रोग उत्पन्न करनेवाले ऐक विद्या. रोग

उत्पन्न करनेवाली एक विद्या. An art of

producing or causing diseases.

सूय० २, २, ३०;

आमरणे. अ० (आमरणम्) मरणपर्यन्त.

मरने तक. Up to death; till

death. पंचा० ७, ६६;

आमरणंत. अ० (आमरणान्त) मरण

पर्यंत. मरण पर्यन्त. Till death.

ठा० ४, १; — दोस. पुं. (-दोष) मरण

पर्यन्त पणु कालसूरिया कसाधनी पेठे

पापणुं पश्चात्ताप न थाय ऐवा प्रकरने दोष;

रौद्रध्यानणुं ऐक लक्षण. मृत्यु तक किन्तु

कालसूरिया कसाई के समान पाप का

पश्चात्ताप न हो ऐसा दोष; रौद्रध्यान का

एक लक्षण. sin without repen-

tance till death as in the

case of the butcher Kālasūriā;

a mark of Raudra Dhyāna.

ठा० ४; भग० २५, ७; आव० २०;

आमरिस. पुं. (आमरि) संबंध; स्पर्श.

सम्बन्ध, स्पर्श; Connection; con-

tact. विश० ११०६;

आमल. पुं. (आमल) अलु पीन्यायुं वृक्ष;

आमलानुं वृक्ष. बहु. बीजवाला वृक्ष;

अम्ल का वृक्ष. A hog-plum tree;

a kind of tree with many

seeds. जीवा० १; आया० टी० १, १,

५, १२६; — कप्पास. न० (-कार्पास)

आमलातो कप्पास. कपास की एक जाति.

a variety or species of cotton.

“ आमलककप्पासाधोवा वसीकरखं करेइ ”

निसी० ३, ७२;

आमलक. न० (आमलक) आमलानुं इल.

आंवला. A fruit of the hog-plum

tree. “ आमलपायगं वा ” सूय० १, २,

१, १६;

आमलकप्पा. स्त्री० (आमलकल्पा) ओ

नामनी ओक नगरी एक नगरी का नाम.

Name of a city. “ इहेव जंबूदावे भा

रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होत्था ”

राय० २; नाया० ध०

आमलग. पुं० (आमरक) भारी; भरझी.

चारों तरफ फैली हुई बीमारी. Plague

infecting all quarters. ठा० १०;

(२) न० भरझीसंघी अधिकारवाहुं विपाक-

सूत्रनुं ६ मुं अध्ययन. विपाक सूत्रका मरी

(बीमारी) के सम्बन्ध का ९वां अध्ययन.

The 9th chapter of Vipāka

Sūtra dealing with the subject

of plague. ठा० १०;

आमलग. पुं० (आमलक) आमलानुं आ.

आंवलेका वृक्ष. A hog-plum tree.

पत्र० १; सू० प० १०; सूय० १, ४, २, १०;

अस्तुजो० १४३; १५०; भग० २२, ३;

जीवा० १; ठा० ४, ३; —महुर. त्रि०

(—मधुर) आंभलाना इल जेनुं स्वादिष्ट.

आंवले के फल के समान स्वादिष्ट. as

tasteful as the fruit of a hog-

plum tree. ठा० ४, ३; —रस. पुं०

(—रस) आमलाना रस. आंवले का रस.

juice of hog-plums. सूय० त्रि० टी०

१, ५, ११; —रसिय. त्रि० (—रसित)

आंभलाना रसधी मिश्र करेइ. आंवलेके रस

से मिश्रित. mixed with the juice

of hog-plum fruits. त्रि० ७;

आमलय. पुं० (आमलक) ओओ ‘आमलग’

शब्द. देखो ‘आमलग’ शब्द. Vide.

‘आमलग’ राय० २६८; उवा० १, २४;

आमिआ. स्त्री० (आमिका) काथी इली वगेरा.

कटचो फली वगेरह. A raw seed-pod

etc. “ आमिअं भजिअं सहं ” दस० ५,

१, २०;

आमिस. न० (आमिष) भांस. मांस.

Flesh. सूय० १, १, ३, ३; उत्त० ३२,

६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ५, २६;

(२) धन धान्यदि भोग्य पदार्थ. धनधान्यादि

भोग्य पदार्थ. any thing which can

be eaten or enjoyed. “ आकि-

चणा उज्जुकडा निरामिसा ” उत्त० १४,

४१; ‘आमिसं कुललं दिस्स वज्जमायं

निरामिसं आमिसं सव्व मुक्किता विहरिस्सा-

मो निरामिसा’ उत्त० १४; ४८; —आवत्त.

पुं० (—आवर्त) भांसार्थी समझी पगेरे ओ

आकाशमां आवर्तन करे ते; आवर्तनो ओक

प्रकार. मांस की इच्छा से आकाश में उड़ने

की किया; आवर्तनका एक प्रकार. act of

wheeling in the sky done by

kites etc. for flesh. ठा० ४, ४;

—आहार. पुं० (—आहार) भांसाहार.

मांसाहार. flesh food. (२) त्रि०

भांसाहारी. मांस खानेवाला. carnivorous;

flesh-eating; नाया० ४; —तल्लिच्छ.

त्रि० (—तल्लिष) भांसनो गृद्धि-लोचपी.

मांस का लोलुपी. greedy of flesh.

नाया० २; —प्पिय. त्रि० (—प्रिय) भांस

आवाभां प्रीति वालो. मांस खाने में प्रीति

रखने वाला. fond of flesh-eating.

नाया० ४; —भक्षि. त्रि० (—भक्षिन्)

भांसाहारी; भांस लक्ष्य करनार. मांसाहारी.

carnivorous; flesh-eating. नाया०

२; —लोल. त्रि० (—लोल) भांसनो

लोचपी; मांस लम्पट. मांस का लोचपी:
greedy of flesh. नाया० ४;

आमिसत्थि. त्रि० (आमिषार्थिन्) मांस नी
छञ्छा-प्रार्थना करना. आमिष-मांस की
इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One)
desiring flesh. नाया० ४;

✓ आम-मुस. धा० I. (आ+मृश्) धसवुं;
मर्दन करवुं; मरोडीने नियोववुं. घिसना;
मर्दन करना; मरोडकर निचोना. To rub;
to expel water from a wet
cloth by twisting it.

आमुसिजा. वि० दस० ४;

आमुसंत. ठा० १; दस० ४;

आमुपमाण. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो. अ० (आमुहूर्तान्तस्) अंत-
मुहूर्त पर्यन्त. अन्तमुहूर्त तक. Up to the
limit of an Antaramuhūrta.
क० प० २, ५२;

आमेल. पुं० (*) मस्तक भूषण; मुकुट उपरकी
क्षुन्ती भासा. मस्तक भूषण; मुकुट उपरकी
पुष्प की माला. A flower garland
of a crown. “ वणमाला मेल मडल
कुंडल सच्छंद विडम्बिया भरण ” पल०
२; ओव० २४; राय० ८३; नाया० १६;
जीवा० ३;

* आमेलअ-य. पुं० (*) लुओ उपले शब्द.
देखो ऊपरका शब्द. Vide above. भग०
६, ३३; ओव० ३०;

* आमेलग. पुं० (*) लुओ “ आमेल ” शब्द.
देखो “ आमेल ” शब्द. Vide. “ आमेल ”
“ आमेलग जमल जुगल वहिय ” भग०
६, ३३; नाया० १; २, राय० १११;

आमेलग. न० (आमोलक) स्तननी अग्र-

भाग;-डीटडी-डीटु. स्तनका अग्रभाग. The
nipple of the breast; a teat.
ज० प० जीवा० ३, ३; (२) परस्पर थोडा
संबंध पावुं. परस्पर थोडे संबंध वाला.
having limited inter-relation.
नाया० १; १४;

आमोक्ख. पुं० (आमोक्ख-आमुक्खतेऽस्मिन्नित्था
मोक्खं वाऽऽमोक्खः) आ-संभूतात-आरे
तरक्षी मोक्ष-छुटकारा; कर्मधी सर्वथा
छुटकारा. संपूर्णतया मोक्ष; कर्मसे सर्वथा
छुटकारा. Perfect salvation;
perfect emancipation from
Karma. “ आइएणाऽऽजाइ आमोक्खा ”
आया० नि० १, १, १, ७; सूय० १; १, ४,
१३; २, ५, ३३;

आमोडण. न० (आमोदन) आ-थोडुं मर-
डवुं-भांगवुं ते. कुछ मरोडना. A little
twisting. परह. १, १;

आमोडिज्जन्त. व० कृ० त्रि० (आमोदमान)
थोडुं मरडवामां आववुं. जो थोडा मरोडा
जाता है वह. Being twisted a
little. राय० ८८;

आमोय. न० (आमोक) क्यरानो ढगलो;
उकरोडा. कचरेका ढेर. A heap of re-
fuse. “ आमोयाणिया ” आया० २, १०,
१६६;

आमोयमाण. व० कृ० त्रि० (आमोदमान)
पुशी थतो; आह्लाद पामतो; प्रसन्न होता
हुआ; खुश. Rejoicing. “ आमोयमाणो
गच्छंति ” उक्त० १४, ४४;

आमोस. पुं० (आमर्श) स्पर्श करवे ते.
स्पर्श करना. Touching; touch. ओव०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th;

नि० भा० १६४; परह० २, १; प्रब० १५०६
आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) चोतरस्थी चोरी
करना२. चारों ओर से चोरी करने वाला.
One who steals from all quart-
ers. "आमोसे लोमहारेय" उत्त० ६, २८;

आमोसग. पुं० (आमोषक) चोर, तस्कर.
चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०;
ठा० ५, २;

आमोसहि. ली० (आमशौषधि-आमशौहि-
हस्तादिना स्पर्शः सप्तशौषधिरामशौषधिः)
हाथना स्पर्शमात्रથી सर्व रोग मटी जाय
अथी जतनी भेदवेदी शक्ति; २८ लब्धि-
भांती अंक. हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि
मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति; २८ लब्धि-
योगों की एक लब्धि. Power to cure
diseases by mere touch of the
hand etc; one of the 24 Labdhis.
आव० १६; (२) अथि लब्धि पावे साधु.
उक्त लब्धिवाला साधु. an ascetic pos-
sessed of the above mentioned
power. विशेष० ७७६; —पत्त. त्रि० (—प्राप्त)
हाथ मात्र लगावपाथी अधी पीडा मटी जाय
तेरी लब्धि ने पामेय. हाथ के स्पर्श मात्र से
संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुआ.
possessed of the power of cur-
ing maladies by merely touch-
ing with the hand. परह० २, १;

आय. न० (आज) अकरीनां आतनुं अनेय
पत्र. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र.
Cloth made of the hair of a
she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) लाभ; पनादिकनी प्राप्ति;
आवक; कमावारी. लाभ; आय; आमदनी.
Gain; earning; income. "आयं न
कुञ्जा इह जीवियथी" सूय० १, १०, ३;

१, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पि०
नि० ३१६; अणुजो० १३; (२) कर्मनी
आवक; आश्रय. कर्म का आश्रय-आवक.
inflow of Karma. सूय० १, १०; ३;
(२) अध्ययन तथा उद्देशादि. अंग सूत्र के
अध्याय बगैरह. chapters, sections
etc. "नायस्स वंसयास्सवि चरयास्सय जेणे
आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोति
एगद्धा" दस० टी० १; (४) डालानी अंक
जान; वनस्पति विशेष. कोलाकी एक जाति;
वनस्पति विशेष. a kind of vegeta-
tion of the gourd kind. "सेकितं
कुहणा कुहणा अयोगविहा प० तं० आए
काए कुहणे" पञ्च० १;

आय. पुं० (आत्मन्) आत्मा; जिव. आत्मा;
जीव. Soul; life. "आयगुत्तेजिहंदिह"
नाया० ८; सम० १; पञ्च० १८; २८;
आया० १, १, १, ३; सूय० १, ११,
१६; उत्त० २, १५; ८, १६; १४, १०;
भग० १, ४; ६; २, १; ३, ४; ६, १०;
२०, २; ४१, १; राय० ७८; नंदी० ४५; ठा०
७, १; विशेष० ३०; ६२; ३५३६; —अंगुल.
पुं० (—अंगुल) आत्मांगुल; शास्त्रोक्त प्रमा-
णापेन उपाध्याया उत्तम पुरुषना शरीरनी
उपाध्याना १०८ भां भाग; आत्मांगुल उद्दे-
षाय छे आ अंगुलथी कुवा, नदी, घर, क्षेत्र.
आडी वगैरे पदार्थोंनु माप थाय छे. आत्मां-
गुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की
उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुल
कहलाता हैं, इस से कुआ, नदी, घर, बाड़ी
आदि का माप होता है. a measure of
height or length, 108th part
of the full height of a man as
settled by the authority of
scriptures; it is used to mea-
sure the depth of wells etc.

विशे० १४०; अणुजो० १३४; प्रव० ५१, ५; १४०३; —अंतकर. पुं० (—अन्तकर-आत्मनो अन्तमवसानं भवस्व करोतीत्या-त्मान्तकरः) आत्मानो अन्तनो अंत कर-नार; आत्मानो ५५ करनार. आत्मा-जावन का अंत करनेवाला. one who des-troys life; one who destroys the soul. छ० ४, २; —अजस. न० (—अजसस्) आत्मानो अजस-अशुल नाभकर्मनी ओक प्रकृति. आत्मा का अजस-अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति. infamy, disrepute of the soul; a variety of evil Nāma Karma. भग० ४१, १; —अणुकंपय. त्रि० (—अणुकम्पक—आत्मानमेवानर्पपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभा-नुष्ठानेन सद्गतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानु-कम्पकः) आत्महित करनामां प्रवृत्त; प्रत्येक-पुद्गल अथवा जिनकल्पी. आत्महित करने में प्रवृत्त; प्रत्येकपुद्गल अथवा जिनकल्पी. one devoted to the welfare of the soul. “आयाणुकंपय कामयेगे यो पराणु-कंपय” छ० ४, ४; सूय० २, २, ५४; —अभिणिवेश. पुं० (—अभिनिवेश) पोता-पणुनो आग्रह, भक्त्य लाव. अहंभाव; ममत्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी० —अहिगणवसिय. त्रि० (—अधिकरण प्रत्यय—आत्मनोऽधिकरणानि आत्माधि-करणानि तान्येव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया करणे तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) जेमां आत्मानो अधिकरणु कारणरूप छे ते. जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है वह. (that) in which relation with the soul is the active cause. “आयाहिगणवसियं चक्षुं तस्स नो हरियावहिया किरिया कज्जह संप-
v. 11/8.

राहया किरिया कज्जह” भग० ७, १; —अहिगणवसिय. पुं० (—अधिकरणवद्-अधि-करणानि ह्यहंशकटादीनि कषायाश्चभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकरणी आत्मनोऽधिकरणी आत्माधिकरणी) आरंभादिकता साधन, हथ वगरे जेनी पसे छे ते आत्मा; पोतानी जते आरंभ समारंभना अधि-करणु मेदयनार. आरंभादिक के साधन; हल आदि जिसके पास है वह आत्मा; स्वयं आरंभ समारंभ के साधनों को एक-त्रित करने वाला. a soul possess- ed of implements of killing etc., such as a plough etc. by his own efforts “आयाहिगणवसियं भवह” भग० ७, १; १६, १; —आरंभ. त्रि० (—आरम्भ) पोताने हाथे अयनी धात करनार. अपने हाथ से जीव की घात करने वाला. (one) who kills a life with his own hands. भग० १, १; —उवक्रम. पुं० (—उपक्रम) पोतानी जते आडिपानो उपक्रम करेवा, आडिपुं हुंहुं करवुं ते अपने हाथसे आयुष्य को कम करना. shortening one's own life. भग० २०, २; १०; —कर्म. न० (कर्मन्) आत्माये करेले कर्म. आत्मा का किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul. भग० ३, ५; २०, १०; २५, ५; —गद्य. त्रि० (—गत-आत्मान गतमात्मगतम्) आत्माभां रहल; आत्म-संबंधी. आत्मा संबंधी. relating to the soul. पंचा० ३, ३७; —गये-सय. त्रि० (—गवेचक) आत्मानं कमं मलापहरेश शुद्धं गवेचयतीत्यात्मगवेचकः) आत्माना परा स्वरूपने शोधनार. आत्मा के सबे स्वरूप को खोजनेवाला. (one) who investigates into the

real nature of the soul.

“ नाहिण् आयजमेण स भिक्खु ”

उत्त० १२, ५; —शुत्त. त्रि०

(—कुंठ—असयनस्थानेभ्यो मनोवाक्यैरा-

त्मः गुणैः यदा स अत्यगुत्तः) मन

वयन अति कायारे इरी आत्माने पाप.

धी गोपयन्तः आत्मरक्षक. मन, वचन

और काया से आत्मा की रक्षा करने वाला.

(one) who guards the soul

against sins of thought, word

and deed. “ सध्वंस्तं गुरुं जायंति

आयुत्ता जिह्दिया ” सूत० २, २, ६५;

आया० १, २, ७, २०४; १, ३, १, १०६;

उत्त० १५, ३; सूय० १, ११, १६;

—कुट्ट. पुं० (—पष्ठ) आत्मा जेमां

होता छे जेमां पायल्ल आत्मा जितमें छुटा

है ऐसे पंचभूत. the soul along with

the five elements. “ आयच्छट्ठो

पुणो आहु ” सूय० १, १, १, १५;

—छट्ठवाह. पुं० (—पष्ठवादिन्) पंच-

भूत उपरान्त छट्ठ आत्माने माननार सांख्य

धर्मरे. पंचभूत के सिवाय आत्मा को छुटा मानने

वाले सांख्य बगैरह. one who admits

the existence of the soul in

addition to the five elements:

e. g. a Sāṅkhya etc. सूय०

टी० १, १, १, १५; —जस्स. न०

(—यशस्) आत्माना यशरूप संयम

आत्मा का यशरूप संयम. the glory of

the soul viz self-restraint

“ जीवा कि आयजमेण उव्वज्झति ” भग०

४१, १; —जोग. त्रि० (—योग) आत्मा

नरुद्धनी प्रवृत्ति वासे: कुशल भननी प्रवृत्ति

आत्मा संयधी प्रवृत्ति वाला; कुशल मन व

प्रवृत्ति. (one) busy with what

concerns the soul; salutary

activity of the mind. सूय० २, २,

८५; —जोगि. पुं० (—योगिन्—आत्मनो

योगः कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः

स यस्यास्ति) सदा धर्म ध्यानभां निभय.

सदा धर्म ध्यानमें निमग्न. always en-

gaged in religious medita-

tion. दसा० १, २१; —कु. पुं०

(—अर्थ) आत्मानु अर्थ—प्रयोजन;

मोक्ष. आत्मा का प्रयोजन; मोक्ष. the

aim of the soul; salvation.

आयो० टी० १, २, १, ६२; —कु.

पुं० (—अर्थिन्—आत्मनो अर्थ आ-

त्मार्थः स विद्यते कस्य स तथा)

आत्मार्थुं पित उत्तरः मेक्षार्थी. आत्मा का

हित करने वाला; मोक्षार्थी. one who

accomplishes the well-being

of the soul; one aiming at

salvation. सूय० २, २, ८५;

—कु. पुं० (—अर्थि) आत्मान्नीति-शक्ति

वाला. आत्मा की शक्ति-शक्तिवाला. one

possessed of soul power. भग०

३, ४, ६, १; २०, २; २५, ८;

—तिगिच्छिअ. त्रि० (—चिकित्सक)

पते पितानी दवा करनेर. अपना आप

औषधि करने वाला. (one) who is

his own doctor. टी० ४, ४;

—तुला. स्त्री० (—तुला) आत्मान्नीतुला-

समानता-उपमा. आत्मा की उपमा. self-

comparison; e. g. compari-

son of the lives of others

with one's own life. “ आयतुलं

पाणेहि संजए ” सूय० २, २, ३, १२;

—दंड. पुं० (—दंड—आत्मानं दंडयंतीत्या

मिदंडः) आत्माने दंडनार; आत्माने

दुनि-पहेलानार. आत्मा को दंडनेवाला;

आत्मा को हानि पहुँचाने वाला. one who

destroys or ruins his own soul. " एतेषां काण्डाणां य आश्रयेदे " सूय० १, ७, २; —दंडसमाचार. पुं० (-दण्डसमाचार) आत्मानां अहितं अनुष्ठानं करनार; आत्मा दंडय तेषु अत्यर्थं करनार. आत्मा के अहित का कार्य करनेवाला. one acting in a way to injure his own soul. सूय० १, २, ३, ५; —निष्कोटय. पुं० (-निष्कोटक) सम्प्रदर्शन आदि अनुष्ठान पडे आत्माने संसाररूप के आत्मानांमधीं अक्षर छेदनार. सम्प्रदर्शनादि के अनुष्ठान के द्वारा आत्मा को संसारकी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सूय० २, २, ५; —पद्-द्वि-य. त्रि० (-प्रतिष्ठित) पौताने आश्री उत्पन्न ध्येय; अक्षर निमित्तविना अंदरना निमित्तधीं ध्येय. स्वभावतः उत्पन्न; बाहिर के निमित्त बिना अंदरके निमित्त से ही उत्पन्न. spontaneously produced without the operation of any outside agency. ठा० २, ४; ४, १; —पञ्चम. न० (-प्रत्यक्ष) आत्मसाक्षी. आत्म साक्षी. with one's self or soul as witness; in one's own presence. भन० ५५; —परक्रम. त्रि० (-परक्रम) आत्मसोधक-संयम अनुष्ठानवाला. आत्म-साधक-संयम अनुष्ठान वाली. (one) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. सूय० २, २, ५; दसा० ५, २४; —पञ्चम. पुं० (-प्रयोग) आत्मने व्यापार आत्मा का व्यापार. activity of the soul.

भग० ३, ४; ५; २०, १०; २३, ५; ३२, १; —पञ्चम. त्रि० (-प्रयोग) आत्मने व्यापार निर्वर्तित-आत्मनः प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तित निष्पादितम्) आत्मा-ना व्यापारधी नियन्त्रेण. आत्मा के व्यापार से उत्पन्न. produced by the activity of the soul. भग० १६, १; —पञ्चम. त्रि० (-प्रमाण) आत्मा के अनु-साधनधु हाथ प्रमाण प्रमाण. आत्मा-देह का साडेतीन हाथ का प्रमाण. measure of the body equal to three and a half times the length of the arm. भन० १०६; —पञ्चम. न० (-प्रवाद—आत्मानं जीवमनेकधा नमस-तमेदेन दक्षप्रदति तदात्मप्रवादम्) ऐनामने ऐः पूर्व-श्रुत विशेष; ऐःपूर्व माने ऐः. चौदह प्रकार के पूर्वों में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Pūrvas. नंदी० ५६; सम० १५; प्रव० ७२०; —बल. पुं० (-बल—आत्मनो बलं शक्त्युपपन्न आत्मबलम्) आत्मनी शक्ति. आत्मा की शक्ति. power of the soul आत्मा० १, २, ३, ७५; —भाव. पुं० (-भाव) मिथ्यत्व विषय गृहीतधु वर्णन. मिथ्यात्व विषय में लोभुपता. goodness after sensual pleasures, heretical belief etc. " विषयज्ञां सवदह आय-भावं " सूय० १, १३, २१, (२) स्व-पौताने अलिप्रय-मत. अपनी मत one's own view or opinion. " लक्ष्यं एव अदे नो विषयं आय भावं वस्तव्याए " भग० २, ५; १०; विशेष० ६८; सूय० १, १३, ३; —भाववैकल्या. स्त्री० (-भाववैकल्या) पौतानी अंदरना अप्रशस्त आय आत्मा विपरीते सदा ही भां देनापना ने. अपने

अप्रशस्तभाव-खराब विचार को अच्छे रूप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; —रक्षक. पु० (-रक्ष) अंग-रक्षक; आत्मरक्षक. अंगरक्षक; आत्मरक्षक. a body-guard; one who guards the soul. 'तस्यो आयरक्खा पञ्जला मज्झा चम्मिआए पडिचोयणए' ठा० ३, १; पञ० २; जं० प० ५, ११२; राय० ७१; सूय० २, २, ५६; भग० ३, १; १६, ६; १०, ५; कप्य० २, १३; जं० प० ४, ७३; ५, ११६; —रक्षदेव. पु० (-रक्षदेव) आत्म-रक्षक देवता. आत्मरक्षक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नाया० ८; नाया० ५०. भग० ३, ६; १०, ६; १४, ६; जं० प० ४, ७३; —रक्षित. त्रि० (-रक्षित) देखे हुए तिथी आत्मानु रक्षक देव छे ते; कुम-तिसे आत्मा को बचानेवाला. (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. "आयपरक्खमि आयरक्खिए" सूय० २, २, ८५; अरहं पिट्ठो किञ्चा धिए आयर-क्खिए" उल० २, १५; —विशुद्धि. त्रि० (-विशुद्धि) पापनु प्रायश्चित्त करीने आत्मा-नी विशुद्धि करी त. पापका प्रायश्चित्त करके आत्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for sin. नंसी० ४३; —वेयावचकर. त्रि० (-वेयावचकर) आलसु आलसी. idle; lazy. (२) विसंभोगिक-साधुसमुदाय की भिन्न. विसंभोगिक-साधुसमुदाय में सिद्ध. apart from the assemblage of monks. "आयवेयावचकरे नाममंगे खो पर-वेयावचकरे" ठा० ४; —संवेयणिज्ज पु०

(-संचेतनीय-आत्मना-संवेयन्ते क्रियतव्या-त्मसंचेतनीयाः) ओ३ "आयसंवेयणिज्ज" शब्द. देखो "आयसंवेयणिज्ज" शब्द. Vide. "आयसंवयणिज्ज" "आयसंवेय-णिज्जा उवसग्गा चउप्पिहा प० तं० चट्ठया चवड्ठया यंभणयया ज्ञेसग्गा" ठा० ४, ४; —संवेयणीय. पु० (-संवेदनीय) द्रव्य उपसर्गने एक प्रकार; पोताना कारणथी शरीर के संयमनी उपधान-पीडा थाप ते. द्रव्य उपसर्ग का एक भेद; अपनेही कारण से अपने शरीर अथवा संयम का उप-धान होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self; a variety of material disturbance. "चउप्पिहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुस्सा तिरिवल्ल जोयिया आयसं वेयणिज्जा" ठा० ४, ४; —सरणह. न० (-स्मरणार्थ) पोताना आत्माने संभारवाभाटे. अपनी आत्माका स्मरण करने के लिये. in order to remember or keep in remembrance one's own soul. क० मं० ५, १००; —सरीर अणवकंखवसिया. स्त्री० (-शरीरानवकांशाप्रत्यया) अणुप-कणवसिया क्रियाने एक भेद; पोताना शरीरने नाश थाप तेरा कर्म करवाथी लागती क्रिया. अणवकंखवसिया क्रिया का एक भेद; अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करने से लगनेवाला क्रिया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. ठा० २, १; —सात. न० (-सात) आत्मसुख. आत्मसुख. one's own happiness; self-happiness. "भूताहं जे हिंससि आयसांत" सूय० १, ७, ५; —सायभू-

गामि. पुं० (सातानुगामिन्) आत्म सुख भेदवत्ता ६२७ना२. आत्म सुख प्राप्त करने की इच्छावाला. one desirous of getting one's own happiness. " हता हता पगम्भिता आय सायासाङ्ग-गामिणी " सूय० १, १३, ५; —सुह. न० (-सुख) शरीर सुख. शरीर सुख. physical happiness. " जे द्विती आयसुहं पडुच " सूय० १, ७, ८; —सोहि. जी० (-शोधि) आत्मशुद्धि; उभेनो क्षयेपशम के क्षय. आत्मशुद्धि; कर्म का क्षयोपशम अथवा क्षय. soul purification; destruction or attenuation of Karma. ' आय पजोगमाय-सोहीण " आया० १, ३, ४, १६; दसा० ५, ४२; —हम्म. त्रि० (-वाय) आत्मानि धातु ३२ना२. आत्माकी घात करने वाला. soul-destroying; self-destroying. पिं० नि० ६५; —हित. न० (-हित) स्वहित; पोतातुं अतुं. स्वहित; अपने भला. self-good; self-benefit. " आयहितं आयगुत्ते आयजोगे " सूय० १, २, ८५; दसा० ५, २१; —हेउ. पुं० (-हेतु) आत्मानिभित्ते; पोताभाटे. आत्मा के लिये; अपने लिये. for one's own sake; for one's own self. " केइ डुरिसे आयहेउं वा याइहेउं वा " सूय० २, २, २२; आयम्. त्रि० (आयत्त) लांजु. लंबा. Long. राय० १०२; विरो० ७०४; आयम्. जी० (आयति) भविष्य काल. The future. पंचा० १६, २८; प्रव० १५६१; —जण्ण. त्रि० (-जनक) भविष्यमां भृष्ट इव आपना२.

भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving the desired fruit in the future. " आयम् जण्णो " पंचा० १६, २८; प्रव० १५६१; —फल. न० (-फल) परभव का इष्ट फल. desired fruit of the next or future birth. " आयतिकममदुर-साइयं च निडयं मुयेयम् " पंचा० १२, ४०; —संपगासण. न० (-सम्पकाशन-आयत्याः सम्पकाशनमायतिसम्पकाशनम्) भविष्यनी सारी आशा अतापना२. सामने ओ३ ओ६. भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी आशा बतानेवाला; साम का एक भेद. showing good hopes for the future; promising well for the future. डा० ३;

आयं. अ० (आयम्) वाङ्मय ३२. वाक्या-लंकार. An expletive. नया० २; आयंक. पुं० (आयत्त) लुओ " आयत्त " शब्द. देखो ' आयत्त ' शब्द. Vide, " आयत्त " " आयंकदंसी न करेह पाव " आया० १, ३, २, ४; " अरह गंडं विह्वला आयंका विविहा फुसंतिते " उज्ज० १०, २७; ३, १८; आया० १, १, १, ५३; १, ५, २, १४७; १, ३, २, १११; पिं० नि० ६६६; जीवा० ३, १; महा० प० ३५; राय० ३२; सु० च० १०, १३१; नया० १, ५; मग० ३, १; १६, ३; १८, १०; २५, ७; उवा० ४, १५१; गच्छा० ७६; संस्था० ३२;

आयंवाचिवाउदय. न० (*) कुंभारनी वास-लुमां रहेतुं माटीवाउं पाछी. कुम्हार के बर्तन में रहा हुआ मिट्टीवाला पाछी. Water in a potter's vessel i.e. earthen

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

vessel and so muddy. भग०
१२, १;

आयंतं. त्रि० (आकांत) अतु उरेत; पाणि-
नी हाथ में लुं साइ उरेत. कुलू किया
हुआ; पानी से हाथ मुंह साफ किया हुआ.
With the hands and face
washed with water. नाया० १; १६;
भग० ३, १; ६; ३३; ११, ६; जीवा०
३, ४; आ० १२; राय० १७३; क०
५; १०३;

आयंतम. त्रि० (अतिमत्तम-आत्मानं तमयति
खेदपतित्यात्मतमः) अयम पंजरेपी आत्मा-
नं दमेवार. संयमादि के द्वारा आत्मदमन
करनेवाला. One who subdues the
self by self-restraint etc. टा० ४,
२; (२) (आत्मैव तमोऽस्तानं ज्ञाधोवा यस्य
त आत्मतमाः) अज्ञानी: दुधी अज्ञानी;
कोई (one) who is ignorant:
(one) given to anger. " आत-
तमैस्तीमसैर्नां परंतने " टा० ४, २;

आयंता. ख० (*) आचारंग सूत्रना
पंचमो अध्यायनं नाम. आचारंग सूत्र के
पांचवें अध्याय का नाम. Name of
the 5th chapter of Achārāṅga.
सम० ६;

आयंतिव मरण. (आत्यंतिकमरण) अंत
वार मरीया पछी दूरी आधवार ते
गतिनुं मरण न थाय ते. एकवार मरजाने
के बाद फिर दूसरी बार उस गति का मरण
न होना. Final death in a par-
ticular condition of existence
i. e. there will be no birth

again in that condition of
existence. सम० १७;

आयंदम. त्रि० (आत्मदम-आत्मानं दमयति
शमवन्तं करोति शिष्यवर्तीत्यात्मदमः)
आत्माने दमेवार. आत्मदमन करनेवाला.
One who subdues the self. टा०
४, २;

आयंब. त्रि० (अतात्र) आ-रूपित—थोड़ी
रताशयाधुं. कुछ ललासीवाला. Reddish.
श्रीव० १०; प्रव० १४६५;

आयंबिर. त्रि० (आतात्र) लालरंगनु.
लाल रंग का. Red: of red colour.
गु० च० १, ७०; ६ १२५;

आयंबिल. न० (आचारंग) जेमां भत
पंजरे लुत्तुं अनावा. अंत वपन अवय
तेनुं आयंपित नामनुं अंत तप. ' आयं-
बिल ' नामक एक तप विशेष जिस में लूखा
भाज या अन्न कोई धान केवल एकही बार
खाया जाता है. A kind of austerity
in which a person takes rice,
pulse etc. only once without
adding Ghee to it. श्रीव० ५, १;
नाया० ५; १६; भग० ३, १; ४२, १;
श्रीव० १६; प्रव० २०३; आ० ६, ६;
—पञ्चवस्त्राणु. न० (-अनाख्यान) आयंतिव
करना अथ अथान पञ्चवस्त्राणु जेवा ते.
आयंबिल करने का प्रयाग्वान लेना. a vow
to perform the austerity of
Āyambīla (g. v.) नाया० १६;
—पांडुरग. त्रि० (-प्रायोग्य) आयंतिव-
आयंतिवमां वापरा येय. आयंबिल-
आयंबिल में काम लेने योग्य. fit to be
used in Āyambīla श्रीव० ६, ६;

* लुओ पृष्ठ नं० १५ नी पृष्ठ नं० १६ (*). देखी पृष्ठ नं० १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) on page 15th.

—चक्रमाण. न० १ (—वर्द्धमान) चौद परस त्रयु भास अने २० दिवसे थनुं ओक तप डे जेमां ओक आयंयिलने पारणे; ओक उपवास करी, जे आयंयिल करवामां आवेछे; पक्षी ओक उपवास करी त्रयु आयंयिल; ओम ओकडेक आयंयिल वधा-रतां १०० आयंयिल सुधी यथाय छे. चौदह वर्ष, तीन मास और २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयंयिल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयंयिल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयंयिल, इन प्रकार बढ़ाते बढ़ाते १०० आयंयिल तक किया जाते हैं. पारणा के बाद एक उपवास होता है. इन श्रुति से चौदह वर्ष ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है. an austerity extending over 14 years three months and 20 days; here one performs one Āyambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas. अंत० ८, १०; श्रौत० १६;

आयंयिलअ-य. पुं० (आयंयिलक) आयंयिल-तप करनेवाला. आयंयिल-आयंयिल का तप करनेवाला. One who performs the austerity known as Āyambila. पण्ड० २, १; डा० ५, १;

अ-यंभर. त्रि० (आत्मभर आत्मानं विभानं पुण्यातीत्यात्मभरः) स्वार्थी; पोतानुं पोषणुं करनेवाला. स्वार्थी; अपनाही पोषण करनेवाला. Selfish. “आयंभरेणाम-मंगे खो परंभरे” डा० ४, ३;

आयंस. पुं० (आदर्श-आसंयन्तादृश्यते विस्मिनः स आदर्शः) आदर्श; दर्पण

दर्पण; आयना; काँच. A mirror; a looking-glass. जं० प० ५, १२०; राय० ४८, ११८; —घर. न० (—गृह) अरिसा भुक्ता; यनुं घर. काँचका घर; शीश महल. a house made of glass or mirrors. जं० प० ३, ५०० —घरग. पुं० (—गृहक) जुओ डिपेलो सभ्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३६; —तल. न० (—तल) अरिसातुं तलीं. दर्पण का पेंदा. the surface of a mirror. श्रौत० —तलउपम. त्रि० (—तलउपम—आदर्शो दर्पणरूपस्य तलं तेन समतयापमा यस्य आदर्शनलोपमः) अरीलाना तलीया जेनुं सिधु-सपाट. दर्पण के पेंदे के समान समतल. level like the surface of a mirror. राय० —मंडल. न० (—मण्डल—आदर्श इव मण्डलमस्य तदादर्शमण्डलम्) अरीलाने आधारे मंडल-गुंडेला वातनार सर्पनी ओक जंतु. दर्पण के आकार का मंडल करनेवाला एक जान का सर्प. a kind of serpent forming itself into the shape of a mirror circular in form. (२) (आदर्शो मण्डलनिवादर्शमण्डलम्) मंडला-धारे जोडवेत अरीलाना मंडलाकार सजाये हुए दर्पण. a circle formed of mirrors. “आयंसमंडले इवा” जं० प० पण्ड० १, ५; —लिपि. स्त्री० (—लिपि) १८ जंतुली लिपिमांनी ओक लिपि. १८ प्रकार की लिपियों में से एक लिपि. one of the 18 kinds of script. पञ्च० १;

आयंसग. पुं० (आदर्शक) अलहनी ओडनुं ओक आलरणुं बैल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox. अणुजो० १६;

आयंसमुद्र. पुं० (आदर्शमुद्र) लवण समुद्र-
भां अभिपुष्टा तर्ह रहेल आयंसमुद्र
नामनो अेक अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के
अग्नि-कोण में रहा हुआ आयंसमुख नाम
का अन्तरद्वीप. An island of the
name of Āyaṃsamukha in the
Lavana ocean. (२) ते द्वीपभां
रहेनार. उसमें रहनेवाले. an inhabi-
tant of the same. ठा० ४, २; पञ०
१; जीवा० ३, ३;

आयंसय. पुं० (आदर्शक) अरीसो; आपनो.
दर्पण. A mirror; a looking-glass.
ओव०

आयकाय. पुं० (*आयकाय) वनस्पति विशेष.
वनस्पति विशेष. A kind of vegeta-
tion. भग० २३, ३;

आयग. न० (आजक) पकरीनां आसनं
पनावेल पत्र. बकरी के बाल से बनाया
हुआ वस्त्र. A cloth made of the
hair of a she-goat. आया० २, ५,
१, १४५;

आयचरित. त्रि० (आयचरित्र-आय भूतं
चरितचारतया चारित्रं यस्य स आय
चरित्रः) ६६ चरित्र. दृढ चरित्र. (One)
having a firm character or
right-conduct. संस्था०

आयङ्गुत्त. न० (आतपत्र) छात्री; छात्र.
छत्री; छात्र. An umbrella. “एणे
पुरिसे विद्वानो आयङ्गुत्त धरेइ” नाया० १६.

आयङ्गुत्तय. सं० कृ० अ० (आकृष्य) अंशनी;
आकर्षणी. खींचकर; आकर्षण करके.
Having drawn; having at-
tracted. सु० च० ७, १५१; ११, ५६;

आयण. पुं० (आजीण) कमावेला आभुं;
आभुजानुं पत्र. कमाया हुआ चमड़ा;

चमड़े का वस्त्र. Tanned leather;
a garment of leather. “जे
भिवल् माडगामस्स मेहुणवडियाए आय-
णाणिवा आइणपावाराणि वा” निसी०
७, ११;

आयत. त्रि० (आयत) लांछु; दीर्घ. संघा;
दीर्घ. Long; protracted जं० प० पञ०
१; भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय०
१, २, ३, १५; (२) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution, salvation.
“आयपरे परमायतद्विते” सूय० १, २, ३,
१४; (३) अंशनी, खींचाहुआ. drawn.
भग० १, ८; (४) पुं० दीर्घाकार संस्थान.
दीर्घाकार संस्थान. configuration in
its length. भग० २५, ३; —कण्ठा-
यय. त्रि० (-कण्ठायत) अतिशय प्रयत्नधी
ज्ञान सुधी अंशनी. बड़े प्रयत्न से कान
तक खींचा हुआ. drawn with great
effort as far as the ear. “आयय
कण्ठाययं उंसुं आयामेता चिद्वह” भग०
१, ८; ६; जं० प० ३, ६२; —चक्रुः.
त्रि० (-चक्रुः-आयत दीर्घमैहिका मुष्मिका-
पायदर्शचक्रुर्ज्ञानं यस्य स आयत-
चक्रुः) दीर्घ दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one)
able to take a comprehensive
view of things temporal and
spiritual. आया० १, २, ५,
६३; —चरित्त. न० (-चरित्र) मोक्ष
मार्ग साधक चरित्र. मोक्ष मार्ग साधक
चरित्र. right conduct leading to
salvation. “आदाणि यंमि आयत
चरित” आया० टी० १, १, ७, ६१;
—द्व. पुं० (-अर्थ) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution; final emancipa-
tion. सूय० १, ८, १८; —द्विअ. पुं०
(-अर्थिक) लांछा वपन थी मोक्षनी

अभिलाषावालो. बहुत समय से मोक्ष की अभिलाषा वाला. one desirous of salvation from a long time; one longing after salvation from a long time. “आयपरे परमाय-सङ्घि” सूय० १, २, ३, १५; —फल. त्रि० (—फल) मोक्षरूप इक्ष आपनार. मोक्षरूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा० १२, ४०; —संठाण न० (—संस्थान) दीर्घाकार; बाइडीनी पेड़े लम्बायवालो आकार-संस्थाण; पांच संस्थाण भानुं ऐक. दीर्घाकार; लकड़ी के समान लंबाईवाला आकार-संस्थान; पांच संस्थानों में से एक. long configuration like that of a stick; one of the five configurations. भग० ८, १; १६, ६; ठा० १; पञ्च० १; —संठाण परिणय. त्रि० (—संस्थानपरि-णय) आयत संस्थाण रूपे परिणयत पामेय आयत संस्थान रूप से परिणाम पाया हुआ (one) who has been develop- ed into, changed into, a long configuration. पञ्च० १;

आयतन. न० (आयतन) स्थान; न आश्रय; निवास स्थान. स्थान; आश्रय; निवास स्थान. Place; abode; residence. ओष० नि० ७६२; परह० २, १; आया० १, ७, ४, २१५; पंचा० ८, १६; निसी० १६, २६; (२) देवदे; देवालय. देवालय; मंदिर. a temple. परह० १, १; (३) देरानी आशुनी ओरडे. मंदिर की बाजू का कोठा. a side-room in a temple. दसा० १०, १; आया० २, २, २, ८०; (४) उभेनुं उपादान करण. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. निसी० ६, १; आया० २, १.

v. 11/9.

६, १५; (५) प्रगट करवुं; प्रश्ननो पुडासो करवो ते. प्रगट करना; प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. सूय० १, ६, १६; (६) वधस्थान. वधस्थान. a place of execution; a place for killing. नाया० ६;

आयति. की० (आयति) जुओ “आयह” शब्द. देखो “आयह” शब्द. vide “आयह” पंचा० १२, ४०; —फल. त्रि० (—फल—आयसौ फलमस्य इति) आवतालयमां इक्ष आपनार. आगामी भव में फल देनेवाला. giving or ripening into fruit in the next or coming birth. पंचा० १२, ४०;

आयत्त. त्रि० (आयत्त) मिश्रित करेवुं; ऐकहुं करेवुं. मिश्रित किया हुआ; इकट्ठा किया हुआ. Got together; collect- ed together; mixed together. पि० नि० २३८;

आयत्ता. की० (आयत्ता) आय-वनस्पति विशेष नो आव; आय वनस्पति पछुं आय- वनस्पति विशेष का भान; आय-वनस्पति वन. State of being an *Aya* (a kind of vegetation). सूय० २, ३, १५;

आयत्तण न० (आकर्णन) श्रवण करवुं ते. श्रवण करना; सुनना. Hearing. सू० च० १५, ३७;

✓आयम. धा० I. (आ+चम्) चवुं करवुं; अशुचिसेप टालवो; आयमन लेवुं. आचमन करना; चुल्लू करना. To remove im- purity with water after an- swering a call of nature.

आयमण. निर्मा० ४, १५; दसा० ३, ०३;

आयमाण. छा० ५;

आयमण. न० (आयमन) अन्न त्याग करी पाणी वदथी शुद्धि करवी ते; लेप रहित पाणू. मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना; नैपरहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव० १३३; पि० नि० भा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (आयमिनी) विधा विशेष. विद्या विशेष. A particular branch of knowledge. " आयमिणी एवमाश्वाया विज्ञाया अन्नस्स हेउं पउं जंति " सूय० २, २, ३०;

आयय. त्रि० (आयत) लुग्यो " आयत " शब्द. देखो " आयत " शब्द. Vide " आयत " नाया० ५; सूय० १, ६, १५; उत्त० ३३, २१; अणुजो० १४१; जीवा० ३१; दस० ६, ४, २, ३; पि० नि० ३६५; ओघ० नि० १२३; भग० ५, ६; ७, ६; १४, ७; पंचा० ११, ४२; प्रव० ५२१; — कण्णायय. त्रि० (-कर्णायत) लुग्यो " आयत कण्णायय " शब्द. देखो " आयत कण्णायय " भग० १, ८; — गंतु पञ्चा-

गया स्त्री० (-गत्वा पञ्चादगता) आधु श्रेष्ठ जना-शेरीमां सिद्धा आयत न्तर्ग पाछा पक्षतां गेयरी करे ते; शिक्षा नो श्रेष्ठ प्रकार नो अभिग्रह. गली में सीधे आगे जाकर पीछे लौटते हुए भिक्षा करना; साधुओं की गिजा का एक प्रकार का अभिग्रह. a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going "straight to the opposite end of a street and begging food while returning.

उत्त० ३०, १६; — चक्खु. त्रि० (-चक्षुष)

लुग्यो " आयत चक्खु " शब्द. देखो " आयत चक्खु " शब्द. vide " आयत चक्खु "

आया० १, २, ६, ६३; — टि. पु० (अर्थिन्)

लुग्यो " आयतटिअ " शब्द. देखो " आय-

तटिअ " शब्द. vide " आयतटिअ "

दस० ५, २, ३४; — टिअ. पु०

(-अर्थिक) लुग्यो " आयतटिअ " शब्द.

देखो " आयतटिअ " शब्द. vide " आय-

तटिअ " दस० ६, ४, २, ३; — मग. पु०

(-मार्ग) भेक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. the

path of salvation. पंचा० ११, ४२;

— संठाण. न० (-संस्थान) लादीना

ढंवे लाओ आदार-संठाण. लकड़ा के

समान लंबा आकार-संस्थान. long

shape, configuration, like that

of a stick. भग० ८, १०; — संठाण

परिणाम. न० (-संस्थान परिणाम)

दीर्घादार परिणाम. आयत संठाणरूपे

परिणाम. दीर्घाकार परिणाम. आयत संस्थान-

रूप परिणाम. modification into a

long shape or configuration.

भग० ८, १०;

आययण. न० (आयतन) लुग्यो " आय-

तण " शब्द. देखो " आयतण " शब्द. vide

" आयतण " नाया० ६; ओघ० नि० २;

उत्त० ३३, ६; आया० १, ५, २, १४८;

कण्ण० ६, ४३; प्रव० ६४६; — सेवणा.

स्त्री० (-सेवन) साधु प्रभृतिनी सेवना

करवी ते; समकित्तुं त्रीलुं भूपण. सम्यक्त्व

का तीसरा भूषण; साधु प्रभृति की सेवा

करना. act of rendering service

to monks etc; the third com-

mendable quality or merit of

Samakita (i. e. right faith).

प्रव० ६४६;

आयर. पुं० (आइर) लुओ 'आदर' शब्द.
देखो 'आदर' शब्द Vide "आदर"
पि० नि० १२८; २०३; पगह० १, ५;
जीवा० ३, ४; भक्त० ९०;
आयरण. न० (आचरण) अनुष्ठान करने के
अनुष्ठान करना. Practice; perform
ance. ठा० ८;
आयरण. न० (आदरण) वस्तु को स्वीकार
वस्तु का स्वीकार. Acceptance of a
thing. भग० १२, ५;
आयरण्या स्त्री० (आदरणा) भाषा-
कण्ठ विशेषणी कोष्ठपिण्ड वस्तु को स्वीकार
करने के लिये कण्ठ से किसी वस्तु का ग्रहण
करना. Acceptance of anything
with some deceitful intention.
भग० १२, ५;
आयरिय. त्रि० (आचार्य) आचरना योग्य.
आदरने योग्य. Worthy of being
performed or practised. स्य० १,
६, ३२;
आयरिय. पुं० (आचारिक) आचार संबंधी
तत्त्व. आचार संबंधी तत्त्व. Principles
of right-conduct; truth about
right-conduct. "आयरियं विदिताणं
सत्त्वं दुक्खा विमुचह" उक्त० ६, ६;
आयरिय. त्रि० (आचारित) आचरेत्.
आचरण किया हुआ. Performed;
practised. "बभमज्जियं च ववहारं बुद्धे-
हायरियं सया" उक्त० १, ४२; राय० २६;
उवा० १, ४३; भक्त० २२; प्रव० ७७०;
पंच० १, २३;
आयरिअ-य. पुं० (आचार्य) आचार्य
समुदायना नायक. आचार्य; समुदायके नायक.
The head of an assemblage of
monks. (२) तीर्थंकर. तीर्थकर. Tir-
thankara. (३) गुरु; साधु. गुरु; साधु.

preceptor. कण्ठ० १, १; भाव० १, २;
भक्त० ४३; ७०; पंच० ५, ४०; १४, १६;
पञ्च० १६; नाया० १, २, ३; १०; १६;
उक्त० १, २०; ४०; सम० ३०; वेय० १,
३७; ४, १४; आया० १, ७, १, २००; २,
१, १०, ५६; पि० नि० भा० २७; मु० च०
१०, २०६; ओव० २०; नव० १, २६; २७;
३७; ३, १०; ११; १०, १२; उवा० १,
७३; विशेष० ५; भग० १, १; ५, ६; १, ६;
२५, ७; दस० ५, २, ४०; ८, ३३; दसा०
१, १; ४, ६१; ६२; —उचउभाय-अं.
पुं० (-उपाध्याय) आचार्य उपाध्याय;
आचार्य सहित उपाध्याय. an Āchārya
who is also an Upādhyāya;
a head of an order of monks
who is also a preceptor, निर्स०
१६, २४; वेय० ४, २६; नव० ३, ५; १०;
११; १२; ४, २; ६७; ७, ४, २; ६, ७;
७, ५; दसा० ६, २०; दस० ६, २, १२;
—पडिणीय. पुं० (-प्रयत्नीक) आचार्य-
ना शत्रु-प्रतिपक्षी. आचार्य का शत्रु-प्रतिपक्षी.
an opponent of an Āchārya
भग० ६, ३३, १५; —पाय. पुं० (-पाद)
आचार्य की चरण-कमल. the feet of an Āchārya.
दस० ८, १, ५; —वेयाचय. न० (-वेया-
वृत्त) आचार्य की सेवा-भक्ति करना ser-
vice to an Āchārya. ओव० ठा० ५,
१; वा० १०; ३६; भग० २५, ७; —सम्मत्त.
न० (-सम्मत) आचार्य के मान्य सम्मत.
आचार्य को सम्मत. liked by, accept-
able to, an Āchārya. दस० ८, ५१;
आयरिय. त्रि० (आर्य) पूज्य; पवित्र.
पूज्य; पवित्र; भेद H; reverend.

आया० १, ८, १, २००; वेय० १, ४६;
(२) न० तरत तत्त्व. truth; essence.
उत्त० ६: ६; (३) आर्य जाति पाप नहीं
करनेवाला. आर्यजाति; पाप न करनेवाला
जाति. the Ārya race; a person
who does not commit sin. जीवा०
३, ४; पञ्च० १; भग० १, ७; ३, १;
—खेत्त न० (-क्षेत्र) आर्य क्षेत्र. आर्य-
क्षेत्र. the country of the Āryas.
सूय० वि० टी० १, ५, १, ६६;

आयरियत्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपद,
आचार्य पद. Preceptorhood; sta-
tus of a preceptor. वय० ७, १६;
प्रव० ८०३;

आयरियत्ता स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपद;
आचार्य पद. आचार्यत्व; आचार्य पद.
State of being an Āchārya;
Āchāryahood. वय० ३, ७; टी० ३,
३; निर्मा० ७, ३१;

आयरियभासिय न० (आचार्यभाषित)
प्रश्न व्याकरण सूत्र का चौथा अध्याय. प्रश्न
व्याकरण सूत्र का चौथा अध्याय. The
fourth chapter of Prāśnavyā-
karaṇa Sūtra. टी० १०;

आयरिय विष्पडिवत्ति स्त्री० (आचार्य
विप्रतिपत्ति) बंधदशासूत्र का पाँचवां अध्याय.
बन्धदशासूत्र का पाँचवां अध्याय. The
fifth chapter of Bandha Daśa
Sūtra. " बन्धदशासूत्रस्य अङ्कयणा पं-
तं बन्धे मुखेय देवद्वी दशारमंडले इय
आयरिय विष्पडिवत्ति " टी० १०;

आयरियव्व त्रि० (आचरितव्य) आचरित
योग्य. आचरण करने योग्य. Worthy of
being performed or practised.
सम० २८;

आयरिस पुं० (आदर्श) अरीसो; दर्पण;
आदर्श. दर्पण आयना. A mirror; a
looking glass. सू० च० २, ११२;

आयव पुं० (आतप) लुआ " आतव "
शब्द. देखो " आतव " शब्द. vid.).
" आतव ". ओव० ३८; उत्त० २, ३५;
जीवा० ३, ३; पिं० नि० भा० ३४; भग० १,
६; उवा० ७, १६५; जं० प० ५, १५२;

आयवालोय पुं० (आतपालोक) अग्नि-
ताप का दर्शन. आग्नि के ताप का दर्शन.
Sight of the flames of fire.
" आतवालोय महंतुवइय फण कणयो "
नाया० १; —दुग. न० (-द्विक) आतप
अने उद्योत नाम. आतप और उद्योत नाम.
the group of the two viz. Ātapa
and Udyōta (i. e. heat and
light) क० ग० २, २६;

आयवंत त्रि० (आत्मबन्-आत्मज्ञानादिकम
स्यास्तीत्यात्मवान्) आत्मज्ञानवाला.
आत्म-
ज्ञानवाला. (One) Possessed of
selfknowledge or knowledge
of the soul. ' से आयवं नाशवं वयवं
धम्मवं वमवं पक्काकोहं परियाणइ कोयं '
आया० १; ३, १, १०१;

आयवत्त न० (आतपत्र) छत्र, छत्री. छत्र,
छतरी. Umbrella. ओव० ३१; नाया०
१; जीवा० ३, ४; सु० च० २, ५६८; भग०
६, ३३; जं० प० ५, ११७;

आयववंत न० (आतपवत्) अहोरात्रना
२४ भां मुहूर्तों नाम. अहोरात्र के २४ वें मुहूर्त
का नाम. Name of the 24th
Muhūrta of a period consist-
ing of a day and a night. सू०
प० १०; जं० प०

आयवा स्त्री० (आतपा) आतपा नामकी
सूर्यनी अर्ध अग्र मंडिरी. सूर्य की आतपा

नामक एक पट्टगनी. One of the principal queens of the sun, so named. नाया० घ० ७;

आयवि. त्रि० (आत्मवित्) आत्मज्ञानी. आत्माको जाननेवाला; आत्मज्ञानी. (One) having the knowledge of the soul. आया० १, ३, १, १०७,

आयस. त्रि० (आयस) लोहभय; लोहा-संबंधी. लोहमय; लोहे संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग० ७, ६; —भंड. पुं० (-भाण्ड) आत्मारूपी भांड; आत्मन विशेष. आत्मारूपी पात्र. the soul considered as a vessel or a receptacle. नाय० १; —वादि. त्रि० (-वादिन् आत्मानं वदितुं शक्तिमस्येत्यात्मवादी) आत्माना यथार्थ स्वरूपने स्वीकारनार; आस्तिक; आत्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला; आस्तिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox. “ से आयावादी लोयावादी कप्पावादी किरियावादी ” आया० १, १, १, ५; —वाय. पुं० (-वाद) आत्मवाद; पौताना सिद्धांतने पाद; स्वसिद्धांत स्थापन. आत्मवाद; निज सिद्धान्त स्थापन. Ātma-vāda; establishing one's own tenets or doctrines. ओव० १५; —सुप्पाणिहि भ. त्रि० (-सुप्रणिहित) जेणे आत्माने शुभयोगमां प्रवर्तयेओ ते. आत्माको शुभ योग में प्रवर्ताने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul; (one) who has directed his soul into salutary activities. दसा० ४, ८९; **आयाअ.** त्रि० (आयात) आवेजुं. आयाहुवा. Come; arrived. उत्त० ६, ११;

आयाण. न० (आदान) लेजुं; ग्रहण करजुं; स्वीकारजुं ते. लेना; ग्रहण करना; स्वीकार करना. Taking; acceptance. प्रव० ५२२; ओव० १०; ११; भग० २, १; २, २; जीवा० ३, ३; उत्त० १२, ५; विं० नि० २५५; ३८६; ओ० नि० ७७; विशेष० १८४; ४८३; (२) भोगक्ष राप्पवाजुं स्थान. आडा (किवाइ अटकानेका डंडा) रखनेकी जगह. the place where a door-bolt is kept. ओव० १०; (३) पक्ष. वाक्य. sentence. सूय० १, १६, ३; (४) पत्रिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. “ आयाणं नरयं दिस्स नायइज तरता तरतामपि ” सूय० १, १५, २; ठा० उत्त० ६, ८; (५) उपयोगपूर्वक वस्तुजुं लेजुं मुक्तुं; आयाणुजुं भततिभेयणुसमिति; पांच समितिभांती योथी समिति. उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना; पांच समितियों में से चौथी समिति. the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down things. उत्त० २४, २; (६) कर्मजुं उपादान करण. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. सूय० १, १, २, २६; २, १, ५३; दसा० ७, १; (७) (आदीयते सावधानुष्ठाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) आठ प्रकारना कर्म; ज्ञानावरणीयादि कर्म. ज्ञानावरणीयादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e. g. knowledge-obscuring Karma etc. सूय० १, १३, ४; (८) (आदीयते आत्मप्रदेशेः सह क्षिप्यतेऽष्टप्रकारं कर्म येन तदादानम्) आठ पापस्थान; हिंसादि आश्रयस्थान पाप के अठारह स्थान; हिंसादि आश्रयस्थान. eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. “ आयाणं सगडिजे ” आया० १, ३, ४; १२१; (६) (आदीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोक्षो येन तद्वादानम्) सम्प्रज्ञान, दर्शन अने आरित्र. सम्यग् ज्ञान, दर्शन, और चारित्र right knowledge, faith and conduct. “ बुद्धिं य विगयमेही आयाणं सरक्खण् ” सूय० १, १, ४, ११; १, ८, २०; (१०) (आदीयत इत्यादानम्) मोक्ष. मोक्ष. absolution; salvation. “ आयाणमट्ठं खलु वंचइत्ता ” सूय० १, १३, ४; (११) (भ्रमणोपासकेनादीयत इत्यादानं प्रथमव्रतग्रहणं) श्रावकनुं प्रथम व्रत ग्रहण कर्तुं ते. श्रावक के प्रथम व्रत का ग्रहण करना. adoption of the first vow of a layman. “ जावजीवाण् जेहिं समणोवासगरस्स आयाणं सो आमरणं-ताण् दंडे निक्खित्ते ” सूय० २, ७; (१२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था णुभिरित्यादानानोन्निद्रियाणि) इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रिया. इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रिया. an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. “ केवलीणं आयाणं हिं न जाणइ न पासइ ” भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) रमणीय; रम्य. रमणीय; मनोहर. charming; pleasant. पंगद० १, ४; (१४) संयम. संयम. asceticism. आया० १, २, ४, ८५; —अट्ठि. पुं० (—अर्थिन) सम्प्रज्ञान आदिना प्रयोजन वाला; मोक्षार्थी. one desirous of Moksha; one desirous of right knowledge etc. “ आयाण-अट्ठी वोदाणमोखं ” सूय० १, १४, १७;

—पय. न० (—पद-आदीयते गृह्यते प्रथममादाय यत्तदादानं आदानञ्च तत्पदं च सुबन्तं तिङन्तं वा तदादानपदम्) अध्ययन के श्रुतरक्षकतुं आदि पद—शर आतनुं वक्ष्य-नेम ‘ धम्मो मंगलं. ’ अध्याय अथवा श्रुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैसे ‘ धम्मो मंगलं. ’ the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. “ धम्मो मंगलं ” (religion is a blessing) “ सेकिते आयाणपदेणं “ धम्मो मंगलं ” चूलिआ चाउरंगि जं असंखयं आवंती ” अणुजो० १३१; —भय-य. पुं० (—भय) आदान द्रव्य संबंधी भय; सात भयमानुं अक्ष. द्रव्य संबंधी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. मन० ७: टा० ७, १; प्रव० १३३४; —भंडमत्तणिखेवणासमिइ. स्त्री० (—भागदमात्रनिक्षेपणासमिति) लु०आ “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिइ ” शब्द० देखो “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिइ ” शब्द० vide. “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिइ ” गम० ५; —भंडमत्तनिखेवणासमिय. त्रि० (—भागदमात्रनिक्षेपणासमित) लु०आ “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” शब्द० देखो “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” शब्द० vide. “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” सूय० २, २, २६; नाया० ५; दसा० ५, ११; —सोय. न० (—स्रोतस्—आदीयते कर्मानेनेत्यादानं दुष्प्रणिहितमिन्द्रियं तच्चतन्-स्रोतश्चादानस्त्रेतः) दुष्ट इंद्रियरूप स्रोत—इमं व्याख्यानं द्वार; इंद्रियनो दुष्ट उपयोग-रूप आश्रय. दुष्ट इंद्रियरूप स्रोत-कर्म अनेका द्वार; इंद्रियोना दुष्ट उपयोगरूप

आश्रव. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. “आर्येणसोय-मइवायसोयं जोगंच सम्बसो णञ्चा” आया० १, ६, १, १६;

आयाण्या. क्री० (आदान) लु० “आदाण्या” श०६. देखो “आदाण्या” शब्द. Vido “आयाण्या” ठा० २१;

आयाणवन्त. त्रि० (आदानवन्) आदान-ज्ञान दर्शन अने य दिव्य वालो धर्म, साधु वगैरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र वाला धर्म साधु वगैरह. (A religion, an ascetic etc.) possessed of right-knowledge, faith, and conduct. “आयाणवन्त समुदाहरेजा” सू० २, ६, ५५;

आयाणसो. अ० (आदानशम्) अ० लु० उ० देय त्पार्थी मांझी. ग्रहण किया होवे तबसे लेकर. From the time of acceptance. सू० २, ७, १६;

आयाणिज्ज. त्रि० (आदानाय-आदीयत उपादायत इत्यादानीयः) अ० लु० उ० देय योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. आयाणिज्ज विद्याहापु” आया० १, ४, ३, १३७; ठा० ६; सम० ७०; (२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते सर्वभावा अनेनेत्यादानीयम्) धृत; शास्त्र. धृत; शास्त्र. scripture. आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदायन इत्यादानीयम्) धर्म. कर्म. Karma “आयाणिज्ज आदाय तंमिठाणेण चिट्ठह” आया० १, ६, २; १८४; (४) संयम; संयमानुष्ठान. संयम; संयमानुष्ठान. asceticism. (५) भे.क्षि. मोक्ष. salvation.

आयाणीय. त्रि० (आदानीय) अ० लु० उ० देय योग्य; आद्य. ग्रहण करने योग्य. प्राद्य

Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६;

✓आ-याम. धा० II. (आ+यम्) लृ० भा० लु०; जिमाना. To feed (२) लं० लु० उ० लेश करना. to stretch; to make long.

आयामेइ. “माहणे आयामेइ आयामेइत्ता.

आयामेइत्ता. सउत्तरोट्टं मुंडं करेइ” भग० १५, १;

आयाम. पुं० (आचामल) आयंभित्त तप. आयंभित्त नाम का तप. The austerity called Āyambila. उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, ३०; प्रव० ६१३; (२) क्षं०. काज्जा. Konjee. निंसा० १७, ३०; विशेष० ११७४;

आयाम. न० (आचाम) आसामलु. मांझ. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. ठा० ३; आया० २, १, ७, ४१; नि० नि० ३७; ३६४; ओव० १६; पि० नि० भा० ३६ —सित्थभोइ. त्रि० (-सिक्थभोजिन्) आसामलुमां के कंठ अनाजनी सिथ आवे तेहलुं मात्र आनार. मांझमें जो थोडा बहुत अन्न का अंश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyāma. (g. v.) ओव०

आयाम. न० (आयाम) लं० भा० लु० लंबाई; लंबापन. Length. विशेष० ५८६; ओव० नि० ७०७; सू० प० १; सम० १; ओव० जं० प० १, ११; ठा० २, ३; नाया० ५; १६; भग० २, १, ६; ३, ७; ६, ३; १०, ६; १३, ४; १५, १; जीवा० ३१; प्रव० ५४५; —विष्कंभ. पुं० न० (-विष्कंभ) लं० भा० लु० लंबाई; चौड़ाई.

length and breadth. नाया० ६;

अ० प० १, ३; ७, १४७;

आयामश्च. न० (आचामक) ओसामभु.

मांड. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा० ३, ३;

आयामग. न० (आचामक) ओसामभु.

मांड; दाल का पानी Vide " आसामश्च "

" आयामगंचेव जवोदगंच " उत्त० १५, १३.

आयामेत्ता. सं० कृ० अ० (आयम्य) लांभी

करीने. लंबा करके. Having lengthened, elongated. भग० १, ८;

आदाय. सं० कृ० अ० (आदाय) अनुओ

" आदाय " शब्द देखो " आदाय " शब्द

Vide " आदाय " भग० ५, ४; ६, १०;

१३, ६; १५, १; नाया० ५, ८; ६, १५;

उत्त० २, ४३; ५, ३०; आया० १, २, ३,

८०; १, ६, २, १८३; २, १, १, १;

आचार. पुं० (आचार) ज्ञानादि आचार.

ज्ञानादिक आचार. Knowledge etc.

सम० प० १६८; सम० २८; नाया० १; भग०

२, १, २६, ३; विशेष० ३१६०; ओष० नि०

१८३; पंचा० ५, ४; (२) व्यवहार; विधि-

भार्ग. व्यवहार; विविमर्ग. practice;

prescribed rules. दसा० ६, ५३; ६, ४,

२३; (३) वर्तन; चरित्र. चरित्र; वृत्ति.

conduct; character. पिं० नि० २०६;

दस० ६, २; (४) आचारांग सूत्र; १२

अंगमांजु पडेपुं अंग सूत्र. आचारांग सूत्र;

१२ अंगोंमें से पहिला अंगसूत्र. the first

of the twelve Āngasūtras; the

Āchārāṅga Sūtra. सम० १, १८;

अणुजो० ४२; ओष० २१; भग० १६, ६;

२०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; —अंग. न०

(-अंग) १२ अंगसूत्रमांजु प्रथम अंग-

सूत्र. बारह अंगसूत्रोंमें से पहिला अंगसूत्र.

the first of the 12 Āngasūtras.

सम० —अंगचूला. स्त्री० (-अङ्गचूला)

आचारांग सूत्रना श्रीमन् श्रुतरङ्गधनो पाण्डे

भाग. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध का

पिछला हिस्सा. the latter part of

the 2nd Śrūta Skandha of

Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १,

१, १; —उपगय. त्रि० (-उपगत) १४

में योग संग्रह; आचार विशिष्ट पालनो ते.

१४ वॉ योग संग्रह; आचार विशेष का पालन

करना. the 14th Yogasaṅgraha;

observance of a particular kind

of conduct. सम० ३२; —कुशल.

त्रि० (-कुशल) आचारमां कुशल. आचार

में कुशल. (one) proficient in

ascetic conduct. बव० ३, ३;

—कलेवणी. स्त्री० (-आलेपणी) सांभ-

लनारने आचार-अनुष्ठान तरङ्ग भेयनारी

कथा; कथानो ओक प्रकार. सुनने वाले का

आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा;

कथा का एक भेद. a story inclining

the hearer to practise or per-

form what he hears. ठा० ४, २;

—गुप्त. त्रि० (-गुप्त) गुप्ताचारी; जेनो

गुप्त आचार छे ते. गुप्ताचारी; गुप्त आचार

वाला. (one) whose religious

performances are well protect-

ed or carried on in privacy.

दसा० ६, ३१-३२; —गोचर पुं०

(-गोचर) आचार विषयक; आचार संबंधी.

आचार संबंधी. pertaining to

Āchāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा०

८; दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४,

१६०; —चूला. स्त्री० (-चूला)

आचारांग सूत्रना श्रीमन् श्रुतरङ्गधनी

श्रुतिक. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध

की चूलिका, the latter part (the Chūlikā) of the 2nd Śrutarāṅga of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १, १, १; —चूलिया. जी० (—चूलिका) आचारंग सूत्र की चूलिका, the latter part (the Chūlikā) of Āchārāṅga Sūtra. “ आचारस्सणं भगवच्चो सचूळियामस्स पंचासीह उदेसण काळा ” सम० ८६. “ गणिकिङ्गाणं आचार चूलिया वङ्गाणं सत्तावणं आम्भयणा ” सम० १७; —णिज्जुत्ति जी० (निर्वृत्ति) आचारंग सूत्र की निर्वृत्ति. आचारंग सूत्र की निर्वृत्ति. the commentary on the Āchārāṅga Sūtra. सम० १; आया० नि० १, १, १, १; —तेण. त्रि० (—स्तेन) आचारको चोर. अज्ञाचारी उता पोताने आचारी उदेवउवनार. आचार चोर; अज्ञाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not. दस० ५, १, २; —पणत्ति. जी० (—प्रज्ञप्ति) आचारंग अर्थात् पञ्चसंन्यासपत्रति यन्त्रपत्रति सूर्य पत्रति वगैरे सूत्रा. आचारंग और पञ्चसंन्यासपत्रति जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति, चंद्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति आदि सूत्र. the Āchārāṅga and Pannati Sūtra e. g. Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannati, Sūrya Pannati etc. दस० ८, ५०; —पणत्तिवर. पुं० (—प्रज्ञप्तिवर) आचारंग सूत्र अर्थात् प्रज्ञप्ति सूत्र जंबूद्वीप पत्रति यन्त्रपत्रति सूर्य पत्रति वगैरेता धरनार-अज्ञानार. आचारंग सूत्र और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला. one who knows the Āchārāṅga and

Pannati Sūtras like Jambūdvīpa Pannati etc. “ आचारपणत्तिवरं दिट्ठिवायमहिज्जो ” दस० ८, ५०; —पण. त्रि० (—प्राप्त) आचारप्राप्त आदि आचारवालो. प्रज्ञाचर्य व्रत आदि का आचरण करनेवाला. (one) who practises continence. “ इत्थं आचार पत्तायं ” तंदु० —भंडव. पुं० (—भंडक) पात्रां पाट २२०६२२२ आदि उपकरण. पात्र, रजोहरण आदि उपकरण. an ascetic's implements such as alms-bowl, soft brush etc. नाया० १, ११; —भंडसेवि. पुं० (—आवसेविन्-आचार-शास्त्रविहितो व्यवहारस्तेन आचरमुपकरणमाचारभाषणं तत्संविदुं शीलं यस्य स आचारभाषणं सेवी) शास्त्र विधिने अनुसारी उपकरण सेवनार. शास्त्रविधि के अनुसार उपकरण का सेवन करनेवाला an ascetic who uses his implements as prescribed by scriptures. आउ० —भाव. पुं० (—भाव) आचार भाव-आचारनुं स्वरूप. आचार स्वरूप. the true nature of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ७, १३; —भावसेण पुं० (—भाव-स्तेन) उत्तम आचार धरने; उत्तम-आचारको चोर. उत्तम आचार रहित; महा-आचारचोर devoid of a high quality of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ५, २, ४३; —भावदोसरण. त्रि० (—भावदोषण —आचारभावस्य दोषं जानातोऽप्यचारमाद दोषज्ञः) आचारभाव-साधु समाचारिन. दोषने ज्ञानार. आचार भाव अर्थात् साधु समाचार के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Śādhū or ascetics. आचार भाव दोसजू न तं भासिज पञ्चवं ” दस० ७, १३; —मद्र. त्रि० (-अर्थ) ज्ञानादि आचारने अर्थ-निमित्ते. ज्ञानादि आचार के लिये. for the sake of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. “ आचारमद्भाविष्यं पञ्चंजे ” दस० ६, ३, २; —विणय. पुं० (-विनय-आचार-वांतिनां समाचारः स एव विनीयते अनीयते कर्मादिवेदति विनय आचारविनयः) विनय पूर्वक आचार पात्रयो ते; विनयने अर्द्ध प्रकार. विनय पूर्वक आचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. “ सेहिं ते आचार विणयं च उविहे पत्तने-संज्ञा संज्ञममायायी यावि भवति ” प्रव० ५५४; दस० ४, ६७; —संपत्ता. स्त्री० (-संपत्—आचरणमाचारेऽनुष्ठानं साधुपया स एव वा संपद्भिर्भूतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राप्तिराचारसम्पत्) आचारनी संपत्ति; उच्चा आचार. आचार का संपत्ति उच्च आचार. high kind of Āchāra i. e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc. “ आचार संपदा च उविहा पज्जता संज्ञा संज्ञम भवजेग जुते ” टा० ८ १; दस० ४, १०६; —समाधि. पुं० (-समाधि) आचाररूप समाधि; समाधि का अर्द्ध प्रकार. आचाररूप समाधि; समाधि का एक भेद. meditation in the form of Āchāra i. e. ascetic life with knowledge, faith etc. “ च उ-विहा खलु आचार समाधि भवइ संज्ञा ”

दस० ६, ४, ५; —समाधिसंबुद्ध त्रि० (-समाधिसंबुद्ध) आचाररूप समाधिवाला; आश्राने रोकनार. आचाररूप समाधिवाला; आश्रव को रोकने वाला. (one) having meditation in the form of Āchāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस० ६, ४, ९, ३; आचार. पुं० (आकार) आकृति; आशर. आकृति; आकार. Form; configuration. जं० प० नाया० १; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रत्यवसार) अनुया “ आगार-भावपडोयार ” शब्द. देखो “ आगार-भावपडोयार ” शब्द. vide “ आगार-भावपडोयार ” जं० प० १, १३;

आचारकव. न० (आचारकवर) निरीथ श्रवणु अपर नाम. निरीथ सूत्र का दूसरा नाम. Another name of Nisitha Sutra. वन० ३, १०; प्रव० ८६४; —धर. त्रि० (-धर) निरीथ श्रवणु अर्थना धर-नर. निरीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाता. (one) who knows the meaning of Nisitha Sutra. वन० ३, ४; आचारकव. पुं० (आत्मरक्ष) अनुया “ आचारकव ” शब्द. देखो “ आचारकव ” शब्द. Vide. “ आचारकव ” जं० प० ४, ८८;

आचारदसा. स्त्री० (आचारदशा आचारप्रति-पादनारा दशा आचारदशा) आचारदशा नामक सूत्र आचारदशा नामक सूत्र. The Sūtra named Āchāra Daśā. “ आचारदसायं दस अक्षरणा पश्यन्ता संज्ञा ” टा० १०;

आचारपकष पुं० (आचारप्रकष) निरीथ श्रवणु अपर नाम. निरीथ सूत्र का दूसरा नाम. Another name of Nisitha Sutra. वन० ३, १०; प्रव० ८६४; —धर. त्रि० (-धर) निरीथ श्रवणु अर्थना धर-नर. निरीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाता. (one) who knows the meaning of Nisitha Sutra. वन० ३, ४; आचारकव. पुं० (आत्मरक्ष) अनुया “ आचारकव ” शब्द. देखो “ आचारकव ” शब्द. Vide. “ आचारकव ” जं० प० ४, ८८;

The 25 chapters of Āchārāṅga plus three chapters of Nisitha. "अष्टाशीसविंशो आचारपकप नामोयं" परह० २, ५; वव० १०, २०;

आचारपणिहि. पुं० (आचारप्रणिधि) आचार प्रतिपादन करनेवाले दशवैकालिक सूत्र का आठवां अध्याय. The eighth chapter of Daśa-vaikālika explaining Āchāra i. e. right knowledge, faith etc. "आचारपणिहि लद्धं जहा कायश्च भिक्षुणा" दस० ८, १; ६४.

आचारमंत. वि० (आचारवन्) शुद्ध आचार ज्ञेय. शुद्ध आचरण वाला. Puro in knowledge, conduct, faith etc. दस० ६, १, ३;

आचारवंत. वि० (आचारवन्) ज्ञान, दर्शन, चरित्र, तपश्चरितं वीर्य ये पांच आचारवन्तो ज्ञान, दर्शन, चरित्र, तपश्चरितं इत्ये पांच आचारवाला. (One) possessed of the five Ācharas viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism. टा० ८, १; भग० २५, ७; दस० १, ३१; ३२;

आचारवस्तु. न० (आचारवस्तु) नवमा पर्व का त्रिंशत् प्रकरणं नाम. नौवें पर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the 3rd chapter of the 9th Pūrva. भग० २५, ७;

आयाव. पुं० (आताप) लुभे "आताव" शब्द. देखो "आताव" शब्द. Vide. "आताव" भग० १, ५; कप० २, ५४; ४, ३३;

आयावय. पि० (आतापक) आतापना

लेना; सूर्यनी सामे दृष्टि राखी सूर्यनी ताप सहेंना. आतापना लेनेवाला; सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के तार को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६; परह० २, १; टा० ५, १;

आयावग. पि० (आतापक) लुभे "आतावग" शब्द. देखो "आतावग" शब्द. Vide. "आतावन" पि० नि० ३१५;

आयावण. न० (आतापन) आतापना शीतलिकुं सहन करवुं ले. आतापना. शीतलिक का सहना. Practice of enduring heat, cold, etc. नाया० १६; —टाण० न० (—स्थान) शीतलिक सहन करवुं स्थान. शीतलिक सहन करने का स्थान. a place where cold etc. are to be endured. पंचा० १८, ४८; —भूमि. स्त्री० (—भूमि) आतापना लेवुं जगह. a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३१; ११, ६; १५, १; नाया० १६;

आयावणभूमिय. न० (आतापनभूमिक) लुभे उपेय शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

आयावणया. स्त्री० (*आतापनता) लुभे "आतावणया" शब्द. देखो "आतावणया" शब्द. Vide "आतावणया" टा० ३, ३;

आयावणा. स्त्री० (आतापना) आतापना लेनी. आतापना लेना. Endurance of heat, cold, etc. as austerities. ओव० ३८; वव० ५, २३; निर० ३, ३; भग० ११, ६;

आयास. पुं० (आयास) चित्तो भेद. चित्त-
का शब्द. Mental grief; sorrow of
the mind. परह० १, ६; (२) १८
लिपिमांसी ३५ भी लिपि. १८ लिपियों में से
१५ वीं लिपि. the 15th of the
18 scripts. पञ० १; —लिपि. ली०
(--लिपि) १८ लिपिमांसी १५ भी लिपि.
१८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the
15th of the 18 scripts. पञ० १;
आयासिहियं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिण
तटस्थी भांड़ी; जमझुी तटस्थी शरू करीने.
दक्षिण बाजसे; दाहिनी ओर से प्रारंभ करके.
Commencing with, starting
from, the right side (as oppo-
sed to the left.) ओव० २२; नाया०
१, १३; १६; भग० १, १; २, १; ३, १;
४१, २; राय० २६; उवा० १, १०; जं० प०
५, ११२;

आयासिहियपथाहिणा. ली० (आदक्षिणप्रद-
क्षिणा—आदक्षिणात् - दक्षिणार्धद्वारम्प
प्रदक्षिणः परितो आगम्यतो दक्षिण एक-
दक्षिणप्रदक्षिणः) जमझुी तटस्थी शरू करीने
हरी जमझुी तटस्थी सुधी आवर्तन करेयुं ते.
दाहिनी ओर से आवर्तन कर फिर दाहिनी
ओर तक—(प्रदक्षिणा.) Starting from
the right and coming round
again to the right (as oppos-
ed to the left.) “ समयं भगवं
सहावीरं तिष्ठतो आयासिहियपथाहिणं करोइ ”
भग० १, १, ६, ३३; विवा० १; राय०
ओव० नाया० १६;

आयु. न० (आयुष) आयुष्य. आयुष्य; उमर.
Life. क० प० ५, ६३; —व्यय. पुं०
(--व्यय) आयुष्यतो क्षय-अंत. आयुष्य का
क्षय-अन्त. decay or end of life.
क० प० ५, ६३;

आयोग. पुं० (आयोग) धननी आवक. धन
की आमदनी. Income of wealth.
राय० २८६;

आर. न० (आर-इहभवसारम्) आलो०. यह
लोक. This world. “ बाहिसि आरं
कओपरं ” सूय० १, २, १, ८; १, ९,
२८; (२) संसार; ज्ञयलो०. संसार; मर्त्य-
लोक. world; worldly existence.
सूय० १, २, १, ८; (३) गृहस्थपण्य.
गृहस्थपन; गार्हस्थ्य. householder-
ship. सूय० १, २, १, ८; (४) चौथी
नरकनी ओक नरकावासा. चौथी नरक भूमिका
एक-नरकावासा. a certain division
of the 4th hell-region. सूय० अ०
६, १;

आरओ. अ० (आरसत्) आलो०. यह लोक.
(From) this world. “ आरओ
परओ दावि ” सूय० १, ८, ६; (२)
पहेला; अर्वाग; आपार. पहिले; अर्वाग; इस
पार. before (in time or place)
being on this side. पि० नि० २३४;
२४१;

✓ **आरंभ.** I. वा० (आ+रम्भ) आरंभ
समारंभ करेवा; हिंसा-पापनी व्यापार
करेवा. हिंसा का व्यापार-हिंसक कार्य करना;
आरंभ समारंभ करना. To do a sinful
action like killing etc.

आरंभद. भग० ३, ३;

आरंभे. वि० दस० ६, ३५;

आरंभमाय. भग० ३, ३;

आरंभ. पुं० (आरम्भ) हिंसा; कृषि आदि
पापकारी व्यापार; आरंभ समारंभ. हिंसा;
कृषि आदि पापपूर्ण व्यापार; आरंभ समारंभ.
Destructive operation; e. g.
killing, in agriculture etc. दसा०
६, २; भग० ३, ३; ८, १; ओव० ३८३

उदा० ६, १७७; सूय० १, १, १, १०; १, १, २, ११; उत० २४, २१; २४, २४; विशेष० ३; पंचा० १, ८; प्रव० १०७४; (२) त्रि० जेने आरंभ थाप तेना श्रव. जिसका आरंभ-वच हो ऐसा जीव. a victim of killing प्रव० १०७४; —उचरय. त्रि० (—उपरत) आरंभणी निवृत्त थयेव. आरंभ से निवृत्ति पायाहुआ. free from sinful operations of killing etc. “ जेय पण्णाणमंतो पबुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयंति पासह ” आया० १, ५, ५, १६०; —करण. न० (—करण) छ कायना श्रवने हल्ल्या ते. छ काय के जीवों की हिंसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा० ३, १; पण्ह० १, ३; —कहा की० (—कथा) भोजनारिकमां यतां आरंभ समारंभनां वभाणु करवां ते. भोजनारि में होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना. praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. ठा० ४, २; —जीवि. त्रि० (—जीविन्) आरंभ-सावध कियाथी आश्रवका यत्तावनार (गृहस्थ). आरंभ-सावध-क्रिया से आजीविका करने वाला (गृहस्थ). (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc. आया० १, ३, २, १११; —उभ्याण. न० (—उभ्याण) हिंसक ध्यान; आर्तध्यान. हिंसक ध्यान; आर्तध्यान. meditation of destruction of sentient beings. आउ० —हाण. न० (—ह्याण) आरंभ समारंभ करवाना ठेकः—भेतर-वासी वगेरे. आरंभ समारंभ करने का स्थान

जैसे खेती बाड़ी आदि. a place of sinful operations; e. g. a field, a garden etc. “ आरंभ द्वाये पण्यता एवा मे व महा पउमेवि ” ठा० ६ —टि. त्रि० (—अर्थिन्) आरंभने अर्थी; पापना व्यापारने छान्दना२. आरंभ का अर्थी; पाप व्यापारको चाहनेवाला. desirous of sinful operations. “ आरंभही अणुवच-माये हयमाये घायमाये ” आया० १, ६, ४, १६२; —णिस्सिय. त्रि० (—निस्सित-आरंभे हिंसादिके सावधानुष्ठानकसे निस्स-वेनश्रिताः सम्बद्धा अणुपण्णा आरंभ-निस्सिताः) आरंभमां तत्पर थयेव. आरंभ में तत्पर. plunged in sinful operations. “ मंदा आरंभ निस्सिया ” सूय० १, १, १, १०-१४; १, ६; २; —परिणाय. त्रि० (—परिज्ञात) आवकनी आठवीं पडिमा आठरनार आवक के जे आठ महीना सुधी पोते आरंभ समारंभ करे नहि. आवक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला आवक जो कि आठ मास तक स्वयं कोई आरंभ समारंभ नहीं करता. a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११; —वज्जय. त्रि० (—वर्जक) आरंभ-पापना व्यापारने त्याग करना२; आवकनी आठवीं पडिमा सेवनार. आरंभ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला. आवक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc. for eight months. पण्ह० २, ३; —संमिय. त्रि० (—सम्भृत) आरंभणी भरेहुं—आरंभणी पुष्ट. आरंभ से भराहुआ; आरंभ से युक्त

full of sinful operations. “आरंभ-संभियाकामा ” सूय० १, ६, ३; —सञ्च त्रि० (—सत्य-आरंभो जीवोपघातस्तद्विषय-सत्यमारंभसत्यम्) आरंभ विपयक सत्य. आरंभ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सञ्चमण्यप्रयोग. पुं० (—सत्यमनः प्रयोग) आरंभविपयक सत्य मनो प्रयोग-व्यापार. आरंभ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सत्त. त्रि० (—मक्त) आरंभमां लागेवः आरंभथी जेसथेव. आरंभ संलग्नः आरंभसंबुक्त. engaged in sinful operations of killing etc. “आरंभसत्तापकरंतिमंग” आया० १, १, ७, ६०; —समारंभ. पुं० (—समारंभ—आरंभः कृष्यादिव्यापारस्तेन समारंभो जीवोपमर्दः-आरंभसमारंभः) आरंभ समारंभः पापना व्यापारथी छवती घत करती ते. आरंभ समारंभः पापरूप व्यापार-कृत्य मे जीव की घात करना. performance of operations involving destruction of life etc. दसा० ६, ४; पण्ड० १, १;

आरंभग. त्रि० (आरंभक) आरंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. आया० नि० १, ५, १, २३६;

आरंभज. त्रि० (आरंभज) सावध क्रियाना अनुष्ठानथी उत्पन्न थयेव. सावध क्रिया के अनुष्ठान से उत्पन्न. Born of sinful operations आया० १, ३, १, १०८;

आरंभय. त्रि० (आरंभय) जुओ उपलो

शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

आया० १, ३, १, १०८;

आरंभि. त्रि० (आरंभिन्) पापना आरंभ करनेवाला. पाप का आरंभ करनेवाला. (One) performing sinful operations. सूय० १, ६, ६;

आरंभिया. स्त्री० (आरंभिकी) पापना व्यापारथी लागती क्रिया. पाप व्यापार से होने वाला कर्मबंध. Karma arising from sinful operations of killing etc.

“आरंभिया किरिया दुविहा पण्यत्ता तं-जहा जीव आरंभिया चेव” डा० २, १: ४, ४; भग० १, २, ५, ६; पत्र० १७, २२;

आरंभय. पुं० (आरंभ) राजन्ना आत्मरक्षक. राजा के आत्मरक्षक. A body-guard of a king. डा० ३; (२) उग्रवंश अने ते पंशेमां उत्पन्न थयेव. उग्रवंश और उग्र वंश में उत्पन्न उग्रवंश. the Ugra family; a person born it. डा० ६;

आरंभयग. पुं० (आरंभक) रक्षायु करनेवाला. रक्षा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects; e. g. a police constable. कण्ठ० ५, ६६;

आरंभिय. पुं० (आरंभिक) कोतवाल. नगर रक्षक. A constable; one who guards a city. दस० ५, १, १६; ओघ० नि० २२२;

आरग. पुं० (आरक) यकने आरौ; पैर-ने आरौ. चक्र का आरा; पहिये का आरा. A spoke of a wheel पण्ड० २, ४;

आरगय. त्रि० (आरगत) इंद्रियेन्ती समीप आवेव; इंद्रियगोचर थयेव. इंद्रियगोचर; इंद्रियों के समीप आया हुआ. Within the reach of senses; near the senses. “आरगयाइं महाइं सुखेइं ओ वारमयारं” भग० ५, ४;

आरटिषसह. पुं० (आरटिषसह) आह-
-न १५६. विज्ञाने का शब्द. Bawling
sound; loud sound. विवा० ६;

आरण्य. पुं० (आरण्य) ११मो देवलोक. ग्यार-
हवाँ देवलोक. The 11th heavenly
world. (२) ते देवलोकना निवासी देवता.
उस देवलोक के निवासो देव. a deity
of that world. विशेष० ६६३; पक्ष० १;
भग० १८, ७; जीवा० २; नाया० १; सम०
१५०; छान्द० २, ३; श्रौत० उत्त० ३६, २०६;
(३) भुम पाउली ते; आरुपुं ते.
चिह्नाना; बोस मारना. shouting. श्रौत०
नि० १६४;

आरण्यग. पुं० (आरण्यक) ११मो देवलोक
ग्यारहवाँ देवलोक. The 11th heavenly
world. भग० २४, २१;

आरण्यि. त्रि० (आरण्यक) अरण्य-वन-
भां ग्युं ते; वानप्रस्थ. वन में जाना; वान-
प्रस्थ. (One) resorting to a
forest; abandoning the world
“ से जे हुमे आरण्यिया आवासियाण गाम-
णियति वा ” दसा० १०, ७;

आरण्यग. त्रि० (आरण्यक) अरण्य-वनभा-
ग्युं वसना; वानप्रस्थ. वन में जाकर रहने
वाला; वानप्रस्थ. (One) renoun-
cing the world and resorting
to a forest. “ आरण्यगा होह सुणी
पसत्था ” उत्त० १४, ६;

आरण्यय. त्रि० (आरण्यक) भुज्यो उपलो-
क १५६. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
निर्णी० १६, ७;

आरण्यि. त्रि० (आरण्यक) वनभां दासी
इसप्रकार उदना आधार करनार तापस वगैरे
वनमें रहकर फल, फूल, कंद का आहार
करनेवाले तापी वगैरह. An ascetic

etc. who stays in the forest
and lives upon roots, fruit etc.
सूय० २, २, २१; २७;

आरत. त्रि० (आरत) निवृत्ति पायेन; उपरत-
निराम पायेन. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-
हुआ. (One) who has ceased.
सूय० १, ४, १, १;

आरत्त. त्रि० (आरत्त) थे पुं रंगेछु; रंगीन
पत्रादि. कुछ रंगाहुआ; रंगीन वस्त्रादि.
Lightly coloured; e. g. a cloth
etc आया० १, २, ३, १६;

आरम्भ. त्रि० (आरम्भ) आरम्भ करेन.
आरम्भ कियाहुआ. Begun; commen-
ced. सु० च० १, १०; भग० ३, १; ४२,
१; विशेष० ४२२; ६५५; श्रौत० नि० भा०
२४८; क० प० ५, ६५;

आरण्यि. त्रि० (आरण्यक) भुज्यो “ आर-
ण्यिय ” १५६. देखो “ आरण्यिय ”
शब्द. Vide. “ आरण्यिय ” सूय० २,
२, २१; २७;

आरव. पुं० (*आरव=अरब) उत्तर भरतमाने
अरब नामे देश; अरबस्थान. उत्तर भरत
क्षेत्र में का आरव नामक देश; अरबस्थान.
Arabia; name of a country in
Uttara Bharata. (२) अरबस्थानना
रहेवासी मनुष्य; आरव. अरबस्थान वासी
मनुष्य. an Arab. परह० १, १; जं० प०
आरवग. पुं० (अरबक) आरव; आरवदेश-
ने; रहेवासी. अरबस्थान का रहनेवाला. An
Arab; a resident of Arabia.
जं० प०

आरवी. स्त्री० (*आरवी=आरबी) अरबस्थान-
भां गन्धर्व. दासी. अरबस्थान में जन्मीहुई
दासी. An Arab servant-maid.
भग० ६, ३३; श्रौत० ३३; जं० प० परह०
१, १; नाया० १;

आरम्भ. सं० कृ० अ० (आरम्भ) आरम्भणी-
ने; आरम्भ करीने. आरम्भ करके.
Having begun. पञ्च० १७; पि० नि०
२३३; भग० ८, ७;

✓ **आरम्भ.** धा० I. (आ-रम्भ) आरम्भयुं;
शर्यात करुं. आरम्भ करना. To begin;
to commence.

आरम्भ. प्रव० १४६; ८२८;

आरम्भत. व० कृ० पि० नि० ५७५; अणुजो०
१२८;

आरम्भड. न० (आरम्भड) ३२ नाटकभांजुं
२८ भुं नाटक. ३२ नाटकों में से २८ वां
नाटक. 28th of the 32 dramas.
जीवा० ३, ४; राय० ६४; टा० ४, ४; जं०
प० ५, १२१;

आरम्भडमसोल. न० (आरम्भडमसोल)
३२ नाटकभांजुं ३० भुं नाटक. ३२ प्रकार के
नाटकों में से ३० वां नाटक. 30th of the
32 dramas जीवा० ३, ४; राय० ६४;

आरम्भडा. स्त्री० (*आरम्भटी) पडिलेदण
करती वस्त्रे वस्त्र उनावले सेतां मुकतां-डे
जेतां लागतां ऐक दोष; पडिलेदणु नो ऐक
दोष. पडिलेदण करते समय शीघ्रता से वस्त्र
उठाने रखने या देखने में जो दोष लगता है
वह; पडिलेदण का एक दोष. A fault
connected with the examina-
tion of clothes viz hastily
handling them or hastily in-
specting them. उत्त० २६, २६;
ओष० नि० भा० १६२; टा० ६, १;

आरम्भिय. न० (आरम्भित) नाटयनी विधिने
ऐक प्रकार. नाट्यविधि का एक भेद. A
mode of dramatic acting. राय०

आरय. त्रि० (आरत) निवृत्ति पायेन.
निवृत्ति पायाहुआ. (One) who has
ceased; freed from. सूय० १, ४;

(२) गयेन; दूर गयेन. गयाहुआ; दूर
होचुका हुआ. departed; gone away.
सूय० १, १५, ११; —मेहुण. त्रि०
(—मैथुन-आरतमुपरतै मैथुनकामभिखाषो
यस्यासावारतैमथुनः) कामनी अलिङ्गपाथी
निवृत्त थयेन. काम को अभिलाषा से निवृत्त
होचुका हुआ. free from sexual
desire. सूय० १, १५, ११;

आरघ. पुं० (आराघ) शब्द; अवाज. शब्द;
आवाज; ध्वनि. Sound; noise. जं० प०

✓ **आरस.** धा० I, II. (आ + रस्) रुनुं;
विलाप करुवे. रोना; विलाप करना. To
weep; to lament.

आरसति. नाया० १६;

आरसंत. नाया० ६; उत्त० १३, ६३;

आरसिय-अ. त्रि० (आरसित) अरसा
पाडेन; आरडेन. चिल्लाया हुआ. Bawling
out; (any thing) bawled out
or piteously cried out. “ विषुटे
विमरे आरसिए तण्ण एयस्स दारगस्स ”
विवा० २; —सद्. पुं० (-शब्द) रु-
वानो अवाज-शब्द. रोने की आवाज.
wailing sound. नाया० १६;

आरा. स्त्री० (आरा) आरा-गाडी वगेरेना
पैडाना मध्य लागमां जे लाड्डां जेद्वेत्तां
दोय छे ते. आरा-गाडी वर्गरेड के चाकों के
बीच में जो लकड़ी के डंडे लगेहु (होते हैं) वे.
A spoke of a wheel. सु० च० १२,
५६; पि० नि० ३३१; (२) आर; यलदने
मारवानी दोदानी आशी वाली लाड्डा;
द्वीआर विशेष. आर; बैल के शरीर में
टोंचने की लकड़ी जिसमें लोहे की खील
लगी रहती है. a stick with an iron
point to drive oxen etc; a goad.
सु० च० १२, ५१; सूय० १, ५, ९, १४;

आराध. अ० (आराध) पास; १७५. पास;
समीप. Near; in the vicinity.
पंचा० ४. ३५;

आराधभाग. पुं० (आराधभाग) पूर्वोक्त भाग;
पासो भाग. पूर्व का भाग; समीपवर्ती भाग.
The adjoining part. विशेष० १७३६;

आराम. पुं० (आराम) उपनि. आग; स्त्री-
पुत्रोक्त आराम देवानो मंडप. उपवन; बाग;
स्त्री पुत्रों के विराम करनेका मंडप. A
garden; a pleasure garden.
श्रीव० नाया० १; २; ५; पण्ड० १, १;
ठा० २, ४; राय० २०१; २३४; अणुजो०
१६, १३४; उत्त० २, १५, १६, १५; भग०
५, ७; १८, १०; २५, ७; जीवा० ३; कण्ठ०
४, ८८; (२) त्रि० (आरामयति सुख-
यतीत्यारामः) आराम करनेवाला—आपनार.
आराम देनेवाला. refreshing; con-
ducive to rest. आया० १, ५, ४,
१५६; राय० ३३; —आगार. न० (—आ-
गार) लुप्तो “ आरामगार ” शब्द. देखो
“ आरामगार ” शब्द. vide “ आराम-
गार ” निसि० ३. १, —गय. त्रि० (—गत)
आराम आगम आवी पहुँच्ये. बागीचे में
आया हुआ. arrived at a pleasure-
garden. ठा० ५; —गार. न० (—गृह)
उद्यानगृह. उद्यानगृह. a house in a
garden. “ आगतगारे आरामगारे ”
सूय० २, ६, १६; —गिह. न० (—गृह)
लुप्तो उपनि शब्द. देखो ऊपरका शब्द.
vide above. दसा० ७, १;

आरामिय. त्रि० (आरामिक) आराम-आग-
नु रक्षाय करनेवाला; माली. बागीचे की देख-
रेख करनेवाला; माली. A gardener.
ठा० ४;

आराध. धा० I, II. (आराध) आराधना
करवी; सेवना करी. आराधना करना; सेवा
v. II/11.

करना. To worship; to resort to.
आराधे. दस० ५, १, ३६; भग० १, ६;
२, १;

आराध. उवा० १, ७०, ७१;

आराधय. दस० ६, ३, १;

आराधय. वि० भग० २, ५; दस० ७, ६७;
३, १, १६; उत्त० १२, १२;

आराधइस्सामि. भ० भक्त० १५८;

आराधिका. सं० कृ० सु० च० ११, १६;

आराधिता. सं० कृ० उत्त० २६, १; दस०
६, १, १७;

आराधिता. सं० कृ० नाया० ८; १६; भग०
१, ९; २; १, ८, १०; ६, ३३;

आराधिता. सं० कृ० कण्ठ० ६, ६३; नाया०
८; श्रीव० ४०;

आराधितं. हे० कृ० सूय० १, १५, १६;

आराधय. पुं० (आराधक—आराधयति
सम्यक् पालयति बाधिमत्याराधकः) आरा-
धक; संयम आदिना पालनार. पालन करने
वाला; सेवन करनेवाला; संयम आदि की
आराधना करनेवाला. (One) who
worships or devotes himself
to asceticism. श्रीव० ३४; भग० १,
३; ३, १; ८, ६; ८; राय० ७६; भक्त० ११;
पञ्च० ११; नाया० १; ३; ५; ११;

आराधग. पुं० (आराधक) ज्ञानादिको आ-
राधक. ज्ञानादिक का आराधक. One who
devotes himself to right know-
ledge etc. “ आराधगो य जीवी सम्बद्धे
भवेद्भि पावती श्रियमा ” पंचा० ७, ३१;
नाया० १०; भग० ३, १; सूय० १, १;
२, २०;

आराधण. न० (आराधन) आराधन; सेवन.
आराधना; सेवा. Worship; service;
devotion to. संख्या० श्रीव० ४, ४;
भक्त० ६;

आराहण्य. पुं० (आराधनक) संथारे.
संधारा; मृत्यु आने तक अन्न जल का त्याग
करना. Giving up food and water
till death comes. संथा०

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) संथारे.
संधारा. Giving up food and
water till death comes. (२)
श्रुत-शास्त्रनुं सम्यक् प्रक्षरे आराधन-आसे-
वन. श्रुत-शास्त्र का सम्यक् रीति से आरा-
धन-आसेवन. devoted observance
of scriptural injunctions. संथा०
उत्त० २६, २;

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) मोक्ष मार्गरूप
ज्ञान आदिनी सेवा; वीतरगता पथननुं
पालन. मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा;
वीतरग के वचनों का पालन. Devoted
adherence to the precepts of
the omniscient, leading to final
bliss. " दुविहा आराहण्या प० तं भूमि-
याराहण्याचेव " श्रौव० ३४; उवा० १, ५७;
ठा० २; ४; ३, ४; पंचा० ६, ५; सम० ३२;
अणुजो० २८; प्रव० १००; वेय० १, ३३;
आड० १५; नागा० ११; भग० ३, ४; ५,
६; ८, १; १०; २४, ६; कप्प० ६, ५६;
—उवउत्त. त्रि० (-उपयुक्त) आराधना
सहित. आराधना सहित. full of
worship or devotion. आड० १५;

आराहणी. स्त्री० (*आराधनी) जेनाथी
मोक्ष मार्गनी आराधना कराय ऐसी जग;
द्रव्य जगती ऐक प्रक्षर. जिस भाषा से
मोक्ष मार्ग की आराधना की जासके एसी
भाषा; द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech
fitted to secure final bliss; a
variety of ordinary speech;
पक्ष० ११;

आराहिय त्रि० (आराधिन) आराधना

करेव. आराधना कियाहुआ. Worship-
ped; adored; resorted to. पक्ष०
२, १; उत्त० ८, १६; नाया० ८; भग० ८,
६, १०, २; प्रव० २१३; —संज्ञम. त्रि०
(-संयम) गराभर होते जेजे संज्ञमनी
आराधना-सेवना करी छे ते. पूर्णतया जिसने
संयम-साधुत्व का आराधना की है वह.
(one) who has fully observed
asceticism. सम०

आरिह. पुं० (आरिह) मंडप गोत्रनी शाखा.
मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch
of the Mandapa family. (२) ते
शाखामाने पुरुष. उस शाखा का पुरुष. a
person belonging to the above
branch. ठा० ७, १;

आरिय. पुं० (आर्य) ज्ञानी-तीर्थक्षर. ज्ञानी-
तार्थकर. An omniscient; a Tir-
thankara. आया० १, २, २, १६; १,
२, ५, ८७; (२) पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ;
निष्पाप. पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ; पापरहित;
निष्पाप. sinless; holy; pure. उत्त०
२, ३७; ठा० ३, १; पक्ष० १; भग० ६,
३३; श्रौव० २७; (३) आर्य देशमां उत्पन्न
थयेव; श्रेष्ठ मनुष्य. आर्य देशोत्पन्न; श्रेष्ठ
मनुष्य. born in an Ārya country;
high in civilisation सूय० २, १,
१३; सम० ३४; श्रौव० ३४; भग० १५, १;
(४) पुं० मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. path
of salvation सूय० १, ८, १३; (५)
आर्य देश. आर्य देश. the Ārya (i. e.
civilised) country. प्रव० ६४;
—दंसि. पुं० (-दर्शन —आर्य प्रमुखं
न्यायोपपन्नं पश्यति तच्छास्त्राचार्यदर्शी)
न्यायदृष्टि वाले; न्याय दृष्टिसे जेनार.
न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने
वाला (one) who is just and

impartial. "आरिण् आरियपण्ये आरिय
हंसि" आया० १, २, ५, ८७; —धम्म. पुं०
न० (—धर्म) आर्य धर्म; अहिंसा धर्म;
सदाचार धर्म. आर्य धर्म; अहिंसामय धर्म;
सदाचाररूप धर्म. Ārya religion i.e.
one high in morals and mercy.
"बेहज्ज यिज्जरयेही आरिय धम्ममञ्जुत्तरं"
उत्त० २, ३७; —पञ्च. त्रि० (—प्रज्ञ) प्रशंसनीय बुद्धिवाला; शास्त्रीय ज्ञानवान्.
प्रशंसनीय बुद्धिवाला; शास्त्रीय ज्ञान सहित.
highly talented; well-versed
in Sāstras. आया० १, २, ५, ८७;
आरियसण न० (आर्यत्व) आर्य देशमां
उत्पन्न भवुं ते; आर्यपण्यु. आर्य देश में उत्पन्न
होना; आर्यत्व. State of being born
in an Ārya country; state of
being an Ārya. उत्त० १०, १६;
आरुग्ग. न० (आरोग्य) निरोगी पण्यु;
स्वस्थ. निरोगीपन; स्वास्थ्य. Health;
freedom from disease. गण० ६;
दस० ८, ३५; आव० २, ६; भत्त० ६५,
—बोद्धिताभ. पुं० (—बोधिजाभ-आरो-
ग्याय बोधिजाभ आरोग्यबोधजाभः) स्वा-
स्थ्यनेमते अरिहंत प्रणीत धर्मनी प्राप्ति;
भोक्ष मार्गना धर्मनी प्राप्ति. स्वास्थ्य के हेतु
अरिहंत प्रणात धर्म की प्राप्ति; मोक्ष-मार्ग रूप
धर्म की प्राप्ति. acquisition of the
religion taught by Tirthan-
karas i. e. one leading to final
bliss. आव० २, ६;
आरुसिय. त्रि० (आरुह) क्रोधी भयेत्.
क्रोधित; क्रुद्ध. Angry; enraged
नाया० २;
आरुहत्त. सं० कृ० (आरुह्य) रोष करीने.
क्रोध करके. Being angry; having
become angry. सूय० १, ५, २, ३;

✓ आ+रुह. धा० I, II. (आ+रुह्) यदी
भेसतुं; आरोहण्यु ३२तुं. चढना; चढ बैठना;
आरोहण करना. To mount on or
upon; to ascend. नाया० १, १४;
भग० १५, १; १७, १; क० प० ५, ६३;
आरुहह. उत्त० १७, ७;
आरोहह. दसा० १०, १;
आरुहेह. भग० १५, १; नाया० १३;
आरुमेह. भग० २, १;
आरुमह. भग० १७, १;
आरुहेन्ति. जं० प० २, ३३;
आरुमे. वि० वच० ६, ४१;
आरुहेत्ता. भग० १५, १, १७, १;
नाया० १४;
आरुमेत्ता भग० १७, १;
आरुहिता. सूय० २, ६, २८;
आरोहेत्ता. भग० १५, १; नाया० १; १३;
आरुहिय. भत्त० १८;
आरोबित्ता. भग० २, १;
आरोवंत. सु० च० ४, २८६;
आरोहिज्जह. उवा० ७, १६७;
आरोविज्जन्ति. भत्त० २६;
आरुहण. न० (आरोहण) स्वार भवुं; यज्जुं.
सवार होना; चढना. Mounting;
ascending; riding. जं० प० सु० च०
१, ३४१; जीवा० ३, ३; राय० १८२;
नाया० ६; प्रय० १०१७;
आरुहियच्च. त्रि० (आरोहितव्य) अर्था
आयुक्त; आरोहण्यु करता योग्य चढने योग्य.
आरोहण करने योग्य. Worthy to be
mounted upon; fit for riding.
वच० १, १६; २०; निसी० २०, १०;
आरुह. त्रि० (आरुह) उपर चढेत्; आश्रिते
रहेत्. चढा हुआ; ऊपर चढा हुआ; आश्रय से
रहा हुआ. Mounted; climbed;
resting upon. वि० नि० ३६४; ५०२३

(२) प्राप्त थयेल; उत्पन्न थयेल; उगेल. उत्पन्न; उगाहुआ. got; grown; produced. पि० नि० ८३; —अस्वारोह. पुं० (-अस्वारोह) स्वार अडपाछे जेना उपर ओया (घोडा); स्वार सहित घोडा. जिसके ऊपर सवार चढ़ा हो ऐसा घोडा; सवार सहित घोडा. a horse-man; a horse with its rider. विवा० २; —हस्त्यारोह. पुं० (-हस्त्यारोह-आरूढा हस्त्यारोहा महात्माश्च येषु ते सथा) जेना उपर भावत स्वार थयेल छे ओया. जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it. विवा० २;

आरोह. अ० (आरोह) नञ्ङ; पास. नजदीक; समीप; पास. Before (in time or place); near. ओच० नि० १६३; पि० नि० ३४४; (२) आतरङ्ग. आशङ्क. इस ओर; इस किनारे पर. on this side. सूय० २, ७, २७;

आरोग्य. न० (आरोग्य) निरोगिपण्युः तंदुरस्ति. नीरोगता; तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओच० नि० ६८७; कप्प० ७, २०६; अं० प० ३, ५४; (२) त्रि० रोग रहित; निरोगी. रोग रहित; निरोगी. healthy. नाया० १; भग० ११, ११; १५, १; कप्प० १, ८; ६, १७; —आरोग्य. त्रि० (-आरोग्य) आधा पीडा रहित. बाधा-पीडा से रहित. free from pain or affliction. नाया० ८; —फल. न० (-फल) जेनुं फल आरोप छे ते. जिसका फल आरोप्यता है ऐसा कोई भी पदार्थ. anything. conducive to health. पंचा० १५, ४४; —बोधिसत्त्व. पुं० (-बोधिसत्त्व) आरोप्य ओर बोधि-सन्मार्ग तेने लाल. आरोग्य

और बोधि (सन्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोप्य. पुं० (आरोप्य) बुद्ध शास्त्रमां कहेल ओक देवतानी जात. बौद्ध शास्त्रों में कही हुई देवों की एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सूय० २, ६, २६;

आरोपणा. स्त्री० (आरोपणा) आरोपणा—ओक अपराधनुं प्रायश्चित्त करतां पुनः तेन अपराध पीछे बार कयो तेनुं प्रायश्चित्त प्रथम प्रायश्चित्तमां उमेरवुं—आरोपणुं ते. एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वही अपराध दूसरी बार करनेपर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त में शामिल करना अथवा पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as *Āropanā* or adding expiation to expiation. टा० ५; निसी० २०, ११; कप्प० ६, ५७; सम० २८; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) जुओ उपदेो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. टा० ४, १;

आरोपियव्व. त्रि० (आरोपितव्य) आरोप्य ओय. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसी० २०, ३७;

आरोस. पुं० (आरोस) ओ नामने ओक देश. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशवासी ओकेठनी

ऐक्य मत. आरोह देशवासी म्लेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Āroṣa. पण० १, १;

आरोह. पुं० (आरोह) शरीर की उचित लंबाई. शरीर की यथार्थ उंचाई. Proper length of a body. दसा० ४, २०; —**परिणाह. पुं० (-परिणाह)** शरीर की उंचाई नेटली में लुगनी पड़ेलाई छेप ते —**आरोहपरिणाह.** जितनी शरीर की उंचाई हो उतनीही यदि दोनों भुजाओं की चौड़ाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —**परिणाहजुत्तता. स्त्री० (-परिणाह-जुत्तता)** शरीर की उंचाई नेटली लुगनी पड़ेलाई सहित. शरीर की उंचाई के समान भुजाओं की चौड़ाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —**परिणाह संपरख. त्रि० (-परिणाहसंपरख)** आरोहपरिणाह: शरीर की उंचाई नेटली में लुगनी पड़ेलाई पावे. शरीर की उंचाई के समान दो भुजाओं की चौड़ाई वाला. (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height. दसा० ४, २०;

आरोहण. पुं० (आरोहण) हाथी की सवारी करनेवाला; सहायक. One who mounts upon an elephant; an elephant-driver. कोव० ३१;

आलंकार-य. त्रि० (आलंकार) रહેवानुं स्थान; घर, पर; स्थान. A house; a place.

विश० १८७१; ठा० ३, १; जं० १० २, ३१; पंचा० ११, ४६; प्रब० ४४२; पण० ३; —**सामि. पुं० (-स्वामिन्)** उपाध्याय. उपाध्याय का स्वामी-मालिक. the lord of a Jaina monastery. पंचा० १५, १८;

आलङ्कार. त्रि० (आलङ्कार) यथा योम्य स्थाने पड़ेरेख. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ. Put on properly. जीवा० ४; कण्ठ० २, १३; पण० २; —**मालमुकुट. त्रि० (-मालमुकुट.)** नेछे भावाने भुगत पड़ेर्या छे ते. जिसने माला और मुकुट पहिना है वह. garlanded and diademed. जीवा० ४; भग० ३, २;

आलंकारिय. त्रि० (आलंकारिक) जहां अलंकार धरेल्ला पड़ेरेखा उतारसभा आवे ते स्थान. वह स्थान जहां अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हैं. A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा० ५; —**सभा. स्त्री० (-सभा)** चमराचंचा राजधानी की अलंकार पहिने की एक सभा. a council-hall of a capital city named Chamara-chañchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments. ठा० ५;

आलंकार. पुं० (आलंकार-कालभेदः) पालीधी बाने-लीझे हाथ सुहाय तेहला वपतथी भांडी ५ रात दिवस सुधीने डाक. काल का एक भेद; पानी से भोगा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय. A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० ६२१;

आलंब. पुं० (आलम्ब) आधार; आलम्बन आधार; आलम्बन; सहारा. Support; basis. नाया० ५, १६; भग० १८, २;

आलंबय. न० (आलम्बन) आधार; आश्रय; २३। आधार; आश्रय; सहारा. Support. अणुजो० २४; राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८; भग० २५, ७; उत्त० २४, ४; उवा० १, ५; क० प० १, ४; गच्छा० ८; जं० प० ४, ७४; (२) धर्मसमितिजुं आलम्बन-ज्ञान दर्शन अने चरित्र. धर्म समिति का आलम्बन-ज्ञान दर्शन और चरित्र. basis of Iryā Samiti viz knowledge, faith, and conduct. अणुजो० २४;

आलंबयभूय. त्रि० (आलम्बनभूत) आधार भूत; आधार जेपुं. आधार भूत; आधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया० १;

आलंबयणा. स्त्री० (आलम्बना) लुओ "आलंबय" शब्द. देखो "आलंबय" शब्द. Vido "आलंबय" ओव० २०; प्रव० ७८४;

आलंबिया. स्त्री० (आलम्बिका) आलम्बिका नामकी ओक नगरी. एक नगरी का नाम Name of a town. "तेषां कालेषां तेषां समेषां आलंबिया ग्रामं खदरी होत्या." भग० ११, ११; ११, १२; कप्प० ५, १२१; उवा० ५, १५५;

आलङ्क. पुं० (अलङ्क) दुडकापे कुतरे. पावला कुत्ता; A mad dog भत० १२५;

✓ आलाप. धा० I, II. (आ+अप्) आलाप करवे; ओलपुं. आलाप करना; बोलना To speak; to talk.

आलापह. नाया० १; सम० २३;

आलापयति. नाया० १;

आलापिज. दस० ७, १७;

आलावे. दस० ७, १६; २१; ४०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०;

आलावित. प्रव० १३५;

आलावत. उत्त० १, २१; अणुजो० १३१;

राय० ८८; दस० ६; २; २०;

आलावमाय. ठा० ४, २; नाया० १४;

आलावितप्. उवा० १, ५८;

आलावय. न० (आलापन) ओलपुं; वाच्यित करी. वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव० १२६;

आलासिय-त. न० (आलास्यत्व) आलास-पुं. आलास; आलासीपन. Idleness. भग० १२, १;

आलास्स. न० (आलास्य) आलास; प्रमाद. आलास्य. Laziness; carelessness. उत्त० ११, ३; गच्छा० ३३;

आलास्समाय. व० कृ० त्रि० (आलास्यत्) आलास करतो. आलास करता हुआ. Remaining lazy. भग० १२, २;

आलाव. पुं० (आलाप) ओलपुं ओलपुं ते; आलाप करवे. ते. बोला बोलना; आलाप करता Talking; whispering. भग० ३, १, ६, ४; पि० नि० ३७८; विशेष० ६६४; ठा० ७, १; —गणय. न० (—गणन) आलावा सरपे सरपा वाक्यसमूहने गणवा ते. समान २ वाक्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६२;

आलावअ. पुं० (आलापक) लुओ "आलापग" शब्द. देखो "आलापग" शब्द. Vido. "आलापग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) आलावे; ओक संग-नवाला वाक्येनो समूह. एक सम्बन्ध-वाले वाक्योंका समूह. A group of

connected sentences. भग० ३, १; ३, ४; ५, ४; ६, ३२; आया० २, १, १, ६; २, १, ६; १५२; ठा० २, ३; उवा० २, ११८; सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) परस्पर ये वस्तु भन्नावाधी थतो अन्ध. दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together. भग० ८, ६; —बंध. पुं० (—*बंध—आलाप्येत आलीनं क्रियते एभिरिति आलापनानि रज्ज्वादीनि तैर्बन्धस्तृणादीनामिति) परस्पर ये वस्तु भेगाथवाधी थतो अन्ध—जेम अनी लारी अने दोरदुं ये भेना अन्ध. परस्पर दो वस्तुओं के एकचित्त होने से जो बंध हो वह जैसे घाँस और रस्ती. connection of two things joined together e. g. a rope and a bundle of grass. “ से किते आलावण बंधे २ जराय तय भारा-कवा ” भग० ८, ६;

आलि. पुं० (आलि) ऐक्य जतनी वनस्पति. एक जातिका वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; नाया ३; —घर. न० (—गृह) आलि नामनी वनस्पति विशेषतः अनावेष्ट धर-भंडप. आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर—मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा० ३, ४; नाया० ३; —घरग. न० (—गृहक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३;

✓ **आलिंग.** धा० I. (आ + लिंगि) आलिंगन करवुं. आलिंगन करना. To embrace.

आलिंगण. सु० च० ८, १८७;

अलिंगेजा. वि० निमी ७, ३१;

आलिंग पुं० (*आलिंग) साधु का वेष;

भुरज—भादव नामनुं वाञ्छन्. वाय विशेष; एक विशेष तरह का बाजा; भुरज—सृङ्ग नाम का बाजा. A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, १, ३; राय० ४८; (२) आदिग—साधुना वेष. साधु का वेष. dress of an ascetic. नाया० ७; —पुष्कर. न० (—पुष्कर—भुरजमुष्कर) भुरज—भादव वाञ्छन् भेदुं. सृङ्ग नामक बाजे का मुँह. the face of a drum or tabor. भग० २, ७, ६; ७; जीवा० ३, ३; जं० प० १, ११; राय०

आलिंगण. न० (आलिंगन) आलिंगन; थोड़ा स्पर्श करने। ते आलिंगन; थोड़ा स्पर्श करना. Embrace; slight touch. प्रव० १०७७; सू० प० २०; भक्त० १२०;

आलिंगणवहि. न० (आलिंगनवर्तिन्) शरीर प्रमाणे लांछुं ओसीकुं. शरीर के अनुसार लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body. “ तारि समंसि सयणिज्जंसिसालिंगन वहिण् ” सू० प० २०; जीवा० ३; भग० ११, ११; नाया० १; राय०

आलिंगणिया. स्त्री० (आलिंगनिका) शरीर प्रमाणे लांछुं ओसीकुं. शरीर के प्रमाण लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिंगिणी. स्त्री० (आलिंगिनी) गुप्ता अने केशिनीये राखवाने आले। घुटनों और कुहनी के नीचे रखने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon. प्रव० ६८४;

✓ **आलिप.** धा० I. (आ + लिप्) शरीर विलेपन करवुं. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिपह. नाया० ५; ६;

आलिपिज. वि० आया० २, १३, ११२;

आलिप्त. वि० निसी० ३, ३७; १३, ३८;

आलिप्त. हे० क० वे० ५, ३६;

आलिप्त. त्रि० (*आलिप्त) नावाने यत्नाय-
वानां दुयेसां. नाव को चलाने का चाद.

An oar. आया० २, ३, १, ११६;

आलिप्त. त्रि० (आदीप्त) सर्व तरङ्ग्यी
अलिप्त-अली २६३. सब तरफ से जलता
हुआ. Burning, on fire, from all
sides. नाया० १, ८; १४; १६; भग०
२, १; ६, ३३; १८, २; नाया० ४०

आलिप्त. त्रि० (आदिग्न) लागेव; जेडेव.
लगा हुआ; मिला हुआ. Attached;
joined. “ अथेगइया पुठवीकाइया आ-
लिप्ता ” भग० १६, ३; प्रव० १४३;

आलिसिंदग. पुं० (*आलिसिंदक) धान्य
विशेष; योधा. धान्य विशेष; चोला नामक
धान्य. A kind of corn. ठा० ५, ३;
जं० प० भग० ६, ७; (२) अलसि.
अलसी. linseed. सूय० २, २, ६३;

आलिसिंदग. पुं० (*आलिसिंदक) ज्यो
उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. भग० २१, २; दूंगां ६, ४;

✓ आलिप्त. धा० I. (आलिप्त) आलेख्युं;
अलेखन करना; चित्रना. To
draw a picture.

आलिप्त. जीवा० ३४; राय० १८६; जं० प०
५, १२२;

आलिप्त. जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. भग० १५, १;

आलिप्त. जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. वि० दस० ४;

आलिप्त. आ० नाया० ८;

आलिप्त. सं० क० भग० १, २; ३, १;
२; १५, १;

आलिप्त. भग० ८, ३; जं० प० ३, ५४;

आलिप्त. क० वा० सं० क० जं० प०

आलीप्त. त्रि० (आलीप्त) इन्द्रिय निग्रह रूप-
मर्यादा में तबाहीन. इन्द्रिय निग्रहरूप मर्यादा
में सवलीन. (One) restrained in
senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२)
आश्रित. आश्रित. resting on. नाया० १;
(३) थोड़ा लागेव-वलेव. थोड़ा लगा
हुआ-लिपटा हुआ. attached a little;
clinging a little. जं० प० — गुप्त.
त्रि० (— गुप्त-आलीप्त-आलीप्त-आलीप्त-गुप्तः)
ज्यो इन्द्रियेनो निग्रह करी गोपनीयणी
छे ते. जिसने इंद्रियों का निग्रह कर उन्हें
आश्रित कर लिया है, वह. (one)
having restraint over senses.
“ आलीप्तगुप्ता परिवर्ण ” आया० १, ३,
३, ११७;

आलीप्त. त्रि० (आदीप्तक) आग लगाउना;
अग्नि सजगाउना. आग लगानेवाला;
अग्नि सजगाने वाला. (One) who kind-
les fire. “ आलीप्तगतिवधमेयलहुहृथ-
संपउत्त ” नाया० २;

आलीप्त. त्रि० (आदीप्तक) आग लगाउ-
ना; लाय सजगाउना. आग लगानेवाला.
(One) who sets fire to. परह०
१, ३; नाया० २;

आलीप्त. न० (आदीप्तन) रेशनी करनी ते.
रोषनी का करना Illumination on a
festive occasion. विवा० १;

आलीप्त. त्रि० (आदीप्त) अग्नि में आगेव.
अग्नि में जलाया हुआ. Fire-burnt.
विवा० ६;

आलु. पुं० (आलु) पटाटा. आलू: कन्द
विशेष. A potato. प्रव० २४२;

आलुई. स्त्री० (आलुकी) ओक जलनी वेध.
एक जाति की वेल. A kind of creeper.
आया० नि० १, १, २, १२६;

✓ आलुप. भा० I. (आ+लुप्) लोप करवे; चोर्यु; गांठ छेड़ी कटनी वस्तु उपाड़ी लेवी. लोप करना. चोरना; गांठ खोलकर किसीका वस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal; to remove.

आलुपति नाया० ४;

आलुपण. आ० आया० १, २, ७, २०४;

आलुपह. आ० सूय० २, १, १७;

आलुप. त्रि० (आलुम्प) चारे आलुपथी अशुभ क्रियानो करनेवा; हिंसा, चोरी, दारुण पगरे अदृष्ट संनार. चारों ओर से अशुभ क्रिया करनेवाला; हिंसा, चोरी, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आया० १, २, १, ६२;

आलुग. पुं० (आलुक) आलु-कंद विशेष; अटाटा. आलू: कंद विशेष. A kind of bulbous root; a potato. “ साहारणसरीरा अयोगहा ते पकितिया आलुग कृत्तु चैव ” उक्त० ३६; भग० ७, २; पत्र० १०; जीवा० १; अणुत्त० ३, १;

आलुय. पुं० (आलुक) साधारण वनस्पति विशेष. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जीवा० १; उक्त० ३६, ६६; भग० ७, ३; ८, ३; २३, ६; —वर्ग. पुं० (-वर्ग) आलु-अटाटा संबंधी लगवती सूत्रना २३ भां शतकतो श्रीन्ने वर्ग. भगवती सूत्र के तैवीसवें शतक का आलू-सम्बन्धी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Sataka of Bhagavati Sūtra dealing with the subject of potatoes. भग० २३, २;

आलोषण. न० (आलोषण) थोड़ा लेप. थोड़ा लेप. A slight smearing.

v. 11/12.

निसा० १२, ४५; —जाय. न० (-जाल) लेपना प्रकार. लेपका भेद. varieties of ointments. निसा० ३, ३६; ६, १३; १२, ४५;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोक्षित) निरीक्षण करेत्. देखाहुआ; निरीक्षण किया हुआ. Observed. “ आलोइयं इंगियमेवनवा ” दस० ६, ३, १;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोक्षित) आलोचन करेत्; निवेदन करेत्. आलोचन किया हुआ; निवेदन किया हुआ. Confessed; informed. पि० नि० ११६; नाया० १; १४; १६; सु० च० १, ३९३; भग० २, १; ३, १; ४; ५, ६; ७, ६; १५, १; २०, ६; षव० १, ६; विशेष० ३३६८; —पडिकंत. त्रि० (-प्रतिक्रान्त) आलोचने प्रतिक्रमण करेत्; पेटाना दोष प्रकाशने तेनाथी पाछा दयेत्. आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुआ; अपने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हटा हुआ. (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them. भग० २, १; १०, २; विवा० १; —भौह. त्रि० (-भोजिन) गुडनी पासे आलोचन करी पछा आहार करना (भुनि). गुरु के समीप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुनि). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). ओष० नि० ५५१;

आलोइत्तार. त्रि० (आलोकिन्) जेनार; अवलोचन करना. देखनेवाला; अवलोकन करनेवाला. (One) who sees or observes. सम० ६; उक्त० १६, ४;

आलोपयब्ध. त्रि० (आलोक्षित्य) प्रकाशना लायक; निवेदन करवा योग्य. प्रकाश करने योग्य; प्रगट करने योग्य; निवेदन करने योग्य.

Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा० १५, २२;

आलोक. पुं० (आलोक) रूपी पदार्थ. रूपवाला-दृश्य पदार्थ. A visible object. (२) प्रकाश. उजयाला; प्रकाश. light. आया० १, ३, ३, १२०;

आलोक. पुं० (आलोक) लुप्तो उपलब्ध शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओघ० नि० १३; जं० प० ३, ५४;

आलोडिकृण. सं० क० अ० (आलोड्य) विलोडित; मथीने. मथ करके. Having churned. सु० च० २, ४०७;

✓ आलोच. धा० I, II. (आलोच्) आलोचन करतुं; पीताना दोष तपासी गुहपासे छेदना; पीतानी भूत नष्टावधी. आलोचन करना; अपने दोष छुडकर गुह से कहना; भूल प्रगट करना. To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor).

आलोच. सम ३३; भग० २, ५; सुय० २, २, २०; उवा० १, ८०;

आलोच. गच्छा० ११८;

आलोच. भग० ८, ६;

आलोच. वव० १०, १; वेय० ४, २५; निसी० ५, १; २०, १०; ११; आया० १, ७, ५, २१६; २, १, २, १२;

आलोच. वि० आया० २, ६, १, १५२;

आलोच. वि० प्रव० १२६; दस० ५, १, ६०;

आलोच. उवा० १, ५८;

आलोच. नाया० १६; उवा० १, ८४; नाया० ध०

आलोच. सं० क० आया० २, १५, १७८; नाया० १६;

आलोच. पंचा० १६, ५०;

आलोच. सु० च० २, ४३२

आलोच. पंचा० ३, ४६;

आलोच. हे० क० वव० १, ३७; ५, १९;

निसी० ५, ३६; ठा० २, २;

आलोच. हे० क० पि० नि० ५१८;

आलोच. व० क० वव० १, १; निसी० २०, १०;

आलोच. क० वा० उवा० १, ८५; नाया० १७;

आलोच. व० क० जं० प० ३, ६७;

✓ आलोच. धा० I. (आलोच्) देखतुं; अवलोकन करतुं. देखना. To see; to observe.

आलोच. हे० क० पि० नि० ५१८;

आलोच. व० क० भग० १०, १;

आलोच-अ. पुं० (आलोक) अवलोकन; निरीक्षण; दर्शन; देखतुं ते. अवलोकन; देखना; निरीक्षण. Seeing; observation. जं० प० ५, ११७; ओव० ३१; दस० दस० ५, १, १५; कपा० २, २७; ओघ० नि० ६२; २८७; राय० ६८; विश० २०६; नाया० १; २; ८; १६; आया० २, १, ६, ३२; (२) दीसनी प्रकाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत्त० ३२, २६; —दरिसणिज. त्रि० (-दर्शनीय-आलोक दृष्टिगोचरं यावद् दृश्यतेऽप्युच्चैरेण यः स आलोकदर्शनीय) के दृष्टिगोचर अर्थात् अंशों में अंशों में देखतुं ते. जो दृष्टगत् होते हैं ऊंचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's landscape. “दंशररय आलो-अ दरिसणिज” ओव० नाया० १; भग० ६, ३३; —भायण. न० (-भाजन) अंशों में प्रकाश पडे अंशों में प्रकाश पात्र; जिसमें प्रकाश पडे वह. (anything) receiving light. पण० २, १; दस० ५, १, १६;

आलोचन. न० (आलोकन) दर्शन. दर्शन.

Sight; seeing. दस० ४; भग० १, ३३;

आलोचन. न० (आलोचन) शिष्ये गुरु पासं
पेताना दोषानुं आलोचन करुं-निवेदन.

करुं ते. शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष
का आलोचना करना-दोष प्रकट करना.

Confession of a fault by a
disciple to his preceptor. सम०

३२; पण्ड० २, १; प्रव० २६; पंचा० १, ३६;

आलोचनया. स्त्री० (आलोचना) गुरु पासं
पेताना दोषानुं निवेदन करुं ते. गुरु के

सन्मुख अपने दोष निवेदन करना. Con-
fession of one's own sins to a

Guru. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

आलोचनया. स्त्री० (आलोचना) लागेला दोषानुं
गुरु आगत निवेदन करुं; गुरु समीप दोषानुं

प्रकाशयुं. लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवे-
दन करना; दोष प्रकट करना. Confession

of sins to a Guru. भग० २५, ७;

संस्था० ३३; आव० २०; प्रव० ७५७;

उत्त० ३०, ३०; वव० १, ३५;

विशे० ३३६६: — अरिह. न० (-अर्ह)

गुरु पासं निवेदन करवाथी के पापनी शुद्धि-
निवारण थाय ते; आलोचनायोग्य पाप. गुरु

के सामने निवेदन करने से पाप का जो शुद्धि
होवह; आलोचना के योग्य पाप. freedom

from sin, caused by confession
to a Guru; a sin deserving con-

fession. भग० २५, ७; (२) आलोचना
योग्य प्रायश्चित. आलोचना के योग्य प्रायश्चित.

expiation deserving confession.
ठा० ६; — एय. पुं० (-नय) गुरुपासं

आलोचना करवानी रीति. गुरु के समीप
आलोचना करने की रीति. mode of

confession of sins to a Guru.

विशे० ३३६६;

आलोचयि. त्रि० (आलोपित) आलोचन-

करेत्. दौकहुआ. Covered; conceal-
ed under. नापा० १;

आवह. स्त्री० (आपत्) आपत्ति-दुःख;

विपत्ति. आपत्ति; दुःख; विपत्ति. Adver-
sity; misery. “आउरे आवईसु, य”

ठा० १०; “आवईसु ददधम्मया” सम०

३२; “दुहआ गइ बावस्स आवई वइ

मूलिया” उत्त० ७, १७; नाया० ६; आव०

३३; भग० २५, ७;

आवइय. न० (आपत्ति) दुःख; दुःख. कष्ट;

दुःख. Misery; adversity. नाया० ९;

आवति अज्झयण. न० (आवन्त्यध्ययन)

आचारंगना प्रथम श्रुतस्कंधना पांचमा
अध्ययनं नाम. आचारंग के प्रथम श्रुत-

स्कंध के पांचवें अध्ययन का नाम. Name
of the fifth chapter of the first

Śrūta-skandha of Āchārāṅga.
Sūtra. अणुजो० १३१; आया० नि० १,

५; १; १३६; ठा० ६; सम०

आवंती. पुं० (यावत्) जितना. As

many as. “आवंती के यावंती लोयंस”

आया० १, ४, २, १३३;

आवकहं. अ० (यावत्कथम्) जितव्यसुधी;

जितव्यसुधी पर्यन्त. यावज्जीवन; जितव्यसुधी पर्यन्त.

As long as life endures; till
death. “आवकहं भगवं समित्तासि”

आया० १, ६, ४, १५;

आवकहा. स्त्री० (यावत्कथा) जितव्यसुधी;

जितव्यसुधी पर्यन्त. यावज्जीवन; जितव्यसुधी पर्यन्त.

जब तक नाम धारण करके रहे वहंतक;
जीवनपर्यन्त. (Period of time)

till life endures; till death.
“आवकहाए गुरु कुल वासं यं मुचंति”

पंचा० ११, १६; सूय० १, २, २, ४; आया०

१, ६, १, २; ठा० ४;

आवकहिय. त्रि० (यावत्कथिक) यावत्कथ्य
सुधीनुं; हमेशानुं; बलायभतनुं. यावज्जीवन
तकका; हमेशाहका; बहुत समय का. Last-
ing till death; permanent; old.
अणुजो० ११; १४६; पञ्ज० १; भग० २५,
७; आव० १६; विशेष० १२६३; पंचा० १,
३६; ५, १७; १२, ४३;

आवगा. छा० (आपगा) नदी. नदी. A
river. "बज्जसमाणि तित्थाणि आवगाण्य
वियागरे" दस० ७, ३६;

आवज्जग. नि० (आवर्जक) प्रसन्न करनेवा.
प्रसन्न करने वाला. Causing charm;
delightful. पि० नि० ४३८;

आवज्जण. न० (आवर्जन) केवलीने उप-
योग-भानसिद्ध व्यापार; शेष रहेला कर्मनो
उदयावलिङ्गमां प्रक्षेप करवानो व्यापार-
द्विया. केवली का उपयोग-मनो व्यापार; बाकी
बचे हुए कर्म का उदयावलिङ्ग में प्रक्षेपण
करने की क्रिया. The thought-acti-
vity of a Kevali that he is to
perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of
a Kevali to force up into ma-
turity the remnants of his
Karmas. विशेष० ३०५१;

आवर्जीकरण न० (आवर्जीकरण) लुप्ते
"आवज्जण" शब्द. देखो "आवज्जण"
शब्द. Vide "आवज्जण" ओव० ८२;

आवट. पुं० (आवर्त-आवर्तयति प्राणिनं
भ्रामयतीत्यावर्तः) समुद्रादिकमां यक्षा-
दिव धुमरी पातुं पाणी देखाय ते. समुद्रादि
में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी
दिखे वह. An eddy in an ocean
etc. राय० ४६; जे० प० आया० १,
२, ३, ८३; नाया० १; ठा० ४८८० ३, ५;
(२) (आवर्तनमावर्तः) २५७नुं; परिभ्र-

मणु करवुं ते. भटकना; परिभ्रमण करना.
wandering; going round and
round. नाया० १; (३) मोहपाश; भ्रम-
पणी. मोह पाश; भ्रमण; भूल भ्रमण. an
infatuation; a maze. ठा० ४; सूय०
१, ३, २, १४; (४) (आवर्तते परि-
भ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्तः) संसार.
संसार. the worldly existence,
"आवटसोए संगमभिजायति" आया०
१, १, ५, ४०; (५) संसारना करण रूप
विषयना शब्दादिक गुण. संसार के कारण
रूप-विषय के शब्दादि गुण. objects of
senses e. g. sound etc. which
lead to worldly existence.
"जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे"
आया० १, १, ५, ४०; (६) उत्कट
मोहना उदयथी विषयनी प्रार्थना करती ते.
उत्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना
करना. yearning after sensual
pleasures through strong in-
fatuation. "अह मे संति आवट्टा कास-
वेण पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पंति सियंति
अबुद्धा जहिं" सूय० १, ३, २, १४; १,
१०, ५; (७) दूरी दूरीने उत्पन्न यनुं ते.
बार बार उत्पन्न होना. rising or
being born again and again.
"दुक्खाणमेव आवट्टं अणुपरिणट्टह"
आया० १, २, ३, ८१; (८)
महाघोष नामे थणित कुमारना धंदना
लोकापालनुं नाम. महाघोष नामक थणित्
कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name
of the Lokapāla of the Indra
of Thāṇitakumāras, styled
Mahāghoṣa. ठा० ४; भग० ३, ८;
(९) जंबूद्वीपमाना ओक दीर्घ वैताल्य पर्वत.
जंबूद्वीपमें का एक बड़ा वैताल्य पर्वत. name

of a long Vaitādhya mountain in Jambū Dvīpa. ठा० ६; (१०) ऐक्य पुरीयाला स्थलचर त्रिर्यस्य पंचेन्द्रियनी ऐक्य जत. एक खुरवाले स्त्रियस्य पंचेन्द्रिय की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पञ्च० (११) अहोरात्रना २५ भा मुहूर्तनुं नाम. अहोरात्रि के २५ वें मुहूर्त का नाम. name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३४; (१२) आवर्त नामनुं ऐक्य विमान. आवर्त नामक एक विमान. name of a heavenly abode. सम० १६; (१३) अयुद्धीपना मेरुनी पर्व सीता महानदीनी उत्तरे आवर्त नामनी ऐक्य विजय जंबूद्वीप के मेरु के पूर्व की ओर सीता महानदी की उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय. name of a Vijaya in the north of the river Sitā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. “ दो आवत्ता ” ठा० २, ८; जं० प० (१४) आवर्त नामे ३२ नाटकमानुं ऐक्य नाटक. ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. राय० —कूट. न० (-कूट) महाविदेहमांता नलिनकूट नामे वज्रारा पर्वतनुं ऐक्य नामनुं ऐक्य शिखर. महाविदेहके नलिन कूट नामक वज्रारा पर्वत के एक शिखर का नाम. name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūta, in Mahāvideha. जं० प० **आवड.** पुं० (आपात) किरात देशना लिहजनी ऐक्य जत. किरात देश के भील की एक जाति. A race of Bhils in the

country of Kirāta. जं० प० २, ११, ६; जीवा० ३, ४;

आवडण. न० (आपतन) लांगनुं; ३३३१ ३२५। तोडना; फोडना; टुकड़े करना. Breaking to pieces. ओव० नि० २२४; ३१२;

आवडिय. त्रि० (आपतित) आरे तरक्षणी आवी पडेनुं; लांगेनुं. चारों ओर से आया हुआ. Come from all sides. “ दोवि आवडिया कुडु ” उत० २५, ४०; जं० प० ५, ११५;

आवण. पुं० (आपण) लाट; दुकान. हाट; दुकान. A shop. ओव० १५; २६; जं० प० वेय० १, १२; विश० २०६५; दस० ५, १, ७१; भग० ५, ७; ८, ६; अणुजो० १३४; पि० नि० १६६; उवा० ७, १८४; जीवा० ३, ३; (२) अग्नर. बाजार. a market. पि० नि० ३७७; जीवा० ३, ४; काप० ४, ८८; —गिह. न० (-गृह) अग्नर वस्येनुं धर. बाजार के बीच का घर. a house in a market. वेय० १, १२; —वीहि. स्त्री० (-वीथि) अजारनी शैरी; अजारनी मार्ग. बाजार का रास्ता. a market-road. जीवा० ३; राय०

आवण. त्रि० (आपण) प्राप्त थयेज; आश्रित रहेंज. प्राप्त; आश्रय करके रहा हुआ. (Got to; come to. “ आवणणा दीह-सङ्गाणं संसारम्मि अणंतण ” उत० ६, १३; (२) उत्पन्न थयेज. उत्पन्न. produced; horn. नाया० ५; —सत्ता. स्त्री० (-सत्त्वा) गर्भवती; सयली स्त्री. गर्भवती स्त्री. a pregnant woman, नाया० २; १६; विवा० २;

✓ **आवत्त.** धा० I, II. (आ+वृत्) संसार-सां २५३५ लभनुं संसार में भटकना. To

wander in worldly existence.

(२) इशने आवयुं. फिरसे आना. to return; to come back.

आवट्टति. सूय० १, १०, ५;

आवट्टमाण. दसा० ७, १;

आवत्तयन्त. भग० ११, ११;

आवत्त. पुं० (आवर्त) लुओ। 'आवट्ट' शब्द.

देखो " आवट्ट " शब्द. Vide " आवट्ट "

सम० १६; ३०; जीवा० ३, ३; ४; राय०

२८; ८१; पण्ह० १, १; उत्त० २५, ३८;

ठा० ४, १; ओव० १०; २१; सु० च० ६,

२६; जं० प० ४, ६१; पञ्च० १; नाया० १;

६; भग० ३, ८; कप्प० २, १४; —कूड.

पुं० (—कूट) नलिनकूट नामे वपारा पर्वत-

ना थार कूटमांनुं त्रींजुं कूट-शिखर. वखारा

पर्वत के चार कूटों में से नलिनकूट नामक

तीसरा कूट-शिखर. the third of the

four summits of the Vakhārā

mountain named Nalinakūta.

जं० प० ४, ६५;

आवत्तण. न० (आवर्तन) उधाडुं पासयुं.

खोलना व बंद करना. Opening and

shutting a door. पि० नि० ३५५;

—रेडिया. स्त्री० (—पीठिका) जेमां भागध

रहे ते स्थान. जिस में किवाड़ों का आडा या

चटकनी रहे वह स्थान. the receptacle

of the bolt of a door. जीवा० ३;

राय० १०६; जं० प०

आवत्ता. स्त्री० (आवर्ता) आवर्ता नामनी

जेइ पिण्य. आवर्ता नामक एक विजय.

Name of a Vijaya. ठा० २, ३;

आवत्तायंत. त्रि० (आवर्तायमान) प्रदक्षि-

त्या देतुं; अभयुं. प्रदक्षिणा करता हुआ.

Revolving; circumambulating.

कप्प० ३, ३५;

आवत्ति. स्त्री० (आपत्ति) प्राप्ति. प्राप्ति.

Acquisition; getting. प्रब० ७६;

(२) उत्पत्ति. उत्पत्ति. birth; rise;

creation. विशेष० ६६;

आवन्न. त्रि० (आपन्न) प्राप्त थयेन्न. प्राप्त.

Got; got to. विशेष० १६७; सु० च० १,

१२६; उत्त० ४, ४; प्रब० १३३३;

आवयमाण. त्रि० (आपतन्) पडतो. गिरता

हुआ Falling; falling down.

नाया० ८;

आवयमाण. त्रि० (आगमन्) आवतो.

आता हुआ. Coming; arriving.

भग० ३, २;

आवया. स्त्री० (आपद्) आकृत-आपत्ति;

संकट. आपत्ति; आफत; संकट. Calamity;

adversity. राय०

✓ आवर. धा० II. (आ+वृ) आवरयुं;

ढाँक्यु. ढाँकना. To cover: to hide.

आवरित्ता. सं० कृ० राय० २३८;

आवरिय सं० कृ० दसा० ६, १, २;

आवरेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ५; १२, ६;

१५, १;

आवरेमाण. भग० १२, ६;

आवरयंत. प्रब० १४३४;

आवरिज्ज. क० वा० भग० ६, ३३;

आवरिज्जति. क० वा० प्रब० १२६८;

आवरिज्जमाण. भग० १५, १;

आवर. त्रि० (अपर) श्रींजुं. दूसरा.

Another सम० १२;

आवरण. न० (आवरण-आ-मयीया वृणो-

ताव्यावरणम्) ढक्य; अण्तर. कवच;

बख्तर. An armour. जीवा० ३, ४; जं०

प० राय० १३०; नाया० ८; ओव० ३०;

सूय० नि० १, ८, ६२; ६३; (२) ढाँध.

ढाल. a shield. ओव० आया० नि० १,

१, ५, १४०; (३) ढाँक्युते; ढाँक्यु ढाँकना;

ढकन. covering; a cover. पञ० २३; राय० ६२; विशे० १०४; सम० ६; क० प० १, २५; (४) मंजिठ आदि द्रव्य. मंजीठ आदि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc. जं० प० (५) सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप पञ्चआलुने अःकावनार डपय; मोहनीय धर्मेनी प्रकृति. सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कषाय; मोहनीय कर्म की एक प्रकृति. a variety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures. विशे० १२३५; (६) ज्ञान आदि शक्तिने आवरनार ढांकनार ज्ञानावरणीयादि धर्म. ज्ञान आदि शक्ति को ढांकने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. •Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. अणुजो० १२७; विशे० ११५; क० गं० १ ३-६; ६, ८६; —अवगम. पुं० (-अपगम) ज्ञानावरणीयादिधर्मों अपगम-दूर थयुं ते. ज्ञानावरणादिक कर्मों का दूर होना. exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc. पंचा० २, ४०; —दुग. न० (-द्विक) ज्ञानावरण्य अने दर्शनावरण्य, ये दो प्रकृतियाँ. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० गं० १, ५८; —आवरणावरणपविभक्ति. न० (-आवरणावरणपविभक्ति) ३२ प्रकारना नाट्यधर्मांतुं अेध. बत्तीस प्रकार के नाटकों में से एक. one of the 32 kinds of drama. “ चंद्रावरणपविभक्तिच सुरावरण

पविभक्तिच आवरणा वरणापविभक्ति काम दिव्यं गृहविहं उवयंसेहि. ” राय० ६२;

आवरण्यज्ज. न० (आवरणीय) आत्मानी ज्ञानादिशक्तिने आवरनार; ज्ञानावरणीयादि धर्म. आत्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढांकनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma [obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी० ८; ओव० ४०; उत्त० ३३; २०; अणुजो० १२७; उव० १, ७४;

आवरणी. स्त्री० (आवरणी) आवरण्यकारी विद्या. आवरणकारा ढांकनेवाली विद्या. Art of veiling or eclipsing things. नाया० १६;

✓आवरस. (आ+वृष) वरसयुं पाणी छंटनुं. बरसना; पानी छिड़कना. To shower water; to sprinkle water; to rain.

आवरसेजा. राय० ३५;

आवरिय. त्रि० (आवृत) ढांकेल; आच्छादन करेल; ढांकाहुआ. Covered; hidden. भग० १५, १;

आवरिसण. न० (आवर्षण-सुगन्धितकारि-सिञ्जनम्) सुगंधि पाखुंने छंटकाय करेवा. सुगन्धित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. अणुजो० २०; राय०

आलवण. न० (आवलन) अंग मरोडनुं ते. अंग मरोडना. Twisting of the body. पणह० १, १;

आवलि. स्त्री० (आवलि) दार; पंक्ति; लाइन. श्रेणी; पंक्ति. A line; a series. सू० प० १०; राय० ४४; ४८; ६१; ओघ० नि० २०२; नाया० १; क० प० १, ३८;

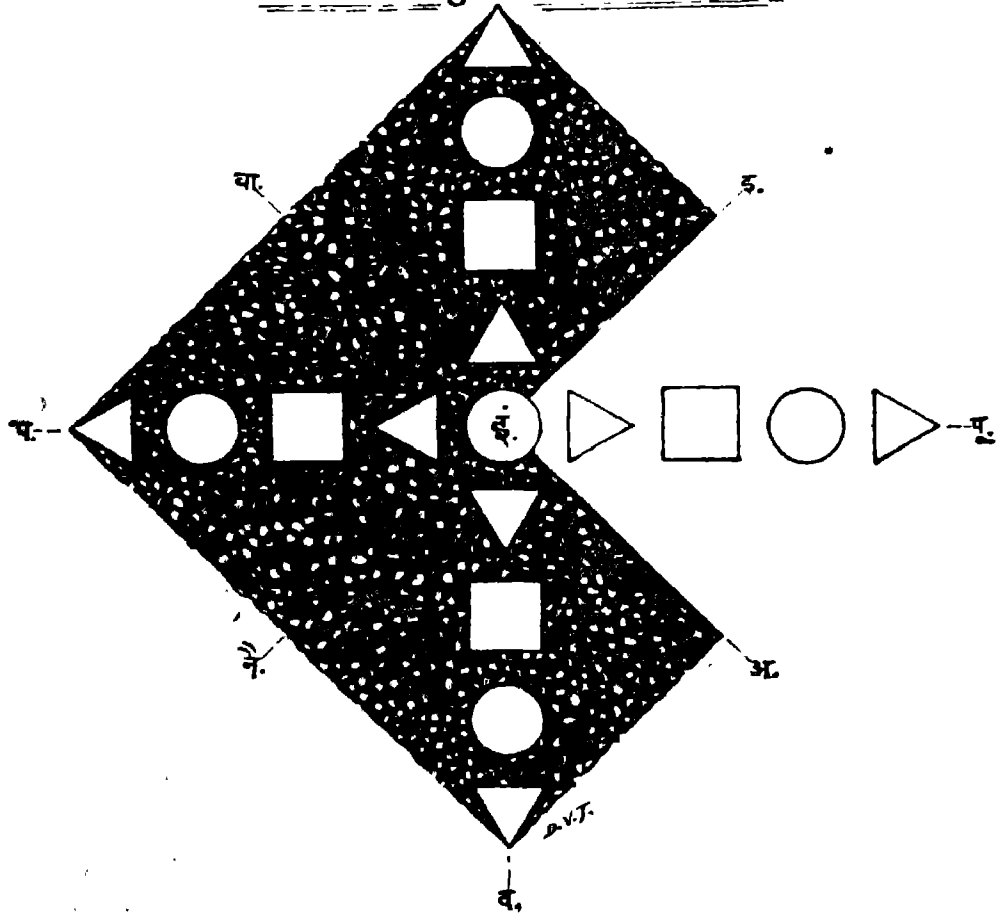
आवसिय पविभक्ति. न० (आवलिका पविभक्ति) नाट्य विधि विशेष. नाटक की

વિધિ વિશેષ. A mode of dramatic performance. “ આવાલિયાપરિભર્તિ યામં દિવ્યં લટ વિહં ઉવદંસેહ ” રાયં.

આવાલિયા-યા. લીં (આવાલિકા) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ; એક આસોન્ધવાસનો સંખ્યાતમો ભાગ. એક આસોન્ધવાસ કા સંખ્યાતવૌ ભાગ. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. વિશે. ૫૩૧; ૬૦૮; અણુજો. ૧૧૫. ૧૩૮; જં. ૫૦ ૨, ૧૮; નંદી. ૧૨; સગ. ૫, ૧;

પંક્તિ. line; row જીવાં ૩, ૧; સૂં ૫૦ ૧૦; તંદુ. — શિવાય. પું. (-નિપાત) ક્રમથી મલતું તે. ક્રમશઃ મિલના. coming or getting of anything one after another in order. “ તા જોગેતિ વત્યુસ્સ આવાલિયા શિવાતે આહિ-તેતિ વદેજા તાહિતિ ” સૂં ૫૦ ૧૦; — પવિટ્ટ. ત્રિં (-પ્રવિટ્ટ) શ્રેણીમાં રહેલ; શ્રેણીમાં પ્રવેશ કરેલ; પંક્તિઅન્ધ; નરકા-વાસના શ્રેણીમાં પંક્તિઅન્ધ એટલે અધી દિશાઓમાં શ્રેણીમાં-એક લાઇનમાં ગોલ,

— આવાલિયા-પવિટ્ટ — આવાલિકાવંધ વિમાન. —



૫, ૭; ૬, ૧; ૨૫, ૪; પક્ષ. ૧૨; ઠા. ૨, ૪; ઓવ. ૧૭; (૨) શ્રેણિ; પંક્તિ. શ્રેણી;

ત્રિકાણ અને ચારસ આધારના છે. શ્રેણી મેં રહ હુણ; શ્રેણી મેં પ્રવેશ કિયે હુણ; પંક્તિઅન્ધ;

नरकावासके संस्थान (आकार) जी पंक्तिबंध
याने चारों दिशाओं में एक लाइन से गोल,
त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a
line or row; in a graded order;
e. g. the hellish abodes arranged
in a line as differentiated
from others situated promiscu-
ously. The shapes of the
former are either round, tri-
angular or square, (see dia-
gram) “ आवालिब पविट्टाय आवलिब
बाहिराय ” जीवा० ३. ४; — बाहिर.
त्रि० (-बाह्य) द्वार पक्षार; लाभनयंघ
नह; जेमतेम. श्रेणी बद्ध न होना; अव्यव-
स्थित. not in a line; disordered.
जीवा० ४; — समय परिमाण. त्रि०
(-समयपरिमाण) एक आवलिना समय
जेटला. एक आवलि (आंख मिचकना) के
समय के समान. of the measure of
time equal to one Āvali
(twinkling of an eye) क० गं०
४, ८१;

✓ आवस. धा० I. (आ + वस्) वसतुं
रहेतुं. रहना; बसना. To dwell; to
stay.

आवसे. विधि० आया० १, १, ६, ४६;

आवसितपू. हे० कृ० नाया० १;

आवसंत. सूय० १, १, १, १६; आया० १,
५, ६, १५५; ठा० १; उवा० १, ८३;

आवसह न० (आवसथ) भक्षान; धर; रहे-
ठा. रहने का मकान. A residence;
a house. जं० प० ३, ४६; विवा० ३; ६;
उत्त० १३, १३; सूय० १, ४, २, १४;
(२) तापसनी आश्रम; भक्ष. तपस्वी का
आश्रम; साधु का मठ. a monastery.
आया० १, ७, २, २०२; पराह० २, ३;
v. 11/13.

भग० २, १; — अवस. न० (-भवन)
निवासभवन. निवासभवन. a place of
residence; a house. जं० प० ३, ४७;
आवसहिय. त्रि० (आवसधिक) आश्रम-
भुंजीमां रहेनार. पत्तोंकी झोपड़ी में रहने
वाला. (One) living a monas-
tery or in hut of leaves etc.
सूय० २, २, २१; दसा० १०, ७;

आवस्सअ-य. न० (आवस्सक) साधु अने
आवकने ये वपत अवस्थ. करवानी किया;
प्रतिक्रमण. साधु और आवक को प्रतिदिन
दो बार अवस्थ करने योग्य किया; प्रतिक्रमण.
Pratikramana; a religious
practice to be performed twice
every day, without fail, by
both ascetics and laymen.
नाया० ८; ठा० २, १; विशेष० १; (२)
ते किया प्रतिपादक आवस्थक नामनुं सूत्र.
उक्त किया प्रतिक्रमण-प्रतिपादक अवस्थक
नामका सूत्र. name of a Sūtra ex-
plaining the above religious
practice. ठा० २, १, १०, नंदी० ४३;
प्रव० २३७; — अणुआग. पुं० (-अनुयोग)
आवस्थक सूत्रनुं व्याख्यान. आवश्यक सूत्र
का व्याख्यान. exposition of Āva-
śyaka Sūtra. प्रव० २३७; — करण.
न० (-करण) केवल समुद्धात कर्त्ता
पहेलां केवलीने अवस्थ करवा योग्य व्यापार.
केवलसमुद्धात करने के पहले केवली को
अवस्थ करने योग्य व्यापार. a kind of
thought-activity necessary to
be performed by a Kevali be-
fore Kevala Samudghāta. पंचा०
१६, ३१; — बहिरिस्त. न० (-बहिरिस्त)
आवस्थक सिवायना क्षालिक अने उरक्षालिक
सूत्र. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और उत्कालिक सूत्र. the Kālīka and Utkālīka Sūtras excepting Āvaśyaka Sūtra. ठा० २; नंदी० ४३; —सुयखंध. न० (—श्रुतस्कंध) अ० नामनुं अ० सूत्र. एक सूत्र का नाम. name of a Sūtra. विशेष० १;

आवस्सग. न० (आवश्यक) लु० “आव-
स्सग” शब्द. देखो “आवस्सग” शब्द.
Vide. “आवस्सग” ति० मि० ३७०;
अणुजो० ५; भय० १८, १०; गच्छा० ५३;
प्रव० १०७;

आवस्सय. स्त्री० (आवश्यक) साधुओं अ-
वश्य काम पड़ने पर उत्पन्न होती वृत्ति “आ-
वस्सहि” शब्द ओलवाते; सामाचारिणी
योथी प्रकार. साधुओं को आवश्यक कार्य के लिये
बाहिर जाते समय ‘आवस्सहि’ शब्द बोलना.
सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth
variety of Sāmāchārī (ascetic
right conduct); viz uttering
the word “Āvassahi” at the
time of moving out on some
unavoidable business. प्रव० ७६७;

आवस्सिया. स्त्री० (आवश्यक—अप्रमत्तवे-
नावश्यककर्तव्यव्यापार भवाऽऽवश्यक)
साधुने जरूरतनुं काम पड़ने, उपाश्रय अहार
जलपुं पड़े, तयारे ते असंग आवश्यक छे
तेनुं स्मरण करवाने मोदथी ‘आवस्सिया’
शब्द कह्यो ते सामाचारिणी प्रथम प्रकार.
साधु को किसी जरूरी कामके लिये उपाश्रय
के बाहिर जाना पड़े तब उस आवश्यक प्रसंग
का आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से
‘आवस्सिया’ शब्द का कहना; सामाचारी
का प्रथम भेद. The first variety of
Sāmāchārī; viz utterance of
the word “Āvassiyā” in a loud
done by a monk at the time

of leaving monastery for some
pressing work. “पहमा आवस्सिया
शाम” उत्त० २६, २; ठा० १०; प्रव०
७७२; पंचा० १२, २;

आवाग. पुं० (आपाक) निंभाये. कुम्हार
का भट्ट; आवा. A potter's kiln.
नंदी० ३५;

आवाड. पुं० (आपात) उत्तर भरतभांन
किरात नामे लिखनी अ० जत. उत्तर-भरत
के भाँलोंको किरात नामक एक जाति.
A race of Bhils called Kirāta
in Uttara Bharata. “उत्तरभरहे
वासे बहवे आवाडा शाम चिलासा परिव-
सन्ति” जं० प० ३, ५८;

आवाय. पुं० (आपात) आवगमन; भाग्योत्पत्ति
गमनागमन. आना जाना; मनुष्यों का आवा-
गमन. Coming and going of
men; coming and going. “तस्स
भोग्यस्स आवाए भद्द भवइ” भग० ७,
१०; उत्त० ४, २; २४, १६; ओव० ३६;
आघ० नि० २६६; —भइय. पुं० (—भद्दक)
प्रथम भेदापभां ओलवा आलवा विजेदभां
सुख आपना. पहला भेट में बातचीत वगे-
रह में सुख देनेवाला. (one) pleasing
at first sight or meeting. “आ-
वायभद्द शाममेगे गो संवासभद्द” ठा० ४;

आवाअ-य. पुं० (आपाक—समन्तात्परिवेष्टा-
पच्यतेऽत्र) निंभाये. भट्ट; आवा. A kiln;
a potter's kiln. “कुम्भकारावाए इवा
कवल्लुयावाए इवा रट्टावाए इ वा” ठा० ८;

आवावकहा. स्त्री० (आवापकथा) लोभन
संयधी कथा करवी ते. भोजन सम्बन्ध
की कथा करना. Talk about food.
ठा० ४, २;

आवास. पुं० (आवास—आवसन्ति येषु ते
आवासाः) आवास; भट्ट; हवेली; निवा-

सम्पन्न; रहनेकी जगह; इवेली; घर; महल. A palace; a mansion; a residence. राय० २२७; नाया० ८; १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३; ४; उत्त० ६, २६; भग० ६, ५; १३, ६; १८, ५; १९; ७; ओष० सम० ८; (२) शरीर. शरीर. the body. सम० (३) आवास नामनो ओष० द्वीप अने ओष० समुद्र. आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३; ४; पञ्च० १५; (४) नरकावास; नरकावास. abode of hell. प्रव० ४१; —पञ्चय. पुं० (-पर्वत) नाग रागनो आवास पर्वत. नागराजा का आवास पर्वत. name of a mountain-residence of Nāgarājā. “ गोधुमस्त एव आवासपञ्चयस्त ” सम० भग० २; ८;

आवासग. पुं० (आवासक) निवासस्थान; रहनेवाला स्थान. निवास स्थान; रहने का स्थान. Habitation; place of residence. सूय० १, १४, २;

आवासय-अ. पुं० (आवासक) पक्षिनु घर-भाओ. पक्षी का घर; घोंसला. A bird's nest. सूय० १, १४, २;

आवासय. न० (आवश्यक) आवश्यक कर्तव्य. A thing which must be done. ओष० नि० २२०;

✓ आवाह. घा० II. (आ+वह) देवादिनु आवाहन करेनु; पासो ओलावनु. आवाहन करना; नजदीक बुलाना. To call; to invite; to invoke.

आवाहेइ. “ तालुगघाडिगिजं आवाहेइ ” नाया० १८;

आवाह. पुं० (आवाह) विवाह पड़ेला नांभुत देवानो. उत्सव. विवाह के पहले पान देनेका

उत्सव. The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३; जं० प० २, २४; (१) नव परछेत पड़ुवरने प्रथम धेर लाववा ते. नव विवाहित वधूवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. पणह० २, ४;

आवाहण. न० (आवाहन) आमंत्रण देनु; ओलावनु. आमंत्रण देना; बुलाना. Invitation; calling. विशेष० १८८३;

आवि. अ० (अवि) संभावना; समुच्चयपण. संभावना; समुच्चय; परंतु. (An indeclinable meaning); possibly; also. आया० १, १, ५, ४१; क० गं० १, २६;

आवि. अ० (आविर) प्रगट; जहरे. प्रगट; जाहिर. Publicly; openly. “ आवी वा जइवा रहस्से ” उत्त० १, १७; —कम्म. न० (कर्मन्) खुदसा-प्रगट काम. प्रगट कार्य; जाहिर काम. an action openly or publicly done. आया० २, १५, १७६; राय० २१३; ठा० ६; कण्प० ५, १२०;

आविई. स्त्री० (आविची-आविचदेशोद्भवा) अवीच देशमा उत्पन्न थयेत. स्त्री. अवीच देश में उत्पन्न स्त्री. A woman born in the country of Avicha. राय०

आविह. त्रि० (आविष्ट) युक्त थयेत; जेडा-थेत. मिला हुआ; संयुक्त. Joined with; united with. सम० ३०; (२) अविष्टित. आविष्टित. presided over by; possessed by. ठा० ५;

आविह. त्रि० (आविह) पहरेनु; धारण करेनु. पहिना हुआ; धारण किया हुआ. Put on. नाया० १, ५; जं० प० ३, ५७४

पण्ड० १, ३; जीवा० ३, ४; ओव० २७;
 राय० २१; (२) वीटिनुं; यथोचित आधिपुं.
 लपेटाहुआ; यथोचित रीति से बांधा हुआ.
 wrapped; properly tied जं० प०
 ४, १२१; कण० ४, ६२; —गुडिअ.
 न० (-गुडित) आविर्भू-पहेरावेन छे
 गुडिय-पापर-सोना रूपाणा पुलनी पनावेन
 भुव. पहिनाई हुई सोने चांदी के फूलों
 की बनी झूल. an ornamental
 cloth of gold and silver
 flowers placed on the back;
 (e. g. of an elephant etc.).
 विवा० २; —मणिसुवण. त्रि० (-मणि-
 सुवर्ण) पहेयां छे मणि अने सुवर्णनां
 धरेणुं जेणुं ते. जिसने रत्न जडित
 सुवर्ण के आभूषण पहिरे हों वह. (one)
 who has put on ornaments
 studded with jewels. दस्त० १०, १;
 —मणिकसुत्तग. त्रि० (-मणिक-
 सूत्रक) जेणुं माणिक जडित सूत्रक-दोरा
 पहेरेन छे ते जिसने मणिक से जडा हुआ
 सूत्रक-दोरा पहिना हो वह. (one) who
 has put on a necklace studded
 with jewels. जं० प० ३, ५७;
 —वीरवल्लय. त्रि० (-वीरवल्लय-आवि-
 हानि वीरवल्लयानिवीरत्व गर्वसूचकानि
 वल्लयानि येन) वीर पुरुषोने पहेरयानुं
 आभूषण जेणुं पडेयुं छे ते. वीर पुरुषों के
 पहिरने का आभूषण जिसने पहिना है वह.
 (one) who has put on an
 ornament worn by heroes.
 नाया० १;

आविर्भाव. पुं० (आविर्भाव) प्रगट् थवुं;
 आदुर्भाव थवे; प्रगट् होना; प्रादुर्भाव होना.
 Manifestation. विशेष० ६७;

✓ आविरभव. धा० II. (आविर+भू)

आविर्भाव थवे; प्रगट् थवुं. आविर्भाव होना;
 प्रगट् करना. To be or become ma-
 nifest.

आविर्भावेमि. प्रे० सूय० २, १, ११;

आविल त्रि० (आविल) आधुल. आकुल.
 Distracted. सम० ३०; (२) कलुषित;
 डालुं. कलुषित; गंदला. turbid. “अतुट्टिदो-
 सेण दुही परस्स लोभाविसे आयव्हं अदत्तं”
 उक्त० ३२, २४; जीवा० ३; —आत्मा. पुं०
 (-आत्मन्) आधुल आत्मा. आकुल
 आत्मा. a troubled soul. “अभयं-
 करेभिकखु अणाविलप्पा” सूय० १, ७, २१;
 ✓ आविल. धा० I. (आ + विल्) सेवतुं;
 भोगवतुं. सेवन करना; भोगना. To
 endure; to experience; to re-
 sort to.

आविसामि. विशेष० ३२५४;

आवीइमरण. न० (आवीचिमरण) समये
 समये आयुष्यना हलने अपयय-थाय ते;
 आयुष्य समये समये ओछुं थाय ते. समय
 समय पर आयुष्य के दल का अवचय होना;
 समय समय पर आयुष्य का क्षय होना.
 Diminution of life every in-
 stant. सम० १७;

आवीइसरिणय. न० (आवीचिसंज्ञित)
 आवीचि नामनुं भरणु. आवीचि नाम का
 मरण. A variety of death named
 Avichi. प्रव० १०२०;

आवीकम्म. न० (आविक्कम्म) जुओ
 “आविकम्म” शब्द. देखो “आविकम्म”
 शब्द. Vide “आविकम्म” जं० प०
 २, ३१;

आवीचिय मरण. न० (आवीचिमरण)
 जुओ “आवीइमरण” शब्द. देखो
 “आवीइमरण” शब्द. Vide “आवी-
 इमरण” भग० १३, ७;

आवुस. त्रि० (अव्यक्त) नहिं इधित; वगर
इधित. बिना कहा हुआ. Not said;
not spoken. सूय० २, २, ५६;

✓ आवेढ. धा० I. (आ + वेष्ट्) पीटवुं
लपेटना. To wrap round; to
encircle.

आवेढइ. दसा० ६, ६;

आवेष्टिय. त्रि० (आवेष्टित) विटेल. लपेटा-
हुआ. Wrapped round; encircled.
ठा० १०; भग० ८, १०; १६, ६; निरसी०
१६, ४०-४१; नाया० १६;

आवेष्टिय. सं० कृ० (आवेष्ट) कहीने. कहकर.
Having said or told. पंचा० १५,
४५;

✓ आस. धा० I, II. (आस्) भेसवुं.
बैठना. To sit.

आसइ. व० प्र० ए० नाया० घ०

आसे. वि० दस० ४, ८;

आस. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

आसइस्सामो. भवि० भग० १०, ३;

आसइस्सए. भग० ७, १०; १३, ४; १५, २;
१८; ३;

आसइत्तु. दस० ६, ५४;

आसमाण. " अजयं आसमाणोय " दस०
४, ३; राय० ३, ६;

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्)
भोजन. भोजन. Food. " सामासाए
पायरासाए " सूय० २, १, १५; नाया० ५,
आस. न० (आस्य) मुँह; मों. मुख; मुँह.
Mouth; face. पि० नि० ३४०; नाया०
८; ९; दस० ५, १, ८५; दसा० ७, १;

आस. पुं० (अश्व-अश्नुते दवाप्नोति मार्ग-
मित्यर्थः) घोडा; अश्व. अश्व; घोडा. A
horse. सम० १४; उत्त० ४, ८; ६, ५;
११, १६; अणुजो० ६३; १३१; ठा० २, ३;
द्वि० १४१६; नाया० १७; भग० ३, ४;

७, ६; ६, ३४; ११, ११; ओव० ३१; ३८;
दसा० ६, ४; १०, ३; विवा० ६; जीवा० ३,
१; आषा० २, १, ५, २७; जं० व० ७,
१५७; (२) अश्विनी नक्षत्रनो अश्विष्ठा
देवता. अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव.
the presiding deity of the
constellation Āśvinī. जं० व०
७, १५७; सू० प० २०; (३)
अश्वदेवताथी उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
the constellation Āśvinī pre-
sided over by the diety Āśva.
चं० प० २०; —करण. न० (-करण)
घोडाने कला सीपयवानी गद्या. घोडे को
कला सिखाने की जगह. a place for
training horses. निरसी० १२, २८;
—किसोर. पुं० (-किशोर) नववान
घोडानुं अश्व्यु; व० ७३. जातिवान घोडे का
बच्चा. a young one of a noble
horse; a colt. नाया० १३; —किसोरी.
स्त्री० (-किशोरी) नववान घोडी; व० ७३.
जातिवान घोडी; बछेरी. a mare of
noble breed; a filly. नाया० ६;
—कंध. पुं० (-स्कंध) घोडानी डक-
आंध. घोडे का कंधा. the neck or
shoulder of a horse. ठा० २;
नाया० १२; १४; जं० प० ७, १५६;
—कंधवरगय. त्रि० (-स्कंधवरमत)
घोडा पर चढ़ेला. घोड पर चढ़ा हुआ.
mounted on a horse. नाया० १२;
१४; —जुद्ध. न० (-युद्ध) घोडानुं युद्ध.
घोडों का युद्ध. horse-fight. निरसी०
१२, ३०; —धर. त्रि० (-धर) घोडा
वाला; सोदाभर. घोडावाला; घोडों का सोदा-
यर. (one) who has a horse or
horses; a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७; —पोसय. त्रि० (-पोषक) घोड़ाना पोषनार; सोदागर. घोड़े को पालने वाला. (one) who breeds up horses; a horse-merchant. निसी० ६, २३; —प्पमइय. (-प्रमर्दक) घोड़ाने कुत्ता श्लीयनार. घोड़े को कत्ता सिखाने वाला. (one) who trains horses. नाया० १७; —मच्छिया. ब्री० (-मक्षिका) घोड़ानी आभ; पगा. घोड़ों के शरीर में लगने वाली मक्खी; बग. a horse-fly. पि० नि० भा० ४६; —मह. पुं० (-मृष्ट) घोड़ाना समारनार. घोड़े को सुधारने वाला. चाबुक असवार. a horse-breaker. निसी० ६, २३; —महश्च. त्रि० (-मर्दक) घोड़ाने मर्दन करने वाला. घोड़ों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निसी० ६, २३; नाया० १७; —महग. त्रि० (-मर्दक) घोड़ाने मर्दन करने वाला. घोड़ा की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. नाया० १७; —रयण. न० (-रत्न) अश्वरत्न; चक्रवर्तिना आदरत्नमानुं अश्वरत्न. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न. an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravartī. “ भरतस्य कमलमेखं यामिणं आसरयणं-गावईकमेखं समभिरुद ” जं० प० टा० ७; पज० १६, २०; —रह. पुं० (-रथ) घोड़ा गाड़ी; जेमां घोड़ा गाड़ीय अथवा रथ. घोड़ा गाड़ी; जिसमें घोड़े जुते ऐसा रथ. a horse-carriage. नाया० १; ८; १६; १६; भग० ७, ६; ६, २३; राय० २५६; जं० प० —राय. पुं० (-राजन्) अश्वराज-प्रधान-उत्तम घोड़ा. अश्वराज;

प्रधान घोड़ा-उत्तम घोड़ा. an excellent horse. ठा० ५; —रुव. पुं० (-रूप) घोड़ानुं रूप. घोड़े का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५; —रोह. पुं० (-रोह) घोड़े सवार. घोड़ सवार. a horseman. निसी० ६, २३; —वर. पुं० (-वर) उत्तम जाति का घोड़ा. उत्तम जाति का घोड़ा. a horse of noble breed. दमा० १०, ३; भग० ६, ३३; ओव०. —वाहणिया. ब्री० (-वाहनिका) घोड़ानी सवारी; अश्व कौडा. horse-riding; play on horse-back. निवा० ६; नाया० १२; १४; —सहस्र. न० (-सहस्र) हजार घोड़ा. हजार घोड़े. a thousand horses. निर० १, १; आसंदिया. ब्री० (आसन्दिका) भांथी; आटरी. खाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. सूय० १, ४, २, १७; आसंदी. ब्री० (आस्यन्दी) ओढ़ जनतनुं आसन; भांथी. एक प्रकार का आगत; खाट. a kind of seat; a wooden frame strung up with thread and used as a seat. “ आसंदी पलियंकेय ” पि० नि० ३६१; सूय० १, ६, २१; दम० ३, ५; ६, ५४; (२) हाटरीनुं भायपुं. बांस की अरथी. a bamboo frame to carry a corpse. सूय० २, १, १५; आसंसइय. त्रि० (आसंसयित) निःसंशय; संशय रहित; जेमां संदेह नही तेपुं. निःसंदेह; संदेह रहित. Doubtless; indubitable सूय० २, २, १६; आसंस्यश्लोक. पुं० (आसंसाप्रयोग—आसंसनमाशंसाश्लेषः तस्याः प्रयोगो-

व्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोगः) आशंसा
अभिज्ञाया इरवी ते. अभिज्ञाया करना.
Hoping; desiring; wishing.
प्रव० २६६; ठा० १०;

आसंसा. स्त्री० (आशंसा) काम भोग भेस-
वधानी छिन्ना; अभिज्ञाया. काम भोग प्राप्त
करने की इच्छा. Desire or wish for
sensual pleasures. सूय० २, १, ५०;
उवा० १, ५७; प्रव० २६६; ८२३;

आसंसारं. अ० (आसंसारम्) संसार छे
त्यासुधी. संसार है तबतक. So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists. प्रव० ६३७;

आसकण. पुं० (अशकण) अवलुसमुद्रमां-
ना पद अंतर द्वीपमांति अशकण नामतो
येऽ अंतर द्वीप. लवण समुद्र के ५६ अंतर
द्वीप में का अशकण नामक एक अंतर द्वीप.
Name of one of the 56 Antara
Dvipas (islands) in Lavan-
Samudra. (२) त्रि० ते द्वीपना २६-
वासी उक्त अंतर द्वीप के निवासी मनुष्य.
a native of the above island.
ठा० ४, २; जीवा० ३, ३; पल० १;

आसग. न० (आसक) मोह; मुष्. मुख;
मुंह. Mouth; face. भग० १५, १;
नाया० १२; १४; सूय० २, २, ५६; दसा०
१, ३;

आसग. पुं० (आसग) क्षील. फन. Foam;
froth. पल० २;

आसग्रीव. पुं० (अशग्रीव) भरतक्षेत्रना
याधु अवसरिणीना पड़ला प्रतिवासुदेवतुं
नाम. भरत क्षेत्र की वर्तमान अवसरिणी के
प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first
Prativāsudeva of the current
Avasarpinī (descending cycle)
of Bhārata-kṣetra. प्रव० १२२७;

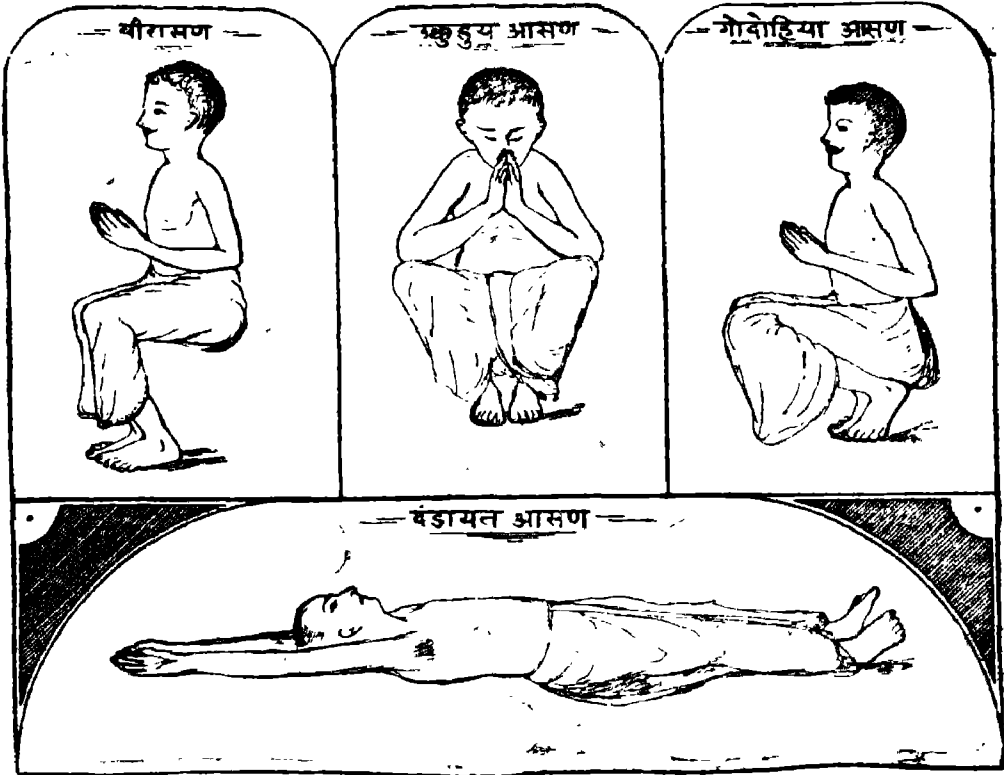
आसज्ज. न० (आसज्ज) क्रिया विशेष. क्रिया
विशेष. A particular kind of
action. ओष० नि० २२६;

आसज्ज. सं० कृ० (आसाद्य) प्राप्त करीने;
भेसवीने. प्राप्त करके; पाकर. Having
got to; having acquired. विशे०
५२७; आया० १, ३, २, १११; पि० नि०
१५८; प्रव० ८६६;

आसण. न० (आसन) आसन; बैठक;
सिंहासन; लडासन, भयरासन वगैरे; तप
माटे आसन लगाया ते. न्म वीरासणु,
उच्छ्रित्यासणु; दंडायन आसणु छत्यादि.
आसन; बैठक; सिंहासन; तपश्चर्या में साधुको
लगाने के आसन जैसे वीरासन, दंडायन
आसन इत्यादि (देखो चित्र). A
seat; an unnatural bodily
posture; e. g. Mayūrāsana
etc. adopted by a Sādhu
while practising penance (see
diagram). उक्त० १, २१; ३०; ७, ८;
उवा० २, ११३; राय० २३३; २८६; दस०
५, २, २८; ८, ५, १७; सू० प० २०; ओष०
नाया० १; २; ५; ८; १३; १४; १६; सम०
६; भग० २, ५; ५, ७; १७, ३; २५, ७;
सु० च० ३, ५५; जं० प० २, ३३; सूय०
१, १, ४, ११; १, ४, १, ४; आया० १,
६, ३, १२; २, ४, २, १३८; (२) आस-
न वाली ऐसवुं ते. आसन लगाकर बैठना.
sitting in a particular bodily
posture. प्रव० १५८१; — **अणुपदान.**
न० (-अनुपदान) सत्कार इरवाने आस-
ननु आमंत्रणु इरवुं ते. सत्कार करने के लिये
आसन का आमंत्रण करना. honouring
any one by inviting him to
a seat. भग० १४, ३; ठा० ७; — **अभि-**
गह. पुं० (-अभिग्रह) आसन संग्रही

अभिग्रह धारण करवे। ते. आसन संबंधी
अभिग्रह धारण करना. taking a vow
in connection with seat. भग०

neighbouring; near. भग० १, ८;
ओष० नि० १०; दसा० २, ३; ४; ५;
—सिद्धिय. त्रि० (—सिद्धि) तरतमां



१४, ३; सम० ६१; ओष० २०; —स्थ.
त्रि० (—स्थ) उल्लङ्घ गोदोह्रिये आसन
वाचीने रहनेपर. उस्कट गोदोह्र आदि आसन
लगाकर बैठाहुआ. (one) sitting or
remaining in a particular bodily
posture; e. g. like that of
one milking a cow. आया० १, ६;
४, १४; प्रव० १२५;

आसणय. पुं० (आसनक—आसनमेव आसनकः)
आसन. आसन. A seat; a bodily
posture. वेय० ५, ३२;

आसणय. त्रि० (आसन्न) नजदीक; पासै.
नजदीक का; समीपका. Adjacent;

सिद्ध थाय ओषो; थोडा दभतमां सिद्धि
पामनार. नुरंत सिद्ध होनेवाला; थोडे समय
में सिद्ध प्राप्त करने वाला. (one) who
is to acquire perfection imme-
diately. पंचा० ११, १५;

आसत्त. पुं० (आसक्त) भूमिमां लागेत्त;
उपरथी नीयेना लाग साथे लागेत्त. भूमि
में जुडा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ
संयुक्त. Clung to the earth; atta-
ched to the upper as well as
the lower part. राय० ५६; पञ्च० २;
ओष० कण्ठ० ३, ४१;

आसत्तमं. अ० (आसत्तमम्) सात पेढी

पर्यंत. सात पीढ़ी तक. Up to the 7th generation. नाया० १; १६; भंग० ११, २०;

आसत्ति. स्त्री० (आसक्ति) परिग्रह आदिभिः भुक्ति. परिग्रह आदि में आसक्ति. Attachment to worldly possessions etc. परह० १, ५;

आसत्तोत्त. त्रि० (आसक्तोत्सक्त) उपरना लागती नीचेना लागने लागत. ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part to the lower part. कण० ३, ४१;

आसन्ध. त्रि० (आशस्त) आराम लीधेत. आराम पाया हुआ; विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed. ओघ० नि० भा० १५; नाया० १; २, ३; दः ६; १७, १८; भग० ११, ११; १५, १; कण० १, ५; विवा० ३, ६;

आसत्थ. पुं० न० (अश्वत्थ) पीपल. पीपल. The holy fig-tree. सम० प० २३३; —पत्त. न० (—पत्र) पीपलाना पत्त. पीपल का पत्ता. a leaf of the holy fig-tree. निर्मा० १८, १६; —वृक्ष. पुं० (—वर्षस) पीपलाना पाँदरा, इतना क्यारना लगला. पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर. a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree. निर्मा० ३, ७८;

✓ **आसद.** धा० I. (आशद) आधा डरवी; पीड़ा डरवी. बाधा करना; पीड़ा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

आसादण. दस० १, ६, १, ४; निर्मा० १३, १२;

आसादजा. आया० १, ५, ६, १६५; डा० ४; उवा० ८, १४०; १४६;

v. 11/11.

आसन. न० (आसन) लुप्ते " आसण " शब्द. देखें " आसण " शब्द. Vido

" आसण " पत्र० ११; दस० ७, २६;

आसन्न. त्रि० (आसन्न) लुप्ते " आसण " शब्द. देखें " आसण " शब्द. Vido

" आसण " विशेष० ६२६; ओघ० नि०

२६; पि० नि० २०६; २४६; प्रब० १३२;

पंचा० ३, ४७; सम० ३३; —भन्व. पुं०

(—भन्व) तेज लवे अथवा श्रीते श्रीते

लवे मोक्ष जन्तारे छव; नछक वपनमां

मोक्ष जया योग्य लव्यछव. उमी ही भव में

या दूसरे तासरे भव में मोक्ष जानेवाला

जीव. a soul which is to attain

final bliss in very near future

i. e. in the same birth or the

2nd or 3rd. प्रब० १२६०;

आसपुरा. स्त्री० (अश्वपुरा) पद्मा विजयनी मुख्य नगरी. पद्मा विजय की मुख्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya. डा० २, ३; ५;

आसम. पुं० (आश्रम) आश्रम; तापस लोकान् संवेदनी जग्या. आश्रम; तपस्वी लोगों के रहने का जगह. A hermitage.

(२) चार आश्रम पैदा अथ आश्रम.

चार आश्रमों में से एक आश्रम. one of

the four stages of life. म० च०

७, १८०; डा० २, ४; उवा० ६, ४२; ३०,

१७; आया० १, ७, ६, २२२; मृग० २, २,

१३; भग० ७, ७; ३, ७; ७, ६; परह० २,

१; वेद्य० १, ६; पंचा० ७, १५; —पद्य.

न० (—पद) तापस लोकान् आश्रमने

नाम आश्रमातुं स्थान. तापसी लोगों के

आश्रम के नाम से प्रसिद्ध स्थान. a her-

mitage; a place of abode of a

hermit. कण० ६, १५६; —भेद्य. पुं०

(—भेद) अक्षय्य, श्रुतय निरे आश्रमना

अश्रुः ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद.
the four different stages of
life distinguished as student's
life, householder's life etc.
पंचा० १०, ५०;

आसमपय. न० (आकामपद) अस्मि नामनुं
अस्य आश्रम. एक बाग का नाम. Name of
a garden. कण० ६, १५६;

आसमिन्न. पुं० (अश्वमित्र) अश्वमित्राचार्य
नामना आश्रम निन्दक के लिये द्दरेक पदार्थ
क्षये क्षये नाश पाने के अर्थ स्थापन किये.
अश्वमित्राचार्य नामक आश्रम निन्दक जिसने
कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिकूल नाश पाता है, ऐसा
मिथ्यान्त स्थापन किया. Name of the
fourth Nimbava who establish-
ed the doctrine that every
thing perishes every moment.
डा० ७, १;

आसमुद्र. पुं० (अश्वमुद्र) अश्व समुद्रमां
अश्व ऊपर जहाँ मिथ्यामां रहते अश्वमुद्र
नामको अश्व अंतर-द्वीप. लवण समुद्र में
अंतरिक्ष में स्थित अश्वमुद्र नामक अंतर द्वीप.
Name of an Antara Dvīpa
(island) in a cardinal direc-
tion of Lavana Samudra डा० ४,
२; (२) त्रि० ते द्वीपमां रहते अश्वमुद्र.
उक्त द्वीप में रहनेवाला मनुष्य. A person
living in the above island.
जा० ३, ३; पञ्च० १;

आसय. न० (आसयक) अस्मि, मुष्म, मुष्म;
मुष्म. Mouth; face. वन० ६, ४७;
आया० २, २, १, १०६; जा० ३, १;

आसय. पुं० (आसय) आसय; स्थान;
मकान. आसय; स्थान; मकान. A house;
an abode; a place. डा० ३; (२)
असय आसय. असय करने योग्य. A pro-

per resort; (anything) fit to
be resorted to. नाया० १०; (३)
आसय; आसय. आसय; आसय. sup-
port. उत्त० २८, ६; पण० १, १; विश०
१७५४;

आसय. पुं० (आशय) चित्तवृत्ति; परिणाम.
चित्तवृत्ति; आशय. A state of mind;
inclination of mind. पंचा० ७, २५;
१६, २५; —विचिन्तया. स्त्री० (—विचि-
न्तया) परिणामनुं विचिन्तयानुं; अविचिन्तय
नुं विचिन्तयानुं. परिणाम की विचिन्तया; अवि-
चिन्तया की विचिन्तया. varieties of
thought-activities; varieties
of thoughts. पंचा० १६, २५; —बुद्धि.
स्त्री० (—बुद्धि) परिणाम वृद्धि. परिणाम
वृद्धि. increase in thought-activi-
ty; increase in sense percep-
tions and their objects. पंचा०
७, २५;

आसयमाण. व० कु० त्रि० (आशयमान-
आशयन्) आशय करने. आशय करता हुआ.
(One) entertaining a hope.
विवा० १;

✓ **आसर.** धा० II. (आसृ) सरश्नुं;
असृ; दासृ. सरस्वा; हवना. To
move.
आसरिह. प्र० नाया० ३;

आसरुह. पुं० (अश्वरुह) घोड़ेसार घोड़ा
सवार. A horseman. जे० प० ३, ४४;

आसल. त्रि० (आसल) स्वाद लेना योग्य;
आस्य योग्य. स्वाद लेने योग्य. Worth
being relished or tasted. जा०
३, ४; पञ्च० १७;

आसय. पुं० (आसय) दास; मदीरा; मद्य;
शराब दास; मदीरा; शराब. Wine;

intoxicating liquor. पि० नि० ५४; ५३६; राय० १३३; २२४; पञ० १७; उत्त० ७, ३४, १४; श्रौ० जीवा० ३, ३०४; —(चो) उद्गा. श्री० (-उद्गा -आस-व इव चंद्रहासादिपरं उदकम् यासां ताः आसवोदकाः) भीषा प.पूनी नी पाच. मीठे पानी की बावड़ी. a well of fresh water. जीवा० ३; राय०

आसव. पुं० (आश्रव) श्रवण तत्त्वमां धर्मरूप पाणिने अवयवतुं गतेतुं; धर्म अवयवतुं द्वारः मिथ्यात्व अपिरति प्रमाद कस्य अने अनुभवेयं ये पांचिमां तु गते ते येद. जांच-कर तदाव में कर्म-—कर पानी आने का रास्ता—द्वारः कर्म आने का द्वारः मिथ्यात्व, अपिरति प्रमाद, कपाय और अनुभवेयं इन पांचों में का कोईभी एक. A door, a sluice for the inflow of Karma; any of the five viz. Mithyatva, Avirati, Pramāda, Kāśāya and Āśubhāyoga. श्रौ० १०: ३४; उत्त० १८, ५; २८, १४; ३४, २१; सम० १; नावा० ६; भग० २, ५; ५, ६; आया० १, ४, २, १३०; १, ८, ७, १०; डा० १, २; २, १; पि० नि० ६३; पंचा० ५, ४७; क० मं० १, १५. मृय० २, ५, १२; —**णिरोधभाव. पुं०** (-निरोधभाव) आश्रवता निरोध करवा ते; धर्मा द्वारते अरुधयवा ते. आश्रव का निरोध करना; कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma; stopping the door of the inflow of Karma. पंचा० ५, ४७; —**द्वार. न०** (-द्वार) आश्रव-पाप आवयाना द्वार; दरवाजा. आश्रव—पाप आनेका—द्वार. a gate through which Karma enters.

“ पंच आसव दारा प० तं० मिच्छतं अवि-रह पमाया कसाया जोगा ” डा० ५, २; सम० ५; भग० १, ६; ३, ३; —**सन्ति. त्रि०** (-सन्तिन्-आश्रवा हिंसाद्यस्तेषु सक्तं संग आश्रवसक्तं तद्विद्यते यम्यस आश्रवसक्ती) आश्रवता संग करने आश्रव का संग करने वाला. (one) attached to practices like killing etc. which cause an inflow of Karma. आया० १, ५, ११४५;

आसववर. पुं० (आश्रववर) अतिशय आश्रवः धर्मेनी वृत्ति आवड. अतिशय आश्रवः कर्मों का बहुत आना. Horseman of inflow of Karma. भग० १३, ४;

आसवार. पुं० (अश्ववार) अश्वारः घोड़ेवार. सवार. A horseman. “ महं आमा आसवरा उमश्रेषामि णाना ” भग० ६, ३३;

आसवार. पुं० (अश्ववार-अश्व वारयर्नानि) अश्वारः अश्व शेरों; घोड़े को रोकने वाला; घुडसवार. A horseman. मृ० च० १०, ४३;

आसला. श्री० (आशंसा) ईच्छा-आशंसा; अशा. आकांक्षा: आशा: चाह. Desire; hope; wish. “ तदेव णितेषुय आस-साण् ” उत्त० १२, १२; विश० १५१६;

आसवेण पुं० (अश्वार) अश्वार राजा नाम. काशी के राजा का नाम. Name of a king of Benāres कप० ६, १५०; (२) याजु अवसर्पिणीना येथा यक्षवर्तिना पिता वर्तमान अवसर्पिणी काल के याज चक्रवर्ती का पिता. name of the father of the fourth Chakra-vartī of the present Avasarpini. सम० प० २३४; (२) २३ भा तीर्थ-३२ पार्थिवार्थना पितातुं नाम. २३ के

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tirthankara. सम० प० २३०;

आस्ता. स्त्री० (आशा) आशा; उ० ७१; अभिलाषा; आकांक्षा. आशा; अभिलाषा; आकांक्षा. Hope; desire; wish. निसी० ११, २६; जं० प० २, २२, तंडु० ओव० २१; उत्त० १२, ७; ३२, २५; सम० ६; दस० ६, ३, ६; (२) जोगनी आकांक्षा. भोग की आकांक्षा. desire of enjoyments. आया० १, २, ४, ८४;

आस्ता. अ-यै. पुं० (आस्वाद) स्वाद; रस. स्वाद; रस. Taste; relish. जीवा० ३, ३; जं० प० २, २२; आया० १, ५, ३, १४५; नाया० ७; १७; पञ्च० १७; दस० ५, १, ७५;

आस्ताइय. त्रि० (आसादित) प्राप्त थये. प्राप्त. Got; acquired. नया० १२; उवा० ३, १४०;

आसाढ. पुं० (आषाढ) अषाढ महिना. आषाढ मास The month of Āṣāḍha, " आषाढ पुर्णिमापण उहोसपण " भग० ११, ११; १८, १०; आ० नि० २८३; उत्त० २६, १३; सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १४१; पंचा० ६, ३४; (२) तृण विशेष. तृण विशेष. a kind of grass. भग० २१, ६; (३) आषाढाचार्य नामना त्रिग्न निन्दव के जेठे द्वेक परतु अन्यत्र संदिग्ध छे, केनामां साधुता छे अने केनामां नहि तेतो निश्चय आपले कही शङ्को नहि माटे केअने पगे लागवु नहि ओम स्थापन कर्तु. आषाढाचार्य नामक एक निन्दव जिन्होंने यह मत स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है और किसमें नहीं इसका

निश्चय अनुभव नहीं कर सकता अतः किसीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना, name of a religious preceptor who was the 8rd Nindhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. ठा० ७, १; विशेष० ३३०१; (ढा)—आयसिय. पुं० (-आचार्य) आषाढ नामना त्रिग्न निन्दव आचार्य. आषाढ नामक तीसरे निन्दव आचार्य. the third Nindhava preceptor so named. ओव० —पाडिवया. स्त्री० (-प्रतिपत्) शास्त्रीय श्रावण पद १ पडवे. शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvaṇa according to scriptures ठा० ४; —पुर्णिमा. स्त्री० (-पुर्णिमा) अषाढ सुदि पुनम; असाड महिना की पूर्णिमा. आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āṣāḍha. भग० ११, ११; —बहुल. पुं० न० (-बहुल) अषाढ भासने कृष्णपक्ष. आषाढ मास का कृष्ण पक्ष. the dark-half of the month of Āṣāḍha. कप्य० ७, २०६; —सुद्ध. पुं० (-शुक्र) अषाढ भासने शुक्ल पक्ष. आषाढ मास का शुक्ल पक्ष. the bright-half of the month of Āṣāḍha. कप्य० १, २; **आसाढभूइ. पुं०** (आषाढभूति) लुओ " असाढभूइ " शब्द. देखो " असाढभूइ " शब्द. Vide " असाढभूइ " पि० नि० ४१४;

आसाढा. स्त्री० (आषाढा) ओ नामनुं नक्षत्र; पूर्वाषाढा अने उत्तराषाढा. इस नाम का

नक्षत्र; पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा. Name of the constellations Pūrvāśādhā and Uttarāśādhā. “ दो आसाढा ” छ० २; जं० प० ७, १५१;

आसादी. जी० (आषाढी) आषाढ मास की पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āśādhā. जं० प० ७, १६१; — **पाडि-व्रज.** पुं० (—प्रतिपत्) शास्त्रीय श्रावण वद ऐकम अने लौकिक आषाढ वद ऐकम. शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of Śrāvaṇa according to scriptures and the first day of the dark half of Āśādhā according to mere calculation. निसी० १६, १३;

आसादण. न० (आसादन) भेदवयुं; ग्रहण करवुं. प्राप्त करना; ग्रहण करना. Getting; obtaining; taking. नाया० ६;

आसादणता. स्त्री० (आशातना) अविनय; आशातना. अविनय; अपमान. Irreverence; immodesty. भग० १८, ७;

आसादिय. त्रि० (आसादित) प्राप्त करेन. प्राप्त किया हुआ. Got or acquired. “ इमे वणखंडे आसादिण् ” भग० १५, १;

आसायण. न० (आस्वादन) आस्वादन; रस लेवे। ते. आस्वादन; रस लेना; चखना. Tasting; relishing. “ थोवमासायण-ट्ठाण् हत्थगंमि-वक्काहिमे ” दस० ५, १, ७८;

आसायण. न० (आसादन) ग्रहण करवुं; भेदवयुं. ग्रहण करना; प्राप्त करना. Getting; acquiring. नाया० ६;

आसायणा. जी० (आशातना) आशातना; विनय मर्यादानुं उल्लंघन. आशातना; विनय मर्यादा का उल्लंघन; गुरु के प्रति किया जाने

योग्य विनय में न्यूनता करना. Irreverence to a preceptor etc. आड० २६; दसा० २, २; ३ ३४; निसी० १३, १२; दस० ६, १, २; ६; उत्त० ३१, २०; सम० ३३; आव० ३, १; पंचा० ६, ४८; प्रव० ८; — **परिहार.** पुं० (—परिहार) आशातनाने परिहार त्याग. आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśātana. प्रव० ६४५;

आसायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) स्वाद लेना योग्य; आप्यता योग्य. स्वाद लेने योग्य; चखने योग्य. Worth being tasted or relished. जं० प० पञ्च० १७; नाया० १२;

आसालय. न० (आशालक) जेना छिपर सुप्रशुभाय के जेसोने आराम वर्ति शुकाय तेवुं ओक आसन ऐसा आसन जिसपर सो सके या बैठकर आराम किया जासके. A seat on which one can sleep or sit comfortably. “ आसंदी पल्लियंकेसु ” “ मंचमासालणसु वा ” दस० ६, ५८;

आसालिया. स्त्री० (आशालिका) जे जन्तने ओक सर्प के जे पंदर कर्मभूमिमां यक्षवर्तिनी सेना नीयें पृथ्वीमां समुद्रिमण्डले अंतर्मुहूर्तने आशिष उत्पन्न थाय छे; तेना शरीरनी उत्कृष्टी १२ जेज्जतनी अवगाहना होय छे; यक्षवर्तिनी सेनातो विनाश थयानो होय छे; त्यारेज्ज तेनी उत्पत्ति थाय छे अने आपी सेनातो तेथी अंतर्मुहूर्तमां नाश थाय छे. ओइये ते सर्प भाटी आश जय छे तेथी १२ जेज्जतने आठो पञ्जां तेमां सेना दटल पटल थय नाश पाये छे. इस जाति का एक सर्प जोकि पंद्रह कर्मभूमि में चक्रवर्ति की सेना के नोचे पृथ्वी में समुद्रिज्जम रूप में (अगद राति से) अन्तर्मुहूर्त की आयुष्य

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण सम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्योंकि वह १२ योजन मिश्र खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बड़ा खड़ा पड़ जाता है जिसमें सेना गिरपड़कर नाश को प्राप्त हो जाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis. It is born underground and has a life of one Antarmahūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the army of a Chakravartī of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed. " सेकितं आसालिया ! कहिणं भंते ! आसालिया समुट्ठति " ज्जावा० १; पञ्च० १;

आसाविणी. स्त्री० (आआविणी) छिद्रवाली नाया; जेभां पाणि आवे ऐसी नाय. छिद्रवाली नाया; जिसमें पानी आवे ऐसी नाय. A boat or a ship with a leak in it. " जहा आसाविणि नावं जाइ अंधो दुरुहिया " सू० १, ११, ३०;

आशाम. पुं० (आशाम) आशामन. आशामन. Taking rest; removal of fatigue. ओ३० नि० ७३; पगइ० ३, १; (२) विश्रामन स्थान; आ३ देवानी

०४०५१. विश्राम का स्थान. a resting-place. ठा० ४, ३;

आसासण. पुं० (आशामन) आशामन नाम ने आ३. आशामन नामक ग्रह. A planet so named. ठा० २, ३;

आसासण्या. स्त्री० (आशामन) आशामन. आशामन. Blessing; words of blessings भग० १२, ५;

आसासिय. त्रि० (आशामन) आशामन आशामन. विश्राम दीधित. आशामन दिया. हुआ. विश्राम किया हुआ. (One) who has rested himself; (one) who has removed his fatigue. नाया० १; भग० ४, ३३;

आसि. स्त्री० (आशिय) दा३. दा३. A jaw. पञ्च० १; प्रव० १२१५;

आसि सी. गि० (आसीन) अस धातुना भूत दा३नुं रूप० दा३-ती-जु. अस धातु के भूतकाल का रूप; था-था-ये. He she - it was. सु० च० १, १२५; ३, ११५; विशेष० १२६१; पि० नि० १६१; नाया० ६; ११; १६; भग० २, १; ३, १; सय० १, ६, २; २, ६; १; उवा० ६, १६७; पंचा० १६, १०;

आसित्त. त्रि० (आसित्त) ओ३३ ओ३३नुं; ओ३३३ ओ३३३. थोड़ा सींचा हुआ; छिटकाया किया हुआ. Sprinkled slightly. पगइ० २, ३; नाया० १; ज्जावा० ३, ४; ओ३३० २६;

आसित्तिया. स्त्री० (आसित्तिका) ओ३३ आ३३ पदार्थ. एक खाद्य पदार्थ. Name of an article of food. " विवादाहि आसित्तियाओ भोच्छा कजं सधेति " सू० प० १०;

आसिदि. अ० (आसिदि) सिद्धि पर्यन्त. सिद्धि पर्यन्त. Up to, as far as Sid-

dhahood; up to the attainment of final goal. भक्त० ७१;

आसिय. त्रि० (आश्रित) आश्रय पाभेद. आश्रय प्राप्त. Resorted to; resting on; dependent on. ठा० ६;

आसिय. त्रि० (आसिक) लुओ "आसित" शब्द देखो "आसित" शब्द. Vide. "आसित" दसा० १०, १; राय० १८०; नाया० ३, ८; १६; भग० ६, ३३;

आसियावाय. पुं० (आशीर्वाद) आशीर्वाद; आशीर्ष वचन. आशीर्वाद; आशीर्वचन. Blessings; words of blessings. सूय० १, १४, १६;

आप्पिल. पुं० (आसील) ओ नामना ओक अन्य तीर्थ प्राचीन ऋषि. इस नाम के एक अन्य धर्माश्रमिया ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. सूय० १, ३, ४; ३;

आसी. स्त्री० (आशी-आशिस) सर्पनी दाढ़ सर्प का दाढ़. A jaw of a serpent; a serpent's fang. ठा० ४; —विज. पुं० (-विष) जेनी दाढ़मां जेर लेखुं छे तेयो सर्प. जिसका दाढ़ में विष है वह सर्प. a serpent (with venom in the fangs). विशेष० ७८०; भग० ८, १; दस० ६, १, ५; पण्ड० २, १; उत्त० ६, ६३; तेंडु० दसा० ६, ३२. जावा० १; (२) सीतादा नदीति पश्चिम किनारे शंख विजय नी पश्चिम सरहद परतो वपारा पर्वत. सांतादा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय का पश्चिम सीमा प्रान्त पर का वपारा पर्वत. name of a Vakharā mountain on the western boundary of Saṅkha Vijaya on the western bank of the river Sitoda. ठा० ८, १; जे० ५०

आसीण. त्रि० (आसीन) ओडेद; आश्रय करेद. बेठा हुआ; आश्रय किया हुआ. Sat; seated; resorted to. आया० १, ८, ७, १७; पण्ड० २, १;

आसीविसत्त. न० (आशीविषत्व) छष्ट अनिष्ट करवानुं सामर्थ्य. इष्ट अनिष्ट करने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil. भग० १५, १; ठा० ५;

आसीविसत्ता. स्त्री० (आशीविषता) आशीविषपण्डु; अति जेरी सर्पना लाव; आशीविषता; यति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent. भग० १६, १;

आसीविसभाषणा. स्त्री० (आशीविष भाषणा) आसी विषत्व छष्टानिष्ट करवाना सामर्थ्य संबंधी दृष्टिकत जेमां यतावेद छे तेनुं अंगयाव ओक दालिक सूत्र-के जे यौह-वर्ष उपरांतनी दक्ष-प्रवचनवाचने वाच-वा देवाना अधिपति छे. ते सूत्र हमला विद्यमान नथी, बिच्छेद थप गयेस छे. जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंगो से पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीक्षित साधु को पढ़ने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्यमान नहीं है. इसका बिच्छेद हो गया है. Name of an Āṅga Bāhya Kālīka Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities.) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. वव० १०, ३३; ३६;

आसीविषा. स्त्री० (आशीविषा) सीतोदा
महानदीने जमणें डांडे आवेझी आशीविषा
नामनी नगरी. सीतोदा महानदी के दाहिने
किनारे पर की आशीविषा नाम की नगरी.
Name of a town on the right
bank of the great river Sitodā.
ठा० २, ३;

आसु. अ० (आशु) जल्दी; शीघ्र; अक्षुब्ध.
शीघ्र; तुरंत; जल्दी. Quickly; at once.
सूय० १, ४, १, २७; दस० ८, ४८;

आसुकार. त्रि० (आशुकार-करणं-कारः-
अभितोकरणं, आशु-शीघ्रं कार आशु कारः)
जैथी तत्काल भरलु निपणें ते; भरलुने
अवसर लावनार सर्पदंश विसृष्टिका जगेरे.
शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश,
विशूषिका आदि. Producing, causing
death quickly or instantane-
ously, e. g. serpent-bite. आउ० ६;

आसुचर. त्रि० (आशुचर) शीघ्र आलनार.
जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking
fast; moving fast. विशेष० २४२८;

आसुपन्न. त्रि० (आशुपन्न-आशु शीघ्रं कार्या-
कार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स
आसुपन्नः) तीव्र बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धि-
मान्. तीव्र बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान्.
Quick-witted; sharp-witted.
आया० १, ७, १, २००; सूय० १, १४, ४;

आसुर. न० (आसुर) आसुरी लावना;
जैथी असुरयोनिमां यवा योग्य कर्म अंधाय
तेवी लावना. आसुरी भावना; ऐसी भावना
जिससे आसुर-योनि में उत्पन्न होना पड़े
ऐसे कर्मों का बंधन हो Meditation
which causes birth among
demons or as a demon. ठा० ४,
४; (२) असुर संबंधी; लावनपति अने
व्यन्तर संबंधी. असुरसंबंधी; भवनपति और

व्यन्तर संबंधी. pertaining to gods
of the infernal world, like Bha-
vanapatis and Vyantara gods.
सूय० १, १, ३, १६; उत्त० ३, ३; ८, १४;
प्रव० ८५६;

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) आसुर पणुं.
आसुरी भाव; असुराई. State of being
a demon; devilry. ठा० ४;

आसुरत्त. त्रि० (आशुरक्त) क्रोधधी लाल-
खाल थयेझ. जो क्रोध से लाल हो गया हो
वह. Red-hot with anger. निर०
१, १; नाया० १, ७; ८; ६; १६; दस० ८,
२५; उवा० २, ६५;

आसुरत्त. न० (आसुरत्व) आसुरी लावना;
असुरदेवतामां उत्पन्न थयुं पड़े तेवी लावना.
आसुरी भावना; असुरदेवों में जिस भावना से
उत्पन्न होना पड़े वह भावना. A medita-
tion which causes birth among
infernal gods; devilish medi-
tation. उत्त० ३६, २५४;

आसुरा. स्त्री० (आसुरी-असुरा भवनपति-
देवविशेषास्तेषामियमासुरी) जैनाथी असुर
योनिमां उत्पन्न थवाय जैवी लावना.
जिससे असुर योनि में उत्पन्न होना पड़े ऐसी
भावना. A meditation which
causes birth among infernal
beings. “ चउहिं ठाणोहिं आसुरताण
कम्मं पकरेती ” ठा० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) असुरसम्बन्धी.
असुरसंबन्धी. Pertaining to infer-
nal beings. “ आसुरियं दिसं बाला
गच्छति अवसातमं ” उत्त० ७, १०; दसा०
१०, ७; (२) (असुराणां चण्डकोपेन
चरतीति आसुरिकः) पूर्वजन्म में तीव्र
क्रोध करवाथी असुरपणुं उत्पन्न थनार.
पूर्वजन्म में तीव्र क्रोध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being; on account of habit of sharp anger in previous birth. आउ०

आसुरिय. न० (आसुर्य) असुरपण्यु. असुरपन; असुराई. State of being a denizen of the infernal world; devilry. दसा० १०, ७;

आसुरी. श्री० (आसुरी) असुरपण्यु उपपत्त्या योऽप्य लापना; साधु धर्मे कष्ट आ करे, सकाम तप करे, निमित्त प्रकाशे, निर्दयपण्यु करे ते. जिससे असुर योना में उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना; साधु होकर झगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशत करना, और निर्दयता रखना आदि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g. quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रब० ६४८;

आसुरुत. त्रि० (आशुरुह—आशु र्शमं रुहः क्रोधन विमोहितो यः सः) ७८६ दी क्रोधायमान यत्नार. शीघ्रता से क्रोधित होनेवाला. (One) getting quickly exasperated. विवा० ५, ६; भग० ३, १; २; ७; ६; १५, १; नाया० २; १६; जं० प० ३, ४५;

आसुहर्म. न० (आसौधर्म) सौधर्म देवलोक सुधी. सौधर्म देवलोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Sudharma. क० गं० ५, ७२;

आसुहुम. न० (आसूचम) आसूक्ष्म संपराय—मिथ्यात्व-गुण्डालाथी भांडीने दशमां सूक्ष्म संपराय गुण्डाला सुधी. आसूक्ष्मसंप-

राय-मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर दसवें सूक्ष्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Gupasthāna named Mithyātva (i. e. first) and ending with that named Sūkṣmasamparāya (i. e. 10th). क० गं० ४, ६३;

आसूशि. न० (आसूनि) घृतपानादिक अलिष्ट औषध-के जेथी माणस अन्नपान थाय. घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो. A tonic remedy e. g. taking ghee etc. by which one becomes strong. सूय० १, ६, १५;

आसूय. न० (*) काल देवने मानता माननामां अ वेछे ते. किसी देव की मानता मानना. Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass. पि० नि० ४०२;

✓ **आसेव.** धा० I. (आ + सेव्) सेवन करवुं. सेवन करना. To practise; to adopt; to take to.

आसेविउं. हे० कृ० नाया० १७;

आसेवित्ता. सं० कृ० आया० १, ३, २, ११४;

आसेवमाण. व० कृ० नाया० १७;

आसेवण. न० (आसेवन) सेववुं ते. सेवन करना. Resorting to; taking to; waiting upon. पंचा० ७, ३१;

आसेवणा. श्री० (आसेवना) संयममां—अतिथार-दोष उगाड्या ते. संयम में अतिथार-दोष लगाना. Partial violation of ascetic vows. प्रब० ७३२; (२)

* जुओ पृ १ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

सम्पन्नं अनुष्ठानं कर्तुं ते. सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras. [सूय० नि० १, १६, १३१; (३) आरोपणं कर्तुं-आरोपणं. आरोपण करना; आरोप करना adding to; charging with. सम० २८, —कुशील. पुं० (-कुशील) संयमभां अनियार लगावायी कुशील धर्म. संयम में अनियार लगाने से जो कुशील हुआ हो वह. one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रव० ७३२;

आसेवालोय-अ. पुं० (आसेवालोचक) पुनः पुनः पापकरी प्रपञ्चित लेनार (साधु). बारंबार पाप का के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विश० ८६८;

आसेविय. त्रि० (आसेविन) आ-स्थां सेवित-सेवेत; स्थां स्वादं लेयित-याप्येत. कुछ स्वाद लिया हुआ-चखा हुआ; कुछ लेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. आया० १, १, १३; नाया० ८;

आसेव्य. पुं० (अश्वयुज) आसेमास. आश्विन मास. The month of Āsvina. सम० ३६; जं० प० ओष० नि० २८३; भग० ११, ११; १८, १०; कण्व० २, ३०; ६, १८६;

आसेव्य. स्त्री० (आश्वयुजी-अश्वयुगविनी-तस्यां भवाऽश्वयुजी) आसे. मृदि पुनम. आश्विन मृदि १२ पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āsvina. जं० प० ७, १६१;

आसेव. पुं० न० (आसेक-असेकस्येवमा-

शोकम्) असेक वृक्षं पुल. असेक वृक्ष का फूल. A flower of the Āśoka tree. नाया० ८;

आसेव. पुं० (अश्वत्थ) पीपलो; पीपलानुं अल. पीपल का फूल. The holy fig-tree. आया० २, १, ८, ४५,

आसेव. पुं० (अश्वत्थ) पुष्पो उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पञ्च० १;

✓ **आ-स्वय.** धा० I. (आ+श्चि) आश्रय करेवा. आश्रय करना. To rest upon; to resort to.

आमयइ. दसा० ६, २११;

आसयति. भग० १३, ६;

आसयति. नाया० १७; जं० प० १, ६; १२;

आसयति. नाया० ४०

आसयह. राय० २५७;

आसयति. विश० ३२२;

✓ **आ-स्वय.** धा० I. (आ+स्वद्) स्वाद लेना. स्वाद लेना. To taste; to relish. (२) अलितापा करनी. अलितापा करना. to desire.

आसयइ. सम० ३०;

✓ **आ-स्वस.** धा० II. (आ+श्चप्) थक उतारवाने विश्रानि लेनी. थकावट उतारने के लिये विश्रानि लेना. To take rest in order to remove fatigue.

आससेइ- नाया० १६;

आससेति. नाया० ६;

आससि. भू० “ एवमाससि अथाणं ” उत्त० २, ११;

✓ **आ-स्वाद.** धा० I.II. (आ+स्वद्) अ स्वादन करतुं. स्वाद लेना; चखना. To taste; to relish. (२) आह्वं; इच्छं. चाहना; इच्छा करना to wish;

to desire. (३) प्राप्त करुं. प्राप्त करना. to acquire: to gain.

आसाएति, उत्त० २६, ३३; ठा० २, २;

नाथा० ६; १२; १६; १८; विद्वा० ७;

अस्साएत्ति. पञ्च० १५;

आमादेइ. जायः ० १२:

आसादेन्ति. भग० १५, १;

आसायन्ति. पत्र० २८;

आसाएमि. नाया० ६;

आस/एसो. नाया० १८:

आसापुहि. आया० १, ५, ३, १५५;

आमावेस्सामो. भग० १५, १;

अस्मादेस्यामो. भग० ११, १;

आयादेता. सं० कृ० अ० ७;

अ. माइता. सं० कृ० नाया० ६;

अ.सि.ता. आया. २, १, ३, १४;

असाणुमाण. नाया० १;

आससादियं. त्रि० (आसादित) लुग्मा

“ आसादिय ” शब्द. देखो “ आसादिय ”

शब्द. Vide “आसादिय” भग० १५, १,

आस्वाद्यणिज्ज. त्रि० (आस्वादीनीय) स्वाद
 लेन योग्य. स्वाद लेन योग्य. Worth
 being tasted. दसा० १२, ५;

आस्त्राविली. स्त्री० (आस्त्राविली) जड़ने
 संग्रह करने; जेमां पाणी आस्युं आवे ते
 (नाव) जिन में पानी आता हो वह नाव;
 जल का संग्रह करनेवाली. (A ship)
 having a leak in it. उ० २३, ७०;

आह्वय. अ० (आह्वय) उदाय; उदायितु.
कदाचित्. Perhaps. उत्त० १, ११;

“आहञ्ज सवर्णं लब्धं” ३, ६; वेद्य० ४,

११; आशी० १, १, ४, ३७; २, १, १, १;

भाग० १, २; ७; ६, १०; ७, ६; १८, ७;

वक्र० २, २३; ४, १०; ११;

अहस. अ० (आहुय) आवीने; आवीने

लाकर. Having brought. आया ० १,
७, २, २०४; २, १, १, १;

आहृद्. सं० कृ० अ० (आहृत्य) स्त्री० ३२
 ३रीति. स्वीकार करके. Having accept-
 ed. आया० १, २, ४; न० (२) जरीति;
 व्याप्ति. लाकर. having brought.
 आया० ३, ७, २, २०२; सम० २१; निमा०
 ३, ५; ११, ८; १४, १५; ४१; १७, २८;
 १८, २; १६, १; दसा० २, ७;

आहूत. अ० (आहूत) अ. ३३; लावे०.
 लाया हुआ. Brought; carried. दम०
 ५, १, २२; ६, ४६; ओष० नि० मा० २३६;
 गय० २७४; पगह० २, ५; पंचा० १, ५४;
आहूतिया. स्त्री० (आहूतिका) अ. २३
 आवेनी प्राणी. बाहिरमे आई हुई लाहिन;
 परोमना. Food received from out-
 side as a present. वेय० १, ४४;
 २, १६;

आहत. त्रि० (आहत) अंड डेढाण्थी बीजे
डेढाण्थी आण्थुं. एक स्थान से दूसरे स्थान में
लाया हुआ. Brought or carried
from one place to another.
प्रव० ८५६;

आहसहिअः न० (याथान्वय) याथान्वय;
 ज्ञेय. तेयुं. जैसे का तैसा; जैसा चाहिये
 वैसा. Real, actual condition.
 सम० २३; (२) यथार्थ उपदेशनुं स्वरूप;
 सत्य; वास्तविक स्वरूप. यथार्थ उपदेश का
 स्वरूप; सत्य; वास्तविक. स्वरूप. truth;
 real nature; e. g. of religious
 teaching. सूय० १, १३, १; (३)
 सूयगङ्गा १३ भा अध्यायनुं नाम के
 जेमां यथार्थ उपदेशनुं स्वरूप मत. २५
 छे. सूयगङ्गा के १३ वें अध्याय का नाम
 जिस में कि यथार्थ उपदेश के सत्य का
 वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagadāṅga in which the real nature of religious teaching is shown. सूय० १, १३, २३;

आहमंत. व० कृ० त्रि० (आधमन्) धमतेः धमलु धमते. धौकता हुआ; धम्मन धौकता हुआ. Blowing; blowing a furnace with bellows राय० ८, ८; आहस्मिअपय. न० (अधर्मिकपद) अधर्मिक पद; धर्म विरुद्ध पद. अधर्मिक पद; धर्म विरुद्ध पद. An irreligious step. दस० ८, ३१;

आहय. त्रि० (आहत) हल्लेत्तुं. मारा हुआ. Killed. (२) वगाडेत्तुं; वगवेत्तुं. पीटा हुआ; बजाया हुआ. played upon; beaten e. g. a musical instrument. ओव० ३२; पञ० २; परह० १, ३; उवा० ७, २००; विबा० १; कप्प० ३, ४०; ४३; (३) डोल. डोल. a drum. आया० २, ११, १७; (३) प्रेरणा करेत्तुं. प्रेरित. inspired; hinted at, moved. राय०

आहयस. स्त्री० (आहतस) हल्लेत्तुं. कुंवारी. A kind of large kettle-drum; a drum भग० १२, १;

✓ आहार. धा० I, II. (आ+ह) आत्तुं. ज्ञाना. To eat. (२) ग्रहण करेत्तुं; स्वीकारेत्तुं. ग्रहण करना. to take; to accept. (३) आणुत्तुं; लावत्तुं. लाना. to bring. आहारेह-ति. प्रे० निसी० ४, १७; ठा० २, २; नाया० २, ८; १५; १६; १८; भग० १, ७; ३, २; ७, १; अंत० ३, ८; राय० २४०;

आहरेह. ओव० ४०;

आहारं-रें-ति. भग० ८, १०; ७, ३; ८, ५; १४, ६; १४, ६; १८, ३; १८, ३; नाया० ४; पञ० १५;

आहारेहि. नाया० १६;

आहारेमि. पञ० ११;

आहारेमौ. नाया० १८;

आहारिज्ज. वि० उत्त० २, ३१;

आहारेज्ज-जा. सूय० १, १, २, २८; भग० ६, ६; २०, ६;

आहारे. दस० ५, १, २७;

✓ आ-हर. धा० I, II. (आ+ह) आत्तुं. ३२वुं; इकट्ठा करना. To collect. आहुणिय. सं० कृ० नाया० ६; जं० प० ३, ५५; राय० २६;

आहार. आज्ञा० निसी० ९, ५;

आहरेहि. आज्ञा० नाया० १६;

आहारेहि. उत्त० २, ३१; भग० १५, १; सूय० १, ४, २, ४;

आहारेह. आज्ञा० नाया० १५; १६; १८;

आहारेत्तए. हे० कृ० नाया० १६;

आहारेत्तए. ओव० ३८; वेय० १, १६; कप्प० ६, ४३; भग० १, ७; ३, १; नाया० १६;

आहारेत्तए. नाया० १८;

आहारेत्तए. सं० कृ० नाया० ४; ६; १६;

आहारित्ता. भग० २०, ६;

आहारेमाण. व० कृ० नाया० १; सग० ११, ११; २५, ७; वेब० ५, ६; दसा० ३, १६; १६;

आहारेमाण. क० वा० व० कृ० ओव० १६; भग० ७, १;

आहरेत्त. दस० ५, १, २८,

आहारेत्तए. क० वा० व० कृ० भग० १, १; ठा० १०;

आहारेत्तए. ठा० १;

आहारण. न० (आभरण) धरेत्तुं; दागीता; आभूषण. पहना; आभूषण. An ornament. ओक्क० २४; सु० च० १, ३१८; प्रव० १२३५; —विहि. पुं० (—विधि)

धरेषु। अनाववा तथा धरेष्वाने। विधि-रीति।
आभरण बनाने तथा पहनने की विधि।
the art or process of making or
fashioning ornaments and also
of putting them on. प्रब० १२३४;

**आहारण. न० (उदाहरण—उदाहियते प्राब-
ल्येन गृह्यतेऽनेन दार्ष्टान्तिकोऽर्थ इत्युदाहर-
णम्)** दृष्टांत; उदाहरण. दृष्टांत; उदाहरण.
An illustration. पि० नि० ६२६;
ठा० ४, ३; —तद्देश. पुं० (—तद्देश)
अेकदेशी दृष्टांत. एकदेशी दृष्टान्त—एक अंश
में घटित होनेवाला दृष्टान्त. a one-
sided illustration i. e. one not
fully applicable. ठा० ४, ३;
—तद्दोष. पुं० (—तद्दोष) सदोष दृष्टांत.
सदोष दृष्टान्त. faulty illustration.
“आहारणतदोसे चउविहे पण्यते तंजहा
अधम्म जुते” ठा० ४, ३;

आहवण. पुं० (आह्वान) ओलावपुं. बुलाना.
Calling; inviting. सु० च० ३, ११६;
पंचा० २, १२;

आहव्य. त्रि० (आभाव्य) क्षेत्र, शिष्य, भ्रातृ,
पाणी, पत्र, पात्र वगैरे. क्षेत्र, शिष्य, भातृ,
पानी, वस्त्र, पात्र आदि. Such things
as, a field, food, water, clothes,
vessels etc.; also a disciple etc.
पंचा० ११, २६;

आहव्यणी. स्त्री० (आधर्वणी) तात्कालिक
अनर्थ करनेवाली एक विद्या. तात्कालिक अनर्थ
करनेवाली एक विद्या. An art (enab-
ling a person) to work instan-
taneous disaster or mischief.
सूय० २, ३, २७;

आहव्यास. न० (यथाव्यास) निम्नोक्त अर्थ
आरम्भ दृष्टिवाद अंगना भीम विभाग सूत्र-
तो १० भा अेद. विच्छेद हो चुके हुए बार-
हवे दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग-सूत्र का
१० वाँ अेद. The 10th section of
the 2nd part of the lost 12th
Dristivāda Aṅga. नंदी० ५६;

आहाकड. त्रि० (आधाकृत) आस साधुने
भाटे तैयारकेल आहारदि. खास साधुके
लिये बनाया हुआ आहारदि. (Food
etc.) prepared specially for a
Sādhu. सूय० १, १०, ६; पराह० २, ३;
आहाकम्म न० (आधाकर्म) आधाकर्म-
आहार वगैरे. आधाकर्म आहार वगैरेह.
Food etc. specially prepared
for an ascetic. उल० ३, ३; पि० नि०
६२, १०७; सम० २१; भग० १, ६; ५, ६;
७, ८; पंचा० १३, ६; प्रब० ५७१; दसा०
२, ४; ५, ६; निसी० १०, ६;

आहाकम्म. न० (*) पोताना जेवा कर्म
होय ते प्रभाणे; स्वकृत कर्मानुसार. अपने
किये हुए कर्म के अनुसार. In accord-
ance with one's own Karma.
उल० ६, १३;

आहाकम्मिय. त्रि० (आधाकर्मिक) साधुना
भाटे अनावेल आहार. साधु के लिये तैयार
किया हुआ आहार. Food prepared
specially for an ascetic. नावा०
१; भग० ६, ३३; ओव०

आहाच्छंद. त्रि० (यथाच्छंद) पोतानी भरल
मु०/अ धर्तनार; स्वेच्छायारी. अपनी इच्छा
अनुसार बर्ताव करनेवाला; स्वच्छंदी. Self-
willed. निर० ३, ४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*), देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

आहारतत्त्व न० (याथातथ्य) जे वस्तु जेवी
हैस तेरीज कहेवी ते; यथार्थ; सत्य. जो
वस्तु जैसी चाहिये वैसी ही होना; उचित-
ठाक ठीकपना. Reality; truth. दसा०
५, २०;

आहारतद्भिन्न न० (याथातथ्य) याथातथिक-
सत्य बात जेमां प्रतिपादन करी छे ते सूय-
गदांग सूत्रना १३ मा अध्ययननु नाम.
सूयगदांग सूत्र के १३वें अध्ययन का नाम
जिसमें अर्थ बात का प्रतिपादन किया है.
Name of the 13th chapter of
Sūyagadāṅga in which abso-
lute truth is explained. सम०
१३०;

आहार्य सं० क० अ० (आघार) भुझीने;
झरीने. छोड़कर; करके. Having done;
having placed. पि० नि० १७४; १८०;
आहार पुं० (आघार) आधार; आश्रय;
अवलम्बन; टेढ़ा. आधार, आश्रय; अवल-
म्बन; सहारा. Support; anything
which supports. " दोहड़ गढभत्थाय
आहारे पं० तं० मणुस्साय चव " ठा० २;
विशे० ७१६; १४०६; राय० २१०; नाया०
१; ५; ७; १२; १४; भग० १८, २; अणुजो०
१२६; उवा० १, ५;

आहार पुं० (आहार) आहार-आराक; भो-
जन; आनपान. आहार; भोजन. Food;
eating; eating and drinking.
पञ० १; ३; २८; ३६; ओव० १६; ३८;
विशे० ४; नाया० १; ४; ५; ७; १६; १८;
दस० ६, ४७; निमी० १०, ५; ५१; जीवा०
१; उत्त० ३०, १३; भग० १, १; ७; २, १;
७, १; १६, ३; २५, ७; सम० १; उवा० १,
५१; जे० प० २, २२; प्रव० ६३८; पंचा०
१, २६; कण्प० ५, ६५; क० गं० २, १३,
३, ७; —अपक्रांति. त्रि० (-अपक्रांति.)

आहारनी अपक्रांति; आहार लेवानी शक्ति
पुरी न थाय ते. आहारकी अपक्रांति; आहार
लेनेको पूरा शक्ति का अभाव. imper-
fectly developed power of assi-
milating food. भग० ६, ४; —अव-
क्रांति. त्रि० (-अपक्रांति) आहारनी त्याग.
आहार का त्याग. giving up, aban-
donment, of food. कण्प० १, २;
—उचक्रिय. त्रि० (-उपचित) आहारथी
उपचित-पुष्ट. आहार से पुष्ट. plump
with food. भग० १६, २; ८; —कं-
क्रिय. त्रि० (-कान्तिक) आहारनी मन्त्र
शक्ति प्राप्ति. आहार की इच्छा वाला. (one)
desirous of food. वव० १, १;
—गम. पुं० (-गम) आहारने गमे-
आहार सेगंधी लड़ीकन अतावनार सूत्रपाठ.
आहार संबन्धी वर्णन करनेवाला सूत्रपाठ.
a Sūtra-text dealing with in-
structions about food. भग० २, १;
—गुत्त. त्रि० (-गुत्त) आहार आहार कर-
नार; आहार परतेवे मन दयन अने डायाने
पापथी जापथी राखनार. किंचित् आहार
करनेवाला; आहार के सम्बन्ध में मन, वचन
और कायको पाप से पृथक रखनेवाला.
(one) taking limited amount
of food; self-restrained in the
matter of food. प्रव० ६४६;
—गोघर. पुं० (-गोघर) आहारने विषय-
परतु. आहारकी वस्तु. an article of
food. पंचा० ५, ३; —दुष्ट. न० (-दुष्ट)
आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, देव-
तानु आयुष्य, नरकनी गति, नरकनु आयुष्य
अने नरकनुपुत्री जे ७ प्रकृति. आहारक
शरीर, आहारक अंगोपांग, देवता का आयुष्य,
नरक की गति, नरक का आयुष्य और नरका-
नुपुत्री जे छः प्रकृतियां. the six Pra-

kritis, (Karmic natures) viz *Āhāraka Śarīra*, *Āhāraka Āṅgopāṅga*, *Devatāyus*, *Narakagati*, *Narakāyus*, and *Narakānupūrvī*. क० गं० ३, १५; —जाइ. स्त्री० (-जाति) आहार-रत्न प्रकार; जुड़ी जुड़ी मतलब आहार-रत्नो जैथो- आहार के भेद; भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह. varieties of food; collection of foods of various kinds. पंचा० ५, २६; —जाय. न० (-जात) जुआ उपेक्षा शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. पंचा० १, २६; —जुगल. न० (-युगल) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपांग अं अं प्रकृति. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis viz *Āhāraka Śarīra* and *Āhāraka Āṅgopāṅga*. क० गं० २, १७; —(स)ट्टि. त्रि० (-अर्थिन्) भोजनको अर्थी. भोजन का अर्थी. (one) desirous of, asking for, food. भग० १, १; —तिर्य्यकर. पुं० (-तीर्थंकर) आहारक शरीर अने तीर्थंकरनाम अं अं प्रकृति. आहारक शरीर और तीर्थंकरनाम ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis viz *Āhāraka Śarīra* and *Tirthankaranāma*. “ उक्तासा संखेजा-गुणहीण आहारस्तिथये ” क० प० १, ७८; —(स)त्थि. त्रि० (-अर्थिन्) आहारको अर्थी-चाहने वाला. (one) who desires, wants, food. नाया० ४; —द्वयवर्गणा. स्त्री० (-द्वयवर्गणा) आहारक शरीरमा उपयोगी थाय तेवा पुद्गलको समुह. आहारक शरीरमें उपयोगी हांसक ऐसे पुद्गलों का समुह. the

material molecules which go to build up the *Āhāraka* body. भग० १, १; —दु. न० (-द्वि) जुआ “ आहार-जुगल ” शब्द. देखो “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० गं० ३, ३; —दुग. न० (-द्विक) जुआ “ आहार-जुगल ” शब्द. देखो “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० प० १, ७३; क० गं० २, ३, ३, १६; —पञ्चकलाण. न० (-प्रत्याख्यात) आहार-पान पानको त्याग; उपवास संघार. आहार-खान पान का त्याग; उपवास, संघार आदि. giving up food, drink etc.; a fast. “ आहारपञ्चकलाणे मत्त जीवे किं जणयइ ” उक्त० २६, ३५; —पञ्जसि. स्त्री० (-पर्याप्ति) जे शक्तिथी आहार लघने शरीर रूपे परिलाम पभाही शक्य ते शक्तिती पूर्यता. जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी पर्यता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १; ६, ४; प्रव० १३३१; —पो-सह. पुं० (-पोषण) अक अहोरात्र सुधी आरे आहारको त्याग करवे ते. एक अहोरात्र तक चारो प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा० १०, १४; —(स)भ्यवहार. पुं० (-अभ्यवहार) आहार (भोजन) करवे; भावुं ते. आहार (भोजन) करना; खाना. taking food; eating. विशेष० २२१; —भाव. पुं० (-भाव) आहारको लाव. आहार का भाव. state of being food. भग० १८, १; —माइय. त्रि०

(-आहारिक) आर अतना आहार; आहार
अर्थात् चार प्रकार का आहार. food etc.;
food of four kinds viz solid,
liquid etc. इत्थं ८, २८; —वहन्ति.
जी० (-संज्ञा) आहारने छोड़ी देवे-
तन्वे दे. आहार का त्याग करना. giving
up food नावा० ८; —संपज्जय. न०
(-संज्ञा) आहारनी संपत्त-रसने उत्पन्न
करना; भीक्षु; लवण. आहार के रस को
उपपन्न करनेवाला; नमक. salt; (so
called because it imparts taste
to food). “आहार संपज्जय वज्जयेयां”
सूय० १, ७, १२; —संज्ञा. जी० (-संज्ञा)
आहार लेनी संज्ञा-ध्वजा. आहार लेनेकी
संज्ञा-इच्छा. desire of taking food.
“अर्हो णावेहि आहारसंज्ञा समुपज्जइ”
अ० ४, ४; पञ्च० ८; भग० ७, ८; १२, ४;
२०, ७; २४, १; —संज्ञावउत्त. त्रि०
(-संज्ञोपपन्न) आहारनी संज्ञावाला.
आहारकी संज्ञावाला. (one) having
a desire of taking food.
भग० ११ १; १३, १; २६, १; —संज्ञा.
जी० (-संज्ञा) आर संज्ञाभांती ओक;
आवानी वासना. चार संज्ञाओं में से
एक; खाने की वासना. one of the four
Sañjñās or animate feelings;
viz desire for food. आव० ४, ७;
—समुद्घात. पुं० (-समुद्घात) आहारक
शरीर अनावधानी वपते श्चप्रदेशनुं उदारिक
शरीरथी आहार नीकावतुं अने, प्रकृत प्रकृतितुं
भागवटे करी निर्गर्तुं ते. आहारक शरीर
बनते समय जीव प्रदेशों का औदात्तिक शरीर
से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों
का उपभोग करके फिर उसकी निर्जरा करना.
emanation of soul particles
from the physical body at the

time of the creation of the
Āhāraka body, and the decay
of Karmic matter after its
results have been endured by
the soul. सम० ६;

आहारइत्तार. त्रि० (आहार) आहार कर-
ना; पाना. आहार करनेवाला; खानेवाला.
(One) who eats. सम० ६;

आहारओ. अ० (आहारतत्त्व) भोराक आ-
श्रीने. भोजन का आश्रय करके. From
food; on account of food. “आहा-
रओ पंचकवज्जयेयां” सूय० १, ७, १२;

आहारग. न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-
व्हियते गृह्यते इत्याहारकम्) आहारक शरीर
पांच शरीरमांनुं त्रीनुं शरीर. आहारक
शरीर; पांच शरीर में का तीसरा शरीर.
The 3rd of the 5 kinds of body;
प्रव० ६४; ७००; क० गं० १, ३३; भग०
८, ६; (२) त्रि० आहार करना; पान
पान पगेरे करना. आहार करनेवाला; खान-
पान करनेवाला. (one) who eats.
आया० १, १, ४, ४६; भग० ६, ४; ८, २;
(३) आहारक शरीरनी लब्धिवाला साधु.
आहारक शरीर की लब्धिवाला साधु. an
ascetic who has got the power
of evolving the Āhāraka Śa-
rīra. प्रव० ८१७; (४) आहारक समु-
द्घात; आहारक शरीरमां आत्माना प्रदेश
विस्तारवा ते. आहारक समुद्घात-अर्थात्
आहारक शरीर में आत्मा के प्रदेशों का
विस्तार करना. Āhāraka Samud-
ghāta i. e. emanation of soul-
particles into the tiny body
known as Āhāraka Śarīra.
प्रव० १३२६; —अंगोपांगनाम. न०
(-अंगोपाङ्गनाम) नामकर्मनी ओक प्रकृति

के जेना उदयथी आहारक शरीरना अंगोपांग प्राप्त थाय. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हो. a variety of Nāmakarma by the maturing of which the Āhāraka body develops limbs and sub-limbs. क० गं० १, ३४; —**जुगल. न०** (—**जुगल**) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपांग अने नामकर्मनी प्रकृतिनी जे३. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा. the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Āhāraka Śarīra and Āhāraka Aṅgopāṅga. क० गं० १, ३५; —**शाम. न०** (—**नामन्**) जेना उदयथी आहारक शरीर अने ऐसी नाम कर्मनी अने प्रकृति. जिसके उदय से आहारक शरीर प्राप्त हो वेसी नाम-कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāmakarma by the rise of which one gets the Āhāraka Śarīra. क० गं० ४, ५८; —**दुग. न०** (—**द्विक**) जुओ “आहारग जुगल” शब्द. देखो “आहारग जुगल” शब्द. vide “आहारग जुगल” क० गं० ४, ५८; —**मीसग. पु०** (—**मिश्रक**) जुओ “आहारगमीसा” शब्द. देखो “आहारग-मीसा” शब्द. vide “आहारगमीसा” भग० २५, १; —**मीसा. ली०** (—**मिश्रा=मिश्र**) आहारक मिश्रयोग: आहारक शरीर अनावनी दप्पते के छेउनी दप्पते उद्गारिक आदि शरीरनी साथे मिश्रण थाय ते दप्पत-नी योग-शारीरिक व्यापार. आहारक मिश्र-योग: आहारक शरीर बनाते या छोडते समय औदारिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो

उस समय का योग-शारीरिक व्यापार. the process of the Āhāraka body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion. भग० ८, १; २५, १; —**लद्धि. ली०** (—**लद्धि**) आहारक शरीर अनावनी लद्धि-शक्ति. आहारक शरीर बनाने की लद्धि-शक्ति. the power of making an Āhāraka body. प्रब० ८१७; —**वग्गला. ली०** (—**वग्गला**) आहारक शरीरनी रचना में उपयोगी थाय तेवा पुद्गल ना जेथे. आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह. the molecules of matter which go to build up the Āhāraka body. क० गं० १, १६; —**वज्जिय. त्रि०** (—**वज्जित**) आहारक समुद्घात शिवायनुं. आहारक समुद्घात के अतिरिक्त. excepting or excluding Āhāraka Samudghāta. प्रब० १३२६; —**समुग्घाय. पुं०** (—**समुद्घात**) आहारक शरीर अनावना माटे आत्माना प्रदेश शरीरधी अहार छड-या ते. आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहिर निकालना. emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhāraka body. ठा० ७; भग० १३, ६;

आहारगसरीर. न० (—**आहारकशरीर**) आहारक शरीर. आहारक शरीर. Āhāraka body. भग० ६, ४; ८, १; —**कायप्पयोग. पुं०** (—**कायप्रयोग**) आहारक शरीर रचने ते शरीरधी प्रवृत्ति करी ते; आहारक शरीरनी व्यापार. आहा-

एक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रवृत्ति करना; आहारक शरीर का व्यापार. creating an Āhāraka body and acting with it. भग० ८, १;

—सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) आहारक शरीरस्थिति (७५). आहारक शरीरवाला जीव. (a soul) with an Āhāraka body. ठा० ६, १; जीवा० १०; —प्रयोगबन्ध. पुं० (-प्रयोगबन्ध) आहारक शरीरनी रचना करवी ते. आहारक शरीर की रचना करना. creating an Āhāraka body. भग० ८, ६;

आहारकशरीरत्ता. स्त्री० (आहारकशरीरत्ता) आहारक शरीरपत्त्यु. आहारक शरीर पत. State of being an Āhāraka body. भग० २५, २;

आहारण. न० (उदाहरण) दृष्टान्त. दृष्टान्त. An illustration. विशेष० २३५; १०७७;

आहारत्ता. स्त्री० (आहारता) आहारने का भाव. आहार का भाव. State of being food भग० १८, ७;

आहारपरिणाम. स्त्री० (आहारपरिणाम) सृगङ्गांश सूत्रना जीवन् श्रुतस्त्वन्ता त्रीन अभ्यस्तनुं नाम के त्रेमां सर्वं श्रुवेनी उत्पत्ति केवी रीते धाय अने आहार केवी रीते ल्येछे तेनुं वर्णन छे. सृगङ्गांश सूत्र के दूसरे-धृतस्कंध के तीसरे अध्याय का नाम जिसमें कि सर्व जीवों की उत्पत्ति किस प्रकार होता है और वे किस प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है. Name of the third chapter of the second Śrutaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and their modes of taking food मय० २, ३, ३८; सम० २३; ठा० ७;

आहारभूय. त्रि० (आहारभूत) आधार भूत. आधार भूत. Forming a support नाया० १;

आहारय. न० (आहारक) ५ शरीरभानुं ओक शरीर के ७२ १४ पूर्वधारी लब्धिवाला साधु अनावी शके केछ पातना संदेहनुं निवारण करवाने ते साधु ओक आहारक शरीरनुं पुतलुं अनावी महाविदेहमां केवली पासे मोडले छे ते पाधु आयतां तेने संकेली लेछे ते. पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि चौदह पूर्व धारी लब्धिवाला साधु, बना सकता है. उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर में मिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvas. With this body which is tiny, he can go to Mahāvideha and get his doubts solved by Kevalis. It can afterwards be dispersed. पञ्च० १२; भग० १, ७; ६, ३; ७, १; १८, १; २७, १; ६; विशेष० ३७४; सम० १० २१६; क० ग० १, ३७;

आहारवंत पुं० (अवधारणावन्) ७२ धारे ते छे तेवे. जो धारे वंदी कहें ऐसा. One who says what he has retained in mind or remembered. ठा० ८, १; भग० २५, ७;

आहारित. त्रि० (आहारित) आहार ग्रहण करे. आहार ग्रहण किया हुआ. (One) who has taken food. तंदु०

आहारितार. त्रि० (आहारितृ) आहार

करना. आहार ग्रहण करनेवाला. (One) who takes food. (२) ग्रहण करनेवा. ग्रहण करनेवाला. (one) who takes. दसा० ३, १३:

आहारिम. त्रि० (आहार्य) पाली साथे उत्तरवा येअ; आद्य-आपय-युल्लं वगेरे. पानी के साथ खाने योग्य; औषधि, चूर्ण वगैरह. (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पि० नि० ५०२:

आहारिय. त्रि० (आहारित) लुआ " आहारित " शब्द. देखो " आहारित " शब्द. Vide. " आहारित " नाया० २: ५: ६६: १८: १६: भग० १५, १: मथ० २, ६, ३५:

आहारियं. अ० (यथाऽऽर्यम्) आयेने धटे तेवी रीते; जेथी आर्य पालु आभ आर्य तेवी रीते. जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार. In a manner worthy of a civilised person. आया० २, ३, १, ११६:

आहारिस्समाण. त्रि० (आहारिस्समाण-आहारिस्सण) लविण्य कालमा आहार करे वाला. भविष्य काल में आहार करने वाला. (One) who is to take food in future; going to take food in future. भग० १, १:

आहारोद्देश्य. पुं० (आहारोद्देशक) " पन्नवज्जा " सूत्रना प्रथम उद्देशानं नाम. " पन्नवज्जा " सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first chapter of Pannavajjā Sūtra. भग० १, १:

आहारोत्तर. त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवा. आहार करनेवाला. (One) who takes food. सस० ३०:

आहारोत्तर. त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवा लायक. आहार करने लायक. Worthy of being eaten. अ० ३: **आहारलंदिअ.** पुं० (यथात्मिक) उत्कृष्ट आचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन साधु. A class of Jain saints with excellent ascetic conduct. चउ० ३३:

आहावणा. स्त्री० (आभावना) धारणा; संकल्प; उद्देश. धारणा; संकल्प; उद्देश. Thought; keeping, retention, of things in the mind. पि० नि० ३६१:

आहासिय. पुं० (आभासिक) अ नामने अंत अन्तर्दीप. इस नाम का एक अन्तर्दीप. Name of an Antara Dīpa (island). (२) त्रि० तेमां वसना मनुष्य. उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य. an inhabitant of the above island. पञ० १:

आहिअ. त्रि० (आहृत) आदरणी ग्रहण करे. आदर से ग्रहण किया हुआ. Respectfully accepted. जं० प० २, १८, विशेष ३२३:

आहिअग्नि. पुं० (आहिताग्नि) अग्निने स्थापन करना आहृत; अग्निहोत्री. अग्निकी स्थापना करनेवाला ब्राह्मण; अग्निहोत्री. A Brāhmaṇa consecrating or preserving the sacred domestic fire. दस० ६, ३, १, ११:

✓ **आहिउड.** धा० I. (आ+हिउड्) करतु; भ्रमंतु; सुसाहरी करती; लटकतु. फिरना; भटकना; यात्रा करना. To walk; to roam; to travel.

आहिउड्. नाया० १:

आहिङ्गसि. नाया० ८;

आहिङ्गह. नाया० ८, १७;

आहिङ्गेहि. आ० नाया० ८;

आहिङ्गेह. नाया० १४;

आहिङ्गिकण. संथा० ७६;

आहिङ्गमाण. नाया० १, विवा० ३;

आहिङ्ग. पुं० (आहिङ्गक) अमलुशील;
मुसाफिर. भ्रमणशील; मुसाफिर. (One)
who wanders; a traveller. ओष०
नि० ११५;

आहिङ्ग. पुं० (आहिङ्गक) लुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
“ उबणस अणुवणसा दुविहा आहिङ्गा
समासेण ” ओव० वव०

आहिङ्गिअ. त्रि० (*आहिङ्गित) भेजलेख.
भेजा हुआ. Sent; despatched. पि०
नि० ४२७;

आहिङ्ग. न० (आधिक्य) अधिकपणुं; विशेष
पणुं. अधिकता; विशेषता. Excess;
state of being more. विशेष० २०८७;

आहिङ्गराणिया. स्त्री० (आधिकरणिकी)
दण, उभय, अण, वगेरे अधिकरण
मेवववाथी लागती क्रिया. हल, ऊखल.
खड्ग आदि से होता हुई क्रिया; ऐसा
अधिकरण जिसमें आत्मा दुर्गति में जाय.
Operations of agricultural
tools which lead a soul to spiri-
tual degradation. ठा० २, १;

आहिङ्गा. सं० क० अ० (आधाय) धनमां
धनने. लक्ष में लेकर. Having paid
attention to; having taken in-
to consideration. पि० नि० ६७;

आहिय. त्रि० (आख्यात) कहेबुं; प्रतिपादन
कहेबुं. कहा हुआ; प्रतिपादन किया हुआ.
Told; said; described. उक्त० २४.

१; २८, ४; ३३; ३०, १३; २४; सूच० १,
१, १; ७; ८; जं० प० २, १८;

आहिय त्रि० (आहूत) धरेख; आगत भुकेल.
रखा हुआ; आगे रखा हुआ. Kept;
placed before. सूच० नि० १, १०,
१०६;

आहिय विसेसस्त. न० (आहितविशेषत्व)
सत्य वचननो अेक अतीशय-अद्भुत शक्ति.
सत्य वचन का एक अतिशय-अद्भुत शक्ति.
A super-natural manifestation
of truthfulness in speech. सम०

आहुअ-य. त्रि० (आहूत) भोलावेख. बुलाया
हुआ. Called; invoked. सु० च० १,
२८०;

आहुइ. स्त्री० (आहुति) अग्निमां घी, दध,
जव वगेरे होमवा ते. अग्नि में घी, तिल,
जव वगेरे का होम करना. Offering
oblation consisting of ghee,
barley etc. to fire. पि० नि० ४४०;

✓ आ-हुण. धा० १. (आ+धू) डंपणुं.
हिलना; कंपना. To shake.

आहुणिज्जमाण. क० वा० व० क० नाया० ६;

आहुणिज्ज. त्रि० (आह्वनीय) आन्दान
करवा योग्य; होमवा योग्य. हवन करने योग्य.
Worthy of being invoked or
offered as oblation. ओव० नाया० १;

आहुणिय. पुं० (आधुनिक) ८८ अदमनी
प मो अद. ८८ ग्रहों में का ५ वाँ ग्रह.
The 5th of the 88 planets.
“ दो आहुणिया ” ठा० २, ३; जं० प० ३,
५३; सू० प० २०;

आहुउं. क० क० अ० (आधातुम) धारण
करवाने. धारण करने के लिये. In order
to place or retain. सूच० १, ६, ४;

आहुण. न० (आह्वान) विवाद थाप पड़ी
वरने त्यां कन्याने तेहुं करी जभाटे ते. विवाद

होजाने के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुलाकर जिमाना-भोजन करना. An invitation to the bride to dine at the bridegroom's house after marriage. आया० २, १, ४, २२;

आदेय. त्रि० (आधेय) आधारमां रहेवा योग्य वस्तु. आधार में रहने योग्य वस्तु. (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशेष० १२४: १४०२;

आहिरी. स्त्री० (आभीरी) आदिरेणु: अर्या-णु: गोवाचणु. अहीरनी; ग्वालिनो. An Ahira or shepherd's woman. विशेष० १४५४;

आहेवञ्च. न० (आधिपत्य) अधिपतिपणु; नायकपणु; स्वाभीपणु. अधिपतित्व; नायकपन; स्वामित्व. Ownership; lordship; leadership. ओव० ३२: सम० ७८:

निर० ५, १; विवा० ७; नाया० १; ३; ५; १८: नाया० ध० पञ्च० २: जीवा० ३, ४: भय० ३, ८; १३, ६; १८, २: १०; ज० प० ५, ११५; ठा० ६: कण्प० २, १३;

आहेवण. न० (आक्षेपण) शङ्केरने धेरें धालवो-धापो भारवो ते. नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना. Besieging a town; invading a town. परह० १, २:

आहोइअ. त्रि० (आभोगिक) ज्ञानने अेइ प्रकार. ज्ञान का प्रकार. A variety of knowledge. “आहोइएणं गाण-दंस-एणं अप्पणोणिस्समण कालंआभोगइ, आ-भोइत्ता ” कण्प० ५, १०६;

आहोहिय-अ. पुं० (आधोऽवधिक) नियमित क्षेत्रमां रहेनाइं अवधिज्ञान. नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवधिज्ञान. Avadhijñāna limited to a particular area. भय० १, ४: ७, ७: १८, १८:

इ.

इ. भा० I. (इण्) गतुं; गति करवी. जाना; गति करना. To go; to move.

इति सु० च० ३, १२;

इतु. पि० नि० ४४७;

इत्तण. हे० कृ० कण्प० १, २८;

इंत. व० कृ० भग० १४, ३; पि० नि० २६२;

इज्जंत. व० कृ० दस० ६, २, ४;

इ. अ० (इ) पाठपुरणु: वाक्यालंकार. पाठ-पुराण; वाक्यालंकार. An expletive; a word marking the close of a remark or sentence. (२) समाप्ति. इति के अर्थ में: समाप्ति में. thus:

in this way. पञ्च० १७; नाया० १; ८; १४: वव० १, ५;

इअ. त्रि० (इत) प्राप्त थयेल. स्थित रहेल. प्राप्त; स्थित. Acquired; got; re-
maining steady. विशेष० ३५१; दसा० ६, ३१: (२) गयेल. गया हुआ. gone; departed. “समियं उणाहु ” सूय० १, ६, ४;

इअर. त्रि० (इतर) भीणु; अपर. दूसरा; अन्य. Another; else. क० गं० १, ३७: ४, ३; —तुल्ल. त्रि० (-तुल्य) भीणु गेवुं; अन्य सरणुं. औरोंकासा. like

another; resembling another.

क० प० ५, १४;

इअरहा. न० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा.

In another way; otherwise. क०

ग० १, ६०;

इइ. अ० (इति) ऐम; ऐवी शीते. इस प्रकार;

इस तरह. In that way or manner.

उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ८, २;

(२) रूप प्रदर्शन; कंठ निर्देश करी अतः

पुं. कुछ निर्देश करके बताना; रूप प्रदर्शन.

A word used to point out any-

thing. भग० १, १; १, ७; ओव० नाया०

१; क० प० ५, ११; पंचा० ६, ८;

इइहास. पुं० (इतिहास—इतिह पारम्पर्यो-

पदेश आस्तेऽस्मिन्) पुराण; इतिहास.

पुराण; इतिहास. History; narration

of past events. आत्र० (२) पुरुषी

७२ इलाभांनी ऐक इला. पुरुष की ७२ कला-

ओंमें की एक कला. one of the 72

accomplishments of a man.

कण० १, ६; ओव०

इओ. अ० (इतः) अदिथी; आन-मथी.

यहां से; इस जन्म से. From this

place; from this birth or state

of existence. “ इओ चतुषु दुहमट्ट-

दुमां ” सूय० १, १०; आया० १, १, १,

३; ओव० ३८; विवा० ५; पगह० १, १;

पि० नि० २२३; नाया० १; ७; ८; १०;

भग० १५, १; २०, ६;

इंसिखिया. स्त्री० (*) निन्दा. निन्दा.

Censure or slander “ अदुइंसि-

खिया उपाविया ” सूय० १, २, २, २;

इंसिखी. स्त्री० (इंसिखी) निन्दा. निन्दा.

Censure; slander. “ अदु सेवकी

अनेसि इंसिखी ” सूय० १, २, २, १;

इंगाल. पुं० (अंगार) अंगारो; डालसो;

धुंवाडा रहित अग्नि. अंगारा; धुंआ रहित

आमि. A burning charcoal; fire

free from smoke. ओव० ३८; उत्त०

३६; १०६; ठा० ५, ३; सूय० १; ५, १,

७; जं० प० ७, १७०; दस० ५, १; १; ८,

८; अणुत्त० ३, १; पि० नि० ५४६; जीवा०

१; ३; पज० १; नाया० १; भग० ३, २;

५, २; १०, ५; १५, १; आया० २, १०,

१६६; उवा० १, ८१; पंचा० १३, ४८;

(२) डायलानी भाइक संयमने डालो इर-

नार-ऐक प्रकारनो आदारनो दोष. कोयले

के समान संयम को काला करनेवाला एक

प्रकार का आहार का दोष. A fault

connected with food, tarnishing

self-restraint or asceticism like

coal. पि० नि० १; (३) अंगार नामनो ऐक

ग्रह. अंगार नाम का एक ग्रह. A planet

of this name. भग० १०, ५;

—उवय. वि० (—उपम) अंगारो जेवो;

देवता जेवो. अंगार के समान ज्वलंत; अंगार

के सदृश दैविकमान होने से देव समान.

(anything) like burning

charcoal; red-hot. ठा० ४, ४;

—कडिणी. स्त्री० (—कर्षणी) डायलाने

अदिभांथी श्रवणो डोढानो सलीओ. कोयले

का भट्टा में से निकालने का लोहे का सारिया.

an iron rod to take out coal

from an oven or kiln. भग० १६, १;

—कम्म. न० (—कर्म) डायला अनाववा

अने वेयवानो व्यापार. कोयला बनाने और

and not receiving any service from others. मत्त० ६; प्रव० १०३१; सम० १७; —मरण. न० (—मरण) संघारा करी वैभावन्म कराव्या विना धर्मित-नियमित प्रदेशनी हृदमां रही समाधि मरणु ३२७ ते. संघारा करके वैयावृत्त्य बिना कराये नियमित प्रदेश की हृद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service. सम० १७; प्रव० १०३१; ठा० २; संधा० इंद. पुं० (इन्द्र-इन्द्रतीति इन्द्रः) श्रेष्ठ श्रेष्ठ. One who is excellent. सू० प० २०; (२) ईद्रः देवताना राजा; पुर-६२. इन्द्रः देवों का राजा. the god Indra: the king of gods. पि० नि० १३३; जं० प० ३, ४५; भग० ३, १; ७, ६; विशेष० ३२५; नाया० ८; नाया० घ० ३; नंदा० २२; ओव० सम० १९; पञ्च० २; अणुजो० २०; ठा० ८; दस० ६, १, १४; पंजा० ४, ४८; (३) ज्येष्ठा नक्षत्रना अधिपति देवता. ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव. the presiding deity of the Jyēsthā constellation. अणुजो० १३१; सू० प० १; ठा० २, ३; (४) ओ नामना ओड द्वीप अने ओड समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island of that name; also an ocean of that name. जीवा० ३, ८; पञ्च० १९; —अभिषेक. पुं० (—अभिषेक) सूर्याभ देवता राज्याभिषेक सूर्याभ देव का राज्याभिषेक. the coronation ceremony of the Sūryābha god. राय० १७६; —अहिष्टिय.

त्रि० (—अधिष्ठित) ईद्रने अधिष्ठित. इन्द्राधिष्ठित; इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. “ इवाहिष्टिया ” भग० ३, १; ठा० १०; —अधीन. त्रि० (—अधीन) ईद्रने अधीन; ईद्रने अधीन. इन्द्र के अधीन. dependent upon Indra; under the power of Indra. भग० ३, १; —अधीनकार्य. न० (—अधीनकार्य) ईन्द्राधीन कार्य-काम. इन्द्र के अधीन कार्य. a work under the control of Indra. भग० ३, १; —आउह. पुं० (—आयुध) ईद्रनु आयुध; १००. इन्द्र का शस्त्र-वज्र. the weapon of Indra; Indra's thunderbolt. नाया० १; —केउ. पुं० (—केतु) ईन्द्र यष्टि; ईन्द्रमहोत्सवमां पनावेय स्थंभ. इन्द्र यष्टि: इन्द्रमहोत्सव में बनाया हुआ स्तंभ. a post erected in the celebration of Indra's festival. पणह० १, ४; —ग्रह. पुं० (—ग्रह) व्यन्तर देवता उपद्रवशी धतो रोग; पक्षगाड. व्यन्तर देव के उपद्रव में होता हुआ रोग. a disease caused by the evil influence of hell-gods; being possessed by hell-gods. भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; (२) ग्रह विशेष. name of a planet. जीवा० ३, ३; —उभय. पुं० (—ध्वज—शेषध्वजापेक्षयाऽतिमहत्वादिन्द्रध्वजोऽप्यजन्मध्वजः) ईन्द्र ध्वजः श्रीः ध्वजन्ती अपेक्षाये भोरी ध्वज. इन्द्र ध्वजः दूसरी ध्वजा की अपेक्षा में बड़ा ध्वज. a banner taller than all the other banners. “ इन्द्रध्वजो. पुरश्चो गच्छद् ” सम० ३४; प्रव० ६५१; —द्वाम. न० (—स्थान) ईन्द्रस्थान; ईन्द्र-ध्वज. इन्द्र स्तंभ; इन्द्रध्वज. a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest. अंत० ६, १५; (२) छिद्रं निवास स्थान. इन्द्र का निवास स्थान. the residence of Indra. “ इन्द्राण्ये-
यं भंते केवलिय कालं विरहिते ” टा० ६; भग० ८, ८; जीवा० ३; सू० प० १६;
—धनुः. न० (—धनुष) छिद्र धनुष; शायणी. इन्द्र धनुष. a rainbow. जं० प० अणुजा० १२७; भग० ३, ७;
—पाण्डित्या. स्त्री० (—प्रतिपत्) भाद्रपदा सुदी १५ पञ्चिनी पञ्चमे. भाद्रपद सुदि पूर्णिमा के बाद की बिदि एकम. the first day of the dark half of the month of Bhādrapada. टा० ४; —मह. पुं० (—मह) भाद्रपदा मासकी पुनमे धनो छिद्रमहोत्सव. भाद्रपद मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhādrapad. राय० २१७; विवा० १; निसा० १६, १२; आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३; नाया० १; —लट्टि. स्त्री० (—यष्टि) छिद्र महोत्सवमां के स्तंभ रोपवामां आवे ते. इन्द्र महोत्सव में जो स्तंभ गाड़ा जाता है वह. a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival. “ निव्वत्तमहेव इंदुवट्टी विमुक्क संधि बंधणा ” नाया० १; भग० ६, ३३;

इंदुकंत. पुं० (इन्द्रकान्त) छिद्रकान्त नामे अेक विमान के जेना देवताओंनी स्थिति १६ सागरोपमनी छे. अे देवता साज नव मदिने आसोछवास ले छे, अने १६ हजार वर्षे लुधा लागे छे. इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति V. II/17.

१६ सागरोपम की है. ये देव साडे नो मास बाद आसोछवास लेते हैं और १६ हजार वर्षोबाद इन्हें लुधा गलती है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १६; इंदुकाइय. पुं० (इन्द्रकायिक) त्रलु छिद्रिय वालो अेक शय; छिद्रगोप. तीन इन्द्रियोंवाला एक जीव. इन्द्रगोप. A kind of insect of red colour; a kind of three-sensed living being. पञ्ज० १;

इंदुकील. पुं० (इन्द्रकील—गोपुरावयव विशेषः) नगरना दरवाज्जना अेक अवयव; जेने आधारे दरवाज्जना जे कुमाउ अंद रही शेके ते. नगर के दरवाजे का एक अवयव; जिसके आधार से दरवाजे के दो किवाड बंध रहसके वह. A portion of a city-gate; a door-bolt fastening the two doors of a gate. “ गोमे-उक्कमया इंदुकीला ” राय० १०६ भग० ३, २; ओव० टा० २;

इंदुकुम्भ. पुं० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र इन्द्रकुम्भः) कुलश; मट्टीया घडा; लातिअे. कुलश; बटा घडा A big pot. राय० १०६; जं० प० १; (२) वीतशोका नगरीना छिदान पुण्णानुं अेक उद्यान वीतशोका नगरी का ईशान कोन का एक उद्यान. name of a garden in the north-east of the town of Vitasokā. “ तीसेण वियासोगाण् राय हाणीण् उत्तरपुरच्छिम दिसिभाण् इंदुकुम्भ यामं उजावे ” नाया० ८; (३) नेमनाथ-ना प्रथम शिष्य. नेमनाथ का प्रथम शिष्य.

name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४; (४) २० मा भुनिसुवत तीर्थकरना प्रथम गणधरनु नाम. २० वें तीर्थकर मुनिसुवत के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Ganadhara of the 20th Tirthanikara, Muni Suvrata. सम० प० २३३;

इंदकील. पुं० (इन्द्रकील) जुगो ' इंदकील ' शब्द. देखो ' इंदकील ' शब्द. Vide ' इंदकील ' जीवा० ३, ४;

इंदग. पुं० (इन्द्रक) त्रिपेक्षित श्रवण विशेष. तीन इन्द्रियोंवाला जीव विशेष. A three-sensed living being; a kind of insect. उत्त० ३६; १३७;

इंदगोव. पुं० (इंदगोप) इंदगोपः भेभमोलोः परसाद थया पथी देमानो अकदाव श्रवणः त्रयु इन्द्रिय वालो अक श्रव. इन्द्रगोपः इन्द्रबहूटाः वर्षा ऋतु मे उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु. A kind of insect of red colour springing up in monsoon; a three-sensed living being. उत्त० ३६; १३८; अणुजो० १२१; पत्र० १;

इंदगोव श्र-य. पुं० (इन्द्रगोपक) जुगो उपलो शब्द. देखो ' उपर ' का शब्द. Vide above. जीवा० ३, ४; राय० ६३; नाया० १;

इंदगोवग. पुं० (इन्द्रगोपक) जुगो ' इंदगोव ' शब्द. देखो ' इंदगोव ' शब्द. Vide ' इंदगोव ' नाया० १;

इंदगि. पुं० (इन्द्रागि) विशाखा नक्षत्रतो अधिष्ठाता देवता. विशाखा नक्षत्र का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the constellation Visākhā. अणुजो० १३१; सू० प० १०; डा० २, ३;

(२) ३७ मा अहनुं नाम. ३७वें ग्रहका नाम. name of the 37th constellation. ज० प० ७; डा० २, ३; सू० प० २०;

इंदजसा. स्त्री० (इन्द्रयशस) पांचाल देशता अम्हराजनी राणी. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी. Name of the queen of Brahmarāja of the country of Pāñchāla " इंदवसु १ इंदजसा २ इंदनिरि ३ चुल्लणी देखीय " उत्त० डा० १३;

इंदजालि. त्रि० (इन्द्रजालिन्) विविध रचना करी विस्मय प्रभावितः इन्द्रजालीयो विविध रचना करके विस्मित करनेवाला; इन्द्रजालिया; जादूगर. A magician. डा० ४;

इंदजालिअ-य. त्रि० (इन्द्रजालिक) इन्द्रजाल करनारः गोडविद्या अतापनार. इन्द्रजाल करनेवाला; गोड विद्या बतानेवाला. (One) who displays magical tricks. विशेष० १६०७;

इंदनील. पुं० (इन्द्रनील) इन्द्रनील मणिः नीलम. इन्द्रनील मणिः नीलम. A gem so named; a sapphire. ओव० राय०

इंदत्त. न० (इन्द्रत्व) इन्द्रनुं स्वरायः इन्द्रपायु. इन्द्र का स्वरूप; इन्द्रपन. Power and dignity of Indra; state of being Indra; kingship. उत्त० ६, २२; भग० ३, २;

इंदत्ता. स्त्री० (इन्द्रता) इन्द्रपायु. इन्द्रपन. State of being Indra; power and dignity of Indra; kingship. भग० २२, ६;

इंददत्त. पुं० (इन्द्रदत्त) इन्द्रदत्तः येथा तीर्थकरने प्रथम शिक्षा आयनार. इन्द्रदत्तः चौथे तीर्थकर को पहिले पहिले शिक्षा देने

वाला. Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthaṅkara. सम० २४; (२) १२ भा वासुपुज्यतो त्रीज पूरं लवनं नाम. वासुपुज्य १२वें तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम. name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsūpujya Swāmi. सम० २४;

इंदुविण्ण. पुं० (इन्द्रवत्) ओ नामना कोटिक-गच्छना ओक आचार्य. कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम. Name of a preceptor of the Koṭika order of saints. कप्प० ८;

इंदुनील. पुं० (इन्द्रनील) लुओ ' इन्द्रणील ' शब्द. देखो ' इन्द्रणील ' शब्द. Vide ' इन्द्रणील ' उत्त० ३६, १५० पल० १;

इंदपुर. न० (इन्द्रपुर) ओ नामनुं ओक नगर. एक नगर का नाम. Name of a city. " इहेव जंबूदीवे भारहेवासे इंदपुर ग्राम नगरे " विवा० १०; (२) ओ नामना ओक साधु के देने मण्डीपुर नामना ग्रामभा नागदत्त गाथापतिओ आहार पाणी पदोशान्या दत्ता. इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हे मणिपुर नामक ग्राम के नागदत्त गाथापतिने आहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthapati named Nāgalatta. " इंदपुरे अणगारे पडिलाभिते जावमिदे " विवा० २, ७;

इंदपुरग. पुं० (इन्द्रपुरग) वेसवाडियगजुथी नीकलेख ओ नामनुं कुल. वेसवाडियगण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an offshoot of Vesavādiya Gaṇa. कप्प० ८;

इंदभूद. पुं० (इन्द्रभूति) महावीर स्वामीना

प्रथम गजुधर; गौतम स्वामी. महावीर स्वामी के प्रथम गणधर; गौतम स्वामी. The first Gaṇadhara of Mahāvīra Swāmi. मग० १, १; २, ५; ओव० ३८; नाया० ६; जं० प० नंदी० २०; सम० ११; २४; उवा० १, ७६; प्रव० ३०८; कप्प० ५, १३३;

इंदभूति. पुं० (इन्द्रभूति) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० ६२; सू० प० १;

इंदमुद्धाभिसिस्त. पुं० (इन्द्रमूर्धाभिविस्त) पञ्चवाडीआना सातभा दिवसनुं (सात-भनुं) नाम. पखवाडे के सातवें दिन (सप्तमी) का नाम. The 7th day of a fortnight. " इंदमुद्धाभिसिसेव " सू० प० १०; जं० प०

इंदय. पुं० (इन्द्रक) लुओ ' इंदग ' शब्द. देखो ' इंदग ' शब्द. Vide ' इंदग ' ठा० ६;

इंदयणिरय. पुं० (इन्द्रकनिरय) सोथी मोठे नरकावासे. सबसे बड़ा नरकावासा. The greatest hell. ठा० ६;

इंदयाल. न० (इन्द्रजाल) ओ नामनी ओक विद्या. इन्द्रजाल विद्या. Juggling; a kind of lore; magic. सु० च० ४, १६६;

इंदयालि. पुं० (इन्द्रजालिन्) मन्दन्त विद्याने जगुनार. इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician; a juggler. सु० च० १३, ५०;

इंदसिरी. स्त्री० (इन्द्रश्री) पांचाल देशनी कोपिल्य नगरना अम्हदत्त राजनी ओक राज्ञी. पांचाल देश के कांपिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी. Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya

in the country of Pāñchāla.

उत्त० टी० १३;

इन्द्रसेना. स्त्री० (इन्द्रसेना) इन्द्रसेना नामनी
 ओ३ नदी के ओ३ मे३ने उत्तरे रक्तवती
 नदीमां भवे३ छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी
 जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी
 में मिलती है. Name of a river
 which flows into the river
 Raktavati in the north of
 Meru. ठा० ५, ३; १०;

इन्द्रा. स्त्री० (इन्द्रा) इन्द्रा नामनी नदी के ओ३
 मे३नी उत्तरे रक्तवतीने भवे३ छे. इन्द्रा
 नामक नदी जो कि मेरु की उत्तर दिशा में
 रक्तवती नदी में मिलती है. Name
 of a river which flows into
 the river Raktavati in the
 north of Meru. ठा० ५, ३; (२)
 इन्द्रा नामनी ओ३ दे३ी. एक दे३ी का नाम.
 Name of a goddess नाया० घ० ३;
 (३) धरणे३नी पांचमी अग्रमहिषीनुं
 नाम. धरणेन्द्र की पांचवीं अग्र महिषी का
 नाम. name of the 5th principal
 queen of Dharanendra.
 भग० १०, ५;

इन्द्रा. स्त्री० (ऐन्द्री) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा.
 The eastern direction. भग० ६,
 १; ठा० १०; जं० प० ५, ११८;

इन्द्राणी. स्त्री० (इन्द्राणी) इन्द्राणी; इन्द्रनी
 अग्रमहिषी. इन्द्राणी; इन्द्र की पत्नी.
 The crowned queen of Indra.
 ठा० ४;

इन्द्रिय. न० (इन्द्रिय) आँख, कान, नास, छल,
 अने त्वचा ओ३ पांच इन्द्रिय. आँख, कान,
 नास, जिह्वा और त्वचा ये पांच इन्द्रियाँ.
 The five senses viz eye, ear,
 nose, tongue and skin. विशेष०

६१; पञ० १५; नाया० १; ४; उत्त०
 ६, ३६; ओ३० १६; दस० ५, १, १३;
 भग० २, १; ४; ८, १; २४, १२; मं३ी० ३;
 सम० ६; क० गं० १, १०; पंचा० १४, ३;
 (२) पञ्चवत्या सूत्रना १५मां पदनुं नाम.
 पञ्चवत्या के पंद्रहवें पद का नाम. name of
 the 15th Pada of Pannavanā.
 पञ० १५; (३) पञ्चवत्याना त्रींज पदना
 त्रींज द्वारनुं नाम. पञ्चवत्या के तीसरे पद के
 तीसरे द्वार का नाम. name of the
 3rd Dwāra of the 3rd Pada of
 Pannavanā. पञ० ३; —अर्थ. पुं०
 (-अर्थ) शब्द, रूप, रस, गंध अने
 स्पर्श ओ३ पांच इन्द्रियना अर्थ-विषय.
 शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श ये पांच
 इन्द्रियों के अर्थ-विषय. any of the
 five objects of the senses
 viz sound, form, taste, smell,
 and touch. “ पंच इन्द्रियथा पण्यता
 तंजहा ” ठा० ५; उत्त० २४; ८; ३१, ७;
 —अर्थकोषण. न० (-अर्थकोषण) काम-
 विकार; इन्द्रियना विषयना केप थवे३ ते.
 कामविकार; इन्द्रिय के विषय का कोषित होना.
 desire for the enjoyment of
 the objects of the senses. ठा० ६;
 —अपज्जसि. स्त्री० (-अपर्याप्ति) इन्द्रि-
 यनी अपूर्णता; इन्द्रिय पर्याप्ति आधीने पूर्ण
 न करी होय ते. इन्द्रियकी असम्पूर्णता; इन्द्रिय
 पर्याप्ति को बांधकर उसे पूर्ण न करना.
 imperfect development of the
 senses. भग० ६, ४; —उवउत्त. त्रि०
 (-उपयुक्त) इन्द्रियना उपयोगसहित.
 इन्द्रियों के उपयोग सहित. (one) care-
 fully controlling the senses.
 पञ० ३; —उवचय पुं० (-उपचय)
 इन्द्रियना उपचय-वृद्धि. इन्द्रियों की वृद्धि.

the growth of the senses. "कहविहेषं भंते इन्द्रियवचय" पञ्च० १५; भग० २०, ४; —ग्राम. पुं० (—ग्राम) इन्द्रियोने समुदाय. इन्द्रियों का समुदाय the group of the senses. आया० टी० १, ५, ४, १५६- —उडक. न० (—च-वृष्क) मन अने यक्षु शिवायनी चार इन्द्रियो; कान, नाक, घ्राण अने स्पर्श इन्द्रिय. चार इन्द्रियां; कान, नाक घ्राण और स्पर्श. the group of the four senses; viz the senses of hearing smell, taste, and touch. क०गं० १, ४; —चलणा. स्त्री० (—चलना) इन्द्रियनुं आसयुं. इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses. भग० १७, ३; —जवणिज्ज त्रि० (—यापनीय) पांच इन्द्रियोने वश करवी ते. पांचों इन्द्रियों को वश करना. controlling all the five senses. भग० १८, १०; नाया० ५; —जाय. न० (—जात) इन्द्रियनी जन-प्रकार. इन्द्रियों का जाति-भेद. the variety of the senses. वेद्य० ५, १३; —द्राण. न० (—स्थान) इन्द्रियना स्थान-विपादान कारण-आकाशादि. इन्द्रियों के स्थान-उपादान कारण-आकाशादि. the efficient causes of the senses such as space etc. सूय० नि० १, १, १, ३३; —खिचसणा. स्त्री० (—निर्वर्त्तना) इन्द्रियोने निपज्जयवी ते. इन्द्रियों को उत्पन्न करना. the creating of the senses. "कतिविहेषं भंते इन्द्रिय खिचसणा" पञ्च० १५; —निरोद्धि. त्रि० (निरोधिन्) इन्द्रियनी आवसानो निरोध करनार. इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला. (one) who checks the craving of the senses. प्रव० ५७०;

—पज्जन्ति. स्त्री० (—पर्वसि) इन्द्रियनी संपूर्णता, इन्द्रिय पर्यं आधीने पुरी करवी ते. इन्द्रियों की संपूर्णता; full development of the senses. भग० ६, ४; —पडिसंलीणता. स्त्री० (—प्रतिसंलीणता) इन्द्रियोने वश करवी ते. इन्द्रियोंको वश करना. conquest, control over the senses. भग० २५, ७; —परिणाम. न० (—परिणाम) इन्द्रिय रूपे ज्वनुं परिणाम इन्द्रिय रूप में जाव का परिणाम. the modification of the soul into the form of the senses. पञ्च० १५; —बल. न० (—बल) इन्द्रियनी शक्ति. इन्द्रियों का शक्ति. the power of the senses. जीवा० ३; —मणोणिमित्त. न० (—मनोनिमित्त) यक्ष वगेरे पांच इन्द्रिय अने मन छे निमित्त जेभां जेवुं जानः मतिश्रुत ज्ञान. चक्षु वगेरह पांच इन्द्रियो और मन के निमित्त में होनेवाला ज्ञानः मतिश्रुत ज्ञान. Matishruta Jñāna: sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind. विशे० ६३; —मणोभव. न० (—मनांभव) इन्द्रिय अने मनथी उत्पन्न जेवुं जान. इन्द्रिय और मन से उत्पन्न होनेवाला ज्ञान. knowledge born of the senses and the mind. विशे० ६५; —लद्धि. स्त्री० (—लब्धि) पांच इन्द्रियनी प्राप्ति. पांच इन्द्रियों की प्राप्ति. the attainment of the five senses. भग० ८, २; पञ्च० १५; —लद्धिया. स्त्री० (—लब्धिका) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, २; —वसट्ठ. त्रि० (—वशात्त) इन्द्रियोने वश थवाथी थयेस दुःखी. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित. (one) miserable on account of lack of control over the senses. भग० १२, २;

—विजय. पुं० (-विजय) छद्रियने क्षुभ्रां राभनी ते; छन्द्रियोपर नय भेदववे ते; तय विशेष. इन्द्रियों को बश करना; इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना; तय विशेष. control over the senses; a kind of austerity. पंचा० १६, ३८; —विभक्ति.

स्त्री० (-विभक्ति) छन्द्रियना विभाग; ऐकेन्द्रिय, ऐछद्रिय वगेरे. इन्द्रियों के विभाग; एकेन्द्रिय बेइन्द्रिय आदि. the classification of the senses; e. g. one sense, two senses etc. सूय० नि० १, ५, १, ६६; —विषय. पुं० (-विषय)

छद्रियोनी विषय शक्ति. इन्द्रियों की विषय शक्ति. the power of enjoyment of the senses. भग० ३, ८;

—वीर्य. न० (-वीर्य) श्राव आदि छद्रियोनुं पोत पोताना विषयने अदुलु करवानुं सामर्थ्य. श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय ग्रहण करने का सामर्थ्य. the power of the senses e. g. ear etc. to comprehend their objects. सूय० नि० १, ८; ६६;

इन्दियउद्देश. पुं० (इन्द्रियोद्देश) पञ्चवज्जु सयना पदरमा पदना प्रथम उद्देशनुं नाम. पञ्चवज्जा सूत्र के पदरमे पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddēśa of the 15th Pada of Pannavajjā Sūtra. भग० २, ३;

इन्दियउद्देशय. पुं० (इन्द्रियोद्देशक) जुओ ७पलो शब्द. देवो ऊपर का शब्द.

Vide above. भग० १८, ३; २, ४;

इन्दिय पय. न० (इन्द्रियपद) पञ्चवज्जु सूत्रनुं १५भुं पद. पञ्चवज्जा का १५वां पद

The 15th Pada of Pannavajjā Sūtra. भग० २, ४; पञ्च० १५;

इंदु. पुं० (इन्दु) यन्द; यन्दभा. चन्द्र; चन्द्रमा. The moon. नाया० १; १६; भग० ६, ३३;

इंदुत्तरवडिसग. पुं० (इन्दुत्तरावतंसक) ऐ नामनुं ऐक विमान, ऐती स्थिति ओगणीस सागरोपमनी छे. ऐ देवता साग नव महिने श्वासोश्वास ले छे, ओगणीस हज्जर वर्षे क्षुधा लागे छे. इस नाम का विमान, जिसमें रहनेवाले देवों की १६ सागरोपम आयु है. ये देव साढे नौ महीने बाद श्वास लेते हैं और इन्हें १६००० वर्ष बाद भुख लगती है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. मम० १६;

इंदुरय. न० (इन्दुरक) भोटो भुंडलो. बड़ा टोपला. A large basket. राय० २७०;

इंधण. न० (इन्धन) ध्वज्यु; यजतयु; आजा लाडल वगेरे. इन्धन; जलाने की लकड़, कंडा वगैरह. Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc. उत्त० १६, १०; ३२, ११; पिं० नि० भा० १२; भग० ७, १;

इक. त्रि० (एक) ऐक-संख्यावाचक; एक-संख्यावाचक. The numeral, one. (२) ऐकलो; ऐकाली; अद्वितीय. अकेला; एकाकी; अद्वितीय. one; alone; matchless. अणुजो० १३१; नंदी० ३४; आया० १, ५, २, १४८; भग० २, ५; नाया० १५; सू० च० ४, १२४; जं० प० १, १२;

इकाग्र. त्रि० (एकक) ऐकलो; ऐकाली.

अकेला; एकाकी. Alone; solitary.

उत्त० १, १०; ३५, ६;

इक्षुड. न० (* इक्षुड) छक्कड- यटाछ-साद्री
अनापवानुं डोमल घास; दंत्यु सदेश तृण
विशेष. चटाई बनाने का कोमल घास; तृण
विशेष. A kind of soft grass of
which a mattress is made.
आया० २, २, ३, १००; २, ७, २, १६१;
सूय० २, २, ७; भग० २१, ५; पराह० २,
३; छक्कडनी अनावेली यटाछ. उक्त घास का
बनाई हुई चटाई. a mattress made
of the above grass. आया० २, २,
३, १००; (३) आनामनुं पर्वग अतनुं
आड. इस नाम का पर्वग जाति का झाड़.
a kind of tree. पञ्च० १;

इक्षुमिक्क. त्रि० (एकैक) ऐकैक. परस्पर.
Taken singly: (२) परस्पर; ऐक-
भीजुं; अन्योन्य. अन्योन्य; एक दूसरा.
mutual. उत्त० १३, ३; सु० च० २, ८१;

इक्षवीस. स्त्री० (एकविंशति) २१; ऐकवीस:
वीस अने ऐक. इक्षवीस; २१. Twenty-
one: 21. उत्त० ३१, १५; कण०
१, २;

इक्ष्यासी. स्त्री० (एकाशीति) ऐकशीति: ८१;
इक्ष्यासी. Eighty-one: 81. उत्त०
३४, २०;

इक्ष्कार. त्रि० (एकादशन्) अगीयार: ११.
ग्यारह; ११. Eleven; 11. क० गं० ६, २०;

इक्ष्कारस. त्रि० (एकादशन्) अगीयार:
दसने ऐक. ग्यारह; ११. Eleven; 11.
सम० ११; दसा० ६, १, २; उत्त० २८,
२३; उवा० १०, २७७; क० गं० ६, २०;
जं० प० २, ३१; —अंग. पुं० (—अंग)
आचारंगदि ११ अंगसूत्र. आचारांगदि
ग्यारह अंगत्र. the 11 Anga

Sūtras e. g. Āchārāṅga etc.

नाया० १४, १८;

इक्ष्कारसग. त्रि० (एकादशक) अगीयार:
ग्यारह. Eleven; 11. क० गं० १, ४२;
इक्ष्कारसम. त्रि० (एकादशम) ११ भो;
अगीयारभो. ग्यारहवां. Eleventh;
11th नंदी० ५५;

इक्ष्कारसी. स्त्री० (एकादशी) अगीयारस:
पणवाडीआनो ११ भो दीयस. ग्यारस;
पक्ष का ग्यारहवां दिन. The 11th day
of a fortnight. विशेष० २०८३: प्रव०
१५५७; जं० प० २, ३१;

इक्ष्कक्क. त्रि० (एकैक) ऐक ऐक. एक
एक. Taken singly. उत्त० २८, ८;
क० गं० ४, ७७; —उदय. पुं० (—उदय)
ऐकैक प्रकृतिनो उदय. एकैक प्रकृति का
उदय. the rise or maturity of
each Prakriti (Karmic nature)
singly. क० गं० ६, १६;

इक्ष्वाग. न० (इक्ष्वाकु) ऋषभदेव स्वामीनो
वंश; इक्ष्वाकु वंश. ऋषभदेव स्वामी का
वंश; इक्ष्वाकु कुल. The Ikṣvāku
family; the line of descent of
Riṣabhadeva Swāmi. आया० २,
१, २, ११; पञ्च० १; भग० ६, ३३; २०, ८;
अणुजो० १३१; टा० ७, १; ६०; उत्त० १८,
३६; ओव० राय० २१८; —कुल. पुं०
(—कुल) जुगो 'इक्ष्वाग' शब्द. देखो
'इक्ष्वाग' शब्द. vide. 'इक्ष्वाग' ओव०
—भूमि. स्त्री० (—भूमि) इक्ष्वाकु वंश
ज्यां उत्पन्न अयो ने भूमि; अयोध्या.
इक्ष्वाकु वंश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि;
अयोध्या. the land of the birth
of the Ikṣvāku family; Oudh.
कण० ७, २०६; —राज्य. पुं० (—राज्य)
इक्ष्वाकु कुलभां जन्मेक राजा. इक्ष्वाकु कुल

मे. जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvākuline. "परिबुद्धि इक्ष्वागराया" ठा० ७; नाया० ८; —वंस. पु० (—वंश) ऋषभ देव स्वामीने वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Rṣabhadeva Swāmī. पि० नि० ४७६;

इक्ष्वाकुकुल. न० (इक्ष्वाकुकुल) छद्वाकु नामनु कुल. इक्ष्वाकु नामक वंश. A family by name Ikṣvāku. कण० १, २;

इक्षु. पुं० (इक्षु) छद्वाकु; शेरडी. सांटा. Sugar-cane. भग० २१, ५; ओव० पञ० १; पंचा० ८, २३; —रस. पुं० (—रस) शेरडीने रस. सांटे का रस. sugar-cane juice. प्रव० २३३; पंचा० १६, १०; —वण. न० (—वन) शेरडीतुं वन. गन्ने का खेत. a forest of sugar-canes. निसी० ३, १६; —बाट. पुं० (—बाट) शेरडीने बाट; जया शेरडी पीलाय ते स्थान. गन्ने की बाट; गन्ने पेलने की जगह. a place where sugar-canes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown. राय० २७६; —वाडिया. स्त्री० (—वाटिका) छद्वा-शेरडी ने वाड्याडी. गन्ने की बाड़ी-खेत. a field where sugar-canes are grown. पञ० १; भग० २१ ५;

इक्षुवर. पुं० (इक्षुवर) ओ नामने ओं द्वीप अने ओं समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of an island; also the name of an ocean. जीवा० ३, ४;

इग. त्रि० (एक) ओंकी संख्या; १. एक की संख्या: १. The number one; 1.

क० गं० १, ८; ३३; २, १४ छ, १३; —चतुसय. न० (—चतुःशत) ओंसे ने ओंतालीस. १४१ एकसौ एकतालीस; १४१. one hundred forty-one; 141. इ० गं० २, २७; —नवह. स्त्री० (—नवति) ओंकाथुं; ६१. एकानवें; ६१. ninety-one; 91. क० गं० ३, ७; —याल. स्त्री० (—चत्वारिंशत्) ओंतालीश; ४१. एकतालीस; ४१. forty-one; 41. प्रव० ५१६; क० गं० ६, ६६; —वज्र. स्त्री० (—पञ्चाशत्) ओंकावन; ५१. एकावन; ५१. fifty-one; 51. प्रव० ३६०; —वीस. स्त्री० (—विंशति) २१ नी संख्या; ओंकी-वीस. इक्कीसवी संख्या. twenty-one; 21. उवा० १०, २७७; —सप्त. न० (—शत) ओंसे ने ओं; १०१. एक सौ एक; १०१. one hundred and one; 101. क० गं० ३, ४; —सठि. स्त्री० (—षष्टि) ओंकसठ; ६१. इकसठ; ६१. sixty-one; 61. सम० ६१; —सी. स्त्री० (—अशीति) ओंकाशी; ८१. इक्कीसी; ८१. eighty-one; 81. क० गं० २, १७;

इगदिय-अ-सय. न० (एकाधिकशत) ओं अधिक से; ओंसेनेओं; १०१. एक-सौ-एक; १०१. One hundred and one; 101. क० गं० २, ४;

इगार. त्रि० (एकादशन्) अगीया; ११. ग्यारा; ११. Eleven; 11. क० गं० ६, ६२;

इगारसम. त्रि० (एकादशम्) ११ओं; अगारमे. ग्यारवां; ११ वीं. Eleventh; 11th. विवा० १; क० गं० २, १४;

इगिदिय. त्रि० (एकेन्द्रिय) ओंने ओं छद्वा देवाय ते; पृथ्वी आदि स्थावर ७४. -एकेन्द्रिय बाला; पृथ्वी आदि स्थावर ७४. One-sensed; e. g. earth etc. क० गं० ३, ११; ४, १८;

इतिवृत्त। स्त्री० (एकेन्द्रियता) ऐकेन्द्रिय-
पदं. एकेन्द्रियपन. State of being
one-sensed. भग० ३५, १;

इगुण. त्रि० (एकौन) ऐक ओङ्. एक कम.
Less by one. क० प० २, १२;
—असि. स्त्री० (-अशीति) ओगणुअसी
७९. उनयासी; ७९. seventy-nine;
79. प्रव० ३६७; —नउह. स्त्री० (-नवति)
नव्याशी; ८९. नेवासी; ८९. eighty-
nine; 89. क० प० २, २३; —वीस. स्त्री०
(-विंशति) ओगणुशः १९. उनीस;
१९. nineteen; 19. क० प० २, १२;
—सट्ठि. स्त्री० (-षष्टि) ओगणुसाः ५९.
उनसाठ ५९. fifty-nine; 59 क० गं०
६, ७४;

इगु त्रि० (एक) ऐकनी संख्या. एक की
संख्या. The number, one. क० गं०
५, ४०;

इच्छन्त्य. पुं० (इत्यर्थ) आ प्रक्षरने अर्थ
इस प्रकार का अर्थ. This sort of
meaning. आया० १, १, २, १६;

इच्छा. सं० क० अ० (इच्छा) ज्ञातुं.
जानकर. Having known. आया० १,
१, ३, २१;

इच्छाह. त्रि० (इत्यादि) ऐ; आदि; इत्यादि.
इत्यादि. Et cetera. क० गं० १, २६;
प्रव० ६६३;

इच्छाहय. त्रि० (इत्यादि) वगेरे. बगैरह वगे-
रह. Et cetera. क० प० ६, २०१;

इच्छेवं. अ० (इत्येवं) आ प्रक्षरे: ऐवी रीते.
इस प्रकार से: इस तरह. In this way:
in that way. दस० २, ४; पञ्च० ११;

✓ इच्छ. धा० I. (इष्) भृञ्भुञ्; भृञ्भु
भृञ्। इच्छा करना. To wish; to
desire.

इच्छह. सूय० १, १, २, ३१; अणुजो० १४;
नाया० १; ५; १३; १६; भग० १५,
५;

इच्छंति. दस० ६, ११; नाया० ८; १३;
भग० ८, ५;

इच्छाम. विशेष० २०१;

इच्छामि. नाया० १; २; ५; ८; १२; भग०
१, ६; २, १; ५; ३, २; ५, ८;
७, १०;

इच्छामो. नाया० १; ३; ६; भग० ११, ११;

इच्छे. वि० उत्त० १, १२; ३२, ४; दसा०
३, १६; १६; वव० १, २२; २६;
३०;

इच्छिजा. वि० क० प० ६, ४८; दस० ५, १,
६६; ६, ४८;

इच्छेजा. वि० उत्त० ९, २६; दस० ५,
१, ६५;

इच्छेज्ज. वि० वेय० ४, १५;

इच्छह० पि० नि० ३०१; ४६५; उत्त०
१२, २८;

इच्छय. विशेष० व० क० ३२५४;

इच्छंत. नाया० १६; विशेष० १६०; दस०
८, ३७; उत्त० १, ६;

इच्छमाव. पंजा० ६, ५०;

इच्छिजह. गच्छा० ७८;

इच्छावेह. प्रे० व० प्र० प० विशेष० १०८६;

इच्छुंज्जमाण. न० (इच्छाध्यान) लाभनी
भृञ्भुञ् भ्यात्. लाभ की इच्छा का ध्यान.
Meditation upon some desire
of profit or gain. आउ०

इच्छुकार. त्रि० (इच्छाकार-इच्छामिच्छा स्वा-
भिप्रायस्तथा करवं तत्कार्यमिच्छेत्तन्मिच्छा-
कारः) भृञ्भुञ्पूर्वकं भृञ्नी आया० उदावरी
अनुधानं कर्तुं ते; दश सामाचारिणी ऐक.
इच्छा पूर्वकं भृञ् की आज्ञा मायना; दश
सामाचारियों में की एक सामाचारी. Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct
ठा० १०; पंचा० १२, ४;

इच्छा. स्त्री० (इच्छा) धृ०; अभिलाषा.
इच्छा; अभिलाषा. Desire; longing.
आव० ३८; आया० १, ४, २, १३१; परह०
१, ५; पि० नि० २१६; सू० प० १०; सम०
५२; ठा० १०; उवा० १, १७; प्रव० ६६;
पंचा० १, ७; १२, २; भग० १२, ५; २५,
७; वेय० १, ३३; (२) पञ्चवासीयानी
पंडर रात्रिओमांती अय्यारवी रात्री. पक्ष
की पंडर रात्रियों में की ग्यारहवीं रात्रि.
the 11th night of a fortnight.
जं० प०० ७, १५२; —अणुलोम. त्रि०
(-अनुलोम) धृ०; आने अनुकूल. इच्छा के
अनुकूल. propitious to one's
desires. भग० १, ३; पञ० ११;
—(५) अणुलोमिय. त्रि० (-अनुलो
मिक) धृ०; आने अनुकूल ओलनार. इच्छा
के अनुकूल बोलनेवाला. (one) who
speaks agreeably to one's
desire. आया० नि० १, ४, १, २१८;
—काम. पुं० (-काम) अप्राप्त वस्तु की
आकांक्षा. अप्राप्त वस्तु का आकांक्षा.
desire of an unattained object.
उत्त० ३६, ३; —छंद. पुं० (-छन्द)
स्वच्छन्दपातुं; धृ०; आमुक्त्य वर्तनुं ते स्वच्छं
दताः स्वेच्छाचारत्वं. wilful, wanton,
action or behaviour. प्रव० १२१;
—प्रणीय. त्रि० (-प्रणीत—इंद्रियमनो-
विषयानुकूल प्रवृत्तिरिच्छा तथा विषयाभि-
मुखमभिकर्मबन्धनसंसारमिच्छां वा प्रकृष्य
नीतः इच्छाप्रणीतः) संसार वधे तेवी
विषयानुकूल प्रवृत्तिना प्रवादमां वसयति.
संसार बढानेवाली विषयानुकूल प्रवृत्ति के प्रवाद

में पडा हुआ. (one) drawn by
activities favourable to sensual
gratifications which prolong
worldly existence. आया० १, ४,
२, १३१; —परिमाण. न० (-परिमाण)
धृ०; आनु परिमाण-मर्यादा अधीते; पांचवें
अणुवत. इच्छा का परिमाण-मर्यादा करना;
पांचवां अणुवत. limitation of de-
sires; the 5th partial vow. ठा०
५; —मुक्ति. स्त्री० (-मुक्ति) धृ०; आ-
मुक्ति; धृ०; आने त्याग इच्छा का त्याग.
giving up, abandonment, of
desires. भक्त० २०, —लोभ. पुं०
(-लोभ—इच्छा अभिलाषः सावामो
लोभश्च इच्छालोभः) धृ०; आ३५ लोभ.
लोभ. avarice in the form of
desire “ इच्छा लोभोऽ उवहिमर्ह
गोति” ठा० ६; आया० १, ८, ८, २३;
—लोभिय. त्रि० (-लोभिक-इच्छा लोभो
यस्थास्ति स इच्छा लोभकः) महेच्छावालो;
धृ०; आ३५ लोभ. महच्छावाला; बहुत
उपधिवाला. highly ambitious or
avaricious. ठा० ४; —लोल. पुं०
(-लोल) धृ०; आ३५ लोभ. अत्यंत
लोभ. excessive avarice. वेय० ६, १६;

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लु०; आ ‘इच्छ-
कार’ शब्द. देखा ‘इच्छकार’ शब्द.
Vide ‘इच्छकार’. उत्त० २६, ३; आव०
११, उवा० १, ८१;

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लु०; आ ‘इच्छकार’
देखा ‘इच्छकार’ शब्द. Vide ‘इच्छकार’
प्रव० ७६९;

इच्छामिस्र. न० (इच्छामात्र) धृ०; आ३५ मात्र;
युक्ति विना कल्पना मात्र इच्छा मात्र;
युक्ति बिना कल्पना मात्र. Mere desire

(without a plan to carry it out) सूख० १, ७, १६;

इच्छिय. त्रि० (इष्ट) छेलेलुं; छष्ट; वांछित. इच्छित; इष्ट. Desired; wished for. पि० नि० ३४२; ओव० १८, ३२; उत्त० ३०, १०, जं० प० सु० च० १२, १९; विशेष० २६५३; नाया० १; ५: १२; नाया० भ० भग० १, १; २, १; ६, ३३; ११, ११; ४१, १; उवा० १, १२; कप्प० १, १२; —काम कामि. त्रि० (-कामकामिन्) मनगमता भोग भोगवानर. मन चाहे भोग भोगनेवाला. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जं० प० २;

इच्छियव्व. त्रि० (इष्टव्य) छेलेलुं. इच्छा करना. Desiring. जं० प० ३, ५२;

इच्छुरस. पुं० (इक्षुरस) शेरलेनी रस. सांठे का रस. Sugar-cane juice. क० गं० ५, ६५;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) दीप्यमान कंपायमान. Trembling. राय० ६४;

इज्जा. स्त्री० (इज्या) याग; देव पूजा. याग; देव पूजा. Worship of gods; a sacrifice. अणुजो० २६; उत्त० १०, २;

इज्जिस्स. त्रि० (इज्जैस्स—इज्यां पूजां इच्छति) पूजयति वा यः स इज्जैस्स;) पूजनी अभिवाप्तावालो. पूजा की अभिलाषा वाला. (One) desirous of worshipping gods. भग० ९, ३३;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) दीप्यमान. दीप्यमान. Being kindled or lighted. “ मंदायं मंदा इमे इज्जमाणा ” राय०

इड्डगा. स्त्री० (इड्डका) छट. ईट. A brick.

अंत० ३, ८; विशेष० १०८२; (२) सेव; आद्य विशेष. सेव; खाद्य विशेष. a particular variety of food; macaroni. पि० नि० ४६६;

इड्डया. स्त्री० (इड्डका) छट. ईट. A brick. जवा० ३, १;

इड्डा. स्त्री० (इष्टा) छट. ईट. A brick. टा० ङः—वाय. पुं० (-पाक) छट पकाववानुं स्थान. ईट पकाने का स्थान. a place where bricks are heated; a kiln. “ इड्डा वाण्डवा ” टा० ङः

इड्डाल. पुं० (*) छट. ईट. A brick. “ होजकट्टं सिलं वात्रि इड्डालं वावि ण्गया ” दस० ५, १, ६२; पि० नि० भा० ४६;

इट्ठ. त्रि० (इष्ट) प्रिय; प्यारलुं; मनगमलुं. प्यारा; प्रिय; मनचाहा. Beloved; dear; desired. जं० प० २, ३०; पञ्च० १७, २३; टा० २, ३; ओव० ३२; ३६; नाया० १; ङः ६; १४; १५; १६; विशेष० २३; ६८; १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जवा० १; सूय० २०; भग० १, १, २, १; १४, ५; ९; १५, १; १६, ३; पंचा० १२; उवा० १, ६; कप्प० ३, ४८; ६, १५५; निर० ३, ४; क० गं० १, ५०; —अणिट्ठ. त्रि० (-अनिष्ट) छष्ट अने अनिष्ट. इष्ट और अनिष्ट. good and evil; desirable and undesirable. प्रव० ६३४; —(ट्टा)अनिट्ठ. (-अनिष्ट) छष्ट छष्ट अने छष्ट अनिष्ट; सां नरसुं. भला बुरा; कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट. good and evil mixed up together. विशेष० ५१५; —खगइ. स्त्री० (-खगति) शुभविधायिगति; आलवानी गति. इष्ट गति. de-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

sirable capacity of moving in space. क० प० ४, १४; —गंध. त्रि० (—गंध) सुगंध; सुगंधि —पदार्थ. सुगंध; सुगंधित पदार्थ. a fragrant substance. ओव० —स्थ. पुं० (—अर्थ) धृष्टेति अर्थः कर्म. इच्छित कर्म. desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७; —फल. न० (—फल) धृष्टित इल. इच्छित फल. desired fruit. पंचा० ४, ३१; —फलज-शग. न० (—फलजनक) अलिमतार्थ-इल साधक. इच्छित फल देनेवाला. (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा० ३, ४७; —फलसाहग. त्रि० (—फल-साधक) धृष्टित इलने साधनार. इच्छित फल की साधना करने वाला. (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा० ४, ३३; —फलसिद्धि. स्त्री० (—फल-सिद्धि) धृष्टित इलनी सिद्धि. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा० ४, ३३; —रुच. त्रि० (—रूप) धृष्टि छे रूप नेनुं ते. इष्ट रूप वाला. of a beloved, charming appearance. “ सुबाहु कुमारे इहे इहुरूवे ” विवा० २, १; —सह. पुं० (—शब्द) प्रिय शब्द; वीष्ठा वगेरेतो शब्द. प्रिय शब्द; वाणा वगैरह का शब्द. sweet sound; e. g. that of a musical instrument. पञ्च० २३; —सर. पुं० (—स्वर) मधुरो-भ्यारे स्वर. मधुर स्वर. sweet, pleasing, sound. क० प०

४, १४; —सिद्धि. स्त्री० (—सिद्धि) धृष्टि-धृष्टित वस्तुनी सिद्धि. इच्छित वस्तु की सिद्धि. accomplishment of a desired object. पंचा० ४, ३१; —सुय. पुं० (—सुत) प्रिय पुत्र. प्रिय पुत्र. a beloved son. पंचा० ७, ३६; —स्सर. पुं० (—स्वर) प्रिय स्वर. प्रिय स्वर. a pleasant sound. पञ्च० २३; इष्टतर. त्रि० (इष्टतर) वधारे प्रिय; अति-शय धृष्ट. बहुत प्रिय; बहुत इष्ट. Ex- tremely beloved; more pleas- ant. राय० जं० प० २, २२; इष्टतरेआ. स्त्री० (इष्टतारिका) अतिशय धृष्ट. बहुत इष्ट. Most desirable. जं० प० २, २२; इष्टयर. त्रि० (इष्टयर) वधारे प्रिय. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जावा० ३, ३; ✓ इहुर. न० (*) गाडा के गाडी. गाडा या गाडी. A small or big cart. ओघ० नि० ४७६; इह्रिड. स्त्री० (अह्रिडि) समृद्धि; वैभव. समृद्धि; वैभव. Prosperity; wealth. (२) आमर्श-औषधि आदि लब्धि. आमर्श-औषधि आदि लब्धि spiritual power. उत्त० २, ४४; २७, ६; दस० ६, २, ६; १०, १, १७; ओव० ३८; सम० ६, ३०; विशेष० ५६६; निर० १, १; ओघ० नि० ४६८; नंदी० ५०; राय० ४१; नाया० १; २; ८; १६; पञ्च० २; सु० ब० १५, ६७; भय० १, २; ३, ६; ८, १; ६; पंचा० ६, १८; दसा० ६, २८; —गारव. पुं० (—गौरव) नरेन्द्रादिकनी तथा आचार्यनी

ऋद्धिर्दे अभिमान करी आत्माने लारे
 करवी ते. नरेन्द्रादिक की तथा आचार्य की
 ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बंध
 करना. *burdening the soul with
 the pride of the spiritual power
 of a preceptor or of the tempo-
 ral power of a king etc.* ठा० ३;
 सम० ३; आव० ४, ७; —गारवज्झाण.
 न० (-गौरवध्यान) ऋद्धिना भदन्तु ध्यान;
 दुध्याननो अेक प्रकार. ऋद्धि के मद का
 ध्यान; दुध्यान का एक भेद. *meditation
 upon the power of prosperity;
 a bad kind of meditation.* आउ०
 —पत्त पुं० (-प्राप्त) ऋद्धि-आभर्ष
 आदि औषधिनी प्राप्ति थयेव. ऋद्धि. आमर्ष
 आदि औषधियों को प्राप्त. *one who has
 attained to spiritual or tempo-
 ral prosperity.* पञ० १; भग० १४, ६;
 —पत्तायुओग. पुं० (-प्राप्त्यनुयोग)
 आभर्ष औषधि आदिनी लप्ति प्राप्तिनु
 व्याख्यान. आमर्ष आदि औषधियों का
 प्राप्ति का व्याख्यान. *a discourse on
 the attainment of such spiri-
 tual prosperity or power as
 Āmosahi etc.* विशेष० ५६०; —पत्ता-
 रिय. पुं० (-प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त थयेव
 आर्य-अरिहंत, चक्रवर्ती, अत्रदेव, वासुदेव,
 आर्य मुनि अने विद्याधर. ऋद्धि प्राप्त
 आर्य अर्थात् अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव,
 वासुदेव, चारण मुनि, विद्याधर आदि. *an
 Ārya who has attained to
 spiritual prosperity; Arihanta,
 Chakravartī etc.* “ से कितं इद्धि-
 पत्तारिया कविहा पयखत्ता तंजहा ” पञ० १;
 —सत्कारसमुदय पुं० (-सत्कारसमुदय
 —ऋद्धि-वत्त सुवर्णादिस्वयंदा सत्कार:

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि
 करीने सत्कारनो समुदाय. ऋद्धि से वस्त्रा-
 भरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. *pre-
 sents of clothes ornaments etc.
 as a mark of honour.* विवा० ३;

इद्धिमंत. त्रि० (ऋद्धिमत्) ऋद्धिवालो; समु-
 द्धियान. ऋद्धिवाला; समृद्धिवान. *Pro-
 perous: wealthy.* ठा० ५, २;

इणमेव. अ० (इदमेव) अेडिण. वही. *The
 same.* भग० २, १; ६, ५; १४, ७;
 २०, ६;

इणामेव. अ० (इदमेव) लुओ उपलो शब्द.
 देखो ऊपरका शब्द. *Vide above.* पञ०
 ३६;

इरिंह. अ० (इदानीं) इभयां; अडुल्लो.
 अभी; अब. *Now.* सय० २, ६, १;
 उत्त० १२, ३२; पिं० नि० ६३४; सु० च०
 ३, ११३; विशेष० १६८; नाया० ८;

इत्तल. पुं० (इत्तल) तृण विशेष. तृण
 विशेष. *A kind of grass.* भग०
 २१, ६;

इति. अ० (इति) लुओ “ इह ” शब्द.
 देखो “ इह ” शब्द. *Vide “ इह ”*
 दस० १, ५; नाया० ३; १६; भग० १; ४;
 ७, २; १५, १; १६, ६; १६, ३; २५, ७;
 वव० १, ३७; ७, १७; दसा० ३, २२, २६;
 निमी० ५, ६६, १४, १२; क० गं० १,
 २५;

इतिहास. पुं० (इतिहास) प्राचीन कालनी
 इकीयत दर्शावनार इतिहास शास्त्र. प्राचीन
 काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र.
*History; narration of past
 events.* भग० २, १; ओव० ३८;

इतो. अ० (इतः) अर्हीथी. यहाँ से. *Hence;*
from this place. सय० १, १, १,

१२; उत्त० ५, १७; ३४, १५; ओष० ३६;
राय० ५, २; सु० च० १, १०४; भग० १,
१; १४, ७; १२, १; विशे० ८७; पञ्च० १७;
क० प० १, १२; क० गं० ४, २१;

हस्तर. त्रि० (इत्वर) अल्प कालनुं; अल्प
काल; अल्प समय का; किञ्चित् काल. Of a
short duration. सूय० १, २, ३,
८; विशे० २६; ठा० ६; पंचा० १, ६;
—**परिगृहा**. स्त्री० (—**परिग्रहा**—**इत्वर-**
मरुपमरुपकालं वा **परिग्रहो** यस्याः सा
इत्वरपरिग्रहा) थोड़ा वधतने भाटे ग्रहण
करे; वेश्यादि. थोड़े समय के लिये ग्रहण
की हुई; वेश्यादि. a woman accepted
for a short time; a harlot etc. प्रव० २७, ८;
—**परिगृहीतागमन**. न०
(—**परिगृहीतागमन**) नानी उभरनी
परजुल स्त्री साथे गमन करे; मैथुन सेवन
ते; श्रावकना योथा व्रतने. प्रथम अनियार.
छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन
करना-मैथुन सेवन करना; श्रावक के
चौथे व्रत का प्रथम अतिचार. sexual
intercourse with a girl-wife; the
first Atichāra of the 4th vow
of a Jaina layman. पंचा० १, १६;
—**परिगृहिता**. स्त्री० (—**परिगृहीता**)
नानी उभरनी परजुल स्त्री. छोटी उमरकी
विवाहित स्त्री. a girl-wife. प्रव० २७८;
—**वास**. पुं० (—**वास**) थोड़ा निवास.
थोड़ा निवास. short stay or resid-
ence. सूय० १, २, ३, ८;

हस्तरिय. त्रि० (इत्वरिक) थोड़ा वधतनुं;
थोड़ा समयनुं; अल्प कालीन. अल्प कालीन;
थोड़े समय का. Lasting for a short
time; short-lived. पंचा० १०, ११;
ओष० १९; अणुजो० ११; पञ्च० १, १७;
उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७; वव० २, २४;

६, २०; निस्सी० २, ५६; १०, ५०; उवा० १,
४८; (२) पादोपगमन मरणुनी अपेक्षाये
थोड़ा वधतनुं धीगित मरणु करे. पादोप-
गमन मरण की अपेक्षा से थोड़े समय का
इंगित मरण करना. accepting the
Ingita kind of death which is
speedier than the Pādopa-
gamana kind of death. आया०
१, ७, ६, २२२; जया वालुं; गमनशील.
गमनशील having the nature to
go or move or pass away. उत्त०
१०, ३;

हस्तरि. स्त्री० (इत्वरी) थोड़ा वधतना भाटे
रखे-वेश्या आदि. थोड़े समय के लिये
रखी हुई वेश्या आदि. A woman
temporarily kept e. g. a harlot
etc. पंचा० १, १६;

इत्ति. अ० (इति) ऐवुं; ऐवीरीते; आ प्रक्षरे.
इस प्रकार का; इस तरह. Thus; in
this way; in that way. आया०
१ १, १, १३; अणुजो० १०;

इत्तिअ-य. त्रि० (इत्तावत्) ऐवुं; ऐवत्ता
प्रमाणुनुं; अमुक-नियमित प्रमाणुनुं. इतना;
इतने प्रमाण का; अमुक नियमित प्रमाण
का. That much; this much;
उत्त० ३०, १८;

इत्थ. अ० (अत्र) अदिआ; आदि; आ
इहा. यहाँ; इस स्थानपर. Here; in
this place. दस० ६, ४, १; आया० १,
२, ६, १८३; वेय० ३, २५; पि० नि० भा०
२१; भग० १५, १; नाया० ६; १७; जं० प०
वव० ४, १०;

इत्थं. अ० (इत्थम्) ऐवीरीते; आ प्रक्षरे.
इस प्रकार से. In this way; thus.
नाया० १; ७; ६; १५; पञ्च० २;

इत्थंस्थ. त्रि० (इत्थंस्थ) लोकप्रसिद्ध आकारे रहेल; लोकिक संस्थानवातुं. लोकप्रसिद्ध आकार से रहा हुआ: लोकिक संस्थानवाला. Remaining in a common shape; possessed of ordinary configuration of body. “इत्थंस्थं च बयइ सम्बसो मिदे वा हवइ ग्यासण” दस० ६, ४: २, ३:

इत्थि. स्त्री० (स्त्री) स्त्री: नारी. स्त्री: नारी. A woman. उत्त० १, १६: नाया० ५, ८: भग० ३, ४: १५. १, क० ग० १, २३: २, ३०: —**आणमणी.** स्त्री० (-आजापनी) स्त्रीने आदेश करनेवाली आजापवाली भाषा. स्त्रीको आदेश करने की बुलाने की भाषा. a form of address to a woman to call her. पञ्च० २: —**कम्म.** न० (-कर्म) स्त्रीने पशु करनेवाली काम. स्त्री को बश करने का काम. the work of bringing a woman under control. मय० १, ६, १३: (२) इत्थंस्थं चरेरे आवद्य अनुशान. हस्तकर्म आदि पाप पूर्ण कार्य. a sinful action like self-abuse etc. मय० १, ६, १३: —**कला.** स्त्री० (-कला) स्त्रीनी आसः इला. स्त्री को कला: ६४ प्रकार की स्त्रीकला any of the 64 accomplishments of a woman. ज० प० २: —**कलेवर.** न० (-कलेवर) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का शरीर. the body of a woman. “इत्थि कलेवराण तविरपसु च बहुमाणो” पंच० १, ४६: —**कहा.** स्त्री० (-कथा) स्त्री संज्यधी कथा; चार विद्वथामांनी येइ. स्त्री सम्बन्धी कथा; चार विद्वथों में का एक कथा talk about women: one of the four irreligious kinds of

talk. “इत्थि कहा चउविहा पयणाता तंजहा” ठा० ४, २: सम० ४: —**काम.** पुं० (-काम) स्त्रीनी कामना: स्त्रीसंज्यधी काम भोग. स्त्री की कामना: स्त्री सम्बन्धी काम भोग. enjoyment of women; desire for sexual pleasures. “एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिज्या” मय० २, २, ३५: दस० १०, ७: —**कामभोग.** पुं० (-कामभोग) स्त्री संज्यधी कामभोग. स्त्री सम्बन्धी कामभोग. sexual enjoyment; enjoyment of women. “एवमेव ते इत्थिकामभोगाह मुच्छिज्या गिद्धा” मय० टी० २, १, १०: दसा० ६, १: —**कुलन्ध.** न० (कुलम्भ) इलमां येइल इतीन स्त्री: मानादि. कुलान स्त्री: मानादि. a noble woman; a mother etc. नाया० ५: भग० १२, १०: —**गण.** न० (-गण) स्त्रीआनी समूह ज्येथे. स्त्रियों का समूह. a group of women; a crowd of women. “नो इत्थिगणाणं सेवित्ता भवइ” ठा० ६: —**गर्भ.** पुं० (-गर्भ) स्त्री संज्यधी गर्भस्थ पुद्गल पिंड. स्त्रीसम्बन्धी गर्भसर्जक पुद्गल पिंड. fetus: embryo. भग० ५, ४: —**गुम्म.** न० (-गुल्म) स्त्रीआनी समूह. स्त्रियों का समूह. a bevy of ladies “इत्थिगुम्मपरिवुड” दसा० १०: —**चोर.** पुं० (चोर) स्त्रीना रूपने चोर: परस्त्री अपर स्त्री के रूप का चोर: परस्त्री लपट. one enamoured of the beauty of the wives of others. पञ्च० १, ३: —**हाण.** न० (-स्थान) स्त्री ज्यो भेसे. उडे ते स्थान. स्त्री जहाँ उठे बैठे वह स्थान. a place frequented by women. “नो इत्थिहाणं सेवित्ता भवइ” ठा०

६; —**शाम. न०** (-नामन्) स्त्री रूपे जन्म लेवे। पडे तेवी नामकर्म्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पडे. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —**शाम गोय कम्म. न०** (-नामगोत्रकर्मन्) स्त्रीना गोत्रभां-जतिभां जन्म लेवे। पडे तेवुं कर्म. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female. नाया० ८; —**तित्थ. न०** (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेक भस्वीनाथ तीर्थकरनुं तीर्थ-शासन. स्त्रीरूप से जन्मे हुए मल्लीनाथ तीर्थकर का शासन. the canon of Mallinātha Tirthānkara who was born as a female. टा० १०; —**दोस. पुं०** (-दोष) स्त्रीना दोष-अवगुण. स्त्री के दोष अवगुण. the faults of a woman; the defects of a woman; “इत्थि-दोसं संकिणो होंति” सूय० १, ४, १, १५; —**पच्छाकड. नि०** (-पश्चान्कृत) जेणे स्त्रीपणुं पाछल करयुं छे-टाठ्युं छे ते. जिसने स्त्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह. (one) who has banished female birth. भग० ८, ८; —**पणवणो. स्त्री०** (-प्रजापनी) स्त्रीना लक्षणनुं प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पञ्च० ११; —**परिसह. पुं०** (-परिषह) स्त्री संबंधी परिषद; डाक स्त्री संयमथी यत्नायवा हाव भाव करे तो पणुं अक्षित न थयुं ते; २२ परिषदभांते ऐक. स्त्री संबंधी परिषद; कोई स्त्री, संयम से विचलित करने

के लिये हाव भाव करे तो भी विचलित न होना; २२ परिषदों में का एक परिषद. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parīśahas. भग० ८, ८, उत्त० २, १; —**परिसह विजय. पुं०** (-परिषहविजय) ऐकान्तवासभां अभुक् धण्णी इपावी स्त्री आवी, अनेक प्रकारना हावभाव कटाक्ष वगेरैथी परिषद आपे छतां पणुं मन न उगावीनि परिषदपर विजय मेलववे। ते. एकान्त-वास में कोई बहुत रूपवान् स्त्री के आने और हाव; भाव, कटाक्ष करनेपर भी मन को चलित न होने देना और परिषद विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place. भग० ८, ८; —**पोसय. पुं०** (-पोषक—स्त्रियं पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) स्त्रीनुं भरण पोषण करणुं पुरुष. स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष. a person who maintains a woman. सूय० १, ४, १, २०; —**भाव. पुं० न०** (-भाव) कटाक्ष संदर्शन वगेरे स्त्रीना हाव भाव. कटाक्ष, संदर्शन आदि स्त्री के हाव, भाव. amorous movements, glances etc. of a woman. “मोहम्भावजणयाहं सिगारियाहं इत्थिभावाहं उवडंसेमाणी” उवा० ८, २४६; —**रज्ज. न०** (-राज्य) स्त्रीनुं राज्याः स्त्री ज्यां स्वतंत्रपणुं वनें छे ते. स्त्री का राज्य; जहां स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करती है वह. petticoat government. “अजा अवारियाओ इत्थिरजं न सं गच्छ” गच्छा० १, ६६; —**रयण. न०** (-रत्न) यकवर्तिनी भुज्य पट्टराणी; यकवर्तिनी १४ रत्नभांनुं ऐक रत्न. चक्रवर्ति की मुख्य

पट्टराणी; चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत्न. the principal queen of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३, ६८; पञ० २०; भग० ५, ५; डा० ७; —रूप. न० (-रूप) स्त्री २५५; स्त्रीना आधार. स्त्री स्वरूप; स्त्री का आकार. the form of a woman; the shape of a woman. तंडु० —लक्षणसू. न० (-लक्षण) सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्रीनां लक्षण; ७२ कलाओं की ओक कला. सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षण; ७२ कलाओं में से एक कला. the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया० १; श्रौ० ४०; (२) येन प्रतिपादन करना २ पाप. इस का प्रतिपादन करने से लगने वाला पाप. the sin arising from explaining the above; (३) श्रुतनुं ओक अध्ययन. श्रुत का एक अध्ययन. name of a chapter of scriptures सू० २, २, ३०; —लिंग. न० (-लिङ्ग-स्त्रियो लिङ्ग स्त्रीलिङ्ग) स्त्रीलिङ्ग; स्त्रीनुं शरीर. स्त्रीत्व; स्त्री जाति. womanhood. पञ० १; —लिंगसिद्ध. पुं० (-लिङ्गसिद्ध) स्त्रीपणुं सिद्ध धनुं ते; स्त्री अवस्था में मोक्ष पणुं ते. स्त्रीरूप में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोक्ष जाना. attainment of salvation in the condition of womanhood. पञ० १; —वड. स्त्री० (-वाच्) स्त्रीलिङ्ग प्रतिपादक पद्यन; माला शाला धत्यादि नारी जतिना शब्द स्त्रीलिङ्ग वचन—शब्द; माला, शाला आदि स्त्रीलिङ्ग शब्द. a word in the feminine

gender; feminine gender. पञ० ११; —वयस्य. न० (-वयस्य) स्त्रीलिङ्ग पद्यन—नारी जतिना शब्द; वीक्ष्या, कथा आदि. स्त्रीलिङ्ग शब्द. feminine gender; a word in the feminine gender. आया० २, ४, १, १३२; पञ० —वस. पुं० (-वस) स्त्रीने वस; स्त्रीना कथनभां भयेल. स्त्री के वस; स्त्री के आधीन. a hen-pecked man; one who is under the control of a woman. “ इत्थि वसंगवा बाला ” सू० १, ३, ४, ६; —विग्रह. पुं० (-विग्रह) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का शरीर. the body of a woman. आया० २, १, ३, १२; दस० ८, २४; —विप्रेषण. स्त्री० (-विप्रेषण) युवतिने भोगभाटे प्रार्थना अर्पण करवी ते. युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना. courting the affection of a young woman for enjoyment. सू० १, ३, ४, १०, ११, १२; —विप्रेषण. पुं० (-विप्रेषण) स्त्रीना त्यागी; स्त्रीने त्याग करना. स्त्री का त्यागी; स्त्री का त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. “ नारीसु नोवर्गिज्जजा इत्थि विप्रेषणे अण्णारे ” उत्त० ८, १६; —विपरियासिय. न० (-विपरियासित) स्वप्नभां स्त्री साथे भोग भोग्या होय ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह. enjoyment of a woman in a dream. आव० ४, ४; —विषय गृह. त्रि० (-विषय गृह) स्त्रीना विषय सुभभां गृह भयेल. स्त्री के विषय-सुख में गृह. (one) greedy of sensual enjoyments with women. दस० ६, ११, १२;

—**वेद. पुं०** (—वेद) स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म-
नी ओ३ प्रकृति; स्त्रीने विकार थाय ते. स्त्रीवेद;
मोहनीयकर्म की एक प्रकृति. स्त्री को जो
विचार होता है वह. desire or
feeling particular to a woman;
a variety of Mohaniya-karma.
सम० २१; जीवा० १; उत्त० ३२, १०२;
—**वेदग. पुं०** (—वेदक) स्त्रीवेदना
उद्भववालो. स्त्री वेद का उदयवाला जीव.
a soul with feminine feeling
or inclination. भग० २, २; २६, १;
—**वेदय. पुं०** (—वेदक) ज्योत्सो उपलो
शब्द. देखो उपर का शब्द. vide
above. भग० ६, ३१; —**वेय. पुं०**
(—वेद) स्त्री वेद; स्त्रीने पुरुष साथे भोग
भोगवयानी छुआ थाय ते. स्त्री वेद; स्त्री
को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा
होना. desire on the part of a
woman for sexual pleasure. क०
प० ७, २६; जीवा० १; भग० २, ५; उत्त०
३२, १०२; (२) जेना उद्भवथी स्त्रीवेद
प्राप्त थाय जेना नोकभाव मोहनीयनी ओ३
प्रकृति. नोकभाव मोहनीय की एक प्रकृति
जिसके उदय से स्त्रीवेद प्राप्त हो. a variety
of the 9 minor deluding faults
entailing feminine inclination.
उत्त० २३; (३) स्त्री भोग संगंधी
विषयनु प्रतिपादन करनेवा शस्त्र; काम
शास्त्र. स्त्री भोग सम्बन्धी विषय का प्रति-
पादन करनेवाला शास्त्र; काम-शास्त्र.
sexual science. सूय० १, ४, १, २३;
—**वेयग. पुं०** (—वेदक) ज्योत्सो 'इत्थि-
वेदग' शब्द. देखो 'इत्थि वेदग' शब्द. vide
'इत्थिवेदग' भग० ६, ३; ४; ठा० ४,
४; —**वेयवस. पुं०** (—वेदक) स्त्री वेद-
स्त्री चरित्रमां निपुण; स्त्रीवेद-कामशास्त्रने

ज्योत्सो. स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण; काम
शास्त्र जाननेवाला. one expert in
sexual science; one who knows
the characteristics of women.
सूय० १, ४, १, २०; —**संकलित. त्रि०**
(—संकलित) स्त्रीने लीये छलेश पामेन. स्त्री के
कारण कष्ट पाया हुआ. (one) troubled
on account of a woman. प्रब० १२०;
—**संग. पुं०** (—सङ्ग) स्त्रीने संग; स्त्रीनी
संगत. स्त्री की संगति. company of
a woman. सूय० टी० २, २, २८;
संपर्क. पुं० (—सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग
करवे। ते; स्त्रीसंगंध स्त्री के साथ संसर्ग
करना सो; स्त्रीसमागम. companionship,
contact, with a woman. सूय० टी०
१, ४, १, १३; —**संवास. पुं०** (—संवास)
स्त्री साथे भोग भोगवये। ते. स्त्रीक साथ भोग
भोगना. enjoyment of pleasures
with a woman. सूय० टी० १, ४, १,
१०; —**संसर्ग. पुं०** (—संसर्ग) स्त्रीने
संसर्ग. स्त्रीका संसर्ग. contact with
a woman. दस० ८, ५७; —**संस्त. त्रि०**
(—संसर्ग) स्त्री साथे संगत करेव.
स्त्री का संग किया हुआ (one)
attached to or in love with a
woman. ठा० १०; —**सद्दा. स्त्री०**
(—श्रद्धा) स्त्रीमां श्रद्धा-विश्वास सम्भवै। ते.
स्त्री में श्रद्धा-विश्वास-रखना confidence
or trust in a woman. सूय० टी०
१, ४, १; २४; —**सद्भाव. पुं०**
(—स्वभाव) स्त्रीने स्वभाव. स्त्रीका स्वभाव.
woman-nature. सू० च० ४, १६७,
सूय० टी० १, ४, १, २०; —**सागा-
रिय. त्रि०** (—सागारिक) जेमां स्त्री
रहेती होय ते स्थान. जिसमें स्त्री रहती होवह
स्थान. an apartment for women.

“ नो कश्चिद् निम्नं वाचं इत्थिसागरिषु उव-
स्सपु बल्लपु ” वेय० १, २५, २६, २७, २८;
इत्थिका. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. स्त्री. A
woman. दसा० १०, ४;

इत्थिस्त. न० (स्त्रीत्व) स्त्री पण्यु. स्त्री पना;
स्त्रीत्व. Womanhood. दसा० १०, ४;

इत्थिपरिगणा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) ओ नामनुं
सूयगडांग सूत्रनुं यायु अध्ययन. इस नाम
का नूयगडांग सूत्र का चौथा अध्याय. The
4th chapter of Sūyagadāṅga.
सम० २३;

इत्थियलक्षण. न० (स्त्रीलक्षण) क्षय
भाव आदि स्त्रीना लक्षण. स्त्री के हाव, भाव
आदि लक्षण. A characteristic
mark of a woman; e. g. glances,
sportive gestures etc. नाया० १;

इत्थिया. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री; औरी स्त्री;
पत्नी; A woman; a wife. डा० ४, २;

प्रव० ८६०; भग० १५, १; दसा० १०, ३;

इत्थी. स्त्री० (स्त्री) स्त्री; नारी. स्त्री; पत्नी.

औरत. A woman; a wife. क० ग०
४, २६; क० प० २, ८४; ८५; ४, ४५; “मे

कितं इत्थीओ २ तिविहाओ पणत्त ओ ”
नाया० ८; सम० ६; जावा० १; अणुजा०

१२८; ओव १६; डा० ३, १; दसा० ७, १;

आया० १, ६, २, ८; उत्त० ३०, २२;
३६, ४६; ५२; निमा० ७, २१; ६, ६; पञ०

१; मु० च० ४, १५४; दसा० ५, २, २६;
६, २६; पि० नि० १६२; भग० २, ४; ५,

४, ६, ३; १६, ६; १८, ४; —कलेवर
न० (कलेवर) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का

शरीर. female body. पंचा० १, ४६;
—कथा. स्त्री० (कथा) या० विकथामांनी

ओड. स्त्रीकथा; चार विकथा में की एक
one of the four Vikathās; talk
about women. आव० ४, ७; —काम.

पुं० (-काम) स्त्री संयंप्री काम भोग. स्त्री
सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoy-

ment. प्रव० ८४०; —पुत्त. न०
(-गोत्र) स्त्री गोत्र; स्त्री जति. स्त्री गोत्र;

स्त्री जाति. womankind. दस० ७, १७;
—पच्छाकड. त्रि० (-पश्चात्कृत) जुओ

“ इत्थि पच्छाकड ” शब्द. देखो “ इत्थि-
पच्छाकड ” शब्द. vide “ इत्थि पच्छा-

कड ” भग० ८, ८; —परिवुड. त्रि०
(-परिवृत) स्त्रीधी विंटायेव. स्त्री से घिरा

हुआ. surrounded by women.
निमा० ८, १०; —मज्झगय. त्रि०

(मध्यगत) जुओ “ इत्थि मज्झगय ”
शब्द. देखो “ इत्थि मज्झगय ” शब्द.

vide “ इत्थि मज्झगय ” निमा० ८, १०;
—रयण. न० (-रत्न) जुओ “ इत्थि

रयण ” शब्द. देखो “ इत्थि रयण ” शब्द.
vide “ इत्थि रयण ” ज० प० पञ० १;

—रुव. पुं० (-रूप) जुओ “ इत्थि
रुव ” शब्द. देखो “ इत्थि रुव ” शब्द.

vide “ इत्थि रुव ” वेय० ५, १; भग०
३, ४; —वउ. स्त्री० (-वाक) जुओ

“ इत्थि वउ ” शब्द. देखो “ इत्थि वउ ”
शब्द. vide “ इत्थि वउ ” पञ० ११;

—वेअ-य. पुं० (-वेद) स्त्रीने थती
पुरुष समागमनी अभिलाषा. स्त्री का होती

हुई पुरुष समागम की अभिलाषा. the
desire of sexual intercourse

on the part of a woman. डा० ६,
१; पञ० २३; उत्त० २६, ५; —वेद. पुं०

(वेद) जुओ उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द. vide above. भग०

२०, ७; —वेदग. पुं० (-वेदक) जुओ
“ इत्थि वेदग ” शब्द. देखो “ इत्थि

वेदग ” शब्द. vide “ इत्थि वेदग ”
भग० ६, ३१; ११, १; २४, १; २५, ६;

३५, १; —संसक्त. त्रि० (—संसक्त) स्त्रीमां आसक्त. स्त्रीसे आसक्त. attached to a woman; in love with a woman. निसी० ८, १०; —सहाव. पुं० (—स्वभाव) लुओ “इत्थि सहाव” शब्द. देखो “इत्थि सहाव” शब्द. vide ‘इत्थि सहाव’ सु० च० ४, १६७;

इत्थीतिथ न० (स्त्रीतीर्थ) १६ मा भल्ली-नाथ स्त्री रूपे लतां छतां तीर्थ प्रवर्तय्यु ते: दश अछेराभांनुं त्रींजुं अछेरे. स्त्री तीर्थ-कर; १६वें तीर्थकर मल्लीनाथ; १० अछेरे (आश्चर्यजनक बात) में से एक. the 3rd of the 10 Achherās (i. e. wonderful events); viz the founding of a Tirtha (religious community) by the 19th Tirthankara Mallinātha who was a woman. प्रव० ८६२;

इत्थीपरिज्ञा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) सुयगडांग सूत्रना आथा अध्ययननुं नाम के गेमां स्त्री-ओ साधुओने केरी रीते इसानी दुःखी करे छे. तथा साधुये तेनार्थी केम अययुं ते निपेने उपदेश तथा समज आपयामां आवी छे. सुयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि स्त्रियां साधु-ओं को किस प्रकार फंसाकर दुःख करती हैं और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Sūyagadāṅga dealing with the ways in which women entice and entrap Sādhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. सू० १, ४; २, २२; सम० १६;

इदानी. अ० (इदानीं) हमारा; अङ्गना.

अभी. Now at this time. भग० ३, १; ११, ११; १४, ६; नाया० २; सू० प० १६; उवा० १, ६६;

इदुर. न० (इदुर) मुंडयो. बड़ी टोपली. A large basket. अणुजो० १३२; (२) मोटी पाट. बड़ा पाट-लकड़ी का बैठने का पाट. a large wooden seat राय०

इन्हि. अ० (इदानीम्) अधुना; हवे. अब. इस समय. Now; at this time. प्रव० ३५६;

इव्व. पुं० (इव्व) गेरेला द्रव्यथी अंयादी सद्धित दार्थी दंडाय तेडता द्रव्यवादी गृहस्थ इतने द्रव्यवाला गृहस्थ कि जिसके द्रव्य में अंबादी महित दार्था डंक जाय. A man possessed of wealth, enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back पत्र० १; १६; ओव० १४, २७; ठा० ६; भग० ६, ३३; अणुजो० १६; ३१; राय० २५३; जाना० ३, ३; जे० प० नाया० ५; —कुल. न० (—कुल) साधु-शरनुं इत. गाहूकार का कुल. a wealthy family. नाया० ५; जाइ. स्त्री० (जति) आर्य जति आर्य जाति. the Ārya or civilised race. “हरिया चंचुणा चव छव्वेभया इव्वजाडओ” ठा० ६; —मेट्टि पुं० (धेष्टिन्) नगर शेर. नगर मेड; नगरमर का मुखिया मेट. the chief merchant-prince of a town. नाया० ७, १६;

इम. पुं० (इम) दार्थी. हस्ती; दार्था. An elephant. जे० प० २; कप्प० ३, ३३;

इम त्रि० (—इदम्) आ; ओ; प्रत्यक्ष. यह; प्रत्यक्ष. This; that. ओव० ३१; वव० २, २२; २३; २६; ७, ४; १८; दमा० १,

३; ५, १; २; ३; १६; निमी० ६, ४; विशेष० २६८; सु० प० १; ६४; ३, १३८; भग० ५, १; ८; ६; पञ० ११५.

इमंचण. अ० (इमंचन) ऐटलाभां; ते दरम्यान; ऐ पयतमां; इतने में; इतने समय में. During that time; meanwhile. अंत० ३, ८; नाया० १; ५; १३; १४; १६;

इमेयारूच. त्रि० (एतद्रूप) आप्रशरतु; आप्रभाण. इस प्रकार; इस तरह. In this way; thus. नाया० ३; ७; ८; १२; १३; १४; १६; विवा० ७; दया० १०, ३; वव० २, २३; उवा० १, ६६; ३. १३८; ६, १५१; कण० ५, १०३; भग० २, १;

इमेरिस. त्रि० (ईदश) आप्रशरतु; आप्रशरतु. इस प्रकार का; इसके समान. Of this sort; of this nature. ' इमेरिस मण्णायारं आवज्झइ अचोहयं ' दया० ६, ७७;

इय. अ० (इति) आप्रशरतु; ऐ प्रभाण. इस प्रकार में; इस तरह में. Thus; in that way. नाया० १; दया० ६, ६१; पि० नि० २०१; सु० च० १, ६४; विशेष० ७४; ३६०२; आया० १, २, ३, ७५; १, ६, २, १०३; उवा० ७, २१६; पञ० २; पंचा० ४, ३२; क० गं० १, ५, २५; ३० ६१; (२) सभाभि. समाप्ति a word marking conclusion. दया० ६, ४६; नाया० ६; पि० नि० ३७६; क० गं० १, २५, ३, ४;

इयगिह. अ० (इदानी) एमण्ण. अभी. Now; at this time. टा० ३, ३;

इयर. त्रि० (इतर) अण्णु; अन्य; भिन्न. दूसरा; अन्य; भिन्न. Another; different; other. पञ० २१; विशेष० २६; ७५; आया० १, ६, २, १८४; नाया० ५;

११; सु० प० ११; पि० नि० भा० ७; म० च० १, १; कण० १, ३; क० गं० १, ८; पंचा० १, ६; — कुल. न० (-कुल) अन्त प्रान्त कुल. अन्य कुल. another family; different family. " इयरे-हि कुलोहि " आया० १, ६, २, १८४; — भेअ. पुं० (भेद) अन्य भेद. अन्य भेद; दूसरा भेद. another difference; another variety. विशेष० ६७;

इयरन्थ. अ० (इतरत्र) अण्णु; स्थाने. दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere. विशेष० १२८;

इयरविह. त्रि० (इतरविध) अण्णु; प्रशरतु. अन्य प्रकार का. Of another sort; different. क० गं० १, ८;

इयरहा. अ० (इतरथा) अन्यथा; नदि तो. अन्यथा. In another way; other-wise भन० ३६; प्रव० १४८१;

इयगिण. अ० (इदानीम्) एमण्णु; अधुना. अभी. Now; at this time. आव० ३६; नाया० १; ५; १३; १४; १६; १६; भग० १, ४, ६; ५, ६; १४, २; राय० २५२; आया० १, १, ४, ३५; जे० प० ७, १४१; कण० ४, ६३;

इयाल. स्त्री० (एकचत्वारिंशत्) अट्ठादीस; ४० वीं संख्या उक्ततालासवी संख्या. Forty-one: 41 " चउक्क पंचग मंजोगेणं इयालं भंगमयं भवति " भग० २०, ५;

इर या० 11. (इर) प्रेरणु; इरेल. प्रेरण करना. To impel; to incite. (२) गमन इरेलु. गमन करना. to go. इरेइ. विशेष० १०६०;

इरिय. त्रि० (इरित) प्रेरणु; इरेल. प्रेरित; गति कराया हुआ. Made to go; prompted. विशेष० ३१४४;

हरियुक्त्वण. न० (ईर्वाध्ययन) आचारंग सूत्रनी प्रथम यूक्लिङानुं त्रीनुं अभ्ययन. आचारांग सूत्र की प्रथम चूलिका का तीसरा अध्याय. The third chapter of the first Chūlikā of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, ३, १, ३०५;

हरियट्ट. त्रि० (ईर्वाथ) ईर्वा-विशुद्धि अर्थे. ईर्वा अर्थात् बिशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking. ठा० ६;

हरिआ-या. स्त्री० (ईर्वा) गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक यात्रयुं ते; समितिना अेक प्रकाश. गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक चलना; समिति का एक भेद. Carefulness in walking; a variety of Samiti or carefulness. ओव० १७; भग० २, १; ३, ३; पि० नि० ६६२; उत० २४, २; ४; उवा० १, ७८; —**असमिति. स्त्री० (-असमिति)** ईर्वासमितिना अभाव. Lack of carefulness in walking. भग० २०, २; —**वह. पुं० (-पथ)** गमन मार्ग. जाने का मार्ग. a way or road to go by. भग० ३, ३; ११, १०; ठा० —**वह किरिया. स्त्री० (-पथ क्रिया)** गमन क्रिया विशेष. गमन की क्रिया विशेष. A kind of Karma arising from walking. ठा० ५; —**वहिअ. त्रि० (-पथिक)** तेरहुं क्रिया स्थानक; समिति गुप्ति युक्त यत्नावत साधुने हलतां यात्रतां आंभनी पांपलु हलवातां योग निमित्ते क्रिया लागे ते. तेरहवां क्रिया स्थानक; समिति, गुप्ति युक्त यत्नावत साधु को हलत चलन करने या आंख के पलकों को हलाने पर योग के अर्थात् मन वचन, काय के कर्म के निमित्त से जो कर्म बंध हो वह. the 13th source

of Karma (Kriyā-sthānaka); a Karma incurred by a careful and well-restrained Sādhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc. सम० १३; सूय० २, २, १६; २३; —**वहिय बंध. न० (-पथिकबन्ध)** गमनक्रिया थी लागतो कर्म बंध. गमन की क्रिया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग० ८, ८; —**समिह. स्त्री० (-समिति)** यात्रयाभां यत्ना राप्पी-ते; पांच समिति-भांती पेशी समिति. चलने में यत्नाचार रखना; इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिसमें जावों को बाधा न हो; पांच समिति में की पहली समिति. carefulness in walking; the first of the 5 Samitis. ठा० ५, ३; ८; कप० ५, ११६; —**समिय. त्रि० (समित)** यत्ना पूर्वक यात्रनाः ईर्वा समिति युक्त. यत्नाचार पूर्वक चलने-वाला; ईर्वा समिति का पालन करनेवाला. (one) walking with care and attention. नाया० १; ५; १४; १६; भग० २, १; १२, १; १८, २; २०, २; इमा० ५, ६;

हरियावहिआ. स्त्री० (ईर्वापथिकी) हरिया-वही क्रिया; ११-१२-अने १३ में गुणस्थाने उपशांतमोह के क्षीणमोहवाता साधुने केवल योग निमित्ते सातावेदनाय कर्म रूपे कर्म बंध थाय ते. हरियावहा क्रिया; ११, १२ और १३ वे गुणस्थान में उपशांत मोह या चाँगा मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त से साता वेदनाय कर्म रूप जो बंध हो वह. Irīyāvahī Kriyā; i. e. Karmic bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (Guna Sthāna) arising from Kevāla yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower; (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.)
ठा० २, १; आव० ४, ३; प्रव० ७८; भग० १, ६०; ३, ३; ६, ३; ८, ८; १८, ८; नाया० १६; वेय० ३, १६; दस० ५, १, ८८; — किरिया. स्त्री० (-क्रिया, लुग्यो उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ७, १, ७:

इला. स्त्री० (इला) जंबूद्वीपमांनुं ऐक देव. जंबूद्वीप में का एक क्षेत्र. Name of a region in Jambū Dvīpa. जं० प० ठा० ४; (२) भवार्धन नगरनी ऐक देवी. इलावर्धन नगर की एक देवी. name of a goddess of the town of Ilāvardhana. जं० प० (३) पश्चिम उच्च पर्वत उपर रहनेारी ऐक दिशाकुमारी. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी. name of a Disākumārī residing on the western Ruchaka mountain. जं० प० — कूड. न० (-कूट) चूच हिमवत पर्वत उपर भवार्धनीना वासवाणुं य्युं शिखर. चूल हिमवत पर्वत का चौथा शिखर जहां इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ilā resides. ठा० ४; जं० प० (२) शिखरी पर्वतना ११ कूटमांनुं नवभू कूट-शिखर. शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवां शिखर. the ninth of the 11 summits

of the Śikhari mountain. ठा० ४; जं० प०

इला देवी. स्त्री० (इला देवी) पश्चिम उच्च पर्वत पर रहनेारी आई दिशा कुमारिकामांनी पलेवी. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा कुमारिकाओं में से पहिली दिशाकुमारी. The first of the eight Disākumārīs residing on the western Ruchaka mountain. निर० ४, १; जं० प० ५, ११४; — कूड. न० (-कूट) लुग्यो “ इलाकूड ” शब्द. देखो “ इलाकूड ” शब्द. vide “ इलाकूड ” जं० प० ५, ११४;

इलापुत्त. पुं० (इलापुत्र) भवार्धन नगरना रहनेारी ऐक शेतो पुत्र-असायी कुमार के जे ऐक नटनीमां लुब्ध थर्न दुस जतिथी अथ थयो दतो पण पाण्डवथी ओध पासो दीक्षा दीथी दती. इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक सेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ध होकर कुल जाति से अछ हो गया था और पाँछे से बोध को पाकर दाक्षित हुआ. Elāchi Kumāra a son of a merchant of Ilāvardhana town; he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk. जं० प०

इलावड. पुं० (इलापति) असापत्य गोत्रतो प्रदाशक आई पुत्र. एलापत्य नामक गोत्र का आदि पुरुष. The progenitor of the family called Elāpatya. नंदी०

इलावज्जण. न० (इलावर्धन) भवार्धनी पुत्रनुं निवास स्थान; भवार्धन नगर. इलाची पुत्र का निवास स्थान; इलावर्धन नगर.

The residence of Ilāchīpatra viz the town called Ilāvar-dhana. जं० प०

इलिया-आ. स्त्री० (इलिका) अयक्षः अक्षः; योष्मा वगेरे धान्यमां पडतो अक्ष द्विधा. इक्षीः चम्मल वगेरह धान्यों में होनेवाला एक कीड़ा. A worm found in rice and other grains. विशेष० ४३०;

इली. स्त्री० (इला) इरवातः; ये धारवाली तलवार. दो धारवाली तलवार. A double-edged sword. पण्य० १, ३;

इव. अ० (इव) पेडः परे; जेजुः भाइ. तुल्यः सदृश्य. Like; as. सम० ३०; दसा० ६, १; नया० १; ३, ८; १५, १८, १८; दस० ६, ६६; ६, २, १२; भग० ८, ३३; १६, १, २५, ७; आया० १, ५, १, १४२; आव० १७; उवा० २, १०२; क० गं० १, ३६, ५२;

इसणा. स्त्री० (इषणा) अन्वेयणाः इष्ट वस्तु-मां प्रवृत्ति अने अनिष्ट वस्तुमां त्यागबुद्धि. इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग बुद्धि. Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false. आया० ३, ४, १, १२७;

इसि. पुं० (ऋषि) ऋषिः ज्ञानवान् साधु. मुनि. ऋषिः ज्ञानवान् साधु; मुनि. A sage; a saint; an ascetic "इलीण सेट्टे तह वडमाणे" सय० १, ६, २२; २, १, ६०; जं० प० ३, ५७; पञ्च० २; आव० ३६; दस० ६, ४७; भग० ६, ३४; १६, ३; अणुजा० १२८; टा० २, ३; उत० १२, १६; २८, ३६; राय० २६६; जं० प० ३, ५७; —परिसा.

स्त्री० (परिषत्) अनिशय ज्ञानवाला ऋषिओनी परीपदसभ. अनिशय महान् ज्ञानवाले साधुओं की सभा. an assembly of highly enlightened saints. भग० ६, ३३; दसा० १०, १; —वंस. पुं० (—वंश) गणधर सिवायना तीर्थहरना शिष्येनो वंश. गणधर के सिवाय तीर्थहरों के शिष्यों का वंश the lineage of the disciples of Parthi-karas, excepting the Gan-dharas. () ते वंशजं प्रतिपदा इत्यने शस्त्र समवायं वगेरे उक्त वंश का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र समवायंग वगेरह. the scripture e. g. Samavāyāṅga etc. dealing with the above सम० २;

इसिगणिआ. स्त्री० (ऋषिगणिका) अ नामना अन्तर्ग देशमां जन्मेत दासी. उस नाम के अन्तर्ग देश में जन्मी हुई दासा. A female servant born in a non-Arya country of the name. जं० प० भग० ६, ३३; आव० ३३;

इमिगुत्त. पुं० (ऋषिगुप्त) वशिष्ठ अन्तर्ग सुदस्तिन् अन्तर्ग देशमां जन्मेत दासी. वशिष्ठ गोत्र के मुद्रास्त्र आचार्य के एक शिष्य. Name of a Thivara disciple of the preceptor Subastin, of the Vasiṣṭha family (२) अ नामनुं भाज्यगणजं प्रथम इति. इस नाम का भाज्यगण का प्रथम कुल-नाम of the first family of Mājavagana. "थेरेहितानं इमि-गुत्तेडितो वासिष्ठमगोत्ते हि" कण० ८;

इसिगुत्ति. न० (ऋषिगुप्ति) अ नामनुं भाज्यगणजं तीर्थहर इति. भाज्यगण में निकले हुए कुल का नाम. Name of a

family-offshoot derived from
Māṇava Gṇa. कण० ८;

इसिण. पुं० (इसिन) ओ नामतो ओइ
अनार्य देश. एक अनार्य देश का नाम.
A non-Ārya (uncivilised)
country of this name. नाया० १;

इसिणिया. स्त्री० (इसिनिका) इसिण नामक
अनार्य देशकी स्त्री. इसिण नामक अनार्य
देश की स्त्री. A woman of a non-
Ārya country (uncivilised
country) named Isina पञ्च० १;
नाया० १;

इसिदत्तिय. पुं० (ऋषिदत्तक) रिसिग्रम
शिवरथी भाग्यवज्जुनं नीद्वत्त श्रीज्जुं इव.
ऋषिगुप्त स्थावर से निकला हुआ मानवगण
का दूसरा कुल. The 2nd Māṇava-
gṇa lineage starting with
the saint Risigupta. कण० ८;

इसिदास पुं० (ऋषिदास) आनुत्तरोपपाद
सूत्रना त्रिज्ज वर्गना त्रिज्ज अध्ययननुं नाम.
अनुत्तरोपपाद सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे
अध्याय का नाम. Name of the
third chapter of the third
section of Anuttaropapāṭi
Sūtra. (२) काटीकी नगरी निवासी
भद्रासार्थवादीना पुत्र के दे दे दीक्षा लेके ११
अंग लपटी छट्छट पाण्डुनी प्रतिजा
लेम अणु परमनी प्रवन्धा पासी ओइ
भासतो संशयो करी सार्थसिद्ध विमानमां
उत्पन्न थया, त्यांथी ओइ अन्ता करी
भोक्ष पाभशे. कांटीकी नगरी निवासी भद्रासार्थ-
वादी का पुत्र, जिसने कि दीक्षा लेकर ११
अंग पढे, और प्रत्येक छट्छट (दो २ अनशन)
का पारणा करनेकी प्रतीक्षा ली और बहुत वर्षों
तक प्रव्रजा का पालन कर अन्त में एक मास
का संशयो किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्धि

विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहाँ से
एक भव और धारण कर मोक्ष जावेगा
name of a son of the mer-
chant Bhadrāsārthavāhī of the
city of Kākandī. He took
Dikṣā, studied 11 Aṅgas, took
a vow to take food after every
two fasts, practised asceti-
cism for many years and after
a Santhārā (giving up food
and water) for one month
was born in the heavenly
abode called Sarvārtha Siddha
whence after one birth he
will get salvation अणुतो०
३, ३: — उभयण. न० (-अध्ययन)
आनुत्तरोपपादित सूत्रना त्रिज्ज वर्गना
त्रिज्ज अध्ययननुं नाम. अनुत्तरोपपादित
सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का
नाम. name of the third chap-
ter of the third section of
the Anuttaropapāṭi Sūtra.
ठा० १०,

इसिदिगण. पुं० (ऋषिदत्त) जंबूद्वीपना
अश्वत्थक्षेत्रना आत्र अवसर्पिणीना पांचमा
तीर्थक्षेत्रः समतिनाथ प्रभुना समकाशीना
जंबूद्वीप के अश्वत्थक्षेत्र के वर्तमान अव-
सर्पिणी काल सम्बन्धा पांचवें तीर्थक्षेत्रः
समतिनाथ स्वामी के समकालीन The
5th Tirthāṅkara (contem-
porary of Lord Sumatinātha) of
the present Avasarpinī in the
Airavatākṣetra of Jambū-
dvīpa. सम० प० २४०; (२) काटीकी-
कांटीकाचार्यना थविरे शिष्य. कोटिक काक-
न्दकाचार्य का स्यावर शिष्य. name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कप्प० ८;

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) पांचमा वासुदेवना त्रीज्ज पूर्वभवनुं नाम. पांचवें वासुदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम. Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva. सस० प० २३६; (२) छसियाय जतिना व्यंतर देवतो धंद्र. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya. ठा० २;

इसिभद्रपुत्त. पुं० (ऋषिभद्रपुत्र) आलंबिका नगरीना मुज्ज श्रावक. आलंबिका नगरी का मुख्य श्रावक. The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, १२;

इसिवासिय. न० (ऋषिभाषित) ऋषिभाषित नामनुं ऐक कालिक श्रुत के जेभां तीर्थंकर आदिनी स्तुति करेव छे. लाज तेने विच्छेद थछ गये छे. ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिनमें कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है. वर्तमानमें इस श्रुत का विच्छेद हो गया है. Name of a Kālika Śrūta (not extant) scripture containing the praises of Tirthāṅkaras etc. सम० ४४; विशेष० १०७५; नंदी० ४३; (२) त्रि० ऋषिमुनिअ इहेव उत्तराध्ययन वगेरेना अध्ययने. ऋषि-मुनि-द्वारा कहा हुआ उत्तराध्ययन वगेरह का अध्याय. chapters of Uttarādhyaṇa etc. narrated by ascetics. विशेष० २२६४;

इसिभासियज्झयण. न० (ऋषिभाषिताध्ययन) प्रश्नव्याकरणदशांनुं उज्ज अध्ययन.

प्रश्नव्याकरणदशा का तीसरा अध्याय. The third chapter of Praśnavyākaraṇa Daśā. ठा० १०;

इसिया. स्त्री० (ईषिका) घासनी सदी. घासकी सलाई. A blade of grass. “ केह पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिणि-वाहत्ता ” सूय० २, १, १६;

इसिवाइ. पुं० (ऋषिवादिन्) वाणव्यंतरनी १६ जतमानी ११ भी जत. वाणव्यंतर की सोलह जातियों में की ११वां जाति. The 11th of the 16 classes of Vāṇavyantara hell-gods. पञ० २; ओव०

इसिवाइय. पुं० (ऋषिवादिक) जुओ उपेतो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.

Vide above. ओव० २४; परह० १, ४;

इसिवाल. पुं० (ऋषिपाल) जुओ ‘इमिपाल’ शब्द. देखो ‘इसिपाल’ शब्द. Vide “ इमिपाल ” पञ० २; ठा० २, ३;

इसिवालिय. पुं० (ऋषिपालित) छसियाय जतिना व्यन्तरदेवो धंद्र. इसिवाय जाति के व्यन्तर देवों का इन्द्र. The Indra of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods ओव० (२) माठरस गोत्री आर्यशान्तिमैनिक्कना स्थविर शिष्य. माठरस गोत्र के आर्यशान्तिमैनिक्क के स्थविर शिष्य. the Sthavira disciple of Ārya Śāntisainika of the Mātharasa family. (३) तेना उपरथी नीइलेव शाखा. उक्त गोत्र पर से निकला हुई शाखा. a lineal branch from the above. “ येरोहितो अज्जु इसिवालिय-ण्हिं ता इत्थणं अज्जु इसिवालिया माहा गिगया ” कप्प० ८;

इसीपद्भारा. स्त्री० (ईषपद्भारा) जुओ ‘इसिपद्भारा’ शब्द. देखो ‘इसिपद्भारा’

शब्द. Vide “इत्सिपम्भारा” पञ्च० २;
श्रौव० ४३;

इत्स. पुं० (ऐष्यत्) अविष्य काल. भविष्य
कालः आगामा काल. The future time.
विशे. ५०८.

इत्सर. पुं० (ईश्वर.) दक्षिणना भूतवादी
व्यन्तना व्यन्तरदेवतागो ईश्वर. दक्षिण के
भूतवादी जाति के व्यन्तर देवों का इन्द्र.
Indra of the Bhūtavādī kind
of Vyantara gods of the south.
पञ्च. २; (२) भाविष्ठः सरदारः सामान्य
राज्य. मालिक; सरदारः सामान्य राजा an
owner: a lord; a king. जीवा० ३.
३; निर० १, १; दसा० ६, १३; १४;
—वाइ. पुं० (वादिन्) ईश्वर जगत् कर्ता है.
ऐसे वाद करनेवाले. ईश्वर जगत् कर्ता है.
इस प्रकार वाद करने वाला. one who
holds that God is the creator
of the universe. मय० टी० ५, १.
२, ७;

इत्सरिय. न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्यः भोलाटी.
ऐश्वर्यः समृद्धि; बड़पन. Power:
wealth; greatness. पञ्च० २३;
अणुजो० १३१; उत्त० १८. ३६; प्रव०
१०७०; विशे० १०८८ — **मअ-य.** पुं०
(-मद) ऐश्वर्यन भोलाटी अपत्ति यंत्ररेतो
मद. ऐश्वर्य-समृद्धि वंगरह का मद. pride,
intoxication, of power, wealth
etc. सम० ८; टी० ८; — **मद.** पुं० (मद)
जुआ ड्रिपेला शब्द. देखो ऊपर का शब्द
vide above. भग० ८. ६; — **सिद्धि**
पुं० (-सिद्धि) ऐश्वर्यनी सिद्धि प्राप्ति.
ऐश्वर्य की प्राप्ति acquisition of
power and wealth. मय० १, १,
३, १५;

इत्सरीकय. त्रि० (ईश्वरीकृत) धनाढ्य

नथी तेने धनाढ्य बनावेस. जो धनाढ्य न
हो उसे धनाढ्य बनाया हुआ. (One)
raised to power and wealth.
सम० २६; दसा० ६, १३;

इत्सा. स्त्री० (ईर्ष्या) अदेष्ठा. अदेखाई;
ईर्ष्या; दूसरे का वैभव, मान आदि सहन न
होना. Envy; jealousy. उत्त० ३४, २३;

इह. अ० (इह) अदिआ; आ लोडभा.
यहां; इस लोक में. Here; in this
world. गय० २३; नंदी० ४५; नाया० १;
३; ६; ७; ८; ९; १५; १६; भग० १, ६;
२, १; ३, २; ५, ३; ५; ४, ७; ६, ५; ८, ८;
१८, ५; मय० १, १, १, ७; आया० १, १,
१, ३; दस० ४; ६, ३, १५; दसा० १, ३;
विशे० ५१; निर्मा० ६, १२; क० गं० १,
३-२१; २, १७; जं० प० ७, १३३; — **गय.**
त्रि० (- गत) अदिआ रहेले. यहां रहा हुआ.
standing here; remaining here.
नाया० ५० भग० २, १; ६, ६; ७, ६; ६;
जं० प० ७, १३३;

इहई. अ० (इह) अदि. यहां. Here. म०
च० १६, ३०;

इहं. अ० (इह) अदि; इहा. यहां. Here.
आया० १, १, १, १; नाया० १; २; ५; ६;
१६; १६; १७; प० नि० २१६;

इहन्थ. त्रि० (उहार्थ-इहैव जन्मन्थर्थः प्रयोजनं
सम्य) आलोचना अर्थ सुपनो अभिलाषी.
इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला.
(One) desirous of the happi-
ness of this world. टी० ४, ३;

इहभव. पुं० (इहभव) आ भव; आ जन्म;
भतुप्य जन्म यह भव; यह जन्म; मनुष्य
जन्म. This life; this world;
human birth. नाया० ४; ७; ६; १३;
१५; १८; भग० २, ५;

इहभाविय. त्रि० (इहभाविक) आलय संबंधी; आ लयभां रहै तेनुं. इस भव संबंधी. *Pertaining to, belonging to, this birth.* भग० १, १; ६; ५, ३; —**आउय.** न० (-आयुष) आ लयनुं आयुष्य. इस भव संबंधी आयु. *duration of life in this birth.* भग० १, ६; ५, ३; —**चारित.** न० (-चारित्र) आ-लय-भुं-भनुं चारित्र. इस जन्म का चारित्र. *the right-conduct of this birth.* भग० १, १; —**ज्ञान.** न० (-ज्ञान) आ लयभां रहै ऐनुं ज्ञान. इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान. *knowledge remaining with the possessor in this birth.* भग० १, १;

इहरहा. अ० (इतरथा) अ-यथा. अन्यथा *Otherwise; in another way.* पंचा० १०, २२;

इहरा. अ० (इतरथा) अ-यथा; श्रीरु रीते. अन्यथा; दूसरी तरह से. *Otherwise; in a different way.* विशेष० १-६; सु० च० ७, २८४; पि० नि० ४६१; पंचा० २, ३०;

इहलोइय. त्रि० (ऐहलौकिक) आ लोक संबंधी. इस लोक सम्बन्धी. *Pertaining to this world.* सम० ६; आया० १, ६, २, ६; २, ११, १७०; —**परलोइय.** त्रि० (-पारलौकिक) आ लोक अने परलोकनुं इस लोक और परलोक का. *pertaining to this world and the next world.* ठा० ३;

इहलोग. पुं० (इहलोक) आ लोक; आ जन्म; मनुष्यलय. यह लोक; मनुष्यभव; वर्तमान जन्म. *This world; this birth; human birth.* पि० नि० २६५; दस० ६, २, १३; उवा० १, ५७; —**आत्मसंपन्नयोग.**

पुं० (-आशंसाप्रयोग) आ लोकभां लुं राजा थाउं धत्यादि धृष्टा करपी ते; संधारा-नो प्रथम अतियार. इस लोक में मैं राजा बनूं, इत्यादि इच्छा करना; संधारा का प्रथम अतिचार. *desire of being a king in this world and such other desires; the first step of violation of Santhārā.* उवा० १, ५७; —**पडिणीय.** त्रि० (-प्रयत्निक) मनुष्य-लोक संबंधी कामभोगपी विरुद्ध वर्तनार पंचाग्नि तापस वगैरे; अथवा मानुषिक काम भोगभां उपद्रव करनार; अथवा मनुष्य लय-संयधी विपरीत परूपणा करनार. मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पंचाग्नि तापस वगैरह; अथवा मानुषिक कामभोग में उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्ररूपणा—विरुद्ध वर्णन करने वाला. (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life. ठा० ३; —**पडिबद्ध.** त्रि० (-प्रतिबद्ध) आ लोकभां भवेत्तः आ लयना भोगभां अपटाग गयेत्त. इस लोक में-संसार में लुप्त; इस भव के भोगों में तज्जान. *plunged or steeped in the pleasures of this world* ठा० ४, ४; —**पारत्तद्विअ.** त्रि० (परत्र-हित) आ लोक अने परलोकनुं द्वि०. इस लोक और परलोक का हित. *benefit or welfare of this world and the next world* दस० ८, ४४; —**भअ.**

पुं० (-भय) मनुष्य निर्यादादिकृती उत्पन्न
यत्तुं भय; सात भयमानुं ऐक. प्राणीयो-
मनुष्य तिर्यचादिको से उत्पन्न भय-डर.
fear arising from the beings
(men, animals, etc.,) of this
world. सम० ७; टा० ७, १; —वेयण.
पुं० (-वेदन) आ लोकात्ता सुप्नतो अनु-
भव. इस लोक के सुख का अनुभव. ex-
perience of the happiness of
this world. आया० १, ४, ६, १५८;
—वेयणवेज्ज. त्रि० (-वेदनवेय) आ भव-
मांज वेदयाथी वेदाज्ज न्यय तेयुं कर्म; प्रमत्त
संयतिओ छच्छाविना भाव दाय योगथी
आधिय कर्म. इस भव में ही वेदने से—
भोगने से भोगा जाय—ऐसा कर्म; प्रमत्त
संयति का भी बिना इच्छा के केवल काया
के योग से बोधा हुआ कर्म. (Karma)
the result of which can be ex-
hausted (borne) in this world;
(Karma) incurred by an err-
ing ascetic without special
desire, merely by the weak-
ness of the flesh. आया० १, २;
४, १५८; —वेयण वेज्जा वडिय. त्रि०
(-वेदन वेद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मान्
वेदनमनुभवनामिहलोकवेदन तेन वेद्यमनु-
भवनीयमिहलोकवेदन वेद्यं तत्रापतितमिह-
लोकवेदन वेद्यापतितम्) आ भवमांज

भोगवाप्त न्यय येयुं कर्म; छच्छा विना भाव
दाययोगथी कर्म अंधाय ते. इस भव में
ही भुगता जाय, ऐसा कर्म; बिना इच्छा के
केवल काया के योग से जिस कर्म का बंधन
हो वह. (Karma) the result of
which is exhausted (borne)
in this very birth incurred
without volition, through
weakness of the flesh. आया० १,
२, ४, १५८; —संवैगिणी. स्त्रा० (-संवैगिनी)
आ संसारनुं स्वप्न लक्ष्मीने वैराग्य पमाय
तेयी कथा. ऐसा कथा जिससे संसार स्वरूप
जन कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creat-
ing disgust towards this world
by showing its worthlessness.
टा० ४;

इहलोय. पुं० (इहलोक) नुओ 'इहलोक'
शब्द. देखो 'इहलोक' शब्द. Vide
"इहलोक" निर्मा० १२, ३५; नाया० २;
५; १७; १८; गु० च० ४, ६७; —भय.
न० (-भय) आ लोकांनुं-निर्यय मनुष्य
वज्जेथी यत्तुं भय. इस लोक का भय.
fright caused by beings in this
world e. g. by men, brutes, etc.
प्रव० १३३४;

इहंय. अ० (इहंय) अदिज्ज. यहां हा.
Here; in this very place. नाया०
१; ८; ९; १४; १६; भग० ३. २; १५, १;

ई.

ईअ. स्त्रा० (ईति) उपद्रव. उपद्रव: विघ्न.

Disturbance; obstruction. ओव०

ईई. स्त्री० (ईति) अनियुष्टि अनायुष्टि आदि

उपद्रव. अतिवृष्टि अनावृष्टि आदि उपद्रव.

A calamity such as excess of
rain, drought etc. प्रव० ४५०;

ईति. पुं० (ईति) १ स्वयंकृत्य; २ परचक्र-
लय, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ उंदर,
६ तीड अने ७ शुक अे सात धृति उहेवाय
छे. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र
भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अना-
वृष्टि, ५ उंदरा, ६ टिड़ी, और ७ शुक यह
सात प्रकार के भय हैं. A calamity;
a disturbance; it is sevenfold;
(1) from friends (2) from ene-
mies (3) from excessive rain (4)
from drought (5) from locusts
(6) from parrots and (7) from
rats. जं० प० १, १०; सम० ३४; —बहुल
त्रि० (-बहुल) जेभां स्वयंकृत्य भय आदि
धृति धण्णी होय ते. जिसमें स्वचक्र भय
आदि भय बहुत हो. that which is
full of calamity, disturbance,
from friends etc. जं० प० १, १०;

✓ **ईर.** धा० I, II (ईर्) प्रेरणा करवी.
प्रेरणा करना. To prompt; to direct.
“ईरन्ति” दस० ६, ३६;

ईरिय. त्रि० (ईरिन) प्रेरणा करेव; हांकेव;
हलावेव. प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ;
हांका हुआ. Prompted; directed.
“समीरिया कोटबालि करिति ” सूय० १,
५; २, १६; (२) उहेव; प्रतिपादन करेव.
कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ. told;
explained. आया० १, ६, ४, १६२;

ईरिया. स्त्री० (ईरिया) जुआ “ईरिया” शब्द.
देखो “ईरिया” शब्द. Vide “ईरिया”
श्लो० नि० ७४८; श्लो० ४१; —समिह.
स्त्री० (-समिति) जुआ “ईरियासमिह”
शब्द. देखो “ईरियासमिह” शब्द. vide
“ईरियासमिह” सम० ५; ठा० ८, १;

ईस. पुं० (ईश) ईश्वर; ईश्वर. God; lord
पञ्च० २;

ईसकल. त्रि० (ईशाकल-ईश ईश्वर इत्याख्या
प्रसिद्धियेवां) ईश्वर-नायक तरीके जेनी प्रसिद्धि
होय ते. ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर
जिसकी प्रसिद्धि हो वह. (One) famous
as a leader, or commander.
जीवा० ३;

ईसणिया. स्त्री. (ईशानिका) पथान देशभां
उत्पन्न थयेव दासी. ईशान देश में उत्पन्न
दासी. A maid-servant born in
the country of Īśāna. नाया० १;

ईसत्थ. न० (इष्वत्थ) धनुर्विद्या; थोडानुं
धनुं अने धनुनुं थोडुं लश्कर पतायवानी
उर कलाभांती अेक कला. धनुर्विद्या; युद्ध
संबंधी शास्त्र; थोड़ी सेना को बहुत और
बहुत सेना को थोड़ी बतलानेवाली उर
कलाओं में की एक कला. Science of
archery; one of the 72 arts viz.
that of causing a large army to
appear small and vice versa.
नाया० १; पण्ण० १, ५; जं० प० २; सम०
श्लो० ४०;

ईसर. पुं० (ईश्वर) ईश्वर; परमेश्वर. ईश्वर;
परमेश्वर. God. आया० २, २, ३, ८६;
पंचा० १७, २१; (२) मांडिक; धण्णी;
नायक. मालिक; सरदार; स्वामी; नायक.
lord; master; commander. कण्ण०
२, ८३; निर० ३, ४; जं० प० ३, ४३;
नाया० ५; ७; १४; आया० २, ७, १, १५५;
(३) युवराज. युवराज. an heir-appa-
rent. नाया० १; अणुजा० १६; (४)
सामान्य मांडिक राजा. सामान्य मांडलिक
राजा. a king; a chief अणुजा० १६;
(५) अमत्य; प्रधान. मंत्री; प्रधान; कारभारी.
a minister; chief minister.
अणुजा० १६; (६) श्रीमंत; शेह; श्रीमान;
धनी; मेठ. a wealthy person;

lord of wealth. विशेष १४४१; सम० ३०; (७) लवण समुद्री मध्यमां उत्तर दिशाये धृश्वर नामेनो महापाताल कलशो. लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश. an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ocean in the north. जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; सम० ५२, (२) भूतवादि जगतना व्यंतर देवो धन्द्र. भूतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādi. ठा० २, ३; (६) अणिमादि ऋषिवालो; समर्थ. अणिमादि ऋषिवाला; समर्थ. powerful; possessed of Yogic powers like Anima etc. पञ० १६; (१०) योथा तीर्थकरना यक्ष देवतानुं नाम. चौथे तीर्थकर के यज्ञ का नाम. name of the Yakṣa deity of the fourth Tirthaṅkara. प्रव० ३७५; —कार-
णिअ. त्रि० (-कारणिक) धृश्वरने जगतनुं करण माननार वर्ग; जगत्कर्तृत्व-वादी. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग; जगत्कर्तृत्व वादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. सू० २, १, २५; —पभिइ. त्रि० (-प्रभृति) धृश्वर प्रभृति आदि. ईश्वर प्रभृति-आदि. God etc. जं० प० ३, ४२;

ईसरिअ-य. न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्य; मोटाछः संपत्ति. ऐश्वर्य; बड़प्पन; संपत्ति. Greatness; wealth; power. अणुजो० १३१; —मइ. पुं० (-मइ) जुओ 'इस्स-रिअमअ' शब्द. देखो 'इस्सरियमअ' शब्द. vide "इस्सरियमअ" ठा० ८, १;

ईसरी कअ. त्रि० (ईश्वरीकृत) धृश्वर-धनादय नहि तेने धनादय करवाभां आवेल. जो धनादय नहीं हो उसे धनादय बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth. सम० ३०;

ईसा. स्त्री० (ईर्ष्या) अहेआअ. अदेखाई; ईर्ष्या; दूसरे का वैभव आदि सहन न होना. Jealousy; envy. सु० च० १५, ६७;

ईसा. स्त्री० (ईशा) धन्द्राणीनी अन्दरनी सभा. इन्द्रानी की भीतरी सभा. The private or inner council of Indrāṇī. ठा० ३, २; (२) वाण-व्यंतर धन्द्रनी अभ्यन्तर सभा. वाणव्यंतर इन्द्र की अन्तरंग सभा. the inner council of the Indra of Vāṇa-vyantara gods. जीवा० ३, ४;

ईसाण. पुं० (ईशान) धशान नामे श्रीजे देव-लोक. ईशान नामक दूसरा देवलोक. The 2nd heavenly world so named. जीवा० १; ओव० २६; ठा० २, ३; सम० १; नाया० ध० १८; अणुजो० १०४; भग० २, १, १८, ७; नाया० ९; विशेष ६६५; जं० प० ५, ११८; ७, १५२; (२) ओ देवलोकना निवासी देवता. ईशान देव लोकवासी देव. a god residing in the above world. कप्प० २, ८४; पञ० १; क० गं० ५, ४३; (३) धशान देवलोकनो ध्द्र. ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called Īśāna. नाया० ध० ६; पञ० २; सम० ३२; ठा० २, ३; भग० ३; १; १७, ५; (४) धशान नामे १६ मुं मुहूर्त. ईशान नामक १६ वां मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time). सम० ३०; (५) ओइ अहो-

रात्रिना २४ मुहूर्तमांशुं ११ मुं मुहूर्त.
एक जहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां
मुहूर्त. the 11th of the 24 Mu-
hūrtas of a day and a night.
सू० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १५२;
(६) धृष्टान ढालु-भुष्टो. ईशान कोण.
the north-east. ओष० नि० भा०
२७६; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) धृष्टान देव-
लोकनो धृष्ट. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र.
Indra of the heaven named
Īśāna. भग० ३, १; —देव. पुं० (-देव)
भीष्म धृष्टान देवलोकना देवता. दूसरे
स्वर्ग के देव. a god of the 2nd
heavenly world, named Īśāna.
भग० २४ १२;

ईशान कल्प. पुं० (ईशानकल्प) भीष्मे
देवलोक. दूसरा स्वर्ग-देवलोक. The 2nd
heavenly world. नाया० १३; नाया०
घ० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईशानक. पुं० (ईशानक) भीष्म धृष्टान
देवलोक वासी देवता. ईशान नामक दूसरे
देवलोकवासी देव. A god residing in
the 2nd Devaloka styled Īśāna.
उत्त० ३६, २०८, जं० प० ५, ११८;

ईशानावतंसक. पुं० (ईशानावतंसक) धृष्टान
देवलोकमांशुं साथी भोटुं विमान; धृष्टाने-
न्द्रं मध्यं विमान. ईशान स्वर्ग का सब से
बड़ा विमान; ईशानेन्द्र का मध्यवर्ती विमान.
The largest abode of the
heavenly world called Īśāna;
the middle or central abode of
Īśānendra. भग० ३, १; ४, १; १७, ५;

ईशानिका-या. की० (ईशानिका) धृष्टान
कोण; धृष्टान भुष्टो. ईशान कोण; ईशान
नामक विदिशा. The north-east
quarter. भग० १०, १;

ईशानोष. पुं० (ईशानोष) धृष्टा रूप दोष.
ईश्या रूपी दोष. The fault of jea-
lousy or malice. दसा० ६, १५;

ईशालु. त्रि० (ईश्यालु) धृष्टा वालो. ईश्यालु;
ईश्या वाला. Jealous; malicious.
प्रव० ८००;

ईसि. अ० (ईषत्) थोड़ा; अल्प; जरा. थोड़ा;
कुछ; जरा; किंचित. A little. नाया० २;
११; सु० च० १३, ४०; डा० ८, १; पञ्च०
२; ३६;

ईसि. अ० (ईषत्) गुग्गो उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३,
४; विशेष० १२४६; ओष० नि० ७२७;
भग० ३, १; ५, २; पञ्च० २; १७; सम०
३४; ओष० नाया० ६: ८; १६; डा० ३, १;
राय० ६३; दसा० ७; १; पंचा० १२,
६; कल्प० २, १४; जं० प० ५, ११२; ११६;

—ओठवलंबि. त्रि० (-ओठवलंबिन्)

थोड़ा छोड़ने अवलम्बन करना. ओठ को
थोड़ासा अवलम्बन करने वाला. touching,
resting on, the lips a little. पञ्च०
१७; —तंबलिकरणी. स्त्री० (-तान्त्रिक-
करणी) थोड़ीक लाल आंख करना (स्त्री).

कुछ लाल आंख करनेवाला (स्त्री). (a
woman) making the eyes a
little red. पञ्च० १७; —तुंग. त्रि०
(-तुङ्ग) कुछ ऊँचा. कुछ ऊँचा. a little
high; somewhat high. जं० प० ६;

—दंत. पुं० (-दन्त) थोड़ा दाँत वालो.
थोड़े दाँत वाला. (one) having a
few teeth or having scanty
teeth. ओष० —दंत. त्रि० (-दन्त)

थोड़ी शिक्षा पामेल हाथी. बोड़ी शिक्षा पाया
हुआ हाथी. (an elephant) scantily
trained. जं० प० ३; —पद्मार. पुं०

(-पद्मार) थोड़ा कुंठित यवुं-नभयुं ते.

कुछ नमना; कुछ नमीभूत होना. bending a little. पंचा० १८, १६; —पद्मभार-
वायु. त्रि० (प्राग्भारगत) थोड़ा कुछ-
नमेल. कुछ नमा हुआ. bent a little;
somewhat bent. पंचा० १८, १६;
—पुरेवात. पुं० (-पुरोवात) ७२१३ पूर्वतो
वायु. जरासा पूर्व का वायु. wind
which is a little in front. नाया०
११;—पुरेवाय. पुं० (-पुरोवात) थोड़ा पूर्व
दिशानो वायु. कुछ पूर्व दिशा की हवा. a
little eastern wind. नाया० ११;
भग० ४, १; —मत्त. त्रि० (-मत्त)
यौवननी शर्यातवाला थोड़ा उन्मत्त-
दायी पगेरे. यौवन की प्रारंभिक अवस्था वाले
थोड़े उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant
etc.) somewhat intoxicated on
account of the budding of
youth. जं० प० ३; ओव० —रहस्स.
(-हस्व) थोड़ा -हस्व अक्षर-अ-इ-उ-ऋ-लु वगैरह.
any of the five short vowels-
अ-इ-उ-ऋ-लु. “ईसिरहस्सपंचक्खरु उच्चारण
द्वारा ” ओव० -- छोछेदकहुइ. स्त्री०
(-व्यवच्छेदकदुका) पीछा पीछी थोड़ा
पश्चिमे-तन्तु ३५११ आपनारी. पीने
के थोड़ी ही देर बाद-तुरंत ही कटु लगने
वाला. anything that tastes bit-
ter immediately after it is
drunk. पञ्च० १७;

ईसिपम्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा ईषत्प्रा-
ग्भारो महत्त्वं रत्नप्रभाक्षेपेक्षया यस्याः सा)
सिद्ध शिला; मुक्ति शिला; सिद्ध शिला;
मोक्ष शिला. The place of abode
of perfected souls or Siddhas;
Siddha-Silā. अणुजो० १०४; ठा०
४, ८, १; ओव० ४३; पञ्च० २; भग०

६, ७; ८, ३; १२, ५; १४, १०; १६, ८;
२०, ५;

ईसिप्यभा. स्त्री० (ईषत्प्रभा) सिद्ध शिला;
मुक्ति शिला. सिद्ध शिला; मोक्ष शिला;
मोक्ष स्थान. The place of abode
of perfected or liberated souls;
Siddha-Silā. भग० ३, १;

ईसिय. नि० (ईषत्क) थोड़ा; अल्प. थोड़ा;
अल्प; कुछ. A little; scanty.
नाया० ११;

ईसी. स्त्री० (ईषत्) सिद्ध शिलानुं एक नाम.
सिद्ध शिला का एक नाम. One of the
names of Siddha-Silā or the
abode of perfected souls. ओव०
४३;

ईसीपम्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) ओव०
'ईसिपम्भारा' शब्द. देखो 'ईसिपम्भारा'
शब्द. Vide “ईसिपम्भारा” सम०
१२: उत्त० ३६, ५७; प्रव० ६०६;

✓ ईह. धा० I. (ईह्) इच्छा; आकांक्षा.
इच्छा करना; चाहना. To wish; to
desire.

ईहइ-ति. उत्त० ७, ४; सु० च० ८, ४५;

ईहिउण. सं० कृ० विशेष० २५७;

ईहिअ. सं० कृ० विशेष० २५८;

ईहमाण. व० कृ० उत्त० २६, ३३;

ईहिज्जह. क० वा० विशेष० २६६,

ईहा. स्त्री० (ईहा) विचारणा; आलोचना;
अवग्रह यथा पक्षी ते व्याम छे के तेभ
येवी विशेष विचारणा करपी ते; मतिज्ञान-
नो पीणो भेद. विचारणा; आलोचना;
अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ
हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा
कहलाता है; मतिज्ञान का दूसरा भेद.
Dealing with perception to
arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा० ४, ४५; ओव० ४०; विशेष० १७८; ३६६; पल० १५; ओष० नि० ६२; नाया० १; ८; भग० ८, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय० १०६; नंदी० २६; सम० ५; २८; कप्प० १, ७; क० गं० १५; (२) मृग विशेष. एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया० १; ८;

ईहापोह. पुं० (ईहाव्यूह) उदापोह; तर्क वितर्क. ऊहापोह; तर्क वितर्क; शंका समाधान. Full consideration of the pros and cons. (२) संशय-युद्ध-नीति; ऐक्य मतनी व्युत्पन्न रचना. युद्ध नीति; एक तरह का व्युह रचना. science of war; a kind of military array. नाया० १; जं० प० ३, ७०;

ईहामह. स्त्री० (ईहामति) मंदारूप मति-विचारणा; मतिज्ञानतो ऐक्य भेद. ईहारूप मतिज्ञान. मतिज्ञान का एक भेद. One of the varieties of Matijñāna; stage next to perception i. e.

reflection to arrive at judgment. ठा० ४, ४; ६, १; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) अवग्रह पक्षी विचारणा करती ते रूप मतिज्ञाननी संपत्ति. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान की संपत्ति. the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived. to form a judgment. दसा० ४, ३५;

ईहामिग. पुं० (ईहामृग) वरू. भेडिया. A wolf. जं० प० २, ३३; कप्प० ३, ४४;

ईहामिय. पुं० (ईहामृग) वरू; नादर. एक प्रकार का पशु; भेडिया; नहार. A wolf; a tiger. ओव० राय० ४२; ११, ११; जावा० ३, ४; जं० प० ५, ११५;

ईहिय. त्रि० (ईहित) चिन्ता करने; विचारित जिसकी चेष्टा की गई वह; विचार हुआ. Acted; thought of; reflected upon. "सङ्गीमागंतुमिहियं" मृग० १, १, ३, १;

उ.

उ. अ० (तु) नङ्की; निश्चय. निश्चय; निस्संदेह. Positively; surely; दस० ६, २८; ९, १; १; पल० १५; सूय० १, १, १, ५; (२) वितर्क. वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस० ६, १३; नाया० ९, १६; विशेष० ११०;

उअर. पुं० (उदर) पेट; उदर. पेट. Belly; stomach. दस० ८, २६; —मल. न० (-मल) पेटतो भेय. पेट का मल.

dirt or filth in the stomach. भट० ४०;

उअर. पुं० (उच्चार) उच्चार करने ते. ओलपुं ते. उच्चारण; बोलना. Act of speaking or uttering words. ओव० २०;

उद्गण. त्रि० (अवतारि) भूमिपर पड़ी गये भूमिपर टिपडा हुआ. Fallen on the ground. निर० १, १;

उद्गण. त्रि० (उदीर्ण) उदीर्ण पायेन; उभेना

उड्यर्थी प्राप्त थयेव. उड्य पाया हुआ; कर्म के उड्य से प्राप्त. (Got by the maturing of Karma. उत्त० १८, १; विशेष ५३०; टा० ५; पञ० १६; (२) उड्यिण्णु इरी उड्यभां लावेव. उड्यारणा करके उड्य में लाया हुआ. caused to be matured. भग० १, १: —कम्म. त्रि० (—कर्मन्—उड्यिण्णुमुदयप्राप्तं कटुविपाकं कर्म येषां ते तथा) उड्य आवेव इमंवादा. उड्य में आवे हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. “उडिण्णकम्ममाणउडिण्णकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहेति” मय० १, ५, १, १८. —बलवाहन. त्रि० (बलवाहन—उड्यिण्णुमुदयप्राप्तं बलं चतुरां शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिविकादि यस्य सः तथा) उड्ये शब्दना उड्यर्थी बल प्राप्त करने परसे प्राप्त थया छे ते. जिसे शुभ के उड्य में बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह. (one) who gets strength vehicles etc. by the rise of good Karma. “कंपिले नयरं राया उड्यिण्णबलवाहणे” उत्त० १८, १;

उड्य. त्रि० (उडित) उड्येव कहा हुआ. Said, told. विशेष २३३, (१) उड्य आवेव. उड्यपायत उड्य में आया हुआ. risen; matured. नाया० १, ५० च० १, ३६३; पञ० १६, १२: —गुण. त्रि० (गुण) देना गुण देने समं. स्थापना छे ते. जिसका गुण कहने में आया हो वह (that) of which the attributes or properties have been described पंचा० ३, ३८: —गुणजुत्त. त्रि० (गुणयुक्त) उड्य परमेव अणुयुक्त. उड्य पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity. पंचा० १०, २०

उड्यिण्ण. पुं० (उड्यिचान) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र. Northern region. टा० ५; भग० ५, १; —पार्डिण्ण पुं० (—पार्चान) पूर्वोत्तरदिशा: प्रशाण्णुण्णु. पूर्व उत्तर दिशाओं के बीच का कोना: ईशान दिशा. the north-east quarter. भग० ५, १: —वाय. पुं० (—वान) उत्तर दिशाने वायु. उत्तर दिशा का हवा the northern wind. पञ० १; उड्यिण्ण. आ० I. (उड्य+इर्) उड्यिण्णु इरी उड्यारणा करता. To utter; to cause to rise or move.

उड्यिण्णति. क० ग० ४, ६४;

उड्यिण्णत्ता. मय० १, ६, १३;

उड्यिण्ण टा० ७.

उड्यिण्ण. न० (उड्यिण्ण) प्रेरणा इरी. प्रेरणा करना. Act of prompting. टा० ५; उड्यिण्ण. आ० (उड्यिण्ण) उड्यिण्ण “उड्यिण्ण” शब्द. देखो “उड्यिण्ण” शब्द. Vide “उड्यिण्ण” टा० २; आव०

उड्यिण्ण. त्रि० (उड्यिण्णित) उड्यिण्णु इरीव; प्रेरणा इरीव उड्यिण्णु इरीव. प्रेरित. कहा हुआ. Told, said, caused to rise or move पञ० २३; भग० १, १.

उड. पुं० (ऋतु) ऋतु. दो मास प्रमाणों में दो मास प्रमाण एक काल: हेमन्त, शिशिर वर्षा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year: e. g. Hemanta, Śisira etc. “दो मास उड” भग० ३, ७; ५, १; ६, ७; ६, ३३; २५, ५; जं० प० २, ३१; ७, १५१; सू० प० ८; नाया० १; ३; ६; मम० ३४, ५६; दम० ६, ६६; अणुजो-

११५; १३८; टा० २, ४; आया० २, १, २, १०; कप्प० ५, १०८; —परियट्ट. पुं० (-परिवर्तन) ऋतुनुं बदलतुं ते. ऋतु का बदलना. change of season. आया० २, १, २, १. —पव्वअ. पुं० (-पर्वत) ऋतुरूपी पर्वत. ऋतु रूपी पर्वत-पहाड; a mountain of a season; season regarded as a mountain. नाया० ९; —प्पसन्न. पुं० (-प्रसन्न-प्रसन्नः स्वच्छ ऋतुः ऋतुप्रसन्नः) स्वच्छ-निर्मल ऋतुः शरत्काल वगैरे. स्वच्छ-साफ-निर्मल ऋतुः शरत्काल वगैरह. clear, cloudless season; e. g. autumn etc. “ उडप्पसन्ने विमलेव चंदिमा ” दस० ६, ६६; —बद्ध. पुं० (-बद्ध) ऋतु बद्धकाल; शीयालो अने ठंडालो; योमासा शिवायनो काल. ऋतु बद्धकाल; ठंड और गर्मी का समय; चौमासा वर्षा के समय का काल. winter and summer season; any time of the year except monsoon-time. “ उड बद्ध पीढक लगे ” प्रव० १०६; पंचा० ११, २६; ओघ० नि० २६५; पि० नि० भा० २३; नाया० ५; —मास. पुं० (-मास) ऋतुमास; परिपूर्ण त्रीस दिवस प्रमाणुनो काल विलास; कर्ममास. ऋतु मास. पूरे तीस दिन प्रमाण काल विभाग; कर्म मास. a period of time consisting of full thirty days; a month of full 30 days. “ एसो चेव उडमासो कम्ममासो भणणइ ” बव० १, १; प्रव० ६०६; —लच्छी. स्त्री० (-लक्ष्मी) ऋतु लक्ष्मी; ऋतुनी शोभा संपत्ति. ऋतु लक्ष्मा; ऋतु की शोभा संपत्ति. beauties of the seasons. नाया० ६; —वाम. पुं० (-वर्ष) ऋतु

अधकाल; योमासा शिवायनो आठ मास. चौमासेको छोडकर आठ मास. the whole year excepting the 4 months of the rainy season. “ उड वासे पण्ण चउमासे ” प्रव० ६१३; —संधि. पुं० (-सन्धि) ओक ऋतुनो अंत-छेडा अने ओक ऋतुनी शरूयात. ऋतु सन्धि; एक ऋतु का अन्त और दूसरी ऋतु का प्रारंभ काल का समय. passing of one season into another. आया० २, १, २, १०; —संवच्छुर. पुं० (-संवत्सर) ऋतु संवत्सर; ७ ऋतु प्रमाणुनो काल. छह ऋतु प्रमाण काल; एक वर्ष. an year comprising the six seasons. “ ता एण्णसिणं पंचगहं संवच्छुराणं तव उड संवच्छुरस्स ” चं० प० १; १२; टा० ४; —सुह. न० (-सुख) ऋतुने उचित-सुखप्रद वेष ग्रीष्म ऋतुमां छव. ऋतु के अनुसार उचित सुख; जैसे ग्रीष्म ऋतु में छत्रा. (anything) appropriate to the season; e. g. umbrella in summer. “ उड सुहसिवच्छाय समणु बद्धेण ” ओव०

उडंबर पुं० (उदुम्बर) उदुम्बरतुं जाड अने तेना कल; गुडवार. उडम्बर का भाइ और उसके फल; गुल्लर. Name of a tree: Ficus Glomerata and its fruit. भग० ८, ५, —पण्ण. न० (पञ्चक) १ वड २ पीपलो ३ उदुम्बर ४ प्लक्ष ५ डाडोदुम्बरी ये पांच वृक्षनो समूह. १ बड, २ पीपल, ३ उदुम्बर, ४ प्लक्ष, और पांचवां काकोदुम्बरी, ये पांच वृक्षोंका समूह. a collection of five kinds of trees viz (1) Vata (2) Pippala (3) Udumbara (4) Plaksa & (5) Kākodumbari. भग० ६, ३३;

—पुष्प न० (—पुष्प) उदंबर आउना फूल; गुल्मरना फूल—के जे लायेर कमांड जेवाभा आवे; दुष्प्राप्य वस्तुने आनी उपमा अपवाभा आनी छे. उदंबर के झाड़का फूल; गुल्मर का फूल जो भाग्य से हाँ कहीं दिखलाइ पड़ता है; इसका उपमा दुष्प्राप्य वस्तुओं के सम्बंध में दा जाता है. a flower of the Udumbara tree; (it is rarely seen and so is used to express a rarity.) भग० ६, ३३;

उदंबरदत्त. पुं० (उदुम्बरदत्त) पाटलीपुत्र नगरना रहनेवाली सागरदत्त सार्थवादनो पुत्र. पाटलीपुत्र नगर के रहनेवाले सागरदत्त सार्थवाह का पुत्र. Name of a son of the merchant Sāgaradatta, a resident of the city named Pāṭalīkhaṇḍa. ठा० १०; (२) पाटलीपुत्र नगरना उद्यानभांनि ऐक यक्ष. पाटलीपुत्र नगर के उद्यानका एक यक्ष. name of a Yakṣa (a ghost or a spirit) living in a garden of the city of Pāṭalīkhaṇḍa. विवा० ७;

उउदेवी. स्त्री० (ऋतुदेवी) वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद वगैरे ऋतुना नमयाली देवी. वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, आदि ऋतु के नाम वाला देवी. The goddess of a season; e. g. spring-goddess etc. पञ्च० २, १४;

उउय. त्रि० (ऋतुज) ऋतु सम्बन्धी; मौसमन्त; ऋतुने उचित ऋतु संबंधी; मौसमका; काल के योग्य. Born in the season; appropriate to the season. पञ्च० २; ओष० २४; भग० ११, ६; १३, ६;

उंछ. न० (उच्छ-उच्छ्रयते अल्पाल्पतया गृह्यते भिक्षादिकमित्युच्छ्रम) भिक्षा:

थोड़ थोड़ अल्प करवुं ते. भोज; भिक्षा, बहुत थोड़ा २ ग्रहण करना. Getting a little food at a time; begging of alms: सूय० १, २, ३, १४; ओष० नि० भा० ६६; ओष० नि० ४२४; उत्त० ३५, १६; दस० ८, २३; १०, १, १७; पणह० २, १; ठा० ४, २; —जीविया. स्त्री० (—जीविका) अपत्या; थोड़ा थोड़ा आधार लक्ष उदिका यज्ञावली ते. एषणा; थोड़ा २ आहार लेकर जीविका का चलाना. supporting life by begging a little food at a time; alms-begging. ठा० ४; —जीविया संपरण. त्रि० (जीविकासंपन्न) अपत्या करनेवाले; अपत्या गवेपत्या करी शुद्ध आधार लेना. एषणा करनेवाला; गवेपणापूर्वक—स्वयं देखभाल कर—शुद्ध आहार लेनेवाला. (one) living by begging alms; (one) taking food begged from others after examining its purity. ठा० ४;

उंज. धा० II. (अज्ज) अग्नि संतृप्तये; अग्निमा नरणा वगैरे नाथवा. अग्नि धोकना; अग्निमें तिनके वगैरह डालना. To throw fuel (e. g. grass etc.), into fire to kindle it.

उज्जजा दस० ४; ८, ८;

उज्जवेज्जा. दस० ४,

उज्जत. व० कृ० दस० ४;

उंजायण. पुं० (उजायन) वशिष्ठ गोत्रनी ऐक शाखा वाशिष्ठ गोत्र का एक शाखा. A branch of the Vasiṣṭha family. (०) त्रि० ते शाखानो पुरुष. उक्त शाखा का पुरुष. a scion of the above branch. ठा० ७, १;

उंद्. पुं० (उद) उदः स्वामीना ऐक पशु.

उंट. A camel. निसी० ७, ११;
—लेस्स. न० (-लेश) उंटनुं आभुं.
ऊंटका चमड़ा. leather of a camel.
निसी० १, ११;

उंडग. पुं० (उन्दक) भूत पात्र; भातुं कर-
वानुं क्षम. मूत्र करनेका बरतन. A vessel
for making water into. दस० ४;
(२) पीण्ड; लोथी. पिंड. a lump;
a mass “ बालाहमंसउंडग मज्जारद
विराहेज्जा ” ओष० नि० भा० २४६;

उंडी. स्त्री० (उण्डी) पिण्ड; पेशी. छोटा पिंड.
A small lump नाया० ३;

उंडुय. न० (उन्दुक) भोजन करवानुं स्थान.
भोजन करनेका स्थान. A dining-room.
“ सपिंड पायमागम्म उंडुयं पडिलेहिआ ”
दस० २, १, ८७;

उंडेराय. न० (*) रेवड़ी; आवाली अद-
स्वादिस वस्तु. रेवड़ा; खाने का एक स्वादिष्ट
वस्तु. A kind of sweet-meat.
ठा० ४;

उंडुपाणिश्च. न० (*) उंडु पाणी. उंडा
पानी. Deep water: निसी० १३, ३४;

उंडर. पुं० (उन्दर) उंडर. चूहा; उन्दरा. A
rat; a mouse. पण्ड० १, १;

उंडिर. पुं० (उन्दुर) उंडर. चूहा. A mouse;
a rat. नाया० ८;

उंडुर. पुं० (उन्दुर) लुथी उपदेश शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above
उवा० २, ६५: —माला. स्त्री० (माला)
उन्दरनी भावा. चूहों का श्रृंखला; चूहों का
पंक्ति. a line, a series, of rats.
“ उंडुरमाला परिणद्ध सुकय चिगह ”
उवा० २, ६५;

उंडुरुक्क. न० (*) उंडु = भुज्ज. रुक्क =
वृषभादि शब्द; देवतापूजन वખते मोथी
थलतना जेवो शब्द करवो ते. देवता के
पूजन के समय मुख से बेल आदि के समान
शब्द करना; उंडु अर्थात् मुख और रुक्क अर्थात्
वृषभ—बेल आदि के समान शब्द. Imit-
tating the sound of a bullock
at the time of worshipping a
deity. अणुजो० २६; गच्छा० २;

उंबर. पुं० (उदुम्बर) उम्भरानुं जाड;
गुडरनुं जाड. गुडर का झाड़: उदुम्बर
का वृक्ष. A kind of tree; ficus
glomerata. जीवा० १; विवा० १; भग०
६, ३३; आया० २, १, ८, ४२; पञ्च० १;
(२) वीज्जुकुमार देवतानुं अत्य वृक्ष.
विज्जुकुमार देव का चैत्य वृक्ष. a tree
growing in the garden of the
deity, Vijjukumāra. ठा० १०, १;
— पुष्प. न० (-पुष्प) गुडरनुं फूल: आ
फूल गुडरना वृक्षमां अवयित देवानुं लशे:
न वस्तु अनि भुक्तेरीथी प्राप्त थल देय छे
तेने आटना दीकरने आनी उपमा अपाव
छे. गुडर का फूल: यह फूल गुडर के वृक्ष
पर छाचन हो लगा हुआ दिखता है, जो
वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होता है उसे इस
पुष्पका उपमा दी जाती है a flower of
the Udmumbara tree. (It is rare-
ly seen on the tree and so is
metaphorically used to express
a rarity.) “ उंबर पुष्पजिव दुल्लभ ” राय०
२४५; नाया० १: २; —वच्च पुं० (वच्चम्)
गुडरना अवयवी लरेल. गुडर के फल
से भरा हुआ. filled with the

* लुथी पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot note (*) p. 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी०
३, ७८;

उंबर दत्त. पुं० (उदुम्बरदत्त) એ નામનો
યક્ષ. इस नाम का यक्ष. Name of a
Yakṣa (a kind of demi-god).
विवा० ७;

उष्णरि. स्त्री० (*) वनस्पति विशेष. वन-
स्पति विशेष. A kind of vegetation.
भग० २२, २; पंचा० १, २१;

उंबिका. स्त्री० (उंबिका) धूर्त, जय,
झोपा वगेरेनी जिम्भडी-मंजरी. गेहूं, जव,
चावल आदि की मंजरी. Blossoms
growing on the plants of
wheat, barley, rice etc. पंचा०
१०, २३;

उंबेरिया. स्त्री० (*) એ નામનું એક
વૃક્ષ. इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष.
A kind of tree. पञ्च० १;

उम्भसावेत्तण. हे० क० अ० (उम्भसयितुम्)
આંખ મીચડાવને: આંખનો પલકારો માર-
વાને. आंख मीचने के लिये. In order
to twinkle the eye. भग० १६, ४;

उमुय. पुं० (उल्लुय) એ નામના એક યદવ
કુમાર. इस नाम का एक यादव कुमार.
Name of a Jādava (Yādava)
Kumāra. पण्ट० १, ४;

उकसमाण. व० क० त्रि० (अचकसमाण)
તણાતો. तनाता हुआ. Being tight-
ened. वय० ६, ८;

उकुजिय. सं० क० अ० (उत्कुज्य) ઉચેથી
કુચડા થઈને-શરીર નમાવીને. कुबडा होकर-
शरीर नमा कर. Bending the body.

“ उकुजियाणिउ उकुजिय णिकुजिब दिज-
माणं पडिगाहेति ” निसी० १७, २२;

उकुरुडिया. स्त्री (*) ઉકરડી; ઉકરડો.
धूरा. A dung-hill. निर० १, १;

उक्कंचण. न० (उत्कञ्चन-उत् ऊर्ध्वं शूला-
धारोपणार्थं कञ्चनंतत्तथा) શૂલીએ ચઢાવવાને
ઉચે ઉચકવું તે. किसी को शूली पर चढ़ाने
के लिये ऊचा उचकना. Lifting up
a person in order to impale
him. सूय० २, २, ६२; (२) युष्
वगरेता माणुसता ખોટા વખાણ કરવાં તે:
ખુશામત. ગુણરહિત મનુષ્ય की प्रसंशा
करना; खुशामत. praising an un-
worthy person to flatter him.
नाया० २; (३) गरीबनो वधारे दंड करवे
ते. गरीब को बहुत दंड देना. mulcting
the poor more heavily. भग०
११, ११; (२) કોઈને છેતરવામાં પાસે
ઉભેલો ડાહ્યા માણુસ બાણી જશે એમ બાણી
વાતચિત થઈ રાખવી તે. किसी को ठगने
के समय-धोका देने समय पास में खड़े हुए
समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात
चाँत बंद करना कि वह समझ जावेगा.
stopping deceitful conversation
lest a wise by-stander might
hear it. ओच० ३४; राय० (५)
दाय: ३२५त. रिश्वत; घूस. bribe;
bribery. नाया० २; दसा० ६, ४; राय०
२०७; —दीव. पुं० (-दीप) मशाल.
मशाल. a torch. भग० ११, ११;

उक्कंचण्या. स्त्री० (* उत्कंचन) મુઝબ જતને
છેતરવા ઢોંગ કરવો-જલ કરવો તે. कम
समझ मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना-

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कृत्रु करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. ओव० ३४;

उक्तिय. त्रि० (उत्कण्ठित) उत्कंठा वाला; उत्सुक थपेल. उत्कण्ठायुक्त; उत्सुक. Anxious; eagerly longing. नाया० १४; सु० च० २; ४४०;

✓उक्त. धा० II. (उत्+कृत्) मांस अने आमाडीनुं उपाडुनुं-उतारुनुं ते. मांस और चमड़ी का निकालना. To flay; to cut out skin and flesh.

उक्ते. सूय० १, ४, १, २१;

उक्तंत. सु० च० १०, ७७;

✓उत्-कंप-प्रे० धा० II. (उत्+कम्प+णि) म्पावयुं; द्वावयुं. दबाना; To cause to be massaged or shampooed. उत्कंपवेह. विव० ६;

उक्तविश्र. त्रि० (उत्कम्बित) बांसनी क्षमडी थी आधेन. बांस की किमड़ी से बांधा हुआ. Fastened with strips of bamboo. आया० २, २, १, ६४

उक्तच्छिया. स्त्री० (आपकक्षिका-कक्षायाः समीपमुक्त्वा तदाच्छादिकोपकक्षिकानेव तथा) साध्वीना २५ उपकरणमांनुं ओक उपकरण; नमणी आगुनी छातीथी क्षाप सुधी सीन्धा पगर धारण करवानुं वस्त्र के ने अदी हाथने न्यारस कटो होय छे. साध्वी के २५ उपकरणों मे से एक उपकरण; दाहिनी तरफ की छाती से कांख तक बिना सिला हुआ वस्त्र जोकि अढाई हाथ का एक चौरस टुकड़ा होता है. One of the 25 articles of use permitted to a nun; a kind of bodice (unsewn) covering the breast, being 2½ arms in length and breadth. ओघ० नि० ६७७;

उक्तृष्टि. श्र० (उत्कृष्टि) उत्कर्ष. उत्कर्षता. Rise; intensity. सू० प० १४;

उक्कड. त्रि० (उत्कडुक) पृथ्वी उपर शरीर राभीने पवित्रता वडे भेडेल. पृथ्वी पर शरीर रख कर पवित्रता से बैठा हुआ. Seated on the ground with pure mind and body. पंचा० १८, १६; (२) उक्कडु आसन. उक्कडु आसन. a seat in a particular bodily posture. प्रव० ५६२;

उक्कड. त्रि० (उत्कट) अकृष्ट; उन्नत; अति. प्रकृष्ट; ऊंचा; उन्नत. High, raised; intense. उवा० २, १०७; पणह० १, १; नाया० ३; (२) पसरें. फैला हुआ. spread; extened. कप्प० ३, ४३; (३) अधिक; वधारे. ज्यादा; बहुत. more; additional. भग० १५, १; पि० नि० ७१६; (४) द्युषित; प्रदुषित; कलुषित; गंदला. turbid; muddy. वव० २, २; (५) अलवान्. सबल. strong; powerful. नाया० ६; — गंधाविलिप्त. त्रि० (-गन्धाविलिप्त) अति दुर्गंधया व्याप्त. बहुत दुर्गंध से व्याप्त. highly stinking. नंदी० — जागि. त्रि० (-योगिन्) उत्कृष्टयोगे वर्तते. उत्कृष्ट योगी. (one) practising the highest kind of contemplation. क० गं० ५, ८६;

उक्कडुय. न० (उत्कडुक) उक्कडु आसन; उल्लङ्घ पगे भेसनुं ते. उक्कडु आसन; घूंटों के बल बैठना. A kind of bodily posture; squatting. दसा० ७, ६; नाया० १; पंचा० ५, ११६;

✓उत्-कड धा० I. (उत्+कृत्) आयाद थनुं. आबाद होना. To flourish; to prosper.

उक्कड्ड. क० प० ३, १०;

उक्कपुग. पु० (अपकर्षक) थोरने भोदावी थोरी करतार. चोर को बुला कर चोरी करने वाला. One who calls a thief and steals. परह० १, ३;

उक्कत्तिऊण. सं० क० अ० (उत्कृत्य) कापीने. काट कर. Having cut off. सु० च० १०, ८४;

उक्कत्थण. न० (उत्कथन) भाव उतारवी; आभडी उतारवी ते. चमड़ा उतारना निकालना. Playing; cutting off the skin. परह० १, १;

उक्कम. पु० (उत्क्रम) पहिलेथी न गणुतां छेलेथी गणुं ते; पश्चानुपूर्वी; उलटो क्रम. Counting from the end instead of the beginning; reversed order. विशेष० २७१; प्रब० १०६१;

उक्कमित. त्रि० (उपक्रम) प्रारब्धयोगे प्राप्त थयेल. प्रारब्धयोग से प्राप्त. Got through fate. “ अहवा उक्कामंते भवंतिपु ” सूय० १, २, ३, १७;

उक्कर. पु० (उक्कर) समूह; सघात समूह; जमघट. A collection; a group. कप्प० ३, ४२; (२) कर रहित. कर रहित. (one) having no arm. नाया० १; भग० ११, १५; जं० प० कप्प० ५, १०१;

उक्करियाभेय. पु० (उक्करिका भेद) ओरउडणीज के सुकेय भगदली पगेरेतो तड तड करतो थतो भेद-भेदत; अरंडी के बीज अथवा सूखी हुई मूंगफली वगैरह का

तडतड करता हुआ जो आवाज हो वह. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a crackling sound. “ अणंताइं दब्बाइं उक्करिया भेण्णभिजमाणाइं ” भग० ५, ४; पज० ११;

उक्करिस. पु० (उत्कर्ष) उत्कर्ष; अतिशय; उत्कर्ष; बहुत ज्यादाह; उच्च दशा. Intensity; abundance; excess. “ अत-समुक्करिसत्थं ” सूय० नि० १, २, २, ४३; विशेष० १५८३;

उक्करुडिया. स्त्री० (*) उडरडा; भडीन वस्तुने संग्रह. कचरा; मलीन वस्तु का संग्रह. A dung hill. नाया० २;

उक्कल. त्रि० (उक्कल) यत्ती डलावालो; वृद्धि पावनार. चढता कला वाला; वृद्धि पाने वाला. Rising; increasing. “ पंच उक्कला परणता तंजहा दंडुक्कले रज्जुकले ” ठा० ५, ३; (२) तेइद्रिय ७५ विशेष. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष a kind of three-sensed living being. उत्त० ३६; १३६;

उक्कलिआ-या. स्त्री० (उक्कालिका) वधारे नानो समुदाय बहुत छोटा समुदाय A smaller group. ओव० २७; (२) तेइद्रिय ७५ विशेष; इरोविओ तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष. a kind of three-sensed living being कप्प० ६, ४५; (२) उडेर; तरंग. लहर. a wave. ठा० ४; (३) वायुनी आइड यद्ध दूरवुं ते. वायु के समान चक्र काटना. whirling like wind. जीवा० ३, ४; — अण्ड. पु० (-अण्ड) इरोलीयानुं छालुं. मकड़ी का

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

अण्डा. a spider's eggs. कप्प० ९, ४५;
—वाय. पुं० (-वात) थोड़ी थोड़ी बारने
अन्तरे वातो अेक प्रकारतो वायु. एक प्रकार
की हवा जो थोड़े २ समय के बाद चलती है
a kind of wind blowing at small
intervals of time. पञ्च० १; आया०
नि० १, १, ७, १६६; उत्त० ३६, ११८;
जीवा० १;

उत्कलिका. स्त्री० (उत्कलिका) उपर उपरि
जुं आवुं ते. बार बार जाना आना.
Coming and going in quick
succession. राय० १८३;

उत्कलिय. त्रि० (उत्कलिक) अेक प्रकारतो
अव्यक्त शब्द. एक तरह का अव्यक्त शब्द.
A sort of indistinct sound. भग०
२, १;

उत्कस पुं० (उत्कर्ष-उत्कृष्यते आत्मा दर्पा
भातो विधीयतेऽनेनेत्युत्कर्षः) मान; अहं-
कार. मान; घमंड. Pride; conceit.
“ उत्कसं जलणं गुमं मउक्कथं चवि गिचय ”
सूय० १, १, ४, १२; (२) वधारेभां
वधारे. अधिकाधिका. maximum;
highest limit. क०गं० ४, ७४;

उत्कस्स. पुं० (उत्कर्ष) मान; अहंकार. मान;
घमंड. Pride; conceit. सूय. १, १, ४,
१२;

उत्कस्स. त्रि० (उत्कर्षवत्) भदवातुं; अनि-
भानी. घमंडी; मदोन्मत्त; अभिमानी
Proud; conceited. सूय० १, १, ४, १२;

उत्कस्समान. त्रि० (अपकर्षवत्) टुं टुं करतो.
छोटा करता हुआ. Cutting short.
(२) पातुं पेंचतो. पीछे खेंचता हुआ.
Pulling backward. “ पणंसि वा
उदंसि वा उत्कस्समाणे ” ठा० ४;

उक्का. स्त्री० (उक्का) भूख अग्निथी छुटा
पडेक आभना तनभा. मूल अग्नि से अलग

हो चुका हुआ अग्नि का तिनगा. Sparks
of fire ओष० नि० भा० ३१०; नंदी. १०;
दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा. ३, १;
ठा० ८; दिग् ६६ दिग्दाह; दिशा की ललास
preternatural redness of the
horizon. उत्त० ३६, ११०; आकाशभां
व्यंतरादिकृत अग्नि देखाय ते. आकाश में
व्यंतरादिकृत अग्नि का दृश्य. a fiery ap-
pearance in the sky--the work
of Vyantara etc. दस० ४; पञ्च० १;
(४) तेजनी व्यासा. तेज की ज्वाला.
fire; flame of light. ओष० नि०
२१०; उक्कापात; तारातुं अ पुं. उक्कापात;
तारे का टूटना. falling of a meteor.
भग० ३, २; —पाय. पुं० (-पात)
उक्कापात; आकाशभांथी ताराओतुं पडुं.
उक्कापात; आकाश से तारे का टूटना. fall-
ing of meteors from the sky.
भग० ३, ७; —वाय. पुं० (-पात-उक्का
आकाशजातस्याः पातः) जुओ “ उक्कापाय ”
शब्द. देखो “ उक्कापाय ” शब्द. vide
“ उक्कापाय ” अणुजो० १२७; ठा० १०,
१; भग० ३, ६; —सहस्स. न० (-सहस्र)
अग्नीना हजरो पिण्ड तनभा. अग्नि की
हजारों चिनगरियां. thousands of
sparks of fire. ठा० ८;

उक्कापाया. स्त्री० (उक्कापाता) उक्कापात-
तारा अरे तेनुं शुभाशुभ भाषुवानी विद्य.
उक्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या.
Science of interpreting the
good or evil effects of the fall
of meteors. सूय० २, २, २७;

उक्कामुह. पुं० (उक्कामुह) लवण समुद्रभां
आहो योजन उपर आवेक उक्कामुह
नाभने अेक अंतर द्वीप. लवण समुद्र में
आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उक्कामुह

नामक एक अंतर द्वीप. Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavaṇa Samudra at a distance of 800 Yojanas. ठा० ४, २; (२) तेमां रहेनार भनुष्य. उक्त द्वीप क अंदर रहने वाला भनुष्य. a native of the above island. जीवा० ३, ३; पञ्च० १; (३) गंगा नदीनी अधिष्ठात्री देवीने निवास पर्वत. गंगा नदी की अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत. the mountain-abode of the presiding goddess of the river Gāṅgā ठा० ८, १;

उत्कालिका-य. न० (*उत्कालिका—उत्- ऊर्ध्व कालात्पठयतेतथा) यार अक्षय सि वाय यारे पड़ेर लक्ष्म्य तेयुं सूत्रः उववाइ आदि उत्कालिका सूत्र. चार अकालों के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पड़े जाने योग्य —चारों प्रहरों में पड़े जाने योग्य सूत्र; उववाइ आदि उत्कालिका सूत्र. Utkālīka Sūtras viz Uvavāi etc. which can be studied during all the four Prāharas, excepting the 4 Akālas “येकिनं उत्कालिका उत्कालिका अणोम विहा पण्णता” नंदा० ४३; अणुजो ४; ठा० २, १;

उत्कास पुं० (उत्कास) अलिमान्ती पोता- नी समृद्धिना वण्णाय इरवां ते मोहनीय धर्मनी अेक प्रकृति. अभिमान से अपनी समृद्धि का वण्ण करना; मोहिनीय कर्म का एक प्रकृति. A variety of deluding Karma: praising one's own prosperity through pride. भग० १२, ५;

उत्कलिक. त्रि० (उत्कल) उत्कलः सर्वो- त्तमः श्रेष्ठ. उत्कलः उत्तमः सब से श्रेष्ठ. Excellent: surpassing; best.

नाया० १; ८; ६; १७; निसी० १७, ३२; राय० २६; पिं० नि० ५३०; दस० १, १; ४, १६; जीवा० ३, १; भग० ३, १; २; ६, ५; कप्प० २, २७; (२) कलिंगडा तुंगडा लीडा वगेरेने मोदीने इरेल जीला इडडा. तरबूज, लूबडी, मिंडी आदि को काट कर किये हुए छोटे टुकड़े slices of vegetables, like water-melons, gourds etc “उत्कलिकमसंसंहु” दस० ५, १, ३४; (३) इरवा वगेरे अमुक वण्णत भाटे भांगयुं नदी ते. कर्म वगेरह का अमुक समय के लिये नहीं मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time. “उत्सुक्कं उत्करं उत्कलिकं अदिजं अमिजं” भग० ११, ११; कप्प० ५, १०१; —वण्णग. पुं० (-वण्णक) प्रधान-उत्तम-यंदन. उत्तम- सर्व श्रेष्ठ-चंदन. excellent sandal-wood. “उत्कलिक कण्णगोपरि” पंचा० २, १७; —संकल्लेस. पुं० (-संक्लेश) उत्कल स्थितिअं ध ज्जनक अध्ययसाय स्थानः इल्लडामां इल्लडुं अध्ययसाय स्थान के जेथी अशुभ उत्कल स्थिति अथाय. उत्कल स्थिति बंध करने वाला अध्ययसाय स्थान; नीच से नीच अध्ययसाय-कृत्य जिस से कि अशुभ कार्यों का उत्कल स्थिति बंधे. impure thought-activity causing increased duration of evil Karma क० ग० —सर्गार. त्रि० (-शरीर) उत्कल-मोटा शरीरवाळुं. बड़े शरीर वाला. having a big, bulky body. “उत्कलिक उत्कलिकसर्गार भविस्सह” विवा० ४; ७; नाया० ८; १४; १६; —सीहणाय. पुं० (-सिंहनाद) भेड़ोरी आवाज; उत्कल सिंहनाद. बड़ा आवाज; जार का आवाज; उत्कल सिंहनाद thundering sound;

roaring sound of a lion. जं० प०

३, ४५; नाया० १८;

उक्किट्टा. ली० (उत्कृष्ट) अेक प्रकारनी देवता-
नी वेगवाली गति; मनोहर गति. एक
प्रकार की देवता की शीघ्र गति-मनोहर
गति. A kind of quick gait of
gods; charming gait. "उक्किट्टाए
तुरियाए चंडाए" राय० जीवा० ३; आया०
२, १५, १७६, नाया० ४; ८;

उक्किट्टि. ली० (उत्कृष्टि) आनंदजनक ध्वनि;
हर्षना अवाज. आनंदजनक शब्द; हर्षयुक्त
शब्द A voice of joy ओव० २७;

उक्किरण. त्रि० (उत्कीर्ण) उभेरेलुं; भादी
डाटेनुं. खुदा हुआ. Dug out. ओव०
नि० २६१; (२) अत्यन्त प्रगट; खुल्लुं.
अच्छी तरह से जाहिर; खुला हुआ. open;
quite manifest. पन्न० २; (३)
कटारेल. खोदा हुआ. carved. सम० प०
२०६; (४) मिश्रित. मिश्रित; मिला हुआ.
mixed. परह० १, १; —अंतर. त्रि०
(—अन्तर) अतिव्यक्त अन्तर. अच्छी तरह से
प्रगट अंतर. having the inner side
quite manifest or laid open;
also, having the difference
quite manifest. सम०

उक्किस्त. त्रि० (उत्कृस्त) उभेरेल. उखाड़ा
हुआ. Scratched out; dug out.
उत्त० १६, ६३;

उक्किस्तण. न० (उत्कीर्तन) यउविसथे;
योवीस तीर्थंकरनी स्तुति. संस्तवन; गुण
कीर्तन; चौबीस तीर्थंकरों का स्तुति.
Praise; praise of the glory of
the 24 Tirthankaras. अणुजो०
५८; चउ० १; विरो० ६०२; प्रव० ६५;
—अणुपुर्वी. ली० (—अनुपूर्वी) उत्कीर्तन
युल्लभाभ; स्तुत्य पुरषोनी अनुभवे स्तुति

करवी ते. गुणवान्-प्रशंसनीय पुरुषों की
अनुक्रम से स्तुति करना. praising in
due order the merits of wor-
thy persons. अणुजो० ७१;

उक्किस्तित. त्रि० (उत्कीर्तित) कीर्तन करेला.
कीर्तन किया हुआ. Praised; describ-
ed. सू० प० २०;

उक्कुजिय. सं० कृ० अ० (उत्कुञ्जय , उजे-
थी शरीर नमानीने; कुपडा धरने. ऊंचे से
शरीर को नमाकर. Having bent
down the body. आया० २, १, ७,
३७;

उक्कुट्ट. न० (उत्कृष्ट) लीला पानने लुक्को.
हरे पत्तों का ओखली में किया हुआ चूरा.
Powdered green leaves. आया०
२, १, ६, ३३;

उक्कुट्ट. त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट नाद; आनंद
ध्वनि. उत्कृष्ट नाद; श्रेष्ठ शब्द; आनंद ध्वनि.
Excellent, pleasant (sound)
परह० १, ३;

उक्कुडुअ न० (उत्कुटुक) उक्कुडु आसन;
उलआणीये भेसतानुं आसन; उलडड आसन
उकडु आसन; घूंटों के बल बैठने रूप आसन.
A squatting bodily posture:
sitting on heels etc. आया० १, ६,
४, ४; २, ७, २, १६१; उत्त० १, २२;
ओव० नि० भा० १५६; ओव० १६; भग०
७, ६; —आसण. न० (—आसन)
उक्कुडु आसन; उलडड पगे भेसतनुं ते.
आसन विशेष; घूंटों के बल बैठने के रूप
आसन squatting bodily posture;
sitting on heels etc भग० २५, ७;
—आसणिय. त्रि० (—आसनिक)
उलडड पगे भेसतार; उक्कुडु आसने भेस-
तार. उकडु आसन से बैठने वाला; घूंटों क
बल बैठने वाला (one) in a squat-

ting bodily posture. ठा० ५, १;
भग० २१, ७;

उक्कुडुग. न० (उक्कुडुक) ओ३ओ "उक्कुडुग"
श०६. देखो "उक्कुडुग" शब्द. Vide
"उक्कुडुग" ज० प० नाया० १; आया०
२, २, ३, १०१;

उक्कुडुया. स्त्री० (उक्कुडुका) उ०५५३ भेसतुं
ते; पांथ प्रकारनी नपाधा-भेडकभांती भेड.
घूंटों के बल बैठना; पांच प्रकार की बैठकों
में से एक प्रकार की बैठक. One of the
five sitting postures viz. squat-
ting on heels etc. "पंच निसिजाओ
प० त० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया"
ठा० ५, १;

उक्कुडुग. पुं० (*) उ०५५३. घूरा. A
dung-hill. ओष० नि० ४३६;

उक्कुडुग. पुं० (*) उ०५५३. घूरा.
A dung-hill. (२) ओ नामने कोई
भाष्य. इस नाम का कोई मनुष्य. name
of a person. अणुजो० १३०;

उक्कुडुगिआ या. स्त्री० (*) उ०५५३.
घूरा. A dung-hill. विवा० १;

उक्कुडुय. त्रि० (उक्कुजि) मदान् अ०५५३
ध्वनि. बड़ी भारी अग्रगट ध्वनि. Loud
indistinct sound. पणह० १, १;

उक्कुल. त्रि० (उक्कुल) सन्मार्ग अथवा न्या-
यना दूत-तटथी दूर करनेवाले. सन्मार्ग अथवा
न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला.
Loading away from the path
of justice. पणह० १, २;

उक्केर. पुं० (उक्कर) गशिः समूह. टगलो.
हेर. A heap. ओष० नि० २६०; (२)
वृद्धि; उद्गर्तन; कर्मकी स्थिति वर्गेरमां वर्गेर

करवे। ते. वृद्धि; बढ़ती; कर्मकी स्थिति वर्गेरह
में बढ़ती करना. increase; increase
in the duration of Karma.
विशे० २५१४;

उक्कोडा. स्त्री० (उक्कोटा) स्त्री० ३५५५.
रिशबत; घूस. Bribe; bribery.
"उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिजेहिय" विवा०
१; पणह० १, ३;

उक्कोसिय. त्रि० (औत्कोटिक-उत्कोटा लब्ध
तया च व्यवहरन्ति ते तथा) ३५५५ आनार;
स्त्री० लेनार; स्त्री०। रिशबत खोर; घूस
लेनेवाला. (One) who takes
bribes. ओव० भग० १, १;

उक्कोया. स्त्री० (उक्कोचा) स्त्री० रिशबत.
Bribe; bribery नाया० १८;

उक्कोस पुं० (उक्कोश) उ०५५३. उ०५५३
करनार पक्षी; यातक; अपैयो. ऊँचा मुँह करके
शब्द करनेवाला पक्षी; चातक; पपैया. A
bird that screams with its
mouth raised up: e. g. Chātaka
etc. पणह० १, १;

उक्कोस. पुं० (उक्कर्ष) उ०५५३; वधारेमां वधारे;
धणुमां धणुं उक्कुष्ट; श्रेष्ठः ज्यादाह से
ज्यादाह. Highest; longest. पंच० १,
२: १६, ४४; क० प० १, १२: ६७;
"उक्कोसं जीवो उंसंसे" उ०५५३, ५;
ओव० ३८; नंदी० १४; अणुजो० ८६; ठा०
१, १; सम० १; विशे० ३४५; पि० नि०
३०; नाया० १६; दसा० ६, २; भग० १,
१; १०; २, ५; ३, ३; ५, १; ८; ६, ३; ८,
८; १०; ६, ३२; १६: १; १८, ७; २४,
२०; २५, ४; ३६, १; ज० प० २, २५;
(२) मान; अ०५५३. अहंकार; घमंड.

* ओ३ओ पृष्ठ न० १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vidh
foot-note (*) p. 15th.

pride. सू० १, २, २, २६; सम० २२; (३) उत्तम. श्रेष्ठ; अच्छा. excellent; best पि० नि० भा० १२; भग० १२, ५; —काल. पु० (-काल) उत्कृष्ट-धर्माभां धर्मा काय. ज्यादाह से ज्यादा समय; उत्कृष्ट समय. the longest time. भग० २४, १; —कालाट्टिह. बी० (-कालस्थिति) उत्कृष्ट कायनी स्थिति. उत्कृष्ट काल की स्थिति. duration of the longest time. भग० १५, १; -ट्टिह. बी० (-स्थिति) धर्माभां धर्मा स्थिति. ज्यादाह से ज्यादाह—अधिकाधिक स्थिति. longest duration. निर० २, २; —ट्टिहय. पु० (-स्थितिक) उत्कृष्ट-धर्माभां धर्मा स्थिति वालो. उत्कृष्ट-ज्यादह से ज्यादाह स्थितिवाला. one that has the longest duration. अ० १, १; —पदासय. त्रि० (-प्रदेशिक) धर्माभां धर्मा प्रदेश वालो. ज्यादाह से ज्यादाह प्रदेश वाला. (one) having the greatest number of molecules. अ० १; —पद. न० (-पद) उत्कृष्ट पद; उत्कृष्टपणुं. उत्कृष्ट पद; श्रेष्ठ पद; उत्कृष्टता. excellent status; highest state. “ उक्कोसपदे अट्ट अरिहता ” ठा० ८; —पय. न० (-पद) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, १०; —मयपत्त. त्रि० (-मद प्राप्त—उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्तः) उत्कृष्ट भदवालो. उत्कृष्ट मदवाला. highly intoxicated with pride. जीवा ३; पत्त १७; —सुयज्ञाणि. त्रि० (-सूत्र ज्ञातिन्) उत्कृष्ट श्रुतज्ञानवालो. उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला. (one) highly learned in the scriptures. विशेष ४५२; **उक्कोसअ. पु० (उत्कर्षक)** भेदाभां भेदोटा.

बड़े से बड़ा. One that is highest or biggest. अणुजो. १३२; **उक्कोसओ. अ० (उत्कर्षतस्)** वधारेमां वधारे; उत्कृष्टपणुं. उत्कृष्टतासे. At the maximum limit; at the highest. प्रव० ७६४; **उक्कोसंत. त्रि० (उत्क्रोशत्)** आक्रन्दन करतो. आक्रन्दन करता हुआ; चिखाता हुआ. Screaming; crying aloud. परह० १ १; **उक्कोसग पु० (उत्कर्षक)** उत्कृष्ट; भेदाभां भेदोटा. उत्कृष्ट; श्रेष्ठ; बड़े से बड़ा. One that is highest, biggest or best. “ तताणं च उत्तमं कट्ट पत्ते उक्कोसए अट्टारस्स सुहुत्तं ” च० प० १; भग० २५, ६; **उक्कोमिश्रय त्रि० (उत्कृष्ट)** उत्कृष्ट; वधारेमां वधारे. उत्कृष्ट; ज्यादाह से ज्यादाह. Highest; highest in amount. जं० प० ७, १३४; उत्त० ३३, १६; भग० ५, १; ८, १०; ११, ११; १८, ७; १६, ३; बव० १, १७; नाया० ८; भत्त० ३७; पंचा० ८, २६; **उक्कोसिय. पु० (उत्क्रोशिक)** ओ नामता गोत्रना प्रवर्तक ऋषि. इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name. “ थेरस्सणं अज्जवहरसेणस्स उक्कोसिय गोत्तस्स ” कट्प० ८; **उक्ख. पु० (उत्त)** संयंघ. सम्बन्ध. Connection; relation नदी० **उक्खंभ. पु० (उत्तम्भ)** जेरथी रोक्युं ते. जोर से रोकना. Stopping checking forcibly. संथा० **उक्खंभिय. त्रि० (उत्तम्भिक)** जेरथी रोकनार; अट्टकायनार. बल पूर्वक रोकने वाला.

(One) who stops or checks forcibly. संस्था०

उत्खलण. न० (उत्खनन) उभेडुं ते. उखाडना. Digging out; scratching out. पराह० १, १;

उत्खलणिय. त्रि० (उत्खनित) उभेडी नाभेडुं. उखाडा हुआ. Dug out; rooted out. पि० नि० २४६;

उत्खल्य. त्रि० (उत्खात) उभेडेस; भेदेस उखाडा हुआ; खोदा हुआ. Rooted out. सु० च० ४, ५६; नाया० ७;

उत्खल. पुं० (उदूखल) उभल; आंसली. ओखली. A mortar. पराह० १, १;

उत्खलन. पुं० (उदूखलक) आंसवानी आंसली. कुटने की ओखली. A mortar used for pounding. “ को संयमो चमेहाण सुप्पुक्खलगं च खारगालणं च ” सुय० १, ४, २, १२;

उत्खलुंदिय. सं० क० अ० (*) अंमंजनि. खुजाकर. Having scratched or rubbed with the nails of the hand to remove itching sensation; having tickled. आया० २, १, ६ ३२;

उत्खा. स्त्री० (उखा) थाडी; तोडडी; दांडवी. थाली; हंडी; भरतिया. A metal or earthen pot or pan. “ एगाआ उत्खातो परिण सिजमाणे पहाण ” आया० २, १, २, १०;

उत्खलण. त्रि० (*) अरडायेस. खर-डाया हुआ; क्षिप्त. Bespattered; smeared. पराह० १, ३;

उत्खलत. त्रि० (उत्खलित) सिंयेस; विलेपन

करेस. सींचा हुआ; छेप किया हुआ. Smeared; bespattered. “ चंदखो-क्खितगाय सरारे ” सुय० २, २, ५५;

उत्खलस. त्रि० (उत्खलित) उंयुं करेस; उपाडेस. उडावेस. ऊंचा किया हुआ; उखाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up; lifted up. पि० नि० २८४; नाया० १; ३; ८; भग० ८, ६; १६, ५; वय० २, १; आव० ८, ६; (२) ज्ञाताधर्म कथा सूत्रना पडेला अध्यायनं नाम. ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jñātādharmakathā. नाया० २; (३) गानना चार प्रकारमानो ओक प्रकार. गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music. राय० ६५; जं० प० ५, १२१; (४) आकर्षण करेस; भेयेस. आकर्षित; खींचा हुआ. attracted; drawn. नाया० १६; —करणनास. त्रि० (—कर्णनास) जेना कान अने नाक उभेडी नाभ्या छे ते. जिसके कान और नाक उखाड डाले हों वह. (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out). विवा० २; ६; —चरअ. त्रि० (—चरक) रोधवाना वासलुभांधी आवाना वासलुभां गृहस्थे पोताने आया करेसुं होय तेस लवुं ओवो अलिअद धारी जायरी करतार. सिक्काने के वर्तनमें से खाने के वर्तन में अपने खाने के लिये ग्रहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेने का प्रतिज्ञा करके भिक्षा मांगने वाला. (one) who begs alms with a determination to take

* अनुमो पृष्ठ नं० १५२ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. ओव० १९, ठा० ५, १; पण० ३, १; — २. पुं० (—चरक) लुओ उ५ले श७६. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ५; ओव० —शिक्षितचरक. पुं० (—निक्षितचरक—पाकभाजनादुत्क्षिप्तं निक्षितं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तद्वर्तीति तथा) रांधवाना वासलुभांश्चि आवाना वासलुभां कालेन ह्येते नीम वासलुभां नापे ते लेनार; अलिग्रधारी मुनि. सिमाने के बरतन में से खाने के बरतन में निकाले हुए भोजनको दूसरे बरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel. ओव० —पसिणवागरण. न० (—प्रभव्याकरण—उत्क्षिप्तानिर्क्षिप्तानि प्रभोत्तरायुत्क्षिप्तप्रभव्याकरणानि) संक्षिप्त प्रभव्याकरण—सवाल जवाब. संक्षिप्त प्रभव्याकरण; संक्षेप में सवाल जवाब. a brief catechism. भग० १६, ५; —पुण्यवसहि. पुं० (—पूर्ववसति) आपसति—भजनमां रडो ऐम कही साधुने पडेन वडेले अतावेन उतारे. साधुको, इस वसति घरमें रहे यह कहकर पहले पहल बतलाया हुआ उतरने का स्थान. a lodge first pointed out to an ascetic with the words “live in this house.” आया० २, २, ३; ८७; —बलि. न० (—बलि) उपर ईडेन अलिदान; अलिदान

तरीके उपर ईडेन. ऊपर फेंका हुआ बलिदान; बलिदानरूप से ऊपर फेंका हुआ. an oblation thrown upwards. “अंगमंगानि सरुहिराहुं चउद्विंसि करेति” नाया० ६; —विवेक. पुं० (—विवेक—उत्क्षिप्तस्य शुष्कौदनादिभक्ते निक्षिप्तस्य त्रिनामयोग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथक्करणमुत्क्षिप्तविवेकः) भात वगेरेमां पडेन अलुअपण्ण द्रव्यं लुहुं काली नाअयुं ते. भात वगेरह में पडे हुए वतियोंके अयोग्य द्रव्य को पृथक् कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. आवा० ६, ६;

उक्लिप्त—य. त्रि० (उत्क्षिप्तक) गीतने ओक प्रकार; शब्दातथी यदते स्वरे गावुं ते. गीतका एक भेद; प्रारंभ में उच्च स्वर से गाना. A pitch of music; singing with a high pitch. ठा० ४, ४; जीवा० ३, ४; राय० १३१;

उक्लिप्तयात्र. न० (उत्क्षिप्तज्ञात) जेणे ससलाने उगारता पण उथो राख्यो ते उत्क्षिप्त—मेघकुमार; तेजुं दृष्टान्ते जेमां आपवामां आन्यं छे ते अध्ययन; ज्ञातासूत्रं प्रथम अध्ययन. खरगोश को बचाने के लिये पैर उंचा रखनेवाले उत्क्षिप्त मेघ कुमार का दृष्टान्त जिसमें दिया गया है वह अध्याय; ज्ञातासूत्र का प्रथम अध्ययन. The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया० सम० १६;

उक्लिप्तय. न० (उत्क्षिप्तक) गीतने प्रथम प्रकार. गीत का प्रथम प्रकार. The first of the varieties of music. जं० ५० राय० १२१;

उक्खुलंपिय. सं० कृ० अ० (*) अ०-
लीते. खुजाकर. Scratching; rubbing
with the nails of the hand,
to remove an itching sensation.
' नो गाहावइ अंगुलियाए उक्खुलंपिय
(उक्खुलंदिय) जाइजा ' आया० २, १,
६, ३२;

उक्खेव. पुं० (उत्त्थेव) उ० उपाड्युं; उ०
ईड्युं. ऊंचा उठाना; ऊंचा फेंकना. Lift-
ing up; tossing up. जावा० ३, ४;
पि० नि० २२७; (२) प्रारंभ वाक्य.
प्रारंभ का वाक्य; शुरू का वाक्य. com-
mencing sentence or words.
उवा० ३, १२६, ४, १४५; निर० ३, ३;
(३) अधिकार; अस्मिन्विय. अधिकार;
अभिधेय. subject-matter. विवा० ३;
(४) पुं० उपोद्घात. उपोद्घात; प्रारंभिक
वक्तव्य. introduction; preface.
उवा० ३, १२६; ४, १४५;

उक्खेवअ-य. पुं० (उत्त्थेवअ) प्रस्तावना;
उपोद्घात. प्रस्तावना; प्रारंभिक वक्तव्य;
उपोद्घात. Introduction; preface.
भग० २४, १; (२) त्रि० आदावे; अध्याय.
अध्याय; विभाग; परिच्छेद. a chapter.
नाया० ध० ५; ६; (३) पवन नाप्पवाते
वांसते पंप्पा. हवा करने का बांस का पंखा.
a fan. भग० ६, ३३; नाया० १; (४)
त्रि० ईडनार. फेंकनेवाला. one who
throws or flings. भग० ६, ३३;

उक्खेवण. न० (उत्त्थेवण) उ० ईड्युं;
न्यायदर्शन संमत पांच कर्म पैडी प्रथम
कर्म-किया. ऊंचा फेंकना; न्यायदर्शन सम्मत
पांच कर्मों में से प्रथम कर्म. Throwing

up; one of the five actions
recognized in the Nyāya
philosophy. विशेष० ३४६२; ओष०
नि० २०३;

उग्रा. पुं० (उग्र) ऋषभदेव प्रभुओं रक्षक
तरीके नीमित्तुं कुल; उग्रवंश. ऋषभदेव
भगवन् को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ
कुल; उग्रवंश. The family ap-
pointed as a guardian family
by lord Rishabhadeva; the
Ugra family. ओष० १३; सम०
२३२; नाया० १; ५; भग० ६, ३३; पञ्च०
१; उवा० २, १०७; जं० प० २, ३०;
(२) त्रि० उग्रकुलमां उत्पन्न थये. उग्रकुल
में उत्पन्न. one, born in the Ugra
family. प्रव० ३८६; अणुजा० १३१;
उत्त० १६. ६; ओष० १३, २७; ठा०
३, १; (३) त्रि० उग्रः प्रधानः अङ्ग-
भारे. उग्र; तीव्र; प्रधान; बहुत भारी.
austere; chief; severe. पञ्च०
१; भग० १०, ४; २०, ८; नाया० ८;
(४) त्रि० उत्कटः आकट्ठं, दृढे आचरी
शक्त्यं तेयुं. उत्कट; कठिण. strong;
austere; severe. उत्त० ३०, २७;
सु० च० १, ३८४; नंदी० ५६; (५) त्रि०
उद्यम सहित उद्यम सहित; उद्योग सहित.
industrious; active. नाया० १९;
—कुल. पुं० (-कुल) उग्रकुल; ऋषभदेव
ने ऋषभदेवे रक्षक तरीके स्थापितुं ते कुल.
उग्रकुल; जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने
रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल.
the Ugra family appointed
by Rishabhadeva as a guar-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

dian family. आया० २, १, २, ११; कण्य० २, १७; —तव. न० (—तपस्) उग्रतप; अष्टमादिक तप; धृष्टी कटिलु तपश्चर्या. उग्रतप; अष्टमादिक तप; बहुत कठोर तपस्या. austere penance. ठा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६; (२) त्रि० उग्रतप करनेवाला. उग्रतप करनेवाला. (one) performing austere penance. उत्त० १२, ३२; —तेज. त्रि० (—तेजस्) उग्र प्रभाववाला. उग्र-तेज-प्रभाववाला powerful; (one) of powerful lastre. (१) न० तीव्र जहर. deadly poison. 'आसीविसा उग्र-तेजकण्ठा' परह० २, १; —पञ्चइय. पुं० (—प्रवर्जित) उग्रवंशमां उत्पन्न थयने दिक्षा लीधेय. उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिक्षा लिया हुआ. one born in the Ugra family, who has taken Dikṣā. ओव० —पुत्त. पुं० (—पुत्र) उग्रवंशमां उत्पन्न थयेय पुत्र-कुमार. उग्रवंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार. a male member (a son) of the Ugra family. ओव० २७; दसा० १०, ३; राय० २१८; —विष. न० (—विष) उत्कट विष. प्रधान विष; तीव्र विष. deadly poison. भग० १५, १; नाया० ६; (२) आकरा विषवालो सर्प. बहुत तीव्र विषवाला सर्प. a serpent with deadly poison. उवा० २, १०७; —विहार. पुं० (—विहार) उग्र विहार. उग्र विहार; कठिण विहार. साधु का एक ग्राम से अन्य ग्राम जाना. austere wandering from place to place e. g. on the part of a monk. भग० १०, ४; —विहारि. त्रि० (विहारिन्)

उत्थीरीते संयम पालनार. उच्च रीति से संयम पालन करनेवाला साधु. (one) who strictly observes ascetic rules. भग० १०, ४;

उगम. पुं० (उद्गम) साधुने अर्थे आहारादि निषम्वतां गृहस्थधी आधाकर्मदि लागता १६ दोष, १ आहकम्म; २ उद्देशीय, ३ पूरकम्म, ४ मीसज्जायमे, ५ ठवणा, ६ पाहुडिया, ७ पाउयर, ८ काय, ९ पामिच्च, १० परीयट्ठि, ११ उग्गिन्ने, १२ अलिहडे, १३ मालोहडे, १४ अन्धिज्जे, १५ अज्जोयरे, १६ अणिसिद्धे, ये सोलहानो गमे ते येड. साधुके लिये आहारादि बनाने में गृहस्थ को लगनेवाले आराकर्मदि १६ दोष; १ आहकम्म. २ उद्देशीय. ३ पूरकम्म. ४ मीसज्जायए. ५ ठवणा ६ पाहुडिया. ७ पाउयर. ८ काय. ९ पामिच्च. १० परीयट्ठि, ११ उग्गिन्ने १२ अमिहडे १६ मालोहडे १४ अन्धिज्जे १५ अज्जोयरे १६ अणिसिद्धे, इन सोलह दोषोंमें से कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic; they are:—(1) Āhākamma (2) Uddesiya (3) Pūṭikamma (4) Misajāyae (5) Thavaṇā etc. (vide Guj. explanation) परह० २, १; दसा० ५, १, ५६; ठा० ३, ४; उत्त० २४, १२; सम० प० १६८; पि० नि० १, ३०; सू० प० २; भग० ७, १; प्रव० ५७१; —उवघाय. पुं० (—उपघात) आधाकर्म आदि उद्गमन दोषधी चारित्र्यी विराधना करी ते. आधा कर्मन् आदि उद्गमन दोष से चारित्र्य की विराधना करना. damaging one's right conduct by an Udgamana fault e. g. by tak-

ing [Ādhākarma food etc. टा० ३; १०; —कोटि. क्री० (-कोटि) उद्गम पक्ष; आधाकर्म अने उद्देशिकता त्रय त्रय भेद-भेदं ७ भेद उद्गम कोटी तरीके भलेल छे. उद्गम पक्ष; आधाकर्म और उद्देशिक के तान तीन भेद जुमला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं. a group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddesika. पि० नि० ४०१; —दोष. पुं० (-दोष) १६ उद्गमन दोष; जुओ “ उगम ” शब्द. १६ उद्गम दोष; देखो “ उगम ” शब्द. any of the 16 Udgamana faults; vide “ उगम. ” “ सोलस उगम दोसे गिहियो सुमुट्टिये ” पि० नि० ४०१; पंचा० १३, २; —विसोहि. क्री० (-विशोधि) १६ उद्गमन दोषनो अभाव. १६ प्रकार के दोषों का अभाव. absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults. टा० ५, २;

उगमगण. न० (उद्गमन) उगयुं ते; सूर्यनो उदय. उगना; उदय होना; सूर्य का उदय. Rising up; rising; e. g. of the sun. जं० प० ७, १३६; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) सूर्योदय थयानुं मुहूर्त. सूर्योदय होने का मुहूर्त. time of sunrise. भग० ८, ८;

उगमय-अ. त्रि० (उद्गत) गद्गार नीकगतो भाग. बाहिर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out. नया० १; राय० (२) उत्पन्न थयेल. उत्पन्न; पैदा हो चुका हुआ. born; produced. अणुजो० १२८; परह० १, ४; विशे० १०६६; आव० ६१; प्रव० ५६६; कप्प० ४, ६३; (३) उगेल; उदय पामेल. उगा हुआ; उदय प्राप्त.

risen; come out. भग० ७, १; नया० १; ओघ० नि० १७५; जीवा० ३, ३; —वित्तिअ. त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिर्जीवनोपायो यस्यासौ) द्विपस उग्या पक्षी नेने वृत्ति-भोराक भेलयवानुं छे ते. दिन उदय होने के पीछे जिसे आहार लाना हो वह. (one) who has to acquire his food after sunrise. “ भिक्षुय उगय वित्तिअ अणत्थमिय ” वेय० ५, ५;

उगमवर्द्ध-ती. क्री० (उग्रवती) पञ्चो, ७४ अने अग्यारस ओ रात्रिनी त्रय निधिनुं नाम. प्रतिपदा, छठ और ग्यारस का रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. जं० प० ७, १५२; सू० प० १०; उगमसेण. पुं० (उग्रसेन) उंसना पिता उग्रसेन राजा; कृष्ण वासुदेवता ताथाना सेण लगर राजन्योमां अग्रेसर. उग्रसेन राजा; कृष्ण के अधीनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा; कंस का पिता. King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Kṛṣṇa Vāsudeva. अंत० १, १; नाया० ५, १६; निर० ५, १;

उगमह. पुं० (अवग्रह) मन अने छन्द्रियोनी साथे वस्तुनो सम्बन्ध यतां प्रथम सामान्य ओप थाय ते; मतिज्ञानना चार प्रकारमानो पड़ेले प्रकार. मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद. General knowledge derived from the first perception of an object; the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशेष. १७८; भग० ८, २; १२, ५; १७, २०; नदी० २६; कण्ठ० ६, ६; (२) उपकार; आश्रय. उपकार; आश्रय. favour; support. भग० १७, १; (३) आशा; रत्न; संभति. हुक्म, आज्ञा; राय; सम्मति. order; permission; assent. वव० ४, २२; २३; ७, १७; दसा० १०, १; ओव० १२; वेय० १, ३७; राय० २७; २१६; परह० २, ३; नाया० १; २; १६; दस० ५, १, १९; भग० २, ५; ६, ३३; १५, १; १६, १; आया० २, १, ५, २८; २, ७, २, १६२; कण्ठ० १, ५; (४) अलिग्रहः नियम. अभिग्रहः नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct. अंत० ६, ३; (५) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. सूय० १, ६, १०; दस० ६, १४; उत्त० ३१; ६; (६) आवास; निवास स्थान. आवास; निवासस्थान. an adode; a residence. निर० १, १; (७) अन्तर; अंतर. अन्तर. interval; anything that intervenes or forms an interval. “उक्किट्टं सट्ठिहत्थुगं” प्रव० ७७; —अणुणवणा. ली० (-अनु-ज्ञापना) अवग्रह-उपाश्रयनी रत्न. अवग्रह-उपाश्रय की आज्ञा, अथवा मंजूरी. permission to have an abode in monastery. सम० २५; —पडिमा. ली० (-प्रतिमा अवग्रहत इत्यवग्रहोवसति-स्तप्रतिमा अभिग्रहः अवग्रहप्रतिमा) निवास करवाभां नियम अलिग्रह धारणे ते. उपाश्रयनी प्रतिमा-अलिग्रह. निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा-अभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular

place; e. g. in a monastery. “जावोगाहपडिमा पडमा” आया० नि० २, १, १, १६; ठा० ७, १; पि० नि० ६१; —णवेस. पुं० (-प्रवेश) भकानभां प्रवेश करवे। ते. मकान में प्रवेश. entering a house etc; पंचा० १२, २२; —मह. ली० (-मति) धृष्टि अने अर्थ-ने सम्बन्ध थाय ते; मतिज्ञानने अेक भेद. इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना; मतिज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna ठा० ४, ४; ६, १; —महसंपया. ली० (-मतिसम्पद) मतिसंपदाणे अेक प्रकार; सामान्यपक्षे वस्तुनुं ग्रहण करवुं ते. मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद; सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा० ४, ३५;

उग्राहण. न० (अवग्रहण) सामान्य अंशनुं ग्रहण करवुं-वित्तरवुं. सामान्य अंश का ग्रहण करना विचारना. General perception; perception of broad outlines. विशेष० १७६; (२) स्थानली आशा. स्थान की आज्ञा. permission to lodge. आया० १, २, २, ८६;

उग्राहणंतग. न० (अवग्रहान्तक) नावाने आकारे साध्वीनुं अेक वस्त्र के जेने शूल प्रदेश दांडवाभां उपयोग थायछे; साध्वीना २५ उपकरणुं अेक. साध्वी के गुताङ्ग ढकने का एक वस्त्र; २५ उपकरणों में का एक उपकरण. One of the 25 articles of use for a nun; viz a boat-shaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रब० ५३६; ओष० नि० भा० ३१३; वेय० ३, ११; —पट्टय. न० (-पट्टक) साध्वीनुं ओष० उपगच्छ. साध्वी का एक उपकरण. one of the articles used by a nun. वेय० ३, ११;

उग्गाहिय. न० (अवग्रहिक) पाटीआरा उपगच्छ. अभुक् वपत मुत्री वापरिने पाछा धूली ने सोंपया योग्य उपगच्छ. अभुक् समय तक काम में लेकर—पीछे उसके मालिक को सोंप देने योग्य उपकरण. An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner. टा० १०;

उग्गाहिय. त्रि० (अवग्रहीत) पीरसवामाटे उपाडेकुं. परोसने के लिये उठाया हुआ. Taken up to be served as food टा० १०;

उग्गाहिया. स्त्री० (अवग्रहीता) गृहस्थने थाली वगैरेमां पीरसेकुं भोजन साधुओ यत्नापूर्वक लेवुं ते; पिन्डेपयानो पांचमे प्रहार. गृहस्थ द्वारा थाली वगैरह में परोसा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक ग्रहण करना; पिंडेषणा का पांचवाँ भेद. Careful taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil; the 5th mode of begging food. टा० ७; प्रब० ७४६;

उग्गाहिय. सं० कृ० (उद्गय) गान करीते. गाता हुआ. Singing; having sung. ओष० नि० ६६;

उग्गाल. पुं० (उद्गार) ओउकारती साथे अनाज के पाणी पेटमांथी मोटांमां आवे ते उकार के साथ जल या पानी का पेट में से सुंह में आना. Coming up of water

or food into the mouth along with eructation वेय० ५, १०;

उग्गाहणा. स्त्री० (अवगाहना) शरीरती उयाछ. शरीरकी ऊंचाई. The height of the body. भग० १६, ३; २२, ६; उग्गाहिम. त्रि० (अवगाह) घी आदिमां तलेली वस्तु. घी वगैरह में तली हुई वस्तु. Food fried in ghee etc. परण० २, ५;

उग्गाहिय-अ. त्रि० (उद्ग्रहित) हाथमां लीवित्र; उपाडेव. हाथ में लिया हुआ; उठाया हुआ. Taken up; lifted up. ओष० नि० १६७;

उग्गाहियइव. त्रि० (उद्ग्रहितव्य) तपास करी. तपास करना; जांच करना. Examining; inquiring. वव० २, २२;

उग्गिरण. त्रि० (उद्गीर्ण) ओकेल; वमेल. वमन किया हुआ. Vomited. नाया० १; उग्गिलिस्ता. सं० कृ० अ० (उद्गीर्य) ओगा-लीने. उगाल कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e. g. like cows etc. वेय० ५, १०;

उग्गोवणा. स्त्री० (उद्गोपना) शोधवुं; ओपणा करी. शोधना; खोजना; एषणा करना. To search; being in search of. पिं० नि० ७३;

उग्गोविय. त्रि० (उद्गोपित) मुंजाअ गपेल सूत्रने उकेलेल; गुंय कटेल. अस्पष्ट या कटित सूत्र का संशोधन किया हुआ. Deciphered; e. g. a difficult Sūtra. भग० १६, ६;

उग्गाहिय-य. त्रि० (उद्घातित) लघु प्रायश्चित. छोटा प्रायश्चित. Minor expiation. टा० ५; नितो० १०, १२; वेय० ४,

११; १२; (२) नाश पामेल. नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined. ठा० १०; —संकल्प. पुं० (—संकल्प) लघु प्रायश्चित्तो विचार. लघुप्रायश्चित्त का विचार. thought about minor expiation. निसी० १०, २६;

उग्राहम्. न० (उद्घातिम-उद्घातीभाग पात-स्तेन निर्बुत्तमुग्रातिमम्) लघु प्रायश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation. ठा० ३;

उग्राह. त्रि० (उद्घाट) थोड़ा ढाँकेहुं-नासेहुं; थोड़ा खुलुं; भोगव न दीधेन. कुछ बंका हुआ और कुछ खुला हुआ. Partially closed; not bolted. आव० ४, ५; —कवाह. त्रि० (—कपाट) अर्धुं दीधेन कमाड. आधा बन्द किवाड. a partially closed door; a door not bolted ओव० आव० ४, ५; —कवाहउग्राहणा. स्त्री० (—कवाटोद्घाटना) अधे उघाडुं कमाड पुरे उघाडुं ते; साधुनो गोरगीनो ऐक अनियार. आधा खुला हुआ किवाड पूरा उघाडना; साधु का गोबर का एक अतिचार. opening a partially closed door; a fault in alms-begging by a Sādhu. “ पडिककमामि गोरगरग चरियाए उग्राहकवाडउग्राहणाए ” आव० ४, ५;

उग्राहण. न० (उद्घाटन) उघाडुं, ओखुं. उघाडना; खोलना. Opening; opening a door. पिं० निं० १००; ओव० निं० ४७६; आव० ४, ५;

उग्राहपोरिसी. स्त्री० (उद्घाटपौरुषी) पड़ोसो पाओसो भाग; पोलो पड़ोस. प्रहर का पिछला हिस्सा. The latter part of a Prabhara (a period of time equal to about three

hours;) three-fourth of a Prabhara. प्रब० ५१८;

उग्राहिय-य. त्रि० (उद्घाटित) उघाडेल; खुलुं करेल. उघाडा हुआ. खोला हुआ. Opened. नंदी० ४२; पिं० निं० ३५२; क० प० ५, ६४;

उग्राहियरण. त्रि० (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं प्रकाशितं जानतीति) कहेल मात्र ज्ञानार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला. (One) who knows anything exactly as it is explained or said to him. नंदी०

उग्राय. पुं० (उद्घात) लघु प्रायश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation ठा० ३;

उग्रायण. न० (उद्घातन) क्षय-नाश करेवो. क्षय करना; नाश करना; Destruction. आया० १, २, ६, १०२;

उगुह. त्रि० (उद्घुष्ट) थोपला करेव. घोषित; घोषणा की गई हो वह. Proclaimed. सु० च० २, १०१;

उगोसणा. स्त्री० (उद्घोषणा) उद्घोषणा-दंडेरी. उद्घोषणा; प्रसिद्धि. Proclamation; declaration. नाया० ५; १५;

उगोसिय. त्रि० (उद्घुष्ट) धसेन; मांजेल. धिसा हुआ; मांजा हुआ. Rubbed; cleansed. “ उगोसियसुखिममलं व आयंसमंडलनलं ” पगह० २, ४;

उचिञ्च-य. त्रि० (उचित) योग्य; लायक. योग्य; उचित; लायक. Fit; proper; suitable. नाया० १; राय० ६४; पिं० निं० ६४१; कप० ४, ६२; (२) लोडेल; भजेन. जोडा हुआ; मिला हुआ. united; joined. पंचा० १, ४३; —अनुष्ठान. न० (—अनुष्ठान) उचित-योग्य अनुष्ठान. उचित अनुष्ठान; योग्य कार्य. proper

performance. “ उचित अणुद्वाराचो विचित जइ जोगतुला मोएस ” पंचा० ६, १६; — करणिञ्च. त्रि० (- करणीय) योग्य कर्तव्यवालो. योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पंचा० १, ४३; — जाग. पुं० (- योग — उचित: स्वभूमिकायोग्यो योगो व्यपार:) पोतानी भूमिकाने योग्य व्यापार. अपनी भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा० ५, ४४; — द्विह. स्त्री० (- स्थिति) उचित-योग्य स्थिति योग्य स्थिति. proper condition. पंचा० ३, ४;

उचिञ्च (य) त्त. न० (उचितत्व) योग्यता; आयकता. योग्यता; न्यायकत. Propriety; fitness. पंचा० ६, ५०;

उच्च. त्रि० (उच्च) उच्च; उत्तम; पूज्य. उच्च: उत्तम; श्रेष्ठ; पूजनीय. High; excellent; noble. “ उच्चावयाहिं सिजाहिं ” उत्त० २, २२; भग० २, ५; ३, १; (२) उच्च शरीर तथा उच्च कुल वालो. ऊँचे शरीर तथा उच्च कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. नाया० १६; ठा० ४, ३; (३) नाम कर्मनी ओक प्रकृति के जेथो उच्च गोत्र प्राप्त थाय. उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म की एक प्रकृति. name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family. क० गं० १, ३०—५२; ५, ३०; — आसन. न० (- आसन) उच्च आसन. उच्च आसन. a high seat. सम० ३३; दसा० ३, ३४;

— गोय. न० (- गोत्र) उच्च गोत्र नामे गोत्रकर्मनी शुभ प्रकृति के जेना उच्चगोत्र उच्च गोत्र पामे. उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जाँव उच्च गोत्र पाता है. a variety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. उत्त० ३३, १४; — द्वाण. न० (- स्थान) उच्च स्थान. ऊँचा स्थान. high place; high position. “ उच्चद्वारागणसुग्गाह ” नाया० ८; — फल. त्रि० (- फल) दाँया वज्रत सुधि जेनुं द्रव रहे छे ते; चिरकायने उपद्रवि. लंबे समय तक जिसका फल रहता है वह; चिरकाल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit. “ उच्च फलो अह सुहुं सउणिथो ” वव० १, ३; — सह. पुं० (- शब्द) शब्द. बड़ा शब्द; उच्च शब्द. loud sound. वव० २, ७;

उच्चंत. पुं० (*) दाँतों का रंग; दाँत का रंग. Colour of the teeth; tooth colour. राय० ५२;

उच्चंतग. पुं० (*) दाँतों का रंग; दाँत का रंग. Colour of the teeth; tooth-colour. जीवा० ३, ४;

उच्चंतय. पुं० (उच्चन्तक) जुओ उपलो शब्द. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. राय० पञ० १७;

उच्चंपिय त्रि० (*) जोर से किया हुआ हल्ला. Violently attacked. “ सीसं उच्चंपियं कवं धम्मिय ” तंडु०

उच्चत्त. न० (उच्चत्व) उच्चता; उच्चता;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उच्चतरिया. Nobility. सम० ७; नाया० ८;
 जीवा० ३, ४; भग० २, ८; ६, ७; ८, ८;
 ११, ६; १४; ६, ३५, १; ४०, १५;
 (२) उंचाई; ऊँचाई; कद; जमीन के तल से
 ऊँचाई. height. प्रव० ४१२; ठा० १, १;
 २, ३; जं० प० १, ४; २, २६; सम० ७;
 सू० प० १; (३) उच्यो; अदलाती अमुक
 वस्तु. बदलेकी वस्तु, a certain thing
 as reward. ठा० ४, १; —भयश्च.
 पुं० (—भूतक) उच्यो आपी काम करावी
 ओ ते सेवक. मजदूरी देकर जिससे काम कराया
 जाय वह सेवक. a servant made to
 work by paying some reward.
 ठा० ४, १;

उच्चतरिया. स्त्री० (उच्चतरिका) अक्षर
 लिपिभांती ओक. अक्षरह लिपिओं में की एक
 लिपि. One of the 18 scripts.
 सम० १८;

उच्चता. स्त्री० (*) भक्षत; कंठ पदलो
 भेयानी छच्छा न करवी ते. सुफत; कुछ भी
 इच्छा रखे बिना. Gatis; without
 desire of any reward or gain.
 “ तच्छताए दायां दुहभ ” पि० नि० ३२२;

उच्चतथवरण. पुं० (उच्चस्थापनक) उंचा
 मोढानुं लाज्जत विशेष; यथु. ऊँचे मुँह
 का बरतन. A vessel (n. g. a
 pot) with a long neck; a
 pitcher with a long neck.
 अणुस० ३, १;

उच्चय. पुं० (उच्चय) उंचो ढगलो. ऊँचा
 ढेर. A large heap; a high
 pile. अंत० ६, ३; कण० १, ४; —बंध.

पुं० (—बन्ध—ऊर्ध्व चयनं शीशिकरणं तद्-
 रूपोबन्ध उच्चयबन्धः) उपरी उपरी मुड़ी
 ढगलो करेवा ते; रूप अंध. एक के ऊपर एक
 रखकर ढेर करना. heaping together
 one upon another भग० ८, ६;
 उच्चयर त्रि० (उच्चतर) वधारे उंचुं. बहुत
 ऊँचा. Higher; more high. भग०
 ३, १;

उच्चरण. न० (उच्चरण) अक्षरादिनो उच्च्यार
 करेवा. अक्षरादि का उच्चारण करना. Pro-
 nunciation; act of pronouncing
 words etc. गच्छा० ८२;

उच्चाग्र. त्रि० (*) थकी गयेल. थका
 हुआ. Tired; fatigued. ओष० नि०
 ५१८;

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुचा—उच्चा चासा
 वकुचा-परिस्पन्द रहिताच्चाकुचा) जमीन-
 थी उंची अने ढाले गाले नदी तेवी शय्या.
 जमीन से ऊँचा और न हिलने वाला शय्या.
 A raised, high, bed which
 does not shake कण० ६, ५४;

उच्चाकुइया. स्त्री० (उच्चाकुजिका) जमीनथी
 उंची अने उगमगती शय्या न करे तेवी
 शय्या वगैरे. जमानसे ऊँची किन्तु न हिल
 सके ऐसी शय्या. A raised bed
 which does not shake. कण०
 ६, ५४;

उच्चागय. त्रि० (उच्चागज—उच्चो योऽगः
 पर्वतो हिमवान् तत्र जातं उच्चागजम्)
 हिमायलमां उद्भवेल—उत्पन्न थयेल.
 हिमालय में उत्पन्न. Born, produced
 on the Himalaya mountain.
 कण० ३, ३६;

* ओयो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

उच्चागोत्र-य. न० (उच्चगोत्र) उच्युं गोत्रः; गोत्र कर्मन्ती उच्य प्रकृति. उच्च गोत्र; गोत्र-कर्म की उच्च प्रकृति. Noble family; a kind of Gotra Karma which causes birth in a noble family "से असहं उच्चागोत्रं असहं नीच्चागोत्रं" आया० १, २, ३, ७७; डा० २, ४; अणुजो० १२७; सम० १७; क० प० ७, ४३; प्रब० १२६७; —**कर्म.** न० (—कर्मन्) उच्य गोत्र कर्म; गोत्र कर्मन्ती अक प्रकृति. उच्च गोत्र कर्म; गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग० ८, ६; —**शिवंश्चै.** पुं० (—निबन्ध) उच्य गोत्र कर्म आधुनुं ते. उच्च गोत्र कर्म बाधना. performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family. "उच्चागोत्राणां वधो सासणं वमणो य लोमांसि" पंचा० १२, ७;

उच्चागोत्र. न० (उच्चगोत्र) अणुजो "उच्चागोत्र" शब्द देखो "उच्चागोत्र" शब्द. Vide 'उच्चागोत्र' उक्त० ३, १, ८;

उच्चागोत्री. स्त्री० (उच्चागोत्री) अथ नामनी कोडियगोत्री नीकलेली; शाखा; आर्य संतिसे-ल्लिनी शाखा. कोडिय गणसे निकली हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Kōḍiya Gana; the offshoot of Ārya Santisēṇika. कण्ठ० ८;

उच्चार. पुं० (उच्चार) वडी नीत; जाडो; विष्टा. विष्टा-मल; टट्टी, Excrements. पि० नि० भा० १४; पि० नि० १६७; ५३६; वे० १, ६८; ओ० उ० २४, १४; सू० १, ६, १६; सम० २; आया० २, १, ४, २, ६; नाया० १; २; ५; पञ्च० १;

दस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३, १२, ७; २०; २; प्रब० ४३८; (२) वडी नीत करवी; मल त्याग करवे. शौच जाना; मल त्याग करना. answering the call of nature; getting rid of faeces. "सेमि० उच्चार पासवण किरियाण्" आया० २, १०, १६६; (३) उपयोग अने यत्ना-पूर्वक परस्पर; पोथी परिश्रवणिया समिति. उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निषेप-त्याग करना; पांचवीं परिश्रवणिया समिति. getting rid of, laying down, excreta etc. carefully. उ० २४, २; —**करण.** न० (—करण) दिशाये अणुं. मलमूत्रका त्याग करना. easing one-self; answering a call of nature. प्रब० २४; —**शिरोह.** पुं० (—निरोध) काडतो निरोध अटकाव करवे ते. मल निरोध; दस्त रोकना. stopping, checking, of stools. "उच्चारशि-रोहेण पासवणशिरोहेण" डा. ६, १; —**पडिक्रमण.** न० (—प्रतिक्रमण) उच्यार-विष्टा परस्परिने धरिया वहिया पडि-कर्मन्ती ते. मल त्याग करके धरिया वहिया रूप प्रतिक्रमण करना. performing Iriyā Vahiya Pratikramana (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature. डा० ६; —**पासवण.** न० (—प्रसवण) जाडो अने पेशाव. मल मूत्र. faeces or solid excrements and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६६; (२) आचारंगना श्रीम श्रुतरङ्गना श्रीम अध्ययननुं नाम. आचारंग के दूसरे श्रुत-स्कंधके तीसरे अध्यायका नाम. name of the third chapter of the second Śrutaskandha of

Āchārāṅga. आया० २, २, ३, १०६;

—पासवण भूमि. स्त्री० (—प्रसवणभूमि)

आडा अने पेशाब परइववानी जग्या. मल मूत्र त्यागने की जगह. a place for getting rid of solid excrements and urine. नाया० १; भग० २, १;

—भूमि. स्त्री० (—भूनि) जग्या जग्यानी जग्या. शौच जाने का स्थान. a place for answering a call of nature.

दस० ८, १७; —मत्तश्च. पुं० (—अमत्रक) स्थंडिल जग्याने भाटे लाग्न पेशाब करनेका पात्र. a vessel in which urine, solid excrements etc. are got rid of. कण० ६, ४६;

उच्चारण. पुं० (उच्चारण) ओझपुं ते. बोलना. Utterance; speaking. पञ्च० ३६; पंचा० ६, ३८;

उच्चारत्त. न० (उच्चारत्त) विष्टापणुं. विष्टापन; मलत्व. State of solid excrements. भग० ३०, ४;

उच्चार पासवण खेलजल्ल सिंघाण पारिद्धावणिया समिय. त्रि० (उच्चार प्रसवणखेलमलसिंधानपरिस्थापनिका समित) आडा, पेशाब, अजओ, भेद, नाडनो भेद, ओझली वस्तुओ परइववामां समिति यत्नावालो. मल, मूत्र कफ, मैल; नाक का मैल, इन को यत्नाचार पूर्वक डालने वाला. (One) careful in laying down or throwing out solid excrements, urine, spittle, bodily dirt & snot. नाया० ५; दसा० २. ११;

उच्चारिय. त्रि० (उच्चारित) उच्चारेल; उच्चार करेल. कहा हुआ; उच्चार किया हुआ. Said; uttered. पञ्च० १७; सु० च० १, ३६३; पिं० नि० ६७;

उच्चारियव. त्रि० (उच्चारितव्य) उच्चार

करवा योग्य. उच्चार करने योग्य. Worth saying or uttering. भग० ६, ३; १६, ४;

उच्चारयेद्व. त्रि० (उच्चारितव्य) ओझो उपेओ शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० १, ४; ५, १; ६; २, ६; जं० प० ७, १६२;

उच्चालइअ. त्रि० (उच्चालयिक) इर इर नाइ; असेउनाइ. दूर करने वाला. घसाटने वाला. (One) who removes or causes to move. “ जंचाणिज्जा उच्चालइअंतं जाणिज्जा दूरालइयं ” आया० १, ३, ३, ११८;

उच्चालिय. त्रि० (उच्चालित) उठुं उठेनुं; उपाठेनुं. ऊंचा किया हुआ; उठाया हुआ. Lifted up; raised up. “ उच्चालिय म्मिपाणु इरिया समियस्स संकमट्ठाणु ” ओघ० नि० ७४८;

उच्चावअ. य. त्रि० (उच्चावच-उदक्चावाक् उच्चावचं) उंच नीच; उत्तमाधम; अनेक प्रकार का. Of various kinds; high and low. सूय० १, १, १, २७; उत्त० २, २२; नाया० १; १६; १८; भग० ७, ६; १५, १; ओव० ४०; पञ्च० ३४; राय० २६६; दसा० १; ३; (२) अनुकूल प्रतिफल. अनुकूल प्रतिकूल. favourable as well as adverse. भग० १, ६;

उच्चावय. त्रि० (उच्चव्रत-उच्चानि महान्ति व्रतानि येयां ते) महाव्रत धारी; उंचा व्रतवाले. महा व्रत धारन करने वाला; ऊंचे व्रतवाला. (One) observing high or full vows. “ उच्चावयाइं मुणियो चरंति ” उत्त० १२, १५;

उच्चावहता. सं० कृ० अ० (उच्चैःकृत्वा)
 উঁচু করি। ऊँचा करके. Having lifted
 up. पञ० १७;

उच्चविय. सं० कृ० अ० (उच्चैःकृत्वा) উঁচু
 করি। ऊँचा करके. Having lifted or
 raised up. पञ० १७;

उच्चिद्वा. त्रि० (उच्चैस्क) উঁচু। ऊँचा.
 High; elevated. जं० ३, ३;

उच्चूल. न० (उच्चूल = ऊर्ध्वं चूला यथा स्या
 तथा उच्चूलम्) উঁচী খাটতী থায় তেঁরী
 দীতে উঁচু করে মাঁচু। जिस तरह से चोटी
 ऊँची हो उस तरह से ओंघा-नाँचा किया
 हुआ माथा. (Head) topsy-turvyed
 so that the tuft of hair becomes
 erect. वि० ६;

उच्चूल. पुं० (अवचूल) দাঁখীনা গজাণী যে
 আঁচুয়ে জুমণা জেঁতু লটকতুঁ জুমড়ে দাঁখী
 কে গলে কে दोनों ओर झूमके के समान
 लटकता हुआ झूमका An ornamental
 pendant (of the shape of a
 flower) on both the sides of
 the neck of an elephant. ओ०
 ३०,

उच्चूलग. पुं० (अवचूलक) जुঁয়ো উপরে
 শব্দে দেখো ऊपर का शब्द. Vide
 above. ओ० ३३;

उच्चोदत्र. पुं० (उच्चोदक) অক্ষত
 ব্যক্তিরিতা ঐক মদেবনু নাম. ब्रह्मदत्त
 चक्रवर्ती के एक मल का नाम. Name
 of a palace of the Chakravarti
 Brahmadatta. उत्त० १३, १३;

उच्छंग. पुं० (उत्संग) গোড়; গোয়ে। गोदी.
 A lap अंत० ३, ८; ओ० ३१; सु० च०
 २, २४४; नाया० २; १६; वि० ७;
 प्र० १६०;

उच्छ्रण त्रि० (उच्छ्रज) ঢাঁকৈ ঢাঁকা

हुआ Covered; hidden. ओ० पञ०
 २३; जं० प० २, १६;

उच्छ्रत्त. न० (अपच्छत्र-अपशब्दं विरूपं कृत्रं
 स्वदोषाणां परगुणानां चावरणमपच्छत्रम्)
 পোতানা দোষ অন্তে খীড়িতা গুণোনে छुपायवा
 ते; असत्यतो अंश प्रकार. अपने दोष और
 दूसरे के गुण को छुपाना. Hiding one's
 own demerits as well as an-
 other's merits. प० १, २;

उच्छ्रज. त्रि० (उत्तश्च) अंदर उँड उतरैल.
 अंदर उतरा हुआ; उँडे में उतरा हुआ.
 (Gone deep into the interior.
 अणुत्त० ३, १;

उच्छ्रज. त्रि० (उच्छ्रज) जुँयो ' उच्छ्रण '
 शब्द. देखो ' उच्छ्रण ' शब्द. Vide
 ' उच्छ्रण ' जं० प०

उच्छ्रंत. त्रि० (उत्स्तृण्वन्) আচ্ছাদন
 কর্তৃ; ঢাঁকতুঁ আচ্ছাদন करता हुआ; ढँकता
 हुआ. Covering. " चक्रपहमुच्छ्रन्त-
 कच्छइ गंभार .. " प० १, ३;

उच्छ्रलणा स्त्री० (उच्छ्रलना) উঁচতুলতুঁ।
 उच्छ्रलना. Leaping up; throwing
 up. प० १, ३;

उच्छ्रलिय. त्रि० (उच्छ्रलित) উঁচতুলে।
 उच्छ्रला हुआ. (One) that has
 leapt up. प० १, ३;

उच्छ्रव. पुं० (उच्छ्रव) ইন্দ্রেতস্বাদি; महो-
 तस्य इन्द्रोत्सवादि; महोत्सव; बड़ा जन्मा.
 A festival; e. g. one in honour
 of Indra. नाया० १; भग० ६, ३३;

उच्छ्रहंत. त्रि० (उत्सहन्) উত্সাহ রাখিতো.
 उत्साहवाला. Ardent; zealous; en-
 thusiastic. " अओमया उच्छ्रहया
 नरेण " इ० ९, ३, ६.

उच्छ्राइय. त्रि० (अवच्छादित) আচ্ছাদন

क़रेल; क़डेल. ढांका हुवा. Covered;
hidden. नाया० १;

उच्छादणया. स्त्री० (उच्छादन) उच्छेदन
करेयुं ते. उच्छेदन करना; उखाडना. Root-
ing out; cutting out. “ अंगारं
संभुतराखं घाताए वाहाए उच्छदणयाए ”
भग० १५, १;

उच्छाय. पुं० (उच्छाय) उँचाइ. ऊँचाई.
Height. ठा० ७;

उच्छायणा. स्त्री० (उच्छादना) व्ययच्छेद-
व्याप्ति करणी. जातिका विच्छेदन करना-
नाश करना. Cutting off; debar-
ring. नाया० ८;

उच्छाह. पुं० (उत्साह) उत्साह; उत्कंठा.
उत्साह; उत्कंठा. Zeal; enthusiasm;
eager longing. सू० प० २०; सम० ६;

उच्छेदण. न० (उच्छेदन) उच्छिन्न-विधा-
लेयुं ते. उधार लेना. Borrowing; tak-
ing on credit. पि० नि० ११६;

उच्छेपण. पुं० (उत्क्षेपक) चोर विशेष;
भीष्म, भीष्म वगैरे चोरनी जात चोर विशेष;
मीणा, भील वगैरह चोरकी जाति. A par-
ticular class or tribe of thiev-
es; e. g. Mīṇā, Bhīla etc पगह०
१, ३;

उच्छिष्ट. त्रि० (उच्छिष्ट) खातां खातां बचेयुं;
अंशुं; श्रुं. उच्छिष्ट; श्रुत्. (Food)
remaining after one has eaten
a portion of it. प्रब० ११६;

उच्छिष्टण. त्रि० (उच्छिष्ट) उच्छेद करेयुं;
नाश पामेय. नाश पाया हुआ; नष्ट.
Destroyed; ruined. ठा० ६; भग०

३, ७; कप्प० ४, ८८; — सामि ..
पुं० (-स्वामिक—उच्छिष्टो निःसत्तीभूतः
स्वामी यस्य तत्तथा) जेना स्वामी भ. लेक
नाश पामेय होय ते. जिसका स्वामी नष्ट
हो गया हा वह (one) whose master
has been ruined. “उच्छिष्टण सामि-
याइ वा उच्छिष्टण सेउ पाइ” भग० ३ ७;

उच्छिद्य. त्रि० (उच्छिद्यत) उँच्युं करेयुं.
ऊँचा किया हुआ. Raised up;
elevated. ओव० २६; ३१; नंदो० ६;

उच्छु. पुं० (इक्षु) शेरडी. सांटा; गन्ना.
Sugar-cane. भग० १, १; आया० २,
७, ३; १६०; ओव० पि० नि० २८०; सु०
च० २, २४; —खंड. पुं० (-खण्ड)
शेरडीना कटका -कानडी. गन्नेका टुकड़ा.
a piece of sugar-cane. दस० ३, ७;
५, २, ३८; दमा० १०, ५; —गंडिया.
स्त्री० (-गण्डिका) शेरडीना गांठ
सहित कटका. गन्नेका गांठ सहित टुकड़ा.
a piece of sugar-cane with
joints. आया० २, १, १०, ५८;
—मेरग. न० (-मेरक) शेरडीनी गंडेरी;
छातां छानेयुं शेरडीना कटका गंडेरी; गन्नेके
बिना छिलके के छोटे टुकड़े. small pieces
of sugar-cane with the peel
chopped off. आया० २, १, ८, ५७;
—वन. न० (-वन) शेरडीनुं वन. गन्ने का
वन. a forest of sugar-canes
अणुजो० १३१; —वाड पुं० (-वाट) शेर-
डीनी वाट. गन्नेकी वाड़. a field of sugar-
cane where they are pressed
to extract juice. आंघ० नि० ७७१;

* उच्छुद्ध. त्रि० (*) उपर आवेय. ऊपर

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

आया हुआ. Come up; come to the surface. विशेष० ११४७;

उच्छ्रुत. त्रि० (विलिप्त) वेशयेत; विभेदेत. बिखरा हुआ. Scattered; dispersed.

श्रौघ० नि० भा० २२९;

उच्छ्रुत. त्रि० (*) आशयेत. चुराया हुआ. Stolen. जीवा० ३, ३; (२) त्यजेत.

त्याग हुआ. abandoned. श्रौघ० ३८;

संस्था० (३) धोताना स्थायी इ० धरेत;

अदार धरेत अपने स्थानमें दूर किया

हुय; बाहिर किया हुआ removed, ex-

pelled from one's place. "आयाण

फलिय उच्छ्रुत दीह वाहू" तंदु० श्रौघ० १०;

—सरीर. पुं० (—शरीर) जेजे शरीर

संस्कारने तथा दीया छे येया भुली. ऐसे मुनि

जिन्होंने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया

है. an ascetic who has given up

all physical needs or ceased to

attend to them. "घोरतपसी घोर

यंभयारी उच्छ्रुत सरीर" जवा० १; भग०

१, १; नाया० १;

उच्छेद. पुं० (उच्छेद) नाश. नाश. Des-

truction; annihilation. नंदी० ३६

उच्छेय. पुं० (उच्छेद) जुओ विपक्षे शब्द.

देखो ऊपर का शब्द Vide above.

नंदी० ३६; —कर त्रि० (—कर) नाश

करना. नाश करने वाला. (one) who

destroys नंदी० ३६;

उच्छेयण. न० (उच्छेदन) निर्मूल करने;

उच्छेदन करने. निर्मूल करना; उच्छेद

करना. Uprooting; annihilating;

eradicating राय० २०८;

उच्छेभ. त्रि० (उत्क्षेभ) क्षोभ रक्षित.

क्षोभ रहित. Free from agitation.

श्रौघ० नि० ४३२;

उच्छोलण. न० (उच्छोलन) व्यतनाये

दाय पग धोया ते. बिना यत्नाचार के

हाथ पैर धोना. Careless washing

of hands and feet. सूय० १, ६,

१८; —(णा)पहोअ-य. त्रि० (—प्रधोल

—उच्छोलनेन प्रभूतजलक्षालनक्रियया धोता

धोतगात्रा ये ते तथा) अण पाण्डुपी

यत्ना वगर शरीर वगैरे धोना. बिना

यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह

धोनेवाला. (one) who carelessly

washes his body (needlessly)

with too much water. श्रौघ०

दस० ४, २६; —(णा)पहोह. त्रि० (—प्र-

धाविन्—उच्छोलनगोदक यतनया प्रकर्षेण

धावतिपदादिशुद्धि करोति यः स तथा) यत्ना

वगर पाद प्रक्षालन करना. बिना यत्नाचार

के पैर धोनेवाला. (one) who

washes feet without proper

care. दस० ४;

उच्छोलित्ताग. त्रि० (उत्क्षालितृ) उत्क्षाल-

नार. छ्वाटनेवाला (One) who

washes or sprinkles. सूय० २, २, १८.

उज्जम पुं० (उज्जम) उद्यम; धन्ये; प्रवृत्ति.

उद्यम; धंधा; व्यापार; प्रवृत्ति; कर्तव्य

तत्परता. Industry; activity; busi-

ness. श्रौघ० २१; सु० च० १, २५;

नाया० ५; गच्छा० ६;

उज्जय. त्रि० (उज्जय) तत्पर; तैयार. तत्पर;

उद्यम; तैयार. Ready; ready to

do, prepared. पण० १, ३; श्रौघ०

नि० भा० ४६; सु० च० १, ३०३; पंचा०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

८, ५; —विहार त्रि० (-विहार)
विहारमां उद्यत-उज्जयण. विहार में उद्यत.
enthusiastic or zealous about
peregrination (Vihāra). पंचा०
१, ४६.

उज्जयंत. पुं० (उज्जयत्) गिरनार पर्वत.
गिरनार पर्वत. The Giranāra
mountain. प्रव० ३६४; —सेल. पुं०
(-शैल) गिरनार पर्वत. गिरनार पर्वत. the
Giranāra mountain. नाया० १६;

उज्जल. त्रि० (उज्जल) निर्मल; २१२७;
शुद्ध; शुद्ध; क्लृप्त रहित. निर्मल; स्वच्छ;
साफ; निष्कलंक. Clear; pure; stain-
less. कप्प० ३, ४१, ४६; नाया० १;
जीवा० ३, १; राय० श्रव० भग० ६,
३३; १६, १; गच्छा० १०२; (२) उत्कटः
तीव्र. उत्कट; तीव्र. sharp; severe.
नाया० १; ५; १६; १८; सूय० २, २,
६७; राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७,
१६६; दसा० ६, १; —शेषः पृ०
(-नेपथ्य) निर्मल वेष. निर्मल वेष;
स्वच्छ पोशाक. clean, spotless,
dress. भग० ७, ८;

उज्जलिय. त्रि०. (उज्जलित-उद्गता ज्वाला
यस्य सः) प्रकाशित; दृष्टीप्यमान. प्रका-
शित; प्रकाशवान्; दृष्टीप्यमान. Shining;
sparkling. नाया० १; जावा० ३;

उज्जल. त्रि० (उज्जल - उद्गतो जलः शुष्क-
स्वेदो यस्य सः) शुष्क पसिनाना जमेव
भेद्युक्त; मलीन. सूखे पसीने के जमे हुए
मेल सहित. Dirty with a sedi-
ment of dried up perspiration.
“मुंडा कंडूविण्डंगा उज्जला असमाहिता”
सूय० १, ३, १, १०;

उज्जहिता. सं० कृ० (उज्जाय) तलने;
छोड़ने. तजकर; छोड़कर. Having

abandoned; having left. “उज्ज-
हिता पलायद्” उत्त० २७, ७;

उज्जयण. न० (उद्यान-वस्त्राभरणादिसमलं-
कृतविग्रहाः सज्जितासनाद्याहारा मदनो-
त्सवादिषु क्रीडार्थं लोका उद्यन्ति यत्र तच्च-
स्पृकादितरुखयडमण्डितमुद्यानम्) ४३-
३३ पाला अडेथी व्यास-प्राग; साधारण
जनोने ओम्हाय उज्जयणी करवानुं स्थान;
वगीचा. फूल फल वाले भाड़ों से व्यास
बागीचा; साधारण जनो का उत्सव करने का
स्थान; बागीचा. A garden with fruit-
trees and flowering plants; a
place where common people go
for celebrating a festivity. कप्प०
४, ५, ८८; ११३; ७, २११; अणुजो० १६;
१३४; ठा० २, ४; सम० ६; दस० ६, १;
७; २६; राय० २०, ३३; २३४; नंदी० ५०;
पि० नि० २१२; सु० च० १, ६६; दसा० ६,
३; विवा० ५; श्रव० १६; नाया० १; २;
३; ५; ८; १४; १६; भग० ३, २; ५, ७;
१५, १; १८, १; २५, ७; जं० प० २,
३०; ३१; निसी० ८, २; (२) उज्जयि
जमीन; टेकरी. ऊंची जमीन; टेकरी.
a high ground; a hill. “उज्जयणं
सिव दुबला” सूय० १, ३, २, २०;
—गिह. न० (-गृह) उद्यानमां आधित
भवन. उद्यान गृह; बागीचे वाला घर. a
house in a garden. ठा० २, ४;
निसी० ८, २; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा)
उद्यानमां जयुं ते; उद्याननी यात्रा. बागीचे
में जाना. going to a garden. नाया०
१; —पाल. त्रि० (-पाल) उद्यानने
रक्षक-भाडी उद्यान का रखवाला; माली. a
gardener; (one) in charge of
a garden. पि० नि० २१४; —पालत्र.
त्रि० (-पालक) ज्योतो उपदेश शब्द

देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० २३०; —संस्थित. त्रि० (—संस्थित) उद्यान-नी आकृति वाला; उद्यानने आकारे रहैल. उद्यान की आकृति वाला; उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden. “उज्जाण रंठिताण ताव क्खेते” चं० प० २; —साला. क्खि० (—शाला) उद्यान शाला. उद्यान शाला; बागीचा. a park; a garden. निषी० ८, २; —सिरि. क्खि० (—सी) उद्यान-वननी लक्ष्मी-शोभा. उद्यान की लक्ष्मी; वन की शोभा. beauty of a garden or of a wood. नाया० १६;

उज्जालियलेण. न० (—आयानिकलयन)

उद्यान गीयानी अंदरनु विरामगृह उद्यान-बागीचा के भीतर का विरामगृह-ठहरने का स्थान. A rest-house in a garden; a house of recreation in a garden. भग० १३, ६; १४, १;

उज्जायण. पुं० (उजायन) पुष्य नक्षत्रनु गोत्र. पुष्य नक्षत्र का गोत्र. The family-line of the constellation Pusya. सु० प० १०;

उज्जालअ. त्रि० (उज्जालक) अग्नि सज्ज-गायनार. आग्न जलाने वाला-सिलगाने वाला. (One) who kindles fire. सूय. १, ७, ६;

उज्जालण. न० (उज्जालन) सज्जगायवु ते. जलाना; सिलगाना. Kindling; setting fire to; causing to burn. गच्छा० ७६;

उज्जालिय. त्रि० (उज्जालित) सज्जगावेत्त. सिलगाया हुआ. Kindled. जीवा० ३, ३;

उज्जित. पुं० (उज्जयत्) सारक देशमां जुता-गद पासे आवेत्त गिरनार पर्वत. गिरनार

पर्वत. The mountain Girnāra in Junāgadhā. पंचा० १६, १७; कप्प० ६, १०४;

उज्जु. त्रि० (अज्जु-अर्जयति गुणानिति) सरल. अयत्त; अकुटिल. सरल; सीधा, टेढ़ाई रहित; बिना कुटिलता का. Straight; straight-forward. ओव० १०; ठा० ४, १; आया० १, ३, १, १०७; पिं० नि० २८६; ३६५, जं० प० २; जीवा० ३, ३; (२) माया-कपट रहित; संयमधारी. माया रहित; छल कपट रहित; संयम वाला. free from deceit; self-restrained. ठा० ३; —आयता. क्खि० (—आयता) सरल अने लांभी श्रेणी सरल और लंबी श्रेणी. a long and straight line. भग० २५, ३; ३४, १; —आयया. क्खि० (—आयता) जुआ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ३; —कड. त्रि० (—कृत) सरल; मायारहित करेत्त. सरल-माया रहित किया हुआ. made straight-forward or free from deceit. “अकिंक्खया उज्जुकडा निरामिसा ! परिगाहारंभ नियत्त दोसा” उत्त० १४, ४३; आया० १, १, ३, १८; —जड. त्रि० (—जड) सरल अने गूढ़; सीधापलु गूढ़ता वाला. सरल और जड़; सीधा किन्तु मंद बुद्धि. straight-forward but dull and and stupid. “पुरिमा उज्जुजाडायो वक्क जङ्गाय पच्छिमा” उत्त० २३, २६; पंचा० १७, ४३; —इंसि. त्रि० (—इंसि-अज्जु मोक्ष प्रति अज्जुत्वात् संयमस्तं परयन्त्यु-पादेयतयेति अज्जुदर्शिनः) अज्जु भाव-भोक्ष साधक संयमने जेतार; संयमालिखी. अज्जु भाव-मोक्ष की सिद्धि करने वाले संयम का अभिलाषी. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस० ३; ११;—पञ्च. त्रि० (—प्रज्ञ) सरल अने समझदार straight-forward and intelligent. दस० ५, १, ६०; उ१० ६; २३, २६; पंचा० १७, ४३;—भाव. पुं० (—भाव) ऋजु भाव; सरलता. सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness; self-restraint. “उज्जुभावं च जणवद्” उ१० २६, ५; —मह. छी० (—मति-मननं मतिः ऋज्वी सामान्यग्राहिणी मतिः ऋजु-मतिः) मन पर्यव ज्ञानको अेक भेद; सामान्यर्था मनना पर्यवेने जलानार ज्ञान. मन पर्यव ज्ञान का एक भेद; सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला ज्ञान. a variety of Manaparyava Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६; दस० ४, २७, ठा० २, १. नंदी० १८; भग० ८, २; विशे० ७७६; (२) पुं० कंठक न्यून (अदी अंशुन न्यून); अदीदीपना संज्ञी प्राणि-ओना भनोलायने जलानार साधु. अहाई द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु. (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of 2½ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of 2½ fingers). ओव० १५; —यार. त्रि० (—कार) ऋजु-संयम-सरलताना कर-करनार; संयमधारी; संयम पालनार. संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७; —सुत्त. पुं० (—सुत्त) वर्तमान वस्तुनेज माननार नय; सात नयमानो अेक नय. वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय; सात नय में से एक नय. the theory which admits the present condition of things only; one of the 7 logical stand-points. ठा० ७; —सुय. पुं० (—धृत) अतीत अनागत धात रूप वक्तता बिना मात्र वर्तमान धातयति वस्तुनेज जे देण्डे, पारसी वस्तु निष्प्रयो-जनदोषने असत् समान माने, त्रिंश वयन सिन्न जनां अेकज पदार्थ माने, निक्षेपा-यार स्वीकारे ते; सात नयमानो योथो नय. सात नय में का चौथा नय, जो अतीत अना-गत काल रूपी वक्तता को छोड़ कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु को असत् के समान मानता है, लिङ्ग वचनों को भिन्न होने पर भा एकही पदार्थ बतलाता है और चार निक्षेप स्वीकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. अणुजो० १४; १४८; सम० ८८; पञ्च० १६; विशे० ४०; २२२२; प्रव० ८५४; (२) निच्छेद गयेत पारमां दृष्टिवाद अंगना गीजग विभाग सूत्र-नो प्रथम भेद. जिसका विच्छेद होगया है ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dīṣṭivāda Aṅga. —संहि. छी० (—अेखी) सरल

अेषी-आकाश प्रदेशपंक्ति. सरल अेषी-
आकाश प्रदेशों की सरल पंक्ति. a straight
line of spatial units " विष्पजहिता
उज्जुसेठिपत्ते " उत्त० २६, ७३;

उज्जुअ. पुं० (अजुक) उदर सर्प वगैरेना
दर-राक्षस. ऊंदरे और साँपों की बाँबा. A
hole of a snake, a rat etc.
कप्प० ६, ४२;

उज्जुग. पुं० (अजुक) दृष्टिवादा ८ सूत्रमानुं
पड़ेहुं सूत्र. दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का
पहला सूत्र. The first of the 8
Sūtras of Dṛṣṭivāda. सम० (२)
निष्कपटी; सरल. कपटरहित; सरल. one
free from fraud. जीवा० ३;

उज्जुगह. स्त्री० (अजुगति) साधु पौताना
स्थानथी निकली सिधिसिधुं गृहपंक्तिमे
ज्ज व्हेरे, वसतां न व्हेरे ते; जायरीना
आह प्रक्षरमानो पड़ेसो प्रक्षर. गोचरके आठ
प्रकार में का एक प्रकार, त्रिम में साधु अपने
स्थान से निकल सीधा गृहसमूहों में जाकर
वहोरता-भिक्षा लेता है और लौटत हुए नहीं
वहोरता. The first of the eight
modes of begging alms; viz
proceeding to beg from one's
own abode in a straight line
(of houses) and not begging
while returning. प्रव० ७५३;

उज्जुगभूय. त्रि० (अजुकभूत) सरल भूत-
थयेल. सरलीभूत; सरल हो चुका हुआ.
(One) that has become
straight or straight-forward.
"सोहि उज्जुगभूयस्स धम्मो सुद्धम्म चिट्ठह् "
उत्त० ३, १२;

उज्जुगया. स्त्री० (अजुकता) सरलता. सर-
लता; सीधा साधा पन. Straightness;
straight-forwardness. डा० ३;

v. 11/25.

उज्जुत्त. त्रि० (उज्जुत्त) उद्यम वादो; उद्यमी.
उद्यमी: उद्यम करने में तत्पर. Industri-
ous; busy. पंचा० १७, ५२; नंदी० २६;
(२) सावधान. सावधान. सचेत. atten-
tive; careful. आउ०

उज्जुभूय. त्रि० (अजुभूत) सरल थयेल;
सिद्धा-सम्यक उदयने. सरलीभूत; सरल
हृदयवाला, (One) who has be-
come straight-forward in mind;
straight-forward. उत्त० ३, १२;

उज्जुय. त्रि० (अजुक) सरल; सीधा; निष्क-
पटी. सीधा साधा; कपट प्रपंचराहित. Free
from deceit; guileless. आया० २,
३, १, ११४; भग० १८, ५ दसा० ६, २;
आव० नि० ८००; कप्प० ३, ३६; (२) पुं०
जमशो दाथ सांथा हाथ; दाहिना हाथ. the
right hand. आव० नि० ५१०;

उज्जुयया. स्त्री० (अजुकता) सरलता. सर-
लता; सीधा साधापन. Freedom from
guile; straightforwardness. उत्त०
२६, ४८;

उज्जुवालिआ. स्त्री० (अजुवालिआ) जंबिया
ग्रामनी नदी व्हेती ओड नदी, डे जेने
डाई महावीरस्वामीने केवलज्ञान उत्पन्न थयुं.
जंबिया ग्राम के बाहर बहता हुई एक
नदी, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को
केवलज्ञान उत्पन्न हुआ. Name of a
river outside the village called
Jambhiyā on the bank of
which Mahāvīra Swāmī got
omniscience. "जंबिय गामस्स नगरस्स
वाहिया नईए उज्जुवालिआए उत्तरकूले "
आया० २, १५, १७६; कप्प० ५, ११६;

उज्जणी. स्त्री० (उज्जयिनी) भावप देशनी
ओड नगरीनुं नाम. मालव देशका एक

नगरी का नाम; उज्जयिनी; उज्जैन Ujjain; name of a city in Mālava.

“ उज्जेली अट्टणे खलु ” आव० ४; संत्था० ६५; सु० च० ११८; विशेष० १०८२; ओध० नि० भा० २६;

उज्जोत्र-य. पुं० (उद्योत) तेज-प्रकाश

उद्योत; अज्जवाहुं प्रकाश; उज्जेलः उद्योत.

Light; brightness. “देवुज्जोयं करोति”

राय० उत्त० २३, ७५; २८, १२;

पञ्च० २; आया० २, १५, १७६; भग० २,

८; ५, ६; प्रव० १२७८; भत्त० १६८;

(२) नामकर्मनी ऐक प्रकृति के जेना

उदयथी उज्जु-गरम नदी जनां प्रकाश कर-

नार शरीर प्राप्त थाय जेभ येंद्र नक्षत्र रत्न

पगेरेनां शरीर नामकर्मकी एक प्रकृति, जिसके

उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान

शरीर प्राप्त हो जैस कि चंद्र, नक्षत्र,

रत्न आदि का शरीर. a variety of

Nāmakarma by which one

gets a body which is bright

and shining without being

hot, e. g. that of the moon etc.

पञ्च० २३; क० गं० १, २५-४६; २, ५;

—आयव. पुं० (-आतप) उद्योत अने

आतप नाम कर्म. उद्योत और आतप

नामकर्म. the two Nāmakarmas

viz Udyota and Ātapa. क० गं०

५, ३; जं० प० ३, ५४; —गर. त्रि०

(-कर) उद्योत-प्रकाश-ज्ञानदर्शनरूपी

प्रकाशना करनेवाला. उद्योत-प्रकाश करनेवाला. (one)

who enlightens in right know-

ledge and faith. पण्ह० २, २; सम०

आव० २, १; —चउ. (-चनुक) उज्जा-

तादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्य्य गति;

तिर्य्यनु आयुष्य अने तिर्य्य अनुपूर्वी,

ये चार प्रकृति. उद्योतादि चार प्रकृति;

उद्योतनाम, तिर्य्यचगति, तिर्य्यचका आयुष्य, और

तिर्य्यच अनुपूर्वी ये चार प्रकृति. The four

Prakritis (Karmic natures):

viz Udyota Nāma, Tiryañcha

Gati, Tiryañcha Āyusya, and

Tiryañcha Anupūrvī. क० गं० ३,

१२; २३; —णाम. न० (-नामन्) नाम

कर्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्मकी एक प्रकृति.

A variety of Nāmakarma. क०

गं० १, २५;

उज्जाइय. त्रि० (उद्योतित) प्रकाशित; अज्ज-

अज्जुं प्रकाशित; प्रकाशवान्; चिलकता हुआ.

Shining; sparkling. सम० प० २३७;

नाया० १; ओध० १०; गच्छा० १; सु० च०

२, २६७; कण्व० ४, ६२; प्रव० ८०;

उज्जोय. पुं० (उद्योग) प्रयत्न; परिश्रम.

प्रयत्न; परिश्रम; महिनत. Effort; work;

labour. सु० च० १, ६६;

उज्जोयग. त्रि० (उद्योतक) उद्योत करनेवाला.

(One) that gives light. “ सच्च जगुज्जोयगस्स ”

नंदी० ३;

उज्जोयण. न० (उद्योजन) जोड़ना; तैयारी

करनी. जोड़ना; तैयारी करना. Uniting;

joining; preparing. ओध० नि० भा०

६०;

उज्जोविय. त्रि० (उद्योन्वित) रत्न आदिथी

प्रकाशित. रत्न आदिसे प्रकाशित. Shining

with jewels etc. “ सउज्जो विण्हि ”

राय० ४६; नाया० १;

✓ **उज्जम्.** धा० I. (उज्ज्) तथ देवुं. त्याग-

देना; छोड़ देना. To abandon; to

leave off.

उज्जम्ह. मज्ज० १०३.

उज्जम्सि. विवा० १;

उज्झ्वि. आ० विवा० १;

उज्झ्वसु. आ० भक्त० ५६;

उज्झ्वं. सं० कृ० सूय० २, २, ६; नाया० ६;

उज्झ्वण. परह० १, ५;

उज्झ्वत्त. नाया० ८; उवा० २, ६५;

उज्झ्वंत. व० कृ० अणुजो० १२८;

उज्झ्वेह. प्रे० विवा० २;

उज्झ्व. त्रि० (उज्झ्व) सन्निवेश परना.

सद्विवेक से रहित. Devoid of a sense of decorum or decency. " तित्ता

तिथा भित्तवेणं उज्झ्व-असमाहिआ "

सूय० १, २, ३, १३;

उज्झ्व. न० (उज्झ्व) अक्षर लक्ष्मण.

बाहिर लेजाना. Taking or carrying

out. विशेष० २५७७; (२) त्याग. त्याग;

abandoning; giving up. ओव०

उज्झ्व. पुं० (अज्झ्व) पर्यंतमांथी पडतो पाणीतो

अरो; गिरिनिर्झर. पर्वत में से गिरता हुआ

पानीका करना; गिरनिर्झर. A mountain

torrent; a mountain stream. नंदी०

१५; जं० प० १, १०;—रव. पुं० (-रव)

अशतो अक्षर अक्षर करने की ध्वनि.

babbling sound of a stream.

नाया० ६;

उज्झ्व. य. पुं० (उज्झ्व) उज्झ्व नाम

विजयमित्र सार्थवाह पुत्र के लिये अधिपति

विपाक सूत्रनाम्नीत अध्ययनमांछे. उज्झ्व

नामक विजयमित्र सार्थवाह का पुत्र, जिसका

वर्णन विपाक सूत्र के दूसरे अध्याय में है.

Name of a son of the merchant

Vijayamitra whose account is

given in the 2nd chapter of

Vipāka Sūtra. विवा० १; २; अणुजो०

१३१; (२) विपाकसूत्रना प्रथम श्रुतस्कंधना

श्रीम अध्ययनं नाम. विपाक सूत्र के प्रथम

श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम name

of the 2nd chapter of the first

Śrutaskandha of Vipāka Sūtra.

विवा० १; (३) त्रि० तज्जेह; त्याग

करेह. त्याग हुआ. abandoned;

given up. विवा० १; पि० नि० १६६;

—नियानसल्ल. त्रि० (—निदानशल्ल) नि-

यानसल्ल शल्ल तो त्याग करेह छे जेजे ते नि-

यानसल्ल को त्याग देने वाला. (one)

who has got himself rid of the

thorn in the shape of Niyānā

(i. e. desire for future sense-

pleasure). भक्त० १४०;—धम्मिय.

त्रि० (—धम्मिक) नाभी देवा योग्य;

निरुपयोगी. फेंक देने योग्य; निरुपयोगी.

worth being thrown away;

useless अणुजो० ३, १;

उज्झ्वय. पुं० (उज्झ्वय) विजयमित्र

सार्थवाहनी लार्था सुभद्राथी उत्पन्न भयेह

पुत्र. विजयमित्र सार्था की स्त्री सुभद्रा से

पुत्र का नाम. A son of the

merchant Vijayamitra born of

his wife Subhadrā. विवा० २;

उज्झ्वधम्मा. स्त्री० (उज्झ्वधर्मा) जे वस्तु

नाभी देवा योग्य होय, जेते देवा न

करेह तेही वस्तु उज्झ्वी ते. अपाणना

सात प्रशस्तिना ओह. जो वस्तु लेने योग्य

न हो, उस का बहोकरना—लेना, एषणा के

सात प्रकारों में का एक प्रकार. Receiving

as alms a thing which is worth

being thrown away and which

nobody would care to take;

one of the seven varieties of

receiving alms. प्रव० ७५०;

उज्झ्वया. स्त्री० (उज्झ्वया) धन्ना सार्थ-

वाहना पुत्र धनपाल सार्थवाह तेनी श्री धन्ना

नामक सार्थवाह के पुत्र धनपाल की स्त्री.

Wife of the merchant Dhana-
pāla, the son of the merchant
Dhannā. नाया० ७;

उट्ट. पुं० स्त्री० (उट्ट) सांढीयो; उट्ट. ऊंट;
A camel. “अहमंते उट्टे गोणे खरे
बोडण” पञ्च० १; “भारवहावहंतिउट्टावा”
सूय० १, ४, २, १६; २, २, ४५; ओव०
३८; जीवा० ३, ३; जं० प० उवा० २, ६४;
क० गं० ६, ४३;

उट्टिय. त्रि० (ओष्ठिक-उट्टाणमिदमौष्ठिकम्)
उट्टना वातनुं यनेतुं सूत्र दायादी पगेरे.
ऊंट के बालों से बना हुआ वस्त्र; धावल
वगैरह. A blanket etc. made
of the hair of a camel ओष०
नि० ७०६; वेय० २, २३; अणुजो० ३७;
उट्टिया. स्त्री० (उट्टिका उट्टस्याकारः पृष्ठाव-
यव इवाकारोऽस्याः) उट्टना आकारनुं-
दाया आकारवानुं वासलु; शिरोध. ऊंट के
आकार का लम्बी गर्दन वाला बर्तन. A
pot with a long neck like that
of a camel. उवा० १, २७; २, ६४; ७,
१८४; विवा० ७;

उट्टियासमण पुं० (उट्टिकासमण-उट्टिका
महानमृन्मयोभाजन विशेवस्तत्र प्रविष्टायेव-
म्यन्ति तपस्यन्तीत्युट्टिकासमणाः) भोटा
भाटीना वासलुमां भेरी तपश्चर्या करनेवा;
गोशालाना साधुनी ओक जन. मिट्टी के बड़े
बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला;
गोशाला के साधु की एक जाति. One who
sits in a large earthen vessel
and practises penance; one of
the sects of the followers of
Gosālā. ओव० ४१;

उट्टी. स्त्री० (उट्टी) उट्टी; सांढी ऊंटनी;
सांढनी. A she-camel. अणुजो० १३१;
प्रव० २१८;

उट्टीवाल. पुं० (उट्टपाळ) उट्ट राप्पनार.
ऊंट को पालने वाला. A keeper of
camels. अणुजो० १३१;

उट्ट. पुं० (उट्ट) ओक जलतनुं जलयर प्राणी.
एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind
of aquatic animal. “मगूय उट्टा-
दगरखसाय” सूय० १, १, १५;

उट्ट. पुं० (ओष्ठ) ओष्ठ; डोह. ओष्ठ. A lip.
कप्प० ३, ३५; नाया० २; ओव० ३८; भग०
११, ११; सम० ११; सु० च० १०, ४१;
ओष० नि० भा० २६६; उवा० २, ६४;
विशे० ८५७; निसी० ३, ५३; ५, ३८;
दसा० ६, ४; (२) वासलुने कांठो.
बरतन की कौर. the brim or border
of a vessel. ओव० नि० ६६०;
—च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) डोह डोह; डोह
कापेक्ष. जिस का ओठ कटा हो वह; ओठ
कटा. (one) whose lip is cut.
आया० २, ४, २, १३६; —पुट. पुं०
(-पुट) डोह पुट. ओष्ठ पुट. the cavity
formed by hollowing the lips.
प्रव० २६३;

उट्टंभिया. सं० कृ० अ० (अवष्टभ्य) रोक्षिने:
रंभन करीने. रोक कर; स्तभन करके;
थांभ कर. Having stopped; hav-
ing checked. आया० १, ६, ३, ११;
उट्टा स्त्री० (उट्ठा) शरीरने उठुं करतुं; उभा
थतुं. शरीर को ऊंचा करना; खड़े होना.
To raise the body; to stand.
ओव० ३५; उवा० ७, १६३;

उट्टाण. न० (उट्थान) उभा थतुं-उठुं ते;
ओक प्रकारनी थेष्टा. खड़े होना; उठना,
Standing up; getting up. जं० प०
२, ३४; उवा० १, ७३; ठा० १, १; भग०
१, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया०
१; सू० प० १६; पञ्च० २३; (२) सांभयवाने

गुरु पास से गुरु के लिये गुरु के पास जाना. going up to a preceptor to hear. चं० प० २०; (३) उद्यम-यत्न. उद्यम; प्रयत्न. effort; industry. भग० २, १; (४) उत्पत्ति. उत्पत्ति; पैदा-इश. rise; birth; production. नाया० १४; —कर्म. न० (—कर्मन्) उद्यु-शरीर येष्ट रूप धर्म. उद्येष्टरूप शारीरिक कर्म. the act of standing up नाया० १; जं० प० २, ३४; —परियाणिय. न० (—परियानिक-परियानं विविधव्यति-करपरिगमनं नदेव परियानिकञ्चरितमुत्थाना-जन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिकं) नमथी मांसी छेदगीता छेद सुधीमां अनेल दरेक अनवेनो अदेवाव; जवन-चरित्र. जीवनी; जीवन चरित्र; जन्म से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन. a biography from birth to death. “गोसालस्स मंखलिपुत्तस्स उद्वाणपरियाणि-यं परिकहिं” भग० १४, १; नाया० १४; १७;

उद्वाणसुय. पु० (उत्थानश्रुत) ७२ द्वाविड सूत्रमांनुं ऐड. ७२ कालिक सूत्रामें का एक One of the 72 Kalika Sutras. वव० १०, २६; नंदो० ४३;

उद्वावण. न० (उत्स्थापन) उद्युत्तुं ते; उत्थापना करवी. उठना; उत्थापना करना. Causing to stand up, rise, or get up. वेय० ४, २६;

उद्वावण. न० (उत्स्थापन) सामायिक चारित्र-मांशी छेदोपस्थापनीय चारित्रनुं आरेपनुं ते. सामायिक चारित्र से छेदोपस्थापनीय चारित्रका आरोपण करना. Re-establishment of equanimity after a temporary lapse. भत्त० २४; ठा० ४, ३; —अने-वासि त्रि०(-अन्तेवासिन) पांय भद्रावतनी

उपस्थापना करी करेल शिष्य. पंचमहाव्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्य. a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows. ठा० ४, ३; **उद्दिश्र-य. त्रि०** (उत्थित) उडेल; उभे थयेल; तैयार थयेल. उठा हुआ; तत्पर: उद्यत. Got up; ready. “उद्दिगंषि सूरै” अणुजो० १६; कप्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४; वव० ३, १३; ठा० ३, ३; ओव० १३; नाया० १; भग० २, २; पि० नि० ४१७; (२) उद्य पायेल; उभेय. उद्य पाया हुआ; ऊठा हुआ. risen. (३) धर्माचरण भाटे तैयार थयेल; प्रवज्या लेने तैयार थयेल. धर्माचरणके लिये तैयार; दीक्षा लेने को उद्यत. ready, prepared to take Dikṣā. “अहपास विवेगमुद्दिष्ट अवित्तिभेइह भासइ” सुय० १, २, १८; आया० १, ४, १, १२८; (२) उन्मज्ज; वस्ति वगरनुं. ऊजड; वस्तिरहित स्थान. desolate; untenanted. ओघ० नि० ८६;

उड. पुं० (पुट) दडीओ. दोना. A cup made of leaves. आव० २२; उवा० २, ११३;

उडअ. पुं० (पुडक) जुओ उपलो शब्द. देखो उगर का शब्द. Vide above. विवा० ५;

उडय. पुं० (उडज) तापसो आश्रम-जुपटुं. तापसी का आश्रम-कोपडा. A hermitage; a cottage of a hermit. भग० ११, ९;

उडव. पुं० (उडज) जुओ उपलो शब्द. देखो उगर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, १;

उडु. पुं० (उडु) नक्षत्र. नक्षत्र. A constellation. जं० प० ३, ६७; सू० प० ५;

—बद्ध. पुं० (—पति) नक्षत्रनो स्वामी;
यंद्र. नक्षत्रका स्वामी; चंद्र. the lord of
the constellations; the moon.
“जहासे उडुवइ चंदे नखखल्यपरिवारिए”
उत्त० ११. २५; ओव० १०; जीवा० ३, ३;
—वर. पुं० (—वर) सूर्य. सूर्य. the
sun. “तिरिण सहस्से सगले वृष सण
उडुवरो इरइ” तंडु०

उडु. पुं० (ऋतु) वसन्त ग्रीष्म आदि ऋतु.
वसन्त, ग्रीष्म आदि छह ऋतु.
Any of the six seasons viz
spring, summer etc ओघ० नि०
भा० ३११; ओघ० नि० २६; —पञ्जो-
सविश्र. न० (—पर्युषित) ऋतु अद्धाव-
योमासा सिवायता वषतमां रहैव-निवास
करैव. ऋतु बदकाल में निवास किया हुआ;
योगसे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ.
one that has stayed or re-
mained during the Ritu-
baddha time i. e. time of the
year excepting the rainy
season. वव० ८. १; —बद्ध. पुं०
(—बद्ध) ऋग्यो ‘उडुबद्ध’ शब्द. देखा
‘उडुबद्ध’ शब्द. vide “उडुबद्ध”
ओघ० नि० २५; निसी० १८. ३२; ३३;
३४; —बद्धिय. त्रि० (—बद्ध) शीत
अने उष्ण ऋतुमां साधुओनो मास इव
विहार. शीत और उष्ण काल में साधुओं
का मास कलन विहार. the monthly
peregrinations of an ascetic
during the winter and summer
seasons. आया० २. २. २, ७८;

उडु कहलाणिआ. स्त्री० (ऋतुकल्याणिका)
चक्रवर्तीनी ३२००० राणी. चक्रवर्ती की
३२००० राणी. The 32000 queens
of a Chakravartī. जं० प०

उडुप. न० (उडुप) छोटी. नांव; डोंगी.
A boat. पिं० नि० ३३०;

उडुव. पुं० न० (उडुप) नांव; छोटी; छोटीने
आकारे अनावेले नापो. नांव; डोंगी;
डोंगी के आकार का बनाया हुआ वेडा. A
boat; a raft. विश० १०२७;

उडुवाडियगण. पुं० (ऋतुपाटकगण)
अद्वयशस्त्रपिरथो निकलेव अंक गणु. भद्रयश
स्थविर से निकला हुआ एक गण. Name
of a Gana (i. e. order of
monks) derived from the
Sthavira Bhadrayaśa. कप्प० ८;

उडुविमाण. पुं० (उडुविमान) सौधर्म
देवलोचना पहिला पाथजमांनुं अंक विमान
३ जेनी लयाव पहिलाव ४५ लाख
जेनननी छे. सौधर्म नामक स्वर्ग के पहले
पाथंड में का एक विमान जिसका लंबाई
चौडाई ४५ लाख योजन की है. Name
of an abode in the first
stratum of the Saudharma
heaven, having an area of
45 square laes of Yojanas
“उडुविमाणे ण विमाणे पणयालीसं
जोयण” टा० ४, ३; सम० ४५;

उडुखल. पुं० (उडुखल) उभय; आडणी.
ओखली. A mortar used for
pounding. पिं० नि० ३६१;

उडु. पुं० (उडु) उडु नामनो अंक अनार्य देश
जेने लाव उडीसा कहे छे. उडु नामक एक
अनार्य देश; उडासा. Name of an
Anārya (uncivilized) country;
Orissa. प्रव० १५६७; (२) त्रि० ते देशना
रहेवासी. उडु नामक अनार्य देश के रहने-
वाले. a native of the above
country. परह० २, १;

उडुचग. पुं० (*) कलकलाहट. कलकलाहट.

Bustle; noise. ओष० नि० २२१;

उडुवाण. न० (उडुवाण) आकर्षण.

आकर्षण. Attraction; drawing towards oneself. “ हिय उडुवाणे का उडुवाणहेउ ” नाया० १४;

उडुवाह. पुं० (उडुवाह) उपधात. नाश.

नाश. Destruction. “ गेलणं इट्टे उडुवाहो ” आ० (२) दलकाष्ट इट्टी

ते. हानना करना. disregard of scriptures. पि० नि० ४६; वे० १,

३; (३) हेदना; भीसण. अवहेलना; निंदा. disrespect. पि० नि० ३६१;

(४) दानि; न्यूनता. हानि; नुकसानी; कमी; न्यूनता. loss; diminution. पि० नि०

३०८; —कर. त्रि० (—कर) दानि करनेवाला. productive of, generating, loss. गच्छा० ४५;

उडुवाण. त्रि० (उडुवाण) आकाशमां उडुवा.

उडुवा हुआ. Flying, flowing in the sky. नाया० १;

उडुभक्तग. पुं० (उडुभक्त) उडुभक्त देश.

उडुभक्त देश. The country so

named. (२) त्रि० तेना रहनेवाली.

उनके रहनेवाले. the inhabitants of the above. पञ्च० १;

उडुडुय. न० (*) ओडुडुय. डकार.

Eruption. “ जंभाइएण उडुडुयण वायणिसगणं ” आ० १, ५;

उडुडुय. त्रि० (उडुडुयमान) आकाशमां उडुडुय.

आकाश में उडुडुय हुआ. Flying, soaring in the sky. राय०

उडु. त्रि० (ऊर्ध्व) उडुये; उडुपर; उडुया यी-यु.

ऊँचा; उपर. High; upwards. जीवा०

१; राय० १०३; नाया० १; ८; ६; १६;

भग० १, १; ६; २, ८; ३, १; २; ५, ४;

६; २०, ६; २५, ३; पञ्च० २; २८; निर०

२, १; उत्त० ३, १३; २६, २३; ओव०

२१; ३८; आया० १, १, ५, ४१; ठा० १,

१; सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७;

अणुजो० १०३; जं० प० १, ४; पि० नि०

३६३; (२) उर्ध्वलोक; स्वर्गलोक. स्वर्गलोक;

ऊर्ध्वलोक. heavenly world. सूय० १,

३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०; (३) उर्ध्व-

दिशा; उडुयी दिशा. उर्ध्व दिशा; ऊँचा दिशा.

the topmost direction दस० ६,

३४; आया० १, १, १, २; —अभिमुह-

त्रि० (—अभिमुख) उडुयी दिशां मुख

करेव. ऊपर की ओर जिसने मुख किया

हो वह. (one) with the face

turned up. भग० ११, १०; —उडुव-

गणग. त्रि० (—उडुवगण) उर्ध्व लोकमां

आर देवलोक नवग्रैवेयकादिमां उत्पन्न थनार-

दे। देवी. ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक

और नवग्रैवेयकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव

देवा. (a god or a goddess)

born in the twelve Devalokas,

Nava Graiveyakas etc. of the

upper region. “जे देवा उडुवो ववयणगा

ते दुविहा पञ्जता ” ठा० २; भग० ८, ८;

—कंडूयग. त्रि० (—कण्डूयक) नाभिनी

उपर अङ्गेलेनार. नाभिसनी अङ्क प्रकार.

नाभि के ऊपर के भाग में खुजानेवाला;

तापसी का एक भेद. (a class of

hermits) who scratch (to

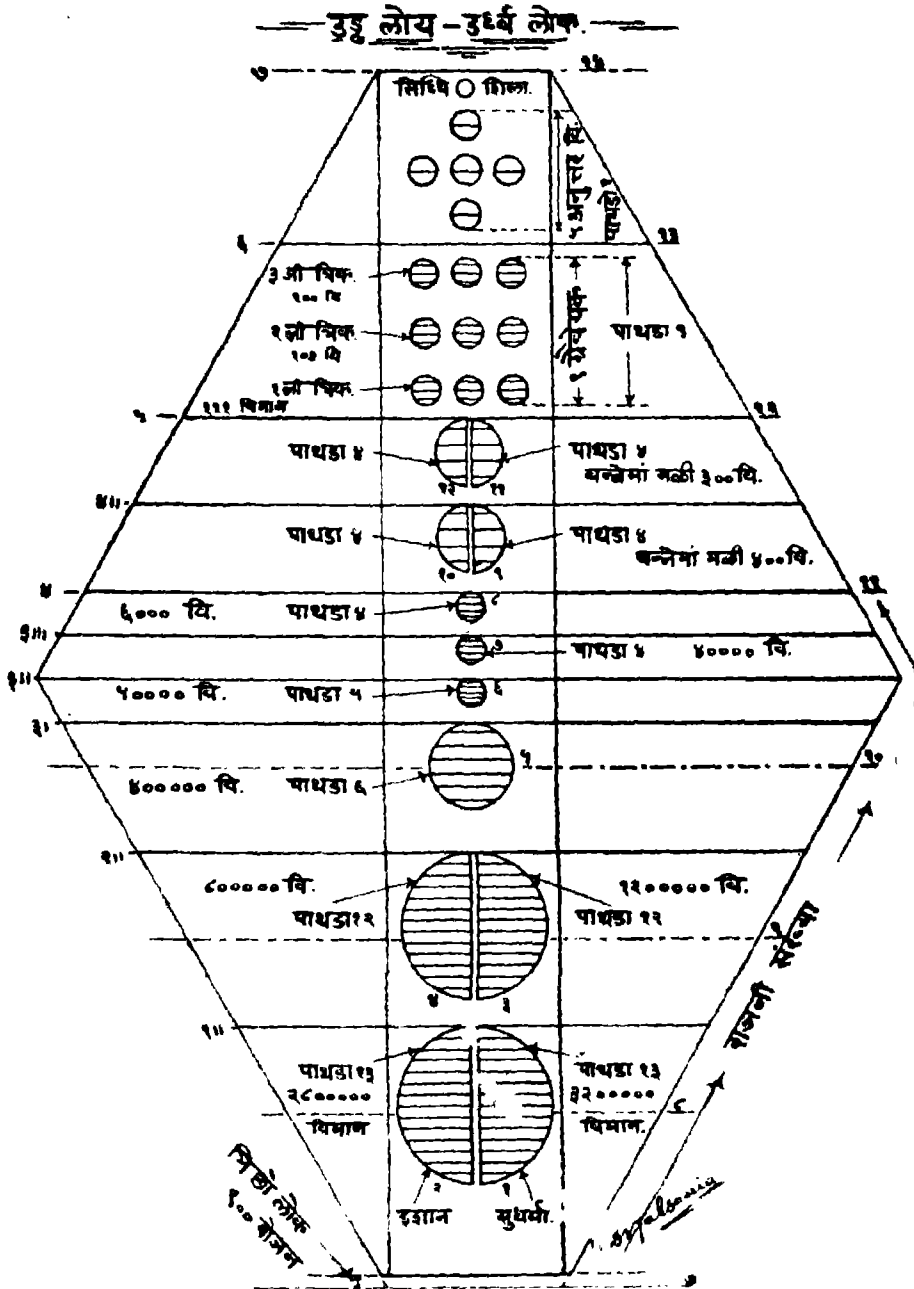
remove itching sensation)

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only the part above the navel. भग० ११, ६; —गह. स्त्री० (—गति) उ३ गति. ऊर्ध्वं गति; ऊंचा गति. upward motion; birth in a higher state of existence. भग० ३, १; —गौरव परिणाम. पुं० (—गौरव परिणाम—येन आयुः स्वभावेन जीवस्य ऊर्ध्वः दिशि गमनशक्तिक्षणपरिणामो भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणामः); आयुष्य परिणामने अ३ प्रकार के गेनाथी ७५ उ३— उ३ गतिमां नय. आयुष्य परिणाम का एक भेद जिससे कि जीव ऊंचा गति में जाता है. a nature of Āyusya Parināma by which the soul has an upward motion. श० १०; —चर. त्रि० (—चर) उ३ उ३ नार-गांध आदि. ऊंचे उड़नेवाले-गांध आदि. flying, soaring high, e. g. a vulture etc. आवा० १, ८, ७, ६; —जाणु. त्रि० (—जानु—ऊर्ध्वं जानुनी यस्यासावूर्ध्वजानुः) ७५ उ३ रहे तेवे आसने भेसना. ऐसे आसन से बैठने वाला जिस में जंघा ऊंचा रहे. (one) in a posture in which the thighs are raised up. “ उ३ जाणु अहो सिरे काण कोटो वगए ” नाया० १; भग० १, १; ज० ५० ओव० —दिसि पमाणा-इकम. पुं० (—दिक्प्रमाणातिक्रम) ७६ दिशिप्रतने प्रथम अतिचार. छठे दिग्घृत का प्रथम अतिचार. the first Atichāra of (the 6th) Disivrata (limitation of movement to a fixed area). उवा० १, ५०; —पाअ. पुं० (—पाद) उ३ रा३याछे ५१ गेना ते. जिसके पैर ऊंचे रखे हो वह. one with his legs thrown up, lifted

up. “ कंदतो कंदु कुंभीसु उडुपाओ अहोसिरो ” उत्त० १६; ५०; —बद्ध. त्रि० (—बद्ध) उ३—३क्षनी ३६ आदिमे आधेय ऊंचा-वृत्त की डालो आदिसे-बांधा हुआ. fastened upwards; e. g. to the branch of a tree. “ रसंतो कंदुकुंभीसु उडुबद्धो अबंधवो ” उत्त० १६; ५२; —बाहा. त्रि० (—बाहु) उ३ हाथ गेले रा३या छे ते. ऊंचे हाथवाला; जिसने हाथ ऊंचा रखा हो वह. (one) with arms raised up. निर० ३, ३; भग० १२, १; —भागि. त्रि० (—भागिन्) आकाशमां रहेल. आकाशमें रहा हुआ. remaining in the sky. “ उडुवा एसु उडुभागी--भवति ” स्य० ३, ३, ३०; —मुइंग. पुं० (—मृदंग) उ३ मोटा-वालो ढोल. ऊंचे मुंहवाला ढोल. a tabor or drum with its mouth upwards. भग० ११, १०; —मुइंगाकार. त्रि० (—मृदंगाकार) उ३ मृदंगना आकारे. ऊंचे मृदंग के आकारका. of the shape of a tabor with its mouth upwards. भग० ११, १०; —मुइंगाकार संठिय. त्रि० (—मृदंगाकारपंस्थित-ऊर्ध्व-मूर्ध्व मुखो यो मृदङ्गस्तदाकारेण संस्थितो यः स तथा) उ३ मोटावाला ढोलना आकारे रहेल. ऊंचे मुंह वाले ढोल के आकार में स्थित. in the shape of a tabor with upward mouth. भग० ११, १०; —मुह. त्रि० (—मुख) उ३ मोटावाला. ऊंचे मुंह वाला. (one) with face turned up. ज० ५० —रेणु. पुं० स्त्री० (—रेणु—जाखभाभि व्यकयः स्वतः परतो वा ऊर्ध्वाधास्तियं च लन धर्मारं रेणुर्ध्वरेणुः) आ३ सन्धु रेहुआ-२०३ रेणु मेगाथवाथी अनेय मोटे २०३ रेणु

सवित्र अर्ध मागधी कोष



३ ७२ आकाशमां पेतानी भेले अथवा परना आश्रयथी उये नीये उडे छे ते; २०४६७. आठ सन्ह सन्हिआ-रजकण एक-त्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वतः अथवा दूसरे के आश्रय से ऊपर नीचे उड़ता है. a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency. अणुजो० १३४: जं० प० भग० ६; ७; —लोअ-य. पुं० (-लोक) उर्ध्वलोक; स्वर्गलोक; लोकना परना भाग; त्रिच्छा लोकना उपरना छेडाथी ते लोकना अग्रभाग सुधीना प्रदेश. उर्ध्व लोक; स्वर्गलोक; लोक के ऊपर का हिस्सा; त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर से उग्र लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश. the upper world; the heaven-world. अणुजो० १०३; १४८; पक्ष० २; भग० २, १०; ११, १०; —लोअ-य-खेत्तणाली. स्त्री० (-लोक क्षेत्रनाडी) उर्ध्व लोक-स्वर्ग लोकनी नाडी -अभुक् विभाग. उर्ध्व लोक-स्वर्ग लोक की नाडी-विभाग. a particular portion of the upper world or heaven-world. भग० ३४, १; —लोग. पुं० (-लोक) लुओ "उड्डलोग" शब्द. देखो "उड्डलोग" शब्द. vide "उड्डलोग" ठा० ३, २; —लोगवत्थव. त्रि० (-लोक वास्तव्य) उर्ध्व लोक-स्वर्गलोकना वारि, वसनार. उर्ध्वलोक में बसने वाले. (one) residing in the upper world or heaven-world. "उड्डलोगवत्थ-ववाओ अट्ट दिसा कुमारी ओ" नाया० ८; —वाय-अ. पुं० (-वाय-उर्ध्वमुद्-

गच्छन् यो वाति वातः स ऊर्ध्ववातः) उर्ध्व दिशानो वायु ऊर्ध्व दिशा में बहने वाली हवा. wind moving in the upward direction. जीवा० १; ठा० ७, १; पक्ष० १;

उड्डकाय. पुं० न० (ऊर्ध्वकाय) कागडा. कौआ. A crow. "ते उड्डकाएहि पजस्वमाणा अवरेहि" सूय० १, ५, २, ७;

उड्डत्ता. स्त्री० (ऊर्ध्वता) उंचापन. State of being high or upwards; height. "अहत्ताए नोड्डत्ताए" भग० ६, ३;

उड्डवाइय. पुं० (ऊर्ध्ववातिक) उर्ध्ववातिक नामना महावीर स्वामीना नव गणुमानो पांचवो गणु. ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पांचवां गण. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvīra Swāmī, so named. "उड्डवाइयगणे विस्सवाइ गणे" ठा० ६, १;

उड्डवाइयगण. पुं० (ऊर्ध्ववातिकगण) लुओ उ३लो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vido above. ठा० ६, १;

उण. अ० (पुनर्) ३रीथी; ३री. फिर से; पुनः Again; once more. विशेष० १४४; परह० २, २; सु० च० १, २२७; पंच० २, ३४;

उण न० (ऊन) वन्दनाना पाठना अक्षरो, २८ वगेरे ओछा कड़ेया ते; वन्दनाने २८ भो दोष. वन्दना के पाठ के अक्षर, पद वगेरह को कम कहना; वन्दना का २८ वां दोष. The 28th fault connected with salutation; viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation. प्रव० १५३;

उल्लङ्घ. त्रि० (अवनत) नीचुं नभेक्ष. नीचे की ओर नमा हुआ. Bent down; bent low विशेष० १४२१;

उल्लङ्घ. त्रि० (ऊनक) न्यून; ओष्ठुं. कम; न्यून. Less; diminished; falling short by. जाँवा० १; वव० ८, १५;

उल्लङ्घभाग. पुं० (ऊनार्द्धभाग) अर्द्ध भागे उल्लो-ओलो. जिस का आधा हिस्सा कम हो. Less by a half. निसी० २, ३६;

उल्लङ्घालीस. स्त्री० (एकोनचत्वारिंशत्) ३८; ओगलुयालीस. ३६; उन्वालीस. ३९; Thirty-nine. भग० ३, ७;

उल्लङ्घिय. त्रि० (ऊनाधिक) ओष्ठुं वतुं; न्यु-नाधिक. कमज़यादह; न्यूनाधिक. More or less. विशेष० १४३;

उल्लङ्घण. न० (ऊनोन) ओष्ठुं ओष्ठुं; ङिन-ङिनतर-धत्यादि रीते ओष्ठुं. ऊन-ऊनतर इत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing. क० प० २, ६२;

उल्लोयरिआ. स्त्री० (ऊनोदरिका.) न्यून-ओलो आहार करवे ते; आराड उपधि वगेरे ओष्ठुं ते करतां ओलो लेवा ते. कम आहार करना; आवश्यकता से कम भोजन करना या उपधि आदि कम लेना. Eating less than one's fill. सम० ६;

उल्लङ्घ. स्त्री० (उन्नति) धनति. उन्नति; अभ्युदय. Rise; prosperity. पंचा० ६, ४७; —णिमित्त. न० (—निमित्त) प्रभावने हेतु. प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity. पंचा० ६, ४७;

उल्लङ्घय. त्रि० (उन्नत) उन्नत; ङियुं. ऊंचा; उन्नत. Raised; elevated. भग० १३, ६;

उल्लङ्घकप्पास. पुं० (ऊर्णकप्पास) धैराना वास; ङिन. ऊन; भेड़ के बाल. Wool. निसी० ३, ७२;

उल्लङ्घतासण. न० (उन्नतासन) ङियुं आसन. ऊंचा आसन. A raised seat; an elevated seat भग० ११, ११;

उल्लङ्घय. त्रि० (उन्नत) ङियुं; उन्नत; आयाद. ऊंचा; उन्नत; अच्छी दशामें. High; elevated; prosperous. कप० ३; ३६; ओव० १०; दस० ७, २२; नाया० १; स० प० २०; भग० ११, ११; १२, ५;

(२) नीकलुं; अलुं. निकलता हुआ; बढ़िया. prominent; superior.

ओव० १०; (३) अलुवान. गुणवान. virtuous; meritorious, “उज्ज लय-

चरियदारगोपुर तोरणउल्लङ्घाय सुविमत्तराय मग्गा” नाया० १; ठा० ओव० (४)

अभिमानरूप मोहनीय कर्म. अभिमानरूप मोहनी कर्म. deluding Karma in the form of conceit. भग० १२, ५;

सम० —आवट्ट. पुं० (—आवर्त—उन्नत उच्छिन्नतः स चासावावर्तश्चोत उन्नतावर्तः)

ङियुं आवर्तन करतुं ते; आवर्तनने ओष्ठ प्रक्षर. ऊपर आवर्तन करना; आवर्तन का एक भेद. moving round in

the upward direction. ठा० ४;

—आसण. न० (—आसन) उन्नत-ङियुं आसन. ऊंचा आसन; उन्नत आसन. high, elevated, seat. राय० १३६; जं०

प० —मण. त्रि० (—मनस्) उन्नत-उदार मन वाला. उदार मन वाला; ऊंचे मन वाला. high-minded. ठा० ४, ४;

—माण. त्रि० (—मान—उन्नतो मानो यस्येत्युन्नतमानः) ङुं ङियेष्ठुं ओम माननार; गर्विष्ठ. अपने आपको उन्नत माननेवाला;

गर्विष्ठ; अभिमानी. proud; conceited.

“उत्सवययमाद्येय नरे महया मोहेण मुज्झसि”

आया० १, ५, ४, १५७;

उत्सवययर. त्रि० (उन्नततर) यथाऽरे उंचा. बहुत उंचा. More elevated: higher. भग० ३, १;

उत्सवा. जी० (ऊर्णा) अिन. ऊन. Wool. भग० ८, ६; १५, १; —लोम. पुं० (—रोमन्) अिनता रोम-रेसा. ऊन के बाल. hair in the form of wool. भग० ८, ६; १५, १;

उत्सवाम. पुं० (उन्नाम) गर्व; अदंकार; मद. गर्व; अहंकार; घमंड; मद. Pride; intoxication. (२) मदना परिश्राम-थी अंधानुं मोहनीय कर्म. मद रूप परिश्रामसे बंधनेवाला मोहनीय कर्म. deluding Karma incurred by pride. भग० १२, ५;

उत्सवाम-य त्रि० (और्णिक) अिननुं. ऊन का; ऊनका बना हुआ. Made of wool; woollen. वेय० २, २३; अणुजो० ३७; औघ० नि० भा० ८६; औघ० नि० ७०६; (२) अिनता अनेक रजोहरणादि. ऊन के बने हुए रजोहरणादि. a kind of brush etc. made of wool. ठा० २;

उत्सह त्रि० (उष्ण — उपनि दहति जन्तु नित्युष्णः) गरम; अिननुं; उष्ण. गरम; उष्ण. Hot. पंजा० १७, ४६; क० ग० १, ४१; सू० प० १०; उत्त० ३६, २०; आया० १, ५, ६, १७०; दसा० ७ १; पि० नि० भा० १३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १; ४, १०, ७, १; (२) पुं० गरमी; उष्णता; घाम; धूप. heat; sun shine. राय० ७३६; नाया० १; औघ० ३६; उत्त० २, ६; पि०

नि० २००; —अभितप्त. त्रि० (—अभितप्त) गरमीथी अत्यन्त पीडित-दुःखी थयेल. गरमी से अत्यन्त दुःखी. troubled by excessive heat. “उत्सहमित्ततो मेहावी” उत्त० २, ६; —अभिहय. त्रि० (—अभिहत) सूर्यनी गरमीथी अभिभूत थयेल-पीडित. सूर्य की गरमी से पीडित. overpowered, oppressed, by excessive heat. “उत्सहभिहय तसहभिहय” जीवा० ३; भग० १६, ४; —उद्व. न० (—उद्वक) अिननुं पाष्णी. गरम जल. hot water. कप्प० ४, ६२; —ग्राहिय. त्रि० (—ग्राहित) गरमी आपेक्ष. उष्णता दिया हुआ; जिसे गरमी दी गई हो वह. heated; made hot. नाया० ५; —दिश. त्रि० (—दत्त) गरमी दीयेल; तड्डे नायेल. धूप में डाला हुआ; जिसे गरमी दी हो वह. heated; put in the sunshine. भग० २, १; —परियाव. पुं० (—परिताप) अतिशय गरमीना परिपद. बहुत गरमी का परिपद. great affliction caused by heat उत्त० २, १०; —वाय. पुं० (—वात) अिनो वायु; गरम पवन. गरम हवा. hot wind. नाया० १; —सह. न० (—सह) गरमीनुं सहन करनुं ते. गरमी का सहन करना. endurance of heat. भग० १५, १;

उत्सहवण. न० (उष्णापन) अिननुं करनुं ते. गरम करना. Heating. पि० नि० २४०; उत्त. त्रि० (उक्त) कहेल. कहा हुआ. Said; expressed. दस० ६, ४६; विशे० १०५; उत्त० १, ६; क० ग० ४, ८३;

उत्त. त्रि० (उत) पावेक्ष. बोया हुआ. Sown. (२) अनावेक्ष. बनाया हुआ made. “देवउत्त अयंजोए” सूय० १, १, ३, ५; पि० नि० १७२;

उत्तम. ब० (उत्तम-उद्गतानि प्रादुर्भूतानि
वृक्षानि यत्रेति) जेभां घास उगेलुं छे ते;
उत्तम थयेल वृक्षपालुं. जिसमें घास जगा
हुआ हो वह. Grassy. अणुजो० १४७;
उत्तम. त्रि० (उत्तमस्त) त्रासयुक्त. त्रास
पाया हुआ; त्रासयुक्त. Terrified. पण्ह०
१, ३; भग० ३, १;

उत्तम. त्रि० (उत्तम) उत्तम; सर्वोत्कृष्ट;
प्रधान. सर्वोत्कृष्ट; श्रेष्ठ; प्रधान; अच्छा.
Best; excellent. नाया० १; उत्त०
१०, १६; ओव० १०; रम्य० २३; दस० ८,
६१; ६, २, २४; भग० २, १; ३, १;
७, ६, ६, ३३; १५, १; कण्ठ० ३, ५६;
—कट्टपत्त. त्रि० (-काष्ठाप्राप्त) उत्तम
अवस्थामे पहुँचेल; जैसी स्थितिमे प्राप्त
थयेल. उत्तम अवस्था को पहुँचा हुआ; उच्च
स्थिति को प्राप्त. (one) in an ex-
cellent condition. “ दुसमदुसम-
समाए उत्तमकट्टपत्ताए ” सू० प० १;
“ उत्तमकट्टपत्ताए भरहस्सवामस्स ” भग०
७, ६; जे० प० २, २६; ७, १३४;
—कट्टा. स्त्री० (-काष्ठा) प्रकृष्ट अवस्था;
उत्तम स्थिति. प्रकृष्ट अवस्था; उत्तम स्थिति.
best condition. जे० प० —गुण.
पुं० (-गुण) प्रधान श्रेष्ठ गुण. प्रधान-श्रेष्ठ
गुण. excellent, highest qua-
lity. पंचा० ४, ४८; —गुणबहुमाण.
पुं० (-गुणबहुमान) उत्तम गुणो पक्ष-
पात. उत्तम गुण का पक्षपात. honour
paid to excellent or highest
quality. “ उत्तम गुणबहुमाणो ” पंचा०
४, ४८; —चरिय. न० (-चरित)
सत्पुरुष चरित-चरित्र. सत्पुरुष चरित-
चरित्र. high or noble conduct.
पंचा० २, ३१; —जज्ञा. स्त्री० (-यात्रा)
श्रेष्ठयात्रा (ज्ञात्रा). श्रेष्ठ यात्रा. highest,

best, pilgrimage. पंचा० ६, ४५;
—जोगित्त. न० (-योगित्व) अभ्योगी
अवस्थारूप संवर द्वार. अभ्योगी अवस्थारूप
संवर द्वार. stoppage of Karma
(Samvara) by cessation of
all vibratory activity of the
soul. ठा० ५; —हाल. न० (-स्थान)
भेक्ष स्थान. मोक्ष स्थान. salvation;
absolution. “ धीरो अमूटसयणीसो
गच्छइ उत्तमहाणं ” आउ० —शिंदसण.
न० (-निदर्शन) प्रधान दृष्टांत-उदाहरण.
श्रेष्ठ उदाहरण; मुख्य दृष्टांत. an ex-
cellent illustration; पंचा० ६, ४४;
—धम्मपसिद्धि. स्त्री० (-धर्मप्रसिद्धि)
उत्तम धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
उत्तम-श्रेष्ठ-धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
the celebrity of the best
religion (Jaina religion). “ उत्तम
धम्म पसिद्धि पूयाए जिए वरिंदाण ”
पंचा० ४, ४८; —पुरिस. पुं० (-पुरुष)
तीर्थंकर. अक्षवर्ति, बलदेव, वासुदेव आदि
उत्तम पुरुष. तीर्थंकर, चक्रवर्ति, बलदेवादि
उत्तम पुरुष. an excellent person;
e. g. Tirthāṅkara, Chakra-
vartī, Baladeva, Vāsudeva etc.
सम० प० २३६; सम० ४४; पञ्च० ६; ठा०
३; नाया० १६; —पोगल. पुं० (-पुंगल)
आत्मा; उत्तम पुद्गल. आत्मा; उत्तम पुद्गल.
the best substance; the soul.
“ से पंछिए उत्तम पोमाले से ” सू० १,
१३, १५; —बल विरियसत्तजुत्त. त्रि०
(-बलवीर्यसत्त्वयुक्त) उत्तम बल वीर्य
सत्त्वयुक्त. उत्तम बल वीर्यवाला. (one)
possessed of the highest
strength and might. भग० ६,
३३; —रिद्धि. पुं० (-वृद्धि) प्रधान

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति; प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. “सेया य उत्तमास्तु उत्तमरिद्धिं कायञ्चा” पंचा० ६, ४४; —विउद्वि. त्रि० (-विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्तीत्येवं शीलाः) उत्तम प्रक्ष-
रन्तु वैद्वि कर्तार. उत्तम प्रकार की विक्रिया-रूपान्तर करनेवाला. (one) able to effect the best transformation e. g. of body. जीवा० ४; —संघयणि. पुं० (-सहननिन्) उच्चा संघयण् वायो. उच्च सहननवाला. one possessed of a high order of physical or bony constitution. क० प० ४, १०; —सुयवर्णिग. त्रि० (-श्रुतवर्णित) प्रधान आगममां कहे. प्रधान आगम में कहा हुआ. mentioned in the highest scripture. पंचा० ६, ४५;
उत्तमंग. न० (उत्तमाङ्ग) भस्त्र; भायुं. मस्तक; शिर. The head. “लोय विरलु उत्तमंग” पिं० नि० २६२; जं० प० ओव० १०; जीवा० ३, ३; सूय० १, ५, १, १५; दसा० ६, ५; नाया० १८; प्रव० २५४; पंचा० ३, १८;
उत्तमट्ट. पुं० (उत्तमार्थ—उत्तमश्वासावर्थ—
श्रोतमार्थः) उत्तम पदार्थ; मोक्ष. उत्तम पदार्थ; श्रेष्ठ अर्थ; मोक्ष. The highest or best category viz salvation. उत्त० २५, ६; आउ० ११; (२) उपवासी रहेंतु ते. उपासे रहना. fasting. आंघ० नि० ७; —गवेसय. त्रि० (गवे-
षक) मोक्षने अभिलाषी मोक्ष का अभि-
लाषा. desirous of salvation. “नविरुद्धो नवि तुट्टो, उत्तमट्ट गवेसओ” उत्त० २५, ६; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) उत्तम अग्रस्थाने प्राप्त थये. उत्तम

अवस्था को पहुंचा हुआ. (one) who has reached the highest condition or salvation. “सुसुमाह समाप उत्तमट्टपत्ताप भरहस्त” अंघ० ६, ७;
उत्तमा. स्त्री० (उत्तमा) यक्षना इंद्र पुरीषिन्द्रनी त्रींश पट्टराणी. यह के इन्द्र पुरीषिन्द्र की तीसरी पट्टरानी. The third crowned queen of Pūrṇabhadra the Indra of Yakṣas. ठा० ४, १; नाया० ध० ५; भग० १; ५; (२) पञ्च-
वासीयानी पन्द्रह रात्रिमांसी पड़ेली रात्रि. पखवाड़े की पंद्रह रात्रियों में की पहली रात्रि. the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०;
उत्तर. त्रि० (उत्तर) श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; अच्छा. Best; high-
est; prominent. भग० ३, १; ७, २; उत्त० ५, २०; २६; नाया० १; ८; उवा० १, ६६; ओष० नि० २३२; (२) भीलुं; धतर; अन्य. दूसरा; अन्य. another; next. क० गं० १, २; सम० ८; पञ्च० ३४; जं० प० ५, ११२; दस० २, ३; (३) वृद्धिगत वृद्धि को प्राप्त. increas-
ed. “कहपयसुत्तरा” भग० १३, ४; (४) अश्वत्थामां आयती उत्सर्पिणीमां थनार २२ भा तीर्थकर ऐरावतक्षेत्र में आगामो उत्सर्पिणी में होने वाले २२ वें तीर्थकर. the future 22nd Tirthaṅkara of Airavata-kṣetra in the coming Utsarpinī. सम० प० २४३; (५) उतरणुः उतरतुं ते. उतरना, descending. (६) अधिक. अधिक; ज्यादा. more; additional. पञ्च० २; सूय० १, २, २, २४; (७) मुख्य नदि; पेड़ाभाग; मूलनी शाखा. गौण; उरबिभाग; मूल की शाखा a branch of the main stock; a

sub-division. उत्त० ३३, १६; (८)
 उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश. उत्तर दिशा;
 उत्तर प्रदेश. the north; the north
 region राय० ४; ६३; जं० प० १,
 ११; जीता० ३, १; नाया० ३; ८; भग०
 ३, ७; ५, ४; सम० ६; वेय० १, ४९;
 दस० ६, ३४; (९) उपर. ऊपर.
 above; upwards. भग० २४, १२;
 —अंग. न० (-अंग) दरवाजा उपर
 आधुं लाकड़ुं स्थापनामां आवे छे ते. द्वार
 पर जो आड़ी लकड़ी लगाई जाती है वह.
 a horizontal piece of wood
 placed on a gate जीवा० ३, ४;
 राय० १०६; प्रव० ६६०; —अभिमुख.
 त्रि० (-अभिमुख) उत्तर दिशानी सन्मुख.
 उत्तर दिशा के सन्मुख. turned to-
 wards the north. दसा० ७, १;
 भग० ११, १०; सम० ४७; —अवक्रमण न०
 (-अपक्रमण) उत्तर दिशाभां गतुं ते.
 उत्तर दिशा में जाना. going towards
 the north. भग० ६, ३३; १३, ६,
 नाया० १; ८; —(रिं) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र)
 उत्तर दिशानी ईश्वर. उत्तर दिशा का इन्द्र.
 the Indra of the north. भग० १,
 ५; —(रु)उट्ट. पुं० (-ओष्ठ) उपलो होइ.
 ऊपर का ओष्ठ. the upper lip. “भमुहा
 अहृष्टा अह पुण एवं जायिजा” कण्ठ० ६,
 ४३; जं० पं० २, २०; निसी० ३, ५६;
 —उत्तर. पुं० (-उत्तर) उत्तरोत्तर;
 ओष्ठ श्रीमथी श्रेष्ठ. उत्तरोत्तर; क्रमशः एक
 दूसरे से श्रेष्ठ; in ascending order;
 superior “जक्खाउत्तरउत्तरा” उत्त० ३,
 १४; —उल्ल. त्रि० (-कुल) उपरने ओष्ठ
 बसना; तापस. ऊपर के तट पर बसनेवाले
 तापस. (an ascetic) residing on
 the upper part of the bank. निर०

३, ३; —(रो)ओष्ठ. पुं० (-ओष्ठ) उपलो
 होइ. ऊपर का ओष्ठ. the upper lip.
 निसी० ३, ५४; —कुंचुइज्ज. त्रि०
 (-कञ्चुयिक) उपर अपर पहरेदार.
 ऊपर बख्तर पहनने वाला (one) putt-
 ing on armour appearing out
 side; armoured. विवा० २; —कंचु-
 य. पुं० (-कञ्चुक) उपलो अपर. ऊपर
 का बख्तर. the outer armour विवा०
 २; —कटोवगय. त्रि० (-काटोवगत)
 उत्तर दिशाभां प्राप्त थये. उत्तर दिशा तक
 पहुँचा हुआ. (one) that has reach-
 ed the northern direction. सम०
 —करण. न० (-करण) शस्त्रादिने
 पत्थर साथे घसी धारवाणुं तथा साक्ष करवुं
 ते. पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धातु करना
 या उन्हें साफ करना. sharpening of
 weapons etc on a stone; “जे
 भिक्खू सूचीण उत्तरकरणं शण उत्थिएण
 वा गारथएण वा करेइकरंतं वा साज्जइ”
 निसी० १, १५; १६; —किरिया. न० (-क्रिया)
 वैक्रिय शरीरद्वारा भ्रमन करवुं ते. वैक्रिय विचित्र
 शरीर में गमन करना. act of going in
 the Vaikriya body (physical
 body of a fluid nature). भग०
 ५, १; —कूलग. पुं० (-कूलग) ओष्ठ
 वनतता वानप्रस्थ तापस के ओष्ठ गंगा-
 नदीना उत्तर ओष्ठ रहिता होता. एक प्रकार
 के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के
 उत्तर किनारे पर रहते थे. one of a
 kind of forest ascetics residing
 on the northern bank of the
 Ganges. भग० ११, ६; ओव० —गमिअ.
 त्रि० (-गामिक) उत्तर दिशाभां भ्रमन कर-
 ना. उत्तर दिशा में गमन करने वाला go-
 ing towards the north. दसा० ६,

२; —गिह. न० (-गृह) उपरनं श्रीलुं
धर. दूसरा घर; भिन्न घर. a sepa-
rate upper house, another
upper house. निखी० ६, १६;
—उभ्याय. पु० (-अध्याय -उत्तरा प्रधाना
अध्याया अध्ययनानि । उत्तराश्चते अध्यायाश्च
वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन सूत्रना विन-
यादि ७२३स अध्ययन. उत्तराध्ययन सूत्र के
विनयादि कृतीस अध्याय. the 36 chap-
ters viz Vinaya etc. of Uttara-
dhyayana Sūtra. “कृतीम उत्तर-
उक्ता भवसिद्धिः ” उत्त० ३६, २७२;
—दारियणकम्बल. न० (द्वारिकनक्षत्र)
उत्तर दिशा तरङ्ग भुज राश्वनार नक्षत्रः
स्वाति आदि सात नक्षत्र. उत्तर दिशा की
ओर मुख रखने वाला नक्षत्र; स्वाति आदि
सात नक्षत्र. a constellation facing
the north; any of the seven
constellations viz Swati etc.
“साहस्यणं सत्तण्णकम्बला उत्तरदारिया
पण्णत्ता ” टा० ७; —दाहिण. पु०
(-दक्षिण) उत्तर अने दक्षिण दिशा.
उत्तर और दक्षिण दिशा. the north
and the south. भग० ४, १; दा-
हिणायय. त्रि० (-दक्षिणायत) उत्तर
दक्षिण प्रांशु. उत्तर दक्षिण लंबा. extend-
ed lengthwise in the north
and the south. “ उत्तरदाहिणायण
पाईण पडीण वित्थिगण ” जं० प०
—दिसा. स्त्री० (-दिशा) उत्तर दिशा.
उत्तर दिशा. the north. आप० नि०
६६२; —पगडि. स्त्री० (-प्रकृति) ज्ञाना-
वरणीय आदि भूत आदि कर्मों की अवान्तर
भेद; कर्मों की प्रकृति. ज्ञानावरणीय आदि मूल
आठ कर्मों के अवान्तर भेद; कर्म की उत्तर
प्रकृति. any of the sub divisions

of the eight main divisions of
Karma viz knowledge-obscur-
ing etc. आया० नि० १, २, १; क० प०
२, ४४; क० गं० १, २; —पगडि. स्त्री०
(-प्रकृति) कर्मों की उत्तर प्रकृति. पेडा भाग
की प्रकृति. कर्म की उत्तर प्रकृति. a sub-
variety of Karma. प्रव० १२८६;
—पगडिबन्ध. पु० (-प्रकृतिबन्ध) कर्मों
की उत्तर प्रकृतिना बन्ध. कर्म की उत्तर
प्रकृतियों का बन्ध. bondage caused
by any of the sub-divisions of
the main eight divisions of
Karma. भग० १८, २; —पच्चच्छिम.
पु० (-पश्चिम) वायव्य भुजो; उत्तर अने
पश्चिम पश्च्येता प्रदेश. वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the
north-west. भग० ४, १; —पच्चच्छि-
मिल्ल. पु० (-पश्चिम) वायव्य भुजो; उत्तर
अने पश्चिम पश्च्येता प्रदेश. वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-
west quarter. जं० प० ४, १०४;
—पच्चन्थिम. पु० (पश्चिम) भुजो
“उत्तर पच्चच्छिम” शब्द. देखें “ उत्तर
पच्चच्छिम ” शब्द. vide ‘ उत्तर पच्चच्छिम ’
जं० प० ४, १०४; —पच्चन्थिमिल्ल. पु०
(-पश्चिमक) भुजो “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल”
शब्द. देखें “ उत्तरपच्चच्छिमिल्ल ” शब्द.
vide “ उत्तरपच्चच्छिमिल्ल ” जं० प० ४,
१०४; —पट्ट. पु० (-पट्ट) जलपाई के काम-
दानी पथरी उपर पाथरवानुं पत्र. घाँग
या कम्बल के बिछाने के ऊपर बिछाने का
वस्त्र. a covering for a bed of
straw or of a blanket. ओष०
नि० १२३; प्रव० ४२१; —पडिउत्तर.
न० (-प्रत्युत्तर) उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल
जवाब. उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल जवाब

question and answer. गच्छा० १२६;
—पर्याडि. स्त्री० (—प्रकृति) लुप्थो “उत्तर-
पगडि” शब्द देखो “उत्तरपगडि” शब्द.
vide “उत्तरपगडि” प्रव० ४६;
—पुरच्छिम्. पुं० स्त्री० (—पौरस्त्य)
धृशान भुजो. ईशान कोन. the north-
east. “तोसेणं मिहिलाए उत्तरपुरच्छिमे
दिसि भाए” सू० प० १; दसा० ५, १;
विवा० १; निर० ५, १; नाया० १; २; ४;
५; ८; १२; १३; १४; १६; भग० २, १;
६, ५; ६, ३; १०; १; १५, १; सु० च०
२, २२१; —पुरच्छिमिल्ल. पुं० (—पौरस्त्य)
लुप्थो उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द.
vide above. भग० ६, ३; —पुरत्थिम.
पुं० (—पौरस्त्य) उत्तर अने पूर्व दिशानी
व्येने प्रदेश; धृशान कोण. उत्तर और
पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश; ईशान कोन.
the north-east. ओव० भग० १, १;
२, ७; ३, १; राय० ६४; १५०; सूय०
२, १, ४; जं० प० ५, ११७; कप्प० २, २६;
—पोट्टवया. स्त्री० (—प्रौष्ठपदा) उत्तरा-
भाद्रपद नक्षत्र. उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the
constellation Uttarā-Bhādra-
pada. सू० प० ४; —फगुणी. स्त्री०
(—फाल्गुनी) उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १९ वें
नक्षत्र. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १९वां नक्षत्र.
the 19th constellation viz
Uttarā-fālgunī. “उत्तर फगुणा-
यक्खते दुतारेपरणुता” ठा० २; —बाहिर.
त्रि० (—बाहिर) उत्तर तरङ्गना अहारनुं.
उत्तर दिशाके बाहिर. outside the
northern quarter. भग० ५; ६;
—(५) अंतर्. न० (—अभ्यन्तर)

उत्तर तरङ्गना अन्तरनुं. उत्तर दिशाके भीतर.
within the northern quarter.
भग० ६, ५; —भेय. पुं० (—भेद) मूलनी
अपेक्षाये उत्तर प्रकार. मूलकी अपेक्षा से
उत्तर भेद. further development
or stage as compared with the
original stage. क० गं० १, ३०;
—वाअ-य. पुं० (—वाद) उत्कृष्ट वाद.
उत्कृष्ट वाद. the highest tenet
or doctrine. “आणाए मायगं धम्मं
ए स उत्तर वाए” आया० १, ६, २,
१८४; —वेउड्वि. त्रि० (*)
जन्मपथी गमे ते वप्पते वैक्किय शक्तिथी
वैक्किय शरीर अनायनार. जन्म के बाद चाहे
जब वैक्किय शक्तिसे वैक्किय शरीर बनानेवाला.
(one) who is able to evolve
Vaikriya body by Vaikriya
power at any time after birth.
जं० प० ५, ११७; —वेउड्विय-अ. त्रि०
(*) जन्मपथी धारणाए न्दानुं मोटुं शरीर अनायी
शकाय तेवी-वैक्किय शक्ति अने ते शक्तिथी
शरीर रचना करवी ते. जन्म के पश्चात्
किसी भी समय धारणाके अनुसार-इच्छा-
नुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य
वैक्किय शक्ति और उस शक्ति से शरीर
रचना करना. the Vaikriya power
i. e. the power of contracting
or expanding the body at any
time after birth to any size
one wishes; making the body
large or small by the use of
this power. ‘उत्तरवेउड्विय रूपं विउ-

* लुप्थो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

व्वइ ” राय० २६; प्रब० १०६४; कप्प० २, २;
अणुजो० १३४; नाया० ८; जं० ५०
५, १३७; भग० १, ५; ३, १; २४,
१२; पन्न० १५; —वेउव्विया. स्त्री०
(*) मूल शरीरस्थी न्छानुं या भेदांतुं
रूप अनावयत्थी प्राप्त थयेअ शरीरणी अव-
गाहना. मूल शरीरसे छोटा या बड़ा रूप
बनाने से प्राप्त हुई शरीरका अवगाहना-
शरीरका कद. occupation of space
by a body contracted or ex-
panded by the Vaikriyaka
power. जीवा० १; —साल न०
(—शाला) ऐक गतनुं घर; ऐसवानुं
स्थान-भेदप वगेरे. एक प्रकार का घर; बैठ-
नेका मंडप आदि स्थान. a kind of
house; a room used for sitting.
“ उत्तर साला गिहा वत्तव्वा ” निगा०
८, १६;

उत्तरओ. अ० (उत्तरतः) उत्तरोत्तरस्थी.
उत्तरोत्तर से. From one birth or
generation etc. to another. क०
प० ७, ४७; ज० प० १४४;

उत्तरकुरा. पुं० स्त्री० (उत्तरकुरु) मेरुस्थी
उत्तरे महाविदेहान्तर्गत जुगलियांनुं ऐक
क्षेत्र. मेरुके उत्तरका ओर महाविदेहान्तर्गत
जुगलिया का एक क्षेत्र. A region of
Jugaliyās (a Karma Bhūmi)
in Mahāvideha to the north
of Meru. “ कहिण भंते ! महाविदेहे
वासे उत्तरकुराणामेकुरा पण्णता गोयमा? ”
जं० प० ४; (२) २२ भा तीर्थक्षेत्री
प्रवण्या पालपीनुं नाम. २२ वें तार्थकरका
दाक्षा पालकीका नाम. name of the

palankeen of the 22nd Tirthaṅ-
kara at the time of Dikṣā. सम०
प० २३१; कप्प० ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं० (उत्तरकुरु) जुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
जं० प० जीवा० १; सम० ४६; पन्न० १; १६;
भग० २; ८; नाया० ४; १२; १३; १७;
(२) ते क्षेत्रना भनुप्य. उत्तर कुरु क्षेत्रके
मनुष्य. a native of the above
said region. अणुजो० १३१; (३) ते
क्षेत्रना अधिष्ठाता देवतुं नाम. उक्त क्षेत्रके
अधिष्ठाता देवका नाम. name of the
presiding deity of the above
said region. जं० प० ५, १२०; (४)
उत्तरक्षेत्र नामतो ऐक द्रह. उत्तरकुरु नामक
एक द्रह. name of a lake. जीवा० ३४;
जं० प० —उज्जाण न (—उद्यान) ऐ
नामनुं साकेतपुर नगरनी आधारनुं ऐक
उद्यान. साकेतपुर नगर के बाहिर के एक
उद्यानका नाम. name of a garden
outside the city or Sāketa-
pura. नाया० ध० ६; विवा० १०;
—कूड. पुं० (—कूट) माल्यवन्त नामे
वखारा पर्वतनुं उच्च शिखर. माल्यवन्त नामक
वखारा पर्वतका ऊंचा शिखर. the high
summit Mālyavanta of the
Vakhārā mount. डा० ६; (२)
महाविदेहना गन्धमादन पर्वतना ओथा
शिखरनुं नाम. महाविदेह क गन्धमादन
पर्वत के चौथे शिखरका नाम. name of
the 4th summit of the Gandha-
mādana mount in Mahāvideha.
डा० १०; जं० प० —द्रह. पुं० (—द्रह)

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उत्तर कुर् नामनो ३ जे ६६-६६. उत्तर-
कुरु नामक तीसरा द्रव. the 3rd lake
bearing the name of Uttara-
kuru. टा. ६; —वत्तव्वया. स्त्री० (—वक्त-
व्यता) उत्तर कुर्नो अधिकार. उत्तर कुरु
का वर्णन. the subject-matter
or topic dealing with Uttara-
kuru. भग० ६, ७;

उत्तरकुरुक्षेत्र. त्रि० (उत्तरकुरुक्षेत्र) उत्तरकुर्
क्षेत्रमा जन्मेत; उत्तरकुर्क्षेत्रवासी. उत्तर-
कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु क्षेत्र में
निवास करनेवाला. Born in Uttara-
Kuru Kṣetra. अणुजो० १३१;

उत्तर कुरुग. पुं० (उत्तरकुरुक्षेत्र) जुओ
“ उत्तर कुरुक्षेत्र ” शब्द. देखो “ उत्तर
कुरुक्षेत्र ” शब्द. Vide “ उत्तर कुरुक्षेत्र ”
भग० ६, ७;

उत्तर कोण्डे. स्त्री० (उत्तरकोण्डे) गान्धर्व
आमनी ७वीं मूर्च्छना. गान्धर्व आम की
७वीं मूर्च्छना. The 7th note of
the musical scale. टा० ७;

उत्तर गंधारा. स्त्री० (उत्तरगान्धारा)
गंधार आमनी पांचवीं मूर्च्छना. गान्धर्व
आम की पांचवीं मूर्च्छना. The 5th
note of the musical scale. टा०
७, १; अणुजो० १२८;

उत्तर गुण. पुं० (उत्तरगुण) मूल गुणनी
अपेक्षाये उत्तर गुण; स्वाध्याय पितृ
विशुद्धि आदि; दश प्रकारना पच्यखाण.
मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण; स्वाध्याय,
पितृ विशुद्धि आदि; दश प्रकार के पच-
क्खाण. A secondary quality;
study of scriptures, purity of
food etc.; 10 kinds of Pachcha-
khāṇas (vows). पंचा० १, ७; प्रव०

७३६; उत्त० २६, १७; भग० २५, ६; —पच-
क्खाण. पुं० (—प्रत्याख्यान) उत्तरगुण.
रूप पच्यखाण; पच्यखाणनो एक प्रकार.
उत्तर गुण रूप पचक्खाण; पचक्खाण का
एक भेद. a kind of Pachcha-
khāṇa in the form of the
practice or observance of
Uttaragūṇas. “ उत्तरगुण पचक्खाणोणं
कइ विहे पण्यते ” भग० ७, २; —लद्धि.
स्त्री० (—लब्धि) उत्तर गुण-पितृ वि-
शुद्धि आदि तपनी लब्धि. उत्तर गुण अर्थात्
पितृ विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति.
attainment of Uttara Gūṇas
e. g. purity of food, study of
scriptures etc. regarded as
austerities. “ उत्तरगुण लद्धि खय-
माणस्स ” भग० २०, ६; पञ्च० ११;
—सद्धा. स्त्री० (—श्रद्धा) प्रधानतर-जित्या
गुणनी अभिलाषा. प्रधानतर-उच्च गुणों
की श्रद्धा-अभिलाषा-चाह. desire to
acquire higher qualities. पंचा०
१, ३७;

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूड) वंदना करीने
पछी ‘ मत्थयेणं वंदामि ’ उल्लेखं ते: वंद-
नानो १९ वे दोष. वंदना करने के
पश्चात् ‘ मत्थयेणं वंदामि ’ कहना; वंदना
का १९वां दोष. The 19th fault of
salutation; viz uttering the
words “ I bow with my head ”
after salutation (instead of
before it). प्रव० १५३;

उत्तर चूलिया. स्त्री० (उत्तरचूलिका)
वंदन करीने पछी ‘ मस्तक करी नमुं छुं ’
ऐम उल्लेखं ते. वंदना करके पीछे ‘ मस्तक
से नमन करता हूं ’ इस प्रकार कहना.
uttering the words “ I bow

with my head " after salutation (instead of before it)
प्रव० १५३;

उत्तरार्द्ध. न० (उत्तरार्द्ध) उत्तरार्ध; वैता-
द्वधी ३ मेरुधी उत्तर. आञ्जुनो प्रदेश.
उत्तरार्द्ध; वैताद्व या मेरुपर्वत से उत्तर की
ओर का प्रदेश. The northern
half, viz the region north of
Vaitādhya or Meru. सम० ३६;
अणुजो० १४८; जं० प० भग० ३, १;
५, १: —**भरत. पुं० (-भरत)** वैताद्व
पर्वतथी उत्तरतो भरत प्रदेश. वैताद्व पर्वत
से उत्तर की ओर का भरत प्रदेश. the
Bharata region to the north
of Vaitādhya mountain. जं०
प० —**भरह कूड. पुं० (-भरतकूट)**
जम्बूद्वीपना वैताद्व पर्वतनुं ८ मुं शिखर.
जम्बूद्वीप के वैताद्व पर्वत का ८वां शिखर.
the 8th summit of the Vai-
tādhya mountain of Jambū-
dvīpa. (२) तेनो अधिष्ठाता देवता.
उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव. the pre-
siding deity of the above.
जं० प० १, १२;

उत्तरार्द्ध भरहा. स्त्री० (उत्तरार्द्धभरता)
उत्तरार्ध भरतकूटनी पासो उत्तरार्ध-
भरता नामनी राजधानी. उत्तरार्द्ध भरत-
कूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम की
राजधानी. Name of a capital city
near the Uttarārdha Bha-
ratakūṭa. जं० प० ३, ५३; —**माणुस्स-**
कल्लेस्त. न० (-माणुस्सकल्लेस्त)
मनुष्य क्षेत्रस्यार्द्धमर्द्ध मनुष्य क्षेत्रं उत्तरचेतसेति)
मनुष्य क्षेत्रतो उत्तरार्ध प्रदेश. मनुष्य क्षेत्र
का उत्तरार्द्ध प्रदेश. the northern
half of the region of Manu-

ṣya Kṣetra. " उत्तरद्विमाणुस्सकल्लेस्तार्द्धं
छावट्टि चंदा पभासिंसु " सम०

उत्तरण. न० (उत्तरण) तराी ज्वुं; ५१२
उत्तरपुं. तिरजाना; पार उत्तरना. Crossing;
going to the opposite shore or
end. " उत्तरणं चंदसूराणं " नाया० ६;
सम० ७; ठा० ५; १०;

उत्तरणप्पाअ. त्रि० (उत्तरणप्पाअ) पार
उत्तरवा ज्वुं. पार उत्तरने योग्य. Wor-
thy of, capable of being cross-
ed. " असुहतरं उत्तरणप्पाअ " पंचा०
६, २१;

उत्तरपुच्चा. पुं० (उत्तरपूर्वा) भिषान भुणो
उत्तर अने पूर्व पच्चेनी विदिशा. उत्तर और
पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The
north-east. प्रव० ७६०;

उत्तर बलिय. पुं० (उत्तरबलिय) उत्तर
अलिय नामो अेड गण. उत्तर बलिय
नामक एक गण. Name of a Gana.
" गोदासगणे उत्तरबलियस्सयगणे उदेह-
गणे " ठा० ६, १;

उत्तरबलिस्सह. पुं० (उत्तरबलिस्सह) उत्तर
अलिस्सह स्थविरथी निक्खेत्त अे जतनो
अेड गण. उत्तरबलिस्सह स्थविर से निकला
हुआ इस जाति का एक गण. Name of
an order of monks (Gana)
derived from the Sthvira
named Uttarabalissaha. कप्प०
८;

उत्तरबलिस्सह पुं० (उत्तरबलिस्सह)
महागिरि स्थितरता प्रथम शिष्य अने तेना
थी निक्खेत्त गण महागिरि नामक स्थविर
का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ
गण. The first disciple of the
saint Mahāgiri and the order
established by him. " थेरोहिंतोणं

उत्तरबलिस्सहेहिंतां तत्थण उत्तर बलिस्सहे”

ठा० ६, १;

उत्तरभद्रवया. ख्री० (उत्तरभाद्रपदा)

अभिजित वगेरे नक्षत्रमांनुं ६६ नक्षत्र;

उत्तरभाद्रपद नक्षत्र. अभिजित वगेरह

नक्षत्रों में का छठवां नक्षत्र; उत्तराभाद्रपद.

The constellation Uttarā

Bhādrapadā i. e. the 6th of

the constellations viz Abhijita

etc. “उत्तर भद्रवया एकवत्तं दुत्तारे

पण्णता” ठा० ६, १;

उत्तरमंदा. ख्री० (उत्तरमन्दा) गंधार

स्वर अन्तर्गत ऐक मूर्छना; मध्यम आमनी

पहेली मूर्छना; गंधार स्वर के अन्तर्गत

एक मूर्छना; मध्यम ग्राम का पहिली मूर्छना

कोट. One of the 7 notes of the

Indian gamut; the 1st note of

the Madhyama scale. राय० १३०;

ठा० ७, १; जावा० ३, ४;

उत्तर वडिसग. न० (उत्तरावनेयक) ऐ

नामनुं ऐक विमान. इस नाम का एक

विमान. Name of a celestial

abode. जावा० ३, २;

उत्तर, समा. ख्री० (उत्तरसमा) मध्यम

आमनी चौथी मूर्छना. मध्यम ग्राम का

चौथी मूर्छना; चौथा कोट. The 4th

note of the Madhyama musical

scale. ठा० ७, १;

उत्तरा. ख्री० (उत्तरा) उत्तराषाढा आदि नक्षत्र.

उत्तराषाढा आदि नक्षत्र. The constel-

lation Uttarāṣāḍhā. अणुजो० १३१;

(२) मध्यम आमनी पहेली अने त्रीश

मूर्छना. मध्यम ग्रामकी पहिली और तीसरी

मूर्छना. the third note of the

Madhyama musical scale. ठा०

७, १; अणुजो० १२८; १३८; (३)

उत्तर दिशा. उत्तर दिशा. the north.

‘ उत्तरा ओ वा दिसाओ आगओ अदमंसि’

प्रव० ७६०; क० प० ४, २; भग० १०, १;

२५, ३; आया० १, १, १, २; —आसाढा.

ख्री० (—आषाढा) उत्तराषाढा नक्षत्र. उत्तरा-

षाढा नक्षत्र. the constellation

called Uttarāṣāḍhā. जे० प० २, ३१;

७, १५५; सम० ४; ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि. ख्री० (उत्तराकोटि) ऐ

नामनी गंधार आमनी सातवी मूर्छना.

इस नामकी गंधार ग्रामकी सातवी मूर्छना.

Name of a certain musical

note in the Indian gamut

ठा० ७, १;

उत्तराध्वयण. न० (उत्तराध्ययन) ऐ

नामनुं ऐक मूल सूत्र; अत्रीश अध्ययनना

समूहके प उत्तराध्ययन नामे सूत्र. इस

नामका एक मूल सूत्र. छत्तीस अध्ययनों

का समूहके प उत्तराध्ययन नामक सूत्र.

Name of a Mūla Sūtra; name

of a scripture containing 36

chapters. नंदा० ४३; —फगुणी.

ख्री० (—फाल्गुनी) ऐ नामनुं नक्षत्र. इस

नामका एक नक्षत्र name of a constel-

lation. जे० प० ७, १२६; ५, ११५.

सू० प० १०; सम० २; —भद्रवया.

ख्री० (—भाद्रपदा) ऐ नामनुं ऐक नक्षत्र.

इस नामका नक्षत्र. name of a constel-

lation. सम० २;

उत्तरायण. पुं० (उत्तरायण) सूर्य दक्षिण दिशा-

मांथी उत्तर दिशा में गत हो. सूर्य का दक्षिण

दिशा से उत्तर दिशा में जाना. The north-

ward apparent motion of the

sun. सम० २४; ठा० ३; —गय. पुं०

(—गत) कई संक्रान्तियों दिक्क; उत्तरायण में

प्रवेश करने पर सूर्य कर्क संक्रान्ति का दिन;

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य. the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress. सम० — गणित. पु० (-निवृत्त) सूर्य उत्तरने भांडिलेथी दक्षिणने भांडिले गय ते. सूर्यका उत्तरायणमें दक्षिणायन होना. the returning of the sun towards the south from the north. “उत्तरायणगणिते सूरिण” ठा० ३; सम० २४;

उत्तरायया. स्त्री० (उत्तरायता) गंधार ग्रामती सातमी मूर्छना. गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut. अगुजो० १२८;

उत्तरायग. पुं० (उत्तरायक) उत्तराय देशने उपना ओड सिद्ध. उत्तराय देश का चांदीका एक सिक्का. Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath. प्रथ० ८०७;

उत्तरावह. पुं० (उत्तराय) उत्तर तन्देशने ओड देश उत्तर की ओरका एक देश. Name of a country in the north. प्रथ० ८०७;

उत्तरामंग. पुं० (उत्तरामङ्ग) मूल ऊपर दुपटानुं आपर्तन करुं ते. उत्तरासन करुं ते. उत्तरामन करना. Wrapping of scarf round the face. काप० २, १४; जे० प० ७, ११७; भग० २, ४; ६, ३३; १२, १; ओव० १२; नाया० १; १६; विषा० १; गय० २३; — करण न० (-करण) जुआ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above “ एग स्याडणुं उत्तरामङ्ग करणुं ” नाया० १;

उत्तरासमा. स्त्री० (उत्तरसमा) मध्य

ग्रामती चौथी मूर्छना. मध्य ग्राम की चौथी मूर्छना. The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. अगुजो० १२८;

उत्तराहुत्त. त्रि० (उत्तराभिमुख) उत्तर तरङ्ग; उत्तरने सन्मुख. उत्तरकी ओर; उत्तर दिशा के सन्मुख. Towards the north; facing the north “ थोवावसेमियाणु सज्भाणु ठाडु उत्तराहुतो ” ओव० नि० ६५०;

उत्तरिज्ज. न० (उत्तरीय) अभा उपर राखवानुं वस्त्र-दुपट्टा. कंधपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा. A scarf; an upper garment. “ उत्तरिज्जं विकङ्कमाणां ” उवा० ६, १६६; ओव० ३५; दसा० १०, १; नाया० १; ८; ६; १२; १४; भग० ६, ३३; जे० प० कप० ४, ६२;

उत्तरिज्जग. न० (उत्तरीयक) जुआ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ३, १६४;

उत्तरिज्जय न० (उत्तरायक) जुआ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६, १६४;

उत्तरिय. पुं० (उत्तरिक) उत्तर शुभ-समिति यथेरे. उत्तर गुण-सामांत वगैरह. Samiti etc. (i. e. care in walking, eating etc) विशेष १२४५; (२) त्रि० प्रधान; येश. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उत्तम. principal; highest; best. नाया० ८; वेग० ६, १८; ठा० १०; (३) दुपट्टा; अभा राखवानुं वस्त्र. दुपट्टा; कंधपर रखनेका वस्त्र. a scarf; an upper garment. नाया० २;

उत्तरिख. त्रि० (ओत्तर) उत्तर दिशाभांनुं; उत्तर दिशासंग थी. उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धी. Northern; pertaining to the north. नाया० ४० ४;

पञ्च० २; नाया० ६; १३; १६; जं० प० २, ३३; ५, ११४; विवा० ३; भग० ३, १; १०, ७; १६. २; ८; ३४, १; प्रव० ११५२;

उत्तरिल्ल. त्रि० (उत्तार्य) उतरवा योग्य. उतरने योग्य. Worth descending; worth crossing; fit to be crossed etc. राय० ७१; जं० प० ५, ११४;

उत्तरीकरण. न० (उत्तरीकरण) ग्रेनी आलोचना करीछे तेनी पधारे विशुद्धि करवा-कर्मोत्सर्ग “ कठिंसर्ग ” करवा ते. जिसकी आलोचना की है उसकी अधिक विशुद्धि के लिये कर्मोत्सर्ग करना. Meditation upon the soul in a particular posture after confession of a sin in order to wash off that sin the more. आब० १, ५;

उत्ताडण. न० (उत्ताडन) ओक प्रकारनु वाद्य०. एक प्रकारका बाजा. A kind of musical instrument. राय०

उत्ताण. त्रि० (उत्तान) यनुपाट; समुं; सिधुं. सीधा मच्चा. Flat; straight. भग० १, ७; “ उत्ताण छत्तसीट्टया ” उक्त० ३६, ६१; वव० ५, १८; पञ्च० २; (२) छीछरुं; छिं नदी ते. जो गहरा ऊँडा न हो वह. shallow. ठा० ४, ४; (३) न० पत्रकारे भार्या बिना आंभ भुझी राखी ते. पलक मारे बिना आंखको खुर्ला रखना. keeping the eye open without twinkling. आब० (४) त्रि० यत्ता सुवाने अभिग्रह धरनार. चित सोने का अभिग्रह प्रतिज्ञा वाला. (one) who has taken a vow to sleep flat on the back. पंचा० १८, १५; —(णो) उदहि. पुं० (—उदधि) छीछरा पाणीवाला दशओ, उथले पानी वाला समुद्र. a sea with

shallow waters. ठा० ४, ४;

—**ओभासि.** त्रि० (—अवभासिन्) तुच्छ नाला अयुं. जो तुच्छ मालूम हो ऐसा. appearing trivial. ठा० ४, ४;

—**णयणपेच्छणिज्ज.** त्रि० (—नयनप्रेक्षणीय) अति सुंदर होवाने लीधे उधाडी-अनिमिष-आंभे होवा योग्य. बहुत सुंदर होनेके कारण अनिमिष (बिना पलक मारे) नेत्रोंसे देखने योग्य. deserving to be gazed at with twinkle-less eyes on account of fascinating beauty. “ उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा पामादिया दारिसणिज्जा ” आब० —हत्थ. पुं० (—हस्त) वस्तु देखाने उओ करेओ हाथ. वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊँचा किया हुआ हाथ. a hand raised to grasp at a thing. “ किवणो विव उत्ताणहत्था ओ ” तंडु०

उत्ताणअ. त्रि० (उत्तानक) यत्ता सुनार. चित सोनेवाला. One who lies or sleeps flat i. e. on the back. “ जावेण भंते गढम गणममाणे उत्ताणएवा पामल्लएवा ” भग० १, ७; विवा० ३; प्रव० ४, ८०; (२) बांभुं करेवुं; पसारवुं. लंबा किया हुआ; पमारा हुआ; फैलाया हुआ. projected; expanded; extended. आया० २, १, १०, ५७;

उत्ताणग. त्रि० (उत्तानक) यत्ता थपने-सुप्त नर. चित होकर सोजाने वाला. (One) who lies on the back and goes to sleep. (२) न० समुं; सिधुं. सीधा; समुख. straight; even. पंचा० १८, १५;

उत्ताणिअ. त्रि० (उत्तागिक) यत्ता सुवाने अभिग्रह धरनार. चित सोनेका अभिग्रह धारण करने वाला. (One) who has

taken a vow to lie flat i. e. sleep on the back. दसा० ७, ६; वेय० ५, ३०;

उत्तार. पु० (उत्तार) नदीनो उतार; पाष्णीनो आरौ. नदीका उतार. A place where water may be crossed on foot; a ford. जं० प०

उत्तारण. न० (उत्तारण) उत्तरयुं-पार अयुं ते. पार जाना; उतरना. Crossing; going to the opposite end. विशेष० १०४०; जीवा० ३, ३;

उत्ताल. न० (उत्ताल) नाच अथवा आनु ते; गायननो अथवा द्रोण. तालके खिलाफ गाना; गायनका एक दोष Singing out of tune. “ गायं तो मायगाहि उत्ताल ” टा० ७; जं० प० अणुजो० १२८;

उत्तासइत्तार. त्रि० (उत्तासायितृ) अतिशय त्रास आपनाने. बहुत त्रास देनेवाला. Highly annoying; excessively troublesome. “ भेत्तविलुपिता उद्धगित्ता उत्तासइत्ता ” आया० १, २, १, ६६;

उत्तासणग. त्रि० (उत्तासनक) त्रास उपनयनारः अथ उत्पन्न करनेवाला. त्रास देनेवाला; भय उत्पन्न करने वाला. Terrifying; annoying; frightful. नाया० ८;

उत्तासणय. त्रि० (उत्तासनक) अथवा उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. V de above. नाया० ८; पञ्च० ३; भग० ३, २; ६, ५;

उत्तासणिज्ज. त्रि० (उत्तासनीय) महा भयंकर. महा भयंकर; बहुत डरावना Very terrible; frightful. “ नरोविव उत्तासाणज्जाओ ” तंडु०

उत्तासिय. त्रि० (उत्तासित) त्रास आपेक्षित. Troubled; frightened; terrified. भग० ३, ५; (२) ५२२५२ भलेन परस्पर मिला हुआ. mixed together; joined together. भग० ३, १; ५, ६;

उत्ति. स्त्री० (उक्ति) वाणी; वचन. वाणी; वचन; कथन. Speech; words. “ गंभीराहरणेहि उत्तीहि य भावसारहि ” पंचा० ६, १६; विशेष० ३३५६;

उत्तिग. पुं० (उत्तिङ्ग) श्रुतीयाई; श्रुतीनुदर. चींटियों का बिल. An ant-hill. “ सपाणे सबीण सहरीण सउत्तिगे ” मस० २१; दस० ५, १, ६६; ८, ११; आया० १, ७, ६, २२२; आवा० ४, ३; (२) छिद्र; पाँडे, छेद; छिद्र. a hole; an aperture. आया० २, ३, १, ११६; निया० १८, १८;

उत्तिलेण. पुं० (-लयन) श्रुतीयाई. चिउंटों का बिल. an ant-hill कण० ६, ४५;

उत्तिगण. त्रि० (उत्तीर्ण) पार उत्तरें. पार उतरा हुआ. Crossed; passed over. जं० प० नाया० १; १६;

उत्तट. त्रि० (*) वासणु उपर नभेन आसना पिन्दु. बर्तनके ऊपर जमे हुए ओस बिंदु. A dew-drop clinging to a vessel or utensil. “ उत्तेडा वन्थायायन समिति ” पि० नि० भा० १६;

उत्थय. पु० (उच्छय) आभार; उत्थयो नात्रता. Rising; increasing; intensity. आवा० ३१;

उत्थय. त्रि० (अवस्तृत) ढाँकेलु; आवच्छादित. ढरेलु; ढाँका हुआ; आवच्छादित. Covered; concealed. आवा० ३१; जं० प०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

उत्थरंत. व० कृ० त्रि० (उत्स्तृणवत्)

आच्छादन करतो. आच्छादन करता हुआ;

ढांकता हुआ. Covering; hiding.

“अणि एहि उत्थरंता अभिभूय हरंति पर-
वणाहं” पराह० १, ३;

उत्थल. न० (उत्स्थल—उन्नतार्थ धूल्युच्छ्रय

रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) धूलता टेकरा.

धूल के टेकड़े. A sand-hill; a

sandy down. भग० ७, ६;

उत्थाण. न० (उत्थान) उठनुं; उठना अथु.

उठना; खड़े होना. Rising up; getting

up. विशेष० २=२६;

उत्थिय. त्रि० (अवस्तृत) आच्छादन करे.

ढाँकेल. ढाँका हुआ; आच्छादित. Covered;

concealed from view. उवा० १, ५८;

उदअ-य. पुं० न० (उदक) जल; पाणी.

जल; Water. आया० १, ६, १, १७७;

उक्त० ७, २३; २८, २२; नाया० १; ५; ८;

१४; १८; भग० ३, ३; राय० २७; ओव०

३५; दसा० ६, १; ६, २; सू० प० १०; विशेष०

१४५८; पि० नि० ८३; (२) पाणीभांती

ऐक वनस्पति. जल म की एक वनस्पति.

a kind of aquatic plant. पञ्च० १;

(३) पर्वग जलतनी वनस्पति; ऐक

जलतनुं वृक्ष. पर्वग जाति की वनस्पति; एक

प्रकारका वृक्ष. a kind of tree. पञ्च० १;

(४) पुं० ऐ नामना ऐक अन्यतीर्थी विद्वान्.

इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान्. name

of a learned non-Jaina. भग० ७,

६; (५) गोशाला ऐक मुख्य श्रावकनुं

नाम. गोशाला क एक मुख्य श्रावक का नाम.

name of one of the principal

lay-followers of Gosālā. भग०

८, ५; (६) उदक नामे (अपर नाम

पेढाल पुत्र) ऐक पार्श्वनाथना संतानीया

निग्रन्थ के जेना गौतमस्वामी साथे संवाद

थयो हुतो. उदक (अपरनाम पेढाल पुत्र)

नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु किं

जिसका गौतम स्वामी के साथ संवाद हुआ

था. name of an ascetic follower

of Pārśvanātha, who had held

discussion with Gautama

Swāmi; he is also named

Pedhālputra. सूय० २, ७, ५;

—उप्पीला. स्त्री० (*) पाणी वगेरेना

जथे—समुद्र. जल वगेरह का समूह. a

volume of water etc. भग० ३, ७;

—तल. न० (-तल) पाणीनुं तलीयुं. जल

का तल. the bottom of water.

दसा० ६, १; —परिफोसिया. स्त्री०

(-परिवृषत्) पाणीनाझीला छंटा; कुंवाड.

पाणी के छोटे छोटे छंटे; कुंवार. spray

of water. नाया० ८;

उदइ. त्रि० (उदयिन्) उदय पावना. उदय

पाने वाला. Rising; coming to rise.

“उदइणो अणुदइ ठराहं” भग० ११, १;

३५, १;

उदइअ. पुं० (आदयिक) कर्मना उदय. कर्म

का उदय. Maturity of Karma;

state of maturity. (२) कर्मना

उदयथी निष्पन्न थयेत भाव; ७ भाव-

भांती ऐक. उदय से निष्पन्न—उत्पन्न. any-

thing resulting from matu-

urity of Karma. अणुजो० ८८; भग०

१७, १; २५, ६; क० गं० ४, ७२; —आइ.

त्रि० (-आदि) उदय भाव जेभां आइ

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vīdo
foot-note (*) p. 15th.

प्रथम छे तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायक अने पारिणामिक भाव. छिन भावों में औदयिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायक और परिणामिक भाव. (those Bhāvas or states viz Aupśamika, Kṣāyopśamika, Kṣāyaka and Paripāmika) which are headed by Udayabhāva i. e. state of coming to rise; lit. Udayabhāva etc. विशेष ४०४; —भाव. पुं० (-भाव) लुग्ये। “उदइअ” शब्द. देखो “उदइअ” शब्द. vide “उदइअ” भग० १४, ७;

उदउल्ल. त्रि० (उदकाद्रि) पालीथी लीनुं थयेथ. पाणी से भीजा हुआ. Wet with water, “उदउल्ल वीयसंसत्तं” दस० ६, २५; ४, ५; १, २३; ८, ७; आया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ४०; कप्प० ६, ४३; प्रव० ६१६; —काय. पुं० (-काय) पालीथी लीनुं शरीर. पानी से गीला शरीर. body wet with water. दस० ४; —वत्थ. न० (-वत्थ) पालीथी लीनुं पत्थ पानी से गीला वत्थ. cloth wet with water. दस० ४;

उदएचर. त्रि० (उदकचर) जलचर; जल में रहने वाले प्राणी. Aquatic. “उदएचरा आगास गामिणो” आया० १, ६, १, १७७;

उदओदर. पुं० (उदकोदर) जलोदर रोग. Dropsy. जं० प० २.

उदक. न० (उदक) पानी. जल; पानी. Water. जीवा० ३, ३; —भायण. पुं० (-भाजन) पालीनुं वासणु. पानी का बर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७;

उदग. न० (उदक) पाली; जल; पानी.

Water. पंचा० २, ११; प्रव० १५६२; कप्प० ४, ५६; जं० प० ५, १२०; निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८; भग० १, ६; ८; ५, ४; ७, १; १५, १; पक्क० १; नंदी० ३५; दस० ४, ५, १, ७५; उवा० १, २७; ४१; —(गा) आवत्त. पुं० (-आवत्त) पालीनुं थऊर - लभरी - दमल पाणी का भौर. an eddy; a whirlpool of water. अणुजो० १३४; भग० ५, ७; —गच्छ. पुं० (-गर्म) पालीनुं गर्भ-पाली रूपे थनार पुद्गल परिणाय. पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुद्गल परिणाय. particles of matter transforming themselves into the element of water. “चत्तारि उदग गच्छा परणत्ता तं जहा.” भग० २, ५; —जोणिय. पुं० (-योनिक - उदकं योनिरुत्पत्तिस्थानं येषां ते) पालीमां उत्पन्न थनार थव. पाणी में उत्पन्न होने वाला जाव. an aquatic sentient being. “इहे गत्तिया सत्ता उदग जोणिया उदग संभवा” सूय० २, ३, १७; —दोणी. स्त्री० (-दोणी) पाली मेंथरानी डोल. पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water. “अलं उदगदोणीणं” दस० ७, २७; (२) न्दानी छोडी; मछवे. छोटासी डोंगी; डोंग. a small boat. आया० २, ४, २, १३८; (३) दोदरनी पालीनी कुंडी के जेमां तपेनुं दोदुं दारवामां आवे छे. लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है. a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. “उदग दोणी शिवत्तिण्” भग० १६, १; —धारा. स्त्री० (-धारा) पालीनी धारा. जलधारा. a stream of water; a down pour of rain. नाया० ६; जं० प० ३, ४३;

—परिणय. त्रि० (-परिणत) पाणी रूपे परिणाम पाभेत्त. जल रूप में परिणाम पाया हुआ. transformed into water. ठा० ३, ३; —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) पाणीना पुद्गल ते सभूदः वादलु. जल रूप पुद्गल का समूह बादलः मेघ. a collection of watery particles; a cloud “तत्थ समुट्ठियं उदग पोग्गलं परिणयंवा.” ठा० ३, ३; —प्पसूय. त्रि० (-प्रसूत) जलमां उत्पन्न थयेत्त कन्द आदि. जले में उत्पन्न हुए कन्द आदि. (a bulbous root etc.) produced in water. “उदग पसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा” आया० २, २, १, ६५; —फोसिया. स्त्री० (-वृषद्) पाणीना पिंदु जल बिन्दु. Spray of water; small drops of water. नाया० ८; —विंदु. पुं० (-बिन्दु) पाणीनुं दीपुं. पानी की बिन्दु; जल का छंटा. a drop of water. भग० ५, ७; ६, १; पंचा० ४, ४७; —मच्छु. पुं० (-मत्स्य) छिद्र धनुष्यना कटका. इन्द्र धनुष्य के टुकड़े. bits of rainbow. भग० ३, ७; अणुजो० १२७; जीवा० ३, ३; —माल. पुं० स्त्री० (-माला) उपरि उपरि रहैल पाणीनी शिखा; द्युमात्रो. एक पर एक स्थित पानी की शिखा. crests of water piled one upon another “लवणस्सणं समुदस्स के महालण उदगमाले पण्यते” जीवा० ३, ४; ठा० १०; —रयण. पुं० (-रत्न) शुद्ध पाणी; रत्न समान पाणी. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. “उल्ले उदगरयणे अस्सदिण्” भग० १५, १; नाया० १२; —रस. (-रस) पुं० पाणीना रस. पानी का रस. water in the fluid form. “तन्नो समुदा पण्हण् उदगरसेणं पण्यता” जं० प० १; —राई.

स्त्री० (-राजि) पाणीनी दीदी. पानी की रेखा. a line of water. क० प० ५, ४५; —लेव. पुं० (-लेप) नाया आये तेटथा पाणिमां आलपुं-नदी उत्तरपी ते. जितने पानी में नाव चले उतने पानी में से नदी पार होना. fording a river etc. at a place where a boat can sail. “अतो मासस्स तन्नो दगलेवे करे माणे सबला” सम० २१; दसा० २, १०; १६; (२) पाणीते लेप; पाणीथी भिज्जपुं ते. जलका लेप; पानी से भिजाना. getting wet with water. अया० २, १, ११, १२; —वत्थि. पुं० स्त्री० (-वस्ति) पाणीनी मसक. पानी की मशक. a leather bag for holding water in. “उदगवत्थि परामुसइ” नाया० १८; —संभाराणज्ज. त्रि० (-सम्भारणां) पाणीने शुद्ध करवाती वस्तु पानी को शुद्ध करने का वस्तु. any substance used to purify water. “हट्टु तुट्ठे बहुहि उदगसंभाराणि-ज्जहि” नाया० १२; —मन्थ. पुं० (-शस्त्र-उदकमेव शस्त्रतत्तथा) पाणीना शस्त्रो नाश करुनार शस्त्रः अग्नि, अस्त्र वगैरे. जल के जाँवों का नाश करने वाला शस्त्र; आग्निः चार वगैरह. a weapon which destroys sentient beings living in water e.g. fire, poisonous salts etc. आया० १, १, ३, २३; —साला. स्त्री० (-शाला) पाणीनुं पयं (परय). पानी की पो. a place where water is supplied to travellers etc. (out of charity). सूय० २, ७, ४; —सिद्धा. स्त्री० (-शिखा) धरीयानी वेध; पाणीनी भरती ओट. पानी की बढ़ती और घटती. ebb and tide of the sea ठा० १०;

उदगणाय. पुं० (उदकज्ञात) पाछना पाछी-
ना दृष्टांतवाचुं ज्ञातासूत्रनुं १२ मुं अध्ययन.
खाई के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का
१२ वां अध्ययन. Name of the 12th
chapter of Jñātā Sūtra con-
taining an illustration of ditch
water. सम० १६; नाया० १;

उदगत्त. न० (उदकत्व) पाछीपाछुं. जलपना;
जलत्व. State of being water.
“ य बहवे उदगजोणिषा जीवा य पोगल्ला
य उदगत्ताय वक्कमंति ” ठा० ३; भग० २, ५;

उदगसीमय. पुं० (उदकसीमक) ऐ नामने
ऐक वेलंधर नागराज्जो आवास पर्यंत.
वेलंधर नागराज के निवास करने के एक
पर्यंत का नाम. Name of a moun-
tain-abode of Velandhara
Nāgarāja. जीवा० ३;

उदग्ग. त्रि० (उद्ग) उत्तुट; उन्नत; उत्तरो-
त्तर शक्तिवाचुं. उत्कट; तीव्र; उन्नत. उत्तरोत्तर
वृद्धि वाला. Pierced, intense, tall;
lofty; mighty; increasing
“ उदग्गो हुप्पहंमय ” उक्त० ११, २०; भग०
२, १; नाया० १; ५; -**चारित्तव.** पुं०
छी० (-चारित्रतस्स उद्गं प्रधानं चारित्रं
तस्स यस्य स तथा) प्रधान चारित्र तप
वले. प्रधान चारित्र तप वाला. one of
austere right conduct and
penance उक्त० १३, ३५;

उदत्त. त्रि० (उदात्त) उदात्त; प्रधान; श्रेष्ठ.
उदात्त; प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उदार. High;
lofty; prominent. उक्त० १३, ३५;
भग० २, १; ३, १; ६, ३३; (२) अक्ष-
रादि स्वरने ऐक प्रकार. अकारादि स्वर का
एक प्रकार. a particular variety
(accent) of vowel-sound. प्रव०
५५०;

उदत्ताभ. पुं० (उदात्ताभ) गौतम गोत्रनी
ऐक शाखा अने तेनो पुत्र. गौतम गोत्र
का एक शाखा और उस शाखा का पुरुष.
Name of a branch of Gautama
family-stock; a person belong-
ing to this branch. “ ते उदत्ताभा ”
ठा० ७, १;

उदधि. पुं० (उदधि) समुद्र. समुद्र; दर्या.
The ocean; the sea. सू० प० १६;
जीवा० ३, १;

उदय. पुं० (उदय) उगयुं; प्रगट थयुं; उदय
थयुं ते. उगना; प्रगट हाना; उदय होना.
Rising; coming to view; ap-
pearance. ठा० २, १; पंगुहं० २, ४;
सू० प० १; नाया० ३; आ० १६; (२)
अभ्युदय; वृद्धि. अभ्युदय; बढ़ती; बढ़ती.
rise, prosperity मय० २, ६, १६;
पिं० नि० ४१४; (३) उपपत्ति; उत्पत्ति. पैदा
होना; उत्पत्ति. birth; creation; pro-
duction सम० ३२; (४) जंबुद्वीप
भरतखंडमां थनार सातमा तीर्थंकरनुं नाम.
जंबुद्वीपके भरतखंड में होने वाले सातवें तीर्थ-
कर का नाम. the name of the 7th
would-be Tirthāṅkara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१; (५) जंबुद्वीपमां भरत-
खंडमां थनार तीर्थंकरना पूर्वभवनुं
नाम. जंबुद्वीपके भरतखंड में होने वाले तीसरे
तीर्थंकर का पूर्व भव का नाम. the name
in the past birth of the third
would-be Tirthāṅkara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१; (६) कर्मनुं विपाकभि-
मुअ थयुं ते; ज्ञानावरणीयादि कर्मनि उदय.
कर्म का विपाक (फल देने) के सन्मुख होना;
ज्ञानावरणीयादि कर्मों का उदय. maturi-

ty of Karma; e. g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, १; २, ५; ५, ४; ८, ६; १४, २, २०, ३; ४०, १६; पि० नि० १०२; (७) उदय लाव; ७ लावमानो प्रथम लाव. उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth. the first of the 6 Bhāvas. भग० १०, १;—अंत. पुं० (-अन्त) नदी आदिना पाणीनी सीमा; जहाँ नदी पूरी थाय ते प्रदेश. नदी आदि के जल की सीमा, वऽ प्रदेश जहाँ नदी पूरी हा. the place where the water of a river ends or terminates. भग० १, ६;—अंत. पुं० (-अंश) उदयना स्थानक. उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. क० गं० ६, १८;—गय. त्रि० (-गत) उदयना स्थानने प्राप्त थयेत्. उदयस्थान को प्राप्त. come to rise; risen. क० गं० ६, ४०;—निष्पक्वण. त्रि० (-निष्पक्व) कर्मना उदयथी निष्पक्व थयेत्. कर्म के उदय से निष्पक्व-उत्पन्न. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma. भग० १७, १; २५, ५;—स्थमण. त्रि० (-अस्तमान) सूर्यना उदय अथवातो समय. सूर्यके उदय अस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कण्ठ० ३, ३६;—पत्त. त्रि० (-प्राप्त) उदय पामेत्. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग० २५, ७; परह० २, ५;—विद्धि. पुं० (-विधि) उदयने प्रकार. उदयका प्रकार. mode or method of coming to rise. क० गं० ६, ३०;—मंडिह.

ली० (-संस्थिति) सूर्यना उदयनी स्थिति. सूर्य के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of rising. सू० प० ८;—संत. ली० (-सत्ता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय और सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma). क० प० ७, ५३; ५५;

उदयजिण. पुं० (उदयजिन)आवती चोवीसीना सातमा तीर्थंकर के जे ओके पयत महावीर स्वाभीना आचक शपथ हुना. आगामी चौवीसी के सातवें तीर्थंकर जो एक समय महावीर स्वामीक शिखरि नामक धावक थे. The 7th birthānkara of the coming Chovīsi i. e. cyclo who was once a Śrāvaka (by name Saṅkhajī) of Mahāvīra Swāmī प्रव० ४६७;

उदयणसत्त. त्रि० (उदयनसत्त्व) उदय पामेत्ते छे सत्त्व जेना ते. जिसका सत्त्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise. टा० ५, ३;

उदयसीम. पुं० (उदकसीमन्) लवण समुद्रमा उत्तर दिशाये आवेत्ते ओके आवास पर्वत. लवण समुद्रके उत्तर दिशामे स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavapa Samudra in the north. सम० ४३;

उदयसेण. पुं० (उदयसेन) वीरसेन ने शूरसेनने पिता. वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम. Name of the father of Virasena and Śūrasena. आय० नि० १, ४, १, १;

उदयाचल. पुं० (उदयाचल) उदयाचल पर्वत. उदयाचल पर्वत The eastern moun-

tain named Udayāchala behind which the sun rises. सु० च० ३, ७६;

उदर. न० (उदर) ७६२; पेट. जठर; पेट The belly; the stomach. सू० १, ५, २, २; २, १, ४२; दस० ४; जा० ३, ३; ओव० १०; नि० ७, १४; अणुजो० १३१; नाया० १३; आया० १, १, २, १६; उवा० २, १०१;

उदरवली. स्त्री० (उदरावली) कलेजुं; कलेजुं. कलेजा. The heart. निर० १, १; —मंस. न० (मांस) कलेजुं मांस. कलेजका मांस. the flesh of the heart. निर० १, १.

उदरि. त्रि० (उदरिन्) पेटना रोगी; जलोदर रोगवाला. पेट का रोग; जलोदर रोगवाला (One) suffering from a domi-
nal affections like dropsy etc. आय० १, ६, १, १७२;

उदरिक. त्रि० (औदरिक) जलोदरना रोगवाला जलोदर रोगवाला. (One) suffering from dropsy. पगह० २, ५;

उदरिय. न० (औदरिक) जुआ "उदरिक" शब्द. देखो "उदरिक" शब्द Vide "उदरिक" वि० १, ७;

उदवाह पुं० (उदवाह) जलना नाना प्रवाह. जलका छोटासा प्रवाह A small current of water. "उदवाहाह वा प्रवाहाह वा" भग० ३, ७;

उदधि. पुं० (उदधि) समुद्र. दरीया. समुद्र; उदधि; दरीया The ocean; the sea. ठा० २, ४; उत्त० ११, ३०; भग० १, ६; ६; विशे० १३३२; पिं० नि० भा० १७; प्रव० १४६३; क० प० १, ७०; जं० प० २, ३३; ६, ११६; (२) उदधिकुमार नामे भवनपति देवतानी अेक भूत. उदधिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति. a class of Bhavanapati gods named Udadhi-kumāra. उत्त० ३६, २०४; पगह० १, ४; सम० ७६; ओव० (३) धनोदधि. धनोदधि. the ocean named Ghanodadhi. भग० १, ७; (४) समुद्र-सागरोपम; कालविभाग विशेष. सागरोपम; कालविभाग विशेष a Sāgaropama; a particular division of time क० प० ५, २६; —पट्टिया. त्रि० (—प्रतिष्ठित) धनोदधि समुद्रने आधारै रहैल. धनोदधि समुद्र के आधार से रहा हुआ supported on, resting on Ghanodadhi ocean. "उदधि पट्टिया पुढवी" भग० १, ७; —पुहुत्त. न० (—पृथक्त्व) अेथी भांडीने नवसागरोपम सुवी. दो स नोसागरोपम तक. ranging from two to nine Sāgaropamas of time. क० प० १, ६५; मंगल. पुं० (—मङ्गल) समुद्र ना विधने दूर करनेवाले मंगल. समुद्र के वघका दूर करनेवाला मंगल. anything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea. पंचा० ८, ३७; —सरिस त्रि० (—सदृश) समुद्र-सागर सरिजुं; सागरोपम; दस कोड़ा कोड़ी पल्योपम प्रमाण काल विभाग. समुद्र के समान; सागरोपम; दस कोड़ा कोड़ी पल्योपम के प्रमाण काल विभाग. similar to an ocean; a division of time equal to 10 crore x 10 crore Palyopama. उत्त० ३३, १६;

उदधिकुमार. पुं० (उदधिकुमार) उदधि कुमारनामे भवनपति देवतानी अेक भूत. भवनपतिदेवों की उदधि-कुमार नामक जाति.

Name of a class of Bhavanapati deities. “ उदहि कुमाराणं सव्वे समाहारा ” भग० १६, १२; पञ्च० १; —आवास. पुं० (—आवास) उदधिकुमार देवताना रहैयाना स्थान-भवन. उदधिकुमार देवों के रहने का स्थान-भवन. the abode of Udadhikumāra class of gods. “ उदहि कुमारवास सवसहस्सा पयणत्ता ” सम०

उदधिकुमारी. स्त्री० (उदधिकुमारी) उदधिकुमार जनिताना भवनपतिनी देवी. उदधिकुमार जाति के भवनपति देवों की देवी. A female deity of the Udadhikumāra Bhavanapati class of gods. भग० ३, ७,

उदाह. पुं० (उदायिन्) कुंडिकायन गोत्रमां जन्मेव उदायी नामनो अकं भासुस डे ने गोशाला नो छंडा प्रौढपरिहार इतो. कुंडिकायन गोत्र में जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ प्रौढ परिहार था. Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Prōḍha Parihāra of Gośālā. भग० १५, १; (२) जालिङ्ग राजनो उदायि नामे अकं दायी. कौणिक राजा का उदायि नामक दायी. name of an elephant of a king named Konika. भग० ७, ६; १६, १; (३) डालिङ्गनो अकं पुत्र डे नेल्ले डालिङ्गना अवसान पळी पाटलिपुत्र नगर वसायी त्यां पोतानी राजधानी स्थापी; नेने उदायी नामना अभव्ये पोषामां भारी नाप्पये इतो; ने तीर्थकर नामकर्म उपाज्जन करी आवती येवीसीमां सुपाश्वर्नाने त्रीज्ज तीर्थकर थशे. कौणिक का एक पुत्र जिसने कि कौणिक का मृत्यु के

बाद पाटलिपुत्र नगर बसाया और वहाँ अपनी राजधानी स्थापित की: जिसे उदायी नामक अभव्यने पोषध—उपवास की अवस्था में मारडाला; जिसने तीर्थकर—नामकर्म का उपाज्जन किया और आगामी चौबीसी में सुपाश्वर् नामक तीसरा तीर्थकर होगा. name of a son of Konika. After Konika's death he founded the city of Pātali-putra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fasting-etc.). He will earn Tirthaṅkara Nāmkarma and be the third Tirthaṅkara named Supārśva in the coming Chovīsī (cycle). टा० १;

उदायजीव पु० (उदायिजीव) डालिङ्गना पुत्र उदायिसग्ननो अकं डे ने आवती येवीसीमां त्रीज्ज सुपाश्वर् नामना तीर्थकर थशे. कौणिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भाव चौबीसी में सुपाश्वर् नामके तीर्थकर होंगे. The soul of king Udāyi (the son of Konika) who will be the 3rd Tirthaṅkara by name Supārśva in the coming Chovīsī (i. e. cycle) प्रव० ४६४;

उदायण. पुं० (उदायन) सिंधुसैथीर देशना वीतिभय नगरना राज्ज डे नेल्ले दीकरने राज्ज न आपतां डेशी नामना लाल्लेज्जने राज्ज आपी मल्लवीर स्वामि पासे दीक्षा लीथी. सिंधुसैथीर देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र वं राज्य न देकर अपने केशी नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामीसे दांदा ली। Name of a king of the city of Vitibhaya of the country of Sindhusauvira. He, instead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Keśi and took Dikṣā from Mahāvīra Swāmī. उक्त० १८, ४८; भग० १३, ६; (२) कौशांबी

नगरी का राजा शतानीक के पुत्र. कौशांबी नगरी के राजा शतानीक का पुत्र. name of the son of Śatānika, king of the city of Kośambī. “तस्ससं शयाणीस्स पुत्तं मियादेवीए अत्तए उरायणे णामं कुमारे होत्था” भग० १२, २; विवा० १, २;

उदायि. पुं० (उदायिन्) कौशिक महाराजा के हाथी का नाम. Name of the elephant of king Kōpika. भग० १७, १;

उदार. त्रि० (उदार) उदारः प्रधानः श्रेष्ठ. उदारः प्रधानः मुख्यः श्रेष्ठ Generous; high; excellent; prominent. भग० २, १; ५; —मण. त्रि० (-मन्म) उदार चित्तवासी. उदार चित्त वाला. magnanimous; generous. मत० ३०;

उदारत्त. न० (उदारत्त) उदारपण्युः सत्यवचनो २२ वे अतिशय. उदारता; सत्यवचन का २२ वां अतिशय Generosity; nobility; the 22nd supernatural manifestation of truthfulness of speech. सम० टा० ३५;

उदारय. त्रि० (उदारक) उदारता प्राप्त (तपकर्म). उदारता पूर्ण (तपकर्म).

High, noble (ascetic Karma). नाया० १;

उदासीण. त्रि० (उदासीन) राग द्वेषरहित; शान्तः मध्यस्थ. राग द्वेष रहित; शान्तः मध्यस्थ; तटस्थ. Free from passion and hatred; dispassionate. neutral. आया० १, ६, ३, १६१; सूय० १, ४, १, १५;

उदाहृड. त्रि० (उदाहृत) कहेल; दर्शावेन. कथितः कहा हुआ; दिखाया हुआ. Said; pointed out; explained. सूय० २, ६, ६१;

उदाहरण न० (उदाहरण=उदाहरयते गृह्यते दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनेति) उदाहरण; दाम्पत्य. उदाहरणः दृष्टान्त. An illustration; an example. पि० नि० ११३; नाया० ३, पंचा० ७, १६;

उदाहरिय. त्रि० (उदाहृत) दाम्पत्य साथे कहेल. उदाहरण सादत कहा हुआ Explained, narrated with illustration नाया० ८;

उदाहिय. त्रि० (उदाहृत) ध्यान करेले; व्याख्यान करेले. कथन किया हुआ; कथित; व्याख्यान किया हुआ. Told; narrated; illustrated. “जामा निरिण उदाहिया” आया० १, ७, १, २००;

उदाहु. अ० (उताहो) वि३६५: अथवा. विकल्पः अथवा; या. Or; an alternative conjunction. भग० १, १; २. ५; ५, ७; ८, ८; १०; १५, १; १८, ८; नाया० ३; ७; १६; पञ्च० १०; विवा० ३;

उदिश्रोदिश्र. त्रि० (उदितोदित) आलोड अने परलोडने आशी उदय पामेडा नेम भरत महाराज. इहलोक और परलोक दोनों के लिये उदय पाया हुआ:—

जैसे कि भरत महाराज. Prosperous; rising both in this world and the next; e. g. king Bharata.

ठा० ४, ३; विभा० ३;

उदिरण. त्रि० (उदीर्ण) उदय पामेल.

उदय पाया हुआ. Come to rise;

risen; matured. पन्न० २०; २३;

नाया० १; भग० १, २; ३; ४; ७; २, ५;

५, ४; १०, १; नंदी० ८; —**कर्म.** त्रि०

(-कर्मन्) उदयभां आवेल छे कर्म जेना

ते. जिसके कर्म उदयमें आये हुए हैं वह.

(one) whose Karma has

matured. ठा० २, १; —**कामजात्र.**

त्रि० (-कामजात) जेने कामने काष्ठपक्ष

प्रकार-विकार उदयभां आवेल छे ते.

जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार-

विकार-उदय आया है वह (one)

whose passion has risen.

दसा० १०, ३; —**मोह.** त्रि० (-मोह)

उत्कट मोहना उदयवाले. तांत्र मोह का

उदय वाला. (one) whose in-

fatuation or delusion has

acutely risen. “ अणुत्तरोववाइयाणं

भंते देवा किं उदिरणमोहा ” भग० ५, ४;

उदित. त्रि० (उदित) उदय थयेल; ज्ञार

आवेल. उदित; उदय प्राप्त. Risen;

come to view. नाया० १;

उदिन्न. न० त्रि० (उदीर्ण) जुओ “उदिरण”

शब्द. देखो “उदिरण” शब्द. Vide

“उदिरण” क० प० १, ३२;

उदिय. पुं० (उदित) उदय पामेल; उगेज.

ऊगा हुआ सूर्य. The sun in its rise;

the sun risen above the hori-

zon. नाया० १;

उदीची. स्त्री० (उदीची) उत्तर दिशा. उत्तर

दिशा. The north. भग० ५, १;

उदीर्ण. पुं० न० (उदीचीन) उत्तर दिशा;

उत्तर विभाग. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग.

The north; the northern

region. सू० प० १; जं० प० ४, ७२;

४, १५०; ७, १५०; राय० १०२; नाया०

५; —**अभिमुख.** त्रि० (-अभिमुख)

उत्तर दिशाने स-मुख. उत्तर दिशाके सम्मुख.

facing the north. वव० १, ३७;

—**वाअ-य.** पुं० (-वात) उत्तर दिशाने

वायु. उत्तर दिशा का वायु. the north-

wind. ठा० ५, ३; ७, १; पन्न० १;

उदीर्णा. स्त्री० (उदीचीना) उत्तर दिशा.

उत्तर दिशा. The north. “ दो दिसाओ

कण्ण पाइणं चव उदीर्णं चव ” ठा० २;

राय० आया० १, ६, ५, १६४; जं० प०

उदीरग. त्रि० (उदीरक) उदीरणा करनार.

उदीरणा करनेवाला. (One) who

forces up (Karma) into matu-

riety. भग० १, १; ३५, १; क० प० ४, ४;

उदीरण. न० (उदीरण) उदीरणा करवी ते.

उदीरणा करना; गत बात को प्रगट करना.

Telling or exposing the past.

आव० १६; क० गं० २, १३;

उदीरणया. स्त्री० (उदीरणा) जुओ

“उदीरण” शब्द. देखो “उदीरण”

शब्द. Vide. “उदीरण” क० गं० २, १;

उदीरणा. स्त्री० (उदीरणा) जुओ “उदीरणा”

शब्द. देखो “उदीरणा” शब्द. Vide.

“उदीरणा” जं० प० भग० ३, १; ७, ६; क०

गं० २, २४; ४, ४; क० प० ४, १; ५,

४०; प्रव० ४६;

उदीरय. त्रि० (उदीरक) जुओ “उदीरग”

शब्द. देखो “उदीरग” शब्द. Vide “उदी-

रग” भग० २५, ६;

उदीरिय. त्रि० (उदीरित) जुओ “उदीरिय”

शब्द. देखो “उदीरिय” शब्द. Vide

“उद्-ईरि” आया० १, ६, ३, १६२; पञ्च० २३; राय० १२८; भग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उदीरि(रे)सार. त्रि० (उदीरयितृ)
उद्देरना२; प्रेरणा करना२. प्रेरणा करनेवाला.
One who prompts or forces
up (e. g. Karma) into matu-
rity. सम० २०; दसा० १, १४;

उदु. पुं० (ऋतु) ऋतु; मोसम. ऋतु; मोसम.
A season नाया० १;

उदुम्बर. न० (उदुम्बर) ओ नामतुं रिपाक
सूत्रतुं आहंभुं अध्ययन. इस नामका विपाक
सूत्रका आठवाँ अध्याय१. Name of the
8th chapter of Vipāka Sūtra.
ठा० १०, १;

उदुम्बरिज्जिया. खा० (औदुम्बरिका) उद्देह
गण्थी निकलेख ओक शाखा. उद्देह गणसे
निकली हुई एक शाखा. An offshoot
of Uddelagana. कप्प० ८;

उदुम्भेय. पुं० (उदकोद्भेद) गीरी-पर्वत तट
आदिमांथी पाणीज निकलतुं. पर्वत, तट
आदिसे जलका निकलना. A spring of
water from a mountain etc.
भग० ३, ७;

उदुहल. पुं० (उदुखल) आंसुली; उभय.
ओखला. A mortar. आया० २, १, ७,
३७; विशे० १०३०;

✓ उद्-अय. धा० I. (उत्+अय्) उद्य
थवे; उगयुं. उदय होना; ऊगना. To
rise; to come to rise.

उदयंति. नाया० ५;

उदयंत. व० कृ० भग० १, ५; ६;

✓ उद्-आ-हर. धा० I. (उत्+आ+ह)
कहेयुं; प्रतिपादन करयुं; हाथला सहित
वर्णन करयुं. कहना; प्रतिपादन करना;

v. II./29

उदाहरण सहित वर्णन करना. To tell;
to explain; to illustrate.

उदाहरे. वि० उत्त० ११, ४;

उदाहरे. वि० उत्त० २, १; सूय० १, २,
२, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि० उत्त० २, १; दस०
८, १;

उदाहु. उत्त० ६, १८; नाया० ८;

✓ उद्-इ. धा० II. (उत्+इ) उद्यथवे;
उगयुं. उदय होना; ऊगना. To rise;
to come to rise.

उदेइ. जीवा० ३, २;

✓ उद्-ईर. धा० I, II. (उत्+ईर्)
उदीरणा करयी; परिपाकना समय पहले
कर्मने आकर्षी उद्यमां लाववां ते. उदीरणा
करना; परिपाक के समय के पहिले कर्म को
आकर्षित करके उद्यममें लाना. To cause
to mature (e. g. Karma) be-
fore the ripe time; to force up
Karma into maturity.

उदीरइ. राय० २६७; भग० ३, ३; क० प०
५, ५४;

उदीरइ. उत्त० १७, १२; भग० ७, १; २५,
१; ६; ७; ठा० २, ४; निसी० ४,
२३;

उदीरंति. भग० ५, २; पञ्च० १४; गच्छा०
६८;

उदीरंति. भग० १८, १०; नाया० ५;

उदीरिस्संति. पञ्च० १४;

उदीरंस्सु. भू० का० पञ्च० १४;

उदीरिज्जा. वि० भत्त० १५६;

उदीरित्तप्. हे० कृ० वेय० ६, १;

उदीरेमाण. भग० २५, ६; अंत० ३, ८;

उदीरिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १,
१; ६, ३३;

✓ उद्-कस. धा० I. (उत् + कृष्) उद्ये
भ्येयुं. ऊंचा खेंचना. To draw up.
(२) उत्कर्षं करेवो. उत्कर्ष करना. to
flourish; to prosper.
उक्कोसइ. सू० प० १;
उकसिस्सामि. आया० १, ६; ३, १८५;
उकसावेइ. प्रे० निंसी० १८, ६; ७; ८;

✓ उद्-कीर. धा० I. (उत् + कृ) कौतरयुं;
ओयुं. कुतरना; छीलना. To carve; to
scratch off.
उक्कीरइ. क० प० २, ६२;
उक्कीरसि. अणुजो० १४६;
उक्कीरमाण. "तंच केइ उक्कीरमाणं पासित्ता"
अणुजो० १४८;
उक्कीरिजमाण. क० वा० व० कृ० जं० प०
राय० ५६; जीवा० ३, ४;

✓ उद्-कुद्. धा० I. (उत् + कृद्) कुदयुं.
कूदना. To leap; to jump.
उक्कुद्इ. उत्त० २७, ४;

✓ उद्-खण. धा० I. (उत् + खन्) ओयुं;
ओयुं. खोदना. उखाडना. To dig; to
dig out; to excavate.
उक्खणइ. सु० च० १२, ५८;

✓ उद्-क्खिप्प. धा० I, II. (उत् + छिप्)
ओयुं. ऊंचा फेंकना. To throw
high; to toss.
उक्खिप्प. सं० कृ० आया० २, २, ३;
उक्खिप्पित्तु. सं० कृ० " उक्खिप्पित्तु न
निक्खिप्पे " दम० ५, १, ८५;
उक्खिप्पमाण. व० कृ० भग० १६, १;
उक्खिप्पमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ६;

✓ उद्-गच्छ. धा० I. (उद् + गम्) उद्ये

यामयुं; उद्येयुं. ऊगना; उदय होना. To
rise.

उग्गच्छंति. सू० प० ८;

उग्गच्छं. सं० कृ० भग० ५, १;

✓ उद्-गम. धा० I. (उत् + गम्) उद्येयुं;
सुयनेो उदय थवेो. ऊगना; सूर्य का उदय
होना. To rise.

उग्गमंत. व० कृ० सु० च० २, १०५;

उग्गममाण. व० कृ० पञ्च० १;

✓ उद्-गलच्छ. धा० II. (*) लोयुं;
उधययुं. ढक्कन खुलवाना. To get a
lid or cover opened

उग्गलच्छावेमि. प्रे० राय० २२४;

✓ उद्-गाह. धा० I, II. (अव + गाह्)
अवगाहयुं; प्रवेश करेवो; अंदर
अवगाहन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना;
अंदर जाना. To enter; to penetrate;
to pervade.

उग्गाहेइ. भग० २, ५; ११, ६; १६, ६;

नाया० ६; विवा० ७;

उग्गाहइ. सू० प० १;

उग्गाहिंति. नाया० २;

उग्गाहेज्जा. वि० भग० ३, ३; ५, ७;

उग्गाहेह. आ० नाया० ८; ६;

उग्गाहिंता. सं० कृ० भग० २, ८; ४, ४;

६, ५; ६, ३; १३, ४; १६, ६;

१८, ३; २०, २;

उग्गाहेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उग्गाहित्तु. हे० कृ० नाया० ६;

उग्गाहेमाण. व० कृ० भग० १६, ६;

✓ उद्-गिरह. धा० I, II. (अव + ग्रह्)
आज्ञा लेवी; २०५ भागवी. आज्ञा लेना;
छुट्टी मांगना. To ask permission.

(२) ग्रहण करवुं; धारी राखवुं. ग्रहण करना; धार रखना. To take in; to retain.

उगिगहह नाया० १; दसा० ४, ४१;

उगिगहहामि. भग० १५, १;

उगिगहहता नाया० १; २; ५; १३; १४;

भग० २, ५; ओव० २७;

उगिगहहतप. दसा० ७, १; ८, वव० ८, १०; नाया० ध० दसा० ४,

६०; वेय० ३, ३१;

✓ उद्-गीर. धा० I. (उद्+गृ) ओगाववुं; वागाववुं. उगल जाना; जुगला करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do

उगीरसि. सु० च० १४, ३६;

✓ उद्-गोव. धा० I, II. (उद्+गृप्) उकेलवुं; गुंय कडापी. सुलभाना; उकेलना. To decipher.

उगोवेई भग० १६, ६;

उगोवेमाण भग० १६, ६;

✓ उद्-घात. धा० I, II. (उद्+हन्+णि) हवुं; क्षय करवे; नाश करवे; अपाववुं; दुई करवुं. मारना; हनन करना; नाश करना; क्षय करना. To kill; to destroy. उग्धाग्रह. उत्त० २६, ६.

✓ उद्-घोस. धा० II. (उद्+घुष्) उद्घोषणा करवी. उद्घोषणा करना; प्रगट करना. To proclaim. (२) मांजवुं; साफ करवुं. मांजना; साफ करना. to rub; to cleanse.

उग्घेसेह. नाया० १६;

उग्घेसेता. विवा० १;

उग्घेसेमाण. नाया० १; ५; १३; १५; १६;

१८; विवा० १; जं० पं० ५, १२३;

राय० ३७; भग० ३, १; १५, १;

उग्घेसमाण भग० ३, १; १५, १;

उग्घोसावेह. प्रे० सु० च० २, ३०८;

उग्घोसिजंत. क० वा० व० कृ० विवा० ८;

उग्घोसिजमाण. विवा० १;

✓ उद्-चर. धा० I. (उद्+चर) उच्चार करवे; ओलवुं. उच्चारण करना; बोलना. To pronounce; to utter.

उच्चारेह. प्रे० नाया० १;

उच्चारमाण. नाया० १; भग० ११, ११;

✓ उद्-चल. धा० I, II. (उद्+चल्+णिच्) चालना करवी; पाणीने उछालवुं. चालना करना; पानी को उछालना. To cause to move; to throw up water.

उचालेंति. प्रे० नाया० ४;

उद्-चिण. धा० I. (उद्+चि) पिणवुं; भंगा करवुं. बीनना; एकत्रित करना. To pick up; to collect.

उचिणह. ओघ० दि० भा० २६६.

उचिणिउं. सं० कृ० सु० च० ७, ११;

उचिता. वव० ६, ४४;

✓ उद्-च्छल. धा० II. (उद्+च्छल्) उच्छलवुं. उच्छलना. To leap; to jump.

उच्छलेंति. जीवा० ३, ४;

उच्छलिउं. सं० कृ० सु० च० ६, २६;

उच्छलंत व० कृ० ओव० २१; क० प० ३, ४३;

✓ उद्-च्छिद. धा० I, II. (उद्+च्छिन्द्) नाश करवे. नाश करना. To destroy.

उच्छिदसु. आ० सु० च० २, ६०७;

उच्छिदिउं. पं० १३, १२;

✓ उद्-क्षुभ. धा० I. (उद्+क्षुम्) क्षोभ पमावो. क्षोभ पाना. To become distracted or agitated.

उच्छुभह. राय० २७६;

उच्छुभिता. नाया० १;

✓ उद्-च्छील. धा० II. (उद्+च्छल्) पाणी-थी धोवुं; पाणी उछालवुं पानी से धोना;

पानी उछालना. To wash with water;
to throw up water.

उच्छोलेति. वि० राय० १८३, भग० ३, २;
उच्छोलेज्ज. आया० २, १, ६, ३३; निसी०
१, ७; २, २१;

उच्छोलेत्ता. सं० कृ० अ० आया० २, ५,
१, १४६; भग० ३, २;

उच्छोलेत्तए. हे० कृ० दसा० ७, १;

उच्छोलेत. व० कृ० निसी० १, ७;

उच्छोलेति. गच्छा० १२२;

✓ उद्-जम्. धा० I, II. (उत्+यम्) उद्यम
करवे; प्रयत्न करवे। उद्यम करना; प्रयत्न
करना. To work; to be industri-
ous; to make an effort.

उज्जमंति. नाया० ५;

उज्जमेड. आ० सु० च० १, २८०;

उज्जमेतु. सु० च० १, ६८;

उज्जमिस्सं. प्रव० ७८६;

उज्जमेत. व० कृ० पराह० १, ३;

उज्जममाण. व० कृ० सूय० नि० १, १३,
१२६;

✓ उद्-जा. धा० I. (उत्+या) उपर जायुं.
ऊपर जाना. To go up; to mount.
उदाह. भग० ३, ३;
उदाइत. नाया० १;

✓ उद्-जोय. धा० I, II. (उत्+युत्)
प्रकाश करवे; उद्योत करवे। प्रकाश करना;
उद्योत करना. To light up; to
brighten.

उज्जोएह. प्रे० भग० १, ६;

उज्जोवेह. प्रे० राय० १२०;

उज्जोवेति. भग० ७, १०; ८, ८; जं०
प० ७, १४१; ७, १३७;

उज्जोवेमाण. भग० २, ५; ३, १; २;
ओव० २२; उवा० २, ११२;

उज्जोपमाण. जीवा० ३; ठा० ८; ओव०

उज्जोयंत. सु० च० २, २; ३, १८६;
नाया० १;

✓ उद्-ज्जल. धा० I. (उत्+ज्जल्)
झलझल; झलझल करवे। झलझलना; चिल-
कना. To shine; to sparkle.

उज्जलह. भग० १६, १;

उज्जलंत. राय० ८०;

उज्जालेह. प्रे० भग० ७, १०; ११, ६;

उज्जालेंति. जं० प० २, ३३;

उज्जालेज्जा. दस० ४;

उज्जालेह आ० जं० प० २, ३३;

उज्जालावेज्जा. णि० दस० ४;

उज्जालेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उज्जालिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

उज्जालित्तए. हे० कृ० आया० १, ७,
३, २१०;

✓ उद्-द्वा. धा० I, II. (उत्+द्वा) उभा
थयुं, उभायुं. खड़े होना; उठना. To get
up; to stand.

उद्वेहति. नाया० १; ५; ६; १६; भग०
१, १, ३, १; १२; १; राय० ७५;
उवा० ७, १६३;

उद्वेति. भग० ८, १;

उद्वेमो. सूय० २, ७, १५;

उद्विहिति. भ० सू० च० ६, ५०;

उद्विहिसि. भ० पि० नि० भा० ३६;

उद्वित्ता. सं० कृ० उत्त० २, २१; भग० १,
१; नाया० १; ठा० ३, ३;

उद्वेत्ता. नाया० १; १६; भग० ३, १; ६,
३३; १०, ४; १५, १;

उद्विऊण. सं० कृ० सु० च० २, ५३;

उद्व्वाए. सं० कृ० वव० ३, २; नाया०
१; ६; १६; १६; भग० १,
१; २, १; ३, १; ६, ३३; १५,
१; आया० १, ८, ६, २२१;
सूय० १, १०, ७;

उद्धृत. व० कृ० पि० नि० २८६;

उद्धृत. व० कृ० प्रव० १५८;

उद्धृतमात्र. भक्त० ८५;

उद्धावित्तप. प्रे० हे० कृ० वव० ७, ६;

✓ उद्-दुह. धा० I (उत्+दुह्) थुं० थुं०.
थुं०नी पियकारी नाथपी. थूकना; थूक की
पिचकारी डालना. To spit; to eject
saliva from the mouth.

उद्धृति. भग० ३, १;

उद्धृति. भग० १५, १;

✓ उद्-डा. धा० I. (उत्+दा) पाश
रथनुं. पाष-जाल-रचना. To make a
net or a snare; to prepare a
snare.

उद्धाह. १, ८;

✓ उद्-तर. धा० I, II. (उत्+तृ) पार
उतरनुं; पार उतरीने सामे ओं० ७४थुं.
पार उतरना; पार होकर पहली पार
जाना. To cross; to go to the
opposite shore.

उत्तरह. नाया० १३;

उत्तरेह. नाया० ६;

उत्तरिति. नाया० ४; १६; १७;

उत्तरेह. आ० नाया० १६;

उत्तरह. आ० नाया० १६;

उत्तरित्ता. उत्त० ३२, १८; नाया० १३;

उत्तरित्तप. हे० कृ० टा० ५, २; श्रव० ४०;

वेय० ४, २८; नाया० १६;

उत्तरितं-त्त. सु० च० १, १७३; जं० प०

नाया० १६;

उत्तरत्त. व० कृ० सं० ५६;

उत्तरेत्ता. प्रे० नाया० १७;

उत्तरेमात्र. प्रे० व० कृ० टा० ५;

उत्तरेह. प्रे० नाया० २; १७;

✓ उद्-दाल. धा० II. (उत्+दाल्)
प्रहार मारना. To strike

blows. (२) याभडी उतारवी. चमडी उता-
रना. to flay. (३) नीचे पाडनुं.
नीचे गिराना. to throw down.

उद्दालित्ता. सं० कृ० सूय० २, २, १८;
दसा० ६, ४;

उद्दालेउं. सं० कृ० मु० च० १४, ४५;

✓ उद्-दिस. धा० I. (उत्+दिश्)
अमुक अध्ययननुं पाठ कर ओवी रीते
शिष्यने गुश्ने आदेश 'थवे'. गुक्का
'अमुक अध्ययन का पाठ कर' इस
प्रकार शिष्यको आदेश होना. To order
a disciple to study a parti-
cular scriptural chapter.

उद्दिभह. निसा० २, ६;

उद्दिमामि विशेष० ३४१२;

उद्दिसित्तप. वव० २, १४, ३, ३४; ७,
८; टा० २, १;

उद्दिस्स. सं० कृ० निसा० १४, ५; पञ्च०
१६; आया० २, २, २, ८०;

उद्दिमिय. सं० कृ० निसा० १४, २;

उद्देहुं. सं० कृ० विशेष० १४८६.

उद्दिमिज्जति. क० वा० भग० ४२, १;
अणुजो० २;

उद्दिसावित्ता. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०;
११; वेय० ४, २१;

✓ उद्-द्व. धा० I, II. (उत्+द्रु) उपद्रव
करना; मारना. To
attack; to beat; to trouble.

उद्द्व. आया० १, १, २, १६;

उद्द्वति. पञ्च० ३६;

उद्द्वह. १८, ८;

उद्द्वेहति. भग० १५, १;

उद्द्वेत्ता. सूय० २, २, ६; भग० ८, ५;

उद्द्वित्तप. जं० प०

उद्द्वेमात्र. भग० १८, ८;

उद्-विजमाणा. क० वा० व० कृ० सूय०
२, १, ४८; २, ४, ११;

✓ उद्-हा. धा० I. (उत्+द्वा) भरतुं.
मरना. To die.

उद्-हाइ. भग० १, १; २, १; विवा० १;

उद्-हायंति. आया० १, १, ४, ३७;

उद्-हाइता. सं० कृ० भग० २, १, १५, १;

जं० प० ६, १२४; ठा० १०;

उद्-हाय. सं० कृ० भग० ५, २; जीवा० ३;

उद्-हावेत्ता. प्रे० सं० कृ० राय० २८२;

✓ उद्-खंस. धा० II. (उत्+ध्वंस्)
वधोडी वधोडी तिरस्कार करवो. किसीकी
तुच्छता बतला बतला कर तिरस्कार
करना. To dispraise a person
and show contempt towards
him.

उद्-खंसेह. भग० १५, १; नाया० १८;

उद्-खंसेति. नाया० १६;

उद्-खंसेता. भग० १५, १;

उद्-खंसित्त्प. हे० कृ० राय० २६६.

✓ उद्-नम. धा० I. (उत्+नम्) उभा थपुं;
भस्तक उठ्युं करवुं. खडे होना; मस्तक
ऊंचा करना. To stand up; to
raise the head.

उत्थममति. राय० ८६;

उत्थममिय. सं० कृ० आया० २, १, ५, ३२;

✓ उद्-नि-खिखव. धा० I, II. (उत्+नि+
खिप्) उये थैथी लेवुं; उयेथुं. उखाडना;
ऊपर खेच लेना. To root out; to
draw up; to pull out.

उन्निखिखसामि. सूय० २, १, ६;

✓ उद्-पज्ज. धा० I. (उत्+पद्) उत्पन्न
थपुं; पैदा थपुं. उत्पन्न होना; पैदा होना.
To be born; to be produced.

उत्पज्जह. उत्त० १७, २; विशेष० ७०; ४१४;

प्रव० १११५;

उत्पज्जप. सूय० १, १, १, १६;

उत्पज्जन्ति. सूय० १, १, ३, १६;

उत्पज्जन्ति नाया० १६, भग० ५, ६;

उत्पज्जन्तु. परह० १, २;

उत्पज्जिस्सन्ति. भ० भग० ५, ६; नाया० १६;

उत्पज्जिस्सं. भ० सु० च० १, २२३०;

उत्पज्जिसु भू० नाया० १६; भग० ५, ६;

उत्पज्जित्ता. सं० कृ० भग० ५, ६;

उत्पज्जमाणा. भग० ३४, १;

✓ उद्-ज्ज. धा० I. (उत्+पद्+जिञ्) उत्पन्न
करवुं; पैदा करवुं. उत्पन्न करना; पैदा करना.
To create; to produce.

उत्पायह. भग० ८, ३;

उत्पाए-ह-ति. प्रे० नाया० ५; भग० १४,

८; निसी० ४, २२; ६, १०;

उत्पायेंति. जं० प० २, २४; भग० ११, १०;

उत्पाएज्जा. विधि० भग० ५, ४;

उत्पाएत्ता. जीवा० १;

उत्पाएत्तए. नाया० ४; भग० १५, १;

उत्पाइत्ता. ठा० ४, ७;

उत्पाइय. क० प० २, २६;

उत्पायंत. व० कृ० निसी० ४, २२;

✓ उद्-पड. धा० I. (उत्+पत्) उये थपुं.
ऊंचा कूदना. To jump. (२) उये उड्युं.
ऊंचा उडना. to jump high.

उत्पडह. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उत्पडयह. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उत्पडयन्ति. जीवा० ३; भग० ३, १; राख०

१८३, जं० प० ५, १२१;

उत्पडज्जा. वि० भग० ३, ५; १३, ६;

उत्पडयाहि. आ० सूय० २, १, १०;

उत्पडइत्ता. सं० कृ० पञ्च० २; नाया० १; ६;

६; भग० ३, २; ६, ५; जं० प०

१, १२;

उत्पडइतं. सं० कृ० सु० च० २, ३११;

उप्पयन्त. व० कृ० आया० २, १५, १७६;
कप्प० ५, ६६;

उप्पयमाण. व० कृ० नाया० १, ६; कप्प०
२, २६;

उप्पाडन्ति. प्रे० ओव० ११; सु० च० २,
५६६;

उप्पाडे (डिं) ति. प्रे० कप्प० ५, ११५;

उप्पाडेजा. वि० ठा० २, १; भग० ६, ३१;
पज्ज० २०;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० पज्ज० २८;

✓ उद्-पिल. धा० I. (उत्+प्लु+णि) उप-
लुपुं. उठवाना. To cause to lift
up.

उप्पिलावेइ. प्रे० निसी० १८, ६;

उप्पिलावण्. “ वियडेणुप्पिलावण् ” दग०
६, ६२;

✓ उद्-पाड. धा० II. (उत्+पट्+णि)
उपाडुं. उठाना; उठानेना. To take up;
to lift up.

उप्पाडेइ. नाया० ५; भग० १५, १; १६, ३;

उप्पाडे. आ० पगह० १, १;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; भग० १५, १;

उप्पाडिउं. हे० कृ० सु० च० २, ६६५;

उप्पाडेमाण. भग० १६, ६,

✓ उद्-फण. धा० I. (उत्+फण्) उड-
णुपुं. उफनना. To whisk.

उप्फणिसु. आया० २, १, ६, ३४.

✓ उद्-फिड. धा० I. (उत्+स्फुट्) डे-
डानी आले आडुं; डुडडा भारवा मेंडक
की चालसे चलना; उड्डल कर चलना. To
bound or leap; to move bound-
ing like a frog.

उप्फिडइ. उत्त० २७, ५;

उप्फिडित्ता. नाया० ८; पज्ज० १६;

उप्फिडिउं. सं० कृ० सु० च० ५, १०६;

✓ उद्-बाह. धा० I. (उत्+बाध्) प्रयत्न
पीडा करवी. प्रबल पीडा करना. To
give great trouble; to cause
intense affliction.

उब्बाहंति. आया० १, ७, ३, २१०;

उब्बाहिजा. विधि० दसा० ७, १;

उब्बाहे. वि० दस० ७, १;

उब्बाहित्था. भू० नाया० २;

उब्बाहिजमाण. क० वा० ष० कृ० नाया०
२; आया० १, ६, ४, १५६;

✓ उद्-भम. धा० II. (उत्+भ्रम्) भटडुं;
भभुं. भटकना. To wander; to
roam.

उडभमंति. नाया० १७;

उडभमे. विधि० आया० १; ८, ७, १०;

✓ उद्-भिन्द. धा० I. (उत्+भिद्)
उभाडुं; तोडुं. खोलना; तोडना. To
open; to break open; to break.

उडिभदइ. नाया० ७;

उडिभदित्ता. सं० कृ० नाया० ७;

उडिभदिय. सं० कृ० निमी० १७, २३;
दस० ५, १, ४६;

उडिभदमाण. आया० २, १, ७, ३८;

✓ उद्-मा. धा० I. (उत्+मा) उ-मान
करुं; तोलुं तोलना; मापना. To
weigh; to measure.

उम्मिणिज्जइ. क० वा० अणुजो० १३३;

✓ उद्-मिस. धा० I. (उत्+मिप्) आंभ
उभाडुं. आंख खोलना To open the
eyes.

उम्मिसेज्जा. वि० भग० १४, १; १०;

✓ उद्-मुंच. धा० I, II. (उत्+मुच्)
ओडुं; तोडुं; मुडुं. छोडना; त्यागना.
To abandon; to release; to
give up.

उड्मुयइ. भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

उम्मुच्च. आ० आया० १, ३, २, १११;

उम्मुहत्ता. नाया० ध० क० भग० ६, ३३;
१५, १; १६, ५;

✓ उद्-मूल. धा० II. (उत्+मूल) ७४-
मूलमांथी उभडेयुं. जड़ मूल से उखाड़ना.
To root out; to eradicate.

उम्मुलेह. भग० १६, ६;

उम्मुलेमाण. भग० १६, ६;

✓ उद्-लंघ. धा० I. (उत्+लंघ) ओलंघयुं;
३६युं. उलौघना; कूदना. To cross; to
leap across.

उलंघिज्ज. वि० पल० ३६;

उलंघिआ. सं० कृ० दस० ६, १, २२;

उलंघित्तप्. हे० कृ० भग० ३, ४; १४, ५;

✓ उद्-लच्छ. धा० I. (उत्+लच्छ)
ओल्युं; उधाउयुं; शीत तोडयुं. खोलना;
उघाड़ना; मोहर तोड़ना. To open; to
uncover; to break the seal.

उल्लच्छह. नाया० २;

उल्लच्छित्ता. नाया० २;

✓ उद्-लल. धा० I. (उत्+लल) उल्ल-
ल्युं; उल्ललना. To toss; to throw
up.

उल्ललेह. प्रे० जं० प० ५, ११५;

उल्ललेमाण. प्रे० जं० प० ५, ११५;
अंत० ६, ३; राय० ३७;

✓ उद्-लव. धा० I, II. (उत्+लव) प्रलाप
करवा; गमेतेम ओल्युं; असंबद्ध ओल्युं;
प्रलाप करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा
रहित बोलना. To prattle; to
speak irrelevantly.

उल्लवह. उत्त० ११, २;

उल्लवन्ति. गच्छा० ६२;

उल्लवह. आ० सु० च० २, ४४४;

✓ उद्-लिच. धा० I. (*) उलेययुं.
उलीचना. To empty a vessel etc.
of the water contained in it; to
take out water in small quan-
tities until a vessel is empty.

उल्लिचह. पि० नि० ३६६;

✓ उद्-लोल. धा० II. (उत्+लोल)
लुंल्युं; उ-मर्दन करयुं. पोछना; मलना.
To wipe; to rub; to knead.

उल्लोलेह. आया० २, १५, १७६;

उल्लोलेज्ज. वि० निसी० ३, १६;

उल्लोलेज्जं. आया० २, १, ३, १७२;

✓ उद्-वत्त. धा० I, II. (उत्+वृत्) उद-
र्तन करयुं; अवली रूपाडीये मर्दन
करयुं. उलटे हड्डी की ओरसे मर्दन करना. To
rub the body against the grain.
(२) अध्यवसाय विशेषथी कर्मनी दुंदी
स्थितीने लांभी करवी. अध्यवसाय विशेषसे
कर्मकी अल्प स्थिति को लंबा करना. to
lengthen the duration of
Karma by means of sinful
meditation. (३) नरकादि गतिमांथी
निकली भील गतिमां ७युं नरकादि गति
से निकलकर अन्य गति में जाना. to take
birth in another life after finish-
ing the life-period in hell.

उव्वत्तेह. नाया० २; प्रव० १५८;

उव्वट्टेह. निसी० १, ६; नाया० ४;

उव्वट्टेति.

उव्वट्टंति भग० १, १; १३, १; २०,
१०; ३२, १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उद्वत्तस्ति. प्रव० ६३८;

उद्वहेज्ज. निसी० ३, १६;

उद्वह्विस्संति. भग० १; १;

उद्वह्विसु. भू० भग० १, १;

उद्वह्वित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; नाया०

२; १६; १६; उत्त० ८, १५;

भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १५,

१; १६, ३; ३२, १; नाया०

ध० विवा० १; ७;

उद्वहेत्ता. सं० कृ० जीवा० १;

उद्वत्तत्ते. व० कृ० पिं० नि० ५७६;

उद्वह्वत्त. व० कृ० निसी० १, १६; प्रव०

११८७;

उद्वह्वमाण. व० कृ० भग० १, ७;

उद्वत्तमाण. व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;

उद्वह्वेह. प्रे० विवा० ६;

उद्वत्तिजमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ३;

✓ उद्-वम. धा० I. (उत्+वम्) उलटी
करना. उलटी करना; कै करना. To vomit.

उद्वमह. सु० च० २, ५३६;

✓ उद्-वल. धा० I. (उत्+वल्) उलटी
रूपादीये पीपी योणयी ते. उलटे हँका
आरसे पीठा मसलना. To rub a per-
fumed ointment on the body
against the grain.

उद्वलजा. विधि० आया० २, ११३, १७२;

उद्वलमाण. क० प० ७, ४०;

✓ उद्-वह. धा० I, II. (उत्+वह्)
निर्वाह करेवा; आयाह थपुं. निर्वाह करना;
खुश हाल होना; आबाद हँना. To sus-
tain; to support; to prosper.

उद्वहह. सम० ३०; दसा० ६, १३; सु०

च० १, ३०;

उद्वह्वेति. जं० प० ५, ११४;

उद्वह्वत्त. सु० च० १, १८३;

✓ उद्-वेह. धा० II. (उत्+वेप्) पीटा-

v. II./30

णपुं. लपेटना. The act of enclosing
or enwrapping.

उद्वेदिज्ज. आया० २, ३, २, १२१;

✓ उद्-विवह. धा० I. (उत्+विष्) धक्ष-
ह्युं उये ईक्षुं. ध्यान पूर्वक ऊँचा फेंकना.
To throw up or toss up care-
fully.

उद्विवह्व-ति. नाया० ६, भग० ५, ६;

१८, ३; उवा० २, १०५;

उद्विवह्वन्ति भग० १६, १;

उद्विवह्वामि. नाया० ८; उवा० २, १०१;

उद्विवह्वित्ता. सं० कृ० भग० १८, ३;

उद्विवह्विय. सं० कृ० पञ्च० १६; भग०

१३, ६;

उद्विवह्वमाण. भग० १२, १;

✓ उद्-सक्क. धा० I, II. (उत्+स्वक्)
आगल पधपुं. आगे बढ़ना. To proceed;
(२) उयुं इरपुं. ऊँचा करना. to
elevate.

उत्सकह. पञ्च० १७;

उत्सकित्ता. सं० कृ० ठा० ६, १;

उत्सकिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

✓ उद्-सप्प. धा० I. (उत्+स्प्) वृद्धि
पामपी. वृद्धि पाना; बढ़ना. To grow;
to prosper.

उत्सप्पन्ति. वेय० १, ४६;

✓ उद्-सव. धा० I, II. (उत्+स्व) उयुं
ईक्षुं; उयक्षुं; उये इरपुं; ऊँचा फेंकना;
उचकना; ऊँचा करना. To lift up;
to toss up.

उत्सवेह. भग० ३, २;

उत्सवेह. कप्प० ६;

उत्सवेह. भग० ११, ११;

उत्सवेत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११;

उत्सविय. सं० कृ० सूय० २, २, ८;

उत्सवित्ता. दस० २, १, ६७;

✓ उद्-सिच. धा० II. (उत् + सिच्)

उत्तेयतुं; पाणी अहार कृत्तुं. उल्लेचना;
पानी बाहर निकालना. To draw out
water; to take out water.

उत्सिचद्. निरु० १८, ८;

उत्सिचज्जा. भग० ३, ३;

उत्सिचिया. दस० ५, १, ६७;

उत्सिचमाण. आया० २, १, ६, ३६;

✓ उद्-स्सस. धा० I. (उत् + श्चस्) श्वास

लेवो. श्वास लेना. To breathe; to
take breath.

उससंति. पत्त० ७; भग० ६, ३४;

उससमाण. भग० ६, ३४;

✓ उद्-हर. धा० I, II. (उत् + ह) उद्घातुं;

उत्तेयतुं. निकालना; उखाड़ना. To aban-
don; to take out; to uproot.

उद्धरोसि. नाया० १;

उद्धरिमा. मच्छा० १;

उद्धरे. विधि० सूय० १, ८, १३;

उद्धरिउं. पंचा० १६;

उद्धरित्ता. उत्त० २३, ४६;

उद्धरंत. चउ० १६;

उद्. पुं० (उद्) सिंध देशमें अती उद्गा गत-

नी भाण्डलीना व्यामडीती अनावटनुं वस्त्र.

सिंध देश में होने वाली उद्गा जाति की

मछली के चमड़े का अनावट का वस्त्र. A

cloth made of the skin of a

kind of fish produced in Sindh.

आया० २, ५, १, १४५;

उद्दंडक. पुं० (उद्दण्डक) अश्वि दण्ड डरी

यादें ते; तापसवी अश्व गत. दंड को ऊंचा

करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति.

One of a class of ascetics

walking with a stick raised up.

श्रौव० ३८;

उद्दंडग. पुं० (उद्दण्डक) अश्वि " उद्दंडक "

शब्द. देखो " उद्दंडक " शब्द. Vide

" उद्दंडक " निर० ३, ३; भग० ११, ६;

उद्दंडपुर. पुं० (उद्दण्डपुर) उद्दंडपुर नामनुं

अश्व नगर. उद्दंडपुर नामक एक नगर.

Name of a city. भग० १५, १;

उद्दंस. पुं० (उद्दंश) उद्दंश; अश्व गतनी

तेजस्वि ७५. दामक; एक प्रकार का तेजस्वि

जीव. A kind of three-sensed

living being; a moth. (२) भाण्ड.

खटमल. a bug. " कंधुपिपिलि उद्दंस "

उत्त० ३६, १३६; कण्ठ० ६, ४६; — अंड.

पुं० (- अण्ड) मधुमाष अथवा भाण्डनुं

अंडा. मधुमाखी या खटमल का अंडा. an

egg of a bee or a bug. कण्ठ० ६,

४६;

उद्दंसगा. स्त्री० (उद्दंशका) अश्वि " उद्दंस "

शब्द. देखो " उद्दंस " शब्द. Vide

" उद्दंस. " पत्त० १;

उद्दंड. पुं० (उद्दण्ड) रत्नप्रभा पृथ्वीना

सीमन्तकप्रभ नामे पूर्व तरङ्गना आवर्तिका-

अंध नरकावासार्थी २० भा नरकावासार्थी

नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक

पूर्व की ओर के आवर्तिकावन्ध नरकावास के

२० वें नरकावास का नाम. Name of

the 20th hell-abode in a

series of such in the east

(styled Simantaka Prabha)

belonging to the Ratna-Pr-

abha earth डा० ५; ६, १;

उद्दमज्जिम. पुं० (उद्दममध्यम) रत्न-

प्रभा पृथ्वीना सीमन्तकप्रभ नामे उत्तर

आवर्तिकाअंध नरकावासार्थी २० भा नरका-

वासार्थी नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ

नामक आवर्तिकावन्ध नरकावास से २० वें

नरकावास का नाम. Name of the

20th hell-abode in the northern series of such (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth. टा० ६, १;

उद्भाषित. पुं० (उद्भाषित) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आवलिक्वाब्ध नरकावासस्थी २० भो नरकावासो. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम का ओर के आवलिकाब्ध नरकावास से २० वे नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Āvarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth. टा० ६, १;

उद्भाषासट्ट. पुं० (उद्भाषासट्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तकावर्त नामे पश्चिम आवलिक्वाब्ध नरकावासस्थी २० भो नरकावासो. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम का ओर के आवलिकाब्ध नरकावास से २० वे नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such in the west (styled Simantaka Āvarta) belonging to Ratna-Prabhā earth. टा० ६, १;

उद्गिय. त्रि० (उद्ग) ईर्षरूपी शत्रुने छतवाने भयश्च थयेच कमेष्वा शत्रु को जतने के लिये आभमान करने वाला (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma. नदी० १४;

उद्घवण. न० (उद्घवण) मारना; घात करना; उपद्रव; मरणांत कष्ट. Beating; killing; trouble; life-long misery.

“ उद्घवणं पुण जाणामु अद्घवाय विवज्जियं पीडं ” पिं० नि० ६७; ओव० २०; जं० प० पगह० १, १;

उद्घवणा. स्त्री० (*उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव करनेवाले. उपद्रव करना. Giving trouble or annoyance to. पगह० १, १;

उद्घवित्ता. त्रि० (उपद्रावित्) उपद्रव करना; दुःख आपना. उपद्रव करने वाला; दुःख देने वाला. (One) who troubles or annoys; (one) who beats or kills. आया० १, २, १, ६६;

उद्घविय. त्रि० (उपद्रुत) डरावेला; उद्देग पामेला. उद्देग पाया हुआ; डराया हुआ. Frightened; troubled; distracted. आव० ४, ३;

उद्घविया स्त्री० (उपद्राविका) मरती. रोग, बीमारी. Plague. भग० १६, ३;

उद्घवेयव्व. त्रि० (उपद्रावयितव्व) उपद्राव करने योग्य; घात करने योग्य. उपद्रव करने योग्य; घात करने योग्य. (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. “ अद्घवणं उद्घवेयव्वं अणे उद्घवेयव्वं ” मय० २, १, ४८; आया० १, ४, १, १२६;

उद्घहक. पुं० (उद्घहक) अट्टी पड़ेनेवाला; दान करनेवाला. बन बगीचा को जलाने वाला. One setting fire to; one causing forest conflagration etc. पगह० १, ३;

उद्घाई. अ० (उद्घाई) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. नाया० १,

उद्दाम. त्रि० (उद्दाम) उद्दतः स्वच्छन्द. Insolent; self-willed. पगह० १, ३; अणुजो० २१;

उद्दामियघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) घंटाथी

युक्त. घंटासे युक्त. Furnished with, united with a bell. विवा० २;

उद्दाल. पुं० (अवदाल) ओ नामनुं ओक

जतनुं जाड. इस नाम का एक जाति का झाड़. Name of a kind of tree.

जं० प० भग० ६, ७; (२) रैती ढगेरेने

पौथो-दिलो थर डे जेना उपर पग मुकतां

पग नीथि नय ते. रैती वगैरह का ढाला

थर जिसपर कि पैर रखने से पैर धुस जाय.

a soft heap or layer of sand

etc. which gives way as soon

as it is trodden by foot राय०

१६२; नाया० १; भग० ११, ११,

जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ३२;

उद्दालक. पुं० (उद्दालक) ओक जतनुं उद्द.

एक जाति का वृक्ष. A kind of tree.

जीवा० ३, ३;

उद्दावण्या. स्त्री० (उद्दावण्या) उद्दाव करवो;

त्रास आपवो. उद्दाव करना; त्रास देना.

Harassing; troubling; terrify-

ing. भग० ३, ३; ६;

उद्दाह. पुं० (उद्दाह) भोयो दाह. बड़ा भारी

दाह. Great conflagration. डा० १०;

उद्दिट्ट. त्रि० (उद्दिष्ट) सामान्यपण्ये उद्देश

करेव-करेव; प्रदिपादन करेव. सामान्य

राति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ.

Generally pointed out; ex-

plained. वेय० ४, २८; विशे० १७६;

निर्मा० ६, २०; पंचा० १०, ३; प्रव०

१२६६; (२) साधुने उद्देशी अनावेव

आहारदि, साधु के उद्देश से बनाया हुआ

आहार वगैरह. (food etc.) spe-

cially prepared for an ascetic.

परह० २, ५; पिं० नि० २०८; (३)

अभावस्था. अभावस; अभावस्था. the

15th day of the dark-half of

a month. दसा० ६, २; भग० २, ५;

३, ३; नाया० २; —कड. त्रि० न०

(-कृत) साधु आदिने उद्देशीने करेव.

साधु आदि के उद्देश से किया हुआ.

(food etc.) specially prepared

for a monk. “ उद्दिट्टकडभत्तं विवज्जति

किमुपसे समारंभे ” पंचा० १०, ३२.

—कय. त्रि० (-कृत) उद्देशीने करेव.

उद्देशकर किया हुआ. prepared spe-

cially for. प्रव० १००५. —भत्त. पुं०

(-भक्त) साधुने उद्देशीने अनावेव भोजन.

साधु के उद्देश से बनाया हुआ भोजन.

food prepared specially for

an ascetic. सूय० २, ६, ३७; दसा०

६, २; —भत्तपरिणामाश्च य. त्रि०

(-भक्तपरिणाम) दशमी पडिमा आदर-

नार श्रावक डे जे इस मास सुधी उद्दिष्ट

लगत पान ओटले पोताने उद्देशी करेव

लात पाणीने त्याग करे. दसवीं

प्रतिमा ग्रहण करनेवाला श्रावक जो कि दस

मास तक अन्न लेने बनाये हुए भोजन

वगैरह ग्रहण न करने की प्रतिज्ञा करता

है (a Jain layman) practis-

ing the 10th vow of a Śrāvaka

i. e. not taking food and water

specially meant for him. सम० ११;

उद्दिट्टा. स्त्री० (उद्दिष्ट) अभावस्था; अभाव.

अभावस; अभावस्था. The 15th day

of the dark-half of a month.

राय० २१५; जीवा० ३, ४; नाया० ६;

उद्देस. पुं० (उद्देश) सामान्य आदेश;

सामान्य कथन. सामान्य आदेश; सामान्य

कथन. General mention; (२)

आय; शिष्यामण्यु. शिष्या; उपदेश. advice;

expostulation. अणुजो० २; आया०

१, २, ३, ८१; भग० २, २; ५; पंचा० ५, ३१; (३) क्षेत्र का विभाग. क्षेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. वेय० ३, १५; (४) अध्ययन के शतकनो ओक पेदा विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Sataka. उत्त० ३१, १७; विशेष० ६७५;

उद्देश-य. पुं० (उद्देशक) अध्ययन के शतकनो ओक विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक विभाग. A sub-division of or a portion of a chapter or of a Sataka. भग० ३, ८; ७, ८; ६, ३; निसी० ६, १२;

उद्देशग. पुं० (उद्देशक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above. अणुजो० १४६; भग० २१, ४; २३, ५; ३१, ६;

उद्देशण. न० (उद्देशन) अंगसूत्र आदिनु पढ़न करयुं ते. अंगसूत्र आदि का पठन करना. The study of Aṅga Sūtra, etc. टा० ३; आव० ४, ७; —अन्तेवासि. त्रि० (-अन्तेवासिन्) ण्तेने सूत्र भूतपाडे लजावनामां आल्या होय ते शिष्य. जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras. टा० ४, ३; वव० १०, १५; —आयरिय. पुं० (-आचार्य) आचारंगदि सूत्र, सूत्र पाडे लजावना२. आचारंग आदि सूत्रों का मूल पाठ पढाने वाला one who teaches Aṅga and other Sūtras in the original. वव० १०, १३; १४; टा० ४, ३; —काल. पुं० (-काल) वर्ग अध्ययन के शतकनो ओक विभाग. उद्देशे.

वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग; उद्देश. a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka. नंदी० ४५; सम० ३७; पणह० २, ५; सम० प० १६६;

उद्देशिय. न० (उद्देशिक) ओक साधुने उद्देशी अनावेन आदारादि भीजओने पणु न अपे ओवो पड़ेला अने छेला तीर्थकरना साधुओनो कए. एक साधु को उद्देश कर बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता-चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम तार्थकर के साधुओं का व्यवहार-आचार. The tenet of the Sādhus of the first and the last Tirthankaras that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sādhus. प्रव० ६५६; (२) अमुक साधुने उद्देशीने निपगवेयुं आदार पाणी; उद्देश देय वायुं. व्यक्तिगत साधु के लिये किया हुआ अन्न जल; उद्देश दोष युक्त. (food, water etc.) specially prepared for a particular Sādhu. मम० २१; वेय० २, १९; दस० ३, २; ६, ४६; पि० नि० ६२; २२६; भग० ६, २३; निसी० ५, ६३; आव० ४०; प्रव० ५७१; नाया० १; उत्त० २०, ४७;

उद्देशगण. पुं० (उद्देशगण) ओ नामनो महावीर स्वामीनो ओक गणु; नय गणुमानि ओक महावीर स्वामी के एक गण का नाम; नौ गणों में का एक गण. Name of an order of saints instituted by Mahāvira Swāmī; one of the nine such orders. “उद्देशगण चारण गणे” टा० ६, १; कण्प० ८;

उद्देहिआ-या. स्त्री० (उद्देहिका) उधाध; त्रयु
ध्रियवालो ७५ विशेष. दीमक; तीन
इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष. A moth;
a kind of three-sensed living
being पञ्च० १; उत्त० ३६, १३६; श्रौघ०
नि० ३२६,

उद्देहिगा. स्त्री० (उद्देहिका) उधाध. दीमक.
A moth. पि० नि० भा० ४८;

उद्ध. त्रि० (उद्ध्व) उधु. ऊंचा. High;
-lofty; tall. भग० १, १; ६; २, ६; ७,
१; सू० प० ४; जं० प० ५, ११३; २,
३१; ७, १३६; —घणभवन. न०
(-घनभवन) उध्या अने आंतरा पगरना
नेशनोऽ रेटेवा धर. अंतर रहित-परस्पर
में मिले हुए ऊंचे घर. lofty houses
close to each other with-
out any interval of space.
भग० ६, ३३; —चलणवंध. पुं० (-चरण
बन्ध) उध्या पग आधारा रूप शरीर ६९५.
पैरों को ऊपर करके बांध देने रूप शरीर
दण्ड. a bodily austerity con-
sisting in remaining with the
head downwards and with the
feet tied to something above.
पण्ड० १, ३; —द्विआ. त्रि० (-स्थित)
उपर ओर. ऊपर बैठा हुआ. remain-
ing, sitting above. सु० च० ३, ३०;
—पूरित-य. त्रि० (-पूरित) उध्या भाग;
नाभिनी उपरतो आसयी भरेलो भाग.
ऊर्ध्व भाग; नाभि से ऊपर का आस से भरा
हुआ भाग. the part above the
navel which is filled with air
in respiration पण्ड० १, ३; —मुह.
न० (-मुख) उधु. मोटु. ऊंचा मुंह.
face turned upwards- नाया० ८;
जं० प० ७, १६२; —रेणु. स्त्री० (-रेणु)

नुय्यो “उद्ध-रेणु” श०६. देखो “उद्ध-रेणु”
शब्द. vide “उद्ध-रेणु” जं० प० २, १६;

उद्धसणा. स्त्री० (*उद्ध्वंसना) तिरस्कारी
पयन. तिरस्कार युक्त बचन. Contemp-
tuous words. “ उद्धावयाहिं उद्ध-
सणाहिं उद्धसेः ” नाया० १६; भग० १५,
१; राय० २६६; (२) निन्दा. निन्दा;
बुराई. blame; censure. श्रौघ० नि०
भा० ३८;

उद्धट्ट. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) उधु. उरीते.
उंचा करके. Having raised aloft.
“ पादुद्धट्टु मुद्धिपहाणंति ” सूय० १, ४;
२, २; दसा० ६, २; बब० २, २७;

उद्धडा. स्त्री० (उद्धता) गृहस्थे पोताना
भाटे रांधयाना वासज्भांथी पीन वासज्-
भां आद्युं होय ते भिक्षा लेवी ते; त्रीण
पिण्डपत्ना. गृहस्थने अपने लिये, रगोई
बनान के बर्तनमें गे दूसरे बर्तन में निकाल
कर जो अन्न रखा हो उसकी भिक्षा लेना;
तामरा पिण्डपत्ना. Begging of that
food only which a householder
has served for himself, in a
dish from the cooking vessel;
the third way of receiving or
begging food; viz Pindaisanā.
प्रब० ७४६;

उद्धत त्रि० (उद्धत) उधु. उठट. ऊंचा;
उत्कट; तीव्र. High; lofty; strong.
नाया० १; जं० प० २, ३०; (२) उद्धत;
स्वेच्छाचारी. उद्धतः स्वेच्छाचारी. insol-
ent; wanton; self-willed. कण०
७, ३६; —तमंधकार. पुं० (-तमोन्धकार)
अतिशय गाढ़ अन्धाई. अतिशय अन्धकार.
dense darkness. पण्ड० १, ३;

उद्धत्त. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) उधु. उरीते.

ऊँचा करके. Having raised aloft.

सूय० १, ४, १, ३;

उद्धर्तुं. अ० (उद्धर्तुम्) तारवाने; उध्वार करवाने. उद्धार करने के लिये; तारने के लिये. In order to save; in order to raise up. उक्त० २५, ३३;

उद्धमंत. त्रि० (उद्धमायमान) धमने; शंखादि फूँकता हुआ; धौंकता हुआ. Blowing; e. g. a conch etc. “ उद्धमंताणं संखाणं मिंगाणं ”

राय० ८८;

उद्धमाण. न० (उद्धमान) शंख आदि पगाइते. शंखादि को मुँह में बजाता हुआ. Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth.

राय० ८८;

उद्धम्ममाण. त्रि० (*उद्धम्यमान-उत्पाद्यमान) उत्पाद्यमान; उत्पन्न होते. उत्पन्न होता हुआ. Being produced; being created. “ वाउवेग उद्धम्ममाणआसा पिवास पाया ’ पण्ह० १, ३;

उद्धया. स्त्री० (उद्धता) देवतानी गति विशेष. देवों की गति विशेष. A particular kind of gait possessed by gods. राय० २६; भग० ५, ४; ११, १०;

उद्धरण. न० (उद्धरण) ऐसी शक्ति; धारण शक्ति. खेचकर निकालना; बाँहर निकालना. To draw out; to uproot. ओष० नि० ७६२; प्रव० ७६८;

उद्धग्निय. त्रि० (उद्धग्नित) उभेडित; भूतश्री की नाशित. उखाड़ा हुआ; जड़मे निकाल डाला हुआ. Rooted out; eradicated. “ फलेइ विसमक्खिणं साओ उद्धरिया कहं ” उक्त० २३, ४५; प्रव० २२७; ७४८, (२) धारण करे. धारण किया

हुआ. put on. दसा० १०, ३, क० गं० ४, ७८; —सल्ल. त्रि० (—शल्य) जेणे शल्य कीटी नापेल छे ते. जिसे शल्य निकाल डाला है वह. (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया० १; —सेय-छत्त. न० (—श्वेतछत्र) धरुं छे जेना उपर धेरुं छत्र ते. जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा० १०, ३;

उद्धाडय. त्रि० (उद्धावित) दौड़ी आवेश; उतावली आवेश. दौड़कर आया हुआ; शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste; come running. उक्त० १२, १६;

उद्धायमाण. त्रि० (उद्धावत्) दौड़तुं; दौड़ता हुआ; कूदता हुआ. Running; leaping. ओष० २१; नाया० १;

उद्धायमाणग. त्रि० (उद्धावत्क) ऊँचे उपर शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above पण्ह० १, २;

उद्धार. पुं० (उद्धार) गणनात्मक मन्त्रे अनुसार क्षत्रप्रमाणविशेष. गोशाला के मन्त्र के अनुसार कालप्रमाण विशेष. A particular measure of time according to the tenet of Gosālā. भग० १२; १; क० गं० २, २७; —पलिओवम. पुं० (—पल्लोपम) क्षत्र प्रमाण विशेष; ऐक सायरोपमने दश प्राप्तेदिमो भाग. कालप्रमाण विशेष; एक मासरोपमका दस कोडाकोडवाँ हिस्सा. a particular measure of time;

1 of one Sāgaropama “ से कितं उद्धार पलिओवमे १ दुविहे पजने ” अणुजो० १३६; —पल्ल.

न० (-पल्य) ऐक जेज्जनता कुवामां हांसीने
 लरेव आलाग्रभांथी समये समये ऐकेक
 आलाग्र अपहरतां जेटवा वपतमां कुवो
 आली थाय तेटवो वपत. एक योजन के
 कुएमें ठांस ठांस कर भरे हुए बालग्र मे से
 समय समयमें एक एक बालाग्र निकालने पर
 जितने काल में कुआ खाली हो उतना काल
 a well one 'Yojana' i. e. 8
 miles square is to be filled with
 thin points of hair and at every
 Samaya (i. e. unit of time) one
 hair-point is to be taken out;
 the time taken to empty the
 the well is Uddhārapalya. प्रव०
 १०३५; —पल्लग. न० (पल्यक) जुओ
 “ उद्धारपल्ल ” शब्द. देखो “उद्धारपल्ल”
 शब्द. vide “ उद्धारपल्ल ” प्रव० १०३८;
 —समय. पुं० (-समय) अही सागरो-
 पमना समयतो समुद्र; अही सागरोपममां
 जेटवा समय थाय तेटवा समयता
 ज्स्थानी उद्धार संजा छे: उद्धार समय
 जेटवा त्रिच्छा लोकता द्वीप अने समुद्र
 छे. अटार्ई सागरोपम काल प्रमाण में
 जितने समय है उन समयों के समूह का
 नाम ‘ उद्धार ’ है: उद्धार मे जितने समय
 हैं उतने ही त्रिच्छालोक के द्वीप और समुद्र
 हैं. the number of Samayas
 (time units) contained in
 2½ Sāgaropamas; the number
 of continents and oceans of
 Trichhā Loka is equal to the
 number of Samayas in 2½
 Sāgaropamas. (Samaya = an
 instant) भग० ६, ६; अणुजो० १३६;
 —सागरोवय. पुं० (-सागरोपम-उद्धार
 विषयंतप्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरो-

पमः) दश कोडकोडि पल्योपम प्रमाण काल
 विशेष. दश कोडकोडी पल्योपम प्रमाण
 काल विशेष. a division of time
 equal to 10xerorexerore Palyo-
 pama. टा० १; अणुजो० १३६;

उद्धि. स्त्री० (उद्धि) आगनी उध. गाडी
 की जुडी. A particular part of a
 carriage (the part which rests
 on the axles). सू० प० १०;

उद्धिय. त्रि० (उद्धृत) उभेडी नाभेल; देश
 अदार करेव. उखाडा हुआ; देश बाहिर
 किया हुआ. Rooted out; banished
 from the country. ओव० महा० प०
 ३५; जं० प० ३, ६६; —कण्टय. त्रि०
 (-कण्टक—उतधृता स्वदेशत्यागन जीवित-
 त्याजनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धृत कण्टकम्)
 देश आदार करेव छे प्रतिस्पर्धी जेटो
 ते. जिमने प्रतिस्पर्धी को देश बाहिर
 किया है वह (one) who has
 banished or deported his
 enemies. राय० ओव० —पय न०
 (-पद) उद्धार करेव पद-शब्द. उद्धार किया
 हुआ पद-शब्द. an extracted or
 quoted-word. प्रव० ८३५; —मुख.
 त्रि० (-मुख) उधु करेव छे मोटुं जेटो.
 जिमने ऊंचा मुख किया है वह. (one)
 who has raised his face up-
 wards. चं० प० ४; —सत्तु. पुं०
 (-शत्रु—उद्धृता: शत्रवस्तदुद्धृतशत्रुः)
 देश निकार करेव मोत्रव पैरी. देशमें निकाला
 हुआ मोत्रज शत्रु. an enemy who
 has been banished or deport-
 ed. ओव० राय०

उद्धी. स्त्री. (उद्धी) जे पगना आगता
 इला प.से पासे राभी पेतीने विस्तारी
 पड़ोली राभी कडिअण करेवो ते; कडि-

सम्भना १८ दोषभांति ओ३. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमें का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों को पास पास रख और एड़ीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे. Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart; one of the 19 faults connected with Kāusagga. प्रव० २५७;

उद्धीमुह. त्रि० (उर्ध्वमुख) उभियुं मोदुं छे ननुं ते; उभिया मोदावाहुं. ऊंचे मुंह वाला. (One) with the face turned upwards. “ उद्धीमुहकलवु-ता पुष्फग संठाण संठिया ” चं० प० ४: जं० प० ७, १३१;

उद्धुमाय. त्रि० (*) परिपूर्णः भरैव परिपूर्णः भरा हुआ. Full; filled to the brim. नंदीस्थ० गा० १३:

उद्धुय. त्रि० (उद्धृत) उभे इक्षयैव; उभे इरैव. ऊंचा फेंकाया हुआ. Tossed up; flung up. “ वाउद्धुय विजय वेजयंती ” ओव० जीवा० ३, १; पञ्च० २: (२) उरैव; प्रहृष्ट उक्कट; प्रकृष्ट. strong; powerful. सम० प० २१०; नाया० २; (३) उत्पन्न थयेव; उरैव. उत्पन्न: उठा हुआ. produced: risen up: got up. ओव० सू० प० २०; कप्प० ३, ३२;

उद्धुया स्त्री० (उद्धृता) अक्षाशमां उडती धृत्तना ज्येदी त्वरित गति. आकाश में उडती हुई धूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dust- clouds in the sky. राय०

उद्धुवमाण. त्रि० (उद्धूयमान) विन्तुं. पंखा किया हुआ. Being fanned. जं० प० नाया० १६; भग० ७, ६; ६, ३३; ओव० २१;

उद्धुस्सित. त्रि० (उर्ध्वोच्छित) उभे विस्तृत. ऊंचाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards. “ से जोयणं गवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हंसहस्समेग ” सूय० १, ३, १०;

उद्धूय. त्रि० (उद्धृत) दासेयुः डपेहुं. हला हुआ; कंपा हुआ. Shaken; trembled. ओव० ३१; जं० प० राय० ६६; पञ्च० २; कप्प० २, २७;

उन्नअ त्रि० (उन्नत) उन्नत; मानदया-यतो पर्याय. उन्नत; मानकषाय की पर्याय. Lofty; high; a synonym for the moral filth called conceit. सम० २२; ओघ० न० ४६६; आवा० १, ७, ४, १४७; कप्प० ३, ३२;

उन्नइय. त्रि० (उन्नतिक) उन्नतिवाहुं. उन्नति वाला. Lofty; high. जीवा० ३, १;

उन्नमंत. त्रि० (उन्नमन) तरणुं डे आड-मनां भारा डिपाडतो. घांस या लकड़ी का भाग उठाता हुआ. (One) who carries bundles of sticks or grass. सूय० २, २, ४४;

उन्नयावत्त. पुं० (उन्नतावर्त) उभे अस्तुं आवर्त-वशेदीआ. ऊंचाई में चढ़ा हुआ धूल का चकर. A whirlwind; a winding. (२) पर्यंत डिपर नतो इरतो मार्ग. पर्वत पर जाने का चकरदार मार्ग. a circuitous road on a mountain. ठा० ४, ४;

* बुद्धो पृष्ठ नम्बर १४ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्ताम. पुं० (उत्ताम) मान कषायनो
पर्याय. मान कषाय की पर्याय. A
synonym for the moral impu-
rity called conceit. सम० ५२;

उत्तामित्र. त्रि० (उत्तामित) अमुक नामथी
प्रसिद्धि पामेक्ष. अमुक नामसे प्रसिद्ध
पाया हुआ. Famed by a certain
name; known by a particular
name. अणुजो० १३१;

उत्तिकलमत्र. त्रि० (उत्तिकलमन्) दीक्षितो
त्याग करेता. दीक्षा का त्याग करता हुआ.
(One) abandoning Dikṣā i. e.
asceticism. विशेष० १२६१;

उत्तिय. त्रि० (औत्तिय) शिनजु अनेतुं;
दायको वगैरे. डीली वस्तु इन्धन आदि.
Woollen; made of wool. प्रव०
५१४.

उन्नुपित. त्रि० (*) लीजुं थयेव;
लीजुं; भीजा हुआ. Wet; damp.
पगढ़० १, ३;

उपयस. पुं० (उपदेश) उपदेश. उपदेश.
Advice; exhortation. पंचा० ५,
३६;

उपयोग. पुं० (उपयोग) उपयोग; ध्यान.
उपयोग; ध्यान. Carefulness; atten-
tiveness. नाया० १६;

उपट्ट. पुं० (उपट्ट) शलुना वस्त्र वणुत्तर;
पट्टाशीयो. रान के वस्त्र बनाने वाला. A
weaver of jute cloth. अणुजो०
१३१;

उपणय. पुं० (उपनय) उदाहरण आपी
साध्य अने साधनतो संयंघ मेलवयो ते.
उदाहरण देकर साध्य और साधनका संबंध

मिलाना. Establishing a logical
conclusion by giving an apt
illustration. नाया० ६;

उपलेइत्ता. सं० कृ० अ० (उपर्नाय) पासै
लक्ष करने. समाप में लेजाकर. Having
taken or carried in the vicinity
of. नाया० ५;

उपदेसइत्ता. सं० कृ० अ० (उपदर्श्य) देखा-
उत्ते. दिखलाकर. Having shown or
pointed out. भग० १६, ५;

उपपुत्र. त्रि० (उपप्लुत) लीजुं थयेव;
पलदी थयेव. भीजा हुआ. Wet; damp;
soaked. अणुजो० १३०; जीवा० ३, १;

उपयुक्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयुक्त; उपयोग;
सहित. उपयुक्त; उपयोग सहित. Care-
ful; attentive; (one) possessed
of carefulness. नाया० १६;

✓ **उप-लभ** धा० I (उपलभ्) आदर्शना
देवो. उलाहना देना. To taunt; to
blame.

उपलभयि. भग० १५, १;

उपलब्ध. सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८;

✓ **उप-लिप.** धा० I, II. (उपलिप्)
मोहूं अंध डरी उपर लेप मारयो. मुह बंद
करके ऊपर लेप लगाना. To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance.

उपलिपति. नाया० ७;

उपविट्ठ. त्रि० (उपविष्ट) भेडव. बैठा हुआ.
Sat; seated. क० सं० १, ११;

✓ **उप-विस.** धा० I. (उपविश) भेसवुं.
बैठना. To sit.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उपविसद्. सु० न० ३, २२२;

उपविसिय. सं० कृ० सु० च० १, २४७;

उपसंक्रमितु सं० कृ० अ० (उपसंक्रम्य)
पासे ७४८ने. समीप जाकर. Having
approached. " उपसंक्रमितु-बूया-आउ-
सम समणा " आया० २, १, ३, १५;

उपसंत. पुं० (उपशान्त) प्रत्यत क्षेत्रना
वर्तमान चोवीसीना १५ भां तीर्थक्षेत्रनु नाम.
इरवत क्षेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५वें तीर्थ-
कर का नाम. Name of the 15th
Tirthankara of Iravataksetra
in the present Chovisi (i. e.
cycle) प्रव० २६६;

उपसंपया. स्त्री० (उपसंपत्) ज्ञानादिज्ञते भाटे
पीन गुहने आश्रय लेवे ते. ज्ञानादिक
के लिये दूसरे गुह का आश्रय लेना. Re-
sorting to, going to another
preceptor in order to acquire
knowledge etc. पंचा० १२, ३.

✓ उपहस घा० I (उप+हस्) उपहास
इत्युः हस्युं. उपहास करना; हंसना. To
laugh at; to mock at; to ridi-
cule.

उपसंज्ञ. विधि० दसा० ६, ७;

उपहाग. न० (उपधान) तप विशेष एक
प्रकार का तप. A particular kind of
austerity. शा० २, ३: —पडिमा.
स्त्री० (प्रतिमा) उपधान तपनी पडिमा-
प्रतिमा; आर भिक्षुनी अने अगणित
श्रावकनी पडिमा उपधान तपका प्रतिमा;
माधु की वारह और श्रावक की ग्यारह
प्रतिमा. the vow of the austerity
known as Upadhāna e. g. 12
vows of an ascetic and 11 of a
layman. शा० २, ३;

उपाय. पुं० (उपाय) उपाय; इत्युः. उपाय;

कारण. Cause; means; remedy.
नाया० १६;

उपायश्रो. अ० (उपायतस्) युक्तिथी; उपाय-
थी. युक्ति से; उपाय से. Skilfully; by
some means. उत्त० २३, ४१;

उपालब्ध. त्रि० (उपालब्ध) उपदे अपायेव.
उपालम्ब दिया हुआ. Blamed; rebuk-
ed; reproached. पि० नि० १२५;

✓ उपील. घा० II. (अव+पीड्) पीड
इत्युः पीड्युं, दुःख देना; पीडा करना. To
give pain to; to afflict.

उवीलेति. जा० ३, ४;

उवीलेमाण. नाया० १८;

उपेहा. स्त्री० (उपेक्षा) शुभ योगनी प्रवृत्ति
अने अशुभ योगनी निवृत्तिमां भेदशर
इत्युं ते. शुभ योगकी प्रवृत्ति और
अशुभ योग की निवृत्ति में बेपर्वाह रहना.
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad; negligence.
गम० १७;

उपपदय. त्रि० (उपपत्ति) संयम
लेनी वपते मिलनी परे उडैव; संयमने
अने स्थानके संवेत-इत्युं भारेव. संयम
लेने समय सिंह के समान उठा हुआ;
संयम के ऊँचे स्थान पर चढ़ा हुआ.
(One) who has ascended like
a lion to the high pedestal
of asceticism. आया० १, ६; ३,
११३; (२) उपर आवेव; उपपदेव.
उपपन्न. born; produced. उत्त० २,
३७; (३) अने उडैव; उडैव. उंचा
उछलता हुआ; उडा हुआ. leapt up;
flown up. नाया० १६; भग० ३, २;
उवा० ३, १३८;

उत्पत्त्या. स्त्री० (औत्पात्तिकी) जेथी अत्यु-
दीर्घ अत्युसांभत्युं तर्कधी सुष्ठु आवे
तेथी बुद्धि; तर्क बुद्धि; हाजरन्यायी-
उत्पातकी बुद्धि; चार बुद्धिभांती ओक.
ऐसी बुद्धि जिससे बिना देखा सुना केवल
तर्क-से ही समझ में आजाय; तर्क बुद्धि; चार
बुद्धियों में से एक प्रकार की बुद्धि. One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness; quickness of
perception. टा० ४, ४;

उत्पकडा. स्त्री० (उत्पकटा = उत्प्राबल्येन
प्रकटा प्रस्तुतावेति) आद्यु कथा. चालू कथा.
The narrative which forms
the actual, present subject-
matter. भग० १८, ७;

उत्पड. पुं० (उत्पट) तेइद्रिय ७-
विशेष. तेइद्रिय जीव विशेष A kind
of three-sensed living being.
पञ्च० १;

उत्पण. त्रि० (उत्पन्न) उत्पन्न थयेतः
उपज्येयुं. उत्पन्न. Born; produced.
अणुजो० ४२; ओव० ३८; पञ्च० ११;
दस० ५, १, ६६; भग० १, ४; १३,
६; नाया० १; दसा० ७, १; जं० प०
३, ४५; ५, ११२; ३, ६७; ५, ११५;
—कोउहल. त्रि० (-कुतुहल) जेणे
उत्सुकपणुं उत्पन्न थयेत छे ते. जिस में
उत्सुकता उत्पन्न हुई है वह. (one)
in whom curiosity is engen-
dered. सू० प० १; —णणदंसणधर.
त्रि० (-ज्ञानदर्शनधर) उत्पन्न थयेत
ज्ञान दर्शनयादा. जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न
हुए हैं वह. (one) in whom
right knowledge and right
faith have been engendered.
समये भगवं महावीरे उत्पणणणणदंसण-

धरे ” भग० १, १; ८, २; —पक्ख. पु०
(-पक्ख) उत्पन्न पक्ष; उत्पाद-उत्पत्ति पक्ष
उत्पन्न पक्ष. coming into existence.
भग० १, १; —संसय त्रि० (-संशय)
उत्पन्न थयेत छे संशय जेने ते. जिसे
संशय उत्पन्न हुआ है वह. (one)
in whom doubt is engendered.
सू० प० गय०

उत्पत्तिअ. त्रि० (उत्पत्तिन) उठ्ये थयेत;
आकाश तरङ्ग गति करेत्त. ऊंचा चढा
हुआ; आकाशकी ओर गमन किया हुआ.
Risen up; flown up; gone
upwards. उत्त० ६, ६०;

उत्पत्ति. स्त्री० (उत्पत्ति) उत्पत्ति; आवि-
र्भाव; प्रगटीकरण. उत्पत्ति; प्रगट होना;
आविर्भाव. Creation; production;
manifestation. ओव० ४३; नाया०
१; विशेष० ११८५; पि० नि० ६०६;
अणुजो० १३०; भक्त० १५; प्रव० ४१;

उत्पत्तिया-आ. स्त्री० (औत्पत्तिकी) तर्क
बुद्धि. तर्क; बुद्धि. Power of imagi-
nation; intellect capable of
high imagination. “ उत्पत्तिया
वेणइया कम्मिया परिणामिया ” राय०
२०६; नंदा० २६; नाया० १; ८; भग० १२,
५; १७; २; निर० १, १; विवा० १०;

उत्पत्तिता. सं० कृ० अ० (उत्पत्य) उठ-
डीने; उठ्ये थडीने. ऊंचा चढ कर.
Having mounted up; having
flown up; जं० प०

उत्पन्न. त्रि० (उत्पन्न) जुओ “उत्पणण ”
शब्द. देखो “उत्पणण ” शब्द. Vide
“उत्पणण ” भग० २, १; ५, ६; सु०
च० २, २६८; उवा० ६, १८७; प्रव०
१११५; —कोउहल. त्रि० (-कुतुहल)
जुओ “उत्पणण कोउहल ” शब्द.

देखो “उत्पल कोडहल” शब्द. vide
“उत्पल कोडहल” नाया० १; —संसय.
पुं० (—संशय) लुओ “उत्पल संसय”
शब्द. देखो “उत्पल संसय” शब्द.
vide “उत्पल संसय” नाया० १;
—सङ्ग. त्रि० (—अङ्ग) उत्पल थछ छे
श्रद्धा जेने. जिसे श्रद्धा उत्पल हुई है वह.
(one) in whom faith is engendered
or begotten. नाया० १;
भग० १, १;

उत्पल. पुं० (उत्पल) उंचे कुटुं ते; नीचेथी
उपर कुटुं भाखे ते. नीचेसे उपर कूदना
उछाल मारना. Leaping up; jump-
ing. जं० प० राय० ६५; विशेष० ८६४;
—लिवय. पुं० (—निपात) थछ उत्तर
उरती; ओके मतनुं नाटक. चढना उतरना;
एक प्रकार का नाटक. ascending and
descending; a kind of drama.
“उत्पलिवय पसल संकुचिय” राय०

उत्पल. न० (उत्पल) उंचे ज्युं ते.
ऊँचाईपर जाना. (Going up; flying
up; mounting high. ठा० १०;
भग० ३, २; —काल. पुं० (—काल)
उंचे यज्यानी धात्र यमत. ऊँचा चढने का
समय. the time for going up, fly-
ing up. भग० ३, २;

उत्पलिया. स्त्री० (उत्पलिनिका) उंचे
यज्यानी विद्या. ऊँचाईपर चढनेकी विद्या.
The art of flying up or mount-
ing up. नाया० १६;

उत्पली. स्त्री० (उत्पली) नीचेथी उंचे
यज्यानी विद्या. नीचेसे उपर चढनेकी विद्या.
The art of flying up in the air.
सूय० २, २, २७; —विज्ञा. स्त्री०
(—विज्ञा) लुओ उपर शब्द. देखो उपर
का शब्द. vide above. नाया० १६;

उत्पल. न० (उत्पल) सूर्य विकारी कभल;
नीलकभल. सूर्य को देखकर विकसित होने
वाला कमल; नील कमल. A blue lotus;
a sun-lotus. ओव० १०; १३; अणुजो०
१८; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१;
नाया० १; २; ४; १३; दस० ५, २,
१८; भग० ११, १; २५, ५; जं० प०
१, १७; जीवा० ३, १; पञ्च० १;
विशे० २६३; आंघ० नि० ६८६; उवा०
२, ११८; कण्ठ० ३, ३७; (२) गंधद्रव्य
विशेष. सुगंधित द्रव्य विशेष. a parti-
cular scented thing. “पदमुत्पल
गंधिण” सम० तंडु० जं० प० ५, १२०;
(३) दशमा कल्पनुं उत्पल नामनुं ओके
विमान के जेनी स्थिति बीस सागरोपमनी
छे, ओ देवता दशमे भद्रिने आसोछवास ले
छे. अने बीस हजार वर्षे क्षुधा उपजे छे.
दसवें कल्पका उत्पल नामका एक विमान
जिसकी स्थिति बीस सागरोपम की है,
इसके देवता दसवें मास आसोछवास लेते हैं
और इन्हें बीस हजार वर्षमें क्षुधा लगती
है. name of a heavenly
abode of the 10th Kalpa. Life
there lasts for 20 Sāgaropa-
mas. The gods living there
breathe once in ten months
and feel hungry once in 20
thousand years. सम० २०; (४)
८४ लाख उत्पलांगप्रमाण धात्र विभाग;
८४ लाख उत्पलांगप्रमाण काल विभाग.
a division of time measuring
84 lacs of Utpalāngas. भग० ५,
१; ६, ७; ठा० २, ४; अणुजो० ११५;
जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२०;
(५) ओ नामनी ओके द्वीप तथा ओके
समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. पञ्च० १५; जीवा० ३, ४; —अंग. पुं० (-अङ्ग) ८४ लाख हुहुप्रमाणे एक काल विभाग. a division of time measuring 84 lacs of Huhus. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २२, ५; जं० प० जीवा० ३, ४; —उद्देश्य. पुं० (-उद्देशक) कभलनां अधिधारवाले भगवतीना २१ भा शत-कनो अङ्क उद्देशो. भगवतां सूत्र के २१वें शतक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश. name of a subdivision of the 21st Sataka of Bhagavati Sūtra with the subject-matter of a lotus. भग० २१, २; —कंद. पुं० (-कन्द) उत्पल-कभलनो कंद. कमल का कन्द; कमलकी जड़. the bulbous root of a lotus, भग० ११, १; —कंदत्ता. स्त्री० (-कन्दता) कभलनं कंदपत्रं. कमल का कन्दपत्र, state of being the bulbous root of a lotus. भग० ११, १; —करिण्यत्ता. स्त्री० (-करिण्यता) कभलनो पीण्डोप-पत्रं. कमल का बीजकोषपत्र. state of being a seed-vessel of a lotus. भग० ११, १; —केसरत्ता. स्त्री० (-केशरता) कभलनं पुंकेसरं केसरपत्रं. कमल की पुंकेसर अथवा लोकेसरता. state of being a filament of a lotus. भग० ११, १; —शाल. न० (-नाल) कभलनी नाडी-डांडी; जेना उपर कभल रहे छे ते. कमल की दांडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है. a lotus stalk. भग०

११, १; —शालत्ता. स्त्री० (-नालता) कभलनी नादिपत्रं. कमलका नाली पत्र. state of being a lotus-stalk. भग० ११, १; —थिभुगत्ता. स्त्री० (-थिभुगता) जेमथी पांढरा फूटे अथवा कभलना अङ्क भागनो भाव. जिस में से पत्ते फूटें ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth. भग० ११, १; —नालिआ. स्त्री० (-नालिका) लीला कभलनी नाडी-डांडी. नाल कमलकी दांडी. stalk of a blue lotus. दस० ५, २, १८; —पत्र. न० (-पत्र) कभलना पांढरा कमल का पत्र. a leaf of a lotus. भग० ११, १; —मूलत्ता. स्त्री० (-मूलता) उत्पल-कभलनं मूल-पत्रं. कमलका मूलपत्र. state of being a root of a lotus. भग० ११, १;

उत्पलगुम्मा. स्त्री० (उत्पलगुम्मा) उत्पल-वृक्षना अग्निभुजाना वनप्रदेशमां पयास जेवन उपर आवेन अङ्क वावडी. जंबू-वृक्षके अग्निभुज के वनखण्ड में पयास योजन दूरीपर स्थित एक बावडी. Name of a well in the forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं० प० जीवा० ३, ४;

उत्पलबैटिय. पुं० (उत्पलवृत्तिक) कभलना पिंडानी भिक्षा लेनार गोशाला मतनो अनुयायी. कमल के गङ्गा-पुलंदा की भिक्षा लेने वाला गोशाला का एक अनुयायी. A follower of Goṣālā's tenet, accepting a lotus-stalk as alms. ओष० ४१;

उत्पलहृत्थग. पुं० (उत्पलहस्तक) कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राख०

उत्पला. स्त्री० (उत्पला) सावर्धी नगरीना रहेवाशी शंख नामना श्रावकनी स्त्री. सावर्धी नगरीका निवासी शंख नामक श्रावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Śaṅkha residing in the town Sāvartthī. “तस्मयं संखस्य समणो वासगस्स व उत्पलाणामं भारिया होत्था” भग० १२, १; (२) पिशाचना ईद्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas. डा० ४, १; नाया० ध० क० ५; भग० १०, ५; (३) जंभुवृक्षना अग्नि भुज्यामांता वनभंडनी ऐक आवडीनुं नाम जंबूवृक्ष के अग्निकोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vriksa. जं० प० जीवा० ३, ४; (४) हस्तिनापुर निवासी भीम नामका कसाई की स्त्री. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कसाई की स्त्री. name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpara. विवा० २;

उत्पलिणीकंद. न० (उत्पलिनीकंद) ऐक जलनी पाण्डिनी वनस्पति. एक प्रकार का जल में होने वाली वनस्पति. A kind of aquatic plant. “पउमुत्पलिणीकंदे अंतरकंदे तद्देवज्जलिय” पज० १;

उत्पलुज्जला. स्त्री० (उत्पलोज्जला) जंभु वृक्षना अग्निभुज्याना वनभंडनी ऐक आवडी. जंबू वृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड

की एक बावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vriksa. जं० प० जीवा० ३, ४;

उत्पह. पुं० (उत्पथ) उन्मार्ग; उलटो मार्ग. उन्मार्ग; विरुद्ध मार्ग. Wrong path; perverse path. “आवजे उत्पहं जंतु” सूय० १, १, २, १६; उत्त० २४, ५; २७, ४,—जाइ. पुं० न० (—यायिन्) उलटो मार्गे चलनेवाला. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. डा० ३;

उत्पिलण. न० (उत्पलावन) शरीर उपर पाणी रेंडपुं. शरीर पर पानी डोलना. Pouring of water on the body. पि० नि० ४२२;

उत्पादितार. त्रि० (उत्पादयितृ) उत्पादक; उत्पाद करनेवाला. उत्पाद करने वाला. (One) who produces or creates. डा० ४, ४; दसा० १, १३; ४, ६१;

उत्पादय. त्रि० (औत्पातिक) सहज; स्वाभाविक. सहज; स्वाभाविक. Natural. श्रव० ३०; (२) उत्पाद करनेवाला अनिष्ट सूचक अनाथ; उल्कापातादि उपद्रव. अनिष्ट सूचक चिन्ह; उल्कापातादि उपद्रव a portentous event, e. g. the fall of a meteor etc. जं० प० ३, ५६ नाया० ८; ६; १७; सम० ३४; —पर्वय. पुं० (—पर्वत) अस्वाभाविक-कृत्रिम पर्वत. कृत्रिम-बनावटी पर्वत. an artificial mountain. “उत्पादयपर्वयं च चकमंतं सखं मत्तं गुलुगुलुंतं” श्रव०

उत्पाडण. न० (उत्पाटन) उखाड़ी नाथपुं; भूतथी उखाड़ी. उखाड़ डालना; जड़ से उखाड़ना. Uprooting; eradicating; tearing out. श्रव० ३८;

उत्पादित. त्रि० (उत्पाटित) उपाडेत्.

उठाया हुआ; उखाड़ा हुआ. Lifted up; rooted out. भग० १६, ६;

उत्पाडिय. त्रि० (उत्पाटित) उभेडेत्.

उखाड़ा हुआ. Eradicated; rooted out. दसा० ६, ४;

उत्पाडियग. त्रि० (उत्पाटितक) उपाडेत्;

भांस धादेत्; उठाया हुआ; भांस निकाला हुआ. Lifted; (that) from which flesh is torn out. ओव० ३८;

उत्पातिया. स्त्री० (उत्पातिनी) उभाये

“उत्पाड्या” शब्द. देखो “उत्पाड्या” शब्द. Vide “उत्पाड्या” नाया० १;

उत्पाय-अ. पुं० (उत्पात) उभाये

उठाना. Flying up. भग० २०, ६; प्रव० ६०६; (२) प्रकृतिनो विकार-

श्चिर वृष्ट्यादि. प्रकृति का विकार; स्थिर वृष्टि आदि. any unusual phenomenon in nature, e. g. a shower of

blood etc. प्रव० १४२१; पगह० २, १;

ठा० ८, १; अणुजो० १४७; (३) आकाश-शमांथी लोधी वज्रेरनी वष्टि थाय छे तेरा

‘लक्ष्मण सूत्र-शास्त्र: २६ पाप सूत्रमांनु ओक.

आकाश से जो रक्त वगैरह की वृष्टि होती है उसके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र; २६

प्रकार के पाप सूत्रों में से एक. a scripture dealing with explaining

unusual phenomena in nature which portend evil; one of the

29 Pāpa Sūtras. सूय० ८, २, २६; सम० २६;

उत्पाय-अ. पुं० (उत्पाद) वृद्धि; वधारे थवे.

वृद्धि; बढ़ती. Increase; increasing. विशेष० ७५०; (२) उत्पत्ति. उत्पत्ति

creation; production; birth. विशेष० ६६; ४२४; ठा० १, १; (३)

उत्पाद दोष; साधुने पोताथी लागता आहारना धात्री आदि १६ दोष. साधु को अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि १६ दोष. any of the 16 sins such as Dhātrī etc. incurred by a

Sādhu himself in connection with his food. सम० (४) यौद-

पूर्वमांनु प्रथम उत्पाद नामे पूर्व-शास्त्र. name of the 1st of the 14

Pūrvas (i. e. scriptures). प्रव० ७१८: - च्छेयण. न० (-च्छेदन—उत्पादो

देवत्वादिपर्यायान्तरस्यच्छेदस्तेन जीवादि विभागः उत्पादच्छेदनम्) ओक पर्यायनी

उत्पत्तिथी गीत पर्यायनो छेद-विभाग थाय ते-ओम देवता पर्यायना उत्पादथी उवादि

द्रव्यनो विभाग थाय छे. एक पर्याय की उत्पत्ति से दूसरी पर्याय का विभाग होना

जैसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होने से जीवादि द्रव्य का विभाग होना. the clas-

sifications of a substance or rather its subdivisions caused by the modifications of that

substance; sub division caused by modal transformation; e. g. the substance soul is sub-divi-

ded into gods etc. on account of its modification. ठा० १, ३;

—पर्वत. पुं० (-पर्वत) सूर्याभविमान-ना पतपर्वतमांनु ओक पर्वत के ज्यों

सूर्याभविमानवासी देवता कीड़ा गिमिते वैदिक शरीर यतावे छे. सूर्याभविमान के

बनखंडों में का एक पर्वत जहां कि सूर्याभ-विमानवासी देव कीड़ा के अर्थ वैदिक

शरीर बताते हैं. name of a mountain in a forest region of the Sūryā-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३५; जीवा० ३. ४; (२) चमरेन्द्रने उपर आवधानो पर्यन्त. चमरेन्द्र के ऊपर आने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend. भग० १३. ६; १६, ६; —पुब्ब. पुं० (-पूर्व) द्रव्य पर्यायना उत्पादने जेमां वर्णित छे ते उत्पाद न.मे १४ पूर्वभांति प्रथम पूर्व-शास्त्र. द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णित हे वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शास्त्र. the first of the 14 Pūrvas dealing with the rise of modifications of substances. “उपपायपुब्बस्सणं दसवत्थु परणत्तो” ठा० १०; सम० १४; नंदा० ५६; —व्ययधुवधम्म. पुं० (-व्ययधुवधम्मन्) उत्पात्त व्यय (नाश) ध्रुव-स्थिति वाधे. उत्पत्ति. व्यय (नाश) और ध्रुव-स्थिति वाला. one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशेष० ५४३;

उपपायक. त्रि० (उत्पादक) उत्पन्न करनेवाले. उत्पन्न करने वाला. (One) who creates or produces. परह० १, ५; उपपायग. त्रि० (उत्पादक) जुगुप्सा उपप्ले शब्द. देखें ऊपर का शब्द Vide above. उक्त० ३६, २६०;

उपपायण. न० (उत्पादन) उत्पन्न करनेवाले. पैदा करनेवाले. उत्पन्न करना. Producing; creating. परह० १, २; ३; उक्त० ३२, २८; (२) उपपायजुना १६ दोष. उपपायण के १६ दोष. any of the 16 sins

known as Uppāyana sins. पिं० नि० १; ७६; परह० २, १; —(लो) उवघाय. पुं० (-उपघात) उत्पादननादि दोषनेो उपघात-नाश करनेवाले. उत्पादनादि दोष का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा० १०; —विसोहि. स्त्री० (-विशोधि) उत्पादनना १६ दोषनेो अभाव. उत्पादन के १६ दोषों का अभाव. absence of the 16 Utpādana faults or sins. ठा० ५, २; उपपायणा स्त्री० (उत्पादना) उत्पन्न करनेवाले. पैदा करनेवाले. उत्पन्न करना; पैदा करना. Creating; producing. पिं० नि० ३०९; पंचा १३, ३; (२) आधारना दोषनेो ओक प्रकार; धात्री आदि आधारना १६ दोष के जे साधुने पीना आदि धाये छे. आहार की नवेषणा के दोष का एक भेद; धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. a variety of sin connected with the taking of food: the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātri etc. प्रव० ५७१; भक्त० २४, १२; भग० ७, १;

उपपाया स्त्री० (उपाता) त्रयु इन्द्रिय वाला जीवनी ओक जन. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पञ्च० १;

उप्पि. अ० (उपरि) उपर; ओप्पे. ऊपर; ऊंचाई पर. Above; upon; on. “तेसि भोमाणं उप्पिउज्जाया” जीवा० ३; ठा० ३, ४; राय० ४७; १०३; वेय० ४, २६; विवा० ३; ६; पञ्च० २; जं०

प० १, ४; ३, ५८; नाया० १; ६; ८;
१४; १६; भग० १, ६; २, ८; ३, १;
२; ५, ६; ६, ५; ६, ३३; १३, ४;
—पासाय. पुं० (-पासाइ) अथो
भलेल. ऊंचा महल. a high or lofty
palace. निर० २, १; —सलिलपइ-
ट्ठाण. त्रि० (-सलिलप्रतिष्ठान) पाणी
उपर जेनुं प्रतिष्ठान-रहेलायु छे ते. जल
पर जिस का निवास स्थान है वह.
(one) whose residence or
abode is on water. भग० ७, १;

उत्पिजल. त्रि० (उत्पिजल) क्षोभजनक.
आकुलता जनक. (Anything) which
causes agitation to the mind.

“ उत्पिजलभूए कह कह भूए ” राय० ८६;

उत्पिजलगभूअ. त्रि० (उत्पिजलकभूत)
आकुल व्याकुल अथेस. आकुल व्याकुल.
Troubled; distracted in mind.
कप्प० ५, १२६;

उत्पिजल. न० (*उत्पिजल) अधर आसे
जलदीधी गाउँ ते; गायनना अेक दोष.
अधरआस से गाना; गायनका एक दोष.
Singing far too rapidly; a
fault in singing. अणुजो० १२८;
भक्त० ११६;

उत्पियमाण. त्रि० (उत्प्लाव्यमान , पाणी
उपर उछुलतो. जलके ऊपर उछलता
हुआ. Leaping on water; rising
and falling on water. “ बुडुमाये
बिबुडुमाणे उत्पियमाणे ” उवा० ७, २१८;

उत्पीलिय. त्रि० (उत्पीडित) दृढ करेस;
अथीने अधिजु; तंग करेस. दृढ किया
हुआ; खेचकर बांधा हुआ. Tightly

fastened; bound fast. उत्पीलिय
विधपट्ट गहिया उहपहरणा ” भग० ७,
६; नाया० २; ओव० ३०; विवा० २;
राय० ८१; जीवा० ३, ४; पणह० १, ३;
जं० प० ३, ५२; ३, ५६; —कच्छ. पुं०
(-कच्छ) आधोछे; कुछोटो जेणे.
जिसने कछोटा मारा है वह. one who
has tightly tucked up the
hem of his loin-cloth after
carrying it to the back part
of his waist. विवा० २;

उत्पुय. न० (उत्प्लुत) गायनना अेक दोष.
गायन का एक दोष. A kind of fault
in singing. नाया० १५; (२) त्रि०
अथभीन. भयभीत; डरा हुआ. terrified;
alarmed. नाया० ६;

उत्पूर. पुं० (उत्पूर) पाणीना प्रयंस
प्रवाह. बचंड प्रवाह. A big current
or flood of water. पणह० १, ४;
(२) अल्प; अल्प. बहुत; उगादह-
much; excessive. पणह० १, ३;

उत्फालग. त्रि० (*) नरिं. भोलनार;
निन्दा करनार बुग बोलने वाला; निन्दक.
(One) who censures or slan-
ders. उत० ३४, २६;

उत्फिडंत. पुं० (*) तीस. टिड़ी. A
locust; a grass-hopper. प्रव० १५७;

उत्फुल्ल. त्रि० (उत्फुल्ल) विकसित. विक-
सित. प्रफुल्लित. Full-blown; bloom-
ing. “ उत्फुल्लं नवि निज्झण ” दस०
५, १, २३;

उत्फेणउत्फेणिय. त्रि० (उत्फेनोत्फेनित)
दृढ़ता उछलाना पीडे उछलेस-दोषाय-

मान धयेत्. दूधके उफान के समान
कोधायमान. Boiling with anger;
with anger rising like boil-
ing milk. “ उष्केण उष्केणियं सीहसेण
राय एवं वयासी ” विवा० ६;

उष्केस. पुं० ज० (*) मुकुट; ताज.
मुकुट; ताज. A crown; a diadem.
श्राव० १२; ठा० ५, १; आया० २, ३, २,
१२१; पञ० २;

उब्धंधण. न० (उद्बन्धन) उँये शाखादि-
कमां लटकी भर्युं ते. ऊँचाई पर शाखादिक
में लटक कर मरना. Committing
suicide or dying by hanging
on the branch of a tree etc.
प्रव० १०३०;

उब्बद्धय. पुं० (उद्बद्धक) विद्या, मंत्र, यंत्र
वगैरेमां ज्ञेयमायलो के ज्ञेते दिक्षा आप
वानी बना दरेत्र छे. विद्या मंत्र तंत्र आदि
मे शंकायुक्त कि जिसे दीक्षा देने की मनाई
की गई है. A person full of super-
stition in the matter of
charms, incantations etc. Such
a person is thought unfit to
be given Dikṣā to. ठा० ३;

उब्भट्ट. त्रि० (*) भागेष्टुं; यायेष्टुं. मांगा
हुआ. Prayed for; solicited;
begged. पिं० नि० २८१;

उब्भट्ट. त्रि० (उद्भट्ट) भुष्टुं; उधाष्टुं खुला
हुआ; उघाढा. Open; manifest.
“ उब्भट्टघट्टमुहा ” भग० ७, ६; अणुत्त०
३, १; (२) विकराव; लपंकर. भयंकर;
डरावना. terrible; fierce. भत्त०

१०६; जं० प० अणुत्त० ३, १; सु० च०
२, २१२;

उब्भव. पुं० (उद्भव) उत्पत्ति. पैदाइश;
उत्पत्ति. Birth; production; rise.
नाया० २;

उब्भसुक. त्रि० (*) जाडमाने जाडमां उला
उला सुकाय गयेत्. वृक्ष में ही खडे खडे सूख
गया हुआ. Dried up in the very
tree, in an erect posture.
श्राव० नि० ७३५;

उब्भाम. पुं० (उद्भाम) भिक्षाचारी; भिक्षाने
वास्ते अभ्यु कर्युं ते. भिक्षा के लिये
भ्रमण करना. One who wanders
to beg alms; wandering in
order to beg alms. ठा० ४;

उब्भामभ्र. पुं० (उद्भामक) ग्नर; व्यलियारी.
ज्वर; व्यभिचारी. A person who
commits illicit sexual inter-
course. पिं० नि० ४२०

उब्भामग. पुं० (उद्भामक) जुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. “ अद्वाण शिमागाई उब्भामग
खमग अकखरे रिक्खा ” श्राव० नि० भा०
६०; (२) ओक गतनो वायु एक प्रकार
का वायु. a kind of wind. पञ० १;

उब्भावणा. स्त्री० (उद्भावना) प्रगट कर्युं;
ग्लहेर कर्युं; उत्पन्न कर्युं. प्रगट करना;
जाहिर करना. उत्पन्न करना. Mani-
festing; declaring; producing.
श्राव० ४१; नंदी० ४०; (२) प्रभावना.
प्रभावना. explaining; explana-
tion. “ पवयणउब्भावणया ” ठा० १०;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उम्भिज्ज. त्रि० (उम्भिज्ज) जमीन बेदी क्षुण्णा-
रूपे अहार आवनार मेथी वगेरे लाउपावो.
जमीन फोडकर बाहिर निकलनेवाली मेथी
वगैरह की भाँजी. Vegetation which
pierces the soil and sprouts
forth. पि० नि० ६२४; (२) अंजनक
आदि जिव. खंजनक आदि जीव. a
species of living beings, such
as a wag-tail etc. परह० १, ४;

उम्भिज्जमाण. त्रि० (उम्भिज्जमान) उघाडवा
भां आवतुं; खुलता हुआ.
Being opened; becoming
manifest. “ केतइपुडाणवा अणुवायंसि
उम्भिज्जमाणा वा ” भग० १६, ६; जं०
प० १; राय० जीवा० ३, ४;

उम्भिज्ज. न० (उम्भिज्ज-यत्कुतुपादेः स्थगितं
मुखं साधूनां तैलघृतादिदानार्थमुद्भिद्य तैलादि
साधुभ्यो दीयते तद्दोयमानं तैलादि पिहि-
तोद्भिज्जम्) साधुने धी आदि वदोराववा
भाटे कमाउ उघाडने के डाटे उघेटी आपवा
थी लागतो दोष; १६ उद्भननभांगो १२ भा
दोष. साधु को धी आदि वदोराने के लिये
किबौड उघाडकर अथवा बर्तन का डाट
निकाल कर भिक्षा देने से लगने वाला
दोष; उद्भनन के १६ दोषों में स १२ वां
दोष. The 12th of the 16 Ud-
gamana faults viz. opening a
jar or a door in order to give
ghee etc. to an ascetic for
eating. पि० नि० ६३, ३६७; पंचा०
१३, ६; (२) बेदीने अहार नीकलेव-
फोडकर बाहिर निकला हुआ. sprouted
forth or shot out after pierc-
ing something. “ तेषं समणं
उम्भिजे मऊरी पोयण ” नाया० ३; सु०
न० २, ३६५;

उम्भिय. त्रि० (उम्भिय) बेदीने नीकलेव-
जन्मेव; अंजरीट उडका वगेरे. फोडकर
निकले हुए जन्मे हुए; खंजरीट, मेंडक आदि.
Come out, shot out after
piercing something; a wag-
tail, a frog etc. सूय० १, ६, ८;
दस० ४; प्रव० १२५०; —लोण. न०
(-लवण) हरिया पासे आरा पाणीथी
उत्पन्न थतुं लवण; हरियाथ मीठुं. समुद्र के
पाम खारे जल से उत्पन्न होनेवाला निमक;
दर्याई निमक. sea-salt. आया० २, १,
६, ३५; निमी० ११, ४०;

उम्भियय. त्रि० (उम्भिज्जक) पृथ्वीने बेदीने
नीकलेव प्राणी-नीड-पतंग वगेरे. पृथ्वी को
फोडकर निकले हुए प्राणी-पतंग आदि.
(An insect) coming out by
piercing the land, e. g. a
locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उम्भूइया. स्त्री० (ओद्भूतिकी) ओ
नामनी कृष्ण वासुदेवनी बेरी; इंधं पणु
आश्रय प्रसंगे लोकने जलायवा भाटे के
अमुक वपते अमुक यवानुं छे तेडवा भाटे
वगाडवानी बेरी. कृष्ण वासुदेव की बेरी का
नाम; किसी आश्रयजनक प्रसंग पर लोगों को
जाग्रत करने के लिये अथवा अमुक समय में
अमुक होगा यह प्रगट करने के लिये बजाई
जाने वाली बेरी. Name of the ket-
tle-drum of Kṛiṣṇa Vāsu deva;
a kettle-drum sounded to pro-
claim some unusual event to
people. विशेष० १४७६;

उम्भेइम. न० (उम्भेइम) समुद्र आदिभां;
उत्पन्न थतुं लवण; मीठुं. समुद्र आदि में
उत्पन्न होता हुआ निमक. Salt pro-
duced in the sea etc.; common
salt. दस० ६, १८;

उभयो. अ० (उभयतस्) भे आलुभे; भे तरङ्ग.
दो तर्फ से; दोनों ओर. On both sides.
(२) भे; २. दो; २. two; २. जं० प० ५,
११७; नाया० १; भग० २४, २२; उत्त० ११,
१७; ओव० ३१; क० गं० १, ३६; कप्प०
३, ३२; क० प० १, १३; —**काल.** पुं०
(-काल) अन्ते वप्यत. दोनों समय.
both times. दसा० १०, ३; वव० ६,
२०; —**पासिं.** अ. (पार्श्व) भे प०भे;
भे आलु दोनों तर्फ. on both sides.
सम० ३४;

उभय. त्रि० (उभय) भे. दो. Two;
both भग० ६, ३३; १२, १०; विश०
११८; ४७०; ओव० १६, ३६; अणुजो०
८; २१; दसा० १०, ३; दम० ४, ११;
५, २, १२; नाया० ११; १; पिं० नि०
सा० ३; पिं० नि० २१५; ५८०; उत्त०
१, २३; क० गं० १, २२; —(या)-
अनुपप्सि त्रि० (-अनुदर्शित्) आलोड
अने परलोड अन्तेना मृपने आदनार.
दुग लोक और परलोक दोनों लोकोंके सुख
को चाहने वाला (one) who
wishes the happiness of both
this world and the next world.
आया० १, ३, २, १११; —(या)**अभाव.**
पुं० (-अभाव) उभयता अन्तेना
अभाव दोनोंका अभाव absence of
both विश० १३३; —**अरिह.** न०
(-अर्ह) उभय-आलोचना अने प्रतिक्रमण
भे अन्तेने योग्य आलोचना और प्रतिक्रमण
इन दोनोंके योग्य; deserving both
Ālochanā (confession) and
Pratikramanā (repentance
for faults); (२) दश प्रकार
प्रायश्चित्तमानुं अेड. दश प्रकार के प्राय-
श्चित्तों में का एक one of the ten

kinds of expiation जीवा० ३;
—**पइट्ठिअ.** त्रि० (-प्रतिष्ठित) पोते
अने पर अन्ते आश्री रहैल अपने और
दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ.
in relation to oneself and
for others; i. e. applicable to
both. ठा० ४, १; —**भाग.** पुं०
(-भाग) अंदरने भे प०भे रही भेग
भेडवार नक्षत्र. चंद्रकी दोनों ओर रह कर
योग जोडने वाला नक्षत्र. a constel-
lation on both sides of the
moon's path. चंद्रस्म जोडसिंदस्म
जोडसरभो छ शकखत्ता उभयभागा उत्तरा
सिंण विसाहा पुणव्वसू रोहिणी ” ठा०
६; —**लोगहिय.** न० (-लोकहित)
अन्ते लोकनु दित कल्याण. दोनों लोकों
का कल्याण. beneficial both
for this world and the next
world. “ कल्लणभायणत्तेण उभय
लोगहियं ” पंचा० ११, ३६; —**वाय.**
पुं० (वात) अन्ते तरङ्गता वायु.
दोनों ओर का वायु. wind blowing
from both sides. नाया० ११;
—**वायजोग** पुं० (-वातयोग) अन्ते
तरङ्गता वायुना भेग. दोनों तर्फ की
वायुका योग. coming together of
winds from both sides i. e.
opposite sides. नाया० १५;
—**विसुद्ध** त्रि० (-विशुद्ध) भे प्रदारे
शुद्ध. दोनों तरह शुद्ध. pure or puri-
fied both ways. पंचा० १, २०;
—**विहण.** त्रि० (-विहीन) उलय
अष्ट; अनेथी रहित. उभय अष्ट; दोनों में
रहित. devoid of both; desti-
tute of both. पंचा० ३, ४०;
—**सुय** पुं० (-श्रुत) द्रव्य अने भाव

श्रुत. द्रव्य और भाव श्रुत. scripture of both kinds viz Dravya and Bhāva. विशेष १२६;

उभयतो. अ० (उभयतस्) लु०

“ उभयो ” शब्द. देखो “ उभयो ” शब्द. Vide “ उभयो ” भग० २४, २०;

उभयहा. अ० (उभयथा) जे प्रदारे;

अन्ते रीते. दो प्रकार में; दोनों रीतियोंमें. Both ways; in both ways. विशेष १५०;

उमा. स्त्री० (उमा) गीता वासुदेवकी माताका नाम. दूसरे वासुदेवकी माताका नाम. Name of the mother of the 2nd Vāsudeva. सम० प. २३५;

उमाण न० (अपमान) अपमान; अनादर; निरस्कार. अपमान; अनादर Insult; disrespect. आया० १, ६, १, १९;

उम्मगग. त्रि० (उम्मग) पाणीमेंथी उपर आवेत्. जल में से ऊपर आया हुआ. Emerged out of water. पगह० १; ३; जं० प० ३, ५५;

उम्मगग. पुं० (उम्मार्ग) उये आवधानो मार्ग; डुपडी मारीने गडार निकलवानो मार्ग. ऊपर आने का मार्ग. डुब की मारकर बाहिर निकलने का मार्ग. The way to come up; the emergence out of water after dipping oneself into it. “ पच्छन्न पलासे उम्मगां नालहइ भुजंगाइव ” आया० १. ६, १, १७२; पंचा० ११, ३६; क० ग० १, ५६; (२) उलटो मार्ग. उलटा मार्ग; विरुद्ध मार्ग. wrong path; contrary path. (३) उन्मार्गदर्शक. विरुद्ध मार्ग-शस्त्र; विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला. one who leads astray. अणुजो०

१५१; (४) अकार्य करनुं ते. अकार्य करना. taking to a wrong path; doing a wrong deed. “ उम्मगगवज्जण राग दोसविरण ” आया० नि० १, ५, १, २४६; —द्वि०. त्रि० (—स्थित) उन्मार्गार्थी २४६. उन्मार्ग गार्थी. (one) who has taken to a wrong or prohibited path. “ उम्मगगद्वि० सूरी तिगिण विमगं पणासंति ” गच्छा० १, २८; —देसणया. स्त्री० (—देशना-उन्मार्गस्य भवहेतोर्मोक्षहेतुत्वेन देशना कथनमुन्मार्गदेशना) उन्मार्ग-अपराध मार्ग-नी देशना-उपदेश. उन्मार्ग-खराब-मार्ग का उपदेश. unwholesome, pernicious advice, i. e. one leading astray आ० ४, ४; —देसणा. स्त्री० (—देशना) उन्मार्ग-नी देशना उपदेश देना ते. उन्मार्ग का देशना-खोटा उपदेश देना. giving a false advice, giving advice leading to a wrong path. प्रव० ६६३; —पइद्वि०. स्त्री० (—प्रतिष्ठित) अपावे मार्ग यंत्र; उन्मार्ग प्रतिष्ठा पामेत्. उन्मार्ग में प्रतिष्ठा पाया हुआ. (one) gone astray; misguided. “ भयवे काहे बिगोहं उम्मगग पइद्वि० वियाणिजा ” गच्छा० २; —पइद्वि० त्रि० (—प्रास्थित) लु० “ उम्मगग पइद्वि० ” शब्द. देखो “ उम्मगग पइद्वि० ” शब्द. vide “ उम्मगग पइद्वि० ” गच्छा० ६; —पाडवराण. त्रि० (—प्रतिपन्न) उन्मार्गने अंगिकार करेत्. उन्मार्ग को स्वीकार किया हुआ. (one) who has accepted a wrong or pernicious path or course of action. उवा० ७, २१८; —पयइ. त्रि० (—प्रवृत्त) उन्मार्ग प्रवृत्त थयेत्. उन्मार्ग में प्रवृत्त. gone astray;

started on a wrong path. सु०
च० ४, ११५;

उम्मगजला. स्त्री० (उम्मगजला-उम्मज्जति
शिलादिकमस्मादिति, उम्मग्नं उम्मग्नं जलं
यस्यां मा) निमिस्स गुफाने मध्यभागे ऐ
नामनी ऐक नदी के गेमां केहा वस्तु पडे तेने
उल्लादीने प्दार ईंटी है. निमिस्स गुफा
के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम
जो कि किसी वस्तु के पडनेपर उछलकर
बाहिर फेंक देता है. Name of a river
in the centre of a cave named
Timisra. Its water violently
throws out anything that falls
into it “ जगणं उम्मग जलाण महा-
णईण ” जं० प० ३;

✓ **उम्मज्ज.** भा० I (उत् + ऋज्) भंत्र
नगेरेथी सर्प आदिगु जेर उतारवुं. मंत्रादेग
सर्पादि का जहर उतारना. To remove
the effects of serpent-bite etc.
by incantations etc.

उम्मजेजा “तं इत्थं पुरियम्म उम्मजेजा”
वव० ५, २१;

उम्मज्ज. पुं० (उम्मज्ज) पाणीनी अंदरथी
अपदी उपर आववुं ते जव के मंतर से ऊपरी
भाग पर आना. Emerging on the
surface of water from below
it. (२) संसारनी अपदी मोक्ष उपर
वम जतर श्रद्धा, संयम, तीर्थ, योगेरे मोक्ष
वेजाने तांत श्रद्धा, संयम, तीर्थ आदि
faith, asceticism, heroism etc.,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
“ उम्मजलहुं इह माणवेहि ” आया०
१, ३, २, ११५; —**णिम्मज्जिया.**
स्त्री० (-निमाजिका) पाणीमांथी उपर

आववुं अने नीचे जवुं ते; इयादी आती
ते. जल में डुबकी मारना. alternately
to emerge out of water and
to submerge under it. “अहेउम्मज्ज
णिम्मज्जियं करेमाणे देसं पुढवीण चलेजा ”
ठा० ३;

उम्मज्जक. पुं० (उम्मज्जक) स्नान करवाने
ऐकवार पाणीमां पेशी तरत आदार निक्के
तेपो तापस; तापसनी ऐक वत. स्नान
करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर
नुरंत बाहिर निकल ने वाला तापस; तापसा
का एक जात. A class of ascetics;
an ascetic who dips himself
once in water for his bath and
immediately comes out. ओव०
३८;

उम्मज्जग. पुं० (उम्मज्जक) जुओ उपलो
शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above.
मग० ११, ६; ओव० निर० ३, ३;

उम्मजा स्त्री० (उम्मजा) पाणीमां नीचेथी
उपर आववुं ते. पानी में नीचे से ऊपर आना.
Emerging out from the bottom.
उत्त० ७, १७.

उम्मज्जिय. सं० कृ० अ० (उम्मज्ज) क्षपाने
इयादीने. शरीरको डुबाकर. Having
dipped or submerged the body
मग० १३, ६;

उम्मत्त. त्रि० (उम्मत्त) गांठा: उद्धत. पागल;
उहंड: उद्धत. Mad; insolent. प्रव०
७६७; विशेष० ३२६०; (२) गर्विष्ठ: भूत
नगेरेना बलगाड बाहुं. गर्विष्ठ; घमंडी; जिसे
भूत बमैरह लगे हो वह. proud; con-
ceited; possessed by a ghost
etc. प्रव० ७६७; पिं० नि० ५७२;

उम्मत्तगभूय. त्रि० (उम्मत्तगभूत)
उभत्त-गांठा थयेड: मदिरापानथी जेने

चित्त डेकाछे नथी अवे। उन्मत्त; पागल;
मदिरा पान से जिसका चित्त मुकामपर न
हो वह. Maddened; intoxicated
with drink. ठा० ५, १;

उन्मत्तजला. छा० (उन्मत्तजला) २५६
विष्णुनी पश्चिम सदरद उपरनी नदी;
महाविदेहनी आर अन्तर नदीमांती अेद.
रम्पक विजय की पश्चिम तट पर की नदी.
Name of a river on the west-
ern border of Rampaka Vijaya;
one of the 12 Antara Nadis
(rivers) of Mahāvideha.
“ रम्पक विजय उन्मत्तजला महाणई ”
जं० प० ठा० २, ३;

उन्मद्दण. न० (उन्मर्दन) उवटी इयाडीअे
मर्दन करुं ते. उलट रुँ की ओर से
मर्दन करना. Rubbing (i. e. oil)
on the body against the grain.
मृ० २, २, ६२; नाया० १३;

उन्मद्दिया. छा० (उन्मर्दिका) उवटी
इयाडीअे मर्दन करनेवाली दासी. उलट रुँकी
तरफ से मर्दन करनेवाली दासी. A maid-
servant who rubs oil etc. on
the body against the grain.
भग० ११, ११;

उन्माण. न० (उन्मान-उन्मायते तादित्यु-
न्मानम्) तोलथी परिमाण थाय ते; शेर,
भल्ल, कर्प, भासो वगेरे. तोल, वजन का
परिमाण; सेर, मण, तोला, मासा आदि.
A measure of weight e. g. a
seer, a mound etc. सम० प० २३६;
जं० प० ठा० २, ४; नाया० १; (२) जेते
तोलता अर्धभार प्रमाण थाय तेवे। पुरुष
उन्मानोपेत कह्लाय. जो तोलने पर अर्धभार
प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है.
a person who is Ardhabhāra

in weight is styled as Unmāno-
peta. “ सेकित उन्माण २ जगण
उन्मणिजइ ” श्रव० २०, कण० १, ८;
(३) साभा बाणसभा जेण नाभी
वस्तुने जेणस तोलथी ते. तराजु के एक
पलडेमें बाँट डालकर दुगरे पलडे से वस्तुका
तोलना. weighing a thing
against a measure of weight
in the scales of a balance. ठा०
१; अणुजो० १३२;

उन्माद. पुं० (उन्माद) गांडफल; चित्त
विभ्रम. पागल पन; चित्तविभ्रम. Mad-
ness; intoxication; mental
aberration. भग० १४, २; दसा० ७,
१२; विशेष० १४१५; (२) अत्यन्त काम-
थी उन्मत्त. अत्यन्त काम से उन्मत्त.
maddened with love or lust.
“ कह विहेण भने उन्मादे पणने गोयमा
द्विह उन्माद पणने ” भग० १४, २;
(३) यक्षादिना आवेश यक्षादि का आवेश.
being possessed by a Yakṣa
etc. ठा० २, १; —**पमाय.** पुं०
(—प्रमाद—उन्माद; संग्रहत्वं स एव प्रमादः
प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतोन्मादप्रमादः) यक्षा-
दिना आवेशथी उपयोग शून्यपणुं. यक्षादि
के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना.
listlessness or inattentiveness
due to one's being possessed
by a Yakṣa etc. ठा० ६;

उन्मादण. न० (उन्मादन) कामजुं उदी-
पन थाय ते. प्रबल काम का उर्दीपन होना.
Rise of strong passion or lust.
अणुजो० १३०,

उन्माय. पुं० (उन्माद) जेणे “ उन्माद ”
शब्द. देखो “ उन्माद ” शब्द. Vide
“ उन्माद ” भग० १४, २; दसा० ७,

२१; विशे० १४१५; उवा० ६, २५८; प्रव० १०७७; —पक्ष. दि० (-प्राप्त = उन्माद-मुन्मत्ततां प्राप्त उन्मादप्राप्तः) मोहनीय धर्भना; उदयथी गांधपञ्च थयेन. मोहनाय कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह. mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma (i. e. Karma which deludes as regards right belief etc.) वव० २, १०; १६;

उमि. पुं० (उमि) तरंग; मोदतः अंदर. तरंग; लहर. A wave. कप्प० ३, ४३; नाया० ८; पण्ड० १, ३; (२) मोदते आशारे जनसमुदाय. लहरों के आकार के समान जन समुदाय. a crowd of people resembling a series of waves. भग० २, १; —वीचि. पुं० (-वीचि) समुद्रना भेदी तरंग अने नदीना तरंग. समुद्र की बड़ी ० और छोटी छोटी लहरें. waves and ripples of the ocean. भग० १६, ६;

उमिमालिणी स्त्री० (उमिमालिनी) मेरु पर्वतनी पश्चिमे अने शीतोदा मदा नदीनी उत्तरे सुवप्र विजयनी पूर्वी करुद्ध उपरनी अन्तर नदी मेरु पर्वत के पश्चिमकी ओर, सीतोदा नदी के उत्तर की ओर और सुवप्र विजय की पर्वसामागर की एक अन्तर नदी Name of a river on the eastern border of Suvapra Vijaya to the North of the great river Sītodā and in the west of Meru mountain “सुवप्ने विजणु जयंति राय-हार्णा उमिमालिणी गई” शा० २, ३; ज० प० ४;

उम्मीलित. त्रि० (उन्मीलित) लुब्धो उपदेो शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above.

ओव० १३;

उम्मीलिय. त्रि० (उन्मीलित) विद्वित; भीक्षेन; उद्येन. फूला हुआ; खिला हुआ; विकसित. Full-blown; opened; blooming. राय० २३८; अणुजो० १६; सम० प० २१३; नाया० १; जीवा० ४;

उम्मीलिर त्रि० (उन्मीलनशाल) भीक्षनर. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. सु० च० ३, ४४;

उम्मीसिय. त्रि० (उन्मिषित) प्रकाशित. प्रकाशित. Bright; shining; opened. भग० १४, १; (२) पुं० आंख चिंत्ता-हने उद्ये तेदेो क्षण. आंख मीचकर खालनेमे लगनेवाला समय; समय परिमाण. a measure of time required for the twinkling of an eye. “उम्मी-मियाणामिसियंतरणे” जीवा० ३, १;

उम्मीस्म. न० (उन्मिश्म) भेदसेवपानु; अक्षरं थयेन; अपेक्षानो ७ भेो दोष. मिश्रत; एकत्रित; एषणा सीमांत का ७ वां दोष. Food etc. of different kinds mixed up together; the 7th fault in connection with food-begging. आया० २, १, १, १; प्रव० २७६; शा० ४;

उम्मीलिय. त्रि० (उन्मीलित) भीक्षेन. खिला हुआ. Full-blown; opened. पक्ष० २; विवा० १, ७;

उम्मीस. न० (उन्मिश्म) अपेक्षाना दश दोषभानो ७ भेो दोष. एषणा के दश दोषों में का ७वां दोष. The 7th of the ten faults connected with food-begging. दस० ६, १, ६७; पि० नि० ५२०; पंचा० १३, २८;

उम्मुक. त्रि० (उम्मुक) उथि ईडेपुं. ऊंचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. ओव० (२) सर्वथा त्याग करे; छोड़े. सर्वथा छोड़ा हुआ; त्यागा हुआ. abandoned; renounced for ever. कण० ५, १०३; विशे० २७५०; उत० ३६, ६२; नाया० १, ३; १५; पिं० नि० ६३२; भग० ११, ११; १२, १; —**कम्मकवच.** पुं० (-कम्मकवच) सङ्गत कर्मरूप इत्यनेन त्याग करे छोड़े ऐव सिद्ध भगवान्. सकल कर्मरूप कवच का जिन्होंने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान्. a liberated soul i. e. a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. ओव० —**बालभाव.** पुं० स्त्री० (-बालभाव) आठ वर्ष छोटी दीयेत बालभाव को जिसने त्याग दिया है वह. adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood. भग० १५, १; विवा० ५; नाया० १; दः १३; १४; दया० १०, ३; कण० १, ६;

उम्मूलणा. स्त्री० (उम्मूलना) अत्रथी उभेपुं; न्युटी गदर डडपुं. जड़मे उखाटना. Uprooting; eradication. “उम्मुलणा सरीरा ओ” पण्ह० १, १;

उम्मूलिय. त्रि० (उम्मूलित) उभेपुं. जड़ मूल में उखाड़ा हुआ. Up rooted; eradicated. भग० १६, ६;

उम्मेस. पुं० (उम्मेस) आंख पीकपी उधरेपी ते; आंखने पडदारे. आँख खोलना. मीचन; आँखकी पलक. A glance; twinkling of eyes. भग० १३, ४;

उम्ह. पुं० (उम्हन्) उभेपुं; गरमी. उष्णता; गर्मी Heat. ओप० नि० ४८४;

उय. पुं० (ऋतु) वसंत आदि ऋतु. वसंत आदि ऋतु. A season; e. g. spring etc. नाया० १; ५; भग० ६, ३३;

उय. अ० (उत) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. विशे० १६१०;

उयंसि. त्रि० (ओजस्विन्) ओजस्वी; अधिक मनीषत्र वाले. ओजस्वी; ओज गुण वाला; अधिक मनोबल वाले. Powerful; possessed of strong will-power. राय० २१५; सम० प० २३५;

उयट्ट. त्रि० (अपवर्त्त) कर्मकी शक्ति स्थितिते दुंकी करपी ते. कर्म की शक्ति स्थिति को अना करना. (One) who has weakened the power of Karma. भग० १, १; **उयट्टण.** न० (अपवर्त्तन) उभेपुं “उयट्ट” शब्द. देखो “उयट्ट” शब्द. Vide “उयट्ट” भग० १, १;

उयर. पुं० (उदर) पेड; गदर. उदर; पेड The belly; the stomach उत० ७, २ पिं० नि० भा० ४५; दया० १०, ४; मु० च० १, ३०४; क० ग० १, ३४;

उयगिय. त्रि० (उदरिक) उभेपुं उयगालो. जलोदर रोग वाला. (One) suffering from dropsy. विवा० ७;

उर. पुं० (उरस्) वदस्थतः छाती. छाती; वक्षस्थल. The breast. पञ्च० १; अणुजो० १२८; आया० १, १, २, १६; राय० ३२; दः ५६; पण्ह० १, ३; टा० ७; उवा० २, १०८; क० ग० १, ३४; **उरमि.** ग० ए० व० प्रव० ६७; (२) मुंदर मुंदर; खूबसूरत. beautiful; charming. टा० ४; —**कखय.** पुं० (-कख) हृदयतो धा. हृदय का घाव. a wound in the heart; a heart-sore. विशे० २१६; —**तय.** पुं०

(-तपस) गोशालाका उपासकं अथ
 गतं तपः गोशालाकं उपासकं का एक प्रकार
 का तपः a kind of austerity
 practised by the followers of
 (Gosālā. टा० ४; —परिसर्प. पुं०
 (-परिसर्प) छातीथी यावन्तार प्राणी-सर्प
 यंत्रे. छातीके बल चलनेवाले सर्पादि प्राणी.
 a reptile moving or creeping
 upon the belly; e. g. a serpent
 etc. उत० ३६, १८०; भग० ८, १;
 —परिसर्प विहाण. न० (परिसर्प-
 विधान) अर्पनी गति. सर्प की जाति.
 the serpent kind. भग० १५, १;
 —परिसर्पिणी. स्त्री० (-परिसर्पिणी)
 नागः सर्पनी स्त्री. नागिन. a female
 serpent; a female snake. “ से
 किं उरगपरिसर्पिणी २ ” जीवा० २;
 —सुत्तिया. स्त्री० (सूत्रिका) छातीमें
 पहरेवां अलङ्कार. छातीका एक आभूषण.
 an ornament of breast ज० प०

उरंउरेणं. अ० () छातीसाथे अट्ठ
 करं तु ते छाती सरसो. छाती से लगाना;
 छाती से छाती मिलाना. Embracingly;
 closing in embrace “ च उरं गिणं
 पि उरंउरे गिगिहत्तु ” विवा० ३;

उरग. पुं० स्त्री० (उरग) पेट यावन्तार-सर्प.
 पेटके बल चलने वाला सर्प. A snake; a
 serpent. उत० १४, ४७, नाया० १६; १७;
 भग० ८, १; प्रव० १९०६; —परिसर्प
 समुच्छिन्न. पुं० (-परिसर्पसमुच्छिन्न)
 छाती द्वारा यावन्तार समुच्छिन्न सर्प. छाती
 के बल चलने वाला समुच्छिन्न जीव-सर्प. a
 reptile moving on the belly. e.

g. a serpent. जीवा० १; —परिसर्पिणी.
 स्त्री० (-परिसर्पिणी) नागः; छातीथी
 यावन्तार सर्पनी स्त्री. नागिन; छातीके बल
 चलने वाली साँपिन. a female ser-
 pent; a female snake. जीवा०
 १; —वर. पुं० (-वर) उत्तम नाग; उंची
 गतिनो सर्प. उत्तम नाग; ऊँचा जाति का
 सर्प. a serpent of a high breed;
 a noble serpent. नाया० १६; ज०
 प० ३, ४५; —वीहि. स्त्री० (-वीधि)
 शुक्ती उरग नामनी वीधि गति विशेष. शुक
 की उरगनामक गति विशेष. name of a
 particular kind of motion of
 the planet Venus. टा० ६, १;

उरत्थ. न० (उरः स्थ) छातीमें पहरेवां
 आभूषण. छाती में पहरे का गहना. An
 ornament to be worn on the
 breast जीवा० ३, ३; भग० ६, ३३;
 कण० ३, ३६;

उरधम पुं० स्त्री० (उरध) भेड़; धेड़. भेड़ा;
 भेड़ा; बकरा. A sheep; a lamb.
 पत्र० १७; सूय० २, ६, ३७; जीवा० ३,
 ४; राय० ४६; पण्ड० १, १; नाया० १, उवा०
 २, ६४; उत० १, ४; —पुडसणिम. त्रि०
 (-पुडसणिम) धेड़ाना नाक धेड़. बकरेकी नाक
 के समान. resembling the nose of
 a sheep. “ उरधमपुडसणिमभा से नासा ”
 उवा० २, ६४; —रुधिर. पुं० (-रुधिर)
 धेड़ाना खोदी. बकरेका रक्त. blood of a
 sheep. जीवा० ३;

उरधिमञ्ज-य. पुं० (औरधिमञ्ज) धेड़ा-अङ्क-
 रने पावनार-भरवाड; २५५१. बकरे को
 पालकर फिर कसाई को बेचनेवाला. A

shepherd who herds sheep, goats etc. and sells them to a butcher. सूय० २, २, २८;

उरभिषय. न० (उरभीय) उत्तराध्ययन सूत्रनुं सातमं अध्यायन. उत्तराध्ययन सूत्रका ७वां अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyaṇa Sūtra. उत्त० ७;

उरय-अ. पुं० (उरज) ओक भतनो गुच्छो. एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पञ्च० १; २;

उरल. पुं० (उदारिक) विदारिक शरीर. औदारिक शरीर. The Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३५; २, ६; २१; प्रव० १११३; जं० प० २, ३०;

उरल. न० (औदारिक) औदारिक योग. औदारिक योग. Activity or vibrations of the Udārika i. e. physical body. क० गं० ४, ८; —अंग. पुं० (-अङ्ग) विदारिक शरीर. औदारिक देह. the Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३६; प्रव० १३२६; —दुग. न० (-द्विक) विदारिक अने विदारिक मिश्र ये ये प्रकृति. औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियां. the two Prakṛitis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamīśra. क० गं० २, ६; ३, ३;

उरस. त्रि० (औरस) पोतानो पुत्र. निजका पुत्र; औरस पुत्र. One's own son. टा० १०;

उरसप्प. पुं० (उरः सर्प) छातीये यावनार तिर्थेय सर्प पगेरे. छातीके बल चलने वाले तिर्थेय. A reptile walking or moving on its belly, e. g. a serpent etc. प्रव० ६७६;

उरसी. स्त्री० (उरसी) ओक भतनो

गच्छो, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पञ्च० १;

उरस्स. न० (उरस्य-उरसि भवमरस्यं) छातीनुं. छाती का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. राय० ३२; —बल. न० (-बल) हृदयबल. हृदयबल. power of the heart; will-power; strength of the heart. “उरस्सबल-समणा जण्” राय० ३२;

उराल. त्रि० (उदार) समर्थ; शक्तियुक्त. प्रबल शक्तियुक्त. Powerful. (२) उन्नत स्वभाव वालो. उन्नत स्वभाववाला. aspiring. जीवा० ५; राय० जं० प० (३) विदार. उदार. magnanimous. (४) प्रधान; श्रेष्ठ. उदार; श्रेष्ठ. chief; prominent. ओव० ३८; भग० ६; नाया० १; ५; ८; १२; १४; १६; भग० १, १; ३, १; ६, ८; ११, ११, १५, १; निर० १, १; पञ्च० ३४; जीवा० ३, ४; राय० ५६; ८१; सू० प० २०; कर्प० १, ५; (५) अति अद्भुत बहुत आश्चर्यजनक. very wonderful. सू० प० १; चं० प० २०; भग० २, १; जं० प० ओव० (६) विशाल. विस्तारवातुं. विस्तृत. extensive. आया० १, ६; १, १०; टा० ५; (७) न० ओक भतनुं शरीर; विदारिक शरीर. एक प्रकार का शरीर; औदारिक शरीर. a kind of body; Udārika Śarīra; external physical body. क० गं० १, ३७; पंचा० १, १५; (८) त्रि० विदारिक शरीर संबंधी. औदारिक शरीर संबंधी. pertaining to the Udārika body. राय० २५२; (९) स्थूल; प्रसिद्ध. स्थूल; मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सूय० १, १, ४, ६; (१०) प्रधान तप. प्रधान तप; मुख्य तप. principal or prominent austerities. नाया० १;

भग० २, १; (११) ओ नामनी लीली वन-
स्पति. एक प्रकार की हरि वनस्पति का नाम.
name of a green plant. पक्ष० १;
—तस. पुं० (-तस) स्थूल तसत्त्व.
औदारिक तसजीव. a many sensed
living being possessed of an
external physical body; a
mobile sentient being with
physical body. जीवा० १; —मिस्स.
पुं० (-मिश्र) उदारिक मिश्र योग.
उदारिक मिश्रयोग. vibratory activity
of Udārikamīśra i. e. physical
mixed with Karmic body. प्रव०
१३२६;

उपलिख-य. त्रि० (औदारिक) दा-
मांस ने रक्षितवातुं शरीर; मनुष्य अपने
निर्ययनुं स्थूल शरीर. हाड मांस और रक्षित
वाला शरीर; मनुष्य और निर्ययका प्राकृतिक
शरीर. External physical body
having flesh, blood and bone.
ठा० २, १; सम० १३; जीवा० १; नाया०
८; भग० २, १; ६, १; दसा० ५, ४०;
सम० ५० २७६; —सरीर. न० (-शरीर)
जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vide above. नाया० १८; —सरीरि.
पुं० (-सरीरिन्) उदारिक शरीर वाला जीव.
औदारिक शरीर वाला जीव. a sentient
being with Udārika or external
physical body. ठा० ६, १; जीवा० १०;
उरु. न० (उरु = विस्तार्य) विस्तीर्ण;
विशाल. विस्तृत; फैला हुआ. Extensive
vast. भग० ११, ११; —घंटा. स्त्री०
(-घण्टा) विशाल घंटा; भोटी घंटा.

बड़ा भारी घंटा. a large bell. विवा० ३;
—नायक. पुं० (-नायक) भोटी नायक.
मोटा नायक. a great leader; a
great guide. कप्प० ३, ३६; —पीवर.
पुं० (-पीवर) धोला पुष्ट. बड़ा स्थूल.
very fat; corpulent, कप्प० ३, ३६;
उरुणग. पुं० (*) वनस्पतिना वृक्ष;
ऐक सुवाले पदार्थ. वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ. A kind of soft substance.
जीवा० ३, ३;

उरुतुंगगा. स्त्री० (उरुतुम्बका) त्रय ध्रिय
वाला जीव. तीन इन्द्रियों वाला जीव. A
three-sensed living being.
पक्ष० १;

उरोरुह. पुं० (उरोरुह) स्तन. स्तन. The
female breast. ओघ० नि० भा० ३१७;
प्रव० ५४३;

उरोविसुद्ध. न० (उरोविसुद्ध—उरसि भूमिका-
नुसारण स्वरो विशुद्धो भवति इति) गायन-
की शुद्धिने ऐक प्रकार गायन की शुद्धि का
एक भेद. A particular variety of
clearness of voice in singing.
राय०

उलिङ्गमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) चटातुं;
भयातुं. चाटने में आता हुआ; खाने में
आता हुआ. Being licked or sip-
ped; being eaten. कप्प० ३, ४२;

उलुग. त्रि० (अवहण) ज्ञान थपेस.
उदास. Faded; withered; fati-
gued; wearied. नाया० १; —सरीर.
न० (-शरीर) दुर्बल शरीर. निर्बल
शरीर. an enfeebled body; a weak
and emaciated body. नाया० १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उल्लग्न. पुं० (उल्लूक) ध्रुवः. उल्लू. An owl. (२) वैशेषिक दर्शनना नेता कणाद मुनि. Saint Kanāda the founder of the Vaiśeṣika school of philosophy. विशेष० २१६४;

उल्लूग. पुं० (उल्लूक) ध्रुवः. ध्रुवः. उल्लू. An owl. सूय० २, २, १६; सम० विशेष० ११०७; —पक्ष. न० (-पत्र) ध्रुवगती पंथ. उल्लू के पंख. a wing of an owl. भग० १८, ६;

उल्लूगी. स्त्री० (उल्लूकी) ऐक प्रशरनी विद्या. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) ध्रुवगती भादा. उल्लूक स्त्री. a female owl. विशेष० २४२४;

उल्ल. त्रि० (*) क्षीजुं. क्षीजुं. आर्द्रः गीला. Wet; damp. दस० ५. १, ६६; जं० प० ३, ६६; राय० २५१; पि० नि० भा० १२; पि० नि० ३६७; ५३३; भग० ५, ७; १६, ४; नाया० २; ८; १६; उत्त० २५, ४०; —चर्म. न० (-चर्मन्) क्षीजुं चामरं. गीला चमड़ा; कच्चा चमड़ा. wet skin or leather विवा० ६; —दग्ध. पुं० (-दर्भ) क्षीजुं दाल-दालभा; ऐक जननं भव. हरित-दर्भ. wet i.e. green Darbha grass. विवा० ६; —पडसाडिया. स्त्री० (-पडसाटिका) क्षीला जडी. हरी झाड़ी. wet i. e. green thicket of trees. विवा० ७;

उल्लगच्छ. न० (*) उद्देह गच्छथी नीक-लेख ओ नामनं ऐक कुल. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot

from Uddehagana. कथ० ८; (२) काश्यप गोत्रथी नीकलेख ३ ओ गच्छ, काश्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण. the third Gana (order of saints) descending from Kāśyapa family origin. कथ० ८;

उल्लंघन. न० (उल्लङ्घन) उल्लंघनं; कुदी गच्छते. उल्लंघनाः कूदना. Crossing; leaping across. उत्त० २४, २४; श्रौत० २०; भग० २४, ७; (२) त्रि० विनय-मर्यादा उल्लंघनात्. विनय-मर्यादा का उल्लंघन करने वाला. (one) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत्त० १७, ८;

उल्लंघन. न० (उल्लम्बन) जडनी जडीमे लटकनुं अधिपुं; उद्ये लटकायनुं. झाड़ की डाली से लटकना हुआ अधिपुं; ऊंचाई पर लटकाना. Suspending or hanging anything on something above; e. g. on a branch of a tree. सम० ११; पराह० १, १; नाया० २;

उल्लंघिय. सं० कृ० घ० (उल्लम्बिय) उद्ये लटकायनि. ऊंचाई पर लटका कर Having suspended or hung on something above भग० १३, ६;

उल्लंघिय. त्रि० (उल्लम्बित) जडभां लटकायेन. झाड़ पर लटकाया हुआ. Hung or kept suspended on a tree दसा० ६, ४;

उल्लग. त्रि० (अद्रिक) आर्द्र; क्षीजुं. गीला; भीग हुआ. Wet; damp. अन० ३, ६;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

— हृत्थ. पुं० (-हस्त) भीजुं हाथ. गीला हाथ. a wet hand. भग० १५, १;

उल्लण. न० (*) ओसामज्जु. पसामण. Water in which pulse, rice etc. are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. पि० नि० ६२४; (२) भीजुं शरीर धुंछनु ते गीले शरीर का पोंछना. to wipe off a wet body with a towel etc. उवा० १०, २७७;

उल्लणिया. स्त्री० (*) धुंछवणु वस्त्र; बीना शरीरने धुंछवानुं वस्त्र. गीले शरीर को पोंछने का वस्त्र; अंगोछा. A piece of cloth to wipe off a wet body. उवा० १, २२; —विधि. पुं० (-विधि) पाशीथी बीना शरीरने धुंछवाना वस्त्रकी विधि. गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की विधि. a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body. “तथांतरं चणं माणे उल्लणियाविधि परिमाणं करेइ” उवा० १, २२;

उल्लय. त्रि० (आर्द्रक) बीजुं गीला; आर्द्र Wet; damp. सु० च० २, ४९३; भग० १५, १;

उल्लविय. न० (उल्लपित) श्रमदेय सम्म भी बातचीत करी ते; श्रमकथा. कामकथा: काम संबंधी बात चीत. Amorous talk; love talk. “अंग पंचग-संद्राणं चारुल्लविय पंहियं” उक्त० १६, ४०;

उल्लसिय. त्रि० (उल्लासित) उल्लास आनन्द पामेय. उल्लासित; प्रकुल्लित; आनन्द

प्राप्त. Delighted; joyful. सु० च० १, ३६८; प्रव० १४१३; कप्प० ३, ४०;

उल्लाइय. त्रि० (*) माटी छाणुदिथी धीपेय. गोबर मिट्टा आदि से लिपा हुआ. (Wall etc.) smeared or be-daubed with cowdung, earth etc. राय० ५६;

उल्लाय. पु० (उल्लात) प्रहार; लात. प्रहार; लात. A kick; a violent stroke. तंदु०

उल्लालिय. त्रि० (उल्लालित) ताडन करेय; उछावेय. उछाला हुआ; ताड़ित. Struck; beaten; tossed or flung up. जं० प० ५, १११; राय०

उल्लाव. पुं० (उल्लाव) बातचीत; श्रुत वचन ओतनुं ते. बात चीत. Indirect talk; conversation. पि० नि० ४२५; ४६२; अणुजो० १४६; टा० ७, १; नाया० १; सु० च० २, ५५०; ओष० नि० भा० ५६; विशेष० १४१३; (२) प्रत्युत्तर: उत्तर. जवाब. a reply; a response. “तथ्यगओ सुणइ देइ उल्लाव” प्रव० १४३;

उल्लास. पुं० (उल्लास) प्रगट करेनुं ते. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रव० १३३५; —संजणण. त्रि० (-संजनन) प्रगट करेनार. प्रकट करने वाला. (one) who manifests or brings to light. प्रव० १३३५;

उल्लिखमाण. त्रि० (उल्लिखन्) उपर लेप करेते. ऊपर लेप करता हुआ. Smearing or be-daubing the surface of anything. आया० २, १, ७, ३८;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उल्लिहण. न० (उल्लेखन) उल्लेख करवे ते; लिखुं ते. उल्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उल्लिहिय. त्रि० (उल्लिखित) धसायेत; उग्ररुपायेत. अंकित; घिसा हुआ; रगडाया हुआ. Scarred; worn out; bearing marks of being worn out. नाया० २; ओव० उत्त० १६, ६५;

उल्लीण. त्रि० (उल्लीन) गुप्त रहेत; ओक्षंतभां रहेत. गुप्त रहा हुआ; अप्रगट रहा हुआ; एकान्त में रहा हुआ. Hidden; solitary. आया० २, २, ३, ६७;

उल्लुंचिय. त्रि० (उल्लुंचित) उभंठेत; चुंटेत. उखाड़ा हुआ; चूटा हुआ. Rooted out; plucked out सु० च० २, ६७६;

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) ओ नामनी ओक्ष नदी. एक नदी का नाम. Name of a river. विशेष० २४२६;

उल्लुगातीर. न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा नामनी नदीना काँडे आवेनुं ओक्ष नगर के जेभां गंगाचार्य नामनी निन्दव थया. उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जियमें कि गंगाचार्य नामक निन्दव हुए थे. Name of a town on a bank of the river Ullugā. It was the native place of the Nihava Gaṅgāchārya. टा० ७, १;

उल्लुयातीर. न० (उल्लुकातीर) लुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समयणं उल्लुयातीरेणामं णयरं हांथा" भग० १६, ३;

उल्लेऊण. सं० कृ० अ० (आर्द्रकृत्य) लीनुं करी ने. गीला-आर्द्र करके. Having made wet. विशेष० १४५५;

उल्लोइय-अ. न० (उल्लोचित) भी भीती वगेरही लीन वगेरेनुं लेपन करवुं ते. मिश्र वगैरह से दावाल वगैरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall etc. with earth cowdung etc. "लाइ उल्लोइय महियं" नाया० १; सं० प० पञ्च० २; भग० १२, ८; सम० ओव० (२) यन्दवेओ पायेत; देखेयथी शयुगा-रेत. जहां चन्दरवा बांधा है वह स्थान. having a cloth-ceiling fastened above. ओव० २६; जीवा० ३, ४;

उल्लोच. पुं० (उल्लोच) छत; उल्लेख. छत. A cloth-ceiling. सू० प० २०;

उल्लोय. पुं० (उल्लोच) छत; यंदरवेओ; उल्लेख. छत; चंदरवा. A cloth-ceiling. राय० ६; १०७; जीवा० ३; भग० ११, १३; १४, ६; कप्प० ३, ३२; जीवा० १; राय० जं० प० ४, ८८; भग० ११, ११; (२) त्रि० जेवा थोय; दर्शनीय. देखने लायक. (a sight) worth being seen. नाया० १; ८; भग० ११, ११; १४, ६;

—**तल.** पुं० (-तल) घरनी उपरनी भाग. घर का ऊपरी भाग. the upper part of a house नाया० १; —**भूमि** स्त्री० (-भूमि) प्रासाद-भंदवन उपरनी भूमि. महल के ऊपर की भूमि. The upper part or upper floor of a palace. भग० २, ८; —**वर्णण.** पुं० (-वर्णक) भंदवनना उपरनी भागनी वर्णन. महल के ऊपरी भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग० २, ८;

उल्लोयमेत्त. न० (उल्लोकमात्र) ओतीवेत; निमेषमात्र निमेष मात्र. At a mere glance; a mere glance. भग० १५, १;

उप. अ० (उप) समीप-पासेना अर्थभां.
नजदीक के अर्थ में. Near; in the
vicinity. “ उवदंसिषा भगवया पयण-
वणा ” पञ्च० १; २; (३) समस्तपण्यं;
समग्रपण्यं. समस्तपण; संपूर्णता. an indec.
used to show “ entirety.” राय०

✓ उप+अति-ने. धा० II. (उप+अति+
नी) ग्रहण करवुं; स्वीकारवे। ग्रहण करना;
मंजूर करना. To accept; to take.
(२) प्रवेश करवे। प्रवेश करना. to
enter. (३) व्यतीत थवुं. व्यतीत होना.
to elapse; to be spent.

उवाहणित्तण्. हे० कृ० टा० ३, ४; विवा०
६; दसा० ७; १;

उवाहणित्ता. आया० २, २, २. ७८;

उवाहणावेह निसी० २, ५०; १२, ३६;

उवायणाकंति. निसी० १०, ४६; वेय० ३,
३०;

उवाय-इ-णावित्तण्. हे० कृ० वेय० ३,
३०; ४, ११; १२; दसा० ७, १;

नाया० १२; कप्प० १, ५७; ६५;

उवायणावित्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

उवाहणावंत. व० कृ० वेय० ३, ३०;

✓ उप+अय. धा० I. (उप+अय) यायवुं;
मान्यना करवी. प्रार्थना करना; मांगना. To
beg; to pray for; to solicit.
उवाहत्तण्. हे० कृ० नाया० २;

✓ उप+आगच्छ. धा० I. (उप + आ +
गम्) पासे आववुं; सन्मुख जवुं समीप
आना; सन्मुख जाना. To go near;
to approach.

उवागच्छह. ओव० ११; राय० ३६, ६७;

भग० १, १; ६; २, १; नाया० १;

१२; १६; उवा० १, ५८; ७८; ८६;

उवागच्छंति. भग० २, ५; ५, ४; ७, ६;

जं० प० २, ३३; ४, ११२; ५, ११३;

उवागच्छामि भग० ३, २; १५, १; नाया० ८;

उवागच्छामो. नाया० १६;

उवागच्छेजा. दसा० ७, १;

उवागच्छित्ता. सं० कृ० भग० १, १; ८,

७; ओव० २७; जं० प० ५, ११४;

५, ११७; नाया० १; २; ५; ८; ६;

१२; १४; १६; भग० २, १; ५;

३, १; ७, ६; ६, ४;

✓ उप+आ-लभ. धा० I. (उप + आ+लभ्)
उपेक्षा देवे। उपेक्षा देना; उपालंभ देना;
उलाहना देना. To rebuke; to re-
proach.

उवालंभति. नाया० १६;

उवालंभित्ता. सं० कृ० राय० १६७;

✓ उप+आस. धा० I, II. (उप+आस)
उपासना करवी; सेवा करवी. उपासना
करना; सेवा करना. To worship; to
serve; to wait upon.

उवासंजा. सूय० १, ६, ३३;

✓ उप+इ. धा० I. (उप+इण्) प्राप्त करवुं;
भेदववुं. प्राप्त करना. To get; to ob-
tain; to acquire.

उवेइ. उत्त० ३२, ११; ओव० ४०; अणुजो०

१६६; भग० ६, ३३; १३, ६;

नाया० १६; सूय० २, ६, १६;

दसा० १०, १, २१; विशेष० १५६;

उवेति. नाया० २; भग० १३, ६; १४, ८;

विशे० १५६;

उविति. ओव० ३४; सूय० १, २, २, १६;

उवति. दसा० ६, ६६; विशेष० १२७६;

उवेहि. नाया० १६;

उवेह. उत्त० १२, २८;

उवेत्त. सं० कृ० भग० ६, ३३;

उवित. व० कृ० सूय० १, ५, १, ६;

✓ उप+इच्छ. धा० I, II. (उप+इच्छ)
उपेक्षा करवी; अनुरक्षारी राखवी. उपेक्षा

करना; परवाह न करना; To neglect; to be indifferent to.

उवेहह. दसा० ५, ४२; सूय० १, ३, ३, २;
आया० १, ६, ३, १६३;

उवेहे. वि० उत्त० १, ११;

उवेहमाण. आया० १, ३, १, १०६; १, ४,
४, १४०; भग० ३, १;

उवहट्ट. त्रि० (उपदिष्ट) उपदेशितुं; ओधिषु.
उपदेशित; बोध दिया हुआ. Preached;
taught; advised. उत्त० २८, १८;
विशे० ३२१७; ओघ० नि० २८३; क० प०
५, २४; प्रव० ६६६;

उवहय. त्रि० (उपचित) युक्त. सहित.
Possessed of; united with.
राय० ४६; (२) उन्नत. उन्नत. raised;
exalted. ओव० (३) मांसव;
पुष्ट. मांसयुक्त; पुष्ट. fleshy. पगह० १, ४;
(४) पुं० ऐक्य जनने तेन्द्रिय उव हे
ने जमीनमांशर करी रहे छे. एक प्रकार का
तेन्द्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता
है. a kind of three-sensed living
being nestling in burrows.
जावा० १ पक्ष० १;

✓ उवउंज. धा० I. (उप+युज) उपयोग
करने। उपयोग करना. To make use
of; to be attentive.

उवउज्जह. विशे० ४८१;

उवउज्जिऊण. सं० कृ० भग० ८, १; २४,
१; १२; २०;

उवउत्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयोग सहित.
उपयोग सहित. Attentive. (२)
सावधान; सावधेत. सचेत; ध्यानपूर्वक.
careful; cautious. कण्ठ० ८; प्रव०
७७६; पंचा० १, २; १६, ४; भक्त० ६०;
राय० ४०; उत्त० २४, ७; पक्ष० २; नंदी०

२७; अणुजो० २३; पि० नि० २२२; ओघ०
नि० ५१५; भग० ५१६; ८, २; १८, ३;

उवउत्तया. स्त्री० (उपयुक्ता) उपयोग; सा-
वधेती. उपयोग; सावधानी. Cautious-
ness; attentiveness. उत्त० २४, ६;

उवपस. पुं० (उपदेश) उपदेश; ओध;
शिष्याभ्यास. उपदेश; ज्ञान; हित की शिक्षा.
Advice; teaching; ओव० २०; ३०;
४०; अणुजो० ४२; पि० नि० भा० ५१;
मु० च० ४, १०; नाया० १; ७; भग० २,
१; ७, ६६; उवा० ७, २१६; पंचा० १, २३;
भक्त० ८२; प्रव० १; गच्छा० १३३;

—रुह. पुं० (-रुचि) शुद्धोपदेश
सांभली गगूत थयेन तत्तइयि; इयि-सम-
हितने ऐक प्रकार. गुरु का उपदेश सुनकर
जो तत्त्वचि जाग्रत हुई हो वह; रुचि सम्य-
क्त्व का एक भेद. liking for right
knowledge etc. excited by
hearing the sermon of a Guru;
a variety of liking for Sama-
kita. “ छुउमथेण जिणेण च उवप
रुहति नायव्वा ” प्रव० ६६४; उत्त० २८,
१६; टा० १०; (२) त्रि० तेरी इयि-
याये। वाम रुचि वाला. a person pos-
sessed of the above kind of
liking. उत्त० २८, १६; —लद्ध. त्रि०
(-लब्ध) उपदेश पाभेन. उपदेश पाया
हुआ. (one) who has received
and accepted religious instruc-
tions. “ इय उवपसलद्धा इयावगणां
पत्ता ” उवा० ७, २१९;

उवपसग. त्रि० (उपदेशक) उपदेश-ओध-
करना२. उपदेश करने वाला. A religious
instructor; a religious preach-
er; an adviser. सूय० १, १, ४, १;
उवपसण. न० (उपदेशन) उपदेश; ओध.

उपदेश; ज्ञान; बोध. Advice; teaching. “ तद्विद्यां तु भावाणं संभावे उवपसयं ” उक्त० २८, १६; (२) उपदेश आपवे ते; भीमने कोष्ठ कार्यभां प्रवर्तायुं ते. उपदेश देना; दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. “ विद्या उवपसये ” डा० ७, अणुजो० १२६;

उवपसय. पुं० (उपदेशक) उपदेश करनेवाला. An adviser; a preacher. पंचा० १, १२;

उवओग. पुं० (उपयोग=उपयोजनमुपयोगः, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवोऽनेनेत्युपयोगः) वस्तु परिच्छेद करनेवाला होनेवाला ज्ञान दर्शनमय व्यापार; चैतन्य शक्ति. वस्तु परिच्छेद करनेवाला जीवका ज्ञान दर्शनमय व्यापार; चैतन्य शक्ति. The power of consciousness used by the soul in dealing with an object. भग० १, ४; २, १; ६, ३; ७, ४; १३, ४; १६, ६; २४, १; पञ्च० २८; जीवा० १; विशेष० ५४७; ८८०; पि० नि० ११४; प्रव० ५१; क० ग० ४, २; पंचा० ४, १६; (२) साधनपणुः साधनेना गावधाना. attentiveness; cautiousness; carefulness. श्रौव० २१; (३) पन्नवणा सूत्रा १६ भां पदनुं नाम. पन्नवणा सूत्र के १६ वें पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavanā Sūtra. पञ्च० १; (४) पन्नवणा सूत्रा तीन पदना १३ भां द्वारनुं नाम. पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद के १३ वें द्वार का नाम. name of the 13th Dwāra of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra. पञ्च० ३; (५) क्षयदुः क्षय. कायदा; लाभ. gain; advantage. सु०

च० ४, १६३; —आत. पुं० (-आत्मन्) उपयोगरूप आत्मा. उपयोगरूप आत्मा. soul in its aspect of consciousness. भग० १२, १०; —गुण. पुं० (-गुण—उपयोगः साकारानाकार चैतन्यं गुणो धर्मो यस्य स तथा) चैतन्यधर्मादेशे श्रव. चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness. “ जीवे सासए गुणओ उवओग गुणे ” डा० ५; —जुय. त्रि० (-युत) उपयोगवाला. उपयोगवाला. possessed of attentiveness or carefulness. “ तं पुणं संविगंणं उवओग जुणं तिव्व सद्धाए ” पंचा० १६; —हृया. स्त्री० (-अर्घता) उपयोगकी अपेक्षा. उपयोग की अपेक्षा. desire or wish for attentiveness or carefulness. नाया० ४; —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) उपयोगकी उत्पत्ति. birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग० १६, ८; —पद. न० (-पद) पन्नवणा-प्रज्ञापना सूत्रना २६ भां पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के २६वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० १६, ७; —परिणाम. पुं० (-परिणाम—उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) उपपरिणामनो गेड प्रक२. जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. पञ्च० १२; डा० १०; —लक्षणा. न० (-लक्षण) श्रास्ति क्षयनुं उपयोग लक्षण. जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग). the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul. भग० १३, ४;

उपंग. न० (उपाङ्ग) शरीरना अवयवना अवयव; मुख्य अवयवना अवयव; उपंग. शरीर के अवयव का अवयव (उपाङ्ग). A sub-limb of a body जं० प० अणुजो० १२७; पञ्च० २३; क० गं० १, ३४; २, ६; ५, ६२; क० प० ४, ४१; १, ५६; (२) अंग सूत्रनी पासेना उपंग सूत्र; उपवाय आदि बार उपंग. अंगसूत्र के उपवाय आदि बारह उपंग. any of the 12 Upāṅga Sūtras viz. Uvavāi etc. जं० प० १; राय० निर० १, १; ३; कप्प० १, ६; —**तिग. न० (-त्रिक)** उदारिक शरीरना अंगोपाङ्ग, वैक्रिय शरीरना अंगोपाङ्ग अने आहारिक शरीरना अंगोपाङ्ग ओ नलुने समूह. औदारिक, वैक्रियक और आहारिक इन तीनों शरीरों के अंगोपाङ्ग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz. Udārika Vaikreya and Āhāraka. क० गं० २, २३;

उपजंण. न० पुं० (उपाज्जन) गाडीना चैतने ळिगलु हेतु-थीक्ष्णो पदार्थ लगाये ते. गाडी के चाक में तैल देना. Lubricating a wheel of a carriage etc. “अवखो-वज्जणं वयणाणु लेवणं” सूय० २, १, ५६; पञ्च० २, १;

✓ **उव-कप्प. धा० I. (उप+कल्प्)** निप-लपयुं; तय्यार करयुं. उत्पन्न करना; तैयार करना. To produce; to prepare.

उवकप्पति. सूय० १, ११, १६;

✓ **उव-कस. धा० I. (उप+कप्)** पामयुं; भेदयुं. प्राप्त करना; पाना. To get; to obtain.

उवकसति. सूय० १, ४, १, २०;

उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११;

✓ **उव-कर. धा० II. (उप+कृ)** उपकार

करवे। उपकार करना. To do a good turn; to do an act of benevolence.

उवकरेड. उवा० १, ६८;

✓ **उव-कर. धा० II. (उप+कृ)** रोधयुं; रसोष्ठ करवी. सिझाना; रसोई करना. To cook; to cook food.

उवक्खडेह. नाया० २; १३; १६;

उवक्खडिंति. नाया० ८;

उवक्खडिज्ज वि० आया० २, १, ६, ५०;

उवक्खडेह. आ० नाया० ३;

उवक्खडेड. उवा० १, ६८;

उवक्खडिय. सं० कृ० नाया० १६;

उवक्खडित्ता. नाया० १६;

उवक्खडेत्ता. सूय० २, ६, ३७;

उवक्खडेह. प्रे० नाया० २; १६; भग०

१६, ५;

उवक्खडावेह. ति. प्रे० नाया० १; ७; ८; १६;

भग० ३, १; विवा० ३;

उवक्खडाविति. प्रे० नाया० १६;

उवक्खडावेति. प्रे० भग० ११, ६; १२, १;

उवक्खडावेहि. आ० प्रे० नाया० १४;

उवक्खडावेह. आ० प्रे० भग० १२, १; १८, २;

उवक्खडाविय. सं० कृ० भग० १२, १;

उवक्खडावेत्ता. सं० कृ० नाया० १; १६;

भग० ३, १; १६, ५;

उवक्खडावेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ३; ७;

भग० ३, १;

उवकरण. न० (उपकरण) उपकरण; वस्त्र आदि परिग्रह. उपकरण; वस्त्र वगैरह परिग्रह. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पण्ह० १, ५; भग० १५, १; —**अमो-यरिया. धा० (-अवमोदरिका)** उपकरणनी उलोदरी. उपकरण की उलोदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed.

ठा० ३, ३;

उपकासिय. न० (*) शरीरना अवयव; यात्र. शरीर के अवयव. Any of the limbs of the body. पण्ड० २, ४;

✓ उप-क्री. धा० III. (उप+कृ) तीप्पी नांभयुं. बिखेरना. To scatter; to disperse.

उपकीरेइ निसा० ७, २७;

उपकुल. पुं० (उपकुल) कुलनक्षत्रनी पासैना नक्षत्रो, जेभडे अश्विनी कुल तो भरणी उपकुल; कृत्तिका कुल तो रोहिणी उपकुल. कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अश्विनी नक्षत्र कुल नक्षत्र है और इस के समीप भरणी नक्षत्र उपकुल है, कृत्तिका कुल नक्षत्र का रोहिणी उपकुल है. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bharani in the vicinity of Ashvini; Rohini in the vicinity of Krittika. जं० प० ७, १६१;

✓ उप-क्रम. धा० I, II. (उप+क्रम्) क्षेत्र-वयं; भेद्युं; वापसने ये.य्य कर्युं. जमीन हलना. To cultivate; to till.

उपक्रामजइ. क० वा० विशेष० २०३६;

उपक्रमिजंति. क० वा० अणुजो० ६७;

उपक्रम. पुं० (उपक्रम) हर रवेद वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नजिद बातने निक्षेप ये.य्य कर्यी; अनुयोग शब्दविवेचननु प्रथम द्वार. दूरवतां वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाकर निक्षेप करना; अनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार. An intro-

duction; introductory remarks. अणुजो० ५६; ६११; (२) जेथी अंङगी-नो अंत आवे-आयुष्य तुटी ग्य ते. जिससे जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य दृष्ट जाय वह. that which puts an end to life. सूच० १, ८, १५; आउ० ८; प्रव० १०१७; (३) अनुदित कर्मने उदयभां आवया ते. अनुदित कर्म को उदय में लाना. causing unmaturing Karma to mature. ठा० ४, २; (४) यन्धनो आरम्भ-शब्दात्. बंध का प्रारंभ. commencement of bondage; commencement. ठा० ३, ३; ४, २; (५) उपय; ध'वात्. उपाय. means to accomplish an object; an expedient; a remedy. " निविहे उपक्रमपणसे तंजहा धम्मिणुपक्रमे अहम्मिणु उपक्रमे " ठा० ३; सूच० १, २, ३, १४; आया० १, ८, ७, ६; भग० १, ४; — काल. पुं० (-काल) हर रवेद वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नजिद बातवानी वचन. दूरवतां वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय. time for making introductory remarks or preliminary observations. " स-किलोवक्रमकालो किरियापरिणाम भूरठो " विशेष० ६१७;

उपक्रमण. न० (उपक्रमण) उपक्रम करवा; विशेषता कर्यी. उपक्रम करना; विशेषता करना. Commencement; particularisation; making preliminary observations. अणुजो० ६८;

उपक्रमिया. स्त्री० (ओपक्रमिकी) शेषादि

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

अरुण्णी यती पीडा. रोगादिक से जो पीडा हो वह. Involuntary pain caused by disease etc. "अहं उपकामियं वेय-
णं णोसम्मं सहामि" ठा० ४; २, ४; पञ० ३५; भग० १, ४;

उपकर. पुं० (उपस्कर) संस्कार शुश्रूषा. संस्कार शुश्रूषा. Attendance of a ceremony. परह० १. १;

उपकखड. त्रि० (उपस्कृत) रंधवाने आरम्भ करेहुं. पकाने के लिये प्रारम्भ किया हुआ. (Food) begun to be cooked. पि० नि० १७०; जीवा० ३, ३; ओघ० नि० भा० ५४; नाया० २; उत्त० १२, ११;

उपकखड. पुं० (उपस्कर) रंधवानी सामग्री. पकाने का सामान. The articles for cooking. ओव० —संपरण त्रि० (—संपन्न) रंधवानी सम्पूर्ण सामग्री थी नीप-
न्देय आतपजेरे. आहार का एक भेद; सिक्काने से उत्पन्न भात वगैरह. a kind of food; food prepared by cooking. ओव०

उपकखडिय. त्रि० (उपस्कृत) संस्कार पमादेश. संस्कार किया हुआ. Seasoned. भग० १५, १; नाया० १६;

उपकखर. पुं० (उपस्कर) धरना उपकरण; धरनपरी, घर के उपकरण; घर सम्बन्धी सामान. Household furniture. (२) दीप आदि. हींगादि. asafetida etc. ठा० ४; —संपरण त्रि० (संपन्न) दीप आदि थी वगैरह. हींग आदि से बघारा हुआ. seasoned, spiced with asafetida etc. ठा० ४, २;

उपकखो. धा० I, II. (उप+ख्या) नामनि-
र्देश करेवा. नामनिर्देश करना. To make mention of a name.

उपकखोउजंति. क० वा० भग १६, ३;
२०, १; सूय० २, ४, १०;

उपकखोइआ. स्त्री० (उपाख्यायिका) उप-
कथा; प्रासंगिक कथा. उपकथा; प्रसंग सम्बन्धी कथा. An episode; a story sub-
ordinate to the main story; an episodical story. नंदी० ५०;
सम० ६;

उपकखोइत्तार. त्रि० (उपाख्यातृ) अपाणि-
प्रसिद्धि भेदवन्तार. प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला. (One) who has won renown. सूय० २, २, २६;

✓ **उप-गम.** धा० I. (उप+गम्) पास आयेहुं; नजदीक आयेहुं. पास आना; नजदीक आना. To come near.

उपगम्म. सं० कृ० विशेषे ३१६६;

उपगमन. व० कृ० सम० ३०;

उपगयअ त्रि० (उपगत) पायेहुं; प्राप्त थेयेहुं. पया हुआ; प्राप्त. Acquired; got; (one) who has got. राय० ३३; ३५; कप्प० ४, ६२; ओव० ३१; विवा० २; सूय० २, १, ५६; अणुजो० १३; नाया० १५; ६; १७; भग० ३, २; १६, ३; उवा० १, ६६; २, ६६; (२) युक्त; युक्त. possessed of; united with. राय० कप्प० १, २; —सलाहत्त. न० (श्लाघन्व) २४ भो सत्य वचनता अनि-
शय. सत्य वचन का २४ वां अनिशय the 24th supernatural mani-
festatation of truthfulness of speech. सम० राय०

उपगरण न० (उपकरण) वस्त्र पात्र वगैरे निर्वाहना साधन. निर्वाह की सामग्री; वस्त्र, पात्र आदि. Articles of use, such as clothes, utensils etc; आव० ४, ६; प्रव० १५, १६; ५०४; राय० २६७; ओव० १६; उत्त० १२, ४; जं० प० २, ३१; आया० १, २, १, ६२; २, ३, ३, १४;

दसा० ४, ६१; विशेष० १६४२; अणुजो० १३४; पि० नि० २४६; भग० १, ८; ३, १; ५, ४; दस० ४; —**इन्द्रिय**. न० (इन्द्रिय) शब्दादिने ज्ञानायामां हेतुरूप शक्ति विशेष. शब्दादि को जानने में हेतु रूप शक्ति विशेष. a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc. विशेष० १६४; —**उत्पादयथा**. स्त्री० (—उत्पादनता) उपगारण्य ऐक्यं करवा ते —आणी आपवा ते. उपकरणों को इकट्ठे करना. collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc. “ सेकित्तं उपगारणं उत्पादयथा चउविहा पण्णता ” दसा० ४, ८६; —**जात्र**. न० (-जात) उपकरण्यनी जनत; उपकरण्यना प्रकार. उपकरण के भेद; उपकरण का जाति. varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc. वय० २, २०; ४, २४; दस० ४; वव० ७, १७; ८, ११; निमो० ४, ३०; १५, ३५; —**द्वयामोयरिया**. स्त्री० (-द्वयामोदरिका) साधुने राख्यवान्नेह्ये तेना करवा पण्य आण्य उपकरण्य राख्यते; द्रव्य उल्लादरीने ऐक्य प्रकार. साधु के रखने योग्य उपकरणों से भी कम उपकरण रखना; द्रव्य उनोदरी का एक भेद. limitation of implements of use such as clothes etc., beyond that prescribed for even a monk. भग० २५, ७; —**पण्णिहाण**. न० (-प्रणिधान) लोकिक उपकरण्य-गृहादि, अने लोकोत्तर उपकरण्य—वस्त्रपात्रादि, तेनुं प्रणिधान—उपभोग-प्रवर्तन. लोकिक उपकरण्य-गृहादि—और लोकोत्तर उपकरण्य-वस्त्रपात्रादि का उपभोग. use of such worldly possessions as a house etc.; also that

of such implements as clothes utensils etc., by monks. ठा० ४, १; —**संजम**. पुं० (-संयम) महाभुक्ष्यवालां वस्त्रतो त्याग करी साधा धोला वस्त्र पहरेवां ते; संयमनो ऐक्य प्रकार. मूल्यवान् वस्त्रों का त्याग कर सादे सफेद वस्त्रोंको पहिना; संयम का एक भेद. a variety of ascetic conduct; giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments. ठा० ४; —**सवर**. पुं० (-सवर) संवरतो ऐक्य प्रकार; साधुने प्रभाण्य उपरांत तथा अकल्पनीय उपकरण्य न लेव; ते. संवर का एक भेद; साधुका प्रमाण से अधिक तथा अकल्पनीय उपकरण्य न लेना. a mode of the stoppage of Karma; non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit. ठा० १०;

उपगसित्ता. सं० कृ० अ० (उपकस्य) सभीपे आवीति. समाप आकर. having approached. “ मणं बंध माणं हिंसे गेहिं कलुणं विणीयमुपगसित्ताण ” सूय० १, ४, १, ७.

उपगाइज्जमाण त्रि० (उपगीयमान) गवातुं. गाया जाता हुआ. Being sung. ‘उपगण चिउम्माणे उपगाइज्जमाणे उपलालिउम्माणे’ राय० २८६;

उपगार. पुं० (उपकार) उपकार. उपकार. A good turn; a benevolent deed; benevolence; kindness. नंदी० —(रा) **अभाव**. पुं० (-अभाव) उपकारनो अभाव; अपकारी पण्य. उपकार का अभाव; अपकार. absence of benevolence or kindness; un-

kindness. “ उवगाराभावम्मिदि पूआणं
एजग्गस्स उवगारो ” पंचा० ४, ४४;

उवगारण. न० (उपकारण) उपकार करने
करावणे ते. उपकार करना कराना. Show-
ing kindness or causing others
to show it to those in distress.
“ उवगारणपारणासु विण्णओ पडिजियम्बो ”
पण्ह० १, ३;

उवगारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करनेवाला;
उपकारी. Benevo-
lent; kind; helpful. पंचा० ४, ४१;

उवगारियलेण. न० (उपकारिकालयन)
प्रासादमां दाअल थयाने उपकारकथाय तेवे
थानरे वजेरे; प्रासादपीठ. प्रासाद में जानेके
समय चढ़ने का ओटला; प्रासादपाँठ. A
small platform to ascend the
palace. भग० ३, ७; १३, ६;

उवगाहित्तप. सं० कृ० अ० (अवगाहितुं)
अवगाहन करनेके लिये.
In order to enter or pervade.
नाया० ८;

उवगिज्जमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातुं.
गाता हुआ. Singing; being sung.
नाया० १; १६; भग० ६, ३३; राय०
२७५; जं० प० ३, ५२; ३, ६७;

✓ **उवगिण्ह.** धा० I, II. (उप + ग्रह्)
ग्रहण करने. ग्रहण करना. To take; to
accept.

उवगिण्हह. भग० ५, ४;

उवगिण्हमाण. भग० ५, ६;

उवगीयमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातो.
गाता हुआ. Singing. विवा० ६

उवगूढ. त्रि० (उपगूढ) संस्पृष्ट; अऽक्षेत्र.
छुआ हुआ; स्पर्श किया हुआ. Touched
by; in contact with. सूय० १, ४,
१, २७; नाया० १८; (२) युक्त्वा. युक्त;

साहित. joined with; possessed of.
“ गुंजावक्क कुहरीवगूढं ” राय० (३) धुपाधं
रेहेतुं; अराधं रेहेल. छुप कर रहा हुआ.
remaining hidden or concealed;
hiding; lurking. राय० ८६;

उवगूहण. न० (उपगूहन) आलिगन.
आलिगन; भेट; मिलाप Embrace;
pressing to the bosom with
affection. “ आरुहणायद्वेहिं बालय-
उवगूहणेहिं ” तंदु०

उवगूहिअ. त्रि० (उपगूहित) आलिगन
करेला. आलिगन किया हुआ. Embraced.
तंदु० राय० नाया० ६;

उवगूहिज्जमाण. त्रि० (उपगूह्यमान) आलि-
गन करातुं. मिलाप कराता हुआ. Embrace-
ing. “ उवलालिज्जमाणे उवगूहिज्जमाणे ”
नाया० १; राय० २८६;

उवग्ग. अ० (उपाग्र) समीपमां; नजिक.
नजदीक; समीप. Near; in the vic-
inity. विशेष० ३०१५;

उवग्गह. पुं० (उपग्रह) उपाधि; जेथी अव-
धे ते. उपाधि; कर्मबंध का कारण. Any
possession which prolongs
one's stay in the cycle of births
and deaths. ओव० पज्ज० ३६; (२)
अनष्टम्भ; टेका. टेका; आधार. A
support. गच्छा० १५; ओव० पि० नि०
६६; भग० ६, ६; (३) आशा. आज्ञा;
हुक्म. order; command. नाया० १३;
१४; नाया० ४० — **कम्म.** न० (-कर्मन्)
अवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम,
अने गोत्र अे आरमातुं अमे ते अेक.
अवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम और
गोत्र इन चार कर्मों में से कोई भी एक
कर्म. Karma which is helpful in
prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Āyusya, Nāma, Gotra and Vedaniya. पञ्च० ३६; —कुशल. त्रि० (—कुशल) अनुग्रह करणामि कुशल. अनुग्रह-उपकार-करने में कुशल. (on३) proficient in showing favour, kindness etc. वच० ३, ३; —दया. स्त्री० (—अर्थता) अवग्रहणी अपेक्षा अवग्रह की अपेक्षा. a desire or wish for Avagraha i e. favour, help etc. ठा० ५, ३;

उवग्गाहिय. त्रि० (श्रीप्राहिक) पाडीयाई: साधुओं थोड़ा वपन राभी पाधुं धुलीने सापी देवयोग्य वस्तु-उपाधि. ऐसा वस्तु जो कि साधु थोड़े समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता है; वापिस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary use. भग० ६, ३१; ओष० नि० ७२६;

उवग्गाहिय. त्रि० (उपगृहीत) उपस्थापन करे. उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order. पञ्च० २३;

उवग्गाय. पुं० (उपोद्घात) प्रस्ताव; उपोद्घात उपोद्घात: प्रस्ताव. An introduction; a preface अणुजो० १५५; विशेष० ६७२;

उवघाद्व्य-य. पुं० (उवघात) विनाश; मरण; संहर. विनाश; मरण; गंहार. Death; destruction; annihilation. क० गं० १, २५-४८: ५, ७-७०; क० प० १, ६८; प्रव० १२७७; १३८८; पिं० नि० भा० २४; आवि० पञ्च० ११: २३; पण्ह० १, १; (२) आघात-भोत्रादि छद्रियोने वाञ्छित वगेरेना शब्दधी धक्का लागे ते. भोत्रादि इन्द्रियों को वाञ्छ आदि के शब्दोंदिके धवण

वगैरह से जो धक्का लगे वह. an impact given by sound etc. to the sense-organs e. g. ears etc. विशेष० २०४; (३) पिण्ड शय्या वगेरेनुं अकल्पनिकपाधुं: जेथी साधुने आधार, शय्या वगेरे कल्पे नहि तेवे दाय. पिण्ड शय्या आदिकी अकल्पनीकता. food, bed etc. used by an ascetic against the rules of scriptures. ठा० ३, ४; —कम्म. न० (—कर्मन्) भीमनी धात धाय तेवी किया. दूसरे का घात जिस से हो ऐसी किया. an act which involves destruction of other living beings “ आसूणि मक्खिरागं च गिद्धुमुवघायं कम्मगं ” सूय० १, ६, १५; —कम्मग. न० (—कर्मक) लुभ्ये उपये शब्द. देखो उपरका शब्द. vide above सूय० १, ६, १५; —नाम. न० (—नामन्) नामकर्मनी ओक प्रकृति. नाम-कर्मका एक प्रकृति. a variety of Nāma-karma. सम० २८; —सिंसिय. न० (—निश्चित) दशमं मृषा-जुं दशवीं कूट; असत्य का दशवां भेद. the 10th variety of falsehood or lie. प्रव० ८६६; ठा० १०. —उज्ज. त्रि० (—वर्ज) उपघात नामकर्मनी प्रकृति शिवायनुं. उपघात नामकर्म की प्रकृति के अनिर्दिष्ट. with the exception of the variety of Nāma-karma known as Upaghāta. क० प० ४, ३;

उवघाद्व्य. त्रि० (उपघातिन्) घात करना; मारना. घात करने वाला; मारने वाला. A destroyer; a slaughterer. उत्त० १, ४०;

उवघाद्व्य. त्रि० (उपघातिक) उपघात-नाश करना दूसरेकी घात करने वाला.

(One) that kills or destroys another. दस० ८. २१;

उवघाह्या. ली० (उपघातिका) प्रायश्चित्त-
नो अेक प्रकार; आरे प्रायश्चित्तमांथी थोडा
वधत आह करी अधु प्रायश्चित्त आपनु ते.
प्रायश्चित्त का एक प्रकार; भारी प्रायश्चित्त में
से थोडा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त
देना. A mode of expiation;
making an expiation lighter
by curtailing the time requir-
ed for its due performance
and then prescribing it to a
sinner. (२) २८ आचारप्रकल्पमांनु
अेक. २८ आचारप्रकल्प में से एक. one
of the 28 Āchāra Prakalpa.
“ उवघाह्या आरोवणा अणुघाह्या आरो-
वणा ” सम० २८;

✓ **उवचिय.** धा० I. (उप+च्यु) च्युतुं;
नाश थवे. च्युत होना; नाश पाना To
destroy; to ruin.

उवचयंति भग० २, ५;

उवचय. पुं० (उपचय) पुष्टि; वधारो; वृद्धि.
वृद्धि; बढ़ती; पुष्टि. Increase; growthn.
भग० २०, ४; पि० नि० २; १०१; मु० च०
१, ३१५; राय० २५०; (२) छिद्रिय येअ
पुद्रजनो संग्रह करी छिद्रिय पर्याप्ति आंधवी
ते. इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संग्रह करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को बांधना. develop-
ment or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पञ्च० १५;
परह० १, ४;

✓ **उव-चर.** धा० I. (उप+चर्) पासे आवी
उपसर्ग आपवे-कष्ट आपनुं. सपीप आकर
उपसर्ग करना-कष्ट देना. To trouble
or annoy by approaching.

उवचरंति. आया० १, ६, २, ७;

उवचरअ-य. पुं० (उपचरक) सेवाने भिषे
थीअने उतारी पाडवानी तक गेनार. सेवा
के बहाने दूसरे के पतन का मौका ताकने
वाला. One who watches for an
opportunity to bring another
into disgrace while pretending
to serve him. सूय० २, २, २८;

उवचरिअ. त्रि० (उपचरित) उपचार करेअ.
उपचार किया हुआ. Worshipped.
पंचा० ६, १०;

उवचार. पुं० (उपचार) पूज सामग्री.
पूजा सामग्री Materials of wor-
ship पणह० १, ३;

उवचिअ-य. त्रि० (उपचित) पुष्ट थयेनुं;
वृद्धि पायेनुं; अवन प्रदेशथी व्याप्त थयेनुं.
पुष्ट; वृद्धि प्राप्त; जीव के प्रदेश से व्याप्त.
Grown; developed; increased.
“ उवचिप्रतयपत्तरवालं कुर पुष्क फल
समुद्दह ” जं० प० २, ३८; विशे० ८६४;
दस० ७, २२; नाया० १; ४; पञ्च० २;
ओव० १०; भग० १, १; ६; २, १; दमा०
१०, १; उवा० २, ६५; कण्ठ० २, १४; ३,
३२-३४; (२) सहित. सहित; युक्त.
accompanied with. अणुजो० ५३;
जीवा० ३, १; (३) स्थापित; गेहवेअ-
स्थापित; जमाया हुआ. established;
settled; arranged. (४) संभारेनुं;
अभावेनुं. सम्हाला हुआ; कमाया हुआ.
mended; tanned; cured (lea-
ther). राय० १६२;

✓ **उव-चिह्न.** धा० I, II. (उप+छा)
समीप अणुं; पासे स्थिति करवी. समीप में
स्थिति करना. To stand in front
of; to go to.

उवचिह्न. नाया० १; सु० च० ३, २४१;

उवचिष्टांते भग० ७, २;

उवचिष्टे. वि० उत्त० १, २०;

उवचिष्टिजा. वि० उत्त० १, ३;

उवचिष्टिजा. वि० दस० ६ ११;

✓ उव-चिण. धा० II (उप+चि) उपयय
इरवे; वृद्धि इरवी. उपचय करना; वृद्धि
करना. To increase; to grow; to
develop.

उवचिणइ. भग० १, १; १, ७; ६; उत्त०
२६, २२;

उवचिणिंति. टा० ४, १;

उवचिणिस्संति. टा० ४; १;

उवचिणिनु. भू० टा० ४, १;

उवचिजइ. क० वा० भग० १, १०;

उवचिजन्ति. भग० ६, ३; २५, २;

✓ उव जा. धा० I. (उप+या) पास जायुं;
मिलयुं. पास जाना; मिलना. To go to
or near; to meet.

उवयाइ. भक्त० ७२;

✓ उव-जीव धा० I. (उप+जीव्) उपययुं;
निर्वाह इरवे। जीना; निर्वाह करना. To
live; to maintain livelihood.

उवजीवइ. भग० २, १; वव० ६, ६; सूय०
२, ५, ३१;

उवजीवंति. भग० ४१, १;

उवजीवि. त्रि० (उपजीविन्) आश्रयिन् अला-
यनार. आजीविका चलाने वाला. (One)
who maintains livelihood; (one)
who supports life पि० नि० २६६;

उवजुंजिऊण. मं० क० अ० (उपयुज्य) उपयोग
इरवे। उपयोग करके. Having used;
having made use of. भग० ८, १;

उवजुत्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयोग सहित.
उपयोग सहित. Full of carefulness
or attentiveness. प्रव० ६८;

उवजोहय. पुं० (उपज्योतिष्क = ज्योतिष;

समीपे तिष्ठन्तीति उपज्योतिषस्तत्पुत्रोपज्यो-
तिष्काः) अग्नि पास रहने वाला; रसे इया. One
who remains near fire; a cook.
(२) अग्निहोत्री. अग्निहोत्री. one who
consecrates and maintains the
sacred fire. उत्त० १२, १८;

✓ उव-पज्ज. धा० I. (उप+पद्+य)
उत्पन्न थयुं. उत्पन्न होना. To be born;
to be produced.

उववज्जति. दमा० ७, ७;

उववज्जित्तण. ह० क० भग० ७, ६; ३४, १

✓ उव-पज्ज. धा० II. (उप+पद्) उप
उत्पन्न थयुं पैदा होना; उत्पन्न होना.
To be born or produced.

उववज्जइ. भग० १, ७; ३, ४; ५; ४, ६;
८, १०; नाया० १६;

उववज्जति. ओष० ३८; उत्त० ८, १४; सू०
५० १६; भग० २, ५; ७, ३; १०, ४;

११, १; १२, ६; १३, १; १६, ३; २०,

११; २३, ५; २४, १; १२; २५, ८;

३०, १; ३५, ४; ४०, १; ४१, १;

उववज्जज्जा. भग० १, ७; १२, ८; १७,
६; २०, ६; २४, १; ३४, १;

उववज्जहिंति. भग० २, १; ७, ६; ११,
११; १३, ६; १४, ८; १५, १;

नाया० ध० उवा० १, ६२; ६०;

२, १२५; ओष०

उववज्जहिंति. नाया० १; १४; भग० ३, १;
७, ६; विवा० १; जं० प० २, ३६;

उववज्जहिमि. उवा० ८, २५५; २५६;

उववज्जिस्सह. भग० ३, १;

उववज्जित्तण. हे० क० भग० ३, ४; ५, ३;

६, ५; ७, ६; ७, १२, ६; १७, ६;

७; १८, ५; ८; २०, ६; २४, १;

२६; ३४, १; पञ्च० १६;

उवज्जिज्जा. सं० कृ० भग० ११, ६; २०, ६;

उवज्जिज्जा. सं० कृ० भग० ६, ५;

उवज्जिज्जा. सं० कृ० पञ्च० १६;

उवज्जिज्जा. भग० १, २; ६; ७; १२, ८;

२४, १; २; २०; २५, ६; ३४, १;

४१, १;

उववायप. प्रे० वि० उत्त० १, ४३; दस०

८, ३३;

उवज्जोह. त्रि० (उपज्योतिष) ज्योति-

अग्नि समीपवर्ती. ज्योति. अग्नि समीपस्थ.

(One) who remains near the fire; remaining near the fire.

सूय० १, ४, १, २६;

उवज्झाय. पुं० (उपाध्याय-उपसमीपमागत्य-

अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचनं येभ्यस्त उपा-

ध्यायाः) उपाध्यायः; शास्त्रतुं अध्ययन इति-

यनाः; उपाध्याय, शास्त्र का अध्ययन कराने

वाला. An Upādhyāya or precep-

tor; a teacher of scriptures.

दसा० १, १; वेय० ४, १५; नाया० २;

२०; भग० १, १; ५, ६; ८, ८; २५, ७;

आव० २०; ४१; उत्त० १७, ४; मम० ४०,

आया० २, १, १०, ५६; राय० १; पञ्च०

१६; वव० १, २६; २६; आव० १, २;

भत्त० ४८; कण० १, १; —पडिणीय. पुं०

(—प्रत्यनीक) उपाध्यायनो शत्रु. उपाध्याय

का शत्रु; an enemy of an Upā-

dhyāya or preceptor. भग० ६,

३३; १२, १; —वेयावच्च. न० (—वेया-

वृत्त्य) उपाध्यायनी सेवा इति ते. उपाध्याय

की सेवा. rendering of service to

an Upādhyāya or teacher of

scriptures. भग० २५, ७; ठा० ५, १;

वव० १०, २७;

उवज्झायत्त. न० (उपाध्यायत्व) उपाध्याय

पक्ष. उपाध्याय पना. State of being

an Upādhyāya or teacher of

scriptures; preceptorhood. वेय०

४, १६; १७; वव० ७, १६;

उवज्झाय-ता. स्त्री० (उपाध्यायता) उपाध्याय

नी पदवी. उपाध्यायकी पदवी. Degree or

title of an Upādhyāya or pre-

ceptor. ठा० ३, ४; वव० ३, ४; ७;

उवदठंभ. पुं० (उपट्ठम्भ) टेका. टेका. A

support प्रव० १३८१;

✓ उव-ट्ठव. धा० I, II. (उप + स्था)

प्रेक्ष्यतु; तैयारी इति; महाव्रततुं आरोपण

इति; तैयारी करना; मेल मिलाना; जमाना;

सजाना; महाव्रतका आरोपण करना. To

make preparations or arrange-

ments; to administer the great

vows.

उवट्ठवेह. नाया० १; ४; ८; १२; १३;

दसा० १०, १;

उवट्ठवेति. नाया० ८; भग० ७, ६;

उवट्ठवेसि. नाया० १२;

उवट्ठवे. दसा० १०, १;

उवट्ठवेह. आ० नाया० १; ५; ८; १२;

१६; भग० ७, ६; ८, ३३; आव०

२६; ३०; राय० २२६; उवा० ७,

२०६; जे० प० ५, १२०;

उवट्ठवेत्ता. भग० ६, ३३; निर्सा० १४, ४८;

नाया० १; १३;

उवट्ठवणा. स्त्री० (उपस्थापना) महाव्रततुं

आरोपण इति; ते. महाव्रत का आरोपण

करना. Investing with full vows

(i. e. ascetic vows). पंचा० १७, ३१;

✓ उव-ट्ठा. धा० I, II (उप + स्था + णि)

उपस्थित रहेंतु; तैयार रहेंतु. तैयार रहना;

उपस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep

(oneself) ready or prepared.

उवट्ठाह. जे० प०

उवट्टंति. अणुजो० २१;

उवट्टांसु. भग० १५, १;

✓ उवट्टाव. धा० I, II. (उप+स्था+णि)

चारित्र्यमां स्थापयितुं; महाव्रतनुं आरोपयुं करतुं. महाव्रत का आरोपण करना. To establish (a fresh disciple) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.

उवट्टावेह. नाया० ८; निसी० ११, ३४;

उवट्टाविंती. नाया० ८;

उवट्टावण्जा. भग० १, ४; वव० १, २६; २७;

उवट्टावेह. आ० भग० ७, ६;

उवट्टावित्तण. हे० कू० टा० २, १, सूय० २, ७,

१५; वव० २, १६, ६, २०; १०, १८;

उवट्टावेत्तण. टा० ३, ४;

उवट्टाण. न० (उ+स्थान) भेदः सभाः

मंडप. बैठक; सभाः मंडप. A seat; a meeting-place; a hall of assembly. कण्ठ० ४, ८८; भग० १, ३; ३, ७;

नाया० २; (२) मंथम अनुष्ठान संयस का अनुष्ठान. observance of asceticism. सूय० १, १, ३, १४; —साला.

स्त्री० (-शाला) राजसभा; भेदः. राजसभा; बैठक. a seat; a hall of audience; a royal council-hall.

नाया० १; ५; १६; जं० प० ३, ४३; भग० ७, ६; ६, ३३; ११, ११; निर० १, १;

नाया० ध० दसा० १०, १; “ बाहिरियाणु उवट्टाणसालाणु पडिण्ण पडिण्णहा जत्तमि सुहाइ जुत्ताइ जाणाइ उवट्टवेह ” आ० ११; २६; कण्ठ० ४, ५८;

उवट्टाणिअ. न० (उपस्थानिक) भेट;

पक्षीस; नञ्शब्दो. भेट; इनाम पारितोषकः नजराना. A gift; a present. जं० प० ३, ६४; ३, ४४;

उवट्टाणिया. स्त्री० (उपस्थानिका) पास

भेसनारी दासी. समीपमें-पास में बैठनेवाली दासी. An attendant female servant; a waiting maid-servant. भग० ११, ११;

उवट्टावण. न० (उपस्थापन) दीक्षा लीधा पछी सात दिवसे आर भद्विने ३ ७ भद्विने महाव्रतनुं आरोपयुं करतुं-भेदोटी दीक्षा आपनी ते; छेदोपस्थापनीय चारित्र्य आरेपयुं ते. दाक्षा लेने के बाद गात दिन, चार मास या छे मास के नंतर महाव्रत का आरोपण करना: बड़ा दाक्षा वेना: छेदोपस्थापनीय चारित्र्य का आरोपण. Fresh admission after expulsion from the order of monks. वव० १०, १२; १३; टा० ४, २; —अन्तेवासी. पुं० (अन्तेवासिन्) गेने छेदोपस्थापनीय चारित्र्य आप्पुं छेय तेवे शिष्य. जिसे छेदोपस्थापनीय चारित्र्य दिया हो वह शिष्य. a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १३; १४; (ण) —आयरिअ. पुं० (-आचार्य) भेदोटी दीक्षा आपनार आचार्य, गुरु. बड़ा दाक्षा देनेवाले आचार्य. a preceptor entitled to re-admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. टा० ४, ३; —आरिअ. पुं० (-आचार्य) उपस्थापना छेदोपस्थापनीय चारित्र्य आपनार गुरु. छेदोपस्थापनाय चारित्र्य देनेवाले गुरु. a preceptor re-admitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १२;

उवट्टिअ-य. त्रि० (उपस्थित = उप समीपनेन स्थितः उपस्थितः) पागे आवेस; दाण्डे थयेस. समीप में आया हुआ: हाजिर रहा

हुआ. Come near; approached; present. “ उवडियामे आयरिया विजामंत तिगिच्छमा ” उत्त० २०, २२; नाया० ८; दस० ४; ६, २, ५; सम० ३०; प्रव० १२५; आया० १, ४, १, १२६; भग० १, ६; ७, ६; सूय० १, १, २, ५; उत्त० २५, ५; ओघ० नि० ५१५;

उवडहिस्ता-र. त्रि० (उपद्रष्टृ) आगनार. जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to. सूय० २, २, १८;

✓ उव-ढोय. धा० II (उप+ढोक्) मानता. यज्ञवर्षी: धरतुं मानता करना: मानता चढाना. To offer for acceptance e. g. before a deity; to present as an offering

उवढोइति. स्० च० २, ३३६;

उवणञ्चिउजमाण. पु० (उपनृत्यमान) नाचता. नाचता हुआ; नृत्य करता हुआ. One who is dancing. भग० ६, ३३; ज० प० ३, ६७; ३, ५२;

उवणत्थ. त्रि० (उपन्यस्त) तैयार करेता. तैयार किया हुआ. Made ready; prepared. दस० ५, १, ३९;

उवणद्ध. स्त्री० (उपनद्ध) धातुं बहुत. Much; more; in a great quantity. भग० ६, ३३;

उवणय. पु० (उपनय) प्रकृत वस्तुनी साथे उदाहरणनी घटना करवी ते. प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the five-membered Indian syllogism (in logic); the application of the Udāharana or illustration to the special case in question. ओघ० नि० भा० ४४; विशे० ३१५२; (२) भेटणुं; अक्षीस. डालां; इनाम; पारितोषक.

a gift; a present. राय० २३७; (३) शुश्रूणी तारीक्ष; प्रशंसा. प्रशंसा. praise or appreciation of merits or virtues. प्रव० ६०३; —वयण. न० (—वचन) प्रशंसा वचन जेभ अमुक स्वरूपवान् अने सुशील छे ते. प्रशंसाके वचन. words of praise or admiration. प्रव० ६०३;

उवणयण. न० (उपनयन) कलायार्थ पारसे आबडने कला शिक्षवपी ते कला के आचार्य मे बालक को कला सिखवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११; पगह० १, २; राय० २८८;

उवणिकिस्वन्न. त्रि० (उपनिक्षिप्त) भुकेल रखा हुआ Placed; deposited. वेय० २, ४;

उवणिकिस्वयव्य. त्रि० (उपनिक्षिप्तव्य) पाछुं भुकेलुं. फिरसे रखना. Placing or depositing again. वेय० ४, २४;

उवणिग्गय. त्रि० (उपनिगत) नीकलेल; आदर आवेल. निकला हुआ; बाहिर निकला हुआ. Come out; got out; emerged. ओव०

✓ उवणिमंत. धा० II. (उप+नि+मंत्र) निमंत्रणुं करवुं; नेतइ देवुं. निमंत्रण करना; न्योता करना. To invite; to give an invitation.

उवणिमंतइ. नाया० १; ८; १४; १६; भग० १२, १; सम० ३३;

उवणिमंतैजा. भग० ८, ६; वेय० १, ३७;

उवणिमंतैहि. नाया० १४;

उवणमंतह. नाया० १;

उवणिमंतैहिति. ओव० ४०;

उवणिविद्. त्रि० (उपनिविष्ट) समीपे रहेता. समीप में रहा हुआ. Placed near; remaining near; situated near.

राय० ४६, जं० प० ४, ७४;

उवाणिहिआ. स्त्री० (औपनिषिकी) णुत्ति
णुदी अनेक वस्तुओंका पैर्वापर्यभाव-अनु-
क्रमनी योजना; आनुपूर्वी-अनुक्रमनी ओक
प्रकार. भिन्न २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव
-अनुक्रम की योजना; अनुक्रमका एक भेद.
Arrangement of different
things in order or succession.
अणुजो० ७२;

उवणीअ-य. त्रि० (उपनीत) पास
आवेत्त; आप्त थयेत्त. समीपगत; प्राप्त.
Come near; brought near;
obtained. उत्त० ४, १; सु० च० १, ३, १६;
आया० १, ३, १, १०८; १, ७, १, ६०;
पि० नि० ११३; नाया० १४; १६; राय०
२३७; विवा० ६; पंचा० ७, १७; (२)
अक्षीस आपेत्त; समर्पण करेत्त. समर्पित;
अर्पित; पारितोषक में दिया हुआ-दी हुई.
(one) who has been pre-
sented with. ओव० १६; भग० ५,
६, परह० २, १; (३) प्रशंसा; तारीफ़;
महिमा. प्रशंसा; स्तुति. praise; glori-
fication. आया० २, ४, १, १३२;
पञ्च० ११; (४) संयुक्त. संयुक्त; मिला
हुआ. joined with; accompanied
with. भग० ११, ११; (५) प्रस्तावना
उपसंहार वगैरेंकी युक्त प्रस्तावना, उप-
संहार आदि सहित. accompanied
with a preface, a conclusion
etc. अणुजो० १२८; (६) येज्जना करेत्त
योजित; योजना किया हुआ-की हुई.
planned; arranged. विशेष० १५४;
—अरअ. त्रि० (-चरक) क्यांक्थी
आखेत्त होय के अक्षीस आवी होय तेनी
गवेयल्ला इरनार. कहीं से लाई हुई या पारि-
तोषक में प्राप्त वस्तु की गवेयणा करनेवाला.

(one) who seeks only that
which is brought from out side
or got as a present. ओव० १६;
—वयण. न० (-वचन / प्रशंसा रूप
वचन जेभ के आ स्त्री रूपवाणी छे. प्रशंसायुक्त
वचन जैसे अमुक स्त्री रूपवान है. words
of praise; commendation: e.
g. of the beauty of a woman.
आया० २, ४, १, १३२;

उवणीय. त्रि० (उपनीततर) ज्ञानादिकमां
अतिशय भग्न थयेत्त. ज्ञानादिक में जो
अतिशय मग्न हो वह. (One) deeply
absorbed in right knowledge
etc. सूय० १, २, २, १७;

उवणीयतराग. त्रि० (उपनीततर) अति
नज्जुं. अतिशय समीपस्थ; बहुत पास
का. Very close to; very near
to. सूय० २, १, ३६;

उवणुण्यणी. स्त्री० (अवपानोत्पत्ती)
आकाशमां यउया उतरवानी विद्या. आकाश में
चढ़ने उतरने की विद्या. Art of ascend-
ing and descending in the sky.
नाया० १६;

उवणसिउं. सं० क० अ० (उपन्यस्य) उप-
न्यास करीने स्थापन करी ते. उपन्यास करके
स्थापन की हुई. Having placed;
having deposited; having esta-
blished. विशेष० १३२५;

उवत्थड. त्रि० (उपस्तृत) आसपास ढंका-
येत्तु. आसपास ढंका हुआ. Covered on
all sides. “आतिगणा वित्तिगणा उवत्थडां
संथडा” भग० १, १, राय० २७३;

उवत्थाणिअ. न० (उपस्थानिक) णुत्थो
‘उवट्ठाणिअ’ शब्द. देखो ‘उवट्ठाणिअ’
शब्द. Vide ‘उवट्ठाणिअ’. जं० प०

उवत्थाणिया. स्त्री० (उपस्थानिका) णुत्थो

‘उवट्टाणिया’ शब्द. देखो ‘उवट्टाणिया’ शब्द. Vide ‘उवट्टाणिया’ भग० ११; ११,

उत्पत्ति-य. त्रि० (उपस्थित) पासें रहेल; तैयार रहेल. समीप में रहा हुआ-हुई; तैयार. Situated near; in a state of readiness; standing near. “दस-विहारुक्खा उवभोगत्ताण् उवत्थिया” सम० १०; नाया० १६; दसा० ६, १७; २३; २४;

✓ उव-दंस. धा० I, II. (उप-इश्) देखायुं. दिखाना. To show; to manifest.

उवदंसेह. ति० भग० २, १०; ३, २; १२, ६; १६, ५; ६; विवा० १; कप्प० ६, ६४;

उवदंसंति. भग० ३, १;

उवदंसंति जं० प० ५, १२१;

उवदंसेमि. सु० न० १५, १३३; सुय० २, १, ११;

उवदंसिज्जा. वि० भग० ११, १०; दसा० ३, १४; १५;

उवदंसेज्जा. वि० भग० १४, ८;

उवदंसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदंसेत्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

उवदंसित्तण् हे० कृ० भग० ६, १०; ५, ६; राय० ७, ८; २६८;

उवदंसित्तण् हे० कृ० भग० ५, ४; १४, ८;

उवदंसेमाण्. राय० ७१; भग० १२, ६; नाया० ८; जं० प० ५, ११७; उवा० ८, २४६;

उवदंसिज्जमाण्. क० वा० व० कृ० नाया० १३;

उवदंसण्. पुं० (उपदर्शन) नीलवन्त पर्वत उपरनुं नवमुं शिखर. नीलवन्त पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount. ठा० २, ३; जं० प० (२) देखायुं; अतायुं. दिखाना;

बताना. Act of showing or pointing out. प्रब० १३६; —कूड. पुं० (—कूट) लुओ ‘उवदंसण’ शब्द. देखो “उवदंसण” शब्द. Vide “उवदंसण” जं० प०

उवदंसणगा. स्त्री० (उपदर्शन) नामनी अर्थ साथे योजना करी वस्तुनुं निदर्शन करयूं ते. नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना. Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning. अणुजो० ७२;

उवदंसिय. त्रि० (उपदर्शित) दर्शविषु; अतावेयुं. प्रदर्शित; बताया हुआ. Shown; pointed out. अणुजो० १६; ऊत० २५, ३५;

उवदिट्ठ. त्रि० (उपदिष्ट) उपदेशेयुं; दर्शविषु. उपदर्शित; बतलाया हुआ. Taught; instructed; pointed out. भग० ६, ३३; अणुजो० १७; ओव० २३; पन्न० १५;

✓ उवदिस. धा० I. (उप+इश्) उपदेश करे. उपदेश करना. To teach; to advise; to preach.

उवदिसह. कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०;

उवदिसंति. नाया० ५; पगह० १, २;

उवदिसित्तण् हे० कृ० नाया० १४;

उवदेस. पुं० (उपदेश) उपदेश; धर्मनोपेक्ष. उपदेश; धर्म का बोध-ज्ञान. Religious teaching; instruction; sermon. भग० ६, ३१; ३३; १८, २; नाया० १६; पन्न० १;

उवदेसण. न० (उपदेशन) लुओ ‘उवदेस’ शब्द. देखो ‘उवदेस’ शब्द. Vide “उवदेस” ठा० ८, १;

✓ उव-इव. धा० I, II. (उप+इव) उपदेव

इरवो; दुःख देवुं; मारवुं. उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

उबहवेमो. भग० ८, ७;

उबहवेह. ८, ७;

उबहवेमाण. भग० ८, ७;

उबहव. पुं० (उपद्रव) महाकष्ट; आफत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६, ३३ ; नाया० १; जं० प० २, २४; जीवा० ३, ३; —रक्षिन्वय. त्रि० (—रक्षिक) उपद्रवभांथी रक्षणु इरनार. उपद्रवसे रक्षा करनेवाला. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव० ६४१;

उबधारमाण. त्रि० (उपधारयत्) धारणु इरतो. धारण कता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on. भग० ६, ३३;

उबधारणया. स्त्री० (*उपधारण) अर्थविग्रहणं ऐक नाम. अर्थविग्रह का एक नाम. Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha. नंदी० ३०;

उबधारिय. त्रि० (उपधारित) धारणु इरेश. धारण किया हुआ—की हुई. Retained in the mind; put on. भग० १, ६;

उबनम. धा० I. (उप+नम्) नमस्कार इरवो, नमस्कार करना; प्रणाम करना. To salute; to bow to.

उबणमंति. तंडु० सूत्र० १, २, १, १;

उबणमंतु. भग० ३, २;

उबनंदणभइ. पुं० (उबनन्दनभइ) आर्य संभूतविजयना ऐ नामना ऐक शिष्य. आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vijaya कण्व० ८,

उबनच्चिमाण. त्रि० (उपनृत्तमान) नाच इरतो. नृत्य करता हुआ. Dancing. राय० २७५; २८६;

✓उब-निमंत. धा० II. (उप+भि+नन्) पाससे आयी निमंत्रणु इरवुं. समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching; to invite उबनिमंतेमि. उवा० ७, २२०; उबनिमंतिस्सति राय० २२६; उबनिमंतिस्सामि. उवा० ७, १८८; उबनिमंतेत्ता. भग० १२, १;

उबनिमंतित्तण्. हे० कृ० उवा० ७, १६३;

उबनिहिञ्च. त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थ भेडा होय तेनी नञ्कमां गे अहारादि होय तेनी गवेपणा इरवाना अभिग्रह धरनार. गृहस्थ बेडा हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेपणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders. डा० ५, १; पगह० २, १;

✓उब-ने. धा० I. (उप+नी) लहरवुं; होरवुं. लेजाना To lead; to carry; (०) नेट अपवो. भेट देना. to give as a gift; to give a present. (३) सौंपवुं सौंपना to hand over; to give under the charge of.

उबणेइ-ति. नाया० १; २; ३; ५; ८; ६;

१२; १४; १६; १७; १८; जं० प०

राय० २६०; सु० च० २; ३०८;

पि० नि० ६२३;

उबणित्ति. सु० च० २, ३५३;

उबणंति. नाया० १; ३; ५; ८; ६; उवा० ८, २४३;

उबणेमो. नाया० ८; दसा० १०, ३;

उवणेहि. नाया० २; १२; १६;

उवणेह. नाया० १३; ८; १६;

उवणेहिति. ओव० ४०;

उवणेत्ता. सं० कृ० सूय० २; ६; १;

उवणित्तप. हे० कृ० वव० १, २३;

उवणिज्ज. क० वा० उत्त० १३, २६;

उपभासोवणञ्च. पुं० (उपन्वासोपनय)
वादिने जितवाने प्रत्युत्तर आपवो ते. वादा
को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying
an adversary with a view to
refute his argument. ठा० ४, ३,

उपव्यायाण. न० (उपप्रदान) रा० नीबिने
श्रीगे प्रकार; पदेला प्रकारथी दुश्मन वश
न थाय तो पछी इंग्रज आपी बलयावी तेने
वश करवान्नी नीति. राजन्याति के चार भेदों
में से दूसरा भेद: पहले प्रकार से शत्रु
के वश न होनेपर उसे कुछ लालच देकर वश
करने की नीति. (In politics) the 2nd
mode of bringing an enemy
under subjection viz enticing
him to submit by offering some
gift. विवा० ३; नाया० १; राय० २०६;

उवबूह. पुं० (उपबृंह) समानधर्मिणाना सह-
गुणुनी प्रशंसा करी तेमना मनने उत्साहित
करना ते. समधर्मियोंके सदगुणकी प्रशंसा करके
उनके मनको उत्साहित करना. Encourag-
ing; cheering up; cheering up
comrades in a common profes-
sion by praising their virtues.
पञ्च० १; पंचा० १५, २४; प्रव० २६६;

उवबूहण. न० (उपबृंहण) निभाव; रक्षण;
वृद्धि; पोषण. निभाव; रक्षा; वृद्धि. En-
couraging; nourishing; protect-
ing. पंचा० २, २८; पणह० २, १; ५;

उवबूहणिय. त्रि० (उपबृंहणिक) वृद्धि-पुष्टि

कारक. पुष्टि करने वाला. Nourisher of
the body. निसी० ६ ११;

उवबूहा. स्त्री० (उपबृंहा) गुणि० नेना गुणनी
प्रशंसा करपी; समकितना आठ आचारभांते
पांचमे आचार. गुणीजनों के गुणकी प्रशंसा
करना: सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेंसे पांचवा
आचार. Praising, glorifying the
merits of the meritorious; the
6th of the eight Āchāras of
right belief or Samakita. उत्त०
२८, ३१;

उपबूहिऊणं. अ० (उपबृंह) कुह कुह आवाज
करने. कुह कुह शब्द करके. Having
made a noise resembling
"Kuha, Kuha;" cooing. सू०
च० १, १६३;

उवबूहित. त्रि० (उपबृंहन्) प्रशंसा करने.
प्रशंसा करता हुआ. Praising; ap-
plauding; गच्छा० ३४;

✓ **उवभुंज.** धा० I. (उप+भृज्) भाभुं.
खाना. To eat; to dine.

उवभुंजइ. नाया० ७;

उवभुंजसि. सु० च० १, २१३;

उवभुत्त. त्रि० (उपभुक्त्त) भोगवेत्त. भोग
हुआ. Enjoyed. भत्त० ३६;

उवभोग. पुं० (उपभोग) उपभोगनी वस्तु;
जो बारंवार उपभोग था सके तेना स्त्री
वस्त्र वृषण पंगरे. उपभोगकी वस्तु; जिस का
बारंवार उपभोग हो सके ऐसा वस्तु-स्त्री वस्त्र,
भूषण आदि. An object of enjoy-
ment; an object of enjoyment
which is not consumed by be-
ing used once, e. g. clothes,
ornaments etc. कप्प० ३, ४४; प्रव०
२८२; क० गं० १, ५२; पञ्च० २३;
उवा० १, २२; ५१; पंचा० १, २४;

—अन्तराय. न० (-अन्तराय) अन्तराय कर्मनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी वस्त्र आभूषण वगैरेना उपभोग थछ शके नही. अन्तराय कर्म का एक प्रकृति जिस के उदय से वस्त्र, आभूषण आदि का उपभोग नहीं हो सकता. A variety of Antarāya (i. e. obstructing) Karma by the rise of which a person cannot enjoy clothes, ornaments etc. उक्त० ३३, १५; सम० १७; भग० ८, ६; —ट्ट न० (-अर्थ) वस्त्र आदिना उपभोग भाटे. वस्त्र आदि के उपभोग के लिये. for the sake of the enjoyment of clothes etc. दग० ६, २, १३; —परिभोगपरिमाण. न० (-परिभोगपरिमाण) गृहस्थोना सातमा व्रतनुं नाम के जेमां ओकवार के बारवार भोगवाय तेवी वस्तुओनुं परिमाण आध्यामां आवे छे. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमे कि उपभोग्य-वाग्वार भोग मे आनेवाला-वस्तु ओ के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाता है. the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz. those consumed by one use and those not so consumed भग० ७, २; —लब्धि स्त्री० (लब्धि) उपभोग-वस्त्रादिनी प्राप्ति. उपभोग वस्त्र आदिका प्राप्ति. acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग० ८, २;

उपभोगस. न० (उपभोगस) वस्तुना उपभोग; उपयोग उपभोग; उपयोग. Use; enjoyment. सम० १०;

उपमा स्त्री० (उपमा) मुद्रायत्ने; सरभा-

मथी; उपमा. तुलना; उपमा. Comparison. “अबहा परिज्ञे सञ्जे उपमा न विज्जए” उक्त० ७, १५; ३६, ६५; पञ्च० २, ३०; आव० विशेष० ४७०; राय० २४६; आया० १, ५, ६, १७०; उवा० १, ६२; ३, १४४; क० गं० १, १६; पचा० १६, १०; (२) धारणा: मान्यता. धारणा; मान्यता. belief; supposition. उक्त० ४, ६;

उपमिअ-य. त्रि० (उपमित) उपमायुक्त. उपमा सहित (That which is) compared. ० जं प० भग० १८, १; विशेष० ६८५;

उपमिय. त्रि० (औपमिक—उपमयानिवृत्त मीर्षामकं उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणमनतिशायिना ग्रहीतुं न शक्यते तदौपमिकम्) जेनुं कालप्रमाण उपमा पिता पीज्जथी गण्णी न शक्य मात्र उपमाथीग गण्णी शक्य ते; पद्योपम; सागरोपम वगैरे. जिसका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना जा सके वह; पद्योपम; सागरोपम आदि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise: e. g Palyopama; Sāgaropama etc. भग० ६, ७;

उपयगिय. त्रि० (उपचरित) उपचार करैल उपचार किया हुआ. Worshipped. विशेष० २८३;

उपचार. पुं० (उपचार) पूज्यसामग्री. पूजा-सामग्री. Articles of worship. आव० पञ्च० २; सू० प० १०; राय० ६०; जावा० ३, ३; नाया० १; ३; अणुजो० १३०; भग० ६, ३३; ११, ११; कप्प० ३, ३२; ४, २८; पंचा० २, ३६; जं० प० ६; ६२; सु० च० १, ३७; (२) शरण्यमां शरण्यो अने शरण्यमां शरण्यो आरोप-

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का और कार्य में कारण का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विशेष० १६०; (३) समूह; दलितो. समूह; ढेर. a group; a collection. सम० ३४; (४) ऐक्य विषयता भीम विषयनं प्रदत्तुं इत्यु. एक विषय से दूसरे विषय का ग्रहण करना. figurative or metaphorical use; secondary application. विशेष० १२; (५) लोकव्यवहार. लोक व्यवहार. conventional practice. ओव० २०; राय० २६१; ओष० नि० ७४०;

उपचार. पुं० (उपकार) उपकार; भद्र; भेट. उपकार; भेट; सहायता. Obligation; help; a gift; a present. सु० च० १, १६; ओष० नि० २८३; पि० नि० २५१; भक्त० ११८;

उपचारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करने वाला. Obliging, helpful; kind. विशेष० २३४४; सु० च० १०, ५५;

उपचारिअ. पुं० (औपचारिक-उपचारों लोक व्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) औपचारिक विनय; विनयनो ऐक्य प्रकार औपचारिक विनय; विनय का एक प्रकार. A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा० ६, ३७;

उपचारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) सूर्याभिला वनस्पदभांता मध्य भागनं ऐक्य धर-लयन के के ऐक्य लाभ लेजननं लांशुं पडोणुं छे. सूर्याभ के वनखंड के मध्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhaṇḍa (forest-region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. जं० प० ४, ८८;

उपयालि. पुं० (उपजालि) अंतगड सूत्रना याथा वर्गना त्रीम अध्यायननं नाम. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Anta-gada Sūtra. (२) वसुदेवराजनी धारणी राज्ञीना पुत्र के के नेमनाथ प्रभु पसे दीक्षा लध बार अंगतो अभ्यास करी सोण वरसनी प्रकन्या पाणी शत्रुंजय उपर ऐक्य भासतो संथारो करी परम पद पाभ्या. वसुदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिसन कि नेमनाथ प्रभु से दीक्षा ली था और बारह अंग का अभ्यास किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर अंत में शत्रुंजय पर एक मास का संथारा किया और मोक्ष पाया name of a son of Dhārāṇī the queen of king Vasudeva. He took Dikṣā from Lord Nemī-nātha, studied 12 Āngas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya got final emancipation. अंत० ४, ३; (३) अशुंतरेवराजनी प्रथम वर्गना त्रीम अध्यायननं नाम. अशुंतरोववाह के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the first section of Aṇuttarovavāi. (४) अशुंत राजनी धारणी राज्ञीना पुत्र के के दीक्षा लध शत्रुंजय तप करी सोण वरसनी

प्रयत्नया पाणी विपुत्र पर्वत उपर ओक भासने।
संधारो करी जयंत नामना अनुत्तर विमान-
मां ३२ सागर ने आठिमे उत्पन्न थया, त्यांथी
ओक अवतार करी मोक्षे जशे. श्रेणिक राजा
का धारणी रानी के पुत्र का नाम जिस ने
कि दीक्षा ग्रहण कर गुणरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर अंत में एक मास का संधारा
करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२
सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां
एक अवतार करके मोक्ष जायंगे. name
of a son of Dhārāṇī queen of
king Śreṅka. He took
Dikṣā, practised the Guṇara-
yana austerity, observed asce-
ticism for 16 years and after
a month's Santhārā (giving
up food and water) on Vipula
mount, was born in the cele-
stial abode named Jayanta
with a life of 32 Sāgars. After
one more birth he will get
salvation. अणुसं० १, ३;

उद्योग. पुं० (उपयोग) पोताना विषयने
जालुयाने ते तरङ्ग लक्ष आपवुं ते; शब्दादि
विषय तरङ्ग छद्रियनी प्रवृत्ति व्यापार. अपने
विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना;
शब्दादि विषयों का और इन्द्रियों का मुकाब-
व्यापार. Operation of the senses
in cognising their objects; e. g.
of the ear in relation to
sound; straining of the senses
towards their objects. अवशं०
२०६८; (२) पांच ज्ञान त्रय अज्ञान
अने चार दर्शन ओ आरभानुं गमे ते ओक.
पांच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन

में से कोई भी एक. any one of the
group of the twelve, viz. 5
kinds of knowledge (Jñāna),
3 kinds of ignorance (Ajñāna)
and 4 kinds of belief (Darśana)
उत्त० २८, १०; विशेष० ३१०६; - द्रव्या-
त्वां० (-अर्थता) उपयोगपणुं; उपयोगनी
अपेक्षा. उपयोग लगाने का अपेक्षा; उपयोग
पन; उपयोगिता. state of being
Upayoga; desire for Upayoga.
(q. v.) भग० ८, १;

✓ **उदरम. था० I. (उपरम्)** निवर्तयुं;
अटङ्गुं. दूर होना; रुकना. To cease; to
stop; to desist from.

उदरमइ. भग० १, ८; नाया० १८;

उदरम. पुं० (उपरम — उपरमणमुपरमः) अ-
भाव; निवृत्ति. अभाव; निवृत्ति. Absence;
cessation; desisting from. विशेष०
६२;

उदरय. त्रि० (उपरत) पापथी निवृत्ति
पामेद. पाप से हटा हुआ; लुटकारा पाया
हुआ. (One) who has desisted
from sin. आया० १, ३, ४, १२१; १,
४, १, १२६; दस० ८, १२; उत्त० ६, ७;
नाया० १; ६; भग० ८, १०; सूय० २, १, ४६;
वव० ३, १३; कप० ४, ६२; क० गं० ६, १०;
(२) वैरभाव विनाश. वैरभाव रहित. free
from feelings of hostility. “ न
होषपाण्योपायो, भयवैराट उदरय ” उत्त०
६, ७; आया० १, ३, १, १०८;

उदराग. पुं० (उपराग) ग्रहण. ग्रहण;
खग्रास. An eclipse. जीवा० ३, ३;

उदरि. अ० (उपरि) ऊपर; ऊंचे. ऊपर;
ऊंचा; ऊर्ध्व भाग में. Above; upon;
upwards. “ मंदरचूर्णियाणं उदरि
चत्तारि जायन्ताइ ” ठा० ४; उत्त० ३६, ४७;

विशे० ४३०; नाया० १; २; ५; ८; ६ जं०
प० १, ३; भग० २, ८, ६, ७; १४, ६; १६.
६; पिं० नि० भा० ३०; क० गं० १, ५०;
क० प० ५, ५४;

उवरि. अ० (उपरि) उपर. Upon;
above; over. क० प० १, ६७; जं०
प० ५, ११६;

उवरिचर. त्रि० (उपरिचर) आकाशमां
अधर रहेतार. ऊपर आकाश में-अंतराल में
रहने वाला. Remaining, situated
up in the sky; high in the
sky. जावा० ३, १;

उवरितल. त्रि० (उपरितल) उपरनुं तलीयुं
ऊपर का सपाट भाग. The above
flat surface. भग० १, ६; जं० ४, ८६;

उवरिपुच्छली. स्त्री० (उपरिपुच्छिनी) सादली-
नी छत उपर जीजा तराजूनुं मज्जुत
आच्छादन. चटाई की छत पर बारीक घाग
का पक्का आच्छादन. A strong cover-
ing (made of straws) upon a
mattress ceiling. राज० १०८;

उवरिम. त्रि० (उपरिम) उपरनुं; उपरुं.
ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining
above or upwards. निमी० १६, १७;
भग० १, ५; ८, १०; ९, ३२; १२, १०;
नंदी० १८; पञ्च० १; उत्त० ३६, ६१; टा०
१, १; पिं० नि० १५०; प्रब० ६, ६; —
गेवेज्जग. पुं० (-ग्रेवेयक) ग्रेवेयकता नर
विमानमांता उपरना त्रय विमान. ग्रेवेयक
के नां विमानों में से ऊपर के तीन विमान.
the three topmost of the nine
Graiveyaka heavenly abodes.
(२) उपरनी त्रिकता देवता. ऊपर की
त्रिक के देवता. a deity of any of
the three above mentioned
heavenly abodes. भग० १८, ७;

—**गेवेज्जगकप्पातीय.** न० (-ग्रेवेयक
कप्पातीय) उपरना ग्रेवेयकता उपरतीत
देवता. ऊपर के ग्रेवेयक के कप्पातीय देवता.
a Kalpātita deity of the
upper Graiveyaka heavenly
abode. भग० ८, १;

—**गेवेज्जय.** पुं० (ग्रेवेयक) लुओ “ उव-
रियगेवेज्जग ” शब्द. देखो “ उवरिय-गेवे-
ज्जग ” शब्द. vide “ उवरियगेवेज्जग ”
भग० १, २; —**तल.** पुं० (-तल) उप-
रनुं नीय-तणीयुं. ऊपर का छत; ऊपरकी
फर्श. the upper floor. “ जंबूदावप्प-
माणा उवरियतलेण ” भग० २, ८;

उवरिमग. त्रि० (उपरिमक-उपरिमा एवोपरि-
मकाः) उपर उपर रहेतार. ऊपरही ऊपर
रहनेवाला. Situated one upon ano-
ther; remaining one above ano-
ther. विशे० ६६८;

उवरिमय. त्रि० (उपरिमक) लुओ “ उप-
रिमग ” शब्द. देखो “ उपरिमग ” शब्द.
Vide “ उपरिमग ” विशे० ७७;

उवरिमा. स्त्री० (उपरिमा) नवग्रेवेयकनी त्रय
त्रिकमांती उपरनी त्रिक-त्रय विमान. नवग्रेव-
यक का तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक-
तान विमान. The topmost three of
the 9 Graiveyaka heavenly
abodes. उत्त० ३६, २१२; —**उवरिम.**
पुं० (-उपरिम) उपरि त्रिकमां उपर-नवमां
ग्रेवेयकमां रहेतार देवता. ऊपर की त्रिक में
ऊपरके देवता-नवे ग्रेवेयक के. (the dei-
ties) of the ninth and topmost
Graiveyaka heavenly abode.
उत्त० ३६, २१३; —**मज्झिम.** पुं० (-मध्यम)
उपरी त्रिकमां मध्यम-आहमा ग्रेवेयकता
देवता. ऊपर की त्रिक में मध्यम - आठवें
ग्रेवेयक के देवता. (the deities) of

the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१२; —हिहिम. पुं० (*) उपक्षी त्रिकमां अधस्तन-सातमां त्रैवेयकना देवता. ऊपर की त्रिक में नीचे के देव-सातवें त्रैवेयक के देवता. (the deities) of the 7th (the lowest of the topmost three) (Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१२;

उवारल्ल. त्रि० (उपरितन) उपरतुः उपरुः ऊपरका. Situated above; upward; upper. “उवरिल्ले तारारूवे चारं चरन्ति” टा० ६; विशेष० ६६७; पञ्च० २, १६; अणुजो० १३५; सम० ६; नाया० ८; जीवा० ३, १; पि० लि० १५०; भग० १, ६; २, ८; १०; ३, १; ६, ३; ५: ६; १५, १; १६, ८; २२, १; २५, ७; ३०, १; ज० प० २, ३३; ७, १६४;

उवरिसिञ्जमाण. त्रि० (उद्वृष्यमान) वरसाद-शी भिन्नतुं. वरसात में भोगता हुआ. (Get-ting wet with rain. निमा० २, ५२;

उवरुह. न० (उपरौद्र) नारदीना अंगोपांग तोड़ी दुःख देते उपरौद्र; परमाधामीनी छुड़ी गत. नारकीयों के अंगोपांग छेदकर दुःख देने वाले उपरौद्र देव; परमाधामी देवताओं की छुड़ा जात. The 6th class of Paramādhāmis (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell-beings and torture them. भग० ३, ७;

उवरुवरि. अ० (उपर्युपरि) अंगो अंगोपुनः उपर. एक दूसरे के ऊपर. One upon another; one above another. “उवरुवरितरंगदारिय अतिवेगचकलु पर-

मोच्छुरंत” पगह० १, ३; निसी० १८, १८; उवरोह. पुं० (उपरोध) दुःख; पीडा. दुःख; तकलीफ. Pain; trouble. (२) आग्रह. restraint. सु० च० २, १८२; (३) अटकाव; रोक. अटकाव; रोक. obstruction; impediment. पगह० २, २; —कारक. त्रि० (—कारक) उपरोध कर-ना; अटकावना; रोकनेवाला; बाधा पहुंचा देनेवाला. impeding; obstructing; troubling. पगह० २, २;

उवल. पुं० (उपल) पत्थर; पत्थर. A stone. सु० च० १२, ५६; पि० नि० भा० ७; उत्त० ३६, ७३; भग० ५, २; विशेष० ५१४; पञ्च० १;

उवलंभ. पुं० (उपलम्भ) इन्द्रियज्ञान; साक्षात्कार. Direct perception (by the senses). पंचा० ३, २३; ६, १०; १३, ३८; विशेष० ३५; १८६३; (२) समूह. समूह. a group; a collection. सु० च० २, ८१;

उवलंभणा. स्त्री० (उपलम्भना) उपेक्षा; पथन; उपेक्षा. उपालंभ; श्लोका. Words of rebuke or reproach. नाया० १८;

उवलंभमाण. पुं० (उपलंभमान) उपेक्षा देता. उपालंभ देता हुआ. Rebuking; reproaching. नाया० १८;

उवलकखण. न० (उपलक्षण) परिज्ञान-धीमात्र; मुख्य वस्तुतुं जान थायी. ज्ञानवस्तुतुं जान गेथी थाय ते. वह ज्ञान जिसमें मुख्य वस्तु का ज्ञान होने से गौण वस्तु का ज्ञान होजाय. A mark; a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

* जुलो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

actually expressed. सु० च० ३,
१८६; विशे० ६३२;

उवलब्ध. त्रि० (उपलब्ध) ज्ञानप्राप्ति
आवेष्ट; प्राप्त थयेष्ट. समझा हुआ; प्राप्त.
Known; understood; gained;
obtained. “अहं सहीद उवलब्धो,
तोपेसंति तहाभूहिं अस्मा उच्छेदपेहेहिं”
सूय० १, ४, २, ४; प्रव० ६७०; नाया०
१२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशे० ६२;
—पु०व. न० (-पूर्व) पहिलेही प्राप्त
थयेष्ट. पहिले से ही मिला हुआ. gained;
obtained before-hand. नाया० १४;

उवलब्धार. स्त्री० (उपलब्ध) वस्तुने सा-
क्षात्कार करनार; वस्तुने ज्ञाननार. वस्तु
को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला.
One who knows or perceives
an object; direct perceiver of
an object. “उपलब्धा वस्तूनां बोध्या”
विशे० १२; १८६३;

उवलब्धि. स्त्री० (उपलब्धि) ज्ञान; साक्षात्कार;
ज्ञान; साक्षात्कार. Knowledge; per-
ception; observation. विशे० ६१;
—सम. त्रि० (-सम) साक्षात्कार जेवुं.
साक्षात्कार सरीखा. similar to or
equal to direct perception
विशे० १२८;

✓ **उव-लभ.** धा० I. (उप + लभ्) प्राप्त कर-
वुं; भेष्टवुं. प्राप्त करना; मिलाना. To get;
to obtain; to acquire.

उवलभइ. क० वा० अणुजो० १२८;

उवलभमे त्रि० दसा० ६, १;

उवलभंते. नाया० १२;

उवललिय. न० (उपललित) ऐक्य ज्ञाननी
काम येष्टा. एक तरह की काम-चेष्टा. A
kind of amorous gesture in a
woman; a kind of voluptuous

gesture. नाया० ६;

उवललित्तमाण. त्रि० (उपललित्तमान)
कामकीडा करतो; मस्जानुसार लीला करतो.
कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार कीडा
करता हुआ. Sporting at will; do-
ing amorous sport. “उवमाइजमा-
णे उवललित्तमाणे” राय० २८८; जं० ५०
३, ६७; नाया० १; भग० ६, ३३; राय० २७५;

✓ **उव-लिप.** धा० I. (उप + लिप्) दाथ
इशवो; आटवुं; लाटवो. हाथ फेरना;
चाटना; लाड़ लड़ाना. To pat with
the hand; to lick; to fondle
and endear.

उवल्लिप. गच्छा० १६;

उवल्लिपइ. क० वा० उत्त० २५, २६;
श्राव० ६०;

उवल्लित्त. त्रि० (उपल्लित्त) ज्ञानप्राप्ति
गोबर से लिपा हुआ. Bedaubed or
smeared with cowdung; cow-
danged. दसा० १०, १; नाया० १: ३;
१६; जीवा० ३, ४; कप्प० ४, ५८; ५, ६६;
(२) कर्मथी लिम थयेष्ट. कर्मों से लिपटा
हुआ. smeared with Karma. सूय०
२, ६, ६;

उवलेय. पुं० (उपलेय) कर्मों का लेप.
Assemblage, gathering toge-
ther of Karma. उत्त० २१, २२; २५, ३६;

उवलेवण. न० (उपलेवन) ज्ञान
विषयों में गोबर आदि से पोतना; विलेपन.
Besmearing or anointing with
cowdung etc. “उपलेवणं सम्मज्जणं
करेइ” भग० ११, ६; अणुजो० २०; निर०
३, ३; राय० २७७;

उव-लिय. धा० I. (उप + ली) निवास करवो
उहरना. To reside; to have an
abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार करपी. चातुर्मास व्यतीत करना. to spend the rainy season; to stay till the expiry of the rainy season.

उववह्ज्जा. आया० २. ३, १, १११;

उववज्ज. त्रि० (औपवाह्य—उपवाह्यानां राजा दिवह्ज्जभानामेते कर्मकरा इत्यौपवाह्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेते ऐसवायोग्य. सेनाध्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य. Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस० ६, २, ५;

उववण. न० (उपवन) नानुं वन; वननी पासैनुं वन. लघु वन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया० १; पंचा० ७, १७;

उववण्ण. त्रि० (उपपन्न—उत्पन्न) उत्पन्न थयेत्त; पेदा थयेत्त. उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. “ उववण्णं माणुस्सम्मि लोगम्मि ” उक्त० ६, १; “ दोच्चं पुढवीए नारगा उववज्जा ” निसा० च० ११; नाया० १; २; ८; ६; १४; १६; भग० २, १; ३; ३, २; ७, ६; ७; ६; ६, ३३; ११, १; १२, ७; १८, ५; २४, १; २०; जावा० ३, १; उक्त० ६, १; १३, १; पंचा० ४, ४६; —पुव्व. पुं० (—पूर्व) अगाउि अन्नेत्त. पहिले पैदा हुआ. one born before or previously भग० ६, ५; २१, १; ३४, १;

उववण्णग. पुं० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार; पेदा थयेत्त. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग० ५, ४; ८, १; २५, १;

✓ उववत्त. धा० I. (उप+वृत्) निकलपुं; नरकादि जव पुरेकरी अहार आपवुं. निकलना; नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहह. पन्न० १७;

उववत्तार. त्रि० (*उपपत्तृ) उत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला. (One) who is to born; (one) who takes birth. “ देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति ” ओव० ३४; दसा० १०, ३; भग० १, १; २, ५; ७, ६; ८, ५; ६, ३३; २०, ८;

उववत्ति. स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति; उपपत्तुं ते. पैदायश; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being produced. उक्त० २६, १४; ३४, ४८; नंदी० २३; भग० ४०, १;

उववत्तिमेत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्य-नी घटनामात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect. विशेष० १०७७;

उववण्ण. त्रि० (उपपन्न) जुओ “ उववण्ण ” शब्द. देखो “ उववण्ण ” शब्द. Vide “ उववण्ण ” प्रव० ११०७;

उववाञ्ज-य. पुं० (उपपात) उत्पन्न थयं; उत्पत्ति. उत्पन्न होमा; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. “ आणोववाय ववण्णण्डे सेचिट्ठन्ति ” भग० ३, ३; “ एगे उववाए ” ठा० १०; भग० १, १०; २, ७; ७, ५; ८, ८; ११, १; १२, ८; १४, १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१६, ३; ६; २४, १२; २०; २५, ४; ३४, १; ४१, १; राय० २१३; श्रौव० ३८; नाया० ४० ३; ४; पञ्च० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० १४, ४८; (२) उत्पत्ति-देवता अने नारकीने जन्म थाय ते. उत्पत्ति-देवता और नारकी का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings. प्रव० ११०६; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १. १; (३) विजय देवतानी सलानुं नाम. विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा० १. (४) भगवती सूत्रना ऐकत्रिशभां शतकुनुं नाम. भगवती सूत्र के एकतीसवें शतक का नाम. name of the 31st Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० ३२, २; (५) उपाय; करण. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग० ३, ७; बव० ४, १८; (६) सेवा; भक्ति. सेवा; भक्ति. service; reverent attendance upon. नाया० ६; भग० ३, १; (७) समीपे-नजदीक स्थिति करी; पास से. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैठना. sitting near; remaining in the vicinity of. क० प० १, ७८; उत्त० १, २; —कारि. त्रि० (—कारिन्) आचार्यादिनी पास निवास करी तेभनो आदेश दिहयनार. आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा मिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. “ उववाय कारीय हरिमयेय ” सूय० १, १३. ६; —कारिया. स्त्री० (—कारिका) यरलु सेवनारी दासी. चरण सेविका-दासी. an attendant female

servant. नाया० ६; —गह. स्त्री० (—गति) ज्व अथवा पुद्गलने ऐक लव छोडीने भीन्ने लव बदलु करवो के ऐक स्थानेथी भीन्ने स्थाने ज्युं ते. जोब या पुद्गल का भव त्याग कर दूसरे भव में जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter. भग० ८, ७; पञ्च० १६; —सभा. स्त्री० (—सभा) देवताने उपज्यानी सभा. देवताओं के उत्पन्न होनेकी सभा. A place of birth for heavenly beings. भग० ३, १; १६, ५; ६; राय० १६७; नाया० ध० निर० ३, ४; नाया० १३; ठा० ५, ३;

उववाहय-य. त्रि० (औपपातिक) ऐक लव-भांथी भीन्ने लवभां जन्तार; ऐक शरीर छोडी भीन्ने शरीर बदलु करनार. एक भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दूसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. दस० ४; उत्त० ५, १३; भग० १७, ६; ७; आया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) देवता अने नारकी के सेज्ज अने कुम्भीभां उपज्जे छे. देवता और नारकी जो कि शैम्या व कुम्भी में उत्पन्न होते हैं. (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī. आया० १, १, ६, ४८; (३) आगलुत्रीश विद्वांसिक सूत्रभांनुं पांच्यमुं; उपवाह (औपपातिक) नामे प्रथम उपांग सूत्र. उन्तीस उत्कालिक सूत्रों में से पांचवाँ सूत्र; उववाह (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālīka

Sūtras: the first Upāṅga Sūtra so named. नंदी० ४३; भग० ७, ६; १५, १; २४, ७: —गम. न० (—गम) आपपातिष्ठ सूत्रमां दशवैलुं छे ते प्रमाणे. उपवाइ सूत्र में दिखाये अनुगार. in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दसा० १०, १;

उपवातेयव्य. पु० (उत्पादयितव्य) उत्पन्न थवाने योग्य. उत्पन्न होने लायक. One fit to take birth; one fit to be born or produced. भग० १२, ६; १८, ५; २०, ६; २४, २०; ३१, १; ३४, १;

उपवायव्य. पु० (उपपादयितव्य) उत्पन्न थवा योग्य. उत्पन्न होने योग्य. One fit to be born or produced. भग० १७, ६;

उपवास. पु० (उपवास—उपेति सह उपावृत्त दोषस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वा-
वाम उपवासः) आग्नेयं च दिवसं अथ पञ्चमिना विविधोक्तं त्याग इवेति. पूरा एक दिन अन्नजन का अधिकपूर्वक त्याग करना ▲ fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next. राय० २२६; नंदी० ४१; डा० ३, १; पञ्च० २०; उवा० १, ४६; २, ६५;

✓ उप विम. धा० I. (उप+विश) भेसवृ बैठना. To sit.

उपविमार्ग. राय० २४ :

उपवीयमाण. अ० (उपवीजमान) यमरीथी पवन नाथता. चवरी से पवन उड़ाता हुआ. Fanning with a chowri. नाया० १६;

उपवेद्य-य. त्रि० (उपेत) युक्तः सहित. युक्तः सहित Accompanied with; possessed of. ओव० पञ्च० १७; नाया०

१; ५: ८; १२; नंदी० ४३; भग० २, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६; कप० १, ८; जं० प० २, २२;

उप-सं-क्रम. धा० II. (उप+सम्+क्रम्) पासो ७८युं; समीप ७८युं समीप जाना; पास जाना. To go to; to approach.

उवसंकमंति. डा० ३, २;

उवसंकमेजा. सूय० २, ७, १५;

उवसंकामितु. सं० कृ० आया० १, ७, २, २०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकमिता. नाया० २; डा० ३, २; जं० प० ७, १३४; ७, १३१;

उवसंकमंत. सं० कृ० दस० ६, २, १०;

उवसंकममाण. जं० प० ७, १३२;

उवसंग्रिअ. त्रि० (उपसंहत) स्वीकार इरेअ. स्वीकृत. Accepted; adopted. विशे० १०११;

उवसंत. पु० (उपशान्त) शान्त वृत्तिवाणो; उपशम लाव वाणो; जेना उपायोदित उपश-
म्यो होय ते शान्त प्रकृति वाला; उपशान्त भाव वाला; जिस के कषायोंदिक शान्त हो वह. One whose passions (e. g. anger etc.) have subsided; calm; peaceful पञ्च० १: १४; वव० ३, १३; भग० १, ४, ६; ८; ५, ४: १५, १; १८, १०; २७, ७; दस० ६, ६५; १०, १. १०; जं० प० सु० च० २, २०३; राय० २७; नाया० १: ५; उत्त० ६, १; २, १५; डा० २, १; अणुजो० १२७; ओव० ३८; आया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८६; मम० १४. प्रब० १२५; १३१३; क० प० ४, ७०; ४, २७; (२) आहुतता रहित. घब-
राहट राहत. one free from dis-
traction of mind. ओप० नि० ५१५;
(३) क्षमावान. क्षमावंत. one posses-
sed of forgiveness जीवा० ३, ३;

(४) सौंदर्य निरीक्षण वगैरे विकारથી नि-
वृत्ति पायेन. सौंदर्य देखने आदि विकार से
निवृत्ति पाया हुआ; सौंदर्यादि देखने में मन का
भाव हटाया हुआ. one not excited
by seeing beautiful objects
etc. अणुजो० १३०: (५) उच्यमां आ-
वेस नदि: दयायेन. उदय न आये हों: दवे.
not come to rise: dormant. (६)
जम्बुद्वीपमां औरयत क्षेत्रमां आदु अवस-
पिणीना पन्दरमा तीर्थेकर. जम्बुद्वीप के ऐर-
वत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के पन्द्रहवें
तीर्थकर. name of the 15th Tir-
thānkara of the current Ava-
sarpini of the Airavata region
of Jambūdvīpa सम० प० २४०;
—अहिगरण. न० (—अधिकरण) उपशांत
उपशमी गयेस क्षेत्र. शान्त हुआ क्षेत्र.
trouble that has subsided. प्रव०
—कसाइ. पुं० (कषायिन्) जेना कषाय
कषाय वगैरे नाश पायेस छे ते. जिस के
क्रोधादि कषाय शांत हो. one whose
moral impurities (e. g. an-
ger, greed etc.) have subsided
or have been destroyed. भग०
६, ३१; २५, ६; —कसायवीरग. पुं०
(—कषायवीतराग) जेना कषाय शान्त थया
छे ते; ११मां गुणस्थानवर्ती. जिन के
राग द्वेष शांत हो गण हों वे; ११ वें गुणस्था-
नवर्ती. one whose passion and
hatred have been complete-
ly assuaged; one in the 11th
spiritual stage. भग० २५, ६; —
गुण. न० (—गुण) उपशांत मोहगुण नामे
११भुस्थानक. उपशांत मोहगुण नामक ११वां
स्थानक. the 11th Sthānaka named
Upāsāntamohaguna. क० ग० २,

१६; —जीवि. पुं० (—जीविन्) कषायादि
दयावनार. कषायादि को दवाने वाला. one
who subdues his evil passions
like anger, greed etc. पगह० २,
१; भग० ६, ३३; —द्धा. स्त्री० (—अद्धा)
उपशांत मोह नामका ११ मां गुणस्थानकना
का. उपशांत मोह नामके ११ वें गुणस्थानक
का समा. the time of the 11th
Gūṇasthānaka named Upāsān-
tamohaguna. क० प० ५, ५६; —वे-
दय पुं० (—वेदक) जेना वेद-कामविकार
शान्त पायेस छे ते. जिस का वेद काम वि-
कार शांत हो गया हो. one whose
lust i. e. sexual passion has
been subdued or calmed. भग०
६, ३१; २५, ६;

उच सं पज्ज. वा० 11. (उप+सम्+पद्)
आश्रय करवे; स्वीकार करवे. स्वांकार
करना; ग्रहण करना. To resort to;
to accept; to get.

उचसंपज्जइ भग० २५, ६; ७;

उचसंपज्जामि. वा० ४, ३;

उचसंपजे. वि० मय० १. ङ, १३;

उचसंपज्जिता. सं० कृ० भग० १, ६; २, १३;

२, ५, ६; ६, ३३; १०; २, ११, ६;

१३, ६; १५, १; १८, १०; २५, ७; ङ:

नाया० १; ५; ङ: १२; १३; १४;

१६; १८; जं० प० ७, १४१, वव० १,

२६; ४, ११; १२; नाया० ध० वेय०

५, १२; राय० २२३, ओव० १६,

उवा० १, ६६, ६६;

उचसंपज्जमाण. पज्ज० १६;

उचसंपज्जण. न० (उपसंपादन) पदवीतो
स्वीकार. पदवी का स्वांकार. Accep-
tance of a degree or title. वव०
५, ११;—(णा)अरिह. त्रि० (—अर्ह) पदवी

आपना योग्य. पदवी देने योग्य. deserving to be invested with a degree or title. वव० ४, ११; १२:५, ११;

उपसंपज्जणावत्त. न० (उपसंपदावत्त) उपसंपज्जणसंज्ञिआ परिकर्म्मन्तो यउद्धमो भेद. उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Upasampajanasenā Parikarma. नंदा० ५६;

उपसंपज्जसंज्ञिया. स्त्री० (उपसंपादनश्रेणिका) उपसंपादन श्रेणी गणना दृष्टिवादांतर्गत परिकर्मन्तो अत्र विभाग. उपसम्पादक श्रेणांगण के दृष्टिवादांतर्गत परिकर्म का एक विभाग. Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dristivada. सम० १२;—**परिकर्म.** पु० (परिकर्मन्) दृष्टिवादा परिकर्मन्तो अत्र भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का चौथा भेद. the fourth division of the Parikarma of Dristivada. नंदा० ५६;

उपसंपज्जियच्च. पु० (उपसंपादयितव्य) पदवी देनी. पदवी देना. Investing with a degree or a title. वव० ४, ११; १२;

उपसंपन्न. त्रि० (उपसंपन्न) उपसंपन्न श्रेणित प्रस्तुत; तैयार. Ready, prepared (to do some action). “ उपसंपन्नो जंकारणान्तं तं कारणं अपूरितो ” ध० ग० ३; सूय० २, ७, ६;

उपसंपया. स्त्री० (उपसम्पद) जानादि गोपति भाटे आचार्यादिकनी निश्चा स्वीकारणी ते: दुं तमारोञ्जं धुं अदीरीते स्वाकारं इत्येते: समाचारिणो दशमो वा छेदो प्रधार. ज्ञानाद सम्पत्ति में आचार्यादि की नेत्राय स्वीकार करना; मैं आपकाहीं हूं ऐसा स्वीकार करना; समाचारी का दशवां वा अंतिम भेद. The 10th and last mode of Samā-

chārī; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc. “ अथये उपसंपया ” उक्त० २६, ४; टा० ३. ३: भग० २५, ७: प्रव० ७७५;

उपसंहार. (उपसंहार) समेटीलेयुं. एकत्र करना. Summing up. (२) रोद्धुं: निरोध इत्येते: निरोध करना; लैष्टा लेना. winding up; withdrawing; withholding. सम० ३२;

उपसंग. पु० (उपसर्ग- उपमृज्यन्ते भानु सर्मापं युज्यन्ते इति उपसर्गाः) प्र, परि, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातुनी आदिमा र्हनार शब्द समूह. प्र, परि, उप, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातु के आदि में रहनेवाला शब्द समूह. a preposition prefixed to roots: e. g. प्र, परि, उप, etc. पण० २, २; (२) उपद्रव: दुष्ट; परिप्लव. उपद्रव, कष्ट; परिषह. trouble; affliction annoyance. ओष० नि० भा० २६३; राय० ७७८; नाया० १; ८: ६; जे० प० उक्त० २, २१: ३१, २; नंदा० ५; अंत० ६, ३; दगा० १, १: वव० १०, १; भक्त० ८: ४४; प्रव० १८४. (३) देवताओं इत्येते: उपद्रव. देवताओं का किया हुआ उपद्रव. disturbance or trouble caused by gods. भग० १. ६: २, १; पि० नि० ६६६; राय० २६५; सम० ७; आत्व० ३६; आया० १, ८, ७, २२; उक्ता० २, ११८; ३, १४१: ४, १५३; (४) तीर्थकर विचरे त्यां सयासो जेज्जतमां भार भरडी न देयं जतां महावीर स्वामिना समवसरणमां गोशाखां अं साधुओना उपर तेजुनेस्या भुडी उपसर्ग आधो ते: दश अछेराभानं पदेज्जं अछेदं तीर्थकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता और महावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो साधुओं पर तेजोलेस्या डाल कर उपसर्ग किया सो दस आश्चर्य जनक वनाओं में से पहिला बनाव. the first of the 10 Achherās (wonderful events), viz. the trouble given by Gośālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasaraṇa by inflicting Tejo-leśyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tirthāṅkara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्रव० ८६२; —पत्त. वि० (—प्राप्त) उपद्रव पामेल. उपद्रव प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. छा० ५, २; वव० २, २०; १०, १८; —सहण. न० (—सहन) देवादिका उपसर्ग सहन करना. endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc. प्रव० १३६६;

उपसर्गपरिणाम. स्त्री० (उपसर्गपरिज्ञा)

सूयगङ्गा सूयना श्रीन अभ्ययनं नाम दे देमां उपसर्ग-परिपदे देम सहन करवा तेनी समज आपत्तामां आवी छे. सूत्र सूयगङ्गा के तीसरे अध्यायन का नाम, कि जिस में उपसर्ग-परिपट कैसे सहन करना चाहिये जग की शिक्षा दी है. Name of the 3rd chapter of Sūyagadāṅga dealing with the way in which afflictions are to be endured.

सम० १६; २३; सूय० १, ३, ४, २२;

उपसर्गज. न० (उपसर्जन) उपसर्ग,

उपद्रव. उपसर्ग; उपद्रव. Disturbance; trouble; annoyance. विशेष० ३००५; (२) अप्रधानभूत-शास्त्ररूप. गौणरूप; अप्रधान. secondary; subsidiary; subordinate. विशेष० २२६२;

उपसत्त-त्ति. (उपसक्त) गह आसक्तिवाला. गह आसीकवाला. Deeply attached; grossly attached. उत्त० ३२, २६;

✓ **उपसम.** धा० I, II. (उप + शम्) शान्त थनुं; प्रकृतिने उपशमावती. शान्तहोना; प्रकृतिको उपशान्त करना. To become calm; to calm down passions. उपसमइ. वेय० १, ३३; नाया० १६; कण्प० ६, ६६;

उपसामेइ प्रे० भग० १, ३;

उपसमांत. सम० ३८;

उपसमेति. राय० ३८;

उपसमेज्जा. वेय० १, ३३;

उपसमित्तए. हे० कृ० नाया० १३;

उपसामित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० १३;

विवा० १;

उपसम पुं० (उपशम) क्षमा; शान्ति. क्षमा; शान्ति. Forgiveness; calmness; peace. दम० ८, ३६; वेय० १, ३३; (२) पञ्चाशीयाना पंद्रमा द्विसनुं नाम. पञ्च के पंद्रहवे दिन का नाम. name of the 15th day of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (३) अक्षरावना श्रीश मुहूर्तमांता पंद्रमा अथवा तीशमा मुहूर्तनुं नाम. अक्षरा रात्रि के तीस मुहूर्तों में से पंद्रहवे, अथवा बांगवे मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). जं० प० सू० प० १०; सम० ३०; (४) भोदनीयनी उदयमां आवेक्षी

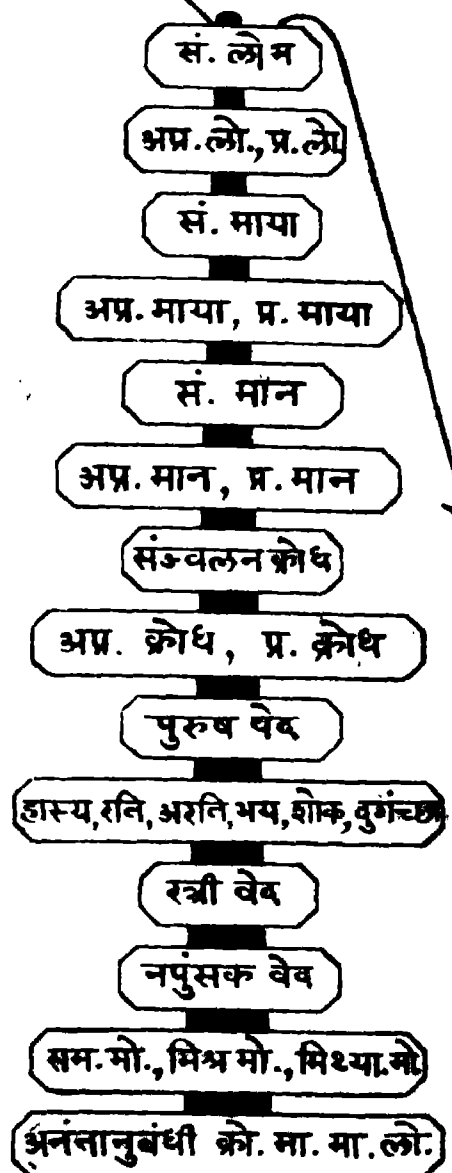
प्रकृतिनो क्षम करवो अने उदयमां आवयानी
 होय तेने दयावी देवी-उदयमां आवया न
 देवी ते. मोहनीय कर्म को उदयमे आई हुई
 प्रकृति का क्षय करना और उदय में आने-
 वाली प्रकृति को दबा देना-उदयमे न आने-
 देना. destruction of that
 Mohaniya Karma which has
 matured and the assuaging of
 that which is dormant. क० गं०
 २, २; ४, १६, ६७; प्रव० ३५; ६५०;
 ६५९; उत्त० ३२, ११; आया० १, ६, ५,
 १६४; भक्त० ८८; आ० ३६; अणुजो० १२७;
 —निष्कण्ठ. पुं० (—निष्कण्ठ) ने प्रकृतिनो
 उपशम करवाया आव्यो छे-उपशमनी
 निष्पत्ति थप चुकी छे ते जिस प्रकृति को
 उपशान्त कर दिया है-उपशम की निष्पत्ति
 होगई है वह. calmness which has
 been born as a result of
 assuaging the passions. अणुजो०
 १२७: —सार. त्रि० (—सार) उपशम-
 प्रकृतिनो निरोधाय छे सार-सार जेनु
 ने. उपशम-प्रकृतियों का निरोध है
 सार-सत्त्व जिसका ऐसा. (anything)
 having for its essence the
 subsidence of Karmic Pra-
 kritis. “उवसमसारं सुसामकं” कण्व०
 ६, ५६: —सेणि. स्त्री० (—सेणि) अनन्ता-
 नुबन्धि आदि प्रकृतिनो शस्त्रमां दुष्ट कर्म
 प्रमाणे उपशमायतां गुणश्रेष्ठिणी उपर गउनु
 ते; आ श्रेष्ठिणी अगीयारमा गुणहाण्यपदन
 जयाय छे. शास्त्रमे कहे हुए क्रमानुसार
 अनन्तानुबन्धि आदि प्रकृतियों का शमन
 करते करते गुणश्रेष्ठिपर चढ़ना. इस
 उपशम श्रेणि से ग्यारहवें गुणस्थान पर्यन्त
 पहुँचा जा सकता है. the ladder of
 spiritual advancement leading

up to the 11th Gūṇasthānaka
 by a gradual subsidence of de-
 luding passions etc. प्रव० ७७६;



अनुत्तर विमान.

—उवसम-सेणि.



D.V. TALPANI.

उपसमञ्ज. पुं० (उपशमक) उपशमभाव
वाणा मुनि; उपशम श्रेष्ठिये यजनार. उपशम
भाव वाले मुनि; उपशम श्रेष्ठिपर चढ़नेवाले.
An ascetic with passions calm-
ed down; one trying to curb and
assuage his passions भग० २५, ७;

उपसमग. पुं० (उपशमक) जुओ "उप-
समञ्ज" शब्द. देखो "उपसमञ्ज" शब्द.
Vide. "उपसमञ्ज" भग० २५, ६;
उपसमणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ "उपसम-
णया" शब्द. देखो "उपसमणया" शब्द.
Vide. "उपसमणया" क० प० ५, १;

उपसमि. त्रि० (उपशमिन्) औपशमिक
उपशम समझितवाले उपशम सम्यक्त्ववाला.
One possessed of Upasama
Samyaktva (i. e. subsidential
right belief). क० गं० ४, २५;

उपसमिय. पुं० (औपशमिक) मोहनीय-
कर्मनी प्रकृतिने उपशम. मोहनीय कर्म का
प्रकृति का उपशम. Subsidence of
Mohaniya Karma. (२) उपशम
निष्पन्न-औपशमिक भाव. उपशम निष्पन्न
भाव. calmness of mind born
of that subsidence. अणुजो० ८८;
१२७; भग० १४, ७; १७, १; २५, ६;
(३) त्रि० शान्त. शान्त. free from pas-
sions; calm. सू० न० १, ३४४;

उपसमियद्व. त्रि० (उपशमितव्य) उपशमा-
वतुं ते. उपशम करना. Assuaging;
causing to subside. वेय० १, ३३;
कप्प० ६, ५६;

उपसामञ्ज. पुं० (उपशामक) मोहनीयनी
२८ प्रकृतिने उपशमायी ११मे गुणस्थाने
परमान्ता ७५. मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-
तियों को शमन कर ग्यारहवें गुणस्थान में
विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gunasthāna with all the
28 varieties of Mohaniya
Karma subsided. सम० १४;

उपसामग. पुं० (उपशामक) मोहनीयनी
प्रकृतिओने सर्वथा उपशमावनार. मोहनीय
की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला.
One who causes right-conduct-
deluding Karma to subside
completely. क० गं० ४, ७३; प्रव० ७३३;

उपसामणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ
"उपशम" शब्द. देखो "उपशम" शब्द.
Vide. "उपशम" क० प० ५, ६५;

उपसामणया. स्त्री० (उपशमन) शान्ति उप-
शमवृत्ति. शान्ति; उपशम भाव. Ascetic
renunciation; calmness; free-
dom from passions. भग० ३, १;

उपसामणोवक्रम. पुं० (उपशमनोपक्रम)
कर्मने उपशमावधाना उपक्रम-आरंभ.
कर्म का उपशम करने का उपक्रम-आरंभ.
Commencement of effort to
assuage Karma. ठा० ४, २;

उपसामियद्व. त्रि० (उपशमयितव्य) उपशम
करावो. उपशम कराना. Causing
subsidence of Karma कप्प० ६, ५६;

उपसेवण. न० (उपसेवन) सेवा करवी.
सेवा करना. Attending upon;
rendering service to. प्रव० २७४;

उपसोभमाण. पुं० (उपशोभमान) शोभाय-
मान. शोभायमान. Beautiful; charm-
ing. नाया० १३; भग० २, १; ७, ३;

उपसोभिञ्ज-य. त्रि० (उपशोभित) शोभितुं
थयेतुं. शोभनीय बना हुआ. शोभित.
Beautified; adorned; made beau-
tiful. " कविसीसण्ह उवसोभिण् " राय०
" हारद्धहार उवसोभिण् " राय० जं० प०
१, ११; नाया० १;

उवसोभमाण. पुं० (उपशोभमान) शोभतो.
सुंदर; सुशोभित; शोभायमान; खूबसूरत.
Beautiful; appearing beautiful
नाया० १: ११; १५; भग० २, १: १५, १;
जं० प० २, १६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोभित) शोभावातुं.
सुंदर; शोभामान. Beautiful; lustrous;
handsome. नाया० १; ६; मु० च० १,
५१; जं० प० ७, १६६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोधित) निर्मल करेत्.
शोधित. शाधाहुआ. Purified. नाया० १;

✓ **उव-स्सय.** धा० I. (उप + आ + ध्रि) पेशयुं.
धुसना. To enter; to resort to.
उवस्सण. निर० ३, ४;

उवस्सअ-य. पुं० (उपाश्रय = उपाश्रीयते-
सेव्यते संयमपालनाय शितादिश्राणार्थं वा यः
स तथा) साधु साध्वीने रहैवानुं स्थानः
उपाश्रय. साधु साध्वीके रहनेका स्थानः
उपाश्रय. A Jaina monastery.
आया० १, १, ३: १६; २, १, १, १: २, ४,
७, १३८; नाया० १४; १६; नाया० ध० गय०
२३७; निर० ३, ४; उत्त० २, २३, ३२,
५; पगह० २, ३; ओष० नि० भा० १७;
दस० ७, २६; वेग० १, १४; वव० ६, ७;
८, २; दगा० ७, १; निगा० ८, १२;
कप्प० ६, २४; प्रव० ४४४, मच्छा० १४;

उवहअ य. त्रि० (उाहत) धोकेभां
पराभव पामेव-नाशपामेव. लोगो में
पराभव पायाहुआ; नाश प्राप्त-विनष्ट. Des-
troyed; disgraced amongst
people. मु० च० १, २७; भग० ३, २;
विशे० ११८; आया० १, २, ३, ७६;

उवहट. पुं० (उपहत) पासलुमां करेत्
होय तेज ओइरतुं ओवो अलीग्रद विशेष.
बर्तन में निकाल कर रखे हुए कोही भोजन

रूपसे ग्रहण करनेका अभिग्रह-नियम विशेष.
A kind of vow to eat only
that food which is placed in a
dish वव० ६, ४४; ४५; (२)
पासलुमां करेत्तुं-पीरसेत्तुं. वरतन में निकाला
हुआ-परोगाहुआ. served in a dish.
ठा० ३, ३;

✓ **उवहण.** धा० I. (उप + हन् क० वा०)
नाश पामेत्तुं. नाश पाना. To perish;
to be destroyed.

उवहम्मइ. क० वा० पि० नि० ६२२; दश०
७, १३;

उवहम्मंति. भत्त० १३५;

उवहनि. स्त्री० (उपहति) व्याधात-अंतर.
अन्तर; फट्के; Destruction; break
of continuity. विशे० २०१५;

✓ **उवहस.** धा० II. (उप + हस्) हसयुं;
भस्डरी करवी. हंसना; दिल्लगी करना; भजाक
करना. To laugh at; to joke.
उवहसे. दस० ८, ५०;

उवहसांत. उत्त० १२, ४;

उवहसिहानि. भग० १५, १;

उवहसिअ. त्रि० (उपहमित) हसी करेत्तुं.
हसा हुआ. Laughed at; ridiculed.
तंडु०

उवहाण. न० (उपधान = उप समीपे धीयते
क्रियते सूत्रादिकं येन तपसा तदुपधानम्)
अनशन आदि आ० प्रकारना तप. बारह
प्रकार के तप. Austerity of 12
kinds. ओष० नि० भा० १६८;
नंदी० ५०; उत्त० २, ४३; ठा० २, ३;
मम० ३२; पंचा० ६, ७; १५, २३; (२)
करेत्तुं ते; विधान. करना; विधान. perform-
ance; doing. ओव० १८; (३) ओसिद्ध.
तकिया. a small pillow for the
head. मु० च० १, ४४; ओष० नि०

२०५: (४) सन्ननी वायना उपर तप
करुं ते. सूत्र बांचने का तप करना.
austerity performed after read-
ing Sūtras. प्रव० २६८; —पडिमा
ली० (-प्रतिमा) उपधान-तप विशेष
अभिग्रह ३२०। उपधान-तप-विशेष का
अभिग्रह करना, नियम करना. a vow to
perform the austerity known
as Upadhāna. ठा० २; ४, १; ओव०
—सुय. न० (-श्रुत=महावीरसेवितस्योपधा-
नस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं गन्धः उपधान-
श्रुतम्) उपधान श्रुत नामनुं आचारंगनुं ८मुं
अध्ययन. उपधान सूत्र नाम का आचारंग का
आठवां अध्याय. the 8th chapter of
the Āchārāṅga Sūtra, styled
Upadhāna Sūtra. ठा० ५; सम० ५;

उवहाणग. न० (उपधानक) ओक्षीद्रु. तकिया.
A pillow. प्रव० ६८४;

उवहाणवन्त. पुं० (उपधानवन्त = उपधीयते-
उपहृयते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्वि-
द्यते यस्याऽसौ उपधानवान्) उपधान-शास्त्र-
वाचन निमित्ते तपविशेष. तेनुं ३२०।
शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेष-
को करने वाला. One who practises
the austerity known as Upadh-
āna with a view to study the
scriptures. “वसे गुरु कुलोणिञ्च जोगवं
उवहाणवं” उत्त० ११, १४; ३४, २७;
सूय० १, २, १, १५;

उवहार. पुं० (उपहार) भेट; अक्षीस. भेंट;
पारितोषक; इनाम. A gift; a present.
“ पहासमुदञ्जोवहारेहि सम्बन्धो ज्ञेया ”
कण्व० ३, ३४; पण्ड० १, २;

उवहि. पुं० (उपधि = उपधीयते संगृह्यते
इत्युपधिः) वस्त्र धरेण धरयार वगेरे उपधिः;
उपकरण; सामग्री. वस्त्र, आभूषण, घरबार

आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. World-
ly possessions, such as clothes,
ornaments, house etc; material
possessions; implements. भग०
१२, ५; १७, ३; १८, ७; निसी० २. ५६;
१२, ४७; १६, २५; पिं० नि० भा० २६;
२६; पिं० नि० ६८; दस० ६, २, १८; १०,
१, १६; आया० २, ३, २, १२१; सम०
१२; उत्त० १२, ४; १६, ८६; २४, ११;
ओव० २०; प्रव० ४६८; (२) माया;
धुष्ट. माया; कपट. fraud; deceit.
पण्ड० १, २; —धोअण. न० (-धावन)
उपधि-वस्त्रादि धोना ते. वस्त्रादिकका धोना.
washing, cleansing of clothes
etc. प्रव० ३०; —पञ्चकखाण. न०
(प्रत्याख्यान = उपधिरूपकरणं तस्य रजो-
हरणमुखवास्त्रिकाव्यतिरिक्तस्य प्रत्याख्यानं
न मयाऽसौ गृहीतस्य इत्येवं रूपा निवृत्ति-
रूपधिप्रत्याख्यानम्) उपधि-वस्त्रपात्र आदि
उपकरण-तेना त्याग-परिहार. वस्त्र, पात्र
आदि उपकरणों का त्याग-परिहार. aban-
donment of material posses-
sions such as clothes, vessels
etc. उत्त० २६, २; —विउत्सर्ग. पुं०
(-व्युत्सर्ग) वस्त्र पात्र आदि उपधितो
परित्याग. वस्त्र, पात्र आदि उपाधि का परि-
त्याग abandonment of such
material possessions as clothes,
vessels etc. भग० २५, ७; ओव०

उवहिय. त्रि० (उपहित) अर्पण करेला; पास
भुकेला. अर्पित; अर्पण किया हुआ; पासमें
रखा हुआ. Offered for acceptance;
placed near. विशेष ६३७; भग० १, ६;

उवहिय. पुं० (औपधिक) मायावडे पापने
ढांकनार. माया-झल कपट-के द्वारा पापको
ढांकने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया० २;

उवाङ्कत. त्रि० (उपातिक्रान्त) अतीत
थयेत्; पसार थष्ट गयेत्. गया हुआ; व्यतीत.

Past; gone. आया० १, ७, ४, २१२;

उवाङ्कम्. सं० कृ० अ० (उपातिक्रम्य)

उत्सङ्घन करीने; ओगाधीने. उत्साध करके.

Having crossed or transgressed.

आया० १, ७, १, २००; २, ८, १६३;

(२) परिहार करीने; त्याग करीने. त्याग करके

छोड़ करके. having abandoned;

having given up. आया० २, २, ३, १००;

उवाङ्ग्य. त्रि० (उपायित) यायेयुः भक्ष्येयुः.

मांगा हुआ; इच्छित. Begged; soli-

cited; desired. "उवाङ्ग्यं उववाङ्ग्यम्"

नाया० २; विवा० ७; (२) देवती आरा-

धनार्थी प्राप्त थयेत्. देवकी आराधना करने

मे प्राप्त. got by propitiating

a deity. डा० १०, १: —सस. त्रि०

(-शेष) आतां वधेयुः आतां आतां शेष

रहेयुः खाते खाते बचाहुआ (the portion

of food) which has remained in

the dish after one has taken

his fill. आया० १, २, १, ६७;

उवाङ्ग्य. पुं० () त्रय इन्द्रियाणां अय.

तीन इन्द्रिया बाना जाव. A three

sensed living being पञ्च० १;

उवागम-य. त्रि० (उवागत) प्राप्त थयेत्;

भेगयेत्. गया हुआ; प्राप्त. Got; acquir-

ed; obtained. जं० प० ओव० १०,

नाया० १; ६: १४; १६; भग० १५, १;

उवाचिय. त्रि० (उपाचित) भरैत्; व्याप्त.

भरा हुआ; व्याप्त. filled; full; perva-

ded by. नाया० १२;

उवाणह. पुं० (उपाणह) पगरभा: गेडा.

जूती का जोड़ा. A shoe; a pair of

shoes. " तिगिच्छमाणहावाण, समारंभं

च जोइणो " दस० ३, ४; पणह० २, ५;

सूय० १, ४, २, ६; प्रव० ४३८;

उवादान. न० (उपादान) मुख्य कारण.

पहला कारण. मूल कारण. Primary or

material cause. विशेष० १२२६;

उवादेय. त्रि० (उपादेय) उपादेय-आदरवा-

योग्य वस्तु. उपादेय-ग्रहण करने योग्य.

Acceptable; worthy of being

accepted. पंच० ५, २०;

उवाय-अ. पुं० (उपाय) उपाय; साधन;

प्रतीकार. उपाय; माधन; तरिका. A means;

a remedy; an expedient. "विणयं

पिजां उवाण्णं चोइआ कुप्पहनरो " दस०

६, २, ४; " एणं च दोमं चतेहेव मोह,

उद्धत्तुकमेण समूल जालं । जे जे उवाया

पडिवजियस्वा, ते कित्तहस्सामि अहाणु

पुत्तिव " उत्त० ३२, ६; विशेष० ५२७; ओव०

डा० ४, ३, नाया० १; ६: ८; १२; सूय० १,

४, १, २; दस० ८ २१; पञ्च० ३६; (२)

युक्ति. युक्ति. a scheme; a plan.

स० प० १: —उभाय. पुं० (-अध्यायक)

प्राप्ताना अने पारश्वा दित्तो उपाय स्थितव-

तार अपने और दुगरे के हितका उपाय

सोचने वाला. one who reflects

upon the means of securing

his own well-being as well as

that of others. विशेष० ३१६६;

—पव्वज्जा. स्त्री० (-प्रव्रज्या) गुहनी सेवा

करी दीक्षा लेवी ते. गुरुकी सेवा कर दीक्षा

लेना. taking of Dikṣā after

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

rendering service to a preceptor. ठा० ३, २;

उवाय-अ. पु० (अवपात) आचार्यनी निर्देश-आता. आचार्यकी आज्ञा. The order of a preceptor. सूय० १, १४, १; (२) आडे. खड्डा; गड्ढा. a pit; a ditch. आया० २, १, २, २७; जीवा० ३, ३; पणह० १, १;

उवायण. न० (उपायन) भेट. भेंट; पारितोषक. A gift; a present. सु० च० ८, ४६; (२) याचना करवी; मागणी करवी. मांगना; याचना करना. praying for; asking for; solicitation. विशेष० १८७८;

उवायमाय. त्रि० (उपायमान) पुत्र आदिनी याचना करते-ती-तुं. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter. नाया० २; १७;

उवालंभ. पु० (उपालम्भ = उपालम्भमुपालम्भः) टोका आपरो ते आपरोभा. टपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproach; a reprimand. पि० नि० भा० ४५; विशेष० २८८; ठा० ४, ३;

उवास. पु० (अवकाश) अवकाश; आकाश. Vacant space; sky. भग० १, ६; वव० ७, १८; (२) उपाश्रय; निवास स्थान. उपाश्रय; जैन साधुओंका ठहरनेका स्थान. a Jain monastery. निसी० १७, २०; — अंतर. न० (-अन्तर) धनवा तनवा वगैरेनी व्ययेनुं आकाश; आंतररूप आकाश. घन वात विलय और तनवात विलयके बीच का आकाश. intervening void space. एणुसुखं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया ” ठा० ७; २, ४; निसी० ६, १२; वव० ८, १; पल० १५; वीवा० ३, १; भग०

१, ६; ४; २, १०; ६, २; १२, ५; १३, ४; २०, २;

उवासअ-य. त्रि० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनियुपासकाः) उपासना करनेवाला; सेवा करने वाला; सेवक. (One) who worships or serves or waits upon. निसी० ८, १२; पि० नि० १५८; ४६४;

उवासग. पु० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनियुपासकाः) साधुनी उपासना करनेवाला; श्रावक. साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक. One who renders service to an ascetic; a Jain layman. उवा० १, ७०; २, १२३; उक्त० ३१, ११; सम० ११; (२) धर्म सांख्यिकी अखिलापायाणा. धर्मोपदेश सुननेकी इच्छा वाला. One, desirous of learning religious truths from a Guru भग० ५, ४; — पडिमा. त्री० (-प्रतिमा = उपासका-श्रावकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा अभिग्रहाविशेषाः उपासक प्रतिमाः) उपासकनी-श्रावकनी ११ पडिमा. श्रावककी ग्यारह प्रतिमाणें. the 11 vows of a Jain layman. रंजा० १०; १; आव० ४, ७; नाया० ५; दसा० ६, १; २;

उवासगदशा. त्री० (उपासकदशा = उपासकाः श्रावकास्तद्व्रताशुव्रतादिक्रियाकलाप-प्रतिबद्धा दशा अध्ययनानि उपासकदशाः) उपासक-श्रावकना अधिकारना दश अध्ययन गेमां छे जेवा सातमां अंगसुवनं नाम; उपासकदशा सूत्र. उपासक-श्रावक के अधिकारके जिसमे दश अध्याय हैं उन सातवें अंगरूपका नाम; उवासगदशा सूत्र. Name of the 7th Āṅga Sūtra dealing with the duties of a Jain layman in 10 chapters. उवा० १०, २१५; अणुजो० ४२; नंदी० ४४; ५१; सम० १; ७;

उवासिया. स्त्री० (उपासिका) सिद्धांत सांभ-
लानेवाली धर्मशास्त्री स्त्री; श्राविका. सिद्धान्त
सुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री; श्राविका.
A woman desirous of learning
religious truths from a precep-
tor; a Jainalawwoman. भग० २,
४; १५, १;

उवाहण. पुं० (उपाहण) पगरभुं; भासपुं.
जुता. A shoe; a pair of shoes.
“छत्तो वाहण संजुत्ते, धाउरत्तवत्थ परिहिण्”
भग० २, १; अणुत्त० ३, १;

उवाहि. पुं० (उपाधि) उपाधि; विशेषण.
उपाधि; खिताब; विशेषण; पदवी. World-
ly fetters; attachment to world-
ly objects; a title; an epithet.
आया० १, ३, १, १०६;

उविक्खअ. त्रि० (उपेक्षक) उपेक्षा करनेवा-
ला; भेदकार. उपेक्षा करने वाला. Neglect-
ful; indifferent. गच्छा० २८;

उविक्खा. स्त्री० (उपेक्षा) उपेक्षा. उपेक्षा.
Neglect; indifference; contempt.
पंचा० १८, ३४;

उविच्च. अ० (उपत्य) प्राप्त करने; भेगवतीने.
प्राप्त करके; पा करके. Having got or
obtained. उत्त० १३, ३१;

उवीला. स्त्री० (अवपीडा = अवपीडनं परेषा
मित्यवपीडा) परने पीडा उपजानेवाली ते. दूसरे
का दुःख देना. (Giving pain or trou-
ble to others. विवा० ६; परह० १, ३;

उवेअ. त्रि० (उपेत) युक्त; संयुक्त; सहित
संयुक्त; सहित; साथ. Accompanied
with; joined with; possessed of.
“पत्त पुप्फ फलावेए” उत्त० ६, ६;

उवेहलिय. पुं० (*) अनंत काय
विशेष; इंदु मूलनी ओक जलत. कंद मूल की
एक जाति; अनंत कायरूप वनस्पति विशेष.
A kind of bulbous root. भग० २३, ३;

उवेहिअ. त्रि० (उपेक्षित) उपेक्षा करने-
वाला किया हुआ; जिसकी परवाह नहीं की
गई. Neglected. सु० च० ५, १००;

***उव्वकिउं.** अ० (उव्वार्य) ओगाधीने. उगार
करके. Having reduced to a
semifluid condition by masti-
cating etc. सु० च० ६, ५२;

उव्वट्ट. पुं० (उव्वत्त) नारकी अने देवताने
भव पुरे करी गीत्त गतिभां गयुं ते. नारकी
आर देव भव को पूरा करके दूसरी गति में
जाना. Passing into another state
of existence after completing
one's term of existence as a
celestial or hell being. विशेष
२७४८; (२) पीडीवडे मीकाश इर
करवी ते; उवट्टणुं करवुं ते. पिठा के द्वारा
चिकनाहट दूर करना; उवट्टन करना. rub-
bing the body with perfumes;
removing oiliness by knead-
ing with a fragrant substance.
विशे० २६६४;

✓**उवट्टण.** न० (उव्वत्तन) कर्मनी दुंकी-
स्थितिने अध्यवसायविशेषधी प्राप्ती करवी
ते कर्म की अल्प स्थिति को अध्यवसायविशेष
से दीर्घ काल की करना. Lengthening
the duration of Karmas by
meditation. विशेष २५१४; (२) उलटी
रूपाडिअे मर्दन करवुं ते. उलटे हूँ की ओर

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

से मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दस० ३, ५; उवा० १, २६; १०, २७७; गच्छा० ११३; (३) पण्यं ईरयुं ते. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture). आव० ४, ४;

उव्वट्टणा. स्त्री० (उव्वर्त्तना) देवता अने नारकी ने भव पुरे इरी अदार नीडवयुं ते. देव और नारकी के भवको पुरा कर बाहर निकलना. Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being. प्रव० ११३६; (२) उगतल्लुः भर्त्तनं विशेष. उवटना; मलना; मालिश करना. anointing; smearing; rubbing. नाया० १३; विवा० १; भग० ११, १; १६, ३; २१, १; ३५, २; —**आलिंगा. स्त्री० (-आवलिका)** इमंती टुंडी स्थितिनी लांगी स्थिति इरवी ते उव्वर्त्तना तेनी आवलिङ्का-समयविशेष. कर्म की छोट्टा प्रकृति का लंबा स्थिति करना, उव्वर्त्तना-उमकी आवलिका-समय विशेष. the particular moment of prolonging the duration of Karma. क० प० २, ३;

उव्वट्टणावय. त्रि० (उव्वर्त्तनाकारक) पीडी इरावतार. उवटना. उवटन कराने वाला. (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent. निसी० ६, २४;

उव्वट्टावयेव्व. त्रि० (उव्वर्त्तितव्य) नरकादिभो भवपुरे इरी नीडवयुं. नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना. Finishing one's term of life in hell etc.

and taking another birth. भग० १३, १;

उव्वट्टित्ता. सं० क० अ० (उव्वर्त्तित) नरकादिभांथी अदार निकलीने; नरकादि भव पुरे इरीने. नरकादि में से बाहर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it. भग० १५, १;

उव्वट्टिय. त्रि० (उव्वर्त्तित) नरकादिभो भव पुरे इरी अदार नीडवयुं. नरकादि गति-सम्बन्धी भव पूरा करके बाहर निकलता हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. “आउक्खवण्ण उव्वट्टिया समाणा” प्रव० ११०३; पगह० १, १; ३; क० प० २, २६; (२) उवटल्लुं इरेवः पीडी येवेव्व. उवटन किया हुआ पीठा चिपडा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) पदभ्रष्ट थयेव्व. पदच्युतः पदभ्रष्ट. deposed; dethroned; degraded. पि० नि० ४२०;

उव्वण भोग. पुं० (उव्वण भोग) उव्वट्ट भोग. उक्तभोग. Keen enjoyment. पंचा० २, ६;

उव्वत्त. पुं० (उव्वत्त) रोगी गिलान के संथारो इरवार आधुनी वेयावच्च इरवार निर्यामक आधुनी अेक्कवर्ग के ने रोगीनी उव्वर्त्तना-पासे ईरयुं वगेरे रूपे शश्रुषा इरे. रोगी, ग्लान या संथारा करने वाले माधु का वेयावच्च करने वाला निर्यामक माधु का एक वर्ग, जो रोगी को उव्वर्त्तना-करवट लिवाना मालिश करना आदि शुश्रुषा करता है. A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn over from one side to another. प्रव० ६३६;

उच्चरिय. त्रि० (उच्चरित) आहारनो ओष्ठ दोष, आहार का एक दोष. A fault connected with food. पि० त्रि० २२७; पंचा० १३, ८; (२) व्युद्धं कटेन. जुदा किया हुआ. set apart; separated. पंचा० १३, ८;

उच्चलण. न० (उच्चलन) उलटी इवादीये मर्दन करतुं; मर्दन करी मथ उतारतुं. उलटे रुई की ओर से मर्दन करना. Rubbing a perfumed unguent on the body against the grain; rubbing and cleaning the body with perfumes etc. ओव० ३१, नाया० १३; क० प० २, ४८; कण० ४, ६१;

उच्चलणा. स्त्री० (— उच्चलना=उद्धर्तन) उन्मूल्युं. खोलना. Act of unfolding or unwinding क० प० २, ६१;

उच्चिग्ग. त्रि० (उच्चिग्ग) उद्ध्वेग पाप्मेव; अशांत स्थित. अशांत; उद्ध्वेगयुक्त. Vexed; troubled; agitated. “जम्म मच्चु भउच्चिग्ग. दुक्खस्स संतगंमिणो” जं० प० ३, ६८; ओव० २१; नाया० १; ३, ४; ६; १६; १७; पणह० १, १; जीवा० ३, १; भग० ३, १; ६, ३३; १२, १; १८, २; पञ्च० २; नाया० ४० गु० च० १, २२६; उवा० ८, २५६; जं० प० ३, ४८; उत्त० १४, ४२; —मण. त्रि० (मनस्) उद्ध्वेगयुक्त मनवालो. उद्ध्वेगयुक्त मन वाला; चित्तित

मन वाला. troubled or agitated in mind. नाया० १७;

उच्चिद्ध. त्रि० (उच्चिध्व) उद्धुं. उंडा; गहरा. Deep. ओव० नाया० १; जं० प० १, ११५; (२) उच्चिद्धत; उद्धुं. ऊंचा. lofty; raised; high. सम० प० २३६; भग० ६, ३३; पणह० १, ४;

उच्चिह. पुं० (उच्चिध) गोशालाना भुभ्य श्रावधनुं नाम. गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम. Name of the principal layman of Gōśālā. भग० ८, ४;

उच्चिहिय. त्रि० (उच्चिद्ध) उच्चिद्धेन. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. भग० ४, ६;

उच्चिह. त्रि० (उच्चिद्ध) उच्चिद्धेन. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up; shot up. भग० १८, ३;

उच्चिलअ-य. पुं० (अपव्रीडक=लज्जाया अतिचारान् गोपायन्तमुपदेशविशेषरूप व्रीडयति विगतलज्जं करोतीति अपव्रीडकः) आलोचयन्ता देवतारते उच्चल्यन्ती देव्य ते अभयवीर्ये इर इरन्तार. आलोचना करनेवाले को यदि लज्जा लगती हो तो गमभाकर उसे इर करनेवाला. One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins. भग० २५, ७; अ० ८, १;

उच्चिलेमाण. त्रि० (अवपीडयत्) पीडितो. पीड़ादिता हुआ. Troubling; afflicting. “पथ कोट्टेहिय उच्चिलेमाणे २ विहिंसे माणे २ विहरइ” टा० ८; विवा० १;

उच्चुज्झमाण. त्रि० (उपोह्यमाण) पाटीया उपर भेरी तरतो. पाटिये पर बैठकर तिरता हुआ. Swimming upon a wooden board. “ततेणं अहं उच्चुज्झमाणे रयण

दीवं तेषां संबुद्धे" नाया० ६;

उब्धेयग्रह. पुं० (उद्देगग्रह) उद्देग उत्पन्न
थाप ओषो रोग. जिससे उद्देग उत्पन्न हो
ऐसा रोग. A disease or an ail-
ment giving rise to anxiety
and alarm. जावा० ३, ३;

उब्धेग. पुं० (उद्देग) उद्देग; भेद. उद्देग;
खेद; चिंता. Mental affliction;
mental agitation. भग० ३, ७; टा० ७;

उब्धेय. पुं० (उद्देग) व्याकुलता; उद्देग
व्याकुलता; चिन्ता; घबडाहट; उद्देग. Agi-
tation; perturbation; mental
distress. नाया० १;

उब्धेयणश्च. त्रि० (उद्देजनक) उद्देग करने
वाला. Causing distress
or misery; giving rise to pain
and sorrow. पगह० १, १;

उब्धेयणकरि. त्रि० (उद्देजनकरिन्) उद्देग
करने वाला. (One) be-
coming angry; (one) causing
distress or pain of mind. भग०
६, ३३;

उब्धेयणश. त्रि० (उद्देजनक) लुओ " उब्धे-
यणश्च " शब्द. देखो " उब्धेयणश्च " शब्द.
Vide " उब्धेयणश्च. " भग० ६, ३३;
पगह० १, १;

उब्धेयणिय. त्रि० (उद्देजक) उद्देगकारी.
उद्देग करने वाला. Distressing;
painful; full of misery. "असुहृण
उब्धेयणियाण भीमाण गम्भव सहाण वमि
यच्च भविस्सइ" टा० ३, ३;

उब्धेह. पुं० (उद्देघ) जमीनमाँ उद्घात; उद्घा-
पल्लु. गहराई; उँडाई. Depth. भग० २,

८: १५, १; राय० १५५; जावा० ३, ४;
जं० प० १, १२; ७, १७४; अणुजा०
१३४; टा० २, ३;

उब्धेहलिया. स्त्री० (*) ओष जलती
वनस्पति. उब्धेहाणिया नामक एक वनस्पति.
A kind of vegetable growth.
सूय० २, ३, १६;

उत्सण. पुं० (अवसन्न) संयमशी थाड़े. संय-
मसे थका हुआ. Fatigued, exhaust-
ed on account of ascetic prac-
tices; tired of ascetic penance.
निसी० ४, ३५; ३६;

उत्सण. अ० (*) भेदों भागों प्राये.
बहुधा: प्रायः. Mostly; to a great
extent. पन्न० ८, भग० ७, ६; श्राव०
२०; वव० १, ३४;

उत्सहसगिणश्चा. स्त्री० (उच्छृङ्खलचिणिका)
अतन्त व्यवहार परमाणु जेगाथवाथी
अनेवा न्दानांमां न्दाना रङ्गनी संज्ञा: उच्छृ-
ङ्खलतो ६४ मो भाग. अतन्त व्यवहारिक पर-
माणुओंके एकत्रित होनेसे बने हुए छोटो-
छोटो स्क्थकी संज्ञा. A name given
to the smallest molecule made
up of innumerable atoms;
1/64th part of an Urdhwa
Repu. भग० ८, ७;

उत्सहसगिहश्चा. स्त्री० (उच्छृङ्खलचिणिका)
लुओ उप्पेओ शब्द. देखो उपरका शब्द
Vide above. अणुजा० १३४;

उत्सत्त. त्रि० (उत्सक) उपर आधेस. ऊपर
बाँधा हुआ. Bound or attached to
the top. श्राव० पन्न० २; राय० ५६;

उत्सन्न. अ० (*) व्यकुलता; प्राये.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

बहुलता; अधिकता; प्रचुरता. Mostly; to a great extent. टा० ४, १: —तस्सपाणघाति. त्रि० (-त्रयपाण-घातिन्) धुले भागे त्रय प्राणीनी घातने क्षमता. अधिकतर त्रय प्राणीकी घात करने वाला. mostly destroying or killing mobile living beings. दमा० ६, १: —संभारकड. त्रि० (-सम्भारकृत) प्राये कर्मना भारी प्रेरयेत्; भारे कर्मपिबुद्धी प्रेरयेत्. प्रायः कर्मके भार में दबा हुआ; कर्म के भार में प्रेरित mostly urged by a heavy load of Karma. दमा० ६, १:

उसभ पुं० (वृषभ) शाश्वती ऐकं जिन प्रतिमानं नाम शाश्वत-निरंतर रहने वाला एक जिन प्रतिमा का नाम. A permanent idol of a Tirthankara. जीवा० ३, ४: कप० ३, ४४:

उसभ. पुं० (ऋषभ—ऋषांत गच्छति परमपद-मिति ऋषभः) प्रथम तीर्थंकर; ऋषभदेव स्वामी. The first Tirthankara: Rishabhadeva Swāmī. आव० २, ४: भग० २०, ८; सम० २३, २४. ज० प० ५, ११५: अणुजो० ११६: पंचा० १६, ८: सम० प० २३४: (२) त्रि० उत्तम; श्रेष्ठ. उत्तमः सर्व श्रेष्ठ. highest; excellent. टा० ४, २: (३) पुं० पन्द्रमा दुद्रयन्तु नाम. पंद्रहवें कुलकर-नताका नाम. name of the 15th Kulagara i. e. a great leader of men. ज० प० (४) अण्ड; बैल. an ox. भग० ११, ११: १६, ६: अणुजो० ४७: ओव० ज० प० राय० ४३: नाया० १: (५) अगीयारमा पारभा देवलोचना मंदनुं यिन्द. ग्यारहवें, बारहवें देवलाक के इन्द्र का चिन्ह. the emblem of the In-

dra of the 11th and 12th Devalokas. ओव० २६; (६) अण्डना यित्र पातुं वस्त्र अथवा आभरण. ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो. a cloth or an ornament bearing a picture of an ox. जीवा० ३, ३: (७) आभराने पाटे. चमड़े का पट्टा. a leathern belt. ज० प० सम० प० २२६; पञ्च० २३: —आसण. न० पुं० (-आसन) अण्डना आधारनुं आसन. बैल के आकार का आसन. an ox-shaped seat. जीवा० ३: —कंठ. पुं० (-कण्ठ) ऐकं जतनुं रत्न. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय० १२१: —कंठग. पुं० (-कण्ठक) ऐकं जतनुं रत्न. एक जात का रत्न. a kind of gem. “उसभकंठगणश्रद्धमं” जीवा० ३, ४: —कूड. पुं० (-कूट) ऐकं पर्वतनुं नाम. एक पर्वत का नाम. name of a mountain. ज० प० १, १७: २, १२५: (२) सिन्धु-दुद्रती पूर्वे गंगादुद्रती पश्चिमे नीलयन्त पर्वतना दक्षिण दुर्गे उत्तरार्द्धे कच्छविजयमा- ना व्यास पोटवने जीया ऐकं द्रु-शिखरं सिन्धुकुंड के पूर्व की ओर गंगा कंठ की पश्चिम दिशा में नीलयन्त पर्वत के दक्षिण किनारे पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kauchehha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gaṅgā Kuṇḍa and to the east of Sindhu Kuṇḍa. ज० प० १, १७: —नाराय. पुं० (-नाराय) लुओ “उसभनारायसंघयण” शब्द. देखो “उसभनारायसंघयण” शब्द. vide “उ-

सभनारायसंघयण ” भग० २४, १; ठा० ६, १; —नारायसंघयण. न० (—नाराचसंहनन) जेमां दाउडाना सांघा पाटा जेवा पदार्थयी विटपियेअ अने मर्कट अधथी अधियेअ होअ ते संघयणु; ७ संघयणुभानुं थीअुं संघयणु. जिस में शरीर की हड्डियों के जोड़ पड़ेके समान वस्तु से लिपटे हुए और मर्कट बंधन से बंधे हुए हों वह संहनन; छह गंहननो में से दूसरा संहनन. a physical constitution in which the bones are wrapped round by sinews as hard as stone and fastened together tightly by Marakata Bandha; the 2nd of the six kinds of Saṅghayana (physical structure). जीवा० १; —पंक्ति. स्त्री० (—पंक्ति) अगदोनी पंक्ति. बैलोंकी पंक्ति. a series or line of oxen. भग० १६, ६; —ललियविक्रन्त. त्रि० (ललितविक्रान्त) अवदना जेरी सारी गति वालो. बैल के समान सुंदर गति वाला. possessed of a gait beautiful like that of an ox. राय० ६२; —संठिय. त्रि० (संस्थित) अगदना आकारनुं. बैल के आकारका. ox-shaped. भग० ६, २; उसभदत्त. पुं० (ऋषभदत्त) ऋषभदत्तनामे ओअ आत्मजुं क जेना घरमां महावीर स्वामी प्रथम आग्या हता. ऋषभदत्त नामक एक ब्राह्मण कि जिसके घर महावीर स्वामी प्रथम गयेथे. Name of a Brāhmana to whose Mahāvira Swāmī had visited first. भग० ६, ३३; कप्प० १, २; (२) उसुयार नगर निवासी ओअ गाथापति. उसुयार नगर निवासी एक गाथापति. a merchant-prince of

Usuyārnagara. “ उसुयारणये उसभदत्ते गाहावह ” विवा० ४;

उसभपुर. न० (ऋषभपुर) जे नामनुं नगर के जेमां तिष्यगुप्त नामे ओअ निन्दव था. एक नगरका नाम जिसमे तिष्यगुप्त नामक एक निन्हव हुए थे. Name of a town which was the native place of a Nihava named Tisyagupta. ठा० ७, १; विवा० २;

उसभसेण. पुं० (ऋषभसेन) ऋषभदेव-स्वामीना चौरासी दम्भर साधुओभाना मुष्प्य साधु ऋषभदेवस्वामाके चौरासी हजार साधुओ में के मुख्य साधु. The chief of the 84 thousand Sādhus of Rīṣabhadeva Swāmī. गम० प० २३३; जं० प० कप्प० ७, २१३; (२) २०मां तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार गृहस्थ. वाम वै तीर्थंकर का प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ name of a householder who first of all gave alms to the 20th Tirthāṅkara. सम० प० २३३;

उसभा स्त्री० (ऋषभा) शाश्वती चार प्रतिमाओ पैडी पड़ेडी प्रतिमानुं नाम. शाश्वती चार प्रतिमाओ में का पहला प्रतिमा का नाम. Name of the first of the four permanent Pratimās. राय० १५४; —लद्धि. स्त्री० (-लद्धि) उश्वासनी प्राप्ति. उश्वासकी प्राप्ति. the attainment of (the power of) inhaling air. क० ग० १, ४४;

उसह. पुं० (ऋषभ = ऋषति गच्छति परम-पदमिति ऋषभः) आदि तीर्थंकर; पड़ेवा तीर्थंकरनुं नाम. पहले तीर्थंकरका नाम. Name of the first Tirthāṅkara. जं० प० नंदी० ४३; प्रव० ४;

उसह. पुं० (वृषभ) अवद. बैल. An ox;

a bull. नाया० ८;

उसहकूट. पुं० (वृषभकूट) ओ नामनो ओइ पर्वत गंगाकूट अने सिन्धुकूटनी वन्धे युवदिभवंत पर्वतने दक्षिण तटे छे. इस नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवंत पर्वतके दक्षिण का और है. Name of a mountain between Gaṅgākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain. जं० प०

उसहसेण. पुं० (अवभसेन) ओओ "उसभसेण" शब्द. देखो "उवभसेण" शब्द. Vide "उसभसेण" प्रव० ३०६; **उसा.** स्त्री० (उषा-अवरषाय) स्त्री०; आङ्ग. ओस. Fog; dew. (२) प्रभात. प्रातःकाल. dawn. "तेजः परिहानिरूषा, भानोरच्छेदयं यावत्" जावा० १;

उसिण. पुं० न० (उष्ण-उषति दहति जन्तुनि-त्पुष्णम्) ओण् २पशः ओण्यता. गर्मी; उष्ण स्पर्श. Heat; hot touch. (२) त्रि० त्रि०; गरम. गर्म. hot. आया० १, १६, ३३; पञ० १: ३५; भग० २, २: ५; ६, ६; ७: १०, १० १८, ६: २०, ६; दस० ६, ६३; पि० नि० १५२; जावा० ३, १: उत्त० २, ८: ४० ४, ४: नाया० १६; प्रव० ३१; (३) पुं० ओण्यद्रवः उनालो. गरमी का मौसम. summer; hot season. प्रव० ८५५;

—**उद्ग.** न० (उदक) उनुं पाणी: गरम पाणी. गर्म पानी. उष्ण जल. hot water. "उसिणादगतं तफासुयं पडिगाहंज संजण" दश० ८, ६; प्रव० ८८८; पञ० १: वेय० २, ५; पि० नि० भा० १८; नाया० १८; —**उद्गवियड.** श्र० (उदकविकृत) विकृत-अथेत थयेस उनुं पाणी. अचित पानी; जीवजंतु रहित उष्ण जल. hot water rendered lifeless. निसी०

१, ७; दसा० ६, ४; —**उसिण.** त्रि० (उष्ण) उनुं उनुं. गर्म; उष्ण; ताजा. hot. निसी० १७, २५; —**जोणिय.** पुं० (योनि-उष्णमेव योनियेषान्ते उष्णयोनिकाः) ओण् योनिवादा श्रव. उष्ण योनिवाला जीव. a living being (female) with hot generative organ or womb. भग० ७, ३; —**तेयलेस्सा.** स्त्री० (तेजो-लेस्या) ओण् तेजं लेस्या; गरम अग्निरूप लेस्या-तपना प्रलापथी उत्पन्न थयेस ओइ वन्धि के जेथी थीगने वाली शके. उष्ण-तेजो लेस्या; अग्नि के समान लेस्या; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लब्धि जो दूसरे को जला सके. hot and bright Leśyā; a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १; —**परिसह.** पुं० (परिषट्) ताप-गरमीने परिसह. गर्मी का परीषट्; उष्णता महन करने रूप तप. bearing affliction caused by heat. सम० २२; उत्त० २, ८; भग० ८, ८. —**फास.** पुं० (स्पर्श) ओण् २पशः गरमी; आः स्पर्शभित्ति ओइ. गर्मी; आठ प्रकार के स्पर्शों में से एक स्पर्श. heat; hot touch; one of the ८ kinds of touch. क० गं० १ ४५; —**भोयण-जाअ.** न० (भोजनजात) उना जालतनी जल प्रसार. गर्म भोजन उष्ण भोजन का एक जाति. a variety of food served hot. वेय० ५, १२; —**विकट.** न० (विकट) उद्रायेतुं उनुं पाणी; उनुं अचित पाणी. उकाला हुआ गरम जल; गरम अचित जल. boiled water; lifeless, sterilised water. कण्ठ० ६, २६; **उसिणभूय.** त्रि० (उष्णभूत) गरमभूत.

गर्म; उष्ण. Become hot; made hot. "उसिखे उसिखभूय यावि हाथ्या"

भग० ३, २;

उसिय. त्रि० (उचित) निवास करेय; रहेंय. निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ. Dwelt; inhabited. आया० १, ६, ३, १८७;

उसीर. पुं० (उशीर) बाणो; ऐक सुगंधि द्रव्य; वीरिणना मूल. खस; एक सुगंधित द्रव्य; खस का जड़. The fragrant root of the plant *Andropogon Muricatus*. राय० ५६; जीवा० ३, ४; पण्ड० २, ५; सूय० १, ४, २८; —**पुड.** पुं० (—पुट) बाधानो पडा. खस का पुडा. a bundle of roots of a fragrant plant named *Andropogon Muricatus*. नाया० १७;

उसु. पुं० (इषु) बाण; तीर; डामड़. बाण; तीर. An arrow. "अहेणं से उसु" भग० १, ८; ५, ६; ७, ६; १८; १; १८, ३; जं० ५० ४, ४५; अंत० ५, १; राय० २५७; विशेष० ३१४१; सूय० १, ५, १, ८;

उसुकारिज. न० (इषुकारीय) उत्तराध्ययन-ना चौदहमा अध्यायन-नाम, जेमां इषुकार राजा कमलावती राजी लगु पुरोहित अने तेनी स्त्री तथा पुत्रानो अधिधार छे. उत्तराध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसे में इषुकार राजा, कमलावती रानी, भगु पुरोहित और उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है. Name of the 14th chapter of *Uttarādhyayana* dealing with the king *Iṣukāra*, the queen *Kamalāvati*, the preceptor

Bhagu etc. अणुजो० १३१;

उसुगार. पुं० (इषुकार) धातकी भंडमां दक्षिण अने उत्तर दिशानो विभाग करनार ऐक पर्वत. धातकी खंडमें दक्षिण और उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत. Nama of a mountain in *Dhātakī Khanda*, situated between and separating the north and the south. ठा० २, ३;

उसुअ. पुं० (इषुक) बाणने आकारे आलकनुं ऐक आभरण. बाण के आकार का बालक का एक गहना. A kind of ornament for a child. "उसुपाइण्हिं मंडेहिं नावणं अहवणं विभूसेभि" पि० नि० ४२३;

उसुयार पुं० (इषुकार) ऐ नामनुं इषुकार राजानुं नगर. इषुकार राजा के नगर का नाम. Name of a town belonging to king *Iṣukāra*. विवा० ३; उत्त० १४, १; (२) इषुकार नगरीना राजा. इषुकार नगरी के राजा का नाम. the name of the king of *Iṣukāra* town. "उसुगारणं गण्यरेउसभदत्ते गाहावई" विवा० ३, १; उत्त० १४, ३;

उसुयाल. न० (*) छिपल. कखल. A wooden mortar used for cleansing grain from chaff etc. निसा० १३, ५; आया० २, ५, १, १४८;

उसोवणी. स्त्री० (अवस्थापिनी) सामा भाणसने गाढ निद्रा आवी गदय तेयी विद्या. ऐसी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य को गाढ निद्रा आजाय. Art of hypnotising. सूय० २, २, २७;

उस्स. पुं० (अवशयाय) ओस; धार; जलधारा.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओस. Dew; fog; hoar-frost.

“अप्यहरिषु अप्युत्सेषु” वेय० ४, १; भग०

१२, १; उत्स० ३६, ८५; विशेष० २५७६; टा० ४, ४;

उत्सन्न. पुं० (उच्चय) लायनी उन्नति. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति. Sublimity of thought. पर० २, १;

उत्सर्ग. न० (उत्प्लव्ग स्वयोगप्रवृत्त कालावधेरूर्ध्व पुरतः प्लव्गणमारम्भकरण-मुत्प्लव्गणम्) जेने भाटे जे काय निर्माण करेत् छे तेने उद्वेगनि ते कार्य करवुं ते. जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करना. Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पि० नि० २८५; (२) उंचे कूदवुं. ऊंचे कूदना. leaping up; high jump. प्रव० ११७; पंचा० १३, १०;

उत्सर्ग. पुं० (उत्सर्ग) काउसग्ग कायाना व्यापारना त्याग. कायोत्सर्ग; शरीर के व्यापार का त्याग Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम० ३३ ओघ० नि० ५२; प्रव० ७५; (२) मलमूत्रदिना त्याग. मलमूत्रादि का त्याग. getting rid of urine, solid excrements i. e. feces etc. पंचा० ३, २०; पि० नि० भा० १५; ओघ० नि० भा० ३१; भक्त० ४४;

उत्सर्गि. त्रि० (उत्सर्गिन) उत्सर्गमार्ग तथा अपवादमार्गने ज्ञानुनारः शास्त्रीय पारीक नियमोंने समज्जनार. उत्सर्ग और अपवाद मार्ग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूक्ष्म नियमों को समझने वाला. (One) who

has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Śāstras. प्रव० ५५०;

उत्सर्गण. न० (*) अदुलता; धल्लेभागे; प्राये. बहुलता; बहुत अधिक; प्रायः mostly; to a great extent. “उत्सर्गणमंसाहारा” भग० ७, ७; “उत्सर्गण लक्खण संजुया” निसी० ३; जीवा० १; भग० ७, ६; १५, १; — दोस. पुं० (-दोष-उत्सर्गमनु परतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सर्गदोषः) हिंसादिमां धली प्रवृत्तिवालो. हिंसादि में बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला. one who is too much given to the sin of killing etc. भग० २५, ७;

उत्सर्गहस्रिह्रा. स्त्री० (उत्सर्गलक्षणश्लक्ष्णका) अनंत व्यवहारि परमाणु संग्रहा यथा थी जेने रक्षधनी संज्ञा. अनंत व्यवहारी परमाणुओं के एकत्र होनेमें बसे हुए स्कंध की संज्ञा. Name given to a molecule made up of innumerable atoms. ज० प० २, १६;

उत्सर्ग. (*) जुओ “उत्सर्गण” शब्द. देखो “उत्सर्गण” शब्द. Vide “उत्सर्गण” पर० १, १; सूय० २, २, ६५;

उत्सर्पिणी. स्त्री० (उत्सर्पिणी-उत्सर्पन्ति शुभाभावा अस्यामित्युत्सर्पिणीः) यज्ञता आरा पुरा थाय तेउलो कावः दश कोडा कोडी सागरोपम प्रमाणुनो यज्ञता काव. उत्सर्पिणी काल; प्रगतिशील छह कालों के समूह का नाम; दश कोडा कोडी सागरोपम वह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है. The season of increase; the up-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Ārās); the era of increase equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. भग० ३, १; ४, १; ५, ६; १५, १; २०, ८; उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५; १४५; सम० २०; ठा० १, १; २, ४; सू० प० ८; पल० १२; जं० प० ७, १५०; नंदी० १६; कण० २, १८; —काल. पुं० (-काल) दश कोड़ा कोडी सागरोपम अगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. जं० प० २, १८; भग० २५, ६; —दृया. स्त्री० (-अर्थता) उत्सर्पिणी की अपेक्षासे. उत्सर्पिणी की अपेक्षासे. भग० १३, १३;

उत्सयंगुल. न० (उच्छ्रयांगुल) त्रय प्रकार ना अंगुल पैडी आंगुल विस्रयांगुल; वेनाथी असाक्षनी वस्तुनी देआध पंडाकाध वगेरेतो भाप थाय अथवा शरीरनी अवगाहना भयाय ते अंगुल. तीन प्रकार के अंगुलों में से दूसरा उत्सेध अंगुल; जिससे अनित्यवस्तुओं की लंबाई चौड़ाई वगैरह की नाप होती है अथवा शरीर की अवगाहना नाप जाती है वह अंगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utse-dha Aṅgula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of

destructible objects. विशेष० ३४१; **उत्सयण. पुं० (उच्छ्राय)** भान; अहंकार. मान; घमंड; अहंकार. Pride; conceit. “ बंडिलुत्सयणाशिय ” सूय० १, ६, ११; **उत्सव. पुं० (उत्सव)** ईंद्र आदिना महोत्सव. ईंद्र आदि का महोत्सव. A festival; e. g. of Indra etc. नाया० १; २; पसह० १, ३; २, ५;

उत्सवक्षया. पुं० (उत्सवक्ष) उच्युं करचुं ते. ऊंचा करना. Lifting up; raising up. भग० १, ८;

उत्सविय. सं० कृ० अ० (विश्वास्य) विश्वासमां पाटीने. विश्वास में डालकर Having inspired with trust or confidence. सूय० १, ४, १, ६;

उत्ससण. न० (उच्छ्वास) उश्वास. उमांस. Inhaling of air; breathing in of air. क० गं० १, ४४;

उत्ससिअ. न० (उच्छ्रवमित) उश्यो आस. ऊंचा आस. Inhalation of breath. नंदी० ३८; आव० १, ४;

उत्सा. स्त्री० (अवश्याय) आकल. आस. Frost; dew; mist. कण० ६, ४५;

उत्सास. पुं० (उच्छ्वास—ऊर्ध्व प्रबलःश्राम. उच्छ्वासः) प्रजापाना सातमा पदनु नाम वेमां नारकी छत डेटले यभने आस ले छे तेना अणनु परिभाष्य आपेय छे. प्रजापना के ७ वे पद का नाम, जिसमें “ नारकी जाव कितने समय के बाद श्राम लेते हैं ” इसका वर्णन है. Name of the 7th Pada of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

breath. पञ्च० १: (२) उँये श्वास लेवे ते. ऊँचा श्वास लेना. inhalation of breath. पञ्च० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १८; (३) नामकर्मनी ओइ प्रकृति के जेना उदयथी छय श्वासोच्छ्वास लछ शके छे. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय से जीव श्वासोच्छ्वास लेते हैं. a variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क० गं० १, २६; ५. ६०; पञ्च० २३: —नीसास. पुं० (-निःश्वास) श्वासोश्वास लेवे ते; उँयेथी नीये ते नीयेथी उँये श्वास लेवे ते. श्वासोच्छ्वास लेना; ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर श्वास लेना. respiration. पञ्च० १; —पञ्च. पुं० (-पद) उच्छ्वास पद-प्रज्ञापना सूत्रना सातमां पदनुं नाम. उच्छ्वास पद; प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajñāpanā Sutra भग० १, १; —विस. पुं० (-विष) जेना श्वासमां जेर छे ओही जनितेना ओइ सर्प. जिसके श्वास में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प. a serpent with venomous breath पञ्च० १:

उस्सासग. पुं० (उच्छ्वासक उच्छ्वासना-त्युच्छ्वासकः) श्वासोच्छ्वास लेनार. श्वासोच्छ्वास लेने वाला. One who breathes. नाया० १; टा० २, २:

उस्सासय. पुं० (उच्छ्वासक) जुओ 'उस्सासग' शब्द. देखो "उस्सासग" शब्द.

Vide "उस्सासग" भग० ११, १;

उस्सिअ. त्रि० (उच्छिन्न) उँयुं दरेल; उँये उपाडेल. ऊँचा उठाया हुआ Raised up; lifted up. विवा० २; राय० ७०; ओव० ३१;

जं० प० २, २१; —(ओ)उदअ-य. त्रि० (-उदक) उँयेनुं पाणी; उँयुं अडेल पाणी. बढा हुआ पानी; चढा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. "जवणेणं समुदे उस्सिओइए" भग० ६, ८; —अया. स्त्री० (-ध्वजा) उँयेथी इरी छे ध्वज जेले ते (स्त्री). जिसने ध्वजा ऊँची की वह (स्त्री). (a woman) who has raised up a flag or banner. विवा० २;

उस्सिचणा. स्त्री० (उस्सेचन = ऊर्द्धसेचनमुत्सेचनम्) तयायादिनुं पाणी उँयेथी अदार दारुनुं ते. तलाव बगैरह का पानी उल्लाच कर बाहर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त० ३०, २; भग० ३, ३;

उस्सिचितार. त्रि० (उस्सेक्त) पाणी उँयेथनार. पाणी उल्लाचने वाला. (One) that draws out or takes out water. दसा० ६, ४;

उस्सित. त्रि० (उत्सृत) उँयुं दरेनुं. उँचा करा हुआ. Raised up; lifted up. जावा० ३, ४;

उस्सित्त. न० (उस्मिक्त) उँयुं दरेनुं. उँचा किया हुआ. Lifted up; raised up; exalted. (२) गर्विष्ठ; उद्धत गर्विष्ठ; घमंडा; उद्धत. proud; vain. भग० ३, ३;

उस्सिय. त्रि० (उत्सृत) इलायेअ. पसरैल. फैलाया हुआ; पगारा हुआ. Spread; extended. (२) उँयुं दरेल. उँचा किया हुआ. lifted up; raised up. सम० प० २१२; राय० ६६;

उस्सीस. न० (उच्छीष) ओशीई. तकिया. A small pillow for the head. ओष० नि० २३२; —मूल न० (-मूल) ओशीकानुं भुण; ओशीकानी नीये. तकियेके

नीचे का भाग. the under-portion of a pillow for the head. निरा० ५, ७६; नाया० १;

उस्सुअ. न० (औस्सुअ) उत्सुकता; चंचलता. Excessive eagerness or curiosity: busy inquisitiveness. श्रव० १६;

उस्सुक. त्रि० (उच्छुक्) ३२ रहित; जगत् रहित, निःशुक्क; कर रहित; धना फीस का; जगत रहित. Free from customs duties; free from taxes. " उस्सुकं विवरइ " कण० ५, १०१; नाया० १, ५; १५; १७; विवा० ३;

उस्सुग. त्रि० (उस्सुक) उत्कण्ठित; उत्साह युक्त. उत्कण्ठित; तीव्र चाह वाला; उत्साह सहित. Eager; zealous; enthusiastic. श्रव० २६;

उस्सुगस. न० (उस्सुकत्व) उत्सुकता; आकुलता. उत्सुकता; उत्कण्ठा; तीव्र इच्छा; आकुलता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा० प० ५;

उस्सुगसण. न० (उस्सुकत्व) उत्सुकता; आकुलता. उत्सुकता उत्कण्ठा; तीव्र चाह; आकुलता. Eagerness; perturbation of mind. पगह० २, ३;

उस्सुत्त. न० (उस्सूत्र) मन, वचन, अने श्रयाणं इती सूत्रथी विरुद्ध आचरणं करणं ते मन, वचन, और काया से सूत्र से विरुद्ध आचरण करना. Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed. श्रव० १, ४; भग० ७, १; १०, १;

प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उस्सुय. त्रि० (उस्सुक) उत्कण्ठित; उत्साह वाला. उत्कण्ठित; तीव्र इच्छावाला; उत्साह वाला. Eager; zealous; enthusiastic. (२) पुं० उत्सुक नामना ओक कुमार. उत्सुक नामक एक कुमार. name of a Kumāra (a boy) नाया० १६;

उस्सुय. न० (औस्सुअ) उत्सुकता; उत्सुकता. Eagerness; curiosity. नाया० १; — कर. त्रि० (-कर) उत्कण्ठा उपवनवार. उत्कण्ठा पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया० १;

उस्सुयभूअ. त्रि० (उत्सुकाभूत) उत्कण्ठा-पाणा; आतुर अनेत्र. उत्कण्ठा वाला; आतुर; उत्सुक. Made eager or anxious; eager; made curious. " उस्सुयभू-पणं अप्पाणेल " श्रया० २, १, ३, १५;

उस्सु-याय. ना० धा० १. (उस्सुकं करोतीति उत्सुकायते) विषय नरइ उत्सुकता करणी-आतुरता करणी. विषयों की ओर उत्सुकता करना; विषयों से उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उस्सुयायति. भग० ५, ४;

उस्सुयाएज्ज. भग० ५, ४;

उस्सुयमाण. भग० ५, ४;

उस्सूलअ. पुं० (*) दुश्मनता लक्ष्मणे पाउया मोट दाकेली छुपी आड; ओक वनतली आड. खाई; जत्रु की सेना को गिराने के लिये ढांकी हुई खाई. A ditch: a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त० ६, १८;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्सेदम. न० (उत्सेदिम) दोटनुं धोवणुः
अंगर वगेरेना दोट ओसावयामां आवे ते
दोट पाणुं पाणी. आटे का धोवन. Water
in which rice-flour etc. have
been soaked. ठा० ३, ३; आया० २, १, ७, ४१;

उत्सेयण. न० (उत्सेवेदन) ओसाभणुं
पाणी. मांड; चामल वगेरह सिमाने के बाद
निकला हुआ पानी. Water taken
out after rice etc. have been
boiled in it. निसा० १७, ३०;

उत्सेह. पुं० (उत्सेध) उँयाधुं; अवगाहनाः
ऊँचाई; अवगाहना. Height; measure
of height. ओष० नि० भा० २६३;
राय० ३६; जं० प० २, १६; ५, १२२;
ओव० १०; ३८; उत्त० ३६, ६३; उवा० १,
७६; (२) शिखर. शिखर; चोटी. summit;
peak. जीवा० ३, ४; —अंगुल. पुं०
(-अंगुल) उत्सेधांगुल; आङ्गुल मध्य-
प्रमाण एक ऊपर; आ अंगुलथी नारकी ति-
येय वगेरे सर्व ज्ञेयना शरीरती अवगाह-

ना-उँयाधनुं प्रमाण गणुयामां आवुं छे.
उत्सेधांगुल; नारकी, तिर्यच वगेरह जीवों के
शरीर की ऊँचाई का प्रमाण जिससे किया
जाय वह अंगुल. a measure equal
in breadth to eight barley
seeds and used to calculate
the height of hell-beings etc.
प्रव० ५८; १४०६; अणुजो० १३४; —अ-
माण. न० (-प्रमाण) शरीरादिनी उँया-
धनुं प्रमाण. शरीरादि की ऊँचाई का प्रमाण.
height of the body etc. राय० १५४;

उत्सेह. पुं० (उत्सेह) भाद-भेटीना शिखर.
ऊपर की मंजिल की चोटी. The top
of the upper floor. राय० १०७;

उहासणभिक्षा. बी० (अवभासण भिक्षा)
पेतानी ओदभाणु आपीने भिक्षा लेवी ते.
पहचान देकर ला हुई भिक्षा. Begging
alms after introducing oneself
i. e. disclosing one's name etc.
आव० ४, ५;

ऊ.

ऊण. त्रि० (ऊन) उणुं; ओधुं; न्यून. न्यून;
कम; आङ्गा; उणा. Wanting; lack-
ing; falling short. अणुजो० ६७;
ओव० १६; सूय० २, ६, १५; उत्त० ३०,
२१; नाया० ८; पञ्च० २; सू० प० १; क०
गं० ३, २२; पंचा० ३, २०; जं० प० ७,
१३४; क० प० १, १३; —ऊण. त्रि०
(-ऊन) उणुं; ओधुं; ओधुं ओधुं. कम
कम. loss and less. क० गं० ५, १६;

ऊणग. त्रि० (ऊनक) ओधुं. न्यून; कम.
Less; falling short. भग० ७, १;

ऊणत्त. न० (ऊनत्त) ओण पाणुं. कमी.
ओझापन. State of being less;

paucity; defect. पंचा० १४, २४;
ऊणय. त्रि० (ऊनक) ओओ “ऊणग”
शब्द. देखो “ऊणग” शब्द. Vide.
‘ऊणग’ पि० नि० ६५०;

ऊणाहरित्तमिच्छादंसण. न० (ऊनातिरिक्त-
मिथ्यादर्शन) शरीरना प्रमाणथी ज्ञेयने
न्याने अथवा खोटा मानवो ते; मिथ्या-
त्वना ओक प्रकार. शरीर के आकार परमे
जीवको छोटा या बड़ा मानना; मिथ्यात्वका
एक भेद. Measuring the size of the
soul by the size of the body; a
mode of false belief. “ऊणाहरित्त-
मिच्छादंसण वसिया चेव ” ठा० २, १;

ऊणिय. त्रि० (* ऊन) न्यून. न्यून; कम
Loss; falling short; lacking.
“ बायालीसं वासाहं ऊणियाए ” जं० प०
२, १६; २, ३५; २, ४०; भग० ६, ७; २५,
७; कप्प० १, २;

ऊणोयरिया. स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर-
मुनोदरं तस्य करणं भावे-बुद्धि-ऊनोदरिका)
हमेशना प्याराक करतां कष्टक ओछुं आयुं ते;
ओनोदरी तप. रोज के प्रमाण में कुछ कम
भोजन करना; भूख से कुछ कम खाना.
Eating less than one's fill; this
is called Ūnodarī austerit̃.
ओव० १६; उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७;
प्रव० २७१; पंचा० १६, २;

ऊरणो. स्त्री० (*) गाडर. भेड़; गाडर.
A female sheep; a ewe; a
sheep. अणुजो० १३१;

ऊरणीअ. पुं० (औरिणक) गाडर पावनार; रथारी.
गडरिया. A shepherd. अणुजो० १३१;

ऊरु. पुं० (ऊर) साथग जांघ. A thigh.
“ कण्णगामया ऊरु ” राय० १६४;
“ बाहामे ऊरु मे ” सूय० २, १, ४२; भग०
५; ४; १६, ८; दश० ४; ८; ४६; जं० प०
ओव० १०; उत्त० १, १८; आया० १, १,
२, १६; जीवा० ३१, ३; निसी० ७, १८;
उवा० २, ६४; —घंटो. स्त्री० (—घण्टा)
साथग ओपर लटकती घंटो. जांघ के ऊ-
पर लटकने वाली घंटो. a small bell
hanging upon a thigh. नाया० १८;
—घंटिया. स्त्री० (घण्टिका) साथग ओपर
लटकती घंटो. जांघके ऊपर लटकने वाली
घंटो. a small bell hanging upon
a thigh. नाया० १८;

ऊस. पुं० (ऊष) आरे; लवणमिश्र रेती;
आरी भाटी. नोन मिली हुई रेता; खार;
खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed
with salt पन्न० १; निसी० ४, ४०;
दस० ५, १, ३३; पिं० निं० भा० १३;
उत्त० २६, ७३; आया० २, १, ६, ३३;

ऊसड. त्रि० (* उत्सृत) उँयुं करेस. ऊंचा.
किया हुआ. Elevated; made high.
जीवा० ३, ४; राय० १३५;

ऊसढ. त्रि० (उत्सृष्ट) तजेयुं; नाभी देवानुं.
छोड़ा हुआ; फेंक देने योग्य. Abandoned;
thrown away; to be thrown
away. निसी० ८, १६; —पिंड. न०
(—पिण्ड) नाभी देवानुं पिण्ड ओज्जन.
फेंक देने योग्य भोजन. food, to be
thrown away or cast away.
निसी० ८, १६;

ऊसढ. त्रि० (उत्सृत) ऋद्धि संपदा वेगरेथी
उँयु. ऋद्धि, संपत्ति आदि से बड़ा.
Exalted, high by reason of
wealth, prosperity. “ ऊसढं नाभि
धारण ” दस० २, १, २५; सम० ३३;
(२) साईं रसदार सुगन्धि ओज्जन. अच्छे
रसवाला सुगन्धित भोजन. rich and
sweet-smelling food. “ रसियं
रसियं ऊसढं ऊसढं मण्णुणं मण्णुणं ”
सम० आया० २, १, २, २६; २, ४, २, १३७;
दसा० ३, १६; (३) उँयुने ओछोटा थल
आवेस (ओछोटा जेरे). फलफूल कर जो
बड़ा हो गया वह. (वृक्ष वगैरह).
grown up (plants, crops etc.)-
“ थिरा ऊसढाविय ” दस० ७, ३५;

ऊसपिऊण. सं० कृ० अ० (उत्सर्प्य) प्राप्त

क्षरीने. पा करके; प्राप्त करके. Having got or obtained. सु० च० ५, ६७;

ऊसर. न० (ऊसर) आरी जमीन. नमकीन जमीन. Salt land or soil. सु० च० २, २५; भग० ७३;

ऊसरण. न० (उत्सरण) उपर चढ़ना. Rising up; mounting up. "थाण्णसरणंतओ समुप्पगणं" विशेष० १२०८;

ऊसव. पुं० (उत्सव) उत्सव; भौतिकस्य उत्सवः महोत्सव. A festival; a festive occasion. प० नि० २२५;

ऊसविय. त्रि० (उत्सृत्) उच्युं क्षरेत्. ऊंचा किया हुआ. Elevated; made high. नाया० १: ८; भग० ६, ३३; ११, ११; जीवा० ३, ३;

ऊसविय. अ० (उत्सृत्) ओक्ष्व क्षरीने: उच्यते. एकत्र कर के; ऊंचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग० १, ८;

ऊसम. पुं० (उच्छ्वास) उच्यते. श्वास ऊच्छ्वासः. Inhalation of breath. भग० १, १;

ऊससिञ्च-य. न० (उच्छ्वसित) उच्यते. श्वास लेवे. ऊंचा श्वास लेना. Inhaling of breath. विशेष० ५०१; सु० च० १३, ४०; —रोमकृप. त्रि० (—रोमकृप) जेना उच्यते. दर्पणी उच्यते अथ छे ते. उच्छ्वसित रोमकृप (जिग के रोम दर्प में ऊंचे होते हैं) रोमाञ्चित होने वाला. (one) horripilated with joy. कृष्ण० २, १४;

ऊसरिय. पुं० (उत्सारित) पसारित; विस्तारित. प्रसारित; फैलाया हुआ. पसारा हुआ. Spread; extended. नाया० १८; भग० ६, ३२;

ऊसास. पुं० (उच्छ्वास = उत्ऊर्द्धश्वास उच्छ्वासः) श्वास उच्यते. लेवे. ते ऊंचा श्वास लेना. Inhaling of breath. जीवा० ३, १; जं० प० २, १८; नाया० १: ८; १३, १: ६; ओव० ३६; भग० २, १; ६, ७; सु० च० २, ४१६; (२) गायनतुं ओक्ष्व यस्मिन् प्रमाद्यते तेऽसौ वचनं वागे तेऽसौ वचनं प्रमाद्यते प्राण विहाय. गायन का एक चरण बोलने में जितना समय लगे ऊतने समयका काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. अणुजी० १२८: —णीसास पुं० (निःश्वास = उच्छ्वासेन सह निश्वासः) श्वासेच्छ्वासः. श्वासेच्छ्वासः उपर नीचे श्वास लेना. respiration. भग० ७, ६; जं० प० २, १८: —द्धा. स्त्री० (अध्वम्) उच्छ्वास प्रमाणं क्षण. उच्छ्वास प्रमाण काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. भग० ६, ७;

ऊसासग. पुं० (उच्छ्वासक = उच्छ्वाससितीत्युच्छ्वासकः) श्वास लेवा. श्वास लेनेवाला. One who breathes. भग० ३५, १;

ऊसासनाम न० (उश्वासनाम) नाम धर्मनी ओक्ष्व प्रकृति के जेना उदयशी ७। श्वासे श्वास अथ क्षे. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिग के उदयमे जीव श्वासेच्छ्वास ले सकता है. A variety of Nāma-karma by the rise of which a soul gets the power of respiration. कर्म० १, ४४; प्रब० १२७७;

ऊसिय. त्रि० (उच्छ्वित) उच्युं क्षरेत्. ऊंचा किया हुआ. Raised high; lifted up. ओव० २१; पञ्च० १५; जं० प० ३, ४६; ५३; ५७; ७, १६६; भग० ३, ४; ११, ११; नाया० १: ८; ६: सूय० २, १, ३;

जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३३; प्रव० १४६०;
ऊसिय. त्रि० (उत्सृत) जीयुं इरेय; जीयुं
 भुकेय. ऊंचा किया हुआ. Raised up;
 placed high. राय० २२५; जीवा० ३,
 ४; नाया० ८; ओव० ४०; (२) उन्नत
 उन्नत; ऊंचा उठा हुआ. lofty; high.
 ओव० ४०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६;
 —**जम्भया.** स्त्री० (ध्वजा) उंची इरेयी
 ध्वज. ऊंची उठाई हुई ध्वजा. raised up
 banner or flag. विवा० १, २; नाया० ३;
 —**फलिह.** पुं० (स्फटिक-उच्छिन्नमुन्नतं
 स्फटिकमिव स्फटिकं चित्तं येषां ते उच्छिन्न-
 स्फटिका मौनान्द्रप्रवचनावाप्यापरिनुष्टमान
 सा इत्यर्थः) यद्वा उच्छिन्नोऽर्गलास्थानादपनी-
 योर्द्धीकृतोतिरश्चिताः कपाटपश्चाद्भागादपनीतः
 परिघोर्गलायेषां ते उच्छिन्न परिघाः । अथवा
 उच्छिन्नोऽगृहद्वारापगतः परिघोयेषां ते उच्छि-
 तपरिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदा-
 यित्वेन भिज्जुकाणां गृहप्रवेशार्थमनर्गलित
 गृहद्वारा इत्यर्थः) स्फटिक रत्न जेवुं निर्मल
 चित्तवाला. स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला.
 a person with a mind as pure
 and transparent as crystal.
 (२) जेले वेगयव जेयि यदावी द्वार उघास
 भुकेय छे ते. जियने अपने द्वार सदा खुले
 रखे हैं वह. one who has raised
 up a door-bolt and opened the
 doors. “ ऊसियफलिहे अबंगुयदुवारे
 चियत्तंतेउर परघरप्पवेने ” भग० २, ५;
 नाया० ५: —**लंगूल.** न० (लांगुल) जीवी
 पुं० (लांगुल). ऊंची पूंछवाला. one with
 the tail lifted up नाया० १;

ऊसिया. सं० कृ० अ० (उत्सृत्य) उत्तरेत्तर
 यहीने, आगगा वधीने. उत्तरेत्तर चढकर;
 अगडा बढकर. Progressing; ris-
 ing step by step. उत्त० १०, ३५;

४ **ऊसियारी.** स्त्री० (*) श्रीवाडी. बिल्ली. A
 cat. आया० १, ६, ४, ११;

ऊसीस. न० (उच्छीर्ष) आसीसुं. तकिया.
 A small pillow for the head
 or for resting the cheeks on.
 नाया० ७; —**मूल.** न० (-मूल) आसीसानी
 पास-नीचे. तकिया के पास; तकिया के
 नीचे. near a pillow; under a
 pillow. “ उमीमामूले ठावेइ ” नाया० ७;

ऊसीसग. न० (उच्छीर्षक) आसीसुं; तडीयो.
 तकिया; उसाया. A small pillow.
 भग० ६, ३३; —**मूल.** न० (-मूल)
 आसीस-तडीयानुं भूत. तकिये की नीचे
 की ओर. the bottom or under-
 part of a pillow. भग० ६, ३३;

ऊह. पुं० (ओघ) आघ-सामान्य संज्ञा, आ-
 हार, भय मैथुन अने परिग्रह विषयक संज्ञा-
 प्रत्यय. सामान्य संज्ञा-ओघ; आहार, भय
 आद संज्ञाएं. Proposition of the
 subject; inclination towards
 food, fear, sex and worldly
 possessions. विशेष ५२१: —**सगणा.**
 स्त्री० (-संज्ञा) जुओ ‘ऊह’ शब्द. देखो
 ‘ऊह’ शब्द. Vide “ऊह” विशेष ५२३;

ऊह. न० (ऊधस्) गाय, भैंस वगैरेतो अडि.
 गाय भैंस वगैरे का अड. An udder of
 a cow etc. विवा० २.

एकारस. त्रि० (एकादश) अंगीयार; ११. ग्यारह. 11; Eleven. क० प० २, १२; नाया० १२; —**अंग.** न० (-अङ्ग) आचारांगादि ११ अंगसूत्र. आचारांगादि ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Āṅga Sūtras, e. g. Āchārāṅga etc. नाया० १२; —**अलंकार.** पुं० (-अलंकार) संगीतना ११ अलंकार. संगीत के ग्यारह अलंकार. the 11 melodies or tropes of music. राय० १३१; —**मास.** पुं० (-मास) अंगीयार मदिता ग्यारह मास. 11 months. दसा० ६, २; —**वार.** पुं० (-वार) अंगीयारशी वार. ११ वीं वार. eleventh time. नाया० ६;

एकारसम. त्रि० (एकादशम) अंगीयारसो. ग्यारहवां. 11th; eleventh. दसा० ६, २; नाया० ११;

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) अंगीयारस. ग्यारस. The 11th day of every fortnight. जं० प०

एकावली. स्त्री० (एकावली) कनकावली जेनुं ओक प्रकारनुं तपः अनुक्रमे अद्विता उतरता तपनी आवली-समुद्र. कनकावली के समान एक प्रकार का तपः अनुक्रम नटने आर उतरते हुए तप का समुद्र. Name of an austerity resembling that known as Kanakāvalī. It consists of a number of fasts in ascending and descending order. आव० १६; (२) ओक सरो ढार; ओक वतनुं धरेणुं. एक प्रकार का गहना. a kind of ornament; a single string of pearls, beads etc. निमी० ७, ८; सम० प० २३७; जीवा० ३, ३;

एकासण. न० (एकाशन) आषा दिवसमां ओकण वधत आषाणुं वत लेवुं ते. एक व्रत

का नाम जिस व्रत में दिन में एकही बार खाया जाता है. A vow of taking only one meal in a day. प्रव० २०३; पंचा० ६, ७;

एकासणिअ. पुं० (एकाशनिक) अभेशां ओक वधत वधतार. सदा एक बार भोजन करने वाला. One who takes his food only once a day. पण० २, १;

एकूणवीसा. स्त्री० (एकोनविंशति) ओग-लीस; १९. उर्नास; उगनीम; १९. 19; nineteen. सम० १६; मृ० प० १;

एक. त्रि० (एक) ओक; अक्षितीय एक; अक्षितीय. One; without a second. पि० नि० १८५; नाया० १; सम० प० २३२; आव० ३; ३; भग० २, ५; १०; ३, २; ५, ६; ८; ६, ७; ८; १; १८, ७; २०, १०; २५, ४; ३१, २; वेग० १, ४२; उवा० ७, १८२; क० प० १, ३४; जं० प० ५, ११२;

—**अभिलाष.** पुं० (-अभिलाष) ओक समान सूत्र पाठ. एकसा सूत्र पाठ. one reading of Sūtras. भग० २, १०;

—**(क़ा)अवराह.** पुं० न० (-अवराह) ओक अपराध; ओक गुनहो. एक अपराध. one fault or crime. नाया० ६; —**(क़ा)**

असी. स्त्री० (अशीति) अष्टाशी; ८१. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81.

सम० ८१; —**असीति.** स्त्री० (-अशीति) जुओ “एकासी” शब्द. देखो “एकासी” शब्द. vide “एकासी” भग० ४०, १;

—**(क़ा)आसण.** न० (-आसन) ओक-साधु; ओक आसने ऐसी दिवसमां ओकण वधत भोजन करवानुं वत. एकासना; एक आसन में बैठकर दिन में एक बार भोजन करने का व्रत. the vow of taking only one meal on one seat during a day (i. e.

24 hours); this is also called Ekāṣṣā. ओष० नि० भा० २७५; — **सीसा**. स्त्री० (-विंशत्) ३१; ऐकवींश. ३१; इकतीस; 31; thirty-one भग० ८, ९; २०, ५; २४, २१; ४०, १७; ओष० १६; ४१; सम० ३१; कण० २, २४; जं० प० ७, १४८; — **देस**. पुं० (-देश) आदर दृष्टि वगैरेथी जेठ शक्य ऐवी वनस्पति काय वगैरेनी दिसा. स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आसकनेवाली वनस्पति वगैरह का हिंसा. killing of vegetable life etc. which can be perceived with the eyes etc. विशेष १२३४; — **वीसा**. स्त्री० (-विंशति) ऐकवीस; २१; इक्कास; २१; इक्कास. 21; twenty-one. भग० २, ८; ६, ५; ७, ७, ६; १६, ६; सम० ११; २१; अणुजो० १४१; क० प० २, १६; — **सत्तरि**. स्त्री० (-सतति) ७१; ऐकतेर. ७१; इकहत्तर. 71; seventy-one. सम० ७१; — **समय**. पुं० (-समय) ऐक समय. एक समय. one Samaya i.e. a unit of time, an instant. भग० १, १०; — **सरय**. न० (*) ओष० सर-पंक्तिवाणु; उद्देशादि पेटा विभाग विनानु. एक ही पंक्तिवाला; उद्देशादि उपविभाषासहित (a text composition etc.) not divided into sections, chapters etc. “ सम्मसं च पञ्चरसमं सयं एकसरयं ” भग० १५, १; — **साडिअ**. न० (-शाटिक) वस्त्र साँधा न होय तें वस्त्र; सात; दुपट्टा. ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड़ न हो; सात; दुपट्टा a shawl; a scarf; a uniform web of cloth

i.e. having no joint. ओष० १२; — **सिद्ध**. पुं० (-सिद्ध) ऐकशी पक्षे सिद्ध थयेल. ककाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह. one, who has attained to salvation by himself i.e. not in the company of others. टा० १, १; — **सीई**. स्त्री० (-अशीति) ऐकशी. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81; क० प० २, २३;

एकअ. त्रि० (एकक) इकल ऐकलो; ऐकल विहारी साधु, अकेला; एककी; अकेला विहार करने वाला साधु. Alone; solitary; an ascetic wandering alone from place to place दस० ५, १, ६५;

एककगदत्ति स्त्री० (एकदत्ति) जे तपमां ऐकक दात, अन्न पाणीनी लेवाय ते. एक तपका नाम जिस में अन्नजलकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है. An austerity in which one cannot take more than one Dāta of food and water. प्रव० १२२७;

एककगसिथ. न० (एकमिथ) जे तपमां आप्णा दिवस अन्ननी ऐक सिथ उपरान्त अवाय नहीं ते तप. एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक मिथ के गिवाय नहीं खाया जा सकता. An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc.). प्रव० १२२७;

एकसि अ० (एकश) ऐकश; इकल वषते. एक समय में; एक बार. Once; in one Samaya (a unit of time = one instant). ओष० नि० १५१;

एकसेस. पुं० (एकशेष) ऐकशेष नामने

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

समास; समासना ऐक प्रकार. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekaśeṣa compound. अणुजो० १३१;

एककाईनाम. न० (इकाइनामन्) ऐक्याध नामना राठोड इकाई नाम वाला; एकाइ नामका राठोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste. विवा १;

एककारस. त्रि० (एकादशन्) अगीयार; ११. ११; ग्यारह. 11; eleven. भग० २, १; ३, २; ७, १०; ८, ८; १४, ६, १५, १; २०, ५; २६, १; ३१, १; ३५, ३; उवा० १, ८६; २, १२४; पञ्च० ४; ओव० १४; तु० च० १, ३२७; २, ३५३; विशेष० १०६२; —अंग्. न० (-अंग) आचारांगदि ११ अंगशास्त्र. आचारांगदि ग्यारह अंगशास्त्र. the 11 Aṅgasastras e. g. Āchārāṅga etc. भग० २, १; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; ६; १६; —अंगि. पु० (-अंगिन्) आचारांग आदि ११ अंगना ज्ञानार. आचारांगदि ग्यारह अंगों को जानने वाला. one proficient in, familiar with the 11 Aṅgas viz. Āchārāṅga etc चउ० ३३; नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) जेना उत्तरपदमां ११ छे ते. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह. (a compound expression) having “ eleven ” as its latter part. भग० १, ४; —भाअ. पु० (-भाग) अगीयार भाग. ग्यारह भाग-हिस्से. 11 parts. निर० १, १; **एककारसम.** त्रि० (एकादश) अगीयारमो. ग्यारहवां. 11th; eleventh. उवा० १, ७१; ठा० ६, १; भग० २, १;

एकारसय. त्रि० (एकादशक) अगीयार; ११. ग्यारह. 11; eleven. भग० २०, १०;

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) ऐकादशीतिथि; अगीयारस. ग्यारस; एकादशी (तिथि). The 11th day of every fortnight. नाया० ८; जं० ५० ७, १५३;

एकावपणा. स्त्री० (एकपञ्चाशत्) ऐकावपन; ५१. इक्यावन. 51; fifty-one. भग० ६, ३; सम० ५१;

एकावादि. पुं० (एकादिन्) ऐक्य आत्मा छे ऐम माननार ऐक वादी. एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One who holds that there is only one soul without a second. ठा० ८, १;

एकिक. त्रि० (एकैक) ऐके ऐक; प्रत्येक. Each taken singly; every one. भग० १, १; क० ५० १, ६६;

—**पडिगहग.** त्रि० (-पतद्ग्रहक) ऐक ऐक पात्र राखनार. एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time. प्रव० ६३२;

एकिया. स्त्री० (एककिनी) ऐकली (स्त्री). अकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman). नाया० ६;

एकेकिय. त्रि० (एकैकक) प्रत्येक. प्रत्येक. Every one; each taken singly. राय० ६१;

एकैक. त्रि० (एकैक) ऐकेऐक; ६२६; प्रत्येक. प्रत्येक; हरएक. Every one; each taken singly भग० १, ६; ६, ५; ८, १; पि० नि० भा० ८; उत्त० १०, १४; उवा० ४, १४७; १, २२५;

एकोणविशतितम. त्रि० (एकोनविशतितम) आगष्टीसभु. उकीसवां. nineteenth; 19th. नाया० ८;

पग. त्रि० (एक) औ० एक. One. भग०

१, ५; द; २, १; ५, ३, १; ६, ३३; १५, १;

१६, ६; १८, १०; २४, १; २५, २; ६;

नाया० १; २; ५; ६; द; ६; १०; १३; १४;

१६; १८; उत्त० १, २६; पि० नि० भा०

४१; पि० नि० ७५; वेय० १, ६; १०; दसा०

६, ६०; ६, १, ३; दसा० ७, १; १०, ३;

पञ्च० १; ४; जं० प० १, १७; ५, १०, २०;

गु० च० १, १०३; टा० ७; अणुजो० १०;

वव० १, ३५; ३६; द; २; १५; ६, ३७; ६०;

४५; १०, १; २; ४; विशे० ३१; ८४; उवा०

२, ६३; ११८; क० गं० २, २९; कथ०

४, ७७; क० प० १, २१; (२) डे(अ) औ०

डे(अ) औ०. कोई एक; कुछ एक. some

one; some. स्य० १, १, १, ६; १, १,

२, १; आया० १, १, १, १; २; १, ६, २,

१८३; स० प० २०: —अंगिय. त्रि०

(-अङ्गिक) सङ्गः आप्नुः अप्नुः. मारा:

अखंड; पूरा. whole; entire; un-

divided. ओष० नि० ७०७; —अंतर.

त्रि० (-अन्तर) औ० औ० दिवसने आंतरे

आवता आपम्पित्त उपवास वगैरे; अंशतई

तप. एकर दिनके अंतरसे आनवाले आर्याबल

उपवास आदि; एकान्तर तप विशेष. prac-

tice of austerity known as

Ekāntara. (e. g. fasting

etc. on alternate days). उत्त०

३६, २५१; (२) अतन्तर समय (अन्तर-

रहित) औ० समय अन्तररहित एक समय.

continued one Samaya or unit

of time. विशे० ३५५; —अंतरा. अ०

(-अन्तरा) औ० आंतर्-अंतरात. एक

अन्तराल. one interval: (at) an

interval of one क० प० १, ४८;

—अणुपेहा. स्त्री० (-अनुपेक्षा) हुं

अंकलो छुं, भाई काँच नहीं, हुं काँचनी नहीं

ऐसा प्रकाशनी लावना. एकत्व भावना; मैं

अकेला हूँ मेरा कोई नहीं है और न मैं किसी

का हूँ इस प्रकार की भावना. meditation

on one's loneliness in this

world taking this form " I am

alone and nobody is really

mine. " टा० ४, १; —असी. स्त्री०

(-अशीति) जुओ " एकसीई " शब्द.

देसो " एकसीई " शब्द. vide. " एक-

सीई " प्रव० ३६७; —अह. पुं० न०

(-अह) औ० दिवस. एक दिन. one

day; a single day. भग० १२, ७;

दसा० ६, २; वव० द, ४; —अहिअ-य.

त्रि० (-आन्हिक) औ० दिवसनुं. एक दिन

का. pertaining to, relating

to one day; diurnal. भग० ६,

७; जं० प० ७, १३३; (२) न०

अंशान्तरे तप. इकतरा बुखार fever

on alternate days. जावा० ३, ३;

भग० ३, ७; —आगार. पुं० (-आकर)

अंशकार थयेसो: सरणा आकारवालो. एका-

कार: समान आकार वाला. uniform:

homogeneous. भग० ४, २; ६;

—आभरण. न० (-आभरण) औ० सरणा

आभरण. एक से आभरण. a uniform

ornament. राय० ८०; दसा० १०, ३;

—आमोसा. स्त्री० (आमर्श) पडिलेहाना

वस्त्रनो मध्यभाग पकड़ी अंतरङ्गता छेदने

औड़ीसाथे धसवाथी लागतो दोष: पडिलेहाना

दोषनो औ० प्रकार. प्रतिलेखना करेके वस्त्रको

मध्यभाग से पकड़कर दोनों ओर के पत्तों को

एक साथ धिक्कने जो दोष लगे वह; पडि-

लेहनादोष का एक भेद. a variety of

fault incurred in connection

with the inspection of clothes

viz. holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends. उत्त० २६, २७; —आसण. न० (—आसन) ऐक स्थानमां ऐशीनि दिवसमां ऐकज वणतज मयुं ते. एक स्थान में बैठ कर एकही बार भोजन करना. confining oneself to a seat in one place and taking meals only once. आव० ६, ४; —आहिय. त्रि० (—आन्हिक) ऐक दिवसनं. एक दिन का. lasting for one day. प्रव० १०३४; —(गि) इत्थी. स्त्री० (—खा) ऐकली स्त्री. अकेली स्त्री. a lonely, solitary woman. उत्त० १, २६; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) ऐक ऐक वधतुं. एक एक बढ़ता हुआ. progressing by one. प्रव० १३४८; —उत्पाअ. पुं० (—उत्पान) ऐक बार उठे यधतुं. एक बार उठे बढ़ना. rising up once. प्रव० ६०६; —खुर. त्रि० (—खुर—एकःखुरो येषां ते तथा) ऐकभरीवाला तिर्य्य पंचेन्द्रिय घोडा, अर्धघा विगेरे; धत्तयर तिर्य्य पंचेन्द्रियतो ऐक भेद. एक खुर वाला; पंचेन्द्रिय तिर्य्य घोडा, गधा, आदि स्थलचर पंचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद. single-hoofed; five-sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc.). उत्त० ३६, १७६; ठा० ४, ४; भग० १५, १; जीवा० १; —चक्खु. त्रि० (—चक्षु) श्रुतज्ञान अने अवाधिज्ञान रहित मात्र ऐक यक्षुध्द्रिय रूप द्रव्ययक्षु धरनार. श्रुतज्ञान और अवधिज्ञान रहित केवल मात्र चक्षु; इन्द्रियरूप द्रव्य-चक्षु धारण करनेवाला. (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhijñāna and possessed of merely physical sight. ठा० ३, ४; —चरिआ-या. स्त्री० (—चर्या) ऐकध

विलारी थयुं-ऐकला विचरयुं ते ऐ प्रकारे-द्रव्यथी अने लावथी; ऐकाडीपणु संयम पालतां विचरयुं ते-द्रव्य ऐक यर्या; राग-द्वेषरहित ऐकांत स्वपरिणतिमां परिणत थयुं ते-लावथी ऐक यर्या. एकाकी विहार करनेवाला होना; एकाकी विहार द्रव्यचर्या व भावचर्या रूप दो प्रकार का होता है. संयम पालते हुए एकाकी रूप से विचरना द्रव्यचर्या है और राग द्वेष रहित एकान्त स्वपरिणति में परिणत होना भावचर्या है. lonely wandering or peregrination. It is two-fold viz. physical and mental The latter means freedom from passion and hate accompanied with contemplation upon the soul. जं० प० ३, ५२; आया० १, ५, १, १४५; १, ६, २, १८४; —चारि. त्रि० (—चारिन्) ऐकध विलारी; ऐकाडी विचरनार एकाकी-अकेला विहार करनेवाला. (one) who wanders or goes from place to place, alone. मृ० १, १३, १८; —अ. पुं० (—अर्च) ऐकावतारी पुरुष; अने ऐक बार धरी मनुष्यमां अतनार लक्ष्मिभोले ज्ञानुं छे ते. एकावतारी पुरुष; जिसे एकवार फिर मनुष्य योनिमें जन्म लेकर मोक्ष जाना है वह. a man who is to get final beatitude after one human birth. आव० ३४; —छल्ल. त्रि० (—छल्ल) ऐकध छतुं. एकछत्र वाला. having one paramount or suzerain king. उत्त० १८, ४२; —जडि. पुं० (—जटिन्) जुआ “एकजटि” शब्द. देखो “एकजटि” शब्द. vide “एकजटि” सू० प० २०; —जाय. त्रि० (—जात) ऐकधुं; पीअ नथर वगरनुं. अकेला; एकही प्रकारका. single; without a second. आव०

१७; —जाया. स्त्री० (-जाया) ऐक स्त्री. एक स्त्री; एक पत्नी. one wife. दसा० १०, ३; —जीव. पुं० (-जीव) ऐक शुव. एक जीव. one soul; one life. भग० ११, १; —जीविय. त्रि० (-जीविक—एको जीवो यत्र तत्तथा) जेमां ऐकज शुव छे ते; ऐक शुववाला. एक जीव वाला. having only one life i. e. sentient being. “ एगजीविवा पत्ता ” पत्र० १; —द्व. त्रि० (-अर्थ) ऐक अर्थ-वाला पद. एक अर्थ वाला पद. a word or expression having one meaning. भग० १, १; १४, ८; प्रव० १२१; पंचा० ४, २; —द्विय. त्रि० (-आर्थिक) समानार्थ; ऐक अर्थवाला. समानार्थी; एक अर्थवाला. synonymous. पं० नि० ७३; —द्विय. पुं० (-अस्थिक) ऐक गोह्स्तीवाला इत डेरी बिगेरे. * एक गुठला वालाफल; केरा बगरह. a fruit (e. g. a mango etc.) having only one stone in it. भग० ८, ३; जीवा० १; पत्र० १; —द्वया. स्त्री० (-अस्थिका) नानी नाव;

होडी; तरा छोटी नाव; बोंगी. a small boat. विवा० ८; नाया० १६; १७; —तालीसा. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ऐक-तालीस; ४१. एकतालीस. 41; forty-one. सू० प० १०; —त्थी. स्त्री० (स्त्री) ऐकही स्त्री. अकेली स्त्री. a lonely, solitary woman. निसा० ८, १; —दिशा. स्त्री० (-दिश्) ऐक दिशा. एक दिशा. one cardinal point (e. g. east, west etc.). विशा० ३६५; —दिशाभिमुख. न० (दिगभिमुख) ऐक दिशा तरफ मुख. एक दिशा की तरफ मुख. face turned towards one direction. भग० २, ५; —दिसि. स्त्री० (-दिश्) ऐक दिशा. एक दिशा. one direction or cardinal point (e. g. east etc.). नाया० १; —दुवार. न० (द्वार) ऐक आराज. एक दरवाजा. one door. बव० ६, १४; ६, १३; —देस. पुं० (-देश) ऐक देश; ऐक बिभाग. एक देश; एक बिभाग. one part; one division. भग० १५, १; नाया० ३; ७; ८; उक्त० ३६, ११; क०

* जेम जैन शास्त्रमां वनस्पति प्रकरणमां गोह्स्ती भाटे “ अस्थि ” शब्दना प्रयोग कयो छे अमज्ज लौकिक वैद्यक शास्त्रमां पण्डितनी अन्दर रोंडवी गोह्स्ती भाटे अस्थि शब्दना प्रयोग कयो छे ओ प्राचीन पुरोनी प्रथा छे. जेम सुश्रुतसंहिताना शरीरस्थानना तीग्न अध्यायना ६४२ पृष्ठनी २७ भी पंक्तिमां लिख्ये छे “ चूतफलेऽपरिपके केशर मांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” काया आंयाना इतमां—गुदा अस्थि भांस मज्जन गुदा गुदा देखाता तथी. जिम प्रकार जैन शास्त्र मे वनस्पति प्रकरण मे गुठला के लिये “ अस्थि ” शब्द का प्रयोग किया गया है उसी प्रकार लौकिक वैद्यक शास्त्र मे भी फल के भीतरका गुठला के लिये अस्थि शब्दका प्रयोग किया है यह प्राचीन पुरुषो की प्रथा है. यथा—सुश्रुतसंहिता, अध्याय तीसरा, पृष्ठ ६४२ पंक्ति २७ वां मे लिखा है कि “ चूतफलेऽपरिपक्वे केशरमांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” अर्थात् आम के कखे फल मे गुदा, अस्थि, भांस, मज्जा आदि पृथक् पृथक् नहो दिखते The word “ अस्थि ” which literally means “ a bone ” is used even in old medical writers like Suśruta to denote “ a stone of a fruit ” This is noteworthy. Vide Suśruta Saṁhitā (Sāmāra Sthāna chapter III. page 642 line 27).

प० ४, ६३; —**नाशि**. पुं० (ज्ञानिन्)
 डेवलज्ञानवाला. केवलज्ञानवाला. an omni-
 scient person. भग० ८, २; —**निकल-
 मण**. न० (—निक्रमण) गुरुनी मर्यादाभांथी
 वंदना वधने अक्षर अवग्रहथी अक्षर
 निकलनुं ते. गुरु की मर्यादा में से वंदना के
 समय एकबार अवग्रह से बाहिर निकलना.
 going or stepping out once
 with Avagraha (disregard)
 at the time of salutation
 or worship; giving up pro-
 priety of conduct towards a
 Guru or preceptor. सम० १२;
 —**निकलमण्यवेस**. त्रि० (—निक्रमण
 प्रवेश) जेमां पैसवा नोडवाना अक्षर
 मार्ग छे ते. जिसमें प्रवेश होने और निकलने
 का एकही मार्ग हो वह. having only
 one door or way for exit and
 entrance. वव० ६, १४; ८ १३;
 —**पणस**. पुं० (—प्रदेश) अक्ष प्रदेश-
 जीवुंभां जीवुं अंश-विभाग. एक प्रदेश;
 सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग अंश. one unit
 of space; the smallest indivi-
 sible atom of matter. भग० १, ५;
 —**पणसाहिअ**. त्रि० (—प्रदेशाधिक) अक्ष
 प्रदेशे अधिक वधारे. एक प्रदेश से अधिक.
 exceeding by one indivisible
 atom of matter. भग० १, ५;
 —**पणसिया**. स्त्री० (—प्रदेशिका) अक्ष
 प्रदेशनी (श्रेणि). एक प्रदेश की (श्रेणि)
 (a line) of indivisible atoms
 of matter. भग० ६, २; —**पणसोगाढ**.
 पुं० (—प्रदेशावगाढ) अक्ष आदाश प्रदेश
 उपर अवगादी रहैव पुद्गल. आकाश के
 एक प्रदेशपर फैला हुआ पुद्गल. an indi-
 visible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग०
 ५, ८; —**पक्ष**. त्रि० (—पक्ष) निष्प्रति-
 पक्ष; प्रतिपक्ष वधरनुं. जिस का कोई विरोधा
 पक्ष न हो वह; प्रतिपक्ष रहित. without
 a rival; unrivalled सूय० १, १२;
 ५, —**पक्षिखय**. त्रि० (—पाक्षिक) अक्ष गुरु-
 ना श्रेणा; अक्ष पक्षना. एक गुरु के चेला;
 एक पक्ष का. a disciple of the same
 preceptor: one belonging to
 the same camp. वव० २, २३; २४;
 —**पञ्जवसिय**. पुं० (—पर्यवसित) जे
 संख्याने चारे भागनां अक्ष आदी रहै ते.
 जिस संख्या को चार में भागने पर एक बने
 वह संख्या. any sum which when
 divided by four leaves one as
 remainder. भग० ३१, १; —**पत्तय**.
 त्रि० (—पत्रक—एक पत्र यत्र तत्तथा) अक्ष
 पत्र-पादयवातुं जेमां अक्ष पादय लेय ते.
 एक पत्तयाला; जिसमें एक पत्ता हो वह.
 one-leaved. “उपलोकभेत्तेणपत्तयकिं
 एगजीवे” भग० ११, १; —**पदसिय**.
 त्रि० (—प्रदेशिक) अक्ष प्रदेशवाला. एक
 प्रदेशवाला. having one unit of
 space occupied by an indivi-
 sible atom of matter. भग० ६, ५;
 —**पाइया**. त्रि० (—पादिका) अक्ष पग जेले
 उयं राख्य छे ते. जिसने एक पैर ऊपर
 रखा है वह. (one) who has lifted
 up one leg. वय० १, २२; —**पाण**.
 त्रि० (—पान) अक्ष पाणीनी (दात). एक
 पानी का दात. One Data of water.
 वव० १०, १; —**पाय**. पुं० (—पात्र)
 अक्ष पात्र. एक पात्र; एक बरतन. one
 vessel or utensil. वव० ६, ६;
 —**पास**. पुं० (—पार्श्व) अक्ष पार्श्व रहै-
 नार. एक ओर रहनेवाला; एक तर्फ रहने

बाला. one who stays (i. e. lies etc.) on one side. पण्ह० २, १; —**पोषगलत्थिय**. त्रि० (-पुद्गलस्थित) ऐक पुद्गल विपर रहेत्त. एक पुद्गल पर स्थित-रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance). दसा० ७, ११; —**फड्ढग**. पुं० (-स्पर्धक) कर्मस्केध समूह. कर्मस्केध समूह. a group or collection of Karmic molecules. क० प० ५, ४६; —**भत्त**. न० (-भक्त -एकं -क्तं भोजनं यन्नतत्तथा) ऐकसायुः दिवसमां ऐक बार भवपुं ते. एकामनाः दिनमें एक बार जामना the austerity known as Ekā-sana i. e. taking only one meal in 24 hours. “नहणमत्तेच” उम० ६, २३; पंचा० १२, ३५; —**भव**. पुं० (भव) ऐकवत् भवः प्रकृत-यावत् ऐक बार. एकही भवः केवल वर्तमान भव. only one birth; the present birth. प्रव० ६४३; —**भवग्गहाणय** त्रि० (-भवग्राहक) ऐक भवनें अहण्य करतार. एक भवको ग्रहण करनेवाला; एकभववाचारी. (one) who is to have one birth. मग० २५, ६. —**भविअ**. त्रि० (-भविक) ऐक भवनें अन्तरे जं रूपे उत्पन्न भवानुं होय ते जंम ऐक भव पछी अण्यरूपे उत्पन्न भवानुं होय तो ते ऐकभविक्क जंम होयय. एक भव के अन्तर से जिस रूपमें उत्पन्न होना हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शंख रूप में उत्पन्न होना हो तो एक भाविक शंख कहलायगा (condition) after the interval of one more birth; e. g. a soul which is to be born as a conch-shell after the interval of one birth is called

Ekabhavika conch-shell. अणुजो० १४६; —**मणु**. त्रि० (-मनस्) ऐकअ मनवालो; स्थिर चित्तवालो. एकाग्र मनवाला; स्थिर चित्तवाला. steady, concentrated in mind. उत० ३५, १; —**राग**. स्त्री० (-रात्रि) ऐक रात्रि. एक रात्रि. one night. दगा० ७, १; पंचा० १८, ३; (२) विजुनी १२मी पडिमा-३ जेमां अट्ठम तप करी डाडिसण्ण श्मशान भूमिमां करवामां आवेत्ते. भित्तुक की १२ वीं प्रतिमा-जिसमें अट्ठम तप कर के एक रात्र का कायोत्सर्ग श्मशान भूमि में किया जाता है. the 12th Padimā (austerity) of an ascetic in which after fasting, one night is spent in Kāusagga on a funeral ground. प्रव० ४४५; —**राइअ-य**. त्रि० (-रात्रिक) ऐक रात रोतारः ऐक रातिनि निवास करतार. एक रात रहनेवाला. (one) who stays for a single night जेय० ३, ४; श्रौ० १९; यव० १, २३; —**राइंदिया**. स्त्री० (रात्रिदिता) ऐक रात्री अने ऐक दिवसवी बिद्वप्प पडिमा. एक रात्र और एक दिनकी भित्तु प्रतिमा an austerity practised by a Jaina layman, consisting of a day and night. “एकाराइंदियं भिक्खु पडिमं पडिवगणा” दसा० ७, १; भाया० १. —**राइया**. स्त्री० (-रात्रिकी) जंमां अट्ठम तप करी ऐक मत श्मशानभूमिमां डाडिसण्ण करवामां आवेत्ते ते अट्ठमी बिद्वप्प पडिमां. बारहवीं भित्तु प्रतिमा जिसमें कि अट्ठम तप करते हुए एक रात्रि श्मशानभूमि में कायोत्सर्ग किया जाता है. the 12th vow of an ascetic viz. contemplation upon the soul for one night in a

cemetery after the Atthama
austerity (i. e. three fasts).
वव० १, २५; दसा० ६, २; ७, ११; भग०
२, १; नाया० ८; —राय. न० (-राय-
एकाचासौ रात्रिश्च) ओ३ रात्रि, ओ३ रात.
एक रात्रि. one night. “ गामे गामे
यएग रायं ” परह० १, ५; ओ३व० २१; वव०
१, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३;
—रूव. त्रि० (-रूप—एकं समानं रूपं
यस्य) ओ३ रूप, ओ३ सरंजुं. एक रूप;
एक समान. uniform; of the same
type. “ पभूएगवणं एग रूवं विउव्वित्तए ”
भग० ६, ६; ७, ६; —वगडा. छीं (*)
ओ३ वांछा; ओ३ वंड़ी. एक बाड़ा; एक चौक;
एक आंगन. one open compound at
the back of a house; one wall
enclosing an open space. वव०
६, १४; ६, ३; ८; —वरण. पुं० न०
(-वर्ण) ओ३ वर्ण; ओ३ रंग. एक रंग.
one colour; same colour. भग०
७, ६; प्रव० ६८१; —वयण. न० (-वचन)
ओ३ वचन; वस्तुजुं ओ३ व अतावनार प्रत्यय.
एक वचन; वस्तुका एकत्व-अकलापन बताने
वाला प्रत्यय. singular number; a
termination of the singular
number. ठा० ३, ४; आया० २, ४, १,
१३२; —वीसा. छीं० (-विंशति) २१,
ओ३ वीस. २१; इक्कीस; इक्कास. twenty-
one; 21. दसा० २, १; पन्न० ४; विवा०
२; भग० २०, ८; आव० ४, ७; —सट्टि-
भाग. पुं० (-षष्ठिभाग) ढोडपणु वस्तुतो
ओ३ सट्टि भाग; ढोड ओ३ वस्तुना सरंभा
६१ भाग करीये तेमानो ओ३ भाग. किंसा
एक वस्तु का इकसठवाँ भाग. 1/61 of
anything सम० १३; —समय. पुं०
(-समय) ओ३ समय. एक समय, one

Samaya (i. e. unit of time);
one instant भग० १, ६; क० प० १,
१३; —सय. न० (-शत) ओ३ सौ ओ३
१०१. एकसौ एक; १०१. one hundred
and one; 101. क० गं० २, ३०;
—साड. त्रि० (-शाटक—एकःशाटको यस्य
स तथा) ओ३ साडी पछेडी राभनार.
एक दुपट्टा रखने वाला. (one) who
keeps only one sara etc. in
his possession. आया० १, ७, ४,
२१२; —साडिय. न० (-शाटिक) ओ३-
पतावांछुं-सांधा वगरजुं वस्त्र; साडी; सेतुं.
एक पहने का वस्त्र; पहने में बिना जोड़वाला
वस्त्र. a web of cloth not bearing
any dividing line upon it
(caused by stitching another
cloth); a Sari etc “ एग साडिय
उत्तरासंगं करेह ” भग० २, १; राय० २२;
विवा० १ ओ३व० ३२; कण० २, १४; जं०
प० ३, ४३; ५, ११२; —साला. त्रि०
(-शाल) ओ३ भागनांजुं (घर); ओ३
भायाणा (भेड़ी). एक मंजिला का घर
(a house) with one floor.
जीवा० ३, ३; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध)
ओ३ समयमां ओ३ ७५ सिद्ध थाय ते.
एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना.
a soul liberated by himself
(at a time) without the com-
pany of other souls. पन्न० १; नंदी०
२१; —हिय. त्रि० (-अधिक) ओ३
अधिक. एक ज्यादा. exceeding by
one; one more. क० प० ७, ४८;
एगअ. त्रि० (एकक) ढोड ओ३ ओ३ ओ३.
एकाकि; अकेला. Alone; solitary;
single उत्त० २, २०;
एगहअ-य. त्रि० (एकैक) ढोड ओ३ ओ३

ऐक; डेटला ऐक. कोई एक; कुछ एक.
Some one; some; one by one.
ओव० १४; ३५; दस० ५, २, ३७; जं० प०
सम० १; भग० १, १; ७, ७; नाया० २;
दसा० १०, ३;

एगन्त्रो. अ० (एकतस्) ऐक तरङ्गथी; एक
ओर से. On the one hand: from
one side: भग० ३, ४; ३४, १; नाया०
१; २; ५; ८; १६; उत्त० ३१, २; दसा०
१०, १; निसी० ४, ७६; २०, १०; जं० प०
५, १२०, कप्प० ४, ६७; —**खहा. स्त्री०**
(-ख) जेभां छव जम्ही तरङ्गथी
प्रवेश करी जम्ही जालुये जर्ध उत्पन्न थाप ते
श्रेणि; वामश्रेणि-आकाश-प्रदेश-पंक्ति. जिंग
में जाव बाई ओर से प्रवेश करके बाई ओर
जाकर उत्पन्न होता है वह श्रेणि; आकाशप्रदेश
पंक्ति. a line of space on the left
side along which the soul enters
the left side and is born. भग०
२५, ३; —**एगंतअ. त्रि० (-अनन्तक)**
ऐक ब्रह्माक्षमां अनंत. एक लंबाई में अनंत.
an endless line of space अ० २,
३; —**वंका. स्त्री० (-वक्का)** ऐक तरङ्गथी
वांका श्रेणी; ऐक बांकावाली श्रेणी-आकाश
प्रदेश पंक्ति. एक ओरसे टेढी श्रेणी; आकाश
प्रदेश पंक्ति. a line of space curved
on one side. भग० २५, ३; —**सहिय.**
पुं० (-सहित) ऐकथ श्रेयस; ऐकथ डरेस.
एकत्रित. grouped; assembled;
collected. नाया० ५;

एगन्त्रोवत्त. पुं० (एकतोवत्त) ऐकद्वियवाला
छवनी ऐक मत. दो इन्द्रिय वाले जावकी
एक जाति. A kind of two-sensed

living being पञ्च० १;

एगंचरणं अ० (एकंचन) डेअ ऐक. कोई एक.

Some one. भग० ७, १०; नाया० ८;

एगंत. न० (एकान्त) ऐकान्त स्थल; निर्जन
स्थान. निर्जन स्थान; एकांत स्थान. A
solitary place; solitude. “ एगंते
पाडेमि ” नाया० ६; “ एगंते एडेइ ” भग०
२, १; ३, २; ७, १; ६, ३३; १५, ८;
नाया० १; ७; ६; १२; १६; पिं० नि० २११;
सू० प० २०; राय० २६; २६३; आया० १,
१, ७, ६, २२२; उत्त० ३; २८; वव० २,
२६; ७, १७; सू० च० २, ४१८; दस० ४;
पंचा० ६, ६; क० प० १, ६७; (२) नक्षी;
आकस. निश्चित. assuredly; certain-
ly पिं० नि० भा० १२; (३) ऐकान्त;
इक्षत; डेयस. एकान्त; सिर्फ; केवल. simply.
उत्त० ३२, २; ओव० ३८; विशेष० ६५; (४)
निरंतर; आधु. निरंतर; चालू. continu-
ously; uninterruptedly. भग० ३,
१; ७, ६; (५) सर्वथा; पुरेपूर. सर्वथा;
पूर्णतया. completely; perfectly.
भग० ८, ७; —**छेअ. पुं० (-छेक)** ऐकान्त
छेक-विशुद्ध. पूर्ण विशुद्ध. altogether.
perfectly pure. पंचा० ३, ३५; —**दंड.**
पुं० (-दण्ड) ऐकान्त-आकस दंडाय
नेवे; दिसक. यथैव दण्डित होनेवाला;
दिसक one fully sinful; killer
or murderer. सय० २, ४, १;
—**दुख. न० (दुःख)** डेयस दुःख;
ऐकान्त दुःख. एकान्त दुःख; दुःखही दुःख;
सर्वथा दुःख. perfect misery; un-
mitigated misery. भग० ६, १०;
—**धारा. स्त्री० (-धारा-एकविभागाश्रया**

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

चासै धाराचेति) ऐकान्त-तीक्ष्ण धारा.
 एकान्त धारा; तीक्ष्ण धारा. sharp edge.
 “सुरोहव एगंध धाराए” भग० ६, ३३;
 नाया० २; —पंडिय. त्रि० (-पण्डित)
 ऐकान्त पंडित; पापश्री निवृत्त; सर्व विरति
 साधु. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुष; सर्व
 विरति साधु. perfectly free from
 sin; (an ascetic) absolutely
 free from sin. “एगंत पंडिया यावि
 भवामो” भग० ८, ७; भग० १, ८; —बाल.
 त्रि० (-बाल) सर्वथा आत; अज्ञानी;
 मिथ्या दृष्टी अने अविरति. सर्वथा अज्ञाना;
 मिथ्या दृष्टि और आविरति. absolutely,
 perfectly ignorant; heretical
 and sinful. भग० १, ८; ८, ७; १७:
 २, सूय० २, ४, १; —मंत. पुं० (-अन्त)
 सर्वथा ऐकान्त. सर्वथा एकान्त. perfectly
 solitary. भग० ७, ६; नाया० १३;
 —यारि. त्रि० (-चारिन्) ऐकान्त जन
 रहित स्थानमां विचरन्तार; ऐकान्तयासी.
 निर्जन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त में
 रहनेवाला. (one) who moves in
 a solitary place; living in soli-
 tude सूय० २, ६, १; —लूसग. त्रि० (-लूप-
 क) ऐकान्त जन्तुनी दिसा करन्तार. सर्वथा
 जन्तु का हिंसा करनेवाला. (one) who is
 completely given to the killing
 of insects. सूय० १, २, ३, ६; —साया.
 स्त्री० (-मात) ऐकान्त शान्ति-सुख. एकान्त
 सुख; सर्वथा सुख. perfect, unalloyed
 happiness or peace. भग० ६, १०; —
 सुत. न० (-सुप्त) ऐकान्त-निश्चये सुतेव;
 भावनिद्रा; मोहमां उद्येव. सर्वथा सोया हुआ;
 मोहनिद्रायुक्त assuredly asleep; (me-
 taphorically) steeped in infatua-
 tion. सूय० २, ४, १; —सुद्धि. (-सुखिन्)

ऐकान्त सुखी. सर्वथा सुखी. perfectly
 happy. नाया० ७; —हिय. न० (-हित)
 सर्वथा उपकारी. एकान्त हितकारी. al-
 together beneficent. पंचा० १४,
 १६; —अंबिल. पुं० (-आचाम्बल) ऐकान्त-
 तरे आयंबिल करवा ते. एकान्तरे आयंबिल
 करना. alternate performance of
 Āyambila austerity. प्रव० १४५८;
 —उववास. पुं० (-उपवास) ऐकान्तरे
 उपवास करवा ते. एकान्तरे उपवास करना.
 fasting on alternate days. प्रव०
 १४६२;

एगंतरिय. त्रि० (एकान्तरित) ऐक ऐकने
 अंतरे आवेत्त; ऐकान्तरे; (उपवास आयं-
 बिल पंगरे). एक एक के अन्तर पर आया
 हुआ; एकान्तर (उपवास आयंबिल आदि).
 alternate; coming at intervals
 of one. प्रव० ८८२;

एगंतसा. अ० (एकान्तशः) ऐकान्तथा;
 सर्वथा. सर्वथा; पूर्णतया. Perfectly;
 in all respects. भग० ८, ६;

एगखिन्त. न० (एक क्षेत्र) ऐकान्त गा.भ.
 एक गांव. Only one village. प्रव०
 ७८४. —निवासि. त्रि० (-निवासिन्)
 ऐकान्त क्षेत्रमां-गा.भमां निवास करन्तार
 (मुनि पंगरे). एकही गांव में रहनेवाला
 (मुनि आदि). (an ascetic etc.)
 confining his residence to one
 village only. प्रव० ७८४;

एगगुण. त्रि० (एकगुण) ऐकगुणोः वष्णु
 गंध आदिनी सरभामणी करतां जे अभणो
 त्रगुणो न होय किन्तु ऐक गुणो होय ते.
 एक गुना; वर्ण गंध आदि में मिलाने पर जो
 दुगुना त्रिगुना नहीं किन्तु एक ही गुना हो
 वह. Of one (i. e. same) amount
 or measure; not double treble

etc. in comparison. भग० २५, ४; (२) पुं० न० सिद्ध सेणिया અને મનુષ્ય સેણિયા પરિકર્મનો સાતમે ભેદ અને પુદ્ગલ સેણિયા આદિ પાંચ પરિકર્મનો ચોથો ભેદ. સિદ્ધ સેણિયા ઔર મનુષ્ય સેણિયા પરિકર્મ કા સાતવો ભેદ ઔર પુદ્ગલેણિયા આદિ ૫ પરિકર્મ કા ચોથો ભેદ. the 7th division of the Parikarmas of Siddhasenīa and Manusyasenīa and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthasenīa etc. નંદી० ૫૬; સમ० ૧૨:

—**ગુણકક્ષણ**. પું० (-ગુણકર્કશ) જેમાં એકગણી થોડી ક્ષણતા છે તે. जिसमें एक गुणा (थोड़ा) कर्कशता है वह. one having as much (less) harshness or roughness. ભગ० ૨૫, ૪; —**કાલગ**. પું० (કાલક) જેમાં એક ગણી કાલશ છે તે. जिसमें एक गुनी कालास-कालापन है वह. one having as much blackness (i. e. not double or treble etc. the amount of blackness). ભગ० ૨૫, ૪:

एगमा. ન० (એકાગ્ર) ચિત્તની એકાગ્રતા; એક મુદ્દા ઉપર મનની સ્થિરતા. चित्त की एकाग्रता; किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त० ૩૨, ૧; (૨) ત્રિ० ચિત્તની એકાગ્રતા વાળો. एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind. उत्त० ૩૦, ૧; રાય० ૮૦; —**चित्त**. પું० (ચિત્ત) એકાગ્ર ચિત્તવાળો. एकाग्र चित्तवाला. one having a concentrated mind. दस० ૬, ૪, ૨; ૩; જં० ૧૦ ૫, ૧૧૫; —**मण**. ન० (-મનમ) બુદ્ધિ “एगमा चित्त” શબ્દ

देखो “एगमा चित्त” शब्द. vide. “एगमा चित्त” उत्त० २६, २; पंचा० १४, २८: —**मणसंनिवेशणया**. स्त्री० (-मनः सन्निवेशन) મનને એકાગ્ર બનાવવું; એક વસ્તુ ઉપર મનને સ્થાપવું તે. मन को एकाग्र करना. concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २; —**जंवुय**. પું० (एकजम्बुक) ઉલ્લુકતીર નગરની બહારનો એ નામનો એક બગીચો. उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the town named Ullukatira ભગ० ૧૬, ૩;

एगहाण. ન० (एकस्थान) જેમાં દિવસમાં એક વખત એક કોણે બેસીને ખવાય તે તપ; એકકાળ. एक तपका नाम; जिस तपमें दिन में एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है. Austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० ૨૦૩; ૧૫૨૭;

एगद्विपय. ન० (एकार्थिकपद) સિદ્ધ સેણિયા અને મનુષ્યસેણિયા પરિકર્મનો બીજો ભેદ. સિદ્ધ સેણિયા ઔર મનુષ્ય સેણિયા પરિકર્મ કા દૂસરા ભેદ. the 2nd division of Siddhasenīa and Manusyasenīa Parikarma. નંદી० ૫૬; (૨) ત્રિ० એક અર્થવાતું; સમાન અર્થવાતું. एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous. સમ० ૧૨;

एगतर. ત્રિ० (एकतर) એકે અનેકમાંનો એક. दो या अनेक में से एक. One of two or more. વિવા० ૭;

एगतिथ. પું० (एकक) કોઇ એક. कोई एक. Some one સૂય० ૨, ૩, ૧; પન્ન० ૧૫; **एगत्त**. જા० (एकत्र) એકત્ર; એકસ્થાને:

ओङ्करो ढेडावो. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. ओव० ३२;

एगत्त. न० (एकत्व) ओङ्कपावुं; ओङ्कपावुं. अकेलापन. One-ness; solitariness. भग० १, २; २, ६; १२, ६; १७, १; १८, १; २५, ४; नाया० १; डा० १०, १; उत्त० २८, १३; प्रव० ५०५; —अणुपेहा. ली० (—अनुपेक्षा) आ ओव ओङ्कलो आओ छे अने ओङ्कलो जवानो छे ओम यिन्तवुं ते. एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना. contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. ओव० २०; भग० २५, ७; —गत. त्रि० (—गत) ओङ्कत्व लायनावाणो; अंतर्दृष्टवाणो. एकत्व भावना वाला. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, ६, १, ११; —गय. त्रि० (—गत) ओङ्कत्वलायनाने प्राप्त थयेव. एकत्व भावना को प्राप्त. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, ६, १, ११; भग० ८, ६; —वियक्क. न० (—वितर्क) ओङ्क द्रव्य आश्री रहेल पर्यायानुं अभेद रूपे यिन्तवुं अथवा अनेक पर्यायिमांनो ओङ्क पर्यायने अवलम्बी यिन्तवन करवुं ते. एक द्रव्य के आश्रय में रही हुई पर्यायों का अभेदरूप से चिंतन करना अथवा अनेक पर्यायों में से एक पर्याय का चिन्तन करना. contemplation of unity among the varieties or modifications of

the same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. ओव० २०; भग० २५, ७;

एगत्तीकरण. न० (एकत्रीकरण) ओङ्कपावुं करवुं ते. एकाग्रता करना. Act of concentrating; concentration. भग० २, ५;

एगत्तीभावकरण. न० (एकत्रीभावकरण) मनना लायने ओङ्क करैया. मन के भावोंका एकत्रीकरण — एक स्थान पर इकट्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind. भग० ६, ३३; २५, ७;

एगत्तीभावकरणया. ली० (एकत्रीभावकरण) लुओ “ एगत्तीभावकरण ” शब्द. देखो “ एगत्तीभावकरण ” शब्द. Vide “ एगत्तीभावकरण ” भग० १३, ६;

एगत्थ. अ० (एकत्र) ओङ्क स्थले; ओङ्क ढेडावो. एक स्थान पर In one place; in one and the same place. पि० नि० २८८;

एगनासा. ली० (एकनासा) पश्चिम दिशाना रुचक पर्वतपर वसनारी आः दिशा-कुमारिमांनो पांचमी. पश्चिम दिशाके रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों में से पांचवी दिशाकुमारी. The 5th of the 8 Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the west. जं० प० ५, ११४;

एगमेग. त्रि० (एकैक) ओङ्क. प्रत्येक. Each; taken singly. “ ता एएणं दुवे सूरिया तीसाणं सुहुत्तेहि एगमेगं अद्धमंडलं ” चं० प० भग० १, ५; ३, १; ५, ३, ६; ७; ८, १०; १०, ५; १२, ४; १४, ८; नाया० १; ८; जं० प० २, १८; उवा० ८, २३४;

एगयओ. अ० (* एकत्रतः) लुओ। “एगय”

शब्द. देखो “ एगय ” शब्द. Vide

“ एगय ” भग० २, ५; ११, १२; १२,

४; १६, ३; नाया० १६; वव० १, २२; २,

१; उवा० ७, १६७; कप्प० ६, ३८; जं० प० ३, ५८;

एगयर. त्रि० (एकतर) भेमानिगमे ते भेड.

दो में से एक; कोईभी एक. One of two

or more. पि० नि० १४०; ४७३; आया०

१, २, ६, ६७; १, ६, २, १८३; उत्त० ६,

२५; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. ली० (एकता) भेडत्य लायना; अथ

भेडलो आयेओ छे अने भेडलो जयानो छे

अभ शिन्तययुं ते. एकत्व भावना—जिसमें चिन्त-

वन किया जाता है कि जीव अकेला आया

है और अकेला जायगा. The medita-

tion that the soul has come

to this world singly and alone

and that it will pass away also

alone. प्रव० ५७३;

एगया. अ० (एकदा) भेडदा प्रस्तवे; द्राष्ट

प्रसंगे; द्राष्ट पणत. किंसा एक प्रसंग पर.

Once upon a time; on one

occasion. आया० १, ६, २, २; उत्त० २,

६; १३; ३, ३; नाया० १०;

एगलया. ली० (एकलता) पहिले दिवसे

उपवास, भीजे दीवसे भेडसालुं, तीजे दिवसे

भेड सीध, आथे दिवसे भेडसालुं, पांचमे

दिवसे भेड दात, छठे दिवसे नीवी, सातमे

दिवसे आयंबिल अने आठमे दिवसे आठ

कवल अभ आठ दिवस सुधी उपर कव्वा

प्रमाणे तप करवाभां आवे ते भेडलता तप.

एक तप का नाम. जिसमें पहले दिन

उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक

सीध, चौथे दिन एकठाण, पांचवे दिन एक

दात, छठे दिन नीवी; सातवें दिन आयंबिल

और आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आठ

दिन में होने वाला तप विशेष. an

austerity lasting for eight days

in which on the first day

there is a fast, on the second

there is Ekāsana, on the third

one Sitha, on the fourth Eka-

thāṇu, on the fifth one Dāta

on the sixth Nivī, on the

seventh Āyambila and on the

eighth eight morsels (Kavala).

प्रव० १५२७;

एगविह. त्रि० (एकविध) भेड प्रकारनुं. एक

प्रकार का. Of a certain sort; of one

kind. उत्त० ३६, ७७; प्रव० १३५६; आव०

४, ७;

एगसेल. पुं० (एकशैल) पुष्कलावर्त अने

पुष्कलावती विजयनी वन्धेनो वप्पारापर्वत.

पुष्कलावर्त और पुष्कलावती, इन दोनों क

ब्रंच का बखारा पर्वत. The Vakhārā

mountain situated between

the two Vijayas named Pu-

skalāvarta and Puṣkalāvati.

“पञ्चत्थिमेणं एगसेलस्स वक्खार पव्वतस्स”

नाया० १६; जं० प० ठा० ४, २: —

कूड. पुं० (—कूट) भेडशैल वप्पारा पर्वतना

आर कूटमांनुं भीजुं कूट—शिम्बर. एकशैल

बखारा पर्वतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर.

the 2nd of the four summits

of Ekashaila Vakhārā moun-

tain. जं० प० —वक्खार पव्वय. पुं०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

(-वक्षस्कार पर्वत) महाविदेह क्षेत्रभां ओक शैल नामतो ओक वषारा पर्वत. महाविदेह क्षेत्र का एक शैल नामक एक वषारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain (called Ekaśela) in Mahāvi-deha region. नाय० १६.

एगाइ. पुं० (एकादि) ओ नामतो ओक क्रूर राठोड. एक क्रूर राठोड का नाम. Name of a cruel Rāthoda. विवा० १; —**सरिरय.** न० (-शरीरक) ओक राठोडनुं शरीर. एकाइ नामक राठोड का शरीर. the body of the Rāthoda named Ekāi. विवा० १;

एगागि. त्रि० (एकाकिन्) ओकले; ओकली. अकेला; एकाका. Alone; solitary. आया० १, ७, ५, २१६; प्रव० ५३१; गच्छा० १०५;

एगासिय. त्रि० (एकाकिन्) ओकलुं. अकेला. Alone; solitary. वव० ४, १; ६, २; वेय० १, ८८; ५, १५; ओघ० नि० भा० २८; **एगाणी.** स्त्री० (एकाकिनी) ओकली स्त्री. अकेली स्त्री. A lonely, solitary woman. ओघ० नि० ७८;

एगारस. त्रि० (एकादशन्) ओओ “ एकारस ” शब्द. देखो “ एकारस ” शब्द. Vide. “ एकारस ” नाया० ५; —**वासपरियाग.** त्रि० (-वर्षपर्यायक) अशीयार परसनी प्रवन्ध्यायाओ; जेने दीक्षा लीये ११ वर्ष तथा होय ते. जिसे दीक्षा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह. (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism. वव० १०, २६; २७;

एगावली. स्त्री० (एकावली) भण्डित हार; ओकसरो हार भण्डित हार; एक-नई हार. A single string of

beads, pearls etc. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; सू० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १५६; राय० ८१; १८६; —**पविभक्ति.** न० (-प्रविभक्ति) ओक-वक्ति हारनी विशेष रचनाथी युक्त-नाट्य विशेष; ३२ नाटकभानुं ओक एकावलि हार का विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc; one of the 32 kinds of drama. राय० ६१;

एगाहच्च. त्रि० (एकाहत्य—एकैवाहत्याऽह-तनं प्रहारो यत्र तत्तथा) ओक धरो मारवा योग्य; ओक धात्री ओ कटका करवा योग्य. एक घाव से मारने योग्य. Worthy to be severed into two pieces by a single blow. “ एगाहच्चं कुडाहच्चं जीवियाओ ववरो वेइ ” भग० ७, ६; १५, १; राय० २४;

एगिन्द्रिय. पुं० (एकेन्द्रिय—एकं इन्द्रियं करणं स्पर्शनलक्षणं यस्य) इन्द्र ओक स्पर्शेन्द्रिय श्रवण-देहा के-पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक; ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. एक-स्पर्श-इन्द्रियवाला जीव. यथा: १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ५, २; ८, १; २४, १; ३३, १; पञ्च० १; जीवा० १; विशेष० १०१; ४११; क० प० १, ४५; २, ५६; आव० ४, ३; —**देस.** पुं० (-देश) ओक इन्द्रियवाला श्रवण-देस-भाग. एगिन्द्रिय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings. भग० १०, १; —**एगणस**. पुं० (-प्रदेश) ऐकेंद्रिय ज्ञेयते। प्रदेश-निर्विभाज्य अंश. ऐकेंद्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश. an indivisible, atomic part of one-sensed living beings. भग० १०, १; ११, १०; —**रूप**. न० (-रूप) ऐकेंद्रियवासानु रूप. ऐकेंद्रियवाले जीव का रूप. the form, appearance, of one-sensed living beings. भग० १२, ६; —**सय**. न० (-शत) ऐकेंद्रिय शतकः भगवती सूत्रना ३३ भां शतकना श्रीमद् उद्देशानुं नाम ऐकेंद्रिय-शतकः भगवती सूत्र के ३३ वे शतक के दूसरे उद्देश का नाम Ekendriya Śataka; name of the 2nd Uddēśa (part) of the 33rd Śataka of Bhagavati Sūtra. “चित्तिरे एगिन्द्रिय सयं सम्मत्तं” भग० ३३, २; ४;

एगिन्द्रियत्त. न० (ऐकेंद्रियत्व) ऐकेंद्रियत्व. ऐकेंद्रियता. State of being a one-sensed living being; possession of one sense only. भग० ८, ६;

एगीभूश्च. त्रि० (एकीभूत) अनेक भूतों में ऐकेंद्रियत्व. अनेक रूपों से मिलकर एक रूप का प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity. गय० ६६;

एगुत्तरिय. त्रि० (एकोत्तरिक) ऐकेंद्रियत्त. उत्तर अवयव छे ते; ऐकेंद्रियत्व-वत् ११, २१ वगैरे. जिसका ‘एक’ उत्तर अवयव है वह संख्या जैसे: ग्यारह, इक्यास आदि. Having one as the latter part (in the case of compound numerals): e. g. 11, 21, etc.:

exceeding by one. भग० १, २, ४; विशेष ६४२;

एगुरुअ. पुं० (एकोरुक) ऐकेंद्रिक नामना छपन अन्तरद्वीपभांते ऐक. एकोरुक नामक ४६ अन्तरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka. जीवा० ३, ३; (२) त्रि० ते द्वीपभां रहेंतार. उस देश में रहेवाला मनुष्य. a resident of that country. जीवा० ३, ३;

एगुण. त्रि० (एकोन) ऐकेंद्रिय; ऐकेंद्रियत्व. सम० ८६; पञ्च० ४; भग० ८, ५; १२, १; २४, १२; २५, ७; उत्त० ३६, १३८; अणुजो० १२८; जं० प० ५, ११५. विवा० ६; —(रा) असि. स्त्री० (अशीति) ७९; आगण्पत्ती. उन्चास ७९; seventy-nine गम० ७६; —**राउइ**. स्त्री० (नवति) नवत्यशी: ८९ नी संख्या. निव्यासी की संख्या. 89; eighty-nine. सम० ८६; —**तीसइ**. स्त्री० (-त्रिशत्) लुओ “एगुणतीस” शब्द. देखो “एगुणतीस” शब्द. vide “एगुणतीस” सम० २६; —**तीसा**. स्त्री० (-त्रिशत्) २६; आगण्पत्तीस. २६; गुनतीस. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २; —**एगुणा**. स्त्री० (-पंचाशत्) आगण्पत्तीस; ४९ उन्चास; ४६. forty-nine; 49. “एगुणपञ्चाराइदियाइ” भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जं० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २५; —**पञ्चा**. स्त्री० (-पंचाशत्) आगण्पत्तीस; ४९ उन्चास; ४६. forty-nine; 49. “एगुणपञ्चाराइदियाइ” सम० ४६; जावा० १; —**पञ्चास**. स्त्री० (-पंचाशत्) आगण्पत्तीस; ४९. उन्चास; ४६. forty nine; 49. अणुजो० १२८; —**चण्णा**. स्त्री० (-पंचाशत्) लुओ “एगुणपञ्चा” शब्द. देखो “एगुणपञ्चा” शब्द.

vide “एगूणपञ्चा” भग० ८, ५; ३७, १; पञ्च० ४; उक्त० ३६, १३८;—**वीसति.** स्त्री० (—विंशति) १८ वी संख्या; ओग-एलीस. उजीसकी संख्या; १६. 19; nineteen. जं० प० १, ११; वव० १०, ३३; ३६;—**वीसा.** स्त्री० (—विंशति) ओगएलीस; १८. उजीस; १६. 19; nineteen, “एगूणवीसणायज्जभयणत्ता” सम० १६; नंदी० ५०; भग० १५, १; ३५, १; अणुजो० १४२; नाया० १; १६; आव० ४, ७;—**सट्ठि.** स्त्री० (—षष्टि) ओगएलीसा; ५८. उनसाट; ५६. fifty-nine; 59. “एगूणसाट्ठाइंदियाइ” सम० ५६;—**सत्तरि.** स्त्री० (—सप्तति) ओकेनयनसीतेर; आगएलीतेर; ६८. उनहत्तर. 69; sixty-nine. “एगूणसत्तरि वासा वासहर पव्वया पणत्ता” सम० ६६;

एगूणवीसइम. त्रि० (एकोनविंशतितम) ओगएलीसमे. उनासवां. 19th; nineteenth. “एगूणवीसइमं सयं सम्मत्तं” भग० १६, १०; २०, १; ठा० ६, २; नाया० १; १६;

एगूरुई. स्त्री० (एकोरुका) ओकेरुका द्वीपनी स्त्री. एकोरुका द्वीपकी स्त्री. A woman belonging to Ekōrūka Dvīpa. जीवा० १;

एगूरुय. पुं० (एकोरुका) ओ नामतो ओड अन्तरद्वीप; उपन अन्तरद्वीपमानो पड़ेले. एक अंतर्द्वीपका नाम; छपन अन्तरद्वीपों में से पहला द्वीप. Name of an Antara Dvīpa; the first of the 56 Antara Dvīpas. भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २; (२) पुं० स्त्री० ओ द्वीपमां

रहेनार. उक्त द्वीप में रहने वाला. a resident of the above named Dvīpa. भग० ६, ३; १०, ७;—**दीव.** पुं० (—द्वीप) ओओ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. vide “एगूरुय” भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २;—**मणुस्स.** पुं० (—मनुष्य) ओकेरुका द्वीपनी रहेनार मनुष्य. एकोरुका द्वीपका रहने वाला मनुष्य. a person belonging to the Ekōrūka Dvīpa. भग० ६, ३; १०, ७; **एगोरुय.** पुं० (एकोरुका) ओओ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. Vide “एगूरुय” पञ्च० १;

एज. पुं० (एज) वायु; पवन; वायरो. हवा; वायु; पवन. Wind; air. “पहू एजस्स दुगंछणाण” आया० १, १, ७, ५५;

एउज. त्रि० (एत्य) आववा योग्य. आने योग्य. Worthy to come. सु० च० ७, १६६;

✓**एड.** धा० II. (*) परडवयुं; नापी देयुं; तणयुं. डाल देना; त्यागना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc.

एडेइ. भग० ११, ६; १५, १; १; नाया० ५;

निसा० ३, ७२; राय० २६३; ओव० ३६;

एडेति. राय० ३४; जं० प० २, ११२;

एडेसि. भग० १५, १;

एडेत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ११, ६; १५, १; नाया० २;

एडय. पुं० (*) ८४ लाख ओडयांग परिमित काल विभाग. ८४ लाख एडयांग, जितना काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Eda-yāngas. भग० ६, ७;

* ओओ पृष्ठ नम्बर १५ वी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

एषी. स्त्री० (एषी) हरणी; मृगवी. हरिणी; मृगी. A female deer. जं० प० १३, ५७; पशु० १, १; जीवा० ३, ३; ओव० १०;
एषेज्ज. पुं० (एषेय) गोशाले पहिले प्राढ परिहार उर्यो ते. गोशालाने पहला जो प्राढ परिहार किया था वह. The first Praudha Parihāra (a kind of austerity) practised by Gośālā. भग० १५, १; (२) त्रि० हरण संबंधी; मृगजु. हरण संबंधी; मृगका. pertaining to, belonging to a deer. विवा० ८; —रस. पुं० (-रस) हरिण संबंधि मांसनो रस. हरिण के मांस का रस. taste of the flesh of a deer. “ मच्छरसेय एषेज्जरमेय ” विवा० ८;
एत. त्रि० (एतत्) आ; ओ; पहिले. यह. This “ एतेवं जाणह ” भग० ६, ३२, सु० प० १०;
एतावन्त. त्रि० (एतावन्) ऐतत्तु. इतना. This much; that much. जं० प० विवा० १; वेय० १, ४६;
एतोचम. त्रि० (एतदुपम) ऐनी परेपर; ऐनाएवे. इसके समान. Similar to that or this. मृय० १, ६, १४;
एत्तिअ-य. त्रि० (इयत्) आटतु; आ प्रमाणजु. इतना. This much; of this measure. नाया. १७; विशेष० १४०; पि० नि० २२३; —काल. पुं० (-काल) ऐतलो वप्पत्त इतना समय. so much time; that much time. प्रव० ४३२;
एत्तो. अ० (इत्तः) आदिथी; हवे पछी. यही से; इसके बाद. Hence; henceforward; from this place. ओव० १६; अणुजो० ५६; १३०; पि० नि० १५५; भग० ६, ८; वेय० १, ४६; नाया० २; ८; १२; राय० २६२; प्रव० ३६५; क० प० १, ६;

एत्तोवरं. अ० (अतःपरं) ऐतापछी; ऐ उपरांत. इसके बाद; इसके उपरांत. Further than this or that; in addition to this or that. अणुजो० १३८;
एत्थ. अ० (अत्र) छद्दि; ऐ स्थले. यहां; इस स्थानपर. Here; in this place. भग० १, ३; ६; २, १; ७, ३; ८, ७; ८, ३३; १५, १; १६, ६; २०, ५; २१, ८; ४२, १; नाया० १; ३, ५; ७; ८; १३; १७; १८; १६; पञ्च० १; जं० प० ५, ११६; २, १४२; ७, १४२; दसा० १, ५; सु० प० १; ओव० विशेष० ८८; उवा० ७, २०१;
एत्थंतरे. अ० (अत्रान्तरे) ऐटला वप्पत्तमां. इतने समय में. Meanwhile; in the meanwhile; during that time. सु० च० १, ७२; २४८;
एम. अ० (एवम्) ऐ प्रकारे. इस तरह में; इस प्रकार में. Thus; in this way. “ एमेष समणा वुत्ता ” दस० १, ३;
एमाइ. अ० (एवमादि) छत्तादि; ऐ विगरे. इत्यादि; वगैरह. This, that etc. पि० नि० भा० १५;
एमेव. अ० (एवमेव) ऐवैज रीति; ऐमज्ज. इसी प्रकार. Exactly in this way; precisely in that way. पि० नि० ७६; पञ्च० १; प्रव० १६१; क० प० १, ७०;
एय. धा० I (एज्) टोपयुं; छुज्जुं. कंपना. To tremble; to shiver.
एयइ-ति. राय० २६६; भग० ३, ३; ५, ६; १७, ३; १८, ३;
एयंति. भन० ५, ७; १७, ३;
एयस्संति. भावि० भग० १७, ३;
एयंसु. भू० का० भग० १७, ३;
एय. त्रि० (एतत्) आ; साभे रहैकी वीज वीगरे. यह; सन्मुख की वस्तु वगैरह का उल्लेख करने योग्य सर्वनाम शब्द. This;

that. सू० प० १०;

एयकम्म. त्रि० (एतत्कर्मन्) ओ छे ऊँ
जेनुं ऐवो डाध. यह है कर्म जिसका ऐसा
कोई. (one) who has thus acted.
विवा० १; ५;

एयगुण. त्रि० (एतद्गुण) ओटलाओ गुणेर.
इतने से गुणा हुआ. Multiplied so
much or to this extent. प्रव०
१३६६;

एयजोग. पुं० (एतद्योग) ओतो संयंघ. इसका
सम्बन्ध. Connection of this or
that. पंचा० २, ३५;

एयधर. त्रि० (एतद्धर) ओते धारणुं धरनार.
इसको धारण करनेवाला. (One) that
bears or puts on this or that.
पंचा० १४, २४;

एयपहाण. त्रि० (एतत्प्रधान) ओ छे प्रधान
जेभां ते. जिसमें यह प्रधान है वह. (Any-
thing) having this as a pro-
minent factor. विवा० १; —**एयार.**
त्रि० (-प्रकार) ओ प्रक्षरनुं. इस प्रकार
का. of this nature; of this sort.
नाया० १४;

एयमह. न० (एतदर्थ) ओ भाटे; ओ अर्थ.
इसलिये. For this purpose; for
the sake of this. भग० ७, ७; १५,
१; १८, ७; नाया० १; ५; ६; १४; दस०
६, ५२;

एयविउत्त. त्रि० (एतद्वियुक्तम्) ओथी
रहित. इस के बिना. Devoid of or
free from this or that. पंचा० ६, ६;

एयविज्ज. पुं० त्रि० (एतद्विद्य) ओ छे विद्या
जेनी ते जिसका यह विद्या है वह. (One)
possessed of this or that know-
ledge or learning. विवा० १;

एयसमायार. त्रि० (एतत्समाचार) ओ छे

आचार जेनी ते. जिसका यह अचार है वह.
(One) possessed of this
ascetic conduct. विवा० १;

एयण. न० (एजन) डम्पुं; धुणुं. कंपना.
Trembling; quaking. भग० ५, १;
पञ्च० ३६;

एयणा. स्त्री० (एजना) धुनरी; धुण; कंप
कंपी. Tremour; shivering.
भग० १७, ३;

एयणुद्देशय. पुं० (एजनोद्देशक) भगवती
सूत्रना पांयसा शतकना आहमा उद्देशानुं
नाम. भगवती सूत्र के पांचवें शतक के आठवें
उद्देश का नाम. Name of the 8th
Uddeśa of the 5th Sataka of
Bhagavati Sūtra. भग० ५, ८;

एयलई. स्त्री० (एलका) ओड जलनी वनस्पति.
एक जात की वनस्पति A kind of
vegetation. भग० २३, १;

एयाणुरूव. त्रि० (एतदनुरूप) ओने अनुसरनुं.
इसके अनुरूप Like, resembling or
worthy of this or that. कण्ठ०
४, ६०;

एयारिस्स. त्रि० (एतादृश) ओनुं; ओनाओनुं.
इस प्रकार का; इसके मरीखा. Of this
sort; of this or that nature;
similar to this. पंचा० २, ३४; उत्त०
३२, १७; मम० ३०; दसा० ६, १७; दम०
५, १, ६६;

एयारूव. त्रि० (एतद्रूप) ओ प्रक्षरनुं. इस
प्रकार का. Of this sort; of that
sort. अंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा०
५; दसा० ६, २; १०, ३; नाया० ३; ५; ६;
भग० २, १; ५, ६, १४, १; १८, १०;
उवा० १, ८०; २, ६४; कण्ठ० १, ४; जं०
प० २, २२;

एयावति. अ० (एतावत्) ओटला. इतना;

इतने. These many; so many.

आया० १, १, १, ७; भग० ६, ७;

एरंड. पुं० (एरंड — ईरयति वायुमलं वा) ऐरंडे।

ऐरंडानुं वृक्ष. अरंड; अरंड का वृक्ष The
castor-oil plant. भग० २, १; २१,
६; टा० ४, ६; पञ्च० १; — कटुसगडिया.

स्त्री० (— काष्ठशकटिका) ऐरंडेना वाड्यानी

गाडी. अरंडका लकड़ी का गाड़ी. a

cart made of the wood of
the castor-oil plant. नाया० १;

— मिजिया. स्त्री० (मिजिका) ऐरंडानी

भी०. अरंडा का बीज. a seed of the
castor-oil plant. भग० ७, १;

एराण्वय. न० (ऐराण्वय) ऐराण्वय-

नामनुं अक्षरं भूमिनुं ऐरक्षेत्र. ऐराण्वय

नामक अक्षरभूमि का एक क्षेत्र. Name

of a region of the Akarna-
bhūmi. सम० १;

एराण्वय अ. पुं० (ऐराण्वय) ऐराण्व-

यय नामनुं रमकवास अने हरिवत क्षेत्रनी

यय आवेयुं अग्नियानुं ऐरक्षेत्र. रमक

वास और हरिवत क्षेत्र के बीचमें स्थित ऐराण्व-

यय नामक जुगलियों का एक क्षेत्र Name

of a region inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; टा० २, ३;

पञ्च० १६; जावा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्र-

मां वसन्तार. उक्त क्षेत्र में रहने वाला

(one) who resides in the

above mentioned region. अणुजो०

१३१;

एरावअ-य. पुं० (ऐराव) ऐरावती उत्तरमां

आवेयुं अक्षरं भूमिनुं भरत जेवयुं ऐरक्षेत्र. मेरु का उत्तर दिशामें स्थित कर्मभूमि

का भरतक्षेत्र बराबरी का अंतिम क्षेत्र. The

last region of Karma Bhūmi

to the north of Meru, equal in

size to Bharata region. सम० ७;

जीवा० १; सू० प० १०; अणुजो० १३४;

पञ्च० १; नंदी० ४२; भग० २०, ८; विशेष०

४४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५; टा० २,

३; (२) त्रि० भरत क्षेत्रमां वसन्तार.

ऐरावत क्षेत्र में उत्पन्न; ऐरावत क्षेत्र में रहने-

वाला. born in Iravata Kṣetra;

residing in Iravata Kṣetra.

अणुजो० १३१; — कूट. पुं० (कूट)

शिखरी पर्वतना ११ कूटमांनुं द्दशमुं कूट-

शिखर. शिखरी पर्वत के ११ कूटों में से १०

वां कूट. the 10th of the 11 peaks

of the Sīkharī mountain. जं०

प० ६, १२५;

एरावअ. पुं० (ऐरावत) जम्बूद्वीपने उत्तर

छेद आवेयुं भरत जेवयुं ऐरक्षेत्र क्षेत्र

जंबूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत क्षेत्र

जितना अंतिम क्षेत्र. The last region

to the North of Jambū Dvīpa,

equal in size to Bharata re-

gion. जं० प०

एरावई. स्त्री० (ऐरावती ईराः सन्त्यस्याः)

कुण्डा नगरी पासों बहती ऐरावती नामनी

नदी. कुण्डा नगरों के समीप बहने वाली

नदीका नाम. Name of a river flow-

ing in the vicinity of the city

of Kuṇḍā. वेय० ४, २८; कप्प० ६. १२;

एरावण. पुं० (ऐरावण-त) प्रथम देवलोकना

छन्दो लाथी; जे देवता लाथीनुं रूप उभ

छन्दे पैता उपर ऐसाटे ते. प्रथम स्वर्ग के

इंद्र के हाथों का नाम; जो देव हाथों का रूप

धारण कर इंद्र को अपने ऊपर बैठाता है

वह देव. The elephant of the

Indra of the first Devaloka;

a god in the form of an elephant for Indra to ride upon. "हत्थीसु परावण माभुखाण्" सूय० १, ६, २१; जं० प० ५, ११५; पञ० २; परा० २, ४; (२) शकेन्द्रना हत्थीना लक्ष्मणेन अधिपति. शकेन्द्र के हाथी की सेना का अधिपति. the head of the army of elephants belonging to Sakrendra. "परावणे हत्थिराया कुंजराणियाहिवर्ह" ठा० २, १; (३) ऐ नामे ऐक गुच्छमतनी वनस्पति. एक गुच्छ जाति की वनस्पति का नाम. a kind of plant. पञ० १; (४) उत्तरकुक्षेत्रमांनो ऐकद्रुके जेनी भेयासे वीश द्वयनक पर्वत छे. उत्तर कुरुक्षेत्र के एक द्रुह का नाम जिसके कि दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत है. name of a lake in the Uttara Kuru Ksetra, on both sides of which there are 20 Kanchanaka mountains. जं० प० जीवा० ३, ४; —वाहण. पुं० (वाहन) ऐरावत-हत्थी जेनुं वाहन छे ते. ऐरावत-हाथी के वाहन वाला. one whose vehicle is the Airāvata elephant. कण० २, १३;

परावत. पुं० (ऐरावत) ऐरावत क्षेत्रना प्रथम चक्रवर्ती. ऐरावत क्षेत्र का प्रथम चक्रवर्ती. The first Chakravartī of Airāvata-Kṣetra. (२) ऐरावत क्षेत्रनी अधिष्ठाता देवता. ऐरावत क्षेत्रका अधिष्ठाता देव. the presiding deity of Airāvata-Kṣetra. जं० प०

परावती. स्त्री० (ऐरावती) जुओ "परावर्ह" शब्द. देखो "परावर्ह" शब्द. Vide "परावर्ह" ठा० ५, २;

परिस. त्रि० (ईदश = अयमिव पश्यति) ऐना जेयुं. इसके समान. Of that sort;

of this sort; such. भग० २, ५; उत्त० १२, ११; सूय० १, ३, ३, १५; सु० च० २, ३३८; नाया० ८; दस० ६, ५; प्रव० ५६२; **परिसग.** त्रि० (ईदशक) ऐना जेयुं; ऐ सरजुं. इसके समान; इसके सरीखा. Of that sort; such; similar to this or that. भग० १, १; ८, ५;

परिसय. त्रि० (ईदशक) ऐयुं; ऐ जेयुं. ऐसा; इसके समान. Such; similar to that; of this sort. पि० नि० ५८२; नाया० ८; १६;

पल. पुं० (पल) धेरा; भेरा. भेड़. A sheep; a ram. जीवा० ३, ३; विवा० ४; सूय० २, २, २१; दस० ५, २, ४८; —मूयत्त. न० (मूकत्व = एडइव अव्यक्तं मूकतया शब्दमात्र करोत । गाउरनी पेरे (भेजे) न समझ शक्य तेयुं भोत्रयुं ते; भोत्रयुं. भेड़के बोलने के समान समझ मे न आगकने योग्य बोलना. babbling, indistinct speech like the bleating of a sheep. सूय० २, २, २१, दस० ५, २, ४८; दसा० १०, ४५;

पलइज. न० (पलकीय) उत्तराध्ययन सूत्रना सातवा अध्यायन नाम. उत्तराध्ययन के सातवे अध्याय का नाम. Name of the 7th chapter of Uttarādhyayana. अणुजो० १३१;

पलग. पुं० (पडक) धेरा; भेरा. भेड़. A male sheep; a ram. जं० प० २, २४; दस० ५, १, २२; पञ० १;

पलगा. स्त्री० (पडका) गाउर. भेड़. A female sheep; a ewe. जं० प० २, २४;

पलय. पुं० (पलक) पडरा; भेरा. बकरा; भेड़ा. A be-goat; a ram. " कोई पासंज पलय " उत्त० ७, २१९;

पला. स्त्री० (पला) ऐरावती. इलायची.

Cardamom plant; the seed of the plant. जीवा० ३, ४; जं० प० पञ० १; राय० २६; — पुड. पुं० (-पुड) अंत्यीने पुडा. इलायचा का पुडा. A packet of cardamoms नाया० १७; एलावच्च. पुं० (एलापत्य) मंडुक गोत्रकी शाखारूप अंक गोत्रनुं नाम. मंडुक गोत्रकी शाखा रूप एक गोत्रका नाम. Name of a branch or off-shoot of the Manduka family-origin. नंदी० स्थ० २६; ठा० ७, १; (२) त्रि० ते गोत्रमां उत्पन्न थयेव पुश्र. उक्त गोत्र में उत्पन्न पुरुष. a man born in the above mentioned branch of family. ठा० ७, १;

एलावच्चसमुत्त. न० (एलापत्यसगोत्र) आर्य भद्रागिरिनुं गोत्र. आर्य महार्गरी का गोत्र. Name of the family line of Ārya Mahāgiri. कण० ८;

एलावच्चा. स्त्री० (एलापत्या) पञ्चमीराती १५ रात्रियांमांती तीथ रातनुं नाम. पञ्चमी रातरी रात. The third day of a fort-night. सू० प० १०; जं० प० ७, १२२;

एलिकख. त्रि० (ईदख) ओतुं; ऐना ओतुं. इसके समान: ऐसा. Such; of this sort; of that sort. "कहंनु जिच्चेलिकखं जिच्च माणो न संविदे " उत्त० ७, २२;

एलिकखअ. त्रि० (ईदखक) लुओ "एलिकख" शब्द. देखो "एलिकख" शब्द. Vide "एलिकख" आया० १, १, ३, ५;

एलुय. पुं० (एलुक) घरनी डोहरा (डोहर) घर की देली. The threshold of a door. जीवा० ३, ४; राय० १०६; दसा० ७, १; वव० १०, २;

एव. अ० (एव) अवधारणु: निश्चय: नकरी.

निश्चय. Positively; assuredly. आया० १, १, १, ११; उत्त० १, १२; अणुजो० १४; वव० १, ३७; निसी० २०, १०; दसा० ६, १; उवा० ७, २१६; विशेष० १७८; पि० नि० १७८;

एवइकाल. पुं० (इयत्काल) अटलो वधत. इतना समय. That much time; so much time. क० प० १, ४४;

एवइगुत्तो. अ० (एतावत्कृत्वम्) अटली बार. इतनी बार. So often; so many times. कण० १, ४८;

एवइय. त्रि० (इयत्) आटलुं. इतना. So much; this much. भग० ३, १; ४; ६, ८; १२, ४; १३, ४; १४, ७; ८; १६, ४; २०, १; २४, १; २४; ओष० नि० १४४; विशेष० ४४४; वव० १, ३७; प्रव० ८४२;

एवं. अ० (एवम्) ऐ प्रकारे: पूर्वोक्त रीते; (एतेषां कथं तेम). इस प्रकार से: पूर्वोक्त रीतिसे In that way; as said above; thus. भग० १, १; २, १; ३; ५, ४; ८; ६, ४; ७, १; १६, ५; १८, १०; ३४, १; नाया० १; २, ५; ७; ८; ६; ११; १४; १६; दसा० ३, २६; ४, ४५; ६, ४; दसा० ५, २, ३०; ७, ७; ४४; ८, ३; आया० १, १, १, १; १, १, १, २; सूय० १, १, १, २; १, १, १, ६; २, ७, ६; वेय० २, २; जं० प० ५, ११३; ४, १०२; ५, ११२; निर० १, १; विशेष० ७२; निर्मा० २०, १०; उत्त० १, ४; ओष० ११; अणुजो० १४; ठा० १, १; सू० प० २०; उवा० १, १०; १२; १४; नाया० ध० ३; क० प० १, ३१, क० गं० ३, १०; १२; " एवमेयाणि जंपता " सूय० १, १, २, ४; " एवं आउली करिति " भग० १, ६;

एवंखलु. अ० (एवंखलु) अरेअरे; निश्चय; अभय. निश्चयसे; इसी प्रकार: वास्तव में.

Indeed; exactly so. भग० ७, ६;

नाया० ६; ८; १०; १६; नाया० ध०

एवंचेव अ० (एवंचैव) ऋग्यो " एवं "

शब्द० देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

नाया० १; २; भग० १५, १; २५, २; ४१, ८;

एवग्रहं अ० (एवम्) ऋग्यो " एवं " शब्द०

देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

वेय० १, १४; ४, २८;

एवतिय त्रि० (इयन्) ऋग्यो " एवइय "

शब्द० देखो " एवइय " शब्द. Vide

" एवइय " भग० १, ७; ११, १;

एवंपि अ० (एवमपि) ऐमपय. इस प्रकार

भा. Even thus; even so. भग० १, ६;

एवंभूत वादि त्रि० (एवंभूत वादिन्) भाव-

सहित पदार्थनेत्र पदार्थ मानतार ऐक नय.

सात नयमानो सातमो नय. भाव सहित

पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय

(One) who holds the logical

standpoint that a substance

should be styled by its name

only so long as it actually per-

forms the operation denoted by

it; the seventh of the 7 logical

beliefs सूत्र० २, ४, १०;

एवंभूय पुं० (एवंभूत) के शब्दों के अर्थ

थनो होय ते अर्थ पुरे पुरी शते, ते

वस्तुमां ऋग्यो त्पारेज तेने ते वस्तु ओ,

ऐम घट शब्द ऐष्टवकी घट धातुमाथी

अनेओ के ते न्यारे ते घटा पाजूथी अरेओ

खीना मतक उपर होय त्पारेज तेने घटा

ओ अन्यथा नदि ऐम मानतार ऐक नय

सात नयमानो छेओ नय. जिस शब्द का जो

अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस

शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पड़े तब ही उस

वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द

चेष्टावाजी घट श्रातु मे बना है जब पानी मे

भरा हुआ छी के मस्तक पर घड़ा रखा हो

तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं;

सातनयो में से एक नय. The seventh

of the seven logical stand-

points, viz that a substance

should be styled by its name

only so long as it performs act-

ually the operation denoted by

it: e g. a pot should be styl-

ed a pot only when it is

actually filled with water

and "carried" by any woman

upon the head. विश० २२५१; डा० ७,

१; भग० ५, ६; पञ्च० १६; प्रव० ८२४;

पंचा० ६, १२; (२) सिद्धेद येवेन आरभा

दृष्टिवाद अंगना औन विभाग सूत्रो १६

मे भेद. जिसका विच्छेद हो चुका है

ऐसे चारहवे दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के

सत्रका १६वां भेद name of the 16th

division of the 2nd section

of the 12th non-extant Aṅga

viz. Dṛiṣṭivāda नंदो० ५, ६,

एवंविह त्रि० (एवंविध) ऐम प्रकारने गो-

नी इस प्रकार का का Of that or

this sort; such. सू० व० ४, ८२; पंचा

१३, ३६;

एवंमेव अ० (एवमेव) ऐमवत्. इस प्रकार

Exactly so; quite so. नाया० १;

भग० १, १;

एवामेव अ० (एवमेव) ऐसीज् शते

इस प्रकारने. Exactly so; quite in

this manner. जे० प० नाया० २; ३;

४; ५; ८; १०; १५; १६; भग० १, १;

६; ३, ३; ५, ३; ६; १५, १; २५, ८; उवा०

७, २१६;

✓ एस. धा० I.II. (एप्) शोधुं; तथास

करवी; पुछ परछ करवी. खोजना; हुंडना; पुछ पाछ करना. To search; to inquire after.

एमे. वि० आया० १, ६, ४, १०;

एसिज्जा. वि० उत्त० १, ७; २. ३०; दम० ५, २, २६;

एसंज्जा वि० मूय० १, १, ४, ४;

एसंत. व० क० उत्त० ३०, २१;

एसमाण. व० क० वव० १०, २;

✓ एस. भा० I० (इप्) भच्छनु; भच्छ करवी. इच्छा करना. To wish; to desire

एसह. पि० नि० ७५;

एस. त्रि० (एष्यत्) आपत्ते; भविष्यन्. भविष्य का; आगामी. Future; the future. विशेष० ४२०: —काल. पु० (काल) आत्ता का. आगामी काल. coming time; future time. दम० ७, ७;

एसण. न० (एमण) अपेक्षणीय पद; निर्दोष आहारदि दोषमंडन आहारमंड. A thing worthy to be used as food; unobjectionable food etc. उवा० १, ८६; नाया० १६; भग० २, ५;

एसणा. स्त्री० (एषणा) आहारदिनी गवेपण्यु मां साध अने गृहस्थी अनेथी प्रायतः शक्तिदि दश दोष. आहारादि की गवेपणा से गधु और गृहस्थों से जो दश दोष लगते हैं वे. Any of the 10 faults (viz. Śāṅkita etc.) incurred by a layman as well as an ascetic in connection with begging food etc. प्रव० २२; ५७१; डा० ३, ४; पि० नि० १; (२) उपयोग परिक आहारदिनी गवेपण्यु करवा; अपेक्षणासमती श्रीष्ठ समिति. उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेपणा करना; तासरी समिति का नाम. name of

the third Samiti, circumspection in begging food etc. उत्त० १, ३१; २, ४; ८, ११; २४, २; ३०; २५; भग० २, १; सूय० १, १, ४, ४; परह० २, १; वव० १०, २, श्रोव० १७; सम० प० १६८; —असमिअ. त्रि० (—असमित) आहारादिनी गवेपण्यु रूप समिति पितातो; अपेक्षणीय समिति रहित. आहारादि की गवेपणा रूप समिति से रहित; एषणा समिति से रहित. (one) devoid of circumspection in begging food etc. दसा० १, २; २१; २२: —असमित. त्रि० (—असमित) असमत्ते आतपाणी धर्म श्रीमन् साधुनी साथे उलट करना, असमाधितुं वीक्षन् छेदुं स्थानक सेवनार. असमत्ता (दोषयुक्त) आहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला—असमाधि का २ वां अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला (one) who resorts to the last viz. 20th source or cause of Asamādhi i. e. non concentration; (one) who quarrels with another Sādhū, after receiving food involving sin. सम० २०: —रय. (—रत) निर्दोष आहार विसर्मा आपधान. निर्दोष आहार लेने में सावधान. one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food दसा० १, ३: —विमोहि. स्त्री० (विशोधि) अपेक्षणीय शुद्धि. एषणा समिति की शुद्धि. purity or faultlessness of circumspection in begging food etc. डा० ६, २: —समिह. स्त्री० (—समिति) ४२ प्रकारता हण्यु टावी शुद्ध आहार पाणीनी गवेपणा करवी ते: पांच समितिमांती श्रीष्ठ समिति

४२ प्रकार के दोषों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz. begging of alms untainted by the 42 kinds of faults. सम० ५; ठा० ८, १; —समिय.

पुं० (समिति-एषणायां उत्थादनग्रहणप्राप्त विषयायां सम्यगितः स्थितः) निर्दोष आहार लेना. निर्दोष आहार ग्रहण करनेवाला. one who receives faultless or absolutely untainted food. “एषणा समिएणिच्चं वज्जयंतं अणोसणं” सूय० १, ११, १३; दसा० ५, ६; भग० २०, २; नाया० ५;

एससिज्ज. त्रि० (एषणीय) भुनिने ऐपण्णा करवा योग; लेवुं उदये तेवुं; दोष रहित भुनि के एषणा करने योग्य; निर्दोष; लेने योग्य. Faultless; unobjectionable; worthy of being received as food by a Sādhū. भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ७, १; ८, ६; १८, १०; उत्त० १२, १७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; ठा० ४, २; उवा० १, ६; पि० नि० १६१; राय० २२५;

एसणिय त्रि० (एषणीय-एष्यते गवेष्यते उक्ता मादिदोषविकलतया साधुभिर्ग्रह्यतदेषणीयम्) निर्दोष-दोष वगरज. निर्दोष; दोष रहित. Faultless; untainted; unobjectionable (e. g. food). दस० ६, २४;

एसिय. त्रि० (एषित) गोचरीनी विधिधी प्राप्त थयेव (आहारादि). गोचरी की विधि से प्राप्त (आहारादि). (Food etc.) got by Gochari (i. e. begging) in a particular fashion). आया० २, १, ६, ५०; सूय० २, १, ५६; भग० ७, १;

एसिय. पुं० (एषिक) असंख्यात ऐकेन्द्रिय श्रवणी हिंसा थाय ऐवा आधार करती

ऐक लाथीने मारी जावुं ते अथ ऐम मान-गार ऐक तापस; लाथी तापस. असंख्यात एकेंद्रिय जीवोंकी हिंसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी को मार कर खाना अष्ट समझे वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthi Tāpasa). “एसिया वोसिया सुद्धा” सूय० १, ६, २;

एसिय. पुं० (*) गोचरीया. गोली; ग्वाल. A cowherd. आया० २, १, २, ११;

एस्स. पुं० (एष्यत) भविष्य काल; भावी. भविष्य काल; भावी काल. The future; future time. विशेष० २८३;

एहंत. त्रि० (एधमान) वधतुं; वृद्धि प्राप्तुं-तो-ती. बढ़ता हुआ; बढ़ती हुई; वृद्धिगत. Increasing, growing. दस० ६, २, ५;

एहा. स्त्री० (एधा) शमी (पीरडी) का काष्ठ; धुआँ. शमीकी लकड़ी; उस्तरा नामक वृक्षकी लकड़ी. The wood of the Sami tree; fuel. उत्त० १२, ४४;

एहिय. त्रि० (ऐहिक) आलोड सम्बन्धी; अलोडतुं. इस लोक सम्बन्धी; इस लोक का. Belonging to, pertaining to this world. आंध० नि० ६२: — **एपएसिय.** त्रि० (-प्रदेशिक) विषम संख्या-३, ५, ७ वगैरे ऐक्री संख्याना प्रदेशी निष्पन्न थयेव. विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न. resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग० २५, ३;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओ.

ओअंसि. पुं० (ओजस्विन्) भतनी धीरन्
वालो; धैर्यवान्; धीर. धीरज वाला; धैर्य
धारण करनेवाला; धीर. Courageous;
brave. ओव० १६;

ओइरण त्रि० (अवतीर्ण) अवतरण; उतरी
आवेण. अवतरितः उतरा हुआ. Born;
descended; come down. ओव०
२६; ओघ० नि० ३४; पंचा० १५, ४२;

ओंकार. पुं० (ओंकार) ओंकारना उच्चार
करना. ओं कार का उच्चार करना. Pro-
nouncing the word " Omkāra".
उत्त० २६, २६;

ओकच्छिया. स्त्री० (अवकच्छिका) लुओ
“ उकच्छिया ” शब्द. देखो “ उकच्छिया ”
शब्द. Vide. “ उकच्छिया ” ओघ० नि०
६७७; प्रव० ५४३;

✓ **ओकङ्क** धा० I. (अप+कृ) पाछुं ओ-
यतुं. पीछा खींचना. To draw back;
to pull back.

ओकङ्कह. क० प० ३, ७;

ओकङ्कय. सं० कृ० क० प० ४, १;

ओकङ्कणा स्त्री० (अपकर्षणा) अपवर्तना.
अपवर्तना. Drawing back; turning
back. क० प० ३, १०;

ओगाहिअ. त्रि० (अवगृहीत) पीसेव;
आग्नमांथी हाथमां लीधेव. ग्रहण किया
हुआ; परोस हुआ Served as food;
held in the hand (sup. food).
ठा० ३, ३;

ओगाह त्रि० (अवगाह) आकाश प्रदेशने
अवगादी-स्पर्श करीते रहेव. आकाश प्रदेश
को व्याप्त करके रहा हुआ Pervading
or touching Ākāśa Dravya i.
e. space. उत्त० १८, २४; पञ्च० २; जीवा०

१; विशेष० ६७५; अणुजो० १०१, १४८;
ठा० १, १; भग० १३, ४; १६, ६; २०, २;
२५, ३; ४; नाया० ८; ६; १७; जं० ७,
१३७; (२) जमीनमां उडुं. जमीन के
भीतर ऊँडा. deep in the ground.
प्रव० १५८७; —रुइ. स्त्री० (—रुचि)
उपदेश के शास्त्रने अवगाहवाथी उत्पन्न धनी
धर्मश्चि. उपदेश अथवा शास्त्र के अवगाहन
—मनन से उत्पन्न होनेवाला धर्मरुचि. love
for religion excited by a ser-
mon or a study of scriptures.
भग० २५. ७; ठा० ४, १;

ओगाहसेणिआपरिकर्म. न० (अवगाहन-
श्रणिकापरिकर्मन्) दृष्टिवादाना परिकर्मने
छठवां भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का छठवां
भेद. The sixth division of the
Parikarma of Dṛṣṭivāda. नंदा०
५६;

ओगाढावत्त. न० (अवगाढावत्त) ओगाढ-
सेणिआपरिकर्मने १४वो प्रश्नर. ओगाढसे-
णिआ परिकर्म का चौदहवां भेद. The
14th division of Ogāḍhasenīa
Parikarma. नंदा० १६;

ओगास. न० (अवकाश) अवकाश; खुली
जगह; खाली स्थान.
Open space. “ ओगासं फासुयं नञ्चा ”
दस० ५, १, १६;

✓ **ओ गाह.** धा० I. II. (अव + गाह)
अवगाहयुं; अन्तर पेशयुं; स्पर्श करवे.
अवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श
करना. To pervade; to enter; to
touch.

ओगाहह. भग० २०, ८; प्रव० ६६८;

ओगाहेह. नाया० २; १; १६;

ओगाहन्ति. ओव० ३६;

ओगाहेजा. भग० १, ६; १८, १०; अणुजो० १३४;

ओगाहह. नाया० १७;

ओगाहिता. सं० कृ० ओव० ३६; जं० प० १, १४; ७, १४२; ७; १२७; भग० २, १; ८; ३, ७; पञ्च० २;

ओगाहेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ६; भग० २०, ८;

ओगाहिताप. हे० कृ० ओव० ३६;

ओगाहंत. पिं० नि० ५७५;

ओगाहिऊण. जं० प० ४, १०५; प्रव० १४३५;

ओगाह. पुं० (अवगाह) अवगाहना; अन्-
काश; आकाशं न दक्ष्ण. अवकाश; आकाश
का लक्षण; खाली स्थान. Interpene-
tration; lit. entrance; giving
space to other substances;
this is the nature of Ākāśa.
उत्त० २८, ६;

ओगाहण. न० (अवगाहन) ७२ शरीर
आदि वस्तु जेठला क्षेत्रने अवगाहि रहे
जेठलुं क्षेत्र जाव, शरीर आदि वस्तु जितने
क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना क्षेत्र.
Space occupied by any object.
भग० १, २; ५, ७; ८, १; पिं० नि० २८६;

ओगाहणग. त्रि० (अवगाहनक) अवगाह-
नार. अवगाहन करने वाला. (One)
that occupies a particular
space; occupying space. ठा० १, १;

ओगाहणसेणिया. स्त्री० (अवगाहनश्रेणीका)
अवगाहनश्रेणी नामे दृष्टिवादांतर्गत परिकर्म-
ने अेक भाग. अवगाहन श्रेणी नामक
दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग.
Name of a division of the Pari-
karma forming a part of Dris-
tivāda. सम० १२;

ओगाहणा. स्त्री० (अवगाहना-अवगाहन्ते-

आसते अवतिष्ठन्ते जीवा यस्यां सा तथा)

शरीरादिनी व्याप्ति. शरीर आदि का ऊंचाई.

Height of the body etc. भग०

३, १; १६, ३; २४, २०; २५, ४; २५, ६;

३६, १; ओव० ४४; अणुजो० १३४; उत्त०

३३, ६०; ३६, ६१; जावा० १; नंदा० १२;

नाया० ध० प्रव० ४८१; —ठाण. न०

(-स्थान—अवगाहन्तेजीवा यस्यां साऽव-

गाहना तनुस्तदाधारभूतं क्षेत्रं वा तस्याः

स्थानानि प्रदेशवृत्ता विभागाः अवगाहनास्था-

नानि) अवगाहना-शरीर-नी व्याप्तिना स्थान-

विभाग. अवगाहना अर्थात् शरीर का ऊंचाई

का स्थान-विभाग. A (smaller) divi-

sion of the height of the body.

भग० १, ५; —नामनिहत्ताउय. न०

(-नामनिधत्तायुष्क) औदारिकादि शरीर

नामकर्म साथे आयुष्य कर्मने अन्ध थाय

ते; आयुअंधने अेक प्रकार. औदारिक शरीर

नामकर्म के साथ आयुष्य कर्म का बंध होना;

आयु बंध का एक प्रकार. The linking

together of Āyusya Karma

with the Namakarma that

builds up the physical body

पञ्च० ६; भग० ६, ८; —संठाण. न०

(-संस्थान) प्रज्ञापनाना २१ भां पदनुं

नाम के जेभां औदारिक वजेरे पांच शरीर-

ना संठाण वजेरेनुं वर्णन कर्तुं छे. प्रज्ञापना के

२१ वें पद का नाम कि जिस में औदारिक

आदि पांच शरीरों के संस्थान आदि का

वर्णन है. Name of the 21st Pada

of Prajñāpanā, dealing

with the conformation of the five

kinds of bodies viz. physical

etc. पञ्च० १;

ओगाहिम. त्रि० (अवगाहिम) पञ्चवाक्य;

सुभक्षी; मालपुष्पा वगेरे. मालपुष्पा आदि पकवान. Rich food; sweetmeats. पि० नि० ५४८; पंचा० ५, ११;

ओगाहिमग. पुं० न० (*अवग्रहिमक) पकवान; मिठाई वगेरे. पकवान; मिठाई वगेरे. Sweet-meats. प्रव० २०३, २१८;

✓ओगिणह. धा० I, II. (अव+गृह्) दाथमां लेयुं; अदणुं कर्तुं. हाथमें लेना; ग्रहण करना. To hold in hand; to take. ओगिणहह. नाया० १; ठा० ३, ३; भग० ६, ३३;

ओगिणहेत्ता. सं० कृ० नाया० १; भग० ६, ३३;

ओगिणिहत्ता. सं० कृ० भग० २, ६; उवा० ७, १६३; २२०; कटप० ८, ६;

ओगिणिक्कय. सं० कृ० आया० २, ७, १, १५६;

ओगिणहण. न० (अवग्रह) अर्थावग्रहणं ओड नाम. अर्थावग्रह का एक नाम. A synonym for Arthāvagraha i. e. vague idea or apprehension of an object. नंदा० ३०;

ओगगह. न० (अवग्रह) आज्ञा; संमति; रज्ज. आज्ञा; हुक्म; सम्मति. Order; permission; consent. भग० ९, ३३; दस० ५, १, १८; ८, ५; नाया० ५; पंचा० ६, ०३;

ओगगहण. स्त्री० (अवग्रहण) धृद्रियोना विषय-रूप पुद्गलोनुं अदणुं कर्तुं ते. इंद्रियोंक विषयरूप पुद्गलों का ग्रहण करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses. पञ्च० १५;

ओघ. पुं० (ओघ) प्रवाह; संसारने प्रवाहनुं रूपक आपवामां आवे छे भाटे संसाररूप प्रवाह. प्रवाह; संसार को प्रवाहका रूपक देने में आता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly

existence. “ एते ओघं तरिस्संति ”

सूय० १, ३, ४, १८; २, ६, ५५; क० प० १, ८१; पंचा० ३, ३; (२) समूह; राशि; ०८थो. समूह; समुदाय; ढोंग. a group; a heap; a collection. जं० प० ५, ११५; नाया० १५; सम० ७; राय० ३७;

(३) सामान्य; शमुच्चय. सामान्य; समुच्चय; साधारण. accumulation; general, broad nature. भग० २५, ३; ४; पञ्च० ८; —आदेस. पुं० (-आदेश) सामान्य

प्रकार; सामान्य अपेक्षा. सामान्य प्रकार; सामान्य अपेक्षा. matter of course; matter of common expectation.

“ ओघादेसेणं सियकड जुम्मा ” भग० २५,

३; ४; —आययण. न० (-आयतन) ओध-

प्रवाद-परंपरायी मनायला तीर्थस्थान. परंपरा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place traditionally regarded as sacred. आया० २, १०, १६६; —सरणा.

स्त्री० (-संज्ञा) भतिज्ञानावरणकर्तृना क्षयोपशमयी सामान्य ओघ थाय ते-ज्जेम जीज्जनी हेप्पादेप्पीथी आल्लक नीसरणी पर यदे पल्लु

ते समज्जतो नथी केहुं केना पर यदयो. मतिज्ञानावरण कर्मके क्षयोपशमसे जो सामान्य बोध होता है वह-जैसे दूसरेको देखादेखा से बच्चा निसरनी पर चढता है किन्तु उसे यह नहीं समझता कि वह किसपर चढा है.

ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma

which obstructs Matijjāna. पञ्च० ८; —ओघस्सरा. स्त्री० (-ओघ-

स्वरा) यमरयंथा राजधानीना देवताने संदेशो पोयाउतारी घंटा. चमर चंचा नामक राजधानी के देवां को संदेश जिससे पहुंचाया

जाता है वह घंटा. a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chamara Chanchā capital. जं० प० ५, ११६;

ओचार. पुं० (अवचार) धान्यकोठा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape. अणुजो० १३२;

ओचूलअ. न० (अवचूलक) लगाम; थोड़ा लगाम. A bridle; reins. "ओचूलमुद्धंदाधर चामर धासक परिमंडिय कटिण्" विवा० २; जं० प० ३, ६१;

ओच्छाहिअ. त्रि० (उत्साहित) उत्साह-यंत करेयुं; पण्ण्य करी उत्साह अश्वेत. उत्साहित किया हुआ; उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. पि० नि० ४६५;

ओज. न० (ओजम्) शक्ति; ताकत. बल; शक्ति. Strength; power; vigour. पण्ण्य २, २;

ओठ. पुं० (ओष्ठ) होंठ. A lip. अणुजो० १३; १२८; १३१; नाया० ८; जं० प० पञ्च० २; राय० १६८; विवा० २;

ओणमंत. व० कृ० त्रि० (अवनमन्) नीचे नमनुं. नीचे नमा हुआ. Bending or inclining low. ओघ० नि० भा० २१२;

ओणय. त्रि० (अवनत) बांधुं पण्ण्य; नीचे नमनुं. नीचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved. सु० च० १, ३८२; नाया० १; ओघ० नि० २२३;

✓ **ओ-तर.** धा० I, II. (अव+तृ) आध-रन् नाप्नुं; उभेरपुं आधन रच्यता; डालना. To add to; to put or throw into boiling water. (२) उतरपुं. उतरना. to descend.

ओवरई. पि० नि० ३८८;

ओवरंत. पि० नि० ५१८;

ओयारिया. प्रे० सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

ओयारमाण. प्रे० व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;

ओतार. पुं० (अवतार) प्रवेश करने; उतर उतरपुं. प्रवेश करना. To enter; to descend into. विश० १०४०;

ओतिण्णा. त्रि० (अवतरिण) पार उतरनेवा; पार पारनेवा. पार उतरा हुआ. पार पाया हुआ. (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त० ५, १४; १०, ३२;

ओदण. पुं० (ओदन) भात; रोधित आभा. भात, पके हुए चामल. Cooked rice जावा० ३, २; भग० १, २; उवा० १, ३५; पंचा० १०, ३७;

ओधारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) निश्चय-शरिणी (भाषा) निश्चय कारक भाषा. Decisive speech. दम० ७, ५४;

✓ **ओ-पड.** धा० I. (अव+पत) नीचे पडनुं. नीचे गिरना. To fall down; to come down.

ओवयह. भग० ३, २;

ओवयति. विश० १४६;

ओवयंत. आया० २, १५, १७६; नाया० ६; कण्ठ० ३, ३७; ५, ६६;

ओववमाण. व० कृ० नाया० १; ६; भग० ११, ११; राय० ७७; जं० प० ५, ११७;

ओप्पाइय. त्रि० (ओप्पातिक) उत्पात संबंधी. उत्पात सम्बन्धी. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc. सूय० १, १२, ६;

ओवद्धअ. त्रि० (अवबद्धक) अमुक समय सुधी डोहनी प्यांष्ट्रीमां आवेत्; परवत्. अमुक समयतक किसी के बन्धन में आया हुआ, पराधीन. Bound down for a time; dependent. प्रव० १६८;

श्रीमद्. त्रि० (*) भागेदुः, यायेदुः, मांग
हुआ. Asked; begged; solicited.
श्रीम० नि० १४७;

श्री-भम. घा० I (अव + भम) धरुः, लभुः.
फिरना; भटकना; भमना. To wander;
to roam.

श्रीभामेह. प्रे० राय० २३६;

श्रीभावणा. त्री० (अवभावना) उपहासः
हेलना; भस्त्ररी. उपहासः अवहेलना; हंसी.
Ridicule; insulting; disrespectful
joke. श्रीम० नि० भा० ८१; प्रव० १६३;

✓ श्री-भास. घा० I, II (अव-भास्) यायवुः
दातार पास भागवुः. दाता के पास से मांगना;
याचना करना. To beg; to solicit a
favour.

श्रीभासिज्ज. आया० २, १, ५, ३०;

✓ श्री-भास. घा० I, II (अव + भास्)
प्रकाश यवुः यत्प्रकाश करवे. प्रकाशित होना;
चिलकाहट करना. To shine; to glitter.
श्रीभासति. राय० २७०,

श्रीभासद्. सू० प० १; राय० १२०; ठा० २, २;

श्रीभासद्. भग० १, ६;

श्रीभासति. म० प० १८; भग० ७, १०; ८,
८; १४, ६; जे० प० ७, १३७;
राय० २७०;

श्रीभास. पुं० (अवभास) ६५मा भादाग्रदुः
नाम. ६५वें माहग्रह का नाम. Name of
the 65th planet. सू० प० २०; ठा०
२, ३; (२) प्रभाः जांङ प्रभाः भांई.
light; lustre; brilliance. आव०

श्रीभासिय. त्रि० (अवभासित) यायना करेत्त;
भागीधीत्त. मांगकर लिया हुआ; याचित.
Beggd; solicited; got by
solicitation. श्रीम० नि० ३१३;

श्रीम. त्रि० (अवम) उां; ओछुः न्यून;
अधुः. कम; अधूरा; न्यून. Less; falling
short पंचा० १६, १६; उत्त० २६, १५;
३०, १५; ३२, १२; पि० नि० ६४३; पि०
नि० भा० ४५; (२) दुःकाः दुःमिक्ष.
अकाल; दुष्काळ; दुर्भिक्ष. famine; scar-
city; dearth of food. “ जांवासु
कहवि श्रीमे ” पि० नि० २२०; (३)
असार; तुच्छ. अमार; तुच्छ; सार रहित;
हीन. worthless; unsubstantial.
उत्त० १२, ६; आया० २, २, ५, १४६;
ठा० ४, ४; — (मो) उयरण. न०
(—उदरण = उदर) उज्जोदरी तपः नित्य
भोरादृथी ओछुं आनु ते. उनोदरी तपः
नित्यके भोजन के परिमाण से कम भोजन
करना. the penance consisting
in eating less than one's fill
“ श्रीमोयरणं पंचहा ” उत्त० ३०, १४;

— (मो) उयरिअ. न० (—उदरिक)
दुःकाः दुःमिक्ष. अकाल; दुष्काल. famine;
scarcity of food. श्रीम० नि० ७;

—उयरिया. त्री० (उदरिका-अवमं न्यून-
मुदरं यस्यां सा तथा) उज्जोदरी तपः ७
आद्य तपमानं श्रीजुं. उनोदरी तपः छह
प्रकारके बाह्य तपों में से दूसरा तप. eating
less than one's fill; the 2nd of
the six external penances.
“ अणसणं श्रीमोयरिया भिक्खायरिया ”

ठा० ६, १; भग० ७, १; आया० १, ५, ४, १५६; १, ६, २, १८३; —कोठया. खो० (-काष्ठता) आली पेठ. खाली पेट. emptiness of stomach. “आहारस-पण्या समुप्यज्ज तज्जहा ओमकोठयाण् ” ठा० ४, ४; —चेल. त्रि० (-चेल) प्रमा-लुथी ओ२०० वस्त्र शम्भनार. प्रमाण से कम वस्त्र रखनेवाला. (one) having less than the permitted number or quantity of clothes. आया० १, ७४, २१२; —चेलग. पुं० (-चेलक—अवमान असाराणि चेलानि यस्य सः) दुं० अने जुना वस्त्र पहरेनार. कम और जूने वस्त्र पहनने वाला; मेले वस्त्रों वाला one shabbily dressed; one put-ting on short and old gar-ments. उत्त० १२, ६; —चेलिअ. त्रि० (-चेलिक) लुओ “ओमचेल” शब्द. देखो “ओमचेल” शब्द. vide “ओम-चेल” “अदुवा संतदुत्तर अदुवा ओमचे-लण् अदुवा एगसाडे” आया० २, ५, २, १४६; —रत्त. पुं० (*) क्षय तिथि; धटेक्ष तिथि. क्षय तिथि: घटी हुई तिथि. a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. ओष० नि० २८५; —राहणिअ. पुं० (-राहिक) दीक्षाये न्दानो (साधु). दीक्षा की अपेक्षा छोटा (साधु). : Sādhu junior in point of Dikṣā or entrance in- to the religious order. ठा० ४, ३;

श्रीमंथिय. त्रि० (अवमस्तक) नीयुं भरतक

करीने ओ२०० मस्तक नीचा करके बैठा हुआ. Sitting with the head bent or low. “नो कप्पह निगंथीण् श्रीमंथियाण् ” वेय० ५, २६; विवा० २; निर० १, १;

श्रीमंथय. त्रि० (अवमत्यय) आहारनी ओ२०० दोष. आहार का दोष. A fault con- nected with food. पंचा० १३, ८;

श्रीमत्त. न० (अवमत्त्व) ओ२०० पापुं. हीनत्व; ओ२०० अपन. Scantiness; paucity. राय० २६०; पल० १५;

✓ श्री-मा. धा० I. (अव+मा) दाथ वगेरे-थी भरपुं; भरपुं करवा. हाथ वगेरह से नापना-मापना. To measure with the hand etc; to take measure- ment

श्रीमणिज्जह. क० वा० अलुलो० १३३;

श्रीमाण. न० (अवमान) क्षेत्रादिदीर्घी भरपुं. क्षेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा० २, ४;

श्रीमाण. पुं० (अपमान) अपमान; मान-भंग; अनादर. अपमान; मानभंग; अनादर. Insult; disrespect; affront. “भि-क्खालासिण्णो पणे श्रीमाणभीरण् ” उत्त० २७, १०;

श्रीमणिण न० (अवमान) पो०भवुं. पौखना. A particular ceremony by which a bridegroom and a bride are greeted at the en- trance of a house. पंचा० ८, २५;

✓ श्री-मुंच. धा० I, II. (अव+मुञ्च्) मुक्तपुं; छोड़पुं. छोटना. To release; to abandon.

श्रीमुयह. कण० ५, ११४;

ओमुद्धग. कण्ठ० ५, ११४;

ओमुद्धग. त्रि० (अवमूर्धक) जिधु मस्तक
करेत्. ओंधा मस्तक किया हुआ. (One)
with the head touching the
ground and legs thrown up,
on wards i. e. heels over head.
“ ओमुद्धगा धरश्चितले पडति ” सूय० १,
५, २, १६;

ओमुय. न० (उरुमुक) अंगारोः अक्षते
श्राद्धसे. अंगाराः जलता हुआ कोयला. A
burning charcoal. ओघ० नि० २७४;

✓ ओय. धा० I. (अय + लोक्) नीहादयुः
नेवुं. देखना To observe; to see;
to mark.

ओयह. विशेष० ७६८;

ओय. न० (ओजस्) विषम संख्या, जेवी ३-
ओड, पांच, पांच पंगेरे. विषम संख्या जैसे
कि एक, तीन, पांच, सात वगैरह. Any
odd number: e. g. one, three
five etc. पि० नि० ६२६; भग० २५, ३;
(२) त्रि० निष्क्रियतः; निष्परिग्रही. परिग्रह
रहित. having nothing; keeping
no possession of property. सूय० १,
१४, २१; (३) नाश हेतुयुक्ती रहित; कर्म
मल रहित-शुद्ध. राग द्वेष से रहित; कर्म मल
रहित. devoid of attachment or
malice; devoid of the mud of
Karma. आया० १, ५, ६, १००; १, ७,
६, २२२; सूय० १, ४, २, १; (४) पुं०
उय उत्पन्न यत्तावेत प्रथम आहार अद्वय
करे ते; मातानुं रेतसु अन्ये पितानुं वीर्यं.
जीव उत्पन्न हेतुही प्रथम जो आहार ग्रहण
करता है वह; माता का रक्त और पिता का
वीर्य. the first food of the soul

or sentient being immediate-
ly after becoming quick viz
the semen of the parents. सूय०
२, ३, २१; तंदु० १६; पञ्च० २८; प्रव०
१३७५; (५) तेजः; प्रकाश. तेज; प्रकाश.
luster; light. मृ० प० १; — आहार.
त्रि० (—आहार) ओज आहार वाला.
ओज आहार वाला. (one) whose
food consists of invigorating
substances. प्रव० ११६५;

ओयंसि. त्रि० (ओजस्विन्) मनोबलवाधुं.
मनोबल वाला. Powerful; possessed
of great will-power. भग० २, ४;
नाया० १;

ओयण. पुं० (ओदन) रंधितं व्याध्या; भात.
भात; सिंभाये हुण चामल. Cooked rice.
प्रव० २०८; आया० १, ८, ४, ४; पि० नि०
भा० ३; पंचा० ५, २७; उवा० १०, २७७; ओघ०
नि० भा० ३०७; विशेष० ३०२७; उत्त० ७, १;

*ओयरण. न० (अवचरण) पांछुं इत्युं; पांछुं
इत्युं. पांछे फिरना; पांछे हटना. Retreat-
ing; retracing one's steps. विशेष०
१२१०;

ओयरण. न० (अवतरण) उपरथी जतरयुं;
हृदे जयुं. ऊपर से उतरना; नीचे जाना.
Descending; getting down. पि०
नि० ६८, ३६३;

*ओयव. धा० II. (साध्) साधयुं; सर
इत्युं. साधना; जीतना. To accomplish;
to subdue.

ओयवेह. ज० प०

ओयवेहि. आ० ज० प०

ओयवेसा. सं० कृ० ज० प०

ओयास्सि. त्रि० (ओजस्विन्) जुओ " ओ-
यंसि " शब्द. देखो " ओयंसि " शब्द.
Vide " ओयंसि " आया० २, २, १, ७१;

ओयाय. त्रि० (अचयात) प्राप्त करे. प्राप्त
किया हुआ. (One) who has reached;
(one) who has got or
obtained. "महासिलाकटयं सगमं ओयाय
पुरां य से सके " भग० ७, ६;

ओयार. पुं० (अवतार) समावेश; अंतर्भाव.
अंतर्भाव. Inclusion; state of being
included. विशेष० ५५१;

ओरस. पुं० (ओरस) अंग जन्म पुत्र; दत्त
नदि ते ओरस पुत्र. A son born of
one's loins; a legitimate son.
सूय० १, ६, १; उत्त० ६, ३;

ओरस्स. त्रि० (ओरस्य) छाती सम्बन्धी
(हिम्मत). छाती संबंधी (हिम्मत. धैर्य
आदि). (Anything) connected
with the breast i. e. courage,
bravery etc. पि० नि० ४६२;

ओराल. त्रि० (उदार) उदार; प्रधान. उदार;
प्रधान; बड़े दिल का (Generous; ex-
tensive; prominent. कप० १, ४;
नाया० १; भग० २, १; १६, ६; (२)
स्थूल; भेड़ाट्टा. मोटा; बड़ा. bulky; large
in size. उत्त० ३६, १०७; (३) आदा-
रिष्ठ शरीर-पांच शरीरमांनु ओड. औदारिक
शरीर; पांच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार
का शरीर. the external physical
body; one of the five bodies.
क० ग० १, ३३; पि० नि० ६७: —सरीर.
न० (-शरीर) उदारिष्ठ शरीर; प्रधान
शरीर. औदारिक शरीर; प्रधान शरीर. the
external physical body; the

prominent body. ओष० नि० ३२४;

ओराणिय. पुं० न० (औदारिक) उदारिष्ठ
शरीर; मनुष्य अने तिर्य्यक्तुं स्थूल शरीर.
औदारिक शरीर; मनुष्य और तिर्य्यक्तुं का
स्थूल शरीर. Audārika body; the
external physical body of
human and sub-human beings.

(२) त्रि० उदारिष्ठ शरीरवाले. औदारिक
शरीरवाला. possessed of Audārika
body. अणुजो० १४५; क० व० २, ७२;
ओष० ४२; भग० १, ७: ८, १; पञ्च० १२;
विशे० ३७५; ३३३३: —पांगलपरिवट्ट.

पुं० (-पुद्गलपरिवर्त्त) आदारिष्ठ पुद्गल
परावर्त्तन-लोकता तमाम पुद्गलों के ओड
शुचि वेष्टता वस्तुमां उदारिष्ठ शरीररूपे
अदृष्ट शरीर परिणामां पुरा करे तेष्टता
वस्तु. औदारिक पुद्गल परावर्त्तन—दुनिया के
तमाम पुद्गलों का एक जीव जितने समय में
औदारिक शरीररूप में ग्रहण करके परिणमित
कर के पूरा करे उतना समय. time
taken by the soul in embody-
ing within itself all the mole-
cules of matter that consti-
tute the Audārika body. भग०
१२, ४: —मिसग. पुं० (-मिश्रक) वैक्रिय
आदि साथे मिश्रित थयेल उदारिष्ठ शरीर-
योग. वैक्रिय आदि के साथ मिश्रित औदा-
रिक शरीर-योग. connection of the
Audārika body with other
kinds of bodies, such as Vai-
kriya body etc. and its activity
in that mixed condition. भग०
२५, १; —सरीर. न० (-शरीर) आदा-
रिष्ठ शरीर; दाड भांसवाळुं शरीर. औदारिक
शरीर; दाड भांसवाला शरीर. the ex-

ओलोय. पुं० (* अवलोक) प्रकाश. उज्ज-
याला; प्रकाश. Light. पण्ह० २, १;

ओवग्गाहिअ. त्रि० (औपग्रहिक) गच्छ
साधारण; ऐक्यवानुं नहि.. जो किसी अकेल
का न हो वह; गच्छ साधारण. Belong-
ing to a whole order or class
of persons jointly. ओष० नि० २३२;
(२) दंड-वाकडी, आदि पाटीयारा साधुता
उपकरण. दंड-लकड़ा आदि साधुके उप-
करण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्थी
से मांग लिये जाते हैं. (articles of
use) for an ascetic brought
from a householder for tempo-
rary use. e g. a stick etc. उत्त०
२४, १३;

ओवच्चिय. पुं० (*) त्रयु मन्द्रियवाला
जन्तु. त्रैविध्य. तीन इंद्रियों वाला जीव.
A three-sensed living being.
भग० १४, १;

ओवट्ठणा. स्त्री० (अपवर्तना) अपवर्तना.
अपवर्तना. Turning back; drawing
back. क० प० ३, १०;

ओवट्ठिय. त्रि० (अपवर्तित) अपवर्तन
करे. अपवर्तन किया हुआ; लौटाया हुआ.
Turned back; drawn back. क०
प० २, २८;

ओवट्ठि. स्त्री० (अपवृद्धि) हानि. हानि;
नुकसान. Loss; decrease. सू० प० १;

ओवण्हिय. त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थ
समीपे आणुल अन्नादिनी गवेषणा करना.
गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नादि का
गवेषणा करने वाला. (One) who
searches for food brought to

him by a householder. ओष० १६;
ओवतणी. स्त्री० (अववातिनी) उपर्यु-
नीये पाडवानी विद्या. ऊपर से नीचे गिराने
की विद्या. The art of making a
thing fall down from a high
place. सूय० २, २, २७;

ओरत्तिया. सं० कृ० अ० (अपवर्त्य) अग्नि
उपर रहनेवाला पात्रमांथी लगने भीन्न पात्रमां
नाभीने. अग्नि पर चढ़े हुए पात्र में से
लेकर दूसरे पात्र में डालकरके. Having
taken out from a vessel which
is actually on the fire and
placed it in another vessel
(i. e. food etc.). दस० ५, १, ६६;

ओवमिअ. न० (औपमिक) उपमावत् दशा-
वाच्य. उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके
गया. Capable of being shown
or indicated by a simile or
metaphor. अणुजो० १३६; जं० प० २, १८;

ओवम्म. न० (औपम्य) उपमान प्रमाण;
ऐक्य वस्तुनी सरूपामणीथी भवतुं भीष्म सदृश
वस्तुनुं ज्ञान. उपमान प्रमाण; एक वस्तुका
उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान.
Argument from analogy; know-
ledge derived from analogy. ओव०
४५; पञ्च० २, ११; भग० ५, ४; अणुजो० १४७;

ओवम्मसञ्च. पुं० (औपम्यसत्य) उपमा
सत्य जेस भेदांतुं तत्ताव जेस कहे के समुद्र
जेतुं तत्ताव छे ते उपमा सत्य. उपमा सत्य,
जेस किसी बड़े तालाव को देख कर कहना
कि समुद्र के जैसा विशाल ताल है. Truth
of the nature of that found in
similes; verisimilitude; e. g.

* ओलोय पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

comparing a big lake with a sea. प्रव० ८६८;

ओवयत्त. न० (अवपत्तन) पोषयुं; ओवा-
रणा देवा. ओवाना लेना. According
welcome or reception with a
particular kind of ceremony,
auspicious in its nature. नाया०
१; (२) नीचे उतरयुं; नीचे आवयुं. नीचे
उतरना; नीचे आना. coming down;
falling down; descending भग०
३, २;

ओवरअ. पुं० (अपवरक) ओरडा. कोठडा;
कोठा. A room; an apartment in
a house ओघ० नि० ४२१;

ओवसमिय. न० (औपशमिक) उपशम सम-
हित; उदयभां आवेत् मिथ्यात्व मोहनीय
कर्मना नाश. अन्त शेष रहैव भेदकर्मना
उदय थाय ते-उपशम ते वटे करायुं ते-
औपशमिक. उपशम सम्यक्त्व; उदय में
आये हुए मिथ्यात्व मोहनीयकर्म का नाश
और शेष रहै हुए मोहकर्म का उदय होना
उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने
वाला सम्यक्त्व औपशमिक सम्यक्त्व होता है.
(Right belief) arising from
the destruction of actually
matured right-belief-deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant.
विश० ५२८;

ओवाहअ. त्रि० (औपधिक) ओताना दोषने
ढांकना. अपने दोष को ढांकने वाला.
(One) who hides one's own
faults. उक्त० ३४, २५; (२) कषायनि-
मित्तक कर्म. कषाय नैमित्तिक कर्म. an
action resulting from Kaṣāya
or moral filth. ओव० ४१;

Vol. II/45.

ओवाडित. त्रि० (अवपाटित) विदारयुं;
गीरेलु-दी-लो. चीरा हुआ; चीरी हुई.
Rent; torn. ओव० ३८;

ओचात. पुं० (अवपात) पडयानुं स्थान; ठेस
वांछा तेवी आडा वाडी ग. भीन. गिरने का
स्थान; खड़े वाली जमीन. A place un-
safe on account of pitfalls जं० प०

ओवाय. न० (अपपात) अपपातयण्डी आडा
वाडी ग. भीन. ऊंचा नीचा-खड़े वाली जमीन.
Rough, uneven ground. दस० ७,
१, ४;

ओवाय. (औपाय) उपाय-साधन सम्बन्धी.
उपाय सम्बन्धी. Relating to ways
and means. उक्त० १, २८;—**पञ्चजा.**
(--प्रवज्या) गुरुसेवारूप साधनधी दीवन्दी.
दीक्षा. गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई
दीक्षा. Dikṣā received on account
of service rendered to a Guru.
ता० ४, ४;

ओवायवंत त्रि० (अवपातवन्) नम्र; विनय
वान् नम्र; विनीत. Mod st; humble.
दस० ६, ३, ३;

ओविअ-य. त्रि० (* परिकर्मित) सरणी
रिति गाढवेत्त; समारैत्त; जं०३. समान रीत
से जमा कर रखा हुआ रखा हुई; जड़ा हुआ.
Duly arranged; properly set
right; inlaid with. ओव० ३१; नाया० १६;

ओवीलग. त्रि० (अपवीडक) ओवीने नि-
र्वर्ण करनार. दूसरे को निर्लेज करने वाला.
(One) making or causing an-
other person to be shameless.
पण० १, ३;

ओस. पुं० (अवशाय) ब्रेड; आरी ग. भीन-
भांथी नीकणी तरलुं कपर ग. भीन. पाण्डुना
पिन्डु. खारी जमीन से निकल कर घांस पर
जमं हुए पानीके बिन्दु Drops of water

issuing from salt ground and settling on grass. आया० १, ७, ६, २२२; (२) आकृत; धर. ओस. dew; fog. उक्त० १०, २; दस० ४;

ओसकित्ता. सं० कृ० अ० (अवप्वक्वय) तड भेजवयाने पाळा हटीने. मोंका पाने के लिये पीछे हट कर Having retraced one's steps with a view to secure an advantage. ठा० ६, १;

ओसकण. न० (अवप्वक्वण) अमुक क्रियाने के समय नियमित होय ते पहिले तेनी शरुआत करवी, जेस के गोवरीने मध्यान्ह समय होय जतां राधिकने वपते गोवरी जतुं. किसी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका आरंभ करना, जैसे गोचरी (भिक्षा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गोचरी के लिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of at noon. पि० नि० २८२; ओघ० नि० मा० २१६;

ओसकिय. सं० कृ० अ० (अवप्वक्वय) नीचे ओसेलीने. नीचे हटा कर. Having drawn below. आया० २, १, ७, ३८; दस० ४;

ओसकिया. सं० कृ० अ० (अपव्वक्का) जुओ 'ओसकिय' शब्द. देखो "ओसकिय" शब्द. Vide "ओसकिय" दस० ५, १, ६३;

ओसगण. त्रि० (*) अरश्य करवा लायड धर्म क्रिया करवाभां आणस धरनार; संयमभां भेद धरनार. अवश्य करने लायक

धर्मक्रिया करनेमें आलस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला. Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties. भग० १०, ४; नाया० २; १६; १६; ओघ० नि० मा० ४८; नाया० ध० (:) जुयी गयेत; क्षाध गयेत. गड़ गया हुआ; फसा हुआ. entrapped; entangled; plunged deep (e. g. in pond). पगह० १, ४; ओव० ३८;

विहारि. त्रि० (विहारिन्) शिथिल आचार वालो शिथिल आचार वाला. (One) lax in ascetic conduct. (२) राध्याय आदि न धरनार. स्वाध्याय आदि न करने वाला. (one) neglecting scriptural study. भग० १०, ४; नाया० २; १६; नाया० ध० **ओसगण.** अ० (* प्रायशस्) प्रायेदरी; धणुं धरीने. प्रायः करके; अधिकतर. Most probably; mostly; to a great extent. विश० २२७५; ओव० ३८; कप्प० ६, ६१; जं० प० २, ३६;

ओसन्न पुं० (अवसन्न) जुओ "ओमगण" शब्द देखो "ओसगण" शब्द. Vide. "ओमगण" क० गं० १, १३; प्रव० १०३;

ओसत्पिप्पली. त्रि० (अवसत्पिप्पली) दिवसेदिवसे उतरते वलुर्गधादिकमां दानि पामतो धातः दश कांडाकोटी सागरोयमप्रमाणे उतरते ओड कांडविभाग; उतरता ७ आरा-पुसाथाय-तेटले धातः दिन पर दिन कम होता हुआ -वर्गे गंध आदिमें न्यून होता हुआ काल; दश कांडाकोटी सागरोयम प्रमाण उतरता-कम होता हुआ एक काल; उतरते छः आरे-पूर हों उतना काल. The cycle of decrease; the era of decrease or

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

degeneration, equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas. भग० २०, ८; अणुजो० ११५, १४५; नंदी० १२; पञ्च० १२; उत्त० ३४, ३३; ठा० २, ४; सू० प० ८; कण्ठ० १, २; पंचा० १६, ६; जं० प० २, १८; —काल. पुं० (—काल) कालविभाग; जिसमें दिनपरदिन हीनता हो वह काल विभाग; दश कोड़ा कोड़ी सागरोपम प्रमाण कालविभाग. the era of decrease or degeneration equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas of time. जं० प० २, १८;

✓ ओ-सम. धा० I, II. (उप + शम्) शान्त; शान्त करना. To calm; to appease.

ओसामेहन्ति. प्रे० पि० नि० ३२६;

✓ ओ-सग. धा० I. (उप + मृ) पश्चात्कर्तव्य, पीछा हटना. To retreat; to retrace one's steps.

ओसरह. प्रव० ५, ८८;

ओसारह. प्रे० निर्गो० २, ५२;

ओसारंत. व० कृ० निसी० २, ५२;

✓ ओ-सर. धा० I. (अव + मृ) विस्तार-करना; प्रसारण; फैलाकर विस्तार करना; प्रसार करना; फैलाना; लंबा करना. To extend; to spread; to stretch ओसारजा. प्रे० अणुजो० १३८;

ओसरगण. न० (अवसरण) साधुओं का समुदाय. साधुओं का समुदाय. A group or assemblage of Sādhus. पि० नि० २२८; पंचा० ६, ३१; प्रव० ५४५;

ओसाधिय. त्रि० (उपशमित) शान्त ध्येय; शान्त वृत्तिवाला. शान्त; शान्त वृत्तिवाला. Peaceful; calm-minded. पि० नि० ३२६;

ओसह. न० (औषध) ओस, सुई, लरींग, भरी पिंजरे दवा. औषध; सौंठ, लोंग; मिर्च आदि दवा. A medicine; a drug. पंचा० ६, २२; भग० २, ५; ७, १०; नाया० ५; ८; १३; १४; १६; ठा० ४, ४; ओव० ४१; उत्त० १६, ८०; ३२, १२; उवा० १, ५८; पि० नि० भा० ४६; सु० च० ४, १००; विवा० १; ओसहा. स्त्री० (औषधा) पुष्कलाविजयनी मुख्य राजधानी. पुष्कला विजय की मुख्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puṣkalāvijaya. जं० प० ठा० २, ३;

ओसहि. स्त्री० (औषधि) इस पांडे त्यांमुधी रसैतार वनस्पति; जुवार, आण्डरी वगैरे. फसल आने तक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, बाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens: e. g. crops of grain. उत्त० ११, २६; २२, ६; आया० २, १, १; २; नंदी० १४; सु० च० १, २३४; दस० ७, ३४; जं० प० २, ३३; पंचा० ८, २६; अव० ६, ३३; भग० ७, ६; पि० नि० ८७; पञ्च० १; नाया० १; मृ० २, २, ४६; प्रव० १५१; निसी० ४, २५; उवा० १, ५१; —गंध० पुं० (—गन्ध) औषधि की गंध औषधी की वास. smell of a medicine. नाया० १७; —बीज. न० (—बीज) औषधियों की बीज. औषधी के बीज. seeds of medicinal herbs. निसी० १४, ४४;

ओसा स्त्री० (अवश्याय) ओस; देह; जंझल. ओस; कुहिरा. Dew; fog; hoar-frost. पञ्च० १; ओव० ४, ३;

ओसाण. न० (अवसान) समीप; नजदीक. समीप; नजदीक. In the vicinity of; near. (२) अन्त; अवसान. अंत; अवसान; मृत्यु. death: end. सू० १, १४, ४;

ओसारिया. त्रि० (अवसारित) अवलंबित;
उपरशी लटकेल. अवलंबित; लटकता.
Remaining suspended from
above; hanging. ओव० ३०;

ओसास. पुं० (उच्छ्वास) उथे श्वास मुश्बो
ते. उर्द्ध श्वास लेना; ऊपर की श्वास लेना. A
sigh; a heavy sigh. अणुजो० १२८;

ओसिंचित्तर. त्रि० (अवसेकृ) छिंटनार.
छिंटनेवाला; सींचनेवाला. (One) who
sprinkles water etc. मूय० २, २, १८;

ओसित्त. त्रि० (अवसिक्त) सिंचेय; पलायेय;
भिगवेय भीजा हुआ; गीला; सींचा हुआ.
Wet; damp. आया० २, १, १, १;

ओसेहम. न० (उत्स्वेदिम) धोए आदि धो-
वानुं पाणी; धोयण. आटा वगैरह क धोने का
पानी. Water with which flour,
rice etc. are washed. कण्ठ० ६, २५;

ओसोवणी. स्त्री० (अवस्वापिनी) अत्यन्त-
पिनी निद्रा; अतिगाढ निद्रा. बड़ा भारी गाढ़
निद्रा. Very deep sleep; pro-
found sleep. कण्ठ० २, २७;

ओह. पुं० (ओघ) संसार समुद्र. संसाररूपी
समुद्र. Ocean of worldly exis-
tence. आया० १, २, ६, ६६; दम० ६,
२, २४; दसा० ५, २७; २८; सूय० १, ११,
१; (२) असंयम. असंयम; संयम हीनता.
absence of self-restraint. वव० २,
२३; (३) संक्षेप. संक्षेप; थोड़ासा. general
statement; brief outlines. ओघ०
नि० २; २१३; (४) समूह. गट्थो. समूह
समुदाय a group; an assemblage.
उत्त० १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; आ०
३४; नंदी० स्य० ७; सु० च० १०, १६०;

जं० प० २, २१; (५) प्रवाह. प्रवाह.
a current; a stream; a flow.

उत्त० ५, १; विशेष० ११२१; सम० प० २३५;
(६) समुच्चय. सामान्य. समान्य; समुच्चय.

general or broad nature. अणुजो०
१५४; पि० नि० २१६; पि० नि० सा० ३१;

ओघ० नि० २; विशेष० ६५८; क० गं०
६, १३; —अणुवेहि. त्रि० (अनुप्रेक्षिन्)

असंयम सेवयानी छिञ्छावालो. असंयम से
रहने का इच्छावाला. (one) desir-

ous of leading a life of indul-
gence. वव० २, २३; —(दा) आदेस.

पुं० (-आदेश) सामान्य प्रक्षर; द्रव्य
सामान्य. सामान्य भेद; द्रव्य सामान्य.

general, broad nature; general
outline. विशेष० ६०३; —नाण. न०

(ज्ञान) ओधिष्ठ ज्ञान. ओधिक ज्ञान.
general knowledge; know-

ledge of broad outlines. विशेष०
४७१५; —सण्णा. स्त्री० (-संज्ञा-संज्ञा-

यते वस्त्वनयेति) सामान्य ओध सामान्य
बोध. general knowledge of an

object; knowledge or broad
outlines by perception etc.

भग० ७, ८; —सुय. न० (-श्रुत) उत्सर्ग
श्रुत-शास्त्र. उत्सर्ग शास्त्र. a scripture

named Utsargaśrūta. नंदी० ३६;

ओहंजलिया. स्त्री० (*) चार छिद्रियावाला.
चुवनी ओध मत. एक चार इद्रियों वाला

जीव विशेष. A kind of four-sensed
living being. पञ्च० १;

ओहंतर. त्रि० (ओघन्तर-ओघं संसारसमुद्रं
तरितुं शीलं यस्य सः) ओध-संसार प्रवाहने

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

तरेनार; संसार पारगाभी. संसार रूपा प्रवाह
से पार जाने वाला. (one) wishing to
and possessing capacity to
cross the ocean of worldly
existence; emancipating from
worldly existence. सू० १, १,
१, २०;

ओहट्टंत. व० कृ० त्रि० (अपसर्पत्) ६६तुं;
अलग रहनेवाला. Getting
aside; remaining apart. सु० च०
११, ५५;

ओहय. त्रि० (अवहत) ६६तुं; विनाश करेव.
मारा हुआ; विनिष्ट Killed; destroyed.
उवा० ८; २५६; नाया० ३; ओव० राय०
२६३; जं० प० ३, ६६; कप्प० ४, ६२;
विवा० ३; —मण. (-मनस्) उत्साह वगैरह
मन. उत्साह रहित मन depressed,
gloomy mind. नाया० १; १४; १६;
—मणसंकप्प. त्रि० (-मनःसंकल्प-अव-
हतो मनसः संकल्पोयस्य स तथा) नष्ट
थया छे भगना (विद्वेषादि) संकल्पो गेना
ओवे। संकल्प विकल्प रहित मनवाला; जिसके
मन क संकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free
from doubts and misgivings of
the mind. नाया० १; ६; निर० १, १;
निसी० ८, ११;

✓ओहर. धा० I (उप+ह) स्थापन करवुं.
स्थापन करना; प्रतिष्ठित करना. To estab-
lish; to settle.

ओहरइ. नाया० १४;

ओहरिय. सं० कृ० अ० (उद्धृत्य) उद्धरीने;
अहार कहीने. बाहिर निकाल करके. Hav-
ing taken or drawn out. (२)

वांछितधने. टेढा होकर. having bent
low. “अगच्छिउ सद्धिया गिसद्धिया ओह-
रिय आहट्ट दल्लएजा” आया० २, १, ७, ३७;
ओहरिय. त्रि० (अवधृत) उतारेलुं; खेडे मुकेलुं;
नीचे रखा हुआ; उतारा हुआ. Taken
down; placed down. आघ० नि० ६०६;

✓ओहा. धा० I. (अव+हा) द्रव्यलिंग
छोड़ी मैथुनादि असंयम आदरवुं. द्रव्यलिंग
छोडकर मैथुनादि असंयमों का प्रहण करना.
To indulge in sexual pleasures
etc. in talk, imagination etc.
without actual deed.

ओहायइ. वव० ३, १८;

ओहायमाण. वव० ५, १४;

ओहायंत. आघ० नि० १२४;

ओहाइय त्रि० (अवहीन) आरित संयमभी
अष्ट थयेव. संयमभ्रष्ट; चरित्रभ्रष्ट. (One)
who has fallen off or lapsed
from ascetic right conduct.
वव० ५, १४;

ओहाडणी. स्त्री० (अवघाटनी) कमाड अथ
करवानी टांकी द्वार बंद करने की टांकी. A
contrivance to close a door.
जं० प० (२) पातला छेछनी गुंथेली कंआ-
सादडी अथैय. पतला सलाइयों से गुथी
हुइ चटाई वगैरह a mat made of
thin strips of wood knit to-
gether. राय० १०८; जावा० ३, ४;

ओहाडिय. त्रि० (अवघाटित) आंधिनुं-ली-
ले। बांधा हुआ-हुई. Fastened. वेय०
१, १४;

ओहामिअ. त्रि० (*) तिरस्कार करेवुं.
तिरस्कृत; तिरस्कार कियाहुआ. Slighted;

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*). Vice
foot-note (*) p. 15th.

disdained. ओघ० नि० भा० ६०;

ओहार. पुं० (*) डायभो. कछुवा. A tortoise. पि० नि० ३३२;

ओहारइत्तार त्रि० (अवधारयितृ) निश्चयकारि भाषा भोलनः असमाधितुं ११ मुं स्थानक सेवनाः. निश्चय कारक भाषा बोलने वाला; असमाधि के ११ वें स्थानक का सेवन करने वाला. (One) speaking with decisiveness or self-confidence; (one) resorting to the 11th source of Asamādhī. सम० २०;

ओहारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) निश्चयकारिणी भाषा; 'तुं आभण् इरीश' ऐवी योष्ठस- रूप वाणी. निश्चय कारिणी भाषा: मैं ऐसा हा कहंगा ऐसे दृढ वाक्य. decisive or positive speech; e. g. "I will positively act thus." भग० २, ६; उत्त० १, २६; दस० ६, ३, ६; पञ्च० ११;

ओहारेमाण. त्रि० (अवहरत्) हलाने. हिलाता हुआ. Moving; shaking. नाया० १;

ओहावण. न० (अवहापन) अपकीर्ति; अवहेलना अपकीर्ति; नडा. Disrepute; disrespect; dishonour. पि० नि० ४८६; ओघ० नि० भा० १०२;

ओहासिअ. त्रि० (अवभासित) धृच्छेत्तुं; प्रार्थनापूर्वक भगिषु. इच्छित; प्रार्थनापूर्वक मांगा हुआ. Desired; solicited. ओघ० नि० ५४६;

ओहि. पुं० (अवधि) धृदियेनी सहाय बिना आत्मप्रकाशथी रूपि पदार्थोंनुं ददवानुं ज्ञानः अवधिज्ञानः विकलप्रत्यक्षज्ञाननो ओक प्रकार. इन्द्रियोंकी बिना सहायता आत्म प्रकाश से

रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; अवधिज्ञानः विकलप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार. Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क० प० ४, ४६; कण्ठ० २, १४; उत्त० २८, ४; ३३, ४; भग० ३, १; १२, १; १६, १०; नाया० ८; ६; १३; नाया० ध० दसा० ५, २२; ३०; उवा० १, ७४; ८३; ८, २५५; २५६; क० गं० १, ४; १०; ४, १५; जं० प० ५, ११५; ५, ११२; २, ३३; (२) पञ्चवज्राना तेनाशमां पदनुं नाम के जेमां अवधिज्ञाननुं वर्णित छे. पञ्चवज्रा के तेनामवे पद का नाम जिसमे कि अवधिज्ञान का वर्णन है. name of the 33rd Pada of Pannavajra dealing with Avadhijñāna. पञ्च० १; (३) अवधि; ददः भर्षदा. अवधि; ददः सीमा. limit; border. सु० च० २, ६४८; ---विल्लत्त. न० (-लेत्र) अवधिज्ञाननो विषय. अवधिज्ञान का विषय. an object of or subject-matter of Avadhijñāna. अवश० ५६१; —जुअ. पुं० (-युग) अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन ओ ओ प्रकृति अवधिज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति. the group of the two Prakritis viz. Avadhijñāna and Avadhidarśana. क० प० ४, ८६; —साण. न० (-ज्ञान) अवधिज्ञान-धृदिय अने मनना व्यापार बिना मात्र आत्मभ्यो- तिथी अभुक्त ददमां प्रत्यक्षरीते रूपि पदार्थोंनुं

अवधिज्ञान-इन्द्रिय और मन के व्यापार के बिना केवल आत्मज्योति से किसी हद तक प्रत्यक्ष रीति से रूपि पदार्थों का जानना; ज्ञान के पांच प्रकारों में से तीसरा प्रकार direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind, merely through the light of the soul; the third of the 5 kinds of knowledge; it is a kind of knowledge by occult powers. “ एषो केवलणायो दुविहं पञ्चनं तज्जा ओहिनाणेवेव ” ठा० २; अणुजा० १२७; भग० ८, २; १, ३१; ओव० १६, ८०; विशेष० ७२; —**णायपञ्चव.** पुं० (-ज्ञानपर्यव) अवधिज्ञान के पर्याय. a modification of Avadhiñāna. भग० २५, ४; —**णायि.** पुं० (जानिन्) अवधिज्ञानवाले श्रव. अवधिज्ञानवाला जीव. a soul possessed of Avadhiñāna. भग० २६, १; नाथा० ८; ज० प० २, ३१; —**दुग.** न० (-द्विक) अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन. अवधिज्ञान और अवधिदर्शन the pair of two viz Avadhiñāna and Avadhidarśana. क० ग० ३, १८; ४, १७; —**मरण** न० (-मरण) अवधि मरण; अर्ध बार अर्ध गतिता आयुष्यता दलिया भोगवी भरी इसी तेव दलिया भोगवीने भरे ते. अवधि मरण; एक बार एक गांत के आयुष्यके दलिया समूह भोगकर मरनेपर फिर वैसेही दलिया समूह भोगकर मरना. death after a repetition of the experiences of a former birth. “ ओहीमरणेगंभन्ते ” भग० १३, ७; भग०

१७; प्रव० १०२३; —**लंभ.** पुं० (-लम्भ) अवधिज्ञानने लाभ-प्राप्ति. अवधिज्ञान की प्राप्ति attainment of Avadhiñāna. क० प० ४, ८२; —**लब्धि.** स्त्री० (-लब्धि) लुब्धो “ ओहिलंभ ” शब्द. देखो “ ओहिलंभ ” शब्द. vide “ ओहिलंभ ” क० प० ६, ११;

ओहिजलिया. स्त्री० (अवधिजलिका) आधुद्रिय श्रव विशेष चार इन्द्रियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. उत्त० ३६, १४७;

ओहिदंसण. न० (अवधिदर्शन) द्रव्य, क्षेत्र, शब्द, भावनी मर्यादायी रूपि पदार्थों में ज्योति के अवधिज्ञाननी पहेंचा थाय छ ते. द्रव्य, क्षेत्र, काल, भावकी मर्यादासे रूपि पदार्थों को देखना; जो अवधिज्ञान के पूर्व होता है वह Direct perception of matter limited as to subject-matter, place, time etc. with the help of the senses (This state precedes Avadhiñāna.) जीवा० १; भग० २, १०; ८, २; सम० १७; दगा० ५, २२; —**आवरण.** पुं० (-आवरण) दर्शनावरणीय कर्मने अर्ध प्रकार के अवधिदर्शनने रोके छे. दर्शनावरणीय कर्मका एक प्रकार जो कि अवधिदर्शन को रोकता है. obstruction of Avadhiñāna caused by the rise of Darśanāvaranīya Karma. उत्त० ३३, ६; पञ्च० २३; ठा० ६, १; सम० १७; —**पञ्चव.** पुं० (पर्यव) अवधिदर्शनना पर्याय. अवधिदर्शन के पर्याय. a modification of Avadhidarśana. भग० २५, ४;

ओहिदंसणि. त्रि० (अवधिदर्शनिन्) अवधि दर्शनवाले श्रव. अवधि दर्शन वाला जीव. A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग० ६, ३; १३, १; ठा० ४, ४;

ओहिनाण. न० (अवधिज्ञान) अवधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २,

१०; ६, ४; ८; २; अणुजो० १; नंशो० १;

ठा० २, १; दसा० ७; १२; विशेष० ७२;

—(णा) आवरण. न० (-आवरण)

अवधिज्ञानावरण; ज्ञानावरणीय कर्मनी

ऐक प्रकृति. अवधिज्ञानावरण; -ज्ञानावरणीय

कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring

or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge

obstructing Karma. सम० १७;

—आवरणज्ज. पु० (-आवरणीय)

अवधिज्ञानने आवरणात् — बाँकने ऐक

प्रकृति. अवधि ज्ञान को बाँकने वाली शक्ति.

a variety of Karma obscuring

or hindering the attainment of

Avadhijñāna. भग० ८, ३१; ६, ३१;

—लब्धि. स्त्री० (-लब्धि) अवधिज्ञानकी

लब्धि-शक्ति. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ३, ६; —ल-

ब्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) अवधिज्ञानकी

लब्धि. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ८, २;

ओहिनाणि. त्रि० (अवधिज्ञानिन्) अवधि-

ज्ञानवाले. अवधिज्ञान वाला Possessed

of Avadhijñāna. भग० ६, ३; ८, २;

ओहिपद. न० (अवधिपद) पञ्चव्यासूत्रना

तेत्रोशमां पदं नाम. पञ्चव्यासूत्र के ३३वें

पद का नाम. Name of the 33rd

Pada of Pannavāṣā Sūtra.

भग० १६, १०;

ओहिय. न० (अवधिक) अवधिज्ञान. अवधि

ज्ञान. Avadhijñāna. नाया० १;

—णाण. न० (-ज्ञान) अवधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २३, १;

ओहिय-अ. पुं० (ओधिक) सामान्य;

अविशेष; समुच्चय. सामान्य; समुच्चय.

General; common. पञ्च० २; जावा०

२; भग० १, १, २; ८; ६, ४; २४, १;

१२; २३; ३१, ६, ४१, ५६; अणुजो०

१४५; प्रव० १९१३; —अणाण. (-अज्ञा-

न) अधिक् समुच्चय अज्ञान. विशेष

अज्ञान; अविशेष अज्ञान. absence of

general knowledge; absence

of broad comprehensive know-

ledge. भग० ६, ४; —गमय. पुं०

(गमक) जुओ उपलो शब्द. देखो

ऊपर का शब्द. vide above. भग० २४;

१; —गम. पुं० (-गम) सामान्य पाठ;

समुच्चय गमो-आवाचो. सामान्य पाठ;

समुच्चय वर्णन. ordinary reading

of (scriptures etc.). भग० ३१, १;

—णाण. न० (-ज्ञान) समुच्चय ज्ञान.

समुच्चय ज्ञान; विशेष ज्ञान. general, com-

prehensive knowledge; know-

ledge of broad outlines. भग० ६, ४;

ओहरिमाण. व० कृ० त्रि० (अपक्रियमाण)

थोड़ी थोड़ी निद्रा लेतो. थोड़ी थोड़ी निद्रा

लेता हुआ Dozing; taking a nap;

slumbering. भग० ११, ११; नाया०

१; कप० १, ४;

क.

क. त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थभां वपराय छे;
 डोणु; थुं. प्रश्नवाचक सर्वनाम; कौन; क्या.
 An interrogative pronoun.
 दस० ५, १, ६६; ८, २१; भग० २, १;
 १२, ४; नाया० १; विशेष० १२०;

कइ. त्रि० (कति) डेटला. कितने How
 many. भग० १, १; २, १०; ३, ३; ६;
 ५, ४; ७, ६; १३, १; १६, ३; २०, ५;
 नाया० २; विशेष० ३७८; सू० च० ३, २१३;
 अणुजो० ८७; सू० प्र० १; ठा० ४, २; क०
 ग० ६, २; जं० प० ७, १५१; १५२; —
 — किरिय. त्रि० (-क्रिय) डेटली क्रियावाले.
 कितनी क्रिया वाला. Of how many
 acts. भग० १६, १; — भाअ. पुं० (-
 भाग) डेटलामे भाग. कौनसा हिस्सा. what
 numerical portion. विशेष० ३७८;
 — भाग. पुं० (-भाग) डेटलामे भाग.
 कौनसा भाग. what numerical por-
 tion. भग० १, १; — संचिय. त्रि०
 (-संखित) संख्याथी गणाय तेडला अंक
 समये उत्पन्न थना नारकी वगैरे. संख्या
 द्वारा गिने जा सकें, उतने एक समय में
 उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह. numeri-
 cally calculable number of
 Nārkis etc. (hell beings etc)
 born at a time. ठा० ३; भग० २०, १०;

कइ. पुं० (कवि = कवते नवं नवं भणतीति
 कविः) काव्य अनायनार; कवि. कविता
 बनाने वाला; कवि; शायर. A poet.
 सू० च० १, १३; अणुजो० १२८;

कइअ-य. पुं० (क्रयिक) आदक; माल
 लेनार; भरीदनार. ग्राहक; माल लेने वाला;
 खरीदार. A buyer; a customer.

उत्त० ३२, १४; वव० ७, १८; १६; भग० ५, ६;
 कइत्य. त्रि० (कतिथ) डेटलामुं; कथ संख्या
 वाला. कितनी? कितनी संख्या वाला. Of
 what number or numerical
 order? विशेष० २१७;

कइयव. न० (कैतव) छण; कपट; दंभ;
 लुच्चाई. छल; कपट; दंभ; लुच्चाई.
 Fraud; hypocrisy. विशेष० २६८४;
 सू० च० ८, ८५; प्रव० १६७; — पराणसि.
 स्त्री० (-प्रज्ञसि = कैतवानि कपटानि नेपथ्य-
 भाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाप्यन्ते यामि
 स्ताः) वेप भाषा वगैरे बदलापीने कपट
 गल्लावनार स्त्री. भेष भाषादि बदल कर
 कपट करने वाला स्त्री. (a woman)
 who deceives by change in
 dress, speech etc. तंदु०

कइया. अ० (कदाचित्) डोण वअत. किसी
 समय. Sometimes. सू० च० १, १०६;
 कइयावि. अ० (कदाचिदपि) डोणपणु वअते.
 किसी भी समय. At any time.
 प्रव० ४३५;

कइर. पुं० (कदर) वृक्ष विशेष; बांसनी अंक
 अत. वृक्ष विशेष; बांसकी एक जाति. A
 kind of bamboo. पन्न० १७; — सार.
 पुं० (-सार) बांस अतना वृक्षनो मध्य भाग.
 बांस जाति के वृक्ष का मध्य भाग. the in-
 terior of a tree of the bamboo
 kind. न० पन्न० १७;

कइलास. पुं० (कैलास = के जले लासो बसनं
 दीप्तिर्यस्य स कैलासः) जंबुद्वीपना मेरु
 पर्वतने नैऋत भुजे लालु समुद्रभां आवेअ
 कैलास नामे अनुवेअधर नागराज देवतानो
 आवास पर्वत. जंबुद्वीपके मेरु पर्वतके नैऋत

कोन में कवण समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहां अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं। Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavaṇa Samudra in the South-western quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa. जीवा० ३, ४; (२) कैलास नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका अनुवेलंधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailāsa. (३) कैलास नामे नन्दीश्वरद्वीपना पूर्वाधिनो अधिपति देवता. कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वाधिका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa. (४) ली० कैलास नामे नागराज देवतानि राजधानि. कैलास नामकी नागराज देवता की राजधानी. the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa. जीवा० ३, ४;

कवय. त्रि० (कतिपय) डेटला. कितने ?

Some; several; a certain number. नाया० ८; १२; सु० च० ३, १८१; १५, ६०; पि० नि० २२०; उवा० ७, १४;

कविव्या. ली० (कैतविका) डालिथी भलि-
पंध सुधीनो हाथनो भाग. कुहना से कलाई तक हाथका हिस्सा. The part of the arm from the elbow to the wrist. नाया० १;

कविह. त्रि० (कतिविध) डेटला प्रकारनुं.

कितनी तरहका? Of how many kinds?

भग० ८, १; २०, २०; २५, ५; अणुजो० १४४; जं० प० ७, १६१;

कउह. पुं० (ककुद्) अणदनी आंध. बलै की

कूबड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० ६; ओघ नि० भा० ७७; प्रव० ८८७;

कउहि. पुं० (ककुघत्) आंधवाणुं अणद, अणुथो. कुबड वाला बैल; सांड. A humped bull; a humped ox; humped.

अणुजो० १३१;

कओ. अ० (कुतस्) साथी; क्यांथी. कहाँसे ? कैसे? Whence? by what means?

“ कओआसादिण ” नाया० १२; “ कओउ-
वलदे ” नाया० १२; भग० १, ६; १७, १; १६, ३; २१, ८; २४, १; ३१, ४; ३५, १; ३६, १; नाया० ६; १२; ओघ० नि० ४७; उत्त० ६, ११; पञ० ११६;

कओ. अ० (क) क्यां ? कहाँ ? Where ?

“ कओ वयामो ” नाया० १४; जीवा० ३, २;

कओहिंतो अ० (कुतः) क्यांथी. कहाँ से ? Whence ? भग० २४, १३; जं० प० ७, १३६;

कंक. पुं० (कङ्क) पाण्णीने आश्री रहेंनार मांसाहारी ओक जतनुं पक्षी. पानी के आश्रय से रहने वाला एक जात का मांसाहारी पक्षी. An aquatic carnivorous bird; a heron. भग० ७, ६; १२, ८;

जीवा० १, ३, ३; सूय० १, १, ३, ३; १, ११, २७; अणुत्त० ३, १; ओव० १०; पञ० १; —उचम. त्रि० (-उपम) डंडपक्षी समान; डंडपक्षीने जेम गमे तेवो दुज्जर आधार पथी जेम तेम जेने पथी जेम ते. कंक पक्षी जैसा; जिसे इस पक्षी के समान दुष्पाक आहार पच जाता है वह. like

Kaṅka bird; (one) who can

digest heaviest food like Kaṅka bird. अ० ४, ४; —गहणी. ली० पुं० (-ग्रहणी-कङ्कः पाचविशेषस्तस्यैव ग्रहणी गुदाशयो यस्य स तथा) तीर्थक्षर तथा

जुगलिया के जेनी शुद्ध विष्टापी अरुआय नहिं ते. तीर्थकर या जुगलियां जिनकी कि गुदा बिष्टा से खराब नहीं होती. any of the Tirthankara and Jugaliyās whose anus is not bespattered with excrements. जं० प० २, २१;

ओव० परह० १, ४;

कंकड. पुं० (कङ्कट) कवच; अश्वत्थ. कवच; जिरह बख्तर. An armour; mail.

भग० ६, ३३; राय० १३०; जं० प० ओव० ३१;

कंकडइय. त्रि० (कङ्कटित) कवचयुक्त; कवच जडेस. जिरह बख्तर से युक्त. Equipped with an armour. परह० १, ३;

कंकडग. न० (कङ्कटक) कवच; अश्वत्थ. कवच. बख्तर. An armour; mail. जं० प० १६७;

कंकण. न० (कङ्कण) स्त्रीओने हाथमां पहरेवानुं ओक लूणथु; इंडु. स्त्रियों के हाथ में पहिनने का एक आभूषण. कंगन. A bracelet. भग० ११, १०; ११;

कंकावंस. पुं० (कङ्कावंस) गांढवाली वनस्पति-नी ओक जंत. गांढवाली वनस्पति की एक जात. A kind of bulbous vegetation. पञ्च० २;

कंकलि. पुं० (कङ्कलि) अशोक वृक्ष; आशी-पात्रवनुं अड. अशोक वृक्ष; आशापल्लव का झाड़. Aśoka tree. (२) तीर्थकर जहां पीराये त्यां अशोकवृक्ष थुर्मा आवे ते; आठ प्रतिहार्यमानुं ओक. तीर्थकर जहां विराजत हैं वहां अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाता है; आठ प्रतिहार्यों में से एक. springing up of an Aśoka tree where Tirthankara stays; one of the 8 Pratihāryas. प्रव० ४४६;

कंकलि. पुं० न० (कङ्कलि) अशोक वृक्ष; आशीपात्रवन. अशोक वृक्ष; आशापल्लव. The Aśoka tree. प्रव० १४६२;

कंकोल. पुं० (कङ्कोल) ओक प्रकारनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४;

✓कंस. धा० I, II. (कंस) धृष्टद्युम्न; वांछुं. चाहना; इच्छा करना. To wish; to desire.

कंसह. नाया० १६;

कंसंति. ओव० ११;

कंसंति. दसा० १०, १;

कंसपउस. न० (कंसप्रदोष) भगवतीसूत्रना पड़ेला शतकना त्रीण उद्देशानुं नाम के जेमां डांक्षामोहनीयना प्रश्नोत्तर करेस छे. भगवती सूत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देशे का नाम कि जिसमें आकांक्षामोहनीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddesa of the first Śataka of Bhagavati Sūtra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire. भग० १, १;

कंसा. स्त्री० (कङ्सा) अभिलाषा; द्रव्यनी धृष्ट्या; लोभनुं भीषुं नाम. अभिलाषा; द्रव्येच्छा; लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. सु० च० ६, ८०; सम० ५२; भग० १२, ५; दसा० ४, ८४; सूय० १, १५, १४; भग० १, १; उवा० १, ४४; प्रव० २७४, ६४७;

कंसापदोस. पुं० (कंसप्रदोष) मोटा मतनी धृष्ट्या करवी ते; मिथ्यात्व मोहनीयना ओक प्रकार. मिथ्या मत की चाह करना; मिथ्यात्व मोहनाय का एक भेद. The desire for false tenets; a variety of Mithyātva Mohaniya. भग० १, ६; कंसि. त्रि० (कंसिन्) धृष्ट्यन्तर. चाहनेवाला. (One) who desires. पि० नि० २१६;

कंसिय. त्रि० (कंसित) धृच्छेक्षुं; आकांक्षित.
इच्छित; अभिलाषित; चाहा हुआ. De-
sired; longed for. नाया० ३; ८;
भग० १, ३; २, १; १०, ४; ठा० ३, ४;
दसा० ४, ८४; उवा० १, ८६;

कंगु. स्त्री० पुं० (कंगु) ओ३ गतनुं धान्य;
कांग. एक प्रकार का धान्य; कांग. A
kind of corn (Panic seed).
भग० ६, ७; २१, ३; सूय० २, २, ११; ठा०
७, १; पञ्च० १; पि० नि० ६२४; प्रव०
१०१३:

कंगुलया. स्त्री० (कंगुलता) ओ नामनी ओ३
गतनी वेल. इस नामकी एक जाति की
लता. A kind of creeper of this
name. पञ्च० १;

कंगुलिया. स्त्री० () लघुनीत अथवा
अशीनीत करती ते. लघुनीत-लघुशंका या
बड़ी नीत-दीर्घशंका करना. Passing of
urine, stool etc. प्रव० ४३६;

कंचण. न० (काञ्चन) सोनुं. सोना; सुवर्ण.
Gold. विशे० १८१६; श्रव० १७; नाया० १;
भग० ६, ३३; उवा० २, १०१; प्रव० ४२३;
जं० प० ५, १२२; (२) इत्यन नामने
ओ३ पर्वत. कंचन नाम का एक पर्वत. the
Kañchana mountain. (३) इत्यन
पर्वतना अधिपति देवतानुं नाम. कंचन
पर्वत के अधिपति देवता का नाम. name
of the presiding deity of the
Kañchana mountain. जीवा० ३, ४;
—कोसी. स्त्री० (-कोशी) सोनानी मूर्ति.
सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol
of gold. उवा० २, १०१; जं० प० ७
१६६; —खचिय. त्रि० (-खचित)

सोनाथी ऋडेल. सोनेसे जडा हुआ. laid in
with gold. नाया० ३; —भिगार. न०
(-भिगार) सोनानी मारी. सुवर्णकी मारी.
a golden kettle. नाया० १; —मणि-
रयणधूमियाग. त्रि० (-मणिरत्नस्तूपि-
काक—काञ्चनच मणयश्च रत्नामिच तेषां
तन्मयो वा स्तूपिका शिखरं यस्य) सोनुं
मणि रत्न वगैरे युक्त गेनुं शिखर छे ते.
जिसका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से
युक्त है. with the crest or summit
full of gold, jewels etc राय०
कंचणउर. न० (काञ्चनपुर) इजिग देशनुं
ओ३ प्रख्यात नगर. कलिङ्ग देश का एक
प्रख्यात नगर. Name of a famous
town of the country of Kalinga.
पञ्च० १;

कंचणकूट. पुं० (काञ्चनकूट) इत्यनकूट
नामनुं त्रीग्न ओ३ देवलोकनुं ओ३ विमान.
कंचनकूट नाम का तीसरे चौथे देवलोक का
एक विमान. Name of a heavenly
abode of the 3rd and the 4th
Devaloka, ठा० ७; सम० ७; (२)
सोमनस वखारा पर्वतना सात कूटमानुं
छट्ठे कूट-शिखर. सोमनस वखारा पर्वत के
सात कूटों में से छठा कूट-शिखर. the 6th
of the 7 summits of the Som-
nasa Vakhārā mountain. जं०
प० ४, ६५;

कंचणग. पुं० (काञ्चनक) नीलवंत आदि
दश द्रवने पूर्व अने पश्चिम गेने पासे दश
दश गेनेनने आंतरे ओ नामना वीश
वीश पर्वत छ, ओ३६२ २०० इत्यन
पर्वत छे. नीलवंत आदि दश हदों (अगध

जलाशयों-झीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं. एकंदर दोसौ पर्वत है. One of the 200 Kāñchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nilavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा० ३; जं० प० २८४; —पञ्चय. पुं० (-पर्वत) उत्तर कु३ क्षेत्रमां निवन्तादि द्रवन्ती पूर्व पश्चिम आनुये रडेव पर्वत. उत्तर कुरु क्षेत्रमें नीलवंतादि हृदोके पूर्व पश्चिम की ओर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region. जं०प० भग० १४, ८; जीवा० ३; सम० ५०;

कंचणा. स्त्री० (काञ्चना) ओक स्त्री के गेना भटे युद्ध थयुं दतुं. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था. Name of a woman for whom a war was waged. परह० १, ४;

कंचणिया. स्त्री० (कांचनिका) रुद्राक्षनी माला. रुद्राक्षकी माला. A rosary of Rudrākṣa beads. ओव० ३६; भग० १, १; (२) कंचन पर्वतना अधिपति देवतानी राजधानिनुं नाम. कंचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी. name of the capital city of the Kāñchana god. जीवा० ३, ३;

कंचीमेहला. स्त्री० (काञ्चिमेखला) कन्दोरा. An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३;

कंचुअ. पुं० (कंचुक) चोली; कंचली. श्रीगया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चउ० प्रव० ५३७; (२) सर्पनी कंचली. सर्प की कंचली. a slough or skin of a snake. विशेष० २५१७; चउ०

कंचुइ. पुं० (कंचुकिन्) नागर; अंतपुर रक्षक. अंतपुर का रक्षक. दर्शन. An attendant on the women's apartments. (२) सर्प. सर्प. a serpent. विशेष० २५१७;

कंचुइज्ज. पुं० (कंचुकीय) नागर; द्वारपाल; अंतपुरनो रक्षक. द्वारपाल; प्रतीहारी; अंतपुर-कारक्षक. A chamberlain; a door-keeper. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; ओव० ३३; निसा० ६, २५; राय० २८६; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) अनुओ 'कंचुइज्ज' शब्द. देखो " कंचुइज्ज " शब्द. vide " कंचुइज्ज " भग० ६, ३३;

कंचुग. न० (कंचुक) चोली; साध्वीनेअदन उपर धारण करवानुं वस्त्र; कंचवी. चोली; साध्वी के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कंचली. A bodice (worn by women); a piece of cloth worn like a bodice by nuns. ओघ० नि० २०१: ६७६;

कंचुय. पुं० न० (कंचुक) अनुओ "कंचुअ" शब्द. देखो " कंचुअ " शब्द. Vide. "कंचुअ. उत्त० ६, २२; अंत० ३, ८; भग० ६, ३३; नाया० १; (२) पाद; रोमराज. केश; रोमराजी; बाल. hair. भक्त० ३०;

कंटक. स्त्री० न० (कण्टक) भोरडी आवण वगेरेनो कंटो. बेर बंबूल आदि का कांटा. A hard thorn e.g. that of Babool etc. जं०प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —बौंदिया.

ली० (*) कंठांनी आड. कंटों की बाड.
thorny fencing. सूय० २, २, ५१;
कंदग. पुं० (कंटक) कंठा. कंटो. A
thorn. राय० २६४; सूय० १, ४, १, ११;
जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२;
जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पह.
पुं० (—पथ) कंठावाला रस्ता. कंटक मय
मार्ग, कंटोंवाला रस्ता. a thorny path.
ओव० नि० ७८५;

कंटय-अ. पुं० (कंटक) कंठा; प्रतिस्पर्धी.
कंठा; प्रतिस्पर्धी, डाही. A thorn; a
a rival. ओव० उत्त० २, २६; आया०
२, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२,
जीवा० ३, १; ३; (२) विछिनो आंझो.
बिच्छू का डंक. a scorpion's sting.
नाया० १; दस० २, १, ७३; दसा० ७, १;
सम० ३४, आया० २, १३, १७२; उत्त० १०;
३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) गलुं: डोड; डण्ड; ग्रीवा;
गरदन. गला; कंठ; ग्रीवा; गर्दन. Throat;
neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दसा०
१०, १; राव० ८१; अणुजो० १३; १२८;
सम० प० २३७; उत्त० १२, १८; ओव० २७;
विशे० ३३६; गच्छा० १२२; जं० प०
५, १२१; —मणिसुत्त, न० (—मणिसूत्र)
कंठमां पहरेवानो सोनानो दोरो. गले में
पहिनने की हीरे की माला. a diamond
neckless. कण० ३, ३६; —मुरवि.
पुं० (—मुरवि) सोनानी गुथी कंठी.
सोने की गुथी हुई माला-कंठी. a gold
string used as an ornament
for the neck. राय० १८३; —मुही.
ली० (—मुखी) कंठनी नञ्क रहेनारुं

डोडकाना आकारनुं आभरलु (मादलियुं).
कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आभरण
(मादलिया). a neck-ornament
resembling a knob tied to a
string. भग० ६, ३३; —विसुद्ध. न०
(—विशुद्ध) ओझा कंठी आनकरनुं. सुंदर
कंठ से गाना. singing in a clear
voice. राय० —सुत्त. न० (—सूत्र)
ओझां पहरेवानो सोनानो दोरो. गले में
पहिनने की सोने की लड़-डोर. a gold
necklace; a gold string used
as an ornament for the neck.
ओव० —सुत्तग. पुं० (—सूत्रक) ओझो
“कंठसुत्त” शब्द. देखो “कंठसुत्त” शब्द.
vide “कंठसुत्त” जावा० ३, ३;

कंठगय. त्रि० (कण्ठगत) कण्ठे आवेश; गला
सुधी आवेश. कंठतक आया हुआ; गलेतक
आया हुआ. Come to the throat.
गच्छा० ५६; —पाण पुं० (—प्राण) कण्ठे
आवेश श्वास; भरणांत कष्ट. कंठतक आया
हुआ श्वास; मरणांत कष्ट. life breath
come to the throat. गच्छा० ५५;

कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकण्ठि—कण्ठे कण्ठे
गृहीत्वैतियोगविभागात्) कंठे कंठ मलीने.
कंठ से कंठ मिलाकर. With necks
touching each other; neck of
one touching that of another.
नाया० २;

कंठिया. ली० (कण्ठिका कण्ठोभूषयतयाऽस्य-
स्याःसा) कण्ठी. कंठी. A necklace.
जीवा० ३, ४; (२) कण्ठ प्रदेश. कंठ का
हिस्सा. a part of a neck. गच्छा० १२४;
(३) पुस्तकनुं पुं०. पुस्तक का पुठा. a

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

cover of a book. राय० १६६;

कंठगाय. त्रि० (कण्ठोम्रक-कण्ठश्वासावुम्रक
श्रोतकंठःकण्ठोम्रकः) तीक्ष्ण स्वरवादी तेज
कंठवाला. One of shrill voice. ठ०७;

कण्ठेगुण. पुं० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठे-
गुणः) कण्ठे पट्टेरवानुं दोरा सरभुं आलरलु.
गले में पहिन्ने का दोरे जैसा गहना. a
gold string used as an orna-
ment for the neck. पञ्च० ३; विवा० २;

कंठमालक अ.त्रि० (कण्ठे मालकृत) ३५६ माला
पट्टेरी छे गेल्ले, जिसने गले में माला पहिनी
है. (One) who has put on a gar-
land on the neck. दसा० १०, १;

कड़. पुं० (काण्ड) धनुष्य आशु. धनुष्य बाण.
an arrow. प्रब० ८२६; क० प० १, ३२;
भग० ७, १; जीवा० ३, ४; राय० २०४;
नाया० २; (२) भाग: हिस्सा. भाग: हिस्सा
a section; a part. (३) ऐक्य वनस्पति.
वनस्पति. एक जाति का वनस्पति. a kind
of vegetation भग० २१, ४; (४)
पृथ्वी के पर्वतों को ऐक्य विभाग; जमीन के
पहाड़ों का थर. पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा;
जमीन या पहाड़ का थर. a section of
land or mountain; a layer of
rock on land or on mountain.
अणुजो० १३४; जं० प० पञ्च० २; (५)
अग्नी आरमां देवलोकां ऐक्य विमान ऐनी
स्थिति ऐक्यीस सागरोपमनी छे; ऐ देवता
ऐक्यीसमे पञ्चपादीये आसोआस ले छे.
ऐने ऐक्यीस हजार वर्ष क्षुधा उपग्रे छे.
ग्यारहवें देवलोक का एक विमान. इसके
देवताओं की स्थिति इकवीस सागरोपम
की होती है. ये देवता इकवीस पक्ष
में आसोआस लेते हैं और इकवीस हजार
वर्ष में उन्हें भूक लगती है name of a
heavenly abode of the 11th

Devaloka. Its deities enjoy a life of 21 Sāgaropamas, breathe once in 21 fortnights and become hungry once in 21 thousand years. सम० २१; (६) कर्मनि स्थिति स्थानकेनो समूह. कर्म के स्थिति-स्थानक का समूह. a collection of items of the different varieties of enduring Karma. क०प० १, ८५;

कंडंत. त्रि० (कण्डयत्) आऽजुं; उऽजुं.
कूटता हुआ; चूर करता हुआ. Pound-
ing; e. g. with a pestle. पि० नि०
५७४; आ० व०

कंडक. न० (कराडक) जुमो "कंड" शब्द.
देखो "कंड" शब्द. Vide. "कंड" क०
प० १, ८६;

कंडग. न० (काण्डक) दंड; पाथडो: पड. पत; थर; अस्तर. A layer. सूय० १, ६, १०; (२) आणू. बाणू. arrow. राय० २५०; (३) सम्पत्तीत संयमना स्थानकोनो समुदाय. असंख्य संयमके स्थानकका समूह. collection of countless items of ascetic conduct. पि० नि० भा० ६६; क० प० १, ४२; ४६; —हेट्ट. त्रि० (अधस्तन) चार समयना स्थितिस्थानक समूह रूप दंडकनी नीचेनुं. चार समय की स्थिति स्थानक समूह रूप पत नीचे का. situated below Kaṇḍaka and equal to the duration of 4 units in a certain stage. क० प० १, ५०;

कंडय. नं० (काण्डक) शालनी ओक सूक्ष्म
भाग. समयका एक सूक्ष्म भाग. A very
small division of time. भग० ३, २:
(२) राक्षसन्ती सभा आगतनुं जैत्यवृक्षः कंडक
नुं अड. राक्षस की सभा के सामने का जैत्य

वृक्ष कंडक का झाड़. name of a Chaitya (garden) tree near the council-hall of demons. डा० ८, १;
कंडरीय. पुं० (कण्डरीक) मूलदेवकी सहायधी वनमां जतां डोह पुरुषकी स्त्रीने लभजनार ओक लुच्चा मालुस डे जेनी कथा उत्पातकी बुद्धि उभर दशावैल छे. मूलदेव की मदद में वन के किसी प्रवासी पुरुष की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घाटन की है. Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Mūladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpātiki. पि० नि० ६६; नंदी० (२) पुष्कलावती विजयकी पुंडरीकिणी नगरीना महापद्मराजकी पद्मावती राजकुनी पुत्र; पुंडरीकनो नदानो बाट्ट डे जे दीक्षा लभ. पाण्डवथी पतित थन, संसारमां आब्यो अने तरतज भरलु पाभी नरके गयो. भेटोटा भाध पुंडरीक कंडरीकनो उतारेल साधुवेग पेटरी, साधुथन, तलु द्विसमांज भरलु पाभी, सर्वाथ सिद्ध विमाने पेटोअ्यो. पुष्कलावती विजय की पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मावतीरानी का अंगजात. पुंडरीक का लघु भ्राता जो कि दीक्षा ले फिर पतीत होगया और संसार बंन गया किन्तु शांघ ही मृत्यु पा नरक में गया. बडा भाई पुंडरीक, कंडरीक के उतारे हुऐ साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ सिद्ध विमान में जा पहुंचा. name of the son of Padmāvatī, queen of Mahāpadma king of the city of

Puṇḍarīkiṇī belonging to the country Puṣkalāvātī Vijaya. He was younger brother to Puṇḍarīka. He had taken Dikṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immediately died and went to hell while Puṇḍarīka putting on the ascetic dress cast off by him became a Sādhu. He too died within three days and reached the heavenly abode named Sarvārtha Siddha. नाया० १३;

कंडवा. स्त्री० (कण्डवा) ओक जतनुं बाजित. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० — **कंडा.** स्त्री० (-कण्डा) ओ नामनुं ओक पर्वग जतनुं जाड. इस नाम का एक पर्वग जाति का झाड़. A kind of vegetation of Parvaga sort. पञ्च० १;

कंडिय. त्रि० (कण्डित) आठिहुं; जेटुं. कुटा हुआ. पीसा हुआ Pounded with a pestle. पि० नि० १११;

कंडियायण पुं० (कण्डिकायन) वैशाली नगरी की बाहरनुं ओक उद्यान वैशाली नगरी के बाहर का एक बगीचा. Name of a garden outside the city of Vaiśālī. भग० १५, १;

कंडिल. पुं० (कण्डिल्य) कण्डिल्य ओत्र प्रवनेड ओक ऋषि. कण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक ऋषि. The name of the progenitor sage of Kāṇḍilya Gotra (lineage). डा० ७;

कंडिल्लायण. पुं० (कण्डिल्लायन) ओ नामनुं ओक ऋषि. इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. टा० ७;

कंडु. पुं० (कण्डू) लोहानुं वासयु; तपो. लोहे का बरतन; तवा. An iron pan. ओव० ३८; (३) असनो रोग. खाज का विमारी itches. नाथा० १३; भग० ७ ८;

कंडुइय. न० (कण्डुमन्) असवाणो.

खुजलावाला; खाज वाला. One having itches. सूय० १, ३, ३, १३; भग० ७, ६;

कंडुग. पुं० (कण्डक) अंगुष्ठना असंख्या-तमा भाग प्रमाण आकाश प्रदेश परिमित कर्मना स्थिति स्थानकेनो समूह अंगुल के असंख्यातवे भाग के बराबर आकाश परिमित कर्म के स्थिति स्थान का समूह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क०प० ३, ६;

✓कंडुय. था० II. (कण्डू) आठ डरवी; अंगुष्ठयुं खाज खुजाना; कुचरना To scratch; to tickle; to remove irritation of skin by scratching कंडुयण. आया० १, ६, १, २०;

कंडुइस्मार्मि. नाया० २;

कंडुइत्ता. सं० कृ० नाया० १;

कंडुयमाण. व० कृ० सु० च० ३, १३६;

कंडुयावेइ क० वा० विवा० ६;

कंडुयण. न० (कण्डूयन) आजुतुं; अरञ्ज-अर डरवी. खोदना; खड़ा करना Digging. पंचा० ४, २०;

कंडू. स्त्री० पुं० (कण्डू) अर; अजराण. खाज खुजाना, खजवाल. Itching sensation. नाथा० २, सूय० १, ३, १, १०;

कंडूइय. न० (कंडूयित) अरञ्ज; अर. खाज; खुजली. Itching sensation. जं० प० सूय० १, ३, ३, १३;

कंडूयग. त्रि० (कंडूयक) अजराणितार.

खुजनेवाला. One who scratches to remove an itching sensation. टा० २, १;

✓कंत. था० I. (कृत) छेदयुं छेदना. To cut. (२) डंतयुं. कंतना. to spin.

कंतति. सूय० १, ८, १०,

कंतामि. पि० नि० भा० ३२; जं० प० २, ११५;

कंत. त्रि० (कान्त) मनोहर; शान्तिवान; शोभायमान. मनोहर; कान्तिवाला; शोभित. Charming; beautiful; lustrous.

“कंतपियदंसणा” नाया० १; ६; १४; भग०

२, १; ११, ११; १२, ६; ओव० ३२; ३६;

जीवा० १; दस० २, ३; सू० प० २०; सम०

प० २३५; टा० २, ३; दया० १०, १; सु०

च० १, ३५३; पञ्च० १७, १६; उवा० ४,

१५४; जं० प० ५, ११५; कप्प० १, ८;

३, ३४; (३) धृतसमुद्रा देवतानुं नाम.

धृत समुद्र के देवता का नाम. name of

the deity of Ghruta Samudra.

जीवा० ३, ४; —रूप त्रि० (—रूप) सुंदर

रूपवाणुं. सुंदर रूपवान. beautiful; of

charming appearance. विवा० १;

२. —स्वर. त्रि० (—स्वर कान्तः स्वरोय-

स्य स कान्तस्वरः) सुंदर स्वरवाणुं. सुंदर

कंठवाला. of melodious voice.

पञ्च० ३;

कंत. त्रि० (कान्त-आक्रान्त) आक्रमण करेव.

आक्रमण किया हुआ. Surmounted.

सु० च० १; ३५३;

कंततर. त्रि० (कान्ततर) अति सुंदर. बहुत

सुंदर. Very beautiful. “पुनोक्ततराण

चवमखुण्णतराण चव” राय० २१; जीवा० ३;

कंता. स्त्री० (कान्ता) सौंदर्यवाणी स्त्री. रूप-

वान स्त्री. (A woman) possessed

of beauty. भग० १५; १; नाया० १६;

कंतार. पुं० (कान्तार) अरञ्ज; अरवी; गदग

वन. बन; जंगल; गहन बन. A deep dense forest; the world. उवा० १, ५८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ५, ६; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु० च० १, २; सम० १३; ओव० ४०; ठा० २, २; महा० प० ३५; ओष० नि० ६८३; —भक्त. न० (भक्त = कान्तारमरणं तत्र भित्तिकाणां निर्वाहार्थं यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम्) अटवीमां मुसाफरी करता गरीबोने आपयानो मोराड. जंगल म मुसाफरी करते गरीबों को दी जाने वाली खुराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest. भग० ५, ६; ६, ३३; नाया० १; निसी० ६, ६; ओव० —चित्ति. स्त्री० (-वृत्ति) जंगलनी वृत्ति-निर्वाह यत्नावधे ते; जंगलमां प्राणधानड आपनि आनी पडे तारे प्राण निर्वाह करवे ते; ७ आगारमागे ओड. जंगल में प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना; जंगल में प्राणांत कष्ट या पडे तब प्राण बचाना; छः आगार में स एक. maintenance in a jungle while travelling; saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle; one of the 6 options (on the part of an ascetic). प्रव० ९.५३;

कंति. स्त्री० (कान्ति) तेज; कान्ति प्रभा तेज; कान्ति; शोभा; लावण्य. Lustre; beauty. पणह० २, १; ओव० ३२; ३४; (२) शोभा. प्रभा; सुंदरता. beauty; charm. सु० च० २, ३४५;

कंतिमल. त्रि० (कान्तिमत्) कान्तिवालो; कान्तिमान् लावण्यवाला. प्रभावान्. Lustrous; beautiful. सु० च० ८; २४६;

कंतेल. पुं० (कान्तेल) मंडव गोत्रनी शाखा.

मंडव गोत्र की शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) मंडव गोत्रनी शाखामांनि पुरुश. मंडव गोत्र की शाखावाला पुरुष. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

कंथअ. पुं० (कन्थक) जलवान घोडा के ते पोना अवाज्ज्या पशु लडके नहीं. कुलवान घोडा जो तोपोंकी आवाजसे भी न भडके. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns. उत्त० ११, १६;

कंथग. पुं० (कन्थक) जुआ " कंथअ " शब्द. देखो " कंथअ " शब्द. Vide " कंथअ " उत्त० २३, ५८;

कंथीकय. त्रि० (कन्थीकृत) कन्था-गोदरीनी मादक धणु थिंगल वासु कन्था-गोदरी के सहश बहुतसे जोड (चिधे) लगेहुए. (Anything) prepared with a good deal of patch-work विशेष० १४३६;

✓ कंद. धा० I. (कन्द) आकन्दन करने; २३वु; ३३वु; ४३वु; ५३वु. भावना. वृम ममता; रोना; आकन्द करना; शोर मचाना. To cry; to weep; to shout.

कंदइ. आया० १, २, ५, ६४;

कंदिसु. आया० १, ६, १, ५;

कंदमाण. व० कृ० नाया० १; २; ६; १६;

भग० ६, ३३;

कंद. पुं० (कन्द) कन्दमूल; गुंगली, असणु, गाजर, रतागु वगैरे कन्दवाली साधारण वनस्पति. कन्द मूल; लहसन, गाजर, रतागु आदि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots; bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc.

जं० प० २, १६, ३, ६७; आया० २, ३, ३, १२६; पण० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४; उत्त० ३६, ६८; निसी० ४, ५२; दस० ५, १, ७०; चउ० २८; (२) जड़ना मूल अने थडती वज्जिनो भाग. झाड़ के मूल और धड़ के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk. जीवा० १, राय० १५५; भग० ७, ३; नाया० १५; पञ्च० १; ओव० (३) कमलादिना मूल उपरनो गोत्र भाग. कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots. जं० प० —अहिगार पुं० (-अधिकार) इंद्रनो अधिकार-वर्णन. कंद का अधिकार-वर्णन. subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३; २१, १; —आहार. पुं० (-आहार) इंद्रनो आहार करना तपस्वी को एक जाति. one who eats bulbous roots. भग० ११, ६; निर० ३, ३; —जीवकुड. पुं० (-जीवस्पृष्ट) इंद्रना स्पृष्टी स्पृष्ट थयेन. कंद के जीवों से छुया हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; —भोजन. न० (-भोजन) इंद्रनुं भोजन. कंद का भोजन. food consisting of bulbous roots. डा० ७; सम० २१; नाया १; भग० ६, ३३; दसा० २, १६; —मूल न० (-मूल) कंद मूल. कंद मूल. roots and bulbous roots भग० ८, ५;

कंदश्या. स्त्री० (कन्दन) आक्रंदनकरतुं; रोतुं; कङ्कगतुं. आक्रंदन करना; रोना; शोर मचाना. Crying; weeping; lamenting. डा० ४, १; भग० २५, ७; ओव० २०; कंदता. स्त्री० (कंदता) कंदमुग पड़ु. कंदमूल पना State of being bulbous

roots and roots. भग० २१, १; सूय० २, ३, ५;

कंदर्प. पुं० (कन्दर्प) राग अने मोह उपभवनार हारय, गर्भित येष्टा; वक्रभाषण; राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय क्रीडा; वक्र भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, witty love talk. गच्छा० ८२; उत्त० ३६, २५४; जीवा० ३; पञ्च० २; ओघ० नि० १०२; (२) कामदेव. कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, पगह० २, २; भग० १४, ८; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंत्ता० १, २४; (३) कुतूहली देव. (३) कुतूहल करने वाले देव. the god Kutūhali. भग० ३, ७; (४) कामदेवनी भावना. कामदेव की भावना. meditation for sexual pleasure. गच्छा० ८२; —कर. पुं० (-कार) काम उपन्ये तेवी येष्टाना करना. कामदेव उदरान्न हो ऐसा चेष्टा करनेवाला. one who speaks and acts amorously. ओव० ३१; —देव पुं० (-देव-कन्दर्पो—ऽष्टादृहसनं कन्दर्पकरणशीलाः कन्दर्पाः कन्दर्पाश्च ते देवाश्च कन्दर्पदेवाः) अउमशट दसनारा देवो. हडहड हंसने वाला देव. a loud-laughing god. तंदु० —भावणा. स्त्री० (-भावना-कन्दर्पः कामस्तत्प्रधाना निरन्तरं नर्मादिनिरततया विटप्राया देव विशेषाः कन्दर्पास्तेषामियं कान्दर्पा सा चासौभावना च) ओक प्रकारनी कामोद्दीपक मोहजनक भावना एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना. a kind of love-exciting meditation. प्रव० ६४८; —रह. स्त्री० (रति) कामभोगमां रति आसक्ति. कामभोग में रति आसक्ति. delight in amorous pleasures. नाया० १;

कंदर्पिष्ण-य. त्रि० (कान्दर्पिक-कन्दर्पस्त-
दुद्धिः प्रयोजनमस्येति) काम्येष्टा, हास्य,
भस्करी इत्यादि. कामवेष्टा हास्य विनोद करने
वाला. (One) doing amorous
gestures. ओव० ३८; भग० १, २; पञ्च० २०;
कंदर. न० (कन्दर) पर्वतनी युक्ता. पर्वत की
गुफा. A cave. नाया० १; २; ८; नंदी०
१४; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; ६, ३३;
विवा० १, ३;

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) युक्ता. गुफा. A cave.
अंत० ३, १; महा० प० ८२; जं० प० नाया० १;

कंदल. न० (कन्दल) ऐक्य गतनुं आ३.
केलनुं आ३. एक जाति का झाड़; केले का
झाड़. A kind of tree. नाया० १; ६; ६;

कंदलग. पुं० (कन्दलक) ऐक्य भरीवाला पशु-
नी ऐक्य गत. एक खुरवाले पशु का एक जात.
A one-hoofed animal. पञ्च० १;

कंदली. स्त्री० (कन्दली) ऐक्य गतनी इन्द्र.
एक प्रकार का कंद. A kind of bul-
bous root. उक्त० ३६, ६७; (२) केलनुं
आ३. केले का झाड़. a plaintain tree.
पञ्च० १; भग० २३, १; (३) लीली वनस्पति.
हरी वनस्पति. green vegetation.
आया० नि० १; १, ५, १२६;

कंदिय. पुं० न० (कन्दित) वियोगिनी स्त्रीनुं
इन्द्र. वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamen-
tation of a woman separated
from her husband. उक्त० १६, ५;
ओव० २१; नाया० १; पंचा० ७, १६;
(२) वाणव्यन्तर देवतानी ऐक्य गत.
वाणव्यन्तर देवता का एक जाति. a kind
of Vāṇavyantara (infernal)
gods. पञ्च० २; पण्ड० १, ४; ओव० २४,
प्रव० ११४५;

कंदु. त्रि० (कन्दु) षोडानुं वासायु; यत्ना
भभरा वजरे षुण्ठ्यानी इत्यादि. लोहे का एक

बरतन.; चने आदि भूजने की कढ़ाई. An
iron vessel; an iron pan to
bake grams etc. पण्ड० १, १; विवा०
३; — **सोल्लिय.** त्रि० (-पञ्च) यत्ना भभ-
रानी पेड़े तावधामां पकवेधुं. चने, फूली की
तरह घागमें पका हुआ. Cooked, baked
in the heat of the sun. “ कंदु
सोल्लियं पिव कट्सोल्लियं पिव अप्पाणं जाव
करेमाणा विहरन्ति ” भग० ११, ६;

कंदुकत्ता. त्रि० (कन्दुकता) इन्द्रुड नामनी
वनस्पतिनी भाव-स्वरूप. कंदुक नामकी
वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of,
nature of a vegetation named
Kanduka. सूय० २, ३, १६;

कंदुकुम्भी. स्त्री० (कन्दुकुम्भी) षोडानी इन्द्रा.
तावडी. लोहे की कढ़ाई; लोहे का बरतन.
An iron pan used to bake
bread etc. उक्त० १६, ४८;

कंदुरुक्क. न० (कन्दुरुक्क) ऐक्य गतनी धूपनी
सुगंधी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगंधी
पदार्थ. A kind of fragrant
incense. नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) नारडीने डिपण्ठ्यानी इन्द्रा.
नाराकयो के पैदा होनेकी कुम्भी. A pot-
like place where the hell be-
ings get their birth. सूय० १, ५, २, ७;

कंध. पुं० (स्कन्ध) अधि. कन्धा; स्कन्ध.
A shoulder. आया० १, ६, १, २२;

✓ **कंप.** धा० II. (कम्प) ध्रुजनुं; इम्पनुं.
धूजना; कंपना; थरथराना. To tremble;
to quiver.

कंपन्त. व० कृ० मृ० च० १, ११०;

कंपमाण. व० कृ० भग० ३, २;

कंप. पुं० (कम्प) इम्पारी; ध्रुजनी; थरथराहट.
Tremor; trembling. सम० ११;

कंपण. न० (कम्पन) इम्पनुं; ध्रुजनुं; हलनुं.

कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पि० नि० ५८०; अणुजो० १३०; —वाइअ. पुं० (-वातिक) कम्प-वानुं ६६; जेथी भरतक कम्प्या करे ओवे। देश. धूजने का बीमारी; वह बीमारी जिससे मिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. अणुत्त० ३, १;

कंपिल. पुं० न० (कम्पिल) कम्पिलपुर नामनुं इरुप्यायाद शुद्धानुं ओक नुनुं नगर डे जे दक्षिण पांचालदेशनी राजधानी इती अने त्यां द्रौपदीतो स्वयंवर थयो इतो. कम्पिलपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश का राजधानी था और जहां द्रौपदी का स्वयंवर रचा गया था. Name of an ancient town of Farukhābād district. It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-marrriage. पञ्च० १; निर्या० ६, २०; उत्त० १३, ३; (२) अन्तगड सूत्रना १ त्ता र्गना सातमा अध्यायननुं नाम. अंतगड सूत्रके पांडवे वर्गके सातवें अध्यायका नाम. name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (३)अन्यकवृत्तिना पुत्र सातमा दशार्ह देवे नेमनाथ प्रभु पासे आर परसनी प्रवज्या पाणी शत्रुंजय उपर ओक भासना संथारे। करी मोक्ष गया. अधकवृष्ण के पुत्र सातवें दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पाग बारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्ति पधारे. the 7th Daśārha, son of Andhaka Vṛiṣṇi. He practised ascotism for twelve years

under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation. अंत० १, ७;

कंपिलपुर. न० (काम्पल्यपुर) कम्पिलपुर नामे नगर. कंपिलपुर नामका नगर. Name of a city. “पंचालेसु जणवणसु कंपिल-पुरं णयरं तत्थ दुम्महारायां” नाया० १६; नाया० ४०६; भग० १४, ८; नाया० १; ८; १६; उवा० ५, १६३; ओव० ३६;

कंबल. पुं० (कम्बल) कम्बल; धातलो; कामलो. कंबल; कामल; शाल. A blanket. ओघ० नि० ७०६; निर्या० ७, ११; भग० २, ५; ७, १; ८, ६; १३, ६; विवा० २; पञ्च० १६; ५३; राय० २२६; नाया० १७; दय० ४; ६, २०; आया० १, २, ५, ८६; १, ७, १, १६७; वेय० १, ३७; जीवा० ३, ३; उवा० १, ५८; कम्प० ६, ५०; प्रव० ८७६; —कड. पुं० (-कट) कम्बल. a blanket. ठा० ४, ४; —किडु. न० (-कट) धातलो. कम्बल. a blanket. भग० १३, ६; —पाचार. न० (-प्राचार) कामलारूप ओटवानुं वस्त्र. कम्बल सरावा ओटने का वस्त्र. a blanket. निर्या० ५, ११;

कंबलग. न० (कम्बलक) कामल; कम्बल. A blanket; a rug. आया० २, ६, १, १४५;

कंबलय. न० (कम्बलक) धातलो; डेतनुं वस्त्र. कम्बल; ऊन का वस्त्र. A woolen blanket. प्रव० ६६२;

कंबु. पुं० (कम्बु) शंख शंख. A conch-shell जं० प० जीवा० ३, ३; पण० १, ४; ओव० १०; (२) कंबु नामे पांचमा देवदेवनुं ओक विमान डे जेमां वसता देवानुं आर सागरनुं आधुष्य छे. कंबु नामक पांचवें

देवलोक का एक विमान, जहां उत्तम होनेवाले देवताओं की आयुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras; (it is in the fifth Devaloka). सम० १२;

कंबुग्गीव. पुं० (कम्बुग्गीव) कंबुग्गीव नामे पांचभा देवलोकनुं ओके विमान के जेभा पसता देवानुं आर सागरनुं आयुष्य छे. कंबुग्गीव नामका पांचवें देवलोक का एक विमान, जहां के देवताओं की बारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sāgaras. सम० १२;

कंबू. स्त्री० (कम्बू) ओ नामनी ओके साधारण वनस्पति; कन्दमूलनी ओके जात. इस नामकी एक साधारण वनस्पति; कद मूल का एक जात. Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पत्र० १;

कंबोज. पुं० (कम्बोज) कम्बोज देश; काबुल देश. कम्बोज देश; काबुल देश. The country called Kambōja. राय० २३६;

कंबोज-अ. वि० (कम्बोज) कम्बोज देशना जन्मेस. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kambōja country. राय० २३६; " जहा से कंबोजाण आइछे कंथप् सिया " उत्त० ११, १६;

कंस. पुं० न० (कंस) कंस नामने ८८ अक्षराने २२ मे अक्षर. ८८ ग्रहों में से कंस नाम का २२ वां ग्रह. The 22nd planet of the 88. ठा० २, ३; सु० प० २०; (२) मथुराके राजा. मथुरा का राजा. name of a king of Mathurā. ठा० २, ३; परह० १, ४;—**कंस.** पुं० (—कंस्य) कंसानी ओके धातु. कंसी; एक धातु bronze.

उवा० ८, २३५; सू० २, १, ३६; उत्त० ६, ४६; जं० प० २, २४; पि० नि० ३३४; नाया० १; ७; भग० ८, ५; ६, ३३; पत्र० ११; दसा० ६, ५३; जीवा० ३, ३; गच्छा० ८८;—**पाई.** स्त्री० (—पात्री) कंसानी थाली. कंसे की थाली. a bronze utensil. " कंस पाईव व मुक्तोप् " ठा० ६; ओव० १७; उवा० ८, २३५, —**पाय.** पुं० (—पात्र) कंसानुं क्षम, कंसे का बरतन. a bronze pot. " कंससु कंस पायसु, कुंड मोयसु वा-पुणो भुजंतो असस पाणाइ आयरो परि-भस्मइ " दम० ६, ५३; कप्प० ५, ११६;

कंसणाभ. पुं० (कंसनाभ) त्रेतीसभा अक्षरानुं नाम. २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;

कंसताल. न० (कंसताल) कंसानुं ओके जातनुं वाजिन्त; कंसिया. कंसे का एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument made of bronze. आया० २, ११, १६८; राय० ८७; जीवा० ३, ३; —**सह.** पुं० (—शब्द) कंसियाने आवाज. कंसे के बाजे की आवाज. the sound of cymbals. निसी० १७ ३५;

कंसवराणाभ. पुं० (कंसवर्णाम) अट्ठावीसभा अक्षरानुं नाम. अट्ठावीसवें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस वराणाभा " ठा० २, ३; सू० प० २०;

कंसवर्ण. पुं० (कंसवर्ण) कंसवर्ण नामने अक्षर. कंसवर्ण नाम का ग्रह. A planet so named. " दो कंस वराणा " ठा० २, ३; सू० प० २०;

कंसिय. पुं० (कंसिक) कंसानुं वाजिन्त. कंसे का बाजा. A musical instrument of bronze. सु० च० १३, ४१;

कंसीय. न० (कंसीय) कंसानुं पात्र. कंसे का बरतन. A vessel of bronze.

पञ्च० ११;

ककारपविभासि. पुं० (ककारप्रविभक्ति)

३३२नी रचना वाला नाटक. ककार की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क." राय० ६३;

ककुद्. त्रि० (ककुद्) प्रधान. प्रधान. Any one that is prominent, principal. नाया० १७;

ककुह. स्त्री० (ककुह) राजचिन्ह; जेथी राजकी ओज्ज्वाला पड़े तेथी निशानी. राजचिन्ह; जिससे राजा पहिचाना जासके वह चिन्ह. Royal insignia. "राय ककुहा" टा० ५, १; नाया० १७; श्रव० १२; जं० प० ७, १६६; (२) अश्वदन्ती भुंघ. बेल का कंधा. a hump of a bullock. (३) पर्वतनी टोच. पर्वत का श्रृंग. a summit of a mountain. जं० प० ७, १६६; कण० ३, ३, ४;

कक्क. पुं० (कक्क) कपट; माया; पाप. कपट; माया; पाप. Deceit; sin. सम० ४२; भग० १२, ५; पगद० १, २; (२) सुगंधी पदार्थ; ओझ कपायत्रा द्रव्यतो उद्भाषो के जेना पीडीमां उपयोग थाय छे ते. ओझाद्रिक द्रव्ये शरीरनुं उगटानुं करवुं ते. सुगंधी पदार्थ; एक कर्पला पदार्थ का उकालकर (पांठा) मर्दन करने के लिये बनाये हुए लेप में डाला जाता है वह; सुगंधी पदार्थ का शरीर का उवदन. a fragrant substance; a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhra etc. "कक्क उववलणयं" सूय० १, ६; १५; भग० १२, ५; आया० २, २, १, ६७; निसी० १, ६; दम० ६, ६४;

कक. पुं० (कक) ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक भूषणनुं नाम. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक

महल का नाम. Name of a palace of Brahmadatta Chakravarti.

"उच्चोदण्णं महुककेयं बभे" उत्त० १३, १३; **कककुरया.** स्त्री० (कककुरका) धुंलथी भिन्नने छेतरवुं ते. दंभ से दूसरों को ठगना. Deceiving others by means of false tricks. प्रव० १११;

ककड. त्रि० (कर्कश) अरुअरु. कर्कश; कठोर. Rough; harsh. क० प० ४, ४५;

ककडग. पुं० (कर्कटक) डांडी; शाकनी ओझ भत. ककडी. A cucumber; a kind of vegetable. पंचा० ५, २८; —जल. न० (—जल) डांडी तथा अश्रुया पगेरेमां थि नीकगुनुं पाली. काकडी तथा खरबूजा वगैरह में से निकलता हुआ पानी. the water that comes out of cucumber etc. प्रव० २०६;

ककडय. न० (कर्कटक) दौड़ता घेड़ाना पेटमां उलझता वायु. दौड़ते घोड़े के पेट में उलझता वायु. The gases that play in the stomach of a running horse. भग० १०, ३;

ककडिगा. स्त्री० (कर्कटिका) डांडी. ककडी. A cucumber. पंचा० ५, २६; १०, २४;

ककडी. स्त्री० (कर्कटी) डांडी. काकडी. A kind of vegetable; a sort of cucumber. पि० नि० १६६; प्रव० २१०,

ककव पुं० (कर्कव) उद्भाषित शेरडीना रस. आटाया गरम किया हुआ सांठे का रस. Boiled juice of sugarcane. पि० नि० २८३;

ककर. पुं० (कर्कर) जेने यावनां करकर थाय तेथी वस्तु. जिसे चबाने से करकर हो ऐसा पदार्थ. A substance which produces a cracking sound when chewed. उत्त० ७, ६; (२) डांडरी. ककर. a small stone. दमा० ७, १;

राय० २६; आव० ४, ४; —सअ. न०
(-शत) सैकड़ों डांडरा. सैकड़ों कंकर.
(with) hundreds of pebbles.
विवा० २;

कक्करण्या. स्त्री० (कक्करण) शय्या उपधि
वगेरेमां दोष क्लेशी पण्यथाट करतुं ते.
शय्या, उपधि आदि में दोष निकालकर बड़ र
करना. Loquaciously finding
fault with environments such
as a bed etc. टा० ३, ३;

कक्करय. पुं० (कक्करक) सुभिक्षादिना हेतु
शीघ्रपया. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना. (Giv-
ing instructions into the reasons
for proper alms-begging etc.
निसी० १३, ८;

कक्करी. स्त्री० (कक्करी) गगर. गगर. A
round metal pot. जावा० ३, ३;

कक्कस. त्रि० (कक्केश) कड्ढ; आकड़. कठिन;
कडा. Hard; severe. “विपुला कक्कसा
पगाढावंडा दुहाहिवा दुहाहियासत्ति”
विवा० १, १; सु० च० २, ३८०;
भग० ७, ६; ३३; दस० ८, २६; उवा० २,
१०७; टा० ६; आया० २, ४, १, ६३३,
(२) अरुअरुं; कड्कश. कक्कश; खुदरा.
rough; harsh, गच्छा० ५४; राय० २८२;

कक्कावंस. पुं० (कक्कवंश) ओक गतनी वन-
स्पति; वांसनी ओक गत. एक जाति की
वनस्पति; वांस की एक जाति. A kind
of vegetation so named; a kind
of bamboo. भग० २१, ४;

कक्केयण. पुं० (कक्केतन) ओक गतनुं रत्न;
भक्षि. एक जाति का रत्न; मणि. A kind
of gem; a jewel. “आगासकेसकज
कक्केयण इंदुणील अयसि कुसुमपपासे”
राय० जं० प० कण० ३, ४५;

कक्कोडई. स्त्री० (कक्कोटकी) कडोयानी वेल.

ककुम्बर की लता; ककोटे की वेल. Name
of a creeper; a species of cu-
cumber. पन्न० १;

कक्कोडय. पुं० (कक्कोटक) वेलंधर गतना
देवतानुं नाम. वेलंधर जाति के देवता का
नाम. Name of a god belonging
to the Velandhara kind of
gods. भग० ३, ६; ७; (२) कडोटक देवने
रेडियाना पर्वतनुं. नाम. उस पर्वत का नाम
जहां कक्कोटक देव रहता है. name of
the mountain abode of the
Karkotaka. जावा० ३, ४; (३) अनुवेलं-
धर देवताना राजनुं नाम. अनुवेलंधर देवता
के राजा का नाम. name of the king
of the Anuvelandhara kind of
gods. जावा० ३, ४; (४) लवण समुद्र-
मां पूर्व दिशायें गेतावीश दूजन देवगन
उपर आवेअ आयुवेअंधर देवतो आवास
पर्वत. लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर
४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेलंधर देव-
ताओं का निवास पर्वत. name of the
mountain-abode of the Anuve-
landhara gods situated at a
distance of 12000 Yojanas in
Lavana Samudra in the east.
टा० ४, २;

कक्कोल. पुं० (कक्कोल) ओक गतनुं फल.
एक जाति का फल. A kind of fruit.
पण्ह० २, ५;

कक्कख. पुं० (कक्क) क्षाप; अगल बगल; कांख.
An arm-pit. नाया० २; १६; भग० ३,
२; ५, ४; निसी० ५, ४१; जावा० ३, ३;
प्रव० ६७७; कण० ६, २६; —अन्तर. न०
(-अन्तर = कक्काया अन्तरं मध्यं कक्कान्त-
रम्) क्षापतो मध्य भाग. बगल का मध्य
भाग. the middle part of the

arm-pit. निर० ४, १; —देसभाग. पुं० (-देशभाग) स्तनपासे डाँपना मूल भाग. स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the arm-pit near the breast. नाया० २; —मेत्त. त्रि० (-मात्र) डाँप, अगल सुधी प्रभाष्यार्थ; अगल सुधी.

बगल तक मापवाला; बगल तक. reaching to the arm-pit. प्रव० ६७७; —रोम. न० (-रोम) डाँपना रोम. बगल के बाल. the hair of the arm-pit. “ परुडण हकेस कक्खरोमा अंति ” ओव० ३५; आया० २, १३, १७२; निसी० ३, ४६;

कक्खड. त्रि० (कर्कश) कठोर; अरुच्यपुं; कर्कश. कठोर; कर्कश; खरदरा. Hard; harsh; rough. “ एगेकक्खडे ” ठा० १, १; ओप० नि० ६२; अणुजो० १४१; पज० १; जावा० १, उत्त० ३६, १६; आया० १, ५, ६, १७०; पि० नि० ४२६; नाया० ६; भग० १, १; १४, ७; १५, १; १८, ६; २०, ५; ठा० १, १; कप० ६, ५६; क० प० ४, ६३; —फास०. पुं० (-स्पर्श) दृढस्पर्श; अरुच्योऽस्पर्श. कठिन स्पर्श; खरखरा स्पर्श. hard touch; rough touch. सम० २२; भग० ६, ६; ८, १; (२) त्रि० कडीलु स्पर्शवाला. कठिन स्पर्श वाला. feeling hard. दसा० ६, १; क० ग० ५, ३२;

कक्खडत्त. न० (कर्कशत्व) कठोरपणुं; कर्कशपणुं. कठोरता; कर्कशता. Hardness; harshness. भग० १७, २;

कक्खडा. ली० (कर्कशा) कठोर वेदना; दुःसह पीडा. कठोर वेदना, दुःसह पीडा. Hard acute pain. नाया० १;

कक्खा० ली० (कडा) डाँप; अगल-बगल;

कांख. An arm-pit. “उप्पीलिकक्खा ” विवा० १, ३; सूय० १, ४, १, ३; नाया० १; १६; ज० प० गच्छा० १२२;

कच्च. त्रि० (कृत्य) कर्तव्य; कर्त्तव्योऽय. कर्तव्य; करने योग्य. A deed; an action; a duty. राय० ३१;

कच्चायण. पुं० (कात्यायन.) कात्यायन पुत्र श्री प्रभवज्जना गोत्रजुंताम. कात्यायन के पुत्र श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम. Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātya. नंदी० २३; (२) वैशिक गोत्रनी शाखा. वैशिक गोत्र की शाखा. name of a branch of the Kausika family. ठा० ७, १; (३) वैशिक गोत्रनी शाखाभांति पुरय. वैशिक गोत्र की शाखा का पुरुष. a person belonging to the branch of the Kausika family. ठा० ७, १; (४) मूल नक्षत्रजुं गोत्र. मूल नक्षत्र का गोत्र. the family of the Mūla constellation. “जे कोसिया ते सत्त विहापणत्ता तंजहा ते कोसिया ते कच्चायणा” सु० प० ११; ठा० ७; —सगोत्त. त्रि० (-सगोत्र) कात्यायन गोत्रवाणुं. कात्यायन गोत्र वाला. Of Kātyāyana family. “मूलनक्खत्ते कच्चायण सगोत्ते पणत्ते” सु० प० १०; भग० २, १;

कक्खोलय. पुं० (*) प्याला; कटोरा. A cup. सु० च० ८, ६५;

कक्खु. पुं० (कच्छ) कच्छी; कच्छोटा. कांछ; कछोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

* जुओ १४ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vido foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; (२) डांडो. किनारा. a border; a margin; a bank. भग० १, ८; जं० प० १, ४; ६४; ३, ४२; (३) सीता नदी की उत्तरे नीलवंतपर्वत की दक्षिणे चित्रकूट वज्रारा पर्वत की पश्चिमे अने मालवंत वज्रारा पर्वत की पूर्वे महाविदेह क्षेत्र मानो अेक विजय. सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वज्रारा पर्वत के पश्चिम और मालवंत वज्रारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūṭa Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sitā. जं० प० (४) आरेक्षारक्षणी दंडाक्षेत्र प्रदेश. वह प्रदेश जिसके चारों बाजू जलसे ढंके हों. a place covered with water on all sides. (५) कच्छ विजयना वैताड्य पर्वतना नव कूटमांता ग्रीष्म अने सातमा कूटनुं नाम कच्छ विजय के वैताड्य पर्वत के नौ कूटों में से दूसरे और सातवें कूट का नाम. name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitādhyā mountain of Kaechhaviyaya जं० प० (६) थोडा जलनुं स्थान. थोड़े जलका स्थान. a place containing scanty water. नाया० १; —कूड. पुं० (-कूट) चित्रकूट वज्रारा पर्वतना आर कूटमांनुं तीनुं कूट-शिखर. चित्रकूट वज्रारा पर्वत के चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर. the third

of the four summits of the Chitrakūṭa Vakhārā mountain. जं० प० (२) मालवंत पर्वतना नव कूटमांता थोथा कूट-शिखरनुं नाम. मालवन्त पर्वत के नौ कूटों में से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain जं० प० —वक्तव्यया. स्त्री० (-वक्तव्यता) कच्छ विजय की वक्तव्यता-अधिकार. कच्छविजय का वर्णन. a description of Kaechhaviyaya.

कच्छ. पुं० (कच्छ) डाँध; अगल. बगल; कांथ. An arm-pit. भग० ३, ७; —कोह. पुं० (-कांथ = कक्षाणां शरीरावयवावशेषाणां कोथां दौर्गन्ध्यम्) डाँधमांती दुर्गन्ध. बगलकी दुर्गन्धी. stench proceeding from the arm-pit. भग० ३, ७;

कच्छगावई. स्त्री० (कच्छगावती) जुआ. “कच्छगावती” शब्द. देखो “कच्छगावती” शब्द. Vide “कच्छगावती” “दोकच्छगावई” जं० प० ठा० २, ३;

कच्छगावती. स्त्री० (कच्छगावती) अलाकूट वज्रारा पर्वत की पश्चिमे अने ब्रह्मवती नदी की पूर्वे अनेनी पच्छे महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र विशेष. ब्रह्मकूट वज्रारा पर्वत के पश्चिम और ब्रह्मवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय. Name of a region in Mahāvideha situated between Brāhmakūṭa Vakhārā mountain (westward) and Drahavati river (eastward). जं० प० —कूड. पुं० (-कूट) अलाकूट वज्रारा पर्वतना आर कूटमांनुं थोथुं कूट-शिखर. ब्रह्मकूट वज्रारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhārā mount.
जं० प०

कच्छुभ. पुं० (कच्छुप) कच्छुभो. कच्छुभा. A
tortoise. पञ्च० १; जं० प० पगह० १,
१; विवा० १; उत्त० ३६, १७१; जीवा० १;
नाया० ४; पि० नि ५६१; भग० ३, २; ७,
६; १२, ६; १५, १; (२) राहुनुं नाम.
राहुका नाम. another name of Rāhu
सू० प० २०;

कच्छुभरिगिय. न० (कच्छुपरिङ्गित) शय-
्यानी पेडे आगल के पाछल भरछुप्रभाणे
यादीने वंदना करे ते; वंदनाने ऐक दोष.
कछुवे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार
चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोष.
A fault connected with Vandanā (bowing); one who bows by
moving backward and forward
like a tortoise. प्रव० १५०;

कच्छुभाणी. स्त्री० (*) ऐक जलनी
पाणीमां ठिगती वनस्पति; केशरनुं अड.
एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाली
वनस्पति; केशर का झाड़. A kind of
aquatic plant; a saffron tree.
पञ्च० १;

कच्छुभी. स्त्री० (कच्छुपी) ऐक जलनुं
वाद्य०; पीछा. एक जाति का वाजित्र; वाणा.
A kind of musical instrument;
a kind of lute. “ अट्टसयं कच्छुभीणं ”
राय० ८८; जं० प० पगह० २, ५; नाया०
१७; ठा० ४, २; निसा० १७, ३५;

कच्छुवी. स्त्री० (कच्छुपी) छेडे पातनुं अने
वन्ने पछोनुं ऐवुं पुस्तक; पुस्तकता पांय
प्रकाशमानुं ऐक. किनारों पर पतली छार मध्य

में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से
एक. A book tapering at the end
and bulky in the middle; one
of the five varieties of books.
प्रव० ६७१;

कच्छु. स्त्री० (कच्छा) दाथीने छातीमां आंध-
वानी रासडी. हाथीकी छातमें बांधने की
रस्सी. A rope with which an
elephant is tied in the middle
part of its breast. श्रौव० ३०; भग०
३, ६; (२) महाविदेहनी अत्रीश विजय-
मांती ऐक. महा विदेहकी वत्सीस विजय में
की एक विजय. one of the 32 Vija-
yas of Mahāvideha. ठा० २, ३;

कच्छुय. पुं० (कच्छुक) अरुणवे; असने
रोग. खाजका रोग; खाज A kind of
disease which causes itching
sensation. निसा० ६, २२;

कच्छुरी. स्त्री० (कच्छुरा) धमासाने
गुच्छे. एक जातकी वनस्पति; धमासे का
गुच्छा. Name of a plant; a cluster
of the same plant. पञ्च० १;

कच्छुल. पुं० (कच्छूर) शुद्ध जलनुं ऐक
अड. शुद्ध जाति का एक झाड़. A kind
of bushy plant. पञ्च० १;

कच्छुलनारय. पुं० (कच्छुलनारद) कच्छुल
नामने नारद. कच्छुल नाम का नारद.
Nārada bearing the name
Kachchulhula. नाया० १६;

कच्छू. स्त्री० (कच्छू) अरुण-आण; छेडु-
रोग. खाज; खुजली; खाज का रोग.
Itch; itching sensation. जीवा०
३, ३; जं० प० भग० ७, ६;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कच्छुक. पुं० (कच्छुक) आङ्ग; अस्. खाज;
खुजली. Itching sensation. भग० ७, ६;
कच्छूल. त्रि० (कच्छूल) पुण्यलीला दर्श.
जिसे खाजकी बीमारी है वह. (One)
suffering from itch, scab etc.
विवा० ७; परह० ३, ५;

कज्ज. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन; धर्म;
कर्तव्य; क्रिया. काम; मतलब; कार्य; कर्तव्य;
क्रिया. A deed; an action; an
aim; a purpose; a duty. “किकज्जं
भरणत्ति जंतुकीरती तेणं” (पं० नि० भा०
४७; विशेष० ७१; ४२३; २११२; उत्त०
२५, ३८; ओव० २०; राय० २१०; सू०
प० ११; सु० च० १, ५७; जीवा० ३, ४;
भग० ११, ६; १२, ६; १८, २; ७; नाया०
३; २; ३; ५; ७; ८; आया० १, २, २, ७६;
दस० ७, ३६; उवा० १, ६; गच्छा० २२; ५६;
पंचा० ४, १७; ५, ३५; क० प० १, ४;
—अंतर. न० (-अंतर) प्रथम कहे हुए कार्य के
विना दूसरा कार्य; कार्यान्तर. work other
than the one said before.
पंचा० १२, ३०; —अभाव. पुं० (-अभाव)
कार्य की अभाव. कार्यका अभाव. absence
of action or purpose. विशेष० ७१;
—आवन्न. त्रि० (-आपन्न) कार्यपण्यो-उत्पत्ति
लावने प्राप्त थये. कार्य रूप को-उत्पत्ति
भाव को प्राप्त. (that) which has
reached the stage of effect or
result; (that) which has been
born. विशेष० ६०; —सिद्धि. स्त्री० (-
सिद्धि) कार्य की सफलता. कार्य की सफलता.
accomplishment of a purpose,

a deed विशेष० ३; —हेतु. पुं० (-हेतु)
कार्य की हेतु-निमित्त. कार्य का हेतु-निमित्त.
(with) a purpose or motive.
ठा० ४, ४; भग० २५, ७;

कज्जकारि. त्रि० (कार्यकारिन्) सार्थक;
सप्रयोजन. अर्थ युक्त; मतलब सहित. Hav-
ing meaning; full of meaning.
गच्छा० ४५;

कज्जता. स्त्री० (कार्यता) कार्यपण्य. कर्तव्य
पन. State of being a deed, a
result etc. विशेष० ११०;

कज्जल न० (कज्जल) आङ्गल; आङ्गल. अंजन;
कज्जल Soot used as collyrium
for the eyes. जं० पराय० ६०; पञ्च०
१७; ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १;
भग० २, १;

कज्जलंगी स्त्री० (कज्जलंगी) आङ्गली ३०-या
के शीसी. काजल की शीशी या डिब्बी. A
small box or vial in which eye-
collyrium is kept. ओव०

कज्जलपभा स्त्री० (कज्जलप्रभा) अंगु २५-ना
नैऋत्य पुष्पाना वनपंडली ओके वावडीनुं
नाम जम्बू वृक्ष के नैऋत्य कोन के वनखंड
की एक बावडी का नाम. Name of a
forest-well to the south-west
of Jambūvrikṣa. जीवा० ३, ४; जं० प०

कज्जसेण. पुं० (कार्यसेन) कार्यसेन नामे गण-
अवसर्पणना पांचमा कुलकर. गत अवसर्पिणी
के कार्यसेन नामक पांचवें कुलकर. The
5th Kulakara (a great leader
of men) of the past Avasarpinī,
named Kāryasena. सम० प० २२६;

* कज्जलावेमाण. त्रि० (*) पालीश्री

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

भराधने डुबतुं. पानी से भरा कर डूबता हुआ. Sinking down after being filled with water. निसी० १८, १८; आया० २, ३, १, ११६; —कज्जोवअ. पुं० (—काट्योपग) ८८ भांता छेतेरभां अहुनुं नाम. ८८ गृहों में से ७६वें ग्रह का नाम. name of the 76th planet. सू० प० २०; जं० प० ७, १७०; —कज्जोवग. पुं० (—काट्योपग) लुओ “कज्जोवअ” शब्द. देखो “कज्जोवअ” शब्द. vide “कज्जोवअ” टा० २, ३;

कटुअ-य. पुं० (कटुक) कडवे २८. कटु रस.

Bitter taste. सम० २२; भग० २, १;

कटु. पुं० (कट्वर) काश, यटली अथवा गरम मसाला. छाछ, चटनी या गरम मसाला.

Whey; a kind of sauce; spices used to season food. पि० नि० ६२१;

कटु. त्रि० (कृष्ट) हलथी भेटे. हल में खुदा हुआ. Ploughed. पि० नि० भा० १२; उवा० १, ३३;

कटु. पुं० (कष्ट) दुःख; मुकेशी. कष्ट; दुःख; कठिनाई. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा० ७; ८; नाया० ६; भक्त० १६४;

कटु. न० (काष्ठ) लाकड़ी; छड़. लकड़ी. Wood; stick; विवा० ७; पि० नि० भा० ७; निसी० ३, १; मु० च० १३, १६; भग० ७, ६; ६; १८, ७; आया० १, १, ४, ३७; १, ४, ३, १३५; २, १, ५, २६; नाया० १; ८; ६; १७; राय० २६; २६२; अणुजो० १०; १४६; दस० ४; ५, १; २, ३; पञ्च० १; पंचा० ७, ६; १८, १०; क० गं० १, १६; प्रब० २२१; जं० प० ५, ११२; ११४; —अंतर. पुं० (—अन्तर) लाकड़ा लाकड़ा भां अन्तर-विशेषता लकड़ी लकड़ी में भेद-विशेषता. the peculiarity of differ-

ent kinds of wood. टा० ४, १; —आहार. पुं० (—आहार) लाकड़ा खाद्यनार ऐक जंतने छेते; तलु छेदियवाले ७१. लकड़ी को खानेवाला एक जाति का कीड़ा; तीन इंद्रियवाला जीव. a three-sensed living being; a worm found in wood and eating wood उत्त० ३६; १३६; पञ्च० १; नाया० १३; —कर्म. न० (—कर्मन्) लाकड़ा केतरवानुं कार्य. लकड़ी कोरने का काम. engraving of wood. नाया० १३, १७; निसी० १२, २०; आया० २, १२, १७१; —कार. पुं० (—कार) सुतार. सुतार; बडई. a carpenter. अणुजो० १३१; —खाअ-य. त्रि० (—खाद —काष्ठं खादतीति काष्ठखादः) छष्ट भां लाकड़ा भां रेटेनार ऐक जंतने छेते. लकड़ी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कीड़ा. a kind of worm found in timber. टा० ४, १; —पाउया. स्त्री० (—पादुका) लाकड़ा की पाटली; आपली. लकड़ी की पादुका a sandal of wood “कटुया उपातिवाजरग्ग उवाहणत्तिवा” अणुत्त० ३, १; —पाउयार. पुं० (—पादुकाकार) लाकड़ा बनायेवाला. पादुका बनाने वाला. one who makes sandals of wood. पञ्च० १; —पास. पुं० (—पाश) लाकड़ा की पाशले. लकड़ी का पाश. a wooden die. निसी० १२, १; —भार. पुं० (—भार) लाकड़ा की भार. लकड़ी का भार. a load of wood. भग० ८, ६; —मालिया. स्त्री० (—मालिका) लाकड़ा की माला. लकड़ी की माला. a rosary of wood. निसी० ७, १; —मुद्रा. स्त्री० (—मुद्रा) लाकड़ा की पाटली लकड़ी की पाटली. a kind of wooden plank. “कटुमुद्रा मुहं बंधइ बंधना” गिर० ३३;

—रासि. पुं० (-राशि) लाकड़ाने। ढगडो। लकड़ी का ढेर. a heap of wood. भग० ८, ६; १५, १; —संथारोबगय. पुं० (-संस्तार-कोपगत) लाकड़ाना आसन छिपर भेरेल। लकड़ी के आसन पर बैठा हुआ. one seated upon a wooden seat. १५, १; —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका) लाकड़ानी गाडी. लकड़ीकी गाडी. a wooden cart. नाया० १; भग० १, २; २, १; विवा० १; —सिला. स्त्री० (-शिला—काष्ठं शिलेवायतिविस्ताराभ्यामिति काष्ठ-शिला) शिखानीपेड़े लांछु, पढोचुं अपने यपटुं लाकड़ानुं पाटीयुं. शिला की तरह लम्बा मोटा और चपटा लकड़ी का पट्टिया. a slab of wood. ठा० ३; आया० २, ७, २, १६१; —सिव. पुं० (-शिव) लाकड़ानी धोखी शिवनी मूर्ति लकड़ी की घडी हुई शिव की मूर्ति. a wooden idol of god Siva. प्रव० १६३; —सेज्जा. स्त्री० (-शय्या) लाकड़ानी शय्या-शेज्ज. लकड़ी की शय्या. a wooden bed. ठा० ३, ४; भग० १, ६; निर० ५, १; —हारअ. त्रि० (-हारक) लाकड़ा उपाडनारः कडीयारो. लकड़ी उठानेवाला; कठियारा. one who cuts wood and carries the pieces in bundles on his back. अणुजो० १३१;

कटभूअ. त्रि० (काष्ठभूत) काष्ठनी पेड़े नूतः येतन वगरनो. जड़; काष्ठ की नाई; अचेतन. Life less; inanimate. उत० १२, ३०;

कटवर. त्रि० (कष्टतर) अतिशय कष्ट. बहुत कष्टवाला. Very hard; very calamitous. विशेष० ३२४;

कट्टा. स्त्री० (काष्ठा) दशा; अवस्था. दशा; हालत. Stage; condition. जं० प० ५, ११४; (२) प्रमाण. प्रमाण. unit.

“कहकट्टा पोरिसीछावा ” सू० प० १;

कठिण. त्रि० (कठिन) कठलु; आकड़े; कर्कश. कठिन; कड़ा; कर्कश. Hard; difficult; rough. ओव० २१;

कड. पुं० (कट) सादसी. चटाई. A mat. अणुजो० १३१; १३३; ओष० नि० भा० २८८; (२) दाथीनुं गंडस्थल. हाथी का गंडस्थल. an elephant's temple. नाया० १; (३) भांयो, पलंग वगेरे. पलंग; खाट; इत्यादि. a cot; a bed etc. भग० १, ४; ८, ६; (४) पर्वतनो ओक भाग. पर्वत का एक भाग. a part of a mountain. नाया० १; (५) घास (कडा पन्गभी). घास. grass. भग० २३, १; ठा० ४;

कड. त्रि० (कृत) करेनुं; आचरेनुं; अनुष्ठान करेनुं. कृत; किया हुआ; अनुष्ठान किया हुआ; आचरित. Done; performed; practised. प्रव० ६, ६०; कप्प० ५, १२६; ६, २; राय० २६३; वव० ३, ६; ओव० ३४; सूय० १, ८, २१; उत्त० १, ११; वेय० ४, १४; नंदी० ४५; पि० नि० १०५; नाया० १; भग० १, ४; ७; १०; ३, १; ५, ३; ४; १७, ४; १८, ३; (२) चार, चारनी संख्यानो संकेत. चार २ की संख्या का संकेत quaternion; a set of four. सूय० १, २, २, २३; (३) सयित्ते अरडेनुं. सचित्त से लिप्त-लगा हुआ. bespattered by, carved by a living being. निस्सी० १२, १८;

कडअ. पुं० (कटक) भीत. दीवाल. A wall. जं० प०

कडंगर. न० (कडङ्गर) इलक्ष्म्य ओक जातनुं घास. फल रहित एक जाति का घास. A kind of grass. सु० च० ५, १५;

कडंब. न० (*) ओ३ जतनुं वाजिन्त्र. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

कडक्ख. पुं० (कटाक्ष) कटाक्ष. कटाक्ष; भ्रम-गादि हाव भाव. A glance; a side-long look. “ सकडक्ख दिट्ठिओ ” नाया० ६; सु० च० २, ६८३, तंदु० जावा० ३, ३; जं० प० ७, १६६; —दिट्ठि. स्त्री० (-दृष्टि) कटाक्षभरी नजर. कटाक्षभरा दृष्टि a look; sight full of glances. नाया० ६; राय० ११२;

कडक्खिय. त्रि० (कटाक्षित) कटाक्ष भरेक्ष. कटाक्ष से भरा हुआ. Full of glances. प्रव० १३००;

कडग. पुं० (कटक) दाथमां पड़ेरवानुं अपणु; ईडणु; कट. हाथमें पहिने का आभूषण; कंकणा; कटा. A bracelet “ वरकडग तुडिय थंभियभूण ” ओव० २२; जं० प० निर्मा० ७, ८; राय० २७; दया० १०, १; सु० च० १३, ४६; नाम० ३४; महावप० ८२; जावा० ३, ३; ४; मग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; नाया० १० ओव० १२; २२; पञ्च० २, कण० २, १४; ४, ६२; (७) समूह. समूह; कुंड. a group; a collection. जं० प० (३) सैन्य; लण्डर. फौज; सेना. an army. पगह० १, १; (४) नीतनुं गुण; पायो. दीवाल का मूल पाया. the base of a wall. जं० प० प्रव० ८७५; (५) पर्वतनी तट; तथेरी. पर्वत का पैदा; तला. the bottom of a mountain. नाया० १; (६) पर्वतनी उपक्षे लाय. पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a mountain. नाया० ५; (७) पर्वतनी

भेषधानो मध्यभाग. पर्वत का मध्यभाग. the middle part of a mountain. जं० प० —छेज्ज. न० (-छेद्य) सेताना आबुपणु तथा पर्वतना मध्य भागने छेदवानी कला. सुवर्ण का गहना तथा पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament. जं० प० ३, ४५; ५, ११५; नाया० १; —तट. न० (-तट) पर्वतनुं तणीयुं. पर्वतकी तला. the bottom of a mountain. नाया० १; —पल्लल. न० (-पल्लल) पर्वतनी पासैनुं तलाय. पर्वत के पासका तालाव. a lake situated near a mountain; a mountain-lake नाया० १; —बंध. पुं० (-बंध) कट आंधवी ते. कमर का बांधना; कमर बन्ध. girdling up the waist. “ कडगबंधेहिं खलिण बंधेहिं ” नाया० १०; —मदण न० (-मर्दन) सैन्य अथवा पत्थरथी मर्दन करेनुं ते सैन्य द्वारा अथवा पत्थरों से मर्दन नाश करना मारना. pounding, destroying by means of stones; destroying by means of an army. पगह० १, १;

कडगिदाह पुं० (कटागिदाह) ओ३ श्वाला वांशते अग्नि वडे आयवुं ते. दो फांकों वाले बांस को अग्नि द्वारा जलाना Burning, kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two. (२) आग्न पाण्डुरथी कट नाम-नुं घास पीटादीने सजगावी मुकुं ते. कट नामक घास को चारों ओर लपेट कर जला

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. सम० ११; कडजुम्म. पुं० न० (कृतयुग्म-कृतसिद्धं पूर्ण-ततः परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न ऋजः प्रभृतिवदपूर्णं यत् युग्मं समराशि-विशेषः तत्कृतयुग्मम्) जे संख्याने यारे भागतां शून्य शेष रहते ते संख्या; जेम के १६. जिस संख्या में चार का भाग देने से शून्य रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—कडजुम्म. पुं० न० (-कृतयुग्म) लाव्य संख्या अने लब्ध संख्या ओ अन्तेने यारे भागतां शून्य शेष रहते ते संख्या; जेम के १६ नी संख्या. वह संख्या जिस को ४ से भागने पर शून्य शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने पर भा शेष शून्य रहता है; जैसे १६ का संख्या. any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four; e. g. 16. भग० ३५, १; —कलिओग-य. पुं० (-कल्योज) जे संख्याने यारे भागतां ओके शेष रहते अने लब्ध संख्याने यारे भागतां ओके शेष न रहते तेनी संख्या; जेमके सत्तरनी संख्या. जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने से कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by divi-

sion when divided by four. leaves no remainder; e. g. 17. भग० ३५, १; —तेओग. पुं० (-व्योज) जे संख्याने यारे भागतां त्रय शेष रहते अने लब्ध संख्याने यारे भागतां ओके शेष न रहते तेनी संख्या; जेमके ओगळीशनी संख्या. जिस संख्या को चार से भागने पर तीन बचे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने पर कुछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १९. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 19. भग० ३५, १; —दावरजुम्म पुं० (-दापर युग्म=यो राशिः प्रतिपमयं चतुष्कापहारेणा पहियमायो द्विपर्यवसानो भवति तत्सम-याश्चतुःपर्यं वासिताएवेति । असौ अग्रहिय माणापेक्षया द्वापरयुग्मः) जे संख्याने यारे भागतां शेष ओ रहते अने लब्ध संख्या ने यारे भागतां शेष न रहते तेनी संख्या; जेम अठारनी संख्या. जिस संख्या में चार का भाग देने पर शेष दो रहे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने से शेष कुछ न रहे ऐसी संख्या; जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 18. भग० ३५, १;

कडपूयणा. स्त्री० (कडपूतना) कडपूतना नाम-नी देवी. कडपूतना नाम की देवी. Name of a goddess. विशेष० भा० २५, ४६; * कडप्प. पुं० (*) समूह. समूह; मुंड.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

A group. सु० च० २, १३१;

ॐ कडभू. पुं० (कडभू) ओ नामने ओइ इंद इस नाम का एक कंद. A kind of bulbous root. पत्र० १;

कडय. न० (कडक) शेरडी, गजर, पगेरेना, सांझ; इत्यादि. जुहार वगैरह के सांठा A stalk of sugar-cane, millet etc. आया० २, १०, १६६;

* कडयडिय. त्रि० (*) पाछु इरेन. पीछे फिरा हुआ. Retreated; stopped back. सु० च० ८, १६;

कडसकरा. स्त्री० (कडशर्करा) बांस की पीली-शरी. बांस की सलाई कील. A peg made of bamboo. विवा० ६;

कडाय. पुं० (कडतायास) संथारा इतना साधुनी सेव. लक्ष्मि इतना साधु. संथारा करने वाले साधु की सेवा भक्ति करने वाला साधु. An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santhārā (giving up food and water). भग० २, १;

कडाली. स्त्री० (कडालिका) घोड़ना स्थाने पग टेकवाने पदोत्तनी ओ आंखों से लटकते पायों. घुड़सवार के पांव टिकाने के लिये जान के दोनों ओर लटकते हुए रकाव. A stirrup. अणुत्त ३, १;

कडासन न० (कडासन) आसन, परथणु. आसन; बिछोना. A seat consisting of a mattress, carpet etc. “उगहणं च कडासनं एवमुजाणिजा ” आया० १, २, ५, ८६;

कडाह. पुं० (कडाह) लोहानु हाथ; कडाह.

लोहे का बरतन; कडाह; An iron vessel; a cauldron. “ दृष्टं सुलिप कडाहे ” पि० नि० ५५२; उवा० ३, १२६; १३२; १४७; अणुत्त० ३, १; जीवा० ३, १; भग० ८, ९; (२) डाँखानी पीठ. कछुए की पीठ. the back of a tortoise. अणुत्त० ३, १; (३) पांसलिन दाँडा. पसली की हड्डियाँ. the ribs. प्रव० १३८३;

कडाहय. पुं० (कडाहक) लुओ उपलो शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above. उवा० ३, १२६;

कडि. स्त्री० (कटि) डेढ़; डभर. कमर. The waist. “ घणकडित्तच्छायं ” ओघ० नि० भा० २५६; ३१५; पि० नि० ४२६; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३; भग० १, ६; ओव० १०; जं० प० नाया० २; १८; निर० ३, ४; —बंध. पुं० (—बंध) डेढ़े आध्यानी दोरी; इंदोरे कमर पर बांधने का दोरी; कंदोरा. an ornamental belt for the waist. ओघ० नि० भा० ३१६; —बंधण. न० (—बंधन) डेढ़े आध्यानु पद; अरोरा. कमर पर बांधने का वस्त्र; कमरबंध. a cloth for the waist. “ सेकपड कडिबंधण धारित्तण ” आया० १, ७, ७, २२३; —भाग. पुं० (—भाग) डेढ़ो भाग; इंदी प्रदेश. कमर का हिस्सा; कटिप्रदेश. the portion of the waist; the waist. प्रव० ५४१; —सुत्त. न० (—सूत्र) डभरपटो; इंदोरे; डेढ़ो धरेणु. कमरपट्टा; कंदोरा; कमर का गहना; an ornamental belt for the waist. “ कडिसुत्त सुकयसाहे ” जं० प० सम० प० २३८; ओव० २७; कण०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

४, ६२; —सुत्तग. न० (-सूत्रक) केडनी
दोरी; कंदोरो. कमरकी दोरी कंदोरा. a thick
thread worn round the waist.
राय० १८६; —सुत्तय. न० (-सूत्रक)
जुओ “ कडिसुत्तग ” शब्द. देखो “ कडि-
सुत्तग ” शब्द. vide “ कडिसुत्तग ”
नाया० १;

कडि. पुं० (कटिन्) साद्रीयालो. चटाई वाला.
One having a mattress. अणुजो०
१३१;

कडिअ. त्रि० (कटित) साद्रीया दंडित.
चटाईसे ढंका हुआ. Covered with a
mat. कण० ६, २;

कडिअकडि. त्रि० (कटितकटिन्) साद्रीया
पटानी साइड ओर भीन साथे मजेल;
अत्यन्त निच्छिद्र. चटाई के पटों की तरह
परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अत्यन्त
निच्छिद्र. Interlinked like the
strips of a mat; having no hole.
“ घणकडिअकडिअण ” ओव० ३;

कडिण. पुं० (*) बांसमां छत्पल थुं
ओर नतनुं घास के गेथी इल गुंथाय छे.
बांस में उत्पन्न होने वाला एक जाति की
घास, जिससे फूल गुंथे जाते हैं. A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers.
सूय० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) केड; कम्भर. कटि;
कमर. The waist. प्रव० ५४२; —दोर.
पुं० (-दोरक) केडनो दोरो कंदोरो. कमर
का दोरा; कंदोरा. a lace worn round
the waist. प्रव० ५४२;

कडियल. त्रि० (कटितल) कम्भर. कमर.

The waist. सु० च० २, ३७४;

कडिल. पुं० न० (कटिल) केडनो; भेदी
कटाई. कटाई; बड़ा कटाई. A large
cauldron. अणुजो० १३४; ओष० नि०
५२; उवा० २, ६४;

कडु. त्रि० (कडु) केडनुं; केडनारसवाणुं. कडु;
कडुआ. Bitter. (२) पुं० केडनो रस.
कडुआ रस. bitter juice. ओष०
नि० भा० १४२; विशेष० ८६५; क० गं०
१, ४१; उत्त० ३६, १८; जं० प० ७, १२१;
—विवाग. त्रि० (-विपाक) केडनुं;
केडनुं इल. कटोर फलदायी;
कडुआ फल. (one) having bitter
fruit or result. पचा० १२, १७;

गडुइया. स्त्री० (कटुका) केडनी तुंगरीनी वेत.
कडवा तुम्बी की लता. A creeper of
gourd bitter in taste. पचा० १;
कडुग. त्रि० (कटुक) केडनुं. कडु; कडवा.
Bitter. पंचा० ६, २२;

कडुल्लुग. पुं० (*) धूपनो केडनो. धूप
का चिमचा; धूपदानी. A large ladle
made of iron etc. used to burn
incense; an incense pot. जं० प०
५, १२०;

कडुल्लुय. पुं० न० (*) केडनो; केडनी.
चिमचा; कडुआ. A large ladle made
of iron etc. used in cooking.
जं० प० ५, १२; ३, ४३; जीवा० ३, ४;
राय० १७५; भग० ५, ७; ८, ६; निर० ३, ३;
कडु-य. त्रि० (कटुक) केडनुं. कडुआ.
Pungent; bitter. जं० प० ओव० २०;
ठा० ३, १; अणुजो० १३१; दस० ५, १,
६७; सू० प० ११; आया० १, ५, ६, १७०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

पञ० १, नाया० १, १६, १७; विद्या० १;
 राय० २८३; उत्त० ३४, १०; जीवा० ३, १;
 भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ४; क० गं०
 १, ४२; कण्प० ४, ६५; ६, ५६; (२)
 पुं० ३३वे। २२२. कडुआ. bitter juice.
 (३) अशुभ. अशुभ. inauspicious.
 दस० ४, १; —तुम्बी. स्त्री० (-तुम्बी)
 ३३वीं पुं०। कटु तुम्बी. a bitter gourd.
 नाया० १६; —भासिणी. स्त्री० (-भाषि-
 णी) ३३वें भोजयावादी, (स्त्री.) कटु
 वचन बोलने वाली (स्त्री.) a woman
 speaking bitter words. ठा० ४, ४;
 —रस. पुं० (-रस) ३३वे। २२२. कटु
 रस. bitter juice. भग० ८, १;
 —रुक्म. पुं० (-रुक्म) ३३वारस वातुं
 आ३. कटु रस वाला फाड़. a tree, bitter
 in taste. भग० १५, १; —वयण. न०
 (-वचन) ३३वें पयन. कठोर वचन.
 bitter words. नाया० ११; —वल्ली.
 स्त्री० (-वल्ली) ३३वीं वेद. कडवा लता.
 a creeper, bitter in taste. भग०
 १५, १;

कडुव. न० (*) ऐक मत तुं वाण्व.
 एक जाति का बाजा. A kind of
 musical instrument. राय० ८८;
 कडुसगन्धण. न० (*) ऐक भाग सूत
 ऐक भाग जिन अने ऐक भाग काथी ऐ
 वाण्वना मिश्रणुथी अनावेद दोरे। एक भाग
 सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल
 की जटा इन तानों के मिश्रण से बनाई हुई
 रस्सी. A string or thread made
 of cotton, wool and coir mixed
 together proportionately. निसी०

५, ७४;

✓ कट्ट. घा० I. (कथ्) ३३वें. कहना. To
 tell; to say.

कटुति. पि० नि० ३१३;

✓ कट्ट. घा० I. (कृष्) ३३वें. खींचना.
 To draw. (२) ३३वें. खेडना. to till.

कट्टर. पि० नि० २८७; निसी० १८, १५;

कट्टिउं. सं० कृ० सु० च० ६, १७;

कट्टितु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कट्टत. पि० भि० ११४; मु० च० ७, १२६;

कट्टिजमाण. क० वा० व० कृ० राय० ७१;

कट्टावेति. प्रे० अंत० ३, ८;

कट्टावित्तु. ग० कृ० आया० २, १३, १७३;

कट्टण. न० (कर्षण) ३३वें. खींचना.

Drawing. (२) ३३वें खोदना; हलना.

tilling. "कट्टइर्कारसइ" पि० नि० ३८०;

मु० च० १५, ११६; पंचा० ५, ३७;

कडिढन. त्रि० (कृष्ट) ३३वें. खांचाहुआ.

Drawn; pulled पंचा० ७, ४०;

कडिढय. त्रि० (कृष्ट) ३३वें. खांचाहुआ.

Drawn; dragged. परह० १, १; क०

प० ४, १;

कट्टोकट्टा. स्त्री० (कृष्टापकृष्ट-कर्षणापकर्षण)

३३वें. ३३वें; ताण्वताण्व. खांचाखांच; खींचाखींच.

Tugging to and fro. उत्त० १६, ५२;

कट्टण. पुं० (काथन) ३३वें; उकाण्व. उबा-

लना; औटाना. Boiling. परह० १, १;

कठिअ-य. त्रि० (कथित) ३३वें; उकाण्व.

औटाय हुआ; उबाला हुआ Boiled.

ओष० नि० १४७; जीवा० ३, ३; भस०

४१; पि० नि० ६२४;

कठिण त्रि० (कठिन) ३३वें; भण्युन. दृढ;

मजबूत. Hard; strong. भग० ११,

६; ओव० ३८; सु० च० १, १४१; (२)
वांशनी सादडी; थटाध. बांसकी चटाई. a
mat; a bamboo mattress.
“इकड़ वा कडिखं वा जंतुयं वा” आया०
२, २, ३, १००;

कण. पुं० (कण) कण्टी; ओआना अडित
हाथ। खंडित चावल; कणी. Broken
grains of rice; broken grain.
उत्त० १, ५; आया० २, १, ८, ४८; जं०
प० ५, ११५; (२) सातमां अडनुं नाम.
सातवें ग्रह का नाम. name of the 7th
planet. सु० प० २०; ठा० २, ३;
—कुंडग. पुं० (- कुण्डक) हाथुवावा
कुसडा. दानेवाला भूसा; अन्न मिश्रित भूसा.
chaff containing grain. आया० २,
१, ८, ४८; —पूवलिया. स्त्री० (- पूव-
लिका) कणुमिश्रित रोटी. कणमिश्रित
रोटी. bread mixed with broken
grains. आया० २, १, ८, ४८; —वित्ति.
त्रि० (- वृत्ति) हाथु। विष्णुने तेना उपर
गुण्डरान यक्षावनार. दाणे चुनकर उसपर
निर्वाह करने वाला. one who supports
oneself by picking up scat-
tered grains. सु० च० १२, ५;

कखंद. पुं० (कनन्द) कनन्द नामका साधु.
कनन्द नामका साधु Name of a monk.
भग० १२, १;

कणक. पुं० (कनक) आणु. बाण An
arrow. सम०

कणकणअ. पुं० (कनकनक) नवमां अडनुं
नाम. नौवें ग्रह का नाम. Name of the
9th planet. सु० प० २०;

कणकणग. पुं० (कणकणक) गुणो “कण-
कणअ” शब्द. देखो “कणकणअ” शब्द
Vide “कणकणअ” “दो कणकणग”
ठा० २, ३;

कणकपाणि. पुं० (कनकपाणि) कणु-आणु
अथवा शारंग-धनुष्य जेना हाथमां छे ते
वासुदेव. कणक—बाण या शारंग—धनुष्य
जिसके हाथ में है वह वासुदेव. Vāsudeva;
lit. one with a bow or arrow in
his hand. सम० प० २३७;

कणग. न० (कनक) सुवर्ण; सोनुं. सुवर्ण;
सोना Gold. चं० प० १; राय० २२२;
आया० २, ५, १, १४५; जं० प० ७, १७०;
सु० न० २ ५६३; पिं० नि० ८०; ४०६;
नाया० १; ६; १८; भग० ३, १; ८, ५; ६,
३३; ११, ११; २१, ४; उवा० १, ७६;
कण० ३, ३६; ४४; (२) धृतद्वीपना देव-
तानुं नाम. धृतद्वीप के देवता का नाम.
name of the deity of the Grita
Island. जीवा० ३, ४; सू० प० १६;
(३) रेखा-दीप्ति यगरतो तेजतो गोणो.
रेखा रहित प्रकाश वाला गोला. a ball of
light without any lines upon
it. ओव० नि० भा० ३१०; (४) चार
इन्द्रियवालो ओक जीव. चार इन्द्रिय वाला एक
जीव. a kind of four-sensed liv-
ing creature. पञ्च० १; (५) ओक
जंतुं आणु. एक जाति का बाण. a kind
of arrow. पण० १, १, ३; (६) ओक जंतुं
वाणत्र. एक जाति का बाजा. a kind
of musical instrument. जं० प०
—कंत. न० (- कान्त = कनकस्यैव कान्तं
कान्तियेषां तानि कनककान्तानि) सोनानी
भाङ्क यमङ्कुं. सोनेकी तरह चमकता. glit-
tering like gold. निसी० ७, ११;
आया० २, २, १, १४५; —खचित. त्रि०
(- खचित) सोनाना तारधी ओडेव सोनेके तार
से जडा हुआ. fastened with, inlaid
with golden wires. निसी० ७, ११;
भग० ६, ३३; —चित्र न० (- चित्र)

सेनेरी चित्रामणु. सुनहरी चित्र-चित्राम.
pictures, drawings of gold.
निर्सी० ७, ११; —जालग. पुं० (—जालक)
सोनानी जाली; ओक जालतुं आभरण. सोने
की जाली; एक जाति का गहना. a kind
of gold ornament; a kind of
net of gold, जीवा० ३, ३; —णिगर
मालिया. स्त्री० (—निकरमालिका) ओक जालतुं
आभरण. एक जाति का गहना. a kind of
ornament. जीवा० ३, ३; —तिदुसय.
न० (—तिदुसक) सोनाता तारथी भियेव
हो. सोने के तार से बना हुआ गेंद. a
ball woven with gold wires.
विवा० ६; —तिलग. पुं० (—तिलक)
सोनातुं तिलक. सोने का तिलक. a mark
made on the forehead with
gold; an ornament of gold worn
on the forehead. जीवा० ३, ३;
—विचित्त. त्रि० (—विचित्र) सेनेरी
चित्रामणु. सुनहरी चित्राम वाला.
bearing pictures or drawings
of gold. नर० ७, ११;

कणगकूड. पुं० (कनककूट) विद्युत्प्रभ
वपारा पर्वतता नय दृढमानुं पांचमं कूट-
शिखर. विद्युत्प्रभ वपारा पर्वत के नौ कूटों
में से पांचवां कूट-शिखर. The 5th of
the 9 summits of the Vidyut-
prabha Vakhārā mountain. जं० प०
कणगकेउ. पुं० (कनककेतु) अहिच्छत्री नग-
रीना कनककेतुनामे राजा. अहिच्छत्रा नगरका
कनककेतु नामक राजा. Kanakakētu,
the name of a king of the city
of Ahichchatri. “ अहिच्छत्रा
नगरीण कणगकेउ नाम राजा होत्था ” नाया०
१४; १५; १७; (२) हस्तिनापुर नगरना कनक-
केतु नामे राजा. हस्तिनापुर नगर का कनक

केतु नामक राजा name of a king of
the city of Hastināpura. नाया० १७;
कणगजम्भय. पुं० (कनकध्वज) तेतील नग-
रना कनकध्वजराजने कणगजम्भयनामे पुत्र.
तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकध्वज
नामक पुत्र. Name of the son of
Kanakaratha king of Tetilpura.
नाया० १४; —कुमार. पुं० (—कुमार)
जुओ “ कणकजम्भय ” शब्द. देखो “ कणक-
जम्भय ” शब्द. vide “ कणकजम्भय ”
नाया० १४;

कणगपुर. न० (कनकपुर) कनकपुरनामे नगर.
कनकपुर नामक नगर. Name of a town.
विवा० २, ६;

कणगप्पभा. स्त्री० पुं० (कनकप्रभा) धृतराष्ट्रना
अधिपति देवतानुं नाम. धृतराष्ट्र के अधि-
पति देवता का नाम. Name of a
presiding deity of the Gṛhita-
dvīpa. सू० प० १६; जीवा० ३, ४; नाया० ४०५;

कणगमय. त्रि० (कनकमय) सोनातुं.
गोनेका; सुवर्ण का. (Golden; made of
gold. नाया० ८; १४; सु० च० १, २६७;
—तैदुसय. पुं० (—तिदुसक) सोनाता
तारथी भियेव हो. सोने के तार से बनाया
हुआ गेंद. a kind of ball made of
gold. नाया० १६; —पडिमा. स्त्री० (—प्र-
तिमा) सोनाती प्रतिमा-पुतणु. सोने की प्र-
तिमा-मुर्ति. a golden idol. नाया० ८;

कणगरह. पुं० (कनकरथ) तेतीलपुर नगरने
कनकरथ नामने राजा, के ते आवती चौवी-
सीमां पड़ेवा महापद्म तीर्थकर पास दीक्षा
देशे. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा
जो आगामीकाल की चौवीसी में पहिले
महापद्म तीर्थकर के पास दीक्षा लेगा. Name
of a king of Tetilapura who
will take Dikṣā from the first

Tirthankara in the coming Chovisi. नाया० १४; विवा० ७; ठा० ८, १; १०;

कण्णगलया. स्त्री० (कनकलता) कनक नाम की बेल-लता. Name of a creeper. भग० २०, ५; (२) यमरेंद्रना लोकपाल सोमनी भीष्म पट्टरानी. चमरेंद्र के लोकपाल सोम की द्वितीय पट्टरानी. the 2nd crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १;

कण्णगवियाणग. पुं० (कनकवितानक) कनक-वितान नामने अक्ष. कनकवितान नाम का ग्रह. Name of a planet. ठा० २, ३;

कण्णगसंताणग. पुं० (कनकसन्तानक) कनक-संतानक नामे ८८ भांने अक्ष अक्ष. कनक-संतानक नामका ८८ ग्रहों में का एक ग्रह. Name of one of the 88 planets. ठा० २, ३;

कण्णगसंताणय. पुं० (कनकसन्तानक) सतो-त्तरभां अक्ष नाम. ७७ वें ग्रह का नाम. Name of the 77th planet. "दोक-ण्णगसंताणय" सू० प० २०;

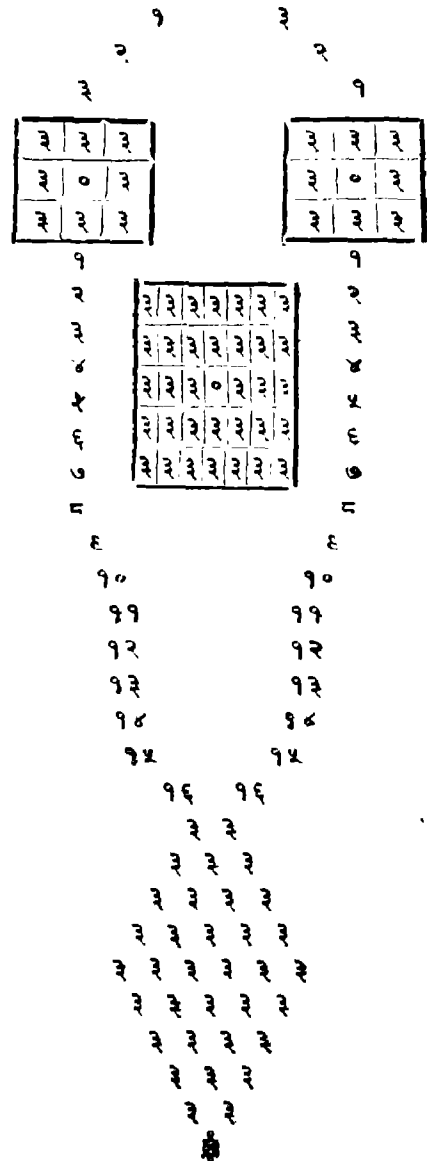
कण्णगसत्तरि. न० (कनकससति) सुवर्ण की दक्षिण पाणि आगलना वस्तु अक्ष लौकिक शास्त्र. सुवर्ण के इतिहास वाला भूत काल का एक लौकिक शास्त्र. An ancient science giving a description of gold. अणुजो० ४१;

कण्णगा. स्त्री० (कनका) कनका देवी. कनका देवी. Name of a goddess. नाया० ५० ५; (२) राक्षसना चन्द्र भीमनी त्रीष्म पट्टरानी. राक्षस के इंद्र भीम की तिसरी पट्टरानी. the third crowned queen of Bhīma, Indra of the Rākṣasa. ठा० ४, १; भग० १०, ५; (३) यमरेंद्रना लोकपाल सोमनी पट्टेरी पट्टरानी. चमरेंद्र का लोकपाल सोम

की पहिली पट्टरानी. the first crowned queen of Soma the Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १;

कण्णगामय. त्रि० (कनकमय) सुवर्णनुं अनेद; सुवर्णमय. सोने का बनाहुआ स्वर्णमय. Golden; made up of gold. जं० प० ४, ७२;

कण्णगावलि. स्त्री० (कनकावलि) अक्ष प्रकारना तपने समूह नेनी स्थापना कनकावलि-हार ने आधारे धाय छे ते आभरण—



आ ङाष्टकमां चार परिपाटी (ङकडा) छे. तेमां पहिली परिपाटीमां ओक उपवासथी शरू करी छह अने अहम (त्रयु उपवास) सुधी रहडी आह अहम करी वली ओक उपवासथी सोल उपवास सुधी यगववा. गीछ परिपाटीमां योत्रिथ अहम करवा. त्रीछ परिपाटी पहिली परीपाटीथी उलटी रीते करवी ओटवे सोलथी धटाडी ओक सुधी आनी आह अहम करी अहम, छट अने ओक उपवास करवा. योथी वय्येगी परिपाटीमां योत्रिथ अहम करवा अकेक परिपाटीमां ओक वरस पांच भांस अने चार दिवस लागे. चारेमां पांच वरस नव भांस अने अहारदिवस लागे एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकावलिहार की तरह किया जाता है जैसे:— इस कोष्टक में चार परिपाटी (लडे ह) उनमें की पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारंभ कर छट और अट्टम (तीन उपवास) तक बढ़कर आठ अट्टम किये जाते हैं, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक बढ़ता बढ़ता है. दूसरी में पहिली परिपाटीके विरुद्ध सोलह उपवास से घटकर एक उपवास तक करके आठ अट्टम करते हैं और अट्टम छट तथा एक उपवास करते हैं चौथा मध्य की परिपाटीमें ३४ अट्टम करते हैं. एक एक परिपाटी में एक वर्ष पांच मास और बारह दिन लगते हैं. चारो परिपाटियां करने में पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिन लगते हैं. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. ओव १६; प्रव० १५४२;

कणगावलिपविभक्ति. पुं० (कनकावलिप्रविभक्ति) ओक गतनुं नाट्य. एक जाति का नाट्य - नाटक. A kind of drama. राय० ६१;

कणगावली. स्त्री० (कनकावली) पांच वरस नवभास अने अकारा दिवसमां थनुं ओक तप के जेनी आंङाभां स्थापना करतां कनका वलिनो आकार थाय छे के जे कलुकावलि शब्दमां दर्शावेस छे. पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसकी अंकों में स्थापना करने से कनकावलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनकावलि शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace. अंत० ८, २; निर० ७, ८; (२) ङाङमां पहिरवानो सोनानो हार. गले में पहिनने का सुवर्ण का हार. a gold necklace. नाया० १; भग० ११, ११;

कणयञ्ज. पुं०. (कनक) सोनुं, सुवर्ण; सोन। (Gold. भग० १, १; २, ५; नंदी० १३; सू० च० १, ३१; नाया० १; (२) आहमा अहनुं नाम. आठवें ग्रह का नाम. name of the eighth planet. सू० प० २०; —कमल. न० (-कमल) सोनानां कमल. सोने का कमल. a golden lotus. प्रव० ४५३; —खच्चि. पुं० (-खचित) सोनाना तारथी लरेत. सोने के तार से जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया० १; —दंडिया. स्त्री० (-दण्डिका) सोनानी छडी नानी डाकडी. सोने की छडी-छोटी लकडी. a small stick of gold. जं० प० ३, ४८; —वज्र. त्रि० (-वर्ण) सोना जेवा रंग वाला. जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो. of the

colour of gold सु० च० २, ६५;
—सेल० पुं० (-शैल) मेरुपर्वत; सोनाने
पर्वत. मेरु पर्वत; सुवर्ण का पर्वत. the
Meru mountain; the mountain
of gold. सु० च० २, ४६६;

कण्वमय. त्रि० (कनकमय) सुवर्णमय.
सुवर्णमय. Golden; full of gold. जं०
प० १, १४; प्रव० १२४३;

कण्वर. पुं० (करवीर) इक्षुर नामनुं शुद्ध
जलितुं जा०. कनेर नाम का शुद्ध जाति का
झाड़. Name of a tree. पञ्च० १;

कण्व्या. स्त्री० (कनका) चमरेन्द्रना लोकपाल
सोमनी इनका नामनी मुख्य देवी. चमरेन्द्र के
लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी.
The principal queen of Soma,
the Lokapāla of Chamarendra.
भग० २०, ६;

कण्वार. पुं० (कणेर) इक्षुरनुं जा०. कनेर
का झाड़. Name of a tree. आया०
२, १६, १७६;

कण्व. पुं० (कणव) इक्षु नामनुं अेक जल-
नुं घांस. कणव नाम की एक जाति की घास.
A kind of grass. भग० २२, ५;

कण्विस्तार. पुं० (कण्वितानक) दशमां
अक्षु नाम. दशवें ग्रह का नाम. Name
of the 10th planet. सू० प० २०;

कण्वीर. पुं० (कणवीर) इक्षुरनुं पक्ष. कनेर
का झाड़. Name of a tree called
Kanera. राय० ५७; जीवा० ३, ४;
पण्ड० १, ३; जं० प० ५, १२२; (२)
इक्षुरनुं पक्ष. कनेर का फूल. a flower of
the Kanera tree. पण्ड० १, ३;

कण्विक. पुं० (*) अेक जलतो भन्त.

एक जाति का मच्छ. A kind of fish.
पञ्च० १;

कण्वि. त्रि० (कनिष्ठ) न्दानो; लघु. छोटा;
लघु. Small; young; youngest.
पिं० नि० ५११; गच्छा० ६०;

कण्विद्वय. त्रि० (कनिष्ठक) न्दानुं; लघु.
हलका; छोटा. Small; younger. क०
गं० ५, ३८;

कण्विया-आ. स्त्री० (कणिका) अेक जलनी
बीजा. एक जाति की बीजा. A kind of
lute. जीवा० ३, ३; (२) जैयानी इक्षु-
चावल की कर्ना. broken grains of
rice. पिं० नि० २४६; तंदु०

कण्वियार. पुं० (कर्षिकार) थानिकुमार देव-
तानुं इक्षुर नामे चैत्य वृक्ष. स्तनितकुमार
देवता का कनेर नाम का चैत्य वृक्ष. A
garden tree of the god Thani-
takumāra, named Kanera टा०
१०, १; नाया० ६; (२) इक्षिकार नामना
साधु. कर्षिकार नाम के साधु. name of
a saint. भग० १५, १;

कण्विर. त्रि० (*) रागवाना स्वभाववानुं.
दुखेन वाला स्वभाव वाला. Having the
nature of being hurt or cut.
सु० च० २, ४६; ३२१;

कण्वियस्. त्रि० (कनीयस्) न्दानो; कनिष्ठ.
छोटा; कनिष्ठ. Young; small; young-
er. अंत० ३, ८; उवा० ३, १३४; कप्प० ८;

कण्वग. न० (कण्वक) आंभमां पडेलुं कण्व.
आंभ में गिरा हुआ कण्व. A particle
of dust etc. entering the eye.
पंचा० १८, १०;

कण्वय. न० (कण्वक) इक्षु; २७४कथु; २७४.

कण; रजकण; रज. Particles of dust.

“सुकण्ठयं” आया० २, १, ८, ४३;

करण. पुं० (कर्ण) क्षान्. कान. An ear.

विवा० २; नाया० १; ८; १४; १६; भग०

३ ७; १२, १; आया० १, १, २, १६;

राय० ४०; अणुत्त० ३, १; जं० प० ५,

११४; १२५; उवा० २, ६४; —अंतर.

न० (-अन्तर) भे क्षान् वस्तेषु अन्तर.

दोनों कानों के बीच का अंतर. the dis-

tance between the two ears.

विवा० १; —आयय. त्रि० (-आयत)

क्षान्मुभी क्षम्भावेक्ष. कान तक लम्बा खींचा

हुआ. anything long enough to

reach the ears. जं० प० ३, ४५.

भग० ५, ६; ७, ८; —गय. पुं० (-गत)

क्षान् संलगायेक्ष. कान से सुना हुआ.

(anything) heard. “करणगया

हुम्माणिभं जहन्ति ” दस० ६, ३, ८;

—च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न—छिन्नकर्ण)

क्षान्कटक्षे; क्षेता क्षान् छेदाया छेते. कानकटा;

जिमका कान कटा हुआ है वह; छिन्न कर्ण.

(one) with ears cut. आया० २,

४, २; १३६; —च्छेद्य. न० (-च्छेदन)

क्षान्नुं छेदन. कान का छेदना. cutting

off or piercing of ears नाया० २;

—धार. पुं० (-धार) नाटीक्ष. मल्लाह;

नाविक. a sailor; a boat-man. नाया०

८; ६; १७; —पीठय. न० (-पीठक)

क्षान्नुं धरेषु. कानका गहना. an ear-

ornament. “कुंडल मट्ठगंडयज कण्ठ

पीठधारी ” पञ्च० २; भग० १५, १; ठा०

६; ओव० २२; —पूर. पुं० (-पूर) क्षान्भां

पहेरवानुं आलरषु. कान में पहिनने का आभू-

षण. an ear-ornament. नाया० १;

८; ओव० ३८; (२) क्षुपूर नामे क्षापी-

ना क्षान्नुं आलूषषु. कर्णपूर नामक हार्थके

कान का आभूषण. an ear-ornament

for an elephant. ओव० ३०; —बंध.

पुं० (-बंध) क्षान् आंध्रवा ते. कानों का

बांधना. closing up, tying up of

ears. नाया० १७; —मल. न० (-मल)

क्षान्ते भेक्ष. कान का मल. wax or the

ears. निरी० १, ३५; ३, ६६; —मूल.

न० (-मूल) क्षान्ती नक्षत्रे प्रदेक्ष; क्षान्नुं

भूक्ष. कान के समीप का भाग; कान का मूल.

the neighbouring part of an

ear. नाया० ३; जं० प० ५, ११४; —पाली.

स्त्री० (-पाली) क्षान्भां पहेरवानी धारी-

येक्ष आलूषषु कान में पहिनने की बाला-

एक आभूषण. an ear-ring. जावा० ३,

३; —वेयणा. स्त्री० (-वेदना) क्षान्ती

वेदना. कान का दुःख. pain in the ear.

नाया० १३; —वेहण. न० (-वेधन)

अणुभे “करणवेहणग ” शब्द. देखो

“करणवेहणग ” शब्द. vide “करण-

वेहणग ” भग० ११, ११; —वेहणग.

न० (-वेधनक) क्षान् विधवानो संस्कार.

कान बांधने का संस्कार. the ceremony

of piercing or perforating the

ears. राय० २८८; —सक्कुलिया. स्त्री०

(-सक्कुलिका) क्षान्नुं विन्ध. कान का छेद.

a hole in the ear; a perforation

made in the ear. नाया० ८; १४;

—सुह. न० (-सुख) क्षान्ते सुष्वरूप

शब्द. कान को सुखकारी शब्द. words

sounding sweet to the ears.

नाया० ९; —सोहणअ. न० (-शोधनक)

क्षान्ते आनरवानी सणी; क्षान् आनरणी;

यादुडी. कान साफ करने की सलाई. a small

thin straw etc., used to cleanse

the ear of its wax. निरी० १, १६;

आया० २, ७, १, १२७; नाया० ६;

करणकला. स्त्री० (कर्णकला) सूर्य ओंके भांड-
लेथी भीजे भांडले जे गतिओ नय छे ते
भितुं नाम कर्णकला छे. कर्ण ओंके ओंके
भांडवानो बुद्धिद्विपत छे, त्यां आधीने
सूर्यकला ओंके ओंके अशे गहार निकगते
के अंदर आवतो भीज भांडवाने छे पड़्यो
ते कर्णकला गति. सूर्य एक मंडल से दूसरे
मण्डल मै जिस गति से जाता है उस गति
का नाम “ कर्णकला ” है; कर्ण अर्थात् एक
मण्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां आकर सूर्य
कला अर्थात् एक २ अंश में बाहर निकल कर
वा अंदर आकर दूसरे मंडल के सिरे-अंत
तक पहुंच जाता है उसे “ कर्णकला गति ”
कहते हैं. A name given to the
apparent motion of the sun
from one point to another.
सू० प० १;

करणते उर. पुं० (कन्यांतःपुर) कन्यानुं अन्तः-
पुर; राजकन्याओने रहैवानुं स्थान. कन्या
का अन्तःपुर; राज कन्या के रहने का स्थान.
An apartment for royal girls
नाया० १६;

करणगा. स्त्री० (कन्यका) दुभारिका; कन्या.
कुमारी; कन्या. A girl unmarried; a
girl. नाया० ८;

करणतिय. पुं० (-कर्णत्रिक) ओंके गतनो
पांअवाओ छेतो योउदिय छव. एक जाति
का पंखों वाला उड़ता चार इंद्रिय जीव. A
kind of four-sensed insect with
wings. पञ्च० १;

करणपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) लवण
समुद्रमां सातसौ जोजन ऊपर आवेले कर्ण
प्रावरण नामने ओंके अंतर द्वीप. लवण
समुद्रमें सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-
रण नाकक एक अंतर द्वीप. Name of
an island in Lavana Samudra

at a distance of 700 Yojanas
from the shore. टा० ४, २; (२)
ते अंतर द्वीपमां रहैनास मनुष्यो उस अंतर
द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabi-
tant of any of the islands called
Antara Dvipas. पञ्च० १;

करणलोयण. पुं० (कर्णलोचन) सतभिषक
नक्षत्रना गोत्रनुं नाम. सतभिषक नक्षत्र के
गोत्र का नाम. Name of the family
of the constellation Satabhi-
śaka. सू० प० १०;

करणा. स्त्री० (कन्या) कन्या; पुत्री. कन्या;
लडकी. A girl; a daughter. उत्त०
२२, २८; नाया० १६; पंचा० १, ११;

करिणआया. स्त्री० (कर्णिका) भुजो.
कोना. A corner. जं० प० (२)
उभयतो भीष्टकाश; उभयतो मध्यभाग.
कमल का मध्य भाग; कमल का बीज कोष.
pericarp of a lotus; the middle
part of a lotus. भग० १३, २; पञ्च०
१: २; जं० प० ओव० ४२; जावा० ३, १;
कप्प० ६, ४४; (३) ओंके गतनी वनस्पति.
एक जाति की वनस्पति. a kind of
vegetation. भग० १३, ७; (४) काननी
वारी. कान का बाली an ear-ring.
ओव० ४२; (५) छत्रने अन्दरने भाग.
छत्र का भीतरी भाग. the inner part
of an umbrella. राय० १२२;

करिणयार. पुं० (कर्णिकार) अक्षिरनुं जात;
कनेर का फाड़. Name of a tree. (३)
न० कर्णिकारनुं पुल. कर्णिकार का पुष्प. a
flower of this tree. पञ्च० १७; भग०
१४, १०; नाया० ६;

करणीरह. पुं० (कर्णीरह) ओंके प्रकारने
विशिष्ट रथ के जे आस अद्धिभंत भाखसेने
त्यांज देय ते. एक प्रकार का प्रधान रथ. जे

प्रायः आदिशाली मनुष्यों के यहां ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people. नाया० ३; —पययाय. त्रि० (—प्रयात) श्रीमंतमना चिन्ह वादा रथमां भेसो आय मन इरनार. श्रीमंताई के चिन्ह वाले रथ में बैठ गमनागमन करने वाला. one who drives in a chariot which is a mark of prosperity.

“कण्णी रहपयायावि होत्था” नाया० ३;

कण्ह. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव. कृष्ण वामुदेव. Kṛiṣṇa Vāsudeva. पञ्च० १; उत्त० ३६, ६८; सम० १०; नाया० ५; प्रव० ८६२; (२) कृष्ण नामनी ओक परि-प्रवृत्त संन्यासी. कृष्ण नामक एक परिव्राजक संन्यासी. name of a mendicant saint. ओव० १८; (३) अत्यंत शत्रु रंगता डी पुद्गलते येगे यता अत्यंत भविन परि-लुप्त. अत्यंत काल रंगके कम पुद्गलोंके योग से होता हुआ सदा मानिन परिणाम. very dark consequence resulting from very dark Karma. सम० ६; (४) पांचिमां अक्षदेव वासुदेवना पूर्वभवना धर्माचार्य. पांचवे बलदेव-वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य. name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva - Vāsudeva. सम० प० २३६; (५) शक्षी रंग. black colour जीवा ३; (६) कृष्ण नामनी वेत्त. कृष्ण नाम की बेल-लता. name of a creeper पञ्च० १; (७) शक्षी तुलसी. काला तुलसी. the black holy basil. पञ्च० १; (८) ओक भंडारनी कृष्ण नामनी कंद. एक जातिका कृष्ण नामका कंद. name of a kind of bulbous root. पञ्च० १; (९) स्त्री० ७ लेस्या-

भांती कृष्ण नामनी पहेली लेस्या. छः लेस्याओं में से कृष्ण नाम की प्रथम लेस्या. the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पञ्च० १७; (१०) निरयावलिका नामी अथवा अध्ययनं नाम. निरयावलिका के चौथे अध्याय का नाम. name of the fourth chapter of Nirayāvalikā. निर० १, १; —कंद पुं० (—कन्द) ओक जननी कृष्णकंद नामनी साधारण वनस्पति. एक जाति की कृष्णकंद नाम की एक साधारण वनस्पति. a kind of bulbous root called also Kṛiṣṇakanda. उत्त० ३६, ६८; जीवा० १; पञ्च० १; —जीव. पुं० (—जीव) कृष्ण वासुदेवना अ. कृष्ण वासुदेव का जीव. the life of Kṛiṣṇa Vāsudeva. प्रव० ४७३; —पाक्षिअ-य. पुं० (—पाक्षिक = कृष्णपक्षोऽस्यास्तीति कृष्णपाक्षिकः) गेने अर्द्ध पुद्गल परावर्तन इरतां पक्षारे संसार-मां पक्षिमल इरवानुं होय ते अ. जिसे अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भी अधिक संसार में रुलता-भ्रमण करना है वह जीव. a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardhapudgala Parāvartana. दया० ६, ३; भग० १३, १; २६, १; ३१, २४; डा० १, १; —लेसा. स्त्री० (—लेस्या) कृष्ण लेस्या नामनी पहेली लेस्या. कृष्ण लेस्या नाम की प्रथम लेस्या. the first of the Leśyās called the black Leśyā. जीवा० १; ४, ७; —लेस्स. त्रि० (—लेश्य) कृष्ण लेस्यावालो. कृष्ण लेस्या वाला. with black Leśyā (i. e. thought-colour or matter colour). भग० २४, १; ३५, २२. डा० २, १; —लेस्सा.

क्री० (-लेस्या) कृष्णलेस्या. कृष्ण लेस्या. the black Leśyā (i. e. thought-tint or matter-tint). भग० २५, ६; --वासुदेव. पुं० (-वासुदेव) कृष्ण वासुदेव; यादु अवसर्पिणीना नवमां वासुदेव. कृष्ण वासुदेव; वर्तमान अवसर्पिणो काल के नौवें वासुदेव. Kṛiṣṇa Vāsudeva; the 9th Vāsudeva of the current Avasarpinī. नाया० ४, १६; —सर्प. पुं० (-सर्प) कालो सर्प. काला सर्प. a black serpent. नाया० ८; (२) राहु देवतुं नाम. राहु देव का नाम. name of the god Rāhu. भग० १२, ६; सू० प० १६; —सीहासन. न० (-सिंहासन) कृष्णतुं सिंहासन. कृष्ण का सिंहासन. the throne of Kṛiṣṇa. नाया० ४० १०;

करहदराल. पुं० (कृष्णदराल) ओक जलन्ती पनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २१, ८;

करहदीवायण. पुं० (कृष्णद्वैपायन) ओ नाम ना ओक ब्राह्मण संन्यासी. इस नाम का एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a Brāhmaṇa ascetic. ओव० ३८;

करहपरिव्वायण. पुं० (कृष्णपरिव्राजक) नारायणुनी लडित करनार परिव्राजक. नारायण की भक्ति करनेवाला परिव्राजक. An ascetic worshipping Nārāyaṇa. ओव० ३८;

करहराइ. क्री० (कृष्णराजि) पांचमां देवलोड उपर जमीननी डाट जेरी लोकांतिक देवताना विमानने इरती डाणी रेखाओ छे ते; कृष्णराज. पांचवें देवलोक के ऊपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी की दरज जैसी काली रेखाएं; कृष्णराजी. The black lines (resembling

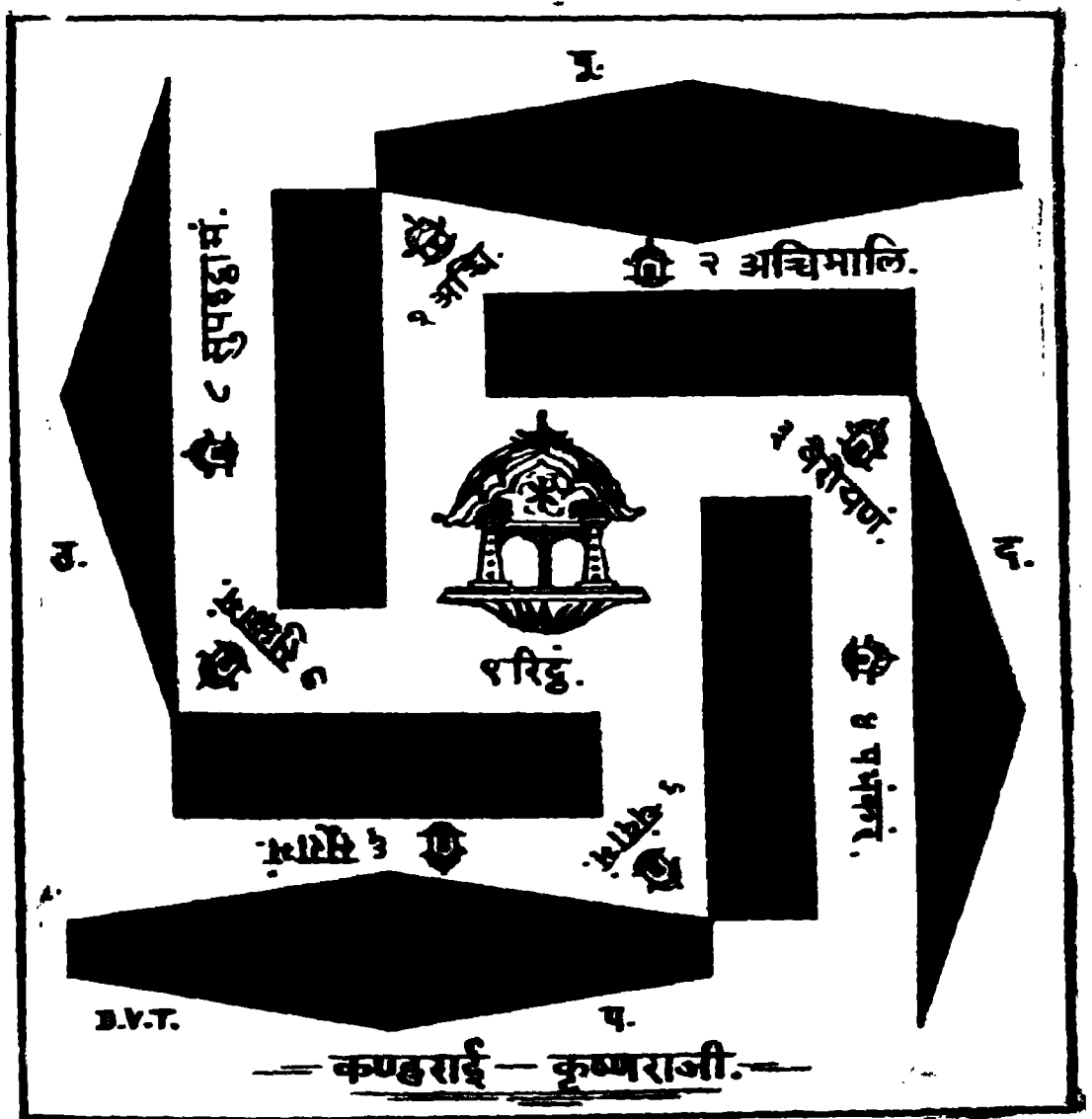
the cracks in the ground) surrounding the abodes of Lokāntika gods in the 5th Deva-loka. आया० २, १५, १७६; भग० ६, ५; ८; ठा० ८, १; प्रब० ६३; १४५५; (छिाने-दनी प्लीष्ठ पदराखीनुं नाम. ईशान इंद्र की द्वितीय पटरानी का नाम. the other name of the principal queen of Īśānendra. भग० १०, ५;

करहराइ. क्री० (कृष्णरात्रि) कृष्णरात्री देवी. कृष्णरात्री देवी. The goddess Kṛiṣṇa Rātri. नाया० ४० १०,

करहवडिसय विमान. न० (कृष्णवतंसक विमान) कृष्णवतंस नामती विमान. कृष्णवतंस नामक विमान. Name of a heavenly abode. नाया० ४० १०;

करहसिरी. क्री० (कृष्णश्री) कृष्णश्री नामनी ओक स्त्री. कृष्णश्री नामकी एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ६;

करहा. क्री० (कृष्णा) छिाने-दनी कृष्णा-नामनी राखी. इशान इंद्र की कृष्णा नाम की रानी. Name of a queen of Īśānendra. ठा० ४, २; भग० १०, ५; (२) कृष्णा नामनी देवी. कृष्णा नाम की देवी. name of a goddess. नाया० ४० ६; (३) कृष्णा नामनी नदी. कृष्णा नाम की नदी. name of a river. पिं० निं० ५०३; (४) अश्लिक राजनी ओक राखी के जे महावीर स्वामी प.से दीक्षा लछ, महासिंहनिर्झरित नामनुं तप आचरी, अग्नी-आर परसनी प्रवर्ज्या पाणी ओक भासनेो संथारे कर सिध्द थछ. अश्लिक राजा की रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर महासिंहनिर्झरित नाम का तप किया और ग्यारह वर्ष की प्रवर्ज्या पाल एक मास का संथारा कर मोक्ष को प्राप्त हुई.



४

५

६

७

name of a queen of King Śreṇika, who took Dikṣā from Mahāvira Swāmī and having practised the austerity known as Mahāsinha-Nikrīḍita, and having practised asceticism for 11 years, became Siddha after one month's Santhārā. अंत० ८, ४; (५) अंतगडसूत्रना आहमा वर्गेना योथा अभ्ययनं नाम. अंतगडसूत्र के आठवें वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम. name of the 4th chapter of the 8th section of Antagaḍa. अंत० ८, ४; (६) ७ देश्यामीनी प्रथम कृष्णदेश्या. छः लेश्याओं में से प्रथम की कृष्ण लेश्या. name of the black Leśyā. (७) विजयपुर नगरना वासवदत्त राजनी राज्ञीनुं नाम. विजयपुर नगर के वासवदत्त राजा की रानी का नाम. name of the queen of king Vāsava-datta of Vijayapura city. विवा० २, ४;

कण्ठादेवी. स्त्री० (कृष्णादेवी) कृष्णादेवी. कृष्णादेवी. Name of Kṛṣṇādevī. नाया० ध० १०;

कण्ठाह. अ० (कश्चित्) क्वाय पक्ष; डोह पक्ष स्थाने. कहाँ भी; किसी भी स्थानपर. Somewhere; in any place whatever. उत्त० १, ७; २, ४६; दसा० १०, ७; —रहस्य. त्रि० (—राहस्यक) डोह ओह कार्यमां रहस्य राखना. किसी भी कार्य में रहस्य रखने वाला. one who keeps secrecy in some work or other. सूय० २, २, २१;

कतर. त्रि० (कतर) ओ के धलामांने क्यो ? दामेमे अथवा बहुतेमें से कौनसा ? Which

of two or more than two. अणुजो० ८८; दस० ६, ४, १;

कता. अ० (कदा) क्यारे. कब ? When. सू० प० १२;

कति. त्रि० (कृतिन्) सुकृती; सदाचारी. सुकृत्य करने वाला; सदाचारी; पुण्यात्मा. (One) whose actions are good. सू० य० २, १, ६०;

कति. त्रि० (कति) डेटला प्रकारनुं. कितनी तरह का ? Of how many sorts. जं० प० ६, १२५; ७, १५८; ७, १४६; पञ्ज० १४; नाया० १; भग० १, ४; २, २; —भाग. पुं० (—भाग) डेटलाभो भाग. कौनसा हिस्सा ? what division or part. भग० १, १; —संचिय. त्रि० (—संचित) संख्याती गण्णी श्राय ते. संख्या द्वारा गिना जा सके वह numerically calculable. ठा० ३, १; भग० २०, १०;

✓ कस्त. धा० I. (कृन्व्) कातरनुं. काटना. To cut. (२) पीःनुं. पीडा देना. to afflict.

कस्ताहि. परह० १, १;

किचह. क० वा० सूय० १, २, १, ७; १, ६; ४; उत्त० ४, ३;

किचंति. सूय० १, ३, ४, १८;

✓ कस्त. धा० I. (कन्त्) कांतयुं. कांतना. To spin cotton.

कस्तंत. व० कृ० पि० नि० ५७४;

कस्तण. त्रि० (कर्त्तन) कापना; छेदना. काटनेवाला; छेदनेवाला. One that cuts. श्राव० ३४;

कस्तर. न० (कर्त्तर) कातरवानुं साधनः कातर. कतरने का साधन; कैची. A pair of scissors. उवा० २, ६४;

कस्तूरीरिय. पुं० (कर्तवीर्य) लरतना आधु योतीसी ॥ आहमां अक्षयतिना पितनुं नाम.

भारत के वर्तमान चौबीसी के आठवें चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chakravarti of the present cycle. सम० प० २३४; कत्तार. त्रि० (कर्ता-कर्तृ) इतरः कर्ता. कर्ता; करने वाला (One) who does or makes. भग० २०, २; विशेष० १७५; २११२; अणुजो० १२८; पि० नि० १७३; पंचा० ८, ७; —अभाव. पुं० (-अभाव) इतर्निः अभाव. कर्ताका अभाव. absence of a doer or maker विशेष० २१६; कत्ति. स्त्री० (कृत्ति) चर्म; आभूषण. चमड़ा; चर्म. Leather. ओष० नि० ३६; कत्तिअ-य. पुं० (कर्तिक-कृत्तिका नक्षत्रेण युक्ता पाण्ड्यासी कार्तिक सास्यस्मिन्निति कार्तिकः) इति० भाष. कार्तिक मास. The month of Kārtika. जं० प० ७, १५१; ओष० नि० २८५; सम० २६; उत्त० २६, १६; कण्ठ० ५, १२३; ६, १७०; नाया० ५; भग० १८, १०; (२) इतिना-पुर नगरना देव्यासी इति० शेष ३ देवे मुनिमुवत प्रभुनी पासं भित्ताना ओड दगर भुनिभनी साथे दीक्षा दीधी. दीक्षा पादी पदेक्षा देवलोकांना छंदपणे उत्पन्न भवा. इतिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ जिसने मुनिमुवत स्वामी के पास अपने एक हजार मुनीमों के साथ दीक्षा ली और दीक्षा पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना. name of a merchant of the city of Indrānāpura who took Dikṣā from Lord Munisuvrata accompanied with his one thousand agents. He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka. भग० १८, २; निर० ३, १; (३) अर्यु-

दीपना भरतपण्डितां यत्नार छद्वा तीर्थकरना पूर्वजन्तु नाम. जम्बुद्वीप के भरतखंड में होनेवाले छठे तीर्थकर के पूर्वजन्म का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Tirthankara of the Bharata-khaṇḍa of Jambu Dvīpa. सम० प० २६१; (४) इति० नामना भाष्यस. कर्तिक नाम का मनुष्य. name of a man. अणुजो० १३१; —अणुमार. पुं० (-अनमार) इति० नामना साधु. कार्तिक नाम का साधु. an ascetic so named. भग० १८, २; —चाउमसिय. त्रि० (-चातुर्मसिक) इति० यामसा संयन्धी. कार्तिक चातुर्मसि संबन्धी. the monsoon season of the month of Kārtika. भग० १५, १; नाया० ५; —पाडि-यअ. पुं० (-प्रतिपद) इति० शुद्ध १५ पक्षीनी पाडवी ते; इति० १६ १. कर्तिक शुक्ला १५ के पश्चात् की पडवा; मगसर वद्य १. the first day of the dark half of the month of Mārgaśīrṣa. निमी० १६, १२;

कत्तिगा. स्त्री० (कर्त्तिका-कर्त्तरी) इतर. कैचा. A pair of scissors सू० व० १० ७७;

कत्तिआ-या. स्त्री० (कृत्तिका) कृत्तिका नक्षत्र. कृत्तिका नक्षत्र. The constellation Kṛittikā. जं० प० १, १४५; सू० प० ६, ११; सम० ६; ठा० २, ३;

कत्तिआरक्षिअ. पुं० (कृत्तिकारक्षित) कृत्तिकारक्षित नामना पुरुष. कृत्तिकारक्षित नाम का मनुष्य. A man so named. अणुजो० १३१;

कत्तिगी स्त्री० (कार्तिकी) इति० भाषणी पुनेम. कार्तिक मास की पूर्णिमा. The

full-moon day of the month of
Kārtika. जं० प० ७, १६१;

कत्तो. अ० (कुतस्) क्यांथी. कहां से ?

Whence. संस्था० ४८; सू० १, १, १,
१४; पन्न० ६; विवा० ६; विशेष० १४०;

कत्तोच्च. त्रि० (कुनस्य) क्यांथी; क्या स्थानतो;

क्या गामतो. कहां का ? किस स्थान का ?

किस ग्राम का ? Of what place or
country. पि० नि० १६८;

कत्तोच्चय. अ० (कौनस्यक) क्यांथी. कहांसे ?

Whence. विशेष० १०१६;

✓कत्थ. धा० I. (कथ) कहेयुं. कहना.

To say; to tell.

कत्थइ. नंदी० ४७;

कत्थ. अ० (कुत्र) क्यां ? कछ आगुये. कहां ?

किस ओर ? Where; on what side.

सू० च० १, १८; जं० प० विशेष० १२३; सू०
प० २०,

कत्थ. त्रि० (कथ्य) कथा गेय (शास्त्र)

नाथा गेये कथा, इतिहासादिहो वह; ज्ञाता

आदि शास्त्र. (Nāyā and other

scriptures) including stories

and historical matter. ठा० ४, ४;

जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३१;

-गेय न० (-गेय) कथाने योग्य गेय.

कथा के योग्य गायन a narrative

song. राय० १३१;

कत्थइ. अ० (कुत्रचित्) क्यांथपणु; क्रेतुपणु

हेकणु. कहां भी; किसी भी स्थान पर. In

any place whatever. विशेष० २६८,

३८८; ५५१; ओव० १७; भग० ३, २;

१५, १; ४०, १; नाथा० २; ६, १६; प्रव०

६७४; विवा० ४;

कत्थवि. अ० (कुत्रापि) क्यांथपणु. कहां भी ?

In any place whatever.

भग० १५, १.

✓कद्-अत्थ. धा० I, II. (कदर्थ)

कदर्थना करवी; दुःख देवुं. दुख देना; कष्ट

पहुंचाना. To give pain to

कयस्थेइ. सू० च० १२, ५४;

कदंब. न० (कदम्ब) कदम्बानुं आड. कदम्ब

का झाड. A kind of a tree. नाथा० १;

—पुष्पग. न० (-पुष्पक) कदम्बाना आडनुं

पुष्प इल. कदम्ब के झाड का फल और

फल. a flower of the Kadamba

tree. नाथा० १;

कदलि. पु० (कदली) कदलानुं आड. केले का

झाड. The plantain tree. भग० २२, १;

कदाइ. अ० (कदाचित्) कदाचित्; क्यारेइ.

कदाचित्; किसी समय. At some time;

perhaps. भग० २, १; ६, ३३;

कदापि अ० (कदापि) क्यारेपणु; कदा-

पणु वचने. कभी भी किसीभी समय. At

some time; at any time भग०

१५, १;

कदम. पु० (कदम) शीयड; कदम काचइ.

Mud. "अपइदुनिसु भिण्णफालिय पग-

लियरुहिर कयभूमि कदमयच्चिक्खिण्णपहं "

पगह० १, ३; १, ४; ओव० ३८; पि० नि०

२४३; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; नाथा० १;

भग० ६, १; ७, ६; प्रव० ८५७; क० गं०

१, २०; —उदश्च. न० (-उदक) कदम-

याणु पाणु. काचडमय पानी. mud with

water in it. ठा० ४, ३;

कदमश्च. पु० (कदमक) अनुवेत्तधर देवता-

ना गीत राजतनुनाम अनुवेत्तधर देवता

के दूसरे राजा का नाम Name of the

2nd king of the Anuvellan-

dhara gods. जीवा० ३, ४; भग० ३, ७;

कनककंत. त्रि० (कनककान्त) सेनेरी वरपु;

सेनाजेता देवावने पदार्थ. सुनहरी वरक;

गुणगरी गरीमा वनावटा पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. आया० २, ५, १, ५४५;

कज. पुं० (कर्ण) लुओ " कर्ण " शब्द. देखो " कर्ण " शब्द. Vide " कर्ण " सम० ११; आया० २, ३, २, १२१; पि० नि० ५५३; ५६१; दस० ८, २०; —धार. पुं० (-धार) लुओ " कर्ण-धार " शब्द. देखो " कर्णधार " शब्द. vide " कर्णधार. " सु० च० ३, १६४; —पावरण. पुं० (-पावरण) गजरा; कान का गहना. an ornament for the ear; an ear-rings. प्रव० १४४०; —मल. पुं० (-मल) लुओ " कर्णमल " शब्द देखो " कर्णमल " शब्द. vide " कर्णमल " तदु० —सर. पुं० (-सर) कानने आशुतेजुं लागे ते. कानो को तार के समान लगने वाला. anything striking the ears as an arrow strikes the body (e. g. harsh words). दस० ६, ३, ६; —सौख्य. न० (-सौख्य) कानों सुभरूप कानों को सुखदाई. anything delightful to the ears. दस० ८, २६;

कजगा. स्त्री० (कन्यका) दुमारिका. कुमारी; लडकी. A girl; a daughter. सु० च० १४, ८; ठा० ७, १; निर० ५, १;

कज्या. स्त्री० (कन्या) लुओ " कन्या " शब्द. देखो " कन्या " शब्द. Vide " कन्या " सु० च० २, ४६५; दस० ६, ३, १३;

कज्यालीय. पुं० न० (न्यालाक) कन्या आशी लुओ ओलतुं ते; नय परसनी होय अने १५ परसनी छे ओम कहेतुं ते. कन्या के कारण भूँट बोलना; नौ वर्षकी हो और १५ वर्षकी बताना A lie spoken for a girl; aying that a girl is of

15 years when she is only nine years old. परह० १, २;

कजिया. स्त्री० (कणिका) लुओ " कणिया " शब्द. देखो " कणिया " शब्द. Vide " कणिया " नंदी० ७;

कन्ह. पुं० (कण्ठ) लुओ " कण्ठ " शब्द. देखो " कण्ठ " शब्द. Vide " कण्ठ " अंत० १, १; प्रव० ६३०;

कर्पिजल. पुं० (कर्पिजल) कर्पिजल पक्षी. कर्पिजल पक्षी. A kind of bird. दस० ६, ४; आया० ६, १०, १६६;

कर्पित्थ. न० (कर्पित्थ) कर्पित्थ. कबीट; फल विशेष. The wood-apple tree. अणुजो० १३१;

कर्पिल. पुं० (कर्पिल) धातकी अंडमांसा भरत अंडनी संपानगरीना कर्पिल नामना वासुदेव. धातकी खंडान्तगत भरतखंड की चम्पा नगरी के कर्पिल नाम के वासुदेव. Name of the Vāsudeva of the city of Champā on the Dhātākī-khanda. नाया० १६;

कर्पिहसिय. न० (कर्पिहसिन) पाँदराना दाँत-वाली पेड़ वादशां यमर आकाशमां विजगी थाय ते. आकाश में बिनाहां मयों के बंदर के दाँतों (कर्पिहसित) की तरह विद्युत का होना. Lightning in the sky resembling the teeth of a monkey without there being any sign of clouds. भग० ३, ७;

कर्पोत. पुं० (कर्पोत) धुनर; पारेतुं. कबूतर. A dove; a pigeon. दस० ६, ४;

✓ कण्य. धा० II. (कृत्) कर्पयुं; छेदयुं; अपयुं; समर्थ ययुं; छिपयुं करयुं. काटना; छेदना; खपना; समर्थ होना. उत्पन्न करना. To cut.

कण्य. नाया० १;

कप्पेह. सूय० २, २, ४५; भग० ६, ३३;

कप्पेति. सूय० नि० १, ५, १, ७५;

कप्पंति. सूय० ५, ११४;

कप्पेज्ज. निसी० ३, ४२;

कप्पेहि. नाया० १;

१ कप्पेह. भग० ६, ३३;

कप्पेत्ता. सं० कृ० ५, ११४;

कप्पेमाण. व० कृ० २; ३६;

कप्पावेह. प्रे० क० वा० सु० च० १३, ६८;

कल्प. पुं० (कल्प) कल्प; योग्य; उचित, योग्य; उचित. Anything that is worthy or proper. उत्त० ३२, १०४; वव० १, २२; २, २७; ४, १५; विवा० १; उवा० १, ७०; (२) आचार. a sacred precept or rule. जं० प० ५, ११५; वेय० ४, १४; वव० ५, ११; ६, २; १६; भग० ३, ८; २५, ५; ओव० १७; आया० १, ३, ३, ११७; १, ६, ३, १८५; कप्प० ५, ११८; पंचा० ६, २१; ११, २७; १५, ४०; (३) कल्पशास्त्र; वेदधर्मनीति विधि अतावनार ऐक धर्मशास्त्र. कल्पशास्त्र; वेदधर्म की विधि बतानेवाला एक धर्मशास्त्र. Kalpa Śāstra. भग० २, १; ५, ४; विश० ६; कल्प० १, ६; (४) आदित्यानी पट्टेडी; साधुनुं ऐक उपकरण. पञ्चवडी; चादर; साधुका एक उपकरण. a kind of scarf. पि० नि० भा० ४६; प्रव० २५६; ५१४; (५) कल्पनामने द्वीप अने समुद्र. कल्प नाम का समुद्र और द्वीप. an ocean and an island named Kalpa. जीवा० ३, ४; (६) ऐ नामनुं आचारनी मर्यादा अतावनार कालिक सूत्र. इस नामका आचारकी मर्यादा दिखानेवाला कालिक सूत्र. a Kālīka Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc. नंदी० ४३; (७) हिन्दुधर्मनुं

ऐक शास्त्र; आचार नियार प्रतिपादक शास्त्र. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र; आचार विचार प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brāhmaṇa scripture dealing with ritual. पि० नि० १७२; ओव० ३८; (८) सौधर्म आदि लेखाना नामवाला द्वीप अने समुद्र. सौधर्म आदि देवलोकों के नाम वाले द्वीप और समुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas. e. g. Sāudharma etc. पञ्च० १५; (९) आर देवलोक; कल्प-राजनीति अने देवलोक के देवलोक; बारह देवलोक; कल्प-राज नीति इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों में है वे देवलोक. the 12 Devalokas; a Devaloka in which there is to be found political organisation etc. जीवा० १, ३, ४; पञ्च० २; उत्त० ३, १५; टा० २, ४; भग० १, २; ५; २, ७; ८, १; राय० १८; प्रव० ८७; सम० १; कप्प० ५, १५; (१०) सरभा; अरागर. समान; बराबर. equal to; similar to. पञ्च० ३६; पण्ड० १, ३; उवा० १, ७४; (११) कल्पवृक्ष. कल्पवृक्ष. a desire fulfilling tree; a sacred tree. सु० च० २, ६७;—अंतर. न० (—अन्तर) देवलोकान्तर. देवलोकान्तर; अन्य देवलोक. another Devaloka. विवा० १०; (२) जिनकल्प अने स्थविरकल्पनुं अन्तर. जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद. the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa. भग० १, ३;—अन्तरिय. त्रि० (—अन्तरित) कल्प-पञ्चवडी—आदरनी अंदर रहनेवाला. कल्प-पञ्चवडी—चादर के अंदर रहा हुआ. remaining under the upper garment. प्रव०

६८०; —उवग. पुं० (—उपग) ३६५-निय-
म-राज्य कायद्यानी दुहमां रहेनार देवता;
पहेला देवलोकाथी पारभा देवलोका सुधीना
वैमानिक देवता. कल्प-नियम-राजनीति की
सीमा में रहनेवाले देवता; प्रथम देवलोक से
बाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता.
a god who has not transcended
the need of administrative or-
ganisation; any of the gods of
the heavenly worlds from the
first to the twelfth. नाया० १; उत्त०
३६, २०७; भग० २४, २०; पञ्च० १५;
—उवय. पुं० (—उपग) जुगो “कप्पावेग”
शब्द. देखो “कप्पावेग” शब्द. vide “कप्पा-
वेग” भग० ८, १०; —उवरिम. न०
(—उपरित्तन) पांचमां देवलोका उपरता
देवलोका. पांचवें देवलोक के ऊपर का देवलोक
the Devaloka situated above
the 5th Devaloka. भग० ६, ८;
—उववत्तिय. पुं० स्त्री० (—उपपत्तिक) ३६५-पार देवलोकांमां उत्पन्न थयेन वैमा-
निक देवता. कल्प-१२ देवलोक में उत्पन्न हुए
वैमानिक देवता. a deity of the hea-
venly worlds 12 in number.
भग० १, ८; —उववन्नग. पुं०
(—उपपन्नक) जुगो “कप्पोवग” शब्द
देखो “कप्पोवग” शब्द. vide “कप्पो-
वग” जं० पं० ७, १४०; ठा० २, २;
—काल. पुं० (—काल) थल्लो वप्पत; थिर
काय. बहुत समय; चिरकाल. long time.
सूय० १, १, ३; १६; —ग्गहण. न०
(—ग्रहण) यादर वगेरे वल्लोनुं ग्रहणुं करुं
ते. चादर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना.
accepting of clothes. प्रव०
५२५; —जुअ. (—युक्त) पछेडी वगेरे
३५५थी युक्त चादर इत्यादि वस्त्रों के सहित.

possessed of upper garment
etc. प्रव० ५०२; —तिग. न० (—त्रिक) ३
वल्गु पछेडी वल्गु यादर. तीन चादर; तीन
पछेवडी. three upper garments
(used by ascetics). प्रव० ५०२;
५२६; —दुग. न० (—द्विक) ये पछेडी;
ये यादर. दो चादर; दो पछेवडी. two
upper garments (of an ascetic).
प्रव० ५०२; क० गं० ३, ११; —महद्दुम. पुं०
(—महाद्रुम) ३६५ मुनुं मोटुं वृक्ष.
कल्पद्रुम का महान् वृक्ष. the big holy
tree known as Kalpadruma.
प्रव० १०३६; —समाप्ति. स्त्री० (—समाप्ति)
३६५नी-परिहार तपनी समाप्ति. कल्पकी-
परिहार तपकी समाप्ति. conclusion, end
of the austerity known as
Parihāra. प्रव० ६१७;

कल्पद्रु. पुं० (कल्पस्थ) आलक. बालक. A
child. पि० नि० २८७; पंचा० १५, ३१;
प्रव० ४८८;

कल्पद्रिडि. स्त्री० (कल्पस्थिति) साधु समा-
चारीनी स्थिति-भर्यादा साधु समाचारीकी
स्थिति मर्यादा. Practice of ascetic
scriptural rules by a Sādhu.
वेय० ६, २०;

कल्पद्रिय. पुं० (कल्पस्थित) ३६५स्थित समा-
चारीनी मर्यादांमां रहेन मुनि. कल्पस्थित
समाचारी की मर्यादा में रहा हुआ मुनि. An
ascetic observing scriptural
rules. विशेष० १२७५; प्रव० ६१३;
—तव. न० (—तपस्) ३६५स्थित-वायता-
यार्थ ७ मास पर्यन्त परिहारिक नामनुं तप
करे ते (तप). कल्पस्थित वाचनाचार्य छः
माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह
(तप). a kind of austerity
named Parihārika; practised

for six months by Vāchanāchār-
ya; a kind of austerity. प्रव० ६१५;
कल्पड. पुं० (कर्पट) लुगडाने वण छेने
अनावेस गोटे. वल को बट देकर बनाया
हुवा गेंद. A cloth twisted into
the shape of a ball. परह० १, ३;
प्रव० ४४०;

कल्पडिय. पुं० (कर्पटिक) डापडी; डापड लछ
बिस्वा मापनार. कावड़ लेकर भिक्षा मांगने
वाला. A mendicant begging
alms with a balancing lath on
his shoulder. पि० नि० १२७; विवा०
७; नाया० ८;

कल्पण. न० (कल्पन) छेदपुं. काटना;
छेदना. Act of cutting. सु० च० १३,
१; सूय० नि० १, २, १, ७५;

कल्पणा. स्त्री० (कल्पना) उदयना; संभावना.
खयाल; कल्पना; संभावना. Imagina-
tion; act of imagining a thing
as probable. विशेष० १६; ११७;
१७३२; भग० ७, ६;

कल्पणज्ज. त्रि० (कल्पनीय) उद्भवादिदोषरहित;
उदयपुं उद्भवादि दोष रहित; लेने योग्य.
Free from any fault (objec-
tion); acceptable. पंचा० १, ३१;

कल्पणी स्त्री० (कल्पनी-कल्पयते द्विद्यते यथा
सा कल्पनी.) डातर; छुरी. कैचा; लुग.
A pair of scissors; a knife.
“खुरेहिं तिवखधारेहिं दुरियाहिं कल्पणीहिं
या कल्पिओ कालिओछिओ, उक्तोयअण-
गसो ” उक्त० १६, ६३; जं० प० परह०
१, १; विवा० ४; —कल्पय. न० (-क-
ल्पित) डातरे डापेपुं. कैची से कटा हुआ.
cut with scissors; विवा० ८;

कल्पतरु. पुं० (कल्पतरु) उदयपुं. कल्प
वृक्ष. A desire-yielding tree. सु०

च० २, ३६६; प्रव० १५६३;

कल्पद्रुम. पुं० (कल्पद्रुम) उदयपुं. कल्प
वृक्ष. A desire-fulfilling tree; a
sacred tree; भक्त० २; प्रव० ४०;

कल्पपायव. पुं० (कल्पपादप) उदयपुं. कल्प
वृक्ष. A desire-yielding tree.
सु० च० २, ६७;

कल्पवृक्ष. पुं० (कल्पवृक्ष) उदयपुं. लुग-
दिया अने देवताने वंछित वस्तु आपनार जाड.
कल्पवृक्ष; युगलिया और देवताओं को वंछित
फल देने वाला झाड़. A desire-yield-
ing tree; a tree furnishing
desired objects to Jugaliyās and
gods. कल्प० ४, ६२; भक्त० १६७; जं०
प० ३, ४३;

कल्पवृक्षग. पुं० (कल्पवृक्ष) उदयपुं. कल्प
वृक्ष. A desire yielding tree.
जं० प० ५, १२२; भग० ६, ३३;

कल्पवृक्षय. पुं० (कल्पवृक्षक) लुग-
“कल्पवृक्षग” शब्द. देखो “कल्पवृक्षग”
शब्द. Vide. “कल्पवृक्षग” नाया० १;

कल्पवह. पुं० (कल्पवति) उदयपुं. देवता-
ना अधिपति-इंद्र कल्पवासि देवताका
अधिपति-इंद्र. The lord Indra of
Kalpavāsī gods. जं० प० ५, ११५;

कल्पवडिसिआ. स्त्री० (कल्पवतंसिका) ओ
नामपुं ओक कालिक सूत्र. इस नाम का एक
कालिक सूत्र. Name of a Kālīka
Sūtra. जं० प० राय० नंदी० ४३;

कल्पविमालावास. पुं० (कल्पविमानावास)
देवलोका ओक देशरूप विमानमां निवास.
देवलोक के एक देशरूप विमान में निवास.
Residence in a heavenly abode
named Deśarūpa. ठा० २, ४,

कल्पविमालोववत्तिया. स्त्री० (कल्पविमालो-
ववत्तिका) ओथी देवलोकां उत्पन्न थाय

तेरी आयरणा. जिससे देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार-आचार. Conduct leading to birth in Devaloka.

अ० १२, ४;

कल्पादयः. पुं० (कल्पातीत) राजव्यवस्थाना नियमने उत्पन्नी भवेत् देवता; नवग्रीवेक अन्ये पांच अनुत्तर विमानना देवता. राज्य-व्यवस्थाके नियम को उलांच चुके हुए देव; नवग्रीवेयक और पांच अनुत्तर विमानके देवता. Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods. उत्त० ३६, २०७; पञ्च० १५;

कल्पाकल्पियः. न० (कल्पाकल्पिक-कल्प आचारः अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिन-कल्पादिरकल्पश्चरकादिदीक्षा, यद्वा कल्प्यं ब्राह्ममकल्प्यव्यान्यत् तत्प्रतिपादकं शास्त्रं कल्पाकल्पिकम्) कल्प अकल्प दर्शावतार ऐक्यैकिक धर्मशास्त्र. कल्प और अकल्प दिखाने वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र. A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. अणुजो० ४१;

कल्पागः. पुं० (कल्पाक) ऐक्यं जगत्यानां प्रभु भाविकोपैशे ऐक्ये मुष्प्य भाविक कल्पयुं ते; सेज्जन्तरीयो. एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समझ लेना; शय्यान्तरीय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेय० २, १२;

कल्पागः. पुं० (कल्पाक) साधु. साधु. An ascetic. वव० ४, १५; —**भिक्षु.** पुं० (—भिक्षु) छेदोपस्थापनीय आरित्र स्थापना-ज्येष्ठ साधु. छेदोपस्थापनाय चारित्र में स्थापने

योग्य साधु. an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. वव० ४, १३; १४;

कल्पातीतः. पुं० (कल्पातीत-कल्पमतीता अतिक्रान्ताः कल्पातीताः) कल्पातीत देवलोकभां उत्पन्न भवेत्; नवग्रीवेकथी मांडी पांच अनुत्तरविमानभांता देवता के जेने कल्प —अटले राजनीति—व्यवहारना कायदानुं अधन नथी. कल्पातीत देवलोक में उत्पन्न हुए देव; नवग्रीवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजनीति के व्यवहार—कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग० ८, १; १०; २४, २०; (२) स्थितिकल्प आदि साधुना आचारनी भयादाने उत्पन्नी भवेत्—तीर्थकर केवली वगेरे स्थितिकल्प आदि साधुके आचार की सीमा उलांचे हुए—तीर्थकर, केवली आदि. a Tirthankara, a Kevali etc. who have transcended the necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग० २, ५; ६, ७;

कल्पातीतगवैमाणियः. पुं० (कल्पातीतकवैमानिक) आर देवलोकस्थी उपरना देवलोकभां उत्पन्न भवेत् वैमानिक देवता. बारह देवलोकों के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग० २४, १२;

कल्पायः. न० (कल्पक) कल्प. Kalpa. (n. v.) विवा० ३;

कप्यास. पुं० (कार्पास) ऐक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed. ओघ० नि० भा० १२; (२) कपासथी उत्पन्न थपुं सूत्र. कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत. cotton thread. अणुजो० ३७; —**रोम.** न० (-रोमन्) कपासनी इवाटी. कपास के तार-नर्म रेशा. a fibre of cotton. भग० १५, १; —**लोम.** न० (-रोमन्) कपास -रुनी -पुन-इवाटी. कपास-रुई का तार. a cotton fibre. भग० ८, ६; —**वण.** न० (-वन) कपासनुं वन. कपास का वन. a forest of cotton. निसी० ३, १६;
कपासस्थि. पुं० (कार्पासास्थि) त्रयु ध्रिय-वाणो ऐक कपासनी श्रव. तीन इन्द्रिय वाला एक कपास का जीव. A kind of three-sensed living being found in cotton. पन्न० १; जीवा० १;
कपासिअ. पुं० (कार्पासिक) कपासनी वेपारी कपास का व्यापारी. A cotton-merchant पन्न० १; अणुजो० १३१; (२) ऐ नामनुं कपासनुं गणन आपनार ऐक शास्त्र. इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र. name of a science describing the properties of cotton. अणुजो० ४१;
कपासी. स्त्री० (-कार्पासी) कपासनी रहनेवाली श्रव. कपासमें रहने वाला एक कीड़ा. An insect living in cotton. उत्त० ३६, १३५;
कपिअ-य. त्रि० (कल्पित) साधुने लेया योग्य; साधुने कल्पे तेजुं. साधु के लेन योग्य; साधु को कल्पनीय. Fit for an ascetic; acceptable to a Sādhu. दस० ६, ४८; (२) गोहवेजुं; रयेजुं;

स्थापेजुं. जमाया हुआ; रचा हुआ; स्थापित किया हुआ. arranged; established. ओव० २७; दसा० १०, १; जं० प० नाया० १; सूय० १, २, ३, १८, कप्प० ४, ६२;
कपिअ-य त्रि० (कर्तित) अपेजुं; छेहेजुं. काटा हुआ; छेदाहुआ Cut off; broken. जीवा० ३, ४; विवा० ४; उत्त० १६, ६३;
कपिअकपिअ. पुं० (कल्याकप) आशाश्रु-त्रिश उत्कालिक सूत्रमांनुं गीजुं. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २ रा सूत्र. The 2nd of the 29 Utkālīka Sūtras. नंदी० ४३;
कपिअ. स्त्री० (कल्पिका) ऐ नामनुं श्रविक सूत्र; निरयावलिका अंतर्गत उपांग सूत्र. इस नामका कालिक सूत्र; निरयावलिका के अंतर्गत उपांग सूत्र. Name of a Kālīka Sūtra: the Upāṅga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदी० ४३;
कप्पूर. पुं० (कर्पूर) कपूर. Camphor. राय० ५६; नाया० १; १७; जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४३; —**पुड.** पुं० (-पुट) कपूरनी पंडा-पडिंडा. कपूर का पुडा-पुडिया. a packet of camphor, नाया० १७;
कप्पोवगणग. पुं० (कप्पोपपन्तक) लुओ। “कप्पोवग” शब्द. देखो “कप्पोवग” शब्द. Vide “कप्पोवग” भग० २४, २०; —**वेमाणिय.** पुं० (-वैमानिक) लुओ। “कप्पोवग” शब्द देखो “कप्पोवग” शब्द. vide “कप्पोवग” भग० २४, १२;
कबन्ध. पुं० (कबन्ध) माथादिनांनुं श्रवतुं धड. बिना सिर वाला जाता धड. A headless trunk with life in it. परह० १, ३; तंदु०
कण्वडिगा. स्त्री० (*) पुत्री; दीकरी. लड़का; कुमारी. A daughter. पि० नि० ५७६;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

कवटी. स्त्री. (बालिका) नानी छोटी.
छोटी लडकी. A young girl. पि०
नि० २८५;

कवड. न० (कर्वट) नाना गदथी बिटायेतुं
शहर. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A
city encircled by a low ramp-
part. आया० २, ७, ६, २२२; कप्प० ४,
८८; (२) दुलडी वसतीतुं रहैल्लु. छोटी
वस्ती का स्थान. an abode of mean
population. अणुजो० १३१; वेय० १,
६; उत्त० ३० १६; ठा० २, ४;

कवडग. पुं० (कर्वटक) कर्णटक नामने अड.
कर्वटक नाम का ग्रह. Name of a
planet. ठा० २, ३;

* कभल्ल. न० (*) भपपर; दीगडी. खोपडा;
खप्पर. The skull; a piece of a bro-
ken jar of the shape of a
skull. "कभल्ल संट्ठाण संट्टिप्प" उवा० २,
६४; अंत० ३, ८; अणुत्त० ३, १;

कम. पुं० (क्रम) क्रम; अनुक्रम; पद्धति; नियम
सर. क्रम; अनुक्रम; नियमसर; तरताब वार.
Order; method; serial order.
सम० ७; क० प० १, १५; ६६; क० गं० २,
११; ६, ७६; सु० च० १, १; पि० नि० ६०;
नाया० १; ७; १; १६; भग० ५, १; ६, ३;
२०, ५; २४, १; ३२, २; प्रव० ३७६; विशेष०
२; ११०; जं० प० ७, १५७; (२) यरल्लु; पग.
पांव; पग; चरण. feet. गच्छा० ३६; —
आरब्ध. त्रि० (—आरब्ध) क्रमे करीने आरं-
भेतुं. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in
serial order. क० प० ५, ६५; —उक्रम.
पुं० (—उक्रम) क्रम अने उक्रम. क्रम और
अनुक्रम. order and serial order.

प्रव० १०५८;—जुअल न० (—युगल) क्रम
युगल भे पग. क्रम युगल; दो पांव two
feet. गच्छा० ३६;—जोग. पुं० (—योग)
अनुक्रम-अनुपर्व जोग-व्यापार प्रवृत्ति.
क्रमानुसार जोग-व्यापार-प्रवृत्ति. serial
order; graded order. दश० ५, १, १;
कमंडलु. न० (कमण्डलु) क्रमंडलु. कमंडल.
A waterpot (earthen or wood-
en) used by ascetics. नाया० ७१६;
भग० ११, ६; १४, ८;

कमकरिया. स्त्री० (कमकरिका) ओड गततुं
वाञ्छित. एक जातका बाजा. A kind of
musical instrument. निरी० १७, ३५;
—सह. न० (—शब्द-क्रमक्रिया शब्द-क्रम कृत
शब्द.) वाञ्छित शब्द. बाजे का आवाज
sound of a musical instrument.
निरी० १७, ३५;

कमदग. न० (कमदक) अंसानी कथरेटने
आकारे साध्वीने अहार करेयानुं तुंण्डानुं
पात्र; क्रमंडल. कांस के पात्र के सहश साध्वी
के आहार करने का तुम्बेका पात्र-कमंडल. A
dining vessel of an ascetic made
of gourd and having the shape
of a bronze pan; an earthen or
wooden waterpot of an ascetic.
आघ० नि० ३६, ६७५; वव० २, २७;

कमदय. न० (कमदक) लुओ ओपलो शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above. प्रव०
५३६; —जुय. त्रि० (—युत) रोगन वगेरैथी
लेपित करेय तुंण्डाना पात्रथी युक्त. रोगन
आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहित.
(one) possessed of a painted
vessel made of a dry gourd.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

प्रव० ५३६;

कमल. न० (क्रमण) आक्रमण करने. आक्रमण करना. Attacking. ओव० ३, १;

कमल. पुं० (कमल) कमल. कमल. A lotus. संख्या० १५; राय० २७; नाया० १; ८; ६; भग० २, १; ६, ३३; विशेष० ११०६;

(२) ऐक्य मताने दर्शण. एक जाति का मृग. a kind of deer. जं० प० ५, ११५; १२१; अणुजो० १६; ओव० ६३; (३) छटा तीर्थदर्शन आश्रित. छठे तीर्थकर का चिन्ह -लाङ्घन. the mark (insignia) of the 6th Tirthankara. प्रव० ३८१;

—आगर. पुं० (-आकर) कमलवाला तलाव. कमलवाला तालाव. a lake with lotuses growing in it. ओव० १३;

भग० २, १; अणुजो० १६; —आयर. पुं० (-आकर) कमलना उत्पत्तिस्थान; तलाव सरोवर पंगरे. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान.

तालाव, सरोवर आदि. a lake etc. where lotuses grow. कप्प० ४,

६०; —उवम. त्रि० (-उपम) कमलना सरल; कमल जैसा. lotus-like; resembling a lotus. विवा० ७; —द्विज. त्रि० (-स्थित)

कमल उपर रहेहु. कमल पर रहा हुआ. situated on a lotus. कप्प० ३, ४१;

—(ला)णयण. न० (-नयन) कमलना जैसी आंख. कमल जैसी आंख. an eye like a lotus. नाया० १; —दल. न०

(-दल) कमलनु पत्र. कमल का पत्ता. a leaf of a lotus. भक्त० ७८;

—दलकल. त्रि० (-दलाक) कमलनी पांखड़ी जैसी आंखियां. कमलकी पखड़ी के समान आंखोंवाला. having eyes like lotus-buds भक्त० ७८; —वण. न०

(-वन) कमलनु वन. कमलों का वन.

the place where lotuses grow abundantly. कप्प० ३, ३६; —वणालंकरण. न० (-वनालंकरण) कमलवनना आभूषण. कमल वन का आभूषण. the lotus as an ornament of the forest. कप्प० ३, ३६; —(ला)सीहासन. न० (-सिंहासन) पिशाचना छद्म राजा पट्टराणी-कमलादेवीनु कमलसिंहासन नामनु आसन. पिशाचों के इंद्र काल का पट्टराणी कमलादेवा का कमल सिंहासन नाम का आसन. name of the throne of Kamalādevi the crowned queen of Kāla, the Indra of the Pisāchas. नाया० ध० ५;

कमलगाहावइ पुं० (कमलगाथापति) कमल नामना गृध्रपति; गृध्रस्थ. कमल नाम का एक साहुकार. A merchant-prince so named. नाया० ध० ४;

कमलपद्मा. स्त्री० (कमलप्रभा) पिशाचना मन्दासिन राजाणी श्रीछ पट्टराणी. पिशाचों के इंद्र काल का दूसरी पट्टराणी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Pisāchas. टा० ४, १; भग० १० ५; नाया० ध० ६;

कमलवडिसयभवण. न० (कमलावतंसक-भवन) कमलावतंसक नामे भवन. कमलावतंसक नाम का भवन. A celestial abode named Kamalāvatam-saka. नाया० ध० ५;

कमलसिरी. स्त्री० (कमलश्री) कमलश्री नामनी राणी. कमलश्री नाम की रानी. Name of a queen. नाया० २; ८; —भारिया. स्त्री० (-भार्या) कमलश्री नामनी स्त्री. कमलश्री नाम की स्त्री. name of a woman नाया० ध० ४.

कमला. स्त्री० (कमला) पिशाच्यना छद्र कागनी पट्टराणी; कमलादेवी. पिशाच का इंद्र काल की पटरानी; कमलादेवी. Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Pisāchas. जं० प० ३, ५७; नाया० ध० २; ठा० ४, १; भग० १०, ५; —दारिआ. स्त्री० (-दारिका) कमला नामनी पुत्री. कमला नाम की लडकी. a daughter of this name. नाया० ध० ५; —रायहाणी. स्त्री० (-राजधानी) कमलादेवीनी कमला नामे राजधानी. कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी. the capital-city named Kamalā of Kamalādevī. नाया० ध० ५;

कमलावई. स्त्री० (कमलावती) ध्युकार राजनी राणी. इषुकार राजा की राणी. Name of the queen of king Isukāra. उत्त० १४, ३;

कमसो. अ० (कमशस्) अनुक्रमणी; क्रमेकरी. क्रम से; अनुक्रम से. In order; in serial order. विशे० ११०; पि० नि० ७७; अणुजो० १२८; प्रव० १८; १३४३; क० गं० १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क० प० १, १६; ४०; उत्त० १८, ११;

कमा. स्त्री० (कमा) कामादेवी; धरणेन्द्रनी अथमहिषीनाम. कामादेवी; धरणेन्द्रकी अग्र-महिषी का नाम. Kamādevī; the principal queen of Dharanendra. नाया० ध०

कमाड. न० (कपाट) कामाड. क्वाड A door. आव० ४, ५;

कमियव्व. त्रि० (कमितव्व) आक्रमण करने; हमला करना Attacking; overpowering. नाया० १; भग० ६, ३३;

कम्म. पुं० (कर्मण) कामण शरीर; पांच

शरीर मानुं ऐक. कामण शरीर; पांच शरीरों में से एक. Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग० १, १; ६; २, १; ८, १; क० गं० ५, ७६; (२) कामण योग; १५ योगोंमेंसे एक. Kāmaṇa Yoga; one of the 15 Yogas. क० गं० ४, ७; २८; (३) कामण शरीर योग्य पुद्गल रकंधनी वर्गण-समुदाय. (३) कामण शरीर के योग्य पुद्गल स्कंधों का समूह-समुदाय. a collection of molecules fit for the Kāmaṇa body. क० प० १, १६; —उरलदुग. न० (-औदारिक-कद्विक) कामण तथा औदारिक द्विक. कामण तथा औदारिक द्विक-युग्म. a pair of Kāmaṇa or physical bodies. क० गं० ४, ३०; —पोगलपरियट्ट. न० (-पुद्गलपरिवर्त) ऐक एव जेटवा वपतभां लोकनां तमाम पुद्गलेने कामण शरीर पण्णे लघने परिणभावीने छेडे तेटले वपत-कावने ऐक विभाग. एक जीव जितने समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कामण शरीर द्वारा लेकर और परीणमाकर छोड़ता है उतना समय; काल का एक विभाग. a certain division of time. भग० १२, ४;

कम्म. पुं० (कर्मन्) उत्तरेपण, अयत्तेपण, आ-कुंयन, प्रसारण, गमन, ये पांच कर्मेमानुं गमेते ऐक कर्म. उत्तरेपण, अवत्तेपण, आकु-ञ्जन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों में से कोई भी एक कर्म. any of the five actions consisting of raising, lowering, contracting, expanding and moving. भग० १, २; १२, ५; पञ्च० २३; दसा० ६, १; उवा० १, ४३; (२) कारीगरी, कारीगरीथी अनावेनुं रूप-आकार कारीगरी; कारीगरी से बनाया हुआ आकार.

artificial shape अणुजो० १०; (३) कर्म; कार्य; क्रिया; काम धर्मो. व्यापार; कर्म; काम क्रिया; धंधा action; operation; trade. अणुजो० १३१; टा० १, १; सू० प० १६; नाया० १, १७; सु० च० १, १; पि० नि० ६३; १०१; ४३७; पि० नि० भा० ४०; जं० ५० ७, १५१; (४) आरंभ; प्रवृत्ति. आरंभ; प्रवृत्ति. beginning of activity; activity. सू० १, १२, १५; जं० प० (५) आत्मान्ती शक्तिते दयावनार ज्ञानावरणादि आह कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गोत्र, अन्ते अन्तराय, ये आहमांनु गमे ते अहं. आत्मशक्ति को दवाने वाले आठ कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय; आयुष्य, नाम, गोत्र, और अन्तराय इन आठ में से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāvaranīya, Darśanāvaranīya, Vedanīya, Mohanīya, Āyusya, Nāma, Gōtra and Antarāya. भग० २, १; ५; ३, १, ५, ४, ७, ८; ३५, १; ३४, १; पञ्च० १; १४; १६; दसा० ६, १; विशेष० २४६; ३६३; सू० २, १, ६०; दस० ४, २४; ६, ३३; ६६; नाया० १; ८; कप्य० ५, ११८; आव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; —अन्त. पुं० (—अन्त-कर्मणां अन्तः पर्यन्तभागो मूलं कारणं यस्य) कर्मना कारण. कर्म का निमित्त-कारण. a cause of Karma. दसा० ६, ३१; —अंश. पुं० (—अंश) ज्ञानावरणादि कर्मोका अंश. a portion of Karma, e. g. of knowledge-obscuring Karma etc. ओव० ४२; उत्त० ३, १०; भग० १५, १; १८, ७; (२) कर्म प्रवृत्ति. कर्म प्रवृत्ति.

a variety of Karma. क० गं० ६, १७; —अवसेस. पुं० (—अवशेष) कर्म-भात; अवशेष-आह्नीनां कर्म. कर्ममात्र; अवशेष-बाकीका कर्म. the whole mass of Karma; the remaining Karmas. भग० १४, ७; —आजीव. त्रि० (—आजीवक) भेती वगेरे कर्म करी उपनार. खेती प्रभृति कर्म करके जीविका चलाने वाला. one who earns livelihood by agriculture and other occupations. टा० ५, १; —आदाण. न० (—आदान) पंद्रह प्रकारनां कर्मादान; आवकते न करवा योग्य कर्म-धर्मो. पंद्रह प्रकारके कर्मादान; आवक के न करने योग्य कर्म-व्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ६, ३३; (२) कर्मोने आववानो मार्ग. कर्मों के आने का मार्ग. a door for the coming in of Karma भग० ५, ५; —आयाण. न० (—आदान) कर्मनुं उपादान कारण. कर्मों का उपादान कारण. an efficient cause of Karma. अंत० ६, १५; —आसीविष. त्रि० (—आशीविष = कमेणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशी विषाः कर्माशीविषाः) जेने किया अनुष्ठानना अक्षथी पीजने नाश करवानी आप आपी अनिष्ट करवानी शक्ति उत्पन्न अक्ष होय तेया तिर्य्य मनुष्य वगेरे. जिसे किया अनुष्ठान के बलसे दूसरों का नाश करने-शाप देकर अनिष्ट करने की शक्ति उत्पन्न होगई है वह तिर्य्यच मनुष्य वगेरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses. भग० ८, १;
२; —उदय. पुं० (-उदय) उभेति उदय.
कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma;
maturity of Karma. भग० ६, ३२;
—उदीरण. न० (-उदीरण) उभेति पराये
भेदीने उदयमां लावतुं ते. कर्मों को उदय
भाव में लाना. forcing up Karma
into maturity. भग० २५, ६;
—उपग. पुं० (-उपग) जानावरणादि
उभेति अंधन. ज्ञानावरणादि कर्मों का बंधन.
bondage of Karma, e. g. that of
knowledge-obscuring Karma
etc. भग० १४, ६; —उचचय. पुं०
(-उपचय) उभेति उपयय-वृद्धि. कर्मों
की वृद्धि. increment of Karmas.
भग० ६, ३; —उवसम. पुं० (-उपशम)
उभेति उपसभाववा ते. कर्मों को उपशमाना.
subsidence of Karma; assuag-
ing of Karma. भग० ६, ३२; —उवहि.
पुं० (-उपधि) उभेरूप उपाधि; आठ
उभेरूप परिग्रह. कर्म रूप उपाधि; आठ
कर्म रूप परिग्रह. obstacles, fetters
in the form of the eight kinds
of Karma. ठा० ३, १; भग० १८, ७;
—कर. पुं० (-कर) धरतुं कामकाज
करना; कामगरे; नोकर. घर का कामकाज
करने वाला; नोकर चाकर. a domestic
servant; a servant. जं० १० श्रौव०
३१; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२;
—करअ. पुं० (-कर+क) लुओ। “ कम्म-
कर ” शब्द. देखो “ कम्मकर ” शब्द.
vide “ कम्मकर ” सूय० २, २, ६३;
—करण. नं० (-करण—कर्मविषयं
करणं जीववीर्यं बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूतं
कर्म कर्मकरणं) उभेति करण, साधन;
अथ वीर्य वगेरे. कर्मों का कारण-साधन;

जीव वीर्य इत्यादि. instrumental
cause of Karma. भग० ६, १; —करी.
स्त्री० (-करी) काम करनारी; कामगरी;
दासी. काम करने वाली; दासी; नौकरानी.
a female servant, a maid-ser-
vant. आया० २, १, २, १२; —कार.
पुं० (-कर) काम करनार; दास. काम करने
वाला दास. a servant. नाया० ६;
—कारअ. पुं० (-कारक) काम करनार;
दास. काम करने वाला; दास. a servant.
दसा० ६, ४; —कखय. पुं० (-कय)
उभेति क्षय-नाश. कर्मों का क्षय-नाश.
destruction of Karma. नाया०
६; प्रव० ४४८; ६५८; भत्त० १३६;
—खंध. पुं० (-स्कंध) उभेति २३ध-
आयुसमूह. कर्म के स्कंध-अणुसमूह.
collection of Karmas. क० गं० ५,
७८; —गर. पुं० (-कर) कारीगर-लुहार
वगेरे. दस्तकार (कारीगर) -लुहार इत्यादि.
an artisan, e. g. a blacksmith
etc. जीवा० ३, ३; जं० १० ५, ११२;
—गुरु. त्रि० (-गुरु) उभेति गुरु-
भारे; भारेउभेति. कर्मों से भारी; गुरु कुर्मों.
(one) possessed of heavy
Karmas. नाया० ६; —गुरुयत्ता. स्त्री०
(-गुरुकता) उभेति गुरुपाणुं कर्मों
द्वारा भारी पना. heaviness of Karmas.
भग० ६, ३२; —गुरुयसंभारियत्ता.
स्त्री० (-गुरुकसंभारिकता) उभेति भारेपाणुं;
भारेउभेतिपाणुं. कर्मों का भारी पना; जिसके
कर्म बड़े जबरदस्त हैं. heaviness of
Karmas; state of being one
with heavy Karmas. भग० ६, ३२;
—घण. पुं० (-घन) उभेति घन. कर्म
रूपी बादल. a cloud in the form
of Karma. “ विरायई कम्म घणंमि

अवगण " दस० ८, ६४; —चउक्क. न० (—चतुष्क) दर्शनावरणु, वदेनीय, नाम, अने गोत्र, अथार कर्म. दर्शनावर्णीय, वेदनीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz. Darśanāvārṇiya, Vedanīya, Nāma and Gotra. क० प० २, ८०; —जाइभेअ. पुं० (—जातिभेद) कर्म अने जाति नो भेद. कर्म और जाति का भेद. the distinctions of occupation and castes. प्रव० १२, १५; —जुत्त. त्रि० (—युक्त) कर्म युक्त; कर्मयुक्त. कर्मयुक्त-सहित; यम युक्त. possessed of Karmas: with Karmas. प्रव० १२८८; —ट्ठग. न० (—अष्टक) आठ कर्म. आठ कर्म. the eight Karmas. क० प० १, १; प्रव० १२८६; —ट्ठगोदय. पुं० (—अष्टकोदय) अष्ट कर्म नो उदय. आठों कर्मों का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क० प० ७, ५६; —ट्ठिइ. स्त्री० (—स्थिति) कर्मनी स्थिति. कर्मों की स्थिति. duration of existence of Karma. भग० ६, ३; १४, ६; प्रव० १०४४; क० प० २, ७४, ३, ३; —णरवइ. पुं० (—नरपति) कर्मउपरी राजा. कर्म रूपा राजा. a sovereign, a king in the from of Karma. नाया० १७; —णिदाण. न० (—निदान=कर्म निदानं नारकत्वनिमित्तं कर्मबन्धनिमित्तं वा येषां ते कर्मनिदानाः) कर्म बंधनता कारण. कर्म बंधन का कारण. a cause of Karmic bondage. भग० ४, ६; १४, ६; —णिसेग पुं० (—निषेक) जुओ "कम्म निसेअ" शब्द. देखो "कम्मनिसेअ" शब्द. vide. "कम्मनिसेअ" जीवा० २; भग० ६, ३;

—द्वयवग्गणा. पुं० (द्वयवर्गणा) कर्म रूप द्वय वर्गणा-कर्मोतो समूह. कर्म रूप समुदाय —कर्मों का समूह; कर्म वर्गणा. a group, collection of Karmas. भग० १, १; —निज्जरा. स्त्री० (—निर्जरा) कर्मनी निर्जरा; कर्मनो क्षय. कर्मों की निर्जरा; कर्मों का क्षय. destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३; —निदवत्ति. स्त्री० (—निर्वृति) कर्मनी उत्पत्ति.—निपत्ति. कर्मों की उत्पत्ति—उद्गम. birth of Karmas. भग० १६, ८; —निसेअ. पुं० (—निषेक-कर्मणो निषेको बाधोनाकर्मस्थितः कर्मदक्षिणस्थानुभवनाथो रचनाविशेषो वा कर्म-निषेकः) अथाधा डात्र शिवायनी कर्म स्थिति; अथाधाडात्र पछी कर्मनो अनुभव थाय तेरी रीति डरेली कर्मनी ओइ रचना व्यवस्था. अथाधा काल रहित कर्म स्थिति; अथाधा काल के पथार कर्मों का अनुभव हो ऐसी को हुइ कर्म रचना-व्यवस्था. a variety of Karma which is experienced after the period of its end. "अवाहूणिया कम्मट्ठिइ कम्मनिसेगोत्ति" भग० ६, ३; —पणस. पुं० (—प्रदेश) कर्मनो प्रदेश. कर्मों का प्रदेश. the atomic part of Karma. क० प० १, २६; ७, ५०; क० ग० ५, ६६; —पगइ. स्त्री० (—प्रकृति) कर्मनी प्रकृति. कर्मों की प्रकृति. variety of Karma. क० ग० ६, ६६; —पगडि. स्त्री० (—प्रकृति) कर्मनी प्रकृति अन्तर भेद. कर्मों की प्रकृति—अवान्तर भेद. Karmic nature; Karmic variety. भग० ६, ३; ६, ८, १०; १६, ३; २५, ६; २६, ३; ३३, १; —पभार. पुं० (—प्रभार) कर्मनो भार; कर्मनो ओज्जे. कर्म का भार; कर्मों का बोझ. heavy load of Karma. निर० १, १; —परिगह. पुं०

(-परिग्रह) आदि कर्मरूप परिग्रह. आठ कर्म रूप परिग्रह. possession in the form of the eight kinds of Karmanas. ठा० ३, १; भग० १८; ७; —परिणति. स्त्री० (परिणति) कर्मनुं क्षय. कर्मों का फल. the result of Karma पंचा० ७, ४८; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) कर्म-म-दारंभादि तत्प्रधान पुरुष-वासुदेव. कर्म-महा-रंभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations. ठा० ३, १; —पपाय. न० पुं० (-प्रवाद) कर्म-संयधी विवेचन जेभा छे ते; कर्म प्रमाद नामने आहमे पूर्वा. जिसमें कर्म सम्बन्धी विवेचन है वह; कर्म प्रमाद नामका आठवां पूर्व. name of the 8th Pūrva in which there is a discourse on Karma. नदी० १६; सम० १४; —बंध. पुं० (-बंध) कर्मेति बंध. कर्मों का बंध. Karmic bondage. नाया० १७; प्रव० ११६१; —बहुत्त. न० (-बहुत्व) कर्मों का बहुत्व. multiplicity of Karma. भग० १२, ७; —बीज. न० (-बीज) कर्मों की बीज-राग द्वेषादि. कर्मों का बीज-राग द्वेषादि. seed of Karma. दसा० २, ३६; —भारियता. स्त्री० (-भारिकता=भारोऽस्ति येषां तानि भारिकाणि तद्भवो भारिकता कर्मणो भारि. कता कर्मभारिकता) कर्मों का भार. heaviness of Karmas भग० ६, ३२; —मइल. त्रि० (-मलिन) कर्म पडे मलीन. कर्मों द्वारा मलीन. bespattered with Karma. क० प० ७, ४७; —मल. पुं० (-मल) कर्मरूपी भेद. कर्म रूपी मैल. dirt in the form of Karma. क० प० १, १; —मलावेक्खा. स्त्री०

(-मलावेक्खा) कर्मरूपी भेदनी अपेक्षा. कर्म-रूपी मैल की अपेक्षा. reference to the dirt in the form of Karma. प्रव० ७३५; —मूल. न० (-मूल) कर्मों में मूल कारण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय अने योग. कर्मों का मूल कारण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय और योग. any of the five causes of Karma, viz. Mithyātva, Avirati, Kaśāya and Yoga. “कम्ममूलंच-जट्टणं” आया० १, ३, १, ११७; —रज. न० (-रजस्) कर्मरूप रज. कर्म रूपी रज; कर्मिक रज. Karmic dust. नाया० ८; १४; दस० ४, २०; भग० ६, ३१; २०, ८; —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या-कर्मणः सकाशाद्या लेश्या जावपरिणतिः सा कर्मलेश्या) नाम कर्मों की प्रकृति रूप छः लेश्या. नाम कर्म की प्रकृति रूप छः लेश्या. any of the six Leshyās resulting from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १; ६; —वस. त्रि० (-वश) कर्मों के वश-आधीन. कर्माधीन; कर्मों के वश. one subject to Karma नाया० १८; —वसगय. त्रि० (-वशगत) कर्मों के वश-अधीन. कर्मों के वशीभूत. one under the power of Karma. नाया० ६; —विउसग. पुं० (-व्युत्सग) कर्मों का त्याग करवा ते. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Karma. भग० २५, ७; —विगम. पुं० (-विगम) कर्मों का क्षय. कर्म क्षय. destruction of Karma; subsidence of Karma. पंचा० १, २; —विमुक्क. त्रि० (-विमुक्त) कर्मों की मुक्ति अथवा. कर्मों से मुक्त. one, free from Karma. नाया० ६; —वियइ. स्त्री० (-विगति) कर्मों की

विचित्र गति. कर्मों की विचित्र गति. the strange course of Karma. भग० ६, ३२; —**विस.** न० (—विष) धर्मरूप जेर. कर्मरूपी विष—जहर. a poison in the form of Karma. पंचा० ४, २८; —**विशुद्धि.** स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि. कर्मों की निर्मलता—शुद्धता. purification of Karma. भग० ६, ३२; —**विसोद्धि.** स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि. कर्मों की शुद्धि. purification of Karma. भग० ६, ३२; —**वेयणा.** स्त्री० (—वेदना) धर्मनी वेदना. कर्मों की वेदना—पीडा. feeling of pain due to Karma. भग० ७, ३; —**समारंभ.** पुं० (समारम्भ) पापना हेतुरूप क्रियाना कारण. a cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. आया० १, १, १, ७; —**सह.** त्रि० (—सह) धर्मविपादने सहन करने वाला. (one) who endures the results of Karma. “कम्मसहा कालेण जंतवो” सूय० १, २, १, ६; —**हेउअ.** त्रि० (—हेतुक) धर्म छे हेतु जेतुं जेतुं. जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह. that of which Karma is the cause. “पयत्तल्लिट्ठित्तिव कम्म हेउअ” दम० ७, ४२;

कम्मअ. पुं० (कर्मण) आह धर्मना ४२५—३५ धर्मणु शरीर; तेजस अने धर्मणु शरीर सांसारि द्वेक अने दोय छे ते अवांतरमां पणु अवन्ती साथे गय छे. आठ कर्मों का समूह रूप कर्मण शरीर; प्रत्येक सांसारि जीव को तेजस और कर्मण शरीर होता है और भवांतर में भी जीव के साथ जाता है. Kārmaṇa Śarīra i. e. a

body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmaṇa as well as the Tejasa Śarīra and these two accompany it even in the next birth. सम० प० २१६; जीवा० १; अणुजो० १४५;

कम्मइया. स्त्री० (कर्मचिता) धाम इरतां इरतां उत्पन्न थयेली बुद्धि; चार बुद्धिमांती ओइ. काम करते २ उत्पन्न हुई बुद्धि; चार बुद्धियों में से एक. Thought excited in the mind during the course of an action. नाया० १;

कम्मआ. अ० (कर्मतः) धर्मिणी. कर्म से. Through, on account of Karma. भग० १२, ५; २०, ४;

कम्मग. न० (कर्मक=कर्मण) धर्मणु शरीर; धर्म समुदाय ३२५. कर्मण शरीर; कर्म समूह द्रव्य. Kārmaṇa Śarīra i. e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma. विशेष० ६५८; भग० ८, ६; १२, ५; —**सरीर.** न० (—शरीर) धर्मणु शरीर. कर्मण शरीर, Kārmaṇa Śarīra भग० २५, १; —**सरीरे.** पुं० (—शरीरिन्) धर्मणु शरीर—वाले ७५. कर्मण शरीरवाला जीव. a soul possessed of Kārmaṇa Śarīra. जावा० १०; डा० ६, ४; भग० १८, १;

कम्मजाय. पुं० (कर्मणयोग) पशीकरणादि व्यापार. वशीकरणदि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc. नाया० १४;

कम्मण. न० (कर्मण) भन्ती शक्तिथी धामने पश करवुं, गांज यनावुं वगेरे. मानसिक

शक्ति से किसीको वश करना; पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पि० नि० ४६७; प्रव० १३३०; क० गं० ३, २४; ४, २७; (२) धर्मणु शरीर. कर्मण शरीर. the Kārmaṇa body. भग० १, ५; क० ग० १, ३३; —जोय. पुं० (—योग) वशीकरणदि व्यापार. वशीकरणदि व्यापार. practising of enchantment etc. नाया० १४; —सरीरनाम. न० (—शरीरनामन्) धर्मणु शरीर नाम. कर्मण शरीर नाम. the name or appellation Kārmaṇa Sārira. सम० २८; **कम्मतर.** न० (कम्मतर) अतिशय धर्म. बेहद कर्म; अधिक कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६; **कम्मतरय.** पुं० (कम्मतरक) अलुधर्म, अतिशयधर्म. बहुत कर्म; अतिशय कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६; ७, ३; **कम्मत्थय.** पुं० (कर्मस्तव) धर्मस्तवनामे धर्मग्रन्थनाम त्रीन्ने धर्मग्रन्थ. कर्मस्तव नाम का धर्मग्रन्थ का तीसरा कर्मग्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the third Karmagrantha named Karmastava. क० गं० ३, २५; **कम्मधारय.** पुं० (कर्मधारय) धर्मधारय समास; समासनामैक प्रकार. कर्मधारय समास; समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. अणुजो० १३१; **कम्मभूम.** त्रि० (कर्मभूम) धर्मभूमिना क्षेत्रमां रहितार; असि मसी अने इसी (तलवार कलम अने पेटी) ऐ तलु धर्म उपर निर्वाह यत्नावनार. कर्मभूमि में रहने वाले; असि मसी और कृषी (तलवार, कलम और खेती) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land

of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उक्त० २६, १६४;

कम्मभूमि. स्त्री० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्य-तपःसंयमानुष्ठानादिकर्मप्रधानाभूमयः कर्म-भूमयः) धर्मभूमि मनुष्यने रहैवाना पंद्र क्षेत्र; पांच भरत, पांच इरवत, अने पांच महाविदेह ऐ पंद्र क्षेत्र. कर्मभूमि—मनुष्य के रहने के पंद्रह क्षेत्र; पांच भरत, पांच इरवत और पांच महाविदेह. The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz. 5 Bharat, 5 Iravata and 5 Mahāvideha. विशेष० ५६६; भग० २०, ६; ८; २५, ७; नंदी० १७; पञ्च० १; आच० ४, ८;

कम्मभूमिग. त्रि० (कर्मभूमिक) धर्मभूमिमां पैदा थयेल मनुष्य; असी, मसी, अने कृषि ऐ त्रेलु धर्म करी निर्वाह यत्नावनार मनुष्य कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करने-वाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz. military, literary, and agricultural. ओष० नि० ५२६; पञ्च० १; —**भूमिय.** त्रि० (—कर्म भूमिज) लुओ “ कम्मभूमिग ” शब्द. देखो “ कम्मभूमिग ” शब्द. vide. “ कम्म-भूमिग ” ठा० ३, १;

कम्मय. न० (कम्मज—कर्मणो जातं कर्म-जम्) धर्मणु शरीर; आठ धर्मना समुदायशी उत्पन्न थनुं उद्धारिकादि यार शरीरना डारलु रूप शरीर. कर्मण शरीर; आठ कर्मों के समुदाय से उत्पन्न औदारिकादि चार शरीरों

का कारणरूप शरीर. Kārmaṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं० प० २, २४; पञ्च० १२; —द्वय. न० (-द्रव्य) कर्मणु शरीरते योग्य द्रव्य वर्गणु. कर्मण शरीर के योग्य द्रव्य समूह. molecules of which Kārmaṇa Śarīra is made. विशेष० ६७४;

कम्ममासन्न-य. न० (कर्ममापक) पांच गुंज (रति) या २ कागणी अथवा त्रयु निष्पाप प्रमाणुं वज्रन-माप. पांचरत्ता चार कागणी या तीन निष्पाप के बराबर का वजन —माप. A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kāgaṇis or 3 Nispāpas i. e. equal to about 10 grains. अणुजो० १३३;

कम्मया. त्रि० (कर्मजा) काम करने की क्रिया उत्पन्न होती है वह बुद्धि; चार प्रकार की बुद्धियों में से तीसरी 'कम्मया' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदा० २६; ३२; ३६; दसा० ६, ४; निर० १, १;

कम्माविवाग. पुं० (कर्मविपाक) जे नामनुं कर्मग्रन्थनुं प्रथम प्रकारणु; प्रथम कर्मग्रन्थनुं नाम. इस नामका कर्मग्रन्थ का प्रथम प्रकरण; प्रथम कर्मग्रन्थका नाम. The first Karmagrantha क० गं० १, १; ६१; (२) कर्मनुं परिणाम-इत्त. कर्मोंका

फल. the matured result of Karma.. उत्त० २, ४१; —उभयण. पुं० (-अध्ययन) कर्मविपाक-पुण्यपापात्मक कर्मोंका फलनुं प्रतिपादक शास्त्र, तेना अध्ययन-अध्याय. कर्मविपाक-पुण्य पापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन-अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas. सम० ४३;

कम्मवेयय. पुं० (कर्मवेदक) प्रज्ञापना पथीशमां पदनुं नाम, जेमां ज्ञान कर्मते देवी रीते आदि छे तथा देवी रीते वेदे छे तेनुं वर्णन छे. प्रज्ञापना के २५ वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बांधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पञ्च० १;

कम्मर. पुं० (कर्मर) लुहार. लुहार. A blacksmith. विशेष० १२६८; जीवा० ३, १;

कम्मर. पुं० (कर्मकार) काम करनेवाला; नौकर. A servant; जं० प० जीवा० २; ३; (२) कारीगर. मिस्त्री. a carpenter; राय० ३२;

कम्मावादि. पुं० (कर्मवादिन्) कर्मवादी. कर्मने माननेवाला. कर्मवादी; कर्मों को मानने वाला. One who believes in the doctrine of Karma. आया० १, १; १, ५;

कम्मासरिर. न० (कर्मणशरीर) कर्मणु शरीर. कर्मण शरीर. Kārmaṇa Śarīra; Karmic body. भग० ८, १; —कायजोग. पुं० (-काययोग)

कर्मिणु शरीर संबंधी कायातो वेपार. कर्मण
शरीर सम्बन्धी काया का व्यापार. phys-
ical operation connected with
Kārmaṇa Śarīra. भग० २५, १;

कर्मिया. स्त्री० (कर्मिका) अभ्यास करती
करती उत्पन्न थयेन बुद्धि अभ्यास करते
करते उत्पन्न हुई बुद्धि. Thought or
impulse excited in the mind
during the course of study.
भग० १, १; १२, ५; नाया० १; ठा० ४,
४; (२) अवशेष रहले कर्म; कर्मिणीअंश.
बाकी का कर्म; कर्मोका अंश. the rem-
nant of Karma. भग० २, ५;

कय. पुं० (कच) आल, केश. बाल; केश.
Hair. तंडु० जीवा० ३, ४; राय० ३२;
—आभरण. न० (-आभरण) माथाना
आल उपर पहरेवानुं आभूषण. मिर के
बालोपर पहिनेने का आभूषण. an orna-
ment that is worn on the hair
of the head. कण्प० ४, ६२; —ग्राह.
पुं० (-ग्रह) पांच आंगली वडे केश ग्रहण
करवा ते. पांचों अंगुलीओं द्वारा केश पकड़ना-
कचग्रह. catching of hair by means
of five fingers. “कयगगहहिव करय-
लपटभट्ट विमुक्केणं ” राय० जं० प०

कय. पुं० (कय) अरीदुनुं; लेनुं. मोल लेना;
लेना. Purchasing; buying. जीवा.
३, ३; भग० ३, ७; दसा० ६, ४; गच्छा०
१०३; दस० ७, ४६; —विक्रय पुं०
(-विक्रय) अरीदुनुं, बेचनुं; आपले करवी.
खरीदना, बेचना; बदला बदला करना.
buying and selling; exchange.
आया० १, २, ५; नन; उत्त० ३६, १३;
दस० १०, १, १६;

कय-अ. त्रि० (कृत) करेले; आयरेले. किया

हुआ; आचरित. Done; performed;
practised. “कयकोउयमंगलपाच्छिता ”
विवा० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २,
६, १५, १; २५, ७; नाया० १; २; ३; ५;
१६; १६; अणुजो० १२८; १२६; १४७;
पिं० नि० १५७; ओव० ११; पञ्च० २;
विशे० १; उवा० २, ६५; कण्प० ३, ३६; ४०;
पंचा० ४, ४०; पिं० नि० भा० २; दसा० ६, १५;
—अंतर. न० (-आन्तर) अन्तर करेले
करेले. कार्यंतर; अन्तर करण. Another
action; change in action. क० प०
५, ४३; —कज्ज. त्रि० (-कार्य) करेले छे कार्य
जेले ते. जिसने कार्य किया है वह. an
action performed. नाया० ८; ६;
१८; भग० १२, ६; —करण. त्रि०
(-करण) कर्मक्षय करवाभां उधत; दर्शन
मोहनीय आदि अपाववाने यथाप्रवृत्त्यादि
करवाभां तत्पर. कर्मक्षय करने में तत्पर;
दर्शनमोहनीय आदि को उपशमाकर; यथा
प्रवृत्त्यादि करण करने में उद्यत; ready
to destroy Karma. क० प० २,
४१; ५, ३२; —काउसग. पुं० (-कायो-
त्सर्ग) कायोत्सर्ग करेले. कायोत्सर्ग किया
हुआ. one who has performed
Kāyotsarga or meditation
upon the soul. नाया० ५; —कारण.
पुं० (-कारण) जेले करेले कर्तुं छे, योजनुं छे
ते. जिसने कारण किया है, योजना की है. one
who has meditated. नाया०
६; —किच्च. त्रि० (-कृत्य) कृतार्थ;
सकल भने. रथवाले. कृतार्थ; सकल मनोरथ-
वाला. (one) whose desires have
been accomplished or fulfilled.
सु० च १, ३६६; २, ४३५; पंचा० ६, २४;
प्रव० १५६; —कोउयमंगलपायच्छित्त
त्रि० (-कौतुकमंगलप्रायश्चित्त = कृतानि कौतुक-

मांगस्थान्येव प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविधा-
तार्थमवश्यकरणीयत्वाच्चेते तथा) ६४
स्वप्न आदिना दुष्टने निवारणमात्रे प्रायश्चित्त
तरीके जेणे कैतुक-कपाले तिलक तथा मांग-
क्षिक कृत्य कर्या छे ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको
अफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्चित्तरूपमें
कोतुक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य
किया है वह. (one) who has made
an auspicious mark on the fore-
head in order to avert the
evil attendant upon a bad
dream etc. भग० २, ४; दसा० १०,
१; नाया० ध० —नास. पुं० (—नाश)
उरेल-धर्म-अधर्मनो नाश. कृत-किये हुए
धर्म अधर्म का नाश. destruction of
good or evil Karma performed.
विशे० ३२३१; —नासि. त्रि० (—नाशिन्)
कृतघ्न; उरेल गुणुनो नाश करनार. कृतघ्न;
किये हुए गुणोंका नाश करने वाला. un-
grateful: lit. one who destroys
what is done. ओष० नि० १३६;
—पडिकइ. त्रि० स्त्री० (—प्रतिकृतिक)
गुणुनो अदलो वाग्वो ते; दुं दान आपीश
तो गुं भने शास्त्रज्ञान आपीश ऐम प्रत्युप-
कारनो उद्देश मनमां राप्पी गुवादिदन्ती सेवा
करवी ते; लोकोपचार विनयनो ऐक प्रकार.
गुणोंका बदला चुकाना; मैं दान दूंगा तो
गुरु मुझे शास्त्रज्ञान सिखावेगे, ऐसी प्रत्युपकार
की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा
करना; लोकोपचार विनय का एक भेद.
rendering service (e. g. to a
Guru) with the expectation of
getting something in return
(e. g. knowledge). नाया० २;
—पडिकइया. स्त्री० (—प्रतिकृतिका)
जुओ “कयपडिकइ” शब्द. देखो “कय-

पडिकइ” शब्द. vide “कयपडिकइ”
भग० २५, ७; —पडिकयय. त्रि० (—प्रति-
कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः
तद्यस्यास्तीति कृतप्रतिकृतिकः) उरेल
गुणुनो अदलो वाग्वो नार. किये हुए गुणों का
बदला चुकोन वाला. one who returns
good for good. डा० ४, ४; —पुण्य.
त्रि० (—पुण्य) पुरेपुरा पुण्यवाणा; पुण्य-
वान्. पूर्ण पुण्यवान्; पुण्यात्मा. one pos-
sessed of high religious merit.
नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५,
१; पंचा० ७, २६; —बलिकम्म. त्रि०
(—बलिकर्म) कर्तुं छे अतिकर्म=कुलदेव गृह-
देवताने अविदानकर्म अथवा अण वये तेतुं कर्म
कसरत वगरे जेणे ते. जिसने बलि कर्म-
अथवा बल वर्द्धक-शक्ति प्रद-कसरत आदि
किया है वह. one who has given
oblations to a deity or has per-
formed strength-giving activity,
physical exercise etc भग० ७, ६;
६, ३३; दसा० १०, १; नाया० ध० नाया०
१; १२; १६; जं० प० ३, ५०; —लक्खण.
त्रि० (—लक्षण) संपूर्ण लक्षणवालो.
सम्पूर्ण लक्षणों युक्त. one possessed
of all the signs or marks. नाया०
१; १६; भग० ६, ३३; १५, १; —विहव.
त्रि० (—विभव) संपूर्ण वैभववाणुं.
संपूर्ण वैभव वाला. (one) possessed
of full glory or prosperity.
नाया० १; —व्वयकम्म. त्रि० न० (—व्रत-
कर्मन्) आवकनी भील पडिमा धरनार
आवक के जे जे भास सुधी ज्ञान अने धम्म
पूर्वक आणुवत आदरे अने पाणे. आवककी
दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला आवक कि
जो दो मास तक ज्ञान और इच्छा से आणुवत
धारण कर उन्हें पालता है; (a Jaina

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृताङ्गला) श्रावस्ती नगरीनी पास आवेली नगरीनुं नाम. श्रावस्ती नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śrāvastī. “ तीसेलं कयंगलाणं नगरीणं अदूरसामंते सावत्थी एवमं नयरी होत्था ” भग० २, १;

कयंत. पुं० (कृतान्त) दैव; भाग्य. भाग्य; देव; तकदीर. Fate; fortune. पणह० १, ३; (२) यमराज. यमराज. the god of death. सु० च० १, २३३;

कयंब. पुं० (कदम्ब) कदम्बनुं जाड; कदम्ब, देवताउता जाड. कदम्ब का वृक्ष. Name of a tree. जीवा० ३, ४; राय० पत्र० १; अणुजो० १३१; कप्प० १, ५; ३. ३३; जं० प० ५, ११५; —**पुष्प.** न० (—पुष्प) कदम्बनुं फूल कदम्ब का फूल. a flower of a Kadamba tree. कप्प० १, ५;

कयंबग. न० (कदम्बक) कदम्बनुं जाडना फूल. कदम्ब के फूल का फूल. A flower of the Kadamba tree. नाया० १; १३;

कयग. पुं० (कृतक) कृत्रिम; करेल. कृत्रिम; बना-वटी. Artificial. विशेष० १८३७; —**कयग.** त्रि० (—क्रमक) अरीहेलुं. खरीदा हुआ. bought. निसी० ६, ६; —**भत्त.** न० (—भक्त) अरीहेलुं अन्न-भोजन. मोल लिया हुआ भोजन-भात. purchased food. निसी० ६, ६;

कयगघ. पुं० (कृताई) भरतक्षेत्रना गध योवीशीना १८ भा तीर्थक्षर. भरतक्षेत्र की गत काल की चौवीसी के १६ वें तीर्थक्षर. The

19th Tirthāṅkara of Bharata Kṣetra of the past cycle.

प्रव० २६१;

कयट्ट. त्रि० (कृतार्थ) कृतार्थ; भाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भत्त० ५२;

कयणाय. त्रि० (कृतज्ञ) करेला उपकारने ज्ञाणुता२. कियेहुए उपकार को मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पंचा० ११, ३५;

कयत्थ. पुं० (कृतार्थ) जेहे पोतानुं कार्य सिद्ध कर्युं छे ते; कृतार्थ. जिसने अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग० १, ८; ६, ३३, २५, १; नाया० १; १३; १९; उत्त० ३२, ११०; विवा० ७; विशेष० १००८; सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, ११२; ११७;

कयन्न. त्रि० (कृतज्ञ) करेला उपकारने ज्ञाणुता२. किये हुए उपकार को समझनेवाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव० १३७२;

कयमास. पुं० (कृतमास) अेक जतनुं वृक्ष. एक जाति का फूल. A kind of tree. जं० प० (२) तिमिस गुफा नो अधिष्ठायक देवता. तिमिस गुफा के अधिष्ठायक देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). जं० प० १, १२; ३, ५१; ३, ६५; ६, १२५;

कयमालअ-य. पुं० (कृतमालक) वैताढ्यनी तिमिस गुफा नो स्वामि-देवता. वैताढ्य की तिमिस गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitādhya. जं०

प०(२)वैताढ्यनी गुफानुं नाम. वैताढ्यकी गुफा का नाम. name of a cave of the Vaitādhyā of Iravata Kṣetra. डा० २, ३; (३) मेरुपर्वतनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आठ दीर्घवैताढ्यनी आठ तिमिर गुफाना अधिपति देवता. मेरु पर्वत के पूर्व ओर सीता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताढ्य की आठ तिमिर गुफाओं के अधिपति देवता. the presiding deity of the eight Timira caves of the eight Dīrgha Vaitādhyas to the north of the river Sītā which is to the east of the Meru mount. डा० ८;

कयर. त्रि० (कतर) ये दे धलुमानो डाय-
इयो ऐड. दोया बहुतो मे मे कौन एक.
Which; who. "कयर धम्मे अक्खाण मा-
हण्णं महमया" सूय० १, ६, १, ११, १; दम०
४, १, ६, २; ८, १४; पि० नि० ३१०; म० प० १०;
जीवा० १; अणु जो० ८६; उत्त० १२, ६; ओव० ४३;
आप० नि० १३७६; विशेष० १६०; पञ० ३;
दसा० १, ३; ६, १; २; नया० १६; १७; भग० १, १;
३, १, २; ६, ४; ७; १२, ४; १६, ११; १८, ५;
२६, १; ६; ज० प० ७, १५६;

कयली. स्त्री० (कदली) देवनी अड. केले का
गाड. A plantain tree. आप० नि०
६६७; ज० प० सु० च० २, १६५; जीवा०
३, २; प्रव० ५११; —गर्भ. पुं० (-गर्भ)
देव-कदलीना वृक्षतो गर्भ. केले-कदलीके वृक्ष
का गर्भ the inner part of a plan-
tain tree. प्रव० ५११; —घर. न०
(-गृह) देवनांघर; देवीघर. केले का गृह;
केली घर. a house of plantain
trees. नाया० ३; जीवा० ३, ४; —घरग.
पुं० (-गृ. क) जुआ "कयलि घर" शब्द.
देखो "कयलि घर" शब्द. vide. "कयलि

घर" राय० १३६; —लया. स्त्री० (-लता)
देवनी लता- कांय वेद. केले का लता-बेल.
a creeper of plantain trees.
नाया० १३; —हर. न० (-गृह) देवनां-
घर. केले का घर. a house of plan-
tain trees. ज० प० ५, ११४;

कयवत. त्रि० (कृतवत्) करनेवाला.
(One) who has done. विशेष० १५५५.
कयवम्म. पुं० (कृतवर्मन्) तेरमा तीर्थकरेना
पिता. तेरहवें नार्थकर के पिता. The
father of the 13th Tirthan-
kara. सम० प० २२६; प्रव० ३२४;

कयवर. पुं० (कचर) इयरो; पुंजे; कूड़ा;
कचरा. Dirt; refuse. आया० १,
१, ४, ३७. जीवा० ३, ३; भक्त० ८६; नाया०
१; २; ६; ज० प० ५, ११२; —उज्झया.
स्त्री० (उज्झका) इयरोने शोधो साइ करी
प्यार इकनार; वालीहुं वागनारी. कूड़े कर-
कट को निकाल साफ कर बहार फेंकने वाली;
गाड पुंज का कार्य करनेवाली. a woman
who collects refuse and throws
it away. नाया० ७;

कया सं० कृ० अ० (कृत्वा) करीने. करके.
Having done. पि० नि० ८८;

कया-अ. न० (कदा) क्यारे. कब. When.
डा० ३, ४; उत्त० १, २१; सु० च० १, २७;
दम० ७, २१; भग० ५, २; ज० प० ७, १५३;

कयाइ. अ० (कदाचित्) कदाचित्; कदाचित्.
किसी समय; कदाचित्. At some
time or other; perhaps. भग०
२, १; ३, १; ६, ४; १५, १; नाया० १;
विवा० १; उत्त० १, १७; २, ७; राय० १४६;
ज० प० पि० नि० २०६; दसा० १०, १;
सम० १३; ओव० ४०. सूय० १, १, ३,
६; १, ६, २०; उवा० १, ८८;

कयाई. अ० (कदाचित्) कदाचित् "कयाइ"
 गु०६. देखो "कयाइ" शब्द. Vido
 "कयाइ" विशेष० ३०६; उत्त० ३२, २१;
 पि० नि० ३००;
 कयाणग. न० (कयाणक) क्रीयाणुं. किराना.
 Groeery. सु० च० १, १४७;
 कयार. न० (कचर) कचरा. Refuse;
 dirt. विशेष० ११७०;
 ✓ कर. धा० I, II. (कृ) करुं; अनावुं.
 करना; बनाना. To do; to prepare;
 to make.
 करेइ-ति. जं० प० ५, ११२; दस० १०, १;
 निर० २, ३; नाया० १; २; ५; ८;
 ६; वेय० १, ३६; भग० १, २; २,
 १; ३; १; ४; ७, १; ६, ४;
 करन्ति. भग० १, ३; ३, ३; ५, ४; ८, १;
 दसा० ६, ६८; ६, २; नाया० २, ८;
 करिन्ति. नाया० १, ७; ८, १४; १६; भग०
 २७, १;
 करेन्ति. ओव० २७; पि० नि० २०६; नाया०
 १; २; ६; १४; भग० १, ६; १५,
 १; २०, ८; जं० प० ५, ११४;
 ११२; ११३;
 करेसि. नाया० १६;
 करेमि. नाया० १; जं० प० ५, ११५;
 करेमो. जं० प० ५, ११२;
 किरिजा. पि० नि० ४८६; सु० च० ६, १२०;
 भग० १, ७; १२, ७; ८; २१, १;
 २४, १; ७; नाया० १५;
 ✓ करेजा. भग० ८, ६;
 करेजासि. वि० भ० ए० पि० नि० ४३२;
 करेजामि. वि० उ० ए० नाया० २;
 करेहि. आ० नाया० २; ८; दस० ७, ४७;
 भग० ३, १;
 करेह. आ० ओव० २८; भग० १, ६; ६,
 ३३; ११, ११; १५, १; नाया० १;

५; ८; ६; १६;
 करिस्सइ. भ० भग० ८, २; १५, १; दस०
 ७, ६; नाया० ५;
 करिस्सन्ति. भ० सम० १; भग० १, ३; २६,
 १; नाया० ५; दस० ७, ६;
 करिहिन्ति. भ० नाया० १८; भग० २, १;
 करेहिन्ति. भ० नाया० ६; भग० १५, १;
 करिस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
 १२६; ५, १२७;
 करेस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
 १२६; ५, ११७;
 करेस्सं. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
 १२६; ५, ११७;
 करिस्सामो. भ० ओव० २७; जं० प० ५,
 ११३;
 अकरिस्सं. भू० आया० १, १, १, ५;
 अकरिस्सु. भू० ठा० ३, १; नाया० १; भग०
 १, २; ८, २; १५, १;
 करित्ता. सं० कृ० ओव० २७; पञ्च० ११२;
 ओघ० नि० ३६; नाया० १६; भग०
 ११, ११; दसा० १०, १;
 करेत्ता. सं० कृ० ओव० २६; भग० ३, १;
 करिय. सं० कृ० संत्था० १०४;
 करेत्तए. हं० कृ० भग० ३, १; ६, ५; ६; १५,
 १; जं० प० ५, ११२; ११५;
 करिन्त. व० कृ० विशेष० ३४२०;
 करेन्त. व० कृ० विशेष० ३४२०;
 करेमाण. व० कृ० दस० २, ३; १०; ११; १६,
 २०; वेय० ४, १; १०; ३६; ओव०
 २७; नाया० १; २; ३; १४;
 कारेइ. प्रे० पि० नि० ४२५; निमी० १, १२
 भग० ३, १;
 कारावेइ. प्रे० नाया० १२; १६;
 करावेइ. प्रे० नाया० २, १३;
 कारवेइ. प्रे० सु० च० २, ४३; भग० ८, ५;
 कारवेमि. प्रे० दस० ४;

करावे. प्रे० वि० उत्त० २, ३३;
 कारेह. प्रे० आ० आया० १, ७, २, २०४;
 कारवेह. प्रे० आ० ओव० २६; भग० ११,
 ११; राय० २८;
 कारावेह. प्रे० आ० नाया० १;
 कारवेत्ता. प्रे० सं० कृ० ओव० २६; जं० प०
 ३, ४३;
 करावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
 कारविता. प्रे० सं० कृ० भग० ११, ११;
 कारावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
 कारेत्ता. प्रे० सं० कृ० भग० ३, १;
 काराविता. प्रे० सं० कृ० राय० २८;
 कराविऊण. प्रे० सं० कृ०
 काराविऊण. प्रे० सं० कृ० सु० च० ३, १५;
 कारवेत्तण. प्रे० हे० कृ० भग० ८, ५;
 काराविताण. प्रे० हे० कृ० वव० ५, २०;
 कारावेत्तण. प्रे० हे० कृ० सुय० २, ४, ६;
 कारन्त. प्रे० व० कृ० निमी० १, १२;
 कारेन्त. प्रे० व० कृ० भग० ११, ११;
 कारेमाण. प्रे० व० कृ० सम० ७८; भग०
 १८, २; १३, ६; पञ्च० २; कप्प०
 २, १३; जं० प० ५, ११५;
 काजिम्मइ. प्रे० व० कृ० भग० २८, ६;
 कीरना. प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, ८;
 नाया० ११; सु० च० २, ३३०;
 पंचा० १८, ५;
 कीरमाण. प्रे० व० कृ० भग० १५, १; दम०
 ७, ४०; सु० च० ७, १४६; वव०
 २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२;
 किजमाण. प्रे० व० कृ० डा० ३, २;
 कजमाण. प्रे० व० कृ० सुय० १, ८; भग०
 १, ८; १, १०; ६, ३२; १२, ४;
 पंचा० १७;
 कारिजह. प्रे० व० कृ० सु० च० २, ४७;
 किजह. क० वा० सु० च० १, ६६; सम० ३४;
 कजह. क० वा० अणुजो० ७५, ८; भग०

१, ६; १, ६; २, ५; ३, ३; ४, ६;
 १२, ५; १७, ९; १८, ७; जं० प०
 ७, १३८;
 कीरप्. क० वा० पि० नि० ५८;
 कीरह. क० वा० सुय० १, २, ६; नाया० १६;
 भग० १, ९; ६; ३३; विशेष० २६;
 ६६; गच्छा० ७५; प्रव० ३०; क०
 गं० १, १;
 कज्जन्ति. क० वा० पञ्च० १७; भग० १, २;
 ४, ६; ७, १०;
 कीरन्ति. क० वा० सु० च० २, ३२६;
 किजन्ति. क० वा० भग० १, १०; दसा० ६, ४;
 किज्जु. क० वा० सु० च० १, ३५५;
 कर. पुं० (कर) हाथ. हाथ. A hand; an
 arm. नाया० १, ६; १६; १७; दसा० ६,
 ४; विवा० १; भग० ८, १०; ४२, १; राय०
 २८; गच्छा० ८३; (२) हाथीनी सुंठ.
 हाथी की सुंठ. the trunk of an
 elephant. नाया० १; पण्ह० १, ३;
 (३) त्रि० करनेवाला. करनेवाला. one who
 does; a doer. उत्त० १, २६; भग० १,
 १; ओव०; नाया० १; (४) पुं० ८२ भा
 अहनुं नाम. ८२ वें ग्रह का नाम. name
 of the 82nd planet. सू० प० २०;
 (५) कर: वेरो. कर: महमूल. a tax;
 a duty जं० प० पि० नि० ८७; (६)
 दिरशु. किरण. a ray. जीवा० ३, ३; (७)
 राजता करती पे: अरिहन्तना कर तरीके
 मानी वंदना करे ते: वंदनाना उर दोषमानी
 पथीशमो दोष. वंदना के ३२ दोषों में से २५
 वां दोष. the 25th of the 32 faults
 connected with Vandana i. e.
 bowing a Tirthankara, sup-
 posing it to be a tax similar to
 the tax which is paid to a king.
 (८) कामता योवीश प्रकारमानो अक: रतिमं-

बोज भाटे कामना आसन वगेरे वासवा ते.
काम के २४ भेदों में से एक भेद; रति
संभोगार्थ काम के आसनादि लगाना. any
of the 24 varieties of sexual
intercourse: the different
postures adopted at the time
of sexual intercourse. प्रव० १०७६:

—कमल न० (-कमल) द्वाथरूप कमल
हाथ रूप कमल. a hand as a lotus
(metaphorically). भक्त० १७;

—जुयलमज्ज पुं० (-जुगलमध्य) ओ
द्वाथनी वस्त्रे द्विजलुशर्मा वन्दना करवाते:
वन्दनानो ओक दोष. दोनों हाथों के बीच
में घुटना रखकर बंदना करना: बंदना
का एक दोष. a fault connected
with Vandana (bowing) by
keeping the knees between
the two hands. प्रव० १५६: —नवग.
न० (-नवक) नव द्वाथ. नौ हाथ. nine
cubits (a measure of length).
प्रव० ७७;

करअ. पुं० (करक) डरा. जलमेनुं पाणी बर्फ;
ओला. Ice; hail. कप० ६, ४४;

करंज. पुं० (करंज) करंज नामनुं जाय. एक
जाति का करंज नामक झड़. Name of
a tree. पञ्च० १; भग० २२, २;

करंड पुं० (करण्ड) करंडियो. डिब्बा; कंडिया.
A small box or basket (made
of bamboo). नाया० १; पगढ़ १५;

करंडग. पुं० (करण्डक) करंडियो; द्वाथयो. डिब्बा;
कंडिया. A small box or basket
(made of bamboo). ठा० ४, ४;
भग० २, १; अणुत्त० ३, १; जावा० ३, ४; आघ०
नि० ६६०; आब० १६; ३६, जं० ५, १२०;

करंडय. पुं० (करण्डक) करंडनुं द्वाड्ड.
रीढ़ की हड्डी. The spinal cord. तंदु०

करंडु. पुं० (करण्ड) पुंड्रुं द्वाड्डुं. पीठ की
हड्डी. The back-bone. जीवा० ३, ३;

करंब. पुं० (करम्ब) दही योभाना मिश्रणुथी
अनतो ओक भाद्य पदार्थ; करंभो. दही, चावल
के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ.
A food prepared of boiled rice
and curds mixed together.
प्रव० २३०;

करंबिय. त्रि० (करम्बित) धारयितरा रंगवालो.
नाना रंगवाला; रंग बेरंगा. Of variegat-
ed colours. सु० च० २, ५०;

करक. पुं० (करक) डरा. ओला. A hail-
stone. पगढ़० १, ३; (२) करवण्डेयुं ओक
पात्र; जरी. करवे जैसा एक बर्तन. (जो साधु
के काम में आता है) a water-pot
(used by ascetics). अणुजो० १३२;

करकंड. पुं० (करकण्ड) ओ नामनो ओक
आत्मिणु संन्यासी. इस नामका एक ब्राह्मण
संन्यासी Name of a Brāhmana
ascetic. आब० ३८;

करकंडु. पुं० (करकण्डु) करकंडु नामना ओक
प्रत्येक्षुद्ध डे वने अगदनी पतटानी अवरथा.
वैभ प्रसज्य उत्पन्न थयो हतो. करकंडु नाम
के एक प्रत्येकबुद्ध जिगे कि बेलकी पलटता हुई
अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था.
Name of person who felt dis-
gusted with the world upon
seeing the changes in the con-
dition of an ox. “ करकंडु काजिगेसु ”
उत्त० १८, ४६;

करकनिय. त्रि० (करकचित) करवत वगेरेथी
कटित काष्ठ-पाटियां. आरे आदि से चीगा
हुआ काष्ठ-पाटिया. A board of wood
cut off with a saw etc. अणुजो० १३३;

करकय. पुं० न० (करकय) द्वाड्डां वेदेरवानुं
ओअर; करवत लकड़ी चीरनेका औजार; आरा;

करवत. A saw. उत्त० १६, ५१; पण्ड० १, १;
 करकर. पुं० (करकर) वहाणु पाणुमीं दुअती
 वअते कडकर आवाज करे छे ते. जहाजका पानी
 में डूबते समय करकर आवाज करना. A
 croaking sound produced by a
 sinking vessel. नाया० ६; उवा० २, ८४;
 करकरसुंठ. पुं० (करकरशुण्ड) ओक जलनी
 वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind
 of vegetation. “ परंहे कुरुविंदे कर-
 करसुंठे तहविभंगगुय ” पञ्च० १; भग० २१, ६;
 करकरिग. पुं० (करकरिक) करकरिक नामने
 ग्रह. करकरिक नाम बा ग्रह. Name of a
 planet. “ दोकरकरिग ” ठा० २, ३;
 सू० प० २०;

करकुडि. पु० (*) हांसीनी सग्न पभेय.
 केदीनुं ओक वस्त्र; फांगी का हुकम पाये हुए
 कैदी का एक वस्त्र. A garment worn
 by a person sentenced to
 capital punishment. पण्ड० १, ३;

करग. पुं० (करक) करवत; कडओ; ओक जलनुं
 वासणु. करवा; लोटा. A metal-pot.
 अणुत्त० २, १; सूय० १, ४, २, १३; जीवा० ३, ३;
 उवा० ७, १६७; (२) त्रि० करनार.
 करनेवाला. a doer; one who does.
 नंदी० २८; (३) पुं० वरसादने काथोगभि:
 करा. बरसात का कछागर्भ; छोला a hail-
 stone. दस० ४; पञ्च० १; पिं० नि० भा०
 १७; जीवा० १; (४) शात्रक पक्षिनी ओक
 जल. शालक पक्षी का एक जाति. a kind
 of bird. पण्ड० १, १;

करगय. पुं० (करकच) करवती; करवत. आरा;
 करवत. A saw. उत्त० ३४, १८;
 करग. न० (करग) दाधेनो आग्रभाग;

आंगणी. हाथ की अंगुलियां. Fingers.
 सु० च० १, ६५;

करड. पुं० (करट) ओक जलनुं वाजित.
 एक जाति का बाजा. A kind of musi-
 cal instrument. राय० ८८;

करडि. पुं० (करटि) ओक जलनुं वाजित.
 एक जाति का बाजा. A kind of musi-
 cal instrument. जीवा० ३, ३;

करहुयभत्त. न० (*) भरी गयेलानी पाछण
 जमलु थाय ते; मृतक भोजन. मनुष्यके मरने
 के पश्चात् जो भोजन होता है वह; मृतक
 भोजन; आसर. Dinner for which
 the occasion is the death of a
 person. पिं० नि० ४६४;

करण. न० (करण) साध्य क्रियाने सिध्य कर-
 वामां अत्यंत सहायक; साधन. साध्य क्रिया
 को सिद्ध करने में अत्यंत सहायक; साधन.
 Anything useful in accomplish-
 ing an object; an instrument
 or means of an action. ठा० ३, १८;
 १; अणुजो० २७; १२६; नाया० १; जं० प० ७.
 १५३; ५. ११२; उवा० १, ५८; विशेष० २००८;
 ३३०१; राय० २१५; भग० १, १०; ६, १; १६,
 ९; पंचा० ३, २६; १४. २; (२) धृष्टिय. इक्षिय.
 an organ of sense. क० गं० १, ५;
 ४६; जीवा० ३, ३; ओव० १०; पण्ड० १, २;
 (३) प्रयोग करी अतावतुं. प्रयोग करके
 दिखाना. actual experiment or
 performance. ओव० ४०; (४) ल्योति:
 शास्त्रमां द्रष्टवित अथ आक्षय वगेरे अगीधार
 करलु. ज्योति:शास्त्र में दिखाये हुए ‘ बव ’
 ‘ बालव ’ इत्यादि ग्यारह करण. (in
 Astrology) any of the 11

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

divisions of a day. भग० ११, १; ११, ६; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४; १५; १६; ओव० ४०; ओघ० नि० ८०; क० प० ४, १; आव० १, ५; जं० प० (५) इत्यु अलिप्र५ आदि. करणः अभिग्रह आदि. a certain vow. नाया० १; (६) इत्यु. करना. doing; performing. उत्त० २६, ६; ओव० ३१; भग० ३, १; १४, ४; नाया० १; ६; पि० नि० १६६; ४१०; परह० १, १; (७) आरित्र धर्म. चारित्र धर्म. religion pertaining to right-conduct. नंदी० ३०; (८) पिंडविशुद्धि आदि जैनशास्त्र प्रसिद्ध ७० ओलतो समूह. पिंडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० बोलों का समुदाय. the collection of 70 terms of the Śāstras such as Pinda Visuddhi (purity of food) etc. ओव० १६, सम० २; ओघ० नि० १; नदी० ४५, नाया० १; भग० २, १; प्रव० १६; (९) पूर्वे कामव्यपने नथी उत्पन्न तथा तेया अध्यवसाय विशेषः अपूर्व इत्यु. ऐसे अध्यवसाय जो पहिले कर्मा भी उत्पन्न न हुए हों; अपूर्व भाव. peculiar thought activity; Apūrva Karana. उत्त० २६, ६; (१०) जे अध्यवसायथी कर्मना अन्यन संकर्मणु, उद्वर्तना, अपवर्तना, उद्वर्तना, उपशमना, निधनि अने निशायना थाय ते; अन्यन आदि कायभेदथी इत्यु. रूप इत्युना पणु उपर दृष्टा प्रमाणे आह प्रचार छे. जिन अध्यवसायों से कर्मों के बंधन, संक्रमण, उद्वर्तना, उद्वर्तना, उपशमन, निधति और निकाचना होते हैं वह; बंधन आदि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार आठ भेद हैं. the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramana, Udvartana,

Apavertana Udirana etc. is affects. प्रव० ११;—उवाय. पुं० (—उपाय—करणक्रियाविशेषः स एवा उपायः स्थानान्तरमाप्तौ हेतुः करणोपायः) इत्यु—क्रियाइय हेतु; ज्वने अइ स्थानेथी पीने स्थाने उप-ज्वामां डे ज्वामां इत्यु—कर्मरूप हेतु छे ते. करण-क्रियारूप कारण; जीव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानमें करण-कर्म रूप कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the cause of transmigration to the soul. “सेजहाणामण पवण पवयमाणे अउभवसाय-णिवात्तणं करणोवाणं सेय काले तंठाणं विप्पजाहत्ता ” भग० २५, ८; —कय. त्रि० (—कृत, यथा प्रवृत्त्यादि इत्यु—क्रियाथी इत्यु. यथा प्रवृत्त्यादि करण-क्रिया से क्रिया हुआ. performed properly. क० प० ५, १; —जोग पुं० (—योग) इत्यु. रूप योग-मन, वचन अने कायाते व्यापार. करणरूप योग-मन, वचन और काया का व्यापार. activity of mind, speech and body. दम० ६, २०;—जोय. पुं० (—योग) ओआ “करणजोग” शब्द. देखो “करणजोग” शब्द. vide “करणजोग” दम० ८, ४;—नअ. पुं० (—नय) इत्यु—क्रियानय, अइले क्रियाने मान-नार; सर्व वस्तु क्रियाने आधीन छे अइ मान-नार. करण-क्रियानय अर्थात् क्रियाकांही मानने वाला; सब चीजें क्रिया के आधीन हैं ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशे० ३५६१;—वीरिय. न० (—वीर्य) ईथान आदि क्रियाइये परिलामपामेखुं वीर्य. उत्थान आदि क्रियाओं के रूप में परिलाम पाता हुआ वीर्य. the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc. भग० १, ८;—
सच्च. न० (-सत्य) क्रियाभां देखातुं सत्य;
पडिलेदुआदि क्रिया यथोक्त रीते करवी ते क्रिया
में दिखाइ देता सत्य; प्रतिलेखनादि क्रिया यथो-
चित रीतसे करना. correctness appear-
ing in an action, e. g. proper
examination of clothes etc. भग०
१७, ३; उत्त० २६, २; सम० २७;

करणाओ. अ० (करणतः) प्रयोगार्थी. प्रयोग
से. Through actual practice or
performance. नाया० १; प्रब० १५७;
करणाया. ली० (करणता) करवुं ते. करना.
Doing; act of performing. नाया०
१; ५; ८; १६; निर्मा० १, ४०; भग०
३, २; ६, ३२; उवा० २, ११३;

करणिज्ज. त्रि० (करणीय) कर्तव्य; करवा जेय.
कर्तव्य; करने योग्य. (Anything)
worthy to be done. भग० ३, १; ६,
३३; नाया० १; ३; अणुजो० २८; वव०
२, १; पंचा० १, ४३; राय० १७१;

करपत्त. न० (करपत्र) करवत; लाड्डा वेदेवानुं
साधन. आरा; लकड़ी चारने का साधन.
A saw. झ० ४, ४; नाया० १६; विवा० ६;

करभ. पुं० (करभ) उटतुं अ२युं. उट का बच्चा.
A young one of a camel. पणह १, १;

करमह. पुं० (करमई) करमदानुं जाड.
करोड़े का भाइ. Name of a tree pro-
ducing berries. पञ्ज० १;

करयल. न० (करतल) हथेली; दाथनी सपाटी.
हथेली; पंजे का समचौरस भाग. The
palm of a hand दशा० १०, १;
राय० २६३; ओघ० नि० भा० २७३; नाया०
४० निर० ३, ४; ओघ० ११; ३०; नाया० १;
२; ५; ७; ८; १२; १४; १६; भग० २, १;
३, १; २; ७, ६; ६, ३३; १५, १; कप्प०

१; ५; जं० प० ५, ११२; ११४;—(ला)
—आहय. त्रि० (-आहत) हथेलीथी हथेल
—धडेलेल. हथेली से दबायाहुवा-ठकेलाहुआ.
pushed forward or struck with
the palm of a hand. नाया० ६;
—परिग्गहिय. त्रि० (-परिगृहीत)
ये हाथ जेडेले. दोनों हाथ जोड़े हुए.
folding both hands together.
वव० १, ३७; कप्प० १, ५; —पलहत्थमुह.
त्रि० (-पर्यस्तमुख) गालपर हाथ राख्यो ठे
जेले ते. जिसने गाल पर हाथ स्वा हो वह.
(one) who has rested his cheek
on the palm of his hand. निर्मा० ८,
११; —पुड. पुं० (-पुट) करतल संपुट;
आओ. बोवा. the hollow cavity
formed by joining the two
palms. जं० प० ५, ११४; —मसिय. त्रि०
(-मर्दित) हथेलीमां मसणेलुं हथेली में
मसला हुआ. pressed in the palm
of a hand. विवा० २; —मेय. त्रि०
(-मेय) मुडीमां पडडी शक्य जेवुं. मुट्टी
में पकड़ा जा सके ऐसा. anything that
can be caught in a fist. कप्प०
३, ३६; —संपुड. पुं० (-संपुट) हथेलीना
संपुट; आओ. हथेली का संपुट. the
cavity formed by joining the
two palms together. कप्प० २, २१;
करव. पुं० (करव) नागवावातुं पाणी
पीवानुं पात्र. नलीदार पानी पाने का बर्तन.
A water-pot resembling a
kettle. सु० च० १०, ४२;

करवत्त. पुं० (करपत्र) करवत; लाड्डा वेदेवानुं
हथीयार. करवत; लकड़ी चारने का औजार.

A saw. उत्त० १६, ५१; जीवा० ३, १;
पणह० १, १;

करह. पुं० (करभ) हाथी अथवा उटतुं अ२युं.

हाथी अथवा ऊँट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel. सु० च० ४, ११८;
करही. स्त्री० (करभी) उंटही;साँदही. ऊँटनी; साँदणी. A she-camel. पिं० नि० १६४;
कराह. त्रि० (कराहि) हाथ वगैरे. हाथ आदि. A hand etc. विशेष० २७२; —चिह्ना. स्त्री० (-चेष्टा) हाथ वगैरेनी चेष्टा-प्रवृत्ति. हाथ आदि की चेष्टा-बनाव. movement of the hand etc. विशेष० १७२;
कराल. त्रि० (कराल) उन्नत; अक्षर नीक-णुं. उन्नत; वृद्धि पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out. अणुत्त० ३, १; उत्त० ३०;
करि. त्रि० (करिन्) हाथवाले. हाथ वाला. One having a hand or hands. भग० ८, १०; (२) पुं० हाथी. हाथी. an elephant. पगह० १, ३;
करिअ. पुं० (करिक) ८३ मां ग्रहणुं नाम. ८३ वें ग्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सू० प० २०;
करिसुगसय. न० (*) लघवती सूत्रा २७ मां शतकुं नाम. भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नाम. Name of the 27th Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० २७, ११;
करिल. न० (करील) वांशना अंकुर; कुंपन; पाँदानी अग्रभाग. बांस के अंकुर; पत्तों का अग्रभाग; कौपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. अणुत्त० ३, १; विशेष० २६३;
करिस्. पुं० (करीष) करीषणुं अक्ष. करीष का झाड़. A kind of a tree. उवा० ७, १६७;

करिसावण. पुं० (कार्षापण) अक्ष गतनी सिक्के. चांदी का एक सिक्का. A silver coin. “जहाणगोकरिसावणो तहाबहवेकरिसावणा” अणुजो० १४७; तंदु० विशेष० ५०६;
करिसित. त्रि० (कृशित) सुक्ष्म; पतलुं; दुर्बल. सूक्ष्म; पतला; दुर्बल. Fine; thin; feeble. सूय० १, ३, ३, १५;
करीर. पुं० (करीर) केरानुं अक्ष. एक भाक का नाम. Name of a tree. पन्न० १; आया० २, १८, ४३; —अंकुर. पुं० न० (-अंकुर) केरानुं अंकुर. बांस का अंकुर. a sprout of a tree. प्रब० २४३;
करीरअ. पुं० (करीरक) केरानुं नामे पाँदकुं अक्षपुरुषणुं नाम. केरानुं नामवाला कोई पुरुष. Name of a person. अणुजो० १३१;
करीस. न० (करीष) अक्षणुं; अक्षणुं. कंडा; गोंबर का छाना. A dry cowdung cake. पिं० नि० २७६;
करुण. त्रि० (करुण) दयाजनक; करुणापात्र. दयाजनक; करुणापात्र. Pitiful. भक्त० १६०;
करुणा. स्त्री० (करुणा) करुणाजनक शब्द. करुणा जनक शब्द. Piteous crv. नाया० ६; (२) दया. दया. mercy. क० गं० १, ५५; —यर. त्रि० (-कर) दया करवावाले दया करने वाला; दयालु. kind; merciful. सु० च० २, ६४;
करेणु. स्त्री० (करेणु) हाथणी. हाथनी. A she-elephant. उत्त० ३२, ८६; नाया० १;
करेणुया. स्त्री० (करेणुका) हाथणी. हाथनी. A she-elephant. सु० च० २, ५०१;
करोडि-अ-य. पुं० (करोडिक) तापस; क्षपाधिक. तापस; कापालिक. An ascetic; an ascetic carrying a garland

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of human skulls. विवा० ७; जं० प० नाया० ८; १३; भग० ११, ११; (२) ताम्बूलपट्टीनी अटवो वगेरे उपासनार रत्न-नो भायुस. ताम्बूल आदि की कोथली उठाने वाला राजाका मनुष्य. a servant of a king carrying a bag etc. of betel-leaves etc. ओव० ३२; (३) भाटीनी भेटाटा भेटाटी कुंडी; क्षम. मिट्टी की बड़े मुंह की कुंडी-बरतन. an earthen basin; a cup or basin. भग० २, १; ओव० ३६; अणुजो० १३२; जीवा० ३३; जं० प० ३, ६७; (४) कलश. a pitcher. भग० ११, ११;

कल. त्रि० (कल) ऐक जतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. A kind of corn. पि० नि० ६२३; भग० १५, १; २१, २; पञ० १७; दसा० ६, ४; (२) हृदय अने धातने मधुर वागे तेवो अव्यक्त (ध्वनि). हृदय और कानको सुहावनी अव्यक्त आवाज (ध्वनी). sweet and indistinct sound. " कलडिभियमहुरतंतोतलताल " नाया० १७, पगह० २, ५; (३) द्रव्य; धीयः. काँचड. mud. भक्त० ५२; १३०; — **रिभिय.** न० (-रिभित) मधुर गीत गायेल. मधुर गीत गाया हुआ. a sweet and charming song. नाया० १७;

कलंक. पुं० न० (कलङ्क) शयोः लांलन. दाग; कलंक; लांछन. Spot; stain. पंचा० ६, २०; विवा० ३; ओव० १०;

कलंकलीभाव. पुं० (कलङ्कलीभाव) क्षण-क्षणात्; दुःखनी गलराट. दुःखकी घबराहट Piteous lamentation or complaint. पञ० २; ओव० ४३; सूय० २, २, ८१; (२) संसारमां गलांशय आदिने विषे पर्यटन करवुं ते. संसार में गर्भाशय आदि में पर्यटन करना; जन्ममरण चारण करना. wander-

ing in the cycle of birth and death e. g. remaining in the womb etc. आया० २, १६, १२;

कलंद. पुं० (कलन्द) कुण्ड विशेष. कुण्ड विशेष. A basin of water. उवा० २, ६४;

कलंब. पुं० (कदम्ब) कदम्बानुं आऽ. कदम्ब का फाड़. Name of a tree. भग० ६, ३३; २२, ३; नाया० १;

कलंबचीरपत्त. न० (कदम्बचीरपत्र) शस्त्र विशेष. शस्त्रविशेष. A kind of weapon. विवा० ६;

कलंबचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र) तीक्ष्ण धारवाणुं शस्त्र. तीक्ष्ण धार वाला शस्त्र. A kind of weapon with a sharp edge. नाया० १६;

कलंबचीरियापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र) ऐक जतनुं शस्त्र एक जाति का शस्त्र. A kind of weapon. ठा० ४, ४;

कलंबवालुया. स्त्री० (कदम्बवालुका) जेनी रेती वण जेवी छे जेवी वण वेजुका अथवा कदम्बवेजुका नामनी नदी. जिसकी रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा कदम्ब वालुका नाम की नदी. Name of a river also called Vajra Velukā on account of its sand being as hard as adamant. उत्त० १६, ५०; (२) कदम्बना फूलना जेवी वेल. कदम्ब के फूल सदृश लता a creeper resembling the flower of a Kadamba tree. पगह० ५, १;

कलंबुअ. पुं० (कलम्बुक) ऐ नामनुं आऽ. इस नाम का फाड़. A kind of tree. सू० प० ४;

कलंबुग. न० (कलम्बुक) ऐक जतनी पाणीनी वनस्पति. एक जाति की पानी की वनस्पति. A kind of aquatic plant. सूय० २, ३, १८;

कलम्बुआ-या. स्त्री० (कलम्बुका) ये नामनी पालीभां डिंगी ऐक वनस्पति. इस नाम की पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति. A kind of vegetation growing in water. पत्र० १; १५; जं० प० ७, १३२;

कलकल. पुं० (कलकल) कलकलाट; ध्वजाभाणु-सोना आवाज. बहुत से मनुष्यों की आवाज; कोलाहल. Humming or bustling noise. ओव० २७; जं० प० ३, ४५; राय० २१७; भग० २, १; (२) यूर्णुदिमिश्र जल. water mixed with powder. विवा० ६; —रव. पुं० (—रव) कलकलाट शब्द. गडगडाट; कोलाहल. humming or bustling sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलकलंत. त्रि० (कलकलयमान) कलकलाट करतुं; कलकल ऐवे आवाज करतुं. कलकल ऐसी आवाज करता हुआ; गुनगुनाट करता हुआ, Humming; producing a bustling sound. उत्त० १६, ६६; आव० २१; पण्ड० २, ५;

कलकलित. त्रि० (कलकलित) कलकलाट शब्द संहित. कलकलाट शब्द युक्त. With a bustling or humming noise. पण्ड० १, १;

कलत्त. न० (कलत्र) स्त्री. स्त्री. A wife. सु० च० १, २४५;

कलभ. पुं० (कलभ) हाथीनुं अय्युं. हाथी का बच्चा. A young one of an elephant. पत्र० १७; राय० ६०; नाया १;

कलमिया. स्त्री० (कलमिका) हाथली. हथिनी. A she-elephant नाया० १;

कलम. पुं० (कलम) अंगर; कभोद. चावल; उरुच जातिके चावल. Rice which is sown in May-June and ripens in December-January. सूय० २,

२, ६३; जीवा० ३, ३; जं० प० भग० ६, १०; ओ० नि० भा० ३०७; उवा० १, ३५;

कलमल. पुं० (कलमल) गल्लरमां रहेला द्रव्य-नो समूह. पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह. The contents of the stomach. ठा० ३, ३; —अहियास. पुं० (—अधिवास) गल्लरमां कलमल द्रव्यमां वसतुं ते. पेटके कल-मल-द्रव्यमें रहना. remaining in the contents of the stomach. भग० ६, ३३;

कलमाय. त्रि० (कलमात्र) यल्लामात्र; यल्लु ज्येष्ठ. चना मात्र; घने जितना. Of the measure of a gram. निसी० १२, ८;

कलयल. पुं० (कलकल) कलकलाट शब्द. गुन-गुनाहट. Bustling noise. जीवा० ३, ४; —रव. पुं० (—रव) कलकलाट शब्द. गुन-गुनाहट. Bustling noise. सु० च० ३, ६२;

कलल. पुं० (कलल) गर्भनी प्रथम सात दिवस-नी अवस्था. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की अवस्था. The condition of the embryo during the seven days succeeding conception. “सत्ताहं कललंहोइ, सत्ताहं होइ बुबुय” तंदु० १६;

कलस. पुं० (कलश) धरा; कलश. घडा; कलश. A pot; a pitcher. पत्र० २; आव० संस्था० १६; जं० प० नाया० १; ६; ८; १६; भग० ६, ३३; राय० ३४; जीवा० ३, ३; कप० ३, ३६; (२) आठ भांगलिक भातुं षष्ठ. आठ मांगलिक में से ६ था. the 6th of the 8 Māṅgalikas (auspicious signs). राय० ४७; जं० प० ५, १२०; नाया० १; (३) अग्नि कुमार देवतानुं चिन्ह-तेना भुगटमां रहेल धराने आकारे निशान. अग्नि कुमार देवता का चिन्ह-उसके मुकुट में चित्रित घड़े के आकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem. ओव० २३:

(४) ओगणीशभां तीर्थकरं लांछन. १६
वें तीर्थकर का लांछन. the mark of
the 19th Tirthankara. प्रव० ३६२;

कलमय. पुं० (कलशक) लुओ 'कलस' शब्द.
' देखो 'कलस' शब्द. Vide 'कलस'
उवा० ७, १८४;

कलसिञ्चा. स्त्री० (कलशिका) नानो कणशियो
छोटा कलश. A small pitcher.
अणुजो० १३२:

कलह. पुं० न० (कलह) क्रोध; द्वेष; द्विषाद;
लडाई; अगेश. क्लेश; क्रोध; लडाई; झगडा.
Quarrel; anger; strife. निसा० १२,
३३; दसा० ६, ४; पञ्च० २; २२; सम० ११३;
अणुजो १२८; जीवा० ३, ३; आया० २, ११,
१७०; दस० ४, १, १२; ओव० २४; उत्त०
११, १३; महा० नि० १; नाया० १; १६;
भग० १, ६; ३, ६; ७; ७, ६, १२, ४; कप्प०
२, ११७; गच्छा० १३४;—कर. पुं० (-कर)
दण्यो करनार. क्लेश करनेवाला. one who
is given to quarrel. "कलह करं
अममाहि करं" दसा० १, १७; १८; १६;
(२) असमधिनुं १६भुं स्थानक मेवनार.
अममाधिका १६वां स्थानक सेवनेवाला. one
who resorts to the 16th source
of Asamādhi i. e. lack of medi-
tation or concentration of mind.
सम० २०; —वाडिया. स्त्री० (*) क्रोध
निमित्त. क्लेश के कारण. on account
of quarrel. निसी० ६, ८:

कलहंस. पुं० (कलहंस) राजहंस. राजहंस.
A swan. ओव० पञ्च० १; जं० प० नाया०

१; कप्प० ३, ४२:

कलहमाण. व० कृ० त्रि० (कलहायमाण)
डण्यो करनार. लडाई, फिसाद करनेवाला.
Quarrelsome; (one) who quar-
rels. सु० च० १, १४३;

कलहोय. न० (कलधात) चांदी. चांदी.
Silver. पण० १, ४;

कला. स्त्री० (कला) भाग; अंश. भाग; अंश.
A part; a division. उत्त० ६, ४४;
नाया० ८; १६; जं० प० ७, १६०; (२) शोभा.
शोभा. beauty. नाया० ८; १६; (३)
हुनर; कारीगरी; विद्या; कला. कला; कारी-
गरी; विद्या; हुनर any practical art.
नाया० १; राय० २८६; विवा० २; भग० ६,
३३; ११, ११; अणुजो० ४१; १२८; सम०
७२; ओव० ४०; कप्प० ७, २१०, प्रव०
४३६; (४) चंद्रनी कला. चंद्र की कला. A
digit of the moon; (these are
sixteen) नाया० ८; मृ० प० १०;

कलाद. पुं० (कलाद) सोनी. सुनार. (Gold-
smith. नादा० १४:

कलाय. पुं० (कलाद) सुवर्णकार; सोनी.
सुवर्णकार; सुनार. Goldsmith. पण० १,
२; नाया० ८; उवा० १, ३६; (२) ओड
अतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. A
kind of corn. प्रव० १०१०; १०१६;

कलायरिञ्ज-य. पुं० (कलाचार्य) ७२
इगा शीष्यबुद्धि; इगाचार्यनी पदवी मेणवेद
अध्यापक. ७२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य
का पद प्राप्त अध्यापक. A preceptor
teaching the 72 arts and enti-
tled Kalāchārya. राय० २७७; ओव०
४०; नाया० १; ४;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कलाव. पुं० (कलाव) मोर; डेल. मयूर; मोर.

A peacock; a pea-hen. नाया० ३;

(२) समूह. समूह. a collection.

नाया० ५; सूय० २, २, ५५; श्रव० विशेष०

१५१४; पञ्च० २; १५; सु० च० १, ६०;

जीवा० १; कप्प० ३, ४१; ५, ६६;

राय० ५६; ११०; "आस तोसत्तविडलव

हव ग्धारिय दाम कलावा" पञ्च० २, उवा०

७, २०६; (३) डोडभां पड़ेरवानुं आभूषण.

गले में पहिने का आभूषण. an orna-

ment for the neck. भग० ६, ३३;

जीवा० ३, ३;

कलासिबलिया. स्त्री० (कलासिबिका) ओक

जतनुं शींग वाणुं धान्य; वटाशु; योरा, यगेरे.

एक जाति का फली वाला धान्य; चंवरा;

बटला आदि. A kind of corn grow-

ing in pods; e. g. peas etc. भग०

१, १;

कलाव. पुं० (कलाव) ओ नामनुं ओक अनाज.

इस नाम का अनाज. A kind of corn.

पञ्च० १; भग० ६, ७;

कलावग. पुं० (कलावक) डोडभां पड़ेरवानुं

आभूषण. गले में पहिने का आभूषण.

An ornament for the neck.

पण्ड० २, ५;

कलावि. पुं० (कलापिन्) मयूर. मयूर; मोर.

A peacock. सु० च० २, २४२;

कलि. पुं० (कलि) ओक; ओकती संख्या. एक;

एक की संख्या. The number one.

सूय० १, २, २, २३; उत्त० ६, १६; (२)

डुथो डुथेश. लडाई; मगडा. quarrel.

पण्ड० १, २; प्रव० ४३६; —कलुस. न०

(—कलुष्य) डुलि-डुथेशनुं डोडभां पड़ेरवानुं.

कलि-केश की मलीनता-मैलापन. filthi-

ness; malignity like that of

quarrel. विवा० १;

कलिऊण. सं० क० अ० (कलित्वा) विद्या.

रीने. विचारकर. Having thought;

thinking. सु० च० २, १५२; ३, २०७;

भक्त० १७;

कलिश्रोग-य. न० (कल्योज) ओ संख्याने

आरे लागतां ओक शेष रहे तेवी संख्या.

जिस संख्या में चार का भाग देने से एक शेष

रहता है वह संख्या. A sum which

when divided by four leaves

one as remainder. ठा० ४, ३; भग०

१८, ४; २५, ३; ३१, १;

कलिश्रोग. पुं० (कल्योज) लुओ " कलि-

श्रोग " शब्द. देखो कलिश्रोग " शब्द.

Vide "कलिश्रोग " भग० १८, ४; ३२, १;

—कडजुम्म पुं० (—कृतयुग्म) ओ संख्याने

आरे लागतां चार शेष रहे अने लम्बांकने

आरे लागतां ओक शेष रहे ते संख्या; महा-

युग्म संख्याने तेरहो प्रकार. जिस संख्यामें ४

का भाग देने से चार शेष बचे और लब्धि

को ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसा संख्या;

महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum

which when divided by four

leaves four as remainder and

has a quotient which divi-

ded by four leaves one as re-

mainder; the 13th variety of

Mahāyugma number. भग० ३२, १;

—कलिश्रोग. पुं० (—कल्योज) ओ संख्याने

आरे लागतां ओक शेष रहे अने लम्बांकने

पणु आरे लागतां ओक शेष रहे ते संख्या;

महायुग्म संख्याने सोलहो प्रकार. जिस

संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है

और लब्धि संख्या को भी चार से भागने पर

एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म

संख्या का सोलहवां भेद. the 16th

variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —**तेओग**. पुं० (—प्रयोत्र) के संख्याने आरे भागतां त्रय शेष रहे अने लब्धांकने आरे भागतां एक शेष रहे ते संख्या; महायुग्म संख्याने चौदहवां प्रकार. जिस संख्या में चार का भाग देने से तीन बचते हैं और लब्धांक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; महायुग्म संख्याका चौदहवां प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number: a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —**दावरजुम्म**. पुं० (—द्वापरयुग्म) के संख्याने आरे भागतां दो शेष रहे अने लब्धांकने आरे भागतां एक शेष रहे ते संख्या; महायुग्म संख्याने पंद्रहवां प्रकार. जिस संख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं और लब्धि संख्या में चार का भाग देने से एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का पंद्रहवां भेद. the 15th variety of Mahāyugma number: a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four. भग० ३५, १;

कलिंगोत्पत्ति स्त्री० (कलिंगोत्पत्ति) के संख्याने आरे भागतां एक शेष रहे ते. जिस संख्या में चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which

when divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, ३;

कलिंग. पुं० (कलिंग) आर्य देशभानो कलिंग नामे योथो देश. आर्यदेश का कलिंग नाम का चौथा देश. Name of an Aryan country. ओष० नि० भा० ३; पञ्च० १; उत्त० १८, ४५; (२) तरशुय; कलिंगपुं. तरबूज. a kind of fruit. जं० प०

कलिंग. न० (कलिंग) कलिंग देशभां अनेत्र वस्त्र. कलिंग देश का वस्त्र. A cloth made in Kalinga country. जीवा० ३, ३; —**रव**. पुं० (—रव) कलकलाट शब्द. गडबड़ाट; कोलाहल. a humming or bustling-sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलिज. पुं० (कलिज) सुंथे. गोल हलकी टोकरा. A round shallow basket. राय० ११६;

कलिंद. पुं० (कलिन्द) एक आर्य जाति. एक आर्य जाति. Name of an Aryan race or tribe. पञ्च० १;

कलिव. पुं० (कलिव) कलिव नामनुं एक जाति का लकड़ी. कलिव नामकी एक जाति की लकड़ी. A kind of wood so named. भग० ८, ३;

कलिन. न० (कलिन) के आंधवानुं धुधरीवानुं अणु; कलिन. कमर पर बांधनेका पुंघरुआ वाला आभूषण; कंदोरा. An ornamental waist band. ओव० नाया० १;

कलिय-अ. त्रि० (कलिय) युक्त. सहित. Planned; formed together; possessed of. “सुंदरधनजघन वयण कर चरण गयण सावयण विलास कलिया” पञ्च० २; दसा० १०, १; विवा० १, २; राय० ३६; ४३; जं० पं० ५, ११५; ४, ६२; सम० प० २१२; ओव० जीवा० ३, ३; कप्य० ५, १०१; सू० प० २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १; ३; ८; १६; १८;
गच्छा० ८७; ओघ० नि० भा० २७६; प्रव०
१२५४; कप्प० ३, ३२; (२) रथेलुं बनाया
हुआ. formed; made. जं० प० ५,
११५; ४, ६२; ३, ४३; सू० च० १, ४४;

कलिसिया. स्त्री० (कलाशिका) कुलसीआना
आकारनुं ऐक पाशत्र. कलश के आकार का
एक बाजा. A musical instrument
of the shape of a pitcher. राय० ८६,

कलुण. त्रि० (करुण) करुणा उत्पादक;
दयापात्र; गरीब. करुणोत्पादक; दयापात्र;
गरीब. Exciting pity or com-
passion. ओव० २१; नाया० ६; विवा०
७; पि० नि० ३७१; सूय० १, ५, १, ७;
आया० १, १, ६, १७२; (२) कुल्लारस;
नव रसभांते ऐक रस. करुणा रस; नौ रसों
में से एक. one of the nine senti-
ments, viz. that of compassion.
ठा० ४, ४; अणुजो० १३०; —भाव. न०
(-भाव) कुल्लारनक लाव. दयाजनक
भाव. sentiment exciting pity
or compassion. नाया० ६;

कलुणा. स्त्री० (करुणा) कुल्लु; दया;
करुणा. Compassion; mercy.. परह०
१, १; नाया० १; दस० ६, २, ८;

कलुस. त्रि० (कलुष) डोणुं; भेडुं; अस्वच्छ;
अद्वयवाणुं. अस्वच्छ; कीचड़ वाला; मैला;
गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३;
७, ७, ६; अणुजो० १३०; सूय० २, ३,
२१; ओव० २१; विसे० १४६६; ओघ० नि०
५५५; तंदु० १६; नाया० १;

कलुस. पुं० न० (कालुष्य) पाप कर्म; यित्तनी
अभाडेण स्थिति. पाप कर्म; बिगड़ी हुई

मनोवृत्ति. Sinful action; troubled
condition of mind. सूय० १, ५, १,
२७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१;
भत० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०;

—आउलचेय. त्रि० (-आकुलचेतस्)
दोष पापादि के डरी नेनुं यित्त भलीन छे ते.
दोष पापादि में जिसका मन मलिन है वह.
(one) whose mind is filthy on
account of sin etc. दसा० ६, १५;

२४; २५; —किविस्स. त्रि० (-किविष)
अत्यन्त भविन. अत्यन्त मलिन. very
filthy in mind. भग० १, ७; —समा-
वणु. त्रि० (-समापन्न) अभाडेण
स्थितिने पामेस. डावांडोल स्थिति को प्राप्त.
one who is troubled in mind.

भग० २, १; ६, ३३; ११, ६; नाया० ३; ८;
—हियय. पुं० न० (-हृदय) दुष्ट-भविन
हृदय. दुष्ट-मलिन हृदय. wicked heart.
नाया० १६;

कलेवर. न० (कलेवर) शरीर; देह. शरीर;
देह. Body; physical body. जीवा०
३; ४; सू० प० २०; ठा० ५, १; पन्न० १;
जं० प० नाया० १२;

कलेसुय. न० (कलेसुक) ऐक जलनुं घास.
एक जाति की घास. A kind of grass.
सूय० २, २, ११;

कल्लोवाइ. स्त्री० (*) बांसतो कुंदीयो.
बांस का कंडिया. A small box of
bamboo. आया० २, १, २, १०;

कल्ल. न० (कल्य) आवती डाल; थीले
दिवस. आगामी काल; दूसरा दिन. Next
day. निर० ३, २; विवा० ७; दसा० ७, १;
नाया० ८; १४; १६; सु० च० ७, ११२;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

भग० २, १; ३, १; १२, ६; ओघ० नि० १७३; विशेष० १७७३; (२) प्रातःकाल; प्रभातना समय. प्रातःकाल; प्रभात का समय. dawn. नाया० १; २; ५; ८; १३; १६; भग० १२, १; अणुजो० १६; उल्ल० २०, ३४; ओघ० १३; राय० २३८; उवा० १, ६३; (३) आरोग्य. नारोग; आरोग्य. health. विशेष० ३४४०;

कल्लाकल्लित्त. अ० (कल्पाकल्पम्) दिनदिन प्रत्ये; हररोज; हरएक रोज; प्रति दिन. Day by day; daily. नाया० ८; ६; १०; १४; १६; विवा० ३; ५; अत० ३, ८; ६, ३; उवा० ७, १८४;

कल्लाण. न० (कल्याण = कल्योऽस्त्यन्तर्नाह-
क्तया मोक्षस्वमानयति प्रापयतीति कल्याणः
सुखकर; इत्याल्लुदरी; श्रेयस्कर. सुखकारः
कल्याणप्रद; श्रेयस्कर. Causing ease;
giving comfort सु० च० २, ५८;
वव० १०, १. जावा० ३, २; विशेष० ३४४१.
मृग० २, ६, १२; दग० ४, ११; राय० २५;
उल्ल० १, ३८; ठा० ३, १; आया० १, ७, १,
१६६; ओघ० नाया० १; ७; ६; १४; १६;
१६; भग० २, १; ३, १; ७, १०; ६, ३३;
पगह० २, १; सू० प० १८; उवा० ७, १८७;
कप० १, ४; (२) ऐ नामनुं पर्वग वनतनुं
आउ, इस नाम का पर्वग जाति का झाड़. A
tree of that name. पञ्च० १; (३) ऐड
प्रकारना प्रायश्चित्तनुं नाम. एक प्रकार के
प्रायश्चित्त का नाम. name of a kind of
expiation. पि० नि० भा० ३४; (४) तीर्थ-
करना अ इत्याल्लुदमानुं गमे ते ऐड. तीर्थ-
कर के छः कल्याणों में से कोई भी एक.
one of the six precepts of
Tirthankars. पंचा० ६, २०; — कर.
त्रि० (-कर) इत्याल्लु इरुत्तार. कल्याण

करनेवाला. one who accomplishes
welfare. नाया० १५; — कारय. त्रि०
(-कारक) इत्याल्लु इरुत्तार. कल्याणकारी.
one who confers welfare. नाया०
१; — दियह. पुं० (-दिवस) जिनेश्वरना
पांच इत्याल्लुदना दिवस. जिनेश्वर के पांच
कल्याण का दिन. the day of the 5
Kalyāṇakas of a Tirthāṅkara.
पंचा० ६, २६; — परंपरा. स्त्री० (-परंपरा)
इत्याल्लुदी परम्परा. कल्याण का परम्परा.
continuation or remote stand-
ing of Kalyāṇaka. भत्त० ६८;

—फलविवाग. पुं० (-फलाविपाक)
विपाक सूत्रना सुखविपाक ३५ ऐड
भाग. विपाक सूत्र का सुखाविपाक रूप
एक भाग. a part of a Vipāk Sūtra
called Sukha Vipāka. जं० प० १,
६; सम० ५७; — भागि. त्रि० (-भागिन्)
भोक्षने लज्जनार. मोक्ष का सेवन करने वाला.
one who enjoys final bliss. दस०
६, १, १३; — संपत्ति. स्त्री० (-संपत्ति)
इत्याल्लुदी संपत्ति. कल्याण का संपत्ति पंचा०
२, ४१;

कल्लाणग. पुं० (कल्याणक) पडिसेल्लुने
वणत पीत्या पछी पडिसेल्लु थाय तेनुं प्राय-
श्चित्त ऐड इत्याल्लुद तप विशेष. प्रातिलेखना
का समय बीतने के पश्चात् प्रातिलेखना
काजाय उसका प्रायश्चित्त-एक कल्याणक तप
विशेष. A kind of expiatory pen-
ance for examining clothes etc.
after the time for it has elaps-
ed. ओघ० नि० भा० १७४; (२) त्रि०
इत्याल्लुदरी. कल्याण कारी. advanta-
geous. पञ्च० २; नाया० १;

कल्लाणि. पुं० (कल्याणिन्) ऐड भतनी

वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २१, ४; (२) त्रि० श्रेयाज्जदारी. सुखकारी. advantageous. पंचा० २, ४२;

कल्लाल. पुं० (कल्यपाल) दारु-नाडी वेंचनारः
पीडायासे. दारु-मय बेचनेवाला; कलाल. A
liquor merchant. अणुजो० १३१:

❖ कल्लुय. पुं० (कल्लुक) मे धीश्रयवासे श्रुत.
 दो इंद्रियों वाला जांव. A kind of two-
 sensed living being. पत्र० १,

कल्लोल. पुं० (कल्लोल) तरंग; लहर. तरंग;
लहर. A wave. प्रव० १६६५; पगहन १,
३; श्रव० २१;

कल्हार. न० (कल्हार) ओ३ गतनु स३६
 ३भ३. एक जाति का सफेद कमल. A kind
 of lotus white in colour. प३० १:

कवचियां. ब्रौ० (कवचिका) ञेदु गलतुं शम.
एक जाति का पात्र A kind of vessel
or utensil. भग० ११, ११;

कवड. न० (कपट) ३५४; ७७५; भाषा अने
वेपना पत्रांशी कशी पातात अन्वयात स्वरूपे
पातायुं ते. कपट; छल; भाषा आर भेष को
बदल कर अन्य स्वरूप का दिखाना. Fraud;
deceit; disguise. नाया० २:६; जं० ५०
भग० ७, ६; सूय० २, २, ६२; प्रव० १६७;
भक्त० १२३; राय० २०७;

कवड्डिया. स्त्री० (कपर्दिका) डेरा. काँड़ी; एक प्रकार का सिक्का. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin). सुच० १, १७४;

कवच. पुं० (कश्च) अश्वत्थः, इष्य. बह्वर्चः
कवच. An armour. राय० ५६; आ०
३०; पञ्च० २; भग० ७, ६; नाया० २;

(२) जलः समूहः समूहः समूहः ।
 collection: a net work. " मरीचि
 कवयं विणिमुञ्चते " जं० प० नाया० १;

कवल. पुं० (कवल) क्षणीयै. कौरः प्रास.

A morsel. ओव० १६: वव० ८, १५:

नाश्या० १: भग० ७, १; ६, ३३; २५, ७:

प्रव० १६७; पंचा० १३, ४६; १६, १८:

—वर्त्तसि. त्रि० (-द्वात्रिंशत्) अत्रिंश

श्रीश्री ५५ वत्तंस कौर-कवल-प्रास. ३२

morsels. प्रब० ७४२; —बुद्धि. ली०

(-वृद्धि) यान्द्रायज्य वनमा शुक्ल पक्षना

પડવાથી હમેશાં એકેક કાલીયો સ્વામી જન્મે

છે જેમ કે પડવાના રોગ એક પછી અનુક્રમે

पूजिमाना रोज १४ ते २५३ ग्रह, कवल-

वृद्धि—चांद्रायण व्रत में शुद्ध पक्ष की एकम

से हमेशा एक २ कबल अधिक बढ़ाते जाना—

जैसे कि एकम को एक फिर अनुक्रम से पूर्णमा

कां १२ कवल लेना. increasing of one

morsel daily; i. e. taking of one

morsel on the first day or

bright half of a month and then

increasing of one morsel daily.

Thus on the 15th day 15 mor-

sels are to be taken. This is

observed in an austerity styled

Chandrāyana. ୧୭୦ ୩୨୭୦;

मलिज्जंत. वि० (कवल्यमान) मयात्.

खायाद्वा. Eaten; taken as food.

मु० न० २, ५३२;

कवल्. पुं० (*) दोहानुं शमः उदाश.

लोहे का कड़ाई. An iron vessel; a

cauldron. भग० ३, ३;

સહી. સ્ત્રી () ગોલ ઉદ્યાનનાં દામ.

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गुड उबालने का बरतन. A vessel in which treacle is boiled. विवा० ३; कवाड. न० (कपाल) ओपरी. खोपड़ी. The skull. नाया० ४;

कवाड. पुं० न० (कपाट) डपाट; आरजु; दरवाजे. कपाट; द्वार. A gate; a door.

उवा० २, ६४; प्रव० १३२७; पिं० नि० ३६७; जीवा ३, ४; ओव० सम० ८; अणुजो० १४६; नाया० ज० प० मु० च० १, ४५; अंत० ६, ३; राय १७६; नाया० १८; सम० प० २१०; ज० प० ३, ४३. (२) केवल समुद्रघात किया भां केवली आत्माना प्रदेशने अक्षर शरी प्रसारी कपाटने आकारे अनावे ते. केवल समुद्रात किया में केवली की आत्मा के प्रदेश बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के आकार की भांति बना देना. Universal projection of the soul by a Kevali by expanding it in the shape of a door. पञ० ३६; —भयश्च. पुं० (—भूतक) ओ हाथ अथवा त्रण हाथ जमीन आदि तो अभुक्त पैसा आपीश, अरी सरत करी राखेला आऊ. दो हाथ या तीन हाथ जमान खोदनेपर इतने पैसे दंगा. इस शर्त पर रक्खा हुआ नौकर. a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e. g. two or three arms. ठा० ४, १;

कवाल. पुं० न० (कपाल) घड़ाने अर्थात् भाग. घड़े का आधा भाग; घड़े का अर्द्ध भाग. The half of an earthen pot. विशेष० १६८७; दसा० ६, ४; आया० १, ६, ३, १०, (२) भरतक; ओपरी. मस्तक; खोपड़ी. a brain. सु० च० ५, ५३; सूय० २, १, ४८;

कवि. पुं० (कवि) कविता करनेवाला. कविता बनानेवाला; कवि. A poet. ठा० ७; अणुजो० १३१;

कवि. पुं० (कपि) पाँदरी. बंदर; वानर. A monkey. सूय० २, २, १०; विशेष० ८६१; ओघ० नि० ६४३; सु० च० १, २६;

कविजल. पुं० (कपिजल) ओक जातनुं पक्षी. एक जात का पक्षी. A kind of bird; the Chātaka bird. सूय० २, २, १०; पञ० १; उवा० ७, २१७;

कविजलग. पुं० (कपिजलक) ओओ “कविजल” शब्द. देखो “कविजल” शब्द. Vide “कविजल” पगह० १, १;

कविकच्छु. पुं० (कपिकच्छु) ओक जातनी वेल के गेने अडतां शरीरमां अरु उतपन्न थाय छे. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेहा शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है. A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch. जीवा० ३, १; पगह० २, ५;

कविह. पुं० (कपिह—कपिस्तुष्ट्यत्रेति कपिहः) पाँदराने गभनुं अणु पीयासुं इल; इहानुं इल. बहुत बांजा वाला फल जो बंदर को प्रिय—खुचकर होता है; कवाट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys ज० प० आया० २, १, ८, ४३; उत्त० ३४, १२; सू० १, १८; पञ० १, २; प्रव० २४६; भग० १८, ६; २२, ३; दम० ५, १, २३; जीवा० १, ३, ४; निर० ३, २;

कविया. स्त्री० (कविका) लगाम. लगाम (जो घोड़े वगैरह के मुँह में अटकई जाती है) A bridle. सु० च० १०, ३२;

कविल. पुं० (कपिल) कपिल नामना मुनि; कपिल केवली के गे राग पासे थुं भागनुं तेनो विचार करतां, परिलुभनी वच्य ओशी

उपर यस्तां, संतोष वश्ये अने त्यां केवल
ज्ञान उत्पन्न थयुं के तत्तत्त शस्त्रन देवे
आपेल साधुने वेप पळेनी, दीक्षा लभ यावी
नीदस्था. कपिल नामक मुनि; कपिल नामक
केवली जो राजा से क्या मांगना ? इसका
विचार कर रहे थे कि विचार करते करते
परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ गये और
उस अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा
केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तब आपने तुरंतही
शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेप
पहिन कर दीक्षा ली और वहां से चल निकले.
Name of a sage, who while
pondering upon the boon that
he should ask of a king, rose
to a high stage of thought-
activity, experienced content-
ment, attained perfect know-
ledge, became an ascetic, took
Dikṣā and set out. उत्त० ८, २०;

मु० च० १२, ५६; (२) भुरे रंग. भुरा
रंग. tawny colour. ज० प० भग०
७, ६; (३) ओ३ गतनुं कपिल नामनुं
पक्षी. एक जाति का कपिल नामक पक्षी.
a kind of bird. पण० १, १; ज० प०
ओव० (४) कपिल भुनि-सांख्यशास्त्र प्रणेता
अने तेना अनुयायिओ. कपिल मुनि और
उस मत के अनुयायि-माननेवाले. name of
the founder of the Sāṅkhya
system of philosophy also a
follower of Kapila. ओव० ३८;

कविलब्ध. पुं० (कपिलक) राहुना पुद्गलना
पंद्र प्रकारमानो ओ३. राहु के पुद्गल के
पंद्रह प्रकार में से एक. One of the 15

varieties of the molecules of
which the body of Rāhu is
made. सू० प० २०;

कविसायण पुं० (कपिसायन) ओ३ गतनी
भदिरा. एक जाति की दाह. A kind of
intoxicating drink पण० १७;

कविससिअ. पुं० (कपिसीर्षक) ओ३ओ
“ कविसीसग ” शब्द. देखो “ कविसीसग ”
शब्द. Vide “ कविसीसग ” राय० ००४;
जीवा० ३, ४;

कविसीसग. पुं० (कपिसीर्षक) केशीशां:
गढमांथी बंदर गेवाने तेमां भुकेला बांढ-
राना भाथाने आकारे आंढा डंगरा. गढ से
बाहिर देखने के लिये उसमें रखे हुए बंदर के
सिर के आकार के छेद. An indenta-
tion or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey. ओव० ज० प० नाया०
५; अंत० १, १;

कविहसिय. न० (कपिहसित) आकाशमां
अकस्मात् अलती भयंकर ज्वाला देखाय ने.
आकाश में अकस्मात् दिखाई देनेवाली भय-
कर ज्वाला. Unexpected, sudden
flames in the sky. अणुजो० १२७;
जीवा० ३, ३;

कवेल्लक. पुं० (*) पात्र विशेष: भोटी
डाला. पात्र विशेष: बड़ी कढ़ाई. A uten-
sil; a big cauldron. भग० ३, १;

कवेल्लुय. पुं० (*) नलिया. कवलू. A
tile. जीवा० ३, १; (२) भोटी
डाला; डालाओ. बड़ी कढ़ाई. a large-
cauldron. ज० प० २, ३८;

कवोड. पुं० (कपोत) पारेयुं. कबूतर. A

* ओ३ओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

dove. पि० नि० २१७;

कवोतालि. जी० (*कपोतालि — कपोत पालिका) पिट०; पक्षिने पालयानी जगह. पक्षियोंको पालने की जगह. A place set apart for taming birds. जीवा० ३, ३;

कवोय. पुं० (कपोत) कबूतर; पारेवे. कबूतर.

A dove; a pigeon. जीवा० ३; पञ्च०

१; ओव० आया० २, १०; १६६; उवा०

७, २१७; जं० प० २, २१; —सरीर.

न० (-शरीर) पारेवाना शरीरना रंगवाणु

फल, फल. कबूतर के शरीर के समान रंग-

वाला फल; भूरा कोला. name of a

fruit of the colour of a dove;

a kind of pumpkin gourd. भग०

१५, १;

कवोयग. पुं० (कपोतक) पारेवु. कबूतर.

A dove; a pigeon. सूय० २, २, १०;

कवोल. पुं० (कपोल) गाल; लभशा. गाल.

A cheek; the temples. जीवा० ३,

३; ओव० १०; जं० प० —मूल. न०

(-मूल) गालनु मूल; लभशा. कनपटो.

the temples. कप्प० ३, ३३;

कव्य. न० (काव्य) काव्य; कविनी जनावेद

कृति. काव्य; कवि का बनाई हुई कविता A

poem; the work of a poet.

अणुजो० १३०; टा० ४, ४; जं० प० प्रव०

१२४१; सु० च० १, १;

कवड. पुं० (कवट) कुत्सित नगर; अशो-

जितु शहर. शोभा रहित शहर. A city

devoid of beauty. नाया० ८, १६;

आव० ३२; सूय० २, २, १३; परह० १,

३; जीवा० ३, ३; भग० १, १; ३, ७; ७,

६; जं० प० ३, ६६;

कववरञ्ज. पुं० (कवटक) ७६वा प्रहणु नाम.

७६ वें प्रह का नाम. Name of the

76th planet. सू० प० २०;

✓कस. धा० II (कृश) शोषणु; सुकपी

नामनु. शोषण करना; शोखन; सुखा

डालना. To dry up; to cause to

evaporate.

कसेहि. आया० १, ४, ३, १३५;

कस. पुं० (कश = कस्ते शासनयात्रासजनयति

ताडयति वेति तथा) आत्मा; डोरडो.

चाबुक. A whip. परह० १, १; ३; २,

५; जं० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा०

६; दसा० ६, ४; विशेष० २०४२; (२) कर्म

अथवा लव (संसार). कर्म या संसार.

Karma; worldly existence. विशेष०

१२२८; २६७८; —प्रहार. पुं०

(-प्रहार) आत्मापना प्रहार. चाबुक का

प्रहार; चाबुक की मार. a stroke or

lash of a whip. विवा० ३; नाया० २, १७;

कस. पुं० (कष) धसीने कसोटी करपी ते.

कसोटोपर लगाना. Testing on a

touch-stone. पंचा० १४, ३६;

कसट्ट. न० (*) कसतर; कथरो. कचरा.

Refuse; dross. ओव० नि० ५५७;

कसट्टिय. पुं० (कशपट्ट) कसोट्टीना पथरो.

कसोटो का पथर. A touch-stone.

भग० ५, २;

कसर. पुं० (*) अन्तुलवाथी उत्पन्न

थयेलो रोग; अस. खुजाने से उत्पन्न रोग;

खाज. A skin disease caused by

scratching; itches. “ कखूकसरभि

भूया ” भग० ७, ६; जं० प० —अभिभूय.

त्रि० (-अभिभूत) आनना रोगथी पीडा-

थे। खान के रोग से पीड़ित. (one) suffering from itches. भग० ७, ६; कसाय. पुं० (कषाय) लशवां वस्त्र. भगवां वस्त्र. A red cloth or garment. दसा० ६, ४; (२) कसायेदो रस. कसाया हुआ रस; उत्तरा हुआ रस; चलित रस. astringent taste. जीवा० ३, १; आया० १, ५, ६, १७०; उत्त० ३६, १८; पञ्च० १; नाया० १; १७; जं० प० निसी० २, ४४; भग० २, १; १७, ३; १८, ६; २०, ५; २१, ७; २४, १; दम० ५, १, ६७; सम० २२:ठा० १, १; (३) पशुपुण्या सूत्रना त्रीण पदनुं सातमां द्वा२नुं नाम. पणवणा (प्रज्ञापना) के तीसरे पद का सातवां द्वार. name of the 7th Dvāra of the third Pada of Pannavāṇā Sūtra. पञ्च० ३; (४) प्रज्ञापनाया यउदमां पदनुं नाम जेमां कषादि चार कषायनुं पशुन आपेनुं छे. प्रज्ञापना के चौदहवें पद का नाम जिसमें क्रोधादि चार कषायों का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaṣāyās. पञ्च० १; (५) सात समुद्रातोमांती श्रीश्रु समुद्रात-जेमां कषाय मोहनीय कर्मनी निर्जरा आय छे. सात समुद्रातों में से दूसरी समुद्रात जिसमें कषाय मोहनीय कर्म की निर्जरा होता है. the 2nd of the seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kaṣāya Mōhaniya Karma. पञ्च० ३६; (६) श्रुयना शुद्ध स्वभावने कर्मरूप मेल लगाडी मलीन करे अने संसारनी वृद्धि करे ते क्रोध, मान, माया अने लोभ. जीवके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मालिन करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ

रूप कषाय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence. दस० ८, ४०; १०, १, ६; भग० १७, ३; २४, १; क० गं० १, ४१; ५, ६३; पञ्च० १४; भक्त० ४८; गच्छा० ६७; पंचा० १७, ५२; कण्ठ० ४, ६५; जीवा० १; नाया० ५; आया० १, ८, ७, २; उत्त० ३१, ६; अणुजो० १२७; ओव० १६; —अइय. त्रि० (-असीत) कषायरहित श्रुय; कषाय (कष + आय) संसारनी प्राप्ति करावना; क्रोधादिथी रहित. कषाय रहित जीव; कषाय (कष + आय) - संसार की प्राप्ति-कराने वाले क्रोधादि भावोंसे रहित. (a soul) free from Kaṣāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विशेष० ७७७; —उदय. पुं० (-उदय) कषाय-क्रोध, लोभ पणरेतो आविर्भाव. कषाय-क्रोध लोभ आदिक आविर्भाव (वृद्धि). rise, manifestation of Kaṣāya i. e. anger greed etc. क० प० १, ५२; ६, ७४; —कलि. पुं० (-कलि) कषाय रूपी क्लेश कषाय रूप क्लेश. mental agony, trouble in the form of Kaṣāya, such as anger etc. भक्त० १५१; —चउक. न० (-चतुष्क) कषायनी चौकडी: क्रोध, मान, माया अने लोभ. कषाय की चौकडी: क्रोध, मान, माया, और लोभ. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed. क० गं० ६, ७७; —जय. पुं० (-जय) क्रोध, मान, माया अने लोभ अने चार ने-श्रुतय ते; कषाय जय. क्रोध, मान, माया और लोभ

इन चारों को जीतना. conquest over the four passions viz. anger, conceit deceit and greed. प्रव० ५६२; —द्वग. न० (-अष्टक) इषायनी आ६ प्रकृति; अप्रत्याभ्यानी अने प्रत्याभ्यानी योद्धी. कषाय की आठ प्रकृति-भेद; अप्रत्याभ्यानी और प्रत्याभ्यानी चोक्डो. the eight-fold nature of Kaṣāya viz. four Apratyākhyāni and four Pratyākhyāni. क० गं० ६, ८२; —णिवृत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) क्रोधादि इषायनी उत्पत्ति. क्रोधादि कषायों की उत्पत्ति. the rise of Kaṣāya viz. anger, etc. भग० १६, ८; —पञ्चकखाण. न० (-प्रत्याख्यान) क्रोधादि इषायनी त्याग. क्रोधादि कषाय का त्याग. giving up, abandoning Kaṣāya i. e. anger etc. उत्त० २६, २; —पांडुसंलीलता स्त्री० (-प्रतिमंलानता) इषायने लय डरवो ते. कषाय का लय करना नाश करना destruction, assuaging of Kaṣāya. भग० २७, ७; —पिशाच. पुं० (पिशाच) इषाय रूपी पिशाच. कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kaṣāy. भक्त० ५७; —प्रमाद. पुं० (-प्रमाद) इषायरूप प्रमाद. कषायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaṣāya. डा० ६, १; —मोहणिल्ल. न० (मोहनीय) इषायरूप मोहनीय दुर्भनी प्रकृति. मोहनीय कर्म का कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma in the form of Kaṣāya. उत्त० ३३, १०; —रस. त्रि० (-रस) इसायेवो रस. कषाय-कडवा रस. astringent in taste भग० ८, १; —वयण. न० (-वचन) क्रोधयुक्त वचन.

गुस्साना शब्द. क्रोधयुक्त वचन: गुस्सा भरे शब्द. angry words. सूय० १, ३, १, १६; —विउत्सर्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) इसायने परित्याग. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment of Kaṣāya i. e. anger etc. भग० २१, ७; —विजय. पुं० (-विजय) क्रोधादि इषायने विजय डरवो ते. क्रोधादि कषाय पर विजय प्राप्त करना. conquest over Kaṣāya i. e. anger etc. प्रव० १५२६; —समुद्राय. पुं० (-समुद्रात-कषायैः क्रोधादिभिर्हेतुभूतैः समुद्रातः कषाय समुद्रातः) क्रोधादि इषायने उदये लयना प्रदेश शरीर अंदर अने अंदर विस्तरवाधी नेत्र विकार के मुख्यविकारतुं थपुं अने इषाय मोहनीयता भोगवश डरी इषायना पुद्गलोने निर्वृत्ति ते क्रोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भातर और बाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखविकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर लय होजाने से कषाय पुद्गलों का निर्जरा होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kaṣāya (passions) and destruction of the molecules of Kaṣāya after enduring them. मम० ६; जीवा० १; डा० ४, ४; भग० ११, १; २४, १; ३४, १; पञ्च० ३६;

कसायकुसील. पुं० (कषायकुशील = कषायैः संज्वलन क्रोधाद्युदयलक्षणैः कुशीलः कषाय-कुशीलः) इषाययुक्त; साधु; ७ प्रकारना निर्ग्रथमानो अेड. कषायवाला साधु क्रोधादि भाषयुक्त साधु; छ प्रकारके साधुओं में से एक. An ascetic full of Kaṣāya, one

of the six kinds of Nigranthas
i. e. ascetics. भग० २५, ६; परह० ६३;

कसाय कुसीलत्त. न० (कषाय कुशिलत्त)
कषायकुशीलपणुं. कषाय भावसे कुशीलपना.
Evil conduct arising from Ka-
sāya. भग० २५, ६;

कसायपद. न० (कषायपद) पन्नवणा सूत्रना
येथा पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के चौथे पद
का नाम. Name of the fourth
Pada of Pannavanā Sūtra. भग०
१८, ४;

कसायात्त. पुं० (कषायात्मन्) कषायवाणे
आत्मा. कषायवाला आत्मा. A soul full
of Kaṣāya. भग० १२, १०,

कसाहि. पुं० (कशाहि) ऐक्य मतने मुद्रित
सर्प. एक प्रकार का मुकुलित सर्प. A kind
of snake. पञ्च० १;

कसि. पुं० (कृषि) भती. कृषिकर्म. खेती;
कृषि. Agriculture. जंवा० ३, ३; क०
प० २, ६४;

कसिण. त्रि० (कृत्स्न) पूरेपुत्रं; संपूर्ण. परि-
पूर्ण; संपूर्ण. Whole; full; all; entire.
दसा० १०, ११; निसी० ८, १२; ओव० ४०,
अणुजो० ५०; भग० २, १०; ६, ३१; दस०
८, ४०; माया० १४; जं० प० ७, १६६;
(२) अर्धद; अर्धपेय नदी; अर्धित नथयेत्त.
समग्र; अखंड; टुकड़े बगैरह जिसके न हुए
हों वह. unbroken; entire. कप० १,
१; ५, १६; क० प० ७, ३; ४५; आया० २,
१, १, २; वेय० ३, ५; निसी० ४, १६;
(३) पुं० परिपूर्ण स्कंध महास्कंध; जेना-
थी भेटोटी पीजे स्कंध नथी ते. परिपूर्ण
स्कंध, महास्कंध; सबसे बड़ा स्कंध. a per-
fect, complete Skandha or
molecule. विशे० ८६७; — **अब्भपुड.**
पुं० (-अब्भपुट) सम्पूर्ण अभ्रमण्डल

(आदल) नो ५३. सम्पूर्ण बादल का पडल;
सम्पूर्ण अभ्रमण्डल. The entire vault of
the sky. “कसिणम्भ पुडावगेमव चंदिमा”
दस० ८, ६४; — **चणय.** पुं० (-चणक)
आप्पा यणा. अखंड चना. chick-pea;
gram. प्रव० १०१०; — **संयम.** पुं०
(-संयम) सर्वरीति सावधाने त्याग; सर्व
विरति. सावध का त्याग; पापानुष्ठान का
सर्वथा त्याग; सर्व विरति. complete re-
nunciation of sinful things.
पचा० ६, ४०;

कसिण. त्रि० (कृष्ण) डाणुं; कृष्णशवाणुं.
काला. Black. “आणामिय चावरुहरत्त-
णु कसिण सिध्धभूया” जंवा० ३, २, मु०
च० २, २३६; पञ्च० २; ओव० १०; ठा०
१०; कप० ३, ३६; क० गं० १, ४२;

कसिणा. स्त्री० (कृत्स्ना) जे प्रायश्चित्तमां
अधिक समाप्त शके नदी ते प्रायश्चित्तने ऐक्य
प्रकार. जिस प्रायश्चित्त में अधिक शामिल न
हो सके वह प्रायश्चित्त; प्रायश्चित्त का एक भेद.
A variety of expiation; an ex-
piation which has reached the
highest limit and which can-
not admit any more. ठा० ५, २;
सम० २८;

कसेरु. पुं० (कशेरु) पाण्डीमां उत्पन्न थने
कशेरु नामने प्रसिद्ध कंद. पानी में पैदा
होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कंद. A
bulbous root growing in water
and named Kaṣeru पञ्च० १;

कसेरुग. पुं० (कसेरुक) कसेरु नामनी पाण्डी-
मां उगती वनस्पति. पानी में उत्पन्न होने-
वाली कसेरु नामक वनस्पति. Name of
aquatic plant. सूय० २, ३, १८;
आया० २, १, ८, ४७;

कस्सई. अ० (कस्यचित्) डाणुं ऐक्यं.

किसी एक का. Of some one; belonging to some one. दस० ८, १०;
 कह. धा० II. (कथ्) डहेयुं; ऐल्युं. कहना;
 बोलना. To tell; to speak; to say.
 कहेह. निसी० ८, २; नाया० ध० उवा० १, ६०;
 कहंति. ओव० २१;
 कहिति. नाया० १६;
 कहिजा. वि० दस० १०, १, १०;
 कहिज वि० पि० नि० ३१४;
 कहाहि. आ० सूय० १, ११, ३;
 कहसु. आज्ञा० सु० च० १, २६;
 कहेसु. सु० च० ५, ६;
 कहय. उत्त० २५, १६;
 कहेमाण. दसा० ३, २६; सम० ३३;
 कहमाण. गच्छा० ३२;
 कहिउं. सु० च० ३, ८२;
 कहिजण. क० वा० विशेष० ५८५;
 कहिजउ. क० वा० सु० च० ४, २४०;
 कहिजाहि. क० वा० आज्ञा० पि० नि० ४३२;
 कहिजंत. क० वा० व० कृ० सु० च० ७, १४६;
 कह. अ० (कथम्) केमः शमाटे; डेवी रीते.
 क्यों; किसलिये; किस तरह. Why; how.
 नाया० २; ६; ७; भग० ७, ६;
 कहं. अ० (कथम्) केम? शमाटे? डेवीरीते?
 किस प्रकार? How? why? नाया० १;
 २; ६; ७; ६; १०; १८; भग० १, ३; २, ५;
 ३, १; ५, ५; ६; १५, १; १६, ६; २०, ६;
 २५, ८; दस० २, १; ४, ७; ६, २; २४; २५; दसा० ४,
 १०५; विशेष० ३०, १२७; सु० प० १; सूय० १,
 १, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१;
 कहंचि. अ० (कथंचित्) केध प्रदारे; किसी
 प्रकार से. In some way or other;
 some how or other. पंचा० ५, ३५;
 ✓ कहकह. ना० धा० II. (कहकह) डडडड
 ऐवे। आवाज डरेवे। कहकह ऐसा आवाज
 करना. To make a sound resem-

bling the sound of the word
 Kahakaha.
 कहकहति. जीवा० ३, ३;
 कहकहत. परह० १, ३; जं० प० ५, १२१;
 कहकह. पुं० (कहकह) धल्ला जल्लुने। मुशालीने
 आवाज. कोलाहल; शोर. Bustling noise. राय० ८६;
 कहकहअ. पुं० (कहकहक) आनंदने। डल-
 डल शब्द. आनंद का कलकल शब्द. A
 joyous bustling sound. ठा० ३, १;
 कहकहक. पुं० (कथकथक) डडडड ऐवे।
 मुशालीने। पेकार. 'कहकह' रूप हर्षोद्गार;
 खुशाली की पुकार. A joyous sound
 resembling the pronunciation
 of the word Kahakaha. आया०
 २, १५, १७६;
 कहकहग. पुं० (कहकहक) डेवाडड. कोला-
 हल. Bustling sound. कप्प० ५, ६६;
 कहग. पुं० (कथक) डथा डरतार; डथा डपर
 आडविडा यथायतार. कथा करनेवाला; कथा
 करके आजीविका करनेवाला. A profes-
 sional story-teller. राय० अणुजो०
 ६२; ओव० जं० प० निसी० ६, २२; जीवा०
 ३, ३; कप्प० ५, ६६; प्रव० ६३६;
 कहण. न० (कथन) डथन; वर्णन; डदी अता-
 वयुं. कहना; कथन; वर्णन. Telling;
 describing; narrating. विशेष० ८६४;
 पि० नि० ८०; १६०; १६२; सु० च० २,
 ३५०; नाया० ८; नंदी० ४१;
 कहणा. स्त्री० (कथन) डथन. कथन. Nar-
 ration विशेष० ८४६; पंचा० ६, १३; १२, १५;
 कहवि. अ० (कथमपि) केध पल्लु रीते.
 कोई भी रीति से. In some way or
 other; anyhow. गच्छा० ६६;
 कहा. स्त्री० (कथा) डथा; वार्ता; समाचार;
 डथा-वाड, जल्लप, वितंडा, प्रडील्युं अने

निश्चय ये पांच प्रकारकी कथा. कथा; समा-
चार; वार्ता-वाद, जल्प, वितंडा, प्रकीर्ण
और निश्चय, ये पांच प्रकारकी कथा. A
story; a news; a description.

“तिविहा कहा पणत्ता तंजहा
अथ कहा धम्मकहा काभकहा” ठा० ३,
३; गच्छा० ११५; कप्प० ३, ५६;
भग० २, ५; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; दस०
८, ४२; नाया० १; ३, ५; ८, १३, १६;
सम० ९; १२; उत्त० १६, ६; २६, २६;
ओव० ११; ३८, दसा० ३; २६; ३१;
निमी० ८, १; उवा० २, ११७;—अहिकरण.
न० (—अधिकरण) कथाना अधिकारवाणुं.
कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र. A
scripture containing stories or
teaching through stories. दसा०
६, २५; —समुल्लाव. पुं० (—समुल्लाप)
परस्पर वार्तालाप. परस्पर वार्तालाप; आपस
में बातचीत. mutual conversation.
नाया० ८; ६;

कहाणग. न० (कथानक) कथा, बात; कथा;
कथानक; वर्णन. A story; a narra-
tion. नंदी० ५०;

कहि. त्रि० (कथित) कहेनार. कहने वाला.
(One) who tells; a teller.
“महाधम्म कही” उवा० ७, २१८; जं०
प० १, १;

कहि. अ० (क) कथा; कथे डेकाणे. कहा; किस
जगह. Where? at what place?
जं० प० जीवा० ३; नाया० १३; पन्न० २;
भग० २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२,
१; १३, ४;

कहिअ-य. त्रि० (कथित) कहेनुं. कहा हुआ.
Told; narrated. नाया० १, २; ५; ६;
१६; भग० १, १; २, १; पंचा० १७, ३०;

कहिं. अ० (क) कथा? कहाँ? Where?

जीवा० १; राय० नाया० ८; १३; १४; १६;
सु० च० ३, ६२; भग० २, १; ३, १; ५, ५,
३; ६, ५; ७, ६; ६, ३३; १४, १; १५, १;
३२, १; अणुत्त० १, १; पिं० नि० ३७६;
सू० प० १;

कहिं. अ० (कदा) कयारे. कब; किस समय.
When? भग० २०, ८;

कहिंचि. अ० (कचित्) कथायपण; कथास्थले.
कहीं भी; किसीभी स्थान पर. In some
place; in some place or other.
विशे० १६२७; नाया० १; आया० १, ७, २, २०२;

कहित. त्रि० (कथित) कहेनार. कहा हुआ.
Told; said; narrated. सू० प० १;

कहितार. त्रि० (कथयितृ) कहेनार; बोल-
नार. कहनेवाला; बोलने वाला. (One)
who tells; a teller; a speaker.
दसा० ३, ३१; उत्त० १६, ६; सम० २;

कहेत्तार. त्रि० (कथयितृ) कहेनार. कथन
करने वाला; कहनेवाला. A speaker; a
teller; (one) who tells. “इत्थि-
कहं भत्तकहं रायउहं कहेत्ता भवइ” ठा०
४, २; सम० २२;

कह्वार. न० (कलहार) संध्या विकसित सहेद
कमल. संध्या का फूलने वाला सफेद कमल.
A white lotus blooming in the
evening. सूय० २, ३, १८;

✓का. धा० I. (कृ) करनुं. करना. To do.
कासिया. विधि० सूय० १, २, १, १७;

काहिइ-ति. भवि० भग० ३, २; ६, ३३;
११, १२; १४, ८; १५, १; १८,
१०; नाया० १५; १६; विशेष० ६६८;

काही. नाया० ध० ६; दस० ४, १०;

काहिति. भग० ३, १; १६, १; नाया० १;
नाया० ध० १०; ओव० ४०; उत्त०
८, १६; पिं० नि० २३६;

काअसी. भूत० सूय० १, १, ३, ८; आया०

१, १, ४, ३२; उत्त० १, १०;
 काऊयं. जं० प० नाया० १८, १६; विशे०
 १५२; पि० नि० ३; भग० १४, २;
 काठं. सं० कृ० भग० १, ८; ३, ५; १, ३३;
 १५, १; सु० च० १, २०७; दसा०
 १०, १; नाया० ध०; नाया० १६;
 ओव० ४०; पि० नि० भा० ३०;
 काउं. हे० कृ० भग० ४, २; नाया० १८;
 कट्टु. सं० कृ० दस० ८, ३१; वेय० १, ३७;
 ७, १७, सू० प० १; पञ्च० ३६;
 ओव० ११; जं० प० २, ११५; ११२;
 १२२; २, ३३; ३, ४५; अणुजो०
 १३; ७१; निसा० ७, ३१; १४, १२;
 १८, १७; आया० १, ५ १, १४४;
 २, १, ३, १५; उत्त० ३, २; ११;
 नाया० १; ५; ८; १४; भग० १, १;
 २, १; ५; ३, १; ५, ४; ६, ५; ७.
 १:६, ३१; १६, ५; वेय० १, १३; ५, ५;

✓ का. धा० 1. सं० कृ० अ० (कृत्वा) करके. Having done.

किष्वा. नाया० १; ६; १४; १६; आया० १,
 ७, ६, २२१; सूय० १, १, १०;
 ओव० ३८; भग० १, १; ८; २, १;
 ३, १; ७, ६; ८, ५; १५, १; दस०
 ५, २, ४७; ८, ४६; निर० ३, १;
 दसा० ६, १; ६, ११;

काइ. अ० (काचित्) कस; स्त्री गति विशेष
 पदार्थ. कोई स्त्री जाति विशेष वस्तु.
 Somebody; someone; (said of
 of an object in the feminine
 gender). वेय० ५, ११; विशे० १२२;

काइय. त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण नि-
 बृत्तः कायिकः) शरीरसंयन्धीः शारीरिक.
 शारीरिकः शरीरसंबन्धी Physical; re-
 lating to the body. आव० १, ४;
 ओव० ३२; विशे० २३३; ३५५; उत्त० ३२, १६;

काइया. स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापारथी
 यती क्रिया; पांच क्रियाभांती अेक. शरीर के
 व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक
 क्रिया. One of the five activities
 viz. physical activity. पञ्च० २२;
 सम० ५; ठा० २, १; ओघ० नि० २४१;
 भग० १, ८; ३, १; २; ६, ५, ६; ८, ३;
 काई. न० (काकी) कागडी. कौवा (कौवा का
 स्त्री लिङ्ग). A female crow. विवा०
 ३; —अंडअ. न० (-अण्डक) कागडीना
 छंड. कौवा का अंडा. an egg of a
 female crow. विवा० ३;

काउ. स्त्री० (कापोती) कापोत लेश्या; पारे-
 वान्ता रंग जेवा कर्म रक्षधो के जेना योगे
 छवने तहत काणा नदि पणु सईदनी जंभ-
 वाणा परिणाम थाय ते कापोत लेश्या.
 कापोत लेश्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-
 स्कंध, जिनके संयोग से जीव के बिल्कुल काले
 परिणाम न होकर सफेदी की भाईवाले पार-
 गाम हो ऐसे परिणामों को कापोत लेश्या
 कहते हैं. Dove coloured tint;
 grey colour of Karmic mole-
 cules resembling that of a
 dove. पञ्च० १७; उत्त० ३४, ३; ५६; क०
 गं० ४, १६; जं० प० ५, ११५; —लेसा.
 स्त्री० (-लेश्या) छः लेश्याभांती त्रीछ
 कापोत लेश्या. छः लेश्याओं में से तीसरा
 कापोत लेश्या. the third of the six
 matter or thought tints viz.
 dove coloured tint. आव० ४, ७;
 प्रव० ११७३; —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या)
 कापोत लेश्या; पारेवान्ता रंग जेवा के अल-
 सीना छल जेवा कर्म रक्षधो के जेना योगे
 तहत काणा नदि पणु कंछी सईदनी जंभ-
 वाणा आत्माना लुप्परा परिणाम थाय ते.
 कापोत लेश्या अर्थात् कबूतर के रंग के समान

कर्मस्कों के संयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम को बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी की भाँई लिये हुए हों. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, ३; १८, ३; २२, ६; २६, १; ३१, ४; ३३, ४; ३५, ४; सम० ६; पञ्च० २७; उत्त० ३४ ६; जीवा० १; ठा० १, १;

काउअग्निवर्णाभ. त्रि० (कपोताग्निवर्णाभ)

कपोत अथवा धमेक्ष अग्निना वर्णु जेनी कानि जेनी छे ते. कबूतर अथवा धमो हुई अग्नि के वर्ण समान. One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower. दसा० ६, १;

काउंबरि. पुं० (काकोदुम्बरि) ऐक जलतनुं अउ०. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जांवा० १; पञ्च० १;

काउंबरिय. पुं० (काकोदुम्बरिक) वृक्ष विशेष. एक तरह का झाड़. A kind of tree. भग० २२, ३;

काउकाम. त्रि० (कर्तुकाम) करवाना भूच्छा वाणुं. करने की इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. ओष० नि० ५३७;

काउज्जुयया. स्त्री० (कायजुक्ता) शरीर योगनी सरणिता; सीधापणुं. शरीर योगका सीधापन; शरीर योग की सरलता. Straightforwardness of physical activities. ठा० ४, १; भग० ८, १;

काउदर. पुं० (काकोदर) ऐक जलतने इलुवाणे सर्प. एक प्रकारका फन वाला सर्प. A kind of hooded serpent. पञ्च० १;

काउरिस. पुं० (कापुरुष) कायर; डरपोक. Timid; cowardly.

गच्छा० २७; सु० च० ७, १६४; आड० ६४;

काउलि. स्त्री० (काकोली) ऐक जलतनी पनस्पति. एक तरह की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, ५;

काउसग. पुं० (कायोस्सग) कायाना व्यापारना त्याग काउसग करवा ते. शारीरिक क्रिया का त्याग; कायोस्सग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul. आव० १, १; कप्प० ६, ५२; नंदी० ४३, उत्त० २६, ३८; २६, २; वेय० १, १६; नाया० १; ५; भग० २, १; (२) आवश्यक सूत्रना पांचमा अध्ययन-नुं नाम. आवश्यक सूत्र के पांचवें अध्याय का नाम. name of the fifth chapter of Āvaśyaka Sūtra. अणुजो० ५६;

काओदर. पुं० (काकोदर) ऐक जलतने सर्प. एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent. पण्ड० १, १;

काओय. पुं० (कापोत) ओओ “काउ” शब्द. देखो “काउ” शब्द Vide “काउ” पञ्च० २,

काओली. स्त्री० (काकोली) ऐ नामनी ऐक पनस्पति. एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कांची स्त्री० (काञ्ची) कांची नामनी ऐक नगरी. कांचा नाम की नगरी. Name of a town. प्रव० ८०६;

काक. पुं० (काक) काकडे कौआ. A crow. भग० १;

काकंतिअ. पुं० (काकन्तिक) लोकिडी. लोमड़ी. A fox जं० ५०

कांकंदिया. स्त्री० (काकंदिका) काकंदी नामनी नगरी. काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया० ६;

काकंदी. स्त्री० (काकंदी) जितशत्रु राज्ञी
काकंदी नाम्नी नगरी के जेभां धन्ना अणुगार-
नो जन्म थयो हुतो. जितशत्रु नामक राजा
की एक नगरी जिसमें कि धन्ना अणुगार का
जन्म हुआ था. A town named
Kākandī belonging to king Ji-
taśatru where the ascetic Dha-
nnā was born. अणुजो० ३, १; ठा० ५, १;

काकणी स्त्री० (काकिणी) चक्रवर्तीना १४
रत्नमांनुं ओक रत्न. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों
में से एक रत्न. One of the fourteen
jewels of a Chakravartī. ओव० ४०;

काकलि. पुं० स्त्री० (काकली) ओक वनतली
वनस्पति. एक प्रकार की काकली नामक
वनस्पति A kind of vegetation so
named. भग० २२, ६;

काग. पुं० (काक) कागडो. कौआ. A crow.
अणुजो० १३१; परह० १, १; पञ्च० १; पिं०
नि० ४५४; भग० ३, २; ओष० नि० ५६३;
(२) काक नाम्नो ग्रह. काक नामक ग्रह. a
planet so named. ठा० २, ३;

❖ **कागणि** न० (राग्य) राज्य. A
kingdom. (२) ओ नाम्नी ओक
वेज. एक प्रकार की लता का नाम. a
creeper of that name. पञ्च० १;
चक्रवर्तीना आदरत्नमांनुं ओक के जेथी चक्र-
वर्ती तिमिस गुफाभां प्रकाश करवने मांडला
आलेपे छे. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से
एक रत्न जिससे चक्रवर्ती तिमिस गुफा में प्रवेश
करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खींचते हैं.
one of the fourteen jewels of
a Chakravartī by which he
draws circles to produce
light in dark cavern. ठा० ७, १;
पञ्च० २०; —रयण. न० (—रत्न.) चक्रवर्ती-

नुं काकिणी नामनुं रत्न. चक्रवर्ती का काकणी
नामक रत्न. a jewel named Kākīṇī
belonging to a Chakravartī. ठा०
७, १; पञ्च० २०; —लकखण. न० (—लक्षण)
काकिणी रत्नने जेवानी कणी. काकणि रत्न को
देखने की कला. the art of viewing
the Kākīṇī jewel. नाया० १; ओव० ४०;

कागणी. स्त्री० (काकिणी) डोडी; सोनुं रुपुं
भापवानुं ओक वजन; सवा यणोडीभारनुं
भाप; भासानो योथो लाग. सोना चांदी
तोलने का एक प्रकार का वजन; मासे का
चौथा भाग; सवा रत्नी (गुंजा) भर वजन.
A cowrie; a small measure or
weight equal to about two
grains used in weighing gold
and silver. अणुजो० १३३; परह० १,
३; ओव० ३८;

कागस्वर. पुं० (काकस्वर) कागडान् पेडे
कडोर स्वरथी गावुं ते; गायनतो ओक दोष.
कौआ के समान कडोर स्वर से गाना; गायन
का एक दोष Singing with a harsh
sound like that of a crow; a
fault in singing. जं० प० ३; अणुजो०
१२८;

कागिणी. स्त्री (काकिणी) चक्रवर्तीना १४
रत्नमांनुं ओक रत्न के जेने छ तला, आठ
भुजा अने आठ हांसो होय छे. चक्रवर्ती के
चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ
तह आठ कोने और बारह बाजु होती हैं.
One of the fourteen jewels of
a Chakravartī, having six face-
ts; eight angles and twelve
sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं०
प० प्रव० १२२८; (२) डोडी; भासानो योथो
हिसो. मासे का चौथा हिस्सा; दो रत्नी भर
वजन. a cowrie; a measure of

weight of about two grains. उक्त० ७, ११; —मंस. न० (—मंस) डोडी-ने आकारे डोडी जेवडा मांसना कडडा शरीर भांथी डाढवा ते. शरीरमें से कौडी जैसे मांसके टुकड़े निकालना. taking off pieces of flesh of the size of a cowrie. विवा० २, —खाइम. न० (—खादिम) डोडी प्रभाणे कडडा करी पोतानुं मांस पोताने भय-जवे ते. कौडी बराबर टुकडे करके अपना मांस अपने को ही खिलाना. feeding one-self with one's own flesh in pieces as a cowrie दसा० ६, ४; —खावेयंग. त्रि० (—खादिताङ्ग) डोडीने आकारे मांसना कडडा करवा ते; ऐक प्रसारनी शारीरिक शिक्षा. कौडी के आकर बरोबर मांस के टुकडे करना; एक प्रकार का शारीरिक दंड. a kind of physical punishment viz. slicing one's flesh into pieces as small as a cowrie. सूय० २, २, ६३;

कागी. स्त्री० (काकी) डागडी. कौवा. A female crow. (२) डाकडासअंधी विद्या. कौवा सम्बन्धी विद्या. a science in connection with crows. विशेष० २४५३;

काण. त्रि० (काण) ऐक आंभयावो; डाणो. एक आंखवाला; काना. One-eyed. अणुजो० १२८; पगह० १, १; नाया० १४; दम० ७, १२; पि० १० ४७४; प्रव० ८०२; काणक. न० (काणक) आणु. बाण; बान. तार. An arrow. जं० ५०

काणग. न० (काणक) डाणु-शेरडीने ऐक रोग के जेथी तेमां छिद्र छिद्र पडि ग्य. सांटे का एक रोग जिममें कि उसमें छेद पड़ जावें. A sugarcane with a disease in it which makes

it full of small holes. (२) तेवा छिद्रवाणी शेरडी. ऐस छेदा वाला गन्ना. a sugarcane with small pin-holes.

आया० २, १, ८; ४८;

काणग. त्रि० (काणक-मुषित) योरेधुं. चुराया हुआ. Stolen. प्रव० ८०३; —महिष. पुं० (—महिष) योरेलो पाडो; योराव पाडो. चुराया हुआ बैसा. a stolen buffalo. प्रव० ८०३;

काणग. न० (कानन) शहरनी पासेनुं वन; प्रदीर्घा आडोवाणु वन. शहर के पास वाला बन; प्रकीर्ण झाड़ों वाला बन. A forest in the outskirts of a town; a forest with trees lying scattered here and there. पगह० १, ४; नाया० १; भग० ५, ७; राय० २०१; अणुजो० १३४; सु० च० ७, ५; भक्त० २;

काणत्त. न० (काणत्व) ऐक आंभपणुं; डाणुपणुं. काना पन. State of being one-eyed. आया० १, २, ३, ७८; काणिय. न० (काण्य) डाणुपणुं; रोगथी के गर्भभांथीने ऐक आंभनी आभी रदी गध दीय ते; १६ रोग भांते ऐक रोग. कानापन; रोग से अथवा गभ मेंस ही एक आंख की न्यूनता होना; सोलह रोगों में का एक रोग. State of being one-eyed; one of the sixteen diseases. आया० १, ६, १, १७२;

कार्तिय. पुं० (कार्तिक) कार्तिक. भदितो. कार्तिक मास. The month Kārtika. प्रव० १४७२;

काद्व. पुं० (कादम्ब) ऐक मततो दुंस. एक प्रकार का हंस. A kind of goose. पगह० १, १;

कादुसखिया. स्त्री० (कदुषयिका = कं आत्मानं दूषयति तमस्काय परिक्षामेन परिक्षमनात्

कदूषणा सैव कदूषणिका-दर्शनाच्च प्राकृ-
तत्वात्) तमस्कयना प्रभावधी भेदं थयेदी
यन्द्रनी कान्ति. तमस्काय के प्रभाव से मंद
हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the
moon dimmed on account of
the power of dark bodies.
भग० ६, ५;

कापालिभ्र. पुं० (कापालिक) कापालिक योगी.

कापालिक योगी; खोपड़िये रखने वाला योगी.

A Kapālika ascetic. अणुजो० १३१;

कापिसायण. न० कापिशायन) ऐक अतनी

भदिरा. एक तरह की मदिरा. A kind

of intoxicating drink. जीवा० ३, ४;

कापुरिस. पुं० (कापुरुष) कायर पुरुष.

कायर पुरुष; डरपोक आदमी. A timid, worth-

less person. नाया० १; पण० २, १;

काम. पुं० (काम काम्यन्तेऽभिलष्यत एव

ननु विशिष्ट शरीर संस्पर्श द्वारेणापयुज्यन्ते

ये ते तथा) मनोज शब्द अने मनोज

रूप. मनोज शब्द और मनोज रूप

Attractive sound and form;

उवा० १, ४८; आव० ३२; (२) शब्दादि

पांच विषय. (२) शब्दादि पांच विषय.

the five objects of senses such

as sound etc. उत्त० ३, १८; ८, १८;

दस० २, १; आया० १, ५, १, १४१;

सूय० १, १, १, ६; नाया० १; (३) छन्दः

कामना; वासना; अभिलाषा. इच्छा;

कामना; वासना; अभिलाषा desire;

lust. आव० ३८; दस० ६, ४; १४; सू०

प० २०; सम० ५; भग० ७, ७; नाया० ५;

पञ्च० २; पंचा० १, १६; प्रव० ४०; क० प०

२, १५; ज० प० ५, ११५; (४) काम-कंदर्प;

मैथुन सेवा. काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. the

god of love; sexual intercourse.

पंचा० १, १६; भक्त० १०७; पञ्च० २; पण०

१, ३; —आसंसा. स्त्री० (-आसंसा)

काम-मनोहर शब्दादिकनी अभिलाषा. काम-

मनोहर शब्दादिक की अभिलाषा. desire

for the enjoyment of the

objects of senses. प्रव० ८२३; —आ-

ससपञ्चोग. पुं० (-आसंसाप्रयोग) विषय-

वासना उपजे अवे प्रयोग विषयोत्पत्ति का

प्रयोग. an activity which excites

sensual desires. ठा० ४, ४; —आ-

सत्त. त्रि० (-आसक्त) कामभां आसक्ति-

वाहुं. काममे आसक्ति वाला. attached to

sensual pleasures. भक्त० ११३;

—आसा. स्त्री० (-आशा) कामनी आशा;

लोभनं पर्यायनाम. काम की आशा; लोभ का

पर्याय वाची नाम. desire of sensual

enjoyment; a synonym for

greed. सम० ५२; भग० १२, ५;

—कंखिय. त्रि० (-कंखित) कामनी

छन्दः करवावाणो. काम की इच्छा करने

वाला. desirous of sensual enjoy-

ments. भग० १, ७; —कम. त्रि०

(-क्रम) छन्दः प्रभाणु गति करनार;

स्वच्छंद आनन्द. स्वच्छंद चलने वाला;

मन मानी गती करने वाला. (one)

moving wantonly at his own

will. उत्त० १४, ४४; (२) लांतव नामे

छन्दः देवलोका मन्दनं मुसाफरी विमान.

लांतव इंद्र का मुसाफरी करने का विमान.

the travelling baloon of the

Indra of the sixth Deva loka

Lānta. ठा० ८, १; १०; —कलि. पुं०

(-कलि) कामने क्लेश. काम का क्लेश.

the trouble or worry caused

by sexual desire. भक्त० ११४;

—कहा. स्त्री० (-कथा) काम. शास्त्र सम्बंधी

कथा. कामशास्त्र अर्थात् कोकशास्त्र संबंधी

कथा. talk about love matters. टा० ३, ३;—कामग्र. त्रि० (—कामुक) कामनी भ्रष्टा करवावाणो. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग० १, १;—कामि. त्रि० (—कामिन्) काम वासनातो अभिलाषी; कामनी भ्रष्टावाणो. काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. आया० १, २, ५, ६२;—किञ्च. त्रि० (—कृत्य) भ्रष्टा प्रभाण्डे वगर नियाये काम करनार. इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला. (one) acting wilfully and thoughtlessly. सूय० २, ६, १७;—गम. त्रि० (—गम) भ्रष्टा प्रभाण्डे गतिकरनार. इच्छा-नुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८;—गामि. त्रि० (—गामिन्) भ्रष्टा प्रभाण्डे गतिकरनार; भ्रष्ट भुञ्ज्यालनार. इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुआफिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. ओव० २४;—गिद्ध. त्रि० (—गृद्ध) विषयासक्त; कामभोगमां गृद्ध थयेस. विषयासक्त; काम भोग में तल्लीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त० ६, ४;—गुण. पुं० (—गुण) कामने-विषयने शुण्ड करनार-उत्तेजन आपनार शुण्डो; शब्दादि पांच विषय. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of sensers e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५;—घटथ त्रि० (—ग्रस्त)

काम-विषयमां ग्रस्त—आसक्त थयेस. कामादि विषयोंमें ग्रस्त—आसक्त. attached to or plunged in sensual enjoyments. भक्त० ११४;—तिव्वहिस्वास. पुं० (—ती वामिलाष) काम-विषयनी अत्यन्त भ्रष्टा. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव० २७८;—त्थिय. त्रि० (—अर्थिक) काम भोगनो अर्थी-भ्रष्टनार. कामभोग का अर्थी-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments. जं० प० ३, ६७;—पिवासिय. त्रि० (—पिपासित) कामनी पिपासावाणो. काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure. भग० १, ७;—भोग. पुं० (—भोग—कामाः कमनीयाः भोगाशब्दादय) काम अने भोग; शब्दादि पांच विषय. विषय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. टा० ४, १; भग० ७, ७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ८; ६; १६; दशा० १०, २, ६; उवा० १, ५७;—भोगि त्रि० (—भोगिन्) कामी अने भोगी; शब्दादि पांच विषयमां भगयुत्त. विषयी. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz. sound etc. भग० ७, ७;—भोग्य. पुं० (—भोग) लुओ “कामभोग” शब्द. देखो “कामभोग” शब्द. vide “कामभोग” नाया० १; ५; १६;—रहसुह. न० (—रतिसुह) काम रति-नुं सुभ; विषय सुभ. काम रति का सुह. pleasure derived form sexual enjoyment. प्रव० १०७५;—रह न० (—रजस्-कामः शब्दादि विषयः संप्रवर्जककाम-

रजः) काम रूपरज-मेल. कामरूप मेल. dirt or impurity in the form of sensual desire. भग० ६, ३३; —रागविव-
कुण. त्रि० (—रागविवर्द्धन) काम रागने
वधारनार. काम राग की वृद्धि करने वाला.
(one) that increases the pas-
sion of attachment to sensual
objects. दस० ८, ५८; —रूवि. त्रि०
(—रूपिन्) धृच्छानुसार रूप बनानार. इच्छा-
नुसार रूप बनाने वाला. (one) that can
assume various forms accord-
ing to one's own desire. उत्त० ६, २७;
—समणुज. त्रि० (—समनुज) काम भोग-
विषय वासनाने मनोज्ञ माननार; कामी;
विषयी. विषय वासना को मनोज्ञ मानने वाला;
कामी; विषयी. (one) who takes
delight in sensual pleasures;
sensual. आया० १, २, ३, ८१;

कामं. अ० (कामम्) अत्यन्तः अनिश्चय. अत्यन्तः
अतीव. excessively. पि० नि० १११;

कामगम. पुं० (कामगम) छटा देवलोका की छटा
विमान. छठवें देवलोक के इन्द्र का विमान.
Name of the heavenly abode
of the Indra of the sixth
Devaloka; ओव० २६; जीवा० ३; (२)
छटा देवलोका की छटा या विमान की व्यवस्था-
पक देवता छठवें देव लोक के इन्द्र के विमान का
व्यवस्थापक देव. the deity in charge
of the heavenly abode of the
Indra of the sixth Devaloka.
जं० ५० ५; ओव०

कामजल. न० (कामजल) स्नान करवाने
वाले. स्नान करने की चौकी. A wooden
seat for taking bath. आया० २, ५,
१, १४८; निरी० १३, ५;

कामज्जया. स्त्री० (कामज्जया) कामध्वजा
Vol. II/57.

नामनी ऐक वेश्या. कामध्वजा. नामकी एक
वेश्या. A prostitute named Kā-
madhvajā. विवा० १, २;

कामदुहा. स्त्री० (कामदुहा) जोधने तेदु
दूध पूरु करनार कामदुहा गाय. इच्छानुसार
दूध देने वाली गाय; काम धेनु. A cow
yielding as much milk as one
desires. उत्त० २० ३६;

कामदेव. पुं० (कामदेव) जो नामनुं ऐक
श्रावक; महावीर स्वामिना दश श्रावकमाना
ऐक. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी
के दस श्रावकों में से एक. Name of one
of the ten laymen-followers of
Mahāvira. उवा० २, १००;

कामफास. पुं० (कामस्पर्श) ४७वां ग्रह का नाम. Name of the
47th planet. सू० प० २०;

काममहावण. न० (काममहावन) काशी-वल्वा-
रसी पदार्थनुं ऐक ऐत्य-विधान. काशी-बनारसी
नामक नगरी के बाहिर का एक उद्यान. Name
of a garden situated outside
the city of Benares. “ तत्स्थणं जेसे
चउत्थे पउट परिहारे सेणं बाणारसीणं शय-
रीणं बहिया काममहावणंसि चेह्यंसि मंडि-
यस्स सरीरं विष्पज्जहामि ” भग० १२, १;
अंत० ६, १६; नाया० ४० ३;

कामय. पुं० (कामुक) कामनी छच्छावाणो;
कामी. कामकी इच्छा करने वाला; विषयेच्छु.
One desirous of sensual enjoy-
ments. भग० ३, १; दस० ५, २, ३५;
उवा० २, ९५;

कामि. पुं० (कामिन्) कामनी छच्छावाणो;
कामी. कामी; विषयेच्छु; विषय भोग का
लोछुपी. One desirous of sensual
enjoyments. भग० ७, ७;

कामिजु. पुं० (कामियुग) ऐक तरदना शंवा-

नी पांभवालो पक्षी. एक तरह का हँपदार पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with downy feathers. पञ्च० १;

कामिद्वि. पुं० (कामार्थ) आर्यसुहस्तीना शिष्य. आर्य सुहस्ती का शिष्य. Name of the disciple of Ārya Suhasti. कण्ठ० ८;

कामिद्वियगण पुं० (कामद्विकगण) काम-धर्क नामने भद्रावीर स्वामीना नव गणु-भांने अेक गणु. कामार्थिक नामक महावीर के ९ गणों में का एक गण. One of the 9 Ganas (orders of saints) of Mahāvira, named Kāmārdhika. ठा० ६;

कामिय. त्रि० (कामित) इच्छेयुं. इच्छित; चाहा हुआ. Desired; longed for; wished. पि० नि० २७२; भक्त० १११;

कामुय. त्रि० (कामुक) कामनी इच्छावाले. कामेच्छुः, विषयेच्छु Sensual; desirous of sexual pleasures. दस० १, २, ३, ४;

कामेमाण. त्रि० (कामयमान) इच्छते; अलिङ्गाया करते. इच्छा करता हुआ; अभिलाषा करता हुआ. Desiring; wishing; longing for. ओष० नि० ३०४;

काय. पुं० (*) पाण्डी लाववानी काय. पानी लाने की कावड़. A piece of bamboo on two ends of which water-pots are hung; a contrivance to carry water from place to place with ease. पि० नि० ६६;

काय-य. पुं० (काक) कागडे. कौआ. A crow. नाया० २; १६; विशे० २०६४;

काय-य. न० (काच) काय. कांच. A

pane of glass; glass. ओष० नि० ७७२; सू० च० ६, २१;

काय. पुं० (काय = चिज् इति धातोश्चयनं कायः चयितेऽनेनेति वा कायः) काया; शरीर; देह. शरीर; काया; देह. Body; physical body. दस० ४; ८, ७; ४२; १०, १, ४; पि० नि० ६३; १२८; ५८३; जीवा० ३, ४; सू० प० १६; दसा० ४, १८; ६, ४; पञ्च० ३४; नाया० १; ४; ८; भग० ३, १; ७, ४; १८, ८; १६, ३; निसी० ३, ३४; ५४; १२, ३८; उत्त० २, ३७; ५, २३; ३२, ६३; ७४; वव० १, ३१; १०, १; आव० १, ३; भक्त० ३२; पि० नि० मा० २६; (२) अे नामने अेक अनार्य देश. एक अनार्य देशका नाम. name of a country of the Non-Āryans. प्रव० १५१७; (३) पृथिवी आदि छ काय; पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति, अने तस अे छ काय. पृथ्वी आदि छः काय; पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति और सूक्ष्म जंतु यह छः काय. the six kinds of bodies, viz. those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८; अखुजो० २०१; (४) काय देशमां रहनेवाला मनुष्य. काय देश में रहने वाले मनुष्य. people residing in the Kāya region. पञ्च० १; (५) अे नामनी वनस्पति. इस नामकी एक वनस्पति. a vegetation of that name. पञ्च० १; (६) प्रकार; भेद. भेद; प्रकार. mode; variety. सूय० २, ३, १; (७) काय देशमां छंदनीय भण्डीना रंगना कपाश थाय छे ते कपासना

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सुतरनुं अनेधुं वस्त्र. किसी देश में इन्द्रनील मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के सूतसे बना हुआ वस्त्र. cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries. Its colour is of the colour of Indra's gem (=) ३६ मा अर्धनुं नाम. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the thirty-sixth planet. सू० प० २०; (६) पन्नवणां सूत्रना त्रीज पदना येथा द्वारनुं नाम. पन्नवणां ३ रे पदके चौथे द्वारका नाम. name of the 4th chapter of the third section of Pannavanā पन्न० ३; (१०) समूह. समूह. collection. अणुजो० ६७; —अगुत्ति. स्त्री० (—अगुसि) पापमां प्रवर्तन्ती शयाने न रोक्षती ते. पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना. not checking the body from doing sinful deeds. डा० ३, १; भग० २०, २; —अणुजुयया. स्त्री० (—अनुजुक्ता) शयानां वेपारती वक्षता-सरज्जनां अमाव. काया-शरीर-के व्यापार की वक्षता. absence of straight-forwardness in the actions of the body. डा० ६, १; भग० ८, ६; —उड्डावण. न० (—उड्डापन) शरीरनुं आकर्षणं करणं ते शरीर का आकर्षण करना. act of attracting a body towards oneself. नाय्या० १४; —करण. पुं० (—करण) शरीरनुं साधन. शरीर का साधन. instrumental to the body. डा० ३, १; भग० ६, १; —क्लिेश. पुं० (—क्लेश = कायस्य शरीरस्य क्लेशः खेदः पीडा काय-क्लेशः) शरीरने क्लेश आपवो ते; आसन वाणया, आतापना लेरी, धर्मनो परिश्रम उदाववो ते शरीरको क्लेश पहुँचाना; आसन

लगाना, घाम (धूप) सहन करना. act of subjecting the body to austere penances e. g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc. भग० २५, ७; श्रौव० १६; डा० ६, १; उत्त० ३०, ८; सम० ६; प्रव० २७१; —गिरा. स्त्री० (—गिरा) शयाने वाणी. शरीर और वाणी. body and speech. दस० ६, १, १२; —गुत्त. त्रि० (—गुस=कायगुप्सया गुसः कायगुसः) शयाने पापथी गोपायनार, काय गुप्तिः शरीरको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला. (one) checking the body from doing sinful deeds. “ कायगुत्तो जिहंदिओ ” उत्त० १२, ३; भग० २, १; —गुत्तया. स्त्री० (—गुसिता) शयाने पापथी गोपायती ते. काया को पापसे बचाना. checking the body from doing sinful deeds. उत्त० २६, २; —गुत्ति. स्त्री० (—गुसि) शयाने शुभि, अवध प्रवर्तन्ती शयाने पापवती ते; पापमां शयानां प्रवृत्ति न रोक्षती ते. काय गुप्तिः पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना; शरीरको पाप प्रवृत्त न करना. controlling the body and preventing it from doing sinful deeds. श्रौव० ४, ७; भग० २०, २; डा० ३, १; सम० ३; —चिह्वा. स्त्री० (—चेष्टा) शयानां चेष्टा; हलन चलन आदि. movements or motions of the body. उत्त० ३०, १२; —लुक्क. न० (—लुक्क) पृथ्वी आदि ७ काय; पृथ्वी काय, अपकाय, तेडिकाय, वायुकाय, वनस्पति काय अने वसकाय ये ७ काय. पृथ्वी, अप, अग्नि, वायु, वनस्पति और वस ये ६ काय. the six kinds of bodies, viz.

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects. सम० १८; दस० ६, ८; —जोग. पुं० (-योग) शरीरको व्यापार, शरीरवेष्टा. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. ठा० ३, १; भग० १, ४; १२, ५; १७, १; २५, १; भक्त० ८४; —जोगत्ता. स्त्री० (-योगता) काययोगपण्यं. काय योगता. that condition in which there is activity of the body. भग० २५, २; —जोगिन्. त्रि० (-योगिन्) काय-योगी श्रवः; कायानी प्रवृत्तिभा ज्येष्ठयेल. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४; भग० १, ५; ६; ३; ४; ८, २; ६, २१; ११, १; २४, १; २५, ६; २६, १; —टिङ्ग. पुं० (-स्थिति) पृथ्वी वगैरे कायमां अवस्थित. छे रहेवुं ते. पृथ्वी आदि कायों में अवस्थित-अस्थित रूपसे रहना. remaining uninteruptedly in earth-bodies etc. (२) प्रज्ञापना सूत्रना अक्षरभा पदनुं नाम के वेमां नरकादि श्रवणुं कायस्थितिनुं वर्णन आवेस छे. प्रज्ञापना सूत्र के अक्षरहवें पद का नाम जिसमें कि नरक आदि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the last- ing period of bodies of hell-be- ings etc. पञ० १; प्रव० ४३; १०४४; —तिगिच्छा. स्त्री० (-चिकित्सा) शरीर- ना रोग भटाडवानुं चिकित्सा दृशवनार शास्त्र; आयुर्वेदको अेक भाग. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a division of medical science

treating of the cure of the dis- eases of the body. ठा० ८, १; —तिज्ज. त्रि० (-तीर्ज्य—तरणीय) कायाथी तरया योग्य. शरीर से तिरने योग्य. such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; —दंड. पुं० (-दंड = काय एव दण्डः काय- दण्डः) काया दंडः; कायानी दुष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने कर्म बंधनथी दंडवे ते. काया दंडः; शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबंधन से दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. श्रव० ४, ७; सम० ३; ठा० ३, १; —दुक्कड. न० (-दुष्कृत) शरीरथी करेखुं पाप. शरीर से किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. श्रव० ३, १; —दुष्पाणिहाण. न० (दुः प्रणिधान) कायानी दुष्टता; कायाने अशुभ योग काया की-शरीर- की दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७; ठा० ३, १; —पञ्चोग. पुं० (प्रयोग) कायानो-प्रवर्तन. शरीर का प्रयोग. acti- vity of the body. ठा० ३, १; भग० ६, ३; ८, १; —पञ्चोगपरिणय न० (प्रयोग परिणय) कायाना व्यापार रूपे परिणयाम पा- भेल पुद्गल. काया के व्यापार रूप से परिणमित पुद्गल. Material molecules shap- ing themselves or turning themselves into the activity of the body. भग० ८, १; —पडिसंलक्षिया. स्त्री० (-प्रतिसंकीर्णता) कायाने वश करनी ते. शरीर को वशीभूत करना Keeping the body under control. भग० २५, ७; —पणिहाण. न० (-प्रणिधान) कायानुं अेकप्रपण्यं. शरीर की एकाग्रता. con- centration of the body ठा० ३, १;

४, १; भग० १८; ७; —परियारग. पुं० (—परिचारक) शरीरधी स्त्रीसंभोग करने वाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. “शंसु कृपेसुदेवा कायपरियारगापण्यता” ठा० २, ४; —परियारणा. स्त्री० (परिचारणा) शरीरधी परियारणा = मैथुन सेवतुं ते. शरीर से मैथुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body. ठा० ५, १; —पावार. न० (—प्रावार) आयदेशभां अनेक वस्त्र काय नामक देश में बने हुए वस्त्र. cloth made in the country named Kāya. निसी० ७, ११; —पीडा. स्त्री० (—पीडा) शरीर वेदना; शारीरिक दुःख. शारीरिक कष्ट; bodily pain; physical pain. पंचा० १८, ३६; —पुण्य. न० (—पुण्य) आयामे सेवा करने वाली धर्तुं पुण्य. शरीर से सेवा करने पर जो पुण्य हो वह. religious meritarising from rendering services with the body. ठा० ६, १; —बलिक. त्रि० (—बलिक) मज्जुत शरीर वाला; आयाना अलवाला. मज्जुत शरीर वाला a man possessed of great physical strength. आत्र० १६; —भवस्थ. पुं० (—भवस्थ=काये जन्मन्मुद्रमध्यव्यवस्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय-भवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) माताना गर्भमां रहतुं ते. माता के गर्भ में रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the foetus. भग० २, ५; —वायाम. पुं० (—व्यायाम = कायः शरीरं, तस्य व्यायामो व्यापारः कायव्यायामः) काययोग, आयाने व्यापार—प्रवृत्ति—उद्धारिकादि शरीर युक्त आ-

त्मान्नी वीर्यं परिश्रुति विशेष. शरीर की प्रवृत्ति; औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा की वीर्य परिश्रुति विशेष. the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा० १, १; —बह. पुं० (—वह) पृथ्वी वगैरे अवनिआयनी हिंसा. पृथ्वी वगैरह जीवकायों की हिंसा. killing sentient beings such as earth-bodies etc. पंचा० ४, ४१; —विणय. पुं० (—विनय) आयाने वश करवीते. शरीर को वश करना. bringing the body under control. भग० २६, ७; ठा० ७; —विसय. न० (—विषय) आयाने विषय. शरीर का विषय. an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया० १७; —संफास. न० (—संस्पर्श) आयाने स्पर्श करवे। ते. शरीर का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; आव० ३, १; —संवेह. पुं० (—संवेध) शरीरन्ती स्थिति. शरीर की स्थिति. state or existence of the body. भग० २४, १; २०; —समाधारणया. स्त्री० (—समाधारणा) संयमभांज आयानुं प्रवर्तन करतुं ते. संयममें ही शरीर की प्रवृत्ति करना. engaging the body exclusively in ascetic practices. उत्त० २६, २; —समाहारस्त. स्त्री० (—समाधारणा) आयाने वश करवी ते. शरीर को वशकरना. act of controlling the body. भग० १७, ३; —समिह. स्त्री० (—समिति) आयाने जतनाये प्रवर्तवती ते; आयसमिति. यत्नावार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना; काय समिति. controlling carefully the activities of the body. ठा० ८, १;

—समिय. त्रि० (-समित) यत्नापूर्वक
 आयाने प्रवर्तमान। यत्नाचार पूर्वक काय योग।
 (one) who carefully controls
 the activities of the body. भग०
 २, १; —सुप्रणिधान. न० (-सुप्रणिधा
 न) आयानुं सुप्रणिधान; आयाने शुभ कृत्यमां
 ऐकाग्रनाथी शैक्षुं ते. शरीर की सुप्रधानता;
 शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त
 करना. engaging the body in sa-
 lutary activities with a concen-
 trated mind. भग० १८, ७; ठा० ३, १;
 कायंदग. त्रि० (काकन्दक) काकंदी नगरीमां
 वसन्तार. काकंदी नामक नगरी में रहने वाला।
 (One) who resides in the
 town called Kākandī. भग० १०, ४;
 कायंदी. स्त्री० (काकंदी) प्राचीन समयकी
 काकंदी नामकी नगरी. प्राचीन समय की
 काकंदी नामक नगरी. Name of an
 ancient town. संख्या० ७५; भग० १०, ४;
 कायंद. न० (कदम्ब) कदम्बानुं वृक्ष. कदम्ब
 का फाट. The Kadamba tree.
 ठा० ८, १;
 कायंबग. पुं० (कायंबक) कलहंस. कलहंस.
 A species of swans. कण्ठ० ३, ४२;
 कायमंत. त्रि० (कायवत्) उंचा शरीरवाला.
 ऊंचे शरीरवाला. Tall in body. सूय०
 २, १, १३;
 कायमणि. पुं० (काचमणि) कायमणि; काय-
 ने काकंडी. काचमणि; काच का टुकड़ा. A
 piece of glass. भक्त० १३८;
 कायभाई. स्त्री० (काकमाची) भीड़. इल आ-
 पनारी ऐक वनस्पति. मीठा फल देनेवाली
 वनस्पति. Vegetation yielding
 sweet fruit. पत्र० १;
 कायय. त्रि० (कायक) काय देशनुं यनेधुं.
 काय नामक देश का बना हुआ. Made

or produced in the country
 called Kāya. निसी० ७, ११;
 कायर. त्रि० (कातर) कायर; निर्भय; नाहि-
 म्त. कायर; डरपोक; कम हिम्मत. Cow-
 ardly; timid. सु० च० १५, ११; पण०
 १, ३; जीवा० ३, ४; उत्त० २०, ३८; आशा०
 १, ६, ४, २५३; नाया० १: ८; भग० ६,
 ३३; (२) ऐ नामने। ऐक देश. इस नामका
 एक देश. name of a country.
 निसी० ७, ११; —पावार. न० (-प्रावार)
 काय देशमां यनेध ओढवानुं वस्त्र. काय देश
 में बना हुआ ओढने का वस्त्र. a kind of
 cloth used for wrapping round
 the body made in the country
 called Kāya. निसी० ७, ११;
 कायरिय. पुं० (कातरिक) ओशादाना मुग्ध
 आवधनुं नाम. गोशाला के मुख्य अनुयायी का
 नाम. Name of the principal lay-
 man follower of Gōśālā. भग० ८, ५;
 कायरिय. पुं० (कातर्य) देवता विशेष.
 कातर्य नामक देव. Name of a deity.
 भग० ३, ७;
 कायरिया. स्त्री० (कातरिका) भया: ४५२.
 छत: कपट; मायाचार. Deceit; fraud.
 सूय० १, २, १, १२;
 कायवज्ज. पुं० (काकवर्ज्य) ऐ नामने। प्रह
 विशेष. A planet so named. ठा० २, ३;
 कायव्व. त्रि० (कर्तव्य) करया थोय. करे
 योग्य. Worthy of being done.
 पि० नि० ३; राय० ८४; सु० च० १, ७६;
 दस० ६, ६, १; उत्त० २६, ९; पत्र० १५,
 ४; विशेष ५०८, नाया० १४; १६; भग० १,
 ५; ३, २; ८, ६; २०, ५; २२, २; २४, १;
 ३१, ७; ४१, २१; प्रव० ५०८; पंचा० ३, ४६;
 ६, ७; १५, ४१;
 कायाइक. त्रि० (कादाधिक) कायि वपतनुं.

किसी समय का. Of some time or other. विशेष ७११;

कायोपग. त्रि० (कानोपग) ओक कायाभांथी थी० कायाभां जनार. एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने वाला. (One) passing from one body into another. सूय० २, ६; १०;

कार. पुं० (कार) कारागृह; कैदघानुं. जेल; कारागृह. A prison. परह० १, ३; ठ० १०; उवा० १, ८१: —बाहिय. त्रि० (—बाधित) कारागृहभां पीडित पीडा पाभेद; कैदी. जेलमें कष्ट पाया हुआ; कैदी. a prisoner; one troubled by imprisonment. ओव० ३२; भग० ६, ३३; नाया० १; कारंड. पुं० (कारण्ड) अतक पक्षी. बंदक पक्षी. A duck. ओव० जं० प० परह० १, १; कारंडग. पुं० (कारण्डक) गुओ 'कारंड' शब्द. देखो "कारंड" शब्द. Vide "कारंड" नाया० १;

कारग. त्रि० (कारक) करनार. करने वाला. (One) who does; a doer. विशेष १००३; ओष० नि० १८; ओव० ४१; नाया० १; अणुजो० १२८; प्रव० ६५६; (२) न० कारक समकित; समकितना दश प्रकारभांने ओक. कारक समकित; समकित के दश प्रकार में से एक one of the ten varieties of right belief called Kāraka Samakit. प्रव० ३५; —आह. त्रि० (—आदि) कारक आदि समकित. कारक आदि समकित. right belief such as Kāraka etc. प्रव० ३६;

कारण. न० (कारण) कारण; निमित्त; प्रयो-जन; हेतु. कारण; निमित्त; हेतु. Cause; motive; reason. प्रव० ६५; पंचा० १; १८; ५, ७; गच्छा० ८३; जं० प० विशेष २०६८; पञ्च० ८; सय० ४२; २१०; दस०

६, २, १३; वव० १, २३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५; ८; ६; १२; भग० १, ३; ५, ४; ८, ७; १५, १; १८, २; सम० ६; (२) आधार लेवाना अतावेदा कारण सिवाय आधार लेवायडी यतिने लागता ओक दोष. आहार लेने के बतलाये हुए कारणों के बिनाय आहार लेने से यति को लगने वाला एक दोष. a fault incurred by an ascetic by taking food without a justifying reason. पि० नि० १; —जात. त्रि० (—जात) कारणधी उत्पन्न थयेस. कारण द्वारा उत्पन्न. caused; born of a cause. प्रव० ६६१; १०३०; —वासेय. न० (—वृत्तिक) कारणनुं वर्तनुं; निमित्तनी उपस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. existence, presence of a cause or reason. वव० १, २३;

कारणओ. अ० (कारणतस्) कारणधी. कारण से. Through or owing to a cause or reason. विशेष ३;

कारणद. न० (कारणार्थ) कारणने भाटे. कारण के लिये. For some reason or cause. नाया० १;

कारणया. स्त्री० (कारणता) कारणपणुं. कारणपन. State of being a cause or reason. विशेष ५६०;

कारणिय. त्रि० (काराणिक) कंधपणुं कारणधी निपन्न थयेस. किसी भी कारण से निपन्न. Born of some cause or other. ओव० नि० ७६;

कारभारिअ. पुं० (कार्यभारिक) कारभारी; दिवान. कारभारी; दिवाय. An administrator; a minister; a Dewān. जं० प०

कारय-अ. न० (कारक) कारक नामनुं सम-कित; सद्मनुष्ठान प्रत्ये अक्षापूर्वक सारा

अनुष्ठान (कार्य) पोते करे छे अने भीजने
पायु करावे छे ते. कारक नाम का सम्यक्त्व;
सद्बलानुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं
श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने
वाला. Right belief named Kā-
raka, by which one performs
good deeds with faith and
causes others also to do the
same. विशेष २६७५; भग० ११, ११;
उत्त० १, २; ६, ३०; नाया० ७;

कारवण. न० (*कारणा) करावतुं ते. कराना.
Causing (another) to do. पंचा०
१, २२;

कारवाहिआ. स्त्री० (कार्यवाहिका) कार्यवाहन
करनारी. कार्यवाहन करने वाली. One
(woman) who discharges a
work. जं० प० ३, ६७;

कारावण. न० (कारणा) करावतुं; करवाने
प्रेरतुं. कराना; कराने के लिये प्रेरित करना.
Causing or exhorting (another)
to do. सू० २, २, ६२; पर० १, ३; पि०
नि० ४१०; पंचा० ६, ४६; प्र० ५७७;

काराविय. त्रि० (कारित) करावेन. कराया
हुआ. Caused to be done. विशेष
१०१६;

कारि. स्त्री० (कारिन्) करनार. करने वाली.
One who does; a doer. विशेष० ७४;

कारिअ-य. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन.
कार्य; प्रयोजन; काम. An action; a
reason; a purpose. सू० १, २, ३,
१०; दस० ६, ६५;

कारित्तव. न० (कारित्व) करवापणुं. कर्तृत्व
शक्ति. State of being a doer.
नाया० ७;

कारिय. त्रि० (कारित) करावेन. कराया हुआ.
Caused to be done. आउ० ११;

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) करनार. करने
वाला. (One) who does, a doer.
नाया० १; उवा० ३, १३४;

कारियल्लह. स्त्री० (कारवल्ली) करेधानी वेन.
करेले की बेल. A creeping plant in
which the vegetable known
as Karelā grows. पञ० १;

कारिल्लअ. न० (कारिल्लक) करेला. करेला.
A kind of vegetable. सू० प० ११;

कारीसंग. न० (कारीषाङ्ग) जेनाथी अग्नि
प्रज्वलित कराय ते अग्नि फुंझवाने धूमो.
अग्नि प्रज्वलित करने की. धूमन या फूंकनी.
Bellows. उत्त० १२, ४३;

कारुहज्ज. पुं० (कारुक) करीयर. कारीगर.
A craftsman; an artist. पञ० १, २;

कारुसिय. त्रि० (कारुसिक) दयालु; करुणा-
वान्. दया करने वाला. Kind; com-
passionate. सु० च० २, ५५२;

कारुण. न० (कारुण्य) करुणा; दया. दया.
करुणा. Kindness; compassion.
भक्त० १६; उत्त० ३२, १०३; नाया० १;
चउ० ३८;

कारुण. न० (कारुण्य) करुणा; दया. करुणा;
दया. Kindness; compassion. भक्त०
१६;

कारेल्लय. न० (कारेल्लक) करेलुं. करेला.
A kind of vegetable. अणुत्त० ३,
१; अंत० ३, १;

काल. पुं० (काळ-कल् संख्याने कलनं कलः
कलयते वा परिच्छिद्यते वस्त्वनेनेति काळः
कलानां वा समवाहिरूपाणां समूहः काळः)
समय; वस्तु; अरसर. समय; वस्तु. Time.
श्रौव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७,
१२; १३; विशेष० १३४; १५३६; दसा० ६,
१; सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७,
८, ८, ३५; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २, ७७; पि० नि० ५; १२५; अणुजो० २१; १३२; आया० १२, १, ६२; नाया० १; ८; ६; १४; १६; १८; भग० १, १; ५, ४; ८, ६; ११, ११; १२, ६; १५, १; प्रब० १२३२; १५८८; पि० नि० भ० २०; कप्प० १, १; भत्त० ५८; जं० प० १, १; (२) स्थिति. स्थिति. condition; state. विशेष० ४०६; जं० प० ५, ११३; ७, १७५; (३) प्रातःकाल. प्रातःकाल; सुबह. morning time. नाया० १; (४) ५; मां अहनुं नाम. २६वें ग्रह का नाम. name of the 56th planet. सू० प० २० ठा० २, ३; (५) लयानक; क्षणस्वरूप. भयानक; काल के समान; प्राण लेने वाला terrible like the god of death. उत्त० १२, ६; (६) विजम्भ तथा प्रलम्भन छन्दना लोकपालनुं नाम. विलम्ब तथा प्रभञ्जन इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the two Lokapālas (guardians of the people) of Indra named Vilamba and Prabhañjana. ठा० ४, ५; (७) वायुकुमार जातिना देवताना छद्रनुं नाम. वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम. name of the Indra of the Vāyukumāra species of gods. भग० ३, ८; (८) जे नारकाने कडायामां रांघे अने पोते रंगे कणो ते; काल नामे परमाधामी ती ऐक जात. जो नारका को कढ़ाई में रांघे और खुद कौले रंग का हा वह; काल नामक परमाधामी की एक जाति. a kind of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hell-beings in an iron cauldron. सम० १५; (९) काल नामे आहमा देवलोडनुं ऐक विमान; ऐनीस्थिति अहार सागरोपमनी छे.

ऐ देवता नव महिने आसोच्छवास ले छे अने अहार हरार वर्षे लुधा लागे छे. आठवें देव लोक का विमान जहां के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की होती है. वह नौवें महिने में आसोच्छवास लेतें हैं तथा उन्हें अठारह हजार वर्षों बाद भूख लगती है. a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and eat once in 18000 years. सम० १८; (१०) पूर्व दिशाभांति काल नामने सातमे नरकने नरकवासो. सातवें नर्क में पूर्व दिशामें स्थित काल नामक नरका वास. an abode of the seventh hell in the east. सम० प० २०६; ठा० ५, ३; सम० ३३; पञ्च० २; जीवा० ३; १; (११) जुनी ने नवी अने नवीने जुनी अनावनार, पर्यायने पञ्चटावनार ऐक द्रव्य; छ द्रव्यभांनुं ऐक द्रव्य. पुरानो को नई और नई को पुरानी बनाने वाला-पर्याय परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. a substance that transforms the old into the new and the new into the old. उत्त० २८, ७; (१२) यक्षवर्तिना नव निधानमानुं ऐक के जेमां सर्व कारीगरी-शिष्टपद्धति समावेश थाय छे. चक्रवर्ती का नौ निधिवां में की १ निधि जिसमें कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश होता है. one of the nine treasures of a Chakravartī including a knowledge of all fine and mechanical arts. ठा० ६, १; जं० प० (१३) त्रि० क्षणा रंगनुं. काले रंगका. black. भग० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६; जीवा० ३, १; विशेष० २०६७; पञ्च० १; ओव०

२२; ३०; नाया० २; (१४) पुं० कृष्णपक्ष. कृष्णपक्ष. the dark half of a month. जीवा० ३, ४; (१५) पिशाच जन्तुना व्यंतर देवतानो मन्द्र. पिशाच जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara deities of the kind known as Pisācha. भग० ३, ८: १०, १; पञ्च० २; डा० २, ३; जीवा ३, ४; (१६) मरणः मृत्यु. मरण; मृत्यु. death. नाया० १: ८; पञ्च० १६; विशेष० २०६६; दसा० ६, १; भग० १, १; ३, ४; पिं० नि० ५२; आया० १, २, ३, ८०; १, ४, २, १३१; उत्त० ४, ६; (१७) निर्यावलिक्ता पहिला अध्यायतनुं नाम. निर्यावलिक्ता के पहले अध्याय का नाम. name of the first chapter of Niryaavalikā. निर० १, १; भग० ७, ६; —अहंकृत. पुं० (—अतिक्रान्त) लुप्तने समये नदी पलु तेने उल्लंघनी भणेलो आरक्ष. लुप्ता के समय पर न मिलकर उस समय के बाद मिला हुआ भोजन. food obtained not at the time of hunger but after it. नाया० ५. १६; भग० ७, ९: ६, ३३; (२) डावनी जे मर्यादा अधिक होय तेने उल्लंघनी जयेत्. कालका जो मर्यादा बांधा हो उस का उल्लंघन किया हुआ. transgressing the limit of time fixed. प्रव० ७८४; ८२०; —चारि. त्रि० (—चारिन्) समय-यनुर्मासादि डावनुं उल्लंघन करी यावनार. समय-चतुर्मासादि काल का उल्लंघन कर के चलने वाला. (one) who transgresses the rules laid down to be observed in the rainy season etc. प्रव० ७८४; —अहकम. पुं० (—अतिक्रम) डावने उल्लंघने; समयने त्यजवे. काल को उल्लंघन; समय को त्यागना.

transgression of time fixed. पंचा० १, ३२; —अहयर. पुं० (—अतिचर) डाव-आयुष्यना प्रमाणनुं अतियार उल्लंघन करेनुं ते; आयुष्य तोड़ी नाभवुं ते. आयुष्य के प्रमाण का उल्लंघन करना; आयुष्य का तोड़ना. cutting short one's allotted period of life. सूय० १, १३, २०; —अंतर. पुं० (—अन्तर) डावान्तर; अन्यदा कालान्तर; दूसरी बार. another time. नाया० २; पंचा० १२, ३१; —अगुरु. पुं० (—अगुरु) डावुं अगुरु; सुगंधि धूपनुं द्रव्य; कृष्णागर. काला अगुरु; सुगंधित द्रव्य. a kind of black substance used as an incense. ओव० सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०; नाया० १; १६; भग० ६, ३३; ११, ११; दसा० १०, १; जं० प० ५, ११३; कण्व० ३, ३२; —अहुरत्त. न० (—अहुरात्र) अन्धारीया पक्षनी-अभासनी अध्वी रात्रि. अंधेरा पक्ष की अमावस्या का आधी रात. midnight of the 15th day of the dark half of a month. भग० ३, २; —अणुडाह. त्रि० (—अनुष्ठायिन्) यत्नसर अनुष्ठान करना; नडाभो यत्न नदी गावनार. समय पर काम करने वाला; निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one) who is punctual in the performance of his duties. आया० १, २, १, ८८; —अणुपुर्वी. स्त्री० (—अनुपूर्वी) डाव विपयके अनुपूर्वी, अनुक्रम. काल संस्वधी अनुपूर्वी. proper order of time. अणुजो० ७१; —अभिग्रह. पुं० (—अभिग्रह) पहिले पहिले के छेले पहिले अभुक्त यत्नते भणे तोज लेनुं अभ डाव संयंधी नियम धारवे ते. पहले पहरमें या अन्तिम पहरमें अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बन्धी नियमका बांधना.
 vowing to take a thing either
 in the first or the last of the
 8 divisions of time of a day.
 ओव० — अवभास. पुं० (—अवभास) शष्पी जंघा; शष्पी प्रभा. काली काँट.
 black tint. नाया० २; —अवधि.
 पुं० (—अवधि) समयकी मर्यादा; पण्यतनी
 लद. समय की मर्यादा. time-limit. पंचा०
 ५, १८; —आदेश. पुं० (—आदेश) शत्रुकी अपेक्षा. काल की अपेक्षा. rela-
 tivity of time. भग० २, ८; ६, ४;
 ११, १; १४, ४; २४, १; —आयस. न०
 (—आयस) शत्रु की दाढ़; पीलाद; गजवेले.
 पीलाद; गजवेले. steel; black iron.
 राय० १२६; ओव० ३१; जं० प० —एयणा.
 स्त्री० (एजना) शत्रु आश्री अंगना-
 डंपन. काल की अपेक्षा में कंपना trem-
 bling with. fear, having
 regard to time भग० १७, ३;
 —आगाहणा. स्त्री० (—अवगाहना) शत्रुकी
 अवगाहना—देव विस्तार—अदिदी।
 प्रमाण काल की अपेक्षा में अट्ठाई द्वाप
 प्रमाण अवगाहना. localisation of
 time to the extent of two con-
 tinents and a half. डा० ४, १;
 —ओभास. पुं० (—अवभास) शष्पी प्रभा.
 काली प्रभा. black tint. भग० ६, २; ७,
 १०; —कंस्त्रि. त्रि० (—कंस्त्रिन्) शत्रु—य-
 दिनभरणने आदत्तार. पंडित मरण का इच्छा
 करने वाला. (one) who desires
 (natural and peaceful) death
 आया० १, ३, ३, १११; —मअ-य. त्रि०
 (—गत) मरण प्रभेद. मृत; मृत्यु प्राप्त.
 dead. नाया० १:६; १६; १८; भग० २, १; ४;
 ३, १; ७, ६; ६, ३३; १५, १; सम० १०००;

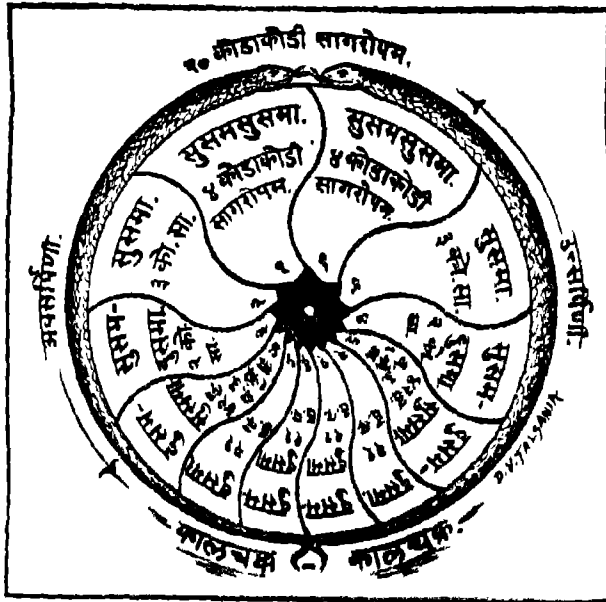
प्रव० १४७५; कण० ६, १८५; ओघ० नि०
 १११; विवा० १; —चारि. त्रि० (—चारिन्)
 पौताना इशवेत्र समये आये ते. अपने ठहराये
 हुए समयानुसार चले वह. (one) who
 punctually follows his own pro-
 gramme. ओघ० नि० १०७; —टिह.
 स्त्री० (—स्थिति) शत्रुपरिमित स्थिति;
 आयुष्य. काल स्थिति; आयुष्य. fixed or
 determined period of life-time;
 life. भग० २६, १; —टिति. स्त्री०
 (—स्थिति) शत्रुस्थिति; आयुष्य काल
 स्थिति. fixed or determined
 period of life-time. भग० १५, १;
 —गाण न० (—ज्ञान) शत्रु सम्बन्धी
 ज्ञान. काल सम्बन्धी ज्ञान; शुभाशुभ ज्ञान;
 knowledge of (what is going
 to happen in) time. “ काले काल
 गाण ” डा० १०; जं० प० —गाणि.
 त्रि० (—ज्ञानिन्) शत्रुजानी; अमुक भाग्य-
 सत्तु क्यारे भौत थसे ते जानुतार. कालज्ञानी;
 मृत्युका समय जानने वाला. (one) who
 knows what is going to happen
 in time. i. e. the time of death
 of a particular person. “ काले
 कालगाणि जाणइवेजय वेजो ” अगुजो०
 १४६; —तिग. न० (त्रि०) भूत,
 भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. the
 triad of times, viz. past, future
 and present. प्रव० १३४०; —तिय.
 न० (त्रि०) भूत, भविष्य, और वर्तमान
 ये तीन काल. the triad of times,
 viz. past, future and present.
 प्रव० ६०३; —तुल्य त्रि० (—तुल्यक)
 शत्रुकी अपेक्षा में बराबर; समान डा०

वाणो. काल की अपेक्षा से समान-तुल्य; समकालीन. equal in point of time; same as regards time; contemporaneous. भग० १४, ७; — धम्म. पुं० (-धर्म-कालो मरणं स एव धर्मो जविपर्यायः कालधम्मः) शब्द धर्म; मरण. मरण; जीवकी पर्याय का मरण रूप स्वभाव. death; passing from one state of existence into another in due course of time. विवा० २; ५; नाया० १; डा० ३, ३; ४, ३; — ज्ञाण. न० (-ज्ञान) शब्द सम्बन्धि ज्ञान; ज्योतिष आदिने आधारित भूत भावीनृ ज्ञान थाय ते. काल सम्बन्धी ज्ञान; ज्योतिष आदिके आधार से भूत भावप्य का ज्ञान का होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc. प्रव० १२३८; — पडिलेहणया. स्त्री० (-प्रनिलेखना) शब्द वपनतनुं निरिक्षणः णे वपनतनुं णे शम शस्त्रभां अनायुं होय तेना प्रत्ये जगुत्त रहेतुं ते. समय का निरीक्षणः जिह समय जो काम करने की शास्त्रने आज्ञा दी हो वही काम करने में जागृत रहना. proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures. उत्त० २६, २; — परट्ट पुं० (-परावर्त) शब्द आश्री परावर्तन-पुद्गल परावर्तन. काल आश्री परावर्तन-पुद्गल परावर्तन. modifications in matter in due course of time. प्रव० १०६१; — परमाणु. पुं० (-परमाणु) सूक्ष्मभां सूक्ष्म शक्ति; समय. सूक्ष्मसे सूक्ष्म काल; समय. the smallest division of time, called a Samaya. भग० २०, ६; — परियाअ. (-पर्याय) भोतने वपते करवानो सल्लेखना

विधि, लक्ष्य परिज्ञादि पंडित मरण. अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि, भक्त परीक्षादि पंडित मरण. the ceremony known as Samlekhanā to be performed at the time of death. आया० १, ७, ४, २१५; — माण. पुं० (-मान) शब्दनुं प्रमाण. समय का प्रमाण. measure of time; limit of time. पंचा० १, १६; — मास. पुं० (-मास-कालो मरणं तस्य मासः प्रक्रमादवसरः काल-मासः) मरण समय. मरण समय. time of death. भग० १, १; ३, १; ८, १०; नाया० १; ५; ६; १४; १६; ओव० ३८; दसा० ६, १; “काल मासे कालं किञ्चा ” भग० ७, ६; उवा० १, ८६; — मासिणी. स्त्री० (-मासिनी) प्रसव समय-ने प्राप्त थयेत स्त्री. प्रसव-प्रसूति-समय को प्राप्त स्त्री. a woman about to give birth to a child. दस० ६, १, ४०; — मिग. पुं० (-मृग) शब्द मृगना यर्मनृ पस्त्र. काले हरिण के चमड़े का वस्त्र. a garment made of the skin of a black deer. जीवा० ३, ३; निसा० ७, ११; — मियचम्म. न० (-मृगचर्म) शब्द मृगनृ आभट्ट. काले मृग का चमड़ा. skin of a black deer. नाया० १६; — लोय. पुं० (-लोक) शब्दनी अपेक्षाये लो३. काल की अपेक्षा से लोक. a world in its relation to time. भग० ११, १०; — वण. पुं० (-वर्ण) शब्दो रंग. काला रंग. black colour. भग० ८, १; २५, ६; सम० २२; — वणपज्जव. पुं० (-वर्णपर्यव) शब्दो रंग-नी पर्याय (दशा). काले रंग की पर्याय (अवस्था). a particular state or condition of black colour भग० २५, ३; — वणपरिणय. त्रि० (-वर्णपरिणत) शब्द वर्णरूपे परिणाम पाभेत्त. काल वर्ण-रूप

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

कालचक्र. न० (कालचक्र) ७ आरा मली उत्सर्पिणी ओटले यडतो काल थाय छे।



तेमज ७ आरा परिमित अव-
सर्पिणी ओटले उतरतो काल
थाय छे, उत्सर्पिणी अने अव-
सर्पिणी ओयने काल मली ओक
कालयक थाय छे 'तेनु' परिभाष्य
२० कोडाकोडी सागरोपमनुं छे
ते छ छ आरानुं स्वरूप यतावे
छे. सुसमसुसमाथी दुसमदुसमा
सुधी १० कोडाकोडी सागरोपम
परिमित अवसर्पिणी काल अने
दुसमदुसमाथी सुसमसुसमापर्यंत
७मणी आनुना छ विभाग
१० कोडाकोडी सागरोपम परिमित
उत्सर्पिणी कालने यतावे छे.
छः आरे (काल विभाग) मिला-
कर उत्सर्पिणी अर्थात् चढता काल

होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्पिणी और
अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण २० कोडाकोडी सागरोपम
का होता है. कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं.
सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित अवसर्पिणी काल और दुसमदुसमा
से सुसमसुसमा तक दाहिना ओर के छः विभाग १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित उत्सर्पिणी काल
को बतलाते हैं. Utsarpiṇī time i. e. an aeon of increase is equal to 6
Ārās (a measure of time); and Avasarpinī time i. e. an aeon of
decrease is also equal to 6 Ārās. The Kālachakra measuring 20
Kodākodī (1 crore x 1 crore) Sāgaropamas is made up of these
two measures of time taken together. In the middle of the
picture there are twelve divisions showing the extent of every 6
Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama
susamā on the right indicate Utsarpiṇī Kāla which measure 10
Kodākodī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusama
dusamā to the left indicate Avasarpinī Kāla which, is also equal to
10 Kodākodī Sāgaropamas of time. जं. प०

में परिणत, modified into or developed into black colour. भग० ८, १;

—**वर्णपरिणाम**. पुं० (-वर्णपरिणाम)
 दास्य वर्णरूपे परिणाम प्राप्तुं ते. काले वर्ण-
 रूप में परिणत होना. modification or
 development into black colour

भग० ८, १०:—**विभाग**. पुं० (-विभाग)
 दास्यतो भेदः दास्यविभाग. काल का भेद; काल
 का विभाग. a division of time. “इत्तो

काल विभागतु, तसि वाच्छं चउव्विहं”
 उत्त० ३६, ११; —**वासि**. पुं० (-वर्षिन्)
 समये वरसन्तार, यामासाम् वरसन्तार (भेद).
 समय पर बरसने वाला. rain falling in

due season; seasonable rain.
 ठा० ४, ६; भग० १४, २. —**विसेस** पुं०
 (-विशेष) दास्यता विशेष विभाग (भेद).
 समय का विशेष विभाग. a particular
 division of time प्रव० ६२२;

—**विहीण** त्रि० (-विहीन) दास्य द्रव्य
 शिवायतुं. काल द्रव्य रहित. excluding,
 excepting the category named
 time. प्रव० ६६०: **संयोग** पुं०

(-संयोग) दास्यतो संयोग काल का संयोग.
 juncture of time ठा० ३, २; अणुजो०
 १३१: —**संसार**. पुं० (संसार) रात
 दिवस भ्रम चर्या पर्योपम सागरोपम

पर्यन्त भटकतु ते दास्य संसार. गत, दिन,
 महीना, वर्ष, पर्योपम, सागरोपम, संसारमे
 भटकना वह कालसंसार कहलाता है.

wandering in worldly existence
 for indefinite periods of time.
 ठा० ४, १: —**सम**. त्रि० (-सम) उदय-
 दास्य अराश्वर. उदय काल के बराबर.

simultaneously with the rise
 of. क० प० ५, ४२: —**समय**. पुं०
 (-समय) दास्यरूपी समय. कालरूपी समय.

a point of time viewed as time.

विवा० ३; सू० प० ८;

कालश्रो. अ० (कालतः) दास्यश्री; दास्यनी
 अपेक्षाये; दास्यश्री. काल की अपेक्षा से.

In point of time; as regards
 time. श्रोव० १७; भग० २, १; ५; १०;
 ५, ७; ८, २; ८, ६; राय० ६६; उत्त० २४,

६; प्रव० ७७८; १२०२; जं० प० ७; १७५;
कालक. न० (कालक) दास्य पुद्गल. काला
 पुद्गल. Matter or substance black

in colour. भग० ६, ६;
कालकूट न० (कालकूट) विष; जहर;
 विष. Poison. उत्त० २०, ४८;

कालग. त्रि० (कालक) दास्य रंगतुं. काल
 रंगका. Black. उत्त० २२, ४; नाया०
 ८; भग० १५, १; २५, ६; उवा० २, १०७;

(२) पुं० दास्यार्थी. कालकाचार्य. A pre-
 ceptor named Kālakāchārya.
 विशेष १७६६: —**कल्वि**. स्त्री० (-कल्वि)
 दास्यकान्तिः दास्यकान्ति रंग. काली कान्ति;

चमड़ा का रंग black colour of the
 skin. उत्त० २२, ५;

कालगाहावइ पुं० (कालगृहपति) दास्य
 नामना गृहपति-शेड. काल नामक गृहपति-
 मेठ. A merchant named Kāla.
 नाया० ४०

कालगुण्या. स्त्री० (कालज्ञता = काले प्रस्ताव-
 मुपलक्षणत्वाद् देशं च जानातीति कालज्ञ-
 स्तद्भावः कालज्ञता) अयसरे ज्ञातुं ते; देश
 दास्यनी ओगभाणु. समयको पहिचानना;
 देश काल को जानने वाला. Due recog-
 nition, sense of time, place etc.
 श्रोव

कालत्त. न० (कालत्व) दास्यपणुं. कालापन.
 Blackness. भग० १७, २;

कालञ्च. त्रि० (कालञ्च) दास्य परायणु;

व्यक्तने अनुत्तर; उचित अनुचित समयने अनुत्तर. कर्तव्य पराग्रह; समय को जानने वाला; उचित अनुचित समय को जानने, वाला. (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties. आ० १, २, ५, ८८; १, ७, ३, २०६;

कालपाल. पुं० (कालपाल) ऐ नामना धरणेन्द्र अने भूतानंदना लोकपाल. धरणेन्द्र और भूतानंद के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharapendra and Bhūtānanda. टा० ४, १;

कालपिशाचकुमारिन्द्र. पुं० (कालपिशाच-कुमारिन्द्र) काव नामे पिशाचांके इन्द्र. पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Piśāchas named Kāla. नाया० घ०
कालमुह. पुं० (कालमुख) उत्तर भरतमांके ऐक देश. उत्तर भरतका एक देश. Name of a country in Uttara Bhārata. जं० प०

कालय. पुं० (कालक) कावो वर्ण. काला वर्ण. Black colour. नाया० ६; भग० ५, ७; १२, ६; १८, ६; २० ५;

कालवडिसयभवण. न० (कालावतंसकभवन) कादीदेवीनुं कावावतंसकभवन भवन. काली देवी का कालावतंसक नामक भवन. The abode of Kālīdevī named Kālāvataṁsaka. नाया० घ० —**वासि.** पुं० स्त्री० (—वासिन्) कावावतंसकभवनमां पसनास. कालवतंसक भवनमें रहने वाला. (a person) residing in Kālāvataṁsaka abode. नाया० घ०

कालवाल. पुं० (कालपाल) धरणेन्द्रना लोकपालनुं नाम. धरणेन्द्र के लोकपाल का नाम. Name of a guardian of people

of Dharapendra. भग० ३, ८; १०, ५;
कालसिरी. स्त्री० (कालश्री) कावगृहपतिनी कावश्री नामनी धर्मपत्नी. काल गृह पति का कालश्री नामक स्त्री. Name of the wife of Kāla a householder. नाया० घ०

कालसीहामण. न० (कालसिहामण) काव नामना सिंहासन. काल नामक सिंहासन. A throne named Kāla. नाया० घ०

काला. स्त्री० (काला) कावेन्द्रनी काव नामनी राजधानी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kāleन्द्र. भग० १०, ५;

कालालोण. न० (काललवण) काव पर्वतमां उत्पन्न थनुं कावुं भीष्ट. किसी पर्वत में उत्पन्न होनेवाला काला निमक. Black salt produced in a mountain. दम० ३, ८;

कालासवेसियपुन. पुं० (कालाश वैश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शासनना ऐक साधु; पार्श्वनाथना संतानिया के जेणे थिवर साधु-ओने प्रश्नो पुण्या दता. श्री पार्श्वनाथ भगवान् के शासन के साधुका नाम जिसेने थिवर साधुओंको प्रश्न पूछे थे. Name of an ascetic belonging to the cult of Paśvanātha who had asked some questions to Sthavira monks. भग० १, ६;

कालिअ-य. त्रि० (कालिक) रात अने दिवसना पड़ेले तथा छेदले पड़ेले भज्याय पावुं थिने त्रीने पड़ेले न भज्याय तेनुं सूत्र; आचारंग आदि काविक सूत्र. वह सूत्र जो रात्रि और दिन के पहिले तथा अंतिम प्रहर में पढ़ा जाय; आचारंग आदि कालिक सूत्र. Kālika Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read at the first and last of the

four divisions of day or of night. विशेष० ६२०; ठा० २, १; अणुजो० ४; १४६; नंदी० ४३; (२) कालांतरे भणवानुं; अनिश्चित. कालान्तर में मिलने वाला; अनिश्चित. uncertain in point of time. उक्त० ५, ६; (३) ऐ नामने ऐड द्वीप-भेट. इस नामका एक द्वीप-भेट. name of an island. नाया० १७; —अणुभोग. पुं० (-अनुभोग) कालिक श्रुतनुं व्याख्यान. कालिक श्रुत का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kālīka scripture पंचा० ११, ३४; —दीव. पुं० (-द्वीप) कालीय नामने द्वीप. कालीय नामक द्वीप. an island named Kālīya. नाया० १७; —वाय. पुं० (-वात) प्रचंड वायु; प्रतिदूष वायु. प्रचंड वायु; प्रतिकूल हवा. violent wind; adverse wind. नाया० ६; १७; —सुय. न० (-श्रुत) कालिक सूत्र; अचारंगदि-कालिक सूत्र. कालिक सूत्र. a Kālīka Sūtra e. g. Āchārāṅga etc. which could be read at particular times only. भग० २०, ८; निखी० १६, १०; विशेष० ५४६;

कालिंगी. स्त्री० (कालिङ्गी) तरबूज मतीरा. A kind of water-melon. पत्र० १; भग० २२, ६;

कालिंजर. पुं० (कालिंजर) ऐ नामने ऐड पर्वत. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. “ दसा दसभे आसी मिया कालिंजरे नगे ” उक्त० १३, ६;

कालिज. न० (कालिय) शरीरती अंदरने ऐड अवयव. कलेजा; शरीर के भीतर का एक अवयव. An organ of the body viz. liver. तंदु० प्रव० १३८४;

कालियपुत्र. पुं० (कालिकपुत्र) कालिकपुत्र

नामे श्री पार्श्वनाथ प्रभुना शासनना ऐड विद्वान् धिवर साधु. श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु.

Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha. भग० २, २; कालिया. स्त्री० (कालिका) कालिका देवी. कालिका नामक देवी. The goddess Kālīkā. सु० च० ८, १४६;

काली. स्त्री० (काली) अंतगड सूत्रना आइमा वर्गना पहिला अध्यायनुं नाम. अंतगड सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagadha Sūtra. अंत० ८, १; (२) श्रेष्ठि राजनी राणी अने कालिङ्गी औरमान माता के नेछे मदावीरस्वामी समीपे दीक्षा लध रयल्लावली = रत्नावली नामनुं तप आयरी आइ वरसनी प्रवन्त्यापाणी ऐड भासने संथारे करी परम पद प्राप्त कर्कु. राजा श्रेष्ठिक की रानी और कालिक की सोतेली माता जिवने का महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर रत्नावली नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अंत में एक मास का संथारा किया और परमपद प्राप्त किया. the queen of Śreṇika and step-mother of Kōṇika, who took Dikṣā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. अंत० ८, १; (३) कालिङ्गी गंध. कौए की जांघ. the thigh of a crow. उक्त० २, ३; (४) काला रंगनी स्त्री. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour. अणुजो०

१२८; (५) चमरेन्द्रनी भुज्य देवी. चमरेन्द्र की मुख्य देवी. the principal goddess of Chamarendra. भग० १०, ५; (६) अभिनन्दन स्वामिनी शासन देवीनुं नाम. अभिनन्दन स्वामी की शासन देवी का नाम. name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī. प्रव० ३७७; पंचा० १६, २४; — अज्ञा. स्त्री० (आर्या) क्षत्री आर्या. काली आर्या. a nun named Kālī. नाया० ध० — दारिआ. स्त्री० (दारिका) क्षत्री कुमारी. काली कुमारी. a girl named Kālī. नाया० ध०

कालीदेवित्त. न० (काली देवीत्व) क्षत्री देवी-पदं. काली देवीपना. State of being the goddess Kālī. नाया० ध०

कालीवर्डिसयभवण. न० (काल्यवतंसक-भवन) क्षत्रीदेवीनुं क्षायावतंसक नामे भवन. कालीदेवी का कालावतंसक नामक भवन. An abode of Kālī Devī, named Kālāvataṁsaka. नाया० ध०

कालुणिय. त्रि० (कारुणिक) क्षरुणान्तक. करुणाजनक; करुणा पैदा करने वाला. Piteous. सूय० १, २, १, १७;

कालोअ-य. पुं० (कालोद) क्षलोदधितामना समुद्र के जे धातकीखंडने इरतो पिटायेत छे. कालोदधि नामक समुद्र जो कि धातकीखंडद्वीप को घेरें हुए हैं. An ocean named Kālōdadhī, encircling Dhātakīkhaṇḍa. ठा० ७; जावा० ३; ४; अणुजो० १०३; सम० ४२; ६१; पञ्च० १५;

कालोद. पुं० (कालोद) णुओ “ कालोअ-य ” शब्द. देखो “ कालोअ-य ” शब्द.

Vide “कालोअ-य” ठा० २, ३; भग० ६, २;

कालोदधि. पुं० (कालोदधि) धातकीखंडनी आरे आणुओ आइ क्षाभ जेहन प्रमाणो क्षलोदधि समुद्र. उस समुद्र का नाम जो

धातकीखंडकी चारों ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakīkhaṇḍa and eight laes of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि. पुं० (कालोदायिन्) क्षलोदधि नामना ओक अन्य दर्शनी गृहस्थ. एक जैनतर गृहस्थ का नाम. Name of a householder belonging to a non-Jaina creed. भग० ७, ६; १०; १८, ७;

काव. पुं० (काव्य) क्षव्य यथायते संलग्न-नार. काव्य बनाकर गुनाने वाला. A bard; a minstrel. जीवा० ३, ३; नाया० १, ८;

कावलिय. पुं० (कावलिक) क्षवत आहार. कौर; कवल. A mouthful. भग० १; ७; प्रव० ११६४;

कावि. अ० (कापि) क्षाणु. कोई भी. Somebody; some one or other; anybody. नाया० ८;

काविट्ट. पुं० (काविट्ट) क्षक्ष देवलोकनुं क्षविष्ट नामनुं ओक विमान; ऐनी स्थिति योद सागरोपमनी छे; ऐ देवता सात भासे आ-मोआस से छे. छठवें देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासिया की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पक्षों में एक बार आसोहवास लेते हैं. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months. सम० १४;

काविल. न० (कापिल) क्षपिलशास्त्र; सांख्य दर्शननुं शास्त्र. कापिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. अणुज्ञो० ४१; काविलिअ. न० (काविलिक) इपिधमन्तो अ०थ. कपिल मत का एक ग्रन्थ. A book containing an exposition of the tenets of Kapila. नंदी० ४१; कावोय. पुं० (*) शय्य ईरवी बिक्षा मांगनार ऐड वर्ग. कावड लेकर बिक्षा मांगने वाला एक वर्ग. A class of mendicants begging their food in bags attached to the ends of a bamboo which rests on the shoulders. अणुज्ञो० ३२;

कावोया. स्त्री० (कापोतिका) पारेवी वृत्ति; इयत्तरी भाइड धष्ठी संवागथी आदारदिड देवु ते. एक प्रकार की वृत्ति-कव्तर के समान बड़े यत्नाचारपूर्वक आहारार्थ ग्रहण करने की वृत्ति. Taking food with great care, like pigeons. उक्त० १६, ३३;

✓ कास. वा० L. (कास) उधरस आनी खांसना. To cough.

कासित्ता. सं० कृ० जावा० ३, ३: ज० प० २, २५;

कासंत. व० कृ० पगह० १, ३;

कास. पुं० (कस) उधरस: आनी. खांसना. Cough. ज० प० भग० ३, ७; जावा० ३, ३;

कास. पुं० (काश) काश नामकी ग्रह. काश नामक ग्रह. A planet named Kāśa. " दोकासा " ठा० २, ३; (२) काश नामकी वनस्पतिना गुच्छ. कास नामक वनस्पति का गुच्छ. a cluster of the vegetation named Kāśa. पञ्च० १: उवा० ३, १४८;

कासंकस. त्रि० (कासंकष कसन्नेऽस्मिनिति-कासः संसारस्ते कपतीति तदभिमुखोयातीति कासङ्कषः) प्रम.टी. अर.स्थ; आकुल व्याकुल. दुग. अस्वस्थ; बीमार; आकुल व्याकुल. Uneasy; restless. आया० १, २, ४, ६४;

कासग. पुं० (कर्षक) अपृत; भेती डरनार. क्रियान; खेती करने वाला. A farmer; a peasant. उक्त० १२, १२;

कासग. पुं० (काशक) ऐड वनतरी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation जीवा० ३, ४;

कासण. न० (कासन) उधरस आनी. खांसना. Act of coughing. ओष० नि० २३५;

कासव. पुं० (काश्यप) काश्यप गोत्रीय-भद्रापीर स्वामी गोत्रीयभा तीर्थकर. काश्यप गोत्र के महावार स्वामी चौबामवे तार्थकर. Lord Mahāvira the 24th Tirthankara belonging to the family origin named Kāśyapa. भग० १२, १: दम० ६: मु० च० ३, १४५; नंदी० २३: उक्त० २, १: मय० १, २, २, ४: १, २, ६, २: ज० प० ७, १४६; (२) काश्यप गोत्रभा उत्पन्न थयेन मुनिसुव्रत अगे नेमी सिवायना आवीश तीर्थकर. चक्रवर्ति वगेरे क्षत्रिय, सतमा गणधर वगेरे ब्राह्मण, ज० पु० स्वामी वगेरे गाथापति. काश्यप गोत्र मे उत्पन्न मुनि सुव्रत और नेमिनाथ के सिवाय बाईस तीर्थकर तथा चक्रवर्ति वगेरह क्षत्रिय, सातवे गणधर वगेरह ब्राह्मण और जंबूस्वामी वगेरह गाथापति. the Tirthankaras (24) excepting Muni Suvrata

* गुग्गुला पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

and Nemī, the Kṣatriyas viz. the 7th Gaṇadhara etc. and the Gāthāpatis viz. Jambū Svāmī etc. all born in the Kāśyapa family. टा० ७, १; उत्त० २४, १६; (३) पुं० ऐक प्रसिद्ध गोत्रनुं नाम; काश्यप नामे गोत्र. एक प्रसिद्ध गोत्र का नाम; काश्यप नाम का गोत्र. name of a famous family-origin. कप्प० ५, १०३; (४) श्री पार्श्वनाथ प्रभुना शासनना ऐक विद्वान् साधु. श्री पार्श्वनाथ प्रभु के शासन के एक विद्वान् साधु. a learned monk belonging to the cult of Lord Pārśvanātha. भग० २, ५; (५) अंतगड सूत्रना छह वर्णना याथा अध्ययनुं नाम. अंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे अध्याय का नाम. name of the 4th chapter of the sixth section of Antagada Sūtra. अंत० ६, ४; (६) राजनगर निवासी ऐक गाथापति के जेणे महावीर स्वामी पासे दीक्षा लई सोण वरसनी प्रव्रज्या पाणी विपुल पर्वत उपर अंधारो करी सिद्धि, भोगी. राजगृह निवासी एक गाथापति जिनने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली और १६ वर्षोंतक तप कर विपुल पर्वत पर संन्यास कर सिद्धपद प्राप्त किया. name of a merchant residing in Rājagṛha, who took Dikṣā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years, and attained salvation on Vipulā mount giving up food and water. अंत० ६, ४; (७) हम्मम. नाई. a barber. भग० ६, ३३; (८) कितरा इत्युनी नक्षत्रनुं गोत्र. उत्तरा फल्गुनी का गोत्र. the family

origin of the constellation named Uttarā-Falgunī. सू० प० १०; —गुप्त, पुं० (-गोत्र) सिद्धार्थ राजा वज्जैरेनुं गोत्र सिद्धार्थ राजा वज्जैरेह का गोत्र. the family-origin of king Siddhārtha etc. क० प० १, २; २, २०; आया० २, १५, १७६; —गोस्त. पुं० (गोत्र) जम्बू स्वामी वज्जैरेनुं गोत्र. जम्बू स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाय० १; कासवग पुं० (काश्यपक) नाई. हम्मम. नाई.

A barber. सूय० १, ४, २, ६;

कासवनालिया. स्त्री० (काश्यपनालिका) श्रीपरिणीतुं फल. श्रीपरिणी का फल. The fruit of Śrīparṇī. दस० ६, २, २१; आया० २, १, ८ ४८;

कासवय. पुं० (काश्यपक) जुओ “ कासवग ” शब्द. देखो “ कासवग ” शब्द. Vide “ कासवग ” नाया० १;

कासवी. स्त्री० (काश्यपी) पांचमा तीर्थ-इरनी मुख्य साध्वी. पांचवें तीर्थकर की मुख्य साध्वी. The principal nun of the 5th Tirthankara. सम० प० २३४;

कासाइ. न० (कापाय) जुओ “ कासाइअ-य ” शब्द. देखो “ कापाइअ-य ” शब्द. Vide “ कासाइअ-य ” उवा० १, २२;

कासाइअ य. न० (कापायिक) कपाय-भगवा रंगथी रंगेनुं वस्त्र; नदधने शरीर धुंछवानुं वस्त्र. भगवां रंग से रंगा हुआ वस्त्र; स्नान करके शरीर धुंछने का वस्त्र. A saffron-coloured cloth generally worn by Hindū ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जीवा० ३, ४; जं० प० ओव० ३१;

कासिज्ञ. त्रि० (कासमत्) आंसीयाणो. खांसी वाला One suffering from cough. विवा० ७;

कासिह. पुं० (कासिह) जलचारी मत्स्यादारी ऐकं जलतनुं पक्षी. मच्छली खानेवाला जलचारी पक्षी. A sort of crane; a bird eating fish living in water. सूय० १, ११, २७;

कासी. स्त्री० (काशी) काशीपुरी; बनारसी नगरी. काशी नामक पुरा. The town of Benares. भग० ७, ८; सुच० २, ४; उत्त० १३, ६; कण्व० ५, १२७; (२) काशी देशः आर्य देशमन्ते ऐकं. काशी देशः आर्यदेश में से एक. a country named Kāśī. पञ्च० १; भग० १५, १; नाया० ८; —राय. पुं० (-राज) काशीदेशनो राजन्. काशी देश का राजा. a king of the country named Kāśī उत्त० १८, ४८; नाया० ८;

काहल. त्रि० (काहल) अस्पष्टः अत्यक्त. अव्यक्त; अप्रगटः अस्पष्ट Indistinct; inarticulate; not manifest. पगद. २, २; टा० ७;

काहलिया. स्त्री० (काहलिका) काहलिका नामे ऐकं सोनानुं आभरणम्. इस नामका सोनेका आभरण. A sort of gold ornament. प्रव १५३६;

काह्वार. पुं० (कह्वार—कं जलं हरतीति) कावड. कावड. A contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends. Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders.

काहावण. पुं० (कार्वाण) मुद्रा; सिङ्के. मुद्रा; सिङ्का; डाप; मुहर. A stamp.

पराह० १, २;

काहित्र-य. पुं० (काथिक = कथया चरति-काथिकः) गृहस्थने धेर यनावी यनावी कथा; कडेनार साधु. गृहस्थ के घर पर बना बना कर कथा करने वाला साधु. An ascetic telling long-drawn scriptural stories at the houses of householders. सूय० १, २, २, २८; निसी० १३, ५२; गच्छा० ११५;

काहे. अ० (कदा) क्यारे. कव. When. अंत० ६, १५; भग० २, १;

किङ्कर्म. न० (कृतिकर्म = कृतिरेव कृतेर्वा कर्म क्रिया कृतिकर्म) गुणदिकने विधिपूर्वक वंदना करी ने, अंगी रीति के बात वगैरे रोगथी पीड़ित न होय तो ठीक ऐस करी अस्पष्टित पाठान्यार करी वंदना करी; ठीकाने अशक्त होय तो अस्पष्टित पाठाने उच्यार करी वंदना करी ने. गुरु आदि की विधि पूर्वक वंदना करना; यदि बात रोगसे पीड़ित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठोच्चार करते हुए वंदना करना और उठने में अशक्त हो तो धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना. Rendering obeisance to a preceptor etc. with observance of due forms and ceremonies. प्रव० १८: ६८; पंचा० ११, ६; आब० २०; भग० १४, ३; भग० १२;

किं. अ० (किम्) क्यो; युं; क्यो. कौन; क्या; कौनसा. Who; what; which. भग० १, १: ७; २, १: ३: ५: ६: ३, १: ४; ५, २: ४; ६, ३३: १५, १: १६, ८; १८, ७; ८, २४, २३: २५, ६: २६, १; ४१, १; नाया० १: ३; ५: ८; १६: १७; अणुजो० ३: ११; वेय० १, ३३; वव० २, २२; आब० १६: ३८; पञ्च० १५; दसा० ३, २२: ३३: २४: ४, १०; आया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०;

सूय० १, १, १, १; दस० ४, १०; ५, २,
४७; ६, ६५; ६, १, ५; ६, २, १६; जं० प० ७, १४०;

किंअंगपुण. अ० (किमङ्गपुनर्) लुओ
“ किंपुण ” १७६. देओ “ किंपुण ” शब्द.

Vide “किंपुण ” नाया० १; १४;

किंअणं अ० (किमन्यत्) लीओ शुं ? दूसरा
क्या ? What else ? नाया० ५;

किंकम्म. न० (किंकर्मन्) अंतगड सूत्रना छट्टा
वर्गना लीओ अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र
के छठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम.
Name of the 2nd chapter of
the 6th section of Antagada
Sūtra. (२) राजगृह निवासी ऐक गाथा-
पति के गे महावीर स्वामी पास से दीक्षा लछ
अगीआर अंग लखी गुणरयणुतप करी सोल
परसनी अप्रज्या पाणी विपुल पर्वत उपर
परम पद पाया राजगृह निवासी एक गाथा-
पति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली,
ग्यारह अंग पढ़े, गुणरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया. name
of a householder residing in
Rājagṛiha, who took Dīksā
from Mahāvīra Svāmī, studied
11 Aṅgas, practised Guṇara-
yana penance, observed asce-
ticism for 16 years and attained
salvation on the Vipula mount.
अंत० ६, २;

किंकर. पुं० (किङ्कर) अनुत्तर, सेवक; भृत्य;
दास; याकर. नोकर; सेवक. A servant;
an attendant. नाया० १; जीवा० ३, ४;
पञ्च० २; ओव० ३१ राय० ६६; भग० ११, ११;

किंनिरिड. पुं० (किङ्किरीट) त्रलुष्टिद्रियवाला
जुवननी ऐक ज्ञात. तेइन्द्रिय जीव; तौन
इन्द्रियों वाला जीव. A kind of senti-

ent being with three senses.

किंच. अ० (किञ्च) अने; वली. और. And;
moreover. भग० १८, ८;

किंचण. अ० (किञ्चन) कंछपणु; कंछक कुछ;
कुछभी. Anything; something. सूय०
१, १, २; १४; (२) न० द्रव्य; परिग्रह. द्रव्य
का ग्रहण करना. wealth; worldly
possessions. विशेष० १४५१, उत्त० ३२,
८; सूय० २, १, १४;

किंचि. अ० (किञ्चिन्) डियितभाव; कंछक. कुछ;
किंचित मात्र. A little; something;
something at least. “ किंचि बहुयं
चथोवंच ” परह० १, ३; जं० प० ७, १३२;
जं० प० दसा० ६, ३५; ७, २६, भग० २, १;
८; ८, ३; २०, ६; २५, ७; ३०, १; नाया० ५; ८;
ओव० १६; ३८; उत्त० १, १४; पि० नि०
१००; उवा० ६, १७० गच्छा० १; प्रव० १४७;
—काल न० (—काल) थोडाकाल; थोडा
वअत. थोडा समय. a little time;
some little time. भग० १, ७; नाया०
१६; —विसेसाहिय. त्रि० (—विशेषाधिक)
जरा वधारे; थोडु अधिक. कुछ ज्यादा. a
little more; somewhat more.
भग० २, ८; —साहम्म न० (—साधर्म्य)
सहेज समान पणु; कंछक साधर्म्य. कुछ
समानता; कुछ साधर्म्य भाव. a little
affinity; possession of common
qualities to a little extent.
अणुजो० १४७;

किंचिस्मेत्त. त्रि० (—किञ्चित्मात्र) डियित
भाव. कुछ; किंचित्मात्र. a little; very
little; only a little. विशेष० ३११;

किंतु. अ० (किन्तु) पणु; विशेषता अतावत ने
आ अण्य वपराय छे. भी; किन्तु; परन्तु.
But; (an adversative conjunc-
tion). विशेष० १५३;

किंत्थुग. पुं० न० (किंस्तुग) दरेक भासना शुक्ल पक्षना पञ्चाने दिवसे आवतुं, बार थिरकरलुमानुं येथुं करलु; ११ करलुमानुं ११ भुं करलु. प्रत्येक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण; ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karanas; the last of the four Thira-Karanas falling on the first day of the bright half of each month. जं० प० ७, १२३;

किन्नर. पुं० (किन्नर) किन्नर ज्ञतना व्यंतर देवता. किन्नर जाति के व्यंतर देव. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras. नाया० १; १६; भग० ३, ८; सम० ३४; ओव० २४; ठा० २, ३; राय० ४६; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; उत्त० ३६, २०५; (२) चमरेन्द्रना रथनी सेनातो उपरी. चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी. the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra. ठा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) किन्नर देवता आकारवाणो. किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god. भग० ८, २;

किन्नरकंठ. पुं० (किन्नरकण्ठ) ओक ज्ञतनुं रत्न. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem. राय० १२१;

किन्नरी. स्त्री० (किन्नरी) ओक स्त्री के नेने लीये युद्ध थयुं हुतुं. एक स्त्री जिसके लिये कि युद्ध हुआ था. Name of a woman who was the cause of a battle. परह० १, ४;

किंपाग. न० (किंपाक) डिंपाक वृक्ष; ओक जेरी इलवालुं वृक्ष. किंपाक वृक्ष; एक जहरी फल वाला

वृक्ष. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्त० ३२, २०; तंदु० ओव० १४; —फल. न० (—फल) डिंपाक वृक्षनुं इल; स्वादे मधुर पलु परिलुमे जेरी ओक इल. किंपाक वृक्ष का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल. a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous. तंदु० किंपि. अ० (किमपि) कर्छक; काछपलु. कुछ भी. Something; something at least; a little. पि० नि० भा० ३६; सु० च० १, २३४; नाया० १;

किंपुण. अ० (किंपुण) तेमां तो इलेवुं शं ऐरी महत्तावालो निश्चय दर्शावामां ऐनेो उपयोग थाय छे. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase meaning, " it goes without saying. " गच्छा० ६५; नाया० १४;

किंपुणो. अ० (किंपुण) जुओ " किंपुण " शब्द. देखो " किंपुण " शब्द. Vide " किंपुण " दस० ७, ५;

किंपुरिस. पुं० (किंपुरुष) डिंपुरुष देवता; व्यन्तरदेवतानी ओक ज्ञत. व्यंतर देवों का ' किंपुरुष ' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods. भग० २, ५; ३. ८; १०, ५; नाया० १६; परह० १, ४; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; सम० ३४; ओव० २४; उत्त० ३६, २०५; ठा० २, २; ३; पञ्च० १; २; प्रव० ११४४; (२) वैरोचन ईन्द्रना रथनी सेनातो अधिपति. वैरोचन इन्द्र के रथ की सेना का अधिपति. name of the commander of the army of chariots of Vairochana Indra. ठा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) डिंपुरुष देवने आकारे रडेल. किंपुरुष देव

के आकार का. having a shape of a Kimpuruṣa kind of gods. भग० ८, २;

किंपुरिसकंठ. पु० (किंपुरुषकंठ) ओक जगत नुं रत्न. एक जाति का रत्न. A kind of gem. राय० १२१;

किंबहुना. अ० (किम्बहुना) वनारे शुं ? ज्यादा क्या ? What more ? What is the use of adding more ? नाया० १; भग० ६, ३३;

किंमय. त्रि० (किंमय) २५३५ के प्राधान्य विषयक प्रश्नार्थमां वपरातुं; आतुं शुं २५३५ छे के आमां प्रधानपछे शुं छे ओवा प्रश्नार्थमां आ ३५ वपराय छे. प्रश्नवाचक वाक्य में उपयोग में आनेवाला शब्द. A form of interrogation meaning " What is the essential or prominent feature of this ? " भग० १६, ७;

किंमूलय. त्रि० (किंमूलक) क्या भूतवातुं ? इसका मूल क्या ? Originating in what ? नाया० ८;

किंवा. अ० (किंवा) अथवा. अथवा; या Or; an alternative conjunction. विशेष० १२०; नाया० १; ५; भग० ३, १;

किंसुअ-य. पुं० (किशुक) केशुडानुं आउ; आपरातु वृक्ष. केशू का वृक्ष; टेम् का झाड. A kind of tree bearing red flowers. जं० प० ओव० १३; अणुजो० १६; भग० २, १, ३, २; नाया० १; ८; ६; जावा० ३, १; राय० २३; कण० ४, ६०;

किंस्तुग. पु० न० (किंस्तुग) लुओ " किंस्तुग " शब्द. देखो " किंस्तुग " शब्द.

Vide " किंस्तुग " विशेष० ३३२०;

किञ्च. न० (कृत्) कृत्य; कार्य; प्रयोजन. कृत्य; काय; काम. Act; action; purpose. दस० ७, ३६; ६, २, १६; भग० १, १०; ३, १; १३, ८; सूय० २, ४, ८; उत्त० १, ४४; नाया० ३; १४; सु० च० ३, ६६; विशेष० ३४६४; क० प० २, ७२; प्रव० २००; (२) कृति-वन्दनाने लायक-गुरु, आचार्य वगैरे. कृति अर्थान् वंदना के योग्य गुरु आचार्य आदि. worthy of salutation e. g. a preceptor etc. उत्त० १, १८; (३) पचन पायनादि क्रिया. पचन पाचनादि कृत्य. process such as that of digestion etc. सूय० १, १, ४, १; — गय. पुं० (-गत) कार्यमां तत्पर. कार्य में तत्पर busily engaged in work. भग० ३, ५;

किञ्चण. न० (*) धोत्र. धाना. Washing. ओष० नि० १६८;

किञ्चाकिञ्च. न० (कृत्वाकृत्य) कृत्याकृत्य; कार्य अने अकार्य. कर्म और अकर्म. Act to be done and act not to be done. दसा० ६, ३१;

किञ्चु. न० (कृच्छ्र) कष्ट; मुकिली. कठिनाई; कष्ट. Difficulty; trouble. जं० प० सु० च० ६, ७५; भग० ७, ६; नाया० ८; विशेष० २२८६: — ण्य. पुं० (-आत्मन्) कष्टयुक्त आत्मा. कष्ट सहित आत्मा. a troubled soul. नाया० ८; जं० प० ३, ५६;

किज्ज. त्रि० (क्रय) परीदवाने योग्य. खरीदने के योग्य. Fit for purchase; worthy of being purchased. दसा० ७, ४५;

किट्ट. धा० I, II. (कृत्) क्रीडन क्रीडुं;

* लुओ १४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वभाष्यं. कीर्तन करना; कथन करना. To praise; to glorify: to sing the praise of.

किट्टेह. भग० २, १; नाया० ०;

किट्टेह. आया० १, ५, ४, १५८;

किट्टेमि. स्य० २, १ ११;

किट्टे विभि० आया० १, ६, ६, १६४, स्य० २, १, ५७;

किट्टित्ता. सं० कृ० नाया० १;

किट्टित्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १; नाया० १;

किट्टिया. सं० कृ० वव० ६, ३७;

किट्टित्तण. हे० कृ० वेय० ३, २०;

किट्ट. पुं० (किट्ट) लोहानो डट. लोहे का जंग Iron-rust. आया० २, १, १, १;

—रासि. पुं० (-राशि) लोहानो डटनो टगलो. लोहे के जङ्ग का ढेर. a heap of iron-rust. “अट्टरासिंस वा किट्टरासिंसि वा” आया० २, १, १, १;

किट्टकरणडा. स्त्री० (किट्टकरणडा) संज्वलन लोभनी प्रथम स्थितिया त्रय भाग डरीअे तेमाना भीम त्रिभागनी संज्ञा डिट्टि करणुडा छे. संज्वलन लोभ का प्रथम स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग की संज्ञा किट्टकरणडा कहलाती है. Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as sañjvalana Lobha क० प० ५, ८६;

किट्टि. स्त्री० (*) सूक्ष्म. सूक्ष्म. Fine as opposed to gross. प्रव० ७१२; क० प० ३, १०;

किट्टिअ-य. त्रि० (कीर्त्तित) वल्लु वेजुं; अव-वेजुं. कहा हुआ; वर्णित; वर्णन किया हुआ.

Described. ‘ एवं से अट्टाकिट्टियमेव धम्मं ’ आया० १, ८, ५, २१७; स्य० २, १, ११; ठा० ७, १०;

किट्टिक. पुं० (किट्टिक) ओक जगतनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation भग० २३, १;

किट्टिकर. त्रि० (कीर्त्तिकर) कीर्त्तिनुं गान करना. कीर्त्तिका गान करने वाला. (One) that sings glory. ओव० ३१;

किट्टिया. स्त्री० (कीटिका) ओक जगतनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. पञ्च० १; भग० १, २; जीवा० १;

किट्टिस. न० (*) अत्रयुं जगतनी रागना मिश्र-एथी जनेजुं सूत्र. दो तीन जातिके बालों के मिश्रण से बनाहुआ सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together horse hair or hairs of different kinds. अणुजो० ३७;

किट्टी. स्त्री० (किट्टी) ओक जगतनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पञ्च० १;

किट्टि. पुं० न० (कृष्टि) कृष्टिनामनुं त्रीम जेथा देवलोकनुं ओक विमान कृष्टि नामक तीसरे चौथे देवलोकका एक विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka. सम० ४;

किट्टिकूड. पुं० न० (कृष्टिकूट) कृष्टिकूट नामनुं त्रीम जेथा देवलोकनुं ओक विमान. कृष्टिकूट नामक तीसरे चौथे देवलोकका विमान. A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

* अनुजो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vid. foot-note (*) p. 15th.

lokas. सम० ४;

किट्टिघोस. पुं० (कृष्टिघोष) कृष्टिघोष नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. कृष्टिघोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ६;

किट्टिजुत्त. पुं० (कृष्टिजुत्त) ऐ नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे और चौथे देवलोक के विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिज्झय. पुं० (कृष्टिज्झय) कृष्टिज्झय नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे और चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिप्रभ. पुं० (कृष्टिप्रभ) कृष्टिप्रभ नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टियापत्त. पुं० (कृष्टिकापत्त) कृष्टिकापत्त नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिलेस्स. पुं० (कृष्टिलेस्स) कृष्टिलेस्स नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-l-

kas. सम० ४;

किट्टिसिग. पुं० (कृष्टिसिग) कृष्टिसिग नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिसिद्ध. पुं० (कृष्टिसिद्ध) कृष्टिसिद्ध नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टुत्तरवाडिसग. पुं० (कृष्टुत्तरावतंसक) कृष्टुत्तरावतंसक नामनुं त्रीण्येथा देवलोकनुं ऐक विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किडकिडिया. स्त्री० (किडकिडिका) दुर्बल शरीर वाला मांसरहित मानव का शरीर उठने बैठने पर जो आवाज हो वह. The cracking sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down. नाया० १; भग० २, १;

किडकिडियाभूय. त्रि० (किडकिटिकाभूत = किडकिटिकाभूतः प्राप्ता यः स किडकिटिकाभूतः) ३३ ३३ अवाज करतुं. जिसकी हाडियों की उठते बैठते आवाज हो वह. Making a cracking sound. विवा० ८, भग० २, १;

किडिभ. पुं० (किडिभ) कीड़ीआड़े; राशी. बिजंडाया का घर. An ant-hill, a swarm of ants. जं० ५० भग० ७, ६;

(२) ऐकं गतने रोग. एक प्रकार का रोग.
A kind of disease. भग० ७, ६;

किङ्गा. स्त्री० (क्रीडा) क्रीडा, रमत गमत; रति;
आनंद. क्रीडा; खेल; आनंद; रति; विनादे.
Sport; play; amusement. आया०
१, २, १, ६४; सूय० १, १, ३, ११; भग०
१३, ६; १४, २; पि० नि० ८८; ४२५;

किङ्गाविया. स्त्री० (क्रीडाकारिका) क्रीडा कराने-
नारी दासी. क्रीडा कराने वाली दासी. A maid-
servant who makes one sport,
play or supplies with some
kind of amusement. नाया० १६;

किटिण. पुं० (*) ऐकं गतनुं वांशं
हम; तापसनुं ऐकं उपकरण; कायडनी ऐ
वाणुनी कायड. एक प्रकार का बांस का
वर्तन; तापस का एक उपकरण; काबड़ के
दोनों तरफ के छबड़े. A sort of
vessel made of bamboo; a
vessel used by an ascetic;
the two flat baskets hanging
by a rope attached to the two
ends of a bamboo placed on the
shoulder. भग० ७, ६; —पडिरुवग.
त्रि० (—प्रतिरूपक=किठिनं वंशमयस्तापस-
सम्बन्धी भाजनविशेषः तत्प्रतिरूपके
किठिनाकारे वस्तुनि) कायडनी आकारनी
वस्तु. काबड़ के आकार की वस्तु. An
object having the shape
of a wooden pole resting
on the shoulders with two
baskets hanging at each end.
भग० १, ६; —संकाईय. न० (—सांका-
विक = किठिनं वंशमयस्तापसभाजन

विशेषः तलश्च तयोः साङ्काविकं भारोद्ग्रहण
यन्त्रं किठिनसाङ्काविकम्) कायड. काबड़.
A contrivance consisting of
a long piece of bamboo with
two vessels suspended one at
each end, by means of ropes.
The middle part of the bamboo
rests on any or both of the
shoulders. भग० ११, ६;

किरण. न० (क्रयण) खरीदनुं ते. खरीदना.

Act of purchasing. सु० च० २, ४४५;

किणित. न० (किणित) ऐकं गतनुं वाञ्छित.
एक प्रकार का बाजा. A kind of
musical instrument. ज० प०

किणिया. स्त्री० (किणिका) ऐकं गतनुं
वाञ्छित. एक प्रकार का बाजा. A kind of
musical instrument. राय० ८८;

किरणं. अ० (किम्) क्युं. शुं. कौनसा. क्या
What; a particle showing in-
terrogation. नाया० १; २; ३; ७; ८;
६; १६; भग० ३, २; १३, ५; उवा० ३, १३६;

किरण. त्रि० (कीर्ण) आशीर्षु; व्याप्त.
फैलाया हुआ; व्याप्त. Scattered over
with; full of. नाया० ५; उवा० २, ६४;

किरणमुंड. पुं० (कीर्णमुण्ड) ऐकं गतनुं
वाञ्छित. एक प्रकार का बाजा. A kind of
musical instrument. जीवा० ३, १;

किरणर. पुं० (किन्नर) व्यंतर गतना देव-
ताओंनी ऐकं गतनी. व्यंतर जाति के देवों की
एक जाति. A species of gods
known as Vyantara gods. पञ्च० १;
१; ओव० परह० १, ४; नाया० ८; भग०
२, ५; १०, ५; कण्प० ३, ४४; जं० प० २, ११५;

* णुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी ४८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

किराहा. अ० (किञ्चित्) किञ्चित्. कुछ;
किञ्चित्मात्र. Very little; only a
little. पि० नि० ६४३;

किराहा. पुं० (कृष्ण) कालीरंग. काला रंग.
Black colour. (२) काला रंगनुं; श्याम.
काले रंग का; श्याम. black. भग० १२,
६; १५, १; नाया० १; ६; १०; १३; १६; १७;
राय० ४७; अणुजो० १३१; आया० १, ५,
६, १७०; ठा० १, १; उत्त० ३६, १६; सू० प०
२०; ओव० पञ० १; प्रव० १२२६, क० गं०
१, ४०; कण० ८, ४५; जं० प० ४, ७४;
२, १६; निर० ३, २; (३) पुं० कृष्ण नामना ६ मा
वासुदेव. कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव. the
९th Vāsudeva named Kṛṣṇa.
निर० ५, १; (४) कृष्णपक्ष; अंधारीयुं.
कृष्णपक्ष. the dark half of a
month. पंचा० १६, २०; —आभास.
त्रि० (—आभास) कृष्ण रंग जेयुं देखातुं;
काली प्रभा. काले रंग के समान दीखता हुआ;
काली प्रभा. appearing blackish;
black lustre. नाया० ७, ६; निर० ३, २;
—ओभास. पुं० (—अवभास) काली प्रभा.
काली प्रभा. black lustre. नाया० १;
भग० १३, ६; १५, १; —केशर. पुं०
(—केशर) काली केशर. काली केशर. black
saffron. पञ० १७; राय० —पडिवक्ख. पुं०
(—प्रतिपक्ष) अंधारीयुं पञ्चवाडीयुं. कृष्णपक्ष.
the dark half of a month. पंचा०
१६, २०; मिग. पुं० (—मृग) कालीयार मृग;
काली हरण. कृष्ण मृग; काला हिरन. a black
deer. आया० २, ५, १, १४५; —लेसा.
स्त्री० (लेश्या) कृष्ण लेश्या. कृष्ण लेश्या.
black thought tint or matter-
tint. प्रव० ११७३; —जेस्सा. स्त्री० (—लेश्या)
कृष्ण लेश्या. कृष्ण लेश्या. black tint;
black thought-tint or matter-

tint. भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पञ०
१७; —सण्ण. पुं० (—सर्प) काला सर्प.
काला सांप. a black serpent. भग०
८३; —सुत्तग. न० (—सूत्रक) काला रंगनुं
सूत्र. काला सूत; thread of a black
colour. भग० १६, ६;

किराहपडल. न० (कृष्णपटल) ओ नामनी
साधारण वनस्पति. इस नाम की एक साधा-
रण वनस्पति. Name of an ordinary
kind of vegetation. पञ० १;
किराहपत्त. पुं० (कृष्णपत्र) चार इंद्रियवाला
ऐक जिव. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A
four-sensed living being. पञ० १;
किराहसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) छठा चक्रवर्ती
कृष्णश्री नामनी स्त्री. छठवें चक्रवर्ती की
कृष्णश्री नामक स्त्री. Name of the
wife of the sixth Chakravartī.
सम० प० २३४;

किराहा. स्त्री० (कृष्णा) मेरुता उत्तरमां आ-
वेनी रक्ता नदीमां ज्मने भगती ऐक नदी.
मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नामक
नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी. Name
of a river flowing into the
river Raktā in the north of
Meru ठा० ५, ३; १०; (२) कृष्ण लेश्या;
कालीमां काला कर्मरक्ष के जेना योगथी
ज्वने किरणमां किरण परिलुप्त थाय छे;
७ लेश्यामां प्रथम लेश्या. कृष्ण लेश्या;
अत्यंत काजे वर्ण के रक्ष कि जिनके योग से
जीव को अत्यंत दोन और कठोर परिणाम हो.
blackest Karmic molecules
causing the direst results to
the soul; black thought-tint or
matter-tint. क० गं० ४, १६; उत्त० ३४, ३;
पि० नि० भा० ३०; (३) ऐक जलनी वनस्पति.
एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation. भग० २३, २; (४) डाणी प्रभा.

काली प्रभा. black lustre. नाया० ७;

✓ कित्त. धा० I. (कृत्) गुण्य कीर्तन करयुं;
वप्पाण्युं स्तुति करवी. गुण कीर्तन करना;
प्रशंसा करना; स्तुति करना. To sing the
merits of; to praise.

कित्तइस्सामि. अणुजो० ५९;

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६;

कित्तण. न० (कीर्तन) वप्पाण्यु; प्रशंसा;
स्तुति. प्रशंसा; स्तुति. Praise; eulogy.

विशे० ६४०; चउ० ३; नाया० १६; उवा०

७, २१६; पंचा० १६, ३०;

कित्तवीरिअ. पुं० (कीर्तिवीर्य) भरतनी गार्दीअ
तेजवीर्य पथी आवेअ तेनो पुत्र. भरत की
गार्दी पर तेजवीर्य के पाँछे बैठने वाला उस का
पुत्र. The son of Tejavirya who
succeeded the latter to the
throne. डा० ८, १;

कित्ति. स्त्री० (कीर्त्ति) दानादिभं उदारता
यत्तावत्थी थयेअ कीर्त्ति, प्रसिद्धि; यश;
आयश. दानादि में उदात्ता प्रगट करने से जो
कीर्त्ति प्रसिद्धि, यश अथवा प्रतिष्ठा हुई हो
वह. Fame; reputation; glory
arising from charity etc.

“ कित्ति वज्ज सइ सिलोगट्ठयाण ” दस० ६,

४, २; ३; ६, २, २; उवा० २, ६४; सूय०

१, ६, २२; ओव० ३१; उत्त० १, ४५;

भग० १४, ५; १५, १; १६, ६; पिं० नि०

५०६; ६८७; नंदी० २७; ओघ० नि० भा०

१४१; निर० ४, १; पन्न० २३;

प्रव० ४६६; (२) कीर्तिदेवीनी प्रतिमा.

कीर्तिदेवी की प्रतिमा. an image of

the goddess of fame. भग० ११, ११;

(६) कीर्तिदेवी; नीलवंत पर्वतना केशरी

द्रवनी अधिष्ठात्री देवी. कीर्तिदेवी; नीलवंत

पर्वत के केशरी द्रवकी अधिष्ठात्री देवी. the

goddess of fame; the presiding
goddess of the lake named
Keshari in the north of Nila-
vanta mount. डा० २, ३; जं० प० ४;

—कूड. पुं० (—कूट) नीलवंत वप्पारा पर्वतना

नवकूटमांनुं पांयमुं कूट—शिप्पर. नीलवंत

वखारा पर्वत के नौ कूट में का पांचवां कूट.

the 5th of the 9 summits of

the Nilavant Vakhārā mount.

जं० प०—कर. त्रि० (—कर) कीर्ति प्रगट

करनार; यश करनार. कीर्ति प्रकट करने वाला;

यश करने वाला. making famous;

giving fame. कप्प० ३, ५२;

कित्ति. स्त्री० (कृत्ति) व्यामशने व्यामंडे कडडे

के जे भेसवाने पाथरवाना क्षममां आवे ते.

चमड़े का चौखुटा टुकड़ा जो कि बैठने के काम

में आता है. A rectangular piece

of leather used for sitting on.

प्रव० ६८३;

कित्तिअ-य. त्रि० (कीर्त्तित) वप्पाण्यु. प्रशंसित;

कीर्त्तिप्राप्त. Praised; famous. ओव०

प्रव० २१३; ४७६; आव० २, ६; नाया० १६;

कित्तिआ. स्त्री० (कृत्तिका) कृत्तिका नक्षत्र.

कृत्तिका नामक नक्षत्र. The constella-

tion named Kṛittikā. अणुजो० १३१;

कित्तिआदास. पुं० (कृत्तिकादास) कृत्तिका

दास नामके क्षात्र अथवा माण्यस. कृत्तिका दास.

Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदिण. पुं० (कृत्तिकादत्त) कृत्तिका-

दत्त नामके माण्यस कृत्तिकादत्त नामक मनुष्य.

Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदेव. पुं० (कृत्तिकादेव) कृत्तिका देव

नामके माण्यस. कृत्तिका देव. Name of

a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआधम्म पुं० (कृत्तिकाधम्म) कृत्तिकाधर्म

नामके माण्यस. कृत्तिका धर्म नामक मनुष्य.

A person so named. अणुजो० १३१;
कित्तिआसम्म. पुं० (कृत्तिकाशर्मेन्) कृत्तिका
शर्मा; नक्षत्र योग्यी भाणुसनुं नाम. कृत्तिका
शर्मा. A person so named after
the constellation called Krittikā.
अणुजो० १३१;

कित्तिआसेण. पुं० (कृत्तिकासेन) कृत्तिकासेन;
कृत्तिका नक्षत्र योग्यी भाणुसनुं पडेयुं नाम.
कृत्तिका सेन. A person so named
after the constellation called
Krittikā. अणुजो० १३१;

कित्तिक्कम्म. न० (कृत्तिकर्मन्) पं०. वंदन
(नमस्कारादि कर्म). Salutation, obei-
sance to a preceptor etc. वेय०
३, १८;

कित्तिम. त्रि० (कृत्रिम) अनावडी; डेअये
डरेयुं. बनाबरी; किसी का बनाया हुआ.
Artificial; made by somebody.
सूय० २, १, २२; गणि० ७५; ज०प० १, १२;

कित्तिय. त्रि० (कियत्) डेटयुं. कितना.
How much. " कित्तिया सिद्धा " वव०
२; तंदु० विशेष० १३४८;

कित्तियामित्त. त्रि० (कियन्मात्र) डेटला.
कितना. How many; how much.
सु० च० ४, २४१;

किन्नर. पुं० (किन्नर) किन्नर ज्ञानना देवता;
व्यंतर देवतानी अेक ज्ञान. किन्नर जाति के
देवता; व्यंतर देवता की एक जाति. A kind
of Vyantara gods. प्रव० ११४४;
(२) धर्मनाथज्जना यक्षनुं नाम. धर्मनाथजी
के यक्ष का नाम name of the Yakṣa
of Dharmanāthajī. प्रव० ३७६;

किण्ह. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव
Kṛiṣṇa Vāsudeva. प्रव० १२८; (२)
त्रि० डायुं; डायी रंगनुं. काला; काले रंग
का. black. भक्त० ६१; —सण्ण पुं०

(—सर्प) डायो नाग; डायो सर्प. काला नाग;
काला सर्प. A black serpent. भक्त० ६१;
किण्विस. त्रि० (किल्विष) भीलत्स; भीलामणुं.
बीभत्स; भयानक. Frightful; ob-
scene; sinful. सूय० २, ३, २१; भग०
१, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) डिल्विष;
भायानुं पर्याय नाम. पाप. पाप; मायाका
पर्यायवाची नाम. sin; deceit. सम० ५२;
परह० १, २; भग० १२, ५;

किण्विसत्त. न० (किल्विषत्त) असुरभाव;
असुरपणुं असुरभाव. Devilishness;
fiendishness. परह० २, २;

किण्विसिअ-य. पुं० (किल्विषिक) दलडी
ज्ञानना देवतानी अेक ज्ञान. यण्डाल जेना
देवतानी अेक ज्ञान. नीची जाति के अधम
देवों की एक जाति; चांडाल के समान देवों की
एक जाति. A kind of lower gods
performing the meanest action.
भग० ६, ३३; दसा० १०, १; ओव० ४१;
सूय० १, १, ३, १६; २, २, २१; टा० ३.
४; प्रव० ६५०; (२) भीज्जने दसाज्जना;
विद्वपक दूसरे को हंसानेवाला; विद्वपक. a
buffoon; a fool ज० प० ३, ६७; ओव०
३२; (३) अतुर्विध संघ तथा ज्ञानादिनुं
अतुर्विधाद भोजनार (साधु). अतुर्विध संघ
तथा ज्ञानादिका अवर्णवाद बोलनेवाला (साधु).
(an ascetic) defaming the four-
fold Saṅgha, and knowledge
etc. भग० १, २; पञ्च० २०; —भावणा. स्त्री०
(—भावना) गुडनिन्दा, गुड्रोह वगेरे दुर्गुणों
के जेथी डिल्विषि ज्ञानना देवतामां उत्पन्न
थयुं पडे ते. गुडनिन्दा, गुड्रोह आदि भाव-
नाएं जिसके कारण किल्विषिक जाति के देवों
में उत्पन्न होना पड़े. offences such as
censure, treason etc. towards a
preceptor which cause a person

to take birth among the Kil-
biṣi kind of gods. उत्त० ३६, २५४;
किम्बिसियत्ता क्री० (किल्बिषिकता) किल्बिष
देवपुत्रं. किल्बिष देवपुत्रा. State of be-
ing one of the Kilbiṣa kind of
gods. भग० ६, ३३;

किमंग. अ० (किमङ्ग) ' किमङ्ग पुण्ण ' એ
વિશેષાર્થે બતાવનાર વાક્યમાં સહયોગી તરીકે
વપરાતું અવ્યય. ' કિમંગપુણ ' यह विशेषार्थ
बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके
काम में आने वाला अव्यय A kind
of conjunctive phrase meaning
" What else should be told ?"
नाया० २, १६; भग० ८, ५: —पुण्ण. अ०
(-पुनः) શું કહેવું ? તેમાં તો કહેવું શું ?
અથવા સામાન્ય આમ છે વિશેષ વાત તો
શું કરવી ? क्या कहना ? उसमें तो कहनाही
क्या ? अथवा सामान्य बात तो यह है और
विशेष बात तो क्या करना ? it goes
without saying; or, what more?
ओव० २७; नाया० १; भग० २, ५: ६, ३३;
१३, ६: १५, १;

किमट्टे. अ० (किमर्थम्) शा भट्टे. किस लिये.
Why ? wherefor ? भग० १, ९:

किमि. पुं० (कृमि) એક જાતનો કાંઠાઃ
કરમીયો. જાંવ; જન્તુ. કીड़ा; कृमि. A
kind of worm or insect. विवा० १;
नाया० १; सूय० १, ५, १, २०; राय० २५५:
उत्त० ३६, १२७; (२) લાખ. लाख. lac
used in dyeing etc. पञ्च० १७;
(३) એક જાતનું કેદ. एक प्रकार का कंद.
a kind of bulbous root. जीवा० १:
—कवल. न० (-कवल) કરમીયાનો કવલ-
કેળીઓ. कृमि का कौर-कवल. a mouth-
ful of a worm or of worms विवा०
८; —जालाउल. त्रि० (-जालाकुल)

કરમીયાના સમૂહથી વ્યાકુલ. कृमि-कांडों के
समूह से व्याकुल. full of swarms of
worms. नाया० १२;

किमिच्छिय. न० (किमिच्छक) “आ थी० छे ?
आ छे ?” એમ ૫૨૭૫ પ્રમાણે માંગી લેવું તે;
સાધુના ૫૨ અનાચીણું માંનું એક. “यह चीज
है ? यह है ?” इस प्रकार मांग लेना; साधू के
५२ अनाचरण में से एक. Accepting as
alms various things after asking
such questions as “ have you
got this ? have you got that ?”
etc.; one of the 52 Anāchīraṇas
of a Sādhū. दग० ३, ३; नाया० ८;

किमिण. त्रि० (कृमिवत्) कृमि एव युक्त.
कृमि सहित; कांडे वाला. Containing
worms i. e. sentient beings.
पगड० ७, ३; नाया० १२;

किमियकवल. पुं० (कृमिक कवल) કરમીયાનો
કવલ-કેળીઓ. कृमि कवल; कांडों का कौर.
A mouthful of worms, or of a
worm. विवा० ७,

किमिया. त्रि० (कृमिका) ૫૨૮માં ઉત્પન્ન
થતી જન્તુ; પેટમાં ઉત્પન્ન होनेवाले कीड़े-कृमि.
Worms produced in the stomach.
जीवा० १:

किमिराग. न० (कृमिराग) કિરમજી રંગવાળું
સૂત; લોહી પાત્ર ઉછેરેલ કીડાની લાગમાંથી
લોહીના રંગવાળું અનેકું સૂત. किरमजी रंग
का सूत; लोही पिला कर पाल हुए कीड़ों की
लार से लोहा के रंग का बना हुआ सूत. A
Crimson-coloured thread pro-
duced from the saliva of a kind
of insect. अणुजा० २, ७; (२) किरमजी
रंग; એક જાતનો પાકો રંગ. किरमजी रंग;
एक जात का पक्का रंग. crimson colour;
a kind of fast colour. राय० ५३;

क० गं० १, २०; —कंबल. पुं० (—कम्बल)
 डीरमञ्ज रंगेथी रंगेल डामण. किरमजी रंग
 से रंगा हुआ कंबल. a blanket of
 crimson colour. नाया० १७; पञ्ज० १७;
 —रत्न. त्रि० (—रक्त) डिरमयना रंगेथी
 रंगेल. किरमची के रंग से रंगा हुआ.
 crimson-coloured. छ० ४, २;
किमिराय. न० (कृमिराग) ण्युओ 'किमि-
 राग' शब्द. देखा " किमिराग " शब्द.
 Vide " किमिराग " परह० २, ४;
किमिरासि. पुं० (कृमिराशि) ओ नामनी
 ओक वनस्पति एक वनस्पति का नाम.
 Name of a kind of vegetation.
 पञ्ज० १; भग० २३, ५;
किमु. अ० (किमु) शुं; प्रश्नार्थ. क्या? A
 particle showing interroga-
 tion; what. पि० नि० १२०;
क्रियकर्म. न० (कृतकर्मन्) कृतकर्म वंदना.
 कृतकर्म वंदन. The Vandana (salu-
 tation and prayer to a Guru)
 styled Kṛitakarma. प्रव० ३२५;
क्रियापर. त्रि० (क्रियापर) डार्य डरवाभां
 तत्पर. काम करने में तय्यार. Devoted
 to business; (one) busily doing
 his work. "मथाणुसारि सङ्गो पणणवणिजो
 क्रियापरो चेव" पंचा० ३, ६;
किर. अ० (किल) निश्चय; अरेपर. निश्चय;
 वास्तवमें. Indeed; assuredly. पि०
 नि० ६४२; विशेष० २६३; भग० ६, ७; संस्था०
 २; जं प० सु० च० २, ११; भक्त० १०८; क०
 ग० ४, ७८;
किरण. पुं० (किरण) डिरणु; तेज; प्रभा.
 किरण; तेज; ज्योति. A ray of light;
 light. भग० ११, ११; ओव० १०; जीव० ३, ३;
किराय. पुं० (किरात) डिरात नामनो ओक
 अनार्य देश. किरात नाम का एक अनार्य देश.

Name of an uncivilised country.

प्रव० १४६६;

किरिकिरिया त्री० (किरिकिरिका) वांशनी
 अपाटथी वगाडवानुं बांडोडेनुं ओक वाण्डेव.
 बांस की चिपल्ली से बजाने का बांड लोगो का
 एक प्रकारका बाजा. A musical instru-
 ment used by bards etc. played
 upon by passing a slip of bam-
 boo across its strings. आया० २,
 ११, १६८;

किरिमेर. पुं० (*किरिमेर) ओक जलनुं सुगंधी
 द्रव्य. एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु. A kind
 of fragrant substance. जीवा० ३, ४;

क्रियतर. पुं० (क्रियातर) भोट्टी क्रिया. बडी
 क्रिया. A great action. भग० ५, ६;
 १३, ४;

किरियाविसाल. न० (क्रियाविशाल यत्र क्रियाः
 कायिक्यादिका विशालाः सभेदत्वेनाभिधायन्ते तत्) ओ नामनो याद पूर्वमानो तेरभो
 पूर्ण. इस नाम का चौदह पूर्व में मे तेरहवां पूर्व.
 The 13th of the 14 Pūrvas, so
 named. सम० १४;

किरिया. त्री० (क्रिया) डर्गो बंधन डेतु;
 डायिडी आदि पांच क्रियाः डर्म बंधननी चेष्टा.
 कर्म बंधन की कारण रूप कायिकादि पांच
 क्रियाः कर्म बंधन की चेष्टा. Any of the
 five kinds of actions which lead
 to bondage e. g. bodily action
 etc. जं० प० ७, १३८; ओव० २०; उत्त०
 १८, २३; भग० १, २; ६; १०; २, ५; ३,
 ३; ५, ६; १७, १; नाया० १; सूय० २, १,
 १७; २, ५, १२; आया० १, ६, १, १६; ठा० सम०
 १; ५; पिरो० ३; ४६; ६४; निसी० ५, ६५;
 राय० २२४; पञ्ज० १, १७; २२; परह० २,
 २; सु० च० ६, ३; (२) प्रतापना सूयना
 दीसभा पदनुं नाम डे जेभां डायिडी आदि

पांच क्रियानुं वर्णन आपेक्षे छे. प्रज्ञापना के बीसवें पद का नाम जिसमें कि कायाकी आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पञ्च० १; (३) आत्मा तथा परलोक छे ऐम मानयुं ते. आत्मा और परलोक का मानना. belief in the existence of soul and unseen world. प्रब० ५५७; भग० २५ ७; —ट्ठाण. न० (-स्थान) क्रियानुं स्थानक; क्रियाना तेर स्थानकमानुं गमे ते ओक. क्रिया का स्थानक; क्रिया के १३ स्थानकों में से कोई भी एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma. प्रब० ८३७; —द्वार. न० (-द्वार) क्रियानुं द्वार-प्रकरण. क्रिया का द्वार-प्रकरण. the chapter on Kriyā. प्रब० ३१६; —रुह् ली० (-रुचि) क्रिया-अनुष्ठानमां इयि-धम्म; समझितो ओक प्रकार. अनुष्ठान में रुचि-प्रेम; सम्प्रकृत्व का एक भेद. liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance; one of the varieties of right belief. उत्त० २८, १६; प्रब० ६७२; —वाइ. पुं० (-वादिन्-क्रियां जीवाज्वा-दिरथोऽस्तीत्येवरूपां क्रियां वदन्ति इति क्रिया वादिनः) क्रियानेञ् मोक्षसाधक माननार; क्रिया को मोक्ष दायक मानने वाला; क्रिया का अस्तित्व स्वीकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action. ठा० ४, ४; सूय० १, १, २, २४; —वादि पुं० (वादिन्) ओओ “किरियावाइ” शब्द. देखो “किरियावाइ” शब्द. vide “किरियावाइ” आया० १, १, १, ५; भग० ३०, १;

—विवाज्जय. पुं० (-विवाजित) क्रियाथी रहित. क्रिया से रहित. devoid of action. भग० ३०, १; —समय. पुं० (-समय) क्रिया करवाने समय. क्रिया करने का समय. the time for doing an action. भग० १, १०; किरियाठाण. न० (क्रियास्थान-करखं क्रिया तस्याः स्थानानि भेदाः तत् क्रियास्थानम्) सूयगङ्गसूत्रना भीम श्रुतस्कंधना भीम अध्ययननुं नाम के जेमां क्रियाना तेर स्थान-केानुं विस्तारथी वर्णन छे. सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है. Name of the 2nd chapter of the 2nd Śrūta Skandha of Sūyagadāṅga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम० २३; सूय० २, २, ८५; ८६; किरियापद. न० (क्रियापद) पन्नवपु सूत्रनुं क्रियापदनुं नाम. पञ्चवना सूत्र के क्रियापद का नाम. Name of the Kriyāpada of Pannavapā Sūtra. भग० ८, ३; किरियाविसालपुव्व. पुं० (क्रियाविशालपूर्व) क्रियाविशाल नामे तेरमे पूर्व. क्रियाविशाल नामक तेरहवां पूर्व. The 13th Pūrva named Kriyāviśāla. नंश० ५६; प्रब० ७२४; किरिड. न० (किरीट) मुगट. मुकुट. A crown; a diadem. सुच० १, १; किल अ० (किल) निश्चय. निश्चय. Indeed; assuredly. नाया० १६; किलंजय. पुं० (किलंजक) पांसली सुउली के जेमां गायने आलु आपवामां आवेछे ते. बांस की दोपली जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है. A basket of bamboo used for giving food to cows.

राय० २७१; गवा० २, ३४;

किलंत. त्रि० (कलान्त) दुःखी पीडित.

दुःखसे पीडित. Troubled; pained.

भग० १६, ४; १६, ३; सु० च० १०, ६५;

जीवा० ३, १; परह० १, ३; वेय० ३,

१६; नाया० १; कप्प० ६, ६१;

✓ किलाम. धा० II. (कलम्) दुःखदेतुं;

दुःखप्पुं. दुःख देना. To afflict; to

give pain; to trouble.

किलामेह. भग० २, ६;

किलामेसि. पज० ३६;

किलामेसि. दस० ५, २, ६;

किलामेह. भग० ८, ७;

किलामिज्जमास. क० वा० व० क० सूय०

२, १, ४८;

किलाम. पुं० (कलम) पीडा. पीडा; दुःख.

Affliction; pain; trouble. भग० १,

१; विर० २४-४; कप्प० ४; ७६; (२)

थाड. थकावट. exhaustion; getting

tired. राय० २३६;

किलामणा. स्त्री० (कलमना) पीडा; दुःख.

पीडा; दुःख. Misery; pain; afflic-

tion. भग० ३, ३;

किलामिअ. त्रि० (कलान्त) अजानि पाभेयुं;

सुडाप गयेयुं. मुरभायाहुआः सूखाहुआ.

Tired; faded; dried. अणुजो० १३०;

भग० ८, ७;

किलिच. न० (*) बांसनी अयाट.

बांसकी चिपालो. A slip of bamboo.

निखी० १, २; दस० ४;

किलिह त्रि० (किलिह) संक्षिप्त परिणाम;

राग द्वेपना परिणामवायो. संक्षिप्त परि-

णाम वाला; रागयुक्त परिणामी. Troub-

led, agonised on account of

attachment, hatred etc. उत्त० ३२,

२७; क० प० ४, १६; (२) अवेशयुक्त;

दुःखी. क्लेशयुक्त; दुःखी. unhappy;

miserable. सु० च० ३, १५६; (३)

अशुभ; दुष्ट. अशुभ; दुष्ट. evil; wick-

ed. भत्त० ७८; पंचा० ३ ४१; —कम्म.

न० (-कर्मन्) क्षिप्त कर्म. क्लिष्ट कर्म.

an action causing pain, sorrow

etc. arising from anger, hatred

etc. भत्त० ७८; —भाव. पुं० (-भाव)

क्षिप्तभाव - परिणाम. क्लिष्ट परिणाम.

state of being full of pain,

sorrow caused by attachment,

hatred etc. नाया० १६; —सत्त. पुं०

न० (-सत्त्व) अवेशी अ०. क्लेशा जीव.

a sentient being full of trouble

or pain. पंचा० ३, ४१;

किलिहया. स्त्री० (किलिहता) दुष्टपुं. दुष्ट-

पना. State of being evil or

wicked. पंचा० १६, २५;

किलिरण. त्रि० (किलिज) आर्द्र; भीजुं.

भीजा हुआ; गीला. Wet; damp. नाया०

१; उत्त० २, ३;

किलिज. त्रि० (किलिज) जुओ "किलिरण"

शब्द. देखो "किलिरण" शब्द. Vide

"किलिरण" उत्त० २, ३६;

✓ किलिस्स. धा० I. (किलिश्) अवेशपाभयुं;

दुःखी थपुं. क्लेश पाना; दुःखी होना. To

be miserable; to undergo

trouble or pain.

किलिस्सह. उत्त० २७, ३;

किलिस्सित. सूय० १, ३; २, १२;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ० पि० नि० १८८;

किलिस्स. पुं० (क्लेश) दुःख; क्लेश. दुःख;
क्लेश. Misery; pain; trouble.
नंदी० १३;

किली. स्त्री० (किली) शत्राक्ष; सखी; भीती.
सलाई; खील. A small rod; a small
nail; a thin blade of grass etc.
भक्त० १०२;

✓ किलेस. धा० I. (किलश्) क्लेश उत्पन्नयवे;
परिताप-दुःख उत्पन्न करने. क्लेश-दुःख
उत्पन्न करना. To cause trouble; to
give pain.

किलेसति. प्रे० आया० १, ६, २, १८४;

किलेस पुं० (क्लेश) क्लेश; दुःख. क्लेश;
दुःख. Trouble; pain. सू० प० २०;
पि० नि० १८८; नाया० १६; पंचा० ४, २१;
—कर. त्रि० (-कर) क्लेश करनेवाला.
causing trouble; troublesome. भक्त० १२३;

किचण. त्रि० (कृपण) दरिद्र; रंड; लिपारी.
कृपण; कंजूस; दरिद्री; निर्धन. Poor;
indigent; miserly; beggarly.
ठा० ५, ३; अणुत्त० ३, १; भग० १, ६;
दस० २, २, १०; जं० प० पि० नि० ४४६;
नाया० १४; आया० २, १, १, ७; कण्ठ०
२, १६; —कुल. न० (-कुल) रंड कुल;
गरीबनु कुल. दारिद्र कुल; गरीब का कुल.
poor family; indigent family. ठा०
८; दसा० १०, १०; —पिंड. पुं० (-पिण्ड) रंडने
आपवाने प्यारा. रंड के लिये रखा हुआ
भोजन. Food to be given to the
indigent. निरसा० ८, १६;

किचण्ण. त्रि० (कृपणक) कृपण; कंजूस.
कंजूस. Miserly; stingy. सूय० २,
२, २४;

किवाण. पुं० (कृवाण-कृवाणुवतीति) अशुभ;

तलवार. तलवार. A sword. ओव०

किचिण. त्रि० (कृपण) कंजूस; गरीब; रंड.
निर्धन; दरिद्र. Poor; stingy; miserly.
पणह० १, १; नाया० १३; सु० च० १, १२४;
✓ किस. ना० धा० I. (कृश्) पातलुं-दुग्धुं
करुं. पतला-दुबला करना. To render
weak, slender or emaciated.

किसण. सूय० १, २, १, १४;

किस. त्रि० (कृश्) पातलुं; दुग्धुं; निर्धन.
पतला; दुबला; कमजोर. Weak; feeble;
slender. उवा० १, ७२; ठा० ४, २; सूय०
१, १, १, २; १, २, १, ६; उत्त० २, ३;
आया० १, ६, ३, १८६, पि० नि० २६२;
भग० २, १; नाया० १; ५; —उयर. त्रि०
(-उदर) दुग्धुणा-पातुणा पेटवाणे. दुबले
पेटवाला. (one) with a slender
belly. सु० च० २, ८६;

किसलय. पुं० (किसलय) पत्राक्षुर; शिरीष;
दुग्ध. कोपल. A tendril; a sprout-
ing leaf. जं० प० ओव० राय० ११४;
जीवा० ३, ४; “ सखो वि किसलयो खलु,
उगममाणो अशंतओ भणिओ ” पञ्च० १;
—पत्त. न० (-पत्र) किसलयरूप पत्र-
नीक्षितुं कामण पाहणुं-शिरीष. किसलयरूप
पत्र निकलता हुआ कोमल पत्र-टहनी. A
sprouting, tender leaf. प्रव० २४०;

किसि. स्त्री० (कृषि) भेतीवाडी; भेतीकर्म.
खेती. Agriculture. ठा० ४, ४; पि०
नि० ४३८; जं० प० सु० च० १२, ५६;
विशे० १६१५; पंचा० ८, ४६; —कम्म.
न० (-कर्म) भेतीनुं काम. काश्तकारी.
agriculture. पंचा० ४; ४;

किसोर. त्रि० (किशोर) किशोर अवस्थावाणे.
किशोर अवस्था; बाल्यावस्था. Young;
adolescent. ओव० नि० ६६;

किह. अ० (क) कहां ? कयेंडेकाणे. Where ?

at what place ? भग० २, १; ३, २;
किहं अ० (कथम्) केम ? केयी रीते ? क्यों ?
क्या ? How; why. विशेष० १३५; १४५;
पि० नि० भा० ३६; नाया० ७; भग० २, १;
“से काहेवा किहंवा केवाखिरेख वा किहं वत्ति”
भग० ३, २;

कीअ. त्रि० (क्रीत) वेयातुं क्षीयेतु. मोल
लिया हुआ. खरीदा हुआ. Bought;
purchased. पंचा० १३, ५;

कीड. पुं० (कीट) कृत्तुः कीडा. जंतु; कीडा.
An insect; a worm. उत्त० ३, ४;
३६, १४६; दग० ४; ओष० नि० ७३५;
सूय० २, ६, ४८; पणह० १, ३;

कीडय. न० (कीटज) कीडानी लापथी उत्पन्न
थतुं सूत्र. कीडा की लारसे उत्पन्न सूत. A
thread produced from the
saliva of an insect. “ कीडयं पंच-
विहंपरणत्तं तं जहा पट्टमल्लं संसुणु चीणंसुणु
किमिराणे ” अणुजो० ३७;

कीडा. स्त्री० (क्रीडा) रमन गम्भन. खेल;
विनोद. Sport; play. भग० ११, ६;
उत्त० १, ६; नाया० १; उवा० १, ४८;
(२) माणुसनी दश दशाओ पैडी थीथ
दशा. मनुष्य की दस दशाओं में से दूसरी
दशा. the 2nd of the ten condi-
tions of men. तंदु० — कारी. स्त्री०
(— कारिणी) कीडा करावनारी दासी. कीडा
कराने वाली दासी. a maid-servant
who causes to play or sport.
भग० ११, ११;

कीणास. पुं० (कीनाश = कुत्सितं नाश-
यतीति) यमराज. यमराज. The god
Yama; the god of death. सु० च०
५, १७१;

कीच. न० (क्लीब) कायर; नपुंसक; नामर्द.
कायर; नपुंसक; नामर्द. A cowardly

fellow; an impotent person.

उत्त० १६; ४१; सूय० १, ३, १, १७;
जीवा० ३, ३; ठा० ३, ४; क० गं० ४, ४२; सु०
च० ६, ११८; वेय० ४, ४; नाया० १; भग० ६,
३३; प्रव० ७६७; (२) ओक जातनुं पक्षी.
एक जातका पक्षी. a kind of bird.
पणह० १, १; (३) क्लीबकुमार. क्लीब-
कुमार. Klivakumāra. नाया० १६;

कीय. त्रि० (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन
गृह्यते स्मेति क्रीतम्) खरीदितुं, वेयातुं क्षीयेतुं
खरीदा हुआ. Bought; purchased.
आया० १, ८, २, २०२; २, ५, १,
१४४; दस० ६, ४६; सम० २१; दसा० २,
७; निसा० १४, १; १८ २; १६, १;
(२) साधुने भाटे आहारादि वेयातुं लभने
आपवाधी लागतो ओक दोष; १६ उद्ग-
मभनमानो आहो दोष. साधुको आहारादि
खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह; १६
उद्गमनों में का ८ वां दोष. the 8th of
the 16 Udgamana faults
viz. giving food etc. to a
Sādhū after purchasing it.
प्रव० ५७२; पि० नि० ६२; ३०६; भग०
६, ३३; — कड. त्रि० (— कृत — क्रीतेन
कथेण कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम्) साधुने
पारते आगाडिथी वेयातुं लभ राभेय. साधु
के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. pur-
chased beforehand for a Sādhū.
पणह० २, ५; — गड. त्रि० (— कृत)
लुगो “ कीयकड ” शब्द. देखो “ कीयकड ”
शब्द. vide “ कीयकड ” भग० ५, ६;
नाया० १; ओव० ४०; उत्त० २०, ४७;
दस० ३, २; ५, १, ५५;

कीय. पुं० (कीचक) कीचक; भांस. कीचक;
बांस. A bamboo. दस० ६, १, १;

कीयग. पुं० (कीचक) कीचक नामनो राज.

कीचक नामक राजा. Name of a king.

नाया० १६;

कीया. स्त्री० (* कीका-कानिनिका) आंभनी
झीझी. आंखकी पुतली. The pupil of
the eye. ओव०

✓ कील. धा० I, II. (क्रीड्) भेदयुं; झीझ
करती. खेलना. To sport; to play.
कीलेइ. सु० च० २, ३८५.

कीलंत. व० कृ० जं० प० ३, ६७; भग०
१३, ६; पंचा० ७, ३६;

कीलमाण. नाया० १४; १६; विवा० ६;

कील. पुं० (कील) भीष्टि; भीष्टो. खाल;
कील. A nail; a peg. सूय० १, ५, १,
६; दस० ५, १ ६७; उवा० ७, २७७; पंचा०
७, १०;

कीलग. पुं० (कीलक) भीष्टो खीला. A
nail. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११६;
राय० ४६;

कीलण. न० (क्रीडन) झीझ; रम्भन. क्रीडा;
खेल. Play, sport. ओव० २४; पञ० २;

कीला. स्त्री० (क्रीडा) रम्भन खेल; क्रीडा
Play; sport. तंदु० निर० १, १; सु०
च० १, २४४; —पसंग. पुं० (-प्रसंग)
झीझ करवाने प्रसंग. क्रीडा करने का प्रसंग.
an occasion of sport or play.
प्रव० ४२८;

कीलाचण. न० (क्रीडन) रमायुं. खिलाना.
Causing to sport or play. नाया०
२; १८; पि० नि० ४१०; —धाई स्त्री०
(-धात्री) झीझ करवानारी स्त्री-धावमाता.
क्रीडा कराने वाली स्त्री. a wet-nurse
who causes a child to sport or
play. नाया० १; १६;

कीलाचणग. त्रि० (क्रीडाकारक) झीझ कराने
वाला. (One) who
causes to sport. नाया० ३;

कीलिय. न० (क्रीडित) झीझ करेय. क्रीडा
करा हुआ; खेला हुआ Sported; (one
who has) sported. उत्त० १६, १;
सु० च० २, ४१४; नाया० ६; ठा० ६;

कीलिय. त्रि० (कीलित) मंत्रादिधृती भीष्टी
मुक्तेय. मंत्रादिक से कीला हुआ. Charm-
ed; subjugated with incanta-
tions etc; hypnotised. सु० च०
२, ४१४;

कीलिया. स्त्री० (कीलिका) जेभां दाडकाना
सांधा भीष्टीधृती जंउत होय ते संधयण; ७
संधयणुभांनुं पांयमुं संधयण. जिसमें हड्डियों
के जोड़ काल से जोड़े हों वय संधयण; ६
संधयण में से पांचवां संधयण. A variety
of physical structure in which
the bones are fastened together
by (two) little nails; the fifth
of the six Saṅghayanas. पञ०
२३; क० गं० १, ३६. —संघयण. न०
(-संहनन = मंत्रास्थीनि कीलिकामात्र
बद्धान्येव भवन्ति तस्कीलिकासंहननम्)
७ संधयणुभांनुं पांयमुं झीझ संधयण. ६
संधयण में से पांचवां कीलिका संहनन. the
fifth of the six varieties of
physical constitutions where
the bones are joined together
merely by two little nails. जीवा०
१; ठा० ७, १;

कीलियासंघयणि. त्रि० (कीलिकासंहननिन्)
झीझ संधयणुवाणे. कीलिका संहनन वाला.
(One) possessed of a nailed
bony frame. भग० २४, १;

कीस. पुं० (कीदश) डेवुं. कैसा. Of
what sort or nature. भग० १, १;

कीसत्ता. स्त्री० (कीदशता) डेवो प्रदर ? शु
स्वरूप. किस प्रकारका, कैसा. (Of)

१३७; उत्त० ६, ५; पञ्च० २; १५; ओव० १२; २२; निसी० ७, ८; कण्ठ० २, १४; दश० १०१; (२) कुंडलनामे दशमा द्वीप अने दशमा समुद्र. दसवें द्वीप और समुद्र का नाम. name of the 10th island and also of the 10th ocean. सूय० १६; जीवा० ३, ४; अणुजो० १०३; — जुगल न० (—युगल) कानमां पहरेवानां ये कुंडल. कानों में पहरेने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कण्ठ० ३, ३६; — जुगल न० (—युगल) कुंडलनी जोड़. कुंडल की जोड़. a pair of ear-rings. नाया० ८; — धर. त्रि० (—धर) कुंडलने धारण करने वाला. (one) who has put on ear-rings. नाया० ८;

कुंडलभद्र. पुं० (कुण्डलभद्र) कुंडलद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island जीवा० ३, ४;

कुंडलमहाभद्र. पुं० (कुण्डलमहाभद्र) कुंडलद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island. जीवा० ३, ४;

कुंडलवर. पुं० (कुण्डलवर) कुंडलवर नामने द्वीप तथा समुद्र. कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र. Name of an ocean; also that of an island. जीवा० ३, ४; (२) कुंडलद्वीपने चारो तरफ़ इरतो कुंडलवर नामने पर्वत. कुंडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala island on all sides. ठा० ३, ४; (१) कुंडलवर समुद्रना अधिपति देवता. कुंडलवर

समुद्रके अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरभद्र. पुं० (कुण्डलवरभद्र) कुण्डलवरद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरमहाभद्र. पुं० (कुंडलवरमहाभद्र) कुंडलवर द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभास. पुं० (कुण्डलवरावभास) कुंडलवरोभास नामने अथ द्वीप तथा समुद्रनुं नाम. कुंडलवरोभास नामक द्वीप अथवा समुद्र का नाम. Name of an ocean; also that of an island. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासभद्र. पुं० (कुंडलवरावभासभद्र) कुंडलवरावभास द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहाभद्र. पुं० (कुण्डलवरावभासमहाभद्र) कुंडलवरावभासद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहावर. पुं० (कुण्डलवरावभासमहावर) कुंडलवरावभास समुद्रना देवतानुं नाम. कुंडलवरावभास समुद्र के

देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kuṇḍalavarā-vabhāsa ocean जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासवर. पुं० (कुंडलवरावभास-वर) कुंडलवरावभास न मे समुद्रता देवतानुं नाम. कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम.

Name of a deity residing in the ocean named Kuṇḍalavarāvabhāsa, जीवा० ३, ४;

कुंडला. स्त्री० (कुण्डला) सुवच्छ विजयती भुज्य राजधानी सुवच्छ विजय की मुख्य राजधानी. The chief capital of Suvachchhavijaya. 'दो कुंडलाओ' टा० २, २; ३; जं० प०

कुंडलोद्. पुं० (कुण्डलोद्) कुंडलोद् नामनेा ओड समुद्र. एक समुद्र का नाम. Name of an ocean. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडिआ-या. स्त्री० (कुण्डिका) भाजन-विशेष; कुंडी; पात्रविशेष. A sort of vessel. राय० अणुजो० १३२; भग० १५, १; नाया० १५; पण्ड० २, ५; अणुल० ३, १; (२) कभंडल कमंडल. A kind of pitcher made from gourds etc. to hold water in. भग० २, १; ओव० ३८;

कुंडिय. पुं० (कुण्डिक) कभंडल. A sort of pitcher made from gourds etc. to hold water in. नाया० ५;

कुंडियायसीय. पुं० (कुण्डिकायनीय) कुंडिकायन गोत्रवाला. कुंडिकायन गोत्र वाला. One belonging to the family-line named Kuṇḍikāyana. भग० १५, १;

कुंन. पुं० (कुन्त) आलो. भाला. A spear. जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; ओव० ३१; जं० प० ३, ६७; —गा. न० (अग्र) आशानी

अष्टी. भाले की नोक. the point of a spear. नाया० १५; —गाह. त्रि० (—ग्रह) आलो राभनार. भाला रखने वाला. A spearman भग० ६, ३३; निसी० ८, ६, २६; **कुंतोदेवी.** स्त्री० (कुन्तीदेवी) पाण्डु राजनी राज्ञी. पांडु राजा की रानी. Name of the queen of the king Pāṇḍu. नाया० १६;

कुंथु. पुं० (कुन्थु) कुंथुनाथ नामनेा आशु व्यापीसीना १७ भा तीर्थकर अने ६६ चक्रवर्ती. कुंथुनाथ नाम के वर्तमान चौबीसी के १७ वें तीर्थकर और ६ ठे चक्रवर्ती. Name of the 17th Tirthāṅkara and the 6th Chakravartī of the present Chovīsi. भग० २०, ८; अणुजो० ११६; सम० २४; आव० टी० सम० प्र० १३४; प्रव० २६४; कण० ६, १८६; उत्त० १८, ३६; (२) त्रयु ध्रियवायो ओड श्रव; इंधवे. तीन इन्द्रियों वाला एक जीव. a kind of sentient being having three sense-organs. "पाण सुहुमे" टा० ८; दम० ४; भग० ७, ८; उत्त० ३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; ओघ० नि० ३२३; पत्र० १; कण० ५, १३१; —**जिणिंद.** पुं० (—जिनेन्द्र) कुंथु नामनेा १७ भा तीर्थकर. कुन्थु नामक १७ वें तीर्थकर. the 17th Tirthāṅkara named Kunthu. प्रव० ४१६;

कुंद. पुं० (कुन्द) मयकुन्दनुं कुंद; मोगरानुं कुंद. मलकुन्दका फूल; मोगेरे का फूल. A kind of flower. नाया० १; ६; १६; भग० ६, ३३; २२, ५; ओव० १०; पत्र० १; उत्त० ३४, ६; राय० ५४; जीवा० ३, ३; कण० ३, ३७; ४०; जं० प० २, १२२; (२) कुन्द नामनेा यनरपति; वेत्त. कुंद नामक वनस्पति; बेल. a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पञ्च० १; —माला. स्त्री० (-माला) भोगरता पुष्पनी माला. a garland of Kunda flowers. कण्ठ० ३, ३६; —लया. स्त्री० (-लता) मयकुन्दता दूधनी पेड़. मचकुंद के फूलकी बेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda. ओव०

कुंदरुक्. पुं० (कुन्दरुक्) ऐक गतनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. जं० प० ५, १२२; भग० २३, ३; (२) ग्री०—ऐक गतनुं सुगंधी धूपद्रव्य; सीदारस. एक प्रकार की धूप; सिलारस. a kind of fragrant substance used as incense. सम० प० २१०; राय० २७; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; ओव० नाया० १; भग० ११, ११; कण्ठ० ३, ३२;

कुम्भ. पुं० (कुम्भ) घड़ा; कदश. घड़ा; कदश. A pot. “ चत्वारि कुम्भापणत्ता । तं जहा-पुत्र नाममेगे नो पुत्रे ” नाया० १७; राय० ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; अणुजो० १६; १३२, सूय० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; कण्ठ० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) १८ मा तीर्थंकरना पिता. १८ वें तीर्थंकर के पिता. the father of the 19th Tirthaṅkara. सूय० प० २३०; प्रब० ३२५; (३) १८ मां अरनाथ तीर्थंकरना प्रथम गणधरनुं नाम. १८ वें तीर्थंकर अरहनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of Aranaṭha, the 18th Tirthaṅkara. सम० प० २३३; प्रब० ३०६; (४) कुंभीमां नारकीने . पडावतार परमाधमी. कुंभी में नारकीको पकाने वाला परमाधमी. a Parumādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १५; भग० ३, ७; (५)

कुंभस्वप्न; यौहस्वप्न तीर्थंकर, चक्रवर्तीनी माता लुवे छे तेमांनुं ऐक. कुंभस्वप्न; तीर्थंकर, चक्रवर्ती की माता जो स्वप्न देखती है वह; चौदह स्वप्नों में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tirthaṅkara Chakravartī sees. नाया० ८; (६) साठ आढक, अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण, मान विशेष. कुंभ मे प्रकारना छे जघन्य अने उत्कृष्ट, जघन्यनुं मान उपर गतायुं, ते. उत्कृष्ट कुंभ से आढक प्रमाण गलाय छे. साठ आढक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण बाट-तोलने के वजन को कुंभ कहते हैं यह जघन्य और उत्कृष्ट रूप से दो प्रकार का होता है जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है और उत्कृष्ट का प्रमाण सो आढक है. तंदु० a measure of weight equal to 60 Ādhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Ādhakas.

—जुअल. (-जुगल) मे घडा. दो घडा. two pots. जं० प० ७, १६६; —सहस्र. न० (सहस्र) हजार घडा. हजार घडा. one thousand pots. जं० प० ३, ५६;

कुम्भकार. पुं० (कुम्भकार) दुब्भार. कुम्भार. A potter. उवा० ७, २२०; भग० १५, १; —आवण. पुं० (-आपण) दुब्भारनी दुधान. कुम्हार की दुकान. a potter's shop. भग० १५, १;

कुम्भकारकण्ड. न० (कुम्भकारकण्ड) ऐक प्राचीन नगरनुं नाम ज्यां पालके अंधकना पांचसौ शिष्योने धावुंभीमां पीड्या दता. एक प्राचीन नगर का नाम जहाँ पालक ने खंधक के पांचसौ शिष्यों को धानी में पेला था. Name of an ancient city in which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khan-
dhaka in an oil-mill. संस्था० ५८;
कुम्भकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) कुंभारनी स्त्री;
कुम्भारी. कुम्हारनी. A potter's wife;
a female potter. भग० १२, १;
कुम्भग. पुं० (कुम्भक) मिथिला नगरीना राजन्
नाम. मिथिला नगरी के राजा का नाम.
Name of a king of the town
of Mithilā. नाया० ८;
कुम्भगसो. अ० (कुम्भकशस्) धडा प्रमाणे.
घडे के समान. After the size of a
pot. भग० १५, १;
कुम्भय. पुं० (कुम्भक) कुंभराज्; मल्लिनाथना
पिता. कुम्भराजा; मल्लिनाथ के पिता.
Kumbharāja; the father of
Mallinātha. नाया० ८;
कुम्भराय. पुं० (कुम्भराज) कुंभराज्. कुम्भराजा.
Kumbharāja; the father of
Mallinātha. नाया० ८;
कुम्भार. पुं० (कुम्भकार) कुंभार. कुम्हार. A
potter. उवा० ७, १८४; पंचा० १, ३४;
कुम्भि. पुं० (कुम्भिन्) उत्कट मोहना उदयथी
जेटुं पुत्र यिन्द तथा वृषण, कुंभ जेटु
भेदाद्यनादय ते; दीक्षाने अयोग्य पुरुषमा-
ना अेक. उत्कट मोह के उदय में जिसका
पुरुष चिन्ह और वृषण, कुंभ के बराबर मोटा
होता हो वह; दीक्षा के अयोग्य पुरुष में से
एक. A person whose genera-
tive organ and testicles swell
to the size of a pot through
excessive lust or infatuation;
one of the classes of persons
unfit for Dikṣā. प्रव० ८००;
कुम्भिय. न० (कुम्भिक) मध्य देश प्रसिद्ध
अेक प्रमाण. मगध देश प्रसिद्ध एक प्रमाण.
The standard measure of

Magadha country. राय० ६३; (२)
त्रि० कुंभ प्रमाणे; धडा जेटु. घडे के
बराबर. of the size of a pot. राय०
६३; ठा० ४, २; (३) अेक जलतनी वन-
स्पती. एक प्रकार की कुम्भिक वनस्पति. A
kind of vegetation. भग० ११, ४;
कुम्भी. स्त्री (कुम्भी) हाथीना कुंभस्थल. हाथी
का कुंभस्थल. The frontal globe on
the fore-head of an elephant
जं० प० प्रव० ११००; (२) कुंडी. कुंडी.
A small water-pot. पगह० १, १;
(३) नारकीनु उत्पत्ति स्थान. नारकी जीव
का उत्पत्ति स्थान. the birth place of
hell-beings. पगह० १, १; — **पाग.** पुं०
(-पाक) कुंभी नामना पात्रमां पकावतुं. कुंभी
नामक पात्र में पकाना. cooking in a
vessel called Kumbhī. सम० ११;
कुम्भीमुह. न० (कुम्भीमुख) सांझ मोटावाणी
झंडी. सकंड़ मुह की हंडा. A small
earthen pot with a narrow
mouth. आया० २, १, २, १०;
कुम्भ. पुं० (कर्म) डाण्डो. कलुआ. A
tortoise. आया० १, ६, १, १७२;
कुर्काम. त्रि० (कुर्कामिन्) कुत्सित काम-
धर्मो करनार लुहार. कुंभार वगैरे. कुत्सित-
खराब धंदा करने वाला; लुहार, कुंभार वगैरह.
(One) engaged in a bad profes-
sion e. g. an ironsmith, a potter
etc. मय० १, ७, १८;
कुर्काम. पुं० न० (कुर्कामन्) भराव काम.
खराब काम. A bad or wicked
action. ओष० नि० भा० ६०; निसी० ४, ५५
कुकुद्द. न० (कौकुद्द) शरीरादिनी यथ-
वृत्ति-कुचेष्टा. शरीरादि की चपलता-कुचेष्टा.
Unsteadiness of the motions
of the body etc. regarded as
a defect. वेय० ६, १६;

कुक्कुड. त्रि० (कौकुचिक = कुस्सितमप्रत्यु-
पेक्षितत्वादिना कुचितमवस्थान्दितं यस्य स
कुक्कुचितः कुक्कुचा अवस्थान्दनं प्रयोजनमस्येति
कौकुचिकः) कुयकुय ऐवे। अवाञ् करनार.
कुचकुच आवाज करनेवाला. (One)
making a sound resembling
the pronunciation of the words
Kucha Kucha. ओव० ३८; उत्त०
१७, १३; भग० ६, ३१;

कुक्कुल. पुं० (*) काष्ठा. कंडा. A cake
made of cow-dung etc. used as
fuel. परह० १, १;

कुक्कुड. न० (कौकुच्य) भुजनेत्रना विकार
वाली क्रिया-येष्टा. मुख और नेत्रोंका विकार-
वाला क्रिया-चेष्टा. An action accom-
panied with gestures of the
face and the eyes. पंचा० १, २४;

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुट) कुक्कुट. मुर्गी. A
cock. निसी० ६, २३; पञ्च० १; नंद० ४६;
परह० १, १; ओव० अणुजो० १२८; आया०
२, १, ६, ३१; उत्त० ३६, १४६; भग०
१, १; ठा० ७, १; उवा० ७, २१९;
—पंजर. न० (-पंजर) कुक्कुडानुं पांजर.
मुर्गीका पिंजरा. a cage in which
cocks are confined. प्रव० १४१५;

—पोय. पुं० (-पोत) कुक्कुडानुं पय्युं. मुर्गी
का बच्चा. a chicken. भग० १८, ८;
दस० ८, ५४; —मांसय. न० (-मांसक)
कुक्कुडानुं मांस. मुर्गी का मांस. the flesh
of a cock. (२) डेवापाक. कोले का
पाक. a preparation made of
sugar, spices and a kind of
pumpkin gourd. भग० १५, १;

—लक्षणा. न० (-लक्षणा) कुक्कुडाना
लक्षणं ज्ञेयानी कणा. मुर्गी के लक्षण देखने
की कला. the art of testing the
merits or demerits of a cock.

नाया० १; जं० प० २; ओव० ४०; सम०
—वसभ. पुं० (-वृषभ) मोटे कुक्कुट.
बड़ा मुर्गी. a big cock. भग० १२, ८;

कुक्कुडग. पुं० (कुक्कुटक) कुक्कुट. मुर्गी. A
cock. भग० ६, ५;

कुक्कुडिया. स्त्री० (कुक्कुटिका) मुर्गी; कुक्कुटी.
मुर्गी. A hen. नाया० ३;

कुक्कुडी. स्त्री० (कुक्कुटी) कुक्कुटी. मुर्गी. A
hen. प्रव० ७४२; पंचा० १६, २१; नाया०
३; विशेष० १८१८; भग० १, ६; ७, १; २४,
७; ओव० १६; निर० १, १; (२) भाषा;
३५२. माया: छल; कपट. deceit; fraud.

पि० नि० २६७; —अंडग. न० (-अण्डक)
कुक्कुडीना ण्डा. मुर्गी का अंडा. a hen's
egg. वव० ८, १५; —अंडमेत्त. त्रि०
(-अण्डमात्र) कुक्कुडीना ण्डा जेटलुं. मुर्गी
के अंड के आकार का. of the size of
a hen's egg. प्रव० ७४२; —पिच्छुअ.
न० (-पिच्छुक) कुक्कुडीना पिच्छां. मुर्गी के
पंख. the feathers of a hen.
निर० १, १;

कुक्कुयय. न० (*) भुज्जुयु; धुधुरे.
खुनखुना. A toy for children giv-
ing out a jingling sound when
shaken. न्यू० १, ४, २, ७;

कुक्कुर. पुं० (कुक्कुर) कुतरे. कुत्ता. A
dog. आया० १, ६, ३, ३;

कुक्कुस. पुं० (कुक्कुस) ऐक जतनुं धान्य;
कुसका. एक प्रकार का कुसका धान्य. A

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

kind of grain. आया० २, १, ६, ३३;
 निसी० ४, ५५; दस० ५, १, ३४;
कुक्कुह. पु० (कुक्कुह) चार इन्द्रिय वाणी
 ७५. चार इन्द्रियों वाला जीव. A four-
 sensed living being. पञ० १;
कुक्कुह. स्त्री० (कुक्कुति) अशुभ विहायस
 गति-यादवानी गति. अशुभ विहायस गति-
 चलने की गति. Bad gait. क० गं०
 २, ५; ३, ४; ५, ३२;
कुक्कुह. पु० (कुक्कुह) जोड़ो आग्रह; इदग्रह.
 दुराग्रह. Obstinacy in a wrong,
 false cause. पंचा० ३, ५० १० ४; मत०
 ५३; —संका. स्त्री० (—शङ्का) इदग्रह तथा
 शंका दुराग्रह तथा शंका. obstinacy
 and doubt. प्रव० ६६६; —हविरह.
 पु० (हविरह) मिथ्या अभिनिवेशनो नाश.
 मिथ्या अभिनिवेश का नाश. destruc-
 tion, banishment of false
 attachment. पंचा० २, ४४;
कुक्कुहीय. त्रि० (कुक्कुहीत) नदारी रीति ग्रहण
 करेहुं. बुरी तरह से ग्रहण किया हुआ.
 Taken by, got by foul means.
 उत्त० २०, ४४;
कुक्कु. त्रि० (कुक्कु-कुत्सितं चरन्तीति कुक्कुः)
 नदारी आचरण करनेवाले; परस्त्री गमन कर-
 नारे योगेरे. खराब चालचलनवाला. (One)
 of bad character, e. g. a thief,
 an adulterer etc. आया० १, ६, २, ८;
कुक्कु. त्रि० (कुक्कु) पराप्त पस्त्रधारी;
 कुत्सित कपडा पहरेनार. खराब कपडे पहरने
 वाला. (One) who puts on bad
 clothes or garments. “ दुहजीविणो
 कुक्कुला, कुक्कुल्य चोरा चंदाल मुद्रिया ”
 अणुजो० १२८;
कुक्कु. पु० (कुक्कु) दांतीयो; दाण ओगवानुं
 साधन. कंगवा; कंगा. A comb. उत्त०

२२, ३०; (२) ओक मतनुं घास. एक
 तरह की घास. a kind of grass.
 परह० २, ३; (३) दाढी. दाढी. beard.
 ओष० नि० भा० ८३;
कुक्कुचर. पु० (कुक्कुचर) दाढीवाणी.
 दाढी वाला. Bearded. ओष० नि० भा० ८३;
कुक्कुचर. न० (कुक्कुचर) शर नामना रोपानुं
 पाथरलुं जेना दुयडा अने छे ते. शर नामक
 पौधे का बना हुआ बिछौना. A mat
 made of a plant named Sara.
 आया० २, ३, ३, १००;
✓ कुक्कु. धा० I. (कुक्कु) डोहावतुं; पडा-
 वतुं. सडाना; भिजाना. To soak in
 water.
 कुक्कुजा. विधि० अणुजो० १३४; भग० ६, ७;
 कुक्कुहिह. पि० नि० २३८;
✓ कुक्कु. धा० I. (कुक्कु) निंदा करनी.
 निंदा करना. To censure; to cast
 blame on.
 कुक्कुमि. विशेष० ३२७६;
कुक्कुग. पु० (कुक्कुग) ओक मतनुं घास;
 पनरपति. एक प्रकार की घास. A kind
 of grass or vegetation. सूय०
 २, २, ७;
कुक्कुगिज. त्रि० (कुक्कुग) निंदा करवाने
 योग्य; निंदापात्र. निंदा करने के योग्य;
 निंदा पात्र. Worthy of censure or
 reproach. परह० १, ३;
कुक्कु. स्त्री० (कुक्कु) निंदा. निंदा. Cen-
 sure; blame; reproachful words.
 पि० नि० १४५; क० गं० १, २१; ५, २; ६८;
कुक्कु. स्त्री० (कुक्कु) कुक्कु. कौंस; कुक्कु.
 The interior of anything. विवा०
 १; ७; नाया० १; ८; भग० ६, ७; ७, ६;
 १५, १; सु० च० २, ६६३; अंत० ३, ८;
 पि० नि० ६४२; जं० प० जीवा० ३, ३;

प्रव० १३६१; उवा० २, १०१; (२) पेट;
गर्भस्थान. पेट; गर्भस्थान. the belly;
the womb. जं० प० २, १६; २, २०;
कप० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६;
ओव० १०; पि० नि० ३५२; (३) ये हाथ
प्रमाण भाप; गज. दो हाथ प्रमाण नाप;
गज. a measure of length equal
to two cubits; a yard. जीवा०
३, ४; नंदी० १४; अणुजो० १३४; —किमि.
पुं० (-कृमि) दुंभमां उत्पन्न यतो कृमि-
क्षी. कोख में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि.
a worm generated in the belly.
पत्र० १; —किमिय. न० (-कृमिक)
दुंभनो कर्मीयो. कुर्मी के कृमि. a worm
in the belly. निसी० ३, ४२; —सूल.
न० (-शूल) दुंभमां शयाक्ष आवे शूल
थाय ते. कोख में शूल का होना. shooting
pain in the belly; colic. तंदु० नाया०
१३; भग० ३, ७;

कुच्छिधार. पुं० (कुच्छिधार) नावानो निर्या-
मक्ष; मुक्षन्ती नाव का निर्यामक; मुक्षानि.
One who is at the helm of a
ship; a helmsman. जं० प० ५, ११२;
नाया० ८; १७;

कुच्छिय. त्रि० (कुत्सित) अराध. मराव;
बुरा Bad; evil; deserving censure.
विशे० २६६६; पंचा० ७, १२; —सल.
त्रि० (-शील) अराध आचारवाणो. बुरे
चाल चलन वाला. (one) of bad con-
duct or character. विशे० ५२०;

कुच्छियत्त. न० (कुत्सितत्व) अराधो;
निधता. बुरापन. State of being
worthy of censure; badness.
विशे० ५२१;

कुच्छुमरिय. पुं० (कौस्तुभरिक) ओक्ष
जाननुं वृक्ष. एक प्रकार का वृक्ष. A kind

of tree. भग० २२, ३;

कुजझ. त्रि० (कुजय) जेतो जय कुत्सित-
निन्दित छे ते, जुआरि. जिसकी जीत निन्दित
है वह; जुआरि. (One) whose
victory or success deserves to
be censured i. e. a gambler.
सूय० १, २, २, २३;

कुज्ज. त्रि० (कुज्ज) कुम्भे. कूबडा. Hump-
backed; crooked. सु० च० १, १७;
कुज्जय. पुं० (कुज्जक) गुलाब, सेवतीनुं
आड. गुलाब, सेवती का वृक्ष. A rose-
tree. पञ० १; नाया० १, ८; जं० प० ५, १२२;

✓ **कुज्झ.** धा० I. (कुष्+य) कोप करवे.
कोप करना. To be angry.

कुज्झे. विधि० सूय० १, १४, ६;

कुटिल त्रि० (कुटिल) वांङ्गुं युङ्गुं; वक्ष. टेढ़ा
तिरछा; वक्र. Crooked; tortuous. तंदु०

कुटुम्ब. पुं० (कुटुम्ब) परिवार. कुटुम्ब; परिवार.
A family; a family circle. भग० ३,
१; १८, २; —जागारिया. स्त्री० (-जागरिका)
कुटुम्बसंघंधी पियार करवे ते. कुटुम्ब
सम्बन्धी विचार करना. thinking about
one's family. भग० ३, १; १५, १;

✓ **कुट्ट.** धा० I (कुट्ट) कुट्टुं; पांडुं.
कूटना. To pound; to grind.

कुट्टति. आया० २, १, ६, ३४;

कार्टिसु. भू० आया० २, १, ६, ३४;

कुट्टिजमाण. क० वा० व० क० राय० ५६;

कुट्टिय. सं० क० भग० १४, ८;

कुट्टण. न० (कुट्टन) कुट्टुं; भारवुं; कूटना;
मागना. Beating; Pounding. “ कुट्टे
जंतीयां कच्छभीयां चित्तविद्यायां ” राय०
ओव० ४१; सूय० २, २, ६२; दमा० ६, ४;
कुट्टितिया. स्त्री० (कुट्टिका) अनाजने आड-
नारी. अनाज को कूटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७;

कुट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भूमितल भोंतणीयुं. भूमि-
तल. Ground-floor. भग० ८, ६; ओव०
३१; कप्प० ४, ६२; —तल. न० (—तल)
भोस्तणीयुं. तलघर. ground-floor.
नाया० १; ओव० ३१; राय० १०५; जीवा० ३;

कुट्टिय. त्रि० (कुट्टित) धूटेयुं. कूटा हुआ.
Pounded. प्रव० ८५७;

कुट्टिलअ. पुं० (कुट्टिलक) ओ नामना ओक
साधु. इस नामका एक साधु. Name of
an ascetic. विवा० ६;

कुट्ट. पुं० (कुट्ट) डोह; ओक गततो सुगंधी
द्रव्य. एक प्रकार की सुगंधित वस्तु. A
kind of fragrant substance. सूय०
१, ४; २, ८; विशेष० २६३; (२) कुष्ठरोग; डोह.
कुष्ठ रोग; कोठ. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्टग. न० (कोष्ठक) डोह; डोह. कोष्ठक;
कोठा. A column. दम० ५, १, २१; ८२;

कुट्टाण. न० (कुस्थान) दूष्ट स्थान. खराब
स्थान. An impure place; a bad
place. भग० ७, ६;

कुट्टि. त्रि० (कुट्टिन्) डोही. कोठी. (One)
affected by leprosy. सु० १३, २४;

कुट्टिआ. स्त्री० (कोष्ठिका) धान्य राखवाने
अनावेस भाटीनी डोही. कोठा; धान्य रखने
की मिट्टी की कोठी. A large earthen
cylindrical vessel to store
grain in. आया० २, १, ७, ३७;

कुड. पुं० (कुड) डोहनी रोग. कोठ की
बोमार. Leprosy. जीवा० ३, ३;

कुड. पुं० (कूट) पर्वत. पर्वत. A moun-
tain. जीवा० ३, ३; दसा० ६, ४; राय०
४०; १००; (२) दृष्टान्त; दामलो. दृष्टान्त;
उदाहरण an illustration; an ex-
ample. विशेष० २२४०; (३) अमत्य.

असत्य; झूठ. falsehood. राय० २०७;
भग० ७, ६; (४) ओक प्रकारनो पाश.
एक प्रकार का पाश. a kind of snare.
विवा० २; —अंतर. न० (—अन्तर) ओ
कुट-शिखर वच्येनुं अन्तर. दो कूट-शिखर
के बीच का अन्तर. the interval, dis-
tance, between two summits.
भग० १५, १; —ग्गाह. त्रि० (—ग्राह) कुट-
पाश विशेषने अडायु करतार. पाश रखने वाला.
(one) who holds a snare or a
trap in the hands. विवा० २; —ग्गा-
हिणी. स्त्री० (ग्राहिणी) कुट-पाशने अडायु
करतार-स्त्री. कूट ग्राहिणी. a woman,
who holds in her hands a snare
or a trap. विवा० २; —तुल. न० (—तुल)
झोटा तोला. खोटा तोल. false weights.
दसा० ६, ४; —माण. त्रि० (—मान) झोटा
माप. खोटा माप. false measure.
दसा० ६, ४;

कुडअ-य. पुं० (कुटज) छंदर जवनुं अड.
इन्द्रजव का झाड़. A kind of tree.
प्रव० ५१८; ज० प० जीवा० ३, ४; अणुजो०
१३१; ओव० नाया० १; ६; पल० १;

कुडंग. पुं० (कुटङ्ग) घरनुं दांडायुं आपर.
छप्पर. A roof of a house. विवा० ३;
(२) ओ नामनो ओक द्वीप. इस नामका एक
द्वीप name of an island. ओष० नि०
भा० २३६; वांशनुं वन. बांस का वन. A
forest of bamboos. नाया० १८;

कुडग. पुं० (कूटक) धोला. घडा. A pot.
विशे० १४५४; नंदी० ४४; (२) ओक गतनी
सफेद फूलवाली वनस्पति. एक प्रकार की
सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of
plant bearing white flowers.
भग० २२, ३; पल० १७;

॥ कुडमि. बी० (*) - छानी ध्वज. छोटी ध्वजा. A small flag; a small banner. " कुडभी सहस्र परिसरिड याभिरामो हृदयमग्नौ " सम० ३४; राय० ७०; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि० (*) उद्गुरूपो; भेडो ग रूप-
द्वेषाव. खराब रूप; बेडौल रूप. Ugly appearance; repulsive in appearance. ओष० नि० भा० ३२०;

कुडागार. पुं० (कुटागार) पर्वतना शिखरभां
कान्तरेव धर; शिखरना आकारनुं भक्षन.
शिखर के आकार का घर. A house
carved out from the summit
of a mountain; a house of the
shape of the summit of a moun-
tain. निसी० ८, ५; राय० १००; वि०
३, ३; —साला. बी० (-शाला) शिखर-
अध शाखा-भक्षन. शिखर के आकार का घर.
a house with a spire at the
top. दशा० १०, ३; राय० २५४; भग०
३, १; २; १३, ४; १६, ५;

॥ कुडाल. पुं० (*) दणनो उपलो भाग.
हल के उपर का हिस्सा. The upper
part of a plough. उवा० २, ६४;

कुडिल. त्रि० (कुटिल) वांङ्ग्युङ्ग टेढा तिरछा.
Crooked; tortuous. नाया० ८, ६;
ओष० २१; भग० १५, १; सु० च० २, २०;
उवा० २, १०७;

कुडिलत्त न० (कुटिलत्व) दुष्टता; कुटिलता.
दुष्टता. Wickedness; crookedness.
सु० च० १२, ४७;

कुडिव्यय. पुं० (कुटिव्यय) धरभां रदी कोधा-
दिक कषाय के अहंकारनो त्याग करे तेवो परि-

प्रा० ४३. घरमें रहकर क्रोधादि कषाय और
अहंकार का त्याग करने वाला परित्राजक. An
ascetic getting rid of anger
etc. or pride without leaving
the house in which he stays.
ओष० ३८;

कुडी. बी० (कुटी) ओरडी; जुंघडी. कोठरी.
A room; a hut; a cell. ओष० नि०
१०५; भल० १२३;

कुडीर. न० (कुटीर) जुंघडु; निर्धननुं धर.
छोपडा; निर्धन का घर. A hut; a cot-
tage; a hovel. तंदु०

कुडुंब. पुं० (कुटुम्ब) कुटुम्भ परिवार. कुटुम्ब;
परिवार. A family. नाया० १, २; ५;
७; १२; १५; पि० नि० ६६; उवा० ८, २३८;
—जागरिया. बी० (जागरिका) कुटुम्भ
संबंधी विचार करेवो ते. कुटुम्ब सम्बन्धी
विचार करना. thinking about one's
family. नाया० २, १४; विवा० ७;

कुडुंबिय. त्रि० (कुटुम्बिक) कुटुम्भी; भास
कुटुम्भनो भास्युस. कुटुम्भी; कुटुम्ब का
समुप्य. (A member) of a family;
(one) belonging to a family.
(२) दन्तुरी. नौकरी. an attendant
e.g. on a king. ओष० कप्य० ३, ३६;

कुडुय. पुं० (*) पर्वतनी टोय; शिखर.
पर्वत की शिखर. Summit of a moun-
tain. भग० १५, १;

कुडु. न० (कुड्य) दीवाल; भीत. भीत;
दीवाल. A wall. भग० ८, ६; विशेष०
१४२६; उत्त० २५, ४०; पगह० १, १; पि०
नि० २६८; —अंतर. न० (-अंतर)
भीत अथवा बाडीनुं अंतर. भीत अथवा टही

का अन्तर. interposition; intervention of a wall. उत्त० १६; १; प्रव० २६५;—अन्तरिय. त्रि० (-अन्तरित) भीतने आंतरे रहेल. दीवाल की आड रहा हुआ. hidden by a wall. नाया० १६;

कुटु. ली० (कुटु) पातालना कलशानी छीकरी. पाताल के घड़े की छीकरी. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world). जीवा० ३, ४; प्रव० १५६०;

कुण. धा० I. (कृ) करुं; रचुं; अनावयुं. करना; रचना; बनाना. To do; to make. कुणह. उत्त० ६, २६; अणुजो० १३०; विशेष० २७२; पि० नि० ६८; प्रव० ६८; कवा० १, ४८; ५३;

कुजा. उत्त० २, ३३;

कुणउ. सु० च० १, १;

कुण. आजा० विशेष० ६४३; सु० च० २, ४६;

कुणसु. भूत० अणुजो० १२६; पि० नि० ४६६;

कुणत. उत्त० २६, २६;

कुणअ. विशेष० १६५;

कुणमाण. विशेष० ४६; सु० च० १, ३१५; २, ११५; उत्त० १४, २४; पंचा० १८, २६;

कुणक. पुं० (कुणक) कुण्ड नामनी ओक वनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुणक) Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कुणाल. पुं० (कुणाल) कुण्ड नामनी ओक देश. एक देश का नाम (कुणाल). Name of a country. नाया० ८; पञ्च० १; राय० २१०; (२) कुण्ड राज, जेनुं भीजुं नाम संप्रति राज, हुं; मौर्यवंशी अन्द्र-गुप्तनो प्रपौत्र; बिन्दुसारनो पौत्र अने अशोकनो पुत्र कुण्ड. मौर्यवंशी चंद्रगुप्त का प्रपौत्र; बिन्दुसार का पौत्र; अशोक का पुत्र;

कुणाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पड़ गया था. King Kuṇāla also called Samprati, the son of Aśoka and grandson of Bindusāra. विशेष० ८६१;—अद्विचद. पुं० (-अधिपति) कुण्ड देशनो अधिपति. कुणाल देश का अधिपति. The king of the country named Kuṇāla. ठा० ७, १; नाया० ८;

कुणाला. ली० (कुणाला) कुण्ड नामी उत्तर तरुनी ओक नगरी; उज्जैनी नगरीनुं भीजुं नाम कुण्ड नामी ओक पल्लु कयांक लभेल छे. कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी; उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है. Name of a city in the north; (in some works it is also stated that Ujjain was so called). वेय० १, ४६; ४, २८; संख्यागा० ८; कप्प० ६, ११;

कुणि. त्रि० (कुणिन्) हाथ अथवा पग नहानो भूटे छोड़्य ओका गलना होयवालो. हाथ अथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोषवाला. (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other. परह० २, ५;

कुशिम. न० (कुणप) मांस. मांस. Flesh. आव० ३४; ठा० ४, ४; सूय० १, ४, १, ८; भग० ६, ३३; जीवा० ३, १; पि० नि० २६२; (२) शव, मुड्डुं. शव; मुर्दा. a corpse; a dead body. जं० प० भग० ७, ६; अणुजो० १३०; परह० १, ३;—आहार. पुं० (-आहार—कुणपः शवस्तदसोऽपिक्वा-दिः कुणस्तदाहाः) मांसनो आहार. मांस का आहार. flesh-food. (२) त्रि० मांसाहारी. मांसाहारी. a flesh-eater. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६; ८, ६;

कुण्डिय. पु० (कुण्डिक) कूण्डिक राजा; श्रेणिकने पुत्र. कूणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र. King Kūnika, the son of Śreṇika.

भग० ७, ६;

कुण्डिया. स्त्री० (कुण्डिता) जेथी अेक हाथ अथवा पग न्दानो भेडोटा यत्र गयो होय ते; सोण रोगभानो अेक रोग. सोलह रोगोंमें से एक रोग; जिससे एक हाथ अथवा एक पैर छोटा बड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other.

आया० १, ६, १, १७२;

कुण्डहरि. स्त्री० (कुण्डरी) कुण्डरी नामनुं कंद. एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) अे नामती अेक वनस्पति. एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation. पत्र० १;

कुण्डित्यि. त्रि० (कुण्डित्यिन्) जुअो “कुण्डित्यि य” शब्द. देखो “कुण्डित्यि य” शब्द. Vide. “कुण्डित्यि य” उक्त० १०, १५; प्रव० ६५१;

कुण्डित्यि. त्रि० (कुण्डित्यि) पाण्डि; कुण्डित-असत्य तीर्थ लज्जनार; मिथ्यात्वी. पाण्डि; खराब धर्म का माननेवाला; मिथ्यात्वी. A person following a false, heretical creed. नाया० ७;

कुण्डिक. पुं० (कुण्डिक) अेक जतनुं वाजिन. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा० ३, १;

कुण्डप. पुं० (कुण्डप) धी तेल राख्यानुं वासयु; कुण्डो. धी तेल रखनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc. जं० ५०

कुण्डार. त्रि० (कुण्डार) अराय ताड; पोते पुअे

अने भीजने कुण्डो तेवो. कबा तैराक; खुद डूबे और दूसरे को डुबावे ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा० ३१;

कुण्डि-य न० (कुण्डिक=कुण्डित पृथिव्याः संज्ञा तस्यास्मिन् कुण्डिकम्) स्वर्ग, मर्त्य अने पाताल अे त्रय लोक. स्वर्ग, मर्त्य और पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nether world. ओव० १६;

कुण्डिभावण. पुं० (कुण्डिकापण-कुण्डिकं स्वर्ग-मर्त्यपाताललोकस्य भूतयं तत्संभवि वस्तु पि कुण्डिकं कुण्डिकापणायति व्यवहरति असौ कुण्डिकापणः) त्रय लोकमां निपजती हरेक चीज जयांथी वेयाती मली शके तेवी भेडोटी दुकान. ऐसी दुकान जहां तानों लोक में उतराज होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० ६, ३३; नाया० १; ओव०

कुण्ड. अ० (कुण्ड) कहां. Where. नाया० ३;

✓ **कुण्ड. धा० I** (कुण्ड) डोडाहा जनुं; अगरी जनुं. सडजाना; बिगडजाना. To spoil. कुण्डेजा. वि० जं० ५० २, १६;

कुण्डिअ त्रि० (कुण्डित) निन्दित; अराय. निन्दित. Bad; evil; deserving censure. ओव० नि० १६४;

कुण्डुभरि. स्त्री० (कुण्डुभरी) पाण्डो भुज; धाथभरी. धनिये का पौधा. A collection of coriander plants. पत्र० १;

कुण्डड. पुं० (कुण्डड) अेक जतनुं अन्धन. एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. पण्ड० १, १; नाया० १;

कुदङ्ग. पुं० (कुदङ्गक) प्रहार भारवाने
डारडा. प्रहार करने का चाबुक. A whip
used for flogging. पगह० १, ३;

कुदंडिम. न० (कुदण्ड) कुत्सित दंड; शुद्ध
करता ओछा दंड. थोडा दंड. Inade-
quate punishment. नाया० १;
भग० १, ११;

कुदंसण. न० (कुदर्शन) विपरीत श्रद्धा;
मिथ्यात्व दर्शन. विपरीत श्रद्धा; मिथ्यात्व
दर्शन. False, heretical faith or
creed. पञ्च० १; उत्त० २८, २८; " इमं
पिबिसिप्रं कुदंसणं असम्भाव वादिणो
पण्यवैति " पञ्च० २;

कुदिट्ठि. स्त्री० (कुदट्ठि) मिथ्यात्व दष्टि;
विपरीत दष्टि. मिथ्या दष्टि; विपरीत दष्टि.
False faith; heretical faith.
उत्त० २८, २६; प्रव० ६७३;

कुदाल. पुं० (कुदाल) जमीन भोदवानुं
दुधियार; डोदाणी जमान खोदने का हथियार;
कुदाली. A spade. पगह० १, १; जं० प०
२, १६;

कुद्ध. त्रि० (कुद्ध) क्रोधी; गुस्से थयेज. कोथा
Angry; enraged. पंचा० १५, ३७;
प्रव० १२८६; उत्त० २७, ४; भग० ७, १०;
१४, ८;

कुपक्ख. त्रि० (कुपक्ख) नीचपक्षने. नीच पक्ष
का. Belonging to, espousing a
cause that is low or mean.
आया० २, ४, १, १३४;

✓ कुप्प. धा० I. (कुर) कोप करवे; गुस्से
थनुं. कोप करना; गुस्सा होना. To be
angry; to get enraged.

कुप्पई. दस० ६, २, ४;

कुप्पिजा. उत्त० १, ६; दस० ८, ४८; १०, १, १८;

कुप्पे. आया० १, २, ३, ७७; दस० ५, २,
३०; १०, १, १०;

कुप्पत्त सु० च० ७, ३०३;

कुप्पमाण. भग० ७, ६;

कोवे. प्रे० उत्त० १, ४०;

कोवइजा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६;

कुप्प. न० (कुप्प) आसन शय्या वगैरे राख-
रखीयुं; घर-भरी. आसन शय्या वगैरह.
Household furniture, such as
beds, chairs etc. पंचा० १, १८;
—संख्या. स्त्री० (—संख्या) राखरखीयुं के
घर-भरीयुं परिमाण अधिकुं ते. setting
a limit to one's possession in
the matter of household
furniture. प्रव० २८०;

कुप्पर. पुं० (कूर्पर) गाडा के रथनी पिंजली.
गाडा या रथ की पिंजली. A part of a
carriage. " से रहवरस्स कुप्परासद्धा "
जं० प० ३, ४८; (२) कोष्ठी. कहुनी. the
elbow. पिं० नि० ४१८; प्रव० ७४;

कुप्पावयणिय. न० (कुप्पावचनिक) पाप-डी-
ओना प्रयनने आधार तेओने करवानुं
आवश्यक-दिन कृत्य. पाखंडियों के शास्त्र
के आधार के अनुसार उन लोगों के करने का
आवश्यक दैनिक कृत्य. A daily reli-
gious rite prescribed by false,
heretical scriptures. अणुजो० १८;

कुवेरदत्त. पुं० (कुवेरदत्त) ओ नामने ओक
शेई. इस नामका एक सेठ. Name of a
rich merchant. भत्त० ११३;

कुम्बर पुं० (कुम्बर) धोसरी; गाजनी धुरी. गाडे
की जुडी. The yoke of a carriage.
(२) मल्लिनाथने यक्ष. मल्लिनाथ का यक्ष.
name of the Yaksha of Malli-
nātha. प्रव० ३७६;

कुभोइ त्रि० (कुभोजिन्) दुष्ट भोजन
करता. खराब भोजन करने वाला. (One)

who takes bad, unwholesome food. भग० ७, ६;

कुमद. पुं० (कुमद) सातमा देवलोकनुं कुमद नामे ऐक विमान; ऐता देवतानी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे; ऐ देवता साझ आह महिने आसोच्छ्वास ले छे अने सत्तर हजार वर्षे सुधा लागे छे. सातवें देव लोक के विमान का नाम; इसके निवासी देवों की स्थिति सत्रह सागरोपम की है और साढ़े आठ मास बाद वे एक बार आसोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम० १७;

कुमर. पुं० (कुमार) अलक. बालक. A boy; a lad. सु० च० २, ३८३;

कुमरत्त. न० (कुमारत्व) कुमारवस्था. कुमार अवस्था; बाल्यावस्था. Boyhood. सु० च० १३, ५१;

कुमार. पुं० (कुमार) आह परस्थी उपरने आलक; कुमार; कुंवर; अविवाहित. बालक; कुमार; कुंवर; अविवाहित; कुंवार. A boy; an unmarried lad. उत्त० १२, १६; १४, ३; सूय० १, ७, १०; नाय० २, ५; ८; १४; १६; १८; भग० ५, ४; २४, १२; ज० प० अंत० ३, ८; दसा० ६, ४; निर० ३, ४; उवा० ८, २५६; (२) अराज भरलु. खराब मरण. bad, unfortunate kind of death. नाय० १४; (३) असुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. ज० प० भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —ग्रह. पुं० (-ग्रह) असुर कुमारादिने

वक्ष्याह. असुर कुमारादि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. ज० प० २; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —वास. पुं० (-वास) कुमार अवस्था में रहने के; अल-अर्थश्रम. कुमार अवस्था; ब्रह्मचर्य आश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor.

“कुमारवासमज्जं वसित्ता मुंढे जाव पव्वइया” टा० ५, ३; कप्प० ७, २१०; ज० प० २, ३०; —समण. पुं० (-श्रमण) कुमारावस्था में ही दीक्षा लीवला आल अश्रमचारी. कुमार अवस्था में ही दीक्षा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one) who has taken Diksā (initiation) from early boyhood. अंत० ३, ८; राय० २१५; उत्त० २३, २;

कुमारत्ता. स्त्री० (कुमारता) कुंवारापण. कुंवारापन; अविवाहितपन. State of being a maid or a bachelor. नाय० ८;

कुमारपुत्तिय. पुं० (कुमारपुत्रक) ऐ नामना ऐक निग्रन्थ साधु. इस नाम के निग्रन्थ साधु. Name of a Nigrantha ascetic. सूय० २, ७, ६;

कुमारभिष. पुं० (कुमारभृषा—कुमाराणां बालानां भृतो पोषणे साधुः कुमारभृषा) आयुर्वेद शास्त्रने ऐक भाग के जेमा नाना छेकराऐना रोगनी चिकित्सा अतावी छे. आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग जिसमें कि छोटे २ बच्चों की चिकित्सा बतलाई है. A division of Āyurveda medical science treating of the diseases of children. टा० ८, १;

कुमारिण. पुं० (कुमारक = कुपितो मारणीय

सत्त्वस्यातीववेदमोत्पादकत्वात्तन्मयो यो मारो
मारयां स विधवे येषां ते कुमारकाः)
भराय शीकरी. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारी.
A bad, cruel hunter. ओष० नि०
भा० ३०;

कुमारिया. स्त्री० (कुमारिका) कन्या; कुमा-
रिका. कन्या; कुमारी. A girl. राय० ८१;
नाया० २; दस० ५, १, ४२;

कुमारी. स्त्री० (कुमारी) कुमारिका; अविवा-
हित स्त्री; कन्या. कुमारी; लडकी; अविवा-
हित कन्या. A virgin; a girl. सूय०
१, ४, १, १३; नाया० १८; राय० ८१; कण्ठ०
३, ३८;

कुमारलेच्छुद्. न. (कुमार लिप्सु) कुमार-
लच्छीनामनुं विपाक सूत्रनुं दशमं अध्ययन.
विपाक सूत्र का कुमारलच्छी नामक दशवां
अध्याय. The tenth chapter of Vi-
pāka Sūtra named Kumāra-
lachehhi. डा० १०, १;

कुमुद-य. न० (कुमुद) चन्द्र विकाशी कमल.
चंद्र देखकर फूलनेवाला कमल. A moon-
lotus. राय० ४८; जं० प० दस० ५, १;
१६, १६; उत्त० १०, २८; मूय० २, ३, १८;
नाया० ४; जीवा० ३, १; कण्ठ० ५, ११६;
(२) सदैव फूल. सफेद फूल. a white
flower. विश० ११०५; —वण. न०
(-वन) चन्द्रविकाशी कमलनुं वन; योयच्छी-
नुं वन. चन्द्रविकाशां कमल का वन. a
forest of moon-lotuses. कण्ठ० ३,
३८;

कुमुद. न० (कुमुद) सदैव कमल; चन्द्रविकाशी
कमल सफेद कमल; चन्द्रविकाशां कमल. A
white lotus. पञ्च० १; राय० ४८;
नाया० १; ६; १२; भग० ६; ३३; (२)
पश्चिम महा विदेहना दक्षिण भांडवानी मेरु
तरुस्थी छड़ी विजय. पश्चिम महाविदेह के

दक्षिण खंडकी मेरुकी तरफसे छटवीं विजय.
the 6th Vijaya from Meru situ-
ated in the south of the west-
ern Mahā-Videha. डा० ८; जं० प०
३, ५६; (३) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण
भांडवानी मेरु तरुस्थी छड़ी विजयना राजा.
पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खंड के मेरु
की तरफ से छटवीं विजय का राजा.
the king of the sixth Vijaya
from Meru situated in the
south of the western Mahā-
Videha. जं० प० (४) आहमा देवलोक्तनुं
कुमुद नामे एक विमान; येना देवतानी
स्थिति अदार सागरोपमनी छे. ये देवता नव
महिने आसोआस लेछे, अने १८ हजार वर्षे
क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक के विमान का
नाम जहाँ के निवासी देवों की आयु अठारह
सागरोपम की है और वे ६ वें मास में एकबार
आसोआस लेते हैं तथा अठारह हजार वर्ष में
उन्हे भूक लगा करती है. name of a
heavenly abode of the eighth
Devaloka. सम० १८;

कुमुदकूट. पुं० (कुमुदकूट) भद्रसाय वनना
आठ दिग्गहस्ति कूटमांनुं पांचवें कूट-शिखर.
भद्रमाल वन के आठ दिग्गहस्ति कूटों में का
पांचवां कूट-शिखर. The 5th of the
eight Digghasti summits of the
forest named Bhadrāsāla.
जं० प०

कुमुदग. न० (कुमुदक) एक प्रकार का घास.
एक प्रकार का घास. A kind of grass.
सूय० २, २, ११;

कुमुदगुम्भ. न० (कुमुदगुम्भ) आहमा देव-
लोक्तनुं कुमुदगुम्भ नामे एक विमान; येनी
स्थिति अदार सागरोपमनी छे, ये देवता
नव महिने आसोआस ले छे, अने अदार.

हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहाँ के देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और जो नौ माह में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूख लगा करता है. Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sāgaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years.

सम० १८;

कुमुदपद्मा. श्री० (कुमुदप्रभा) अभ्युक्षणा ईशानपुष्पाना वनस्पदमां ५० ज्येष्ठ उपर आवेक्ष ओक्ष वावडी. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी. Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प० ६;

कुमुदा. श्री० (कुमुदा) कुमुदा नामनी मदा-विदेहनी ओक्ष विजय. कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय. Name of Vijaya in Mahāvideha ठा० २, ३; (२) अभ्युक्षणा ईशान पुष्पाना वनस्पदमां ५० ज्येष्ठ उपर आवेक्ष ओक्ष वावडीनुं नाम. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प०

कुमुया. श्री० (कुमुदा) दक्षिण दिशाना अंजनक पर्वतनी कुमुदा नामनी ओक्ष वाव. दक्षिण दिशा के अंजनक पर्वत की कुमुदा नामक बावडी. Name of a well on the Añjanaka mount in the south.

प्रव० १५०१; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; **कुम्मा.** पुं० (कूर्म) कर्माभो. कछुआ. A tortoise. जं० प० ५, ११६; सूय० १, ७, १५; १, ८, १२; दसा० ६, ४; विशे० ११४८; ओव० १०; १७; दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३, भग० ८, ३; २५, ७; ४२, १; उवा० २, १०१; कप्प० ३, ३६; ५, ११६; (२) कर्माभाना दृष्टान्तायुं ज्ञातासूत्रनुं योयुं अभ्ययन. ज्ञातासूत्र का कछुआके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय. name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise. नाया० १. सम० १६; ओव० (३) कूर्म नामनुं ओक्ष ग्राम. एक नगर का नाम. (कूर्म). a village of that name. भग० १५, १; (४) पीशमां तीर्थकरनुं लाञ्छन. २० वें तीर्थकर का लाञ्छन-चिन्ह. the symbol of the 20th Tirthankara. प्रव० ३८२; —**आवलिया.** श्री० (—आवलिका) कर्माभानी पंक्ति. कछुआओंकी पंक्ति a row, a series of tortoises. भग० ८, ३; —**गइ.** श्री० (—गति) कर्माभानी गति; कर्माभानी याव. कछुआओंकी गति; कछुआओंका चाल. the motion, the gait of a tortoise. नाया० ५; —**चलण.** न० (—चरण) कर्माभानी पग. कछुआका पैर. a foot of a tortoise. नाया० १;

कुम्माअ-य. पुं० (कुर्मक) कर्माभो. कछुआ. A tortoise. नाया० ४;

कुम्माग. पुं० (कुर्मक) अनुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. नाया० ४;

कुम्मास्थल. न० (कुर्मस्थल) गण्डस्थल; गाल. गण्डस्थल. Cheeks; temples. सु० च० २, २७;

कुम्मास पुं० (कुर्मास) ओक्ष मतनुं कर्माभ;

अ३६. उर्द; एक तरहका अनाज. A kind of grain; black beans. आया० १, ४, ४, ४; पराह० २५; दस० ५, १, ६८; भग० ५, २; उत्त० ८, १२; (२) कुण्ठी. कुलथा; एक तरहका धान्य. a kind of pulse called Kulittha. पि० नि० ६२३; सूय० २, ३, २१; (३) आइला अ३६; आ३७।। पकाया हुआ उडद नामक धान्य. cooked black beans. पि० नि० भा० ३७; पि० नि० २०२; —पिडिया. स्त्री० (—पिडिका) अ३६नी मुडी. उडद का मुट्टी. a handful of black beans. भग० १५, १;

कुम्भमुखाया. स्त्री० (कुर्मोक्षता-कुर्मःकच्छपस्त-हृदुक्षता कुर्मोक्षता) कायाना गेरी उन्नत योनि-उत्पत्ति स्थान के गेमांथी अरिहंत, चक्रवर्ती, अक्षदेव अने वासुदेवने जन्म थाया छे. कछुएके समान उन्नत योनि-उत्पत्ति स्थान जिसमेंसे अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव और वासुदेवका जन्म होता है. The womb like a tortoise from which Arihanta, Chakravarti Baladeva and Vasudeva are born. "कुम्भमुखायाश्च जोषीएतिविहा उत्तम पुरिसा गवभं वक्ष्मन्ति । तंजहा-अरहता, चक्रवर्ता, बलदेव-वासुदेवा" ठा० ३, १; नाया० ८; पञ्च० ६;

कुयवा. स्त्री० (कुयवा) ओ नामनी ओक वेत. इस नाम की एक वेल. A kind of creeper so named. पञ्च० १;

कुरञ्ज. पुं० (कुरजन्) ओ नामनी ओक वृक्ष वनस्पति. इस नाम की एक कूडन वनस्पति. Name of a species of vegetation. पञ्च० १;

कुरंग. पुं० (कुरङ्ग) हरथ; भृग. हिरन; मृग. A deer. जं० प० पि० नि० ७६; ८१; पराह० १, १; पञ्च० १;

कुरज्ज. न० (कुराज्य) अराय राज्. खराब राज्य. A bad kingdom. जं० प० ३.६६; —कुरथा. स्त्री० (—कुरथा) नानी शेरी-गल्ली. छोटी गली. कुचा a narrow miserable lane. प्रव० १४७८;

कुरर. पुं० (कुरर) पाष्णिने दिनारे रहेतार ओक जतनुं पक्षी. जल के समीप रहने वाला एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird residing near water; an osprey. पराह० १, १;

कुररी. स्त्री० (कुररी) ओक जतनुं पक्षी; टीटाडी. एक प्रकार का पक्षी; फिगुर. A kind of bird, a female osprey. उत्त० २०, ५०;

कुरल. पुं० (कुरल) ओक जतनुं के आती पक्षिवायु पक्षी. एक प्रकार का हँस दार पंखवाला पक्षी. A kind of bird; an osprey. जावा० १; पञ्च० १;

कुरली. स्त्री० (कुरली) हरथली. मल. A fold; a wrinkle. सु० च० १, १;

कुरविन्द. पुं० (कुरविन्द) ओ नामनुं पर्यग जतनुं वृक्ष. इस नाम का पर्वग जाति का वृक्ष. A kind of tree. पञ्च० १;

कुराय. पुं० (कुराजन्) अराय राज्; सीमाउने राज्. दुष्ट राजा; सामान्त राजा. A bad king; a neighbouring king. निसा० ९, २१;

कुरिण. न०(*) मोट्टे जंगल. बड़ा जंगल. An extensive forest. ओष० नि० ४४७;

कुरु. पुं० (कुरु) कुरु नामनी देश. कुरु नामक

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

देश. A country named Kuru. नाया० १८; पञ्च० १; (२) कुरू नामनेो द्वीप तथा समुद्र. कुरु नामक द्वीप तथा समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पञ्च० १५; (३) महाविदेह क्षेत्रमां आवेत् जुगालियाणा क्षेत्रे; देव कुरू अने उत्तर कुरू नामक क्षेत्र महाविदेह क्षेत्र संबंधी जुगालिया के क्षेत्र; देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Deva Kuru and Uttara Kuru. अणजो० १०३: —जणवय. न० (—जनपद) कुरू नामनेो देश. कुरु देश. a country named Kuru. नाया० ८; १६: —राय. पुं० (—राज) अदीनशत्रु नामे कुरू देशनेो राजा. अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा. a king of Kurudeśa, Adinaśatru by name. नाया० ८:

कुरुअ. पुं० (कुरुक) माया उपायतुं पर्याय पायक नाम. माया कषाय का पर्याय वाचं नाम. A synonym for Māyā Kaṣāya i. e. deceit. मम० ५२;

कुरुकुन्द. न० (कुरुकुन्द) ओष्ठ जलतुं घास. एक तरह का घास. A kind of grass. भग० २१, ६;

कुरुकुर्या. स्त्री० (कुरुकुर्या) स्थण्डिले गथा पठ्ठी आत्मभूत लेवुं, पग धोवा वगेरे शौच किया इरवी ते. शौच जाने के बाद आचमन लेना, पैर धोने आदि शौच क्रिया का करना. Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc ओघ० नि० ३१८;

कुरुदत्तपुत्र. पुं० (कुरुदत्त पुत्र) कुरुदत्तपुत्र नामना श्रीमहावीर जगवानना ओष्ठ शिष्य.

श्रीमहावीर स्वामी का कुरुदत्तपुत्र नामक शिष्य. Name of a disciple of Lord Mahāvīra. भग० ३, १;

कुरुमई. स्त्री० (कुरुमति) कुरुमती नामनी इरमा यक्षवर्तिनी स्त्री बारहवें चक्रवर्ती की स्त्री का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravartī. सम० प० २३४;

कुरुया. स्त्री० (कुरुका) पग धोवा वगेरे शौच किया. पैर धोना आदि क्रिया Process of cleansing e. g. washing the feet etc ओघ० नि० १६६;

कुरुविन्द. पुं० (कुरुविन्द) ओष्ठ जलतुं घास; नागर भोथ. एक प्रकार का घास; नागर मोथा. A kind of grass. ओव० १०; (२) देव स्तंभ. केल स्तंभ: केले का भाग. the trunk of a plantain tree. जीवा० ३, ३;

कुरुविंदावत्त. न० (कुरुविंदावर्त) ओ नामतुं ओष्ठ जलतुं धरोलुं. इस नाम का एक प्रकार का आभूषण. Name of a kind of ornament. कण० ३, ३६;

कुरुव. पुं० (कुरुप—कुम्भित रूपं कुरुपम्) अराय रूप; उदरूप. बुरा रूप: कुरुप. Ugly appearance. “कुम्भितं बभूववन्त्येवं रूपयति मोहयतांति कुरुपम्” ज० प० १, ३६; भग० ७, ६; १२, ५; (२) मोहनीइय इमं. मोहना रूप कर्म. Mohanīya Karma. सम० ५२;

कुल. पुं० (कुल) पूर्वज; आपदादानी परंपरा; वंश; ओलाद: कुल. कुल: पूर्वज; पुरखे; बाप दादा; वंशपरंपरा. Family; ancestors; genealogy; family descent. ज० प० ४, ११२: ७, १२५; ७, १६१; ओव० पञ्च० १: राय० २१५; संख्या० ६; बव० ३, ६;

नाया० १; १६; दस० ५, १, १४; २४; भग० २, ५; ८, ६; २५, ७; आया० १, ६, २, १८४; उत्त० २५, १; सूय० १, ४, १, ११; उवा० १, ६६, (२) पितातुं पक्ष; आपना चडीलोनी परंपरा. पिता का पक्ष; पिता के पूर्वजोंका परंपरा. paternal side; continuity of paternal ancestors. ओव० १६; तंदु० राय० ठा० ४, २; (३) आंद्रादिक कुल; गणुतो ओक भाग चांद्रादिक कुल; गण का एक भाग. family like Chandra etc.; a portion or division of a Gana. ठा० ३, ४; ५ १; भग० ८, ६; १२, २; (१) दुग; गोत्र. कुल; गोत्र. family genealogy or line of descent. अणुजो० १३१; गच्छा० ८७; कण्प० २, १७; प्रव० ५५७; भत्त० ७५; (५) घर. गृह; घर. a house. कण्प० ६; निंसी० २, ४८; वेय० १, ३१; (६) समुदाय; गच्छा: समुदा. समूह; समुदाय. a collection; a multitude. राय० २५५; ओव० पि० त० ८३; पगह. २, ३; नाया० ५; ८; (७) मदीनाना नामसरआ नामयादा नक्षत्रा. जेवा के कृत्तिका, मृगशिर, पुष्य वगैरे आर नक्षत्रो. माहिनी के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृत्तिका, मृगशिर. पुष्य, वगैरह बारह नक्षत्र. the twelve constellations corresponding in name to the 12 months; e.g. Kritikā, Mrigāsira etc. जं० प० ३, ४५; —अणुरूप. त्रि० (—अनुरूप) कुलने अनुसार. कुल के अनुसार. such as is worthy of one's family. नाया० १६; भग० ११, ११; —अमद. पुं० (—अमद) कुलने मद् न करवे ते. कुल के मद् से रहित. absence of pride about one's family. भग० ८, ६; —आजीव. पुं०

(—आजीविक) कुल जल्पावी अहार लेवे ते; अहारने ओक दोष. कुल बतलाकर अहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा० २, १; —आधार. पुं० (—आधार) कुलने आधार. कुलका आधार. the prop-or support of a family. नाया० १; भग० ११, ११; कण्प ३, ५२; —इंगाल. पुं० (—अङ्गार) कुलनी कितिने अगाडनार; नक्षत्रो; कुलमां अंगारा जेवे; यथा इंडरिक. कुल की कीर्तिपर धच्चा लगाने वाला; कुल में अग्नि के समान जैसे कि कंडरिक. one who is a disgrace to the family; e. g. Kanḍarika. ठा० ४, १; —उपकुल. त्रि० (—उत्पन्न) कुलमां उत्पन्न थयेन. born in a family. कण्प० १, २; —उपकुल. न० (उपकुल) चित्रा आदि कुल नक्षत्रनी पसे रहने उपकुल नक्षत्र. चित्रा आदि नक्षत्र का पास का उपकुल नक्षत्र. the constellation Upakula near Chitra etc. जं० प० ७, १६१; —कन्याया. स्त्री० (—कन्यका) कुलीन कन्या. a girl belonging to a family. भग० १८, १०; —कहा. स्त्री० (—कथा) अमुक कुल सारू अमुक कुल अराय हत्यादि कथा करवी ते. कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि. talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २; —कितिकर त्रि० (—कीर्तिकर) कुलनी ज्यति करनार. कुल की प्रशंसा करने वाला. one who is a source of fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —केउ. पुं० (—केतु-कुलस्य केतुः ध्वजः कुलकेतुः) कुलनी ध्वज रुप. कुल की

ध्वजा-पताका रूप. one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family. नाया० १; भग० ११, ११;—**कल्य.** पुं (-कल्य) कुलने नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग० ३, ७; जीवा० ३;—**घर.** न० (-गृह) पितृ गृह; पितृ गृह; मैका; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया० ७; भग० १५, १;—**घरवर्ग.** पुं (-गृहवर्ग) माता पिता भाय भांडु आदि समूह. माता, पिता, भाई बंधु आदि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया० ७;—**जसकर.** त्रि० (-पशस्कर) कुलनु यश धारनार. कुल का यश बढ़ाने वाला. (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, —**खंडिकर.** त्रि० (-नन्दिकर) कुलनी वृद्धि करनेवा. कुल की वृद्धिकरने वाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया० १; भग० ११, ११;—**तिलक.** न० (-तिलक) कुलनु निशङ्क; कुलमां निशङ्क समान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११;—**दीप.** पुं (-दीप=कुले दीप इव कुल दीपः) कुलने दीपि. कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया० १; भग० ११, ११;—**धम्म.** पुं (-धर्म) कुलाचार. कुल सम्बन्धी आचार. rules of con-

duct which are observed in a family. ज० १०;—**धूया.** स्त्री० (-दुहित्र) कुलनी पुत्रि. कुल की पुत्री. a daughter in a family. “तस्यं जेते हस्थिकुलत्था तेतिविहा प० तं० कुलमाडयाइय कुलधूयाइय” नाया० ५;—**धूया.** स्त्री० (-वधू) कुलनी वधू. कुल वधू a daughter-in-law in a family. “तस्यं जे ते ति-विहा प० तं० कुलकणियाइया इवा कुलमाडया इवा कुलधूया इवा” भग० १५, १०;—**नंदि-कर.** त्रि० (-नन्दिकर) कुलने “कुलखं-दिकर” शब्द. देखो “कुलखंदिकर” शब्द. vide “कुलखंदिकर” भग० ११, ११;—**पडिणीय.** त्रि० (-प्रत्यनीक) कुलने दुश्मन. कुल का शत्रु. an oppo- nent of a family. भग० १, ३३;—**पर्वत.** पुं० (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वतः) कुलमां पर्वत समान. कुल म पर्वत के समान. (one) who is like a mountain (i. e. protector) in his family. नाया० १; भग० ११, ११; ज० प० ५, १२०; (२) क्षेत्री मर्यादा करनेवा पर्वत; श्रुत हिमवत पर्वत. क्षेत्र की मर्यादा करनेवाला पर्वत, जूल हिमवत आदि. mountains like Chūla Hima- vanta etc. that bound a region of plains. सम० ३५;—**पायव.** पुं० (-पादप—छायाकल्पात् आश्रयत्वाच्च कुलस्य पादप इव वृक्ष इव कुलपादपः) कुलने इत्यपुष्ट पुष्ट. कुल में कल्पवृक्ष के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया० १; भग० ११, ११;—**पुणिमा.** स्त्री० (-पूर्णिमा) कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. ज० प० ७, १६२;

—मद्य-य. पुं० (-मद्य) कुलने भदः
 पिताका पक्षने भदः इवे ते. कुल सम्बन्धी
 मद्यः पिताके पक्षका मद्यः. pride of high
 descent; pride of family. “दुसहिं
 ठाणेह अहमंसी तिथं भेजा। तंजहा-जाइ
 मण्य वा कुल मण्य वा ” ठा० १०; भग०
 ८, ६; ठा० ८, १; —मसी. स्त्री० (-मसी)
 कुलने भेसरूप इवेक अगाडनार. कुल को
 भेस रूप कलंक लगाने वाली. (a woman)
 who blackens the fame of a
 family. पगह० १, ३; —माउया. स्त्री०
 (-माउया) कुलनी माता, कुल की माता.
 mother of a family. नाया० ५, भग०
 १८, १०; —रोग. पुं० (-रोग) कुलने
 रोगः आप्पा कुलने अथु पडे तेवो व्याधि.
 कुलसम्बन्धी रोग. a disease affecting
 the whole family: a disease
 from which all the members
 of a family suffer. भग० ३, ७;
 —वह. पुं० (-वनि) तापस भण्डगते
 ठारी; तापस गुरुः ऋषियेमां श्रेष्ठ तापसां
 लोगो का आचरणतः तापसी गुरुः ऋषियों में
 श्रेष्ठ the head of a group of
 ascetics; the preceptor of asce-
 tics; the highest among saints.
 पि० नि० ५०३; मू० च० ७, १०१;
 —वंस. पुं० (-वंश) कुलवंश. कुलवंश.
 noble genealogy. भग० ६, ३३;
 ११, १०; नाया० १; १३; —वंसतंतु. पुं०
 (-वंशतंतु) कुलवंशना सन्तान. कुलवंश
 की संतान. off-spring of a noble
 descent. नाया० १; —वडिसय. पुं०
 (-वतंसक) कुलना भुगत रूप. कुल के
 मुकुट रूप. (one) who is like the
 crown of a family. भग० ११, ११;
 नाया० १; —बहुया. स्त्री० (-बहूका)

कुलनी वहू. कुलवधू. a daughter-in-
 law belonging to a noble
 family. नाया० ५; —वहू. स्त्री० (-वधू)
 सारा कुलनी वहू. अच्छे कुल की वहू. a
 daughter-in law belonging to a
 noble family. प्रव० २५४; पंचा० ११,
 १८; —वित्तिकर. त्रि० (-वृत्तिकर)
 कुलनी आर्थविक्षा यथायनार. कुल का आजी-
 विका चलाने वाला. (one) who sup-
 ports a family. नाया० १; —विव-
 हणकर. त्रि० (-विवर्धनकर) कुलनी वृद्धि-
 इनेनार. कुलकी वृद्धि करनेवाला. (one)
 who is a source of increase
 and prosperity to the family.
 भग० ११, ११; नाया० १; —वेयावच्छ.
 न० (-वैयावृत्त्य) कुलनी सेन इरती ते.
 कुलकी सेवा करना rendering ser-
 vices to the members of a
 family. वव० १०, २७; भग० २५, १;
 आव० —संतान. पुं० (-संतान) कुलनी
 संतान-संतति. कुलकी संतान. progeny
 of a (noble) family. भग० ११,
 ११; —संपगण. त्रि० (-संपन्न—कुलं
 पैलूकः पक्षः तत्संपन्न) कुलने आप दादा श्रेष्ठ
 होय ते कुल संपन्न. जिसके बापदादा श्रेष्ठ हो
 वह कुलसम्पन्न कहलाता है. born in a
 noble or high family. “जाई
 कुलसम्पन्नो पायमंकिचन सेवईकिंचे। आमे-
 विडं च पच्छा तगुणआ सम्ममालाण ” ठा०
 ८, ३, १; विवा० १; नाया० ४० भग० २,
 ५, ६, ७; —संपन्न. त्रि० (-सम्पन्न)
 जुयो “कुलसंपगण” शब्द. देखो “कुल-
 संपगण ” शब्द. vide “कुलसंपगण ”
 नाया० १; भग० २५, ७; ठा० ४, २; ३;
 —समुपगण. त्रि० (-समुपन्न) कुलभां
 उत्पन्न थयेन. कुल में उत्पन्न हुआ. born

in a noble family. कप्प० १, २; —सरिस. त्रि० (—सदश) कुल समान-सरभुं. कुलकी अपेक्षा से-समान. worthy of the family in which one is born; bearing family resemblance. भग० ११, ११; न.या० १६;

कुलत्र-य. न० (कुलक) श्लोक के गायनो समुदाय; अथ संभ्रमवादी आह के तेथी पदारे गायनो समुदाय. श्लोक या गायन का समुदाय; एक सम्बन्ध वाला आठ या उससे अधिक गायनोका समूह. A collection of verses eight or more in number and grammatically connected. प्रव० १२६३;

कुलकोडी. पुं० (कुलकोटि) कुलकोटि; जलनी उत्पत्ति स्थानना प्रकार. जाव के उत्पत्ति स्थान के प्रकार. Varieties of the sources of birth or origin of living beings. प्रव० ३६; ६७७;

कुलकल. पुं० (कुलक) कुलक देशनो मनुष्य. कुलक देश का मनुष्य. A man belonging to the country named Kulākṣa. पगह० १, १; पञ्च० १;

कुलकलण. न० (कुलकलण) अपलक्षण; अशय चिन्ह. बुरं चिन्ह; अपलक्षण; कुलक्षण. A bad sign or mark or characteristic. पगह० १; १;

कुलगर. पुं० (कुलकर) जुगलीयानो राजा; जुगलीयानी व्यवस्था करनेवाला. जुगलियों का राजा. The king or governor of the Jugaliyās. जं० प० २, २६; सम० ६००; भग० ५, ५; कप्प० ७, २०६;

कुलतथ. पुं० (कुलतथ) कुलतथी; अथ मतनुं

धान्य. कुलथी. A kind of pulse. वेय० २, १; दसा० ६, ४; जं० प० भग० ६, ७; १८. १०; २१, २; पञ्च० १; ठा० ५, ३; नाया० ५: निर० ३, २; प्रव० १०१६; **कुलतथ.** पुं० (कुलार्थ) कुलार्थ नामे अथ अनार्थ देश कुलार्थ नामक एक अनार्थ देश. Name of an Anārya i. e. barbarous country. प्रव० १५६८;

कुलतथा. स्त्री० (कुलस्था) कुलीन स्त्री. कुलीन स्त्री. A nobly born woman. नाया० ५: भग० १८, १०;

कुलतय. पुं० (कुलक) चार सेनिका अथवा आठ पसलि प्रमाण मान विशेष चार सेनिका अथवा आठ पसली प्रमाण तौल विशेष. A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together). तंदु० अणुजं० १३२; पि० नि० ४; प्रव० १३६६;

कुलल. पुं० (कुलल) गीध पक्षी. गीध पक्षा: गीध. A vulture. उत्त० १४, ४६, सूय० १, ११, २७; (२) समझी. चाल. a kind of bird. उत्त० १४, ४६; पगह० १, १; (३) बिलाल. बिलाल. a cat. दस० ८, ५४;

कुललय. पुं० (=) पालीनो कुललो करनेवाले. पालीनो कुललो. A gangole. प्रव० ६३६;

कुलविह. पुं० (कुलविह) जुगलीयानो कुलकांडी, शब्द. देखो “कुलकांडी” शब्द. Vide “कुलकांडी” भग० ७, ५;

कुलाल. पुं० (कुलाट) माजरी: बिलाल. बिलाल; माजरी. A cat. सूय० २, ६, ४६;

कुलाल. पुं० (कुलाल) कुलाल. कुलाल. A

* जुगली पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

potter. क० सं० १. ५२;

कुलालय. पुं० (कुलाटक—कुलानि—गृहाणया
मिषान्वेषणाधिना नित्यं येऽटान्ति ते कुलाटा
—मार्जाराः कुलाटा इव कुलाटका ब्राह्मणः)
मित्रादीनी पेटे गृह्यं यच्च धरोधर इत्यार
भिन्नु. विला के समान लोलुप होकर घरघर
फिरने वाला भिकारी. A greedy men-
dicant wandering from house to house like a cat. सूय०

कुलालय. पुं० (कुलालय—कुलानि—कात्रिकादि
गृहाणी तानि नित्यं पिण्डपातान्वेषिणां
परतकुकाणामालया येषां ते कुलालयाः)
भुञ्जो विप्लो शब्द. देखो उपरका शब्द.
Vide the above word. सूय० २, ६,
४४; “ जं भोयणं खियणं कुलालयाणं ”
सूय० २, ६, ४४;

कुलावकुल. पुं० (कुलावकुल) अभिजित, शत-
भिषज, आर्द्रा, अर्धे अनुराधा ये चार नक्षत्र
अभिजित शताभिषक आर्द्रा, अर्धे अनुराधा ये
चार नक्षत्र. The four lunar constel-
lations, viz. Abhichit, Satabhi-
saka, Ārdrā and Anurādhā.
जं० प०

कुलिङ्ग. पुं० (कुलिङ्ग—कुल्मिन्तं लिङ्गं कुलिङ्गं)
दुष्टिङ्ग—शङ्कन वनेरेतो येष. कुलिङ्ग शाक्यादि
वर्गरेह का वेश. Garments worn by
heretics, such as Śākya etc.
सम० प० २३१; (२) श्रीमती अङ्क अन्तः
भाङ्क काँडेका जानि. खटमल. a kind of
insect; a bug. विशे० १७५४; आघ०
नि० भा० २५५;

कुलिङ्गच्छाय. पुं० (कुलिङ्गच्छाय) जंतु विशेष.
जंतु विशेष. A kind of insect. भग०
१८, ८;

कुलिङ्गि. त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुल्मिन्तं लिङ्गं कुलि
ङ्गं शिवसुखसाधकं तद्विद्यते येषां ते कुलिङ्गिनिः)

द्वितीया पाञ्चडी. कुतीर्थी; पाखण्डी; बुरे धर्म
का अनुयायी; मिथ्यात्वी. A follower
of a false religion; a heretic.
आव० परह० १, २;

कुलिय- अ. त्रि० (कुलिक) डोलीयुं. कौर. A
mouthful. नाया० २, ४, २, १३८;
परह० १, १; अणुजो० ६७; (२) दल.
दल. a plough. विशे० १२५; परह० १,
१; (३) बाटी. दट्टा. a fencing. निमी०
१३, ६; १६, २७;

कुलिय. न० (कुल्य) भीत. दावाल. A
wall. सूय० १, २, १ १४; आया० २, १,
५, १४८;

कुलियकड. त्रि० (कुलिकीकृत) कुलजने आकारे
दमला दिव्यत मिश्र के लोट के आकार ढेर
किया हुआ. Heaped up in the
shape of an earthen pot. वेय०
२, २;

कुलीकोस. पुं० (कुलीकोश) श्वेतार्द्रस अङ्क
अन्तर्गुं पक्षि. सफेद हंसः एक प्रकार का पक्षी.
A kind of bird: a white swan.
परह० १, १;

कुवञ्च. पुं० (कुवञ्च) अन्तःगड सूत्रना श्रीम
वर्गना अग्नीआरमां अध्ययनं नाम.
अन्तःगड सूत्र के तामरे वर्गक ११ वे अध्यायका
नाम. Name of the 11th chapter
of the 3rd section of Anta-
grāḍa Sūtra. अन्त० ३, ११; (२)
द्वारकाना असद्वेय राजनी धारणी
राणीना पुत्र के जे नेमनाथ प्रभुपासे दीक्षा
वच वीस परसनी प्रवर्जना पाणी आद पूर्ति
ने अभ्यास करी शत्रुं गत्य उपर अङ्क भास-
ने संधारे करी, परम पद पाभ्या. द्वारिका
के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का
पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्वामी से दीक्षा ली,
चौदह पूर्व का अभ्यास किया बीस वर्षों तक

प्रव्रज्या का पालन किया और अंत में शत्रुजय पर्वतपर एक मास का संथारा करके मोक्ष प्राप्त किया. the son of Dhārāṇī the queen of Baladeva the king of Dvārakā city. He (the son) took Dikṣā from lord Nemināth and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvas, accepted Santhārā for a month on the mount Śatruñjaya and there attained the final bliss. अंत० ३, ११;

कुवर. न० (कूर) नावाते आगते भाग; नावाते भेरयाते भाग. नौक का अगला हिस्सा. The front part of a ship or boat. “संचुरिण्य कट्ट कुवरा” नाया ६;

कुवल्लय. न० (कुवल्लय) उभय. कमल. A lotus. कण्ठ० ३, ४२; श्रव० जं० प० नंदी० ३१; (२) नीलोत्पल उभय. नीलोत्पल कमल; नीले पत्तों का कमल. a lotus with blue leaves. नाया० ६;

कुविअ-य. त्रि० (कुपित) क्रोधित. गुरुमेथेय. कुपित; नाराज; क्रोधित. Angry; enraged. “आयरियं कुवियंनन्ना, पत्तिण्ण पसायण्” नाया० १: ६; १६; दस० ६, १, ७; भग० ३, १; २; विवा० १, ८; परह० २, ५; उत्त० १, ४१; उवा० २, ६५; जं० प० ३, ५६;

कुविअ-य. न० (कुण्ण) वासण्य गृहेरे धर-वपरी. गृह सामग्री. Household articles and furniture such as vessels etc. पण्ह० १, ४; प्रव० ७२६; —**गिह.** पुं० (-गृह) धरवपरी राख-वानुं धर गृह सामग्री रखने का घर. a

house in which household articles, furniture etc. are kept. निसी० ८, ८; —**साला.** स्त्री० (-शाला) न्यां धर वपरी रहे तेवुं धर. जहाँ घर सामग्री रहती है वह घर. A house in which household furniture, vessels etc. are kept. पण्ह० ३, ३; निसी० ८, ८;

कुविंद. पुं० (कुविन्द) यण्डर. बुननेवाला; बुलाहा. A weaver. सु० च० ८, २३४; **कुविंदवल्ली.** स्त्री० (कुविन्दवल्ली) ओ नामनी ओड वेद्य. इस नामकी एक बेल. Name of a creeper. पण० १;

कुविहायगइ. स्त्री० (कुविहायोगति) अशुभ विहाये गति; उट्टीयाती भाइक अराय गति. उट्ट के समान खराब चाल. Bad repulsive gait like that of a camel. प्रव० १३०३;

कुवुट्टि. स्त्री० (कुवुट्टि-कुस्सिता वृष्टि: कुवुट्टि:) रोगोत्पादक परसाह; ऋतुविनाश परसाह; भावह. रोगोत्पादक वर्षा; बिना ऋतु की वर्षा; भावह. Rain out of season; unwholesome rain. जं० प० १, १०;

कुवेज्ज. पुं० (कुवेज्ज) अशुभ वेद्य; उट्ट वैद्य. खराब वैद्य. A bad doctor; a quack. पंचा० १५, ५;

कुवेणी. स्त्री० (कुवेणी) ओड वनतनुं दधियार. एक प्रकार का शस्त्र. A kind of weapon. पण्ह० १, ३;

✓ **कुव्व.** धा० I. (कृ) करुं. करना. To do.

कुव्वइ. उत्त० १, ४४; दस० ५, २, ४६;

कुव्वंति. भग० ६, ४; नाया० १;

कुव्विजा. वि० उत्त० १, १४;

कुव्वमाण. आया० १, १, ३, १८; नाया० ९, पण० २;

कुव्वन्. सूय० १, १, १, १२; २, ४, ११;

कुव्वकारिया. स्त्री० (कुर्व्वकारिका) ओ नामनी
वनस्पति. इस नाम की वनस्पति. A kind
of vegetation so named. पञ्च० १;

कुव्वणा. स्त्री० (* करण) करयुं. करना. Do-
ing; act of doing. भग० ६, ४;

कुस. पुं० (कुश) ओड गतनुं घास; दम्भाः
दाभंश. एक तरह का घास; दाम; कांय. A
kind of grass; Darbha grass.
नाया० १; २; ६; अंत० ३, ८; ओव० १४;
पञ्च० १; उत्त० ७, २३; ६, ४४; १०, २;
२६, २६; आया० २, २, ३, १००; भग०
६, ७; ७, १; ८, ६; २१, ६; जीवा० ३, ३;
जं० प० — अंत. पुं० (- अन्त) दाभसनी
अथलाग. दाम का अग्रभाग. the point
of the Darbha grass. राय० ६२;
— ग्ग. न० (- अग्र) दाभनी अथलाग;
दाभसनी अथली. दाम का अना. the point
of the Darbha grass. आया० १, ६,
१, १४२; भग० ६, ३३; — पत्त. न० (- पत्र)
दाभनुं पांढरुं. दाम के पत्र-पत्त. a blade
of the Darbha grass. निर्मा० १८, १८;

कुसंघयण न० (कुसंहनन) दुर्बल संघयण
— शरीरतो आधि. कमजोर सहनन शरीर का
बांधा. Bad, mean constitution of
the body. भग० ७, ६; जं० प०

कुसंडिय. त्रि० (कुसंस्थित) अशुभ आकार
रहेल. कुसंस्थान; बुरे आकार का. Re-
maining in, being in a bad, ugly
conformation. भग० ७, ६;

कुसणा. न० (*) दही; गोरस. दही; गोरस.
Curds. पि० नि० ६०७;

कुसणिय. न० (*) दहिमां आश पगेरे

मशाला नाभीने अनावेल करम्मे. दही में
तकादि मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ.
A food prepared of curds, but-
ter milk, spices etc. mixed to-
gether. पि० नि० २८२;

कुसत्त. पुं० (कुशक्त) पथारी उपरि अिधाय-
वाना पत्तनी ओड गत. बिछोने पर बिछाने
के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth
used as a covering of a bed.
“ अच्छरय मलयनयसकुमत्तलिबसीह केसर-
पच्छुत्थण ” नाथा० १;

कुसत्त. पुं० (कुशावर्त्त) कुशावर्त्त नामने देश.
कुशावर्त्त नामक एक देश. A country
named Kusāvarta. पञ्च० १;

कुसमय पुं० (कुसमय) कुशावर्त्त; पापेअमत्तना
शास्त्र. बुरे शास्त्र; पासंड मत के शास्त्र.
False, heretical scriptures. सम०
२; नंदी० २२;

कुसल. त्रि० (कुशल) निपुण; दक्ष; यत्तुर;
दक्षीयार. चतुर; पटु. कुशल; दक्ष. Pro-
ficient; expert; clever. नाया० १;
२; ५; ६; १३; १८; भग० २, ५; ६, ३३;
११, ११; राय० ३३; १२६; २६५; जीवा०
३, १; सू० प० २०; उत्त० २५, १६; आव०
१६; ३१; पंचा० ४, २५; ५, ३७; ८, ५;
१२, २०; १२, १५; प्रव० २३७; भत्त०
५६; जं० प० ३, ४७; विवा० २; (२)
शुभ; साईं शुभ; उत्तम. wholesome;
good. पंचा० १०, १४; प्रव० ६०३;

— उदंत. पुं० (- उदन्त) हंस कुशल-समा-
चार. राजकुशी के समाचार. happy
news; good news; e. g. about
one's health and happiness.

नाया० ८; १६; —जोग. पुं० (-योग) मन, पयन, आयाना शुभ व्यापार. मन, वचन और काया के शुभ व्यापार. wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा० १३, ४०; —धम्म. पुं० (-धम्म) प्राणतिपात विरमणादि शुभ आचार. प्राणतिपात विरमणादि शुभ आचार. right, good conduct consisting in cessation from killing etc. पंचा० १०, १४; —पवित्ति. स्त्री० (-प्रवृत्ति) कुशल-शुभ मन, पयन, अने शरीरकी प्रवृत्ति. कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव० ६०३; —पुत्त पुं० (-पुत्र) वैद्यशास्त्रभां कुशल अथवा पुत्र. वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया० १३; —बंध. पुं० (-बन्ध) पुण्यानुबन्ध-पुण्या-कर्म्मो अन्ध. पुण्य से बंधे हुए पुण्य कर्म के बंधन. bondage caused by good and meritorious actions. पंचा० ६, २३; —मणउद्दीरण. न० (-मनउद्दीरण) कुशल-शुभ मनकी उद्दीरण करनी. कुशल मन की उद्दीरण करना. directing the mind towards good and auspicious things. दस० ६, १; भग० २०, ७; —मति. स्त्री० (-मति) चतुर बुद्धि; चतुर बुद्धि. expert, proficient. intellect पंचा० १३, ४२; —वह-उद्दीरण. न० (-वागुद्दीरण) कुशल-शुभ पयनकी उद्दीरण करनी. कुशल वचन की उद्दीरण करना. uttering kind and skilful words. भग० २५, ७;

कुसलया. स्त्री० (कुसलता) कुशलपण; होशी-यारी. कुशलता; होशियारी. Skilfulness;

cleverness; proficiency. प्रव० ६४६; कुसिस्स. पुं० (कुशिष्य) अपराध शिष्य; अप-विनीत शिष्य. खराब शिष्य. A bad dis-
ciple; a rude disciple. भग० ६, ३३; १५, १;

कुसील. वि० (कुत्सितं शीलमाचारो यस्येति) कुत्सित आचारी; असद्वर्तन वाला; अल-
चारी; दुष्टस्वभाव वाला. दुष्ट आचार वाला; कुत्सित व्यवहार वाला; अनाचार करने वाला; दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct; of bad character. पिं० नि० भा० ४८; उत्त० १, १३; भग० २५, ६; दस० १०, १, १८; ठा० ३, २; नाया० ६; वव० १, ३४; ओष० नि० ३०३; ७६३; निर्मा० ४, ३०; गच्छा० ४८; प्रव० १०३; ७३२; (२) न० अलुत्थार; दुष्ट-
आचार. अनाचार; दुष्ट आचार. bad character; wicked conduct. सुय० १, ७, ५; भग० १०, ६; —पडिसेवणा. स्त्री० (-प्रातिसेवन) कुशील सेवन ते; अलचारीय स्त्रीयादिने आर्तिगन देव ते. कुशील सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि को आर्तिगन करना. act of taking to a dishonourable course of con-
duct; sexual intercourse by a person professing to be a bachelor. आ० ४, ४; —लिंग. न० (-लिङ्ग) आरआदि कुशील चेष्टा. आरंभादि कुशील चेष्टा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस० १०, १, २०; —वहुणठाण. न० (-वर्द्धनस्थान) जैसी कुशील-दुराचार बढ़े वही. जिससे कुशील-
दुराचार बढ़े वह. a source or cause of enhancement in wicked prac-
tices दस० ६, ५६; —विहारि. वि० (-विहारिन्) कुत्सितशील वाला. कुत्सित

शील वाला. (one) of bad or doubtful character. भग० १०, ४; नाया० ५; —विहारिणी. स्त्री० (-विहारिणी) अशय आचारवाणी (स्त्री); दुराचारिणी खराब चालचलन वाली स्त्री; दुराचारिनी. a woman of bad character. नाया० ५०, नाया० १२; —संसर्गिन् त्रि० (-संसर्गिन्) नश्वराने संग करनेवाले निष्ठाने का साथी. (one) who associates with the wicked. नाया० १०;

कुसीलपरिभाषिय. न० (कुशील परिभाषित) सुयगदांग सूत्रना सातवा अध्यायनं नाम के ऋषि कुशील-असदाचारी दृष्टिभीनं वर्णन छे. सूत्रकृतांग के ७ वें अध्यायन का नाम जिसमें कुशल-अनाचारा कालिगा का वर्णन हे. Name of the 7th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with or describing persons of bad character. सय० १, ७, ३०; सम० १६; २३;

कुसीला. स्त्री० (कुशीला) ऋषि अशय आचार छे ते. कुसल आचार वाला. (A woman) of bad character. नाया० १०; नाया० ५०

कुसुंभ. पुं० (कुसुम्भ) कुसुंभवृक्षः कुसुंभानुं जाड. कुसुम्भ का झाड़; कुसुंभ का वृक्ष. A kind of tree called Kusumbha. प्रव० २२०; आश० नि० ४४६; पञ० १; (२) ओ३ अतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of corn; a kind of cereals. भग० २०, ३; — वन. न० (वन) कुसुंभाना वृक्षानुं वन. कुसुंभ के वृक्षों का बन. a forest of Kusumbha trees. निसी० ३, ७६; भग० १, १;

कुसुंभग. पुं० (कुसुम्भक) कुसुंभो; कुसुंभी रंग. कुसुंभा; कुसुंभी रंग; सुख रंग. A kind

of red dye. जं० ५० परह० १, ३; (२) ओ३ अतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of cereals. भग० ६, ७; **कुसुंभय. पुं० (कुसुम्भक)** कुसुंभाना राना दूधमांथी नीकता लाल रंग. कुसुंभ के लाल फूलों में से निकलता हुआ लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१;

कुसुम. न० (कुसुम) कुसुमः पुष्पः; दूध. पुष्पः फूल; कुसुम. A flower. जं० ५० १, ११२; ११२; नाया० १; ८; ११; १४; भग० १, १; ७, ६; ११, ११; दसा० १०, १; पञ० १७; आश० २२; राय० २७, ३६; सू० ५० २०; उत्त० ३४, ८; अणुजो० ११८; नंदी० १५; उवा० १, ३०; कप० ३, ३२; ३७; प्रव० ४५५, १११६; (२) पुं० पद्मप्रभ प्रभुना यक्षानुं नाम. पद्मप्रभ प्रभु के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthankara. प्रव० ३७५;

— **आम्रव. पुं० (-आम्रव)** दूधने आम्र फूल का रस. juice of flowers. नाया० १; — **कुंडल. न० (-कुण्डल)** दूधना आशानुं डालनुं आभरणः डाल दूध. फूल का आकृति वाला कान का आभूषण करनफल an ear-ornament of the shape of a flower. अत० ३, ८; — **घर. न० (-गृह)** दूधनुं घर. फूलों का घर. a flower-house. नाया० ३, ६;

घरय. न० (-गृहक) ऋषि दूध पाथर्या रंग तेनुं घर जिस घरमें फूल बिखरे हुए हों वह. a house carpeted with flowers.

राय० २३६; नाया० ३; जं० ५० — **लिअर. पुं० (-निकर)** दूधने समूह. फूलों का समूह. a collection of

flowers. जं० प० ५, १२२; —णिगर. पुं० (-निकर) ण्यो “ कुसुमणिगर ” शब्द देखो “ कुसुमणिगर ” शब्द. vide. “ कुसुमणिगर ” जं० प० ३, ४३; —दाम. न० (-दामन्) इक्षुनी भावा. फूलों की माला. a garland of flowers. नाया० १६; —पत्थर. पुं० (-प्रस्तर) इक्षुनी भावा. फूलों की शय्या; कुसुम का बिछौना. a bed of flowers. नाया० १३; —राशि. पुं० (-राशि) इक्षुनी भावा. कुसुम का समूह; फूलों का ढेर. a heap of flowers. कण० ४, ६०; —वृष्टि स्त्री० (-वृष्टि) इक्षुनी वरसाह. कुसुम वृष्टि; फूलों का बरसना. a shower of flowers नाया० ६; प्रव० ४४६; पंसा० २, १४; —सर. पुं० (-सर) क्षम. देव. कामदेव. Cupid; the god of love. मु० च० १, ४०;

कुसुमनगर. न० (कुसुमनगर) पाटलीपुत्रनं अपर नाम. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pataliputra. प्रव० ८०६.

कुसुमपुर. न० (कुसुमपुर) ऐ नामनं शब्दः पाटलीपुत्र (पटना). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town (also called Pataliputra). वि० नि० भा० ४४;

कुसुमसंभव. पुं० (कुसुमसंभव) वैशाख भासनुं लोकांतर नाम. वैशाख माह का लोक-तर नाम. The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं० प० ७, १२२;

कुसुमिष-य. त्रि० (कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाणि सम्जातानि एषामिति कुसुमिताः) पुष्पवाणुं. फूल वाला. Flowery.

भग० १, १; श्रोव० जीवा० ३, ३; नाया० ६; राय० जं० प० ७, १७७;

कुसुमित. त्रि० (कुसुमित) ण्यो “ कुसुमिष-य ” शब्द. देखो “ कुसुमिष-य ” शब्द. Vide “ कुसुमिष-य ” भग० १६, ६; **कुसेजा.** स्त्री० (कुशय्या) दुष्ट शय्या-स्थान. दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; जं० प० २;

✓ **कुह.** धा० I. (-कुय्) सङ्घुं; क्रोडुं. सड़ना. To rot; to decay.

कुहंजा. वि० अणुजो० १३६;

कुहश्च. पुं० (कुहक) ईक्षुनी भावा. इक्षुनी भावा. कौतुहल. An enchantment; a charm; curiosity. दम० १०, १, २०; **कुहंड.** पुं० (कुष्माण्ड) व्यन्तर देवतानी ऐक्षुनी भावा. व्यन्तर देव की एक जाति. A species of a Vyantara gods. पण० १, ३; श्रोव० २४; पञ० २;

कुहंडय. पुं० (कुष्माण्डक) ऐक्षुनी भावा. व्यन्तर देव की एक जाति का फल कि जिसका भाजा (साग) बनता है; कुष्माण्ड. A kind of vegetable; a gourd. पञ० १७;

कुहंडो. स्त्री० (कुष्माण्डो) ऐक्षुनी भावा. लौकिक; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय० २४; जीवा० ३, ४;

कुहकुह. पुं० (कुहकुह) इक्षुनी भावा. ऐक्षुनी भावा. कुह कुह ऐसा शब्द. An onomatopoeic word meaning the sound resembling “ Kuha Kuha ” नाया० ८;

कुहण. न० (कुहन) ऐक्षुनी भावा. पनरपति; भूमिदंडा. इस नाम की एक जाति का वनस्पति. A kind of vegetation. पञ० १; जीवा० १; (२) नि० इक्षुनी भावा.

रहेवासि. कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhupā. पगह० १, १;

कुहणा. स्त्री० (कुहना) छत्रीना आधारनी वनस्पति; भूमि फोडा. छाते के आकार की वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation of the shape of an umbrella पन्न० १;

कुहम्म. पुं० (कुधर्म) भ्रष्ट-पापपूर्ण धर्म. मिथ्या-पाखंड धर्म. False religion; heretical creed. भक्त० ६०;

कुहर. न० (कुहर) पर्वतनी गुहा. गिरि कंदरा; पर्वत की गुफा A cave of a mountain. नदी० १५; नाया० १; ५; पगह० १, ८; राय० ८६;

कुहाड. पुं० (कुठार) कुड़ाई; काटने का पयातु. लथियार. कुन्हाडा; लकड़ी काटनेका औजार. An axe. उत्त० १६, ६७; सूय० १, ५, १, १५;

कुहींचिय. अ० (कुत्रचित्) कहां; कहां स्थले. कहीं भी; किसी स्थान पर. Somewhere; in some place or other. नाया० ८;

कुहिय. त्रि० (कुथित) कुलाभ गन्धेयु; सड़ी गन्धेयु. गला हुआ; मड़ा हुआ. Rotten; decayed; decomposed. नंद० पगह० १, १; नाया० १; ५; १२; जीवा० ३, ३;

कुहुण. पुं० (कुहुण) विह्वल वननी ओड वनस्पति; भूमि फोडा. उद्भज जाति का एक वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation growing by germination. भग० १५, १; २३, ३;

कुहुव्वय. पुं० (कुहुव्वत) ओड वननी कंद. एक जाति का कंद. A kind of bulbous

fruit. उत्त० ३६, ६७;

कुहेडग. पुं० न० (*) अजवायन. Thyme. प्रव० २११; पंचा० ६, ३०;

कूअणया. स्त्री० (कूजन) पीडित स्वरथी रसुं ते. दुःखी स्वर से रोना. A piteous cry. ठा० ३, ३;

कूरअ. न० (कूजित) पक्षिना जेवो अव्यक्त शब्द. पक्षि जैसा अव्यक्त शब्द. Indistinct sound like that of a bird. उत्त० १६, ६;

कूचिया. स्त्री० (कूचिका) परपोटी. बुदबुदा. A bubble. विश० १६७;

कूजिय. न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि. अव्यक्त ध्वनि Indistinct note or sound. पगह० २, ५;

कूड. पुं० (कूट) द्वीप नामका द्वीप तथा समुद्र. कूट नामका द्वीप और समुद्र. A continent of that name; an ocean of that name. जावा० ३, ४; पन्न० १६; (२) शिखर; पर्वतनी टुंड; टोंग. शिखर; पर्वत की टोंक; पर्वत की चोटी. top of a mountain. भग० ६, ७; नाया० १; नंद० १३, ४७; सू० प० १६; अणुजो० १०३; १३४; ओव० १०; ३१; पन्न० २; ठा० २, ४; जं० प० ५, ११६; (३) द्रव्य कूट-पाश; भाव कूट-स्नेह; राग अंधत. द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फांसी होती है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव हैं जिसमें कर्म बंध होता है a snare; a trap; excessive attachment (which is a snare). नाया० १७; पिं० निं० १०६; सूय० १, १३, ६; (४) कुड कपट; माया कषाय का पर्यायवाची नाम. कपट; माया कषाय का पर्यायवाची नाम.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note, (*) p. 15th.

deceit. सम० ५२; परह० १, २; (५) तोलमां-मापमां न्यूनाधिकता राख्वा ते. नापतोल् में ज्यादाह कमती देना. using false weights and measures. सूय० २, २, ६२; (६) पाशवो; मायुसने अत्राभांथी विधवानुं यंत्र. पाश; मनुष्य को गले में डाल कर मारने का यंत्र; फांसी. gallows सूय० १, ५, २. ६८; (७) नरक. hell. उत्त० ५, ५; (८) दुःखनुं उत्पत्ति स्थान. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source of pain or misery. सूय० १, ५, २, १८; (९) दरवाज़े की उपरती भाग; माट. द्वार के ऊपर का भाग. the upper part of a gate. राय० १०७; (१०) त्रि० भोटुं असत्य; दगाबाज़. झूठ; असत्य; दागाबाज़. falsehood; deceit. पंचा० ३, ३६; नाया० २; —उपमा. स्त्री० (-उपमा) जेभ डोह शिकारीजे पाशवो रच्यो होय तेमां जेभ भृगनुं अंधन थाय छे शिकारीनुं नहि तेम गृहस्थ साधुने माटे रसाध निगमवे तेमां साधुने अंधन होय वाजे गृहस्थने डोह नहि अेवी रीते उपमां आपवी ते. इस प्रकार का उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारीके फैलाये हुए जालमें मृगकाही बंधन होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसाई बनाने वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दोष लगता है. a false analogy; e g. just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has prepared it. पि० नि० १०६; —जाल. न० (-जाल) पाशयुक्त जाल.

फांस सहित जाल. a net that entraps; a snare. उत्त० १६, ६४; —तुला. स्त्री० (-तुला) भोटुं तोल. झूटा तौल. a false weight. सूय० २, २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास. पुं० (-पाश) भृगवाने इसाववा कपट करीने पाश रच्यो ते. मृग को फांसों के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer. विवा० ८; भग० १, ८; —माण. न० (-मान) भोटुं माप राख्वा ते; श्रावकना त्रीण व्रतनो अेक अनित्यार. खोटे माप रखना; श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jain layman. सूय० २, २, ६२; परह० १, २; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —माणतुलकरण. न० (-मान-तुलकरण) भोटुं माप अने भोटुं तोला पापरवा ते; त्रीण व्रतनो अेक अनित्यार. खोटा माप और खोटा तौल रखना; श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव० २७७; —लहकरण. न० (-लेखकरण) भोटो लेख अपवेते; श्रीण व्रतनो पांचवो अनित्यार. झूटा लेख लिखना; दूसरे व्रत का पांचवां अतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow. पंचा० १, १२; प्रव० २७६; —सखिज्ज. न० (-माष्य) भोटो साक्षी भरवी. मिथ्या-झूठी साक्षी देना. act of giving false evidence; false evidence. पंचा० १, ११; —सखिभ. त्रि० (-सखिभ)

कूट समान; कूट जेवुं. शृंग के समान; चोटी के सदृश. resembling the top or summit. नाया० १३;

कूडग. त्रि० (कूटक) भोटुं. गलत; अशुद्ध.

False; untruthful. पंचा० ३, ३४;

कूडया. स्त्री० (कूडता) तोलनुं ओछावतापणुं.

1 तोल की न्यूनाधिकता-कमी बेसी. State of a weight being either above or below the standard. पण्ड० १, ३;

कूडसामलि. पुं० (कूटशाल्मलिन्) कूटशाल्मली

नामनुं वृक्ष के जेमां जेणु वृक्षनी भाइक आठ जेज्जननी उद्यान छे अने जे गरुड जतना वेणुदेवतामे देवतामे आवास रूप छे. कूट शाल्मली नामका वृक्ष जिसकी जम्बु वृक्ष की तरह आठ योजन की उंचाई है तथा जिसपर गरुड जाति के वेणु देव नाम के देवता का निवास स्थान है. Name of the tree

which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venu-deva deities belonging to the Garuda family. "दोकूड सामलिवेव"

टा० २, ३; मम० ८; —पेठ. पुं० (—पीठ)

देवकुक्षेत्र नामश्रिभाष्यनि मध्यभागे आवेल कूटशाल्मली वृक्षनुं पीठ-ओटलो. देवकुक्षेत्र के पश्चिमार्द्ध के मध्य भाग मे कूट शाल्मली वृक्ष की पीठिका ओटला the base of the tree called Kūta Śālmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Kṣetra. जं० प० ४, १००;

कूडागार. पुं० (कूटागार) शिखर अथ धर; शिखर उपरनुं देवालय. शिखर बंध घर; शिखर ऊपर का देवालय. A house or a temple situated on the summit

of a mountain. आया० २, ३, ३, १२७; नाया० १३; निर० ३, १; ठा० २, ४, ४, १; (२) पर्वतमां कृतरेल धर. पर्वत में खोदाहुआ गृह. a house carved out of a rock. जं० प० २, २३;

१, १२५; —दिहंत. पुं० न० (—दृष्टान्त)

शिखरवाला धरनुं दृष्टान्त शिखर वाले घर का दृष्टान्त. an illustration of a house built on a mountain

summit. नाया० १३; —साला. स्त्री०

(—शाला) शिखरने आकारे शाला-सभा-

भेडक. शिखर के सदृश शाला-सभा-बैठक.

a seat in the shape of a mountain summit. भग० ३, १; विवा० ६;

सूय० २, २, २५;

कूडाहच्छ. न० (कूटाहय्य कूटे इव तथाविध

पाषाणसम्पुटादौ कालाविलम्बाभावसा-

धर्म्यादाहत्या हननं यत्र तत्कूटाहय्यम्)

अथ धा मास्वाथी पर्वतथी शिखर पडे तेम

धउ उपरथी माथु उतरी नीचे पडे तेने

योज्य; अथ धाये शिखरनी भाइक नीचे पाडवा

योज्य. जैसे एक चोटसे पर्वत पर से शिखर

नांचे गिरपडताहै वैसेही धडसे मिर का नांचे

गिरपडना; एक चोटसे शिखर का तरह नांचे

गिराने योग्य. One whose head

deserves to be severed from the

body and set rolling down like

a rock severed from the peak

of a mountain. "तोणं तवेणं तेणं

एणाहच्छ कूडाहच्छं भामरासिं करेमि "

भग० १५, १; राय० २४७; भग० १७, ६, १५, १;

कृषिअ-य. पुं० (कौशिक) ऐलिङ्क राजनी

येलला राणीथी उत्पन्न थयेलो मोटो पुत्र

ऐलिङ्क; यंपा नगरीना राजा. ऐलिङ्क राजा

की चलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र

कौशिक राजा; चम्पानगरी का नरपति.

Name of a king of the town called Champā, son of king Śreṇika and queen Chelanā.

श्रव० ६; निर० १, १; नाया० ६; उवा० १, ६;

कूबर. पुं० (कूबर) भक्षिनाथजी के यक्ष का नाम.

मल्लिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Mallinātha.

प्रव० ३०६;

कूर्मग. पुं० (कूर्मक) कछुआ. A tortoise. नाया० ४;

कूर. पुं० (कूर) भात. चावल. Rice. उत्त०

१२, ३४; (२) साथवे; भावानी अेक वस्तु.

सस्तू; खाने की एक वस्तु a kind of

food prepared by baking corn

and grinding it. सू० प० ११; पि०

नि० १६६; डा० ३, ३; सम० १; (३) अेक

व्यतनी वनस्पति. एक जात की वनस्पति.

a kind of vegetation. सू० ०, ३, १६;

कूर त्रि० (कूर) क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी.

Cruel;

terrible. नाया० ८; आया० १, ४, २,

१३२; उत्त० ५, ४; दमा० ६, ४; —गगह.

पुं०, (- ग्रह) सूर्य, मंगल, शनि, अने

राहु अे चार अेक ज्योतिषशास्त्र प्रमाणों क्रूर

अेक कहैवाये छे. सूर्य; मंगल; शनि और राहु

ये चारों ग्रह ज्योतिष शास्त्रानुसार क्रूर ग्रह कहै

जाते हैं. any of the four planets

viz. the Sun, Mars, Saturn and

Rāhu regarded in scriptures

as cruel. गण० १६;

कूरत्ता. न० (कूरता) तोड़ोड़ी नामे वन-

स्पतिनं २५३५. लालकंठर नामक वृक्ष का

स्वरूप. The shape of a certain

kind of vegetation called Toi-

Kodi. सू० २, ३, १६;

क्रूरि. त्रि० (क्रूरिन्) क्रूर; निर्दय. क्रूर; निर्दय.

Cruel; ruthless. पण० १, ३;

कूल. न० (कूल) किंहे; किनारे. तट; किनारा.

A bank; a shore. श्रव० ३८; पि०

नि० ५०५; सं० प० जीवा० ३, ४; नाया० १;

कूलधम. पुं० (कूलधम) नदीने किंहे उभा

रही शंभ धमी राम शब्द पोडारी जमे तेवा

तापस; तापसनी अेक व्यत. नदी के किनारे

खड़े रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर

भोजन कर ऐसा तपस्वी; तपस्वी का

एक जाति. A class of ascetics who

take their food after blowing

loudly a conch-shell, standing

on the bank of a river निर० ३, ३;

कूलधमग. पुं० (कूलधमक) जुआ 'कूलधम'

शब्द. देखो ' कूलधम ' शब्द. Vide

' कूलधम ' निर० ३, ३; भग० ११, ६;

✓ कूव. धा. I. (कूज) जुम पावली राना;

चिलाना. To shout; to bawl aloud.

कूवंत व० कू० उत्त० १६, ५४;

कूवमाण. व० कू० विवा० ७; नाया० १८;

कूव. न० (*) व्यागल गयेडी वस्तुने

पावली वाणवा वारे अेक वस्तु ते. चुराई गई वस्तु

का फिर प्राप्त करने के लिये उतार होना.

Act of helping a man in res-

cuing his stolen property.

“जगण अहं अमर कंका रायदाणी दोवतीण

कूवं गच्छामि ” नाया० १६;

कूव. पुं० (कूप) कुवे- कुआ. A well.

नाया० २; ८; जीवा० ३, ३; पंचा० ६, ४२;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

—णाअ. न० (-ज्ञात) कुवानुं उदाहरण-
दृष्टि. कूए का दृष्टांत-उदाहरण. an
illustration of a well, e. g. in
a story. पंचा० ४, १०: —ददुर. पुं०
(-ददुर) कुवानो देउडा. कूए का मेंढक. a
frog in the well. नाया० ८; —मह.
पुं० (-मह) कुवानो भोलेत्सव. कूए का
महोत्सव. a festival connected
with a well. भग० १, ३३:

कूवय. पुं० (कपक) कुवा थांल; जहाज के
मध्य का खंभा. The main-mast
of a ship. ओव० २१:

कूविय. पुं० (-) बाराह गयेली वस्तुनी
पारे अउतार. चुराई हुई वस्तु को लाने के
लिये उद्यत होन वाला One who helps
another in rescuing stolen
property. तंदु० पि० नि० ११६:
—बल. न० (-बल) पारे अउतार अउतार.
युद्ध पर गया हुआ सैन्य. an auxiliary
army coming as a re-inforce-
ment. “ सुवहस्स विकुविय बलस्स आग-
यस्सदुपमंसया विहोन्था ” नाया० १०;

कूहणत्ता. स्त्री० (कूहण्व) कुहण्व वनस्पति-
पत्र. कुहन वनस्पतिपत्र. State of be-
ing the vegetation called
Kuhappa. स्य० २, ३, १६.

केअण. न० (केतन) बांझी वस्तु; धनुष्यनी
उमान पंगरे. टेढ़ा वस्तु; धनुष्य का कमान
वगैरह. Anything curved in
shape i. e. a bow etc. डा० ४, २:
केइ. अ० (कश्चित्) केइ ओइ. कोई एक.
Some one. “ केइ राया रायपुत्तो ”

विवा० २; दसा० ६, ४; ७, १; भग० २, १;
२, ५; ३, ३; ६, १; ८, १; १३, ७; १८,
१; नाया० १; २; ८; १२; १४; १७; दस० ५,
१, ६५; क० ग० ३, १३; सम० ३०;
पञ्च० १; पि० नि० १७२; नाया० १६;
दसा० ३, १२; १३; सु० च० १५, ६७;
स्य० १, १, ४, ८; वव० १०, १; वेय० १,
३७; पञ्च० ३५; भग० ८, १; दस० ३, १४;
केउ. पुं० (केतु) केतु नामनो अद. केतु
नाम का ग्रह. A planet so named.
ओव० २५; सू० प० २०; राय० २०८; (२)
अव०. ध्वजा. a flag. (३) नि०;
निशान. चिन्ह; निशान. a sign; a
signal. कप० ३, ५२; राय० १०३;
जावा० ३, ४; ओव० नाया० १:

केउअ-य. पुं० (केतुक) लवण समुद्री
मध्यमां दक्षिण दिशाभां रहेल केतुक नामनो
भयपाताल डगशो. लवण समुद्र के मध्य में
दक्षिण दिशा का ओर केतुक नाम का महा-
पाताल कलशा The Mahāpātāla
pot named Ketuka situated in
the middle of Lavana ocean
in the south डा० ४, २; जावा० ३, ४;
केउ. सं० क० अ० (कत्वा) पंचाती अउते.
खराद कर; माल लेकर Having bought.
विश० १४३५;

केउग पुं० (केतुक) केतुक नामनो लवण
समुद्रमां दक्षिण तरङ्गनो पातालडगशो.
लवण समुद्र के दक्षिणकी ओर का केतुक
नामका पाताल कलशा. The Pātāla
pot Ketuka situated in the
south of Lavana ocean. सम० ५२;

केउभूअ-य. न० (केतुभूत) सिद्ध सेलिया

अने भल्लुस सेल्लुआ परिकर्मनो पांचमे
भेद अने पुः सेल्लुआदि पांच परिकर्मनो
सातमे भेद. सिद्धश्रेणी और मनुष्य परिकर्म
का पांचवां भेद और पुष्ट श्रेणि आदि पांच
परिकर्मों का सातवां भेद. The fifth
division of Siddha Senia and
Manussa Senia and the 7th
division of the five Parikarmas
viz. Puttha Senia etc. नंदी० ५६;
सम० १२;

केतुमई. स्त्री० (केतुमती) किन्नर देवताना छंद
किन्नरनी श्रील पटराणी. किन्नर देवताओं के
इंद्र किन्नर की द्वितीय पटरानी. The
second crowned queen of Kin-
nara, the Indra of Kinnara
gods. भग० १०, ५; ठा० ४, १; नाया० ४०५;

केऊर. पुं० (केयूर) आलु अंध; अंक आल-
रत्न. बाजूबंद; एक आभूषण. An orna-
ment worn on the arm. भग० ६,
३३; नाया० १; राय० २७; १८६; निसी०
७, ८; कय्य० २, १४; जं० प० ५, ११५;

**केकई. स्त्री० (केकयी केकयानी राजा केकयः
तस्येयः)** केकयी-आहमा वासुदेवनी माता.
केकयी-आठवें वासुदेव की माता. Name
of the mother of the 8th
Vāsudeva. सम० प० २३५; (२) पश्चिम
महाविदेहनी सलिलावती विजयनी वीतशोका
नगरीनुं श्रीलुं नाम. पश्चिम महाविदेह
सलिलावती विजयकी वीतशोका नगरी का
दूसरा नाम. the other name of the
city Vītasokā of Salilāvati
Vijaya in the western Mahā-
videha. सम०

केकय. पुं० (केकय) केकय नामने अंक देश.
केकय नाम का एक देश. A country of
this name. (२) त्रि. ते देयना रहेवासी.

उस देश का निवासी. a resident of
that country. पञ्ज० १; पणह० १, १;
राय० २०४;

केकयद्ध. पुं० (केकयार्द) केकय देशने अर्द्ध-
भाग; परदेशी राजने देश. केकय देश का
अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The
half of the Kekaya country;
the dominion of the king
named Pardeśi. राय० २०४;

केकाइय. न० (केकायित) मोरने शब्द.
मयूर का शब्द. The cry of a pea-
cock. नाया० ३;

केकारव. पुं० (केकारव) मोरने शब्द. मयूर
का शब्द. The cry of a peacock.
नाया० १;

केकय पुं० (केकय) केकय नामने अनार्य
देश. केकय नाम का अनार्य देश. Name of
an uncivilised country. प्रव० १५६८;
केकारव. पुं० (केकारव) लुओ " केकारव "
शब्द. देखो " केकारव " शब्द. Vide
" केकारव " नाया० ३;

केलुइ. अ० (केनाचित्) केना अथ पक्ष. किसी ने
सी. By any body; by some body
or other. दम० ६, १, ४३; जं० प० नाया०
२; ८; १६; भग० १५, १;

केतई. स्त्री० (केतकी) केतकी. केतकी. A
flowering plant so named. भग०
१५, ६; -**पुड. पुं० (- पुट)** केतकीने पडा.
केतकी का पुडा. a packet of Ketaki.
भग० १५, ६;

केतु. पुं० (केतु) ८८वां भद्रनुं नाम. ८८वें
ग्रह का नाम. Name of 88th con-
stellation. सू० प० २०;

केतुमई. स्त्री० (केतुमती) किन्नरनी श्रील राणीनुं
नाम. किन्नर की दूसरी रानी का नाम.
Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ५;
 केदार. न० (केदार) क्यारी. क्यारी. A basin
 of water etc. purposely made
 in a field or a garden. नाया० ७;
 केमहालअ. त्रि० (कियन्महत्) डेटुं भोलेटुं.
 कितना मोटा. How much big. जं
 १ प० ७, १३४;
 केय. न० (केतन कित निवास-कित्यते उप्य-
 तेऽस्मिन्निति) गृह; घर. गृह; घर. A
 house. “केयं गिहंति सहतेषु” प्रव० १६६;
 केयइअइ. न० (केकयार्ड) डेकय देशतो अर्धा
 भाग. केकय देश का अर्द्धभाग-आधा हिस्सा.
 The half of the country
 Kekayn. “ सेशावयाय नयरी, केयइअइ
 चआरियं भणियं ” पञ० १;
 केयई. स्त्री० (केतकी) डेतडीनुं जाड. केतकी
 का झाड़. The Ketaki plant. राय०
 पञ० १; जीवा० ३, ४; भग० ८, २; —पुड. पुं०
 (-पुट) डेतडीनी पडो. केतकीका गट्टा-बंडल.
 a packet of Ketaki. नाया० १७;
 केयकंदली. स्त्री० (केतकंदली) ऐड वततो
 ईड. एक जाति का कंद. A kind of bul-
 bous root. उत्त० ३६, ६७;
 केयण. न० (केतन) धनुष्यनी कमान. धनुष्य
 का कमान. The wooden bow उत्त०
 ६, २१; (२) मत्स्य अंधन; जल मत्स्य
 बंधन; जाल-फांस. a net; a snare.
 सूय० १, ३, १, १३; (३) ऐ प्रक्षरनुं डेतन:-
 १-द्रव्य डेतन-यादिनी अथवा समुद्र,
 २-भाव डेतन-लोभेच्छा. दो प्रकार का केतन.
 १-द्रव्य केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव
 केतन-लोभेच्छा. a Ketana of two
 sorts viz. one like that of a

sieve or a ocean and the other
 like that of a greed. आया० १, ३,
 २, ११३;

केयति. पुं० (केतकी) डेयडानुं पृक्ष. केवडे का
 झाड़. A Kevadā tree. भग० २, १;
 केयव्व. त्रि० (केतव्य) डेयुं; खरीदुं. लेना;
 खरीदना. Purchasing; buying.
 उत्त० ३५, १५;

केयाघडिया. स्त्री० (*) दोरीने छेडे
 आधेध धडी. रस्सी से बांधी हुई घडी. A
 clock fastened to the end of a
 string. भग० १३, ८;

केयार. पुं० (केदार) अनाजना क्यारा. अनाज
 का क्यारा. Plots of corn. नाया० ७;
 केयावंती. अ० (केवन) डेटला ऐड. कितने
 एक. A certain number. आया० १,
 ४, २, १३३;

केयूर. पुं० (केयूर) आलुअंध. बाजूबंध. An
 ornament worn on the arm.
 ओव० १२; जीवा० ३, ३; प्रव० १५, ८६;

केरिस. त्रि० (कीदश) डेयुं; डेया प्रक्षरनुं;
 डेतानुं. कैसा; किस तरह का; किस सरीखा.
 (Of what sort or nature. उत्त० २३,
 ११; पञ० १७ विशेष० ३२६; भग० १, १; २, ५;
 ३, १; संथा० ३१; जीवा० ३, ३; “अणुभावे
 केडिसे वुत्ते” सू० प० १; जं० प० १, २१;
 केरिसअ-य. त्रि० (कीदशक) डेयुं? डेया
 प्रक्षरनुं? कैसा? किसतरह का? (Of what
 sort or nature. नाया० ८; जं० प०
 निर० १, १; भग० ६, ५; ७; ७, ६; १२,
 ६; १३, ४; १५, १; १६, ३;

केलास. पुं० (केलास) अंतगड सूत्रना छडी
 वर्गना सातमा अभ्ययननुं नाम. अतगड

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

सूत्र के छठे वर्ग के सातवें अध्ययन का नाम.
Name of the 7th chapter
of the 6th section of Antagaḍa
Sūtra. अंत० ६, ७; (२) सकेतन नगर
निवासी एक गाथापति के लक्षे महावीर स्वामी
सभीपे दीक्षा लक्षणार परसनी प्रवर्णया पाणी
विपुल पर्वत उपर संधारे डरी सिद्धि भेगरी.
साकेतन नगर के निवासि एक गाथापति, कि
जिसे महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर
बारह वर्ष तक संयम पाल विपुल पर्वत पर
संधारा कर मोक्ष प्राप्त किया. a merchant
of Saketana city who took
Dikṣā from Mahāvīra Swāmī,
observed it for 12 years and
performing Santhārā on the
Vipula mount, attained salva-
tion. अंत० ६, ७; (३) राहुना नवमा
प्रकारता पुद्गलनु नाम. राहु के नवे प्रकार के
पुद्गल का नाम. name of the 9th
variety of the molecule of
Rāhu. सू० प० २०;

केलास. पुं० (कैलास) कैलास नामतो पर्वत;
मेरु पर्वत. कैलास नामका पर्वत; मेरु पर्वत.
Name of a mountain; the
mount Meru. (२) कृमेरना नाथानो
पर्वत. कुबेर के अधीन पर्वत. the moun-
tain belonging to Kubera. जं प०
(३) लवण समुद्रमां पश्चिम दिशाये ४२०००
लोकत उपर आवेश आलुवेसंधर देवोतो
निवास पर्वत. लवण समुद्र में पश्चिम दिशा
की ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलंधर
देवता का निवास स्थान पर्वत. the moun-
tain abode of Anuvelandhara
gods situated at a distance of
42000 Yojanas in the west, in
Lavana ocean. डा० ४, २;

केलि ली० (केलि) डीडा; खेल; रमत. क्रीडा;
चेष्टा; रमत; खेल. Play; recreation.
ओव० २१; पञ० २; प्रव० ४३६;

केली ली० (कदली) केलांनु वृक्ष; केला. केले
का वृक्ष; केला. A plantain tree.
भक्त० १४४;

केवइअ य. त्रि० (कियत्) केतलुं; केतला
प्रमाणुं कितना ? कितने प्रमाण का ?
How much. ओव० ३८; पञ० ४; ओघ०
नि० १२३; सू० प० १; डा० ३, १; अणुजो० १४०;
नाया० १३; भग० १, १; २, ४; ३, १; २;
५, २; ८; ६, ४; ८; ८, १; २; ८, १०; ११,
१; १२, ४; १४, ७; ८; १६, १; १६, ३;
६; ७; २४, १; १२; २६, ६; ४१, १; नाया०
घ० जं प० २, २४; ७, १३६; ७, १४६;
६, १२५; ७, १३२; १, १६; ७, १३१;

केवचिरं. अ० (कियचिरं) केतलो वायो वपत;
क्यां सुधी ? कितना लम्बा समय; कब तक ?
How long; how far. जीवा० १; राय०
१४६; भग० २, ४; ३, ३; ८, २; ६; २६,
६; जं० प० ७, १७५;

केवचिरं अ० (कियचिरं) केतलो वपत.
कितना समय How much time.
अणुजो० ८६; भग० २५, ४; पञ० १८;

केवचोरिण. अ० (कियचोरिण) केतले वपते.
कितने समय में. In how much time.
अंत० ६, १६; भग० २, १;

केवतिय. त्रि० (कियत्) लुओ " केवइअ "
शब्द. देखो " केवइअ " शब्द. Vide
" केवइअ " सू० प० १; १६; जीवा० १;
भग० १, १०; ११, १;

केवल. न० (केवल) संपूर्ण; परिपूर्ण.
संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा०
६, २; भग० १, ४; १ ८; २, ४; ७, ८;
६, ३१; १०, ४; १५, १; १८, ३; पि०
नि० २११; नाया० ४; १६; उत्त० ३३, ४;

(२) ओकेलुं ज्ञान; देवज्ञान. अकेल ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge. नाया० ८; पञ्च० १; २०; ३६; विशेष० ८८; ४१८; पि० नि० ६०; भग० १६, ६; क० गं० १, ४; ८; १०; ४, १४; जं० प० ७, १६०; (३) देवज्ञान दर्शन. केवल दर्शन. Kevala Darśana; perfect understanding. क० गं० ४, ४५; —आलोचनं (—आलोक) देवज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge. पि० नि० ४७६; —जुअल. न० (—युगल) देवज्ञान युगल; देवज्ञान तथा देवज्ञान दर्शन. केवल द्वय; केवल ज्ञान और केवल दर्शन. a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana. क० गं० ४, ६८; —दुग. न० (—द्विक) देवज्ञान तथा देवज्ञान दर्शन. केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क० गं० ३, १६; ४, ८; २०; —दुगूण. त्रि० (—द्विकोण) देवज्ञान द्विकोणित. केवल द्विकोण-केवल ज्ञान और केवल दर्शनसं गहित. devoid of a pair of Kevala. क० गं० ४, ३६; —परियाय-स. न० (—पर्याय) देवज्ञानतन्त्र पर्याय. केवल ज्ञान का पर्याय. molecules of Kevala Jñāna. दसा० १०, ११; भग० १५, १; —मरण. न० (—मरण) देवज्ञान सहित मरण. केवल ज्ञान सहित मृत्यु. death accompanied with Kevala Jñāna. (२) देवज्ञान-अद्वितीय मरण; पंडित मरण. अनोखा मृत्यु; पंडित मरण. good death; death in a proper way. दसा० ५, २६; २७; —वरणाणदेसण. न० (—वरज्ञान दर्शन-केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेक्षया

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) प्रधान देवज्ञान अने देवलदर्शन. प्रधान केवल-ज्ञान और केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया० ५; ८; १४; भग० ६, ३१; २५, १; —सिरी. स्त्री० (—श्री) देवल-ज्ञानरूप लक्ष्मी. केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ० १४;

केवलकल्प. त्रि० (केवल कल्प-केवलः संपूर्णः कल्पन् इति कल्पः स्वकार्यकरणसमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलश्चासां कल्प-श्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानसदृश परिपूर्णतासाधर्म्यात् संपूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्दः) संपूर्ण; देवल ज्ञानकी भाँति परिपूर्ण. संपूर्ण केवल ज्ञान का तरह परिपूर्ण. Complete; perfect as Kevala Jñāna. दसा० २, २४; २५; नाया० ५० ठा० ३, ४; भग० ३, १; ६, ५; नाया० १३; जं० प० आव० ४२; कप्प० २, १४;

केवलज्ञान. न० (केवलज्ञान) देवलज्ञान; संपूर्ण-परिपूर्ण ज्ञान; लोचना सर्वज्ञान प्रत्यक्ष ज्ञानावधार ज्ञान; ज्ञानतो पायमे प्रकार. केवलज्ञान; सम्पूर्ण- ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान; ज्ञान का पाँचवां भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. आव० दसा० २, २४, २५; भग० ६, ४; ८, २; नाया० १; —आवरण. न० (—आवरण) देवलज्ञानतन्त्र आवरण-आच्छादन; ज्ञानावरणीय कर्मकी ओड़ प्रकृति. केवलज्ञान का आच्छादन-आवरण; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvārṇiṣa Karma. सम० १७; —आवरणिज्ज. न० (—आवरणीय) डेवल-ज्ञानने दयावणुर डर्भ. केवल ज्ञान को दबाने वाला कर्म; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग० ६, ३१; —पज्जव. पुं० (—पर्यव) डेवल ज्ञानना पर्याय. केवल ज्ञान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna. भग० २५, ४; —विणय. पुं० (—विनय) डेवल ज्ञानना विनय. केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग० २५, ७;

केवलणाणि. पुं० (केवलज्ञानिन्) डेवलजानी; डेवली तीर्थकर अने सिद्ध भगवान्. केवल-ज्ञानी; केवली तीर्थकर और सिद्ध भगवान्. An omniscient being; Kevali Tirthankara and Siddha. भग० ८, २; १८, १; २६, १; नाया० ८:

केवलदंसण. न० (केवलदर्शन—केवलेन संपूर्ण-वस्तुतन्वग्राहकबोधविशेषरूपेण यदर्शनं सामान्यांशग्रहणं तत्केवलदर्शनम्) डेवल दर्शन; संपूर्ण दर्शन. केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन. Kevala Darśana: perfect vision. दसा० ५, २४; २५; भग० २, १०; ८, २; जीवा० १; कण्प० १, १; —आवरण. न० (—आवरण—केवलमुक्तस्वरूप तच्चदर्शनं च, तस्यावरणं केवलदर्शनावरणम्) दर्शनावरणीय डर्भनी ओड प्रकृति डे वेना उदयथी ७५ डेवलदर्शन न प.मे. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जिसके उदय मे जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darśanāvarṇiṣa Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darśana. टा० ६, १; मम०

१७; पल० २३; उत्त० ३३, ६;

केवलदर्शनि. पुं० (केवलदर्शनिन्) डेवल दर्शनी ७५. केवल दर्शन वाली आत्मा. A soul possessed of Kevala Darśana. भग० ६, ३; टा० ४, ४;

केवलणाण. न० (केवलज्ञान) ७५ओ “ केवल-णाण ” शब्द. देखो “ केवलणाण ” शब्द. Vide “ केवलणाण ” भग० २, १०; ८, २; नंदा० १; अणुजो० १; विशेष० ७६; दसा० ७, १२; कण्प० १, १; प्रव० ७०५; —आवरणिज्ज. पुं० (—आवरणीय) ७५ओ “ केवलणाण आवरणिज्ज ” शब्द. देखो “ केवलणाण आवरणिज्ज ” शब्द. vide “ केवलणाण आवरणिज्ज ” भग० ६, ३१; —पज्जव. पुं० (—पर्यव) डेवल ज्ञानना अनंत पर्याय. केवल ज्ञान के अनंत पर्यव. infinite atoms of Kevala Jñāna. भग० ८, २; —लद्धि. स्त्री० (—लब्धि) डेवलज्ञाननी प्राप्ति. केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna. भग० ८, २; —लद्धिया. स्त्री० (—लब्धिका) डेवल-ज्ञाननी प्राप्ति. केवल ज्ञान का प्राप्त. attainment of Kevala Jñāna. भग० ८, २;

केवलणाणि. पुं० (केवलज्ञानिन्) ७५ओ “ केवलणाणी ” शब्द. देखो “ केवलणाणी ” शब्द. Vide “ केवलणाणी ” भग० ६, ३; ८, २; ८, ६; कण्प० ६, १८१; (२) अतीत उत्सर्पिणी कालमां थयत्त पदेवा तीर्थकर. अतीत उत्सर्पिणी काल मे उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थकर. the first Tirthankara of the past Utsarpiṇī time. प्रव० २६०;

केवलि. पुं० (केवालिन्) डेवलज्ञान धरनार; डेवलजानी; डेवली तीर्थकर अने सिद्ध भगवान्. केवलज्ञान रखनेवाले; केवल ज्ञानी;

केवली; तीर्थंकर और सिद्ध भगवान्. One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevali, Tirthankara and the Siddha. भग० १, ४; २, १; ५, ४; ७, ७; ८, ३१; १४, १०; १८, ७; २४, १; २५, ६; ७; दस० ४, २२; पराह० २, १; पि० नि० १२८; नाया० ८; १४; अणुजो० १२७; पञ्च० २०; ३; ओव० १०; उवा० ७, १८७; क० गं० १, ४७; ४, ४४; ६, ४; भक्त० १५६; आव० २, १; क०प० २, २५; प्रव० ६; ६३५; (२) देवसमुद्घात-सात समुद्घातमांसी सातमी जेभां जे प्रकारना वेदनीय कर्मनी जे प्रकारना नामकर्मनी अने जे प्रकारना जोत्र कर्मनी निर्जरा थाय छे. केवल समुद्घात-सात समुद्घातों में से सातवां, जिसमें दो प्रकार के वेदनाय, दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के गोत्र कर्मों की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghāts: Kevala Samudghāta; which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedaniya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पञ्च० ३६; —आराधना. आ० (—आराधना) अराधितानी, मनपर्यवजानी अने देवज्ञानीनी आराधना. अराधितानी, मनपर्यवजानी और केवलज्ञानों की आराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyava Jñāna and Kevala Jñāna. डा० २, ४; —उवासग. पुं० (—उपासक) केवलिनमुपास्ते यः श्रवणानाकांक्षीतुपासनामात्रपरः सखलो केवल्युपासकः) देवजीनी उपासना करनेवाले व्रतधारी आधिक. केवली की उपासना करनेवाला

व्रतधारी आधिक, a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevali. भग० ५, ४; ६, ३१; —उवासिया. स्त्री० (—उपासिका) देवजीनी उपासना करनेवाली आदिका. a female Jaina householder who worships a Kevali. भग० ६, ३१; —पगल्लस्त. त्रि० (—प्रज्ञप्त) देवणी भगवाननुं पश्येयुं. केवली भगवान द्वारा कथित. prescribed, extolled by the omniscient. राय० २३५; दसा० ७, १२; भग० ६, ३१; आव० ४, १; —परियाग. पुं० (—पर्यायक) देवज्ञानीनी देवजी तरीकेनी अवस्था. केवलज्ञानों की केवलीपनेका हालत. the Kevalihood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८; १४; अंत० ५, १. —मरण. न० (—मरण) देवणीपणुं मरत्युं थाय ते. केवल ज्ञान होते हुए मृत्यु होना. death in the stage of Kevala Jñāna. भग० ५, ७; सम० १०; —समुद्घात-य. पुं० (—समुद्घात—केवलिन्यस्तमुद्घातमांसीभवः समुद्घातः केवलिसमुद्घातः) देवजी भगवानने करेव समुद्घात; देवसमुद्घात-आः समयमां थती अेक प्रकारनी आत्म प्रदेशने विस्तारी कर्मने अंगेरवानी देवजीनी किया. केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्घात; केवल समुद्घात-आठ समय में होनेवाली एक प्रकार की आत्मप्रदेश की फैला कर कर्म नष्ट करनेवाली केवली की किया. the Samudghāta performed by a Kevali; Kevala Samudghāta, i. e. the activity performed by a Kevali

in eight Samayas (instants)
by expanding the molecules
of the soul to destroy the
Karmas. भग० २, २; ८, ६; २५, ६;
सम० ७; —सावग. पुं० (-भावक)
देवसिद्धिगवानने। आवक-वचन सुनने वाला.
an adherent of an omniscient
being. भग० ६, ३१; —साधिया. स्त्री०
(-आविका) देवसिद्धिगवाननी आविका.
केवली भगवान की आविका. a female
adherent of an omniscient
being भग० ६, ३१;

केवलित्त. न० (केवलित्व) देवज्ञानीपण्यु.
केवलज्ञानापना. The state of being
an omniscient being. प्रव० १५२१;

केवलिय. न० (केवल्य-केवलस्य भावः केव-
ल्यम्) देवज्ञस्वरूप; धानिकर्मने। वियेज
केवल स्वरूप; धानि कर्म का नाश. The
perfected stage; absence of
Ghati Karmas. विशेष० ११८०; २६८१;

केवलिय. त्रि० (केवलिक) देवज्ञानी संयधी.
केवल ज्ञानी सम्बन्ध। Relating to an
omniscient being. " तं संयकारी
पुढो पवसे । संखा इमं केवलीयं समहिं "
सूय० १, १४, १६; ठा० ४, २; नाया० १;

केस. पुं० (केश) केश; दुःख. क्रेश; दुःख.
Misery; affliction; pain; trouble.

विशे० १६२१; उत्त० ५, ७;

केस पुं० (केश) बाण; केश. बाल; केश.
Hair. ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया०
१, ८; भग० १, ७; ६, ३, २; ४, ७, ६;
६, ३३; पञ्च० २; उत्त० १०, २१; आया०
२, ८, १६३, सम० ३४; राय० सूय० २, १,
४२; उवा० १, ५१; कप्य० ६, ५७; प्रव०
४११; ४३६; —अलंकार. पुं० (-अल-

ङ्कार—केशाण्वालङ्कारः केशालङ्कारः)
बाण ओणवा; पटीया पाडवा अने तेज पुलेल
भालपुं ते. बाल ओछिना; भांग पाडना और
तेल फुलेल लगाना. combing of
hair. ठा० ४, ४; भग० ६, ३३; —आ.
न० (-अग्र) केशने। अग्रभाग. बाल का
अग्रभाग. the tip, point of a hair.
भग० ३, २; —भूमि. स्त्री० (-भूमि)
केशनी भूमि, माथानी आभडी. बाल की
चमडी; सिर का चर्म. the skin of the
head. ओव० १०; राय० १६४; —मंसु.
पुं० (-श्मश्रु) माथापरना केश अने दाडी
मुन्ड. सिर के बाल और दाडी मून्ड. the
hair of the head, moustache
and beard. प्रव० १३६४; —रोमनह.
न० (-रोमनस) माथाना केश. शरीर
रुवां अने नप. सिर के बाल; शरीर के
रोम और नाखन. the hair of the
head, furs and nails. प्रव० ४५४;
—लोअ. पुं० (-लोच) केशने। लोच कुवेा;
भस्त्रक तथा दाडीना बाण दाथेथी ज्येथी-
भुंटी कडाडवा ते. केश का लुंचन करना;
भस्त्रक तथा दाडी के बाल हाथ में खींचकर
उखाडना. rooting out of hair;
pulling out of hair of the head,
beard etc. with the hand.
भग० १, ६; उत्त० १६, ३३; " संतप्ता
केस लोणुणं, बंधवेरपराहया " सूय० १,
३, १३; निर० ५, १; —चहार. पुं०
(-अपहार) केश-वालाअनु अपहरण
जहार काटपुं ते. केश-बाल आदिका परि-
त्याग-बाहर निकाल देना. rooting out
of very small hair. क० मं० ५, ८५;
—वाणिज्ज. न० (-वाणिज्य) केशवाला
जुवेना व्यापार; पहर कर्मादानभांने ओक-
केश वाले जीवों का व्यापार; पन्द्रह कर्मा-

दानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādānas. भग० ८, ५; —हृत्थ. पुं० (—हस्त) देशना हाथ-वेष्टी; अभ्योडा. बाल का हाथ-वेष्टा; बाल का गूँथना. a braid of hair. नाया० १; कप्प० ३, ३५;

केसंत. पुं० (केशान्त) देशना पर्यंत भाग; माथानी आभरी. केश के नीचे का भाग; सिर की चमड़ी. The root of the hair; the skin from which the hair comes out. राय० १६४; जावा० ३; तंडु०

केसर. पुं० न० (केशर) दूधनेा देशर; पद्म वज्रेरे दूधमां थतु देशना आकरे तंतु. फूल का पराग-केशर; पद्माद फूलों में उत्पन्न होने वाले केश सरावे तंतु. The pollen or farina of a flower. पञ्च० १; नाया० ४; नंदा ७; जावा० ३, १; राय० १३३; (२) इम्पिडतपुरती आधारना ऐक उद्यान-अगीयानु नाम. कौपिलपुर के बहार के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. "अह केसरमि उज्जये अणगारे तवांधणे" ज० प० ३, ६१; ७, १६३; उक्त० १, ३; (३) प्रक्षन्ती ऐकमन्त; अद्वैत-नुं अड. वृक्ष का एक जाति; बकुल का झाड़. a kind of tree राय० ५१; (४) निलना देशरा सिंह के केश. the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्प० ३, ३५; —आडोव. पुं० (—आटोप) सिद्धना देशराने विस्तार. सिंह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्प० ३, ३५; —उधवेय. पुं० (—उपपेत) इभत देशरथी-युक्त. कमल केशर सहित full of pollen or farina of a lotus. नाया० १३;

केसरि. पुं० (कसरिन्) केसरी सिंह. A lion of high breed. अणुजो० १३१; परह० १, ४; (२) केसरी रंगनुं डपडुं. केसरी रंग का कपडा. a cloth of saffron colour. नाया० ५; (३) केसरि नामनेा द्रह; निलवंत पर्वत उपरनेा ऐक द्रह. केसरी नाम का द्रह; नीलवंत पर्वत उपरका एक द्रह. a lake of this name; a lake situated on the Nilavanta mount. जावा० ३, ४; डा० २, ३; (४) केसरी-आवती आवीसीना आधा प्रतिवासुदेव. केसरी-आगामाकाल का चौवांसा के चौथे प्रात वासुदेव. Kesari, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२; —द्रह. पु० (—द्रह) जेमांथी सीतानदी नीकथे ऐ ते नीलवंत पर्वत उपरनेा ऐक द्रह. नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रह जिस में से सीता नदी निकलती है. the lake on the mount Nilavanta from which the river Sita rises डा० ३, ४; सम० ४०००; ज० प० ४, ११०;

केसरिया. स्त्री० (केशरिका) जमीन हाथ पय साठ करवाने संन्यासीने शय्यावातो लुग-थनी डकडो; साठडीओं आंधेव इभाव. भूमि या हाथ पांव साफ करने के लिये संन्यासी के पास रखने का एक वस्त्र का टुकडा; लकड़ी पर बांधा हुआ कमल. A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet. भग० ३, २; ओव० ३४; (२) पत्रा पुण्डवानुं साधन; पूंजथी. पात्रादि पूंजने का साधन; पूंजला. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० २, १; परह० २, २;
ओघ० नि० ६६६;

केसव. पुं० (केशव) कृष्णवासुदेवन्तुं नाम.
कृष्णवासुदेव का नाम. The name of
the Kṛṣṇa Vāsudeva. उत्त० २२,
२; नाया० १६; जीवा० ३, २; परह० १, ४;
केसवृष्टि. स्त्री० (केशवृष्टि) केश-वातनी वृष्टि
करी पतायवाती विधा. केश-वालों की वृष्टि
दिखलाने वाली विधा. The lore of
making a shower of hair fall.
सूय० २, २, २७; (२) केश-वातनी वृष्टि.
केश-वालों की वृष्टि. a shower of
hair. प्रव० १४६७:

केसि. पुं० (केशिन्) परदेशी राजाने समान-
वतार पार्श्व प्रभुना संतानीया; ओ नामना
ऐक कुमार समण-कुमारावस्थाभां प्रप्रज्या
दीधेन भदात्मा परदेशी राजा को सममाने
वाले पार्श्वप्रभु के संतानिया; इस नाम के एक
कुमार श्रमण-कुमारावस्था में दाक्षित हुए
महात्मा. A disciple of Parśva-
nāth who had given advice to
Pardeśī king. उत्त० २३, २; गाय० २१५;
भग० ११, ११; उवा० ८, २४६; निर० ४,
५; (२) केशीकुमार; उदायन राजाने
आनेज. केशीकुमार; उदायन राजा का भानेज.
the prince named Keśi; the
nephew of king Udāyana. भग०
१३, ६; उवा० ८, २४६; (३) केशी-
वासुदेव. Keśi Vāsudeva. प्रव० ४२३;
—**सामि.** पुं० (—स्वामिन्) केशी कुमार श्री
पार्श्वनाथ स्वामिना शिष्यानुशिष्य केशी
कुमार—श्री पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य.
Keśi Kumāra the grand-disci-

ple of Parśvanātha. भग० २, ५;
केसि. पुं० (क्लेशिन्) क्लेश वाणो; दुःख वाणो.
क्लेश वाला; दुःखी. Troubled; afflict-
ed. विशे० ३१५४;

केसिन्ना. स्त्री० (केशिका = केशा विद्यमते यस्याः
सा केशिका) माथा उपर लांथा केश धराव-
नारी स्त्री. सिर पर लम्बे केश रखने वाली
स्त्री. A woman having long hair
on the head. सूय० १, ४, २, ३;

केसी. स्त्री० (कीदृशी) केशी; केश प्रकटनी.
कैसी; किस तरह का; (स्त्री). Of what
sort. अणुजो० १२८;

॥ **कोआमिश्र.** वि० (*) पद्मनी पेडे
विदसेव. पद्म-कमल की तरह विकसित.
Blown as a lotus. ओव० १०; जे०
प० २;

कोई. अ० (काश्चित्) कोअ ओक. कोई मां.
(Certain, some one. नाया० ७; सु०
च० ४, १८८; दस० ५, १, ६६; भन० ३८;

कोइल पुं० स्त्री० (कोकिल) कोयल; वसंत
ऋतुमां पंचम स्वर मधुर आवाज धरत
ओक पक्षी. कोयल; वसंत ऋतु में पंचम स्वर
में मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी. A
enkeoo. सु० च० २, १३६; जीवा०
३, ३; नाया० ६; ८; जे० प० निर० ४, १;
उत्त० ३४, ६; अणुजो० १२८; ओव० टा०
७, १;

कोइलच्छय. पुं० (कोकिलच्छद) तैल कटक
नामनी ओक वनस्पति. तैल कटक नाम का
एक वनस्पति. A kind of vegetation.
पञ्ज० १७;

कोउअ-य. न० (कौतुक) कुतुहल. कुतुहल.
Curiosity. भग० ७, ६; सू० प० २०;

मु० च० १३, ४३; प्रब० १११; ६५१; कप्प० ४, ६७, (२) गर्भाधानादि संस्कार; भद्रोत्सव विशेष. गर्भाधान आदि संस्कार; महोत्सव विशेष. ceremony relating to pregnancy. भग० ११, ११; राय० २८; (३) उतार कटवो वगेरे कैतुक कर्म. भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observance to get rid of the obsession by a ghost. सूय० २, २, ५५; (४) रक्षा; रक्षण. रक्षा; रक्षण. protection. जं० प० ३, ४३; (५) भंगण क्रिया; कपाले निक्षेप इत्युं ते. मंगलक क्रिया; कपाल पर कंकु आदिका तिलक लगाना. an auspicious action; an auspicious mark on the fore-head. जं० प० भग० २, ५; ६, ३३; उत० २२, ६; आ० ११, २७; —कर्म. न० (—कर्मन्) भंगण-सौभाग्य भांटे कपाले निक्षेप इत्युं ते. मंगल-सौभाग्य के लिये कपाल पर कंकु आदि का तिलक लगाना. the act of making an auspicious mark on the fore-head. नाया० १४; निमी० १३, १२; —कारक त्रि० (—कारक) कैतुक इत्येत. कौतुक-तमाशा करने वाला. an enchanter; a joker. आ० ४१;

कोउग. न० (कौतुक) ऋ० "कोउग्र य" शब्द. देखा "कोउग्र-य" शब्द. Vide

"कोउग्र-य" मु० च० ६, ८४; पंचा० १३, २४;

कोउय. पुं० (कौतुक) ऋ० "काउग्र" शब्द. देखा "कोउग्र" शब्द. Vide "कोउग्र" नाया० १;

कोउहल. न० (कौतुहल) कैतुक; कुतुहल; उत्सुकता. Eagerness; curiosity. आ० ३८; भग० ४, ३३; निमी० ३, ५; जीवा०

३, ३; राय० ४०; —वडिया. त्रा० (—प्रतिज्ञा) कुतुहल निमित्त. कुतुहल के लिये. for the sake of curiosity. राय० निमी० १७, १;

कोऊहल. पुं० (कुतुहल) कैतुक; कुतुहल. कौतुक भाव. कौतुहल. Curiosity. भग० १, १; (२) अभुक्त भोगनी भृष्टा अने भुक्त भोगनी स्मृति. अभुक्त भोग की आकांक्षा और भुक्त भोग की स्मृति. desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted. जं० प० ५, ११५; उत० १५, ६;

कोऊहलिल. त्रि० (कौतुहलिक) कुतुहली; भ्रष्टा. मस्करा; हंसा करनेवाला. A joker; a buffoon. आ० नि० भा० ११३; कौकण. पुं० (कौकण-कौकण एव कौकणः) अ नामनो अक्ष देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. आ० नि० भा० २३३;

कौकणय. त्रि० (कौकणक) कैतुल देशनो रहवासी. कौकण देश का निवासी. A resident of Kokana. पञ्च० १; पण० १, १;

कौच. पुं० (कौच) द्वीप पक्षी. कौच पक्षी. A heron. निर० ५, १; पञ्च० १; ठा० ७, १; जं० प० नाया० ५; ८; राय० ५४; जीवा० ३, ३; उत० १४, ३६; आ० ३४; "छट्टेच मारसा कौचा, खेसाय मत्तमं गच्छा" ठा० ७; (२) द्वीप देशनो रहवासी. कौच देश का रहनेवाला. a resident of Krouch country. पण० १, १; पञ्च० १; —आरव. पुं० (—आरव) द्वीप पक्षीना केवो आवाज. कौच पक्षी जैसा आवाज. a sound resembling that of a heron. जं० प० ३, ५३; —आमण. न०

(-आसन) ऐक ज्ञतनुं आसन. एक प्रकारका आसन. a kind of bodily posture. जीवा० ३; भग० ११, ११; —स्सर. त्रि० (—स्वर-क्रौञ्चस्येवाप्रयासेन विनिर्गतोऽपि दीर्घदेशव्यापी स्वरो येषां ते क्रौञ्चस्वराः) कौञ्च पक्षीना सरप्पा मधुर स्वरवालो. कौञ्च पक्षी के सदृश मधुर स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जीवा० ३; (२) विजय कुमार देवतानी घंटा. विजय कुमार देव का घंटा. a bell of Vijju Kumārā. जं० प० ५, ११९; २, २१:

कौटिल्य. त्रि० (कौटलक-कौटलं ज्योतिषं निमित्तं वा प्रयुक्त इति कौटलकः) कौटल-ज्योतिष अथवा निमित्त शास्त्रको ज्ञानुत्तर. कौटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञान. One knowing astrology and science of omens. “ पाणि वहोति सुगहणे पउंचणे कौटल यस्म नितियेनु ” ओष० नि० भा० २२१:

कौटलक. पुं० (कौटलक) ऐक ज्ञतनुं प्राणी एक जात का प्राणी. A kind of animal. ओष०

कौत. पुं० (कुन्त) आलो. भाला. A spear. जं० प० —ग. न० (—अग्र) आलानी अली. भाला की नोक. the point of a spear. नाया० १६;

कौतिय. पुं० (कौन्तिक) ऐक ज्ञतनुं घास. एक जाति का घास. A kind of grass. भग० २१, ६;

कोकतिय. पुं० (कोकन्तिक कोको इत्येव आर-टतीति) कौटल. कोला. A gourd. (२) लोडरी. लोमड़ी. a jackal. परद०

१, १; आया. २; १, ५, २७; जीवा० ३; ३; नाया० १; पञ्च० १;

कोकणय. न० (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान् नदति नादयदि वेति) लाल कमल. लाल कमल) A red lotus. पञ्च० १; सूर्य० २, ३, १८;

कोकासिअ-य. त्रि० (*) कोकास-लाल कमलनी पेड़े विकसित; प्रफुल्लित. कोकास-लाल कमल की तरह प्रफुल्लित-विकसित. Blown as a red-lotus. जीवा० ३, ३; जं० प०

कोकिल. पुं० आ० (कोकिल) डायल पक्षी. कोयल पक्षी. A cuckoo bird. पञ्च० १;

कोकुइअ. पुं० (कौकुचिक) हास्यजनक व्यष्टि हरनार. भांड. भांडः हास्यमय चेष्टा करने वाला. A joker जं० प०

कोक्कुइअ. त्रि० (कौकुचिक) भांडनी पेड़े व्यष्टि हरनार. भांड का तरह चेष्टा करनेवाला. One who acts like a joker. उल० ३६, २६१; ओष० ३१; जं० प०

कोच्छ. पुं० (कोस्स) ऐ नामनी ऐक देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. भग० १५, १;

कोच्छुंभरि. पुं० (कुस्तुम्भरि) ऐक ज्ञतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. A kind of corn. जं० प०

कोज्ज. पुं० (कुब्ज) कुम्भक-ऐक ज्ञतनुं आ०. एक जाति का फाड़. A kind of tree. कप्प० ३, ३७; नाया० ८;

कोटि. पुं० (कोटि) अग्रभाग; अली. अग्र-भाग; नोक. The point. जं० प० (२) करोड़; संख्या विशेष. करोड़; वृहद् संख्या. a crore (numerical figure).

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

विशे० ४२३;

कोटिल्ल. पुं० न० (कोटिल्ल) नानो भुइयर.

छोटा मुद्दल. A small club. विवा० ६;

कोट्ट. धा० II. (कुट्ट) अन्ने पयवटे जमीन

पर कुट्टुं. दोनों पांव से जमीन पर कूटना.

Jumping on the ground by
lifting both the feet upwards.

(२) कुट्टुं. कूटना: बुकनी करना. to
pound.

कोट्टिय. सं० कृ० जीवा० ३, १;

कोट्टेमाण. व० कृ० भग० १५, १;

कोटिजमाण. क० वा० व० कृ० जीवा० ३, ४;

कोट्ट पुं० (*) द्विस्त्रो. गड: किला. A

fortress, (२) पछाडुं; कुट्टुं. पछा-

डना; कूटना to dash; to pound.

पगड० १, १;

कोट्टिकिया. स्त्री० (कोट्टिकिया) चण्डिका;

दुर्गा वगैरे रुद्रस्वरूप देवी. चण्डिका; दुर्गा

आदि रौद्ररूप वाली देवियां. The goddess

Chandikā etc. भग० ३, १; नाया०

८; अणुजो० २०; *

कोट्टणी स्त्री० (*) द्विस्त्रो. उपरनी भूमि.

किने की भूमि. The courtyard in a

fortress. जं० प० ३, ४७;

कोट्टाग पुं० (*) सुतार. सुतार: बढई. A

carpenter. “ कोट्टाग कुलाणि वा गाम-

रक्ख कुलाणिवा ” आया० २, १, २, ११;

कोट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भोयतणीयुं. जमीन के

नीचे का तलघर; नीचे की भूमि. The un-

derground floor; a cellar. नाया०

६; —कार. त्रि० (—कार) भोयतणीयानो

यनायनार. भूमि में तलघर का बनानेवाला.

the architect who constructs a

cellar. अणुजो० १३१; —तल. न०

(—तल) भोयतणीयुं. नीचे का जमीन;

तलघर. a cellar. नाया० १; भग० ६,

३३; जं० प० १;

कोट्ट. पुं० (कोष्ट) कोठो; धान्य भरवानो

कोठार; कोठी. कोठ; धान्य भरने का कोठार;

कोठी. A granary. ठा० ३, ४; भग०

१५, १; १८, ६; नाया० १; जीवा० ३, १;

पिं० नि० २११; ओव० २६; ३८; प्रव०

१००६; (२) कोठो; छान्नी. कोठा; छान्नी.

a store room; the breast. जं० प० ३,

४७; ओव० २१; नाया० १६; (३) ओठ

नतनो. मुगंधी द्रव्य: छाड. एक जाति का

मुगंधी द्रव्य. a kind of fragrant

substance. भग० १८, ६; राय० ५५;

धारणानुं ओठ नाम. धारणा का एक नाम.

name of a Dhāraṇā. नंदी० ३३; (५)

शरीरनी अंदर पेटाणुं वालो अवयव; ओवा

कोठा पुरुषने पांच अने स्त्रीने छ होय छे,

ओठ गर्भनो अधिक छे भाटे. शरीरके भीतरका

पोला अवयव; ऐम पोले कोठे पुरुष के पांच

तथा स्त्री के छ: होते हैं, एक गर्भ का अधिक

होता है. a hollow organ in the

body; there are five such or-

gans in the body of a man and

6 in the body of a woman. तंदु०

—आउत्त त्रि० (—आगुत्त) कोठीमां नाभित:

कोठारमां रक्षित. भंडार में डाला हुआ; कोठे

में रक्षित. properly stored. भग० ६,

५; ६, ६; ठा० ३, २; निसी० १७, २२;

वेय० २, ३; —उवगय. पुं० (—उपगत)

कोठीमां प्रवेश करैव. कोठे में घुसा हुआ.

(one) who has entered

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

into a room. भग० ८, ७; — पुड.

पुं० (-पुट-कोष्टे यः पच्यते काससमुदायः
स कोष्ट एव, तस्य पुटाः पुटिकाः कोष्ट-
पुटाः) कोहने-सुगंधी द्रव्यो पेटो. सुगंधी
द्रव्य का पुडा. a packet of a fragrant
substance. नाया० १७; भग० १६,
६; जं० प० ४, ८६; — बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि-
कोष्टकप्रक्षिप्तधान्यमिव यस्य सूत्रार्थो सुचि-
रमपि तिष्ठतः स कोष्टबुद्धिः) कोहनेना जेरी
बुद्धि; कोहनां पेटेन धान्य जेम सटे के अगटे
नहि तेम भेदयेनुं ज्ञान श्रयन पर्यंत नष्ट
थाय नहि जेवा प्रहारनी बुद्धि-शक्ति. कोठे
जैसी बुद्धि; कोठे में पड़ा हुआ धान्य सड़ता
या बिगड़ता नहीं वैसे ही प्राप्त हुआ ज्ञान
जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शक्ति.
(one) of great intellect; a kind
of intellect which never spoils
like corn which is stored in a
granary. ओव० विशे० ७६६; — समुग्ग.
पुं० (-समुद्ग) कोहने ज्ञानो. कबिट का
हब्बा. a box made of wood-apple.
जं० प० ३, ४३;

कोट्टग्र-य. पुं० (कोष्टक) सावर्थी नगरीना
उद्यानभुज्याना पुरातन उद्याननुं नाम.
सावर्थी नगरी के ईशान कोने के पुरातन
उद्यानका नाम. Name of an old gar-
den situated to the north east
of Sāvarthī city. नाया० १; भग०
६, ३३; १२, १; १५, १; राय० २११; निर०
३, १; उवा० ६, १२६; (२) धान्यनो कोहने.
धान्य का कोठा. a store-room for
grain; a granary. प्रब० १५१६;
— कोट्टग्र. न० (-कोट्ट) सावर्थी नगरीनी
अहारनुं उद्यान. सावर्थी नगरी के बाहर का
बगीचा. a garden situated out
side Sāvarthī city. नाया० ध० २;

— बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि) धान्यना कोहनेनी
शक्ति. धान्य के कोठों की बुद्धि. increment
in grain stores. प्रब० १५०८;

कोट्टग. पुं० (कोष्टक) कोठे; भुज्या. कोठा;
बुर्ज. A tower; a room. (२) ओरउठो.
बड़ा कमरा. a large room. सम० प०
२१०; जीवा० ३, ३; अणुजो० १४८; पक्ष० २;
(३) आवस्ती नगरीअहारनो ओठ आम.
आवस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान. a
garden outside the city of
Sāvastī. उत्त० २३, ८;

कोट्टागार. पुं० (कोष्टागार) धान्य गृह; कोहने.
धान्य घर. कोठार. A room for stor-
ing grain; a granary. निर० १, १;
राय० २०६; २२२; २८२; निसि० ८८, ५; ६;
विशे० १८२७; नाया० १; ७; १४; भग०
११, ६; उत्त० १०, २६; ओव० कप० ८,
६६; जं० प० २, ३०; — माला. पुं० (-शाला)
कोहनेनुं भवन. कोठे का मकान. a house
having a granary. निसि० ६, ७;

कोट्टिय. त्रि० (कोष्टिक) कोह पाणो; जेनी
पासे कोहनामे सुगंधी द्रव्य छे ते. सुगंध
द्रव्य जिसके पास है वह; कोठ वाला.
(One) having a fragrant sub-
stance known as Kotha. विवा० ७;
उवा० २, ६४;

कोडंड. पुं० (कं दण्ड) धनुष. धनुष. A
bow. अण० ५; १;

कोडंड. पुं० (कोडंड) वृक्षनी नभेदी शाखा-
नो अग्रभाग. झुके हुए वृक्ष की शाखा का
अग्रभाग. The foremost portion
of a bent branch of a tree.
" विसम गिरिकडग कोडंडमखिविद्धा "
नाया० १८;

कोडंडाणी. स्त्री० (कोडंडिनी) ओ नामनी
ओठ शाखा. इस नाम की एक शाखा. A

sect of this name. कप्प० ८;

कोडण. न० (*कोडण) कुटुंबुं ते. कूटना.

Poundin. पण० १, ३;

कोडाकोडि. स्त्री० (कोटिकोटि) ओड कोडा कोड;

करोड गुण्या करोड. एक कोडा कोड; करोड

को करोड से गुण्य करना. 10000000x

10000000; a crore multiplied

by a crore. ठा० २, ३; भग० ६, ३;

१६, ६; जं० प० पञ्च० २३;

कोडाल. न० (कोडाल) कोडाल नामे ओड

गोत्र; ऋषभदत्त ब्राह्मण गोत्र. कोडाल

नामक गोत्र; ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र. A

lineage known as Kodāla: the

lineage of the Brahmin Rish-

bhadatta. कप्प० १, २; —सगोत्र. त्रि०

(—सगोत्र-कोडालैःसमं गोत्रं यस्य सः) कोडाल

गोत्रमां जन्मेतः कोडाल गोत्र वालो कोडाल

गोत्र में उत्पन्न; कोडाल गोत्र वाला. (one)

born in Kodāla lineage. आया०

२, १५, १७६;

कोडि. स्त्री० (कोटि) करोड; सो लाख.

(१०००००००) एक करोड; सो लाख:

(१०००००००) One hundred laes;

one crore; 10000000. भग० २, १;

८; ३, २; ७, १; १३, ६; सु० च० १, २१८;

सु० प० १८; जीवा० १; नाया० १; ८;

अणुजो० ११७; उत्त० ८, १७; ठा० २, ४;

ओड० ७, १८२; (२) अणुजो. कोना. a

corner; an angle. पंचा० १३,

२६; राय० १५६; पि० नि० २४७; ठा० ८;

(३) छेडा; अंत्य प्रदेश. किनारा; अंतम

प्रदेश. end; the region of the

boundary. जं० प० (४) हथियारनी धार.

हथियार की धार. the edge of a

weapon. जीवा० ३; राय० २०४; (५)

अक्षि; अभलाय. नोक; अग्रभाग. point;

tip. (६) धनुष्यनी पशु७. धनुष्य की

डोरी. the string of a bow. जीवा०

३, ४; (७) पश्यआणुना भांगा; करण;

अने जेगना संयोगथी उत्पन्न भना विकल्पना

प्रकार. प्रत्याख्यान के भांगे; करण और योग

के संयोग में उत्पन्न विकल्प के भेद. divi-

sions of Pachchakhāṇas; प्रव०

१६१; —पहुत्त. न० (—पृथक्त्व) ओथी

भांडी नव करोड सुधी. दो से लगाकर नौ

करोड तक. from two to nine

crores. प्रव० ६३५; —सयपुफुत्त. न०

(—शतपृथक्त्व) असे करोडथी भांडी

नवसे करोड सुधी. दोसौ करोड से लगा

कर नौसौ करोड तक. from two

hundred crores to nine hundred

crores. जं० प० ६, १२५; भग० २५, ६;

—सहस्सपुहुत्त. न० (—सहस्रपृथक्त्व)

अे लग्नर करोडथी भांडीने नव लग्नर करोड

सुधी दोहजार करोड से लगा कर नौ हजार

करोड तक. from two thousand

crores to nine thousand crores.

भग० २५, ६; —सहिय. न० (—सहित—

कांटाभ्यामेकस्य चतुर्थीदेरन्ताविभागोऽपरस्य

चतुर्थीदेरवारम्भविभाग इत्येवं लक्षणाभ्यां

सहितं मिश्रितं कोटिसहितम्) ओड पश्य-

आणुने छेडा भीज पश्यआणुने शर-

आतने मणतो होय तेवुं तप, दाभला तरीडे

ओड भाणुसे आने आयंजिल क्युं भीजे

दिवसे सवारमां आणुनुं तप पुरंधनां भीजुं

आयंजिल पश्यअे तो पड़ेला पश्यआणुने

छेडा भीज पश्यआणुनी शरआत साथे

मह्यो माटे ते तपकोटि सहित तप डहेताय.

एक प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के

प्रारंभ से मिलता हो ऐसा तप; उदाहरणार्थ

एक मनुष्य ने आज आयंजिल किया दूसरे

दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होने हो

दूसरा आरंभिल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिल जाय इस लिये इस तप को कोटि सहित तप कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity.

भग० ७, २; ठा० १०; उत्त० ३६, २५३;

प्रब० १६१;

कोडिकोडि. स्त्री० (कोटिकोटि) अनु०

“ कोडाकोडि ” शब्द. देखो “ कोडाकोडि ”

शब्द. Vide “ कोडाकोडि ” क० प० १,

८२; २, २६; —अंतो. अ० (-अन्तर)

त्रासिकोडिनी अन्तर. कोडा काडा के अंदर.

less than a crore multiplied by a crore. क० ग० ५, ३३;

कोडिमार पुं० (कोटिकार) अ० प्रक्षारणे

क्षारीय; हथियारनी धार सभी करना. एक

प्रकार वा मिर्ची; हथियार का धार दुस्त

करने वाला. An architect who

sharpens or grinds the edge of

a weapon. पञ्च० १;

कोडिण. न० (कोटिन) कोटिन नामनुं अ०

नगर. कोटिन नाम का एक नगर. Name

of a city. नाया० १६;

कोडिण्य. न० (कौडिन्य) अ० नामनुं जात्र.

इस नाम का एक गोत्र. A lineage of

this name. कण्ठ० ५, १०३;

कोडिन्न. पुं० (कौडिन्य) कोडिन्यनामे महा-

गिरी आचार्यना शिष्य. कौडिन्य नाम का

महागिरी आचार्य का शिष्य. Koundinya,

the disciple of the preceptor

Mahāgiri. कण्ठ० ८; विशेष २३६०;

(२) कुत्स गोत्रनी शाखा. कुत्स गोत्र की

शाखा. a branch of Kutsa lineage.

ठा० ७, १; (३) कुत्स गोत्रनी शाखा-

मानो पुत्रप. कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न

पुरुष. a person belonging to

Kutsa lineage. ठा० ७, १; (४)

वसिष्ठ गोत्रनी शाखा. वसिष्ठ गोत्र की शाखा.

a branch of Vasiṣṭha lineage.

ठा० ७, १; (५) वसिष्ठ गोत्रनी शाखामानो

पुत्रप. वसिष्ठ गोत्र की शाखावाला पुरुष. a

person of Vasiṣṭha lineage.

ठा० ७, १;

कोडिमा स्त्री० (कोटिमा) गंधार ग्रामनी

सातवीं मूर्छना. गंधार ग्राम की सातवीं

मूर्छना. The 7th note of a musi-

cal scale known as Gandhāra.

अणुजो० १२८;

कोडियगण. पुं० (कोटिकगण) कोटिक

नामना महावीर स्वामीने अ० गण.

कोटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण

An order of ascetics styled as

Kotika and established by

Mahāvīr Svāmī. ठा० ६;

कोडिलय. न० (कोटिलय) कोटिलयनुं अर्थ-

शास्त्र. कोटिलय का अर्थ शास्त्र. Political

economy founded by Kautilya.

अणुजो० ४१;

कोडी. स्त्री० (कोटी) करोडनी संख्या; आ

आय. एककरोड की संख्या; सौ लाख;

(१०००००००). १०००००००; one

crore; 100 lacs. पञ्च० २; अणुजो०

१३३; नाया० १; —ईसर. पुं० (—ईसर)

धनाढ्य; कोटिपति—शाहुकार. नायाः

कोडाधिपति—साहुकार. a wealthy

person; a millionaire. मु० च० १, ३३;

कोडीदुगमिलण. न० (कोटिदुगमिलन)

वनना में छेड़नुं मिश्रान करनुं ते;

अ० वन पुरुं धनुं के ते पादया. बिना भीजनी

आरंभ करवा ते—ग्रेम विपवास पुरो धयो

के अ० कालुभां पदया. आलु करवा ते; पदय-

आजुने ओ३ प्रकार. व्रत के दोनों किनारों का मिलान करना; एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवास पूर्ण होतेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना; प्रत्याख्यान का एक भेद. A variety of Pachchakhāpa; joining together of two Pachchakhāpas (vows) i. e. to undertake another vow at the end of the first. प्र० १६३:

कांडीवरिस. न० (कांटीवर्य) आटदेशनुं ये
नामनुं येक नगर. लाटदेश का इस नाम
का एक नगर. A city of this name
of the country. लाट. पृष्ठ० ३.

कोडीवगिसिया. स्त्री० (कोटिवर्षिका) अ
 नाम्नी ओष्ठ शाखा. इस नाम का एक शाखा.
 A branch of a certain lineage.
 कप० =;

कांडुबि. त्रि० (कुटुम्बिन) आदिगा ६६ अ
 ५५०. बडे कुटुम्ब वाला. (One) of a
 big family. डा० ३, १; अणुजो० १३१;
 त्रिवा० ३, १;

कांडुचिर्णा. स्त्री० (कांडुम्बिनी) कुटुम्बी स्त्री।
कुटुम्ब का स्त्री० A female member
of a family. (२) दासी, दासिनी a
maid servant. भग० ११, १५:

कौटुम्बिक्य. पुं० (कौटुम्बिक-कटुम्बस्याधिपतिः
कौटुम्बिकः) कुटुम्बो नायकः. कटुम्ब का
अधिपति नायकः. The head of a
family. अणुजो० १६; गय० २५३; १७०
१६; भग० २, १; ७, ६; उवा० १, १२;
नाया० १६; जं० प० (२) सेवकः दत्तगी.
(२) सेवक; दत्तगी. a servant; an
attendant. दसा० १०, १; कप्प० ४,
५७; — पुरिस पुं० (पुरुष) कुटुम्बो

भाष्यः, हजुरी; सेवक. कौटुम्बिक मनुष्यः
हजुरी; सेवक. an attendant of a
family. नाया० १; ८; १४; अग० ६,
३३; विवा० ६; निग० १, १; दसा० १०, १;
कप० ४, १७;

कोडूसग. पुं० (कोवूषक) अष्ट ज्यतनु धान्य;
 'आदरा. एक प्रकार का धान्य. A kind of
 corn. भग० ६, ७; प्रव० १०१३;

कोढ. पुं० (कुह) अश्व प्रक्षारतो रोगः प्राद.
एक प्रकार का रोगः कोढ. A kind of
disease; leprosy. नाया० १३:

कांदि. त्रि० (कुष्ठिन — कुष्ठमष्टादशभेदमस्या-
स्तीति कुष्ठा) दैह रोग वायो; फोटीयि;
कोड रोग वाता: कोटिया. (One) hav-
ing leprosy. पृष्ठ ० २, ५; आया ० १,
३, १, १५२;

क्रे.ग. पुं० (कोण) शृंग वक्राश्रयां दध्या
वाना वक्रनिका दस्ता. The key note of
a musical instrument. मय० १३०:
(२) अङ्गि. कोना. a corner; an
angle. प्रव० ६२२: ज्ञावा० ३, १: स०
१० १: आघ० नि० भा० १३२:

कोणाल पुं० (कोणाल) २०। विशेष जाव
विशेष. A kind of living creature
जं० प०

कोणालग पुं० (कोणालक) अश्व मतजु पक्षि.
एक जाति का पक्षी, A kind of bird.
पृष्ठ १, १:

क्रौणिक. पुं० (क्रौणिक) चंपा नगरीना राजा;
 श्रेणिक गजनेता पुत्र. चंपा नगरा का राजा;
 श्रेणिक राजा का पुत्र. The king of
 the city of Champā; the son of
 the king Śreṇika नाया० १: ६; १६;
 भग० ७, ६;

कोतव. न (कौतव) विंदरना यापानुं यनावेधं
भूय चहे के बाल का बनाया हुआ मृत्. A

thread made of the hair of a rat अणुजो० ३७:

कोसिय. पुं० (कात्रिक) भूमि पर शयन करने वाला; तपस्वी की एक जाति. One who sleeps on the floor. निर० ३, ३; भग० ११, ६; श्रौत० ३८:

कोत्थ. त्रि० (कौत्स) कुत्स गोत्रभां उत्पन्न थयेन पुरुष-शिवभूति वगैरे. कुत्स गोत्र में उत्पन्न पुरुष शिवभूति आदि. Śivabhūti etc. born in Kutsa lineage. टा० ७, १;

कोत्थ. पुं० (कोष्ठ) केशि; उदर प्रदेश. कोश; उदर प्रदेश. The stomach; the belly. नाया० १; हृत्थ त्रि० (-हस्तःकोष्ठे उदर प्रदेशे हस्ता यस्य स तथा) उदर पर हाथ छे गंती भवेत्. जिसका छाती पर हाथ है वह. (one) with his hand resting on the breast. "गणिया याव करेण कोत्थ हर्षी" नाया० १;

कोत्थर. पुं० (*) आडली आभास. झाड़ की कोचर. A clft in a tree. सु० च० १६, १६;

कोत्थल. पुं० (*) थैला; काथण. गुण; थैला. A big bag. उत्त० १६, ४०;

कोत्थलगारिआ. स्त्री० (कोत्थलकारिका) काथला गेजु धर करनेारी लमरी. मिट्टी का घर बनाने वाला भमरी. A fly which builds a house of the shape of a bag. ओघ० नि० २६२;

कोत्थलवाहगा. स्त्री० (कोत्थलवाहिका) त्रय इन्द्रियवागा शयनी ओष्ठ गत. त्रय इन्द्रिय वाले जांव की एक जाति. A kind

of three-sensed creature. पञ० १;

कोत्थुम. पुं० (कौत्सुम) शैकुं आभरण. गले का आभूषण. An ornament for the neck; a necklace. (२) कृष्ण वासुदेवो कोत्थुम नामनो भूषी. कृष्ण वासुदेव का कौत्सुम नाम की मणि. A gem so named of Kṛṣṇa Vāsudeva. पञ० १, ४;

कोत्थुह. पुं० (कौत्सुम) अगीधारमा तीर्थ-करना ११वां भृगुधरनुं नाम. ग्यारहवें तार्थकर के १ ले गणवर का नाम. Name of the 1st Gaṇadhara of the 11th Tirthāṅkara. प्रव० ३०६;

कोथुमवव. पुं० (कौत्सुमवव) काथमरी. कंधमरी. A kind of vegetable. निर० ३, ८०;

कोदंड. न० (कोदण्ड) धनुष्य. धनुष्य A bow. "कोदंड विष्णु मुकुण्ड उसुणा वाम पादेविदे समणो" अंत० ५, भग० ७, १;

कोदंडिय. पुं० (कुदण्डक) कुत्सित दंड; अपेक्षित दंड. कुत्सित दण्ड; अपेक्षित दण्ड. Inadequate punishment. भग० ११, ११;

कोदसग. पुं० (कोदसक) ओष्ठ गतनुं धान्य. कोदरा. एक जाति का धान्य; कोदरा. A kind of corn. भग० २१, ३; पञ० १;

कोदव. पुं० (कोदव) कोदरा; ओष्ठ गतनुं दण्डक धान्य एक जाति का हलका धान्य. कोदरा. A kind of corn of inferior quality. पञ० १; विश० १२०४; ओघ०

नि० भा० ३०७; पि० नि० १६२; भग० ६, ७; २१, ३; जं० प० सूय० २, २, ११; टा० ७, १; प्रव० ६८२; १०१६;

कोदाल. पुं० (कोदाल) ओष्ठ गतनुं दूध.

एक जाति का वृक्ष. A kind of tree.
जं० ५०

कोहालग. पुं० (कोहालक) अंड वृक्ष. A.

एक जाति का वृक्ष. A kind of tree.

भग० ६, ७; जीवा० ३, ३;

कोहालिया. स्त्री० (कुहालिका) कुहाली.

कुहाली. An axe. विवा० १ ३;

कोप्पर. पुं० (कूर्पर) केशी. कुहनी; काना

The elbow. पंचा० ३, १६; अष्टा० नि०

भा० २६६; विवा० ६; (२) नदीना केतर.

नदी का गुफा-दर. the cleft or

hollow in the river. अष्टा० नि० ३०;

कोमल. त्रि० (कोमल) मुकुटभद्र; मृदु. सुको-

मल; मृदु. Soft; delicate. नंदी० ४२;

भग० २, १; ११, ११; नाया० १: २;

अणुजो० १६; अष्टा० विवा० ७; राय०

(२) अंड वृक्ष. एक जाति का

हिरन. a kind of deer. राय० २३८:

—अंगी. स्त्री० (—अंगी) श्रमज अंगवाणी

कोमल अंगवाणी. a woman having a

delicate body. नाया० ८: —अवि-

लिया. स्त्री० (—अम्लिका) द्रावी आम्रली

जैसा आम्रलीया तथैसा हल तैसा दानै.

कच्चा आम्रली; जिस में गुठला पैदा न

हुई हो ऐसा इमली. a kind of raw

fruit having sour taste. प्रव० ७४१:

—तल. न० (तल) कोमल पगुनीयु.

कोमल पांव की तली. the sole of a

delicate feet. भग० १, १:

कोमलिया. स्त्री० (कोमलिका) मुकुटभद्र स्त्री.

मुकुटभद्र स्त्री. A delicate woman.

नाया० १६;

कोमारभिर. न० (कोमारभृत्) कुमारन

क्षीरादि केवीरने पोषणु तेनु ययुन जेभां

जे अयु शास्त्र. कुमार का क्षीरादि से किस

प्रकार पोषण करना इस का नाम A

science dealing with the ways
of nourishing the children
with milk etc विवा० ७;

कोमारी. स्त्री० (कौमारी) कुमार अवस्थाभां

दीक्षा लीधल साध्वी; आलक्ष्म्यारिणी.

बाल्यावस्था में दाक्षित हुई अर्जिका; बाल

ब्रम्हचारिणी. A woman initiated

from the very childhood. भग०

१५, १;

कोमुई. स्त्री० (कौमुदी) शर्तडी पूर्णिमा.

कार्तिककी पूर्णिमा. The full-moon-

day of the month of Kārtika.

जं० ५० नाया० २: (२) चंद्रप्रभा; चंद्र-

ज्योत्स्ना, चंद्रप्रभा: चंद्रज्योत्स्ना the

moonlight. अष्टा० —जोगजुल. पुं०

(—योगयुक्त) शर्तडी भासनी पुनभनी योग

रात्रि कार्तिक मास की पूर्णिमा के योग वाला

(चंद्र). (the moon) coexistent

with the full-moon-day of

the month of Kārtika. दस० ६, १,

१५;—गिम्मा स्त्री० (—निशा) शर्तडी भासनी

पुनभनी रात्रि. कार्तिकमास की पूर्णिमा की

रात्रि. the night of the full-

moon-day of the month of

Kārtika. नाया० १:

कोमुईयभेरी. स्त्री० (कौमुदिकभेरी) कोमुदि

उत्सवनु अंड वाजिंत्र. कौमुदी महोत्सव का

एक बाजा. A kind of musical in-

strument. नाया० ४;

कोमुदिया. स्त्री० (कौमुदिका) कोमुदिकभेरी;

जेके ने अष्टर आपरा माटे महोत्सव प्रसंगे

वाज्यानी भेरी वाजिंत्र. कौमुदिका भेरी;

बाजों की सूचना देने के लिये महोत्सव के

समय बजाने की भेरी-बाजा. A kind of

musical instrument which is

played upon at the time of

some ceremony for giving notice to the people. विशेष० १४०६;

कोमुदी. स्त्री० (कौमुदी) आन्तरी. चांदनी.

Moon-light. जीव० ३, ३;

कोयव. न० (कोयव) कोयव देशना वस्त्रनी
ऐक मत. कोयव देश के वस्त्र की एक जाति.

A kind of cloth of the Koyava country. नाया० १७; आया० २, ५, १, १४५;

(२) कोयव नामनी ऐक देश कोयव नाम
का एक देश. a country of this name. प्रव० १५६८;

कोयवि. पुं० (कोयवि) रु-आपुसथी भरेल
रगल; भुरही. कपास से भरी हुई रजाई. A
quilt. प्रव० ६८२;

✓ कोर. धा० II. (कर्) किरतुः किरतुः.
खोदना; कुतरना. To carve.

कोरेई. निसी० १४, ४६;

कोरिय. सं० कृ० निमी० १८, ४६;

कोरवेह. पुं० निमी० १४, ३०;

कोरंट. पुं० (कोरंट) किरन्त जतनुं ऐक
जाति; वृक्षना गुच्छताजुं ऐक वृक्ष. कोरंट
जाति का एक झाड़. फूल के गुच्छेवाला एक
वृक्ष. A kind of plant bearing
flowers in clusters. पञ० १; भग०
७, ६; ओव० ३१; नाया० १; राय० ५४;
६६; उवा० १, १०; ज० प० ५, १२२;
—पत्त. न० (—पत्र) कोरंट वृक्षना पाँदरा.
कोरंट वृक्ष के पत्ते. the leaves of a
Koranta tree. नाया० ८; —बैट.
पुं० (वृत्त) कोरंट वृक्षनुं दीटुं-जिटुं.
कोरंटवृक्ष का बाँट. the stem of a
Koranta tree. भग० ४२, १;

कोरंटग. पुं० (कोरंटक) लुओ “कोरंट”
शब्द. देखो “कोरंट” शब्द. Vide.
“कोरंट” भग० २२, ५;

कोरण. न० (कोरण) किरतुं ते नकासना:

कोरना. Carving. निसी० १८, १४;

कोरव पुं० (कोरक) किर; भंजरी. मंजरी.
Pollen. (२) कवि. कला. a bud.

ठा० ४, १;

कोरव. पुं० (कौरव) कुरुवंश. कुरुवंश. The
Kuru family. (२) ते वंशमा जन्मेव.
उस वंश में उत्पन्न. a person born in
this family. भग० ६, ३३; पञ० १;
राय० २१८;

कोरवित्रा. स्त्री० (कोरविका) पञ्च आमनी
भीष्ट भूजना. शङ्ख ग्राम की दूसरी
भूजना. The second note of the
musical scale. अणुजो० १३८;

कोरव्व पुं० (कौरव्य) कुरु वंशमा उत्पन्न
थयेव. कुरुवंश में उत्पन्न. One born
in a Kuru family. ओव० १४; भग०
२०, ८; जीवा० ३, १; अणुजो० १३१,
प्रव० १२२३;

कोरव्विया. स्त्री० (कौरविका) पञ्च आमनी
भीष्ट भूजना. पङ्क ग्राम की दूसरी भूजना.
Known as Sadkja. ठा० ७, १;

कोरिंग. पुं० (कोरङ्ग) ऐक जतनुं पक्षी.
एक जाति का पक्षी. A kind of bird.
पण्ड० १, १;

कोरिट. पुं० (कोरिट) ऐक जतनुं जाति.
एक जाति का झाड़. A kind of tree.
कप० ३, ३७; ४, ६२; जीवा० ३, ४; ज० प०

कोरिटग. पुं० (कोरिटक) ऐक जतनुं प्राणी.
एक जाति का प्राणी. A kind of crea-
ture. ज० प०

कोरिटय. पुं० (कोरिटक) ऐक जतनुं जाति.
गंदा; हजारा. A kind of plant. पञ० १;

कोरिस्तक. वि० (कोरिस्तक) धुल्ला शब्दों
कोरी आधेनुं; तुटी तुटी शब्दों थयेनुं. धुन
जावों ने कोर वर खाया हुआ; दूटा फूटा

जींषे. destroyed by insectes which feed themselves by carving a substance. राय० २५७;

कोल. पुं० (कोल) धुल्लो; उदई; कीडी वगेरे. घुन; उदई; चिउटी इत्यादि. Insects e. g. white ants etc. आया० १, ८; ७, १७; (२) भोर. बेर. berry. दस० ५, २, २१; आया० २, १, ८, ४३; पि० नि० ५६१; (३) कुकुर; मुंड. मुअर. a pig. पणह० १, १; उत्त० १६, ५४; नाया० १; —अट्टिग. न० (- अस्थिक) भोरतो हडियो. बेर का गुठला. a stone of a berry. भग० ६, १०; —आवास पुं० (- आवास) धुल्लानुं रहैला; उधामनुं स्थान. घुन के रहने का स्थान; उदई का स्थान. residing place of insects e. g. white ants etc. निर्यो० ७, २१; १३, ४; —चुगण. न० (- चूर्ण) भोरनुं चूर्ण; भोर कुडा. बेर का चूर्ण; बेर कुडा. a powder of berry fruits. दस० ७, १, ७१;

कोलख. पुं० (कोलख-नखद्रुमाग्रभाग) नभेला आडनी शाखातो अग्रभाग. कुके हुए काड़ की डाली का अग्रभाग. The front part of a branch of a tree which is bent. विवा० ३;

कोलघरिय. वि० (कोलगृहिक) कुवधर सम्बन्धी. कुलघर सम्बन्धी. Relating to father's house. "कोलघरिय पुरिसे महाबेइ" उवा० ८, २४२;

कोलव. न० (कौलव) कौलव नामनुं त्रीणुं करणु; दरेक मासना शुक्ल पक्षमां ७४ अने तेरसने दिवसे तथा श्रीज अने नोमनी राते; तथा कृष्ण पक्षमां पांचम अने बारसने दिवसे तथा ओकम अने आडमनी राते आयनुं. सात अर करणुमांनुं त्रीणुं करणु.

कौलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की छठ और तेरस के दिन तथा बीज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष की पांचम और बारस का दिन या एकम और आठम की रात पर आनेवाला, सात अर करणों में से तीसरा करण. The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. जं० प० ७, १५३; विशे० ३३४८;

कोलवाल पुं० (कोलपाल) धरणेन्द्रता श्रीज लोकपालनुं अने भूतानंद हंडता लोकपालनुं नाम. धरणेन्द्र के दूसरे लोकपाल का और भूतानंद हंड के लोकपाल का नाम. The name of a Lokapāla, the second of Dharaṇendra and of Bhūtananda ठा० ४, १; भग० ३, ८; जं० प०

कोलसुगअ. य. पुं० (कोलशुनक) भोटुं सुव्वर. बड़ा मुअर. A big pig. आया० २, १, ५, २७;

कोलसुगण. पुं० (कोलशुनक) भोटुं कुकुर. बड़ा मुअर. (भसंडा). A big pig. पण० १; जावा० ३, ३; जं० प० पणह० १ १;

कोलालिय पुं० (कौलालिक-कौलालानि मृद-भाण्डानिपत्यमस्वेति कौलालिकः) माटीना वासणुं येयतार; डंलार. मिट्टी के बरतनों का व्यापारी; कुंभकार. A potter. अणुजो०

१३१; पञ० १; उवा० ७, १६५;

कोलाह. पुं० (कोलाभ) ओक जलनो डेलुवादे।
सर्प. एक जाति का फनवाला सर्प A kind
of hooded serpent. पञ० १;

कोलाहल. पुं० (कोलाहल) शेर अडो; गअरट. कोलाहल; हल्लागुल्ला. An uproar;
bustle. नाया० १६; उत्त० ६, ५;
आव० २४; जं प० पञ० २; “ गाय
कोलाहल करे ” सूय० १, ६, ३१; भग०
७, ६; उवा० ६, १३६; —पिय. त्रि०
(—प्रिय) डोलाहल छे प्रिय जेने ते. जिसे
कोलाहल प्रिय है वह. (one) appre-
ciating bustle. नाया० १६;

कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूत-
कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽ-
स्मिन्तत् कोलाहलक भूतम्) डोलाहल भय.
कोलाहल सहित. Full of bustle.
जं प० २, ३६; भग० ७, ५;

कोलुण. न० (कारुण) दया; करुणा. दया;
करुणा. Mercy; pity. निसी० १२, १;
—पडिया. स्त्री० (—प्रतिज्ञा) अनुकंपा
निमित्त; करुण भाटे. दया के लिये; करुणार्थ.
for the sake of mercy. निसी०
१२, १;

❖ **कोलेज्जा.** स्त्री० (अवोवृत्त खाता कारकोष्ठिका
विशेष) नीचे पाटली अने उपर पाटली
आधारनी डोली. नीचे बोलल और ऊपर
खन्दक के आकर वाला कोठी. A conical
shaped pot. आया० २, १७, ३७;

कोल. पुं० (कोल) डोलावृक्ष. कोलवृक्ष. A
Kola tree. कप्प० ३, ३७;

कोल्लाय. पुं० (कोल्लाक) डोलाक नामनो
संनिवेश-ग्राम. कोल्लाक नाम का संनिवेश-
ग्राम. A neighbouring village
named Kollāka. भग० १५, १;
उवा० १, ८०;

कोव. पुं० (कोष) डोष; डोप. कोष; कोप.
Anger; enragement. पिं० नि० २१२;
सम० ५२; भग० १२, ६; —घर. न०
(—गृह) डोप करवानुं धर; रीसाधने भेसे
ते स्थान कोप स्थान; क्रोधित होकर जहाँ
जा बैठे वह जगह. resorting place
of one who is enraged. बिबा० ६;
—सीलया. स्त्री० (—शीलता) डोधी स्वभाव.
कोपी स्वभाव. high temperament.
ठा० ४, ४;

कोवित्र-य. त्रि० (काविद) पंडित. पंडित.
Learned. आया० १, ६, १;

कोस. पुं० (कोश) गडि. भे दानर धनुष्य
प्रमाण क्षेत्र; डोस. गाउ. दो हजार धनुष्य
प्रमाण क्षेत्र; काम. A distance of two
miles; a distance equal to 2000
Dhanusyas (a measure of
length) उत्त० ३६, ६१; आव० ४२; जं०
प० भग० २, ८; पञ० ३६; जावा० ३, १;
प्रव० ४६२; (२) आंजनो डोले. आंख की
पुतली. the pupil of the eye.
अणुत्त ३, १; (३) लघुनीत-पेशाव करवानुं
शम. लघुनीत-पेशाव करने का बर्तन. a
pot for passing urine in. सूय० १,
४, २, १२; (४) अधोमुप डमरने आकारे
गर्भाशय; गर्भ स्थान. a womb तंदु० ८;
(५) अडर; अजने. भंडार; खजाना. a
store; a treasury. जं० प० ७, १६५;
शय० १६२; २०६; २२२; २८२; नाया० १;
१४; निर० १, १; भग० ११, ६; उत्त० ६,
४६; आव० कप्प० ४, ५६; (६) डमरने
डोली. कमल की फली. a lotus
pod. पंचा० ३, १६; —दुग न० (—द्विक)
भे गडि. दो कोस. two miles. प्रव०
८१६; —अगार. पुं० (—अगार) अडर;
अजने. भंडार; खजाना. treasure;

store. जं० प० —आकार. पुं० (—आकार)
उभय कोशनी आकृति. कमल की फली सी
आकृति. the shape of a lotus pod.
पंचा० ३, १६:

कोसंब पुं० (कौशम्ब) द्वारकाथी पांडु मथुरा
जतां वरमे आयतुं ये नामतुं येक वन दे
येमां जराकुमार कृष्ण महाराजने हरयुनी
आतिथी आणु मथु. द्वारका से पांडु मथुरा
जाते समय मार्ग में आने वाला एक वन जहां
जराकुमार ने कृष्ण महाराज को हिरन समझ
कर बान मारा था. A forest of this
name situated between Dwāraka
and Pandu Mathurā, where
Jarākumāra had struck Kṛṣṇa
Mahārāja taking him to be a
deer through mistake. अंत० ५,
१; (२) ये नामतुं येक आड. इस नाम का
एक झाड़. a kind of tree. पञ्च० १:
(३) कोशम्ब आणुं द्रव. कोशम्ब नामके
झाड़ का फल. a fruit of Kośāmba
tree. भग० २२, २: —गंडिया. स्त्री०
(—गण्डिका) कोशम्ब वृक्ष की गांठवाली लकड़ी. a
stick of Kośāmba tree having
knods. भग० १६, ४:

कोसंबिया. स्त्री० (कौशम्बिका) ये नामनी
येक शाखा. इस नाम का एक शाखा. An
offshoot of this name कण० ८:

कोसंबी. पुं० (कौशम्बी) ये नामनी येक
नगरी; अनाथी मुनिनुं भूषण वन. इस नाम
की एक नगरी; अनाथी मुनि का मूल निवास
स्थान. Name of a city; the resid-
ing city of the ascetic Anāthi.
निसी० ६, २०; भग० १२, २; वेय० १, ४६:

उत्त० २०, १८; नाया० घ० १०; पञ्च० १;

कोसग. पुं० (कोशक) येक जतनुं शम-

वासणु. एक जाति का बर्तन. A kind of
pot. “सरावं सिवा विदिमंसिवा कोसं
सिवा” आया० २, १, ११, ६२; प्रव० ६८३:

कोसल. पुं० (कोशल) कोशल देश; श्रीवृक्षभ-
देव भगवानना चौबीसवां पुत्रना लागमां
आवेस देश. कौशल देश; श्री ऋषभदेव
भगवान के चौबीसवें पुत्र के हिस्से में आया
हुआ देश. Kośala country; name
of the country which came as
a part of property to the 24th
son of Śrī Rṣabhadeva. पञ्च०
१; नाया० ८; कण० ५, १२७; —जाणवय.
पुं० (—जानपद) कोशल देश. कोशल देश.
the Kośala country. भग० १५, १:

कोसलग. त्रि० (कोशलक-कोशला अयोध्या
तजनपदोऽपि कोशला. तत्पम्बन्धिनः को-
शलकाः) कोशल देशवासी. कौशल देश
निवासी. A resident of Kośala.
पि० नि० ६१६; भग० ७, ६; १५, १;
टा० ५, २:

कोमलिअ-य. त्रि० (कोशलिक-कुशला-
विर्नाता अयोध्या, तस्या अधिपतिस्तत्र
भवोवा कौशलिकः) कोशल देशमां जन्मेस.
कोशल देश में उत्पन्न. (One) born in
the country of Kośala. (२)
अयोध्या नगरीना अधिपति राज. अयोध्या
नगरी का अधिपति-राजा. the king of
Kyodhyā. जं० प० २, ३०; ३१:

कोसिअ-य पुं० (कौशिक) कोशिक नामतुं.
गोत्र. कौशिक नाम का गोत्र. A lineage
of this name. नंदी० २५; सू० प० ११;
टा० ७, १; (२) त्रि० कोशिक गोत्रमां
उत्पन्न थयेस. कौशिक गोत्र में उत्पन्न.
(one) born in a Kousika line-
age. टा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार. पुं० (कोशिकार) येक जतने

रेशमनो कीडा. एक जातका रेशम का कीडा.

A kind of silk-worm. परह० १, ३;

कोसिज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी कपडा. Silken cloth. जं० प०,

कोसी. स्त्री० (कौशी) कोशी नामकी नदी के जे गंगाभां भये छे. कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges.

ठा० ५, ३; उवा० २, १०१;

कोसी. स्त्री० (कौशी) तलवारनी म्यान. तलवार का कोश; म्यान. A sheath. सूय० २, १, १५;

कोसेज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प० २३८; परह० १, ४; ओव० जाँवा० ३;

कोह. पुं० (क्रोध-क्रोधनं कुध्यति वा येनसः क्रोधः) क्रोध; रोष; गुस्सा. क्रोध; गुस्सा; रोष. Anger; rage. नाया० १; ५; सु० च० ३, १६१; भग० १, ६; ७, १; १०; १२, ५; दम० ६; ६, १२; ७, ५४; पि० नि० ६३; ४०६; आया० १, ५, ६, १६५; ठा० १, १; २, १; उत्त० १, १४; ४, १२; ६, ३६; दसा० ४, ८२; ६, ४; निसी० १३, ६६; ओव० १६, ३४; विशेष० १०३४; पञ्च० १४; सूय० २, ६, १२; भक्त० ६८; १५१; प्रव० ४५७; ओव० ३, १; क० प० २, ८७; क० गं० १, १६; पंचा० १, १०; —उदयणिरोह. पुं० (—उदयनिरोध) क्रोधना उदयने रोकवे. क्रोध का उदय न होने देना. checking of anger. भग० २५, ७; —उवउत्त. त्रि० (—उपयुक्त) क्रोधना उपयोगवाला; क्रोधी. क्रोधी उपयोगवाला; क्रोधी. enraged; angry. भग० १, ५; —कसाअ-य. पुं० (—कषाय) क्रोध-गुस्सा ते रूप कषाय. क्रोध-गुस्सा वह रूप वाला कषाय. a passion in the

form of anger. ठा० ४, १; सम० ४; भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४, ७; —कसाइ. पुं० (—कषायिन्) क्रोध कषायवाला; क्रोधी. क्रोध कषायवाला; क्रोधी. a person possessed of anger. भग० ६, ४; ११, १; १८, १; २६, १; ३५, १; —जुअल. न० (—युगल) क्रोधपुं जेठु-युगल; अप्रत्याख्यावरणीय क्रोध अने पप्रत्याख्यावरणीय क्रोध. क्रोध की जोड़ी-युगल; अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध और प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. a pair of Pratyākhyānāvaranīya and Apratyākhyānāvaranīya anger. प्रव० ७१०; —निग्गह. पुं० (—निग्रह) क्रोधने निग्रह करने. क्रोध का निग्रह करना. checking of anger. प्रव० ५५६; —निव्वत्तिअ. त्रि० (—निर्वर्तित) क्रोध धी निव्वत्त थये. क्रोध से निव्वत्त. produced, born of anger. ठा० ४, ८; —पिण्ड. पुं० (—पिण्ड—क्रोधः कोपस्तद्धेतुकः पिण्डः क्रोधपिण्डः) क्रोधपात्र साधु विद्या के तपने प्रभाव दर्शापी राजपदलक्षणापात्र के पोतानु अन्न जलादी आहार हये ते आहारने ओक दोष. कोईभी साधु विद्या या तप का प्रभाव दिखाकर या राजवृत्तभता और अपना बल दिखा आहार ले वह आहारः आहार का एक दोष. accepting of food by exposing some miracle or superhuman power or the royal patronage; a fault connected with receiving food. पि० नि० ४६२; —मुण्ड. त्रि० (—मुण्ड) क्रोधने निग्रह करना. क्रोध का निग्रह करने वाला. (one) who checks anger. ठा० ५, ३; —वसट्ट. त्रि० (—वशात) क्रोधशी पीड़ित; क्रोधने वश आर्त-दुःखी

थपेल. क्रोध से दुःखित; क्रोध के कारण आर्त-
दुःखी. afflicted with anger; given
to anger. भग० १२, १; —विउस्सग.
पुं० (—व्युत्सर्ग) क्रोधनेो त्याग. क्रोध का
त्याग. abandoning of anger.
भग० २५, ७; —विजअ-य. पुं०
(—विजय—क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परि-
भावेनोदय निरोधः क्रोधविजयः) क्रोधने
अतएव ते क्रोधने अटकाववो ते. क्रोध को
जीतना; क्रोध को रोकना. conquering
of anger; victory over anger.
उत्त० २९, २; —विवेग. पुं० (—विवेक)
क्रोधनेो त्याग. क्रोध का त्याग. abandon-
ing of anger. “एगे कोह विवेगे”
आ० १, १; भग० १७, ३; सम० २४;
—सगणा. स्त्री० (—संज्ञा—क्रोधादयात्तदा
वेशगर्भा प्ररुद्ध मुखनयनदन्तच्छुदस्फुरणाद्
चेष्टैव संज्ञायते अनयेति क्रोधसंज्ञा) क्रोध
मोहनीयतां विदधती क्रोधि मनुष्यता मुप्य नैव
दन्त वगेरे अगो ध्रुवे छे ते क्रोध संज्ञा.
क्रोध मोहनीय के उदय से क्रोधी मनुष्य के
मुह, नेत्र, दंत आदि अंगों का धुजना; क्रोध
संज्ञा. trembling of face eyes
teeth etc., of a man who is en-
raged. भग० ७, ८, आ० १०; पञ्च० ७;

कोहंगक पुं० (क्रोधाङ्क) एक जंतु पक्षी.
एक जाति का पक्षी A kind of bird.
आव०

कोहंड. पुं० (कूष्माण्ड) कड़वा; कड़वा.
लांकी; तुम्बी. A white gourd.

अणुजो० १४३; प्रव० ११४५;

कोहण. त्रि० (क्रोधन) क्षणै क्षणै तपी जनार;
क्रोधी; असमाधिनुं नवभुं स्थानकं सेयनार.
क्षण २ पर क्रोध करने वाला; क्रोधी; अस-
माधि का नवां स्थानक सेवने वाला. (One)
getting angry every moment;
(one) undergoing the 9th stage
of uneasiness due to anger.

सूय० २, २, १८; उत्त० २७, ६; सम० २०;

कोहि. त्रि० (क्रोधिन्) क्रोधात्तो; क्रोधी.
क्रोधी; क्रोध वाला. Angry; enraged.
अणुजो० १३१; क० गं० ४, ६३;

कोहिस. त्रि० (क्रोधवन्) क्रोधात्तो; आरीतो;
क्रोधी; क्रोधा; जहंग; डाही. Angry; en-
raged. ओष० नि० भा० १३३;

✓क्रिण. भा० I. II. (क्रा) वेयाजुं वेयुः
परीदयुं. विकता हुआ लेना; खरीदना. To
purchase; to buy

क्रिण्व निमी० १४, १; १६, १;

क्रिणाह पि० नि० ३५०;

क्रियो. वि० आया० १, २, ५, ८८;

क्रिणं व० क० सूय० २, १, २४;

क्रिणन्त. उत्त० ३५, १४; मु० च० ३५, १७६;

क्रिणावेह. प्रे० निमी० १४, १, १६, १;

क्रिणावण. प्रे० आया० १, २, ५, ८८;

क्रिणावेमाण. प्रे० सूय० २, १, २४;

क्रिजन्तु. प्रे० परह० १, २;

✓कखोड. भा० I. () निषेध करवा.
त्यागना. To abandon; to reject.
खोडिज्जति. भग० १३, २;

* शुभो ५४ नम्बर १५ ती ५४ नो (२). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

ख.

ख. न० (ख) आकाश. आकाश; आस्मान.

The sky. "खे सोहइ बिमले अम्भ-
मुके" दस० ६, १, १५; (२) इन्द्रिय.

इन्द्रिय. an organ; a limb. विशेष० ३४४५;

खञ्ज-य. न० (जत) धा; ७८५भ. घाव;

जखम. A wound. सु० च० ७, २६४;

खइ. त्रि० (क्षयिन्) क्षयरोगवालो. क्षय रोगा.

Consumptive. सु० च० १३, ५४;

खइअ-य. त्रि० (क्षयिक) कर्म प्रकृतिनो

क्षय; समूलगो नाश करवाथी उत्पन्न धनो

लाय-केवल ज्ञानादि क्षायिक लाय. कर्म प्रकृति

का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला

भाव-केवल ज्ञानादि क्षायिक भाव. Com-

plete destruction of Karmic

natures. पि० नि० १५८; अणुजो० ८८;

भग० १४, ७; २५, ६; विशेष० ५२८; प्रव०

६५७; १३०४; क० गं० १, १५; ३, २०;

४, १६;

खइय. त्रि० (क्षपित) अपावेष्टुं; क्षय करेष्टुं.

नाश किगहुआ. क्षयकियाहुआ. Destroy-

ed. राय० २८३;

खइय. त्रि० (खचित) ७८३कुं. जडा हुआ,

पक्काकियाहुआ. Inlaid; studded.

आया० २, ६, १, १४५; उवा० ७, २०६;

खइय. त्रि० (खादित) अयायेष्ट; आयेष्ट.

खायाहुआ. Tasted; eaten. पि० नि०

१६२; पं० चा० १६, १३; ओघ० नि० भा०

५८८; राय० २५८; पि० नि० ७३५;

खइर. पुं० (खदिर) भेरतुं आड. खेरका झाड.

A kind of tree known as

Khera. सु० च० ७, ६५;

खउर. न० (खपुर) सोपारीना वाकडामांथी

अनावेष्ट तापसनुं पात्र. सुपारीका लकडी

से बनाया हुआ तापस का एक पात्र. A pot

for an ascetic made of the

wood of a bettle-nut. विशेष० १४६५;

खउरिय. त्रि० (*) भेष्टुं; डोष्टुं. मैला;

गन्दला. Turbid; dirty. पि० नि० २६२;

खओवसम. पुं० (क्षयोपशम) क्षयोपशम

लाय-कर्मनो कांछिक क्षय अने कांछिक उपशम

करेवे। ते, अर्थात् उदयमां आवेष्ट कर्मनो

क्षय अने उदयमां न आवेष्ट कर्मनो उपशम

करेवे। ते. क्षयोपशमभाव-कर्मका कुछेक क्षय

और कुछेक उपशम करना अर्थात् क्षय करना

और उदय में न आये हुए कर्मका उपशम

करना. Destroying of Karmas

and forcing the unmaturing

Karmas to mature. विशेष० १०४;

आव० ४; नाया० १, १४; भग० ६, ३३;

पंचा० १, ३; उवा० १, ७४;

खओवसमिअ. न० (क्षयोपशमिक) क्षयोप-

शमभावे प्राप्त यत्नां मातृज्ञान आदि. क्षयो-

पशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान आदि.

Intellectual knowledge etc got

by the action of destroying

the matured Karmas and forc-

ing the unmaturing Karmas to

mature. अणुजो० ८८; ठा० २, १; नंदी०

६; भग० १४, ७; २५, ६; विशेष० ५१७;

क० गं० ६, ५०; प्रव० ६३६;

✓ खंच. धा० I. (कृष्) भेष्टुं. खंचना.

To stretch.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खंख. आ० सु० च० २, १८;

खंजण. पुं० (खजन) गाडानी डियलु-गाडाना पैडा-
नो भेल-पैडां दूरवाथी धरी ओपर नभतो गी-
ऊलो डागे। भेल. गाडेकी लंघन गाडे के पहियों
का मैल—पहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला
चिकना काला मैल. The dirty black
grease of wheels. ओष० नि० ४०१;
क० गं० १, २; भग० ६, १; १२, ६; उल०
३४, ४; ओव० मू० प० १२०; (२) ओड
वननुं पडी। एक जात का पत्ती. a kind
of bird. जीवा० ३, ४; (३) दीपनी
भेल: डाण्ण. दीपक की मस: काजल. the
soot of a lamp. ठा० ४, २; पञ्च० १७;
प्रव० ८७७;

✓ खंड. धा० II. (खण्ड) आ० पुं० खंडना
To pound.

खंडिह. सु० च० २, ३६६;

खंडिल्ल. हे० कृ० नाया० ४: ८;

खंडिजंत. क वा० न० कृ० सु० च० २, ८२.

खंड. न० (खण्ड) भाग: कटका. भाग: टुकडा
A division; a part. जं० प० ६,
१२५; विवा० ७; विशे० १४३२; नंदा० ५०;
पि० नि० ५१७; भग० २, ५; १०: ६, ३१;
१२, २; नाया० १६, १७; उवा० १, ३४;
मल० ८७; (२) वनप्रदेश वनखंड. a
part of a jungle. नाया० ९: (३)
आ० शकर. sugar. उल० ३४, १६; जीवा०
३, ३; अणुजो० ६५, १३३; भग० १८, ६;
पि० नि० २८३; जं० प० पञ्च० १७; —घ-
डग. पुं० (-घटक) टूटी गयेला घडा. फूटा
हुआ घडा a broken pot. नाया० १३;
—पट्ट. वि० (-पट्ट) अपूर्ण जुगडावाला;
गरीब अपूर्ण वस्त्रों वाला; गरीब. (one)
possessing poor clothes. (२)
दम; जुगारी. ठग; जुआरी. a specula-
tor. विवा० ३; ६; —पट्ट. वि० (पट्ट)

आभरा टोलवाला. फूटे डोल वाला. (one)
possessed of a broken drum.
विवा० २; —पाणु. न० (-पान) आ० पुं०
पाणु। शकर का पानी. sugar-water.
नाया० १७; —मल्लय. न० (-मल्लक)
आ० गी गयेला प्याला-सरावला. फूटा हुआ
प्याला, सरावला. a broken cup. नाया०
१६; —मधुर. वि० (-मधुर) आ० पुं०
मधु। शकर जैसा मीठा sweet
as sugar. ठा० ४, ३;

खंडग. पुं० (खण्डक) कच्छणिज्यना पैताढ्य
उपरना नव दूटमानुं चीनुं दूट-शिखर.
कच्छाविजय के पैताढ्य पर के नव कूटों में का
तीसरा कूट-शिखर. The third of the
nine summits of the Vaitādhyā
mount in Kachehha Vijaya.
जं० प० ६, १२५; (२) कर्मस्थितिना भेड-
इडा कर्मस्थिति के खंड-टुकडे. part,
divisions of Karma. क० प० ७,
४८; —मल्लग. पुं० (-मल्लक) आ० गी गयेला
सरावला; आ० गि सकेला. फूटा हुआ प्याला
अथवा गिकोरा. a broken earthen
cup. नाया० १६; —विच्छेद. पुं० (-वि-
च्छेद) कर्मना स्थितिपरउत्ता विच्छेद-
अभाव. कर्मका स्थिति खंड का विच्छेद-
अभाव. absence of a division of
the duration of Karma. क० प०
७, ४८;

खंडगप्पवाय. पुं० (खण्डकप्रपात) जुगो
“खंडगप्पवायगुहा” शब्द. देखो “खंडगप्प-
वायगुहा” शब्द. Vide. “खंडगप्पवायगुहा”
ठा० २, ३;

खंडगप्पवायगुहा जी० (खण्डकप्रपातगुहा)
जैसा नामनी भरतना पैताढ्यनी भीछ गुहा;
उत्तर भरतमांथी यकवतीना बरकरने पाछो
दक्षिण भरतमां आवाले पैतढ्य परवतनी

पश्चिमे शुद्धरूप भाग। खंडकप्रपात गुहा इस नाम का भरत के वैताढ्य का दूसरी गुफा-उत्तर भरतमें से चक्रवर्ती के लश्कर को पाछा दक्षिण भरत में आने को वैताढ्य पर्वत में का गुफाका मर्म। Name of the second cave of Vaitādhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravarti from the northern Bharata to the southern Bharata. "खंडोपवाय गुहायं अहं जोजयाइ" ठा० ८; सम० १०;

खंडोपवायगुहा. खं० (खण्डप्रपातगुहा) वैताढ्य पर्वत पश्चिमे पूर्व आगुनी ओके गुहा केभांथी चक्रवर्ती उत्तर भरतदेशो संधी पाछा दक्षिण भरतमां पसे छे वैताढ्य पर्वत में की पूर्व बाजू की एक गुफा, जिसमें से चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जातकर पाछे दक्षिण भरत में लौटते हैं। Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitādhya through which Chakravarti returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata. जं० प० १, ६५: ६, १२३; १, १३;

खंडोपवायगुहाकुंड. पुं० (खण्डप्रपातगुहा-कुंड) वैताढ्यपर्वत उपरना नवकुंडभांनुं त्राजुं दृट-शिखर. वैताढ्य पर्वत के नवकुंड में का तासग कुंड-शिखर. The third of the 9 summits of the Vaitādhya mount. जं० प०

खंडरक्ख. पुं० (खण्डरक्ख) दाणी; दाण्य

लेनार. दाणी, दाण लेनेवाला. A custom inspector. (२) डेटवाश. कोतवाल. the head of the police. पराह० १, १, ३; आंव० नाया० १८;

खंडरुवस्तय. न० (खंडरूपत्व) अंगितपछुं. खंडितपना. The state of being broken. पंचा० १४, १२;

खंडसिरी खं० (खण्डकी) विजयनामे येर सेनापतिनी खीनुं नाम. विजय नाम के चार सेनापति का खावा नाम. Name of the wife of Vijaya the Lead of thieves. विवा० ३;

खंडाखंडि. अ० (खण्डाखण्डि) अंटेअंटे; ३३३ ३३३. खंड खंड; टुकडे टुकडे. Pieces into pieces "आमिणा खंडाखंडि करेमि" उवा० २, ६४; नाया० ६

खंडाभद. पुं० (खण्डभेद) ३३३ ३३३ आगिनुं ते अ०; ३३३ आय तेवी रीते भेदनुं ते. टुकडे टुकडे करना. खंड-टुकडे होजाय इस तरहसे छेदन करना Breaking or piercing into pieces. पञ्च० ११;

खंडिय. पुं० (खण्डिक) शिष्य; विद्यार्थी शिष्य, छात्र, लवार्थी. A pupile; a disciple. उक्त० १०, ३०; आंव० ३० भग० १८ १०;

खंडिय त्रि० (खण्डित) अक्षित; अक्षि. खण्डित, खंडाहुआ. Broken. प्रव० ४८५, तंदु० आंव० १, ४; ५, १; (२) ओके देश-थी आंजायेअ अक्षित थयेअ. एक ओर में टटा हुआ-खंडित. broken on one side नाया० ६;

खंडी. खं० () गदभां पाटेसी आरी जीडी. गद में पाडी हुई बारा; छेद. An

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vice foot-note (*) p. 15th.

opening made in a fortress. नाया० २; १८; (२) भाग; दृढिधरा. खाजा; खाद्य विशेष. a kind of eatable substance. प्रव० १४२७;

खंडुयग. न० (खण्डक) भांडवा; भांड; विभाग. खंड; विभाग. Division; part. प्रव० ६१७;

खंडेय. पुं० (खण्डेय) पतङ्ग; पक्षी विशेष. बतक; पक्षी विशेष. A kind of swan. ओव०

खंत. त्रि० (खान्त क्षम्यतिस्वमां करोतीति) क्षमा पात्रो. क्षमा वाक्ता. (One) possessed of a tranquil mind; patient. “ खंतो आयरिण्हि, संभाण्यो विमरूमेति ” नाया० १४; गच्छा० २३; सूय० २. १२. ६, ४; ठा० ८; (२) पुं० पिता; आप पिता; बाप. father. “ जामा इपुत्त पद्मार्णव खंतणमसिद्धं ” पि० नि० ४३०;

खंताइ. त्रि० (खान्त्यादि) क्षांत-सहन-शीलता क्षमा वर्गेरे. क्षांत-सहन शीलता-क्षमा वर्गेरे. Patience; forbearance. प्रव० ८४६;

खंति क्षा० (खान्ति) सहन शीलता: क्रोधने निमग्न करने ते; क्षमा. सहन शीलता: क्रोध का निग्रह करना; क्षमा. Patience; forbearance. पगढ़० २, ५; ओव० १६; २०; ज० प० दस० ४, २७; नाया० १; भग० २, १; २५, ७; सु० च० ३, ४७; सम० १०; उल० १, ६; २६; २; ठा० ४, १; राय० २१४; क० गं० १, ५५; कप्प० ४. ११६; प्रव० ५६१; पंचा० ११. ५६; १३६८; —खमा. क्षा० (—क्षमा) क्रोधने रोकने सहन-शीलता रखनी ते. क्रोध को रोककर सहन-शीलता रखना. the state of being patient by checking anger.

भग० १२, १; ठा० ३, ३; —सूर. पुं० (—सूर) क्षमा राखवाभां शूर धीरन् धारी; जेवा के अरिहंत, महावीर. क्षमा रखने में शूर, धैर्य धारि; जैसे कि अरिहंत, महावीर. (one) possessing the power of checking anger; like Arihanta, Mahāvira etc. ठा० ४, ३;

खंतिया. स्त्री० (खान्तिका) जननी, माता. जननी, माता. A mother. “ कहिजाहि खन्तियाए तुम ” पि० नि० ४३२; ५७६; ओव० नि० भा० २४१;

खंद. पुं० (स्कन्द) कार्तिक स्वामी: कार्तिक नामे शंकरने भेटो पुत्र. कार्तिक स्वामी; कार्तिकेय नामक शंकर का बड़ा पुत्र. Name of a person; Kārtikaswāmī; the eldest son of Śaṅkara Kārtikēya by name भग० ३. १; ज० प० जीवा० ३, ३; अणुजो० २०; नाया० ३; —गह. पुं० (—ग्रह) कार्तिक स्वामीने पल-याइ. कार्तिक स्वामी का लगना. under the influence of Kārtikaswāmī; subject to the influence of Kārtikaswāmī. जीवा० ३, ३; ज० प० भग० ३, ७; —मह न० (—महस्) कार्तिकस्वामीने उत्सव. कार्तिक स्वामी का उत्सव. the festival in honour of Kārtika swāmī. आया० २, १, २, १२; नाया० १; निमी० १६, १२, भग० ६. ३३; राय० २१७;

खंदअ-य. पुं० (स्कन्दक) अंधक संन्यासी गह लासिना शिष्य के जे श्री गौतम स्वामिना भित्रदता; जेने पिंगल निग्रन्धे प्रश्ना पूछ्या हता; ते प्रश्नाना जग्याज न आपी सकयाथी महावीरस्वामी पासे जतां प्रश्नाना पुलासा भेगवी श्रीमहावीर स्वामी पासे दीक्षा दीधी. खंधक संन्यासी गहभालि के शिष्य थे; जिन से पिंगल निग्रंथने प्रश्न पूछे थे. जब उन प्रश्नों

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर दीक्षा ली. Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmī. He accepted initiation from Mahāvira for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Piṅgala on being asked. भग० २, १: (२) कर्तिक स्वामी. कर्तिक स्वामी. Kārtikaswāmī. नाया० २;

खंडिल. (स्कन्दिल) सिंहसूरिना शिष्यः स्कन्दिलनायाय. सिंहसूरि के शिष्य; स्कन्दिलना-
चार्य. The disciple of Sinha-
Sūri; Skandilāchārya. नंदी०

खंख. पुं० (स्कन्ध) औद्ध भगवत् रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा अने संस्कार ये पांचने स्कन्ध कहैनामां आवेछे; तेमां पृथ्वी आदि तेमज रूपानिने रूप स्कन्ध, सुखदुःख अने अदुःख सुखने वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञानने विज्ञान स्कन्ध, पदार्थना नामादिने संज्ञा स्कन्ध अने पुण्या पुण्यादि धर्म समुदायने संस्कार स्कन्ध कहै छे. बौद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा और संस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने में आता है उनमें से पृथ्वी आदि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म समुदाय को संस्कार स्कन्ध कहते हैं. A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vi-
dyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name. जं० प० ३, ५८; सूय० १, १, १, १७; पणह० १, २; भग० २०, ४; (२) कंध; अलो. कंधा. a shoulder. उत्त० ११, १६; राय० ३२; पिं० नि० ६६; ३३१; नाया० ८; १४; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३, १; सु० च० २, ३६; कप० ३, ३५; प्रव० ८८७; १३१५, (३) द्विप्रदेशादिक धत्वा परमाणुभ्यो भवति अनेत्र ऐक ७४थे. द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बनावुआ एक स्कंध. a collection of various particles. भग० १, ४; १०: २, १०: ५, ७; ११. ११; १४. १०: १८, ६; ८: २५, ३; ४; नाया० १: १६; विशेष० ३२४; ८५५; अणुजो० ४४; १४४; उत्त० ३ १८; ३६, १०: टा० १, १; ओव० क० गं० ७५; (४) आशुं थः. आड का धड़. the trunk of a tree. ओव० राय० १२५; भग० ३, ४: २१, ३; सूय० २, ३, २: ५; पक्ष० १: (५) समग्र वस्तु; संपूर्ण पदार्थ. समग्र वस्तु; संपूर्ण पदार्थ. a complete thing. पक्ष० १; भग० ८, ६; (६) आवा विशेष. माला विशेष. a kind of gar-
land. निसा० १६, २८; (७) दगलो. ढेर. a heap. नंदी० १८; निसा० १३, ७; आया० २, ५, १, १४८; (८) ऐ द्विन्द्रिय वालो ऐक ७५ दो इन्द्रिय वाला एक जीव. a two-sensed living being. पक्ष० १: (९) कर्मना स्कंध. कर्म का स्कंध a heap of Karma. क० प० ७, ४७; —उत्तराओ. अ० (—उत्तरतन) पूर्व पूर्वना कर्म स्कंध थी उत्तरोत्तर. पूर्व पूर्व के कर्म स्कंध से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क० प० ७, ४७; —देस. पुं० (—देश) स्कन्धनेो ऐक आप्नी वस्तुनेो भाग. स्कन्ध का —सारा वस्तु का एक भाग. a part.

division of a group. भग० २, १०; ६, १; उत्त० ३६, १; —प्यस.

पुं० (-प्रदेश) वस्तुनो अष्ट आरीक-
भां आरीक अंश. वस्तु का एक बारीक में-
बारीक अंश. the infinitesimal part
of a thing. अनुजो० १४४; भग० १०, १;
—प्यभव. पुं० (-प्रभव) रक्षन्धनी-धनी
उत्पत्ति. स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति. origin
of a tree. “ मूलाग्रो संघपभवो
द्रुमस्त” दस० ६, २, १. —बीज. त्रि०
(-बीज) अंध-धरूप भीज जेने छे ते;
यः पावराधी जे थाय ते; भोगरो यभेदी-
धुपेडा विगरे. पौधे रूपी बीज जिसका है, वह
पौधा लगाने से जो होते हैं, मोंगरा-चमेली
वगैरा. the different flowering
plants which grow not from
seeds but by sowing their
branches etc. आया० २, १, ८, ४८;
ठा० ४, १; दस० ४;

संघकरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) साध्विनि
अभे नाभवानुं वस्त्र; संधारीयो. सार्ध के
कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of
a female ascetic worn on the
shoulder. ओष० नि० ६७७;

संघग. पुं० (स्कन्धक) लुभ्यो ‘संघ’ शब्द.
देखो ‘संघ’ शब्द. Vide “ संघ ”
सू० प० १०;

संघकरणी. स्त्री० (स्कन्धकरणी) लुभ्यो
‘संघकरणी’ शब्द. देखो ‘संघकरणी’
शब्द. Vide “ संघकरणी ” प्रब० ५३८;
५४६;

संघता. स्त्री० (स्कन्धता) जाडना धनी
आय-रूप. काष्ठ के पौधे का भाव-स्वरूप.

The state of being a trunk of
a tree. सू० २, ३, ४;

संधार. पुं० न० (स्कन्धाधार) सेनातो पडाव;
लक्ष्मन्नुं निवासस्थान-आवली. सैन्य का
पडाव: छरकर का निवासस्थान, छावनी.
Encampment; the halting
place of an army. उत्त० ३०, १७;
प्रब० १२३३; —माण. पुं० (-मान)
सैन्यने गोहवानी कला. सैन्य रचना की
कला. the art of arraying an
army. नाया० १; ओष० ४०;

संधाधार. पुं० (स्कन्धाधार) लुभ्यो
“ संधार ” शब्द. देखो “ संधार ” शब्द.
Vide “ संधार ” नाया० ८; १६; विशेष
७४२; जं० प०

संपणय. न० () आपणु; भडा डिपर नाभ-
वानुं वस्त्र. कफन; शव पर डालने का वस्त्र.
A winding sheet. सु० च० १, १४२;

स्तंभ. पुं० (स्तम्भ) थाभेले; थंल. स्तंभा;
स्तंभ. A post; a pillar. उवा० ३, १४०;
जं० प० ५, ११५; १, ५५; ३, ६८; ४, ६०;
६६; भग० २, ७; ८, ६; ९, ३३; १०, ५, १२, ६;
नाया० १; ८; १३; १६; अनुजो० १५३;
जावा० ३, ३; प्रब० २४६; राय० १०५;
सू० प० २०; सूय० २, ७, ४; गच्छा० ८;
—उत्थाय. त्रि० (-उद्गत) थाभेला डिपर
रहेल. स्तंभके ऊपर रहा हुआ. resting on
a post or pillar. जं० प० ५, ११५;
नाया० १; —सय. न० (-शत) सौ थंल.
सौ स्तंभ. one hundred pillars.
जं० प० ५, ११२;

लकारपविभक्ति. न० (लकारपविभक्ति)
अ अतरता आकारनी रचनावाला नाटक;

* लुभ्यो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

३२ प्रकार की नाटकशालाएं। एक. ख अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक. A kind of drama based on the shape of the letter 'ख' (kha); one of the 32 kinds of dramas. राय० १३;

खग. पुं० (खग) आकाश में उड़नेवाला प्राणी; पक्षी. आकाश में उड़नेवाला प्राणी, पक्षी. A bird. उक्त० ६, १०; जं० प० ७४, १०२;

खगह. स्त्री० (खगति) आल; गति. चाल; गति. Gait; motion. क० गं० २, ३२; ४, ३; क० प० १, ७१; —चेष्टा. स्त्री० (-चेष्टा) आलवानी-गति करने की चेष्टा. चलने की-गति करने की चेष्टा. the act of moving. क० प० १, ७१; —दुग. न० (-द्विक) शुभ अने अशुभ विहायोगति-यात्रा. शुभ और अशुभ विहायोगति-चाल. auspicious and unauspicious movements क० गं० २, २१; ५, ७३;

खग. पुं० (खग) तलवार. खग. A sword. ठा० २, १; सु० च० ४, २८; जं० प० क० गं० १, १२; प्रव० १२२८; ओव० १२; जीवा० ३, ४; (२) गंडा. गंडा. a rhinoceros. पण० १, १, २, ४; —धारा. स्त्री० (-धारा) तलवार की धारा. तलवार की धारा. the edge of a sword. क० गं० १, १२;

खगपुरा. स्त्री० (खगपुरी) सुवल्गु विजय की मुख्य राजधानी. सुवल्गुविजय की मुख्य राजधानी. The chief capital city of Suvalgu Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

खगगा. स्त्री० (खगगा) आवर्तीविजय की मुख्य राजधानी. आवर्तीविजय की मुख्य राजधानी.

The chief capital city of the coming Vijaya. जं० प०

खगि. पुं० (खगि) गंडा; एक सिंगवाला जंगली पशु. गंडा; एक सिंगवाला जंगली पशु. A rhinoceros. पण० १; कप० ५, ११६; ओव० १०;

खगगी. स्त्री० (खगगी) जुआ 'खगगा' शब्द. देखो "खगगा" शब्द. Vide "खगगा" ठा० २, ३;

खगगुड. त्रि० (*) अशुभ स्वभाववाला; धर्महीन. खराब स्वभाववाला; बदमाश; धर्महीन. A roguish; of wicked nature. पि० नि० ३२२; ओष० नि० ३५;

खचिय. त्रि० (खचित) जड़ा; जड़ा हुआ; खिचा हुआ. Studded; inlaid. नाया० १; कप० ३, ६०; राय० ५८; जं० प० जीवा० ३, ४; (२) केशर बिगरेथी रंगलु. केशर बगैरह में रंगा हुआ. dyed with saffron etc. नाया० १;

खज्ज. न० (खज) आटा पंगुरे आया पोख पदार्थ. खजे बगैरह खाने योग्य पदार्थ. Crisp bread etc. नाया० १०; पण० १, २; प्रव० १४२७;

खज्जग. न० (खजक) जुआ "खजज" शब्द. देखो "खजज" शब्द. Vide "खजज" विशेष० १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४; पंचा० ५, २७; —विधि. पुं० (-विधि) आटा, घेवर, सापसी पंगुरे आनापनो विधि. खज, घेवर, सापसी बगैरह बनाने की विधि. the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc. प्रव० २०८;

खज्जु. पुं० स्त्री० (खज्जु) जुआ; अनापनो

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खज; खजली. Itch. ठा० १;

खज्जूर. न० (खजूर) अञ्जुर; अथ जलने
मेवे। खजूर; एक प्रकार का मेवा; A kind
of dried date. उत्त० ३४, १५; आया०
२, १, ८, ४३; प्रव० २१०; १०१६; पंचा०
५, २६; —मत्थय. पुं० (—मस्तक)
अञ्जुरेनो गर्भ—पीसी. खजूर का गर्भ—मगज.
the interior of dried dates.
“ यासिपरमत्थयण वा खज्जूरमत्थयण वा ”
आया० २, २, ८, ८८; —सार. पुं० (—सार)
अञ्जुरेनो आसय—६३. खजूर का आसव—
शराब. the essence, wine pre-
pared from dried dates. जीवा० १;
पञ्च० १७;

खज्जूरी. स्त्री० (खज्जूरी) अञ्जुरीनुं जड.
खजूर का फाट. A kind of palm
tree bearing dates. जं० प० २, १६;
भग० २२, १; जीवा० ३, ३; पञ्च० १;
गच्छा० ७६; —पत्र. न० (—पत्र)
अञ्जुरीनुं पाँदड़. खजूरका पत्ता. the leaf
of a palm tree. गच्छा० ७६;

खज्जोत. पुं० (खजोत—खजोतते इति)
पतंगीओ; अञ्जुओ. पतङ्ग; जुगनु. A
glow-worm. अणुजो० १४७;

खज्जोय. पुं० (खजोत) अञ्जुओ डिपले; शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above. मु०
च० १, २२६; क० गं० १, ४६;

खज्जोयग. पुं० (खजोतक) अञ्जुओ ‘खज्जोत’
शब्द. देखो ‘खज्जोत’ शब्द. Vide
‘खज्जोत’ नाया० ८;

खट्ट. त्रि० (*) आटु. खट्टा. Sour.
पञ्च० १; —उदक. न० (—उदक) आटु
पाणी. खट्टा पानी. the sour water.

पञ्च० १; —मेह. पुं० (—मेह) आटा पाणी
वालो बरसाद. खट्टे पानी वाली बरसाद. &
sour rain. भग० ७, ६;

खट्टंग. पुं० (खट्टाङ्ग) आटलाना अंग-पाया
वगैरे. खट्ट के अंग-पाये वगैरह. The
legs etc. of a cat. ओव०

खड्डा. स्त्री० (*) आड; आभ. खड्डा;
खाइ. A ditch. पंचा० ७, ३६; —तट.
पुं० (—तट) आडनो-आभनो डंडि. खाई
का किनारा. the verge of a ditch.
पंचा० ७, ३६;

खड्डिआ. स्त्री० (खड्डिका) गंधार आभनी
भील मूर्च्छना. गंधार प्राम का दूसरी
मूर्च्छना. The second note of the
musical scale Gandhāra. अणुजो०
१३८;

खड्डुग. न० (*) अंगुलीयां पहरेवाली
वीठी, डेरा वगैरे धरेया. अंगुली से पहनने
का छल्ला, मूँदकी वगैरह गहना. A ring
worn on the finger. भग० ६, ३३;

खड्डुय. पुं० (*) अञ्जुओ “ खड्डुग ”
शब्द. देखो “ खड्डुग ” शब्द. Vide
“ खड्डुग ” दस० १०, १; नाया० १;

खड्डुया. स्त्री० (खड्डुका) अंगुलीना टड्डारा;
आंगुलीयां मारयुं ते. अंगुली की टड्डार;
अंगुली से मारना. Tapping with
fingers. उत्त० १, ३८;

खण. धा० I. (खन्) आटयुं; अञ्जुपुं.
खोदना. To dig.

खणइ. नाया० १७;

खणंति. मु० च० २, १६३; नाया० १७;
जं० प० ५, ११४;

खण्णे. दस० १०, १, २;

* अञ्जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

खण्डाहि-आ. सूय० १, ४, २, १३;
 खण्ड. उत० १२, २६;
 खणितु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;
 खणमाण. व० कृ० पि० नि० ५६०; विवा०
 १; नाया० १२;
 खणित्ता. सं० जं० प० ५ ११४;
 खणावइ. प्रे० दस० १०, १, २;
 खणावए. दस० १०, १, २;
 खणावेत्तुं. सं० कृ० नाया० १३;
 खणावित्तए. हे० कृ० नाया० १३;
 खणितु. पि० नि० १६८;
 ✓ खण. धा० I. (खण) भारतुं; हिंसा
 करवी. मारना; हिंसा करना. To kill.
 खणह. आ० आया० १, ७, २, २०४;
 खणत. आ० सूय० २, १, १७,
 खण. पुं० (खण) अवसर; वषत. अवसर,
 समय. An instant; a moment.
 सूय० २, ४, ४; भत्त० ८४; क० प० २, ८२; ४,
 २१; गच्छा० ६०; आया० १, २, १, ७०; कप्प०
 ५, ११७; (२) न्दानां न्दानो काण
 विभाग; समय. छोटे में छोटा काल विभाग;
 समय. the shortest division of
 time; an instant. सूय० १, २८; भग० १,
 ३३; नाया० १, १६; दस० २, १, ६३; पि० नि०
 ७६७; तंदु० भत्त० ५०; पंचा० १, ६८;
 (३) संख्यात प्राणरूप का विभाग;
 भुट्टु०. संख्यात प्राणरूप, काल विभाग,
 सुहूर्त. a measure of time com-
 prising countable breaths;
 a time equal to 48 minutes.
 जं० प० ७, १५१; ठा० २, ४; —जोह.
 त्रि० (—योगिन्—परं निकृष्टकः कथं
 स विद्यते यस्य इति) प्रतिक्षिप्ये नाश
 वामना२; क्षिप्ये. प्रतिक्षण नाश पाने वाला;
 क्षयिकः क्षण भंगुर. decaying every
 moment; momentary. सूय० १, १, १,

१७; —(अ) ख. न० (—अर्थ) अर्थ क्षण.
 आधा क्षण. half a moment. गच्छा०
 ६०; —ख. त्रि० (—ख) अवसर लणु-
 ना२. समय को पहिचानने वाला. (one)
 knowing the proper time. आया०
 १, ७, ३, २०६; —बंघ. पुं० (—बन्ध)
 समय रूपे बन्ध; स्थिति बन्ध. limitation in
 relation to time. क० प० ७, ४३;
 —लव. पुं० (—लव) क्षणमात्र के लवमात्र
 वैराग्यभावधी ध्यान करने के; तीर्थकर नाम-
 गोत्र आध्याना वीश प्रकारमाने ओ३. क्षण-
 मात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना;
 तीर्थकर नामगोत्र बांधने के बीस प्रकार में
 का एक. dispassionate medita-
 tion for a moment only;
 one of the 20 ways of distin-
 guishing oneself as a Tir-
 thankara. नाया० ८; प्रव० ३१२;
 —संजोह्य. त्रि० (—संयोगिक) क्षण-
 अंतमुहूर्त पर्यंत जेना संयोग होय ते. अंत-
 मुहूर्त तक जिसका संयोग हो वह. remain-
 ing or lasting for less than
 48 minutes. क० प० ७, ३६; —सस.
 त्रि० (—शेष) क्षण-ज्मेमां जाडी छे तेहुं;
 क्षण जिस में बाकी है ऐसा. less by a
 moment. क० प० २, ८२;
 खणयज्ज. त्रि० (खणयज्ज—कथं परं निकृष्ट
 कालं जायतीति) वषत-अवसरने लणु-
 ना२. समय-अवसर को जानने वाला. (One)
 knowing the proper time. आया०
 १, २, ५, ८८;
 खणित्ता. स्त्री० (खानि) खान. खान
 A mine. पि० नि० २२६; नीया० ७;
 खत. न० (खत) धा; आदि; लभ्य. खान;
 खतम. A wound. अणुजी० १४७;

कतम. पुं० (कतक) राहुना पुद्गली पंद्दर
भतमान्नी अेक भत. राहु के पुद्गल की
पंद्दरह जात में की एक जात. One of
the 15 sorts of the molecules
of Rāhu. सू० प० १६;

खत्त. पुं० (क्षत्र) क्षत्रिय; आर वर्णमाने
भीम वर्ण. क्षत्रिय; चार वर्णों में से दूसरा
वर्ण. Kṣatriya; the second of the
four castes. (२) दासीपुत्र; वर्णसंकर.
दासीपुत्र; वर्ण संकर. one belonging
to a mixed caste. उत्त० १२, १८;

खत्त. त्रि० (*) जालुग्रेवा रसवाधुं. गोबर जैसा
रस वाला. Re-embliing liquid cow-
dung. जं० प० (२) आतर पाउं. खात
लगाया हुआ. (a wall etc.) bored
through by a thief. पि० नि० भा०
१३; (३) आतर पाउं; भीतमां आंद् करयुं ते.
खान लगाना; भीत में छेद करना boring
through the wall. विवा० ३; नाया०
१८; — **खगुण. न० (-खनन-खात्रे खनतीति)**
आतर पाउं; आरी करवाने अंदर दाखल
थया भीतमां आंद् पाउं ते. खात
लगाना; चोरी करने को अंदर जानेके लिये
भीत में छेद करने हैं वह. breaking
into a house for the sake
of comitting theft. विवा०
३; नाया० १८; — **मेह. पुं० (-मेघ
सात्रेण करिष्य साकं सकरीषो वा
मेघो यत्रेति)** जालुना रस ग्रेवा वस्त्राद.
ह्वाण के रस मरीखा बरमान. rain
resembling liquid cowdung.
जं० प० २, ३६; भग० ७, ६;

खत्तय. पुं० (शत्रक) क्षत्रक; राहुदेव नाम.

राहु देव का नाम. Name of god
Rāhu. भग० १२, ६;

क्षत्रिय-अ. पुं० (क्षत्रिय) क्षत्रिय भति; आर
वर्णमाने भीम वर्ण. क्षत्रिय जाति; चार
वर्णों में का दूसरा वर्ण. The second of
the four castes. जं० प० ५, ११२;
उत्त० ३, ४; ६, १८; १६, ६; राय० २१८;
२६६; विवा० १; निती० ८, १५; ६, २१;
दम० ५, २, २, ६, २; भग० १, ६; ११,
६; सु० च० २, ३५५; अणुजो० १३१; ओव०
१४; २७; ३८; कप्प० २, १७; प्रव० ३८६;
— **कुमार. पुं० (-कुमार)** क्षत्रियकुमार;
राजपुत्र क्षत्रियकुमार; राजपुत्र. a prince;
the son of a Kṣatriya. भग० ६, ३३;
— **कुल. न० (-कुल)** सामान्य क्षत्रिय तरीके
स्थापित कुल. सामान्य क्षत्रियके तौर पर
स्थापित कुल. a family ranked as an
ordinary Kṣatriya family. आया०
२, १, २, ११; — **जायअ. त्रि० (-जातक)**
क्षत्रिय भतिमा उत्पन्न थये. क्षत्रिय जाति
में उत्पन्न. (one) born in the
Kṣatriya caste. सूय० १ १३; १०;
— **दारग. पुं० (-दारक)** क्षत्रियने आधक
क्षत्रिय का बालक. a child of a
Kṣatriya. विवा० ५; — **पुत्त. पुं०
(-पुत्र)** क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय अय्या.
क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय का बच्चा. a son
of a Kṣatriya. भग० ६, ३३;
— **विज्ञा खा० (-विद्या)** क्षत्रियनी धनु-
विद्यादि विद्या; ४० विद्यामान्नी अेक. क्षत्रिय
का धनुर्विद्यादि विद्या; ४० विद्यामें का एक
the science of archery possessed
by a Kṣatriya; one of the 40

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

lores. सूय० २, २, २७;

क्षत्रियकुंडगाम. पुं० (क्षत्रियकुण्डग्राम) क्षत्रियकुण्डनामे ग्राम जयां जमालि रहेता हुता. क्षत्रियकुंड नाम का गांव जहां जमाले रहते थे. Name of a city the residence of Jamālī. भग० ६, ३३; कण्ठ० २, २०;

क्षत्रियकुंडपुर. न० (क्षत्रियकुण्डपुर) भद्रा-वीरस्याभीनी जन्मभूमिनुं ग्राम; सिद्धार्थ राजनी राजधानी. महावीर स्वामी की जन्म-भूमि का ग्राम; सिद्धार्थ राजा की राजधानी. The city which is the birth place of Mahāvira Swāmī; the capital city of king Siddhārtha. आया० २, १५, १७६;

क्षत्रियाणी. स्त्री० (क्षत्रियाणी) क्षत्रियनी स्त्री. क्षत्रिय की स्त्री. A wife of a Kṣatriya. कण्ठ० ३, ४८;

खदिरसार. पुं० (खदिरसार) खेरसार. खेर का सार. A powder prepared of Kher. पञ्च० १७;

खट्व-खट्व. त्रि० (खाद्य) मनोज्ञः स्वादिष्टः रसभर. मनोज्ञः स्वादिष्टः रसभर. Delicious; tasteful. सम० ३३; प्रव० ५२६;

खट्व. त्रि० (*) प्रभूतः अधिकः प्रमात्रुथी पत्रारे. प्रभूतः अधिकः प्रमाण से विशेष. Abundant; much more than enough. आया० २, १, १; ५६; पि० नि० १८८; ४८१; ५२६; ओघ० नि० ८६; ७२२; गणह० २, ४; प्रव० १३०; दसा० ३, १६; १७; १८; १९; —पञ्चगण. न० (-प्रजनन) भेटाहुं पुरुषमिन्द्र (छिन्द्य). बड़ा पुरुषविन्द

(इन्द्रिय). a big organ of generation. प्रव० ५२६; —सद्व. पुं० (-शब्द) भेटाहुं शब्द. बड़ा शब्द. a loud sound. प्रव० १३८;

खट्व. अ० (शीघ्रम्) जलदी; जिताने. जल्दी; शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५; **खट्वदादीण.** त्रि० (*) समृद्धि वाणुं. समृद्धिवान. Prosperous. ओघ० नि० ८६;

खपुष्प. न० (खपुष्प) आकाशना पुष्पनी पेड़ें शून्य. आकाश के फूल का समान शून्य. Anything impossible or non-existent like the flower in the sky. विशेष० ३२;

✓ **खम.** धा० I. (क्षम्) क्षमा करनी. क्षमा करना. To forgive; to pardon. **खमह-ति.** आया० २, १५, १७४; अंत० ६, ३;

खमंतु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६;

खमे. वि० वव० १०, १;

खम. आ० नाया० ५;

खमह. आ० सु० च० ६, १२३;

खमाहि. नाया० ६;

खमेह. दस० ६, २, १८;

खमिउं. हे० कृ० सु० च० ६, १२४;

खमंत. व० कृ० दसा० ५, ३;

खममाय. व० कृ० भग० १५, १; २०, ६; विवा० १;

खामेह-ति. प्रे० भग० २, १; ३, १; ५, ८; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४; सु० च० ७, २०८;

खामेति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खामैति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;
खामेमि. भग० ३, २; नाया० ८; १६;
महा० प० ६;

खामेमो. भग० ३, १;

खामेसु. आ० नाया० ८;

खामिय. सं० कृ० निसी० ४, ३२;

खामित्ता. सं० कृ० भग० २, १; ५, ८; १५,
१; नाया० १;

खामेमाण नाया० ५;

खम. त्रि० (खम—खमते इति खमः) शक्ति-
मान्; समर्थ. ताकतदार; समर्थ. Power-
ful; able. ओष० नि० ७६३; भग० १,
१; ३, १; नाया० १; १०; सु० च० १, २६;
३१६; आया० १, ७, ४, २१५; दसा० ७,
१; पि० नि० ७१; (२) शुभ; हितकर
शुभ; हितकारक. auspicious; bene-
ficial. उत्त० ३२, १३;

खमग. पुं० (खमक) मास अमशु आदि तप
करना; तपस्वी साधु. मास खमण करने
वाला; तपस्वी साधु. One practising
fasts for a month etc.; an ascetic
given to austerities. पि० नि० ४७६;

खमण. पुं० (खमण) सदनशीलता रखनेवाला
साधु. सहनशीलता रखनेवाला साधु. An
ascetic of forgiving nature.
अणुजो० १३१; प्रव० १५२७; उवा० १,
७७; (२) तप; उपवास. तप; उपवास.
a fast; an austerities. प्रव० १५३१;
—**खय.** पुं० (-खत) सौ उपवास. सौ
उपवास. one hundred fasts. प्रव०
१५३१;

खमरिह. त्रि० (खमार्ह) क्षमा करने योग्य.
क्षमा करने के योग्य. Deserving par-
don. भग० ३, २;

खमा. स्त्री० (खमा) क्षयिता अभाव; सदन-
शीलता; क्षमा. क्रोध का अभाव; सहनशी-

लता; क्षमा. Absence of anger;
forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३;
नाया० १०; १३; ओष० नि० ५८१; सम०
२७; नंदी० ३२; जं० प० राय० १७१;
उवा० २, ११३; आव० ३, १; कप्प० ८;

खमावणया. स्त्री० (खमापना) अपराधनी
भाती भागवी अभावतुं, मिच्छामि दुष्कृतं
देयुं ते. अपराध की माफी मांगना; क्षमा-
याचना; मिच्छामि दुष्कृतं लेना. Begging
of pardon for a fault committed;
a particular way of confessing
a sin. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

खमासनण. पुं० (क्षमाश्रमण) क्षमाधारी
साधु. क्षमाधारी साधु. An ascetic of a
calm and quiet nature. कप्प० ८;

खय. पुं० (खय) भूतशी उच्छेद; समूलगो-
नाश. मूल से उखाट डालना; समूल नाश.
Utter destruction. भग० ३,
६; ७, ६; ६, ३१; ११, ११; उत्त० ३, १७;
क० गं० २, २६; भत्त० ५०; —**गअ.** त्रि०
(-गत) क्षय पाये. क्षय पाया हुआ, हुई.
destroyed; decayed. दसा० ५; ३२;
३३; —**नाणि.** पुं० (-जानिन्) सर्वथा
आवरणता क्षयशी उत्पन्न थये. क्षयज्ञान-
वान् क्षयशी. सर्वथा आवरण के क्षय के जये
(द्वारा) जानवान् केवला. one possess-
ed of perfect knowledge due
to the destruction of cover in
the form of Karmas. विश० ५१८;
—**निष्फण.** त्रि० (-निष्फण) कर्मना क्षय-
शी प्राप्त थये. क्षयकभावे प्राप्त थनां
क्षयज्ञानादि. कर्म के क्षय से प्राप्त हुआ
भाव; क्षयक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि.
Kevala Jñāna etc. got by des-
troying the Karmas. अणुजो०
१२७; —**समज.** न० (-समज—क्षय-

समाभ्यां जायते तत्) उदीरित मिथ्यात्वने क्षय अने अनुदीरितने उपशम करवाथी उत्पन्न थनुं क्षयोपशम समकित. उदीरित मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम करनेसे उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समकित. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशेष २२८;

खयर. पुं० (खरि) भेरनुं अस. खर का झाड़.

A kind of tree known as Kher.

अंत ३, ७; तंदु०—इंगाल. पुं० (अंगार)

भेरना झाड़ना अंगार. खर की लकड़ी के अंगारे. burning charcoals of a

Kher wood. राय० ६६;

खरिअ. त्रि० (कायिक) लुओ "खरिअ"

शब्द. देखो "खरिअ" शब्द. Vide

"खरिअ" अणुजो० १२१७

✓ खर. बा० I. (खर) नाश पाभनुं. नाश पाला. To be ruined.

खरइ. विशेष ४२४;

खर. त्रि० (खर) कठिण; अरुण; कर्कश;

तीक्ष्ण; कठिन, खरदरा, कर्कश, तीक्ष्ण.

Harsh; rough क० गं० १, ४१; ४२;

गच्छा० ४४; भग० ७, ६; १५, १; नाया०

१; ८, ६; तंदु० दसा० ३, २२; २३; २४;

उत्त० ३६, ७१; पि० नि० ३२७; जीवा०

१; पल० १; जं० प० अणुजो० १२८;

(२) तथनुं तेष. तिलोका तैल. sesame

oil. ओष० नि० ४, ६; (३) गंधेडा. गवा.

an ass. ओष० ३८; जीवा० ३, ३; गच्छा०

१२५; (४) राहुने अपर नाम. राहुका

पर्यायवाची नाम. a synonym for

Rāhu. सू० प० १६;—आवह. पुं० (आ-

वर्त) कठिनयकनी पेडे पाण्डुं गोण्डुं जाणुं

थाय ते; पमन. कठिन चक्र सरीखा पानी का

गोल कुंडल होता है वह; वमल. a whirl-

pool ठा० ४, ४;—कंट पुं० (—कण्ट)

तीक्ष्ण कांटासरपे; शीषामण्डनार साधुने

दुर्वचनरूप कांटाथी पीधनार आवड. तीक्ष्ण

कांटे सरीखा; उपदेश देनेवाले साधुको दुर्वचन

रूपी कांटोंसे छेदने वाला भावक. One

sharp as a thorn; a layman

who gives advice to an ascetic

in severe words. ठा० ४, ३;

—कंड. पुं० (—काण्ड) कठिन भाग. कठिन

हिस्सा. the hard portion. (२)

पहिली नरकनी पहिली कांड. पहले नरक का

पहला काण्ड. the first division of

the first hell. जीवा० ३, १;—ककश.

त्रि० (—कर्कश) कर्कशमां कर्कश; अतिकर्कश.

कर्कश में कर्कश; अतिकर्कश. very harsh.

प्रव० १४२;—कम्म. न० (कर्म) कठोर

कर्म, कृत्य. कठोर कर्म; कृत्य. wicked

actions. पंचा० १, २१;—पवणसंग.

पुं० (—पवनसंग) प्रयत्न पवनना संग.

प्रचण्ड वायु का संग. uniting with

fierce wind. प्रव० २५१;—पुट्वा.

त्रि० (—पृथ्वी) कठिन पृथ्वी. कठिन पृथ्वी.

hard ground or earth. प्रव० १११२;

क० प० ४, ६७;—फरुस. त्रि० (—परुष)

धातुं कठोर. बहुत कठोर. very harsh.

"खरफरुस धूमीमहला" नाया० २; भग०

७, ६;—बायरपुट्टविकाइय. पुं० (—बायर-

पृथ्वी कायिक) कठिण बायर पृथ्वीकायाना

अय. कठिन बायर पृथ्वीकाया के जीव.

hard and visible earth-beings.

जीवा० १;—विताण न० (—विषाण)

गंधेजानुं सींगं. गंधेका सींग. the horn of

an ass. विश० ३५;

खरअ. पुं० (खर) कामगरे; नोकर; दास.

काम करने वाला, नौकर, दास. A ser-

vant. ओष० नि० ४३८;

❖ खरंटणा. स्त्री० (*) निंदा; निरस्कार; अपमान. Dis-grace; censure; dishonour. पंचा० १२, ६; ओष० नि० ४०; पि० नि० २२५;
(खरमुह. पुं० (खरमुख) अरमुष नामे अेक अनार्य देश. खरमुख नामक एक अनार्य देश. A non-Aryan country. प्रव० १५६६;

खरमुहिया. स्त्री० (खरमुखिका) वाद्य विशेष; कादशा. वाद्य विशेष, खरमुही. A kind of musical instrument. भग० ५, ४;
खरमुही. स्त्री० (खरमुखी) कादशा; अेक आतनुं वाद्यंत्र. खरमुही; एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. आया० २, ११, १६८; राय० ८२, ८८; जावा० ३, ३; ओष० ३१; जं० प० कप० २, १०१;

खरमुहीसर. पुं० (खरमुखीशब्द) कादशाने शब्द. खरमुहीका शब्द. The sound of a musical instrument. निसी० १७, ३६;

खरय. पुं० (खरक) राहुदेवजुं अेक नाम. राहुदेवका एक नाम. A synonym of the deity Rahu. भग० १२, ६; (२) त्रि० कश्चि. कठिन. hard. नाया० ६;

खरसाहिया. स्त्री० (खरसाधिका-अक्षर-साधिका) अटार लिपिमांती अेक. अटारह लिपियों में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरस्सर पुं० (खरस्वर) वज्र जेवा कांटा वाया शाल्मली वृक्ष उपर नारकीने अटारीने अपेयाना जेवा अवाज कादतां नारकीने आभ तेम अेये ते परमाधामी. वज्र सरीख कांटे

वाले शाल्मली वृक्ष पर नारकी को चढ़ाकर गधे सरीखा आवाज निकालते हुए नारका को इधर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी. The infernal gods known as Permā-dhāmīs who mount the hell-beings on a Śālmālī tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while uttering a cry like the braying of a ass. मम० १५; भग० ३, ७; प्रव० ११०१;

खरिआ. स्त्री० (*) दासी. दासी. A maid-servant. ओष० नि० ६३८;

खरिसुय. पुं० (खरिसुक) कन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव० २४०;

खरियत्ता. स्त्री० (खरिकता) नगर आहेंर के अग्नरमां रहेनारी वेश्याने आप-स्वरूप. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वेश्या का भाव-स्वरूप. The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग० १५, १;

खरोट्टिया. स्त्री० (खरोट्टिका) अटार लिपि-मांती अेक. अटारह लिपि में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरोट्टी. स्त्री० (खरोट्टी) जुओ "खरोट्टिआ" शब्द-देखो "खरोट्टिआ" शब्द. Vide "खरोट्टिआ" पञ्च० १;

✓ खल. धा० I (खल) असपुं; ह्रस्वपुं. गिसकना; दूर जाना. To slip away; to go away. (२) पडपुं; सपडना पाभपुं. पडजाना; पतन होना. to fall.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खलह. सु० च० २, ३६;

खलहि. आ० उत्त० १२, ७;

खलेज्ज. वि० उत्त० १२, १८;

खलत. व० कृ० भग० ७, ६; जं० प०

खल. पुं० (खल) भगवा०. खला. A threshing floor place in a field where the corn is husked. ओव० १७; परह. २, ३; जं० प० कप्प० ५, ११७; (२) त्रि० पु० २५; दु० न. बदमाश; दुर्जन. a rogue; a wicked person. सूय० २, २, ४४; खलला. स्त्री० (खलना) भूल; त्रुटि. भूल; त्रुटि. A Mistake. तंदु०

खलय. पुं० (खलक) पु० २५ "खल" शब्द. देखो "खल" शब्द- Vide "खल" नाया० ७;

खलवाड. पुं० (खलवाट) भगवा०. खलवाट. A barn yard; a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn. राय० २७६;

खलिअ. न० (खलित) रभयना; भूल; अनियार. पतन; अतिचार. Degradation; mistake. (२) त्रि० शीथली रभयना पामेल. शीलसे पतन पाया हुआ. (one) degraded; fallen. नाया० १; चउ० १; अणुजो० ६८; ओघ० नि० ५४१; विशे० ६०२; ८२४; पंचा० १२, ६; सु० च० ६, ६;

खलीण. न० (खलीन) धोडानी लगाम; थोडपुं. घोडे की लगाम; चौकडा. A bridle of a horse. प्रव० २४६; (२) नदीनी भेपस. नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १; —बंध. पुं० (—बन्ध)

थोडडानी अन्ध. लगाम का बन्द. the reins. नाया० १७; —मट्टिया. स्त्री० (—मृत्तिका) भेपसनी माटी. नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

खलीण. न० (खलीन) लगाम; थोडपुं. लगाम; चौकडा. The reins. सु० च० २, ६३;

खलु. अ० (खलु) निश्चय अवधारण अर्थ भां अपने वाक्यता अत्रंकार साथे अनु शब्द आवे छे. निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ खलु शब्द आता है. Verily; indeed; (used also to add grace to a sentence). जं० प० ७, १३५; ५, ११२; ११५; भग० १, ३; २, १; ७, १; ८, ५; २५, ३; ३१, १; नाया० १; ४; १४; १६; दसा० १, ३; दस० ४; ७, १; ६, ४, १; आया० १, १, १, ८; १, १, १, १८; १, १, २, १५; पञ्च० १; २३; सूय० १, २, १, १; उत्त० १, १५; ओव० ३८; निर० १, २; उवा० १, २; क० गं० १, ६;

खलुअ. पुं० (खलुक) पगनी मेडी. पैर का हँडी. The heel. विवा० ६;

खलुंक. पुं० (खलुंक) अविनीत; क्षुद्र अपने बांका स्वभाववाले शिष्य. विनयहीन; ओछे और टेढ़े स्वभाव वाला शिष्य. Immodest; a disciple of crooked nature. उत्त० २७, २; (२) अर्थात् अगाध के घोडा. मस्त बैल अथवा घोडा. an unruly bull or a horse. ठा० ४, ३; उत्त० २७, २; (३) जंतु, मच्छर विगरेरे थुंरु वगैरे हांस, मच्छर वगैरे छोटे जीव. small insects, such as mosquitoes, bugs, etc. उत्त० २७, २;

खल्लग. पुं० (*) आभराना पाडडानी पडीयो.

* पु० २५ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पलास के पत्तों का दोना. A cup made of leaves of a Khākārā tree. पि० नि० २०६; (२) भोजी; भोजडी: पगरभा. जोडा, मोजडी, जूती. a pair of shoes. प्रव० ६८३;

खल्लूड. पुं० (खल्लूड) ओक भतनी ६-६. एक जात का कन्द. A kind of bulbous root. पञ्च० १; जीवा० ३, ४;

✓ खव. धा० I, II. (क्षि+णि) क्षय करवे; अपाययुं. क्षय करना; अंत करना. To destroy; to make an end; to waste. खवेइ. भग० ६, ३१; नाया० १; ओव० ४३; उत्त० २६, १; सूय० १, २, १, १५; प्रव० ७०१,

खविति. भग० १६, ४; सूय० १, १२, १५; खवति. दस० ६, ५८; तु० च० १, १८; खवयन्ति. भग० १६, ४; १८, ७; खववेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३१; १५, १; नाया० १; ६;

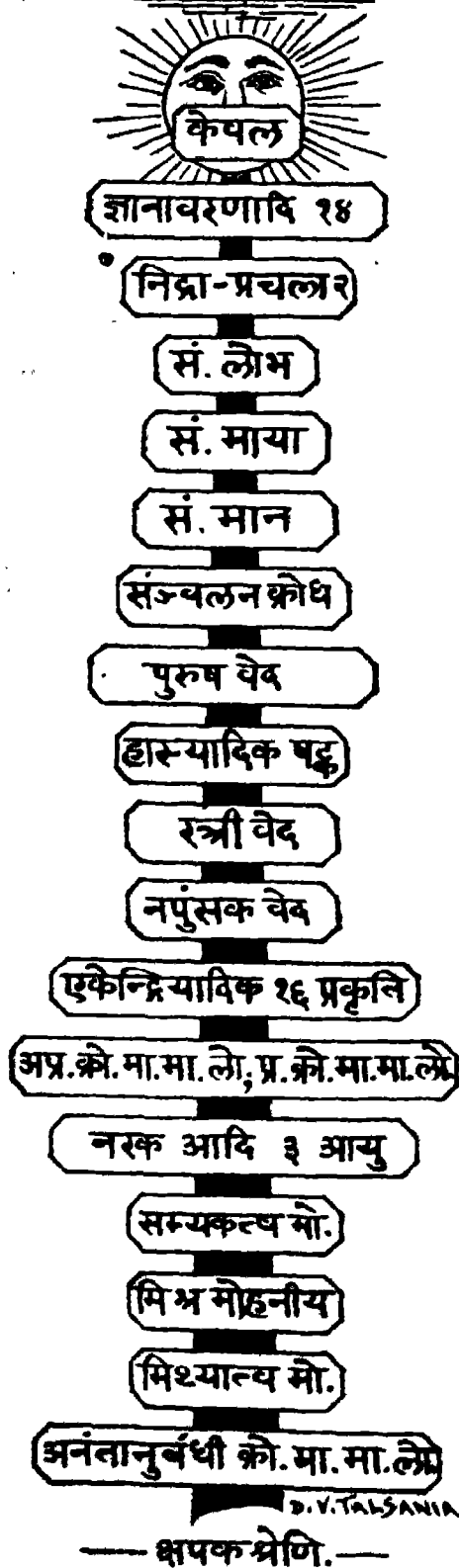
खविवेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; ओव० ४१; उत्त० २८, ३६; दस० ३, १५; खवित्तु. सं० कृ० दस० ६, २, २४; खवमाख. व० कृ० नाया० २; खवेमाख. व० कृ० नाया० १८; खवेत्त. क० प० २, ६६; ४, ४१; ७, ३६; खविउं. सं० कृ० क० गं० २, ३५;

खवअ. पुं० (क्षपक) क्षमोती क्षय करनार; क्षपक्ष श्रेणिगत साधु. कर्मों का क्षय करने वाला; क्षपक श्रेणिगत साधु. One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Kṣapaka Śreṇi (a stage of evolution). भग० २५, ७; भत्त० १५७;

खवग. पुं० (क्षपक) क्षपक्ष श्रेणिप्राप्त साधु. क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु. An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पि० नि० २०६; भग० २५, ६; भत्त० ४३; प्रव० ७०६; क० प० २, १७; (२) मोहनीयने अपायया रूप-क्षपक्ष श्रेणि. मोहनीय को दवाने वाला-क्षपक श्रेणि. a certain stage in which Mohaniya Karma is wasted away. क० गं० २, २८; ५, ८२; —आड. पुं० (-आयुष्) आयुष्यने अपा-

यनार-सूक्ष्म संपराय अने अपूर्व करण गुणस्थान वाला शुच. आयुष्य का क्षय करने वाला सूक्ष्म संपराय और अपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Sūkṣamasaniparāya and Apūrvakarana which waste away the period of life. क० गं० ५, ६७; —कम. पुं० (-कम) क्षपक्ष श्रेणिनी कम. क्षपक श्रेणि का कम. the order of Kṣapaka Śreṇi. कण० २, ४३; —सेदि. स्त्री० (-श्रेणि) क्षपक्ष श्रेणि. क्षपक श्रेणि. Kṣapaka Śreṇi; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. प्रव० २०; —सेणि. स्त्री० (-श्रेणि) क्षपक्ष श्रेणि. क्षपक श्रेणि the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. (२) धानीक्षमती प्रकृतिओने अपाययाना कमने क्षपक्षश्रेणि कहेयामां आवे छे. नेमां अनंतानुबंधी क्रोध, मान, माया अने लोभने अपाययानी शब्दयात करी चित्रमां यतावेत्त कम प्रमाणे मोहनीयनी अधी प्रकृतिओने अपाययानां दर्शनावरणीय, जानावरणीय, अने अंतरायनी प्रकृतिओने अपायनी १२ भां शुद्धाणुने छेले समये देवजान अने देवदृशन प्राप्त थाय छे. घातकर्म का प्रकृतियों के क्षय करने के अनुक्रम का क्षपकश्रेणि कहते हैं. उसमें अनंतानुबंध क्रोध, मान, माया, और लोभ इनको क्षय करने का आरंभ करके चित्रमें बतलाये हुए क्रमके अनुसार मोहनीय की संपूर्ण प्रकृतियों का क्षय करने पर दर्शनावरणीय, जानावरणीय और अंतराय की प्रकृतियों का क्षय करने के पश्चात् १२वें गुणस्थान के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन का प्राप्ति होती है. the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Kṣapaka Śreṇi. The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,

— स्ववग-सेणि. —



deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Darśanāvarpiya, Jñānāvarpiya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution. प्रव० ७७२;

स्ववग. पुं० (क्षपक) व्युत्प० " स्ववग " शब्द.
देखो " स्ववग " शब्द. Vide " स्ववग " प्रव० ७००;

स्ववग. न० (क्षपक) कर्मों का क्षय करवा ले; अभुक्त अंशों को नष्ट करवा ले. कर्मों का क्षय करना; अभुक्त अंशों को नष्ट करना. Destroying of Karmas; destroying the Karmas to a certain limit. विशेष० २५१४; उक्त० ३३, २५; पंचा० १८, ४९; पि० नि० मा० १; सु० च० १, ३८४; (२) प्रकृत्यु; अध्ययन. अध्याय; अध्ययन. chapter; division. विशेष० ६६२; (३) साधु; मुनि. साधु; मुनि. Sādhu; an ascetic. पंचा० १६, ३५;

खवणा. स्त्री० (क्षमणा) अध्ययन. अपर नाम. A synonym for a chapter. अनुज्ञा० १५४;

खववत्त. पुं० (*) ओ३ वनतनुं भा० लु. एक जातिका मत्स्य. A kind of fish पञ्च०;

खवित. त्रि० (क्षपित) अपावेष्ट; क्षय करेष्ट. क्षय किया हुआ. destroyed; wasted. सम० २९;—सत्तय. त्रि० (—सत्तक) अनंतानुबन्धी चार कषाय, मिथ्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय, अने मिश्र मोहनीय ये सात प्रकृति वेषों की क्षीण करी छे ते. अनंतानुबन्धी चार कषाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृतियों का जिसने क्षय किया है वह. (One) who has destroyed the seven natural impurities; fourfold passions known as Anantānubandhi. सम० २९;

* व्युत्प० पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

लविय-अ. त्रि० (वषित) अपावेजुं. क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted. क० गं० २, १; क० प० ७, ३६; ४४; —कम्म. पुं० (-कर्मन्) अपाव्या छे कर्म जेले ते. कर्मनो क्षय करनार (साधु). कर्मोका क्षय करने वाला (साधु); जिसने कर्मों का क्षय किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas. क० प० २, ६६; ६, २०;

लस. पुं० (लस) अस नामनो ऐक अनार्य देश. लस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि० ते देशनो रहेवासी. उस देश का निवासी. a resident of this country. पण० १, १; प्रव० १५६७;

लसलसिय. पुं० (लसलसिक) अस-आसिक नामनो ऐक देश. लसलसिक नाम का एक देश. Name of a country. पण० १; (२) त्रि० ते देशमा रहेवावाला भाषसे. उस देश के निवासी मनुष्य. a resident of this country. पण० १;

लसर. पुं० (*) असनो रोग; अस. लस का रोग; लस. Itch; a kind of skin disease. जीवा० ३, ३; जं० प०

लह. न० (ल) आकाश. आकाश. The sky. भग० २०, २;

लहचर पुं० (लेचर-ले आकाशे चरतीति) आकाशमां उडनार पक्षी, निर्यय पंचेन्द्रियनी ऐक जंत. आकाश में उडने वाले पक्षी आदि: पंचेन्द्रिय की एक जाति. A bird; a kind of five-sensed animal. भग० २४, १; उत्त० ३३, १७; —विहाण. न० (-विधान) पक्षीयोना भेद-प्रकार.

पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of birds. भग० १५, १; नाया० १६;

लहचरी. स्त्री० (लेचरी) आकाशमां उडनार यक्षी; कायल वगेरे पक्षिणी. आकाश में उडने वाली चिड़ियां; कौयल आदि पक्षी (स्त्री). Birds that fly in the sky; the cuckoo etc. ठा० ३, १;

लहयर. पुं० (लेचर) पक्षी. पक्षी. A bird. (२) विद्याधर. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers. अणुजो० १३४; जं० प० भग० ७, ५; ८, १; उत्त० ३६, १८६; ओव० ४१; जीवा० १; पन्न० १; —मंस. न० (-मांस) तैतर, कुक्ष वगेरे पक्षीजुं मांस. तीतर, मुर्गे आदि पक्षियोंका मांस. the flesh of a cuckoo partridge etc. प्रव० २२२;

लहयरी. स्त्री० (लेचरी) पक्षिणी. स्त्रीलिंग पक्षी. A female bird. जीवा० १;

✓ **खा. I. (खाद्)** आनुं. खाना. To eat. खायह. अणुजो० १२८; दस० ६, १, ६; पि० नि० २७४;

खाइ. सु० व० १२, ५५; राय० २४०;

खायह. आ० उत्त० १२, २६;

खायमाण. जीवा० ३; विवा० १;

खावियंत. प्रे० व० क० विवा० २;

खजइ. क० वा० राय० २७६; उत्त० १२, १०;

खजंत. क० वा० व० क० भत्त० १६०;

खजमाण. क० वा० व० क० संथा० ६६;

खाभ-य. त्रि० (ख्यात) प्रख्यात; प्रसिद्ध. प्रख्यात; प्रसिद्ध. Famous; renowned. पंचा० ११, ४; उत्त० १४, २; नंदी० २७;

खाभ-य. त्रि० (खात) ओदेजुं. खुदा हुआ. Dug. कण्प० ६, २; ओव० (२) आडा; कुवे।

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोट (*). देखा पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खाडी; कुआ. a ditch; a well. अणुजो० १३३; (३) आ०. खाई. a ditch. जं० प० ३, ४७; सम० प० २०६;
 खाइ. स्त्री० (ख्याति) प्रख्याति; प्रसिद्धि. प्रख्याति; प्रसिद्धि. Fame. भग० १२, २; १७, २; आव० ४१;
 खाइआ-या. स्त्री० (खातिका) नीचे अने उपर सरणी ओढेही आ०. नीचे और ऊपर बराबर खुदी हुई खाई; गड्ढा. A ditch uniformly dug from its mouth to the bottom. पण० १, १; अणुजो० १३४; भग० ५, ७; ८, ६;
 खाइम. त्रि० (*खादिम=खाद्य) सुपडी, भेवा, वगेरे आवासायक पदार्थ. मेवा, मिठाई आदि खाने योग्य पदार्थ. Sweetmeats, dried fruits etc. उवा० १, ५८; आया० १, ७, १, १९७; २, ११, १७०; भग० २, १; ५; ५, ६; ७, १; नाया० १; ६; १६; पि० नि० १६६; राय० २२६; दस० ५, १, ४६; १०, १, ८; वेय० १, १६; सम० २१; ३३; आव० ३६; पंचा० ५, २६; कण० ५, १०२; प्रव० १६८; आव० ६, १;
 —खाइम त्रि० (—खादिम=खाद्य) सुपडी भेवा अने स्वादिम-मुपवास-सोपारी वदिग वगेरे. मेवा मिठाई आदि स्वादिम-सुपारी लौंग आदि सुखवास. sweetmeats, dried fruits, cardamom, cloves etc. दस० ५, १, ६१;
 खाइय. त्रि० (खादित) अपरावेक्षु; अक्षयु करवेक्षु. खिलाया हुआ; मच्छण कराया हुआ. (Any thing) caused to be tasted or eaten. आव० ३८;
 खाइय. त्रि० (ख्यात) प्रगट करेय; उद्घेय.

प्रगट किया हुआ; कहा हुआ. Revealed; exposed; told. भग० २, १०;
 खाइय. न० (खायक) क्षायिकभावे क्षायक समकित क्षयजनान वगेरे. क्षायिक भाव क्षायक सम्यक्त्व केवल ज्ञान आदि. The state of destroying Karmas etc. विशेष० ४६;
 खाइखड. पुं० (खाइखड) ओ नामने घोथी नरकने ओक नरकावासो. इस नाम का चौथी नरक का एक नरकावास. A division of the 4th hell so named. डा० ६, १;
 खाइहिल. पुं० (*) जेना शरीरपर धोत्रा तथा काला पट्टा होय छे तेनु ओक प्राणी. जिनका देह पर सफेद तथा काले पट्टे हों ऐसा एक प्राणी. An animal having black and white stripes on the body e.g. the zebra. पण० १, १;
 खाणि. स्त्री० (खानि) आकर; आयु. खान; खदान. A mine. नंदी० ४१; उत्त० १२, १३; मु० च० १५, ६१;
 खाणिआ. स्त्री० (खानिका) जुओ "खाणि" शब्द. देखो "खाणि" शब्द. Vide "खाणि" आया २, १०, १९६;
 खाणु. पुं० (स्थाणु) आडनु हुंहुं. डाला पत्ते राहत मूखहुण काड का टूटा. A dried trunk of a tree without branches. आया० २, १, ५, २७; दसा० ७, १; नाया० १; जीवा० ३, ३; जं० प० १, १०; उत्त० १४, २६; (२) ओले. ओंटे. काला; खुटा. a big nail; a peg. वेय० ६, १३; जं० प० ४, १११; —समाण. त्रि० (—समान) सुकैल आडना हुंहुं जेयो; पोतानी ओटी छे छोडे नहि; ओटी अ अद करनार. सूखे हुए

झाड़ के दूड़े जैसा: अपनी मिथ्या हट न त्यागने वाला: कूड़ा आग्रह करने वाला. (one) like a dried trunk of a tree; (one) who never gives up one's false idea; obstinate. टा० ४, ३;

खाण्ड्य पुं० (स्थाणुक) णुओ " खाण्ड्य " शब्द. देखो " खाण्ड्य " शब्द. Vide " खाण्ड्य " आया० २, १०, १६६: २, १३, १७२; नाया० २;

खात न० (खात) ओदेधुं. खुदाहुआ. Dug. पञ्च० २: (२) आध. खाई. a ditch. भग० १५, १; पञ्च० २; —उद्ग. पुं० (उद्ग) आधनु पाण्ण. खाई का पानी. water of a ditch. भग० १५, १;

खानिया स्त्री० (खानिका) णुओ " खाइआ " शब्द. देखो " खाइआ " शब्द. Vide " खाइआ " पण्ड. १, १;

खात न० (खात्र) आतर. भौत में खात लगाना. Opening in a wall (made by a thief). नाया० १६; —खण्डग. त्रि० (—खनक) आतर पाज्जार; थार. खात लगाने वाला: चोर (one) who bores through a wall; a thief. नाया० १६;

खामण न० (खामण) अभावयुं. क्षमाणा. Begging of pardon. दसा० ४, १०२; भत्त० ५०; नाया० ४;

खामणा स्त्री० (खामणा-खमापना) अपराधनी भाड़ी भागरी: अभावयुं ने अपराध की माफी मांगना: क्षमा मांगना. Begging of pardon. प्रब० ६६; १८२; भत्त० १६;

खामिअ य. त्रि० (खामित-खमापित) क्षमा धरेल, भाड़ी आपेक्ष क्षमा किया हुआ; माफी दिया हुआ. Pardoned सु० च० १, ३८३; भग० ३, १: १५, १; दसा० १, १४; सम० २०;

खार त्रि० (खार) आइ. चार. Salt. (२)

पुं. ज्व आर पगेरे आर पदार्थ. मित्र जब-खार इत्यादि चार पदार्थ. things having salt taste. "खारस्सलोणस्स अणसइणं" नाया० १६; सूय० १, ४, १, २१; २, ३, २५; आया० २, १०; १६६: राय २५८; निमा० १२, ३३; जं० प० विवा० १: (३) सामसामे आर; वेर. दूसरों से डाह; बैर. enmity towards others. जीवा० ३, भग० ३, ३: ७; (४) पुं० आरे २५. चार रस. salt juice. पञ्च० १७; सु० च० ७, २६६; (५) स्त्री० आरवाली भूमि चार वाला भूमि. saline soil. पिं० नि० गा० १३; (६) णुओ-५२ सर्पनी अष्टमत्त. भुजगर मर् की एक जाति. a kind of serpent. पञ्च० १: —उद्ग. न० (—उद्ग) थैधुं आइ पाण्ण. थोड़ा खार पानी. water having somewhat saltish taste. पञ्च० १; भग० १५, १; —गालण. न० (गालनक) सांछआर दिजेरेने गालणनु पात्र. सज्जीखार आदि गलाने का पात्र. a pot for liquifying carbonate of soda etc. सूय० १, ४; २, १२; —तेल्ल. न० (—तेल) आइ तेल. खार तेल. saltish oil. विवा० ६; —दाह पुं० (—दाह) सांछआरदि पदार्थ-पानी गलाने. सज्जी, खार आदि पकाने का स्थान. a place where carbonate of soda etc. are boiled. निमा० ३, ७५; —मेह. पुं० (—मेव) सांछरक्षणा रसज्जेरा जल वाले मेघ-बरसाद. मालवृक्ष के रस समान जनवाला मेघ-बरसाद. rain resembling the juice of a Sala tree. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६; —वख. पुं० (—वखसू) आरवाली क्यरे. खार मय कूड़ा. saltish dirt निमा० ३, ८०; —वसिय. त्रि० (—वर्तित) आरमां लरावेज, आरमां नापेल. नमक से भरा हुआ; नमक

में भिगोया हुआ. salt-soaked. सूय० २, २, ६३; ओव० ३८; दसा० ६, ४;—तंत. पु० (-क्षारतंत्र) लिंग वृद्ध्यादि वाञ्छाकर लु शास्त्र आयुर्वेदना ऐक भाग लिंग वृद्धि आदि वाजी करण शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a section of Āyur Veda (medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs. ठा० ८, १०;

खारायण. पुं० (क्षारायन) मंडप गोत्रनी शाखा. मंडप गोत्र का एक शाखा. A branch of Mandapa lineage. (२) ते शाखाने पुरुष उम शाखा का पुरुष. a man of that branch. ठा० ७, १;

खारेष्ट्र. पुं० (क्षारिक) भारीभो; भूसा वगेरे-ना पाँदडामां भोई अरासी अथावा जेवु अनावयामां आवे छे ते. नमकानः मूले आदि के पत्तों में नमक डालकर अचार जैसा बनाया जाता है वह. Pickles. ओघ० नि० भा० १३६;

खारी. स्त्री० (* खारा) ऐक जनतुं प्राणी. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जावा० १;

खारुगणिय. पुं० (क्षारुगणिक) ऐ नामने ऐक अनार्य देश. इस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि० ते देशना रहेवासी. उस देश का निवासी. a resident of this country. भग० ६, ३३;

खालिय. त्रि० (क्षालित) धायेधुं धुनाहुआ. Washed. मु० च० २, २६३; ७, ६१;

खावलण. न० (ख्यापना) प्रसिद्धि; प्र्याति; प्रसिद्धि; ख्याति. Fame; reputation. रैवा० १०, ७;

खास. पुं० (कास) खासीने रोग; उधरस. खासी का रोग; दमा. Cough. नाया० १३; भग० ३, ७;

खासिअ. न० (कासित) लुओ " खास " शब्द. देखो " खास " शब्द. Vide " खास " विशेष० ५०१; नंदी० ३८;

खामिय. पुं० (खासिक) ऐ नामने ऐक देश. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशने रहेवासी. उस देशका निवासी. a resident of this country. पगह० १, १; प्रब० १२६७; ओव० १, ५;

खिइ. स्त्री० (खिति) पृथ्वी-पृथ्वी. The earth; the world. क० प० १, ६२; ४, ३२;

खिखणी. स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी; नदानी घंटडी. घुगरियां; छोटा घुगरा. A small bell नाया० ५; ठा० १०, १;

खिखणीय. न० (किङ्किणीक) लुओ " खिखणी " शब्द. देखो " खिखणी " शब्द. Vide " खिखणी " नाया० १; उवा० २, ११३;

खिखणी. स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी; घंटडी. छोटा घुगरा. A small bell. जे० प० गय० १०६; जीवा० ३, ३; उवा० ६, १६६;

✓ **खिस.** धा० I. (खिम्) निन्दा करवा. निन्दयुं. निन्दा करना. To blame; to censure (२) कोष करवा; तिर छोडयुं. कोष करना; तिरस्कार करना. to get angry; to despise.

खिमइ-ति. मूय० १; १३, १६; २, २; १७; नाया० ध० पि० नि० ३५८; उत० १७, ४; मम० ३०; दसा० ६, २०; २१;

खिसंति. भग० ३, १; अत० ६, ३; नाया० ८; **खिसए.** त्रि० दम० ८, २६; अया० १.

२, ४, ८५;

खिसङ्गा. दस० ६, ३, २१;

खिसह. भग० ५, ४; १२, १;

खिसिस्संति. नाया० १६;

खिसे (सि) ता. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;

खिसिजमाण. नाया० १६; भग० ३, १;

खिसण. न० (खिसन) निन्दा; निरस्कार; अपमान. निन्दा; तिरस्कार; अपमान. Censure; contempt; dishonour. पणह० १, १; ओव० २१;

खिसणा. क्वा० (खिसना) दोष समझ भर्षा उद्घाट पाटी अयत्ता करती. लोगों के सामने गुप्त रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना. Disregarding anyone by exposing his weakness in the public ओव० ४०; राय० २६४;

खिसणिज्ज. त्रि० (खिसनाय) निरस्कार करना योग्य. निरस्कार करने योग्य. Censurable; disgraceful. नाया० ३;

खिसा. क्वा० (खिवा) निन्दा. निन्दा. Censure. पंचा० १७, २५५.

खिसिय. त्रि० (खिमित) भर्षा भेदी वचनार्थी निरस्कार करने. भर्षा भेदी वचन से तिरस्कृत. Disgraced with piercing words. ठा० ६, १; प्रव० १३३४; —वयण. न० (-वचन) भीजनी अस्तित्व (निरस्कार) करने योग्य वचन. दूसरों का घृणा-तिरस्कार करने योग्य वचन. the words of rebuke. ठा० ६, १; वय० ६, १;

खिक्खियंत. त्रि० (खिक्खिर्वत्) बिजि शब्द करने, ती, तो. खिक्खि शब्द करना हुआ-हुई. (One) making a sound like ' Khi Khi. ' पणह० १, ३;

खिज्जणा. क्वा० (*खिजना-खेदक्रिया) भेद. खेद. Pain; trouble. नाया० १८;

खिज्जीण्य. त्रि० (खेदनीय) भेद करने योग्य. रंज करने योग्य. Regrettable. नाया० १६;

खिज्जमाण. त्रि० (खिद्यमान) भीजतो-यीड़ीया स्वभाव वाला. खीजताहुआ चिरडी स्वभाव वाला. (One) of an irritable nature. जीवा० ३, ४; नाया० १८; राय० ११२;

खिज्जिय. त्रि० (खिज्ज) भेद पाभेदुं. खेद प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया० ६;

खिडुकर. त्रि० (कड) गिदगिदिया करने. गुदगुदी चलाने वाला. (One) who tickles. मु० च० २, ६४३;

खिति. क्वा० (खिति) पृथ्वी. पृथ्वी The earth; the world. विश० १२०८;

खित्त. न० (क्षेत्र) आकाश प्रदेश. आकाश प्रदेश. The firmament; the space of the sky. उत्त० ३३, १६; क० गं० ५, ८६; (२) आर्य अनार्य देश. आर्य अनार्य देश. a country of Āryas and Anāryas. गच्छा० १४, उत्त० ३, १८; (३) द्विपत्तौ अर्धभाग; अर्ध-विजय; जैसे भारत क्षेत्र. द्वीप का एक भाग; खंड विजय; जैसे भारत क्षेत्र. a part of a continent. ठा० २, ३; (४) खुली जमीन; धान्यवाववाली जमीन. खुली जमीन; धान्य बोने का जमीन. a field; an open plot of ground आया० १, २, ३, ७६; अणुजो० ८०; दस० ८, ३५; प्रव० १८; ६०४; भग० २, १; २५, ५; पञ्च० १४; उत्त० ३०, १८; ओघ० नि० भा० ८२; मु० च० १, २३; कप० ५, ११७; —निवासि. त्रि० (-निवासिन्) अर्ध क्षेत्रमां निवास करने. एक क्षेत्र में निवास करने वाला. residing in one country. प्रव० ७८४; —फुसणा. क्वा० (-स्पर्शना)

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना.
क्षेत्र का स्पर्श; आकाश प्रदेश की अवगाहना.
occupying the atmosphere or
space. विशेष ४०६; —बाहिर्विद्य. त्रि०
(—बहिः स्थित) क्षेत्रथी-वसतिथी अक्षर
रहेल. क्षेत्र से बाहर रहा हुआ. situated
outside the inhabited region.
प्रब० ६२७;—बुद्धि. स्त्री० (—वृद्धि) क्षेत्रनी
वृद्धि. क्षेत्र की वृद्धि. increment in
space. प्रब० २८१; —संठिह. स्त्री०
(—संस्थिति) क्षेत्रनो आकार. क्षेत्र का
आकार. the shape of the space
or region. जं० प० ३७, १३५;
—सहाव. पुं० (—स्वभाव) क्षेत्रनो
स्वभाव. क्षेत्र का स्वभाव. the nature
of the space. प्रब० १०८८;

खित्त. त्रि० (चित्त) छेड़नुं. फेंका हुआ.
Thrown. क० गं० ४, ८६; नाया० १७;
—चित्त. त्रि० (—चित्त) पुत्रशोक वगेरे
थी विक्षिप्त थयुं छे चित्त गेनुं ओवे। पुत्र-
शोक आदि से जिसका चित्त लुब्ध है वह.
(one) maddened on account
of the death of a son etc. डा०
५, १; वव० २. १०: १०, १८;

खित्तत्र. त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीथी उपजेलां छा-
डरां. स्त्री से उत्पन्न लडके. Children
born of a woman. डा० १०;

खित्तओ. अ० (क्षेत्रतम्) क्षेत्रथी; क्षेत्रनी
अपेक्षाओ; क्षेत्रआशी. क्षेत्र से; क्षेत्र का
अपेक्षा: क्षेत्र के सम्बन्ध में. In relation
to space. उत्त० २४, ६; ओव० १७;

खित्तवाल. पुं० (क्षेत्रपाल) देव विशेष; अंत-
रपाल. देव विशेष; क्षेत्रपाल. A kind of

deity. सु० च० ७, ७०;

खिन्न. त्रि० (खिन्न) भेद पायेलुं. दुःखी; खेद
पाया हुआ. Troubled; afflicted.
ओव० नि० १२४;

खिप्प. त्रि० (खिप्प) जलदी; डिलावगुं. जल्दी;
फुटेला. Speedy. आया० १, ६, ७, ६;
२, ३, २, १२१; उत्त० १, ४४; ओव०
नि० ७७५; भग० १, ६; २, १; ३, १; ३;
दस० ४, २८; ८, ३१; नाया० १: १६;
विशे० २८०: सूय० १, ८, १४; कप्प० २,
२५; ४, ५८; उवा० १, ६६; राय० २८:
३४; ३६; ओव० २६; क० प० २, ८८; ६.
१६; सम० ३४; दसा० ४, ३८;

खिप्पगइ. पुं० (खिप्पगति) दिशाक्षमारना
लोकापालनु नाम. दिशाकुमार के लोकपाल का
नाम. Name of a Lokapāla of
Disākumara. भग० ३, ८; (२)
अमितगति तथा अमितवाहन ईन्द्रा लोका-
पालनु नाम. अमितगति तथा अमितवाहन
इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a
Lokapāla of the Indras named
Amitagati and Amitvāhana.
डा० ४, १;

खिलीकय. त्रि० (किलीकृत) भीसी भारीने
कर्मने निबड डरेल; निक्षयितअन्धने आविड.
कौल टोककर कर्म को दृढ़ किया हुआ; निका-
चित बंध में बंधे हुए. (The Karms)
nailed or bound very tightly.
भग० ६, १;

खिल्लुड. पुं० (*) इन्द्र विशेष. कन्द
विशेष. A kind of bulbous root.
प्रब० २४०;

खिल्लूह. पुं० (*) इन्द्र विशेष; वनस्पति.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती छटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation.

जीवा० १;

*खिल्लेउं. सं० कृ० अ० (क्रीडयित्वा) भलीने; रभीने. खेलकर; क्रीडा करके. Having played. सु० च० ७, ११३;

खिवित्ता. सं० कृ० (खिप्त्वा) द्वेष्टीने. फेंककर. Having thrown. भग० ३, २;

खिविय. त्रि० (क्तिस्) द्वेष्टुं. फेंका हुआ. Thrown. सु० च० १, १७;

खीण. पुं० (खीण) अपी गये; नाश पाये.

नष्ट; क्षाण. Wasted; destroyed.

नाया० ४: ८; अणुजो० १२७; १३६; जं०

प० पञ्च० १; भग० १, ६: ५, ४: ६, ७;

१५, १: २५, १: ७: सम० ७; टा० २, १;

क० प० ४, १८: ५, १८: प्रव० १३१३;

कण० २, १८: ५, १४६; क० गं० २, २;

२०: ४, ७६; (२) आत्मा क्षीणभोग्य

अनन्दं दुष्टं नाम बारहवें क्षाण मोहनाय

गुण स्थानक का साक्षर नाम. a short

name of the 12th variety of

spiritual evolution known as

Kṣīṇamoha. क० गं० ६, ४५: —उ

दग. त्रि० (-उदक) पाणीविना; निर्जल.

पानी रहित; निर्जल. devoid of water;

waterless. भग० १५, १. —उपसंत.

न० (-उपशान्त) क्षीणभोग तथा उपशान्त-

भोग नामे गुणस्थानक; आरम्भ अन्ते अग्नी-

यारम्भ गुणस्थानक. क्षाण मोह तथा उपशान्त

मोह नाम का गुणस्थानक: बारहवें और

ग्यारहवें गुणस्थानक the eleventh

and the twelfth spiritual stages

known as Kṣīṇamoha and

Upasāntamoha. क० गं० ४, ६१;

—कसाय. त्रि० (-कषायन्) दुष्टो

“ खीणकसायि ” शब्द. देखो “ खीण-

कसायि ” शब्द. vide “ खीणकसायि ”

भग० ६, ३१; —कसाय. त्रि० (-कषाय)

क्षय पाय्या छे काम क्रोधादि कषाय जेना ते.

जिसके काम क्रोधादि कषाय क्षय होगए हैं.

(one) whose passions i. e.

anger, hatred etc. are destroy-

ed or decayed. क० प० ७, ४८;

—कसायि. त्रि० (-कषायिन्) क्षायते

नाश-क्षय किये छे जेना ते; क्षायरहित.

जिसने कषाय का नाश--क्षय किया है वह;

कषाय रहित. (one) who has des-

troyed the passions. भग० २५, ६;

—दुह. त्रि० (-दुःख) क्षीण ययुं छे दुःख

जेनुं; दुःख विना. जिसका दुःख क्षीण

होगया है वह; दुःख रहित. freed from

pain or misery. सम० प० २४०;

—भोग. त्रि० (-भोग) जेना भोग विना

क्षीण यया छे जेने. जिसके भोग विना

क्षीण होगये हैं वह. freed from worldly

enjoyments. नाया० ६: —भोगि. त्रि०

(-भोगिन्—भोगो जिवस्य यत्रास्ति तद्-

भोगि. शरीरम् तत्क्षीणं तपोरोगादिभिर्भस्य

सः क्षीणभोगी) दुष्पणा शरीर वायुं. पतले

शरीर वाला; दुर्बल. (one) of weak

constitution. भग० ७, ७: —मोह.

त्रि० (-मोह) मोहनीकर्म जेनुं क्षीण

यये छे ते. जिसका मोहनाय कर्म क्षय

होगया है वह. (one) freed from

Karma known as Mohaniya.

क० गं० ४, ६३; क० प० ६, ६: टा० ३, ४;

—रज. त्रि० (-रजम्) जेनुं कर्मरूप

ज्जेना नाश किये छे ते. कर्म रज का नाश

किया है वह. (one) freed from

dust in the form of Karma.

सम० प० २४०; —राग. त्रि० (-राग)

जेनुं राग द्वेष क्षय किये छे ते. जिसने राग

द्वेश क्षय किये है वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८; ४२; गच्छा० ३३; —वेदय. त्रि० (—वेदक) श्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, आदि जेना काम विकार नष्ट थयेन छे ते. जितके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० १. ३१; २५; ६;

खीरकसाय. न० (खीरकसाय) आरभुं शुल्लस्थानक के ज्योतिषां कथायतो सर्वथा क्षय करवाभां आवे छे. बारहवां गुणस्थानक कि जहां कषाय का सर्वथा क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क० ग० ६, ८४; —वीतराग. पुं० (—वीतराग) कषाय रहित वीतराग. आरभुं शुल्लस्थानवर्ती. कषाय रहित वीतराग. बारहवें गुणस्थानकचारा. a soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

खीर. न० (क्षीर) दुध. दूध. Milk. सू० प० ११; १६; पञ्च० २; आया० २, १, ४, २४; विशेष० ७६६; निर्मा० ६, २२; निर० ३, ४; जीवा० ३, ३; पिं० नि० १३०; भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; श्रोत्र० १०; ३८; पिं० नि० भा० २०; उवा० १, २४; पंचा० ५, २७; १३, १०; कण्ठ० ३, ३८; ६, १७; (२) क्षीर नामनो पांयमो समुद्र अने पांयमो द्वीप. क्षीर नामका पांचवां समुद्र और पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. अणुजा० १०३; पञ्च० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ. पुं० न० (—कुंभ) दुधनो घडा. दूध का घडा. a pot of milk. भग० १६, ३; —दुग्ध. पुं० (—दुग्ध) दुध वाणीं जाड; थोर, आकडा पगेरे. दूधवाले भाड; थूअर,

आकड़े आदि. trees that give milk &c. ह्. the Aśvattha tree. पंचा० १५, २०; पिं० नि० भा० १२; —धाई. स्त्री० (—धात्री) आधकने धव-रावतारी; धायमाता. बालक को दूध पिलाने वाली; धायमाता. a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया० १; १६; विवा० २; —भोजन. न० (—भोजन) भीरनुं जमल. क्षीर का भोजन. a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४; —मधुर. त्रि० (—मधुर) दुधना जेनुं भीडुं. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा० ४, ३; —मेघ. पुं० (—मेघ) भरत क्षेत्रमां उत्सर्पिणीनो भीजे आरे मेसतां सात दीवस पुंकर संवर्त नामनो मेघ वरसता पञ्जी भीजे मेघ सात दीवस सुधी वरसे तेनुं नाम. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुंकर संवर्त नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक बरसता है उसका नाम. name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd aeon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puṣkara Samvarta. जं० प० —वृष्टि. स्त्री० (—वृष्टि) दुधनी वृष्टि; दुधनो वरसाद. दूध का वृष्टि; दूध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —समुद्र. पुं० (—समुद्र) क्षीर सागर. क्षीर सागर. the ocean of milk. सू० च० २, २५१; —सर. न० (—सरस्) दुध जेवा पाणीवागुं तलाव. दूध जैसे पानी वाला तलाव. a tank having milky water. सू० च० १५, ३२; —सागर. पुं०

(-सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. name of an ocean. कण० ३, ३३; —साला. ली० (शाला) दुधनी शाला दुकान. दूध की शाला—दुकान. a shop of milk. निखी० ६, ७;

खीरकाओली ली० (खीरकाओली) ऐ नामनी साधारण वनस्पति. इस नाम की साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पञ्च० १;

खीरकाओली. ली० (खीरकाओली) लुग्या "खीरकाओली" शब्द. देखो "खीरकाओली" शब्द. Vide " खीरकाओली " भग० खीरणी. ली० (खीरणी) वृक्ष विशेष; फिरनी वृक्ष विशेष; खिरना. A kind of tree bearing sweet fruit. भग० २२, २; पञ्च० १;

खीरभुस. पुं० (खीरभुष) ऐ नामनी परम वनस्पति. इस नाम का पर्वग जानने का एक माद. A kind of tree of Parvata sort. पञ्च० १;

खीराइय. त्रि० (खीरकित) ऐसा क्षीर-रस उत्पन्न होता है ऐसु. इसमें क्षीर रस उत्पन्न हुआ है वद. (A substance) in which juice has been produced. " नगणनेमालीअणुपुब्बेण आययगंधा खीराइया बद्धकला " नाया० ७;

खीरासव. त्रि० (खीराश्रव) ऐसु वयन दुधना ऐसु सांभगनारने मधुर वाये तेत शक्ति-प्रदियागो मालुस. जिसके वचन सुननेवालों का दूध जैसा मिष्ट मालूम हो ऐसा शक्ति-लब्धिवाला मनुष्य. (One) possessed of sweet speech like milk. आब० १६; पण्ड० २, १;

खीरिणिया. ली० (खीरिणिका) दुधवाणी; दुधवाली. दुधवाली; दुधवा. A milch cow etc. आया० २, १, ४, २३;

खीरिणी. ली० (खीरिणी) खीरवाणी आनी वेत. चांडवाले भाइ का वेत. A kind of creeper. पञ्च० १;

खीरोदअ. पुं० (खीरोदक) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. ठा० ४, ४;

खीरोदग. पुं० (खीरोदक) क्षीरसमुद्र क्षीर-सागर. क्षीर समुद्र; क्षीर सागर. Name of an ocean. भग० ८, ६; जं० प० पञ्च० १; —समुद्र. पुं० (-समुद्र) क्षीरोदक समुद्र ऐसु पाणी दुध ऐसु ऐसो समुद्र. क्षीरोदक समुद्र—जिसका पानी दूध सरगा है ऐसा समुद्र. An ocean the water of which is like milk. नाया० ८;

खीरोदा ली० (खीरोदा) पश्चिम महाविदेहा दक्षिण आंध्रवाणी पीछ विजयवाणी पश्चिम सरस्वती उपरवाणी महानदी. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड का दूसरा विजय का सीमा पर बहता हुई महानदी. Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha. जं० प० ४, १०२.

खीरोय. न० (खीरोद) क्षीर सागर. क्षीर सागर. Name of an ocean. जं० प० ५, १२०; कण० ३, ४३; —सायर. पुं० (सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. कण० ३, ४३;

खीरोया. पुं० (*) लुग्या " खीरोदा "

* लुग्या पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

शब्द. देखो " खीरोदा " शब्द. Vide
" खीरोदा " ठा० २, ३;

खील. पुं० न० (कील) पीलो. काल. A
mail. ओघ० नि० ६८८;

खीलग. पुं० (कीलक) ऋ० " खील "
शब्द. देखो " खील " शब्द. Vide
" खील " सू० प० ८; ओघ० नि० भग० २७१;

खु. श्र० (खु-खलु) वाक्यालंकारः वाक्यते
शोभावनाय अभ्यय. वाक्यालंकारः वाक्य
को सुंदर बनानेवाला अव्यय. A particle
used to add grace to a sen-
tence. आया० १, ६, ३, १८५;
दस० २, ५; ८, ५४; (२) निश्चये. निश्चय.
certainly; verily. गच्छा० ६३;

खुह. स्त्री० (खुति-खवणं खुतिः) स्त्री०. स्त्रीक.
A sneeze. नाया० २; १६; भग०
१५, १;

खुक्खु. पुं० (खुक्खु) घोडा धौडाने " खुक्खु "
शब्द थाय छे ते. दौडते हुए घोडे का खुक्खु
शब्द. A sound which is produc-
ed when a horse is running.
भग० १० ३;

खुज्ज. पुं० (कुब्ज) गन्ता हाथ पग भरतक
अने श्रीवा-पेक लक्षयुक्त प्रमाणापेन हाथ
अने पैठ छाती पीठ वगैरे लक्षयु दीन हाथ
ते संस्थाननुं नाम; छ संस्थाननुं व्यायुं
संस्थानु. जिसके हाथ, पांव, सिर और श्रीवा-
गर्दन लक्षययुक्त प्रमाणानुसार हों और पैठ,
छाती पीठ आदि लक्षययुक्त हों ऐसे संस्थानका
नाम; छ संस्थानों से चौथा संस्थान. Name
of a bodily structure in which
hands, feet, the head and the
neck are in proportion while,
stomach, the back, the breast
etc. are disproportionate; the
4th of the 6 bodily structures.

खुज्जो० ११८; ठा० ६, १; पञ्च० १; सम०
प० २२७; (२) त्रि० कुब्जो. कुब्जः कुबडा.
(one) hump-backed. सु० व० २, ३६४;
परह० १, १; ओघ० नि० मा० ८२; पि०
नि० ४७५; पंचा० १८, १७; प्रव० ५६३;
८०२; (३) न० जे प्रकृतिना उदयथी कुब्जो-
पलुं प्राप्त थाय ते नामकर्मनी अेक प्रकृति.
जिस प्रकृति के उदय से कुबडापना प्राप्त हो
उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety
of Nāma Karma by the rise of
which one becomes hump-
backed. क० ग० १, ४०;

खुज्जकरणी. स्त्री० (कुब्जकरणी) रूपवती
साध्वी उपदेशाभिधाने न पामे ते सारं दृष्ट्वा
पनावधाने अथा उपर राखमाना साध्वी.
आ वस्त्रने अला नीये पीठ उपर अंक पटाधी
आधी राखवुं ते. रूपवती साध्वी पर कोई मोहि-
त हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत
करने के वास्ते कंधे के वस्त्र को पीठ में नीचे
पेट पर एक पट्टे से बांध रखना. Wrap-
ping of a shoulder garment
round the breast and the back
on the part of a female ascetic
in order that nobody should be
tempted by her beauty ओघ०
नि० मा० ३२०; प्रव० ५४८;

खुज्जत्त. न० (कुब्जत्व) कुब्ज पालु. कुबडा
पन. The state of being hump-
backed. आया० १, २, ३, ४८;

खुज्जा. स्त्री० (कब्जा) कुब्जो दासी. कुबडा
दासी. A hump-backed female: a
maid. ओघ० ३३; दसा० १; १; नाया०
१; ८; अंत० ३, ८; जं० प० भग० ६, ३३;
विवा० ६; (२) कुब्जदेश की दासी. कुब्ज
देश की दासी. a maid of the
country named Kubjā. निसी० ६;

२५; विवा० ६; निर० १०१; (३)
थुंक्षानुं पात्र (थुंक्षानी) धारण करने वाली दासी. थुंक्षने का पात्र (पीकदानी) उठाने वाली दासी. & female attendant who holds a spittle-pot. विशेष० १८, १, १; विवा० ६;

खुजिया. स्त्री० (कुजिता) सोल रोगमिति
एक रोग; थुंक्षानुं. सोलह रोगों में का
एक रोग; कुबडापन. One of the 16
diseases; crookedness. आया० १,
६; १. १०२;

खुडअय. त्रि० (खुलक) न्दानुं; लघु; दलक.
छोटा; लघु; हलका. Trifling; small.
ज० प० वव० १०, १८;

खुडाग. त्रि० (खुलक) न्दाना-नी-तो.
छोटा-टा. Small. निमा० ४, ७१; अंत०
८, ३; ओव० १६; भग० १३, ६; ३१, १;
नाया० ७;

खुडिय. त्रि० (खुलक) ननुओ "खुडअ"
शब्द. देखो 'खुडअ' शब्द. Vide 'खुडअ'
वव० ६, ८१; १०, १८;

खुड. धा० I. (खुद) तोड़ना. To
break.

खुडित. भग० ११, १;

खुडिता. सं० कृ० १५, १;

खुड. त्रि० (खुद) न्दानो छोटा. Small.
गच्छा० १०६; —भव पुं० (-भव)
क्षुद्रभव; न्दानोभव निर्गोदिया भवनो २५६
आवलिङ्गो ओक भव. खुद भव; निर्गोदिया जीव का २५६ आवलिका का एक
भव. a small period of life; a
period of life of hell-beings
lasting for 256 Āvalikās (a
measure of time) क० ग० ५, ३८;

खुड पुं० (खोद) मदिरा. दारु. Wine. ज०
प० २, ३६; —आहार त्रि० (-आहार)

मदिरापान करनेवाला. दारु पीने वाला. &
drunkard. ज० प० २, ३६;

खुडखुडग. त्रि० (खुदखुदक) न्दानाभां
न्दानो; यलुङ्ग न्दानो. छोटे से छोटा; बहुत
छोटा. Smallest. राय० १३५;

खुडग. त्रि० (खुलक) न्दानो; लघु. छोटा;
लघु. Small; short. निमा० १४, ६;
भग० १३, ४; —भव पुं० (-भव)
न्दानाभां न्दानो २५६ आवलिङ्गो ओक
भव खुद से खुद २५६ आवलिका का एक
भव. the shortest period of life
lasting for 256 Āvalikās. भग०
८, ६; जीवा० ८;

खुडतर. त्रि० (खुदतर) अनिशय लघु. अति-
शय लघु-थोडा. Shorter; smaller.
ज० प० ४, ७५;

खुडय. त्रि० (खुदक) दलक; थोड़ा. हलका;
खुद थोडा. Short; trifling. नि० नि०
भा० ४६; विशेष० ६१६; ज० प० प्रव० १२८;
काप० ६, ८०;

खुडलय. पुं० (खुदलय) थोडा थुंक्षानुं
ग्राम; न्दानुं ग्राम. थोडा बस्ती वाला ग्राम;
छोटा ग्राम A small village. ओव०
नि० ६१;

खुडलिअ. त्रि० (खुलक) ननुङ्क; न्दानुं.
नाजुक; छोटा. Delicate; small. ओघ०
नि० २१७;

खुडाअ. त्रि० (खुलक) ननुओ "खुडअ"
शब्द. देखो "खुडअ" शब्द. Vide
"खुडअ" आया० २, १, ८, २८; ओव०
४२; नाया० ७;

खुडाखुडिय. त्रि० (खुदखुदक) न्दानाभां न्दानो
छोटे से छोटा. Smallest; shortest.
ज० प० ४, ८८;

खुडाग. त्रि० (खुलक) न्दानो-नी-नुं. छोटा-
टा-टे. Small; short. पक्ष० १८; नाभा०

७; भग० ३१, १; ओष० १६; —**जुम्म**. ने० (—*जुम्म) बार आठ बार तिगेरे न्दानी राशिना जेडक्षां. चार, आठ, बारह आदि छोटी राशि के जोड़े. a pair of small figures. भग० ३१, १; —**भव**. पुं० (—भव) क्षुल्लक अव; २५६ आवलिका प्रमाण निगोदने ओक अव. लुद्र भव; २५६ आवलिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Āvalikās. क० प० १, ७८; —**भवग्गहण**. न० (—भवग्गहण) २५६ आवलिकानो निगोदने ओक अव करेवे ते. २५६ आवलिका का निगोद का एक भव करना. a period of hell life equal to 256 Āvalikās. भग० ८, ६;

खुडिआ. स्त्री० (लुल्लिका) न्दानी साध्वी आर्या. छोटी आर्या-साध्वी. A child-female ascetic. गच्छा० १०७;

खुडिय. त्रि० (*लुल्लक) लुओ: “ खुडिय ” शब्द. देखो “ खुडिय ” शब्द. Vide “ खुडिय ” भग० ७, ८; सूय० १. ३, २, ३; मम० ३७; जीवा० ३, १; ४; आया० २. १, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३; ४, ५; भग० १३, ४; निमा० १४, ६;

खुडियामोयपडिमा. स्त्री० (लुद्रिकामोक-प्रतिमा) मात्राना अलिग्रहरूप आर पडिमा भांती पड़ेली. आहार की मात्राकी अभिग्रहरूप चार प्रतिमाओं में से पहिली प्रतिमा. The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food. ठा० ४, १;

खुडियाविमाणपविभक्ति. स्त्री० (लुद्रिका-विमानप्रविभक्ति) ओ नामनुं ओक काविक

सूत्र. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika scripture. नंदी० ४३; वव० १०, २६;

खुणिय. त्रि० (लुणित—लुण) भूमिउपर भु देसु. भूमि पर कूटा हुआ. Trampled; pounded. भग० ६, ३३;

खुत्त. त्रि० (*) लुथी गयेल; दुग्री गयेल. लिप्त; डूबा हुआ; निमग्न Plunged. सु० च० ३, १६१, ओष० नि० २३;

✓**खुद्**. घा० I. (लुद्) अध्यवसायादि उपक्रम कारलोथी विनाश करेवे; आयुष्य दुं दुं करेवुं. अध्यवसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना; आयुष्य कम करना. To shorten the life period.

खुद्द. हे० क० उत्त० ३२, २०;

खुद्. त्रि० (लुद्) दुष्ट; नीच. दुष्ट; नीच. Wicked. (२) हलक; पुच्छ. हलका; थोडा. trifling; mean. (३) लघु; न्दानुं. छोटा, लघु. small; short उत्त० ३४, २१; ठा० ६; पयह० १, १; कप० ५, १२८; प्रव० ६४६; पंचा० ३, ४८; ७, ४; इमा० ५, ६; राय० २०७; नाया० ६; —**कथा** स्त्री० (कथा) दुद्र-दुष्टकथा; काम कथा. दुद्र-दुष्ट कथा; काम कथा. a bad story; a talk about sinful actions.

प्रव० ६४६; —**प्राण**. पुं० (—प्राण) लुद्र प्राणी-विकलेन्द्रिय अने समुच्छिन्नान्तयेव. लुद्र प्राणी-विकलेन्द्रिय और समुच्छिन्नान्तयेव. very very small insects. ठा० ४, ४; —**मिग**. पुं० (—मृग) दुष्टमनुष्य रूपी मृग. दुष्ट मनुष्य रूपी मृग. a wicked deer. पंचा० ३, ४८; —**सत्त्व**. पुं० (—सत्त्व) लुद्र प्राणी. लुद्र प्राणी. an insignifi-

* लुओ: पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ciant creature. पंचा० १४, २६;

खुरग. त्रि० (लुप्रक) लुप्रो "खुर" शब्द.

देखो "खुर" शब्द. Vide "खुर"

सूय० २, ५, ६;

खुराग्र. त्रि० (लुप्रक) लुप्रो "खुर"

शब्द. देखो "खुर" शब्द. Vide "खुर"

जीवा० ३, १;

खुरिमा. स्त्री० (लुद्रिमा) लुद्रिमा नामनी गांधार

ग्रामनी षी७ मूर्च्छना. लुद्रिमा नाम की

गांधार ग्राम की दूसरी मूर्च्छना. The

second note named Kṣudrimā

of the musical scale named

Gāndhāra. ठा० ७, १;

खुरिय. त्रि० (लुधित) लुधित. भूखा.

Hungry. सूय० १, ३, १, ७;

*✓ खुर्य. धा० I. (मरुज्) लुप्रो लुप्रुः

लुप्रुः लुप्रुः मम रहना; लिप्त रहना. To

be immersed; to be drowned.

खुर्यंत० अघ० नि० २३;

खुर्यिवासा. स्त्री० (लुप्रिपासा) लुप्र अने

तृप्त. भूख और प्यास. Hunger and

thirst. नाया० १३; —परिबय. त्रि०

(-परिगत) लुप्र अने तृप्तयथी धैर्येत्त.

भूख और प्यास से प्रसित. overpow-

ered by hunger and thirst.

दस० ६, २, ८;

✓ खुर्य. धा० I. (लुप्र) लुप्रमण्युः गम

रायुः क्षोभ पामवे. गबराना; लोभित होना.

हकायका होजाना. To be agitated.

खुर्यभ. भग० ३, ३;

खुर्यभापूजा. वि० भग० ६, ५;

खुर्यभाष. क० वा० कण० ३, ६३;

✓ खुर्य. धा० II. (लुप्र) गलरायुः क्षोभ

पामवे. घबराना; लुब्ध होना. To be

agitated or disurbed.

खोभेत्. प्रे० नाया० ३;

खोभेत्ति. प्रे० नाया० ४;

खोभेत्तं. प्रे० हे० कृ० उत्त० ३२, १६;

खोभित्तप. प्रे० हे० कृ० नाया० ६, ६;

खोभंत. प्रे० व० कृ० भग० ३, २;

खुमिय. त्रि० (*लुब्ध) क्षोभ पामेल; उदा-

यमान थयेत्त. लोभित; लुब्ध; दिगा हुआ.

Agitated. भग० ६, ८; —जल. न०

(-जल) क्षोभ पामेलुं पाणी लुब्ध पानी.

agitated water. भग० ६, ८;

खुम्मिय. त्रि० (*कर्मित) नमेयुः काष्ठ्यानी

पेदे दही गयेयुं. कच्छप की तरह झुका हुआ;

नमा हुआ. Bent like a tortoise;

sloping. "खुमिय संसुलिय धवलवलय"

नाया० १;

खुर. पुं० (खुर-खुरासन) उत्तर भरतमाने

पुरासान देश उत्तर भरत का खुरामान देश.

Name of Khurāsāna country

in Uttara Bharata. जं० प०

खुर. पुं० (खुर) पगनी पदरी; गाय बैस, घोडा,

गधेडा वगैरे वागेलानास पशुने पगना

आंगणाने पगनी ईडाए जे नप जेयुं होय

छे ते. खुर; गाय. भैम, घोडे, गधे आदि

वागेलाने वाले पशु के पांव की अंगुलियों के

स्थान पर जो नाखूव जैसा होता है वह.

A hoof. भग० ५, २; १२, ७; सूय० २,

३, १६; जं० प० पि० नि० ३३१; पञ्च० १;

नाया० ३;

खुर. पुं० (लुर) अस्तुरे; सक्षयो. उस्तरा.

A razor. भग० ६, ३३; सूय० १, ५, १,

८; १, १५, १४; अंगुजो० १३४; नाया० १;

२; उत्त० १६, ६३; पगह० १, १; २, ५;

—धार. त्रि० (-धार-लुरस्य इव धारा य-

स्य) सक्षयाना जेवी धारवायुं. उस्तरा जैसी

धार वाला. having an edge like

the edge of a razor. भग० ५, ७;

नाया० ८; ६; उवा० २, ६५; (२) स्त्री०

अस्तरानी धार. उस्तरे की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुण्ड) क्षुर-अन्वर्थी भुडेक्ष. उस्तरे से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, ३५; ६, ५७; प्रव० १००७;

खुरदुग. त्रि० (-खुरदिक) गाय भेस पगेरेनी आभरीभां उत्पन्न यता छीट पगेरे. गाय भेस आदि की चमड़ी में उत्पन्न होने वाले कीड़े आदि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals. सूय० २, ३, २६;

खुरपत्त. न० (-खुरपत्र) छुरे. क्षुरा; उस्तरा. A dagger; a razor. ठा० ४, ४; (२) छरपयो. क्षुरा. a dagger. विवा० ६; (३) छरी जेवा पांछा वातुं. क्षुरी के समान पत्त वाला. a tree having leaves like a dagger. जवा० ३, १; (४) अस्तरानी धार. उस्तरे की धार. the edge of a razor. नाया० १६;

खुरप्प. पुं० (क्षुरप्प) अस्तरा; छरपयो. उस्तरा; क्षुरा. A razor; a large knife. (७) दातरुं दांघरा. a sickle. सूय० २, ३, ६६; जं० प० प्रव० १११६; पञ्च० २; —संठाण-संठिय त्रि० (-संस्थानसंस्थित) सक्षया आकारे (रड्डेक्ष). उस्तरे के आकार का (रहा हुआ). razor-shaped. दसा० ६, १;

खुरमुंडअ. पुं० (क्षुरमुण्डक क्षुरेणमुण्डयतीति) हम्मभन करनेहार; नायी. हम्ममत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा० ६, २;

खुरि त्रि० (क्षुरिन्—क्षुरिन् क्षुरोऽस्यातीति) भरी वातुं मनवर. खर वाले प्राणी. A hooped animal. अणुजो० १३१; ओव० ३;

खुल्ल. पुं० न० (-खुल्ल) भे छन्दिमवाला छप; नाना शंभला. दो इंदिय वाले जीव: छोटे शंख आदि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पञ्च० १; जीवा० १;

खुल्लय. पुं० न० (*) डोडी. कोडी. A shell. नाया० १८;

खुव. पुं० (खुवप) नानो छोडो. छोटा फाड़. A small plant. “ लवा वा वल्ली वा खारुं वा खुवेवा ” नाया० १;

खुवग. पुं० (*) ओओ. पस; धोवा. The cavity formed by joining the palms together. वव० २, २७;

खुह. पुं० (*) अंक्षुशाकार. अंकुश के आकार का. Goad shaped. राय० ६१; (२) अंक्षुशाकार आकाश भ्रेशनी भेल्ली. आकाश की अंकुशाकार भ्रेशी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग० ३४. १;

खुहा. बी० (क्षुधा) क्षुधा; लुप्प. क्षुधा; भूख. Hunger. प्रव० ६६२; जावा० ३, १; जीवा० ३, १; नाया० १, २; ओव० ३६; दस० ८, २७; भग० २, १; ७, ८; —सह. त्रि० (-सह क्षुधां सहनेतत्) लुप्पने सहन करनेहार. भूख को सहने वाला. (one) enduring hunger. भग० १५, १;

खुहिअ. त्रि० (क्षुभित) क्षोलायामेक्ष; क्षोलाय थयेक्ष. लुब्ध; हाल बेहाल. Agitated; distracted. महा० प० ७६; ओष० नि० ७;

खुहिय. त्रि० (क्षुभित) लुप्पेक्ष; लुप्पक्षित. भूखा; बुभुक्षित. Hungry; starving. पण्ड० २, १;

* लुप्पो ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खेद-य. पुं० (खेद) भेद. श्रम. खेद; थम.

Exhaustion. ओव० ३१; सु० व० ३, १८३;

(२) कर्मने भेद करावतार संयम. कर्म को खेद करने वाला संयम. self restraint which exhausts the Karmas.

उत्त० १६, १६;

खेजलगा. न० (खाजक) आजला; आजल.

खाजे. A crisp thin cake. निर० ३, ४;

खेड. पुं० (खेड) ग्राम करतां भेटी अने शहर करतां न्हानी वसतिनु स्थान जेने इरतो धुडतो गढ होय ते भेडा. ग्राम का अपेक्षा बडी और शहर का अपेक्षा छोटा बस्ती; जिसके चारों ओर धूल का गढ हां वह खेडा. A town surrounded by a wall. उत्त० ३०, १६; ठा० २, ४; भग० १, १; ३, ७; ७, ५; अणुजो० १३५; परह० १, ३; आया० १, ७; ६, २२२; नाया० ८; १६; वेय० १, ६; ओव० ३२; जावा० ३, ३; विवा० १; सूय० २, २, १३; वशे० २४; २५;

खेडग. पुं० (खेडक) तलवारने धा छत्रवाने अेक दधीवार; दाल. तलवार का घाव फलन का दधियार; दाल. A shield; a defensive armour to protect oneself from the stroke of a sword. परह० १, १; ६;

खेडण. न० (*) भेडण. हलना. Tilling. सु० व० १२, ४२;

खेडय. पुं० (खेडक) लाकडी की नानी पटी. लकडी की छोटी पट्टा. A small strip of wood. जं० ५०

खेडु. न० (* क्रीडा) भेड; ६४ कलांमानी अेक. खेल; ६४ कला में का एक. Play; one of the 64 lores. ओव० ४०; जं० ५०

३, ६७;

खेडु. ली० (खेडा) क्रीडा; योपाट गंठपा वगेरे रमत. क्रीडा; रमत; खोपड गंजाफा आदी. Play viz. playing of cards etc. गच्छा० ८२;

खेणुबाण. पुं० (खबाण) आकाशबाण; शस्त्र विशेष. व्योम बाण; शस्त्र विशेष. A kind of weapon. जावा० ३; ३;

खेत्त. न० (क्षेत्र) आकाश; जेभां जेवादि पदार्थ निवास करीशके ते. आकाश जिसमें जीवादि पदार्थ निवास कर सकें हैं वह. The space of the universe where living beings live. विशेष० ४०४; १४०६; २०८८ ३३६३; दसा० ८, ५८; नाया० १६; सु० प० १; अणुजो० ६०; १३२; भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १६; जं० प० ७, १३३; ७, १४८; (२) देश. देश. a country. वेय० १, ४९; (३) जग्या; स्थान. जगह; स्थान. a place. पञ्च० १. भग० १, १; (४) उधारी-भुडली जमीन धन्यनाभितर; गरास. खुली जमीन; धान्य का खेत. an open plot of ground. प्रव० २५३; ७२८; पं० चा० १, १७; १५, २०; सूय० २, १, ३५; ओव० जं० प० (५) राहुनु नाम. राहु का नाम. name of Rahu. सु० प० १६; (६) पञ्चवक्षाना त्रोग पटना यादीसभां दारनु नाम. पञ्चवणा के तासरे पद के २४वे द्वार का नाम. name of the 24th chapter of the 3rd section of Pannavapā Sūtra. पञ्च० ३: — अइकान. त्रि० (-अक्रिफांत) क्षेत्रनी भयांता उद्वेगधीने त्रय आवेत्त. क्षेत्र की सीमा लांघकर ले आया हुआ. (some-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

(—वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिस्थामां
उभेरुं ते. क्षेत्रकी वृद्धि; बढता. extension
of space. पंचा० १, २०; —संजोग.
पुं० (—संयोग) क्षेत्रतो संयोग. क्षेत्र का संयोग.
joining of two regions. अणुजो०
१३१; —संसार. पुं० (—संसार) आदराज
परिमित क्षेत्र; क्षेत्ररूप संसार-लोक.
चांदह
राज, परिमित क्षेत्र; क्षेत्र रूप संसार-लोक.
the world consisting of 14 Rāja-
loka; the world having many
divisions. ठा० ४, १;

खेत्तश्रो. अ० (क्षेत्रतम्) क्षेत्रशी. क्षेत्र से.
From a Kṣetra. प्रव० ७७६; भग०
२, १, २०; ५, ८; ८, २;

खेत्ति. त्रि० (खेत्रिन्) क्षेत्रवाले. क्षेत्र वाला.
(One) possessed of Kṣetra.
विशे० १४६२;

खेद्. पुं० (खेद्) पीडा; भेद; पीडा; खेद्.
Affliction; trouble. भग० १४, १;

खेम. पुं० (खेम) दुःखालु; उपद्रवता अभाव.
कल्याण; उपद्रव का अभाव. Welfare;
absence of trouble. भग० २, १.
उत्त० ६, २८; १०, ३२; २१, ६; आ०
७, ५१; ६, ४, २३; जीवा० ३, ४;
दमा० ४, ८; नाया० २; ५; पक्ष० २; भल०
३२; —रूप. त्रि० (—रूप) दुःखालुशरीर;
उपद्रवहित कल्याणकारि; उपद्रव रहित
beneficial; happy; free from
trouble. ठा० ४, २.

खेमध. पु० (खेमक) अन्तर्गतवर्ग का
पर्यन्त पांचवां अध्याय नाम. अंतर्गत
सूत्र के छठे वर्ग के पांचवें अध्याय का नाम.
Name of the 5th chapter of
the 6th section of Antagada
Sutra. खन० २, ५; (२) कांडी
नगरीनी शैव्यासी अष्ट गथापति. के नगरी

महावीर पासे दीक्षा लध सोण वर्षानी
प्रवज्या पाणी विपुलपर्वत उपर संथारे.
करी सिद्धि भोगवी. काकंदी नगरी के रहने
वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी
के पास दीक्षा ले सोलह वर्षका प्रवज्या पाल
विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्ध गति प्राप्त
की. a merchant of the Kākandī
city who was initiated by Ma-
hāvira. He practised asceti-
cism for sixteen years gave up
food and drink for ever and ob-
tained final bliss on the Vipula
mountain अंत० ६, ५;

खेमंकर. त्रि० (खेमकर-खेम करंतीति) खेम
कुशल (रक्षा) शरीर. खेम कुशल (रक्षा)
करने वाला. A protector. सू०
२, ६, ४; आ० (२) पुं० अ नामनी अडसठ-
मा भद्राग्रह. इस नाम का अडसठवां महाग्रह.
name of the 68th great con-
stellation. सू० प० २०; ठा० २; ३;
(३) पांचवां दुःखालु नाम. पांचवें कुल-
कर का नाम. name of the 5th
Kulagara. ज० प० (४) जम्बूद्वीपमां
अरावत क्षेत्रमां धनर आथा दुःखकर. जंबू-
द्वीप में अरावत क्षेत्र में होने वाले चौथे कुल-
कर. the fourth would-be Kula-
gara of Airāvata country in
Jambudvīpa सम० प० २४०;

खेमधर. पुं० (खेमधर-खेम धारयति अन्यकृतम्
यः) जम्बूद्वीपमां अरावत क्षेत्रमां धनर
पांचवां दुःखकर. जंबूद्वीप के अरावत क्षेत्र में
होने वाले पांचवें कुलकर. Name of the
5th would-be Kulagara of Airā-
vata country in Jambudvīpa.
सम० प० २४०; ज० प० (२) जम्बूद्वीपमां
अरावत क्षेत्रमां धनर आथा दुःखकर. जंबूद्वीप में

of the 6th Kulakara. (३) ७५-
६५ ६२ ३२१२. उपद्रव नष्ट करने वाले.
one who removes troubles. ओव०
लेमकर. त्रि० (लेमकर) सुखकारी. सुखकारी.
Beneficial; giving happiness.
परह० २, १;

लेमपुरा. स्त्री० (लेमपुरी) सुकच्छ विजयनी
मुख्य नगरी; राजधानी. सुकच्छ विजय की
मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the
chief capital of Sukachchha
Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

लेमा. स्त्री० (लेमा) कच्छ विजयनी
राजधानी मुख्य राजधानी. कच्छ विजय के
कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The
chief capital of the king Kach-
chha of Kachchha Vijaya. ठा०
२, ३; जं० प०

लेयण. त्रि० (लेदक्ष-लेदः श्रमः संसार
पर्यटनजनितः तं जानातीति) संसारता
भेदने दुःखने ज्ञानुत्तर. संसार के खेद दुःख
का ज्ञाता. (One) having know-
ledge of the miseries of the
world. आया० १, १, ४, ३२;

लेयण. त्रि० (लेदक्ष) लुप्ते ' लेयण '
शब्द. देखो ' लेयण ' शब्द. Vide
' लेयण ' सूय० १, ६, ३; ओघ० नि० ६४७;
आया० १, २, ५, ८८; १, ७, ३, २०७;

लेयर. त्रि० (लेचर) आकाश गामी: पक्षी.
आकाश विहारी; पक्षी. A bird. (२) पुं०
विद्याधर. विद्याधर. a kind of deity.
सु० च० १, २६१;

✓ खेल. धा० I. (क्रीड्) रमन करपी. क्रीडा
करना. To play.

खेलेज्ज. विधि० ओघ० नि० भा० ६८; उत्त०
८, १८;

*खेल. त्रि० (खेलक-नट) पंशात्रे भेद कर-

नार; नट विशेष. बांस पर खेलने वाला; नट.
An actor; one who performs
acrobatic feats on a rope or
a bamboo. निर० ६, २२;

खेल. पुं० (स्लेप्मन्) नाक तथा मुँह
से निकलने वाला. नाक और मुँह से
निकलने वाला. कफ. The
phlegm that comes out of the
the mouth and the nose. कप्प० ५,
११६; ६, ५६; प्रव० ४३६; गच्छा० ६६; ओव०
१, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ६, ३३;
१२, ७; २०, २; नाया० १; ५; दस० ८,
१८; तंदु० वेय० १, १६; आया० २, १,
१६, २६; पञ्च० १; उत्त० १४, १६; सम० ५;

ओव० —आसव. पुं० (—आश्रव) कफ
का बाहर निकलना.
coming out of phlegm. भग० ३,
३; नाया० १; ८; दसा० १०, ६; —ओ-
सहि. त्रि० (—ओषत्रि) ओषध प्रदान
शक्ति; शक्ति; शक्ति; शक्ति; शक्ति. a
kind of attainment or spiritual
power; a certain kind of power
which cures diseases by the
application of salina only. विशेष०
७७६; ओव० १६; परह० २, १; प्रव०
१५०६; —पडिअ. त्रि० (—पडित) अल-
आमां पडित. सर्दी से ग्रस्त. troubled
with cold. गच्छा० ६६; —संचाल.
पुं० (—संचाल) अलआमां संयंत्रण थपुं.
कफ का संचार होना. affected with
cough. ओव० १, ५;

खेलाचणुधार्. स्त्री० (क्रीडाधारी) आलस्य
रमाउवानुं काम करने वाली धाय माता.
को रमाने का काम करने वाली धाय माता.

A nurse who makes children play. आया० २, १५, १७१;

*खेला. न० (क्रीडा) क्रीडा; रमत. क्रीडा;

रमत. Play. उत्त० ५, १८;

खेलगा. क्री० (क्रीडा+क) रमत गमत. रमत गमत; खेलकूद. Play; recreation.

१ निर० ३, ४;

खेलमुड. पुं० (*) कंदली ओक मूल. कंद की एक जाति. A kind of bulbous root.

भग० ७, ३;

खेव. पुं० (खेप) ड़ेकनु ते. फेंकना. Throwing. क० गं० २, १५;

खेविय. त्रि० (खेपित) ड़ेकवेत्त. फेंका हुआ Thrown. उत्त० १६, ५२;

खोउदग्र. पुं० (खोदोदक) दोस शेरडीना रस गेयुं गेयुं पाणी छे ते. शेरडीना रस गेया पाणीवाया ओक समुद्र. चोद-सांठे के रस जैसे जिसका पानी है वह; सांठे के रस जैसे पानी वाला समुद्र. An ocean the water of which is like the juice of sugar-cane. सूय० १, ६, २०;

खोलुभमाण. त्रि० (खोलुभमाण) अतिशय दोस पाभतुं; आदुत्त व्यादुत्त थनु. आनेशय जुद्ध; आकुल व्याकुल होता हुआ. Exceedingly agitated. आ० २१;

*खोड. पुं० (*) भेदोतुं वाडतुं. बडा लकड़.

A big log of wood. पगह० १, ३;

(२) प्रदेश; विभाग; स्थल, प्रदेश; विभाग;

स्थल, a division; a part; a place.

आ० १० नि० भा० ७६;

खोड. पुं० (खोटग) वस्त्रदिङ्गु पडिलेहुं ड़रतां ओक भाग गेया पथी तेना उपरती रंग तरलुं के कोष जन्तुने अमेरवाने ते

भागनुं प्रमार्जन करतुं ते; आ किया अभोडा तरीके ओगपाय छे, ओकेक वस्त्रना तथु भाग करीने पडिलेहुं ड़रतां नव अभोडा थवा जेष्ठमे जेष्ठ विधान करेत्त छे. वस्त्रादिक का प्रतिलेखना करते समय एक भाग देखे पश्चात् उस पर की रज, तृण या कोई जन्तु को हटाने के वास्ते उस भाग का प्रमार्जन करना. इस किया का अखांडा कहते हैं, एक एक वस्त्र के तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ अखांडे होने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है.

The cleansing of a part of a garment for the sake of getting rid of particles of dust, straw or any insect after having examined that part at the time of Pratilekhanā; this process is known as Akhodā, which, according to scriptural injunction, has to be repeated nine times, each garment being divided into three parts for Pratilekhanā. आ० ६, १; उत्त० २६, २५; आ० १० नि० २६५;

*खोडेयव. त्रि० (*) नष्टवः योग्य; निषेध ड़रवा योग्य. छोडने योग्य; त्यागने योग्य. Worth rejecting; worth abandoning. भग० १२, ६; १६, ४; २४, २४;

खोली. स्त्री० (खोली) पृथ्वी. पृथ्वी. The world; the earth. सू० च० १२, ५८;

खोलवर. पुं० (खोदवर) दोधवर नामने दोप-चोदवर नाम का द्वीप. Name of a continent. सू० ५० १५;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खोतोद. पुं० (खोदोद) क्षोदोद नामनो समुद्र
क्षोदोद नाम का समुद्र. Name of an
ocean सू० प० १६;

खोदोदग. न० (खोदोदक) शेरडीना रस जेनुं
पाथी. सांठे के रस जैसा पानी. Water
resembling the juice of sugar-
cane. पञ० १;

खोद. न० (खोद) भय. मधु; शहद. Honey.
भग० ७, ६; —आहार. त्रि० (—आहार)
भयना भोराकरलो. शहद का आहार वाला
(one) who eats honey. भग०
७, ६;

खोभ. पुं० (खोभ) भय; क्षोभ. भय; डर.
Fear; agitation. विश० १४७६;

खोभण न० (खोभन) विन्दनता; आकुलता.
आकुलता; घबराहट. Agitation; dis-
traction. पि० नि० ५८५;

खोभिय. त्रि० (खोभित) स्थानथी यत्रावेत;
क्षोभ पभावेत. स्थान से चलित; खोभित.
Agitated; distracted. राय० १२८;

खोम. न० (खोम) सुतराडि कपडु. सूत का
कपडा; सूता कपडा. A cotton cloth
जांवा० ३, ३; सू० प० २०; राय० १६२;
निसी० ७, ११; उवा० १, २८; ५, १२३;

—**जुयल.** न० (—जुगल) सुतराडि वस्त्रनी
जे०. सूती वस्त्र की जोड़ी. A pair of
pieces of cotton cloth. भग० ११,
११; —**दुग्गुल.** न० (दुग्गुल) सुतराडि, तथा
अतसी (रेशम) नुं वस्त्र. सूती तथा रेशमी
वस्त्र. half silken cloth. नाया० १;

खोमिय. न० (खोमिक) शय तथा सुतराडि

वस्त्र. सन या सूत का कपडा. A cloth
made of cotton or jute. प्रब०
८६७; खोव० नि० ७२४; आया० २, ५,
१, १४१; १४५; भग० ११, ११; ठा० ३,
३; (२) रेशमी वस्त्र रेशमी वस्त्र. silken
cloth. पि० नि० भा० ४६;

खोय. पुं० (खोय) शेरडी. ईख; सांठ. A
sugar-cane. पञ० १५; राय० १३३;
(२) सातमां द्वीप अने सातमां समुद्रनुं
नाम. सातवें द्वीप और सातवें समुद्र का नाम.
name of the 7th continent and
the 7th ocean. अणुजो० १०३;
—**रस.** पुं० (—रस) शेरडीना रस. इख
रस. the juice of sugar-cane.
सम० प० २३२; जीवा० ३, ३; सूय० २,
१, १६;

खोरय. न० (*) ओके गतनुं गोण वासायु.
एक जाति का गोल बरतन. A kind of
round shaped pot. जांवा० ३;

खोल. पुं० (खोल) भोग; तत्र यजेरेनो कुये.
खल; तिल्ली वगैरह का फोंक. Oil-cakes
etc. आया० २, १, ८, ४६; (२) गुम-
थर; गुमस. गुमथर; जासूस. a spy.
पि० नि० १२७;

***खोसिय** त्रि० (*) जुनुं करी नायेनुं.
जीर्ण; पुराना कर के डाला हुआ. Old;
discarded as being old. पि० नि०
३२१;

खोह. पुं० (खोभ) भय; क्षोभ. भय; डर;
क्षोभ. Fear; agitation of the
mind. सु० च० १५, १८६;

ग.

गइ. स्त्री० (गति) गति; यास; गमन; धर्मा-
स्तिकायनुं आस लक्ष्य. गति; चाल; गमन;
धर्मस्तिकाय का खास लक्षण. Gait;
motion; the result; the fulcrum
of motion. क० गं० २, २३; ५, ६१;
कण्० १, ५; भग० ३, २; ४, १०; ७, १०;
१६, ८; नाया० १; १७; सम० १; उत्त०
२८, ८; दस० ६, २, १७; सू० प० १; विशे०
५४७; सु० च० ५, ६; (२) ओक अवभा-
थी थीन अवभा जनुं ते; गत्यंतरभां जनुं
ते. एक भव से दूसरे भव में जाना; अन्य
गति में जाना. passing from one
birth to another birth. आश०
१, ३, ३, ११६; जं० प० पञ० १३; (३)
निस्तार करेना; आश्रय स्थान; शरण्योप-
निस्तार करने वाला; आश्रय दान; शरण के
योग्य. a benefactor; a patron.
आव० कण्० २, १५; (४) मरीने जयां
जनुं ते गति याद अथवा पांच; नरक,
निर्यय, मनुष्य अते हेता. (पांचवी मोक्ष-
गति). मरकर जहां जाना होता है वे चार
या पांच गति; नरक, निर्यय, मनुष्य और
देवगति (पांचवां मोक्षगति). the four
or five states of passing from
one birth to another birth viz
that of hell, beasts, human be-
ings and gods. the 5th is that
of Mokṣa (salvation). पञ्च० १३;
२३; उत्त० ३४, २; अणुजो० १२०; दस०
४, १४; ६, ३, १५; १०, १, २३; भग०
१, ८; ६, ३; प्रव० ४; १२७६; कण्० ५,
११६; क० प० २, १३; ४, ६; (५) हित-
हित ओधक गति हितान्न बोधक ज्ञान; वह
ज्ञान जिसमें हित और अहित का बोध हो.

the power of discrimination.
उत्त० २०, १; (६) नामकर्मनी ओक प्रकृति
के जेना उदयथी जय नरक आदि गतिभां
जय छे. नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके
द्वारा जीव नरक आदि गतियों में जाना है.
a variety of Nāmakarma the
maturity of which leads a soul
to hell. क० गं० १, २४; ३३; ४३;
(७) पञ्चवणा सूत्रना त्रीन पदना थीन
द्वारनुं नाम के जेभां नरक आदि गतिआशी
जवेनुं अस्पायइत्य इत्युं छे. पञ्चवणा-प्रज्ञा-
पना मूत्रक तीसर पद के दूसरे द्वार का नाम
कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में
जांचे का अस्पायइत्य-न्यूनाधिक्य कहा है.
name of the second section of
the third Pada (chapter)
of Praṇavanī dealing with the
duration of life in hell. पञ्च० ३;
—कल्लाण. त्रि० (कल्याण) इत्याणु रूप
उच्यगति पाभनार-मंगलरूप-कल्याणमय ऊंचा
गति को प्राप्त करने वाला. leading to
welfare in the form of attaining
to the condition of a god or
heavenly being. “अणुत्तरोववाइयाणं
गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं ” कण्० ६;
जं० प० २, ३१; सम० २००:—तस पुं० (—त्रस)
गति आशी तस; तेउं काय तथा वायु काय.
गति का आश्रय करके त्रस; तेजस्काय और
वायु काय. the living beings of
fire and wind in relation to
the state of their existence. क०
गं० ३, १४; ४, २२; —तुल्ल. त्रि० (—तुल्य)
पेतपेतनी गति समान. अपर्णा गति के
तुल्य-समान according to one's

own state of existence. क० प० ६, ३०; —नाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी नरकादिक गति प्राप्त थाय ते नाम कर्मनी ऐक प्रकृति. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम० ४२; —पडिहा. छी० (-प्रतिघात) शुभगतिनो प्रतिघात अटकायत. शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. ठा० ५, १; —परिणाम. पुं० (-पीर-णाम) गतिनुं परिणाम-स्वभाव. गति का परिणाम-स्वभाव. the nature of duration of life. भग० ७, १; —प्यवाय. पुं० (-प्रवाद) जेभां गतिनुं विवरण छे अेवा ऐक अध्ययननुं नाम. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग० ८, ७; —विज्ञान. न० (-विज्ञान) गतिनुं ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा० २, २५; —विभ्रम. पुं० (-विभ्रम) गति-न्यायनी शोभा. गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion or existence. गच्छा० १२१; —विसय. पुं० (-विषय) गतिनो विषय; गति शक्ति. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. “ असुरकुमाराय देवाय अहे गह विसये सिग्धे ” भग० ३, २; भग० २०, १; —समावन्नग. त्रि० (-समापन्नक) वाटे वहेता अय; ऐक अवपूरोदरी अीज अवभां गतिभां जेतो अय. जन्म मृत्युरूप प्रवाह में

बहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं० प० ७, १४०; ठा० २, २;

गहमंत. त्रि० (गतिमन्) गतिमान्, गतिवालो. गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Mov- i g; going. विशेष० ३१५७;

गंत. पुं० (गङ्गा) भूम्या-हे नदी उत्तरतां पगे हंडी अने माथे गरभीनो अनुभव थाय छे भाटे ऐक सभये भे उपयोग होछ शके ऐभ स्थापना करतार गंग नामनो पांयभो निन्दव. गङ्गा नामक पांचवां निन्दव-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय में दो क्रियाओं का ज्ञानमान हुआ था अर्थात् गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा ‘ एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं ’ इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था. The fifth of the propounders, named Gaṅga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशेष० २३०१; ठा० ७, १;

गङ्गादत्त. पुं० (गङ्गादत्त) अे नामनो ऐक भाखुस के जेतुं रागनेदीधे पतन थयुं. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ. A man of that name who got a spiritual fall on account of passion. भक्त० १३७; (२) गङ्गादत्त-नयभा वासुदेवना त्रीज पूर्य अवनुं नाम. नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम. the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३६; (३) छट्ठा अश्वदेव-वासुदेवना पूर्वजन्म धर्माचार्य. छठे बलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३६; हस्तिनापुरनो रहनेवाला एक गाथापति. a merchant-prince of Hastināpur. भग० १६, ५; —देव. पुं० (—देव) ये नामनो सातामा देवलोकनो एक महासामानिक देवता. सातवें देवलोक के एक महासामानिक देवता का नाम. name of a Mahāsāmānīca. deity of the 7th Devaloka (heavenly abode). भग० १६, ५;

गंगदत्ता. स्त्री० (गङ्गादत्ता) गंगदत्ता नामे एक स्त्री. इस नाम की एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ७;

गंगप्रपात. पुं० (गङ्गाप्रपात) हिमवत पर्वत उपरथी नीकगती गंगा नदीनो दरेछे जयां पड़े छे ते कुंड. वह कुण्ड जिसमें हिमवत पर्वत से निकली हुई गंगा नदी का प्रवाह गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls. डा० २, ३;

गंगा. स्त्री० (गङ्गा) गंगानदी यूद्धहिमवत पर्वत उपरथी नीकणी वैताक्ष्यमां यच्छ लवण समुद्रमां पूर्व तरङ्ग भगती लरत क्षेत्रनी एक भेदी नदी. गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल वैताक्ष्य पर्वत के बीचों बीच होकर लवण समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी. A large river of Bharata Kṣetra flow-

ing to the east into Lavana ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitādhya. सम० १४; नाया० १; ४; ८; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ३, ३३; १५, १; ओव० १०; जं० प० ५, १२८; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; अणुजो० १३४; कण्ठ० ३, ३२; —आवर्तणकुंड. पुं० (—आवर्तनकुंड) यूद्ध हिमवत पर्वतना पद्मद्रुथी ५०० ग्जेजन पूर्व तरङ्ग गंगार्त नामे एक शिखर छे के जयां गंगा नदीनुं आवर्तन थाय छे. हिमालय पर्वत के पद्म नामक द्रुह से पूर्व की ओर ५०० योजन की दूरी पर गंगार्त नामक एक शिखर है, कि जहां गंगा नदी का आवर्तन होता है. name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn. जं० प० —कुंड. पुं० (—कुण्ड) कुच्छ विजयनी गंगानदीनो कुंड; चित्रकूट अपारा पर्वतनी पश्चिमे ऋषभकूट पर्वतनी पूर्व नीलवत पर्वतने दक्षिण कांठे उत्तरार्ध कुच्छ विजयमानो गंगा नदीनो कुंड. कच्छविजय की गंगा नदी का कुण्ड; चित्रकूट बखारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नीलवत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्ध कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कुण्ड. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nilavanta mountain, in the east of Rishabhakūṭa mountain, and in the west of Chitrakūṭa Vakhā-

रुक्म mountain. जं० प० — कूड. पुं०
(-कूट) चूच हिमवन्त पर्वत उपरना ११ कूटमां-
नुं पांचमु कूट शिखर. चुल्ल हिमवान् पर्वत के
११ कूटों में से पांचवां कूट शिखर. the 5th
of the eleven summits of Chula
Himavanta mount. जं० प० — कूल.
न० (-कूल) गंगा नदीनो किनारे-कडो.
गंगानदी का तीर. a bank of the river
Ganges. भग० ११, ६; — दीव. पुं० (-दीप)
गंगा प्रपात कुंडनी पन्थे रहेव द्वीप. गंगा
प्रपात कुंड के बीच में आया हुआ एक द्वीप.
an island in the lake Gangā-
prapāt. जं० प० — प्रमाण. पुं० (-प्रमा०)
गंगानदीनुं प्रमाण. गंगानदीका प्रमाण. the
extent of the Ganges. भग० १५, १;
— पुलिणवालुया क्वा० (-पुलिनवालुका)
गंगानदीनो कडानो वेतु-रेता. गंगा के तीर का
बालु-रेता. the sand of the banks
of the river Ganges. भग० ११, ११;
— प्पवाय. पुं० (-प्रपात) चुल्ल हिमवन्त
पर्वत उपरथी पडतो गंगानदीनो दरेछो. चुल्ल
हिमवन्त पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगा-
नदी का प्रपात-झरना. the fall of the
Gangā river from the Chula
Himvanta mountain जं० प० टा०
२, ३; — प्पवायदह पुं० (-प्रपातहद)
जेभां गंगानदीनो दरेछा पर्वत उपरथी पडेछे ते
हद. गंगा प्रपातहद जिसमें पर्वत पर से गंगा
नदी का धारा गिरता है. the lake into
which the Gangā river falls
from the mountain. टा० २, ३;
— महानई. क्वा० (-महानदी) गंगा नामनी
भोटी नदी. गंगा नाम की महानदी. the
large river named Ganges.
नाया० १६; — महानई. क्वा० (-महानदी)
जुओ "गंगामहाणई" शब्द देखो "गंगा

महाणई" शब्द. vide "गंगामहाणई"
निर० ३, ३; — वालुग्रा-या. क्वा० (-वालुका)
गंगानदीनी रेता. गंगा नदी की रेती. the
sands of the river Ganges. भग०
१५, १; अणुजो० १४३;

गंगासयसहस्स. न० (-गङ्गाशनसहस्र) गोशा-
लाना मतनुसार गंगा-ओक काय प्रमाण,
तेली ओक काय संख्या. गंगाला के मतानु-
सार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी
एक लाख संख्या. According to Go-
śāla, a division of time called
Gangā also a lac of such
divisions. भग० १५, १; — सलिल.
न० (-सलिल) गंगानदीनुं पालु. गंगा
नदी का जल; गंगाजल. water of the
Ganges. नाया० ८;

गंगाउल. पुं० (गङ्गाकुल) गंगानदीने कडे
रहेतरे तापस ही ओक जना गंगानदी के तीर
पर रहेने वाले तपस्वी का एक जाति. A
class of ascetics residing on
the bank of the river Ganges.
निर० ३, ३;

गंगादेवी. क्वा० (गङ्गादेवी) गंगानदी ही
अभिष्टत्री देवी. गंगानदी की आराधना देवी.
The persiding goddess of the
river Ganges. जं० प० ३, ६४; — भवन.
न० (-भवन) गंगादेवीनुं भवन. गंगादेवी
का भवन. the palace of the god-
dess (Gangā). जं० प० ३, ६४;

गंगावत्त. पुं० (गङ्गावन्त) ओ नमनो ओक
हद. इस नाम का एक हद. Name of a
lake. कण० ३, ६३;

गंगेय. पुं० (गङ्गेय) पार्श्वनाथना संतनीया
ओ नमनो ओक भुनि के जेछे मधुवीर
स्वाभने नरक आदिना जोगाना प्रश्नो
पूछ्या छे ते गंगीयाना आंगा नगरे

ओलभाय छे. इस नामका पार्श्वनाथ का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक आदि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे और जो गात्रेयभागा नामसे प्रसिद्ध हैं. An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvira Svāmī these questions are known as Gāṅgeya-bhāṅgā. भग० ६, ३२; (२) गंगानो पुत्र-भीष्म पितामह. गंगा का पुत्र-भीष्म पितामह. Bhismapitāmaha, the son of Gaṅgā. नाया० १६;

गंज. पुं० (गञ्ज) गांजे; गुच्छ वनस्पतिनी ओष्ठ-वन गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा. A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower. पण्ड० २, ५; भग० २२, ४; पञ्च० १; — **साला** स्त्री० (-शाला) गाम्भीर्य दुःख. गांज का दुकान. a shop of hemp-flower. निसी० ६, ७;

✓ **गंठ.** धा० I (ग्रंथ) गुंथवु; रचय. गुंथना; रचना. To knit; to bind; to tie; to compose.

गंठइ. निसी० १, ५३;

गंठत. निसी० १, ५३;

गंथिजइ. क० वा० विशेष० १३८३;

गंठि. पुं० (-ग्रन्थि) गांठ. ग्रंथि; गांठ. A tie, a knot e. g. that of love and hatred caused by Karma. राय० १६६; जीवा० ३, ४; सु० च० ११, २२; ओष. नि० ६९३; विशेष० ११६४; नाया० ६; भग० १, ६; प्रब० २००; ५०८; पंचा० ३, ३०; (२) कर्म जनित राग द्वेष चरेदी गांठ. कर्म जनित रागद्वेष आदि की गांठ a

knot in the form of passions born of Karma. विशेष० ११८४; — **छेदइ.** त्रि० (-छेदक) गांठ छोड़ी चोरी करनेवाला गांठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. सूय० २, २, २८; — **छेदय.** पुं० (-छेद) लुओ " गंठिछेदइ " शब्द. देखो " गंठिछेदइ " शब्द. vide " गंठिछेदइ " नाया० १८; — **भेद्य.** त्रि० (-भेद) द्रव्यनी डोथणी भेदना; द्रव्यनी थैली तोड़ी चोरी करनेवाला. रुपयों का थैली काट कर चोरी करने वाला. a cut-purse. उक्त० ६, २८; ओष० पण्ड० १, २; जीवा० ३; भग० १, १;

गंठिआ स्त्री० (ग्रन्थिका) भेदकर्मनी राग द्वेष रूप गांठ. मोह कर्मों की राग द्वेष रूप गांठ. The knot of infatuation or fascination with worldly things; the knot of delusion. भग० ४, १;

गंठिग त्रि० (ग्रन्थिक) कर्मग्रंथि-कर्मनी गांठ सहित. कर्मों की गांठ युक्त. (One) having a knot of Karma; (one) in Karmic bondage. सूय० २, २, २;

गंठिम. त्रि० (ग्रन्थिमत्) गांठ बनने गुंथित गांठे लगाकर गुंथा हुआ. Knitted after tying a knot ठा० ४; भग० ६, ३३; पञ्च० १; नाया० १; (२) गुंथित पुष्पनी माला गुंथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers. नाया० १७;

गंठिमग. न० (ग्रन्थिमक) ओ नामनुं डोथ गुंथम बनानुं वृक्ष. इस नाम का गुल्म जाति का कोई एक वृक्ष. A kind of flowering plant. पञ्च० १;

गंठिय. त्रि० (ग्रन्थित) गुंथेहु; गांठेहु. गुंथा हुआ; गांठा हुआ. Knit; interwoven. निसी० १, ५१; — **सत्त.** पुं० (-सत्त)

भोलुनी निवड गांड वालो अलव्य श्रव. मोह
की मजबूत गांठ वाला अभव्य जीव. a soul
incapable of untying Karmic
knots and so of being liberated
उत्त० ३३, १७; क० प० ५, ४;

गंडिल. त्रि० (ग्रन्थिल) गांठवाणुं गांठ वाला.

Knotty; knotted. ओघ० नि० ७३७;

गंडिल त्रि० (ग्रन्थिमत्) कर्म संधी गांठ
वाणुं. कर्म सम्बन्धी गांठ वाला. Having
(Karmic) knots. भग० १६, ४;

गंड. पुं० (गरुड) कपोल; गाल. A
cheek. आया० १, १, २, १६; पञ्च० २;
सू० प० २०; ओघ० प्रव० ४३६; जं० प०
५, ११५; (२) गड, शुभटुं, कपः भाव
रसेली विगेरे. फोडा, कण्ठमाल वगैरह.
a boil; an ulcer etc. “ जं च अणं
सुयादगं तं गंडं ” निमा० ३, ३४; ६, १३;
उत्त० ८, १८, १०, २७; सूय० १, ३, ४,
१०; ३, १, १७; (३) गेड. गेद; खेतन
का एक साधन-कंदुक. a bull जं० प०
(४) गेडुं: ११ भा तीर्थकरनुं जांजुन. ११ वें
तीर्थकर का लाङ्छन-चिन्ह. a distinction
sign of the 11th Tirthankara.
पञ्च० १; प्रव० ३८१; (५) स्तन: धाध;
थानोला. स्तन. a breast. पि० नि० ४१६;
—आदिश्र पुं० (-आदिक) गाल; गलेडी
विगेरे. गाल; कपोल आदिक. a cheek etc.
निमा० ६, १२; —उवहाणय. न०
(-उपधानक) गाल भसरियुं. गल तकिया.
a small round pillow for the
cheeks. राय० १६१;

गंडउवहाणय. पुं० (गरुडोपधानिक) गाल
भसरियुं. सिराने लेनेका तकिया. A
pillow; a small round pillow
for the cheeks. जांजा० ३, ४; —तल.

न० (-तल) गालनी सपाटी; न्हेरानो
भभ्यभाग. गाल; मुंह का मांसल प्रदेश.
a cheek; the middle fleshy
part of the face. ओघ० २२;
—देस पुं० (-देश) कपोल (गाल)
नो भाग. गाल प्रदेश; कपोलों का भाग.
that part which forms a cheek.
नाया० ८; —यल. त्रि० (-तल) जुओ
“ गंड-तल ” शब्द. देखो “ गंड-तल ”
शब्द. Vide “ गंड-तल ” सु० च० १, ८०;
—लेहा. स्त्री० (-रेखा) गाल उपर करेड
करतुरी वगेरेनी रेखा; कपोल वाली. कपोलों—
गालों पर कस्तूरी वगैरह गुगन्धित पदार्थों का
बनाई हुई रेखा; एक प्रकार का शृंगार-कपोल
वाली. a kind of decorative
streak or mark of musk or
some other fragrant substance
made on the cheek. जं० प०

गंडत्र पुं० (गरुडक) देवीओ. मुखिया. A
watchman. (२) देदेरो पिटनार. ज्योडी
पाटने वाला. one who announces
or makes a proclamation. ओघ०
नि० ६४५;

गंडमणिया. स्त्री० (गरुडमणिका) देश
विशेष प्रसिद्ध भाग. कर्मा देश का प्रसिद्ध
माप. Current, well-known, mea-
sures of weight etc. of any
country; राय० २७१;

गंडाग. पुं० (गरुडक) हलभ; वाण्ड; नापी.
नाई; नापित; बाल बनाने वाला. A
barber. आया० २, १, २, ११;

गंडि. त्रि० (गरुडिन्) कंडभाग; गंडोटा सेण
रोगमानो ओक रोग. गरुडमाल. Boils,
ulcers etc. on the throat; (this
is one of the sixteen great
diseases) (२) ते रोगवालो. इस रोग

वाला. (one) suffering from boils, ulcers etc. on the throat.

आया० १, ६, १, १७२; पद्य० २, ५;

गंडिका-या. स्त्री० (गण्डिका) सामान्य अर्थना अधिकार वाली मन्थ पद्धति. साधारण अर्थ के अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति. Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter. नंदी० २६; (२) सोनीनी ओरल्य. सुनार की ऐरण. the anvil of a goldsmith. दस० ७, २८; (३) शेरडीनी गंडेरी. गंडेरी; सांठे के छंटे २ टुकड़े. small bits of sugar-cane. आया० २, ७, २, १६;

गंडियाणुश्लोक. पुं० (गण्डिकानुश्लोक) दृष्टिवाद सुत्रान्तर्गत अनुयोगो अथ विभाग के अर्थों में एक सरल अर्थना वाक्यनी रचना रूप गंडिकानी व्याख्या करायामां आयी छे अने तेमां तीर्थकर गणधर चक्रवर्ती दशार्ध पञ्चदश हरिवंश पञ्चरेतो अधिकार छे. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक विभाग, जिसमें एक जैसे अर्थ वाले वाक्यों की रचनारूप गंडिका की व्याख्या की गई है और उसमें तीर्थकर, गणधर, चक्रवर्ती, दशार्ध, बलदेव, हरिवंश आदि का अधिकार है. Name of a division of a section of Dṛṣṭivāda Sūtra: here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given; it treats of Tirthaṅkaras, Gaṇadhara etc. सम० १२; नंदी० ५६;

गंडी. स्त्री० (गण्डी) सोनीनी ओरल्य भूकवानुं साकडानुं दीमयुं अर्थों में ओरल्य गोडयामां आवे छे ते साकडुं. सुनार की ऐरण रखनेका एक लकड़ी का ढांचा; जिस में ऐरण मजबूत

हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. आया० २, ४, २, १३८; (२) कमलनी कलिका. कमल की कली. a bud of a lotus. उत्त० ३६; १७६; (३) गंडी पुस्तक; जे पड़ोसाधमां अने जगधमां सरभुं होय ते गण्डि पुस्तक. गण्डी पुस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बराबर हो. a book which is equal in length and breadth. प्रब० ६७१; —पद. त्रि० (-पद) गण्डी-सोनीनी ओरल्य अथवा कमलनी कलिका जेवा पञ्चवाणा जन्तावर; दाधी, गेंडा, पगेरे. दाधी, गेंडा, वगेरह पशु; ऐरण अथवा कमल की कली के समान पांचवाला पशु. (an animal) having feet like a goldsmith's anvil; e. g. an elephant, a rhinoceros. भग० १२, १; ठा० ४, ४; सूय० २, ३, २३; —पय. पुं० (-पद) अनुओ 'गंडी-पद' शब्द. देखो 'गंडी-पद' शब्द. Vide 'गंडी-पद' उत्त० ३६, १७६; पञ० १; जीवा० १; —पोन्थय. न० (-पुस्तक) अनुओ 'गंडी' शब्द. देखो 'गंडी' शब्द. vide 'गंडी' प्रब० ६७२;

गण्डयल्लग. पुं० (गण्डयल्लग-गण्डयल्लगः) ग्रन्थयस्ताभिरग्वितानि पदानि यस्य) जे छन्दिय वाणो छय-ज्जेने गुज्जरातीमां गिगोडा कहे छे. दो इन्द्रियों वाला एक जीव; केचुआ; गंडोआ आदिक. A sentient being with two sense-organs. पञ० १;

गंतव्य. त्रि० (गन्तव्य) ज्वा सायक. जाने योग्य. Worth going to; worth approaching. भग० २, १; १८, २; नाया० १; (२) ज्ञथुं; समज्जुं. समझना; जानना. to know; to understand. पञ० २;

गंतार. त्रि० (गन्त) ज्वा नार; यावनार.

चलने चाला; गमन करने वाला. A goer; (one) who goes. सम० ३३; दसा० २, २; गंतुपच्छागया. की० (गत्वा प्रत्यागता—गत्वा प्रत्यागतं यस्याम्) अेक तरे गोचरी करतां छे ७८ ७९ अेलि तरे गोचरी करी ते. एक ओर गोचरी करतेर अन्त में जाकर दूसरी ओर की ओर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line. ठा० ६, १; दसा० ७, १; गंतुमण. पुं० (गन्तुमनस्) ७५नी धन्वा वाणे, अर्थात् अमुक सूत्र समर्पणु करे। तो पछी लक्ष्मीने के सांभगीने ७५ अेम ओधनार अविनीत शिष्य. जाने की इच्छा वाला; अर्थात् अमुक सूत्र अर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जावू इस प्रकार बोलने वाला अविनीत शिष्य. A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. ओष० नि० भा० २० ६; विशेष० १४४६; गंतुण. सं० कृ० अ० (गत्वा) ७८ते. जाकर. Having gone. पञ्च० २; सु० च० १, १३५; गच्छा० ११५;

गन्ध. पुं० (ग्रन्थ-ग्रन्थतेज्जेन अस्मादस्मिन् बा अर्थः) सूयगदांगता १४ भा अभ्ययनं नाम. के जेभां ग्रन्थपरिग्रहने त्याग करना साधु अे के ११ रीते देशना आपयी केम ओधवुं तेनु व्याख्यान छे. सूत्रकृताङ्ग के १४ वें अध्याय का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुन किस प्रकार देशना देना, बोलना आदि का व्याख्यान है. Name of the 14th chapter of Sūyagadāṅga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of

books. जं० प० ५, १२२; सू० १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) कर्मोऽने अर्थः कर्मोऽनी गाँठ. कर्मों का बन्धः कर्मों की गाँठ. knot of Karma. आया० १, १, २, १६; (३) अर्थः पुस्तक. ग्रन्थः पुस्तक. a book. अणुजं० ४२; राय० १९०; विशे० १३७८; (४) आद्य अने अभ्यन्तर परिग्रहः आद्य धन धान्यादि, अभ्यन्तर कषायादि. बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रहः बाह्य धन्य-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कषायादि. external and internal possessions, such as wealth corn etc. and attachments to worldly things. आया० १, ३, २, ११२; १, ७, २, २०४; सू० १, ६, ४; १, १४, १; उत्त० ८, ३; विशे० २५६१; प्रव० ७२७; (५) सूत्रार्थः शास्त्रोक्तो मतसंग्रहः. सूत्रों का अर्थः शास्त्रों का मतसंग्रहः the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. सू० १, १, १, ६;

गणितम्. त्रि० (त्रिंशत्तम) द्वैताथी गांङीनि
 अनावेत्त पुत्तनी भाणा विगेरे. दोरे से गांठ
 कर-गुंथ कर बनाई हुई फूलमाला बंगरह.
 A garland of flowers etc. knit
 up with a thread. ओढ० ३८; ठा०
 ४, ४; अणुजो० १०; आया० २, १२, १११;
 जीवा० ३, ३; नाया० १३; निरसी० १२, २०;
 भग० ६; ३२;

मंघ. पुं० (गन्ध) नासिका (ध्यातुद्रिय) ना
विषय; सुगंध के दुर्गंध. घ्राणोद्रिय का विषय
—सुगंध और दुर्गन्ध. Fragrance; smell;
e. g. of flower etc. which is
the subject of nose. ओव० १०;
२२; अणुजो० ११; १०३; १३०; सप्त०
१; ४; राय० २७; निरी० १, ११; वंशी०
१३; जं० प० ५, ११४; ११६; ११७;

नाया० १; ८; १२; १६; १७; ठा० १, १;
 उत्त० २८, १२; ३२, ४८; ३४, २; भग०
 १, १; २, ३; ७; ६, १०; ७, ७; ८, १;
 २०, ६; २५, ४; विशेष० २०६; दसा० ६, ४;
 दस० २, २; सूय० १, १, १३; सू० प०
 १७; पल० १; प्रव० ६४७; श्राव० ४, ७;
 क० प० १, २७; कण० ३, ३७; भक्त०
 १२१; क० ग० १, २४; (२) गंध नामने
 द्वीप तथा समुद्र. इस नामका द्वीप और समुद्र.
 an island of that name; a'so an
 ocean of that name. जावा० ३४; पञ्च०
 १; (१) आधा दुर्भ आदि दोष; ७ दुर्भमना
 दोष. आधा कर्म आदि दोष; उद्भमने छः दोष.
 a fault like that of Adhakarman
 etc. any of the six faults of
 Udgamanya. आया० १, २, ५, ८५;
 —अंग. पु० (—अङ्ग) गंध प्रधान वस्तुतः
 सात प्रकार के मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्धाम,
 पत्र, पुष्प, फल, मूल वगैरे वगैरे, त्वचा
 सुनिष्प्राप्तप्रमुख, काष्ठ वदनाद, निर्धाम—
 कपूर आदि पत्र-तमात्र आदि, पुष्प-
 जलवरी वगैरे फल-वरीय वगैरे. गन्ध के
 अङ्ग; गन्ध प्रधान वस्तु के सात भेद होते हैं.
 यथा—मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्धाम—कपूर, पत्र,
 पुष्प, और फल. the seven varieties
 of fragrant things viz. roots
 bark, wood, exudation etc.
 leaves, flowers and fruits.
 जावा० ३, २; —आदिश. पु० (आदिश)
 गंधनी अपेक्षा गन्ध का अज्ञात, relat-
 ing to fragrance. पल० १;
 —आरुहण. न० (आरुहण) सुग-
 न्ध वधारण. सुगंध को बढ़ाना.
 increasing the fragrance of a
 substance. नाया० २; —उदअ-य.
 न० (—उदक) सुगन्धिपाणी. सुगन्धि-

द्रव्य मिश्रित. सुगन्धित जल; सुगन्ध वाला
 पदार्थों से मिश्रित जल. scented water.
 श्राव० प्रव० ४५५; कण० ४, ५८;
 भग० ६, ३३; १२, १; नाया० १; ज० प०
 ५, ११४; —उदग. न० (—उदक) सुगन्धि
 “ गन्धोदक ” शब्द. देखो “ गन्धोदक ”
 शब्द. vide “ गन्धोदक ” भग० ७, ६;
 नाया० १; १६; पंचा० २, १३; —उदग-
 दाण. न० (उदक दान) सुगन्धि पाणी
 वगैरे सुगन्धित जल का वर्षा. a rain of
 scented water. पंचा० २, ८३;
 —उदयवृष्टि. श्रा० (—उदक वृष्टि)
 सुगन्धिपाणी की वृष्टि सुगन्धित जल का
 वृष्टि. a shower of scented rain.
 प्रव० ४५५; —उदधुयाभिराम. पु०
 (—उदधुताभिराम) सुगन्धि निरूपणार्थी-
 भेदादर. सुगन्ध निकलने से आभिराम मनो-
 हर. charming on account of the
 irradiation of fragrance. भग०
 ११, ११; नाया० १, ज० प० ५, ११२;
 —उदवृत्त. न० (उदवृत्त) सुगन्धि पदार्-
 थों की उद्वृत्त पीछे करनी. सुगन्ध वाले
 पदार्थों से उद्वृत्त करना; सुगन्धित पदार्थों
 को मिला कर, कुट्ट जान कर चूने-उदवृत्त
 बनाना mixing, pounding etc. of
 fragrant substances. नाया० १६; —
 उस्साम. पु० (—उच्छ्रवाम) सुगन्धित
 दुर्गन्धवाला उच्छ्रवाम सुगन्धित दुर्गन्धवाला
 उच्छ्रवाम. fragrant or stinking
 breath. भग० ६, ३३; —करण. न०
 (करण) सुगन्ध उत्पन्न करने वाला.
 सुगन्ध करने वाला, पुष्प वगैरे (any-
 thing) which imparts fra-
 grance; e. g. a flower etc. भग०
 १६, ६; —कासाइय. श्रि० (काषा-
 शिक) अंग लुब्धवान् अंगवि दुर्गन्धित.

गंध पुंल्लने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. भग० ६, ३३; आया० २, १५, १७६; नाया० १; २; १६; कप० ४, ६२; राय० १८५; जं० प० ४, १२२; —कासाई. स्त्री० (—काषायी.) लुओ। “गंधकासाइय” शब्द. देखो “गंधकासाइय” शब्द. vide “गंधकासाइय” “गंधकासाईए गायाई लूहेह” भग० १५, २; —जुक्ति. स्त्री० (—युक्ति) सुगंधि तेष अत्तर विगेरे अनायवानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि बनाने की युक्ति-तरकीब. knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc. ओव० —हय न० (—हक) सुगंधि यूष्ण. सुगंधि चूर्ण. scented powder. “गन्धहृष्यं उन्वहिसा” ठा० ३. १; —ह. वि० (—आह्व) सुगंध अरेज. सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंचा० २, १४; ८, २४; —णिञ्जति. स्त्री० (—निञ्जत्) गंधनी निष्पत्ति. गन्ध की निष्पत्ति-प्रादुर्भाव. rise of fragrance. भग० १६, ८; —खिसास पुं० (—निःश्वास) कमलनी गंध जेवा मुअनी निःश्वास. कमल की सुगन्धि के समान सुसका श्वास. fragrant breath. नाया० ८; —दुग न० (—द्विक) सुगंध अने दुर्गंध सुगन्ध और दुर्गन्ध. fragrance and stink. क० गं० २, ३२; —द्व्याणि. स्त्री० (—द्व्याणि) गन्धनो ज्येथो; गन्ध समूह. सुगन्धका समुदाय —समूह. a collection of perfumes. ओव० नाया० १; ८; १६; जं० प० ४, ६५०; —नाम. न० (—नामन् गन्धयते हनिगन्धः तदेतुत्वात्-नामकर्म) गंध नामे नाम कर्मनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी ज्ञान गंधयालु शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karīna known as Gandhanama. सम० २८; —परिणत. त्रि० (—परिणत) दुर्गंधि रूपे के सुगंध रूपे परिणाम पामेथ. सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना. change of a substance into fragrance or stench. भग० ८, १; —परिणाम. पुं० (—परिणाम) सुगन्धनुं दुर्गन्ध रूपे धनुं तथा दुर्गन्धनुं सुगन्धी धनुं ते. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. “गंधपरिणामेणंते” पञ्च० १३; ठा० ४, १; भग० ८, १०; —मदवारि. न० (—मदवारि) सुगंधी मदरूपे अरतुं पाणी. सुगन्धित मदकर में करता हुआ जल water trickling like scented wine. नाया० १; —चट्टि. स्त्री० (—वर्ति) सुगंधनी पाट; अगदरमती. सुगन्धमय गुटिका. धूबत्ती; अगदरमती या सुगन्ध मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill. ओव० २६; राय० २८; भग० ११, ११; जं० प० ५, १२१; (२) कस्तूरीना गोटा. कस्तूरीका गोटा-गोला. a ball of musk. नाया० १; —हन्धि. पुं० (—हस्तिन्) महे-न्धत दाधी-जेना गण्डस्थलमाधी सुगन्धित भद्र अरे छे अने जेनी गन्धनी गोल दाधीओ नाशी जय ते गन्ध हस्ती. गन्ध हस्ती; जिसके गण्डस्थल में से सुगन्धित मद करता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं महेन्धत हाथी. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephants.

श्रीव० राय० २३; नाया० १; कण्ठ० २, १५;
श्रीव० ६, ११; (२) कृष्ण वासुदेवना
विष्णु नामनेो हाथी. कृष्ण वासुदेव का
विजय नामक हाथी. an elephant of
Kṛiṣṇa Vāsudeva named
Vijaya. नाया० ५;

गंधश्री. श्र० (गन्धतस्) गन्ध आश्री. गन्ध
से; गन्ध का आश्रयकर. Through, from
fragrance. उत्त० ३६, १६; भग० ८;
१; १८, १०;

गंधण. पुं० (गंधन) गंधन करनेवाला सर्प, के
जो भुक्षे जैसा मंत्र प्रयोगशी पाछुं नुसी ले
छे. गंधन जाति का एक सांप, कि जो मंत्र
बल से अपने विष को वापिस ले लेता है. A
kind of serpents named Gandhana which sucks the poison
back again by the power of
spells दम० २, ८; उत्त० २२, ४४;

गंधमंत. त्रि० (गन्धवत) गन्धवागुं. गंध
वाला. Smelling; fragrant. भग०
२, ४; १०; २०, ५;

गंधमादण. पुं० (गन्धमादन) गन्धमा " गंध-
मायण " शब्द. देखो " गंधमायण "
शब्द. Vide " गंधमायण " सम० ५००;

गंधमायण पुं० (गन्धमादन) नीलवंत पर्व-
तनी दक्षिण मेरुनी उत्तरे गंधित्रातनी
विष्णुनी पूरे अने उत्तरे कुंडलवती पश्चिमे
धोडना अंधने आडारे ओड वपारा पर्वत
छे तेनुं नाम. नीलवंत पर्वत के दक्षिण, मेरु
पर्वत के उत्तर की ओर गन्धिलावती विजयके
पूर्व और उत्तर कुरुक्षेत्र की पश्चिम दिशा में
घोडे के कंधे जैसा बखारा पर्वत. Name
of a Vakharā mountain in the
shape of a horse's shoulder;
it is situated to the south of
Nilavanta mount, to the north

of Meru, to the east of Gan-
dhilāvati Vijaya and to the
west of Uttara Kuru Kṣetra.
ठा० २, ३; परद० २, २; जं० ५० — कूड.
पुं० (-कूट) गंधमादन पर्वतना सात
कूटमानुं श्रीकुं कूट-शिखर. गन्धमादन
पर्वत के सात कूटों में से दूसरा कूट-शिखर.
the second of the seven sum-
mits of Gandhamādana mount.
जं० ५० ४, ६६;

गंधय. पुं० (गन्धक) गंध; सुगंध. सुगंधि.
Smell; fragrance. सु० च० १, २६५;
गंधवह्निभूय-श्र. त्रि० (गन्धवर्तिभूत)
जोभा उत्तम सुगंधि होय तेवी गुटिका.
जिस में उत्तम सुगंधि हो ऐसा गुटिका. (A
pill) having high fragrance in
it. सम० ५० २१०; नाया० १; १३; कण्ठ०
२, ३२; जं० ५० ३, ४३;

गंधर्व. पुं० (गन्धर्व) गायनप्रिय व्यन्तर
देवनी ओड वत. गान प्रिय व्यन्तर देवों
का एक जाति; गन्धर्व. A species of
Vyantara gods fond of music.
सम० ३४; श्रीव० २४; भग० २, ५; २४,
१२; ठा० २, २; उत्त० १, ४८; ३६, २०५;
अणुजो० ४२; विवा० २; पञ्च० १; प्रव०
१-४४; जीवा० ३, ४. कण्ठ० ३, ४४; जं०
५० ७, १५०; ३, २६; (२) ओड वतनी
लिपि एक प्रकार की लिपि; गन्धर्व लिपि.
a particular kind of script.
पञ्च० १; (३) कुन्धुनाथस्वामी यक्षनुं नाम
कुन्धुनाथ स्वामी के यक्ष का नाम. name of
the Yakṣa of Kunthunāth
Swāmi. प्रव० ३७६; (४) गवैया; गान
करनेवाला. गवैया; गायक; गाने वाला. a
singer. विवा० ६; भग० ७, ६; नाया०
१६; (५) ओड अक्षरलिपिना त्रीश भुक्षुर्

भांनुं २२ भुं मुहूर्त. एक अहोरात्रि के ३० मुहूर्तों में से २२वां मुहूर्त. the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night. जं० प० सम० ३०; सू० प० १०; (६) गंधर्व विद्या; नाटक. गंधर्व विद्या; नाटक. a kind of lore; drama. जीवा० ३, ३; नाया० १; १४; —अणिय-अ. पुं० (-अर्नाक) गन्धर्वानी सेना-नाटकना ऐक्टरों; (गायन करना) . गंधर्वों की सेना; नाटक के पात्र (गायन करने वाले). a party of Gandharvās or singers and actors. भग० ३४, ६; ठा० ७, १; —कण्ठा. स्त्री० (-कन्या) गंधर्वानी पुत्री. गन्धर्व कन्या. a daughter of a Gandharva. नाया० ८; —घरग. पुं० (-गृहक) जेभां गीत नृत्य थाय तेयुं घर; नाटक शाला. नाटक-शाला; जम में गीत नृत्य हो वह घर. a theatre; a house for singing and dancing. राय० १३७; —देव. पुं० (-देव) गंधर्व देव. गंधर्व देवता. Gandharva celestial being. भग० ८, १; —नगर. पुं० (-नगर) आकाशभां गंधर्व नगरेते आशारे थेत वाद्यगाना देयाव. गन्धर्व नगर के आकार में आकाश में बनता हुआ बादलों का बनान-दृश्य. an appearance of a Gandharva city in the sky formed by clouds. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —लिपि. स्त्री० (-लिपि) गंधर्व लिपि; अक्षर लिपिभांनी अक्ष. अक्षर लिपि में से एक लिपि; गन्धर्व लिपि. one of the 18 scripts; the Gandharva script. सम० १८; —संस्थित. त्रि० (-संस्थित) गंधर्वने आशारे रहुत. गंधर्व के सदृश-आकार में स्थित. beauti-

ful in appearance like a Gandharva. भग० ८, २;

गंधर्वकण्ठ. पुं० (गन्धर्वकण्ठ) अक्ष जतनुं रत्न. एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. राय० १२१;

गंधर्वमंडलप्रविभक्ति. पुं० न० (गंधर्वमण्डलप्रविभक्ति) गंधर्वमण्डलानी विशेष रचनावाणुं नाटक विशेष. गंधर्वमण्डल की विशेष रचना युक्त नाटक विशेष. (A drama) with a particular arrangement of the party of actors. राय० ६२;

गंधहारक. त्रि० (गन्धहारक—गान्धारक) कंदहार देशभां रहैतार. कंदहार-गान्धार देश में बसने वाला. A resident of Kandahāra. पण्ड० १, १;

गंधहारग. पुं० (गन्धहारक) गन्धदार देशमें निवासी. गान्धार देश निवासी. A resident of the country of Gandhāra. पत्र० १;

गंधार. पुं० (गान्धार) नाभिथी उडैत वायु कण्ठस्थान प.भी जे आस स्वरूप धरे छै ते; सात स्वर भांती त्रीन्ते स्वर. नाभि में उठा हुआ वायु कण्ठ प्रदेश को प्राप्त करके जो सात असाधारण स्वरूप को धारण करता है वह-गंधार; सात स्वरों में से ताम्रग स्वर. The third of the seven ascending tunes of music: e. g. सा, री, ग etc. अणुजो० १२८; ठा० ७, १; (२) गंधार नामको देश; पञ्चभां जेने क्षत्रिय कंधार छे छे. गंधार नामक देश; हाल में जिस काबुल कंधार कहते हैं. the country of Gandhāra or Kandahāra. उत्त० १८, ४२;

गंधारगाम. पुं० (गन्धारगाम) नंदी आदि सात भूस्वर्णनामो व्याश्रयभूत श्रुति समुच्च.

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत भुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandī etc. अणुजो० १२८;

गंधारी. स्त्री० (गान्धारी) अंतगड सूत्रना पांचमा वर्गना त्रीम अभ्ययननुं नाम. अंत-कृत सूत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagada Sūtra. अंत० ५, ३; (२) कृष्ण वासुदेवनी ऐक पद्मराज्ञी के ने नेमनाथ प्रभुनी देशना सांलग्नी यक्षिणी आर्यानी पासे दीक्षा लभ ११ अ ग लार्थी वीस वर्षनी प्रव्रज्या पायी ऐक मासना संथारा डरी परमपद पाभ्यां. कृष्ण वासुदेव की एक पट्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अङ्गों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रव्रज्या पाल एक मास का संथारा-अनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Kṛṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Nema-nātha and took Dikṣā from a nun of the Yakṣa class. She studied eleven Aṅgas, practised asceticism for twenty years, performed Santhārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss. अंत० ५, ३; ठा० ८, १; (३) नमिनाथशुनी देरीनुं नाम. नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha. प्रव० ३७८; (४) ऐ नामनी ऐक विद्या. इस नाम की एक विद्या-गंधारी विद्या. a science, a branch of knowledge so named.

सूत्र० २, २, २७;

गंधावह. पुं० (गन्धापातिन्) ऐ नामने हरिवर्ष क्षेत्रमाने वाटलो वैताळ्य पर्वत. इस नाम का एक वैताळ्य पर्वत. Name of a mountain in Harivarṣa Kṣetra. "गंधावहवासी अरुणादेवी" ठा० २, ३; पञ० १६; ठा० २, ३; भग० ६, ३१; जीवा० ३, ४;

गंधावाति. पुं० (गन्धापातिन्) रम्यकवास क्षेत्रना मध्यभागमा आवेत्त ऐक आटलो वैताळ्य पर्वत. रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक वैताळ्य पर्वत. Name of a mountain in the middle of Ramyakavāsa Kṣetra. जं० प० जीवा० ३, ४;

गंधि पुं० (गन्धिन्) गंधवाजु. गन्ध वाला. Smelling; fragrant. नाया० १;

गंधिय. त्रि० (गन्धित) सुवासितः गंधवाजु. सुवासित; गन्धयुक्त. Smelling; fragrant. ओव० भग० ११, ११; नाया० १; १६; जं० प० ५, १२३; (२) डरीयाजुं गंधीयाजुं किराणा. groceries. वव० ६, २१; २४; —शाला. स्त्री० (-शाला) गंधीयाजुं वेचवानी जग्या. गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला: इत्र आदि बेचने की दुकान a place for selling grocery. वव० ६, २१; २४; २५; २६; ३०; (२) द्वादशी दुधत. कनान की दुकान. a liquor-shop. वव० ६, २१;

गंधिल पुं० (गन्धिल) पश्चिम भद्रविदेदना उत्तर आश्रवानी सीतोदामुख वन तरङ्गथी ७ भी विजय पश्चिम महाविद्दके सीतोदामुख वन का ओर से ७ वीं विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodāmukha forest, in the north of western Mahāvidēha.

(२) ओ विजयतो राज्ञः उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. “गंधिलेविजये अबज्जा रायहायादेवे वक्खारपडवप्प ” जं० प० ६;
गंधिला. स्त्री० (गन्धिला) अंधिनाविजय.
गंधिलावती विजय. Gandhilā Vijaya.
“ दो गंधिला ” ठा० २, ३;

गंधिलावई स्त्री० (गन्धिलावती) पश्चिम महाविदेहा उत्तर भाष्यवानी सीतोदामुख वनथी आदिमा विजय. पश्चिम महावेदेह के उत्तर खण्ड म के सीतोदामुख वन से आठवीं विजय. The eighth Vijaya from the Sitodāmukha forest in the north of western Mahāvideha “ गंधिलावई विजय अबज्जा रायहाया ” जं० प० ठा० २, ३; (२) पुं० अंधमादन पर्वतना सात कूटमानुं त्रिभुं कूट-शिखर. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से तीसरा कूट शिखर. the third of the seven summits of Gandhamādana mount. जं० प०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) तोड़डा नदी ते; सागर पेठा; गंभीर. सागर के समान; गंभीर. Grave; deep sounding; serious. उत्त० २७, १७; ओव० १७; नंदी० स्थ० २८; नाया० १; १६; (२) उंडु; अगाध; थाग विनानुं. गहरा; अथाह. unfathomable. जं० प० ५, १, १५; ४, ७४; ठा० ४, ४; ओव० २१; नाया० ४; राय० २५४; (३) गहन; गीयझाडीवाणुं. गहन; सघन; बहुत क्लिष्टियों वाला. of dense thicket. नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ५; ११, ११; विशेष० ३४०४; पक्ष० २; कप्प० ३, ३२; (४) अकाशरहित; अंधारावाणुं. प्रकाश रहित; अंधकारमय. without light. नाया० १; दस० ५, १, ६६;

—उद्धि. पुं० (-उद्धि) उडा पाणीवाले दरियो. गहरे पानीवाला दयो-समुद्र. deep sea; sea with deep water. ठा० ४, ४; —आंभसि. त्रि० (-अभभासिन्) गंभीर देखाय ओनु. गंभीर प्रतीत होनेवाला. of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४; —पयत्थ. पुं० (-पदार्थ) गहन पदना अर्थ, न लक्ष्मी शुभाय ओवा पदार्थ. गहन-कठिन पदों का अर्थ-मतलब, न जाना जासके ऐसा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४; २४; —पोयपट्टण. न० (-पोत-पत्तन) पहाणुना हाहवानी जग्या. जहाज के ठहरने की जगह; पत्तन; बन्दरगाह. a place where ships are anchored. “ जेणव गंभीर पोयपट्टणे तेणव उवा गच्छति ” नाया० ८; १७;

गंभीरमालिणी. स्त्री० (गम्भीरमालिनी) सुवल्लुविजयनी पूर सरहद उपरनी ओड अन्तरनदी. सुवल्लुविजय की पूर्वीय सीमा ऊपर की एक अन्तरनदी. A small river on the eastern border of Suvalguvijaya. “ दो गंभीरमालिणी ” ठा० २, ३; जं० प०

गंभीरविजय. पुं० (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकाश विजय आश्रयः) अगाध आश्रय-अंधारावाणुं स्थान. गंभीर—अंधकारमय विजय—आश्रय—स्थान. A dark place. दस० ६, ५६;

गंभीरा स्त्री० (गम्भीरा) चार इंद्रियों वाला जिवनी ओड जिव. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A living being with four senses. पक्ष० १;

गकारपविभसि. पुं० (गकारपविभसि) नाटकनो ओड प्रकार; उर प्रकारना नाटकमानुं

अे३ नाटक का एक भेद; ३२ प्रकारके नाटको में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय० ६३;

गगण. न० (गगन) आकाश; गग०. आकाश.

The sky: " गगणमिवनिरालंबो " ठा० ६; पि० नि० १७५; ओव० १७; ३१; नाया० १;

भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६;

कप्प० ३, ३८; —गण. पुं० (-गण)

गगनरूपी ग२७; समूह. आकाशरूपा समूह.

a multitude in the form of the sky; sky appearing like a heap.

" ससिध्व द्वायं गगणगणं संत " निसी०

२०, २; —तल. न० (-तल) आकाश

तल. आकाश तल. the surface,

vault of the sky. " गगणतलविमल-

विपुल गमण गद्व वलचलियमणपवण

जड्ढण सिग्धवेग्गा " भग० ६, ३३; जं० प०

५, ११७; सम० प० २१३; नाया० ५; ६;

६; १६; निर० ५, १; —मंडल. न०

(-मंडल) आकाशमंडल. आकाशमंडल.

the circle or sphere of the sky.

कप्प० ३, ३८, ४५;

गगणवल्लभ. न० (गगनवल्लभ) वैताड्यपर्व-

तनी दक्षिण तरङ्गनी विद्याधर अजीतुं भुज्य

नगर वैताड्यपर्वत के दक्षिण ओर का विद्या-

धर श्रेणी का मुख्य नगर. The principal

town of the Vidyādhara

Sreni to the South of Vaitā-

dhya mountain जं० प० १, १२;

गगणवल्लह. न० (गगनवल्लभ) लुओ " गग-

णवल्लभ " श०६. देखो " गगणवल्लभ " शब्द.

Vide " गगणवल्लभ " जं० प० १, १३;

गग. पुं० (गार्ग्य) गार्ग्यगोत्रभा उत्पन्न थेथे

गर्गनामना आचार्य के वे पोताना अविनीत

शिष्येथी कंटाणी लह छेवते तेभनी त्याग

करी ओझादी समाधिअवभा रब्धा अने आत्म-

अथ क्युं. गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का

आचार्य, जो अपने आवेनीत शिष्यों से तंग

आकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला हो

समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण

को प्राप्त हुआ. An ascetic of the

name of Garga, born in the

Gārgya family. He was disgust-

ed with his impudent disciples

and so he abandoned them and

secured spiritual bliss by prac-

tising meditation in solitude.

उत्त० २७, १; (२) गौतमगोत्रनी अे३

शास्त्रा अने तेभां उपग्रेथ पु३५. गौतम गोत्र

की एक शाखा और उसमें उत्पन्न मनुष्य.

an offshoot of the Gautama

line of descent: a person born

in that offshoot. ठा० ७, १;

गगगय. त्रि० (गद्गद) गद्गद स्वर.

गद्गद स्वर. A low and inarticulate

sound expressing joy or grief.

मु० च० ३, ६८;

गगगर. न० (गद्गद) आस ईधानां ओल्युं

ते; गद्गद स्वर होते हुए गले में बोलना;

गद्गद स्वर. Speaking with obstruc-

ted breath. भग० ३, २; जं० प० ७;

१६६;

गच्छागद. त्रि० (गच्छागति-गतिआगति-

अति) गति अने आगति; अनुकूल गमन

करयुं ते-गति-प्रतिकूल आवयुं ते आगति.

गति और आगति; गमनागमन; गति-अनु-

कूल गमन, आगति प्रतिकूल आगमन.

Coming and going; passing and

repassing. विशे० २१५३;

गच्छागमि. त्रि० (गच्छागमिन्) गतिपंडे आव-

नार; यात्रीने आवनार. गति द्वारा आने

वाला; चलकर आने वाला One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विशेष ३१५४;

✓ गच्छ. धा० I. (गम् गच्छ) लृथुं; आलुपुं. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छह. भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; सू० प० १; सूय० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२; ८, ४४; राय० ३८;

गच्छंति. नाया० ६; ८; १६; दस० ४, २८; जं० प० ७, १३७;

गच्छ. ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि. नाया० ५; ८; १६; १६; भग० २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प० ५, ११५;

गच्छेजामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो. भग० २, १; ५; ३, २; नाया० ५; ८; १३; १८; जं० प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६; सूय० २, ७, १६; ओव० २७;

गच्छेज्ज. वि० पञ्च० ३६;

गच्छेजा. वि० भग० ३, ६; ६, ५; १३; ६; नाया० ६; वव० १, २३; २, २३;

गच्छेजाहि. आ० नाया० ६;

गच्छिजा. विवि० दस० ४;

गच्छंतु. नाया० १६;

गच्छ. नाया० १, २; ६;

गच्छह. नाया० १; ३; ५; ८; १२; १३, १४; १५; १६;

गच्छेह. नाया० ८;

गच्छाहि. भग० ५, ४; नाया० १; ८; जं० प०

गच्छिहिति. भग० २, १; ७, ६; १४, ८; १५, १; १७, १; ओव० ४८;

गच्छिहिति. भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

नाया० ध०

गच्छिता; सं० कृ० नाया० २; ३;

गच्छंत. व० कृ० ओव० २०; सूय० १, १, १ २७; आया० २, १, ३; उत्त० ५, १३; पंचा० १२, १८; भग० १४, ३;

गच्छमाण. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२, ६; २५, ६; ७; निसी० ८, ११;

गच्छ. पुं० (गुच्छ) समुदाय; समूह. समुदायः समूह. A group; a multitude e. g. of the followers of an Āchārya. अणुजो० ६७; (२) गच्छ; संघ; साधु समुदाय. गण; संघ; साधु समुदाय. a collection, an assembly of Sādhus " गच्छमि संवसित्तायं " गच्छा० २; ७५; प्रव० ६२३; पंचा० १८, ७;—वर त्रि० (—वर) सभत्र गच्छ-समुदायमां श्रेष्ठ. सब संघ-गच्छ में श्रेष्ठ. the best among all groups. गच्छा० ११७;—वास पुं० (—वास) साधु समुदायमां रहेयुं ते. साधु समुदाय में रहना. residing amongst Sādhus. प्रव० ५३१;

गच्छागच्छि. अ० (गच्छागच्छि—गच्छेन गच्छेन भूत्वा) अथ आचार्यनो परिवार ते गच्छ अने गच्छ गच्छना साधुयो भिगाथना देणामां गेह्याय ते गच्छागच्छि कहेयाय. एक आचार्य का परिवार-शिष्य प्रशिष्य गच्छ होता है, और कई एक गच्छों के साधु मिल कर मण्डली रूप में हो तां गच्छाधिगच्छ होता है. A multitude of the followers of one Āchārya or head of an order of saints assembling together with other similar multitudes. ओव० २१;

गजसुमाल पुं० (गजसुकुमार) देवप्रीति न्दानो पुत्र; कृष्ण महाराजना न्दाना लाभ डे जेणे कुमारवस्थाभां नेमनायप्रभु पासे

दीक्षा लई आरभी बिष्णुपडिमा आदरी
अभिने। असद्य परिपक्ष छती डेवसजान
मेणयुं, दीक्षा लई अेकज दिवसमां मोक्षे
पहुंन्या. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण
महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारवस्था
में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु
की बारहवीं प्रतिमा का पालन कर अग्नि का
असद्य परिषह जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त
हुआ, दक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष
को प्राप्त हुआ. Name of the younger
son of Devakī, and younger
brother of Lord Kṛṣṇa. He
took Dikṣā from Lord Nema-
nātha in young age, practised
the 12th ascetic vow, bore the
intense pain caused by fire
and attaining perfect know-
ledge became Siddha; (all
this took place in one day).
ठा० ४, १;

✓ गज्ज. भा० I. (गर्ज्) गाज्जुं; गज्जना
डरना. गर्जना: गर्जना करना To roar; to
thunder.

गज्ज-ति. नाया० १; भग० ३, २;

गज्जति. राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प०
१, १२१;

गज्जिता. सं० कृ० भग० ३, २;

गज्ज न० (गज) गद्यबंध; इतिहास के छंद
विनानुं लयालु. गद्यबन्ध; छन्द बिना का
रचना. Prose writing. ठा० ४, ४;
जीवा० ३, ४, राय० १३१;

गज्जफल. न० (गज्जफल) गाज्जफलाखीन जेयुं
अरभयस्त्र. फलालेन; एक प्रकार का रुईदार

गरम वस्त्र. Warm cloth known by
the name of gauze flannel. आया०
२, ५, १, १४५;

गज्जर. न० (गृज्जन) गाज्जर. गाजर. A
turnip. प्रव० २३६;

गज्जितार. वि० (गर्जित) गाज्जितार; गज्जना
डरना. गर्जना करने वाला. Roaring;
thundering. ठा० ४, ४;

गज्जियत्र. न० (गर्जित) गज्जना: गाज्जुं ते.
गर्जना. Thundering; roaring. जीवा०
३, ३; सु० च० २, २४२; भग० ३, ७;
नाया० १; ८; ६; ठा० १०, १; अणुजी०
१२७; आघ० नि० ६४३; जं० प० कप्प० ३,
३३; ४४; गज्जु० ६५; प्रव० १४६६;

गज्जु. त्रि० (ग्राह्य) ग्रहणु डरना योग्य.
ग्रहण करने के योग्य. Worthy of
being taken; acceptable- विशेष
८४८;

गड्ढ. पुं० (गर्त) आडा. खड्ग. A pit; a
ditch. भग० ३, २; ७, ६; (२) आडर.
भेडा. a she-goat; a ewe. सु० च०
४, १४७;

गड्ढय. पुं० (गर्तक) आडा; आड खड्ग. A
pit; a ditch. भग० ६, ३१;

गड्ढय. न० () आडा. गाडी. A
cart. सु० च० १२, ४८;

गड्ढा. स्त्री० (गर्ती) मोटी आडा. बड़ा खाई
A large ditch जं० प० दसा० ७, १;
जीवा० ३; निर० ३, ३;

*गड्ढी. स्त्री० () आडी. गाडी. A
cart. सु० च० १४, ६६;

गहिदध. त्रि० (गृह) आसक्ति पामेन.
मूर्च्छित; आसक्त. Infatuated; deeply

* जुम्मे पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

attached; greedy. दसा० ६, १;

आया० १, १, २, १६;

अगढ़. पुं० (*) किल्ला; गढ़. किला;

गढ़. A castle; a fort. सु० च० १,

३२६; ४, ४०;

गहिय त्रि० (गृह) गृह; आसक्त. आसक्त.

Very greedy; wistful. भग० ७,

१; पि० नि० २२६; नाया० २; ५; (२)

अत्यंत. बहुत ज्यादा. too much.

परह० १, २;

गहिय. त्रि० (प्रथित) गुथित; आधित. बन्धा

हुआ; बद्ध. Tied; knitted. सूय० १,

१, ३, १५; आया० १, ५, ६, १६५;

✓ गण. धा० I. (गण) गणना करनी.

गिनती करना. To count.

गणितं. हे० कृ० सु० च० ४, १६२;

गणेशाय. व० कृ० भग० १५, १;

गणेश. क० वा० अणुजो० १३३;

गण. पुं० (गण) समुदाय; समूह; टोली.

समूह; समुदाय. A crowd; a mul-

titude. भग० १, १; ६, ६; ९, ५;

७, ९; ८, ८; १२, २; १६, ५; १८, ७;

उवा० १, ५८; जं० प० सम० ६; नाया०

१; ५; परह० २, ३; नदी० ८; ओव० राय०

२५३; उत्त० १५, ६; अणुजो० ५७; प्रव०

५५७; क० गं० १, ३६; कप० ४, ६२;

(२) गणवुं; गणना करनी. गिनना; गिन्ती

करना. reckoning; calculation.

अणुजो० १३३; (३) भक्ष आदिना

समुदाय. मल्ल-पहलवान आदि का समुदाय.

a party of athletes etc. पि० नि०

४४१; (४) गच्छ; समान क्रिया-आचार विचार

समुदाय. गच्छ; समान क्रिया-आचार विचार

वाला साधु समुदाय. an order of

ascetics observing the same

rules of conduct. सम० ८; दसा०

२, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०,

११; निसी० १६, १०; नाया० ८; ओघ०

नि० ६८८; पि० नि० १६३; भग० २५, ७;

(५) चान्द्रादि कुलनो समूह; कौटिकादि

गण; संधनो अेक भाग. चांद्रादि कुल

का समूह; कौटिकादि गण; संध का एक

भाग. a collection of families

like Chāndra etc.; a por-

tion or sub-division of a religi-

ous sect. ओव० २०; परह० २, ३;

ठा० ३, ४; —अभिओग. पुं० (—अभि-

योग) गण-समुदायनी आता. गण-समु-

दाय की आज्ञा; गच्छ का आदेश. com-

mand of a Gana or an order

of saints under one head. भग०

७, ६; प्रव० ६५३; —टकर. पुं० (—अर्थ-

कर) गण-समुदाय] काम करना. गण-

समुदाय का कार्य करने वाला. (one)

who transacts the business of

the brothers of the same order

of saints. ठा० ४, ३; —णायग. पुं०

(—नायक) गणनो-जनसमूहनो आगे

गान भाष्य. समुदाय-मनुष्य समूह का

अगुआ. the leader of a multi-

titude. नाया० १; —त्यकर. पुं० (—अर्थ-

कर) लुओ " गणटकर " शब्द. देखो

" गणटकर " शब्द. Vide " गणटकर "

वव० १०, ४; ६; ६; —धम्म. पुं०

(—धर्म) महावीर स्वामिअे स्थापित साध्यादि

समुदाय रूप गणनो धर्म-श्रुत आरित्य रूप

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गणतीर्थीनो धर्म-अश्रुप्रत महाव्रतादि रूप.
गण-गच्छ का धर्म-आचार; महावीर स्वामी
द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रूप गणका
धर्म-श्रुत चारित्र रूप; गण-तीर्थ का धर्म-
अश्रुप्रत महाव्रतादि रूप. the religious
principles of an order of saints
e. g. that established by Ma-
hāvīrasvāmī; religious princi-
ples of a sect; e. g. minor
vows, great vows etc. ठा०
१०, जं० प० २, ३५; —नायग. पुं०
(-नायक) ङुओ “गणनायग” शब्द.
देखो “गणनायग” शब्द. vide “ग-
नायग” अणुजो० १२८; ओव० नाया०
१; राय० २५३; —पङ्क्तिीय. त्रि०
(-प्रत्यर्नाक) गणुनो शत्रु. गण का शत्रु
an enemy of an order of saints.
भग० ६, ३२; —माण. न० (-मान) गणुनुं
मान प्रमाण. गण का मान; गच्छ का प्रमाण.
the limit of an order of ascetics.
प्रव० ६३३; —राय. पुं० (-राज-समुत्पत्ते
प्रयोजने ये गणं कुर्वन्ति ते) समूहनो राजन्; कार्य
वशते सर्वेने ऐक्य करी शके ते सामन्त. समूह
का कार्य पढ़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा;
सामन्त वगैरह. a sovereign king
having feudatory princes under
him. भग० ७, ८; —विउत्सग. पुं०
(व्युत्सर्ग) गणु गच्छने परित्याग. गच्छ
का परित्याग. desertion. abandon-
ment of an order of saints. भग०
२५, ७; —वैयावृत्त. पुं० (-वैयावृत्त)
गणुनी सेवा, वैयावृत्तनो नवभो भेद. गण की
सेवा; वैयावृत्त का नौवा भेद. ninth
variety of serviceableness, viz.
service to an order of monks.
वव० १०, ८; १०; भग० २५, ७;

—संग्रहकर. पुं० (-संग्रहकर) समुदाय-
नो आधार अने ज्ञान वगैरैथी संग्रह करनेवा.
आहार और ज्ञान आदि का संग्रह-संचय
करने वाला. one who preserves or
extends the circle of his sect
by food, knowledge etc. वव०
१०; ४; ५, ६; ७; —संग्रहण. पुं०
(-संग्रहण) साधु समुदाय ऐक्यो करेवा
ते. साधु समुदाय को एकत्रित करना.
assembling a multitude of
Sādhus or saints. गणि० २७;
—संपत्ता. स्त्री० (-सम्पत्) गणु-अर्थ-
समुदायनी संपदा. गच्छ-समुदाय की
सम्पत्ति. the power or authority
of an order of ascetics
regarded as wealth. प्रव० ५५३;
—सामायारी. स्त्री० (-समाचारी) साधुना
समुदायनी समाचारी. साधुओं के समुदाय
की समाचारी. education of an order
of monks in austerities etc. दसा०
४, ७०; —सोभाकर. त्रि० (-शोभाकर)
समुदायने शोभायनार. समुदाय को सुशोभित
करने वाला; गच्छ की शोभा बढ़ाने वाला.
one who is an ornament or a
jewel of an order of saints. वव०
१०, ८; ६; —सोधिकर. त्रि० (-शोधि-
कर) गणुनी शुद्धि करने २; गच्छनी संभाल
देनार. गण की शुद्धि करने वाला; गच्छ की
देखरेख करने वाला. one who bestows
care on an order of saints; one
who refines an order of saints.
वव० १०, ४; ५; ६; ७;

गणग. पुं० (गणक) गणु, ज्योतिष शास्त्र
गणुनार; ज्योतिषी. गणक; ज्योतिषी; गणित
विद्या को जाननेवाला. An astrologer.
ओव० नाया० १; कण० ४, ६०.

गणक न० (गणन) गणकुं; गणत्री करवी.
गिनती करना; गिनना. Calculation;
reckoning विशेष० ६४५;

गणणा. स्त्री० (गणना) गणुनी, ओ३ दस,
सौ ४८१॥दि कर्मयोग्युवा. गणना-गिनती;
एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Cal-
culation; counting. अणुजो० १४६;
—अहरित्त. त्रि० (-अतिरिक्त) गणना-
संख्याथी जुदा. संख्या से अतिरिक्त; गिनती
से बाहिर. beyond calculation; dif-
ferent from calculated amount.
निसी० १६, २५: —अणुत अ. पुं० (-अनन्तक)
गणुवानी अपेक्षासे अनन्त; संख्या अ. श्री
अनन्त. गणना की अपेक्षासे अनन्त; संख्या के
लिहाज से अनन्त. incalculable; count-
less; beyond calculation. ठा० ५,
३; —अणुपुर्वी स्त्री० (-अनुपूर्वी)
संख्या विषयक अनुपूर्वी; अनुक्रम. संख्या
विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order;
order of numerical calculation.
अणुजो० ७१;

गणहर. पुं० (गणधर) गणधर; तीर्थकरना
मुख्य शिष्य. गणधर; तीर्थकर का मुख्य
शिष्य. The principal disciple of
Tirthankara; the Ganadhara.
जं० प० २, ३३; नाया० ८; वेय० ४, १५;
भग० ४२, १; विशेष० ५५०; भक्त० १०४;
(२) आचार्यनी आश्रमनुसार साधु
समुदायने लघुमहीमण्डलमां पियरेनार समर्थ
साधु. आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय
को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला
ममर्थ साधु. the able ascetic who
wanders over the world along
with other ascetics by the
order of the head preceptor.
आया० २, १, १०, ५६; पञ० १६; सम०

८; गत० २७; १; नंदी० स्थ० २१;
—प्रमाण न० (-प्रमाण) गणधर-
तीर्थकरना मुख्य शिष्यों प्रमाण. गणधर-
तीर्थकरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the
authority of the chief disciples
of Tirthankara, known as Ga-
padharas. प्रव० ३३२;

गणावच्छेदय. पुं० (गणावच्छेदक) श्रीम
साधुओंने साथे राप्पी ने महीमण्डलमां
पियरे ते. हमरे साधुओं को साथ लेकर
पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला. One
who wanders over the world
along with other ascetics.
कप० ६, ४६;

गणावच्छेदणी स्त्री० (-गणावच्छेदिनी)
गणुनी साध्वीओंनी सारसंभाष करनार
साध्वी. गण की साध्वीओं की देखरेख करने
वाली साध्वी. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order.
वव० ५, ३;

गणावच्छेदय. पुं० (गणावच्छेदक) गणुना
साधुओंनी सारसंभाष करनार. गण के
साधुओं की देखरेख करने वाला. One
who provides necessary things
to the monks belonging to the
same order आया० २, १, १०, ५६;
वव० १, २६; २७; २८; २६; २, ७; ३,
१५; वेय० ४, १५;

गणावच्छेदयस्त. न० (गणावच्छेदकत्व)
गणावच्छेदकपणु. गणावच्छेदकता; गण
संचालकत्व. State of being a pro-
vider of necessary things to an
order of saints. वव० ३, १५; वेय०
४, १६;

गणावच्छेदयस्ता. स्त्री० (गणावच्छेदकता)

ॐओ। “ गणावच्छेदयत् ” शब्द. देखो “ गणावच्छेदयत् ” शब्द. Vide “ गणावच्छेदयत् ” वच० ३, ७;

गणावच्छेद. पुं० (गणावच्छेदक) साधु समुदायनी वस्त्र पात्रादि व्यापारथी सार संभाला करता साधु. साधु समुदाय की वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेख करने वाला साधु. A Sādhu who provides the monks of an order of saints with food, clothes, vessels etc. पञ्च० १६;

गणि. पुं० (गणिन्-गणः साधुसमुदायोऽस्ति यस्य) आचार्य; सूरि; गच्छता उपरी. आचार्य; सूरि; गच्छाधिपति. The head of an order of saints: an Āchārya. अणुजो० ४२; टा० ४, ३; भाषा० २, १, १०, ४६; सम० १; दम० ६, १; ६, १५; पि० नि० ३१२; निमी० १४, ५; पञ्च० १६ उवा० २, ११६; भक्त० २३; कण्ठ० ८; पंचा० १२, ४७; प्रव० १६८; ४२७; गच्छा० २०, ११२; —**आगमसंपन्न.** न० (—आगमसंपन्न) गणि-आचार्यना शास्त्रोभां कुशल. गणि आचार्य के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस० ६, १; —**पिडग.** न० (—पिटक-गणो गच्छोऽस्ति यस्य स गणी तस्य पिटकम्) जिन प्रयत्न; जिन तत्वेना अभ्यनो; आचार्यनी पेटी के जिनो अन्दर शास्त्रीय तत्वे अवस्थान आचार्य देय ते-आचार्यादि सूत्र जिन प्रवचन; जिन तत्त्वों का खजाना; आचार्यों की पेटी-तिजोरा, जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हो; आचाराज्ञादि अंगसूत्र. the treasury of Jaina canonical scriptures; literally, the box of an Āchārya filled

with scriptures. भग० १६, ६; २०, ८; ४२, १; सम० ५७; संस्था० ८१; ओष० नि० ७६०; —**पिडग.** न० (—पिटक) ॐओ। “ गणि-पिडग ” शब्द. देखो “ गणि-पिडग ” शब्द. vide गणि-पिडग ” भग० २५, ३; —**पिडग** न० (—पिटक) ॐओ। “ गणि-पिडग ” शब्द. देखो “ गणि-पिडग ” शब्द. vide “ गणि-पिडग ” ओव० १६; —**भाव.** पुं० (—भाव) आचार्यपणु; गणि-आचार्यना भाव. आचार्यत्व; आचार्यपना. status of an Āchārya; Āchāryahood. उक्त० २७, १; —**वसभ.** पुं० (—वसभ) गणि-आचार्योंभां श्रेष्ठ. आचार्यों-सूरियों में श्रेष्ठ. the chief among the Āchāryas. भक्त० ५२; —**संपदा.** स्त्री० (—संपदा) आचार्यनी ६४ संपदा. आचार्य की ६४ सम्पदाएं. the 64 acquisitions of an Āchārya. भक्त० २३; दमा० ४, १०६;

गणिअ. त्रि० (गणक) गणितवेत्ता; गणितप्री. गणितवेत्ता; ज्योतिषी. A mathematician. अणुजो० १४६; जं० प० २, १६; **गणिणी.** स्त्री० (गणिनी) गणुभां भेदाटा साध्वी; प्रवर्तिका साध्वी. गण में बड़ी साध्वी-प्रवर्तिका साध्वी. The principal female ascetic of the order. गच्छा० ११६;

गणित. न० (गणित-गणयते इति) गणितकला. गणितकला. A numerical script. नाया० १; (२) अंकलिपि. अङ्कलिपि. a particular kind of script. पञ्च० १; —**पद्धारण.** त्रि० (—प्रधान) गणित छ प्रधान जेभां ते. गणित प्रधान. an art in which mathematics occupies a prominent part. नाया. १;

गणिता. स्त्री० (गणिता) गणितपद्धति; गणित-
आर्यन्ती पद्धति. गणितपद; गणितार्य की पदवा.
Headship of an order of saints.
डा० ३, ३; वव० ३, ७;

गणित. त्रि० (गणय) गणित; अंक भे तल
पत्रे संख्याधी गणाय ते. एक, दो, तीन
आदि संख्या से जो गिना जासके. Capable
of numerical calculation; cap-
able of countable. अणुजो० १३२;
नाया० ८; ६; १५; विवा० २;

गणित. न० (गणित) गणित कला; हिसाब-
की कला. गणित कला; हिसाब की कला
Art of mathematics; numeri-
cal calculation. ओव० ४०; अणुजो०
१४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १; ८;
परह० १, ५; जं० प० आघ० नि० भा० ५;
(२) गणितुं; संख्या करेयुं. गिना हुआ.
counted वंय० ४, २८; निसा० ६, २०;
प्रव० १२३३; —पद्हाण. त्रि० (—प्रधान)
जो गणितकला मुख्य छे ते. गणितप्रधान;
जिसमें गणित कला मुख्य है वह; ज्योतिः-
शास्त्र का एक अंग. that in which
mathematics is the prominent
factor; a division of astrology.
कप० ७, २१; —लिपि. स्त्री० (—लिपि)
गणितलिपि; १८ लिपिमांता अंक. गणित
लिपि; १८ लिपियों में से एक लिपि one
of the 18 scripts; the script of
numbers. सम० १८;

गणित्या-आ. स्त्री० (गणिका) गणिका;
वेश्या. वरया; बाजार की औरत. A
harlot; a public woman. भग०
११, ११; नाया० १; ३; ५; १६; विशेष०

६२८; अंत० १, १; निर० ५, १; कप० ५,
१०१; विवा० २; अणुजो० ६६; —सहस्र.
न० (—सहस्र) हजार वेश्याओं. हजार
वरयाएं. a thousand harlots.
विवा० २;

गणितविज्ञा स्त्री० (गणितविद्या) २८ उक्ता-
विक सूत्रमानुं बीसभुं सूत्र २६ उत्कालिक
सूत्रों में से बीसवां सूत्र. The 20th of
the 29 Utkālīkā Sūtras.
नंदा० ४३;

गणितिया. स्त्री० (*) हाथने भेरभा;
संन्यासीनां हाथनुं आभरण संन्यासी के
हाथ का एक आभरण. A rosary for
the hand; an ornament in the
case of an ascetic. ओव० ३६; भग०
२, १; नाया० १६;

गत त्रि० (गत) गये. गया हुआ; पहुंचा
हुआ. Gone. (२) प्राप्त अभ्येत. प्राप्त.
obtained; acquired. नाया० १;

गति स्त्री० (गति) नरक आदि गतिमां गत्युं
ते नरक आदि गतियों में जाना. Passing
from one state of existence in-
to the state of hell etc. डा० १,
१; (२) नरक आदि चार गति. नरक
आदि चार गतियां. the four states of
existence viz. hell etc उत्त० २, १८;
(३) गमन; चाल; गत्युं ते. गमन;
चाल. the act of going. भग० ३, १;
२५, ३; ६; ८; पञ्च० १३; सू० प० १०;
—नामनिहस्ताउ-य. त्रि० पुं० (—नाम-
निहस्तायुष) गतिने अनुसार नामकर्मना
पुद्गलनी साथे आयुषकर्मना अंध. गति के
अनुसार नाम कर्म के पुद्गलों के साथ आयुष

* अथवा पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कर्म का बन्ध. Kārmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is. भग० ६, ८; पञ्च० ६;

—रागति. स्त्री० (-आगति) गति अने आगति, ओक गतिमाथी भीछ गतिमा जहुं अने भीछ गतिमाथी आ गतिमा आयहुं ते. गति और आगति-गमनागमन; एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें आना. coming and going back from one state of life into another. भग० ११, १: २१, १; २४, १;

—लक्षणा. न० (-लक्षण) गतिरूप धर्मास्तितायनु तद्वत्. गति रूप धर्मास्तिताय का लक्षण. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion भग० १३, ४: —विसय. पुं० (-विषय) गतिने विषय-शक्त गति का विषय: चलने की शक्ति. the object of motion: the power of movement. भग० २०, ६;

गत्त. न० (गात्र) शरीर. शरीर; शरीर के अंग. Body: a bodily limb. ओव० २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया० १; २; ६; सु० च० २, ७७; १३, २४; पञ्च० २; कप्प० ४, ६२;

गत्त. पुं० (गर्त) खाँडा. खड्डा. A pit: a ditch. भग० १५, १; जीवा० ३, ३; नाया० १;

गत्तग. न० (गात्रक) पत्रगादिनी छसु अने उपश्रां. पलंगदि के इस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stand etc. राय० १६१;

गत्ता. स्त्री० (गर्ता) भोटी आछ. बड़ी-गहरी खाई. A large ditch. जं० १०

गहतोय. पुं० (गर्हतोय) पांचमां देवलोकनी नीचे कृष्णराज विमानमां रहेता लोकान्तिक देवतानी नव जाति पैडी ओक जाति. पांचवें देवलोक के नीचे कृष्णराज विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Kṛṣṇarāji heavenly abode under the fifth Deva-loka. “ गहतोय तुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सापणत्ता ” ठा० ७; प्रव० १४६२; सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, ४; नाया० ८;

गहभ. पुं० (गर्दभ) अश्वेडा. गर्दभ; गधा. An ass; a donkey. पञ्च० १; सूय० १, ३, ४, ४; २, २, ४५; दसा० ६, १२;

गहभालि. पुं० (गर्दभालि) गर्दभाति नाम-ना साधु: संजति राजने समभवानर: संजतिना गुरु. इस नाम का एक साधु: संयाति राजा को समझाने वाला; संयाति राजा का गुरु. An ascetic named Gardabhālī who enlightened king Sañjati. उत्त० १८, १६: (२) अश्वक संन्यासिना गुरु. खंभक संन्यासी का गुरु. the preceptor of Khandhak a Sanyāsi. भग० २, १;

गहह. पुं० (गर्दभ) लुओ “ गहभ ” शब्द. देखो “ गहभ ” शब्द. Vide “ गहभ ” सम० ३०; पि० नि० ४४६;

गणा. स्त्री० (गणया) संख्या; गणुना. संख्या; गणना; गिनती. Calculation; reckoning. सु० च० १४, १०३;

गच्छ. पुं० (गर्भ) गर्भाशय; गर्भने रहेयानु स्थान. गर्भ; गर्भाशय; गर्भ के रहने का स्थान; जहां शुक्र शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान. The womb. ओव० ४०; ४३;

निर० १, १; दस्ता० ६, १; नंदी० ३७;
 नाया० १; २; १३; १४; भग० १, ७; ५, ४; २;
 ११, ११; १२, ५; २०, २; पि० नि० ३६२;
 पञ्च० १७; सूय० १, १, १, २२; १२४; आया०
 १, ५, ३; प्रव० २८०; क० प० ४ १६; कप्प० १, १;
 (२) रेशमना कीजये पोतानी लालभांथी
 उत्पन्न करेन रेशमना केकेटी। रेशम के कीट
 ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम
 का कोठा. silk thread produced
 by a silkworm. अणुजो० ३७;
 (३) मध्य; मध्यमे भाग. मध्य; बीच
 का हिस्सा. middle part; interior.
 राय० ५७; ओष० नि० ६६७; —अजोगा.
 स्त्री० (—अयोग्या) गर्भधारण करने अयोग्य
 स्त्री; वंध्य। गर्भ धारण करने के अयोग्य
 स्त्री; बांझ. a barren woman. प्रव० ५७;
 —आधान. न० (—आधान) गर्भाधान
 संस्कार. गर्भाधान संस्कार. the cere-
 mony relating to pregnancy.
 भग० ११, ११; —आहाण. न० (—आधान)
 गर्भाधान; गर्भानु रहेयुं ते. गर्भ का रहना;
 गर्भाधान. pregnancy. विश० २३०;
 —उद्भव. त्रि० (—उद्भव) गर्भयुक्ती
 उत्पन्न धर्मेण; गर्भानु-निर्पथ्य अने मनुष्य
 गर्भ से उत्पन्न; तिर्यच और मनुष्य. fetus-
 boru; i. e. men and animals.
 विश० ४२३; —करा. स्त्री० (—करी) ग्रेना
 प्रभावे गर्भ उत्पन्न थाय तेवी विद्या; ४०
 विद्याभांती ओ३. जिसके प्रभाव से गर्भ रहे
 वह विद्या; ४० विद्याओं में से एक विद्या. a
 science dealing with the
 cure of sterility; one of the 40
 sciences. सूय० २, २, २७; —गत. त्रि०
 (—गत) गर्भगत गर्भमां रहेयुं. गर्भगत;
 गर्भ में स्थित. embryonic; in em-
 bryo. वि० १; भग० १, ७; —घर.

न० (—गृह) सौथी पम्पेने ओरडे, अन्दर-
 नो होल. गर्भगृह; सब के बीच का कमरा;
 अन्दर का कोठा. inner room; central
 hall. अणुजो० १४८; (२) लायरा दिगेरे.
 तहखाना; जमीन के अन्दर बनाया हुआ घर.
 a cave; an interior cavity. जीवा०
 ३, ३; नाया० ८; —घरग. न० (—गृहक)
 अन्दरनो ओरडे. भीतरका घर. a toilette
 chamber. राय० १३६; नाया० ८;
 —घरय. न० (—गृहक) गुप्ते उपले
 शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
 नाया० ८; —ट्टम. त्रि० (—अष्टम-गर्भाष्ट-
 मवर्षःगर्भाष्टमम्) गर्भस्थी आठमा वर्ष.
 गर्भ से आठवां वर्ष. the 8th year
 from conception. नाया० १; —ट्टि.
 स्त्री० (—स्थिति) गर्भनी स्थिति. गर्भ का
 स्थिति. condition of embryo. प्रव०
 ५४; १३७३; —ट्टिय. त्रि० (—स्थित)
 गर्भमां रहेयुं. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ.
 remaining in the womb. प्रव० ५५;
 —त्थ. त्रि० (—स्थ) गर्भमां रहेयुं ले-वी.
 गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the
 interior; in embryo. राय० २८७;
 नाया० १; कप्प० ४; ६४; —वसति. स्त्री०
 (—वसति) गर्भस्थि निवास; गर्भाशयमां
 रहेयुं ते. गर्भ में रहना. remaining in
 the womb. ठा० ३, ३; गच्छा० ६८;
 —वास. पुं० (—वास) गर्भाशयमां निवास;
 माताना गर्भमां रहेयुं ते. गर्भ में निवास
 करना; माता के उदर में रहना. staying.
 residence in the womb of one's
 mother. सूय० २, २, ८१; पञ्च० २; नाया०
 १; प्रव० १३७५; —वुक्कन्ति. स्त्री० (—व्यु-
 त्क्रान्ति) गर्भमां उत्पत्ति; गर्भाशयमां
 आवयुं ते. गर्भ में जाना. birth in
 the womb. ठा० २, ३; दसा० ८, १;

—**बुक्कतिय.** त्रि० (—ब्युत्क्रान्तिक) गर्भ-
गर्भाशयभांथी जन्म पामनार, मा आपना
शुक् शोणितधी उत्पन्न थनुं. गर्भाशय द्वारा
उत्पन्न होने वाला; माता पिता के शुक् शोणित
से उत्पन्न होने वाला. born from a
womb; fetus-born. अणुजो० १३४;
उत्त० ६, १६; जीवा० १; भग० ५, ८; ८,
१; ६; सम० १; —**संभूह.** स्त्री० (—सम्भूति)
गर्भनी उत्पत्ति. गर्भ का उत्पत्ति. produc-
tion of the embryo. प्रव० ५६;
१३७७; —**साडन.** न० (—शासन) गर्भनुं
साडनुं— गर्भ पाडवा विगेरे. गर्भ का नाश
करना; गर्भ का छांटना. causing abor-
tion etc. विवा० १; —**हरण.** न०
(—हरण) गर्भनुं हरयुं ते; अंक डेकाछिथी
थीगे डेकाछे गर्भने लछ जयुं ते. गर्भ का
हरण करना; एक स्थान से दूसरे स्थान पर
लेजाना. stealing or transferring
embryo from one womb to an-
other प्रव० ८६०; —**गर्भता.** स्त्री०
(—गर्भता) गर्भपणुं. गर्भत्व; गर्भपन.
embryonic condition. विवा० १;
नाया० ८; कण० १, २;

गर्भमुद्देश. पुं० (गर्भोद्देशक) प्रज्ञापना सूत्र-
ना अंक उद्देशानुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के एक
उद्देश का नाम. Name of a chapter
of Prajñāpana Sūtra. भग० १६, २.

गर्भिण्या-या. स्त्री० (गर्भिता) गर्भवती स्त्री.
गर्भवती स्त्री; सगर्भा नारी. A pregnant
woman. दस० ७, ३५; नाया० ७;

गर्भिणी. स्त्री० (गर्भिणी) गर्भवती स्त्री.
गर्भिणी; गर्भवती स्त्री. A pregnant
woman. पि० नि० ५१०;

गर्भिय. त्रि० (गर्भित) गर्भित; गर्भय पोत
सहित. गर्भ वाला; भीतर पोत वाला.
Hollow. प्रव० ७६; (२) अंदर गर्भ-

वाला. भीतर गर्भ वाला. hollow in the
middle. पंचा० ३, २१;

गर्भीर. पुं० (गर्भीर) अंतगड सूत्रना पहिला
वर्गना ४ था अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र
के पहिले वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम.
Name of the fourth chapter
of the first section of Anta-
gāḍa Sūtra. (२) अन्धकवृष्णि
राजना पुत्र थाथा दशार के ने नेमनाथ प्रभु
पासे दीक्षा लछ आर वरस प्रवज्या पाणी
शत्रुंजय उपर अंक भासने संधारे डरी
भेक्षे गया. अन्धकवृष्णि राजा का चौथा
पुत्र—दशार्ह, कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा
लकर बारह वर्ष तक प्रवज्या पाल शत्रुंजय
पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को
प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka
Vṛṣṇī, the fourth Dāśrha,
who took Dīksā from Lord
Nemanātha, practised asceti-
cism for twelve years, per-
formed Santhārā (gave up
food and drink) for one month
on Śatruñjaya and became
Siddha. अंत० १, ४; (३) उट्टु. गहरा.
deep. राय० ३७; (४) भेडाट्टु. बड़ा.
big; large प्रव० ४५६; —**घोस.** त्रि०
(—घोष) मोटा अवाजवाला. बडी अवाज
वाला. deep sounding. प्रव० ४५६;

✓ **गम.** धा० १. (गम्भ) जयुं; गति करवी.
जाना; गति करना. To go; to move.

गमह. आया० २, १, १, ४;

गमिस्वह. पि० नि० ३१०;

गमिस्सति. भ० भग० ३, १;

गमिस्सामि. भ० नाया० १;

गमिस्सामो. भ० आब० ३८;

गमेज्ज. सं० कृ० सु० च० २, ३५;

गमित्तए. हे० कृ० दसा० ७, १; उत्त० १०,
३४; ओव० ३८; सम० ३, ४; ७,
७; १६, ५; नाया० ८; ६; १२; १६;

गममाण. व० कृ० भग० ८, ७;

गम. पुं० (गम) आलापक-सूत्रनो आलापो;
अेक विषयतुं प्रतिपादन करनेपर वाक्य समूह;
-छातुं प्रकरण. आलाप-छोटा प्रकरण; एक
ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों
का समूह; सूत्र पाठ. A supplement-
ary chapter. नंदी० ४४५; विशेष० ४४८;
जं० प० नाया० १; पिं० नि० ४२१; भग०
३, १०; ६, ६; १६, ३; २४, १; (२)
उत्थन; वर्णन; कथन; वर्णन. narration.
पञ्च० १५; (३) गतुं; आगतुं. जाना;
चलना; moving; going. पञ्च० २; (४)
प्रकार; जेद. प्रकार; जेद. varieties.
ओघ० नि० २५; विशेष० १४६२; (५)
अर्थ परिच्छेद; अर्थनी जुदी जुदी अंगी;
अर्थ का परिच्छेद; अर्थ के अलग २ भाग.
the distinctions of meaning.
सम० प० १६६;

गम-य. पुं० (गमक-गमयतीति) आलापो;
समस्या पाईने वाक्य समूह. एकार्थ वाचक
वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. Text in a
uniform style of composition.
राय० २३६; नाया० १३; भग० १२, ४;
१३, १; २४, १२; १७; ३२, १; नाया० ध०
३; (२) वर्णन; अधिकार. वर्णन; अधिकार.
description. निसी० १, ४१; ६, १२;
पञ्च० ५; नाया० ध० ६; (४) गमनशील.
गमन शील. having the nature of
going. भग० २५, ३; ४, २६, १;

गमग. पुं० (गमक) जुओ " गमअ "
शब्द. देखो " गमअ " शब्द. Vide
" गमअ " भग० २८, १;

गमगत्त. न० (गमकत्व.) गतुंवापातुं.

सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव.
State of being a proper sub-
ject for information. विशेष० ३१२;
गमण. न० (गमन) आगतुं; गतुं; गति
करनी. गमन; जाना; गति करना. Motion;
going; movement. भग० २, १; ५,
४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५. ७;
ओव० २१; उत्त० २६, ६; आया० १, ७,
५, २१२; सम० प० १६८; नाया० १; १५;
१६; १७; पिं० नि० ८३; १६०; २०६;
सु० च० ३, २३३; विशेष० २४६२; वेय० १,
३६; ४५; राय० ४४; पंचा० १, १६; ४३;
भक्त० ८०; प्रव० १५६६; कप्प० ३, ४३;
उवा० २, ८६; —आगमण. न० (—आ-
गमन) गतुं आगतुं. जाना आना. pass-
ing and repassing; coming and
going. प्रव० १३४; आव० ४, ३; भग०
२, ५; नाया० १६; निसी० ११, २०; दस०
५, १, ८६; —गुण. पुं० (—गुण-गमनं
गतिः तद्गुणः) गतिरूप गुण; धर्मास्तिकाय का लक्षण.
the characteristic mark of Dhar-
māstikāya, viz. motion. भग० २;
१०; —मण. त्रि० (—मनस) गतुंवा
छायातुं. जाने की इच्छा वाला. desir-
ous of going. सु० च० २, १८२;

गमणया. स्त्री० (गमन) गति; गमन. गति;
गमन. State of being in motion;
state of being going. " गमणं
लोकंत गमययाए " ठा० ४; नाया० १;

गमणिज्ज. त्रि० (गमनीय) गमतुं; गतुं.
अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ.
Pleasant; charming. ओव०, ३२;
जं० प० ३, ६७; (२) उल्लंघन-पात
पातया येअ. उल्लंघने योग्य; पार पार लायक.
worth transgressing. निसी० १६,

१७; (३) ज्ञायः योग्य; प्रकाशवा योग्य. जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth knowing; capable of throwing light upon. भग० १, ३;

गमणी. स्त्री० (गमनी) ऐक ज्ञतनी (उड्याती) विद्या; विद्याधरोनी विद्या. एक प्रकार की आकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरा की विद्या. A science of flight; (this is possessed by Vidyādhara). नाया० १६;

गमिअ-य. न० (गमिक) जेमां ऐक सरभा धव्वा पाड होय ते आरमुं दृष्टिवाद नामे अंगसूत्र. जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवां दृष्टिवाद नामक अंगसूत्र. Name of the 12th Aṅga Sūtra named Dṛṣṭivāda having many chapters of the same nature. नंदा० ४३; विशेष० ५४६; क० गं० १, ६;

गम्य. त्रि० (गम्य) भेगती शक्य तेवुं; पहुँची शक्य तेवुं. प्राप्त हो सके ऐसा; That which can be acquired; that which can be reached. पगह० २, २; पंचा० ४, १७; (०) गमन करना योग्य गमन करने योग्य. worth going to. भक्त० ११३;

गय-अ. त्रि० (गत) गयेत; अदृश्य अयेत. गया हुआ; अदृश्य जो है वह. Gone; passed out of sight. भग० २, १; ३, १; ५, ४; ७, ६; ८, ३३; ११, १०; १५, १; नाया० १; ६; ७; १३; १६; नाया० घ० दस० ६, २, २४; उवा० १, ११; भक्त० ३८; क० प० ६, २५; कण० २, २७; (२) प्राप्त अयेत. प्राप्त किया हुआ. got; obtained. भग० ३, १; १८, ७; पञ्च० ३६; नाया० १; ३; ६; १६; अणुजो०

१६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २१; (३) गति; आल. गति; चाल. gaît; motion. ओव० जं० प० ५, ११४; ७, ११३; ३, ५६; (४) रहैत. रहा हुआ. remaining; stayed. ओव० १०; विशेष० ३६; —तगह. त्रि० (-तृष्ण) तृष्णा विना. तृष्णारहित. free from greed. प्रब० ४७३; —तेय. त्रि० (-तेजस्) तेजहीन; तेज-विना. तेजहीन; तेजरहित. lack-lustre; having no lustre; dull. भग० १५, १; —दसण. त्रि० (दशन) जेना दांत पडी गया होय ते; दांत पडरना. जिसके दांत गिर पड़े हों वह; दांतरहित. (one) without teeth. गच्छा० ६२;

गय. पुं० (गज) हाथी. हाथी. An elephant. अणुजो० २१; १३१; ठा० ४, ३; दसा० १०, १; दस० ५, १, १२; ६, २, ५; सु० च० २, ६४१; कण० १, ४; पंचा० १२, २४; पिं० नि० ७६; द३; राय० ५०; जीवा० ३, ३; पञ्च० १; नाया० १; ५; ८, १६; भग० १६, ६; ७, ६; ८, ३३; (२) गुच्छो. गुच्छा. a cluster. पञ्च० १; (३) अंत-गडसूत्रना त्रीग्न वर्गना अइमा अध्यायनं नाम. अंतगडसूत्र के तीसरे वर्ग के आठवें अध्याय का नाम. name of the 8th chapter of the third section of Antagaḍa Sūtra. (४) वसुदेव राजनी देवकी राज्ञीना मैथी नदानी पुत्र-दृष्टु मला राजनी नदानी भाग के जे तेमनाथ प्रभुपासे दीक्षा लई तुरतज निष्पुत्री आरभी पडिमा आदरी श्मशान भूमिमां कडिसग्न करी उला रखा त्यां भोमल आभुले अग्निना परिषद आप्थो ते सभलावे सदन करतां तरतज देवगान पाभी भोक्षमां गया. वसुदेव राजा की देवकी रानी के सब से छोटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर तुरन्तही भिक्षु की वारहवीं पट्टिमा का अंगिकार कर श्मशान भूमि में काउ-सग्य कर, बसे रहे. वहाँ सोमल ब्राह्मण ने अग्नि का परिषद् दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्षगति को पहुँच गये. the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Kṛṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana. named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. अंत० ३, ८; पण्ड० १, ४; नाया० १६; (४) सातमां देवलोकना ध्वजं (चिह्न-निशानी. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिह्न-निशान. the badge of the Indra of the 7th Devaloka. ओव० २६; (५) दिशाकुमार जतना देवतानुं चिह्नः तेना भुवटमां हाथीने आकारे निशानी होय छे. दिशाकुमार जाति के देवता का चिह्न; उस के मुकुट में हाथी के आकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind. ओव० २३; (६) श्रीम तीर्थङ्करं चिह्नं. द्वितीय तीर्थङ्कर का चिह्न. the symbol of the second Tirthaṅkara. प्रव० ३८१; —अस्त्रीय. न० (—अनीक)

हाथीनुं सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया० १; उत० १८, २; —कलभ. पुं० (—कलभ) हाथीनुं अय्युः नानो हाथी. हाथी का बच्चा; छोटा हाथी. a young elephant. नाया० १; —गय. त्रि० (—गत) हाथी उपर अेउं. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant. भग० १५, १; ओव० —चर्म, न० (—चर्मन्) हाथीनुं अर्भ-आभङ्ग. हाथी का चर्म-चमड़ा. skin of an elephant. नाया० ८; —चरण. न० (—चरण) हाथीना पञ्च. हाथी का पैर. the foot or leg of an elephant. सम० ११; —जोहि. त्रि० (—जोहिन्) हाथीसाथे युद्ध करनेवाला. हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant. राय० २९२; नाया० १; —तालुपसमाण. त्रि० (—तालुक समान) हाथीना तालुका समान. हाथी के तालु के समान. similar to, resembling the temple of an elephant. नाया० १६; —दंत. पुं० (—दन्त) हाथी दंत. हाथी दांत. tusks of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १२६; —पंक्ति. स्त्री० (—पंक्ति) हाथीओनी पंक्ति-दार. हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग० १६, ६; —भक्ष. न० (—भक्ष) हाथीनुं भाणुः भक्षिदा. हाथी की खुराक; मलीदा. food cooked for elephants. निषा० ६, ६; —लक्षण. न० (—लक्षण) हाथीना शुभाशुभ लक्षणों केवली कला. हाथी के शुभाशुभ लक्षण जानने की कला. art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया० १; —लोम. न० (—लोमन्) हाथीन

ईवाजं. हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग० ८, ६; —वर. पुं० (-वर) श्रेष्ठ हाथी. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant; a noble elephant. नाया० ६; १६; —विक्रम. पुं० (-विक्रम) हाथीनी यात्र. हाथी की चाल. the gait of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १५६; —विलंबिय. पुं० (-विलम्बित) हाथीनी विशेष गतिवाण नाटक; नाटकनी ऐक प्रकार. हाथी की विशेष गति वाला नाटक; नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राय० ६३; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) हाथीने आकारे संस्थित. हाथी के आकार का. of the shape of an elephant; a kind of drama. भग० ८, २; —ससण. न० (-समन) हाथीनुं युक्त. हाथी की मूँह. the trunk of an elephant. ओव० १०; —साला. स्त्री० (-शाला) हाथी आना. हाथी शाला. the place where elephants are kept. निर्मा० ८, १०;

गजेंद्र. पुं० (गजेंद्र) हाथीनी मन्दसमानः अरायत हाथी. हाथीयोमे इन्द्रः ऐरावत हाथी. An Indra among elephants; the Airāvata elephant. मंत्र्या० १६; —भाव. पुं० (-भाव) गजेंद्रनी भाव-स्वरूप. गजेंद्र का भाव-स्वरूप. State of being an Indra among elephants. नाया० १;

गजकर्ण. पुं० (गजकर्ण) गजकर्ण नामनी छट्ठा अन्तर द्वीपमां रहनेतर मनुष्य. गजकर्ण नामक छठे अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. Name of a person living in the sixth Antara Dvīpa. जीवा० ३, ३;

पञ्च० १. (२) ७५५ अन्तर द्वीपमांनुं ऐक. छप्पन अन्तर द्वीप में का एक. one of the fiftysix Antara Dvīpas. जीवा० ३, ३; पञ्च० १; ठा० ४, २; —दीव. पुं० (-द्वीप) लवण समुद्रमां आरसेो योजनपर चूलहिमवन्तनी गङ्गाउपर आवेसी गजकर्ण नामनी अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में चारसौ योजन पर चूलहिमवन्त के उपर आया हुआ गजकर्ण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavana Samudra at a distance of 400 Yojanas. ठा० ४, २;

गजकन्न. पुं० (गजकर्ण) ऐ नामनी ऐक अनार्य देश. इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५६९; (२) गजकर्ण नामनी ऐक अन्तर द्वीप. गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप. name of an Antara Dvīpa. प्रव० १४३५;

गजस्य. न० (गगन) आकाश. आकाश. The sky. उक्त० २६, १६; भग० ६, ३३; म० च० १, २२; जं० प० —हिय. त्रि० (-स्थित) गगनमां रहनेतर गगन में रहा हुआ. remaining in the sky. प्रव० ४५२;

गजपुर. न० (गजपुर) कुरुदेशमांनुं ऐक प्रसिद्ध नगर; हस्तिनापुर. कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध (हस्तिनापुर) नगर. A famous city in Kurudeśa; viz. Hastinapura. पञ्च० १;

गजमुह. पुं० (गजमुख) गजमुख नामनी अनार्य देश. गजमुख नामक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १५६६;

गजवीहि. स्त्री० (गजवीधि) रेतिली आदि वायु नक्षत्रमां शुद्ध गति करे ते गजवीधि.

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति हो वह गजवीथि. The movement of Venus in the three constellations viz. Rohini etc. ठा० ३, १; **गयसुकुमाल** पुं० (गजसुकुमाल) डोई ओके शाहुकारने पुत्र के जेले वैराग्य भावे दीक्षा लीधी ते ओके प्रतिमाधारी थछ डोई-सग्गा करी उल्ला हता-ओके जेले मार्ग पूछये जवाय न भवतां तेले कोपायमान थछ जमीन उपर पछाडी दरेक अंगे भीजा मारी जमीन साथे जडी दीये तो पथ ते मुनिओे समभाव राखी भरथु आराधुं. कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमाधारी बन, काउसग्य कर खड़े थे-एक व्याक्ति ने रास्ता पूछा-उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक कर प्रत्येक अंग में खीले ठोक कर जमीन के साथ उसे मिला दिया, तदपि उस मुनिने सम भाव रख कर मृत्युकी आराधना की. Name of a merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world. He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road. Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died. संख्या० ३६; (२) कृष्ण महाराजने न्होते लार्ड के जे नानी उभरमां नेमनाथप्रभु यासे दीक्षा थछ तेज रात्रे सोमव आभुथु

तरुथी अपाओल अभिने परिषद समभाव से सहन करी तत्काल मोक्ष गया. कृष्ण महा-राज के लघु बन्धु कि जो छोटी उममें नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिये हुए अभि के परिषद की समभाव से सहन कर तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Kṛṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nema-nātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmana became Siddha immediately on the same night. अंत० ३, ८;

गया. स्त्री० (गदा) डोभोदकी नामे गदा; विष्णुनुं ओके आयुध. कौमोदकी नामक गदा; विष्णु का एक आयुध. A mace of Viṣṇu, named Kaumodaki. जीवा० ३, २; उत्त० ११, २१; १६, ६२; सम० प० २३७; ओव०

गर. पुं० (गर-गरत्याहारं स्तम्भयति कामेशं वा) जेर; वि० वि०. Poison. आच० नि० ४८७; पण० १, १;

✓ **गरह.** धा० I. (गर्ह) निन्दा करवी; निन्दुं. निन्दा करना. To censure.

गरहइ. सूय० २, २, १७; २०; भग० १, ३;

गरहए. पि० नि० ४१६;

गरहामो. सूय० १, ६, १२;

गरहंति. अंत० ६, ३;

गरहेजा. वि० वेय० ४, २५;

गरहइ. आ० भग० १, ६; ५, ४; १२, १;

गरहंत. सूय० १, १, २, ३२;

गरहखया. स्त्री० (गर्हया) गुहनी साक्षिये पोताना अनियार-दोषोनी निन्दा करवी-पश्चात्ताप करवे ते गुह के सम्मुख अपने अतिवार-दोषों की निन्दा करना-पश्चात्ताप

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor; repentance for one's own faults. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

गरहणा. स्त्री० (गर्हणा) निन्दा. निन्दा. Censure राय० २४४; आत्र० ४०;

गरहणिज्ज. पुं० (गर्हणीय) निन्दनीय; निन्द्या लायक निन्दनीय; निन्दापात्र Censurable; blameworthy. भग० ६, ३३; पण० १, २;

गरहा स्त्री० (गर्हा) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० १, ६; उत्त० १, ४२;

गरहिअ. त्रि० (गर्ह) निन्दाने पात्र; निन्दनीय. निन्दापात्र; निन्दनीय. Censurable. आया० २, १, २, ११;

गरहिज्जमाण. त्रि० (गर्हमान) लोकसमक्ष निन्दाने योग्य. लोगों के समक्ष निन्दा पात्र. Deserving public censure. नाया० १६;

गरहित. त्रि० (गर्हित) निन्दित. निन्दित. Censured. पञ्चा० ६, ७;

गरहिय अ. त्रि० (गर्हित) निन्दित; गर्हा करेवा. निन्दित. Censured. दस० ६, १३; पि० नि० ५३२; सूय० १, १३, ३६; पञ्चा० २, ४३;

गराई न० (गराई) दरेक मासमा शुद्ध पक्षमा सातम अने तेन्सने दिवसे तथा त्रीज अने दसमनी राते तेमज्ज द्रव्य पक्षमा छः अने तेन्सने दिवसे तथा त्रीज अने तेमनी राते आवतुं सात चरकरणमांतुं पायमुं करणुं ११ करणमांतुं पायमुं करणुं. प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतीया व दसमी की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में षष्ठी व प्रयोदशी के दिन व द्वितीया व नवमी के रात्रि को आनेवाला सात चरकरण

में का पांचवा करण; ११ करणमें से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karanas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month; also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month. The 5th of the 11 Karanas जं० प० ३, १५३;

गरिह. पि० (गरिष्ठ) मौर्यी भोटुं सब में बडा. Eldest. सु० च० १, १२६;

✓ गरिह. धा० १. (गर्ह) निन्दित. निन्दा करना. To censure गरिहति. दस० १, २, ४०; नाया० ८; नाया० ४०

गरिहामि. भग० ८, ६; दस० ४;

गरिहत्ता. सं० कृ० टा० ३, १. भग० १, ६; आया० २, १५, १७८;

गरिहित्तण. हे० कृ० टा० २, १;

गरिहणा. स्त्री० (गर्हणा) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० ४०;

गरिहाणिज्ज. त्रि० (गर्हणीय) गुरु सन्मुख निन्द्या योग्य. गुरु के सन्मुख निन्दा करने योग्य. Censurable in the very presence of a preceptor. नाया० ३;

गरिहा स्त्री० (गर्हा) गुरुनी-साक्षीअे निन्दा अर्थात् पेटे करेवा पापनी गुरुनी साक्षीअे निन्दा करी ते. गुरु के सन्मुख निन्दा; अर्थात् स्वतः ने किये हुए पापकों की गुरु के सन्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor विशेष ३५०२;

ठा० २, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गुरुभ-य. त्रि० (गुरुक) भारे; वजनदार. भारी; वजनदार; वजनी. Heavy. दसा० ६, १; आया० १, ५, ६, १७०; भग० २, १; ५, ६; —दंड. पुं० (-दण्ड) भारे दण्ड. भारी दंड. a heavy stick. दसा० ६, ४;

गरुह. स्त्री० (गुर्वी) भारी; भारे. बड़ी; भारी. Big; heavy. भग० ६, ३३; पंचा० ६, २६;

गरुड. पुं० (गरुड) शान्तिनाथजी या यक्षजुं नाम. शान्तिनाथजी के यज्ञ का नाम. Name of a Yakṣa of Śāntinātha. प्रव० ३७६;

गरुडासन. न० (गरुडासन) गरुडना आकार जेवुं आसन. गरुडाकार आसन. A bodily posture resembling an eagle in shape. भग० ११, ११;

गरुडत्व. न० (गुरुत्व) भारेपण. भारीपन. गुरुत्व. Heaviness; weightiness. सु० व० २, ६४२;

गरुडोववाभ्र. पुं० (गरुडोपपात) ७२ सूत्रभांजुं ओ३. ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras. वव० १; २८; नंदी० ४३;

गरुल. पुं० (गरुड) गरुड पक्षी. गरुड पक्षी. An eagle. जीवा० ३, ३; आ० १०; सू० १, ६, २१; नाया० ८; (२) वायुव्यन्तर देवतानी ओ३ जी०. वायुव्यन्तर देवता की एक जाति. a species of Vān-vyantara deities. सम० ८; ३४; नाया० ८; भग० २, ५; (३) सुवर्णकुमार देवतानुं यिन्द; तेना भुगटमां रहैव गरुडाकार निशानी. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह; उसके मुकुट में का गरुडाकार निशान. the emblem, badge viz. an eagle in the crown of Suvarṇakumāra god. ओ३ २३; पण्ड० १, ४; —ओसण. न०

(-आसन) जुओ " गरुडासन " शब्द. देखो " गरुडासन " शब्द. vide " गरुडासन " जीवा० ३; राय० १३६; —केउ. पुं० (-केतु) गरुडना यिन्दवाली जेनी ध्वज छे ते; वासुदेव. गरुड के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वजा है वह; वासुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle. सम० २३६; —वूह पुं० (-व्यूह) गरुडने आकारे व्यूह —अशकरनी रचना करवानी कला. गरुड के आकार में व्यूह (लश्कर) की रचना करने की कला. a battle order in the shape of an eagle ओ३ ४०; निर० १, १; नाया० १;

✓ गल. धा० I. (गल) जमवुं; भावुं; जिमना. भोजन करना. To eat; to take meals. (२) गलवुं; जालवुं. जानना. to filter.

गलांत. सू० १, ५, १, २३;

गलंत. व० कृ० पि० नि० ५८०; ५८३; ६४५; नाया० ८;

गालेह. प्रे० निसा० ६, ८;

गालावेह. प्रे० नाया० १२;

गालंति. प्रे० पि० नि० ३६८;

गालवेता. सं० कृ० नाया० १२;

गालिय. प्रे० सं० कृ० क० प० २, ६६;

गलावेमाण. प्रे० व० कृ० नाया० १२;

गल. पुं० (गल) गलुं; ३५३; गरुडन कण्ठ. गला; गर्दन. Throat; neck. ओ३ ३०; ३१; आया० १, १, २, २६; सय० १, ५, १, १०; जं० प० पि० नि० ३१४; ६२३; (२) भाजवानुं गलुं यिन्दतार जालनी अन्दर-तो कटि. मच्छा के गले में छेद करने वाला जाल के अन्दर का कटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उत्त० १६, ६५; नाया० १७;

—गहह. त्रि० (-ग्रह) गजुं पडडी डाढी भूडनार; गर्दन पकडकर निवाल देने वाला. (one) who takes out seizing by the neck. कप्प० ३, ३६;
—कड्डल्ल. पुं० (*) गजुं पडडी पाछु दडीपजुं. गर्दन पकड कर पीछे हटाना. giving a push seizing by the neck. परह० १, ३;

गलकंचल. पुं० (गलकम्बल) गणाने धायले; गयेने गये रण्णा जेनुं लटकतुं होय छे ते. गले का कम्बल; गायों के गले में पंखा सा लटकता है वह. Lit. a throat blanket; a dowlap. सु० च० १३, १०;

गलग. पुं० (गलक) गजुं; डरई. कण्ठः गला. Throat; neck. परह० १, १;

गलय. पुं० (गलक) जुआ " गलग " देखो "गलग" शब्द. Vide. "गलग" नाया० १८;

गलि. त्रि० (गलि) गणीये; निवत भोट. आलसी; आडयल; कुटित. A lazy, vicious (ox, horse etc.) उत्त० १, १२; ३७; सु० च० १२, १८; —गहह. पुं० (-गर्भ) गणीये गर्भेडा; निवत भोट गर्भेडा. आडयल गधा. a lazy, vicious donkey. (२) अविनीत शिष्य. अविनीत शिष्य. a bad disciple. उत्त० १६; २७;

गलिख. त्रि० (गलमख) गत्रा सम्बन्धि; गणानुं. गले-कंठके सम्बन्ध में. Pertaining to the throat पि० नि० ४२४;

गलिय. त्रि० (गलित) गणी गयेत; पिगडी गयेत गलित; निगला हुआ. Dissolved; worn out. नाया० ६; कप्प० ४, ६२; (२) परसजुं. बरसता हुआ raining; showering; falling as

rain. कप्प० ३, ३३; —लंबण. त्रि० (-लम्बन) गणी गयेत छे आलम्बन (आधार) जेनुं जेनुं; निराधार. जिस का आलम्बन (आधार) गलित हो गया है ऐसा; निराधार. (that) of which the support has been worn out; supportless. नाया० ६;

गलोई. स्त्री० (गहूची) गुडवेत नामनी वनस्पति. गुडवेत नामक वनस्पति. A kind of vegetation. प्रव० २३६;

गवकख. पुं० (गवाक) जाण; उड्यो. खिडकी. A window. विशेष० ६२; जं० प० १, ४; सु० च० ३, २२८; जीवा० ३, ३; ४; पंवा० १३, ११;

गवच्छिय त्रि० (*) आच्छादित; दंडित. आच्छादित; ढंका हुआ. Covered. " कि एह सुत्त सिद्ध गवच्छिया " जीवा० ३, ४; राय० १२०;

गवत्त. न० (गवात्त) गायने भाराड; घास. घांस; गौआं का खुराक. Grass. पि० नि० २२६;

गवय. पुं० (गवय) रोऊ; गायज्यो जेऊ ज्योपया पशु. रोऊ; गाय जेमा पशु. A species of ox. परह० १, १; जं० १० अणुजो० १४७; पत्त० १;

गवल. न० (गवल) भेस के पाडानुं सिंगडुं. भेस या पाडे का सिंग. A horn of a buffalo. उत्त० ३८, ४; ओव० २२; पत्त० २; १७; जं० प० ३, ४५; राय० १०; सु० च० २, १३६; जीवा० ३, ४; अंत० ३, ८; नाया० ६; उवा० २, ६५; —गुलिया. स्त्री० (-गुलिका) भेस के पाडाना सिंगडनी डहणु गांठ. भेस या पाडे के सिंग की

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

काठिन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn. नाया० १; ५; ८; ६;
(२) नील युत्रिका विशेष. नील. indigo.
नाया० ५; राय०

गवा. स्त्री० (गो) गाय. गौ; गाय. A cow.

उत्त० ६, ५; ६ ४०; दसा० ६, १२; दस०
७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०,
२७७; (२) भृग आदि पशु. भृग आदि
पशु. a deer and such other
animals. सूय० १, २, ३, ५; — अलीय.
न० (-अलीक) गाय आश्री भुक्तुं भोजयुं
ते. गौ के विषय में असत्य बोलना. telling
a lie about a cow. पण्ड० १, २;

गवाणी. स्त्री० (गवदनी) गायोने आवाणी
तथा रहनेवाली जगह; गवाणु. गौओं को
खाने की व रहने की जगह. A cow-pen.
आया० २, १०, १६६;

गविट्ट. त्रि० (गवेवित) अपेक्षया गवेयया
दोष रहित शेषेषु. भोजेषु एषणा-गवेयणा
दोष रहित हंडा-खोजा हुआ. Searched
after without committing the
fault of Eṣanā-gavesanā;
searched after. पि० नि० ५१३; सु०
च० ४, ३२;

गविट्ट. त्रि० (गर्विट्ट) अभिमान्ती. अभिमानी.
Proud; vain. भक्त० १४४;

गवेसग. पुं० (गो+एखक) ग. ३२; भेंदा. भेंद.
A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग०
३, १; २, ५; ७, ६; राय० २८६; अणुजो०
१२८; ओव० पण्ड० १, ४;

गवेसय. पुं० (गो+एखक) ग. ३२; भेंदा.
बकरा. A he-goat पण्ड० १, २; दसा०
६, ४; जं० ५०

✓ गवेस. धा० II. (गवेष्) शोधयुं; गवे-
यया कर्त्तृ. हंडना; गवेयणा करना. To
search.

गवेसह. निसी० १०, ४२;

गवेसेजा. वि० पण्ड० २, २;

गवेसप. दस० ५, १, १; वव० ८, २;

गवेसमाण. व० कृ० पि० नि० २०७;
नाया० २; ४;

गवेसअ पुं० (गवेष्क) अ-वेयया-शोध कर्त्त-
नार. अन्वेषणा-खोज करने वाला. One
who searches after. उत्त० १, ४०;
२६, ९; ओव०

गवेसण. न० (गवेष्ण-गवेष्णतेऽनेन) व्यति-
रेक धर्मनुं आलोचयत, जेम पाष्णीनी शोध
कर्त्तृ होय तयारे पाष्णीना असद्व्यारी
धर्मोनुं आलोचयत कर्त्तुं क जाडी नथी सुडा
हवा छे. नदी के तत्राय नथी भाटे आंझी
पाष्णी न होयुं जेष्ठये. व्यतिरेक धर्म का
आलोचन जिस प्रकार जल का पता लगाना
हो, तब जल के असद्व्यारी धर्मों की आलो-
चना करना कि झांडा नहीं है, सूखा हवा है,
नदी या गलाव नहीं है इस लिये यहांपर जल
न होना चाहिये. Search; observing
qualities or things which can-
not co-exist with the object of
search, e. g. deciding the
absence of water from the
absence of trees etc. ओव० ३९;
भग० ६; ३१; जं० ५० ३, ७०; (२)
शोध; तपास. खोज; जांच. inquiry;
search. नाया० १; भग० १५, १;

गवेसणता. स्त्री० (गवेष्णता) आगवाययुं.
गवेष्णता. State of being in
search after. भग० १२, ६;

गवेसणया. स्त्री० (गवेष्ण) शोध; तपास.
तलाश; खोज जांच. Wandering in
search; searching after. ओव०
२०; नंदी० ३१;

गवेसखा. स्त्री० (गवेष्खा) भुञ्जे "गवेसख"

शब्द. देखो " गवेषित्य " शब्द. Vide
" गवेषित्य " विशेष ३३५; जं० प० पि०
नि० ७३; ओष० नि० ६३; उत्त० २४,
११; नाया० १; २; पंचा० १३, २५;

गवेषित्यग. त्रि० (गवेषितक) शे.धी-तपासी
आण्डु. खोज किया हुआ. Search-
ed out; searched after. निती०
२, २७; ३१;

गव्य. पुं० (गर्व) गर्व-मान; अहंकार. अहं-
कार; गर्व. Pride; conceit; a kind
of moral impurity. सम० ५२;
भग० १२, ५;

गवित्य त्रि० (गर्वित) अभिमान्नी. गर्विष्ठ;
अभिमान युक्त. Proud; conceited.
नाया० १७; कण्ठ० ३, ४२; जं० प० ७
१६६;

✓ **गस.** धा० लृट् । घातु, गप्ता घातु.
घातना प्राण लेना आ घातुना
प्राण थाप डे गलित होना. किसी के
प्राण लेना इस मतलब के क्रियापद मे इस
धातु का उपयोग किया जाता है To eat;
to swallow; (used often in the
sense of taking another's life).
गसद्. सु० च० १, ३५५;

गसिज्जप्. क० वा० सु० च० २, ५४३;

गसित्य. त्रि० (ग्रसित) गसाह गप्ता घातु.
ग्रसित; निगला हुआ. Swallowed.
नाया० ४;

गह. न० (गृह) घर; निवास स्थान. घर;
निवास स्थान. A house. कण्ठ० ४, ६६;

गह. पुं० (ग्रह) ८८ अष्ट-ज्योतिषी देवता की
त्रीणि ज्ञानि. ८८ ग्रह ज्योतिषी देवता की
तृतीय जाति. 88 constellations; the
3rd kind of deities known as
Jyotiṣi deities. ओष० २६; ३१; उत्त०
२६, १७; ३६, २०४, नाया० १; ५; भग०

६, ५; १८, ७; पञ्च० १०; सू० प० १०;
नंदा० १०; दसा० ६, १; जीवा० १; सु० च०
८, ५८; विश० १८७८; प्रव० ११४७;
(२) गायनना आरंभना आलाप. गाने के
आरंभ का आलाप. the commencing
note of singing. जं० प० ७, १६५;
७, १७० जीवा० ३; ४; (३) लेना; पकड़ना.
लेना; पकड़ना. taking; catching.
क० गं० १, ३१; प्रव० ६१३; — **अवसव्व.**
न० (—अवसव्य) अर्धेनी बांकी गति. ग्रहों
की वक्रगति. oblique, crooked
motion of planets. भग० ३, ७; ११,
१; — **गज्जिय.** न० (—गजित) अर्धेनी
चलायमान थाथी गर्जना थाप ते. ग्रह
चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह.
thundering of clouds due to
the motions of planets. भग० ३, ७;
— **गस.** पुं० (—गस) अष्ट समूह. ग्रह
समूह. a group of constellations.
जं० प० ७, १४०; भग० ३, ७; कण्ठ० ३,
३६; — **जुद्ध.** न० (—युद्ध) मे अर्धेनी अर्धेनी
नक्षत्रों दक्षिण उत्तरे समश्रेणि में रहेवुं.
वे ग्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर मे
समश्रेणि में रहना. co-existence of
2 planets in one constellation.
भग० ३, ७; — **दंड.** पुं० (—दण्ड दण्डा-
हव दण्डास्तिर्यगायनाः श्रेण्यःग्रहाणां मंग-
लादीनां दण्डः) अर्धेनी दंडना भेदे त्रीणि
श्रेणी. ग्रहों की दंड के समान (देका) वक्र
श्रेणी. planets ranged in oblique
lines. भग० ३, ७; — **भिज्ज.** न० (—भिज्ज) नक्षत्र
नक्षत्रों वर्ये थाथ अष्ट प्रसार थाप ते नक्षत्र-
केन्द्रों में दीक्षा आदि कार्य करवाथी जानि थाप
भाटे पण्यवा डहेवुं. जो नक्षत्र के मध्य में से
होकर ग्रह प्रसार हो वह नक्षत्र-कि जिसमें
दीक्षा आदि कार्य करने में हानि हो इस लिये

रयाग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Dikṣā is forbidden.

गणि. १६; —मुसल. न० (-मुसल)
भुशवने आकारे अडेनी उथी अ्रेथी. ग्रहों की
उत्पत्ति. planets forming them-
selves into the shape of a
pestle. भग० ३, ७; —वेध. पुं० (-वेध)
सूर्य चंद्रादि साथे अडेनी वेध. सूर्य चन्द्रादि
के साथ क ग्रह का वेध. a particular
division of time during which
a planet is in conjunction with
the sun, the moon etc. प्रव० १४२२;
—सिंघाडग. न० (-सिंघाटक ग्रहा. शृंगाटक
इव शृंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः)
शींगोशाना इवती पेडे अडेनुं रडेनुं ते. सिंघाडे
के फल के समान ग्रहों का रहना. a for-
mation of planets of the shape
a three-horned fruit, called
Śringhātaka. भग० ३, ७;

गहण. न० (गहन) अडी वातुं जंगल. झाडी
वाला जंगल. A dense forest. सूय० १,
३, ३, १; १, १२, १४; २, २, ८; नाया०
१८; दस० ८, ११; भग० १, ८; (२) जेते
पार पामा न शकाय तेनुं जिसका थाह
न मिल सके ऐसा. profound; im-
measurable. नंदी० ४; भक्त० २; (३)
निर्जल प्रदेश. निर्जल प्रदेश. a water-
less tract of country. आया० २,
३, ३, १२७; (४) अन्यने छेतरवा आटे
करेन वयन प्रपंच; माया कपट. अन्य को
ठगने के लिये किया हुआ वचन प्रपंच; माया
कपट. manipulation of words
with the aim of deceiving
others. भग० १२, ६; पण्ड० १, २; सम० ५२;

गहण. न० (ग्रहण) अडलु करवुं; स्वीकारवुं;
लेवुं. ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना.
Taking; acceptance. भग० २, १;
५; १०; १३, ४; नाया० ३; दस० ५, १,
६०; पण० ११; उत्त० २४, ११; पिं० निं०
भा० १४; पिं० निं० ६४; सु० च० १, ३१६;
सम० १; अणुजा० १४७; क० प० १, ४;
भक्त० ८०; पंचा० १, ३४; ५, ४; १०, ४०;
प्रव० ४७; (२) आकर्षण करेना; प्रेयना.
आकर्षण करने वाला; खींचने वाला. (one)
who attracts; an attraction.
उत्त० ३२, २२; (३) अडलु; अडलु करवा
येअ. ग्रहण; ग्रहण करने योग्य. worthy
of acceptance; acceptable. क० प०
१, २१; —आगरिस. पुं० (-आकर्ष —
एकस्मिन्नेव भवे ऐर्याधिक कर्मपुद्गलानां
ग्रहणरूपो य आकर्षः सः) ऐर्या अधिक
निमित्तकी कर्मोना पुद्गलानुं अडलु करेनुं
ते ऐर्या अधिक निमित्तसे कर्मों के पुद्गलों का
ग्रहण करना. attracting towards
oneself and imbibing of Karmic
atoms of Airyāpathika (faults
connected with walking) भग०
८, ८; —संघ. पुं० (-स्कन्ध) अने
अडलु करवा येअ पुद्गल स्कन्ध. जीव को
ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्कन्ध. a group
of molecules of matter worthy
of acceptance for a soul. क० प० १,
२१; —द्रव्य. न० (-द्रव्य) अने शरीरादि
रूपे अडलु करवा येअ द्रव्य. जीव को शरी-
रादि रूप से ग्रहण करने योग्य द्रव्य. mat-
ter worth accepting for a soul
in the form of physical body.
क० प० १, २१; —धारणजोग्ग. न० (-धा-
रणयोग्य) अडलु करवाने तथा धारण करवाने
येअ ग्रहण करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting. क० प० ४, ४६;
—विदुग्ग. न० (-विदुग्ग) पर्वत की ओर
तरफ़ पर्वत का एक तरफ़ का वन
a forest on one side of a moun-
tain. भग० २, ८; सूय० २, २, ८;
—समय. पुं० (-समय) ग्रहण करने का समय. time of
acceptance or taking. भग० १,
१; क० प० १, २६;

गहणय. न० (ग्रहणक) आभूषण; धरेलुं.
आभूषण; गहना. An ornament. सु०
च० ७, १०६;

गहणया. स्त्री० (ग्रहण) ग्रहण करने;
धारण. ग्रहण करना. Putting on; ac-
ceptance. ओव० २७; भग० २, ५;
६, ३३;

गहणी. स्त्री० (ग्रहणी) आसने रोग; अनि-
सार रोग; संग्रहणी. अतिसार रोग;
संग्रहणी. Dysentery. ओष० नि० भा०
३२३; (२) गुदाशय; गुल्मस्थान. गुदाशय;
गुल्मस्थान. rectum. ओव० १०; जीवा० ३, ३;
परह० १, ४; जं० प०

गहहर. पुं० (गृध्र) गीध पक्षी. गीध पक्षी.
A vulture. पञ० १;

गहवह. पुं० (गृहपति) गृहपति; गृहस्थ.
गृहपति; गृहस्थ. A house holder; a
merchant. भग० १६, १; —उगाह.
पुं० (अवग्रह) गृहपति की आज्ञा. गृहपति
का आज्ञा. the command of a
Grihapati. भग० १६, १;

गहवहणी. स्त्री० (गृहपत्नी) गृहस्वामिनी;
(गृहस्वामिनी) गृहस्वामिनी The
housewife. सु० च० १०, ७;

गहिर-य. त्रि० (गृहीत) ग्रहण; ग्रहण
करेलुं. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ.
Taken; accepted. आव० २१: ३६;

विरो० ६१५: पि० नि० १८२; १८६;
आया० १, ४, २, १३१; उत्त० ४, ३; ३२,
७६; भग० १, १; २, १०; ७, ६; ६, ३३;
११, ११; ११, ४; १२, १; नाया० १; २;
८; १६; १८; दस० ५, १, ६; सु० च० २,
२५१; भक्त० ७६; कप्प० ४, ५२; पंथा० ७,
२०; १५, १०; ३१; प्रव० ७६०: ८, १८;
उवा० ७, १८१; —आउह. त्रि० (-आयुध)
ग्रहण करने के आयुध लेने के लिए. ग्रहण
किये हैं आयुध जिसने ऐसा. (one) who
has taken up arms; armed. विवा०
२; —आगमणपवित्ति. त्रि० (आगमन
प्रवृत्ति) ग्रहण करने के भगवान पधारया-
नी पाने के लिए. जिसने भगवान के
पधारने की वार्ता ग्रहण की हो ऐसा (one)
who has heard or known
the intelligence about the com-
ing of the lord नाया० १; —आयार-
भंडानेवत्थ. त्रि० (आचारभंडकनेपत्थ)
स्वीकार करने के आचारभंडकने पत्थ-वेप
लेने के लिए. जिसने आचार भंडक और पत्थ-वेप
का स्वीकार किया है ऐसा. (one) who
has assumed the garb of Āchā-
rabhāṇḍaka दसा० ६, २; —ह. त्रि०
(-अर्थ गृहीता मोक्षरूपोऽर्था मार्गो येन सः)
लेने के लिए मोक्षमार्ग स्वीकार करने के लिए. जिसने मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा.
(one) who has accepted the
path of salvation. सूय० २, ७, ३;
(२) लेने शास्त्र के अर्थ जान लिये हैं वह.
जिसने शास्त्र के अर्थ को जान लिया है वह.
one who has understood the
meaning of a scripture. भग० २, ५;
गहिर. त्रि० (गंभीर) गंभीर; अगह. गहिरा;
अगह. Deep; unfathomable. सु०
च० ३, १५;

✓ गा. धा० I. (गै) गातुं. गाना. To sing.

गायंति. जं० प० ५, १२१;

गाण्ड. वि० निपा० १७, ३२;

गायंत. व० कृ० ओव० ३१; आया० २, ११,

१००; सु० च० २, १४४; जं० प०

३, ६७; ६४३, निसी० १२, ३४;

गायमाख. व० कृ० भग० १५, १;

✓ गा. धा० I. (गे) गातुं. गाना. To sing.

गिज्जह. क० वा० राय० २७६;

गिज्जंत. क० वा० सु० च० १, २७८; २,

३३१;

गाहर. पुं० (* गायक-गायतीति) गानार;

गवैया. गानेवाला; गवैया. A singer.

सु० च० २, ३२१;

गाड. पुं० (गव्यूति) भे मा० ७३; गाडि. दो

मांख; एक कोस. Two miles. विशेष

३४३;

गाड. पुं० (गो) गाय; अथवा. गौ; बैल. An

ox; a cow. आया० २, ४, १, २३; पञ्च०

११; अणुजो० १२६; — जूहियडाण. न०

(—पृथक्स्थान) गाथेना टोणाने रहेवानी

जग्या. गौओं के झुंड को रहने का स्थान.

a cow-pen; a cow-fold. निसी०

१२, ३१;

गाडय. न० (गव्यूत) भे द्वापर धनुष्य परि-

मित क्षेत्र-जमीन; गाडे. दो सहस्र धनुष्य

परिमित क्षेत्र-जमीन; कोस. Two miles;

land measuring two thousand

bows. जं० प० नंदी० १२; ठा० २, ३;

अणुजो० १३४; भग० ६, ७; २४, १; १२;

२२; २३; ३८, १; सु० च० १४, १८; विशेष

६०६; ओष० नि० भा० ६३; पञ्च० २; ३३;

ओष० नि० १२; प्रव० १११८; जं० प० ७,

१४६; २, २५; — पुइस्त. न० (—पृथक्त्व)

भे गाडिथी भांडी नव गाडि सुथी. दो कोस से

लेकर नव कोस पर्यंत. ranging from

4 miles to 18 miles. भग० ११, ३;

गागर. पुं० (गागर) एक जलजंतु माछजंतु.

एक तरह की मच्छी. A kind of fish

पञ्च० १;

गागरी. स्त्री० (गर्गरी) पानी भरवाली गागर.

जल भरने की गागरी. A water-pot.

अणुजो० १३२;

गाढ. त्रि० (गाढ) गाढ; दृढ; मजबूत गाढ;

मजबूत Firm; strong. उत्त० १०, ४; पि०

नि० २०५; ओष० नि० ३२४; नंदी० १२;

(२) न० सर्पादिभेदनी तीव्र वेदना; मरणांत

कष्ट. सर्पादि विष की ताव वेदना; मरणांत

कष्ट. excessive; e. g. pain of

serpe t-bite. बेय० ५, ३८; नाया० १६;

(३) अत्यंत; धणुं. अत्यंत; बहुत. much;

more; excessive. पंचा० ८, १०;

—मिलाण. त्रि० (—मिलान) गाडु दुःखी;

अत्यंत आड़ेपुं. बहुत दुःखी; अत्यंत. थका

हुआ. greatly afflicted; very,

very tired. पंचा० ८, १०; —प्रहारी

कय. त्रि० (—प्रहारीकृत) अत्यंत प्रहार

करेन; धणुं. भारेन. अत्यंत प्रहार किया

हुआ; बहुत मारा हुआ. severely

punished or flogged. भग० ७, ६;

—रोगाह्व. त्रि० (—रोगार्तिक) अत्यंत

रोगशी आर्त-दुःखी थयेन. अत्यंत रोग से

आर्त-दुःखी greatly afflicted; very

sickly. प्रव० १६६;

✓ गाढप्रहारीकर. धा० II. (गाढ-

प्रहार+कृ) अत्यंत मार मारना. अत्यंत

मार मारना. To beat severely.

गाढप्रहारीकरेह. भग० ७, ६;

गाढीकय. त्रि० (गाढीकृत-अगाढ गढं मव-

तीति) मजबूत करेपुं. दृढ किया हुआ.

Strengthened. भग० ६, १; १६, ४;

गाणंगणिक. त्रि० (गाणंगणिक) ७ भासनी

अंतर एक गच्छ छोड़ी जीन् गच्छमां हापद
थनार. छः मास के अंदर एक गच्छ छोडकर
दूसरे गच्छ में प्रवेश करने वाला (One)
who changes his religious
order and joins another within
six months. उत्त० १७, १७:

गात्र न० (गात्र) शरीरता अवयवो शरीर
के अवयव गात्र. A limb of the
body. राय. ३२; नाया० ५;

गाथा. स्त्री० (गाथा) आर्या वगेरे छंद श्लोक
श्लोक, आर्या आदि छंद. A verse etc.
सम० २३; भग० १६, ८;

गाम. पुं० (गाम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशानां शास्त्रे
प्रसिद्धानां करणाम्) गाम-ज्येष्ठां साधारण्य
वसति रहती होय अने व्यापारनं साधन न
होय ते. वह गांव कि जिसमें साधारण वस्ती
रहती हो व व्यापार का साधन न हो. A
village. ठा० २, ४; अणुजो० १२७; सूय०
२, २, १३; दसा० ६, १३; १४; दम० ४, १,
२; वेय० १, ६; पञ्च० १६; उत्त० ३०, १५;
ओव० १७; २१; ३२; नाया० १; १४; १६;
विशे० ३६५; पि० नि० १६२; आया० १, ५,
६, १६४; प्रव० ५६२; ७६३; (२) समूह.
समूह. a group; a collection. भग०
१, ६; राय० २६४; उत्त० ५, ८; ३१, १२;
सम० ३०; विशे० २८६६; ओव० (३)
संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्च्छनाता आश्रय रूप
पञ्चमति त्रयु गाम. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध
मूर्च्छना के आश्रय रूप बड्जादि तीन गाम. a
gamut; a scale of music with
all the notes. अणुजो० १२८; १३१;
—अंतर. न० (-अंतर) जे गाम वच्येनुं
अंतर-अंतर. दो गांवों का मध्यस्थ अंतर.
the distance between two vil-
lages or towns. निसी० १४, ४७; (२)
जीन् गाम. अन्य गांव. another vil-

Vol. II/78.

lage or town. दसा० १०, ५;—अंतिय.
त्रि० (-अन्तिक) गामनी पास रहनेवा. गांवके
पास रहने वाला. (one) who resides
near a village. सूय० २, २, २१; दसा०
१०, ७;—अणुगाम. अ० (-अनुग्राम) जे
गाम पछी जीन् जीन् पछी जीन् जे
अनुक्रमे नदानी भेटा दरेक ग.म. एक गांव
के बाद दूसरा, दूसरे पीछे तीसरा, इस प्रकार
क्रमशः छोटा बड़ा प्रत्येक गांव. every
village in order. ओव० २१; राय०
२३०; ना १० १; ५; १३; १६; कण० ६,
४७; (२) जेक गामथी जीन् गाम. एक
गांव से दूसरे गांव. from one village
to another निसी० ८, ११; भग० १, १;
१६, ५; १८, १०; वेय० ४, २५; उत्त० २,
१४; आया० २, १, १, ४; —कंटक. पुं०
(-कण्टक) गाम-ईंद्रिय समूहने कंटारूप;
ईंद्रियोने दुःख दायक. गांव-ईंद्रिय समूह को
कंटक समान; ईंद्रियों को दुःख दायक. one
like a thorn to the senses; one
intriguing; causing pain to
the senses. दस० १०, १, ११; नाया०
१; —कुमारिय. त्रि० (-कौमारिक)
गामजना छोकराओ संग्रह. गांवके के
लड़कों के विषय में. (anything e. g.
play) concerning village child
ren. सूय० १, ६, २६; —घाय. पुं० (-घात)
गाम लांगनुं ते गांव का दहन-नष्ट होना.
destruction of a village. विवा० ३;
(२) गाम लांगनार-छुटनार. गांव को
लूटने वाला. one who plunders a
village. नाया० १८; —दाह. पुं० (-दाह)
गामनो दाह; (अक्षीजनुं ते). गांव का दाह
जल उठना. the conflagration (be-
ing on fire) of a village. भग० ३, ७;
निसी० १२, २७;—दुवार. न० (-द्वार) दरवाजे.

गामनो जंभो; गामभां निकलवा पेसवानो दर-
वाजे. गांवका दरवाजा; गांवमें प्रवेश करनेका व
बाहर निकलने का द्वार. a village gate.
आघ० नि० १५; —धम्म. पुं० (-धर्म)
आम-इंद्रिय समूहना धर्म-१०६-रूप रस
गन्ध-अने स्पर्श ये पांच विषय. ग्राम-इंद्रिय
समूहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये
पांच विषय. a longing, desire, for
the five objects of senses viz.
sound, form, taste, smell and
touch. सूय० १, २, २, २५; टा० १०, १; प० १, ४;
आया० २, १, ३, १५; (२) गामजानो
आचार विचार. गांवडे का आचार विचार.
the practices and customs of
villages. टा० १०, १; —नगर.
न० (-नगर) गामपुं अने शहर.
ग्राम व नगर; गांव व शहर. a village
and a city. प्रव० ५, ६३; —पह. पुं०
(-पथ) गामनो रस्ते. ग्राम का मार्ग. a
village road. नि० १२, २६; —पहं-
सर. न० (-पथान्तर) ग्रामना भे मार्ग-
नुं आंतर. ग्राम के दो मार्गों का अन्तर.
the distance between the two
roads of a town. नि० १४, ४७;
मारी. स्त्री० (-मारी) गामनो क्षय करने
भरती. गांव का क्षय करने वाला. plague;
a kind of disease. भग० ३, ७;
—रक्षक. पुं० (-रक्ष—रक्षक) ग्रामनुं
रक्षक करनेवाले. ग्राम का रक्षण
करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी. one
who guards a town. आया० २,
१, २, ११; —रक्षिय पुं० (-रक्षिक)
देवता-गामेति. कोटवाल-नगर रक्षक कर्म-
चारी. a village constable. नि०
४, ६२; —रूप. न० (-रूप) गामना
जैसे आकार. गांव के समान आकार. the

proper form, outlines of a
village. भग० ३, ६; —रोग. पुं०
(-रोग) आभा गामभां शरी तीकनेले
रोग. सारे गांवमें फट निकला हुआ. उपद्रव-
रोग. a disease spreading over
the whole village. भग० ३, ७; जं०
५० —वह. पुं० (-वध) गामने मारवुं ते.
गांवको नष्ट करना. destruction of a
village. नि० १२, २५; —वाह. पुं०
(-वाह) ग्रामनुं पड़ेवुं-तथावुं. गामका बहजाना.
wiping off of a town or a vil-
lage. भग० ३, ७; —संस्थित. न० (-संस्थित)
गामने आकारे रहले. गांव के आकारसे रहा
हुआ. the shape, arrangement of
a village. भग० ८, २; —सय. न०
(-शत) सौ गाम. शत गाम; सौ ग्राम. a
hundred villages. विवा० १;
—सामि. पुं० (-स्वामिन्) गामनो धरणी;
गामनो नायक. गाम का धनी; गाम का
नायक. the owner of a village; a
village headman. आघ० नि० भा० ४४;
गामि. त्रि० (गामिन्) जनार; पहोयनार.
जाने वाला; पहुंचने वाला. (One) who
goes or reaches. आघ० १७; पंचा० ६, ७;
गामिल्ल. त्रि० (ग्राम्य) गामवासी; गामडीये.
ग्रामबासी; गंवार; Resident in a
village; rustic. नंदा० ४७;
गामेल्लय. त्रि० (ग्राम्य) गामजाने रडीश.
गांव का रहने वाला. A villager. भग०
१५, १; विशेष० १४११; विवा० १;
गाय. पुं० (गो) अलह. गौ; बैल. A
bullock. पञ्च० ११; —दाह. पुं०
(-दाह) जहां बिमार अलहोने गम
(दाह) देवाता देय ते स्थान. जहां बिमार
पशुओं को दाह दिये जाते हैं वह स्थान. a
veterinary hospital. " स्मार दाहं "

सिवा गाय दाहं सिवा तुम दाहं सिवा ”

निसी० ३, ७२;

गाय. न० (गात्र) शरीरना अवयवो. शरीर के अवयव. A limb of the body. ओव० आया० १, ६, १, २०; दस० ३, ५; ६, ६४; उत्त० २, ९; जीवा० ३, ३; पञ्च० १७; भग० १, १; १५, १; २५, ७; नाया० १; २; १६; वेय० २, ४०; दसा० ७, १२; उवा० ३, १२६; कप्प० ४, ६१; —**अभ्यंग. पु० (-अभ्यंग)** तेज वगैरे सुगन्धिपदार्थों शरीरे आपोडा ते. तेल इत्यादि सुगन्धित पदार्थोंका शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc. दस० ३, ६; —**अभ्यंगविभूषण. न० (-अभ्यंगविभूषण)** अभ्यंगन-मर्दन करी शरीर शय्यगारवुं ते; साधुना पर अनासीर्ण-मानुं ओ३. अभ्यंगन-मर्दन कर, शरीर को सुशोभित करना; साधु के पर अनासीर्ण में का एक. anointing the body with ointments etc; one of the 52 minor faults of an ascetic. दस० ३, ६; —**भय. पु० (-भेद)** शरीरको नाश करी छुटनार चार. शरीर का नाश कर के लूटन वाला चोर. a thief who destroys the body and commits robbery. भग० १, १; —**लट्टि. स्त्री० (-यष्टि)** शरीर रूपी डाढ़ी शरीर रूप लकड़ी. the body appearing like a stick. सम० ३४; भग० ६, ३३; नाया० १; गाय० १६४; जीवा० ३, ४;

गारस्थ. पु० (अगारस्थ) गृहस्थाश्रमी; घर आरी. गृहस्थाश्रमी; घरबारवाला. A house-holder. उत्त० ४, २०; सूय० २, १, ४३; २, ७, १४;

गारस्थिणी. स्त्री० (अगारस्था) गृहस्थनी स्त्री. गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house-

holder. निसी० ३, ४;

गारस्थिय-अ. पु० (अगारस्थित) गृहस्थ. गृहस्थ. A house-holder. आया० २, १, १, १४; निसी० १, १२; ३, ४; —**व-यण. न० (-वचन)** गृहस्थनुं वचन; गृहस्थी ओले तेवी रीते ओलवुं ते. गृहस्थ का वचन; गृहस्थी बोल ऐसा बोलना. the manner of speech of a householder. ठा० ६, १; वेय० ६, १;

गारव. न० (गौरव) अभिमानवत् आत्माने अशुभलायें लारे करेवे ते; शुभपणुं; मोटाछ. अभिमान से आत्माको अशुभ भाव से भारी करना; बड़पन; गुरुत्व. Pride; pride of greatness; heaviness. नाया० १६; सम० ३; उत्त० १६, ६२; ठा० ३, ४; ओघ० नि० ४००; ८०५; आउ० १६; प्रव० ११६; (२) गृद्धि; आसक्ति. आसक्ति. greed; excessive attachment. उत्त० २७, ६; (३) गर्व अभिमान तेना त्रय प्रकार—ऋद्धि तो गर्व; रस तो गर्व; अने पैताने भोगे सुशान्ति तो गर्व. गर्व-अभिमान उसके तीन प्रकार—ऋद्धि का गर्व; रस का गर्व; व स्वतः को जो सुख व शान्ति प्राप्त हुई है उसका गर्व. pride of three sorts e.g. of prosperity, of pleasures, and of calmness acquired by one. उत्त० ३१, ४; आव० ४, ७; —**कारण. न० (-कारण)** गर्वनुं करण. गर्व का कारण. the cause of pride. प्रव० १२१; —**पंकनिबुड. त्रि० (-पङ्कनिमग्न)** गर्वरूपी क्षयभां पुण्ड्र. गर्वरूपी कचिड़ में डूबा हुआ. (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव० १०२५;

गारविश्व-य. त्रि० (गर्विष्ठ) गर्विष्ठ; गर्व-वाणु. गर्विष्ठ; गर्वयुक्त. Proud; con-

coited. ओष० नि० ४१३; पण्ड० १, २;
गारहस्थिया. स्त्री० (गार्हस्थिका) गृहस्थनी
भाषा; भेटा, आप, मामा वगैरे. गृहस्थकी
भाषा; बेटा, बाप, मामा इत्यादि. The
language used by a house-hold-
er. प्रव० १३३२;

गारुडिअ. पुं० (गारुडिक) गारुडीविद्या—
(सर्प उतारवानी पक्ष्यानी विद्या) जल-
नार. गारुडीविद्या को जाननेवाला. A
snake-charmer. सु० च० ६, १३;

गालण. न० (गालन) आणनुं; आणुनुं.
छानना. Filtration. पण्ड० १, १; विवा०
१;

गालित. त्रि० (गालित) आणुनुं. छाना हुआ.
Filtered. जीवा० ३, ४;

गाली. स्त्री० (गाली) गाण देवी ते. गाली—
कटु वचन-अपशब्द कहना. Abusing.
प्रव० ४३६;

गाव. पुं० (गो) अलक्ष. बैल. An ox; a
bullock. अणुजो० १२८;

गावी. स्त्री० (गो) गाय. गाय. A cow.
आया० २, १, ४, २३; जं० प० —अजिण.
न० (-अजिन) गायनुं यमं. गौका चर्म.
the hide of a cow. प्रव० ६८३;

गास. पुं० (गास-ग्रस्यते इति) कृष्णियो;
उपद्र. निवाला; गास. A mouthful
of food. उत्त० २, ३०; पिं० नि० ७७;
विशे० २४०५; —एसणा. स्त्री० (-एषणा)
आहारनी अपेक्षा. आहार की एषणा.
seeking of food or alms. प्रव० २२;

गाह. पुं० (ग्राह) भक्षरमन्त्र; जलचर प्राणी विशेष. An
aquatic animal; an alligator. उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१; सूय० २, २,
६३; तंदु० विवा० १; दसा० ६, ४; जीवा०
१; नाया० ४; पिं० नि० ३३२; पञ्च० १; (२)

पक्षपुं. पकड़ना. holding; catching.
राय० ३५; (३) ग्रहण करी आलनार. ग्रहण
करके चलने वाला. one who walks
after having accepted. ओव० ३३;
✓गाह. धा० II. (गाह्) स्थापनुं. स्थापन
करना. To establish; to install.

गाहेइ. दसा० १०, १;

✓गाह. धा० I. (गह्) प्रवेश करवे; प्रेसनुं.
प्रवेश करना. To enter.

ग्राहइ. सूय० १, २, १, ४;

गाहग. त्रि० (ग्राहक) स्वीकारनार; लेनार.
स्वीकार करने वाला लेने वाला. (One)
who takes or accepts. पिं० नि०
भा० २७; ३०; विशे० १४५६; (२) गुरु;
विद्या आपनार. गुरु; विद्या देने वाला.
(one) who instructs like a
Guru. विशे० १४५६;

गाहग न० (गाथाग्र) गाथानुं परिमाण.
गाथाका परिमाण. The limit of
verses. क० गं० ६, ६३;

गाहा. स्त्री० (गाथा) प्राकृत भाषानुं पद्य;
श्लोक; आर्या आदि गाथा. प्राकृत भाषा का
पद्य; श्लोक आर्या आदि गाथा. A verse; a
Māgadhi etc. verse; the metre
known as Āryā etc. उत्त० १३,
१२; भग० १, १; २; २, १०; १०; ६, ४; २२;
३; ३१, १; नाया० १; ६; ८; अणुजो०
१३१, १४६; वेय० ३, २०; आव० ४, ७;
भक्त० १७२; प्रव० ६२६; जं० प० ७, १५६;
(२) सामान्य प्राकृत गाथा अनायवानी तथा
जलजवानी कृता. सामान्य प्राकृत भाषा बनाने
व जानने की कला. the art of compo-
sing or knowing ordinary Prā-
krita verses. ओव० ४०; (३) सूय गडांग-
[सूत्रना प्रथम श्रुतरकन्धना १६भा अध्ययन-
नुं नाम के जेभां गाथारूपे अभिज्ञ भाष्य

लिप्पु अने निग्रन्थ शब्देना लक्षणे दर्शायां छे. सूयगङ्गा सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वें अध्यायन का नाम की जिसमें गाथा रूपसे भ्रमण, माहण, भिक्षु व निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Śrūta Skandha of the first Śūyagadāṅga Sūtra. Here meanings of the words Śram-ṇa, Māhaṇa, Bhikkhu and Ni-grantha are given in verses. सूय० १, १६: ६; सम० १६; उत्त० ३१, १३; पगह० २, ५;

गाहावह. पुं० (* गाथापति-गृहपति) कुटुम्बे निवायनार नायक; कुलपति. कुटुम्ब को नि-मानेवाला; कुलपति. The head of the family. कण० ५, ११६; ६, २०; आया० २, ७, २, १६२; निर० ३, १; (२) डेहारने उपर; यक्षवर्तना १४ रत्नमानुं अक्ष. कोठार का ऊपरी भाग चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक. the part above the store; one of the 14 jewels of a Chakravartī. सम० १६; ठा० ७, १; (३) अे नामना अक्ष अन्य तीर्थी विद्वान्. इस नामका एक परिव्राजक सन्यासी. a wandering ascetic of this name. भग० ७, १०;

गाहावह. पुं० (गृहपति) घरधर्मी; गृहस्थ. A householder. आया० १, ७, २, २०२; २, १, ३, १५; सूय० २, २, ४६; २, ७, २; भग० २, १; ३, १; ५, ६; ७, १०; ८, ६; १०, ४; नाया० १; अंत० ३, १; वेय० १, ३१; राग० २६६; विवा० १; सु० च० ११, ७; प्रव० १२२८; —**करंडवह.** (-करण्डक) अक्ष-स्थने कण्डकीया के जेभां रत्न के सुवर्ण

होय. गृहस्थ की टोकरी कि जिसमें रत्न या सुवर्ण हो. a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) ठा० ४, ४; —**कुल.** न० (-कुल-गृहपति-गृहस्थस्तस्य कुलम्) गाथापतिनुं कुल. गाथापति का कुल. the family of a patriarch. वव० ८, २; निर० ३, १; ६, ७; दसा० ६, २; —**रयण.** न० (-रत्न) यक्षवर्तना १४ रत्नमानुं अक्ष चक्रवर्ती के १४ रत्नों में से एक. one of the 14 gems of a Chakravartī, named Gāthapati. पत्र० २०;

गाहावहणी. स्त्री० (गृहपत्नी) घर धर्माणी गृह स्वामिनी. A housewife. अंत० ३, ८; आया० २, १, ३, १५; भग० १५, १; नाया० ५;

गाहावह-ती. स्त्री० (ग्राहवती) नीलवन्त पर्वतथी नीलग्री दक्षिण तरङ्ग यात्रती २८ लक्ष्मि नदीज्झाना परिवारे शीता नदीमां भगती सुकच्छ अने महाकच्छविजयने जुही पावती अक्ष महानदी. नीलवन्त पर्वत से निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहती हुई २८ सहस्र नदियों के परिवार सहित शीता नदी में मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करती हुई एक महानदी. Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachchha Vijaya and flowing into the river Shīta, with 28 thousand tributary rivers. It starts from Nilavanta mountain and flows towards the south. ठा० २, ३; जे० प० ३, ६०; —**कुंड.** पुं० (-कुण्ड) सुकच्छ विजयनी पूरे महाकच्छ विजयनी पश्चिमे नीलवन्त

५४१ तने दक्षिण ओंठे ग्राहवती नदीनी दरेडे
नेमां पडे छे ते कुण्ड. सुकच्छ विजय की
पूर्व में व महाकच्छ विजय की पार्श्व में
नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती
नदी की धारा जिसमें गिरती है वह कुण्ड.
name of a lake receiving the
torrent of the waters of Grā-
havati river. It is to the south
of Nilavanta mountain, to the
west of Mahākachchha Vijaya
and to the east of Sukachchha
Vijaya. जं० प० —दीव. पुं० (-द्वीप)
ग्राहवती कुण्ड पर्य्येते द्वीप. ग्राहवती
कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप. an island in
the lake into which the river
Grāhavati pours down her
torrent. जं० प०

गाहिय-अ. त्रि० (ग्राहित) शीष्मावेत्त;
अदलु करावेत्त. माखाया हुआ; ग्रहण कराया
हुआ. Taught; caused to accept
or take. दसा० ६, २०; सूय० १, २,
१, २०; सम० ३०; नदी० २७;

✓ गिज्झ. धा० I. (गृष्) गद थयुः
मुंजाध नयुः. लालचा होना; आसक्त होना
To be greedy; to be confound-
ed.

गिज्झह. नाया० १७; सु० च० ८, २५०;
निर्मा० १२, ३५;

गिज्झेजा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिज्झा. वि० आया० १, २, ३, ७७;

गिज्झह. आ० नाया० ८;

गिज्झहिति. अ० ओव० ४०;

गिज्झ. सं० कृ० उत्त० २६, ३५;

गिज्झ. त्रि० (ग्राह्य) अदलु करायेय.
ग्रहण करने योग्य. Worthy of accept-
ance; worthy of being taken.

विशे० २४०; २७०; उत्त० १३, १६;

—वअ. त्रि० (-वचस) नेतुं पयन अदलु
करवा योग्य छे ते. जिसके वचन ग्रहण करने
योग्य हो वह. (one) whose words
are worth accepting. क० गं० १,
५१;

गिज्झयच्च त्रि० (गृह्य) लास्यु थवा
लायक. लोभी होनेके लायक. Worthy
of being greedy for परह० २, ५;
—गिड्डियाहरमण. न० (-गिड्डिकादिरमण)
गैडीया गेरेनी रमत. गेंद व दगडुके का
खेल. (अंग्रेजी रमत हॉकी के समान) a
game like hockey. प्रब० ४४१;

✓ गिरह. धा० I, II. (गृह्) अदलु करवुं;
लेवुं; स्वीकारवुं. ग्रहण करना; लेना; स्वीकार
करना. To accept.

गिरहह. नाया० ५; ८; १३;

गिरहह. उत्त० २५, २४; निगी० २, ४;
नाया० १; १४; १६; पञ्ज० ११; भग०
२, १; ५; राय० २६६; जं० प० ५,
११७;

गेरहह. नाया० ५; भग० १२, ५; २५, २;

गेरहह. सु० च० १, २६५;

गिरहति. विशे० २०५; नाया० १; २; १४.

भग० २, १; राय० ८६; दस० ८.

१५; जं० प० ५, ११४;

गेरहति. भग० १८, ३; २५, २;

गिरहामि. नाया० ७; ८;

गिरहामो. नाया० ८; ओव० ३६;

गेरहामो. भग० ८, ७;

गिरहज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिरहे. वि० पि० नि० २०५;

गेरहेज्ज. वि० विशे० २१२;

गेरहेज्जा. वि० भग० ३, १; ५; ५, ६;

गिरह. आ० सु० च० ४, १५०; दस० ७,
४५; भग० १, १; २, १;

गिरहाहि. आ० नाया० ७, १२; १४; दस०
६, ३, ११; आया० २, ३, २, १२०;

गिरहसु. आ० सु० च० १, ३५६;

गिरहह. आ० नाया० १२;

गिरहेह. आ० नाया० ७;

✓ गिरह. धा० 1. (ग्रह) ग्रहण करने. To take.

घेच्छिह. भवि० विशेष० १०२३;

घेच्छगमि. भवि० पि० नि० ४८१;

घेच्छं. भवि० विशेष० ११२७;

घेच्छा. भवि० पि० नि० २८१;

घिच्छं. सं० कृ० सु० च० २, १००;

घेच्छण. सं० कृ० नाया० ६; उत्त० ७, १४;

घेच्छु. सं० कृ० पि० नि० १६३; प्रव० १६८;

गिरहेत्ता. सं० कृ० नाया० ८; १३; १५;

गेगिरहेत्ता. सं० कृ० भग० २, १;

गिरहहृत्ता. सं० कृ० नाया० २; विवा० ७;

गिरहहृत्ता. सं० कृ० नाया० ६;

गिरहहृत्ता. सं० कृ० नाया० १, ८; २; ५; ७;

६, १२; १६; भग० २, ५; जं० ५०

५, ११४;

गेगिरहहृत्ता. सं० कृ० भग० २, २;

गिरहहृत्ता. व० कृ० उत्त० २४, १३; पि० नि०
१८६;

गेगिरहहृत्ता. व० कृ० भग० ३, २; ३; ७, १०;
७; ८, ७; नाया० १;

गिरहहृत्ता. व० कृ० विवा० १; वेय० ६, ७;

दसा० २, १६, १६; ठा० ५, २;

सम० २१.

गिरहावह. गि० सु० च० १३, ६६;

गिरहावेह. गि० विवा० ६. नाया० ५; १२;

गिरहाविजा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिरहावेत्ता. गि० भू० नाया० १;

गिरहावेत्ता. गि० सं० कृ० नाया० ८;

✓ गिरह. धा० 1. (गृह क० वा०) ग्रहण करने. ग्रहण किया हुआ. To take.

घिप्पह. क० वा० सु० च० ४, १६८;

घेप्पह. क० वा० पि० नि० ३५६;

घेप्पेज. क० वा० वि० विशेष० २८७;

घिप्पमाण क० वा० व० कृ० भग० १, १;

गिरहण. न० (ग्रहण) पकड़ना.

Catching; holding. पि० नि० ३८१;

नाया० ६;

गिरहअव. त्रि० (गृहांतव्य) ग्रहण करने योग्य;

योग्य; स्वीकार्य योग्य. ग्रहण करने योग्य;

स्वीकृत करने योग्य. Worth being

accepted or taken. अणुजो० १५६;

गिद्ध. त्रि० (गृह) दास्यु; आयात्ता. लालची;

आमक. Greedy; excessively at-

tached. दसा० ६, १; पगह० १, १; भग०

७, १; नाया० २; ५; ८; १७; दस० ८, २३;

१०, १, १७. उत्त० ५, ५; ८. ११; प्रव०

८४०; भक्त० ११२;

गिद्ध. पुं० (गृध्र) गीरा: मांसादारी पक्षी

विशेष. गंध: मांसाहारी पक्षी विशेष. A

vulture. "ढक गिद्धहिणंत सो" उत्त०

१६, ५६; आया० २, १०, १६६; ओव०

३८; प्रव० १०३०; नाया० २;

गिरहपिट्ठ. न० (गृध्रपृष्ठ) गृध्रपृष्ठ नामनुं

मनुष्य: कोष्ठ गतावरता ध्वेयरमां पडी गिद्ध-

द्विजना व्युत्थी आवाथी भरनुं ते: आर अक्राम

भरनुं मांनुं अह. गृध्रपृष्ठ नामक मृत्यु.

किमी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर

गिद्धादिकका उसको चौंच मार मार कर खाना

वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक. Devour-

ing (by vultures etc.) of carcass

of an animal by pecking; one

of the 12 kinds of deth. ठा०

२, ४; भग० २, १; निंसा० ११, ४१; प्रव०

१०२१; नाया० १६; —मरण. न० (मरण)

गिद्ध पगेरे पक्षीना इल्ली आवाथी भरनुं ते.

गिद्ध आदि पक्षी के चौंच मार मार कर खाना

बह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc. सम० ५७;

गिद्धि ली० (गृद्धि) आकांक्षा; आसक्ति; आतुरता. आकांक्षा; आसक्ति; उत्सुकता. Greed; longing; attachment.

आया० १, ६, २, १८३; प्रब० १०३०;

गिद्ध पुं० (ग्रीष्म) ग्रीष्म ऋतु; गरमीनी भासम ऋतु. ग्रीष्म ऋतु; गरमी की मौसम. Summer. ओव० १७; ३६; भग० ५. १; ७, ३; १४, ८; नाया० १; ८; ९; सूय० १, ३, १, ५; ज० प० ७, १६२; आया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, १; विशेष० १२७२; निर० ५, १; सु० च० ३, २४०; दस० ३, १२; पि० नि० ८३; वेय० १, ७; सू० प० ८; कप्प० १, २; ४, ९६; गच्छा० ७७; प्रब० ५११; ६११; —उउ. पुं० (—ऋतु) ग्रीष्म ऋतु; उनायो. ग्रीष्म ऋतु. summer season. नाया० ६; —काल. पुं० (—काल) उनायो; वैशाख ऋतु भासनी समय. ग्रीष्म; वैशाख जेष्ठ मासका समय. summer. नाया० १; —कालसमय. पुं० (—कालसमय) उनायोनो वषत. ग्रीष्म का समय. time of summer. नाया० १३;

गिद्ध अ. त्रि० (ग्रीष्मक) ग्रीष्म ऋतुभां यथेयुं. ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ. belonging to the hot season. अणुजो० १३३;

गिरा ली० (गिर) वाणी. वाणी; शब्द. Speech; words. भग० ३, २; ६, ३३; नाया० १; उत्त० १२, १५; निसी० १६, १५; दस० ७, ३; ५४; चउ० १८;

गिरि पुं० (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननि-वासभूतत्वेन) पर्वत; दुःगर; पहाड. पर्वत; पहाड; गिरि. A mountain. भग० ६;

१; ३, ७; ७, ६; नाया० १; २; १८; ओव० ३१; ३८; उत्त० ११, २६; १२, २६; आया० २, १, २, १२; ओव० नि० ७८४; ज० प० ३, ४७; महा० प० ८२; दस० ६, १, ६; भक्त० १६१; —ईसर. पुं० (—ईश्वर) पर्वतोनो ईश्वर; मोटा पर्वत. पर्वतों का ईश्वर, महान् पर्वत. the highest mountain. प्रब० १५०५; कंदर. पुं० (कन्दर) पर्वतनी युद्ध. पर्वत की गुफा. a mountain cave. विवा० २; नाया० २; १६; प्रब० ८८४; —कडग. पुं० (—कटक) पर्वत पासेनी जमीन. पर्वत के पास की जमीन. the side or ridge of a mountain नाया० १८; —गुहा. ली० (—गुहा) पर्वतनी युद्ध. पर्वत की गुफा. a mountain cave. आया० १, ७, २, २०२; —जसा. ली० (—यात्रा) पर्वतनी यात्रा (यात्रा) पर्वत की यात्रा. a pilgrimage to a mountain. नाया० १; निसी० ६, १६; —णयर. न० (—नगर) पर्वत पासेनुं नगर; शहर. पर्वत के पडौस (निकट) का शहर-नगर. a town near a mountain. अणुजो० १३१; —पडण. न० (—पतन) पर्वतथी पडने मरण निपन्नयुं शोक प्रसारनुं आलमरण. पर्वत से गिर कर मरण होना. death by fall from a mountain. ठा० २, ४; भग० २, १; निसी० ११, ४१; नाया० १६; —पायमूल. न० (—पादमूल) पर्वतनी तलेटी. पर्वत की तली. the bottom of a mountain. भग० १४, ८; —मह. पुं० (—मह) पर्वतनी उत्सव. पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय० २१७; —राय. पुं० (—राज) पर्वतनी राज, मेह पर्वत. पर्वतों का राजा; मेह पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १६; जं० प०
—रेहा. स्त्री० (-रेखा) पर्वतमां पडती
झट. पहाड म पडा हुआ चौराटा. the
crack in a mountain. क० गं० ५, ६३;
—सिहर. न० (-शिखर) पर्वतनुं शिखर
देव्य. पर्वत का शिखर. the summit of
a mountain. नाया० ५; ६;

गिरिकर्णिया. स्त्री० (गिरिकर्णिका) गिरि
क्षिप्रि नामनी ऐक वेद. गिरिकर्णिका नाम
का एक बेल. A kind of creeper so
named. पत्त० १;

गिरिकर्त्री. स्त्री० (गिरिकर्णी) गिरि क्षिप्रि
नामनी ऐक. गिरि कर्णिका नामका एक बेल.
A kind of creeper. प्रव० २४०;

गिरिकुमार. पुं० (गिरिकुमार) युद्धहिमंत
पर्वत संपत्ती ऐक शिखरना अधिष्ठाता
देवता. चून हिमवन्त पर्वत सम्बन्धी एक
शिखर का अधिष्ठाता देवता. The pre-
siding deity of the summit of
Chūlahimavanta mountain. जं०
प० ४, ७५;

गिरिवर. पुं० (गिरिवर) श्रेष्ठ पर्वतः मेरु
पर्वत. श्रेष्ठ पर्वत; मेरु पर्वत. Meru
mountain, the loftiest and the
greatest of all. भक्त० ११६; —गुरु.
त्रि० (-गुरु) मेरु पर्वत समान भेदाटा
श्रेष्ठ. मेरु पर्वत के समान महान-श्रेष्ठ.
great as Meru. भक्त० ११६;

गिरिसिया. स्त्री० (गिरिसिका) ऐक गतनुं
वाद्यंत्र. एक प्रकार का वाजित्र. A kind
of musical instrument. राय० ८६;

गिलमाण. त्रि० (गिलत्) गथतोः प. धुं
पेटमां उतारी गतो गलित होता हुआ; पुनः
पेट में उतारता हुआ. Swallowing;
swallowing back again into the
belly. वेय० ५, १०;

Vol. II/79.

✓ गिला. भा० I. (ग्लै) ग्लानि पामवी;
सुकाष्ठ ७२ पुं०. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना. To
wither; to suffer mental pain.
गिलाह. आया० १, २, ६, १००; भग० २,
१; नाया० १;

गिलायति. भग० ५, ८;

गिलायि. आया० १, ७, ६, २२१; भग० २, १;

गिलायमाण. व० कृ० दसा० ४, १०४; वव०
२, ५; ४, १३; ५, १३; वेय० ६, १०;

गिलाण. त्रि० (ग्लान) ग्ल. निपामेद; अशक्त;
रोगी; दुर्बल. ग्लानि युक्त; अशक्त; रोगी;
दुर्बल. Withered; enfeebled; sick-
ly; afflicted in mind. उक्त० ५, ११;
मम० ३०; ठा० ३, ४; सूय० १, ३, ३, १२;
पण्ड० २, ३; पि० नि० भा० २७; विवा० ७;
विशे० ४; दसा० ६, २३; २४; निसी० १०,
४२; १६, ६; भग० ८, ८; १२, २; नाया०
१३; कप्य० ६, १८; गच्छा० ११६; प्रव०
१४५; १६२; ४२५; ८७२; —प्रयोग. पुं०
(-प्रयोग) अशक्तने अनुकूल पडे अवे।
प्रयोग-उपचार. अशक्त को अनुकूल हो ऐसा
प्रयोग. treatment, remedy agree-
able to an enfeebled person.
निसी० १०, ४४; —भक्त. न० (-भक्त)
रोगी-अशक्तने भाटे तैयार करेनुं भोजन.
रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ
भोजन. food for an invalid. श्रौव०
४०; भग० २, ६; ६, ३३; नाया० १; निसी०
६, ६; —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य-ग्लान-
नस्य भक्तपानादिभिरुपष्टम्भः) रोगीनी वेया-
वृत्य-सेवा. रोगी की " वैयावच्च " सेवा.
tending the sick; service
rendered to a sick person. ठा०
२, १; वव० १; २; ७; भग० २५, ७;

गिलासशिखि. पुं० (ग्लानि) लरभक्ष रोग;
लरभक्ष व्याधि. भस्मकरोरः भस्मक व्याधि.

A kind of disease. आया० १, ६, १, १७२;

गिलिअ. त्रि० (गलित) गाणी अयेअ; गणा नीये उतारेअ. गलित; गले के नीचे उतारा हुआ. Eaten; consumed. पि० नि० १८२;

❖ गिलिल. की० (*) हाथीना आँपाडी. हाथी का ओहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. जं० प० भग० ३, ४, ५, ७, ८, ९, ११, ११; (२) भे भायुसेअे उपाडेअ ओणी-डावो. दो मनुष्यों ने उठाई हुई भोली-डाली. a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा० ६, ४; सूय० २, २, ६२; (३) उँटनुं पस्त्रायु. उँट की काठी. the saddle which is tied on the back of a camel. सूय० २, २, ६२; जीवा० ३, ३;

मिह. न० (गृह) घर; भवन; रहनेवाला घर; मकान. A house; a residence. आया० १, ५, ६, १६४; २, ४, २, १३६; ओव० ११; भग० ३, ७; १२, १; १५, १; नाया० १; २; ३; ५; ८; १३; १४; १६; १८; वव० ८, १; निसी० १, ५६; ६, १२; वेय० १, १२; ४, २६; सु० च० २, ५००; दस० ७, २७; उवा० १, ५८; —अंगण. न० (-अङ्गण) घरनुं आंगण-इणीयुं. घर का आंगन. a court-yard in front of a house. निसी० ३, ६३; —अंतर. न० (-अन्तर) गृहान्तर-भे घर वन्नेने भाग; घरनुं अन्तराअ. गृहान्तर-दो घर का मध्यस्थ भाग. an interval of space be-

tween two houses; the inside of a house. आया० १, ६, ५, १६४; —अंतरणिसिआ. की० (-अन्तरनिषया) भे घरनी वन्ने भेइअ करवी ते. दो घर के बीचमें बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा० ३, ६; —एलुग. न० (-एलुक) उभरो-आरलुनो नीयेने भाग. देहली-द्वार के नाँचे का भाग. the threshold. आया० २, ५, १, १४८; —एलुय. न० (-एलुक-अलिनद) घरने उँअरो. घर की देहली. the threshold. निसी० ३, ६३; १३, ६; —दुवार. न० (-द्वार) घरनुं आरलुं. घर का दरवाजा. a house-door. निसी० ३, ६३; —धम्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थने धर्म (अतिथी सत्कार वगेरे). गृहस्थ का धर्म (अतिथि सत्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नाया० ८; १५; —मुह. न० (-मुख) घरने आगणे भाग. घर का आंग का भाग. the front of a house. निसी० ३, ६३; —लिग. पुं० (-लिङ्ग) गृहस्थने वे०. गृहस्थ का वेष. the garb of a householder. भग० २५, ६; ७; —वह. पुं० (-पति) घरने धरुं. घर का मालिक. the owner of a house; the lord of a house. दस० ५, १, १५; १६; प्रव० ६८८; —वटव. न० (-वर्षम्) घरने क्यरो. घर का कूड़ा. the dirt or refuse of a house. निसी० ३, ७३; —वास. पुं० (-वास) घरने वास; गृहस्थाश्रममां रह्युं ते. गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of being a householder. उत्त० ५, २४; ३२, २; —संघि. पु० (-संघि)
मे धरनुं जेअणु; मे धरनी वच्चेनेा प्रदेश.
दो घर का संधान; दो घरों के बीच का प्रदेश.
the interval of space between
two houses. उत्त० १, २६;

गिहकोकिलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) गृह-
लोधिका-देदगरोडी. छिपकली. A lizard.
विशे० २४५६;

गृहस्थ. पुं० (गृहस्थ-गृहमगारं तत्रतिष्ठति सः)
गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ. गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ.
A householder. उत्त० २, १६; ५,
२२; भग० ३, १; नाया० ११; १५; दस० ५,
२, ४५; सु० च० १५, ७०; निसी० १२,
१६; गच्छा० ११०; आव० ६, ६; पंचा०
१३, ३५; भत्त० १४; १७०; —धम्म.
पुं० (-धम्म) गृहस्थनी धर्म; श्रावक धर्म.
गृहस्थ का धर्म, श्रावक धर्म. the duties
or the rules of a layman. गच्छा०
३२; —पट्ठकस्स. न० (-प्रत्यक्ष) गृहस्थ-
नी सम-क्षप्रत्यक्ष; गृहस्थना देअतां. गृहस्थ
के समक्ष-समीप-प्रत्यक्ष गृहस्थ की दृष्टिके
सामने. in the presence of a
householder. गच्छा० ११०; —भाष.
पुं० (-भाष) गृहस्थपात्रं. गृहस्थपन. the
status of a householder. पंचा० १०,
३६; —भासा. स्त्री० (-भाषा) गृहस्थनी
भाषा; भाभा, आभा, आभा वगेरे भोलवुं ते.
गृहस्थ की भाषा; मामा, माता, भाई इत्यादि
बोलना. the householder's mode
of addressing relations. गच्छा०
११७; —संसृष्ट. त्रि० (-संसृष्ट)
गृहस्थना घी वगेरे पदार्थधी अरजयेत्त
(हाथ वगेरे). गृहस्थ के घी इत्यादि पदार्थ
से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands
of a householder smeared

with ghee etc. आव० ६, ६;
गिहि. पुं० (गृहिन-गृहमस्थास्तीति) गृहस्था-
श्रमवर्ती; गृहस्थ. गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ.
A householder. दस० ३, ६; ६, १६;
८, ५१; ८, ३, १२; पि० नि० भा० ३२;
पि० नि० १४३; १४६; विशे० ३३७२;
उवा० १, १२; पंचा० १, ३१, ४, ७;
गच्छा० १२४; प्रव० २; —जोग. पुं०
(-योग) गृहस्थनी योग-समागम.
गृहस्थ का परिचय, समागम. contact
with a householder. दस० ८, २१,
१०, १, ६; —णिसिज्जा. स्त्री० (-निषिज्जा)
गृहस्थनी भेडक पत्रंग आदि. गृहस्थ की
शय्या पलंग आदि. the seat e.g. a cot
etc. used by a householder.
निसी० १२, १६; —तिगिज्जा. स्त्री०
(-चिकित्सा) गृहस्थनुं वैदुं करवुं ते.
गृहस्थ का वैदिक उपाय करना. medical
treatment of a householder.
निसी० १२, १७; —धम्म. पुं० (-धर्म-
गृहं यस्यास्तीति तद्धर्मः) गृहस्थधर्मनेज
अपरकर माननार वर्ग; त्याग धर्मनुं उत्था-
पन करनार. गृहस्थ धर्मको हां अयस्कर
मानन वाला वर्ग; त्याग धर्म का उत्थापन
करने वाला. one who regards the
duties of a householder as the
highest duties; one opposed to
asceticism. अणुजो० २०; (२) श्राव-
कना आर प्ररूप गृहस्थ धर्म. श्रावक के
द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the pre-
cepts or the 12 vows of a Jain
layman. विवा० १; राय० २२३; नाया०
१४; —निसिज्जा. स्त्री० (-निषिज्जा) गृह-
स्थनी भेडक. गृहस्थ की बैठक- the
seat of a householder. गच्छा०
१२६; —पडिक्कमण न० (-प्रतिक्रमण)

गृहस्थनुं-श्रावकनुं प्रतिक्रमण. गृहस्थ का-
श्रावक का प्रतिक्रमण. Pratikramana
(prayer and confession of
faults) to be practised by a
layman. प्रव० २; —भायण. न०
(-भाजन) गृहस्थनां वाससु-थाणी विगेरे.
गृहस्थ के पात्र-थाली इत्यादि. house-
hold utensils. सम० १८; दस० ६,
८; ५२; —मस्त. न० (-अमत्र) गृहस्थना
आभन-थाणी कलशा विगेरे. गृहस्थ के बरतन
-पात्र-थाली कलश आदि. cups, dishes
etc. used by a householder दस०
३, ३; नसी० १२, १४; —वत्थ. पुं० (-वन्न)
गृहस्थनां वस्त्र. गृहस्थ के वस्त्र. clothes
worn by a householder; dress
of a householder. निमा० १२, १५;
—ववय. न० (-वत) गृहस्थनां वत;
श्रावकनां वत. गृहस्थ के वत; श्रावक के
वत. the vows or precepts of
a layman. प्रव० ५६; —संथव. न०
(-संस्तव) गृहस्थतो विशेष परिचय. गृह-
स्थका विशेष परिचय. close contact
with a householder. दस० ८, ५३;

गिहभूय. नि० (गृहीभूत) गृहस्थ सरंभा.
गृहस्थ के समान. Resembling a
householder. वव० २, २१; —लिङ्ग.
न० (-लिङ्ग) गृहस्थनुं चिन्ह-वेष.
गृहस्थ का चिन्ह-वेष. a mark of a
householder; dress; garb. उत्त०
३६, ४६; सम० प० २३१; पञ्च० १; प्रव०
११; ५७६; —लिङ्गसिद्ध. पुं० (-लिङ्ग-
सिद्ध) गृहस्थना वेप धारण करी सिद्ध
भूयेत; (न्तम भवेती). गृहस्थ का वेष
धारण कर सिद्ध जा हुआ है वह (यथा मरु
देवी). one who has become a
Siddha in the condition of a

householder; e. g. Marudevi.
पञ्च० १;

गीअत्थ. त्रि० (गीतार्थ) अटुसूत्री.
बहुसूत्री. Learned; well-versed.
गच्छा० ४१;

गीह. स्त्री० (गीति) गीत; ७-६ विशेष. गीत;
छन्द विशेष. Art of music;
name of a metre. नाया० १;

गीइय. पुं० (गीतिक) गीत-कविता अनाय-
वानी विधि. गीत-कविता बनाने की विधि.
A poet; a composer of songs.
नाया० १;

गीत. न० (गीत) गायन-गीत. गाना-गीत. A
song. अणुजो० १२; ८; ओव० २४; पंचा० ६,
५; (२) सूत्र तथा अर्थने मननसुत; विद्वान्.
सूत्र व अर्थ को जानने वाला; विद्वान्. a
learned person; one knowing
the original text and its mean-
ing पंचा० १०, ४६;

गीय-अ. न० (गीत) गीत-गायन इत्या.
गीत-गायन कला. Art of song;
music. भग० ७, ६; ११, ११; नाया०
१; ८; १४; सू० च० २, ३२६; जीवा०
३, ४; ओव० ३२; ३८; उत्त० १३, १४;
१६, ५; सू० प० १८; राय० १६; कथ०
२, १३; आया० २, ११, १७०; (२)
गीतार्थ; आगमनो ज्ञान. गीतार्थ; आगम
का ज्ञान. one knowing the
Āgamas (scriptures). जं० प०
७, १४०; प्रव० ८६६; पंचा० ११, ६;
—वाइय. न० (-वादिता) गीत अने
वाजित. राग और साज Singing and
music. जं० प० ५, ११२;

गीयजस. पुं० (गीतयजस) गन्धर्व गतना
व्यन्तर देवतातो अग्निने ऋद्ध. गन्धर्व
जातिके व्यन्तर देवता का द्वितीय इन्द्र. The

second Indra of Gandharva class of Vyantara gods. ङ० २, ३; भग० ३, ८; १०, ५; जीवा० ३, ४; पञ्च० २; गीयर्थ. पुं० (गीतार्थ) शास्त्रिणा अर्थने ज्ञातुनाः अलुक्षुत. शास्त्र के अर्थ को जाननेवाला; बहुश्रुत. One well-versed in scriptures. प्रव० ७७७; मच्छा० १००; —मीसिअ. त्रि० (-मिश्रित) गीतार्थ अने अगीतार्थ अनेनू मिश्रण. गीतार्थ व अगीतार्थ इन दोनों का मिश्रण. consisting of a mixture of both Gitārtha and Agitārtha i. e. the well-versed in scriptures and the ignorant. प्रव० ७७७;

गीयर्थ. पुं० (गीतगति) दक्षिण तरफ़ना गन्धर्व देवताना इन्द्र. दक्षिण तरफ़ के गन्धर्व देवता का इन्द्र. Indra of the southern Gandharva gods. भग० ३, ८; १०, ५; पञ्च० २; विवा० २; ठा० २, ३;

गीवा. स्त्री० (ग्रीवा) शिखर, गरदन शत्रु कण्ठ; गरदन; गन्ता. Neck; throat. आया० १, १, २, १६; अणुजो० १५३; ओव० १००; उत्त० ३४, ६; नाया० २, ४; १४; जीवा० ३, ३; पञ्च० १७. राय० ५२; ज० १० उवा० २, १०८;

गुंजत. त्रि० (गुञ्जत) गुंजरत धरेतो—ती—गुं गुनगुन करता हुआ. Humming; giving out a low sound. ओव० नाया० १;

गुंजद्ध. न० (गुञ्जध) अर्धवी यज्ञोद्गीः अर्धवी रति. अर्धरति. Half a Gunja (q. v.) in weight; a little less than one grain. भग० २, १; नाया० १; —राग. पुं० (-राग) अर्ध यज्ञोद्गीने राग. अर्ध—रतिक राग. tune of a half grain. कप्प० ४, ६०;

गुंजा. स्त्री० (गुञ्जा) यज्ञोद्गीः रति एक जाति

का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काला ऐसा चने के दाने के प्रमाणका फल कि जो सोना, चांदी इत्यादिको तोलने में काम आता है; रत्ती. A red black berry of a shrub of the same name equal to two grains in weight. ओव० १३; अणुजो० १६; १३३; पञ्च० १७; राय० ५३; ८६; —वल्ली स्त्री० (-वल्ली) यज्ञोद्गीनी वेद. एक जाति के लाल परन्तु उपरसे काले रंगसे मिश्रित चने के दानेके समान फल की बेल कि जो सोना चांदी इत्यादि को तोलने में काम आता है; रत्ती. A line of the red black berries of a shrub of the same name. पञ्च १;

गुंजालिआ-या. स्त्री० (-गुञ्जालिका) बांझी घात, नदी, नहर पगेरे. टेढ़ा बावडी, नहर इत्यादि. A canal or a channel of water which is not straight. ओव० ३८; अणुजो० १३४; निसो० १२, २१; जीवा० ३, ४; राय० १३२; भग० ५, ७; ८, ६; नाया० १, २; पणह० २, ५;

गुंजाचाय. पुं० (-गुञ्जाचाय) शब्द धरेतो सुंसाटा मारतो पवन शब्द करता हुआ सुंसाटा मारता हुआ पवन. Hissing wind. उत्त० ३६, ११८; पञ्च० १;

गुंजिय. त्रि० (गुञ्जित) गुंजरत धरेत. गुंजारव किया हुआ. Sounding lowly; humming. पणह० १, ३; प्रव० १४७१;

गुंङण. न० (गुंङण) रज्जु की अरुणतुं ते. रज से भरजना-बिगडना. Spoiling smearing with dust etc. नाया० १;

गुंङिअ-य. त्रि० (गुंङित) रज्जु की अरुणतुं येत. रजसे भरा हुआ. Smeared with dust. पि० नि० ४४२; नाया० १; (२) पीठाभेदुं; घेराभेदुं. घेराहुआ; लिपटा हुआ. rolled; wrapped. ओष० नि०

भा० १६३; परह० १, ३; सूय० १, २, १, १५;
गुंदरुखल. पुं० (गुन्दरुखल) ऐक जातुं जाड.

(गुंदा) एक जाति का फल-वृक्ष. A kind of tree having fruits equal in size to hog-plums; a tree full of gum. भग २२, १;

गुंदल. न० (गुन्दल) क्रीडा; भेद. क्रीडा खेल. Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ. पुं० (गुच्छ) रींगली प्रमुष्पना गुच्छा. वृक्षादिका गुच्छा. A cluster of trees etc. जं० प० १, १०; नाया० १; ५; भग० ७, ६; १६, १; जावा० १; पक्ष १; (२) गुच्छो० शरीर वगेरे उपरस्थी रज के जंतुने पुं०ने हर करवानुं ऐक साधन-धर्मजुं उपकरण. (२) गुच्छा; शरार इत्यादि के ऊपरसे रज व जंतु दूर करने का एक साधन-धर्म का उपकरण. a kind of brush made of woollen threads to remove dust or insects from body etc. आव० ४, ८;

गुच्छग. पुं० (गुच्छक) गुच्छो. गुच्छा. A cluster. प्रव० ४०६;

गुच्छय-अ. पुं० (गुच्छक) शरीर अने वस्त्र पात्र पुं०यानो डिनो गुच्छो-गोच्छो. शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का ऊनका गुच्छा. A wollen brush to cleanse the body, vessels clothes etc. उत्त० २६, २३; ओष० नि० ६६८;

गुज्ज. त्रि० (गुज्ज) गुप्त पात; गहरना भाष्यसे आभग प्रकाशया योग्य नहि ते. गुप्त वर्णन; बाहर के मनुष्यों के समीप प्रकाशित करने योग्य नहीं वह. (Anything) secret; private. प्रव० ४४२; ५३६; राय० २१०; नाया० २; ७; (२) गुब्ब भाग; गुप्तद्रिय. गुब्ब भाग; गुप्तद्रिय. &

secret part of the body. ओष० नि० भा० ३१३; परह० १, ४; ओष० १०; अणुजो० १३०; नाया० १; २; (३) भवनपति देवतानो ऐक अवान्तर भेद. भवनपति देवता का एक अवान्तर भेद. a sub-division of gods known as Bhavanapati. दस० ७, ५३; —अंतर. न० (-अन्तर) गुब्बस्थानो वयलो भाग. गुब्ब स्थान का मध्यस्थ भाग. the middle portion of a private, secret part (e. g. of the body). नाया० १६; नाया० ध० —अंतराय. पुं० (-अन्तराय) गुब्बस्थानो अंतराय-मध्य भाग. गुब्ब स्थान का अंतराल-मध्य भाग. & middle portion of secret parts (e. g. of the body). “गुज्जकंतरायं धावेति ” निर० ४, १; —अणुचरिय. न० (-अनुचरित) गुब्ब ज्ञानो भवनपति देवोमे सेवेतुं (स्थान). गुब्ब जाति के भवनपति देवोंने संबित किया हुआ (स्थान). (a place) resorted to by gods styled (Guhya. दस० ७, ५३;

गुज्जग. पुं० (गुज्जक) भवनपति देवनी ऐक जाति. भवनपति देव की एक जाति. A particular kind of deities: a Bhavanapati (lords of the lower parts of the earth) god. दसा० ६, २६; पि० नि० ४६२; दस० ६, २, १०; (२) गुप्त; अदृश्य. गुप्त; अदृश्य. secret. सम० १०; ओष० नि० भा० २३८;

गुज्जकदेश. पुं० (गुज्जकदेश) गुब्ब स्थान. गुब्ब स्थान. Rectum. प्रव० २५३; —रक्त्वट्ट. न० (-रक्त्वट्ट) गुब्बस्थानो रक्षाभाटे. गुब्ब स्थान की रक्षा के लिये. for the safety of rectum. प्रव० ५३६;

गुणकसाला. जी० (गुणकसाला) गुप्त घर.

गुप्त घर. A secret house; a private room. निरी० ८, १७; —गद्य. त्रि० (—गत) गुप्त घरमें रहेल गुप्त घर में रहा हुआ. (one) gone in a private room. निरी० ८, १७;

गुह. पुं० (गौह) गाथेने रहेवाने वडो. गौशों को रहने का बाड़ा. A cow-pen. भक्त० १६२;

गुह. पुं० (गुह) गोण; शेरपीना रसथी अनेत्र आद्य पदार्थ. गुह; गन्धे के रस से बना हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पि० नि० भा० ३; अणुजो० ६५; जीवा० ३, ३; प्रव० २०६; कप० ६, १७;

गुहाचारि. त्रि० (गुहाचारिन्) पानाने दुष्टाचार छुपाने. अपना दुष्टाचार छिपाने वाला. (one) hiding one's own misconduct. दसा० ६, ८;

✓ गुण. धा० I, II (गुण) गुणवृत्तः आवर्तन करवुं. गुणना; आवर्तन करना. To multiply.

गुणइ. सु० च० १४, ६१;

गुणंति. ओष० नि० ६६३;

गुणैस्ता. सं० कृ० जं० प० ७, १३५;

गुण. पुं० (गुण) गुण-मूलगुण अने उत्तरगुण; मूलगुण-महाव्रत; उत्तरगुण-समिति आदि. गुण-मूलगुण व उत्तरगुण; मूलगुण महाव्रत, उत्तरगुण-समिति आदि. A quality; it is classified into Mūlaguṇa i. e. a full vow and Uttaraguṇa i. e. Samiti etc. विशेष० १; अणुजो० २१; दस० ८, ६१; (२) आवकनां त्रय गुण व्रतः ६ ६ ७ मुं अने ८ मुं व्रत. आवक के तीन गुण व्रत. छठा सातवा व आठवा व्रत. the three vows viz. the 6th, the 7th and

the 8th of a Jain's layman. भग० २, ५; ७, ६; नाया० ८; पक्ष० २०; (३) द्रव्यमां रहेल धर्म; वस्तुस्वभाव. द्रव्य में रहा हुआ धर्म; वस्तुस्वभाव. the nature of a thing. ओष० पक्ष० १५; पि० नि० भा० १; (४) शब्द, रूप, रस आदि कामना गुण; इन्द्रिय विषय. शब्द, रूप, रस आदि काम के गुण; इन्द्रिय विषय. the object of senses viz. sound, sight, taste etc. पि० नि० १२८; आया० १, १, ४, ३४; १, २, १, ६२; (५) क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता आदि सद्गुण. क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता इत्यादि सद्गुण. the virtues e.g. forgiveness, modesty, knowledge, straightforwardness etc. भग० २, १; ७, २; ८, ४; २५, ४; ४२, १; नाया० १; ३; ८; १०; १६; दस० ५, २, ४६; ६, ६; ७, ५६; ८, १, १७; ६, ३, ११; राय० ८०; २१५; नंदी० स्थ० ४; अणुजो० १२८; पि० नि० ३१२; उवा० १, ६६; क० प० १, २६; क० गं० २, २; (६) सूत्रना तांतुआ; धोरा. सूत के तंतु; डोर. cotton threads. जीवा० ३; राय० १०६; कप० ३, ३४; (७) गणवृत्तः गुणाकार करवो; गिनना; गुना करना. counting. जं० प० ५, १२१; पक्ष० २; २८; कप० ३, ३४; —अणुराग. पुं० (—अनुराग) गुणने अनुराग-प्रेम गुण का अनुराग-प्रेम. love for merit. भक्त० ५४; —अद्विज. त्रि० (—अद्विज) गुणैकरी अधिक. गुणों से करके अधिक. surpassing by reason of, in point of qualities. उत्त० ३२, ५; —आस्ता. पुं० (—आस्ता) विषयना शब्दादि गुणों में आस्ता-आसक्ति.

attachment to objects of senses such as sound etc. आया० १, १, ५ ४३; —उक्लिप्तगु. न० (—उत्कीर्तन) गुणुने गावां; गुणुने वभाषावां. गुणोका गान करना; गुणों की प्रशंसा करना. extolling, praising of merits. पंचा० ४, २४; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) गुणु प्रधान; गुणुधरी श्रेष्ठ. गुणप्रधान; गुणों से श्रेष्ठ. superior by reason of or in point of qualities. उत्त० १२, १; —उत्पायण. त्रि० (—उत्पादन) गुणु-रसादिने उत्पन्न कर्तुं ते. गुण इत्यादि को उत्पन्न करना. producing, exciting such qualities as taste etc. भग० ७, १; —उपवेय. त्रि० (—उपेत) गुणुर्थी युक्त. गुणों से युक्त having qualities; possessed of qualities नावा० ८; विवा० २; कण० १, ८; —कर. त्रि० (—कर) क्षयदो करनेर लाभ देने वाला. a benefactor. पंचा० ५, १२; —करण न० (—करण) भूत गुणु अने उत्तर गुणु रूप करण. करण. मूलगुण व उत्तर गुण रूप करण. thought-activity in the form of Mahavrata and Samitis etc. विशेष० ३३५३; —कार. पुं० (—कार) गुणुकार-अेक रकमने श्रीशु रकमथी गुणुनुं ते. गुणुकार; एक संख्या को दूसरी संख्या से गुनना. multiplication. सम० ८४; प्रव० १३५१; —कल्पाण. न० (—आलम्बन) गुणु कीर्तन. गुण कीर्तन. praise. पंचा० २, २४; —गण. पुं० (—गण) गुणुनी समूह. गुणों का समूह. a collection of qualities or virtues. नाया० १०; —ग्राहि. त्रि० (—ग्राहिन) गुणुने ग्रहण करनेर. गुण ग्राही; गुण को ग्रहण करने वाला. (one) who appreciates

virtues. उत्त० ३६, २६०; —जुअ. त्रि० (—युत) गुणुवालो; गुणुवंत. गुणवाला; गुणवंत; गुणयुक्त. meritorious; possessed of good qualities. पंचा० २, ३४; —द्वारण. न० (—स्थान) मिथ्यात्व आदि १४ गुणुस्थान. मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान. the 14 stages including false belief etc. क० गं० २, १; ४, १; पंचा० ८, २१; १०, ११; १५, ४६; —द्वारणअ. न० (—स्थानक) मिथ्यात्व आदि १४ गुणुस्थानक. मिथ्यात्व आदि गुणस्थानक. the 14 stages including false belief etc. क० गं० ६, ४८; —द्वि. त्रि० (—अर्थिन) शब्द आदि विषयगुणुने अर्थ-अभिलाषी शब्द आदि विषय गुणका अर्थ-अभिलाषी. (one) desirous of objects of senses like sound etc. आया० १, २, १, ६२; —द्विअ. त्रि० (—अधिक) गुणुआ “गुणद्वि” शब्द. देखा “गुणद्वि” शब्द. vide “गुणद्वि” आया० १, १, ४, ३४; —शिपगण. त्रि० (—निष्पन्न) गुणु प्रभाणि उत्पन्न कर्तुं. गुण से उत्पन्न हुआ हो वह. born of qualities. नाया० १; १६; —शिहि. पुं० (—निधि) गुणुनी लंडार. गुणों का भंडार. a store of merits. पंचा० ८, ४३; —(ग)गिणअ. त्रि० (—अन्वित) गुणु सहित; गुणुवाहुं. गुण सहित; गुणयुक्त. having qualities. विशेष० ८३; —स्थि. त्रि० (—अर्थिन) गुणुआ “गुणद्वि” शब्द. देखा “गुणद्वि” शब्द. vide “गुणद्वि” विशेष० २६४२; —धारणा. स्त्री० (—धारणा) सद्गुणु धारणु करवा ते. सद्गुण धारण करना. adopting of virtues. अणुजो० ५८; (२) आयस्मक सूत्रना प्रत्याभ्यान नामे अध्ययननुं अपर.

नाम. आकश्यक सूत्र के प्रत्याख्यान नामक अध्ययनका अपर नाम. the other name of the chapter Pratyākhyāna of Āvaśyaka Sūtra. विशेष० ६०२; —**द्वि** **ज्ञा०** (—**द्वि**) गुण रूप समृद्धि; गुण लक्ष्मी. गुण रूप समृद्धि; गुणलक्ष्मी. wealth in the form of merits. पंचा० ७, ६; —**निष्पन्न** **त्रि०** (—**निष्पन्न**) लुओ. “गुणनिष्पन्न” शब्द. देखो “गुणनिष्पन्न” भग० ११, ११: १५, १; नाया० २; कप्प० ४, ६०; —**निष्पन्न** **त्रि०** (—**निष्पन्न**) लुओ. “गुणनिष्पन्न” शब्द. देखो “गुणनिष्पन्न” शब्द. vide “गुणनिष्पन्न” क० प० १, २०; —**निबद्ध** **त्रि०** (—**निबद्ध**) गुण-दोरी अथवा सदगुणों से बंधाया हुआ. bound, tied with merits, qualities. भक्त० ११६; —**निधि** **पुं०** (—**निधि**) गुणों का भंडार. a store of merits, qualities. पंचा० १४, ४०; —**पराश्रित** **पुं०** (—**पराश्रित**) बहुत गुण many merits, qualities. पंचा० ८, ४; —**परित्याग** **ज्ञा०** (—**परित्याग**) गुणों का ज्ञान. knowledge of qualities. पंचा० ७, २५; —**परिहासि** **ज्ञा०** (—**परिहासि**) गुणों की हानि. loss of qualities or attributes. नाया० १३; —**पसत्थ** **त्रि०** (—**पसत्थ**) सदगुणों से प्रशंसित. praised. क० प० ५, २; —**प्रेमि** **त्रि०** (—**प्रेमि**) गुणदर्शी; गुणभाही. गुणदर्शी; गुणभाही. grateful. क० गं० १, ६०; —**प्रमाण** **न०** (—**प्रमाण**) गुण-आत्मगुण-ज्ञानादिरूप

प्रमाण-प्रमेय वस्तुओं पर निर्भर करनेवाला. गुण-आत्मगुण-ज्ञानादि रूप प्रमाण-प्रमेय वस्तु का परिच्छेद करनेवाला. the measure of merits. विशेष० ६०३; —**प्रधान** **पुं०** (—**प्रधान**) संयमादि गुणों में प्रधान-श्रेष्ठ. संयमादि गुणों में प्रधान. prominent by reason of, in point of the qualities of asceticism etc. नाया० १; —**भवपक्षय** **त्रि०** (—**भवपक्षय**) गुण अने लव में भेदों का कारण हो वह. गुण व भव ये दो जिस में कारण हो वह. that in which birth and merits are the cause. क० प० २, ६८; —**मुक्तयोगि** **पुं०** (—**मुक्तयोगि**) निष्काम. गुणरहित योगी-साधु. विषयों से मुक्त रहित; योगी-साधु. an ascetic; one free from passions. नाया० १९; —**राशि** **त्रि०** (—**राशि**) गुणों का संग्रह; गुणों का भंडार. गुण का संग्रह; गुण का भंडार. (one) given to virtues. प्रव० १३७१; पंचा० ३, ६; ७, ७; —**राशि** **पुं०** (—**राशि**) गुणों का संग्रह; गुणों का भंडार. a store of virtues. गच्छा० ६४; —**विशिष्ट** **त्रि०** (—**विशिष्ट**) उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुश्रवण, आस्तिक्य में पांच गुणों का संग्रह. उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुश्रवण, आस्तिक्य इन ५ गुणों से युक्त. (one) possessed of five virtues viz. Upasama, Samvega, Nirveda, Anushravan, Astika etc. प्रव० ६६६; —**संकर** **पुं०** (—**संकर**) गुणों का समुह. a collection of attributes. नाया० ६; —**संपन्न** **त्रि०** (—**संपन्न**) गुणसम्पन्न; गुणों से भरा हुआ. full of attributes. गच्छा० १२७; —**साधर**

पुं० (-सागर) गुणुने। समुद्र. गुणसागर;
गुण का समुद्र. an ocean of quali-
ties or virtues. दस० ६, ३, १४;
गच्छा० १०३; —सुद्विअण. त्रि०
(-सुस्थितात्मन्) जेने आत्मा गुणभां
सारी रीते स्थित छे ते. जिसकी आत्मा गुणमें
अच्छी तरहसे स्थित है वह. (one)
whose soul is strictly given to
virtues. दस० ६, ७, ३; —हाणि. स्त्री०
(-हानि) गुण अने हानि; वधावे अने
धरावे. गुण व हानि; अधिकता . न्यूनता.
loss and gain. क० प० १, १०: ३,
८; —हीण. त्रि० (-हीन) गुणविनाश.
गुण रहित. devoid of attributes.
गच्छा० १०६: क० प० १, ७८;

गुणभो. अ० (गुणतस्) गुणुधी; गुणुआशी.
गुणसं: गुणग्रन्थो. By reason of
qualities; in point of qualities.
उत्त० ३२, ५; भग० २, १०;

गुणण. न० (गुणन) आवृत्ति; ग्रंथविचार.
आवृत्ति; ग्रंथविचार. Multiplication;
revision; reflecting upon the
contents of a book. पि० लि० ६६८;
विशे० १११३;

गुणरयण. न० (गुणरत्न) सोण भरीवानुं
अेइ तप के जेभां पड़ेले भदिने अेइइ उप-
वास, भीजे अमे, यावत् सोणमे भरीने सोण
उपवास करवा पड़े छे, दिवसे उकुड़ आसने
सूर्यानी सन्मुख अने रात्रि पीर आसने
वस्त्र रहित भेसवानुं होय छे; सोण भासे
आतप पूर्युं थाय छे. सोलह मास का एक
तप कि जिममें प्रथम मास में एक एक उप-
वास, दूसरे में दो दो, यावत् सोलहवें मास
में सोलह उपवास करने पड़ते हैं, जिममें दिनको
उकुड़ आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि
को पीर आसन से वस्त्र रहित बैठने का होता

है, सोलह मास में यह तप संपूर्ण होता है.
A kind of penance lasting for
sixteen months in which one
fasts for a day in the first
month, for two days in the
second and so on for sixteen
days in the 16th month. Du-
ring day one has to sit in a
certain bodily posture facing
the sun and at night in an-
other posture without clothes
on the body. The day posture
is Oukhadu Āsana while the
night posture is Virāsana. अंत०
१, १; कप० ७, ६; —वत्थर. न०
(-वत्सर) गुणरत्न स वत्सर नामनुं. गुणरत्न
संवत्सर नामका. name of a kind of
austerity. प्रव० १५८०; —संवत्सर. न०
(-संवत्सर) गुणरत्न संवत्सर अे नामनुं अेइ
तप छे. गुणरत्न संवत्सर इय नामका एक तप
है. name of a kind of austerity.
भग० २, १; नाया० १;

गुणवंत त्रि० (गुणवत्-गुणा मूलोत्तर विशु-
ध्यादयो विद्यन्ते येषां ते) गुणी: गुणयुक्त.
गुणवान: गुणयुक्त. Possessed of
qualities or virtues. गुणवत्तः. व०
प० अणुत्रो० ५८;

गुणवेरमण. न० (गुणविरमण) आवडनुं अेइ
सातमुं अने आठमुं अेइ तप वत. आवकेंक
छेठ, सातवे और आठवे यह ३ वत. The
three vows viz. the 6th, 7th
and 8th of a Jain layman. राय०
२२६; नाया० ८;

गुणव्यय. न० (गुणव्यय) व्यये “ गुण-
वेरमण ” शब्द. देखो “ गुणवेरमण ”
शब्द. Vitis “ गुणवेरमण ” आउ०

४; डा० ४, ३; दस० ६, २; पंचा० १, १६;

गुणसंकम. न० (गुणसंकम) अत्यध्वमान अथुल प्रकृतिना दलिताने अध्वमान प्रकृतिमां प्रतिसमय असंख्यातगुणो वृद्धिमे उभेरवा ते. अबद्धमान अशुभ प्रकृति के समूह को बध्यमान प्रकृतिमें प्रातिसमय असंख्य गुण वृद्धि से जोड़ना. Adding infinitely of sinful molecules every instant in the acquired ones. क० प० २, १००;

गुणसंकमण. पुं० (गुणसंकमण) ऋग्यो "गुणसंकम" शब्द. देखो "गुणसंकम" शब्द. Vide "गुणसंकम" क० प० २, ७०;

गुणसिल. न० (गुणसील) ऐ नामनुं राजगृह नगरी पासैनुं ऐक उद्यान इम नामका राजगृह नगरी के समीप का एक उद्यान-बगीचा. Name of a garden in the vicinity of Rajagruhi city. कप० ९, ६३;

गुणसिलअ-य. पुं० (गुणसिलक) राजगृह नगरी के बाहर आया हुआ इम नाम का एक चैत्य उद्यान. Name of a garden outside Rajagruhi. भग० १, १: २, १: ७, १०; अणुत्त० १, १; नाया० १८: (२) ऐ नामनुं यक्षनुं मन्दिर इम नाम का यक्ष मन्दिर. name of a temple of Yaksh. निर० ३, १; — **चैत्य** न० (चैत्य) ऋग्यो "गुणसिलअ-य" शब्द. देखो "गुणसिलअ-य" शब्द. vide "गुणसिलअ-य" नाया० १३;

गुणसंदि. स्त्री० (गुणश्रेणि) गुणकारे प्रदेशनी रचयिता; जहाँ गुणों की वृद्धि से असंख्यात गुणों की निर्जरा अधिक समये अधिक थाय ते गुण श्रेणि. गुणश्रेणि; गुणकार प्रदेश की रचना; जहाँ गुण की वृद्धि से असंख्यात गुणों के

निर्जरा हर समय पर अधिक हो वह गुण श्रेणि. The spiritual stages of evolution in succession. क० गं० ५, ८२;

गुणसेढी स्त्री० (गुणश्रेणी) सर्वथी उपरनी स्थितिना कर्म दलिताने लक्ष उद्यमान पहुँचा समयधी प्रति समये असंख्यात गुण वृद्धि से नापता अन्तर्मुहुर्तु सुधी तेरी अधिक श्रेणी आले तेने गुणगुण कहेयामां आवे छे; लांणी स्थितिना दलीया जागवानां ऐक रीति. सर्व से उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उद्य के पूर्व समय से प्रति समय पर असंख्यात गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्मुहुर्त पर्यन्त ऐसी अधिक श्रेणी चालू रहें उसे गुण श्रेणी कहते हैं; लम्बी स्थिति के समूह का भुगत मान करने की रीति. The process of enduring the Karma of a long duration. उत्त० २६, ६; श्रव० १७;

गुणि. त्रि० (गुणिन्) गुण वालु-ली-लो. गुण युक्त. Having a quality; meritorious. नाया० १२; क० प० ८, २२;

गुणिज्जमाण. त्रि० (गुण्यमान) गुणाकार धरातु. गुना किया जाता. Multiplied. प्रव० ६३७;

गुणिय-अ. त्रि० (गुणिन्) गुणित; गुणाकार धरेत. गुना हुआ; गुना किया हुआ. Multiplied. उत्त० ७, १२; विशेष० ७६० भग० २४; २१; क० प० २, ७८;

गुराण. त्रि० (गुण्य) गुणने लायक, गुनने योग्य. Worthy of attributes. कप० ४, ६०;

गुत्त न० (गोत्र) जात्र: अटक. गोत्र; कुल-नाम. Surname; family name. नंदा० २६; उत्त० १८, २१; भग० २५, ६; कप० ११ २: (२) सातवुं गोत्र कर्म. सातवां गोत्रकर्म. the 7th Gotra Karma. भग० २५, ६;

गुत्त. त्रि० (गुप्त) गुप्तिवन्तः; मन वचन अने
 क़ायाने पापमां न ज़्या देतां गोपणी
 राखनार. गुप्तिवन्तः; मन बचन व काया को
 पाप में जाने से बचा रखने वाला.
 (One) who protects himself
 against sins of mind, body and
 speech. ओष० नि० भा० ४६; ओष० १७;
 उत्त० १२, १७; आया० १, ३, ३, ११७;
 भग० २, १; ३, १; २; १३, ४; नाया० ४;
 मूय० २, १, ६०; गच्छा० ५३; (२) स्तब्ध;
 दिगमूढ अने स्तब्ध; दिगमूढ; बना हुआ.
 confounded; bewildered. ओष०
 नि० भा० १७६; (३) छुपावेत्त; छिपेत्त;
 गोपवेत्त. छुपाया हुआ; छिपाया हुआ; गुप्त रखा
 हुआ. concealed; protected; a
 hidden cave etc. जीवा० ३, ४; नाया०
 १४; राय० २५४; निसा० २०, १; कप्प० ६, २;
 (४) रक्षितु करेत्त; अयावेत्त. रक्षण किया
 हुआ; बचाया हुआ. पन्न० २;
 (५) गुप्तधर—भोयउं वगेरे. गुप्तधर—तल-
 धर इत्यादि. a celler. ठा० ४, १;—इंद्रिय.
 त्रि० (—इन्द्रिय) पांच इंद्रियो जेले वश करी
 पापथी गोपणी छे ते. पांच इंद्रियो को जिसने
 वश कर, पाप में बचाई है वह. (one) who
 has controlled his senses नाया०
 ४; भग० २, १; २५, ७; दसा० ५, १८; कप्प०
 ५, ११६;—दुवार. न० (—द्वार) आनु
 आनु आरतुं; गुप्तद्वार गुप्तद्वार. a hidden
 door. ठा० ५, २; भग० ३, १;—बंभ-
 यारि. त्रि० (—ब्रह्मचारिन्) अन्नयर्थनुं
 रक्षितु. करनार. ब्रह्मचर्य का रक्षण करने
 वाला. (one) who observes celi-
 bacy or chastity. दसा० ५, २१;
 भग० १२, १; १८, २; नाया० १४; १६;
 नाया० ४० निर० २, १;

गुत्तास. पुं० (गोत्रास) विपाकसूत्रनुं अे नामनुं

प्लीगुं अध्ययन. विपाक सूत्र के द्वितीय
 अध्ययन का नाम. Name of the 2nd
 chapter of Vipāka Sūtra. ठा० १०;
गुत्ति. स्त्री० (गुप्ति-गोपयनं गुप्तिः) मन वचन
 अने क़ायाने अशुभ प्रवृत्तिथी रोकरी गोपणी
 राखवां ते. मन बचन व काया को अशुभ
 प्रवृत्ति से रोककर बचा रखना. Control
 of mind, speech and body. i. e.
 guarding them against sins.
 सम० ३; सम० प० १६८; उत्त० १२, १७;
 २४, १; नाया० १; १०; निसी० २०, १;
 पन्न० १; भत्त० १४०; प्रव० २७०; पंचा० १५, ३१;
 विश० ११३०;—विभेय. पुं० (—विभेद)
 गुप्ति-वचन गुप्तिनो विभेद-भंग. गुप्ति-वचन
 गुप्ति का विभेद-भंग. the breach in
 control of speech. गच्छा० १३१;

गुत्तिय. पुं० (गुप्तिक) डोटवाल. नगर रक्षक
 अधिकारी; कोतवाल. A village const-
 table. पण्ड० १, २; कप्प० ४, ६८;

गुत्तिसेण. पुं० (गांससेन) जंबूद्वीपना अंर-
 वन क्षेत्रमां आलु अवासपिण्डीमा थयेत्त सोलमां
 तीर्थकर. जंबूद्वीप के एरवत क्षेत्र में वर्तमान
 अवसरपिणा में उत्पन्न सोलहवें तीर्थकर.
 The 16th Tirthankara of the
 present Avasarpinī in the
 Airavata region of Jambū
 dvīpa. सम० प० २४०;

गुद. न० (गुद) गुदा; गुदस्थान. गुदा; गुद-
 स्थान Anus; rectum. तंदु० प्रव०
 १३८६;

गुप्पमाण. व० कृ० त्रि० (गुप्यन्) व्याकुल
 थनुं. व्याकुल. Getting troubled or
 distracted. ओव० २१;

गुप्फ. (गुल्फ) पुं० पगनी ऐड़ी; धुंटी. धुंटी;
 एड़ी. A heel. ओव० १०; आया० १, १,
 २, १६; जीवा० ३, ३;

गुमगुमत. त्रि० (गुमगुमत्) शुभशुभाट करते;
शुभशुभ् अवेत् अयाज् करते। गुमगुमाट
करता हुआ; गुम गुम ऐसी आवाज करता हुआ।
Buzzing; humming. ओव०

गुमगुमायंत. व० कृ० त्रि० (गुमगुमायमान)
धमधमाट करने, गलुगलुट करने, मधुर
शब्द करने, धमधमाट करता हुआ; गिनगि-
नाट करता हुआ; मधुर शब्द का उच्चार करता
हुआ। Tinkling; buzzing. कण्ठ० ३,
३७;

गुम्म. पुं० (गुल्म) वंश जल नवमालिका
आदि; वृक्षनी ऐक्यगत। वंशजाल नवमालिका
आदि वृक्ष की एक जाति। A cluster
of bamboo trees etc. नाया० १;
५; भग० ७, ६; जं० प० जीवा० १; पञ्च० १;
(२) समूह; परिवार. समूह; परिवार. a
group; a collection. विशेष० ३३;
जं० प० १, १०; मय० २, २, ५५;

गुम्मइअ. त्रि० (गुल्मित) भुङ्गिअेदु; भूदअनेद.
मूढबना हुआ। Puzzled; bewildered.
आष० नि० १३६;

गुम्मागुम्मि. अ० (गुल्मागुल्म) गुम्भनो अंक
भाग ते गुल्म; अंक उपाध्याय अधिष्ठित
साधुओं नेगा थाय ते. गुच्छ का एक भाग-
गुल्म; एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग
एकत्र हो वह. A portion of an
order of saints; saints under
one preceptor assembled toge-
ther. आव० २१;

गुम्मि. पुं० (गुल्मिक) शत अंगुरे. खानखजुरा.
A centiped. उत्त० ३६, १३७;

गुम्मिय-अ. पुं० (गुल्मिक) ईश्वरानु रक्षण
करने; आश्रित. गढ का रक्षण करने वाला.
A guard of a fort; a watchman.
आष० नि० १६३; ७६६; लुध विगेरे ५५
आ३ जुई आदि के फुल के वृक्ष. a kind of

flowering plant. जीवा० ३, २;

गुरु. पुं० (गुरु-तं शास्त्रार्थमिति गृणाति यथा-
वस्थि) शास्त्रज्ञो सदुपदेश आपनार; गुरु.
शास्त्र का सदुपदेश करने वाला; गुरु. A tea-
cher; a preceptor. भग० ७, ६; ८,
७; ११, ११; १७, ३; नाया० १; ७; ८;
पिं० नि० भा० २७; अणुजो० १३; ६६; उवा०
३, १३५; पंचा० १, ९; ५, १२; भक्त० १७;
६६; आव० ६, २; (२) त्रि० भारे; वजन-
दार. भारी; वजनदार. heavy. विशेष०
६६०; जीवा० ३, १; पिं० नि० ३२७; उत्त०
३६, १६; क० गं० १, ४७; आया० १, २,
१, १४१; (३) अधोगति लक्ष्ण जनार
महादोष. अधोगति को लेजनेवाला महा-
दोष. a great sin leading to low-
er condition of existence. पिं०
नि० १०२; ११२; जं० प० २, २६; (४)
वडील; आचार्य. वडील; आचार्य. an eld-
er; a head of an order of saints.
दम० २, १, ८८; पंचा० ७, ५; उत्त० १,
२; २६, ७; अणुजो० १००; (५) जेता
उदयथी अथ लोहा जेनु भारे शरीर पामे ते
नामकर्मनी अंक प्रकृति. जिसके उदय से जीव
लोहे के समान भारी शरीर प्राप्त कर उस
नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of
Nama Karma by the rise of
which a soul gets body as hard
as iron. क० गं० १, ४१; ४२; — **असाअ.**
पुं० न० (-असात) भारे असात-दुःख
भारी दुःख. great pain. क० प० ४,
८४; — **उवएस.** पुं० (-उपदेश) गुम्भो
उपदेश. गुरु का उपदेश. words of ad-
vice of a Guru. विशेष० १; प्रव० १;
७७६; — **उवएसणुसार.** पुं० (-उप-
देशानुसार) गुम्भो उपदेश प्रमाणे. गुरु के
उपदेश के अनुसार. according to

the advice of a preceptor. पंचा० ४, १; —जण. पुं० (—जन) भोटा भायुस; वडील. बडा मनुष्य; वडील. an elderly person; an elder. नाया० ६; १८; कण० ३, ५६; पंचा० ४, ३४; प्रव० १००; —जण्णअ. त्रि० (—जल्पाक) गुरुनी रक्षामे भोजनार; दुर्विनीत; विनय-विनाश. गुरु से अनुचित बोलने वाला दुर्विनीत; विनय रहित. impolite; irre- verent. पण० १, २; —जोग. पुं० (—योग) गुरुनी सभागम. गुरु का समागम. contact with a preceptor. पंचा० २, ४; —णियोगं. पुं० (—नियोग) गुरुनी आज्ञा. गुरु की आज्ञा. command of a preceptor. पंचा० १२, १८; —दत्त-सेसभोयण. नं० (—दत्तशेषभोजन) गुरुये पोते आतां ग्राही रह्युं आपेत्त भोजन. गुरुने भोजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भोजन. the remnant of food given by a preceptor. प्रव० २१५; —देवया. स्त्री० (—देवता) गुरुदेवता; देवता समान गुरु देवता; देवता के समान; गुरु. (one) who regards a precep- tor as his god. नाया० ८, १८; पंचा० १, ४५; —दोस. पुं० (—दोष) भोटा दोष. बडा दोष. a major fault; a grave fault. प्रव० २१७; —निगह. पुं० (—निग्रह) गुरुनी आज्ञा; गुरुनी आज्ञा-मां रह्युं ते. गुरु की अधीनता; गुरु की आज्ञा में रहना. the control of a preceptor. प्रव० ६५३; —नियोग. पुं० (—नियोग) गुरु- वडीलने हुकम. गुरु, वडील का आज्ञा. the order of a preceptor or elderly person. क० प० ५, २४; —पमुह. त्रि० (—प्रमुख) गुरुमहाराज वगैरे; आ-चार्यादिक. गुरु महाराज इत्यादि—आचार्यादिक.

preceptor etc. प्रव० ३०; —पसाय. पुं० (—प्रसाद) गुरुनी कृपा. गुरु की कृपा. favour of a preceptor. नाया० १२; दस० ६, १; १०; —पसापभिमुह. पुं० (—प्रसादाभिमुख) गुरुनी प्रसन्नता राखवाने उद्यमशील. गुरु की प्रसन्नता रखने को उद्यमशील. one active in keeping one's preceptor pleased. दस० ६, १, १०; —पुच्छा. स्त्री० (—पृच्छा) गुरुने पुछी दरेक काम करवुं ते. गुरु में पूछ कर प्रत्येक काम करना. performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ४१; —पूया. स्त्री० (—पूजा) शिष्ये गुरुने यथोचित आ-दारादि दायी सेवा भक्ति करवी ते. शिष्यने गुरु को यथोचित आदारादि लाकर सेवा भाक्त करना. service of a disciple to his preceptor by bringing food etc. for him. उक्त० २६, ७; —कास. पुं० (—स्पर्श) गर स्पर्श; भारे-पणुं; आठ स्पर्शभानो अंक. गुरु स्पर्श; भारापन; आठ सांस में से एक. heaviness. सम० २२; क० गं० ५, ३२; —भणिय. त्रि० (—भणित) गुरुये कहेल. गुरुने कहा हुआ. explained by a preceptor. प्रव० १३४; —भक्ति. स्त्री० (—भक्ति) गुरुनी भक्ति-सेवा. गुरु की भक्ति; सेवा. devotion towards a preceptor. क० गं० १, ५५; पंचा० २, ३७; —भूतेवघाहणी. स्त्री० (—भूत-पञ्चातिनी) महाभूतोंने नाश करनारी (भाषा). महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा). a language which de- troys ghosts. दस० ७, ११; —मुह. न० (—मुख) आचार्यगुरुं मुख. आचार्य का मुख. the mouth of a

preceptor. पंचा० ६, ५०; —लक्षण. न० (—लक्षण) गुरुतां लक्षण. गुरु के लक्षण. the attributes or qualifications of a preceptor. गच्छा० ४०; —लघुग. त्रि० (—लघुक) लघुओ “गुरुश्च-लघुश्च” शब्द. देखो “गुरुश्च-लघुश्च” शब्द. vide “गुरुश्चलघुश्च” क० प० ४, ४६; —लाघव. न० (लाघव) भारे अने हलका. भारी व हलका. heavy and light. प्रव० २१७; —वयण. न० (—वचन) गुरुतां वयन. गुरु का वचन. the words of a preceptor. प्रव० ६३; —संभारियत्ता. छा० (—संभारिकता) परस्पर ग्रंथियों के प्रयोग से भारी. heavy on account of being interlinked. भग० ५, ३; —सगास. पुं० (—सकाश) गुरुपासे, गुरुसमीप. गुरु के के पास; गुरु के समीप near a preceptor. पंचा० १, ४३; —सम्मय. त्रि० (—सम्मत) गुरुने मान्यः गुरु देने आदु मान आपना देय ते. गुरु को मान्यः गुरु जिस को बहुत मान देने हो वह. admissible to a preceptor. पंचा० १२, २६; —सुस्सूखणया. छा० (* —शुश्रूषण) गुरुनी शुश्रूषा; गुरु सेवा; गुरु आस्त. गुरु की शुश्रूषा; गुरु सेवा; गुरु भाक्त. service to a preceptor. उत्त० २६, २; —सेजासंधारग. पुं० (—शय्यासंस्तारक) गुरुनी शय्या अने संधारो-पथारी. गुरु का शय्या व संधारा-पथारी. the bed of a preceptor. प्रव० १४६; —हीलणा. स्त्री० (—हेलना) गुरुनी हेलना-निन्दा. गुरु की हेलना-निन्दा. censure of a preceptor. “नया विमुक्को गुरुहील-याप” दस० ६, १, ७;

गुरुश्च-य. त्रि० (गुरुक) भगवती सूत्रना पदिका शतकना ६ भां उद्देशानुं नाम. भगवती सूत्र के पहिले शतक के ६ वें उद्देशाका नाम. Name of the 9th chapter (Uddesā) of the first Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १; (२) वजनदार. वजनदार; भारी. heavy. भग० १, ६; ६, २३, १८, ६; २०, २; दस० २, २, ३२; नाया० १; ६; पण्ड० १, २; पञ्च० १; पंचा० १०, २६; —भारियत्ता. स्त्री० (—भारिकता) गुरुता रूप-भारेपण. गुरुता रूप; भारिपन. the state of being heavy: heaviness. उवा० २, १०२; नाया० ६; —लघुश्च. पुं० (—लघुक) ओइ अपेक्षाअ भारे अने ओइ अपेक्षाअ हलका ओया वायु कायादि पदार्थ. एक अपेक्षामें भारी व अन्य अपेक्षा से हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air-bodied beings etc. भग० १, ६; —संभारियत्ता. स्त्री० (—सम्भारिकता) विशेष भारीपण. अधिक गुरुता; विशेष भारी पन. extra heaviness भग० ७, १;

गुरुई स्त्री० (गुरी) ओइटी; भारे (स्त्री). बडा; वजनदार (स्त्री). Heavy; great; (a woman). विशेष० १२००; नाया० १; ६;

गुरुक त्रि० (गुरुक) भारे. ओइटी. भारी; वजनदार. Big; heavy. क० प० ४, ४४;

गुरुकुल. न० (गुरुकुल) अभ्यास करवाभाटे गुरु समीपे रहैवुं ते; गुरुनुं निवास स्थान. अभ्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना; गुरु का निवास स्थान. A group of ascetics under one preceptor; residence with a preceptor for study; residence of a preceptor. उत्त० ११, १४; पिं० नि० ४३६; —वास.

गुलिआ-या. जी० (गुलिका) गुटिका; दवाती
गोली. गुटिका; दवाई की गोली. Indigo;
a medicinal pill. आव० २२; ठा० ४,
२; सूय० १, ४, २, ७; राय० ४०; अंत० ३,
८; विवा० १; जीवा० ३, ४; नाया० १३;
१४; पक्ष० २; १७; उवा० २ ६५; अणुल०
३, १;

गुह्य. पुं० (गुह) ऋओ " गुह्य " शब्द.

देखो " गुह्य " शब्द. Vide. " गुह्य "

आया० २, १, ४, २४;

✓ गुह्य. घा० I. (गुप्) व्याकुल धनुं. व्याकुल होता. To become distracted.

गुह्यंति. भग० १५, १;

गुह्यल. त्रि० (गुह्यल-कुटिल) कुटिल. कुटिल.

Deep; crucked; intricate. सु०

च० ७, २५०; (२) व्याप्त. व्याप्त. pervaded. पण्ड० १, ३;

गुह्यवती. स्त्री० (गुह्यवती) सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A

pregnant woman. भग० १५, १;

पिं० नि० ३६२; दसा० ७, १; वव० १०.

१; दस० ५, १, ३६; प्रव० ७६६;

गुहा. स्त्री० (गुहा) गुहा. गुफा. A cave.

सूय० १, ५, १, १२; भग० ५, ७; जं० प०

नदी० १४; ४७;

गुहिर. त्रि० (गुह्य) गंभीर; गहिर. गंभीर;

गहरा. Thick; deep; profound.

पत्र० २; काप० ३; ३८;

गूढ. त्रि० (गूढ) गूढ; गुप्त; गुह्य. गूढ;

गुप्त. Hidden; mysterious. आ०

१०; पिं० नि० २०३; नाया० ८; —आचार.

त्रि० (-आचार) धुतारे; धुतारे; गंभीर

छोटा. धूर्त; ठग. (one) who cheats.

सूय० २, २, १६; —आवत्त. पुं० (-आ

वर्त) गूढ-गुप्त-आवत्त शब्द वगैरेने। वग.

गूढ-गुप्त-आवर्त-शब्द इत्यादि का मोड.

a curve; e. g. of a conch etc.

ठा० ४, ४; —सामर्थ्य. न० (-सामर्थ्य)

आनुं पराक्रम. गुप्त पराक्रम. a secret

bravery. प्रव० ८३८; —हिअय. त्रि०

(-हृदय) भाषावी-कपटी हृदयवाला.

मायावी-कपटी हृदयवाला. deceitful;

fradulant. गच्छा० ६९; क० ग० १, ६८;

गूढवंत. पुं० (गूढवंत) अत्युत्तरोपवाध सूत्र-

ना भीम वर्गना योथा अभ्ययननु नाम.

अणुत्तरोपवाध के अणु द्वितीय वर्ग के

चतुर्थे अध्ययन का नाम. Name of the

fourth chapter of the second

section of Anuyogadvāra. (२)

श्रेष्ठिक राजनी धारणी राणीने पुत्र के ने

दीक्षा लभ १२ अंग लक्ष्मी गुणरयण तप

करी १६ वर्षनी प्रवज्या पाणी विपुलपर्वत

उपर ओड मासने संथारे करी वैजयंत

अनुत्तरविमानमां उत्पन्न थया, त्यांथी ओड

अवतार करी मोक्षे गरि. श्रेष्ठिक राजा का

धारणा राणा का पुत्र कि जो दीक्षा लेकर ११

अंगों का पठन कर गुणरयण तप कर, १६

वर्षकी प्रवज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर

एक मास का संथारा कर, वैजयंत अनुत्तर

विमान में उत्पन्न हुआ. वहां एक अवतार को

संपूर्ण करके मोक्ष गति को प्राप्त करेगा.

name of the son of queen

Dharinī of king Śreṇika. He

took Dikṣā, studied 11 Aṅgas,

practised the Guṇarayanā

penance, observed asceticism

for 16 years and was born in

the Vaijayanta abode above

the heavens after practising

one month's Santhārā (giving

up food and drink) on Vipulā

mountain. After one more

birth he will attain salvation.

अणुत्त० २, ४; (३) जम्बूद्वीपना भरतमां

आवती उत्सर्पिणीमां थनार त्रीम यक्ष-

वर्ती. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी

में होने वाले तीसर चक्रवर्ती. the third

future Chakravartī of the com-

ing Utsarpinī in the Bharata

of Jambū Dvīpa. सम० प० २४२; (७) लवणसमुद्रां नवसो जेजुन पर आवेक्ष गूढन्त नामनो अेक अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में नौ सौ योजन पर आया हुआ गूढ-दन्त नामक एक अन्तरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas. ठा० ४, २; ६, १; प्रब० १४४१; (२) २७ भां अन्तरद्वीपमां रहितार मालुस. २७ वें अन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dvīpa. पञ० १;

गूढपय. न० (गूढपद) गुप्त पदः सांकेतिक शब्द. गुप्तपदः सांकेतिक शब्द. A code word. प्रब० ८६४; —आलोचना. स्त्री० (—आलोचना) गुप्तपद-अे आलोचना सांकेतिक शब्दधी अनियारती आलोचना करती ते गुप्तपद-दो आचार्यों का सांकेतिक शब्द से अतिचार का आलोचना करना. expiation-of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रब० ८६४;

गूढसिराग. न० (गूढसिराग) जेना पांदाभां सिरा-रेस गुप्त होय अर्थात् प्रगट न देखाय तेवी अेक साधारण वनस्पति. जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पञ० १;

गूढगुया. स्त्री० (गूढन) पीतना रूपने छुपावी देवु ते; कपटनु अपर नाम. अपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग० १२, ५; सम० २२;

गेय. न० (गेय) गाया जायक; गीत. गाने योग्य; गीत. A song. पग० २, ४;

गेय-अ. न० (गेय) उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक-अने शैथिलावसान-अे आर गीतभां-नो अमे ते अेक जतनु गीत. उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक व रोचितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहे सो एक जाति का गीत. Any of the four kinds of song viz. Ut-kṣeipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय० ८८; १६; अणुजो० १२८; ठा० ४, ४; जं० प० ५, १२९; —जम्भणि. पुं० (—जम्भनि) गीतनो ध्वनी-शब्द. गीत का ध्वनि-शब्द. the sound of a song. सु० च० ५, ६२;

गेरिअ. पुं० (गैरिक-गिरौ भवः) गैरिक धातु; गेर. गैरिक धातुः गेर. Red chalk; a mountain-born substance or metal. दस० ५, १, ३४;

गेरय. पुं० (गैरूक) भगवां वस्त्र पहरेतारः परित्राजक; संन्यासी. गेरय वस्त्र पहिनने वाला; परित्राजक; संन्यासी. An ascetic with clothes dyed with red chalk. आया० २, १, ६; ३३; पिं० नि० ३५८; ४४५; निसी० ४, ४५; उत्त० ३६, ७६; प्रब० ७३८; (२) अेक जतनो भण्डी. एक जाति का मणि. a kind of gem. पञ० १;

गेलगण. न० (ग्लान्य) अतानि थरी; भुंजावु; अणुगमो. ग्लानि मे व्याकुल होना; बेचैनी; अरुचि. Mental discomfort. पिं० नि० भा० २५;

गेलज. न० (ग्लान्य) अणुगमो “गेलगण” शब्द. देखो “गेलगण” शब्द. vide “गेलगण” पिं० नि० ४८०; विश० ५४७; आ० नि० ७२; प्रब० ८६०;

गेय. त्रि० (गैव) कंठ संयंधी. कंठ; गला; गरदन. Neck; throat. “गेयविक्रयका” आ० ३५;

गेवज्ज. न० (ग्रैवेय) नव ग्रैवेयक. नव ग्रैवेयक.
The nine heavenly abodes. पंचा०
१४, ४७;

गेविज्ज. न० (ग्रैवेय-ग्रीवायां बद्धमलंकर-
णम्) कंठं धरेत्; डोकं आभरत्. कंठ
का आभूषण; गले का गहना. A neck-
lace. ओव० ३१; विशेष० ६६७; जीवा० १;
३, ३; भग० ७, ६; राय० ८१; जं० ५०
७, १६६; कप्प० ४, ६२; (२) ग्रैवेयक
नामं विमान. ग्रैवेयक नामक विमान.
a heavenly abode styled as
(Graiveyaka. प्रब० ११३०; ११७०;
—विमाण. न० (-विमान) ग्रैवेयक देव-
ताना निवास स्थान. ग्रैवेयक देवता का नि-
वास स्थान. name of any heavenly
abode between the 12th and
the 29th Devaloka. भग० १३,
२; १४, १०;

गेविज्जग. न० (ग्रैवेयक) ग्रैवेयक विमान.
ग्रैवेयक विमान. A heavenly abode
named Graiveyaka. नाया० १;
सु० च० २, ३७; (२) नव ग्रैवेयकवासी
देव. नौग्रैवेयक वासी देव. the gods
residing in the nine heavenly
abodes known as Graiveyaka.
पञ० १; उत्त० ३६, २१०; ठा० २, ३;

गेवेज्ज. न० (ग्रैवेय) लुओ " गेविज्ज "
शब्द. देखो " गेविज्ज " शब्द. vide
" गेविज्ज " नाया० १; भग० २, १०; ५,
८; ६, ३३; ओव० ४१; राय० २५३;
—कप्पातीय. पुं० (-कल्पातीत) आर
देवलोके उपर ग्रैवेयकवासी देवों के कल्पा-
तीत व्यवहार मर्यादाओं की ओर. द्वादशवें
देवलोक के ऊपर ग्रैवेयक वासी देव कि जो
कल्पातीत व्यवहार मर्यादा से अतीत हैं.
name of the gods above the

12th Devaloka. भग० ८, १;
—विमाण. न० (-विमान) लुओ
" गेविज्जविमाण " शब्द. देखो " गेविज्ज-
विमाण " शब्द. vide " गेविज्जविमाण "
अणुजो० १०४;

गेवेज्जग. न० (ग्रैवेयक) लुओ " गेविज्जग "
शब्द. देखो " गेविज्जग " vide " गेविज्जग "
भग० १६, ८; २०, ६; —कप्पातीय. पुं०
(-कल्पातीत) लुओ " गेवेज्जकप्पातीय "
शब्द. देखो " गेवेज्जकप्पातीय " शब्द.
vide " गेवेज्जकप्पातीय " भग० ८, १;

गेवेज्जय. पुं० (ग्रैवेयक) ग्रीवायु; ग्रीवासंभंधी
(मंधन). ग्रीवा संबंधी (बन्धन). Re-
lating to neck. नाया० २;

गेवेय. न० (ग्रैवेय) कंठं धरेत्. कंठ का
भूषण. An ornament for the
neck. ओव० ३०;

गेह. न० (गेह) घर; भूतान. गृह; मकान.
A house; a building. पि०नि० १६३;
भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २;
नाया० २; ८; १६; भग० ११२; गच्छा०
११५; —आगार. पुं० (-आकार)
घरती पेड़ टाठ तड्डा अने परसादधी यथा-
वनार घरने आकारे परिणत थयेन कल्पवृक्ष.
घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा में
बचानेवाला; गृह की आकृति में परिणत
कल्पवृक्ष. a desire-yielding tree
protecting against heat and
cold like a house. सम० १०; जीवा०
३, ३; —आवण. पुं० (-आपण) घरयुक्त
अग्नर. गृहयुक्त बाजार. a market hav-
ing a line of houses. भग० ६, ५;
—वास. पुं० (-वास) घरवास; गृहस्थाश्रम.
गृहस्थाना; गृह संसार; घरवास. status of
a householder. सूय० २, १, ६०;
गेहंगेह. न० (गृहगृह) घरघर; घरेक घर.

घरघर; प्रत्येक घर पर. From house to house. नाय० १६;

गेहसम. न० (गेहसम) वीणा विगेरे वाद्यत्रो-
ये गे २२२ उपायो डोय तेज २२२मां गावुं
ते. जिस स्वर को वीणा इत्यादि वाजित्र में
उठाया हो उसी स्वर में गाता. Singing
in the same pitch in which a
song is begun on a musical
instrument. अणुजो० १२८;

गेहि. स्त्री० (गृहि) आसक्ति; धृ० अ. आसक्ति;
इच्छा. Greed; desire. सू० १, १, ४,
११; १, ६, २५; उत० ६, ४; ३४, २३;
सम० ३०; ५२; ओष० नि० ८७; भग० १२,
५; पण्ड० १, ३;

गेहिणी. स्त्री० (गेहिनी) स्त्री; पत्नी. गृहिणी;
स्त्री; पत्नी; A wife. सू० च० ५, ६;

गो. पुं० (गो-गच्छति) गाय; अश्व. गौ; बैल
A bull; ox. भग० १, १; २, ५; ओष०
अणुजो० १३१; सम० ४०; जीवा० ३, १;
नदी० स्य० ४६; पि० नि० १३२; राय०
२८६; दमा० ६, ४; दम० ७, २४; सू० प०
१०; उवा० १, ४; पंचा० १, १०; जं० प०
५, ११६. —कलिज. न० (—कलिज)
गायते आशु अथवा ते रासने सुले.
गौओं को बांटा देने के काम में आने
वाली टोकरी. a basket from which
cows are fed जीवा० ३, ४; —खीर.
न० (—खीर) गायतुं दुध. गाय का दूध.
cow's milk. नाया० १; १६; कण०
३, ३८; जं० प० ५, १२२; ७, १३६;
—गहसु. न० (—गहसु) गायते पशु-
ले लेती ते. गौओं को पकड़ता-ले जाना.
taking away of cows. नाया० १८;
विवा० ३; —घायप्र-य. पुं० (—घायक)
गायते मारतार; गेय ३ करतार; कसाप्र.
गौओं को मारने वाला, गोव्र करने वाला;

कसाई. a butcher; one who kills
cows. सू० २, २, २८; —चर. न०
(—चर) गायते चरवानुं जंगल. गौओं को
चरने का जंगल. a pasture-ground;
भग० १२, ७; —जिह्वा. स्त्री० (—जिह्वा)
गायती श्रु. गौ की जिह्वा. a cow's
tongue, उत० ३४, १८; —दोहि. त्रि०
(—दोहिन्) गायते दोतार. गौको दुहनेवाला.
(one) who milches a cow. प्रव०
५६३; पंचा० १८, १७; —दोहिया. स्त्री०
(—दोहिका) गाय देवाने गे आसने भे-
साय ते आसने भेसी ध्यान धरतुं के आता-
पा लेती ते. गौका दूध दुहने का जिस आस-
नार बैठ जाता है उस आसन पर बैठ कर
ध्यान धरना या आतापना लेना. practice
of meditation or austerity on
a seat used at the time of milk-
ing a cow. आया० २, १५, १७६;
ठा० ५, १; कण० ५, ११६; दसा० ७, १०;
—पुच्छ. न० (—पुच्छ) गायतुं पुच्छ.
गाय की पूंछ. a cow's tail. जं० प० १,
४; ४, १०३; राय० १०६; —पुट्ट. न०
(—पुट्ट) गायते पंसे. चरतार. गौकी पीठ.
a cow's back. भग० १५, १; —भत्त.
न० (—भत्त) गायतुं मासु. गौओं का बांटा.
the fodder for cows. प्रव० ११३;
—भत्तलिङ्ग. न० (—भत्तलिङ्ग) गाय-
ते आशु आपराने आशीये. गौया को बांटा
देने का बतेन. a fodder pot. प्रव० ११६;
—मंडव. न० (—मंडव) गायते मंडव-
मासे. गौओं का मंडा. a house for
cows. विवा० २; —मंस. न० (—मांस)
गाय अथवा अगदतुं मांस. गौ या बैल का
मांस. beef. पि० नि० १६४; —मड. न०
(—मड) गाय के अगदतुं मडुं-कसेवर. गौ
या बैल की लोथ. a carcase of a cow

or an ox. उत्त० ३४, १६; नाया० ८; १२;
—महिषी. स्त्री० (—महिषी) गाय अने
भैंस. गौ व महिषा; गाय व भैंस. a cow
and a she-buffalo. प्रव० २१३;
—मुस. न० (—मूत्र) गायनुं मूत्र. गौमूत्र.
urine of a cow. पि० नि० भा० ५०;
शोध० नि० भा० ६४; —रूष. त्रि० (—रूप)
गौरूप; गाय गेपुं. गौवत्; गौरुप; गौ के
समान. like a cow. विवा० २; —लेह-
शिया. स्त्री० (—लेखनिका) गायने शर्यानी
जग्या (श्री). गौशो का चरने की भूमि; चरा-
गाह. a meadow for the grazing
of cows. निसा० ३, ७७; —वह.
पुं० (—पात) भोटा जगह. बड़ा बैल. a
big ox. नाया० १; —वर्ग. पुं०
(—वर्ग) दश हजार गायनुं गेपुं. दस
महस गौशो का युध. a herd of cows
10 thousand in number. “एगं च
यं महं सेयं गोवर्गं पासित्तयं पडिबुद्धे”
ठा० १०; भग० १६, ६; —वाल. पुं०
(—पात) गोवात्रिभो; गायो शर्यानी.
गोवाल; गौशो का चरानेवाला. a cow-
herd. उत्त० २२, ४६; —वालछ. पुं०
(—पातक) गायने पातनार गोवाण.
गौशो का पालन करनेवाला; गोवाल; गवली.
a cowherd. सूय० २, २, २८; पि० नि०
३६७; —व्यहृष. त्रि० (—व्रतिक) गायनुं
व्रत शर्यानी; गाय अहार निकले त्वारे अहार
जपुं; गायना आया पछी आवुं; पाणी पीया
पछी पाणी पीयुं अने गायना सुया पछी
सुयुं अने व्रत धरनार. गौका व्रत रखने वाला;
गौ बाहर निकले तब बाहर जाना, गौके
खाने के पश्चात् खाना, पानी पीने के पश्चात्
जल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐसे
व्रत को धारण करने वाला. (one) who
has taken a vow to go out, eat

drink and sleep when the cow
has done all these things.

अणुजो० २०; श्रव० ३८;

गोश्रम. पुं० (गौतम) महावीरस्वामिना
प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. महावीरस्वामी
के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. Gautama
Swāmī, the first Gaṇadhara
of Mahāvīra Swāmī. श्रव० ३८;
कण० १, २; गच्छा० ७६; (२) इंद्रभूति
गणधरने गौत. इंद्रभूति गणधर का गोत्र.
the lineage of the Gaṇadhara
Indrabhūti. जे० प० ६, १२४; कण०
५, १२५; (३) विचित्र जगहने श्रुगारी
तेनी भाईत शिक्षा उधाउनार अेक भिक्षुवर्ग.
बैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा
भिक्षा एकत्र करने वाला; एक भिक्षुवर्ग.
a class of beggars who deco-
rate an ox and beg in its name.
अणुजो० २०;

गोश्रर. पुं० (गोचर) आधार लेवानी विधी;
गौचरी; मधुकरी. आहार लेने की विधी;
गोचरी; मधुकरी. Process of begging
food. नंदो० ४५; —भूमि. स्त्री० (—भूमि)
गौचरीनी आठ भूमिका. गोचरीका आठ
भूमिका. the eight places of beg-
ging alms. गच्छा० ७३;

गोउर. न० (गोपुर-गोभिः पूर्वते इति)
नगरने दरवाजे. नगर का दरवाजा. A
city-gate. सम० प० २१०;

गोकरव. पुं० (गोकरव) अे पुरीवाणे गायना
गेवा जानवाणे पशु विशेष. दो खुर वाला
गौ क समान कान वाला पशु विशेष. A
kind of animal with ears re-
sembling those of cows and
having two hoofs. जे० प० परह०
१, १; पञ्च० १; (२) सातमां अंतरदिपमां

रहेनार भाष्यस. सातवें अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य. a resident of the 7th Devaloka. जीवा० ३, ३; पञ्च० १; —द्वीव. पुं० (-द्वीप) लवण समुद्रमां चारसौ जोजन पर चूलहिमवन्त की उपरि आवेष्ट गोक्षर्ण नामतो अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमें चारसौ योजन पर चूलहिमवन्त पर्वत के ऊपर आया हुआ गोकर्ण नामक अंतर द्वीप. name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavāṇa Samudra at the distance of 400 Yojanas. डा० ४, २;

गोचर. पुं० (गोचर) गणोने चरवानी रीति. गोश्रों की चरने की रीति. The way of grazing of cows. आव० ४, ५;

गोचरी. स्त्री० (गोचरी) शिक्षा; गोचरी. भिक्षा; गोचरा. Begging; alms. आव० ४, ५;

गोच्छ्रग. पुं० (गुच्छ्रक) गुच्छ्र; पुं०वानुं अक्ष उपकरण. गुच्छ्र; पूजने का एक उपकरण. A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग० ८, ६;

गोच्छ्रय-अ. पुं० (गोच्छ्रक) वस्त्र-पात्र-गुच्छ्रयानो (उननो) गोच्छ्रय; वस्त्र-पात्र साफ करने की कृषी. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पण्ड० २, ५; दस० ४; वेय० ३, १३; प्रव० ४१८;

गोच्छ्रय. त्रि० (गोच्छ्रित) पुष्पना गुच्छ्रयवागुं. फूलों के गुच्छ्रे वाला. Having clusters of flowers. आव०भग० १, १;

गोजलोका. स्त्री० (गोजलौका) गोजलोका नामतो अक्षर्द्रिय श्रव. गोजलोका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka. पञ्च० १;

गोष्ठामाहिल. पुं० (गोष्ठामाहिल) गोष्ठामाहिल नामतो सातमा निन्दव के जेले श्रवने कर्मनो स्पर्श थाय पणु अन्ध न थाय अक्ष स्थापन कर्तुं. गोष्ठामाहिल नामक सातवें निन्दव कि जिन्होंने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया. Name of the 7th Nindhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them. डा० ७, १;

गोष्ठि. पुं० (गोष्ठिक) अक्ष गोष्ठी-मण्डलीमां रहेनार; मित्र; दोस्त. एक गोष्ठी-मण्डलीमे रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. अणुजो० १४८;

गोष्ठिग. पुं० (गोष्ठिक) मित्र; गोष्ठीमा. मित्र ममदाय; साथी. A friend. पंचा० १३, १५;

गोष्ठिह. त्रि० (गोष्ठीमत्) विट् पुरुषोन्ती गोष्ठी मण्डलीमां भाग लेनार; गोष्ठीमा. विट् पुरुषों की गोष्ठी-मंडली में भाग लेने वाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. अंत० ६, ३; विवा० २;

गोष्ठिह. पुं० (गोष्ठिमत्) जुम्मे "गोष्ठिह" शब्द. देखो "गोष्ठिह" शब्द. Vide "गोष्ठिह" विवा० २; —पुरुष. पुं० (-पुरुष) व्यभिचारी मंडलीमां रहेनार भाष्यस. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया० १६;

गोष्ठी. स्त्री० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरुषोन्ती मण्डली. व्यभिचारी पुरुषों की मंडली. A circle of unchaste persons. अंत० ६, ३; (२) मित्र मण्डली. मित्र

मंडली. a circle of friends. पि०
नि० २४५; सु० च० २, ३८६; नाया० १६;
गोड. पुं० (गौड) गाड देशने रहनेवाला. गोड
देश का रहने वाला. A resident of
Gaunda country. पगढ़० १, १;
पञ० १;

गोडू. त्रि० (गौड) गुड संज्ञाधी. गुड.
Trenche; (anything) sweet.
(२) मधुर; भीड़. मधुर; मांछ. sweet;
delicious. भग० १८, ६;

गोण. त्रि० (गौण-गुणनिवृत्तम्) गुणधी
अनेक-व्यर्थ गुण निष्पन्न. गुण निष्पन्नः
गुणसे बना हुआ. Possessed of
proper qualities. अणुजो० १४०;
आव० ४०; नाया० १; १६; भग० ११,
११; १५, १;

गोण. पुं० (गोण) अत्रः उपम; आपलो.
बैल; उपम; सांड. An ox; a bull.
आया० २, १, ५, २७; २, ३, ३, १३०;
मृग० २, २, ४५; जं० प० पु० च० १२,
५७; जीवा० ३, ३; पञ० १; पगढ़० १, १;
२; भग० ८, ३; ६, ३३; ११, ११; १५,
१; नाया० ३; आव० उवा० ८, २६२; (२)
अ नामने अत्र अनाय देश. इस नामका
एक अनाय देश. name of an un-
civilised country. प्रव० १५६७;
—आवलिखा. स्त्री० (आवलिका) आव
होनी पड़ित. बैलों की पड़ित. a herd of
oxen. भग० ८, ३; —गिह. न० (गृह)
अत्रने रहनेवाले घर-स्थान. बैलों को रहनेका
स्थान-घर. a fold for bullocks.
निर्मा० ८, ६; १५, २७; —लक्षणा. न०
(-लक्षण) अत्रने लक्षण देनेवाली कला
बैल के लक्षणों को परखने की कला. an
art of testing the merits of an
ox. नाया० १; —शाला. स्त्री० (-शाला)

अत्र शाला. बैलों का घर; बैल शाला. a
stable for bullocks. निर्मा० ८, ६;
गोणसा. स्त्री० (गोणसा) अवलपणुं; भूर्भृता.
मूर्खता; बैलपन. State of being an
ox; foolishness. विवा० १;

गोणस. पुं० (गोणस) इण्ड विनाला सर्प.
फन रहित सर्प. A serpent without
a hood. (२) सर्प, पिण्ड वगैरे. सर्प,
बिच्छु इत्यादि. snake, scorpion etc.
पञ० १, जीवा० १; नाया० ८; पगढ़० १, १;

गोणी. स्त्री० (गो) गाव. गौ; गाय. A cow.
आव० नि० भा० २३; पि० नि० ११६;
विश० १४११;

गोणसु. त्रि० (गौण) गुणनिष्पन्न नाम;
प्रवृत्ति प्रत्ययना अर्थने अनुसरतुं नाम.
गुण निष्पन्न नाम; प्रवृत्ति प्रत्यय के अर्थ के
अनुसार नाम. A name according to
attributes. नाया० २; पगढ़० १, १;
अणुजो० १३१; (२) गौण; मुख्य नहा वह. minor. पि०
नि० भा० ४;

गौतम पुं० (गौतम) अतगसूत्रना पदेला
वर्गना पदेला अध्ययनतुं नाम. अतगसूत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antagada
Sutra. (२) अंधकृष्ण राजने प्रथम
पुत्र के लिये नेमनाथप्रभु पासे दीक्षा लेने
बार बारस प्रवृत्त्या पाणी शत्रुजय विष
अंध मासने संधारे करी भोले गया. अंधक-
कृष्ण राजा का प्रथम पुत्र कि नेमने
नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वर्ष
पर्यंत प्रवृत्त्या का पालन कर शत्रुजयके ऊपर
एक माम का संधारा कर मोक्ष प्राप्त किया.
the first son of king Andhaka-
vrisni who took Dikṣā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month on Śatruñjaya mount and attained final bliss. अंत० १, १; (२) गौतम गजुधर; महावीरस्वामिना मुष्य शिष्य. गौतमगणधर; महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य. the Gaṇadhara named Gautama. भग० ४२, १; नाया० १६; (३) रोहिणी नक्षत्रनुं गोत्र. रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohiṇī. सू० प० १०; (४) गौतम गोत्रमां उत्पन्न भवेत्. गौतम गोत्रमें जा उत्पन्न हुआ है वह. (one) born in the Gautama family. सू० प० १;

गोतिरथ. न० (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) तलाव-मां उतरवाने आरा. तालाव में उतरने का आरा. A path to descend into a pond. जीवा० ३, ४;

गोत्त. न० (गोत्र-गूषते संशब्धते उच्चारणैः शब्दैर्यत् तत्) वंशने मूल पुत्र-ने नामधी-अट्ठथी-वश आगमातो होय ते. वंश का मूल पुत्र-जिस नाम से-गोत्र से जो वंश पहचाना जाना हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived. सूय० १, २, ७, १; ओव० ११; पि० नि० ५०६; राय० २६; सू० प० १; भग० ३, १; नाया० १६; उवा० १, ७६; जं० प० ७, १५५; (२) त्रि० (गां वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वोद्यमाधार भूतम्) सर्व आगमने आधार. सर्व आगम का आधार. the source of all the scriptures. सूय० १, १३, ६; (३) गोत्र कर्म; आइमांनुं सातभुं कर्म. गोत्र कर्म; आठमें से सातवां कर्म. Gotra Karma;

the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; —अगार. पुं० (—अगार) गोत्रनी भावेडीनुं धर. गोत्र के स्वामित्व का गृह. a house of the same lineage. “ पहीण गोसागाराइ वा ” उषिद्ध गोसागाराइ वा ” भग० ३, ७; —कर्म. न० (—कर्मन्) नेथी ७५ उय नीय गोत्रमां-दुलमां उत्पन्न थाय ते कर्म. जिससे जीव उच्च नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म. a kind of Karma causing birth in a high or low family. ठा० २, ४; —दुग. न० (—द्विक) नाम अने गोत्र. नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव० १२६२; —भेइ. पुं० (—भेदिन्) धन्द्र. इन्द्र. the god Indra. सु० च० २, १५;

गोत्त. न० (गोत्व) गायपत्युं; गोत्वरूप सामान्य जति गोत्व; गोत्वरूप सामान्य जाति. Genus of a cow. विशेष० २१६१;

गोथूमा. पुं० (गोत्सूय-म) लवण समुद्रमां आरे दिशाये जंबुद्वीपनी जम्बतीथी भेतालीस हज्जर जेज्जन उपरे आवेल वेतंधर देवेने रहवाने पर्वत. लवण समुद्रमें चारों दिशाओं में जंबुद्वीप की सीमा से बयालीस सहस्र योजन के ऊपर आया हुआ बेलंधर देवों को रहने का पर्वत. A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavana Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० १, ८; (२) ११ मां श्रेयांसनाथना प्रथम गजुधरनुं नाम. ११वें श्रेयांसनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 11th Śreyānsanātha. सम० प० २३३;

गोथूमा. स्त्री० (गोत्सूमा) पश्चिम दिशाना

अञ्जनकपर्वतनी-पश्चिम तरफ़नी वायव्य
नाम. पश्चिम दिशा के अञ्जनक पर्वत की
पश्चिम तरफ़ की बावड़ी का नाम. Name
of a well on the Añjanaka
mountain in the west. ठा० ४, २;
जीवा० ३, ४; प्रब० १५०२;

गोदास. पुं० (गोदास) अ नामना मुनि. इस
नाम के मुनि. Name of an ascetic.
कप्प० ८;—गोगण. पुं० (—ग ८) महावीरस्वा-
मिना नवगणभानि अेक गण-साधु समुदाय.
महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण-साधु
समुदाय. One of the nine Ganas
or groups of saints founded
by Mahāvira Swāmī. ठा० १;

गोधूम. पुं० (गोधूम) गोधूम; धूर्त. गोधूम;
गेहूँ. Wheat. भग० १४, ७; २१; १; ठा०
३, १; जीवा० ३, ३; जं० ५०

गोपुर. न० (गोपुर गोभिः पूर्यते इति) शहरने
दरवाजे. शहर का दरवाजा. A city-
gate. नाया० ५; १६; भग० २, ७; ८, ६;
उल० ६, १८; आव० अणुजो० १३४; राय०
२०१; निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; जं० ५०
सू० ५० ३;

गोप्य. न० (गोप्यद) गायना पगदा गेटलु
—नेमा पग गुडे तेदलु आभोथीयुं. गौ के
पैर जितने प्रमाण का खड्डा जिसमें गाय
का पैर मात्र डूब सके. A puddle hav-
ing the depth of the measure
of a cow's foot. " जहा समुहो तहा
गोप्यय " अणुजो० १४७; ठा० ४, ४; विशेष०
१४६१;

गोप्ययमित्त. त्रि० (गोप्यदमात्र) गायनी
अरी गेटलु; नातुं आभोथीयुं गौ के खुर
जितना; छोटा खड्डा. Of the measure
of a cow's hoof. e. g. a pit. सु०
च० ३, १२;

गोप्यहेलिया. स्त्री० (गोप्रहेल्या) गायने
सरवाभाटे थोडा घास वाली भूमि. गौओं को
चरने के लिये थोड़े घास वाली भूमि. A
pasture-ground for cows hav-
ing thinly growing grass.
आया० २, १०, १६६;

गोक. पुं० (गुरुक) धुंटी-पगनी अेडी. धुंटी-
एडी. A heel. पण० १, ४;

गोबहुल. पुं० (गोबहुल) शरवण नामना ग्रामभां
रहेनार अेक ब्राह्मणनुं नाम. शरवण नामक
ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम.
Name of a Brāhmaṇa living in
a village named Śrvaṇa.
भग० १५, १;

गोद्वर. पुं० (गोर्वर) मगध देशभानुं अेक
ग्राम. मगध देश का एक ग्राम. Name
of village in the Magadha
country. वि० नि० १६६;

गोभक्षिय. त्रि० (गोभक्षिक) गायनी पेडे
आहार करनेवाला. गौ के समान आहार करने
वाला. A person taking his food
in imitation of a cow. नाया० १५;
गोमंत. त्रि० (गोमन्) गायवाले. गौओं का
रक्षक; गवली. A cowherd; (one)
having cows. विशेष० १४६८;

गोमय. न० (गोमय) गाय. गोबर. Cow-
dung. निसी० १२, ३८; भग० ५, २; आया० १,
१, ४, ३७; २, १, १, १; भक्त० १६२; दस०
५, १, ७;—कीड. पुं० (—कीट) गायने
कीडा-अतुरिंद्रिय शुच. गोबरका कीडा-चतुरिं-
द्रिय जीव. an insect in cowdung;
a four-sensed being. भग० १५, १;
जीवा० १; पक्क० १;—रासि. पुं० (—राशि)
गायने दगले. गोबर का ढेर. a heap
of cow-dung. भग० ८, ९; १५, १;
गोमाउ. पुं० (गोमायु) शुगाल; शिपाव.

शृगाल; सियार; A jackal. नाया० ४;
गोमायुपुत्त. पुं० (गोमायुपुत्र) गोमायुपुत्र
नामना ऐक साधु. गोमायुपुत्र नाम के एक
साधु. An ascetic so named.
भग० १५, १;

गोमाणसिआ-या. स्त्री० (गोमानसिका)
शय्या; पथारी. शय्या; बिछौना. A bed.
(२) लामो ओटलो. लंबा ओटला. a
long verandah. जं० प० राय० १०६;
गोमाणसी. स्त्री० (गोमानसी) शय्या, शय्या.
A bed. जीवा० ३, ४;

गोमिअ. त्रि० (गोमिक गावस्सन्ति अस्येति)
बुद्धो " गोमंत " शब्द. देखो " गोमंत "
शब्द. Vide " गोमंत " अणुजो० १३१;
परह० १, २; दस० ७, १६; १६;

गोमिअ. पुं० (गोमेदक) ऐक जातनो
भण्डि; सचित्त कठिन पृथ्वीनो ऐक भाग.
गोमेद-एक जाति का मणि; सचित्त कठिन
पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त०
३६, ७६; -

गोमिणी. स्त्री० (गोमिनी) गायवाली स्त्री.
गायवाली स्त्री. A woman. possess-
ing a cow. दस० ७, १६;

गोमुत्तिया. स्त्री० (गोमुत्रिका) आलती गाय
मुतरे तेने आकारे वांकी गायरी करवी ते;
धरनी मे पंक्तिमां ऐक बार ऐक पंक्तिना
ऐक धरे व्होदरी पछी रहामी पंक्तिनुं ऐक
धर व्होदरे वणीपाछो पहिली पंक्तिमां ऐक
धर भुकी गायरी करे ऐम गोमुत्रिकाने
आकारे धर व्होदरे ते लिक्षानुं नाम गोमुत्रिका;
लिक्षाना अभिग्रहणेनो ऐक प्रकार. जिस
प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी
आकार में वक गोचरी करना अर्थात् घरों की
दो पंक्तियों में से एक बार एक पंक्ति के एक
घर में से भिक्षा लेकर समीप की पंक्ति के
एक घर से भिक्षा लेना; पुनः पहिली पंक्ति

में एक घर छोड़ गोचरी करना इस प्रकार
गोमुत्रिका के आकार से घर घर भिक्षा लेना
उसका नाम गोमुत्रिका; भिक्षा के अभिग्रह का
एक प्रकार. A vow to beg food; a
particular mode or fashion viz.
in imitation of the zigzag
course described when a cow
moves on shedding a stream
of urine as she walks; e. g.
while begging food from two
rows of houses the ascetic
would begin with the first
house of one row and then go
to the first house of the oppo-
site row then to the second
house of the first row and so
on. उत्त० ३०, १६; ठा० ४, २; ६, १;
दसा० ७, १; प्रब० ७५२;

गोमुत्ती. स्त्री० (गोमुत्रिका) गाय के चलते
मुतरे तेने जे आकार थाय ते. गौ वा बैल
मूत्र करे उसका जो आकार हो वह. The
zigzag shape which is formed
while a cow or a bullock passes
urine while it moves. क०
गं० १, २०;

गोमुह. पुं० (गोमुख) लवण समुद्रमां पांचसे
जेठन उपर दृशान भुशुंमां आवेल गोमुख
नामनो ऐक अन्तर द्वीप. लवण समुद्र मे
पांचसौ योजन पर इशान कोन में आया हुआ
गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvīpa (an island)
in the north-east in Lavapa
Samudra at a distance of 500
Yojanas. ठा० ४, २; प्रब० १४३६; (२)
१२मां द्वीपमां रहेनार भायुस. १२वें द्वीप में
रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पञ्च० १; (३) श्रीऋषभदेव स्वामीना यक्षनुं नाम. श्रीऋषभ-
देव स्वामी के यक्ष का नाम. name of
the Yakṣa of Śrī Rīṣabhadeva
Swāmī. प्रब० ३७५;

गोमुद्दी. स्त्री० (गोमुद्दी) ऐनामनुं ऐक
वाञ्छित; आयना मुञ्जेषु-कादल मञ्जरीया
दिमेरे. इस नामका एक वाजिन्त्र; गौके मुख के
आकरका वाजिन्त्र विशेष. A kind of
wind instrument; e. g. a
bugle etc. अणुजो० १२८; ठ० ७, १;
नाया० १८; राय० ८८;

गोमेद. पुं० (गोमेद) ऐक जतता मल्लि.
एक जातिका मणि. A kind of gem.
पञ्च० १;

गोमेध. पुं० (गोमेध) नेमिनाथञ्जना यक्षनुं
नाम. नेमिनाथजी के यक्ष का नाम. Name
of the Yakṣa of Neminātha.
प्रब० ३७६;

गोशि. पुं० (गोशिम्) त्रयु इन्द्रिय वाला
जिव; कान अञ्जुरे. तीन इन्द्रिय वाला जीव,
कान खजुरा A three-sensed being;
a centiped. पञ्च० १;

गोय. पुं० न० (गोत्र) सांतपु गोत्रकर्म
जेना जित्यथी जय उच्य अक्षता नीय गोत्र
पामे छे. सा. वां गोत्रकर्म जिसके उदयसे
जीव उच्च किवा नीच गोत्र पाना है. The
7th variety of Karma known
as Gotra Karma by the rise
of which a soul gets high or
low lineage. पञ्च० २०; २२; ओव०
२०; नाया० ८; भग० २६, १; विश०
११८७; क० प० १, २६; २, ६; क० गं०
१, ३; ५२; ५, ७९; उत्त० ३३, ३; प्रब०
१२६४; (२) गोत्र; वंश; अक्ष. गोत्र;
वंश; कुलनाम. lineage; family

name. ओव० २७; भग० २, ५; (३)
(गां बाणीं श्रयत इति गोत्रम) गौन धारण
करनुं ते; वाक्संयम. मौन धारण करना;
वाक्संयम. keeping of silence.
सूय० १, १४, २०; —कम्म. न०

(-कम्मन्) जुआं जाय शब्दतो पीजे
अर्थ. देखो "गोय". शब्द का द्वितीय अर्थ.
vide the second meaning of the
word "Gōy". उत्त० ३३, १४; —दुग.

न० (-द्विक) गोत्र द्विक; उच्य गोत्र अने
नीय गोत्र ऐ गोत्रकर्मनी ऐ प्रकृति गोत्र
द्विक; उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो
प्रकृति. the two varieties of
Gotra Karma viz. high and
low lineage. क० गं० २, १४; —मय.

पुं० (-मद) उच्य गोत्र मजे तेने मद
करवे ते. उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका
मद करना. pride of high family.
सूय० १, १३, १४;

गोयम. पुं० (गौतम—गौभिः तमो ध्वस्तं यस्य)
जुआं " गौतम " शब्द. देखो " गौतम "
शब्द. Vide " गौतम " " गौयमोय गो-
तेणं " जं० प० उवा० १, ७६; अणुजो० ८६;

१३४; ओव० ३, ८, उत्त० १०, १; १८,
२०; २३, ६; नंदी० स्थ० २४; भग० ७, १;
१८, १०; नाया० १:६:७:१०: ११; १३; १४;

राय० ७८; (२) सुस्थिक (लवण समुद्र
स्वामि) देवतना गौतम नामे द्वीप. सुस्थिक
देवता का गौतम नामक द्वीप. name of
an island of the god Susthika
the lord of Lavana Samudra.

जावा० ३, ४; (३) गौतम गोत्रमा उत्पन्न
थयेन-मुनि सुवत अने तेमि तीर्थकर नारायण
अने पद्मशिवायना वासुदेव, अक्षदेव, छन्दभूति
आदि त्रयु गणधर वगेरे. गौतम गोत्र में
उत्पन्न मुनि सुवत व तेमि तीर्थकर;

नारायण व पद्मके सिवाय बासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूति आदि तीन गणधर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and NemiTirthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyaṇa and Padma; the three Gaṇadhara e. g. Indra-bhūti etc. डा० ७, १; (४) पुं० गो-शावानो षोडशपरिहार-कल्पित अवतारतुं नाम. गोशाला का छठा पउट परिहार-कल्पित अवतार का नाम. the imaginary sixth incarnation of Gośālā. भग० १५, १; —गोत्त. न० (-गोत्र) इन्द्रभूति गणधरतुं गौतम गोत्र. इन्द्रभूति गणधर का गौतम गोत्र. the family named Gautama to which the Gaṇadhara Indrabhūti belonged. भग० १, १; ३, १; —सामि पुं० (-स्वामिन्) गौतमस्वामी गौतम स्वामी. Gautama Swāmi. नाया० १६;

गोयमकुमार. पुं० (गौतमकुमार) अंधक वृष्णिपुराजने कुमार; दश दशरभानो अंधक. अंधकवृष्णि राजा का कुमार; दश दशरभ में से एक. A son of king Andhaka Vṛṣṇi; one of the ten Dīśāras. अंत० १, १;

गोयमदीव. पुं० (गौतमद्वीप) लवण समुद्रमां गौतमद्वीप नामको टापु छे त्यां सुस्थित नामको लवणसमुद्रको अधिपति रहे छे. लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lavana Samudra where the lord of that ocean resides, सम० ६७;

गोयमपुत्र. पुं० (गौतमपुत्र) गौतमको पुत्र

अर्जुन. गौतम का पुत्र अर्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmi. भग० १५, १;

गोयर. पुं० (गोचर-गौरिव चराते यस्मिन् सः) गायरी: साधुओ गौवृत्तिथी, शिक्षा लेवा नुं ते. गोचरी; साधु का गौवृत्ति से भिक्षा लेने के वास्ते जाना. Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. पि० नि० १६४; राय० २३५; सम० प० १६८; उत्त० १६, ५१; ओष० नि० भा० ६६; नाया० १; भग० २, १; वेय० ६, १६; दसा० ७, १; (२) स्थान. स्थान. a place. विशेष० १६६; भग० ७, ६; (३) स-मुख; प्रत्यक्ष सन्मुख; प्रत्यक्ष. in front of; in presence. दसा० ५, २; (४) विषय; संबंधी विषयमें; संबंधमें. relating to. जं० प० ३, ३६; पंवा० ५, ३; —काल. पुं० (-काल) गायरीको समय. गोचराका समय. time of begging food. दसा० ७, १; —चरिया. स्त्री० (-चर्या-गोश्चरणं गोचर इव चर्या) गायरीकी चर्या. गोचरी का चर्या. mode of proceeding to beg alms दसा० ७, १;

गोयरग्ग. न० (गोचराग्न्य) अत्र प्रधान-श्रेष्ठ-गायर-बिक्षा; आधा इमादि दोष रहित बिक्षा-गायरी. अत्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोचर-भिक्षा; आधाकर्मादि दोष रहित भिक्षा-गोचरी. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Ādhākarma etc. उत्त० २, २६; ३०, २६; दस० ५, १, २; १६; ६, ५७; —गअ. त्रि० (-गत) बिक्षा-भाटे गये. भिक्षाके लिये गया हुआ. gone to beg alms. दस० ५, १, २; —पवट्टि. त्रि० (-प्रविष्ट) जुओ " गोयरग्गअ "

शब्द. देखो " गोवरगगच्छ " शब्द.
vide "गोवरगगच्छ " दस० ५, १, १६;
६, ५७;

गोयावाय. पुं० (गोत्रवाद) गोत्रना नामथी
डाँधने ओलावतुं-गेम डे-हे गौतम. गोत्र के
नाम से किसी को पुकारना; यथा-हे गौतम.
Addressing a person by his
family-name.. सूय० १, ६, २७;

गौर. त्रि० (गौर) सङ्केद; उज्ज्वल; धौगुं. श्वेत;
उज्ज्वल; सफेद. White. श्रोक० २६; पञ्च०
२; उवा० १, ७६; —खर. पुं० (—खर)
धौगो. गर्दभ-गर्धेडो. श्वेत गर्दभ; सफेद
गधा. a white ass. पञ्च० १; —मिग.
पुं० (—मृग) सङ्केद डरलु. श्वेत मृग; सफेद
हिरन. a white deer. आया० २, ६,
१, १४५; —मिय. न० (—मृग) सङ्केद
डरलु. श्वेत मृग. a white deer. निसी०
७, ११;

गौरव. न० (गौरव) गौरव; महिमा;
मोटाई. गौरव; महिमा; बडाई. Great-
ness; glory. विश० ३४७३; जं० प०
सू० प० २०;

गोरस. पुं० (गोरस-गवां रसः स्युःपत्ति-
स्त्वेवम-प्रवृत्तिस्तु महीष्यादीनां दुग्धादि
रूपं रसे) दहि-दूध-छाश पगेरे. दही-दूध-
छाछ इत्यादि. Milk, curds, whey
etc. पि० नि० ५७; नाया० ८; १७; प्रव०
१४२६;

गोरहग. पुं० (गोरथक) तलु वर्षनी-नानो
वाछो. तीन वर्ष का-छोटा बछड़ा. A
young ox three years old.
आया० २, ४, २, १३८; सूय० १, ४, २,
१३; दस० ७, २४;

गोरी. स्त्री० (गोरी) अंतगःसूत्रना पांथभां
वर्गना भीम अध्ययनतुं नाम. अंतगड
सूत्र के पांचवे वर्ग के द्वितीय अध्ययन का

नाम. Name of the second chap-
ter of the fifth section of
Antagada Sūtra. (२) कृष्ण वासु-
देवनी ओंके पट्टरानी के जे नेमनाथ प्रभु की
देशना सांभली विरक्त थय यक्षिणी आर्याणि
पासे दीक्षा अंगीकार करी ११ अंग भएली
वीस वर्षनी प्रव्रज्या पाणी ओंके भासनो
संधारे करी निर्वाणपद पाभ्या. कृष्ण वासु-
देव का एक पट्टरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की
देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी
आर्या से दीक्षा अंगीकार की व ११
अंगों का अभ्यास कर बीस वर्ष की प्रव्रज्या
का पालन कर एक मास का संथारा कर
निर्वाण पद को प्राप्त हुई. name of a
principal queen of Kṛṣṇa
Vāsudeva. She gave up world-
ly attachment as a result of
the preaching of Nemanātha
and took Dikṣā from a nun
named Yaksini. After study-
ing 11 Aṅgas and practising
asceticism for twenty years
she attained to salvation after
one month's Santhārā (giving
up food and water). अंत० ५, २;
ठा० ८, १; (२) पार्वती. पार्वती. the
goddess Pārvatī. सूय० २७, २७.
सु० च० २, ३३; (३) गौरवर्णवाणी स्त्री.
गौर वर्णवाली स्त्री. a woman with
fair skin. अणुजो० १२८; ठा० ७, १;
गोरोचण. न० (गोरोचन) गोई अंदन. लाल
चंदन. The bezoar stone. पंचा०
४, १५;

गोल. त्रि० (गोल) गोत्र; लंपाटा, गोला
पगेरे. गोल; गोटी, गोली इत्यादि. A
small ball etc. for play. अणुत०

३, १; भग० १०, ५; १३, ३; पञ्च० १; जं० प० ७, १७; सू० प० १८; (२) काश्यप गोत्रणी ऐक शाखा अने तेमां वितपन थयेल पुरुष. काश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it. ठा० ७, १; (३) कोई ऐक देशमां वपरायेक अपमान सयक सम्भोधन. किसी मुलक में प्रचलित अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect). नाया० ३; आया० २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं० (गोलगूल) वानर. बंदर. A monkey. भग० १२, ८; —वसभ.

पुं० (—वृषभ) भोटोटी वानर. बड़ा बंदर. a big monkey. भग० १२, ८;

गोलय. पुं० (गोलक) गोला; गोण पिण्डो; दंडो. गोला; गेंद; A ball. उत्त० २६, ४०;

गोलवट्ट. त्रि० (गोलवृत्त) गोलाकारे; वर्तुल. गोलाकार; वर्तुलाकृतिमें. Round: circular. सम० ३५; जं० प० ७, १७०; २, ३३;

गोलव्वायण. न० (गालवायन) अनुराधा नक्षत्रनुं गोत्र. अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā. सू० प० १०;

गोलिकायण. पुं० (गोलिकायन) कैशिक गोत्रणी शाखा. कैशिक गोत्र की शाखा. A branch of the lineage named Kausika. (२) ते शाखाभांति पुरुष. उस शाखामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage. ठा० ७, १;

गोलियसाला. स्त्री० (गोलिकशाला) गोण वेयधानी दुकान. गुड बेचने की दुकान. A

shop for selling treacle. (१) आयेने दोहवानुं स्थान. गौब्रांका दूध निकालने का स्थान. a place for milking cows. वव० ३, १; ७;

गोलुकि सह. पुं० (गोलुकि शब्द) गोलुकी नामना वाञ्छितो शब्द. एक प्रकारके वाजिंत्र का शब्द. Sound of a musical instrument. निसा० १७, ३३;

गोलोम. पुं० (गोलोम) ऐ धृदियवाणो शुभ; (छात्रुमां थाय छे ते.) दो हृदिय वाला जीव-गोबर में होता है वह. A two-sensed being; (found in cowdung). पञ्च० १; निसा० १०, ५०; (२) गायनुं द्वाकुं. गौ का हवा. the fur of a cow. कप्प० ३, ५७;

✓ **गोव.** धा० I, II. (गुप्) अयावयु; धुप-वयुं. बचाना; छिपाना. To hide; to protect.

गोवेह. नाया० १६;

गोवसि. सु० च० १५, ६;

गोविला. सं० कृ० नाया० १६;

गोविल्ल. हे० कृ० नाया० १६;

गोव. पुं० (गोव-गां भूमि वा पालि रक्षति) गोवाण. गवली; म्वाला. A cowherd. विश० २६५९; पिं० नि० ६६७; भत० ८१;

गोवलायण. न० (गोवलायन) पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रनुं गोत्र. पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Pūrvāfalgunī constellation. सू० प० १०; जं० प० ७, १५६;

गोवालिआ. स्त्री० (गोपालिका) गोपालिका नामनी आर्या. गोपालिका नामक आर्या. Name of a nun. नाया० १६;

गोवाली. स्त्री० (गोवाली) ऐ नामनी ऐक वेत. इस नाम की लता. Name of a creeper. पञ्च० १;

गोबीहि. ली० (गोबीधि) शुक्रनी गति विशेष.
शुक्र की गति विशेष. A particular
kind of motion; the motion of
Venus. ठा० ६, १;

गोस. पुं० (*) प्रातःकाल; सवार.
प्रातःकाल; सवेरा. Morning; dawn.
सू० च० २, ११; ४, २०२; प्रव० १६१;
पंचा० १, ५०; —करणीय. त्रि० (-कर-
णीय) सवारमां धरवा लायक (धर्म-
ध्यानादि). प्रातःकाल में करने योग्य (धर्म-
ध्यानादि). (anything) to be done
in the morning; i. e. religious
meditation etc. सू० च० २, ७५;

गोसाल. पुं० (गोशाल) गोशाला-भोज्य
पुत्र, जेनुं विवरण भगवती सूत्रना १५ भा
शतकमां छे. गोशाला मंखलि पुत्र, जिस
का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक
में है. Gośālā—the son of Man-
khali, described in the 15th
Śataka of Bhagavati Sūtra.
भग० १५, १; नाया० १६; उवा० ७, १८८;
गोसालग. पुं० (गोशालक) जुआ उपेक्ष
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
प्रव० ७४०; —मय. न० (-मत) गोशाला-
नो मत. गोशाला का मत. the tenet
of Gośālā. प्रव० ७४०;

गोसीस. न० (गोशीर्ष) गायना भस्तकमांथी
निकलतुं गोरायन. गौ के मस्तक में से निक-
लने वाला गोरौचन. A yellow pig-
ment found in the head of a
cow. जं० प० ५, ११४; पञ्च० २; सम० प०
२१०; नाया० १; भग० ९, ३३; १५, १;
बोव० (२) गायनुं भस्तक. गौ का मस्तक.

the head of a cow. सू० प० १०;
—आवलि. ली० (-आवलि) गायना
भस्तकानी पंक्ति. गौ के मस्तकों की पंक्ति.
A line of the heads of cows.
सू० प० १०;

गोह. पुं० (गोघ) जुआ “ गोहा ” शब्द.
देखो “ गोहा ” शब्द. Vide “ गोहा ”
पयह० १, १; उत्त० ३६; १८०; जीवा० १;
दसा० ६, ४;

गोहा. ली० (गोघा) घेा; सरडा जेनुं अेक
यपटुं प्राणी अेने लीगडा अेने बार पय
होय छे, रात्रे शिकार सारं उदार नीकले छे
अेनी अे जत छे-यन्दनघे अेने पांढरा घे.
घा जेसा एक चपटा प्राणी-उसके शरीर पर
छिलके व चार पैर हांते हैं, रात्रि को शिकार
के वास्ते निकलती है उसकी दो जाति हैं-
चंदनघा व पाटलाघा. A lizard-like
animal having scales and four
feet. It moves out in search
of prey at night. It is of
two kinds. (1) Chandanagho
and (2) Pātlagho. नाया० ८; सूय०
२, २, ६३; २, ३, २५; भग० ८, ३; १५, १;
—आवलिया. ली० (-आवलिका) घेनी
पंक्ति. घा की पंक्ति. A row of lizard-
like animals. भग० ८, ३;

गोहिआ-या. ली० (गोधिका) लांड लेकनुं
अेक जतनुं पाशुत्र. भांड लोगों का एक
तरह का वाजित्र. A kind of musical
instrument used by tumblers
etc. अणुजा० १२८; आवा० २, ११, १६८;
ठा० ७, १; विवा० ७; (२) सामान्य घेा.
सामान्य घा A kind of lizard. जीवा०

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

१; —सह पु० (-शब्द) आंझना वाजि-
त्रनो शब्द. आंझो के वाजित्र का शब्द.
the sound of a musical instru-
ment of a bard. निसी० १०, ३५;
गोही. स्त्री० (गोही) गोहली. गोहली. A
female lizard-like animal.
जीवा० १;
गोहूम. पु० (गोहूम) धुँ; धान्यनी अक्ष
मत्त. गोहूँ; धान्य की एक जाति. Wheat;
a kind of corn. पञ्ज० १; वेय० २, १;
प्रव० १००६;
✓ गह. धा० II. (गह) ग्रहण करवुं.
ग्रहण करना. To accept.
गहेइ. निसी० १, ५४;
गहेही. भ० सु० च० ८, १२७;
गहिउं. सं० कृ० सु० च० १२, १७३;
गहेऊख. सं० कृ० नाया० १६;
गहाय. उत्त० ४, २; अणुजो० १४८; भग०

२, १; ३, १; ५; ६, १०; ८, ३३;
११, ६; १३, ६; १५, १; १६, १;
नाया० १; २; ३; ५; ७; ८; १६;
१८; दसा० ७, १; १०, ३; विवा०
२; ६; ७; निसी० ३, ८२; ७, २६;
६, ४; बव० ७, १७; ८, ११; राय०
३३; वेय० १, ३७; निर० ३, ३;
माहेइ. प्रे० नाया० ५; ओव० ३०;
गाहाबह. प्रे० वि० सु० च० १०, १२६;
गाहेहिनि. प्रे० भ० भग० ७, ६; जं० प०
२, ३६;
गाहस्सं. प्रे० भ० विशेष० १४५६;
गाहिता. प्रे० सं० क० भग० ७, ६; ओव०
३०; "
गाहेता. प्रे० सं० क० नाया० ५;
✓ गघा. (घा) संधवे। संधना. To smell.
जिघह. निसी० १, ८; ६, ५;
जिघ्वंत. निसी० १, ६;

घ.

* घंघ. त्रि० (*) गरीब अनाथ. गरीब; अनाथ.
Poor; destitute. पिं० नि० ३४५;
—साला. स्त्री० (-शाला) अनाथालय;
धर्मशाला. अनाथालय; धर्मशाला. A
house of charity for the help-
less. ओव० नि० ६३६;
घंट. पुं० (घट्ट) घंटड़ी; टोडरी. घंटी. A
bell. भग० ९, ३३; सु० च० २, ३०३;
प्रव० ११४७; जं० प० २, ११५; —रव.
पुं० (-रव) घंटनो अवाज. घंटेकी आवाज.
घंटा का नाद. Sound of a bell
नाया० ८;

घंटा. स्त्री० (घंटा) घंटड़ी; टोडरी. घंटा. A
bell. ओव० नि० भा० ८६; ओव० ३०;
नाया० १, ३; राय० ३७; जं० प० ५, ११५;
उवा० ७, २०६; —आवलि. स्त्री० (-आ-
बलि) घंटानी पंक्ति. घंटों की पंक्ति. A
series of bells. नाया० १; राय० ओव०
घंटिका-य. पुं० (घण्टिक-घण्टया चरन्ति तां
वाद्यन्तीति घण्टिकाः) घंटा बजाती बिक्षा
भागनार; राउलिक. घंटा बजाकर भिक्षा
मांगने वाला; राउलिक. One who
begs alms by ringing a bell; a
Rāulika. नाया० ६; कप्प० ५, १०७;

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखा पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

घंटीआ-या. स्त्री० (घण्टिका) घण्टाडी; धुंधरी. घंटी; घुंघरी. A bell; a small bell. राय० ४४; जीवा ३, ३; नाया० ३; प्रव० ११३; (२) अंड ज्वलन्तुं आभरण एक जातिका आभरण. a kind of ornament. जं० प० ५, ११५; उवा० ७, २०६; नाया० ६; —**जाल.** न० (—जाल) घंटीओतो, धुंधरीओतो समूह. घंटियों का समूह; घुंघरियों का समूह. a collection, bunch of small bells. भग० ६, ३३;
घंतु. त्रि० (घातुक) मारतार; घात करतार. मारनेवाला; घात करनेवाला. A killer; a destroyer. “रमणिकेण घंतुणा” उत्त० १८, ७;

घंसण न० (घर्षण) घसवुं. घिसना. घर्षण. Rubbing; friction. विशेष २०४३; नाया० १;

घंसिअ-य. त्रि० (घर्षिक) अंदनती पें; घसेवुं; घरेवुं. चन्दन की तरह घिसाहुआ. Rubbed against a hard substance; e. g. Sandal-wood. ओव० ३८;

घकारपरविमल्लि पुं० (घकारप्रविमल्लित) “घ” ना आकार जे ३० नाटकमानुं अंड. “घ” की आकृति जैसा; ३२ नाटक में से एक. Anything of the shape of the letter “घ” one of the 32 dramas. राय० ६३;

✓ **घट्ट.** प्रा० I, II. (घट) स्पर्श करवे; दशावयुं स्पर्शकरना; हिलाना To touch; to give motion.

घट्ट. भग० ३, ३; राय० २६६;

घट्टेह. नाया० ३;

घट्टांत. नाया० ४;

घट्टिआ. वि० दस० ६;

घट्टेआ. वि० दस० ४;

घट्टाबिजा. वि० वि० दस० ४;

घट्टावेआ. वि० वि० दस० ४;

घट्टिब. सं० कृ० पि० नि० २५४;

घट्टेउं. ओघ० नि० ३००

घट्टंत. व० कृ० दस० ४;

घट्टग. न० (घटक) घसवाने पत्थर. घिसने का पत्थर. A hard stone used for rubbing things against. ओघ० नि० ४०१;

घट्टण न० (घटन) अघट्टेथवे; अथघवुं. संघट्टा होना; अथडाना. Clash; collision. दस० ४; डा० ६, ४; पंचाव० १५, ३१;

घट्टणया. स्त्री० (घट्टना) अघट्टे धरवे; आरुद्धने घसवुं. संघट्टन करना; जोरसे दबा कर घिसना. Rubbing with great pressure. पञ्ज० १६; ओव० ३८;

घट्टिय त्रि० (घट्टिन) भाँसिभाँसि स्पर्श याव तेरी रीति दसावेस; घट्टना-इस्तना पामेस. परमार स्पर्श हो इस तरह हिलाया हुआ. caused to collide; moved in a way to cause friction. “घट्टियाण् कट्टियाण् खेमियाण्” जं० प० १; राय० १२८; १० नि० ५२३; (२) स्पर्ष्ट स्पृष्ट. touched. गरह० १, ३; (३) प्रेरणा करेस. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित. directed; instructed. पणह० १, ३;

घट्ट. पि० (घट) घसेवुं; पावीश करेवुं; पत्थरनी पें; साइ करेवुं घिसाहुआ; पत्थर के समान साफ किया हुआ. Rubbed; polished. ओव० ४३; आया० २, २, १, ६४; २, ५, १, १४४; अणुजो० २१; सू० प० जीवा० ३, ४; भग० २, ८; जं० प० ओघ० नि० ६८; पञ्ज० २; वेय० १४४; सम० प० २११; राय० कण० ३, ३२; ६, २;

✓ घड. धा० I, II. (घट्) ध३पुं; टी५पुं.

घटना; बनाना. To hammer; to fashion. (२) घटना करनी. घटना करना. to mould.

घडह. सु० च० २, १८५;

घडेयो. नाया० ८;

घडित्तए. हे० कृ० नाया० ८;

घडंत. भक्त० ४७;

घडेंति. भग० ११, ६; जं० प० ५, ११४;

घडित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

घड. पुं० (घट-घटतेऽसौ घटनाह वा घटः)

धोडा; कलश. घडा; कलश. A pot; a pitcher. विशेष० ६१; भग० ५, ४; ८,

१०; पञ्च० २; पिं० नि० ८८; १३२; ओव०

अणुजो० १३१; सम० २५; पंचा० ६, ११;

प्रव० ६४५: —कार. पुं० (—कार)

ध३पते जनायता; कुं०२. घट बनाने वाला

कुंभकार; कुंभार. & potter. विशेष० १८१५;

—दास पुं० (—दास) पाण्डुी भरल्यार

नोकर. पानी भरने वाला नौकर. a servant

employed to fetch water.

आया० २, ४, १, १३८: —दासी. स्त्री०

(—दासी) पाण्डुी भरल्यारी दासी. पानी

भरने वाली दासी. a servant-maid

employed to fetch water. सूय०

१, १४, ८: —मुह. पुं० (—मुख)

ध३पुं० मोटुं. घटका मुख; घडे का मुह.

the mouth of a pot. सम० १७४;

घडक. पुं० (घटक) धोडा. घडा; घट. A pot. अणुजो० १३२;

घडग. पुं० (घटक) धोडा. घडा; घट. A pot. नाया० १६; जं० प०

घडण. न० (घटन) उद्यम; प्रयत्न. उद्यम;

प्रयत्न. Effort; industry. परह० २, १;

घडणा. स्त्री० (घटना) घटना करनी; योजना

करना Formation.

विशे० १२०७; पंचा० १२, ४२;

घडस्त. न० (घडत्व) ध३पते आ३; घटपणुं.

घडे का भाव; घटत्व. State of being

a pot. भग० ३, ३;

घडत्ता. स्त्री० (घडत्ता-घटा समुदायरचना

तद्भावः तत्ता) समुदाय रचनाने आ३.

समुदाय रचना का भाव. Formation

of group. जीवा० ३, २; भग० ५, ३;

११, १०; १८, १०;

घडय. पुं० (घटक) लु०ओ " घडग " शब्द.

देखो " घडग " शब्द. Vide " घडग "

नाया० ७; उवा० ७, १६४;

घडि. त्रि० (घटिन्) ध३पते। घडा वाला.

(One) having a pot. अणुजो० १३१;

घडिगा. स्त्री० (घटिका) भाटीनी कुलडी.

मिश्र की कुलडी. A small earthen

vessel. सूय० १, ४, २, १८;

घडिमत्तय. न० (घटिमात्रक) ध३पते आ३रे

भाटिनुं सम. छोटा मिश्रका बरतन. A

small earthen pot. वेय० १, १६;

घडिय. त्रि० (घटित) घटना करेस; भेजवेस.

घट । किया हुआ. Formed; joined.

जीवा० ३, ३;

घडियव. त्रि० (घटितव्य) घटना करनी;

सांध भेजवनी. संयुक्त करना; सांधा जुडाना

Uniting together; bringing

together. नाया० १; ५; भग० ३, ३३;

घण. पुं० (घन) दहीनि अभेस यडो. दही का

जमा हुआ चक्का. thick curd. " दहि

बगो " पञ्च० १७; जं० प० ५, ११२; १७, १४०;

५, १२१; (२) नऊरे वाजंन घंसिया,

जाज रगेरे ठोस वाजंन, भांक इर्याद.

a bronze musical instrument.

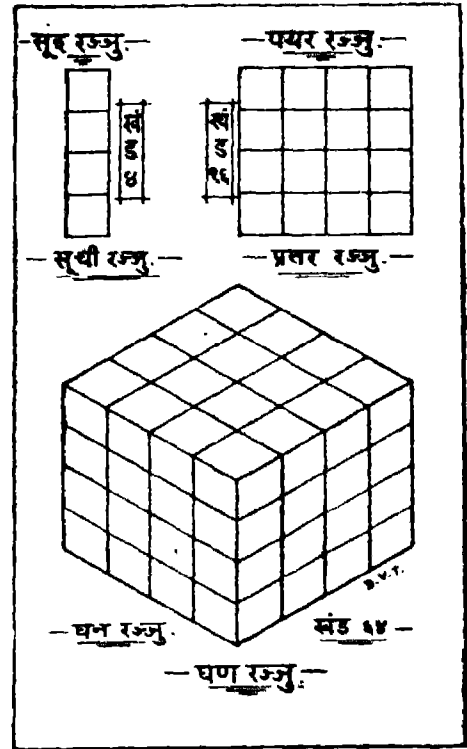
जं० प० १, १२; जीवा० ३, ४; राय० ६९;

भग० ५, ४; ठा० २, ३; ४, ४; (३)

६६; ३६; भण्युत; छिद्रवगर्तुं. दृढः कठिनः छिद्र रहित. hard; firm; free from holes. राय० ३२; १०६; २५४; विशे० ११३५; पि० नि० भा० १७; पञ्च० १; २; ३६; सू० प० १६; आ० ४३; भग० ५, २; (४) धादुः गाढः गन्धुः घटः गाढा; मोटा. thick; dense. पि० नि० भा० ३२; आ० नि० भा० ३१३; कण्ठ० ३, ४४; प्रब० ५१२; ५३५; क० गं० १, २०; (५) विस्तार. विस्तार. extent; area. विशे० २६०१; (६) भेद्य. मेघ. a cloud. भग० २, १; पञ्च० २; पराह० १, ३; नाया० ६; पि० नि० १७५; कण्ठ० ३, ३३; गच्छा० ६५; (७) व्याप्तमाना असंख्यात प्रदेशानु धनरूप पिण्ड. आत्मा के असंख्यात प्रदेश का घन रूप पिण्ड. body consisting of countless atoms of the soul. भग० ५, ६; (८) समान गतिना आंशु त्रय वपुत गुणवर्ती के आंशु आवे तेः गति के भेदो घन आह, त्रयुता सत्तायाम्, यारनो यासः वगेरे. समान जाति के अंक तीन बार गुनने से जो अंक आता है वहः यथा दो का घन आठ, तीन का सत्तावीस, चार का चौसठ इत्यादि. number got by cubing a numerical quantity. पञ्च० १०; (९) व्याप्त पदोत्राष्ट अने गताष्ट अं त्रयुनुं मान गेमां आवे तेः घनरूपे आवोक्तुं परिमाण सातराज छे. लंबाई चौड़ाई व मोटाई इन तीनों का मान जिसमें आता है वहः घनरूप में इस लोक का परिमाण सात राज है. a cubic measure as that of this world. " सत्तरञ्जुमावचयो " क० गं० २, ६७; (१०) ध्युः अहु. बहुत; अतिशय. much; more. प्रब० १४८६; (११) नागरमेथ नागरमोथ. a fruit of a medicinal

plant. सु० च० २, ७७; (१२) डंसिया वगेरे वाद्यं तनुं शब्द. कांक इत्यादि वाजित्र का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze. भग० ५, ६; —आयत. न० (-आयत) गताष्ट अने पदोत्राष्ट युक्त आयत संज्ञायुः नक्षत्र वस्तुनी व्याप्त. आयत संज्ञा; ठोस वस्तु की लंबाई, चौड़ाई व मोटाई. having length and breadth. भग० २५, ३; —करण. न० (-करण) धर्मो अथ भण्युत करवो; निव्यड धर्म अथ करवो ते. कर्मों की बांधना, दृढ करना; निव्वड कर्म-बंध करना. tightening the bond of Karma. पि० नि० १०१; —चतुरस्र. न० (-चतुरस्र) नक्षत्र वस्तु चौरस संज्ञायुः ठोस वस्तु का चौरस संज्ञा. a quadrangular solid. भग० २५, ३; —त्रैस्र. न० (-त्रैस्र) नक्षत्र रूप त्रिकोण संज्ञायुः ठोस त्रिकोण संज्ञा. (anything) triangular. भग० २५, ३; —तत्र. न० (-तत्र) प्रतरने अणि गुण करती घन थाय, अथवा व्याप्त पदोत्राष्ट अने गताष्ट सरणी होय ते घनः व्याप्ता तरीके यार कोष्टकी अणु होय तो सोण कोष्टना प्रतरने यार गुणतां यासः कोष्ट थायः प्रतरना सोण कोष्टने व्याप्ता अतायता. घन कोष्ट थायः तेम त्रयी शक्य नहीं, गंथी प्रतर तत्र प्रमाण्य यारप्रतर तत्र करवाथी, घन तत्र थाय छे, ते समञ्ज त्रैयुं. प्रतर व अणि का गुना करने से घन होता है, अथवा लंबाई, चौड़ाई व मोटाई समान हो वह घन; उदाहरण-चार कोष्टक की अणि हो तो सोलह कोष्टक के प्रतर को चार से गुनने से चौसठ कोष्टक हो; प्रतर के सोलह कोष्टक को चार गुना करने से घन

कोष्टक हों; इस तरह लिखा नहीं जा सका। इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने से घन तप समक लेना. the cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent x , Ghana Tapas would represent x^3 उत्त० ३०, १०; —परिमंडल न० (—परिमण्डल) नक्षर रूपे वर्तुल आकार; घन परिमंडल संज्ञाण. (anything) circular in shape. भग० २५, ३; —माला. स्त्री० (—माला) मेघ-मात्रा. मेघ माला. a line of clouds. भक्त० १२५; —मणि. त्रि० (—मणि) धरा मणि. बहुत मणि. many gems. प्रव० १४८६; —मुद्ग. पु० (—मुद्ग) भेड़तुं नगरं. मुद्ग; डोल; बड़ा नक्कारा. a big drum. ज० प० ५, ११५; कप० २, १३; —रज्जु. स्त्री० (—रज्जु) जेनी लंघाण पड़ोनाण अने जगण सरभी थाय ओदी रीते राजनं परिमाण करतुं ते जिमका लंबाई, चौड़ाई व मोटाई समान हो इस रीति से राज का परिमाण करना. a unit of measure in which length, breadth and thickness are equal. (२) रज्जु ओटले राज डे जे लोकता क्षेत्रनं परिमाण अतावे छे. आण लोक उक्तराज्जु भापतां १४ राज परिमित थय छे आ माप तलु प्रकारे अतावे छे. सूचि, प्रतर अने घन. जेमां लंघाण अताववामां आवे पड़ोनाण नहि, ते सूचि. जेमां लंघाण अने पड़ोनाण अने दर्शववामां आवे ते प्रतर. जेमां लंघाण पड़ोनाण अने उंचाण ओ तलु अताववामां आवे ते घन तलु प्रकारे आ यित्रमां अताववामां आया छे. रज्जु अर्थात् राज कि जो लोक के क्षेत्र का



परिमाण बतलाता है. सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है. यह माप तीन प्रकार से बतलाया गया है. सूचि; प्रतर और घन. जिसमें केवल लंबाई बतलाई जाती है वह सूचि जिसमें लंबाई और चौड़ाई दोनों बतलाई जाती है वह प्रतर. जिसमें लंबाई, चौड़ाई और उंचाई ये तीनों बतलाई जाती हैं वह घन. तीनों प्रकार इस चित्र में बतलाये गये हैं. Rajju means Rāja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region), the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja. this measure is displayed in three ways, viz. Sūchi, Pratar and Ghana. The measure by which

length and breadth are calculated is called Pratarā and Ghana is that by which length breadth and thickness are measured. All these three ways are exhibited in the picture. प्र० ६२१. — **घट्ट**. न० (-वृत्त) नक्षत्र योगाकार; आधुनी भा३६. ठोस गोलाकार. (anything) solid and globular or round like a ball. भग० २६, ३; — **वात**. पुं० (-वात) ऋग्वेदा ' घणवाय ' शब्द. देवो ' घणवाय ' शब्द. vide ' घणवाय ' भग० २०, ३; — **वाय** पुं० (-वात) धर्मादिव अथवा विमान आदिना आधारभूत अभेदा अरु देवो अथवा श्रीदेवा श्री देवो अरु प्रक्षरन्ती इति वायु. धनोद्गाथ अथवा विमान आदि के आधार भूत जमा हुआ बरफ जैसा अथवा जमे हुए घृत जैसा एक प्रकार का गाढ़ा वायु, a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter). उल० ३६, ११८; भग० १, ६, २, १०; १०, ५; १०, ११; पल० १; जीवा० ३, ३. — **वायवलय**. पुं० (-वातवलय) वलयाकारे रोंडित धनवायु. वस्तुलाकार में रहा हुआ घनवायु; वलयाकार में रहा हुआ घनवायु. thick, condensed air remaining in a circular form. भग० १०, ११; — **संताण** अ. पुं० (-संताणक) इरेणीयानु प०. मकड़ी का जाला. a cobweb. आ० २६२; — **समह** पुं० (-समह) जे योगभां यद् अने सूर्य मद् तथा नक्षत्राणी यन्मयां यद् व्याजे ते योग. जिस योग में चंद्र व सूर्य, ग्रह व नक्षत्र के मध्यस्थ होकर गति करते हैं वह योग

the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation. सू० प० १३; — **सह**. न० (-शब्द) नक्षत्र वाज्रिना शब्द नक्षत्र वाज्रि के शब्द. the sound of a certain musical instrument निर्मा० १०, ३५;

घणसार. पुं० (घनसार-घनस्य मुस्तकस्य सारः) ६५३. कर्पूर. Camphor. सू० च० २, ७७;

घणघणाह्वय. न० (घनघनायित ' अथने वायु वायु अथवा अथवा थाय ते रथका घण घण ऐसा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chariot. राय० १८३; पण० १, ३; भग० ३, २; जीवा० ३, ८;

घणघाह न० (घनघातिन) धनघाती धर्मः जानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय अने अन्तराय ये चार धर्म घनघाता कर्म; जानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अन्तराय ये चार कर्म. The four Karmas viz Jñānavarṇiṇya, Mohanīya, Darśnavarṇiṇya and Antarāya; these four Karmas are known as Ghanaghāti Karmas. क० ग० ५, २७;

घणदंत पुं० (घनदन्त) घनदन्त नामना अन्तरद्वीपमां रोंडित भनुष्य. घनदन्त नामक अन्तर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य. A resident of an island named Ghanadanta. पल० १, जीवा० ३, ३; (२) लवण समुद्रमां नवसे जेवनपर घनदंत नामने अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में नवसे जेवन पर घनदंत नामक अन्तर द्वीप. name of an island in Lavana Samudra at a distance of 900

Yojanas inside. प्रव० १४४१; ठा० ४, २; ६, १;

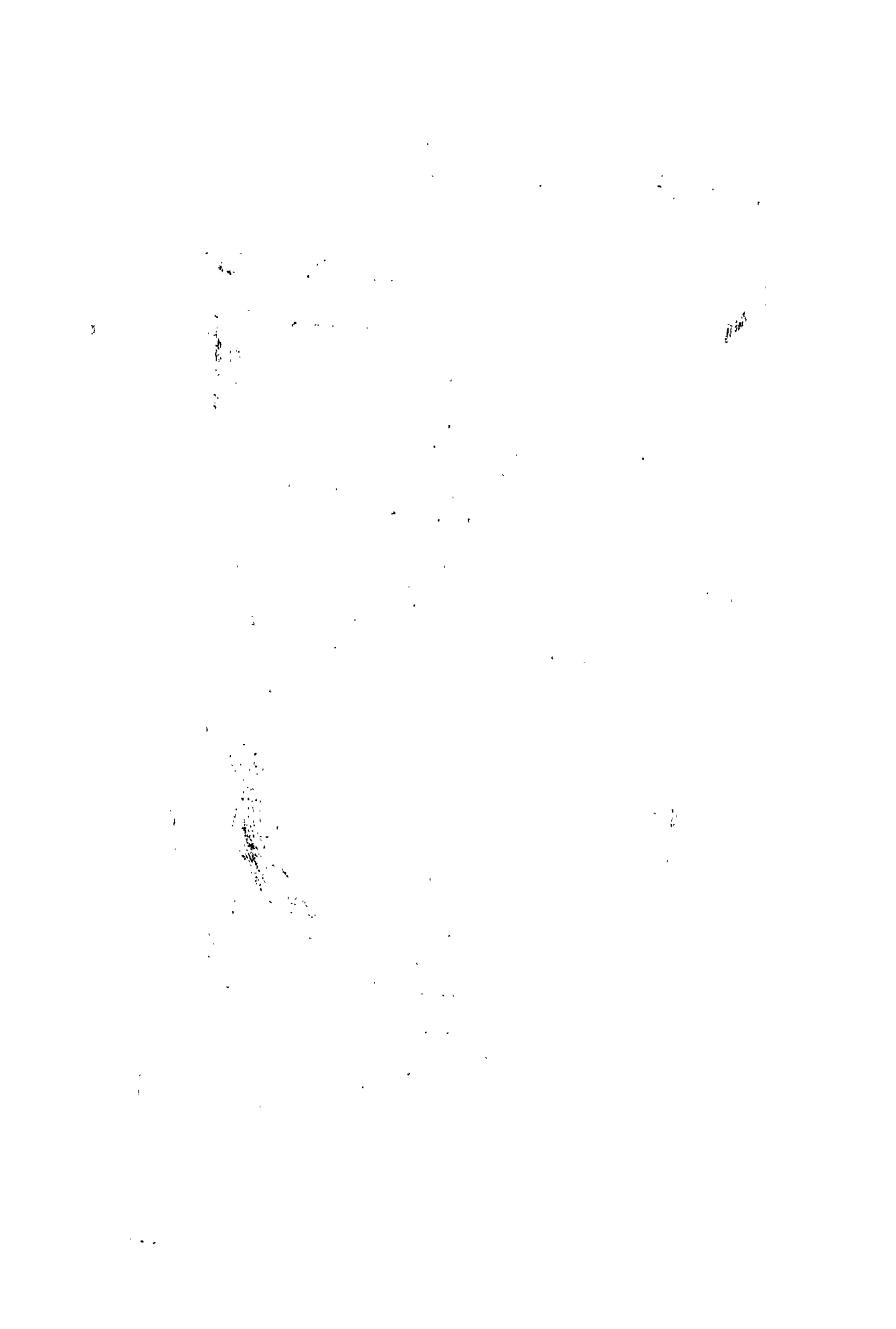
घणविज्जुया. क्री० (घनविज्जुत) धरणेन्द्री
७४ठी अग्रमहिषीनु नाम. धरेणन्द्र की छठी
अग्रमहिषी का नाम. Name of the 6th
queen of Dharapendra. भग० १०,
४; (२) ७५५ दिसाकुमारीमांती अेक.
४६ दिशाकुमारियों में से एक. one of the
56 Disākumārīs. ठा० ६;

घणा. स्त्री० (घणा) धणा देवी. घणा देवी.
Ghaṇādevī. नाया० घ० ३;

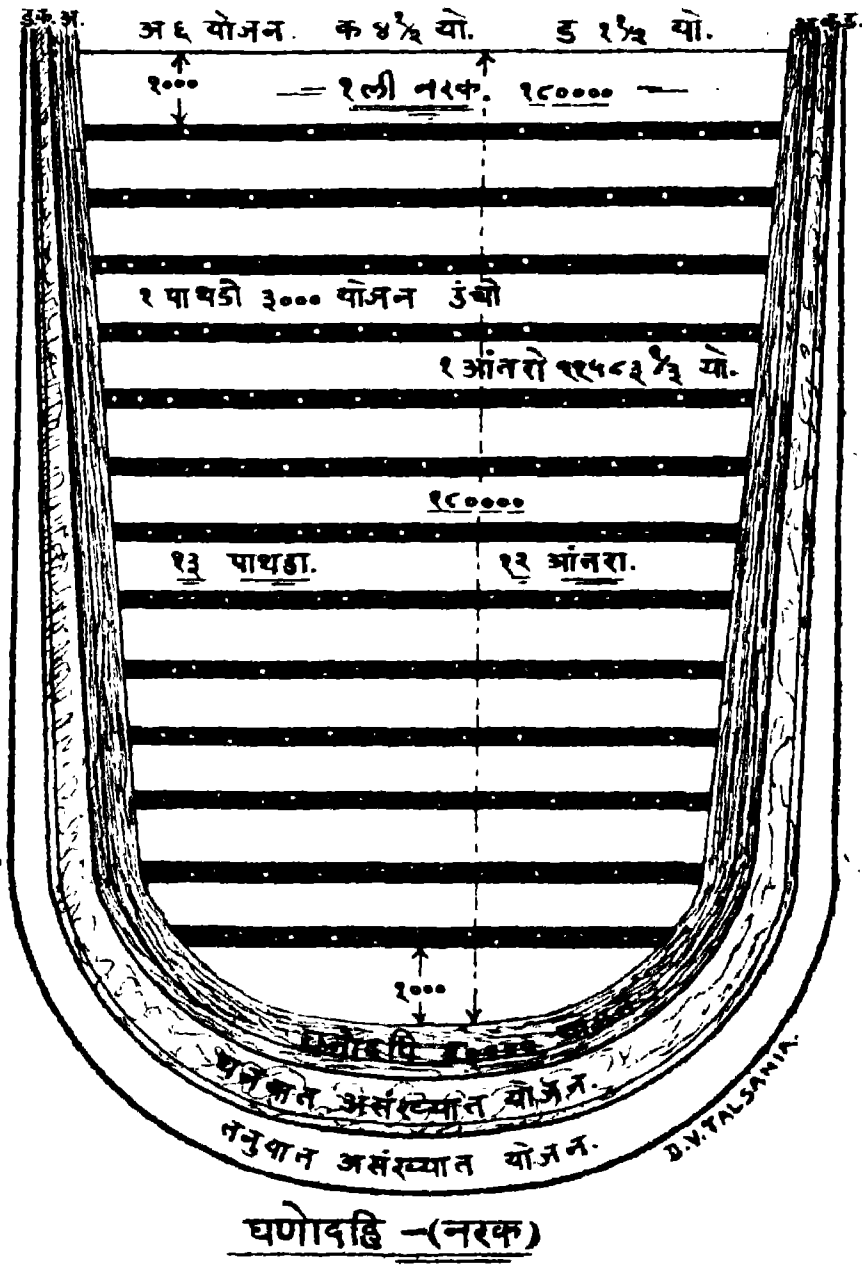
घणोदधि. पुं० (घनोदधि-घनः स्यान्नो हिम
शिखावत् उदधिर्जलनिचयः सचासौ चेति
घनोदधिः) प्रत्येक नरकनी पृथ्वी नीचे
अरुन्धी पेड़ जमेस घनरूप पाण्डी के जे
वीश हज़ार जेज्जन प्रमाणे छे. प्रत्येक नरक
क नीचे वरफ के समान जमाहुआ घनरूप
पानी कि जो बीस हजार योजन तक है. An
ocean with frozen water 20
thousand Yojanas in depth,
under every hell-world. ठा० ३, ४;
“ सप्तसुघणवाणसु सप्तघणोदहीणद्वया ”
जीवा० ३, १; भग० १२, १; २०, ६;
सम० ८६; टा० ७;

घणोदधि. पुं० (घनोदधि) जुआ उपलो
शब्द. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above.
(२) रत्नप्रभा पृथ्वीने इरता त्रलु वलय छे.
पड़ोसो घणोदधिनो, श्रीज्जे घनवायुनो अने
त्रीज्जे तनुवातनो. घनोदधि थीज्जेसो घी
जेवुं पाण्डी. घनवात पिघल्या घी जेवो
वायु छे. तनुवात अे सूक्ष्म पवनरूप छे.
अे त्रलु वलयनी डेटली डेटली नज्जल छे
अने पृथ्वीने इरता डेवी रीते रहैस छे ते
चित्रमां अतावेस छे, चित्रनी वर्येनी ज्जडी
आडी लाछनो रत्नप्रभा पृथ्वीना पाथडा अने
आंतरा अतावे छे रत्नप्रभा पृथ्वी के आस-

पास तीन बलय हैं. पहिला घनोदधि का,
दूसरा घनवायु का और तिसरा तनुवात का.
घनोदधि चीजे हुए घी के समान होता है.
घनवात पिघले घी जैसा वायु है और तनुवात
यह सूक्ष्म पवनरूप है. इन तीनों बलय की
कितनी कितनी मोटाई है और पृथ्वी के आस-
पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बत-
लाया है. चित्र के अन्दर बीचका जो मोटा
लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्वी के पाथडा (प्रस्तर)
और आन्तरा (अन्तर) बतलाती हैं. The
three curves round Ratna-
prabhā world, viz. Ghanodadhi,
Ghanavāyu and Tanavāyu.
Ghanodadhi is like a condensed
clarified butter. Ghanavāta is
like a fluid clarified butter and
Tanavāta is like thin atmo-
sphere. The breadth and the
positions of these three curves
are shown in the picture. The
deep black lines in the picture
show the different layers and
intervals of the Ratnaprabhā
world. भग० १, ६; २, १०; १२, ५; सम० २०;
पञ्च० २; —बलय. पुं० (—बलय घनोदधि-
रेव बलयमिव बलयकटकं घनोदधिवलयम्)
साते नरकानी नीचे बीश हज़ार जेज्जन
प्रमाणे घनोदधि-अलोयाने आकारे जमेस
पाण्डी. सात नरकों के नीचे बीश सहस्र
योजन प्रमाणे घनोदधि-वर्तुला कार से
जमा हुआ पानी. an ocean with fro-
zen water circular in form, and
twenty thousand Yojanas in
depth under each of the seven
hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७,
६; २०, ६; पञ्च० २;



मचित्र अर्ध-मागधी कोष



घृत. न० (घृत) धी. घी. घृत. Ghee;
clarified butter. सू० प० १६;

✓ घत्त. धा० I. (*) तपास करवी.
तपास करना. to search. (२) यत्न करवे.
प्रयत्न करना to try.

घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १, ६;

घत्त. त्रि० (गाल्य) धातु करता योग्य. घात
करने योग्य. Worthy to be killed;
to be killed. सू० २, ७, ६;

घत्थ. त्रि० (प्रस्त) पकडायेहुं; घेरायेहुं.
पकडा हुआ; घिरा हुआ. Caught; sur-
rounded; overpowered. पि० नि०
११६; पणह० १, ३; भग० १२, ६; सु० च०
२, ५३१; (२) घसाभ गयेत; अयाभ गयेत.
घिस गया हुआ; काँट खाया हुआ worn
out; rusted. गच्छा० १८;

घन. त्रि० (घन) गाढ; गंभीर. गंभीर.
Deep; sound; thick. कण० ३, ३८;
(२) मेघ; परसाद. मेघ; वर्षा. rain.
प्रव० १४८७; —पडलकलिय. त्रि०
(-पडलकलित) परसादना वादगाथी युक्त
वर्षा के बादलों से युक्त. full of clouds
bearing rain. प्रव० १४८७;

घम्म. पुं० (घर्म) धाम; गरमी. धूप; गरमी.
ताप. Heat; heat of the sun. ठा० ८,
४; पि० नि० ३०३; —ठाण न० (-स्थान) उष्ण
तापनु स्थान; ताप क्षेत्र. उष्ण-गरमी का
स्थान; ताप क्षेत्र. a region of heat.
सू० १, ५, १, १२; —पक्क. त्रि० (-पक्क)
गरमी-तपकाथी पकेत. गरमी-धूप में पका
हुआ. ripened by the heat of the
sun. विवा० ८;

घम्मा. स्त्री० (घर्मा) पड़ेली नरकनु नाम.

प्रथम नरक भूमि का नाम. Name of
the first hell. जीवा० ३, १; भग० १२,
३; प्रव० ६११; १०८५;

घय-अ. पुं० न० (घृत) धी. घी. Ghee;
clarified butter. निसी० १, ४; दस०
५, १, ६७; नाया० ८; जीवा० ३, ३; उवा०
१, ३४; भग० ११, ६; १५, १; पि० नि०
२१०; सु० च० २, ४४७; उत्त० ३, १२;
ठा० ४, १; अणुजो० १६; आया० २, १, ४,
२४; प्रव० २०६; १४३०; गच्छा० ६६;
कण० ३, ४८; ५, ११; ८, २३; (२)
धृत नामना द्वीप तथा समुद्रनु नाम. घृत
नामक द्वीप व समुद्र. name of an
island; also that of an ocean.
जीवा० ३, ६; पक्क० १५; अणुजो० १०३;

—उदग. न० (उदक) धीना गेहुं धृत
समुद्रनु पाणी. घा के समान घृत समुद्र का
जल. water of the Ghrita ocean
resembling clarified butter.
पक्क० १; सू० प० २०; जावा० ३; —किट्टि.
स्त्री० (-किट्टि) धातो मेत-कीट्टु. घी का
काँट मेल the dirt of ghee प्रव० २३१;
—कुंभ. पुं० (-कुम्भ) धीना घटे. घी का
पात्र घडा. a pot of ghee or clar-
ified butter. भग० १३, ६; —मेह. पुं०
(-मेघ) भारतक्षेत्रमा उत्सर्पितुनि योग्ये
आरो ग्रेसतां १४ दिवस सुधी मेघ वरस्या
पछी सात दिन सुधी त्राजे मेघ वरसे तेनु
नाम. भरत देश में उत्सर्पिणी का दूसरा
आरा लगतही १४ दिन दो मेघ के बरसने के
पश्चात् सात दिन पर्यंत तीसरा मेघ बरसता है
वह the name of the last of the
3 downpours of rain (each last-

* जुम्मे ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpini in Bharata-kṣetra.

जं० प०

घयपुण न० (घृतपूर्ण) घेयर. घेवर. An article of food prepared with a great quantity of ghee. पि० नि० ४६१;

घयपूर पुं० (घृतपूर) घेयर. घेवर. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. पि० नि० ४६१;

घर पुं० न० (गृह) भक्षन; रहैवानुं स्थानः घर. गृह; रहनका स्थान; मकान. A house; a residence. ओव० १७; अणुजो० १२७; १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८; गय० २७; पि० नि० १६४; भग० १, ६; २, ६; ५, ७; ८, ६; नाया० १; ८; १६; मु० च० १, ३३; जं० प० ठा० ६, १; उवा० १, ७७; पंचा० १४, १२; प्रव० १६७; कप० ५, ११७; —अंतर. पुं० न० (-अन्तर) अंतर घर पय्येनुं आंतर दो गृह का मध्यस्थ अंतर. the distance between the two houses. कप० ६, २७; —जामा-उय पुं० (-जामातृक) घर जामात. गृह जामात, घर जवाई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया० १६; —समुदाण. न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिक्षाटनं गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रकारे पथे धरथी जायरी करे ते. साधु सामान्य रीति से सर्व घरों से गोचरी करे वह. the way of begging alms i. e. begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction; indiscriminate begging of alms

from all houses. भग० २, ५; ३, १;

—समुदाणिय. पुं० (-समुदानिक-गृह-समुदायं प्रतिगृहं भिक्षा येषां ग्राह्याऽस्ति ते गृहसमुदानिकाः) प्रतिघर-दरेक घरे भिक्षा लेनार गोशालाना भतनी अनुयायी. प्रतिघर से भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मत का अनुयायी. one who begs alms at each house; a follower of the tenet of Gōśālā ओव० ४१;

घरक न० (गृहक) घर. गृह. A house. ओव० घरकोइला. स्त्री० (गृहकोकिला) गरीली; बीनगरीली. छिपकली. A lizard. चउ० ३७; पि० नि० ३५४;

घरकोइलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) गरीली. छिपकली. देखो उपरोक्त शब्द. Vids above. सूय० २, ३, २४;

घरणी स्त्री० (गृहिणी) घर धनियाली; स्त्री, भार्या गृह-स्वामिनी; स्त्री; भार्या. A housewife; a wife चउ० ३७; उत्त० २१४;

घरय. न० (गृहक) घर-भवन गृह-भवन. A house. जावा० ३; नाया० १; प्रव० ४०८; घरिणी. स्त्री० (गृहिणी) स्त्री; घरधनियाली. स्त्री; गृहस्वामिनी. A housewife, a wife. मु० च० १, ६०;

घरोइला. स्त्री० (गृहकोकिला) गरीली. छोटी छिपकली. A small lizard. पञ्च० १;

घस. न० (घष) जमीनकी भेड़ती झट; झट्टी जमीनको खरीयो. जमीन की बड़ी दरार; काली जमीन की दरार. A large crack in land. आया० २, १०, १६६;

घसा. स्त्री० (घसा) क्षारताग्न भूमि. क्षार-वाली भूमि. Saline soil. दस० ६, ६२;

घसिय. वि० (घर्षित) धसेनुं घिसा हुआ. (Any thing) rubbed. दसा० ६, ४; सूय० २, २, ६३;

घसिर. त्रि० (घस्मर) अधरायो; अङ्ग
आना२. अधिक आहार करने वाला. Vora-
cious; gluttonous. ओष० नि० भा०
१३३;

घसी. स्त्री० (घसी) जमीनको ढोलाव. जमीन
का उतार. Sloping ground. (२)
आंगरू. तलघर. a cellar जावा० ३, ३;

घाह. त्रि० (घातिन्) घात करने
वाला. (One) who kills. ओष० नि०
भा० २१; क०प० १, ५७; २, ४४; —कर्म.
न० (—कर्म) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय,
मोहनाय अने अन्तराय ये चार कर्म; आ-
त्मिक गुणोनी घात करनेवाले कर्म. ज्ञानावर-
णीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अन्तराय ये
चार कर्म; आत्मिक गुणों की घात करने वाला
कर्म. Karmas destructive of the
qualities of the soul i. e. those
which obscure knowledge,
faith, and those which delude
and obstruct. अणुजो० १२०;

घाहय. त्रि० (घातित) भारी नष्पावेन;
घात करावे. मार डाला हुआ; घात कराया
हुआ. Caused to be killed. नाया०
८; भग० ७, ६; पि० नि० १२७; २७४;

घाडकाम त्रि० (हनुकाम) लुटवानी प्रवृत्ति
वाला. लूटने की इच्छावाला. (One) de-
sireous to rob, spoil. नाया० १८;

छघाण. न० (*) धालू. घाना.
Parched grains. पि० नि० भा० ४०;

घाण. न० (घण) घ्राणेंद्रिय; नासिका; नाक.
घ्राणेंद्रिय; नासिका; नाक. A nose; the
sense of smell. “ दोंघाणा ” पञ्च०
१५; ठा० विशेष० २०२; उत्त० ३२, ४८;

ठा० ५, १; सूय० २, १, ४२; राय० ५७;
ओष० नि० २८७; पञ्च० २३; प्रब० ५६७;
७६४; भक्त० १४५; —पुद्गल. पुं० (—पु-
द्गल) सुगन्धी द्रव्य; सुगन्धाना पुद्गल.
सुगन्धित द्रव्य; सुघने का पुद्गल. a
fragrant substance. पञ्च० ३६;
—पौगल. पुं० न० (—पुद्गल) नासिकाधी
लेया योग्य पुद्गल. नासिकासे ग्रहण करने योग्य
पुद्गल. atoms for or of the sense
of smell. भग० ६, १०; ओष० ४२;
—बल. न० (—बल) घ्राणेंद्रियतुं सामर्थ्य.
घ्राणेंद्रिय का सामर्थ्य. power of the
sense of smell. उत्त० १०, २३;
—मणनिव्वुहकर. त्रि० (—मनोनिवृत्ति-
कर) नासिका अने मनने शान्ति करनेवाले.
नासिका व मनको शान्त करने वाला (any-
thing) quieting the mind and
the nose. ना १० ६; —विसय. पुं०
(—विषय) नासिकाना विषय-संघतुं ते.
नासिका का विषय-सुघना-वास लेना.
smell; smelling. नाया० १७; —स-
हय. पुं० (—सहगत) नासिकाना सह-
कारी पुद्गल. नासिका के सहकारा पुद्गल.
atoms which are associated
with the sense of smell. भग०
१६, ६; १८, ७;

घासिन्द्रिय. न० (घ्राणेंद्रिय) नासिका;
सुघनानी शक्ति धरायनार छिद्रिय; नाक.
नासिका; घ्राणेंद्रिय; नाक. A nose;
organ of smell. पञ्च० १५; नंदो० ४;
भग० ८, १; ३३, १; नाया० ५, १७;
ओष० १६; सम० ६; —निग्गह. पुं०
(—निग्रह) घ्राणेंद्रिय-नासिकाने कायुमां

* अनुयो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

शब्दी ते. घ्राणेंद्रिय-नासिका को बशमें रखना. one who controls the sense of smell. उत्त० २६; २.

✓ घात. धा० I, II. (हन्) ह्युत्तुं. मारना; घात-वध-करना. To kill.

घाट्ट. विवा० ३;

घाट्टति. विशेष० १२४८;

घाट्टता. सं० कृ० नाया० १८;

घाट्टत्. हे० कृ० नाया० १;

घाट्टजमाय. क० वा० व० कृ० नाया० १८;

✓ घात. धा० I. (हन्+णि) ह्युत्तुं; घात करावनी. घात करना. To cause to be killed.

घायए. प्रे० दस० ६, १०; सूय० १, १, १; ३;

घायावह. प्रे० आ० सु० च० ८, १८०;

घायमाख. प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, १६२; सूय० २, १, २४;

घात. पुं० (घात) मारतुं. घात करना; वध करना. Killing; murder. भग० १४, १; (२) नरक. नरक. hell सूय० १, ४, १, ५;

घातघ्न. त्रि० (तातक) घात करनेवाले; मारनेवाले. घातक. Destructive; (anything) that kills. जं० प०

घाति. त्रि० (घातिन्) ह्युत्तुं; वध करनेवाला. घात-वध करने वाला. (One) who kills. ओव० ३८;

घातिघ्न-य. त्रि० (घातिन्) ह्युत्तुं. घातित; घात किया हुआ. Killed; murdered. भग० १६, ६; नाया० ८;

घाय. पुं० (घात) वध करने; घात करने. वध करना; घात करना. Killing; destruction. पि० नि० ४८८; नाया० १; उवा० ८, २४१; पंचा० ६, १२; क० प० २, ४४; —उम्भट्ट. पुं० (—उम्भट्ट) घात करनेवाले-विकराव. घात करने के समय विकाल रूप धारण किया हुआ. (one)

assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया० ८; —कर. त्रि० (—कर) नाश करक. विनाशक. destructive. क० गं० १, १८;

घायघ्न. त्रि० (घातक) ह्युत्तुं. “घातघ्न” शब्द. देखो “घातघ्न” शब्द. Vide. “घातघ्न” विशेष० १७६३;

घायक. त्रि० (घातक) घात करनेवाला. घात करनेवाला. (One) who kills. जीवा० ३, ३; नाया० २;

घायग. त्रि० (घातक) शय हिसा करनेवाला. जीव हिसा करनेवाला. (One) who kills living beings. पंचा० ६, २२;

घायगता. स्त्री० (घातकता) घातकीपण; क्रूरपण. घातकीपना; क्रूरपन. Cruelty; destructiveness; murderousness भग० १२, ७;

घायण. न० (घातक) मारतुं; घात करनेवाला. मारना; घात करना. Killing; murder. सु० च० ८, १३६;

घायगा. स्त्री० (घातक) घातकरणी ते. घात करना. Murder; killing. परह० १, १;

घायावण. न० (घातना) घायल करावतुं. घात कराना. Causing (another) to wound or kill. विवा० ३;

घास. पुं० (घास) कणीया. कौर; निवाला; घास. A morsel of food. (२) भोजन. भोजन. food. सूय० १, १, ४, ४; ओव० १६; उत्त० ८, ११; ३; २१; पि० नि० ६२६; भग० ७, १; वव० ८, १३; आया० १, ६, ४, ६;

घासक. पुं० (घासक) अरिसा; दर्पण. अरिसा; दर्पण. A mirror. विवा० २; —परिमंडिघ्न. त्रि० (—परिमंडित) अरिसाथी शोभित. अरिसा-दर्पण से सुशो-

मित. adorned with mirrors.
 "चामर चासक परिमंदित्र कडिअ" विवा० २;
 धिअ. न० (घृत्) धी. घी; घृत. Ghee;
 clarified butter. तंदु०
 धिओदअ. पुं० (घृतोदक) घृतोदधि समुद्र;
 धीना जेवा पाणीवाजो समुद्र. घृतोदधि
 समुद्र; धी के समान जलयुक्त समुद्र. Name
 of an ocean having water
 like clarified butter. ठा० ४, ४;
 धिसु. पुं० (घीष्म) गरमीन मौसम; उनाजो.
 घीष्म ऋतु. Summer. सूय० १, ४, २,
 १०; उत० २, ८;
 धियिल्ल. त्रि० (घृणावत्) दयालु; दयावान.
 दयालु; दयावान. Kind; compassion-
 ate. पि० नि० १०६;
 घुघुयंत. त्रि० (*) धु धु जेवा शब्द
 करतुं. घु घु ऐमा शब्द करता हुआ.
 Sounding "ghu ghu" नाया० ८;
 ✓ घुह. धा० I. (घृह्) पाणी पीवुं. जन
 पीना. To drink water. (२) घुटवुं.
 घूट लेना. to sip.
 घुहंत. नंदी० स्थ० ४५;
 घुहग. पुं० (*) सिम्पेल पात्रने शुद्ध
 करवानो पथरी. कचिड लगे हुए पात्रको
 शुद्ध करने का पथर. A stone used
 to cleanse a bespattered vessel.
 पि० नि० भा० १२;
 घुह. त्रि० (घृह्) डिये स्वर जे बोला जेअ; उह
 बोला करेअ. उच्च स्वर से बोला हुआ; उद्घो-
 षणा किया हुआ. Spoken aloud;
 proclaimed aloud. भग० १५, १;
 उत० १२, ३६; उवा० ८, २४१;
 घुण. पुं० (घृण) घुणो; जन्तु विशेष-के जे

लाकडने डोरी नाभे छे. लकड खोद काट-
 जन्तु विशेष. A kind of worm eat-
 ing into wood. ठा० ४, १;
 घुणा. स्त्री० (घृण) लाकडने डोरी; घुणो.
 लकड का कीड़ा. An insect found
 in wood or timber. राय० २२६;
 घुम्मत. व० क० त्रि० (घूर्णत्) अभतुं;
 करतुं. भ्रमण करता हुआ; फिरता हुआ.
 Wandering; roaming; moving.
 ओव० २१;
 घुम्ममाण. व० क० त्रि० (घूर्णत्) अभतुं;
 अभतुं करतुं. भ्रमण करता हुआ.
 Wandering; roaming. नाया० ६;
 घुल्ला. स्त्री० (*) जे धिद्विवाजो छुअ;
 शंभला वगेरे. दो इन्द्रिय वाला जीव;
 संख आदि. A two-sensed being.
 पञ्च० १;
 घुसिए. न० (घुस्य) केसर. केसर. Saf-
 fron. मु० च० १०; २८८; प्रव० १४६८;
 * घुसुलित. व० क० त्रि० (मन्थत्) दही
 वगेरेनुं मन्थन करतुं; आस पलोवतुं.
 दही इत्यादि का मथन करता हुआ.
 Churning curds etc. into whey
 etc. पि० नि० २७३;
 घूघुअंडअ. न० (घृकाण्डक) घुअना छंड.
 घुघु का अंडा. An egg of a she-
 owl. विवा० ३;
 घूणंत. व० क० त्रि० (घूर्णमान) अथी
 विहल यतो. भय से विहल होता हुआ.
 Being distracted by fear of
 danger. पणह० १, ३;
 घूय. पुं० (घृक) घुयः; घुयः. घुयः. उल्ल.
 An owl. नाया० ८; पणह० १, ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

घूरा. स्त्री० (घूरा) नाँव वगेरे शरीरता अवयव. जेबा इत्यादि शरीर के अवयव. A limb of the body such as thigh etc. सूय० २, २, ४५;
घेत्तव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) ग्रहण करना योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy to be accepted. विश० १२;
घेयव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) गृह्यो " घेत्तव्व " शब्द. Vide " घेत्तव्व " भग० ८, ६;
घेरोलिया. स्त्री० (गृहकोकिळा) गरोली. छिपकली. A lizard; a small house-lizard. जीवा० १;
घोड. पुं० (घोट-अश्व) घोडा. अश्व-घोडा. A horse. गच्छा० १२५;
घोडग. पुं० (घोटक) अश्व जतने घोडा एक जाति का अश्व. A kind of horse. प्रव० २४६; पञ० १; सूय० २, २, ४५;
घोडय. पुं० (घोटक) घोडा. अश्व; घोडा. A horse. उवा० २, ८४; --**मुह. न०** (-मुख) घोडना लक्षणो ज्ञेयानुं शास्त्र. अश्व के चिन्हों की परिच्छा करने का शास्त्र. a science treating of the marks by which a horse can be tested. अणुजो० ४१;
घोर. त्रि० (घोर) घोर; भयंकर; दारुण. घोर; भयङ्कर; दारुण. Dreadful. "घोरनिडरं कंदरचलंत बीमथभावाद्यं" भग० १६, ६; पणह० १, १; नाया० १; ६; १७; सग० १, १३, २; दस० ६, ११; ६, २, १४; उवा० १, ७६; आ० २१; ३८; उत्त० ४, ६; ६, ४२; २५, ३८; प्रव० ५६१; पंचा० ७, १२; १८, १६; भक्त० १११; गच्छा० ५; (२) जेभां श्रव्याने पण्य संशय रहे तेनुं दुष्कर कृत्य. जिनमें जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर कृत्य a perilous, hazardous

undertaking. नाया० १, ४, ४, १३६;
—अंसुपाय. पुं० (-अश्रुपात) आंसुनी भेटा। धार. अश्रुओं की धारा; अश्रुपात. stream of tears. नाया० ६; —**आगार. पुं०** (-आकार) भयंकर आकार; आकृति. भयंकर आकृति. terrible appearance. भग० ३, २; —**गुण. पुं०** (-गुण घोरोऽन्यैर्दुर्नुचरा गुणा मूलगुणा यस्य सः) सर्वोत्तम गुणवान् सर्वोत्तम गुणवान्. (one) extraordinarily virtuous; (one) possessed of insuperable qualities. भग० १, १; —**तव. न०** (-तपस्) संसारना सुखनी धृष्ट २दिन तपश्चर्या. संसार के सुख की इच्छा रहित तपश्चर्या austerly without desire of worldly happiness. ठ० ४ २; —**तवस्सि पुं०** (-तपस्विन्) दुश्चर (भेटा) तपयागो. भयानक, महान तप वाला. one practising austere penance. नाया० १; भग० १, १; —**बंभवेरवासि. त्रि०** (-ब्रह्मचर्य वासिन्) भद्राश्रमचर्य पावनार; अत्य-सत पावनार दुष्कर अथवा अश्रमचर्यनु पावन करतार. महा ब्रह्मचर्य पालने वाला. (one) practising strict or austere continence. नाया० १; भग० १, १; —**रुच. न०** (-रूप) घोररूप; भिदा-भय रूप. डराँना रूप-आकृति- dreadful appearance. उत्त० १२, २६; भग० १६, ६; —**विस. न०** (विष) भयंकर अर; जेनी गंधथी हुमनरो श्रवो भरे तेनुं. भयंकर विष; जिसकी गंध से असंख्य जीवों का नाश हो. deadly poison. भग० १६, १; —**वेयणा, स्त्री०** (-वेदना) महा दुःख; भयंकर पीडा. महा दुःख; भयंकर पीडा. severe pain, affliction. भक्त०

१६०; —अव्य. नि० (-मत) दुष्कर
महाव्रतोने पाणनार. दुष्कर महाव्रतों को
पालने वाला. (one) who observes
full vows difficult to practise.
नाया० १;

घोल. पु० (घोल) दहिने कपड़ा में आंधी
आणी नाभयुं--पाण्युं डाली नाभयुं ते. दही
को कपड़े में बांधकर झुन डालना--पानी
निकाल देना. The process of ex-
tracting water out of curds
by tying it in a cloth प्रव० २३०;
घोलंत. प्रि० (घोलयन्) धेयमान थयुं;
अयुं. झिलताहुआ; डीला चलायमान होता
हुआ. Swinging; shaky. ओव० १२;
कप्प० २, १४;

घोलण. न० (घोलन) धेययुं; अयुं. अने आं-
गणी वती डेरीनी पेंडे धेययुं-मसणयुं. घोलना;
अंगूठा व उंगली से केरी के समान घोलना;
मसलकना. Pressing round by
means of the thumb and the
fingers; e. g. a mango. विशेष०
२०४३;

घोलमाण. व० कृ० प्रि० (घोलयन्) धेयना
करतुं. घोलता हुआ. Rubbing. क० प०
२, १०३;

घोलवड. न० (घोलवटक) दहि धेयनी
नेमो वडा नाभे ते; दहियडा. दही को घोलकर
उममें बडे डालना; दहीबडे. A kind of
food prepared of tiny cakes
dipped in curds mixed with
salt etc. This is known as
Dabibadā. प्रव० २३०;

घोलिअ. य. प्रि० (घोलित) वले. वेयुं; भ-थे-
युं; डेरीनी पेंडे धेययुं. मथन किया हुआ;
आम के समान घुला हुआ. Churned;
pressed round (e. g. a mango)

to take out juice. सूय० २. २;
६३; ओव० ३८;

घोलित. प्रि० (घोलित) लुओ. उपलो शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
दसा० ६, ४;

घोलिर. न० (घोलनशील) वडपण्ये इरयुं ते.
वर्तुलाकार घूमना. Circular, tortuous
motion. सु० च० १, ४;

घोस. धा० I, II. (घुष्) उच्च स्वर
ओवयुं उच्च स्वर से बोलना. To speak
loudly.

घोसति. नाया० ५;

घोसेह. नाया० ५; १३; १४; १६; सु० च० २,
१८१; ज० प० ५, १२३;

घोसित्ता. सं० कृ० नाया० १२;

घोसित ओघ० नि० ६४८;

घोसावह. नाया० १६;

घोस. पु० (घोष) गोकुल; गायोने रहियानुं
स्थान. गोकुल; गौओं का स्थान. A house
for keeping cows in. उत्त० ३०, १०;
डा० २, ४; सम० ३२; वेय० १, ६; (२) घेस
नामनुं तीन अने याथा देवलोकांनुं विमान.
घोस नामक तीसरे व चौथे देवलोक का
विमान. name of a heavenly
abode of the third and the
fourth Devaloka. सम० ६; (३)
स्वर; अवाज. स्वर; आवाज. sound.
गंदा०स्थ० ६; नाया० ६; भग० १५, १; सु० च०
२, ५८७; ज० प० (८) उच्च नीच के
समन्वय विशेष उच्चार-उदात्तादि स्वर
ओवयुं ते. ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष
उच्चार-उदात्तादि स्वर का उच्चार करना.
speaking in high, low or
middle accent. विशेष० ८५१; पि० नि०
४४०; अणुजो० १३; (५) स्तनित कुमार
मतना अयनपतिनो भद्र. स्तनित कुमार

जाति के भवनपति का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया० ध० ३; (६) घोस नामनुं पांचमां देवलोकनुं विमान के ज्योतिषा देवतानुं दश सागरनुं आयुष्य छे. घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहाँ के देवताओं को दश सागरों का आयुष्य प्राप्त होता है. name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time. सम० १०; —विस्तुद्धिकारक. त्रि० (—विस्तुद्धिकारक) उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करनार. उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करने वाला. (one) using high, low and circumflex accents in speech. दसा० ४, १६; —हीण त्रि० (—हीन) सूत्र पाठो उच्चार करवाभां दीर्घ होय त्यां न्दस्व, ओ मात्रा होय त्यां ओक मात्रा ओलपी ते; ज्ञान-ना १४ अनित्यारमानो ओक. सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हो वहाँ न्दस्व, दो मात्रा हों वहाँ एक मात्रा बोलना; ज्ञान के १४ अतिचार में से एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge.

भाव० ४, ७;

घोसण. न० (घोषण) घंटानो शब्द. घंटा का नाद. Sound of a bell. राय० ४०;

घोसणा. स्त्री० (घोषणा) गडेर अघर; दंडेर। प्रसिद्ध-पत्रिका; दंडेरा. Proclamation. जं० प० ५, १२३; ११५; अंत० ५, १; नाया० १३; १५;

*घोसय पुं० (*) आरसी; नानो अरिसो. दर्पण; आईना; छोटा दर्पण. A small mirror. भग० ११, ११;

घोसाड. पुं० न० (घोसातक) धीसेसा; शाक वनस्पतिनी ओक अत. तुराई; शाक वनस्पति की एक जाति. A kind of vegetable. प्रव० २४३;

घोसाडई. स्त्री० (घोसातकी) धीसेसा-तुरीयानी पेड़. तुराई की बेल. A creeper yielding fruit which is used as vegetation. पञ्च० १; १७;

घोसाडिया. स्त्री० (घोसातकी) वनस्पति विशेष; धीसे.डी. वनस्पति विशेष; टांडोर की बेल. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; राय० ५४;

घोसिअ. त्रि० (घोषित) गडेर करेयुं. सादर वेला. प्रसिद्ध किया हुआ; दूँडी पिटाईहुई. Publicly proclaimed ओष० नि० ६४५;

ड.

ऊकारप्रविभक्ति. पुं० (ऊकारप्रविभक्ति) ऊना आकार जेयुं नाटक विशेष. ऊ कार की आकृत के समान; नाटक विशेष. (Any-

thing) of the shape of the letter “ उ ”; a kind of a drama. राय०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

च

च. अ० (च) अने; वशी. और; फिर. And; moreover. (२) पादपूरण. पादपूर्ति. an expletive. क० गं० १, ३; २३; २६; ३७; ४२; दस० ४, १५; ५, १, २७; ५, २, ८; ६, ६; १८; भग० ३, १; नाया० १; ८; १२; १६; आया० १, १, १, ११; नंदी० स्थ० २०; २१, उवा० १, १४;

चअ-य. पुं० (चय) ज्येष्ठो. समूह. A collection. (२) छट वगेरेनुं चयुतर. ईट, पत्थर आदिका चुनाव. piling of bricks etc. पि० नि० २; १०१; उत्त० २८, ३३; पणह० १, ५; सूय० १, १०, ३; (३) शरीर. शरीर. body. ओव० ४०; (४) शरीरनुं तज्जुं शरीर का त्याग करना. giving up or abandoning one's body. ओव० ४०;

चइय. त्रि० (त्यक्त) छेड़ियुं; तजेयुं. छोड़ा हुआ; त्याग किया हुआ. Abandoned; given up. भग० ७, १; पणह० २, १; ओघ नि० ११५;

चइयइव. त्रि० (त्यक्तव्य) त्यागना योग्य. त्याग ने योग्य; छोड़ने योग्य. Worthy of being abandoned. सू० च० ४, १८६;

चउ. त्रि० (चतुर्) चार; चारनी संख्या. चार; ४ की संख्या. Four; the number 4. उत्त० ३, १; ३६, ६३; ओव० ३१; अणुत्रो० ८; भग० १, १; ५; २, १; २, ८; ६, ६; ७, ६; १६, ५; १७, १; २४, ६; नाया० १; राय० १८; दस० ७, १; उवा० १, १८; क० गं० १, ३०; ३३; ४६; २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १; पञ्च० १; ४; विवा० ५; सु० च० १, २; निसी० १६, ६; १२; पि० नि० ४; वेष० ३,

१४; वव० ६, ३६; जं० प० ५, ११२; —कज्ञ. त्रि० (-कज्ञ) चार जाने अथेव (चार्ता). चार कानों में गई हुई (बात). (a story) known to two persons. ओव० नि० ७६०; —कुडव. पुं० (-कुडव) चार कुडव-धा-यनो भाप विशेष. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas. प्रव० ५१८;

—कसाय. पुं० (-कसाय) क्रोध, मान, माया अने लोभ ये चार दुष्टाय. चार कषाय-क्रोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz. anger, pride, deceit and greed. आव० १, ४; दस० ७, ५७; ६, ३, १४; —कोण.

त्रि० (-कोण-चत्वारः कोणा यस्य) चार भुज्यावाणुं; चारस. चार कोनों वाला; चतुष्-कोण. quadrangular. “ सउत्तराओ मणिमुवइओ चउकोणाओ ” राय० भग०

१३, ६; —गाथा. स्त्री० (-गाथा) चार गाय. चार गाय. four verses. वेष० ३, २०; —गुण. त्रि० (-गुण) चारगुण. चार गुना; चौगुना. fourfold. जं० प० ५, १५६; भग० २४, १; क० गं० ३, १०; —गुणिय. त्रि० (-गुणित) चारगुण.

चौगुना. fourfold. भग० २४, १; —घाह.

न० (-घातिन्) ज्ञानावच्छेदीयादि चार घाति कर्म. ज्ञानावरणीय आदि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. क० गं० ४, ७२; —ठाण.

न० (-स्थान) उभने चार गज्जो २८. कर्मों का चतुःस्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc. क० ग० ५, ६४;
—एउइ स्त्री० (-नवति) चौराष्ट्र;
६४. चौरानवै; ६४; ninety-four; 94.
सम० ६४; —एणोवगय त्रि० (-ज्ञानो-
पगत) मति, श्रुत, अवधि अने मनःपर्यव
अे चार ज्ञानथी युक्त. मति, श्रुत, अवधि
और मनःपर्यव इन चार प्रकार के ज्ञानों से
युक्त. Possessed of four kinds
of knowledge viz. Mati, Śruta,
Avadhi and Manahparyaya.
नाया० ; नाया० घ० - तण्ण पुं० (-तनु)
शरीर यत्पुं०, शरीर नामकर्म, अंगोपांग
नामकर्म संधयलु नामकर्म अने संहालु
नामकर्म अे चार प्रकृतिनो समूह. शरीर
चतुष्क; शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म,
संहनन नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन
चार प्रकृतियों का समुदाय. the fourfold
Karmic matter viz. Śarira
Nāma Karma, Aṅgopāṅga
Nāma Karma, Saṅghayana
Nāma Karma and Saṅghāṇa
Nāma Karma. क० ग० ५, २१;
—त्तिस. त्रि० (-त्रिंशत्) चोत्तीश; ३४.
चौत्तीस, ३४; Thirty-four; 34.
“चउत्तीसबुद्धवयव्यातिसेसेपत्त” श्रव० १०;
नाया० ८; —त्तिसम. न० (-त्रिंशत्तम)
सोण उपवास भेगा करवा ते; तेत्तीश लक-
टंकेनो त्याग करी चोत्तीशमे टंके पारल्लु
करवुं ते. सोलह उपवास इकट्ठे करना; ३३
भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय
पारणा करना. sixteen fasts; tak-
ing food after a fast of thirty-
three meals. नाया० १; —दंसण
न० (-दर्शन) दर्शनावरणीय कर्मनी
अक्षुदर्शनावरणीय आदि चार प्रकृति.
दर्शनावरणीय कर्म का चतुर्दर्शनावरणीय

बगैरह चार प्रकृतियाँ. the fourfold
Karmic variety of the Karma
called Darśanāvaranīya. क०
ग० २, १२; —दंत. पुं० (-दन्त) चार
दन्त वाली हस्ती रत्न. हस्तिरत्न; चार दातों
वाला हाथी an elephant with
four tusks. भग० १२, १; नाया०
१; ठा० ६; कप्प० ३, ३३; —हसम. त्रि०
(-दशतम) चौदहवां. four-
teenth. वव० ६, ४१; भग० १६, १८;
२५, ७ नाया० १; १८; —हिसि. अ०
(-दिग्) पूर्व, पश्चिम, उत्तर अने दक्षिण
अे चार दिशाओं. चार दिशाएं; पूर्व, पश्चिम,
उत्तर और दक्षिण. the four quarters
east, west etc. नाया० ६, १३;
—नवइ. स्त्री० (-नवति) चारल्लु; ६४नी
संख्या. ६४ का संख्या. ninetyfour;
the number 94. क० ग० ३, १३; १२;
—नाण. न० (-ज्ञान) मति, श्रुत, अवधि
अने मनःपर्यव अे चार ज्ञान. चार ज्ञान;
मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनः
पर्यव ज्ञान. the four kinds of know-
ledge viz. Mati, Śruta, Ma-
nahparyaya and Avadhi. प्रव०
१३०६; —नाणि. त्रि० (-ज्ञानिन्)
चारज्ञान वाला. चार ज्ञान वाला. possess-
ed of the four kinds of know-
ledge. सु० च० ३, १; १६, ४७; भग०
८, २; —णोवगय. पुं० स्त्री० (-ज्ञानो-
पगत) केवल ज्ञानने छोड़ी अन्य चार
ज्ञानथी युक्त केवल ज्ञान को छोड़कर शेष
चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all
(the remaining four) kinds of
knowledge except Kevala Jñā-
na. भग० १, १; —पंचग. न० (-पञ्चक)
चार पांच. चार पांच, four or five. दसा०

६, १; —पञ्जवासिय. त्रि० (—पर्यवसित) या२या२ना थो३ क२तां जेभां या२ शेष रहे ते. चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह—संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four. भग० १८, ४; ३१, १; —पञ्जाय. पुं० (—पर्याय) नाम-स्थापना-द्रव्य-भाव जे या२ पर्याय. चार पर्याय; नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव. the four Paryāyas viz. Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva. विशेष० ७३; —पराण. स्त्री० (—पञ्चाशत्) आपननी संख्या. चौपन की संख्या. fifty-four. ज० प० २, ३१; —पञ्चाहिय. त्रि० (—पह्याधिक) या२ प२योपमे अधिक. चार प२योपमे अधिक. exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क० प० २, १०७; —पेरिसिय. त्रि० (—प्राहृषिक) या२ प२हरनुं. चार पहर वाला. of or extending to four Praharas (one Prahara = 3 hours) भग० ११, ११; —प्यप्सिद्य. त्रि० (—प्रदेशिक) जेभां या२ प२भाण्य आ भगेलांछि तेवे (२३-४). चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (खं४). जिसमें चार परमाणु मिले रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule consisting of four atoms. अणुज० ७४; भग० ५, ७; —प्यडोयार. त्रि० (—प्रत्य-वतार) या२ विभागभां विभक्त. चार भागों में विभक्त-बंटा हुआ. divided into four parts. भग० २५, ७; —प्यराण. त्रि० (—पञ्चाशत्) आपन; ५४. चौपन; ५४. fifty-four; ५४. नाया० ४० ३; ४; भग० २५, ६; ७; —प्यदी. स्त्री० (—पदी) तिर्यग स्त्री; आपनी. तिर्यग जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री-

लिंगों पशू. a female quadruped. जीवा० १; —प्यदेसिद्य. त्रि० (—प्रदेशिक) ज्योआ “चउप्यप्सिद्य” शब्द. देखो “चउप्यप्सिद्य” शब्द. vide “चउप्यप्सिद्य” भग० १२, ४; —प्यय-अ. त्रि० (—पद्-चत्वारिपदानि पादायस्य) आपगे; या२ प२भाण्य. गाय-धोडा—हाथी दिगेरे. चौपगा चार पैरो वाला; गाय, घोटा हाथी वगैरह. a quadruped; ७. g. a cow, horse etc. नाया० ८; अण० ७, ४; ८, १; जीवा० १; ३; ४; पिं० निं० ७६; ज० प० ७, १५३; पञ्ज० १; सम० ३४; उत्त० १३; २४; आया० १, २, ३, ८०; टा० ४, ४; अणुज० ६१; १३१; (२) दरेक मासनी अभावास्थाने दिवसे आवतुं या२ स्थिरद्वयमानुं श्रीजुं करण; ११ करणमानुं नयमुं करण. प्रत्येक मास की अभावस के दिन आने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण; ११ करणों में से नौवां करण. the second of the four Sthira-Karapas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month; the ninth of the eleven Karapas. उवा० १, १८; ज० प० विशेष० ३३५०; —प्ययार. पुं० (—प्रकार) या२ प्रकार-नेद. चार प्रकार-भेद. four varieties. क० गं० ६, ६६; —प्याय. पुं० (—पाद) ज्योआ “चउप्यय” शब्द. देखो “चउप्यय” शब्द. vide “चउप्यय” शब्द. भग० १५, १; —प्युडय. त्रि० (—पुट-क) या२ प५ पातुं. चार पुडवाला. Having four folds. “ सयमेवच उप्पुडयं दाहमयं ” भग० ३, २; नाया० १; —फास. पुं० (—स्पर्श) या२ स्पर्श. चार स्पर्श. four kinds of touch. भग० २०, ५; क० गं० ५, ७८; —ध्याग. पुं० (—भाग) अतुथीश; योथी

लाम्ब. चौबाहिस्ता; चतुर्थांश. one-fourth. उत्त० २६, ८; ३०, २१; अणुजो० १३२; —भंग. पुं० (-भंग) या२ विकल्प-भेद. यो।लं।गी. चार विकल्प-भेद. four varieties. “ सुदेयामं एगे सुदे सुदेयामं एगे असुदे असुदेयामं एगे सुदे असुदेयामं एगे असुदे चउभंगो ” ठा० ४, १; पंचा० ५, ६; १२, ४४; भग० ६, ६; —भंगी. स्त्री० (-भङ्गो—चत्वारो भंगाः समाहृताः) यो।लं।गी. चार भेदकी रचना. four varieties. पञ्च० १०; प्रव० १७१; —मास. पुं० (-मास) या२ मास-भेदीना. चार मास. four months. क० गं० १, १८; —म्मुह. त्रि० (-मुख—चत्वारि मुखाः न्यस्य) या२ भुजवाणुं; जेना या२े दिशा-भां दरवाज्ज-द्वार-ढोय तेवो आसाद-दवेली. चार मुंह वाला अर्थात् जिसके चारों दिशाओं में चार द्वार हों वैसा प्रामाद-महल. four-faced; a palace having gates facing all the four directions. कण्प० ४, ८८; भग० २, ५; ३, १; ७; ८, ७; ओव० २७; राय० २०१; नाया० १; १६; —राइ. स्त्री० (-रात्रि) या२ रात्री. चार रात्रि. four nights. क० प० ४, २३; —राय. न० (-रात्र) या२ रात्री. चार रात. four nights. निसी० ६, ७; —रूव. त्रि० (-रूप) या२ भूर्निर्वाणुं. चार मूर्तियों वाला. four-shaped; having four shapes. सु० च० ३, ६१; —चइरिस्त. त्रि० (-व्यतिरिक्त) या२ थी भिन्न. चारों से भिन्न. different from four. विशेष० ३०३; —वज्ज. त्रि० (-पञ्चाशत्) यो।पन; ५४. चौपन; ५४. fifty-four; 54. सम० ५४; —वज्ज. पुं० (-वर्ण) वर्णायुष्क; वलुं, गंध, रस अने स्पर्श अे नामधेयनी या२ प्रकृति. वर्णचतुष्क; वर्ण,

रस, गंध; और स्पर्श ये नामकर्म की चार प्रकृतियां. the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch. क० गं० ५, ६; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) या२ वर्षानी दीक्षावाजो. चार वर्ष की दाक्षा वाला; चार वर्षका दीक्षित. (one) with a Dikṣā (asceticism) of four years, standing. वव० १०, २१; २२; २३; २४; —द्विगण्य. पुं० (-विकल्प) या२ विकल्प-प्रकार. चार विकल्प-प्रकार. four varieties. क० प० २, ७; —सह-हणा. स्त्री० (-अद्यान) या२ सहहणु; अया-अयादितत्यनो अभ्यास करवो, परमार्थ-दर्शी आचार्यादिनी सेवा करवी, निन्दवोनो संग न करवो अने पापपुद्गिनो परित्यज न करवो अे या२ सम्भक्तिनी आदहणा. चार श्रद्धाणुं; जीव अजीव आदि तत्त्वोंका अभ्यास करना, परमार्थदर्शी आचार्यों की सेवा करना, निन्दहवों-कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, और पाप्माद्विष्टों से परित्यज तक न करना. the four varieties of right faith viz. spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Nivahas and of heretics. प्रव० ६४०; —समइय. त्रि० (-सामयिक) या२ समयनुं. चार समय-काल का. of four Samayas (or units of time). भग० २५, ८; —समयसिद्ध. पुं० (-समयसिद्ध) जेने सिद्ध थया या२ समय थया छे ते. जिस सिद्ध हुए चार समय हुए हैं वह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पञ्च० १; —सय. न० (-शत) अेइसे ने या२. एक सौ और चार. one hundred

and four. क० गं० २, १५; —सयरि. बी० (—ससति) यमोत्तर; ७४नी संख्या. चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy-four; 74. क० गं० २, ५; —सरण. न० (—शरण) अरिहन्त, सिद्ध, साधु अने धर्म जे आरनुं शरण्य (आश्रय) लेनुं ते. अरिहन्त, सिद्ध; साधु और धर्म इन चारों की शरण्य लेना—आश्रय लेना. resigning oneself to these four viz. Arihanta, Siddha, Sādhu and Dharma. (२) दशपञ्चा पैड़ी ओक पञ्चा (पुस्तक) नुं नाम. दस पइचाओं में से एक पइचा—पुस्तक. name of one of the ten books known as Painsās. चउ० ११; —सरणगमण. न० (—शरणगमन) आर शरण्य लेना. चार शरण्य—आश्रय लेना. resigning oneself to the four e. g. Arihanta etc. पंचा० २, २७; —साल. त्रि० (शाल) यतुःशाल; आर भाग्यातुं (४२). चार अटारी वाला मकान; चार मजला घर. four-storeyed. जीवा० ३, ३; —मिर. न० (—शिरस्—चत्वारि शिरांस यस्मिन्) पन्धनाभां आर पञ्चत गुहंते मस्तक नमाम्युं ते. वन्दना करते समय चार बार गुह के अंगि मस्तक नमाना-टंकना. act of bowing one's head four times while saluting a preceptor. सम० १२; —हेउ. पुं० (—हेतु) मिथ्यात्व आदि धर्म पन्धना आर हेतु. मिथ्यात्व आदि कर्मबन्ध के चार हेतु. the four causes of Karmic bondage viz. heresy etc. क० गं० ४, ५३;

चउक. पुं० (चतुष्क) आर रस्ता भेगा थता होय ते २थल—आक; आयाटा. चौक; वह जगह जहाँ चार मार्ग आकर मिलते हैं।

A square where four roads meet. ओव० २७; उत्त० १६, ४; अणुजो० १३४; भग० २, ५; ३, ७; ५, ७; कण्व० ४, ८८; नाया० १; २; वेय० १, १२; (२) आरनेो समूह—वृथो. चारका समूह. a group of four. भग० ८, १; ११, १; १२, ४; १८, ४; २०, ५; २४, १२; ३३, ३; पि० नि० ३; जीवा० ३, ३; पञ्च० २३; राय० २०१; अणुजो० ८; प्रव० ६३७; क० गं० १, ४; —णय. पुं० (—नय) आर नयने माननार ओक आण्विक मत. चार नयों को मानने वाला एक आजीविकमत-संप्रदाय. a tenet named Ājīvika believing in four standpoints. सम० १२; —सहय. त्रि० (—वयिक) आर नयनी वस्तुने विचार करणार; जे नैगमना सामान्य अंशने संग्रहमां अने विशेष अंशने व्यवहारमां सभावी तयु शब्दनयने ओक रूपे भानी संग्रह, व्यवहार, अजुसूत्र अने शब्द—जे आर नय मानता हता ते. चार नयों से वस्तु का विचार करने वाला; जो नैगम के सामान्य अंश का संग्रह में और विशेष अंश का व्यवहार में समावेश कर तीनों शब्द नयों को एक रूप में स्वीकार कर संग्रह, व्यवहार, अजुसूत्र और शब्द ये चार नय मानने वाला. (one) who looks at a thing from four standpoints; (one) who believes in the four standpoints viz. Saṅgraha, Vyavahāra, Rujusūtra and Śabda, including Saṅgraha Viśesa in Vyavahāra and taking the three Śabda Nayas to be one. सम० २२; —संजोअ. पुं० (—संयोग) आर ओलनेो जेणालु—संयोग, चार बोलों का संयोग. conjunction of

four words. अणुजो० १२७;

चउकग. पुं० न० (चतुष्क) जुओ " च-
उक " शब्द. देखो " चउक " शब्द.

Vide " चउक " भग० २०, ५;

चउकय. पुं० न० (चतुष्क) जुओ " च-
उक " शब्द. देखो " चउक " Vide
" चउक " भग० ३१, १;

चउकवुसो. अ० (चतुःकृत्वस्) बार बार.
चार बार. Four times. क० प०
७, ३६;

चउगइ. ज्ञो० (चतुर्गति) नरक तिर्य्य मनुष्य
अने देवता ये बार गति. नरक, तिर्य्य,
मनुष्य और देव ये चार गतियां. The four
states of existence viz. hellish,
beasts, human and divine.
चउ० ११; क० ग० ५, ६८; —मिच्छा.
ज्ञो० (—मिथ्या) बार गतिना मिथ्यादृष्टि
जुओ. चार गति के मिथ्यादृष्टि जीव
heretical souls in the four
states of existence. क० ग०
५, ६८;

चउगइअ. त्रि० (चतुर्गतिक) बार गतिमां
इरनार. चार गतियों में घूमने वाला.
Incarnating in the four states
of existence. प्रव० २६;

चउजामधम्म. पुं० (चतुर्धाम धर्म) बार
महाव्रत रूप धर्म; अहिंसा, सत्य, अचौर्य
अने अपरिग्रह ये बार महाव्रतरूप धर्मना
आवीस तीर्थक्षेत्रो ये अतावेस धर्म. चार
महाव्रत रूप धर्म; अहिंसा, सत्य, अचौर्य और
अपरिग्रह इन चार महाव्रतों वाला बीच के २२
तीर्थक्षेत्रों द्वारा कहा हुआ धर्म. The creed
in the form of the four vows
viz. non-killing, truth, non-
stealing and non possession
of worldly effects—this was

taught by the 22 intermediate
Tirthankarās. नाया० १२;

चउतीसइम. न० (चतुर्विंशत्तम) सोल ण्प-
वास. सोलह उपवास Sixteen fasts.
भग० २, १;

चउत्थ. त्रि० (चतुर्थ) योथुं; योथा नम्भरनुं.
चौथा; चौथा संख्या वाला. Fourth. ज०
प० ७, १६१; १६२; आया० २, ४, १,
१३२; सम० ८; ठा० ६, २; उत्त० २६, १६;
भग० १, ६; २, १; ४; ४, १०; ५, ६;
७, ८; १०; १५, १; १६, ४; २४, १;
१६; २६, १; ३५, १०; उवा० १, ७१; नाया०
४; ७; ८; १६; नाया० ध० ४; पि० नि० भा०
१४; २६४; पि० नि० २२३; दस० ४; ६,
४, १, दसा० ७, ८; पञ्च० ४; कण्ठ० १, २;
८; (२) योथ लक्त; ओक उपवासनी
संज्ञा. एक उपवास. a term denoting
one fast. नाया० १; ५; १६; पंचा०
१६, ७; —अहिअ. पुं० (—आहिक)
योथे २ दिवसे आवतो नाव. चौधारा;
चौथिया उवर; तीन २ दिन के बाद आने
वाला बुखार. fever making its
appearance every fourth day.
ज० प० —पय. न० (—पद) योथुं ५६;
गाथानुं छेत्तुं ५६. चौथा पद; गाथा का
अन्तिम चरण. the last or fourth
line of a verse. दस० ६, ४, २; ३;
—मत्त. न० (—मक्त) योथ लक्त १५—
ओक उपवास—अर्थात् उपवास करवाने आगले
दिवसे ओक वपन जमनुं अने उपवास
पछीना दीवसे पय ओक वपन जमनुं
ओटले उपवासना ये लक्त अने आगला
पाछया दिवसनो ओकेका लक्त भणी
बार लक्त—(भोजन) नो त्याग ते उप-
वास अथवा योथलक्त कहेवाय. चतुर्थ भक्त
नामक तप; एक उपवास जहाँत जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक वक्त भोजन करना, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और आगे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा चतुर्थभक्त कहलाता है. a fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days. विशेष १२७२; ओव० १६; भग० १, १; २५, ७; परह० २, १; जीवा० ३, ३; नाया० ८; पञ्च० २८; —भक्तिय. त्रि० (—भक्तिक) यैथ भक्त-भेद उपवास करना. एकेक उपवास करने वाला. (one) who does one fast as described above. भग० १६, ४; कप० ६, २१; —मास. पुं० (—मास) यैथो भदिने चौथा मास. fourth month. नाया० ८;

चउत्थग. पुं० (चतुर्थक) यैथियो ताव; त्रयु द्विसने आन्तरे आवे ते. चौथिया बुवार; तीन २ दिन के बाद आने वाला ज्वर. Fever that makes its appearance every fourth day. जीवा० ३, ३; (२) यैथो. चौथा. fourth. वव० ३, १३;

चउत्थय. पुं० (चतुर्थक) जुओ "चउत्थग" शब्द. देखो "चउत्थग" शब्द. Vide "चउत्थग" विशेष ४६६;

चउत्थी. स्त्री० (चतुर्थी) पक्षनी यैथी तिथि; यैथ. पक्ष की चौथी तिथि; चौथ-चतुर्थी. The fourth day of a fortnight. जं० प० ७, १५३; (२) यैथो न चरनी. चौथी; संख्या वाली. fourth (feminine). उत्त० २४, २०; अणुजो० १२८; १२९;

विशे० ६६५; दसो० ६, २; पञ्च० ३; जीवा० २; नाया० ७; ८; भग० १, ५; ६, ८; १५, १; चउत्थस. त्रि० (चतुर्दशन्-चतुर्दशिकादश) यैथ; दश अने या२. चौदह; दस और चार. Fourteen. जं० प० २, ११६; सम० १४; ओव० ३८; अणुजो० १४२; भग० १, १; ५, ८; ११, ११; १५, १; २६, ६; ३१, १; क० गं० १, २५; २, ३०; नाया० १; ८; १३; सु० च० २. ३७; वव० १०, २; पञ्च० ४; —जिअट्टाण. न० (—जीवस्थान) यैथ उपस्थान-गुणुआणु. चौदह जीवस्थान-गुणस्थान. the fourteen Gunasthānas or spiritual stages. क० गं० ४, २; —पुव्व. न० (—पूर्व) यैथ पूर्व-आगम विशेष के ले दाव विछिन थध गयेव छे. चौदह पूर्व-आगम विशेष, जो वर्तमान में बिच्छेद हो गये हैं. the fourteen Pūrvas—a portion of scripture not now extant. भग० २५, ७; नाया० ५; १६; १६; —पुव्वि. पुं० (—पूर्विन्) यैथ पूर्वना गणुनार (साधु). चौदह पूर्वों को जानने वाला (साधु). Sādhu learned in the fourteen Pūrvas. ओप० नि० १; नाया० ८, भग० १, १; प्रव० ६; १६३; कप० ५, १३६; —पुव्वी. न० (—पूर्वी) यैथ पूर्वना समूह. चौदह पूर्वों का समूह. the collection of the fourteen Pūrvas. जं० प० २, ३१; प्रव० ३६५; —भक्त. न० (—भक्त) उपवास भोग करना ते. छः उपवास इकट्ठे करना. six consecutive fasts. ओव० १६; भग० २५, ७; —मग्गणट्टाण. न० (—मार्गणास्थान) यैथ मूल मार्गणाना स्थान. चौदह मूल मार्गणाओं का स्थान. the fourteen original characteristics by which mun-

dan souls are investigated.

क० गं० ४, ३; —रज्जु-जी० (—रज्जु)

यौ० रज्जु-आ० (—रज्जु) विशेष;

यौ० रज्जु-आ० (—रज्जु) विशेष;

रज्जु-राजु परीमित क्षेत्र विशेष; यह लोक

चौदह राजु प्रमाण ऊंचा है. name of a

region, so called because its

height is fourteen Rajjus. क० गं०

४, १७; —रयण. न० (—रयण) यक्षवर्तीना यौ०

रयण के जेना सहायथी यक्षवर्ती भरतपंडु साथे

छे. ओ रत्नोना नाम अने आकृति चित्रमः

दशविंश छे. चक्रवर्ति के चौदह रत्न जिसके

बल चक्रवर्ती भरतखण्ड जीतता है. इन

रत्नों के नाम व आकार चित्रमें बतलाये हैं.

the fourteen gems of a Chakra-

varti, by the help of which he

conquers the whole of Bharata-

khanda the names and shapes

of the gems are shown in the

picture. जं० १०. —वासपरियाग. त्रि०

(—वर्षपर्यायक) यौ० वर्षानी दीक्षावाणु.

चौदह वर्षों की दीक्षा वाला; चौदह वर्षों से

दीक्षित. (one) after whose

initiation into the ascetic order

fourteen years have elapsed.

वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चउहसहा. अ० (चतुर्दशधा) यौ० प्रकृति.

चौदह प्रकार का. In fourteen modes

or varieties. क० गं० १, ४;

चउहसी. जी० (चतुर्दशी) यौ० चतुर्दशी;

पक्ष की चौदहवीं तिथि. The four-

teenth day of a fortnight. जं०

प० ७, १५३; विवा० ५; दसा० ६, २;

पंचा० १०, १७;

चउहदा. अ० (चतुर्धा) और प्रकृति. चार प्रकार

से; चार प्रकार. In four modes or

varieties. क० प० २, ७३; ४, ३;

चउष्पाहया. जी० (चतुष्पादिका) और पञ्च-

वाणा भुजपरि सर्पनी ओ० नृत. चार पैर

वाले भुजपरिसर्पकी एक जाति. A spe-

cies of serpents with four feet.

पञ्च० १; सूय० २, ३, २५; जीवा० १;

चउष्पुडिया. जी० (चतुष्पुटिका) यपरी

वगाडपी ते. चिमटी बजाना. Act of

snapping a finger with the

thumb. नाया० ३;

चउमाहया. जी० (चतुर्भागिका) मासुनी

योथी भाग; २५ मासवानु भाप. मासों के

चौथे हिस्से जिसका रस नापने का एक नाप.

A measure of capacity equal

to the fourth of a Māṇi. अणुजो०

१३२;

चउभाग. पुं० (चतुर्भाग) योथी भाग;

चतुर्थांश. चौथा भाग; चतुर्थांश. Fourth

part. क० गं० ५, ६५; —कडिअ. त्रि०

(—कथित) योथी भाग शेष रहे तेरुं

उकालेन. उतना चौटाया हुआ जिससे चतु-

र्थांश बाकी रहा हो. boiled so long

as to be reduced to a fourth

part. क० गं० ५, ६५;

चउमासा. जी० (चतुर्मासी-चतुर्था मासानां

समाहारः) और मासना समूह, योमासु.

चार मासका समुदाय; चैमासा. A group

of four months; the monsoon

season. सु० च० ६, १२३;

चउमासिय. न० (चतुर्मासिक) योमासी

तप; और मासना उपवास करने का. चतु-

र्मासिक तप; चार मास तक उपवास करना.

Austerity in the form of fast-

ing for four months. ओ० १६;

चउमासिया-आ. जी० (चतुर्मासिका)

बिष्णुनी योथी भाग के जेमां ओ० मास

सुधी यार दात अन्ननी अने यार दात पाणी-
नी ६६पे. भिक्षुकी चौथी प्रतिमा, जिसमें एक
मास तक अन्न और जल की चार चार दात
कवल विशेष लिये जाय. The fourth
vow of an ascetic in which he
takes four Dātas of food and
four of water for one month.
भग० २, १; सम० १२, २८; दसा० ७, १;
वव० १, १७;

चउमास्स. न० (चतुर्मास्य) आषाढी १५ थी
दातकी १५ सुधीने। समय. चौमासा; आषाढ
की पूर्णिमा से कार्तिक की पूर्णिमासी तक का
समय. Period of time from the
15th day of Āṣāḍha to the 15th
day of Kārtika. ओष० नि० भा०
६५; (२०) यार महिनाना उपवास; येमासी
तप विशेष. चार मास का उपवास; चातुर्मा-
सिक तप विशेष. fasting for four
months; the monsoon-fasting
austerity of four months. संस्था०
६२;

चउयाह. न० (चतुष्कह) यार दिनस. चार
दिन. Period of four days. वव० ८, ४;

चउर. त्रि० (चतुर) यार; ४ नी संख्या.
चार; चारकी संख्या; ४. Four; 4. आया०
२, ५, १, १४१; सूय० १, १, १, १८;
सम० ४; पि० नि० १२४; वेय० १, ६; दस०
६, ४, २, ३; पञ्च० १६; क० गं० १, २६;
—अंग. त्रि० (-अङ्ग—अवारि चतुर्गु-
णितानि अंगानि मनुष्यादिआवाङ्गानि यस्य
तत्तथा) जेना यार अंग-अवयव छे तेनी
वस्तु-धर्मना यार अंग-दान, शील, तप
अने भाव;—शरणा यार अंग-अरिहन्त,
सिद्ध, साधु अने धर्म. जिसके चार अंग हो
ऐसी वस्तु, जैसे-धर्म के चार अंग—दान,
शील, तप और भाव, वैसे ही शरण के चार

अंग—अरिहन्त, सिद्ध, साधु और धर्म. any-
thing composed of four parts;
e. g. the four parts of Dharma
are—charity, chastity; auste-
rity and faith; those of Śaraṇa
(surrender) are—Arihanta,
Siddha; Sādhu and Dharma.
चउ० ६२; (२) दाथी, २थ, घोडा अने
पेदण अे यार जेना अंग छे ऐनी सेना—
सैन्य. हाथी, रथ, घोड़े और प्यादे इन चार
अंगों वाली सेना; चतुरंगी सैन्य. an army
composed of horses, chariots,
elephants and infantry. पणह० १,
३; सु० च० १५, २८; —अंगिणी. स्त्री०
(-अंगिनी) चतुरंगी सेना. चतुरंगी
सैन्य; चार प्रकार की सेना. an army
composed of four parts viz.
horses, elephants, chariots and
infantry. नाया० १६; निर० १, १;
—अंगुल. न० (-अंगुल) यार आंगुल.
चार अंगुल. four fingers. ज० प० ५,
११२; ७, १६२; ३, ६७; उत्त० २६, १५;
नाया० १; भग० ३, २; ६, ३३; —अंगुल-
दीहि. त्रि० (-अंगुलदार्ध) यार आंगुल
लांछु. चार अंगुल लम्बा. of the length
of four fingers. प्रव० ६७३; —अन्त.
त्रि० (-अन्त) यार प्रकारनी गति छे जेभां
ऐवे संसार. चतुर्विध गति युक्त संसार.
Earthly existence consisting
of four (atis or states of exis-
tence. सूय० २, ६, २३; —अंस. त्रि०
(-अस) यारस; यार भुज्जावांगु. चौरस;
चार कोनोवाला. Square; four-
angled. “आक्खाडगसम चउरंस संडाण
संठियाओ ” ठा० ८; उवा० १, ७६; सूय०
२, २, ६६; आया० १, ५, ६, ११०; ठा०

१, १; ३, ३; ७, १; सम० प० ३०६; उत्त० ३६, २१; भग० ६, ५; ८, १; १४, ७; २५, २; नाया० ८; जीवा० ३, १; ३; पञ० १; ओष० नि० २८६; दसा० ६, १; विशेष० ६०१; प्रव० ६७३; जं० प० १, १२; —असी. श्री० (—असीति) यैरासी; ८४. चौरासी; ८४. eighty-four; 84. जं० प० ५, ११५; “सूयगडेणं असीइ सयंकि-रियावईणं चउरासीअ किरियावईणं” राय० भग० १, ५; ३, १; ३; ६, ७; १२, ६; २०, ५; नाया० ८; नंदी० ४३; पञ० ४; —असीइति. त्रि० (—असीति चतुराधिका असीति) यैरासी; ८४; चौरासी; ८४. eighty-four; 84. उवा० १, ७४; जं० प० भग० १५, १; २५, ७; सम० ८४; आंव० ३८; जं० प० २, १८; —इन्द्रिय. पुं० (—इन्द्रिय) २५४-आणु-रसना-नेत्र-ओ आर धन्द्रिय वाणो ७५. चतुरिन्द्रिय जीव; स्पर्श घ्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव. a living being with four senses viz. touch, smell, taste and sight. ठा० १, १; उत्त० १, १; उत्त० ३६, १२५; भग० १, १; ५; २, १; १०; ५, ६; ८, १; २४, १; १२; १९; २६, १; दस० ४; पिं० नि० भा० ६; जीवा० १; पञ० १; —इन्द्रियाय. पुं० (—इन्द्रियाय) आर धन्द्रिय वाला ७५नुं शरीर. चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर. body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२;

चउर. त्रि० (चतुर) क्षुध; होशीआर. चतुर; कुशल; दक्ष; Clever; skilful. अणुजो० १२८;

चउरग. पुं० (चकोरक) यकोर पक्षी. चकोर. the bird Chakora. परह० १, १;

चउरमइ. पुं० (चतुरमति) श्री शेअर राजना

इत (नोकर) पुं० नाम. श्री सेखर नरपति का एक दूत-नौकर. Name of a servant of king Sri Sekhara. सु० च० ३, ११२;

चउवीस. त्रि० (चतुर्विंश) यावीश; वीश अने आ२. चौबीस; बीस और चार; २४. Twenty-four; 24. अणुजो० ५६; ठा० १, १; भग० २, ५; ८; ३, १; ५, ८; १५, १; २; ८; २४, १; १२; पञ० ४; उवा० १०; २७७; प्रव० २; सम० २४; वव० ८, १५; आब० १६; —तथअ. नं० (—स्तव) भीजुं आवश्यक् सूत्र जेमां तीर्थंकरनी स्तुति छे. दूसरा आवश्यक् सूत्र, जिस में तीर्थंकरों की स्तुति की गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tirthaṅkaras. नंदी० ४३; उत्त० २६१२; —तथव. पुं० (—स्तव) भीजुं आवश्यक् सूत्र; लेखरसना पा६ जेमां २४ तीर्थंकरनी स्तुति छे. देखो ऊपरका शब्द. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tirthaṅkaras in the text “Logassa ” etc. नंदी० ४३; उत्त० २९, २; —दंडअ. न० (—दण्डक) यावीस दण्डक. चौबीस दण्डक. twenty-four Daṇḍakas. ठा० १, १; —दंडग. पुं० (—दण्डक) यावीश दण्डक. देखो ऊपर का शब्द. twenty-four Daṇḍakas. भग० २०, ७; ठा० २, २;

चउवीसइम. पुं० (—चतुर्विंशतितम) ११ ण्पत्तस. ११ उपवास. Eleven fasts. भग० २, १; नाया० १; (२) यावीशमे. चौबीसवां. twenty-fourth. भग० २४, १; ठा० ६, १;

चउविह. त्रि० (चतुर्विंश) आ२ प्रकास्तुं.

चार प्रकार का. Four-fold; of four kinds. क० प० २, ३६; ४, ३०; ८०; क० गं० १, १६; ६, २४; भग० १, १; २; २, १; ५, ३; २५, १; नाया० १; ५; १४; सु० च० ६, १३१; दसा० ४, ११; २३; ६३; अणुजा० १३२; ओव० १७; सम० ४; विशेष० २४; ७८; दस० ६, ४, १; उवा० १; ४३; भक्त० ४६; १५८; गच्छा० १००; कप्प० ४, ६१; —भंडग. न० (—भण्डक) चार प्रकरना करीयाला. चार प्रकार का कर याना-बेचने का सामान. four kinds of groceries. विवा० २;

चउसट्टि. स्त्री० (—चतुष्षट्टि) यासः ६४. चौसठ; ६४. Sixty-four; 64. सम० ६४; ओव० ३८; भग० ३, १; २; ६, ५; १०, ५; १६, ७; २०, ५; नाया० ३; वव० ६, ३८; विवा० ७; ५; ज० प० २६, १२५; २, २६; —कला. स्त्री० (—कला) यासः ६४. चौसठ कला. sixty-four arts. नाया० ३;

चउसट्टिया-आ. स्त्री० (चतुःषष्टिका) २४ तोलवानु मापनी यासः भा आगनु भाप रस मापने-तौलने का माणा का चौसठवां भाग-हिस्सा. A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Māni.

अणुजा० १३२; राय० २७२;

चउसिया. स्त्री० (चौकुशिका) यादुपनाभना देशनी स्त्री. चौकुश नाम के देश की स्त्री. A female of the country named Choukusha. भग० ६, ३३;

चउहा. अ० (चतुर्धा) चार प्रकार से. In four ways or parts; four-fold क० गं० १, २; ४; ४३;

भग० १२, ४; राय० २६१;

चओर. पुं० (चकोर) यकोर पक्षी. चकोर पक्षी. The bird called Chakora. सु० च० २, १६;

चओविचइअ. त्रि० (चयोपचयिक) न्यूनाधिक घटनाएं; यथोपयय-दानिवृद्धि पाभनार. न्यूनाधिक होने वाला; घटती बढ़ती होने वाला; वृद्धि क्षय पांने वाला. Subject to decrease and increase. आया० १, १, २, ४६;

चंकमत. व० कृ० त्रि० (चंकमत) यावतु; पशवां भरतु. चलता हुआ. Moving; stepping. चंकमओ. व० ए० क० गं० १, ११; ओव० ३०;

चंकमण. न० (चंकमण) आभ तेम इरतु ते इधर उधर फिरना. Moving here and there. सम० प० १६८;

चंकमिअ. त्रि० (चंकमित) अतिशय यावत. अतिशय चला हुआ. (One) that has moved too much. ज० प० ७, १६६;

चंकमिया. सं० कृ० अ० (चंकम्य) व्यतीत करीने; पसार करीने. व्यतीत करके; गुजार कर. Having passed or spent. आया० १, ८, २, ६;

चंकममाण. व० कृ० त्रि० (चंकम्यमाण) इरतु; यावतु; इपतु. चलता हुआ; कम्पित होता हुआ. Moving; walking; quaking. कप्प० ३, ३८;

चंकार. पुं० (चकार) यकार; य अक्षर. 'च' अक्षर. चकार. The letter Cha. ठा० १०, १;

चंगवेर. पुं० () कथरेट; यजिरी.

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कठौती. A large metal pan. "पीडए चंगेरेय नंगले मइयं सिबा" दस० ७, २८; आया० २, ४, २, १३८;

चंगिम. त्रि० (चङ्गिम्) सुंदर; रूपवान्. सुन्दर; चंगा; सुरुपवान्. Beautiful; handsome. सु० च० २, ३८२;

चंगेरिआ. स्त्री० (*) फूल रखनेकी टोकरी. A flat basket to keep flowers in. राय० ३५;

चंगेरी. स्त्री० (*) फूलनी छाया; छायाडी. पुष्प रखनेकी छाबडी-चंगेर. A flat basket to keep the flowers in; a flat basket. विश० ७१०; जं० प० जीवा० ३, ४; राय० १२१;

चंचल. त्रि० (चञ्चल) अस्थिर; चल. Unsteady; moving; quick. जं० प० ५, ११२; ओव० १४, २१; भग० ३, १; २, ४, ३३; १५, १; पञ० २; नाया० १; ८; ६; उवा० २, १०७; —कुंडल. न० (-कुण्डल) अस्थायमान कुण्डल. चत्तायमा कुण्डल. an unsteady ear-ring. कप० २, १३;

चंचलायमाण. त्रि० (चंचलायमान) अस्थायमान; अस्थिर, चंचल. Unsteady; moving. जं० प० ३, ४६;

चंचु. स्त्री० (चञ्चु) पक्षीनी अंश. पक्षी की चोंच. Bird's beak जं० प० ७, १६६;

चंचुखिय. न० (*चंचुखित) पोपटनी आंखनी भाइक पग पांका अने उया राप्पी उआ रहेतुं के आलतुं ते; धोडानी ओक प्रकारनी भति. शुक्र-सुआ-तोते की चोंच की तरह पैरों को

देहा और ऊंचा रखकर खड़े रहना या चलना; एक प्रकार की घोड़े की गति. Act of standing or walking with feet bent like the beak of a parrot; a kind of gait peculiar to a horse. ओव० ३१; जं० प० ७, १६६;

चंचुमालाय. त्रि० (*) हर्षाधी पिडाथ पाभेन-रोमांय थयेन. हर्ष से विकसित-फूला हुआ; खुशी के मारे रोमांचित. Bristling with joy. "धाराहगनीव सुराहिकुसुम चंचुमालायतणु" जं० प० ५, ११५; भग० ११, ११;

चंड. त्रि० (चण्ड) प्रयत्न; तीक्ष्ण; क्रोधना आवेशवाणु. प्रचण्ड; तीव्र; क्रोध के आवेश वाला. Fierce; keen; hot with anger. उत्त० १, १३; १७, ८; ओव० २३; सूय० २, २, १७; ६२; भग० ३, १; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; १२, १; नाया० १; ४; ६; दसा० ६, ४; पराह० १, १; जीवा० ३, १; दस० ६, २, ३; जं० प० राय० २०७; २८३; उवा० २, १०७; कप० २, २७; २८; —कर्म. त्रि० (कर्मन्) कर्म करनेवाला. (one) who does fierces or cruel deeds. प्रव० १६००; —विष. न० (-विष) शरीर में जलसी प्रविष्ट होने वाला विष; तात्र विष deadly poison. नाया० ६; भग० १५, १;

चंडर्पिगल. पुं० (चण्डर्पिगल) ओ नामने ओक भाणुस के जेतो मोहने लीधे नाश थये होतो. इस नाम का एक मनुष्य, जिसका नाश मोहकश हुआ था. Name of a person

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देओ पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

who was lost on account of infatuation. भक्त० १३७;

चंडरुह. पुं० (चण्डरुह) ओ नामना ओड
होधी आचार्य. इस नाम का एक कोधी
आचार्य. Name of a preceptor
given to anger. पंचा० ११, ३५;

चंडा. श्री० (चण्डा) यमरेन्द्र वगेरेनी
मध्यम पर्यादा-सभा. चमरेंद्र आदि की
मध्यम सभा. The middle council
of Chmarendra etc. शा० ३, २;
भग० ३, १०; जीवा० ३, ४; (२) जेम
होधी भाजुसने भ्रम न दोगे तेम जेम
भ्रम न जलुप ओवी देवतानी ओड गति.
जिस प्रकार कोधी मनुष्य का भ्रम नहीं होता
उसी प्रकार जिस में भ्रम न हो ऐसी देवता
का एक गति. a sort of gait of gods
involving no strain to a man
given to anger or to them-
selves. “ विपुला ककुसा पगाढा चंडा
बुहा तिन्वा दुरहियांसि ” विवा० १; गाय०
२६; नाया० ६

चंडाल पुं० (चाण्डाल) आंग्रजथी शुद्धी
अ. अक्षुषीमां उत्पन्न धमेत गत-नीय गत.
चाण्डाल-शूद्रादि नाच से ब्राह्मणा में उत्पन्न
जाति; नाच जाति. A low-caste person
having a Brahmana mother
and a Śūdra father. उत्त० ३, ४;
(२) लंगी; डस भंगा. A sweeper;
persons of low caste. भक्त० १००;
मु० च० १२, ५५; नाया० २; अणुजो० १२८;

चंडालग. न० (चन्दाळक) देवपूज निमित्त
कुल राजवानु तांयानु पासषु के जेने मधु-
राभां यंडालग डोडे छे; देवपूजा के निमित्त
फूल रखनेका तांबका एक पात्र; जिसे मधुगम
‘चंडालग’ कहते हैं. A copper vessel,
so called, in Mathurā, used for

holding flowers for the worship
of gods. सूय० १, ४, २, १३;

चंडालिय. न० (चाण्डाल्य) यण्डालना जेपुं
हर्म. चण्डाल जैसा कर्म. A deed
worthy of a low-caste person.
उत्त० १, १०;

चंडिक. पुं० न० (चाण्डिक्य) आण्डिक्य-
होधि. क्रोध; गुस्सा. Anger; fury. सम०
५२; पण्ड० २, २; भग० १२, ५;

चंडिकिअ-य. त्रि० (*चाण्डिकियत-चाण्डिक्य
रौद्ररूप संजात यस्येति) होधि अंग्रजथी
रौद्र रूप धरेत. क्रोध प्रकट होने से रौद्र
रूप-भयंकर रूप वाला. Pierced or
grim in appearance on account
of anger. जं० प० ३, ५६; ५७; उवा०
२, ६५; नाया० १, १६; भग० ३, १; २;

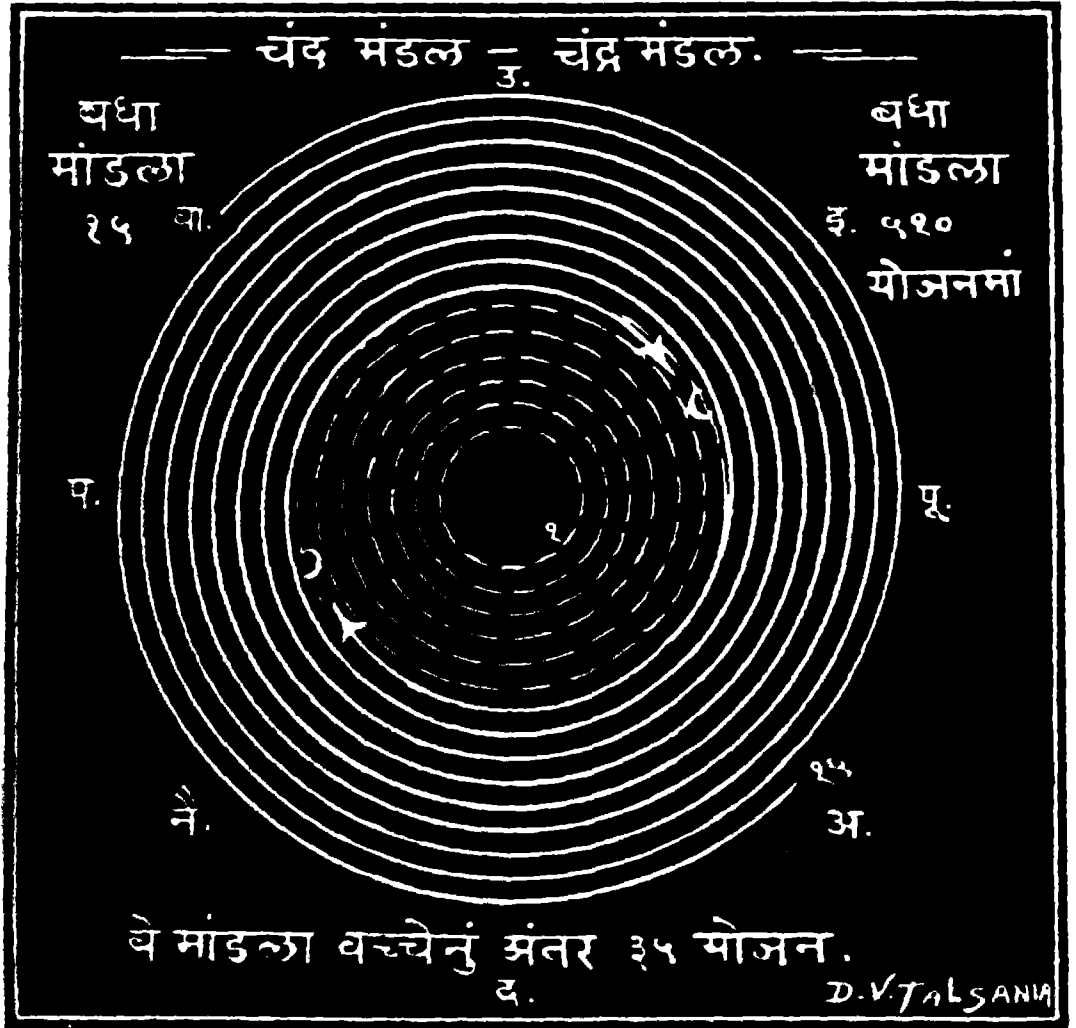
चंडी. श्री० (चण्डी) ओ नामनी साधारण
व्यवर्तति. इस नाम की एक साधारण वन-
स्पति. Name of a common vege-
tation. पञ्च० १; भग० २३, ३; (२)
अण्ड्री देवी. चण्डा; चण्डिका देवी. the
goddess Chandi. पण्ड० १, २;

चंद्र. पु० (चन्द्र) यंद; यंदमः. चंद्र; चंद्रमा.
The moon. जं० प० ७, १४७; आव०
१०; भग० ३, ७; ८, १; ६, २; दसा० ६,
१; नाया० १, १०; अणुजो० १०२;
सम० ६; ३२; उत्त० ११, २५; २५, १६;
कण्य० ३३६; ४३; पंचा० ८, ३४; आव० २, ७;
विशे० २३६; पञ्च० १; नंदी० ६; (२) यंद
नामनु त्रीन देवलोकां ओड विमान. तीसरे
देवलोक का चंद्र नामक एक विमान. an
abode of the name of Chandra
in the third Devaloka. सम० ३;
(३) यप्रविजयनी पूर्व सीमा उपरने
व्यवर्त. वप्रविजय की पूर्व सीमा
ऊपर का वसारा पर्वत. the Vakhārā

mountain on the eastern boundary of Vapra vijaya. जं० प० (४) ज्योतिष देवतानो ईद्र. ज्योतिषी देवों का इन्द्र. the Indra of the Jyotiṣa-gods. जीवा० १; उत्त० ३६, २०६; ठा० २, ३; आ० २६; (५) उत्तर कुरुक्षेत्रभांनो ऐक द्रह के जेने ओ पासे कंयनक पर्वत छे. उत्तर कुरु क्षेत्र में का एक द्रह, जिसके कि दोनो किनारों पर कंचनक पर्वत हैं. a lake in Uttara Kurukṣetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain. जीवा० ३, ४; (६) चंद्र नामनो द्वीप अने समुद्र. चंद्र नामक द्वीप और समुद्र. a continent of the name of Chandra; also ocean of that name. जीवा० ३, ४; पञ्च० १; (७) जे वर्षांमा अधिक मास न होय ते संवत्सर. जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर. an ordinary year; an year not intercalary. जं० प० सू० प० १०; प्रब० ६०८; (८) चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्यायन. चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्यायन. the first chapter of Chandrapuṣpikā. निर० ३, १; (९) आठमा तीर्थंकरनुं लाठन. आठवे तीर्थंकर का चिन्ह. the emblem or symbol of the eighth Tīrthāṅkara. प्रब० ३८१; —अष्ट. न० (—अर्धचन्द्र) अर्धमा चंद्र; अष्टमीनो चंद्र. आधा चन्द्र; अष्टमी का चंद्र. half-moon; the moon on the eighth day of every fortnight. राय० ११३; —आभा. स्त्री० (—आभा) चंद्रनी आभा. ज्योति. चन्द्र की ज्योति; चन्द्र की आभा. moon-light. भग० ६, ५; ७; —उच-

राग. पुं० (—उपराग) चंद्र ग्रहण. चंद्र ग्रहण. lunar eclipse. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —जोग. पुं० (—योग) नक्षत्रनी साथे चंद्रनो योग. नक्षत्र के साथ चंद्र का योग. the moon in conjunction with a lunar asterisk. जं० प० ७, १६०; —दिग. न० (—दिन) चंद्रनो दिवस; सोमवार. चंद्र का दिन; सोमवार. monday. सम० २८; —पडिमा स्त्री० (—प्रतिमा) चंद्र नामनी प्रतिमा—अभिग्रह के जेमां चंद्र कलानी पेड़े शुक्ल पक्षमां द्वादशी अकेक कोणीओ पक्षरतां अने कृष्णपक्षमां अकेक कोणीओ घटाउतां अभावस्याये अकेक कोणीओ लेवामां आवे ते: अके प्रक्षरनुं उनादरी १५. चन्द्र नाम का प्रतिमा—अभिग्रह, जिसमें चन्द्रमा की कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कवल-ग्राम बढ़ाते और कृष्णपक्ष में एक एक ग्राम घटाते अभाव के दिन एक ही ग्राम लिया जाता है; उनादरी तप विशेष. A sort of austerity in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half. प्रब० १५७२; आ० १६, ठा० २, ३; वव० १०, १; —परिवेष्ट. पुं० (—परिवेष्ट) चंद्रनो कुंडली; चंद्रनो कर्तुं भण्डाकारे देआव. चन्द्रमा के चारों ओर गोलकाकार का घेराव-वृत्त. the halo of light round the moon. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —पञ्चय-अ. पुं० (—पर्वत) धातकी अउना महाविदेहभांनो अके पर्वत.

सचित्र अर्ध-मागधी कोष —————



धातकी खण्ड के महाविदेह का एक पर्वत. name of a mountain of the Mahāvīdeha of Dhātākīcontinent. ठा० २. ३; (२) ओ नाभने सितोदा नदीने पक्षरकार पर्वत. इस नाम का सितोदा नदी का बखारा पर्वत. name of a Vakārā mountain on the river Sitodā. ठा० ८, १; —मंडल. न० (—मंडल) चन्द्रनुं मंडल. चन्द्र मंडल. the discus of the moon. सम० ६१; (३) चन्द्रमाने आकाशमां यात्रयाने नियत मार्ग. चन्द्रमा के चलने के लिये आकाश का नियत मार्ग. the orbit of the moon. (४) आकाशमां चन्द्र के प्रदेश उपर आवे छे ते प्रदेशनी वाधनिने चंद्रमण्डल कुंडेवाभां आवे छे. तेवा चन्द्रमा मंडला १५ छे अटले चन्द्र पांडेले मंडलेथी १५ दिवसे १५ मे मंडले गत्य छे, अने पट्टी अंदर आवतां १५ मे मंडलेथी १५ दिवसे पांडेले मंडले आवे छे. अम पट्ट पट्ट दिवसे चंद्रनी आवृत्ति थाय छे. आकाश में चंद्र जिस प्रदेश पर फिरता है उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं. ऐसे चंद्रके मंडल १५ हैं अर्थात् चंद्र प्रथम मण्डल में १५ वें दिन १५ वें मण्डल में जाता है और फिर वापस १५ दिन में १५ वें मण्डल में १ ले मण्डल में आता है. इस प्रकार पंचरे २ दिन में चंद्र की आवृत्ति होती है. the path of the moon in the sky is called the circle of the moon. There are such 15 circles. The moon begins her course from the first circle and reaches the 15th circle on the 15th day and when she retreats her motion back from the 15th circle takes again 15 days to

come to the first circle. Thus the whole course is completed in every fortnight. जं० प० ७, १४२; चंद्रमण्डलपविभक्ति. पुं० (चन्द्रमण्डलप्रविभक्ति) चन्द्र मंडलनी विशेष रचना वाला नाटक. A drama in which the scenery of the moon is exhibited. राय० ६२;—रविजोग. पुं० (—रवि-योग) चन्द्र अने सूर्यने योग. चंद्र और सूर्य का योग. the moon in conjunction with the sun. जं० प० ७; १४२; —विमाणजोइसिय. पुं० (—विमान-ज्योतिष्क) चन्द्रमा विमानमां रहेनार ज्योतिष्क देव. चन्द्रमाके विमानमें रहने वाला ज्योतिष्क देव. a deity living in the heavenly abode of the moon. जं० प० ७, १६४; भग० २४, १२; —सूर. पुं० (—सूर) चन्द्र अने सूर्य. चन्द्र और सूर्य. moon and sun. प्रव० ८६२; —होरा. स्त्री० (—होरा) चन्द्रनी होरा; चन्द्र अथ चन्द्रलभ; चन्द्रमा की होरा-समय विशेष. a particular duration of time in the position of the moon in its orbit. गण० ६४; चंद्रक. पुं० (चन्द्रक) मीर पीछे उपरने आंदेले. मीर की पिच्छे ऊपर का एक प्रकार का चन्द्राकार चमकीला आकार विशेष. A star-like spot on the feather of a peacock. नाय० ३;

चंद्रकंत. पुं० (चन्द्रकान्त) चन्द्रकान्त नाम का तीसरे देवलोक में अथ विमान. चन्द्रकान्त नाम का तीसरे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode in the third Devaloka. सम० ३; चंद्रकंता. स्त्री० (चन्द्रकान्ता) यात्रु अवसर्पि-

श्रीना श्रीम कुण्डरनी श्री. वर्तमान अव-
सर्पिणी के दूसरे कुलकर की श्री. Name
of the wife of the second Kula-
kara of the present or current
descending cycle (Avasarpini)
सम० प० २२६;

चंद्रकूट. पुं० (चन्द्रकूट) चन्द्रकूट (कूट)
नामनु त्रीण देवलोकनुं अेक विमान. इस
नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान.
Name of a heavenly abode of
the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रकवेष्म. न० (चन्द्रकवेष्म) राध.वेध-
यक्षरती राधा पुतलीनी तयावन्मयेथी आंभ
विंधयी ते. राधा वेध; चक्रका तरह घूमती
हुई पुतली की आंख वेधना. A feat in
archery—piercing the eye of
a rotating doll आच० नि० ८०७;
संस्था० १२१; आउ० ५४;

चंद्रगुप्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त
गुप्त. मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King
Chandragupta of the Maurya
dynasty. विशेष० ८६२; पि० नि० भा० ४५;

चंद्रचरिया. श्री० (चन्द्रचर्या) चंद्रनी गति
अध्यानी विद्या. चन्द्र की गति जानने की
विद्या. The science of the motions
of the moon. सूय० २, २, २७;

चंद्रच्छाय. पुं० (चंद्रच्छाय) चंद्रच्छाय नामे
अंग देशेना राजा. चन्द्रच्छाय नाम का अंग
देश का राजा, Name of a king of
the country called Aṅga. रा०
७, १; नाया० ८;

चंद्रजसा. श्री० (चंद्रजस) विमल वाहन
कुण्डरनी श्री. विमल वाहन कुलकर की श्री.
Name of the wife of the Kula-
kara Vimala-Vāhana. सम० प०
२२६;

चंद्रजम्बय. पुं० (चन्द्रजम्बय) चंद्रजम्बय नामनुं
त्रीण देवलोकनुं विमान. चन्द्रजम्बय नाम का
तीसरे देवलोक का विमान. Name of a
heavenly abode of the third
Devaloka. सम० ३;

चंदण. न० (चन्दन) मलयगिर-चन्दन. मल-
यागर-चन्दन. Sandal-wood. (२) सुष्प-
ज्जुं जाड. चन्दन का वृक्ष. sandal tree.
आव० भग० ६, ३३; २२, ३; नाया० १;
५; ८; सु० च० २, ५८४; राय० ५६; जीवा०
३, ४; पञ्च० १; कप्प० ५, ११८; प्रव० ३१०;
उवा० १, २६; जं० प० ५, ११४; (३)
अक्ष-काडानो अय; अेष्टद्विष अयनो अेक
प्रकार. अक्ष-कौंड (घोंघा) का जीव; दो
इंद्रिय जीव का एक प्रकार. a variety
of two-sensed living beings.
उत्त० ३६, १२८; पञ्च० १; (४) चंदनमणि;
संचित इडिन पृथ्वीनो अेक प्रकार. चन्दन-
मणि; संचित कठिन पृथ्वी का एक प्रकार.
a kind of sentient hard earth
called Chandanamani. उत्त० ३६;
७६; पञ्च० १; —**उक्षिप्तगाय.** त्रि०
(-उक्षिप्तगात्र) चंदनथी लेपायनुं छे
शरीर अेनुं अेवो. चंदन से लेपन किया हुवा
जिसका शरीर है वह. (one) whose
body is smeared with sandal-
paste. भग० ६, ३३; —**कलस.** पुं०
(-कलश) चन्दन लिप्त कलश; भंगल
कलश. चन्दन लिप्त कलश मंगल कलश.
a pot smeared with sandal-
paste; an auspicious pot. राय०
५६; जं० प० ५, १२०; —**पादप.** पुं०
(-पादप) चंदननुं वृक्ष. चंदन का वृक्ष. a
sandal-tree. विवा० १; —**पेसिया.**
श्री० (-पेसिका) चन्दन वसतारी दासी.
चन्दन घिसने वाली दासी. a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone. भग० ११, ११; —विलेपण. न० (-विलेपन) चंदनको लेप करणे ते. चंदन का लेप करना. smearing the body with sandal-paste. पंचा० ८, २४;

चंद्रणञ्जा. छा० (चन्दनार्जा) चौथीशभा तीर्थ-इरती मुष्प साध्वी; चंदनयाला नामती आरत. चौवासवे तीर्थहर की मुख्य साध्वी. चंदनबाला नामकी आरजा. A nun named Chandanabālā; the chief nun of the 24th Tirthankara. सम० प० २३४;

चंद्रणा. छा० (चन्दना) चंदनयाला साध्वी. चंदनबाला साध्वी. The nun named Chandanabālā. कण० ५, १३४;

चंद्रणी. छा० (चन्द्रनी) आयभन. आचमन. Holy water. आया० २, १, ६, ३२; —उयय. न० (-उदक) आयभननुं पाणी ज्यां जेनुं होय ते स्थल. आचमन का जल जहापर वहता हो वह स्थल. a place where holy water is flowing. आया० २, १, ६, ३२;

चंद्रमणपविमत्ति. छा० (चन्द्रास्तमन-प्रविमत्ति) चन्द्रान्त चन्द्रआयभवानी विशेष रचनावाला नाटक. चंद्रास्त की विशेष रचना-युक्त नाटक. A drama in which there is a scene of the setting moon. राय० ६२;

चंद्रदीप. पुं० (चन्द्रद्वीप) चन्द्र नामको द्वीप. चंद्र नाम का द्वीप. A continent or island named Chandra. जीवा० ३, ४;

चंदन. न० (चन्दन) चंदन. चंदन. Sandal paste; sandal wood तंदु०

चंद्रनागरी छा० (चंद्रनागरी) ये नामती ओक शाखा. इस नाम की एक शाखा. An off-shoot of that name. कण० ८;

चंद्रपणत्ति. छा० (चन्द्रप्रज्ञप्ति) जेभां चन्द्रसम्बन्धी वस्तुन कथुं छे ते चन्द्रप्रज्ञप्ति नामनुं ओक दार्शनिक सूत्र. जिसमें चन्द्रसंबन्धी वर्णन किया गया है वह चन्द्रप्रज्ञप्ति नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika Sūtra in which a description of the moon is given. ठा० ३, १; ४, १; नंदी० ४३;

चंद्रपभ. पुं० (चन्द्रप्रभ-चन्द्रस्य इव प्रभा-ज्योत्स्ना यस्य) चन्द्रकांतमणि. चंद्रकान्तमणि. A precious stone called Chandrakānta. नाया० १; पञ्च० १; उत्त० ३६, ७६; (२) छत्रांतो द्रष्टुं छत्राका दंडा. the handle of an umbrella. नाया० १; (३) चंद्रप्रभ नामनुं त्रोग देवलोकनुं ओक विमान. चंद्रप्रभ नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३; (४) आरमा चंद्रप्रभ तीर्थइर ते जेती द्रष्टुं चन्द्र जेती इती. ८ वे चंद्रप्रभ तीर्थकर कि जिनकी कान्ति चन्द्र के समान था. the 8th Tirthankara with moon-like lustre. ठा० २, ४; —गाहाघइ. पुं० (-गाथापति) चंद्रप्रभ नामको ओक गृहपति शेर. चन्द्रप्रभ नाम के एक गृहपति मंत्र. name of a merchant. नाया० ध० ८;

चंद्रपभा. छा० (चन्द्रप्रभा-चंद्रस्येव प्रभा आकारो यस्याः) चंद्रहास नामकी मदिरा-दारु. चन्द्रहास नाम की मदिरा दारु. A sort of wine called Chandra-hāsa. जीवा० ३, ३; पञ्च० १५; (२) चंद्रमाती भेटी पट्टाणी. चंद्रमाकी प्रधान

पहराणी. the senior queen of the moon-god. ठा० ४, १; भग० १०, २; सू० प० १८; जीवा० ४; जं० प० ७, १७०; ३) चंद्रप्रभा देवी. चंद्रप्रभा देवी. Chandraprabhā Devī. नाया० घ० ८; (४) दशमा अने चोविशमां तीर्थंकरनी भ्रमण्या पांलणीनुं नाम. दशवें और चौबीसवें तीर्थंकरकी प्रव्रज्या पालकीका नाम. name of the Palanquin of the 10th and 24th Tirthāṅkara at the time when he took holy orders. कप्प० २, १००; सम० प० २३१; —दारिया. स्त्री० (-दारिका) चंद्रप्रभा नामनी ऐक कन्या. चंद्रप्रभा नाम का एक कन्या. a girl named Chandraprabhā. नाया० घ० ८;

चंद्रपह. पु० (चंद्रप्रभ) वर्तमान चोवीसीना आठमा तीर्थंकरनुं नाम. वर्तमान चौबीसां के आठवें तीर्थंकर का नाम. Name of the 8th Tirthāṅkara of the current Chovīsī. अणुजो० ११६; सम० २४; कप्प० २, ४६; ५, ११८; आव० २, २; प्रव० २६३;

चंद्रपह. स्त्री० (चंद्रप्रभा) जुआ " चंद्रपभा " शब्द. देखो " चंद्रपभा " शब्द. Vide " चंद्रपभा " आया० २, १५, १७६;

चंद्रपहाविमान. न० (चंद्रप्रभाविमान) ऐ नामनुं ऐक विमान. इस नाम का एक विमान. Name of a heavenly abode. नाया० घ० ८;

चंद्रभागा. स्त्री० (चंद्रभागा) चंद्रभागा नामनी ऐक नदी के जे सिंधुमां जुधने भगे छे. चंद्रभागा नाम की नदी कि जो सिंधु में जाकर मिलती है वह. The river named Chandrabhāgā. ठा० ५, ३;

चंद्रम. पुं० (चन्द्रमस्) चन्द्रमा. चंद्रमा. The moon. " चाकलसाणुच चंद्रमा " नाया०

१; सू० प० १;

चंद्रमस. पुं० (चन्द्रमस्) चाँदो; चंद्रमा. चन्द्रमा; चन्द्र; राशि. The moon. सू० प० १; चंद्रमहस्तर. पुं० (चन्द्रमहस्तर) ऐ नामना ऐक आचार्य के जेले सप्ततिका नामे ग्रंथ रच्यो छे. इस नाम के एक आचार्य कि जिन्होंने सप्ततिका नाम का ग्रंथ बनाया है. Name of a preceptor who was the author of a book named Saptatikā. क० ग० ६, ६३;

चंद्रय. पुं० (चन्द्रक) मोर पीछेना चाँदो. मोर पंख का चाँद. A star in the feather of a peacock. नाया० ३;

चंद्रयगुप्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) पाटली पुत्रनो प्राचीन राजा; चंद्रगुप्त नामे मौर्यवंशने ऐक राजा पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा; चंद्रगुप्त नाम का मौर्यवंशी एक राजा. Chandragupta of the Maurya dynasty. संस्था० ७०;

चंद्रलेस्स. पुं० (चन्द्रलेख) चन्द्रलेश नामनुं त्रीन देवलोकनुं ऐक विमान. चन्द्रलेश नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. A heavenly abode named Chandraleśa in the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रलेस्सा. स्त्री० (चन्द्रलेखा) चन्द्रना विमाननी कान्ती. चन्द्र के विमान की कान्ति. The splendour of the heavenly abode of the moon. भग० १२, ३;

चंद्रवाहिसअ. पुं० (चन्द्रावतंसक) चंद्रमांनुं विमान. चन्द्रमाका विमान. The heavenly abode of the moon. जं० प० निर० ३, १; नाया० घ० ८;

चंद्रवक्त्र. न० (चन्द्रवर्ण) चोथा देवलोकनुं चंद्रवर्ण नामनुं ऐक विमान. चौथे देवलोक का चंद्रवर्ण नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० ३;

चंद्रसालिया. स्त्री० (चन्द्रशालिका) भेडी; भाण; भण्डो. मजला; मंजिल. Upper floor; top-floor. पण्ह० १, १; नाया० १; जीवा० ३, ३;

चंद्रसिंग. न० (चन्द्रशृंग) त्रीग्न-योथा देव-लोडनुं ऐक विमान. तांसर, चौथे देवलोक का एक निमान. Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka. सम० ३;

चंद्रसिद्ध. न० (चन्द्रसिद्ध) चन्द्रसिद्ध नामनुं त्रीग्न देवलोडनुं ऐक विमान. चन्द्रसिद्ध नाम का तांसर देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रसिरी. स्त्री० (चंद्रश्री) चन्द्रश्री नामनी स्त्री; चक्षुष्मन् नामना त्रीग्न कुलकरनी माता. चन्द्रश्री नाम की स्त्री; चक्षुष्मन् नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman -the mother of the second Kulakara named Chakrusmat. नाया० भ० ८;

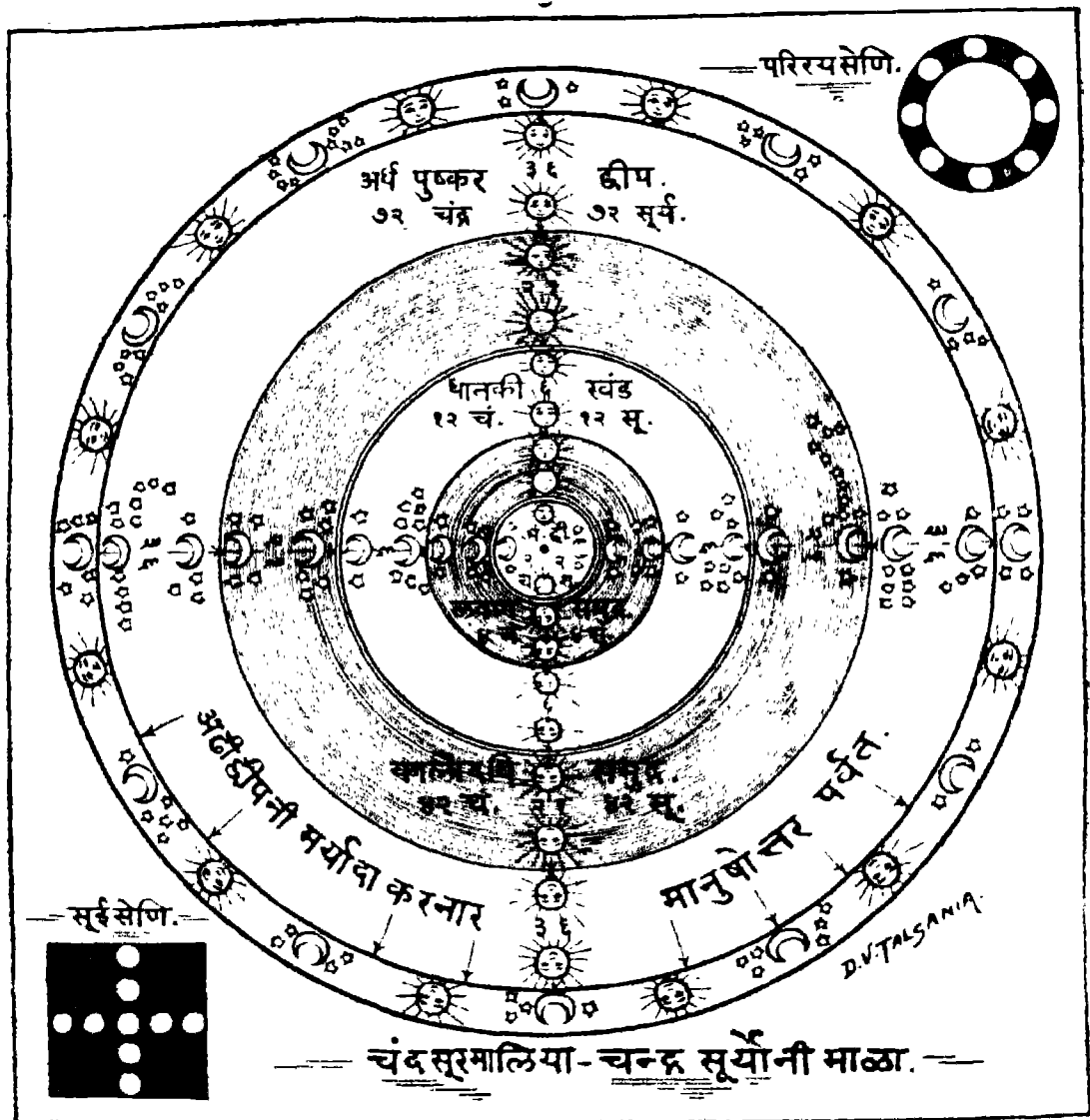
चंद्रसूरदंसावणिया. स्त्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शनि का) आत्रडने जन्मश्री त्रीग्न दिवसे कराय-नामां आयनुं सूर्य चन्द्रनुं दर्शन. जन्म पाये हुए बालक को तांसर दिन कराया जाता सूर्य चन्द्र का दर्शन. The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth. सम० ११, ११;

चंद्रसूरमालिया. स्त्री० (चन्द्रसूर्यमालिका) ऐक गतनुं धरेलु; दायीना. एक प्रकार का आभूषण-अलंकार. A kind of ornament. (२) जम्बूद्वीपमां जे चंद्र अने जे सूर्य, लवण समुद्रमां

थार चंद्र अने थार सूर्य, धातकी जण्डमां १२ चंद्र अने १२ सूर्य, कालोदधि समुद्रमां ४२ चंद्र अने ४२ सूर्य अने अर्धपुष्कर द्वीपमां ७२ चंद्र अने ७२ सूर्य ऐम अदीद्वीपमां १३२ चंद्र अने १३२ सूर्य छे. जे थर ऐटले गतिमान छे अने पोत-पोताना मांडले डेर छे अदीद्वीप जहार असंख्यात चंद्र अने असंख्यात सूर्य छे ते स्थिर छे. अदीद्वीपमां १३२ चंद्र सूर्य डेवी स्थितिमां छे ते आ चित्रमां पतावेख छे. जंबूद्वीप में २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र में ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातकी खण्ड में १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र में ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्धपुष्कर द्वीप में ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य ठाईद्वीप में हैं. ये सब चर अर्थात् गतिमान हैं और अपने २ मण्डल में फिरते हैं ठाईद्वीप के बाहर जो असंख्यात चंद्र और सूर्य हैं वे स्थिर हैं. ठाई-द्वीप के अन्दर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते हैं यह इस चित्र में बतलाया है. there are 2 moons and 2 suns in Jambu Dvīpa, 4 moons and 4 suns in the Lavana ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātakī Khaṇḍa, 42 moons and 42 suns in Kālodadhi ocean and 72 moons and 72 suns in Ardha Puskara Dvīpa. Thus there are 132 moons and 132 suns in Adhī Dvīpa and these moons and suns are not stationary e. g. they move in their own circles. There are also innumerable moons and suns outside Adhī Dvīpa

and they are steady. The respective positions of the moons and the suns of Adhi Dvipa are shewn in the diagram. जीवा० ३, ३;

भक्ति) नाट्य विशेष; चंद्रागमन की रचना वाणु नाट्य विशेष; चन्द्रागमन की रचना युक्त. A kind of drama in which the moon figures. राय० ६२;
चंदाणण. पुं० (चन्द्रानन) ज्योतिषीयता



चंदा. स्त्री० (चन्द्रा) चंद्रमानी राजधानी. चन्द्रमा का पाटनगर-प्रधान शहर. The capital city of the moon-god. जीवा० ३, ४; जं० प० ७, १२६;
चंदागमणपविभात्ति. न० (चन्द्रागमनप्रवि-

भागमन क्षेत्रमां वाणु अरसर्पिणीना पदेष्टा तीर्थ६२. जम्बूद्वीप के गेरावन क्षेत्र में वर्तमान अरसर्पिणी के प्रथम तीर्थकर. The first Tirthankara of the current cycle. सम० प० २४०; प्रब० ४६१९;

चंद्राणुणा. स्त्री० (चन्द्रानना) शाश्वती जिन प्रतिमाओं पेड़ी त्रीं प्रतिमांनुं नाम. शाश्वती जिन प्रतिमाओं में से तौसरी प्रतिमा का नाम. Name of the third Jaina everlasting vow (Pratimā).

जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; राय० १५४;

चंद्राभ. पुं० (चन्द्राभ) चंद्रालनामनुं पांचमा देवलोकनुं ऐक विमान. चंद्राभ नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka. सम० ८; भग० ६, ५; प्रव० १४६०; (२) अगीयारमां दुइगहनं नाम. ग्यारहवें कुलगर का नाम. name of the eleventh Kulagara. जं० प०

चंद्रायण. न० (चान्द्रायण) ऋग्वेदा " चंद्र-पडिमा " शब्द. देखो " चंद्र-पडिमा " शब्द. Vide "चंद्र-पडिमा" पंचा० १६, १८;

चंद्रावत्त. पुं० (चंद्रावर्त) चन्द्रावती नामनुं त्रीन देवलोकनुं ऐक विमान. चंद्रावर्त नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रावरणपविभक्ति. न० (चन्द्रावरणप्रविभक्ति) चन्द्रमाने दृक्पानी विशेष रचना पाणुं नाट्य विशेष. चन्द्रमा को आच्छादित करने का विशेष रचना युक्त नाट्य विशेष. A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view. राय० ६२;

चंद्रावलिपविभक्ति. न० (चन्द्रावलिप्रविभक्ति) चंद्रमांकी पंक्तिनी विशेष रचना पाणुं ऐक नाटक. चंद्रमा का विशेष रचना युक्त एक नाटक. A drama exhibiting a particular position of the moon. राय० ६१;

चंद्राधिष्णय. न० (चन्द्राधिष्णक) २६ उत्कलि-

लिकसूत्रमांनुं १५ भुं. २६ उत्कालिक सूत्रों में से १५ वां. The fifteenth of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

चंदिम. पुं० (चन्द्रमस्) चंद्रमा. चन्द्रमा. The moon. भग० ३, ७; ६, ५; १२, ६; ११, ५; नाथा० १; पञ्च० २; राय० १००; (२) चंद्रमानादष्टांत पाणुं जाना सूत्रनुं १० भुं अध्ययन. चन्द्रमा के दृष्टांतयुक्त ज्ञातासूत्र का १० वां अध्ययन. The tenth chapter of Jñātā Sūtra giving an illustration of the moon. सम० १६: —**सूरचराग.** पुं० (— सूर्योपराग) चंद्रग्रहण तथा सूर्य-ग्रहण. चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण. lunar and Solar eclipses. प्रव० १८११;

चंदिमसूरिय पुं० (सूर्यचन्द्रमसां) चंद्र आते सूर्य. चंद्र और सूर्य. Sun and Moon. भग० १८, ७;

चंदिमा. पुं० स्त्री० (चन्द्रिका) आणुनरोववाड सूत्रना त्रीन वर्गना छटा अध्ययननुं नाम. आणुनरोववाड सूत्र के तीसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Aṅguttaravagga Sūtra. (२) इन्द्रदी नगरी निवासी भद्रासार्थपादीना पुत्र इन्द्र दीक्षा लई छट छटुनी प्रतिना लई ११ अंगलाणी पण्य वरसनी प्रवज्या पाणी ऐक मासना संथारो इरी सर्वार्थसिद्ध विमाने पडोन्था त्यांथी ऐक अवनार इरी मोक्ष गथे. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थ वाहा के पुत्र कि जिन्होंने दोषा लेकर छट्ट को प्रतिज्ञा लेकर ११ अंग पढ कर बहुत वर्षकी प्रवज्या का पालन कर एक मास का संथारा कर सर्वार्थसिद्ध विमान में प्राप्त हुवे वहांसे एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त करेंगे. name of the son of Bh-

drā Sārthavāhī of the city of Kākandī, who vowed to observe periodical fasts, studied eleven Āngas, practised asceticism for many years and after complete abstention from food and water for a month attained to the heavenly abode known as Sarvārtha Siddha, whence after one incarnation he will attain to final emancipation. अणुत्त० ३, ६; भग० ५, १; ६; दस० ६, ६६; ८, ६४; (२) अग्नि० ३३; ज्योति० ३३. चंद्रिका; ज्योति०. moon-light. नाया० १;

चंद्रोत्तरवर्डिसग. पुं० (चंद्रोत्तरावर्तसक) चंद्रोत्तरावर्तसक नामनु आग देवलोक्षनु ओइ विमान. इम नाम का नामरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३;

चंद्रोत्तरायण. न० (चंद्रोत्तरायण) कौशांबी नगरनी आहरनी चंद्रोत्तरायण नामने ओइ आग. इम नाम का कौशांबी नगर के आहर का एक बाग. Name of a garden situated outside the city of Kausāmbī भग० १२, २; विवा० ५; निर० ३, ५;

चंद्रोत्तरायण. न० (चंद्रोत्तरायण) ओ नामनु ओइ चैत्य, के जे उदण्डपुर नगरनी आहर ६३. उदण्डपुर नगर के बाहर का एक चैत्य. Name of a garden outside the city of Uddandapura. भग० १५, १;

चंपग. पुं० (चम्पक) छिपुइदेवनी सभा आगणनु चैत्यवृक्ष-चम्पानु आऽ. किं पुरुष

देव की सभा के समाप का चैत्य वृक्ष-चंपा का वृक्ष. The Champā tree growing near the council-hall of the deities known as Kimpurūṣas. अ० ८, १; (२) सूर्याभ के चम्पक वन का रक्षक देवता. सूर्याभ के चम्पक वन का रक्षक देवता. the guardian deity of the Champaka forest of Sūryābha. राय० १४०; (३) चंपानु वन तथा त्यां रहनेवाले देव. चंपा का वन व वहां रहने वाला देव. the Champā forest and the deities residing there. जीवा० ३, ४; (४) चंपा; चंपानु वृक्ष. चंपा; चंपा का फूल. the Champā tree; a flower of that tree. नाया० १६; पञ्च० १७; (५) चंपानु वृक्ष के जेनी छेई बीसमां तीर्थ-धरने केवलज्ञान थयुं. चंपा का वृक्ष कि जिस के नीचे २० वें तीर्थंकर को केवलज्ञान हुआ. the Champā tree under which the 20th Tirthankara attained to Kevala Jñāna. सम० प० २३३;

चंपक. पुं० (चम्पक) चंपानु आऽ. चंपा का फूल. A Champā tree. तंद० —पायच पुं० (-पादप) चंपानु आऽ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. विवा० ६;

चंपग. पुं० (चम्पक) जुआ "चंपग" शब्द. देखो "चंपग" शब्द. Vide "चंपग" नाया० १; ८; राय० ६३; पञ्च० १; नंदी० ३७; कण्ठ० ३, ३७; जं० प० ५, १२२; —पायच पुं० (-पादप) चंपानु आऽ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. नाया० १; ८; —पुड. पुं० (-पुट) चंपानु फूलनी छेई. चंपा के फूल का गेंद. a bunch made of Champā flowers. नाया० १७; —माला. जी०

(-माला) चांपाना फूलनी माला. चांपा के फूल की माला. a garland made of Champā flowers. नाया० १; —लया. ला० (-लता) चांपानी वेड. चांपा की बेल, लता. a Champā creeper. श्रौव० भग० ६, ३३; नाया० १; १६; विवा० २; निर० १, १; —वण. न० (-वन) चांपाना वृक्षानुं वन. चांपा के वृक्षों का वन. a forest of Champā trees. भग० १, १; अशुजो १३१; निसी० ३, ८१; पञ्च० १७; (२) सूर्याभिविमानता पश्चिम दूरवाग्नेयी पांचमो जेज्जन उपरे चंपक वृक्षनुं ओक वन साडा आरक्ष्मन् जेज्जन बायुं जेने पांचमो जेज्जन पोटोनुं छे. सूर्याभ विमान के पश्चिम द्वार से पांचमो योजन पर चंपक वृक्ष का वन साडे बारह हजार योजन लंबा व पांचमो योजन चौड़ा है. the great Champaka forest at a distance of 500 Yojanas (Yojana=8 miles) from the western gate of the Suryabha heavenly abode. The forest is 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in width. राय० १२६; —वडिसश्च. पुं० (-चंपकावतंसक) जनुंओ " चंपयवडिसश्च " शब्द. देखो " चंपयवडिसश्च " शब्द. Vide "चंपयवडिसश्च" राय० १०३;

चंपयवडंसय. न० (चम्पकावतंसक) चम्पकावतंसक नामनुं तीनुं विमान. इस नामका तीसरा विमान. The third heavenly abode of this name. भग० ३, ७; चंपा. ला० (-चम्पा) चांपा नामनी नगरी; त्रैलुकि राजधानी; अंगदेशतो पायतन्त. चांपा नाम की नगरी; कोशिक राजा का पाटनगर; अंगदेश का पाटनगर. Name of a city; the capital of king

Konika; the capital-city of the country called Anga. उत्त० २१, १; श्रौव० नाया० १; २; ८; ६; १२; १५; १६; भग० ५, १; ६; ६, ३३; उवा० १, १; कण्प० ५, १२१; भक्त० ८१; पञ्च० १; जीवा० ३, ४; निसी० ६, २०; नाया० ४; —णयरी. ला० (-नगरी) चांपा नगरी चांपा नगरा. the city named Champā. नाया० ८; ६; १६; विवा० ६; —पविभक्ति. न० (-चम्पाप्रविभक्ति) चांपा नगरीनी-अम्बरनी शोभायुक्त नाटक. चांपा नगरा के हाट की शोभा युक्त नाटक. a drama in which is exhibited the beautiful bazar of Champā. राय० ६३;

चकारखगपविभक्ति पुं० (चकार वर्ग प्रविभक्ति) च-अक्षरना आधारनी रचना बायुं नाटक; ३२ नाटकना प्रक्षरभक्ति ओक. च-अक्षर का आकृति की रचनायुक्त नाटक; ३२ नाटक के प्रकार में से एक. A drama exhibiting a scene of the shape of the letter च. राय० ६४; चक्र. न० (चक्र) रथनुं-गाडनुं पैटुं. रथका-गाडका पेया. A wheel of chariot, cart etc. सूय० १, १५, १४; श्रौव० भग० ३, १; ४; नंदी० स्थ० ५, प्रव० २, ४५; उवा० १७, १६७; (२) वासुदेवनुं सुदर्शन चक्र. वासुदेव नारायण का सुदर्शन नामक चक्र. the wheel of Vāsudeva styled Sudarśana. सम० प० २३७; श्रौव० १०; उत्त० ११, २१; विश० २२४ ज० प० चक्ररत्न १४ रत्नमानुं ओक one of the fourteen gems known as the Chakra gem. चक्र रत्न, चक्रवर्तिको प्राप्त होनवाले चौदह रत्नों में से एक रत्न. सम० १४; प्रव० १२२८; (४) धर्मचक्र (देवतानुं अनायेक) तीर्थक्षरनी

आगम रहे छे ते. तीर्थंकर भगवान् के बिहार के समय आगे आगे चलनेवाला देवों द्वारा रचित धर्मचक्र. the wheel known as Dharmachakra accompanying a Tirthankara. (It is made by gods.) सम० ३४; ओच० नि० ११६; (५) कुंभारनी यादये. कुंभार का चक्र. a potter's wheel. भग० १, १; २, १०; ५, ६; नंदा० स्थ० ५; पंचा० १, ३४; (६) यक्षकारे दाथनी रेखा. चक्रके आकारकी हस्त रेखा. the lines of the palm in the form of a wheel. उत्त० ६, ६०; (७) समद मंडल. समुदाय; मंडल; गोलाकार. a circle; a party; an assemblage. उत्त० २२, ११; (८) भुशव; सांयितुं मूल; सबल. a pestle. भग० ११, ११; (९) आकाशमां यक्षकारे गगनद्रुणा येनुं थाय छे ते. आकाशमें चक्रके आकार का जो गोल कुंडल जैसा बनजाता है वह. a ring like appearance that forms itself in the sky. भग० १६, १; (१०) यक्षो पक्षी. चक्रो पक्षी. a kind of bird. कप० ३, ४२; —रक्षु पुं० (रक्ष) यक्षनुं रक्षु धरतार देव. चक्र का रक्षण करने वाला देव. a deity who guards the Chakra. भग० ३, ५; —रत्न. न० (-रत्न) यक्षवर्तिन आदरत्नमांनुं अंश यक्षरत्न. चक्रवर्ता के चौदह रत्नों में से एक चक्ररत्न. one of the 14 jewels of a Chakravarti. भग० १२, ६; डा० ७, १; विशे० ५१३; पञ्च० २०; जं० प० ३, ४३; —व्यूह. पुं० (चक्रव्यूह-चक्रमिव व्यूहोरचना विशेषः) यक्षकारे व्यूह रचना धर्यानी क्षत्रा. चक्राकार में व्यूह रचना करने की कला. the

art of marshalling an army in the form of a wheel. ओच० ४०; नाया० १;

चक्रंग. पुं० (चक्रांग) यक्षयाक्ष नामे ओक्ष पक्षी. चक्रवाक नामक एक पक्षी. A kind of bird named Chakravāka. सु० च० २, ४४;

चक्रग पुं० (चक्रक) यक्ष; आभरण विशेष. चक्र; आभरण विशेष. A wheel; a kind of ornament. जावा० ३; ३;

चक्रपुरा स्त्री० (चक्रपुरी) पद्म विजयनी मुख्य राजधानी-नगरी. वल्लु विजय का मुख्य पाटनगर. The capital-city of Valguvijaya. डा० २, ३; जं० प०

चक्रल. पुं० (चक्रल) सिंहासनको पदयाये. सिंहासन के नीचे रखने की ईंट. A stand or base for a throne. राय० ६१;

चक्रवर्ति. पुं० (चक्रवर्तिन्-चक्रेण प्रायुध-विशेषेण वर्तितुं शीलं यस्य) यक्षवर्ती राजा; सम्राट्; भरत क्षेत्रना य प्रपुनो अधिपति. चक्रवर्ती राजा; सम्राट्; भरत क्षेत्र के छः खंडों का आधिपति. A suzerain; a sovereign of the six continents of Bharata Kṣetra. ओच० ३४; राय० २३; जं० प० २, ३०; ५, ११२; अणुजो० १३१; सु० च० २, ८२; नाया० १; ८; १६; भग० १, ५; ११, ११; १६, ६; पञ्च० १; दमा० ६, ८; प्रव० ४१६; ११०२; भक्त० १३८; —मातृ. स्त्री० (-मातृ) यक्षवर्तीनी भाता. चक्रवर्ती का माता. the mother of a Chakravarti. नाया० १; —वंश. पुं० (-वंश) यक्षवर्तिनी वंश-द्रुत. चक्रवर्ती का वंश कुल. the family-line of Chakravarti. डा० ३, १; चक्रवाक. पुं० (चक्रवाक) यक्षो पक्षी. चक्रवा पक्षी. A kind of bird. जं० प०

चक्रवाग. पुं० (चक्रवाक) रथांग पक्षी; यक्षवे। रथांग पक्षी; चक्रवाक पक्षी. A kind of bird. परह० १, १;

चक्रवाय. पुं० (चक्रवाक) यक्षवे। पक्षी. चक्रवाक पक्षी. A kind of bird. श्रौव० नाया० १; ५; ८; ९;

चक्रवाल. पुं० (चक्रवाल) यक्षवे।; समूह; मंडल. परिधि; समूह; मंडल. A group; a cluster; a circle. श्रौव० ३३; सूय० १, १, १, २६; ठा० २, ३; सम० प० १६५; नाया० १; १६; भग० ५, ३; ६, ३३; ३४, १; श्रौघ० नि० ६६; मृ० प० १६; ६१; गाय० २८६ उवा० ७, २०८; प्रव० १४०२; (२) गाड़नું पैरुं. गाड़ का पहिया. a wheel of a cart. भग० ३, ४; पञ्च० ३८; जीवा० ३, १; जं. प० ४, १०४; (३) सिंहासन की नींव को पाये. सिंहासन के नीचे का पाया. a stand or base for a throne to rest upon. जीवा० ३, ४;

चक्रवाला. स्त्री० (चक्रवाला) मंडल के प्रेक्षी. मण्डलाकार में प्रेक्षी. A circular holder. एगम्रो गवा दृष्टांखवा चक्रवाला. भग० २५, ३;

चक्रधर. पुं० (चक्रधर) सदृश यक्ष के धारण करने वाला यक्ष. सुदर्शन चक्र को धारण करने वाला वामदेव चक्रधर. Vāsudeva, holding Sudarśana wheel. विशेष० ३२१३; (२) छत्रपति स्वामी; यक्षवर्ती छत्रखंडका स्वामी; चक्रवर्ति. a Chakravarti lord of six continents. विशेष० ८०४;

चक्राउह. पुं० (चक्रायुध) सोडम. शान्तिनथ तीर्थक्षेत्रा प्रथम गणधरनुं नाम. सोलहवें तीर्थकरके प्रथम गणधरका नाम. Name of the first Gṇadhara (apostle)

of Śāntinātha the 16th Tirthāṅkara. प्रव० ३०६; सम० प० २३३;

चक्राग. पुं० (चक्रवाक) यक्षवाक पक्षी. चक्रवाक पक्षी. The bird named Chakravāka. निर० ५, १; पञ्च० १; (२) यक्षकार मण्डल. चक्राकार मंडल. a circular shape. पञ्च० १; —**भज्ज-माण.** वि० (—भज्जमान) के दृष्ट-पादके के दृष्टी तोड़ता यक्षकारे जाग चिन्द थाय छे ते. वृक्ष के फल-पत्तों वा शाखा तोड़ने में भिन्न हुए स्थान पर गोलाकार चिन्ह होता है वह. (a fruit or leaf or branch of a tree) which when plucked, leaves behind a circular mark. पञ्च० १;

चक्रि. पुं० (चक्रिन्) यक्षवर्ती राजा. चक्रवर्ती राजा. A sovereign king. पञ्च० १;

चक्रिय-अ. पुं० (चक्रिक) यक्ष नामनुं आयुध धरने वाला चक्र नामके आयुध को लेकर चलने वाला. One who carries with him a weapon called Chakra. कण० ५, १०५; श्रौव० ३२; जं० प०

चक्रिय वि० (चक्रिक) तेज. तेजी. An oilman. (२) दुकान. दुकान. a profitor. प्रव० ६, १७. —**शाला** स्त्री० (शाला) तेल पड़ेरे बेचने की दुकान. तेल बगैर बेचने की दुकान. a shop where oil etc. are sold. प्रव० ६, १७;

चक्रासर. पुं० (चक्राश्वर) यक्षवर्ती; सम्राट. चक्रवर्ती सम्राट. A sovereign king; a paramount king. प्रव० ४३०; —**ब्रह्मदत्त.** पुं० (—ब्रह्मदत्त) ब्रह्मदत्त नामे चक्रवर्ती. ब्रह्मदत्त नामक १२वां चक्रवर्ती. the 12th Chakravartī named Brahmādatta. प्रव० ४३०;

चक्रेश्वरी. स्त्री० (चक्रेश्वरी) ऋषभदेव प्रभुनी

देवीनुं नाम. ऋषभदेव प्रभुकी देवी का नाम.

Name of the goddess of Lord
Rishabhadeva. प्रव० ३७७;

चक्षुः न० (चक्षुः) यक्षु; आं० चक्षुः आं०

An eye. पञ्च० १५;

चक्षुर्इन्द्रिय न० (चक्षुरिन्द्रिय) यक्षु इन्द्रिय;

ज्येष्ठानी शक्तिवाणी इन्द्रिय-आं० चक्षुः
इन्द्रिय; देखने की शक्तियुक्त इन्द्रिय; आं०

The sense of sight. ओव० १६;

भग० १, १; ७, ७; ८, २; १२, २; २४, १;

२५, ७; ३३, १; नाया० १७; नंदी० ४;

—निगह. पुं० (-निग्रह) यक्षुरिन्द्रिय-

आं० अपने कक्षुमां राखती ते. चक्षुरिन्द्रिय-

आं० को वश में रखना. control over

the sense of sight. उत्त० २६, २;

चक्षुः न० (चक्षुः-चक्षुःतेजन) आं०

आं०. An eye उत्त० १, ३३; ५, ५;

भग० २, ५; ३, २; नाया० १; ६; जं० प०

६, ११२; ओव० पि० नि० ४६३; ओष०

नि० १६७; दसा० ५, २; पञ्च० २३; सू०

प० २; राय० २३; ४३; सूय० २, १, ४२;

प्रव० ५९७; १११६; उवा० १, ५; क० गं०

१, ६; १०; ३, १८; ८, ८; क० प० ४, ४६;

(२) शास्त्रीय ज्ञान. शास्त्रीय ज्ञान. scrip-

tural knowledge. सम० १; —गो-

यर. त्रि० (-गोचर) नेत्रने सम्मुख रहने.

नेत्र के समीप रहा हुआ. within the

range of sight. दस० ५, २, ११;

—दीर्घाराम. न० (-दीर्घाराम) आं०

आं० रोम; (पाण) आं० के लम्बे बाल.

eye-lashes. निरी० ३, ४५; ४६; ४७;

४८; —पद्म. न० (-पद्म) आं०

आं०. आं० की बरौनी-पलक. an eye-

lid. सूय० २, २, २३; भग० ३, ३;

—प्राप्त. पुं० (-प्राप्त) आं०

आं० के विषय; दृष्टिगोचर.

an object of sight. कप० ५, १३१;

भग० १, ६; २, ५; ६, ३३; जं० प० ७,

१३६; —बल. न० (-बल) ज्येष्ठानी

शक्ति; यक्षुर्इन्द्रियुं सामर्थ्य. देखने की

शक्ति; चक्षुर्इन्द्रिय का सामर्थ्य. power of

sight. उत्त० १० २२; —राय. पुं०

(-राग) दृष्टिराग, आं०

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १६५;

—लेस. त्रि० (-लेस) ज्येष्ठानी

आं० के प्रेम. attachment through

चक्रबुद्धि स्त्री० (चक्रबुद्धि) आधु
अवसर्पिणीना पायमा कुण्डरनी स्त्री.
वर्तमान अवसर्पिणी के पांचवें कुलकर की स्त्री.
Name of the wife of the 5th
kulakara of the current Ava-
sarpaini सम० प० २२९;

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) आभ्युपगच्छेत्
परतुतो प्रथम सामान्य बोध थाय ते आंखों
से देखा हुई वस्तु का प्रथम सामान्य बोध हो
वह. General knowledge of a
thing that one has when
one sees it. अणुजा० १२७; भग० २,
१०; ८, २; २८, ४; जावा० १;
—आवरण न० (-आवरण) दर्शना-
परणीय कर्म की अथ प्रकृति के जेना उदयथी
अथ यक्षुदर्शन (आभ्युपगच्छेत् सामान्य बोध
थाय ते) न पाये. दर्शनावरणाय कर्म की
एक प्रकृति कि जिसके उदयमे जीव चक्रबुद्धि
(दृष्टि से सामान्य बोध हो वह) न प्राप्त
कर सके. maturity of a particular
variety of sight-obscuring
Karma which prevents one
from having visual perception.
उत्त० ३३, ६; सम० १७; —गि.या.
स्त्री० (-प्रतिज्ञा) यक्षुदर्शन निवर्तने
निमित्ते. चक्रबुद्धि-देखने के निमित्त. with
a view to visual perception.
निसा० ६, ८;

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धिनिन्) यक्षु-
दर्शनवाणि अथ. चक्रबुद्धि-प्राप्त जीव. (A
living being) possessed of the
sense of visual perception. ठा०
४, ४; भग० ६, ३; १३, १;

चक्रबुद्धि पुं० (चक्रबुद्धि) ज्ञानरूपी आभ्यु-
पगच्छेत्. ज्ञान रूप आंख-चक्र को देने
वाला. One who gives an eye

in the form of knowledge जं०
प० ५, ११५; नाया० १; कप्प० २, १५;
आव० ६, ११;

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) आभ्यु-
पगच्छेत्. देखा “चक्रबुद्धि”
शब्द. Vide “चक्रबुद्धि” ठा० ६, १;
—आवरण न० (-आवरण) आभ्यु-
पगच्छेत्. देखा “चक्रबुद्धि-
आवरण” शब्द. vide “चक्रबुद्धि-
आवरण” ठा० ९, १;

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धि) आभ्यु-
पगच्छेत्. आंख के समान आधार रूप.
(Anything) as helpful as an
eye. भग० १८, २; नाया० ५; २; ७;
गच्छा० २६;

चक्रबुद्धि पुं० (चक्रबुद्धि) यक्षुभा नामे
आधु अवसर्पिणीना पीन कुण्डर. चक्रबुद्धि
नामक वर्तमान अवसर्पिणी के द्वितीय कुलकर.
Name of the 2nd Kulakara of
the current Avasarpini. सम०
प० २२६; (२) आभ्युपगच्छेत् नाम.
अष्टम-आठवें कुलकर का नाम. name of
8th Kulakara. जं० प० (३) त्रि०
आभ्युपगच्छेत्. चक्रबुद्धि; आंखों वाला. pos-
sessed of an eye. विशेष २१०;
११५६;

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धि) नेत्रग्राह्य पदार्थ.
नेत्रग्राह्य पदार्थ. (Anything) that
is an object of sight. दसा० ६,
२८; पराह० १, १;

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) यक्षु; आभ्यु. चक्र;
आंख. An eye. प्रव० ७७८;

चक्रबुद्धि पुं० (चक्रबुद्धि) कुण्ड समुद्रना
देवतानु नाम. कुण्ड समुद्र के देवता का नाम.
Name of the deity of the
ocean named Kunda. जीवा० ३, ४;

✓चङ्ग. धा० I. (चर्च) यन्त्रे वगेरे अर्थार्थुः पूज्युं. चन्दन इत्यादि का लेप करना; पूजा करना. To smear with sandal-paste etc; to worship.

चङ्ग. पु० च० १५, १६६;

चङ्ग. पु० (चर्चक) छिड़काव. Sprinkling. राय० १०६;

चङ्गर. न० (चत्वर) यात्रा; यात्री चत्वारि रस्ता भेगा यथा होय ते स्थान; यद्वा. चोवटा; चार से अधिक रास्त एकत्र होते हैं वह स्थल; चौक. A place where more than four roads meet वेय० १, १२; अणुजो० १३४; उत्त० १६, ४; ओव० २७; भग० ३, ७; नाया० २; १६; जीवा० ३, ३; कप० ४, ८८; विवा० ३; ६; राय० २०१;

चङ्गा. स्त्री० (चर्चा) यन्त्रे वगेरे लेपन करेयुं ते. चन्दन इत्यादि से लेपन करना. Act of smearing with sandal-paste etc. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;

चङ्गिचय अ. त्रि० (चर्चित) यन्त्रे वगेरे लेपन करेयुं ते. चन्दन इत्यादि से विलेपन किया हुआ. Smeared with sandal paste etc. नाया० १; सु० च० २, ६०३; दसा० १०, १;

चङ्गा. स्त्री० (चर्चा) परिभाषा; संकेत. परिभाषा; सांकेतिक भाषा. Technical language, conventional terminology. विशेष० २०४४;

चङ्ग. पु० (चटक) यद्वा. एक जातिका पक्षी. A sparrow. सूय० २, २, १०; (२) नोकर. नौकर. a servant. भग० ७, ६; ६, ३३;

चङ्गर. पु० (*) समुदाय; समूह. समुदाय; समूह. A group; an assemblage. जं० प० नाया० १४; १६; राय० २१३;

(२) नोकर; सेवक. a servant; an attendant. नाया० १; (३) मुख्य लड़कियाँ. प्रधान सैनिक. a principal warrior; a chief fighter. नाया० १; राय० ७०; (४) यद्वा देना-उंश वगेरे. डंक देने वाला; दंश देने वाला. anything which bites e.g. a mosquito etc. विवा० १;—पहकर. पु० (-प्रकर) शूरवीरिणी समूह. वीरों का समूह. An assemblage of heroic men. नाया० १६;

चङ्गु. पु० (चङ्गु) यद्वा यद्वा शब्द. तड तड शब्द. A sound resembling that of the word. चङ्गु चङ्गु. विवा० ६;

चङ्गु. स्त्री० (चपेटा) अपेक्षाभार-पारस करेयुं. चपेटा मारना; पारस करना. Slapping. पण्ड १, ३;

चङ्गि. त्रि० (चटित) यद्वा. चढा हुआ; आरुढ़. Mounted; raised; risen. सु० च० ६, २६;

चङ्गि. सं० कृ० अ० (* चटित-आरुढ़) यद्वा; स्वार यद्वा. चढकर; आरुढ़ होकर. Having mounted; having risen. सु० च० ४, १६०;

चङ्गु. त्रि० (चाटुकारिन्) साईं त्राये तम करनेवाला. अच्छा मालूम हो बैसा करनेवाला. (One) who does what is agreeable to others; trying to please other. पि० नि० ३०८; ६१४;

चङ्गु. त्रि० (चाटुकारिन्) भाँझा भाँझा; भाँझा भाँझा. मधुर भाषण करनेवाला. One who flatters पि० नि० ४८६;

चङ्गु. त्रि० (चङ्गु) अस्थिर-चपल चित्त वाला. Unsteady in mind. पण्ड १, १;

चङ्गुली. स्त्री० (चङ्गुली) धासना पुमान्

अग्रभागतो अग्नि. घास के पूछे के अग्र-
भाग की अग्नि. Fire or burning
portion of the top most portion
a bundle of hay. नंदी० १०;

चणग. पु० (चणक) अण्डा; छोटा धान्यनी अंड
वत. चना; एक प्रकार का धान्य. A kind
of corn; gram. अणुजो० १४३; पंचा०
१०, २३;

चतु. त्रि० (चतुर्) चार. चार. Four. प्रव०
१३११; — जोगजुअ. त्रि० (—यांगयुक्त)
चार योग्यी युक्त अंडक संयोगी. चतुर्थीग
से युक्त; चउक संयोगी. Possessed of
four-fold Yoga. प्रव० १३११;

चतुर्था. स्त्री० (चतुर्थी) भिक्षुकी चार
प्रतिभासनी याथी प्रतिभा. भिक्षुक का चारह
पाँडमामे म चौथी प्रतिभा. The 4th of
the 12 vows of an ascetic.
नाया० १;

चत्त. न० (०) तराक; सूत कातनेका लोह
का तराक. तकुआ; सूत कातनेका लोह
का तराक. An iron instrument
for spinning cotton. पंचा० ८, २०;

चत्त. त्रि० (त्यक्त) त्याग करेक; छोड़ी
दीधेक. त्याग किया हुआ; छोड़ दिया हुआ.
Abandoned; given up. प्रव० ५८५;
उत्त० ६; १५; अणुजो० २; १६; भग० ७,
१; नाया० ७;

चत्ताल. त्रि० (चत्वारिंशत्) चालीस; ४०.
चालीस; ४०. Forty; 40. क०गं० ६, ६०;

चत्तालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) चालीस;
४०. चालीस; ४०. Forty; 40. भग० १,
५; २, ८; १०, ५; १६, ६; २०, ५; २४, १;
२१; नाया० ५; ८; सम० ४०; सु० च० २,

२५७; जं० प० ५, ११८; २, ३१;

चपल. त्रि० (चपल) चपल. चपल; चालाक.
Quick; unsteady. नाया० २;

चप्पुडिया. स्त्री० (चप्पुटिका) चप्पुटिका;
चपटी. चप्पुटिका; चुटकी. A pinch.
नाया० ३;

४ चमडण. न० (*) अपट्ट डरवुं ते. कष्ट
पहुंचाना. Act of injuring or hurt-
ing. ओष० नि० ७६;

चमडण. स्त्री० (*) आंघुं; दूषी देवुं;
दबा देना. Pressing. ओष० नि० १८७;
(२) भुगी ना मवुं. मिटा देना. act of
effacing. (३) डातः पट्टु मारती ते. लात
मारना. act of kicking. ओष० नि०
१८३; (४) पण्टवुं. मनाता act of
troubling or vexing or teasing.
ओष० नि० २३७,

चमर. पु० (चमर) दक्षिण दिशाना असुर-
कुमारने राजा; चमरेद्र. दक्षिण दिशा के
असुर कुमार का राजा; चमरेद्र. Chama-
rendra the king of the Asura-
kumaras in the south नाया० ८;
नाया० ४० ओष० ३२; डा० २, ३; सम०
१६; ३२, ३३; भग० २, ८; ३, १; २, ७,
६; जावा० ३, ४; पञ्च० २; प्रव० ११५२;
(२) पाडा जेवो अंड मृग के जेना पूछडाना
वावनी चमरी याने छे; चमरी गाय.
पाँडे के समान एक मृग कि जिमके पूछ के
बालों से चमर बनती है; चमरी गाय. a
kind of deer resembling a
buffalo the hair of whose tail
is used for making chowries.
नाया० १; ८; ओष० पणह० १, १; ४;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

जीवा० ३, ३; पत्र० १; कण्ठ० ३, ४४;
 राय० ४३; ५८; जं० प० ५, ११५; ११६;
 (३) पांचव्या तीर्थकरना १ ला गणधरनुं
 नाम. पांचवें तीर्थकर के पहिले गणधर का
 नाम. name of the first Gana-
 dhara of the fifth Tirthankara.
 प्रव० ३०५; —उत्पात पुं० (-उत्पात)
 चमरेंद्र शक्रेन्द्र साथे लड़ाने उपर पहुँचे
 देवलोक गये ते; दश अश्चर्यामांनुं
 ओ३. चमरेंद्र शक्रेन्द्र के साथ लड़ने का
 प्रथम देवलोक में गया सो; दस आश्चर्यजनक
 घटनाओं में से एक. one of the
 ten wonderful events viz. the
 going up of Chamarendra to
 fight with Sakrendra in the
 1st Devaloka. वव० ८६३; —सिंहा-
 सण. न० (-सिंहासन) चमरेंद्रनुं सिंहा-
 सन. चमरेंद्र का सिंहासन. the throne
 of Chamarendra. भग० १०, ४;

चमरचंचा. स्त्री० (चमरचंचा) चमरचंचा
 नामे चमरेंद्रनी राजधानी. चमरचंचा नामक
 चमरेंद्र का पाटनगर. Name of the
 capital of Chamarendra. भग०
 २, १; ८; ३, १; १०, ५; १३, ६; सम०
 ३३; नाया० ध० जं० प० ५, ११६;

चमस. पुं० (चमस) आटवे; डडडी. लकड़ीका
 चमचा; कडछा. An iron or wooden
 spoon; a ladle. ओ३० ३८; (२) चमस
 नामने ओ३ देश. चमस नामक एक देश.
 name of a country. सू० प० १०;

चमू. स्त्री० (चमू) सेना; दलदल. सैन्य;
 लश्कर. An army. भग० ६, ३२; नाया०
 १; महा० प० ३५;

चमम. न० (चर्म) चामर; चामरी. त्वचा;
 चमड़ा; चमड़ी. Skin; leather. भग०
 २, १; १०; ५, २; ८, ६; १२, ७; नाया० १;

१८; सम० १४; ठा० ४, २; पि० नि० भा० ५०;
 वेय० ३, ३; कण्ठ० ४, ६१; प्रव० १६; २२२; १२२८;
 (२) चामरानी अंगुली. चमडे की अंगुली.
 a leather cover for the finger
 just like a thimble. राय० २०४;
 —कड. पुं० (-कट) चामरानी सादरी.
 चमडे की चटाई. a mattress made
 of leather. ठा० ४, ४; —किड. न०
 (-किट) चामरानी भट्टे-गादी-तडीवा
 बिगरे. चमडे से आच्छादित गद्दी-ताकिया
 इत्यादि. a bed, pillow etc. with a
 cover of leather. भग० १३, ६;
 —कोसअ. पुं० (-कोशक) चामरानी
 थैली. चमडे की थैली. a leathern
 bag. आया० २, २, ३, ८८; ओ३० नि०
 ७२८; —कासिया. स्त्री० (-कोशिका)
 चामरानी थैली. चमडे की थैली. a
 leathern bag. सू० २, २, ४८;
 —खंडिय-अ. वि० (-खण्डिक)
 चामरानाच सर्व उपकरणे संपन्न ओ३
 सिद्धिपूर्वक. चमडेकेही सर्व उपकरण का
 रखनवाला एक सिद्धिपूर्वक. a class of
 ascetics who make use of mate-
 rials (e. g. alms-bowl etc.)
 made of leather only. अणुजो०
 २०; नाया० १५; —छेदण. न० (-छे-
 दन) चामरुं कापवानुं शस्त्र. चमडा काटने
 का शस्त्र. an instrument for cutting
 leather. (२) बाधर बिगरेने डडडे-पट्टी.
 चमडे के पट्टे इत्यादि का टुकड़ा-पट्टी. a
 band of leather etc. ओ३० नि०
 ७२८; —छेदणअ. पुं० (-छेदनक)
 चामरुं कापवानुं दधियार. चमडा काटने का
 शस्त्र. an instrument for cutting
 leather. आया० २, २, ३, ८८; —उभास.
 न० (-उभास) चामरानी अभिधी धमायेन.

चमडे की धम्मनसे धमा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather. भग० ५, २; — पलिङ्खेयण. न० (—परिच्छेदन) आभयानो ५५३। चमडे का टुकड़ा. a piece of leather. वव० ८, ५; — पाय. (—पात्र) आभयानुं पात्र. चमडे का पात्र. a vessel or receptacle made of leather. भग० ३, ५; — पास पुं० (—पाश) आभयानो पासो. चमडे का पाश. a net or trap made of leather. ति० १२, १; — रयण. न० (—रत्न) अक्षरार्थिना यौद्ध स्वमानुं ओड ३७७ नदी-समुद्र आदि स्थले नावानी (दीपी) गरज आरे. चक्रवर्ती के चौदह (चतुर्दश) रत्नोंमें एक कि जो नदी-समुद्र आदि स्थलों में नाव का काम देवे. one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a a boat to cross a river, sea etc. ता० ७, १; पञ्च० २०; ज० ५०

चम्मम्र. पुं० (चर्मक) आभयानी तणी; पगने तणे आभयानी पट्टी. चमडे का तन्ना, पैर के नीचे बांधने का पट्टा. A sole made of leather. श्लो० नि० ७२८;

चम्मग. न० (चर्मक) पादुका. सन्यासीनं ओड उपकरण. पादुका; सन्यासी का एक उपकरण. A kind of shoe put on by an ascetic. सूय० २, २, ४८;

चम्मट्टिल. पुं० (चर्मगच्छ) पक्षि विशेष; आभयिणी. पक्षि विशेष; चिमगाधर, चर्मगादह. A kind of bird. पण्ड० १, १;

चम्मपक्खि. पुं० (चर्मगच्छिन्) आभयानी पांख वाला पक्षी; आभय पायुन पक्षी, अथवा निर्धन पक्षेद्रियातो ओड भेद. चमड की पांख वाला पक्षी; निर्धन पक्षेद्रिय का एक भेद. A variety of birds with

leather wings; a variety of sub-human beings with five senses. उत्त० ३६, १८६; ता० ४, ४; सूय० २, ३, २६; भग० १५, १; जीवा० १; पञ्च० १;

चम्मरुक्ख. पुं० (चर्मवृक्ष) अर्धवृक्ष-वनस्पति विशेष. चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष. A kind of tree. भग० २२, १;

चम्मर. पुं० (चर्मकार) आभार-पगारपां थनायनार. मोर्चा-जुते बनानेवाला. A shoe-maker विशेष० २६८८;

चम्मिट्ट. पुं० (चम्मेट) मुद्गर; क्षत्रियनं ओड साधन. मुगदल; व्यायाम का साधन. A club for taking exercise with. राय ३२;

चम्मेट पुं० (चम्मेट) प्रदरु विशेष. शस्त्र का एक भेद. A kind of weapon. पण्ड० १, ३;

चम्मेटग. न० (चम्मेटक) बुद्धारतो लेटुं दीपवानो ओड औजार. लोहार का लोहा घडने का एक औजार. A kind of tool used by a blacksmith for forging iron. भग० १६, ३;

✓ **चय.** धा० I, II. (शक्) शक्तिमान् शयुं. शक्तिमान् होना; समर्थ होना. To be able.

चण्ड पि० नि० १०२;

चयनि सूय० १, ३, २, १;

चक्रिया. वि० भग० ६, १०; ७, १०; १३, ४; १७, २; १८, ३; वेय० ४, २८; वव० ८, २;

चारुति विशेष० ७६५;

चारुमि. मु० च० १३, ८;

✓ **चय.** धा० I. (च्यु) स्वर्गार्थी पतन पाययुं; अययुं. स्वर्ग से पतन होना. To fall spiritually; to be degraded

from heaven.

चयंति. भग० २, ४; ७, ३, १०, ४; १३, २;
१५, १; १६, ७; २०, १०; सू०
प० १६;

चइऊण. उत्त० ६, १;

चइत्ता. भग० २, १; ६, ३३; १२, ८; १५,
१; नाया० ८; १५; १६; दस० ६, २,
४८; दसा० ८, १;

चयंत. भग० ६, ३३; विरो० १२७७;

चयमाण. कप्प० १, ३; २, ३;

✓चय. धा० I. (चिच्) ओङ्ङुं इरुं. एकत्र
करना. To gather; to collect.

चयइ. आया० १, २, ६, ६८; भत्त० ४६;

चयंति. पन्न० ६;

चय. न० (चयवन) देवलोकभांथी अयुं ते.
देवलोक में से पतन होना. Fall from,
degradation from Devaloka.
ओव० ४०; नाया० १; ८; १६; भग०
१५, १; उवा० १, ६०;

चय. त्रि० (त्याग) तगुं; छोड़ुं. त्याग.
Abandoning; leaving; giving
up. नाया० ८; १६; भग० ११, ११; १२, ८;

चय. पुं० (चय) शरीर. A body. नाया०
८; १५; भग० ११, ११; १२, ८;

चयत्त. न० (चयवन) अयन-वैमानिक अने
ज्योतिषीनुं मरुं. चयवन-वैमानिक व
ज्योतिषी की मृत्यु. Death of a Vaimā-
nika or of a Jyotisi god. ठा० १, १;
सू० प० १; पन्न० १७;

चयावचइअ त्रि० (चयापचयिक) बढ़तुं
घटतुं; न्यूनाधिक बनार. न्यूनाधिक होने
वाला. Increasing and decreasing;
waxing and waning. आया० १,
६, २, १४७;

चयावेयव्व. त्रि० (चयावयितव्व) अयनने
योग्य. चयवन के योग्य. Worthy of,

deserving Chyavana (spiri-
tual fall, abandonment, death
etc.). भग० १३, १;

✓चर. धा० I. (चर्) संयम मार्ग में चरना;
संयम मार्ग में चलना; To follow the
path of asceticism. (२) गति करवी.
गति करना. to walk; to move.
चरइ. दस० ६, ३, ४; सम० ६; भग० ८,
५; जं० प० ७, १३१; १३३;

चरंति. ओव० २६; पिं० नि० २६७; जं० प०
७, १२६;

चरे. वि० उत्त० २, ३; ४, ७; ६, ४६; १०,
३६; आया० १, २, ३, ८०; १, ६,
२, १८३; सूय० १, २, १, ६; दस०
४, ८; ६, १, २; १३; ६, २४;
२५; ६, ३, १४;

चरेज. वि० दसा० ७; ६, ३१;

चरेजासि. सूय० १, २, १, २२;

चरिस्संति. भ० जं० प० ७, १२६;

चरिसु. भ० जीवा० ३, ४; जं० प० ७, १२६;

चरिय. सं० कृ० वेय० १, ४;

चरिऊण. सं० कृ० पिं० नि० ५१८;

चरित्ता. सं० कृ० उत्त० २६; १;

चरंत. व० कृ० दस० ५, १, १५; उत्त० २,
६; ४, ११; पणह० १, ३;

चरमाण व० कृ० भग० १, १; २, ५; ३,
२; ६, ३३; १३, ६; १६, ५; १८,
१०; नाया० १; ३; ५; १६; दस०
४, १; ८, १; ओव० २०; दसा० १०, १;

चर. पुं० (चर) दासता आसता वसञ्चव.
चलता फिरता वसजीव. A sentient
being having the power of
movement. उत्त० ३२, २७;

चरअ. त्रि० (चरक) आसना; इरनार.
चलने वाला; फिरने वाला. Walking;
(one) that moves; moving.

श्रोव० १६; जं० प० (२) सेवनार; आचरनार. सेवन करने वाला; आचरण करने वाला. one who resorts to; one who practises. उत्त० ३०, २४; (३) धाड पाडी-इत्येो कुरी लिक्षा भागनार वर्ग. हल्ला-शोर करके भिक्षा मांगने वाला वर्ग. a class of beggars who get food by violent means. नाया० १६;

चरण. पुं० (चरक) धाड पाडी-इत्येो कुरी लिक्षा लेनार वर्ग. हल्ला-शोर करके भिक्षा लेने वाला वर्ग. A class of beggars who get their food by violent means. अणुजो० १६; नाया० १६; पञ्च० २०; (२) दंश; मच्छर इत्यादि, डांस; मच्छर इत्यादि. a flea; a mosquito etc. सूय० १, २, २, १४; —**परिव्वायग. पुं० (-परिवाजक)** तापस विशेष; त्रिदंडी. तापस विशेष; त्रिदंडी. one of a particular class of ascetics called Tridandi. भग० १, २; जं० प०

चरण. न० (चरण) संयम; आरित्र संयम; चारित्र. Ascetic conduct; asceticism. सम० २; उत्त० २४, ६; ठा० २, १; विशेष० १; श्रोव० नि० १; भग० २, १; नाया० १, ६; पि० नि० ६०; १०५; सूय० २, १, ६०; भक्त० ६३; गच्छा० २०; प्रव० १६; क० गं० १, १३; (२) अल्लभाट; आरजु. ब्रह्मभाट-चारण. a bard; a minstrel. विशेष० १४७३; (३) अरजु-पग. चरण-पंर. a foot; a leg. नाया० १; ८; ६; १७; —**आय. पुं० (-आत्मन्)** आरित्र रूपी आत्मा; आरित्रस्वरूप. चारित्ररूपी आत्मा; चारित्रस्वरूप. soul as consisting of ascetic conduct; ascetic conduct regarded as soul. पि० नि० १०४; —**आचार. पुं० (-आचार)**

आरित्रनो आचार. चारित्र का आचार. practice of asceticism. प्रव० २७०; —**कुर्सील. त्रि० (-कुर्सील)** आरित्रनी विराधना करना. चारित्र की विराधना करने वाला. (one) who shows hatred towards ascetic conduct. प्रव० ११०; —**जुष्ट. त्रि० (-जुष्ट)** आरित्र-यथी अष्ट थयेन. चारित्र्य से अष्ट जो है वह. degraded from ascetic conduct; spiritually degraded. नाया० ६; —**जुष्ट. त्रि० (-जुष्ट)** आरित्रयुक्त. चारित्र युक्त. Possessed of ascetic conduct; ascetic in conduct. प्रव० १५०; —**ठिष्ट. त्रि० (-ठिष्ट)** आरित्र्यभां रंष्टुं-स्थिर थयेन. चारित्र्य में रहा हुआ. steady in ascetic conduct. नाया० ६; —**भेय. पुं० (-भेद)** आरित्रनो भेद. चारित्र का भेद. difference, distinction in right-conduct. प्रव० ५५६; —**मोह. पुं० (-मोह)** आरित्र अंशने अटकावनार मोहनीय विभाग; आरित्र मोहनीय. चारित्र अंश का रोकने वाला मोहनीय विभाग, चारित्र मोहनीय. anything that checks or hinders right conduct. क० गं० १, ५७; —**मोहणिय न० (-मोहनीय)** मोहनीय कर्मनी अंश प्रकृति के नेना उदयथी एव अरजु आरित्र न पाये. मोहनीय कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव चारित्र चरण प्राप्त न कर सके. a variety of Mohaniya Karma the maturing of which hinders right conduct. उत्त० ३३, ८;

चरणवन्त. त्रि० (चरणवन्) आरित्र पावुं. चारित्र युक्त. Possessed of right-conduct. पंचा० १४, २१;

चरणविधि. पुं० (चरणविधि) २६ उक्तविधि

सूत्रभांजुं २७मुं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २७वां सूत्र. The 27th of the 29 Utkālika Sūtras नंदा० ४३;

चरम. त्रि० (चरम) छेदुं: छेवटनुं.

अन्तिम. Final; last. नाया० १; १३;

१६; भग० १, ६; १४, १; नंदा० १६; पिं०

नि० ५३; कण्प० २, १५; ५, १२३; विशेष०

२००; दसा० ७, १; सू० प० ७; पंचा० १,

२६; क० गं० २, १०; (२) पयसा सुमति-

नाथ तीर्थकरना प्रथम गणधरनुं नाम.

पांचवें सुमतिनाथ तीर्थकर के प्रथम गणधर

का नाम. name of the first

Gapadhara of Sumatinātha

the fifth Tirthāṅkara. सम० प०

२३३; (३) जेने इरीथी ते अवमां

आवयुं नथी ते; छेदुं: अवमां. जिसको

पुनः उस भव में नहि आना है वह; अन्तिम

भव वाला. one who is for the

last time in a particular state

of existence. राय० ७६; —अन्त.

न० (-अन्त) अरमान्त प्रदेश. चरमान्त

प्रदेश. the ending region. भग०

१६, ८; —खंड. पुं० (-खण्ड) छेदुं: अंश.

३३३. अन्तिम खण्ड-टुकड़ा. the last

piece or portion of anything.

प्रव० ७१४; —खंडग. पुं० (-खण्डक)

जुओ " चरम खण्ड " शब्द. देखो " चरम

खण्ड " शब्द. vide " चरम खण्ड " क०

प० २, ४१; —टिई. स्त्री० (-स्थिति)

छेदुं: स्थिति. अन्तिम स्थिति. last or

final state of existence. क० प०

१, ६६; —तित्थयर. पुं० (-तीर्थकर)

छेदुं: तीर्थकर; महावीर स्वामी. lord Ma-

hāvira. the last Tirthāṅkara.

कण्प० १, २; —निदाहकाल. पुं० (-निदा-

हकाल) डिनालाने आभर वप्पत. गरमी

की मौसम का अन्तिम समय; ग्रीष्म ऋतु

का अन्तिम समय. the fag end of

summer. वव० ६, ४१; —भवस्थ.

त्रि० (-भवस्थ) छेदुं: अवमां रहेल;

अरम शरीरी. अन्तिम भव में रहा हुआ.

चरम शरीरी. (a body) that is for

the last time in a particular

state of existence भग० ३, २;

—वरिसारत्त. न० (-वर्षारात्र) आभासाने

आभर समय. वर्षा ऋतु का अन्तिम समय.

the latter or ending part of

the rainy season. नाया० १;

—समय. पुं० (-समय) छेदुं: वप्पत.

अन्तिम समय. last time. क० गं० ६,

८४; भग० १२, ६;

चरित्र. न० (चरित) येष्टु: यात्त यत्तयत्त.

चंश; चालचलन. Conduct; behavi-

our. आव० २१; नाया० ६; (२) जन्म

चरित्र-वृत्ति. biography; life. राय०

६१; २०१;

चरित्रा-या. स्त्री० (चरिका) गट् अने शहरे

वच्येने वलाथ प्रभंजे रतेने. किल्ला व शहर

के मध्य का आठ हाथ प्रमाण का मार्ग. A

road eight arms in breadth

between a town and the ram-

parts that surround it. भग० ५,

७; ८, ६; नाया० १६; आव० अणुजो०

१३४; सम० प० २१०; निर्मा० ८, ३; जीवा०

३, ३; परह० १. १; (२) परिव्राजिका.

परिव्राजिका. a nun. आष० नि० ५६८;

चरित्त. न० (चरित्र) आरित्र मोहनीयता

दाय के दायोपशमथी उत्पन्न थो आत्मानो

विरति परिणाम; संयम अनुष्ठान; सदाचार.

चारित्र माहनीय के क्षय वा क्षयोपशम से

उत्पन्न होता हुआ विरति परिणाम; संयम

अनुष्ठान; सदाचार. Right conduct; ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma. ठा० १, १; ओव० १६; २०; अणुजो० १३१; १४७; भग० २, १; २५, ५; नाया० १; २; ५: १०; ओघ० नि० ६८८; विशेष० ५०; १२३४; वेय० १, ४९; राय० २१५; पञ० १; पि० नि० ६५; गच्छा० १२३; पंचा० ६, २७; — (सं) अंतर. न० (-अन्तर—अन्यचारित्रं चारित्रान्तरं) आरित्र आरित्र वच्ये अंतर-भेद न्नेष्ट उपपत्ती आशङ्का. चारित्र चारित्र के अंदर भेदान्तर देख उत्पन्न होता हुई आशङ्का. doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another. भग० १, ३; —आत्मा. पुं० (-आत्मन्) आरित्ररूप आत्मा. चारित्र रूप आत्मा. soul as consisting of right (i. e. ascetic) conduct. भग० १२, १०; —आचार. पुं० (-आचार) पांच समिति अने त्रण गुप्ति ये आठ आरित्रना आचार. पांच समिति व तीन गुप्ति ये आठ चारित्र के आचार. right-conduct consisting of the observance of the 5 Samitis and 3 Guptis. ठा० २, ३; ५, २; सम० ५० १६८; —आराहणा. स्त्री० (-आराधना) आरित्रनी आराधना-सम्पत् सेवन. चारित्र की आराधना-सम्यक् सेवन. proper observance of right-conduct. भग० ८, १०; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) यथाभ्यात आरित्रवान्. यथाख्यात चारित्रवान्. one strictly observing rules of right-conduct. ठा० ३, १. —कुसली. त्रि० (-कुशील) आरित्रने

दूषित अनावनार. चारित्र को दूषित बनाने वाला. (one) that sullies or violates the rules of right conduct. ठा० २, ३; —धम्म. पुं० (-धर्म) आरित्ररूप धर्म. चारित्ररूप धर्म. religion as consisting of right-conduct. ठा० १०; —नास पुं० (-नाश) आरित्रना लंग. चारित्र का भंग. violation of the rules of right-conduct. गच्छा० १३२; —पञ्चव. पुं० (-पर्यव) आरित्र पर्यव; आरित्र संपन्धि विशुद्धिना अंश विभाग. चारित्र पर्यव; चारित्र के संबंध में विशुद्धि का अंश विभाग. subdivisions of expiation for faults in right-conduct. पि० नि० भा० २८; भग० २५, ६; —प्राण. पुं० (-प्राण) आरित्ररूपी प्राण. चारित्रात्मक प्राण. life or vitality as consisting of right-conduct. भग० १२६; —प्रायश्चित्त. न० (-प्रायश्चित्त) आरित्रनी शुद्धि अर्थे अतिचारादिनं प्रायश्चित्त लेवुं ते. चारित्र की शुद्धि के लिये अतिचारादि का प्रायश्चित्त लेना. act of expiating for faults in right-conduct. ठा० ४, १; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) आरित्र वायो पुरुष. चारित्रवान् पुरुष. a man possessed of right-conduct. ठा० ३, १; —पुलाञ्च-य. पुं० (-पुलाक) आरित्रने निःसार अनावनार पुलाक लब्धिवंत साधु. चारित्र को निःसार बनाने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु. an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right-conduct. ठा० ५, ३; भग० २५, ६; —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) आरित्ररूपे बोध पामेत्त. चारित्र रूपसे बोध-प्राप्त. one awake to (i. e. follow-

ing) the rules of right-conduct after knowing them. ठ० ३, २; —बोहि. स्त्री० (-बोधि) चारित्ररूपे धर्मनी प्राप्तिथयी ते. चारित्र रूप से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of religion in the form of right-conduct. ठ० ३, २; —मोह. पुं० (-मोह) लुओ "चरण-मोह" शब्द. देखो "चरण-मोह" शब्द. vide "चरण-मोह" भग० ८, ८; क० प० २, ३७; ५, २७; प्रव० ६६४; —मोहण. न० (-मोहन) चारित्रते अटकावनार-रोधनार मोहनीय कर्मनी प्रकृति; सोल कषाय अने नवनोडपाय ओ पयीस प्रकृति. चारित्र को रोकने वाली मोहनीय कर्म की पचीस प्रकृति; १६ कषाय और ६ नोकषाय ये २५ प्रकृति. the 16 Kaṣāyas and 9 Nokaṣāyas which hinder the attainment of right-conduct. उत्त० ३३, १०; —मोहाणिज्ज. न० (-मोहनीय) लुओ "चरित्त-मोहण" शब्द. देखो "चरित्त-मोहण" शब्द. vide "चरित्त-मोहण" ठ० २, ४; अणुजो० १२७; भग० ५, ४; ८, ८; २०, ७; —मोहणिय. न० (-मोहनीय) लुओ "चरित्त-मोहण" शब्द. देखो "चरित्त-मोहण" शब्द. vide "चरित्त-मोहण" क० गं० १, १७; —लद्धिया. स्त्री० (-लब्धिका) चारित्रनी प्राप्ति. चारित्र की प्राप्ति. attainment of right-conduct. भग० ८, २; —लोक. पुं० (-लोक) सामायिकादि पांच चारित्ररूप लोक. the world or region of the five items of right-conduct viz. Sāmāyika etc. ठ० ३, २; —विणय. पुं० (-विनय) चारित्रनुं स-

भ्यक्त प्रकारे पालन करवुं ते. चारित्र का सम्यक् प्रकार से पालन करना. due observance of the rules of right-conduct. भग० २५, ७; —विराहणा. स्त्री० (-विराधना) चारित्रनुं भण्डन करवुं ते; व्रतभां भंग पावो ते. चारित्र का खंडन करना; व्रत का भंग करना. violation of the rules of right-conduct. सम० ३; आव० ४, ७; —संपरण. त्रि० (-संपन्न) चारित्र-गुणुथी भरपूर. चारित्र-गुण से भरपूर. well-accomplished in right-conduct. भग० २, ५; २५, ७; —संपन्नया. स्त्री० (-संपन्नता) सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता. सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता. state of being well-accomplished in right-conduct viz. Sāmāyika etc. उत्त० २६, २, भग० १७, ३;

चरित्ताचरित्त. न० (चारित्राचारित्र) ओक देशे चारित्र अने ओक देशे अचारित्र-अचरित्ति; विरता विरति; आवकपणुं. एक देश से चारित्र व एक देश से अचारित्र-अविरति; विरताविरति; आवकपना. Partial observance (e. g. by a Jaina layman) of the rules of right-conduct. भग० ८, २; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) देशविरति-आवकपणुनी प्राप्ति. देशविरति-आवकत्व की प्राप्ति. Śrāvaka-hood; partial observance of the rules of right-conduct. भग० ८, २;

चरित्तावरणिज्ज. न० (चारित्रावरणीय) चारित्रते ढांकनार चारित्र मोहनीय कर्म. चारित्र को ढांकने वाला चारित्र मोहनीय कर्म. Karma that hinders right-conduct. भग० १, ३१; —कम्म. न०

(-कर्म) चारित्र्ये ढांकनार कर्म; जेनाथा चारित्र्यी प्राप्त भती नथी ते कर्म. चारित्र को ढांकने वाला कर्म; जिससे चारित्र की प्राप्ति नहीं होती वह कर्म. Karma that hinders the attainment of right-conduct. भग० ६, ३१;

चरित्ति. त्रि० (चरित्रिन्) चारित्रवाणो; चारित्री; साधु. चारित्रवान; चारित्री; साधु. An ascetic; (one) possessed of right-conduct. अणुजो० १३१; पंचा० ११, ७; गच्छा० २१;

चरिम. त्रि० (चरम) अन्तिम; छेद्धुं. अन्तिम. Last; final. ओव० ३८; ठा० १, १; भग० १, ७; ३, १; ४, ५, ४; ८, २; १३, १; १४, ४; १८, १; १६, ४; २५, ६; १०; २६, १; ३३, १०; विशेष० ४२४; पिं० नि० १३६; सु० च० १, १; क० गं० २, २०; भल० ३६; प्रब० १४६; ४६०; ६१२; पंचा० ६, २६; (२) अरम शरीरी लव्यञ्चव. चरम शरीरी भव्य जाव. a soul that has its body for the last time i. e. one going to attain to salvation without being re-born. पञ्च० ३; १८; जीवा० १०; (३) पञ्चवणसूत्रना त्रीज पदना आदीसभां दार-नुं नाम. पञ्चवणा सूत्र के तृतीय पद के बावीसवें द्वार का नाम. name of the 22nd Dwāra of the third Pada of Pannavanā Sūtra. पञ्च० ३; --अञ्जलिकम्म. न० (-अञ्जलिकर्म्म) छेवटना प्रणाम. अन्तिम प्रणाम. fare-well; final salutation. भग० १५, १; --अन्त. त्रि० (-अन्त) पर्यन्त भाग; छेजने भाग; पर्यवसान. पर्यन्त भाग; अन्त का भाग; पर्यवसान. end; final part. उल० ३६, ५६; भग० ६, ३; ३४, १;

विशे० ३७६; जीवा० ३, १; पञ्च० २; --गेय. न० (-गेय) छेद्धुं गीत; गायन. अन्तिम गीत; गाना. last or final song. भग० १५, १; --चउ. पुं० (-चतुः) छेवा चार. अन्तिम चार. last four. क० गं० ४, २३; --दिवस. पुं० (-दिवस) छेद्धो दिवस. अन्तिम दिन. final day. जं० प० ७, १६२; --नहु. न० (-नाट्य) छेवटनुं नाटक. अन्तिम नाटक. last or final dramatic performance. भग० १५, १; --पाण. न० (-पान) छेवटनुं (मदिरा) पान. अन्तिम (मदिरा) पान. final or last drinking of intoxicating wine. भग० १५, १; --पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) छेद्धी पृथ्वी; सातमी नरक. अन्तिम पृथ्वा; सातवां नरक. last earthly abode; the seventh hell. विशेष० ६६२; --भवत्थ. त्रि० (-म-वत्थ) लवना अवसान लागभां रहेव; मृत्युनी पासे पहुँचैव. भव के अवसान भाग में रहा हुआ; मृत्यु के पास-निकट पहुँचा हुआ. (one) nearing death; one at death's door. भग० ३, २; --सम-यभवत्थ. पुं० (-समयभवत्थ) लवने छेद्धे समये रहेव. भव के अन्तिम समय पर रहा हुआ. one in the last moment of life; one very near to death. भग० ७, १;

चरिमाइ. न० (चरमादि) प्रज्ञापना सूत्रना दशमा पदनुं नाम के जेभा रत्नप्रभा पजेरेनां अरम अयरभनुं वर्णुन छे. प्रज्ञापना सूत्र के दशवें पद का नाम कि जिसमें रत्नप्रभा इत्यादि का चरम अचरम का वर्णन है. Name of the 10th Pada of Prajñāpanā Sūtra. पञ्च० १;

चरिमुद्देसअ. पुं० (चरमोद्देशक) अरमो-

देशक-भगवती सूत्रना ओक उद्देशानुं नाम छे.
चरमोद्देशक नामक भगवती सूत्रका एक
उद्देश. Name of an Uddesā of
Bhagavati Sūtra. भग० ३५, ६;

चरिय. न० (चरित) आचरण; वर्तन.
आचरण; बर्ताव. Conduct; beha-
viour. पंचा० २, ३१; प्रव० ६१४;

चरिय. पुं० (चरिक) वनस्पती विशेष.
वनस्पति विशेष. A kind of Vegeta-
tion. भग० २३, १;

चरिय. न० (चरित) चरित्र-आचार.
चरित्र-आचार. Conduct; behaviour.
प्रव० ६१४;

चरिय निबद्ध. न० (चरितनिबद्ध) ३२
नाटकमानुं ३२ भुं नाटक के जेभां तीर्थकरना
छे कल्याणिकता चरित्रानुं ज्यान आपवामां
आवे छे. ३२ नाटकमें से ३२ वां नाटक कि
जिसमें तीर्थकर के छः कल्याणिक के चरित्रों
का वर्णन किया जाता है. The last of
the 32 kinds of dramatic per-
formances in which is given
an account of the conduct of
the six Kalyāṇikas of a Tir-
thankara. राय० ६५;

चरियव्व. त्रि० (चरितव्व) आचरवा
लायक. आचरण करने योग्य. Worthy
of being practised. भग० ६, ३३;

चरिया. स्त्री० (चर्या) यात्रयुं; विहार करवा
ते. चलना; विहार करना. Moving out;
peregrination. सूय १, १, ४, ११;
१, १, ३०; प्रव० ६८२; (२) ध्यां समिति.
ध्यां समिति. carefulness in walk-
ing. भग० ७, १०; (३) यत्रवाने
परिषद्. चलने का परिषद्. endurance
of the trouble caused in walk-
ing. भग० ८, ८; प्रव० ६६८; (४)

बिक्षा; गोचरी. भिक्षा; गोचरी.
alms-begging. आव० ४१; —नियद्.
त्रि० (—निवृत्त) यात्रयार्थी निवृत्त
थयेत्त. चलने से जो निवृत्त हुआ है वह.
(one) who has ceased walking.
वव० ४, २२; —परिषद्. पुं० (—परिषद्)
यात्रवाने-विहार करवाने परिषद्. चलने
का-विहार करने का परिषद्. trouble or
affliction caused by walking
or peregrination. सम० २२;
—प्रविष्ट त्रि० (—प्रविष्ट) यात्रयामां
प्रवृत्त थयेत्त. चलने में जो प्रवृत्त है वह.
(one) who has commenced
walking or peregrination. वव०
४, २०;

चरु. पुं० (चरु) दंडनी; पात्र; यज्ञभां
देवाने यज्ञदान आपवानुं पात्र. मटका;
पात्र; यज्ञमें देवोंको बलिदान देनेका पात्र.
An earthen pot or a vessel
in which an oblation is offered
to gods in a sacrifice. आव०
३८; भग० ११, ६;

चरेल्लग न० (चरक) रोमरश्मि (३४५)
नी पांभो वायुं पक्षी. कण्ठदार पंखवाला पक्षी.
A bird with downy feathers.
पक्ष० १;

✓चल. धा० I, II. (चल) यात्रयुं. चलना.
To walk; to move.

चलइ. नाया० १; भग० ३, ३; राय० २६६;
जं० प० ५, ११५;

चलंति. भग० १७, ३; नाया० ८; जं० प०
५; ११३;

चलंति. नाया० ८;

चलिसंति. भग० १७, २;

चलिसु. भग० १७, ३;

चलिसा; दस० ५, १, ३१;

चलंत. ओव० २१; नाया० ६;
चल (ले) माण. भग० १, १; १०; ४, ३३;
आया० २, ७, १, १६८;
चालेह. प्रे० नाया० ३; राय० २६६;
चालेति. प्रे० नाया० ८;
चालिति. प्रे० सु० च० २, ५८७;
चालित्तए. प्रे० हे० कृ० नाया० ८; ६;
चालिय. प्रे० सं० कृ० आया० २, १, ६, ३२;
चालिजह. प्रे० क० वा० सु० च० ४, २८;

चल. त्रि० (चल) आसतुं; अस्थिर. चलता
हुआ; अस्थिर. Moving; unsteady.
भग० ५, ४; १३, ४; १६, १; नाया० ८;
विशे० ५५०; ओघ० नि० ६; ५१६; सम०
प० २३१; —अचल. त्रि० (-अचल)
असायन; अस्थिर. चलाचल; अस्थिर.
unsteady; moving; changing.
दस० ५, १, ६५; तिसी० १३, ७; —उव-
गरण. न० (-उपकरण) अस्थिर उप-
करण. an unsteady
implement (e. g. an alms-bowl
etc. used by an ascetic). भग०
५, ४; —चपल. त्रि० (-चपल) अत-
रुण अथवा अचलतावाला. चल व चपलता युक्त.
quick and changing. नाया० ८;
—चित्त. त्रि० (-चित्त) अपक्व चित्तवाला.
चपल चित्त वाला. fickle-minded; un-
stable in mind. प्रव० २६०; —जीव.
त्रि० (-जीव) जेती छया-पल्लव अत-
रुण छे ओतुं (धनुष्य). जिसका जीवा-
दोरी चल-अस्थिर है ऐसा (धनुष्य). (a
bow) with an unsteady or
quickly moving string. जं० प०
३, ४५; —सक्त त्रि० (-सक्त) अस्थिर
सत्त्ववाला. अस्थिर सक्त वाला. unsteady
in mind; unsteady in spirit.
ठा० ४, ३; ५, ३;

चलण. पुं० (चरण) अरण्य; पग. चरण; पैर.
A foot. भग० ४२, १; अणुजो०
१२८; नाया० १; ९; सु० च० १, ५८०;
ओव० १०; पि० नि० १८१; जीवा० ३, ३;
जं० प० कण० ३, ३६; ४, ६०; भक्त०
१०६; (२) लयवतीनां प्रथम शतकना
दशमा डिटेक्षानुं नाम. भगवती के प्रथम शतक
के दशवे उद्देशा का नाम. the name of
the 10th chapter of the first
section of Bhagawatī Sūtra.
भग० १, १; —तल. न० (-तल) पगनुं
तलीयुं. पैर का तला. the sole of a
foot. नाया० ७; —मालिया. स्त्री० (-मा-
लिका) पगनुं धरेणुं; (तोडा भेडी पगेरे).
पैर का आभूषण. an ornament for
foot. जीवा० ३, ३;

चलण. न० (चलन) आसतुं. चलना. Act
of walking or moving. तंदु० भग०
१७, ३; उवा० २, १०१; —धम्म. पुं०
(-धर्म) आसतुं ओर छे धर्म जेतो ते.
चलना यही जिसका धर्म है वह. one
whose duty or nature is to
walk or move. दस० १०, ८; ६;
चलणिया. स्त्री० (चलनिका) साध्वीनुं छडी
पल्लव; जंगलीयो. साध्वीका कटा वल्ल; जाधिया.
A waist-cloth used by a nun.
ओघ० नि० ६७५; “ जाणुपमाणा चलणी
असीविश लंखिया एते ” (२) आसणी.
चलनी. a sieve. प्रव० ५३७;

*चलणी. स्त्री० (चलनी-चलनं चरणं तत्प्रमाणं
कर्दमचलनी) पगनुंभे तेहरो डादव. पैर
गड जाय उतना कीचड. Mud just
reaching the ankles; knee-deep
mud. प्रव० ५४१; जीवा० ३, ३; भग०
७, ६; जं० प० २, ३६;

चालिय-अ. त्रि० (चालित) असायमान

अथेक्ष. जो चल्यमान है वह. Moving; moved; stirring; quick. कण्प० ३, ४३; सम० ६; भग० १, १०; ६, ३३; नाया० १; ८; १३; जं० प० ५, ११५; २, ३३; ५, ११२; ३, ५८; —करण. त्रि० (-कर्ण) आधता (हलता) छे कान गेना अथे. जिसके कान चलते (हिलते) हैं वह. (one) whose ears are moving or shaking. नाया० ८; —कम्म. त्रि० (-कर्मन्) यथायमान यथेक्ष कर्म. जो कर्म चलायमान है वह. Karma which has become quick or which has commenced its motion. भग० १, १; —रस. त्रि० (-रस) गेना रस यक्षित अथे होय अगडी अथे होय ते. जिसका रस चलित हुआ हो बिगडा हुआ हो वह. (anything, e. g. a fruit etc.) of which the juice has undergone decomposition. प्रव० २४८;

चवचव. न० (*) अनुकरण शब्द. अनुकरण शब्द. An onomatopoeic word; a sound like that of the word (Chavachava). ओष० नि० भा० २८६;

चवण. न० (चवण) देवलोक विगेरेथी यवणुं भरथु पाभणुं; देवता के नारकीनुं भरथु. देवलोक आदिसे पतन होना-मृत्यु को प्राप्त होना; देवता वा नारकी की मृत्यु. Death of a heavenly or hellish deity. सु० च० १, १२०; २, १५५; भग० ७, ५; आया० १, ३, २, ११४; १, ७, ३, २०७; राय० ६५; २६३; जीवा० १; कण्प० ५, १२०; —काल. पुं० (-काल) देवताओंने

यवण (भरथु) का. देवताओं का चवण-मृत्युकाल. the hour of death of the gods. नाया० ६;

चवल. त्रि० (चपल) अंयंल; अपल; उतावणुं. चंचल; चपल; स्फूर्तिवाला. Wavering; fickle; swift; impatient. जं० प० ३, ४३; ५, ११५; ७, १६६; उत्त० ६, ६०; ओव० १२; २१; सम० प० २३१; भग० ३, १; ११, ११; १५, १; नाया० १; ६; पि० नि० २६२; जीवा० ३, १; पल्ल० २; कण्प० ३, ४३;

चवला. स्त्री० (चपला) देवतानी अेक प्रकारनी गति. देवता की एक प्रकार की गति. A kind of gait of the gods. राय० २६; आया० २, १५, १७६;

चवलिय. त्रि० (चपलित) आणत विशेष. भाजन विशेष. A kind of pot or vessel. जीवा० ३, ३;

चविया. स्त्री० (चाविका) तीष्ण रसवाली अेक वनस्पति. तीक्ष्ण रस वाली वनस्पति. A kind of herb having sharp, pungent juice. पल्ल० १७;

चवेडा. स्त्री० (चपटा) आंगणीयती यपटी वगाडवी ते. उंगली से चुटकी बजाना. Snapping the fingers. उत्त० १, ३८; १६, ६८; भग० ३, २; सु० च० १४, ४०; राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १४१;

चाअ. पुं० (त्याग) तण्णुं; छेडणुं. त्याग करना; छोड़ देना. Abandonment; giving up. पंचा० २, ४;

चाइ. त्रि० (त्यागिन्) त्याग करनेवाला; त्यागी. त्याग करने वाला; त्यागी. (One) who

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

gives up or abandons. भग० २, १; दसा० २, २;

चाइस. न० (त्यागित्व) त्यागी पाण्डु. त्यागी पना. Renunciation. सु० च० २, १४;

चाइय. त्रि० (शक्त) शक्तिवन्त; समर्थ. शक्तिवन्त समथ. Powerful; capable. उत्त० ३२, १६;

चाउकाल. पुं० (चतुष्काल) जे संध्या अने जे मध्यान्ह जेभ रात द्विपसभां यार वप्पत. दो संध्या व दो मध्यान्ह इस प्रकार रात दिन के चार समय. The four points of day and night viz. two twilights, mid-day and mid-night. निर० १६, १५;

चाउकोण. त्रि० (चतुष्कोण) यार णुणु पाणु. चार कोन वाला. Four-cornered. नाया० १३; राय० १३३;

चाउघंट. पुं० (चतुर्घण्ट-चतस्रोघण्टायस्य सः) जेनी यारे आणुअ-यारे दिशाभां विजय सूचक घंटरी पाधरी दीय तेवो रथ. जिसकी चारो दिशाआ में विजय सूचक घंटा बंधी हुई हो ऐसरथ. A chariot with triumphal bells tied on its four sides भग० ७, ६; ९, ३३; नाया० १, ८; १६; १६; ज० प० राय० २१३; —**आसरह.** पु० (अश्वरथ) यार दोहरी पाणी घोडा-गाड़ी. चार घटी वाला अश्वरथ. a chariot drawn by horses having four bells. निर० १, १; नाया० ८;

चाउजातक. न० (चतुर्जातक) तज्ज-जेअयी देशर-भरी-जे यार वस्तुनुं मिश्रण. दाल-चिनी, केशर, इलायचा, कार्लामिर्व-इन चार वस्तुओं का मिश्रण. A mixture of four ingredients viz. cinnamon, aromaticum, saffron,

cardamom and pepper. जीवा० ३, ४;

चाउज्जाम. पुं० (चातुर्जाम) यार महाव्रत-सर्व प्राणुतिपात विरमण, सर्व मृषावाद विरमण, सर्व अदत्तादान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण जे यार महाव्रतभां श्रमण-पाणु जेभां दर्शायुं छे ते धर्म; वज्येना आपीश तीर्थङ्करेना धर्म, तेभां योथुं मेहुणु विरमणव्रत पांच्यमाभां सभापी देवार्थी महाव्रतनी संध्या पांच्यते अदले यारनी छे. चार महाव्रत-सर्व प्राणुतिपात विरमण, सर्व मृषावाद वीरमण, सर्व अदत्ता-दान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार महाव्रत में श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह धर्म; मध्य के बाईस-(२२) तार्थकरो का धर्म, उममें चतुर्थ मेहुण विरमण व्रत पांचवे में समाविष्ट कर देने से महाव्रत का संख्या पांच के स्थान चार है. that religious teaching which demonstrates the asceticism in the four great vows viz. abstention from all killing, abstention from all false-hood, abstention from acceptance of things not given and abstention from stealing; the distinctive character of the middle 22 Tirthankaras; the fourth of the vows being included in the fifth, the number of the great vows is four instead of five. सूय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२; भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ६, ३२; २०, ८; २५, ७; राय० २२१; नाया० १६; —**धम्म.** पुं० (-धर्म) यार महाव्रतरूप धर्म. चार महाव्रतरूप धर्म. religious

observance in the form of the four great vows. नाया० १६;

चाउहसिय. त्रि० (चातुर्दशिक) यैहसने दिवसे जनमेव. चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उवा० २, ६५;

चाउहसी. स्त्री० (चतुर्दशी) यैहस. चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) “ चाउ हसी पचरलि वजोजा अट्टमीच नवमीच ” विशेष० जीवा० ३, ४; राय० २२५; भग० २, २; ३, २; ३, ७; नाया० २; ६; विवा० १; —चंद्र. पुं० (-चन्द्र) चतुर्दशीतो चंद्रमा. चतुर्दशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month). नाया० १०;

चाउप्पाय. त्रि० (चतुरपाद) चिकित्साना चार पाया-वमन, विरेचन मर्दन अने स्वेदन. चिकित्सक चार पाये-वमन, विरेचन मर्दन व स्वेदन. the four basic operations of medical treatment; vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) वैद्य, औषधी, दरदी अने सारवार करणार भाणुस. वैद्य, औषधी, दरदी व सेवा शुश्रूषा करने वाला मनुष्य. the physician, medicine, the patient and who nurses. (३) अन्नजन-अन्धन-लेपन अने मर्दन. अन्नजन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त० २०, २३;

चाउभाइया. स्त्री० (चतुर्भागिका) यैथे भाग. चतुर्थ भाग; चौथा भाग. The fourth part. राय० २७२;

चाउम्मास. न० (चातुर्मास्य) योभासु;

यातुर्मास. वर्षा ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season). प्रव० १८३; पंचा० १, १६;

चाउम्मासिय. त्रि० (चातुर्मासिक) यातुर्मासिक; चार महिना. (प्रतिक्रमण पगेरे). चातुर्मासिक; चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season). नाया० ५; निसी० २०, १३; १६; ४१; वव० १, २; वेय० १, ३६; २, १५; —मज्झण्य. न० (-मज्जनक) यातुर्मासिमां थतो मज्जन महोत्सव. चातुर्मास में होनेवाला मज्जन महोत्सव. the great festival of ablu-tion occuring in the four months (of the rainy season). नाया० ८;

चाउर. त्रि० (चतुर) चार; चारही संख्या. चार; चार की संख्या. Four; the number four. ओव० —अंग. न० (-अंग) चार अंग. चार अंग. the four limbs or divisions. विवा० ३;

चाउरगिज्ज. न० (चतुरगिज्ज) उत्तराध्ययनना त्रीन अध्ययननुं नाम. उत्तराध्ययन के तृतीय अध्ययन का नाम. Name of the third Adhyayana of Uttarā-dhyayana. अणुजा० १३१;

चाउरंगिणी. स्त्री० (चतुरंगिणी) जुओ; “ चउरंगिणी ” शब्द. देखो “ चउरंगिणी ” शब्द. Vide “ चउरंगिणी ” ओव० २६; भग० १, ७; ७, ६; नाया० १; ५; ८; १६; दसा० १०, १; जं० ५०

चाउरअंत. त्रि० (चतुरन्त) नारदी-तिर्य्य-मनुष्य अने देवता ओ चार अंत छे अन्त-अवयव जेनी ते, चार गतिरूप चार अवयव पागे। संसार. नारकी-तिर्य्य-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं अन्त-अवयव जिसकी वह,

चार गतिरूप चार अवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings. उवा० ७, २१८; उत्त० १६, ४६; मय० २, २, ८२; भग० १, १; २, १; नाया० १, २; (२) चार दिशाना चार विभाग युक्त. consisting of four divisions of the four quarters. ठा० २, १; (३) चार तट समुद्र अने येथे हिमालय ये चार जेता अन्त पर्यंत भाग छे जेवो पृथ्वी प्रदेश. तीनों तरफ समुद्र व चौथा हिमालय ये चार जिमके अन्त-पर्यंत भाग हे ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himalayas. सम० १; उत्त० ११, २२; —चक्रवाह. पुं० (चक्रवर्तिन) भरतनी चारे दिशा पर्यंत विजय करुनार अक्षवर्ती भरत की चार दिशा पर्यंत विजय करन वाला; चक्रवर्ती. one who is victorious in the four quarters of Bharata; a sovereign whose dominion extends as far as the ocean. भग० १६, ३; कप० २, ११;

चाउरक. पुं० (चातुरक्य) पांडे आठ दूध चिउरेथी अनयेत आठ दिशि शकर, गुड, मिथा, दूध इत्यादि से बनाया हुआ खाद्य विशेष. A kind of dainty

prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk. जीवा० ३, ३; चाउन्थय. पुं० (चातुर्यक) येथियो नयर-ताप. प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर; चौथया ज्वर. Fever recurring on every fourth day. भग० ३, ७;

४ चाउल पुं० (*) आभा: आवल; भात. चावल; भात. Cooked or boiled rice. आया० २, १, १, ३; पि० नि० भा० १८; दम० ५, १, ७१; पंचा० १०, २३; दमा० ५, २; ६, २; वव० ६, ४; —उदग. न० (—उदक) आभाना धोवणुं पाणी. चावल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. “चाउल उदग बहु पमले” दस० ६, १, ७२; पि० नि० १६४; निसी० १७, ३०; कप० ६, २५; —उदप न० (—उदक) लुआ छिउलो शब्द. देखा ऊपरका शब्द. vide above. आया० २, १, ७, ४१; —धोवण. न० (—धावन) आभातु धोवण; जेभा आभा धोवा धोव ते पाणी. चावल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. ठा० ३, ३; —पिट्ट पुं० (पिष्ट) आभाते छोट-आटा. चावल का आटा. the flour of rice. दम० ५, ३, २२;

चाउवण. न० (चातुर्वर्ण्य) आर्य, क्षत्रिय, वैश्य अने शूद्र-ये चार वर्ण. ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र-ये चार वर्ण. The 4 castes; viz. Brahman, Kṣatriya, Vaisya and Śūdra. भग० १२, १; (२) साधु, साध्वी, आर्यक अने आर्यिका ये चतुर्विध संघ. नाडु, साधवा, आर्यक व आर्यिका ये चार

* लुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखें पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz. male and female ascetics and male and female disciples. ठा० १०; भग० १६, ६; २०, ८; —आइरण. त्रि० (—आकीर्य—चत्वारोवर्णास्तेनाकुलः कीर्यः) चार वर्ण—साधु, साध्वी, श्रावक અને શ્રાવિકાથી વ્યાપ્ત (संघ). चार वर्ण—साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका से व्याप्त (संघ). (an assembly) consisting of four classes viz. male and female ascetics and male and female disciples. “ समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवक्का इहे संघे ” ठा० १०; भग० १६, ६; २०, ८;

चाउस्सालग. न० (चतुःशालक) चार भात-वातुं लयन. चार मंजिल वाला मकान. A four-storied mansion. जं० प० २, ११४;

चाउस्सालय. न० (चतुःशालक) जुओ. ठपले शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जं० प० ५, ११४;

चाग. पुं० (त्याग) त्याग देवुं ते; त्याग. त्याग. Abandoning; renunciation. पंचा० १०, १४; —रुख. न० (—रुख) त्यागरूप. त्याग रूप. marked by renunciation. पंचा० ५, १३;

चाटुकर. त्रि० (चाटुकार) प्रिय वचन बोलनेवाला. Speaking sweet words. ओव० ३१;

चाटुकारग. त्रि० (चाटुकारक) जुओ ठपले शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जं० प० ३, ६७;

चाटुयार. त्रि० (चाटुकार) भीड़-मधुर बोलनेवाला. (One) who speaks sweet words. परह० १, २;

चाणक. पुं० (चाणक्य) पाटलीपुत्रना चंद्र-शुभरान्ननो मंत्री के जेना ठपार चंद्रशुभनो पुत्र बिन्दुसारनो अभावो धवार्थी तेले मंत्रीपद छोड्युं, भाभापनी अनुसा लघ सर्व आरंभथी निवृत्त थध संथारो क्यो. पाटली-पुत्र के चन्द्रगुप्त राजा का मंत्री कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र बिन्दुसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उसने मन्त्रांपद का त्याग किया मा-बाप की अनुज्ञा लेकर सर्व आरंभ से निवृत्त होकर संथारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pataliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusāra, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhārā. “ पाडलिपुत्तम्मि पुरे चाणको नाम विस्सुओ आसी सच्चारभनियत्तो इंगिणीमरणं अह निबभो ” संथा० ७३; पि० नि० २००; भग० १६३;

चाणूर. पुं० (चाणूर) अ नामनो ओड मल्ल जेने कंसनी सभाभां वासुदेवे भार्यो. इस नामका एक मल्ल जिसको कंस की सभा में वासुदेव ने मारा. Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. परह० १, ४;

चामर. न० (चामर) जेताथी पवन नभाय छे. ते चामर-चामरी भायना वाणनु अनावेलुं होय छे ते. जिससे हवा की जाती है वह चमर-चमरी गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चंवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan. जं० प० ४, ७४; ५, ११४; ओव० १०; ३१; उत० २२, ११; भग० १, १; ७, ६; ८, ३३;

नाया० १; ३, ४; १६; राय० ४७; प्रव० ४४१; कप्प० ४, ६२; ओघ० नि० भा० ८२; सु० प० १०; पञ्च० ११; विवा० २; —उकलेव. पुं० (-उल्हेव) आभर दण्डनुं ते. चंवर उठाना. waving of Chawri. जं० प० २. १२२; नाया० १६; —ग्गाह त्रि० (-ग्राह) आभर अदण्डुं डरनार. चंवर ग्रहण करने वाला. (a person) who carries a chamara (chawri). जं० प० ३, ६७; निमी० ६, २४; —धार. त्रि० (-धार) आभर धरनार; दाथभां यभरी रा धनार. चंवर धारण करने वाला; हाथ में चंवरी रखने वाला. (one) who holds or carries a chamara in his hand. राय० १६६; —चालवीय-खोया. स्त्री० (-चालव्यजनिका) आभर अने दीण्डुं-पंखा. चंवर व पंखा. a chawri and a fan. भग० ६, ३३;

चामरा स्त्री० (चामर-ओखल प्राकृतत्वान्) यभरी; आभर. चंवरी-चंवर. A chawri. जं० प०

चामीकर. न० (चामीकर) सुवर्ण; सोना. सुवर्ण; सोना. Gold कप्प० ३, ३६; अंत० १, १;

चामीयर. न० (चामीकर) सुवर्ण; सोना. सुवर्ण; सोना. (Gold. नंदी० स्थ० १२; नाया० ५; सु० च० २, ६३८; जं० प० ३, ४१;

चाय. पुं० (त्याग) त्याग. अभाव. त्याग. अभाव. Forsaking; absence. विशेष० १८४; ४८०; सु० च० १, ३६१; प्रव० ४४१;

चार. पुं० (चार) गजसुस; छुपी पेंडीस. गुप्त दूत; जासूस. A spy; a secret emissary. वि० नि० ३७१; सूय० १, ३, १, १५; उवा० १, १०; (२) यन्त्रादिङ्गी गति-यात्र. चंद्रादिक की चाल motion

of the moon etc. जं० प० ७, १३३; १२६; ओव० २५; नाया० २; १६; भग० २, ५; १६, ५; जीवा० ३, ४; (३) सैन्यनुं मान-माप डरवानी इला. सैन्य का मान-अनुमान करने की कला. the art of estimating the strength of an army. ओव० ४०; नाया० ३; (४) अमलुं डरवुं; डरवुं. अमल वरना; फिरना. wandering; roaming. सम० ६; —उववरणग. त्रि० (-उपपन्नक) गति-युक्त. गतियुक्त. possessed of motion. जं० प० ७. १४०; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) छुपी अथर भेदवतार; गजसुस. गुप्त बात मिजाने वाला; जासूस. a spy; a secret emissary; विवा० ३;

चारअ. न० (चारक) कैदभानुं; डारागृह; जेल. कारागृह; कैदखाना. A prison. डा० ७, १;

चारण. हे० क० अ० (चरितुम्) वियरवाने; जवाने विचरने को; जाने को. For the purpose of wandering or going. वव० ५, १; १६;

चारम. न० (चारक) आदमी; गुन्डेगारने पुरवानी अधारी डारडी; डारागृह-जेल. अपराधी को शिक्का के लिये अंधेरी कोठड़ी; कारागृह. A dungeon for confining a criminal; a prison. भग० ११, ११; नाया० १; २; सूय० २, २, ६३; ओव० ३८; प२ह० १, १; जीवा० ३, ३; कप्प० ५, ६६; —पालअ. पुं० (-पालक) जेलर. कारागृह का प्रधान अधिकारी. a jailor; the keeper of a prison. विवा० ६; —बन्धण. न० (-बन्धन) जेलभानानुं अन्धन; जेलभां पडनुं ते. कारागृह का बन्धन. imprisonment. दसा० ६, ४; —भंड. पुं० (-भण्ड)

जेलना (जेलिया निगेरे) साधन. कारागृह के (बेडी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc. of a prison. विवा० ६; --वसहि जी० (-वसति) जेलभां निवास करवे। ते. कारागृहमें निवास करना. confinement in a prison. परह० १, ३;

चारणसंख्ये. न० (चारकसंख्ये) ओक जलनं दुधवाळुं वृक्ष. एक जाति का फलवाला वृक्ष. A kind of fruit tree. भग० २२, २; --साला. जी० (-शाळा) डेहभाजुं; जेलनं भजान. कारागृह. a prison. नाया० २; १४; --सोदण. न० (-सोधन) जेलभांथी डेहियाते छुटा करवा ते. कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना. releasing criminals from imprisonment. नाया० १;

चारण पुं० (चारण —चरणं गमनं विद्यते येषाम्) चारण लब्धि वणा साधु. ते जे प्रकारना छे-जंघाचारण अने विद्याचारण. अष्टम अष्टमना तपशी उपजेल पड़ेला प्रकारनी लब्धिवणा साधु ओकज दुदई तेरमे इयकवर द्वीपे पड़ेथी शके. वणतां मेरने शीपर विसभो लक्ष जीने उत्पाने भूय जग्याये पड़ेथे; छट छटना तपशी उपजेल जीन प्रकारनी लब्धिवणा जे उत्पाने मेरशिपर अने आठमे नन्दीश्वरद्वीपे पड़ेथे अने वणतां ओकज उत्पाने भूय जग्याये पड़ेथे. चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं—जंघाचारण व विद्याचारण, अष्टम अष्टम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लब्धि एक ही मउपमें तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुंच सके, लौटते समय मेर के शिखर पर विध्राम लेकर द्वितीय उपपात में मूल स्थान पर पहुंचे छट छट के तपसे उत्पन्न द्वितीय प्रकारकी लब्धिवाला दो उत्पात से मेर शिखर व अष्टम

नन्दीश्वर द्वीप को पहुंचे व लौटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known as Chārāṇa Labdhi, which is of two sorts namely Jaṅghā-chārāṇa and Vidyāchārāṇa. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvīpa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning. One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasts, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandīśvara Dvīpa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning. प्रव० ६०५; ओव० १६; सम० १७; भग० २०; ८; नाया० १; ५; बिश० ७८०; जीवा० ३, ४; वज० १; --भावना. न० (-भावना) चारण भावना-चारणलब्धि उत्पन्न थाव तेरी भावना. चारणभावना; चारण लब्धि उत्पन्न हो ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Chārāṇa Labdhi. वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चारणगण. पुं० (चारणगण) जे नामने भट्टावीर स्वामीने ओक गणु. इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of
Mahāvira Svāmī. डा० ८;

चारभट. पुं० (चारभट) सुलट. मुमट.

A clever warrior. (२) येर.

तस्कर; चोर. a thief. पगह० १, १;

चारि. त्रि० (चारिन्) याज्ञनारु; याज्ञनाना

स्वभाव वाला. चलने वाला; चलने के

स्वभाव वाला. Moving; capable

of movement. ओव० २६; ४०; नाया०

४; पि० नि० १७५;

चारि. पुं० (चारि—पशुभक्ष्यविशेषः) आरो;

आस. पशु भक्ष्य विशेष; चारा; घास.

Food of beasts; grass. पि० नि०

२२५; २३८;

चारिय. पुं० (चारिक) जसुस. जामूस;

गुप्त दूत. A spy; a secret emissary.

आया० २, ४, १. १३४; (२) लडैथी;

योद्धा. योद्धा; मुमट. a warrior; a

fighter. विश० २३८५; (३) देर; येर.

चोर; तस्कर. a thief. पगह० १, २;

चारिआ. स्त्री० (चारिका) परिव्राजिका;

साध्वी. परिव्राजिका; साध्वी. A female

ascetic who has renounced the

world. ओष० नि० ५६८;

चारित्त. न० (चारित्र) कर्मनाश करनेवा

एक जिव परिणाम; निश्चय दृष्टि से आत्म

स्वभाव अपने व्यवहार दृष्टि से संयमानु

ष्ठान. कर्म का नाश करने वाला एक जीव

परिणाम; निश्चय दृष्टि से आत्म स्वभाव व

व्यवहार दृष्टि से संयमानुष्ठान. The nature

of Jivm (soul) which destroys

Karma; the nature of self from

the stand-point of will and the

practice of self-control from

the practical, worldly stand-

point. उत्त० २८, ३३; नंदी० स्थ० ४;

प्रव० १८; भक्त० ७; आव० १, १; पंचा०

११, २; —गुण. पुं० (—गुण) चारित्र-

संयमना गुण. चारित्र-संयम के गुण.

the characteristics of self-

control. गच्छा० १०२; —युक्त. त्रि०

(—युक्त) चारित्र्यी युक्त. चारित्र से युक्त.

possessed of self-control.

प्रव० ८४६; —परिणाम. पुं० (—परिणाम)

चारित्र्यना परिणाम-अध्यवसाय. चारित्र

के परिणाम-अध्यवसाय. the thought-

activity in relation to right-

conduct or self-restraint.

पंचा० १, ५०; —रक्षण. न० (—रक्षण)

चारित्र्यनु रक्षण करने के. चारित्र का रक्षण

करना. the guarding of self-

restraint. गच्छा० २१;

चारित्ति. त्रि० (चारित्रिन्) चारित्र वाला.

चारित्र युक्त. Possessed of self-

control. पंचा० ३, ६; प्रव० १९५;

चारी. स्त्री० (चारी) आरो; आर-आर. चारा;

घास (Grass. ओष० नि० २३८;

चार. त्रि० (चारु) सुन्दर; मनोहर. सुन्दर;

मनोहर. Beautiful; charming.

ओव० १०; भग० ३, १; २; नाया० १; २;

३; ८; दम० ८, ५८; जीवा० ३, ३; कण०

३, ३५; मृ० प० २०; (२) दधीयार. शस्त्र.

a weapon. जं० प० ५, ११५; जीवा०

३, ४; राय० २०४; (३) अरु क्षत्रना वाला

आयोसीना तीर्थ करने प्रथम गणधरनु

नाम. भरत क्षेत्र के वर्तमान चौबीसी के

नृतीय तीर्थकर के प्रथम गणधर का नाम.

name of the first (Ganadhara

of the third Tirthankara of

the present cycle of Bharata

Deśa. प्रव० ३०५; —गणिका. स्त्री०

(—गणिका) दासी विशेष; सुन्दर वेश्या.

दासा विशेष; सुन्दर वेश्या (नायिका गणिका). a beautiful harlot or courtesan. जं० प० —घोस. पुं० (-घोष) सुन्दर शब्द; श्रेष्ठ गर्जना. सुंदर शब्द. श्रेष्ठ गर्जना. sweet voice; a loud roar. कण्ठ० ३, ३३; —भासि. त्रि० (-भाषिन्) भीड़ भीड़ भेड़ना. मीठा मीठा बोलने वाला. speaking sweetly. जं० प० ३, ५२; —चित्त. न० (-चित्र) सुंदर चित्र. सुंदर चित्र. a beautiful picture. कण्ठ० २, १३; —रूप न० (-रूप) सुंदर रूप; श्रेष्ठ आकृति. सुंदर रूप. श्रेष्ठ आकृति. beautiful form. जं० प० ३, ६०; कण्ठ० ३, ३८; —वेसा स्त्री० (-वेषा) मनोहर छे वेष जेना ओपी (स्त्री). ऐना (स्त्री) जिसका पहिनाव मनोहर है. a woman with beautiful dress. भग० ५, १०; ६, ३३; ११, ५; विवा० २ —हार पुं० (-हार) सुंदर हार. सुंदर हार. a beautiful garland. "सहकार चारुहारो" नाया० ६;

चारुपञ्चय. पुं० (चारुपर्वत) ऐ नामतो ऐक पहाड. इस नाम का एक पहाड. Name of a mountain. नाया० ८;

चारुह पुं० (चारुह) त्रीन् संभवनाथ तीर्थकरना प्रथम गणधरनु नाम. तृतीय संभवनाथ तीर्थकर के प्रथम गणधर का नाम. The name of the first Ganhadhara of the third Tirthankara Sambhavanātha. सम० प० २३३;

चारुवंस पुं० (चारुवंश) चारुवंश नामे वनस्पति विशेष. चारुवंश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग० २१, ४;

चारेयव्य. त्रि० (चारयितव्य) कथनद्वारा

सम्यग्प्रकारे संचार करावै। ते. कथनद्वारा सम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of narration. भग० ६, ३२;

चारोषवन्नग. त्रि० (चारोषपन्नक) चार गति युक्त ज्योतीश्चक्षेत्र—तेमां उत्पन्न थयेज् ज्योतीषी देवता. चार—गति युक्त ज्योतिश्चक्षेत्र—उसमें उत्पन्न होनेवाले ज्योतिषी देव. A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotishi gods live in four states. ठा० २, २;

चालण. न० (चालन) समाधान करवाने शंका करपी ते; तर्कवितर्क. समाधान करने की शंका करना; तर्कावतर्क. Questions and doubts.

चालत्र. पुं० (चालक) आलशी. चलनी. A sieve. वव० ६, ४४; विशेष० १००७; (२) स्थानांतरे लक्ष जुं ते. स्थानांतर को लेजाना. removal. परह० २, ३;

चाली. स्त्री० (चालनी) धान्य आणवानी आलशी. धान्य को साफ करनेकी चलनी. A sieve. विश० १४१४; नंदी० स्थ० ४४; संस्थ० ८५;

चालिय. त्रि० (चालित) चलायमान करेजुं. आलेज. चलायमान किया हुआ; चला हुआ. Moved. राय० १२८;

चाली. स्त्री० (चाली) ऐक गतनुं वाद्य वाद्यत्र. एक जाति का वाद्य-वाजित्र-बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८६;

चाली. स्त्री० (चत्वारिंशत्) आलीस. ४०. चालीस. Forty; 40. उवा० १०, २७७;

चालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) आलीस. चालीस. Forty. सू० प० १;

चाव. पुं० (चाप) धनुष. धनुष्य. A bow. ओव० १०; जीवा० ३, ३; राय० १३०;

उवा० २, १०१; जं० प० ३, ६७;

चावित. त्रि० (च्यावित) प्राणुथी ब्रष्ट क्र-
वाभां आवेत्त; भारी नाभेत्त. प्राण से ब्रष्ट
किया गया हुआ; मार डाला हुआ. Des-
troyed; killed. अणुजो० १६;

चावेयव्व. त्रि० (चर्वयितव्य) अर्वाणु क्रिया
योग्य-आपना लायक. चर्वण करने योग्य;
चाबने के लायक. Worthy of being
chewed. उक्त० १६, ३८; नाया० १;
भग० ६, ३३;

चावोणुत्त. पुं० (चापोन्नत) आपोन्नत नामे
अगीयारभा देवलोक्तुं ओक विमान, ओना
देवतानी स्थिति ओकनीस सागरोपमनी छे,
ओ देवता ओकपीशमे पञ्चवाडीये आसे-
अवास ले छे, अने ओकनीस हजार वर्षे बुधा लागे
छे. चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलाक का एक
विमान, इसके देवताकी स्थिति इक्कास सागरो-
पम की है, यह देवता इक्कासवे पक्ष में आसे-
अवास लेता है और उसे इक्कास हजार वर्ष में
बुधा लगती है. An abode of god in
the 11th region of gods. The
god of this abode lives for 21
Sāgaropamas, breathes once in
21 fort-nights and feels hungry
after every 21 thousand years.
सम० २१;

चास. पुं० (चाष) आप; अपेयो. चाष पक्षी.
A kind of bird. उक्त० ३४, ५; ओष०
नि० भा० ८४; परह० १, १; जीवा० ३, ४;
पक्ष० १; राय० ५१;

चिअ. त्रि० (चित) छट पाणा विगेरेथी
अणुजुं. ईट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ.
Piled with bricks etc. अणुजो०

१३३;

चिअगा. स्त्री० (चिता) चिता; ये. चिता. A
funeral pyre. जं० प०

***चिअत्त.** न० (*) मननेा प्रेम. मन
का प्रेम. Inner love. जं० प० २, ३१;
दस० ५, १, १७;

चिआअ. पुं० (त्याग) परिग्रहनेा त्याग.
परिग्रह का त्याग. Giving up of
worldly possessions. (२) सुपात्रभां
आहारादिक आपना ले; दान. सुपात्र में
आहारादिक का दान देना वह. right
charity; charity or alms to the
deserving persons. सम० १०;

चिइ. स्त्री० (चिति) श्राष्टनी चिता; येद.
काष्ठ की चिता. A funeral pyre. (२)
चैत्य; चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक
चिन्ह. A sign or mark erected
on the spot where a person is
burnt after death. पंचा० १, ४२;

चिइगा. स्त्री० (चितिका) लुओ " चिइ "
शब्द. देखो "चिइ" शब्द. Vide "चिइ"
जं० प० २, ३३;

चिउर. पुं० (चिकुर) नेमांथी पीयो रंग
आप लेयुं ओक द्रव्य-पदार्थ जिस में से
पीला रंग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ. A
kind of substance from which
yellow colour is extracted.
नाया० १; जीवा० ३, ४; पक्ष० १७; राय० ६३;

चिचइअ. त्रि० (*) भट्टेयुं; शल्-
गारेयुं. Adorned. सु० व० ४, ३०८;

चिचिआ. स्त्री० (चिचिआ) आंयली; आंयलीनुं
वृक्ष. हमली; हमली का वृक्ष. A tamra-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

rind tree. आया० २, १, ४३; (२)
भासने जनायटी पुरष; ओडि. घांस का
कृतिम पुरुष. an artificial man
made of hay. सु० च० ४, २८४;
—छिवा. स्त्री० (-छिवा) आंमलीनी
झम्प. एक प्रकार की इमली की (बंगड़ी)
चूड़ी. a bangle made of tamarind
rind wood. विवा० ६;

चिंचिणिआ स्त्री० (*) आंमलीनु वृक्ष.
इमली का वृक्ष. A tamarind tree.
ओष० नि० २६;

✓चित. धा० I, II. (चिन्त्) चिन्तययुः
आलोचययुः; विचारयुः. चिन्तवन् करना
विचार करना. To meditate; to
think over.

चितइ. नाया० ३;

चितइ. दसा० ६, १५;

चितेभि. पत्र० ११;

चितिज्ज. वि० उत्त० २६, ३६;

चितिज्ज. सं० कृ० विशेष० १६१; सु० च०
१, ५५;

चितिउं. हे० कृ० सु० च० २, ३४६;

चितंत. व० कृ० ओष० नि० ६४८; सु० च०
१, २६४;

चितिज्जइ. क० वा० सु० च० २, ४५०;

चितिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ६;

चितिज्जंत. क० वा० व० कृ० पंचा० १८;

चित्तग. त्रि० (चिन्त) चिन्तयनार. चितवन
करनेवाला. (One) who meditates
or thinks over. गच्छा० १२४;

चित्तण. न० (चिन्तन) विचारयुः, चिन्तयन
करनेवाला. विचारना; चितवन करना. Con-
templation. पंचा० १, ४२;

चितणा. न० (चिन्तन) चिन्तयन करनेवाला;
चितवन करना. Contemplation.
अणुत्त० १, १;

चितन. न० (चिन्तन) मनमां विचार
करनेवाला. मनमें विचार करना. Contem-
plation. आव० १, १;

चितय. पुं० (चिन्तक) विचार करनेवाला.
विचार करनेवाला. One who contem-
plates. नाया० ५, ८;

चिता. स्त्री० (चिन्ता) चिन्ता; द्विदर; मनकी
व्यग्रता. चिता; मनकी व्यग्रता. Dis-
traction of mind; anxiety. आव०
२१; मृग० १, १, २, २४; अणुजो० १३८;
भग० ३, २; नाया० १; १२; १६; नंदी०
३१; पंचा० ७, २८; उवा० १०, २७४; राय०
२४३; —आउर. त्रि० (-आतुर) चिन्तामां
ग्रस्त थपेदे. चिन्ताग्रस्त. anxious; dis-
tracted. सु० च० ४, २००;

चितावर. त्रि० (चिन्तापर-चिन्तनं चिन्ता
संव परमा प्रधाना यस्य असौ चिन्तापरः)
द्विदरमां तपरः चिन्तावाणा. चिन्ता युक्त.
Anxious. उत्त० १६, २२; —सुमिण.
न० (-स्वप्न) चिन्तायी स्वप्नं देयुं ते.
चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना. dream
through anxiety. भग० १६, ४;
—सोमसागर. पुं० (-शोकसागर)
चिन्ता रूप शोकतो समुद्र. चिन्ता रूप शोक
का समुद्र. the ocean in the form
of anxieties. निमा० ८, ११;

चिन्तामणि. पुं० (चिन्तामणि) सर्व इच्छा
पूर्ण करनेवाला मणि; चिन्तामणि रत्न. सर्व
इच्छाओं को पूर्ण करने वाला मणि; चिन्ता-
मणि रत्न. A wish-fulfilling gem

* लुम्बो पृष्ठ नम्बर १५ वीं फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

पंचा० ३, ४६; मत० १६७;

चिंतिय-अ. त्रि० (चिन्तित) चिन्तितवेषु
चिन्तन किया हुआ. Contemplated.
जं० प० ३, ५३; ओव० ३३; भग० २, १;
३, २; ६, ३३; नाया० १; १२; १३; १४;
१६; अंत० ३, ८; कप्प० २, १६; ४, ८६;
उवा० १, ६६; राय० २४;

चिन्ध. न० (चिन्ह) चिन्ह; लक्षण; निशानी.
चिन्ह; लक्षण; निशान. Symbol; in-
signia; mark. ओव० २२; नाया० ८;
१६; भग० ७, ६; मु० च० १, ३३; २,
६१२; विश० २०६०; पंचा० १५, ४६;
प्रव० १६६; पञ्च० २; जं० प० — **झ्या.**
झी० (-ध्वजा) चिन्धवाणी ध्वज. चिन्ह
युक्त ध्वजा. a flag bearing a
symbol. नाया० १६; — **पट्ट.** पुं०
(-पट्ट) याद; आस आगमपयानी निशानी
वाणी पट्टे. चांद; बिल्ला; खास पहिचान
करने के चिन्ह वाला . medal, sign;
mark. नाया० १; राय० २०४; पट्ट०
१, ३; — **पुरिस.** पुं० (-पुरुष) दाढ़ी-
मूछवाला पुरुष; पुरुषना चिन्धवाणी पुरुष.
दाढ़ी-मूछ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला
पुरुष. a person having the marks
of a man viz. beard, mustaches
etc. ठा० ३; १;

चिकण. त्रि० (चिकण) चिकणवाणु. चिक-
नाई वाला. Sticky. भग० ६, १; १६,
४; दस० ६, ६६; तंदु० पणह० १, १;
पि० नि० ६६;

चिक्कल्ल. न० (चिक्कल-कईम) धीयड; कदव.
कीचड़. Mud. अणुजा० १३१; सूय० २,
२, ६६; ओष० नि० ७३६; पणह० १, १;

३; पञ्च० २; दसा० ६, १;

***चिक्किल.** पुं० (*) पण थुडे तेडला
कदववाणो भाग. पैर गड जांय उतने कचिड
वाला मार्ग. The path having some
mud. भग० ८, ६; ओव० २१; सम० ११;
ओष० नि० भा० ३३; पणह० १, ३;

✓ **चिगिच्छ.** धा० I. (कित्) चिक्कित्सा
करवी; रोगनी परीक्षा करवी. चिक्कित्सा करना;
रोग की परीक्षा करना. To diagnose.
चिगिच्छइ. उत्त० १६, ७६;

चिचिक्का. स्त्री० (चिचिक्का) वाद्य विशेष.
वाद्य विशेष. A kind of musical
instrument. नाया० ८८;

✓ **चिह्नी.** धा० I, II. (स्था-तिष्ठ) उभा
रहेवुं; स्थिति करवी. खड़ा होना; स्थित होना.
To stand; to stay.

चिट्टइ. भग० १, १:२, १:१०; नाया० १: ६;
१४; १६; उत्त० १०, २; सूय० १,
१, ४, ८, ओव० १६, ४२; टु०
च० २, ४२५; जं० प० १, २३;

चिट्ठति. नाया० १: ४; ११; १५; १७;
भग० ३, १७; ५, ३; १८, ३; पञ्च० २;
मु० प० १८; जं० प० ५, ११३; ११२;

चिट्ठमि. नाया० १;

चिट्ठमि. भग० २, १;

चिट्ठामो. नाया० ८; १६; सूय० २, ७, १५;

चिट्ठे. वि० उत्त० १, १६; दस० ४, ८;
ओष० नि० ६;

चिट्ठिज्जा. वि० भग० ११, १०, दस० ८, ११;

चिट्ठेज्ज. वि० पञ्च० ३६;

चिट्ठेज्जा. वि० भग० ३, ५, १५, १; दस० ४;

चिट्ठ. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

चिट्ठह. आ० विवा० १; नाया० ३, ८; ८;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी टुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

१५; १६; राय० २५१;

चिह्नेह. आ० नाया० ८;

चिह्निस्सामि. वच० ४, १८; नाया० १६;

चिह्निस्सावो. नाया० ६; भग० १०, ३;

चिह्नु. नाया० १६;

चिह्नुत्तए. हे० कृ० भग० ५, ४; ७, १०;

१३, ४, १७, २; वेय० १, १६; ३, १;

चिह्नुत्तए. हे० कृ० नाया० १;

चिह्नुत्त. व० कृ० भग० १, १; २, १;

चिह्नुत्तमाण. व० कृ० भग० १, ३; ३, ३;

उत्त० २, २१; दस० ४, २, ५, १,

२७; पंचा० १, ५०;

चिह्नुत्ताह क० वा० आ० नाया० ६;

चिह्नु. अ० (भृशम्) धातुः अत्यंत. बहुत;

अत्यंत. Very; much. आया० १, ४, २,

१३२;

चिह्नुण. न० (स्थान) उभा रहेयुं ते.

उपस्थित होना. The act of standing.

प्रव० १४६;

चिह्ना. स्त्री० (चेष्टा) हाथ वगैरेनी येष्टा

करनी ते. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना.

Gestures by means of hands

etc. भग० ७, ६; पि० नि० २२२; विशेष० १७२

चिह्निश्च-य. न० (चेष्टित) येष्टा; सविकार

अंग प्रत्यंग मरोड़ना-करनी ते. चेष्टा; सविकार

अंग प्रत्यंग मरोड़ना इत्यादि. Gestures

of the body. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३;

नाया० १; जं० ५०

चिह्निश्च. न० (चेष्टित) लुप्तो " चिह्निश्च "

शब्द. देखो " चिह्निश्च " शब्द. Vide

" चिह्निश्च " सू० प० २०;

चिह्निश्चव्य. न० (स्थातव्य) उभा रहेयुं

लेभ्ये. खड़े रहना चाहिये. Ought to

stand. भग० १८, २; नाया० १;

चिह्निश्च. त्रि० (स्थित) स्थिर रहेयुं. स्थिर

रहा हुआ. Steady; firm. विशेष० २०६८;

चिह्निश्चत्तार. त्रि० (स्थातृ) उभा रहेनार.

खड़ा रहने वाला. (One) who stands.

सम० ३३; दसा० २, ३; ४; ५; ६; ७; ८;

९; ३, ३२; ३३;

चिह्नुक. पुं० (चटक) यक्षो. एक जाति का

पक्षी. A kind of bird. पण० १, १;

चिह्नुगा स्त्री० (चटका) यक्षी; यीड़ी.

चिह्नुगा. A sparrow. पण० १;

✓चिह्नु. धा० I. (चिज्) अकटुं करयुं;

संग्रह करवो. एकत्र करना; संग्रह करना.

To collect.

चिह्नुति-इ. पि० नि० ६६;

चिह्नुइ. उत्त० ३२, ३३; भग० १, ७;

चिह्नुति. भग० २, ५; पण० १४; ठा० २,

४; ४, १;

चिह्नुस्सति. ठा० ४, १;

चिह्नुसु. मु० च० ८, २२८;

चिह्नुसु. पण० १४; ठा० ४, १,

चिह्नुन्ति. भग० ६, ३; १६, ३; २५, २;

चिह्नुण. त्रि० (चीर्ण) अकटुं करयुं; अकटुं

करेयुं ग्रहण किया हुआ; एकत्रित किया हुआ.

Accepted; collected. भग० १६,

३; पंचा० १६, ४६;

चिह्नुण. त्रि० (चीर्ण) चीनदेशमां उत्पन्न

थयेयुं. चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह.

Born or produced in China

country. निसी० ७, ११;

चिह्नुह. न० (चिह्न) निशान; चिह्न. निशान;

चिह्न. Mark; sign; symptom.

नाया० १; —पट्ट. त्रि० (-पट्ट) चांद;

आस निशानी युक्त पट्टा वाला. चांद;

विशेष निशानी युक्त; पट्टे वाला. a badge

bearing a special mark. नाया० १;

चिति. स्त्री० (चिति) यिता; ये०. चिता.

Funeral pyre. पण० १, १;

चिति. स्त्री० (चैय) यिता उपरंतुं स्मारक.

चित्ता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre. पंचा० २, १६; ८, ३२;

चित्तिय. न० (चैत्य) ऋग्वेदो "चित्ति" शब्द. देखो "चित्ति" शब्द. Vide "चित्ति" राय० २१६; —मह. पुं० (-मह) चैत्य-भण्डित्यय. चैत्य महोत्सव. a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre. राय० २१६;

✓ **चित्त.** भा० I. (चित्र) चित्र इत्या; चित्त-रतुं. चित्र खींचना To picture; to portray.

चित्तेह. नाया० ८;

चित्तेह. आ० नाया० ८;

चित्तता. सं० कृ० नाया० ८;

चित्त. न० (चित्त) चित्तः अंतःकरणं; मनः. चित्तः मनः अन्तःकरण. Mind; heart. अणुजो० ३५; मय० १, १, २, २५; मस० १०; उत्त० ८, १८; ओव० ११; मय० २, १; ३, १; नंदा० स्थ० १३; राय० २१; पञ्च० २; दगा० ४, २६; २७; नाया० १; नाया० ४० विशेष० १८३; पंचा० १, १७; भक्त० १४४; (२) पुं० चित्त नामना मुनि के जेष्ठे अन्नदत्त अक्षयतीर्त्तनी साथे आर्ष रूपे के देवा अक्ष साथे आर्ष दत्ता पूर्ववर्त्तनी प्रतिष्ठा चित्तमुनि तथा पृथ्वी अन्नदत्तने समानवत्ता धृष्टी अक्षीय केशी पञ्च विषयवृत्त्य अक्षदत्तने आर्ष न लाये. चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चक्रवर्ति के साथ साथ भ्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि हानेके पश्चात् पूर्वभवोंकी प्राप्ति के कारण ब्रह्मदत्त को समझानेकी बहुत कोशिश की परंतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध को प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless. उत्त० १३, २; ६; (२) परदेशी राजनेता सारथी के जेष्ठे राजनेता भण्डिता बाण तथा दत्ता अने जेष्ठे परदेशी राजनेता केशीस्वामी द्वारा धर्म प्रभाषणे तेनुं नाम. प्रदेशी राजा के सारथी जो कि रिश्ते में राजा के बड़े भाई थे और जिसने प्रदेशी राजा की केशी स्वामी द्वारा धर्म दिलाया धारण कराया. the charioteer of king Pradeśī and also his elder brother. He initiated king Pradeśī into religion through Keśiswāmī. मय० १८, २; १०; मय० २०५; निर० १, १; (४) जीव; चैतन. life; soul; vitality. पञ्च० २८; (५) ज्ञान. ज्ञान. knowledge. दगा० ५, ४९; —अणुय. वि० (अनुय) श्रीमन्ना-आचार्यना चित्तने अनुसरणी वर्त्तनाः स्वच्छन्दचारी नाहि ते. आचार्य के चित्त की अनुसरता हुवा जो आचरण करता है वह; स्वच्छन्दचारी नहीं है वह. (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor. उत्त० १, १३; —चमक. न० (-चमकृति) चित्तनेो अम-त्तरः मनमां आश्चर्ये उच्ये ते चित्त का चमत्कारः चित्त में आश्चर्य उत्पन्न होना. extra-ordinary things of mind. मच्छा० १७४; —शास्त्र. पुं० (-न्यास) भवतो न्यासः ध्यान आपवृत्ति; विचारवृत्ति ते. चित्त का न्यासः ध्यान देना; विचार करना. meditation; contemplation. पंचा० १, ४६; —थेज्ज. न० (-स्थैर्य) भवती

स्थिरता. चित्त की स्थिरता. calmness or peace of mind. पंचा० २, ७; —वद्धण. त्रि० (-वर्धन) चित्त-ज्ञानने पधारना२. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा० ६, ३१; —विण्णास. पुं० (-विन्यास) भूतनो विन्यास-स्थिर चित्ते चित्तवत्तुं ते. चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तन करना. meditation with calmness of mind. पंचा० १, ४७; —विब्भम. पुं० (-विभ्रम) चित्तविभ्रम; धेवता. चित्तविभ्रम; पागत्तपन. derangement of mind; insanity; madness. ओष० नि० ६८८; —संभूय. पुं० (-संभूत) चित्त अने संभूत-नामना भे मुनि. चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि. two sages named Chitta and Sambhūta. उत्त० १३, ३; —समाहिअ. त्रि० (-समाहित) चित्त (ज्ञान) में सावधान. चित्त (ज्ञान) में सावधान. attentive or awake to knowledge. दस० १०, १, १; —समाहित्थाण न० (-समाधिस्थान) चित्तली समाधिनुं स्थान. चित्त की समाधि का स्थान. a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा० ५, १; २; ३; १६;

चित्त. न० (चित्र) चित्तरामणु; ज्ञप्ती; इति; चित्र. चित्रकाम; चित्र; तस्वीर. Picture; portrait. नाया० १; भग० १४. ६; अणुजो० १०; पञ्च० २; राय० ४३; ओव० सू० प० २०; विशेष० ४६०; विवा० ६; निक्षी० ५, ३१; तंदु० (२) त्रि० विचित्र. नाना प्रकारनुं. विचित्र; विविध प्रकार का. varied; wonderful; several; distinct. कप्प० ३, ४२; गच्छा० ११२; पंचा०

५, २; भग० १६, ६; उत्त० ६, ११; ३०, १०; राय० ८१; विशेष० ३८७; (३) पुं० चित्तरो; ओक जंगली मांसाहारी पशु. चीता; एक जंगली मांसाहारी पशु. leopard; a carnivorous or flesh-eating beast. आण० २, १, २, २७; नाया० ८; (४) आश्चर्यकारी; नयाअ जेतुं. आश्चर्यकारक wonderful; uncommon. पञ्च० २; कप्प० ३, ३७; पंचा० ५, २; (५) चित्र नामनो ओक पर्वत. चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग० १४, ८; (६) वेणुदेव अने वेणुदालि छंदना लोकपालनुं नाम. वेणुदेव व वेणुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the god of Venudeva and Venudāli Indra. ठा० ४; १; (७) भूतानेन्द्रना प्रथम लोकपालनुं नाम. भूतानेन्द्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Bhūtānendra. भग० २, ८; १०, ५; —कम्म. न० (-कर्मन्) चित्रनुं (चित्रवानुं) काम. चित्र-काम. a pictorial work. आण० २, १२, १७१; भग० ११, ११; नाया० १; १३; पि० नि० भा० ७; पि० नि० ४४६; निक्षी० १२, २०. कप्प० ३, ३२; —कार पुं० (-कार) चित्र करनार; चित्तारो. चित्र-कार. painter; draftsman. अणुजो० १३१; —घरग. न० (-गृह-क) चित्तरेनुं घर; रंगीत घर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह; रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures. उत्त० ३५, ४; राय० १३६; —ताण. पुं० (-तान) चित्र विचित्र ताणो-वस्त्रनो दांथो तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्त्र का लंबा तंतु. a variegated or parti-coloured thread; a long

thread of a cloth. भग० ११, ११;
—दंड. पुं० (—दण्ड) रंगेली लाकड़ी.
रंगी हुई लकड़ी. a painted stick.
भग० ६; ३३; —पक्षत्र. पुं० (—पत्रक)
चित्रपत्रक; चित्रविचित्र पांखवाला. योद्ध्रिय
शुव विशेष. चित्रपत्रक; विचित्र पांखवाला
चतुरान्द्रिय जीव विशेष. a kind of four-
sensed living-being with parti-
coloured wings. उत्त० ३६, १४७;
—पद्मजुय. त्रि० (—पद्मयुक्त) विचित्र
पद्मजुं. पद्मयुक्त; विचित्र पद्मवाला. (one)
possessed of wonderful feet.
पंचा० १६, ३६; —प्रहार. पुं० (—प्रहार)
आपआ वगेरेने विचित्र प्रहार-मार. चाबुक
इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार. a won-
derful stroke or blow of a lash
etc. नाया० १७, —फलक. न० (—फलक)
चित्रनुं पाटीयुं. चित्र का तखता. a paint-
ing-board or sheet “ चित्तफलक
हृथागए ” भग० १२, १; नाया० ८;
—भित्ति. स्त्री० (—भित्ति) चित्ररेख भित्ति.
चित्र से सजित भित्ति. a pictured wall.
दस० ८, ५५; —माणंदिय. त्रि० (—आन-
न्दित) जेनुं चित्त आनन्दवायुं छे ते;
प्रसन्न मनवायुं. जिसका चित्त आनंदयुक्त हो
ऐसा; प्रसन्न चित्त. (one) possessed
of jolly or gay mind. नाया० १;
जं० ५० ३, ४३; —माला. स्त्री० (—माला)
विचित्र माला. विचित्र माला. a variega-
ted garland. “ सोहंत विकसंतचित्त-
माला ” दसा० १०. १; —रत्न. न०
(—रत्न) चित्ररत्न-विचित्र जगतना रत्नो.
चित्ररत्न-विचित्र जाति के रत्न. various
kinds of jewels. भग० ६, ३३;
—रत्नहरण. न० (—रजोहरण) चित्र
विचित्र रजोहरण. चित्र विचित्र रजोहरण.

a wonderful broom-stick. गच्छा०
१२१; —रुव. न० (—रुव) विचित्र रूप.
विचित्र रूप. a wonderful appear-
ance or form. गच्छा० ११२; —वि-
चित्तपक्षग. पुं० (—विचित्रपक्षक) चित्र
विचित्र पांखवाला; डायलो. चित्र विचित्र
पंखवाला. (one) possessed of parti-
coloured wings भग० १६, ६;
—वीणा. स्त्री० (—वीणा) विचित्र
वीणा-सतार. विचित्र बाना (वीणा)
सितार. a wonderful guitar with
six strings. राय० ८८; —सभा. स्त्री०
(—सभा) चित्रवादी-आश्चर्यकारी सभा.
चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extra-
ordinary meeting. पि० नि० ८०;
नाया० ८, १३; —शाला. स्त्री० (—शाला)
चित्राभलु शिष्यानी शाला; चित्रशाला.
चित्रकाम सीखने की शाला; चित्रशाला.
a school of arts or painting.
जीवा० ३, ३;

चित्त. पुं० न० (चैत्र) चैत्र महिने. चैत्र
मास. Name of a Hindoo month
called Chaitra. उत्त० २६, १३; नाया०
५; भग० ११, ११; ओष० नि० २८३; जं०
५० २, ३३; ५. ११५; ५, १२०; कण्ठ० ४,
६६; ७, २०८;

चित्तउत्त. पुं० (चित्रगुप्त) चित्रगुप्त जम्बू
द्वीपना लरतभंडमां धनार १६मा तीर्थंकर.
चित्रगुप्त-जम्बूद्वीप के भरत खंड में होने
वाले १६वें तीर्थंकर. The 16th
would-be Tirthankara in
Bharata Khanda of Jambu
Dvipa. सम० ५० २४१;

चित्तंग. पुं० (चित्रांग) रंग भेरींगी पुल
आपनार-डह्य पुल. विविध रंग के फूल
देनेवाला-कल्पवृक्ष. (One) yielding

flowers of various colours; a desire-yielding tree. सम० १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३; प्रब० १०८१; (२) यितरानी ओक जलत; हिसक पशुनी ओक जलत. एक जाति का चीता; हिसक पशु की एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast. पञ्च० १;

चित्तकटर. न० (*) सुउत्तानु नीयतुं तणीयुं (चित्त-सुउत्तो-३३२-३३३). टोकरा के नीचे का तला; चित्त-टोकरा-कटर-टुकड़ा. Lower part of a basket. अणुत्त० ३, १;

चित्तकणगा ब्रा० (चित्रकनका) विदिशाना रुचक पर्वत उपर रहनेवाली आर दिशाकुमारी-डामांनी थीं। विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी. The second of the four Diśākumārīs living on the mountain called Ruchaka of Vidiśā. जं० प० ५, ११४; (२) लयवन्तना जन्म समये दीवी लहने उभरी रहने वाली ओक विद्युत्कुमारी. भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खड़ी रहने वाली एक विद्युत्कुमारी. a Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tirthankara's birth. ठा० ४, १;

चित्तकूट. पुं० (चित्रकूट) कच्छ विजयनी पूर्व सरहद उपरने वखारा पर्वत. कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain on the eastern boundary of

Kachha Vijaya. जं० प० ६, १२५; (२) देवकुरु क्षेत्रमां निषध पर्वतथी ८३४ ज्येष्मने सातीया आर बाग उत्तरे सीता नदी ने पूर्व डांडे आवेन ओक पर्वत. देवकुरु क्षेत्र में निषध पर्वत से ८३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में साता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sitā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Nisadha mountain in Devakuru Kṣetra. जं० प० (३) जम्बू द्वीपमा मेद्वी पूर्व दिशामां पड़ोसी सीता महानदीना उत्तर डांडा उपरने ओक वखारा पर्वत. जम्बू द्वीप के मेरु से पूर्व दिशा में पड़ोसी सीता महानदी के उत्तर किनारे ऊपर का एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river Sitā in the east of Meru mountain of Jambu Dvīpa. ठा० ४, २;

चित्तग पुं० (चित्रक) यितरेश; पशु विशेष. चीता; पशु विशेष. A leopard; a kind of brute. जं० प०

चित्तगर पुं० (चित्रकर) यितरेश चित्रकर-नार. चित्रकार. A painter. नाया० ८; --दारय. पुं० (-दारक) यितरेश पुत्र. चित्रकार का पुत्र a painter's son. नाया० ८; --लद्धि. ब्रा० (-लद्धि) यित्र आयेजवानी शक्ति. चित्र का आलेखन करने की शक्ति. power or capacity

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखें पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of drawing picture. नाया० ८;
--सेणि. स्त्री० (-अ्रेणी) चित्ताराम्योनी
पंडित. चित्रकारों की पंक्ति. a line of
painters. नाया० ८; —चित्तगुप्त. पुं०
(-चित्रगुप्त) चित्रशुभ नामे भरत क्षेत्रमां
आवती चोवीसीमां थनार १६मा तीर्थंकर.
चित्रगुप्त नामक भरत क्षेत्र में आगामी
चौवासी में होने वाले १६ वें तीर्थंकर.
Chitrugupta, the 16th of the
24 would-be Tirthankaras of
Bharat Ksetra. प्रव० २६६; ४७१;

चित्तगुप्ता. स्त्री० (चित्रगुप्ता) चमरेंद्रना
लोकपालनी त्रींश अग्रमहिषी देवी. चमरेंद्र
के लोक पालका तृतीय अग्रमहिषी देवी.
The principal queen of the 3rd
Lokapala of Chamarendra.
ठा० ४, १; भग० १०, ६; (२) दक्षिण
दिशाना रुचक पर्वत पर वसनारी आठ
दिशाकुमारीनामांनी सातमी. दक्षिण दिशा
के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा
कुमारी में से सातवीं. the seventh of
the eight Disā Kumārīs resi-
ding on the Ruchaka mountain
of the southern direction.
जं० प० ११४;

चित्तरणु. पुं० (चित्तज्ञ) भन्ने ज्ञानुत्तर.
मन का जाननेवाला. (One) who
reads the heart. विशेष० ६३७;

चित्तपक्व. पुं० (चित्रपक्ष) वेणुदेव अने
वेणुदासी इन्द्रना लोकपालनुं नाम. वेणुदेव व
वेणुदासी इन्द्र के लोक पाल का नाम.
Name of the Lokapala of
Venudeva and Venudāli
Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८; (२)
चार धन्दिप्रयासो अेक शुच. चार इन्द्रिय-
वाला एक जीव. a four-sensed living

being. पक्ष० १;

चित्तमंत. त्रि० (चित्तवत्-चित्तं जविलक्षणं
तदस्यास्ति) सचित्त; सशुच वस्तु. सचित्त;
सजीव वस्तु. A living being or
thing. उत्त० २५. २४; सूय० १, १, १,
२; आया० १, ५, २, १४८; सम० २१;
दसा० २, १८; दस० ४; ६, १४; निसी०
७, २२;

चत्तरस. पुं० (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा
मधुराः सपद्यंते यस्मात्) विचित्र रसना
भोजन-आद्य पदार्थ आपणार इत्यवृत्त.
विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला
कल्पवृक्ष. A tree yielding eatables
and diet of various tastes. प्रव०
१०८१; सम० १०; ठा० ७, १; जीवा०
३, ३;

चित्तल. पुं० (चित्रक) जंगली पशु; चित्तरो.
जंगली पशु; चीता. A wild beast; a
leopard. जीवा० ३, ३; (३) त्रि० विचित्र
रंगजुं. क्षय्यरयितुं. विचित्र रंगका; कबरा.
variagated; parti-coloured.
गच्छा० १२०; —अंग. त्रि० (-अंग)
क्षय्यरयितुं. अंगवाजुं. कबरे अंगवाला.
(one) having various colours.
जं० प० २, ३६; भग० ७, ६;

चित्तलय. त्रि० (चित्रक) रंग अेरंगी;
अनेक रंगनुं. विविध रंगका; अनेक रंगका.
Of various colours. ओष० नि० ७३५;

चित्ताल. पुं० (चित्रलिन्) मुकुलि सर्प
इत्ये-चित्तल- नामथी ओषध्याय छे.
मुकुलित सर्प कि जो-चितल- नाम से पहि-
चाना जाता है. A kind of serpent.
पक्ष० १;

चित्ता. स्त्री० (चित्रा) चित्रा नामनुं नक्षत्र.
चित्रा नामक नक्षत्र. A constellation
of this name. “ दो चित्ताओ ” ठा०

२, ३; अणुजो० १३१; सम० १; ठा० १, १; नाया० १; सू० प० १०; कप्प० ६, १६६; (२) पहिला देवलोकना ईन्द्र-शकुना लोकपाल मोमनी त्रीणि पट्टराणी. पहिले देवलोक के इन्द्र-शक के लोकपाल सोम की तृतीय पट्ट-रानी. the third principal queen of Soma, the Lokapāla of Śakra, the Indra of the first heavenly region. ठा० ४, १; भग० १०, २; (३) भगवन्तना जन्म वप्पते दीवे दम्भते उक्की रहेनार ओक विद्युत्कुमारी देवी. भगवन्त के जन्म समय दीपक लेकर उर्पास्थित रहनेवाली एक विद्युत्कुमारी. a heavenly dam- sel who stands with a lighted lamp held in a hand at the birth time of a Tirthankara. ठा० ४, १; (४) विदिशाना इयक् पर्वत उपर रहेनारी चार दिशा कुमारीमांनी पहिली. विदिशा के दक्षक पर्वत ऊपर रहने वाली चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first of the four Disākumāris resi- ding on the Ruchaka mount in an oblique direction. जं० प० ७, १४५; ४, ११४;

चिन्तामूलक पुं० (चिन्तमूलक) नीच्या रस- वाणी ओक जलनी वनस्पति. ताँक्षण रस- वाली एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation having pun- gent taste. पञ्च० १७;

चित्रार पुं० (चित्रकार) चित्तारे. चित्रकार; चित्तेरा. An artist; a painter. पञ्च० १;

चित्ति त्रि० (चित्रिन्) चित्रदार; चित्तारे

चित्रकार. An artist; a painter. क० गं० १, २३;

चित्रिअ-य त्रि० (चित्रित) चितरेखुं. चित्र काम किया हुआ. Pictured; paint- ed. कप्प० ३, ३२; भत्त० १०६;—तल- न० (-तल) चितरेखुं तलीयुं. चित्र काम किया हुआ तला. a painted floor. कप्प० ३, ३२;

चिअ वि० (चाँय) आचरेल; पायेल. आचरण किया हुआ; पाला हुआ. Adopt- ed. सूय० १, ३, २, १८; पि० नि० २६७; (२) जेमां ओक वप्पत ज्वायुं होय तेवे प्रदेश. जिसमें एक बार जाना हुआ हो वह प्रदेश. the part of a country which is once visited सू० प० १;

चिपिड त्रि० (चिपिट) चपटुं. चपटा; बेटा हुआ. Flat. नाया० ८;

चिमिड त्रि० (*चिपिट) चपटा नाकवायुं. बेंटेहुए नाक वाला; चपटा. (One) hav- ing flat nose. “चीलाचिमिडवासाओ” नाया० १: ८; १० नि० ४१८;

चिय त्रि० (चित) उपचय-वृद्धि पामेल. उपचय-वृद्धि प्राप्त Increased; risen. ल० १, ६; पि० नि० ४०५;

चियगा ज्ञा० (चिता) चिता; ये. चिता; A funeral pyre. राय० अंत० ३, ८; **छचियत्त** त्रि० (*) प्रेम उपगदवनार; लोकप्रिय. प्रेम उमज करनेवाला; लोकप्रिय. Liked by the public; popular. आव० ४०; भग० २, ४; राय० २२५; दस० ५, १, १७;

चियत्त त्रि० (त्यक्त) तजेखुं; छोड़ेखुं. त्याग किया हुआ; छोड़ा हुआ. Abandoned.

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

श्रोव० १८; कण्ठ० ५, ११४; —देह. त्रि०
(—देह—देहस्यकोवचबन्धाद्यावरणाद्देहोयेन)
तन्नेल छे देह (शरीर) नुं भभत्व (शुश्रू-
पादि नेछे ओवुं. त्याग किया है देह (शरीर)
के समत्वको (शुश्रूषादि) जिसने ऐसा.
(one) who has ceased from
taking care of one's own body
भग० १०, २; दसा० ७, १; वच० १०, १;

च्रिया क्षा० (चिता) यिता; येद. चिता; वेह.
A funeral pyre. उत्त० १६, ४७;
सु० च० १३ २४; सग० १, १;

च्रियाग. पुं० (त्याग) त्याग. त्याग.
Abandonment. ठा० ५, १;

च्रिया पुं० (त्याग) त्याग करने ने. उपाधि
का त्याग करना Abandoning. ठा०
५, १; नाया० १०;

चिर न० (चिर) प्राप्ति वपतः धञ्जा क्षल.
लंबा समय; दीर्घ काल. Long time.
श्रोव० ३४; भग० १, ६; ३, ७; नाया० १;
२, ४; ८; —अनुगत. त्रि० (अनुगत)
चिरकाली अनुगत; अद्वयरी. चिरकाल से
अनुगत—गहचारी of a long stand-
ing. भग० १४, ७; —अनुवन्ति. क्षा०
(—अनुवन्ति) धञ्जा वपतथी अनुवृत्त रति.
बहुत समय से अनुकूल द्वांत. favourable
disposition from a long time.
भग० १४, ७; —उद्वलन. न० (उद्वलन)

क्षांता वपतथी उद्वलन—कर्मना वग उन्म-
लवे ने. दीर्घ काल की उद्वलन—कर्म का
उल्लास मुल्लाना. forcing the
Karma into maturity क० प०
७, ४२; —गय. त्रि० (गत) धञ्जा

वपतथी अयेछुं. बहुत समय से गया हुआ.
gone from a long time. नाया०
१६; —कुसिध. त्रि० (—कुसिध) चिर-
क्षालथी परिसेवित. चिरकाल से परिसेवित.

practised from a long time. भग०
१४, ७; —उद्दि. क्षा० (—स्थिति) धञ्जा
वपतथी स्थिति; क्षांता आयुष. बहुत
समय तक स्थिति; दीर्घायुष. long dura-
tion of life. भग० २, ५; क० प० ४,
३८; —त्यमिध. त्रि० (—अस्तमित)
धञ्जा वपतथी अदृश्य थयेछुं. बहुत समय से
ओ अदृश्य हुआ है वह. invisible from
a long time. नाया० ६; —स्थिध. त्रि०
(—स्थित) धञ्जा क्षल रडेछुं. बहुत समय
तक रहा हुआ. long lived. दसा० १०,
३; —परिचित. त्रि० (—परिचित)
क्षांता वपतथी परिचित धञ्जा. बहुत समयसे
परिचित वाला. familiar from a long
time. भग० १४, ७; —राय. न० (—राय)
धञ्जा वपतः क्षांता क्षांता; लवच्छुं. सुधी.
बहुत समय; दीर्घ काल. for a long
time; up to death. आया० १, ६,
३, १८५; सय० १, २, ३, ६; —संयुत.
त्रि० (—संयुत) क्षांता वपतथी स्तुति कर-
येछुं. बहुत समय से स्तुति किया हुआ.
praised from a long time. भग०
१४, ७; —संसिद्ध. त्रि० (—संसिद्ध) धञ्जा
वपतथी मयेछुं—संयधमां आवेछुं. बहुत
समय से मिला हुआ—संबंध में आया हुआ.
in contact from a long time.
भग० १४, ७;

चिराद्विध. त्रि० (चिराद्विध) धञ्जाक्षांता
वपतथी नेनी शश्र्वात दीय ते. बहुत दीर्घ
काल से जिकका प्रारंभ हो वह. (Some-
thing) begun from a long
time. श्रोव०

चिराईय. त्रि० (चिराईय) धञ्जा पुरातनी;
लवु प्राचीन. बहुत पुरातन, अति प्राचीन.
Very old; भग० १४, १; विवा० १;

चिराधाय त्रि० (चिराधाय) धञ्जा वपतथी

धोयेलुं. बहुत समय पहिले धोया हुआ.

Washed a long time before. दस०

२, १, ७६;

चिलार्पुत्त. पुं० (चिलार्पुत्त) राज-
गृह निवासी धनाशा शेठनी चिलार्पुत्त नामे
दासीने. पुत्र-ज्ञाता सूत्रमां प्रसिद्ध छे. राज-
गृह निवासी धनाशा शेठ की चिलार्पुत्त नामक
दासी का पुत्र-ज्ञाता सूत्र में प्रसिद्ध है. The
name of the son of Chilāti,
the maid of Dhanāśā, a resi-
dent of Rajagriha. भक्त० ८८;
नाया० १८; संस्था० ८५;

चिलार्पुत्तिया. स्त्री० (किराती) किरात देशमां
उत्पन्न थयेत दासी चिलार्पुत्त-किरात देश में
उत्पन्न दासी. A maid born in
the country named Kirāta
भग० ६, ३३; नाया० १; दया० १०, १;

चिलार्पुत्ती. स्त्री० (किराती) किरात नाममा
अनार्य देशमां उत्पन्न थयेत दासी किरात
नामक अनार्य देश में उत्पन्न दासी. A
maid born in the Anārya
country named Kirāta. जं० ५०

चिलार्पुत्त. पुं० (किरात) धन. सार्थवाहने
अेक दास के के उद्धत थय चार अन्यो छेय
चार हत्या करी, पैराय पायेय अने दीक्षा
लीधी अने आत्म श्रेय साधेय. धना सार्थवाह
का एक दास कि जो उद्धत होकर चार
बना, अंत में चार हत्या कर, पैराय
को प्राप्त कर दीक्षा धारण की व आत्मश्रेय
का साधन किया. An attendant of
Dhannā Sārthawāha. He
became a thief, committed four
murders but then realised his

self and got initiated. विशेष० २७६६.

नाया० १८; (२) भेदः ७. लीहलनी अेक जन.

म्लेच्छ; भाइकी एक जाति. A class of

aborigines. जं० ५० पण० १, १;

(३) किरात देशमां रहेनार. किरात देशमें

रहेनवाला. one living in Kirāta

country. नाया० १८; पण० १;

—तक्कर. पुं० (तक्कर) भिक्षु जनितो.

येर. भिक्षु जानिहा चोर. a thief of

Bhalla caste नाया० १८; —दास. पुं.

(-दास) अे नामनो अेक धनासार्थवाहने

दास-नोकर. चिलार्पुत्त नामक एक धनासार्थवाह

का दास-नोकर. an attendant of

Dhannā Sārthawāha. नाया० १८;

चिल्लिग. त्रि० () अशुचि; अपवित्र. अशाच;

अपवित्र Impure; unholy. आच०

नि० १६६; जांवा० ३, १;

चिल्लिमिली. स्त्री० () पडदे; ढांकनं पत्र.

परदा; ढांकन का वस्त्र A curtain; a

cloth used as a curtain आच० नि०

१६७;

चिल्लिमिलिगा. स्त्री० () लुओ

“चिल्लिमिली” शब्द. देखो “चिल्लिमिली”

शब्द. Vide. “चिल्लिमिली” सूय० २, २, ६८;

चिल्लिमिलिया. स्त्री० () देरी; देरदी.

रस्सी; डोरी. A string वय० १, १८;

चिल्लिमिली. स्त्री० () पडदे; अक्ष.

परदा; वस्त्र A curtain. आया० २, २.

३, ८८; आच० नि० ७८;

चिल्लिग. त्रि० () देदीप्यमान; प्रकाश-

मान. देदीप्यमान; प्रकाशमान. Lustr-

ous; shining. नाया० १८; पण० २;

चिल्लडय. पुं० () सोडी; अेक

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जंगली जनावर. लोमड़ी; एक जंगली पशु.

A jackal. आया० २, १, ६, २७;

चिह्नलया. स्त्री० (चिह्नलया) श्रेष्ठिक राज्ञी पट्टाक्षी नाम. श्रेष्ठिक राजा की पट्टाक्षी का नाम. The name of the principal queen of the king Srenika, भग० १, १;

चिह्नलया. त्रि० (*) अगस्त्यः देदीप्यमान. चमकता हुआ; देदीप्यमान. Shining. पगढ़० १, ४;

चिह्नल. पुं० न० (चिह्नल) जल मिश्र क्षयस्थान स्थान. जल मिश्र कीचड़ वाला स्थान. A spot with mud and water mixed together. भग० १, ७; पञ्च० २, नाया० १; पुं० चिह्नल देशने रक्षीस. चिह्नल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chihvala. पगढ़० १, १; पञ्च० १; (३) ये अरीयाजे जंगली जनावर; जिनसे दो खुर वाला जंगली जानवर. a wild animal having two hoofs. पगढ़० १, १; नाया० १;

चिह्नलग पुं० (चिह्नलक) ये अरीयाजे जंगली पशु सायरे रेश्ठ रेश्ठे. बारहसोंगा; दो खुर वाला जंगली पशु. A two-hoofed wild animal viz elk etc. भग० ६, ३४; जीवा० ३, ३; पञ्च० १, ११; जं० प० २, ३६;

चिह्नित. त्रि० (*) सुशोभित; प्रदीप्त. सुशोभित, प्रदीप्त. Adorned; bright. सू० प० २०;

चिह्निय. त्रि० (*) दीप्त; दीपतुं दीप्त; प्रकाशित. Shining; bright. ओष० २४; भग० ६, ३३; जीवा० ३, २;

—तल. न० (-तल) देदीप्यमान भूमिनुं तली थुं. देदीप्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया० १; भग० १, ११;

चिह्नी स्त्री० (चिह्नी) ये नामनी लीली वनस्पति. इस नामकी हरी वनस्पति. A kind of green vegetation. पञ्च० १;

चिहुर. पुं० (चिहुर) केश; धातु. केश; बाल. Hair. सु० च० १, १;

चीण पुं० (चीन) चीन-देश. चीन देश. China. (२) त्रि० चीन देशने रक्षीस. चीन देश का रहने वाला. a resident of China. प्रव० १२६८; जीव० ३, ३; पगढ़० १, १; पञ्च० १; (३) त्रि० चीन; अधु छोटा. small नाया० ८; —अंसुअय न० (-अंसुअ) चीन देशने अनापटनुं रेशमी पत्र. चीन देश की बनावट का रेशमी वस्त्र. China-silk. आया० २, ५, १८५; भग० ६, ३३; दमा० १०, १; (४) चीन देशने दीप्यमाने वायथी उत्पन्न थुं सूत्र; रेशम. चीन देश के कीड़ों की राल से उत्पन्न तार; रेशम. a sort of silk-thread got from the saliva of a certain insect in China. अणुजो० ३७;

चीणपिट्ट पुं० (चीनपिट्ट) सिन्दूर. सिन्दूर. Red lead. राय० २३; (२) दिगलो. दिगलू. vermilion. पञ्च० १७; चीणपिट्ट. पुं० (चीनपिट्ट) दिगलो. दिगलू. Vermilion जीवा० ३, ३;

चीर. न० (चीर) वस्त्र; दुग्ध. वस्त्र; कपडा. Clothes. उल्ल० २६, २६; पि० नि० भा० २३; (२) जालनी जालनुं वस्त्र.

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वृक्ष की छाल का वस्त्र. a cloth made of barks. उत्त० ५, २१;

चीरल्ल. पुं० (चीरल्ल) चीरल्ल; पक्षी विशेष. चीरल्ल; पक्षी विशेष. A kind of bird. परह. १, १; —**पोसय. पुं०** (-पोसक , चीरल्ल जनावरने पोषनार-पावनार. चीरल्ल जनावर का पोषण पालन करने वाला. one who keeps or tames a bird named Chirala. निरु० ६, २३;

चीरिंग. पुं० (चीरिंग) शैलीमाँके २२१ भाँ पडेअ चीथरनेओ छुरमेओ जनावरी धारण करनार ओक वर्ग. गली मे किंवा रास्ते में-मार्गमें पड़े हुए चाँथड़े का परदा बनाक धारण करने वाला एक वर्ग. A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street अणुजो० २०;

चीरिय. पुं० (चीरिंग) लुओ " चीरिंग " शब्द. देखो " चीरिंग " शब्द. Vide " चीरिंग " नाया० १५;

चीवर. न० (चीवर) वस्त्र; लु पुं कपडा. A cloth; clothes. ठा० ५, २; भग० २, १; आया० २, ३, २, १२१; निरु० १०, ५३; जं० ५०

चुअ. त्रि० (च्युत) अष्ट थयेअ: अवेअ: भंल्ल पामेअ. अष्ट; मृत्यु प्राप्त. Deceased; fallen; degraded. आया० १, १, १, ३; १, २, ३, १२४; उत्त० ३, १७; ७, ८; १४, १; १६, ८; आं० ३८; सम० ७; जं० ५० ७, १४१; आं० नि० ६२; कण्व० १, १; ३; ४, ६२; इमा० ८, १; नाया० ७; ८; ६; भग० ७, १; सु० ८० १५, ६८; परह० २, ५; विशेष० १६७६;

—**धम्म. त्रि०** (-धर्म) धर्मथी अष्ट; धर्मथी पतित धर्म से अष्ट; धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दसा० ४, १६;

चुआचुअनेणिया. त्रि० (च्युताच्युतभेणिका) च्युता च्युत भेण्णी गल्लना; द्रष्टिवाद-तर्गत परिकर्म्म. ओक भेद. च्युताच्युत भेण्णी गल्लना; द्रष्टिवादतर्गत परिकर्म का एक भेद. A division of Parikarma in Dristivada सम० १२;

चुआचुअनेणियापरिकम्म. न० (च्युताच्युत-भेणिक परिकर्म्म) द्रष्टिवाद-तर्गत परिकर्म्म. सातवो भेद. द्रष्टिवादतर्गत परिकर्म का सातवाँ भेद. The 7th division of Parikarma in Dristivada. नंदा० ५६;

चुआचुआवत्त. न० (च्युताच्युतावत्त) च्युता-च्युत भेण्णीया परिकर्म्म. चौदहवाँ भेद. चुआचुआ साणआ परिकर्म का चौदहवाँ भेद. The 14th division of Parikarma in Dristivada. नंदा० ५६;

चुंचुअ. पुं० (चुंचुक) ओ नामे ओक अनार्य देश. इस नामका एक अनार्य देश. An uncivilised country of this name. प्रव० १२६८;

चुंचुण. न० (चुंचुण) ओक आर्य जाति. एक आर्य जाति. An Aryan race. पञ्ज० १;

चुंचुय. पुं० (चुंचुक) भेद-अनार्य जाति. ओक भेद म्लेच्छ जाति का एक भेद. A sub-division of non-Aryan race. जीवा० ३, ३;

चुंजी. त्रि० (*) ननी कुछ. छोटी कुइयाँ.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

A small well. नाया० १;

चुम्बक. न० (चुम्बन) युष्मन्; युभी. चुम्बन
Kissing; a kiss. प्रव० १०७३;

✓ चुक. धा० I. (भ्रू) युक्ती ऋतुः भुक्ती
ऋतुः भूल जाना To forget; to err.
चुक्कति. गच्छा. ३२;

चुक्क. त्रि० (*) सेकेतुः भुञ्जेतुं भुन
हुआ. Baked; roasted. सु० च० ६, १५;

चुम्ब. त्रि० (चोच) ये. च० भुः पवित्र. शुद्धः
पवित्र Pest; pure, जं० १०

चुचुय. पुं० (चुचक) युयुक् नामतो देश
चुचुक नामक देश. Name of a
country. (२) त्रि० ते देशमां यस्तार.
उय देश में रहने वाला a resident
of the above country. भग० ३,
२; पगह० १, १;

चुचुया. स्त्री० (चुचका) स्तनतो अश्रुभाग.
दीप्ती. स्तन का अग्रभाग चुचुडा. The
nipple or teat of a breast.
जावा० ३, ३;

चुचुय. पुं० (चुचक) स्तनतो दीप्ती. स्तन
का चुचुडा. The nipple of a breast.
राय० १३४;

चुडण. न० (*) भुनं ययुः शरीरं ययुं
पुराना जीर्ण होना; फट जाना. Wearing
out. पिं० १० भा० २५;

चुडालय. पुं० (चुडालक) उन्मादीयानिपे
उन्मादलु इत्यन्ता वदन्ता इत्यापी जायतो
दोषः वदन्ताने अत्राश्रमे देश रजोहरण
शुभाकर वदना करने से जो दोष लगता है
वह; वदना का बलीसर्वा दोष. A fault
incurred by moving a Rajo-
harana (a kind of brush) here

and there while paying res-
pects to an elderly ascetic.
प्रव० १५३;

चुडिली. स्त्री० (*) उन्मादीयुं अग्नि का
प्रकाशना व निस्तज होना. Gleaming of
fire. प्रन० १७६;

चुड्डिल. स्त्री० (*) सणगतो अग्नेो
पूयो. जलताहुआ घांस का पृला. A burn-
ing bunch of hay. भग० ६, ३३.

✓ चुण. धा० I. (चूर्ण) दणतुं पीसतुं. चूर्ण
इतुं पीसना; चूर्णकरना. To pound; to
grind.

चुखिण्डण. सं० कृ० सु० च० २, ४०७;

चुखिण्य. सं० कृ० भग० १४, ८; जावा० ३;

चुण. पुं० न० (चूर्ण) भुङ्क्ताः रेत. चूर्ण.
Powder. पंचा० १३, १५; कप्य० ३, ३२;
पञ्च० १; १०; सू० प० २०, निरी० १३,
४८; (२) ये नामतो गुच्छो-गुच्छ,
वनस्पति. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ,
वनस्पति. a kind of vegetation in
the form of cluster. पञ्च० १; (३)
देशे इत्युरी यजेरे सुगंधि द्रव्यतुं चूर्ण.
केशर कम्पुर्ग इत्यादि सुगंधिमय द्रव्यों का
चूर्ण. a powder prepared of
saffron and other scented
substances परह० २, ४; जावा० ३, ३;
भग० ३, ७; ११, ११; (४) यमत्कारी
चूर्ण; भुङ्क्ती. चमत्कारी चूर्ण, मंत्रित चूर्ण.
a miracle powder. निरी० १३,
४८; ६१; (५) युनं. चूना. lime. विवा०
२: — आरुहण न० (आरुहण) अशीर
केशर यजेरे यद्यत्रां ते. अशीर-केशर
इत्यादिका चढाना, offering of scented

ingredients viz. saffron etc.

नाया० २;—गुडियगास्त. त्रि० (—गुडित-
गात्र) युनाथी परमायना शरीर वाणु
चुने से बिगड़ हुए शरीर वाला; चूना लगे
हुए शरीर वाला. (one) with a body
smeared with lime. विवा० २;
—जुस्ति. क्री० (—युक्ति) अथीर-गुप्त ३
पगेरे यथु अनायवाती युक्ति-विज्ञान; ६४
कलाभांती ओक. अकार-गुलाल इत्यादि चूर्ण
बानने की युक्ति-विज्ञान; ६४ कलाओं में की
एक कला. a method of preparing
a red powder known as
Gulāla. ओव० ४०; नाया० १;—जोय.
पुं० (योग) स्तंभनादि कर्म; सू-विज्ञ.
स्तंभनादि योग. medicine etc. which
lengthen the period of sexual
intercourse. नाया० १४;—वास पुं०
(—वर्षा) यूरु-केसर सिगेरे सुगंधि द्रव्य की
शुष्टि चूर्ण-इत्यादि सुगंधित द्रव्य की शूट
shower of scented things as
saffron etc. नाया० ६; जं० प० ५. १२१;

चुरणय पुं० (चूर्णक) युतो चूना. Lime
विवा० २;—पेसिया क्री० (—पषिका) यूरु
पीसखारी दासी. चूर्ण पीसने वाला दासा. a
maid who works as a pounder.
भग० ११, ११;

चुरिणय-य. त्रि० (चूर्णित) युरे युरे करेव;
यूरु थयेव चूर्ण किया हुआ, चूर्ण चूरत.
Pounded; reduced to atoms.
उक्त० १६, ६८; नाया० १;

चुरिणगामाग. पुं० (चूर्णिकाभाग) भागने
पक्ष भाग; अशने अश. भागका भी भाग.
A division of a division जं० प०

७, १२४; १२३;

चुरिणयाभेद. पुं० (चूर्णिकाभेद) लुभ्यो
उपलो १७६ देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. पक्ष० ११;

चुत. त्रि० (च्युत) दश प्रकारना प्राथुथी
अष्ट थयेव; प्राथुरहित अनेवु दश प्रकार के
प्राणों में अष्ट; प्राणरहित बना हुआ. Life-
less अणुजा० १६; भग० १, १;

चुज. पुं० (चूर्ण) गाहु. यूरु के ने भायुस
उपर नाथयथी हर्ष-शोकने वश थाय.
जादूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालने में
हर्ष-शोक के वश हो. A miraculous
powder which subjugates a
man when thrown upon him.
पि० नि० ४०६; (२) आटे; लेट. आटा.
flour मू० च० ३, २०७; प्रव० २७४; (३)
यूरु; लुकेडा. चूर्ण powder. प्रव० २७४;

चुजग. पुं० (चूर्णक) सेवई-सुरभन्दि यूरु.
गुरवा; मरमाद चूर्ण. Colirium etc.
in a powdered form. निर० ३, ४;

चुमी क्री० (चूर्णा) यूरु; लुकेडा; लेट.
चूर्ण, आटा. Powder. पि० नि० २४०;

चुग्यालय. पुं० (*) विजय नामना देव अथवा
अथ लो. २ पक्ष ५२ विजय नामके देवका
अयुधालय-शस्त्र रखने का गृह. A place
for keeping weapons belonging
to the god Vijaya. जीवा० ३, ४;

चुलणी. क्री० (चुलना) इपितपुत्रा राजनी
राणी; अम्बदन नामना आरमा अडतीनी
माता. कम्पिलपुरके राजा की रानी; अम्बदन
नामक वारवें चक्रवर्ती की माता. The
name of the queen of the king
of Kampilapura. उवा० १, २;

* लुभ्यो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उत्त० १३, १; सम० प० २३४; जीवा० ३;
बुलसी. स्त्री० (चतुरशीति) येराशी; ८४.
चौराशी; ८४. Eighty-four. प्रब० ८;
बुलसी. स्त्री० (चतुरशीति) येराशी; ८४.
चौराशी की संख्या; ८४. Eighty-
four. क० गं० ६, ५३; भग० २०, १०;
६२, १; नाया० ८; सू० प० १; —सम-
जिय. पुं० (-समजित) येराशीनी
संख्यायी संगृहीत-भाज्य थाय ते. चौराशी
का संख्या से संगृहीत भाज्य होवे वह a
sum which can be divided
by eighty-four. भग० २०, १०;

* बुल. त्रि० (*) न्दुनुं लघु. छोटा;
लघु. Small; tiny. पञ० १६; जं० प०
उवा० १, २; —कृष्णसुअ. न० (-कृष्ण-
सूत्र) २६ उक्तात्रिंशत्मानु त्रीणि. २६
उत्कालिक मे स तामरा. the third of
the 29 Utkālīka. (Sūtras).
नंदा० ४३; —पितृअ. पुं० (-पितृक)
पितृना नाते भातः कृडा. पिता का छोटा
भाई; काका. uncle; the younger
brother of a father. “ अजण पजण
वावि वणो बुलपितृनि य ” दम० ७, १८;
—माउ. स्त्री० (-मातृ) जुआ “ बुल-
माउया ” २०६ देखा “ बुलमाउया ”
शब्द. vide “ बुलमाउया ” नाया० १;
—माउया. स्त्री० (-मातृका) आरम्भ
भाना. मैतेली माता. step mother
“ कृणियस्सरयणो बुलमाउया ” अंत० ८,
१; निर० १, १; विवा० ३;

बुलस. पुं० (*) आतः आराध. भातः
खुराक. Food. पि० नि० ८४;

बुलसीदेवी स्त्री० (बुलसीदेवा) द्रुपद राजनी

बुलसी नामनी देवी (राणी). द्रुपद राजा
की बुलसी नामकी देवी (रानी). Name
of the queen of the king
Drupada. नाया० १६;

बुलसपग. न० (बुलसतक) बुलसतक
नामनी महावीर स्वामिनी ओ३ श्रावक;
१२ श्रावकभाति ओ३. बुलसतक नाम का
महावीर स्वामी एक का श्रावक; दस श्रावकमेंसे
एक. One of the 10 layman fol-
lowers of Mahāvīra. उवा० १, २;

बुल्ल हिमवन्त. पुं० (बुल्ल (बधु) हिमवन्त)
भरत क्षेत्रनी मर्यादा आधनार परंत; भरत
अने हिमवन्त जुहुं पाडनार (येनी पञ्च
आवेत्त) परंत. भरत क्षेत्र की मर्यादा
बांधने वाला पर्वत. A mountain
bounding the limit of Bharata
Kṣetra. जीवा० ३, ३; सम० ७; भग० ६.
३; जं० प० २, १२०; ११८; १; १०; पञ०
१८; उवा० १, १४; —कूड. (-कूट) बुल्ल
हिमवन्त परंत उपरता अगीयार कूटमानुं
तीनुं कूट; शिपर बुल्ल हिमवन्त
पर्वत के ग्यारह कूटमें से द्वितीय कूट-शिखर.
the second out of 11 summits
of the mountain Chullahima-
vanta. हा० २, ३;

बुल्ल हिमवन्ता. स्त्री० (बुल्ल हिमवन्ती)
बुल्ल हिमवन्त गिरि इमार देवतानी राज-
धानीनुं नाम. बुल्ल हिमवन्त गिरि कुमार
देवताकी राजधानी का नाम. Name of
the capital city of the god
Chulla Himavantagirikumāra.
जं० प०

बुल्ली. स्त्री० (बुल्ली) बूझडी; बूझी; न्दानो

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

यूथो. चूल्हा; छोटा चूल्हा. A small stove. पि० नि० २४६; जीवा० ३, १; उवा० २, ६४;

चूअ-य. पुं० (चूत) आंशु नुं वृक्ष. आम का वृक्ष. A mango tree. विशेष० ३३; १७२४; सु० च० ६, ६४; तंड० ६; (२) सूर्याभिना आश्रयनने रक्षक देता. सूर्याभ के आश्रयन का रक्षक देवता. the guardian deity of the mango forest of Sūryābha. जं० प० ५, १२२; राय० १४०; जीवा० ३, ४; (३) ओ नामनी लता. इस नाम की लता. A name of a creeper. पञ० १; — लया. स्त्री० (-लता) आंशानी लता-अंश. आश्रयता. (आम की लता) a mango creeper. श्रव० — वण. न० (-वन) सूर्याभ विमानता उत्तर दरवाजे की ५०० योजन की पर आवेक्ष आंशानु ओक वन के ओ साठ पर ६५२ योजन लंबु अने पांचसे योजन पड़ेणुं छे. सूर्याभ विमान के उत्तर दवाजे से ५०० योजन पर आया हुआ आम का एक वन कि ओ साठे बागह योजन लम्बा व पांच सौ योजन विस्तृत है. a mango forest 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २; निसी० ३, ८१; राय० १२६; भग० १, १; अणुजो० १३१;

चूडामणि. पुं० (चूडामणि) युजमणि; भुगट. चूडामणि; मुकुट. Crown; diadem. उल० २२, १०; नाया० १; पञ० २; जीवा० ३, ३;

चूण्यकोस. पुं० (चूण्यकोश) आयातो पदार्थ. खाद्य पदार्थ. Eatable. पण० २, ४;

चूयगवडिस. न० (चूतकावतंसक) ओ नामनुं ओक ध्वजुं विमान. इस नामका एक इन्द्रका विमान. A Name of an abode of Indra. राय० १०३; भग० ३, ७;

चूयवडिसा. स्त्री० (चूतावतसा) सौधर्मेन्द्रनी अश्रमादीपी देवानी राजधानी. सौधर्मेन्द्र की अश्रमादीपी देवा की राजधानी. The capital city of the principal queen of Sudharmendra. ठा० ४, २;

चूया. स्त्री० (चूता) सौधर्मेन्द्रनी अश्रमादीपी-नी राजधानी. सौधर्मेन्द्र की अश्रमादीपी का पाटनगर. Vide above. ठा० २, ४;

चूर. भा० I. (चूर) यूरेकरवो; आंशु. चूरकरना. तोड़ना. To pound; to reduce to atoms. चूरेड. नाया० १६; चूरता. मं० क० नाया० १६;

चूलर्षा. स्त्री० (चूलनी) अश्वत्थ अक्षयतीनी मता. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की माता. The mother of Brahmadatta Chakravarti. जीवा ३, १;

चूला. स्त्री० (चूडा) चैली; शिखा; चैतली. शिखा, बुटियां. Summit; peak. नदी० १०; — उद्यगयण न० (उपनयन) चैतली दिन २५ने.—मुन्धनकथनने अस्त्रार शिखा उतारने का—मुन्धन करान का संस्कार the ceremony concerning shaving. राय० २८८;

चूलामणि. पुं० (चूडामणि) भुगट. मुकुट. Crown; diadem. श्रव० २२; राय० १८६;

चूलिअंग. न० (चूलिकाङ्ग) चैतली प्राण प्रयुत परिमित प्राणविभाग चौरासी लक्ष प्रयुत परिमित काल विभाग. A measure of time equal to 84 lacs of Prayuta भग० ५, १; २५, २; अणुजो०

११५; ठा० २, ४; जं० प०

शुलिङ्गा. जी० (शुलिका) दृष्टिवाद अंगना पांथविभागमानी पांथमे-छेदो विभाग. दृष्टिवाद अंग के पांच विभाग में से पांचवां-अंतिम विभाग. The fifth or the last division of Dr̥ṣṭivāda Aṅga. नंदी० ५६; (२) मूलसूत्रमां न अनावेत्त दधीकन संग्रह करी अंतमां अनावयी ते मूलसूत्र में अप्रकाशित वरीन का संग्रह कर अंत में प्रकट करना. a commentary which exposes that description which is not given in the original text नंदी० ५६; (३) चौरासी लाख युद्धि अंग प्रमाजुता काय विभाग. चौरासी लक्ष चूलि अंग प्रमाण का काल विभाग. a measure of time equal to 84 laes of Chūliāṅga भग० २, १; ६. ७; ११, १०; २५, ५; जीवा० ३, ४; अणु-जं० ११५; ठा० २, ४; जं० प० (४) युद्धिका-चौरासी; शिखर. चूलिका-चोटी; शिखर. summit; peak. सम० १२; नंदी० स्थ० १७. जं० प०

शूलिय. पु० (शुलिक) युद्धिक देश. चूलिक देश. Name of a country. (२) वि० ते देशमा वसतार. उस देश में रहने वाला. a resident of the above country. पण्ड० १, १;

शूलिया. का० (शुलिका) युद्धोः सगडी. चूल्हा; मिगडी. A stove; a fire place. प्रब० १७२;

चेद्वयशा. जी० (चेतना) ज्ञानादि चेतना; चैतन्य. ज्ञानादि चेतना; चैतन्य. Consciousness. विश० ४३;

चेद्वय-य. नि० (चेतत) करेधुः अनावेधुः यज्ञावेधुः किया हुआ; बनाया हुआ. Per-

formed; prepared. “ अगारिहं अगाराहं चेद्वयाहं भवंति ” आया० २, २, २, ८१; २, २, २, ८३; वेय० २, १६; चेद्वयत्त. हे० कृ० (चेतितुं) रहवानो. रहने को. For the sake of living or residing. वव० १, २२;

चेद्वय. न० (चैत्य-चित्तरिदं भावः कर्म वा चैत्यम्) यक्ष वगेरे व्यंतर देवतानुं आयतन-स्थान; देवस्थान के जे जागमां अथवा तेना पूर्वरीरता अभिदाद-चिनाते स्थाने, चैतरा रूपे दे देरीरूपे, यज्ञावयमां आयतां, अने लोक सङ्गमयुतिथी आ लयनी सावसाथी तेनी पर्युपासना करता तेनी उपमा साधु वगेरेनी पर्युपासनामारे आयतामां आयी छे. यक्ष वगेरह व्यंतरदेवताके आयतन-स्थान; चिता के ऊपर मंदिर या अन्य रूप में बनाया हुआ स्मारक चिन्ह. मंसारी लोग इनकी हम लोक के सुखों की इच्छासे उपासना करते हैं. The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. आया० २, १५, १७६; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सू० प० १; ओव० निर० १, २; कप० ६, ६३; क० ग० १, ५५; ओष० नि० ६५; “ कल्लाखं मंगलं देवयं चेद्वयं पज्जुवासति ” सूय० २, ७, ८१; “ कल्लाखं मंगलं देवयं चेद्वयं पज्जु-वास्सामो ” दसा० १०, १; “ कल्लाखं मंगलं देवयं चेद्वयं पज्जुवासेजा ” वव० १०, १; “ कल्लाखं मंगलं देवयं चेद्वयं पज्जुवासेता ” (देवत चैत्यमिव-टी) ठा० ३, १; भग० २, १; “ कल्लाखं मंगलं देवयं चेद्वयं पज्जुवा-

सामि " ठा० ३, ३; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेह्यं पज्जुवासणिजे " नाया० १६; उवा० ७, १८७; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेह्यं पज्जुवासणिज्जाओ भवन्ति " भग० १०, ५; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेह्यं पज्जुवासइ " भग० १५, १; " थूममहेसुवा चेह्यमहेसुवा रुक्खमहेसुवा " आया० २, १, २, १२; " रुक्खमहेहवा चेह्यमहेहवा थूममहेहवा " भग० ६, ३३; " भवणं घरसरणं ले ५ आ- वणं चेत्थियं देवकुलं " पण्ह० १, ५; " तव- स्सिकुलगाणसंघं चेह्यट्ठे " पण्ह० २, ३; (२) व्यन्तरना आयतनत्ताणे अथवा तेना विनानो आग; उद्यान; आरामभगीयो व्यन्तर के आयतन वाना किंवा उमके रहित बाग. उद्यान; आराम-बाग. a garden having or not having a temple of an infernal god; a pleasure garden. दसा० ५, ६; नंदी० ६०; जं० प० राय० ४; २११; अंत० १, १; नाया० ६; " पुण्यभदे चेह्य " नाया० १; १५; १६; नाया० ध० १; अंत० १, १; विवा० १, १; पण्ह० १, १; उवा० १, १; २, ६२; ११६; भग० ५, १; ९, ३३; १३, ६; " कोट्टए चेह्य " नाया० ध० १; ३; उवा० ३, १२६; ४, १४५; ६, २६७; १०, २७२; भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; " आयाणं आगराहं उज्जाणाहं चेह्यआहं " सम० प० १७६; " उवासयाणं आगराहं उज्जाणाहं चेह्यआहं " सम० प० १८६; " अंतगढाणं आगराहं उज्जाणाहं चेह्यआहं " सम० प० १८६; " अलुत्तराववाहयाणं आग- राहं उज्जाणाहं चेह्यआहं " सम० प० १८७; " सुहविवागाणं आगराहं उज्जाणाहं चेह्य- आहं " सम० प० १८२; " दुहविवागाणं आगराहं उज्जाणाहं चेह्यआहं " सम० प० १८२; (चैत्यं व्यन्तरायतनम् टी०) " चंदो- वरणांसि चेह्य " भग० १५, १; " मण्डि-

कुञ्जिसि चेह्य " भग० १५, १; " कण्डि- वायणांसि चेह्य " भग० १५, १; " एगज्जुए चेह्य " भग० १६, ५; " सालकोट्टए चेह्य " भग० १५, १; " छत्तपलासए चेह्य " भग० २, १; " पुप्फवर्हए चेह्य " भग० २, ५; ६; ६, ३३; " माण्णिभदे चेह्य " भग० ६, १; " संखवणे चेह्य " भग० ११, १२; " नंदणे चेह्य " भग० ३, १; " बहुमालए चेह्य " भग० ६, ३३; " चंदोतरायणां चेह्य " भग० १२, २; " दूणपलासए चेह्य " उवा० १, ३; १०; ५८; ७८; ८६; भग० ८, ३२; १०, ६; ११, ११; १८, १०; " अंबमालवणे चेह्य " नाया० ध० १; " काममहावणे चेह्य " नाया० ध० ३; अंत० ६, १६; " गुणमिलए चेह्य " नाया० १; ३; १८; नाया० ध० १; ३; अंत० ६, १; ३; ७, १; अणुत्त० १, १; २, १; ३; १; विवा० २, १; उवा० ८, २३१; भग० २, १; ५; ६; ७, १८; ८, ७; १६, ३; १८, ३; ७, ८; (३) तीर्थदेवता ज्ञान-देवता ज्ञान. तीर्थकर का ज्ञान-केवल ज्ञान. the knowledge of a Tirthankara. " एणसिणं चउत्तीसाणं तित्थगराणं चउत्तीसं चेह्य- रुक्खं हत्था " सम० प० २३३; " तहिं चेह्य- याइ वन्दइ " (वन्दते स्तौति) भग० २०, ६; नाया० १६; (४) भगवत्; साधु भ्रमण; साधु. an ascetic " देवयं चेह्यं पज्जुवा- सत्ता " (देवतं चैवामयं चैत्यं भ्रमणं पणु- पारुप टी०) ठा० ३, १; " अल्लउत्थियं देवपाणिं वा अल्लउत्थियं परिगाहियाणं वा (चेह्ययाइ) वंदितए नमंसितए वा " उवा० १, ६८; भग० ३, २; (५) व्यन्तर आदि देवता. व्यन्तर आदि देवता. infernal god etc. " रुक्खं वा चेह्यकडं थूमं वा चेह्यकडं " (वृक्षस्याजो व्यन्तरादिस्थलक स्तूपं वा व्यन्तरादिकृतं टी०) आया० २, ३,

३, १२७; (६) त्रि० चित्तने आनंद उप-
नयनार. चित्त को आनंद देनेवाला. de-
lightful; pleasant. " तौसणं चेति-
तथूभाणं पुरतो चत्तारिमणि पेठिआआं "
(चित्ताह्लादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रमि-
द्धाश्चैत्यस्तूपाः) ठा० ४, २; सम० ३२;
दमा० १०, १; वव० १०, १; (७) क्षीध
महापुत्रपत्नी येद उपरना रमारु अयसेसा-
राण अस्थ पदा पजेरे. किसी महापुत्र की
चिता ऊपर के स्मारक अवशेष-राख, द्यस्थ
इत्यादि. the memorial on the
funeral pyre of a man of im-
portance. " अरहंते वा अरहंतं चेद्दयाणि
वा अणगारं वा भाविदप्पायां णासाण उडु
उप्पयइ " भग० ३, २; (८) ज्वली;
उतावणुं. तुरंत; शीघ्रः उतावला. speedy.
" भिणं चरइ चवलं तुरियं वेद्यं " नाया०
६; —स्वभ. पुं० (—स्त्वभ) सुधर्मा सभा की
पन्थे मणिपीठिका उपर जो साठ जोजन
ऊँचा भावुरत नामका स्तंभ छे ते; चित्तने
आनंद उपनयनार यै. सुधर्मा सभा की
मध्य में मणिपीठिका के ऊपर जो साठ योजन
ऊँचा माणवक नामक स्तंभ है वह; चित्त को
आनंददित करनेवाला स्तंभ a pillar
named Maṇavaka 60 Yojanas
in height situated on Maṇi-
pithika in the Council-hall of
Sudharmā. " सुद्धमाण सभाण माण-
वण वेद्यम्बमे " सम० ३५; राय० १५६.
—धूम पु० (—स्तूप) चैत्य वृक्ष अने
प्रेक्षा परती पन्थे मणिपीठिका उपर;
चित्तने आनंद देनेवाला स्तूप. चैत्य वृक्ष व
प्रेक्षागृह के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर का
चित्त को आनंद दायी स्तूप. a beauti-
ful pillar situated on Maṇi
Pithikā and in the middle of

a memorial tree and a parti-
cular house. 'चत्तारि चत्तारिचैद्यधूमा'
जं० प० २, ३३; ठा० ४, २; जीवा० ३, ८;
—मह. पु० (—मह) चैत्यने भेदात्सय.
चैत्य का महोत्सव. a ceremony con-
cerning a memorial on a
funeral pyre. आद्या० २, १, २, १२;
भग० ६, ३३; नाया० १; —रुक्ख. पुं०
(—वृक्ष) बाणव्यंतरनी सुधर्मादिसभानी
आगण मणिपीठिका उपर २८ मय वृक्ष के
रुखनी आइ जेष्ठननी उँचा छे. बाणव्यंतर
की सुधर्मादि सभा के सम्मुख मणिपीठिका
के ऊपर रजमय वृक्ष कि जिसकी आठ योजन
की ऊँचाई है. a tree 8 Yojanas in
height, made of gem and
situated on the Maṇi Pithikā
in front of the council-hall
of Sudharmā. सम० ८; ठा० ३, १; (२)
जेठी नीय तीर्थकरने केवलतन थयुं
होय ते वृक्ष. जिसके नीचे तीर्थकर का
केवल ज्ञान प्राप्त हुवा हो वह वृक्ष.
a tree under which Tirthan-
kara obtained supreme or
perfect knowledge. सम० प०
२३३; (३) देवताओं की सभा की
दरवाजा आश्रय महाधम्म अने चैत्य
शुभनी पन्थे वृक्ष. देवताओं की सभा के
प्रत्येक दरवाजे के सामने महाध्वजा के
व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का वृक्ष. a tree
situated in the middle of a
flay and a memorial tree
which is in front of the doors
of the council-halls of gods.
ठा० ३, १; जीवा० ३, ४; राय० १५४;
—वरणअ. न० (—वरणक) चैत्यपुं
वर्णन. चैत्य का वर्णन. the descrip-

tion of a memorial on a funeral
pyre. दसा० ५, ६;

बेहा. स्त्री० (बेहा) द्विधा. क्रिया. Gestures;
movements. पंचा० ४, २;

बेहिय. वि० (बेहिय) येषां कश्चिद् बेहिय.
Gestured. पंचा० १, ४८; नाया० १;
राय० २६१;

बेड. पुं० (बेड) पगपासे रहनेवाला नौकर.
A close attendant. कण्ठ० ४, ६२; पि० नि०
३६८; ओव० राय० १५३; नाया० १; (२)

आलस्य. बालक baby. पि० नि० भा० १२६;

बेडग. पुं० (बेडक) विशाला नगरीना येडक
नामना राजा केने महारीर प्रभुना परम
लक्ष्मण दत्तो. विशाला नगरी का येडक नाम
का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम
भक्त था. Chetaka, the king of
Visā'a and a great devotee
of Mahāvira. भग० १२, २; निर० १, १;

बेडय. पुं० (बेडक) कुमार; छोकरा. कुमार;
लडका. An unmarried boy; a
boy. नाया० २; (२) दास; नोकर दास;
नौकर. a servant; an attendant.
नाया० २; सु० च० १५, १३५;

बेडिया-आ. स्त्री० (बेडिका) दासी; आतडी
दासी A maid. भग० ६, ३३; ११, ११;
ओव० ३३; नाया० १; ८; १६; राय० २८६;
उवा० ७, २०८; —चक्रवाल. न० (—चक्र-
वाल) दासीना समूह. दासी का समूह. a
group of maids निर० ३, ६; नाया०
१४; नाया० ध०

बेहिय. न० (बेहिय) जुमो " बेहिय " शब्द.
देखो " बेहिय " शब्द. Vide " बेहिय "
पराह० १, १;

बेस. पुं० (बेस) चैत्रमास. चैत्रमास. The
month of Chaitra. सम० ३६; भग०

१८, १०; —सुख. पुं० (—सुख-सुख)

चैत्रमासनु शुक्ल पक्ष. चैत्र मास का शुक्ल
पक्ष. the bright-half of the
month of Chaitra. नाया० ८;

बेसी. स्त्री० (बैत्री) चैत्रमासनी पुनेम. चैत्र
मास की पूर्णिमा. The fifteenth
bright day of the Chaitra
month. जं० प० ७, १६१;

बेदि. पुं० (बेदि) बेदि नामना देश. बेदि
नामक देश. A country of this
name. पञ्च० १;

✓ बेय. धा० II. (दा) आपण; दान करने.
देना; दान करना. To give; to give
as charity.

बेण्ड. आया० २, १, १, ६;

बेण्डि. आया० १, ७, २, २०२;

✓ बेय. धा० II. (बेय) संकल्प करने.
संकल्पकरना. To resolve. (२) निप-
णययु; उत्पन्न करना. to produce.
(३) यज्ययु. बनाना. to pile; to
construct.

बेण्ड. राम० ३०; निरी० ५, २; १३, १;
नाया० ६;

बेण्डि. नाया० १६;

बेहस्सामो. आया० २, १, ३, ४६;

बेयंत. निरी० ५, २;

बेतेमाख. सम० २१;

बेहजमाख. क० वा० दसा० २, १६; १७;

बेय-अ. न० (बेयस्) चित्त. चित्त; The
mind. बेयसा. तू० ए० भग० ७, १०;
दस० ५, १, २; नाया० १; भग० ६, ३३;
दसा० ६, ५; दस० ६, ६७; (२) विज्ञान.
विज्ञान. science. विश० १९६२; (३)
छात्र, आत्मा. जीव; आत्मा. soul. भग०
२०, २; —कड. वि० (—कड) मनशी
करेक. मनसे किया हुआ. heartily per-

formed. भग० १६, २;

चेव ख० (एव) ओभय; योक्षस. ऐसाही; निश्चित. Verily; certainly. विश० १४५;

चेयरण. न० (चेतन्य) श्रवण; श्रवणार्थ. जीवत्व; जावितता. Life; vitality. विश० ४७५; ११५१; ३१३८; सु० च० १, २६०; —जुस्त. त्रि० (-युक्त) चेतना वाञ्छु. चेतना वाञ्छा vital; living. प्रव० १२४६; —भाय. पु० (-भाव) श्रवणे. ज्ञान परिणाम. जीव का ज्ञान परिणाम. intellectionality. विश० ४५५;

चेया. स्त्री० (चेतना) चेतना; ज्ञानशक्ति. चेतना; ज्ञानशक्ति. Intellect. विश० १६५०;

चेल न० (चेल) पत्त; लुगड़. वस्त्र; कपडा. Cloth. निमी० १८, १९; आया० २, ६, १, १५२; जीवा० ३, ४; वव० ८, ५; दस० ४; प्रव० ६५०. —हु. न० (-अर्थ) लुगड़नु प्रयोगन. वस्त्र का प्रयोजन. the cause for keeping a cloth. वेय० ३, १२; —उकखेव. पु० (-उत्खेव) पत्तनु छेकनु; पत्तनी छेक. वस्त्रों का फेंकना; वस्त्रों का छेक. the shower of clothes. विवा० १; ठा० ३, १; भग० १५, १; —कण्ण. न० (-कर्ण) लुगड़नी कीवरी. वस्त्र की किनार. the border of a cloth. निमी० १८, १८; दस० ४; —गोल. पु० (गोल) लुगड़नी में गोल. वस्त्र का गोलाकार गोला a ball of cloth. सुय० १, ४, २, १५; —चिलि मिलिया. स्त्री० (*) पत्तनी दोरी. वस्त्र की रस्सी. a string of cloth.

वेय० १, १८; —पेडा-ला. स्त्री० (-पेडा) लुगड़नी पेटी; पोटी. वस्त्र की पेटी; गठरी; a box for clothes; a bundle of clothes. भग० १५, १; दस० १०, ३;

चेलअ. न० (चेलक) लुओ " चेल " शब्द. देखो " चेल " शब्द. Vide " चेल " ज० प०

चेलग. न० (चेल्क) संन्यासीओनुं ओक उपकरण. संन्यासियों का एक उपकरण. An implement of an ascetic. सुय० २, २, ४८;

चेदलणा. स्त्री० (चेदलणा) अश्लिष्ट राजनी राज्ञी. चेद राजनी पुत्री. श्रेणक राजा की रानी; चेद राजा की पुत्री. The queen of the king Srenika; the daughter of the king Chedā. अंत० ६, ३; नाया० ४०

*चेला. स्त्री० (*) चिरात (किरात भेरेछ) देशमां उत्पन्न धर्मदासी. चिरात (किरातभेरेछ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. आंव० ३३;

चेव. अ० (च+एव=चैव) निश्चय. निश्चय. Certainly; verily. ज० प० ५, ११४; भग० १, १; २; ८; ५, ४; ६, ५; नाया० १, १५; १६; दस० ६, १, १; उवा० १, ८१; विश० ७०; वेय० १, ३३; नाया० ४० ३; १०;

चोअअ. पु० (चोयक) ओक जतनुं फल. एक प्रकार का फल. A kind of fruit. अगुजा० १३३;

चोअण. न० (चोदन) प्रेरणा. प्रेरणा. Instigation. गच्छा० ५१;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

चोअला. ली० (चोदना) प्रेरणा करणी ते.
प्रेरणा करना. Instigation. गच्छा० ३८;
१२७;

चोअलाया. ली० (चतुश्चरित्त) युष्मादीस.
चुम्मालीस. Forty-four. जं० प० ७,
१४८; विशेष० २३०४;

चोइअ. त्रि० (चोदित) प्रेरययु; प्रेरणा
करेअ; पुछेअ. प्रेरित; प्रेरित किंगहुआ; पूछा
हुआ. Instigated. उत्त० ६, ८; ६१;
सूय० १, ३, २, २०; दस० ६, २, ४; १६;
पि० नि० ११४; २२२; जं० प० ३, ६४;

चोक्ख. त्रि० (चोच) स्वच्छ; पवित्र; साफ़.
स्वच्छ; पवित्र; साफ़. Clean; clear;
pure; spotless. "आयतेचोक्खेपरम-
इभूए" जं० प० ७, १४६; आ० १२;
३८; भग० ३, १; ६, ३३; ११, ६; नाया०
१; ७; १६; पराह० २, १; जीवा० ३, ४;
बिवा० ३;

चोक्खालि. त्रि० (चोचशील) आभयो; शरीर
यत्नादि करने साधुसुख र अन्तर. शरीर वस्त्रा-
दिक को स्वच्छ रखनेवाला. (One) who
keeps the body and the clothes
clean. पि० नि० ६०२;

चोक्खा. ली० (चोक्षा) आक्षा नामनी
परित्रागिका-संन्यासिनी. चोक्षा नामक परित्रा-
जिका; संन्यासिनी. A nun of this
name. नाया० ८;

चोअ. न० (*) आश्चर्य; विस्मय.
आश्चर्य; विस्मय. Wonder; surprise.
सु० च० १, १२२;

चोअ. न० (चौर्य) चोरी; तस्करी पण्य. चोरी;
तस्करता. Theft; stealing. उत्त०
३५, ३;

चोरि. त्रि० (*) गंदु; सुगमयु.
गंदला; घृणा पैदा हो ऐसा. Dirty;
turbid. पि० नि० ५८७;

चोत्तीस. ली० (चतुस्त्रिंशत्) चोत्तीस.
Thirty-four. भग० ३, १; १; १;
सम० ३४;

चोइस. त्रि० (चतुर्दश) चौदह.
Fourteen. भग० ५, १; ६, ५, ८, ८;
नंदी० ३७; उवा० १, ६६; जं० प० ३, ४१;
—पुव्व. न० (-पूर्व) चौदह पूर्व-शास्त्र.

चौदह पूर्व-शास्त्र. the scriptures
known as fourteen Pūrvas.
नाया० ६; १६; १६;—पुव्वधर. पुं०
(पूर्वधर) चौदह पूर्वा धरता. चौदह
पूर्वधारी. one having knowledge
of fourteen Pūrvas. विशेष० १६२;

—पुव्वि. पुं० (-पूर्वि) उत्पादपूर्व
विगरे चौदह पूर्वा अभ्यासी. उत्पादपूर्व
इत्यादि चौदह पूर्व के अभ्यासी. one hav-
ing the knowledge of fourteen
Pūrvas e. g. Utpāda Pūrvā
etc विशेष० ५३६; भग० ५, ४; नाया०
१; ४; नाया० ८, —भाग पुं० (-भाग)
चौदह भाग; चौदह रज-भाग. the fourteen divi-
sions; the fourteen Rājas (a
measure of length). विशेष० ४३०;

चोइसम. त्रि० (चतुर्दशतम) चौदहवां.
Fourteenth. भग० २, १; जं० प० २, ३३.
(२) ७ उपवास ऋ: उपवास. six fasts.
भग० २, १; नाया० ८,

चोअण्ड. पुं० (*) तेल विगरे आपण
ते. तेल इत्यादि का मर्दन. Smearing

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

of oil etc. ओष० नि० ४०१;

चोप्याल. पुं० (चोप्याल) सूर्याभ देवता
आयुधागार; द्रुधिपर शाधानुं नाम.
सूर्याभ देव का आयुधागार; शस्त्र शाला का
नाम. Name of the house for
weapons of the deity Sūryābha.
राय० १६२;

चोप्यालग. न० (*) भतवारणु—हाथी.
हाथी. An elephant. जं० प० ४, ८८;
चोभंग. पुं० (चतुर्भंग) जेभां चार विडडय
पडे ते; चोभंगी. जिसमे चार विकल्प पडते
हैं वह; चतुर्भंग. That which can be
classified in four different
ways. प्रव० १२५;

✓ **चोय.** धा० I, II. (चद) प्रेरणा करनी
प्रेरणा करना. To instigate.
चोपड़. गच्छा० २०; चोपड़ति. नाया० १;
चोइजमाण. क० श० व० कृ० नाया०
१६;

चोय. पुं० (*) त्वया; छाल. छाल.
Bark; skin. जीवा० ३, ६; राय० ४६;
पञ० १७;

चोयअ. पुं० (चोयक) ओक अननुं फल.
एक जाति का फल. A kind of fruit.
जं० १०

चोयग त्रि० (चोदक) शंका करणार; प्रश्न पूछ-
नार शिष्य. शंका करने वाला; प्रश्न पूछने
वाला—शिष्य. One who questions
and doubts. सूय० २, ४, २. पि० नि०
२४७; राय० १२३; (२) छा० ध्रुवनो
छाय फुलकी छुवडी. a flower-basket.
आया० २, ७, २, १६०;

चोयखा. स्त्री० (चोदना) प्रेरणा; चेतवणी.

प्रेरणा; चेतवनी. Instruction; caution.
प्रव० १४४; पि० नि० ४८३;

चोयाल. पुं० (*) गडडपर भेसवानुं
स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A
seat on a fort. जीवा० ३, ३; क० गं०
६, ४०;

चोयाल. स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशन्) युभादीस.
चुम्मालीस. Forty-four. पञ० २;

चो (आ) यालीस स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशन्)
युभादीस. चुम्मालीस. Forty-four. जं०
प० ७, १४६; १४६; भग० ३, १, २६,
१२; मम० ४४;

चोर. पुं० (चार) चोर; देहू; तरेकर. चोर;
तस्कर. A thief. भग० २, १; ओष०
३८; अणुजो० १२८; नाया० १; १८; दस०
७, १२; भत० १०५; पण्ड० १, १; राय०
२६०; —**अभिसंकी.** पुं० (-अभिशङ्किन्)
चोरही शक राखनार; चोरनी शंका याले.
चोरमे शक रखनेवाला; चोर का शङ्कावाला.
suspicious of a thief. नाया० १८;
—**आलीय.** त्रि० (-आनीत) चोरोंके
आयेन. चोरों का लाया हुआ. brought
by thieves. प्रव० २७५; —**आयग.**
पुं० (-नायक) चोरोंने नायक. चोरोंका
नायक the head of thieves. नाया०
१८; —**खिगडि.** स्त्री० (निङ्गति) चोरोंने
भाया-कपट. चोरों का माया-कपट.
the deceit or tricks of thieves.
नाया० १८; —**पल्ली.** स्त्री० (-पल्ली)
चोरोंने रहेवानी जग्या. चोरों के रहने का
स्थान. the residing place of
thieves. विवा० ३; —**पसंगि.** हि०
(-प्रसंगिन्) चोरनी सोयत करनार. चोर

* जुओ १४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया० १८; —मंत्त. पुं० (-मंत्र) चोरनेो विचार. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया० १८; —महिला स्त्री. चोर की स्त्री. a wife of a thief विवा० ३ —माया. स्त्री० (-माया) चोरनी भाषा. चोर की भाषा. the deceits or tricks of a thief. नाया० १८; —विज्जा. स्त्री० (-विद्या) चोर (भू-तर पाड्यानी) विद्या. चोरों करने का विद्या. the art of breaking the house by thieves. नाया० १८; —सय. न० (-शत) से चोर शत चोर; सौ चोर one hundred thieves. विवा० ३; —सा-हिय. पुं० (-साधिक) चोरनेो साधारण भाग. a common division of thieves. भग० ६, ३२; —सेनापति पुं० (-सेनापति) चोरनेो सेना पति; चोरनेो अभिसर. चोरों का नेता; चोरों का सेनापति, the head of thieves विवा० ३; नाया० ८;

चोरठा. पुं० (चोरक) ये नामनी ओक सुगन्धि वनस्पति जेने नेपालमा लडेउर छे. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepal. पत्र० १; भग० २१, ८;

चोरिक. न० (चौरिक) चोरी. चोरी. Theft. भस० १०६; १३२; श्लो० नि० ७८७; महा० नि० १; परह० १, ३; —करख. न० (-करख) चोरी करनी ते. चोरी करना.

the act of stealing. सम० ११; **चोरिय** त्रि० (चोरित) चोरिनुं; चोरी लीयेनुं. चुराया हुआ; चोरी से लिया हुआ. Stolen. विशेष. ८५७; पि० नि० ५७६; **चोरिय.** पुं० (चौरिक) भाषुसेने भारी चोरी करीयर. मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला. A looter; a burglar; one who murders and steals. परह० १, २; विवा० ६;

चोरी. स्त्री० (चौर्य) चोरी; चोरनुं ते. चोरी करना. Theft. प्रव० ४२७;

चोलक. न० (चोलक) शूद्रापनयन; आश्विन-प्रथम शिरोमुंडन करीयनुं ते. चूडापनयन; बालकों का प्रथम शिरोमुंडन (चालकर्म) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. परह० १, २, २, ४; **चोलपट्ट.** पुं० (चोलपट्ट) भुनिने नीचो पड़ेयानुं पत्र. यदेयो. मुनि को नाचे पहनने का वस्त्र; चालपट्ट. The waist cloth of an asceti. प्रव० २५६;

चोलपट्ट. पुं० (चोलपट्ट) साधुओनुं कटि पत्र; यदेयो. साधुओ का कटिबन्ध चालपट्ट. The waist cloth of ascetics. श्लो० नि० ३४; ६७०; परह० २, १; प्रव० २५५; ५०६; **चोलपट्टग.** पुं० (चोलपट्टक) भुओ ओलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ८, ६;

चोलापण्य. न० (चूलापण्य) भुओ " चो-लक " शब्द. देखो " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया० १; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३;

चोलग. न० (*) भोजन; भाषुं भोजन;

खाना. Food; diet. १५० नि०

बोझिय. त्रि० (*) देदीप्यमान. देदीप्यमान. Bright; lustrous. dazzling. राय० १२२;

बोवत्तरि. स्त्री० (चतुःसप्तति) सुभेत्तर.

चुम्भोत्तर. Seventy-four. सम० ७४;

चोव्वीस. स्त्री० (चतुर्विंशति) चोव्वीस.

चोव्वीस. Twenty-four. उवा० १०, २०७;

चोसठि. स्त्री० (चतुःषष्टि) चोसठि. चोसठ.

Sixty-four. भग० १, ५;

✓ च्य. धा० I, II. (च्यञ्) तञ्जुं; छेडुं. छोडना; त्याग करना. To leave; to abandon.

चण्ह. दस० ६, ४, २; ३;

चयइ. उत्त० ३१, ४; सु० च० ४, १३६;

संथा० ६६; भग० ७, १; दस०

४, १७;

चयंति. मूय० १, २, १, २;

चख. वि० दस० २, ५; ६, ३, १२; १०,

१, १७;

चइस्संति. मूय० १, ८, १२;

चइउं. हे० कृ० सु० च० ४, २५१; उत्त०

१३, ३२;

चइउण. सं० कृ० उत्त० ६, ६१;

चइत्ता. सं० कृ० ओव० १४; ४०; उत्त०

१, २१; ४८; भग० ११, ११; नाया०

१, ५; ८; दसा० १०, ३;

चिक्का. सं० कृ० उत्त० १०; २८; नाया० १,

६, २, १८४; १, ७, ६, २२२;

दसा० ५, ४०;

चयंत. व० कृ० पञ्च० २;

चवमाण. व० कृ० भग० १, ७;

चइजइ. क० वा० सु० १०, २७;

✓ चव. धा० I. (च्यु) भरवुं; शरीर छोडुं. मरना; शरीर का त्याग करना. To die.

चवंति. जीवा० ३, १;

चविउण. सं० कृ० सु० च० १, ११५;

चविष. सु० च० २, ३७;

✓ च्छुय. धा० I. (च्युत्) चरवुं; पतन पावुं. पतन होना. To die; to fall; to degrade.

चुण. मूय० १, १, २, १०;

✓ च्छुण. धा० I. (च्छ) छेडुं; मारवुं; हिंसा करवी. छेदना; मारना; हिंसा करना. To cut; to kill; to injure.

चंनंति. क० वा० "जाइं चंनंति भूयाइं" दस० ६, ५२;

✓ च्छाय. धा० I. II. (च्छा) छेडुं; छुपावुं; धरनी छत करवुं. ढांकना; मकान का छत बनाना. To cover; to conceal; to have a cloth ceiling below the roof.

छाण्ह. मूय० २, २, २०;

छायण. वि० दसा० ९, ८; मूय० १, १४;

१६; आघ० नि० भा० ३१५;

छायज्जा. वि० मूय० १, १०, १४;

छाहलण. हे० कृ० दसा० ७, १;

छायंत. प्रव० ५४; आघ० नि० भा० ३१४;

✓ च्छिद. धा० I, II. (च्छिद्) छेडुं; काटवुं; भेडवुं. छेदना; काटना. To cut; to break; to pierce.

चिइह. भग० ३, २; १६, ६; नाया० १४;

१८; उत्त० २७, ७;

छेदेइ. भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० ५०

चिइण. १६, ८७;

चिइमि. जं० प० ५, १२१;

* अनुमो पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide footnote (*) p. 15th.

क्षोभन्ति. श्रव० ३६;
 क्षिदे. उत्त० २, २;
 क्षिदेजा. वि० भग० १६, ३; दस० ८, १०;
 क्षिदेज. वि० आया० १, ३, २. ११५;
 क्षिद. उत्त० ६, ४; राय० २०८; दसा० ६, ४;
 क्षिदाहि. आ० दस० २, ६;
 क्षिदह. आ० आया० १, ७, २, २०४;
 क्षिदिस्सार्मि. भ० निसी० १, ३३;
 क्षिन्दिअण. सं० कृ० सु० च० २, ६६६;
 क्षिन्दित्तु. सं० कृ० दस० १०, १, २१;
 क्षिन्दिता. सं० कृ० ठा० ३, २; भग० ८, ६;
 १४, ८; नाया० १८;
 क्षिन्दिय. क० वा० आया० २, १, २, १३;
 भग० १४; ८; २२, ६;
 क्षिता. क० वा० नाया० १४; दसा ५; ४१;
 क्षिन्दमाख. भग० १६, ६; नाया० १;
 क्षिद्वज. व० कृ० निसी० १, ३३; पि० नि०
 १८०; भग० १, ६;
 क्षिन्दावेह. पि० नाया० ८;
 क्षिदावण. उत्त० २, २;
 क्षेदिता. भग० २, १; ३, १; नाया० १, १४;
 दसा० ४, ८४;
 क्षेदेता. भग० ६, ३३; १०, ४; १८, २;
 क्षेदिता. सं० कृ० सम० ७;
 क्षेप्ता. सं० कृ० नाया० १५;
 क्षेता. सं० कृ० भग० ८, ५; आया० १, २,
 ५, ८६; भग० ६, ६; जं० प० ७,
 १३३; ७, १४८; सूय० २, २, ६;
 सू० प० १०;
 क्षेत्तुण. सं० कृ० भग० २५, ७; उत्त० ७, ३;
 क्षेत्तुं. हे० कृ० भग० ६, ७, जं० प०
 क्षिज्जह. क० वा० भग० १६, ३; राय०
 २७६; अणुजो० १३८; आया० १;
 ३, ३, ११६;
 क्षिज्जति. क० वा० भग० ६, ३; सु० च० २, २३३;

क्षिजेज. वि० भग० ५, ७; १८, १०,
 अणुजो० १३४;
 क्षिजिही भवि० सु० च० ८, १६८;
 क्षिज्जत. व० कृ० जीवा० ३, १;
 क्षिज्जमाण भग० १, १; ८, ६; ११, ११;
 विवा० २;
 क्षिज्जत. प्रव० १६१;
 ✓ च्छिद्य-धा० I. (छुप्) स्पर्श करेवा.
 अ३३तुं. स्पर्श करना; छूना. To touch;
 to come in contact with.
 क्षिबन्ति परह० २, २;
 क्षिपे. वि० गच्छा० ६०;
 ✓ च्छुभ-धा० I. (क्षिप्) ई३तुं. फेंकना.
 To throw.
 क्षभेज. पि० नि० ५८२;
 क्षोदं. सं० कृ० पि० नि० ३६८;
 क्षोदण म० कृ० विरो० ३०१;
 ✓ च्छुभ-धा० II. (क्षुम्) भग्नभग्नपुं;
 भलरातुं. बगमगाना; घबडाना. To totter;
 to be agitated or frightened.
 क्षोभावेह. विवा० ६;
 ✓ च्छुह. वा० I. (क्षिप्) ई३तुं; ना३दि३तुं.
 फेंक देना. To throw, to cast away.
 छुहह. पि० नि० २२१;
 छहिऊण म० कृ० सु० च० १३, ३४;
 छहिता. म० कृ० उत्त० १८, ३;
 ✓ च्छुह. धा० I. (छुप्) स्पर्श करेवा; अ३३तुं.
 स्पर्श करना; छूना. To touch; to be
 in contact with.
 छुहह. पि० नि० २५५; क० गं० ६, ८२; ८३;
 ✓ च्छोल. धा० I. (छूर्) छीलतुं. छील-
 ईततुं. छीलना; छीलका निकलना.
 To chop off outer bark, husk
 etc. of anything.
 क्षोलेह. नाया० ७;

५

छ. त्रि० (षट्) ७; १ नी संख्या. छः ६ की संख्या. Six; 6. डा० १, १; उत्त० २६, १६; आया० १, २, ६, ६७; सम० २१; अणुजो० १४८; भग० १, १; २, १; १०; ५, ४; ८; १३, ६; १७, १; २०, १०; २५, १; २; ४; ४; ३२, २; ४१, १; नाया० ८; १६; दस० ४; ७, २६; पञ० १; ४; विशे० ३८६; विवा० ५; नंदी० ७; सू० प० १; नाया० ध० ३; छरहं. प० ब० भग० १, ५; ८; ३, १; १२, १, नाया० ८; दसा० २, ८; ६; क० गं० १, ३०; २, १६; —अंगुल न० (—अंगुल) ७ अंगुल. छः अंगुल. six fingers. भग० ६, ७. —अहिभवत्. त्रि० (अधिकचत्वारिंशत्) छेत्तलीशः ६६. द्वियांक्षानः ४६. forty-six: 46. क० गं० ४, ५७; —कट्टय न० (—काटक) ६२ यावत्. तां आदरेता आगमाः ७ कट्टेता समूहः. दरवाजे के बंदर के हिस्से में छः काष्ठों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door. नाया० १; —कर्म. न० (—कर्मन्) यजन्-याजन्-पठन्-पाठन् पठेरे अन्वयुतां ७ कर्म. ब्राह्मणों के छः कर्म कर्तव्य; यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, अर्घ आदान. the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifices, study, teaching, etc. त्रि० नि० ४४८; —खण्ड. पुं० (—खण्ड) ७ खंड; भरत आदि क्षेत्रना गंगा सिंधु अने विताप्य पर्यन्ती पड़ेता ७ विभाग. छः खण्ड; भरत आदि क्षेत्रों के गंगा, सिंधु और विताप्य पर्यंत द्वारा पड़े हुए छः भाग. six parts or divisions; the six divisions of such regions as Bharatuksetra

etc. demarkated by the Gāṅgā, Sindhu and the Vaitādhya mountain. प्र० ६८६; —गणन. पुं० (-गमक) ७ गमा-पाठ-अध्याया. छः पाठ six (scriptural) studies. भग० १३, २; —जिअ. पुं० (-जीव) ७ काय छः काय-षट्काय जीव. living beings in six different forms. क० ग० ४, ५४; —जीवणिकाय. पुं० (-जीवनकाय) ७ काय छवेतो समूह पृथ्वी-अप-तेज-वायु-वनस्पति अने त्रसकाय. छः जीवों का समूह; पृथ्वी, अग्नि, वायु, वनस्पति, और त्रसकाय a collection of six sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trasakāyas. (moving animals) नाय० ३; —काय. पुं० (-षट्काय-षण्णां कायानां समाहारः) पृथ्वीकाय - अपकाय - तेजिकाय - वायुकाय - वनस्पतिकाय अने त्रसकाय-अने छ प्रकारका छवेतो समूहाय. the group of the six kinds of sentient beings viz. with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and minute insects. अणुशो० २१; सूय० १, ११; ८; क० ग० ४, १३; पंचा० १४, ४२; —ट्टाण. न० (-स्थान) अनुयो "छट्ठाणग" शब्द. देखो "छट्ठाणग" शब्द, vide "छट्ठाणग" क० ग० ४ ३; —एणउइ व्री० (-भवति) ७-जु; ६६. ६६ की संख्या. ninety-six; ९६. भग० सम० ६६; १, ५; ६, ७; ७, ६; २०, ५; २४, १२;

८; ४१, १६; पञ्च० ४; १२; जं० प० ६, २, १८; ७, १३३; —एणुउइसअ. न० (—नवतिशत) ओइसो ७-नुं. एकसौ छयानेव; १६६. one hundred ninety-six; 196. वव० ६, ३७; —तल. त्रि० (—तल-षटतलान यत्र तल) जेना ७ तलियां छे ओवुं. (७ तलवायुं). छ तलों वाला. six bottomed. ठा० ८, १; जं० प० —तीस. स्त्री० (—त्रिंशत्) ७त्रीश, ३६. छतीस, ३६. thirty-six; 36. उत्त० ३६, ७२; नंदा० ४६; भग० १, १; १०, ५; २०, ५; नाया० १६; विशेष० ३०७; सम० ३६; —हंत. पुं० (—दन्त-षडदन्ता-वश्य) ७ दांतवालो हाथी. छः दांत वाला हाथी. having six teeth; an elephant with six tusks. नाया० १; —दिसि. अ० (—दिश्) ७ दिशा-पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, उर्ध्व, अने अधः ओ ७ दिशा. छः दिशाएं; पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, उर्ध्व, और अधः. six quarters or cardinal points viz. east, west, north, south, upward and downward. विशेष० ३५२; भग० १, ६; १३, ३; २५, २; जं० प० ७; १३७; —व्माअ. पुं० (—भाग) ७ट्टो भाग. छट्ठा हिस्सा. sixth part. जं० प० १, १०; उत्त० ३६, ६१; —(मा) म्मास. पुं० (—मास) ७ भरिना; ७ मास. छः मास. six months. जं० प० ७, १३४; सु० च० ७, १६४; सम० ८८; भग० ८, ८; वव० १, ५; दसा० ६, २; निमी० २०, २१; भग० २, ५; ३, १; ६, ८; ६, ६; २४, १२; २६, १; ६; ३८, १; —मासतव. न० (—मासतपस्) ७मासीक तप. षरमासिक तप. austerity or penance lasting six months. प्रव० ६१४; —म्मासिअ. त्रि० (—मासिक) ७मासी तप; ७ महि-

नाना उपवास करवा ते. षरमासिक तप; छः मास तक उपवास करना. penance lasting for six months. ओव० १६; निमी० २०, ११; वव० १, ३; प्रव० १७६; —म्मासियभत्त. न० (—मासिकभक्त) ७ मास उपवासनुं मत. छः मास का उपवास करवा. a vow to fast for six months. भग० २५, ७; —म्मासिया. स्त्री० (—मासिकी) छिप्पुनी छट्टी प्रतिमा के जेभां ओइ मास पर्यन्त ७ हात अन्न अने ७ हात पाणी उपरान्त ३३पे नहिं भिक्षु की छठी प्रतिमा, जिस में एक मास तक छः दात अन्न और इतना दूध पानो लिया जाता है. the sixth vow (Padimā) of a Śālihu requiring him to take not more than six Datas of food and six of water for one month. सम० १२; नाया० १; वव० १, १७; दसा० ७, १; —लेसा. स्त्री० (—लेख्या) छिप्पु, नील, कृष्ण, तंजु, पद्म अने शुक्ल ओ ७ लेख्या. छः लेख्याएं; कृष्ण, नील, कागज, तंजु, पद्म और शुक्ल. 6 Leśyās viz. thought or matter tints of black, blue, grey, red, pink and white colour. क० गं० ४, १०; —वीसा. स्त्री० (—विंशति) ७वीस; २६. छवीस; २६. twenty-six; 26. क० गं० २, १०; —व्वीसा. स्त्री० (—विंशति) ७वीस; २६. छवीस; २६. twenty-six; 26. सम० २६; अणुजो० १०१; भग० २, १; ८, ८; १७, १; २०, ५; पञ्च० २; ४; सु० च० ८, २४; जं० प० विवा० १; क० गं० ६, ३३; —व्वीही. स्त्री० (—वीथी) ७ शेरी-वली. छः गलियौं; छः रास्ते. six streets or squares. “ छवीहीडय गामे

कुर्वन्ति " प्रव० ६२५; —सष्टि. स्त्री० (—षष्टि) छत्सठनी संख्या. छत्सठ; ६६ की संख्या. sixty six; 66. क० गं० २, १८; ५, ८४; —सयार. स्त्री० (—ससति) छत्तिर; ७६ नी संख्या. छियोत्तर; ७६ की संख्या. seventy-six; 76. क० गं० २, १७;

छह. पुं० (छवि) दृढायुता आपतुं नाम. दृढायु के पिता का नाम. Name of the father of Dridhāyuta. जा० ३, १;

छहय. त्रि० (च्छादित) ढँकेहुं ढँका हुआ. Covered. नाया० १;

छुम न० (छद्म-छादयानि ज्ञानादिकं गुण-मात्मन इति) छद्मस्थ अवस्था; सराग दशा सराग दशा; छद्मस्थ अवस्था. Condition in which one is not free from attachment. (२) आत्मानुं आच्छादन करणारे ज्ञानावरणाय आदि आठ कर्म. आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावरणाय आदि आठ कर्म. the eight varieties of Karma such as Jñāna-varaṇiya etc. which obscure the qualities of the soul. उत्त० २, ४३; सम० १; ओव० भग० ५, १, जं० प० २, ११५; क० प० २, ६०;

छुमन्थ. त्रि० (छद्मस्थ छद्मनि तिष्ठताति) अपूर्ण ज्ञानवान् भाव्यस; देवतजानी नहि; रागद्वेष सहित. अपूर्ण ज्ञानवाला मनुष्य; रागद्वेष सहित One, possessed of imperfect knowledge; one not omniscient. " छुमन्थे चैव कालं कारिस्म्यति " भग० १५, १; आया० १, ६, ८, १५; ओव० ४२; उत्त० २८, १६; आ० २, १, ३, ४; अणुजो० १२७; पञ्च० १; भग० ५, ४; ३, २; ५, ४; १४, १०; १५, १; २६, ७; बिशे० ८७; १६६; जं० प० जा० १; पि० नि० २२२; नृप० ५, १३१; पंचा०

८, ११; क० प० ४, ४; प्रव० ७०; ६६६; —अवक्रमण. न० (—अपक्रमण) छद्मस्थ-पक्षे नीक्षणयुं. छद्मस्थपन से निकलना; छद्मस्थदशामें बाहर आना. the act of coming out in the condition of a Chhadmastha. भग० ६, ३३; —कालिया. स्त्री० (—कालिका) छद्मस्थ शत्रुनी छेदनी रात्री. छद्मस्थ काल की अन्तिम रात. the last night of the period during which one is Chhadmastha. भग० १६, ६;

—परियाय. पुं० (—पर्याय) छद्मस्थपक्षे दीक्षा. छद्मस्थ अवस्था में दीक्षा. entering religious order in the condition of a Chhadmastha. सम० ५४; —मरण. न० (—मरण) छद्मस्थपक्षे मृत्यु, मरुं ते. छद्मस्थ अवस्था में मरण, मृत्यु. death in the condition of a Chhadmastha. भग० ५, ७; सम० १७;

छुमन्थय. त्रि० (छद्मस्थिक) छद्मस्थ अवस्था में रहनेवाले. छद्मस्थ दशामें रहने वाला. One living in the condition of a Chhadmastha. भग० २, १;

✓ छुद. धा० I. (छुद्) भोजावयुं; निभं, न० देयुं. बुलाना. To call; to invite.

छुदिष. सं० कृ० दम० १०, १, ६;

✓ छुद. धा० II. (छुद्-त्यञ्) छुदयुं; मुदयुं; त्यजयुं. छोड़ना; त्यागना. To abandon; to leave off.

छुदेहि. राय० २७४;

छुडता. राय० २७४;

छुद. पुं० न० (छुदस्) छुदे; भरतु; अभि-प्र. अभिप्राय; मरजी. Will; opinion; pleasure. प्रव० १०१; सूय० १, २, २, २२; २, २, ८०; आया० १, २, ४, ८४; उत्त० ४, ८, १६, ३०; नाया० २; भग०

१२, १; १२, १; पद० १, २; दस० ५, १, ३७, ६, ३, १; राय० २३७; विशेष० १४५१; पि० नि० ३१०; ६४१; (२) विषयाभिप्राय। विषयों की अभिलाषा। desire of sensual pleasure. सूय० १, १०, १०; (३) छंद वृत्तानु० स्वरूप अतावनार शास्त्र। पिंग्रशास्त्र; छन्द वृत्तोंका स्वरूप बतलाने वाला शास्त्र; पिङ्गलशास्त्र. science of prosody; metrical science. कप० १, ६; ओव० ३८, भग० २, १; (४) गुरुनो अभिप्राय भरथ। गुरु का अभिप्राय. the will or pleasure of a preceptor. विशेष० १४५१; —अणुवत्तग. त्रि० (—अनुवर्त्तक) अभिप्रायने अनुसरनार; पोतानी भरथ प्रमाणे न यातनां गुरुनी भरथ प्रमाणे वर्तनार. गुरु की इच्छानुसार चलने वाला (one) who acts according to the will of a preceptor. सूय० १, २, २, ३२; नाय० ३; —अणुवत्ति. जी० (अनुवृत्ति) डालना छंदाने अभिप्रायने अनुसरी वर्तनुं ते. किसीक मर्जी अनुसार चलना. acting according to the will of another. गच्छा० ५२; —उपचार. पुं० (—उपचार) आचार्य विगरेनी धर्मछानुसार वर्तनार तथा तेमनी भक्ति करनार. आचार्य आदि की इच्छानुसार चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला. one who obeys and serves a preceptor etc. दस० ३, २, २१;

कंदर्प. न० (कन्दन) अरीयानुं दाडलुं. दवात-मर्सापात्र का ढकना. Lid or cover of an ink-stand. राय० ११०; कंदर्पा. जी० (कन्दना) साधुये दंडिपलुं वस्तु गृहस्थने त्यागी व्होरीवाच्या पट्टी गुर्वादिकने ते वस्तुनुं आमंत्रण करनुं

ते; समाचारीनो पांचमे प्रकर. कीर्द भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस वस्तु के लिये गुर्वादिक का साधुने आमंत्रण करना; समाचारीका पांचवां भेद. The 5th variety of Samāchāri; inviting a preceptor etc. to partake of a thing received as alms by a Sādhan. प्रव० ७६७; भग० २५, ७; उत्त० २६, ३; पंचा० १२, २;

छुक. न० (षट्क) छ ६ नो समुदाय. छः का समुदाय. A group of six. पि० नि० ३; भग० २०, १०; उत्त० ३१, ८; क० ग० १, २६; १, ३०; २, ३३; (२) हास्यादि ६ हास्य रति अरति-शोक-भय जुगुप्सा. हास्यादि छः-हास्य, रति, अरति, शोक, भय और जुगुप्सा. the group of six viz. laughter, attachment, discontent, grief, fear and disgust. विशेष० १२८४; —समाजिय. त्रि० (—समजित) छ छन थोडकी जेनुं अल्लु थर् शिद ओनुं. छःछः क थोक मे जिसका ग्रहण हो सके वह. capable of being taken into groups of six. भग० २०, १०;

छुकाय. न० (षट्काय) पृथ्वी, अप, तेज, वायु, वनस्पति अने वनस्पति ये छुकायना छय. पृथ्वी-काय, आपकाय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और वनस्पति इन ६ प्रकारके जीवोंका समूह-षट्काय. A group of living beings in the form of earth, water, fire, wind, vegetable and moving animals. अणुजी० १२; सूय० १, ११, ८; —रक्षत्रण. न० (—रक्षत्र) पृथिवी आदि छुकाय छेनुं ग्राह्य करनुं ते. पृथ्वी आदि षट्काय जीवों का रक्षण करना. protection of the six kinds of sentient beings. प्रव०

५२४; —रक्षणा. स्त्री० (—रक्षा) ७ ३५
श्रुतेन रक्षाय. षट्काय जीवों की रक्षा.
protection of the six kinds of
sentient beings. प्रब० १३६८;

द्वय. न० (*) विष्ठा. विष्ठा, मल. Dung;
feces. पण० १, ३;

द्वयण. न० (*) छांय. गोबर. Dung.
पंचा० १३, १३; —पी०.य. पुं० (—पीठक)
छायेतो आने. गोबरका ओटला; बैठने का
आसन विशेष. a square seat made
of dung. निसी० १२, ६;

द्वयणिया. स्त्री० (*) छाये. उपल; गोबर
के छाये. A dung-cake. अणुन० ३, १;

द्वयल. पुं० (द्वयल) ओकेडा. बकरा. A
young of a goat. पण० १, १;
जीवा० ३, ४; (२) येथा देवदेविका मन्दनु
चिन्ह. चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह.
the mark of the Indra of the
fourth Devaloka. आ० २६; (३)
सत्तरमा तीर्थकरनु छांय. १७वें तीर्थकर का
चिन्ह. the mark of the 17th
Tirthankara. प्रब० ३८२;

द्वयलग. पुं० (द्वयलग) जुओ "द्वयल"
शब्द. देखो "द्वयल" शब्द. Vide
"द्वयल" पि० नि० ३१६;

द्वयलपुर. न० (द्वयलपुर) ओ नामनु शहर.
इस नाम का एक नगर. Name of a
town. वि० ४;

द्वय. पि० (षट्) ७; ६; ६; ६; Six; 6.
भग० १, ५; १५, १; पण० २; क० मं० २,
७; जं० प० ५, ११८; —अंगुल. न०
(—अंगुल) जुओ "द्वयंगुल" शब्द.
देखो "द्वयंगुल" शब्द. vide "द्वयंगुल"

भग० २४, २०; —अन्तास. स्त्री० (—अन्ता-
रिशात्) छेताविसनी संख्या. छयालीस की
संख्या. forty-six. जं० प० ७,
१४७; —मास. पुं० (—मास) ७ महीना.
छः मास. six months. उत्त० ३६, १५८;
—सट्. स्त्री० (—षट्) छसटनी संख्या.
छासट की संख्या. sixty-six. जं० प०
७, १४७;

✓द्वय. धा० I. (राजेरघद्वयमहरीहरेहा
इति सूत्रेण राजते: द्वयादेशः) शोभनु.
शोभना. To appear beautiful; to
shine.

द्वयति. जं० प० ३, ४५;

द्वयिमा. स्त्री० (*) छाये. पुल नयेरे
संख्यानी छाये. छाबडा; फूल वंगरह रखने
का टोकरी. A shallow basket for
flowers etc. गय० ३५;

द्वयजीवणिया. स्त्री० (* षट्जीवनिका-जीव-
निकाय) जेभा ७३५५ छरनी रक्षाने अधि-
कार छे येथा दशैकालिक सूत्रना येथा
अध्ययननु नाम. दशैकालिक सूत्र के चौथे
अध्याय का नाम, जिसमें षट्काय जीवों की
रक्षा का अधिकार है. Name of the
fourth chapter of Daśavai-
kālika Sūtra dealing with the
subject of protection of the
six kinds of sentient beings.
दस० ४; —नामज्जयण. न० (—नामा-
ध्ययन) ७३५५निकाय नामे दशैकालिकसूत्र-
ना येथा अध्ययननु नाम. षट्जीवनिकाय
नाम का दशैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय.
the fourth chapter of Daśa-
vaikālika Sūtra named Chha-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

jīvanikāya. दस० ४;

कुट्टण. न० (*) सीयपुं; छटपुं.
सीचना; छाटना. To sprinkle. सु० च०
६, ११;

कुट्ट. त्रि० (षष्ठ) छट्ठुं, छनी पूरयु संख्या.

छठा. Sixth. कप्प० ८; पञ्चा० १६, १२;

कप्प० २; ११४; (२) मे उपवास भेगा

करवा ते. दो उपवास एक साथ करना two

consecutive fasts. भग० २, १; ५;

३, १; २, ७; ७, ७; २४, २०; नाया० १;

६; ७, ८; १६; १४; दस० ४; सूय० १, १,

१, १२; सम० ८; सु० च० २, ३४८; पञ्च०

४; दस० ४; वव० ६, ४०; विशेष० ६४१;

पि० नि० ५६०; नाया० घ० ६; दसा० ६,

२; ७, ११; — प्रदृष्टम. पुं० (—अष्टम) मे

अथवा त्रयु उपवास करवाते—छट्ठम—अष्टम.

दो अथवा तीन उपवास करना; षष्ठ—अष्टम

तप. the (Chhattha) or (attha-

ma) consecutive fasts. नाया० १६;

—अमण. न० (—अमण) छट्ठ तप; मे

उपवास सुधे करवा ते. षष्ठ तप; दो उपवास

एक साथ करना. two consecutive

fasts. नाया० १६; अंत० ३, ८; भग० २.

५; —अमण. न० (—अमण) पांय टंके

उत्सवी छडे टंके भोजन करवुं; मे उपवास

भेगा करवा ते. पांच भोजन बेलारों का त्याग

कर के छठे वरु भोजन करना; दो उपवास

एक साथ करना. taking food after

two consecutive fasts. आव० भग०

१, १; पञ्च० २८; —अमण. त्रि०

(—अमण) मे मे उपवास करवा वालो. दो

दो उपवास करने वाला. (one) ob-

serving two consecutive fasts.

भग० ७, २; १४, ७; १६, ४;

कुट्टं कुट्टेरु. अ० (षष्ठं पठेन) छट्ठं पठेने पारये

छट्ठ तप करवुं ते. छः २ के पारये से षष्ठ

तप करना. Practising an austerity

in which fast is to be broken

every third day. “ छट्ठं कुट्टेरुं तवो

कम्मेषं ” अणुत्त० ३, १; नाया० १३, १६;

भग० ९, ३१;

कुट्टण. न० (षष्ठक) छट्ठुं. छठा. Sixth.

भग० ६, १;

कुट्टाण. न० (षटस्थान) अनंत भाग

हीनाधिक, असंख्यात भाग हीनाधिक,

संख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण

हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, अने

अनंत गुण हीनाधिक, मे हानि वृद्धिना छ

स्थानहीन संख्या. अनंत भाग हीनाधिक,

असंख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण

हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व

अनंत गुण हीनाधिक, इन हानि वृद्धि के छ

स्थानक का संज्ञा. Name of the six

stages of rice and folk namely

more or less or than infinite

parts or divisions; more or less

than immeasurable parts or

divisions; more or less measur-

able or limited vir. tues or qua-

lities, more or less than illimit-

able virtues and more or less

than infinite virtues. पि० नि० भा०

२६; —गय. त्रि० (—गय) छ स्थानक भां प्राप्त

थयेत; १ अनंत भाग, २ असंख्या भाग,

३ संख्या भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्या

गुण, ६ संख्या गुण मे छ स्थानक साथे

* बुद्धो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दीनाधिक रूपे प्राप्त थये। छ स्थानकों में पहुँचा हुआ; १ अनंत भाग, २ असंख्य भाग, ३ संख्य भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्य गुण, ६ संख्य गुण, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से संबंध रखने वाला One who has reached or obtained the 6 stages (1) Infinite divisions, (2) immeasurable parts, (3) measurable or limited parts. (4) infinite virtues. (5) virtues by and measure. (6) virtues that can be counted or reckoned. One who keeps concern with the above six forms of stages in a more or less measure. विशेष १५२:—पडिय. त्रि० (-पतित) छ स्थानकों में पतित. one resorting to six stages भग० २५, ६;

कट्टिया. स्त्री० (पडिका) छठी डित्पति; छठी जन्म. Sixth birth. "इमं यो कट्टिया जाई" उल० १३, ७.

कट्टी. स्त्री० (पट्टी) छटा; पक्ष्मी छट्टी तिथि. पट्टी: पक्ष की छटा तिथि. The sixth day of a fortnight. जं० प० ७, १५३; (२) छटी विभक्ति. छटी विभक्ति. the genitive case. जं० प० पञ्च० २: ३; अणुजो० १२९; विशेष ६६०; (३) छटी नरक; मघा नामे छटी पृथ्वी. छटा नरक: मघा नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया० १६;—पुडवी. स्त्री० (-पुडवी) मघा नामे छटी नरक. मघा

नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell named Maghā. जीवा० २; नाया० १६; कट्टिय. त्रि० (*) कट्टियुं; छट्टियुं. (शाध-धमेद पयरे) मूलने से पीट कर दाना को भूसा से अलग करना. Thrashed with a flail; pounded. " निखडिय सालि " राय० ११८; तंदु० जीवा० ३, ४;

✓ कट्ट धा० I, II. (कट्) छेड़नुं; तज्जनुं. छोड़ना; त्याग करना To abandon; to leave; to release.

कट्टइ. भग० १, ६;

कट्टमि. उवा० २, २५;

कट्टेज्ज. वि० विशेष १४१३;

कट्टेज्जा. नाया० २;

कट्टण वि० दम० ५, १, ८५;

कट्टइस्सामि. राय०

कट्टुं. सं० क० विशेष १४०१;

कट्टवेइ. णि० मु० च० १५, १५७;

✓ कट्ट धा० I, II. (कट्) छिड़की करी; वमन करनुं वमन करना. To vomit. कट्टिमा. आया० २, १, ३, १४;

कट्टकट्ट. पुं० (कट्टकट्ट) सुपटे सेती वमने वा-पने के आवाज थाय ते; कट्ट कट्ट जैवे अनुकरण शब्द-आवाज. कट्ट कट्ट ऐसा आवाज An onomatopoeic word expressive of its sound. नाया० ७;

कट्टण. न० (कट्) परतनुं; तज्जनुं. त्याग देना. (Getting rid of (e. g. feces); abandoning. वि० नि० ५२७; ५५६; आया० २, १, ६, ३२;

कट्टावण. न० (कट्) छोड़नुं; तज्जनुं. छोड़ना; त्याग कराना. Causing to abandon. आच० नि० भा० २१८;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कडिय. त्रि० (कडित) उलटी करेह; वमन करेह. वमन; वमन किया हुआ. Vomitted. (२) वमन करना करने वाले को उलटी करेह. वमन किये हुए के हाथ से भिक्षा लेने से साधु को लगाता हुआ एक एषणा का दोष. a fault connected with alms-begging viz. accepting food at the hands of one who has vomited. पंचा० १३, २६; प्रव० २७६; नि० ५२०;

✓ कडण धा० I. (कण) हिंसा करवी; वध करवी. हिंसा करना; वध करना. To kill.

कड. वि० आया० १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६;

कडह. आ० सूय० २, १, १७;

कडण. पुं० (कण) वधः अवसर. समय; अवसर. Time; moment. (२) हिंसा. हिंसा. killing. (३) उत्सव. उत्सव. a festivity. ओष० नि० ८८; —ऊस. त्रि० (-आसविक) ओष० भडो-छवे पहरेया ओष० उत्सव महोत्सव के प्रसंग पर ओष० पहिने का. holiday apparel. निसी० १५, ३५; —पड. न० (-पद) हिंसास्थान; हिंसास्थान. हिंसा का स्थान. an abode of the sin of killing. आया० १, २, ६, १०२;

कडिय. त्रि० (कडिक) कडिगुंर. कण भंगुर. Transitory; transient. (२) महोत्सव महोत्सव. a great festivity. नाया० ५;

कडण. त्रि० (कड) कडिगुंर; संताडिगुंर; कडिगुंर. कडिगुंर; कडिगुंर; कडिगुंर. Covered; concealed; hidden. निसी० १२, ६; ओष० नि० १३८; (२) कडिगुंर सभुंर;

भडी भोजन करुं ते. भोजन सम्मेलन. feasting; a feast; a dinner-party. नाया० २; (३) इन्द्रादिना भडो-त्सव. इन्द्रादि का महोत्सव. a festivity of Indra etc. भग० ६, ३३; नाया० १; कडणालय. न० (*कडणालय) त्रिकाष्टिक; संन्यासीगुंर ओष० उपकरण. त्रिकाष्टिक; संन्यासी का एक उपकरण. A wooden implement used by a Sannāyāsi (an ascetic). भग० २, १; नाया० ५; ओष० ३६;

कडिण. पुं० (कडिक) ओष० नामना ओष० कडिण. इस नाम का एक कडिण. Name of a butcher. विवा० ४;

कड. न० (कड-आतप कडवति तड) कड; कड. कड. छाता. An umbrella. कड० ४, ६२; प्रव० ४६१; १२२८; ओष० १०; २७; अणुगुंर १३१; सूय० १, ४, २, ६; ठा० ५, १; सम० १६; ३६; नाया० १; ३; ५; ८; १२; भग० १, १; २, १०; ५, ४, ७, ६; ८, १०; दसा० १; १; ३; वध० ८, ५; पड० २; निसी० ६, २२; ओष० नि० भा० ८५; जंवा० ३, ३; राय० ६८; सु० च० १५; २६; जं० प० ५, ११७; विवा० २; नाया० ५; दम० ३, ४; उवा० १, १०; (२) अद्वयगुंरना कडिगुंर यतो नक्षत्र साथेना योयः कडिगुंर. चंद्रादि का नक्षत्र के साथ कडिगुंर का कडिगुंर अनुसार होता हुआ योग; कडिगुंर. the conjunction of the moon etc. with a constellation presenting the appearance of an umbrella. सू० प० १२; —असिजुस. न० (-असिजुस) लभवानना ओष० अनिशय; लभवानना भाषे कडिगुंर कडिगुंर धारण थाय ते. कडिगुंर कडिगुंर धारण करना; भगवान का एक अनिशय. holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc. नाया० १; ५; भग० १६, ५; सू० प० १२; —कार. पुं० (-कार) छत्र बनाये वाला. a maker of umbrellas. अशुजा० १३१; —ग्राह. पुं० (-ग्राह) छत्रने धारण करने वाला. one who holds an umbrella. निसी० ६, २४; —सय. न० (-सय) छत्रों के उपरि चले छत्रा, छत्र छत्र छत्र तेना छत्र छत्र. ऊपरा ऊपरी तीन छत्र: छत्र के ऊपर छत्र व उसपरभां छत्र. three umbrellas; one held over the other. प्रव० २५१; —धारि त्रि० (-धारिन्) छत्र धारण करने वाला. (one) who holds an umbrella. भग० ११, ११; —रयस्य. न० (-रयन्) चक्रवर्तीना आदि जन्मानुं नवमं रत्न. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में नवमा रत्न. the ninth of the fourteen jewels of a Chakravarti. टी० ७, १; जं० प० पञ्च० २०; —लक्षणा. न० (-लक्षणा) छत्रना लक्षण परीक्षण की ओर कला. छत्र के लक्षणों की परीक्षा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella. नाया० १; —संस्थित त्रि० (-संस्थित) छत्र संस्थित: छत्रने आधारे संस्थित. छत्र की आकृति वाला. having the form of an umbrella. उल० ३६, ५७;

कृतग. न० (कृतक) छत्र: छत्र. छत्र: छाता. An umbrella. आया० २, ३, २, १२०; (२) संन्यासीनं ओर छत्रधारी. संन्यासी का एक उपकरण. an implement used by an ascetic. सूय० २, २, ८८;

कृतगता. स्त्री० (कृतकता) छत्रने आधारे ओर वनस्पतिपत्रं. छत्र के आधार में एक प्रकार का वनस्पतिपत्र. State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella. सूय० २, ३, १६;

कृतपलासय. पुं० (कृतपलाशक) कयंगला नगरनी ओरनेना ओर नामने ओर अगुआ. कयंगला नगरी के बाहर का इस नाम का एक बगीचा. Name of a garden outside the town named Kayaṅgula ' कृतपलासय नाम चेहू होत्या ' भग० २, १;

कृतय. न० (कृतक) अनुशा "कृतग" शब्द. देखा "कृतग" शब्द. Vido "कृतग" भग० २, १;

कृतसि. स्त्री० (कृतसि) अनेक: छत्रनी संख्या: छत्रसि: ७६. Seventy-six: 76. क० ग० ६, ३१;

कृता. स्त्री० १ (कृता) अनन्तकाय विशेष अनन्तकाय विशेष. A variety of Anantakāya. भग० २३, ३;

कृतार. पुं० (कृतकार) छत्रा बनायेवाला कारागार. A maker of umbrellas. पञ्च० १;

कृताह. पुं० (कृताह) ओर उदा-३ छेत्री दे: छत्र श्रीपद्मप्रभ तीर्थधरने देवज्ञान धरुं दे: एक छत्र एक जिनके नीचे छेठे धा पद्मप्रभ तीर्थकर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Śrī Padmaprabha attained to omniscience. सम० प० २३३;

कृति. त्रि० (कृति-कृतमस्यास्ताति) छत्रा धारी: छत्र धारी. छत्रवाला; छत्रवाला. Having an umbrella: possessed

of an umbrella. भक्त० ८, १०;
अणुजो० १३१;

वृत्तोद्भ. न० (वृत्तौक) उन्नाकार वर्षादि पृथी
ततः उगती ऐक वनस्पति के जेने लोका-
मीदृशनी अणी कहे छे ते. वृत्र की आकृति
के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली
एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग
कहते हैं A kind of umbrella-
shaped vegetation sprouting
up immediately after the set-
ting in of monsoon; mush-
rooms; fungi. पञ्च० १;

वृत्तोवृ. पुं० (वृत्तोपग) ऐक वृक्ष
एक प्रकार का काष्ठ. A kind of tree,
ओव० जीवा० ३, ४;

वृत्तोह. पुं० (वृत्तोह) ऐ नामनु जात; वृक्ष
विशेष. इस नाम का वृक्ष; वृक्ष विशेष.
Name of a particular kind of
tree. पञ्च० १; भग० २२, ३; —वृत्त.
न० (—वन) उन्नाह वृक्षनु वन. वृत्तोह
जात के वृक्षों का वन. a forest of the
trees of the Chhatroha kind.
भग० १, १;

वृद्ध. न० (वृद्ध) पांशुः पिच्छुः पंख; पर.
A wing; a feather. उत्त० ३४, ६;

वृद्धा. ष० (षोडश-वर्त्मःप्रकारैः) छ प्रकारे.
छः प्रकारसे. In six ways or modes.
विशे० ६००; क० ग० १, ३८;

वृद्ध वि० (वृद्ध) गुप्त राक्षस; कपटशी आश-
यते गोपनी अन्यथा ओक्षेत्. गुप्त, भेदयुक्त.
Hidden; secret; dissimulated.
सूय० १, ६, २६; भग० २५, ७; (२) व्री० पी०
न ओक्षे तेरी रीते गुप्त सन्देशो पड़ोयाज्जार

ऐक दूती. औरों को ज्ञात न हो इस प्रकार
संदेशा पहुंचानेवाली दासी-दूती. a female
servant who conveys a mes-
sage without letting others
know it. कप्प० ६, २६; पि० नि० ४२८;
—अक. पुं० (—अक) वादण्याथी दंक्षयेत्
सूर्य. बादल से छका हुआ सूर्य. the sun
hidden behind clouds. विशे० ४६८;
—पद्म-य. न० (—पद्) कपट; माया.
कपट; माया. deceit; fraud; foul
play. सूय० १, ४, १, २. —पद्. न०
(—पद्) मायास्थान; कपट. मायास्थान;
कपट deceit; fraud; foul play.
सूय० २, ६, ३५;

वृद्धा व्री० (वृद्धा) ओम्मे “वृद्धा” शब्द.
देखो “वृद्धा” शब्द. Vide “वृद्ध-
पद्म” सूय० १, २, २, २६;

वृद्धवृ. पुं० (*) वांसनी धीधरणी;
वांसली. बांसका बनना. A sieve of
bamboo. आया० २, १, ८, ४३; ओष०
नि० ६५८; पि० नि० ६६१;

वृद्धवृ. व्री० (*) रोटी वृद्धावृ.
पटली; आपरीओ. रोटी बनानेका पाटा.
A wooden board on which
bread is made. पि० नि० २७९;

वृद्धग. पुं० (वृद्धग) छ अंग. छ अंग.
Six classifications. भग० ६, ४;

वृद्धामरी. व्री० (वृद्धामरी) वीणा; सतार.
सितार; वान. A harp; a flute. नाया०
१०;

वृद्धमुह. पुं० (वृद्धमुह) विमलनाथजीना यक्षनु
नाम. विमलनाथजी के यक्ष का नाम.
Name of a Yaksha of Vimala-

* ओम्मे पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

nāthaji. प्रव० १७६;

कुरु. पुं० (त्सह) तलवारनी मुंड. तलवार की मूठ. The handle of a sword. ओव० १०; जीवा० ३, ३; पगह० १, ४;—अपवाय-पुं० (—प्रवाद) तलवारनी मुंड पकड़ी देरववा-नी कला. पटवाजी. the art of fencing. ओव० ४०; नाया० १;

कुल. त्रि० (षट्) ७. छः Six. विशेष० १०१;—अंश. पुं० (—अंश) ७ अंश. छः अंश. six parts. भग० ६, ५; पगह० १४५७; जं० प० ३, ५४; (२) ७२१ आम. छठा हिस्सा. sixth part. “अगुरुहह चउ चलंसि तांस्तो” क० गं० २, १०;—अंसा. स्त्री० (—अंश) ७ प्रकृतिनी सत्ता. छः प्रकृतियों का सत्ता. the existence of six Prakritis. क० गं० ६, ६;—ऊँ. त्रि० (अर्ध-सार्ध-पंचकम्) सप्तम्यं माडे पांच. five and a half विशेष० १०१;—सीह. स्त्री० (—अशीति) ७८; ८६ क्रियायां eighty-six; ८६ क० गं० ६, ३१; सम० ८६; भग० २, ८;

कुल न० (कुल) ७३; ६५२—पीतना वयनो पीतानी छट्कदपनापडे असत्य करी अनापनुं. कुल, कपट, औरों के वचन को अपनी हठ करवना से असत्य कर दिखाना. Fraud; deceit; proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself. विशेष० १६०७;—आयतलु. न० (—आयतन) ७३-पात-नो ओह दोष तेनुं स्थान. कुल-वाद का एक दोष उसका स्थान. an abode of fallacious dispute or controversy. “आहंसु कुलायतनं च कर्म” सूय० १, १२, ५;

कुलवा. स्त्री० (कुलना) अस्तवुं. ७३भेद.

ठगना; छलभेद. Deceit; fraud. ओव० नि० ७८५; पि० नि० १६०;

कुलिम्र. त्रि० (कुलित) ६५८ विगेरेथी हगा-येन. कपट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceiv-
ed; cheated; imposed upon. नाया० ६; विश० १६०७; पि० नि० ६३४;

कुलुअ. पुं० (पडलूक) जुओ “कुलुग” शब्द देखो “कुलुग” शब्द. Vide “कुलुग” टा० ७, १;

कुलुग. पुं० (पडलूक) वैशेषिक मतना स्था-पनार कण्ठ मुनि. वैशेषिक मत के स्थापक कण्ठ मुनि. Kṇāḍa, the founder of the Vaiśeṣika tenet. विशेष० २३०२;

कुलूय. पुं० (कुलूय) आर्य महागिरिना शिष्यनुं नाम आर्य महागिरि के शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Mahagiri कण० ८.

कुल्ली. स्त्री० (कुल्ली) त्वचा; आतटे; आत. त्वचा, छाल. Skin; bark. विवा० १; नाया० १३, १४; अणुजं० १; पल० १ गय० ५३;—खाअ. त्रि० (—खाद) आतटे आतार मेह मतनो छील छाल को खाने वाला एक प्रकार का कीड़ा. an insect or worm eating the bark of trees. टा० ४, १;

कुषि. स्त्री० (कुषि-कुषति आमारे कुनसि वा तमः) आभडी; आत. त्वचा, चमडी; छाल. Skin; bark. टा० २, ३; जं० प० प्रव० ४३६; (२) शरीर. शरीर. a body. भग० ५, ४; ७, ६; (३) कृति: तेज. सौन्दर्य. lustre; beauty. कण० ३, ३४; जीवा० ३, १; (४) पत्र योत्रा वगेरे धान्य. चीसे बगेरह धान्य. a variety of pulse. दस० ७, ३४;—खाअ. पुं० (—खाद) सुपर प्रमुपनी आभडी आतार.

सुअर वगैरह की चमडी को खाने वाला.
one who eats the skin of pigs
etc. निसी० ६, १०; —चाण न० (—चाण)
आमडीनुं रक्षयु करार परे अंगीची विगेरे.
त्वचा का रक्षण करने वाला वस्त्र कम्बल
वगैरह. any kind of cloth (e. g.
a blanket etc.) protecting the
skin. उत्त० २, ७; —छेद. पुं० (—छेद)
आओ कविच्छेय) शब्द. देखो “कविच्छेय”
शब्द. vide “ कविच्छेय ” ठा० ७, १;
भग० ८, ३; ११, १०; १४, ८; १५, १;
—छेय. पुं० (छेद) हाथ, पंज, नाक, शन
पगेरे क्षयता ते: अकम्पननी दण्ड नीति.
हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना;
इस नामकी दंड नीति. punishment
by mutilation of limbs. जांवा०
३, ३; राय० २६०; ज०प०नाया० ४; पंचा० १,
१०; —पव्व. न० (—पव्व) गेमां हाडना सांधा
अने आमडी वगेरेछे तेनुं शरीर: उतिरिड शरीर
ऐसा शरीर जिसमें हाडियों की जोड़ व त्वचा
वगैरह है. the physical body con-
sisting of bones, skin etc. उत्त०
२, २६;

कवि. श्री० (कवि) नाश; क्षय. नाश; क्षय.
Destruction; ruin. भग० २५, ७;
—कर. त्रि० (—कर) छेनेना क्षय
करना. जीवों का क्षय करने वाला. (one)
who destroys or kills living
beings. भग० २५, ७;

कविसि. श्री० (कविसि) छीस क्वीस
Twenty-six. विवा० १;

कविह. त्रि० (कविह) छ प्रकरनुं. छः
प्रकार का. Of six kinds or modes.

सम० ६; भग० १२, ४; दसा० ४, ३८;
४५; ४६; ७, १;

कवीहय. त्रि० (कविहय) कान्तिवाणुं.
तेजस्वी; कान्तिवान. Beautiful; lus-
trous. ओव० १०; आया० २, ४, २, १३८;
कविह. त्रि० (कविह) छ प्रकरनुं. छः
प्रकार का. Of six kinds or modes.
वेय० ६, २०; पि० नि० ५; भग० २, ७; १६, ८;
२५, ६; ७; विशे० ३००; —बन्धय. त्रि०
(—बन्धक) मोह अने आयुष्यकर्मने छोड़ी
आडीता छ कर्मनुं प-पन करना. मोह
और आयुष्यकर्म को छोड़कर शेष छः कर्मों
का बन्धन करने वाला. one who incurs
Karma of six kinds i. e. all
save those called Moha and
Agyas. भग० ६, ६;

कहा. अ० (पांठा) छ प्रकारे. छः प्रकार से.
In six ways or modes. क० गं०
१, ५, ८;

कहाय. पि० () भुभुं. भूखा; जिसको लुधा
लगा हो वह. Hungry. पि० नि० ६६३;
कहाय. श्री० (कहाय) छाया; पडछाये. छाँव.
Shade; shadow. ओव० दसा० ७, ५;

कहाय त्रि० (कहाय) दंडेनुं ढकाहुआ.
Covered. नाया० १;

छाउमस्थ. त्रि० (छाउमस्थ) छमस्थ संमथी.
छमस्थ सम्बन्धी. Pertaining to a
Chhadmastha (i. e. one not
free from attachment. राय० २६३;

छाउमस्थिय. पुं० (छाउमस्थिय) छमस्थ
अस्थामां रहेना. छमस्थ अवस्था में रहने
वाला. One in the stage of being
Chhadmastha. (i. e. one not

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

free from attachment. भग० १३, १०;

झागलिय. पुं० (झागलिक) ओकड़ा भारनार
कसाई. कसाई. A butcher. विवा० ४;

झागल. पुं० न० (झादन) दालघडिकनो ५५;
७१. दर्मादिक का छत. A cover of
grass etc. "झागलियाह" भग० ८, ६;

झागल. न० (*) धालु गोबर.
Dang प्रव० ४४०; —उडिकया. स्त्री०
(—उडिकडा) धालु वासीधुं वागनारी;
धालु डिवाडनारी गोबर इत्यादि साफ करने
वाली स्त्री. गोबर उठाने वाली. a female
servant who clears off dung,
refuse etc. नाया० ७;

झादण. न० (झारन) ढांकनुं. आच्छादित
करना. Act of covering. भग० ११,
११; जीवा० ३, ४; पंचा० १२, १२; पगढ़०
२, ३;

झाय. त्रि० (झत) कसाघातधी प्रणमुन
कसाघात मे प्रणमुन. Not wounded
by blow etc. दस० ६, २, ७;

झायंसि. त्रि० (* झावावन्) जया-शरीरनी
शोभावाणुं. शारीरिक सौन्दर्य वाला; दर्शनीय.
Beautiful; possessed of physical
beauty. सम० प० २३२;

झायल. न० (झादन) दर्भ विगरेथी ढांकनुं;
आच्छादन. दर्भ बगरह मे ढांक देना—आच्छा-
दन कर देना. Act of covering with
anything e. g. Darbha grass
etc. आया० २, २, ३, ८५; पंचा० १२,
१२; प्रव० ८७२; (२) घर डिपनुं वांस
अपाट विगरेनुं भागलु-पगलु घर का
छत. a roof of a house. वि० नि०

३०३; (३) पत्त; कपडुं. वस्त्र; कपडा.
cloth; a garment. नाया० १; तंडु०

झाया. स्त्री० (झाया) छांयडे; छाया. छांया;
छांव. Shade; shadow. उत्त० २८,
१२; डा० २, ४; वि० नि० भा० ३४; पि
नि० १७२; अणुजो० १२७; दसा० ७, १;
सुय० २, १, ४२; पन० १६; भग० १, ६;
१४, ६; १५, १; नाया० १५; कप० ५,
१०७; प्रव० ७६५; (३) छानि, छानि.
कानि; दानि. lustre; brightness.
आव० १०; २२; राय० ४६; पल० २; जं०
प० नाया० १०; भग० १, ६; २, ८; (३)
आच्छादित (झादण) ने आच्छादित पक्ति-
पत्त. भोजन करने के लिये बैठी हुई पंक्ति. a
row of persons sitting at
dinner. जं० प० ७, १६२;

झायल. स्त्री० (पट्टचचारिशन) जुआ
'झायलीस' शब्द. देस. "झायलीस"
शब्द. Vile. 'झायलीस' पल० २; क०
नं० ६, २७;

झायलीस. स्त्री० (पट्टचचारिशन) छेतालीस;
४६. छियालीस; ४६. Forty-six; 46.
सम० ४६; वि० नि० ६५६;

झायोवअ. पुं० (झायोवअ) घण्टी जया वाणुं
आ५. गहरी झाया वाला वृक्ष. A densely
shady tree. डा० ४, २; निषी० ३, ८१;

झार. न० (झार) राख; अरम; वाली. राख;
भरम. Ashes. वि० नि० ३१४; विशेष०
१२५६; (२) धाय. कांच glass. विशेष०
३४०२; (३) आरे. संवारा. any kind
of salt. जं० प० नाया० २; —उडिकया.
स्त्री० (—उडिकडा) राख वासनारी स्त्री.
राख काडने वाली स्त्री. a female

* जुआ पुष्ट नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पुष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) P 15th.

who sweeps off ashes. जं० प०
छारिअ-य. न० (छारिक) अरभ. राख;
भस्म. Ashes. भग० २, २: —राशि
पुं० (-राशि) अरभनो ढगयो. राख का
ढेर. a heap of ashes. दस० २, १, ७;

छारियभूय. त्रि० (छारीभूत-अक्षरं अभस्म
क्षरं भस्म भवतीति) राप्प जेवुं थयेवुं.
राख जैसा बना हुआ. Reduced to
ashes भग० ५, ६; ७, ६;

छारिया. स्त्री० (छारिका) राप्प. राख.
Ashes. भग० ५, २; १८, ६;

छारीभूय. त्रि० (छारीभूय) जुओ " छारि-
यभूय " शब्द. देखो " छारियभूय " शब्द.
Vide. " छारियभूय " भग० ३, १;

छावदिठ. स्त्री० (षट्षष्टि) छयासठ; ६६.
छांठठ. ६६. Sixty-six; 66. जं० प०
७, १३४; विशे० ४३५; ७१८; सम० ६६;
भग० २४, २०; पञ्च० ४;

छाव. पुं० (शाव) अरभ्यु; आश्रक. बालक;
बच्चा. A young one; a baby. नंदा०
स्थ० ४६; स्य० १, १६, ३;

छावसरि. स्त्री० (षट्ससति) छेतिर; ७६.
छाव्यासर; ७६. Seventy-six; 76.
सम० ७२; भग० २४, १२; जं० प० ७, १२६;

छासठि. स्त्री० (षट्षष्टि) छयासठ; ६६. छांठठ;
६६. Sixty-six; 66. भग० ८, २; २४, १;

छासीइ. स्त्री० (षट्षष्टि) छयासी; ८६.
छियासी; ८६. Eighty-six; 86. भग०
२०, ५;

छिडी. स्त्री० (*) छींड़ी-नानो भाग;
आरी-बारा; छोटी-छिडकी. A small
back-door; a small window or
gate. नाया० २;

*छिड. त्रि० (छिड्कत) छी-छी करेहुं. तिरस्कृत.
Dispised; condemned. विशे० ३३७;
१७५४; पि० नि० १८६; १९५; पि० नि०
भा० ३७;

छिडंत. त्रि० (*) छींड़ुं. छींड़ता हुआ.
Sneezing. सु० च८ ४, २२६;

छिडिछिडकार. पुं० (छिडिछिडकार) कुतरा पगेरेने
दांड़याने छि-छि-दत-दत पगेरे शब्द छेवे।
ते. कुत्ता वगैरह को निकालने के लिये छि-छि
दत-दत वगैरह शब्दों का कहना, Utter-
ing the sound Chhi-Chhi or
any similar sound to drive
away dogs etc. पि० नि० ४५१; पि०
नि० भा० १२४;

छिड्ड. न० (छिड्ड) छिड्ड; कापुं; आंठारुं. छिड्ड.
A hole; an opening. विशे० १४२२;
(२) दोष. दोष; अपराध. a blemish;
a fault. राय० २८३; (३) आकाश.
आकाश. the sky. भग० २०, २;

छिड्डिया. स्त्री० (छिड्डिका-छिड्डाणि विद्यन्ते-
स्यामिति) आश्रुणी. चलनी. A sieve.
नाया० ८;

छिगण. त्रि० (छिग) छेदेवुं; कापेवुं. काटा
हुआ. Broken; cut off. उल० १४,
२६; १५, ७; आब० ३८; सम० १२; आया०
१, १, ५, ४६; भग० ८, ३; ६; ६, ३३;
१३, ४; १६, ६; नाया० १; १६; १८; पञ्च०
१५; —आवाय त्रि० (-आवात-छिग
अपगत आयातेन्यान्पत आगमनम् यस्मिन्)
जेभां जेवुं आवयुं न अने जेवुं स्थान-पर्वत
जंगल पगेरे. जिसमें जाना जाना न हो सके
ऐसा स्थान-पर्वत जंगल बगैरह. (any-
thing) inaccessible e. g. a

mountain, a forest etc. नाया० १५; भग० १५, १; वेद्य० ४, २६; —जाला. ली० (-ज्वाला) छेदायेध अग्निनी शिखा; जेनी जल-ज्वाला छेदाध गध छे ते छिदी हुई अग्निकी शिखा; जिसकी ज्वाला छिद गई हो. a broken flame of fire; (fire) with broken flame. नाया० १; —भिरण. त्रि० (-भिज) छिन्न भिन्न अग्नियेध. द्विज भिज बना हुआ. scattered; at sixes and sevens; in a condition of disorder. " छिण्य भिरण्य बाहिरिगहिय " विवा० ३; —रुहा. ली० (-रुहा—सम्यपिच्छिन्ना पुनरारोहनीति) क्षपी नाप्पी होय तोज उगे ओवी ओड वननी वनस्पति (गजुप्पी). काट डाली जावे तब ही उगे गुंसा एक प्रकार की वनस्पति. a species of vegetation which grows only if it is pruned. (Grahma). पत्र० १; विवा० ३; भग० २३, १; —संलग. त्रि० (-संलग) जेमां पर्वत छेदने पड़ी अयेध छे ओवे माग पमेरे. ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो. a road etc. obstructed by a mountain which has broken and collapsed. नाया० १८; —सोय. त्रि० (सोतस्) जेना संसार प्रवाह छेदाध अये छे ते. जिस का संसार प्रवाह छेदा गया है वह. one whose worldly relations are cut off. जं० प० २, ३१;

* छिस्त. त्रि० (*) स्पर्श करेनुं; आऽकेनुं. स्पर्श किया हुआ; छुसा हुआ. Touched; in contact with. पि० नि० ५३५;

छिस्तारा. ली० (*) छापड; छत. इत. A roof; a ceiling. " छिस्तारा उक्कयाह " भग० ८, ६;

छिस्तार. त्रि० (छेत्) छेऽ करनार; नाश करनार. नाश करने वाला. One who cuts off or destroys. आया० १, ७, ३, २०६; प्रव० १३१;

छिद्र न० (छिद्र) जुओ " छिद्र " शब्द. देखो " छिद्र " शब्द. Vide " छिद्र " भग० ३, ३; नाया० २; ८; राय० २५४; पत्र० २; —छेहि. त्रि० (-छेहिन्) छिद्र जेनार. छिद्र को देखने वाला. (One) who looks to the weak points of others. ठा० ५, १; —छंत. पुं० (-छंत) छिद्रना अंत-छेदा. छिद्र का अन्त-किनारा. end of a hole. " छिद्रते हसते " भग० १, ६;

छिन्न. त्रि० (छिन्न) जुओ " छिन्न " शब्द. देखो " छिन्न " शब्द. Vide " छिन्न " उत्त० २, ५; पि० नि० ५८४; दस० ४; भक्त० ३२; (२) नियमित रीति जुहुं पांडुनुं; विभाग करेध. नियमित रीति से विभक्त. divided; separated. पि० नि० २३१; ३८६; —कहंकह. त्रि० (-कथंकथ-छिन्ना-देवाकृग कथंकथा रागद्वेषादिवंन असौ) हर करी छे रागद्वेषादिक कथा जेले. जिस ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह. (one) who has banished talk involving passion, hatred etc. आया० १, ७, ६, २२२; —ग्रंथ. त्रि० (-ग्रन्थ) ग्रंथ-परिग्रहनी गांठ-आसक्ति जेले छेदी नापी छे ते. ग्रंथ-परिग्रह की आसक्ति जिसने हटा

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दी हो वह. (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कृष्० ५, ११६; —पक्ष. त्रि० (-पक्ष) कपायेन छे पांभो जेनी ते. कटे पंख वाला. having the wings cut off. भक्त० १४१;

छिन्नछेयणादयः. त्रि० (छिन्नछेदनधिक) जे सूत्र के गाथा स्वतंत्र अर्थ दशादि श्री ७ सूत्र के गाथानी अपेक्षा न राखे ते छिन्न छेदनयवाहुं कहेवाय जेम-धम्मोमंगल मुद्धिदम. जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ बता सके, दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो. (Anaphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse; e. g. "religion is the highest good." सम० २२;

छिन्नल पुं० (*) दलकी जननी अथवा के घोड़ा. हान जाति का बैल या घोड़ा. An ox or a horse of a low breed. उत्त० २७, ७;

छिप्य. त्रि० (स्पृश्य) स्पर्श करके योग्य. Worthy of being touched. सू० च० ८, २७;

* छिप्य. न० (*) पूंछ. पूंछ; दुम. A tail. विवा० २;

छिप्य. न० (छिप) जल्दी; उतावले. जल्दी; शीघ्रता से. Soon; quickly. विवा० १; नाया० १८; —तूर. न० (-तूर्य) उतावले वागनार वाहुं. जोर से बजने वाला जा. a musical instrument which gives out tunes in rapid suc-

cession. "छिप्यतुरेणं वज्रमावेणं" विवा० १; नाया० १८;

छिप्यतर. त्रि० (छिप्यतर) उतावले. उतावला. Hasty; very quick. विवा० ३;

छिरा. स्त्री० (शिरा) नाडी; नस. नाडा. An artery. जीवा० १; सूय० २, २, १८; भग० १, ५; ६, ३३;

छिरिया. स्त्री० (क्षीरिका) ओक वनस्पति; कन्द विशेष. एक वनस्पति; कन्द विशेष. A kind of vegetable with bulbous root. जीवा० १;

* छिबिय. न० (*) सीतकरी; करवा ते. सी २ की आवाज करना. Act of uttering a sibilant sound. पण्ड० १, ३;

छिवट्ट. त्रि० (सेवाल) छेवट्ट संघयण; छ संघयणमानुं छट्ट संघयण छः संघयणमे से छट्ट संघयण. The last of the six kinds of Sanghayanap (i. e. physical structures of bones etc.). क० सं० २, ४; ५, ४४;

* छिवा. स्त्री० (*) आमडनी ताम्बूली; आम्बो. चमडे का चाबुक. A leathern whip. पण्ड० १, ३; —प्राहार. पुं० (-प्राहार) आम्बोआने भार. चाबुक का मार. a lash of a whip. नाया० २; १७;

* छिवाडिया. स्त्री० (*) ज़ायसींग; भगवती. मुमकती. A ground-nut. पण० १७; (२) ज़ाडी ज़ाड का छाल. bark of a tree. दसा० ६, ८;

छिवाडी. स्त्री० (*) सींग. फली. A pod. आया० २, १, १, २; दस० ५, २, २०; जीवा० ३, ४; राय० ५५; पण० ६७१; —पोरथ. न० (-पुस्तक) पुस्तकना पांय

प्रकारमाने ओक के पुस्तकी पहोलाध
वधारे अने लडाध ओधी होय ते पुस्तक.
पुस्तक के ५ प्रकारों में से एक; जिस पुस्तक
की चौड़ाई अधिक व मोटाई कम हो ऐसा
पुस्तक. one of the five varieties
of the shapes of books; viz. a
book which is very thin but
whose breadth is very great.
प्रव० ६७५; — भिन्न. त्रि० (-मात्र)
सिंज-दूधी प्रभाय. फला के परिमाण का.
of the size of a pod. प्रव० ६७४;

छीअ. न० (छुत) छीक. छीक A sneeze.
आव० १, २, ४, ४;

छीइत्ता. सं० क० अ० (*) छीक आधने;
छीकने. छीककर. Having sneezed.
ज० प० २, २४; जीवा० ३, ३;

छीय. न० (छुत) छीकनु ते; छीक. छीकना;
छीक. Sneezing; a sneeze. विशेष०
५०१; नंदी० ३८;

छीया. आ० (छुता) छीक आरी. छीक
आना; छीक. Act of sneezing; a
sneeze. आच०नि० ६४३;

छी. आ० (छीर) बीज; दूधवाली ओक
साधारण वनस्पति. दूध जैसे रस वाली एक
साधारण वनस्पति. A vegetation
containing milky juice and
having infinite lives. भग० २२,
१; पक्ष० १;

छीरल. पुं० (छीरल) भुजपर सर्प विशेष.
भुजपर सर्प विशेष. A particular
kind of serpent. पशु० १, १;

छीरविराजिया. आ० (छीरविदारिका) कन्द
विशेष. कन्द विशेष. A particular

kind of bulbous root. भग० ०, ३;
पक्ष० १; जीवा० १;

छुछुकार. पुं० (छुछुकार) कुतराने छु छु-
ओ प्रभाय शब्द प्रयो ते. कुते से छु-छु
ऐसे शब्द करना. Calling a dog by
the sound "chhu-chhu". आवा०
१, ६, ३, ४;

छुडियवर. न० (*) आभरण विशेष.
आभरण विशेष. A particular kind
of ornament. जीवा० ३, ३;

छुन्न त्रि० (* छुण्ण) नपुंसक. नपुंसक; नामर्द.
Impotent. पि०नि० ४२४;

छुयायार. त्रि० (छुताचार) आभी लरेल;
आचारवातु. दोष युक्त आचार वाला.
Faulty or defective in right
conduct. वव० ६, २०;

छुर. पुं० (छुर) अश्रो; सार्धश्रो. उसतरा.
A razor. पंचा० १०, ३२; — छर.

न० (-गृह) दावदानी अश्रो पगेरे
राश्रवानी केथली. नाई की उसतरा बगैरह
रखने की थैला. a barber's bag for
keeping in razors etc. सू० प०
१०; ज० प० १७, १४४; — मुंड त्रि०

(-मुगड) अश्रोथी मायुं मुण्डनार.
उसतर से सिर मुंडाने वाला. (one)
who gets his head shaved by
means of a razor पंचा० १०, ३२;

छुरय. पुं० (छुरक) निवडनु आड के जेना
दूध सुगंधी अने तनना दूध जेना थाय छे
तथा दूध भीडा अने पिपलांना जेना थाय छे.
तिलक का वृक्ष; जिसके फूल सुगन्धयुक्त व
तिलके फूल जैसे होते हैं व फल मोठे व
पापल के फल जैसे होते हैं. A variety

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits; the Tilaka tree. पञ्च० १; कुरिया. का० (कुरिका) ७री. कुरी. A small knife. उत्त० १६, ६३;

कुडा. जी० (कुषा) युनो; ५गीयुनो. चूना. Lime; chunam. ओष० नि० ३२४;

कुडा. जी० ((कुषा) भुष्म. भूक; कुषा. Hunger "कुडासमावेयानसि" गच्छा०

२; पि० यि० ६६३; नाया० १; १३; १८;

पञ्च० २; राय० २५५; सु० च० ३. १८३;

—कर्मन्त. न० (-कर्मन्त) भुषापरिकर्म;

आश्विनो रसोर्ध निपज्जयमानं स्थान. कुषा परिकर्म; ब्राह्मणको रसोर्ध बनाने का स्थान.

a place for a Brāhman to cook food; a kitchen. दसा० १०. १;

—परिसह. पुं० (-परिसह) भूषने परिषह; भूषसहन करवी ते. कुषा सहन

करना. bearing the affliction caused by hunger. भग० ८, ८;

—वेदनीय. न० (-वेदनीय) भुषा वेदनीय कर्म; जेना उदयथी भूष लागे छे ते कर्म.

कुषा वेदनीय कर्म; जिसके उदयसे कुषा लगती है वह कर्म. the Karma

by the rise of which one feels hunger. ठा० ४, ४;

कुहिय. त्रि० (कुषित) भूष्यु; भूषेत्.

कुषित; कुषादुर. Hungry. नाया० १४;

कुड. त्रि० (*) नाभेत्तु; ईडेत्तु फेंकाहुआ;

बालाहुआ. Thrown; flung. पि० नि०

६८; २५४; ५६२; उत्त० २९, ४०;

कुष-य. त्रि० (कुष) अवसरनो अनुनार.

कुषय; दोशीयार. समय को पहिचानने वाला;

कुशल; समय सूचक. Clever; (one) who knows what to do at a particular time. सूय० १, १४, १;

ओष० ३०; ३१; जीवा० ३, १; आवा० १,

५, १; १४४; भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

१९; पण्ड १, ३; विशे० ११४५; कण्य०

४, ६२; दस० ४, ११; राय० १२६, २६५;

(२) विच्छेद; अटकावत. विच्छेद; अटकाव.

interruption; hindrance. वेय०

२, ४; ५, ५; ओष० २०; उत्त० ३०;

३; (३) विनाश; नुशानी. विनाश; नुक-

सानी; हरजा. destruction; loss. उत्त०

७, १६; (४) भांड; ५५३. खंड; टुकड़ा

a piece; a fragment. राय० ५३;

—आचार्य. पुं० (-आचार्य) निपुण अथवा

शिष्यता आचार्य. शिष्यके निपुण आचार्य. a

proficient teacher of arts 'कुषाव-

रियडवममहकण्ययाधिगम्येहि' भग० ७, ६;

—कर. त्रि० (-कर) नाश करनार; जेही-

नाशनार. नाश करने वाला. (one) who

destroys; destructive. पंचा० ३. १६;

—प्रतिभाग. पुं० (-प्रतिभाग) भागने

भाग; विभाग. हिस्से का हिस्सा. a sub-

division. क० गं० ४, ८५;

कुं ओषड्वावसु. न० (कुं ओषड्वावसु) ओ नामनुं

पीजुं चारित्र; पूर्य पर्यायने ईडी महाप्रतोनुं

आरोपण करयुं ते. इस नामका दूसरा चारित्र;

पूर्वपर्यायका कुंदन करके महाप्रतोका आरोपण

करना. Name of the right-con-

duct in which an ascetic is de-

graded from his position due to

faults and again initiated with

the five great vows. विशे० १२९.

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुट नोट (*).

Vide foot-note (*) p. 15th.

क्षेत्रोपस्थापनिय. त्रि० (क्षेत्रोपस्थापनिक)
 क्षेत्रोपस्थानीय नामे श्रीमन् चरित्र. क्षेत्रो-
 पस्थापनीय नाम का दूसरा चरित्र. Name
 of the right-conduct in which
 an ascetic is degraded from
 his position due to faults and
 again initiated with the five
 great vows. ओव० २०; भग० २५,
 ६; ७; वेव० ६, २०; पञ्च० १; —संज्ञम.
 पुं० (—संयम) जुओ उपाये शब्द. देखो
 ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५,
 ६; —संज्ञय. त्रि० (—संयत) क्षेत्रोप-
 स्थापनीय चरित्रवाला. क्षेत्रोपस्थापनीय
 चरित्रवाला. an ascetic possessed
 of the right-conduct as stated
 above. वेव० ६, २०;

क्षेत्र. त्रि० (क्षेत्र) क्षेत्रा लायक; (चरित्रनो
 छेद). क्षेत्रनेक योग्य; चरित्रका छेद. Worthy
 of being cut off; degraded from
 right-conduct. विशेष० १२४६;

क्षेत्र. न० (क्षेत्र) स्थान; स्थल. स्थान; स्थल.
 A place; a region. ओव०

क्षेत्रार. त्रि० (क्षेत्र) क्षेत्रार; क्षापनार. क्षेत्रने-
 काटने वाला. (One) who cuts off.
 आया० १, २, १, ६६; सूय० १, ८, ४;

क्षेत्र. पुं० (क्षेत्र) अक्ष; अक्ष. खंड; विभाग.
 A division; a portion. ओव० २०;
 भग० ५, ४; वव० २, २;

क्षेत्रोपस्थापन. न० (क्षेत्रोपस्थापन) जुओ
 ' क्षेत्रोपस्थापन ' शब्द. देखो ' क्षेत्रोपस्था-
 पन ' शब्द. Vide. ' क्षेत्रोपस्थापन '
 उत० २८, ३२; टा० ३, ४; ५, २;

क्षेत्रोपस्थापनिय न० (क्षेत्रोपस्थापनिक) जुओ
 ' क्षेत्रोपस्थापनिय ' शब्द. देखो ' क्षेत्रोप-
 स्थापनिय ' शब्द. Vide. ' क्षेत्रोपस्थापनिय '
 भग० ५, २;

क्षेत्र. पुं० (क्षेत्र) निरीथ आदि छेदसूत्र.
 निरीथ आदि छेदसूत्र. Nisītha and
 other Chheda Sūtras. प्रव० ७६६;
 —गंध. पुं० (—गन्ध) व्यवहार निरीथ वगेरे
 छेदसूत्र. व्यवहार निरीथ वगेरेह छेद सूत्र.
 Chheda Sūtras such as Vyava-
 hāra, Nisītha etc. प्रव० ७६६; —सूय.
 न० (—सूत) छेद-प्रायश्चित विधि अतावनार
 सूत्रो-निरीथ, दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकलप आने
 व्यवहार सूत्र. छेद-प्रायश्चित विधि बताते
 वाले सूत्र निरीथ; दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकलप
 और व्यवहार सूत्र. Sūtras which deal
 with modes of expiation viz.
 Nisītha, Dasāśranta Skandha, Ve-
 dakalpa and Vyavahāra. वव० १;

क्षेत्रगभाव. पुं० (क्षेत्रगभाव) क्षेत्रापणुं क्षिप्त.
 The state of being cut. विशेष० २१३;

क्षेत्रण. न० (क्षेत्रण) अक्ष विभेरेपी क्षापणुं ते.
 खड्ग वगेरहसे काटना. Act of cutting
 with a sword etc. उत० २६, ३; सम०
 ११; टा० ५, ३; (२) कर्मनी स्थितिने धातु
 क्षेपे ते. कर्म की स्थितिका धातु करना. cut-
 ting off the existence of Karma.
 टा० १, १; (३) क्षेत्रापी वस्तुना अक्ष-छेद-
 पाटी शक्य ते; शस्त्र. शस्त्र. an instru-
 ment for cutting. क० प० १, ६;

क्षेत्रण. न० (क्षेत्रण) अक्षे क्षेपे क्षेपे ते. दो
 टुकड़े करना. Cutting into two. पञ्च०
 १२; (२) आभजने छेदयानुं शस्त्र. चमड़े को
 छेदनेका शस्त्र. A tool or instrument
 to cut leather. सूय० २, २, ४८;

क्षेत्रण. न० (क्षेत्रण) जुओ " क्षेत्रण "
 शब्द. देखो, क्षेत्रण ' शब्द. Vide.
 ' क्षेत्रण ' सूय० २, २, ४८

क्षेत्रपरिहार. पुं० (क्षेत्रपरिहार) चरित्रनो छेद
 आने परिहार-नय चरित्र का छेद और

परिहार तप. Lapse in right conduct, austerity or penance. वव० १, २६; २७; २८; २९;

छेरविरालिया. छा० (छेरविरालिहा) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. जीवा० १;

छेलिअ. न० (*) नाक छीं कपुं. नाक छिकना. Act of clearing away the mucus of the nose by expelling it from the nostrils. नंदी० ३८; (२) सीटी बजावरी ते. सीटी बजाना. act of whistling. विशेष० ५०१;

छेलिया. छा० (*) छाली; नानी अकरी. छोटी बकरी. A young she-goat. पण० १, १;

छेवट्ट. पुं० (सेवर्त्त) छ संघयणभानुं छुं संघयण जेभां दाउकाओने परस्पर स्पर्श मात्र संबंध रहे छे, भीडी बिना छे; जेकाछने रहे छे, तेन पगेरेथी भविष्य आदि सेवानी अपेक्षा राखे छे ते. जिसमें हथियों का परस्पर स्पर्श मात्र का संबंध रहता है, बिना मेख प्रत्येक छेद जुडाहुआ हो, तैनादि मानिस का अपेक्षा रखता हो ऐसा शरीर का बांधा. The last of the six kinds

of bony structures (Saṅgha-ayanas) in which the bones are kept together without being fastened by a bandage and nails. पण० २३; जीवा० १; भग० २४, १; क० गं० १, ३६; ३, ३; ५, ६६; —संघयण. न० (—संहनन) छेवट्ट संघयण. छेवट्ट संघयण. the Saṅgha-ayana known as Chhevatttha. ठा० ६, ४; —संघयणि. त्रि० (—संहननिन्) छेवट्ट संघयण वालो. छेवट्ट संघयण वाला. (one) possessed of Chhevatttha Saṅghayana. भग० २४, १;

छोअ. पुं० (छोद) छेतरी. छिलके. Outer harder and useless parts, particularly of vegetable substances chopped off with a knife etc मूय० २, ४, १६;

छोडिय. त्रि० (*) डेरेकुं. फोडा हुआ. Exploded; discharged; broken. ओव० १०;

छोभग. न० (*) आस; धब्बा. दाग; धब्बा; कतक. A stain; a bluish पि० नि० ४२०;

ज.

ज. त्रि० (यत्) जे. जो. A relative pronoun meaning who or which. भग० १, १; १२, ४; १०; नाया० १; १६; विशेष० १०, १६५;

जअ. त्रि० (यत्) यत्नायंत साधयेत; अप्रभादि. यत्न करने वाला; मावचेत; अप्रभादि. Self-

controlled; self-possessed; circumspect. उत्त० १, २१; आया० १, ३, २, १११;

जइ. पुं० (यति) यत्नायंत साधु. मुनि. यति. यत्नायंत साधु. यति, मुनि. An ascetic; a Sādhū. ओव० ३४; उत्त० २४, १२;

* अनुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*).
Vide foot-note (*) p. 15th.

वि० नि० १२४; विशेष० ८८; ४८३; पंचा० १, ३१; भक्त० १२; क० गं० १, ४६; सु० च० १, २३६; प्रव० ६०; १२१६; —कल्प. त्रि० (—कल्प्य) भुनिने ६६पे तेनुं. मुनि को ग्रहण करने योग्य. such as would be proper for an ascetic. प्रव० २६; —किञ्च. न० (—कृत्य) यति-साधुनुं कर्तव्य. यति-साधु का कर्तव्य. duty of an ascetic. पंचा० १२, ४०; —जण. पुं० (—जन) साधु पुरुष. साधु पुरुष. an ascetic; a monk; a saint. “वज्जे-यस्सो य सया सुयप्पमाप्पो जहज्जेण” स्य० नि० १, २, १, ४१; —जोग. पुं० (—योग) स्वाध्याय आदि साधुनी व्यापार. स्वाध्याय आदि साधु का व्यापार. activity or function of an ascetic e. g. study of scriptures etc. पंचा० ६, १६; —धम्म. पुं० (—धर्म) दस प्रकार के यति-साधु के धर्म. duties of an ascetic classified into ten kinds. “स्वतिअजव-महव मुत्ति तवसं” बब्बो संख सोय आ-किञ्चणं च बंभं च जह् धम्मो नाया० ११; प्रव० २६१; —परिसा. स्त्री० (—परित) साधु सौकेयनी सभा. साधु लोगों की सभा an assembly of ecclesiastics. भाव० ३४; राय० —पुच्छा स्त्री० (—पृच्छा) साधुने शरीर संयम संयमी वार्ता पृच्छती. शरीर संयम संबंध में साधु से बातचीत करना. act of consulting a Sādhu in the matter of control of body or self. पंचा० १, ४३; —विस्सामण. न० (—विश्रामण) यति-साधुना शरीर आदिनी वेयावच्च इरपी ते. यति-साधु के शरीर आदि की सेवा करना-बयावच्च करना. rendering acts of service to an ascetic e. g.

removing his fatigue, nursing etc. पंचा० १, ४५;

जह. त्रि० (जयिन्) जय भेदवना२. जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. प्रव० ६६६;

जह. अ० (यति) जेतुं. जितना. An indeclinable meaning “as much in the proportion in which”.

भग० ७, ३; ८, १; १०; पज्ज० १५;

जह. अ० (यदि) जेतुं. कदि; जेतुं; जेतुं; यदि. जोकभा; जोकि; यदि. If ever; though; if. नाया० १; ५; ८; १६; १६; भग० १, ६; ६; २, ५; ३, १; २५, ६; ४१, १; दम० ५, १, १४; ६, १२; अणुजो० ३; विशेष० ८;

जहअ. त्रि० (जयिक) विजय करने वाला; जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. कल्प० ४, ६६;

जहअयच्च न० (यतित्तय) प्रयत्न करने. प्रयत्न करना; कोशिश करना. Act of making an effort or attempt. “जहअयच्चंजाया” भग० ६, ३३; नाया० १, ५; भक्त० ६; पंचा० १४, ५०;

जहच्छा. स्त्री० (यहच्छा) अल्प धारुं पाभनुं ते; दागजने जेसनुं अने ताजने पड्युते यह छायोय. बिना हच्छा के प्राप्त होना वह; काग का बैठना व डाली का गिरना. Accidental occurrence; unexpected happening; e. g. falling down of a palm tree coinciding with the perching of a crow upon it. परह० १, २; —वाह. पुं० (—वादिन्) दरेक पदार्थनी कारणविना अल्पधारी उभति थःय छे अम १६-११२. प्रत्येक पदार्थ की बिना कारण

अनधारी उत्पत्ति होती है ऐसा बाद करनेवाला।
 a person holding that the things of the world (i. e. the world) are produced fortuitously by mere accident. नंदी०
जइण. त्रि (जैन) जिन तीर्थकरे दर्शवेद; जिन संबंधी. जिन तीर्थकरने बताया हुआ. जिन संबंधी. Pertaining to, revealed by Jina i. e. Tirthankara. पंचा० ३, ४२; विशे० ३=३; १०३=, १०४१;
जइण. त्रि० (जयिन्) जयवान्; जित भेदवान्; जितवाना स्वभाववाण्. जीत प्राप्त करनेवाला; जीतने के स्वभाव वाला. Victorious; conquering. ओव० ३०; राय० ३३; जं० प० ५, ११५; उवा० २, १००;
 (२) बड़ी उतावली गति. बहुत शक्ति गति. great velocity; great speed. " लंघणपवणजइणपमइणसमथे " राय० जीवा० ३, १;
जइण. त्रि० (जविन्) वेगवान्; वेगवाण्. वेगवान्; वेगवाला; तेज. Fast; speedy. " लंघणपवणजइणपमइणसमथे " ओव० भग० ३, २; जीवा० ३, १; —वायाम. पुं० (-व्यावाम) उतावली कसरत. तेज कमरत. fast or quick physical exercise. " लंघणपवणजइणपमइणसमथे " उत्त० टी० ६; —वेग. पुं० (-वेग) साथी पधारे वेग; गतिमान सर्व पदार्थों उपर जिन भेदवान् वेग. सब में अधिक गति; गतिमान; सर्व पदार्थों को जीतने वाला वेग. highest speed; all-conquering speed. भग० ३, २;
जइणा. स्त्री० (यग्ना) ओ३ जलनी गति. एक प्रकार की गति. A kind of Gati or movement. नाया० ४;
जइणी. स्त्री० (जविनी) वेगवाली (स्त्री). गति

वाली (स्त्री). (A woman), with speedy gait or movement. ओव०
जइता. स्त्री० (यतिता) साधु पण्डु. साधुत्व; साधुपन Monkhood; state of being an ascetic. भक्त० ८७;
जइत्तार. पुं० (जंत्) शत्रुना सैन्यने जितनार. शत्रु के सैन्य को जीतने वाला. One that conquers hostile army. टा० ४, २;
जइत्ता. सं० कृ० अ० (याजयित्वा) यज्ज करानी; यज करानीने. यज्ञ कराकर. Having caused a sacrifice to be performed. " जइत्ता विउले जजे " उत्त० ६, ३८;
जइय. त्रि० (जयिक) जय करनेवाला; जितनार. जय करने वाला; जीतने वाला. Conquering; victorious. नाया० १, ८; (२) जय जय शब्द. जय जय शब्द. the voice of victory. नाया० ८;
जइय. पुं० (यट्ट) याज्ज करनी; यज्ञ करनेवाला. A sacrificer; one who performs a sacrifice. उत्त० २२, ३६;
जइवा. अ० (बदिवा) अथवा. या. Or; or else. उत्त० १, १७; २५, २४;
जइवि. अ० (यद्यपि) जेके जे पणु. जोकि; जोभी. Although; even though. सु० च० १, १२४; सूय० १, २, १, ६; नाया० ८; विशे० ५०१; मच्छा० ६६;
जउ. न० (जनु) लाल; जोगनी. लाल, जोगनी. A resinous substance called lac used in dyeing etc. पिं० नि० ३५०; क० सं० १, ३५; —गोल. पुं० (-गोल) लाल गोल. लाल का गोला. a ball of lac. टा० ४, ४;

जडया. स्त्री० (यमुना) यमुना; यमुना नदी.

यमुना, यमुना नदी. The river Yamunā. विवा० ८; ठा० १, २; १, २;

जडयावर्क. न० (यमुनावर्क) यमुना नदी के किछे ओ नामनुं ओक नगर. यमुना नदी के तट का इस नामका एक नगर. Name of a city on the banks of the river Yamunā. संथा०

जडवेय. पुं० (यजुर्वेद) चार वेदभनि ओक वेद. चार वेदों में से एक. One of the four Vedas so named. भग० ६, ३३; विवा० १, ६; कप० १, ६,

जझा. प्र० (यत्) जेथी; जेथी करी; जेमाथी. जिससे, जिसमें से. From which; since; because. उत्त० १, ७; आया० १, ५, १, १६१; भग० २, १; १५, १; विशेष० ३; विवा० १; नाया० २; १३; दम० ७, ११; क० गं० ३, १३;

जझा. प्र० (यत्) जहाँ. Where; in which. सम० ३४;

जं. प्र० (यत्) जेथी करीने; जे कारण भरे. जिस कारण से; जिस वास्ते. So that; reason for which; that for which. नाया० ५; १२; १६; १७; भग० ३, १; १८, ६; क० गं० १, ८; १, ३५; २, ८; जं० प० ५, ११२;

जॉकसि. प्र० (यॉकसिन्) जे किछे. जो कुछ. Any extent to which; anything which. नाया० ६;

जंगम. प्रि० (जङ्गम) साधतुं साधतुं जंगम भिक्षुत. चलती फिरती जंगम मालिकत. Moveable; moveable property. पणह० १, १; उत्त० ६, ६; (२) पुं० साधता साधता श्रव; प्रसश्रव. चलते फिरते जीव; प्रस जीव. जं० प० — विस. पुं० (-विष) सर्प आदिनुं जेर. सर्प बगैरह का विष

venom of a serpent etc. ठा० ६; जंगल. पुं० (जङ्गल) ओ नामनो ओक आर्य देश. इस नामका एक आर्य देश. Name of an Ārya country. पञ्च० १;

जंगिअ-य. न० (जाङ्गमिक) कोशेटा वगेरे प्रस श्रवता अरवथी उत्पन्न थयेन वस्त्र; उन रेशमी पिगेरे. कोशेटा इत्यादि प्रस जीव के अवयव से उत्पन्न ऊन रेशम. Silk, wool etc. produced from the limbs of moving sentient beings such as silkworms etc. "जंगमजायंजंगि तंपुष्पाविर्गालिदियच्चवेदि" ठा० ३, ३; १, ३; वंय० २, २२; आया० २, ५, १, १६१;

जंगोल. न० (जाङ्गुल) जेर उतारवाना उपाय उतारवाना शास्त्र; आयुर्वेदने ओक भाग विष उतारने का इलाज बिताने वाला शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc. विवा० १, ७;

जंगोली. स्त्री० (जाङ्गुली) जेर उतारवाना उपाय द्वायिनार शास्त्र गारुडी विद्या. विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र; मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake-bites etc. ठा० ८, १;

जंघा. स्त्री० (जङ्घा) जाघ; साथघ. जाघ, जङ्घा A thigh. जं० प० जीवा० ३, ३; आघ० नि० भा० ५; ३१६; अणुप० ३, १; आया० १, १, २, १६; पिं० नि० ३३०; ओब० १०; उवा० १, ६४; प्रब० १६, ६०५; — हिंया. स्त्री० (-अस्थिका) साथघना उपरना भागनुं साधतुं. जाघ के ऊपर के हिस्से की हड्डी. the bone of the part above the thigh. तं०

—चर. त्रि० (-चर) लंघनी-पगथी;
आधनारः पादो. जांघासे-पैरसे चलनेवाला;
प्यादा. pedestrian. अणुजो० १२८:

जंघाचारण. पुं० (जङ्घाचारण) तप विशेषथी
प्राप्त थयेली शक्तिवाला चारणमुनि के जेना
लावथी लंघने थापडी आकाशमां अधर
ज्ज शके. तप विशेष की एक लब्धि-शक्ति-
वाला चारण मुनि कि जो अपनी विद्या
के प्रभावसे जंघा को धपधपाकर चाहे ऊपर
आकाश में अधर जा सकता है. A class
of ascetics who through the
force of their spiritual power
can move in the sky simply by
patting the thighs. भग० २०,
६: प्रव० ६०७: —चारणलब्धि. स्त्री०
(-चारणलब्धि) लंघाचारण विद्या की
प्राप्ति. जंघा-चारण विद्या की प्राप्ति. re-
quirement of the knowledge
which enables one to move in
the sky simply by patting the
thighs. भग० २०, ६:

जंघाचारणा स्त्री० (जंघाचारणा) ओ' नामनी
विद्या के जेना प्रलावथी आकाशमां उठि
डिरी शक्य छे. इस नामकी विद्या कि जिसक
प्रभाव से आकाश में उडा जा सकना है.
A science of that name enab-
ling a person to soar in the
sky. भग० २०, ६: —परिजित. पुं०
(-जङ्घापरिजित) ओ' नामनी
साधु के जेजे वशीकरणने प्रयोग करी भूत
क्षेप लगाये दतो. इस नाम का साधु
कि जिसने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल
दोष लगाया था. name of an ascetic
who had incurred a blemish by
making use of fascination. पि०
नि० ५०७: —बल. न० (-बल) लंघनु

अथ. जांघ का बल. hardiness,
strength of the thighs जांघा० १;
—रोम. पुं० (-रोम) लंघनी श्वाटी.
जांघ पर के नरम नरम बाल. soft hair
growing on the thighs. निसी० ३,
४४: —संतारिम. त्रि० (संतार्य) लंघनी
तरी शक्य तेडुं (पाणी). जंघा से तरा
जामके इतना पानी. (water) reach-
ing the thighs. “ संतरा से जंघा
संतारिमे उदगे सिया ” आया० २, ३, २, १२४:
जंचेव. अ० (बचैव) जहां. Where;
at which place. संत० ३, ८:
जंत. न० (यन्त्र) वशीकरणदि प्रयोगमां यंत्र-
राने यंत्र. वशीकरणादि प्रयोग में आने वाला
यंत्र. A diagram of some mystical
nature used in winning over
a certain person. पण्ड० १, २; (२)
नियमन नियंत्रण. नियमन; नियंत्रण. con-
trol. राय० (३) ओड प्रकारनुं रथ. उपकरण
एक प्रकारका रथका उपकरण one of
the parts of a chariot. नाया० १;
जं० प० ५, ११४; (४) घांजी, थियेडा,
गेड्यु वगेरे. घांजी; घालने के साधन विशेष.
oil mill; juice extractors etc.
पण्ड० १, २: —पत्थर पुं० (-प्रस्तर) पाणी
के डवानुं यंत्र: गेड्यु आदि. पत्थर फेंकने का
यंत्र: गिलोल आदि. a weapon (e. g.
a sling) to discharge or shoot
stones पण्ड० १, २; —पीलखकर्म.
न० (-पीडनकर्म) घांजी थियेडा वगेरे
इश्वराने धंधे करवे ते; आवडना पंडर
कर्मादानमांनुं आरभुं कर्मादान; सातमां वतने
ओड अनियार. नेल निकालने की चक्की
चलाने का उद्योग करना वह; जिनियो के १५
कर्मादानों में से १२ वां कर्मादान; सातवें व्रत
का एक अतिचार. occupation of

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmūdānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. भग० ८, ४;—लटिठ. की० (-रहि) यंत्रना उपयोगमां आवतुं दाकटुं; यीथिआनुं दाकटुं. यंत्र के उपयोग में आता हुआ लकड़. wood used in constructing a mill e.g. that for pressing out juice from sugar-cane. दस० ७, २८;—घाडय. पुं० (-पाटक) शेरडी पीसवानुं स्थल; शेरडीतो पाड. गन्ने का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane. जीवा० ३, १;—घाडयचुह्नी. की० (-पाटक-चुह्नी) शेरडीतो रस पकाववानी यंत्र. गन्ने का रस पकाने का मशी. an oven where the juice of sugar-cane is heated. जावा० ३, १;—घाडण. न० (-वाहन) यंत्र चलावतुं ले. यंत्र चलाना. working a mill e. g. an oil-mill etc. प्रव० २६८;

अंतिय. त्रि० (संश्रित) नियंत्रित; नियमित; कथने कथन. नियंत्रित; नियमित; बस किया हुआ. Kept under restraint. उल० ३२, १२;

जंतु. पुं० (जन्तु) प्राणी; श्व. प्राणी; जीव. A living being. उल० ३, १; भग० ६, ७; २०, २; (२) अवास्तिनाय नामनुं जानादि युक्त्यानुं द्रव्य; द्रव्यतो अने प्रकार. जीवास्तिकाय नामक जानादि गुण-वाला द्रव्य; द्रव्य का एक प्रकार. a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc. and named Jivāstikāya.

उल० २८, ७;

जंतुग. पुं० (जन्तुक) अने जंतुनुं बास के गेथी दूध गुंथाय छे. एक प्रकार का घांस कि जिस से फूल गुंथा जाता है. A kind of grass used in knitting together flowers. सूय० २, २, ७; पण्ड० २, ३;

जंतुय. न० (जन्तुक) जंतुके नामना आसन पथरधुं. जन्तुक नाम के घांस का बिछौना. Bed made of the grass called Jañtuka. आया० २, २, ३; १००;

✓ जंप. धा० I. (जर) ओलतुं; कहेतुं. बोलना; कहना. To speak; to say. जंपह. सु० च० १, १०३;

जण. सु० च० १, ३०६;

जंगति. विश० ४६४;

जप्राप्त. सूय० १, १, १, १०;

जपिन्नामि. सु० च० १, २२५;

जपित्ता. सं० कृ० दसा० ६, १०;

जंत. व० कृ० सूय० १, १, २, ४; ओय० नि० ८०१; आड० ३२; पण्ड० २, ३; सु० च० १, ३१३; २, ४०६; पना० १२, ४५;

जंवमाख. व० कृ० नाया० ६; पण्ड० १, १; विश० २४२०; जं० प० ३, ४०;

जंपग. त्रि० (जरपक) ओलनार. बोलने वाला (One) who speaks. पण्ड० १, ३;

जंपाण. न० (जम्पान) अने प्रकारनुं वाहन; पादपी विशेष. एक प्रकार का वाहन; पादकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin सु० च० १०, ११३; ठा० ४, ३;

जंपिय. त्रि० (जरिपत) ओलनार. कहेतुं बोलता हुआ; कहा हुआ. Uttered; spoken. उल० ३२, १४; भग० ११, ११;

जंपिर. त्रि० (जरिपन्) ओलनार. बोलने

बाला. (One) who speaks. सू० च० २, २००:

जंबाल. पुं० (जम्बाल) शब्दः; धीयः.

कीचड. Mud; mire. डा० ३, ३;

जंबु. न० (जम्बु) जंबुश. जामुन A fruit of a tree called Jambu. भग० ८,

३३; २२, २; नाया० ६; (२) जंबुशनुं शब्द.

जामुन का फाड़. a kind of tree.

जीवा० १: पञ० १; (३) जम्बुश्वामी. जम्बू

स्वामी. Jambu Svāmī. प्रव० ७००;

(४) जम्बुद्वीप. जम्बूद्वीप. the continent known as Jambū Dvīpa.

कण० ८;

जंबुश्व. पुं० (जम्बुक) शिखात्र मियार. A Jackal. श्रौ० नि० भा० ८४; (२)

जंबुशुं शब्द. जामुन का फल. a fruit of

the Jambu tree. सू० च० ११, १०;

जंबुद्वीप. न० (जम्बूद्वीप) जम्बुश्व "जंबूद्वीप"

शब्द देखा "जंबूद्वीप" शब्द. Vide

"जंबूद्वीप" जं० प० ५, ११२; १, ३; ६, १२४;

५, ११५; सू० प० १; राय० २०; सु० च०

२, ८; नाया० १; १३; भग० ५, १; ५; ६,

५; १८, २; २०, ८; जं० प० ५, ११२; १,

३; उवा० २, ११३; कण० १, २; २, १४;

प्रव० १४१२; —पञ्चसिद्धि श्री० (पञ्चसिद्धि)

ये नामनुं पांचभुं उपानि सूत्र. इस नाम का

पांचवा उपानि सूत्र. the fifth Upāṅga

Sūtra so named. भग० ८, १;

नंदी० ६३; जं० प० ७, १२०; —प्रमाणय

त्रि० (-प्रमाणक) जंबुद्वीप प्रमाण

वाला. जम्बूद्वीप के प्रमाण वाला. of the

measure of Jambudvīpa. क० ग०

४, ७५;

जंबुफलकालिया श्री० (जम्बूफलकालिका)

ऐक्य मतवाला दारू. एक प्रकार की मदिरा.

A kind of liquor. पञ० १७;

जंबुवती. श्री० (जम्बूवती) अंतर्गड सूत्रना

पांचमा वर्गना छद्म अध्ययननुं नाम.

अंतर्गड सूत्र के पांचवे वर्ग के छद्म अध्ययन

का नाम. Name of the 6th chap-

ter of the 5th Varga (section)

of Antagada Sūtra. अंत० ५, ६;

जंबुसुदंशना श्री० (जम्बुसुदर्शना) ये नाम-

नुं ज३३ जेना उपरधी आ द्वीपनुं नाम

जंबुद्वीप पश्युं. इस नाम का एक वृक्ष कि

जिस पर से इस द्वीप का नाम जम्बूद्वीप

रखने में आया है. Name of a tree

after which Jambudvīpa is

named. जीवा० ३, ४;

जंबु पुं० (जम्बू) सुधर्मा स्वामी शिष्य;

जंबु स्वामी. जंबु स्वामी: सुधर्मा स्वामी

के शिष्य. The disciple of Sndhar-

mā Svāmī; Jambu Svāmī.

नाया० १; —असुगार. पुं० (असुगार)

जंबु स्वामी. जम्बु स्वामी. Jambū

Svāmī. जीवा० १; —फल. न० (-फल)

जंबुशुं शब्द. जामुन का फल. a fruit

of the Jambu tree राय० श्रौ०

पञ० १७; जीवा० ३; —कृष्ण पुं०

(-कृष्ण) जंबुशुं शब्द. जामुन का फाड़.

Jambu tree. जं० प० ७, १७७;

—वण. न० (-वन) जंबुशुं शब्द. जामुन

का वन. a forest of Jambu trees.

जं० प० ७, १७७; —वणकण्ड. पुं० (-वन-

कण्ड) जंबुशुं शब्द. जामुन का फाड़.

वन. a small forest of Jambur

trees. जं० प० ७, १७७;

जंबुगन्ध. न० (जाम्बुगन्ध) सेतुं; सुवर्ण. सु. नो

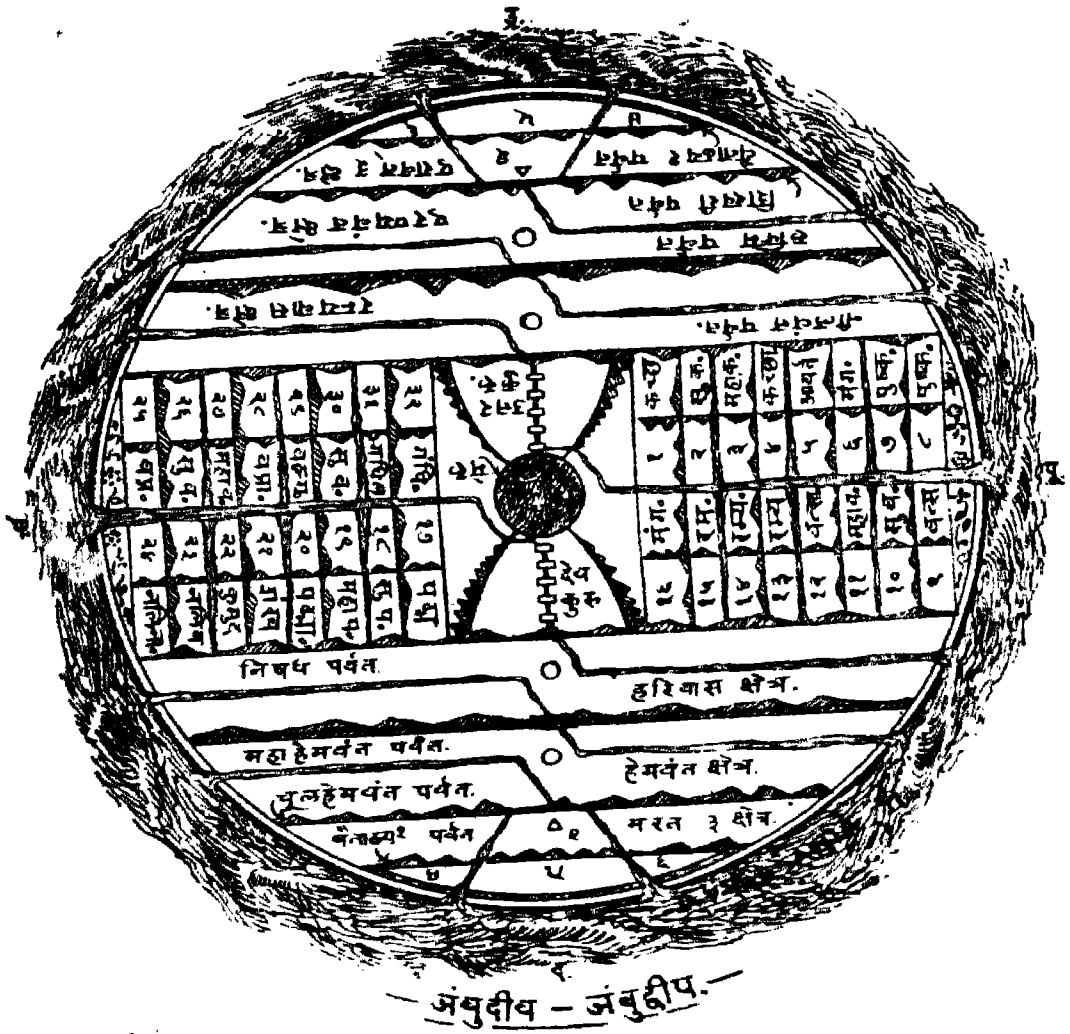
सुवर्ण; कांचन. Gold. जं० प०

जंबुगन्ध. पुं० (जाम्बुगन्ध) जम्बुशुं शब्द. जामुन

का फल. Vide above. राय०

६१; जीवा० ३, ४; जं० प० उवा० ७, २०६;

सचित्र अर्ध मागधी काष



जम्भयामय. त्रि० (जाम्बूनवमय) सुवर्ण
भय. सुवर्ण मय. Full of gold; gold-
en. भग० १, ३३;

जम्बुद्वीप. पुं० (जम्बुद्वीप) ये नामने अस्मि-
न्प्रात द्वीप समुद्रमानी प्रथम द्वीप. इस
नाम का अस्मन्प्रात द्वीप का प्रथम द्वीप.

Name of the first Dvīpa of
innumerable Dvīpas in ocean.

" कहीणभंते जम्बुद्वीप द्वीप महालक्षण भंते "

सम० १; नाया० १; २; १६; १६; नदी०

१२; पञ्च० १२; श्रव० १३; अणुजो० १०३;

१६५; भग० २, २; १०; ३, १; ७; डा०

१; १; निर० ३, १; —अद्विचद्वि.

पुं० (--अधिरति) जम्बु द्वीपने अधि-

पति अनादित नामने देवता. जम्बुद्वीप का

अधिरति अनादित नाम का देवता. A god

named Anādrita, the lord of

Jambūdvīpa. ज० १०. —परमाणु.

स्त्री० (--प्रमाण) जम्बुद्वीप प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण

छे ते जम्बुद्वीप प्रमाण नाम अक्ष प्रमाण सूत्र

कालिक सूत्र कि जिस में जम्बुद्वीप का वर्णन

किया है. name of a Kālika Sūtra

describing Jambūdvīpa. नाया०

२; डा० ४, १; —परमाणु. त्रि० (--प्रमाण)

जम्बुद्वीप प्रमाण; जम्बुद्वीप प्रमाण जम्बुद्वीप

के परमाणु का. of the size of

Jambūdvīpa. भग० ३, ७;

जम्बुद्वीप. त्रि० (जम्बुद्वीपक) जम्बुद्वीपमां

उत्पन्न यत्नार मनुष्य जम्बुद्वीप में उत्पन्न

होने वाला मनुष्य. A person born in

Jambūdvīpa. डा० ४, २;

जम्बुपल्लवप्रविभक्ति. न० (जम्बुपल्लवप्रविभक्ति)

जम्बुपल्लवप्रविभक्ति नटकमां २० भुं जम्बु

जम्बुपल्लवप्रविभक्ति विभाग दर्शावतामां आवे

छे ते ३२ प्रकार की नाटक की विधि में

से २० वीं विधि कि जिस में जामुन की

पत्तियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है.

The 20th of the 32 varieties

of dramatic representations

characterised by a scene of

the leaves of Jambu tree.

राय० ६०;

जम्बुफलकालिया. स्त्री० (जम्बुफलकालिदा)

जम्बुफलकालिदा कालिदा रंगनी मदिरा. जम्बुन

की सा कालि रंग की मदिरा. Liquor as

black as Jambu fruit. जीवा० ३३;

जम्बु. पुं० (जम्बुक) शृगाल; शिराई

मियार A jackal. पण० १, ३;

जम्बुलय पुं० (जम्बुलक) जम्बु; जम्बुलय

जम्बुलय जम्बु. मुराई; मकड़े मुँह का पाना

का पात्र. A pot of water with a

narrow neck. उवा० ७, १८४;

जम्बुवर्ध. स्त्री० (जम्बुवर्धनी) कृष्ण वासुदेवनी

की पटगनी के के नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा

लभ मोक्ष पचाया कृष्ण वासुदेव का लुट्टी

पटगनी कि जिन्होंने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा

ले कर मोक्ष प्राप्त किया. The sixth

crowned queen of Kṛṣṇa

Vāsudeva who got religious

initiation (Dīkṣā) from Lord

Nemnātha and attained to

final bliss डा० २, १; अंत० ४, ७;

जम्बुसुदंशना. स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) सुदर्शन

नाम जम्बु जम्बु जम्बु जम्बु जम्बु जम्बु जम्बु

नाम प्रसिद्ध धरेव छे. सुदर्शन नाम का एक

जामुनका वृक्ष जिस परमे जम्बु द्वीप का नाम

प्राप्त हुआ है. The Jambu tree

named Sudarśana from which

the name Jambūdvīpa is deri-

ved. ज० १०

✓जम्भ धा० I. (जम्भ) जम्भ जम्भ जम्भ

बघासी खाना. To yawn; to gape.

जंभाइसा सं० कृ० जं० प० २, २५;

जंभायन्त व० कृ० भग० ११, ११;

जंभग. पुं० (जृम्भक) त्रिच्छातोऽवासी देव-
तानी ऐकं गत. त्रिच्छा लोक वासी देवता
की एक जाति. A class of deities
residing in the region known
as Trichchhā. “अविर्बुधं भंते जंभगा
देवा” भग० १४, ८; नाया० ८; सु० च०
२, ३०८; पण्ड० २, २;

जंभणी. स्त्री० (जृम्भणी) ऐ नामनी ऐक
विद्या. इस नाम की एक विद्या. A science
of that name. सूय० २, २, २७;

जंभय. पुं० (जृम्भक) लुओ “जंभग”
शब्द. देखो “जंभग” शब्द. Vide
“जंभग” नाया० ८; भग० १४, ८;

—देव. पुं० (—देव) लुओ “जंभग”
शब्द. देखो “जंभग” शब्द. vide
“जंभग” नाया० १, ८;

जंभाइय. न० (जृम्भित) अगासुं आनुं.
वचासी खाना. A yawning; a gap-
ing. आव० १, ५; ४, ४;

जंभायमाण. त्रि० (जृम्भमाण) लुओ उपदेो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
नाया० १;

जंभिय. पुं० (जृम्भिक) ऐ नामनुं गाम.
इस नाम का एक गांव. Name of a
village. कण० ५, ११६;

जंभिय गाम. पुं० (जृम्भिकग्राम) अंभात्रामं
आवेश ऐकं गाम के गेती पासे महावीर
स्वामीने केवलज्ञान प्राप्त यथुं. बंगाल का एक
गांव जहां पर महावीर स्वामी को केवलज्ञान
प्राप्त हुआ था. Name of a village
in Bengal in the vicinity
of which Mahāvīra Svāmī
attained to omniscience. नाया०
३; आवा० २, १५, १०८; कण० ५, ११६;

जंभइय. न० (पदतोत) सूयगडांग सूत्रना १५भा
अभ्यनुं नाम. सूयगडांग सूत्र के १५ वें
अध्यायन का नाम. Name of the 15th
chapter of Sūyagadāṅga Sūtra.
सूय० १, १५; २५; अणुजो० १३१;

जक्ख. पुं० (यक्ष) व्यंतर देवनी ऐक
गत. जक्ष; यक्ष; व्यन्तर देव की एक जाति.
A kind of demi-gods known
as Yakṣas; a class of Vyantara
gods. सम० ३०; उत्त० ३, १४, १२, ८;
३६, २०७; अणुजो० २०; १०३; आव०
२४; आवा० २, १, २, १२; नाया० १; २;
८; ६; ठा० १, १; ओष० नि० ४६७; सु०
च० १, ३४७; ५, ३५; विशा० १, २; ५;
दसा० ६, २४; जीर्वा० ३, ३; पण० १;
प्रव० ०, २६१; मत० ७८; भग० २, ५;
४२, १; दस० ४, २, १०; (२) ऐ
नामनी ऐक द्वीप अने ऐक समुद्र. इस
नाम का एक द्वीप व एक समुद्र. name of
an island and also that of an
ocean. सू० प० २०; पत्र० १५; जीवा०
३, ४; —आइह. त्रि० (—आविष्ट) यक्षना
आवेशवाले. यक्ष का आवेश जिसमें है वह.
possessed by a Yakṣa. बव० २,
१०; १०, १८; ठा० ५, १; —आरस.
पुं० (—आवेश) यक्षने आवेश. यक्ष का
आवेश. state of being possessed
or influenced by Yakṣa. भग० १८;
२; १८, ७; —आदिसय-अ. न० (—आ-
रक्षक) ऐक दिशाभां थोडे थोडे आंतरे
वीरक्षीना गेवा भडका देपाय ते; भूत पिशाच
पगेरेना आता. एकही दिशा में थोड़े थोड़े
अंतर से बिजली की सा चमक का दिखाई
देना; भूत पिशाच इत्यादि का चमकार
flashes of light seen at inter-
val in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc.; Jack with a lantern. अणुजो० १२७; —आवेश. पुं० (-आवेश) यक्षने आवेश-प्रवेश. यक्ष का आवेश-प्रवेश. state of being possessed or haunted by a Yakṣa. भग० १८, ७; —आयतन. न० (-आयतन) जुआँ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. निर० ५, १; —आययण. न० (-आयतन) यक्षनु आयतन-स्थान-मंदिर. यक्ष मंदिर: यक्ष स्थान. a temple consecrated to a Yakṣa. अंत० १, १; ६, ३; नाया० ५: ६; —आलित. न० (-आलित) अक्ष दिशाओं में धीरे धीरे आने पर प्रकाश देना. एकही दिशा में कुछ-कुछ अंतर में विद्यमान जैसे प्रकाश का दिखाई देना. a flash of light seen at intervals in the dark; jack with a lantern. प्रव० १८६: ६; —आलितअय. न० (-आलितक) जुआँ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. डा० १०, १; जीवा० ३; भग० ३, ७; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) यक्षने इन्द्र. यक्षों का इन्द्र. the Indra of the Yakṣas, भग० १०, ५. (२) अरनाथ-यक्षना यक्षनु नाम. अरनाथजी के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa of Aranāthaji प्रव० ३७६; —आवेश. पुं० (-आवेश) यक्षने आवेश: यक्षना. यक्ष का आवेश-शरीर प्रवेश. state of being possessed by or under the influence of a Yakṣa. डा० २, १; भग० १८, २; —(कखु)उत्तम. पुं० (-उत्तम) यक्षना १३ प्रकृतियों में से अन्तिम प्रकार. the last of the thirteen

varieties of Yakṣas. पञ० २; —गगह. पुं० (-गह) यक्षने आवेश: यक्षने यक्षना. यक्ष का आवेश: यक्ष का शरीर प्रवेश. state of being possessed by a Yakṣa. भग० ३, ७; जं० ५०३, ८६; जीवा० ३, ३; —देउल. न० (-देवल) यक्षनु मंदिर. यक्ष का मंदिर. a temple consecrated to a Yakṣa. नाया० २; —पडिमा. ली० (-प्रतिमा) यक्ष देवता की प्रतिमा. यक्ष देवता की प्रतिमा. an idol of a Yakṣa (a kind of demi-god). राय० १६६; —पाय. पुं० (-पाद) यक्षना पाय. यक्षके चरण. a foot of a Yakṣa. नाया० १; —मंडलप्रविभक्ति. ली० (-मंडलप्रविभक्ति) ३२ नाटकों में से १० वा नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय० ६२; —मह. पुं० (-मह) यक्षने मंडलप्रविभक्ति. यक्ष का महोत्सव. a festival in honour of a Yakṣa. भग० ६, ३३; राय० २७७; निमी० १६, १२; जक्खकहम. पुं० (यक्खकहम) अ नामना अ यक्षीया. इस नाम के दो वैश्य. Two Baniyas named Yakṣa and Kardama (२) अ नामना अक्ष द्वीप अने अक्ष समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean. चं० प० २०;

जक्खदिक्षा. ली० (यक्खदिक्षा) आपीसभा तीर्थंकरनी भुज्य साध्वीनु नाम. बावीसवें तीर्थंकर की प्रधान साध्वी का नाम. Name of the principal nun of the 22nd Tirthāṅkara. प्रव० ३०६;

जक्खभह. पुं० (यक्खभह) यक्ष द्वीपनी अधिपति देवता. यक्षद्वीप का अधिपति

देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas). सू० प० २०;

जक्समहाभद्र. पुं० (यक्समहाभद्र) यक्ष द्वीपने अधिष्ठाता देवता. यक्षद्वीप का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas.) सू० प० २०;

जक्सवर. पुं० (यक्षवर) यक्ष समुद्रने अधिपति देवता. यक्ष समुद्र का अधिवात देवता. The presiding deity of Yakṣa Samudra (i. e. the ocean of the Yakṣas.) सू० प० १६;

जक्ससिरा ब्रा० (यक्षसी) यक्षश्री नामनी ओ३ अ. ३३. यक्षश्री नामकी एक ब्राह्मणी स्त्री. Name of a Brāhman's woman. नाया० १६;

जक्सला. ब्रा० (यक्षा) स्थूलभद्रती अष्टन स्थूलभद्र का भागिनी. The sister of Sthūlabhadra so named. कप० ८;

जक्सिणी. ब्रा० (यक्षिणी) २२ भा तीर्थंकरनी मुख्य सखी. The principal nun of the 22nd Tirthaṅkara. कप० ६, १००; सम० प० २३४;

जक्सोद. पुं० (यक्षोद) यक्षोद नामने समुद्र यक्षोद नामका समुद्र. Name of an ocean. सू० प० १९;

जग. पुं० (*) प्राणी. प्राणी. A living being. सू० १, ११, ३३;

जग. पुं० (जगत्) जगत्; दुनिया; लोक; संसार. जगत; दुनिया; लोक; संसार. The world; worldly existence. सू०

१, १, ३, ८; १, १०, ७; उत्त० १४, ४३; पराह० २, १; दस० ६, १२; जं० प० ५, ११२; —आणन्द. पुं० (आनन्द—जगतां संश्लेषोन्द्रयाणां निःशेषसाभ्युदयसाधक-धर्मोपदेशद्वारेण आनन्दहेतुत्वात् ऐहिका-मुक्तिक्रमोदकारणत्वात् जगदानन्दः) संसारनां लोके धर्म ओष आपी उँय गतीमां प्रापी आ लय तथा पर लय ने आनंद आपनार; श्री जिनेश्वर. संसारक जीवों को धर्म बोध देकर उच्च गतिमें लाकर इस भव व उस भव का आनंद देने वाला; श्री जिनेश्वर. Śrī Jineśvara so called because he gives delight to worldly beings in this world and the next by religious instruction which elevates them in the scale of spiritual evolution. नंदा० १; उत्तम. त्रि० (-उत्तम) जगत्मा उत्तम श्रेष्ठ. जगत में उत्तम, श्रेष्ठ. best in the world. प्रव० ४०१; —गुरु. पुं० (-गुरु) जगत्पिता गुरु-तीर्थंकर. जगद्गुरु - तीर्थंकर. a world-teacher; a Tirthaṅkara. प्रव० ४४२; नंदा० १; —जीवज्ञेयविद्यालय. पुं० (-जीवयोगविज्ञायक) जगत्लोकमें भरा स्वरूपने जगत्पिता देवतानी जगत् के जीवों के सब स्वरूप का जानने वाला; केवल-ज्ञाता. an omniscient knowing the real nature or essence of the beings on the earth. नंदा० —जीवण. पुं० (-जीवन = जगन्ति जहमानि अर्हिसकत्वेन जीवयन्तीति जगज्जीवनः)

* लुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

७३५५ जगना रक्षक; जिनेश्वर भगवान्, the protector of the 6 kinds of living beings; lord Jineśvara. सम० २०; —**द्वभासि** पुं० (—अर्थभाषिन्— जगत्पर्यां जगदर्थो ये यथा व्यवस्थिताः पदार्थाः, तानाभाषितुं क्षीलमस्तेति जगदर्थ-भाषी) लोक प्रसिद्ध अर्थ-यान शब्दनाम् जेभके शब्दने आबिर, देदने याडान, आंध्रना-ने आंध्रयो, पंथुने पांगयो वगैरे इहेनार; निष्ठुर वचन बोधनार; सत्य पण्य अप्रिय बोधनार. लोक-प्रसिद्ध अर्थ-वात कहने वाला, जैसे कि चंद्र को चंद्र, भंगी को चांडाल, अंध को अंधा, लूट को लूना इत्यादि कहने वाला; निष्ठुर वचन बोलने वाला; सत्य परंतु अप्रिय बोलने वाला, one who speaks harsh and unpleasant truths plainly and without using euphemisms; e. g. calls a blind man a blind man, an untouchable a Chāṇḍāla etc. “ जे काहण होइ जगद्वभासी ” मृ० १, १३, १; —**गाह**. पुं० (—नाथ) जगतना नाथ; जिनेश्वर भगवान् जगत का स्वामी; जिनेश्वर भगवान्, lord of the world; lord Jineśvara. नंदी० १; —**गिरिसिय** त्रि० (—जिअत्त) लोकभां रहैत; जगतना आश्री रहैत. संसार में रहा हुआ; जगत के आश्रित रहा हुआ. residing in the world; having an abode in the world. “ जगयिणस्सिण्हि भूण्हि ” उत० ८, १०; दस० ८, २४; —**पागड**. त्रि० (—प्रकट) जग जगैर. जग जाहिर. public; known to the world. पगह० १, १; —**पितामह**. पुं० (—पिता-मह) जगतना-दादा; दुर्गति जगता जगने

पयावनार; जगतना पितारूप जिनेश्वर भगवान्. जगत के पितामह; दुर्गति जाते जावों का बचाने वाला; जगत के पितारूप जिनेश्वर भगवान्, the grand-father of the world; lord Jineśvara so called because he is a saviour of the world. नंदी० १; —**बन्धु**. पुं० (—बन्धु—जगतः सकलप्राणिममुदायरूप-स्याव्यापादनोपदेशप्रणयनेन सुखस्थापक-त्वाद् बन्धुरिव-बन्धुः) जगतना अधु-आम समान; जगतना अधा जवेने आम समान भावनार; श्रीजिनेश्वर भगवान्. जगत के बंधु समान; जगतक सब जीवोंको भ्राता मुख्य माननेवाला; श्री जिनेश्वर भगवान्. Lord Jineśvara, the brother of the world because he bears fraternal affection to the beings of the world. नंदी० १; —**सर्व-दंसि**. पुं० (—सर्वदर्शिन्) जगतने संपूर्ण स्वरूप जेनार श्रीजगत्भगवान्; श्री जगतपुत्र भदादि. जगत के संपूर्ण स्वरूप का देखने वाला श्री जिन भगवान्; श्री ज्ञातपुत्र महावीर. Lord Mahāvīra who sees and knows fully the real nature of the world. “ नाण्य जगसंबद्ध-मिणा ” मृ० १, २, २, ३१; —**सिहर**. न० (—शिखर) जगतना शिखररूप भोक्ष. जगत् का शिखर रूप मोक्ष. the summit; or climax of the world i.e. final bliss. क० गं० ६, ६०; —**हित**. त्रि० (—हित) जगतपुं दित-अपुं करनार. जगत का हित करनेवाला. (one) who is a benefactor of the world. सम० ३२; —**हि**. त्रि० (—हित) गुणो उपयो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. सम० ३२;

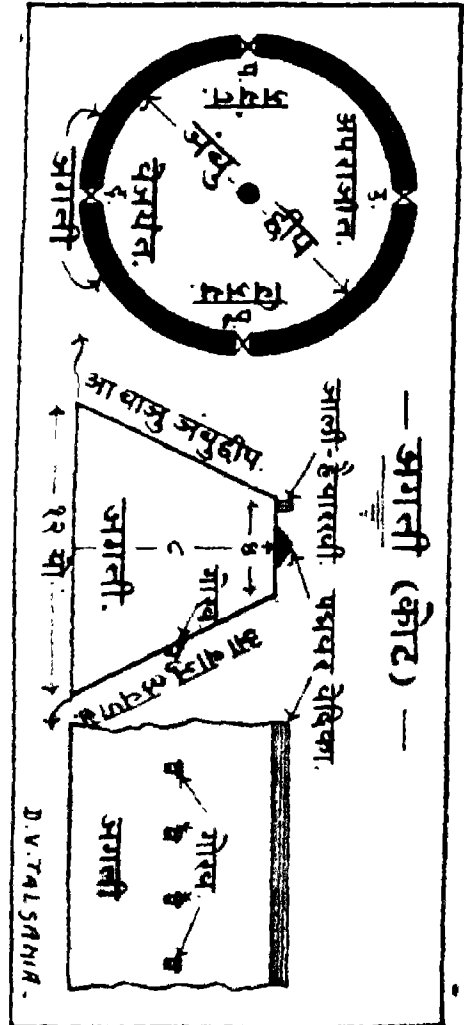
जगन्ना. न० (जगत्) जगत्. जगत्. The world; the universe. विशे० १६६८;
जगद्. बी० (जगती) पृथ्वी. पृथ्वी. The earth. "भूयाणं जगद् जहा" उत्त० १.४२; प्रव० १४१२; जं० प० १.५; (२) जं० भूद्वीपने इरतो डोट. जंबूद्वीप के चारों ओर का कोट. a fortification encircling Jambūdvīpa. सेणं एगाणं बहुरामहं जगद् सव्वच्चो " जं० पं० सम० ८; —एववयग. पुं० (-पर्वतक) पर्वत विशेष; सूर्याभि वनस्पतिभित्तो अत्र पर्वत. पर्वत विशेष; सूर्याभि वनस्पति में का एक पर्वत a particular mountain in Sūryābha forest. राय० १२५;

जगदिजंत. वि० (कलहायमान) ३३६ इरतो. कलेश करना हुआ. Quarrelling; entering into strife. जगदिजंता विपरकमाणहि " गच्छा० १३;

जगत्तण. न० (जगत्तण) जं नामनी अत्र जगत्तणी लांती वनस्पति. इस नामकी एक प्रकार की हरी वनस्पति. A kind of green vegetation. पत्र० १;

जगती. बी० (जगती) पृथ्वी. पृथ्वी. The earth. सूय० १. ११. ३६; (२) जं० भूद्वीप आदि क्षेत्रने डोट; इत्येता. आ डोट ८ योजनने डियो छे. ऐनी उपरनी पट्टावा ४ योजननी अने नीथिनी १२ योजननी छे ऐना उपर पद्मवर वेदिछा छे अने वयमां डेटवाड जरोपा छे, ऐना वार्त्तन विस्तारथी अवाभिगम सूत्रमां आपेस छे, आ चित्रमां डोटनो आकार, उवाछ, पट्टावा, इत्यादि अतावेस छे. जंबूद्वीप आदि क्षेत्रका कोट, किह्वा. यह कोट ८ योजन का ऊंचा है. इस के ऊपर के भाग का चौड़ाई ४ योजन का और नीचे (पावे) का चौड़ाई १२ योजन का है

इस के ऊपर पद्मवर वेदिका और बीचमें कई भारोखे हैं. इस का विस्तार से वर्णन जीवाभिगम सूत्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambūdvīpa and other regions. This wall



is 8 Yojanas in height. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jivābhigami Sūtra. जीवा०
३, ४;

जगती(ति) पञ्चय. पुं० (जगति पर्वत)
जु० १०१ " जगद् पञ्चयग " शब्द देखो
" जगद् पञ्चयग " शब्द. Vide " जगद्-
पञ्चयग " जीवा० ३, ४;

जगत्पद्. पुं० (जगत्पति) जगत्पति. The
lord of the universe. जं० प० १,
११२;

जगय. न० (यकृत्) कलेजु. कलेजा; हृदय.
The liver. (२) तेजाग्नौ रोग कलेज
का बिमारा; हृदय का रोग. a disease
of liver. भग० १०, ३;

जगारी खा० (*) राजगरी; अन्न जतन
धान्य. राजगरा, एक प्रकार का धान्य. A
kind of corn. " अस्य अयस्य सनुग
मुग जगारीह " पंचा० ४, २७;

✓ जग. धा० I. (जागृ) जागृतुं; डिग्नगरी
इत्ये. जागना; जाग्रण करना. To remain
awake, to wake.

जगह. आघ० नि० ८६;

जगन्त. विशेष० १६६;

जगाविह. आया० १, ६, २, ६;

जगगु. न० (जागरण) जागरण. निद्रा न
लेनी ते; डिग्नगरी. इत्ये. ते. जागरण;
निद्रा न लेना बह; जगृत रहना. Remain-
ing awake; a vigil पण्ड० १, १;
आघ० नि० १०६;

जगुगु. त्रि० (यद्गुण) जगुगु. जितना
गुना. Multiplied as many times;
taken as many times. प्रव० ३२;

जघण. न० (जघन) कटनी नीचनी भाग;
साथ. कमर से नीचे का भाग. The

fleshy part below the waist.
कण्ठ० ३, ३६;

जघण्य. त्रि० (जघन्य) थोडाभां थोडा;
थोडाभां थोडा. कम से कम. Mini-
mum; least. सू० प० १८;

जघण्य. त्रि० (जघन्य) जु० १०१ उपदे;
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
सू० प० १;

जघ. त्रि० (जात्य) स्वाभाविक. स्वाभाविक.
Natural; innate. पण्ड० १, ४; (२)
जतवान्; जतिवुं; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम.
जानवान्; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम. promi-
nent; excellent of its kind. कण्ठ०
३, ३५; जं० प० २, ३१; नदी० ३१; ओव० १०;
१७; ३१; विशेष० १४७०; सू० ब० २, ६;
६३८; भग० ११, ११; १५, १; नाया० १२;

—अञ्जन. न० (-अञ्जन) शुद्ध अञ्जन
शुद्ध अञ्जन. pure collyrium (for
the eye). " जघ्नण भिगभेय रिद्वग
भमराविवल गुलिष कजल समपभेसु "
नाया० १; कण्ठ० ३, ३६; —कंचण. न०
(-कांचन) जतीवुं सोनु; शुद्ध सुवर्ण.
शुद्ध सुवर्ण. pure gold. कण्ठ० ३, ३६;
—रिण्य. त्रि० (-अन्वित) उभ; जति-
वान्; कुलीन. कुलीन; उच्च जातका.
noble born; born in a high
family. सू० १, १३, ७; —त्रिअ.
त्रि० (अन्वित) जु० १०१ उपदे। शब्द.
देखो ऊपरका शब्द. vide above. सू०
१, १३, ७;

जजुर्वेद. पुं० (यजुर्वेद) यार वेदभांने
थीने वेद; आनिष् धर्मनुं सूत्र पुस्तक.
चारों वेद में का द्वितीय वेद; ब्राह्मण धर्म

* जु० १०१ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

की मूल पुस्तक. The second of the four Vedas held sacred by the Brāhmanas. भग० २, १; नाया० ५;

१६; ठा० ३, ३; आव० ३८; विवा० ५;

जजर. त्रि० (जजर) अर्थात् जुगुप्सु-पुराण.

जर्ण, पुराना. Old; tottering;

भग० ६, ३३; — घर. न० (गृह) अर्थात्

धर. जाणं घर. tottering house.

भग० ६, ३३;

जजरिष्ठ-य. त्रि० (जजरित) जजरे;

जोषरे; अर्थात् थयेत; लथडी गयेत.

जजरित: जीर्ण, लथडा हुआ; भारी; बेठा हुआ. Worn out; tottering. ठा०

४, ४; पण्ड० १, १; राय० २५८; नाया०

१; भग० १६, ३; —सह पुं० (-शब्द)

जोषरे अवाज भारी या बेठा हुई आवाज;

रूखा स्वर. hoarse and feeble sound ठा० १०;

जजोव. न० (यावज्जीव) अवतं मुधी.

जावन पर्यंत. As long as life lasts.

पि० नि० ५०६;

जडा. सं० कृ० अ० (इष्ट्वा) यज्ञ करीने;

होम करीने. यज्ञ कर के, होम कर के.

Having performed a sacrifice.

उत्त० ६, ३८;

जड. त्रि० (जड) जडता वादो; विवेक रहित;

भूषा. जड; विवेकहीन; मूर्ख. Devoid

of common sense; foolish. राय०

२४०;

जडा. स्त्री० (जटा) माथाना डेयनी समूह;

जटा. शिर के केशों का समूह; जटा. The

hair on the head twisted to-

gether. नाया० १६; —मउड. न०

(-मुकुट) जटा रूपी मुकुट. जटा रूपा

मुकुट a crown in the form of

hair twisted together. नाया० १६;

जडि. पुं० (जटिन्) जटाधारी; योगी. जटा-

धारा; योगी. A person with matted

hair on the head; an ascetic;

a Yogi. भग० ६, १३; आव० ३१; जं०

प० ३६७; मत० १००;

जडिण. न० (जटिष्ठा) जटाधारीना आव;

जटा. जटाधारी पन; जटा. State of

being an ascetic with matted

hair on the head; matted

hair on the head. जं० प० ३, ६७;

उत्त० ४, २१;

जडियाइलगा. पुं० (जटिकाक) ८८ भद्र-

भानो ५३ भो भद्र. ८८ ग्रहों में से ५३ वा

ग्रह. The 53rd of the 88 planets

" को जडियाइलगा " ठा० २, ३;

जडियाल. पुं० (जटाल) ८८ भद्रभानो ५३

भो भद्र. ८८ ग्रहों में से ५३ वां ग्रह. The

53rd of the 88 planets सू० प० २०;

जडिल. त्रि० (जटिल) जटाधारी; जटावाला.

जटाधारी; जटावाला. Having matted

hair on the head. " एगं महं कोसं

गंडियं सुखं जडिलं गडिलं " प्रव० ७३३;

(२) पुं० राहु. राहु. Rāhu (a planet

that causes lunar and solar

eclipse. सू० प० २०;

जडिलय. पुं० (जटिक) राहुनं श्रीजुं नाम.

राहु का दूसरा नाम. A synonym of

Rāhu (a planet which causes

lunar or solar eclipse). सू० प०

२०; भग० १२, ६;

जडल. पुं० (जटिल) केशरी सिंदूनी माइड

जटाधारी जेड मतनो साप. केशरी सिंह

जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent having a mane like that of a lion. " उक्कड फुडक-डिक्कडुलकक्कड विकडफटाडोवकरयदक्कड " भग० १५, १; नाया० ४;

* जड़. पुं० (*) दांती. हत्ता. An elephant. ओघ० नि० २३८; पिं० नि० ३८६;

जड़. त्रि० (जड़) ओत्रयामां हेययामां अने डायर्मा ०४५-भूय-डे के दीक्षा देवा योय नथी. बालने में, दिखने में व कार्य करने में जड़-मूर्ख कि जो दाक्षा देने योग्य न हो. (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order. " बाळे बुद्धे नपुंसय कीब जड़प वाहिण " प्रव० ७६३;

जड़. त्रि० (डीन) तच्छ दीपित; छेदेय; मूकेय. त्याग किया हुआ, व्यस्त. Abandoned; left. दस० ६, ६१; मर्या० ओघ० नि० १८७; ५२१;

✓ जड़. प्रा० I, II. (जन्) ०४५; उत्पन्न. ३२३. जन्म देना; पैदा करना. To give birth to; to produce.

जयोइ. सु० च० २, ३७६;

जयति. दस० ६, ३८;

जययन्ति. आया० १, २, १, ६३;

जयहृत्सह. आया० २, ३, ८;

जयिता. म० क० आ० ३२;

जयिउं. हे० क० सु० च० २, २०६;

जयमाय व० क० पि० नि० १८६;

जड़. पुं० (जन-जायते इति जनः) लोड; भाज्यः; मनुष्य. मनुष्य; आदमा. A man;

a person; people. नाया० १; २; ७; १४; १७; १८; भग० १, १; २, ५; ७, ६; पिं० नि० १२४; १६४; सू० प० १; राय० अणुजो० १३०; उत्त० १०, १९; ओव० सु० च० ४, १५२; वव० १, २३; नंदी० ८; पंचा० ७, १६; कप० ३, ६०; क० मं० १, ५०; (२) जन-समापदात्रा. जन-सम्बन्धी. relatives. आया० १, ६, ८, १६३;

—आसुंद. पुं० (—आनन्द) जन समाजने आनन्द आपनार. जन समाज को आनंद दान. one that pleases or delights mankind or human society. प्रव० ३६६; —उडिम. पुं० (—उडिम) तरंगभांथी तरंग छे तेथी रीते भाज्यसेना टोलेयड. नीड्ये ते. जिस प्रकार तरंग में से तरंग निकलता है उसी प्रकार मनुष्यों के समूह के समूह निकलना. surging crowds of men. राय० ओव० २७; —(सुा) उवयार. पुं० (—उपचार) डे डपूतः २५५नादिडथी यती पूत. उपचार; स्वजनों से होता हुई च worship or honour paid by relatives or other people. पंचा० २, ३६; ८, ६७; —कलकल. पुं० (—कलकल) भाज्यसेना ' डड डड ' अयेवा अयाव. मनुष्यों का कलकल ऐसा आवाज. bustling sound made by a concourse of men. राय० —कखय. पुं० (—कय) भाज्यसेना क्षय; मरण. मनुष्य का क्षय; मरण. death of a man. भग० ३, ७; ७ ६; —कखयकर. त्रि० (—कयकर) लोडने क्षय डरनार. लोगों का क्षय करने वाला. (one) that destroys

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

men. " बहु जणस्वय करा संगामा " पण० १, ४; —जणण्य. न० (—जणणक) लोकामा अपवाद. लोगों में अपवाद. censure among people. गच्छा० ६४; —णमह. न० (—प्रमद) लोकानुं यणुं नाश. लोगों का नाश. destruction or annihilation of people. भग० ७, ६; —पुण्णिज्ज. त्रि० (—पूजनीय) लोकमां पूजनीय; लोकमान्य. लोगों में पूजनीय; लोकमान्य. deserving of honour or worship among people. पंचा० २८; —वह. पुं० (—व्यूह) भाणुसेतो समूह. मनुष्यों का समूह. a concourse or crowd of men. भग० २, १; ११, ११; —बोल. पुं० (—शब्द) भाणुसेतो अव्यक्त आवाज. मनुष्यों का अव्यक्त आवाज. indistinct noise made by men. विवा० १, १; —मणोहर. त्रि० (—मनाहर) लोकानां चित्तते आकर्षणार. लोगों के चित्त का आकर्षण करने वाला. (one) that attracts the minds of men; charming. पंचा० ६, १८; —वह. पुं० (—वध) भाणुसेतो धात. मनुष्यों का वध. killing or slaughter of men. भग० ७, ६; —वहा. स्त्री० (—व्यथा) जन पीडा; लोक पीडा. जन पीडा; लोक पीडा. affliction of people; giving pain to men. भग० ७, ६; —वाय. पुं० (—वाद) भाणुसे साथे परस्पर वार्तालाप करवाने; वातयित करनी ते. मनुष्यों के साथ परस्पर वार्तालाप करना. mutual conversation among men. आव० (२) लोक साथे वार्तालाप—संवाद करवानी कला; वातयितनी भाणुसेतो पसंद करवानी कला. लोगों के साथ वार्तालाप—संवाद करनेकी कला; वाक्चातुर्य the art of

pleasing men by conversation; adroitness in conversation. जं० प० आव० ४०; नाया० १; —संवहकण्ण. त्रि० (—संवर्तकण्ण) भाणुसेतो संहार जेतुं. मनुष्यों के संहार समान. like the annihilation of men or people. भग० ७, ६; —सह. पुं० (—शब्द) भाणुसेतो अव्यक्त आवाज. मनुष्यों का आवाज; कोलाहल. bustling sound of a concourse of men. नाया० १; विवा० १; भग० ११, ११; —समह. पुं० (—समद) लोकानां परस्पर अव्यक्त आवाज. लोगों का परस्पर आवाज; कोलाहल. bustling sound made by a concourse of men. ठा० ४, १; भग० २, १; —सयाउल्ल. त्रि० (—शताकुल) सैकड़ों भाणुसेतो व्याप्त सैकड़ों मनुष्यों से व्याप्त. full of, containing hundreds of men. भग० ११, १०;

जणुत्तार. पुं० (जनयितृ) उत्पादक; उत्पन्न करनेवाला. उत्पादक; उत्पन्नकर्ता. A generator; a producer. ठा० ४, ४;

जणग. पुं० स्त्री० (जनक) जनक; भावयिता वधारे. जनक; माता पिता वधारे. One who begets; e.g. a father, a mother etc. आथा० १, ६, १. १८०; पंचा० ६, ६;

जणण. पुं० न० (जनन) उत्पत्ति. उत्पत्ति. Production; creation. "गंभीर रोम हरिस जणण" भग० ६, ५; नाया० १; उवा० ८, २४३; पंचा० ३, ४४; ६, १२;

जणणी. स्त्री० (जननी) माता. माता. A mother पिं० नि० ४८७; उवा० ३, १३५; जं० प० ५, ११२; पंचा० ७, ३४; —कुच्छिमज्झ. न० (—कुच्छिमज्झ) माता की कुक्षिमां. माता की कुक्षिमें. in the

womb of a mother. तंदु० —गर्भ.

पुं० (-गर्भ) मातानो गर्भास्थ. माता का गर्भास्थ. the womb of a mother.

प्रव० १३८१;

जगपथ. पुं० (जनपद) देश. देश. A country. उत्त० ६, ४;

जगपथ. पुं० (जनक) पिता. पिता. A father. प्रव० ४; —नाम. पुं० (-नामन्) पितानुं नाम. पिता का नाम. name of one's father. प्रव० ४;

जगपथ-य. पुं० (जनपद) देश; राष्ट्र. देश; राष्ट्र. A country. उत्त० २६, २६; आया० १, ३, २, ११३; १, ६, ४, १६४; नाया० १; ५; ८; १२; १५; १६; १८; परह० १, ३; राय० २८२; निर० १, १; पञ्च० ११; जं० प० २, ३६; सु० च० २, ४; भग० २, १, ५; ७, ६; १०; ६, ३३; १३, ६; १५, १; प्रव० ८६८; कण० ८, ८६; —कल्लणिआ.

स्त्री० (-कल्लणाका) चक्रवर्ती की राणीयाँ. चक्रवर्ती का रानियाँ. any of the queens of a Chakravarti. ज० प०

—पाल. पुं० (-पाल-जनपद पालयति इति जनपदपालः) देशनो पालयार; रक्षक; राज. देश का पालने वाला; रक्षक; राजा. the protector of a country; a king आव० —पिया. पुं० (-पयन्) देशनो पिता; पालनार. देश का पिता; पालने वाला. the father i. e. the protector of a country. ठा० ६; —पुरोहित

पुं० (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारितया-पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) देशमां शान्ति करनार; पुरोहित. देश में शान्ति करनेवाला, पुरोहित. one who gives peace of mind to people; a religious preceptor. आव० —पहाण. त्रि० (-प्रधान) देशमां प्रधानश्रेष्ठ. देशमें प्रधान, श्रेष्ठ. pro-

minent, renowned in a country.

“भजिहय जगपथपहाणाहिं कालियंता”

परह० १, ४; —वग्ग. पुं० (-वर्ग) देशनो समुह. देशों का समूह. a collection or group of countries. भग० ३, ६; —सच्च. न० (-सत्य-जनपदेषु देशेषु यदर्थवाचकतया रूढं देशान्तरेऽपि तत्तदर्थवाचकतया प्रयुज्यमानं सत्यमवितथमिति जनपदसत्यम्) दश प्रकारनो सत्यनो पहिलो प्रकार. दश प्रकार के सत्य का पहिला प्रकार. the first of the ten kinds of truth. ठा० १०; —सच्चा. स्त्री० (-सत्या—जनपदमधिकृत्वैष्टार्यप्रतिपत्ति-जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद सत्या) सत्य आपाना दश प्रकारनो पहिलो प्रकार. सत्य भाषा के दश प्रकारों में से पहिला प्रकार. the first of the 10 kinds truthful speech. पञ्च० १२;

जगिअ-य. त्रि० (जानित) उत्पन्न थयेव.

उत्पन्न. Born; produced. आव०

२६; नाया० १; भग० ६, ३३; सु० च०

१, १६; —प्रमाअ. पुं० (-प्रमाद)

प्रमाद उत्पन्न थयेव. जिसको प्रमाद उत्पन्न हुआ हो वह. one who has com-

mitted an act of negligence.

नाया० १०; —मोह. त्रि० (-मोह) उत्पन्न

थयेव मोह जेजे ते. जिसने मोह उत्पन्न किया वह. (one) that has caused

or produced infatuation. भत्त०

१२०; —संवग. त्रि० (-संवग) मोक्षा-

लिखाया उत्पन्न थयेव. जिसकी मोक्षाभिलाषा

उत्पन्न हुई हो. (one) in whom a

desire for salvation has been

generated. नाया० १०; —हास. पुं०

(-हास) हास उत्पन्न थयेव. जिसको हर्ष

उत्पन्न हुआ हो. (one) in whom joy

has been produced. नाया० ८;
जरण पुं० (यज्ञ) यज्ञ-नागादिनी पूजा-होम.
 यज्ञ-नागादिकी पूजा- होम हवन A sacri-
 fice; worship of serpents etc.
 भग० ६, ३३; उत्त० ६, ३८; नाया० १; २;
 (२) २५ २५ छष्टदेवनी पूजा. अपने अपने
 इष्ट देव की पूजा. worship of one's
 own special or family-deity.
 जं०प० जीवा०३; — **ज्राह** पुं० (-याजिन्)
 यज्ञ करने वाला. one who
 performs a sacrifice or wor-
 ship. ओव० — **द्रु** पुं० (-अर्थ) यज्ञता
 प्रयोजनवाला. यज्ञ के प्रयोजनवाला (one)
 having sacrifice or worship
 as a motive or end. “जनद्रु य जे
 दिया ” उत्त० २५, ७; — **द्रि** पुं० (-अ-
 र्थिन्) लाव यज्ञता अर्थी, प्रयोजनार
 भाव यज्ञ करने के उत्सुक. (one)
 desirous of a sacrifice in a
 spiritual sense. “जह्मि वेयसां सुहं”
 उत्त० २५, १६;

जरणदत्त पुं० (यज्ञदत्त) ओ नामना साधु.
 इस नाम का साधु. Name of an asce-
 tic. कप० ८; — **वाड** पुं० (-वाट)
 यज्ञ वाडा; जहाँ यज्ञाय छे ते दत्ता-व्या.
 यज्ञ का वाडा; जहाँ पर यज्ञ होता हो वह
 स्थान. a place where a sacrifice
 is performed. उत्त० १२, ३; — **सद्रु**
 पुं० (-मेह-यज्ञेषु श्रेष्ठो यज्ञ श्रेष्ठः) उत्तम
 यज्ञ. उत्तम यज्ञ. the highest kind
 of sacrifice. “सोसद्रु काया सुहृत्तदेहा
 महाजयं जयहृ जयसोसद्रु ” उत्त० १२, ४२;

जरणह पुं० (यजिन्) यज्ञ करने वाला तापसनी
 ओ३ अत. यज्ञ करने वाला तापसका एक
 जाति. One who performs a
 sacrifice; a kind of an ascetic.

ओव० ३८; भग० ११, ६;

जरणइज्ज न० (यशीय) ओ नामनुं उत्तरा-
 ध्यायन सूत्रनुं पथीसमुं अध्ययन. इस नाम
 का उत्तराध्यायन सूत्र का पञ्चासवां अध्यायन.
 Name of the 25th chapter of
 Uttarādhyayana Sūtra. सम० ३३;
 अणुजो० १३१;

जरणं अ० (यच्च) जे कुछ जो कुछ Any-
 thing; whatever ओव० ३८; ४०;
 नाया० १; भग० ३, १; ५, ५; (२) जेथी;
 जेथी करीने; जे भाटे जिसके कारण; जिस
 वास्ते. by which; so that. भग० ३,
 १; ५, ४; वव० १, २३; नाया० १६;

जराणवईय न० (यज्ञोपवीत) जनेछ.
 यज्ञोपवित् A sacred thread worn
 on the body. भग० १३, ६; न या० १६;

जराहं अ० (यस्मात्) जेथी; जे भाटे. जिस
 से; जिस लिये. For which; from
 which. नाया० ८;

जराहवी स्त्री० (जाम्द्वी) गंगा नदी. गङ्गा
 नदी. The river Ganges. प्रव० १२४२;

जतमाण त्रि० (यत्तमान) यत्नवान्. यत्न-
 वान. Carefully trying or at-
 tempting; making efforts to
 accomplish an object. चाया० १,
 ६, २, ४; १, ४, १, १२६;

जति अ० (यदि) जुओ “ जइ ” शब्द.
 देखो “ जइ ” शब्द, Vide “ जइ ”
 भग० १५, १;

जति पुं० (यति) साधु; मुनि. साधु; मुनि.
 An ascetic; a saint. पंचा० ५, ३३;
 १०, ३४; १२, १;

जतियव्व त्रि० (यत्तियव्व) यत्न करने वाला योग्य.
 यत्न करने के योग्य. Worthy of being
 accomplished by efforts; worth
 attempting. पंचा० १५, ५०;

जनु. न० (जनुष्) लाय; जेगणी. लाख; लखड़ी. Lac; a dark-red transparent resin. भग० १६, २; सूय० १, ४, १, २६; —कुम्भ. पुं० (-कुम्भ) लाय नो घडा. लाख का घडा. a pot of lac. सूय० १, ४, १, २६; —गोला पुं० (-गोल) लाय-जेगणीनो गोला. लाख-बपडा का गोला. a globe of lac; a ball of lac भग० १५, ३; —गोलासमाण त्रि० (-गोलासमान) लाय-गोलाजेंतुं. लाख के गोले जैसा. resembling a ball of lac. भग० १५, ३;

जस्त. त्रि० (यस्तत्) जे ते. जा; वह; जो; सो. That-which; anybody. उत्त० १, २१;

जस्त. त्रि० (यावत्) जेटतुं. जितना. As much; to the extent to which. गच्छा० ११८;

जस्त. पुं० (यत्न) यत्त; प्रयास; मेहनत. यत्न; प्रयास, मिहनत. Effort; attempt; labour. दण० ६, ३, १३; भग० ६, ३३; पंचा० १, २६; (२) त्रि० यत्नरत्त यत्न-वन्त. full of effort; carefully attempting. आया० १, १, ४, ३३;

जस्ता. स्त्री० (यात्रा) प्रयाण; जतुं. प्रयाण; निकलना; रवाना होना. Going; setting out. आवा० २६; नाया० ८; ६; (२) संयम निर्वाह; संयम पालन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदिमां यितने लगानुं ते संयम निर्वाह; संयम पालन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदि में चित्त को लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. " किंते भंते जस्ता? सो भिक्षा? " भग० १८, १०; नाया० ६; उत्त० २३, ३०;

Vol. II/99

पंचा० ६, ३; प्रव० ६६; —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) यात्रा-गमन करने के तैयार थयेलो-सन्मुख थयेल. यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start. आवा० २६; —पाडेणियत्त. त्रि० (-प्रतिनिधुत्त) यात्रा करी पाछा वदेन यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc. निषा० ६, २४; —भयश्च. पुं० (-भूतक—भ्रियन इति भूतकः सहायां यात्राया भूतको यात्राभूतकः) देशान्तरमां भुसादरी करती वपते साथेनो नोकर. देशान्तर में यात्रा करने समय संग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. ठा० ४, १; —भयग. पुं० (-भूतक) जुआ उपेनो शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above. ठा० ६, १; —संप्रस्थिय. त्रि० (-संप्रस्थित) यात्राये जयाने तैयार थयेल. यात्रा करने को (के लिये) जाने का तत्पर. bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निषी० ६, १३; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) जे आर वपत समुद्री यात्रा करी दोम दुश्न-सडीसत्रामन धरे आवे ते यात्रा सिद्ध कहैलाय. बारह बार समुद्रयात्रा क्षेम-कुशल-सहीमलामत करके घर पर आवे उमे यात्रा सिद्ध कहा जाता है. one returning safely after twelve sea-voyages. राय०

जसिय. त्रि० (यावत्) जेटता; जेटता प्रमाणे. जितना; जितने प्रमाण का. As much; of as much extent or proportion. उत्त० ३०; २०; तंदु० ३; भग० ३, ६; ८, १; १३, २; १५, ७; १७, १०; —काल. पुं० (-काल) जेटलो वपत. जितना

समय. as much time; as much extent of time. क० मं० ५, ८७;

जसो. अ० (यत्सु) जेथी; जे पासैथी. जिससे; जिसमें से; From which; whence; पि० नि० ८७;

जत्थ. अ० (यत्र) जयां; जेभां; जे स्थले. जे जग्या अ०. जिसमें; जहां; जिस स्थान पर.

Where; in which; at which place. अणुजो० ८; उत्त० ६, २६;

नाया० घ० निर० ४, १; पि० नि० ७६;

वव० १, ३७; दस० ५, १, २१; ७, ६;

नाया० १३, १६; भग० ३, १, ८, १; १२,

४; १६, ७; वेय० १, ४६; ४, १८; गच्छा०

७८; प्रव० ७५, २८७;

जत्येव. अ० (*यत्रैव-यत्र) जयां. जहां; जिस स्थान पर. Where; at which place.

भग० ८, ६; १५, १;

जवा. अ० (यदा) जयारे; जे वपते. जब; जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६;

जदि. अ० (यदि) जुओ " जइ " शब्द. देखो " जइ " शब्द. Vide " जइ "

भग० १२, १; २०, ५; २४, २०;

जदिच्छिन्न. त्रि० (बाह्यच्छिन्न) यथेच्छिक;

अकस्मात् अनेहुं. दैवयोग से बना हुआ.

Accidental; fortuitous. विशेष० ११५;

जदुर्गन्ध. पुं० (यदुर्गन्ध) श्रीकृष्ण. श्रीकृष्ण.

The god Krishna. ठा० ८;

जन. पुं० (जन) मनुष्य. मनुष्य. A man.

भग० ६, ३३; विशेष० ५६;

जनय. पुं० (जनय) जुओ " जणय " शब्द.

देखो " जणय " शब्द. Vide " जणय "

सु० च० १, ८८;

जख. पुं० (जनपद) देश; शब्द० देश; राष्ट्र.

A country. निरी० १५, १७;

जख. पुं० (यज) जुओ " जणय " शब्द.

देखो " जणय " Vide " जणय " विशेष०

उत्त० २५, ४; १८८२; जीवा० ३, ३;

सु० च० ४, १०१; —ट्ट. त्रि० (—अर्थ)

यस छे प्रयोजन जेनुं ओया; यजमां जेडा-

येन. जिसका प्रयोजन यज्ञ है वह; यज्ञ में

सम्मिलित. having a sacrifice for

an end; engaged in a sacrifice.

उत्त० २५, ७; —चाह. पुं० (—वादिन्)

यस वादि; अग्निभेदादि द्रव्य यज्ञनी स्थापना

करना. यज्ञवादि; अजामेवादि द्रव्य यज्ञ की

स्थापना करने वाला. one who be-

lieves in the efficacy of sacri-

ficing goats, horses etc. for reli-

gious purposes. उत्त० २४, १८;

जप. न० (जप) मंत्रादिना जप. मंत्रादि का

जप. Repeating or telling on

beads of a rosary a religious

formula of prayer etc. अणुजो० २६;

जप्प. छां० (जपा) चीनाई गुलाबने छोडो.

चिनाई गुलाब का पौधा. A plant of

China rose. राय० ५३;

जप्प. पुं० (जप्प) अजपुते; ओडपुं ते.

बडबडाहट करना; बोलना. Prattle; act

of speaking at random. ठा० ६;

जप्प. भिड़. अ० (यजपृति) जे कायथी; जे

वपथी; जयार्थी. जिस काल से; जिस

समय से; जब से. From the time

when; since the time when.

" जप्प. भिड़ चणं अणं एत दारण " कप्प०

४, ६०; भग० १०, ४; नाया० घ० जं० प०

२, ३१;

✓ जम. धा० II. (यम्) नियमता टाही

सनुं करवुं. विषमता मिटा कर योग्य स्थिति

में रखना. To make even; to place

in order by removing inequa-

lities. (२) निरुत थवुं. निरुत होना.

to retire; to cease from.

जमावेह. प्रे० निरी० १, ४०;

जम. पु० (यम) प्राणनिपातविरति आदि पांच महाव्रत. प्राणनिपातविरति आदि पांच महाव्रत. The five major vows such as abstaining from killing etc. "जायह जमजहमि" उत० २५, १; डा० २, ३; (२) शक्र तथा ईशान ईशान दक्षिण दिशाना लोकपालनां नाम. शक्र व इशान इंद्र के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम. a name of the guardian deity of the southern quarter of Sakra and Īśānendra. डा० ४, १; विशे० १८८३; मू० प० १०; भग० ३, ७; जं० प० पृष्ठ० १, १; (३) वारुणी नक्षत्रने अधिष्ठाता देवता. मरणा नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the constellation B a r u ṇ ī अणुजा० १३१; मू० प० १०; जं० प० ७, १४२; डा० २, १; —काश्य. पु० (—काश्यक) दक्षिण तरुणा यम ज्ञान देव. दक्षिण दिशाके यम जातिके देव. a deity of the south belonging to the kind known as Yama. पृष्ठ० १, १; भग० ३, ७; —जज्ञ. पु० (—यज्ञ) आदि सा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, व अगारग्रह इन पांच यम-मैयम का यज्ञ. भाव यज्ञ a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz. abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly

effects. उत० २५, १; —देवकाश्य. पु० (—देवकायिक) यम देवताओंकी

ऐक्यगत. यम देवताओं की एक जाति a group of the gods known as Yama Devatās. भग० ३, ७;

—पुरिससंकुल. त्रि० (—पुरुषसंकुल-यमस्य दक्षिणदिक्पालस्य पुरुषा अम्बादयो सुरविशेषास्तैः संकुला ये ते तथा) परमाधर्मीकथी व्याप्त; ७८मपुष्प; परमाधर्मीकथी व्याप्त. परम अधर्मियों से व्याप्त; यम पुरुष परम अधर्म मनुष्य से व्याकुल. full of demons known as Paramādhāmis. पृष्ठ० १, १;

—पुरिससांनभ. त्रि० (—पुरुषवन्निभ) परमाधर्मीना देवुं परमाधर्मी के समान क्रूर. (cruel) like a demon known as Paramādhāmi. पृष्ठ० १, ३; —लोह्य पु० (—लौकिक) परमाधर्मी यमरे यमने कथ्यसी देवता. परमाधर्मी आदि यम लोक वाली देवता. a god living in Yamaloka; e. g. a Paramādhāmi etc. सूय० १, १२, १३;

जमइअ. न० (यदन्त) ये नामनुं सूयगंगेय यदनुं १५ मुं अध्ययन. इस नाम का सूयगङ्गांग सूत्र का १५ वां अध्ययन. Name of the 15th chapter of Sūyagāṅgā. मम० १३; २३;

जमइत्ता. सं० कृ० अ० (निग्रम्य) जमापीने; जमापट्ट करीने अतिपरिचित करीने; बार-बार आठती करी मापीनगार यमने. जमा कर; अति पा चित करके बारबार आठति कर के; माहितगार होकर. Having fixed or settled; having become thoroughly familiar with. आत्र० १६;

जमग पु० (यमक) देवदुः उत्तरदुः क्षेत्र-

भांता ओ नामना पर्वत. "काहिणं भंते उत्तर
कुराए कुराए जमगा नामं दुवे पडयया
पण्यता?" जीवा० ३, ४; जं० प० भग०
१४, ८; (२) जमग पर्वतवासी देवतानुं
नाम. जमग पर्वतवासी देवता का नाम.
Name of the god residing on
the Jamaga mountain. जं० प० ५,
११६; ओव० ३१; जीवा० ३, ४; —पडयय-
पुं० (—पर्वत) लुओ उपला शब्दना योजन
नपरेना अर्थ. देखो ऊपर के शब्द
का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above.
जं० प० ४, ८८; ६, १२६; सम० १०००;

जमगसमगं. ओ० (यमकसमकं) ओशीसथे:
युगपत्; ओशी वपने. एक साथ; युगपत्;
एकही समय पर. At one and the
same time; simultaneously. जं०
प० ४, ८८; ४, ५७; जीवा० ३, ६; ओव०
३१; विवा० १; ७; नाया० ४:८; भग० ११,
१०; उवा० ४, १४८; १४३; कप० ५, १०१;

जमगिया. ओ० (यमनिका) जमणी शंभुमां
सामयानुं साधुनु ओड उपदेशु दाहिनी
बगलमें रखनेका माधुका एक उपकरण. An
article used by a Sidhu and
kept in the right arm-pit. डा० ६;

जमदग्नि पुं० (जमदग्नि) ओ नामना ओड
नायस; परशुरामने. पिता. इस नाम का एक
नायस; परशुराम का पिता. Name of a
saint who was the father of
Parasurama. जीवा० ३, १, —पुत्र
पुं० (—पुत्र) जमदग्नि पिता पुत्र; परशुराम.
परशुराम; जमदग्नि पुत्र. the son of

Jamadagni; Parasurama. जीवा०
३, १;

जमपपम. पुं० (यमप्रभ) यमदेवता धर यम-
देन्दो ओ नामने: उत्पात पर्वत. यमदेव के
इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उरगत पर्वत.
Name of a mountain which
was the abode of Chamaren-
dra, the Indra of the Yama
gods. डा० १०;

जमल. त्रि० (यमल) समश्रेणिये रहेपुं;
सरमे सरपुं; न्नेधान्त रहेपुं. समश्रेणां में
रहा हुआ; एक सरीखा; लगेलग रहा हुआ.
Remaining in a straight line;
in juxtaposition उवा० २, ६४,
ओव० ३०; राय० ३३; नाया० १; ८; ६;
जीवा० ३, १; ६; जं० प० भग० १५, १;
१६, ३; (२) न० ओ नामनुं उक्त के गेनुं
कप कृष्णसुदेवता पंडरी विद्याधरे धारण
कृत पद. इस नाम का वृत्त कि जिसका म
कृष्ण वामदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया
था. name of a tree into which
a Vidyādhara who was an
enemy of Kṛṣṇa Vasudeva
had metamorphosed himself.
पण० १, ४; —जुयल. न० (—युगल)
सरमे सरपुं न्नेड; समश्रेणिये रहेपुं न्नेड.
युगल; समश्रेणां में रहा हुआ. a pair; a
couple with its two members
in juxtaposition. राय० ११२;
—पय. न० (—पद) ओड ओड आडडानी
ओडके ओथो; जेमके ३२५६८६३५;
२६६५३५५०; आमां पडुडा ओड ओडडनुं
ओड जमत्र पद ओने पीगन ओड ओडडां
पीगन जमत्र पद. आठ आठ शंक का एक
समूह; जैसा कि, ३२५६८६३५, २६३५३५५०
इसमें पहिले आठ शंक का एक जमल पद

व दूसरे आठ अंकों का दूसरा जमल पद.
a numerical sum containing 8
figures; e. g. 32548635. अणुजं०
१४५; पञ० १२; —पाणि पुं० (—पाणि)
मुष्टि, मुष्टि, the fist of a hand. भग०
१६, ३;

जमलता. स्त्री. (यमलता) वंदेरापणुं. युग
लता. State of being a pair.
विवा० ४;

जमलिय. त्रि० (यमलित-यमलं नाम सजातो-
ययोर्युग्मं तन् संजातमेषां ते यमलितः) दिशा-
भां समश्रेणीये रदेव. एकही दिशा में सम-
श्रेणी में स्थित. Remaining in jux-
taposition; remaining in a
straight line आ० भग० १, १;

जमा. स्त्री० (याम्या-यमी देवता यस्याः सा
याम्या) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The
southern direction भग० १०, १;
(२) यमलोकावती राजधानी यमदेव का
पाटनगर. the capital of good
Yama. भग० १०, ५;

जमालि. पुं० (जमालि) ओ नामना क्षत्रिय
राजकुमार, भद्राक्षरीरक्षित. जमाक्षी के
नंदो प्रभुपति होता दीधी यमो पाठवती
अंक पंथ यत्राये. इस नाम का क्षत्रिय
राजकुमार, महावीर स्वामी का जवाई कि
जिन्होंने प्रभु के गमाय राजा ली और फिर
एक पंथ का स्थापना की. A Kshatriya
prince, the son in law of Maha-
vira Svāmi who received Dakṣa
from him and afterwards
founded a sect. "तथैव क्षात्रियकुं-
गामे शयरे जमालिनाम क्षात्रिय कुमारे परि-
वमइ" भग० ६, ३३; नाया० ८; निर० ४,
१; डा० २, १; —प्रजम्भण न० (अ-
प्ययन) अंतगडदशां ६६ अप्ययन के

दाव उपलब्ध नहीं. अन्तगडदशा का छठा
अध्ययन कि जो फिलहाल उपलब्ध नहीं है.
name of the 6th chapter of
Antagadadasā (it is no longer
extant). डा० १०;

जमिगा. स्त्री० (यमिका) जमक पर्यन्त
देवता की राजधानी. जमक पर्वत के देवता
का पाटनगर. The capital of the
gods residing on the Jamaka.
जं० प० ४, ८८;

जमिय त्रि० (यमित) नियन्त्रित इन्द्र.
दिशा दिखाया हुआ. Guided; govern-
ed. सु० च० १, २६;

जमुणा. स्त्री० (यमुना) जमना नदी. यमुना
नदी. The Jamunā river. सु० च०
५, ६;

जम्म. पुं० न० (जन्मन्) जन्म; उत्पत्ति
उत्पत्ति; जन्म. Production; birth.
नाया० १, २, १३; १६; १६; नाया० ५०
भग० ६, ३३; १५, १; सु० च० १, १८०;
३०६; ३, १८३; विशे० ७२४; दमा० ६, १;
निर० १, १; आ० ४३. सूय० १, १, १,
२३. पि० १८० ७२; उवा० २, ११३; का०
२, १८; प्रव० ५; भक्त० १२६; —जरा-
मरण. न० (जरामरण) जन्म जरा और
मरण. जन्म जरामरण. birth, old age
and death. पगड० १, ३; —जीवियफल.
न० (जीवितफल) जन्मरूप अद्वितीय
फल. जीवित फल. the fruit of life.
भग० १५, १; नाया० १३; —नगर. न०
(नगर) जन्म जन्म यथा होता है नगर.
जिस जगह जन्म हुआ हो वह नगर. the
town where one is born. जं० प०
५, १२०; २, ११७; —नगर. न० (नगर
यस्मिन् नगरे यस्य जन्म भवति तत्तस्य
जन्मनगरम्) जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान;

जे गामभां जन्म थये होय ते गाम. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान. the town where one is born; birth-place. जं० प० ५, १२३; —दंसि. त्रि० (-दर्शिन्) जन्मना असास्वरूपने जेतार. जन्म के वास्तविक स्वरूप को देखने वाला. (one) who understands the real nature of birth (life). “जे गढमदंसि से जम्म-दंसि जेजम्मदंसि से मारदंसि” आया० १, ३, ४, १२४; —दोस पुं० (-दोष) जन्म सः आवरी दोष-जन्मनी ओड. जन्म दोष. the defect from the very birth. ठा० १०; —नक्खत्त न० (-नक्षत्र) जन्मनुं नक्षत्र. जन्म नक्षत्र the natal star. कण० ४, १२८; —पक्क. त्रि० (-पक्व) जन्मथी जन्मानती भेसे पक्क जन्म से ही-स्वयं परिपक्व बना हुआ. fully developed or mature from the very birth विवा० १, ८; —फल. न० (फल) जन्मनुं धन प्रये जन्म जीवन का फल प्रयोजन. the aim or object of life. पंचा० ८, ३; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) जन्म भूमि; मृत् भूमि. जन्म भूमि; मातृ भूमि. birth-place; mother-land. “अवसेसा तिथयरा निक्खेता जन्म भूमिमु” सम० प० २३१; —समय. पुं० (-समय) जन्मनेो वप्पत. जन्म समय. the hour of birth. प्रव० ४;

जन्मंतर. न० (जन्मान्तर-अन्यजन्म जन्मान्तरम्) अन्य जन्म; पूर्व जन्म. पूर्व जन्म. Previous birth. गच्छा० ६; भत्त० १६६; —कम्म. त्रि० (-कृत) जन्मान्तरमां करेत्त. पूर्व जन्म में किया हुआ. done in the previous life. गच्छा० ६;

जन्मण. न० (जन्मन्) जन्म; उत्पत्ति; उद्भव

पुं; अवतार. जन्म; उत्पत्ति; अवतार. Birth; production; incarnation.

“जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्खुभिञ्ज” पण्ह० १, ३; नाया० १; ५; ८; भग० ११, ११; १२, ७; १८, २; २५, ६; जीवा० १; ओव० २१; ओव० ३१; ओष० नि० ११६; जं० प० ५, ११२; अणुजो० १७; १५०; निर० २, १; —चरिय. न० (-चरित्र) जन्म चरित्र; जीवन चरित्र. जन्म चरित्र; जीवन चरित्र. account of one's life; biography. राय० ६५; —चरिय-णियद्ध. न० (-चरित्रनिबद्ध) तीर्थंकर उ जन्माभिप्रेतना देखाववातुं ३२ नाटकमनुं ओड. तीर्थंकर के जन्माभिप्रेत के दृश्य वाला नाटक; ३२ नाटको में से एक. a dramatic performance showing the birth of a Tirthankara; one of the 32 dramas. राय० —भवण न० (-भवन) प्रसुनि धर प्रसूनि घर. lying-in chamber. जं० प० ४; ११२; —मह. पुं० (-मह) जन्म महेत्सव. जन्म महोत्सव. festivity in connection with birth. भग० ३; —महिमा. पुं० (-महिमन्) जन्मोत्सव. जन्मोत्सव. festivity in connection with birth. भग० १४, २; जं० प० ४, ११२; ११३;

जम्मा. स्त्री० (याम्या) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The South. प्रव० ७६४;

✓ जय. धा० I. (जी) जतयुं; जय भेदयवेो; इमेद पाभवी जय प्राप्त करना; सफलता पाना. To conquer, to succeed. जयइ-नि. सु० च० १, १; उत्त० ७, ३१; नंदी० १; जयंति. जं० प० ७, १५२;

जइथा. भग० ७, ६;

जयित्ता. ठा० ३, २;

जयंत. उत्त० ४, ११; जं० प० पि० नि० १६०;

जइतए. हे० कृ० भग० ७, ६;

✓ जय. पा० I. (यत्) भडेनत करवी; यत्न करवे; जयल्ला करवी. मिहनत करना; यत्न करना. To exert oneself; to endeavour.

जयइ. उत्त० ३१, ७;

जये. वि० सूय० १, २, ३, १४;

जयसु. पि० नि० ४४;

जयंत. व० कृ० उत्त० २४, १२; पि० नि० १६०;

जयतन्त. सूय० १, २, १, ११;

जयमाण. १, ४, १, १२६; १, ६, २, १८३;
१, ६, १, २१;

जय-अ. पुं० (जय) शत्रुओंने छतया ते; विजय. विजय; शत्रुओंको जीतना. Victory. घोव० ११; दम० ७, ५०; नंदी० ५; कण० १, ५; ४, ६७; नाया० १; ३; १६; भग० ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; राय० ३५; पञ्च० २; (२) अ० नामना पतमान अवस पिण्डुना ११ भा चक्रवर्ती इस नाम का वर्तमान अवसर्पिणी का ११ वां चक्रवर्ती. name of the 11th Chakrawartī (sovereign) of the present cycle. जं० प० ३, ४६; उत्त० १८, ४३; सम० प० २३४; (३) अ० नामनी त्रीन् आहम अने तेरस अ० त्रयु तिथिअ० इस नाम की तृतिवा अष्टमी व त्रयोदशी ये तीन तिथियां. name of the 3rd, 8th and 13th day of a fortnight. जं० प० १; (४) अ० नामनी अ० देवता. इस नाम का एक देवता. name of a god. भग० ३, ७; (५) १३ भा तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार गृहस्थ. १३ वे तीर्थंकर का प्रथम भिक्षा देनेवाले गृहस्थ. a householder who was the first to give alms to the 13th Tirthankara.

सम० पं० २४२;—खाम. पुं० (-नामन्) जय नामे ११ भा चक्रवर्ती. जय नाम का ११ वां चक्रवर्ती. name of the 11th Chakrawartī. टा० १०; उत्त० १८, ४३; —सइ. पुं० (-शब्द) जय थाओ अवे शब्द. जय हो ऐसा शब्द. the exclamation 'victory! victory!'. “जय-सहस्रोसण्णं” भग० ६, ३३; आंव० ३१; कण० ४, ६२;—जय. पुं० (-जगत्) संसार; लोक; दुनिया. संसार; लोक. worldly existence; the world. भग० २०, २; ३; —गुरु. पुं० (-गुरु) जगतना गुरु; श्रीजिनेश्वर. जगत् के गुरु; श्रीजिनेश्वर. the world-teacher; Jīneshwara. सु० च० २, ३६१; पंचा० ४, ३३;—प्रसिद्ध. वि० (-प्रसिद्ध) जय बर्द्ध. जग जाहिर; लोक प्रसिद्ध; प्रख्यात. famous; well-known. सु० च० १, २८; —प्रभु. पुं० (-प्रभु) जगतना प्रभु. परमेश्वर. the lord of the world; the supreme being. सु० च० १, ३८०; —पुंगव. वि० (-पुंगव) जगतमां अष्ट. जगत में अष्ट the greatest or the best in the world. सु० २, ६७७;

जयंत. पुं० (जयन्त) जं० धूपना चार द्वार-मांनु पश्चिम तरङ्गनु द्वार. जम्बूद्वीप के चार द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार. The western gate of the four gates of Jambū Dvīpa. “कहिणं भेत जंबू दीवस्स जयंत खाम दारे पण्णते” जात्रा० ३, ४; जं० प० (२) जयंत नामे पांच अणुत्तर विमानमांनु त्रीणुं विमान अनी सिध्ति उर साजरोपमनी छे अ० देवता १६ भदिने आसोअण्णस ले छे अने उर हन्तर वरिं क्षुधा लागे छे. जयंत नाम के पांच अणुत्तर विमान में से सासरा विमान;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने में ये देवता श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें ३२ हजार वर्ष में लुधा लगता है. the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta. The life-period of the gods of this abode is 32 Sāgaras. They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years. "विजये विजयन्ते जयन्ते अपराजय सवट्टसिद्धे" डा० ५, ३; ४; सम० ३२; भग० ५, ८; २४, २४; नाया० ८; प्रव० ११५१; (३) ते विमानवासी देवता. उस विमान में रहने वाले देवता. gods residing in celestial palaces or abodes. सम० उत्त० ३६, २१३; पञ्च० १; (४) मेरु पर्वत की उत्तर दिशा में आवेशा रुचकवर पर्वतना आठ कूटमानुं ७ मुं कूट. मेरु पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आवेश हुए रुचकवर पर्वत के आठ कूट में से सातवां कूट. the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. डा० ४; (५) आवनी योवीसीमां थनार प्रथम बलदेव. आगामी चौवीसी में होने वाले प्रथम बलदेव. the first Baladeva of the coming cycle. सम० प्र० २४२; (६) वज्रसेन सूरीना चार शिष्यमाना त्रीन् शिष्यनुं नाम अने तेनाथी नीकलेव शाष्मानुं नाम. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūri as also the

school that sprang from him. व.प.० ८; —पवर. पु० (—पवर) त्रीन् अनुत्तर विमान. तीसरा अनुत्तर विमान. the third chief celestial abode known as Anut ara. नाया० ८;

जयन्ती. छा० (जयन्ती) काशांभी नगरी निवासी जयन्ती नामे महावीर स्वामीनी भोटी श्रविष्ठा. कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी का बड़ा —भ्रावका. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kaosāmbī. भग० १२, २; (२) सातमा अत्रदेवनी मातानुं नाम. जेवें बलदेव की माता का नाम. name of the mother of the seventh Baladeva. सम० प० २३५; (३) सातमी दिशाकुमारी. सातवीं दिशा-कुमारी. the seventh Disākumārī. (४) सर्वअरुनी चार अग्रमहिषीमाना त्रीन् अग्रमहिषीनुं नाम सर्व ग्रहों की चार अग्रमहिषी में से तीसरी अग्रमहिषी का नाम. name of the third of the four principal queens of the planets. ज० प० ५, ११४; जीवा० ४; डा० ८, १; भग० १०, ५; (५) महावप्रविजयनी मुख्य राजधानी. महावप्र विजय का मुख्य पाटनगर. the chief capital of Mahāvīra Vijaya. ज० प० डा० २, ३; (६) उत्तर दिशाना अञ्जन पर्वतनी ओड पश्चिमनी वावनुं नाम. उत्तर दिशा के अञ्जन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Añjana. जीवा० ३, ४; प्रव० १२०३; (७) पण्वाडीआनी पंदर शनिमाना ६ भी शनिनुं नाम. पञ्च की १५

रात्रियों में से ६ वीं रात्रि का नाम. name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (८) सातवां तीर्थंकर की प्रव्रज्या-पालकी नाम. सातवें तीर्थंकर की प्रव्रज्या-पालकी का नाम. name of the palanquin used by the seventh Tirthāṅkara while accepting asceticism. सम० प० २३१; (६) ऐ नामनी ऐक शाखा. इस नाम की एक शाखा. a school of this name. कप० ८;

जयघोष पुं० (जयघोष) ऐ नामनी ऐक भूनि के गे दासीनां आत्मजु दुत्तमां गन्धर्व दत्ता. प्रथम वेद धर्मना सारी रीति अभ्यास किये दत्ते. पाण्डुरायी गंगा नदीके किछे ऐकैक प्रणी प्लव प्रविपत्ति प्रणीऐथी. गतना जेन वैराग्य प्राणी देन दीक्षा ऐथी डाइ करी, मदा जाली अने तपस्वी पन्था भास जमजुने पारणे पितृना आठ पित्र्य ध्यापने आरंभ गतमां भिक्षा देन आपनां अथ्यऐथी निररकार किये. तथ पि नेनी दरकार न करता आत्मजु धर्म अने आत्मजु शब्दनुं अक रदस्य प्रदायी केले पित्र्य ध्यापने पञ्च दीक्षा ऐथी इस नामक एक मुनि जो कि कशामें ब्राह्मण कुलमें जन्मे थे. प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्यास किया था, पीछे से गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी अन्य प्रतिपत्ता प्राणी द्वारा निगला जाना हुआ देन वैराग्य प्राप्त हो गया. जेना दाक्षा आगकार करके बड़े ज्ञानी और तपस्वी बने. माय खमगा (एक मायका उपवास) के पारणे के दिन अपने बन्धु निजयघोषने प्रारंभ किये हुए यज्ञमें भिक्षा देनेको गये किन्तु ब्राह्मणोंने निररकार किया, परंतु उम की परवाह न करते ब्राह्मण धर्म व ब्राह्मण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी

दीक्षा दी. Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every aquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosh had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahman. He won his brother and initiated him in his order. उक्त० २२, १;

जयजय पुं० (जयजय) जय धामि जय धामि ऐवे धामि. जय हो जय हो ऐसा ध्वनि. The exclamation Jaya! Jaya! (victory). सम० ६, ३३:—रज. पुं०(-रज) जय धामि ऐवे आशीर्वाद वाचक शब्द. जय हो ऐसा आशीर्वादवाचक शब्द. the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory). सम० ६, ३३:—सह. पुं०(-शब्द) जय जय ऐवे आशीर्वाद शब्द. जयजय ऐसा आशीर्वाद शब्द. The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory).

श्रौव० जं० प० ५, १२२;

जयण० न० (यजन) अभय देयुं ते. अभय दान देना. Giving assurance of safety. परह० २; १;

जयण० न० (यत्न) प्राणीनुं रक्षणुं करतुं. प्राणी का रक्षण करना. Protection of living beings. परह० २, १; (२) यत्न करवो ते; उद्यम करवो ते यत्न करना. effort; exertion. नाया० १; परह० २, १,—(रा)आवरणिज्ज० न० (आवरणीय) जेथी प्रयत्न-उद्यमभां अंतराय पडे तेवी कर्मनी ओक प्रकृती. जिस में प्रयत्न-उद्यम में विघ्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति. a kind of Karma which hinders efforts. भग० ६, ३१;

जगणा० स्त्री० (यतना) जतना; संभास जयुं यतना; कार्यभा उपयोग राखवो ते सावधानता-युक्त आचरण; हरक कार्य में उपयोग रखना. Cautious behaviour; making every action useful; proper circumspection. उत्त० २४; श्रौव० २१; पिं० नि० भा० २६; नाया० ५; भग० १८, १०; पंचा० ४, १०; ७, २६; गच्छा० ८०;

जयणा० स्त्री० (जयना) जेथी गति ऊपर जेत-मेतवे जेथी देवनाती गति. सर्व गंतियों के ऊपर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवना की गति. The gait or the speed of gods which is the highest of all. "जयणाण गदण" कप्प० २, २७; नाया० १; भग० ३, १; राय० २६;

जयणा० स्त्री० (यत्ना) समकितभां ७ प्रकारनी यतना-विवेक. सम्यक्त्व में छः प्रकार का विवेक. The six forms of discrimination in Samyaktva. प्रव० ६४१;

जयइह० पुं० (जयइय) जे नामना ओक राज-

कुमार. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince. "गंगेयवितूरहोण जयइहं" नाया० १६;

जयमाण० त्रि० (यत्मान) यत्न करतुं. यत्न करता हुआ. Endeavouring; striving. पंचा० १५, ११;

जया० श्र० (यदा) जे पारै; जे पारते. जब; जिस समय. When. नाया० १; ७; ११; १६; नाया० घ० भग० ५, १; दसा० ५, ३२; १०, १; दस० ४, ४; श्रौव० १२; उत्त० २५, १६; विशेष० ६२; क० गं० २, ७;

जया० स्त्री० (जया) पारभा तीर्थकर वासु पूज्यनी मातानुं नाम. बारहवें तीर्थकर वासु-पूज्य की माता का नाम. Name of the mother of the twelfth Tirthankara, Vāsupūjya. सम० प० २३०; प्रव० ११; (२) तीर्थ, आरंभ अने तेरसवीं रात्रिना नाम. नृताया, अष्टमी और त्रयोदशी की रात्रियों के नाम. name of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight. सू० प० १०; (३) यथा यक्ष्यतीर्नी श्री (यत्न). चौथी चक्रवर्ती की स्त्री the wife of the fourth Chakravartī. सम० प० २३४; (४) ओक जतनी मिठाई. एक प्रकार की मिठाई. a kind of sweet-meat जं० प० ५, ११२;

जयामयार० पुं० (जकारमकार) जकारमकार रूप अक्षर. जकार मकार रूप अपक्षब्द. A corrupted word having the sound 'ja' and 'ma'. गच्छा० ११०;

✓ जर० भा० I, II. (जृ) जृणुं करतुं. जीर्ण करना To grow old; to decay. जरेहि. आया० १, ४, ३; १३५;

जर० पुं० (ज्वर) ताप; ओक जतना रोग. बुखार; ताप; एक प्रकार की बيمारी. A

kind of disease; fever. जीवा० ३, ३; विशेष० १२०४; नाया० १; ५; १३; भग० ७, ८; (२) न० संताप. संताप. enragement. जीवा० ३, १; —समण. न० (-शमन) तावने शान्त करवे. बुखार को शान्त करना. cessation of fever. पंचा० ४, २६;

जरग. त्रि० (जरक) श्रुत्यु. जर्णी; पुराना. Old; worn out. “ जरग ओवाहणें सिवा ” अणुत्त० ३, १;

जरग. पुं० (जरद्व) धरंडो यवद. वृद्ध बैल. An old ox. (२) जरक-अ नामनुं जन्तावर. जरक-अ नाम का जानवर. A kind of animal. अणुत्त० ३, १;

जरगव पुं० (जरद्व) धरंडो यवद. वृद्ध बैल. An old ox. “ जरगवपणं ” अणुत्त० ३, १; सूय० १, ३, २, २१;

जरद्व. त्रि० (जरठ) धरंडुं शुनुं; श्रुत्यु. वृद्ध; पुरानन; जर्ण. Old; aged; decayed. आष० नि० १२७; आष०

जरय. पुं० (जरक) पड़ेसी नरकनो मेरुथी दक्षिण नरकनो ओक नरकावासो. पहिली नरक का मेरु में दक्षिण तरफ का एक नरकावास. An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा० ६, १;

जरयमम्भ. पुं० (जरकमध्य) पड़ेसी नरकनो उत्तर दिशा नरकनो ओक नरकावासो. पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावास. The northern internal abode of the first hell. ठा० ६, १;

जरयावस. पुं० (जरकावस) पड़ेसी नरकनो पश्चिम दिशा नरकनो ओक नरकावासो. पहिली नरक का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा० ६, १;

जरयावसिद्ध. पुं० (जरकावसिद्ध) पड़ेसी नरकनो दक्षिण दिशा नरकनो ओक भेटोटा नरकावासो. पहिली नरक की दक्षिण दिशा का ओर का इस नामका बड़ा नरकावास. A big hell abode of the first hell region situated in the south. ठा० ६, १;

जरस. पुं० (जरक) ओक जन्तुं जंगली पशु. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा० ३, ३;

जरा. स्त्री० (जरा) धरपशु; वृद्धावस्था. वृद्धावस्था. Old age; decline of age. “ जीवाणें भंत किं जरा सोगे ! ” भग० १६, २; भग० २, १; ३, ७; ७, ६; ६, ३३; नाया० १; ५; १७; विशेष० ३१७८; पञ्च० २; दस० ६; ६०; ८, २६; संख्या० ३२; ओव० ३१; भल्ल० १५, १६८; आव० २, ५; उत्त० ४, १; १३, २६; आया० १, ३, १, १०८; सूय० १, १, १, २६; जं० प० ७, १२३; सू० प० २०; मु० च० १, २३५; —जजरिय. त्रि० (-जर्जरित) जरथी श्रुत्यु थयेत जरासे जर्ण. old; infirm; decayed. भग० १६, ४; —मरण. न० (-मरण) जरस अने मरण. जरा व मरण. old age and death. आव० २, ५;

जराउअ. त्रि० (जरायुज) जरयु-ओर सथे जन्म पावणार; गर्भाशयधी जन्म पावणो मनुष्य अने पशु जरायु- माथ में जन्म लेने वाला; गर्भाशय से जन्म पाने हुए मनुष्य व पशु Born from the womb; viviparous. सूय० १, ७, १; प्रव० १२५०; आया० १, १, ६, ४८; दस० ४; जीवा० ३, २;

जराउज. त्रि० (जरायुज) शुभो “ जराउअ ” शब्द. देखो “ जराउअ ” शब्द. Vide “ जराउअ ” ठा० ७, १;

जराउय. त्रि० (जरायुज) लुओ " जरा-
उय " शब्द. देखो " जराउय " शब्द.
Vide " जराउय " अ.या० १, १, ६,
४८; दस० ४; जीवा० ३;

जराकुमार पुं० (जराकुमार) यादव वंशना
ऐक कुमार के होने लाये कृष्ण महाराज
भोत थये ऐम नेमनाथ लगवाने प्रकाशयाथी
ते पातकभीथी अयवाने जे कोसंभी वतमां
रहेता हता छतां दैव योगे कृष्ण महाराज
त्यां आपीयउया अने जराकुमारने हाथे
भोत थयु. यादव वंश का एक कुमार कि
जिमके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने
वाली थी. नेमनाथ भगवानने यह भविष्य प्रगट
किया था और पातक से बचने को जिस
कोसंभी बन में वे रहने लगे थे वहां भी
कृष्ण महाराज जा चडे और जराकुमार के
हाथ में मृत्यु हुई. A Yādava prince
at whose hands Kṛṣṇa was to
meet his death. Owing to the
manifestation of Nemanātha, he
used to reside in the forest of
Kosambi for saving himself
from sin, where too Kṛṣṇa
happened to come and was
killed at the hands of Jarā
Kumāra. अंत० ५, १;

जरासंध. पुं० (जरासंध) राजगृह नगरने
राज; नवमा प्रति वासुदेव. राजगृह नगर का
राजा; नव में प्रति वासुदेव. The king
of Rajagriha; the ninth Prati-
Vāsudeva. पगह० १, ४;

जरासिंधु. पुं० (जरासिंधु) ऐ नामने
राज. जरा सिंधु नामका राजा. A king
so named; the ninth Prati
Vāsudeva. नाया० १६; प्रव० १२२७;

जरि. त्रि० (जवरि) नाव वलो. जवर वाला.

Attacked with fever. सु० च०
१३, ५४;

जरिअ. त्रि० (जवरित) जवर-नाव वगेरे
रोगवाहुं. जवर, ताप आदि रोगवाला.
Attacked with fever. पि० नि०
५७२; ५८२; सूय० १, ७, ११; प्रव० ११२;

जजरूला. स्त्री० (जरूला) चार इंद्रिय वाली
ऐक अय. चार इंद्रिय वाला एक जीव. A
four-sensed creature. पञ्च० १;

जल. न० (जल) पाष्णी; जल. जल; पानी.
Water. नाया० १; २; ४; ८; १८; भग०
२, १; ५, ७; ४२, १; नंदी० ७; विशेष०
२०६; ओव० २१; उत्त० ३६, ५०; क० गं०
१, १६; भक्त० १२६; प्रव० ४७७; (२)
जलकान्त तथा जलप्रभ इंद्रना प्रथम लोक-
पादगुं नाम. जलकान्त व जलप्रभ इंद्रके
प्रथम लोकमल का नाम. name of the
first Lokapāla of Jalakānta and
Jalaprabha Indra. जं० प० ४, ७४;
अ० ४, १; भग० ३, ८; (३) पाष्णीना अय.
जन के जीव. an aquatic animal.
क० गं० ४, १३; (४) प्रस्वेद; पसीना.
पसीना, पस्वेद. sweat; perspiration.
नाया० १; (५) जलस्थान; तालाब वगेरे.
जलस्थान बगीरह. a store of water;
a pond etc. दया० ७, १; —अंत०.

पुं० (-अन्त) पाष्णीना अंत-छेडा. जल
का अंत भाग. depth of water. भग०
६, ५; —अभिसेय. न० (-अभिषेक)
पाष्णीथी नदाहुं ते. जल से स्नान करना.
bathing with water. भग०
११, ६; नाया० ५; निर० ३, ३; —अभि-

सेयकटिणगाय. पुं० (-अभिषेककटिण-
गात्र) वानप्रस्थ तापसनी ऐक व्रत गेनुं
शरीर पाष्णीना बार-बार सिंघनथी कटिण थम
गयेस होय ते. वानप्रस्थ तापस की एक

जाति कि जिसका शरीर जल के बारबार सिंचन से कठिन हो गया हो. an order of hermits; one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water. भग० ११, ११; —उत्तार. पुं० (-उत्तार) पाणीमां उतरयुं ते. जलमें उतरना. descending or getting into water. प्रव० ६७८; —उपरिद्वाइ त्रि० (-उपरिस्थायिन्) जल उपर रहेत्तार. जलके ऊपर रहने वाला. (one) living above water. नाया० ६; —काय. न० (-काय) अपकाय; पाणी. अपकाय; जल. water. क० गे० ८, १३; —किट्. न० (-किट्) पाणीने मेतः सेरात; झीयु जल का मेतः कच्चा. dirt in the water; moss राय १०३; —कीडा स्त्री० (कीडा) पाणीनी अंदर तरयुं; दुग्दी भारदी यगेरे गभम जल के भीतर तैरना; कुरना इत्यादि खेल. sporting or gambolling in water. राय० १७३; भग० ११, ६; विवा० ७; —कीला स्त्री० (कीडा) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, ६; —कुंभ. पुं० (-कुंभ) पाणीमां घटे. जल का घड़ा-पात्र. a pot of water. पंचा० १२, ११; —गय. त्रि० (-गत) पाणीमां रयेयुं जल में रहा हुआ. living in water. निमा० १८, २०; (२) पुं० पाणीनी अंदर रहेत्ता अथ. जल के भीतर रहा हुआ जीव. a creature living in water; an aquatic animal. पण्ड० १, १; —ग्रिय. त्रि० (गृहिक) पाणीनी व्यवस्था करनेवाले; पाणी पानारे. जल पिलाने वाला (one) looking after water arrangements. नाया० १२; —चक्रवाल. न० (-चक्रवाल)

पाणीना गोत्र कुंडावा. जल का गोल चक्र. a ring, a circle of water. पण्ड० १, ३; —चार. न० (-चार) नावादिनुं पाणीमां याययुं ते; वदायुनुं जयुं. नाव वगैरह का जल में चलना; जहाज का जाना. moving of a boat or vessel in the water. आया० नि० १, ५, १, २४६; —चारिया. स्त्री० (-चारिका) आर ध्रिययासे अेक वतन्ता अथ. चार इंद्रिय वाला एक जाति का जीव. a kind of four-sensed creature. पञ्च० १; —छ्वायन. न० (-गालन) पाणी ययुं ते. जल का टिपकना. oozing or trickling of water. पंचा० ४, १३; —ट्राण. न० (-स्थान) जलाशयः पाणीनां स्थान. जलाशय; जल का स्थान. a pond; a reservoir of water. पञ्च० २; —स्थलय. त्रि० (-स्थलज) जल अने स्थलमां उत्पन्न अथेत; कमल गुलाब यगेरे. जल व स्थल में उत्पन्न; कमल, गुलाब इत्यादि. produced in water and on earth; the lotus, the rose etc. सम० ३८; —द्रोण. पुं० (-द्रोण) द्रोणु प्रमाणु पाणी द्रोण के प्रमाण में जल. a cupful of water. प्रव० १८२६; —धारा. स्त्री० (-धारा) पाणीनी धार. जल-धारा; पानी की धार. a stream or current. or flow of water. भग० ६, ३३; —पक्खंद. न० (-प्रस्कन्द) पाणीमां मरीजयुं ते; आस मरीजुने; अेक प्रकार. जलमें डूब मरजाना; बाल-मृत्युका एक प्रकार. drowning in water; premature death. निमा० ११, ४१; —पक्खंदण. न० (-प्रस्कन्दन) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. निमा० ११, ४१; —पवेस. न० (-प्रवेश) जुओ "जल-

पक्खंद " शब्द. देखो "जलपक्खंद" शब्द.
 vide "जलपक्खंद" निसी० ११, ४१;
 —पवेसिक. त्रि० (-प्रवेशिक) जलभां
 प्रवेश करना. जल में प्रवेश करने वाला.
 (one) who enters into the
 water. श्रौ० ३८; —पवेस. न०
 णुओ "जलपक्खंद" शब्द. देखो "जल-
 पक्खंद" शब्द vide "जलपक्खंद" ठा०
 २, ४; भग० २, १; नाया० १६; —विंदु.
 पुं० (-बिन्दु) पाणीनुं टीपुं. जल का बूँद.
 a drop of water. नाया० १; कप्प०
 ३, ४२; —वासि. पुं० (-वासिन्) जलनी
 अंदर बसना तापसनी ओक जाति. जल
 के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति
 an order of ascetics living in
 water. "जलवासिणो सि" भग०
 ११, ६; निर० ३, ३; —बुब्बुअ. न०
 (-बुद्बुद) पाणीना परपोटा. जल का
 बुलबुल्ला. A bubble of water.
 "विसय सुहं जलबुब्बुप्रसमायं" श्रौ०
 —बुब्बुद. पुं० (-बुद्बुद) णुओ ३४ सो शब्द
 देखो ऊपर का शब्द. vide above
 भग० ६; ३३; —भय. न० (-भय) पाणी
 नुं भय. जल का भय. fear of water.
 प्रव० ६८०; —भूमिआ. स्त्री० (भूमिका)
 पाणी वाली जमीन जल वाली धरती. land
 having water. पञ्च० २; —मज्जन
 न० (मज्जन) जल स्नान. जल स्नान.
 bathing or ablution in water.
 नाया० २; ८; ९; भग० ११, ६; विवा० ७;
 —मज्झ. न० (-मध्य) पाणीनी दन्त्ये;
 जलभां. जल के बीच में, जल में. the
 midst part of water. प्रव० १४६;
 —माला. स्त्री० (-माला) पाणी पानी. बहुत
 जल. plenty of water. सू० नि० २, १,
 १६१; —रक्खस. पुं० (-राक्षस) राक्षस

नो पांचभे प्रकार. राक्षस का पांचवां प्रकार.
 the fifth variety of demons.
 पञ्च० १; —रमण. न० (-रमण) जलझीझ.
 जलक्रीडा. sporting in water. नाया०
 १३; —रुह. पुं० (-रुह) जलभां पैदा
 थनार बनस्पति; कमल, इत्यादि.
 पैदा होनेवाली वनस्पति; कमल, इत्यादि.
 vegetation growing in water;
 the lotus etc. 'सेकितं जरुहा !; जल
 रुहा अयोगविहा परखता' पञ्च० १; जीवा० १;
 —रेखा. स्त्री० (-रेखा) पाणीभां झाडडी
 वगैरैथी करेखी लीटी. जलमें लकड़ा वगैरह से
 की हुई रेखा. a line made by means
 of a stick etc. in the water. क०
 गं० १, ६३; —विच्छुय पुं० (-वृश्चिक) जल-
 नो मिथी. जल का बिच्छु. a prawn. पञ्च०
 १; —विमुद्ध. त्रि० (-विशुद्ध) जलथी
 शुद्ध थिये. जल से शुद्ध. purified
 by means of water. प्रव० ७३२;
 —सिस्स. त्रि० (-सिक्क) पाणीथी सिस्स
 करे. जल से सिस्स किया हुआ. sprink-
 led or moistened with water
 दम० ६ २, १२; —सिद्धि. स्त्री०
 (-सिद्धि) जलभां न्दना न्दना सिद्धि
 पावे ते जल में स्नान करते करते सिद्धि
 पावे वह. perfection attained
 while bathing in water.
 "सुमं वयंते जलसिद्धिमाह" सू० १, ७,
 १७; —सोयवाह. पुं० (-सोयवादेन्)
 पाणीथी शुद्धि मानना तापसनी ओक जाति.
 जल से शुद्धि मानने वाले तापस की एक
 जाति. an order of ascetics who
 believe in purity by means of
 water. सू० नि० १, ७, १०;
 जलअ य. पुं० (जलद) मेघ; परसाह.
 वर्षा; मेघ. A cloud. विशे० ४६८;

१७१७; कण्ठ० ३, ३५;

जलकंत. पुं० (जलकान्त) अंद्रकान्त भलि; सञ्चित कठिन पृथ्वीको अेक प्रकार चंद्रकान्त-माथि, सञ्चित कठिन पृथ्वी का एक प्रकार. The moon-gem; a variety of hard animate earth. उत्त० ३६, ७६; पञ्च० १; सम० ३२; (२) दक्षिण तर-इतो विदधिकुमारना ईदनुं नाम. दक्षिण तरफ के उदाधिकुमार के ईद का नाम. name of Indra of Udadhi Kumāra (son of the ocean) of the south. डा० २, २; पञ्च० २; (३) जलकान्त ईदना त्रीन लोकपालनुं नाम. जलकान्त इन्द्र के तीसरे लोकपाल का नाम. name of the third Lokapāla of Jalakānta Indra डा० ४, १; भग० ३, ८;

जलकारि पुं० (जलकारिन) चोष्ट्रिय ७४ विशेष. जलकारि नामक चोष्ट्रिय जांव विंशत्य. A kind of four-sensed creature of this name. उत्त० ३६, १४३.

जलचर. पुं० (जलचर) पाण्डूमा. उत्पन्न यथा पाण्डूमां रोहताय पंचेन्द्रिय निर्यय. जल में उत्पन्न हो जलही में रहने वाला पंचेन्द्रिय निर्यय. A five-sensed aquatic animal. शोव० ४१; भग० ८, १; १५; १; २४, १; प्रव० ६७६;—**विहाण.** न० (-विधान) जलचर निर्यय पंचेन्द्रियना प्रकार जलचर तिर्यच पंचेन्द्रिय का प्रकार a kind of five-sensed aquatic animal. भग० १५, १;

जलचरी. स्त्री० (जलचरी) पाण्डूमां रोहताय माछरी; मछरी वगैरे. जलचर निर्ययनी स्त्री. जल में रहने वाला मछली मछरी; जलचर तिर्यच का मादा. A fish living in water; the female of an

aquatic animal. डा० ३, १;

जलज. न० (जलज) पाण्डूमां उत्पन्न यथेष्ट; कमलादि. जल में उत्पन्न कमलादि. The lotus etc. produced in water. राय० २७;

जलज्वलित. त्रि० (जलज्वलमान) जल दहनता; दीपता. प्रज्वलित; ज्वलंत. Blazing; burning. कण्ठ० ३, ३६;

जलण. त्रि० (जलण) दहियमान अग्नि; आग; देवता. देदियमान; अग्नि; आग. Blazing fire; fire. प्रव० १०७१; क० गं० १, ४५; गच्छा० ७६; पंचा० २, १६; ४, ४४; विश० २७; २१४; अणुजो० १३१; १५४; नाया० १; १७; द३० ६, १, ११; सु० न० ४, २१०; ओव० ३८; भग० ३, १; (२) पुं० (आत्मानं चारित्रं वा उवालयति दहतीति जलणः) क्रोध; गुस्सा. क्रोध; गुस्सा. anger; rage. नय० १, १, ४, १२; (३) सतयावयुं; आतपुं. जलणा. burning; kindling पण्ड० १, १; (४) ज्ञानादि गुणुतो प्रकाश करेता ते. ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlightenment in the form of knowledge etc. प्रव० १४८; (५) अग्निकुमार देवता. अग्निकुमार देवता. the Agni-kumāra deity. पण्ड० १, ४;—**काय.** न० (काय) तेजस्कय; अग्नि. तेजस्कय; अग्नि. one having a lustrous form; fire. क० गं० ४, १३;—**पक्खंदण.** न० (प्रस्कन्दन) अग्निमां पडी मरी जलुं ते; आत मरुनुतो अेक प्रकार. अग्नि में गिरकर जल मरना; बालमृत्युका एक प्रकार. burning to death by falling into the fire; a form of premature death. निसी० ११, ४१;—**पवेस.** न० (-प्रवेज) अग्निनी अंदर

पडी असी भन्तुं ते; आक्ष भरलुनो ओक्ष
भक्षर अग्नि के भीतर गिर कर जल मरना;
बालमृत्यु का एक प्रकार. burning
to death by falling into the
fire; a form of pre-mature
death. निसी० ११, ४१; भग० २, १;
नामा० १६; डा० २, ४;

जलन. पुं० (जलन) लुओ " जलण "
शब्द. देखो " जलण " शब्द. Vido
" जलण " पि० नि० भा० १;

जलनिहि. पुं० (जलनिधि) समुद्र. समुद्र.
The sea. प्रब० १४६२;

जलप्रभ. पुं० (जलप्रभ) दक्षिण तरङ्गता
उत्तर आशुना उद्दिष्टुमार अनिता जलनपति
देवताओ ईन्द्र. दक्षिण दिशाके उत्तर तरङ्ग का
उदधिकुमार जाति के भवतान देवता का
इन्द्र. Indra of the Bhavanapati
deities of the northern Uddhi
Kumāra class of the south. डा०
२, ३; पञ्च० २; (२) जलप्रभन्त तथा जल-
प्रभ छन्दना येथः लेकपावतुं नाम. जल
कान्त व जलप्रभ इन्द्र के चौथे लोकपाल का
नाम. name of the fourth Loka-
pala (regent of a quarter of
the world) of Jalkānta and
Jalaprabha Indra. डा० ४, १; भग०
३, ८;

जलप्रह. पुं० (जलप्रभ) लुओ " जलप्रभ "
शब्द. देखो " जलप्रभ " शब्द. Vido.
" जलप्रभ " सम० ३२;

जलमय. त्रि० (जलमय) पाणीमयः पणी-
रूप. जलमय; पानीस्वरूप. Abounding
in water. पय० १, १;

जलय. न० (जलज) कमल. A
lotus. पञ्च० १; राय० ४७; नाया० ८;
जीवा० ३, ४; —अमलगन्धिय. पुं०

(—अमलगन्धिक —जलजानामिव जलज-
कुसुमानामिगमलो न तु कुद्रव्यसंमिश्रो यो
गन्धः स विद्यते येषां त जलजामलग-
न्धिकाः) कमलना जेपी गन्धवाला. कमल
की सी गन्धवाला. fragrant like a
lotus जीवा० ३, ४; राय० ४७; जं० प०
४, ७४;

जलयर त्रि० (जलचर-जले चरति पर्यटतीति
जलचरः) पाणीमां उत्पन्न यर्था पाणीमां रहते-
तर पंचेन्द्रिय तिर्य्य. जल में उत्पन्न होकर
जल में रहनेवाला पंचेन्द्रिय तिर्य्य. A
five-sensed creature born
and living in water. " से किं तं
जलचरपंचिन्द्रियातरिक्क जाणिया " पञ्च०
१; जीवा० १; सम० १३; सू० प० १०;
उल० ३६, १००; मत० १३०; —निकर
पुं० (—निकर) जलयर प्राणीओ समूह
जलचर प्राणीयो का समूह. a collection
of aquatic animals. प्रब० २२२;
—मंस न० (—मांस) म जल में रहेरे जलयर
प्राणी मांस. मंस्य आदि जलचर प्राणीयोका
मांस. the flesh of aquatic crea-
tures such as fish etc. प्रब० २२२;

जलयरी. स्त्री० (जलचरी) जलयर तिर्य्य-
पंचिन्द्रिय स्त्री. जलचर तिर्य्य पंचेन्द्रिय की
स्त्री. The female of a five-sensed
aquatic animal. " से किं तं जलच-
रीओ " जीवा० १;

जलयर. पुं० (जलरत) जलकान्त तथा जल-
प्रभ छन्दना लेकपावतुं नाम. जलकान्त व
जलप्रभ इन्द्र के लोकपाल का नाम. Name
of the Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Jala-
kānta and Jalaprabha Indra.
डा० ४, १;

जलरूप-व. पुं० (जलरूप) उद्दिष्टुमारना

धन्द्र जलकांतना भीम लोकपालनु नाम.
उदधिकुमार के इन्द्र जलकांत के दूसरे लोक-
पाल का नाम. Name of the second
Lokapāla (regent of a quarter
of the world) of Indra Jala-
kānta of Udadhikumāra. भग०
३, ८;

जलवीरिय पुं० (जलवीर्य) चार इन्द्रियवाले
शुचि विशेष. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष.
A kind of four-sensed creature.
जावा० १; (२) ऋषभदेव स्वामीधी तेमना
वंशमां थयेले सातमो राजा. ऋषभदेव
स्वामी मे उन के वंश का सातवां राजा.
name of a king born in the
race of Rishabhadeva Swāmi
and seventh from him. डा० ८;

जलमूग. पुं० (जलमू) जलकांत धन्द्रना
भीम लोकपालनु नाम जलकान्त इंद्रके
दूसरे लोकपाल का नाम. Name of the
second Lokapāla (regent of
a quarter of the world) of
Jalakanta Indra. डा० ८, १;

जलहर. पुं० (जलधर) मेघ. वर्षा. मेघ.
वर्षा; बारिश. A cloud; rains. काप०
३, ३३; ४४;

जलहि. पुं० (जलधि) समुद्र. जल-धानी धि
-भंडार-समुद्र. The sea. मु० च० १, १;
नाया० ११;

जलाय. पुं० (जलपाक) नामना युक्त आत
नार. राजा के गुण बोलने वाला. One
who extols the merits of a
king. निसी० ६, २२;

जलावण. न० (ज्वालन) सज्जायपुं; अग्नि
प्रगट करनेवाला जलाना; अग्नि प्रकट करना
Burning; kindling of fire. "जलण
जलावण विद्वंसयेहि" पगढ़० १, १;

जलाशय. पुं० (जलाशय) जलाशय; जलना
इकाया-तलाव वगैरे. जलाशय; जल के
स्थल-तालाव इत्यादि. A pond; a
reservoir. पन्न० २; —ज. त्रि० (—ज)
जलाशय-तलाव-समुद्र वगैरेमां उत्पन्न
थयेले. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि में
उत्पन्न हुआ. produced in a pond,
sea etc. प्रब० १११४; —संस्कृत. न०
(—शोषण) जलाशय-तलाव वगैरे सात-
ववां ते आसक्तता सातमा वतना अतिआर-
क्ष्य १५ कर्मादानमांनुं द्वादशं कर्मादान.
जलाशय-तालाव इत्यादि को सुकाना; आसक्त
के सातवें वत के आतचार रूप १५ कर्मादान
में से चौदहवां कर्मादान the suction or
absorption of a pond etc. the
fourteenth of the fifteen
Karmādāns (sinful operations)
forming part of the partial
violation of the seventh vow
of a lay man. प्रब० २६८;

जलिय. त्रि० (ज्वालन) जलेलुं. जला हुआ
Burnt. "पक्वदे जलिय जोई" दम०
२, ६; ६, ३३; ६, १, ८; नाया० १; भग०
५, ८; नाया १; भग० ५, ६; मय० १, ५,
१, ७; आ० १०; पगढ़० २, ५; —चुडिली.
ली० (* चुडिली) अग्नी सज्जाती पुत्री.
घास का जलता हुआ पृत्ता. a burning
bunch of grass. "जालिय चुडिलीविव
अमुच्चम ड-हणसिलाओ" नंदु०

जलिर. त्रि० (* ज्वलिर-ज्वलनशील) जल-
नार; जलवाना स्वभाव वाला. जलनके
स्वभाव वाला. Of a burning nature.
मु० च० २, ५१;

जलूगा ली० (जलूकम्-जलमेका वसति-
रम्यति) वगैरेमें बोली पीतार; जलो; जे
छद्रियछ। विशेष. बिगडे हुए रक्त को पीने

वाला; द्विद्रव्यजीव विशेष. One that sucks impure blood; a kind of two sensed creature. उक्त० ३६, १२८; नंदी० ५४;

जलोया. ब्री० (जलौकस्) जुओ "जलूगा" शब्द. देखो " जलूगा " शब्द. Vide "जलूगा" पञ्च० १; अणुत्त० ३, १; भग० १३, ६; (२) यर्भ पक्षीनी. એક જાત. चर्म पक्षी की एक जात. a kind of bird पञ्च० १;

जल्ल. पुं० (यल्ल याति च लगति चेति यल्लः) शरीर उपर जलमेव कङ्क्षु मेव; परसेवा आद्रितो धृष्ट मेव. शरीर के ऊपर का जमा हुआ कठिन मल; पसीना आदि का घट्ट मल. Hard dirt or impure matter of the body; thick dirt of perspiration etc. सम० ५; ओव० ३८; जीवा० ३, ३; नाया० १३; भग० १, १; ८, ८; २०, २; उक्त० २, ३७; निसी० ३, ७०; पि० नि० २६२; कप्प० ५, ११६; (२) होरडी बाधर उपर थड़ी भिन्न डरनार; नट अग्नष्टी आ. (२) रस्स पर चढ़ कर खेल करने वाला; नट. an acrobat; a rope-dancer. जं० प० नाया० १; अणुजो० ६२; ओव० पण्ह० २, ४; कप्प० ५, ६६; (३) त्रि० थोडा प्रयत्नहीन दूर आयनेवा. थोड़े प्रयत्न से दूर हों पेना (that) which can be got rid of with little effort. (४) भेजेछनी એક જાત; જલ્લ દેશવાસી. મ્લેચ્છકા એક જાતિ; જલ્લદેશવાસી. a class of outcasts residing in Jalla country. पण्ह० १, १; (५) शयन लक्ष्मि नार. कावड ले जाने वाला. (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end. जीवा० ३, ३; —ओसहि. ब्री० (—आधि)

એક પ્રકારની લક્ષ્મિ; મેલના સ્પર્શથી દર્દ મટે એવા પ્રકારની શક્તિ. एक प्रकार की लक्ष्मि; मल के स्पर्श से रोग का नाश हो इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means of contact with dirt. ओव० १५; पण्ह० २, १; विशेष० १७८; —ओसहि-पत्त. त्रि० (—आधिप्राप्त-यहो मलं स पूर्वाधिर्यहौषधिस्तां प्राप्तां यहोपधिप्राप्तः) मेव भावना સ્પર્શથી રોગ મટી જાય એવી લક્ષ્મિને પ્રાપ્ત થયેલ. મલ માત્ર કે સ્પર્શ મેં રોગ નષ્ટ હો જેવી લક્ષ્મિ जिसका प्राप्त हुई है वह. (one) possessed of the power of getting rid of a disease by mere contact with dirt. "जल्लोसहिपत्तो" पण्ह० २, १; —परिषह. पुं० (—परिषह—यल्ल-इतिमलः स एव परिषहो यल्लपरिषहः) शरीરના મેલને પરિષદ; ૨૨ માંનો ૧૮ મો પરિષદ. शरीरके मल का परिषद; ૨૨ માં સે ૧૮ વાં પરિષદ. affliction or trouble due to dirt of the body due to perspiration; the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly. ચમ० ૨૦; ભગ० ૮, ૮; —પેહા. જાં (—પેહા-વર-ગ્રાસ્ત્રલકારાઃ સ્ત્રોત્રપાઠકા દુત્યપરે તેષાં પ્રેક્ષા જલ્લપેક્ષા) હોરડી પર થડી ભિન્નતરના ભેદ બેસા તે. રસ્સેપર ચઢકર તમાશા કરેનેવાળા નટ का तमाशा देखना. witnessing the exhibition of skill of performers in the streets जीवा० ३, ३;

—मल्ल. पुं० (—मल्ल—याति च लगति चेति मल्लः सत्पासी मल्लः यल्लमलः) शरीरનો મેલ. શરીર का मल. dirt or im

purity of the body. “जल मल-
कलंक सेयरय दो सवजिय सरार निरुव लेवा”
तंदु० ओव० नाया० १३; —सिंघाण. न०
(-शिङ्गाण) शरीरने भेद अत नाडने
भेद. शरीर व नाक का मेल. bodily dirt
and snot. आव० ४, ७;

जलता. न० (जलता—मल) क्षीत भेद.

कठिन मेल. Hard dirt. दसा० ७, १;

जल्लरी. ली० (झल्लरी) आधर. झालर. A
frill. ज० प०

जल्लिय. न० (*जल्लक) शरीरने भेद. शरीर
का मेल. Dirt or impurity of the
body. “उच्चारं पामवणं खलं मिघाणं
जल्लिय” उत्त० २६, १५; भग० ६, ३;

जव. पुं० (यव) जव; अंड वनतुं धान्य.
जो: एक प्रकार का धान्य. Barley; a
kind of corn. भग० १, १; ६, २: ६,
३३; १४, ७; २१, १; नाया० १; ओव०
उत्त० ६, ४६; डा० ३, १; पञ्च० १; जीवा०
३, ३; वंय० २, १; नंदी० १४; पंचा० ५,
२६; (२) अंड प्रकृती औषधी एक प्रकार
का औषधी. a kind of medicine.
पञ्च० १; (३) आठ अंगु प्रमाण; जवने
दाढ़ी; अंगुष्ठने आठवां भाग. आठ अं
प्रमाण जवका दाढ़ी; अंगुलका आठवां हिस्सा.
the eighth part of a finger
which is equal to a barley-
corn. अंगुजा० १३६; डा० ८, (४) अंड
वनतुं धान्यने पहिरवानी आली एक
प्रकार का कन्या को पहनने का चोला.
a sort of breast-coat for a girl.
विश० ७०६; (५) अ नामने अंड भाष्य.
इस नाम का एक मनुष्य name of a
person. भक्त० ८७; —उद्भ्र. न०
(-उद्भक) जवनुं पाणी. जो का जन-पाना
water mixed with barley-corn.

डा० ३, ३;—उद्भ. पुं० (-उद्भक) जुआ
उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide
above. “सीयं च सोविं च जवोद्भं च”
उत्त० १५; १३; निसी० १७, ३०; प्रव०
२०६; पंचा० ५, २६; कण० ३, २५;
—ओद्भ. न० (-ओद्भ) जवनो रोटलो
पगेरे. जो का रोटो बगैरह. a barley-
cake. “आयामं चव जवोद्भं च”
उत्त० १५, १३; —राण. न० (-अण)
अंड वनतुं जवनुं पानावेद अन्न. एक
प्रकार का जो से बनाया हुआ अन्न. an
article of food consisting of
barley. सू० प० २०; —वारय. पुं०
(-वारक) जवना अंकुर; जवारा.
जवारा. a sprout of barley-corn.
“जववार वरण्यमस्थि गादि महारम्भे”
पंचा० ८, २३;

जव. पुं० (जव) गति; वेग, गति. गति; वेग;
जोश. Speed; swiftness. उत्त० ११, १६;

जवजव. पुं० (यवयव) अ नामने अंड
धान्य. इस नाम का एक धान्य. A kind of
corn of this name भग० ६, २; १४,
७; वंय० २, १. ज० प० डा० ३, १; दसा०
६, ४; पञ्च० १; —ज० जवग. पुं० (-यव
यवक) जुआ “जव जव” शब्द. देखो
“जव जव” शब्द. vide “जव जव”
भग० २१, १; —जवण. पुं० (-जवन)
वेग; शीघ्रगति वेग, शीघ्रगति. swiftness;
velocity. भग० १६, १; —जवण. पुं०
(-यवन) अनेक; यवन देशवासी. म्लेच्छ;
यवनदेश वासी. an out-cast; one
residing in a foreign country.
पगह० १, १; पञ्च० २; सू० प० २०; (२)
अ नामने अंड अनार्य देश. इस नामका एक
अनार्य देश. a non-Aryan
country of this name. प्रव०

१५६७; —द्वि. पुं० (—द्विप) यवननी
वसति वासो देश. यवनों से बसा हुआ देश.
a country inhabited by non-
Aryans जं० प० —जवणा.
स्त्री० (—वापना) शरीर निर्वाह; अवन
निर्वाह. शरीर निर्वाह, जीवन-निर्वाह. live-
lihood; maintenance. उत्त० ८, १२;
(२) संयमनो निभाव. संयम का निभाव.
maintenance of asceticism.
उत्त० ८, १२; ३५, १७; प्रव० ६६;
—(ए) ट. पुं० (—अर्थ) संयमरूप भार
उपायानो अर्थ. संयमरूप बोझ उठाने का
अर्थ. utility of bearing the bur-
den in the shape of restraint.
“ जवणट्ठाए निसेवण मंथु ” उत्त० ८, १२;
दस० ६, ३, ४;

जवणालिया. स्त्री० (यवनानिका) ओष्ठ
जानती लिपि एक प्रकार की लिपि. A
kind of script or character.
पञ्च० १;

जवणालिया. स्त्री० (यवनानिका) कन्या को
पहनने की एक प्रकार की चोली. A
kind of breast-coat for a girl.
नंदी० (२) यवन देश की लिपि; १८ लिपि-
भांती ओष्ठ. यवन देश की लिपि; १८ लिपियों
में से एक. one of the 18 scripts.
सम० १८;

जवणज्ज. वि० (यापनीय) यथन सुमरना
योग्य. समय व्यतीत करने योग्य. Fit for
being a pastime. (२) छद्रिया
अने मनने अतया ते. हृद्रिा व मन को
जीतना. conquering the
senses and the mind. “ जवणज्ज
अव्वावाहं कासुय विहारं ” भग० १, १०;
१८, १०; नाया० ५; आब० ३, १;

जवणिया. स्त्री० (यवनिका) कनात. कनात.
A curtain. नाया० १; भग० ११, ११;
प्रव० ६७६; —(यं) अंतरिय. न०
(—अन्तरित) कनातने आंतरे रहेंद्र;
कनातनी अंदर. कनात के अन्दर रहा हुआ.
screened or protected by a
curtain. “ पभावति देवि जवणियंतरियं
ठावेइ ” नाया० १; ८;

जवणालिया. स्त्री० (यवनानिका) ओष्ठ
“ जवणालिया ” शब्द. देखो “ जवणा-
लिया ” शब्द. Vide “ जवणालिया ”
पञ्च० ३३;

जवमज्ज. पुं० (यवमज्ज) जवन मध्य भाग
परिमित ओष्ठ भाग. जी के मध्य भाग के
प्रमाण का एक नाप. A measure of
length equal to the middle
part of a barley-corn. जं० प० २,
१६; भग० २५, २; ३; प्रव० १५७२; (२)
जवनो मध्य भाग. जी का मध्य भाग.
the interior of a barley-corn.
भग० ६, ७; क० प० १, ४०; (३)
त्रि० जवन मध्य भाग का आकार. जी के
मध्य भाग के आकार का. having the
form of the middle part of a
barley-corn. भग० ६, ७; २५, ३;

जवमज्जवन्दपडिमा. स्त्री० (यवमज्जवन्द-
प्रतिमा) जवन मध्य भाग जैसी पडिमा ओष्ठ
के ओष्ठ पतली अने पन्धे पुष्ट. जं० भाग
आधु शुद्ध पक्षने पडनेवा ओष्ठ कोटियो
आदार लक्ष पडिमा शब्द करे; पुनमे पंदर
कोटियो सुधी पडोयी, पडी दर्राज ओष्ठ
कोटियो बराबरा (५०) ओष्ठ कोटियो
आदार अर्थ पडिमा पूरी करे ते जवमज्ज
वन्दपडिमा. साधु को एक प्रतिमा (तप
विशेष) जिसे जव के मध्य भाग की उपमा
दी जाती है. जैसे जव दोनों तरफ से पतला

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्करः) सर्व दि-
शाओं यश भेजवतार. सर्व दिशाओं में यश
प्राप्त करने वाला. (one) attaining
fame or glory everywhere.
नाया० १: तंदु० (२) ऋषभदेव स्वामी
ऐ नामने। ४१भो दीकरे। ऋषभदेव स्वामी
का इस नाम का ४१ वां पुत्र name of
the 41st son of Rishabhadeva
Swami. कण० ३, ४२; —वंस. पु०
(—वंश—यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव
यशोवंशः) यशवान् वंश यशवान् वंश. a
glorious family. 'जसवंसो नामद्वितीयं'
नंदी० —वाय. पु० (—वाद) ५-११३.
धन्यवाद. thanks-giving; thanks
“ जसवण्णं वड्डिता ” कण० ४, ६०;

जसंस. पु० (यशस्विन्) महावीरस्वामी का
पितामह ऐ नाम. महावीर स्वामी के पिता
का एक नाम. One of the names of
the father of Mahāvira
Swami. कण० ४, १०३;

जसंसि. वि० (यशस्विन्) प्रख्यातः यशस्वी;
जैती शुभ कीर्ति फैलरह प्रसरेवी दुहा ते
प्रख्यातः यशस्वी; जिसकी सुकीर्ति चहुं ओर
फैली हुई हो वह. Famous; glorious;
(one) whose fame has spread
everywhere. “ अलुनरे लालाया ज-
संसि ” उत० ४, २६; सम० प० २३४;
ओव० १६; नाया० १: दम० ६, ६६; राय०
२१४; भग० २, ४; (२) महावीर स्वामी का
आपनं अपर नाम. महावीर स्वामी के पिता
का अरर नाम. another name of the
father of Mahāvira Swami.
आया० २, १४, १००; कण० ४, १०३;

जसकीर्ति. जी० (यशःकीर्ति) यशः कीर्ति;
आयस्क; प्रख्याति. यशः कीर्ति; विख्याति.
Fame; reputation; glory. अ०

३, ३; क० गं० १, २१; क० प० १, ७६;
प्रव० १२८०: —नाम. न० (—नामन्)
नामकर्मनी ऐक प्रकृति के जेना उदयथी
हय ज्यों जय त्यों शुभ कीर्ति भेजवे.
नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके उदय से
जीव जहां जावे वहां शुभ कीर्तिको प्राप्त करे.
a variety of Nāmakarma by
the rise of which a Jiva (a
soul) attains fair fame where-
ever he goes. प्रव० १२८०;

जसवोस. पु० (यशोवोष) ऐरावत क्षेत्रमां
अति श्रील तीर्थकर. ऐरावत क्षेत्र के भावों
तमरे तीर्थकर. The third would be
Tirthankara of Airāvata
Ksetra. प्रव० ३०१;

जसवद. पु० (यशश्चन्द्र) ऐ नामना ऐक
गुणी इव नामका एक गुणा. An ascetic
of this name. भग० ६२, १;

जसद. पु० (जसद) जसद. जसद. Zinc.
ओव० ३८; —राय. न० (—राय)
जसदनु पातयु जसद का बरतन (पात्र).
a zinc pot. “ जसदरायाणि वा ”
ओव० ३८;

जसवण पु० (यशोधर) ऐ नामना ऐक
राजा इव नाम का एक राजा. A king
of this name. तंदु०

जसवर. पु० (यशोवर) पञ्चवटीआन
पांचवें दिवस का नाम. पञ्च के पांचवें दिन का
नाम. Name of the fifth day of
a fortnight. ज० प० ७, १४२;

जसमद. पु० (यशोभद्र) शयम्भव
सूरीना ऐक शिष्य. शयम्भव सूरी के एक
शिष्य का नाम. Name of a disciple
of Śavyambhava Sūri. नंदी० २४;
(२) ऐ नामना ऐक आचार्य के जे
भाइस आचना आचार्य संभूतविश्वयता

Sudarśana. जांवा० ३; जं० प०

जसा. स्त्री० (यश) कौशाम्बिना रहीश काश्य-
पनी स्त्री अने इषिजनी भाता. कौशाम्बी का
रहास काश्यप की स्त्री व करिल की माता.
The mother of Kapila and
wife of Kāśyapa, the resident
of Kauśāmbī. उत्त० ८; (२) अगु
पुरोहितनी स्त्री. भगु पुरोहित की स्त्री.
उत्त० ३, १४, ३;

जसो. पुं० (यशस) यश; आचरु; डीर्घ.
यश, कीर्ति. Fame; reputation.
सु० च० २, १३८; —कामि. पुं० (-का-
मिन्) यशनी इच्छा करनेवाला. यश की इच्छा
करने वाला. one aspiring to fame
or reputation. " चिरन्तु ते जसो
कामा " दस० २. १, २, ३५; —कित्ति.
स्त्री० (-कीर्ति) अगुआ " जसकित्ति "
शब्द. देखो " जसकित्ति " शब्द. vide
" जसकित्ति " प्रव० २३; —कित्तिनाम.
न० (-कीर्तिनामन्) अगुआ " जसक-
तिनाम " शब्द देखो " जसकित्तिनाम "
शब्द. vide. " जसकित्तिनाम " सम० १७;
—नाम. न० (-नामन्) नाम धर्मनी
अने प्रकृति के जेना उदयदी ७५ जश पास
छे. नामकर्म की एक प्रकृति कि तिमके
उदय से जीव यश प्राप्त करता है. a
variety of Nāna Karma by
the rise of which a soul attains
glory. सम० २८;

जसाचंद. पुं० (यशश्चन्द्र) अगुआ 'जसचंद'
शब्द. देखो "जसचंद" शब्द. Vide.
"जसचंद" भग० ४२, १;

जसोद. पुं० (जसद) अगुआ "जसद" शब्द.
देखो "जसद" शब्द. Vide. 'जसद'
श्रौव० ३८; —पाय. न० (-पात्र अगुआ
"जसदपाय" शब्द. देखो. "जसदपाय"

शब्द. vide. "जसदपाय" श्रौव० ३८;

जसोधरा. पुं० (यशोधन) अने नामना अने
राज. हम नाम का एक राजा A king
of this name. तंदु०

जसोधर. पुं० (यशोधर) अगुआ "जसहर"
शब्द. देखो "जसहर" शब्द. Vide
"जसहर" ठा० ५, १; सु० प० १०;

जसोधरा. स्त्री० (यशोधरा) पंद्रह रात्रि-
भांती योथी रात्रि नाम. पंद्रह रात्रिमें से
चौथा रात्रि का नाम Name of the
fourth of the fifteen nights.
सु० प० १०; जं० प०

जसामंत. पुं० (यशामन्) अगुआ 'जामंत'
शब्द. देखो 'जसमंत' शब्द. Vide
'जसमंत' ठा० ७;

जसोया. स्त्री० (यशोदा) महावीर स्वामीनी
स्त्री. महावीर स्वामी की स्त्री. The wife
of Mahāvira Swāmi. (२) कृष्ण
वासुदेव की माता. कृष्ण वासुदेव की माता.
the mother of Kṛṣṇa
Vāsudeva. 'समस्तस्वरूपं भगवन्मो महा-
वीरस्मभजाजपोपागोः सैव कौण्डिन्या' आया०
२, १५, १७७; कपर० १५, १०३; सु० च०
१२, ४;

जसोवर्द्ध. स्त्री० (यशोवती) अगुआ "जस-
वर्द्ध" शब्द. देखो "जसवर्द्ध" शब्द.
Vide "जसवर्द्ध" सम०

जसोहर. पुं० (यशोहर) भरतक्षेत्रना १८
यात्रीसीना १८ भां तीर्थहर. भरतक्षेत्रके
गत चौवासी के १८ वें तीर्थकर. The
18th Tirthāṅkara of the past
cycle of Bharata Kṣetra. प्रव०
२६१; (२) यावनी यात्रीसीना भरत
क्षेत्रना १८ भां तीर्थहरना नाम. आगामी
चौवासी के भरतक्षेत्र के १८ वें तीर्थकर का
नाम name of the 19th Tirthāṅ-

kara of the coming cycle of
Bhārat Kṣetra. जं० प० २, ११४;
प्र० २६७; ४७३;

जसोहारा. बी० (यशोधरा) दक्षिण दिशावा
उत्पन्न पर्वतपर्वती आऽ दिशा-दुमारीमांसी
यैथी दिशा-दुमारी. दक्षिण दिशा के रुक्क
पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में से चौथी
दिशा-कुमारी. The fourth of the
eight Dīśa Kumārīs living
on the southern Ruchaka
mountain. जे० प० ७, १४२; (२)
जम्बु मुदर्शननुं अपर नाम. जम्बु मुदर्शन
का अपरनाम. another name of
Jambū Sudarśana. जीवा० ३, ४;
जड अ० (यथा) जेम; जेनी रीति. यथा;
जिम तरह. In which manner; just
अ०. नाया० १; २; ७, ८; १; १३; १५; १६;
१८; विशेष० २२; २७; १० नि० ७१; उवा०
२, ४; १; गच्छा० ३०.

जटिकमः नः । यथाक्रमः । इमं अनुसारः । इमं
अनः अनुसारेणः क्रमानुसारः पदानि पर्वकः । In
due succession; regularly. उक्तः
३४. १; सूत्र-६; दशमः, १, २५; प्रथमः ३:

जहृक्स्वाय. न० यथाख्यात । श्रम्य गदितः
यथाख्यात नाम्बु पतिना यतिना यथाय
गदितः यथाख्यात नाम्बु पतिना यतिना यथाय
Free from passion, attachment,
the fifth observance known as
Yathakhyata. विशे १-५६.

जहचिनिनिय, वि० (यथाचिन्तित) चिन्तय्या
प्रमाणे; जेम चिन्तय्युं होय तेम, चिन्तवन
के अनुसार; जेमा सोचा हो वैया. As con-
templated or meditated. सु० च०
१, १३३;

जहद्विय. न० (यथास्थित) यथास्थितः जेम
होय तेम. यथास्थितः जेमा हो वेमा. Ac.

Vol. 11/102

According to circumstances. सु०
ब० १, ३५३; गच्छा० २६;

जहण. न० (जघन) शब्दः जाघ, जंघा The thigh. जावा० ३, ३; (२) स्त्रीनी उभरती नियेना भाग. स्त्री का कमर का नीचे का भाग. the lower part of the loins of a female. ज० प० नाया० ६, १७; जावा० ३, ३;

जहणवर. न० (वरजघन) श्रेष्ठ साधन. श्रेष्ठ
जांघ. Big heavy thigh. जांवा० ३, ३;

जहाणिज्ज, चि० (हेय) त्याग्य, योग्य, त्याग
करने योग्य, Fit to be abandoned.
नाया० १३

जहगण. त्रि० (जघन्य) आश्रमां आश्रुः
 नदात्तामां नदानुः शेषाभां शेषः. छोटमे छांटा
 थोडा; थोटमे थोडा. ५.allest; little,
 least. जं० प० १, १३० २, २५; भग०
 १, १; १, १०; ५, १; ८, ८; २; १०;
 पय० ३, ४; अणुजे० ८६; उत्त० ३०, १५;
 ३३ ४०; डा० १, १; ४, २; भक्त० १६६;

पञ्चाङ्ग ३, २: उत्क्रोशंग. त्रि० ६-उत्कर्षक-
त्रयः यो न कृष्ट काञ्चिद्व्यक्तिमात्रस्य म
एव च व्यक्त्यान्तरापेक्षयोर्कष उत्कृष्टं त्रयः
योः कर्षको अभ्युदयस्तृती अपेक्षामेव व्यक्त्या
व्यपारेषीत्यन्ती अपेक्षामेव उन्मेषः अमुक वस्तु
को अपेक्षामेव जायते च द्वयं को अपेक्षा
ने उद्भवः inferior to one thing
and superior to something else.
संग० २४, १; २४, १: —उगाहयाम्.

त्रि० (—अवगाहनक—अवगाहनं आसते-
यस्या माऽवगाहना क्षेत्रप्रदेशरूपा माजघन्या-
येषांते) अथ-य क्षेत्र प्रदेशते-अवगाहीते
देशः; अथ-य अवगाहना याते। जघन्य क्षेत्र
को अवगाहन करके रहाहुआ, (one) resi-
ding or occupying the smallest
region. हा० १.१;—काल. पुं० (—काल)

थोडाभां थोडा वषत्त. थोडेमें थोडा समय.
shortest space of time. भग० २४,
१; २१; —गुणकालग. पुं० (-गुणकाल-
क—जघन्येन जघन्यसंख्याविशेषेणैकेनेत्यथां-
गुणो गुणं ताडनंयस्य स तथाविधःकालो
वर्णो येषांते जघन्यगुणकालकाः) ओ३भां
ओ३गणो कालो; ओ३गणो कालो.
कमसे कम काला; एक गुना काला. of
least black colour. ठा० १, १;
—टिह. ली० (-स्थिति) जघन्य-ओ३भां
ओ३ली स्थिति. जघन्य-कमसे कम स्थिति
shortest period. क० प० ४, ८६;
—टिहय. त्रि० (-स्थितिक जघन्य जघन्य
संख्यासमयापेक्षया स्थितिर्येषां ते जघन्य
स्थितिकाः) जघन्य-थो३भां थो३ली स्थिति
वालो. जघन्य-थोडेमें थो३ली स्थितिवाला. of
the shortest period. ठा० १, १; —प-
एसिय. पुं० (-प्रदेशिक—जघन्याःसंख्याः
प्रदेशाः परमाणवः सन्ति येषां ते जघन्य-
प्रदेशिकाः) ओ३भां ओ३प्रदेश वालो.
कमसे कम प्रदेशवाला. consisting of
a small number of atoms. ठा० १, १; —पद. न० (-पद—पद्यं
गम्यते इति पदं पदसंख्यास्थानं तन्नामक-
वेति जघन्यं सर्वहीनं पदं जघन्यपदम्)
न३ानाभां न३ानी संख्या; न३ानाभां न३ानु
पद. छोटेमें छोटी संख्या-पद. lowest
number. भग० १८, ४; —पय. न०
(-पद) जुओ ३पलो शब्द. देखो ऊपर
का शब्द. vide above. ठा० ४, २;
भग० ११, १०; जं० प० ७, १७३; —पुरि-
स. पुं० (-पुरुष) जघन्य पुरुष; नीच मनुष्य. a
low, vile person. ठा० ३, १; —सामि.
पुं० (-स्वामिन्) अनुभाग-कर्मना रसनी
जघन्य उद्दीरणा करने वाला. one
who forces into maturity a
small number of Karmas
into maturity. क० प० ४, ८२;
जहणग. त्रि० (जघन्यक) ओ३भां ओ३धुं;
न३ानाभां न३ानुं. कम से कम; थोडे से थोडा
Least; slightest. भग० २४, २१;
२५, ६;
जहणय. त्रि० (जघन्यक) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० ८, ६; २६, १;
जहणिय. त्रि० (जघन्य) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० ५, १; ८, ६; १०, ११,
११; १६, ३; २५, १; जं० प० ७, १३४;
जहतह. अ० (यथातथा) जेम तेम; आहुं
अवहुं. यथा तथा; जैसा वैसा; बांका टेढा.
Somehow; somehow or other.
क० गं० ५, ८८;
जहथ. त्रि० (यथार्थ) यथार्थ; परेपर;
जरापर; सायेसाय. यथार्थ; सचमुच; ठीक
ठीक. Infact; actual; real. “बोद्धा-
मि पंचंगह-त्रेपमहन्थ जहन्थवा ” पिं०
निं भा० १; पिं० निं ४६३; नाया० ७;
विशे० ८४८; पणह० २, २; मु० न० १, २८;
जहन्थाम. न० (यथास्थाम) यथाशक्ति.
यथाशक्ति. As far as possible;
to the utmost of one's power.
“जुंजइ य जहन्थामं ” पंचा० १५, २७;
जहण. त्रि० (जघन्य) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० २, ५; विशे० ३३४;
नंदी० १२; दमा० ६, २; क० प० २, ३२;
१, ६; १३; पंचा० १६, ४३; —आहस.
त्रि० (-आरुह्य) सर्व जघन्य प्रदेशबंध
स्थानथी आरुह्युं. सर्व जघन्य प्रदेशबंध

रस की जघन्य उद्दीरणा करने वाला. one
who forces into maturity a
small number of Karmas
into maturity. क० प० ४, ८२;

जहणग. त्रि० (जघन्यक) ओ३भां ओ३धुं;
न३ानाभां न३ानुं. कम से कम; थोडे से थोडा
Least; slightest. भग० २४, २१;
२५, ६;

जहणय. त्रि० (जघन्यक) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० ८, ६; २६, १;

जहणिय. त्रि० (जघन्य) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० ५, १; ८, ६; १०, ११,
११; १६, ३; २५, १; जं० प० ७, १३४;

जहतह. अ० (यथातथा) जेम तेम; आहुं
अवहुं. यथा तथा; जैसा वैसा; बांका टेढा.
Somehow; somehow or other.
क० गं० ५, ८८;

जहथ. त्रि० (यथार्थ) यथार्थ; परेपर;
जरापर; सायेसाय. यथार्थ; सचमुच; ठीक
ठीक. Infact; actual; real. “बोद्धा-
मि पंचंगह-त्रेपमहन्थ जहन्थवा ” पिं०
निं भा० १; पिं० निं ४६३; नाया० ७;
विशे० ८४८; पणह० २, २; मु० न० १, २८;

जहन्थाम. न० (यथास्थाम) यथाशक्ति.
यथाशक्ति. As far as possible;
to the utmost of one's power.
“जुंजइ य जहन्थामं ” पंचा० १५, २७;

जहण. त्रि० (जघन्य) जुओ “जहण”
शब्द. देखो “जहण” शब्द. Vide
“जहण” भग० २, ५; विशे० ३३४;
नंदी० १२; दमा० ६, २; क० प० २, ३२;

१, ६; १३; पंचा० १६, ४३; —आहस.
त्रि० (-आरुह्य) सर्व जघन्य प्रदेशबंध
स्थानथी आरुह्युं. सर्व जघन्य प्रदेशबंध

स्थान से आरंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. क० प० ७, ४७; —इयर. त्रि० (—इतर) जुओ “जहन्नग-इयर” शब्द. देखो “जहन्नग-इयर” शब्द. vide “जहन्नग-इयर” क० प० १, १२; —काल. पुं० (—काल) जघन्य-ओछा भां ओछा हाल. जघन्य-कम के कम समय. shortest space of time. प्रव० १७१; —गह. स्त्री० (—गति) जघन्य गति. जघन्य गति. shortest condition or position. क० प० ४, ७२; —हाण. न० (—स्थान) जघन्य-पस्थान. जघन्यस्थान. lowest place. क० प० १, ४६; —टिह. स्त्री० (—स्थिति) जुओ “जहन्नगटिह” शब्द. देखो “जहन्नगटिह” शब्द. vide “जहन्नगटिह” क० प० १, ११; ६, २०; —टिहबंध. पुं० (—स्थितिवन्ध) जघन्य स्थिति रूपे अतो कर्मबंध. जघन्य स्थिति काम होता हुआ कर्मबंध. Karmic bondage lasting for a very short period. क० प० १, ४७; —टिहसंकम. पुं० (—स्थितिसंकम) कर्मन्ती जघन्य स्थितिनु संक्रमण. कर्म का जघन्य स्थिति का संक्रमण. transition of the shortest period of Karma. क० प० २, ५७; —देवटिह. स्त्री० (—देवस्थिति) देव भवन्ती जघन्य स्थिति देव गति का जघन्यस्थिति. the shortest period of the state of being a god. क० प० २, ८६; ६, २०; —निकलेष. पुं० (—निकेष) जघन्य निक्षेप थोडा कर्म दक्षिण नापना ते. जघन्य — थोडे कर्मों के समुह को डालना. discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas

क० प० ३, ८; —बंध. पुं० (—बन्ध) जघन्य कर्म बन्ध. incurring the karma of the lowest kind. क० प० २, ३२; —जहन्नग-य. त्रि० (—जघन्यक) जुओ “जहन्नग” शब्द. देखो “जहन्नग” शब्द. vide “जहन्नग” विशेष ५८७; अणुजो १३२;

जहन्नग. त्रि० (जघन्यतत्) जघन्यथी. जघन्य से. From the shortest state. प्रव० ६६८;

जहन्नग. त्रि० (जघन्यक) जुओ “जहन्नग” शब्द. देखो “जहन्नग” शब्द. Vide. “जहन्नग” क० प० १, १२; —इयर. त्रि० (—इतर) जघन्यथी इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. जघन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest; logn. क० प० १, १२;

जहन्नय. त्रि० (जघन्यक) जुओ “जहन्नग” शब्द. देखो “जहन्नग” शब्द. vide “जहन्नग” उक्त० ३३, १६; सम० १२ वव० १०, १७;

जहन्नय. न० (यथात्म्य) यथात्म्य. यथातत्त्व. Reality, truth; real nature. ठा० ५, १;

जहरिह. न० (यथाह) यथार्थ; परेपर. यथार्थ; मचमुच. As deserving; appropriate; actual. सु० च० ८, २६७;

जहवहि. न० (यथावधि) जघन्यसुधी. जब तक; जहां तक. As long as, so long as. सु० च० १, १६३;

जहवाय. न० (यथावाद) कथा प्रमाण. कथनानुसार. कहने के माफिक. According to narration; as related. वि० नि० १८६;

जहसंभव. न० (यथा सम्भव) यथा योग्य,

योग्य रीति. यथा योग्य. योग्य रीति से.
Proper; right; properly. पि० नि०
११३;

जहासति. स्त्री० न० (यथाशक्ति) यथाशक्ति;
शक्ति प्रमाणे. यथा शक्ति; शक्ति के अनुसार.
As far as possible; to the ut-
most of one's power. पि० नि०
३६५;

✓ जहा. धा० I. (हा) तञ्जुं; छेड्जुं.
त्याग करना. छोड़ देना. To abandon;
to give up.

जहह-ति. वव० १०, ८; ९; भग० २५,
६; ७;

जहाइ आया० १, २; ६, ६८,

जहाति. उत्त० ६, ५१;

जहाय. सं० कृ० उत्त० १४, २;

जहित्ता. सं० कृ० उत्त० १, ५; पि० नि०
४१७; आया० १, ४, ४, १३७;

जहमाण. भग० २५, ६; ७;

जहा. अ० (यथा) जेरी रीति; जेम; जे प्रमाणे;
अनुसार. जिस रीति से; यथा; जिस प्रकार.
In which manner; just as. भग०
१, १; ३; २, १; ३, १; २, ५, ४; ५; ६,
३; १२, १०; १४, २; १०; १५, १; १८,
५; ४१, ४; नाया० १; २; ५; ८; ६; १०;
१५; १६; वव० २, २१; २४; दग० १, २;
८, १; दसा० ६, १; पि० नि० १२६; १६१;
ज०, प० अणुजो० १, उत्त० १, ४५;
आया० १, ६; ३, १८६; सूय० १, १, १,
६; उवा० १, २; ६; १२; ६६; २, ६२; ८,
२५६; क० गं० १, १६; ५३, ज० प० ५,
११८; ५, ११२;

जहाकाल. न० (यथाकाल) यथावसर; अय-
सर भवे त्यारे. यथावसर. मौका मिले तब.
When proper time comes. भक्त०
४६;

जहागहिय. न० (यथागृहीत) जेरी रीति
ग्रहण करेले छे ते प्रमाणे. जिस प्रकार ग्रहण
किया हुआ है उस प्रकार. As accepted
or taken. दस० ५, १, ६०; नाया० १६;
जहाच्छंद. पुं० (यथाच्छंद) स्वच्छंद. स्व-
च्छंद. self-willed; unrestricted.
ठा० ६, ३;

जहाजाय. त्रि० (यथाजात) जन्मती वप-
तनी स्थिति जेयुं; नम. जन्म के समय की
स्थिति के जैसा; नम. As born; naked.
उत्त० २२, ३४; आंघ० नि० भा० ५८; सम०
१२;

जहाजोग. न० (यथायोग्य) यथायोग्य; जेम
धटे तेम. यथा योग्य; जिस प्रकार उचित हो
उस प्रकार. Proper; appropriate.
विशे० २३; ८०;

जहाट्ठाण. न० (यथास्थान) पौत पौताना
अनुष्ठानने अनुरूप-उचित स्थान;—इन्द्रादि
पद. अपने अपने अनुष्ठान के अनुरूप उचित
स्थान; इन्द्रादि पद. Appropriate po-
sition suited to one's occupa-
tions; the position of Indra
etc. उत्त० ३, १५;

जहाणुमय. त्रि० (यथानामक) जेने नाम
निर्देश क्यो नथी ते; कोइ ओइ जिसका
नाम निर्देश न किया हो; कोई एक. Cer-
tain; some; any. भग० २५, ११;
पञ० १६;

जहाणुसंत. न० (यथानिश्चित) अप्रधायी
प्रमाणे; जेम धायुं होय तेम. अनुमान के
अनुसार; जैसा साचा हो वैसा. As
guessed; as anticipated. सूय० १,
६, २;

जहाणुपुर्वि. न० (यथानुपूर्वी) क्रमसर अ-
नुक्रम प्रमाणे. क्रमशः; अनुक्रम के अनुसार.
Successively; in regular order

भग० ३, १०; ८, १;

जहातच. न० (याथातथ्य) वास्तविक; सत्य; अरेअर. वास्तविक; सत्य; सचमुच. True; real; actual. सू० १, ६, १;

जहातह. न० (याथातथ्य) सूयगङ्गां सूत्रनुं तेरमुं अध्ययन के जेमां धर्म समाधि वेगरे अराअर रीते कहेवां छे. सूयगङ्गां सूत्र का तेरवां अध्ययन कि जिस में धर्म समाधि इत्यादि का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi) etc. along with similes. “जाणासिखं भिक्षु जहा तहेणं ” सू० १, ६, २; १, ५, २, १;

जहातहज्झयण. न० (याथातथ्याध्ययन) सूयगङ्गांसूत्रनुं १३मुं अध्ययन. सूयगङ्गां सूत्र का १३ वां अध्ययन. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. सू० १, १३;

जहान्थिय. न० (यथास्थित) जेम दिया तेम. जिस प्रकार हो उस प्रकार. Somehow or other. भग० १२, ६;

जहानाम. त्रि० (यथानाम) यथानाम, संभावना; केअ ओक. यथा नाम; संभावना. Possibility; certain; some. भग० २, ६; नाया० १०;

जहानामय. त्रि० (यथानामक) जेम केअ दष्टांत उपन्यास. जैसा कोई; दष्टांत उपन्यास. As for example (२) वाक्यअलंकार. वाक्यअलंकार. a word used to add grace to a sentence. नाया० १; ६; ६; ८;

जहानाय. न० (यथान्याय) यथायेअय; रीत-सरनु; व्याज्जी. न्याय की रीत से; यथा-योग्य. According to justice:

rightly; properly. उत० २३, ३८;

जहाफुड. न० (यथास्फुट) २५४; अरेअर. स्पष्ट; सचमुच. Clear; distinct; true. उत० १६, ४५;

जहाभाग. न० (यथाभाग) बाण प्रमाणे; अराअर. समान विभाग से; भागानुसार. According to share; proportionately. दस० ५, १, १३;

जहाभूत. त्रि० (यथाभूत) जेरी रीते अनेहुं होय तेरी रीते; सत्यवात. जिस रीति से वनाव बना हो उस रीति से; सत्य वाता. According to what has happened; fact. “ जहाभूयमवितहमस्सिदिह ” नाया० १;

जहाभूय. न० (यथाभूत) जुअा ‘जहाभूत’ शब्द. देखो “ जहाभूत ” शब्द. Vide “ जहाभूत ” नाया० ६;

जहामालिय. न० (यथामालित) जेम धारणु दुं छे तेम. जिस प्रकार धारण किया हो उस प्रकार. As assumed. “ जहामालिय ओमोव दलह ” भग० ११, ११;

जहायरिय-अ. (यथावरित) जे प्रमाणे आययु दिया ते प्रमाणे. जिस प्रकार आचरण किया हो उस प्रकार. As practised. भत० २२;

जहारिह. न० (यथाह) यथायेअय; जेम थरे तेम. यथायोग्य; जिस प्रकार उचित हा. Proper; suitable. जे० प० २, ३३; दस० ७, १७; नाया० १:८; १६; उवा० ८, २५६;

जहालद्ध. त्रि० (यथालब्ध) भट्या प्रमाणे. प्राप्ति के समान; मिलने के बराबर. According to gain or acquisition; equal to attainment. भग० ७, १;

जहावाइ. पु० (यथावादिन्) अइ ओलनार; येअ कहेनार; सत्य ओलनार. सत्यवक्ता; योग्य कथन करने वाला; सत्य भाषण करने

वाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. “ जो जहावाह तहाकारीयाऽवि भवइ ” ठा० ७;

जहाविभव. न० (यथाविभव) वैभव प्रभाञ्जे; शक्ति प्रभाञ्जे. वैभव के अनुसार; शक्ति के प्रमाण में. In proportion to wealth; according to means. भग० ६, ३३;

जहासंख. न० (यथासंख्य) संख्या प्रभाञ्जे; क्रमवार. क्रमशः; संख्या के अनुसार. Successively; respectively. सु० च० ५, ५१;

जहासंभव. न० (यथासम्भव) जेम संभव तेम. यथासम्भव; जैसा सम्भव हो उसी प्रकार. Possible; possibly. क० गं० ६, ३२;

जहासत्ति. श्री० न० (यथाशक्ति) शक्ति प्रभाञ्जे; यथा शक्ति. शक्ति के अनुसार; यथा शक्ति. As far as possible; to the utmost of one's power. पंचा० २, ३६;

जहासमाहि. न० (यथासमाधि) समधि प्रभाञ्जे. समाधि के अनुसार. According to agreement or promise. पंचा० १, ४;

जहासुय. न० (यथाश्रुत) जेम सांभस्युं होय तेम; सांभस्या प्रभाञ्जे. जिस प्रकार श्रवण किया हो उस प्रकार; श्रवणानुसार. As heard of or listened to. उत्त० १, २३; आया० १, ६, १, १;

जहासुह. न० (यथासुख) जेम सुख पडे तेम. जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार. At ease; according to happiness. विवा० १;

जाहिं. अ० (यत्र) जया; जे स्थाने; जयापर.

जहा; जिस स्थान पर; जहापर. Where; at which place. भग० १, ४, ७, ८, ८, ११, ११; १५, १; १८, ४; दस० ५, १; ७७; नाया० १७; गच्छा० १७;

जहिच्छु. न० (यथेच्छ) छच्छा प्रभाञ्जे. यथेष्ट; इच्छा के अनुसार. Agreeably to desire. नाया० ७; सु० च० १, १७१;

जहिच्छियकामकामि. पुं० (यथेष्टितकाम-कामिन्-यथेष्टितान् मनोवाञ्छितान् कामान् शब्दादीन्-कामयन्त इत्येवंरीत्या यथेष्टित-कामकामिनः) मनोवाञ्छित सुख भोगयनार. मनोवाञ्छित सुख का भोगन वाला. One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart. “ जहिच्छिय काम कामियो ” जं० प० जीवा० ३;

जहुस्त. न० (यथोक्त) कथा प्रभाञ्जे. कथना-नुसार; कहने के अनुसार. As said or told previously. पंचा० १०, १२;

जहेद. न० (यथेष्ट) मन गमजु; छच्छानुद्वेग. चित्त रोचक; दिलपसंद; यथेष्ट. As desired; as wished for; pleasing to the heart. वि० नि० ४०६;

जहेव. अ० (यथैव) जेम; जेरी रीति. जिस प्रकार; जिस रीति से. As; in which manner. नाया० १; भग० ३, १, ७, २; १६, १; १८, ७; २८, १८; २५, १; ३३, २;

जहोइय. न० (यथोचित) यथेष्टित; यथा-योग्य. यथायोग्य; यथोचित. Proper; suitable. विवा० २; पंचा० ३, ३८;

जहोचिस्त. न० (यथोचित) जेम छटे तेम. उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा० ७, ३७;

जहोचिय. न० (यथोचित) जेम छटे तेम; यथा योग्य. उचित रीति से; यथायोग्य. Properly; suitably. निर० १, १;

नाया० १;

जहोवहट्ट. न० (यथोपदिष्ट) जेवी रीते उद्दे-
वाभा उपदेशनामां आव्युं होय ते प्रभासु.
जिस रीति से कहने में—उपदेश में आया हो
उस रीति से. According to advice
or orders. “ जहोवहट्टं अभिकंजमाणा ”

दस० ६, ३, २; उत्त० १, ४४;

जहूवी. स्त्री० (जान्हवी) गंगा नदी. गंगा
नदी. The river Ganges. जं० प०

✓ जा. धा० I. (जन्) पैदा थयुं; उत्पन्न
थयुं. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be
born or produced.

जायइ. नाया० ७; १०; विशे० ४१८; उत्त०
१६, ७६;

जायउ. विशे० ४१८;

✓ जा. धा० I. (या) जयुं; गति करवा
जाना; गति करना. To go; to walk.

जाइ. उत्त० ३, १२; विशे० ६४४; १६०८;
नाया० ६, ६;

जंति. आया० १, ३, ४, १२३; सु० च० १, ६३३;

जायमाथ. व० कृ० भ० ३, ३;

✓ जा. धा० I. (या+थि) निर्गमन करवुं;
निर्याद करवो. निर्गमन करना; निर्याद करना.
To go out; to support oneself.
(२) आत्माकी संयममां अयुनि करावरी.
आत्माको संयममें प्रवृत्त करना. to urge
the soul in self-restraint.

जवेति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जवितप. हे० कृ० सूय० १, ३, २, १;

जवित. व० कृ० जं० प०

✓ जा. धा० I. (या+थि) गीतायुं; यात्रयुं.
व्यतीत करना. To cause to go; to
pass.

जार्चिति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जावप. वि० सूय० १, १, ४, २;

जावेत. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

जा. अ० (यावत्) जयांसुधी. जबलग; जबतक;
जहांतक. So long; as long as; as
far as. प्रव० ८२; क० गं० २, २६; उवा०
१, ८१;

जाइ. स्त्री० (जाति—जननं जातिः) जन्म;
उत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति. Birth; produc-
tion. आया० १, १, १, ११; उत्त० ६, १;
३२, ७, क० प० ६, ३; प्रव० १२७६;
१०७०; क० गं० १, ३३; ५, ६१; (२)
अेन्द्रिय अेन्द्रिय आदि पांच जति. एकेंद्रिय,
द्विहेंद्रिय आदि पांच जाति. five kinds
(of creatures) viz. one-sensed
two-sensed etc. क० प० ४, ६; भग०
६, ८; ७, ५; ६, ३३; उत्त० ३, २; ६, २;
अणुजो० १२७; ठा० ६, ४६; सम० १; क०
गं० १; (३) जति; जाती; वर्ण; क्षत्रिय
आदि जति. जाति; जाति; वर्ण; क्षत्रिय
आदि जाति. kind; caste; Kshatriya
etc. उत्त० ३, २; १२, ५; १३, १; विशे०
१६१; पञ्ज० १; सु० च० ३, १९४; दम०
७, २१; ८, ३०; पि० नि० ३१२; जीवा०
३, ३; नाया० ८; विवा० १; राय० २१५;
(४) माता पक्ष. माता पक्ष. maternal
side. ओव० सूय० १, ६, १३; (५)
जहूवी फूल. जूहका फूल. the jasmine
flower. राय० २६; जं० प० —अंध.
पुं० (-अन्ध) जन्म अंध; जन्मस्थीज
आधयो. जन्म में ही अंध; जन्मांध. blind
from the very birth; born-blind.
“ केइ पुरसे जाइयें जहूवीवाकूवे ”
विवा० १; सूय० १, १, २, ३१; —आजीव.
त्रि० (-आजीवक) जति जलुपी आहार
लेनार. जाति बतलाकर आहार लेने वाला.
(one) who accepts food hav-
ing exposed one's caste. ठा० २, १;
—आजीवअ-य. पुं० (-आजीवक)

अनुओ "जाइआजीव" शब्द. देखो "जाइ-
आजीव" शब्द. vide "जाइआजीव"
श. २, १: —आरिय. पुं० (—आर्य)
अतिमे डरी आर्य; प्रिय अनिनी स्त्रीशी
उत्पन्न थयेस अति: अम्भष्ट, इतिह, विदेह,
विदेहका, हरिता अने चुंचुणा ये छ: आर्य
अति. जानि से का के आर्य; इम्य जाति की
आ से उत्पन्न हुइ जाति; अम्भष्ट, कलिंद,
विदेह, विदेहठा, हरिना व चुंचुणा ये छ: आर्य
जातियां. *Ārya by birth; the caste
sprung from a woman of Ibhya
caste; the six Āryan castes
viz. Ambastā, Kalinda, Videha,
Videhatā, Haritā and Chūn-
chunā.* श. ६, १: —आसीविस पुं०
(—आसीविस—आरयो दंष्ट्रा: तामु विपं
येषां ते आसीविसाः) जन्महीन जेरी; सप
विधि आदि. जन्म ही से तियैना; मरे.
विच्यु वंगरह. *venomous from the
very birth; a snake, a scorpion
etc.* भग० ६, १: —कर्म. न० (—कर्म)
जन्म संस्कार. जन्म संस्कार. ceremony
connected with birth. भग० ११,
११: —कहा खो (—कथा) अमुक अति
सारी अमुक अराय हत्यादि दया करी ने.
अमुक जाति अच्छी या बुरी दयादि कथन
करना सो. *speaking of the supe-
riority of a certain caste and
inferiority of some other caste.*
श. ४, २: —कुल. न० (—कुल) अति
अने डूव. जाति व कुल. *caste and
lineage.* "नेसिणं भंते जीवाणं कह
जाइ कुलकांड जोखिपमुह सयसहसा
पणत्ता" जीवा० ३: —गोय. न० (—गोत्र)
अति अने गोत्र. जाति व गोत्र. *caste
and family.* भग० ६, ८: —गोयनि-

उत्त. त्रि० (गोत्रनियुक्त) निश्चित अति
गोत्ररागी. निश्चित जाति गोत्र वाला. *one
of a settled caste and family.*
भग० ६, ८: —गोयनिहस. त्रि० (—गोत्र-
निहस) अति गोत्रने योग्य कर्म पुद्गल
स्थापन करेस. जाति गोत्र के योग्य कर्म पुद्गल
स्थापन किया हुआ. *one having
Karma-atoms established ac-
cording to caste and lineage.*
भग० ६, ८: —गोयनिउत्ताउय न०
(—गोत्रनियुक्तानुयुक्त) अति गोत्रनी साथे
निश्चित आधेस आयुष्य. जाति गोत्र के साथ
निश्चित बांधा हुआ आयुष्य. *life-period
appointed or fixed along with
caste and lineage.* भग० ६, ८:
—जरामरण. न० (—जरामरण) जन्म
जरा अने मरण. जन्म जरा व मरण. *old-
age and death.* जे० प० ३, ७०:
—णाम. न० (—नामन्) नामकर्मनी
अने प्रकृति के जेथी छ। गुदी गुदी अति-
मां उत्पन्न थाव. नामकर्म का एक प्रकृति कि
जिये जेव भिन्न भिन्न जाति में उत्पन्न हो.
a variety of Namakarma caus-
ing the birth of a soul in dif-
ferent castes or classes. "जान
नामणं भंते कर्म पुद्गल" पञ्च० २५:
—णामगोयनिउत्त. त्रि० (—नामगोत्र-
नियुक्त) निश्चित अति नाम गोत्र वाले;
नारदी आदि. निश्चित जाति नाम गोत्र
वाला; नारदी आदि. *(one) having an
appointed class or caste, name
and family; a hell-being etc.* भग०
६, ८: —णामगोयनिउत्ताउय त्रि०
(—नामगोत्रनियुक्तानुयुक्त) अति नाम गोत्र
सहित निश्चित आयुष्य वाले. जाति नाम
गोत्र सहित निश्चित आयुष्यवाला. *(one)*

having the duration of life fixed along with caste name and family. भग० ६, ८; —**नामगोयनिहत्त**. त्रि० (- नामगोत्र निधत्त - जाति नाम गोत्रं च निधत्तं यस्ते तथा) जति नाम अने गोत्रनी प्रकृति हट-पक्षे आधी छे ग्रेछे ते. जिमने जति नाम व गोत्र की प्रकृति हटता के साथ बांधी है वह. (one) who has firmly united the characteristics of caste, name, and lineage भग० ६, ८; —**नामगोयनिहत्ताउय**. त्रि० (- नाम गोत्रनिधत्तायुक्क - जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुर्वैस्ते तथा) जति नाम गोत्र साथे स्थापन करेले आयुष्य वाली. जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुआ आयुष्यवाला. (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family. भग० ६, ८; —**नामनिउत्त**. त्रि० (- नामनियुक्त - जातिनामनियुक्तं नितरां युक्तं संबद्धं निकाचितं वेदाने वा नियुक्तं यस्ते तथा) निद-यित जति नाम कर्म वाली छे. निकाचित जाति नाम कर्म वाला जाव a being of soul with a fixed caste, name and Karma. भग० ६, ८; —**नामनिउत्ताउय**. त्रि० (- नामनियुक्तायुक्क - जातिनाम्रा सह नियुक्तं निकाचितं वेदयितुमारब्धं वाऽऽयुर्वैस्ते तथा) जति नाम सहित निकाचित आयुष्यवाला. जातिनाम सहित निकाचित आयुष्य वाला. (one) having the duration of life fixed along with caste and name. भग० ६, ८; —**नामनिहत्ताउय**. न० (- नामनिधत्तायुक्क - जातिरेकद्रियजात्यादि पञ्चधा संव नाम इति नामकर्मक उत्तमप्रकृति-

विशेषो जीवपरिग्रामो वा तेन सह निधत्तं निधत्तं यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायुः) अनिरूप नाम कर्म साथे स्थापन करेले आयुष्य. जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य. life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग० ६, ८; (२) अनिरूप नाम कर्म साथे स्थापन करेले आयुष्य वाली छे. जाति, रूप, नाम, कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य वाला जाव a being with his life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग० ६, ८; —**गिबद्ध**. न० (निबद्ध) मंत्र रचनानि अंश प्रमाण; मंत्रपद्यादि मंत्र रचना. मंत्र रचना का एक प्रकार; मंत्रपद्यादि मंत्र रचना. a method of the composition of Sūtras (any work containing aphoristic rules); the composition of Sūtras in prose or metre. मय० नि० १, १, १, ३; —**निग**. न० (- निग) पात्र जति आर गति अने ते निदयेयान्. ये त्रिपुटीनी अंगर प्रकृति समुदाय. पांच जाति, चार गति व दो त्रिपुटी की ग्यारह प्रकृति का समुदाय. a collection of eleven varieties of Tripur consisting of five kinds, four conditions and two Vihayogatis. क० ग० ४, २०; —**धेर**. पुं० (- स्थविर) साध अथवा धर्म के बरतनी डिसरता साथे साध या आधक वर्ष की उम्र का साथ. a Sādhu of sixty or more than sixty years of age. " सद्धिवासजाण समणे गिग्गंथे जाह धेरे " छा० ३, २; वव० १०, १६; —**दोष**. पुं० (- दोष) जति

दोष; ७८-भनो दोष. जाति दोष; जन्म का दोष. deficiency or evil connected with birth. तंदु० —धर्मय. त्रि० (-धर्मक) उत्पत्ति स्वभाववालो. उत्पत्ति स्वभाव वाला. possessed of natural or inherent characteristics. “ इमं पि जाहधर्मयं ” आया० १, १, ५, ४६; —नाम. न० (-नामन्) लुओ “ जाह्याम ” शब्द. देखो “ जाह्याम ” शब्द. vide “ जाह्याम ” भग० ५, ८; —नामगोयनिउत्त. त्रि० (-नामगोत्रनियुक्त) लुओ “ जाह्यामगोयनिउत्त ” शब्द. देखो “ जाह्यामगोयनिउत्त ” शब्द. vide “ जाह्यामगोयनिउत्त ” भग० ६, ८; —नामगोयनिउत्ताउय. त्रि० (-नामगोत्रनियुक्तायुक्) लुओ “ जाह्यामगोयनिउत्ताउय ” शब्द. देखो “ जाह्यामगोयनिउत्ताउय ” शब्द. vide “ जाह्यामगोयनिउत्ताउय ” भग० ६, ८; —नामगोयनिहत्त. त्रि० (-नामगोत्रनिधत्त) लुओ “ जाह्यामगोयनिहत्त ” शब्द. देखो “ जाह्यामगोयनिहत्त ” शब्द. vide “ जाह्यामगोयनिहत्त ” भग० ६, ८; —नामगोयनिहत्ताउय. त्रि० (-नामगोत्रनिधत्तायुक्) लुओ “ जाह्यामगोयनिहत्ताउय ” शब्द. देखो “ जाह्यामगोयनिहत्ताउय ” शब्द. vide “ जाह्यामगोयनिहत्ताउय ” भग० ६, ८; —नामनिउत्त. त्रि० (-नामनियुक्त) लुओ “ जाह्यामनिउत्त ” शब्द. देखो “ जाह्यामनिउत्त ” शब्द. vide “ जाह्यामनिउत्त ” भग० ६, ८; —नामनिउत्ताउय. त्रि० (-नामनियुक्तायुक्) लुओ “ जाह्यामनिउत्ताउय ” शब्द. देखो “ जाह्यामनिउत्ताउय ” शब्द. vide “ जाह्यामनिउत्ताउय ” भग० ६, ८; —नामनिहत्त. त्रि० (-नामनिधत्त) लुओ “ जाह्याम

निहत्त ” शब्द. देखो “ जाह्यामनिहत्त ” शब्द. vide “ जाह्यामनिहत्त ” भग० ६, ८; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नामनिधत्तायुक्) लुओ “ जाह्यामनिहत्ताउय ” शब्द. देखो “ जाह्यामनिहत्ताउय ” शब्द. vide “ जाह्यामनिहत्ताउय ” भग० ६, ८; —पंगुल. त्रि० (-पंगुल) ७८-भथी ७८ पांगलो; लुओ. जन्मही से लंगडा; लूला. lame from the very birth; crippled. विवा० १; —पह. पु० (-पय — ज्ञातानामे-कन्द्रियादीनां पंथाजाति पंथः) ७८-भ भरणो भाग; संसार. जन्ममरणका मार्ग; संसार मार्ग. the way of birth and death; the way of worldly existence. “ जाहपहं अणुरिबहमाणे ” सूय० १, ७, ३; दम० ६, १, ४; १०, १, १४; —पुड. न० (-पुड — जति: पुण्यजित विशेषः पुटं पत्रादिमयं तद्भाजनं जातिपुटं) गम० पुत्रादिमय ल ७८; गमनो पुड. जूई का पत्रादिमय भाजन; जूई का दोना. a cup made of jasmine leaves. “ जाहपुडाणवा ” नाया० १, १७; —पयसणा. स्त्री० (-प्रसन्ना — जाति: पुण्यवासिता तथा प्रसन्ना जातिप्रसन्ना) ओ३ गमनो ६३. एक जात का दाह. a kind of wine. “ जाहपयसणाइ वा ” जीवा० ३; —ब. हिर. त्रि० (-बधिर) ७८-भथी ७८ पहे३. जन्महीसे बहिरा. deaf from the very birth. विवा० १; —मंडव. पु० (-मण्डप) गमनो मण्डप-भांडो. जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. राय० १३०; —मंडवग. पु० (-मण्डपक — जाति-मण्डपक तन्मयो मण्डपको जातिमण्डपकः) गमनो भांडो. जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant. ज०प० १; —मत्त. त्रि० (-मत्त) गति भद युक्त; गतिनो

मह इतरा. जाति का अभिमान करने वाला. (one) who is proud of his birth or caste. दस० १०, १, १६; —मद. पुं० (—मद) अतिनृ अभिमान. जाति का अभिमान. pride of caste. ठा० ८, १; —मय. पुं० (—मद—जात्या मदो जातिमदः) अत्यु. “ जाहमद ” शब्द. देखो “ जाहमद ” शब्द. vide “ जाहमद ” “ जाहमदवा ” ठा० १०; सम० ७; —मयपडित्थद. पुं० (—मदप्रतिस्तब्ध) अतिना अहंकारशी डित्त. जातिमदमे उदत; जातिक अहंकार से उच्छिखल. haughty or rude in consequence of the pride of caste “ जाहमयपडित्थ हिमगा अजिह्दिया ” उक्त० १२, ४; —मर. ण. पुं० (—मरण) जन्म मरण. जन्म मरणः पैदा होना और मरना. birth and death. दस० ६, ४, २; ३; १०, १, १६; २१; दसा० ६, ३२; —मुअ. त्रि० (—मूक) जन्मसे ही मूक-गंगा. dumb from the very birth. विवा० १; —मूयस. न० (—मूकत्वा जन्मशी मूकत्वात्) जन्मसे ही गूगान. dumbness from the very birth स्य० २, २, २१; —लिंग न० (—लिङ्ग) अति सूक्ष्म त्रिंश शरीर अवयव. जाति सूचक लिंग शरीर अवयव. a caste mark; a limb of the body. सम० ३; —वन्ध्या. स्त्री (—वन्ध्या—जातेजन्मत आरभ्य वन्ध्या निर्बीजा जातिवन्ध्या) जन्मशील वन्ध्या; पांजु. जन्म से ही वन्ध्या barren or sterile from birth. ठा० ४, २; —वर. पुं० (—वर) उत्तम अति उत्तम जाति; श्रेष्ठ जाति. highest caste. “ जाहवरसारखिलय ” पण० २, ४; —संपरख. पुं० (—संपर) संपूर्ण गुण-

वाली जेनी माता होय ते; माताको पक्ष जेनी सारे होय ते. जिसकी माता गुणवती हो वह; मातृपक्ष जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents; one having excellent maternal side. भग० २, ५; ८, ७; १०, ५; नाया० १; ठा० ४, २; ३; विवा० १; नाया० ध० —स्मर. त्रि० (—स्मर) पूर्व जन्मनु स्मरण इतरा. पूर्व जन्मका स्मरण करने वाला. (one) who remembers his past life. आव० ४१; —स्मरण. न० (—स्मरण) अत जन्मेना जन्मावेनु स्मरण; अति ज्ञानो अक भेद; ज्ञेताथी वपारेभा वपारे संजीना ६०० अयनी ज्ञान ज्ञानी श्राय-संजानी श्राय तेनु ज्ञान. अत जन्मों की हकीकत का स्मरण; अति ज्ञान का एक भेद; जिसके द्वारा अधिक से अधिक १०० भवो-जन्मों की बात जानी जा सकती है; एक प्रकार का ज्ञान. memory of past lives; a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. “ जाह स्मरण समुपगण ” उक्त० १६, ७; ओव० ४१; प्रव० ४२८; नाया० १; ८; १३; दसा० ४, १६; —स्मरण वराणिउज. न० (—स्मरणावरणीय) ज्ञातावरणीय कर्मनी अक प्रकृति; अति स्मरणने आधारनार कर्म प्रकृति. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जाति स्मरण-पूर्व जन्मों का स्मृत को आहत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obs-

tructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया० १; —स्तर. पुं० (—स्मर) लुओ “ जाइसर ” शब्द. देखो “ जाइसर ” शब्द. vide “ जाइसर ” विशेष० १६७१; —हिंगुलुय. पुं० (—हिंगुलुक) सारे। हींगुलो. अच्छा—उत्तम हिंगुलुक. superior vermillion. नाया० १; पञ० १;

जाइच्छिन्न-य. त्रि० (याइच्छिन्न) धर्मशास्त्राप्रमाणे कर्तार. इच्छानुसार बर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish. विशेष० २५;

जाइजंत. त्रि० (याइजमान) पञ्चाश्रमां आचरो। पछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat. पृष्ठ० १, १;

जाइमंत. त्रि० (जातिमन्) जनपद; सारी जनपदो. उत्तम जातिका. Belonging to a high caste. नाया० ३;

जाइमेत्त. न० (जातिमात्र) जातिवत्; ऐक्यो जन. जाति मात्र; केवल जाति ही. More caste. “ जे आसछा क जाइमेत्त ” पंचा० ३, ४७;

जाइय. त्रि० (याचित) लयेछुं; मांगेछुं. मांगा हुआ; याचित. Begged; asked for. नाया० २; १८; उत्त० २, २८;

जाइकववडंसय. पुं० (जातिरूपावतंसक) ऐ नामनुं छान धरनुं योयुं विमान. ईशानेद्र का चौथा विमान. The 4th celestial abode of Īśānendra. भग० ४, १;

जाई. स्त्री० (जाती) लुओ “ जाइ ” शब्द. देखो “ जाइ ” शब्द Vide “ जाइ ” पञ० १; जं० प० ५, ११२; कण० ३, ३७;

—मंडवग. पुं० (—मंडवक) लुओ “ जाइमंडवग ” देखो “ जाइमंडवग ” शब्द. vide “ जाइमंडवग ” जं० प०

—सरण. न० (—स्मरण) लुओ “ जाइसरण ” शब्द. देखो “ जाइसरण ” शब्द. vide “ जाइसरण ” नाया० १; १४; भग० ११, ११; —सरणावरणिज. न० (—स्मरणावरणीय) लुओ “ जाइसरणावरणिज ” शब्द. देखो “ जाइसरणावरणिज ” शब्द ” vide “ जाइसरणावरणिज ” नाया० १; —हिंगुलुय. पुं० (—हिंगुलुक) लुओ “ जाइहिंगुलुय ” शब्द. देखो “ जाइहिंगुलुय ” शब्द. vide “ जाइहिंगुलुय ” नाया० १;

जाउ. पुं० (जायु) दवा; औषध. दवा; औषध. A medicine. पिं० नि० ६२५;

जाउया. स्त्री० (यातृ) देवाणी. देवरानी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brother-in law's wife; wife of husband's brother. “ मम जाउयाओ ” नाया० १६;

जाडल. पुं० (जाडल) ऐक प्रकारनी गुच्छ वनस्पति एक तरह की गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation growing in clusters. पञ० १;

जाउकगण. न० (जातृकर्ण) ऐ नामनुं ऐक जात्र. एक गोत्र. Name of a family. जं० प० ७, १५५;

जाउकगणीय. न० (जातृकर्णीय) ऐ नामनुं ऐक जात्र ययुं. इस गोत्र का. One belonging to this family. सू० प० १०;

जांबूणय. न० (जाम्बूनद) ऐक प्रकारनुं सोनुं. एक तरह का सुवर्ण. A kind of gold. जं० प०

जाग. पुं० (याग) यज्ञ; अश्वमेधादि यज्ञ. यज्ञ; अश्वमेध प्रमुख यज्ञ. A sacrifice such as Aśvamedha (horse-sacrifice) etc. ओव० पिं० नि० ४४०; जं० प० ५, ११५;

✓ जागर. धा० I. (जागृ) जगनुं. जगना; जागृत होना. To be awake; to be

sleepless.

जागरे. सम० १३;

जागरित्तए. हे० कृ० वेय० १, १६;

जागरमाणा. व० कृ० भग० १, ७; २, १; ३, १; नाया० १; ५; १४; १६; दसा० ३, १४; सम० ३३; ठा० ३, ४; उवा० १, ६६; ७३; ८, २४२; दस० ४;

जागर. व० कृ० प्रव० १३४; कण० १, ६;

जागर. पुं० (जागर) असंयमश्च निद्रावर्जितो; जगते; निद्राया अभावः यतो. असंयमरूप निद्रा से रहित; जगता हुआ; निद्रा के अभाव वाला; प्रबुद्ध. One who is free from sleep of want of self-restraint; one who is wakeful or wide awake. " सुप्ता अमुणो उसया मुणी उसुप्ता विजागरा होति " आया० १, ३. १, १०८; ठा० ५, २; पञ्च० ३; २३; भग० ११, ११; १६, १६;

जागरइत्तार त्रि० (जागरयितृ) जगतार. जगने वाला. Wakeful. भग० १२, २; जागरण. न० (जागरण) जगण; निद्रातो क्षय. जगना; निद्रा का अभाव. Wakefulness; sleeplessness. नाया० १; २;

जागरित्तार त्रि० (जागरयितृ) जगतार. जगने वाला; उनिद्र. Wakeful; sleepless. ठा० ६, २;

जागरिय. त्रि० (जागृत) जगित. जगा हुआ. (One) who has kept awake. भग० १२, १; उवा० १, ७३; ८, २५२;

जागरियस्स. न० (जागरियस्स) जगितपणु; जगण; जागरण; निद्रा का अभाव. Wakefulness; sleeplessness. भग० १२, २;

जागरिया. स्त्री० (जागरिका) जागड़ना जगना

पंथी छट्टी रात्रे धरना भायुसो रात्रे जगण; धरे ते. बालक के जन्म के बाद छट्टी रात्रि में परिवार का जागरण करना. A vigil kept by the relatives on the sixth night after the birth of a child. " कह विहाणं भंते जागरिया पण्यत्ता ? " भग० ११, ११; ओव० ४०; नाया० १; राय० २८६; कप्प० ३, ४६;

जागरिया. स्त्री० (जागर्या) धितयन; धिया-रणा. चिन्तन; विचारणा. Contemplation; thought. उवा० १, ७३; ८, २५२; जाजीवं. अ० (यावजावम्) अंदगी पयंत. जीवन पर्यन्त; जिदगी तक. Throughout life. क० गं० १, १८;

✓ जाण धा० I. (जा) ज्ञानयुं. जानना. To know.

जाणइ. भग० १, १; २, १; ३, ६; ५, ४; ६, ४; ८, २; १८, ८; नाया० १; ८; १६; पञ्च० ३०; आया० १, १, ७, ५६; १, ७, १, १६६; ठा० २, २; वव० २, ३३; विवा० ६; दस० ४, २३;

जाणंति. भग० ५, ४; ६, ४; १४, ८; १८, ३; विशेषे ६१; नाया० १६;

जाणसि. नाया० १६; १६; भग० २, १; १५, १; उत्त० २४, ११;

जाणामि. नाया० १; ७; ८; भग० ३, ६; ५, ४; १७, २;

जाणामो. भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ८; १५, १; १८, ७;

✓ जाणे. उत्त० १८, २९;

जाणंणे-जा. दस० ७ ८; भग० २४, १; १२; वेय० २, २; ५, ६; पञ्च० १७; अणुजो० ८; १३१; आया० १, १, १, ४; १; ६, ४, १६१; दस० ५, १, ४६; दसा० ६, ३१; निसी० ६, १२;

याखइ. ओष० नि० १७; विशेष० ४२; नाया० १७;
 याखंति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६;
 याखामि. सु० च० ७, १११;
 जाखउ. विवा० १; भग० ३, २;
 जाखंतु. दस० ५, २, ३६;
 जाखसु. पि० नि० भा० २५; पि० नि० १०७;
 नंदी० ४५;
 जाखाहि. आया० १, २, १, ७०; गच्छा० ७६;
 जाखह. सु० च० ६, ५२; नाया० ६; १६;
 राय० ७७; भग० १, ६;
 जाखिस्संति. नाया० १८;
 जाखिअ. सं० कृ० दस० १०, १, १८;
 जाखिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १०१;
 नाया० ६;
 जाखित्ता. सं० कृ० नाया० ८; ५; ७; ८; ६;
 १२; १४; १६; १८; भग० २, १;
 ७, ६; ६, ३२; १५, १; ओव०
 ४०; उत्त० १८३;
 जाखिया. सं० कृ० नाया० १६; दस० ७, ४६;
 जाखित्तु. हे० कृ० आया० १, २, १, ६८;
 दस० ८, १३;
 जाखित्तण. हे० कृ० दसा० ४, १८; २३;
 सम० १०; नाया० ५; भग० ५, ८;
 जाखित्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १;
 जाखमाण. व० कृ० उत्त० १३, २६; सम०
 ३०; निमी० १, ८०; जं० प० २, ३१;
 विशेष० २३६; विवा० १; दसा० ६,
 १०; सु० च० १, १३८; कप्प० ६,
 १५८;
 जाखंत. व० कृ० मूय० १, १, १, १; दसा०
 ६, २; दस० ६, १०; ८, ३१; पि०
 नि० भा० ३१; नाया० १६; विशेष०
 ४२; पञ्च० ११; पि० नि० १११;
 जाख. न० (यान) गाडी, गाडी, रथ, सवारी
 वगैरे; स्वारी. यान-गाडी, रथ आदि सवारी
 योग्य साधन. A vehicle, carriage

chariot etc. उत्त० ५, १४; २५, ११;
 २७, ८; आया० २, ४, २, १३८; मूय० २,
 २, ६२; सु० च० २, २०८; ओव० भग०
 २, ५; ३, ३; ५, ७; ८, ६; ११, ११;
 नाया० ३; ७; उवा० १, ६१; ७, २०६;
 दस० ७, २६; जीवा० ३, ३; जं० प०
 दसा० ६, ४; १०, १; प्रव० ७२६; पण्ह० २, ६;
 ठा० ४, ३; सम० १; (२) विमान. विमान.
 aeroplane. नाया० घ० (३) यानपात्र;
 यदायु नौका; जहाज वगैरह. a boat; a
 vessel etc. भत्त० १६५; गच्छा० ८;
 --गय. त्रि० (-गत) गाडीभां गये. यान-
 गत; गाडी में गया हुआ. driven in a
 carriage. ओव० --गिह. न० (-गृह) रथ
 भुक्तानु धर. रथशाला; गाडी आदि के रखने
 का घर. a coach-house; a carriage-
 shed. " जाखगिहाखिवा " आया० २, २,
 २, ८०; निमी० ८, ७; १५, २१; --पवर.
 न० (-प्रवर) प्रधान रथ; उत्तम वाहन
 उत्तम रथ; प्रधान गाडी. an excellent
 chariot; an excellent vehicle.
 दसा० १०, १; भग० ६, ३३; --रह पुं०
 (-रथ) अथ प्रशस्ती रथ. एक प्रकार का
 रथ. a kind of chariot. जीना० ३, ३;
 --रुव. नि० (रुव) पालणी आदिना
 रूप आकार. स्नान-पालका वगैरह का
 आकार the shape of a palan-
 quin etc. " समोहयजाखरुवेयं "
 भग० ३, ६; --विमाण. त्रि० (-विमान-
 यानाय गमनाय विमान यानविमानम्) देव-
 ताने गमन करवा-मुसाफरी करवाने विमान.
 देवताओंका मुसाफरी विमान; देवताओंके यात्रा
 करनेका विमान. a celestial car of the
 gods. " दसयहं इंद्राय दस परिखाखिया
 जाखविमाणापयणत्ता " टा० १०; ६, ३;
 राय० ६७; जं० प० ५, ११२; ११५; ११६;

भग० १६, २; —साला. स्त्री० (—शाळा) गाडी रथ वहेल वगेरेने राखवानी जग्या. रथ शाला; गाडी खाना. a coach-house; a carriage shed. “जाणसाळाओवा” आया० २, २, २, ८०; ओव० ३०; नाया० ५; १६; दसा० १०, १; पणह० २, ३; निवी० ८, ७; —सालिअ. पुं० (—शाळिक) गाडी रथ वगेरे राखवानी यानशाखानो उपरी भाग. रथशाला के ऊपर की अटारी. the upper floor of a coach-house or carriage shed. ओव० ३०; दसा० १०, १; —जाणअय. त्रि० (—ज्ञायक) ज्ञानुदार; समजदार; साता. जानने वाला; समझने वाला; समझदार; ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands. अणुजो० १४; ४२; ओव० उवा० ७, १८३; विश० ४४, ४६; (२) पुं० पैंने ज्ञाने नदि जतां पैंताने ज्ञानुकार मानदार आदि. स्वयं कुछ भी न जानने हुए अपने को जानकार मानने वाला बौद्ध वगैरह. a follower of Buddha etc. who pretends to know without knowing anything himself. सूय० १, १, १, १८; अणुजो० १४६; जं० प० ३, ४७; —सरीर. न० (—शरीर) आवश्यक आदि शास्त्र ज्ञानुनारनु पड़्युं रह्युं ऐतन्य शून्य शरीर. आवश्यक सूत्र आदि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत —ऐतन्य शून्य शरीर. the lifeless body of one who knows scriptures such as Āvaśyaka etc. अणुजो० १५;

जाणग. पुं० (यानक) रथ रथ. A chariot. दसा० १०, १;

जाणग. त्रि० (ज्ञानक) ज्ञानुदार; समजदार.

समझने वाला. (One) who knows or understands. पिं० निं० भा० ३१; ओव० निं० ११८; पंचा० ५, ६;

जाणु. न० (ज्ञान) ज्ञान; ज्ञानुं ते. जानना; ज्ञान; समझ. Knowing; knowledge; comprehension. प्रव० १; —निमित्त. न० (—निमित्त) ज्ञानना कारण रूप. ज्ञान का कारण—हेतु. cause or motive of knowledge. प्रव० १;

जाणुणा. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञेय वस्तुनो निरूप्य थाय ते. जिससे वस्तुका सच्चा स्वरूप प्रतीत—जाना जा सके वह; ज्ञान. That by which the real nature of a thing can be known; knowledge. अणुजो० १४६;

जाणुया. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञान. ज्ञान. Knowledge. भग० १, ६;

जाणवत्त. न० (यानपात्र) जहाज. नाका; नाव. A boat. पंचा० ६, १८;

जाणवय. त्रि० (जानव) देशमां वसना अथवा आवेला लेका. देश में सदा से बसने हुए या आये हुए लोग. People habitually residing in a country or emigrants. “बहवे जाणवया लूसिसु” रिवा० ३; भग० १, १; ११, ११; सू० १०१; ओव०

जाणिअ. त्रि० (ज्ञान) ज्ञानुत. जाना हुआ. Known. नंदी० ४५;

जाणियव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञानुया योग्य. जानने योग्य. Worth being known. भग० १, ५; ५, १; १२, ४; १६, १; १६, ७; २०, ७; ११; २४, १२; २०; २६, १; कण्व० ६, ४५;

जाणु. न० (जानु) जोड़ल; धुंटा; ट्ठीयल. घुटने. The knee. नाया० १; २; ओव० १०, २१; भग० ८, ७; जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ३ आया० १, २, २, १६; पिं०

नि० ४६८; राय० २२; १६४; उवा० २, ६४; विवा० ६; प्रव० ७३; पंचा० ३, १८; कण० २, १४; —उत्सेहप्रमाणमित्त-
त्रि० (—उत्सेहप्रमाणमात्र) दीयत्यु सुधी;
दियत्युनी उंचाध प्रमाणे. घुटनो तक; जानु
प्रमाण. reaching as far as the
knees; equal to the knees in
height. सम० ३४; —कोप्पर न०
(—कूर्पर) दीयत्यु अने झुली. जानु-घुटने
और बुढ़नों-भुजाओं के बीच की झंझी-
गांठ. the knee and the elbow.
नाया० २; —कोप्परमाया स्त्री० (कूर्पर-
माया) पंथी स्त्री; कोझली. बन्ध्या. बांझ
स्त्री. a barren or sterile woman
नाया० २; —प्रमाण त्रि० (—प्रमाण)
घुटन्यु सुधीना प्रमाण्यु कानुं. घुटने तक का;
जानु तक प्रमाण वाला. reaching the
knees. प्रव० २४१; —पायपडिय. त्रि०
(—पादपातन) दीयत्युये पडेव. घुटनों पर
पड़ा हुआ; पंगपर गिरा हुआ. knelt
down. विवा० ७; —मित्त त्रि० (मात्र)
दीयत्य प्रमाण्यु. घुटनो का प्रमाण. reach-
ing the knees; knee-deep. प्रव०
२४२; —हिङ्ग. श्र० (अश्रः) दीयत्युनी
नीचे. घुटनों के नीचे. below the
knees प्रव० १३०;

*जागु स्त्री० (जायक) समझ जागृति करेती
पारपी निवृत्ति. समझ बृत्तकर की हुई
पाप की निवृत्ति. Deliberate abstin-
ence from sin. ठा० ३, ४;

जागुअ. पुं० (जानुक) जुगो 'जागु' शब्द
देखो 'जागु' शब्द. Vide. 'जागु' उवा०
२, ६४;

जागुय. त्रि० (जायक) शास्त्रना ज्ञानुनार.
शास्त्र का ज्ञानकार. Conversant with
the scriptures. 'जागुयाय जागुयपुसाय'

नाया० १३; —पुत्त. पुं० (—पुत्र) शास्त्रना
ज्ञानुनारनो पुत्र. शास्त्र का पुत्र. the
son of one who is conversant
with the Scriptures. या० १३;

जागुहई. स्त्री० (जानुहवी) गंजानदी. गंगा
नदी. The Ganges. ठा० ६;

जात. त्रि० (जात) जन्मेत; उभय थयेत.
जन्मा हुआ; पैदा हुआ. Born; pro-
duced. नाया० १; ६; भग० १४, १; (२) न०
प्रकार. प्रकार, भेद. variety; species.
पगह० २, ३; —कर्म. न०
(—कर्मन) जन्म संस्कार. जन्म संस्कार.
ceremony in connection with
birth नाया० १; —सद्. त्रि० (श्रद्ध)
जने श्रद्धा भक्त्य उत्पन्न थये जेवा. जिसे
श्रद्धाप्रभिलाषा उत्पन्न हुई हो वह. one
in whom faith has been ins-
pired. निर० १, १;

जातग. त्रि० (जातक) जन्मेत. उत्पन्न;
जन्म हुआ. Produced; born. नाया०
१;

जातगुा स्त्री० (यातना) पीडा पीडा; बेदना.
दर्द. Pain; agony. पगह० १, १;

जातरुव. त्रि० (जातरूप) सुंदर; चमकतु
सुंदर, चमकता हुआ. Shining; glitter-
ing. (२) न० येनुं. सुवर्ण. gold
आव० १७; (३) पुं० गारुप-संतानो
काण्ड; अरुकाण्डो १३ भा विनाय. जातरुप-
सुवर्ण का काण्ड; खरकाण्ड का १३ वां
हिस्सा a lump of gold; the 13th
portion of Khar-kāṇḍa. जीवा०
३, १;

जाति. स्त्री० (जाति) जुगो " जाइ " शब्द.
देखो " जाइ " शब्द. Vide. " जाइ "
आव० १६; पत्र० २; १७; ३६; जीवा० ३,
४; जं० प० (२) येक जतनो दारु. एक

जाति की दारु-मद्य. a kind of intoxicating drink or wine. विवा० २; —अमद. त्रि० (-अमद) जति-मद रहित. जाति के मद से रहित. free from the pride of caste. भग० ८, ६; —कर्म. न० (-कर्मन्) जुओ. " जाइकम्म " शब्द. देखो " जाइकम्म " शब्द. vide " जाइकम्म " नाया० २; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नामनिहत्ता-युष्) जुओ. " जाइयामनिहत्ताउय " शब्द. देखो " जाइयामनिहत्ताउय " शब्द. vide " जाइयामनिहत्ताउय " पञ्च० ६; —प-सन्न. पुं० (-प्रसन्न) ओ३ जतिनी ६१३. एक प्रकार का मद्य. a kind of intoxicating drink जीवा० ३, ३; —पुड न० (-पुट) जुओ. " जाइपुड " शब्द. देखो " जाइपुड " शब्द. vide " जाइपुड " नाया० १७. —पसन्ना. स्त्री० (-प्रसन्ना) ओ३ जतिनी ६१३. एक प्रकार का मदिरा a kind of wine. जीवा० ३; —मअ. पुं० (-मद) जतिनी अद० १२. जाति का अहंकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. मम० ८; —मद. पुं० (-मद) जुओ. उप० १० शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, ६; —संपन्न. त्रि० (-संपन्न) जुओ. " जाइसंपण्ण " शब्द. देखो " जाइसंपण्ण " शब्द. vide " जाइसंपण्ण " भग० २४, ७; नाया० २; —सरण्ण. न० (-स्मरण) जुओ. " जाइसरण्ण " शब्द. देखो " जाइसरण्ण " शब्द. vide " जाइसरण्ण " नाया० ८; जातिमंत. त्रि० (जातिमन्) जतिमान्. जातिवान्. Of a high rank or caste. दस० ७, ३१; जातिय. त्रि० (याचित) भांगेय; यायेय. मांगा हुआ; याचित. Begged;

entreated. भग० १८, १०; जाम. पुं० (याम) महाव्रत; सर्वथा प्राणु-निपातवेरमज्ज आदि भेदों का व्रत. महाव्रत; प्राणानिपातविरमण अदि बड़े व्रत. Any of the great vows; e. g. complete abstention from killing etc. आया० १, ७, १, २००; (२) पहेर; दिस के शत्रिनी येथी लाग. प्रहर; दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा. any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided. " तओ जामा पवता । तं जहा-पठमे जामे माउकमे-जामे पच्छिमे जामे " ठा० ३, २; ओघ० नि० ६६०; गच्छा० ३; जामाउय-अ. पुं० (जामावृक) जमाध; दामाद; जामान. A son-in-law. विवा० ३; अणुजा० १३१; जामिल्लय. पुं० (यामिक) पहेरादार; सिपाही. रक्षक; पहरेवाला; सिपाही. A guard; a watchman. सु० च० ७, ३७; जामुणकुसुम न० (जपाकुसुम) सता कुल वाला जपा नामे जाउनुं फूल. जपा नामक वृक्ष का फूल. A flower of the China rose. " जामुण कुसुमेई वा " राय० जाय धा० I, II. (याच) यायवुं; भायवुं; भायणी करवी. याचना करना; मांगना. To beg. जायइ. निरी० १, २०; १४, ४७; जाणइ. नाया० ७; जाइजा. वि० नाया० ७; जायाहि. आ० उत० २२, ६; जायसु, आ० पिं० नि० ४७२; जाइस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५; जाइत्ता. सं० कृ० आया० १, ७, ६, २२२; निरी० १, २८; ३, ८२; ५, १५; दस० ८, ५;

जाइत्य. हे० कृ० नाया० ७; १४;
 जायंत. व० कृ० निसी० १, २०; प३३० १, ३;
 जाय. पुं० (याग) यत्; पूज. यज्ञ; पूजा. A
 sacrifice; worship. नाया० १; २;
 भग० ११, ११; कप्य० ५, १०१;
 जाय-अ. त्रि० (जात) उत्पन्न थयेत; उप-
 जेत्त; जन्मेत्त. जन्म पाया हुआ; जन्म प्राप्त.
 Born; produced. नाया० १; २; ३; ४;
 ६; ७; ८; १२; १३; १४; १५; १८; भग०
 २, १; ३, २; ६, ३३; १२, ६; १५, १;
 २४, १; २; वि० नि० १६६; १८०; दस० २,
 ६; ४; दसा० ५, २७; ६, १; ८, १; वव० ६,
 ४१; सु० च० १, १८; श्रव० ३८; उत्त०
 ७, २; विशा० ५; भक्त० ८१; कप्य० १, १;
 (२) पुत्र; दीकरो. पुत्र; लडका. a son.
 नाया० १; ५; ६; भग० ६, ३३; ११, ११;
 सूय० १, ४, २, १३; सु० च० ४, ३१२;
 पंचा० ८, ३; (३) त्रि० प्राप्त थयेत; भेत्त
 वेत्त. प्राप्त किया हुआ. obtained; got.
 “ सुदं सिया जाण न दूमएजा ” सूय० १,
 १०; २३; (४) प्रभार; भेद. प्रकार; भेद a
 variety; a division. डा० ४, १;
 १०; (५) त्रि० शुद्ध; अतिशे. विकार
 रहित; शुद्ध. pure; of a high caste.
 “ जायदिमुलेति ” राय० २३; (६)
 अंकुर. अंकुर. sprout. दस० ४; (७)
 शास्त्रविधि ज्ञानुत्तर; गीतार्थ. शास्त्रविधि
 को जानने वाला. one knowing the
 precepts of scriptures; a learn-
 ed. प्रव० ७८७; —अंगरूपवग. पुं० (—अंग-
 रूपक-जातं उत्पन्नं अन्वकं नयनयो रादित
 एव अनिष्पत्तेः कुत्सितं अङ्गरूपं यस्यासौ)
 आंधिलो अने कुत्सित अंगवाला; भेडाल
 शरीर वालो. अंग व कुत्सित अंग वाला;
 कुरुर शरीर वाला. one who is blind
 and deformed in body. विवा० १;

—कप्य. पुं० (—कल्प) गीतार्थको कल्प. a resolution of Gi-
 tārtha. प्रव० २४; —कर्म. न० (—कर्म)
 जन्म संस्कार; नाडि छेदन विगरे. जन्म
 संस्कार; नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies
 like cutting of the umbilical
 cord (navel cord) etc. after
 the birth of a child. “ शिवसे
 असुहं जाय कर्म काये ” डा० ९;
 श्रव० ४०; नाया० ८; —कोऊहल.
 त्रि० (—कुतूहल-जातं कुतूहलं यस्य स जात-
 कुतूहलः) जेने कुतूहल उत्पन्न थयेत होय
 ते. वह जिसको कुतूहल उत्पन्न हुआ हो.
 (one) in whom curiosity
 is roused or excited. नाया० १;
 —त्याम. त्रि० (—स्थामन्) अन्न उत्पन्न
 थयेत; अन्नयान् थयेत. बल-प्राप्त. grown
 strong. “ वसभो इव जायत्यामे ” डा० ६;
 —निद्रुया स्त्री० (—निद्रुता—ज्ञानान्तरणा-
 नि निद्रुतानि मृतानि यस्याः सा) जेना
 जन्मेत्त यावत् तत्काल मरत्यु पामे छे
 अथवा भुयेत्त अतरे छे ते माता.
 जिसके जन्म पाये हुए बालक मरन्त मर
 जाते हैं अथवा मृतक पैदा होते हैं वह माता.
 a woman whose children die
 immediately after birth or
 are born dead. “ सुभद्रा नामं भारिया
 जायनिद्रुया यावि होरथा ” विवा० २; ७;
 —पइहु. न० (—प्रतिष्ठ) अंकुर उपर
 रहेहु. अंकुर पर रहा हुआ. anything
 resting upon or supported by
 a sprout. दस० ४; —पइख. त्रि०
 (—पक्ष) जेने पांख उत्पन्न थयेत छे ते.
 जिसको पंख आ गये हैं वह (a bird)
 having wings. “ जायपइखा जहा
 हंसा ” उत्त० २७, १४; —मूक. पुं०

(-मूक) ७८-मथी७ भू०। जन्म ही से मूक. dumb from birth. वि० १; —विस्मय. त्रि० (-विस्मय) विस्मय पाये। विस्मित; चकित. astonished; surprised. ना० १२; —संवेग. त्रि० (-संवेग) जेते संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न थल छे ते. त्रिसमें संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न हुई हो वह. one seeking emancipation. भ० १३; —संशय. त्रि० (-संशय —जातःसंशयो यस्य सजात संशयः) संशय उत्पन्न थये। संशय प्रमित. thrown into doubt; (one) in whom doubt or suspicion is engendered. भ० १, १; १०, ५; ना० १; —सद् त्रि० (-आद-अदया यत् क्रियते तत् आदं जातं उत्पन्न आदं इच्छा-विशेषो यस्यासौ जातआदः) श्रद्धा उत्पन्न थये। श्रद्धावान्. (one) in whom faith is born; having faith. ना० १, ६; भ० १, १; १०, ५; १६, ६;

जायम. त्रि० (याजक) याजक; यज्ञ करनेवाला. (One) performing a sacrifice; a sacrificer. 'सो नय एव पण्डितो, जायतेण महा-मुखी' उत्त० २५, ५;

जायल. न० (याचन) मागनु ते; याचनु ते. मांगना; याचना. Begging; soliciting. उत्त० १२, १०; पंचा० १८, १; —जीवल. त्रि० (-जीवन-याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवनः) जेना जिवनो आधार मान्यो उपर छे ते; भिक्षु; भिक्षुक; जिसकी आजीविका भिक्षा शक्तिर निर्भर है वह. (one) who lives by begging; a beggar. "जायाहि मे जायल जीयोसि" उत्त० १२, १०;

जायल. न० (याचन) पीडा करी ते. दुःखी करना; सताना. Giving pain or trouble. पण० १, २;

जायला. ली० (याचना) याचना; मांगली; बिप मागरी ते. भीख मांगना; याचना करना. Begging; solicitation. सू० १, ३, १, ६; भ० ८, ८; प्र० ६६२; —परिश्र. पुं० (-परिश्र-याचन-याज्ञा प्रार्थना सैव परिश्रो याच्चापरिश्रः) भिक्षातो परिश्र; परिश्रतो अेक प्रकार. भिक्षा का परिश्र; परिश्र का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम० २२; —वन्ध. न० (-वन्ध) वन्धवान् पत्र ओली. भिक्षा का वन्ध; मोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in. नि० १५, ३४; जायला. ली० (याचना) पीडा; दुःख; पीडा; कष्ट. Pain; trouble; affliction.

"जायाणाकरणसयाणि" पण० १, १; १, ३;

जायली. ली० (याचनी) आहारादिकनी मागली करवानी भाषा. आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. ठा० ४, १; पञ० ११; भ० १०, ३; दसा० १, १; प्र० ६० १;

जायतेअ-य. पुं० (जाततेजस्) अग्नि. अग्नि. Fire. "जायतेयं समारम्भ बहओ रुंभिआ जणा" सम० ३०; दस० ६, ३३; भ० ३, ३; ६, १; सू० २, ६, २८; दया० ६, ४; जं० प० २, ३५;

जायमिल न० (जातमात्र) जन्म थान्। जन्म होते ही; जन्म ही से. Immediately upon being born; from the very birth. वि० २;

जायमेस. त्रि० (जातमात्र) उत्पन्न थाने।

उत्पन्न होते ही. From the very birth; immediately after birth. विशेष० २६८; विवा० ४;

जायकव. न० (जातरूप) ओ३ जगुं सेनुं सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. " जायकवमईओ ओहारणीओ " जीवा० ३, ४; उत० २५, २१; राय० २६; २८६; नाया० १; भग० २, ५; ठा० ६; ओव० कपा० २, २६; जं० प० २, ३२; (२) त्रि० रूप वायुं. सुन्दर; स्वहावान्. beautiful. कपा० ५, ११६; —कंड. पुं० (-काण्ड) रत्नप्रभा पृथ्वी-ता १६ आ३३मानो १३ मे आ३३. रत्नप्रभा पृथ्वी के १६ काण्ड में से १३ वां काण्ड. the 13th of the 16 Kindas of the Ratna-prabhā world. ठा० १०;

जायकु. पुं० (यादव) यदुवंशजः यदव. यदुवंशज; यादव. One born in the Yadu family; a Yadava. नाया० १६; पण्ड० १, ४;

जायवेय. पुं० (जातवेदम्) अग्नि अग्नि Fire. " जायवेयं पादेहि हण्डं जे मिश्रं अरुममम " उत० १२, २६;

जाया. स्त्री० (यात्रा) यात्रा; शरीर निर्वाह. यात्रा; शरीर निर्वाह. Livelihood. स्य० १, ७, २६; ति० नि० ६४३; (२) संयम यात्रा; संयम निर्वाह. संयम यात्रा; संयम निर्वाह. पंचनशास्त्रादि संयम यात्रा. maintenance of self-restraint; observance of the five great vows etc. अया० १, ३, ३, ११६; नाया० १; भग० २, १; ७, १; नंदी० ४५; (३) विहारः प्रवृत्ति विहारः प्रवृत्ति peregrination; sport; activity. पण्ड० २, १; —माया. स्त्री० (-मात्रा — यात्रा संयमयात्रातस्वां मात्रा यात्रामात्रा)

संयम निर्वाह की मर्यादा. संयम-निर्वाह की मर्यादा. a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices. " जायगुत्ते सुवाचीरे जायामायाए " आया० १, ३, ३, ११६; —मायावित्ति. स्त्री० (-मायावृत्ति) संयम निर्वाह की मर्यादावायुं जीवन. संयम निर्वाह की मर्यादायुं जीवन. life of self-control guided by fixed principles of asceticism. " जायामायावित्ति होथा " स्य० २, २, ३८; भग० २५, ३; नंदी०

जाया. स्त्री० (जाया) स्त्री; भार्या; स्त्री; भार्या. A wife. " बाहिं जाया " जीवा० ३; भग० ८, ५; ठा० ३, ३;

जाया. स्त्री० (जना) यत्न-अमरेन्द्र योरेणी यदरीसभा के जे सभासदोवरभोत्र व्ये आवे. वनरेन्द्र इत्यादि की बाइकी सभा कि बिबेके सदस्यगण, बिना निमंत्रण, आते हैं. The other members of the samasabha of which attend without invitation. ठा० ३, २; जीवा० ३, ४; ८, २; भग० ३, १०;

जायाई. पुं० (यायाजित्-यायजनीत्येवंसीको यायाजी) आशय यज्ञ करता. आवश्यक यज्ञ करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail. "जायाई जमजममि" उत० २५, १;

जार. पुं० (जार) मलिन ओ३ अशुभ. मणि का एक लक्षण. A characteristic mark of a gem. राय० ४६; जं० प०

जारा. स्त्री० (जारा) जलधर प्राणियों की ओ३ जाति. जलधर प्राणी की एक जाति. A class of aquatic animals. जीवा० ३, ४; राय० ६३;

जारापविभक्ति. पुं० (जारापविभक्ति) ऐक प्रकारनी नाटक विधि; जारा-ऐक जलचर प्राणी तेनी ऐक प्रकारनी रचना वालुं नाटक. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e. a kind of aquatic animal. राय० ६३;

जारामार. पुं० (जारामार) जलचर प्राणीनी ऐक जलचर प्राणी का एक जाति. A kind of aquatic animal. जीवा० ३; ४;

जारामारापविभक्ति. स्त्री० (जारामारापविभक्ति) जारामार-जलचर प्राणीनी ऐक जलचर-तेनी रचना वालुं ३२ नाटकभांगुं ऐक नाटक. जारामार-जलचर प्राणी का एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक. One of the 32 kinds of dramas, with a scenic representation of Jārāmāra i. e. a kind of aquatic animal. राय० ६३;

जारिस्य. त्रि० (जारिस्य) जेतुं; जेतुप्रकारनुं. जैसा; जिस प्रकार का. As: of the nature of which. " जारिस्यो ज नामा जइयकथो जारिस्य कलंदेनि " पगह० १, १; वि० नि० ४२८; भग० ३, १; उत्त० २७, ८; सूय० १, ४, २, २३;

जारिस्य. त्रि० (जारिस्य) जेतुं; जेतुप्रकारनुं. जैसा; जिस प्रकार का. As: of the nature or quality of which. नाया० ८; १६; भग० ३, २; १४, १;

जाड. पुं० (जाड) ऐ नामनी ऐक साधारण पनरपति; कंदनी ऐक जलति. इस नाम की साधारण वनस्पति; कंद की एक जाति. A

kind of plant; a kind of bulbous root. पञ्च० १;

जाडकरह. पुं० (जाडकरह) वशिष्ठ गोत्रनी ऐक शाखा. वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. An offshoot of the Vasiṣṭha family-origin. (२) ते गोत्रनी पुत्र. उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. ज० ७, १;

जाल. पुं० (जाल) भाँडवां पकड़ानी जाल. मच्छी पकड़ने की जाल. A net to catch fish. पञ्च० ११; नाया० १; ३; वि० नि० ६२२; विवा० ८; उत्त० १६, ३५; (२) मृग आदि पशुने पकड़ानी पाल. मृग आदि पशु को पकड़ने का कन्दा. a snare to catch deer etc ज० प० (३) मुक्ताद्वारा गुच्छ. मुक्ताफल का गुच्छ. a cluster of pearls. कप० ३, ३८; (४) न० ऐक जलनुं पशुनुं धरेयु. एक प्रकार का पैरोंमें पहिने का जवर. a kind of ornament for the feet. श्रौव० (४) जाली; नदानी नदानी झण्डवाली जाली. जाली; छोटे छोटे छेद वाला खिडकी. a barred window; a window made up of small apertures. पञ्च० २, नाया १; जीवा० ३, ४; श्रौव० ३१, सम० प० २१३; (५) समूह. समूह. a group; a collection. राय० ४४; १०६; जीवा० ३, २; ज० प० श्रौव० १०; उवा० ७, २०६; —अंतर. न० (-अन्तर) जाली-जाली के मध्य का अन्तर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc. window. नाया० १; ८; —अंतररयण. त्रि० (-अंतररयण) जेना

मध्य भागमें रत्न छे ओवी गल्ली (-आरी)
जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में
रत्न है. a barred etc. window
bearing a gem in the middle.
सम० राय० —उज्जल. त्रि० (-उज्जल)
मुक्ताक्षना युग्माथि उज्ज्वल. मुक्ताक्ष के
गुच्छ से उज्ज्वल. shining on ac-
count of a cluster of pearls.
कप० ३, ३६; —कडग्र. पुं० (-कटक)
गलनेो समूह. जाल का समूह. a collec-
tion of nets etc. जीवा० ३, ४; —कडग.
पुं० (-कटक) जेभां रमणिक आधुनि
डोतरी होय ओवी गल्लीगयो प्रदेश
जिसमें रमणिक आकानिका नकशाका काम हो
ऐसा जानिदार प्रदेश a wall etc. in
which windows are beautiful-
ly carved or engraved. जीवा० ३,
४; जं० प० राय० ११३; —गंठिया. स्त्री०
(-ग्रन्थिका—जालं ग्रन्थ बंधनं, तस्यैव
ग्रन्थस्य ग्रन्थं सा जालग्रन्थिका) गलती
गोठ. जालकी गोठ. a knot of a
net. " जालं गंठियाद्वा -आम्बुपुत्रि
गंठियावा " मग० ५, ३; —घर. न०
(-गृह) गल्लीगल्लुं घर. जाली दार घर
a house having barred win-
dows. नाया० ३, —घरग. न० (-गृहक)
गल्ली-आरीगल्लुं घर. जालीदार घर, मकान.
a house with barred windows
or windows. नाया० २, ३; राय० १३५;
ओव० - घरय. न० (-गृहक) जुओ
उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vide above. नाया० ८; —विद्. न०
(-वृद्ध) गलनेो समूह; आरी-गल्लीनेो
समूह. जाली का समूह. a group of
windows or barred windows.
जीवा० ३; —हरग्र. न० (-गृहक) गल्ली

गल्लुं घर. जालीदार घर, मकान. a house
with windows or barred win-
dows. ओव०

जाल. पुं० (ज्वाल) ज्वाला; अग्नि शिभा.
ज्वाला; फाल. Fire; a flame of
fire. जीवा० १; —उज्जल. त्रि०
(-उज्जल) धलुं गर गल्लयमान. अत्यंत
प्रकाशमान. very bright; flashing.
ओव०

जालंधर. पुं० (जालंधर) देवानंदाश्च आम्बुलीनुं
गोत्र. देवानंदाजी ब्राम्हणी का गोत्र. the
family-origin of Devānanda Brā-
hmanī (wife of a Brāhman).
'देवसंदाएमाहणीए जालंधरसमुताए' भाया०
२, १४, १०६; —समुत्त. त्रि० (-सगोत्र)
जलंधर गोत्रभां उत्पन्न धरोत्र. जो जालंधर
गोत्र में उत्पन्न हुआ हो. one born in
the family of Jālandhara. कप०
१, २;

जालग पुं० (जालक) गल्ली; आरी. जाली;
खिडका. A window; a barred win-
dow. नाया० १; ओव० (२) पमनुं ओइ
गल्लुं आभरण. पैरो के लिये एक प्रकार
का आभरण. a kind of ornament
for the feet. " सल्लिखली जाल पार-
खिल्लाख " ओव० (३) जे हृदिय छ
विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a
kind of two-sensed living being.
उत्त० ३६, १२८;

जालज. न० (जालाज) गधचंद्राकार निज
रथी. अर्धचंद्राकार सीढ़ी. A semicir-
cular ladder. नाया० १;

जालपंजर पुं० (जालपंजर) गोप. गोस.
A cage-like window; a window
jutting out from the main

building. जीवा० ३, ४; राय० १०७;
 आलय. पुं० (आलय) लुगो 'आलय' शब्द.
 देखो 'आलय' शब्द. Vide 'आलय' जीवा०
 ३, ३;
 जाला. की० (जाला) ज्वाला-आल; अग्निनी
 शिभा. अग्नि की ज्वाला. A flame
 of fire. "जालातुरं च न क्षिप्वा" नया०
 १; १६; भग० ३, २; १४, ७; पञ्च० १;
 सु० च० १, ३०; दस० ४; ठा० ५, ३;
 उत्त० ३६, १०६; पंचा० ३, २२; (२)
 ६ भा यक्षवर्तीनी माता. ६ वें चक्रवर्ती की
 माता. the mother of the 9th
 Chakravarti. सम० प० २३६; (३)
 चन्द्रप्रभ स्वामीनी शासनदेवी चन्द्रप्रभ
 स्वामी की शासन देवी. the tutelary
 goddess of Chandraprabha
 Svāmī. प्रव० ३७७; —उज्ज्वल. त्रि०
 (—उज्ज्वल) ज्वालायुक्त. ज्वाला से
 उज्ज्वल. brightened with flame.
 कण० ३, ४६; —पयर. पुं० (—प्रकर)
 ज्वालायुक्त. ज्वालाओं का समूह. a
 collection of flames कण० ३, ४६;
 —माला. की० (—माला) ज्वालायुक्त
 माला; पंक्ति. ज्वाला की माला; पंक्ति. a
 row of flames. भग० ३, २;
 जालाउ. पुं० (जालाउ) अग्निक प्रकाशने से
 द्वितीय शरीर. एक प्रकार का दो हृन्दित्र वाला
 जीव. A kind of two-sensed liv-
 ing being. पञ्च० १;
 जालाउय. पुं० (जालाउय) लुगो द्वितीय शब्द.
 देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पञ्च० १;
 जालि. पुं० (जालि) अंतमःसूत्रना शेषा
 वर्गना प्रथम अध्ययननु नाम. अंतमःसूत्र
 सूत्र के चौथे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम.
 Name of the first chapter of
 the 4th section of Antagāda

Sūtra. अंत० ४, १; (२) वासुदेव
 राजनी धारणी राणीना पुत्र, के ने नेमनाथ
 प्रभु पास दीक्षा लह आर अंगनो अभ्यास
 करी सोल वरसनी प्रव्रज्या पावी शत्रुंजय
 पर्वत उपर अंक भासनी संथारो करी सिद्ध
 था. वासुदेव राजा की धारणी राणी के पुत्र
 कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वादश
 अंगों का अभ्यास कर सोलह वर्ष की
 प्रव्रज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के
 ऊपर एक मास का संथारा कर सिद्ध हुए.
 name of the son of queen
 Dhārāṇī, wife of the king
 Vāsudeva. He took Dikṣa
 from Nemanātha Prabhu
 (lord), studied the 12 Āṅgas,
 practised asceticism for 16
 years and after a month's
 Santhārā (giving up food
 and water) on Śatruñjaya,
 became a Siddha. अंत० ४, १; (३)
 अनुत्तररोववायसूत्रना प्रथम वर्गना प्रथम
 अध्ययननु नाम. अनुत्तररोववाय सूत्र के
 प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम.
 name of the 1st chapter of
 the 1st section of Anutta-
 rovaivai Sūtra अनुत्त० १, १; (४)
 श्रेष्ठ राजनी धारणी राणीना पुत्र के ने
 महावीर समीप दीक्षा लह युलुरयलु तप
 तपी सोल वरसनी प्रव्रज्या पावी विपुत्र
 पर्वत उपर अंक भासनी संथारो करी अल-
 धर्म पपी विजय नामना अनुत्तर विमान-
 ना उत्पन्न था. श्रेष्ठिक राजा की धारणी
 राणी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप
 दीक्षा ले गुणरयण तप कर के सोलह वर्ष
 की प्रव्रज्या पालन कर विपुत्र पर्वत के पऊर
 एक मासका संथारा कर काष्ठ धर्मको प्राप्त कर

अनुत्तर विमानमें उत्पन्न हुए. name of the son of queen Dhārāṇī, wife of king Śreṇika. He took Dikṣā from Mahāvira Svāmī, practised Guṇarāyaṇa austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya. अणुन० १, १;

जालिया. क्री० (जाळिका) ग्रीष्मः खोदानी प्यारी. जाली; लोहे की खिडकी. A latticed window. पगह० १, ३;

जाव. अ० (यावत्) ज्यों सुधी; ज्यों लगी; जेतुं. जहां तक; जबतक; जितना. As long as; as far as; as much as. जं० प० ५, ११३; ११४; ११२; २, ३३; नाया० १, ८; १०; १४; १६; भग० १, १; ५; २, १; २५, १२; श्रौव० अणुजो० ३; सूय० १, ३, १, १; आया० १, २, १, ७१; उत्त० ४, १३; वेय० १, ४६; पि० नि० ५३; पञ० १; निमी० २०, १०; नंदी० १२; बिवा० ५; दमा० ६, १; दग० ७, २१; ८, ३६; निर० १, १; उवा० १, ७६; ८, २५३; कप० १, १०; प्रव० १२;

जाव. पुं० (जाप) गणन; मन्त्रादिङ्गुं डिन्या-रथु. जाप; मंत्रादिक का उच्चारण. Tolling beads upon a rosary; repetition of Mantras i. e. sacred charms etc. पगह० २, २;

जावअ. पुं० (यापक) क्षत्र व्यतीत कराने वाला हेतु. The cause to pass time. टा० ४, ३;

जावइय. त्रि० (यावत्) जेतुं. जितना. (Lasting) as long as; (going)

as far as. “ अहवा जो जस्स जावइयो ”

पंचा० ४, ५; भग० १, ६; ७; ३, २; ४; ६, १; ७; ८; ८, १०; १४, ७; १५, १; १६, ४; वव० ६, ४३; जं० प० २, १६;

जावई. क्री० (यावती) शुद्ध वनस्पतिने एक प्रकार. गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार. A kind of vegetation growing in clusters. पञ० १; (२) एक जलने का कंद. एक जाति का कंद. a kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७;

जाव. द० (यावत्) ज्यों सुधी. यावत्; जहां तक; जबतक. As long as; till; up to. भग० ३, १;

जावंचगं. अ० (यावच्च) जेतुं. समय कि जिन दरम्यान. Time etc. during which. सूय० २, १, ६;

जावंच. त्रि० (यावत्) जेतुं. जितने; जितना. As many; as much. “ जावंचि विजा पुरिसा ” उत्त० ६, १; पि० नि० १४२; भग० ३, १; दस० ६, १०; (२) भगवती सूत्रना प्रथम शतकना छद्म उद्देश्या नाम. भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छद्म उद्देश का नाम. name of the 6th Uddesa of the 1st Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० १, १;

जावंचिम. अ० (यावंचिम) जेतुं. सुधी. अन्त पर्यंत. Up to the last. विशेष २८४;

जावंचाव. अ० (यावंचावत्) एक प्रकार गणित; संख्याने एक प्रकार. एक प्रकार का गणित; संख्या का एक प्रकार. A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation. टा० १०;

जावग. पुं० (यापक) क्षत्रक्षेप कराने हेतु;

हेतुतो अेक प्रकार. हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. ठा० ४, ३;

जावचरणं. अ० (यावच्च) जुओ "जावचरणं" शब्द. देखो "जावचरणं" शब्द. Vide "जावचरणं" भग० २, १; ३, ३; ५, ६;

जावज्जीव. अ० (यावज्जीव) अवे त्यां सुधी; अंठगी पर्यंत. जीवन पर्यंत; जीता रहे उस समय तक. Till death; as long as life endures. ठा० ३, १; आया० १, ७, ८, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७; नाया० १; १३; १६; दसा० ६, ४; दम० ६, २६; गच्छा० १०५; —बंधण. न० (—बंधन) अवे त्यां सुधी; अंधन. जीवन पर्यंत बंधन. life-long bondage. दसा० ६, ४;

जावज्जीवियं. अ० (यावज्जीवितम्) त्यां सुधी अवे त्यां सुधी जीवन पर्यंत. As long as life lasts. भग० ७, ६;

जावण. न० (यापन) निर्वाह करने. निर्वाह करना. Supporting (life); spending; passing (e. g. time) पि० नि० २१०;

जावन्तिअ. अ० (यावन्) जितना; जिस हद तक. As much as; as many as; to the extent to which. पि० नि० २४०; पञ्च० १५; ज० ५०

जावत्ती. स्त्री० (जातिपत्री) नारंगी; ये नामानु अेक वनस्पति पत्र जावपत्रा; इस नाम का एक प्रकार का वृक्ष. The outer skin of the nutmeg; name of a tree. पञ्च० १;

जावद्वय. न० (यावद्वय) वस्तु रहे त्यां सुधी रहे ते. वस्तु के अस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. विशेष० २५;

जावय. पुं० (यापयतीति यापकः) राग द्वेष करने वाला. One who abandons, renounces passion and hatred. नाया० १; ज० ५० २, ११५; सम० १; ओव० १२; कप० २, १५;

जावय. पुं० (जापक) राग द्वेष अतावनार. रागद्वेष जितानेवाला. One that causes to conquer passion and hatred. ओव० १२; सम० १;

जावसिअ. पुं० (* जावसिक) अतावाला लावनार. घास के गट्टे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling). ओघ० नि० २३८;

जाम. पुं० (जाय) पिशाचतो अेक प्रकार. A kind of ghost or fiend. पञ्च० १;

जामुअ. न० (जामूद) जामुनी दुध जामु के पुष्प. A Jasu flower. काव० ४, ६०;

जामुण. पुं० (जपामुमनस) जुओ डिपेता शब्द. देखो ऊपरका शब्द Vide above. नाया० १;

जामुमण. न० (जपामुमनस्) जामुनी दुध. जप कुसुम; जामु के फूल. A flower of the China rose "जामुमण कुसुमेडवा" पञ्च० १; नाया० १; राय० ६६; अंत० ३, ८; भग० १६, ६; ज० ५०

जामुयण. पुं० (जपामुमनस) जामुनी दुध. जामु के फूल. A flower of the China-rose. जावा० ३, ३; ४;

जिअत्त. न० (जवत्त) अवस्था. जावितता; जावत्त. Life; the state of life. क० ग० ४, ६६;

जादृत्थ. न० (याथार्थ्य) यथार्थ पदार्थ. यथार्थता. Real or correct nature; true character. विशेष० १२७६;

जाहे. अ० (यदा) ज्यारे. जब. When (relative adv.). "जाहेणं सके देविदे देवराया " भग० १६, १; २; ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६; २४; नाया० १; ८; ६; १८; ओष० नि० ४६०; विवा० ५; जं० प० ७, १४१; विश० २३२६;

जिअ. पुं० (जीव) जीव; प्राणि. जीव; प्राणी. A soul; a life; a living being. विश० १४००; १६८४; चउ० १६; सूय० १, १, २, १; क० गं० १, १; १६; ४६; ४, १; ५, ७६; २१, ५६; नाया० १५; —अंग. न० (-अङ्ग) अंगु अंग-शरीर. जीव का अंग-शरीर. the physical body in which life exists. क० गं० १, ४३; —ह्राण न० (-स्थान) अंगना स्थान-भेद; सूक्ष्म अङ्गद्विधा अंगना १४ भेद-प्रकार. जीव के स्थान-भेद; सूक्ष्म अङ्गद्विधा जीव के १४ भेद प्रकार. the different varieties of lives; the 14 divisions of one-sensed minute lives etc. क० गं० ४, ५; —लक्षण. न० (-लक्षण) अंगु असाधारण व्यवस्था. जीव का असाधारण स्वरूप. the distinguishing quality of a living being. क० गं० ४; ३३; —लक्षणवृत्त-ओग. पुं० (-लक्षणवृत्त) त्रय अज्ञान, पांच ज्ञान अने चार दर्शन ये-आर अंगना लक्षण रूप उपयोग. तीन अज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्षण रूप उपयोग. the 12 characteristics of life viz. three Ajñānas, five Jñānas and four Darśanas. क० गं० ४, ३३; —विवागा. स्त्री० (-विपाका) अंग आरती विपाक पासनादी क्रमे प्रवृत्ति. जीवके संबंधमें विपाक पाने वाली कर्म प्रकृति. a variety of Karma show-

ing maturity to soul. क० गं० ५, २०; जिअससु. पुं० (जितससु) महावीर स्वामीना वप्पनमां मिथिला नगरीना राजा. महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvira Swāmī. जं० प० ५, ११५;

जाहग. पुं० (जाहक) सेदाह; अंगाराकुं अह प्राणि. सेही. Porcupine. भग० १२, १; पमह० १, १; नंदी० ४४; विश० १४१२;

जिइंदिअ-य. वि० (जितेन्द्रिय जितानि स्व-विषय प्रवृत्तिनिषेधेन इन्द्रियाणि येन स जितेन्द्रियः) इन्द्रियाणे वश करने वाला. जितेन्द्रिय. इन्द्रियां को वश करने वाला. One who has subdued or conquered his senses. दम० ३, १३; ८, ३२; ६४; ६, ३, ८; नाया० १; १४; भग० २, १; पंवा० ११, ४०; गच्छा० ४२;

जिघ्रणा. स्त्री० (घ्राण) सुंघुते. सुंघना. Act of smelling. ओष० नि० ३७६;

जिह्वा. वि० (ज्येष्ठ) भेटी. ज्येष्ठ; बाडल. Elder. गच्छा० ६०; कप० ४, १२८; ८; प्रव० १६८; (२) डिङ्गु; अह उहङ्ग; अण. best. विश० ३३२६; क० गं० ६, १७१; ४, ८६; —टिह्वा. स्त्री० (-स्थिति) डिङ्गु स्थिति. उहङ्ग स्थिति. best condition. क० प० २, १०४; —पुत्त. पुं० (-पुत्र) भेटी हीटो. ज्येष्ठ पुत्र. the eldest son. निग० ३, १; —वयण. न० (-वचन) भेटीयानुं वयन बाडलका वचन. words of an elderly person. गच्छा० ६०;

जिह्वा. स्त्री० (ज्येष्ठा) भेटी अने. ज्येष्ठ भांगना; बडी बहिन. Eldest or elder sister. (२) गेह्वाणी. जेठानी. wife of the husband's elder

brother. जं० प० ७, १५६;

जिह्मामूल. पुं० (ज्येष्ठा मूल) ज्येष्ठी पुनमे
ज्येष्ठा भूतनक्षत्रनी साथे चंद्रमा योगे
ते भदिनो; ज्येष्ठ भ.स. जिसकी पूर्णिमा के
दिन ज्येष्ठा मूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग
साधन करता है वह मास; ज्येष्ठ मास.
Name of a lunar month in
which the full moon stands in
the constellation Jyeshtha (cor-
responding to May-June)
उत्त० २६, १६;

जिहुह. न० () ज्येष्ठ जन्तनी रम्भत. एक
प्रकार का खेल. A kind of game.
प्रव० ४४१;

जिण. धा० I. (जि) शतयुं. जीवना; परा
जित करना To win, to conquer.

जिह्म. क० वा० वि० उत्त० ७, २२;

जिण. वि० उत्त० ६, ३४; दस० ८, ३६;

जय. आ० ओव० ३२;

जिह्ममाण. क० वा० व० क० उत्त० ७, २२;

जिण. पु० (जिन-जयति निराकरात् रागद्वे-
षादिरूपानरातीनिजिनः) नगद्वे रने स (२)
शतनार; तीर्थकर, देवकी अर्थात् जिन भगवान्.
रागद्वेष का सर्वथा जीतनेवाला; तीर्थकर,
केवली आदि; जिन भगवान्. One who
has completely subdued pas-
sion and hate; a Tirthankara,
a Kevah etc. " अणुतरं धम्ममिणं
जिणायणं " मूय० १, ६, ७; " जिणायणं
जावयाणं " जीवा० ३; कप्प० नाया० १;
३; १५; भग० १, १; ३; २, १; ७, १;
१२, १; २५, ६, ७; दस० ४, २२; ५, १,
६२; पञ्च० १; सू० प० १८, दस० ६, १८;

नंदी० ३; पि० नि० १८४; अणुजो० १६;
१२७; सम० १; ३०; ओव० उत्त० २, ४५;
१०, ३१; आगा० १, ५, ५, १६२; उवा०
१, ७३; ७, १७८; कप्प० २, १६; क० गं०
१, १; १, ५६, ६०; ६१; ४, ५६; आवा०
२, ५; प्रव० ३; जं० प० ५, ११२; ११५;

—अंतर. न० (-अन्तर) तीर्थकरना
अंतरनो का; अर्थात् तीर्थकर वचन का
परस्पर अंतर. तीर्थकर के अंतर का काल;
दो तीर्थकरों के काल का मध्यस्थ अन्तर.
the interval of time between
two Tirthankaras. भग० २०, ८;
प्रव० ४३४; —अणुमय. त्रि० (-अनुमत)
जिन भगवानने अनुमत समित. जिन
भगवान से अनुमत संमत. acceptable
to, permitted by a Tirthan-
kara etc जीवा० १; —अभिहित
त्रि० (-अभिहित) तीर्थकरों द्वारा तीर्थकरने
कहा हुआ said by Tirthankara.
प्रव० ६७४; —आहित. त्रि० (-आहित)
जिने प्रतिपादन करेत्. जिन भगवानने प्रति-
पादन किया हुआ. established by,
propounded by a Tirthankara.
" चरे भिक्षु जिणाहिये " मूय० १, ६, ६;
—इकार. न० (-एकादशक) जिननाम-
कर्म, देवात्रिक, वैक्रियकद्विक, आहारकद्विक अने
नरकात्रिक अर्थात् प्रकृतियों का समूह. जिन-
नामकर्म, देवात्रिक, वाक्याद्विक, आहारकद्विक
व नरकात्रिक इन ११ प्रकृतियों का समूह.
a group of the eleven Prakri-
tis viz. Jinanāmakarma, Deva-
trika, Vaikriyakadvika, Āhara-
kadvika and Narakatrika.

* बुद्धो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th

क० गं० ३, १४; —इकारस. न० (—एका-
दशक) ७७ओ विप्लो श०६. देखो ऊपर का
शब्द. vide above. क० गं० ३, १०;
—ईसर. पुं० (—ईरवर) तीर्थ३२. तीर्थकर.
Tirthankara. प्रब० ४०६; —उत्तम.
पुं० (—उत्तम) तीर्थ३२. तीर्थकर. Tir-
thankara. 'ममां विरगहितु जिणुत्तमाणे'
उत्त० २०, २०; —उदिट्ठ. त्रि० (—उदिट्ठ)
आप्त पुत्रे दशावेत्त. आप्त पुरुषने दशाया
हुआ. shown by relatives. गच्छा०
२६; —उवएस. पुं० (—उपदेश) तीर्थ-
३२तो उपदेश. तीर्थकर का उपदेश. teach-
ings of Tirthankara. "एवि तच्चाओ
जिणोवएसम्मि" सम० ३; भत्त० ६२;
—कप्प. पुं० (—कल्प—जिना; गच्छनि-
गताः साधुविशेषाः तेषां कल्पः समाचारः)
उत्कृष्ट आचार पालनार साधुनो—जिनकल्पी-
नो उत्कृष्ट व्यवहारविधि. उत्कृष्ट आचार का
पालन करनेवाले साधु का जिनकल्पीका कल्प-
व्यवहार विधि. the ascetic conduct
or mode of life of a Jain monk.
पंचा० १७, ६०; भग० २४, ६; प्रब० ४०२,
६२२; —कप्पट्ठिह. स्त्री० (—कल्पस्थिति)
गच्छणी पहार तीक्ष्णी जिनकल्पीपण्डु स्त्री-
कारनाह साधुना आचारनुं २४२५ गच्छ
से बाहर निकलकर जिनकल्पीपना स्वाकार
करने वाले साधु के आचार का स्वरूप. the
mode of ascetic life of a Jain monk who leaves his order
but follows the conduct pre-
scribed for Jain monks. वेय० ६,
२०; —कप्पि. पुं० (—कल्पिन्) जिन
कल्पी साधु जिन कल्पी साधु. a Jain
ascetic. चड० ३३; प्रब० ४०४; —क-
प्पिय. पुं० (—कल्पिक—जिनानां कल्पः
आचारो जिनकल्पः स विद्यते येषां ते) जिन

कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. जिन
कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. a Jain
monk; a Sādhu following the
conduct prescribed for monks
in Jain Sāstras. वव० ४, २१;
प्रब० १४; ४३६; ४४७; ६३०; —कालग.
त्रि० (—कालक) जिन-तीर्थ३२ना कालमां-
तेनी हयातिमां जेनी हयाती होय ते. जिन-
तीर्थकरके कालमें उनके अस्तित्वमें जो जीवित
हो वह. contemporary to a Jain
Tirthankara. "जिण कालगो म-
णुस्सो" क० प० ५, ३२; —गुण. पुं०
(—गुण) तीर्थ३२ना गुण. तीर्थकर के गुण.
the attributes of a Tirthankara.
भत्त० १६८; —छर. न० (—गृह) जिन-
गृह; देवमंदिर. जिनगृह; देवमंदिर. a
Jaina temple. नाया० १६; पंचा० ७,
१; —चंद्र. पुं० (—चन्द्र) चंद्र जैम शान्त
जिन भवान्. a Tirthankara, cool
and cooling like the moon.
पगह० २, १; क० गं० ३, १; —चिरण. वि-
(—चीर्ण) जिते अ. अरेषुं. जिन द्वारा आच-
रित-आचरण किया हुआ. practised
by a Tirthankara. "अक्कां जा
होइ जिणचिरणो" पंचा० ४, २८; —जड.
पुं० (—जात) जैन भुनि. जैन भुनि. a
Jaina ascetic. प्रब० ६८२; —जकख.
पुं० (—जक) तीर्थ३२नी अडित ३२याम
इशत ओता यामुप आदि यत. तीर्थकर को
भक्ति करने में कुशल ऐसे गोमुख आदि यज.
a Yaksha (e. g. Gaumukha
etc.) devoted to the worship
of a Tirthankara. प्रब० ७; —जगणी
स्त्री० (—जगनी) तीर्थ३२नी माता. तीर्थकर
की माता. the mother of Tirthan-

kara. प्रव० ४; —**दिक्खा**. स्त्री० (—दीक्षा) जैनधर्म की रीत प्रभाषे दीक्षा-प्रवर्ज्या लेवी ते. जैन धर्म की रीति के अनुसार दीक्षा-प्रवर्ज्या लेना. entering into an order according to the prescribed rules. पंचा० २, १; —**देसिय**. त्रि० (—देशित) जिन भगवाने कहे. जिन भगवाने कहा हुआ. said by, propounded by a Tirthāṅkara. “धम्मोय जिणदेसिणो” तंदु० जीवा० १; —**धम्म**. पुं० (—धर्म) जैन धर्म. Jainism. टा० ४, २. क० गं० १, १६; —**नाह**. पुं० (—नाथ) जिन-सामान्य केवलीना नाथ-स्वामी; तीर्थंकर. जिन-सामान्य केवलीके नाथ-स्वामी; तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type; a Tirthāṅkara. प्रव० १४; —**पडिमा**. स्त्री० (—प्रतिमा) प्रथम, वदमन, चंद्रानन अने चारमेजु अने नामथी ज्ञातपाती शाल्वती प्रतिमा. वृषभ, वधेमान, चंद्रानन व वारिमेजु इन नामों से संबोधित शाल्वती प्रतिमाएं the colored idols called by the names Vṛisabha, Vardhaman, Candraṇana like the statue of Jina. राय० १२४; नाया० १६; विश० ५७; —**पण**. न० (—पत्रक) जुअे: “जिण पण” शब्द. देखो “जणपण” शब्द. vide “जिणपण” क० गं० ३, १४; —**पणम**. न० (—पत्रक) जिन नामधर्म, देवदिक अने वैक्रियदिक अने पांच प्रकृति-आत्मा समूह. जिन नामधर्म, देवदिक व वैक्रियदिक इन पांच प्रकृतियों का समूह. a group of the five varieties. Jinaṇāmakarua, Devadvika and Vaikriyadvika. क० गं० ३, १४;

—**परणुत्त**. त्रि० (—प्रशस्त) वीतरागे प्ररूपेय-कहे. वीतरागेने कहा हुआ. propounded by a Tirthāṅkara etc. सम० १००; नाया० १२; —**परियाय**. पुं० (—पर्याय) केवलीना पर्याय, केवली प्रवर्ज्या. केवली का पर्याय; केवली प्रवर्ज्या. a Kevali ascetic. भग० २०, ८; —**पसत्थ**. त्रि० (—प्रशस्त) तीर्थंकरे पभाषे. तीर्थंकर द्वारा प्रशंसित. praised by a Tirthāṅkara. “बहुसु ठायेसु जिणपसत्थेसु” पण० २, ५; जीवा० १; —**पायमूल**. न० (—पादमूल) तीर्थ-इशना यरेणु कमलनी आगत. तीर्थंकर के चरण कमल के समीप. near the lotus-feet of a Tirthāṅkara. प्रव० १२६६; —**पुत्त**. पुं० (—पुत्र) जिनना तीर्थ-इशना शिष्य. जिनका-तीर्थंकर का शिष्य a disciple of a Tirthāṅkara. सम० १; —**पूयट्टि**. पुं० (—पूजाधिन) —जिनस्येव पूजामर्थयते यः स जिन पूजार्थी) गोशालादिनी पंडे जिनतरीके पुजनी इशना राजाना. गोशालादिके समान जिन भगवानसी पूजा की इच्छा रखने वाला. one who desires to be worshipped like a Jina; e.g. Gōśālā etc. सम० ३०; दया० ६, ३०; —**पणीय** त्रि० (—प्रणीत) जिन भगवाने कहे. जिन भगवान ने कहा हुआ. propounded by, uttered by a Tirthāṅkara. “जिणमव जिणपणीयं” जीवा० १; —**परुविय**. त्रि० (—प्ररूपित) जिन भगवाने प्ररूपे. जिन भगवान ने कहा हुआ. propounded by, taught by a Tirthāṅkara etc. जीवा० १; —**पलपि**. पुं० (—पलापिन) पेताने जिन तरीके कहे. गोशालादि. स्वत. को जिन जैसा कहने वाला; गोशालादि.

one who poses himself as a Jina or Tirthankara; e. g. Gośālā etc. “ एवं सो ऋजिणो जिणप्य-
लावी विहरइ ” भग० १५, १; — भक्ति
स्त्री० (—भक्ति) जिन-तीर्थ^३ करने लक्षित.
जिन तीर्थंकरकी भक्ति. devotion paid
to a Tirthankara. जं० ५०५, ११५;
भक्त० ७१; — भक्तिराग. पुं० (—भक्ति-
राग) जिन तीर्थ^३ करने लक्षित पूर्वक
अनुराग. pious or devotional love
for a Tirthankara. “ जिण भक्ति
रागेण ” राय० — मासिध. त्रि० (—भा-
षित) जिन-तीर्थ^३ करे लाभेयुं. जिन-तीर्थ-
कर द्वारा कहा हुआ. described by
a Jina Tirthankara. “ सुं ह जिण
भासिधं ” मन्त्र० ३३; — मय न०
(—मत) श्री तीर्थ^३ करने भगवद्देवता दर्शन या
तीर्थंकरका मार्ग; जैन दर्शन. the path,
creed shown by Śrī Tirthan-
kara विशे० ७२; मन्त्र० २७; प्रव० १०३;
पंचा० ३, ३२; — मयद्विध. त्रि० (—मन-
स्थित) देव दर्शनमें स्थिर ध्येय. सर्वज्ञके
आगम में स्थिर. steadied in, having
deep faith in the scriptures of
the Tirthankaras or omnisci-
ents “ विधेममो जिणमय द्विधाणं ” जौवा० ८;
— मयनिऊण. त्रि० (—मतानिपुण) देव-
मतमें प्रवीण ध्येय. जैन आगम में प्रवीण
बना हुआ. well-versed or profici-
ent in the Jaina scriptures or
religion. दस० ६, ३, १५; — मुहा.
स्त्री० (—मुहा) भिन्न पदार्थ आर आगमन
अंतर शब्दी अरथा उभा शब्दीने भाविसय
करवे ते. दो पैरों के मध्यमें चार अंगुल
का अंतर रखकर काटमर्ग करना. a

standing bodily posture, at the
time of meditation, in which
the two feet are kept at an
angle of 45 degrees. “ पायाणं-
उत्सगो एता पुण होइ जिणमुहा ” प्रव०
७१; ७६; — वस. पुं० (—वंश) जिनने
परिवार. जिन का परिवार. a family of
a Jina. “ वंसाणं जिणवंसो ” संघा०
— वयण. न० (—वचन) जिन-तीर्थ^३ करने
मुख. जिन-तीर्थंकर का मुख. the
face of a Tirthankara. आव०
— वयण. न० (—वचन) तीर्थ^३ करने
पद्य. तीर्थंकर के वचन. words of a
Tirthankara. पंचा० १, २; नाया० १२;
भक्त० ३; ५१; — वयणरत्त. त्रि०
(—वचनरत्त) जिनपद्यनमां अनुरक्त-शब्दी.
जिनवचन में अनुरक्त-गणी. (one)
who is a lover of the words
of a Jina or Tirthankara.
दस० ६, ८, ३, ३. — वयणमुहा स्त्री०
(—वचनधृति) जिनपद्यन। श्रवण.
जिनवचन का श्रवण hearing or
listening to the words of a
Jina i. e. scriptures. “ जिहवयण
मुहा जण दुहाइ ” श० ६; — वर. पुं०
(—वर) तीर्थ^३ करने. तीर्थंकर देव. a
Tirthankara. नाया० २; भग० ६
३३; आव० २, ५; प्रव० ६७३; पंचा० १०,
२; — वसह. पुं० (—वृत्त) जिन
सामान्य केवलीओमां उपम-धेय. जिन-
सामान्य केवलिओमें उपम-धेय. the
best of Kevalis i. e. omnisci-
ents. “ अमपंजजं जिणवमहं ” सम० ५-
२००; — वारणी. स्त्री० (—वाणी) तीर्थ^३-
करने वाली तीर्थंकर की वाणी. speech
of a Tirthankara. जं० ५० १;

—वीर. पुं० (—वीर) महावीर भगवान्, महावीर भगवान्, the lord Mahāvira. भग० १७१; —संकास. पुं० (—संकाश) सर्वज्ञ ज्ञेया; जितशुद्ध. सर्वज्ञज्ञा; जित-
शुद्ध. one who is like or similar to an omniscientie, a Tirthan-
kara etc. 'अत्रिणां जितसंकासाणां' छा० ४, ४; ३, २; कण० ६, १६४;
—संश्रव. पुं० (—संस्तव) जित स्तुति. जितस्तुति. praise in honour of a Tirthankara. दम० २, १, ४३; —सकहा. बी० (—सक्थि) जित भगवान्नी दह जितभगवान् का दाह. the molar of a Tirthankara. भग० १०, ४; जे० ९० ४, ८८;
—मह. पुं० (—शब्द) जित शब्द. जित शब्द. words of a Jina. भग० १४, १; —सास्यण न० (—शासन) जैन धर्म; जैन धर्म. जैन धर्म; जैन धर्म. Jainism. 'जिनस्य सास्यणं' जैन० १८, १४. दम० ८, २२; मय० १ ३, ४, ६; भग० २, ६४. पर० ४४४
—सास्यणपरमुह. पुं० (—शासन परामुह) जैन धर्म. जैन धर्म. Jaina. opposed to or adverse to the tenets of Jainism. 'अथ सास्यणपरमुह' मय० १ ३ ४ ५
—सिष्य. पुं० (—शिष्य) जैन शिष्य. जैन शिष्य. a disciple of a Jina; a Jain-disciple etc. 'अथ सास्यणपरमुह' मय० —हम न० (—हम) जैन भगवत् देव मंदिर. a temple. पर० ६४० ४

जिसे, वि० (जयन्) परिश्रम (One) who
 परिश्रम को जानने वाला (One) who
 bears afflictions (Parishus)

without feeling mentally
troubled. दस० ४, २७;

जिगदत्त. पुं० (जिगदत्त) चंपा नगरी निवासी
 अथ साधुवादु नाम. चंपा नगरी निवासी
 एक साधुवादु का नाम. Name of a
 merchant, a resident of the
 city Champa. नाय० १६: —पुस्त.
 पुं० (—पुत्र) चंपानगरीना जिगदत्त
 साधुवादुना पुत्र चंपा नगरी के जिगदत्त
 साधुवादु का पुत्र. the son of the
 merchant Jigadatta of the city
 of Champa नाय० १, ३;

जिणपालक, पु० (जिनपालक) अत्र नामने।
मेड अर्थ पाद पुत्र, इम नामका एक साथैवाह
पुत्र Nanda नामक राजास्य स्यात्,
नामा० १०

जिनासकिव्यय पुं० (जिनासकित) जिनासकि-
नमेत्यर्थः कदाचन यन्मनीषी भूतस्तीरोहितो
पुत्रश्चेति नाम्नुदीयात् अमुकायम् मुनश्ची-
द्व्याप्तो वासवानासीत् ततोऽपदान् पश्यन्त्या व्यभि-
चाया देवादिभिरभूदन्त्या राजेन राज्येन
नयेत्यहः स्वराज्यं नगरीं कर्माहरीं श्रेष्ठ-
तां प्राप्तुं किञ्चित्तनयं प्राप्नुयात् वा नृणां कर्म-
करणसमयं नृपालने ईशानः प्रेषाथा श्रीर-
मण्या देवे के फन्दे में कहा : Name of
a Jaina byman who was a
trading merchant His father
was Makandhi by name He
(Jinaraksita) in his twelfth
see-voyage was troubled by
a storm His vessels were
wrecked and was caught in
the trap of the goddess Rayas-
D.D. नाथा० २.

जिज्ञासालिय. पुं० (जिज्ञासालिन) यथा
नयरीता नंदपासी माइन्दी साथ वाइती

पुत्र. जेना कथा जाता सूत्रना नयभा अभ्य-
 यनभां छे. चंपा नगरी निवासी माकन्दी सार्थ-
 वाह का पुत्र. उस की कथा ज्ञातासूत्र के
 नववें अध्यायन में है. Name of the
 son of the merchant Mākandī
 residing in the city of Champā.
 His story is narrated in the 9th
 chapter of Jñātā Sūtra. नाया० ६;
 जिह्मिद. पुं० (जिनेन्द्र) जिनेन्द्र भगवान्; तीर्थ-
 ३२. जिनेन्द्र भगवान्; तीर्थकर. Lord Jina;
 a Tirthaṅkara. उक्त० १४, २; राय०
 ६७; विशेष० ११०३; नाया० ८; भक्त० ६;
 प्रब० ४; ४०६; पंचा० ७, २५; —नाम.
 न० (—नामन्) जिनेन्द्र-तीर्थ ३२नुं नाम.
 जिनेन्द्र तीर्थकर का नाम. the name
 of a Tirthaṅkara. विशेष० २७;
 —प्रणयत्त. त्रि० (—प्रजस) तीर्थ ३२
 ३२नुं तीर्थकर ने कहा हुआ. propound-
 ed by, laid down by a Tirthaṅ-
 kara. ज० प० ५, ११७; नाया० ६;
 —वयण. न० (—वचन) जिनेन्द्र-तीर्थ ३२नुं
 वचन. जिनेन्द्र-तीर्थकर के वचन. the
 words of a Tirthaṅkara. “जिह्मि-
 दवयणं असेससत्तादियं” पंचा० १३, ३३;
 जिह्मिद. त्रि० (जांघ) जुनुं; जुनुं थये३.
 जांघ, पुराना. Old; worn out; rotten.
 नाया० १; २; भग० ८, ६; —उज्जाण.
 न० (—उद्यान) राजगृह नगरनी पश्चिमभां
 आवेयुं ओइ उद्यान राजगृह नगर का
 पश्चिम में आया हुआ एक उद्यान. name
 of a garden in the west of
 Rājgriha. नाया० १; २; —कुमारी. स्त्री०
 (—कुमारी) वृद्धा स्त्री; वृद्धा सुधी कुमारी
 रहे३ स्त्री. वृद्धा स्त्री; वृद्धावस्था पयन्त
 कुमारी रही हुई स्त्री an old woman;
 a woman who has remained a

virgin till old age. नाया० १;
 —गुल. त्रि० (—गुड) जुनुं गोश. पुराना
 गुड. old molasses. भग० ८, ९; —तंदुल.
 पुं० (—तयदुल) जुनुं योभा. पुराने
 चावल. old rice. भग० ८, ६; —सुरा.
 स्त्री० (—सुरा) जुनुं दा३. पुराना दारु (मद्य).
 old wine. भग० ८, ६;

जिह्मिद. स्त्री० (जिह्मिद) जुनुं जानने की इच्छा. Desire for
 knowing. पंचा० ३, २६;

जित. त्रि० (जित) वृद्धी उपस्थित थाय
 तेनुं; याद आवे तेनुं. जल्द उपस्थित हो
 ऐसा; स्मृतिगत तुरन्त हो ऐसा. quickly
 remembered or re-collected.
 अणुजो० १३; (२) अनायेयुं. जीता हुआ.
 conquered; defeated. भग० १, ३३;
 १५, १;

जिह्मिदिय. त्रि० (जिह्मिदिय) जुनुं “जि-
 ह्मिदिय” शब्द. देखो “जिह्मिदिय” शब्द.
 Vide “जिह्मिदिय” मूय० २, ६, ६;

जिनसन्तु. पुं० (जितशत्रु) ये नामने
 ओइ राजा. इन नामका एक राजा. Name
 of a king. मू० प० १;

जिह्म. त्रि० (जीर्ण) जुनुं; जुनुं. जांघी;
 पुराना. Old; worn out. उक्त० १४, ३३;
 विशेष० २०८३;

जिह्मा. स्त्री० (जिह्वा) जुनुं. जिह्वा. The
 tongue. मम० ११; आया० १, १, २,
 १६; उक्त० ३२, ६१; मूय० २, १, ४२;
 ओव० ३२; पञ्च० १६; दमा० ६, ४; नाया०
 १; उवा० २, ६४;

जिह्मामार. पुं० (जिह्माकार) जुनुं
 आकार अनावतार ओइ प्रकारने करीगर.
 जिह्मा का आकार बनाने वाला एक प्रकारका
 कारागीर. A craftsman who makes
 an artificial tongue. पञ्च० १;

जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) शुभ संश्लिषी.

जिह्वा के संबंध में. Relating to the tongue. ठा० ४, ४; —दुःख. न०

(-दुःख) शुभने प्रतिकूल संयोगથી थनुं दुःख. जिह्वा को प्रतिकूल संयोग से होता हुआ दुःख. painful sensation

to the tongue by contact with a uncongenial object. ठा० ४, ४;

—सोख. न० (-सोख) शुभने उत्तम रस आपयायी थनुं सुख. जिह्वा को उत्तम रस देने से होता हुआ सुख. pleasant

sensation caused to the tongue by tasting of agreeable i. e. delicious substance. “ जिह्वाम-

यासो मोक्खासो ववरोधिता भवइ ” ठा० ४, ४;

—जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) जिह्वामय

मुष्णने आधारे पानी नीकवाणी परान. विकसित मुख के आकार के समान पानी निकलने का परान. A spout or an

outlet of water in the form of an open mouth; a gargoyle.

“वह्नामयाणं जिह्वामयाणं” मम० ज० ५०४, ३४;

जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) जिह्वामय

रसना; शुभ. रसनेन्द्रिय; रसना; जिह्वा. The sense of taste; the tongue.

नंदा० ४; विश० ३४३; सम० ६; अणुजा० १४७; आ० १६; भग० १, १; ८, १;

२४, १२; ३३, १; नाया० ४, १७; —नि-

रगह. पु० (-निरगह) जिह्वा इन्द्रिय

कायुमां रक्षणी ते. जिह्वा इन्द्रिय को वश में रखना. controlling the sense

of taste i. e. tongue. “ जिह्वाम-

दिव निगह्येवं भवे ” उत्त० २३, ६४;

—पडिसंलीया. त्रि० (-पडिसंलीयता) जिह्वा इन्द्रियने अशुभ येअथी अटकारी

शुभमां लीन करी ते. जिह्वा इन्द्रिय को अशुभ योग से रोक कर शुभ में लान

करना. controlling the sense of taste (i. e. tongue) so as to

guard it against improper ob-

ject and to direct it towards salutary object. ठा० ४, २;—बल.

पु० (-बल) असने अक्ष प्रभार; रसेन्द्रिय की शक्ति. बल का एक प्रकार; रसेन्द्रिय

की शक्ति. the power of the sense of taste (i. e. tongue). ठा० १०;

—मुंड. पु० (-मुण्ड) जिह्वा इन्द्रियने

अनार. जिह्वा इन्द्रिय को जीतने वाला. one who has subdued the

sense of taste. ठा० १०; —ल-

द्विया. त्रि० (-लद्विया) रसेन्द्रिय की प्राप्ति. रसेन्द्रिय की प्राप्ति. the at-

tainment of the sense of taste.

भग० ८२; —संवर. न० (-संवर) रसेन्द्रियने संवर; शुभने आश्रयणी रक्षणी ते.

रसेन्द्रिय का संवर. stoppage of the influx of Karma due to (lack

of control over) the sense of taste i. e. the tongue. पगह० २, ४;

जिह्वामयिता. त्रि० (जिह्वामयिता) रसना इन्द्रिय पायुं रसना इन्द्रियपना. state of

the sense of taste. भग० २४, २;

जिमिय. त्रि० (जिमित-कृतभोजने) भोजन करी लीयित, जिसने भोजन कर लिखा है वह.

(One) who has dined or taken his meal. नाया० १; १२; १६;

१८; विवा० ३; ६; उवा० १, ६६; कप० ४, १०३;

जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) झपटी; माया वादी. कर्ता; मायावान. Crooked; deceit-

ful. “ आजिह्वामय कंतवयया ” जं० ५०

(२) कपट; माया. कपट; माया. fraud; deceit. सम० ५२;

जिम्मअ. पुं० (जिह्मक) जिह्म नामनो मेघ;

ये वरसे त्तारे प्राये ओक वरस वेह यावे.

जिह्म नामक मेघ. Name of a particular description of rain. ठा० ४, ४;

जिह्म. त्रि० (जिह्म) जुओ " जिम्म "

शब्द. देखो " जिम्म " शब्द. Vide

" जिम्म " जं० प०

जिह्मय. पुं० (जिह्मक) जुओ " जिम्मय "

शब्द. देखो " जिम्मय " शब्द. Vide

" जिम्मय " ठा० ४, ४;

जिय-अ. न० (जित) जित; जय. जीत;

जय. Victory; conquest. सूय० १,

१, ४, १; (२) त्रि० जितेद; यथ करेद;

राजद्वेषी जितयेद. जीता हुआ; जिसने राग

द्वेष वश किये हैं वह. conquered; sub-

dued (passion and hatred).

सूय० १, १, ८, १; उत्त० ५, १६; ६, ३६;

नाया० १, ३; भग० ६, ३३; ८२, १; पि० नि०

८०; पंचा० १०, ५२; अथ० १६; ठा० ५, २; दस०

८, ४६; जं० प० ३, ६७; (३) त्रि० जह्मी ओझी

यथाय तेवु; जह्मी अथवे तेवुं तुरन्त बोला

जासके ऐसा; तुरन्त सीखा जाय ऐसा. cap-

able of being easily learnt or

mastered reproduced. विशेष० ८५१;

(४) पुं० जित आचार - आचार.

जीत - आचार - व्यवहार. conduct;

usage. नाया० ८; —इन्द्रिय. त्रि०

(-इन्द्रिय) जितेन्द्रिय; इन्द्रियोने वश

करेनार. जितेन्द्रिय; इन्द्रियों को वश में करने

वाला. (one) who has conquer-

ed or subdued his senses; self-

restrained. भग० २, ५; —कसाय.

त्रि० (-कषाय) क्रोधादि क्षायने जितनार.

क्रोधादि कषाय को जीतने वाला. (one)

who has subdued evil passions such as anger etc. " तिलोग पुजे

जिह्मे जियकसाए " पंचा० १०, १६; प्रव०

१००१; —कोह. त्रि० (-क्रोध) क्रोधने

जितनार. क्रोध को जीतने वाला. (one)

who has subdued anger. भग० २,

५; नाया० १; —निद्र. त्रि० (-निद्र —

जिता निद्रा येन स जितनिद्रः) निद्राने जित

नार; अग्रभादी. निद्रा - आलस्य को जीतने

वाला; अग्रभादी. (one) who has ac-

quired mastery over sleep i. e.

idleness; (one) who is not

lazy or idle. नाया० १; भग० २, ५;

—परिस्म. त्रि० (-परिस्म) परिश्रमने

जितनार. परिश्रम-कषावट रहित. (one)

who has conquered fatigue

i. e. does not feel fatigued.

नाया० १; कप० ४, ६१; —परिषह.

त्रि० (-परिषह) परिषह-क्षुब्ध-पने

जितनार. परिषह-कष्ट दुःख को जीतने वाला.

(one) who has acquired victory

over affliction i. e. does

not feel troubled by them,

नाया० १; भग० २, ५; गच्छा० ५२;

—भय. त्रि० (-भय) भयने जितनार.

भय को जीतने वाला. (one) who

has triumphed over fear; fear-

less. " जिय भयण " आव० ६, ११;

कप० २, १४; —मान. त्रि० (-मान)

मान-अहंकारने जितने ओझे ओवे. मान,

जिसने अहंकार को जीता है वह. (one)

who has triumphed over pride

or self-conceit i. e. never feels

proud. नाया० १; भग० २, ६; —माय.

त्रि० (-माय) मायाने जितनार. माया को

जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया० १; भग० २, ४;

—राग. त्रि० (-राग) रागने शतनार. राग को जीतने वाला. (one) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. सम० प० २४०; प्रब० ६८२;

—रागदोस. त्रि० (-रागदोष) रागदोषने शतनार. रागदोषको जीतने वाला. (one)

who has subdued love or passion and hatred. 'जियोहिं जिय-रागदोसोहिं' पंचा० १, ३६; प्रब० ११८;

—लोभ. त्रि० (-लोभ) लोभने शतनार. लोभ को जीतने वाला. (one) who has subdued greed or avarice. भग० २, ४;

—लोय. त्रि० (-लोक) लोकांशने शतनार. संसार को जीतने वाला. (one) who has triumphed

over the world i. e. worldly existence. (one) not fettered by the bonds of worldly existence. सू० च० १, २३५, —लोह.

त्रि० (-लोभ) लोभने शतनार. लोभ को जीतने वाला. (one) who has con-

quered greed or avarice i. e. subdued it. नाया० १; —विघ्न. त्रि० (-विघ्न) विघ्न अन्तगमने शतनार.

विघ्नों को जीतने वाला. (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया० १;

जियंतग. पुं० (जीवान्तक) ओ नामकी ओक प्रकार की वनस्पति. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation. भग० २, ७;

जियंतय. न० (जीवान्तक) ओसी वनस्पतिनी ओक वन. हरी वनस्पति की एक जाति.

A kind of green: vegetation. पञ्च० १;

जियंती जी० (जीवन्ती) ओक वनस्पति. एक जाति की लता. A kind of creeper. पञ्च० १;

जियखंत. त्रि० (जितवत्) ०४५ भेषवेद. विजय-प्राप्त; जिमने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पगह० १, १;

जियसन्तु. पुं० (जितशत्रु) शत्रुने शतनार. शत्रु को जीतने वाला. A conqueror

of enemies. पगह० २, ४; (२) अजितनाथ स्वामिना पितापुं नाम. अजित-

नाथ स्वामी के पिता का नाम. name of the father of Ajitanātha

Swami सम० प० २०६; प्रब० ३२३;

(३) वानिज्य नगरीने राजा. वानिज्य गांव का राजा. name of a king of

Vanijy city 'तत्स्थानं वानिज्यमात्रे जियसन्तुराया' उवा० १, ३; (४) अंधा-

नगरीने राजा. अंधानगरी का राजा. name of a king of the city of

Chruppa. 'अंधानां नगरी होन्था, पुणभेदे चहण जियसन्तुराया' उवा० २, ६२;

आव० टी० नाया० १९; १५; (५) उज्जयिनी नगरीने राजा. उज्जयिनी नगरी

का राजा. name of a king of the city of Ujjain. उज्ज० टी० २; (६)

सर्वतोभद्र नगरीने राजा. सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम. name of a

king of the city of Sarvato-

bhadra. 'सर्वतोभद्र भेदे खयरे जियसन्तु शामरायाहोन्था' विवा० ५; (७) मिथिला

नगरीने राजा. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithilā. सू० प० १; जं० प० १, १; (८)

पांचाल देशने राजा के जेणे भल्लीनाथनी साथे दीक्षा लीधी हुती. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दीक्षा ली थी. name of a king of the country of Pāñchāla. He had taken Dikṣā along with Mallinātha. नाया० ब; ठा० ७, १; उवा० ६, १६३; (१) आमलकल्या नगरीने राजा. आमलकल्या नगरी का राजा. name of a king of the city of Āmalakalpā. नाया० घ० (१०) सावर्धी नगरीने राजा. सावर्धी नगरी का राजा. name of a king of the Sāvartthī city. उवा० ६, २६७; २७२; नाया० घ० (११) वाणारसी नगरीने राजा. वाणारसी नगरी का राजा. name of a king of Vāṇārasi city. उवा० ३, १३६; ४, १४५; (१२) अलभिषा नगरीने राजा. अलभिषा नगरी का राजा. name of a king of the city of Ālabhiyā उवा० २, १४४; (१३) पोलासपुर नगरने राजा. पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the city of Polāsapura. उवा० ७, १८०; —रायसिस्त्रि. पुं० (-राजर्षि) जितशत्रु राजर्षि. the Rājarsī (a royal saint) named Jitashatru. नाया० १२; —राय. पुं० (-राज) जितशत्रु राजा. king Jitashatru. नाया० १२;

जियसेख. पुं० (जितसेख) भरत क्षेत्रना त्रीन कुलकर्तुं नाम. भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर का नाम. Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम० प० २२६;

जियारि. पुं० (जितारि) त्रीन तीर्थकर संभव

नाथना पिता. तीसरे तीर्थकर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tirthaṅkara Sambhavanātha. " सेनाप जियारि तखयस्स " सम० प० २२६; प्रब० २२३;

जीमूख-य. पुं० (जीमूत) ज़ूमूत नामने भेध के जे ओइवार वरसे तो दस वरस सुधि पृथ्वीमां तेना रहे. जीमूत नामक मेघ कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of a particular cloud which keeps the soil wet for ten years as a result of one downpour only. ठा० ४, ४;

जिमूत. पुं० (जीमूत) ज़ुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उत० ३४, ४; जीवा० ३, ४; राय० २०; पञ्च० १७; जीय. पुं० (जीव) ज़य. जीव. Soul; a living being. भक्त० १०३; जीवा० १; (२) ज़यन; ज़-दमी. जीवन. life. सु० च० ३, २४३; पण्ड० १, १; —अट्ट. त्रि० (-अर्थ) जितितने अर्थ. जीवन के लिये; जीवित के अर्थ. for the sake of life. सु० च० ४, २८७;

जीय-अ. न० (जित) परंपराथी आद्यों आवनेो व्यवहार. वंशपरंपरा से प्रचलित व्यवहार. Traditional usage or convention. आया० २, १५, १७६; वच० १०, ३; जे० प० ३, ४५; भग० ८, ८; प्रब० ८६१; (२) इत्ये; इत० व्य. धर्म; कर्तव्य. duty; that which ought to be done. जे० प० ५, ११२; (३) श्रुत. श्रुत. a scripture. नंदी० (४) मर्यादा. मर्यादा. limit. नंदी० २६;

जीयकण्य. पुं० (जितकण्य) पूर्वआयोनी परंपराथी आद्यों आवनेो आया०. पूर्वआयो

की परंपरा से प्रचलित आचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा० ६, ३७;

जीवकल्पिनी. त्रि० (जीवकल्पिक) उत्पत्ति-विषय-परंपरानुसारी आचारवादी. जीवकल्पिक-परंपरानुसारी आचारवादी. One following the usage according to one's predecessors. डा० १०; कप्प० ५, १०४;

जीवधर. पुं० (जीवधर) ओ नामना आर्य गोत्रभां यथेत आचार्य; शाण्डिल्यना शिष्य. इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य; शाण्डिल्य के शिष्य. name of a preceptor born in an Ārya family and a disciple of Śāṇḍilya. "संस्कृतं राजजीवधर" नंदी०

जीरक. न० (जीरक) उत्पत्ति. जीरा. cumin-seed. प्रव० १४२८; (२) ओषध जननी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति a kind of vegetation. भग० २१, ८; — **वृक्ष**. न० (—वृक्षम्) उत्पत्ति वनस्पति विशेषतो द्यौरे-पादस्य वनस्पतिः द्यौरेता. जीरा-वनस्पति विशेष का कृष्ण-पात इत्यादि का दूर. refuse of the Jirakā vegetation (cumin-seed). तन्त्री० ३, ८०;

जीरुय. पुं० (जीरुय) ओषध जननी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, १;

✓ **जीव** धा० १. (जीव्) उपवृत्ति; प्राण धारण करेता. जाना; प्राण धारण करना. To live; to breathe; to have life.

जीव. ति. भग० २, १; ६, १०; उत्त० ७, ३;

जीवामो. उत्त० ६, १४;

जीविस्मादो. आया० १, ६, ४, १८८;

जीवितां हे० कृ० दस. ६, ११;

जीवित. राय० २२३; विवा० ६;

जीव. पुं० (जीव) आत्मा चैतन्य; उपपत्ति; नवतत्त्वोपांशु प्रथम तत्त्व; ७ द्रव्योपांशु ओषध. आत्मा, चैतन्य; जीवतत्त्व; नवतत्त्वों में से प्रथम तत्त्व; छ द्रव्य में का एक द्रव्य. Soul; consciousness; the first of the nine categories; one of the six substances. उत्त० २, २७; २८, १४; ३६, १; ६४; आवा० १७; ३६; ४०; नाया० १; ६; ६; ८, ६; १०; ११; १६; १७; भग० १, १; २, १; २; ४; ३, ३; ५, ६; ६, ४; १०; ७, १०; ८, २; १०; १७, २; २०, २; २६, १; पञ्च० १, ३; ३६; दस० ८, २; पि० नि० ६३४; राय० २२४; अणुज्ञा० ६; दमा० १०, ७; म० प० १६; विशेष० ४४२; २१२६; ३४०८; जीवा० ३, १; उवा० १, ४४; (२) उपपत्ति जीवित. life. सम० १; आवा० ज० प० २, ३१; क० ग० १, ४७, ५३; मत० ६१; प्रव० २३; पंचा० २, ६; क० प० १, २६; गच्छा० ७६; — **अणुकृपा** श्री० (—अनुकृपा) उपपत्ति दया; उपपत्ति रक्षा करवाने की कृपा. जीव-दया; जीवों की रक्षा करने की कृपा. kindness to living beings; compassion for living beings. नाया० १; भग० ७, ६; — **अणुसासन**. न० (—अनुशासन) उपपत्ति-शिक्षा-समर्थ. जीव के संबंध में शिक्षा (समर्थ). explanation, exposition of the nature of the soul. (२) ओ नामने ओषध ग्रन्थ. इस नाम का एक ग्रन्थ. name of a book. जीवा० १; — (धा) **अभिगम**. पुं० (—अभिगम) उपपत्ति समर्थ; उपपत्ति ज्ञान. जीव की समर्थ. knowledge of the soul. डा० ३,

२; (२) २६ उत्कालिक सूत्रभांतिं अवालि
अभ नामन्तु सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे
जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one
of the 29 Utkālika Sūtras. जं०
प० ५, ११८; " सेकिते जीवाभिगमे? जीवा-
भिगमे दुविहं पण्यते " जीवा० १; भग०
२, ३; ७; ६; ३, ३; ६; ५, ६; १०, ७;
१६, ६; २५, ५; नंदी० ४३; —आरं-
भिया. जी० (—आरम्भिका) अथवा
आरम्भयि कर्म अर्थात् ते; द्विपानो अत्र
प्रकार. जीव के आरंभ से कर्मों का बंधन
होता है वह; कियाका एक प्रकार. Karma
incurred by killing or injuring
a living being. "तंजहा जीवआरंभिया
वेव अजीव आरंभिया वेव" डा० २, १;
—उद्धरण न० (—उद्धरण) भंत्र शास्त्रतो
अत्र प्रकार. मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार. a
variety of Mantra Śāstra. डा० ६;
—काय. पु० —काय —जीवन जीवों ज्ञाता
ऽऽद्यपयोगस्तन्प्रधानः काया जीवकायः)
अथवा; अथवा. जीव लोक; जीव राशः
the aggregate of lives or liv-
ing beings; the world of living
beings. सूय० २, १, २३; भग० ७, १०;
आव० ४, ७; —किरिया. जी० (—कि-
या) अथवा व्यापार. जीव का व्यापार. an
operation or activity of a liv-
ing being. "जीवकिरिया दुविहा पत्ता"
डा० २, १; —ग्राह. त्रि० (—ग्राह) अथवा
अद्वय धरता. जीवित को ग्रहण करनेवाला.
(one) who takes or catches
alive. " जीवग्राहं गिरयति " नाया०
१; २; विवा० ३; —ग्रह. पु० (—ग्रह)
अथवा-असंख्यात प्रदेशना (१३५)
जीवधन-असंख्यात प्रदेश के विवरूप. an
aggregate of innumerable soul-

particles. " अरुविहो जीववया "
उत्त० ३६, ६५; भग० ५, ६; —हृक्क.
न० (—हृक्क) पृथ्वीकाय आदि ७ प्रकारना
अथवा ७ स्थि. पृथ्वीकाय आदि छः प्रकार
के जीवों का समूह. a group of six
living beings viz. earth, bodies
etc. प्रव० ६८६; —जोग. पु० (—योग)
अथवा व्यापार; (केवली समुद्रात). जीवों
का व्यापार; (केवली समुद्रात). opera-
tion or activity of the soul;
(Kevali Samudghāta). विशेष ३६३;
—ह्राण. न० (—स्थान) अवस्थान-गुण-
स्थान. जीवस्थान-गुणस्थान. life stage;
spiritual stage. क० ग० ६, ४;
—णास. पु० (—नाश) अथवा; अथवा
नाश. मृत्यु; जीवन का नाश. death; dis-
truction of life. " कि जीवनामात्र परं
न कुञ्जा " दस० ६, १; ५; —लिकाय. पु०
(—निकाय —जावानां निकायां राक्षिर्जीवि-
कायः) अथवा. जीवराशि. an aggre-
gate of living beings. हृ
जिवनी काया पत्ता " डा० ६; २, १;
—लि जाणमग. पु० (—निर्याणमार्ग —
जावस्य निर्याणं मरणकां शरीरिणः शरी-
राभिगमः शरीराभिगमः तस्य मार्गो जाव-
निर्याणमार्गः) अथ निर्याणमार्ग. मर्त्य.
जीव का लक्षणन का मार्ग. the path or
way by which the soul goes
out of the body. डा० ५, ३; —लि-
ह्यति. जी० (—निर्वृति—निर्वर्तनं निर्वृतिः
निष्पत्तिः जीवस्वकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृति-
जीविनिर्वृतिः) अथवा अत्रेन्द्रिय आह्वय
निर्वृति-निष्पत्ति. जीवकी एकेंद्रिय आदि रूपमे
निर्वृति-निष्पत्ति. functioning of the
soul as one-sensed etc. " कइ विहा-
यं अंते जावविह्वली " भग० १६, ८; —लि-

हिसय. त्रि० (-निमित्त) अथने आश्रित.
जीव के आश्रित. depending upon,
associated with the soul. ठा० ७;
—विहिसय. त्रि० (-निःसृत—जीवेभ्यो
निःसृतो निर्गतो जीवनिःसृतः) अथनी
नीलेश. जीवसे निकला हुआ; जीवसे उत्पन्न.
issued out of a soul or a living
being. ठा० ७; —तत्त्व. न० (-तत्त्व)
अवतत्त्व; चेतन पदार्थ. जीवतत्त्व; चेतन पदार्थ.
the soul regarded as an element.
प्रब० १२११; —स्थिकाय. पुं० (-अस्ति-
काय) चेतन-उपयोग लक्षणवाला; अद्रव्य-
मानुं ऐक्य द्रव्य. चेतन्य-उपयोग लक्षणवाला;
छः द्रव्य में से एक द्रव्य. one of the
six substances having consci-
ousness for its connotation.
“ जीवधिकारणं भेत । जीवाद्ये किं पवत्सह ”
भग० १३.४.२. १०; १.१०.२०.२; सम० ४;
अणुबो० ६७. १३१; —दय. पुं० (-दद)
अपमरुपी अथवा दाता. मेयम रूपा जीवके
दाता. the giver of a life in the
form of self-restraint. का० २.१४;
आव० ६.११; —दय. त्रि० (-दय - जीवेषु
दया यस्य जीवदयः) अथस्या पालन २;
दय. पु. जीवदया पालनेवाला; दयालु. one
who is kind to living beings.
सम० १; ज० ५. २. ११४; —दया. स्त्री०
(-दया) अथनी दया. जीव-दया. com-
passion towards living beings.
भक्त० ६३; १०४; —द्रव्य. न० (-द्रव्य)
अथद्रव्य; अद्रव्यमानुं ऐक्य. जीवद्रव्य; छः
द्रव्य में से एक. soul; the element
known as soul. भग० ११.१०; १८. ४;
२२. २; —दिष्टिया. स्त्री० (-दष्टिका) अथने
देनवा जतां शब्देदि कर्ताथी लागती क्रिया.
जीव को देनाने में राग द्वेषादि करने से जो

क्रिया लगती है वह. Karma in-
curred by love or hatred
arising in the mind in the act
of seeing a living being. ठा० २,
१; —देश. पुं० (-देश) अथनो देश-ऐक्य
विभाग. जीव का देश-एक विभाग. a por-
tion of the soul. भग० १०.१; १६ ६;
२०. २; क० ५. १. २१; —नाश. पुं०
(-नाश) अथनो नाश. जीवन का नाश.
death; destruction of life. दम०
४. १. ४; —निवृत्ति. स्त्री० (-निवृत्ति)
अथनो निवृत्ति-निवृत्ति; ऐक्येन्द्रियादिषु
उत्पत्ति. जीवनकी निवृत्ति-निवृत्ति; ऐक्येन्द्रि-
यादि रूपसे उत्पत्ति. birth of the soul
in the form of one-sensed etc.
living beings. भग० १३. ८; —पइ-
द्विय त्रि० (-प्रतिष्ठय) अथनी अइद
रहित. जीव क भातर रहता हुआ. resid-
ing in a living being. “ अजीवा
जीवरइद्विया ” भग० १. ६; अनवी० ७. २१;
—पणस. पुं० (-प्रदेश) अथनो प्रदेश;
अविभाज्य अंश. जीव का प्रदेश-अविभाज्य
अंश. an indivisible particle of
the soul. भग० २. १०. ८. ३; —पण-
निय. पुं० (-प्रदेशिक—जीव प्रदेशाण्व
जीव प्रादेशिकाः) अथनो अण्वप्यात प्रदेशमां
छेत्वा प्रदेशमांश्च अथ मानवान् तिष्ठन्गुप्त
आत्माणां अनुयायी जीवके असंख्यत प्रदेशमें
से अन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिष्ठ-
गुप्त आचार्य का अनुयायी. a follower of
the preceptor Ti-syagupta who
believed that of the innum-
erable particles of the soul only
the last had life or conscious-
ness in it ठा० ७; श्रव० ६१; —पशोग-
बंध. पुं० (-प्रयोगबन्ध) अथनो प्रयोग-व्या-

पारथी यतो अन्ध. जीवके प्रयोग-व्यापार से होता हुआ बंध. bondage caused by the activities of the soul. भग० २०, ७; —पञ्चकखालकिरिया. स्त्री० (—प्रत्याख्यानक्रिया) अथ परत्वे पञ्च-आत्मा न करवाथी यती क्रिया जीवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो किया लगती है वह. Karma incurred by neglecting Pachchkhāpa relating to living beings. ठा० २, १; —पञ्जव. पुं० (—पर्यव) अथवा पर्याय. जीवके पर्याय. any of the modifications of the soul. भग० २५, ५; —परणुवणा. स्त्री० (—प्रज्ञापना—जीवानां प्रज्ञापना जीवप्रज्ञापना) अथवा प्ररूपणा. जीवकी प्ररूपणा. exposition of the nature of living beings or souls. “से कि तं जीवपरणुवणा” पञ० १; —पद. न० (—पद) अथवा पदस्थान. जीवका पदस्थान. condition or, stage of a living being. भग० १८, १; २४, १; २६, १; —पद्म. पुं० (—प्रदेश) अथवा प्रदेश. जीव-प्रदेश. an indivisible particle of a soul. भग० २५, ४; —परिणाम. पुं० (—परिणाम) अथवा परिणाम. जीवके परिणाम. modification; development of the soul. भग० ६, ५; १४, ४; जे० १० ०, १०६; —पाउ-ओ-सिया स्त्री० (—प्राद्वेषिकी) डोपपलु अथ उपर द्वेष करवाथी लागती क्रिया. कोई भी जीव से द्वेष करने से जो किया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards and living being. भग० ३, ३; ठा० २, १; —पाडुच्छिषा. स्त्री० (—प्रातीनिका—जीव प्रतीत्य यः कर्मबन्धः सा तथा) अथवा आश्री लागती क्रिया.

जीव के संबंधमें जो किया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul. ठा० २, १; —पणस. पुं० (—प्रदेश) अथवा प्रदेश-अंश. जीव-प्रदेश जीव का अंश. a portion, a particle of the soul-substance. भग० ८, ६; १०, १; —परदेश. पुं० (—प्रदेश) अथवा प्रदेश-अंश. जीव का प्रदेश-अंश. a portion, a particle of the soul-substance. भग० १६, ६; —प्यावहुत्त. न० (—अल्प-बहुत्व) अथवा अपायदुत्त. जित्नों का अल्पावहुत्व. scantiness or the profusion of life. क० १० १, ५१; —फुड. त्रि० (—स्पृष्ट) अथवा स्पर्श करेत्त. जीवसे स्पर्श किया हुआ. touched by, in contact with a soul or living being. ठा० ४, ३; —भाव पुं० (—भाव) अथवा जावत्व; जीवपना. a state of being a living being. “परकमं भाव-भावेण जीवभाव उवदंसह” भग० २, १०; १८, १; —भावकरण. न० (—भावकरण) अथवा पर्यायनु करेत्तु ते जीव पर्यायका करना. modification of the soul. विश० ३३५४; —मज्झपणस. पुं० (—मध्यप्रदेश) अथवा मध्यप्रदेश. जीव का मध्यप्रदेश. the middle portion of the particles of the soul. भग० ८, ६; —मिस्रिया. स्त्री० (—मिश्रिता) सत्याभाषा आपानो अने प्रकार; ज्यों थोडा मरोगया होय अने थोडा अथवा होय ज्यों अथवा मरीगया छे अथवा डहेतु ते. सत्या मृषा भाषा का एक प्रकार; जहाँ थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हों वहाँ सब मर गये हैं ऐसा कहना. a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive. पञ्च० १; —राशि. पुं० (-राशि) श्रवणे समूह-स्थो. जीवों का समूह a group of a collection of living beings. सम० २; आव० ७, १; —लोक पुं० (-लोक) श्रव लोक; संसार. जीव-लोक; संसार. the world of living beings. नाया० १; कण्ठ० ४, ६०; क० प० ३, ४४; जं० प० ३, ६१; —वह. पुं० (-वध) श्रवणे वध-घात. जीवों का वध-घात. slaughter of animals. भक्त० ६३; —वाधार. पुं० (-व्यापार) श्रवणे व्यापार-क्रिया. जीवों का व्यापार-क्रिया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशे० ३३३; —विजय. पुं० (-विजय) श्रवणे स्वस्वपदं विजय करतुं ते. जीव के स्वस्व का विजय करना. meditation upon the nature of the soul सम० ३; —विष्णुजट. त्रि० (वि-प्रहीन) प्रसुप्तः श्रवणे रीतिः जीव रीतिः प्रासुक्त deprived of life; faultless “ देवदिव्यस्य दामगस्य सरीरे लिप्याणं विविधं जीवविष्णुजटं कृष्णं पश्यन्वेति ” नाया० २; १६; १८. निर० १. १; —वि-भक्ति. स्त्री० (-विभक्ति) श्रवणे विभक्ति-विभागः श्रवणे पृथक्पृथक्-विवेचन. जीव की विभक्ति-विभागः जीव का पृथक्पृथक्-विवेचन. discussion upon, exposition of the nature of the soul. उक्त० ३६, ४७; —विद्यागा. स्त्री० (-वि-पाका—जीव पक्व विपाकः स्वसक्तिदर्शन-वचनो विद्यते वासां ता जीवविपाकाः) श्रवणे विपाक इत्यादिनां कर्मभूति. जीव को

विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति. Kar- mic nature which displays its maturity to the soul. क० गं०— सं-ख्या. स्त्री० (-संख्या) श्रवणे संख्या. जीवों की संख्या. a number of living beings प्रव० ४८; —संक्षेप. पुं० (-सं-क्षेप—जीवानां संक्षेप जीवसंक्षेपाः) अप-र्याप्त ऐक्य आदि श्रवण स्थान के न्यां श्रवणे संक्षेप-संक्षेपमां रहेतुं पडे छे. अपर्याप्त ऐक्य आदि जीव के स्थान कि जहांपर जीव का संक्षेप-संक्षेपित स्थितिमें रहना पड़ता है. any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc. has to remain in a contract- ed condition. क० गं० ६, ३६; —संगृहीत. त्रि० (संगृहीत —जीवः संगृहीतः स्वीकृतो जीवसंगृहीतः) श्रवणे स्वीकारपेक्ष. जीव ने स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. “ अजीवा जीव संगृहीतः ” ठा० २, १; —साहसि-या. स्त्री० (-साहसिका —यस्त्वहस्तेन गृहीतेन जीवं मारयति सा जीवसाहसिका) श्रवणे प्रशस्ती क्रिया; पानाया दायणी श्रवणे भारतीया लायनी क्रिया. एक प्रकार की क्रिया; अपने हाथ से जीव को मारने से जो क्रिया लगती है वह. Karma in- curred by taking life i. e. kill- ing with one's own hand. ठा० २, १; —हिंसा. स्त्री० (-हिंसा) श्रवणे हिंसा. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings. भक्त० ६३; —हित. न० (-हित) श्रवणे हित. जीव का हित. welfare of the life भक्त० ६८; जीवितं. त्रि० (जीवित) श्रवणे जीवित.

living; existing. विशेष- २२५६;

जीवजिवि. पुं० (जीवजीव) अथवा आधार.

जीवन का आधार. support of life; subsistence. अणुसू० ३, १;

न्याय० १; (२) अथवा शक्ति. जीवका शक्ति. the vital power of the

soul. भग० २, १; (३) एक जन्तु

पक्षी. एक जाति का पक्षी. a kind of

bird. जं० प० पञ्च० १;

जीवजिविक. पुं० (जीवजीविक) एक जन्तु

पक्षी; चकोर. एक जाति का पक्षी; चकोर. A

kind of bird; the Chakora bird.

पद्म० १, १; ओव०

जीवजीवग. पुं० (जीवजीवग) चकोर पक्षी.

चकोर पक्षी. The Chakora bird.

भग० १३, ६; (२) एक जन्तु की वनस्पति.

एक प्रकार की वनस्पति. a kind of

vegetation. भग० २३, ५;

जीविण. न० (जीविण) अथवा प्राण धार

ण. जीवन; प्राण धारण. Life; living.

उप० १२, १०;

जीविणिज्ज. त्रि० (जीविणिय) अथवा योग्य.

जीने के योग्य. Worthy to live; fit

to live. सूत्र० २, २, ५८;

जीवित्त. न० (जीवित्त) अथवा जीवित्त.

जीव पना. State of being a soul

or living being. भग० २, १; विशेष- २५४४;

जीवमुत्ति. स्त्री० (जीवन्मुक्ति) अथवा जीव

भोगने अनुभव देवे ते जीवित्त मोक्ष का

अनुभव लेना. Experiencing of sal

vation in this life. पञ्चा० २, ४३;

जीववत्त. त्रि० (जीवितवत्त) प्राणी. प्राणः.

Living; possessed of life. पद्म०

१, १;

जीवा. स्त्री० (जीवा-जीवनं जीवा) धनुष्यनी

पशु; दोरी. धनुष्य की डोर. A bow-

string. (२) धनुष्याकार क्षेत्रो पशु२७

स्थानीय प्रदेश; भरत आदि क्षेत्रों लाया

छेदनी पड़ोसा. धनुष्याकार क्षेत्र के व्यास के

समीपका प्रदेश; भरत आदि क्षेत्र के लंबे सिरे

का चौड़ाई. space between the

two ends of a region which is

bow shaped; lengthwise space

between the two ends of Bha-

rataksetra etc. सूत्र० २, ५, १२;

सूत्र० २५५; सू० प० १; (३) एक आनुषी

शील आनु सुधीनी सीधी सीधी. एक

बगल से दूसरी बगल तक की सीधी रेखा-

लकीर. a straight line from one

end to another. सम० ६०००;

जीवाजीव. पुं० (जीवाजीव) अथवा अथवा

पदार्थ. जीवाजीव; जीव और अजीव पदार्थ.

The categories viz. living and

non-living beings. न्याय० १२, १०;

द्वय० ६, १२; (२) न० अथवा अथवा समस्त

पदार्थ. अथवा अथवा. ३३ सू० अथवा

जीव अजीव का समस्त देने वाला उत्तराध्या-

यन का ३६ वां अध्यायन. the 36th

chapter of Uttaradhyayan

explaining (the nature of) liv-

ing and non-living beings. उत्त०

३६; —अद्विगम. पुं० (-अद्विगम) अथवा

अथवा परिच्छेद -समस्त. जीव अजीव

का परिच्छेद समस्त. exposition or

explanation of (the nature of)

living and non-living beings.

“ से किं जीवाजीवादिगम ” जीवा०

१; द० ४; —समाउत्त. त्रि०

(-समायुक्त) अथवा अथवा पदार्थ. जीव

अजीव वाला possessed of soul or

non-soul. “ जीवाजीव समाउत्ते सुह

दुक्ख समागच्छिण ” सूत्र १, १, ३, ६;

जीवि. त्रि० (जीविन्) श्रवत पाशो; श्रवत
पाशो. जीवन वाला; जीनेवाला. living;
possessed of life. अणुजो० १२८;
(२) पुं० प्रायुधारक; श्रव. प्राण धारक;
जीव. a soul; a living being. सूय०
१, ३, १, ३;

जीवि-य न० (जीवित) श्रवत. असंयम
जीवितव्य; जीवन; असंयम जीवितव्य. Life;
livelihood; absence of asceti-
cism. " जीवितं खाभिकं खजा " आया०
१, ८, ८, ४; १, १, १, ११; १, ६, ४,
१६१; नाया० १; २; ४; १४; १५; १६;
१८; दस० ८, ३४; १०, १, १७; भग० ७,
१; १५, १; पञ्च० १; २२; राय० २१५;
श्रीव० १४; सूय० १, १, १, ५; १, २, १,
१; उल० ४, १; ८, १६; १०, १; ३२, २०;
विशे० १३८; विवा० ६; तन० १, १;
उवा० १, ५७; २, १०३; ४, १४७; भन०
१३; १०३; का० ६, ११८; अश्व० ४, ३;
—अन. पुं० (-अन्त) श्रवत. अंत
मृत्यु; मरण; जीव का अंत; मृत्यु; मरण.
termination of life. death ज०
प० २, ३१; उल० २२, १५. —अनकरण.
पुं० (-अन्तकरण) श्रवतीति अंत करने
ते जीवन का अंत करना. putting an
end to life. नाया० ५; पण्ड० १, १;
जं० प० ३, ४५. —आह. त्रि० (-अर्थिन्)
श्रवतीति. भूच्छाव दो. जीने की इच्छा
वाला; जीवित रहने को उत्पुक. desirous
of living or continuing to live.
" जीवा विसं खायद् जीवियाद् " दस० ६,
१, ६; —अरिद् त्रि० (-अरि) श्रवती
उभित योग्य; अ श्रवत आने तेऽयं. जीने के
योग्य; जीवन निर्वाह के योग्य. sufficient
to maintain life. " विडमं जीवि
वारिद् पाद्दशब्दं दृष्टम् " नाया० १; भग०

११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; जं०
प० ३, ४३; —आश्र. पुं० (-आश्रन्)
श्रवत रूप. जीवन स्वरूप. nature of
life. नाया० १५; —आउ. न० (-आयुष)
श्रवती रूप आयुष. जीवन रूप आयुष.
the duration of life. नाया० ४;
—आउअ. पुं० (-आयुक्) श्रवतप्रद
आयुष. जीवनप्रद आयुष. duration
of life. नाया० ८; —आसंसा. स्त्री०
(-आसंसा) श्रवतीति आशा. जीने की आशा.
hope of life. उवा० १, ५७; प्रव० २६६;
—आसा. स्त्री० (-आशा) श्रवतीति
भूच्छा-आशा. जीवितव्य की इच्छा-आशा;
जीने का पर्याय नाम. desire to live
long; hope of long life; a syno-
nym of good. मम० ५२; भग०
२, २, ८, ७; १२, ५ नाया० १; श्रीव २६;
तन० ३, ५; —उत्स. त्रि० (-उत्स-
विक-जीवितव्यपद इव जीवितोत्पन्नः स एव
जीवितोत्पन्नः) श्रवत उत्सह व दो.
जीने के उत्साह वाला. (one) eager to
live " जीवितोत्सविक " भग० ६, ३३;
—उत्सवसिध. त्रि० (-उत्सवसिध)
श्रवत उत्सवसिधः श्रवतीति बुद्धि करनेवा.
जीने बुद्धि करने वाला. जीने को दीर्घ
बताने वाला. (anything) which
prolongs life. नाया० १; —ऊत्सासिध.
त्रि० (उच्छ्वसिध जीवितमुच्छ्वासयति बर्ध-
यतीति जीवितोच्छ्वासः स एव जीवितो-
च्छ्वासिधः) श्रवत उत्सवसिधः. जीवन को
दीर्घ बताने वाला. life; prolonging;
giving longevity. भग० ६, ३३;
—कारण. पुं० (-कारण) श्रवतीति हेतु.
जीवन का हेतु. motive of remain-
ing alive or maintaining life.
दस० २, ७; —फल. न० (-फल) श्रव-

ननुं ६६. जीवन का फल. accomplish-
ed aim or object of life. नाया०
८; १३; १९; निर० ३, ४; —भावणा.
जी० (-भावना) जीवननुं समाधान करे-
नारी भावना. जीवन का समाधान करने
वाली भावना. meditation which
reconciles one to (his or her)
life. सूय० १, १५, ४; —वसान. न०
(-वसान) जीवन-आयुष्यनो छेडा.
जीवन-आयुष्य का अन्त. the end of
life. क० प० २, ७७;

जीविआ-या. जी० (जीविका) आशुपडा;
वृत्ति. आजीविका; वृत्ति. Livelihood;
maintenance of life. सूय० २, ६.
२; नाश० ७; अणुजो० १३१; कण० ४, ८२;
जीविउं. हे० क० अ० (जीविनुं) श्रवया
भाटे. जीवन के लिये. In order to
live or maintain life आया० १,
२, ७, ४७;

जीविउकाम. त्रि० (जीवितुकाम) श्रवयाती
धमजावने. जीविन रहने को उत्तुक. De-
siring of continuing to live.
“ जीविउकामे लाजपमाम् ” आया० १,
२, ३, १६;

जीवितअ. त्रि० (जीवितक) अनुदम्पित
श्रवय; दयापात्र जिंदगी. अनुकंपित जीवन;
दयापात्र जीवन. Pitiabale life; life
deserving compassion. उत्त० १०, ३;

जीवियरसम. पुं० (जीविकरसम) साधारण
आदर वनस्पतिश्रवयो ओड प्रकार. साधारण
बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A
variety of ordinary gro-v-vege-
table life. पत्र० १;

जीह्वा. जी० (जिह्वा) श्रम; रसेन्द्रिय. जिह्वा;
रसेन्द्रिय. The tongue; the sense
of taste. नाया० १; ८; ६; भग० ११,

११; १५, १; जं० प० पत्र० २, १५; सु०
च० ४, २८४; ओव० १०; अणुजो० १२८;
उत्त० ३२, ६२; ठा० ४, ४; राय० १६४;
जीवा० ३, ३; उवा० २, ६५; १०७; भत्त०
१०६; १४६; कण० ३, ३६; गच्छा० १६;
—गार. पुं० (-कार) जुओ “ जिह्मा-
गार ” श०६. देखो “ जिह्मागार ” शब्द.
vide “ जिह्मागार ” पत्र० १;

जीहामयदुक्ख. न० (जिह्मामयदुःख) जुओ
“ जिह्मामयदुक्ख ” श०६. देखो “ जिह्मा-
मयदुक्ख ” शब्द. Vide ‘जिह्मामयदुक्ख’
ठा० ५, २;

जीहामयसोक्ख. न० (जिह्मामयसौख्य)
जुओ “ जिह्मामयसोक्ख ” श०६. देखो
“ जिह्मामयसोक्ख ” शब्द. Vide “ जि-
ह्मामयसोक्ख ” ठा० ५, २;

जीहिंदिय. न० (जिह्मेन्द्रिय) श्रम; रसेन्द्रिय.
जिह्वा; रसना; रसेन्द्रिय. The tongue;
the sense of taste. पत्र० १, १;
—निग्गह. पुं० (-निग्गह) जुओ “ जि-
हिंदियनिग्गह ” श०६. देखो “ जिहिंदिय
निग्गह ” शब्द. vide ‘जिहिंदियनिग्गह’
उत्त० २६, ६५; —संवर. पुं० (-संवर)
जुओ “ जिहिंदियसंवर ” श०६. देखो
“ जिहिंदियसंवर ” शब्द. vide. “ जि-
हिंदियसंवर ” पत्र० २, ५;

जुअ. त्रि० (युत) युक्त; सहित. युक्त;
सहित. Accompanied with. क० गं०
३, ६; प्रव० १२०६; १४२७, भत्त० १०६;
जं० प० ७, १५१;

जुअणुअ. पुं० (युगनद्ध) ओड प्रकारनो अंद
नक्षत्रनो योग; अंद अने नक्षत्रना योगती
स्थिति अत्रद उपरना शेंसगने आकारे थाय
ते. एक प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; चंद्रमा
व नक्षत्र के योग की स्थिति जो कि बैलपर
की जुड़ी की आकृति सी होती है. A par-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke.
सू० प० १३;

जुगल. न० (युगल) जेदुं; जेनी जेडी. युगल; दोका जोडा. A couple; a pair. ज० प० ५, १२३; ओव ३०; प्रब० १०६६; क० गं० २, ६१; कप्य० ३, ३६; पंचा० ३, २; —युग. न० (-द्विक) जे युगल दो युगल. two pairs. क० गं० ५, ४; —धम्म. पुं० (-धर्म) जुगलीयानो धर्म-जुगलपणे उत्पन्न भवुं वगेरे. युगलियोंका धर्म; युगल अवस्था में उत्पन्न होना इत्यादि. taking of birth in the form of a pair i. e. Jugaliyās. प्रब० १०६६;

जुह. जी० (जल) जंती; तेज; दीप्ति. कांति; तेज; दीप्ति. Lustre; light; splendour. नाया० १; ८; १०; सम० ३०; भग० १५; १; विशेष० ३४४७; ओव० ३८; उल० १, ४७; ५, २६; ठा० ४, ३; (२) जे नामनुं निरयावलिका सूत्रना पायभां पयनुं ६६ अभ्ययन. इस नाम का निरयावलिका सूत्र के पांचवें वर्ग का ६६ अध्यायन. name of the 6th chapter of the 5th section of Nirayavalikā Sūtra. कप्य० ५, १०१;

जुह. जी० (जुति) युक्ति; जडाणु; संयोग. युक्ति; संयोग. Joining together; union; contact. ठा० ३, ३; नाया० १; प्रब० ६; उवा० ६, १६७;

जुहमेत. त्रि० (जुतिमत् जुतिर्वीहिरतिशायिनी विद्यते यस्य सः) जलियानु; तेजस्वी. कांतिवानु; तेजस्वा. Lustrous; bright; powerful. उल० ५, १८; (२) संयम. संयम. asceticism; monkhood.

आया० १, ७, ३, २०७; (३) मोक्ष. मोक्ष. final emancipation. आया० १, ७, ३, २०७;

जुंजिअ. त्रि० (जुजित) जति, कर्म अने शरीरथी दूषित होय ते. जाति, कर्म व शरीर से दूषित हो वह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रब० ७६८; —अंग. त्रि० (—अंग) अपंग; जेना हाथपम वगेरे अपवय ५ पापमया होय तेवो. अपंग; जिसके हाथ पैर इत्यादि अवयव कट गये हों ऐसा. mutilated or disabled in any of the limbs of the body e. g. a hand, a leg etc. पि० नि० ४४६; ठा० ५, ३;

✓ **जुंज. भा० I. (जुज्)** जेडुं. जोडना. To join together. (२) संयट्ठे डरेवो. संगठन करना. to unite. (३) ज्यित डरेवुं. उचित करना; योग्य करना. to fit; to harmonise; to make fit for.

जुंजइ. पञ० ३६;

जुंजति. सूय० १, ३, १, १०;

जुंजवि. उल० १, १८; दम० ८, २३;

जुंजत. पंचा० १२, ४६;

जुंजइ. क० वा० पि० नि० ५६; १६३; सु० च० ४, ६५;

जुंजए विशेष० १०२, १२८; पि० नि० ७६; सु० च० २, ५४७;

जुंजस. न० (योजन) योजवुं; जेडवुं; व्यापार डरेवो ते. योजना; जोडना; व्यापार करना. Joining together; uniting; conducting a business or an operation. “इंदिवाय व जुंजसे” उल० २४, २४; विशेष० ३३५८;

जुंजसया जी० (* योजन) जुओ डरेवो

शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
श्रव० २०;

जुम. न० (युग्म) राशि विशेष; भेडी संख्या;
सम संख्या. राशि विशेष; सम संख्या. A
particular sign of the zodiac
(Gemini) even number. श्र०
४, ३;

जुग. न० (युग) चार हाथ परिमित भेड
भरप. चार हाथ परिमित एक माप. A
measure of length equal to
four arms. सम० ६६; भग० ६, ७;
अनुजो० १३३; जं० प० (२) धेसरु;
धेसरु. जुडी. a yoke of a carriage.
उत्त० २७, ७; जीवा० ३, ३; पि० नि०
२६२; स्य० १, २, २, ४; जं० प० ७, १५१;
पह० २, १; श्रव० नि० ३२४; दमा० ६,
४; उवा० ७, २०६; (३) अ० धेसरुता
आधारनुं पुरुषता हाथ भगनुं दक्षाय. पुरुष के
हाथ पैर में घुंघरी की आकृति वाला चिह्न
a mark of the shape of a yoke
of a carriage in the hand or
foot of a male human being
(१) सत्य, द्वापर, त्रेता अने कलि. ये चार युग-
काल. any of the four ages
viz. Satya, Dwāpara, Tretā,
and Kali. विश० २२८८; (५)
पांचवर्ष प्रमाणुतो काल विभाग. पांच वर्ष
प्रमाण का काल विभाग. a period of
time equal to five years. भग०
६, ७; २४, ४; अनुजो० १५५; नाया० १८;
स० प० ८; पह० १, ३; श्र० २, ४; सम०
६१; जं० प० जीवा० ३, ४; राव० ३२; (१)
भेड भगनुो भ०. एक जाति का मत्स्य. a
kind of fish. पञ्च० १; (७) गोल देश
प्रसिद्ध भेड भगनुं भे हाथ प्रमाणुनुं वाहन

—पालभी. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का
दो हाथ प्रमाण का वाहन—पालभी. a kind
of palanquin of the size of two
arms length made in the
country named Gola. जीवा ३, ३;
—अंतर. न० (-अंतर) धेसरु प्रमाणे
आंतर. जुडी के प्रमाणमें अंतर. an
interval (in point of space)
of the measure of a yoke of
a carriage. भग० २, २; —आइजिण.
पुं० (-आइजिन) युगना पहले तीर्थंकर
श्री ऋषभदेव स्वामी. युग के प्रथम तीर्थंकर
श्री ऋषभदेव स्वामी. Rishabhadeva
the first Tirthankara of the
age. प्रव० १; —गिह. न० (-गृह)
पालभी राखसनुं घर. पालकी-गृह. a
house or hall in which palan-
quins are kept. निपी० ८, ७; —छिद्र-
न० (-छिद्र) धेसरुमांनुं छिद्र
जुडी में का छिद्र. a hole in the yoke
of a carriage. उत्त० टी० ३;
—प्रधान पुं० (-प्रधान) युग प्रधान
पुरुष. युगमां थिये प्रधान-महान पुरुष;
(भद्र बाहु स्वामी योगेश्वर) युग प्रधान युग
का प्रधान-महापुरुष-महर्षि स्वामी इत्यादि.
a prominent person of an age
(Yuga); e. g. Bhadrabāhu
Swāmi etc. विश० १४२३; —प्रधान.
न० (-प्रधान) अनुभूति उपदेश शब्द. देखा
ऊपर का शब्द. vide above. प्रव० ६२;
२६४; —सूरि. पुं० (-सूरि) युग प्रधान
सुरि-आचार्य. युग प्रधान सूरि-आचार्य. a
preceptor etc. renowned in a
certain age, प्रव० ६२; —माण.
न० (-मान) पांच वर्ष अथवा आसठ मास
प्रमाण युगनुं मान. पांच वर्ष किंवा आसठ

जुगल. न० (युगल) जेडी; जेडुं. जोडा;

युगत. A couple; a pair. (२) पुं०

स्त्री० जुगलीया. जुगलिया. Jugaliā.

भग० ६, ५; १२, १; --घम्म. पुं०

(-धर्म) जुगलीयातो धर्म; युगत धर्म.

स्त्री पुरुष दोनों का धर्म; युगल धर्म. A

combination of the characteris-

tic functions or qualities of

both a male and female. तंदु०

—घम्मिय. पुं० (-धार्मिक) स्त्री पुरुष

३५ युगलना धर्मवाला. स्त्री पुरुषरूप युगल

के धर्म वाला. one who combines

within him the characteristic

functions or qualities of both

viz. a male and female. तंदु०

जुगलग. न० (युगलक) जेडुं; जेनी जेड.

जोडला: दो की जोड. A pair; a

couple. जं० ५०

जुगलय. न० (युगलक) जुगल; जेडुं.

युगल; जोडा. A couple; a pair. सम०

७६;

जुगलिय. त्रि० (युगलित) जेडी युक्त.

युगल युक्त; सजोड. Coupled to-

gether; consisting of a pair.

“ निचं जुगलिया ” नाया० १;

जुगयं. त्रि० (युगवत्) धावना उग्राधी

रहित; तीगन तथा चोथा आराना जन्मेव.

काल के उपद्रव से रहित नृतीय व चतुर्थ

आरमें जन्म प्राप्त. Free from moles-

tation caused by time; born

in the third and the fourth

Ārās (a part of a cycle of

time). जंवा० ३, १; भग० १४, १;

१६, ३; राय० ३, २; उवा० ७, २१६;

जुगवं. अ० (युगपत्) ओझी वपते; ओझ

धावे; ओझ साथे. एकही समय पर; एकही

कालमें; एक साथ. Simultaneously.

उत्त० २८, २६; ३६, ४४; सु० च० ५, ६;

२, ३६१; ठा० ३, ४; विशेष० १६६; प्रव०

६६८; ओव० ४३;

जुग्ग. त्रि० (योग्य) वायक. योग्य. Proper.

भल० १२; प्रव० १३७०;

जुग्ग. न० (युग्ग) गोस्त देशमां प्रसिद्ध ओझ

गतनी पावणी के जेने इरती चोपुणी जे

हाथ प्रमाणे वेदिका-कडोडा होय छे. गोस्त

देश में प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि

जिसके चारों ओर फिरती चौरस दो हाथ

प्रमाण की वेदिका (कडहरा) होती है A

kind of palanquin with a square

railing of the height of two

arm's length. It is made in

the country named Golla.

भग० ३, ४; ४, ७; ८, ६; विशेष० २६६२;

जं० ५० ५, १५७; ओव० अशुजा० १३४;

(२) धोसरी जुडा. a yoke; that

part of the pole of a carriage

which is fastened to the shoul-

der of an ox, a horse etc. ठा०

४, ३; भग० ६, ३३; (३) युग-धोसरी

पदेनार धोया जवद पगेरे. युग-जुडी

को उठानवाला-धोडा, बेल इत्यादि. an

ox, a horse etc. harnessed to

a carriage. ‘वत्तारि जुग्गा पणवत्ता’

ठा० ४, ३. (४) पुरीधी डिग ओजुं

विमान. पुरुष से उड़ा जा सके ऐसा आकाश

विमान. a kind of balloon. सूय० २,

२, ६२; —आयरिया. स्त्री० (-आचर्या-

युगस्थाऽऽवहनं गमन युगवाचर्या) युग-

वाहनमां जवुं ते. युग-वाहन में जाना.

going in, moving in a carriage

or conveyance. ठा० ४, ३;

जुग्गाआरिया. स्त्री० (युग्गाचर्या) जुग्गा

उपरोक्त शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vido above. ठा० ४, ३; —गद्य. त्रि० (-गत) वाहन उपर ओढ़े. वाहन के ऊपर आरुढ़. seated in a vehicle or carriage. ओव०

जुगय. त्रि० (युग्यक) जुगो 'जुग' शब्द. देखो 'जुग' शब्द. Vido 'जुग' ठा० ४, ३;

जुज्ज. त्रि० (योग्य) योजना घटना करना योग्य. योजना-घटना करने योग्य. Worthy of being united or joined together. उत्त० २७, ८;

✓जुज्ज. धा० I. (युष्) युद्धकरवुं; लड़ाई करनी. युद्ध करना; लड़ाईकरना. To fight; to battle; to wage war.

जुज्जामि. नाया० १६;

जुज्जामो. नाया० १६;

जुज्जाहि. आया० १, ४, ३, १५३; उत्त० १, ३५;

जुज्जहे. नाया० १६;

जुज्जन्त. सूय० १, ३, १, १; सु० च० ७, ७८;

जुज्जत्ता. ठा० ३, २;

जुज्ज. न० (युद्ध) युद्ध; लड़ाई. Battle; war. उत्त० १, ३५; आया० १, ४, ३, १५३; नाया० ८; —किसिपु-रिस. पु० (- कीर्तिपुरुष-युद्धज्ञानता या कीर्ति: तत्प्रधान: पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुषः) युद्धधी प्रतिर्वन्त यथेष्ट पुरुष. युद्ध में कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० —ज्ज्जाण. न० (- ध्यान) लड़ाई ध्यान; ध्यानने ओढ़ प्रकार. लड़ाई का ध्यान; ध्यान का एक प्रकार. concentra- tion or meditation upon battle; a variety of meditation. आउ०

—सज्ज. पु० (- सज्ज) युद्धमां तैयार: युद्धमां तत्पर. युद्धमें तत्पर. one who is prepared for battle; one who is ready to fight. नाया० ८, १६; निर० १, १; —सद्ध. त्रि० (- बद्ध-संश्राम-स्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य सः) युद्धमां श्रद्धा-वान्; युद्धने आह्वानर. युद्ध में श्रद्धावान्; युद्ध को चाहनेवाला. militarist; war- like. परा० १, ३; —सूर. पु० (- शूर) युद्धमां शूर. युद्ध में शूर. (one) who is brave in battle; a warrior. " जुज्ज सूर वासुदेव " ठा० ४, ३;

जुज्ज्ज्जुज्ज. न० (युद्धतिवृद्ध) ६-६ युद्ध; ७२ कलाभांती ओढ़ कला. द्वंद्व युद्ध; ७२ कलाओं में से एक कला. A single com- bat; a duel; one of the 72 arts. जं० ५० ओव० सम०

जुज्ज. त्रि० (जीर्ण) जुज्ज्; जुज्ज्; युद्ध जीर्ण: पुरातन; वृद्ध. Old; worn out; an- tiquated. नाया० १; ११; भग० १६, ४; १६, ३; अणुजो० १२७; अणुत्त० ३, १; ओष० नि० १३६; राय० २५८; —उ- ज्जाण. न० (- उज्जाण) जुज्जो " जिवसु- ज्जाण " शब्द. देखो " जिवसुज्जाण " शब्द. vido " जिवसुज्जाण " नाया० १; —कुमारी. स्त्री० (- कुमारी) जुज्जो " जिवसुकुमारी " शब्द. देखो " जिवसु- कुमारी " vido " जिवसुकुमारी " नाया० १; नाया० ४०. —गुल पु० (- गुल) जुज्जो गोत्र. पुराना गुल. old treacle. भग० ८, ६; —तेहुल. न० (- तरहुल) जुज्जो योषा. पुराने चावल. old rice. भग० ८, ६; —सुरा. स्त्री० (- सुरा) जुज्जो दारु. पुराना दारु-मदिरा-मद्य. old wine. भग० ८, ६; जुलियस. त्रि० (जीर्णित) जुज्ज्. जीर्ण. Old. worn out. नाया० १;

शुति. श्री० (युति) कान्ति. कान्ति. Light; lustre. नाया० १; भग० ३, ६; ओव० २२; सू० प० १६; सम० १०;

सुस. त्रि० (युक्त) युक्त; सहित. सहित; युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) जेडेस. जुडा हुआ. joined; united. जं० प० ७, १६१; ३, ६४; २, २०; नाया० १; ३; ६; ८, ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०; ८, ४३; ६४; ६, २, १४; ६, ४, २, ३; पि० नि० १६४; नंदी० ६; उच० १, ८; ६, २२; राय० २२९; दसा० ४, १२; १०, १; पंचा० ६, ४२; ३, ३५; क० गं० १, ३७; ४४; क० गं० ४, प्रव० ८१२; गच्छा० १२८; कप्य० ३, ३६; ओव० १०; २६; अणुजो० १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६; (३) ये०य. योग्य. proper; fit; worthy. विशेष०; १३३; सु० च० १, १५४; २, ४५१; निर० १, १; नाया० ८; (३) असंख्यात अने अनंततो ओक प्रकार. a variety of the innumerable and infinite. अणुजो० १४६; —असंख्येय्य व. पुं० (—असंख्येयक) असंख्याततो ओक प्रकार. असंख्यात का एक प्रकार, a kind of innumerable अणुजो० १४६; क० गं० ८, ८१; —अहिगरण. न० (—अधिकरण) अधिकरण-हिंसाना उपकरण अधिक अधिक योजना; आठवें व्रत का पांचवा अतिचार. using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव० २८३; —जोग. त्रि० / —जोग) शरीर विग्रेनेनी योग्य येश्वा पादा. शरीर हस्यादि की योग्य चेष्टा वाला.

(one) possessing proper activity of the body etc. पंचा० १२, २१; —परिलय. त्रि० (—परिणत) सारी सामग्रीयी युक्त-पालाजी आदि. शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e. g. a palanquin etc.). ठा० ४, ३; —पालिय. त्रि० (—पालिक —युक्ता परस्परसंबन्ध न तु बृहन्तराका-पाणिः सेतुर्बन्ध स युक्तपात्रिकः) पासे पासे-सड़क-पूखवाधुं. पासपास-झगोलग-सड़क-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय० —फुसिय. न० (—स्पर्श) डियित मि-दु-पाणीया अंटातुं पडतुं. उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water. “ जुतफुसिय निहपरयरेखुयं ” सम० ३४; —रूव. त्रि० (रू) प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा० ४, ३; —सोह. त्रि० (—शोभ —युक्त शोभते युक्तस्व वा शोभा यस्य तद्वक्तव्यो-मम्) योग्य शोभावाधुं. योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. ठा० ४, ३;

जुस. न० (बोक) जेत०. जोत का रस्सा. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उच० १६, ५६;

जुति. श्री० (युति) युक्ति; कला; रीति. युक्ति; कला; रीति. Skill; art; mode; process. विशेष० १५४; ओव० नि० १४६; नाया० १०; अणुजो० १२८; (२) मेलवली. मिश्रण. joining together; mixture; union. जीवा० ३, ३; पंचा० ४, १;

(३) એ નામના એક કુમાર. इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). निर० ५, १; (४) એ નામનું વાન્હિદશાસુતનું એક અધ્યયન. इस नामका बन्हिदशासुत्र का एक अध्ययन. name of a chapter of Vanhidaśa Sūtra. निर० ५, १; —**कलम** त्रि० (—कम) युक्तिनું सद्दत કરવું તે. युक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning. “ नागमजुल्लिखमं होइ ” विशे० ३६५; —**कम** त्रि० (—कम) युक्ति सद्दत; युक्तिपादे; युक्ति सहन; युक्ति वाला. logical; possessing reason. पंचा० १२, १६; —**गण** (—ज-युक्ति जानातीति) युक्तिने पण्यनार, क्षमपात्र. युक्ति का ज्ञान जाना; कलावात (one) well-versed or skilful in any art. “ गंधारे गायजनिगणः ” टा० ७; —**गाहय** त्रि० (—बाधित) युक्ति की भाँति पण्डित थपेक्ष. युक्त में बाधन खोइत. refuted by logical argument. “ जम्हाय जल्लिखहि विमयो विमदागमो होइ ” पंचा० १८, ४४; —**सुवर्ण** पुं० (सुवर्ण) पतलरी मोत क्रात्रम सुवर्ण, बनारसी मुक्त artificial gold. पंचा० १८, ३६;

जुल्लिखेण पुं० (युल्लिखेण) यत्पुल्लिखेण, निरयतसुवर्णमात्रं अयत्तपिनीमां थपेक्ष आइमा तीर्थकर. जंबूद्वीप में निरयत क्षेत्र के वर्तमान अवसरिणी में अवल्ल आठवे नार्थकर. The eight's Tirthankara of the current Avasarpini in the Airavata region of the Jambū Dvīpa. सम० प० २६०; (२) निरयत सुवर्ण वर्तमान ११ मा तीर्थकर. पेरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थकर. the

present 11th Tirthāṅkara of the Airavata Kṣetra. प्रव० २६६; **जुद्ध** पुं० (युद्ध) युद्ध; लड़ाई; लड़वानी क्षत्र. युद्ध; विप्रद; लड़ने की कला. Battle; engagement; art of fighting a battle. आ० ३०; ४०; नाया० १; २; १६; ज्ञावा० ३, ३; ओष० नि० २२५; दस० ५, १, १२; —**अजुद्ध** न० (—अतिबुद्ध) दारुण युद्ध; युद्धमां युद्ध. दारुण युद्ध; युद्ध में युद्ध. terrible battle; thing of the fight. नाया० १; आ० ४०; —**अरिह** न० (—अर्ह) क्षमनी साथ युद्ध क्षरवामां उपयगी; भाव युद्धमां क्षम साथे तेव. क्षमों के साथ युद्ध करने में उपयगी; भाव युद्ध में उपयगी हो ऐसा. useful in fighting or least Karmā; useful in making or least argument positions. आ० १, २, ३, १४४; —**गित्तपुरिम** पुं० (—कित्तितुष) जुल्लिखे “जुल्लिखित्तपुरिम” शब्द. देखो “जुल्लिखित्तपुरिम” शब्द. vide “जुल्लिखित्तपुरिम” सम० —**णीति** स्त्री० (—नीति) लड़वानी नीति-व्यवस्था. युद्धनीति-व्यवस्था. military tactics or strategy. ज० प० —**नीई** स्त्री० (—नीति) युद्ध क्षरवानी नीति. युद्ध करने का नीति. the tactics of fighting. प्रव० १२६०; —**सज** त्रि० (—सज) जुल्लिखे “जुल्लिखसज” शब्द. देखो “जुल्लिखसज” शब्द. vide “जुल्लिखसज” शब्द. —**सइह** त्रि० (—अह) जुल्लिखे “जुल्लिखसइह” शब्द. देखो “जुल्लिखसइह” शब्द. vide “जुल्लिखसइह” प्रव० १, ३; —**मूर** पुं० (—मूर) लड़वानी सुमट. मैनिक; लड़वैया, सुमट. a warrior; a combatant. टा० ४, ३; **जुल्ल** त्रि० (जील्ल) जुल्लिखे “जुल्लिख” शब्द.

देखो “जुण्ण” शब्द. Vide “जुण्ण”
श्लो० नि० ३७७; सु० च० ७, २७१;
आया० १, ४, ३, १३४;

जुन्हा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) चांदनी रात. चांदनी
रात. Moonlight. सु० च० ७, १४४;

जुम्म. न० (युग्म) जुगल; जेडी; जेनुं जेडुं.
युगल. जोड़ा. A pair; a couple.

“कई बं भंते जुम्मा परखता ? मोयमा ।

चत्तारि जुम्मा परखता” ठा० ४, ३; भग०

१८, ४; २४, ४; ३१, ७; ४१, ३; पि० नि०

२; —पणसिद्ध. त्रि० (—प्रादेशिक) सभ

संख्या जेडी प्रदेशी उत्पन्न थयेन. सम
संख्या से उत्पन्न. produced from,
resulting from an even number.

भग० २५, ३;

जुय. पुं० (युग) युग; पांच संवत्सर प्रमाणे
काव विभाग. युग; पांच संवत्सर के प्रमाण
काल विभाग. A Yuga; a period
of time measuring five Samvat-
saras. भग० ५, १; (२) जे (संख्या
वाचक). दो; (संख्यावाचक). an ex-
pression for the number 2. सु०
च० १, २७२;

जुय. पुं० (यूप) यज्ञस्थल. यज्ञस्थल. A
sacrificial post. पि० नि० ६६;

जुयग. पुं० (युगल) जयल समुद्रमांता यार
भेडा पातालकलशमांता जेक. लवण समुद्र
में के चार बड़े पातालकलशमें का एक. One
of the four nether world pots
of the Lavana ocean. प्रव० १५८६;

जुयल. न० (युगल) जेडी; जेडुं. जोड़ा;
युगल. A pair; a couple. नाया० १;
८; ९; जीवा० ३, १; ३; सु० च० १२, ८;
राय० १२२; उवा० २, १०७; —धम्मिय.

पुं० (—धार्मिक) जुम्मे “जुगलधम्मिय”
श्लो० देखो “जुगलधम्मिय” शब्द. vide

“जुगलधम्मिय” तंदु०

जुव. पुं० (युवन्) युवान; गुवान. युवक;
जवान. A young man; a youth.
दस० ७, २६; विशेष० १६१४; आया० २,
४, २; १३८; भग० १६, ३;

जुवइ. स्त्री० (युवति) युवती; युवान स्त्री.
युवति; युवा (स्त्री). A youthful wo-
man. भग० १, १; ३, ५; ५, ६; नाया०
८; विशेष० २३०; २५७२; श्लो० सु० च० ४,
१६८; —जण. पुं० (—जन) युवती; स्त्रीजन.
युवती; स्त्री-जन. a youthful woman;
a woman. पञ्च० १;

जुवग. पुं० (युवक) शुक्ल पक्षनी पीछ अने
त्रीजनो अन्तर्मा. शुक्ल पक्ष की द्वितीया व
तृतीया का चंद्र. The moon of the
2nd and 3rd days of the bright
half of a month. जज्ञ० ३, ३;

जुवनि. स्त्री० (युवति) युवति; गुवान स्त्री.
युवता; युवा स्त्री. A youthful lady.
सूय० १, ६, १; १६; भग० ३, १;

जुवरज्ज. न० (यौवराज्य) युवराज्य तर्हि
अभिषिक्त थयेवायुं राज्य युवराज के
समान अभिषिक्त जो ई उमका राज्य.
Kingdom of one who is crown-
ed while he is still an heir-ap-
parent. आया० २, ३, १, ११६;

जुवराय. पुं० (युवराज) युवमान राजपट्टी
राज्यो बहदार वारसदार अभिषिक्तो राज्य;
पाटवी कुमार. वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य
का हकदार-वारस; भविष्य का राजा;
पाटवी कुमार. A crown-prince; an
heir-apparent. उल० १६, २; पञ्च०
१६; विवा० ६; जं० ५० नाया० १२; पि०
नि० ५११;

जुवरायत्ता. स्त्री० (युवराजता) युवराज-
पट्टी. युवराजपता; युवराज पद. Status

of a crown-prince; state of being an heir-apparent. भग० १२, ७;

जुयल. न० (युगल) जेडी. युगल; जोड़ा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११, ११;

जुवलग. पुं० (युगलक) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. निर० ३, ४;

जुवलय. न० (युगलक) जुओ 'जुवल' शब्द. देखो "जुवल" शब्द. Vide "जुवल" सु० च० १, ४७; पञ० २;

जुवलय. त्रि० (युगलित) जेडी रूपे रदेव. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. ओष० भग० १, १;

जुवाण. पुं० (युवक) जुवान-युवावस्थाने प्राप्त थयेत. युवक; युवावस्था का प्राप्त. Youthful; attaining puberty. नाया० १; ३; नाया० ३, १; २; ५, ३; ओष० १००१; अणुजो० १३०; ठा० ५, २; प्रव० ५२०;

जुवाणग. त्रि० (युवक) जुवान: युवक युवक. Young; youthful. सूय० १, ७, १०;

जुवाणय. त्रि० (युवक) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ६, ३३; उवा० ७, २०६;

जुवण. न० (जीवन) युवावस्था. युवावस्था. Youth; puberty. नाया० ६; सु० च० १, ३१८; जं० प० ५, १२३; —**अणुपल**. त्रि० (—अनुपल) युवावस्थाने प्राप्त थयेत. युवावस्था का प्राप्त. attaining puberty; youthful. दसा० १०, ३; —**स्थी** बी० (—जा) युवान स्त्री. युवती. a youthful lady. "सकडवसं सविचारं तरुणविजुवणस्थीणं" तंतु.

जुवणग. न० (जीवनक) युवावस्थापण;

जुवानपणुं. युवावस्था. Youth; young-age. कप्प० ३, २३;

जुवणस्त. न० (जीवनत्व) युवावस्थापणुं. युवावस्था की स्थिति. Condition of youth or puberty. सु० च० १३, २१; **जुसिय**. त्रि० (जुष्ट) प्रसन्न; प्रीत. संतुष्ट; खुश. Pleased; propitiated. "पाण्डव देह लोगा उपगारिसु परिचिण्व जुसिए वा" ठा० ४, ४;

जुहिदिल. पुं० (युधिष्ठिर) दस्तिनापुर नगरना पांडुराज्यना भेड़ा पुर-धर्मराज. दस्तिनापुर के पांडुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Pāṇḍu of Hastināpura. "जुहिदिल पामोक्खा पंचगहं पडवाणं" अत० २, १; नाया० १३;

जूआ-या बी० (यूका) जु: माथाभां थयेत अइ जंतु. जू: निर मे पैदा होनेवाला एक जंतु. A louse. जं० प० २, १६; नंदा० १४; आया० २, १३, १५२; पञ० १, भग० ६, ५; १२, १; प्रव० ४२२; १४४३; (२) यासइ यात्राय अथवा याइ त्रिप्य प्रमाण अइ जंतु. ६४ वालाअ अथवा ८ लिख प्रमाण का एक नाप. a measure of length equal to 64 hair-points or 8 bits. अणुजो० १३४; —**सेजायर**. पुं० (—शय्यातर) जूते स्थान आपनार. जू को स्थान देनेवाला. one who gives a place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय. पुं० (यूय) यज्ञ स्तंभ. यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post. निर० ३, ५; (२) ओ नामनुं पुरयना हाथ अथवा पयनुं लक्षणु. इस नाम का पुरुष के हाथ वा पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं० प० (३) ऐ नामने पश्चिम दिशाने पानाव अवशे. इस नाम का पश्चिम दिशा का पानाल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction. प्रव० १५८६; (४) धोसरी. जुडी. that part of the yoke which rests on the shoulder; a yoke. पण्ड० १. १; —चिह्न. ली० (—चिति) पाननी अन्तर सामग्री ओडती करी ते. यज्ञ में सामग्री एकत्रित करना. collecting together materials required in a sacrifice. ओव०

जुय. न० (घृत्) जुय. Gambling; playing at dice. प्रव० ४३८; (२) १२ इनामनी ओड इना १२ कलशों में से एक कलश. one of the 12 pots. नाया० १; ओव० ४०; काय० ५. ६६; —कर पु० (—कर) जुयारी. जुयारी. a gambler. पण्ड० १. १, ३; —हाय. पु० (—काय) जुयार रमना. जुया खेलने वाला. a gambler. नाया० १८; —खलप. न० (—खलक) जुयार भित्तव. जुय. जुया खेलने का गृह; जुयारना. a gambling house. नाया० २; १८; —चिह्न. ली० (—चिति) जुयार भित्तवो ते. जुया खेलना. gambling; playing at dice. ओव० —रमाय. पु० (—प्रमाद) जुयार रूप प्रमाद. जुयारगी प्रमाद negligence, error in the form of gambling. ठा० ६, १; —पसंगि. वि० (—प्रसंगिन्) जुयारभा आसक्त. जुया में आसक्त. addicted to gambling or playing at dice. नाया० २; —पसंगि. वि० (—प्रसंगिन्). जुयार उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide

above. नाया० १८;

जुयार. न० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम तृतीय दिवसनी संध्या; यंद्र अने संध्यानी प्रभा मिश्रित थाय ते. शुक्ल पक्षके प्रथम ३ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या का प्रभा का मिश्रित होना. Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month. ठा० १०, १;

जुयार. पु० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम तृतीय दिवसनी सन्ध्यानी इला अने सन्ध्यानी प्रकाश मिश्र थाय ते. शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की चन्द्रका कला व संध्या के प्रकाश का मिश्रित होना. Blending of the light of the sunset sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भय० ७, ३; ओव० (२) पश्चिम दिशाने मि नामने पानाव अवशे. पश्चिम दिशा का इस नाम का पानाल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction. सम० ४२; **जुयामाय. न० (यूपमात्र)** जुयार माय. जुयार के प्रमाण का. Merely a house; of the size of a house. "जुयामायमवि लिखामायमवि अभिलिखंता" भग० ६, १०;

✓ **जुय. धा० I. (जृ)** जुरग करी; पश्चात् करी. पश्चात्प करना. To pine away, to repent; to waste away;

जुरा-र-इ. मूय० २, १, ३१; आया० १, २, ५, १२;

जुरति. मूय० २, २, ५५;

जूरामि. सूय० २, १, ३१;

जूरह. सूय० १, ३, ४, ७;

जूरवत्ता. बी० (जूरवत्ता) लूरल्ला इरती;
शुरपुं. झूरना. Pining away; wast-
ing away. सूय० २, ४, ९;

जूरववत्. न० (जूरव) शरीरती शूरुता थाय
ते. शरीर का जाण होना. Wearing
or wasting away of the body.
भग० ३, ३;

जूरिअ. त्रि० (जीर्ण) शूरु थयेव. जीर्ण.
Worn out; decayed; grown old.
अणुजो० १४६;

जूष. पुं० (यूप) यज्ञ स्तंभ. यज्ञ स्तंभ. A
sacrificial post to which the
victim is fastened. निर० ३, ३;
उत्त० १२, ३६; भग० ३, ७; ११, ११;
जं० प० (२) पश्चिम दिशतो पाताल
क्षेत्रो पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a
pot of the nether world in the
western direction. जीवा० ३, ४;
प्रब० १८६६, —त्रिह. बी० (चिति)
लुओ " जूषिह " शब्द. देखो " जूषिह "
शब्द. vide " जूषिह " भाव०

जूषग. पुं० (यूपक) लुओ " जूषग " शब्द.
देखो " जूषग " शब्द. Vide. " जूषग "
छा० १०;

जूषय. पुं० (यूपक) शुद्ध पक्ष्मना प्रथम त्रय
दिवसमां संध्यानी प्रभा अने चंद्रनी प्रभा
ओक थल जाय ते. शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन
में संध्या की प्रभा व चंद्र की प्रभा का एकत्र
होना. Blending together of the
light of the setting sun and
the rising moon on the
first three days of the bright
half of a month. अणुजो० १२७;
छा० ४, २;

जूस. पुं० (यूप) कढ़ी; ओसाभल्ल. कढ़ी.
Soup; broth. ओष० नि० १४७; प्रब०
१४२५;

जूसखा. बी० (ध्वंसना) विनाश. विनाश.
Destruction. कण्य० ६, ५१;

जूसणा. बी० (जोसणा) सेवा; सेवन. सेवन.
Service; worship. छा० ४, ३; ओव०
३४;

जूसिय. त्रि० (जुष्ट) सेवन करेव. सेवन किया
हुआ. Served; worshipped; re-
sorted to. नाया० १; छा० ४, ३;

जूह. पुं० (यूथ) लूथ; टोड; समूह; लूथो.
समूह; कुंड. A crowd; a band; a
herd. नाया० १; ४; पि० नि० ५१६;
उत्त० ११, १६; पण० १, १; सु० च० ६,
२२; विवा० ४; —अहिवह. पुं० (-अधि-
पति) टोडतो रसमी कुंड समूहका स्वामी.
the head of a group or a band.
उत्त० ११, १६; —वह. पुं० (-पति)
टोडतो भासिक-पणी समूह का स्वामी. a
owner of, a lord of crowds; the
leader of a group. नाया० १; सु०
च० ६, २६; पि० नि० ६१७;

जूहिअ-य. न० (यूधिक) लुओना फूल.
जूई का फूल. A jasmine flower.
जं० प०

जूहिया. बी० (यूधिका) लूओ. जूई. A
kind of jasmine राब० ५६; पज०
१; जीवा० ३, ४; —पुड. न० (-पुट)
लुओना पडा. जूई का पुडा. a packet
of jasmine flowers. नाया० १७;
—मंडप. पुं० (-मण्डप) लुओना भांडो.
जूई का मण्डप. a bowl of jas-
mine. राब० १३७; —मंडपग. पुं०
(-मण्डपक) लुओना भांडो. जूई का

मण्डप. a bower of jasmine. जीवा.
३; जं० ५०

जूही. जी० (युषिका) लुधनी वेला. जूई की
वेला. A jasmine creeper. (२)
लुधनुं पुत्र. जूई का फूल. a jasmine
flower. कण० ३, ३७;

जे. अ० (जे) पादपूरण तथा वाक्यालंकारमां
वपरातुं अप्यय. पादपूरण व वाक्यालंकार में
उपयोगी अव्यय. An indeclinable
used expletively. नाया० ६;

जेष्ठ. त्रि० (ज्येष्ठ) ज्येष्ठ; भेदोऽं; प्रथम
उत्पन्न थयेत्. ज्येष्ठ-वडील; प्रथम जो उत्पन्न
हुआ हो वह. Senior; eldest; first-
born. भग० १, १; २, १; ५; ३, १; ५,
१; ७, १०, १६, २; १८, २; नाया० १; ५;
६; सु० च० २, ६६६; जं० ५० सू० ५० १;
राय० २०६; ओव० ३८; विशेष० ६४३;
उवा० १, ६६; ६, १७८; ७, २३०; १०,
२७४; क० ५० १, ३७; ५, ६०; प्रव०
२०६; क० ५० ५, १०३; पंचा० १७, ६;
—पुत्र पुं० (-पुत्र) भेदोऽं पुत्र. जेष्ठ पुत्र.
the eldest son नाया० ५; ८; १२;
१५; १८; —भ्रातृ. पुं० (-भ्रातृ) भेदोऽं
भ्रातृ. जेष्ठ भ्राता; वडील बंधु. the eldest
or senior brother. नाया० १८;
—लादि. त्रि० (-लादि) उत्कृष्ट शक्ति-
वाला. उत्कृष्ट लक्ष्मि युक्त. (one) pos-
sessing good powers क० ५० १७,
२३; —सुहृदा. जी० (-सुहृदा) भेदी
पुत्र. ज्येष्ठ वधु. wife of the eldest
son; senior daughter-in-law.
नाया० ७;

जेष्ठम. त्रि० (ज्येष्ठक) भेदोऽं. ज्येष्ठ-वडील.
Elder or eldest. पंचा० ५, ७;

जेष्ठा. जी० (ज्येष्ठा) भेदी लक्ष्मि. ज्येष्ठ भगिनी.
Elder or eldest sister. नाया० ८;

(२) ज्येष्ठी. जेठानी. wife of hus-
band's elder brother. सम० १;

(३) ज्येष्ठा नामनुं नक्षत्र. ज्येष्ठा नाम का
नक्षत्र. name of a constellation.

अणुजो० १३१; सम० २; ठा० २, ३;

जेष्ठामूल. पुं० (ज्येष्ठामूल) जेष्ठभास; जेष्ठ
महिनी. ज्येष्ठ मास. The month of
Jyestha " सिन्धुकाक्ष समवस्मि जेष्ठा-
मूलस्मि मासस्मि " ओव० ३६; ओष० नि०
२८६; भग० १८, १०; नाया० १; —मास.
पुं० (-मास) जेष्ठभास. ज्येष्ठ मास. the
month of Jyestha. नाया० १३;

जेष्ठामूली. जी० (ज्येष्ठामूली) जेष्ठ महीनानी
पुनम. ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा. The full
-moon day of the month of
Jyestha. जं० ५० ७, १६१;

जेष्ठामेव. अ० (ज्येष्ठमेव-यत्र) ज्येष्ठाने
जिम स्थान पर. Place where. उवा०
१, १०; नाया० १; १६; भग० ५, ७; जं०
५० ३, ४३;

जेष्ठेव. अ० (यत्रैव) ज्येष्ठाने जहाँ
-जिम स्थान में. Where; place
where. ओव० ११; अंत० १, १; नाया०
१, ४; ५; ८; १०; १२; १४; १६; भग० १,
१; २; १; २; ३, १; ५, ४; ७, ६; उवा०
१, १०; ५८; २, ६६; जं० ५० २, ११२;
११४;

✓ जेम. धा० II. (जिम्) जमनुं; भोजन
करनुं. भोजन करना; जीमना. To dine:
to take food.

जेमेह. उत० १७, १६;

जेमिष. भग० ३, १;

जेमण. न० (जेमण) मिष्ट भोजन मिष्ट
भोजन. Sweet food; dinner con-
sisting of sweet or delicious
food. ओष० नि० ८८; उवा० १, ४०; १०,

२७७; प्रब० ४४२;

जेमखण. न० (जिमन) आसक आतांशीमे ते प्रसंगे संस्कार करवाभां आवे ते बालक का अन्न प्रारान संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय० २८८;

जेमाखण. न० (जेमन) भोजन करावतुं ते. भोजन कराना. (Giving food, dinner. भग० ११, ११;

जेमिणि. पुं० (जेमिनि) मीमांसा दर्शनना स्थापक मुनि. मीमांसा दर्शन के स्थापक मुनि. Name of a saint who was the founder of the Mīmāṃsā school of philosophy. नंदी०

जेयार. त्रि० (जेय) जितार. जय करार. जीतने वाला-विजयी. (One) who conquers; a victor. " जेय-तिवा " भग० २०, २; नाया० १; सूय० १, ३, १, १;

जेहिल पुं० (जेहिल) जे नामना वसिष्ठ आत्रमा उत्पन्न ध्येय-आर्यनामना शिष्य धियर मुनि. इस नाम के वशिष्ठ योगोत्पन्न आर्यनाम के शिष्य धियर मुनि. Name of a Sthavira ascetic born in the Vasiṣṭha family-origin and disciple of Āryanaṅga कण० ८;

जोअ. पुं० (योग) संयम व्यापार; क्रिया. संयम व्यापार; क्रिया. ascetic practice viz. contemplation upon the soul; activity of the mind, speech or body. उत्त० २७, २; विशेष० ३४६; प्रब० ८४७; दसा० ९, २६; (२) चंद्रमणि योग. चंद्र का योग. conjunction of the moon with a constellation etc. ओष० ३१; सू० प० १२; (३) योग-मन वचन क्षामने व्यापार. योग-मन

वचन काया का व्यापार. the activity of the mind, speech and body.

नाया० २; भग० १८, ८; प्रब० ७४८;

जोअण. न० (योजन) जेअन; चार गाडि अथवा चार दण्डर गाडि प्रमाण अथवा ४००० कोस प्रमाण क्षेत्र का माप विशेष. A Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी० १०; जं० प० ५, ११२; ६, १२५;

जोइ. पुं० (ज्योतिष) अग्नि; प्रकाश, तेज; ज्योति. अग्नि, प्रकाश, तेज, ज्योति. Fire; light; lustre. दस० २, ६; ८, ६२; भग० ३, १; सूय० १, १६, ८; ओष० नि० ६४२; राय० २५, ६; नंदी० १०; दसा० १०, ३; ठा० ८, ३; भग० ८, ६; (२) ज्ञान अनुवादी. ज्ञानचक्षुयुक्त. possessed of the vision of knowledge. ठा० ६, ३; (३) अद्. नक्षत्र, तारा आदि. ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि. a heavenly body such as a planet, star etc. सम० ३; क० ग० ३, ११; (४) ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शास्त्र. ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शास्त्र. the science of the astronomy or astrology. निसी० ३, ३; (६) नन्दीयानी ज्योति. दीपक की ज्योति. lamp-light. प्रब० २००; (७) त्रि० सत्कार्य करवाथी विनय स्वभाववादी. सत्कार्य करने से उज्ज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. ठा०

४, ३; (८) जेभांथी अग्नि उत्पन्न थाय तेवी जलनां कल्पवृक्ष. उस जाति के कल्पवृक्ष जिनमें से अग्नि उत्पन्न हो. a variety of Kalpavriksha (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव० १०८१; सम० १०; —अंग. पु० (-अंग) जेभां ज्योति-प्रकाश जल्लाय तेवा-कल्प वृक्षनी ओक जल. जिस में ज्योति-प्रकाश द्रष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of Kalpavriksha (desire-yielding tree) emitting light. ठा० १०; तंदु० —ट्टाण. न० (-स्थान) अग्निनु स्थान; अग्निनु ठेकाणुं. अग्नि का स्थान place or abode of fire. “ कंते जाई के य से जोइट्टाण ” उत्त० १२, ४३; —बल. त्रि० (-बल—ज्योतिज्ञान बलं यस्य स तथा) सदाचार वायो; ज्ञान वायो. सदाचारी, ज्ञानी. possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा० ४, ३; —भंड, न० (—भाण्ड) अग्निनु क्षम. अग्नि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. “ जोइमंडोव रागो विव मुहराग विरागाधो ” तंदु०

जोड़. पुं० (योगिन्) योग मतनो अनुयायी; योग दर्शननेवा माननार. योग मत का अनुयायी-योग दर्शन का ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy. ओव० ३८;

जोड़कल. पुं० (ज्योतिष्क) दीपनी ज्योति. दीपक की ज्योति. The light of a lamp. प्रव० २००;

जोड़भूय. त्रि० (ज्योतिर्भूय) ज्योतिर्भूय ध्येय. ज्योतिर्भूय जो है वह. (That

which has) become full of light and illumination. “ कसं समजोइभूय ” विवा० १, ४; सूय० १, १, २, १६;

जोड़य. त्रि० (यौगिक) यौगिक शब्द; जेना प्रकृति प्रत्ययनो अर्थ शब्दमां धटे ते; यौगिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्यय का अर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वह. A word bearing out its etymological sense. परह० २, २; (२) योभवाला. योग वाला. possessed of Yoga. भग० ६, ३३;

जोड़य. त्रि० (योजित) योजित; जेठेय. योजना किया हुआ; जुड़ा हुआ. Joined; united; planned. भक्त० २७, ८; उवा० १७, २०६;

जोड़रस. न० (ज्योतिरस) ओक जलानु रत्न. एक जाति का रत्न. A kind of gem. नाया० १; राय० २६; जीवा० ३, ४; कण० २, २६;

जोड़स. न० (ज्योतिष) ज्योतिष अक्ष. ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies. जे० प० २, ११७; पञ्च० ३; ओव० २५; (२) पुं० ज्योतिष अक्षनी अंदर रयेवा देवा; भूय अंदर वगैरे. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह. any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कण० ३, ३४; उत्त० ३४, ५१; ३६, २०२; विश० ७०१; १८७०; पि० वि० ८७; भग० २, ७; पञ्च० २; (३) ज्योतिष शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. the science of Astronomy. भग० २, १; सु० च० ४, ६; —अंग-विड. त्रि० (-अंगविद्—ज्योतिष ज्योतिष्क

जोहसमंडिउहेसग. पुं० (ज्योतिर्मण्डितोद-
शक) ज्वालिगम सूत्रनो ओ नामनो ओः

being united or joined with.

पञ० १०; नाया० ८;

जोग. पुं० (योग) संयम; मिश्रण; ज्ञेयार्थ.

सम्बन्ध; मिश्रण. Union; contact; combination. विशेष० २; नाया० ११;

वि० नि० ५८; सम० ६; सू० प० ६; पञ० ११; कण्ठ० १, २; (२) अद्रिभा ने नक्षत्रने

संयम. चन्द्र व नक्षत्र का सम्बन्ध. conjunction of the moon with a constellation. नाया० ८; (३)

अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. अप्राप्त वस्तु का प्राप्ति. acquisition of an unac-

quired object जं० प० ७, १२६; १२१; १२२; नाया० ५; (४) युक्ति;

उपाय. युक्ति; उपाय. plan; means to accomplish an object. वि०

नि० ५००; (५) पञ्चव्यास पदना त्रीन पदना पांचव्यास द्वारानु नाम. पञ्चव्यास

सूत्र के तीसरे पद के पांचवें द्वार का नाम. name of the 5th Dvāra of the

third Pada of Pāṇḍarāpā Sūtra. पञ० २; (६) वशीकरण आदि योग. the art of

fascination etc. पण्ड० २, २; निमो० १३, १२; दस० ८, ५१; वि० नि० ६०६;

(७) चित्त की प्रतिक्रिया निरोध. चित्तहास का निरोध control of the vibratory

activity of the mind. उत्त० ८ १४; (८) पदनिरीक्षण जैसे शुभव्यापार-

प्रवृत्ति. पदनिरीक्षण आदि शुभव्यापार-प्रवृत्ति. salutary physical activity

such as Padālekhana (inspection of clothes) etc. उत्त० ८;

१४; (९) मन चयन अर्थात् भावना व्यापार. मन चयन व काया का व्यापार.

vibratory activity of the mind

speech and body. भग० ३, ३; ७,

५; ८, ७; १७; ३; २५, १; २६, १; सूय०

१, १, ४, ६; अष्टांगो २१; क० प० १, ४;

१४; पंचा० १, ४५; २५; प्रव० २६२;

दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १;

उत्त० ३१, २०; सू० प० १; श्रौत० निटी०

६३, १८; २१; नंदो० ११; विशेष० ३५६;

मंथ्या० ३२; (१०) संयम. संयम.

self-restraint. क० गं० १, ५४;

—कलेम. न० (-कलेम) योगात्मक; अप्रा-

प्त की प्राप्ति अर्थात् प्राप्त वस्तु. योगात्मक;

अप्राप्त वस्तु का प्राप्ति व प्राप्त का रक्षण.

acquisition of a desired object

and safe protection of what

is already acquired. नाया० ५;

—आचार. पुं० (-आचार) योगाचार.

योगाचार the conduct of Yoga.

सम० १; —चलणा. स्त्री० (-चलन) मन

चयनादि योगात्मक व्यवस्थितपद्धति. मनचयन

आदि योगोंका चलविचलपना. unsta-

blity of the mind, speech and

body. भग० १७, ३; —जहगु. न०

(-जघन्य) गहन्य योग. जघन्य योग

the lowest, shortest Yoga. क०

प० २, ७५; —जवमज्ज. न० (-जव-

मध्य) अष्ट समयवाला योगस्थानक. आठ

समय वाले योगस्थानक. the Yoga

stages lasting for eight Sama-

yas क० प० २, ७७; —जुंजु. न०

(-योजन) स्वाध्याय आदिमें पारंगत

योगियों के स्वाध्याय आदि में अन्य को

योजना. setting (i. e. helping)

another to study the scriptures

etc. सम० प० १६८; —जुंजु. स्त्री०

(-योजन) जुंजु. उपरोक्त शब्द. देखो

ऊपरका शब्द. vide above भग० २५, ७;

—युक्त. त्रि० (—युक्त) योग-मन वचन
अने कायाता व्यापारथी युक्त-सहित. योग-
मन वचन व कायाके व्यापार से युक्त-सहित.
possessed of the activity of
the mind, speech and body.
प्रब० २७०; —ट्याण. न० (—स्थान—
योगो वीर्यं तस्य स्थानं-योगस्थानम्) योग
वीर्यनु स्थान. योग-वीर्य का स्थान. the
sack or repository of the
seminal fluid or heroic power.
क० प० ७, ४२; क० गं० ५, ६५; —सि-
भोग. पुं० (—निभोग) वशीकरणादि
योगनु ज्ञेयुं ते. वशीकरण आदि योग का
जोड़ना. directing the activity
of mind etc. towards fascina-
tion etc. तंदु० —सिध्वात्ति. स्त्री०
(—निर्हृति) योगनी निष्पत्ति. योग का
निष्पत्ति. accomplishment of Yoga.
भग० १६, ८; —(सा)सुयोग पुं० (—अनुयोग)
वशीकरणादि उपाय अनापत्तः हरमेखलादि
शास्त्र. वशीकरण आदि उपाय बताने वाला
हरमेखलादि शास्त्र A science such
as Haramekhala etc. dealing
with the ways and means of
fascination etc. सम० २६; —नि-
मित्त. त्रि० (—निमित्त) मन वचन
कायाता योगने निमिते ध्येयुं. मन वचन
काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह.
caused by the activities of the
mind, speech and body. भग० ३,
३; —पञ्चकसारु. न० (—प्रवारायान)
योग-मन वचन अने कायाता व्यापार देता
परिहार-त्याग. योग-मन वचन व काया का
व्यापार-बस का परिहार-त्याग. abandon-
ment of, giving up of the ac-
tivities of the mind, speech

and body. उक्त० २६, २; —पडिकमण.
न० (—प्रतिकमण) योग मन वचन अने
कायाता योगनुं प्रतिकमणुं करुं ते. योग-
मन वचन व काया के योग का प्रतिकमण
करना. self-analysis and repentan-
ce for the faults connected with
the activity of the mind, speech
and body. टा० ५, ३; —पडिसं-
ल्लिखिता. स्त्री० (—प्रतिसेल्लिखिता) मन,
वचन अने कायाता वश राखनां ते. मन
वचन व काया को वशीभूत करना. con-
trol over mind, speech and
body. भग० २५, ७; —परिणाम. न०
(—परिणाम) भवना परिणामने अंक
प्रकार. जाँव के परिणाम का एक प्रकार a
kind of thought-activity of a
soul or living being. टा० ८;
—परिव्याहया. स्त्री० (—पारव्याहिका)
समाधिप्राप्त परिवागिज्ञान-सन्वाप्तिनी.
समाधिप्राप्त परिवागिज्ञान-सन्वाप्तिनी. a
man practising Samādhi or
contemplation नाया० ६; —भवि-
यमद. त्रि० (—भविनमति) भवि व्यापार
विशेष भाविन बुद्धिवातु. भवि व्यापार में
विशेष भाविन बुद्धिवाता. one whose
knowledge is especially im-
pressed by religious activities.
पंचा० ३, २५; —मग्ग. पुं० (—मार्ग) अध्यात्म
शास्त्रने मार्ग. अध्यात्म शास्त्रका मार्ग. the
path of philosophy. पंचा० १६, ४२;
—वस. त्रि० (—वश) योगने वश.
योग के आधीन. (one) dependent
on Yoga क० प० ५, ६; —विशुद्ध.
त्रि० (—विशुद्ध) निरवध व्यापार-विशुद्ध
व्यापारवान्. निरवध व्यापार-विशुद्ध व्यापार
वान्. (one) of pure, sinless

activity. "उभयो जोगबिसुद्धा" पंचा० १८, ४८; —वाहि. त्रि० (—वाहिन्) सांख्येक्षाने याद राखनार-भनन करनार. श्रवण किये हुवे को स्मरण में रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard. छ० १०; —संग्रह. पुं० (—संग्रह) मन पयन-कायाना व्यापाररूप प्रशस्त योगनो संग्रह. मन वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संग्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body. सम० ३२; आव० ४, ७; —सुद्धि. स्त्री० (—शुद्धि) योगनी शुद्धि विशुद्धि. योग का शुद्धि-विशुद्धि. purity of the activities of the mind, speech and body. प्रब० १५२४; —संपत्ता. स्त्री० (—संपत्त) योगनी संपत्ता पर सट्टाई. योगकी सम्पदा-व-शिष्ट शक्ति. the special power of the activity of the mind, speech and body. प्रब० १५३; —सत्त्व. न० (—सत्त्व) मन पयन अने कायाना व्यापारने सत्त्व प्रयत्नारवे ते मन वचन व काया के व्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना. directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उल० २६, २; सम० २९, सम० १७, ३; —सत्त्व. न० (—शास्त्र) योगना शास्त्र, अध्यात्म ग्रंथ. योग के शास्त्र; अध्यात्म ग्रंथ. the scriptures dealing with metaphysics. पंचा० ३, २७; —हीन. न० (—हीन) योग-संयम व्यापार हीन. योग-संयम व्यापार हीन. devoid of self-control or asceticism. श्रौ० ४, ७;

जोगमुद्रा. स्त्री० (योगमुद्रा) दाथनी आंग-

लिओ परस्पर अन्तरित करी-संपुट बनावी दक्षिणे भाग उदरपासे राखी बंदनाने पाई उभ्यारता पांचअंग (जे दीयलु, जे दाथ अने मस्तक) नभाइया ते. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तरित करके संपुट बनाकर कुहुना का हिस्सा उदर के निकट रख कर बंदना के पाठ का उच्चार करते हुए पांच अंग (दो घुंटेने, दो हाथ व मस्तक) झुकाना. Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and folding hands leaving some interval amongst the fingers. पंचा० ३, १७; प्रब० ७१;

जोगनिया. स्त्री० (योगनिका—योगिनी सयोगिकेवल्लिनि संक्रममार्गश्रव्यान्तः पर्यन्तो यासां तातथा) जे प्रकृतियांनो तेरमे गुण-ज्ञान अंत आवे छे तेया कर्म प्रकृतियां. जिन प्रकृतियों का नेरहवे गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतियां. Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage. कण० २, ३५;

जोगवंत. त्रि० (जोगवन्) संयम योग युक्त. संयम योग युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. सूत्र० १, २, १, ११; उल० ११, १४;

जोगि. त्रि० (योगिन्) योग सहित; सयोगी. योग सहित; सयोगी. With concentration; an ascetic सम० २; क० मं० ३, १६; क० प० ४, ४; —ज्ञान. न० (—ज्ञान) ज्ञान " जोग्याय " शब्द. देखो " जोग्याय " शब्द. vide "जोग्याय" सम० २;

जोगिय. त्रि० (योगिक) ज्ञान " जोग्य "

शब्द. देखो " जोह्य " शब्द. Vide

" जोह्य " परह. २, २;

जोगग. त्रि० (योग्य) योग्य; धटित; उचित; योग्य; लायक. योग्य; उचित; लायक. Proper; fit; worthy. विशेष. ४; ३३१; ३६०३; ओव० ३१; पि० नि० ८८; राय० २८; निर० ३, १; क० प० ४, ३६; प्रव० ५५२; जं० प० २, ११३;

जोगगया. स्त्री० (योग्यता) योग्यता; लायकता. योग्यता. Worthiness; fitness; propriety. सु० च० १, ३८०; पंचा० ३, ७; पंचा० १८, ४७; ६, १०;

जोगगा. स्त्री० (योग्या) युष्माकार करवा ले. गुणाकरना. Multiplication. भग० ११, ११; ओव० (२) अभ्यास. अभ्यास. study. (३) गर्भ धारण करने के योग्य योनि. a womb fit for conception. तंदु०

जोजित. त्रि० (योजित) जेडेहु; लगाडेहु. जुडाहुया; लगाहुया. Joined; united; attached. पंचा० १६, ७;

जोडिउं. सं० क० अ० (योजिखा) जेडेने. जोडकर. Having joined or united. सु० च० १०, १४६;

जोडिय. त्रि० (योजित) जेडेव. जोडा हुआ. Joined; united. सु० च० ७, ३४;

जोण. पुं० (योन) अनार्य देशभानो ओड. अनार्य देश में का एक. One of the Anārya countries. नाया० १;

जोणअ. पुं० (यौनक) उत्तर भरतभानो ओड देश. उत्तर भरत का एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. जं० प०

जोषि. स्त्री० (योनि) योनि; उत्पत्ति स्थान; स्त्रीना मुख भाग. योनि; उत्पत्ति स्थान; स्त्रीका मुख भाग. The womb; the

origin; the female generative organ. भग० २, ५; ५, ३; ४; ६, ५; १०, १; २०, २; नाया० ७; तंदु० १०; पञ० ६; पि० नि० भा० १३; पि० नि० ५०७; जीवा० ३, ३; आया० १, १, १, ६; उक्त० ३, ५; कण्ठ० २, १८; अणुजो० १७; प्रव० १३७६; (२) पञ्चवक्षु सूत्रना नवमा पदनुं नाम. पञ्चवक्षु सूत्र के नववें पद का नाम. name of the 9th Pada of the Pannavanpū Sūtra. पञ० १; (३) गीतनी ओड भान. गीत की एक जाति. a variety of song. अणुजो० १२८; (४) आधार. आधार a support; a prop. " इहे-गतिया सत्ता पुठवी जोषिमा " स्य० २, ३, १; (५) ओ नामनो लग्न अपर नामधारी देव. इस नाम का भग्न अपर नामधारी देव. name of a god, also styled Bhagga. ठा० २, ३; (६) जेने देवता लग्न ओ ओनुं पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र. जिस का स्वामी भग्न ई देवा पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र. the constellation Pūrvāfālgunī having Bhagga as its lord. ठा० २, ३; (७) करण. कारण. cause; reason. पंचा० ३, २१; —पमुह. त्रि० (-प्रमुख) योनि आदि-पनेरे. योन आदि. a womb etc. विवा० १; —पमुह. त्रि० (-प्रमुख) योनिनुं द्वार. योनिद्वार. a mouth or entrance of the womb. विवा० १; मम० ८६; जीवा० ३; —मुहशिफडिय. त्रि० (-मुखनिष्पत्ति) योनिना मुखभांथी नीडयेव. योनि के मुख में से निकला हुआ. come out of, issued from the mouth of a womb. तंदु० —खडखुलसी. स्त्री० (-खडखुलसीति) योराशी लक्ष योनि. ८४ लक्ष योनि. 84 laos of lives प्रव०

३६; —विहाण. न० (—विधान) येनिना प्रकार. योनि के प्रकार. any of the varieties of a birth. विवा० १; —संग्रह. पुं० (—संग्रह — योनिरूपति हेतुः जीवस्य तथा संग्रहोऽनेकधामेकशब्दाभि-
लाप्यन्व योनिसंग्रहः) येनि-उत्पत्तिस्थानो-
नोने संग्रह. योनि-उत्पत्ति-स्थानों का संग्रह.
the word " birth " taken in
the abstract or collective sense.
भग० ७, ५; टा० ७, १; ८; जीवा० ३;
—समुच्छेय. पुं० (—समुच्छेद) येनिने
नाश. योनिका नाश. destruction of
birth. " एष जांशी जगांश्च दिष्टा
न कपट् जांशिसमुच्छेधो " पद्म० २, ५;
—सूत्र. पुं० (—शूल) येनिने रोग. योनि
रोग. a disease of the womb.
विवा० २; भग० ३, १;

जोषिभूय. वि० (योनीभूत) येनि अवस्थाने
प्राप्त थयेतः (योनि आदि) योनि अवस्थानो
प्राप्त (जात आदि) Developed into
a womb or origin. पद्म० १; भग० २, ४;

जोषिय. वि० (योनिज) येनिमां उत्पन्न थयेत
योनि में उत्पन्न. Born in a womb.
उवा० २, ११६; भग० २६, १; (२) योनि
देशमां उत्पन्न थयेत. योनि देश में उत्पन्न.
produced or born in the coun-
try named Yona. नया० १;

जोषिया. स्त्री० (योनिका) येनि उत्पत्ति
स्थान. योनि-उत्पत्ति स्थान. A womb;
origin. भग० १८, ६;

जोषिया. स्त्री० (योनिका) योनि नामना
अनार्य देशमां जन्म प्राप्ता दासी. योनि नाम के
अनार्य देशमें जन्म प्राप्त दासी. A maid
servant born in the Anārya
country named Yona. श्रौत० ३३;
जं० ५० नया० १; भग० १, ३३;

जोशीपद. न० (योनिपद) येनिना अधिकार
वाचुं पञ्चव्या सूत्रनुं अर्थ ५८. योनि-
अधिकार वाला पञ्चव्या सूत्र का एक पद.
Name of a Pada of Pannavanā
Sūtra dealing with the subject
of birth. भग० १०, २;

जोगहा. स्त्री० (जाम्बुना) चांदनी. काम्बुनी.
चांदनी. Moonlight. नंदा० ६; जीवा०
३ ३; सु० च० २, ३२;

जोति. न० (ज्योतिष) जुआ " जोड़ " शब्द.
देखो " जोड़ " शब्द. Vide " जोड़ "
मूय० १, १२, ८;

जोनिय. वि० (योजन) जंतरेतुं. जोता हुआ.
Yoked to a cart, plough etc.
नया० ३;

जोतिरस. पुं० (ज्योतिरस) ज्योतिरस काण्ड;
अष्टादशो नामो व्यास ज्योतिरस काण्ड;
खर काण्ड का १७वां भाग. Jyotirasa
Kāṇḍa i. e. the 9th division
of Khara Kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जोतिस्. न० (ज्योतिष) ज्योतिष शास्त्र.
ज्योतिष शास्त्र. Astronomy and
astrology; the science of the
course of the heavenly bodies.
श्रौत० ३८;

जोतिमिय. पुं० (ज्योतिषिक) जुआ " जोड़-
पिय " शब्द देखो " जोड़मिय " शब्द.
Vide " जोड़मिय " राय० ३७;

जोतिसिंह. पुं० (ज्योतिरिच्छ) कल्पवृक्षकी
अर्ध मात्र के रंभांथी युगलीयाने सूर्य जेवे।
प्रकाश भये छे. कल्पवृक्ष की एक जाति कि
जिस में से युगलियों की सूर्य समान प्रकाश
मिलता है. A species of Kalpa
Vriksha (desire-yielding tree)
from which the Jugaliyas get
light like that of the sun.

जीवा० ३, ३;

जोस. न० (योक्त्र) जेत०. जोत. A rope by which animal is tied to the pole of a carriage; halter.

“सुकिरण तवणिज जोसकलियं” पर० २,

५; उवा० ७, २०६; सूय० २, २, १८; दसा० ६, ४;

वव० १०, १; जं० प० ७, १६६;

✓ जोय. धा० I, II. (युज्) जेतुं; योजयुं जेत०. जोडना; योजना; जोतना. To join; to unite; to yoke.

जोयति. जं० प० ७, १५१;

जोयह. ओव० ३०; उत्त० २७, ३; सम० ६; नाया० १७;

जोयति. सू० प० १०; नाया० ८; जं० प०

जोयति. ७, १५६;

जोयजा. वि० विश० ६, १२; पि० नि० ७६;

जोयति. जं० प० ७, १५१;

जोयता. नाया० १५; १७;

जोयमाय. जं० प० ७, १५१;

जोयवेह. नाया० १५;

जोयवेता. नाया० १७;

✓ जोय. धा० I, II. (जोत) प्रकाश करे. प्रकाश करना To shine; to emit light.

जोयति. जीवा० ३, ४;

✓ जोय. धा० I. (युज्) जेतुं; जेतुं; प्रकाशयुं. प्रकाशित होना; चमकना. To shine; to emit light.

जोयति. सम० ४२;

जोयसु. भू० जं० प० ७, १२६;

✓ जोय. धा० I. (दृश्) जेतुं; देखुं. देखना. To see; to perceive.

जोयह. सु० च० १५, १००;

जोयजत. सु० च० २, ३६५;

जोय. न० (योक्त्र) जेत०; जेत०. जोत. The rope by which an animal

is tied to the pole of a carriage.

जोयग. न० (योतक) योतक ५६; ५, ५२, विगेरे उपसर्ग. योतक पद; प्र, पर, इत्यादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc. modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed. विश० १००३;

जोयण. न० (योजन) यार गडि: यार गडि प्रमाणे क्षेत्र. चार कोस; चार कोस के प्रमाण का क्षेत्र. A Yojana (8 miles); area covering eight miles. जं० प० ५, ११२; ११५; १, १२; सम० १; उत्त० ३६, ५७; ओव० ३४; अणुत्रो० १३६; नाया० ५; सू० प० १८; पंचा० १, १८; १५, ८०; प्रव० ८६६; कप० २, १६; भग० २, १; ६, ७; १५, १; १६, ८; ३६, १; नाया० १; ८; १६; विश० ३८१; ३६६८; राय० २६; मु० च० ३, ७०; ओव० ६२; उवा० १, ८३; ८, २४३; (२) जेतुं ते. जोडना. joining; uniting. पर० १, १; —निहारि. त्रि० (-निहारि) यार गडिमां विस्तार पामना. चार कोस में विस्तृत. extending, stretching over 8 miles. “जोयण निहारिणा सरेण” सम० ३६; —परिमंडल. त्रि० (-परिमण्डल-योजन योजनप्रमाण परिमण्डलं गुणप्रधानोऽयं निर्देशः परिमाणद्वयं यस्य स योजनपरिमण्डलः) अथ योजन प्रमाणे मंडल-वर्तुल. एक योजन के प्रमाण का मण्डल-वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles.) ‘जोयणपरिमंडल’ सुस्तरं वंदे” राय० —परमाणु. न० (-प्रमाण) योजन-

आर गाडप्रमाण'. योजन-चार कोस प्रमाण.
measure of a Yojana (8 miles).

भग० ६, ७; जं० प० २, १६०; —मिस्त.

त्रि० (—मात्र) आर गाडिमात्र; वेदजन

प्रमाण. केवल चारकोस; जंजन प्रमाण.

measuring 8 miles only. प्रव० ४४८;

—विचिद्वज. त्रि० (—विस्तारण) वेदजनना

विस्तारवाधु. योजन के विस्तार वाला.

extending 8 miles. प्रव० १०३२;

—वेला. स्त्री० (—वेला) ओ३ योजन यात्रना

वेदलो पथन वागे वेदलो. एक यांजन चलने

में जितना समय लगता है उतना. the

time required in walking one

Yojana (8 miles) मिमा० १८, १२;

—सयविचिद्वज त्रि० (—शतविस्तारण) ओ३

से वेदजनमां विस्तार पथेन. एक सौ यांजन

में विस्तृत. extended as far as

one hundred Yojanas. प्रव० १४६०;

—सयसहस्र. न० (—शतसहस्र) ओ३

शाय वेदजन. एक लक्ष यांजन. hundred

thousand Yojanas (8 miles).

भग० ३, ७; —सहस्र. न० (—सहस्र)

ओ३ द्वापर वेदजन. एक हजार यांजन. एक

सहस्र यांजन. 1000 Yojanas जं० प०

६; क० गं० ४, ७६;

जोषण. न० (—यौवन) युवावस्था. युवार्त.

युवावस्था. Youth; puberty. जीरा०

३, ३; नाया० १६; राय० ८०;

जोषण. न० (—यौवनक) युवन पथ

युवकत्व; युवावस्था. Youth; puberty.

विवा० १; नाया० १;

जोषण. न० (—यौवन) यवन; युवावस्था.

यौवन; युवावस्था. Youth; puberty.

पक्ष० ३६; निर० ३, ४; ओव० २२; मृग०

१, ३, ४, १४; आया० १, २, १, ६५;

नाया० १, ३; ८; १४; १९; मृ० प० २०;

भग० ११, ११; भस० १२६; —गुण.

पुं० (—गुण) युवावस्थाना गुण. युवावस्थाके

गुण any of the characteristic

qualities of puberty. नाया० १;

—हाण. न० (—स्थान) युवावस्थानुं

स्थान. युवावस्था का स्थान. condition,

stage, of puberty. भग० १२, ६;

—स्थ. त्रि० (—स्थ) युवावस्था वाडो.

युवावस्था वाला; युवक. in the prime

of life; attaining puberty. भग०

६, ३३;

जोषण. न० (—यौवनक) युवावस्था. युवा-

वस्था. Youth; puberty. नाया० १;

१३; १४; भग० १५, १; का० १, ६;

जोषणिया. त्रि० (—यौवनिका) युवावस्था.

युवावस्था. Youth. राय०

१. जोस. धा० १. (—जुर्) शैत्युं कर्तुं;

सुखावयुं दायनश कर्तुं. शोषण करना;

मुक्तानां क्षय-नाश करना. To dry up;

to destroy.

जोसइ. आया० १, ३, २, ११२;

जोसयंत. त्रि० (—जुयन्) सेवा कर्तुं. सेवन

करना हुआ. Serving; rendering

service. आया० १, ६, ४, १८८;

जोसणा. स्त्री० (—जोषणः) प्रीति. प्रीति. Af-

fection; love. (२) सेवा. सेवा.

service; devotion to. ओव० सम०

जोसिया-या. स्त्री० (—जोषिन्) स्त्री. स्त्री.

A woman. तंदु०

जोसिय. त्रि० (—जुष्ट) सेवेत. सेवन किया

हुआ. Accepted; resorted to;

served. मृग० १, २, ३, २;

जोह. पुं० (—योध) योद्धा; लडैयो; सुभट.

योद्धा; सुभट; सैनिक. A warrior; a

combatant. ओव० १३; दत्ता० १०, १;

मृग० १, ६, २२; जीरा० ३, ४; नाया० ८;

जं० प० भग० ७, ६; प्रव० १२४०; — हाण.
न० (—स्थान) लडावतुं स्थान. युद्ध स्थान.
a battle-field. ठा० १; — बल. न०
(—बल) थोडावतुं अथ. सैनिक का बल.
strength, might of a comba-
tant. विवा० ३;

जोहार. पुं० (योध) थोडा; युद्ध करनेवाला.
योद्धा; युद्ध करने वाला. A warrior; a
combatant. नाया० १; भग० ३, २; मृग०
२, ३, २५;

जोहार. पुं० (*) सत्कार करने के लिये हाथ
देना के साथसाथ में बैठने के लिये हाथ
लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना.
shaking of hands or embracing
each other as a sign of hos-
pitality. प्रव० ४४१;

जोहि. वि० (योधिन्) युद्ध करनेवाला. युद्ध
करने वाला. A warrior; a comba-
tant. श्रव० ४०;

जोहिया. स्त्री० (योधिका) अँधेरा धो; अँधेरा
लानेवाली प्राणी. घोररा; एक प्रकार का विषाला-
प्राणी. A kind of poisonous
reptile. जीवा० १, २;

जोहुत्त. न० (योधत्त्व) थोडावतुं शूरवीर-
पणुं शूरवीरता; वीरत्व. Warlike qua-
lity; valour. नाया० १६;

✓ जल. धा० I. (जल्) जलने; प्रकाशित होने.
जलना; प्रकाशित होना. To burn; to
shine.

जसह. अणुजो० १३१;

जलंति. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;
नाया० १७; उवा० १, ६६;

जखे. वि० दस० १०, १, २;

जखंत. नाया० १; २; ५; भग० २, १; ६,
४; १६, ६; कण्ठ० ३, ४२; ४६;
श्रव० १३; १०; नाया० ध० ४, ६०;
४, ११६; उत्त० ११, २४; १६, ४६;
अणुजो० १६; नंदी० १३; विवा०
१; ७; दसा० ७, १;

जलमाण. पि० नि० ६५६;

जलावण. क० वा० वि० दस० १०, १, २;

✓ उक्ता. धा० I. (ध्वे) ध्यान धरने; स्मरण
करने. ध्यान धरना; स्मरण करना. To
meditate upon; to recollect.
कौशह. आया० १, ६, ४, १२; उत्त० १८, २;

कौशह. आया० १, ६, ४, १२; उत्त० १८, २;

कौशह. वि० उत्त० १, १०,

कौशह. वि० सु० च० ४, २६२;

कौशह. व० क० नाया० ६;

कौशह. व० क० पि० नि० ६३१; सु० च०

६, २२;

✓ उक्ताम. धा० I. (ध्मा) धमने; धुंका; धौकना.
धौकना. To blow, e. g. a bellows.
(२) आदने, जलाना to burn.

कौशह. नाया० १; भग० १२, १; मय० २, २, ४६;

कौशह. जं० प० २, ३३;

कौशह. वि० दसा० ७, १;

कौशह. प्रे० मृग० २, २, ४४;

कौशह. व० क० मृग० २, २, ४४;

कौशह. क० वा० राय० २६६;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

भ.

भंज. पुं० (*) बारं बार ओलनुं; जंभना करवी. बार बार बोलना; भारी लालसा करना. To speak frequently; to long ardently. पि० नि० २८६;

भग. पुं० (भग्न) धंघ; कलह; टटो. कलह; फिसाद; भगडा. Quarrel, contest; turmoil. ओव० १६; (२) भेद. भेद. difference; division; altercation. पण० २, ३;

भंभा. स्त्री० (भंका) व्याकुलता; विवदलता. व्याकुलता; विवदलता. Distraction; agitation. आया० १, ३, ३, १२०; (२) कलह; झट्टा; तोड़ना. कलह; भगडा; नाफान. quarrel; strife; disturbance. मृ० २, १, ४१; —**कर. पुं०** (-कर) जंथी संप्रदायभां भेद पंडे तेरी अटपट करनेतार; असमाधिनुं उटनुं व्यावह संप्रदाय. जिंगमे संप्रदाय मे भेद पंडे ऐसी सटपट करने वाला; असमाधि के उद्वेग स्थान को गवन करने वाला. a person who resorts to the 18th cause or source of Asmādhī (lack of mind-control) i. e. causes divisions in a sect by intrigues सम० २०; —**वाय. पुं०** (-वात) वर्षा सहित निपूर वायु वर्षा सहित तेज वायु. violent wind accompanied with rain. पण० १;

भंषिता. सं० कृ० अ० (जहियुवा) अनिष्ट पयन ओझीने. अनिष्ट बचन बोलकर. Having spoken harsh words.

सम० ३०;

भगि. अ० (भगिति) शीघ्र; जलदी; शीघ्र; सखर. Quickly; at once. भग० ३, २, **भक्ति. अ०** (कटिति) जुओ " भगि " शब्द. देखो " भगि " शब्द. Vide " भगि " भग० ३, २; सु० च० ३, ७४; —**वेग. (-वेग)** शीघ्र वेग. शीघ्र वेग. Rapid, quick movement; rapid progress. नाया० १६;

भज (य). पुं० (ध्वज) ध्वज; पताका. ध्वज; पताका A flag; a banner. भग० ७, ६; ११, ११; राय० ४०; १२३; विवा० ७; ओव० १०; ज० प० ४, ७४; —**राग. न०** (-अग्र) ध्वजतार यग्रभाग. ध्वज का अग्रभाग. the fore-part of a flag or banner. नाया० ८; —**दंड. त्रि०** (-दंड) ध्वजतार दंड. ध्वज का दंड. flag-staff. नाया० ६;

भया. स्त्री० (ध्वजा) ध्वज. ध्वजा. A flag; a banner. ज० प० ४, ७४; जावा० ३, २; नाया० १; ६; (२) ओह स्वप्नभांनुं आइमुं स्वप्न ध्वजतार के जे तीर्थकर यद्वर्तिनी भानाते गर्भाधान समये जेवभां आवे छे. सोदह स्वप्न मे मे आठवां ध्वजा का स्वप्न कि जो तीर्थकर चक्रवर्ति की माता का गर्भाधानके समय देखनेमे आता है. the 8th of the 14 dreams which a Tirthāṅkara or Chakravartī's mother witnesses during her pregnancy; (in this dream she sees a flag). नाया० ८;

* जुओ १४ नम्बर १५ नी धूतोड (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

✓ भर. धा० I. (भर) अ२पुं; उपरधी
सरधुं-पधुं. भरना; ऊपरसे गिरना. To
drop down; to fall in drops.

भरइ. सु० च० २, ४८७;

भरति. पि० नि० ८४;

भरग. पुं० (*) स्मरत्युत्तरना२. स्मरण करने
वाला. (One) who remembers.
नंदा० स्य० २८;

✓ भल्लहल. धा० I. (ज्वल) सधपुं.
जलना. To burn; to be kindled.

भल्लहलइ. सु० च० ८, २१२;

भल्लरी. स्त्री० (भल्लरी) आ२र. झालर. A
fringe. जीवा० ३, १; निसी० १७.
३३; ठा० ७, १; आ० ३१; राय०
८८; क० ५, १०१; (२) भालरी; अ३
भानुं वाजि०. एक प्रकार का वाजिन्त्र;
खंजरी. a kind of musical instru-
ment played with the hand.
असुडा० १२८; भग० ५, ४; पञ० ३३;
प्रव० १५००; (३) दड्डा; अ३पुं; अ३
आ३रे न्येतिपुं अवधितान छे. वाद्यविशेष
कि जिसके आकारका ज्योतिषाका अवधि ज्ञान
होता है. a sort of musical instru-
ment narrow in the middle part
and flat and round at the two
ends with leather fastened on
to them; (the Avadhijāna of
astrologers bears this shape).
विशे० ७०६; (४) छमछमीयां; आ३र.
झांफ. a sort of musical appa-
ratus consisting of two met-
talic dishes which when
struck together make a jingling

sound. आया० २, ११, १६८; —संहा-
णाट्टिय. त्रि० (—संस्थानस्थित) आ३रेने
आ३रे रहे३. झालर के आकार के
समान रहा हुआ. of the shape of a
fringe. प्रव० १५००; —संठिय. त्रि०
(—संस्थित —अख्योपेक्षावत्त्वान्महा विस्तार
त्वाच्च तिर्यग्लोकचित्रांशोको भल्लरीसंस्थितः)
आ३रेने संस्थाने-आ३रे रहे३. झालर की
आकृति में रहा हुआ. of the shape of
a fringe. भग० ११, १०;

भल्लिय. त्रि० (क्षपित) निर्भूत धरे३;
अपानी नभे३. निर्मुक्त कियाहुआ; जड़
से हटा दियाहुआ. Destroyed; eradi-
cated. उत्त० १८, ५;

भल्ल पुं० (भल्ल) भा३पुं. मच्छा. A
fish. विशे० ५६६; १८५४; जीवा० १;
जं० १० नाया० ६; अ० १०; उत्त० २२;
६; प्रव० १५६; (२) नली भा३ली.
छांटी मच्छा. small fish. परह० १, १;

भलाइ त्रि० (ध्यायिन्) ध्यानकरना२; ध्यान
वाले; स्तुतिवाले. ध्यान करनेवाला; ध्यान
वाला; स्तुतिवाला. (One) who
meditates upon; (one) who
praises or extols. आ० ५ नि० ६;
आया० १, ६, ४, ३;

भलाण. न० (ध्यान-ध्यायने चिन्तनेऽनेन)
धर्मध्यान धमेरे; अ३पुं १२ नपने अ३
अ३र. धर्मध्यान बगैरह; अ३पुं १२ तप का
एक प्रकार. A kind of inner aust-
erity such as religious medit-
ation etc. नाया० १, १६; भग० ८,
७; १८, १०; २५, ७; उवा० २, ६६;
प्रव० २७२; भल्ल० १६०; (३)

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

वेल्डी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. आया० २, १, ८, ४५;

क्रिमिया. स्त्री० (*) जडता; शरीरता अवयवों जड हो जाते; सोलरोगोंमें से एक रोग. जडता; शरीर के अवयवों का अकड़ जाना; १६ रोगों में से १ रोग. One of the 16 diseases viz. paralysis of the limbs of the body. आया० १, ६, १, १०२;

✓ क्रिया. धा I. (ध्ये) ध्यान धरनुं; चिंतन करनुं. ध्यान धरना; चिंतन करना. To contemplate: to meditate upon. क्रियाइ. सुय० १, ६, १६; भग० ३, ३; नाया० १: १६; उवा० १, ७७;

क्रियाइ. नाया० १; ३: ६; १४;

क्रियायंति. जं० प० ३, ४६;

क्रियायंति. सुय० १, ११, १६; नाया० १६;

क्रियायांस. नाया० १;

क्रियामि. नाया० १: ८: १६;

क्रियाए. वि० भग० २, १०;

क्रियाहि. नाया० १६;

क्रियाइह. नाया० १: ८;

क्रियाइता. सं० कृ० भग० ३, २;

✓ क्रिया. धा० I. (घ्या) जलनुं; दीप्त थनुं. जलना; दीप्त होना. To burn: to be ignited. (२) बुझानुं. बुझाना. to extinguish.

क्रियाएज. भग० ५, ७;

क्रियाएजा. भग० १४, ५; वेद्य० २, ६;

क्रियायमाख. नाया० १; १४; १६; भग०

२, १; ३, २; ८, ६; दमा० १०,

३; ५, २४;

क्रिमिया. स्त्री० (क्रिमिका) त्रय इन्द्रिय वाला ज्यन्ती एक जंत. तीन इन्द्रिय वाला एक जीव. A kind of three-sensed living being. पञ्च० १;

क्रिजी. स्त्री० (क्रिजिका) ओ नामनी काष्ठ वनस्पति. इस नाम का कोई वनस्पति. Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

क्रीण. वि० (क्रीण) क्षय पावेन; नष्ट थयेनुं. क्षयको प्राप्त; नष्ट. Destroyed; wasted away; consumed जीव० ३६;

भुंक्ति. पुं० (बुभुक्ति) दुखाथी पीड़ित; बुभुके. दुखा से पीड़ित; भूखा. Hungry; troubled by hunger. भग० १६, ८;

भुंक्ति वि० (बुभुक्ति) दुखातुर; बुभुके; दुर्बल. दुखातुर; भूखा; दुर्बल. Hungry; weak on account of hunger. नाया० १;

भुक्ति. स्त्री० (भुक्ति) आवाज. आवाज. Sound. क० गं० १, ५१;

✓ कुर. धा० I. (कुर) रुदना; रुदन करना. To cry; to weep; to pine away. कुरति. दमा० ६, १; ८;

कुरण. पुं० (कुरण) रुदनुं; पश्चात्ताप करना; कुरना. To pine away; to repent. दमा० ६, १;

कुसदाह पुं० (कुसदाह) जमाने आगवाण स्थान भस्म का जलानेका स्थान. The place for burning chaff or husk. निती० ३, ६५;

कुसिर. वि० (कुसिर) छिद्रवाणु; पोखुं. छिद्र वाला; पोखना. Having leaks or

* बुभुके पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

holes; hollow. (२) न० छिद्र; पोल. छेद, पोलाई. hole hollowness. परह० १, २; सू० प० १, ६; निरी० १७, ३६; दस० ४, १, ६६; ज० प० उवा० २, ६४; नाया० ८; गच्छा० ८८; (३) वांसली आदि सज्जिद्र वाजिन्त्र. वांसुरी आदि सज्जिद्र वाजिन्त्र. a musical instrument with holes e. g. a flute etc. जीवा० ३, ४; राय० ६५; (३) आकाश. आकाश. sky. भग० २०, २; (४) वांसली आदि सज्जिद्र वाजिन्त्रे शब्द. वांसुरी आदि सज्जिद्र वाजिन्त्रे का आवाज. sound of a flute etc. भग० ५, ४; (५) खुली जमीन. खुली जमीन. open space. नाया० १; — गोलसंस्थित. त्रि० (—गोलसंस्थित) आली गोले के आकार में स्थित. of the shape of a hollow globe. भग० ११, १०;

✓ भूस. धा० II. (जुष्) सेवतु; असेवतु. सेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षय करवे; दृश्य करतु. क्षय करना; कृश करना. to destroy; to reduce.

भूसेइ. नाया० ४०

भूसोत. भग० १०, ४;

भूसिता. भग० ३, १; नाया० १; उवा० १, ८६;

भूसत्ता. नाया० ४०

भूसणा. स्त्री० (जोषणा) कर्मोत्त क्षय करवे. कर्मों का क्षय करना. Act of destroying Karmas. भग० २, १; नाया० १; (२) सेवा करवी; असेव्य करतु. सेवा करना; ग्रहण करना. act of worshipping; act of accepting. नाया० १; ठा० २, २;

भूसिअ-य. त्रि० (जुष्ट) क्षीय करेल; शोषवेल. क्षीय किया हुआ; शोषण किया हुआ. Dried up; enfeebled; sucked up. उवा० ८, २६२; जीवा० ३, १; भग० २, १; (२) सेवा करेल; आराधेल. सेवन किया हुआ; आराधन किया हुआ. worshipped; served. नाया० १; ठा० २, २;

भूसित. पुं० (जुष्ट) सेवेतु. सेवित. Worshipped; served. (२) कर्मोत्त क्षय करेल. कर्मों का क्षय किया हुआ. (one) who has destroyed the Karmas. भग० २, १;

भोड. पुं० (*) जाडमांथी पत्रादिनुं अंभेरतुं. वृक्ष में से पत्रादिक नांच गिराना. Felling of leaves etc. from a tree. (२) पत्र रहित वृक्ष. पत्रों से रहित वृक्ष. a bare tree. नाया० ११;

भोडण. न० (*) वृक्षादिने अंभेरतुं; इत्यादिने पाडतुं वृक्षादिक को खंखरना; फलादिकों को गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. परह० १, १.

✓ भोम्स. धा० II. (णि जुष्) क्षय थवे क्षय होना, करना. To waste away; to be destroyed; (२) सेवतु. सेवन करना. to resort to; to serve.

भोमेइ. भग० १८, २;

भोमित्ता. सं० कृ० भग० १८, २; नाया० १४; १६;

भोसमाण. व० कृ० सु० न० १, ३८४; आया० १, ६, २, १८६;

भोसणा. स्त्री० (जोषणा) सेवन. सेवन. Act

* भुम्भो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide footnote (*) p. 15th.

of resorting to; serving. सम० ७;
मोसिय. वि० (जुष्ट) अपावेक्ष; क्षय करेक्ष.

क्षय किया हुआ. Destroyed; caused
to waste away. आया० १, ५; ३, १२१;

ट.

टंक. पुं० (टङ्क) जेना कंक्षी तुटीगया होय तेजुं
तणीव. जिसका किनारा टूट गया हो वैसा
तलाव. A pond or a lake with
its embankments broken. नंदी०
४७; (२) पर्वतनी टोय-टुड. पर्वत का
सिरा-शिखर. the summit of a
mountain. अणुजो० १३४; (३) ओड
तरङ्गी तुटेल पर्वत. एक तरफ से टूटा हुआ
पर्वत. a mountain broken on one
side. नाया० १; भग० २, ७; पक्ष० २;
(४) न० जपेजुं ताळुं, सिक्का; जप. सिक्का
ठप्पा दिया हुआ सिक्का. a coin; a
stamped coin. पंचा० ३, ३२;

टंकण. पुं० (टङ्कण) पर्वतवासी म्लेच्छनी ओड
गत. म्लेच्छ की एक जाति; पर्वत का
आश्रय करने वाली एक म्लेच्छ जाति.
A race of barbarians living in
hilly districts. सूय० १, ३, ३, १८;
विशे० १४४४; (२) टंकणु नामनो देश.
टंकण नाम का देश. a country of
that name. भग० ३, २;

टकारवर्गपविभक्ति. पुं० न० (टकारवर्ग-
प्रविभक्ति) टकार वर्गना आकार विशेषधी
युक्त; ३२ प्रकारना नाटकमनो ओड प्रकार.
टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त; ३२
प्रकार के नाटक म से एक. Bearing
the shape of any of the letters
of the lingual class; one of the

32 varieties of dramas. राय० ३४;
टाल. न० (टाल) जेभां गोदली डे हडिया
अंधाया न होय तेजुं डड. जिस फल में गुठली
न बनी हो वह फल. A fruit with
its stone unformed. आया० २, ४,
२, १३८; दस० ७, ३२;

✓टिट्टियाव. धा० II. (*) अपजयीने
शब्द करवो. खडखडाकर शब्द करना. To
make a sound by shaking an
object close to an ear.

टिट्टियावेह. नाया० ३;

टिट्टियाविम्वि. जं० प० ५, ११८;

टिट्टियाविजमाख. नाया० ३;

टिट्टिमी. स्त्री० (टिट्टिमी) टिट्टोडी; अधेभाये
लटकनार ओड पक्षीनी गत. टिट्टोडी; नाच
की ओर सिरकरके लटक ने वाला एक पक्षी.
A kind of birds hanging head
downwards, from trees. विवा० ३;
—अंडअ. न० (—अण्डक) टिट्टोडीना अंड.
टिट्टोडी-पक्षीविशेष का अण्ड. an egg of
a kind of bird. विवा० ३;

टोपिआ. पुं० (*) पावडी; टोपी.
पगडा; टोपी. A turban; a cap. मु०
च० १५, १३५;

टोल. पुं० (* शखम) पतंगीआ. Moth.
भग० ७, ६; (२) नीड. टिङ्गा; ताड.
Locust. प्रव० १५०; —गति. स्त्री०
(—गति) पतंगीआना जेनी गति. पत-

* जुओ पुष्ट नम्बर १२ नी फुटनोट (*) देखो दृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) P. 15th.

गिया की सी गति. Gait like that of a moth. भग० ७, ६;

टोलगइ. क्रा० (टोलगति) टोल-तीनी पेटे कुदतो कुदतो वंदन करे ते; वंदनाना अनीश दोषभानो पांयभो दोष. अंखफुडव जैसे कुदते हुए वंदना करने वाला; वन्दना के ३२ दोषों में से ५ वां दोष. One of the 32 faults of salutation to a Guru viz. hopping in the act like a grasshopper. प्रव० १५०;

✓ दठव. धा० I, II. (स्था + णि) स्थापयुं; स्थापना करनी. स्थापना; स्थापना करना. To fix; to place; to set.

ठवइ. जं० प० ५, ११७;

ठवेइ. जं० प० ५, ११७; वेय० १, ३७; ओव० ३२; निसी० ४, ३०; राय० ७३; नाया० १; ७; ७; १६; नाया० ४० भग० ७, ६; २५, १७; उवा० १, ६८; ६, १६४;

ठवंति. ओव० ३३;

ठविति. जं० प० ५, ११७;

ठवंति. जं० प० ५, ११७; २, ३३;

ठववंति. सूय० २, ७, १०;

ठवेमि. नाया० १२;

ठावज्ज. वि० उत्त० १, ६;

ठवेहि. आ० पञ्च० १.

ठवसु आ० सु० च० ४, १३६;

ठावत्तु सं० कृ० उत्त० ६, २;

ठविता. सं० कृ० जं० प० ५, ११७; ११४; नाया० ५; वव० ८, ५; वेय० २, १२; उवा० १, ६६; वव० २, १;

ठवेत्ता. नाया० १; १; १६; नाया० ४० भग० ७, ६;

ठावेज्जइ. क० वा० नंदी० ४६; अणुनो० १०; पि० नि० ५०६;

ठावेज्जंति. सु० च० २, ११९;

ठवेउं. गच्छा० २०;

✓ हा. धा० I. (स्था) ठिआ रहेवुं; स्थिर थयुं. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी० ४६;

ठाइ. भग० ५, ६; ७, ६; विशेष० ४७०; ६०४;

ठाइऊण. सं० कृ० जं० प० ३, ४६;

ठाइत्तए. हे० कृ० वेय० १, १६; आया० १, ६, २, १५;

ठाइत्ता. भग० १८, ३;

ठिआ. सं० कृ० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६;

६, ३१; ३३; १०, १; ११, १०;

१५, १; १६, ८; १८, १०; राय०

२४१; नाया० ३; १४; निसी० ५, १;

पञ्च० १७; वेय० ५, २२; उत्त० ३, १७;

✓ हा धा० I, II. (स्था) ठिआ रहेवुं; स्थिर थयुं. खडा रहना; स्थिर रहना. To stand; to be steady.

ठावेइ प्रे० भग० ६, ६; ११, ११; नाया० ६; ७; १६; दस० ६, ४, २;

ठावयइ. प्रे० " ठिआ परं ठावयइ परंपि " दस० १०, १, २०;

ठावइति. प्रे० ओव० २७;

ठावेंति. प्रे० विवा० ४; भग० १८, २;

ठावेमि. प्रे० नाया० ६; ८; भग० १३, ६; १६, ५; १८, २;

ठावेमो. प्रे० नाया० १६;

ठावेहि. आ० नाया० १२;

ठावेह. आ० नाया० ८; भग० १८, २;

ठावइस्सामि. प्रे० दस० ६, ४, २;

ठाविता. सं० कृ० ठा० ३, १; भग० ३, १; नाया० १६;

ठावेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; ७; ८; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० ६, ३२; भग० ९, ३३; ११, ११; १८, २;

ठावेंति. व० कृ० सु० च० ३, ८७;

ठावेज्जंति. क० वा० सम० ३;

ठ.

ठहस. त्रि० (स्थापित) साधु आवशे त्पारे आपथुं ऐम धारी स्थापी राभेसुं; साधुये टागवा योअ इवला नामना दोष वाणुं. साधु आवेंगे तब देंगे ऐसा सोच कर रखला हुआ; साधु को टालने योग्य ठक्का नामक दोष वाला. Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; (this sort of food etc. is to be avoided by a Sādhu). ओव० ४;

ठहय. त्रि० (स्थगित) ढाँकेसुं. ढाँका हुआ; Covered. " पिहियंतु फल्लादक्का ठहय " पंचा० १३, २७;

ठंडिल. न० (स्थंडिल) थंडिल-दिशाये ज्वानी भूमि. थंडिल-तट्टी जानें का भूमि. A ground for answering a call of nature on. नाया० १३;

ठडगिय. त्रि० () ठेकरायेडा; इयायेडा. ठगाया हुआ; धोका खाया हुआ. Deceived; cheated. सु० च० ४, २८८;

ठप्प. त्रि० (स्थाप्य) स्थापना योग्य; ओड आणु मुडीदेवा योग्य. स्थापने योग्य; एक तरफ रखने योग्य. Worthy of being fixed or kept in some place. पि० नि० २१८; अणुजो० ७२; १३८; अग० १५, १; (२) व्यवहार करवा योग्य नहीं; असंव्यवहार्य; दोषिना व्यवहारमा अनुपयोगी. व्यवहार करने में अयोग्य; असंव्यवहार्य; लोगों के व्यवहार में अनुपयोगी. unworthy of practical purposes. अणुजो० ३;

ठक्क. पुं० (स्थापक) स्थापन करनार. स्थापन करने वाला. (One) who fixes, sets or places. नाया० १८;

ठक्का. न० (स्थापन) स्थापन करेसुं; भुकेसुं. स्थापन करना; रखना. Setting; placing; fixing. पि० नि० भा० २४; —कुल. न० (-कुल) बीक्षायरने भाटे आहारादिक थापी भुके तेसुं कुल. भिक्षावर के लिये आहारादिक रख छोडे वह. reserving food etc. for Sādhus begging alms. निसी० ४, २८; —जिण. पुं० (-जिन) केअ वस्तुमां जिननी इइयना करवी ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना. imagining Jina in any particular object. प्रव० ८७; —पु-रिस. पुं० (-पुरुष) पुराणी स्थापना. पुरुष की स्थापना. setting or establishment by or of a person. डा० ३, १; —जोण. पुं० (-लोक) वैद राजजोडनी स्थापना. चौदह राजलोक की स्थापना. establishment of the 14 Rājālokas. डा० ३, २;

ठक्का बी० (स्थापना) अणुवासी के निश्चय वस्तुमां तेना जेवा आकारवासी जीअ वस्तुनी इइयना करवी ते; स्थापना निश्चये. जीववासी या निर्जीव वस्तु में उनके जैसा भिन्न आकार वाली अन्य वस्तु की कल्पना करना; स्थापना निश्चय. Imagining of one thing in another; animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

be another thing; Sthāpauā Nikṣepa. पञ्च० ११; विशेष० २६; ४४; पि० नि० ५; अणुजो० ८; पञ्चा० २, १०; (२) साधुने भाटे अभुङ्क कालपर्यन्त स्थापनीने शिष्ये आहारादि आपवायी लागते अक्षेप; १५ उद्गमनमानो ५ मो दोष. साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोड़ा हुआ आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष; १६ उद्गमनों में से ५ वां दोष. the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time. प्रव० ४७२; पञ्चा० १३, ४; पि० नि० ६८; (३) धारणा अक्षेप नाम. धारणा का एक नाम. another name for Dhāraṇā. नंदो० ३३; —अशंतय. त्रि० (-अनन्तक) स्थापनायी अनन्त छोड़ा नहि आवे ते स्थापना से अनन्त-अनन्त नहीं आता वह. endless in the matter of Sthāpanā. डा० ४, ३; —अणुपूर्वी. जी० (-अनुपूर्वी) स्थापित्री -क्षेपित्री अनुपूर्वी अनुक्रम. स्थापन कल्पित अनुपूर्वी-अनुक्रम. imagined serial order; imagined graded order. अणुजो० ७१; —(शि) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र) भोज्य पच्य परतुमा इन्द्रो क्षपता करी ते. किसी भोज्य वस्तु में इन्द्र की कल्पना करना. imagining a particular object to be Indra. डा० ३, १; विशेष० ४३; —कर्म न० (-कर्मन्) परमतनु उत्थापन करी परमतनु स्थापन करतु ते अन्य मत का उत्थापन कर स्वमत का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. डा०

४, ३; —करण. न० (-करण) हातरज तलवार वगैरे करतुनो लाकडा के पत्थर वगैरेमां करेयो आकार. दरता, तलवार आदि हथियार का लकड़ या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशेष० ३३०२;

ठवाणिञ्ज. त्रि० (स्थापनीय) स्थापना योग्य; अक्षेप आणु भूकी देता योग्य. स्थापित कर रखने के योग्य; एक ओर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. अणुजो० २; वव० २, १;

ठविश्च-य. त्रि० (स्थापित) साधु साध्वीने भाटे स्थापी शिष्य (आहार वगैरे). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; e. g. food etc. पण्ड० २, ६; दस० ६, १, ६५; वव० १, १६; नाया० १, २; भग० ५, ६;

ठविष्य त्रि० (स्थपितक) जुओ "ठविष्" शब्द देखा " ठविष् " शब्द. Vide " ठविष् " प्रव० १०६; —भोगिन्. त्रि० (-भोगिन्) सधुने भाटे स्थापी शिष्य देता तेने आगवतारः स्थापना दोष भेयनार (सधु). साध के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे भोगनेवाला; स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु). (one) who enjoys food etc. specially reserved for a Sādhu and thus incurring the fault known as Sthāpanā. प्रव० १०६;

ठविष्या. जी० (स्थापिता) भक्षेय प्रायश्चित्त स्थापी भुङ्के ते; आचार्यादिकनी वेदावस्थामां व्याधात परे तेथी करवानुं प्रायश्चित्त वर्त-

मानमां न कर्ता आगत उपर करवानुं
राप्ते ते. मित्रा हुआ प्रायश्चित्त स्थापन कर
रखना; आचार्यादिक की वेदावस्था में व्याघात
पडे इसलिये करनेका प्रायश्चित्त वर्तमान में
न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोड़ना.
Act of reserving an expiatory
austerity for a future date in
order to avoid disturbance in
the service of a Guru etc. छ०
५, २;

ठाह. त्रि० (स्थायिन) स्थायी; स्थिर रहनेवाला.
स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला.
Standing; stationary. क० प० ४, २३;
ठाहयव्व. त्रि० (स्थापितव्य) स्थापना योग्य;
स्थापयुं. स्थापन करना; स्थापने योग्य.
Act of fixing or establishing;
worthy of being fixed or esta-
blished. वव० ६, ४१;

ठाह. न० (स्थान) स्थान; ठेकायुं; जग्या;
भवन. स्थान; ठिकाना; स्थल; मकान. A
place; a house; an abode. भग०
१, १; २, ७; ३, ४; ६, ६; ११, ६; १३,
४; १४, १०; १६, ५; २४, १२; २५, ८;
नाया० १; ८; १६; दम० ५, १, १६; ६, ७;
६, २, १०; निमी० ५, २; १३, १; ओव०
१०; सम० १; १०; राय० २३; वव० ७, ३;
पि० नि० भा० ४०; नदी० ११; उत० ५, २;
आया० २, २, १६३; सु० च० ४, ६१;
प्रव० ६८१; कप्प० २, १५; गच्छा० १२५;
क० प० १, ३१; (२) कडिसग्ग; कथाने
जरीपल्लु छत्रावनी नहीं ते. काउमग्ग; काया
को जरा भी न दिताना. giving up
attachment to the body and
practising self-contemplation.
जं० प० ५, ११५; ओव० १६; सूय० १, २,
२, १२; नाया० १६; नाया० च० सम० ५०

१६८; वेय० १, १६; (३) लेस्या के अध्-
वसायेतुं स्थान. लेस्या या अध्ववसायो का
स्थान. an abode or source of
matter or thought-tint or of
thought activity. उत० ३४, २;
भग० ४, १०; (४) कार्य. कार्य. an act;
a deed. भग० ८, ६; (५) स्थिति
करती ते; अधर्मास्तिकायं लक्षणं. स्थिति
करना; अधर्मास्तिकाय का लक्षण. act
of remaining stationary; the
characteristic (fulcrum of rest)
of Adharmastikāya उत० २८,
६; (६) आङ्गानुं स्थान. अङ्ग का
स्थान. the place of figure. अणुजो०
१४५; (७) उत्पत्तिस्थान; उत्पत्त्यानुं
ठेकायुं. उत्पत्तिस्थान; उत्पत्ति होनेका ठिकाना.
source of birth; origin. अणुजो०
१२८; (८) अवकाश-भूमिप्रदेश. अवकाश-
भूमिप्रदेश. space of land; ground.
नाया० २; (९) शरीरेने अमुक स्थितिमां
राप्पयुं ते. आसन. शरीर को अमुक स्थिति
में रखना; आसन. a particular pos-
ture of the body. कप्प० ६, ५२;
उत० ३०, २६; (१०) पञ्चवक्का श्रीम
पदं नाम. पञ्चवक्का के द्वितीय पद का नाम.
name of the second Pada of
Pannavapā. पञ्च० १; (११) त्रीनुं
अंगसूत्र के जेमां अेकथी दश प्रकारनी
वस्तुमेतनुं वस्तुनि छे. तीमरा अंगसूत्र कि
जिममें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का
वर्णन है the third Aṅga Sūtra
containing an account of sub-
stances ranging from 1 to 10
kinds. नदी० ४४; अणुजो० ४२; सम० १;
(१२) स्थिति परिणाम. स्थिति परिणाम.
state of being motionless पि०

नि० ४४०; विशेष० ४४७; (१३, स्थान-स्थितिश्च युज्ये. स्थान-स्थितिरूप गुण. the quality of being stationary. ठा० २, १; (१४) योग-मन, वचन, काया व्यापारना स्थानक. योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक. an abode or source of the activity of the mind, speech or body. क०प० १, ५; (१५) उभा रहेतुं ते. खड़ा रहना. act of standing. प्रव० ४२२; —अंतर. न० (-अंतर) स्थानान्तर; योगना ओक स्थानथी थीजुं स्थान. स्थानान्तर; योग के एक स्थान से दूसरा स्थान. another place; change of stage e. g. from one sort of activity to another. क०प० १, ४८; —उक्कडियासणिया. स्त्री० (-उक्कटि-कार्यावका) उक्कडि आसने आसन २ स्त्री. उक्कडि आसन में बैठनेवाली स्त्री. a female sitting in a knee-chest posture. वेय० ५, २४; —उक्कुडुअ. पुं० स्त्री० (-उक्कुडुक) ध्यानाभ्यासरीने उक्कुडि आसने उल्लापडिये ऐननान. कार्योत्सर्ग करेक उक्कुडि आसनमे उभखडिये बैठनेवाला. one who sits on his legs after performing Karyotsarga (meditation upon the soul). नाया० १; वेय० ५, २४; पचह० २, १; भग० २, १; —क्रम. पुं० (-क्रम) स्थान योगादि स्थानकने अनुक्रम. स्थान योगादि स्थानकका अनुक्रम. a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc. क०प० ४, २६; —गुण. पुं० (-गुण-स्थाने स्थितिगुणः कार्य यस्य सः) अधर्मास्ति ३५; स्थितिमां सदाप द्रवतानो जेतो गुणं छे ते.

अधर्मास्तिकाय; स्थिति में सहाय करने का जिस का गुण है वह. one that has the property of helping stationary condition; Adharmāstikāya; fulcrum of rest. भग० २, १०; —ट्टाहस्ता. स्त्री० (-स्थाविता) ओक स्थाने उभा रहेतुं ते. एक स्थान पर खड़े रहना. act of remaining stationary. प्रव० ४६१; —नवग. न० (-नवक) नव गुणस्थान. नौ गुणस्थान. nine Guṇasthānas (stages of spiritual development). “नियमा ठाखनवगामि भव-खिजं” क० प० ७, ५; —ठिअ-य. त्रि० (स्थित) संयमना स्थानकने विशेष स्थिति आमेव. संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-प्राप्त. (one) who has reached the stage of asceticism. सूय० १, २, १, १३; जं० प० ७, १८१; —पडिमा. स्त्री० (-प्रातमा) स्थानकी प्रतिमा; आसन के आउसगसंयथी अभिग्रह विशेष. स्थान की प्रतिमा; आसन या काउसग के संबंध में अभिग्रह विशेष. a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul). ठा० ४, ३; —भट्ट. पुं० (-भट्ट) स्थानथी-संयम स्थानकथी अष्ट-पदेके. स्थान में संयम-स्थानक में अष्ट-गिरा हुआ. degraded, fallen down from asceticism. नाया० ६; —म-गगणा. स्त्री० (-मार्गणा-सृज्यते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) स्थानकी मार्गणा; अतएव स्थान की मार्गणा; अतएव the search for a way; descending of incarnation. जं० १; —लक्खण. त्रि० (-लक्खण) स्थिति लक्ष्य युक्त (अधर्मास्ति ३५).

स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्तिकाय). with the characteristic of Adhar-māstikāya (fulcrum of rest). भग० १३; ४; — विणिओग. पुं० (-विनियोग-स्थाने विनियोगः) ईक ठेकाओ जेऽपुं; योगपुं. योग्य स्थान में जोड़ना; योजना करना. apt or proper application; proper use. विशेष० ३३२; — समवायधर. पुं० (-समवायधर) आध्यांग अने समवायांग सूत्रनो धरलार-अधुन०. ठाणांग और समवायांग सूत्र को धारण करने वाला-जानने-वाला. one who knows the two Sūtras viz. Thānāṅga and Samvāyāṅga. वव० १०, १६;

ठाणुओ. अ० (स्थानतः) ओक ठेकाओथी. एक ठिकाने से. From one place. सू० १, १, २, १;

ठाणुपद. न० (स्थानपद-स्थानस्य पदम्) प्रज्ञापना सूत्रना द्वितीय पदपुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के द्वितीय पद का नाम. Name of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० २, ७; १७, ४; ३४, १;

ठाणुइय. त्रि० (स्थानायत) कार्योत्तिर्ग, आउ-सगने आसने ओइय. कार्योत्तिर्ग-काउसगनेक आसन से बैठा हुआ. (One) seated in the Kāusagga (meditative) posture. वेय० ४, २३; ठा० ४, १; भग० २५, ७;

ठाणुव्व. त्रि० (स्थातव्य) स्थिर रेहेपुं. स्थिर रहना. Remaining stationary; state of being at rest. प्रव० १५८१;

ठावअ. पुं० (स्थापक) पक्षने स्थापन करे-वार हेतु. पक्ष को स्थापन करने वाला हेतु. A logical reason which establishes one's own tenet.

ठा० ४, ३;

ठावइत्तार. त्रि० (स्थापयितृ) स्थापनार. स्थापन करने वाला. (One) who places or establishes. दसा० ४, ७६; ठावण. न० (स्थापन) स्थापन करेपुं ते. स्थापन करना. Act of placing or establishing. पंचा० ६, ३;

ठाविय. त्रि० (स्थापित) स्थापन करेअ. स्थापन किया हुआ. Placed; established. सम० ३४;

ठावेंयव्व. त्रि० (स्थापयितव्य) स्थापन करेवा योग्य. स्थापन करने योग्य. Worthy of being established; fit to be placed or established. भग० ८, १०; १२, ७;

ठिअ-य. त्रि० (स्थित) स्थिर रेहेअ; व्य-स्थित करेअ; ठिअुं राओअ. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ; खड़ा किया हुआ. Steady; kept in order; kept standing. भग० ६, ३३; १४, ३; १७, २; २५, २; नाया० १६; ओव० २०; २६; उत्त० ३२, १७; दस० ६, ४, २; १०, १, २०; विशेष० ४; ८४१; दसा० ४, १८; वव० ३, १३; पिं० नि० भा० ३२; सु० च० १, ३८; क० ग० १, ११; प्रव० २६३; कप० २, १३१; प्रव० ४६१; — कण्ठ पुं० (-कण्ठ) भरत अने भरतन क्षेत्रमां पड़ेअ अने छेदना तीर्थकरना शासनना साधुओने माटे नियत करेअ आचार व्यवस्था मर्यादा. भरत और इरवत क्षेत्र में प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के शासन के माधुओ के लिये नियत की हुई आचार व्यवस्था-मर्यादा. the course of conduct proscribed for Sādhus of the cult of the first and last Tīrthaṅkaras of Bharata and

Iravati Ksetras. भग० २२, ६; ७; विशेष० १२६६; पंचा० १७, २; प्रव० १८; २६६; —प्या. पुं० (—आत्मन्) जेतुं मन धर्मभां स्थिर होय ते. जिस का मन धर्म में स्थिर हो वह. one whose mind is steady in the matter of religion. दस० ६, २०; १०, १, १७; (२) मोक्षमार्गभां रक्षेत् आत्मा. मोक्ष मार्ग में रही हुई आत्मा. a soul steady in the path of salvation. आया० १, ६, ४; १६४.

उडि. श्री० (स्थिति) आयुष्यमानः ७४४
 ३३. आयुष्यमानः जीवन काल. Period
 of life: life time. नंद० १३६;
 भग० १, १; ४; २, १; ३, २; ६, ४; १५,
 १; २४, १२; ३६, २; नाया० २; ८;
 ६; १६; १६; नाया० ४० २; जीवा०
 १; जं० ५० ओव० ३८, पञ्च० ८; अणुजो०
 १६०; क०प० २, १४०; उवा० २, १२४;
 (२) पञ्चपुत्रा न्याया पदनु नाम. पञ्चवणा
 के चौथे पदका नाम name of the
 4th Padu of Pannavapa. पञ्च० १,
 (३) जन्मपरणीयादि कर्मनी स्थिति-अव-
 स्थान ३३. जानावरणीयादि कर्म की स्थिति:
 अवस्थान काल. the duration of
 Karma such as Jīrnāvaranīya
 etc क० सं० १, २; ५, ६६; सम० ८;
 भग० २, १; नाया० १; वि० नि० ६६, उत्त०
 ३६, २; (४) निश्चयः स्थिर ययुं.
 बैठना; स्थिर होना. remaining
 steady; act of sitting. पञ्च० २३;
 नाया० १; वि० नि० २६; सु० च० २, ३६३;
 —कंडह (—काण्डक) कर्मनी स्थिति
 यडो सभूय. कर्म के स्थिति खंडा का
 समूह a collection of the various
 durations of Karma क०प० २, १३;

३६; —कडम. न० (—कर्मन्) स्थिति रूपे
 यथायेन कर्म; कर्मनी स्थिति. स्थिति रूप
 से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. dura-
 tion of Karma. ठा० ४, ४; (२)
 स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. स्थिति कर्म;
 जन्म संस्कार. Karma causing
 birth in a particular con-
 dition. नाया० १६; —कल्याण. त्रि०
 (—कल्याण-स्थितिः) अयस्त्रिंशत्सामरोपम-
 लक्षण कल्याणं येषांतेः) उड्याणु० ५ उड्युष्ट-
 भां उड्युष्ट स्थिति यात्रा. स्थिति कल्याण;
 उड्युष्ट में उड्युष्ट स्थिति वाला possessed
 of the highest duration. मन०
 ८००; जं० ५० २, ३१; —काल. पुं०
 (—काल) स्थिति-कर्म स्थितिनी उद्धारणनी
 ३३ य० ५१. स्थिति कर्म स्थिति की उद्धारणा
 का काल-समय. time of forcing up
 or hastening the maturity
 of Karma. क० ५०४, ४२; —कल्प. पुं०
 (—कल्प) स्थितिने. क्षय; आयुष्यनी
 खममि स्थिति का क्षय; आयुष्य की समाप्ति.
 end of life-period; end of
 fixed duration. नाया० १; ८; १६;
 १६, भग० २, १; ६, ३३; २५, ८; क०प०
 १, २; क० १०६, ६; —खंड. पुं० (—खंड)
 कर्मनी स्थितिने अ० उड्युष्ट कर्म की
 स्थिति के खंड टुकड़े. a division or
 detachment of the duration
 of Karma. क०प० २, ६२; —हाण. न०
 (—हान) कर्मस्थितिने स्थानक. कर्म स्थिति
 के स्थानक. different conditions of
 Karma. क०प० १, ६४; —नामनिह-
 ताड. न० (—नामनिधत्तायुः) गति गति
 आदि नाम कर्मनी प्रकृतिनी स्थितिने अनु-
 सार आयुकर्मनी अध धाय ते. गति जाति
 आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

आयुर्कर्म का बंध होना. the formation of Āyukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati, Jāti etc. भग० ६, ७; —निसेग. पुं० (—निषेक) कर्मनी स्थितिमां कर्मना दलिया नाभवा ते. कर्म की स्थिति में कर्मों के समूह को डालना. incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क० प० २, ७५; ६, १५; —पडिहाअ. पुं० (—प्रतिघात) उच्च स्थितिना नाश थाय ते. उच्च स्थिति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. ठा० ५, १; —भेअ. पुं० (—भेद) स्थितिना भेद-प्रकार. स्थिति के भेद-प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क० गं० ५, ६६; —रस. पुं० (—रस) कर्मनी स्थिति अने रस. कर्म की स्थिति और रस the duration and intensity of Karma. क० प० ३, १०; —रसघाय. पुं० (—रसघात) कर्मनी स्थिति अने रसनी घात करी ते. कर्म का स्थिति और रस का घात करना. destruction of the duration and intensity of Karma. क० प० ५, १२; —विसेम पुं० (—विशेष) कर्मनी स्थिति विशेष; विशेष प्रकारनी स्थिति. कर्मकी स्थिति विशेष; विशेष प्रकार की स्थिति. a particular duration of Karma. क० प० ३, ४; क० गं० १, ८०; —संकम. पुं० (—संकम) कर्मनी अने स्थिति अंगवानी होय तेमां ओछ स्थिति नाभवी ते. कर्म की एक स्थिति भोगने हुए उसमें दूसरी स्थिति डालना. mixing up the

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. क० प० २, २८; ४, ३२; —संतडाण. न० (—सत्स्थान) कर्म संबंधी स्थितिना स्थानक. कर्म संबंधी स्थिति के स्थानक. the source which determine the duration of Karmas. क० प० ७, २०;

टिहपद. न० (स्थितिपद) प्रज्ञापना सूत्रना अतुर्थ पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के चतुर्थ पद का नाम. Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ११, ११;

टिहबंध. पुं० (स्थितिवन्ध—अध्यवसाय-विशेषगृहीतस्य कर्मदलिकस्य स्थितिःकाल-नियमनम्) कर्मनी स्थितिना अन्ध; कर्मनुं अवमान. कर्म की स्थिति का बन्ध; कर्म का कालमान. Duration of the attachment of Karmic matter to the soul. क० गं० ४, ८५; ५, २१; ६५; क० प० ५, १२; ठा० ४, २; —अध्यवसाय. पुं० (—अध्यवसाय) स्थिति अन्धना हेतु-भूत अध्यवसायो. स्थिति बंध के हेतुभूत अध्यवसाय. thought-activity causing Karmic matter to remain attached to the soul for a certain fixed duration. क० गं० ४, ८५; ५, ६५; —द्राण. न० (—स्थान) स्थिति अन्धना स्थानक. स्थिति बंध के स्थानक. a source of or cause of the duration of Karma. क० प० १, ५२;

टिहडिया. जी० (स्थितिवर्तिता-स्थितौ कु-लस्य मर्षादायां पतिता पुत्रवन्मादिक्रिया) कुल या मोक्षनी स्थिति; मर्षादा; कुलनी पर-भरायी आसी आयती जन्म भक्षोत्सवादि

किया. कुल वा लोककी स्थिति; मर्यादा; कुल परंपरासे चली आती जन्म महोत्सवादि किया. A practice handed down from one generation to another e.g. celebrating the birth of a son. ओव० ४०; नाय० १; १४; भग० ११, ११; राय० २८६; कण० ४, १०१:

डिश्य. त्रि० (स्थितिक) उभुं रदेतुं; स्थिर थयेतुं. खड़ा रहा हुआ. स्थिर. Become steady; standing. उवा० १, ७४, ओव० ३३; (२) स्थितिवासे. स्थितिवाला. steady; standing. भग० ६, ३३; १२, २;

डिश्वा. स्त्री० (स्थितिका) स्थिति. स्थिति. Condition; state; state of last- ing. उवा० ७, २०८; भग० १४, ६;

डिन त्रि० (स्थित) यिनभां स्थिर रदेतुं. चित्त में स्थिर रहा हुआ. Steadily remaining in the mind अगुजा० १३;

डिनि. पुं० (स्थिति) गतिनो अभाव गति का अभाव. Absence of motion. जीवा० ३, ४; (२) स्थिति: आयुष्यकाल. existence; duration of life. भग० २०, १; २४; २०; जे० १० जीवा० १; राय० २९३; मू० १० १८; (३) मर्यादा मर्यादा. limit. पंचा० २, २८; --नामनिहसाउय. पुं० (नामनिधना युक्त) अेक प्रमाणो आयुक्रमो अन्य. नरकादि अर गति अेकैन्द्रियादि पांच गति अगे अवसादनादिषु जे नामकर्मनी प्रकृति तनी साथे आयुक्रमनु निधन थयु. नरकादि ४ गति एकैन्द्रियादि पांच जाति और अवगाहनादि कर जो नामकर्म का प्रकृति उसके साथ आयु- कर्म का निधन होना. determination of Āyukarma in relation to

the various kinds of Nāma- karma such as the four Gatis e. g. hell etc., the five Jātis e. g. possession of one-sense etc.; a sort of Karmic bond- age in relation to the dura- tion of life. पञ० ६; —भेअ. पुं० (-भेद) कर्मनी जे स्थिति अधिक होय तेमां अध्यवसायादि अक्षी न्यूनाधिकता करी ते. कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अव्यवसायादि बल से न्यूनाधिकता करना. act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc. अंत० ३, ८; —वडिया. स्त्री० (-वनिता) दुवकमागत; दुवमां आवेरी स्थिति प्रमाप्ति: अन्मोत्सवादि किया. कुल- कमागत; कुल में आई हुई स्थितिके अनुसार जन्मोत्सवाद किया. traditionally handed down from one gene- ration to another in a family. नर० १, १; —साहण. न० (-साधन) स्थिति-आचर मर्यादा साथी पनवरी-शरीरवाते. स्थिति-आचार मर्यादा की साधना कर दिखाना. act of point- ing out rules of conduct by practising them पंचा० २, २८;

डितिय पुं (स्थितिक) उभो रदेतार. खड़ा रहने वाला. One who stands. भग० २४, २०; (२) त्रि० स्थितिवासे. स्थिति वाला. standing; steady; lasting. डा० १, १;

डिय. त्रि० (स्थित) रदेत. रहा हुआ. Re- maining, posted; standing. प्रव० ७८२;

ड.

डंड. पुं० (दण्ड) दंड. दंड; दंडा. A thick short stick. पञ्च० २;

डंडि. पुं० (दण्डिन्) दण्डधारी. दण्डधारी; दण्डको धारण करने वाला. (One) with a stick in his hand. श्रौव० ६१;

डंडिलंड पुं० (दण्डिलण्ड) टुकड़ा टुकड़ा सीचीने जोड़ेल वस्त्र. टुकड़े टुकड़े साँकर जोड़ा हुआ वस्त्र. A garment made up of fragments stitched together. पण्ड० १, ३;

डंभण. न० (दंभन) दंभकारी प्रीतिने भ्रम ते. दंभ करके औरों को ठगना. Act of deceiving another by hypocritical show. प्रब० ११५;

✓ डंस. घा० I. (दण) डंसनुं; डंसनुं. काटना; डंक मारना. To bite; to sting. बसह. उत्त० २७, ४; सु० च० १, ३५५; बंसावेह. सु० च० १३, ५५;

डंसण. न० (दंशन) डंसनुं; डंसनुं. डंक मारना; काटना. Act of biting. वि० नि० ३५८;

डङ्क. न० (दण्ड) जंगम सर्पादिनुं जेर. जंगम सर्पादिका विष. Poisonous effect due to serpent bite etc. टा० ६, १; (२) त्रि० डंक दियेन. डंक दिया हुआ. bitten; stung. पण्ड० १, १; २, ५;

डङ्का. स्त्री० (दङ्का) शिवनुं वाणुं; डमङ्क. शिव का वाजिंत्र; डमरु. A sort of small hand drum of the god Siva. सु० च० १३, ४६;

डङ्कलग. पुं० (*) नाना नाना पथन; डङ्कल. छोटे छोटे पथर; कंकर. Small

stones; a pebble. वि० नि० भा० १५;

डङ्कड. त्रि० (दण्ड) अली भयेनुं; डरभ थयेनुं. जला हुआ; भस्मित. Burnt to ashes; burnt. सु० च० ४, २२२;

डमर. पुं० (डमर) जे राजपेना के राजकुमार- राना परपर विरोधपी दतो उपद्रव. दो राज्यों अथवा राजकुमारों के परस्पर विरोध से होता हुआ उपद्रव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family. जीवा० ३, ३;

भग० ३, ७; निरी० १२, ३३; पण्ड० १, २; जं० प० १, १; श्रौव० ३१; सूय० २, १, १३; (२) दुष्टतः; तोड़ान; अलवो. दुस्साड; बखेडा. rebellion; commotion; riot.

अन्या २, ११; १००; उत्त० ११, १३; प्रब० ४५०; —कर. त्रि० (—कर) अलवो डरनार; तोड़ान डरनार. बलवा करने वाला; नुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. श्रौव० ३१;

डमठय. न० (डमरु) डमरु नामने वाजिंत्र. डमरु नाम का वाजिंत्र. A kind of drum. निरी० १०, ३३;

✓ डह. घा० I, II. (दह) अजनुं; अजनुं. जलना; दग्ध होना. To burn; to get burnt.

डहह. विवा० ७;

डहेह. नाया० २;

डहिहेजा. वि० दम० ९, १, ७; उत्त० १२, २८; जं० प० अणुजो० १३६;

डहह. आ० सूय० २, १, १७; सु० च० १०, ११८;

* लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

o. g. of fruit. आया० २, ७, २, १६०;
छडाला. स्त्री० (*) शाखा; अश्व. शाखा;
डाली. A branch of a tree; an
offshoot of a tree. सु० च० ६, ३०;
डाह. पुं० (दाह) अत्रयुं; दाजयुं. जलना;
दग्ध होना. Act of burning; act
of catching fire. पि० नि० ५७०;

डिंडिम. न० (-डिंडिम) यात्र विशेष; नानो
देव. वाद्य विशेष. A kind of drum.
राय० ८८; जीवा० ३, १;

डिंडिमय. पुं० (डिंडिमक) छोड़ने से भयाने,
ना-पे देव. बालकों को खेले का छोटा
डोल. A small drum used as a
toy by children. मय० १, ४, २, १४;

डिंभ. पुं० (डिम्ब) उपद्रव; अत्रयो. उद्रव;
बलवा. Trouble; rebellion. (२)
दरदर; विद्रु. विद्रु; तुफान. obstruc-
tion; riot. जीवा० ३, ३; ओव० मय०
२, १, १३; आया० २, ११, १७०; भग०
३, ७, निर्मा० १२, ३३; ज० प० १, १०;

डिंभ. पुं० (डिंभ) आश्रय. बालक. A
child. ओघ० नि० भा० २०७; रि० नि०
२१०;

डिंभय. पुं० (डिंभक) अश्व. बालक.
A child. अ० ६, १२; निर० ३, ५;
नाया० २; २; १८;

डिंभिया. स्त्री० (डिंभिका) अश्व. अश्व.
बालिका; कन्या. A young girl. नाया०
१८;

* डुंगर. पुं० (*) दुग्धर; पर्वत. पर्वत;
पहाड़ी. A mountain; a hill. ज० प०

* डुंवर. पुं० (*) भाल. भाल. An
elephant-driver. पि० नि० ३८७;

(२) यांजल (भेद-१२). चांजल (महेतर).
a person belonging to the
untouchable class. सु० च० ८, ८२;
डुह. त्रि० (दुष्ट) दुष्ट; दुर्जन. दुष्ट; दुर्जन.
Wicked; bad; evil. दसा० ४, ८४;
दूतिपलासअ. पुं० (दूतिपलास) दूतिपलास
नामे उद्यान. दूतिपलास नाम का उद्यान. A
garden named Dūtipalāśa. दसा०
५, ६;

* डेवण. न० (*) उल्लंघन; ओल्लंघन.
उल्लंघन; उल्लंघना. Act of transgress-
ing or going beyond; crossing.
ओघ० नि० ३९; गच्छा० ८२;

डेवमाण. त्रि० (*) अतिक्रमण करने.
अतिक्रमण करना हुआ. (One) who
transgresses, crosses or goes
beyond. भग० १३, ६;

* डोअ. पुं० (*) दादानी. आदनी;
लकड़ी का चाट; दाल खावटी हिलाने का काम
में आने वाली वस्तु का नाम. A sort of
ladle used for stirring broth
etc. पि० नि० २५०;

डोंगर. पुं० (पुंगा; शिलावृन्दा आरवृन्दाश्च
सन्ति यत्र) पर्वत; आरवे से रूपायु स्थान.
पर्वत; चारों के रहने का स्थान. A mount-
ain; a place or abode of
thieves. " पञ्चगिरिडोंगर दण्डकभट्टि-
मादीण " भग० ७, ६; —डोंब. पुं० (डोंब)
देश. देश. डोंब देश. Domba country.
(२) त्रि० देश. देश. डोंब देश
निवासी. an inhabitant of the
country called Domba. पण्ड० १,
१; पञ्च० १;

डोंबिलग. त्रि० (डोम्बिलक) अभिव्यक्ति
निवासी. डोंबिल देश निवासी. An in-
habitant of the country called
Dombila. पण० १, १; पञ० १;

डोडिणी. स्त्री० (*) आभयु; आभयु
जतिनी स्त्री. ब्राह्मण जाति की स्त्री. A
female Brāhmana; a female
of the Brāhmana caste. अणुत्रा०
४; ६६;

डोल. पुं० (*) महुआ का फल. महुआ का
फल. A fruit of a Mahua tree.
“ विगर्हो सेमाणं डोलाहं न विगर्हो ”
प्र० २२०;

डोहल. न० (दोहल) तृतीया महिना दूरभ्यान्
गर्भवती स्त्रीने गर्भना श्रवना
आदि अनुसार जुदी जुदी छच्छा
थाय ते; दोहलो. तीसरे महिने के दूरभ्यान्
गर्भवती स्त्री को गर्भ के जीव के भावी के
अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A
variety of desires experienced
by a woman in the third
month of her pregnancy,
these desires foreshadowing
the future of the child in
the womb. नाया० १; ८; विवा० ७; तंदु०
१६; सु० च० १, ३०६;

ढ.

ढंक. पुं० (ढंक) ढंक पक्षी; पाणीना श्रवण
पर निवास करनेवाला पक्षी. ढंक पक्षी;
पानीके जीवोंपर निर्वाह करने वाला एक पक्षी.
A kind of bird feeding upon
insects living in the water. पञ०
१; जीवा० १; उल० १६, ४६; मय० १, १, ३,
३; १, ११, २७; भग० ७, ६; १२, ८; जे० १०

ढंकण. पुं० (*) चार इन्द्रियावाला श्रवणी
ऐक्य जन्य; म ५३. चार इन्द्रिय वाला जीव;
चतुर्भुज. A four-sensed being; a
bug. पञ० १;

ढंकण. पुं० (*) म ५३. चतुर्भुज. A
bug. जे० १० (२) ऐक्य जन्य वाजिंत्र.
एक जाति का वाजिंत्र. a kind of musi-
cal instrument. आषा० २, ११, १६८;
—सद. न० (-सद) ढंकण नाम का
वाजिंत्र से शब्द. ढंकण नाम के वाजिंत्र
का शब्द. sound of a musical ins-

trument named Dhāṅkaṇa.
निमी० १७, ३४;

ढकवास्तुल. पुं० (ढकवास्तुल) शाक बनस्प-
तिनी ऐक्य जन्य के उगता अनन्तकाल्य
होय छे अने छेवा पक्षी प्रत्येक थाय छे.
शाक बनस्पति की एक जाति कि जो उगनेपर
अनंत काल्य होता है और काट डालने के
बाद प्रत्येक होता है. A sort of vege-
table which contains infinite
lives during growth but which
becomes Pratyeka (having one
life) after it is cut off. प्र० २४२;

ढङ्ढर. पुं० (ढङ्ढर) अनुकरण शब्द; के
स्वर-आवाज से दंडर थाय ते; आंख से
अंतर. अनुकरण शब्द; जिस स्वर की
आवाज ढर ढर सी होती है वह. A sound
resembling that produced by
the pronunciation of Dhara-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

dhara, an onomatopoeic word.

पि० नि० ४२५०; आघ० नि० भा० ५१६;

(२) राहुदेवतुं नाम. राहुदेव का नाम.

name of the god Rāhu. सू० प०

२०; प्रव० १५४; —सर. पुं० (-स्वर)

०६०६। २५२-आवाज. बड़ा स्वर-आवाज.

a loud sound. प्रव० १७३;

अर्द्धिकण. पुं० (*) भा३३; अटभन.

खटमल. A bug. उत्त० ३६, १४५;

देखियालग. पुं० (देखियकाहक) पक्षि विशेष;

देख विशेष. पक्ष विशेष; मोरनी; मयुरी.

A particular kind of bird re-

sembling a pea-hen. पण० १, १;

देखियालिया. स्त्री० (देखिकाहिका) पक्षि;

देख विशेष. मोरनी; मयुरी. A kind of

bird; a bird resembling a pea-

hen. अणुत्त० ३, १;

ढोल. पुं० (*) उट. ऊट. A camel. जं० प०

ए.

ए. अ० (न) नकार; ना; नहि; निषेध नकार;

ना; नही; निषेध. A negative: not;

न०. नाया० १; २; ५; ८; १४; १५; १६;

१८; भग० १, ६; २, १; ३, ७. २६, १;

उत्त० १, १४; सूय० १, १, १, २०;

एई. स्त्री० (नदी) नदी. नदी. A river.

नाया० १; आघ० ३८; जं० प० १, १०;

—कच्छ. न० (-कच्छ) नदी-पारी

गीच ज़ादी. नदी के नजदीक की घनी झाड़ी.

a dense thicket of trees in

the vicinity of a river. नाया० १;

एउअ-य. त्रि० (नवत) ९०; नेपु ६०; नव्व.

90; ninety. " सत्तण्डण् ज्ञेयणमण्

अवाहाण् अंतरे पण्णते " भग० १४, ८.

जं० प० ६, १२५;

एउअ-य. न० (नियुत) ८४ लाभ नियुतंग

प्रमाणु काल विशेष. ८४ लक्ष नियुतंग प्रमाण

काल विशेष. A period of time

measuring 84 lacs of Niyu-

tāngas. डा० २, ८; भग० २५, ५;

एउअ(य)ग. न० (नियुताङ्ग) ८४ लाभ

अयुत प्रमाणु काल विशेष. ८४ लक्ष अयुत

प्रमाण काल विशेष. A period of

time measuring 84 lacs of

Ayuetas. डा० २, ८; भग० २५, ५;

एउइ. स्त्री० (नवत) नेपु; ९०. नव्वे; ९०.

Ninety; 90. जं० प० भग० २०, ५;

एउल. पुं० (नकुल) नोडी. नेवला; नकुल.

A weasel. नाया० ८; १६; पण० १;

उया० २, ६५; भग० १५, १; (२) न०

वाद्य विशेष. वाद्य विशेष a particular

kind of musical instrument

राय० ८८; (३) पुं० पण्डुशर्मणा दीक्षित;

पाँच पाँचभने; सौथी नाँवा भास. पाण्डु

राजा का पुत्र; पाँच पाण्डवों में से सब से

छोटा भाई. one of the five sons of

the king Pāṇḍu, so named.

नाया० १६;

एउली. स्त्री० (नकुली) सर्पने पश करवाती

विद्या. सर्प को वश करने की विद्या. The

art of charming serpents. जीवा०

१; कण०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

शं. अ० (*) वाक्यालंकार; वाक्यता अलं-
कार ३५ अंक श० ६. वाक्यालंकार; वाक्य
के अलंकार रूप एक शब्द. A particle
used as an expletive. " ते शं
काशेयं लेखं समर्थं शं " नाया० १; अणुजो०
६; भग० १, १; २, २; ६, २; दस० ५, १,
६३; ६, ११; वव० १, २२; जं० प० वेय०
१, ३७; पञ० २;

शंगर. पुं० (*) अंधर; वदायुने रोड़ी
राजधानी होरडी के सांक्षर. लंगर; जहाज
का गेकने का सांकल आदि. Anchor.
विवा० ६;

शंगल. न० (लङ्गल) दल. हल. A
plough. पण० १, १;

शंगलई. स्त्री० (नङ्गलकी) अ० नामकी अ०
साधारण वनस्पति. इस नाम का एक
साधारण वनस्पति. A sort of vege-
table containing infinite lives.
पञ० १; भग० २३, ५;

शंगलिक-य पुं० (लङ्गलिक) सैनिक.
दल हाथमा अरु ग्यारीमा आगत अलंकार
मुमह. सुवर्ण का हल हाथमे लेकर गवारा में
आगे चलनेवाला मुमह. A warrior who
moves in the van of a proces-
sion with a golden plough in
the hand. जं० प० ३, ६७; कप० ओ०
३२; ३, ६७;

शंगलिक. पुं० (लङ्गलिक) अंगुलि
नामके अंतरद्वीप ५६ अंतरद्वीपमाला
अ०. लङ्गलिक नाम का अंतरद्वीप: २६
अंतरद्वीप मे से एक Name of one
of the 56 Antara Dvipas
(islands). डा० ४, २; (२) पुं०

स्त्री० ते अंतरद्वीपमां वसन्तार मनुष्य. उस
अंतरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person
residing in the above island.
पञ० १;

शब्द. पुं० (नन्द) समृद्ध. समृद्ध. Pros-
perous. " जय जय शब्दा " कण०
४, १०८; नाया० १; (२) राजगृही नगरी
नांदेषुमल्लीयार नामकी शै. राजगृही नगरी
का नंदनमनीयार नामका मठ. name of
a merchant of the town of
Rājagrihi, also styled Nanda-
namniyara. नाया० १३; (३) ११वां
तीर्थक्षेत्र प्रथम लिखा आपत्तर ११वें
तीर्थक्षेत्र को प्रथम भिक्षा देने वाला. name
of the person who first gave
alms to the 11th Tirthāṅkara.
सम० प० २३२; (४) आवर्ती उत्सर्पि-
ज्जीमां यन्त्र प्रथम वासुदेव. आगामी
उत्सर्पिणी में होने वाला प्रथम वासुदेव. the
first would-be Vasudeva in
the coming Utsarpiṇī. सम० (५)
अ० अतनुं लोहानुं आसत. एक जाति का
लोहे का आसत. a sort of iron seat.
नाया० १; (६) सातमा देवलोहानुं अ० विमान
अर्वा स्थित १५ सागरों नामकी छ; अ० देवता
पन्ध्र पञ्चपाटीअ० अ० साक्षरस ले छ, अने
पन्ध्र दानर पौं क्षुधा उपर छ. सातवे देव-
लोक का एक विमान उसकी स्थिति १५
सागरों नाम की होती है. ये देवता १५ पक्ष में
आसोक्ष्वाय लेते हैं. श्रीर उन्हें १२००० वर्षों
में क्षुधा लगती है. a heavenly abode
of the 7th Devaloka the gods
in which live for 15 Sagaros.

* अनुशो पृष्ठ नम्बर १५ की पृष्ठनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th.

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५; (७) आर ज्योतना वाञ्छनेो साथे शब्द धरवेो ते. बारह जाति के बाजियों का एक साथ शब्द करना. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. पंचा० ७, १६; (८) ओ नामनेो ओ३ राजकुमार. इस नाम का एक राजकुमार. name of a royal prince. नाया० ८; (९) पडवेो, ७६ अने अगीयारस ओ तगु निथिनु नाम. जुओ " खंडा " शब्द प्रतिपदा षष्टि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम देखो " खंडा " शब्द. a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight. vide. 'खंडा' ज० प०

खंडकंत. पुं० (नन्दकंत) सातमां देवदेवतुं ओ३ विमान के जेनी स्थिति १५ सागरोपमानी छे; जेना देवता १५ पञ्चादीं ओ आसोआस ले छे ओत १५००० वर्ष लुधा लागे छे. सातवें देवलोक का एक विमान कि जिनकी स्थिति १५ सागरोपमकी देवी है उसके देवता १५ पक्षमें आसोआस लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष में लुधा लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for fifteen Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

खंडकूट. पुं० (नन्दकूट) सातमां देवदेवतुं ओ३ विमान जेनी स्थिति १५ सागरोपमानी छे. सातवें देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति इत्यादि खंडकंत विमान

के समान ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to " खंडकंत " in point of duration of the life of its gods etc. सम० १५;

खंडग. पुं० (नन्दक) ओ नामनी कृष्णवासुदेवनी तलवार. इस नामकी कृष्ण वासुदेव की तलवार. Name of the sword of Kṛiṣṇa Vāsudeva पण्ड० १, ४;

खंडजम्बू. पुं० (नन्दजम्बू) सातमां देवदेवतुं ओ३ विमान, जेनी स्थिति १५ सागरोपमानी छे. सातवें देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि ' खंडकंत ' विमान के समान है. A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to " खंडकंत " in the duration of the life of its gods etc. सम० १५;

खंडण. पुं० (नन्दन) समृद्धि, समृद्धि. Prosperity; wealth. नंदा० (२) पुत्र. पुत्र; लडका. a son. पण्ड० ३, १; (३) भरतदेवता सातमां अत्रदेव. भरत क्षेत्र के सातवें बलदेव का नाम. the 7th Baladeva of Bhāratākṣetra. प्रव० १२२५; सम० " विविधाए खंडणनामं बहूए होत्या " भग० ३, १; (४) मेरुपर्वत उपरनुं देवताओं के क्रीडा करवानुं वन. मेरुपर्वत पर का देवताओं के क्रीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru mountain. " बनेसु वा खंडण माहु मेहुं " मय० १, ६, १८; आ० ३, ३; (५) मल्लिनाथ स्वामिनो पूर्व अव. मल्लिनाथ स्वामी का पूर्व अव. the previous birth of Mallinātha Svāmī. सम० (६) मेरुपर्वत नमोनी अक्षरनुं उद्धान. मोकाया नगरी के बाहिर का न.

the garden outside the city of Mokāyā " तौषेण मोयाण नय-
रीण बहिया उत्तर पुरच्छिमे " —कृ.
त्रि० (-कर) आनंद करनेवाला; समृद्धि
करनेवाला. आनंद करनेवाला, समृद्धि करनेवाला.
(one) that delights; (one) that
makes prosperous पृष्ठ० १, ४;

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनशुद्ध) नन्दन शत
नन्दनशुद्ध. ओ३ नन्दनवन के नौ शिखरों
में से एक. One of the nine sum-
mits of Nandanavana सम० १००;

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनभद्र) भारद्वाज शिष्य
आर्य समुत्तिष्ठितपुत्र पदेषा शिष्य माठवस
गोत्र के आर्य समुत्तिष्ठित विजय के पहिले शिष्य
The first disciple of Ārya
Samblati Vijaya of Mitha-
ra family origin क० ८.

शुद्धशुद्ध. न० (नन्दनवन) उत्तमोत्तम
अपारिणीत पर्वत. शिखरों के बीच में
उपर आये पर्वत. तमोत्तम के तम में
पातली शिखर पर मेरु पर्वत के ऊपर का
एक वन. A forest on Meru
mount 500 Yojanas above
the level of the plain " शुद्ध-
शुद्धवर्णा " शब्० २, ३; नाया० ३; जं०
प० अ० १२, ३; २०, ३; अ० १३, ३; ३०
(२) शिखरों पर नयरी पर्वत के वन
विजय नगर के निकट का उद्यान. the gar-
den in the vicinity of the
town of Vijayapura. पृष्ठ० २, ४.

—कृ०. त्रि० (-कृ०) नन्दनवन नय-
नशुद्ध. पदेषु कृ० (नन्दनवन के
नौ कृ० में से पहला कृ० शिखर. the 1st
of the nine summits of Nan-
danavana. जं० प० —पृष्ठगाम. त्रि०
(-प्रकाश) नन्दनवन समान. नन्दनवन

समान. similar to, equal to Nan-
danavana. नाया० ३;

शुद्धशुद्ध. न० (नन्दनवन) ओ३ " शुद्ध-
वर्णा " शब्०. देखो " शुद्धशुद्धवर्णा " शब्द.
Vide " शुद्धशुद्धवर्णा " जं० प० ५, १२०;
नाया० ३;

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनप्रभ) आनन्द देवलोके
ओ३ विमान, अ०. देवता १५ पञ्चवासीओ
अ०. १५००० वर्षों
अ०. १५००० वर्षों. मानवे देवलोक का एक
विमान, उसके देवता १५ पञ्च में आनन्दवाम
जिन हैं और उन्हें १५००० वर्ष में लुप्त
लगता है. A heavenly abode of
the 7th Devaloka, the gods
in which breathe once in 15
fortnights and feel hungry
once in 15000 years सम० १५;

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनप्रकार) ओ३ नामों
ओ३ अ०. लुप्त. इस नाम का एक मेरु-
वाहक. Name of a merchant.
नाया० ३;

शुद्धशुद्ध. त्रि० (नन्दन) शुद्ध शिखरों. मुख
गोपना हुआ Rejoice in the

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनप्रभ) आनन्द देवलोके
ओ३ विमान पर्वतों में देवलोक " शुद्धकन " शब्द.
मानवे देवलोक का एक विमान विशेष
शुद्ध नामों के लिये देखो " शुद्धकन " शब्द.
A heavenly abode of the 7th
Devaloka. For further inform-
ation vide " शुद्धकन " सम० १५;

शुद्धशुद्ध. पुं० (नन्दनवर्ण) आनन्द देवलोके
ओ३ विमान मानवे देवलोक का विमान
A heavenly abode of the 7th
Devaloka. सम० १५;

शुद्धशुद्ध. स्त्री० (नन्दनवर्द्धिनी) पर्वतशिखरों
ऊपर पर्वत उपर पर्वतशिखरों आनन्दोत्तमो

दिशाकुमारी. पूर्व दिशा के रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से चौथी दिशा-कुमारी. The fourth of the eight Diśākumāris residing on the Ruchaka mountain in the east. जं० प०

खंडसिंग. पुं० (नन्दसिंग) सातवां देवलोकनुं
 ओ३ विमान; लु०ओ३ “ खंडकंत ” शब्द.
 सातवें देवलोक का एक विमान; देखो “ खंड-
 कंत ” शब्द. A heavenly abode
 of the 7th Devaloka; vide
 “ खंडकंत ” सम० १५;

खंडसिद्ध. पुं० (नन्दसिद्ध) सातवां देवलोकनुं
 ओ३ विमान; लु०ओ३ “ खंडकंत ” शब्द.
 सातवें देवलोक का एक विमान; देखो “ खंड-
 कंत ” शब्द. A heavenly abode
 of the seventh Devaloka; vide
 “ खंडकंत ” सम० १५;

खंदा. स्त्री० (नन्दा) प०वे०, छट्ठे और अग्नी-
 वारस ओ३ त्रयो तिथीनुं नाम. प्रतिपदा,
 षष्ठि और अग्निवार इन तीन तिथियों का नाम
 A term denoting the 1st 6th
 and 11th dates of a fortnight.
 (२) शीतल नाथनी मातानुं नाम. शीतल
 नाथ की माता का नाम. name of the
 mother of Śitalanātha. प्रव० ३२२;
 सम० (३) पूर्व रुचक पर्वतपर वसनारी
 आठमांकी षोडश दिशा कुमारी. पूर्व रुचक
 पर्वत के ऊपर बसने वाली आठ में से दूसरी
 दिशा कुमारी. the 2nd of the 8 Di-
 śākumāris residing on the Ru-
 chaka mount in the east. जं०
 प० (४) रतिकर पर्वत उपर स्थान छिंदी
 अभ्रमहिषीनी राजधानी. रतिकर पर्वत
 के ऊपर इशान इंद्र की अभ्रमहिषी का पाट-
 नगर. the capital city of the

principal queen of Iśāna Indra
 on the mount Ratikara. जं० ४, २;

(१) अञ्जन पर्वत उपरनी ओ३ वापनुं
 नाम के ओ३ लक्ष अञ्जननी बांभी पड़ोसी
 अने १० अञ्जननी उड़ी छे. अञ्जन पर्वत के
 ऊपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लक्ष
 योजन लंबी चौड़ी और दस योजन गहरी है.
 name of a well on the mount
 Añjana having length and
 breadth of one lac Yojanas
 and 10 Yojanas in depth. जीवा०
 ३, ४; ठा० ४, २; नाया० १; निंसी० १,
 १; अंत० ७, १; (६) श्रेणिक राजा की
 ओ३ रानी. श्रेणिक राजा का एक रानी. a
 queen of the king Sreṇika. जं०
 प० ५, ११४; १२३; नाया० १;

खंदापुष्करिणी. स्त्री० (नन्दापुष्करिणी)
 मेरु की वायव्य भुज पर ५० योजन उपर अद-
 सास वनमांकी चार आबड़ीओ. मेरु से वाय-
 व्य कोने में ५० योजन पर भद्रसाल वन की
 चार बावड़ी. The 4 wells in Bha-
 drasāla forest at a distance of
 50 Yojanas in the north-west
 of Meru. जं० प० ४, १०३; नाया० १२;
 (२) सूर्याभ वनमांकी अद्वैत
 आगलनी ओ३ वाप के ओ३ १०० अञ्जन
 बांभी १० अञ्जन पड़ोसी अने दस अञ्जन
 उड़ी छे. सूर्याभ के वनखंड में के महेंद्रध्वज
 के आगे की एक बावड़ी कि जो १००
 योजन लंबी ५० योजन चौड़ी और दस योजन
 गहरी है. a well 100 Yojanas in
 length, 50 Yojanas in breadth
 and 10 Yojanas in depth in the
 vicinity of Mahendradhvaja in
 a forest of Sūryābha. राव० १५७;
 (३) अंभा नगरीनी अद्वैत ओ३ आबड़ीनुं

नाम. चंपा नगरी के बाहर की एक बावड़ी का नाम. name of a well outside the town named Champā. नाया० २;

शब्दापोकखरिणी. जी० (नन्दापुष्करिणी)
शुभो " शब्दापुष्करिणी " शब्द. देखो
" शब्दापुष्करिणी " शब्द. Vide " शब्दा
पुष्करिणी " नाया० १३;

शब्दावस्त. पुं० (नन्दावर्त) पांचमां देवलोका
धन्वना विमानतो व्यवस्थापक देवता. पांचवें
देवलोकके इंद्रके विमानका व्यवस्थापक देवता.
The deity in charge of the
heavenly abode of the Indra of
the 5th Devaloka. जं० प० ४; (२)
सातमा देवलोकनुं ओक विमान; ओनी स्थिति
१५ सागरोपमनी छे; ओ पंदर पञ्चवाय्वि
आसोआस ले छे; ओन ५००० वर्षे आय
लागेछे. सातवें देवलोकका एक विमान. इस
की स्थिति १५ सागरोपम की है. यहाँ के
देवता १५ पक्ष से स्वासोच्छवास लेते हैं व
१५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है.
name of a heavenly abode of
the 7th Devaloka similar to
Nandakānta in the matter of
life of its gods etc. सम० १५;
(३) नवभुज्वा वालो साथीओ. नौ कोने
वाला साथिया. a kind of auspicious
mark with nine angles. जं० प० ५,
१२२; राय० पञ्च० (४) चार छन्द्य वालो
छव विशेष. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष.
a kind of four-sensed sentient
being. जीवा० १;

शुद्धि. पुं० (नन्दि-नन्दनं नन्दिः, नन्दन्ति
प्राणिनोऽनेनास्मिन् वेति नन्दिः) आनंद;
प्रमोद. अनन्द; प्रमोद. Joy; rejoicing.
ठा० ५, २; आया० १, ३, २, ३; नाया० १;

(३) गौण मोहनीय कर्म. गौण मोहनीय
कर्म. secondary or subordinate
Mohaniya karmas. सम० २१; (४)
बार प्रकारनां वाद्यत्रोना समुदाय. बारह
प्रकारके वाजित्रोंका समुदाय. a collection
or set of twelve kinds of musi-
cal instruments. राय० ११४; उत्त० ११,
१७; (५) ओक वननुं आ. एक जाति का
वृक्ष. a kind of tree. नाया० १; (६)
ओ नामतो ओक द्वीप ओने ओक समुद्र. इस
नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name
of an island; also of an ocean.
पञ्च० १२; —गर. त्रि० (-कर) वृद्धि
करना. वृद्धि करनेवाला (one) that
causes prosperity. नाया० १; —घोस.
पुं० (-घोस) बार प्रकारनां वाद्यत्रोनी
आवाज. बारह प्रकार के वाजित्रों का
आवाज. a sound produced by
playing upon twelve kinds of
musical instruments at once.
जं० प० २, ११६; राय० ११४; (२) नन्दिना
ओनी व्यवहार करना. नंदीके समान आवाज
करने वाला. (one) who produces
the above kind of sound. ओव०
३०; तंदु० —चुराणुग. पुं० (-चूर्णक)
अमुक द्रव्यना संयोगथी अनावेसुं चूर्ण.
अमुक द्रव्यके संयोग से बनाया हुआ चूर्ण.
powder prepared by mixing
together particular ingredien-
ts. सूय० १, ४, २, ६; —राय. पुं०
(-राग) समृद्धिथी उत्पन्नयेत्र हर्ष.
समृद्धि से उत्पन्न. हर्ष. joy arising
from prosperity. भग० २. ५;
—स्वर. पुं० (-स्वर) बार प्रकारना
वाद्यत्रोना आवाज. बारह प्रकार के वाजित्रों
की आवाज. chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा० ३, तंदु० राय० ११४;

शुद्धिभाष्य पु० (नन्दावर्त) नवभुज्यावले साथीओ. नौ कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. ओव० जं० प० ५, ११८; (२) पाँचमा देवलोका छद्म विमान. पाँचवें देवलोक के इंद्र का विमान. the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka. ओव० २५;

शुद्धिघोसा. स्त्री० (नन्दिघोषा) थणित कुमार देवतानी घंटा. थणित कुमार देवता का घंटा. The bell of the deity named Thapita Kumāra. जं० प०

शुद्धिज्ज. न० (नन्दिज) स्थविर आर्य रोहण्य नीडलेव उद्देहगणुं पाँचमुं दुव. स्थावर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पाँचवाँकुल. The 5th family offshoot of Uddelagana originating from Sthavira Āryarohana. कप० ८;

शुद्धिज्जमाण. त्रि० (नन्दिज्जमान) समृद्धि बढ़ा रते. समृद्धि बढ़ताहुआ. Causing growth or advance in prosperity. ओव०

शुद्धिगोपिय. पुं० (नन्दिगोपित) सवर्था नगरीनो रहैयाली ओ नमनो गाथापति. सवर्था नगरी का रहनेवाला इस नामका गाथापति. Name of a Gāthāpati (merchant) residing in the town of Sāvartthī. 'तत्थं सवर्थाणं शुद्धिणां पिया खामं गाहावई' उवा० १, २६८;

शुद्धिपुर. न० (नन्दिपुर) अण्डिदेशनी राजधानी. शाण्डिल देश का पाटनगर. The capital of the country called

Sāṇḍila. प्रव० १६०३;

शुद्धिफल. न० (नन्दिफल) ओ नामनुं वृक्ष. इस नाम का वृक्ष. Name of a tree. नाय० ५; (२) ओनुं प्रतिपादन करना. ज्ञाता सूत्रनुं व्रीजुं अध्ययन. इसका प्रतिपादन करनेवाला ज्ञाता सूत्र का तीसरा अध्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above. नाया० ३;

शुद्धिमित्र. पुं० (नन्दिमित्र) मल्लिनाथ साथे दीक्षा लेनार नन्दिमित्र कुमार. मल्लिनाथ के साथ दीक्षा लेनेवाला नन्दिमित्र कुमार. Naudimitra prince or a young boy who took Dikṣā (entered the order of monks) along with Mallinātha. नाया० ८;

शुद्धिमुङ्ग. न० (नन्दिमुङ्ग) ओङ प्रकारनुं पादित. एक प्रकार का वाजित. A sort of musical instrument. राय०

शुद्धिमुह. पुं० (नन्दिमुह) ओ आंगिरी प्रमाण शरीरधारी पक्षी विशेष. दो उंगलियों के प्रमाण का शरीरधारी पक्षी विशेष. A kind of bird with a body of the size of two fingers. पगह० १, १, ओव० जं० प०

शुद्धिया. स्त्री० (नन्दिता) नन्दिता नामनी गांधार ग्रामनी पड़ेनी मूर्छना. नन्दिता नाम की गांधार ग्राम की प्रथम मूर्छना. The primary tune of the Gāndhāra pitch in music. ठा० ७, १;

शुद्धिभाष्य. पुं० (नन्दावर्त) नवभुज्यावले साथीओ. नव कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. जीवा० ३, ३; राय० (२) अण्ड-देवलोका छद्म विमान. अण्ड देवलोक के इंद्र का विमान. the heavenly

car of the Indra of Brahma Devaloka. डा० ८, १, (२) ये छद्वि-
वाक्षोऽवशिष्टः। दो इन्द्रिय बाता जीव विशेष.
a kind of two sensed sentient
being. पञ्च० १; (४) धोष अने महा-
धोष इन्द्रा लोकपालानुं नाम. घोष और महा-
घोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of
the protector of the quarters
owing allegiance to the Indras
named Ghosha and Mahāghosha.
डा० ४, १;

सुदिरुक्ख. पुं० (नन्दिबृक्ष—वृक्षाणां भूमि-
तिष्ठतीति) पीपलो; ओक वनननुं जाड.
पापल; एक प्रकार का वृक्ष. A kind of
tree; the Pipala tree, ficus
religiosa. ओव० जीवा० भग० २२, ३;
पञ्च० १; सम० प० २३३;

सुदिग्धरा. पुं० (नन्दिबृक्ष) ये नामने
ओक राजकुमार. इस नाम का एक राजकुमार.
A prince of this name. विवा० ६;

सुदिवज्जला. स्त्री० (नन्दिबृक्ष) अञ्जन
पर्वत उपरनी ओक बावडी के ओक आय
अञ्जननी आंणी पड़ोसी अने इस अञ्जननी
उड़ी छे अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावडी
का नाम; जो एक लक्ष योजन लंबी चौड़ी है
और दश योजन गहरा है. Name of a
well on the mount Añjana, one
lac of Yojanas in length and
breadth and ten Yojanas in
depth. जीवा० ३, ४; डा० ४, २; (२)
इयं पर्वत उपरनी ओक दिशा कुमारी
रुक्म पर्वत के ऊपर की एक दिशा-कुमारी.
a Disākumārī on the mountain
Ruchaka. डा० ८; जं० प० ४, ११४;

सुदिविषया. स्त्री० (नन्दिबृक्ष) पश्चिम अञ्जन
पर्वत उपरनी ओक बावडी. पश्चिम अञ्जन

पर्वत के ऊपर की एक बावडी. A well on
the western Añjana mount.
जीवा० ३, ४;

सुदिवेण. पुं० (नन्दिबृक्ष) मथुरा नगरीना
दाम राजा कुंवरनुं नाम. मथुरा नगरी के
दाम राजा के कुंवर का नाम. Name of
the son of the king Dāma of
the town of Mathurā. डा० १; (२)
गौतमने पुत्र; नन्दिबृक्षना शिष्य. गौतम
का पुत्र, नन्दिबृक्षना शिष्य. a son of
Gautama and disciple of Nan-
divardhana. तंदु

सुदिवेणा. स्त्री० (नन्दिबृक्ष) पूर्व अञ्जन
पर्वत उपरनी ओक बावडी नाम. पूर्व अञ्जन
पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम.
Name of a well on the eastern
Añjana mount. जीवा० ३, ४; (२)
पूर्व इयं पर्वत उपर रहने वाली दिशा-
कुमारी. the Disākumārī residing
on the eastern Ruchaka mount-
ain डा० ८;

सुदिवेणिया. स्त्री० (नन्दिबृक्ष) अष्टि
राजनी राजा के अने अधिकार अंतग-
दशा सूत्रना सतमा वर्गना बोधे अध्वयन-
मा छे. अष्टि राजा की रानी कि जिसका
अधिकार अंतगदशा सूत्र के सातवें वर्ग
के बोधे अध्वयन में है. The queen of
the king Śreṇika mentioned in
the 4th chapter of the 7th
section of Antagadadaśā
Sūtra. अंत० ७, ४;

सुदिस्सर. पुं० (नन्दिश्वर) आठमो नदी-
श्वर नामने द्वीप. आठवां नदीश्वर नाम का
द्वीप. Name of the 8th island or
continent named Nandīśvara. डा०

४, २;—दीव. पुं० (—द्वीप) नन्दीश्वर नामने
अःमे द्वीप. नन्दीश्वर नाम का आठवां
द्वीप. the 8th island or continent
named Nandīśvara. भग० २०, ६;
शंदिस्वरा स्त्री० (नन्दिस्वरा) वायुकुमार
देवता की घंटा वायुकुमार देवता का घंटा.
The bell of the deity named
Vāyukumāra. जं० प०

शंदी. स्त्री० (नंदी) लुप्तो " शंदि " शब्द.
देखो " शंदि " शब्द. Vide " शंदि "
जीवा० ३, ६;—चुरणग न० (—चूर्ण-
क) लुप्तो " शंदिचुरणग " शब्द. देखो
शंदचुरणग " शब्द vide " शंदिचुरण-
ग " मूय० १, ४, २, ६;

शंदीस्वर पुं० (नन्दीश्वर) लुप्तो " शंदिस्वर "
शब्द. देखो " शंदिस्वर " शब्द. Vide
" शंदिस्वर " नाया० ८; जं० प० २, ११७;

शंदीमुद्ग. पुं० (नन्दिमुद्ग) पक्षि विशेष.
पक्षी विशेष. A kind of bird. पण्ड०
१, १;—दीव. पुं० (—द्वीप) लुप्तो उपलब्धो
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
नाया० ८;

शंदीस्वरवर. पुं० (नन्दीश्वरवर) ये नामने
ये द्वीप इस नाम का एक द्वीप. Name
of an island डा० ४, २; जीवा० ३;

शंदीस्वरवर्गद. पुं० (नन्दीश्वरवर्गद) ये नामने
ये समुद्र इस नाम का एक समुद्र. Name
of an ocean. जीवा० ३;

शंदुत्तर. पुं० (नन्दोत्तर) भवन पतिना शंदिना
रथने अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का
अधिपति. The person in charge
of the chariot of the Indra of
Bhavanaputi gods. डा० ५, १;




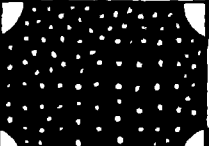













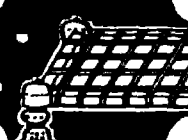
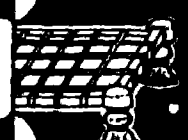









शंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) रतिकर पर्वत
उपरन दिशानेन्द्री अथमडीपीनी राजधानी.
रतिकर पर्वत के ऊपर की इशान ईंद्र की

अथमहर्षी का पाटनगर. The capital of
the principal queen of Isāna
Indra, on the mount Ratikara.
जीवा० ३; (२) पूर्व अञ्जनपर्वत उपर-
नी ओंछ आवडीनुं नाम. पूर्व अञ्जन पर्वत के
ऊपर की बावडी का नाम. name of a
well on the eastern Añjana
mount. डा० ६, २; जीवा० ३; (३)
मन्दर पर्वतना रिष्टक उपर वसनारी दिशा
देवारीमानी ओंछ. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट
शिखर पर रहनेवाली दिशाकुमारयोमि से एक.
one of the Disākumārīs resid-
ing on the summit Rīṣṭa of the
Mandhara mount. जं० प० २, ११६ (६)
पूर्व दिशाने अथक पर्वत उपरनी ओंछ दिशा
देवारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की
एक दिशाकुमारी. a Disākumārī re-
siding on the eastern Rucha-
ka mount जं० प० (४) ये नामने
अजिंक भद्राशयनी नाथी के रथने अधिपति
अंतगडसूत्रना अतमा वर्याना वीज अथ-
यनाम छे. इस नाम की अथक भद्राशयनी
की रानी कि जिसका वर्णन अंतगड सूत्र
के मातवे वर्ग के तीसरे अध्यायन में है.
queen of the king Sreṇika, s-
named, who is mentioned i
the 3rd chapter of the 7th se-
tion of Antagāḍa Sūtra. अंत
१, १;

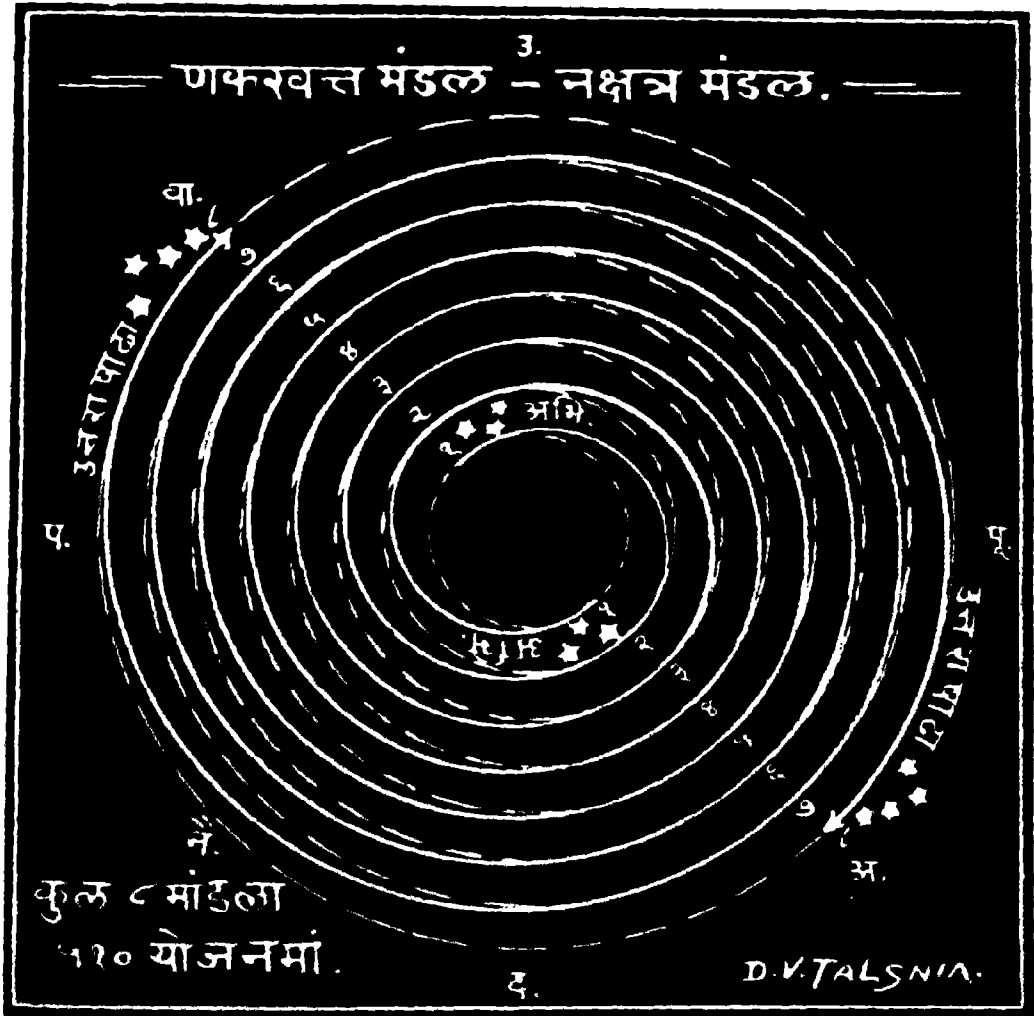
शंदुत्तरावर्द्धिसंग. पुं० (नन्दोत्तरावर्द्धिसंग
अतमा देवलोडनुं ओंछ रिमान; अतमा स्थि
पंदर सागरोपमनी छे अ देवता पंदर प
वाडीये आसोने तसले छे, अने १५००० रं
सुध जाये छे. सातवें देवलोकका एक विमा
उमकी स्थिति पंदर सागरोपम की है;
देवता पंदर पक्षमें आसोच्छावम लेते हैं; अ

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

— णक्खवत्त - नक्षत्र. —

अभिजित् नारा ३	भयण ३	धनिष्ठा ५	शान्तिष्ठा १००
			
मायना मस्त्वन्मन्त्र.	कावड.	पक्षिनु पिंजर.	विस्वरायला फुल.
पूर्वा मागपद २	उत्तरा मागपद १	रेवती १९	आश्विनी ३
			
अर्ध बाव.	अर्ध बाव.	नवा - बहाण.	घोडानु स्फुट.
बरणी ३	कृत्तिका ६	रोहिणी ५	मृगशिर ३
			
भग - योनी.	नाथिनी केशळी.	माघाती ३५.	हरिणनु मस्तक.
आर्द्रा १	पुनर्वसु ५	पुष्य ३	अश्लेषा ६
			
कथिरनु सिन्द.	श्रामनु.	वर्षमान - सरावल्.	पनाफा - धजा
मघा ३	पूर्वा फल्गुनी २	उत्तरा फल्गुनी १	हस्त ५
			
भोगिल गट	अर्ध पल्ल्यक.	अर्ध पल्ल्यक.	हृषीकेशी पंजा.
चिन्ता १	स्वाति १	विशाखा ५	अनुराधा ४
			
सिकन्दर फुल.	रेवती.	दामणी.	पकवली हर.
ज्येष्ठा ३	मूल १९	पूर्वाषाढा ४	उत्तराषाढा ४
			
हास्ति दन्त.	विश्वि.	हास्तिनी पाल.	वेङ्कट सिंह.

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



१५००० वर्ष में लुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

शुद्धोत्तरा. श्री० (शुद्धोत्तरा) लुधा 'शुद्धोत्तरा' शब्द. देखो 'शुद्धोत्तरा' शब्द. Vide. "शुद्धोत्तरा" जीवा० ३; ४; जं० प०

शुद्ध. पु० (*) नाक; नासिक. नाक; नासिका. The nose. जीवा० ३, ३; ओव० ३८; विवा० १. १;

शुद्ध. पु० (नक्र) ऐक्य जननी भूत. एक जातिका मगर. A kind of alligator. पञ्च० १; जीवा० १;

शुद्ध. पु० (नख) नख. नख; नाखन. A nail on a finger or a toe. ओव० १०; जीवा० ३, ३; सू० प० १०;

शुद्धोत्तरा. न० (नक्षत्र) अभिजित वगैरे २८ नक्षत्र: आकाशमां चंद्र तथा सूर्यनी साथे गतिकरनार ज्योतिषी देवतानी ऐक्य जन (आ तथा नक्षत्रोना आकार अने नाम चित्रमां द्शविष्य छे). अभिजित इत्यादि २८ नक्षत्र: आकाशमें चंद्र और सूर्य के साथ गतिकरनेवाल ज्योतिषी देवता की एक जाति (इन २८ नक्षत्रों के आकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं). Any of the 28 constellations such as Abhijita etc. adgess of planetary deities associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations

are given in the picture). नाया० १: ५; ८; भग० १५, १; १८, ७; जीवा० ३, ४; पञ्च० १५; ओव० २५, ४०; अणुजा० १३१: १४३; लम० २७; सू० प० १०: १६; जं० प० ७, १४०; १४६; —मंडल. पु० (-मण्डल) नक्षत्रोना आकाशमां आल-यानो रस्ते; नक्षत्रना मांडला; अश्विनी आदि २८ नक्षत्रो आकाशमां जे बाधन उपर दूरे छे ते बाधनने नक्षत्र मांडल कहेवामां आवे छे. तेवा नक्षत्रना मांडला ८ छे जेहवा भागमां सूर्यना १८३ मांडला छे चन्द्रना १५ मांडला छे जेहवा भागमां नक्षत्रना ८ मांडला छे. नक्षत्रों का फिरने का मार्ग: नक्षत्र का मण्डल; अश्विनी आदि २८ नक्षत्र आकाश में जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश को नक्षत्र मण्डल कहते हैं. ऐसे नक्षत्र मण्डल ८ हैं जितने प्रदेश में सूर्य के १८३ मण्डल हैं और चन्द्र के १५ मण्डल हैं. उतने ही प्रदेश में नक्षत्र के ८ मण्डल हैं. the paths on which the constellations move; the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number. There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon. जं० प० ७, १४६; —मास. पु० (-मास) नक्षत्र मास: २८ नक्षत्र चंद्रमां साथे ज्ये ज्येडीह्ये तेहवा चम्पत. नक्षत्र मास: २८ नक्षत्र चंद्रके साथ योग करले उतना समय the lunar

* लुधा पुष्ट नक्षत्र १५ नी फुटनोट (*) देखो पुष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

month; the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon. सम० २७; —विचय. पुं० (—विचय-विचयनं विचयः नक्षत्राणां विचयः स्वरूपनिर्णयः) नक्षत्रना स्वरूपनो निर्णयः. नक्षत्र के स्वरूपका निर्णय. determinator of the form or nature of a constellation. सू० प० १;—विमाण. न० (—विमान) नक्षत्रनुं विमान. नक्षत्र का विमान. a celestial abode of a constellation. जं० प० ७, १७०; —संवत्सर. पुं० (—संवत्सर) ज्योतिषा पञ्चतमां सर्वनक्षत्रैः सूर्यनी साथे ज्योतिषा रहे तेतलो पञ्चतः ३२७ अहोरात्र अने अहोरात्रना ६७ भाग करीये तेरा ११ भाग प्रमाण नक्षत्र संवत्सर. जितने समय में सूर्य नक्षत्र सूर्य के साथ योग जोड़कर रहत हैं उतना समय; ३२७ अहोरात्र और एक अहोरात्र के ६७ भाग करें ऐसा ११ भाग प्रमाण नक्षत्र संवत्सर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा० प० ३; जं० प० ७, १२१; सू० प० १०;

शुद्ध. पुं० (नख) न०. नख. A nail on a finger. जं० प० —छेयणग. न० (—छेदनक) न०. छेयणी नेयणी. नख हरणी; नेयणी. barber's instrument used in paring finger-nails. निरी० १, १८;

शुद्ध. पुं० (नग—गच्छतीति गः न गः नगः) पर्वत. पर्वत. A mountain. “जहासे जगाध पर्वरे सुमहं मंदरो गिरी” उत्त० ११,

२६; सूय० १, ६, ६; नाया० १; —इन्द्र. पुं० (—इन्द्र) मेरु. मेरु. the mount Meru. सूय० १, ६, १३; —राय. पुं० (—राज) पर्वतनो राजा; मेरु पर्वत. पर्वत का राजा; बडा पर्वत मेरु. king of mountains i. e. Meru. ठा० ६;

शुद्ध. न० (नगर—नास्मिन् करोऽस्तीति नगरम्) १८ प्रकारना ३२ रदित शहर. १८ प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes. पञ्च० १; ठा० २, ४; पण्ड० १, ३; अणुजा० १२७; १३१; आया० १, ६, ५, १६४; वेय० १, ६; जं० प० ३, २०; नाया० १, २; १६; —आवास. पुं० (—आवास) नगरना जेठिना आवास-भेद. नगर के लोगों का आवास-महेल. an urban mansion. सम० —गाव्री. स्त्री० (—गाँ) शहरनी गाव्री. शहर की गाव्री. an urban cow. “म-य हा य अणुहा य शहर गाव्री” विवा० २; —गुप्तिय. पुं० (—गुप्तिक) नगरनुं रक्षण करने वाला कोटवाल. नगर का रक्षण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwala. “नतेश ते शहर गुप्तिया सुमहं सत्यवाह कालगर्भ जायन्ता” विवा० २; नाया० १८; पण्ड० १, २; —गोकुल. पुं० (—गोकुल) नगरना जेठिया-गाव अथवा पर्वत. नगर के चौपाये-गाय बैल इत्यादि. urban cattle e. g. a cow, ox etc. विवा० २; —घात. पुं० (—घात) नगरने छुटनार. नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया० १८; —ह्राण. न० (—ह्राण) नगरना भूँडर. नगर के खंडहर; टूटे फूटे मकान. ruined or devastated building in a

city. कण्ठ० ४, ८८; —शिवसे. पुं० (—निवेश) नगरमें निवास करनेवाले ते. नगरमें निवास करना. residence in a town. सम० ७२;—दाह. पुं० (—दाह) शहरमें आग लागती ते. शहर में आग लगना. outbreak of fire in a city or town. जीवा० २; —धर्म. पुं० (—धर्म) शहरमें आचार. शहर का आचार. custom or usage of a city. ठा० १०;—निक्षमण. न० (—निक्षमण) नगर-शहरमें पाणी नीकलवाने मार्ग; आध. नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग; गटर; मोरी. an outlet for the water accumulating in a city; a main gutter. भग० ३, ७; नाया० २; —पड़िया. स्त्री० (*) नगरमें पाई नगर की पाई (महाराज). an urban young buffalo. विवा० २; —माय. न० (—मान) नगर वसावधानी विधि; ७२ कलाओंमें से ४५ वा कला. नगर बसाने की विधि; ७२ कलाओं में से ४५ वा कला. the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town. नाया० १; जे० प० सम०—मारी. स्त्री० (—मारी) नगरमें फैलनेवाली भरीली धूलें क्षय; नगरमें फैलनेवाली भरीली आवे ते. नगर के लोगों का महामारी में होता हुआ क्षय; नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना. havoc caused by plague in a town; outbreak of plague in a town जीवा० ३; —रक्षिण्य. पुं० (—रक्षक—नगर रक्षक यः स नगर रक्षकः) नगरमें रक्षक करनेवाला रक्षक.

नगर का रक्षण करने वाला; कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla. निरी० ४, ६;—वसम. पुं० (—वसम) नगरमें आध. नगर के बेल. an urban ox. विवा० २;—वह. पुं० (—वह) नगरमें आध. मायसेने मारी नामवां ते. नगर के सर्व मनुष्यों को मार डालना. the massacre of the whole people of a town. “से सुबई नगर बहे व सहे” मय० १, २, १, १८;

नगर. स्त्री० (नगरी) नगरी; पुरी. नगरी; पुरी; बड़ा शहर. A city; a town. श्रव० नाया० १६;

नगिण. त्रि० (नग्न) निष्परिग्रही. निर्ग्रह. निष्परिग्रही. निर्ग्रह. Possessionless (monk); nude in the sense of not possessed of worldly effects. आया० १, ६, २, १८४;

नग्न. त्रि० (नग्न) नग्न; वस्त्र रहित. दिगंबर; नग्न Naked; unclad. नंदी० —भाव. न० (—भाव) नग्नपण्युः साधुपण्यु. नग्नता; साधुपण्यु. state of being an ascetic; nakedness. “समयाय निगमाय नग्नभावे मुंडभावे” ठा० ६; नाया० १६;

नग्न. पुं० (नग्नजित्) गंधार (कन्दहार) देशमें राजा. गंधार (कन्दहार) देश का राजा. Name of a king of Kandahara “नमिसया बिहंसु गंधारेषु य नग्न” उक्त० १८, ४६; (२) ये नामना येक क्षत्रिय राजर्षि. इस नाम के एक क्षत्रिय राजर्षि-संन्यासी. name of a royal

* लुप्ता पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

saint belonging to the Kshatriya caste. ओव० ३८;

सुगोह. पुं० (न्यग्रोध) वसु० अ३. बडका वृक्ष.

A banyan tree. जं० प० ७, १६२; पक्ष० १;

भग० २२, ३; (२) वसु० आ३. २० संज्ञा. बड

के आकार का संज्ञा. a type of phy-

sical constitution resembling

the shape of a banyan tree.

भग० २४, १; —परिमंडल. त्रि० (-परि

मण्डल न्यग्रोधवत्परिमंडलं यस्य स तथा)

वसु० अ३ जेवो आधार होय जेवो ते

न्यग्रोध परिमंडल संज्ञा वायो. जिकका

आकार बड के वृक्ष जैसा हो वह; न्यग्रोध

परिमंडल संज्ञा वाला. (one) posses-

sed of a type of physical

constitution resembling a

banyan tree in shape. जं० प०

७, १६२; तंडु० जीवा० १; —वरपायव.

पुं० (-वरपायव-पादैर्भूम्यन्तरवर्तिमूलविशेषः

पिबतीति) वसु० भे० २: ५३ बड; बडा बड.

a banyan tree; a large banyan

tree. अंत० १, ५, १;

गुच. अ० (नच) नदि. नहीं. No, not.

नाया० १७;

गुच्छ. न० (नृत्य) नाचनु ते. नाच. नाचना;

नाच Dancing; a dance. ठा० ६;

पक्ष० २;

गुच्छंनिय. त्रि० (नात्यम्निक) अत्यंत-अति-

शय नदि ते. अत्यंत-अतिशय नहीं वह.

Not excessive; short of exces-

sive. मू० २, ६, २४;

गुच्छण. न० (नर्तन) नाच; नाचनु ते. नाच;

नाचना. A dance; act of dancing.

ओव० २४; —सीलय. पुं० (-शीलक)

नाचवान; स्वभाव वायो; मोर. नाचने के

स्वभाव वाला; मोर. one given to

dancing; a peacock. नाया० ३;

गुच्छा. सं० कृ० अ० (शात्वा) ज्ञाते; सम-

झे. जानकर; समझकर. Having

known or understood. “ सर्वं

गुच्छा अहिदृष्टे ” सू० १, २, ३, १५; १,

१, १, २०, आया० १, ३, १, १०६; १, ३, २,

११४; उत्त० १, ४२; २, १३;

गुच्छाविश्र-य. न० (नर्तित) नचायनु;

हलायनु ते नचाना; हिलाना. Act of

causing to dance or move. ठा०

६; ओघ० नि० २६५;

गुच्छासगण. त्रि० (नात्यासङ्ग) अटुपासे नदि

ते बहुत निकट नहीं वह. Not close

to; not very near. नाया० १; १४;

भग० १, १; राय० ७४; जं० प० ५, १२२;

गुच्छय. त्रि० (नर्तित) नाचैत. नाचाहुआ

Danced; (one) that has danced.

नाया० १;

गुट्ट. न० (नाट्य) नाट्य; नाटक; आंगिक,

वाचिक, आचार्य अने सात्विक ओ आर

प्रकारना अभिनय साथे रस अने भावनी

अभिव्यक्ति करायनार नर्तन. नाट्य; नाटक;

नाच; आगक, वाचिक, आचार्य और सात्विक

ये चार प्रकार के अभिनय माहल रस व

भाव की अभिव्यक्ति कराने वाला नाच. A

drum; a play; a dance accom-

panied with the four kinds of

representations viz. of move-

ment, speech etc which display

various kinds of sentiments.

नाया० १; ८; ओव० ३२; जं० प० ७, १४०;

मू० प० १८; निमी० १२, ३२; ठा० ४, ४;

(२) नाट्यज्ञा; नाटक संबंधी विज्ञान.

नाट्य कला; नाटक के संबंध का विज्ञान.

dramaturgy. ओव० गम० ३३; —अ-

खीय. पुं० (-अखीक) नाटक करने

भाष्यसेना समूह. नाट्यकारों का समूह.
a group of actors or drama-
tists. जं० प० ५, ११७; भग०
१४, ६;—विधि. पुं० (-विधि) नाट्यकला;
नाटक करने की विधि-रीति. नाट्यकला;
नाटक करने की विधि-रीति. the
art of dramatic representation.

भग० ११, ६; जीवा० ३; जं० प० ५, १२१;

शब्दग. त्रि० (नर्तक) नृत्य करनेवाला. नृत्य करने
वाला. A dancer. आ०

शब्दमाल. पुं० (नक्तमाल) वृक्ष विशेष. वृक्ष
विशेष. A particular kind of tree.

जीवा० ३, ३; जं० प० १, १८;

शब्दमाला-य. पुं० (नृत्यमाला) देवता
पर्वतनी अथवा प्रपात गुहा का स्वामी-
देवता. The presiding deity of
the cave Khanla Prapata of
the Vaitadhya mount. डा० २, ३;

शब्दवस्तु. न० (नाट्यवस्तु) नाट्य. नाट्यवस्तु
प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र; २६ पापश्रुतमार्तुं
अथ. नाच. नाटक आदि का प्रतिपादन करने
वाला शास्त्र; २६ पापश्रुत में से एक. One
of the 29 Pāpa Śrutas (secular
sciences) viz. the science of
dramatic representation. पद०
२, १;

शब्द त्रि० (नष्ट) नाश पाये; नष्ट. Destroyed.
“ शब्दसम्पत्तः सदावि ” मृग० १, ३, ३. १००;

नाया० १००; १३; जीवा० ३, ४; राय० २७;

भग० १४, १; (२) रातद्विषय १७ मुं.

मुहूर्त. रात्रि दिन का १७ वां मुहूर्त. the

17th Mubūrta of a day and

night. जं० प० ५, १२१; सम० ३०;

—तेय. त्रि० (-तेजस्) तेज प्रकाश नाश

पाये; तेज-प्रकाश नष्ट
होगया है वह, (one) whose lustre
or brightness is destroyed;
lack-lustre. भग० १५, १; —मह्य.
त्रि० (-मतिक) नाश पाये; तेज बुद्धि
नष्ट. (one) whose intellect is destroyed;
a block head. नाया० १६; १७;

—रज त्रि० (रजस्—नष्ट सर्वथाऽदृश्य-
भूत रजो यत्र स तथा). रज-वश्रन्तु. रज
सहित; स्वच्छ. clean; free from dust
or passion. जीवा० ३;—रय त्रि० (-रजस्)
उपेक्षा शब्द. देखो ऊपर का शब्द.

vide above. जं० प० ४, ११३; —सगुण

त्रि० (-संज्ञ) भवती अतिवाले; तेना

अज्ञा नाश पाये; ते. मन की अतिवाला;

नष्ट संज्ञा वाला deluded in

mind; (one) whose intelli-

gence has faded away. नाया० १६;

१७; —सुदृश्य. पुं० (-दृष्टिक) श्रुत तेनी

नश पाये; ते अथवा शास्त्र अशक्तता वि-

चार करने अशक्त. जिसकी धृति नष्ट होगई

है ऐसा; शास्त्र अशक्त का विचार करने को

अशक्त. (one) incapable of distin-

guishing between true and

false scriptures नाया० १; १७;

शब्दचंत. पुं० (नष्टवत्) अक्षरवत्. २६ मुं
मुहूर्त. अक्षरवत् का २६ वां मुहूर्त. The
26th Mubūrta of a day and
night. सम० ३०;

शब्द पुं० स्त्री० (नट) नाटक करनेवाला; नट. An

actor in a drama. आ० जं० प० २,

२६; डा० ६; —खाइता. स्त्री० (-खाइता

— नरस्येव संवेगविकल्पधर्मकथाकरणे-

पार्जितभोजनादीनां खादितं भक्षणं यस्यां मा

नटसादिता) એક જાતની પ્રવજ્યા; નાટ-
કની માફક ધર્મશૂન્ય કથા કરીને આશ્ચર્યા
ચલાવવી તે. एक प्रकार की प्रवज्या; नाटक
के समान धर्मशून्य कथा कर के आजीविका
चलाना. a sort of asceticism,
earning one's bread by empty
talk like that of an actor
in a drama, devoid of true re-
ligion. ठा० ४, ४; —पेच्छा. बी०
(-प्रेक्षा) नटने जेयुं. नट को देखना.
seeing a Nāṭa—a dancer जं० ५०
२, २४;

एडिअ-य. त्रि० (*) पीडित. पीडित.
Afflicted; distressed. नाया० ६;

एणंदा. बी० (ननान्द) नणुंद; पतिની બહેન.
नणंद; पति की बहिन. A husband's
sister. भग० १२, २;

एणणत्त. अ० (नाडन्यत्र) જુઓ 'एणणत्त'
शब्द. देखो "एणणत्त" शब्द. Vide
"एणणत्त" नाया० ६;

एणणत्त. अ० (नान्यत्र) એટલું વિશેષ;
આ નહિ કે તે નહિ પણ એટલું હતા વિશેષ;
ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना. So
much in particular; not this
or that but this much. श्रव० ३८;
नाया० १; २; १८; भग० ३, २; ६, ५; १६,
३; दसा० ७, १;

एणणहा. अ० (नान्यथा) બીજીરીતે નહિ
અન્યરીતિસે નહી. Not otherwise.
पञ० १;

एणणहावाइ. पुं० (नान्यथावादिन्)
અન્યથા વાદિ નહિ. અન્યથા વાદી નહીં.
(One) who does not speak or

believe otherwise નાયા० ૨;

एत. त्रि० (नख) નમેલ. झुका हुआ. Bent;
bowed down. सू० ५० २०; (२) पुं०
नत नामे એક વિમાન; એની સ્થિતિ ૧૯
સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડા નવ મહિને
શ્વાસોચ્છવાસ લે છે એને ૧૬૦૦૦ વર્ષે ક્ષુધા
લાગે છે. નત નામ का विमान; उसकी स्थिति
१९ सागरोपम की है; ये देवता ६॥ मास में
श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमें
क्षुधा लगती है. name of a heaven-
ly abode, the gods in which
live for 19 Sāgaropamas,
breathe once in nine and half
months and feel hungry once
in 19000 years. सम० १६;

एत. न० (नक्त) रात्रि. रात्रि. A night.
चं० ५० १०;

एत्तिआ. बी० (नप्तृका) દીકરાની દીકરી
અને દીકરીની દીકરી. पुत्र की पुत्री और
पुत्री की पुत्री. A grand-daughter.
विवा० ३;

एत्तुआ. बी० (नप्तृका) જુઓ "एत्तिआ"
शब्द. देखो "एत्तिआ" शब्द. Vide
"एत्तिआ" विवा० ३;—वह. पुं० (-वर)
પૌત્રીનો વર; દીકરીની દીકરીનો ધણી.
પૌત્રીકા પતિ; पुत्री की पुत्री का धनी. A
grand daughter's husband. विवा०
३;

एत्तुइणी. बी० (नप्तृकिनी) દીકરાના દીકરા
કે દીકરીના દીકરાની વહુ. पुत्र के पुत्र का
अथवा पुत्री के पुत्र की बी. Wife of a
grandson. विवा० ३;

एतई. बी० (नप्तृकी) દીકરા કે દીકરીની

* જુઓ ૫૪ નમ્બર ૧૫ ની ફૂટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

दीकरी. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा० ३;

शतुलिङ्ग. पुं० (नप्तृक) पुत्रनो पुत्रःपौत्र. पुत्र का पुत्र. पौत्र. A son's son; a grandson. दस० ७, १८;

शतुलिङ्गा-या. स्त्री० (नप्तृका) दीकरी की दीकरी. पुत्री की पुत्री. A daughter's daughter. दस० ७, १८;

शतुलि. त्रि० (न्यस्त) साधुने वास्ते स्थायी राखित. साधु के वास्ते रख छोड़ा हुआ. Reserved for an ascetic. मू० १, ४; १, १५; (२) (नाथ्यन्ते वशीक्रियन्ते वृषभादयः दुःखीक्रियन्ते वासनेनेति) नाथः अश्वनी नाथ. नथनी; बैल की नाथ. a nose string by which an ox is led. नाथ० ३; भग० ६ ३३;

शतुलि. अ० (नास्ति) नहीं. है नहीं. Is not. अणुजो० १३६; नाथ० २; ३; ८; १६; भग० ३५, १२; निमी० ५, ६५;

शतुलि. पुं० (नास्तिक नास्ति जावः परलोको वा इत्येवं मानिर्यस्य) नास्तिक; अक्रियावादी. नास्तिक; अक्रियावादी. An atheist. डा० ४, ४;

शतुलि. न० (नास्तित्व) नास्तित्व; अस्तित्वनो अभाव. नास्तित्व; अस्तित्व का अभाव. Absence of existence; nihilism. भग० १, ३;

शदी. स्त्री० (नदी) नदी, नदी. A river. जं० प० डा० २, ४; (२) अ नामनो अक्ष दीप अने अक्ष समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; —मह. पुं० (-मह) नदीनो महोत्सव. नदी का महोत्सव. festivity in honour of a river. राय० २१७;

शद्वि. न० (पर्वित) अश्वद पगेरेनो अवाज

बैल इत्यादि का आवाज. Bellowing as that of an ox etc. नाथ० १;

शद्वि. त्रि० (नद्ध) आधित. बंधा हुआ. Bound tied तंदु०

शतुसग. न० (नपुंसक) नपुंसक; नाभर्द; पुत्रप नहि तेम स्त्री पत्नी नहि. नपुंसक; नाभर्द; पुरुष भी नहीं और स्त्री भी नहीं. An impotent; hermaphrodite ' ति-विहा शतुसगा पण्यता ' डा० ३, १; भग० ८, ८; —पण्यवणी. स्त्री० (-प्रजापती) नपुंसकता लक्षण अनापनारी भाषा. नपुंसक के लक्षण बताने वाली भाषा. language bearing the marks of impotence. पत्र० ११; —लिङ्गसिद्ध. पुं० (-लङ्गसिद्ध) नपुंसक पत्नी सिद्ध थाय ते. नपुंसक पत से सिद्ध हो वह. getting of salvation in the state of impotency. नदी० —वयण. न० (-वचन) नापनर अनिता शब्द. नापनर जानि क शब्द. a word in the neuter gender. जीवा० १; —वेद. पुं० (-वेद — वद्यत इति वेदः नपुंसकस्य वेदः नपुंसक-वेदः) नपुंसक वेदः त्रय वेदमते अक्ष. नपुंसक वेद. तीन वेद में से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz. that of an impotent. भग० २०, ७; मम० २१; —वेदग. पुं० (-वेदक) नपुंसकवेदगता श्रुति. नपुंसक वेद वाला जाव. a soul with the sex-feeling of impotence. भग० ११, १; १८, १; २४, १; ३५, १; —वेदय. पुं० (-वेदक) अनुशा उपेतो थप्प. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० २६, १; —वेय. पुं० (-वेद) अनुशा ' शतुसग-वेद ' शब्द. देखो ' शतुसगवेद ' शब्द. vide ' शतुसगवेद ' पत्र० २१; २३;

ठा० ६; सम० —वेयग. पुं०(—वेदक)
शुभो “ शपुंसगवेदग ” शब्द. देखो
‘ शपुंसगवेदग ’ शब्द. vide “ नपुंसग-
वेदग ” ठा० ४, ४;

शपुंसय. न० (नपुंसक) शुभो “ शपुंसग ”
शब्द. देखो “ शपुंसग ” शब्द. Vide
“ शपुंसग ” सम० २०; —वेयणिज्ज.
न० (—वेदनीय) जेथी नपुंसकपाशु वेद-
नामां आवे तेवी अेक मोहनीय कर्म्मनी
प्रकृति जिस से नपुंसकत्व-नामर्दाई का अनु-
भव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति.
a variety of Mohaniya Karma
by which a soul experiences-
the sex-feeling of an impotent.
सम० २०;

शभ. न०(नभस्) आकाश. आकाश. Sky.
सूय० १, ६, ११; आव० —सूर. पु०
(—सूर) राहु; चंद्र या सूर्यन ग्रहण करने
अेक जतनेो कालो पुद्गल. राहु; चंद्र वा
सूर्य को ग्रहण करने वाला एक जाति का
काला पुद्गल. the demon Rahu;
causing an eclipse of the sun
or moon. सू० प० २०;

शमंसण. न० (नमस्सन) नमस्कार करने
नमस्कार करना. Act of bowing to;
act of saluting. भग० ६, ३३;

शमंसणया. स्त्री० (नमस्सन) नमस्कार
करनेो ते. नमस्कार करना. Act of bow-
ing to; act of saluting. आव० २७;

शमंसणिज्ज. त्रि० (नमस्सनीय) नमस्कार
करना योग्य. नमस्कार करने योग्य.
Worthy of being bowed to;
worthy of being saluted. भग०
१०; ५;

शमंसिय. त्रि० (*नमस्सित) नमस्कार
करने; नमस्कार किया हुआ; मुका

हुआ. (One) who has bowed
to; (one) who has saluted.
भग० ४२, १;

शमण. न० (नमन) नमन; प्रणाम. नमन;
प्रणाम. A bow; a salutation.
सूय० २, २, ७;

शमणी. स्त्री० (नमनी) त्रीण गौण आज्ञा.
तीसरी गौण आज्ञा. The third of the
secondary commands. नंदी०

शमि. पुं० (नमि) नमि नामना अेक राजर्षि
के जे अनेक शंकु अडपडे छे अने अेकनो
अडपडाइ थतो नथी अेटता उपरथी वैराग्य
पामी दीक्षा लभ मोक्षे पावुंवा; चार प्रत्येक-
बुद्धमाना अेक प्रत्येकबुद्ध. नमि नाम का
राजा कि जो अनेक बंकण का खडखडाहट
होता है परन्तु एक की आवाज नहीं होनेसे
वैराग्य प्राप्त कर दाक्षा ले, मोक्ष को पहुंचे;
चार प्रत्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध.
King Nami who marked that
more bangles than one collide
against each other (when the
hand that wears them is in
motion) and make a sound. He
also marked that one bangle
does not produce that sort of
sound. So he became an
ascetic and got salvation; he
is one of the four Pratyeka
Buddhas. उत्त० १८, ४२; (२)
अेकवीशमा तीर्थकरनुं नाम. एकवीशवे
तीर्थकर का नाम. name of the 21
st Tirthankara. अशुजो० ११६;
सम० १५; (३) वैताड्यनी उत्तर श्रेष्ठिमाना
विद्याधरनो राजा वैताड्य की उत्तर श्रेष्ठिमे
के विद्याधरों का राजा. name of a king
of the Vidyādharas residing

in the northern part of Vaitā-
dhyā. जं० प० (४) अंतगड दशा सूत्रना
पलेना अध्ययनामां वेतो अधिकार छे
येवा ऐक साधु. अंतगड दशा सूत्र के पहिले
अध्ययन में जिसका अधिकार है ऐसा एक
साधु. name of an ascetic des-
cribed or mentioned in the
first chapter of Antagadāśā
Sūtra. ठा० १०;

शमिपव्वज्जा. छां० (नमिप्रवज्जा) ओ
नामनु उत्तराध्ययननुं व भुं अध्ययन. इ
नामका उत्तराध्ययन का व वां अध्ययन.
Name of the 8th chapter of
Ut arādhyaṇa. सम०

शमिय. त्रि० (नत) नम्र. नम्र. Bent;
low; humble; bowed down.
'कुसुम फलभार शमियपाला' जीवा० ३;
जं० प०

शमस्कार. पुं० (नमस्कार) नमस्कार. नमस्कार.
A bow; a salutation. दश० ५, १.
६३;

शमुदय. पुं० (नमुदय) ओ नामने ओशानने
ओक श्रावक. इस नामका गोशाला का
एक उपासक-श्रावक. A layman-follow-
er of Gośālā. भग० ७, १०;

शमो. अ० (नमस्) नमस्कार करने ने
नमस्कार करना. Act of bowing or
saluting; salutation. नाया० १;
६; १३; १६; नाया० ध० भग० १५, १;
२३, १; २५, १३; २६, १; जीवा० ३, ४;
ओव० १२; अणुत्रो० १२६; जं० प० ५,
११६; ११२; ११७; ११५;

शमोकार. पुं० (नमस्कार) नमस्कार.
नमस्कार. A bow or salutation.
आव० १, ६;

शमोकार. पुं० (नमस्कार) नमस्कार.

नमस्कार. A bow; a salutation.
नाया० १;

शय. अ० (नच) नहि नहीं. No; not.
सम० प० २३१;

शय. त्रि० (नत) नम्र थयेन; नम्रेन. नम्र;
कुका हुआ. Bent low; modest;
humble; (one) who has bowed.
जं० प० ३, ५७; सूय० १, २, २, २७;

शय. पुं० (नय - नयत्यनेकांशात्मकं वस्त्वेकां-
शा वलम्बनेन प्रतीति पथमारोपयति नयिते
ऽनेनास्मिन् वेति नयः) अनेक धर्मवादी
परनुता ओक धर्मता ओध करावतार अभि-
प्राय; नैगम आदि सात नयमानो गमेने ओक.
अनेक धर्मावलंबी वस्तु के एक धर्म का बोध
कराने वाला अभिप्राय; नैगम आदि सात नय
में से कोई भी एक. Any of the
seven stand-points viz. Naigama
etc; a stand-point showing one
of many aspects of a thing.
पञ्च० १; १६; नाया० १; भग० ७, ३; १८,
६; (२) मत; दृष्टि; अपेक्षा. मत; दृष्टि;
अवेक्षा. view; point of view. सू०
प० २०० — अंतर. त्रि० (-अन्तर) ओ
नयनी वस्तुने तदायतः दृष्टि मत भेद. नय
के मायस्य का अंतर; दृष्टि-मत भेद. differ-
ence between two points of
view or stand-points. भग० १, ३;
— गइ. छां० (-गति) नैगम आदि नये. अ
प्रातः प्रेताता मतनु पाषण्ण-स्थापन करवुं
ने. परस्पर सापेक्ष सर्व नयेथी प्रमाणुने
आध न आवे तेरी रीते वस्तुनु व्यवस्थापन
करवुं ने नैगम आदि नयो से अपने अपने
मत का पाषण्ण स्थापन करना; परस्पर सापेक्ष
सर्व नयो से प्रमाण का बाध न आवे इस रीति
में वस्तु का व्यवस्थापन करना. estab-
lishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पक्ष० १६; —निउण. त्रि० (-निपुण) नैगम आदि नयमां निपुण -कुशल. नैगम आदि नयमें निपुण कुशल. proficient, well versed in the stand-points viz. Naigama etc. सम० १; —अपहाण. त्रि० (-प्रधान) नयनी अंदर प्रधान. नय के अंदर प्रधान. the chief or principal among the stand-points. राय० —विहिं पुं० (-विधि) नयना प्रकार. varieties of stand points; various modes of stand-points. नाया० १; —विहिरणु. त्रि० (विधिज्ञ) नयना प्रकारने जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand points नाया० १;

लक्षण न० (नयन) आंख; नेत्र; अक्षु.
 आंख; नेत्र; चक्षु An eye. नाया० १;
 ८; ६; १७; मग० ३, २; ६, ३३; ११
 ११; जीवा० ३, ३; राय० २७; ओव०
 —आणेंद्र. पुं० (-आनन्द) आंखों
 आनन्द. आंख का आनन्द. delight of
 the eyes. नाया० १; —विष. न०
 (-विष) आंखों में भर रहा गुस्से.
 आंख का विष-राग-क्रोध. resentment
 or anger expressed in the
 eyes. नाया० ६; —वर्ण पुं० (-वर्ण)
 आंखों का रंग. आंख का रंग. colour of
 the eyes. नाया० ८; —माला स्त्री०
 (-माना) आंखों में डींगें मारने वाली
 आंखों की पंक्ति आंखों में खड़े हुए मनुष्यों
 की आंखों की पंक्ति a line or
 series of the eyes of persons

standing in rows. भग० १, ३३;
—क्रीया. खी० (—कीका-कलामिका)
नेत्र-आंख की डोरी. नेत्र-आंख की पुतली.
the pupil of an eye. राय० २७;
आव०

लयर. न० (नगर) नगर; जहाँ दुकानें बसे
 उपर कर न होय। तब शहर. नगर; जहाँ
 हलकी वस्तु के ऊपर कर न हो ऐसा शहर.
 A town; a city; a town in
 which taxes are not levied
 on trivial articles. नाया० १; ८;
 १३; १४; १६; मग० ३. १; ४, ६; १६,
 ७; ओव० १७; ३२; —गुतिग्र-य पु०
 (-गोष्ठक) नगर रक्षक; Kotawāl. नगर
 रक्षक; Kotawāl. a protector or
 guard of a city; a Kotawāl. ओव.
 ३०; नाया० २; —निगम पु० (-निगम)
 नगरवा निगम-वासी; वापसी नगर के
 निगम महाजन-व्यापारी. a trader re-
 siding in a city. नाया० २; —बली
 वड. पु० (-बलीवड) नगरवा भुंटीवा
 भुंटी. नगर का बाँह. a bull
 roaming a city. दिवा० २; —म
 हिला; स्त्री० (-महिला) नगरवा स्त्री-
 वती. नगर का स्त्री-वासी. a woman
 residing in a city. नाया० २;

रायसी. ज्ञा० (नगरी) नगरी. राजधानी.
शब्द०. नगरी; पाटनगर. A city, a
capital-city. नाया० १, २; ४, ५; ६;
भग० ३, १; जं० ५० ७, १३८; १, १;
राय० ४;

सुख. पुं० (नर) नरः; मनुष्यः पु३१. नरः;
मनुष्यः पु३५. A man; a person;
a human being. नाया० १; ७; ८;
राय० ४३; जं० प० ५, ११४; —अद्विज
पुं० (—आध्वर) राज्ञः राजा. a king.

“ कुंभूनामशरहिवो ” उत्त० १८, ३६;
—(री) ईसर. पुं० (-ईश्वर) राजा. & king. “ इक्ष्वा गुणाय वसहो कुंभूनाम नरीसरो ” उत्त० १८, ३६; —द्व. पुं० (-देव-नरेषु देवा नरदेवाः) चक्रवर्ती. & Chakravartī; a lord of men. डा० ५, १; (२) ओ नामने ऋषभदेव स्वामिने ओक पुत्र. हम नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र. name of a son of Rishabhadeva Swāmi. कण० ७; —णारीसंपरिवुड. त्रि० (-नारीसंपरिवृत) नरनारी थी घेरा-गेरा. नरनारी से घिरा हुआ. surrounded by men and women. पगह० १, ३; —दुग. न० (द्विक) मनुष्य गति अने मनुष्यानुपूर्वी ओ ओ प्रकृति मनुष्य गति और मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृत two Karmic varieties named Manusya Gati and Manusya-nupurva क० ग० ३, ८; —रुहिर न० (-रुश्विर) मनुष्य के रक्त. मनुष्य का रुधिर. human blood. राय० —वरीसर पुं० (-वरेश्वर) श्रेष्ठ राजा. the best among kings; an excellent king. “ सगरंते चत्ताणं भरहं नरवरीसरो ” उत्त० १८, ४०; —वमह. पुं० (-वृषभ) उत्तम आदम प्रधान गुणवाला; उत्तम पुरुष नरो में प्रधान गुण वाला; उत्तम पुरुष the highest or best among men. an excellent person. पगह० १, ४; —विग्रहगह. स्त्री० (-विग्रहगति) मनुष्य की विग्रह गति; विग्रहगति गतिमांशी यरी उत्तम पांडे आदि मनुष्यनी गतिमां आवे ते. मनुष्य की विग्रह गति; कोई भी गति में से चक्कर चलायमान होकर जाव अनियमित रीति में

मनुष्य गतिमें जाता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process. डा० १०; —संघाडग. न० (-संघाटक) नर-मनुष्यने समूह. नर-मनुष्य का समूह. a multitude of men. ज० प० —सिरमाला. स्त्री० (-शिरोमाला) पुरुषाना माथानी माला. पुरुषों की शोषणियों की माला. a garland of human skulls. नाया० ८; —सीह. पुं० (-सिंह) पुरुषमां सिंह समान. पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men. नाया० १६;

शूरश्रय पुं० (नरक) नरक. नरक. Hell. आया० १ १, २, १६; दसा० ६, १; ४; नाया० २; १६; भग० १५, १;

शूरकंताप्रवाय. न० (नरकान्ताप्रपात) नरकान्ताप्रपात मन्दर पर्वतनी उत्तरमां नर-कान्ताप्रपात नदीना प्रवाय. जंबूद्वीप के मन्दर पर्वत के उत्तर की नरकान्ता नदी की धारा. The fall of the river Narakanta in the north of the mount Mandara of Jambū Dvīpa. डा० २, ३;

शूरकंता. स्त्री० (नरकान्ता) रुक्मि पर्वतना मध्य पुंडरीक प्रदमथी स्थित नरक नीलेश्वरी मयावती रुक्मि पर्वत के महान्दर में से दक्षिण तरफ निकला हुई महान्दर. A great river rising from lake Mahāpundarika on mount Rukmi and flowing in the south. डा० २, ३; ज० प० ४, १११;

—कूट न० (-कूट) रुक्मि पर्वत उपरना आः कूटमांनुं आथु कूट-शिखर. रुक्मि पर्वत के ऊपर के आठ कूट में से चौथा कूट

शिरः. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. जं० प०

शरग. पुं० (नरक—नरान् कायेन्ति शब्दयन्ति योग्यताया अनियत क्रमेणाऽऽकारयन्ति जन्तुन् स्वस्वस्थाने इति नरकाः) नरका-वासा; नारकीनां श्रवणे रहैवानां स्थान. नरकावासा; नारकी जीवों को रहने का स्थान. A hell-abode for sinners. ठा० ४, १; पञ्च० २: —आवास. पुं० (—आवास) नरकावासा; नारकीनां स्थान. नरकावासा; नारकी का स्थान. a hell-abode. ठा० ८; —इन्द्र पुं० (—इन्द्र) भेदाभां भेदेति नरकवासो. बड़ से बड़ा नरकावासा. the largest hell-abode. ठा० ६; —तल. न० (—तल) नरकनु तलु. नरक का तल. the bottom of hell. दस० ६, १; —वाल पुं० (—पाल) नरकना रक्षक पक्षर जनना परमाधर्मिक. नरक के रक्षक; पन्द्रह जाति के परमाधर्मिक. any of the 15 kinds of the torturers or guard of hell called paramādharmikas. सूय० नि० १, ५, १, ७४; —विभक्ति. स्त्री० (—विभक्ति-विभाजितं विभक्तिः नरकाणां विभक्तिः नरक विभक्तिः) नरकना विभाग. नरक के विभाग. subdivisions of hell. (२) तेषु प्रतिपादन करनार सूयगङ्गा सूत्रनु पांयभु अध्ययन. उसका प्रतिपादन करने वाला सूयगङ्गा सूत्र का ५वा अध्यायन. the 5th chapter of Sūyagadāṅga dealing with the above. सूय० १, ५, १; सम०

शरगस्त. न० (नरकव) नारकी पातु. नारकी पन. State of a hell-being. मग० १२, ७;

शरवद्. पुं० (नरपति) भाष्यसूत्रो स्वाभि-नायक; राज्ञ. मनुष्य का स्वामी-नायक; राजा. A lord of men; a king. नाया० १; ६; १६; ओव० ३१; पण्ड० २, ४; जं० प० ३, ४३; —दत्तपयार. पुं० (—दत्तप्रचार) राज्ञे आपेक्ष सत्ता. राजा की दी हुई सत्ता-अधिकार. power conferred by a king. नाया० १६; —द्वि-राणपयार. पुं० (—दत्तप्रचार) ओयो उपदेश २७६ देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १६;

शरिद. पुं० (नरेन्द्र नरेण्ड्रो नरेन्द्रः) राज्ञ; अक्षरती आदि. राजा; चक्रवर्ती आदि. A king; a Chakravartī etc. पण्ड० १, ४; ओव० नाया० १; ८; —सप्तह. पुं० (—सृष्टम) भेदेति राज्ञ. बड़ा राजा. a great king; a sovereign prince. “ एवं नरिद्वयमहा निरुल्लंघ्य जिह्ममासये ” उत० १८, ४१;

शरीसरत्न. न० (—नरेश्वरत्न) नरेश्वरपत्यु. राजपत्यु. राजान; वृत्ति Kingship; royalty. “ मामगच्छ मनुष्ये धर्माद्यो शरीसरत्नकणैः ” पञ्चा० ३, १७;

शूल पुं० (जल) ऐक जननी वनस्पति; नक्ष. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, १; ठा० ५, २;

शूलदाम. न० (जलदामन) ऐ नामनी ऐक यथुकर. इस नाम का एक कटा बुनने वाला; जुलाहा. Name of a weaver. ठा० ४, ३;

शुल्लिण. न० (नल्लिण) थोड़ा रंगु कमल. कमल; थोड़ा लाल कमल. A lotus; a reddish lotus. जीवा० ३, १; राय० ४८; नाया० ६; पञ्च० १; (२) ८४ क्षात्र नक्षि-नांग प्रभाष्युने क्षात्र निक्षाम. ८४ लक्ष नक्षि-नांग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 laes of Nalināghas. अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५; (३) नभिन विमान; सातमा देवलोकनुं ओ३ विमान ओनी स्थिति सतर सागरोपमनी छे; अ देवता साआआआ भासे आसोआस ले छे ओने सतर ह्मर वपे क्षुधा लागे छे. नलिन विमान; सातवे देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति सतरह सागरोपम की है; ये देवता साडे आठ मास में आसोआस लेने हैं और उन्हें सतरह सदस्र वर्षों में क्षुधा लगता है. a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sagaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years. सम० ११५ (४) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण आसानी में नरकस्थी सत नी विजय पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की मेरु के नरफे सातवीं विजय. the 7th Vijaya of the southern part of western Mahāvideha, from the side of Meru. जं० प० (५) सातवीं विजयने राजा सातवीं विजय का राजा the king of the 7th Vijaya. जं० प० (६) जम्बू सुदर्शन की पर्वतों में आवेदी ओ३ बाव. जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावड़ी. a well in the west of Jambū Sudarśana. जं० प०

एलिसंग. न० (नलिनगुह) ८४ भाग पद्म प्रमाणने काल विभाग ८४ लक्ष पद्म प्रमाण का काल विभाग. A period of time measuring 84 laes of Padmas. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५;

एलिसंग. पुं० (नलिनगुह) सीता महावतीने

उत्तर किनारे अने आवर्त विजयनी पूर्व सरहद उपरने वपारा पर्वत. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर और आवर्त विजय की पूर्व सरहद के ऊपर आया हुआ बखारा पर्वत. A Vakhārā mount on the eastern border of Āvarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sītā. जं० प० ४, ५; ठा० २, ३; ३, ३; ४, २; एलिसंग. पुं० (नलिनगुह) अक्षिप्त राजनी श्री नलिनगुहमाने पुत्र. अक्षिप्त राजा की श्री नलिनगुहमा का पुत्र. A son of Nalinaguhman the wife of king Śaṅkha. (२) महापद्म स्वामी वपारने राजा महापद्म स्वामी के समय का राजा a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmī. ठा० ८; (३) आसमा देवलोकनुं ओ नलिनगुह ओ३ विमान आठवे देवलोक का इस नाम का एक विमान name of a heavenly abode in the 8th Devaloka. सम० १८;

एलिसंग. न० (नलिनवन) पुष्पलावती विजयमें पुष्पलावती नदीनी उत्तर-पश्चिम दिशामें आवेदुं ओ३ उद्यान. पुष्कलावती विजय में पुष्पलावती नदी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान. A garden in the north-west of the town named Puṣṭalavati in Puṣkalavati Vijaya. नाया० १८; १६;

एलिसंग. स्त्री० (नलिन) ओ३ बावनुं नाम. एक बावड़ी का नाम. Name of a well. जीवा० ३, ४;

एलिसंग. न० (नलिनवन) पद्मलावती वन. पद्मलावती का वन. A forest of lotus-creepers. नाया० १;

शुद्धि. श्री० (नलिनी) कमलिनी; पद्म-
लता. कमलिनी; पद्मलता. A lotus-
creepers. ओ३० नाया० १३;

शुद्धिवाण. न० (नलिनीवन) ओ३ नामनुं
ओ३ उद्यान. इस नाम का एक उद्यान-
बगीचा. Name of a garden. नाया०
१४;

शुद्धि. त्रि० (नवन्) न०; १. नौ; ६. Nine;
१. "शुद्धिमासाण" नाया० १४; भग० १२, ६;
१४, ६; २०, ६; २४, १; २४. ६; २५, ७; ३१,
१; नाया० १; १४; १६; १६; निरी० १४,
१२; म० १; जं० १० ७, १४६; —आयय.
पुं० (—आयय) न० १४५ अथ १४५. नौ हाथ
की लम्बाई. length measuring
nine arms (an arm from the
tip of the middle finger to
the elbow). नाया० १; —कोडि-
परिसुद्धि. त्रि० (—कोटिपरिसुद्धि) न०
प्रकार्थी शुद्धि-निर्दोष. नौ प्रकार से शुद्धि-
निर्दोष. faultless or pure in nine
modes or ways. " नवकोडि परिसुद्धि
भिक्षु पश्यन्ते " ठा० ६; —च्छिद्र. त्रि०
(—च्छिद्र) न०, ६ छिद्र वायु. नौ छिद्र
वाला. having nine holes. तं०
—जोयण. पुं० (—योजन) न० योजन.
नौ योजन. nine Yojanas (1 Yo-
jana = 8 miles). नाया० ८; —जोयण-
विच्छिन्न. त्रि० (—योजनविस्तार) न०
योजन विस्तृत. नौ योजन विस्तृत. having
an extent of 9 Yojanas. नाया० ८;
—जोयणिय. त्रि० (—योजनिक) न०
योजनकी लम्बाई वाला. of the length of nine
Yojanas (1 Yojana = 8 miles).
" जं०दीवेणं दं० नवजोयणिया मच्छा "
ठा० ६; —शुद्धि. श्री० (—नवति) ६६;

नवायुं. निन्यानवे. ninety-nine. सम०
६६; जं० १० ७, १३२; १४७; —शुद्धि-
मिया. श्री० (—नवमिका-नव नवमानि
दिनानि यस्यां सा नवनवमिका) न० न० ६६-
८१ दिवसनुं ओ३ अभिग्रह-तप, ७२मां
ओ३ दिवसे अथ ११ नवनव दिवसे ओ३
दात अन्न पाणीनी वधारतां न० दात सुधि
वधारी शक्य छे; न० दात उपरांत कोष्ठपण्य
दिवसे अन्न पाणी ले वाय नदि ओ३ रीते
८१ दिवस सुधि करवानुं तप. नव नवक = १
दिन का अभिग्रह-तप, जिसमें एक एक दिन
को अथवा नौ नौ दिन को एक एक दात
अन्न जल पी डालते बहाने नौ दात पर्यन्त
बढ़ाई जा सकी है. नव दात के सिवाय अन्य
कोई भी दिन को अन्न पानी लिया न जाय
इस प्रकार ८१ दिन तक करने का तप. an
austerity, so named, lasting
for 81 days, in this austerity
food and water are limited
to the maximum amount of 9
Dāṭa (a measure). Starting
with the minimum of one
Dāṭa. The performer of
this austerity may increase
one Dāṭa every day or every
nine days. ठा० ९; ओ३० १५; म०
—पय. पुं० (—पद) यत्तमात्रे; यत्रिओ
छत्यादि न० पद. चत्तमात्रे; चत्तिह इत्यादि
नौ पद. nine verbal forms such
as Chāṭamāṇe, Chāṭie etc. भग०
१, १; —पुर्व. न० (—पूर्व) न० पूर्व
—शास्त्र. नौ पूर्व-शास्त्र. nine Pūrvas
or scriptures. भग० २४, ६;
—वर्मचर. न० (—वर्मचर्य) न० प्रचारनुं
अन्वयर्थनुं प्रतिपादन करनेवाला आचारंग
सूत्रनो प्रथम श्रुत २६५; आचारंगना पहेलां

नव अध्ययन. नौ प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रति-
पादन करनेवाला आचाराङ्ग सूत्र का प्रथम अत-
स्कंध; आचाराङ्ग के प्रथम नौ अध्ययन. The
first nine chapters of Āchā-
rāṅga explaining the nine
modes of continence निसा० १६,
१८; —विगह. स्त्री० (-विकृति) दूध दूध
धाँ तेज वगैरे नव प्रकारकी विकृति विगय.
दूध, दही, घी, तेल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति
विगय. nine kinds of trans-
formations e. g. milk, curds,
ghee, oil etc. “ शब्द विगहश्चो पण्य-
ताश्चो ” ठा० ६; —हस्तुस्मेह. पुं०
(-हस्तोस्मेह) नव हाथकी उँचाई. नौ
हाथ की ऊँचाई. height measuring
nine arms-length. नाया० ध०

शुव. त्रि० (नव) नवीन; नयुं; नयुं. नवीन;
नया; ताजा. New: fresh: novel.
नाया० ९; १२; सम० २०; श्रौत० सू० च०
१, ३१८; —गिम्हकालसमय. पुं०
(-ग्राष्मकालसमय) नूतन श्रौत श्राद्ध.
नया ग्राष्म काल. opening summer.
नाया० १; —ग्रह. पुं० (-ग्रह) नयुं
ग्रहण करनेवाला. नया ग्रहण करना. new
or fresh acceptance. सूय० १, ३,
२, ११; —घडय. पुं० (-घटक) नया
घड़ा. नया घड़ा. a new pot; a
new-made pot. नाया० १२; —पज्ज-
यण. न० (-पायन) दोड़ाने. नापना
नापनी तीक्ष्ण करी पाण्डु पाण्डुमां नापयुं
ते; नयुं पाण्डु यशयुं ते. लोहे को ताप में
डाल ताड़ण कर के पुनः पानी में डालना;
नया पानी चढ़ाना. act of dipping
heated and sharpened iron
again into water, with a view
to make it stronger. “शब्दपञ्च-

शब्दं असिषण्यं पाडसाहरिया ” भग०
१४, ७; नाया० ७; —सादुल. न० (-शा-
दुल) पुरतनुं उधेयुं धास. ताजा उगा
हुआ घास. fresh-grown grass.
नाया० १; —सुत्त. त्रि० (-सूत्र) नया
सूत्र यातुं. नये सूत्र वाला. having or
consisting of new-spun thread.
“ आसंदियं च नवसुत्तं पाडहाई संकम-
ट्ठाण् ” सूय० १, ४, २, १४; —सुरभि.
पुं० (-सुरभि) नूतन सुगन्ध. नया
सुगन्ध. fresh, new perfume.
नाया० १;

शब्द. स्त्री० (नवति) नवती संख्या; ९०.
नवति की संख्या; ९०. Ninety; 90. जं०
प० २, ३३;

शुवंग. न० (नवाङ्ग) भे श्रुत, भे आंभ, भे
नासिका (श्रोत्र) श्रुत, स्पर्श अने भव
भे नव अंग जगृत यथां शुवान्ती प्रगटे
ते. दो कान, दो आंख, दो नासिका, जिह्वा,
स्पर्श और मन ये नौ अंग जागृत होने पर
युवावस्था प्रकट होती है. The nine
organs or senses viz. two ears,
two eyes, two nostrils, tongue,
touch and mind (which in
their bloom cause puberty).
सूय० २६१; नाया० ३; —सुत्तपडियो-
हिया. स्त्री० (-सुत्तपडिबोधिता-नवाङ्गानि
कर्णादि लक्षणानि सन्ति प्रतिबोधितानि
यौवनेन यस्याः सा तथा) नव यौवना स्त्री.
नव यौवना स्त्री. a woman in her
prime. त्रिवा० २, १; वव० १०;

शुवणीइया. स्त्री० (नवनीतिका) ओषध प्रकारकी
वनस्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A
kind of vegetation. “ शुवणीया
गुम्मा ” जं० प० पक्ष० १;

शुवणीश-य. न० (नवनीत) भाषण. मकलन.

Butter. भग० ११, ११; १८, ६; नाया० १; पञ० ११; निसी० १, ५; ओव० ३८; ठा० ४, १;

एवनीत. न० (नवनीत) भाष्य. मक्खन.

Butter. सू० प० १०; जीवा० ३, ४; ओव०

एवम. त्रि० (नवम) नयमे-ग्री-मु. नौवां-वाँ. Ninth. नाया० ६; १६; भग० २४, १२; २०; नाया० ध० ६;

एवमालिया. स्त्री० (नवमालिका) ऐ नामनी ऐक वेव. इय नामकी एक बेल. A kind of creeper. कण० ३, ३७;

एवमिया. स्त्री० (नवमिका) द्विपुरुषना ईन्द्र सुपुरुषनी ग्रीष्म पट्टराणी. किपुरुष के इन्द्र सुपुरुष की दूसरी प्रधान रानी. The 2nd crowned queen of Supuruṣa the Indra of the Kimpuruṣa kind of gods. ठा० ४, १; (२) देवेन्द्र की छठी पट्टराणी; देवेन्द्र की छठी प्रधान रानी. the 6th among the crowned queens of Devendra. (३) मन्दर पर्वतनी पश्चिमे आवेला रुचक पर्वतना रुचकोत्तम नामना कूट-शिखर-उपर वसतारी ऐक दिशा-कुमारी. मन्दर पर्वत के पश्चिम ओर आये हुए रुचक पर्वत के रुचकोत्तम नाम के कूट-शिखर के ऊपर बसने वाली एक दिशा-कुमारी. a Disākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. ठा० ८; जं० प० ६, १२२; (४) नवमिका देवी. नवमिका देवी. the goddess Navamikā. नाया० ध० ५; ६; जं० प० ५, ११४;

एवमी. स्त्री० (नवमी) नोम. नौमि. The

9th day of a fortnight. जं० प० २, ३०; —पक्ख पुं० (—पक्ख—नवम्या-स्तिथेः पक्खो ग्रहो यस्य तिथिमेकपातादिषु तथा दशनास्तिथि पाते तत्कृत्यस्तादृमे क्रिय-माणत्वात्सनवमीपक्खः) जेमां नेमने सभावेश थतो होय तेनी आहम जिस में नामि का समावेश होता हो ऐसी अष्टमी. the 8th day of a fortnight which includes also the 9th.

“चित्त बहुलस्स नवमी वक्खे.” जं० प० ३;

एवय पुं० (नवत) ऐक जगत्तु उततुं कपड. एक जाति का ऊनी कपडा. A kind of woolen cloth. नाया० १;

एवरं. अ० (नवरम्) पण्य आटतुं निशे परन्तु इतना अधिक But this much in addition; but this much besides. ओव० नाया० १; ८; १२; १६; भग० १, १; ३, १; ३, २; ६, ४; ७, ३; १२, १; २४, १२, जं० प० ७, १३५ ५, ११६;

एवरिं. अ० (नवरं) अन्तर; पूर्वना अन्ति-देश इतरां कंसक विशेषता द्योतक. अन्तर; पूर्व के आन्तदेश की ओर का कुछ विशेषता द्योतक. Moreover; besides. जं० प०

एवला पुं० (नवलक) जगत्तु. जाल. A net. नंदो०

एवसिरीस. पुं० (नवसिरीष) ऐक जगत्तु वृक्ष एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. नाया० १;

एवहा. अ० (नवधा) नव प्रकारे. नौ प्रकार से. In nine modes or ways. भग० १२, ४;

एविय. त्रि० (नव्य) नव. नया. New; novel. नाया० १८;

एवसण. न० (न्यसन) भुक्तुं; आरोपण करतुं ते. रखना; आरोपण करना. Act of leaving; act of attributing. जीवा० १;

शस्त्रमात्र. त्रि० (नश्यत्) सम्भार्गधी
अक्षायमान थतो-विभुय थतो. सम्भार्ग से
चलायमान होता हुआ Sliding back,
falling off from the right path.
उवा० ७, २१८;

खड्ग. न० (नभस्) आकाश. आकाश. Sky.
firmament. दस० ७, ५२;

खड्ग. पुं० (नख) नख. नख; नाखुन. A
finger-nail. नाया० १; ४; ८; भग० २,
१; आया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३;
जीवा० ३, ३; राय० २२; स्य० २, २, ६;
(२) करण; देयु. कर्जा; ऋण. a debt.
तंदु० सम० —छेदणय. न० (—छेद
नक) नख उतारवानुं दधीअर; नरेणी.
नाखुन उतारने का औजार; नेरनी an
instrument for pairing
finger-nails. आया० २, १, ७, १;
—छेदणय. न० (—छेदन) नख छेदन
करवानुं ते. नख छेदन करना. act of pair-
ing the finger-nails. विवा० ६;
—सिर. न० (—शिरस्) नखतो अग्र-
भाग. नख का अग्रभाग. the fore-part
or tip of a finger-nail. भग० ५,
४; —सिहा. जी० (—शिखा) नखतो
अग्रभाग. नख का अग्रभाग. the fore-
part of a finger-nail. निसी० ३, ४१;

खड्गयल. न० (नभस्तल) आकाश.
आकाश. Sky; firmament. नाया० १;

खड्ग. अ० (नहि) नहि. नहीं. No; not.
नाया० ६;

खाअ. त्रि० (ज्ञात) ज्ञातुं. जाना हुआ.
Known. ओव० (२) न० दष्टांत. दष्टांत.
illustration. वेय० ३, २०;

खाई. अ० (नञ्) नहि. नहीं. No; not. नाया०
५, ७; —पुज. त्रि० (—पूज) अपूजनीय;
पूज्यनहि. अपूजनीय; पूजा के अयोग्य. not

deserving worship or rever-
ence. नाया० ७;

खाइ. जी० (ज्ञाति) ज्ञाति; ज्ञाति; नात.
ज्ञाति; जाति. A community; a
caste; kin. (२) सम्प्रतीय; मातापिता-
दि सम्प्रधी. सजातीय; मातापितादि संबंधी.
of the same class. relatives.
नाया० १; २; ४; ५; ७; ६; १४; १६;
१८; भग० १६, ५; १८, २; ओव० ४०;
उत्त० १३, २३; स्य० १, २, १, २२; २,
१, ३५; नाया० ध० —संभ. पुं०
(—संग) माता. पिता, पुत्र, स्त्री
आदिना संग-साथ. माता, पिता, पुत्र,
स्त्री आदि का संग. a family consist-
ing of mother, father, wife,
son etc. स्य०; १, ३, २, ९;

खाइ. त्रि० (ज्ञातिन्) ज्ञेने सर्व पदार्थो
ज्ञात-ज्ज्ञेता छे ते; सर्वज्ञ. जिसको सर्व
पदार्थ ज्ञान विदित हैं वह; सर्वज्ञ. Omni-
scient; (one) to whom all
things are known. स्य० २, ६,
२४; डा० ५, ३;

खाइ. अ० (नाति) थोडुं; अल्प. थोडा;
अल्प. Not much; a little. भग०
८, १०; —कटुय. त्रि० (—कटुक)
थोडुं कटुं. थोडा कटवा. not very
bitter. नाया० १; —विगट. त्रि०
(—विकट) अत्यन्त दीर्घनहि. अत्यन्त
दीर्घ न हो वह. not very long or far
off; not excessively long. विवा०
३;

खाइय-अ. त्रि० (नादित) नाद करेय;
पःछ दे उडित. नादित; नादसे गुंज रही
हुई; गुंजाहुआ. Sounded; reverbe-
rated; ringing with a loud
sound. नाया० १; ज० प० ५, ११७;

श्रीव० ३१;

शाङ्ख्य. पु० (नागिल) आर्य वज्रसेनना
अतिवासी, केनेना उपरथी आर्य नागिला
शाखा निकली. आर्य वज्रसेन का शिष्य कि
जिसके ऊपरसे आर्यनागिला शाखा निकली.
Name of the disciple of
Ārya Vajrasena from whom
the offshoot named Ārya
Nāgilā originated. कण० ८;

शाङ्ख्य. त्रि० (ज्ञातिमन्) स्वजातीय;
नातिशे. स्वजातीय; अपनी ज्ञातिवाला.
Of one's own caste or com-
munity. 'मित्तवं शाङ्ख्यं होह' उक्त० ३,
१८;

शाङ्ख्य. पु० (ज्ञात्वा) ज्ञातीने; समझते.
जान कर; समझ कर Having known
or understood. श्रीव० १४; पंचा० ६, २०;

शाङ्ख्य. पु० (नाग-गच्छुनीति गः, न गः
अगः गतिहीनः न अगः नागः, चलन धर्म-
संयुक्तः) भवनपति देवानी नागकुमार नामे
ऐक ज्ञान; केना मुमुक्षुमां सर्पनी देवतुं
चिन्तुछे तेनी ऐक देवतानी ज्ञान; नागकुमार.
भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक
जाति; जिसके मुकुटमें सर्प के फण का
एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति;
नागकुमार. A class of Bhavan-
pati gods called Nāgakumāra
gods; a class of gods whose
diadem bears a sign of the
hood of a serpent. नाया० २; ८;
श्रीव० २३; जीवा० ३, ३; (२) नाग
वंशमां उत्पन्न थयेस. नाग वंशमें उत्पन्न.
born in the family of
Nāgakumāra gods. जं० प० ३, ४५;
(३) हाथी. हाथी. an elephant. श्रीव०
३१; भग० ६, ३३; १२, ८; जीवा० ३, ३;

(४) नागकुमार देवतानो महोत्सव. नाग-
कुमार देवता का महोत्सव. a festivity
of the Nāgakumāra gods. नाया०
१; (५) सर्प. सर्प. a snake; a serpent.
श्रीव० (६) आर्यरक्षितना शिष्य. ऐ नागना
आचार्य. आर्य रक्षित के शिष्य; इस नाम के
आचार्य. a preceptor so named;
a disciple of Āryarakṣita. कण०
८; (७) नाग केसर; ऐक ज्ञानतुं ज्ञान
नागकेसर; एक जाति का वृक्ष a kind of
tree. (८) ८ भा तीर्थ करतुं यैत्य २३. ८वें
तीर्थकर का चैतव वृक्ष. a sacred tree in
memory of the 8th Tirthaṅkara.
सम० प० २३३; (९) अभावस्थानी राते
आयानुं यार (ध्रुव) स्थिरकरणमांनुं त्रींनुं
ध्रुव. अभावस्था का रात्रि को आन वाला
चार (ध्रुव) स्थिर करण में से तीसरा करण.
the third of the four Dhruva
Karaṇas falling on the night
of the dark-half of a month
जं० प० ५, ११६; (१०) ऐ नाभने ऐक
द्वीप अने ऐक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप
और एक समुद्र. name of an island,
also name of an ocean. पञ्च० १४;
सु० प० १६; जीवा० ३, ४; (११) वल्गु
विजयनी पूर्व सरहद परने. वल्गु पर्वत
वल्गुविजय की पूर्व सीमा पर आया वल्गु
वस्त्रा पर्वत. a Vakhārā mount on
the eastern boundary of
Vālguvijaya. जं० प० इन्द्र. पु०
(- इन्द्र) नागकुमारना ईन्द्र. नाग-
कुमार का इन्द्र. the Indra of
the Nāgakumāra gods. 'असुनिद
सुरिंदयागिदा' सम० कण० ८; नाया० ८;
- गगद्. पु० (- गगद्) नागदेवताना
आवेशथी थयेस रोग; जपर वजरे. नाग

देवता के आवेश से उत्पन्न रोग; ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nāgakumāra god e. g. fever etc. जीवा० १, १; —घर. न० (—गृह) नागदेवतानुं घर. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nāgakumāra god. नाया० ८; —जलण. पुं० (—यज्ञ) नाग देवता की पूजा; (महोत्सव). नाग देवता की पूजा; (महोत्सव). a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. नाया० ८; —जला. स्त्री० (—यात्रा) नागदेवता की यात्रा. नागदेवता की यात्रा. a pilgrimage to propitiate Nāgakumāra gods. नाया० ८; —घर. पुं० (—घर) हाथी के पकड़नेवाला मनुष्य. a person who catches an elephant. ओव० —पडिमा. स्त्री० (—प्रतिमा) नागदेवता की प्रतिमा. नाग देवता की प्रतिमा. an image of a Nāgakumāra god. 'तेमिणं जगण पडिमाणं पुरथो दो दो आगगडिओ परण ताओ' जीवा० १, १; —परियावणिया. स्त्री० (—परिज्ञा— नागा नागकुमारस्तेषां परिज्ञा यस्य ग्रंथरक्षता सा नागपरिज्ञा) ओ नायनुं ओक कालिक श्रुत. इस नाम का एक कालिक श्रुत. name of a Kālika scripture. नंदा० —पुष्प. न० (—पुष्प) नाग केसरनुं फूल. नाग केसर का फूल. a flower of the tree named Nāgakesara. जं० प० —फडा. स्त्री० (—फण) सर्प की शिर. सर्प का फण. the hood of a serpent. (२) नागकुमार देवतानुं भुयुत्तां रहेंतुं चिन्ह. नाग कुमार देवता का मुद्र

में रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. ओव० २३; —मह. पुं० (—मह) नागदेवता की महोत्सव. नाग देवता का महोत्सव. a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. आया० २, १, २, १२; राय० २१७; भग० ६, ३३; —वर. पुं० (—वर) प्रधान हाथी; उत्तम हस्ति. प्रधान हाथी; उत्तम हस्ति. an excellent elephant. ओव० जं० प० तंदु० भग० ६, ३३; (२) नागसमुद्र की अधिपति देवता. नागसमुद्र का अधिपति देवता. the presiding deity of Nāgasamudra (ocean). सू० प० १६; —वीही. स्त्री० (—वीथी) शुक की नव वीथीमांती ऐक. शुक के नौ मार्ग में से एक. one of the 9 orbits of the planet Venus. ठा० ६; —साहस्सी. स्त्री० (—साहसी) ऐकसहस्र नागकुमार देवता. एक सहस्र नागकुमार देवता. a thousand deities of the Nāgakumāra class. सम० ७२;

शागकुमार. पुं० (नागकुमार) नागकुमार देवता; भवनपति की एक जाति. नाग कुमार देवता; भवनपति की एक जाति. A class of Bhavanapati gods; a deity of the Nāgakumāra class of gods. भग० १, १; २४, २०; ठा० २, २; —(रिं)इन्द्र. पुं० (—इन्द्र) नागकुमार देवता इन्द्र; धरणेन्द्र. नागकुमार का इन्द्र; धरणेन्द्र. Dharapendra, the king of Nāgakumāras. भग० १०, ४; —राय. पुं० (—राज) नाग कुमार का राजा धरणेन्द्र. नागकुमार का राजा धरणेन्द्र. Dharapendra, the king of Nā-

gakumāras. भग० १०, ४;

शागज्जुल. पुं० (नागजुन) हिमवत आचार्यना शिष्य. हिमवत आचार्य का शिष्य. Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नंदी० ३५; ४०;

शागणिय. न० (नागन्य) नम्र लाव; निर्ग्रन्थ लाव; संयम अनुष्ठान. नम्र भाव; निर्ग्रन्थ भाव; संयम अनुष्ठान. Nudity; possessionlessness asceticism. सूय० १, ७, २१; शागदंत. पुं० (नागदंत) अङ्कुर; पीपली. खंडा; खंडी. A peg attached to a wall. जीवा० ३४; राय०

शागदत्त. पुं० (नागदत्त) ओ नामना ओक राजपुत्र. इस नाम का एक राजपुत्र. Name of a royal prince. ठा० ३, ४; (२) अक्षराजनी श्री सुभद्रा ना पुत्र महाअक्षराज कुमारतो पूर्व अव डे जेमां ते मणिपुर नगरमां ओ नाम धरावतो हतो. बलराज की श्री सुभद्रा का पुत्र महाबलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम को धारण करता था. the previous birth of prince Mahābala son of Subhadrā queen of Balarāja. In that birth he bore the name given and lived in the town of Manipura. विवा० ७;

शागदत्ता. स्त्री० (नागदत्ता) १६ मां तीर्थंकर प्रमन्या पालपीनुं नाम. १६ वें तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tirthāṅkara at the time of his initiation into the ascetic order. सम० १० २३१;

शागद्वार. न० (नागद्वार) सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमारना आवासनुं द्वार.

सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमार के आवास का द्वार. The gate of the abode of Nāgakumāra in the west of Siddhāyatana. ठा० ४, २;

शागपर्वत. पुं० (नागपर्वत) जंबूद्वीपना मंदर पर्वतनी पश्चिमे शीतोदा नदीनी उत्तरे आवेवो ओक पर्वत. जंबूद्वीप के मंदर पर्वत के पश्चिम में शीतोदा नदी की उत्तर में आया हुआ एक पर्वत. Name of a mountain in the north of the river Sitodā in the west of the mount Mandara of Jambūdvīpa. ठा० २, ३;

शागपुर. न० (नागपुर) हस्तिनापुर; कुरुदेशनुं मुख्य नगर. हस्तिनापुर; कुरु देश का मुख्य नगर. The capital city of the country called Kuru. ठा० १०; नाया० ध० ५;

शागवाग. पुं० (नागवाग) ओक गततो दिव्य (दैवी) घोड़ा. एक जाति का दिव्य (दैवी) घोड़ा. A kind of celestial horse. जीवा० ३;

शागभद्र. पुं० (नागभद्र) नागद्वीपना अधिपति देवता. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० १० १६;

शागभूय. न० (नागभूर) आर्यरोहण स्थविरधी नीकसेन उद्देगणुनुं प्रथम कुल. आर्यरोहण स्थावर से निकला हुआ उद्देगण का प्रथम कुल. The first brotherhood of saints of Uddēga Gaṇa originating from Āryarohana. कप्प० ८;

शागमहामह. पुं० (नागमहामह) नागद्वीपना अधिपति देवता. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० १० १६;

रिक्त. A citizen; a person residing in a city. कण० ३; सू० २, २, १३; —अण० पुं० (-जन) नगरवा लोक. नगर के लोके. A citizen; citizens. **नागसमुद्र**. पुं० (नागमहावर) नागसमुद्रने अधिपति देवता. नागसमुद्र का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgasamudra. सू० प० १६; **नागमित्र**. पुं० (नागमित्र) आर्यमहागिरी का शिष्य. आर्य महागिरी का एक शिष्य. Name of a disciple of Ārya Mahāgiri. ठा० ३, ४; **नागर**. पुं० (-नागर) नगरमें रहनेवाला मनुष्य; नागरिक. नगर में रहने वाला मनुष्य; नाग नाया० १; **नागराज**. पुं० (नागराज) नागकुमार देवताओं राजा. नागकुमार देवता का राजा. A king of the Nāgākumāra deities. “वेङ्कट नागराज” सम० १७; **नागरुक्ष**. पुं० (नागरुक्ष) नाग वृक्ष. नागवृक्ष. A kind of tree. “नाग रुक्षे भूषणाय” ठा० ६; भग० २०, २; **नागलता**. स्त्री० (नागलता) नागवेल; नगर वेल. नागलता; नागर वेल; पान की वेल. A creeper of betel-leaves. आन० राय० १३७; —मंडल न० (-मण्डल) नागर वेलने मंडल. नागर वेल का मण्डप. a bower of a creeping plant named Nāgaravēla. राय० १३७; जीवा० ३, ३; **नागसिरी**. स्त्री० (नागसिरी) प्रतिष्ठानपुर नगरवा नागवसु शैली की अने नागवती भाती. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवसु श; की स्त्री और नागवती की माता. The wife of Nāgavasu a merchant of the town of Pratiṣṭhānapura, and

mother of Nāgadatta. नाया० १४; (२) चंपा नगरीवा सोम ब्राह्मण की स्त्री के शिष्य धर्मरुचि नामवा तपस्वी मुनीने कड़ी तुंगीजु शाक ओढारायुं हतुं. चंपानगरी के सोम ब्राह्मण की स्त्री कि जिसने धर्मरुचि नामक तपस्वी मुनि को कड़ु तुंगी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmaṇa of Champānagari who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया० १३; **नागसुद्ध**. न० (नागसुद्ध) ओ नामनुं ओक वैदिक शास्त्र. इस नाम का एक लौकिक शास्त्र. Name of a secular science. अणुजो० ४१; **नागहस्ति**. पुं० (नागहस्ति) आर्यनन्दि लक्ष्मणना शिष्य. आर्यनन्दि लक्ष्मण के शिष्य. Name of a disciple of Ārya-Nandi Lakṣmaṇa. कण० ६; **नागोद**. पुं० (नागोद) ओ नामने समुद्र. इस नाम का समुद्र. Name of an ocean. सू० प० १६; **नाटय**. न० (नाटक) नाटक. नाटक. A drama; a play. जं० प० २, ११४; वि० ३; **नाटयि**. वि० (नाटयि) नाटयनी पात्र; ओक्टर. नाटक के पात्र; एक्टर. (One) acting in a drama; an actor in a drama. नाया० १; जं० प० (२) नटी. नटी. an actress. ठा० १; जं० प० **नाटय** पुं० (नाटक) नाटक करनेवाला; नाच करनेवाला. नाटक करने वाला; नाचने वाला. A player in a drama; a dancer. नाया० १, ६; **नाण**. न० (ज्ञान) ज्ञान; समर्थ; ओष.

time when a 'Tirthaṅkara' or a Kevali attains perfect knowledge. भग० ३, १; १४, २; ठा० ३, १; —उद्योग. पुं० (-उपयोग) ज्ञानको व्यापार; ज्ञानमें लक्ष्य देनेयुं ते. ज्ञान का व्यापार, ज्ञान में लक्ष्य जोड़ना. application use of knowledge; application to study. प्रव० ३१२; —उद्योग. पुं० (-उपघात) अलसथी ज्ञानको नाश. आलस्य से ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness. ठा० १०; —कसायकुसील. पुं० (कषाय-कुसील) ज्ञान आश्रित कषाय दुशील. ज्ञान आश्रित नैतिक बिगाड. moral impurity tainting knowledge. भग० २५, ६; —कुसील. त्रि० (कुशील) ज्ञानको दूषित अनापत्ता. ज्ञान को दूषित बनाने वाला. (any thing) that taints knowledge. ठा० ५, ३; —(५) उच्चासायणा. स्त्री० (-आत्याशासना) ज्ञानकी अशासना दीवली. ज्ञान के प्रति दिव्यताई जाती घृणा तिरस्कार वृत्ति. contempt or hatred shown toward knowledge. भग० ८, ६; —हुया. स्त्री० (-अर्थना ज्ञाननेवाधार्थ्यस्या-सौज्ञानार्थस्तद्भावस्तत्तथा) ज्ञानार्थभियां; ज्ञानकी अभ्यर्थना करवीं ते. ज्ञानार्थपन; ज्ञान का अभ्यर्थना करना. solicitation for knowledge; request for knowledge. भग० १८, १०; ठा० ५, २; —णिगृह्यया. स्त्री० (-निगृह्य) शास्त्रों तथा शास्त्र अज्ञानकारको उपकार ओषधियों ते. शास्त्र का और शास्त्र को पढ़ाने वाले का उपकार न मानना. non-acknowledgment of the debt

of gratitude due to scriptures and to one who teaches them. भग० ८, ६; —णिगृह्यया. स्त्री० (-निगृह्य) पांच प्रकारकी ज्ञानकी निष्पत्ति-सिद्धि. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्पत्ति-सिद्धि. acquisition or attainment of the five kinds of knowledge. भग० १९, ८; २०, ५; —(५५) क्ष. पुं० (-आत्मन्) ज्ञानी आत्मा; सम्यग्दृष्टि आत्मा. ज्ञानी आत्मा; सम्यग दृष्टि आत्मा. a soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०; —दंसण. पुं० न० (-दर्शन) ज्ञान अने दर्शन. ज्ञान और दर्शन. right knowledge and right faith. ठा० ७; नाया० २; —दंसणद्वय. स्त्री० (-दर्शनार्थना) ज्ञान अने दर्शनकी अपेक्षा. ज्ञान और दर्शन की अपेक्षा. desire for or expectation of right knowledge and faith. नाया० ५; —दंसणधर. पुं० (दर्शनधर) ज्ञान अने दर्शनने धरता. धरता. ज्ञान और दर्शन को धारण करने वाला. केवलज्ञानी. (one) possessed of right knowledge and faith; an omniscient. नाया० १; —दंसणलक्षण. त्रि० (-दर्शनलक्षण-ज्ञानं च दर्शनं च लक्षणं स्वरूपं यस्य तत्तथा) सम्यक्ज्ञान अने सम्यक्दर्शन देनेवाला ज्ञान-स्वरूप देय ते. सम्यक्ज्ञान और सम्यक्दर्शन जिसका लक्षण-स्वरूप हो वह. (one) having as an essential quality right knowledge and right faith. "चउकरणसंजुते नाणदंसण लक्षणं" उक्त० २८, १; —दंसणसमग. त्रि० (-दर्शनसमग्र) ज्ञानदर्शनकी पूर्ण. ज्ञानदर्शन से पूर्ण.

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तसौ साधदंस्य सम्मग्गे" उत्त० ८, २; —दंसि. पुं० (-दर्शिन्) ज्ञान दर्शन वाला (जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२, १; —पडज्जव. पुं० (-पर्याय) ज्ञानना पर्याय. ज्ञान के पर्याय. modifications of knowledge. भग० २, १; —पडिणीयथा. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) ज्ञानभा प्रतिद्वन्द्वता-वैरभाव. ज्ञानमें प्रतिकूलता-वैरभाव. opposition to, hostility towards knowledge. भग० ८, ८; —पडिसेवणाकुसील. पुं० (-प्रतिसेवणाकुसील) ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला. one who taints the acquirement of right knowledge. भग० २१, ६; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) ज्ञानवृद्धि-श्रुता परिणाम. ज्ञान लक्षण जीव के परिणाम. a stage of development of the soul marked by possession of knowledge पत्र० १२; —परीषद. पुं० (-परीषद —परीषदं परीषदः ज्ञानस्य मर्यादेः परिषदः) ज्ञानने परीषद; ज्ञान न आसवाधी धनुं कष्ट. ज्ञान का परिषद; ज्ञान न आनेसे होता हुआ कष्ट. affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग० ८, ८; —पायाच्छिन्न. न० (-प्रायश्चित्त) ज्ञानना अतिशयानी आलोचना; ज्ञानकी शुद्धि अथै प्रायश्चित्त करनेसे ज्ञान के अतिचार की आलोचना; ज्ञान की शुद्धिके

लिये प्रायश्चित्त करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. ठा० ३, ४; ४, १; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. a person possessed of knowledge; an educated person. ठा० ३, १; भग० २, ४; —पुलाअ. पुं० (-पुलाक) ज्ञानने निःसार अनायनार पुलाकअधिवादी साधु. ज्ञान को निःसार बनानेवाला पुलाकलाधिवाला साधु. an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. ठा० ४, ३; भग० २५, ६; —पपञ्चोस. पुं० (-प्रदोष) श्रुत आदिज्ञानभा अथवा ज्ञानीभा अप्रतिनिधि करे ते; ज्ञानावरणीय धर्म आंधवानो अकेलेते. श्रुत आदि ज्ञानमें अथवा ज्ञानीमें अप्रतिनिधि-दोष करना; ज्ञानावरणीय कर्म बांधनेका हेतु. showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge obscuring Karma. भग० ८, ६; —पपञ्चाअ. न० (प्रवाद) भतिज्ञान आदि पांच ज्ञान संबंधी पपञ्चा करे ते. मात ज्ञान आदि पांच ज्ञान के संबंध में प्रहरणा करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम० —फल. न० (-फल) ज्ञाननुं फल. ज्ञान का फल. fruit of (right) knowledge भग० २, ५; —बल. पुं० (-बल) ज्ञानरूपी बल. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. अ० १०; —बुद्ध. त्रि० (—बुद्ध) ज्ञानावरणीयता क्षयोपशम आदिथी यथेष्ट ज्ञानपडे मोक्ष पायेत. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम आदि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बांध पाया हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma अ० २, ४; —बोधि. स्त्री० (—बोधि) ज्ञानावरणीयता क्षयोपशमथी धर्मनी प्राप्तिथी ते. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of true religion by the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. अ० ३, २; —भट्ट. त्रि० (—भट्ट) ज्ञानथी अष्टथेष्ट. ज्ञान से अष्ट. degraded from right knowledge. आया० १, १४, १६०; —भावणा. स्त्री० (—भावना) ज्ञाननी भावना. ज्ञान भावना. meditation upon right knowledge. आया० २, ३, १, १; —मूढ. त्रि० (—मूढ) ज्ञानावरणीय कर्मना उदयथी जनमां मूढभूष. ज्ञानावरणीय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढमूर्ख. foolish, ignorant on account of the matuturity of knowledge obscuring Karma अ० २, ४; —मोह. पुं० (—मोह) ज्ञान संबंधी मोह. ज्ञान के संबंध में मोह. infatuation, delusion in point of right knowledge. अ० २, ४; —राशि. पुं० (—राशि) ज्ञाननी समूह. ज्ञान का समूह. mass of knowledge. पंचा० १४, ४५; —शोक. पुं० (—शोक)

क्षेत्र ज्ञानादि लोक. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. अ० ३, २; —विणय. पुं० (—विनय) पांच प्रकारना ज्ञाननी विनय करवा ते. पांच प्रकार के ज्ञान का विनय करना. showing reverence towards the five kinds of knowledge. अग० २५, ७; —विणयपरिहीण. त्रि० (—विनयपरिहीन) ज्ञान आचारथी रहित. ज्ञान आचार से रहित. devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge चं० ७० २०; —विराहणा स्त्री० (—विराधना) ज्ञाननी विराधना करवा ते; ज्ञाननुं अर्पित करवा ते. ज्ञान की विराधना करना; ज्ञान का खंडन करना. act of offending against right knowledge i. e. refuting it. अग० ३; —विसंवादा योग (—वि-संवादना योग) ज्ञानी साथे जाता जयडा मिथ्या विवाद करवा ते; ज्ञानावरणीय-कर्म अधिपतेत अंक हेतु. ज्ञानों के साथ झूठे झगडे मिथ्या विवाद; ज्ञानावरणीय कर्म बाधने का एक हेतु. act of entering into false and vexatious discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvarāpiya Karma. अग० ५, ६; —विसोहि. स्त्री० (—विशोधि) ज्ञानना आचारनुं पालन करवा ते; ज्ञाननी शुद्धि करवा ते. ज्ञान के आचार का पालन, शुद्धि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of knowledge by practice. अ० १०;

—संका. क्री० (—शंकां) ज्ञानना विषयमां
संका करवी ते. ज्ञान के विषय में शंका
करना. doubt or misgiving
in the matter of know-
ledge. सू० १, १३, ३; —संपण्य.
त्रि० (—सम्पन्न) ज्ञान संपन्न; ज्ञानमां
पूर्ण. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possess-
ed of knowledge; perfect
in knowledge. भग० २, ५; २५, ७;
—संपण्यया. क्री० (—सम्पन्नता) ज्ञाननुं
संपादन. ज्ञान का संपादन. acquire-
ment of knowledge. “ शास्त्र
संपण्ययाय यं भंते ! जीवे किं जययइ ”
उत्त० २४, ६६; भग० १७, ३;

शास्त्र. पुं० न० (नानात्व) नाना प्रकार;
नानाभाव; नानापक्ष. विविध प्रकार; विविध
भाव; विविधता. Variety; difference;
state of being different or
having difference. भग० १, १; ५;
३, १; १२, ७; १८, ३; १६, ३; २०, १;
२४, १; २६, २; नाया० ५; पञ्च० १५; जं०
प० ५, ११८; २, २६; ७, ७, १३२;

शास्त्रपकार. त्रि० (नानाप्रकार) नाना
प्रकारनुं; विभिन्न. विविध प्रकारका; विभिन्न.
Of various modes; of different
kinds; strange. सू० १, १३, १;

शास्त्रा. अ० (नाना) नाना प्रकार; अनेक;
विविध. विविध प्रकार; अनेक विधि से.
Various; of various modes or
forms. नाया० १; ७; ६; भग० ३, ३;
८, २; २५, ६; राय० ४५; श्रौत० २५; ३३;
उत्त० ३, २; अणुजो० २८; जं० प० ५,
११४;

शास्त्रागार. त्रि० (नानाकार) विविध
आकारनुं विविध आकार का. Of various
shapes; bearing various shapes

or forms. प्रब० ११२०;

शास्त्राघोस. पुं० (नानाघोस) नाना प्रकारना
आवाज—स्वर. विविध प्रकार की आवाज—
स्वर. Various kinds of sounds
or tunes. भग० १, १;

शास्त्राच्छंद. त्रि० (नानाच्छंद—नाना भिन्न;
छन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना प्रकारना
भिन्न भिन्न छंद—अभिप्रायवाता; छुदा
छुदा अभिप्रायवाता. विविध प्रकार के
भिन्न २ छंद अभिप्राय वाता; भिन्न भिन्न
अभिप्राय वाता. of various, differ-
ing opinions or likes and
dislikes. सू० २, २, ३०;

शास्त्राद्र. त्रि० (नानार्थ) नाना प्रकारना
अर्थ छेनेवाते; अनेक अर्थवाला. नाना
प्रकार के अर्थ वाता; अनेक अर्थ वाला.
Possessed of, bearing various
meanings; homonymous. भग० १, १;

शास्त्रादृष्टि. त्रि० (नानादृष्टि—नानाकथा दृष्टि-
दर्शनं येषां ते तथा) भिन्न भिन्न दृष्टि-
दर्शन वाता. भिन्न भिन्न दृष्टि-दर्शन वाता.
Possessed of, various creeds;
possessed of various points of
view. सू० २, २, ३०;

शास्त्रादेश. त्रि० (नानादेश) नाना प्रकार-
जुदा जुदा देशना वतनी. नानाप्रकार-भिन्न
भिन्न देश के वतनी. (Persons) re-
siding in various countries. भग०
९, ३३;

शास्त्रापन्न. त्रि० (नानाप्रज्ञ—नानाप्रकारा
विचित्रज्ञयोपशमान् प्रज्ञायतेऽन्नयेति
प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा) नाना
प्रकारनी मति वाता. विविध प्रकार की
मति वाता. Possessed of various
moods of intellect. सू० २, २, ३०;

शास्त्रार्थिकरय. त्रि० (नानार्थिकरय) अनेक

प्रकारेणा आहारादि पिण्डां आसक्तः।
अनेक प्रकार के आहारादि पिण्ड में आसक्तः।
Attached to, passionately fond
of various kinds of food etc.
“ नानापिण्डरया वृता तेषु बुध्तिं साधुयो ”
दस० १, ५;

शाखामणि. पुं० (नानामणि) नाना प्रकार की
मणी. नाना प्रकार के रत्न. Various
kinds of gems. “ शाखामणि कण-
ग-रमण-विमल ” राय०

शाखामणिरयण. न० (नानामणिरयण) नाना
प्रकार की मणिरयण. विविध प्रकार के मणिरत्न
Various kinds of excellent
gems. विवा० २;

शाखामल्ल. न० (नानामल्ल) नाना प्रकार की
फूल. नाना प्रकार के फूल. Various
kinds of flowers. “ शाखामल्लपिण्डा ”
राय० जीवा० ३;

शाखारंभ. त्रि० (नानारंभ) नाना प्रकार की
धर्मानुष्ठान वाली. नाना प्रकार के धर्मानुष्ठान
वाली. Performing various kinds
of religious practices. सूय० २;
२, ३०;

शाखारुचि. त्रि० (नानारुचि) नाना प्रकार की
इच्छा-अभिप्राय वाली. विविध प्रकार की रुचि-
अभिप्राय वाली. Possessed of,
having various kinds of opi-
nions or likes and dislikes. सूय०
२, २, ३०;

शाखाव्यञ्जन. न० (नानाव्यञ्जन) नाना प्रकार
की ककारादि व्यञ्जन अक्षर. नाना प्रकार
के ककारादि व्यञ्जन अक्षर. Various
consonants such as Ka etc.
भग० १, १;

शाखावरण. पुं० (ज्ञानावरण) ज्ञानावरण;
ज्ञान प्राप्त करने में आड़े आने वाला आड़कर्म-

भातुं पड़ेला कर्म. ज्ञानावरण; ज्ञान प्राप्त
करने में विघ्नकर्ता आठ कर्मों में से पहिला
कर्म. The first of the eight divi-
sions of Karmas called know-
ledge-obscuring Karma. दसा०
५, ३२; ३३; नाया० ३;

शाखावरणज. न० (ज्ञानावरणाय) ज्ञान
शक्तिने दृष्टावन्त आड़ कर्म भातुं पड़ेला
कर्म. ज्ञान शक्ति को दबाने वाला आठ कर्मों
में से पहिला कर्म. The first of the
eight kinds of Karmas viz.
that which obscures or checks
the power of acquiring know-
ledge. आंव० २०; डा० ८, १; भग० ३,
३; ८, ८; २०, ७; २५, १; ७; पञ्च० २२;

शाखाविह. त्रि० (नानाविह) नाना प्रकार
की अनेक प्रकार की. नाना प्रकार का; अनेक
प्रकार का. Of various kinds; of
different kinds; नाया० १; ५; ८;
८; १६; जे० ५० ४, ११६; आंव० पञ्च० १;
जीवा० ३;

शाखासंस्थित. त्रि० (नानासंस्थित) नाना
प्रकार की संस्थितवाला; जुड़ा जुड़ा आका-
रवाला. नाना प्रकार के संस्थान वाली; भिन्न
भिन्न आकार का. Bearing various
shapes or conformations. भग०
२४, १२;

शाखाशील. त्रि० (नानाशील — नानाप्रकार
शीलमनुष्ठान) येषां ते तथा) नाना प्रकार की
अनुष्ठानवाला. नानाप्रकार के अनुष्ठानवाला.
(Given to various kinds of (re-
ligious) practices or per-
formances. सूय० २, २, ३०;

शाखि. पुं० (ज्ञानिन्) ज्ञानि; यथार्थतत्त्व-
रूपकी ज्ञानवाला. ज्ञानी; यथार्थ तत्त्व-
स्वरूप को जाननेवाला. A person

possessed of right knowledge;
a true philosopher. भग० २, १;
८, २; ११, १; १५, १; १८, १; २४, १;
२६, १; प्रब० २५७;

ज्ञात. पुं० (ज्ञात) वंशविशेषमा उत्पन्न
थयेत्. वंशविशेषमें उत्पन्न. Born
in a particular family. नाया०
८; (२) ओ नामनुं ओक आर्य कुल के
जोमां महावीर स्वामी उत्पन्न थया हत्ता.
इस नामका एक आर्य कुल कि जिसमें
महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे. name of
an Ārya (civilised) family
in which Mahāvīra Svāmī
was born. पञ्च० १; (३) त्रि०
ज्ञात कुलमां उत्पन्न थयेत्. ज्ञात कुलमें
उत्पन्न. born in the Jñāta
family अणुश्लो० १३१;

ज्ञातकुमार. पुं० (ज्ञातकुमार) ज्ञातवंशना
ओक राजकुमार. ज्ञात वंशका एक राजकुमार.
A prince born in the Jñāta
family. नाया० ८;

ज्ञातखण्ड. न० (ज्ञातखण्ड) ओ नामनुं
ओक वन के जयां महावीर स्वामीओ दीक्षा
लीधी हत्ता. इस नाम का एक वन कि
जहां महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी.
Name of a forest where
Mahāvīra Svāmī was initiated
into religious order. ठा० १०;

ज्ञाति. स्त्री० (ज्ञाति) स्वजन; सम्बन्धी.
स्वजन; रिश्तेदार. A caste-fellow;
a relative. सूय० २, ९, १०;

ज्ञाद्. पुं० (ज्ञाद्) धोष; अवाञ्छ. घोष;
आवाज. Sound; loud sound. जीवा०
३, ४; सू० प० १६;

ज्ञादित. त्रि० (ज्ञादित) नाद करेत्; अवाञ्छ
करेत्. नाद कियाहुआ; आवाज कियाहुआ.

Sounded. भग० १६, ५;

ज्ञादिय. त्रि० (ज्ञादित) जुओ उपक्षे
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
जीवा० ३;

ज्ञामि. स्त्री० (नामि) गाडाने ओक भाग. गाडे-
छकंड का एक भाग. A particular
part of a cart. 'जंतखड़ीव नामी जा'
दस० ७, २८; (२) नाभि; दुंदी. नाभी;
दुंदी. the navel. जं० प० ५, ११४;
आया० १, १, २, १६; ओव० १०; जीवा०
३, ३; (३) पुं० ऋषभदेवप्रभुना
पिनानुं नाम; पंढरमां पुत्रकर. ऋषभ-
देवप्रभु के पिता का नाम; पंढरवें कुतकर.
name of the father of Lord Ri-
ṣabhadeva; the 15th Kulakara.
सम० प० २२६; --पद्मप्र. त्रि० (-प्रभव)
नाभिमांथी उत्पन्न थयेत्. नाभि में से उत्पन्न.
born from the navel. तंदु० --रस-
हरणी. स्त्री० (-रसहरणी) नाभिनी नाल.
नाभिकी नाल. the navel duct or
canal. तंदु०

ज्ञाम. पुं० न० (नाम-नमनं नामः) परित्याग;
भाव; संता विशेष. परिणाम; भाव; संज्ञा
विशेष. Sense-perceptions and
their objects; substance; a par-
ticular name. " कइ विहेय मंते जामे
परखते " भग० २५, ५, ६; ३, १; १७, १;

ज्ञाम. अ० (नामन्) वाक्यालंकार; पाद-
पूरण. वाक्यालंकार; पादपूरण. An
expletive used as an ornament
of speech or completing metre.
ठा० ४, १; परह० १, १; (२) न०
अलिधान; नाम. अभिधान; नाम. a
name. जं० प० ५, ११२; ११५;
राय० २६; ३२; विवा० १; नाया० १; २;
४; ५; ८; ११२; १४; १६; १६; ओव० ११;

पञ्च० २; (३) जेना योगे शरीर, रूप, आधि, आकृति, जति वगेरे शारीरिक संपत्ति शुभ के अशुभ प्राप्त थाय छे ते नामकर्म. जिसके योग से शरीर, रूप, बनावट, आकृति, जाति इत्यादि शारीरिक सम्पत्ति शुभ वा अशुभ प्राप्त होती है वह नामकर्म. Karmas by the rise of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc. of a soul are determined. पञ्च० २० भग० २५, ६; २६, १; ओव० २०; (२) संभावना. संभावना. an indeclinable expressing conjecture, possibility etc. भग० ३, ३; —अंकिय. त्रि० (—अङ्कित) नामाङ्कित; नामयानु नाम-वाला. having a name; marked by a name. नाया० १६; —इंद्र. पुं० (—इंद्र) नामनेो इंद्रः जेमां इंद्रना शुलु गयी पशु केवल नाम जेनुं इंद्र छे ते. नाम का इंद्र; जिसमें इंद्र के गुण नहो है परन्तु केवल नाम जिसका इंद्र है वह. one who is Indra in name only. ठा० ३, १; —कर्म. न० (—कर्मन्) नामकर्म; आठकर्मभानुं षड् कर्म. नाम कर्म; आठ कर्म में से छटा कर्म the sixth of the eight kinds of Karmas “नामकर्म दुविहे पयणत्त” ठा० २, ४; सम० ४२; —करण. न० (—करण) नामकरण संस्कार; आरमा द्विसे आचक्रनु नाम स्थापयुं ते. नामकरण संस्कार; बारहवें दिनको बालक का नाम स्थापन करने की किया. the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth. नाया० १; ५; —गुप्त. न० (—गोत्र) नाम अने गोत्रकर्मनी प्रकृति के जेना

उदयथी आत्मा सारा या नरसां नाम गोत्र पाभी थके. नाम और गोत्र कर्म की प्रकृति कि जिसके उदय से आत्मा शुभ वा अशुभ नामगोत्र प्राप्त कर सके. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc. सू० ५० १६; राय० —गोय. न० (—गोत्र) जुओ उपसो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. नाया० १६; नाया० ध० दसा० १०, १; —अंतअ-य. न० (—अनन्त) नामथी अंत. नाम से अनन्त. one endless in names; one named endless. ठा० ५, ३; १०; —पुरिस. पुं० (—पुरुष) नामनेो पुरुष अथवा जेनुं नाम पुरुष छे ते. नाम का पुरुष अथवा जिसका नाम पुरुष है वह. a man in name only; (one) bearing the name “Man” ठा० ३, १; —लोग. पुं० (—लोक) नामनेो लोक; जेनुं नाम लोक सम्प्रदायमां आच्युं होय ते. नाम का लोक; जिसका नाम लोक रखनेमें आया है वह. Loka or world in name only; (one) bearing the name a Loka or world. ठा० ३, २; —वर्ग. पुं० (—वर्ग) नाम प्रकृतिनेो समुदाय. नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakritis. जीवा० २; —वीर. पुं० (—वीर—यस्य जीवस्या जीवस्य वा ज्वर्यरहितं वीर इति नाम क्रियते स नाम-वीरः नाम्नावीरः) वीर जेनुं नाम धरायनार जय वा अजय पदार्थ. वीर ऐसा नाम धारण करनेवाला जीव वा अजीव पदार्थ. anything or anybody bearing

the name "Valiant. सू० प० २;
—सत्य. न० (—सत्य-नाम अभिधानं
तत्सत्यं नामसत्यम्) सत्य जेनुं नाम छे ते
नामनुंसत्य. सत्य जिसका नाम है वह; नाम
का सत्य. truth in name only; that
which is named truth. डा०
१०; —सर्व. न० (—सर्व—नाम च तत्सर्व
च नाहसर्वम्) नामे करोसर्व. नाम से ही
सर्व. everything by reason of
the name or so far as the name
goes. डा० ४, २;

श्यामधिज्ज. न० (नामधेय) नाम; अभिधान.
नाम; अभिधान. A name; denomi-
nation. ओव० २६; नाया० १;

श्यामधेज्ज. न० (नामधेय) नाम; अभिधान.
नाम; अभिधान. A name; denomi-
nation. नाया० १; १६; पञ्च० २; भग० १४,
१; विवा० ५; ज० प० ७, १७८; डा० ४,
२; ओव० ४०; अणुजो० २८;

श्यामधेज्जवई. श्री० (नामधेयवती) प्रशस्त
नामवाली. प्रशस्त नाम वाली. Bearing
a famous name. नाया० १;

श्यामधेय. न० (नामधेय) लुओ " श्याम-
धेज " शब्द. देखो " श्यामधेज " शब्द.
Vide " श्यामधेज " ज० प० ५, ११४;
ओव०

श्यामय. पुं० (नामक) नाम; संभावना.
नाम; संभावना. A name; possibility.
भग० १६, ३; नाया० १;

श्याय. त्रि० (ज्ञात) लुओलुं; सभनेलुं. ज्ञात;
समझा हुआ. Known; understood.
भग० १, ४; ७, ६; ६, ३१; १७, २;
नाया० ७; राय० ३१; आया० १, १, १, २;
(२) न० भक्ष्याकु वंशनुं ओक अवांतर कुल;
महावीर स्वामिनुं कुल. इक्ष्वाकु वंश का एक
कुल; महावीर स्वामी का कुल. the fa-

mily of the Lord Mahāvīra; a
branch of the Ikṣvāku family.
ओव० १४; पणह० १, १; भग० ३, ३३;
(३) त्रि० ते वंशभां लुओ पाभेश. उस वंश
में जन्म प्राप्त. born in the above fa-
mily. भग० २०, ८; ओव० १४; (४) न०
दृष्टंत. दृष्टंत. an illustration. सम०
६; (५) ज्ञाता सूत्रतो अर्थ. मतक्षय. ज्ञाता-
सूत्र का अर्थ. the purport or sense
of Jñātā Sūtra. नाया० ध० —विधि.
पुं० (—विधि) स्वजनतो ओक प्रकार.
स्वजन का एक प्रकार. a particular
kind of relationship. वव० ६, १;
दसा० ६, २; —संग. पुं० (—संग) परि-
चित् लुओलुं संग. परिचित जनों का संग.
company of acquainted per-
sons. सूय० १, ३, २, १२;

श्याय. पुं० (नाद) नाद; अवाज; लुओ. नाद;
आवाज; शोरगुन. Sound; loud
sound. नाया० १;

श्यायज्ज. पुं० (ज्ञातक) लुओलुं. ज्ञातजन.
स्वजातीय; ज्ञातजन. A caste-fellow.
ज० प० सूय० १, ८, १२; २, १, ३४;
वव० ६, ६; नाया० १;

श्यायअय. पुं० (नायक) नायक; नेता.
नायक; नेता. A leader; a head.
सूय० १, १४, १; नाया० १; २;

श्यायक. पुं० (नायक) नायक; नेता. नायक;
नेता. A leader; a head. पणह० १, ४;

श्यायकुमार. पुं० (ज्ञातकुमार) लुओलुं " ज्ञात-
कुमार " शब्द. देखो " ज्ञातकुमार "
शब्द. Vide " ज्ञातकुमार " नाया० ६;

श्यायखंड. न० (ज्ञातखंड) लुओलुं " ज्ञात-
खंड " शब्द. देखो " ज्ञातखंड " शब्द.
Vide " ज्ञातखंड " डा० १०;

श्यायग. पुं० (ज्ञातक) लुओलुं " ज्ञातक "

शब्द. देखो " शायय " शब्द. Vido
" शायय " निसी० ८, १२;

शायय. पुं० (नायक) नायक; नेता; राजा;
अधिपति. नायक; नेता; राजा; अधिपति.
A leader; a king; a lord. सम०
१; ३०; दमा० ६, १६; पण्ड० २, ५; (२)
प्रश्नपु. ३२५१२. प्रश्नपु. करने वाला.
one who explains e. g. a
religious text. सूय० १, १६, १;

शाययऋषयः. न० (ज्ञातऋषयः) ज्ञात
सूत्रनु अध्ययन. ज्ञात सूत्र का अध्ययन.
A chapter of Jñatā Sūtra.
नाया० २; ४; ५; ८; १२; १४; १६;

शाययपुत्र. पुं० (ज्ञापुत्र) ज्ञात वंश
उत्पन्न. शेष; ज्ञात प्रख्यात निदर्श
राजगण पुत्र मदा (रि स्वामी. ज्ञात वंश में
उत्पन्न. ज्ञात प्रख्यात निदर्श राजा के
पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahā-
vīra, the son of the famous
king Sudharmā born in the
family named Jñatā. उत० ६,
१८; भग० १८, ७; मय० १, ६, २६.

—**वयः. न०** (-वचन) मदा (रि
स्वामिना वचन. महावीर स्वामी के वचन.
words of Mahāvīra Svāmī.
दग० १०, ६;

शायय. त्रि० (ज्ञानक) ज्ञानवान्. जानने
वाला. (One) who knows. नाया० ५;

शाययः. त्रि० (ज्ञातऋषयः) ज्ञानवान्. योग्य;
अपेक्षित करने जानने योग्य; अपेक्षित
करना. Worthy of being known;
act of knowing. अणुजो० १२८;
१३०; निमी० २०, १०; भग० १६, ८;
नाया० ४० ६;

शाययसंघ. न० (ज्ञातसंघ) दानिय कुण्ड-
पुरनी आधारनु उद्यान; जहाँ महावीर स्वामी-

अ दीक्षा लीधी. क्षत्रिय कुण्डपुर के बाहर
का उद्यान जहाँ महावीर स्वामी ने दीक्षा लीधी.
The garden outside Kṣatriya
Kuṇḍapura where Mahāvīra
Svāmī was initiated into the
order of monks. आया० २, ३, १६;
—**वयः. न०** (-वन) ज्ञातपुत्र नामनु
उद्यान. ज्ञातसंघ नाम का उद्यान. a gar-
den named Jñatakhaṇḍa. कण्ठ०
५, ११३;

शायय. स्त्री० (ज्ञात) ज्ञेयों में दृष्टान्त सदिष्ट
अधिकार छे अयुं ज्ञात नामनु छटु अंग
सूत्र. ज्ञेयों में दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा
ज्ञात नाम का छटु अंग सूत्र. The 6th
Aṅga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the
subject-matter. नाया० १; —(५)
शाययऋषयः. न० (-ज्ञातऋषयः)
ज्ञात सूत्रनु अध्ययन. ज्ञात सूत्र का अध्य-
यन a chapter of Jñatā Sūtra.
नाया० १; ६;

शाययधर्मकथा. स्त्री० (ज्ञातधर्मकथा-ज्ञात-
नि उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा
ज्ञातधर्म था) ज्ञेयों में दृष्टान्त सदिष्ट
अधिकार छे अयुं अ नामनु छटु अंगसूत्र.
ज्ञेयों में दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा इस
नाम का छटु अंगसूत्र. The sixth
Aṅga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the sub-
ject-matter. नाया० १; नाया० ४०

शायय-य. पुं० (नारद) नारद ऋषि. ऋषिः
नारद. The saint Nārada. ओव० ३८;
(२) सौर्यपुर नगरना राजा समुद्रविजयने
दीक्षित. सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र
विजय का पुत्र. name of the son of
Samudravijaya the king of

Souryapura. ओव० (३) गन्धर्वना
लक्ष्मणो अधिपति गन्धर्व. गन्धर्व के लश्करका
अधिपति गन्धर्व. the Gandharva
commander-in-chief of the
army of Gandharvas. ठा० ७;

शारयपुत्र. पुं० (नारदपुत्र) भगवान् महावीर
स्वामीना ओ नामना ओक शिष्य. भगवान्
महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य
Name of a disciple of lord
Mahāvīra. भग० ५, ८;

शाराय. न० (नाराच) साम सामे ओ वस्तुनो
मकट अंध; ७ संधयणुमानुं व्रीजुं संधयणु.
आमने सामने दो वस्तुओं का मकट बंध;
छः संधयण में से तृतीय संधयण. The
third of the six kinds of phy-
sical constitutions in which
the bones are loosely tied to-
gether by the sinews. जं० प० तीव्रा० ३

शारायण. पुं० (नारायण) दशरथ रामना
पुत्र रामना बाध लक्ष्मणनुं अपर नाम;
भरत क्षेत्रना आ अवसर्पिणीना आरुमां
वासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई
लक्ष्मण का अन्य नाम; भरत क्षेत्र की इस
अवसर्पिणी का आठवां वासुदेव. Another
name of Laxmanapa, son of
Dusāratha and brother of Rāma
the 8th Vāsudeva of Bharata-
kṣetra in the current Avasār-
piṇi. प्रव० १२२६; सम०

शारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) नीलवंत
पर्वतकी नीकली उत्तर तरफ रम्मकवास
क्षेत्रमां ओती ओक भयानदी. नीलवंत पर्वत
से निकलकर उत्तर तरफ रम्मकवास क्षेत्र में
बहती हुई एक महानदी. Name of a
great river issuing from the
Nilavanta mountain and flow-

ing in the north into Ramina-
kavāsa Kṣetra. जं० प० ६, १२५; राय०
सम० ठा० २, ३;

शारिकंताकूट. न० (नारीकान्ताकूट) नील-
वंत पर्वतनुं ओकुं कूट. नीलवंत पर्वत का
छठा कूट The sixth summit of
th Nilavanta mount. ठा० ६;

शारी. स्त्री० (नारी) नारी; स्त्री जाति. नारी;
स्त्री जाति. A woman; womankind.
सूय० १, ३, ४, १६;

शारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) ओओ
" शारिकंता " शब्द. देखो " शारिकंता "
शब्द. Vide " शारिकंता " जं० प०

शाल. न० (नाल) धमन आदिना दंडा; कंद
उपरने भाग. कमल आदि का दंडा; कंद
के ऊपरका भाग. A stalk of a lotus
plant etc. आया० २, १, १, ८; (२)
नाल; हुंटी. नाल; हुंटी the navel. जं०
प० ४, ११४;

शालिन्दिज. न० (नालन्दीय) सूयगडंग
सूत्रना भीन श्रुतस्कंधना ओक अध्ययननुं
नाम. सूयगडंग सूत्र के द्वितीय श्रुतस्कंध के
छठे अध्यायन का नाम Name of the
6th chapter of the 2nd Śrūta-
skandha of Sūyagadāṅga
Sūtra सूय० २, ६;

शालिन्दा. स्त्री० (नालन्दा) ओ नामने राज-
गृह नगरने ओक गली. राजगृह नगर
का एक मार्ग; इस नाम का एक मोहड़ा.
Name of a street of the
city of Rajagriha. सूय० २, ७, १;

शालिन्दिज. न० (नालन्दीय) नालन्दीय नामे
सूयगडंग सूत्रनुं २३ भुं अध्ययन. नालन्दीय
नाम का सूयगडंग सूत्र का २३ वां अध्यायन.
The 23rd chapter of the Sūya-
gadāṅga Sūtra so named. सम० २३;

शालिग्रह. पुं० (नारिकेल) नाथीअरी, नाथीअरनुं आऽ. नारियल का वृक्ष. A coconut tree. पत्र० १; आया० २, १, १, ८; जं० प० नाया० ६; (२) न० तेना ६६; (नाथीअर). उस के फल; (नारियल) a coconut. नंदी० नाया० ६; —तिष्ठ. न० (—तैल) नाथिअरनुं तैल; टापेरानुं तैल. नारियल का तैल. coconut oil. नाया० ६; —मस्थय. न० (—मस्तक) नाथिअरना आऽनो उपरो भाग. नारियल के वृक्ष का ऊपरका हिस्सा. the top of a coconut tree. आया० २, १, १, ८;

नालिबद्ध. न० (नाखबद्ध) नाथ अंध-नाथी वाला फूल; गंध जुष्ट भोगरादि. डाँठ-हंडी वाले फूल; जाइ जूइ भोगरादि. A flower growing on a stalk. पत्र० १;

शालिया. स्त्री० (नाविका) कमल आदि की डंडी. A stalk of a lotus etc. संदु० ८; विवा० १; (२) धूत कीड़ा. धूत कीड़ा. gambling. भग० ६, ७; सूय० १, ६, १८; (३) कलम्बुका नाम का वृक्ष. a tree named Kalambukā. सू० प० ४; (४) अनामनी वेर. इस नाम की बेल. name of a creeper. पत्र० १; —बद्ध. न० (—बद्ध) नाविका-डाँडी वाला फूल. हंडीवाले फूल. a flower growing on a stalk. पत्र० १;

शालिकाखेट-इ. न० (नाविकाखेट) धूत कीड़ा विशेष; अथ भ्रष्टारनो जुगार. धूत कीड़ा विशेष; एक प्रकार का जुगार. A kind of gambling. जं० प० नाया० (२) भ्रष्टानी प्रति समझवाने भाटे घड़ी जैसी नवी अनायवाभा आवे ते. ग्रहों की गति जाननेकी घड़ी जैसी नवी. a con-

trivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. ओव० ४०; (४) कमल आदि की डंडी काटनेकी कला. the art of cutting stalks of lotuses etc. नाया० १;

शाली. स्त्री० (नाडी) दधत मापवानी घड़ी. समय मापनेकी घड़ी. A chronometre. जीवा० ३; (२) ओक जलती वेर. एक प्रकार की बेल. a sort of creeper. पत्र० १;

शावा. स्त्री० (नौ) नाव; जहाज; जहाज. A ship; a boat. नाया० ८; ६; १६; भग० ३, ३; ४, ४; पत्र० १६; सू० प० १०; सूय० १, १, २, ३१; निसी० १८, १; १७; २०; वेय० ६, ६; जं० प० ७, १४६; ३, ६४; ४२; —उत्सिचक. न० (—उत्सिचक) नावानी अंदर पाणी लराधुय ते डोरेयानां क्षम डोल अरे. जहाज में पानी एकत्र हुआ हो उसे बाहर निकाल कर फेंकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc. used for pumping out the water that accumulates in a ship. निसी० १८, १७; —गय. त्रि० (—गत) नौका में अरे. नौका में बैठा हुआ. seated in a boat: on board a ship. निसी० १८, २०; —वणियग. पुं० (—वाणिज्यक) नौका द्वारा व्यापार करने वाला. a naval merchant. नाया० ८; १७; —संतारिम. न० (—संतारि) नयां जहाज वाली शके तेरहुं पाणी. जहां जहाज चल सके उतना पानी. a navigable river, stream etc. आया० १, १, ३, १;

शालिय. पुं० (नाविक) नावा जीवति

नाविकः) नाविक; नौका यत्नायनार; वहायु
यत्नायनार. नाविक; नौका चलानेवाला; जहा-
जी; मल्लाह. A sailor; a boatsman
नाया० ६; भग० ५, ४;

शाविष्या. क्री० (नौका) नौका; वहायु.
नौका; जहाज. A boat; a ship. भग०
५, ४;

शास. पुं० (नासा) नास. नाक The nose.
सम० ११;

शास. पुं० (न्यास) स्थापन; थापयु. स्थापन;
धरोत. Putting down; laying
down; a deposit. सम०

शासा. क्री० (नासा) नासा; नास; नासिका.
नाक; नासिका. The nose. ओव० १०;
नाया० १, १, २, १६; जं० प० जीवा० ३, ३;
निसी० ५, ४०; —च्छेयण. न० (—च्छेदन)
नाकनुं छेदन करनुं ते. नाक का छेदन. act
of piercing, cutting off the nose.
नाया० २; —शिरसासवोऽभ्र. त्रि० (—नि-
श्वासबाह्य) नाकना धीमा श्वासथी पयुं छेदी
नय तेनुं द्रव्यं. नाक के धीमे श्वास से भी
उडजाय ऐसा हलका. (anything) so
light that even a gentle
breath from the nose would
cause it to move. भग० ६, ३३;
जीवा० ३, ३; —निस्सास. न० (—नि-
श्वास) नासिकानो वायु नासिका का वायु.
breath exhaled from the nose.
नाया० १; —पुड. पुं० (—पुट) नासा पुट;
नाकना श्वायु-नसिकारा. नाकके पुट. the
nostril. नाया० १४; —बन्ध. पुं० (—बन्ध)
नाकनुं आधनुं ते. नाक को दाबना. act
of closing up the nose. नाया० १७;
—मेय. पुं० (—मेद) नासिकामां छिद्रकरनुं
ते. नासिका में छिद्र करना. act of
perforating the nose. पण्ड० १, १;

शासिकपुर. न० (नासिकपुर) गोदावरी
नदीनी दक्षिणे आवेत्तुं ये नामनुं नगर.
गोदावरी नदी के दक्षिण में आया हुआ इस
नाम का नगर. Name of a town in
the south of the river Godāva-
rī. नंदी०

शासियपुड. न० (नासिकापुट) ओ३ओ “शा-
सपुड ” शब्द. देखो “ शासापुड ” शब्द.
Vide “ शासापुड ” नाया० ८;

शासियासिघाणग. न० (नासिकासिघाणक)
नाकनो मेघ; धीट, युंथा वगेरे. नाक का
मल. Dirt of the nose. तंदु०

शाह. पुं० (नाथ) नाथ; धरुणी; रक्षायु कर-
नार; आश्रय आपनार; योगक्षेम करनार.
नाथ; स्वामी; रक्षक; आश्रय दाता; योगक्षेम
करने वाला. A lord; a master; a
husband; a protector; a support-
er. नाया० ६; उक्त० २०, ११; सम० १;

शि. अ० (नि) वधाराना अर्थभां; निश्चय.
विशेष के अर्थ में; निश्चय. An inde-
clinable used to express the
sense of “ In addition to ”
‘ Indeed ’ विना० ६;

शिअ. त्रि० (निज) स्वकीय; पोतानुं. निज का;
अपना. One's own; belonging to
oneself. सू० प० २०;

शिअग. त्रि० (निजक) पोतानुं; स्वकीय.
अपना; स्वकीय. One's own; belong-
ing to oneself. ओव० ३३; जं० प०
५, ११४; २, ३३;

शिअट्टिवाद्दर. त्रि० (निवृत्तिवाद्दर) आहंभा
गुणस्थानकभां वर्तनार. आठवें गुणस्थानक
में रहने वाला. One who has attain-
ed the 8th Guṇāsthānaka, or
stage of spiritual evolution.
सम० २७;

शिशुशिक्षण. स्त्री० (निकृति) धगाध; माया.
ठगाई; नीचता; माया. Deceit; mean-
ness. ओव० ३४;

शिशुशिक्षण. न० (निगड) पगनी भेड़ी; लोहानी
सांकल. पैर की बेडिया; लोहे की सांकल.
Iron chains; fetters. ओव० ३८;

शिशुशिक्षण. त्रि० (नित्य) नित्य; स्थिर स्वभाव
वाला; अविनाशी. नित्य; स्थिर स्वभाव
वाला; Permanent;
steady; everlasting. सूय० १, १,
४, ६; जे० प० ७, १७५;

शिशुशिक्षण. त्रि० (निपुण) नियत-निश्चित
गुणवाला. नियत-निश्चित गुणवाला. Pos-
sessed of effective merits or
virtues. पंचा० ११, २०;

शिशुशिक्षण. त्रि० (निपुण) निपुण; होशियार;
कुशल; चतुर; चालाक. Clever; effici-
ent; skilful. " खंतिशिशुशिक्षण पागार
निगुसं दुप धंसय " उत्त० ६, २०;
नाया० १; ३; ६; ओव० २४; ३०; राय०
४४; ८०; सू० प० १; २०; —उच्चि०.

त्रि० (-उच्चित) निपुण शिल्पीनी बना-
वेले निपुण शिल्पी से बनाया हुआ. Made
by a skilful artist. नाया० १;

—कुशल. त्रि० (-कुशल) धोखा चतुर-
निपुण. अति चतुर-निपुण very clever;
very skilful. राय० ८०; —एवजुय.

त्रि० (-नययुत) सूक्ष्म नीतिनी धियार
करना. सूक्ष्म नीति का विचार करने वाला.
(one) devoting attention to
fine or minute points of ethics.

पंचा० २, १; —बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि)
सूक्ष्म बुद्धि. सूक्ष्म बुद्धि. sharp intel-
lect. पंचा० ११, २०; —सिन्धोवगय.
(-सिन्धोवगय) शिक्षकता आदिमां कुशल

थयेले. शिल्पकला आदि में कुशल.
(one) trained or skilful in
a handicraft etc. नाया० १;

शिशुशिक्षण. त्रि० (नैपुणिक—निपुण सूक्ष्म
ज्ञान तेन चरन्ताति नैपुणिकाः) सूक्ष्म
ज्ञान वाला. सूक्ष्म ज्ञानवाला. (One)
possessed of expert knowledge.
"नव शिशुशिक्षण वस्तु पण्यता" टा० ६;

शिशुशिक्षण. त्रि० (नियुक्त) प्रवृत्त करेले;
येनेले प्रवृत्त कियाहुआ; योजित. Set
about; started; planned. नाया० ६;

शिशुशिक्षण. पुं० (निगोदजाव) निगोद
जाव. निगोद के जीव. A sentient
being residing in the Nigoda
class of vegetation. जीवा० ६;

शिशुशिक्षण. पुं० (निकुर) एक जन्तु जात. एक
प्रकारका वृक्ष. A kind of tree नाया० ८;

शिशुशिक्षण. न० (निकुरम्भ) समूह. समूह.
A group; a collection. "रम्भ-
महामह निगोद भूय" नाया० १; १३;
(२) पुं० वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष. a
particular kind of tree. नाया० ६;

शिशुशिक्षण. पुं० (नियोग) व्यापार; क्रिया.
व्यापार; क्रिया. Process; action.
जे० प०

शिशुशिक्षण. पुं० (नियोग) आज्ञा; हुक्म.
आज्ञा; हुक्म. Order; command.
जे० प० ४, ११७; पंचा० ६, २८;

शिशुशिक्षण. पुं० (निगोद) एक शरीरमां
अनन्त जीव होय ओही वनस्पति; साधारण
वनस्पति. एक शरीर में अनन्त जीव हो
ऐसी वनस्पति. A vegetation with
infinite lives in its body. भग०
२५, ५;

शिशुशिक्षण-अ. पुं० (निगोद) ज्ञेयो उपलब्धो
शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

पत्र० १; ३; जीवा० ६; (२) कुटुंब.

कुटुंब. a family. जं० प०

शिंदण. न० (निन्दन) निन्दा करती; डेलज्या करती. निन्दा. Act of censuring. नाया० ८; भग० १७, ३; (२) पश्चात्ताप. पश्चात्ताप. act of repenting. penitence. नाया० १६;

शिंदणया. स्त्री० (निन्दन) पोताता कर्म के दोषनी निन्दा करती ते. अपने दोष या कर्म की निन्दा करना. Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग० १७, ३;

शिंदणा. स्त्री० (निन्दना) निन्दा; निन्दतुं; डेलना करती. निन्दा; निन्दा करना; अवगणना करना. Censure; act of censuring; speaking ill of. ओव० ८२;

शिंदणित्त. त्रि० (निन्दनाय) निन्दना योग्य; निन्दा करना योग्य. निन्दा करने योग्य. Deserving censure; censurable. नाया० ३, १५;

शिंदिया. स्त्री० (निन्दिता) जेभा ओड वर धास वगेरे निन्दामा आवे ते कृषि. जिसमें एक वार घास इत्यादि नांदनेमें आता है वह कृषि. Cultivation of land requiring weeding out of grass etc. once. ठा० ४, ६;

शिंदु. स्त्री० (निन्दु) मृतजा स्त्री. मृता आलकनी जन्म आपनार माता. मृत संतति जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली माता. A woman who gives birth to dead children अंत० ३, ८;

शिव. पु० (निम्ब) स्त्री०. निम्ब का वृक्ष. A Nimba tree. पत्र० १; भग० १८, ६; २२, २; (२) न० स्त्री०. निम्ब के फल. a seed of

a Nimba tree. पत्र०

शिवोलिया. स्त्री० (निम्बगुलिका) स्त्री०. निम्ब के फल. निम्ब के फल. A seed of the Nimba tree. नाया० १६;

शिकर. पुं० (निकर) समूह. समूह. A collection; a group. नाया० ३;

शिकरिय. त्रि० (निकन) जंतराजना नार-भांथी जेथुं, जंत्रा के छेद में से खींचा हुआ. Drawn out like a wire from a die. ओव० १०;

शिकाइय. त्रि० (निरुचिन-निर्मुक्तिप्रसह-र्याहेतूदाहरण ऽऽदिभिः अनेकथा व्यवस्था-पितम्) हेतु उदाहरण आदिभिः सिद्ध करेयुं. हेतु उदाहरण आदि में सिद्ध किया हुआ. Established or proved with the help of logical reason, illustration etc. भग० प० १६६; (२) निरुचिन; टुटे नहीं तेयुं. निरुचिन; न टूटे ऐसा. firmly fastened, such as would not break " चउम्बिहं शिकाइय पण्यते " ठा० ६, २;

शिकाय. पुं० (निकाय-निर्गतः काय औदारिका-ऽऽदिष्वस्माद् यस्मिन् वा सति स निकायः) मोक्ष. मोक्ष. Salvation. आया० १, १, ३, १८; (२) पृथ्वीकाय, अपकाय, तेजकाय, वायुकाय, वनस्पति काय, और वसकाय इन छः प्रकार के जीवों का समूह. a collection of the six kinds of sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, wind, vegetable, and mobile sentient beings (Prasakāya). ओव० २४; मृग० २,

४, ३; पञ्च० २२; दस० ४; —पड्डिवण्ण.
त्रि० (-प्रतिपन्न -निर्गतः काय औदारिका
ऽऽदिर्यस्माद् यस्मिन् वा सति स निकायो
मोक्षः तं प्रतिपन्नो निकायप्राप्तपन्नः) मोक्षार्थे
प्राप्तं ध्येयं. मोक्ष का प्राप्त. (one)
who has attained salvation
आया० १, १, ३, १८;

शिक्षाय. पुं० (निकाच -निकाचनं निकाचः)
निमन्त्रणं करयुः आमन्त्रणं करयुः.
निमन्त्रण करना; आमन्त्रण करना. Act
of calling or inviting. राम० १२;
शिकाय. सं० कृ० अ० (निताप्य) स्थापित
न. स्थापन करके. Having establish-
ed; having placed. शिकाय समये
पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो ' आया० १, ४,
२, १३३;

शिकुज्जिय. सं० कृ० अ० (निकुज्जय) शरीर
नीचुं दर्शित शरीर को झुकाकर. Hav-
ing bent or lowered the body.
निमा० १७, २३;

शिकुरव. न० (निकुम्ब) समूह. समुह.
A group; a collection. आव० भग०
१, १; नाया० १७; (२) श्रुती मेघघटा.
काली मेघघटा. a series of black
clouds. जीवा० ३, ३;

शिकुअ य पुं० (निकेव) आवास; घर. आवास;
घर. A house; an abode. नाया० १८;

शिक्र. त्रि० (*) शुद्ध; भेदवशतः
शुद्ध; निर्मल. Pure; free from dirt.
नाया० १;

शिककड. त्रि० (निष्कटक) निरावरण;
आवरण रहित. निरावरण; आवरण रहित.
Uninterrupted; free from any

obstacle. सम० जीवा० ३, ४; —च्छाय.
त्रि० (-च्छाय) निरावरण-आवरण
रहित प्रकाशवाचुः. निरावरण-आवरण रहित
प्रकाश युक्त. having uninterrupted
light. राय० जं० प० १, १२;

शिकेखिय. त्रि० (निष्काङ्क्षित) अन्य
दर्शनेनी आकांक्षा रहित. अन्य दर्शनकी
आकांक्षा रहित. (One) free from a
desire of knowing or practising
another creed. सूय० २, ७, ६६;

शिकट्ट. त्रि० (निष्कट्ट) दुर्बल शरीरवाचो.
दुर्बल शरीरवाला. Lean; reduced.
टा० ४, ४; (२) ७५२ अर्थेयत्. बाहर खाना
हुआ drawn out. नाया० १८;

शिकनार. त्रि० (निष्कान्तार-कान्तारमरणं
निर्गतः कान्ताराद् निष्कान्तारम्) ७५३ अर्थी
७५२ अर्थेयत् जंगल से बाहर निकाला हुआ.
Taken out from a forest;
led out of a forest. "कान्ताराओ
शिकनारं करेज्ज" टा० ३, १;

शिकम्म पुं० (निष्कर्मन्-निष्कान्तः कर्मणो
निष्कर्मा) मोक्ष. मोक्ष. Salvation. (२)
संवर. संवर. cessation of the
influx of Karma. "शिकम्मदंवा इह
मच्चिण्दि" आया० १, ४, ६, १३८;
—दंसि. त्रि० (-दर्शिन -निष्कर्मा) मोक्ष
संवरों वा तं द्रष्टुं शालमस्येति निष्कर्म-
दर्शिन) मोक्ष मार्गने ज्ञानानार; उभ
अध्वनी मुक्त. मोक्ष मार्ग को जानने वाला;
कर्मबंधन से मुक्त. (one) who knows
the path of salvation; freed
from Karmic bondage. आया० १,
३, ४, १३४;

* बुद्धो पृष्ठ नं० १२ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
first-note (*) P. 15th.

शिक्षकल. त्रि० (निष्कल) कलंक रहित.
निष्कलंक; कलंकरहित. Spotless;
stainless. भग० १५, १;

शिक्षकलुण. त्रि० (निष्कलुण) दया रहित.
दया रहित; निर्दय. Unkind; merci-
less. परह० १, १;

शिक्षकवय. त्रि० (निष्कवच) आवरण रहित;
अवय विनाश. आवरण. रहित; कवच रहित.
Devoid of a covering; devoid
of an armour. ठा० ४, २;

शिक्षकसिय. त्रि० (निष्कामित) नीकलेत्र;
आदी भुकेत्र. निकला हुआ; निकाल दिया
हुआ. Turned out; got out;
driven out. ओ०

शिक्षकवण. त्रि० (निष्कवचन) निष्परिग्रही.
निष्परिग्रही. Not possessed of
anything; possession-less. सू०
१, १३, १२;

शिक्षकिय. त्रि० (निष्क्रिय) क्रियारहित.
क्रियारहित. Devoid of action;
inert. परह० १, २; नाया० ६;

शिक्षकिव. त्रि० (निष्कृप) कृपारहित. कृपा
रहित. Devoid of compassion;
unkind. नाया० ६;

शिक्षकोडण. न० (निष्कोटन) अनन्य विशेष.
बन्धन विशेष. A particular kind
of bondage. परह० १, ३;

शिक्षकखंत. त्रि० (निष्कान्त) नीकलेत्र.
निकलाहुआ. Come out; got out;
gone out. नाया० १; नाया० ध० २;
(२) संसारमांथी नीकलीने दीक्षा अर्धे.
संसार में से निकलाहुआ; दीक्षा लियाहुआ.
(one) who has freed himself
from the world and has
become a monk. सू० १, ८, २४;
उत्त० १८, १६;

शिक्षकम न० (निष्कम) उपाधि छोड़ी
नीकलयुं दीक्षावेरी ते; सुभनो अेक प्रकार.
उपाधि को त्याग कर निकलना, दीक्षा लेना;
सुख का एक प्रकार. Act of step-
ping out of worldly troubles
and cares; entrance into the
ascetic order. ठा० १०;

शिक्षकमण. न० (निष्कमण) सूर्य चंद्रनुं तेना
मांडवमांथी अदार नीकलयुं ते. सूर्य चंद्र
का उसके मंडल में से बाहर निकलना. The
coming out of the sun and
moon out of their orbits or
circles. सू० १०१३; (२) दीक्षा वेरी. दीक्षा
लेना. entrance into the ascetic
orders. नाया० १, ५; (३) अरमांथी अदार
नीकलयुं ते. घर में से बाहर निकलना. act
of coming out of the house;
coming out of the house.
आया० नि० १, १, ६, १५८; वेय० १, १०;

—अभिमुह. त्रि० (—अभिमुख)
दीक्षानी सन्मुख; दीक्षा वेरा तत्पर. दीक्षाके
सन्मुख; दीक्षा लेने को तत्पर. ready
for or bent on initiation into
the ascetic order. नाया० ५;
—अभिसेय-अ. पुं० (—अभिषेक) दीक्षानो
अभिषेक; दीक्षानी किया दीक्षा का अभि-
षेक; दीक्षा की क्रिया. the ceremony
of initiation into the ascetic
order. भग० ६, ३३; नाया० ५; १६;

—चरियशिवद्ध. न० (—चरियनिबद्ध)
महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरनी दीक्षा
महोत्सव अगेरे दृश्य अतावतार नाट्य विधि;
उर नाटकमांथुं अेक. महावीर स्वामी आदि
तीर्थंकरके दीक्षा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने
वाला नाट्य विधि; ३२ नाटकों में से एक.
one of the 32 kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Dikṣā of the lord Mahāvīra etc. राय०—महिमा. पुं० स्त्री० (-महिमन्) दीक्षा महोत्सव. दीक्षा महोत्सव. festivity of Dikṣā i. e. initiation into the ascetic order. नाया० ८; —सत्कार. पुं० (-सत्कार) दीक्षानो सत्कार. दीक्षा का सत्कार. honour paid to Dikṣā or initiation into an ascetic order. नाया० ५;

शिक्षित. त्रि० (निक्षिप्त) छोड़ने; भूँड़ने. छोड़ दिया हुआ; रखवा हुआ. Kept: placed; put down; left. नाया० १; भग० १२, १; परह० १, ३; (२) व्यवस्थापन करने; रखने. व्यवस्थापन किया हुआ; रखवा हुआ. arranged; put into order. आया० २, १, १, ७; —चरञ्च. त्रि० (-चरक) रसोद्यता वासनामयी पदार्थ कदापि न होय तेषां आहारनी गवेषणा करनार. रसोद्य के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस आहार को गवेषणा करने वाला. (one) who seeks only that food which is not taken out of a cooking-vessel. ठ० ५. १; ओव०—दृढ. त्रि० (-दृढ - निक्षिप्तः निश्चयेन क्षितास्त्यक्ताकायरूपा. प्राग्युपमर्दकारिणो दृढा यस्ते तथा) मन वचन और कायाके दृढको त्यागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech. आया० १, ४, ३, १३४; —पुठञ्च. त्रि० (-पूर्व) पहिली पोताने भाटे अनावेन. पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुआ. prepared in the first instance

for oneself. आया० २, २, ३, ८७; —सत्यमुसल. त्रि० (-शस्त्रमुसल) गेले अग आदि शस्त्र त्यज दीधा होय ते. जिसने खड्ग आदि शस्त्रों को त्याग दिया हो. (one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग० ७, १;

शिक्षित्पमाण. त्रि० (निक्षिप्तमाण) पोताने स्थाने भुक्तो योग्य स्थान में रखता हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place, “अग्निपिंडं उक्षिप्तमाणं पेहाए अग्निपिंडं शिक्षित्पमाणं ” आया० २, १, २, २५;

✓ शिक्षित्व. भा० I, II. (नि+क्षप्) ईक्षुं; नाप्पयुं. फेंकना; डालना. To throw; to cast out.

शिक्षित्वद्. नाया० १४;

शिक्षित्विस्ता. नाया० १४; भग० १६, १;

वच० १, १४;

शिक्षित्वमाण भग० १६, १;

शिक्षित्विञ्चञ्च. त्रि० (निक्षिप्तञ्च) भुक्तो योग्य. रखने योग्य. Worth being put or kept. परह० २, १;

शिक्षित्वुड. पुं० (निष्कुट) पर्वत विशेष. पर्वत विशेष. A certain mountain. (२) निष्कम्प; स्थिर निष्कम्प; स्थिर. steady; firm. जे० प० ३, ५२;

शिक्षित्व. पुं० (निक्षेप) राप्पयुं ते. रखना. Act of putting or keeping. नाया० ८; (२) नाम स्थापनादिरूपे निक्षेप करवा ते. नामस्थापनादि रूप से निक्षेप करना. attribution of a name without reference to its connotation. आया० नि० १, २, १, १६४;

शिक्षेवञ्च. पुं० (निक्षेपक) आशयः.

बालापक. A depositor; a speaker
नाया० २; (२) राभयुं ते. रखना. act of
keeping or putting. भग० २०, ६;
शिक्षकोश. श्रि० (निःकोश) क्षोभ रहित.
क्षोभ रहित. Free from agitation;
free from disturbance. सम० २;
✓ शिक्षच्छु धा० I. (निरन्तम्) निकलवुं.
निकलना. To come out; to get out.
शिक्षच्छु. नाया० १; २; १४; विवा० ७;
शिक्षच्छति. नाया० १;
शिक्षच्छामि. नाया० १४; १६; भग० १५, १;
शिक्षच्छाहि. आ० नाया० १६;
शिक्षच्छिता. सं० कृ० नाया० २; ५; ८; १३;
१६; भग० ११, ११; विवा० ७;
शिक्षच्छमत्स्य. व० कृ० नाया० १; भग० ९, ३३;
शिक्षम. पुं० (निगम) व्यापारीयोनुं निवास
स्थान; जथा धन्या वाणिज्यायो वसता होय
ते स्थान. व्यापारियों का निवास स्थान; जहाँ
पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान.
A place of abode for merchants
or traders; a place where many
traders reside. ठा० २, ४; उत्त० २,
१८; नाया० १; दसा० ६, १६; परह० १,
३; भग० १, १; (२) व्यापूआनी समूह.
वैश्य समूह. a group of traders or
merchants. ठा० ३, ३; (३) अलिग्रह
विशेष. अभिग्रह विशेष. a particular
kind of vow. राय० (४) व्यापार.
व्यापार; वैपार. trade; commerce.
सम० ३०; (५) निश्चित अर्थों का बोध.
निश्चित अर्थ का बोध. knowledge of
settled principles. भग० ७, ९;
—राक्षस्य. त्रि० (रक्षित) जेले व्यापा-
रीयोनी रक्षा करी होय ते; व्यापारीयोभां
प्रधान-आगेवान. जिसने व्यापारियों का
रक्षा की हो वह; व्यापारियों में प्रधान-

मुखिया. (one) who has protect-
ed merchants; a leading, pro-
minent merchant. निसी० ४, ६;
शिक्षर. पुं० (निरु) समूह; ऋथो; ऋथो.
समूह; ढेर. A collection; a pile; a
heap. नाया० ८; ६; भग० १५, १; जीवा०
३, ३; विवा० ६;
शिक्षरित. त्रि० (निगरित) शोधन करे.
शोधन किया हुआ. Refined; purified.
जीवा० ३, ३;
शिक्षलिय. त्रि० (निगरित) गाक्षीने शुद्ध
करे. छानकर शुद्ध किया हुआ. Purified
by filtration. जं० प० तंदु०
शिक्षस. पुं० (निरुष) रेखा. A
line. परह० १, ४;
शिक्षाम. कि० वि० (निकाम) अतिशय; अहु.
अति; बहुत. Too much; excessive.
ठा० २, २; —पडिसेविणी. स्त्री० (—प्राप्ति
सेविनी—निकामयत्वर्य बजिपास याधन पु-
रुष प्राप्तिसेवते इत्येवंशीला निकामप्रतिसे-
विनी) धृ० पु० पतिने संग करनार
स्त्री. इच्छाके प्रमाणसे पति का संग करनेवाली
स्त्री. a woman who cohabits with
her husband not longer than
the time of natural gratifica-
tion. ठा० ५, २; —साह. पुं० (—शा-
यिन) ६६ उपरांत सुनार. इदसे अधिक
सोनेवाला; प्रमाणसे अधिक निद्रा लेनेवाला.
(one) who sleeps too much.
दस० ४;
शिक्षास. पुं० (निरुष) परस्पर भेदाप करे.
ते आपस में मिलाना. Mutual union
or intercourse. भग० २५, ७;
शिक्षिण त्रि० (नग्न) वस्त्र रहित. वस्त्र
रहित; नंगा; नग्न. Naked; without
clothes. सूय० १, २, १, ६;

शिवगिरि. न० (नाग्न्य) नग्नता; नग्नपण्डु.
नग्नता; नग्नपण. Nakedness; nudity.

उत्त० ५, २१;

✓ शिव-गिरिह. धा० I, II. (नि+गृह्) पङ्-
जुं; निग्रह करवा. पकड़ना; निग्रह करना. To
catch hold of; to control; to sub-
due.

शिवगिरिह. भग० ६, ३३;

शिवगिरिहस्तार. त्रि० (निगृहीतृ) निग्रह
करनेवाला. (One) who
controls, checks or prevents.
दसा० ४, ८४;

शिवगुंजमाण. त्रि० (निर्गुञ्जत) आँभारनेवा.
आँभारा करनेवाला (घोड़ा). हिनहिनाता; हिन-
हिनाता हुआ घोड़ा. Neighing (e. g.
a horse). नाया० ६;

शिवगुड. त्रि० (निगूढ) गुप्त. गुप्त. Hidden;
secret. (२) मौन रहनेवाला. मौन रहा हुआ;
शान्त. silent. सूय० २, ७, ८१;

शिवगोय. पुं० (निगोद) अनेक शरीरों में अनन्त
जन्म होता है; अनन्त आयु. एक शरीर में
अनन्त जीव हो रहा है; अनन्तकाय. A phy-
sical body with infinite lives or
souls. जं० प० ३, ३६;

शिवगम. त्रि० (निर्गत) नीकलने. निकला
हुआ. Come out; gone out; got
out. नाया० १; ५; ६;

शिवगम्य. न० (निर्ग्रन्थ) निर्ग्रन्थ सिद्धांत-
प्रवचन. निर्ग्रन्थ के सिद्धान्त-प्रवचन. The
religious creed of the Nirgrantha-
thas (ascetics). सूय० २, ६, ४२;

शिवगम्य. पुं० (निर्ग्रन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो
ग्रन्थो यस्मात् स निर्ग्रन्थः) बाह्य-धन
आदि परिग्रह अन्त्यन्तर-अंदरों कषायादि
ग्रन्थों रहित; बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित-
निःस्पृही जैन साधु (साध्वी). बाह्य-धन

आदि परिग्रह, अन्त्यन्तर-अंदर के कषायादि
ग्रन्थ से रहित; बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित
निःस्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina
monk (or a nun) free from
the tie or fetter of internal
impurity due to passions
and also from that of
worldly possessions. नाया० १; २;
५; ६; १०; १५; भग० १, ३; ६, १; १६,
४; निसा० १७, २०; ओव० १६; ३६; जं०
प० आ० ४, ८; —धम्म. पुं० (—धर्म)
निर्ग्रन्थ धर्म; जैन धर्म. सर्वज्ञ का धर्म;
जैन धर्म. the creed of the
omniscients; Jainism. सूय०
२, ६, ४२; —पात्रयण. न० (—प्रव-
चन) जैन सिद्धांत; जैन आगम. जैन सिद्धा-
न्त शास्त्र; जैन आगम. The Jaina
scriptures. नाया० १; १२; १३; १४;
नाया० ध०

शिवगम्यी. स्त्री० (निर्ग्रन्थी) साध्वी. साध्वी. A
nun. “ चत्वारि शिवगम्यीओ पणत्ताओ ”
ठा० ४, ३; ४ २; ५, २; नाया० २; ५; ६;
१०; १४; १५; १६; नाया० ध०

शिवगच्छमाण. व० कृ० त्रि० (निर्गच्छत)
नीकलने; निकलने. निकलता हुआ; बाहर
जाता हुआ. Coming out; going
out. ओव० ३२;

शिवगम. पुं० (निर्गम) निकलने. निकलना.
Act of coming out; coming out.
नाया० ८; १८;

शिवगमण. न० (निर्गमन) निकलने का मार्ग.
निकलने का मार्ग. A way out; an
exit. नाया० २;

शिवगम्य. अ० त्रि० (निर्गत) निकलने.
निकला हुआ. Come out; got out.
नाया० १; ५; ९; १२; १३; १५; १६; १८;

१६; भग० १, १; १४, १; जं० प० १, १;
(२) रहित; अविद्यमान. रहित; अविद्यमान.
devoid of; not possessed of. डा०
१; —अग्रदंत. त्रि० (—अग्रदन्त) आ-
गला दांत अहार निकले छे जेना अवे.
जिसके आगे के दांत बाहर निकले हुए हैं
ऐसा. (one) whose fore-teeth
are come out. नाया० ८;

शिगमह. पुं० (निग्रह) निग्रह; कथनमां
राखनुं; निरोध करवे; अनाचारनी प्रवृत्तिनुं
अटकावनुं. निग्रह; बश में रखना; निरोध
करना; अनाचार की प्रवृत्ति को रोकना. Act
of keeping under control; act
of preventing or checking; act
of checking sinful activity.
नाया० १; ५; राय० २१५; दस० ३, ११;
ओव० १५; निसी० १, १; भग० ७, ६;
—ट्टाण. न० (—स्थान) वादमां
प्रतिवादी जेनाथी पकड़ाय ते निग्रह स्थान.
वाद में प्रतिवादी जिससे पकड़ में आता है
वह निग्रह स्थान. the weak point by
which an adversary is de-
feated in argument डा० १;
—दोस. पुं० (—दोष) पराजय स्थान रूप
दोष. पराजय स्थान रूप दोष. faultiness
e. g. of an argument, which
leads to a defeat. डा० १०; —अग्रहाण
त्रि० (—प्रधान) अनाचार प्रवृत्तिना निषेध
करवाभां प्रधान. अनाचार प्रवृत्तिका निषेध
करनेमें प्रधान. (one) who is fore-
most in preventing sinful acti-
vities. निसी० १, १; ओव०

शिगमाहि. त्रि० (निग्रहिन्) निग्रह करनेवाला.
निग्रह करनेवाला. (One) who con-
trols or subdues. उक्त० २५, २;

शिगमुंडि. स्त्री० (निर्गुण्डि) ओक प्रकारनी

शुद्ध वनस्पति. एक प्रकारकी शुद्ध वनस्पति.

A kind of vegetation. पल० १;

शिगमुण. त्रि० (निर्गुण) शुद्धरहित. गुणरहित.
(One) not possessed of merits.
डा० ३, १; राय० २०८; जं० प० (२)
शुद्धप्रतीति रहित. गुणव्रतोंसे रहित. (one)
devoid of the three Gupavra-
tas. नाया० ८; भग० १२, ८;

शिगमोह. पुं० (न्यग्रोह) वडनुं आउ. बडका
वृक्ष. A banyan tree. सम० प० २३३;
जावा० १; (२) पहिला तीर्थकरनुं चैत्य
वृक्ष. पहिले तीर्थकरका चैत्य वृक्ष. the
Chaitya tree of the first Tir-
thankura. सम० प० २३३; (२) नाभि
उपरना अवयवो सुंदर होय अने तेनी नी-
चिना साधारण होय तेनुं शरीरनुं ऐन संठाण.
नाभिके ऊपरके अवयव सुंदर हों और उल्लेख
नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक संठाण-
बांधा. a type of physical consti-
tution in which the parts above
the navel are graceful while
those below it are plain. सम०
प० २२७; —परिमंडल. न० (—परिमंडल)
वडना वृक्षनी पेड़ नाभि उपरना अवयवो
सुंदर अने नीचिना ओठोउ होय तेनी जतनुं
शरीरनुं ऐक संठाण बड़ के वृक्ष के समान
नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के
कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा. A
type of physical constitution
in which the parts above
the navel are graceful while
those below are ugly as in the
case of a banyan tree. डा० ६, १;
पल० १५;

शिगमंड. पुं० (निषण्ड) वैदिक ऋषि; निषण्ड
शास्त्र. वैदिक ऋषि; निषण्ड शास्त्र. The

lexicon of Vedic words. ओव० ३८;
शिग्धाद्य. त्रि० (निर्घातित) अक्षर-नीकलेख.
बाहर निकला हुआ. Come out; got
out. नाया० १२;

शिग्धाद्य. पुं० (निर्घात) वैदिक कथन पञ्च
पञ्चुं. वैदिक से किया हुआ वज्रका गिरना.
Falling of a thunderbolt cre-
ated by Vaikriya process.
जीवा० १; पञ्च० १; (२) बिजलीनुं पञ्चुं.
बिजलीका गिरना. a lightning
stroke. जीवा० १; पञ्च० १; (३) गर्ज-
नाना कलकल. गर्जनाका घोर शब्द. a peal
of thunder. टा० १०; अणुजो० १२७;
(४) जलानुं पञ्चुं ते. भरनेका बहना.
flowing of a stream. “ शिग्धायाय
पवत्तं ” मय० १, १२, २२;

शिग्धायाय. न० (निर्घातन) हत्युं; मारुं;
नाश क-वे. हनना; मारना; नाशकरना. Act
of killing or destroying. ओव०
११; जं० ५०

शिग्धिण. त्रि० (निर्घृण-न विद्यते घृणा पाप-
जुगुप्सा लक्षणा यत्र स निर्घृणः) धृष्टा,
दया अनुकंपा रहित; निर्दय. घृणा-दया
अनुकंपा रहित; निर्दय. Unkind; cruel;
without compassion. पण्ड० १, १;
नाया० ९; —मद. त्रि० (-मति) पारङ्कुं
द्रव्य लेवानी जेनां मति छे ते. जिसका पराया
धन लेनेकी मति है वह. (one) who
is greedy, covetous of an-
other's wealth. पण्ड० १, ३;

शिग्धोस. पुं० (निर्घोष) अवाज; स्वर;
शब्द; महा-
ध्वनि. Sound; a loud sound;
voice. ओव० ३१; ३४; नाया० १; ८; जं०
५० ५, ११६; ११७; भग० ६; ३३; पण्ड०
१; १; राय०

शिघंटु. पुं० (निघण्टु) ओ नामनो वैदिक ऋषि.
इस नामका वैदिक ऋषि. A Vedic dic-
tionary of this name. “ निघंटु छ-
डाणं संगोवंगणं चउण्डं वेयाणं ” भग० २, १;

शिचय. पुं० (निचय) समूह; जथा. समूह;
जथा. A collection; a group.
ओव० १३; (२) कर्म संयय; कर्म
अथ. कर्मसंचय; कर्मबंध. a collection;
of Karmas; Karmic bondage.
सूय० १, १०, ६;

शिचिय. त्रि० (निचित) निचय; घट्ट; गाढुं
निचड; घट्ट; गाढा. Dense; thick. राय०
३२; जीवा० ३, १; भग० १६; ३;

शिञ्च. त्रि० (नित्य) नित्य; हमेशानुं; सदानुं;
शाश्वत; नाशरहित. नित्य; हमेशाका; सदाका;
शाश्वत; नाशरहित. Permanent; ever-
lasting. “ जे निचलं कमइ शिञ्च से न
अथइ मंडले ” उत० ३१, ६; नाया० १;
२; ५; ९; भग० ६, ३३; १८, ७; ४२, १;
मम० १३; ओव० —अशिञ्च. त्रि० (अ-
नित्य) नित्यानित्य. नित्यानित्य. per-
manent and impermanent. टा० १;
—उउआ. स्त्री० (-ऋतुका) नित्य रजस्व-
लावाली स्त्री के जे गर्भाधारण करी सकती
नहीं. नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भ-
धारण न कर सकती हो. a woman hav-
ing daily menstrual discharge
and so incapable of conceiving
a child. टा० ५, २; —उऊग. त्रि०
(-ऋतुक) जेनी उपर पारमास इतइत
आयतां होय ते. जिसके ऊपर बारह मास
फलफूल लगते हैं वह. (a tree) that
puts forth flowers and
fruits in all the seasons.
सम० ५० २३३; —उउविग. त्रि० (उद्-
विग) सदा उदासीन; हमेशा भिन्न. सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ५, २, ३६; — **च्छाणिय**. त्रि० (-च्छाणिक-नित्यं सर्वदा क्षणा उत्तमा यत्राऽसौ नित्यच्छाणिकः) सर्वदा भोज्य उपायनार-भाननार. सर्वदा चैनबाजी उडानेवाला; आनन्द मनानेवाला. (one) who is always enjoying pleasure नाया० ४; — **तालच्छि**. त्रि० (-तल्लिप्स) सदैव तत्पर गर्देव तत्पर. (one) who is always ready पंचा० १७, ५१; — **दुःखिय**. त्रि० (-दुःखिन) हमेशानो दुःखी अश्वेध. निरंतर दुःखा. (one) who is permanently miserable. तंदु० — **दोष**. पुं० (-दोष) नाश न प. मे तेवो दोष. नष्ट न हो ऐसा दोष. a permanent or constant fault. ठा० १०; — **भाव**. पुं० (-भाव) नित्य भाव. नित्य भाव constant; permanent existence. भग० १२, ७; — **मति**. छा० (-स्मृति) नित्य स्मरण क्षरवुं ते नित्य स्मरण करना. constant remembrance. पंचा० १, ३६;

शिञ्चंधकारतमस. त्रि० (नित्यान्धकारतमस-नित्यमेव अंधकारतमसं येषु ते तथा) हमेशा ज्वां अंधकार छे ते; नरक दिगरे. जहां हमेशा अंधकार है वह; नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e. g. hell etc. दसा० ६, १;

शिञ्चमस. न० (नित्यमसत) हर रोज भोजन लेवुं ते. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal. सम० प० २३२;

शिञ्चय. पुं० (निश्चय) निश्चय; मोक्ष अत्रेव इत्य निश्चय; निर्णय; यथार्थता. Determination; decision; certainty. राय० २१०;

शिञ्चल. त्रि० (निश्चल) स्थिर; अचल. स्थिर; अचल. Steady; permanent; motionless. नाया० २, ५; १७; — **पय**. पुं० (-पय) निश्चयपद; मोक्ष. निश्चल पद मोक्ष. absolution, salvation. राय०

शिञ्चालांग. पुं० (नित्यालोका) ६२ भो महा-अद सूर्य प्रतमिनी गजुत्री प्रभाषे अने हावांग सूत्रनी गजुत्री प्रभाषे ६४ भो. ६२ वां महाप्रह (सूर्य प्रजामिका गिनतांके अनुसार) और ठाणांग सूत्र का गिनतांके हिमाबसे ६४ वां. The 62nd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 64th according to that of Thāpāṅga Sūtra. “ दं शिञ्चालोया ” ठा० २, ३;

शिञ्चालाय पुं० (नित्यालोका) जुगो “ शिञ्चालोय ” शब्द. देखो “ शिञ्चालोय ” शब्द. Vids “ शिञ्चालोय ” सू० प० २०;

शिञ्चुजोतय. (नित्योद्योत) ६३ भो महाअद सूर्य प्रतमिनी गजुत्री प्रभाषे अने हावांग सूत्रनी गजुत्री प्रभाषे ६५ भो. ६३ वां महाप्रह सूर्य प्रजामिका गिनतांके अनुसार और ठाणांग सूत्र का गिनतांके अनु-सार ६३ वां. The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 65th according to that of Thāpāṅga Sūtra. “ दं शिञ्चुजोया ” ठा० २, ३;

शिञ्चेद्र. त्रि० (निश्चेष्ट) येषा रहित. चेष्टा रहित. Motionless, actionless. नाया० २, १६;

शिञ्चैगणय. न० (निश्चेतनक) अतन्य वगस्तु शरीर; मृतदेह. चैतन्य रहित शरीर; मृतदेह. A corpse; a dead body. तंदु०

*शिच्छक. त्रि० (*) अपसरतो
अपलु. योग्य प्रसंग वा समय से अज्ञात.
(One) not knowing the proper
or opportune time नाया० ६;

शिच्छय. पुं० (निश्चय) निश्चयः निश्चयः
निर्णयः निश्चयः. Resolve; deter-
mination; decision. नाया० १; राय०
२१५; भग० २, ६: १८, २; (२) अन्य-
नित्यादी नियम. व्यभिचार रहित नियम. a
vow free from any sin: discre-
pancy. सम० ३; (३) निः निर्गत-निर्दोषी
गयेत छे अप कर्म समुद्ध निर्माणी कर्मता
समुद्ध नीदोषी गयेत छे अवे मेक्ष जिममेमे
निःनिर्गति निकल गया है चय-कर्ममूहः
कर्मका समुद्ध निकल गया हा वह मोक्ष that
from which the collection of
Karmas has passed away i. e.
salvation or final bliss पण्ड० १.
१; (४) वास्तविक पदार्थको मानने
वाला द्रव्यार्थिक नय. वास्तविक पदार्थको हा मानने
वाला द्रव्यार्थिक नय. a real or essen-
tial point of view e. g. calling
a thing in its reality. सम० ३;

—णय. पुं० (नय) द्रव्यार्थिक नयः
निश्चय नय. द्रव्यार्थिक नयः निश्चय नय. a
real or essential point of view,
e.g. calling a pitcher of clay a
pitcher of clay. पंचा० ७, ४६; सम० ३;

शिच्छयश्च. त्रि० (निश्चयश्च) निश्चयार्थः
अपलुनार. निश्चयार्थ जाननेवाला. (One)
whose knowledge is certain
or positive. सूय० २, ६, १६;

शिच्छाय. त्रि० (निश्चय) शोभा नशरतोः

उदरुपा. शोभा रहित; कुत्प. Ugly;
deformed. नाया० १; ३; पण्ड० १, २;

शिच्छारिय. त्रि० (निस्तारित) पार पंदाया-
देव. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven
out; pushed out. नाया० १;

शिच्छिगणा. त्रि० (निस्तीर्ण) पार गयेत.
किनारे को पहुँचा हुआ. (One) who
has gone to the opposite
shore; crossed. पत्र० ३६;

शिच्छिद. त्रि० (निश्छिद) छिद्ररहित.
छिद्ररहित. Free from holes. नाया० ६;

शिच्छिय. त्रि० (निश्चित) निश्चित; नङ्गी
करेव निश्चित. नङ्गी किया हुआ. Cer-
tain; assured, n. doubted. नाया०
१; ७; भग० ६, ३३; सम० ११;

शिच्छुड. त्रि० (निश्चित) पार नीचेत.
बाहर निकाला हुआ. (Come out;
Taken out. नाया० ८, १६;

शिच्छुमणा. त्रि० (निश्चामणा) अन्तर्गत निश्चर
२. अन्तर्गत; निश्चर. Act of rebuking,
scolding or insulting. नाया० ३६;

शिच्छुमाविय. त्रि० (निश्चोभित) अन्तर
धारी मुड़ेत. बाहर निकाल दिया हुआ
Driven out; pushed out नया० ८;

शिच्छुड. त्रि० (निश्चयूत) थुंथु ते थुंथुना.
Act of spitting "सा परिस्वायतो
होतिज्जतो शिच्छुडो" आव० १, २;

शिच्छुड. त्रि० (निश्चित) अन्तर धारी
मुड़ेत. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed
out; driven out. नाया० १६; १८;

शिच्छोडण. त्रि० (निश्चोडण) अन्तर्गत;
निश्चर. अन्तर्गत; निश्चर. Act of
rebuking, scolding or insulting.

* जुष्ठा पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की पृष्ठनोट (*) Vide
foot-note (*) P. 15th.

भग० १५, १; नाया० १६;
 ✓ शिजम. धा० I, II. (नि+गम् (यच्छ)=
 यम्) निश्चयशी प्राप्त करने; आँधु; आँधन
 करने. निश्चयसे प्राप्त करना; बाँधना; बंधनकरना.
 To acquire; to tie; to fasten.
 शिजच्छति. पञ्च० २३; सूय० २, ६, ३६;
 शिज्यच्छति. सूय० १, ८, ८;
 शिजुत्त. त्रि० (नियुक्त) निभेक्षु; जेष्ठये त्यां
 गोष्ठेयुं. नियत किया हुआ; योग्य स्थान पर
 जमाया हुआ. Appointed; arranged
 in proper place. ओव० २४;
 शिजुद्ध. न० (नियुद्ध) आर्ष पञ्च जननी
 सत्राद सधि स्वीकारवाभां न अवे नेतुं युद्ध.
 कोई भी प्रकार को सुनह संधि स्वीकृत न
 की जाय ऐसा युद्ध. A battle in
 which the opposing hosts are
 not prepared to accept any
 terms of peace. ओव० नाया० १;
 शिज्जाप्प. त्रि० (निर्याप्प) सत्त्व रहित (भा-
 जन). सत्त्व रहित (भोजन). (Food)
 devoid of substance. पण्ह० २,
 ५; —पाणभोयण न० (—पानभोजन)
 सत्त्व रहित भोजन पाणी. सत्त्व रहित
 भोजन पानी. food and drink de-
 void of substance or nutriment.
 पण्ह० २, ५;
 शिज्जरण. न० (निज्जरण) निज्जरा; कर्मनुं
 भरयुं; निरस थयेत्त-भोग्यायेत्त कर्मनुं
 अरिने हरयुं. निज्जरा; कर्म का गिर पड़ना;
 निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के
 दूर होना. Falling off, frittering
 away of Karmas from the soul
 after bearing fruit. ओव० २१;
 शिज्जरा. ली० (निज्जरा) कर्मनुं अक देशयी
 अरयुं-अरयुं ते; आत्मायी कर्मनुं छुटा थयुं;
 नव तत्त्वमांनुं अक. एक देश से कर्म का

झरना गिरना; आत्मा से कर्म का ध्रुवक
 होना. Falling off of Karmas from
 the soul; e. g. after bearing
 their fruit. डा० १, १; २, १; २, ४;
 ४, ४; भग० ६, १; १८, ३; पञ्च० १५;
 सम० १; ओव० ३४, ४२; पंचा० ६, १४;
 —पेहि. त्रि० (-प्रेक्षिन्-निज्जरां प्रेक्षिन् शील-
 मस्येति निज्जरा प्रेक्षी) निज्जरातत्त्व ज्ञातुमार.
 निज्जरातत्त्व जाननेवाला. (one) who has
 knowledge of the category call-
 ed Nirjarā. “ मज्झिमो शिज्जरापेही
 सयाहिमणुपालण ” आया० १, ८, ८, ५; उत्त०
 २, ३६; —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) आत्मायी
 छुटा थयेत्त कर्मना पुद्गल. आत्मा से भिन्न
 हुए कर्म के पुद्गल. Karmic matter
 separated from the soul by
 Nirjarā. भग० १८, ३; —हेउ. पुं०
 (-हेतु) निज्जरातुं कारण; कर्म क्षयने
 हेतु. निज्जरा का कारण; कर्म क्षय का हेतु.
 cause of Nirjarā or destruc-
 tion of Karma. पंचा० १२, २६;
 शिज्जरिज्जमाण. त्रि० (निज्जिर्वमाण)
 कर्मना पुद्गलक्षय करेत्त. कर्म के पुद्गलों
 का क्षय करता हुआ. (One) who
 is destroying Karmic matter.
 भग० १, १, २; ६, ३३;
 शिज्जरिय. त्रि० (निज्जरित) क्षय करेत्त;
 निज्जरा करेत्त. निज्जरित; क्षय किया हुआ.
 (One) who has destroyed
 or caused to be wasted away.
 “ शिज्जरिय जरामरणं वंदित्ताजिणवरं
 महावीर ” तंदु०
 शिज्जवञ्ज. त्रि० (निर्यापक) भूला प्राय-
 क्षित्तनो निर्याप करेत्तार. बड़े प्रायश्चित्त का
 निर्वाह करने वाला. (One) who goes
 through a great expiation.

ठा० ८, १;

शिज्जवग. पुं० (निर्यापक-निर्यापयति तथा करोति गुर्वपि प्रायश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्यापकः) भोटा प्रायश्चित्तने निर्वाह कराय-
नार. बडे प्रायश्चित्त को निर्वाह कराने वाला (गुरु). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० ८, १; १०; भग० २५, ७;

शिज्जवणा. स्त्री० (निर्यापना) प्राणियोना प्राणुने प्रयाणु करवानुं कृत्यः हिंसानुं अइ नाम. प्राणियों के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्य; हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings; a sort of Himsā. पणह० १, १;

शिज्जाण. न० (निर्याण) ज्यांथी पाणुं आवयुं न होय तेयुं गमनः मोक्ष गमनः जहां से वापिस आना न हो ऐसा गमनः मोक्ष गमन. Going with retreat; salvation. ओव० ३४; जं० प० ५, ११८; (२) स्वतंत्र गमन. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. ओव० (३) भरजुदावे शरीरभांथी आत्मानुं अदार नीकवयुं ते. मृत्यु के समय शरीर में से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. ठा० ३, ४; (४) नगरंथी अदार नीकवयुं ते. नगर से बाहर निकलना. act of going out of a town. ठा० ३, ४; (४) नगरभांथी नीकवयानो रस्ते. नगर में से निकलनेका रास्ता. a road leading out of a town. " बाह्दियाणं शिगामट्टाणं । शिजाणिया शगरगमे वा जांपय तं शिजाणं "

निसी० चू० ८; सू० प० ४; चं० प० (५) निस्तार; छेडा. निस्तार; अन्त. end; decision. सूय० २, २, ५७; —कहा. स्त्री० (-कथा) राजनी स्वारी नीकले तेनी पात करयो ते; राजकथानो अइ प्रशर. राजा की सवारी निकलने की बात करना; राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा० ४, २; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) अइ ठेकाणु निर्वाणपद भव्युं होय ते भूमि. जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि. a place where one has attained salvation. जं० प० ५, ११८; —मगग. पुं० न० (-मार्ग-निर्याणस्य मोक्ष-पदस्य मार्गो निर्याणमार्गः) मोक्षमार्ग. मोक्षमार्ग. the path of salvation. भ० ६, ३३; (२) अयने नीकवयानो मार्ग. जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body). " पंचावहे जीवस्स शिजाणमग्गे पण्णते " ठा० ५, ३; भग० १६, १; २६, २; दसा० १; ३; (३) नीकवयानो रस्ते; अदार ज्वानो. मार्ग. निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. जं० प०

शिज्जाणियलेण. न० (निर्याणिकलयन) नगरभांथी निक्कवाना मार्गपरनुं भकान. नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A house on a road leading out of a town. भग० १३, ६;

शिज्जामअ-य. पुं० (निर्यामक) अदासी; सुदाली. गौका वाहक. A sailor; a helmsman. ओव० २१; नाया० १७;

शिज्जामग. पुं० (निर्यामक) अदासी. नाविक; मल्लाह. A sailor; a mariner; ओव० विशेष० राय०

शिञ्जाय. त्रि० (निर्यात) नीकलेख. निकला हुआ. Come out; got out. नाया० १; ६; —रूपरयय. त्रि० (-रूपरजत) तन्मुं छे सोनुं ३पुं जेछे ते. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. “ शिञ्जायरूपरयय गिहिजोगंपरिवज्जणं जे से भिक्खू ” दस० १०, ६;

शिञ्जास. पुं० (निर्यास) आसने रस; गुंहर वगेरे चीकले पदार्थ. वृक्ष का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. ओघ० नि० भा० १४२; शिञ्जिण त्रि० (निर्जीण) क्षीणः क्षय इरेल. क्षीण; क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted away. भग० १, १; ६, ३३; १२, ४; १४, ४; पञ्च० ३६;

शिञ्जिय. त्रि० (निजित) जितेनुं. जीता हुआ. Conquered. जं० प० —भन्तु. त्रि० (-शत्रु) शत्रुने जित्या छे जेछे ते. जिसने शत्रु को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय०

शिञ्जीव. न० (निर्जीव) सोनुं आदि धातु भारवां ते; ७१ भी इत्ता. सोना आदि धातु को मारना; ७१ वा कला. The 71st art. viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical processes. जं० प० ओव० सम०

शिञ्जुत्त. त्रि० (निर्युक्त) अशीन. निश्चित; अवश्य. Certain; assured. नाया १; ओव०

शिञ्जुत्ति. क्री० (निर्युक्ति — निश्चयेनार्थ-प्रतिपादिका युक्तिनिर्युक्ति) युक्ति सहित सूत्रना अर्थ अतापनार ग्रंथ. युक्ति सहित

सूत्र के अर्थ बताने वाला ग्रंथ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. —भार. पुं० (-कार) निर्युक्ति रचनार भद्रबाहु स्वाभि वगेरे. निर्युक्ति के रचयिता भद्रबाहु स्वामी इत्यादि. an author of Nir-yuktis; e. g. Bhadrabāhu etc. आया० नि० १, १, १;

शिञ्जुद. त्रि० (निर्युद) अहार डाढी भुंकेल. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया० १;

शिञ्जुह. न० (निर्युह) आरसाभ पासे अहार डाढेनुं लाकड़; धोडो. किंवाड के नजदीक बाहर निकाला हुआ लकड़; चौखटा. A bent piece of wood projecting out from the upper part of a door-frame. नाया० १; (२) गोअ. करोखा. a balcony; a gallery. (३) गोअ वातुं घर. करोखावाला मकान. a house having a balcony or a gallery. जवा० ३, ३;

शिञ्जुहग. पुं० (निर्युहक) धोडो; धोडो. चौखटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of a house or window is set; (this is often used as a sort of shelf) पण्ड० १, १;

शिञ्जुहिता. हे० क० अ० (*निर्युहिता) अहार डाढ्याने. बाहर निकालने को. In order to push out or drive away. वव० २, ७;

शिञ्जुहिता. सं० क० अ० (*निर्युहिता) पाछावाडीने; डाढीभुडीने. पीछे हटा कर; निकाल कर. Having driven back; pushing out. दसा० ७, १;

शिउजोग. पुं० (नियोग) सेवक. सेवक; च कर.

A servant; an attendant. नाया० १;

शिउजोय. पुं० (नियोग) सेवक. चाकर;

सेवक. An attendant; a servant.

नाया० १; (२) पत्र, पात्रादि उपकरण.

वस्त्र, पात्रादि उपकरण. articles of use

for an ascetic such as clothes,

vessels etc. राय० ८०;

शिउम्भर. पुं० (निउम्भर) पहाडमांथी उरतुं

पाणी; जरो पहाड में से सरता हुआ पानी;

सरना. A stream of water; a

brook issuing from a moun-

tain. पञ० २; जीवा० ३, ३; नाया० १;

शिउम्भाइत्ता. सं० कृ० २० (निर्वीर्य) आरी-

शीथी अवलोकन करीने; आरीशीथी चितवन

करीने. सूक्ष्म रीति से अवलोकन करके; लक्ष

पूर्वक चितवन करके Having closely

or minutely observed or

thought upon. आया० १, १, ६, ५०;

शिउम्भाइत्तार. त्रि० (निर्वीर्य) अनि चिंता

करना. अनि चिंता करने वाला. (One)

given to excessive worry and

anxiety. डा० ६;

शिउम्भोसइत्तार. त्रि० (निउम्भोपयितृ) पूर्वा

करीनां कर्माने अनायास. पूर्व के किये हुए

कर्मों का क्षय करने वाला. (One) who

causes a destruction of the

Karmas done by him in his

past lives. आया० १, ३, ३, ११६;

✓शिद्वष. धा० I, II. (निस्था+णि)

समाप्त करतुं; पुरं करतुं. समाप्त करना.

To complete; to bring to a

close.

शिद्वषिसु. भू० भग० २६, १, २;

शिद्वषण. न० (निष्ठापन) निष्ठापन. पैदा

करना; उत्पन्न करना. To produce; to

cause to be produced. पण० १, १;

शिद्वष. ली० (निष्ठा) क्षय सिद्धि; क्षय

समाप्ति. कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति.

Successful termination of work;

completion of work. सूय० १, १५,

२१; भग० १६, ४;

शिद्वषण. न० (निष्ठान) सारा शुशुवाधुं-

संस्कारेन भोजन. अच्छे गुण वाला भोजन.

Wholesome food. " शिद्वषणरस

निउजुं " दस० ८, २२; —कदा. ली०

(कथा) भोजनना रस अने अर्थ संग्रही

अन्वयित करती है भोजन के स्वाद और

सर्व संबंधी वार्तालाप. a talk about

taste and cost of food. डा० ४, २;

शिद्विक. त्रि० (निष्ठिक) धर्ममां श्रद्धापूर्वक

भक्त रहित धर्म में श्रद्धापूर्वक तत्त्वज्ञान

रहने वाला; धर्म निष्ठ. (One) who

devotes himself faithfully to

religion. पण० २, ३;

शिद्विय. त्रि० (निष्ठित) स्वकार्य सिद्ध करेन,

पुरं करेन. अपना कार्य सफल किया हुआ;

पूर्ण किया हुआ. (One) who has

fulfilled his duties. पञ० ३६; दस०

७, ४०; नाया० १; (२) पुं० भोक्ष; परि-

समाप्ति. मोक्ष; सिद्धि. final liberation;

completion. आया० १, ५, ६, १६८;

(३) त्रि० सत्तावाधुं; निष्ठावाधुं. सत्तावान्;

श्रद्धावान्. potent; steadfast. भग०

६, १; (४) आरी; श्रद्धा. भरोसा; श्रद्धा;

निश्वास. conviction; assurance;

faith " शिद्वियंभवह " भग० १२, १;

—द्व. त्रि० (-अर्थ) कृतकृत्य; जेना अर्थ

भरण सिद्ध थोछे अवे. कृतकृत्य;

जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one)

whose object is fulfilled. सूय०

१, १५, १६; आया० १, ५, ६, १६८;

(२) विषय सुखनी पिपासा-लालसायी रहित; मुमुक्षु. विषय सुख की इच्छा से रहित. (one) free from attachment to the pleasures of the senses. " पंडिष् नेहावी शिष्टियद्वे वीरे " आया० १, ६, ४, १६३; — टि. त्रि० (-अर्थिन्) मुमुक्षु-भोक्षणी दृष्ट्वा राभ-नार. मुमुक्षु-मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance. आया० १, ५, ६, १६८;

शिष्टदुभय त्रि० (निष्ठीवन) थुंकेनार. थुंकेने वाला. A spitter; one who spits. पण० २, १;

शिष्टदुर. ति० (निष्ठुर) निष्ठुर; कठोर; क्रूर. दुष्ट; कठोर; कड़ेदिलवाला. Cruel; unfeeling; harsh. ओव० २०; नाया० ८; १; भग० ५, ४; जीवा० ३, १; — गिरा. स्त्री० (-गिर) निष्ठुर भाषा. क्रूर भाषा. harsh speech. गच्छा० २४;

शिष्टदुवण. न० (निष्ठीवन) थुंके; अत्रभो. थुंके; कफ; बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (२) त्रि० थुंकेनार; अत्र या आदि ईंकेनार. थुंकेनेवाला; मुँहसे कफ फेंकने वाला. (one) who spits or ejects cough etc. from the mouth. ठा० ५, १;

शिष्टाल. न० (खलाट) अत्राट; अत्राट. ललाट; कपाल. Forehead. आया० २, १, २, १६; ओव० १०; नाया० ८; जीवा० ३, ३; तदु० जं० प० ३, ४५;

शिष्टाश्रय. पुं० (निनाद) अश्रय; श्रयति. आवाज; ध्वनि. Loud sound; noise. नाया० १; ८; १४; जीवा० ३, ४; जं० प०

शिष्टाश्रय. त्रि० (निम्न) नीचुं. नीचा. Low. (२) न० नीचे; ढेरे. नीचे. below; downward दसा० ७, १; भग० १५, १; जं० प० ७, १५१;

शिष्टाश्रय. त्रि० (*) कट्टी मुकुं ते. निकाल देना. Casting out; ejection; driving out. " बाहिहा वा शिष्टाश्रय " आया० २, २, १, ६५;

शिष्टाश्रय. स्त्री० (निम्नगा) नदी. नदी A river. पण० १;

शिष्टाश्रय. त्रि० (निम्नतर) अधारे नीचुं. अधिक नीचा. Lower; at a lower level. भग० ३, १;

शिष्टाश्रय. त्रि० (निर्निगार) नगर अद्वार कट्टे. शहर बाहर निकाला हुआ; निर्वासित. Driven out from a town. " अद्वे-गद्वे शिष्टाश्रय करोहिंति " भग० १५, १;

शिष्टाश्रय. त्रि० (निर्निमेष) आश्रय. पत्रकारा रहित. जिसकी आंख के पलक नहीं लगते हैं वह; निमेष हीन. (One) with a fixed, stony gaze. ठा० ५, २;

शिष्टाश्रय. स्त्री० (नैहविकी) ओक प्रकारकी लिपि. एक प्रकार की लिपि. A kind of script. पण० १;

शिष्टाश्रय. पुं० (निहव) सिद्धांतना सत्य अर्थने आपनार; सत्य सिद्धांतना उत्थापक जमाती आदि. सिद्धान्त के सत्य अर्थ को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाती आदि. (One) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures; e.g. Jamālī etc. ओव० ४१; ठा० ७;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note(*) p. 15th.

शिरहव. पुं० (निहव) लुप्ते “ निहव ” शब्द. Vide “ निहव ” टा० ७;

शिरहवण. पुं० (निहवन) छुपावणुं ते. छिपाना. Act of concealing. वि० २;

शितंब. पुं० (नितम्ब) पर्वतनी डेड; पर्वतनी भाग. पर्वत के मध्य या आसपास का भाग. The lower or middle part of a mountain. (२) स्त्रीनी डेडनी पाछलो भाग. स्त्री का कमर का पिछला भाग. a hip of a woman behind her waist. “ शालवंतस्स बामहरपरवस्स दाहिणिल्ले शितंबे ” जं० प० १, १७;

शितिउमाण न० (नित्यावमान नित्यमवमाने प्रवेशः स्वपक्षपरपक्षयोर्येषु तानि तथा) जहाँ साधु नित्य पक्षेदाय प्रत्येक दिन जहाँ साधु नित्य गोचरी को जावे वह कुल. A family where Jainas monks go for food every day. आया० २, १, १, ६;

शितिय. त्रि० (नैतिक) नियत. नियमित. कायम; नियमित. Regular; fixed. भग० ६, ३३; (२) नित्य पिंड लेवार. प्रतिदिन पिंड-दान लेने वाला. a Jainas monk who receives his food at one and the same house every day. निमी० ४, ३२;

शितिय. त्रि० (नित्य) हमेशा का; नित्य का; सतत. Daily; every day; always. निमी० २, ३२; —(या) बाह. त्रि० (बादिन्) पदार्थानुं अंशतः पक्षे नित्यपायुं स्थापना. एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला. (one) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms. दसा० ६,

३; —(या) वास. पुं० (-वास) हमेशा अंशतः पक्षे निवास करेवा; स्थिरवास. हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास. permanent stay; living in one place only. निमी० २, ३७;

शितिया. स्त्री० (नित्या) जम्बूसुदर्शननुं अपरनाम. जम्बूसुदर्शन (वृक्ष) का दूसरा नाम-पर्याय. A kind of tree also named the Jambū tree. जीवा० ३, ४;

शित्त. न० (नेत्र) नेत्र; आंख. आंख; नेत्र चक्षु. An eye. टा० ६, १;

शित्तल. त्रि० (निस्तल) शरावृथी न उतारेव; अनिष्पन्न. अधूरा; अममाम. Unfinished; incomplete. “ नेण शित्तलं मणिरणं अस्मादेति ” भग० १५; १;

शित्तम. त्रि० (निस्तुम) शरावृथी रहित; विशुद्ध. छिलके रहित; विशुद्ध-बिना छिलकेका. Free from husk; clean. पगह० २, ४;

शित्तिय. त्रि० (निस्तेजस्) तेज रहित. निस्तेज; प्रभाविहीन; तेजरहित. Without lustre; having no lustre. नाया० १; (२) वीर्य रहित. वीर्य रहित. weak; impotent. भग० ६, ३३;

शित्थरण. न० (निस्तरण) पार पारपुं. पार होजाना; उमपार पहुंचजाना. Act of crossing or reaching the other end; a successful performance. जं० प० नाया० १५; १८;

शित्थरियद्व. त्रि० (निस्तरितव्य) पार पारपुं. पारपुं. अंत आती शके ते. पारपाने योग्य; अन्त आने जैसा. Worthy or capable of being successfully performed; fit to be crossed. नाया० ३, ८;

- शिथ्याण.** त्रि० (निःस्थान) स्थान भ्रष्ट.
स्थानभ्रष्ट; (अपने) स्थान से गिराहुआ;
स्थालित. Fallen from one's place;
degraded. नाया० १८; विवा० ३;
शिथ्यार. पुं० (निस्तार) पार, छेडा.
अन्त; पार; छोर. End; completion
e. g. of a journey. नाया० ६;
शिथ्यारणा. स्त्री० (निस्तारणा) पार पामपुं
ते. पारपाना; निस्तारहोना. Act of
successfully going to the other
end; act of finishing. जं० प०
शिदंसण. न० (निदर्शन) उदाहरण. उदाहरण;
नमूना. Example. (२) निरंतर नेतुं ते.
बार २ देखना; सतत अवलोकन. seeing
repeatedly. डा० १, १;
शिदा. स्त्री० (निदा—निदानं निदा) वेदना;
पीडा. वेदना; पीडा; त्रास. Pain;
oppression; affliction. भग० १६, ५;
शिदाघ. पुं० (निदाघ) ज्येष्ठमासनां ज्येष्ठमा-
सत्तर नाम. ज्येष्ठ मासका लोकौतर नम.
The summer month of Jye-
sthā so named. जं० प०
शिदाय. पुं० (निदाय) ज्ञान पूर्वक वेदना.
ज्ञान-अनुभवपूर्ण वेदना. Conscious
pain. भग० १६, ५;
शिदाह. पुं० (निदाघ) ज्येष्ठ मासनां ज्येष्ठमा-
सत्तर नाम. ज्येष्ठ मासका विशिष्टनाम. The
month of Jyēṣṭhā so named.
सू० प० १;
शिदह. पुं० (निर्दग्ध) सीमन्तकप्रभाभा
नरकेन्द्रकी पूर्वकी आवलीकाभा २१
मे नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नामक
नरकेन्द्रसे पूर्व की आवलीका का २१ वां
नरकावास. The 21st abode of the
hell of the eastern line of the
region of hell called Simant-

- akaprbha Narakendra. डा० ५, २;
शिदहमज्ज. पुं० (निर्दग्धमध्य) सीमन्तक-
प्रभ नरकेन्द्रकी उत्तर आवलीकाभा २१
मे नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रकी
उत्तर आवलीकाका २१ वां नरकावास. The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Prabha
Narakendra. डा० ६;
शिदहावत्त. पुं० (निर्दग्धवर्त) सीमन्तक-
नरकेन्द्रकी पश्चिम आवलीकाभा २१ मे
नरकावासो. सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम
आवलीका का २१ वां नरकावास. The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Nara-
kendra. डा० ६;
शिदहोमिदु. पुं० (निर्दग्धवशिष्ट) सीमन्तक-
नरकेन्द्रकी दक्षिण आवलीकाभा २१ मे नर-
कावासो. सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण आवली-
काका २१ वां नरकावास. The 21st
abode of hell of the northern
line of Simantaka Narakendra
region of hell. डा० ६;
शिदय. त्रि० (निर्दय) निर्दय; कठोरदिन. नि-
र्दय; कठोर; पाषाणहृदय. Cruel; piti-
less. परह० १, १;
✓ **शिदा.** धा० II. (नि+दा) उंचयुं; सुनुं.
ऊंचना; निदालेना; सोना. To sleep.
शिदाएउज. जीवा० ३;
शिदा. स्त्री० (निदा) निदा; उंच; निदा; नींद;
ऊंच. sleep. ओव० १६; आया० १, ६, २,
५; नाया० १३; पञ० २३; दसा० ६, १;
राय० २१५; —**क्षय.** पुं० (-क्षय) नि-
द्रानो क्षय. निद्राका क्षय, निद्राका न आना;
एक रोग. loss of sleep; insomnia.

ठा० ५, २; —शिदा. स्त्री० (-निद्रा)
गाढ निद्रा गहरी नींद. profound sleep.
पञ्च० २३; ठा० ६; सम० —प्रमाअ. पुं०
(-प्रमाद) निद्राधी प्रमाद. निद्राके कारण
उत्पन्न प्रमाद; असावधानी; निद्राप्रमाद. inad-
vertence or negligence through
sleep. ठा० ६, १;

शिदारिय. त्रि० (निर्दारित) क्षतेन. फाडा-
हुआ; विदारित. Torn; rent. पण० १, २;
शिदिष्ट. त्रि० (निर्दिष्ट) क्षतेन; दशावेन.
कहा हुआ; बतलाया हुआ. Said pointed
out; mentioned. पंचा ३, १२;

शिदुद्धिया. स्त्री० (निर्दुग्धिका) दुग्ध रहित
(गाय (गेरे). दूध न देना (गाय आदि). (A
cow etc) not giving milk तंदु०

शिद्देस. पुं० (निर्देश) आज्ञा. आज्ञा; हुक्म;
अनुमति. Command; order. नाया०
६, १२; —वर्तिन. त्रि० (वर्तिन्) आज्ञा
प्रमाणे पतना. आज्ञाधारक; हुक्मके मुता-
बिक काम करनेवाला. obedient to a
command "शिद्देस वनी पुण जे गुहण"
दस० ९, २, २३;

शिद्देस. त्रि० (निर्दोष) निर्दोष; दोषरहित.
निर्दोष; दोषरहित; निर्मेत. Blameless;
innocent; free from fault or
defect. ठा० ७, पंचा० १७; ३५;

शिद्ध. त्रि० (स्निग्ध) स्निग्ध; चिकना.
चिकना; स्निग्ध. Oily; greasy. नाया०
१; ५; ८; भग० १; १; ६, ६; १०, ६;
२०, ५; ओव० पञ्च० १; (२) स्नेहवा-
ला; स्नेही. affectionate; lov-
ing. सम० नाया० ८; (३) सु-
वाला. smooth; soft. ज० प० ७,
१६६; २, २०; ३, ४५; (४) कान्त;
तेजस्वी; कान्त; तेजस्वी; दिव्य. lovely;
lustrous. पण० १, ४; ओव० जीवा० ३;

—ओभास. त्रि० (-अवभास) चिकना
जेवु भासतुं-देभातुं. चिकना दिखाने
देता हुआ. oily in appearance.
नाया० १; राय० —पोरगल. न० (-पु-
द्रल) चिकना पुद्रल. चिकने पुद्रल पदार्थ.
oily, sticky substance. भग० ७, ६;
—फास. पुं० (-स्पर्श) स्निग्ध स्पर्श;
चिकना. चिकनाई; स्निग्ध स्पर्श; छूनेमें चि-
कना. oily; greasy in touch. सम०
२२;

शिद्धंत. त्रि० (निध्मांत) अग्निमां नाभी
धमेन; तप. वेन; विशुद्ध करेन. अग्निपूत;
अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुआ. Passed
through the fire and purified;
heated in a furnace. पञ्च० २;
जीवा० ३; ओव० १०; तंदु०

शिद्धण. त्रि० (निर्धन) निर्धन; गरीब. निर्धन;
अर्केचन; दीन; गरीब. Without wealth;
indigent; poor. नाया० १८; विवा० ३;

शिद्धारण्य त्रि० (निर्जन्यक) धान्य अनाज
रहित. अन्नरहित; धान्यविहीन. With-
out food-grain, barren of corn
or food stuffs. तंदु०

शिद्धमण. न० (निर्धमन) आश; मोरी. मोरी;
नाली; गटर. A duct or outlet of
water. ठा० २, १; तंदु०

शिद्धम्म. त्रि० (निर्धर्म-निर्गतो धर्मान्) त-
त्त्वारिन्नलक्षणादिति) धर्म रहित. बिना
धर्मका; अधर्म पूर्ण. Irreligious; un-
righteous. पण० १, १;

शिद्धभूय. त्रि० (निर्धूत) दूर करेन. दूर किया
हुआ; निष्कासित. Thrown away;
shaken off; removed. राय०

शिधय न० (निधन) नाश; पर्यवसान; छेडा.
नाश; पर्यवसान; अन्तकाल; अन्त. Death;
termination; end पण० १, १;

शिघ्रसू. न० (निघ्नसू) ऐक प्रकारनो कर्मनो
अंश. कर्मका एक बन्धन. A particu-
lar kind of Karmic bondage.
“चउविहं शिघ्रसू परणसू तंजहा पगइ शिघ्रसू
ठिइशिघ्रसू” ठा० ४, २; भग० १, १;

शिघ्रि. पुं० (निघ्रि) अंशर; अणनो. कौष;
निघ्रि; भंडार; आगार. Treasure; store.
सम० ३;

शिघ्रिहृया. स्त्री० (निघ्रिहृया) अठार लिपि-
भांती ऐक. अठारह लिपियों में से एक.
One of the eighteen kinds of
scripts. सम० १८;

✓शि-पड. धा० I. (नि+पत्) नीचे पडुं.
नीचे गिरना; अधःपात. To fall down
शिवडइ. नाया० ९;

शिवयन्ति. जीवा० ३, ४;

शिपनंत. त्रि० (निशत्) नीचे पडने. नीचे
की ओर गिरता हुआ. Falling down.
पगइ० १, १;

शिपुण त्रि० (निपुण) निपुण; डिशिपार;
अपु०. चतुर; कुशल; निपुण; निष्णात.
Skillful; clever; ingenious भग०
१६, ४;

शिप्यंक. त्रि० (निप्यंक) गारा पगरतुं;
डीयड रहित. कीचड या कीच रहित;
पंकविहीन. Without mud; free
from mud. जं० प० १, १२;

शिप्यकंप. त्रि० (निप्यकम्प) अति निश्चल.
नितान्त; निश्चल, जडवत्; निश्चल-अटल-
स्थिर. Quite motionless; steady.
सम० २;

शिप्यचकखण. त्रि० (निप्यचकखण)
प्रत्याख्यान रहित. प्रत्याख्यान (संकल्प)
रहित. (One) who does not
practise the vow called Pach-
chakhāṇ i. e. abstaining

from doing particular things
for a fixed period. भग० १२, ८;

—पोसहोववास. त्रि० (-पौषधोपवास)
जे पोरसी आदि पन्थपाणु तथा पर्वने
दिवसे पणु पोषो उपवास वगेरे न करे ते.
पचवसाण तथा पर्वके अवसर पर भी उपवास
पौषध आदि न करने वाला. (one) who
does not observe any vow or
fast even on sacred days.
भग० ७, ६;

शिप्यच्छिम. त्रि० (निप्यश्चिम) पाछलो.
पिछला. Backward; latter. भग० १, ७;

शिप्यट्ट. त्रि० (निप्यट्ट) जेभां पुछुं न पडे
तेहुं; स्पष्ट; असंदिग्ध. स्पष्ट; त्रिप में
पूछने का काम न पडे; शंका रहित; असंदिग्ध.
Evident; manifest; doubtless.

नाया० ५; भग० १८, १०; —पसिण-
वागरण. त्रि० (-प्रश्नवाकरण) जेभां
पछी पुछुं न पडे जेवा जवाप; छेजे
जवाप. अन्तिम उत्तर; एक बात; जिसके
पूछने का पुनः जरूरत न हो. (an
answer) which leaves no
scope for further questions;
final answer. “ शिप्यट्टपसिण वागरणं
करेह ” भग० १५, १;

शिप्यडियार. त्रि० (निप्यनिकार) यिकित्सा
रहित. असाध्य; निरुपाय; विकित्सा-रहित.
Irremediable; devoid of reme-
dy. पगइ० २, ४;

शिप्यण. त्रि० (निप्यण) सिद्ध; निष्पन्न
थये. सिद्ध; निष्पन्न. Fully accom-
plished; final. नाया० ८;

शिप्यसि. स्त्री० (निप्यसि) सिद्धि. सिद्धि;
सफलता. Liberation; deliverance;
fulfilment. ठा० १;

शिप्यम. त्रि० (निप्यम) प्रज्ञा रहित. पम

रहित; निराश. Gloomy; dark. “ रेवे चहस्सामीति जणह विमाणा भरणाहं शिष्पमाहं पासिता ” ठा० ३, ३;

शिष्परिगहकृद्. पुं० (निष्परिग्रहवि-
निर्गता परिग्रहविषयस्य सः) परिग्रह-
छिन्ना वशरतो. जिसको परिग्रह की
इच्छा न हो. Free from the
desire of worldly belongings.
पण० २, ५;

शिष्प्राण. त्रि० (निष्प्राण) प्राण्य रहित.
निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विहीन. Lifeless;
dead. नाया० २; १६; १८;

शिष्पाव. पुं० (निष्पाव) वात; ऐक्य वन्तुं
धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of
corn. “ शिष्पा ई धरणा गंधे वाह्यपलं-
टलसुया ss ई ” ठा० ५, ३; जं० ५०

शिष्पिवास त्रि० (निष्पिवास) पिपासा-
लाभसा-रहित. लाभसा इच्छा रहित; निरि-
च्छ; उदारमान. Free from greed.
नाया० १; १६; पण० १, २; (२) स्नेह
रहित. स्नेह रहित. devoid of love.
पण० १, १;

शिष्पुलाय. पुं० (निष्पुलाक) आवती उत्स-
र्पिणीमां भरतक्षेत्रमां यनार १४ भा तीर्थकर.
आगामी उत्सर्पिणी में भरत क्षेत्र में होने वाले
१४ वें तीर्थकर. Name of the 14th
would be Tirthankara in the
coming Utsarpi cycle. सम०

शिष्पुल्ल. त्रि० (निष्पुल्ल) अवन आदि किया
रहित; स्थिर. गति हीन; स्थिर. Motion-
less; steady. नाया० २; ८; १०;

शिष्पुल्ल. त्रि० (निष्पुल्ल) पूर्य, भरपूर;
भरेहुं. पूर्ण; भरपूर; भरा हुआ. Com-
pleted; full; perfect. (२) पैदा
थयेहुं; उपजेहुं. उपजा हुआ. emerged;
created; produced. शब्द० ४०; पंचा०

८, १६;

शिष्पुल्लकृण. सं० कृ० अ० (निष्पाव) उत्पन्न
करीने. पैदा करके; उत्पन्न करके. Having
produced पंचा० ७, ४३;

शिष्पुल्ल. पुं० (निष्पाव) वात; ऐक्य वन्तुं
धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of
corn. पण० १; जं० ५०

शिष्पुल्लिय. त्रि० (निष्पुल्लित) हरेहुं; करेहुं;
लभ लीधिल. हरण किया हुआ; छीना हुआ;
लिया हुआ. Taken away; seized.
ठा० ३, ४;

✓ शिष्पुल्ल. धा० I० (नि + बंध्) आंधुं.
बांधना; फांसना. To bind; to fasten
शिष्पुल्ल. सम० २८;

शिष्पुल्ल. न० (निबन्धन) हेतु. हेतु; उद्देश्य;
लक्ष्य. Cause; motive. नाया० १५;

शिष्पुल्ल त्रि० (निबद्ध) गुंथिल; आंधिल ग्रथित;
गूंथा हुआ; बांधा हुआ. Knitted;
bound together नाया० १; सम० १;
भग० १५, १; —आसय. न० (—आसय)
आंधिल आयुष्य. निश्चित आयुष्य. life-
period pre-determined by
Karma. नाया० १३;

शिष्पुल्ल. त्रि० (निर्बल) अशक्त; कमजोर;
निर्बल. Weak; feeble;
lacking in strength. आया० १, ५,
४, १५५; —आसय. पुं० (—आसय)
निर्बल-सत्य रहित आसय लेवाने अतिशय
धरनार संधु. जिस संधुने सत्व-हीन अशौष्टिक
अन्न ग्रहण करने का संकल्प किया हो वह.
a Sādhu who has made up
his mind to take only such
food as is lacking strength giv-
ing or invigorating ingredients.
आया० १, ५, ४, १५६;

शिष्पुल्ल. न० (निर्भर्त्सन) आक्रोशशी

कटुवचन कहेवा; ४५३। देवा ते. आवेशमें
आकर ऊँचेसे कटुवचन कहना; उलाहना देना.
Act of reproaching or rebuk-
ing in loud and threatening
words. भग० १५, १; पण्ह० १, ३;

शिम्भच्छ्रणा. स्त्री० (निर्भर्त्सना) ४५३। देवा
उलाहना देना. Reproach; harsh
words. भग० १५, १; नाया० १६;

शिम्भच्छिद्य. त्रि० (निर्भर्त्सित) ४५३। आपेक्ष.
उपालाभित; उलाहना दिया हुआ; भर्त्सना
किया हुआ. Reproached; rebuked.
नाया० १८;

शिम्भय. त्रि० (निर्भय-निर्गतो भयान्) भय
रहित. निर्भय; भयरहित; निडर. Fear-
less. नाया० १; ४; ८; १७; पण्ह० २, ३;

शिम्भिज्जमाणा. त्रि० (निर्भिद्यमान)
अतिशय भेदातुं. खूब भेदा हुआ. Exces-
sively pierced; excessively
torn. "साव केतइ पुडायां वा अणुवायांसि
उत्तिभज्जमाणाणं शिम्भिज्जमा णाणं वा"
भग० १८, २; जं० प० जीवा० ३;

शिम्भ. त्रि० (निम्भ) सदृश; सरभुं; पुं०.
समान; सरीखा; तुल्य. Like; similar;
resembling; equal. श्रौव० ३१;
अणुजो० १३०; जं० प० ३;

शिम्भंग. पुं० (निम्भङ्ग) भांगतुं; टूटतुं ते.
फूटना; टूटना. Act of breaking
or being broken. पण्ह० १, १;

✓ शि-भत्थ. धा० II. (नि + भत्स्)
तिरस्कार करेवा. तिरस्कार करना. To
reproach; to insult.

शिमत्थन्ति. नाया० १६;

शिमत्थेहिन्ति. भग० १५, १;

शिम्भिविय. सं० कृ० अ० (निर्भिद्य) अति
भेदीने. अतिभेदन करक; बहुत खूब छेदकर.
Having broken or pierced

too much. निरी० १७, २३;

✓ शि-मंत. धा० II. (नि + मन्त्र्) अंकांत
पियार करेवा ते. एकांत विचार करना; गुप्त
मंत्रणा करना. To think or consult
in a private, retired place.

शिमंतयंति. सूय० १, ३, २, १५;

शिमंतेति. सूय० १, ३, २, १६;

शिमंतेमाण. आया० २, २, ३, ३०;

शिमंतणा. स्त्री० (निमंत्रणा) आमंत्रण
करतुं. आमंत्रणकरना. Act of inviting.
(२) प्रार्थना करती. प्रार्थना करना. act
of requesting. भग० २५, ७; सूय०
१, ३, २, २२; पंचा० १२;

शिम्भगा. त्रि० (निमग्न) डुबेला; भुंयेला;
तल्लीन. डूबा हुआ; मग्न; तल्लीन; तन्मय.
Drowned; sunk in mud; plung-
ed or absorbed in. श्रौव० १०;
जीवा० ३, ३; पण्ह० १, ३;

शिमग्गजला. स्त्री० (निमग्गजला) तिम्बिस्व
गुह्यती अंदर पड़ेती नदी. तिम्बिस्व गुहा
के भीतर बहनेवाली नदी. A river
flowing in a cave named
Timisra. जं० प० ३, ५५;

✓ शि-मज्ज. धा० I. (नि + मज्ज्) स्नान
करतुं. नहाना; स्नान करना. To bathe;
to take bath.

शिमज्जावेइ. प्रे० जं० प० ३, ५५;

शिमज्जग. पुं० (निमज्जक) पुण्यश्री भारी स्नान
करना तपसनी अंश जन. डूबकी लगाकर
स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति
विशेष. A class of ascetics whose
characteristic is to remain
submerged in water for some
time while bathing. निर० ४, १;
भग० ११, ३;

लिमज्जण. पु० (निमज्जन) जलभां प्रवेश
करवे; डुबकी मारपी. जलमें घुसना; पानीमें
डुबका लगाना. Act of plunging
oneself into water; act of
diving into water. परह० १, १;

लिमि. पु० (निमि) परिधि; वर्तुल. चक्र;
गोलाकार; परिधि; वर्तुल. A circle; a
circumference जीवा० ३, ४;

लिमित्त. पु० (निमित्त) कारण; हेतु. कारण;
हेतु; उद्देश्य; मंशा. Cause; immediate
cause. नाया १; १४; पंचा० ७, २६; (२)
ऐक प्रकरनुं जान; निमित्त शास्त्रभी भूत.
अविष्य गणयुं ते. एक प्रकारका ज्ञान;
निमित्त शास्त्र से भूत, अविष्य जानना. a
branch of knowledge; knowing
past and future events by the
help of omens etc. प्रव० १३;—पिंड.
पु० (—पिण्ड) साधुने निमित्त अनावेले
पिंड—आधार साधु के लिए तयार किया हुआ
भोजन. food prepared for a
Sādhu. आया० ठा० २, १, ६, ५०;

लिमिस. पु० (निमिष) आंखने पलकारे
आंख का इशारा; पलक मारना. A twin-
kling of an eye. अंत० ६, ३;

लिमिसिअ. पु० (निमेषिक) आंखने पलकारे
जेटेले पलक. पलक मारने इतना समय;
निमिष. Time required for the
twinkling of an eye. जीवा० ३;

लिमेस. पु० (निमेष) आंखने पलकारे;
आंख उध्वाड दीय करपी ते. आंख खोलना व
मीचना; पलक मारना. A twinkling of
an eye; act of winking. भग०
१४, १;

लिम्मस. त्रि० (निर्मास) मांस रहित मांस
हीन; बिना मांस का. Without flesh;
fleshless. नाया० १;

लिम्महग. पु० (निर्महक) आगजाने भारीने
थेरी करना; लुटेरा. हत्या करके चोरी
करने वाला; लुटेरा. One who com-
mits theft with murder; a
robber. परह० १, ३;

लिम्महिय त्रि० (निर्मदित) मर्दन करेन;
दबेन. मर्दित; पीसा हुआ; दलन किया हुआ;
चूरचूर किया हुआ. Pressed; ground.
परह० १, ३;

लिम्मल. त्रि० (निर्मल) निर्मल; स्वच्छ.
मलरहित; साफ; स्वच्छ. Pure; pellu-
cid; stainless. नाया० १; भग० २, ६,
१५, १; सम० प० २३१; जीवा० ३; तंदु०
पत्र० २; (२) पुं० कर्मरूपी भेलथी निशुद्ध
थयेन; सिद्ध भगवान. कर्मरूपी मूल से
शुद्ध; सिद्ध भगवान. free from the
impurities of Karmas; a per-
fected soul. ओव० (३) अमलेकना
७ विमानभांनुं येतुं विमान. ब्रह्म लोक क
छः विमानों—निवास स्थानोंमेंसे ४ था विमान.
the 4th of the 6 heavenly
abodes of Brahmaloaka. ठा० ६;

लिम्मवइत्तार. त्रि० (निर्मापयित्) सद्धता
पर्यंत कार्य करना; कार्य/सिद्धि भेल नार.
सफलता प्राप्ति तक कार्य करने वाला; दृढ
निश्चयी; कार्यमें सफलता पानेवाला. (One)
who works on till success is at-
tained; (one) who accomplishes
the work undertaken (by him).
ठा० ४, ४;

लिम्महियरागरोस. त्रि० (निर्मथितरागरोष)
जेले राग द्वेष मथी नाभ्या छे ते जिसने
राग द्वेष पर विजय पाया है वह; राग द्वेष
रहित. (One) who has subdued
or crushed out attachment
and hatred जीवा० १;

शिम्माञ्ज. त्रि० (निर्मात) निर्माञ्जु करेत्.
बनाया हुआ; निर्मित. Produced or
created. ओव० ३१;

शिम्माय. पुं० (निर्मात) निर्माञ्जु करेत्.
बनाया हुआ. Made or created.
नाया० ५; जं० प० ३, ४१;

शिम्माचित. त्रि० (निर्मापित) अनावेत्;
रथेत्. बनाया हुआ; रचित. Made; con-
structed; caused to be made. "पंच-
महभूया अशिम्मिया अशिम्मावित्ताअक-
डाणकित्तिमा " सूय० २, १, १०;

शिम्मिय. त्रि० (निर्मित) निर्माञ्जु करेत्.
बनाया हुआ; रचित; निर्मित. Created;
produced. सूय० २, १, २२; नाया० १;
ठा० ८; ओव० —चाइ. त्रि० (-वादिन्)
जगत ईश्वरे अनावेत् छे अम ओलनार.
संसार परमात्मा का बनाया हुआ है यो कहने
वाला. (one) who affirms that
the universe is created by
God. ठा० ८;

शिम्मिसिय. त्रि० (निर्मिषित) आंख पीयेत्;
आंखने पलकासे भारेत्. आंख बन्द किया
हुआ; पलक मारा हुआ; निर्मिषित नेत्र.
(One) with eyes closed; (one)
who has winked (his) eyes.
भग० १४, १;

शिम्मूल. त्रि० (निर्मूल) भूज वगरन्तु. मूल
रहित. Having no root; baseless.
"निम्मूलुल्लुण्ण करणोट्ट नासिका च्छिन्न हत्थ
पाया " परह० १, १; ३;

शिम्मेर. त्रि० (निर्मर्याद) मर्याद रहित.
निस्सीम; अपार; मर्यादा रहित; बेहद. Dis-
respectful; immodest; unlimit-
ed. राय० २०८; ठा० ३, १; भग० १२, ८;
जं० प० २;

शिम्मोयणी. स्त्री० (निर्मोचनी) सपनी

कांयली. साप की कैचुली. The slough
of a serpent. " जहाय भोई तणुयं
भुयंगो शिम्मोयणी हिच पळेइ मुतो "
उत्त० १४, ३४;

शिथि. त्रि० (निज) पोतानुं; अंगत. निज;
अपना; निजका. One's own; pertain-
ing to one's self; personal.
" यो लब्धंति शिथियं परिगाहं " ओव० १,
२, २, ६; ओव० ४०; —कुक्खि. स्त्री०
(-कुक्खि) पोतानी कुंअ. निजकी कोंख;
कुक्का. one's own womb. नाया० ३;
—जोगपविसि. स्त्री० (-योगप्रवृत्ति)
पोताना योगनी प्रवृत्ति. अपनी निजकी कार्य-
योग प्रवृत्ति. one's own physical,
mental or moral activity. पंचा० २,
३६; —लिंमि. त्रि० (-लिंमिन्) पोताना
भनयावेत्. निजकी संप्रदाय-मतवाला. (one)
devoted to or holding one's
own creed. जीवा० ३; —समय. पुं०
(-समय) पोतानो समय; अवसर.
निजका-अपना-खुद का अवसर. one's
own time or opportunity. पंचा०
६, २६;

शिथिइ. स्त्री० (नियति-नियमनं नियतिः)
दैव; भाग्य. दैव; भाग्य. Fate; destiny;
providence. सूय० ठा० १, १, २, ३;
ठा० ४; (२) भागी भाव. होनहार, नियति.
destined or fated event. —कड.
त्रि० (-कृत) दैवे करेत्; भावि भावथी
अनेत्. दैव सम्पादित; होनहार द्वारा घटित-
किया हुआ. fated; decreed by
fate; destined. सूय० १, १, २, ३;
—चाइ. पुं० (-वादिन्) भागी भावने
माननार. होनहार-भागी पर अड्डा रखने
वाला. a fatalist; (one) who be-
lieves in the power of destiny

or fate. नदी०

शिवर. ली० (निकृति) भाषा; ५५८. माया; कपट; छल. Dishonesty; cheating; deceit. पण० १, २; सम० —कम्म. न० (-कर्मन्) भाषा ३२४ ते; २६ भी गौण चोरी. कपट कार्य; प्रपंच; २६वीं गौण चोरी. deceit; a deceitful act; 29th species of minor or secondary thefts. पण० १, ३; —पण्णाण. त्रि० (-प्रज्ञान-निकृतिमाया तद्विषये प्रज्ञानं यस्य स तथा) ५५८ अत्युत्तर. कपटी; मायावी; छली. deceitful; (one) conscious of deceit. सम० ३०;

शिवरपञ्चय. पुं० (नियतिपर्वत) ओ नामने ओड परत के ज्या वायुव्यन्तर देवे कीदर्थ वैदिय शरीरना भिन्न भिन्न रूपो धारण करे छे. एक परत विशेष कि नहां वायुव्यन्तर देवता कइ के लए वैकिय शरीर के भिन्न भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a mountain where the gods of the Vānavyantara class change their bodies into various shapes by the Vaikriya process for sport. जीवा० ३; राय०

शिवरइय. न० (नैपतिक) निश्चय; अवश्यपण्यु. निश्चितता; स्थिरता; अनिवार्यता; नियति मे सम्बद्ध. Certainty; state of being absolutely certain. पण० १०;

शिवरटिय. त्रि० (नियन्त्रित) प्रत्याख्यानने ओड प्रकर; अमे तेरी मुझीअन होय कता पन्थआणु न छेइयां ते. एक प्रकार का प्रत्याख्यान; चाहे जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पद्धति का न तांडबा. A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any

circumstance. ठा० १०;

शिवरंठ. पुं० (निर्ग्रन्थ) आश्र अने अव्यन्तर अन्ध-परिग्रह रहित; साधु. अन्तर्बाह्य ग्रन्थ-प्रतिग्रह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. मग० ५, १; २५, ६; ठा० ३, २; ४, ३;

शिवरंठस्त. न० (निर्ग्रन्थत्व) निर्ग्रन्थ साधु; भक्त्यरहित साधुपण्यु. निर्ग्रन्थता; ममत्व-विहान-साधुता. Asceticism; monkhood bereft of all attachments. मग० २५, ६;

शिवरंठिय. त्रि० (निर्ग्रन्थिक) निर्ग्रन्थ साधु. निर्ग्रन्थ विषयक. Pertaining to an ascetic; pertaining to a Tirthāṅkara. सूय० १, ६, २६;

✓ शिवरंथ. धा० II (नि + वस्) उदेरं; धारण करेनुं. पहनना; धारण करना. To wear; to put on.

शिवरंथह. जीवा० ३, ४; राय० १८६; नाया० १;

शिवरंथह. जं० प०

शिवरंथिता. जीवा० ३, ४; राय० १८६;

शिवरंथण. न० (निवसन) वस्त्र; पोशाक वस्त्र; पोशाक. Dress; garment; attire. ओव० २४; पण० १, ३; नाया० ८; पल० २; निमी० १५, ३५;

शिवरंग. त्रि० (निजक) पोतानुं; स्वकीय. अपना; निजक; स्वकीय. One's own. नाया० १, २, ४, ७, ८, ९; मग० ८, ३३; १२, ६; १५, १; १६, ५; २; जीवा० ७; अया० १, २, १, ६४; —परिवाल. पुं० (-परिवार) पोताने परिवार. निज परिवार; अपना कुटुंब. one's own attendants, family.

“शिवरंगपरिवालण सद्धि सपरिवुडे” राय० ओव०

शिवरडि. ली० (निकृति) अकृति, अवधानी

पेटे धर्मना दलथी लोकाने इगवा ते; माया
कपट करवुं ते. वगुला भक्ति; बकचेष्टा; बगु-
लेके समान मिथ्या धार्मिक होंग फैलाकर-
कपटपूर्वक-लोगोंको ठगना. Hypocrisy;
act of deluding others by affec-
tion of holiness. सूय० २, २; ६२;
नाया० २; १८; पगह० १, ३; भग० १२,
५; --पगह्याण. त्रि० (-प्रज्ञान) भाषा
कपट गलुनार. मायावी; कपटी. familiar
with fraudulent and deceitful
practices. दसा० ६, २४; २५;

शिवडिल्लया. ली० (निकृति) भाषा; कपट;
माया; कपट; छल. Deceit; fraud. भग०
८, ६; ठा० ४, २;

शिवानिय. त्रि० (निजनिज) पेतपेतानुं.
अपना खुदका; अपना अपना. One's own
(the use of this is rather pe-
culiar to Indian vernaculars;
in English it can be conveyed
by the following example—
They went to their houses each
to his own). पंचा० २, १२; --तिन्थ.
न० (-तीर्थ) पेतपेताना सिद्धांत-प्रवचन.
अपने २ सिद्धान्त प्रवचन. each one's
religious creed. पंचा० ६, ३६;

शिवत. त्रि० (नियत) शाश्वत. शाश्वत; निरं-
तर; सतत. Everlasting; eternal.
ठा० २, ३;

शिवति. ली० (नियति) गुण्यो. " शिवइ "
शब्द. देखो 'शिवइ' शब्द. Vide 'शिवइ'
सूय० २, १, २६; --वाइअ. त्रि० (-वा-
दिक) आविभाव दीय तेग अने पुरपाथ
अकिंयितर छे ओभ ओवनार. दैववादा;
भावी अद्धा रखने वाला; जो होनहार हो,
वही होता है, आदमां कुछ नहीं कर सकता,
आदि बातें कहनेवाला. a fatalist; (one)

who does not believe in the
power of human effort. सूय० २,
१; २६;

शिवतिपठवय. पुं० (नियतिपर्वतक) ओ
नामने ओक पर्वत. हस नाम का एक पर्वत.
Name of a mountain. जीवा० ३, ४;
शिवत. त्रि० (निवृत्त) निवृत्त; निवृत्ति
पामेत्त. निवृत्त; छूटाहुआ. Retired;
free; (one) who has abstained
from. "परिग्रहहारभ नियत दोसा" उक्त०
१४, ४१;

शिवत्त. त्रि० (निकृत्त) छेदन करेत्त; कापेत्त.
छेदाहुआ; काटाहुआ. Cut; mowed.
नाया० १; २; १८;

शिवन्तिणय. न० (निवर्तनिक) क्षेत्रगुं भाप
विशेष; क्षेत्रका एक विशिष्ट माप. A kind
of measure of space. भग० ३, १;
--मंडल पुं० (-मण्डल) शरीर प्रमाणे
भूमि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space
measured by the length of the
body. भग० ३०, १;

शिवन्थ. त्रि० (निवसित) पहरेत्त; धारण
करेत्त. पहिनाहुआ धारण कियाहुआ.
Worn; put on. नाया० १; १६;

शिवम. पुं० (नियम) नियम; अभिग्रह.
नियम; अभिग्रह; संकल्प. A vow; a
species of vow called Abhi-
graha. भग० ६, ३४; १८, १०; २०, ८;
४२, १; नाया० १; १६; राय० २१६;
संस्था० (२) पिंड विशुद्धी आदि उत्तर
गुण. पिंड विशुद्धि आदि उत्तर गुण.
minor qualities such as purity
relating to food etc. सम० १०
१६८; पगह० २, ४; भग० २०, ८; (३) निश्चय;
नकली; योद्धस. निश्चय; ठाकठाक. cor-
tainty; surety. पञ्च० १; १७; भग०

१२, १०; १६, ८; अणुजो० ८१; (४) अवश्य आवना. अवश्य भावना. unavoidable necessity. सम० ६; सूय० नि० १, १३; १२३; —अन्तर. पु० (—अन्तर) नियम वन्त्ये अन्तर शंका-भेद. नियम विषयक अन्तर-भेद शंका. difference between one rule and another. “ अयन्तरेहि नियमन्तरेहि ” भग० १, ३; —शिष्टकम्प. त्रि० (—निष्कम्प) अपनाः विना नियम पात्रवारः; नियम पात्रवामां व्युत्त-३३३. कडक नियम पालक; दृढ मिद्वान्त वाला. unfailing in the observance of vows. पगह० १, १; —पगहाण. त्रि० (—प्रधान) उन्नत नियम-वत अनियम वन्त्ये. शुद्ध संकल्प; उत्तम नियम वाला. (one) practising hard and austere vows. राय०

शिवमञ्जो. अ० (नियमन्तस्) नियमन्ती. नियम मे; नियमानुसार. From a vow; through a vow, as a rule or vow. पंचा० १०, ४०;

शिवमण न० (नियमन) संयम संयम; आत्म वृत्ति निरोध Act of controlling; e. g. the sense : self-restraining. “ उद्देशोऽयम चउत्थे समास वयण्णशिवमणं भणिव ” आया० नि० १, ४, १, २१६;

शिवय. त्रि० (नियत) शाश्वत; नित्य सदैवार. हमेशा रहने वाला; शाश्वत-स्थिर स्थायी. Eternal; everlasting सूय० १, ८, १२; जावा० ३, १; —चारि. त्रि० (—चारिन्) प्रतिषेध पथर निवार करने. स्वतंत्रचारी; यथच्छाचारी. (one) roaming or moving unobstructed from one place to another.

“ आखिले आगिहे आशिष्यचारी ” सूय० १, ७, २८; —पिंड. पु० (—पिण्ड) हमेशां येऽ धरती लेतमां आपना पिंड आधार. सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन. food daily received as alms from one and the same house. डा० १०;

शिवय. त्रि० (निजक) पैतानुं. निजी; अपना; खुद का. One's own. नाया० १; २; १८; भग० १२, ६; —वयणिज्ज. त्रि० (—वचनीय) पैतानी दृष्टिआपवेयन करवा-निष्पद्यु करवाये अ. अपनी दृष्टिमें विवेचन करनेयोग्य; आत्म दृष्टि से निरूपण करने योग्य. fit to be explained from a particular accepted standpoint. “ शिवयवय शिजसच्चः सव्वनया विद्याल्लणे मोहा ” सम० १; —कडज. न० (—कार्य) पैतानु नक्षी करेवुं कर्तव्य. अपना-निजी निश्चित कर्तव्य. one's own prescribed or settled duty. नाया० १६; —घर. न० (—गृह) पैतानुं घर. निज गृह; घर का घर. one's own house. नाया० ६; —परिणाम. न० (—परिणाम) स्वस्मिप्रयः पैतानि मत. स्वाभिप्राय; अपनी राय; निजका सम्मति. one's own view or opinion; “ शिवयपरिणामा ” जावा० १; —बल. पु० (—बल) पैतानुं अक्ष; आत्म-अक्ष आत्मबल; स्वशक्ति; आत्मपौरुष. one's own strength of the mind or body. नाया० १६;

शिवर. पु० (निकर) समूह; ७७थे. समूह; झुंड. A multitude; a collection. नाया० १; ६; १७;

शिवल त्रि० (निगड) अधन; भेड़ी. बेंडी; बंधन; कैदी की जंजीर. Fetters. आष० नि० ४६७;

श्रियाज्ञ. पुं० (निगड) ८८ महाग्रहमांशो ५३

भो महाग्रह. ५८ महाग्रहोंमें से २३ वां महा-
ग्रह. The 53rd of the 88 great
planets. “ दो श्रियाज्ञ ” ठा० २, ३;

श्रियाग. पुं० (नियाग) भोक्ष. मोक्ष; मुक्ति;

निर्वाण. Final beatitude; salva-
tion. सूय० १, १६, ४; —पडिवज.

त्रि० (—प्रतिपन्न) भोक्ष भागते प्राप्त थयेत्.

मोक्ष मार्ग को प्राप्त; मोक्ष मार्ग. (one)

who has secured the path
leading to salvation. धम्मविज्ज-

श्रियागपडिवज्जे ” सूय० १, १६, ४;

श्रियाण. न० (निदान) नियाणुं करयुं; तपस्या

वगेरे करणीना इत्थनी वांछा करवी. करणीनुं

अमुक इत्थ भवे ऐवी आशा राखत ते.

निदान लगाना; तपस्या आदि कर्मों की कता-

कांक्षा करना; अमुक कार्य से अनुक फल

मिलने की आशा रखना. Desire for

future sense-pleasures as a

reward for austerities; hope

of fruit for actions done. नाया०

१२; १६; ओव० १६; ३६; ठा० १०;

सूय० २, ३, १; —करण. न०

(—करण) नियाणुं आंधियुं ते; करणीना

इत्थ तरीके अकथनि-धंद वगेरे थयानी प्रार्थना

करवी ते. निदान लगाना; कर्म फलानुसार

इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना.

act of praying that as a result

of one's actions one might be

an Indra, a Chakravarti etc ठा०

३, ४; —दोस. पुं० (—दोष) नियाणुं

आंधियायी क्षाभतो दोष. (कर्म फल) करने के

कारण लगने वाला दोष. sin incurred

by desire for reward of actions

(religious etc.). नाया० १६; —मयग.

पुं० (—मृतक) नियाणुं आंधीने भरनार.

(कर्म फल) की इच्छा रखकर-मरने वाला.

(one) undergoing death with a

heart full of desire for the

reward of good actions done

by him. ओव० —मरण. न० (—मरण)

नियाणुं आंधीने भरयुं ते; आध भरयुंने

ओक्ष प्रकार. कर्म फल की इच्छा सहित

मरण; बालमृत्यु विशेष. an ignorant,

non-religious mode of death;

death in a state in which the

heart is full of desire for the

reward of meritorious deeds

done. ठा० ६; —सज्ज. न० (—शरय)

संपत्ति पाभयाने नियाणुं करयुं ते; जणुं

शरयमां ओक्ष. धन प्राप्ति के अर्थ नियाणा

करना; फलाकांक्षा रखना; तीन शरयों में से

एक. one of the three thorns in

the spiritual path; Niyāpa for

getting wealth etc. ठा० ३, ३; मम० ३;

श्रियाणओ. अ० (निदानतप्) करयुं'ली.

कारणतः; कारण ते. Owing to; on

account of. आया० १, ६, ९, १०२;

श्रियाय. पुं० (नियाग—नितरां यजनं यागः

पूजा यस्मिन् सः) भोक्ष मोक्ष; मुक्ति Sal-

vation. सूय० १, १, २, २०; —ट्टि.

त्रि० (—र्थिन्) भोक्षने अर्थि मोक्ष

प्राप्ति का इच्छुक; मोक्षार्थि; मुमुक्षु (one)

desiring or aiming at salvation.

“ एवमेगं श्रियावटी धम्ममाराहगावये ”

सूय० १, १, २, २०; —पडिवराण. त्रि०

(—प्रतिपन्न) भोक्षने प्राप्तथयेत्. मोक्ष प्राप्त; मुक्त.

(one) who has attained salva-

tion; liberated. “नियायपडिवज्जे अपायं

कुममां; श्रियाविद्” आया० १, १, २, १६;

श्रियावादि. त्रि० (नियायवादिन्) पदार्थो

ओक्षान्ते नित्य ओ आ भतयाओ. सार

पदार्थ एकाग्र नित्य हैं ऐसे मत वाला. A believer in the doctrine that the things are everlasting.

ठा० ८, १;

शियुक्त. त्रि० (नियुक्त) नियुक्त करे; नियुक्त किया हुआ; स्थापित; जुड़ा हुआ; लगाया हुआ. Employed; appointed; joined. नाया० ६;

शियुद्ध. न० (नियुद्ध) मल्लयुद्ध. पहलवानों का कुश्ती; मल्लयुद्ध. Wrestling. ज० ५०

शियोग. पुं० (नियोग—नियतो निश्चिन्ता वा योगः सम्बंध इति नियोगः) अनुयोग; व्यापार. अनुयोग; व्यापार. Employment; application; activity. (२) निश्चय; आश्रय. निश्चय; आश्रय. certainty; surety. पंचा० ८, १२;

शिरा. त्रि० (निरत) बँधा; आसक्त मग्न; हुआ हुआ; आसक्त, लीन. Attached to; absorbed in. पण्ड० २, १;

शिरइ. स्त्री० (निरंति) राक्षस. राक्षस. A kind of demon. (२) मूल नक्षत्रों की अधिपति देवता. मूल नक्षत्रों की अधिपति देवता. presiding deity of the constellation Mula. “ दो शिरइ ” ठा० २, ३; ज० ५० ७, १४२;

शिरइयार. पुं० (निरतिचार) पंडितों और छंदों तीर्थंकरों व अन्य भाँ अतिथारों द्वारा पित्तों के सामाधिक आदि छंदों की पीठों आदि आदेशों में आये छंदों; छंदोपर्यापनीय आदिपित्तों की पीठों में. पहिल और अन्तिम तीर्थंकर के समय में बिना अतिचार लगाये सामाधिक चरित्र के बिना दूसरे चरित्र का आरोपन; छंदों स्थापनीय चरित्र का दूसरा प्रकार. The 2nd variety of Chhedopasthāpa

niya Chāritra; (during the times of the first and the last Tirthankaras) the practice of taking the second step of ascetic discipline passing over the 1st viz. Samāyika chāritra (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग० २५, ७; (२) त्रि० अतिथार रहित. अतिथार रहित. free from the sin of partial transgression. नाया० ७;

शिरंगण. त्रि० (निरङ्गण) राग रहित. रागरहित; विरामी. Free from passion पञ्च० १३;

शिरंजण. त्रि० (निरञ्जन—निर्गतो रञ्जनो यस्मात् सः) रागहीन रहित; मुक्त. राग रहित; मुक्त. Devoid of attachment; liberated; free from worldly attachment. “ संख इव शिरंजणे ” ठा० १, १;

शिरंतर. न० (निरन्तर) निरंतर; हमेशा. हमेशा; सदैव. Constantly; incessantly. भग० १३, ६; १६, १; २, ७; ८३, १; राय० ३४; ओव० ठा० २, ३;

शिरंतरिय. त्रि० (निरन्तरिक—निर्गताऽन्तरिका लघ्वन्तररूपा येषां ते निरन्तरिकाः) अंतरापथ अंतर रहित. अंतर-अवेधि रहित; भेद शून्य. Without any interval. जीवा० ३; राय० ज० ५०

शिरण्डकंप. त्रि० (निरनुकम्प) अनुकम्पा रहित; निर्दय. अनुकम्पा विहीन; कठोर; निर्दय. Merciless; unsympathetic; cruel. पण्ड० १, ३; नाया० २;

शिरणुकोस. त्रि० (निरनुकोश) दया रहित दयारहित; निर्दय. Callous; ruthless.

नाया० २;
शिरयुताव. त्रि० (निरनुताप) पश्चात्ताप
 रहित. पश्चात्ताप रहित. Unrepented;
 remorseless. नाया० २;
शिरय्य. अ० (निरर्थक) शून्य; निरर्थक.
 मुफ्त; निरर्थक; व्यर्थ; वृथा. Useless;
 in vain. पण० १, २;
शिरभिस्संग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) संग
 रहित; आद्याभ्यन्तर द्रव्य परिग्रह रहित;
 निरपृह. संग रहित; बाह्याभ्यन्तर द्रव्य
 परिग्रह हीन; निरिच्छ; निस्पृह. Free
 from attachment to worldly
 objects; free from desire.
 पंचा० २, ३४;
शिरय. त्रि० (निरत) असक्त. आसक्त;
 मोहमय; मग्न. Attached to. सम०
शिरय. पुं० (निरय) नरक. Hell.
 (२) नरकना श्रव; नारकी. नरक के जाँव;
 नारकी. hell-beings. पञ० २; पण०
 १, १; दसा० ६, ४; —**आवलि**या. स्त्री०
 (—आवलि) निरय-नरकनी आवलि-
 श्रेणी-पङ्क्ति अन्य नरकावास. नरक की
 आवलि-श्रेणी; पङ्क्तिबद्ध नरकावास. a
 row of abodes in hell; a series
 of abodes of hellish beings.
 पञ० २; (२) ओ नामनुं ओक सूत्र
 सूत्र विशेष. name of a Sūtra. जं०
 प० १; निर० १, ५; —**आवास.** पुं०
 (—आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः
 निरयाश्च ते आवासाश्चेति) नरकावासे.
 नरक वास; नरकस्थिति. an abode
 of hellish beings. “इमीसे खं मंते
 रयणप्पमाए पुढवीए कह निरयावाससय
 सहस्सा पययत्ता” भग० १, ४; सम० २५. ३०,
 ३५; ४०; ४२; ५१; ५५; ७४; ८४; —**गइ.**
 स्त्री० (—गति) नरक गति; आर गतिभांती

ओक. नरकगति; चार गतियों में से एक.
 existence in hell; one of the 4
 conditions of existence. डा० ५, ३,
 १०; —**गामि.** त्रि० (गामिन्) नरकभां
 जनार. नरक गामी; नरक में जाने वाला.
 (one) destined to hellish
 life. जं० प० २, २७; —**गोचर.** पुं०
 (—गोचर) नरकभां रहनेवाला श्रव; नारकी.
 नरक में रहने वाला जाँव; नारकी. an in-
 mate of hell; a hellish being.
 पण० १, २; —**पाडिरुवय.** त्रि० (—प्रति-
 रूरक) नरक समान; नरकनी नमुनी.
 नरकवत्; नरक समान प्रमाण. hellish;
 like hell. नाया० १; —**पत्थइ.** पुं०
 (—प्रस्तर) नरकनी पाथइ. नरक का प्रस्तर
 —थर. A stratum of hell. पञ० ३;
 —**परिसामंत.** पुं० (—परिसामंत) नरक-
 वासनी इस्ती आबु. नरकवासकी सीमा.
 the boundary-line of a hel-
 lish abode. भग० १३, ४; १३; ६;
 —**पाल.** पुं० (—पाल) नरकनी पालनार;
 परमाधर्मी. नरक पालन; परमाधर्मी.
 a custodian or sentinel of
 hell called Paramādhāmī. डा०
 ४; १; —**वास.** पुं० (—वास)
 नरकवास. नरकरूप वास; नरकवास.
 residence in hell. “शिरयवास
 गमणनिवो” पण० १, १; —**विभक्ति.**
 स्त्री० (विभक्ति) नरकना विभाग. नरक के
 विभाग, नरकप्रदेश. divisions of hell.
 (२) ओ नामनुं सूयगङ्ग सूत्रनुं पांचभुं
 अध्ययन. सूयगङ्ग सूत्र के पांचवे अध्या-
 यका नाम name of the fifth
 chapter of Sūyagadāṅga
 Sūtra. पण० १, २; —**विग्गहगइ.** स्त्री०
 (—विग्गहगति—निरयायां नरकायां विग-

हान् क्षेत्रविभागानशतिक्रम्य गतिर्गमनं निरय-
विग्रहगतिः) नरकभां वृत्तान्तये वृत्तान्ते.
नरकमें टेढी गतिसे जाना. passing of
the soul to hell by an irregu-
lar motion or progress. भा० १०;
—वेयण्णिज्ज. न० (-वेदनीय) नरकभां
वेदना योग्य कर्म. नरकमें अनुभव लेनेयोग्य
कर्म. Karma bearing fruit in
hell. “ शेरदण् शिरय वेयण्णिज्जमि
कम्ममि. ” भा० ४, १;

शिरवकांक्षि. स्त्री० (निरवकांक्षि) इच्छा
रहित रहित निरिच्छः आकांक्ष हीन. Hav-
ing no desire; free from desire.
नाया० ६;

शिरवज्ज. त्रि० (निरवज) निर्दोष निर्दोषः
अनवज. Innocent; harmless. “ स
सेजण् समक्खाण् शिरवज्जहारे जे विज्ज. ”
दम० नि० ५, १;

शिरवयकम्. त्रि० (निरवेत्त) पर प्रयत्न पुर्यात्
यत्ना शिरवकार. पर प्राणुरक्षामे अयावधान.
Careless as regards the safety
of the lives of others. पण्ड० १,
१; नाया० १; ६;

शिरवलम्ब. त्रि० (निरवलम्ब) आधाररहित
रहित, आधार-रहित पथरतो. निराधार; निर-
वलम्बः आधारवर्हान. Without any
support to rest on. पण्ड० १, ३;

शिरवलाय. त्रि० (निरपलाय) शिराली ० न
श्रीजने न शरी दे ० २. कर्मयोगा कर्मादी बात
न कहनवाता. (One) not communi-
cating to others a secret con-
fided to (him or her). सम० ३२;

शिरवसेस. त्रि० (निरवशेष) संपूर्ण, समग्र
सम्पूर्ण; समग्र; सारा. Full; complete;
whole. भग० २, १; १२, ३; १७, १; १६,
८; १६, ८; २४, २०; २७, ३; ३२, ११;

नाया० १;

शिरहिगरण. त्रि० (निरधिकरण) भोटा आ-
रंभरूप शस्त्ररतो. बडे आरंभरूप शस्त्रोंसे
रहित. Not possessed of weapons
used for inflicting injury. पंचा०
१६, २२;

शिरहिगरणि. त्रि० (निरधिकरणिन्) अधि-
करण रहित; शस्त्र रहित. आधिकरण शस्त्र-
विहीन; निःशस्त्र. Not possessed of
offensive weapons. भग० १६, १;

शिराकिच्चा. सं० कृ० अ० (निराकृत्य) दुर-
द्विनिः त्यागित. दुर कर्मकः त्यागकरः छोडकर.
Having repudiated; having
given up “ ततोवायं शिराकिच्चा ” न्या०
१, ३, ३, १५.

शिरागंद. त्रि० (निरागन्द) आतंद रहित.
निरागन्दः आनन्द रहित. Devoid of the
feeling of love. जे० प० २, ३३;
नाया० ३;

शिरांतक. त्रि० (निरांतक-भिर्गतः आतंका
रोगविशेषा यस्मात्) रोग रहित निरोग;
निरोगः स्वस्थ. Healthy; free
from disease. पण्ड० १, ६; ओत०
नंद०

शिराभिमान. त्रि० (निगमिराम-नितरां अभि-
रामो नगमिराम) अति सुंदर. अति सुंदर;
बहुत रम्य. Surpassingly beautiful.
पण्ड० १, २;

शिरामगंध. त्रि० (निरामगन्ध) आभय ध-
मुद्वेगनर मुद्वेगान् ३५ देय तथी रहित.
आमगन्ध मूलोत्तर गुणवत्तरी दोषोंसे रहित.
Free from the guilt of a breac-
ch of fundamental or secondary
virtues. “ से सवद्वेपी अभिमय नाणां
शिरामगंध धिदमं ठितरा ” गृय० १, ६, ५;

शिरायंक. त्रि० (निरांतक) श्रुत्यो “ शिरा-

तंक" शब्द. देखो "शिरातंक" शब्द.
 Vide 'शिरातंक' जीवा० ३, ३;
शिरायास. त्रि० (निरायास) पेना करणुथी
 रहित. खेदारहित; कष्टरहित; सरल; सहज.
 (One) having no cause for
 sorrow. पगह० २, ४;
शिरालंबन. त्रि० (निरालम्बन) आश्रयन
 आधार रहित. निराधार; आधार-सहाय
 रहित. Having no support to
 rest on. "गयणमिव शिरालंबन" ठा० ६;
 नाया० ६;
शिरावकांक्षि. त्रि० (निरवकांक्षि) आकांक्षा
 रहित; निरपृष्टी. आकांक्षा रहित; निरिच्छ;
 निस्पृह. Having no desire; unself-
 ish. "निरुत्तम महाउ शिरावकांक्षी कायं
 विउ सेज्ज नियायावुजे" सुय० १, १०, २६;
शिरावयकस्व. त्रि० (शिरपेक्ष) अपेक्षा
 रहित. जिसे अपेक्षा न हो वह; निरपेक्ष.
 Having no desire; unselfish.
 नाया० ६; पगह० १, ३;
शिरावरण. त्रि० (निरावरण) आवरण रहित.
 आवरण रहित. Free from ob-
 struction; unhindered. नाया० १४;
शिरास. त्रि० (निराश) निराश ध्येय.
 इतोस्ताहित; निराशित. Hopeless. पगह०
 १, ३;—**बहुल.** त्रि० (बहुल) अति निराशा
 वाला. अत्यधिक निराशापूर्ण. extremely
 despondent. पगह० १, ३;
शिरासव. त्रि० (निराश्रव) आश्रय रहित.
 आश्रय रहित; पाप रहित. Not incur-
 ring sin; free from inflow of
 Karmic matter पगह० २, ३;
शिरिधन्या. त्रि० (निरिधनता) धन-
 अभावयुक्ता. अभाव. ईधन की कमी; जनाऊ
 लकड़ी का अभाव. Absence of fuel.
 भग० ७, १;

शिरिक्खण. न० (निरीक्षण) आरीक्षणी
 नेतृ; अवलोकन करने वाले. बारीकी से
 देखना; निरीक्षण करना. Minute ex-
 amination; minute, careful
 observation. ओव०

शिरिक्खिय. त्रि० (निरीक्षित) अवलोकन
 करने; निरीक्षण करने निरीक्षित; अवलोकित;
 देखाहुआ. Observed; scrutinized.
 नंदी०

✓**शि-रुंभ.** घा० I, II. (नि-रुंभ) अटका-
 वतुं; रोकवतुं; रुंधवतुं अटकाना; रोकना;
 निरोध करना. To obstruct; to de-
 tain; to hinder. (२) सम्मार्गे व्यवस्था
 करनी सम्मार्ग का व्यवस्था करना. to
 devote to some good purpose.
शिरुंभंति सूय० १, १, १, ८४;

शिरुंभेहिंति. भग० १४, १;

शिरुंभित्त. ओव० ४३; सूय० १, ४, २, २०;

शिरुंभण. न० (निरोधन-निर्गतं रोधनं निरो-
 धनं) अटकावत; रोकवतुं; रुंधवतुं. अटकाव;
 रोक; निरोध; विघ्न; अन्तराय. Deten-
 tion; obstruction; hindrance.
 पगह० १, १;

शिरुंभा. स्त्री० (निरुंभा) ऐ नामनी ऐक
 देवी. इस नाम की एक देवी. Name of
 a goddess. नाया० ४०

शिरुच्छार. न० (निरुच्छार) शैत्य स्थान
 परने पालु ग्राम आदि जगहों पर प्रतियोग.
 शौचकियार्थ भी ग्राम बाहर जाने का प्रतिबंध-
 मनाई. Prohibition to go out
 of the city even for answer-
 ing calls of nature. नाया० ८;
 पगह० १, ३;

शिरुच्छाह. त्रि० (निरुच्छाह) उत्साह रहित.
 उत्साह रहित; निरुत्साह. Devoid of
 energy; not industrious; inae-

tive. जं० प० २, ३६;

शिरुज. न० (नीरुक्-रजामभावो नरिक्)
रोगरहित अभाव. निरोगता; रोगका अभाव
Absence of disease; health
पंचा० १६, २८;

शिरुत्त. न० (निरुक्त) निरुक्त; वेदभां
आवेष्टां शब्दोन्नी निरुक्ति-अनुपपत्ति दशां
पन्ना शास्त्र. निरुक्त; वेदों में आये हुए
शब्दों की व्युत्पत्ति बतलाने वाला शास्त्र
A Vedic etymological lexicon.
श्रव० ३८;

शिरुवक्रम. त्रि० (निरुपक्रम) कंठपथ
निमित्तशी ग्रेतुं आयुष्य त्रुटे नदी ते;
ग्रेतुं आयुष्य त्रुटे नदी ते आयुष्य
भावे ते क्रिया भां कारण मे जिसकी
आयुष्य क्षय न हो; नियत आयुका भोक्ता.
(One) who is not liable to
death by any accidental circum-
stances before the life-period
fixed by Karma, is over. नाया०
२०, १०; (२) मन्ना शैड आदिश्री रदित.
मानाम० शोक आदि से रहित. free from
mental trouble or sorrow. भग०
२५, ७; —आउय. त्रि० (-आयुः)
निश्चित आयु का हो; गमे ते निमित्त आय
तो पय ग्रेतुं आयुष्य अधिष्ठुं त्रुटे
त्रुटे पुं पुं गमे ते. निश्चित आयु
वाला; चाहे जिस कारण के रहते हुए भी
निश्चित आयु का पूर्ण भोक्ता. (one)
who does not die before the
life period fixed by Karma
in spite of any kind of acci-
dental circumstances what-
ever their nature. भग० २०, १०;
—भात्र. पुं० (-भात्र) कर्मन्ते अवश्य
भोग्यते; निरुपक्रमयुः कर्मन्ता उपक्रमते

अभाव. कर्मों का अनिवार्य भोग-निरुपक्रमता;
कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable
unavoidable bearing of the
fruits of Karma. पंचा० ३, १५;

शिरुवक्किट्ट. त्रि० (निरुपक्किट्ट) स्वगत शैड
आदि क्लेश रहित. अन्तः शोक क्लेश आदि
से रहित. Free from mental or in-
ternal sorrow; untroubled in
mind. "हृदस्य एवगहस्य शिरुवक्किट्टस्य
जंतुणां" अणुजो० भग० २५, ७; जं० प०
२, १६;

शिरुवक्कस्स. त्रि० (निरुपक्कस्स) शैड
आदि आधा रहित. शाक आदि बाधाओं से
रहित. Free from worry and
sorrow. टा० ७;

शिरुवच्चरिय. त्रि० (निरुवच्चरित) उपचार नदि
कसे. शिष्टचार रहित; उपचार रहित
(One) who has not observed
proper forms of respect. नाया० ५;

शिरुवद्दव. त्रि० (निरुवद्दव) उपद्रव रहित.
निरुद्रव; उग्रद्व रहित. Free from
troubles or obstacles. भग० १, १;
श्रव०

शिरुवम. त्रि० (निरुवम) उपमा रहित.
निरुपम; उमा-तुलना रहित; अनुपम; अनु-
पम. Matchless; incomparable.
जवा० ३, ३;

शिरुवपरिय. त्रि० (निरुवपरित) लुब्धे
"शिरुवपरिय" शब्द. देखा "शिरुवपरि-
प" शब्द. Vile "शिरुवपरिय"
नाया० ५;

शिरुवलेव. त्रि० (निरुलेव) कर्म लेप
रहित. कर्म बन्धन से रहित. Unsmear-
ed by Karma; untouched by
Karma. जवा० ३; (२) स्नेह वगदन्ते.
स्नेह हान. free from attachment.

पगह० २, ४;

शिरुवसग. पुं० (निरुपसर्ग) ४-भ भरलु
आदि उपसर्ग रहित; मोक्ष. जन्ममरणादि
उपसर्गों से रहित; मोक्ष. Freedom from
such troubles as birth, death,
etc.; salvation. नाया० ८;

शिरुवहत. त्रि० (निरुपहत) ७-ओ " शिर-
वहत " शब्द. देखो " शिरुवहत " शब्द.
Vide " शिरुवहत " नाया० १;

शिरुवहत. त्रि० (निरुपहत) रोगादिही नहि
हृष्यायेत. रोगादि से मुक्त. Unharmed
by unaffected with disease etc.
भग० ७, १; ६, २३; नाया० १; ३; ५;
६; ७; पगह० १, ४; (२) विक्षर
रहित. अविकारी; विकार हीन. free from
transformation or modification.
ओव० गय० (३) ४-रादि उपद्रव रहित.
ज्वरादि उपद्रव रहित. free from such
troubles as fever etc. जीवा० ३;

शिरुवसग. त्रि० (निरुद्विग्न) उद्वेग रहित;
भननी व्याकुलता पर्यन्त. विकलता विहीन;
अव्याकुल; अनुद्वेगी. Free from
mental distress; unworried.
नाया० १; १७;

शिरुस्साह. त्रि० (निरुस्माह) उत्साह उद्यम
रहित. उत्साह-जोश हीन. Devoid of
zeal or enthusiasm; lazy. "गह
धम्मशिरुस्साहो" मूय० नि० १, ८, १, ६२;

शिरुविक्रुण. सं० कृ० अ० (निरूप्य) आ-
लोचना करके. आलोचना करके; सूक्ष्म अव-
लोकन करके. Having made a full
confession; having seen or
perceived. पंचा० ८; १०;

शिरुवियव. त्रि० (निरुपयितव्य) आलोचना
योग्य. आलोचना के योग्य. Worthy
of being confessed; worthy

of being seen or perceived.

पंचा० ११, २०;

शिरुह. पुं० (निरुह) नाडीमांसी दोड़ी कटपुं
ते. नसमें से रक्त निकालना. Act of let-
ting out blood by opening a
vein. "अणुवासणेहिय बरिथ कम्मेहिय
निरुहेहिय सिरावेहिय" नाया० १३;

शिरैय. त्रि० (निरेज) निश्प्रकम्प; निश्चल.
निष्प्रकम्प; निश्चल; अटल. Firm;
steady; motionless. भग० ५, ७; २५, ४;
शिरोदर. त्रि० (निरुदर—निर्गता उदरविका-
रा येभ्यस्ते) नाना पेटवाला; उदरना विक्षर
पित्तो. सामान्य पेटवाला; पेट सम्बन्धी
बीमारी से रहित. (One) with a
small belly; (one) free from
any disease of the belly. जीवा०
३; पगह० १, ४;

शिरोह. पुं० (निरोध) निरोध; अटकाव.
निरोध; अटकाव Obstruction; check;
prohibition. नाया० २; भग० २५, ७;
(२) इंद्रियादिना नियम करवा ते. इन्द्रिय
निग्रह. act of subduing the senses
etc. उत० ४, ८;

✓ **शिर-इक्ख.** धा० I (निर + ईच्छ) ज्ञेयुं;
निरीक्षण करयुं. देखना; निरीक्षण करना. To
see; to observe carefully.

शिरिक्खइ. नाया० ८;

शिरिक्खत्ति. नाया० ८;

शिरिक्खमाण. नाया० ८;

✓ **शिर-तर** धा० I, II. (निर + तृ) पर
पामयुं; छेडा आणुवे. पारपाना; समाप्त
करना. To complete; to bring to
an end.

शित्थारयामि. प्रे० नाया० ६;

शित्थरइ. नाया० ८;

शित्थरेज्जामो. वि० नाया० १८;

शिस्थरिहिह. भग० व० नाया० १८;

शिस्थरिजंत. क० वा० व० कृ० संथा०

✓ शिर्-धाव. धा० I. (निर + धाव)

दौडवुं; दौडी दौडवी. दौडना; तेजीसे भागना.
To run; to move swiftly.

शिद्धावहे. नाया० ८; १७;

✓ शिर्-धुण धा० I. (निर + धृ) धा०

रीने ईष्टवुं; अट्टी दौडवुं. फटककर
फेंकना; खेखर डालना. To shake off;
to remove by shaking.

शिद्धधुणे "मणिधुणे धुलमलं पुरेकडं" दम०
७, २७;

शिद्धशित्ताण. उत्त० १९, ८८;

✓ शिर्-नम. धा० I. (निर + नम् + शित्)

निश्चयी नमावुं; दूर करवुं. निश्चयपूर्वक
नमाना; दूर करना. To subdue en-
tirely; to remove.

शिखामण. प्रे० वि० मू० १, १३, १७;

✓ शिर्-ने. धा० II. (निर + नी) धा०

आवुं; दौडवुं. बाहर लाना; निकालना.
To take out; to bring out.

शीणइति. श्रव० ३०; निमी० २, १३;

नाया० ८; ८; दया० १०, १;

शीणता. सं० कृ० श्रव० ३०;

✓ शिर्-पज्ज. धा० I. (निर + पज्)

निपज्जवुं; उत्पन्नवुं पैदाहोना; उत्पन्नहोना.
To be produced; to be born.

शिप्पज्जइ. जं० प० २, १६;

"पाप्पज्जिस्सइ. भग० १२, १;

✓ शिर्-भक्क. धा० II. (निर + भक्)

तिरस्कार करवो. निरस्कार, अमान या घृणा
करना. To show contempt to-
wards; to scold.

शिब्भक्केइ. भग० १५, १; नाया० १८;

✓ शिर्-भत्थ. धा० II. (निर + भत्थ)

तिरस्कार करवो; भत्थना करवी. भर्त्सना

करना; निरस्कार करना. To scold; to
threaten; to reproach.

शिब्भत्थेइ. टा० ५, १;

✓ शिर्-मिस. धा० I. (निर + मिष्) धा०

उधाडवीय करवी. आंख खोलना और
सींचना; पलक मारना. To wink.

शिम्भियेजा. वि० भग० १६, १;

✓ शिर्-वद्ध. धा० I, II. (निर + वृद्ध)

दुं दुं करवुं; संक्षिप्तवुं. संक्षिप्त करना; छोटा
करना. To shorten; to contract.

शिवुद्धित्ता. सं० कृ० "दिवसमेत्तस्म शिवुद्धित्ता
रतशिव्वत्तस्म अभिणुद्धित्ता चारं
चाति" म० प० १;

शिवुद्धिमाणा व० कृ० म० प० २; जं०

प० १, १३२;

✓ शिर्-वत्त. धा० I, II. (निर + वृत्)

उत्पन्न करवुं; उत्पादवुं. उत्पन्नकरना; बनाना.
To make; to produce. (२)

पुर्णवुं; निवृत्ति पावनी. पूर्णहोना; निवृत्ति
पाना to complete; to be free from.

शिव्वत्तइ. नाया० ८;

शिव्वत्तयति. प्रे० भग० २५, २;

शिव्वत्तेह. आ० नाया० ८;

शिव्वत्तिज्जइ. क० वा० भग० १२, ४;

शिव्वत्तेमाणा व० कृ० भग० १६, १, १७, १;

शिव्वत्तिज्जइ. जं० कृ० नाया० ८;

शिव्वत्तिज्जइ. जं० कृ० नाया० ८;

✓ शिर्-वह. धा० I, II. (निर + वह)

निर्वाह करवो. आर्थरिका चलावनी.
निर्वाह करना; आर्थरिका चलावनी. To
maintain; to maintain one's
livelihood.

शिव्वहेजा. वि० मू० १, ६, २३;

शिव्वहे. मू० १, १६, २०;

शिव्वहित्तण. नाया० १८;

✓ शिर्-वा. धा० I. (निर + वा + शि)

ओधयवुं; थुआयवुं; हारी नायवुं बुक्काना;
थंडाकरना. To extinguish; to
put out.

शिष्वावेति. जं० प० २, ३६;

शिष्वावेज्जा. वि० दस० ४, ८;

शिष्वाविद्या. दस० ५, १, ६३;

शिष्वाविस्सति. भग० २, ३६;

✓ शिर्-विज्ज. धा० I. (निर् + विद्) निर्वेद
वैराग्य प्राप्तये; वैराग्य पाना; उदासीन होना.
To be disgusted with and to
be indifferent to the world and
its ways; to renounce; (२)
सुपुं. सोना to lie down.

शिर्विज्जह. उत्त० २७, ४;

शिर्विज्जंति. उत्त० ३, ५;

✓ शिर्-विस. धा० I. (निर् + विश्) शरी भुक्कुं;
देवपार करयुं निर्वासित करना; निकाल देना.
To drive out; to deport or
transport.

शिर्विसेज्जा. वि० “ एगंल छक्कपा गंठव-
हत्ता एगं शिदि-सेज्जा ” वव० २, २;

शिर्विसमाण. व० क० निसी० २०. १०;

भग० २५, ७; ठा० ३, ४;

शिर्विसंत. व० क० ठा० ५, १;

✓ शिर्-सर. धा० I. (निर् + सृ) डेडकुं. फेंक देना.
To throw. (२) निडवयुं. निकलना,
त्यागना. To abandon; to leave.

शिस्सरइति. नाया० १; ६; १६; भग०
१५, १; राय० २८३;

✓ शिर्-हर. धा० I, II. (नी + ह) शैय भाटे
जंगल जायुं. शौचके लिये जंगलमें जाना.
To go to a forest for answer-
ing calls of nature.

शीहरेति. प्रे० अंत० ३, ४;

शिल्लय. न० (निजय) घर. गृह; सदन.
A house; an abode. तंदु० नाया० १६;

शिल्लाड न० (ललाट) कपाल; भस्तक. म-
स्तक; कपाल; ललाट. The forehead;
the head. पणह० १, २; नाया० १६;
—पट्टिया. ली० (-पट्टिका) कपाल उपर
करवामां आवती कंकुनी पटी; पीड. भाल
तितक; भालकुंकुम; भालाबिंदी. an
auspicious mark on the fore-
head made with a sort of red
powder. राय० १६४;

शिल्लित. व० क० त्रि० (निजीयमान) भेसतुं.
बैठाहुआ; बैठता हुआ. Sitting. ओव०
राय०

✓ शिल्लिज्ज. धा० II. (नि + जी) जाटकुं.
भटकना. To give a sudden jerky
motion e. g. to a carpet etc.;
to get rid of dust and refuse.

शिल्लिज्जजा. विधि० सूय० १, ४, २, २०;

शिल्लुक्क. त्रि० (निर्लेक्य) गुप्त. गुप्त; छिपा
हुआ Hidden; secret. नाया० ८;

शिल्लेच्छण न० (निर्लाञ्छन) नपुंसक करयुं
ते; भुटीया आदिने सभारया ते. नार्मद-
नपुंसक बनाना; खंस्त करना. Emas-
culating castrating. पणह० १, २;

शिल्लज्ज. त्रि० (निर्लेज्ज) लज्ज शरभ
रहित. निर्लेज्ज; बेशरम. Shameless;
devoid of sense of shame. पणह०
१, २; नाया० ६;

शिल्लायंत. व० क० त्रि० (निर्लेयन्-निरन्तरं
लयति गच्छतीति) भागते. भागताहुआ,
Running away; escaping नाया०
१;

शिल्लालिय. त्रि० (निर्लाज्ज) पसरव; तीक्ष्ण
क्षेत्र. फैलाहुआ; फूटाहुआ. Spread; ex-
tended; projected out. नाया० १,
८; —अगग पुं० (-अगग) विधाज मोक्ष-
भांथी वपसप थतो; अदार निजगते अ-

लनो आगदो भाग-टेरे। खुले मुंह में से लपलपाती जीभका अग्रभाग; जिह्वाग्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth. नाया० ८; — अग्रजीहा. श्री० (—अग्रजिह्वा) मोटाभांथी लपलप थतो अक्षर नीकसतो लनो आगदो भाग. मुंह में से लपलपातीहुई जीभका अग्र भाग. the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth. नाया० ८;
शिलेव त्रि० (निर्लेप) लेप रहित. निर्लेप; लेपहीन. Free from smearing, dirt. भग० ६, ७;
शिलेवण न० (निर्लेपन) लेपनो अभाव; भेदनो अभाव. लेपका अभाव; निर्मल. Absence of smearing; absence of dirt. भग० ७, ४;
शिव पुं० (नृप) राजा; नरपति. नृप; राजा. A king; a lord of men. पंचा० १८, २७; — कर. पुं० (—कर) राजनो हाथ. राजा का हाथ an arm of a king. पंचा० १८, २७;
शिवइस्ता त्रि० (निपत) उतरना; पतना. गिरने वाला; उतरने वाला. (One) coming down; falling down. ठा० ४, ४;
शिवइय त्रि० (निपतित) पडे़. गिरा हुआ. Fallen. नाया० १; (२) न० अेक प्रकार २नुं अेर; न्यथा अेर; दृष्टि अेर आदि. एक प्रकारका विष; विचारविष, दृष्टिविष आदि. a sort of poison e. g. of sight, of touch etc. ठा० ४, ४;
शिवउत्पय पुं० (निपातोत्पात) नेमां उये अटवुं पाछुं नीये पडवुं थाय तेरा प्रकारनुं अेक नाटक; ३२ नाटकोंमांनुं अेक. एक नाटक विशेष जिस में पहिले ऊंचे चढकर फिर नीचे गिरना हो; ३२ नाटकों में से एक. One

of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down. जं० १०

शिवडण न० (निपतन) नीये पडवुं. नीचे गिरना. Act of falling down. पण० १, २;

शिवडिय त्रि० (निपतित) नीये पडे़. निपतित; नीचे गिरा हुआ. Fallen down. भग० १५, १;

✓ **शिवत्त** धा० I, II. (नि+वृत्) निवर्तवुं; अटवुं. निवर्त होना; अटकना; दूर होना. To return; to desist from; to stop.

शिवटति. उत्त० २, ६३;

शिवत्तइ. नाया० ९;

शिवटमाण. आया० १, ६, ४, १६०;

शिवत्त त्रि० (निवृत्त) पीती अयेस; पसार थयेस. बीता हुआ; भूत; गत. Past; elapsed; gone. विवा० ४; — बारसग. त्रि० (द्वादशक) बार द्विस विती अयेस. पसार थयेस. जिस के बाद बारह दिन बीत गये हों वह; (that) since the happening of which twelve days have passed. विवा० ४;

शिवत्ति श्री० (निवृत्ति) अंभ थवुं; अटकवुं. बंद होना; अटकना; रुकना. Act of coming to a close; act of stopping. ठा० ८, १; (२) निष्पत्ति. निष्पत्ति. production; result; coming into existence. ठा० ४, ४;

✓ **शिवर** धा० II. (नि+वृ) निवारवुं; रोकवुं. निवारण करना; रोकना. To check; to stop; to restrain.

शिवारेइ. प्रे० नाया० १६; १८; नाया० ४०

शिवारेसि. नाया० ५;

शिवारेमि. नाया० ५;

शिवारित्तप. हे० कृ० नाया० ५;

शिवारिज्जइ. क० वा० भग० ६, ३३;

शिवारिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग०
१२, १;

शिवसण. न० (निवसन) वस्त्र. वस्त्र; कपडा.

A cloth; a garment. नाया० १६;

शिवाइय. त्रि० (निपातित) नीचे पाडेव.

नीचे गिराया हुआ; अधःपातित. Thrown
down; caused to fall down.

नाया० १४;

शिवाएमाण. व० कृ० त्रि० (निपातयत्)

नीचे पाडने. नीचे गिराना हुआ (One)

causing to fall down. नाया० २;

शिवाडेत्ता. सं० कृ० अ० (निपात्य)

लगानी; नीचे पाडने. लगाकर; नीचे गिरा

कर. Having caused to fall down;

having attached or applied.

“जाणुं धरणिंतलंसि शिहहु शिवाडेत्ता ”

जीवा० ३;

शिवातित. त्रि० (निपातित) नीचे पाडेव.

नीचे गिराया हुआ. Fallen down. भग०

१२, १;

शिवानिय. त्रि० (निपातित) अनुश्रुति. उपदेश

शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

विवा० १;

शिवाय. पुं० (निपात-निपातन-निपातः)

नीचे पडने. नीचे गिरना; अधःपतनः निपात.

Act of falling down; downfall.

“आयवत्स शिवायणं” उक्त० २, ३८; (२)

भेसयुते. बैठना. act of sitting परह०

१, २; (३) निपात; व्याकरण शास्त्र प्रसिद्ध

य, वा आदि अव्यय. निपात; व्याकरण शास्त्र

प्रसिद्ध च, वा आदि अव्यय. an inde-

clinable particle such as च वा

etc. परह० २, २; नाया० (४) यपटी

पभाषी ते. चुकटी बजाना act of

snapping the thumb with
the middle finger. पञ्च० ३६;

शिवाय. त्रि० (निवात-निर्गतो वातो यस्मात्सः)

वायु संचार रहित. निवात; वायुसंचार हीन.

Free from draughts of wind.

“ तंसिप्पेगे अणगारा हिमवाय् शिवायमे

संति ” आवा० १, ६, २, १३; भग० ३,

१; ७, ८; ११, ११; नाया० १६; —गंभीर.

त्रि० (-गम्भीर) वायु आदिना प्रवेश

रहित; गंभीर. वायु आदि के प्रवेश से शून्य;

गंभीर. free from draughts of

wind; calm. भग० ७, ८;

शिवायण. न० (निपातन) आसमां डेंडुं.

खड्गे-गढे में फेंकना; गिराना. Act of

throwing into a ditch or pit.

परह० १, २;

शिवारण. न० (निवारण) अटकाव यु ते.

निवारण; रोक; अटकव. Act of re-

straining or checking. भग० ६,

३३; (२) टाट तापने रोकना घर, दवेवरी

दवेरे. थंड ताप से बचाने वा रोकने वाला

घर, हवेली आदि. a house, a man-

sion etc. which checks the

rigour of cold and heat. उक्त०

२, ७;

शिवारय. त्रि० (निवारक) निवारण करनेवाले;

अटकाव करनेवाले. निवारण करनेवाला; रोकने

वाला; निवारक. (One) who stops,

checks; (one) who restrains

or prohibits. नाया० १६;

शिवान. पुं० (निवास-निवातरं वसन्ति जना-

येषु ते) निवास; रहनेवाला. निवास; रहने का

जगह. A place of residence; an

abode. निसी० १, १;

शिविष्ट. त्रि० (निविष्ट) भेदवेत्त; प्राप्त करने.

लिया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Got;

acquired. " थोबं बहु शिवविद्वम्मि " टा० ४, २; (२) आसक्त. आसक्त. attached; passionate. सूय० १, १, ३; —कप्पटिह. स्त्री० (—कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध तप पूर्य करेवनी कल्पस्थितिः साधु समाचारी विशेष. परिहार विशुद्ध तप पूर्य कियेहुए की कल्पस्थिति; साधु समाचारी विशेष. A particular stage of ascetic-conduct to which a monk has risen. टा० ४, २; —काइयकप्पटिह. स्त्री० (—कार्यकल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध तप करी अहार नीक्येव साधुनी कल्पस्थिति. परिहार विशुद्ध तप के बाद बाहर निकले हुए साधु की कल्पस्थिति. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. वेय० ६, २०;

निवृत्ति. स्त्री० (निवृत्ति विषयेभ्यो निवृत्तं निवृत्ति) आरंभ प्रवेश पापथी निवृत्त थयुं ते. आरंभ आदि पापों से निवृत्ति. abstinence from actions which involve injury to or killing of living beings e. g. from flesh eating, drinking etc पंचा० ७, ३२; —पहाण. त्रि० (—प्रधान) आरंभथी निवृत्त थयामां प्रधान-श्रेष्ठ. आरंभ से निवृत्त होने में प्रधान-श्रेष्ठ. prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being. पंचा० ७, ३२;

✓ शि-विस धा० II. (नि+विश) प्रवेश करवे. प्रवेश करना; भीतर घुसना. To enter. शिविसेजा. वि० वेय० २, १२; शिविसिद्धा. सं० कृ० नाया० ८; शिविसमाय. व० कृ० वय० १, १४; २४;

शिविसेह. प्र० नाया० ८; १६;

शिविसंति. नाया० १६;

शिविसंतु. नाया० १६;

शिविसेहि. आ० विवा० ६;

शिविसेह. आ० नाया० ८; १६;

शिविमित्ता. सं० कृ० नाया० १६; राय २२;

शिविसिय. निसी० ३, ४;

शिविसमायकप्पटिह. स्त्री० (निर्विशमान-कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध कल्प आचारी-नी कल्पस्थिति. परिहार विशुद्ध कल्पा-चारी की कल्पस्थिति. State of one who is going through the austerity known as Parihāravīśuddha. वेय० ६, २०;

शिवेइय. त्रि० (निवेदित) निवेदन करेव. निवे-दितः प्रथित. Made known; de-clared. नाया० २;

✓ शि-वेद. धा० I. II. (नि+विद+णि) निवेदन करयुं; प्रकटययुं; गळेर करयुं निवेदन करना; प्रकट करना To declare or make known.

शिवेदेइ. नाया० ८; १६;

शिवेदति. नाया० २;

शिवेदेमि. श्रव० ११, नाया० १;

शिवेदेमो. भग० ११, ११; दसा० १०, १;

शिवेदज्जा. वि० दमा० १०; १,

शिवेदेह. आ० १० १;

शिवेण्ह. श्रव० नाया० ६; १६; १८;

शिवेयह. नाया० १६;

शिवेयति. नाया० ८; १८;

शिवेणमां. जं० प० नाया० ३; ४३;

शिवेण्हि. आ० नाया० १६;

शिवेयण. न० (निवेदन) निवेदन; गळेर करयुं ते. निवेदन; प्रकाशन. Act of declar- ing; act of making known. नाया० ४;

शिवेस. पुं० (निवेश) स्थापन करवुं ते; भेसाडवुं ते. स्थापित करना; बैठाना; प्रतिष्ठा करना. Act of fixing or establishing; placing. नाया० ८; १६;

शिववृत्त. न० (निर्वर्त्तन) नगर भांथी निकलवाने भाग. नगर बाहर होने का मार्ग. A way leading out of a town; an exit from a town. नाया० २;

शिववृत्ति. सं० कृ० अ० (निर्वर्त्य) ज्य भ्रदेशथी शरीरने जुटुं करीने. जीव प्रदेशसे शरीरको अलग करके. Having dissociated the body from the soul. ठा० २, ४;

शिववण. त्रि० (निर्वण) शैल यांहा आदि-ज्यम रहित. घाव रहित; वणरहित. फोडे फुंसी आदिसे रहित. Free from boils, wounds etc. खोव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० ३; जं० ५० ७, १६६;

शिववत्त. त्रि० (निर्वत्त) व्रत रहित. व्रत रहित; संकल्प हीन. Vowless; devoid of a vow. राय० २०८;

शिववत्त. त्रि० (निर्वृत्त) निवृत्त थयेव निवृत्त; छुटाहुआ; मुक्त. Retired from; turned back from. ठा० ६; भग० ११, ११; (२) अतिक्रमण करेव. अतिक्रमण किया हुआ. transgressed; crossed. नाया० १; जं० ५० ३, ४३; (३) उत्पन्न थयेव. उत्पन्न. born; produced. नाया० १६; —मह. पुं० (—मह) निवृत्त-पूरु थयेव महोत्सव. निवृत्त महोत्सव; सानन्द समाप्त उत्सव. A festivity which has been completed. नाया० १;

शिववत्तय. न० (निर्वर्त्तन) उत्पन्न करवुं. उत्पन्न करना; जन्म देना. Act of producing; creation; production.

पञ० २२;

शिववत्तण्या. स्त्री० (निर्वर्त्तन) निष्पत्ति; सिद्धि. निष्पत्ति सिद्धि; सफलता. Act of finishing; completion; final result. " तयोः शिववत्तण्या तयोः परिचायिता " पञ० ३४;

शिववत्तणा. स्त्री० (निर्वर्त्तना) छुटवुं; निवृत्त थयुं ते. मुक्त होना; छुटना. State of being free from; abstinence from. भग० १०, ४; (२) उत्पन्न करवुं ते. उत्पन्न. act of making or producing. भग० १३, ३; —अहिगरण्या. स्त्री० (—अधिकर-शिकी) तलवार वगैरे अधिकरणने तटन नवीन तैयार करवाथी लागती किया. नितान्त नवीन तलवार आदि शस्त्रों को बनाने में लगने वाली किया. the sin incurred by preparing absolutely new weapons such as swords etc. ठा० २, १; भग० ३, ३;

शिववत्ति. स्त्री० (निर्वृत्ति) वस्तुनी उत्पत्ति; अनापट. वस्तु की उत्पत्ति; बनावट; घटना विधि. Making or creation of a thing (२) निष्पत्ति. निष्पत्ति. creation; coming into existence. " कह विहाय भंते जीवशिवती पण्यता " भग० १६, ८; पञ० १;

शिववत्तिय. त्रि० (निर्वर्त्तित) उत्पन्न करेव अनावेव; उपाजित करेव. उत्पन्न हुआ; बनाया हुआ; उपाजित. Produced; made; acquired. नाया० १; ८; भग० १६, १; पञ० १४; ठा० २, ४; (२) व्यवस्थापन करेव. व्यवस्थापन किया हुआ. arranged, managed. पञ० २३;

शिवव्य. त्रि० (निर्वत्त) व्रत रहित. व्रत रहित; संकल्प शून्य. Devoid of vow; vowless. ठा० ३, १; २; नाया० ८;

भग० १२, ८; ज० प० ३, ३६;

शिवयोग. न० (निर्वाचन) प्रस्तासोः न्याय.
खलासा; उत्तर. Decision; reply. ठा०
१०;

१ शिववाचाश्रय. त्रि० (निर्वाचाश्रय) व्यधात
रहित; विघ्न विना. व्याघात रहित, निर्विघ्न;
विघ्न शून्य. Free from obstruc-
tion; unfettered by obstacles
“शिववाचाश्रयं पञ्जरसकम्भभूमिसु” पञ्ज०
२; नाया० १; १४ १६; भग० ११, ११;
१७, ४; २५, २; श्रव० ४०; (२) न०
ज्येते देवा रोद्राणि अरुद्राणि न शय तेवु-
न्निधौ नि देवजनान. जिसको कहीं
रुकाव - अरुद्रक व न हो ऐसा. विघ्न रहित
केवलज्ञान. unobscured which is
unfettered by any obstruc-
tion. श्रव० ४०;

शिववाचाश्रय त्रि० (निर्वाचाश्रय) स्वाभाव-
विघ्नः दृष्टव्यः; अत्र परस्परता आवरण्यही न
अनेक. प्राकृतिक; नैसर्गिक; कुदस्ता; अकृत्रिम
Natural; not artificial. मृ० प० १८;

शिववाच. पु० न० (निर्वाच) मोक्ष. मुक्ति; मो-

क्ष. निर्वाण; परमपद प्राप्ति. Salvation;
freedom from Karma; final be-
atitude due to the destruction
of all Karmas. नाया० १; ६ १५;

१७; ठा० ३, ३; सूय० १, ६; २६; सूय०
नि० १, ११, ११५; (२) ज्योतीषना

१. अरुद्रक्षेत्रमा आरती श्रीसीमां यनार
त्रीमा तीर्थं क२. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में
आगामो जीवीसामें होने वाले तीसरे तीर्थकर.
the 3rd would be Tirthankara
of Airavata Ksetra in Jam-

būdvipt in the coming, Chau-
visi सम० प० २४३; — अंग. न०
(-अङ्ग) भुक्तिनुं क२ण. मुक्तिका

कारण; मोक्ष हेतु. cause or
means of salvation. पंचा० १६, ४२;

—गम. पु० (-गम) निर्वाण-मोक्ष गमन.
निर्वाण गमन; मोक्ष-मुक्तिको जाना- प्राप्त-
होना. attainment of salvation;
final emancipation. नाया० ६; —

मग. पु० (-मार्ग) मोक्षतो मार्ग. मो-
क्षका मार्ग; मुक्तिपथ. Path of salva-
tion. नाया० १; भग० ६, ३३; —वाह.

त्रि० (-वादिन्) मोक्षमार्गको उपदेश
आपना. मोक्षमार्गका उपदेश देनेवाला.
(one) who teaches the path
of salvation. “पञ्चसु वा गच्छे वेणु-

देवे शिववाचवाहिणाह णायपुत्तो. ” सूय०
१, ६, २१; —साधन. न० (-साधन)
मोक्षनुं साधन. मोक्षका साधन. means
of salvation; cause of final

emancipation. नाया० ६; —सुख.
न० (-सुख) मोक्षनुं सुख, आनन्द.
मोक्षका सुख; मुक्तिका आनन्द. bliss of
salvation; final beatitude. आया०

नि० १, ३, १, २०८;

शिववाच. त्रि० (निर्वाच) वायु रहित नि-
वात; वायुरहित; बिना हवाका. Free
from draughts of wind. नाया० १;

शिववाचिय. त्रि० (निर्वाचित) शीतल करेस;
हृद पाउल. थंडा कियाहुआ; शान्त, -शीतल
कियाहुआ. cooled; extinguished.
नाया० १, १३;

शिववासिय. त्रि० (निर्वासित) हृदपाउ करेस.
निर्वासित; हृद बहार निकालाहुआ; Ba-
nished; driven out by a fiat.
नाया० ८;

शिवविगइय. न० (निर्विकृतिक) हृद आदि
रसतो परित्याग; विगयना पद्व्यकआणु. वृष
आदि रसोंका परित्याग; विगयके प्रतारक्यान.

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations. भग० २४, ७; शिवविह. पुं० (निर्विह) जेणे परिहारविशुद्ध चारित्र्य सेवित छे ते साधु. जिसने परिहार विशुद्ध चारित्र्यको पाला है वह साधु. An ascetic who has practised the austerity known as Parihāra-viśuddhi. ठा० ३, ४; नाया० १६; — कल्पविह. स्त्री० (-कल्पस्थिति.) परिहार विशुद्ध चारित्र्यने पूर्ण करनेपर साधुनी कल्पस्थिति. परिहार विशुद्ध चारित्र्यको पूर्ण करनेवाले साधुकी कल्पस्थिति the stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra-viśuddhi. ठा० ३, ४; काइय. पुं० (-कायिक) परिहार विशुद्ध चारित्र्यने पूर्ण करीने ओ चारित्र्यकी अद्वार नीकलनार साधु. परिहार विशुद्ध चारित्र्यको समाप्तकर, इस चारित्र्यसे बाहर निकाला हुआ, आगे बढ़ा हुआ साधु. an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāra-viśuddhi and has stepped into the next higher stage. भग० २४, ७;

शिवविहस्य. त्रि० (निर्विहस्य) थिल; थिलयुक्त थिल; दुःखित; सन्दर्षण. Fatigued or afflicted in mind; sorrowful. “ जो एतियंविचिसे इच्छाह सो को न शिवविहस्यो ” आया० १, ३, ३, १२४; नाया० ८१ (२) निवृत्त; निवृत्त थिये. retired from; turned back from; abstaining from. नाया० ४; ६; १८; १६; — चारि. त्रि० (-चारित्र्य) थिल थिल करनेवाले थिल-दुखी होकर फिरनेवाला. fatigued

or troubled in mind; afflicted in mind. “ सेवितविहस्यो चरते पयासु ” आया० १, ५, ३, १२४; — वरा. स्त्री० (-वरा निर्विहस्य वरा: परिहारेतारो यासो ता निर्विहस्यवरा:) विरक्तपतिवाली स्त्री. विरक्त पतिवाली स्त्री; वरा. स्त्री जिसका पति विरक्त हो a woman whose husband is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit. नाया० ४० १;

शिवविहस्य. त्रि० (निर्विहस्य) निवृत्ति पमेत; पुरं थिये. निवृत्ति प्राप्त; पूर्ण; समाप्त. Finished; completed. आवा० ४०;

शिवविहस्यनिश्च. त्रि० (निर्विहस्य) जेभा दूध धी वगेरे विकृतिनो त्याग करेवाभां आवे छे ते तपः नीवी. वह तप जिसमें दूध और उसके विविध विकृतिनो का त्याग किया जाता है; नीवी. A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products; this is also called Niv. आवा० १३;

शिवविहस्य. त्रि० (निर्विहस्य) थिल जेथी-रहित. विष होन जहर रहित Free from poison. “ शिवविहस्यं पंडुरं मौसे ” आवा०

शिवविहस्य. त्रि० (निर्विहस्य) विषय थिल-रहित. विषय वासना काम वासना रहित; विरक्त; समी. Free from sensual lust. उत्त० १४, ४३; (२) देश अद्वार कदेव; देश से. अपेक्ष निर्वासित; देश से निकाला हुआ. exiled; banished from a country. पद० १, ३; नाया० १६;

शिवविहसिय. त्रि० (निर्विहसिय) देशधी अद्वार करे. देश बाहर किया हुआ. Banished; exiled; turned out of a

country. नाया० ८; १६; भग० १५, १;
शिबिसेस. त्रि० (निर्विशेष) विशेषतः रहित;
साधारण. विशेषता रहित; सामान्य; साधारण.
Common; free from peculiarity
or particularity. तंदु०

शिववृक्ष. त्रि० (निर्वृत) शीतल थयेल शान्त.
थंडा; निर्वृत. Cooled; cool. आया० १,
८, १, २००; (२) निर्वाण-भेदा गयेल. मोक्ष
का प्राप्त; निर्वाण प्राप्त. free from the
cycle of birth and death; final-
ly liberated. प्रब० ३३, (३) स्वस्थ
आत्मा. स्वस्थ-सबल-निरोग आत्मा.
a calm, peaceful soul. नाया० १;

शिववृद्ध. त्रि० (निर्वृति) मननं स्वस्थपणं;
समाधि मानसिक स्वस्थता; समाधि. Calm-
ness or tranquillity of mind;
peace of mind. पण० १, २; (२)
क्षीण भेदावस्था. क्षीण मोहावस्था. happi-
ness; freedom from delusion.
स्य० नि० १, ११, ११४; (३) ओ नामनां
ओक आचार्य के जेना उपस्थि निरुति
शाखा नीटली. इस नाम के एक आचार्य कि
जिनके ऊपर से एक शाखा निकली. name
of a lineage styled after the
preceptor of this name. कर्ण० ८;
—कर. त्रि० (-कर) सर्व कर्मनाशक
करनार सर्व कर्मों का नश्व करने वाला.
(one) that destroys all
Karmas. पण० १; तंदु० ज० प० २,
३०; (२) सुखकर; शांति उपपन्ननार;
सुखकर. giving peace and happi-
ness. राय० १११; नाया० १७; —पह.
पुं० (-पथ) भेदा मार्ग. मोक्ष मार्ग; मुक्ति

पन्थ. path of salvation. नंदी०
—यार. त्रि० (-कार) शांति करनार.
शान्तिदाता; निवृत्तिकार. peace giving;
happiness giving. नाया० १;

शिववृक्षच्छिन्न. त्रि० (*) निर्भूल
करेल; ७७ भूलथी छेदेल. निर्मूलित; बे जड़
किया हुआ; जड़मूल से छेदा हुआ; समूल
नष्ट. Rooted out; eradicated.
पण० १, ३;

शिववृद्ध. त्रि० (निर्वृत) शीतल-थंडु थयेल.
शांतल-थंडा किया हुआ. Cooled; cool.
आया० १, ४, ३; १३६; (२) निर्वाण
प्राप्त. भेदा प्राप्त. निर्वाण पाया हुआ;
मोक्ष पाया हुआ free from the cycle
of birth and death; (one) who
has attained final absolution.
“ जंकिष्ठा शिववृद्धा एगे ” स्य० १, १५, २१;

शिववृद्ध. त्रि० (निर्वृति) डुबी गयेल.
डूबा हुआ; निमज्जित. Drowned; sunk.
नाया० ६;

शिववृत्ति. त्रि० (निर्वृत) निर्वाणसुख.
निर्वाण सुख; मोक्षसुख. Happiness of
salvation. जीवा० ३, ४;

शिववृत्ति. त्रि० (निर्वृत) सुधी; सन्तोषी.
सुखी; संतोषी. Happy; contented.
आव० (२) क्रोध वगैरे दूर थयाथी शांत
थयेल. क्रोधादि दूर होने से शान्त.
tranquil on account of the
banishment of anger etc.
from the mind. “ जे शिववृत्ति पावेहि
कम्मोहि ” आया० १, ७, १, २००;

शिववृह. पुं० (निर्वृह) द्वारना ओक भाग;
दोडो. द्वारका एक भाग; चौडला; दरवाजे

की ऊपरी बारसाख की दोनों बाजू ऊपर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house. जीवा० ३, ४;

शिवेयश्री. स्त्री० (निर्वेदिनी) संसारथी-विरक्त अनावतार वैराग्यनी कथा. संसार से विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces disgust with the world and its ways, in the mind of the hearer. "शिवेयश्री कहाचउ विहापणसा" ठा० ४, २; ओव० २१;

शिवेय. पुं० (निर्वेग निर्वेद) संसारथी-विरक्ति. संसारसे विरक्ति; संसार से उदासीनता. Disgust with, repulsion from the world भग० १७, ३;

शिवेयश्री. स्त्री० (*निर्वेगनी-निर्वेदनी) ओ३० "शिवेयश्री" शब्द. देखो "शिवेयश्री" शब्द. Vide. 'शिवेयश्री' ठा० ४, २;

शिवेय. पुं० (निर्वेद) वैराग्य; संसारथी-विरक्तता. वैराग्य; संसार से विरक्ति. Dislike for or disgust with the world and its ways; renunciation. आया० १, ४, १, १२७; उत्त० १८, १८; २६, २; (२) भेक्षनी अभिलाषा. मोक्षेच्छा; मुक्तिकी अभिलाषा. desire for salvation or final liberation. प्रव० १४;

शिवेय. पुं० (निर्वेय) लाभ. लाभ; फायदा. Benefit; gain ठा० ४, २;

शिवेय. न० (निशान्त) विश्राम. विश्राम; आराम. Shelter; rest. नाया० १८; (२) घर. घर. & house. तय० ४, १२;

शिवेय. त्रि० (निशान्त-नितरां शान्ते निशान्तः) अत्यंत शान्त प्रकृतिवाला. अत्यंत शान्त प्रकृतिवाला; अमर्षशून्य; थंडे मिजाजका. Extremely calm; serene. उत्त० १, ८; (२) सांख्येय. सुनाहुआ. heard. आया २ १, २, ८०; नाया० १; २; १३; १४; १६; नाया० ध० भग० ६, ३३; १०, २; (३) (निशाया अन्तमवसानं निशान्तम्) प्रकृतियों का अंत; रात्रिमें अंत. प्रातः-काल; उषःकाल; प्रातःकालीन संध्या. dawn; time of day-break. दय० ६, १; नाया० ८; (४) आधारस्थ करेता. स्मृतिपथमें अंकित; याद किया हुआ. fixed or retained in the mind. "अहासुनं बुद्धिजगं शिवेयं" सूय० १, ६, २;

शिवेय. त्रि० (नृशंस नृशंसः शंसति हिनस्तीति) क्रूरकर्मी क्रूरतासे क्रूर करनेवाला. कठोर कर्मी. Wicked; cruel. पणह० २, १; नाया० २;

शिवेय. पुं० (निरसं) स्वभाव; प्रकृति. स्वभाव; प्रकृति; मिजाज. Nature. ओव० २०; ठा० २, १; —रुह स्त्री० (रुचि) उपदेश सांख्यिक पणह दुर्गती रीति होती धर्म पर-नी श्रद्धा-श्रुति. उपदेश के न सुनते हुए भी स्वाभाविकतया उत्पन्न होने वाली धार्मिक रुचि. Intuitive liking for or faith in religion; inborn love of religion. ठा० ४, १; १०; भग० २५, ७; पण० १; नाया० ध० २;

शिवेयज्जश्र. त्रि० (निषद्यिक) पद्यिक आसने भेसना-२ पद्यिक-एक आसन विशेषसे बैठनेवाला. (One) sitting in a squatting posture. पणह० २, १;

शिवेय. त्रि० (निमृष्ट) निकले निकलाहुआ; निमृष्ट; प्रकटित. Come out; got out. (२) अपेक्ष. दियाहुआ; प्रदत्त.

given; presented. राय० आया० १, ८, २; २०२; नाया० १; वय० २, १६; (३) भुक्त; छुटा. मुक्त; छुटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम० ६; आया० २, २, १, ६४; (४) डेकेल. फेंकाहुआ. thrown; flung. भग० १४, १;

शिसद. पुं० (निषध नितरां सहते-स्कंधे ममा-रंगितं भारमिति निषध) अक्षर. बेलः वृषभ. An ox. चं० प० ४: (२) निषध नामे अक्ष यादव कुमार. निषध नामक एक यादव कुमार. a Yādavakumāra so named. नाया० १६; (३) मदादिदली भर्षात् अक्षतर मेरुदी दक्षिण दिशि. निषध नामे पर्वत. महाविदेहको पार्यमांन-रूपेवाला मेरुका दक्षिण ओरका निषध पर्वत. the mountain named Nisadha in the south of Mera, forming the boundary line of Mithavideha. “कहिण भेने जंबूदीवे दीव शिसहे णां वासहरपव्वए पगणने” जं० प० ४: “दे शिसदा” ठा० २, ३; जीवा० ३, ६; — कूड. न० (—कूट) शिसद पर्वतवत् शीतुं दूट-शिखर निषधपर्वतका-द्वारा चोटा शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha. ठा० २, ३; जं० प० — दह. पुं० (—वह) मन्दर पर्वतको दक्षिणे देवकुशभागे भांटा दह-अरे. मन्दर पर्वतको दक्षिण दिशाके देवकुशका बडा-विशाल झोत-भरना. a large stream of water in Devakuru in the south of the Mandara mount. कहिण भेने देव-कुशए शिसददे णां पदंरपणत्त. जं० प० ४, ६६; ठा० ४, २; —वासहर. पुं० (—वर्षधर) ये नामने अक्ष पर्वत. इस नामका एक पर्वत name of a mountain. नाया० ८;

शिसरण. वि० (निषण्य) भेडुं; बैठाहुआ. Seated. नाया० १, ६; १, १२; भग० ७, ६; नाया० ध० ओष० नि० ६; ओव० ३१; ठा० ४, २;

शिसम्म. सं० कृ० अ० (निशम्य) विचारिने, हृदयशी अवधारीने. विचारकर; हृदयसे निश्चित करके. Having thought; having thought or decided in the mind. नाया० १; २; ६; ६; १२; १४; १६; १९; भग० ६ ३३; ११, ११; १५, १; जीवा० ३, ६; ओव० १२; आया० २, १, ३, १६; २, १, ६, ६५; ठा० ३, ३; —भासि. वि० (भाषन्) विचारिने सोल-ता. विचारपूर्वक सोलनेवाला. (one) who speaks thoughtfully; considerate in speech. आया० २, ६, २, १६०; सुप० ३, १०, १०;

शिसर. वा० ल (निम्) अक्षर निक-ल्य बाहर निकलना. To get out; to come out.

शिसरइ पल० ११:

शिसरति राय० २०

शिसरण. न० (निमरण) निकल्युं ते. निस्स-रण; बाहर निकलना कार्य. Act of getting out; moving out. नाया० १६;

शिसल्ल. वि० (निःशल्प) माया, नियाणु अने भिच्छादसणु अे तणु शब्द रहित. माया, नियाण और भिच्छादसण इन तीन शब्दोंसे रहित. Devoid of, free from the thorns in the form of deceit desire for the fruit of actions and heresy. महा० नि० १;

शिसद. पुं० (निषध) जुओ “शिसद” शब्द. देखो “शिसद” शब्द. Vide “शिस-द” सूय० २, ६, २२; जं० प० पञ० १६;

चं० प० ४; —कूड पुं० (कूट) लुओ।
 'खिनडकूड' रा०६. देखो " 'खिसडकूड'
 vido "खिसडकूड" ठा० ६; जं० प०
 —इह. पुं० (इह) देवकुशनी यित्र विथित्र
 कूट पर्वतथी ८३४ जेवनने सातीया थार
 जाग उत्तरे सीता नदीनी वश्ये आवेश
 ओक प्रह. देवकुशके चित्रविचित्र कूट पर्वतसे
 ८३४ योजनके (अनुमानतः) चार भाग
 उत्तरकी ओर सीता नदीके बीचमें आनेवाला
 एक झरना. a lake, stream in the
 middle of the river Sitā to the
 north of Chitravichitra peak
 of Devakuru at an approxi-
 mate distance of 834 Yoja-
 nas. ठा० ५, २; जं० प०

शिला. खी० (निशा) रात्रीना जेसा अंध-
 कारवासी नरकभूमि. तामिल नामक नरक;
 रात जैसे ओंधरेवाला नरक. Heel which
 is as dark as night. सू० २, ६, ४६;

✓शिलाम. धा० I, II. (नि+श+भाणिच्)
 सांभल्लु; अल्लु. सुनना; जानना. To
 hear; to know.

शिलामेह. नाया० १६; भग० ११, १;

शिलामिज्जा. वि० सू० १, १, ४, ५;

शिलामेहि. आ० भग० १५, १;

शिलामित्ता. सं० क० सू० १, १४, २४;

आया० १, ८, ३, २००;

शिलामित्तए. हे० क० नाया० ५; १२; १४;

शिलामेत्तए. हे० क० नाया० १४;

शिसिज्जा. खी० (निषया) आसन; बैठक.
 आसन; बैठक. A seat; posture. ठा०
 १, १; सू० १, ६, २१;

शिसिज्ज-य. त्रि० (निशित) तीक्ष्ण; पाथु-
 दार; तीक्ष्ण धारवाला. तद्विषय; धानीदार;
 तेज धारवाला. Sharp; sharp-edged;
 spirited. सू० १, ६, १, ८; १, ६, १;

शिसिह. त्रि० (निःसृष्ट) डेकेल. फेंका हुआ.
 Thrown; flung. भग० १५, १; (२)
 मुक्त; स्वतंत्र. released. सम० ६;

शिसिह. त्रि० (निषिद्ध) निषेध करेक; अ-
 टकावेक. मनाकियाहुआ; निषिद्ध. Check-
 ed; restrained; prohibited. पंचा०
 १२, २२; —जोग पुं० (योग) सह्यापारने
 अटकाव निषेध करेक. सह्यापार का निषेध
 किया हुआ. (One) prohibited from,
 checked in salutary activity.
 पंचा० १२; २२;

✓शिसिर. धा० I. (नि+सृज्) नाथुं;
 डेकुं; छोडुं जानना, फेंकना; छोड़ना. To
 give; to hand over; to present;
 to throw; to fling; to leave.

शिसिरह. नाया० १६;

शिसिरिति. सू० २, २, ५;

शिसिरामि. नाया० १६; भग० १५, १;

शिसिरामे. आया० २, २, ६, ४६;

शिसिरिता. सं० क० भग० १५, १;

शिसिरित्त. व० क० सू० २, २, ५;

शिसिरावेति. सू० २, २, ६;

शिसिरण. न० (निमर्जन) नीकलुं ने
 निस्सरण बाहर आना; बहिरागमन. Act
 of getting out; starting out.
 पञ्च० ११;

शिसिरणा. खी० (निमर्जन) दान. दान.
 Act of giving away in charity.
 (२) त्याग. त्याग. abandoning.
 आया० २, १, १०, १९;

शिसिरिज्जमाण. त्रि० (निःसृज्यमान)
 डेकातो. फेंकाजाता हुआ; फेंकता हुआ. Th-
 rowing; being flung भग० ८, १;

शिसिरिय. त्रि० (निःसृष्ट) तजेक; मुकेक.
 त्यागा हुआ. छोड़ा हुआ. Left; aban-
 doned. भग० १२, ४;

शिसीद्वयः त्रि० (*निषीदितव्य) भेसवा
लायक (भूमि) बैठने योग्य भूमि-स्थल.
(Place) worthy of, fit for,
being a seat. भग० २, १,

✓ शि-सीय. धा० I. (नि+वद्) भेसपुं.
बैठना. To sit.

शिसीयद्. नाया० १; ८; १६; १६;

शिसजह. नाया० १६;

शिसीदंति जीवा० ३;

शिसीयंति. नाया० १; ६; १६; जं० प०
५, ११०;

शिसियामो. सूय० २, ७, १५;

शिसीयह. नाया० १६;

शिसीइत्ता. सं० कृ० नाया० १६; भग० ११,
११;

शिसीइत्तए हे० कृ० भग० १३, ४; वेय०
१, १६; ३, १;

शिसीयावेंति. प्रे० जं० प० ५, ११४;

शिसीयावित्ता. प्रे० सं० कृ० जं० प० ५,
११४;

शिसीयण. (निषीदन) भेसपुं ते. बैठने का
कार्य; बैठना. Act of sitting. भग० १३,
४; १५, ७; ठा० ७;

शिसीयद्व. त्रि० (निषीदितव्य) भेसवा भेस्य.
बैठने योग्य. Worth sitting upon;
worthy of being a seat or
sitting place. नाया० १;

शिसीहिया. स्त्री० (नैषेधिकी) स्वाध्याय
करवानी भूमि. स्वाध्याय करने की भूमि-
स्थल. A place for the study
of scriptures. (२) पाप क्रियानो
त्याग. पाप कर्म का त्याग. giving up of
sinful activities. नाया० १६; भग०
१६, ५; जीवा० ३, ४; निसी० ५, २; (३)
सामाचारिनी ओ३ प्र३र. सामाचारि का एक
प्रकार. a particular mode of

Vol. II/124.

ascetic-conduct. पंचा० १२, २;

शिसीहिया. स्त्री० (निशीधिका) स्वाध्याय
भूमि. स्वाध्याय-भूमि. A place for
the study of scriptures or
for meditation. भग० १४, १०; नाया०
५० राय० १०६; निसी० १३, १;

शिसुंभा. स्त्री० (निशुम्भा) वैरोचन ईश्वरी
पांचवीं अग्रमहिषी-पट्टरानी. The 5th of
the principal queens of Vairo-
chana Indra. ठा० ४, २; नाया० ५०
२; भग० १०, ५;

शिसुणिऊण. सं० कृ० अ० (निशुण्य) सांल-
दीने. सुनकरके. Having heard.
जीवा० १;

शिसेय. पुं० (निषेक) इमं पुद्गली
प्रति समय अनुभाग रचना. कर्म पुद्गलों
की प्रति सामयिक अनुभाग रचना. The
intensity (of Karmic results)
caused by a number of Karmic
atoms operating in a parti-
cular instant. ठा० ६;

शिसेयग. त्रि० (निषेवक) सेवनार; आराध-
नार. सेवक; आराधक. (One) who
worships or propitiates; (one)
who resorts to; (one) who
serves. सूय० २, ६, ५;

शिसेविय. त्रि० (निषेवित) आश्रय करेव.
आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted
to; depended upon. उत० १०, २;

शिसहिया. स्त्री० (नैषेधिकी-निषिध्यन्ते
निराक्रियन्तेऽस्यां कर्माच्छीति नैषेधिकी)
भोक्षगति. मोक्षदशा; मुक्ति. State of
salvation; final bliss. जीवा० ३;

शिस्तक. न० (निःशंक) निःशंक; ओ३स.
निःशंक; शंका रहित. Certain; un-

doubted; free from doubt.

पंचा० ६, २;

विस्संचार. त्रि० (निस्संचार) संचार रहित; जे नगरमां भाजुसेने अथवा जवानुं अंध-
होय ते. संचार आवागमन-राहत; वह नगर
जिसमें आमद रफ्त का बंधन हो. (A
town etc.) where movement
of men etc. is prohibited; free
from movement of men etc;
still. नाया० ८;

विस्संत. त्रि० (निःशान्त-तिरामतिशयेन
शान्तः) अतिशय शांत थयेव. अतिशय
शान्त. Extremely tranquil on
account of control of anger
etc. उक्त० १, ८; राय०

विस्संदेह त्रि० (निःसंदिग्ध) संदेह रहित
संदेह रहित; निस्सन्देह. Free from
doubt; clear of doubt. भग० १२, १.

विस्सन्देह त्रि० (निस्सन्देह) संदेह रहित.
निस्सन्देह; शंका रहित. Free from
doubt; clear of doubt. नाया० २,

विस्संधि. त्रि० (निस्संधि) संधि-छिद्र रहित.
छिद्रशून्य; संधि रहित. Having no
joint or hole. "विस्संधिचाराविराहिया"
परह० १, १;

विस्संस. त्रि० (निःशंस) प्रशंसा रहित.
प्रशंसा रहित Free from praise; de-
void of praise. परह० १, २;

विस्संस. त्रि० (नृशंस) घातकी; क्रूर. घातकी;
हत्यारा; क्रूर. Cruel: wicked.
परह० १, १; नाया० ९;

विस्सरण. त्रि० (निःसञ्ज) संज्ञा रहित.
संज्ञा रहित; बेनाम. Devoid of name,
consciousness etc. सूय० नि० १,
५, १, ७१;

विस्सयर. त्रि० (निःस्वकर) धर्मने अनुस-

पाउना. कर्म को पृथक करने वाला. (One)
who gets rid of Karmas; (one)
who separates himself from
Karmas. आया० २, ४, १, ६;

विस्सरण न० (निःसरण) अंदर नीकलवुं
बाहर निकलना. निर. मन. Act of com-
ing out or getting out; exit.
अ० ४, २; -एणदि. त्रि० (नदिन) अंदर
नीकलवुं आदि पावन. बाहर निकलने
में पुन मादने वाला. (one) who takes
delight in getting out अ० ४, २.

विस्सल्ल त्रि० (निःशर) भाया निषाया
अने मिच्छादंसलु में नश्य शून्य रहित.
माया, निषाया और मिच्छादंसल इन तीन
शरयो में शून्य. Free from the three
thorns in the form of deceit,
attachment to the fruit of ac-
tions and heresy. सम० ६; आउ०

विस्ससिय. न० (निःश्वसित) नीचे आस
भुझवे. सांस छोडना. दम लेना Act of
breathing out; act of exhaling.
नाया० ६;

विस्सह त्रि० (निःसह) अति अशक्त.
बहुत कमजोर. Extremely weak or
feeble. सम० २;

विस्सदय. त्रि० (निःसहक) अतिशय
अशक्त. बहुत कमजोर. अतिशय अशक्त.
Extremely weak or feeble
सम० ६;

विस्सा. स्त्री० (निष्ठा) आश्रय; आश्रयन.
आश्रय; आलम्बन. Shelter; resort.
भग० ३, २; निसी० १४, ४६; पञ्च० १;
--इण. न० (-स्थान) आलम्बन-आ-
श्रयन स्थान. आलम्बन या आश्रय का
स्थान. a place of resort; an ob-
ject which serves as a sup-

port or resting place. ठा० ५, ३;
—वयण. न० (-वचन) ढाधने प्रति-
योध पमाडवाने ढाध तेवा गुणवालां
दृष्टांत आपणुं ते. किसी को समझाने के
लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण
देकर समझाना. an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. ठा०
५, ३;

विस्साय. सं० कृ० अ० (निश्चित्य) नेत्रा-
आश्रय लधने. आश्रय लेकर. Having
resorted to; having rested on;
depending on. सूय० २, २, २;

विस्साय. सं० कृ० अ० (निश्चित्य) आश्रिते
आश्रित होकर. Resting on; having
resorted to; having connection
with. भग० १५, १;

विस्सास. पुं० (निःश्वास) निश्वास;
अधोशाभी श्वास० नाँचे की ओर श्वास
झाड़ना. Sigh; down ward breath.
भग० १६, ११;

विस्सिचिया. सं० कृ० अ० (निःषिच्य)
योः वासजुमांथी पीत्त वासजुमां नापीने
एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर. Having
poured from one vessel into
another. दस० ५, १, ६३;

विस्सिय. त्रि० (निःश्रित निश्चयेन श्रितः
संबद्धो निःश्रितः) भेजवेज. मिलाया हुआ.
Got; obtained; joined; mixed.
सूय० १, २, ३, ६; (२) निश्चये आश्रित. निश्चय
से बांधा हुआ. securely fastened;
firmly bound. सूय० १, १, १, १०; २,
६, २३; (३) लिंग; प्रमित. लिङ्ग. a charac-
teristic. (४) आश्रित. आश्रित; आश्रय
लिया हुआ. resting on; resorting to;
depending on. ठा० १०; सम० सूय०

१, १, २, ३०; अणुजो० १२८; (५)
आसक्त धयेज. आसक्त. attached to;
passionately fond of. सूय० १, १,
१, १०; ठा० ५, २; (६) पुं० राग, आहार
आदिनी दोषुपता. राग, आहार आदि की
इच्छा; लोलुपता. passion for, greed
of food etc. ठा० ८;

विस्सिय. त्रि० (निःसृत) निकलेज.
निकला हुआ; निःसृत. Come out; got
out; started “ तंच सरूवओ जं आणि-
स्सियामि ” विशेष० पञ्च० १;

विस्सील. त्रि० (निःशील) सारा स्वभावथी
रहित; दुःशील. सद्भावशून्य; दुःशील;
दुराचारी. (Of an evil nature or dis-
position. ठा० ३, १; २; नाया० १८;
राय० २०८; (२) आचार रहित. आचार
रहित. devoid of ascetic conduct.
जं० प० २, ३६; (३) समाधि-शान्ति
रहित. समाधि-शान्ति रहित. devoid of
concentration or calmness
of mind. भग० १२. ८; (४)
शीलवान्तरना; अस्वयर्थवान्तर रहित.
शील होन; ब्रह्मचर्य शून्य; अब्रह्मचारी. in-
continent; unchaste. ठा० ३, १;
२; राय० २०८; (५) महाव्रत अने आणु-
व्रत रहित. महाव्रत और आणुव्रत रहित.
not observing the major and
the minor vows. भग० ७, ६;

विस्सेणि. स्त्री० (निःश्रेणि) निसरणी. निसैनी.
A ladder. पण्ह० १, १;

विस्सेयस. न० (निःश्रेयस्) इत्याणु.
कल्याण; भला. Welfare; bliss. ठा०
३, ४; ६; —कर त्रि० (-कर) इत्याणु
उरवार. कल्याण करने वाला. (one)
causing or giving welfare.
नाया० ८;

शिस्तेयसिय. त्रि० (नैःश्रेयसिक—निःश्रेयसं मोक्षमिच्छतीति नैःश्रेयसिकः) मोक्षाभिलाषी; भुमुक्षु. मोक्ष की इच्छा वाला; मुमुक्षु. One desirous of or longing for final liberation. भग० १५, १; शिस्तेस. पुं० (निःश्रेयस्) मोक्ष. मोक्ष; मुक्ति. Salvation; final liberation. “ शिस्तेसाए अणुगामित्ताए ” नाया० १; १३;

शिस्तेस. त्रि० (निःशेष) सम्पूर्ण. सम्पूर्ण, समग्र. Complete; full; perfect. दस० ६, २, २; —कम्ममुक्ता. त्रि० (—कर्म-मुक्त) सकल कर्मों की मुक्तियोग; कर्म-बन्धनही छुटे। सर्व कर्मों से मुक्त; कर्म बन्ध रहित. entirely freed from Karma; rid of Karmic bondage. पंचा० २, ४३; निह. त्रि० (निह-निहन्यते निहः) भायायी. मायावी. Deceitful. आया० १, २, ३, ८१; (२) क्रोध आदि की पीड़ित. क्रोध आदि से पीड़ित. troubled or afflicted on account of anger. सूय० १, २, १, १३; (३) (निहन्यन्ते प्राणिनःकर्मवशगा यस्मिन् तस्मिन्) आघातानुं देहायुः यातना स्थान. वेदना स्थल; यातना स्थान; वह स्थान जहाँ से पीड़ा होती हो. source of punishment or affliction. सूय० १, ५, २, ११;

निह. त्रि० (स्निह-स्निह्यते स्निह्यते अष्टप्रकारेण कर्मस्ना-इति स्निहः) रागी; ममत्ववादी. रागी; ममता वाला. Full of attachment and hatred; full of egotism. आया० १, ४, ३, १३५; सूय० १, २, २, ३०; (२) न० तेल. तैल. oil. जीवा० ३, ३;

✓ शि-हृत्. धा० I. (नि + हृन्) नाश करवे; हृत्पुं. नाश करना; मारना. To kill;

to destroy.

शिहृष्यन्ति. जं० प० ५, ११४;

शिहृष्याहि. आ० नाया० १;

शिहृषिता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

शिहृष्य पुं० (निघ्न) विनाश; छेड़ो. विनाश; अन्त. Destruction; end. नाया० ६;

शिहृष्य. न० (निघ्न) परस्पर भलेस कर्म पुद्गलों के दृढता धारण करने का कार्य; कर्म बन्धन विशेष. Firm adherence or holding together of Karmic molecules in mutual combination; a mode of Karmic bondage ठा० ४, २; भग० १, १;

शिहृय. त्रि० (निहृत्) हृत्पुं. मारा हुआ; नष्ट. Killed; destroyed. “ जक्खा हुवेयावडियं करोति तग्गहा उपए शिहृयाकुमारा ” उत्त० १२, ३२; दसा० ५, ३६; —कंटक. त्रि० (—कण्टक) जेठो झंटा जेवा प्रतिपक्षीने मारेल छे ते. जिसने कंटक रूप तपस्वी का नाश किया है (वह). (one) who has destroyed adversaries who were troublesom like thorns. ठा० ६;

—रय. त्रि० (—रजस्) जेभां रज-मेल भूयै छे ते. जिसमें रज-मेल नहीं है वह निर्मल; रज रहित; सात्विक. freed from dirt or dust; clean. “ अस्पृग-निया देवा शिहृयरयं शङ्करयं भट्टरयं ” जीवा० ३; राय० —सत्तु. त्रि० (—सत्तु) शत्रुने भायां छे जेठो. शत्रुहन्ता; रिपुघातक. (one) who has destroyed enemies. “ ओहमसत्तु शिहृ सत्तु माजिय सत्तु निजिय सत्तु ” राय०

✓ शि-हर. धा० I, II. (नि + हृ) भंज

अलु, खीच निकालना. To extract; to pull out.

शिहरह. निसी० ३, ४२; सूय० २, २, २०;

शिहरेह. निसी० १, ३५;

शिहरिस्सामि. निसी० १, ३५;

शिहरितए. हे० कृ० विवा० ८;

शिहरंत. व० कृ० निसी० १, १२;

शिहरावेति. प्रे० सूय० २; २, २८;

शिहस. पु० (निघर्ष) इसोटी; इसोटी इत्यनेन पथर. कसौटी; परीक्षापाथर; निकषप्रावा.

A touch-stone. पञ० १७;

शिहा. स्त्री० (निहा-निहन्यन्ते प्राणिनः वस्यां सा निहा) भाया. माया; छल; कपट.

Deceit; fraud. "उवसें शिहे चरे"

सूय १. ८, १८;

शिहाण. न० (निधान) यक्षवर्तीना नव निधान; अग्नते. चक्रवर्ति के नौनिधान कोष; नवनिधि. A treasure; the nine treasures of a Chakravarti. ठा० ५, १; अणुजो०

शिहाय. सं० कृ० अ० (निधाय) स्थापने स्थापना करके. Having placed or established. सूय० १, ७. २१; (२) नशने छोड़करके; त्यागकर. having left or abandoned. सूय० १, १३, २३;

शिहार न० (निहार) निहार; आसक्ति. शौच किया; दिशा, जंगल को जाना. Act of answering calls of nature; getting rid of excrements. ठा० ८;

शिहि. पु० (निधि) भंडार; अग्नते. भंडार; कोष; खजाना. A treasure; a store. "पंच शिही परयत्ता" ठा० ५, ३; नाया० ३; जीवा० ३, ३; निसी० १३, २६; (२) ओ नामने ओक द्वीप अने ओक समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of

an ocean. पञ० १५; जीवा० ३, ४;

—पह. पु० (-पति) भंडारी; धानने

धणी. खजांची; कोषाध्यक्ष. a treas-

urer. भग० १२; ९; —रयण. न०

(-रत्न) यक्षवर्तीनु निधान-अग्नते.

चक्रवर्ती का कोष. a treasure belong- ing to a Chakravarti. जं० प०

शिही. स्त्री० (निही) अनंत जीववाली वन-स्पतिनी ओक अत. अनन्त जीववाली वन-स्पति की एक जाति. A species of ve- getation with infinite living beings in it पञ० १;

शिहु. पु० (स्निहु) ओ नामनी ओक वनस्पति इंद विशेष. इस नाम का एक वनस्पति; कंद विशेष. A kind of vegetation; a particular sort of bulbous root. जीवा० १; पञ० १;

शिहुय. त्रि० (निभृत) निवृत्त श्रेयः; प्रवृत्ति रहित. निवृत्त; प्रवृत्ति शून्य. Retired; free from activity. सूय० १, ८, १८; (२) प्रशंत प्रतिबले. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. ओव० २१; (३) निश्चय; अचल. निश्चल; अचल; स्थिर. firm; steady; motion- less उत्त० १९, ४१; पण्ड० १, ३;

शिहो. अ० (न्यक्) नीचे. नीचे; अधः. Low; below; down. "शिहोणि संगच्छति अनकाले" सूय० १, ५, १, ५; शीआगोय. न० (नाचगोत्र) गोत्र कर्मनी अशुभ प्रकृति. गोत्र कर्म का अशुभ प्रकृति. An evil variety or class of Gotra-Karma. अणुजो० १२७;

शीह. स्त्री० (नीति) नैयम आदि नय. नैयम आदि न्याय-नय. A logical stand- point such as Naigama etc. ठा० ३, ३; (२) नीति-नय; रणनीति;

समाजनीति वगैरे. नीति-न्याय; राजनीति; समाज नीति वगैरह. morals; justice; politics. " तिबिह्वा खीई परणत्ता सामे रूडे भेए " ठा० ३, ३; नाया० १;
शीघ्र. त्रि० (नीच) नीचो; दुबको. नीचा; घटिया; उतरता हुआ. Low; mean. ठा० ४, ३;
शीघ्रद. न० (निहयूत) थुंकेलुं. थूका हुआ. (Saliva) spit out or ejected from the mouth. नंदी०
शीघ्रदग. न० (निर्युहक) आरखानो देसदे; देसदे. दरवाजे का घोंडला. A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया० १;
शीघ्रहयंतर. न० (निर्युहकान्तर) भे देसदा वर्येनुं अंतर. २ घोंडलों के बीच का अन्तर. The distance or space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house. नाया० १;
शीघ्रिय. त्रि० (निष्कित) प्दार कटेत. बहार निकाला हुआ Brought out. नाया० ४;
शीघ्रिया. स्त्री० (नीनिका) ऐश मत्तने आर छदियवाले छव. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. जीवा० १; पञ्च० १;
शीति. स्त्री० (नीति) नीति-न्याय. नीति; न्याय; कायदा; इन्साफ; Politics; justice. नाया० १;
शीम. पुं० (नाप) कदम्बनुं जाड. कदम्ब का वृक्ष. The Kadamba tree. पञ्च० १;
शीय. त्रि० (नीत) आवेस; आयेस. लाया हुआ. Brought; carried. नाया० १; १६; १७;
शीय. त्रि० (नित्य) नित्य; हमेश रहनेवा.

नित्य; सदा रहने वाला. Constant; permanent; eternal. ठा० १०;
शीय-अ. त्रि० (नीच) नीचुं; नानुं; हींगलुं. नीचा; छिगना; छोटा. Low; dwarfish; small. भग० ३, १; २; १५, १; (२) नीय; दुबको; नीचा कुलने. नीच कुल का. mean; low-born. ठा० ३, ४; भग० ३, १; अखुजो० १४७;
—जण. त्रि० (—जन) नीय मतिने भाखस. नीच जाति का मनुष्य. a person of a low family or caste. " शीय-जण गिसेबिखो खोगगरइखिजा " पण० १, २;
—दुवार. त्रि० (—द्वार) नीया आरखवालुं. नीचे या छोटे दरवाजे वाला. having low gates or doors. दस० ५, १, २०;
शीयस्तण. न० (नीचन) नीय पखुं. लुदता; नीचता. Lowness; meanness
 " नियस्तणे वट्टइ मवचवाई " दस० ५, ३, ३;
शीययर. त्रि० (नीचतर) अति नीचुं. बहुत नीचा. Very low. भग० ३, १;
शीयागोय. न० (नीचगोत्र) आत्रकर्मनी अशुभ प्रकृति. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति. Evil Gotra-Karma causing birth in a low family. " उच्छागोया वेगे गीयागोयावेगे " सूय० २, १, १३;
—कम्म. न० (—कर्मन्) आत्रकर्मनी अशुभ प्रकृति. के गेता छदयथी छव नीय गोत्र प्राप्त करे. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति, कि जिसके उदयसे जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो. a variety of Gotra-Karmas (family-determining Karmas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family. भग० ८, ४;
शीरय. त्रि० (नरिजस) रज्जुदित; कर्म-रूपी रज्जु रदित. रज्जुहानि; कर्मरूपी सज से

रहित. Free from dust or dirt; free from dirt in the form of Karman जं० प० सू० १, १, ३, १२: १५, १;

^१ शोरिति. पुं० (नैर्ऋति) भूत नक्षत्रों में अधिपति देवता. मूल नक्षत्र का अधिपति देवता. The presiding deity of a constellation bearing the same name. सू० प० १;

शीरुद्विगम. त्रि० (निरुद्धिग) उद्वेग रहित; चिंतन रहित. निश्चिंत; उद्वेग विहीन; बेफिक. Careless; free from worry. नाया० ८;

शीरोग. त्रि० (नीरोग) रोग रहित. निरोग; स्वस्थ. Free from disease; healthy. डा० १०; नाया० १, (२) अति रहित. अमृतान; नरानम्य; शान्ति रहित. free from mental distress or worry. अय०

शीरोगय त्रि० (नीरोगक) रोग रहित; व्याधि रहित. रोग रहित; व्याधि विहीन. Free from disease; healthy. जावा० ३.

शील. त्रि० (नील) स्वाम; नीले. अयम; नीला; काला. Dark; black; blue. डा० १०; (२) पुं० नीले. रंग नीला रंग blue colour. पत्र० १; सप० ५०; (३) नीलम; अथ नीलम भस्मि. नीलम. एक जाति का मणि. a kind of gem; a sort of blue gem जीवा० ३; (४) २५ भा मंडलु नाम. २५ वें ग्रह का नाम. name of the २५th planet. "दोष्णिग" प्र० २, ३; सू० प० ०; (५) शी० नील शेषा; ७ शेषा ११ शी० शेषा. नीलशेषा.

छ लक्ष्याओं में से दूसरी. the 2nd of the six kinds of thought or matter-tints, viz. blue tint. पत्र० १७;

(६) शालु समुद्र बाणों का समूह; शर-समूह. a collection of arrows. राय०

—पल. त्रि० (-पत्र) शीत पंदा वायु.

हरे पत्तों वाला. having green leaves. पत्र० १; —पाणि. त्रि० (-पाणि -

नील; काण्डकलाप; पाणौ येषां ते नील-पाणयः) देना दाथमां आणते. समुद्र छे ते.

शर समूह का धारण करने वाला; शरधारी.

(one) holding a number of

arrows in the hand. राय० —पुष्प-

त्रि० (-प्रभ) शीत प्रभावायु. हरी कान्ति

वाला. possessed of green lustre. नाया० १; —वर्ण. न० (-वर्ण)

कृष्ण वर्ण; नीले रंग. कान्तरंग; नीलारंग.

black colour; blue colour. भग०

८, १; २, ४; —वर्णरज्ज्व पुं० (-वर्ण

पर्यव) अथ कर्ण-रज्ज्व पर्याय. काले रंग

का पर्याय. A modification of black

colour. भग० २५, ३; —सालगांशुपत्य

त्रि० (६) नीलारंग की सारी पहिरे. नीलरंग का

सादा पहिने हुए (one) who has

put on a Sari or garment of

blue colour. विवा० १०;

शीलकंड पुं० (नीलकंड) शक्र-देवी महिष सेना में अधिपति देवता. शक्र-देवी का महिष सेना का नायक देवता. The commanding deity of the army of buffaloes belonging to Sakrendra. डा० ४, २;

शीलकंडय. पुं० (नीलकंडक) मोर; मयूर. मोर; मयूर. A peacock. नाया० ३;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

शीलकण्वीर. पुं० (नीलकरवार) नीला रंगनी कछेरा; पृक्षनी ऐक जलत. नीले रंग की कनेर; वृक्ष विशेष. A kind of tree blue in colour. राय०

शीलकूट. पुं० (नीलकूट) नीलवन्त वर्षधर पर्वतनुं ऐक शिखर. नीलवन्त वर्षधर पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nilavanta Varsadhara. ठा० २, ३;

शीलगुलिया. स्त्री० (नीलगुटिका) ऐक जलतुं रत्न. एक रत्न विशेष; एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. " शीलगुलियागवक्ष्य-गासा " जीवा० ३, ४; राय० नाया० १;

शीलवंचुर्जाव. पुं० (नीलवंचुजीव) नीला रंगना पुष्प वालां ऐक जलतुं आ३. नीले रंग के फूल वाला एक वृक्ष विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers. राय०

शीलय. पुं० (नीलक) लीला रंग. हरा रंग. Green colour मग० १८, ६; २०, ५;

शीलसेस्स. त्रि० (नीलसेरय) नील लेश्यावाले. ७३. नील लेश्या वाला जीव. (A soul) having blue thought-tint (Lōsyā). ठा० १, १; मग० १८, ३; २५, १; —भवसिद्धिय. पुं० (—भवसिद्धिक) नील लेश्यावाला जन्म ७३. नील लेश्या वाले भव्यजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. मग० ३५, ७;

शीलसेस्सा. स्त्री० (नीलसेरवा) ६ लेश्या-मांनी भी ७ लेश्या. ६ लेश्याओं में की दूसरी लेश्या. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Lōsyās). पञ्च० १, १७; मग० १, २;

शीलवन्त. पुं० (नीलवन्त) जन्म पर्वतथी दक्षिण दिशाये ८३४ ज्येष्ठान अने ४ सातीया

भाग उपर सीता नदीने दम्बगावे आवेक्ष ऐ नामनेो ऐक द्रव के जेने मे पासे पीश कंयनक पर्वत छे. जमग पर्वत की दक्षिण दिशा में ८३४ योजन और चार सातीया भाग ऊपर और सीता नदी के मध्य में आने वाला एक जलाराय जिसके दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत हैं. Name of a great lake in the south of Jamaga mount in the middle of the course of the river Sitā on two of its sides it is bounded by twenty Kanēchanaka mountains. जं० प० (२) तेनावासी नागकुमार देव. a Nāgaku-māra kind of deities residing in the above lake. जं० प० (२) मन्दर पर्वतनुं भीजुं शिखर. मन्दर पर्वत का दूसरा शिखर. the second peak of Mandara mount. जं० प० (४) नीलवन्त पर्वत; महाविदेहनी उत्तर तरङ्गनी सीमा आधिनार पर्वत नीलवन्त पर्वत; महाविदेह की उत्तरी सीमा बनान वाला पर्वत. the mount Nilavanta forming the northern boundary of Mahāvideha. " कहिं भंते जंघुहीवे शीलवन्ते खासं बालहरपण्ड पण्डते " जं० प० ठा० २, ३; पञ्च० १६; जीवा० ३, ८; —कूट. पुं० (—कूट) नीलवन्त वर्षधर पर्वतनुं भीजुं शिखर. नीलवन्त वर्षधर पर्वत का दूसरा शिखर कूट the second peak of the Nilavanta Varsadhara mountain. " दो नीलवन्त कूटा " ठा० २, ३; जं० प० —ब्रह्मकुमार. पुं० (—ब्रह्मकुमार) नीलवन्त द्रवने अधिपति नागकुमार देव. नीलवन्त द्रव का अधिपति नागकुमार देव. a

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nilavanta. जीवा० ३, ४; —पठवय. पुं० (—पर्वत) नीलवंत पर्वत. नीलवंत पर्वत. the mount Nilavanta. नाया० १६;

शीला. स्त्री० (नीला) नील लेश्या. नील लेश्या. Blue thought-tint or matter-tint. सम० (२) जंबूद्वीपना मेरुनी उत्तरे रक्ता भदानदीने भवती अमे नामनी अेक भदानदी. जंबूद्वीप के मेरु की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक महानदी. name of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru mount of Jambūdvīpa. टा० १०;

शीलाभास. पुं० (नीलाभास) २६वां भद्रा भद्र. २६वां महाग्रह. The 26th of the great planets. 'दा शीलाभासा' टा० २, ३; न० प० सू० प०

शीलास्त्रोम. पुं० (नीलाशोक) नीला अंशु अशोक वृक्ष नीले रंग का अशोक वृक्ष. An Aśoka tree blue in colour. राय० (२) अमे नामनु सुदर्शन शैलनु उद्यान. इस नाम का सुदर्शन सेठ का उद्यान. name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नाया० ४; —उज्झाण. न० (—उद्यान) अमे नामनु अेक उद्यान. इस नाम का एक उद्यान —बगीचा. name of a park or garden. विवा० ४;

शीलासीय. न० (नीलाशोक) सागंधिका तमरीनी अहारनु अेक उद्यान. सागंधिका बगरी के बाहर का एक उद्यान. Name of a garden or park outside

the city of Saugandhikā. नाया० १; २;

शीली. स्त्री० (नीली) नीली-गद्दी. नील. Indigo. नाया० १६; जीवा० ३, ४; जं० प० ३, ४५; (२) शुद्ध वनस्पतिने अेक प्रकार. गुच्छेश्वर वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves. पञ्च० १;

शीलुप्पल. न० (नीलोत्पल) नीलोत्पल; अमल. नीलोत्पल; नील कमल. A blue lotus. नाया० १; ३; ५; ८; १४; भग० ६, ३३; —मसि. पुं० (—असि) नीलोत्पल अमल जेही तलवार. नील कमल जैसी तलवार. a sword like a blue lotus. नाया० ८; —वृक्ष. न० (—वन) नीलोत्पल अमलनु वन. नीलोत्पल कमल का वन. a forest of blue lotuses. तंदु०

शीलोभास. त्रि० (नीलावभास) मधुरना गत्रा जेनु प्रकार मान. मोर के कंठ के समान प्रकाशमान. Shining, bright like the neck of a peacock. ओव० राय० (२) २६वां ग्रहनु नाम. २६वें ग्रह का नाम. name of the 26th planet. सू० प० २०;

शीव. पुं० (नीप) कदम्बनु अा. कदम्बका वृक्ष. A Kadamba tree. ओव० नाया० ६; (२) न० तेना अल. उस (कदंब) के फल. a fruit of a Kadamba tree. नाया० १; भग० २२, ३;

शीवार. पुं० न० (नीवार) जेया वगरनी जमीनमां उगेल धान्य विशेष; सामे योया प्रभृति. बिना हल की हुई भूमिमे उत्पन्न धान्य विशेष; सांवा, चावल आदि. Rice etc. growing in uncultivated land. सुय० १, ३, २, १८; १, १५, १२;

शीसंक. त्रि० (निःशङ्क) शंका रहित. शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt.

भग० १, ३;

लीसद. त्रि० (निःसृष्ट) ड़े ड़ेल; भुडेल.
फेंका हुआ; त्यक्त; छोड़ा हुआ. Left;
abandoned; given up; freed;
given out. परह० १, १;

लीससिउच्छसियसम. न० (निःश्वासितो-
च्छ्वसितसम) उ या नीया स्वरवाधुं गान.
ऊंच नीचे स्वर वाला गान. A musical
tune with rising and falling
accents. ठा० ७;

लीससिय. न० (निःश्वासित) नीयेश्वास भुडवे.
निश्वासडालना. Act of breathing
out or exhaling; a sigh. नाया० ६;

लीसा. बी० (*) घटी. घटा; चक्का. A
mill to grind corn etc. “ दग-
बाराणुं गीहियं लीसाण पाठणवा ” दस०
५, १, ४५;

लीसास. पुं० न० (निःश्वास) नीये श्वास
भुडवे ते. श्वास छोडना. Act of ex-
haling or breathing out. ओव०
३६; नाया० १; ८; भग० १, १; १७, १२;

लीसासमाण. त्रि० (निःश्वास) श्वासभु. तो
सांस लेता हुआ; दम भरना हुआ. Breath-
ing out; exhaling. नाया० ६;

लीसेयस. न० (निःश्रेयस्) निश्चित इत्यालु;
भोक्ष. निश्चित कल्याण; मोक्ष Final,
certain bliss; salvation. जीवा० ३, ६;

लीहाडिया. बी० (निर्हातिका) पिरसधुं.
परोसा; कार्यवश आनेमें असमर्थ किसी
मित्र आदिके यहां भेजाहुई भोजन की थाली.
A dish of food etc. sent to a
relative or friend who has not

been able to partake of a gene-
ral feast. वेय० २, १७;

लीहिरण न० (निर्हरण) भरण संस्कार.
मृत्युसंस्कार; अन्योष्ठ किया. Funeral
rite or ceremony. विवा० ५, ८;
नाया० १४; भग० १५, १; (२) निकलनुं
ते. निकलना. getting out; starting
out. नाया० २;

लीहिरमाण. त्रि० (नाहरत्) निडा० उरता.
मुक्त होता हुआ; फारिग होता हुआ Ex-
pelling; getting rid of; answer-
ing calls of nature. वेय० ६, ३;

लीहरित्तए. हे० क० अ० (निर्हर्तुम्) निहार
करवाने. मुक्त होनेके लिए; बाहर निकालने के
लिए. In order to expel; in order
to clear or get rid of e. g.
excrements. वेय० ६, ३;

लीहार. पुं० (निर्हार) दिवाये-शायकियाये
जनुं. दिशा-शौच किशोके निवृत्त जाना. Act
of easing oneself; answering
calls of nature. सम० ३४;

लीहाण. न० (निर्हारण) डाटी भुडु.
निदान देना; धक्का देकर निकाल देना. Act
of driving away; pushing out.
ठा० २, ६;

लीहारि. त्रि० (निर्हारिन्) व्यापी जनार;
विस्तार पामनर. फैल जानेवाला; विस्तार
पानेवाला. Extending; pervading;
having the property of exten-
sion. सम० ३४; ओव० ३४; (२) धे. प-अव. ज.
वाधुं. घोष-शब्दवाला. full of sound;
possessed of sound. ठा० १०;

लीहारिम. न० (*) गेता शयनुं निड-

* लुथो ५४ नम्बर १५ नी पुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

रथ-अभिस्तरकर वगैरे भरथु स्तरकर धर्म
शके तेवा स्थाने संधारो करवो ते. ऐसे
स्थानपर संधारा करना कि जिससे मृत्युंजवा
शवकी अन्त्येष्टि क्रियादि आसानी से होसके.
Act of giving up food and
water in such a place so that
after death the corpse can be
removed for the purpose of
funeral rites such as crema-
tion etc. ठा० २, ४; भग० २, २५, ७; १;
१३, ७; (२) यथे दूर सुधी पद्येये तेनु.
बहुत दूरतक पहुचनेवाला. (one) reach-
ing a long distant ओव०

शीहृ. बी० (नीहृ) कन्दली ओड वान. एक
कन्द विशेष. A species of bulbous
roots. भग० ७, ३; २३, २; उत्त० ३६, ६८;

शु अ० (नु) प्रश्न. प्रश्न; अव्यय-प्रश्नचिन्ह.
An indeclinable marking
question. दस० ७, ५१; (२) चिन्त.
चिन्तक; आश्चर्य चिन्ह. an indeclinable
marking imagination or sup-
position विशेष ३०;

✓ शुक्र-कर. धा० II (न्यक्+कृ) विकारयु.
विकारना; बुगमना कहना. To reproach
to show contempt towards.
शुक्रोक्ति. राय० १८२;

शुक्रार. पुं (न्यकार) नुकार शब्द करवो ते.
वृणाव्ययक शब्द. A sound expres-
sive of contempt. राय०

शुणं अ० (नूनम्) नङ्गी; व्याकृष. ठीक-
ठाक; निश्चित; स्पष्ट. Indeed; assured-
ly नाया० १; ५; ६; १६; भग० १, १;
२, १; ५; १, १; १५, १; उत्त० २, ४;
ओव० ४७; पक्ष० ११; (२) तर्क, प्रश्न,
हेतु धर्मादि अर्थमां उपरातुं अव्यय. तर्क,
प्रश्न, हेतु आदि अर्थोपयोगी अव्यय. an

indeclinable used to mark sup-
position, question, reason etc.
भग० २, ५; ६;

शुम. न० (नूम) गाढ अंधार. प्रगाढ अंधार;
घनघोर अंधकार. Dense darkness.
भग० १, ८; (२) पर्वतनी युद्ध वगैरे;
युद्ध स्थल. a mountain-cave etc.
निर्ली० १२, १२; सूय० १, ३, ३, १; २,
२, ८; (३) ढांकुं. ढांकना. covering;
act of covering. पण० १, २; (४)
माया; धपट. माया; कपट; छल. deceit;
fraud. भग० १२, ५; सम० ५२; सूय०
१, १, ४, १२; (५) कर्म. कर्म. action;
Karma. आया० १, ८, ८, २४; —गिह-
न० (—गृह) गीय आदीमां आवेयुं धर.
कुत्र वाला घर. a house surrounded
by trees. आया० २, ३, ३, १२७;

श्ले अ० (श्ले) पाद पूरथु पाद पूरक श्ले.
An expletive; an indeclinable
used as an expletive. जीवा० ३;

श्ले. त्रि० (नः) अमे-अमारो-री इ. हम,
हमारा-री रे. We; our. भग० १, ६;
२, ५; १५, १; दस० १, ६;

श्ले आउअ-य. त्रि० (नैयायिक) न्याय युक्त;
युक्ति प्रयुक्ति सहित. न्याययुक्त; युक्ति प्रयुक्ति
सहित. Based on sound logical
reasoning. ओष० ३४; सूय० १, २,
१, २१; (२) जेमां निश्चय युक्ति मले
तेवो मार्ग. ऐसा मार्ग कि जिसके द्वारा
निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त हो सके. a path
surely and invariably leading
to salvation. उत्त० १०, ३१; (३)
न्यायशास्त्र ज्ञानुत्तर. न्यायाचार्य; न्यायविद्
(one) proficient. in logic
ओव० ३४;

श्ले अ० (नैयायिक) निपुण; यतुर.

निपुणः चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस० ६, २, १३;

खेडर. न० (नूपुर) पगनुं आभरण; अंजल. पैर का भूषण; तोडा. A leg-ornament; an anklet. नाया० १; ३; १६; जीवा० ३, १; (२) जे छद्रिय वालो छव विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष. a species of living beings with two senses. पञ्च० १; (३) चार छद्रिय वालो छव. चार इन्द्रिय वाला जीव. a living being with four senses. पञ्च० १;

खेमम. पुं० (नैगम-निगमां वयि जस्तेषां स्थानं नैगमम्) वाणिज्या-व्यापारीओनुं निवास-स्थान. व्यापारिओका निवासस्थान A quarter of a town etc. where traders or merchants reside. भग० १८. २; (२) शास्त्रना अर्थभां दुशत्र. शास्त्रों के अर्थमें कुशल. proficient in scriptural texts and their meaning. ठा० ३, ३; (३) सात नयमानो पढ़ेले नय. सात नय में से प्रथम न्याय-नय. the first of the seven logical standpoints of Jain philosophy. ठा० १; पञ्च० १६; —नय. पुं० (-नय) जैन दर्शन-अभिमत सात नयमानो प्रथम नय जैन दर्शन के सात नयों में से पहिला नय. the first of the seven logical standpoints in the Jain philosophy. विशेष० ३१; —पदमा-सखिय. त्रि० (-प्रथमासनिक) व्यापारी-ओभां प्रथम आसन धरावनार. व्यापारिओ में श्रेष्ठ-पढ़िले आसन का अधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants. भग० १८, २; खेच्छइय. पुं० (नैश्चयिक) निश्चय नय. निश्चय नामक नय. A standpoint by

which a thing is named after the substance of which it is evidently made. भग० १८, ६;

खेडदूर. पुं० (नेददूर) जे नामनुं जेक अनार्य देश. एक अनार्य देश. Name of a Anārya country. (२) तेना वासी भनुप्य. उस के निवासी लोग. a person residing in the above country. पगह० १, १;

खेतव्व. न० (नेतव्य) समथ लेवुं. समझ लेना; जानजाना. Grasping the meaning of; understanding; comprehending. सू० प० २०;

खेतव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) गल्लया ये. ज्ञ. जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be known. भग० १, १; २४, २;

खेतार. त्रि० (नेतृ) नायक. अधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a leader. जं० प०

खेत्त. न० (नेत्र) आंख. आंख; नयन; चक्षु. An eye. पञ्च० १८, २२; (२) नेत३. रस्सी. a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking. उवा० २, ६४; (३) नेतरली छडी; सेटी. बेल; बेल वृक्ष का छडी. a cane; a birch rod. सूय० २, २, १८; —सूल. न० (-शूल) नेत्र शूल; आं पतो कटापो. नेत्र पीडा; आंख का दर्द. pain in the eye; sore i- eye. नाया० १३;

खेम. पुं० खी० (नेम) जमीनथो उथो नीक-लतो प्रदेश; बितनी किनारी. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग; दिवाल का किनारा. Region or portion protruding from ground level. जं० प० राय- १०४;

शेमि. पुं० (शेमि) पैडानो घेरावो; पैडानी धार.
पहियेका घेराव; चक्रकी परिधि. Circum-
ference of a wheel. श्रव० ३१;
जं० प० ३, ४७; ठा० ३, ३; सूय० १, ४,
१, ६; —**पडिरूवग. न०** (—प्रतिरूपक)
चक्रधारा समान; घृतसंस्थान. चक्रधारा
समान; गेलाकार. (any thing) cir-
cular in shape like a wheel.
भाग० १४, ६;

शेमिस्तिय. न० (निर्मित) निमित्तशास्त्रः
२६ पाप शास्त्रभांनुं ओड. निमित्तशास्त्रः
२६ पापशास्त्रों में से एक. The science
of omens; one of the 29 Pāpa
Śāstras (secular sciences) ठा० ६;

शेम्मा. स्त्री० (*) जमीनथी नीकसते
प्रदेश. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग-प्रदेश.
Region higher in level than
the ground. राय० ४४;

शेय. त्रि० (ज्ञेय) ज्ञातव्य. शेय;
जानने योग्य. Worthy to be
known. राय० २१२; पल० २१; नाया०
११; १८;

शेयतिय. त्रि० (नैयतिक) नित्य. नित्य;
शाश्वत. Constant; permanent;
eternal. भग० १, २;

शेयव. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातव्य. शेय.
जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be
known; worth being known.
ठा० २, ३; भग० २, २; ४, ४; १२, १०;
२४, ४; २८, ११; नाया० १६; निरी० ८,
४, ११, १६; १८, २; दसा० १०, १; जं०
प० ७, १३४; ६, १२४;

शेयव. त्रि० (नेतव्य) कहेवा वर्यवया

योग्य. कहने या वर्णन करने योग्य.
Worthy to be told or describ-
ed; worthy to be conveyed or
communicated. श्रव० २०; जं० प०
४, ११६;

शेयाडय. त्रि० (नैयायिक—न्यायेन चरति
नैयायिकः) न्याय युक्त. न्याययुक्त; कायदे
में चलने वाला. Logically sound;
just; in accordance with just-
ice. उक्त० ३, ६; दसा० १०, ३; ६, १८;
(२) न्यायदर्शन गैतमशास्त्रने ज्ञातव्यतार.
न्याय दर्शन गौतम शास्त्र का जानने वाला.
(one) proficient in the sys-
tem of logic propounded by
Gautama. सूय० टा० १, १, १, ६;
(३) भिक्षुमार्ग पर चलाने वाला न्याययुक्त
शास्त्र. मोक्षमार्ग का बतलाने वाला न्यायशास्त्र.
a scripture based on logic
and guiding one on the path
to salvation. नाया० १;

शेयाह. त्रि० (नेतृ) नेता; नायक. नेता;
नायक; अध्यक्ष. (One) who leads;
a leader. सूय० १, १, २, १८; १, ६, १७;

शेरहय. पुं० (नैरथिक) नरकभा रहितार
थय; नारडी. नरकवास जीव; नारकी. A
hell-being; a soul born in hell.
ठा० १, १; २, ४; ३, १; उक्त० १०, १४;
श्रव० २०; ३४; अणुजो० १४०; भग०
२, १; ६, ४; ८, ८; १६, १; १६, ४; २०,
१०; २४, १; ३२, १; नाया० २; दसा०
६, १; ४; पल० १; जीवा० १; (२)
नरक गति; नरकनी भव-अवतार.
नरकगति; नरक का भव-जन्म-अवतार.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foo-note (*) p. 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell. ओव० ३८; —आउअ-य. न० (-आयुष्) नारकीनु आयुष्य. नारकीका आयुष्य. life-period of a denizen of hell.

भग० ८, ४; ३०, १; ठा० ४, २; —आवास. पुं० (-आवास) नरकावास. नरकावास; नरक में निवास स्थान. abode in hell. भग० १२, ५; १८, ५; ठा० २, ४;

—ठिति. स्त्री० (-स्थिति) नारकीनी स्थिति. नारकी की स्थिति-दशा. condition of a hellish being. भग० २४, १; —दुग्गइ. स्त्री० (-दुर्गति) नरकरूप दुर्गति. नरकरूप दुर्गति. bad plight in the form of birth in hell. ठा० ४, १; —पवेशण

न० (-प्रवेशन) नरकभा प्रवेश. नरक में प्रवेश. entrance into hell. भग० ६, ३२; —भव. पुं० (-भव) नारकीनी

भा. नारकी का जन्म. birth of a denizen of hell. ठा० ४, २; —संसार. पुं० (-संसार) नरक गतिरूप संसार. नरक गतिरूप संसार. worldly existence akin to an

abode in hell. ठा० ४, २; भग० २५, ७; —शेरहयत्त. न० (नैरयिकत्व) नारकीपात्रु. नारकी पत्र. State of being a denizen of hell. भग० १२, ४;

शेरहयत्ता. स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपात्रु. नारकी पत्र. State of being a denizen of hell. नाय० २, १६; १६; भग० १२, ७; १५, १; १७, १; ठा० ४, ६; दसा० १०, ३;

शेरई. स्त्री० (नैर्ऋती) नैर्ऋति-राक्षस जेने देवता छे अयुं नक्षत्र; भू नक्षत्र. नैर्ऋति-राक्षस के अधिपत्य वाला मूल-नक्षत्र. A

constellation named Mūla having for its presiding deity a demon. भग० ७, १;

शेल. न० (नैल) गझीनी विकार. नील का विकार. A product of indigo. भग० १, १;

शेलवंत. पुं० (नीलवन्) महाविदेहनी उत्तर सरहद उपरने पर्वत. महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary of Mahāvideha. (२) नीलवंत पर्वत

उपर रहने वाला उगका अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the Nilavanta mount, residing upon that mount. जं० १०.

शेवथ. न० (नेपथ्य) वेप; पोशाक. वेप; पोशाक. Dress; e. g. in a drama. ओव० २४; पञ्च० २; पगह० १, ४. ठा० ४, २; नाय० १; १६; (२) पडने परदा.

a curtain; e. g. in a drama. नाय० १, (३) अलंकार; आभूषण. अलंकार; आभूषण, जेवर; गहने. an ornament; a decoration पंचा० ८, २५; जं० १०, ७, १५०;

शेववाम. न० (निर्वा) मुक्ति; मोक्ष. मुक्ति, मोक्ष. Salvation; final bliss. " एतद्द फलं शेव परमं शेववामो गियमेण "

पंचा० ८, ३६; शेसज्जि. पुं० (नैषधिन्) निषिद्धा पत्राई आसने शेरनार. आलखी पालखी मारकर आमन में बैठने वाला. (One) who sits with his legs crossed. पंचा० १८, १६; प्रव० ५६१;

शेसज्जिया. स्त्री० (नैषधिकी) निषिद्धा पत्राई आसने शेरनार (स्त्री). पलांटी नारक

बैठने वाली(जी). (A woman) sitting with her legs crossed. डा० ५, १; वेय० ६, २६;

शोसथिया. स्त्री० (नैसृष्टिकी) पत्थर वगैरे डेंडवापी डालती किया. पत्थर आदि फेंकने से होने वाला कर्म बंध. Karma incurred by throwing a stone etc. डा० २, १;

शोसत्प. पुं० (नैसर्ग) नव निधानभूति ओक; जेभां ग्राम नगर आदिगुं वर्णन के ते नव निधान में का एक निधान; जिन में ग्राम नगर आदि का वर्णन है One of the nine Nidhānas. जं० प० डा० ९;

शोनाय. पुं० (निपाद) निपाद नामतो स्वर; सप्त गणभूति ओक. निपाद नामका संगीत का एक स्वर; सप्त प्रकार के स्वर में से एक. One of the seven musical notes so named डा० ७, १;

शोह. पुं० (स्नेह) स्नेह; अनुराग. प्रीति स्नेह. अनुराग; प्रीति; प्रेम. Affection; love; attachment. नाया० १; आउ० (२) चिदाश चिकनापन. stickiness. नाया० १६; —अवगाह. त्रि० (—अवगाह) स्नेहशी व्याप्त. स्नेह से परिपूर्ण. full of, absorbed in the emotion of love. नाया० १६; —उत्तुगियनत्त. त्रि० (—उत्तुगियनत्त) स्नेह वासुं शरीर. स्नेहपूर्ण शरीर; स्नेहमय गात्र. a body full of the feeling of love. विवा० २; —कखय. पुं० (—कखय) चिदाशने नाश चिकनाई का क्षय-नाश. destruction of stickiness or viscosity. नाया० १६; —भाण. न० (—ध्यान) पुत्र आदिना स्नेह ध्यान; दुष्प्रतिभा ओक प्रकार. पुत्र आदि के स्नेह का ध्यान; दुष्प्रति विशेष. a sort of undesirable contem-

plation, viz. that upon filial affection, conjugal bliss etc. आउ०

शो. त्रि० (नः) अभाइ. हमारा. Our; ours. भय० ६, ३३;

शो. अ० (नो) नहि; निषेध. नहीं; निषेध. No; not. भय० १, १; ३; ६; २, १; ६; ५, २; ६, ४; १६, ३; २०, १०; २२, २; २५, २; ६; नाया० १; ५; ७; ८; १४, १५; १६; आया० १, १, १, १; १; १, १, २; अणुजो० २; आंव ३८;

शोअक्षरसंबद्ध. त्रि० (नोअक्षरसंबद्ध—अक्षरसंबद्धादितरो नोअक्षरसंबद्धः) अक्षर संबंधी भिन्न. अक्षर सम्बन्ध से भिन्न. Bearing a relation different from that due to or caused by letters. डा० २, ३;

शोअमण. न० (नासनस्) मन मात्र. केवल एक मन; मन मात्र. Mind alone; nothing except mind. डा० ३, ३;

शोअवयण. न० (नोवचन) वचन मात्र. केवल वचन ही; एक वचन मात्र. Speech alone; nothing except speech. डा० ३, ३;

शोआउज्ज. पुं० (नोआतोय) ताउन शब्द वगैरे के शब्द थाय ते; यांस वगैरे चीरतां के शब्द थाय ते ताउन बिना उज्ज होने वाला शब्द; बांस आदि का चीरते समय उज्ज होनि वाला शब्द. Sound produced by anything else than beating or striking; e. g. that produced by tearing or rending. डा० २, ३; —सह. पुं० (—शब्द) जुआ छिपीला शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. " शो आउज्जसहे दुविहे पणयते " डा० २, ३;

श्रीआगास. पुं० (नोआकाश) आकाश
भिनः आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.
आकाश भिनः आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.
Dharmāstikāya etc. as differen-

tiated from Ākāśa etc ठा० २, १;
श्रीइन्द्रिय. न० (नोइन्द्रिय) इन्द्रिय भिन
अने इन्द्रियसदृश; मन. इन्द्रिय भिन एवं
इन्द्रिय सदृश; मन. Mind. ठा० ६; भग०
१८, १०; —जवणिज्ज. पुं० (—वापनीय)
मन वश करुं ते. मन का संयम-निरोध.
control of mind. भग० १८, १०;
नाया० २; —त्य. पुं० (—अर्थ) मनने
विषय. मन का विषय. an object of,
perception for the mind. ठा० ६;

श्रीउत्सासग. पुं० (नोउत्सासक) उत्सास
पर्याप्ति ज्येष्ठे नथी पूर्युं करी ते. जसने
उत्सास पर्याप्ति पूर्ण न की हो. (One)
that has not fully developed
the power of respiration.
“अरुहया दुविहा परणता तंजहा उत्सासग-
चेव श्रीउत्सासगाचेव ” ठा० २, २;

श्रीकसाय. पुं० (नोकसाय) हास्य, रति,
अरति, भय, शोक, जुगुप्सा, अविद,
पुरुषवेद, नपुंसकवेद; अने नव मोहनीय कर्मनी
प्रकृति; कषाय भिन-कषायसदृश उपर्युक्त
६ प्रकृतिनो समुदाय. हास्य, रति, अरति, भय,
शोक, जुगुप्सा, अविद, पुरुषवेद, नपुंसकवेद
ये मोहनीय कर्म की नौ प्रकृति; कषाय भिन
—कषाय सदृश उपर्युक्त नौ प्रकृति का समु-
दाय. The aggregate of the nine
varieties of Mohaniya Karma
not classed under Kasāya
though akin to it; viz. laugh-
ter, pleasure, disgust, fear,
grief, dismay, male sex-feeling,
female sex-feeling, and neuter

sex feeling. पञ० १३; —वेयणिज्ज.
न० (—वेदनीय) मोहनीय कर्मनी हास्यादि
नव प्रकृति. मोहनीय कर्म की हास्यादि नौ
प्रकृति. the nine varieties of Mo-
haniya Karma e. g. laughter
etc. “ नवविहे नोकसाय वेयणिज्जे कस्मे
परणते ” ठा० ६;

श्रीकेवलज्ञान. न० (नोकेवलज्ञान) केवल
ज्ञान भिन-केवलज्ञान सदृश; अवधि अने
मनपर्यवसान. केवलज्ञान भिन-केवलज्ञान
सदृश; अवधि और मनपर्यवज्ञान. Avadhi
Jñāna and Manaparyaya
Jñāna as differentiated from
Kevala Jñāna. “ श्री केवलज्ञाने
दुविहे परणते तं जहा मोहिणायो चव मण-
ज्जव णायो ” ठा० २, १;

श्रीणाणाचार. पुं० (नोज्ञानाचार) ज्ञानाचार
भिन; दर्शनाचार वगेरे. ज्ञानाचार भिन;
दर्शनाचार आदि. Right faith etc.
as differentiated from right
knowledge. “ श्रीणाणाचारे दुविहे
परणते दं णायारे चव श्री दंपणाचारे चव ”
ठा० २, ३;

श्रीतस्सलोथावर. पुं० (नोअसन्नोस्थावर)
असन्नो अने स्थावर नहीं ते; सिद्ध भग-
वान्. जो त्रय और स्थावर दोनों नहीं है
वह; सिद्ध भगवान्. A being neither
mobile or immobile; a liberated
soul. जीवा० १०;

श्रीदंसणाचार. पुं० (नोदर्शनाचार) दर्शना-
चार भिन; ज्ञानाचार वगेरे. दर्शनाचार
भिन; ज्ञानाचार आदि. Right know-
ledge etc. as differentiated
from right faith “ दुविहे श्रीदंस-
णारे परणते ” ठा० २, ३;

श्रीदिय. त्रि० (नोदित) प्रेरणु करेद; अने

सन्भुभ करेव. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित; प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward. नाया० ६;

शोपरमाणुयोगल. पुं० (नोपरमाणुपुद्गल) अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. An aggregation of atoms in any number beyond a single indivisible atom. डा० २, ३;

शोबद्धपास पुद्ग. पुं० (नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट) अक्ष नदी किंतु ओष्ठ पर्यन्त २५८-२५९. रुका हुआ नहीं वरन् एक ओरसे स्पृष्ट तथा निकलता हुआ शब्द. A sound not altogether restrained but emerging from one side only. डा० २, ३;

शोभासासह पुं० (नोभासाशब्द) अव्यक्त शब्द; आवा पर्याप्ति वशसे शब्द. अव्यक्त शब्द; निरर्थक शब्द. An indistinct or inarticulate sound. “ शोभासासह दुविहे पण्यते ” डा० २, ३;

शोभिउरधम्म. पुं० (नोभिदुर्धम्म-स्वत एव नो भिद्यते इति नोभिदुर्धम्मः) सुदृढधर्म. धर्मप्राण; धर्म में दृढ. One steadfast in religion. डा० २, ३;

शोभूसणसह. पुं० (नोभूषणशब्द) भूषण शब्द; विल भूषण शब्द; सदृश शब्द. भूषण शब्द; भिन्न भूषण शब्द; सदृश शब्द. A sound rising from anything but an ornament. “ शोभूसणसह दुविहे पण्यते ” डा० २, ३;

शोमल्लिया. स्त्री० (नवमल्लिका) जुओ “शोमालिया” शब्द. देखो “शोमालिया” शब्द Vide. “शोमालिया” जीवा० ३;

शोमालिया. स्त्री० (नवमल्लिका) नवमालती नामक एक

वृक्ष. A plant of the jasmine species. पक्ष० १; राय० ५६; जीवा० ३, ४; जं० प० ४, ६२;

शोमल्लिय. त्रि० (नोदित) प्रेरणा करेव. प्रेरित प्रचोदित. Inspired; impelled. पगह० १, ३;

शोसंजयासंजय. पुं० (नोसंयतसंयत) संयत नदि अने असंयत पक्ष नदि; सिद्ध भगवान्. संयत व असंयत दोनोंमें परे; सिद्ध भगवान्. One who is neither self-controlled nor otherwise; a perfected soul of a Siddha. डा० ४, ६;

शोसरणोवउत्त. त्रि० (नोसंज्ञापयुक्त) आहारदि संज्ञा-उपयोगही रहित. आहारआदि. संज्ञा के उपयोगमें रहित. Devoid of any instinct for taking food etc; a being whose consciousness of hunger etc. has not developed. भग० २६, १;

गहवण. न० (स्नपन) स्नान. स्नान; मज्जन. Bath; act of bathing. पगह० १, २; सु० च० ४, १५०;

गहविअ-य. त्रि० (स्नापित) स्नान करेव; नादेव. स्नान किया हुआ; नहाया हुआ. Bathed; (one) who has bathed. उत० २२, ६; सु० च० २, १२;

गहविऊण. सं० क० अ० (स्नापयित्वा) स्नान करावने. स्नान कराकर. Having caused to be bathed. सु० च० २, ६०२;

गहविज्जत. त्रि० (स्नप्यमान) स्नान कराते. स्नान कराता हुआ. Bathing; (one) causing other to be bathed. सु० च० २, ४१;

एहाअ-य. त्रि० (स्नात) नादेव; स्नान करेव. नहाया हुआ; स्नान किया हुआ.

Bathed; (one) who has bathed.

नाया० १; २; ५; ६; १२; १३; १४; १६;
भग० २, ४; ६, ३३; १८, ७; दसा० १०,
१; ओव० ११; उत्त० १२, ४६;

सहाय न० (स्नाय) स्नान; नहायुं ते स्नान;
नहाना. Bath; bathing. सु० च० १,
३१२; भग० ११, ११; १०; विशेष० १०२६;
दशा० ६, ४; निती० १, ६; —उद्य. न०
(—उद्य) नहायानुं पाणी. स्नान करनेका
पानी. water for bathing. नाया० १३;
—पीठ. न० (—पीठ) स्नान पीठ;
नहायानो आग्रेड. स्नान पीठ; नहानेका
बाजोट, पाट आदि. a seat for taking
bath. नाया० १; जं० प० ३, ४३;
—मंडप. पुं० (—मंडप) स्नान करनेवाला
भांडवा. स्नान मंडप. a bower used as
a bath room. जं० प० ३, ४३;
—महिला. त्रि० (—महिला) स्नानभांडवा
येजी ओड जलानुं सुगंधी वृक्ष; मोटी
भांडवा. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृक्ष
विशेष; मोटी मालती jasmine; a
plant bearing fragrant flowers.

जीवा० ३; ० प० राय० ५६;

सहाय. न० (स्नायु) स्नायु; नस. स्नायु;
नस; नाडी. A muscle; a nerve; a
sinew. भग० १, ५; ५, ६; १, ६;
जीवा० १; —जाल. पुं० (—जाल)
स्नायुनी जाल-समूह. तंतुजाल; स्नायु
समूह. a net-work of muscles
or sinews. भग० ६, ३३;

सहायिणी. स्त्री० (स्नायु) स्नायु-भांडवा तंतु.
स्नायु-भांडवा तंतु. A tendon; a muscle;
a sinew. भग० १, १, ६, ५३; सूय०
२, २, ६; जं० प०

सहायिका. स्त्री० (स्नायिका) स्नान करनेवाली
दासी. स्नायिका; स्नानकराने वाली
दासी. A maid-servant whose
duty is to bathe her master or
mistress. भग० ११, ११;

सहायिका. स्त्री० (स्नुषा) पुत्रकी पत्नी; छोटीपुत्री
स्त्री. पुत्र पत्नी; बहु. A son's wife;
a daughter-in-law. सूय० १, ६,
५; उत्त० ६, ३; आया० १, २, १, ६३;

इति श्रीश्रीमद्वाल्मीकिप्रसादयतिश्रुतकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुणाधरचन्द्र-

जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधामि-पवित्र

प्रवरसुमिराम श्री १०८ श्री राजाधरचन्द्रजित्स्वामी

विरचिते बृहद्बर्चमानधीकोषे सप्रमाणम्

याकारादिशब्दसङ्ग्रहम्

समाप्तम् ।

इति

द्वितीयो भागः

